Santakuti Vedic Series-12

हात्मकटी-वैविक-प्रान्यमाला- १२

वैदिक-पदानुक्रम-कोषः (A VEDIC WORD-CONCORDANCE)

वेदाङ्ग-भागः (VEDĀNGA EBULION)

रदः खादः (PART M)

ऋ-न

होशिआरपुरे (भारते) HOSHIARPUR (India)

विश्वेश्वरानन्द्-वैदिक-शोध-संस्थानम् VISUVESHVARANAND VEDIC RESEARCH INSTITUTE

CC-0. Public Domain, Vipin Kumar Collection, Deoband

Digitized by Madhuban Trust



VVRI

S. V. SERIES VOLUME 12

VAIDIKA-PADA-NUKRAMA-KOSA

(VEDĀNGA) Sec. IV, Pt. II

泥-न

VISHVA BANDHU



Public Domain. Vipin Kumar Collection, De

Digitized by Madhuban Trust CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

Digitized by Madhuban Trust CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband Digitized by Madhuban Trust

Digitized by Madhuban Trust विष्वेष्वरानन्द-वैदिकशोध-संस्थान-प्रकाशनम्—६७७

शान्तकुटी-वैदिक-ग्रन्थमाला-१२

संस्थापक-संपादक:

विश्वबन्धुः

प्रधान-संपादकः

शि० भास्करन् नायरः

होशिआरपुरे विश्वेश्वरानन्द-वैदिक-शोध-संस्थानेन प्रकाशितः २०४६ वि०

Vishveshvaranand Vedic Research Institute Publication-677

ŚĀNTAKUTĪ VEDIC SERIES—12

Founder Editor
VISHVA BANDHU

General Editor
S. BHASKARAN NAIR

HOSHIARPUR

Published by the V. V. R. Institute

CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

Digitized by Madhuban Trust

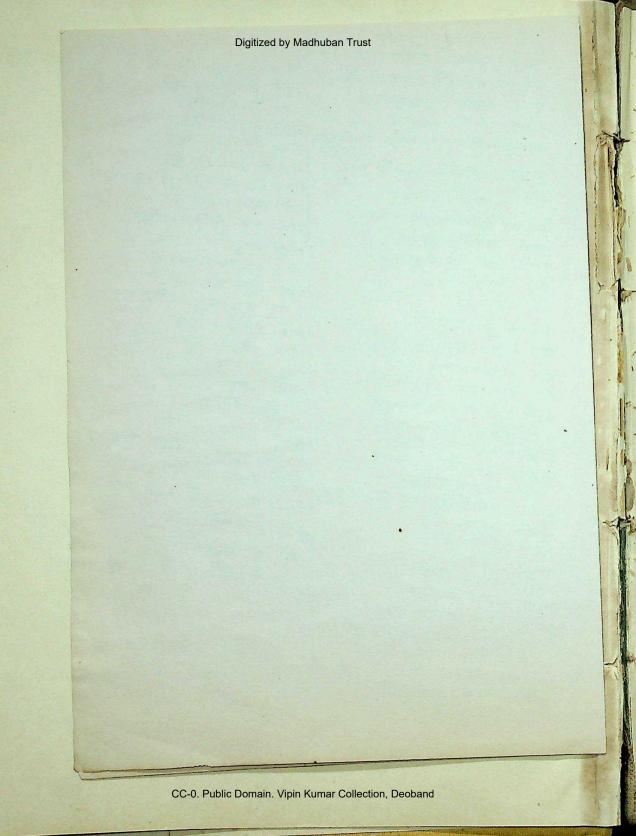
27 27 27 add a sim en el agri Mar upan Trust. का द्वा था. करवन क्षीत संकलन क्त बार्व पारे शिष्ट यविद्याल प्रमापराय का भी य भी शीरादि प्रस्ति 314 मेंहि कोहाले शिका आबार्व प्रातिशारिक 314 भूस भीशिक स्त्र mend ymien of 加打 श्रम् अद्र सूत अवारिमानिय केलप 3141~ जो जीतामिक Birenchima szartz मेर जीलिंट रेस सूत 21211 आ रिन मेर्ट रिस मूज 3Herr straw earl 21x 27151 जी वि जीतम पिरमेटम सूत्र आबर्ग ज्यातिक आहित य गर्जे गर्ग हर्दे आपरतीक रहित देश न्या अ न्यारा चणीन मन्त्राचि 311571 आप टा आपस्तिश्व कार्मसूत्र सूर्य सुरिक्षण र्यास्ट्रिय आप में आपरेगरें मन्यपाठ 出新 等所品 新江 英子 मैं की मिनील क्रीत मूर्र कारिक आप है। आपस्तर्व है एवंस्ट्रें अर्थेपः अस्तिल ब्रांटसूत्र परिसिट्ट आवर्षा आपर्यंत्र मालसूत्र मेपा मेमिरीन प्रातिशालक न्त्रापिशालि शिक्षा देवि दन्तीरहिन 31121 आस्वलालन मुन्द सूत्र दे। री देशिया रिलिय 河野 द्रायी द्राखायण सीर दर उतिस उपविदान पून नाशि नार्शिय शिसा उसू उपलेख सूरा ऋ स ऋग्वेराउक्रमणी PATEN TAMUE ऋम मन्द्र निसू निरानसून पा. पाणिनीन सूत्रपार अस्या अर्गेद्र अतिस्थालक पाउ.,पाउन पाणिनीय उणारे कत्र कर्पप्रीय पा उद्दे पाणिनी क उपारिस्य क्या हि सारम हिस्सी का गुउ काठक यहा हरेग पाउना पाणियान उणाहिसूत्र नाराभणवृत्ति मार भी मारम भी र पूर पाउन्में पाणिनील उपारिस्ता का था काश्यप टार्मिस्त मार्ड माट्यायन इन्टर्स र्रे पाउरते पाणिमान उपादिस्त्र मा भी माट्यायन भीत सूत्र रवेतवनवासि वृद्धि गाका - पाणियो के कारिका वृद्धि

Digitized by Madhuban Trust

CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

पारा पाणितीय राणपाठ unorand store or Digitized by Machybantrugt ager it age पारम्बा पालिको ज्ञानावा वार्तिक पार्ग पारस्कर रुस्सूर पाला पाणिकिक सामपाठ -पापवर पाणि नीत्र महाआहेक प्रधारिक पा पुरा पाणिनील महाआहे प्रत्याहार पास पाणिकीय नार्रेक पालाका पाणिजील्यारिक रामणाह वाशि पाणिनेत्र शिका पासि पाणिकी हिंदू। नर भी गुरी ति विद्वाल द्वा सि दिन्ट-सूत्र . वृदे मृहदेवता उम्मणी वेश केरवाप गृह्मसूत्र मेर् बोलालन रहिस्र attention entity भेरि में का निर्माण दूर वीश वर्षानान मुल्य सूरा में में लाजन में सूत्र अंडोड के कार्या केराउवर असाउर अमरहास उर्देशस्य आउर पाणिनाल स्तुज्ञपाठ - मरपरिशिहर अगाड़ी आरड़ार हिस्स आस आक्रिक सूर्ग मार्ग मानन रेट है सूरो सारि प्राण्ड्री शिका मार्थे पानव मीतम्ब मीस प्रीमासा दूर मे अ भेगालगीला यून्ये नुक्रमिंग MICHIM PARA माशि लाउर तेलका शिका लाकी लाहमायन क्रीटस्टा साज गराह उत्सस्य

गाला नामिट्ड व्यर्भसूत्र ताओं वाराह और सूत्र विध्य विष्णु धार्मसून वेडमो वेराङ् ज्योतिष न् र्य न्यायस रहस्य नेता में नेतान मेंत सूर मैक मेखानक कार्र सूत्र + प्रतरकार मुझे मुख्यम भीर स्ट्रा रोध शहु + लिखित धारिपूत क्रों भी कार्डीयन मीत सूत्र मां र भाड़ात्म रहा सूत्र शुक्त युम्ल प्रतुः सर्वासुक्त प्राणका शुप्रा शुम्ल लडु: प्रातिसारूप भूमि भूषिश्चे शिक्षा शीन्य शीमक न्यत्रावभाषा सर् अमराङ्गा सूत्रकार मा अ मामचरानु के मणिका of youtering मुध्य सुमन्द्र ध्यमस्त्र मुकाय सुमन्दु धार्मसूत्र परिहाठ्य हिर हिरणमें ही हैं देखें टिया हिर्णमने थि। व्यक्ति हिप हिर्णा के कि ए पिक स्तूर Est Example Blocations हिं ही हिरामिश क्रीत्पर्य



वैदिक-पदानुक्रम-कोषः

स च

संदितात्राह्मणोपनिषत्स्त्रवर्गीयोपचतुः श्रत[४००]वैदिकग्रन्थस्थ-सकलपदजात-संग्रहस्वरूपः प्रतिपदप्रतियुक्त-श्रुतिस्थलसर्वस्व-निर्देशेः समवेतश्च यथासंगत-तत्तन्नवपुराणवेदाङ्गीय-विचारसमन्वितटिप्पणैः सनाथितश्च

> संभूय षोडशखण्डात्मकैः पञ्चभिर्विभागेर्व्यूढश्र सन्

> > विश्ववन्धुना

भीमदेव-रामानन्द-श्रमरनाथ-पीताम्बरद्त्त-शास्त्रिणां

संपादित:

अयं च तत्र

वैदाङ्गिकस्य

चतु:खण्डात्मकस्य ४र्थस्य विभागस्य

२यः खण्डः

(ऋ-न)

(पृष्ठानि I-VIII, ७६१-१४५६) द्वितीय: प्रकाशः

होशिआरपुरे

विश्वेश्वरानन्द-वैदिकशोध-संस्थानेन प्रकाशितः

श्रधिकार-सर्वस्वं सुरक्षितम्

प्रकाशकृत्

विश्वेश्वरानन्द-वैदिकशोध-संस्थानम् साधुआश्रमः (प. गृ.), होशिआरपुरम् (पं., भारतम्)

प्रथमं सस्करणम्, होशिआरपुरम्, २०१५ वि॰ द्वितीयं संस्करणम्, होशिआरपुरम्, २०४६ वि॰



भारते जालन्वर-नगरे "बाईट प्रिटसं" - नामक-मुद्रागहे मुद्रियत्वा शिवशंकर-भास्करन्-नायरेण वि.वं. शोध-संस्थान-कृते प्रकाशितः।

Santakuti Vedic Series-12

V. V. R. I. Publication-677

A VEDIC WORD-CONCORDANCE

Being a universal vocabulary register of about 400 Vedic works, with complete textual reference and critical commentary bearing on phonology, accent, etymo-morphology, grammar, metre, text-criticism and ur-Aryan philology

In five Volumes, sub-divided into sixteen Parts

By

VISHVA BANDHU

With the immediate assistance of

BHIM DEV, RAMANAND, AMAR NATH & PITAMBAR DATT

Vol. IV in Four Parts

Vedānga-sutras

PART II

(ऋ-न)

(Pages I-VIII and 761-1456)

SECOND EDITION

HOSHIARPUR

VISHVESHVARANAND VEDIC RESEARCH INSTITUTE

1993

CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

All Rights Reserved

Publishers:

VISHVESHVARANAND VEDIC RESEARCH INSTITUTE Sadhu Ashram (P. O.), Hoshiarpur (India)

First Edition, Hoshiarpur, 1958 Second Edition, Hoshiarpur, 1993

Printed at Bright Printers, Laxmi Pura, Near Puri Market, Jalandhar City and published by S. BHASKARAN NAIR for the V. V. R. Institute, Hoshiarpur (Pb., India)



Prepared and published first under the patronage of the Governments of the Indian Union and the States of Punjab, Himachal, Uttar Pradesh, Bihar, Madhya Pradesh, Jammu-Kashmir, Bombay and Madras, the former Princely States of Hyderabad, Mysore, Travancore, Baroda, Indore, Kolhapur, Sangli, Patiala, Nabha, Jodhpur, Bikaner, Alwar, Udaipur, Shahpura, Sirmur and Keonthal, the former Princely Estates of Awagarh and Vijayanagaram, the Universities of Panjab and Calcutta, and the Trusts and Charities of Swami Vishveshvaranand, Shri Vishva Bandhu, Shri Moolchand Kharaitiram. D. B. Krishna Kishore, Shri Dhani Ram Bhalla, Shri Jai Dayal Dalmia and other donors.

CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

भावना

ओं घीधामप्रचेतिन्ये शब्दब्रह्मस्वयम्भुवे। भगवत्ये सरस्वत्ये भूयो भूयो नमो नमः॥१॥ 'अम्बितमे नुदीतमे देवितमे सुरस्वति। अप्रशस्ता इव स्मास प्रशस्तिमम्ब नस्कृधि॥२॥

युस्ते स्तुनः शशयो यो मयोभूर् येन विश्वा पुष्यसि वार्याणि। यो रत्नधा वसुविद् यः सुद्त्रः सरस्वति तुमिह धातवे कः॥३॥'

तव प्रवाहं प्रततं प्रवेगं शक्तोऽवगादुं भवति स्वतः कः। प्रसादये तत् करुणावति त्वां निष्णापयेमां निजहस्तधारम्॥४॥

तव प्रसादः खलु देवमातः सौजन्यसौशील्यसुधासुधावैः। पापप्रमुक्तानथ पुण्ययुक्ताञ् शुद्धान् पवित्रान् निपुणांस्तनोति ॥ ५॥

त्वदेकिनष्ठस्य नु यत्न एष त्वद्भिक्तरक्तेर्मम विश्वबन्धोः । संसारसर्वस्वविधानसारे स्यात् प्रीतये ते निगमाऽऽगमेशे ॥ ६॥

विषव बन्ध

DEDICATED

TO

SARASVATĪ

The divine spirit of ever-progressive march of ever-unfathomable and ever-unfordable eternal stream of knowledge

AND

Her sincere devotees of all times and all climes

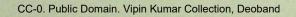
Vishva Bandher



वैदिक-पदानुकम-कोषे वैदाङ्गिक चतुर्थे विभागे द्वितीयः खण्डः

Digitized by Madhuban Trust





羽

-ऋ^a ग्रुप्रा ८,३; ऋत १,४; पाग १,४, ५७; उः पा १,१,५१; पावा १, १,३;५१^३; ऋस् ऋत ३,५,२.

ऋ-ऋ-ऋ३ याशि २,९४.

ऋ-ॡ-वर्ण- -र्णाभ्याम् शुप्रा ४, १७; -र्णे शुप्रा ४, १४८; -र्णो माशि ९,८.

ऋ-≍क- -की शुप्रा १,६५.

ऋ-कार- -रः अप ४७, ३, ३; शुप्रा ४, ६०; तैपा ५, ९; शैशि ८४; कौशि ७८; भाशि २५; नाशि २, ६, ४; ७; -रम् ऋपा १४, ४५; माशि १०,३; नाशि २,६, ३; -राः नाशि २,६,५; -रात् ऋप्रा ७,१; शौच ३, ८५; -रे ऋप्रा २, ३२; ६४; १३, ३४; शुप्राः ३, ९४; ४, ५०; १६६; माशि १२, ६; याशि २, १९; -रेण शैशि ११९. ऋकार-ऌकार- -रयो: पावा १, 9, 9. ऋकार-गुण-बलीयस्व--स्वात् पावा ६,४,६२. ऋकार-ग्रहण- -णम् पावा ८,४, १: पात्रवा ४,११. ऋकार-द्वय-संयुत- -तम् शेशि 332. ऋकार-पर- -रः शुप्रा ४,१२५; -रे तैप्रा १०,८. अस्कार-प्रत्यय^b- -यः माशि

ऋकार -रेफ-वत् - -वति तेप्रा

ऋकार-रेफ-वकार- -राः ऋप्रा 4.80. ऋकार-रेफ-संयुक्त- -क्तम् माशि १२,३. ऋकार-रेफा(फ-अ)र्-उदय°--यः शुप्रा ३,८२. ऋकार(र-ऋ)कीर(र-ऌ)ल्कार--रेषु तैप्रा २, १८. ऋकार(र-लुका)ल्कार-ऋप्रा १, ४१; १२, २; तैप्रा १, ऋकार-व (र्ग) र्णाव- -र्णा ऋप्रा ६,४६. ऋकारा(र-ग्र)क्षर- -रयोः अप ४७,३,१. ऋकारा(र-आ)दि- -दयः ऋप्रा ऋकारा(र-ग्र)न्त^d- -न्तात् शौच २, ९९; -न्तानाम् पावा ६, ३, २४: -न्ते भाशि ८८. ऋ-पर^d- -रम् ऋप्रा १५, १२. ऋ-वचन- -नात् , -ने पाता ६, ४, 180. १ऋ-वर्ण- -र्णः आशि १, २६; -र्णम् शौच १, ३७; नाशि २, ६,२: -र्णस्य श्रप ४७,१, २०; शौच १,७१; पात्रा १,१, ५०र; -र्णात् पात्रा ८,४,१; -र्णे शुप्रा १९३; शौच ३,४६; नाशि 2, ६, ३. ऋवर्ण-≍क-क-ख-ग-घ-ङ- -ङाः याशि २,९४. ऋवर्ण-देश-संदेह- -इः ऋप ४७,३,२.

ऋवर्ण-रेफ-संयुक्त- -कम् माशि ऋवर्ण-व्यक्षना (न-त्रा) दि-ग6- -गः याशि २,४४. ऋवर्णा(र्ण-त्रा)देश- -शस्य पावा १,१,५०. ऋवर्णी(र्ण-उ)दयव- -यः याशि 2,44. २ऋ-वर्ण - - जे ऋपा ९,६. ऋ-स्थ- -स्थम् ऋत ३,५,७. √ऋ¹ पाधा. भ्या. पर. गतिप्रापणयोः; जु. पर. गतौ; √ऋच्छ् तुदा. पर. गतीन्द्रियप्रलयमूर्तिभावेषु, †अर्यात् बौध्रौ ७, १०:५; हिश्रो ८,५,२९. †इयर्ति निघ २, १४; या ९, γф. ऋणोति निघ २,१४ . ऋच्छति श्रापश्रौ १२,७,४+; हिश्रो १०,७,१६+; मु १९,११; यपः †निघ २,१४;३,५; या ४, १८; ९, २; ऋच्छन्ति वाध ३, १२; ऋप्रा ५, १८ †; नेऋच्छतु श्राश्री ८,१४,१८; शांश्री ६,३, १-७; ८, १२, ११; आपश्री; ऋच्छन्तु अप १९,१,९ ; ऋच्छ त्रापश्री ६, ६, ८ +; ऋच्छत या ३,१७; धार्च्छत् आपश्रौ ५,२, ४ +: +ऋच्छेत् श्रापश्री ११, १, ४; १४,१३,७; वाधूश्री ३,३३: ३; हिश्रो १०, ७,१६; १५,८, ३३; ऋच्छेयुः शांश्रौ १३,३,४. . †आरिम द्राधी ६,४,११; लाश्री २, १२, १२; अरिष्यति वाधूश्री

a)=वर्ग-विशेष-। b) विष.। बस. उप. भाष.। c) विष.। द्वस.>वस.। d) विष.। बस.। e) विष.। मलो. कस.>षस.>षस.>षस.>षस.< \checkmark गम्। f) शिति ऋण्छाऽऽदेशः (तु. वैपर्)। या १,९;१८;२,७;२५;५०,७;२८;३२ पा ३,९,५६;७८,६६;७४;३,३६;७८;८०;४,९१;२९;७७ परामृष्टः द्र.।

80,9.

€, ८.

ऋवर्ण-रेफ-षकार- -रेभ्यः शौच

†ऋत-ज्ञ,ज्ञा¹- -ज्ञ:, -ज्ञा बौक्रि

३,१९:१०‡; †आस्त् भाशि ११५; १२०; †आराम आग्निए ३,८,३:२८; वौषि १,१६: १५; हिषि १६:११; आरिष्यत् वाधुश्रौ ३,२२:१२.

ऋच्छ(त >)न्ती- -न्ती या१,९ र्न. १ मेत्रत - पाउवृ ३,८९\$; -०त शांश्री २, ७, १४; -तः बौश्री १०.५३ : ४३; माश्री ६,२, ५, २३: अप ४८, ९३७; बृदे १,१२४\$; निघ ५,४; \$या १०,४०; ४२; ऋप्रा ४,५२; उसू ८,१९; -तम् श्राश्रौ २, ٩, ٩٠; ٦, ٤, ٩; ٧, ٩, ٥; ٤, ٦, ٩٧; ٤, ٦, ٩; शांत्रो २,६, १००; ५,८,५××; काश्री; श्रापश्री ६, ५, ४b; काश्रीसं \$3६: १३°; १४°; बौश्रौ ३,५: १^०; माश्रौ ६,१०, 9b; वैश्रौ २, २: १५b; हिश्रौ ३. ७, २२^b; वैताश्रौ ७, ४^b; त्रामिय २^b,४,१०: २४; ६,७: १८; कीस् ३,४६; श्रप ४५,१, ९७: शंध ११६: ६१\$d; निघ १, १२; २, १०; ३, १०; या २, २५० %: ४,१९०; १४, ११\$; ३१; पाग १, ४, ५७\$; -तस्य आश्री १, ३, २५××; शांश्री; लाश्री ९,१०,६°; श्रापमं २, ११, २३; निघ १, १२; या ३, ४०; ६, १६; २२०; U. 281; C, €\$; 9\$\$; 29; १0, 94; ×93; १8, २; 99; १४०;२५: -तात् शांश्रौ १४, १६,१०; श्रापश्रौ ४,१,६; १६, 96: 8,4,3; 8,3; 99,8;98, ६: भाश्री ६,१, ५; हिश्री ६,४, ३३; -तानि शांश्रौ १५, ३, ७; -ताय शांश्रो २,७,१३; त्रापश्रौ १६,३१,१; बौश्रौ २६, ३१ : ८ ; वैश्रौ १८,२० : ५३; हिश्रौ ११,८, ४; -ते त्रापश्रौ 4,90,9; 6,8, 22; 80,8,8; १६,३१,१; बौध्रौ ५,४: २६२; वैश्रौ १८, २०: ५४; माश्रौ १, ७,२,२३; हिश्री ३,३, ४१; ५, 9, 842; 80, 7, 4; 88,6,8; त्रापृ १, ५,४^५; कागृ; पावा ६, १, ८८\$; -तेन शांश्रौ २,६, ११^b××; काथ्री; आपश्री ६, ५, ४b; बौश्रौ ३,५:२b; भाश्रौ ६, १०, १^b; वैश्रौ २, २: १६^b; हिथ्री ३, ७, २२^b; बैताथ्री ७: २०^b; श्राप्तिगृ २, ४,१०:२३^b. ६, ७: १९b; कौसू ६, २०b; अप ४५, १, १०^b; वैध २, १४, १०^b; या ११, १५³\$; -तेभ्यः श्रापश्रौ १६, ३१, १; वैश्री १८.२०: ५४; हिश्री ११, 6.8. ऋत-जा³ - - जाः या १४,३१ ‡. †ऋत-जित्8- -जित् बौश्रौ १०.५३: ३3; माश्री ६,२,५, २३; -जितम् शंध ११६: ५१1.

2.5.92k. +ऋत-ज्ञा8- -जाः वौश्रौ२, ८: २९: या ११, १८०; -० ज्ञाः गौषि २, ५, १४; अप ४४, ४, 93. †ऋतं-जय¹- -याय श्रामिगृ १, २. २ : २ 9; भाग ३, १० : ६; हिंगू २,१९,६. ऋत-दे(व>)वी^m- -च्यः ऋग्र 2,8,23. †ऋत-धामन् - - मा शांश्रो ६, १२,२३; त्रापश्रौ ११,१४,१०; १७,२०,१; बौश्रो ६,२९: १९: १०, ५४: १४; १४, १७: ४; माश्री ६,२, ५, ३२; वैश्री १४, १३: ६; हिश्रो १०,३,४२;१२. ६,१५;२२,१,३१; जैश्री १३: १७: द्राश्री ४,२,११; लाश्री २, २, २०; श्राग्निगृ १,१,२: २०; ५.२ : ३७;६, २ : ७; मागृ १, ११,१५: वैष्ट १, १८: १; हिए १,३,१३; शुत्र १,३४५. ऋत-धीति²- -तिम् बौश्रौ २५, 8:93 =. ऋत-निधन"- -नम् दाश्रौ २,१, १२; लाश्री १,५,९. ऋत-पर्णº- -०र्ण या ८,१९. ऋत-पाª- -०पाः वौश्रौ ८,१२: †ऋत-पात्र- -त्रम् द्राश्री ३,१, १८: लाभी १,९,२०.

a) वैप १ द्र. । b) पामे. वैप २.३खं. तैत्रा २,१,११,१ टि. द्र. । c) = द्रव्य- ? । d) = द्वादशा- त्रिसेष्वन्यतम- । e) पामे. वैप १ सत्यस्य मा २३, २९ टि. द्र. । f) पामे. वैप १,९९५ f द्र. । g) पामे. वैप १,९९७ g द्र. । h) पामे. वैप २,३खं. ऋतम् मंत्रा २,४,१० टि. द्र. । i) = एको- नपश्चाशत्मस्त्स्वन्यतम- । j) विप. । उस. कः प्र. । k) पामे. वैप १ पि. ऋतज्ञाः टि. द्र. । l) व्यप. । उस. खजन्तम् । m) विप. । वस. । n) विप. (श्राज्यदोह- Lसाम-विशेष-])। वस. । e0) विप. (वनस्पति- Lश्चिन-])। वस. ।

ऋत-पेय⁸— -यः काश्री २२,८, १०; —यस्य वीश्री १८, ३४: ४; —ये द्राश्री १५,४,१८; लाश्री ५,१२,२२;८,९,७‡; —येन त्राश्री ९,७,३५; शांश्री १४,१६,१; त्रापश्री २२,९,११; काश्रीसं २९:१४; वीश्री १८, ३२:१; हिश्री १७,४,६१०.

ऋतपेय-त्व- -त्वम् वौश्रौ १८,३४:४.

†ऋत-प्रजा(त>)ता^c- -ताः बौश्रौ ७,५ : २२;१४,४ : ३८. ऋत-भाग^d- पाग ४,१,१०४; -गाः° बौश्रौप्र ३ : ६.

आर्तभाग- पा ४,१,१०४. आर्तभागी->°गी-पुत्र--त्रः बौश्रौ २१,१६ः १२.

√ऋतय, ऋतयन्त ऋप्रा ९, २१‡.

†ऋतयु- -यु: बौश्रौ १८, ४०: ८; ऋप्रा ९,१५. ऋत-युक्ति°- -क्तिम् ऋप्रा ९,

२9年.

ऋत-व(त् >)ती- -ती शांश्री १४,१६,१०; -त्यः या २,२५. ऋत-वाक⁰- -केन ऋपा ९, १८‡.

†ऋत-वार्दन् -दिस्यः श्राधौ ४,५,७; शांश्रौ ५,८,५; बौशौ ६,८९: १८; २१: १६; द्राश्रौ १४, २,६; लाश्रौ ५, ६,९; वैताश्रौ १३,२४.

ऋत-शब्द- -ब्दे ऋप्रा १७, ३३. †ऋत-श्री°— -श्री: श्रापश्री २, ३,७; बीश्री १,११: ३२; माश्री २,३,९; हिश्री १,६,१०. †ऋत-सत्य— -त्याभ्याम् श्राश्री २,२,११; बीश्री १८,३३: २; माश्री ६,१०,१; माश्री १,६,१,१०; वाश्री १,५,२,१५; —त्ये बीश्री १८,३३: ७³.

ऋतसत्य-शोल⁸— -लः त्राश्रौ २,१,५.

†ऋत-सद्, ध्— -सत् श्रापश्रौ १६,२९,२; बौश्रौ ७,१२ : ३७; वाश्रौ; या १४, ३१; —सधः श्रापश्रौ २,३,१३; बैश्रौ ५,२ : ५; हिश्रौ १,६,१११.

ऋत-सदन^c - †नम् काश्री ७, ९,२६; २७; श्रापश्री २, ३, ७; बोश्री; -ने द्राश्री ३,२,६;३, ५; लाश्री १,१०,५;२९.

†ऋतसदनी - -नी काश्री ७, ९, २५; श्रापश्री १०, ३१, २; वैश्री १२,२१: १७. †ऋत-सदनि! - -निः भाश्री १०,२०,१६; हिश्री ७,३,५०. ऋत-साप् ० - -सापः बौध १,६, ३+.

†ऋत-स-पति^c— -०ते आश्री ३,८,९; शांश्री ३,९८,५; ऋप्रा १३,३०; उस् ८,१९; ग्रुप्रा ३, ५९.

ऋता(त-श्रा)दि -- दि वैष्ट १, १८: १३.

√ऋताय>†ऋतायत्- -यते श्रापश्रौ ८,१४, २४; १६, २५, 9; बौथ्री १०, ३३: २; माश्री ६, १, ७, २२; वाथ्री २, १, ६, ३६; वैथ्री; -यन् ऋपा ९, २२.

ऋतायि(-7)नी $^{\circ}$ - -नी ऋपा ९,१४ † .

†ऋतायु- -यवः श्राश्री ४, १३,७; शांश्री ११,६,८; १४, ५६,४; वौश्री ३,१४:९६; तैप्रा ३, २; -युभ्यः वौश्री ७, ४:१४; -युभ्यः वौश्री ७, ४:१४; वौश्री ७,६:४५;१८,२८:९; माश्री २,३,५,६; वैश्री १५,१६:३; -युम ऋप्रा ९, २२; -योः या १०,४५०; ऋप्रा ९,

†ऋ (त>) ता-वन् °- -०वः ऋपा २,४१; -वा आपश्रौ १४, १७,१; २४,१३,३; हिश्रौ १५, ५,१; वैताश्रौ ३३, २०; गौषि २,४,७; ऋपा ९,११; -वानस् आश्रौ ८,१०,३; शांश्रौ ३,३,५; १०,१०,८; बौश्रौ १३,९:६; माश्रौ ५,१,५३२; निस् ९,५:१५; ग्रुझ; -०ने ऋपा ९,२४.

†ऋताव($\chi >$)री°- -रि आश्री १,७, ७; शांश्री १, १२, १; शौच ३, २४; -री: बीश्रौ ९, २: १८; ऋप्रा ९, ५१; -०री: काश्रौ ४,२,३२; आपश्रौ १,१३,१०; बीश्रो; या २,२५ ϕ . †ऋ(त>)ता-वृत्°- -वृतः। वैताश्रौ १३, २० k ; -वृतौ अप ४८,६० 1 .

a)= एकाह-विशेष-। b) ऋतु॰ इति पाठः? यिन. शोधः(तु. श्रापश्रौ.)। c) वैप १ द्र.। d) वैप २, ३ खं. द्र.। e) वहु. < आर्तभाग-। f) पाभे. वैप २, ३ खं. ऋतुम् तैव्रा २, १, १, १, १। हि. द्र.। g) विप.। बस. वा उस. वा। h) विप. (२ श्रप्-)। i) नाप.। उस. उप. श्रिषकरणे अनिः प्र. उसं. (पाउ २, १०२)। j) सपा. ॰ बृतः < ० श्वृषः इति पाभे.। k) ॰ बृधः इति c.। l) = बावापृथिवी-।

†ऋ (त>) ता-वृध्⁸- -वृधः शांश्री १०,१०,७; ११, ८, ३; श्रापश्रौ ५,१९,४; ११,१, ९^b; बौध्रौ २, १०: १५;६^b, १९: ९; २१:८; २४, २६: ५; भाश्रौ १२,१,७^b; माश्रौ २, २, १,११^७; ५, २,७, ५; वैश्री ८, 9: ९: १२,२३: ४b; हिथ्रो ३, 4,4; 8, 3,48; 0, 3, 05b; वैताश्री; विंध ४८,१०^b; या१२, ३३०; -वृधा श्राश्री ३,८,१; शांश्री ८,३, ११; श्रापश्री १३ १३.८; बोधौ; -०वृधा या ५, २२; -बृधी बृदे ३, ३८; ४, १२५: -०वृधौ ऋपा १७,३१. ऋ(त>)ता-पाह⁸- पा '८, ३, १०९; - | बाट् काश्री १८,५, १६; आपधी १७,२०,१; बौधी १०,५४:१३;१४,१७:४;माश्री. √ऋति>ऋतयत्- -यन् बौश्रौ ९, ७:४ +.

ऋति°->ऋतिं-कर- पा३,२,४३.

ऋति-मत्->√ऋतीय°,

ऋतीयेते श्रापश्रो २१,१९,५.

ऋ(ति>)ती-पह⁰- पा ८,३,

१०९: -†पहस् श्राश्रो ५,१६,
२;७,४,३;८,६,१६;शांश्रो १८,
१०,८; वैताश्रो २२,७;३१,
२३;३३,७;४२,५; ऋपा ९,
३; शुप्रा ३,१२९.

√ऋ° पाधा. स्वा. पर. हिंसायाम् .

10

√*ऋँद्, *ऋह, आनृहुः पा ६, १, ३६‡. †ऋहत् - -हन् अप ४८, ६०³; निघ ३,२. १ऋका - पाउमो २,२,६. ऋक्-चोदना - प्रमृ. √ऋच् द्र. ऋऋतु व (>आर्केतव - पा.) पाग ४,३,१६४. ऋक्-चत् -, ॰वन प्रमृ. √ऋच् द्र.

√ऋस⁶.

श्चिश्ववा- पाड ३,६०; पाग २,१,५६; ४,२,८६; -क्षः विश्व ४४, ४१; -क्षम् व्रप ५७,२,५; व्रशा १,६; २-३, ४; ५; ४,३-५; ५,१;३; ४;६-८; -क्षाः वौश्रो १९,१०: ३२‡; कप्र ३,६,११; व्रप ४८,९२०‡; व्रशा ६,६; निच ३,२९‡; व्या ३,२०³‡०; वेज्यो १८; -क्षाण कप्र १,९,३; व्रशा १,१; शंघ ११६:४८;-से वौश्रो २,५:६‡; व्यप १४,१,५;-क्षेम्यः माय २,१२,१०;-क्षेष्ठ व्यप ५२,१५,३. १६ार्क्ष - -क्षंः व्यापश्रो २२,१२,०.

कार्ओं (र्च-उ)पासङ्ग b - -ङ्गः शांश्रो. १४,३३,२०.

ऋक्ष-तस् (:) त्रापश्रौ १०, २४,६. ऋत्त-वत् - पा ४,२,८६; -वन्तम् राघ ११६: १०.

ऋक्ष-विभाग- गे श्रप ५६,१९,१.

२ऋक्ष्मं - पाग ४,१,१८;१०५; -क्षम् रांघ ११६: ५६?^k; ६१?¹; -क्षाणाम् याश्री १२,११,२; यापश्री २४,७,६; हिश्री २१, ३,१०. २आर्थ- - क्षंस्य ऋग्र २,८,७४. आर्व्य- पा ४,१,१०५. ऋश्रा(क्ष-य)श्वमेघ- - चयो: ऋग्र २,८,६८; वृदे ६,९२.

ऋक्षपाद्"- -पाद्म् शंध ११६:

ऋथ्नर°— पाउ ३, ७५; या **९,** ३२**∮**°.

ऋक्-संहिता – प्रस. $\sqrt{\pi}$ स्च् द. ऋक्-स्च $(\tau >)$ रा 0 – नाशि २, ३, ८.

ऋगक्षर - प्रम. √ऋच् इ. १ऋगाजोधम्भाजः चात्र १६ : ४. ऋग्-गुण- प्रम. √ऋच् इ.

√ऋच् ∟=√श्चर्च् । पाधा. तुदा. पर. स्तुतौ, †श्चानृचुः पौ ६, १,३६⁵; श्रा ३,४,१.

धर्च्य- पा ७,३,६६.

†ऋकन् - - किसः खाश्री ५,२०,८; ९,६,२; बांश्री ११,२,१३; - का माश्री ४, १, २३; शेशि ३३०; - काणः शेशि १२१.

ऋग्मन् $^+$ >ऋग्मिय $^+$ -यंम् बौश्रौ १८,४८ : १५; $^+$ या ७, २६ ϕ ; -याणि बौश्रौ ८,१८,

८; वैश्रो १६,२२:१०. १ऋच्ª- पाउतृ २, ५७; ऋक् श्रापश्रौ ४, ४, ४; ९,२, ३; १६, ३२,४; बौश्रौ; निघ १, ११‡; या १,८××; ऋक्षु शांश्री ६, १, ४; वाश्री; पा ८, ३, ८: ऋग्भि: श्रापश्रौ १६, १, ४; बौश्रो; या १३, ७३; ऋग्भ्यः जैगृ २,८: ७; ब्रोध ३, ९, ५; बृदे १, १; ऋग्भ्याम् शांश्रौ ४, १४,१५; १५, २३, १; काश्री; ऋचः त्राधी २, १३, ८ ××; शांथ्रौ; हिश्रौ ६, ३, ९^{‡१,b}; त्रामिष्ट २,१,४ : २‡°; वैष्ट ३, १५: १८‡°; हिंग २,३, ९‡°; अपं धः५^{२d}; या १,८;७.१××; पा ६,३, ५५; ऋचम् आशौ १,9,90××; शांश्री; या २, ८; ७,८;ऋचम्ऽऋचम् आश्रौ ४,६, २: ऋचा ग्राधी २,१९,३५; ८, २,९; शांश्रो; या ३,१××: ऋचाऽऋचा वौथ्रौ २२, १: १२:६:४:९:१६; कीसू ७६,३१; ऋचाम् शांश्रौ १३, १,६; काश्री; या १,८ +; ऋचि शांधी १५,२२,१; श्राप्थी १३, 98, 3; 28, 93, 93; बौश्री: या २, २०××; पा ४, 9,9; &, 3,933; 0, 8,38; पावा ६, १, ३७; ऋचिऽऋचि शांश्री १५,२२,१; क्त्रचे काथी १७, ५, ९; आपश्रो १६, २७, २××; ऋचोः ऋत्र २, ५, २; ऋची श्राधी २,१२,३; श्रापधी. कार्च- > कार्ची 0 - -चीं ग्रज्य ५, ६××; -च्यैः ग्रज्य ९, ६(६).

आर्ची-त्रिष्टुम्--ष्टुभः श्रन्न ८,१०(४); -ष्टुभौ श्रन्न १५,६.

आर्ची-पङ्कि− -ङ्की श्रश्र ९,६(६); १५,४;६; १४

आर्ची-बृहती- -त्यः ग्रिग्र ८, १०(३); -त्यौ अग्र १५,१८.

बार्च्य(र्ची-य्र)नुप्दुम्--प्टुम् अग्र १९, १८; -प्टुमः अग्र ८, १०(४); ११, ३(२); १९, १८; -प्टुमी अग्र ९,६; ७; १२, ५(२); १४-१५, ४; १६,१;३.

आर्च्युं(र्ची-उ)िलह्--िलही स्रम्र ५,२६.

कार्चा(र्च-त्र)भ्याम्नाय¹--ये या २,१३.

आर्चिक- पा ४, ३, ७२; -कम् लाश्री ७,८,५-७; ९,७; मैश्र २१; निस २, १०: १३; २४; नाशि १, १, २; -कस्य साश्र १, १; नाशि १, ८, १; -काः मैश्र २४; -कान् द्राश्री ६, ३, ३; लाश्री २, १०, २४; -कानि लाश्री १०, ९, ७; निस् ६,७: ५१; -केपु भैश्र २८.

आर्चिका(क-स्त्र) व्यवेत--तान् लाश्रौ ६,१०,२६. ऋक्-चोदना- -ना लाश्रौ १०,

2,9. ऋक्-छ(<श)स्(ः) शांश्री १२, 99,6; 84,3,2. ऋक्-तस्(:) आश्रौ १,१२,३२; ब्रापश्री ९,१६,४; १४, ३२, ७; बौश्रौ २७, ४: ५; माश्रौ. ऋक-तन्त्र⁸- -न्त्रम् चब्यू ३: 93. ऋक्-पद- -देषु ऋपा १२, 94. ऋक्य^h - क्यम् अपं २: १. ऋक्-वत्- -वता शांश्रो ६,१०, 4. ऋक्-शत- -तम् विध ५०, .38. ऋक्-शस (') आश्री ८२, ६; ११; १९; गोगृ. ऋक-इलोक- -काभ्याम् या ₹, ४. ऋक्-संहितां- -ताम् याशि १ 39. ऋक्-समवाय- -ये माश्री ५, 9,9,9 3. ऋक्-समाम्नाय- -येन निस् २ 92: 3. ऋक्-साम⁸- पा ५, ४, ७७; पाग २, ४, १४; - मयोः काश्री ७,३,२०; श्रापश्री १०, ८,१६; बौथ्रो; मीस् ९,२,३०\$; -मानि लाश्रो ६, ९, १२; धुस् 3. १६: २; त्रात्रिय १,५, २: ४५; वैष्ट १, १८२६; जैष्ट २, ७ : ८; - माभ्याम् माश्री २, १,१,६; शुप्रा ३,८१; तैप्रा ३,

a) वैप १ द्र. । b) रु॰ इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. तैत्रा ३, ७, ६, १८) । c) सपा. कौर् १, १६, १६ शांग्र १, २४,८ ऋग्वेदम् इति पामे. । d) ॰चर्चा इति पाठः ? यनि. शोधः । e) तस्येदमीयस् तस्यसमूहीयथ अण् प्र. । f)=ऋग्वेद- । कस. । g)=प्रन्थ-विशेष- । h) विप. । तत्रभवीये यति प्र. कुरवम् (तु. वैप १ ऋष्कत्-) ।

५: -मे भाश्री ९, १३, १; वाधूत्री ४, ३३: ५; जैश्री ७: ९; शुद्ध १, ५०२; तैप्रा ४, 99.

ऋक्साम-देवता-> °वत्य--त्यम् श्रश्र ७,५४.

ऋक्-सामन् - -मः सात्र १, ३६९; -म्नाम् लाश्रौ १०, १०, ५: -िम्न शप्रा २,५७.

ऋक्-साम-यजुस्- -जूंपि बौगृ

ऋक्सामयजुर्-भङ्ग- -ङ्गानि नाशि १,१,४.

ऋक्-सूक्तb- -काः श्रपं २ : ४. ऋक्-सूक्ता (क्त-ग्र)धर्च-संश्रित--तम् बृदे १, ५९.

ऋग्-अक्षर- -रे निस् ३, १२: २७-२९; ३२; ४५; ४, ७: 39.

ऋग-अन्त- -न्तम् आश्रौ १, २, १०; वैताश्रौ २१, ४; -न्ते काश्रौ १९,७,५; -न्तेषु त्रापश्रौ रह, २०,४; माश्री २,४,२,२५; हिथ्री २१, १, १३; गोय ४,५, २६: -न्तैः आश्री ६,४,४;८, 9, 4.

ऋगन्त-क- -के याशि १,

ऋग्-अन्तर- -रम् माशि १३,२. ऋग्-अयन-(>आर्गयन-।पा., पावाग ८,४,१०], °ण- पावा.) पाग ४,३,७३.

ऋग्-आगम- -मः मीस् १०,

ऋग्-आदि- -दिभिः द्रागृ ३,२,

4, 24.

२१; -दीनाम् कप्र २,४,१६. ऋग्-आवान - नम् श्राश्री ४, ६, 9; 4,9,4; 8,22; 93,2; २०,३; ८,१२, २०; वैश्री १३,

ऋग्-उत्तरb- -रेण श्रापश्रौ २१, 0,94. 3 of afa: Fo

ऋग्-उपसंधान- -ने बौधौ १९,8: ३4.

ऋग-ऊढ- -ढम् लाशी ७, ९, u?

ऋग्-गण- -णः चव्यू २: ९; या १४,१;३६; -णानाम् शांश्री १,१, २४; - जेपु शांश्री १, १,

ऋग्-गुणb-त्व- -त्वात् मीस् ८, 3, 20.

ऋग-जप- -पः गौपि २,४,९. ऋग्-दृष्टिb- - शीन निस् ६, v: 49.

ऋग-द्वय - यम् वैश्रौ २१, २: १०: -येन कप्र २,१,१०.

ऋग्-भाज--भाजः या ७, १३; -भाक्षि बृदे १, १७; १८; 2,06.

ऋग्-मत्- -मन्तम् या ७,२६. ऋग्-यजुब- पा ५, ४, ७७; -पयोः शुत्र ४, १९४; -पाणि चाय २: ५.

ऋग्-यजुस् - -जुर्भिः हिश्रौ १५,७,१२; १६; आग्निय २,३, 4: २७; ३, ३, २: २१; ११, ३: २०; -जुपाम् वाध १३, ३०; गौध १६,२ ४; ऋपा ११, ७१; उनिस् ३: १८; -जुषी विध ३०, २६; -जूषि चव्यू २: ₹0.

ऋग्-यजुः-सामन् - मिभः शैशि १६९;१७१; माशि ३, ५; याशि १, ४०; ४६; -म्नाम् अप ६७, ٤, 9.

ऋग्यजुःसाम-निर्देग्ध- -ग्धः माशि ३,३.

ऋग्यजुःसाम-लक्षण- -णम् नाशि १,२,३.

ऋग्यजु:साम-वेद- -दानाम् बोध ४,५,२९.

ऋग्यजुःसाम-संस्थित--तम् अप २,५,३.

ऋग्यजुःसामा(म-त्रा)त्मकb--काः आग्निय २,४,१२: ८. ऋग-यजु:-सामगान- -नानि माशि 3,8?d.

ऋग-यजु:-सामा(म-त्र्य)थर्वन्--र्वभिः त्राप्तिगृ २,५,७:१७; बौगृ १,११, १२; वैगृ ३,१३:१०.

ऋग्-यप्ट् - - ष्टा या ३,१९. ऋग्-या(ज्या>)ज्य^b- -ज्यी हिश्री २१,२,४६.

ऋग्-वत् मीस् ९,२,३४. ऋग्-विद्⁶- -वित् ऋश्र ३, ३७: -विदम् वैताश्रौ ११, २. ऋग्-वि(धा>)धb- -धम् बौध 8,8,243.

ऋग-विधान--नम् बौध १, ४, 242.

ऋग्-विराम- -मः तैप्रा २२, 93.

ऋग्-वेद- -दः शांश्री १, १; २८; अप ४१, ५,३; वैग्र,

a) मलो, कस.। La. PW.MW.J) I

उप.<√विद् । ज्ञाने।।

b) विप.। बस.।

c) पस. उप. < आ√वे (तन्तुसंताने

d) ॰सामगादीनि इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. याशि १,४०)।

e) उस.

-दम् कौगृ १, १६, १६†°; शांगृ १, २४, ८‡°; त्रामिगृ १, 2,9:4; 2:80; 2, 4, 9: ११;३ : ४२; हिग्र; -दस्य वौग्र २,९,५; भाग ३,१५:४; चव्यू १:४; ४: १०; २१; - †दाय आमिगृ १, २,२ : २५; बौगृ ३,१,८;२,९;२२;३४;४७; ३,११; ९,५; भागः; -दे शांश्रौ ३,२१,२; पागृ २,१०,४; श्रामिगृ २,४,१२:११; ऋग्र; साग्र १, २३३१^b; २५९; -देन आपश्रौ २४,१,१६; वाश्री १, १, १,६; हिश्री १, १, ३; ४५; कीए १, १०,१+; शांग १,१६,३+. ऋग्वेद-यजुर्वेद- -दाभ्याम् त्रापश्रो २४,१,५; हिश्रो १, १, ऋग्वेद-यजुर्वेद-सामवेद--दै: श्रापश्री २४, १, ४. ऋग्वेद-वादिन् -- दिनः कागृउ 82:93. ऋग्वेद-सामवेद- -दाभ्याम् श्रापश्री २४,१, ८; वाश्री १,१, 9,0. ऋग्वेदा(द-श्र)न्त्य- -न्त्यः ऋश्र ३,३१. ऋग्वदा (द-श्रा)म्नाय- -ये 邪羽 १,9. ऋग्-व्यपदेश- -शात् मीस् २, 9,83. ऋङ्-मन्त्र- -न्त्राणाम् वृदे ३,

ऋङ्-मय- -यः लाश्रौ १,६,३७; शुख्र ४, २१९; -यम् बौश्रौ १६,६:१७; -यान् मैश्र २२. ऋङ्-मिश्र- -श्रम् या ४, ६. १ऋच्- √ऋच् द्र. २ऋच्°- (>आर्चायन- पा.) पाग 8,9,99. ?ऋचसमाः निस् ९, ६: ५. ऋचाभ°-> आर्चाभिन्⁴->°भि-मौद्रल°- -लाः पाग ६,२,३७. ऋचीक'- पाउभो २,२, १९% भ्राचीक पुत्र- -त्रः त्रप ५२,१०,३. ऋचीप b -- -पम् विध ४३,१७. †ऋचीषम¹- -मः निघ ४,३; या ६, २३ ई; शैशि १२१;३३०; अप 86.994. ऋचीस¹->°स-पक- -कम् शंध ४२७. ऋरुद्धर k- पाउ ३, १३१1. √ऋज् पाधा. भ्वा. श्रात्म. गतिस्था-नार्जनोपार्जनेषु। †ऋजीति¹- -०ते™ श्रापश्री २०, १६,१२; हिश्रौ १४, ३,३६; 羽 マ、६、७५. ऋज् - पाउ १, २७; पाग ५, १, १२२; -जवः श्रापमं १,१,२‡; शांगृ ४,४,८‡; श्रामिगृ १, ५, १: १+;६, १: ५; काग्र २५, १+; बौगृ १, १, १५+; बागृ १०, ७+; जैय १, २०: ३+; कप्र २,५,१९; ३,८, १३; श्रप ४४,१,१०; ६८, १, ९; बौध ४,७,२; - एजवे काश्री २६, १, २७; बौथ्रौ ९, ४: १२; माश्रौ ৪, ৭, २७; যুশ্ম ৪, ৬৬; –ব্র श्रप २३, १०, १; -जुः श्रापश्री २१, ४, १८; काठश्री; या ६. २१; -जुना वाधूश्री ४, ६४ : ३; कप्र १,२,१; -जुम् श्रापश्रौ 2, 92, v x; 80, 93. २+"; बौश्रौ; हिश्रौ १२,४,४+"; -ज् श्रापश्रौ २, १२, ८; -जोः भाश्री ७,१,९; हिश्री ४,१,१८. ऋज्वी- -ज्वीभिः माश्रौ २,१,४,३; -ज्वीम् कौसू १३७. आर्जव- पा ५, १, १२२; -वम् अप ३,१,१३; आपध १, २३,६; विध २, १७; हिध १, ६,१४; या १४, ७; -वे पावा ₹,9, €. ऋ[,र]जिमन्- पा ५,१,१२२; E,8,9 67. ऋा,र जिष्ठ- पा ६,४, १६२. ऋं,र]जीयस्- पा ६,४,१६२; -यः श्रश्र ५, १४ . ऋजु-कर्मन् - मिशः बौध ४, v. 7. ऋजु-गमन- -ने अप ४८,४४. †ऋजु-गा¹- -गाः बीश्रौ ७,८ : ५: १४, ५: ४३; माश्री २,३, ६,४; हिश्रौ ८,४,४६. ऋजु-गामिन्- -मिनः या १०, ३; -मिनाम् या १२, ३९. ऋजुगामिनी- -नी या ९,

a) पामे. पृ ७६७ c द्र. । b) पाठः ? यिन. क्षोधः (तु. उत्तरीयं स्थलम्, क्षाचित्कः मूको. च)। c) = ऋषि-विशेष-। व्यु. ? । d) = वैशम्पायनान्तेवासिन्-। णिनिः प्र. (पा ४, ३,१०४)। e) द्वस. उप. < मुद्गल-। f) = जमदिन-पितृ-। व्यु. ? । g) < $\sqrt{$ ऋच् इति । h) = नरक-विशेष-। व्यु. ? । e0 स- इति जीसं. । e1) वैप १ द्र. । e2) पामे. वैप १,९०९ पु द्र. । e3) पामे. वैप १,९०९ पु द्र. । e4) पामे. वैप १,९०९ पु द्र. । e5) पामे. वैप १,९०९ पु द्र. । e7) पामे. वैप १,९०९ पु द्र. । e8) पामे. वैप १,९०९ पु द्र. । e9) पामे. विष्ठ पु द्र. । e9) पामे. विष्ठ पामें १,९०९ पु द्र. । e9) पामें १,९०९ पु द्र. । e9) पामें १,००९ पु द्र. । e9) पामें १,००९ पु द्र. । e9) पामें १,००० पु द्र. । e9) पामें १,००० पु द्र. । e9) पामें १,००० पु द्र. । e9 पामें १,००० पु द्र. ।

ऋजु-ज्वा (ला>) छ⁸- -छः श्रप २९,१,४. ऋजु-तम- -मैः या ८, १९. ऋज्-देह-> °हीय- -याः माश्रौ २,५,१,२०. ऋज्-धा श्रापश्री ९, १४, १b; †ऋज-नीति°- -ती श्राश्री ७, २.१०: शांश्री १०,९,१६; १२, २,१४; ऋग्र २, १, ९०; साग्र १.२१८: निघ ४,३; या ६,२१. ऋजु-ले (ख>) खा^a- -खा वैश्रो १८, १६: ४०^{2d}; -खाः त्रापश्री १६, १३, ६; ३४, २; माश्री ६,१,४,३९;८,१०; वाश्री २,१, ४, ३; वैश्रो १८, ११: २३: हिश्री ११, ५, १८; बौशु ६: ५; - खाभिः वाश्रौ २, १, €, ४. ऋजू (जु-उ)द्र⁸- -राः माश्री 2,8,8,93. √ऋज्य> †ऋज्यत्- -यताम् या १२, ३९; शुप्रा ३, ११२; -यन्तम् ऋपा ९, १६. ऋज्या^e - -या ऋप्रा ९, -†ऋज्यत्°- -ज्यन्तः या १०,३∮. ऋज्र,ज्रा°- पाउ २,२८; -ज्रम् वृदे ६,६६+; - ज्रा या ५,१५+. ऋजा (ज्र-ग्र) ध - - धम् या 4,397.

ऋज्राश्वा (श्व-श्र) स्वरीप-

सहदेव- भयमान- सुराधस्-

-घसः ऋग्र २ १,१ ००.

ऋजिमन् √ऋज् इ. ऋजिश्व - -धः शत्र ३, २९८; ४, २६; ३५. ऋजिश्वन्°- -श्वनि वृदे २,१२९;-श्वा 羽 २, ६,४९; ९,९८; १०८; बृदें ३, ५५; सात्र १,६११. ऋजिप्ट- √ऋज् इ. ऋजीक'- पाउ^ड ४,२२; ५, ५१. ऋजीक-प्रभ(व>)वा- -वा या ९, २६. ऋजीति-, ऋजीयस्- √ऋज् इ. १ऋजीप°->१‡ऋजीपिन्°--पिणः ब्राश्री ६,४,१०; शांश्री १८,७, १०; शैशि १२१;३२९; -०विन् शांश्रौ १४,७१,४; त्रागृ १,१५, ३; पागृ १,१८, ४; या ६, ७; -पी आश्री ५, १६, २; शांश्री ७,२३,९; १८, १९, ८; बौश्रौ १०,२४,१०; वैताश्री ३३,१७; या ५,१२. २ऋजीप°- पाउ ४,२८⁸; पाग ५,२, ३६; -पम् त्रापथ्रौ १२, १२, ११;१३,१०,६;२०,८; बौश्रौ; †या ५, ९२०; -पस्य काश्रौ 20, 3, 96; 6, 26; 30; त्र्यापश्री १३, २०, १०; भाश्री ८, १०, ८; वाध्यौ ४, ६५२: ३; हिश्रौ ९,५,३७; मीसू १०, ६, १६; -वे आवश्री १३, १०, ५; बौध्रौ ८, ९ : ५; १४, ६ : २३;२९: १०; २३, ७: २८; माश्री २, ५, १, ११; ३, ६, १८;२१; वैश्रो १६,१०: ११; २१,१४:१; हिथ्री ९,३, २७;

१५, ७, १; अप्राय ३, ३: -षेण आपश्रौ १४, २४, ७;. काठश्री १२४; बौश्री १७,५६: २२;६२: १२; माथ्री २, ३,४, १८: वैश्री १६, २६: ३; लाश्री 6,6,8h. ऋजीष-कल्प- -ल्पेन आपश्रो १९, ४,७; वैश्री ११,६:३. ऋजीष-कुम्भ- -म्भम् काथौ १०, ऋ जीप-धर्म- -र्मम् आपश्रौ ८, ७,१५; -मेंग हिश्रो ५,२,६७. ऋजीप-मक्ष- -क्षात् भाश्री ८,१०, ऋजीप-भक्षण- -णम् वाधी १, ७, 2.82. ऋजीप-भाव- -वात् काश्रौ ९, ५, 99. ऋजीप-मिश्र- -श्रम् काश्रौ १०, ३,१३; - अस्य काश्रौ २५,१३, 901. ऋजीप-मुखं - - खान् वैश्रौ १५, १४: १; १६, ११६; हिश्री ८, ३,३९; -खेषु काश्री ९,५,१२. ऋजीप-वत् मीस् ११,३,३३. ऋजीप-स्थान- ने वैश्री ८, 98:8. ऋजीषित- पाग ५,२,३६. २ऋजीविन् °- -वि बौधौ १४, ६: २४; तेप्रा १६: १८. ऋजु- प्रमृ. √ऋज् इ. †√ऋञ्ज्^{с¹} (वधा.) पाधा. भवा. श्रात्म. भर्जने, ऋञ्जते^c श्रापश्रौ ५,६, ३; हिश्रौ ३, २, ५६; d) पाठः ? °खाः इति

a) विष. । वस. । b) पामे. वैष १, १०१२ f द्र. । c) वैष १ द्र. । d) पाठः ? व्लाः इति स्रोधः (तु. श्रापश्रौ प्रसृ.) । e) = ऋषि-विशेष- । व्यु. ? । f) श्रर्थः व्यु. च ? । g) $< \sqrt{3}$ रंज् इति । h) सहजीषे इति पाठः ? सह, श्रद्धजीषेण इति द्वि-पदः श्रोधः (तु. भाष्यम् , काश्रौ २२,६,० च) । i) तु. चौसं. । i) निष्य g, ३ या ६, २९ पराम्रष्टः द्र. ।

ऋञ्जिति अप ४८,४४. ऋअत्- -अन् या ३,४ ई. ऋअती- पावा ६,१,८२. ऋक्षसान^a- पाउ २,८७. √ऋणु^b पाथा. तना. उभ. गतौ. -ऋण^c- पाग २, ४, ३१; -णम् शांध्रो १५, १७, १‡; त्रापथ्रौ २२, १,१० +; हिश्री १७, १, १२ +: कीय ३,१२,६; +यामिय २, ४, ४: १०; १९; वाध १७, १; शंध २८५; बौध १, 4, 08; #3, 0, 99; 98; विध ६, २९; ३४; ३५; ४०; १५,४५; गौध १२,३७; पा ८, २,६०; अत्र १९, ४५+; -णात् शंघ ४२; यय १९, ४५+; -णानि बौश्रौ २४, १२: २; २५.४.२: -णे गोग ४,४,२५; या ५,२५; पा २, १, ४३; ३, २४; ४, ३, ४७; पावा ६,१, ८८: -णै: वाच ११,४८ . ऋग-च्युत्°- -च्युतम् आश्रौ ८,

9,9२[†]. ऋगं-चय^c- -यः ऋत्र २, ५, ३०; ९,9०८; बृदे ५,9३;३३; सात्र १,५८३.

†क्सगं-जिय^d - - याय त्राप्तिगृ १, २, २:२१; बौगृ ३, ९, ५; भागृ ३,१०:६; हिगृ २,१९,६.

करग-त्रय- -सम् वैष्ट २, १८: १६+; -यै: वैध १,४,५.

ऋण-दश⁰- -शाभ्याम् पावा ६,

9,८८. ऋण-मृत् - -तौ बौषि ३,१,४. †ऋण-या° - -याः श्रापश्रौ १६, १८, ७; वैश्रौ १८,१६:२; हिश्रौ ११,६,२९.

ऋण-वत्- -वान्^h वाध ११,४८‡. ऋण-वन्^c- -वा^h ‡यौध २, ६, ३५; ९,७.

ऋग-वाक्य- -क्येन मीस् ६,२,३३. ऋग-संयोग- -गः वौध २,९,४; -गम् वौध २,९,७. ऋगसंयोगा(ग-आ)दि- -दीनि बौध २.६,३५.

ऋण-संस्तुत- -तम् वाध ११,४७. ऋणा(एा-ऋ)ण- पात्रा ६,१,८८. ऋणिक!- -कः विध ६,४३. ऋणिन्- -णी विध ७,१३. ऋणित्ंं निघ २ १४.

श्रम्याकुण्ड- -ण्डे वाधूश्रौ ४,०५:

" रिण्न्), ऋण्विति काश्री २२, ६, १६; माश्री १, ५,३,४; वाश्री १,४,३,३६; जैश्री २२:५; द्राश्री १२,३,३; लाश्री ४,१०,३; त्र,३; लाश्री ४,१०,३; ठैर,८,८,३६; गोपि १,३,१६; जैय २,४:१२; निघ २,१४\$. ऋण्वत् - -ण्वन् वौय २,५,५८‡.

१ऋत- √ऋ द. २ऋत- -ते आश्रौ ८,१,६; शांश्रौ; †या ७,२;११,३९; पाग १, १,३७;पावा १,२,१७. ऋते-ग्रह¹-- -हान् बौश्रौ **२०,५:** २५; २३, १५: २.

ऋते-मूल^m- - लानाम् श्रापश्रौ **१,** ५,१२.

ऋते-स्पय¹ - स्पयैः श्रापश्री **२,** १३,१.

ऋते-स्वाहाकार¹— -रान् बौश्रौ २०, ५: २४; २३,१५: १.

ऋत-जा- प्रस्. √ऋ द्र. ऋतपर्ण-कयोचधि"- -धी श्रापश्रौ २१, २०, ३°; हिश्रौ **१६, ६,** ४९°.

ऋतव्य-प्रमृ. ऋतु-द्र.

ऋत-राज्द- प्रमृ., ऋता-वन्- प्रमृ.,

√ऋति प्रमृ. √ऋ द. ऋत्- पाउ १, ७२; - †तवः श्रापश्रौ ८, १३, १४; शांध्रौ ५, १, ९; १४, ७५, २; १६, २५, २\$; व्यापश्री ४, १:९;८, २१, 9; 88, 98, 93\$; 26, 8; वौश्रौ; -तवे बौश्रौ १८, २४: २; अप्राय २,९+; -+तुः आश्रौ 8, 92, 2; 8, 9, 2; ८,४,३; शांधो ९,४,३; १२, २६, १२; त्रापश्रौ १९, १२, १४; बौश्रौ १९,३ : ३८ , माश्री; या \$2, २५१ क; १२, ४६१ क; -तुना शांथ्री ७,८,५+; १४, ९, ११; काश्री ९, १३, १३; १९, ७, २१ ‡; श्रापश्री; - ‡तुभिः आश्री ४,४, ४; शांध्री ३, १८, १४; काश्री ९,१३,१४\$; १७,८,१८;

श्चापश्री ८.१५.१७: २०, ५%; xx; मागृ १,१४, १६^b; या ८, ३०:१४,२७: - त्रम्यः श्राश्री २,४,१३: श्रापश्री २०,२०,६\$; आपमं १. ३. १२°: आगृ: पागृ १,८, 9°; मागृ १, ११, १८°; -तुम् आश्रौ २,१,१५: शांश्रौ; -तुषु वाधुश्री ४.२८: ११:६५^३: ९: ११: वैश्री १७. ७: ३: श्रामिष्ट १,७,४: ९: ३,६,३: २: बौपि १, १७: ३४; ऋप ७०^२,१७, ४; बृदे २, ४१; -तू बौश्री २,१६: १७+; माश्री ८, २४, १०: वैश्रो १, १९: १३; १८.90: ४३: १९.२: 90 +; २१, १५: १७ +; हिश्री ५, ६, १३: ब्रेंद १,१३१: -तून श्राश्री ८.९.७: शांश्री: त्र्यापश्री ८.२२. १०?व; हिश्री ७,२,४७ +e; या७, १९‡; -तूनाम् आश्रौ १०,३, १; शांश्री; -तोः शांश्री १४,९, ९: हिश्री १७, १, ८: बौगृ १, १, ११; गौध १८, २२; पा ७, ३, ११; पावा १,१, ७२; -तौ श्राश्रौ २,१,१४; १६, २५; शांश्री: -तौऽ-तौ त्राश्री २, १२, ६: बौथी २८, २: ५८; त्रामिष्ट २,२, १: १;९; ५,१: ६: ९: १: बीग ३.७, २: १०, २: भागः या ८.१७. आतंव'- पा ५,१,१०५; -वम् बृदे ३, ३४; -वाः बौश्रौ १७, १९: ३; कौसू १०६, ७‡; - वान्

अप ७०; ९, ३; -वानाम् अअ

१६, ८ =; -वे शंध १३; ३३३; बृदे ४, ९१‡; त्राज्यो १३, ३; -वेभ्यः श्रश्र १९, ३७ +; -वेषु बृदे ३, १५; - वै: बौश्री १७, ४१ : २६: श्रामिगृ १, ३, ५: २; वैगृ २, १५: ३; हिगृ १, 99, 2. आर्तवी- -वीः गौध १४. श्रात्व-स्ना(त>)ता- -ता शंघ २४१. आर्तव-स्वस्त्ययन- -नानि कागृ ५५,१. ऋतब्य,ब्या^{g'h}- पा ४, २, ३१; -व्यम् ऋग्र २,१,१५; २,३६; शुत्र २,१८३;२०६;२४०; -च्या ऋत्र २,३, २७; सात्र १,६१७; -च्याः श्रापत्रौ १७, १, ३××: बौश्रौ; -च्यानाम् चात्र १७: ८: -च्यास त्रापश्री १६, २४, १०: वाश्रौ २, २, १, ५; वैश्रौ १८, १७: ४५; हिश्री ११, ७, ३८; -च्ये काथ्रौ १७,४,२४××; श्चापश्चौ. ऋतच्या-पात्र- -त्रेण वाधौ ३, 3,9,53. ऋतब्या-वेला- -लायाम काश्री १७,१२,१. ऋत्-काल- -छः या १२, ४६²; -लम् बौगृ ४, १२, २; -ले शांश्री ३, १३, ३०; बौश्री २९, '१० : २३; द्राय १, ४, १५; त्राज्यो १२,५; -लेन वाध २८. ३: -लेष या १,9९^२: ३.५.

ऋतुकाल-गामिन् -मी वाध १२, २१; काध २७०: २. ऋतुकाल-भय- -यात् वाध १७, ००.

ऋतु-केतु- -तृत् अप ५५,१,१. ऋतु-क्षय- -ये त्राज्यो ७,७. ऋतु-गत- -तम् अप ५५,६,४. ऋतु-गमन- -नम् वीगृ १,७,४६; -ने आपगृ ९,१.

ऋतु-गामिन् - मिनाम् या १२, ३९.

ऋतु-म्रह^h— -हान वाधूश्रो ४,८३:
१६; -हे वैश्रो २१, १५: ११;
-हेषु वोश्रो २५,२१: ५; माश्रो
२,४,२,५; हिश्रो ९,२.२१;
-है: काश्रो ९,१३,१; श्रापश्रो
१२,२६,८; १४,२८,४†;
माश्रो २,४,२,५; हिश्रो ८,
८,१; १५,०,१२; -हो वोश्रो
१५,३४:९.

ऋतुग्रह-वत् वैश्री १६,८ : १३. ऋतु-च्छन्दः-स्तोम-पृष्टं!- - ष्टस्य

या ७,११; -ष्ठानाम् ऋप ४८, १४७.

ऋतु-जायो(या-उ)पायिन्- -यी काश्रौ ५,२,२१.

ऋतु-तिथि-नक्षत्र-देवता- -ताः कार्य ४७,१२.

ऋतु-त्रंय- -यम् , -ये विध २४, ४०.

†ऋतु-था^h আধ্রী ২, ૧૧, ૧૨¹;
• शांश्रौ ३,६,२¹; या ८, ૧νφ;
१२,२৬; গুদা ५,૧૨.
ऋत-दीक्षा^k – -क्षाः আपश्रौ २०,

a) पामे. वैप २,३खं. तैन्ना २, ५, ८,३ टि. द्र. । b) सपा. श्रापमं १,१९,४ रातिभिः इति पामे. । c) पामे. वैप २,३खं. रायः तैन्ना ३, ५,५,१९ टि. द्र. । d) श्रद्धज्न् इति c. (तु. स्द्रदत्तः) । e) पामे. वैप १,१०१९ c द्र. । f) विप., नाप. । g) = स्क्र-, ऋच्-, इष्टका- प्रमृ. । h) वैप १ द्र. । i) समाहारे द्वस. । j) पामे. वैप १, १०१२ b द्र. । k) = श्राहुति-विशेष-, मन्त्र-विशेष- ।

99, ६; बौश्रौ १५, २०: ३; -क्षाभिः त्रापश्रौ २०, ८, १२; हिश्रौ १४, २, २९; -क्षाम् बौश्रौ १५, १३: ८;१०‡; -क्षे बौश्रौ १५,१३: ११.

१ऋतु-देवत,ता - -ता गोगृ ३, १०, २; -ताः बौश्रौ २४, ३: १५: २५, २१: ८; २६, ११: २५; ऋग्र २, १, १५; या ८, २२; -ताम् श्रागृ २,४,१२.

२ऋतु-देवता- -ताभ्यः वैष्ट ४,८: ७; -ताम् मागृ १,१०,९;२, २,१५.

ऋतु-देवत^a - -तम् शुत्र २, १५८; ३,७२.

†ऋतु-धा श्रापमं २, ४, ४^b; वैगृ १,१९: १३; भाशि ४२.

ऋतु-नक्षत्र- -त्राणाम् वौश्रौ २४, १६: १; पावा २, २, ३४; -त्राणि वौश्रौ २,६: २. ऋतुनक्षत्रा(त्र-त्र्य) तिक्रम-वचन- -नात् मीसू ५,४,६.

ऋतु-नक्षत्र-पर्व-संनिपात - -ते वाश्री १,४,९,३.

ऋतु-नक्षत्रसंभार साम-वपन- चातु-ध्यादय-जागरणे(स-इ)ध्मपूर्वा-धन्वारम्भण-सापराज्ञी — -जीः काश्रौ ४,१०,३.

ऋतु-नामन् - मिभः बौश्री २१, १:३३; -मसु आपश्री १४, २८, ५; -मानि आपश्री १९, १२,१४; बौश्री १०,४५:४०; हिश्री २३,२:२५; -म्ना वैश्री १,१५:५.

ऋतु-पति°- -०ते शेशि ३३५.

ऋतु-पर्याय^d - - यम् बौश्रौ १५, ३८: १० ‡.

ऋतु-पग्रु⁰— -श्रवः शांश्रौ १६, ९, २६; १४, २०; १५,१८; वौश्रौ २६, ११: २५‡; —ग्रुभिः श्रापश्रौ २०, २३, १०; वौश्रौ १५, ३८: १०; माश्रौ ५, २, १२,४६; हिश्रौ १४,५,१०‡. ऋतु-पात्र— -त्रम् श्राश्रौ ५, ८, ८;

ऋतु-पात्र- -त्रम् श्राश्री ५, ८, ८; त्रापश्रौ १२,२७,१३; माश्रौ २, ४, २, २५; वैथ्रौ १६, ९: २; हिश्रौ ९, २, २५; -त्राभ्याम् बौश्रौ ८,१: २०; माश्रौ २,४, ४,११; हिथ्रौ ९, २, १३; -त्रे काश्री ९,२,१३; श्रापश्री १२, १,१३: १८,२०: काठश्री ११६: बौश्रौ ७, २: १२; १६: १; 90,30+; 88, 6: 23; 24, १३: १५; माश्री २,३,१,१५; ४, २, ३४; वैश्री १५, २: ८; २२: १०; हिथ्रौ ८, १, २४; वैताश्रौ २०, ६1; अप्राय ६, ६; -त्रेण काश्रौ १०, १, १३; ३, ३; आपश्रौ १३, २, ४; वैश्रौ १६,२: ७; ८; 9:9. ऋतपात्र-वर्जम् श्रापश्री १२.

ऋतु-प्रत्यय⁸ - -यानि निस् ६,९:४. ऋतु-प्रैष⁶ - -षेभ्यः शांश्रौ १०, ७,८; -षेः शांशौ ७,८,२. ऋतुप्रैष-सूक्त - -के बृदे ३,३६. ऋतुप्रैषा(ष-ग्रा)दि - -दिभिः आपश्रौ ११,१९,५, माश्रौ २, ३,६,१७; वैश्रौ १४,१७:८; हिश्रौ ७,८,३०.

26,9.

ऋतु-भव⁸ - - वानि कप्र २,८,११. ऋतु-मण्डल - - लानि बौध्रौ १९, १०:१४.

ऋतु-मत्— नमतः श्रुप्रा ३,१५० क.

ऋतुमती— नती गोगु २,५,८;

बाध १७,६७; बौध ४,१,९५;

—तीम् वैताश्रौ १२,१४; बौध
४,१,१३; १९; —त्याः कौस्
२२,५; —त्याम् वाध १७,००;

बौध १,५,१२०.

ऋतुमती-गमन-सहासन-शयन- -नानि वैध ३,१,६.

ऋतु-मुख°- -खं बौध २, २, ७६; -खंऽ-खं ऋापश्रौ १४,१४,१३; बौश्रौ २४,१३: ७; हिश्रौ १०, ७,१८; -खेषु बौश्रौ १६,२७: २२; २६,१८: १०; माश्रौ ५, २,१४,१८.

ऋतुमुखी - -खीभिः वैगृ ५, ५ : २३.

ऋतुमुख-श्रुति - तेः काश्रौ १,

ऋतुमुखीय- -यः श्रापश्री १४, १४,१३; -येन श्राप्तिगृ ३,४, ४: ६; बौपि ३,४,१३¹.

ऋतु-याज्ञं - जम् श्रापश्रौ २१, ७,१४; बौश्रौ १६, ५: १; २; २६,१३: १५'; हिश्रौ १६, ३ ३३; -जाः बौश्रौ २५,२१: ८; -जान् श्राध्रौ ५,५,२१‡; बौश्रौ २५, २०: २०; बैताश्रौ २०, ४; -जानाम् श्राध्रौ ८, १, ५; -जेषु या ८,२; -जैः श्राश्रौ ५, ८,१; बोश्रौ ७,८,१; जैश्रौ १५: १.

a) विष.। बस.। b) पामे. वैप १, १०१२ h इ.। c) वैप १ इ.। d) बस. वा. किवि.। e) वैप २, ३ खं. इ.। f) व्यात्रम् इति? c. शोधः। g) विप.। उस. वा बस. वा। h) = l ऋतुमुख-शब्द्युका-l ऋन्। i) ऋतुमुखिभिः इति e.। f) = याग-विशेष-।

ऋतुयाजे(ज-इ)ज्या- -ज्या काश्रौ १२,३,१४.

ऋतु-याजिन् -जी त्र्यापश्रौ ८, ४, १३^२; वैश्रौ ८, ८:९; या ३,

ऋतु-पाज्या- -ज्या श्रापश्रौ २१, २,२; -ज्यानाम् वैताश्रौ ३१, २७; -ज्याम् हिश्रौ १६,१, २३.

ऋतु-रात्रि- -त्रयः वैगृ ३, ९: ७; -त्रिषु वैध ३,१,५.

ऋतु-विशेष- -षः वैश्री १९, २: १०:११.

ऋतु-बेला – -लायाम् कौगृ १,१२, १; शांगृ १,१९,१; श्रामिगृ १, ६,३: ६८; २,७,६: ३६.

ऋतु-व्यतिक्रम- -मे बौश्रौ २८,१ : ३०:२ : ५२.

ऋतु-व्यावृत्ति— -त्तौ श्रापश्रौ ७, २८,७.

†ऋतु-शस्(:) त्रापश्रौ ३, १२, १; बौश्रौ ३, ३१:४; भाश्रौ ३, ११,१; हिश्रौ २,६,१७; स्राप्तिगृ १,५,४:२१.

ऋतु-शेष- -पम् वेज्यो ४१.

ऋतु-षडह°- -हे निस् ८,११:१.

ऋतु-ष्ठा b ->°ष्ठा-यज्ञायज्ञिय c -यम् द्राश्रौ २,१,१८; लाश्रौ १,
५,१५; -येन जेश्रौ ४: ६.

ऋतु-संबेशन-> °न-बिच्छेद्-प्राय-श्चित्त- -त्तम् बौग्रु ४,१२,१;७. ऋतुसंबेशना(न-श्चा) दि- -दि बौग्र ३,१३,१.

ऋतु-संगमन- > ॰न-गर्भाधान-पुंसवन-सीमन्त-त्रिष्णुबलि-जा-तकर्मो (र्म-ड)त्थान-नामकरणा- (ग्-श्र) न्नप्राश्चन-प्रवासागमन-पिण्डवर्द्धन-चौडको(क-उ)पनयन-पारायण-व्रतवन्धविसर्गो(र्ग-उ)-पाकर्म-समावर्तन-पाणिग्रहण— -गानि वैग्र १,१:१-४. ऋतुसंगमन-वर्जम् वैग्र २,१:१.

ऋतुसगमन-वजम् वर् २,१ : १. ऋतु-संधि - - धिषु पाय २,१ १,२. ऋतु-समावेशन - - ने श्रापय ८, १३.

ऋतु-संप्रैप--पम् वीश्रौ २६,१४:२. ऋतु-सव^d--वः वीश्रौ १८,४:१३. ऋतु-स्तोम^d--माः आश्रौ ९, ४, २६: शांश्रौ १४,७५,१.

ऋतु-स्था^b - स्थाः तैप्रा ६,७१‡. ऋतुस्था-यज्ञायज्ञिय^c - येन ञ्चापग्रौ १७, १२, १०; बौश्रौ १०, ४९: १४; बैश्रौ १९, ६: ६; हिश्रौ १२,३,१३.

ऋतु-स्ना(त >)ता - -ता वैग्र ३, ९:६; -ताम् वाध २०,३५; वौध ४,१,२०;२३; -तायाम् आप्तिग्र २,५,६:१२;वैग्र ६, २:१.

ऋतु-स्नान- -नात् त्राग्निगृ २, ७, ६: १.

ऋतु-स्वभाव- -वाः श्रव६४,१०,१. ऋतु-होम- -मान् वैताशो २०,५; -मेः वाधूशो ३,१४: ३;५. ऋतूनां(पडह-)श्रावशो २२,२२,४.

ऋतूनाप् (एकस्मानपद्याश-) हिथ्रौ १८, ३,३.

क्रत्नाम् एकादशरात्र- -त्रेण स्रापश्री २३, १, ५, हिथ्री १८, १,६.

 $\sqrt{\pi \pi q} > \pi \pi q u^c - - या कीस्$ $९९,२<math>\dagger$. ऋत्व(तु-श्र)न्त- -न्ते हिपि २०: ९‡.

ऋत्व(तु-म्र)न्तर-म्रह-सूतक- -के विध ३०,५.

ऋत्व(तु-स्र)न्तर्-आरमण- -जे गौध २४, ४.

करव(तु-श्रन्तय>)न्त्या- -न्त्यासु कौगृ ३,७,१३; शांगृ ४,५,१७. करव(तु-श्र)भीज्या- -ज्या निस् २,

५: १६; -ज्यायाम् निस् ७, ३:२०.

ऋ िव (तु-इ)ज् b - पा ३,२,५९: पाग ५,१,१२४; - व्विक् शांधी ध. २१, १; द्राश्रो; या ३, १९०; - स्विञ्ज बौधौ ५४, १२: १५: २८, ११: ७; द्राथ्री १२, ४. २०; लाधौ ४, ९२, १५; रांध ३०३; पात्रा ३, २, १३५; -िविगिभः द्यापश्रोद, १,६ +; १४, २६,११ई वोशो३,४: ६५,२४, ३०:८; आधी ६, ७,५‡; माधी १, ६, १, २ ‡; वाश्री; - स्विग्भ्यः याधौ १०,१०,१०; शांधौ १३. २,१; काश्रो; - त्विङ् शंध ३०२; -ित्वजः आश्रो १, ११,७ +××: शांथों; या ७,३०;८,२;१३,१३; - स्विजस् वाध्यौ ४,१८: २२; ३२; निस ; या **७**, १५^२‡; - विजा आधौ ७, २, ४; शांश्रौ १२, १, ५+; अप्राय ६, ६+; -िवजाम् श्राश्रो १,१३, ७; २, ४, ३; काथ्री; निघ ३, १८; -िखिजि शंध ३०३: -िखिजे श्रापृ १,६,२; कौगृ ३,१०,३२; शांगृ: -ित्वजो: वैगृ ६,१: ८; -ित्वजौ वैष्ट १, ९: १७; ११: ११;

a)= श्रहीनयाग-विशेष-। b) वैप १ इ.। c) वै। १,१०१३ b इ.। d) = याग-विशेष-। a) वैप १,९९९ a इ.। a) प्रम्यः इति पाउः? यनि. शोधः (तु. काठ ३५,१०)।

कौसू ७२,४४.

आर्तिज - - जम् वृदे ७,८३; -जाः बृदे ७, १३८; -जे मीसू 3,8,38.

क्षार्विजीन- पा, पावा ५, 9,09.

आर्श्विज्यb- पा ५,१,१२४; -ज्यम् शांश्रौ १, ४, ५^२‡; †श्रापथ्रौ २, १५, १^२; ३, १८, ४; १०,१,३; २१,१,२०; २४, १,२१;११,२2; वौधौ; -ज्यस्य शांश्री १३,१४,२; बौधी १४, ११:३१: -ज्यात् श्रापश्री १४,१५, १७; ३१, ८; हिथ्री १०, ७, १७; -ज्याय बृदे ५, ३३; ५५; ८,६; -ज्येन त्रापश्रौ 28,9,98.

वार्तिवज्या(ज्य-श्र)भाव--वात् मीसू ६,६,१८. ऋत्विक्-कर्मन् - र्मणाम् या 2, 6. ऋ त्विक्-कल्प- -ल्पः कीसू ९२, ३२. ऋत्विक्-त्व- -त्वम् मीस् ३, ७, ऋत्विक्-पती-प्रैषकृत्- -कृतः वैताश्री ३८.९. ऋत्विक-पथ- -थेन द्राश्री ४, ४, ८; लाश्री २,४,४. ऋत्विक्-पुत्र- पा ६,२,१३३. ऋत्विक्-फल- -लम् मीस् ३, 6, 24.

ऋत्विक-श्रुति- -तेः काश्री १,

ऋखिक्-धशुर-पितृब्य-मातुल--लान् वाध १३,४१; श्रापध १, १४, ११; हिध १, ४, ४३; –लानाम् बोध १,२,४६; गौध €, 9. ऋत्विक्-श्रञ्जर-सखि-संबन्धि-मातुल-भागिनेय- -यानाम् पागृ 3,90,84. ऋत्विक्-स्तुति- -तिः ऋग्र २,१०,१०१; बृदे ८,१०. १ऋत्विग्-अपोहन->°नीय°--याः काश्रौ २२,६,२१. २ऋत्विग्-अपोहन^{टःत}- -नः क्षुसृ 2,9:9. ऋत्विग्-आचार्य- -ययोः काश्रौ २४,६,३०; -यों वाध १३,५०; गौध १५,१४; २१,१२. ऋत्विग्-भाचार्य-श्रार-पितृच्य-मातुल- -लानाम् गौध ५,२८. ऋ त्विग्-आदि - - दिना कप्र ३, 9, 9. ऋ त्विग्-दान- -नम् मीसू १०, 2,22. ऋत्विग्-दीक्षित-ब्रह्मचारि-वर्जम् बौध १,५,९०. ऋत्विग्-यजमान- -नौ अप १२, 9,3; 23,9,3. ऋत्विग्-वरण- -णम् वैश्रौ १८, 9: 4;28,90:3. ऋत्विङ्-नामन्- -मानि निघ श्ऋत्वोतत्रागेव मैश्र ३२. ३,१८; या ३,१९. †ऋ विय b- पा ५,१,१०६\$; -यः

श्राश्रौ ३, १०, ५××; शांश्रौ; -यम् आश्री १०,९,५; शांश्री १६,७,१; बौश्रो २९,१२:१०\$; वाध्यौ ४,६८: ४; -या: आश्रौ ३,७,९; -ये भाश्रौ ८, ३, २८; श्रापमं १,११, २; मागृ १,१४, १६; वागृ १६, १; यस्र १४,२; -यो त्रापध्रो १४,३०,२; बौध्रौ २९, ५: २; वैश्री २१, १६: ५; हिश्रौ १५, ७,१८. †ऋ श्विय-व(त्>)ती- -०ती . त्रापश्रौ ५,८,८; बौश्रौ २,१५: ११; माश्रौ १,५, २, ४; वाश्रौ १,४, १, १९; वैश्री १, ८ : ४; हिश्रौ ६,५,१०. ऋत्व(य>)या-व(त्>)ती--ती ऋप्रा ९,१७ क. ऋ त्वि(तु-इ) प्रका° - - काः वौश्रो १९, 3:34. ऋत्वय¹- पा ६, ४,१७५; -त्वयः श्रप्रा ३,२,१२१९ ऋतुपर्ण - -र्णः बौधौ १८,१३:३. ऋतुर्जनित्री -> °त्रीय1 - -यम् शांश्री ११, १४, २२; -यस्य शांश्री ११, १४,१०. ऋत्-वर्ण - -र्णः श्रश्र २,१७. ऋतेऽवस्थूणा माय २, ११, १४. ऋते-ग्रह- प्रमृ. २ऋत- इ. श्चिरत्वे श्रापश्री ३, १७,८;८, ४, ६; श्रापध २,५,१७; हिध २,१,९९. †ऋद्-दर^b- -रः निघ ४, ३; -रेण बौश्रौ १३,२५: २; या ६,४.

b) वैप १ द्र. । c) = एकाह-निशेष-। d) बस. उप. भाप. । a) विप. । तस्येदमीयः अण् प्र. । e)=इष्टका-विशेष- । f) = ऋत्विय- । g) पाठः ? ९२०यम् इति शोधः । h) = नृप-विशेष- । ब्यु. ? । k) पाठः? ऋतेन स्थूणाम् इति शोधः (तु. सप्र. शौ ३, १२,६ आगृ २,९,२; = सृक्त-विशेष-। j) व्यप.। व्यु. ?। काग्र ११,३) । वैप १, ९९७ k नेष्टम् । l) पाठः l ऋत्वये (तु. 0.; वैतु. आपध. हिध. भाष्ये य-लोप इति l), इति यद्वा ऋत्विये (तु. सपा. भाश्रौ ८, ३,२८; С. च; वैतु. श्रापश्रौ. भाष्ये ऋतौ इति) इति शोधः।

†ऋदू-प*- -पे निघ ४,३; या ६,४; ३३०.

†ऋदू-वृध्°- -वृधा या ६,३३; ऋप्रा

√ऋष्, न्ष्(बधा.) पाधा.दिवा., खा. पर. वृद्धी, ऋधत् शांश्री १,१४, १६†°; †कार्ष्म श्राश्री १,९, १; शांश्री १,१४,२; ऋष्यात् श्राश्री १,९,५‡; शांश्री १,१४, १८; †ऋष्याम,>मा वैग्र १, ६:९; ऋष्रा ७,५५; शुप्रा ३,

ऋध्याते वाध्रश्री ४,९४: ५; 983: 9:983: 6:888: 9. ऋध्नोति आपश्रौ १९, १७, २०××; बौश्रौ; निघ ३,५‡; ऋध्नवन्ते हिश्रौ १६,१, ३४ ई; ऋध्नुवन्ति श्रापश्रौ २३, ७, ५××; बौश्रौ; †ऋध्नोमिव माश्री १, ५, २,१; वाश्री १, ४,१,१६; ऋध्नुहि हिश्रौ १४,१, २८; मझाध्नींत् श्रापश्री २३,११, १४; ऋध्नोत् हिश्रौ १८, ४, १८; †आर्ध्नुवन् श्रापश्रौ २१, ११, १-१०; बौश्रौ १७, २१: १०\$: हिश्री १६,४, २७-२९; ३०२; ३१२; ३२; तैप्रा ५, २१; ऋष्त्यात् श्रापश्री ५, २६, ३; २८, ९; ६,७, ७; १७, २४, ६; भाश्री ५,२०, ३; माश्री ६, १, १, २७; वाश्री १,५, २, २४ =; 2,9, 9, 23; 3,2, 4, 29#; वैश्रौ १९,८: ७; निस् ६,११: १३: श्रप ७२,२,८: नऋध्नुयाम् श्रापश्रौ ३,१४,१४; १०,५,५ ; बौश्रौ १७, ३० : १; हिश्रौ २, ६,४९; ३,७, ४८; ७, १, २९; ३०; १२,८, १५; श्रापश्च १४, ८; हिशु ४,४८.

†ऋधेत्° श्राधौ १,९,५; वाश्रौ १,३,६,८.

†ऋणधत् या १४, २५; भाशि ४९; †ऋणिद्धं अप ४८, १०; निघ ३,५.

महस्यासुः शांश्रौ ६, १, ५; †महस्यासम् श्रापश्रौ ४, १०, १; १४, १८,१; १५, १, १०; बौश्रौ ४,३:३७; ९, २:१०; १४; १९; २३; २० ××; भाश्रौ; माश्रौ २, ४,५, १४; शांश्रौ १, १४, १; हिश्रौ २,८, ३९; बैग्र १,७:७; बौस् १३६, २६; श्राप्रय ६,५.

ऋष्यते गौध ११,१६ है; ऋष्यन्ते श्रव ५३, ४, १; हैऋष्यताम् बौश्रौ २, १: १७;१८; श्रापमं १,१३, ४\$; श्राप्तिगृ २,३, ४: ५; कौस् ४५,१६; ऋष्येत माश्रौ ५,१,१,३४ है.

ईस्सेंत् आपश्री ६,२९,९; १९, १७,२०; बौश्री १४,१६: १५; १६ई; पाग्र १,५,८? ; †आमित् २, ५, ५: ११; १२; बाग्र १४,१२.

ईर्स्सेत्— -स्संतः चुस् १, २ : २८. ऋद्ध—दम् बौश्रौ १७, १९ : ११; श्राप्तिग्र २, ५, ३ : ४५; ४७; बीए ३, ७, २८; २९; —द्धाः काश्री ४,२,१२‡.

ऋद्ध-तम- -मः या ३,२०.

ऋद्धि- - चेद्धयः बौश्रौ १७, ४१: १९h; श्रापमं २, ८, २; श्रामिगृ १. ३. ४: १२; भाग २, २१: १६; हिंगू १, १०, ६, -िन्दः काश्रो १२, ४, १० +; बौश्रो २, १२: १६; माश्री ५,१,१,९६; श्रापम ३, १६; २०; वैम १, १९: ५: अप्राय १, ५: श्रुप्रा ६.२६ +: - दिम् आश्रो २, ३, १३; ८, १३, १०; काश्री; शंघ ११६: ३४1; - 🕇 द्वी आपश्री ३, ११, २; २०, ९, ५; बौश्रौ १, २१: १४; माश्री ३,१०,२. हिश्री २, ६, १; लाश्री १, १०. २२\$; श्रामिष्ट १,५,२: १५\$; कौगृ १,५,२९; कागृ ३०,३. ऋद्धि-कर्मन् - र्मणा बृदे ३.४: ऋद्धि-काम- -मः श्राश्रौ १०,३, ६× ×: श्रापश्री: -मस्य श्राश्री १०,१,१; काश्री १९,१,१; हिश्री ३, २, १७; वैताश्री ४३, ३८; -माः आश्रौ ११,३,१५; आपश्रौ २३,१,१७; ५,१०; ८,८; हिश्री १८, २, १०; -मानाम् आश्री ११,२,२; काश्री २४,२,२२; 38.

ऋद्धि-नदीसमास-संख्यावयव--वेभ्यः पावा २,४,८४. ऋद्धि-पशु-ब्रह्मवर्चस-वीर्या(र्य-श्र)न्नाद्य-प्रतिष्ठा-काम--मानाम् काश्री २३,१,१८.

a) वैप १ द्र. । b) या ३,२०; ४,२५ पा ७,२,४९;४,५५ पावा ६,१,९ परामृष्टः द्र. । c) पामे. वैप १,१०१४ j द्र. । d) पामे. वैप २, ३खं. ऋड्वा टि. द्र. । e) पामे. वैप १,१०१५ g द्र. । f) पामे. वैप २,३खं. भूयाम प१ ,६ टि. द्र. । g) ईच्छेंत् इति पाठः? यनि. शोधः (तु. राजा.) । h) ऋधयः इति पाठः? यनि. शोधः (तु. सप्र. खि ४,६,२) । i) नाप. । j) विप. । बस. ।

ऋदि-पुनराधेय- -यम् बौश्रौ ३,३: १३. ऋदि-पूर्त--त्तेषु बौग्र१,१,२२. ऋदि-संस्ताव^क--वम् निस्८, १: ३२.

ऋदि-सप्तसमिद्-व्याहृति- -तीः वैगृ ३,४: ६.

ऋदि-सामन् -म निस् ७, ३:२६.

‡ऋद्वा^b श्रापश्रो ५, ८, ४; वौश्रौ २,१५: १९; हिश्रो ६,५,९.

ऋध्नु^c- >ऋध्नु-क्ष^d- -क्रम् श्रागृ ४,७,२५[‡].

ऋध्नुवत्- -वन् या ४,२५². ऋन्धत्- -न्धन् या ८,६‡.

†ऋधक्° शांश्री १०, ६, ६; ऋश्र २, ८, १०१; बृदे ६, १२४; ग्रुझ ३, २४७; निघ ४, १; या ४, २५^२ कृं¹; शेशि २७२; पाग १, १,३७८.

†क्तधङ्-मन्त्र° — -न्त्रः कौस् १५, १; २२,१; ३५, १२; श्रप ३२, १,५; श्रश्र ५,१; श्रपं २ : ४०. √ऋफ्,म्फ्^डनाधा.तुदा.पर.हिंसायाम्. ऋतीसा ८,पा° — -सम् निष् ४, ३; या ६, ३६∳; —पात् मश्राय ६, ९‡; —सं बृदे ५, ८४; या ६,३६‡ Ф.

ऋवीस-पक - - कम् र्शंघ ४२७; ४२८१¹; - कस्य त्रापश्री ५, २५, ६; भाश्री ५, १६,१९¹; माश्री १,५,६,१४; वैश्री १,१८: ३; हिश्री ६,५,२४. ऋवीसपका(क-श्र)शन- -नम् वाश्री १,४,३,४२.

ऋभु - पाउमो २, १, २८1; -भवः शांश्री ८, २०, १९; बौग्र २,२, ६+; मागृ २, १५, ६+; अप ४८, १३९ ; बृदे १, ८२; ४, १२२; ८, १२८; निघ ५, प+; या ११, १५क; १६²+क; -·भवः ऋप्रा २,६८+; -+मु: आश्री ६, ३, १; ८, ८, ६; शांश्री १०, ६, १८; काश्री १३, १, ११; २३, ३, १; श्रापश्री २२, १९, १; वैताश्री १७,१०; श्रप ४८,८५; ऋश्र २, ४, ३४; बृदे ३, ८३\$; ६, १३५; श्रश्र ४, १२; निघ ३, १५; या ११, १६; -मुभिः आश्री ५, ५, १९ ; ७. ७. ७: ९, ५, ५; †शांश्रौ ₹, 96, 94 t; 6, 7, 4; १४.-३. १२; बृदे १, १२७; -मुभ्यः श्राश्रौ ८,८,४; शांश्रौ १०, ५, २३ +; आप्रिय १,२, २: ११; बौगृ ३, ९, ३; बौपि ३,५,२; भाग ३,९: ११; हिए २, १९, १; †ऋग्र २, ४, ३३; ३, २४; - ‡० भ्वः श्रापश्रौ ३, ११, २; भाश्रौ ३, १०, २; हिथ्रौ २,६,९; - म्भूणाम् काश्रौ ८, ९, ३; श्रापश्रौ ५, ११, ७; बौश्रौ २, १६:४८; ७, ४२: १५; भाश्रौ ५, ६, ७; वाश्रौ १, ४, ३, १; वैश्री १, ११:

९; हिश्री ३,४,१०; सा १,२५७;२५८; या ९,३; -मून् व्यामिगृ २, ५, ३ : ३११; बीगृ ३,७,२१; -भोः या ११,१६. आर्भव°- -वः शांश्री १४, २४, २; ३३, ५; ६१, ६; बोश्रौ ८, ११ : ८××; वाध्रुश्रौ; निस ९,१०:३६m; -वम् आश्री ८, ८,८; १२, २४; शाश्री ८, 3,98; 20,6,96; 22,7,5; 4,8; ६, ७; ७, ९; १८, २२, ६; माश्री २,५, १, २०; हिश्री ९, ३, ३५; ऋत्र २, १, २०; 990; 969; 3, 60; 8, 33; ७, ४८; बृदे ४, २७ ; ५, १; १७५; ६, १०८; -वस्य शांश्री १४,५६,८; माश्री २,५,१,२२; ३, ७, ५; अप्राय ६, ४; -वात् त्रापश्री १३, ११,१; १७, २३, २; हिथ्रौ १०, ५, ६; -वान्?" चुस् ३,११: १२; -वाय वैश्री १६, १२: १७; - वे आश्री ५, १७,४; शांश्री ६,८,१२; श्रापश्री २२, ७, २४; बौश्रौ १४, ५: १४; ६: ६; माश्रौ ३, ७, ६; वैश्री २१,१३:७; हिश्री १५,६, ४४; १७, ३, २३; जैश्री; निस् ४,७:४; ६, २,२२; ७, **५:३१**; -वेण शांश्रो ८, १,९; द्राश्रो ६, २,४; १०,३,३; लाश्रौ २,१०, -वेषु क्षसू २, १२: ५; 97;99;70.

कार्भवी- -वी ऋष २,

a) विप. । मलो. बस. । b) पामे. वैप २,३खं. द्र. । c) विप. । क्नुः प्र. उसं. (पा ३,२,१४०) । d) स्वार्थे कः प्र. । e) वैप १ द्र. । f) पामे. वैप १,९०१६ f द्र. । g) \sqrt{tv} , vv इति [पक्षे] BPG. । h) पामे. वैप १ पिर. द्र. । i) ऋजीपप॰ इति पाठः ? यिन. शोधः । f) $< \sqrt{t}$ म् । k) पामे. वैप २,३ खं. ऋतुभिः तैन्ना २,५,८,३ टि. द्र. । f) पामे. वैप १ पिर. ऋमवः ऋ १, १९०,१ टि. द्र. । f) विप. f नाप. (= साम-विशेष- | निस्. |) । f0 पाठः ?॰त् इति शोधः (तु. मूको.) ।

ऋषण^p--जेन या ४,७.

१०,१७६; बृदे ५,१७४;१०८; 6. 08. ?कार्भवचर- -रम् निस् ५, 6: 34; 6,8:3. मार्भव-छन्दस् - -न्दांसि निस् 3.9: 33. आभव-जातवेदसीय- -ये शांश्रौ १६,२०,१६. क्षाभव-पवमान- -नात् वैश्री १६,१२:२१; -ने काश्री २२, €,8ª. कार्भव-मारुत- -ते शांश्री ११,98,32. क्षाभेवा(व-ग्र)न्त- -न्तान् निसू ५,६: ३. आर्भवान्ती(य>)या--याः निस् ६,२: १४. कार्भवा(व-त्र)न्त्यb- -न्त्या द्राश्रौ ८, २,२१; लाश्रौ ४, ६, १६; जुसू ३, १० : २५; २६; ११: १४ ; १२: १५; निसू 8. 6: 30: 9,4: 36. आर्भवी(य>)या- -या निस् ५,२:२५; ६,२:९; -याम् निस् 4,7:28;8,2:0;6;9,3:29. चत्रमु-मत्°- -मतः काश्रौ १०,५, ९; ७, १३; श्रापश्रौ १३, १२, २: बौथ्रौ ८, १२: १६; माथ्रौ २,५,१,३२; वैश्री १६,१३: १५: हिश्रौ ९, ३, ४९; -मते

श्राश्री ५, १,१५; शांश्री ६, ७, १०; बौक्षौ ९,१०:११; -मन्तम् त्राश्री ५,३, १०; शांश्री ६, ९, १३; -मान् काश्रो १०,७, १३. ऋभूक्षन् , क्षा⁰- - † ०क्षणः त्राश्रौ ८, १२, २४; ऋत्र २, ७, ४८; - †क्षाः अप ४८, ६८; निघ ३, ३: या ९.३. ऋमक्षिन् व पाउमो २, १, २९५; पा ७,१,८५. ऋभ्व°- -भ्वम् या ११,२१ +°. ‡ऋभ्वन्°- -भ्वा ऋपा १४,४८;५२; -भवाणम् अप ३, २,३२°. ऋमुचु - - चुः अप ५२,९,५. √ऋम्फ √ऋफ् इ. ऋइय ^g— पाग ४,१,४१ ^b;१५४ ^{1,2},२, ८०^{17k}: -इयस्य निसू ६,७: २२1: -इया: बौश्रोप्र २५: 91; -इये वौथ्रौ २,५: १० +.m ऋश्यी- पा ४, १,४१. आइर्यायनि- पा ४,१,१५४. ऋइय-क- पा ४, २,८०°. †ऋश्य-द°- -दः श्रप ४८, ७७; -दात् निघ ३,२३. ऋश्य-हरिण-पृपत-महिष-वराह-क्लङ्ग- -ङ्गाः वीध १,५,१३२. ऋश्यायण- -णाः बौश्रौप्र २५: १. √ऋष् (=√ऋष् [बधा.]) पाधा. तुदा. पर, गतौ, ऋष्यति आमिष्ट २, 8,4:95°.

ऋषक व- कै: अप ५२,५,३. ऋषभ,भा"- पाउ ३,१२३;पाग २,१.. ५६: - ० म बौश्री ५, १० : २४: -भः आश्रो ९,४,६ × ×; शांश्री; -भम आश्री १२, ७, १३: शांश्री; -भस्य शांश्री १७,५,९; त्रापश्री; लाश्री ६, १०, १२8; -भाः बौश्रौप्र २५: 9t; द्राश्रौ ९,१,१६; लाश्रो ३,५,५;१५[॥]; ६,४:९,४,२१; मत्रापमं १,१३, २४;३; आगृ १, १, ४; कौगृ १,... 92, ६ +v; हिए १,२4, 9 +v; -भाणाम् काश्रीसं ३०: १०;-माश्री ५, २, १०, ३५; लाश्री ९, ४, २०; -भात् वौश्रौ २१, २६: २; -भान् बोश्रो १०, 4: 23; 4: 4; 92; 6: 8; २२,२ : १७; माश्री ५, २,१०, ४४: वैश्री १८, १: ७६; -भाम त्रापगृ ३,१२[™]; -‡भाय बौश्रौ १८, ४० : ९; १०; वाध्रश्री ४, ८९: २४; बौगृ २, ८, १६; - मासः त्रापश्री १९, ३, २; बौश्री १७, ३६: 9; श्रापृ १, १, ४; -मे श्राधी २, १८,१०; शांश्री १६, ९, १० +; त्रापश्री १०, १२, ४; १९, १७, १; बौश्रो १५, १७: २; भाश्री १०,११,१‡; वैश्रो ९, ३: ८;

c) वैप १ द. । $d) = \pi$ भुक्षन् । b) विप. । बस । a) आभंवे, स्तूयमाने इति चौसं। g) वप्रा. । उत्तरत्र टि. विवेकः द्र. । व्यु. ? । h) ऋष्य- इति f) व्यप. । व्यु. ? । e) पामे. वैप १ इ. । **पाका.** । $i)=\pi$ िष-विशेष- । j) ऋष्य इति [पक्षे] भागङा. । k) त्र्रार्थः ? । l) बहु. < आहर्यायनि – । o) हिंसायां वृत्तिः। सपा. वौश्रौ २, ५: २६ रिष्यतु n) =देश-विशेष-?। m) = मृग-विशेष-। q) श्चर्यः व्यु. च ? । r) विष., नाप. (उक्षन्-, स्वर-विशेषp) विप.। कर्तरि कृत्। इति पाभे.। s) पूर्वेण संधिरार्षः t [नाशि, माशि, प्रमृ.], इष्टका-विशेष- प्रमृ.), व्यप. (ऋषि-विशेष- ।ऋग्र.])। वैप १ द्र.। v) पामे. वैप १,१०१९ n द. । u) पामे. वैप १ वृषमाः शौ ९, १,९ टि. इ. । £) बहु. <श्रार्थम-। w) /= Laर्ण परिवार्जिता-] कन्या- ।

हिश्री १०,२,४१+;२२,१, १३; जैथ्रो २५: ५; द्राश्रो २,२,४६; १३,१,१६; लाश्री १,६,४३; 4,9,98; 0,9,0; 9, 8, 20; वैताश्री ३९,१८; निस् ६, ३: २२: माशि १,९; नाशि १, २, ११: -भेण ग्राश्रो ९,७,३०%; श्चापश्चो १०,२५,१४; २२,१२, ११; भाश्रौ १०,१७, ७; माश्रौ ६.१.८,१०; हिश्री ७,२,६८+; १७,५,१९;३०; लाश्री ९,४,१; त्राप्तिगृ १,५,५: १४‡; ६, ३: ६६; २, ७, ६ : ३३; हिगृ १. २५, २१+; कौस् २४, २२; ग्रप्राय ५, ६; ऋग्र २, १०, १०२, -मेषु काश्री ४,४,११. आर्थभ0--भम् बौधौ १६,२०: ३:१८.३ : २;७; जैश्रो २५ : ५; द्राश्री २, २, ४६; लाश्री १, ६, ४३°; ६, ११,४; वाध १७, ८; ग्रम ९, ४; -भेण बौधी १६, २०: १०; लाश्रो ३, ११, २; श्रप १.२७,२. आर्चभ-स्तोत्रीय- -यम्

निस ६,४: १२. आर्षभ्य- पा ५,१,१४.

ऋपभ-गोसव- -वी काश्री २२, 99.3.

ऋषभ-चर्भन्- में आपथी २०,२०, १;२२,२५,५; वाश्री ३,४,५,५; हिंथी १४,४, ४२; २३, ४, ३; मागृ २,१४,२६.

ऋषभ-तर- पा ५,३,९१. ऋषभ-द्षिडन् d- - िण्डनः कौसू

ऋपभ-धैवत- -ती शैशि १७४; पाशि १२; याशि १, ७; नाशि 8,6,6.

ऋषभ-पूजा- -जा गोगृ ३,६,११. ऋषभ-प्रतिरूप- -पाः चस् २,२:

ऋषम-प्रभृति - - तिः हिश्रौ १२, १,७; २०; २९; -तीनि हिश्रौ ११,८,२२.

ऋषभ-रूप- -पम् शांश्री १४, २३,२.

ऋषभ-वत् नाशि १,५,८.

ऋषभ-व(त्>)ती- -ती शांश्रौ १४,२३,४.

ऋषभ-वेहत्- -हती वाध २१,२२. ऋषभ-षोड(श>)शा- -शाः गौध 2८,94.

ऋषभ-सहस्र - सम् काश्रो २२, 99, 4.

ऋषभा(भ-त्रा)दि- -दिः त्रापश्रौ १७,9,90; २, ७;9३.

ऋपभा(भ-ग्र)धिक⁶- -कम् काश्रौ 28,4,76.

ऋषभै(भ-ए)कश(त>)ताe- -ताः बौश्री १६,२९: ६; गौध २२, १६; -तानाम् आश्रौ १२, ६, 37.

ऋषभै(भ-ए)कसह (स>) स्रा^e--स्नाः गोध २२, १४.

ऋषभै(भ-ए)काद्श, शा⁶- -श सुध ३६! ; -शम् बौध ४,४,१०8; -शाः बौश्रौ १६, २९: ६; गोध २२, १८; वाध २४,५8. ऋषमै(भ-ए)काधिकb- -कम् बौध 8,90,29.

ऋषभो(भ-उ)क--कम् निस् ७, 90: 6.

ऋषभो(भ-उ)श्थित-षड्ज-हत--तः नाशि १,४, ५.

?ऋषव्युषा निस् ६, १०: १०.

ऋषि'- पाउ ४, १२०; पाग ४, ४, ६२1: -पयः आश्री ५, ६,9;७; ११; शांश्रौ; या .१,२०;२,११; ४, ३+; २७; ७,४; ११,१७+; 98; २३; १२, ३६; ३७ 🗗; ₹2+6k; १४, 94; 95+; -पये बृदे ५, ५८; ६, ६०; ६६: -षि: ग्राश्री ४,७,४३; १२, ९, १८; शांश्री; श्रापश्री ४. १०,४¹²; भाश्रो ४,१५,३²¹; विध ४८,६^m; श्रश्न ८,२ⁿ; ‡या २, ११क; २४; ३, ११; ४, 94,98,98, 4,7, 8,74, 0, 9;93; 9,23;80,4;32;82; १३,१२; १४, १३∮[™]; -िषणा ग्राधी २, ३, २५ +; + प्रापश्री १६,२८, १३; २४,५,४; +वैश्रौ १८, २०: १४; २१; †हिश्रौ ११, ७, ६५३; २१, ३,४; कौग्र २,४,१६; ऋत्र १,२, २७; बृदे ३, ६८; १०९; साश्र २, ६५७; -विभि: †श्रापश्रौ १६, २६, ६ × ×; वैश्री; या ७, १६+; पि ३,९ °; -विभ्यः श्राश्रौ ८, १४, १८; बौध्रौ; पावा छ १, ११४; -विम् शांश्रौ १५,१९,१; बौश्रौ; या ४,१४; १३,१२; - विष् बृदे

b) तस्थेदिमत्यादार्थेषु प्र. । c) = साम-विशेष- । d) सस. उप. = बलीयस्- । a) = एकाह-विशेष- ।e) विप.। वस.। f) पाठः ? °शाः इति शोयः (तु. गौध.) । g) सपा. °शम्<>°शाः इति पामे.। h) विप.। तृस. उप. बस.। i) वैप१ द्र.। j) तु. पाका.। कृषि - इति भाण्डा.। k) पाभे. वैप १,१०२० \mathbf{d} द्र.। l) शोधः वैप १,८९८ b इ.। m) पासे. वैप १,९०२० f इ.। n) व्यं इति पाठः श यनि. शोधः। o) = सप्तन्।

२, १३; या १३, १२; -षी सु २,३; ब्दे २,३७; ५,६२;१५०; पा ६, १, १५३; - घीणाम् आश्री ८. १४, ४; शांश्री; या 2, 99; 3, 90; 0, 3; 6, २‡; १४, १९; -षीन् काश्री ४.१४.२७‡; बौश्रौ; या ६,५; -•वे शांश्रौ १५, २०, १××; श्चापश्री: -षे: स २७, ६; कीगः; या ९, ८: १०, १०; ४६; १४, २९: वेज्यो २९°; ३०°; -षे:ऽ-बे: श्रापश्री २४, ११, १० ई; -बी बंदे २, १२९; १५५; ऋत 4,9,4; 91 8, 8, 95 b; 6,3, 930.

आर्थि - पा २, ४, ५८; -र्थः आगृ १, ६, ४; वैगृ ३, १:२; वाध १,२९;३२; शंध ६७;६८; बौध १.११, ४; विध २४,१८; २१: श्रश्र२०,८५; -र्षम् श्राश्रौ ध. १०, २७; शांश्री ६, १, २; आमिय २, ६,१:७; वैयः, या ६, २७: ९,८:१३,९:१२; -र्षाणाम् बाघ १२,४१; -र्घाणि उनिस् १: ३: -प्रित् बीध १, ११, १८ +, गौघ ४. ३०; - वें त्रापघ २. ११,१८; हिंघ २,४, ३३; गौध ध. ८: तेत्रा ९, २१; १०, १३; -चेंण वैगृ १, ५: ९; ११ : ४; विघ २४, ३५; वैघ २, १३, ५; बंदे ४,९४; ५,७४.

आर्थी- -धी श्रश्र १, १७××; ऋपा; -र्घः श्रश्र १३, २: उनिस ३: १४; पिं २,१६; - ज्याम ऋपा २,५२;५६; ११, 44. आर्धी-गायत्री- - प्यः अत्र १८, २; - ज्यो अत्र १०, आर्धी-जात- -तः वैगृ 3,9:93. आर्धी-पार्धर--दे ऋपं ३: १. आर्घी-पुत्र--त्रः विध 28,39. आर्थ(र्धा-श्र)नुप्रह--हः ऋप्रा ११,१८. आर्प्य(र्धा-त्र्य)लोप--पेन ऋप्रा ११,9. आर्प्य (पी-श्र)विलो-प-विक्रम--मः ऋपा ११,५९. आर्घ-क- -कम् बृदे २,१२६. आर्ष-वत् ऋप्रा १६,११. आर्षेय^d - -यः शांश्रौ ५, १६, ५: काओं; -यम् शांश्रो ३, १६, २३: श्रापश्री; -यस्य बौश्री २३, ९: १९⁶; २९, ८: २५: -याः श्रापथ्रौ ५, २२, ४; बौश्रौ २, 95:94:28,96:30; 20,94: ३९: भाश्री: -याणाम् हिश्री १६, १, ३६; श्रय १६, ८ +; -याणि श्राश्री ४, १, १७; शांश्री १,४, १५; -यान् त्रांश्री १, ३, १; शांश्रो ५,१,१; वौश्रो २, १४:

१३, ७, १०; मागृ १, ९, १२= -येण त्रापश्री २४,५,५‡; हिश्री २,१,५४; -येभ्यः त्रापश्री ५. ५,९: २०, २, ५; भाश्री ५,३. १०: हिथ्रो ३, २, ४८: १४,१. १८; कौसू ६७,२० ‡; अप ४३, १,१२ =; -येषु कौस् ६५,१२ =. आवेंयी - -यीम् ऋपं ३:६. धार्षेय-कल्प¹- -ल्पः निस 2, ४: 90; 92: 4; 3, 3: ४३: - ल्पेन लाश्री ९, ५, २२: 97, 9; 80, 8, 0; 6, 3; 8; 90,20; 93,96; 20,99. आर्षेय-गोत्र-स्मृति- -तिः वैध ४,८,७. आर्षेय-प्रवादिन् - दिभ्यः

लाश्री ९,६,११. आर्षेय-वत् मीसू ६,८,३५. आर्षेय-वरण- -णम् श्रापश्रौ

२१, ३, ४; -णे बौश्रो २३,९: 96; 39.

ऋषि-क⁸- पाग ५, १, १२८^h; -कान् आमिगृ २,६,३:३८; शंध ११६: ३२; बौध २,५,२७ . आर्षिक्य- पा ५,१,१२८.

ऋषि-कल्प- -ल्पः बौगृ १, ७, ५; वैग् १, १: १६; -ल्पम् बौग् 2.0,98.

†ऋषि-कृत्- -कृत् द्राश्री ७, २, ७; लाश्री ३, २,७; या ६, २०; शैशि ३३१.

ऋषि-कृत- -तम् वृदे ३,४1; -तस्य जैश्रो २०:५; -ताः निस् १,१ : १: २, १: १५ ।; -तानि; मैत्र ४,

c) विप., नाप. (विवाह-, तीर्थ-, पाठ- प्रमृ.) । b) =मन्त्र- वा वेद- वा। a) = चन्द्रमस्- । d) वैप १ द्र. । e) व्यक्ष इति पाठः? यनि. शोधः । f) = प्रन्थ-विशेष- । तस्यापत्येदमादार्थेषु अण् प्र.। g) अल्पार्थे कः प्र. । h) रूपिक- इति पाका. । i) भूयांसः पामे. इति संस्कर्तुः टि. इ. । j) व्तः इति पाठः ? अति. शोधः।

७; भाश्रौ २,१५,९; ११; १०,

१,१: माश्री २,१, १, ४; वैश्री

१२, १: ३; हिश्रौ १०, १, ४;

कौस ६३, ३; -याय त्रापश्री

ऋषि-क्रम- -मेण वैगृ ३,२३:११. ऋषि-गण- -णाः ऋत्र २,९,८६; सात्र १, ५६०; २, १७३१३; २४८;३०८;३८२;३८३;३८७. ऋषि-ग(त>)ता- -ताम् बृदे ७, 993b. ऋषि-गोत्र-प्रवर- -रान् वैध४,१,१. ऋषि-चछन्दस् - -न्दः निस् १,६ : १८; ऋप्रा १६, ७; -न्दांसि ऋप्रा १६,८; १५. ऋषि-च्छन्द्स°- -सानि वाधूश्रौ ४, 9003:93. ऋषि-च्छन्दो-देवता(त-श्रा)दि-ज्ञान- -नम् बृदे ८,१३५. ऋषि-णd - -णः या १४,१३2. †ऋषि-तस्(:) श्रप १, ३९, ५; ४१,६; त्रशां ९,५; ११, ६\$. ऋषि-त्व - त्वम् जैय २, ८: २६; बौध ३,९,१९; या २,११+; ऋषि-दर्शन- -नम् निस् ५, ५: २७: -नात् बौश्रौप्र ५४: ११. ऋषि-देवता- -तयोः पा ३,२, 964. ऋषि-दैवत-च्छन्दस्- -न्दांसि कीगृ २,४,१७; शांगृ २,७, १९; ऋअ १,१२, ३; शुत्र १,१; श्रश्रभू १; ८,9. ऋषि-नामधेय- -यम् बौश्रौ २४, 3.6: 0. ऋषि-नामन् - मसु जैश्रौका ८७. ऋषि-निकेतन- -नानि बौध ३,१०, 93. ऋषि-निर्वचन- -नाय या १४,३१. ऋषि-निवास-> °स-गोष्ठ-परिष्क-

न्द[,नध-]- -न्दा⁶: गीध १९, १५: - न्धाः वाध २२,१२. ऋषि-पत्नी - न्तीः वैगृ १, ४: १७; वौध २, ५, २७ +; - लीम् शंध ११६: ३२; -त्न्यः वैगृ १, v: 9. ऋषि-पुत्र - त्रम् वृदे ५, ६३; -त्राणाम् चात्र ४:९;४१: ३: - त्रान् आप्रिय २, ६, ३: ३८: शंध ११६: ३२; बौध २,५,२७ =; -त्रौ वृदे ४,११. ऋषि-पुत्रिका- -कायाम् अप २४, ऋषि-पुत्री- -त्री: श्राप्तिगृ २, ६, ३:३८; - ज्याः या ५,२. ऋषि-पौत्र- -त्रान् बौध २, ५, २७年. ऋषि-प्रतिषेध- -धः पावा ६, २, 984. †ऋषि-प्रशि(ए>)धा - - धा कौसू ६०,३४; ६१,३३. ऋषि-प्रोक्त-मन्त्रादि-शब्द-स्वर-ज्ञाना(न--- श्र)र्थ^g- -र्थः श्रप्रा ₹, 9,₹. ऋषि-बन्धु - न्धवे श्राप्तिगृ २, ३, 4: 20 +. ऋषि-मुखb- -खानि पागृ २, १०, ऋषि-वाक्य- -क्यम् बृदे १, १३. ऋषि-विद्वन्-नृप- -पाः बौध २, 3,40. ऋषि-विद्वन्-नृप-वर-मातुल-श्वश्चर-(र-ऋ)र्त्विज- -र्त्विजः बौध २, 3,44.

ऋषि-श्रेष्ट- -ष्टम् बृदे ७, ५५. †ऋषि-प्द(< स्तु)त¹- -तः श्राश्री १,३,६; शांश्री १, ४, १९. ऋषि-संयुक्त- -कम् भागृ १,१२: ऋषि-संसद् - -सदि बृदे ४, १३३. ऋषि-संस्तुत- -तः वाध २३, ४७. ऋषि-सत्तम- -मः बृदे ४, ७८; ५, 949. ऋषि-सप्तरात्र'- -त्रम् आश्री १०, 3,4. ऋषि-स्(त>)ता- -ता शुत्र २, 309. ऋषि-सक्त- . कम् वृदे १,१४. ऋषि-सृष्टि-प्रतिपा(दक>)दिका--काम् शुत्र ४,३३. ऋषि-स्तोम1- -माः श्राश्रौ ९, ८, २५; शांश्रौ १४,६३,१. ऋषि-स्वाध्याय- -ये शांगृ २, ७, २0k; -येन कौगृ २, ४,२३k. ऋ(षि>)षी-वत्¹- -०व: ऋप्रा 9,284. ऋषी(षि-इ)ष्टका1- -काः आपश्रौ १६, ३१, १; वैश्री १८, २०: 46. ऋष्य(वि-म्र)णूक- -कम् बौगृ २, 9.26. ऋषि-षेण- ऋष्टिषेण- टि. इ. †ऋष्टि'- -ष्टयः माश्रौ ५, १, ७, ९; -ष्टिः या ६, १५; -ष्टिभिः वैताश्रौ ३१, २७. ऋष्टि-मत् - मिद्धः या ११,१४ ; ऋष्टि-षेण'-[पाग.]>आर्थिषेण'-97 8, 9, 908m;992; -om

c) पस. समासान्तष् टच् प्र. (पावा a) ॰िषर्ग॰ इति पाठः ? यनि. शोधः । b) पूर्वेण संधिरार्षः । d) विप. । मत्वर्थीयः नः प्र. उसं. (पा ५, २,१००) । e) परस्परं पासे. । f) वैप १ द्र. । g) विप. (पद-विभाग-)। तृस. >कस. >द्वस. >यस. >वस. । h) वस. उप. = प्रारम्भ-। पूप. = ऋषि-मग्डल-। i)= श्रहीन-विशेष-। j)= एकाह-विशेष-। k) परस्परं पामे.। l)= इष्टका-विशेष-। m) ेपि॰ इति पासि.। आश्रौ १२,१०,८; आपश्रौ २४, ५,१५; १६; वौश्रौप्र ५:४; हिश्रौ २१,३,०³; वैध ४,२,३; –णः बृदे ७,१५५; ऋत्र २,१०,९८; या २,१०; १९‡ई; –णस्य या २,११; –णाः बौश्रौप्र १:३; ५:१;३;५; –णानाम् आश्रौ १२,१०,८; आपश्रौ २४,५,१५; हिश्रौ २१,३,७; वैध ४,२,३. ऋष्टिषेण-वत् आपश्रौ २४,५,

ऋष्टिषेण-वत् खापश्रौ २४, ५, १५; १६; हिश्रौ २१, ३, ७३; बौश्रौप्र ५: ४; वैध ४, २, ३. ऋष्टिषेण-सुत— -तः वृदे ७, १५६.

現 ह्य क - पाउ ४, ११२; - व्यः साञ्र १, ६२५ b; - व्यान् शांश्री ८, २५, १ ‡ с. आ व्यांयणि - , ऋ व्यक - व ऋ व्य- शङ्ग - - 壽: ऋ ञ्र २, १०,

ै 'ऋख्व''- पाउना १,१४२; -० प्व श्राप्तिग्र २,७,३ : ४;३,१०,३ : १२; -प्व: श्रप ४८,६८; निघ ३,३; ऋप्रा १६,६३; -प्वा^ड वाश्री १,१,६,६; या ७,६.

√ऋह्, ऋहत्- √ऋंह् द्र.

934.

ऋ

元 ,元 ३ ग्रुपा ८,३.

元 कर-कार-> °र-गुण-प्रतिषेधा
(ध—प्र)र्थ- -थेम् पावा ३,२,
१७१.

元 कारा(र-प्र)न्त-गुण-प्रतिषेधा
(ध1—प्र)र्थ- -थेम् पावा ३,

२, १०७. ऋ-वावचन- -नम् पावा ६,१,९९. √ऋ¹ पाधा. क्रया. पर.गतौ ।

ऌ

ल^h शुप्रा ८,३; याशि २,९४; पाग १,४,५७.

हु-कार- -रः ऋषा १३, ३५; शुप्रा ४,६१;८, ३५; पाशि ५; भाशि २५; -रम् ऋषा १४,४५; -रस्य याशि २,२३; -रे याशि २,१९. हुकार-वर्जम् शुप्रा १, ८७.

हृ-तु-ल-स- -साः पाशि १७; श्राशि १,१५.

लृ-ल-सि-त- -ताः शुप्रा १,६९. लृ-वर्ण- -र्णः श्रप ४७, १, २०; -र्णम् शौच १,३९; -र्णस्य श्राशि ६,४; -र्णे शुप्रा ४,११४. लृवर्ण-त-थ-४-ध-न-लकार-सकार- -राः याशि २,९४.

ॡ

लू^b, लू३ शुप्रां ८, ३; याशि २,९४.

Ų

प् गृप्रा ८, ५; शैशि ४४; पाशि १९;
श्राशि ३,८; पाग १,४,५७.
ए-इ-कारा(र—श्र)न्त- -न्ताः
भाशि ११४.
ए-कार- -रः श्रप ४७,३,४; उस् ७,
६; तैप्रा ९, ११; श्रप्रा २,१,२;
शौच १,७६;९७; ३,४४; याशि
२, ९४; कौशि १४; -रम ऋप्रा

-रात् ऋषा ५, १; अप्रा ३, ९, १६; -रे तैषा २, १५; २३; -रेण ऋषा ५, ८; शुष्रा ७, २. एकार-ओकार-पूर्व - -र्वः तैष्रा ११, ९. एकार-चकारवर्ग - -गौं ऋषा

१,४२. एकार-रेफ-पृतनो(ना-उ)प (धा->)ध- -धः ऋप्रा ५,२२. एकारा(र-आ)दि- -दौ अप्रा १,

१,९. एकासा $(\tau$ -म्र)न्त k - -न्तम् ऋपा २,६१; ग्रुपा ७,७; -न्तात् स्रप्रा २,३,७; ३, १,२१; -न्तानि स्रप्रा २,३,१७.

एकारान्त-त्व- -त्वम् पावा ४,३,२३.

एकारान्त-निपातन- -नम् पावा २,१,१८.

एकारान्त-प्रस्ताव- -वम् लाश्री ७,२,१.

एकारे $(x-\frac{1}{2})$ कार - - रौ तैप्रा ४, ८.

एकारे(र-ई)कारो(र-ऊ)कार--राः शुप्रा १,९३. एकारे(र-ऐ)कार- -स्योः शौच

एकार $(\tau - \tau)$ कार - - रयाः शाच ३,५०; - रौ हिश्रौ २१,२,३३. एकारैकार-पर k - - रः तैप्रा १०,६.

एकारो(र-श्रो)कार- -स्योः शौच १, ३४; पाशि २०; याशि २, २०; -रो शांश्रो १, २, ७; शौच ३,५५.

एकारीकार-पर^k- -रः ऋप्रा २,६२.

a) बप्रा.। ब्यु.?। b) =ऋषि-विशेष-। c) = मृग-विशेष। d) पृ ७७८ b, j टि. द्र.।

२,१६;१८; उस् ७,२; शुप्रा ४, ५४; तैप्रा १०,४; बृदे ८,८५;

e) वैप १ इ. । f) = रिष्य— (तु. पाउ १, १५३) । g) पामे. वैप १, ८६९ c इ. । h) = वर्ण-विशेष-।

i) बस.> षस. > षस. $|j\rangle$ पा ७,३,८० परामृष्टः द्र. $|k\rangle$ विप. |i| बस. |i|

एकारौकारा(र-श्र)न्त^क--न्तात् शौच ३,५३. ए-कृत-निधन^b- -नम् , -नस्य जुस् ३,१०: २०.

च, ५०: २०. ए-त्व- -त्वम् पावा १,१,५७;७,३, १०३.

> एत्व-वचन- -नम् पात्रा ६, १, १; ४,१२०.

प्रत्व-विज्ञान- -नस्य पावा ६, ४,९२०.

एःवा(त्व-स्र)भाव- -वः पावा ६, ४,१२०.

प(त्रा√इ), आयित त्राप्तिग्र ३,५,६ : ३‡; †आयित त्राप्तिग्र ३,५,६ : ३‡; †आयित त्राप्तिग्र ३,५,६ : २; भाशौ ३,१३,१; हिथौ २, ६,३४; भाग्र २, २८ : १५; †आ (श्रयत्)° त्रापमं २,१५,४³; श्राप्तिग्र २,४,१ : १५³; १६ हिग्र १,२५,३ : १६ व्यापमं २,१५,४ ; व्याप्तिग्र २,४,१ : १६; व्याप्तिग्र २,४,१ : १६ व्याप्तिग्र २,४,१ : १६; विग्र १,१५,४ ; भाग्र २,३ : ९; विग्र १,१५,४ ;

ऐति बौश्रौ १,२:२२,५:२५××; वैश्रौ;‡आ``'एति मागृ २,७,५; आयंन्ति शांश्रौ८.८.९:१४,१४. १; काश्री; या ४, १५; †ऐषि पागृ १.४.१५: आमिगृ ३.५.६: ७: वौषि १. ४: २३: +ऐमि श्रापश्री ६,२७,३; १६,१६,४; वैश्री १८, १४: १२1; हिश्री ११. ६. १४ ; कीय ३, ४, ५ ; शांगृ ३,७,२1; भागृ २,५: १०; व्यप १३,४,३1; राप्रा ३,१५०1; †एमसि श्रापश्रो ६,२७,३; हिश्रो ६ ७.८: शांगू ३.७,२; भागू १, २७: २; ९; हिए १, २९, १; †ऐत् आश्री ५, ५,८××; शांश्री ८.१०,98; काश्रो २५,५,२८1; बौध्रौ ९, ३:३h; १९, १०: ५२8; बैताथी १८, ४8; श्रापमं १, ४,७1; श्राय १, १३, ६111; २.९.५^h; ३,६,८^{१g}; पागृ १,५, ११1; आमिष्ट २⁸, ७, ५:६; १५; काम २८, ४२; बौमृ १,४, २०1; भाग १,9४: 91; मागृ १, ३, १^{३8}; २^{२४}; वैगृ ३, ३ : ४ : हिस् १, २७,४ ३ ; १९, ७1; गोगृ ३, ३, ३२8; जैगृ १, २० : ६¹; कौस्^{ष्ठ} ९, २; ४५, १७; ५४, २;५७, ८; ६६, २; श्रप्राय^ष १,४; ६, ५;९; श्रप् ३२, १, २६; ३७, ४, २; ८, २: १३, १; २०, १; श्रश्र ७, ६७⁸; ?या ३, ३; ८, १३;

आ'''प्तु श्राश्री ३, ८, १; शांश्रो १६, ११, २४; श्रापश्रो; वौश्रौ ९,३: ३"; श्राय १,१३, ६º: †आ(एतु) शांश्री ४, 20. 2: 6. 90, 0;99, 90; ८, ६, ३; माश्री ५, १, ७, २; श्रापृ छं, ८, २३; कौगृ; एतात् बौश्रो १८, ४७: १२ ; १४ ; †आयन्त् त्रापश्री १, ७, १३°; १०, १२, ४; बौश्रौ ३, १५: ९: भाश्री: बीगृ २, ६, १३^p; कौसू ५६, १७^p; †आ · · यन्तु ब्राधी ५, १८,५; कागृ ६३,४; बौगृ १,३,३५; २,६, १०; कौसू १९, १४; यत्र २, २६; †आ-(यन्तु) शांथ्रौ ८, ३, १६; ऋत्र २.१.८९: बदे ३,१२२३; शुद्र ३, ५०; †एहि आश्री २, ८, ७××; शांश्री; श्रापश्री ९, २, ३^व; १९, १४, १४^{२1}; भाश्रौ ९, ३, १⁰; हिश्री १५, १, ४१⁰; २३, ३, १२^२; आपंमं २,१, 9 ⁸; आगृ १,७,६⁰; १७,६⁸; कौगृ १,८,२०२६; शांगृ १, १३, १२ : पागृ १, ५, ११ "; ६, ३ व; · २,१, ६⁸; ३, १,३⁸; काग् २५, २७0; २८२1; ४०, ९8; ४१,८1; बौगृ १, ७, ४२⁰; २, ४, ८^s; भागृ १, २०: २8; मागृ १,२२,

a) विप.। वस.। b) नाप. (सामन्)। वस. पूप. = ए-कार-। c) सपा. शौ ३, १.२,०³ आ-(आगत्) इति पामे.। d) पामे. वैप १, ६२७ ८ द्र.। e) अयम् इति पाठः १ यनि. शोधः (तु. भाग्र. हिग्र.)। f) पामे. वैप १,१०२४ तु.। g) पामे. वैप १,१०२४ तु.। h) सपा. पेतु <> प्रेतु इति पामे.। i) पामे. वैप १ पिरे. एतु खि २, ११,१ टि. द्र.। j) एतु इति जीसं.। k) पामे. वैप १,६२४ व द्र.। l) एतु इति पाठः १ यनि. शोधः (तु. RN.)। m) सपा. बौधौ ९,२:८ प्र एतु इति पामे.। n) आर ऐतु इति श्रान. १। o) पामे. पु ४८६ ति द्र.। p) पामे. वैप २,३खं. आयन्तु तैश्रा ७,४,३ टि. द्र.। q) पामे. वैप १,७९९ हते। r) पामे. वैप २,३खं. एहि तैश्रा ३, ११,९,८ टि. द्र.। s) पामे. वैप १,०९९ हते। t) पामे. वैप १,०९५ हते। u) पामे. वैप १ वि-माहि काठ २,१५ टि. द्र.।

१२ª; हिए १,२०,२b; जैए १, ११: ९^{२0};२१:१५^b; कीस् ५४, ८⁸; ७४,१९^d; अप ४, ४, ६⁸; श्रश्र २, १३°; या १०, १८°; १२, २८; पा ८,१,४६; मझा... इहि आश्री ५, १४, ५; शांश्री ७,१९,१०; आ(इहि) शांगृ १, १३, ४‡; ‡एतम् काश्रौ ७,९, १०; श्रापश्रो १०,२८,१; बौश्रो २,१५: ८;६,१५: २७; माश्री; मागृ १, १०, १६°; ‡एत, > ता,तो(त-उ) त्राधी ७, ८, २; ९, ८,१३; शांध्री; काश्री ९, ३,३1; श्रापश्री ३, ४,६8; वौश्री ७, ३ : ८ ; भाश्री ३, ४, २ ; माथौ १, १,२,१२^h; २, ३,२, ९¹; बैश्रौ ७, ३:७: हिश्रो २, ३,४१⁸; ६,३,७; कागृ ६३,४^h; मागृ २, १, १३? ; वैगृ १, ९: 9; गोगृ ४, ३, ४¹; गौपि २, ३, १०¹; ४, ९; कीसू ३, ३; विध ७३,१२¹; ऋश्र २,१,३३; ऋप्रा ८,३२; १+आः 'ए(आ-इ) त>ता श्राश्री ६, ४, १०; शांश्री ९,१६,१; वैताश्री ३९, ७; ऋप्रा ८, ३२; ‡?आ(ए [त्रा-इ] त>ता) श्रे ऋत्र २, १, ५: सात्र १, १६४; आयानि बौश्रौ १८, ४५: २; एयात् बौश्री १४, २३: २२; २०, २१: ९; वैश्री २०, ११: १;

हिश्रो १५, २, १०; द्राश्रो ७, ४. १; लाधौ ३, ४, १; ८, ८, ३४; १०,१९,१२; द्रागृ ४, १, १७: या ५,२८ ौ; एयुः लाश्री 20,9,4. एयाय शांश्रो १५, १८, १;१९, १५; २०, १; २१, १; एयथ श्रश्र १०, १ . आ(श्रा-श्र)य m -> $^{\circ}$ य-स्थान- -ने जैगृ १, २३: ८; -नेभ्यः पा ४,३,७५; पावा ४, २,१०४. आ-यत्- -यते माश्रौ ३, १, २५; श्रप्राय ४, १; -यन् शांश्रो २, १४, ११; बौध्रो; -यन्तम् शांश्री १८, २१, ६; वैश्री १८, १: ५५ कोसू ४८, ७; या ५, १९ ‡; १४, २; -यन्ति निस् 8.97: 94; 4,7: 23. आयती- -तीः आश्रौ ५, १, १० ‡: श्रापश्रो १, ११, १०; बौध्रौ १, ३: १५; भाध्रौ १, १२, ३; माश्री १, १, ३,७; ६, २, १७ ‡; वैश्री ३, ६: १२; हिश्री १, ३, १९; वैताश्री २१, २४; त्रापृ २, १०, ६; हिए १, १८, २; गो २, १८; कौसू २१, ८: - †तीम Sबौश्रौ १५, २: 8; 86,6: 8;94: 4;80:96; श्रापमं २, २०, २७; पागृ ३,

४; हिए ३, १७, २; कौसू ६०,२६८; -तीपु शांश्री ६, ७, ७; -त्याम् शांश्रौ ५, १०, २. क्षायती-गव- पाग २, १, १७: -वे वौश्रो २, १४: २. आयती-सम- पाग २, १, २आ(या-य)यन- -नात् व्याधौ २, 4, 2;92. १ए(त्रा-इ)त- -तः बौश्रौ १८, ४७: १५२ ‡; -तम् वौश्रौ १८,४७: 923:94. एत तर- -रः या ३,१६. पु(श्रा-इ)ति- ∙तयः ऋपा २, v3 ≠0. ए(ग्रा-इ)त्य ग्राश्री ३, ६, २७; शांश्रो ४, १२, ११; १४,७,१; १५,२०,9; काश्री. ए(ग्रा-ई)यिवस् - - युषि जैश्रीका १८:७३. एयुपी- -पीणाम् या ४,१६ . पहि>°हि-कटा-, °हि-द्वितीया-, ॰हि-पच-, ॰हि-प्रकसा^p-, ॰हि-प्रघसा^p-, °हि-यव-, °हि-रेया-हिरा-, °हि-चाणिजा-, °हि-विघसा-, °हि-स्वागता- पाग २, १, ७२; एही (हि-इ)डव-पागवा २,१,७२. एहा(हि-ग्रन्त>)न्ता- -न्ताः गो 2,90. †ऐ(ग्रा-ए)तोस् (:) त्राश्रौ २, ५,

२, २; श्रामिगृ ३, २, २: ७;

भाग २, २: ७; माग २, ८,

७८५

३; बौश्रौ ३,१३ : ४; माश्रौ १, ६,३,९; बाश्रौ १,५,४,२९. ५प(श्रा√ई), झा इयाते या ५, २८‡; ‡आ ईमहे श्रापश्रौ १०,८,१; भाश्रौ १०,५,६; बौश्रौ ६,२ : २४; वैश्रौ १२,७: १६; हिश्रौ १०,२,१; माश्रौ २,१ २,१८; शुश्र १,२४२; आ(ईमहे) काश्रौ ७,३,४.

१ एक,का8- पाउ ३, ४३: पाग १,9, २७; २,१,५९^b: -क पा ६, ३, ६२°; -कः श्राश्रौ २,४, ३; ७, ५, २०××; शांश्री; गौषि २, ६, ५^d; या ३,९००; -कम् श्राश्रौ 3, 90, 52, E, E, 9xx, शांश्री; कीय ३, १४, १२°; १३1; पा ८, १, ९; पावा १, २, ६४; मीस ५, ४, १८⁸; -कम्s-कम् भ श्रापश्रौ ५,२१,७; -कया आश्रो २, १९, ३५; ५, १८.५:७.१२,४; शांश्री; या ५, ११ क: -कयाऽ-कया^h श्रापश्री १०,२४, ९; बौथ्रौ; -कस्मात् काश्रीसं ३४: २; ३; वाधूश्री; -किस्मन् श्राधी ६,६,६; शांधी; -कस्ते श्रापश्री १४, २, २; 20, 90, 0; 92, 90 +xx; बौश्री: -कस्य श्राश्री ९,५,१६; शांधी: -कस्याः श्राधी १२,८, ३०; काश्री; -कस्याम् शांश्री ३, १०,२××; काश्री; हिश्री १७, ५, ३१²¹; -का आश्री २, १४, ६; ३, ७, ६; ४, २, 90xx; शांश्री; -काऽ-का म श्रापश्री १७,

२६, ६; द्राश्री; -काः हिश्री २२,२,२; -कात् आमिय 2, ७,७: ९; शुप्रा; पा ५, ३, ५२; ९४; -कान निस् ८,७: ३०; -कानि वाध्रश्री ४,२६४: १; -काभिः वाधूश्रौ ३,९१ :६; -काम् आश्रौ ४,७,४××;शांश्रौ; -काम्s-काम् वैश्रौ १८,१२: १९; २०: १३; हिध २,२, ४; -के आश्री १, ३, १३^२; २,२, १××; शांश्री; -केन आश्री ८, १,१०;१५; ३, १२××; शांश्री; -केभ्यः त्राश्रौ ६,१०,१९; बृदे ८, ५९+: श्रश्र १८, २+; -केषाम् काश्री ३, ७, २०; ४, १३, ७; श्रापश्री; -केषाम्ऽ -केषाम् h आग्निगृ २,६,३ : ६०; -केषु शांश्री ३, १९, ८; कौसू १५,४; या २,२². १ऐक्य- -क्यम् याशि १,९०. एक पा ६,३,५९;४,१२०. एक-क- पा ५,३,५२. एक-कनीयस्1- -यःसु लाश्री ६,७, एक-कपाल8- -लः काश्रौ १, ९, १२××: त्रापश्री; या ७, २४; -लम् काश्री १९,४,२; त्रापश्री; -लस्य काश्रौ १९, ७, १४; त्रापश्रो ८,२०, १३; बौश्रो ५, ८ : ३०; ३६; २०, २२ : १२; भाश्री ८,७, ११; ९,८; १०,९; १४,६; २३,७; -लाः काश्री ४, प. ३^१: बौश्रौ २३, १२: १३;

-लान् काश्री ५,१०,१; आपश्री ८,१७, १; थीश्री ५,१६:२4: २६,२१ : ३; भाश्री ८, २१,५; ९; माश्री १, ७, ७,१;४; ५,२, १,१; ३; वाश्री १,७, ४, १३: वैश्रौ ९,१०: ९; हिश्रौ ५,५,१; कागृ ५२,७; गोगृ ३,१०, ११; -लानाम् श्रापश्री २४, ३, ३८: बौश्रौ २१,१ : २५;२७:३२: २: १; भाश्रो ८,२१, ७; माश्रो १. ६,४,६; हिश्री ३,८, ८०; मीसू ७,१,२३; -लानि हिश्रौ १,१, ६०; -ले आपश्रौ ८, ७, १: बौश्रौ २०, ८: १९; २१, ५: २०; हिश्री ५, २, ५६: -लेन काश्री १०,८, २७; आपश्री ८. २,१७; काश्रीसं २९: ४; बौश्रौ 4.3: 92;6: 26; 28,98: १२; भाश्रौ ६, १७, ९; माश्रौ 2, 5, 8, 95; 0, 8, 28; 2, 4, 8, २८; हिश्रौ ३,८,८०. एककपाल-देवता- -ताभ्यः शांश्रौ 28,4,0. एककपाल-प्रभृति- -तीनाम् काश्रौ २३, २, १८. एककपाल-वत् बौश्रौ२८,४:१४. एककपाला(ल-श्रा)शय¹- -यस्य माश्री १,६,४,२२. एककपालै (ल ऐ) न्द्राध- -मी मीस ७,१,२२. एक-कर!- -रः विध ५,७८. एक-करपाद1- -दः विध ५, ४८: एक-कर्पा- -णीनाम् काश् ४,१०.

a) वैप १ द्र. । b) पासे. पू ७५२ ६ द्र. । c) लुप्तिमिक्तिको निर्देशः । d) सपा. एकः पिण्डः <>एकपिण्डम् इति पासे. । e) सपा. एकं पित्रम्<>एकपित्रम् इति पासे. । f) सपा. एकमध्यम् <>एकार्घ्यम् इति पासे. । g) एवम् इति जीसं. श्रेषः । g0 वैप १, १०२८ g1 है। सप्र. १एकस्याम् <>एकिं हित पासे. । g1) विप. । वस. ।

द्राश्री १३,२,१०; लाश्री५,३,१;

एक-कर्मन् - -र्मणि काश्री १, ५, ११; १०, ११; काय २५, २५; २६; मीस् ८,१,२६;१२,३,९. ऐककर्म्य - - मर्थम् मीसू २, ४,99°;६,9,9७; ३,9२; ११, १,9; ६; ४, ५०; -म्यात् मीस् 3,9,99; 4,2,99; ८,२,२५; १०,४,३५,५,८२; ६,६३; ११, २,११; -मर्थे मीसू २,४,३२. एककर्म-त्व- -त्वम् मीसू ११, ४,४३; -त्वात् मीस् ५,४,१२^d; 20.4.44. एककर्म-वत् मीसू ९,३,३३. एक-कल्प°- -ल्पानाम् काश्रौ १, ६, 98. एक-काम- -मः त्रापश्री ३, १४,९; १०,२,9; बौध्रौ १९,१०: ६२. एक-कार्य- > ॰र्य-व- -वात् मीसू ५,२,५. एककार्या(र्य-स्र)थ-साध्य-ख- -त्वात् कप्र १,९,८. एक-काल- लम् शंध ३८७; विध ५५, २; -ले हिश्री ८,७,५०; वैध ३,६,९. ऐककाल्य- -ल्यम् मीस् ५. 8,38. एककाल-त्व- -त्वात् मीस् ११, 2,96;23. एककाला(ल-आ)हार°- -रः शंध ३७९: ३. एककालिक'- -कम् विध २८. ५०; -काः वैघ १,८,१. एक-कत्- -ती द्राश्री ५,४, २७; नाश्री २,८,२७.

एक-क्लीतक⁶- -केन आगृ ३,८,८. एक-खुर^e- -राः त्रापध २,१६,१६; हिध २,५,१६; -राणाम् लाश्रौ 9,8,6. एकखुरो (र-उ)च्ट्-गवय-प्राम-सुकर-शरभ-गो- -गवाम् त्रापध १,१७, २९; हिध १,५, एक-ग(ग्>)गा^e--णाः बौधौ १८, २9: ३; २६,३२: 94. एक-गत्य(ति-त्र)र्थ--र्थन् पावा ६, 2,88. एक-गु^e- -गुना वैताथी २४,२०. एक-गुण⁶- -णः त्राज्यो ७, २१; -णम् शंध ११४. एक-गृह- -हे वाध ३,९. १एक-गोत्र->°त्रो(त्र-उ)त्पन्न--ताः वैध ४,८,५. २एक-गोत्र^e- -त्राः अंध २९१. एक-गो-पूर्व- -र्वात् पा ५, २, 996. एक-प्रन्थि - - न्थिम् माश्री १, ३, 9, 3. एक-म्रह- -हाय आपश्रो १२, ७, १०; ८, ५;९, ८; वैश्री १५,९ : १:११: ७; हिश्री ८,२,६;३०; ₹,४: एक-प्राम- पाग ४,२,१३८. एकप्रामीण - -णः वाध ८, ८; -णम् कौय ३, १०, ३५; शांय २.१६,३; विध ६७,३५. एकप्रामीय- पा ४,२,१३८. १एक-चक- > °का(क-ग्र)पहरण-२एक-च्छन्द्स् e - - न्दसः मीस् रे, -णे शंध ३२४.

२ † एक- चक १ - कम् अप १४, १ २\$; ४८, ११६; या ४, २७; अब १०, ११; -क्रेण आपश्री १६,१८,६; वैश्रो १८, १५:१८, हिथ्रौ ११,६,३०. एक-चःवारिंशत् - -शतम् वौश्रौ२६; 99:90. एकचत्वारिंशद्-रात्र-प्रभृति--तीनि आश्री ११,४,८. एक-चर1- -रम् बौश्री ४,८:५,१४, ३ : २५; -राय गौध २६,१२. एक-चरु- -रुः जैगृ १,२४:३; -री बौश्रो २०,८: १. एक-चारिन्- -रिणम् या ४,२०. एक-चिति- -तिः मीसू ४, ४,१७. एक-चितिक- -कम् वाश्रो २, १, 8. 90°. एक-चितीक!- -कः हिथ्रौ ११: ५,४०; -कम् आपश्री १६,१५, ३; १७,२४, ६; ८; बौध्रौ २२, ४ : १०; वैश्रौ १८, १२ : २३; हिथ्री ११,५,३९; १२, ७,१८; २१: -काः बौशु ७:१४; -कान् त्रापश्रो १६, १५,४; वैश्रो १८, 92,23. एक-चिंत°- -तः नाशि २, ८,१३. एक-चैल - -ल: कीसू ८२,४३. १एक-चोदन- -नात् काश्री ४, ३, 99: 4. 4. 8. २एक-चोट्(न≫)ना°– -नासु काश्रौ १६, ७,9७. १ एक-च्छन्द्स-> व्हस्य- स्यम् गोगृ ४,९,४k.

d) ऐककम्यात् इति जीसं.। b) भावे प्यञ् प्र.। c) भ्यात् इति चौसं.। a) कस. वा बस. वा। e) विप.। बस.। f) विप., नाप.। मत्वर्थायः ठन् प्र.। g) श्रर्थः व्यु. च ?। = एक भी ज्युत-कर छ - (= तित्पष्ट-) i) विप., नाप. [गौध.]। h) शैषिकः ख> ईनः प्र. (पा ४,२,९४)। इति भाष्यकृतः । मलो. कस. । उस. उप. क्तीर कृत्। j) वैप १ द्र. । k) सपा. मंत्रा २,६,१३ एकं पदम् इति पासे. ।

२,४२. एक-ज,जा- - जम् काश्रौ ६,१,१५; या १४,१९‡; -जा बृदे ३,३०; -जानाम् शांश्रौ ८,१७,१‡.

एक-जनपद - - दे लाश्री ९,१०,१६. एक-जात - - ताः शंघ २०८: - तानाम् वाघ १७, १०; विघ १५,४२.

एकजात-स्व- -स्वात् बृदे १, ९८.

एकजाता(त-त्र)धिकार- -रः मीस् १०,३,४३.

पुक-जाति⁶ – -तिः गौध १०,

एकजातीय- -यम् मीस् ५, २, २; -यानि निस् ३,३:४१.

एक-ज्यायस्^क – -यःसु लाश्रो ६,७,५. १एक-ज्योतिस्^b – -तिषम् शंघ ११६ः

एक-तक्ष⁴ - -क्षः काशु ७,९.
१ एक-तन्त्र - न्न्त्र मीसू १२, १,
१ °, - न्त्रे आश्री ३,१,१०; काश्री
१५,९,१०; बौपि २, ७, १६;
श्रप्राय ३, ९.
ऐकतन्त्र्य - न्त्त्र्यम् मीसू ११,४,
९:१२;२३.

२एक-तन्त्र"- -न्त्रम्' श्राप्तिगृ ३,

९,३: १९; -न्त्राः अप्राय ३, ९; -न्त्राणि हिश्रौ १३,३,११; -न्त्रे काश्रौ १५,२,१८; -न्त्रौ काश्रौ १५,८,१०.

एक-तम - पा ५,३,९४; -मः काय ४३,९; -मस्मिन् श्राप्तिय १,३, १ : २०; २,२,३ : २.

एक-तय- -यानि बौश्रौ १५, १४: ५; १५: ९; ३८: ७.

एक-तर- पा ५,३,९४; पाग ४,२, १३८^४; -रस्मिन् हिग्र १,२६, २०; -रात् पावा ७,१,२६; -रे श्रप ६३,२,५; -रेण शंध १८३.

एकतरीय- पा ४,२,१३८.

एक-तस्(ः) माश्रौ ५,२,१४, २१; पाग्र.

> एकतः-पा(श >)शा⁸- -शा बौध्रौ ६,१:३; बैध्रौ १२,८:

†एकतो-मु(ख >)खा - - खाम् आपश्री ३,१,७; बौश्री १,१८: ४;भाश्रो ३,१,१; हिश्री २,३,८. एक-ता(रा >)र - - राः श्रप ५२, ६,३;५; - रेषु जैगृ २,५: १९.

एक-तृच- -चम् जुस् ३, १६: ५; -चे लाश्री ६,३,१४; -चेन जुस् ३,१६: ७.

एक-तृण- -णेन काश्रौ ८,८,२५. एक-त्र निस् १०,५: १२^३; श्राप्तिगृ. एक-त्रिंशत्- -शत् वाधूशौ ४,००: १२; श्रापश्च; निघ ५, ६; –शतः हिश्रौ १०, ८, ४६;

-शतः हिश्री १०, ८, ४६; -शतम् श्रापश्री १७, २५, ९; बौश्री १०,४५: ९; हिश्री १२, १,३२; वाश्रौ २, २, १, २६; — काता शांश्रौ १५, २२,१.
एकर्त्रिश— -शः बौशौ १०, ४२: ७‡; १८,३२: ९; — शम् द्राशौ ८,४, २६; लाशौ ४,८, २१; — शे लाशौ ९,५,४.
एकर्त्रिश्च-कै— -कम् श्राश्च ९,३; अपं ४: १३.
एकर्त्रिश्च-सात्र— -त्रम् श्राशौ ११,३,११; आपशौ २३,५,१; — त्रेण हिशौ १८, २,८.
एकर्त्रिश्च-वर्ग-सूक्तक— -कम् सु १,४.

एक-त्रिक!— -कः आपश्रौ २२, ४, २८; बौश्रौ १८,३४: २०;२२; हिश्रौ १७,२,१४; निस् ६,१०: ३२; —कम् शांश्रौ १३, २०,४; —कस्य लाश्रौ ६, ३,४; —के शांश्रौ ११,३,१; काश्रौ २२,३, २५; लाश्रौ ८,५,१८; मीस् १०,५,७; —केण आश्रौ ९,५,

एकत्रिक-त्रिकैक- -काम्याम् शांश्री १४, ४२, ७. एकत्रिक-स्तोत्र- -त्राणि आपश्री २१,२५,५. एकत्रिक-स्तोम- -मम् द्राश्री ८,

४,११; लाश्री ४,८,११. एकत्रिका(क-ग्र)न्तै - न्ताः

लाशी ८,२, ३. एक-त्रि-पञ्च-सप्तन् ।— -प्त बीघ ४, ५, २२.

एक-स्व- -स्वम् मीस् २,३,२;४,१, ११;१०,३, ५७; -स्वात् काश्रौ ६,७, २४; निस् २,७:१;

a) विष.। बस.। $b) = \pi \kappa \zeta$ -विशेष-। व्यु.?। c) वैष १ द्र.। d) विष.। बस. उप. भाप.। e) ऐकतन्त्र्यम् इति जीसं.। f) कि चिद् वा. किवि.। g) तु. पागम.। h) पृ ४४३ f द्र.। i) = एकाद-विशेष-। बस.। j) समाहारे द्रस.।

षाप्रवा १, ५; मीसू ६, ६, ८; ९, ३,३४; १०, ७, २१; ११, १, ३३; -स्त्रे पाता २, १, १०; मीसू २, ४, १३; २०; ९, ३, ४२. एकस्त्र-निर्देश— -शात् पाता १, १, ५०.

एकत्व-युक्त- -कम् मीस् ३,१, १२.

६क-दिश्व(सा>)ण²- -णम् आश्रौ ६,८,१४; लाश्रौ १०, १,१२; अप्राय ६,४.

एक-दण्ड-> °ण्डिन्- -ण्डी बौध २,१०,४०.

एक-दन्ते - न्तम् वीच २,५,२१. एक-दा निस् ५,१२: १६; वैग्र ७, ६: १३; गोग्र १,५,९; वृदे ७, ५१; पा ५,३,१५.

एक-दिवस- -सम् विध ४६, १९. एक-दिव्स- -दिक् पा ४,३,११२. एक-दी (क्षा>) क्ष^b- -क्षः लाश्रौ ८,५,१९; -क्षे शांश्रौ ५,४,३. एक-दीक्षा-> 'क्षिन्- -क्षी काश्रौ ७,५,११.

एक-दुग्ध- -ग्धम् भापश्री १०,१६, ६; हिश्री १०, २, ४८; -ग्धे माश्री २,१,२,३९; ३, २,४; हिश्री १०,२,४९.

ष्क-देव(ता>)तb - -तः भाश्री ६, १५, ९१°; -ताः श्रावश्री २४, ३,४१; हिश्री ३,८,३०; -तान् भाश्री ३,६, १९; -तानाम् श्रापश्री २४,१२,५; -तानि या ५,११; -ते मीस् १०,८, ४२; -तेषु काश्री २२, ७, ४; हिश्री ९,८,५०; मीस् ११,२,२३.

एकदेवत-द्विदेवत- -तयोः शांत्री ६,१,१२.

एक-देवता-> श्य- श्यम् वृदे २, १४२; -त्ये निस् ६,८: १४. ९ एक-देश- -शः काश्री १४, २, १४; वाश्री ३,४,२,३; भाग ३, १९: १: गौध ८, २३; मीसू 3, 3, 22; 20, 3, 33; 6, ४: -शम् बौश्री २७, ५: ११; भाश्री; -शस्य मीसू ३,८, ३२; ६,४,१८; -शे काश्री २५,८, १८वः हिश्री ८,३, ४; १५,१, ७९; निस् ५, ४: ४; श्रापगृ १३, ८; कागृ २८, ५; बृदे ५, २५: पावा ८,४,9; मीसू ३,५, २७; ६,३,२;३७; ४१; ४, १०; १९; -शेन श्रापश्रौ १२,९,१०; भाश्रौ ८,२,३; हिश्रौ ७, ५,२; मीसू ६, ३,४२; ६, ११; १०, ८,३६.

एकदेश-ग्रहण- -णेषु मीस् १०,

पुकदेश-स्व- स्वम् मीस् १०,६, १३,११,२,७; -स्वात् मीस् १, ३,२९;३,३,२०;६,२२; ४,१, ३४;४;२५;९,३,१७; ११,२,

एकदेश-ब्रव्यb- -व्यः मीस् ४,

एकदेश-प्रतिषेध- -धात् मीस् १०,७,४९^६.

एकदेश-विकृत - तस्य पावा १,९,५६⁴; २,४,८५;८,३,८५; पाप्रवा २,४.

एकदेश-विभावित- -तः विध

६,२२. एक्देशा(श-श्र)नुवृत्ति- -तिः पावा ६,१,९२.

एकदेशिन् - -शिना पा २,२,१.. एकदेशि-ग्रहण- -णात् पावा २,४,२६.

एकदेशि-प्रधान¹ - नः पावा ५,३,७२; -ने पावा २,१,१८. २एक-दे(n>)शा b - शासु काश्रौ १६,७,१७.

एक-देश-काल-कर्नृ^ह—त्व- -त्वम् मीस् ११,२,१.

एक-यू^h - - चू: ऋग्र २, ८,८०. १एक-द्रव्य - व्यस्य पावा ५,३, ५७; -व्ये काश्री १,७,८; १०, ६; मीस् ११,४,४३. एकद्रव्य-चिकीर्षा - पीया मीस्

११,३,४१. एकद्रव्य-वत् मीस् ११,४, ४५.

एकद्रव्या(व्य-त्र)भिधान- -नात् पावा ८,१,५१. एकद्रव्यो(व्य-उ)पनिवेशि(न्>)

नी- -नी पावा १, ४,१.

२एक-दृब्य^b— -ब्येषु श्राग्र **४, ७,** १०. एक-द्वार^b— -राः हिश्रौ **७,**१,२८.

एक-द्वि - - द्वयो: पावा २, ४,६४.

एकद्वयू (द्वि - ऊ)ना(न-अ)धि(क >)का¹ - - का ऋपा १७,२एक-द्वि-न्नि-कता-पञ्च-पद्ष- - - दानि

उनिस् २: १४.

एक-द्वि-त्रि-चतुर्- -तुर्णाम् श्रप ५,-१,४; काथ २७०: ३.

a) विष. । बस. उप. = दान-। b) विष. । बस. । c) °ताः इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. सस्य. दिदेवतः)। d) °देशद् इति चौसं. Web. । e) °पेधवा इति कासं. । f) षस. वा वस. वा (तु. कैयटः)। e) वस.>दस.। e) वेप १ द.। e) तुस.>दस.। e) दस.>पस.। e0 विष.। दस.>बस.।

एक-द्वि-त्रि-चतुष्-पाद्⁸- -पात् पि ३,७.

एक-द्वि-व्य(त्रि-म्र)धिक- -कम् ऋपा १६,११.

एक-द्वि-बहु- -हुषु पावा ३, १, ६७.

एक-द्वि-शब्दपरिमाण-द्वव्य-देवता-गुण-सामान्य^b- -न्येभ्यः काश्रौ ४,३,८.

एक-द्वि-शीर्ष - - में श्रप ७२,६,२. १एक-धन - - नम् बौश्रौ २०,३१: ३५^२; भाश्रौ १०, २,८; माश्रौ ५,१,५,१; बौग्ट १,२,६१; श्रप १,४९,३; श्रशा १३,२; - नेन हिपि ५:८; श्रापध २,

२एक-धन,ना^d- -नाः श्रापश्री १२, ५, ११; ७, २; बौश्री २९, ६ : १७; वैश्री १५,७ : १; ८ : ९; २१,१८: ३; हिश्री ८, १, ३९; ६,११; -नान् काश्री ९, २,२२;३,७; श्रापश्रौ १२, २, १३; बौश्रौ ६, ३४: ५; ७, 3:96; 8:90: 30:5; ८, ८ : २७; २८; १७, 9 : ३; २१, १६ : २५; २५, १७ : ६; वैश्री १५, ३:७; ६:२; -नानाम् काश्रौ ९, ३, १९; श्रापश्रौ १२, १६,११; १३, २, ६; १०, १४; बौश्रौ ७, ४: ९; २०: ८; १८, ३०: ४; २५, १७:८; वैश्री १६, २:९; हिश्री ९, १,१६; -नासु श्राश्री ५,१,९; हिश्री ८, १, ६; -नैः काश्रौ २५,१२,२५.
एकधन-परिझि(ए>)एा- -एाः
वैश्रौ १६, २२:१°.
एकधन-परिशेष- -षान् हिश्रौ
२,४,५५°; -षेषु श्रापश्रौ १३,

एकधन-प्रवेशन्-काल'- -ले काश्रौ १४, १,२६.

†एकधन-विद्^ड - विदे आश्री ४, ५,६; शांश्री ५, ८,३; बौश्री ६, १९: ११;२१: १०; दाश्री १४, २, ५; लाश्री ५, ६,८; वैताश्री १३, २३.

एकधन-शेष- -पम् काश्रौ १०, ३,२३. एकधन-स्थान- -ने काश्रौ ९,

४,१. एकधना(न-अ)र्ध- -र्धम् काश्रौ

९,१४,१८. एकधना-स्थाली-- न्कीः हिश्रौ ८,१,६०.

†एकधनिन् - - - निनः काश्रौ ९, ३,३; श्रापश्रौ १२, ५,२; बौश्रौ ७,३: ७; माश्रौ २,३,२,९; ११; वैश्रौ १५,५:६;६:१; हिश्रौ ८,१,५८.

एकधनै(ना-ए)कदेश- -शम् वैश्रौ २१, १४: ३; -शान् वैश्रौ १५,१८: ७; हिश्रौ ८, ४,३९.

एक-धर्म-> ऐकधर्य- - स्यम् मीस् ७,१,२

एक-धा⁸ স্নাসী ই, ই, १†; ই; হাাসী; एकधाऽएकधा হাাসী হ, १,१०; माসী ५,२,९,५. ऐकच्य^b— पा ५,३,४४; **-ध्यम्** काश्री १४, २, २४; श्रापश्री २,१७,३; हिश्री ५, १,९; मीस् ९,३,३४.

एक-धान्य- -न्यम् गोगृ.३, २, ५१.

एक-धामन्^d -- मा जैगृ २, १: २२‡.

१एक-धुर- > २एकधुर-, एक-धुरीण- पा ४, ४,७९.

एक-नक्षत्र- -त्रे काश्री २१, ३, ३; त्राग् ४, ५,१.

एक-नवति - तिः शंध २६३. एक-नाराशंस^d - संम् श्रापश्रौ १२, २५,२६; बौश्रौ २५,२२: २.

एक-नाल- -ले श्रप ७०^२,४,३. एक-निधन^त- -नम् निस् ६, ५,३; -नानि निस् ६,५:४.

एक-निष्पत्ति - न्तेः मीस् ४,१,२२. एक-नीच - न्ते नाशि २,१,११.

एक-पङ्क्त्यु(व्कि-उ)पविष्ट--ष्टानाम् शंध ३८३.

एक-पञ्चाशत् - -शत् सम् ४, १; नाम्र १४: ७; -शतः स्रप ५२, ३,१; -शतम् बीभौ ११, १: ११; २५, ३३: २; -शताः स्रापश्रौ १८,१४,६; नाभौ ३,३, २,३२; हिभौ १३, ५, २३.

१एक-प(ति>)की¹- पा ४, १, ३५; -क्रीनाम् वाघ १७, ११. २एक-पत्नी¹- -क्रीम्यः आप्तिग्र १, २,२:३०; बीग्र ३,९,६; भाग्र ३,११:५; हिग्र २,२०,१.

एक-पद् - -पदे शांग १, २६,२४;

a) विप. । द्वस> बस. । b) द्वस.>षस. । c) विप. । मलो. कस. (= एकाऽत्रयवीभूते द्वे)>बस. । d) विप. । बस. । e) सप्त. e0 सप्त. e1 शिष्टाः e2 शिष्टाः e3 शिष्टां e3 शिष्टां e4 शिष्टां e5 शिष्टां e5 शिष्टां e6 शिष्टां e7 शिष्टां e7 शिष्टां e7 शिष्टां e7 शिष्टां e7 शिष्टां e7 शिष्टां e8 शिष्टां e8 शिष्टां e8 शिष्टां e8 शिष्टां e8 शिष्टां e8 शिष्टां e9 शि

पागृ २, १५, २; वैगृ ३, २०:

ग्रुप्त, र. र. र.

एकपदा— -दा ऋग्न २,४,१०४×;
शुग्र; —दा: श्राश्री ६, ५, १२;
१२,९,१४; निस् २,१२: ३२;
ऋग्न १,१२,९; ४,८; बृदे ८,
१०९; शुग्र १,१०४; श्रृप्त २,
१०:११,३.(२²); १२, ५(२);
ऋग्र १७, ४३; उस् ३,२;
उनिस् ८:१०; २८; —दाभिः
कौस् ४७,४१; —दायाः शुग्र ४,
१४६; —दायाम् लाश्री ७,४,
९; —दे श्रग्र ९, ७.

एकपदा-द्विपदा- -दानाम् निस् १,७:२.

एकपदा(दा-स्र)न्त⁸ - -न्तम् ऋत्र २,६,६३.

एकपदा-प्रभृति- -तयः

निस् १,४: २५.

एकपदी— पाग ५, ४, १३९;
—†दी आपश्री ९, १९, १०;
बौश्री १४,१४: ३१; वैश्री २०,
३८: १; हिश्री १५, ८, २२;
आग्र १, ७,१९; कौग्र १,८,२८;
शांग्र १, १४, ६; श्रस्र १३, १;
या ११,४०.

१एक-पद - - दानि या २, २; ३; ऋता ११,३५; श्रशा २, ३,१९; -दे शुपा १, १११; तैपा १५, ४; ऋत ५,६,७; याशि १,७४; २,५५;९५.

ऐकपदिक- -कम् या ४, १; -काः या १,१४.

एकपद-निरुक्त- -क्तम् या ९,

२६.

एकपद-वत् शुप्रा २,१८. एकपद-स्वर- - रस्य पावा १, १,६३.

9,६३. एकपदा(द-ब्रा)बाध- -धे ब्रप्रा २,३,१८.

२एक-पद,दाª- -दः शौच ४,१२६; -दा नाशि २,६,६.

एकपद-द्विपद-त्रिपद-चतुष्पदा-(द-श्र)नेकपद- -दाः शुप्रा १, १५७.

एकपद-द्विपदा^b---दाः आश्री ४, १५,६.

एकपदि— पाग ५,४,१२८. एक-पर्ण— -र्णेन भाग्र ३,१४:१९. एक-पर्व॰— -र्वे भाश्री ६,१५,१६. १एक-पर्वन्॰— -र्वेण शांश्री १४, १०,१९.

२एक-पर्वन् - - र्वसु या २,२. एक-परा - रुम् श्राप्तिगृ २,७,७:

एक-पलाश-, °शिका^d-(>°शीय-, °शिकीय-पा.) पाग ४, २, १३८.

१एक-पवित्र - - त्रम् माश्रौ १, १, २,३; वाश्रौ १,२,३,४; ३, ५; शांग्र ४,२,२°; गौषि २, ६,५;° - त्रे भाश्रौ १,७,३; - त्रेण श्रापश्रौ १,७,७; श्राप्तिग्र ३,५, ५: १४;११,३:२; बौषि १, ४: १४; हिषि ३: १४. एकपवित्रा(त्र-श्र)-तिहित,ता-

-तान् कौस् ८७, ७; -तानि हिरु २, १४, ३; -ताम् हिश्रौ २,७,९०; -तायाम् श्राप्तिरु ३,

१,१: ५; हिए २, १०, ४;

–ते श्राप्तिय ३, ११, २ : ५.
 २एक-पवित्र⁴ – न्त्रः श्राप्तिय ३, २,
 १ : ३.

एक-पशु- -शुः काग्र १९,४; -शोः श्रप १,३२,२;६८,२,१४; -शौ शांश्रौ १४,१०,१९.

एक-पञ्च(क>)का^a- -काः श्राश्री ३, ६,१८.

एक-पाण्या(शि—ग्रा)वर्जित - तेन श्रापध १,४, २१; हिध १,१, १४०.

एक-पात-> १एकपाति(न्>)नी-ती ब्राक्ष्रौ ६,५,६; -तीः ब्राक्ष्रौ
५,१८, ११; -तीनाम् शांश्रौ
१४,५३,६; ५६,१३; -त्यः
ब्राक्षौ ७,३१,२३; ८,१,१२;
६,२;१०,१; ११,२; शांश्रौ ८,
३,१५;६,१६;१२,२,१४;१८,
१,८;११,२ -त्याः शांश्रौ ८,
७,८,

२एक-पातिन् – -तिनः ऋपा ११, ५२;१७,४३; †तीनि आश्रौ १२,६,२३.

१एक-पात्र- -त्राणि आश्रौ ५, ९, २८; -त्रे मीसू ३, ५, ३७; -त्रेभ्यः आश्रौ ५, ६,२९.

२एक-पात्र^क - न्त्रम् श्रापश्रौ **१२,** २४,१७; -न्नाः वाधूशौ **४,७८:** १;२;४^२; -न्नाणाम् मीस् **३,५,** ४४.

एक-पात्री - - ज्याम् काश्रौ ९,९,४. १एक-पाद् - - पात् कप्र २,१, १२ = प्रश्रुष्ठ १३,२;३; अप्रा १, २,२.

२एक-पाद् (श्रज-)!- -पात्(-जः) शांश्री ६,१२,२५+; श्रापश्री ५,

a) विप. । बस. । b) मलो. कस. । c) कस. समासान्तस्य प्र. विकल्पः (पावा ५,४,९०३)। d) तु. पागम, । e) पामे. पृ ७८५ e द्र. । f) वैप १ द्र. ।

१९, ४ +××; बौश्री; या १२, २९कः; ३० +; ३२; - +पादम (-जम्) वाध्यौ ४,६१ : ७. एक-पाद- -दे ऋप्रा १,९९. एकपाद-स्थित- -ताः वैध१,८,१. १एक-पिण्ड- -ण्डम् कौगृ ३,१४, १४; शांगृ ४, २,४; -ण्डस्य कींग ५.७.२. २एक-पिण्ड^b- -ण्डाः शंध २०८. एक-पिण्ड-स्व(धा >)ध^c--धानाम् सुधप ८८: १. एक-पुत्र^b- -त्रः शंध २६८; -त्राः विध १८,२८. एक-पुरोडाश^b- -शेषु काश्री १२, २, १२. एक-पुष्करिणी-पर्णd- - ज श्रप ६८, ٦, ३. पुक-पु(ब्प>)ःपा- पावा ४, १, एक-प्रकरण- -णे त्रापश्रौ २४, २, एक-प्रतिषेधा (ध-श्र) थे- -थम् पावा १,१,७. एक-प्रतिहारb- -रम् लाश्री ६, १२, ४;७,४,४; -रे लाश्री ७,४,१७. एक-प्रत्यवायb- -यम् काश्रौ १,९,९. एक-प्रदक्षिण- -णम् हिश्रौ १७, 9, 34. एक-प्रदान,नाb- -नः काश्रो १२, ६,१२; -नाः श्राश्रौ १,३,१८; 2,99,7; 99.

पुक-प्रधा(न>)ना⁰- -नाः बृदे४,८

एक-प्रभृति- तीनाम् वाश्री ३, २,

٩,٤. एक-प्रस्तावb- -वानि निस् १०.६: एक-प्रस्थ- पा ६,२,८८. एक-प्राण-भाव⁶- -वे तेप्रा ५,१. एक-प्राण-योग^d- -गः श्रुपा १, एक-बर्हिर्-इध्मा(ध्म-श्रा)ज्य-स्वष्ट-कृत्°--कृत: आगृ १, ३,९1. †एक-बर्हिस्b- -हिंपः श्रागृ १, ३, १०; मागृ २,१८, ४⁸; कौसू ६, एक-बृहतीका- -काः निसू ५, ७:५. १एक-भक्त- -क्तम् कौस् ३८,२२. एकभक्तिक b- -कः गौध २४,७. २एक-भक्त,काb- -का वैगृ ३, ९: २: -क्ताः वैष्ट ५,७ : ४. १एक-भाग- > °भाग्य- -ग्यम् निस ३,६: ३. २एक-भागb- -गः मीसू १०,७,२१. एक-भा(र्या>)र्यb- -र्थस्य श्रापश्री १६,४,५; हिश्रौ ११,१,४९. एक-भाव- (>ऐकभाव्य- पा.) पाग ५,१,१२४. एक-भक्त- -क्तम् हिपि ८: १०. एक-भूयस्1- -यांसि गोगृ ४, ५, २०; ऋअ २,१,९९. एकभूयस्-त्व- -त्वम् बृदे ३, 930. एक-भूयसी - -सी: श्राश्रौ ५,१४, २0; ७,५,१३; ८,४,१३. एक-भेद^b- -दम् सु १६,२. †एक-मनस्⁰- -नाः¹ कौगृ २, २,

१४; शांगृ २, ४, १; पागृ १,८, ८; २, २,१६; आमिगृ १,१,३ : २४: ५,४:३९; बीग् १,४, १; भाग १, १७: ९; माग १, १०,१३; हिए १,५,११. १एक-मन्त्र- -न्त्रः हिथी १, १, २९; मीसू ३,२,२६ ऐकमन्त्रय- - न्यम् मीस् ३, २, 83k. २एक-मन्त्र^b- -न्त्राणि आपश्रौ २४, १,३८; भाश्री १,१,२०; हिथी 2,9,38. अएक-मा(त्रा)व्र^७- -त्रः तेपा २२, १३; शौच १, ५९; माशि १३, १; याशि १, १६; -त्रम् उसू १.९: - त्रे माधौ १,२,३,६. २एक-मात्रा- -त्रा याशि १,१३. एकमात्रिक h- -कः कौश ७३. एक-माप'- -थेण जैय २५: ११. एक-मु(ख >)खी^b- -खीम् अप ६,१,१४;१५. एक-मृष्टि - - ष्टिम् आसिगृ १, ६ ३: एक-मूलb- -लः भागृ १, १०:४; -लम् श्रापृ १,२२,२१. एक-यज्ञ- -ज्ञे काश्रो २५, १३, एक-यम"- -मम् तेप्रा १५,९2. एक-यान-भोजना (न-त्रा)सन-शय-न"- -नै: विध ३५,४. एक-यावन् 0- - तः वाधूश्री ३,९४:५. एक-युक्त- -क्तम् आश्रौ ९,४, १८; -क्तेन आपश्री २२,२,२०.

a) पामे. ७८५ ते द्र. । b) विप. । यस. । c) विप. । यस.) द्रस. । d) कंस. > पस. । e) कस. > पस. यद्वा कस. > उस. (तु. भाष्यम्) । f) ॰ बिंदि राद्याज्य ॰ इति वृत्तिकारः । g) ॰ हिंपि इति पाठः १ यिन. क्षोधः (तु. श्राग्र.) । h) मत्वर्थीयः ठन् प्र. । i) विप. । तृस. । j) पामे. वैप २, ३ खं. एकमनाः मंत्रा १, २, २९ टि. द्र. । k) एकमन्त्रत्वम् इति कासं. । i) कस. उप. = श्रान्तिवेष- (तु. c., वैतु. भाष्यम् = प्रमाण-विशेष- तिदितार्थे द्विस.]) । m) विप. । वस. उप. = उदात्तादि- । स्वर- । n) कस. > द्वस. । o) वैप २,४ खं. द्र. ।

एक-यूप- -पः हिश्रौ १६, २, १; -पम् आपश्रौ १७,२२,६; १९, १, ११; वैश्रौ १९, ६: १४३; हिश्रौ १२, ६, २७; १३, ८,९; मीस् ११, ३, ४; -पे काश्रौ ८, ८, २६; आपश्रौ १७, २२, ८; १९, १, २०; १६, २१‡; २२, १, १५; बौश्रौ २२, ११: २७; माश्रौ ५,२, १२, ४६; ६, २, ६, १३; वाश्रौ २, २, ५,२; वैश्रौ १९,६: १४४; हिश्रौ १२, ७,१; १७, १, १६; -पेन हिश्रौ ९,८,५.

२एक-यूप⁸— -पेषु शांश्री ६, ९,४. एक-योग^b— -गे पाता १,४,५९; २, ४,८३; ६,१, ९२; १००; ७,३,

एकयोग-लक्षण-स्व- -स्वात् पात्रा १,१,६२.

एक-योनि॰- -नयः आश्रौ २,२,१. एक-रज्जु- -ज्ज्वा आपशु ५, २; ६, ७; १०-१२; ७,१; हिशु २,९; ३५;३९;४०;४५;४७.

एक-रध- -धेन होदे ६,२०.
 एक-राज्° - -राट् श्रापश्री १८, ६,
 ४; वाश्री ३, १,२, २४; हिश्री
 १३, २,१८.

ऐकराज्य- -ज्यम् श्राश्रौ ५,१९, ४^{‡व}.

एक-राज- -जः जुस् १, २:२७; -जम् काथ्रौ २२, ११, २९; -जात् पावा ४, १,१६६; -जेन कौस् १७,११. १एक-रात्र°-- -त्रेण शांश्रौ १६,१९, २.

एकरात्र-चत्रात्रो(त्र-उ)पजन¹--नानि श्राश्रौ ११,४,९.

एकरात्रो(त्र-उ)पजन*- -नः श्राश्रौ ११, ४,७; -नम् श्राश्रौ ११,२,१८;३,११^२.

एक-रात्रि - - त्रिम् श्रापध २, ७, १६ मे.

ऐकरात्रिक⁸- -कः गौध ५,

२एकरात्र^b— -त्रम् आश्रौ ८, १४,८; शांश्रौ ४,१५,६; माश्रौ १,५,१,२५; वाश्रौ १,४,१,११; हिश्रौ १०, ३, २०; कौर्य ५,४, ९; पार्य २, ११, ९; ३, १०, ४××; —त्राय हिपि १४: ५†; —त्रेण श्रापध १,२७,११; बौध २,१,४२; विध २२, ४०; ४४; ५३,९; हिध १,७,३६.

एकरात्र-वृतो(त-उ)िष (त->)ता¹- -ताः वैश्रौ १९, ६ :

एकरात्रीण 1 - - णः लाश्री ८, ४,३; - णस्य बौश्री १८,१:७. एकरात्रो(त्र-उ) पवास - - सः काग्र ७,३; वाध २७,१३; बौध ४,५,११; सुध १८; ६४.

एकरात्रो(त्र-उ)वित- -तम् या १४,६.

एक-रुद्र-देवता->॰त्य- -त्यः शुद्र २,२४६. एक-रुद्र-स्तुति- -तिः शुश्र २, २५३.

एक-रूप,पा°— -पम् काग्ट ५९, ५; श्राप १८³,१,११; —पाः माश्रौ १,८,३,३; हिश्रौ १३,१, २२^६; —पान् श्रापश्रौ १८, २, १३; बौश्रौ ११,३:३०; बाश्रौ ३, १,१,२०; वैश्रौ १७,१०:६; —पाम् कौस् ६९,२.

एक(क-ऋ)र्च, चींं - - चंः लाश्री ६, ४, ७; निस् ६, २: २६; ऋअ ३, ४०; चव्यू १: ११; -चम् जेश्रो ९: २४; लाश्रो; -चया वैगृ ५,५: २९; ७,२:५; १३; -र्चयोः द्राश्रो ९,३,६; लाश्रो ३. ६,२५: -र्चाः द्राश्रौ ८,२,५: लाथ्रौ: -चीन निस २, २:४; ५;७;११;१४; -चीनाम् लाश्री ८,५,९; ऋषं ४: १६; -र्चानि जैश्री २२: १३; २६: ७; श्रश्र १९, ६१; -चें लाओं ६, ४, ८; - चेंचेभ्यः ग्रव ४६,१०,२०; श्रश्र १९,२३; -चेंषु लाश्री ६, १, १०; अवं २:४; १४; ७२; -चैं: निस् २,२: ६; -चौं निस् ६,३ : १८; २२;१३ : २४. एकर्च-दृष्टि"- - शीनि निसू २. २:9; २.

एकर्च-वत् लाश्रौ ६, १, ४. एकर्च-स्थ- -स्थानि मीस् १० ६,१^m.

एकर्च-स्थान- -नेषु लाश्री ६, ४,५.

a) विष.। बस.। b) कस. उप. = स्त्र-। c) वैष १ इ.। d) पाभे. वैष २,३ खं. आजिम् तांत्रा १,५,९९ टि. इ.। e) वैष १,९०३२ t इ.। f) इस. > बस.। g) विष. (ऋतिथि-)। ठल् प्र. (पा ५,९००)। h) समासान्तः अच् प्र. (पा ५,४,८०)। i) विष. (सिमिध्-)। j) विष.। निर्वृत्तार्थे ख>ईनः प्र. (पा ५,१,८०)। k) परस्परं पाभे.। l) विष., नाप. वस. वा बस. वा। ऋर्धर्चादिः इ. lतु. वाच.l। m) एकर्क्-स्थानानि इति कार्सं.।

एक(क-ऋ)र्दि a- -र्दि श्रापश्री २२, 93,90. एक(क-ऋ)र्षि- -र्षये कौसू ६७. एकर्षि-त्व- -त्वात् श्रापश्रौ २४, 99,98. एक-लिङ्ग°--ङ्गम् या १२, ४०रे. एक-वचन- -नम् अप्राय १, १; श्रप्रा २,१,११;२,२; ३; ६; पा १,२,६१;२,३,४९;४, १; पावा १,२,६९; २,४,१२;४,१, ९३; ६,१,८३; -नस्य पा ७,१,३२; ८,१,२२; -नानि या ४, १५; श्रप्रा २, १, १५; २, १; १६; २०; ३, २, २; ३, १९; -ने ऋत २, २,९: पा ४, ३,३; ७, 7.90. एकवचन-ग्रहण- -णम् पावा 2.8. 09. एकवचन-द्विग्d- -गोः पावा २, 2,4. एकवचन-द्विवचन-बहुवचन--नानि माश्री ५,२,९,१; श्रप्रा २.२.१४; पा १,४,१०२. एकवचन-द्विवचना(न-श्र)न्त^e--न्तस्य पावा २, ४, ६२; ४, १, एकवचन-विधान- -नम् पावा 2,8,9. एकवचना(न-न्रा)देश- -शे पावा 8, 2, 42. एकवचना(न-ग्र)भाव- -वः पावा २,४,१.

एकवचना(न-श्र)र्थ°- -थ: या €,9€. एक-वत् शांश्री ९, २३, १४; श्चापश्रौ ८,५, ८; ११, ११, ७; बौश्रौ १७, ५५: १०; ६१: ८××; जैमृ २, ५: २१'; पा 8, 7, 69; 8, 90 €. एकवद्-भूत- -तात् बौश्रौ १६,9: 6. एकवंद्-वचन- नम् पावा ६, ३, १; -नात् पावा २, ४, १; -ने पावा ६,३, 9. एक वय:-प्रमृति - -ति वैश्री १७, 99:90. एक-वरh - -रः मागृ २, १३, ९... एक वर्ग- -र्गः ऋत्र ३,४०; चव्यू १:99. एक-वर्जम् काश्री ३, १, ११; १४; ५,२१;१७, ३, ६; श्रपं २ : ३; पा ६,१, १५८; पावा ६,१, 9482: १एक वर्ण - - णः शुप्रा १, १५१; तैप्रा १, ५४. एकवर्ण-वत् ऋप्रा १,६७; शुप्रा ध, १४४; शौच १, ४०; पाप्रवा एकवर्ण-विकार - -रः निसू ३, 99:92. २एक-वर्ण,र्णां - -र्णम् कीय ३, ६, ३; शांग्र ३,११,७; पाग्र ३, ९, ६; गोगृ ४,७, ८; ऋप्रा २, ६; १०,३; -र्णाम् आगृ ४, २, ६; -णीनाम् पाप्रवा ५,९; -णे श्रप

६३,१,८; - जेंचु पावा ६,१, १: -णें श्रपा ४. १४८. १एक-वस्त- -स्त्रम् गोगृ ३,२,५१. एकवस्त्र-ता- -ता बौध २, ९, vo; 3,90,98. २एक-वख°- -खः शांगुध,१२,२२६; श्राप्तिगृ २,६, ३: ५९; श्रापच १,६, १९; बौध २, ५, ३१; हिंध १,२,४२; -स्त्राः पाय ३. 90,90. एक-वाक्य- -क्यम् मीस् ३, १, एकवाक्य-त्व- त्वात् मीस् १.२. v;3,8,9;0,98; 80, 9,6;8, . 8; 88, 7, 39; 80. एकवाक्य-भाव- -वात् पावा ६. एक-वास1- -सः वाध २४, ५. एक-वासस् - -ससः श्रामिगृ ३,४. ४: १८; हिपि २: १३; ८: ५; गोग ३,१,२९; गौषि १,४, ७; द्राय २, ५, १९; आपध २, १५, ७; हिंध २,३, ३७; -साः कौय ३,११,२२ ; जैय १,१६ : ३; ऋप ४०,१,१४; शंध १९७; ३७९™; ४३३; ४४३; ४**५३!";** विध ६८, १३; वैध २, १४, 93. एक-विंशति- -तये शांश्री १६, ३, १५; -तिः आश्री ८, ८, ५; शांथी; निघ १, १; या २, ७; -तिम् आश्री .६, ९, १; ७,५, ११; काश्री; आपश्री २१, १,

a) कस. वा. किवि.। विप. इति कृत्वा °ढ्योँ इति c. शोधः ?। °ढ्योँ इति संभाव्येत ?। b) पामे. पृ ७८५ i द्व., तत्र च ?प्कद्याम् (तु. मूको.)>?प्कर्ष्याम् इति c. पिपिठेषुः । c) विप.। वस.। d) मलो. कस.। e) द्वस.> वस.। f) तदहाँ यः वितः प्र. (पा ५,१,१९७)। g) विप.। वस.> वस.। h) कस. उप. = अष्ठ-। i) कस. उप. = अक्षर-। j) विप.। वस. उप. = रङ्ग- वा अक्षर- वा। k) सपा. °वस्त्रः <> °वासाः इति पामे. k) विप.। वस. उप. = वस्त्र-। m) उत्तरेग्यं संधिरार्षः (तु. ४४३)। n) °सो इति पाठः ? °साः इति शोषः।

१४१º: हिश्रो १३,१,६७;१६,१, १९? ; -त्या काश्री १७, १,७; १८, ६, १०; श्रापश्री; -त्याः बौध्रौ २६, १०: ५; बौशु ४: २०; -त्याम् बौश्रौ ११, १: १५⁰; १८, ४५:३९; कौसू ३७, ३; -त्ये बौधौ १८,४५: 36. एकविंश°- -शः श्राश्रौ ११, ७, ७; शांश्री; -शम् शांश्री १४, ३३, ६××; श्रापथ्रौ; -शस्य शांश्री १६, २४, ७; लाश्री ६, ८, १४; धुस् १,२: २२: -शाः आश्रौ १२,५,१६; श्चापश्रौ; -शान् निस् ४, १३: 9: 0, 0: 4; 80, 8:99; -शानाम् कप्र ३,८,२०; -शानि आश्रौ ११, ५, २; शांश्रौ ९, २१,६; १४, १२, ९; त्रापश्रौ; -शाभ्याम् शांश्रौ ९,२७, १ ; -शे त्राध्रौ ७, ५, ११; १२, ७, ११; शांश्री; -शेन श्राश्री १२, ३, ३; ४, २३; श्रापश्री; -शेषु निस् १०, २ : ३१; -शो श्राश्री ४,५२, १; आपश्री १६,३३,५+; बौधौ १६,३५: ७; १८, ४८ : २७; वैथ्री १८, २9: २२ ई: हिथ्री ११,८,३ रे. एकावेंशी- -शी शांश्री १८, १४,४; श्रापथ्रौ १,५, ११; भाश्री १, ५, १०; वाध्रश्री ४, ११५: २: हिंथी १, २, ६४: ऋग्र २,१,२३; -शीम् श्रापश्री

१८, १,६७; वैश्रौ १७,७ : ५०; कौसू १३८, १२; - स्याम् वाधूश्रौ 8,994:94. एकविंशी-त्रयोविंशी--इयी ऋग्र २,७,१०४. ऐकविंइय- - इयात् निस् ६, 4:98?4; 20, 4: 22. एकविंश-त्रयस्त्रिश--शाभ्याम निस् ४,११: ५. एकविंश-त्रिणव-त्रयास्त्रेश--शाः आधौ ११,३,८. एकविंश-प्रभृति- -तयः शांश्री १६,२१,६. १ एकविंश-स्तोम- -मः निस् ३, ४: २१; १०, ७: १७; या ७,११; -मम् शांश्रौ १०,५,१; ११,१३,१; १४,१३,१२; १६, ३.९: निस् ८,१३:३२. २एकविंश-स्तोम⁶- -माः निस्८, ३: १५; -मानि निस् 6.93:97. एकविंशा(श-आ)यतन8--नः निस् २,१३: ५. एकविंशक'- -कम् जैश्रौका १९५; श्रश्र ८,१; अपं ४:२०. एकविंशिका- -का ऋपा १६, १एकविंशति-कष्- -कम् वैगृ ३, 9:94. २एकावेंशति-क.h- -कम् ऋत्र ३, एकविंशति-कपाल1- -लम् श्रापश्री १८, १२, ११; बौश्री

१२, १०: २; २६, ३०: १५; माश्री ५,१,७,२४; वाश्री ३,३,. २, ४; हिश्रौ १३, ५, ७; २५; -लस्य बौश्रौ २२, १८: १९; -लात् बौश्रौ २४, १०: १२; -लेन हिथी १३,६,३९. एकविंशति-कुश-पिञ्जूल1--लानि आगृ १,१७,४ एकविंशति गर्भº - -र्भः वौश्रौ 28,98:90. एकविंशति छदि - वि हिश्री 9,0,34; 98,9,40?1. एकविंशति-छदिस्°- -दिः श्रापश्रो २१,४,१६; बौश्रो १५, १७: ५: वैश्रौ १७,३: १०. एकविंशति-दक्षि(णा>)णe--णस्य त्रापश्रौ १०, २६, ४; भाश्रो १०,१७, ११; वैश्रो १२, १९: २; हिश्रौ ७, २, ५५; -णेन बौश्रौ २५,४:९. एकविंशति-दर्भ कूर्च। -चैं: वैश्रो १२,७: ९. एकविंशति-दारु - - रुम् त्रापश्रौ १, ५, ६; बौश्रौ १, २: २६; भाश्री १,५, २, वैश्री ३,५ : २;. हिश्री १,२,५८; त्राप्तिय १,१, १: १८; भाग १,२: ८; हिंगू. 2,9,96. †एकविंशति-धा श्रापश्री १, ६,१; बौश्रौ. एकविंशति-निर्वाध1- -धः त्रापश्री १६,१०,९; हिश्री ११, ३,२६; -धम् बौश्रौ १०,१२ :

a) पाठः ? °ितः इति C. शोधः (तु. पृ ४३९ W) । b) सपा. °िवंशतिम् <> °िवंशत्याम् <> °िवंशतिम् इति पाभे. । c) स्वार्थे ढट् प्र. उसं. (पा ५,२,४६)शिष्टं वैप १ द्र. । d) °श्या इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. नान्तरीया पंक्तिः) । e) विप. । वस. । f) विप. । परिमाणार्थे इसुन् प्र. (पा ५,१,२४) । g) पूरणार्थे कन् प्र. उसं. (पा ५,२,५६) । h) स्वार्थे कः प्र. । i) वैप १ द्र. । j) कस. > पस. । k) परस्परं पामे. । i) °ितश्च इति पाठः ? यिन. शोधः ।

९; माश्री ६,१,४, १; वाश्री २, १,२,३४; वैश्री १८,६ : ८,७ : एकविंश ति-पिण्डª - -ण्डम् काश्री १६,4,9. एकविंशति-प्रदान8 - - नान् काश्री 20,0,22. एकविंशति-प्रभृति- -ति शांश्रौ 0.90,96. एकविंशति-मात्र- -पान् वैश्रौ 86.8:8. एकविंशति-यव- -वान् हिश्री १५,4,२४. एकविंशति-रात्र^b- -त्रः शांश्रौ १३, १६, ३; बौश्री १६, ३३: १३: - त्रम् बौश्रौ २८,२: ५३; निस १०,१: ११; बौध ३,६, २०: विध ४८, १६; -त्रयोः काश्री २४, २, ३; -त्रात् बौध ३, ५,७; - त्रे निस् १०,१ : ९; -त्री आश्री ११, ३, १; आपश्री २३, ३, १; हिश्रौ १८, १, एकविंशति-वर्ग- -र्गान् काश्री २२,१०,८; लाश्री ९,४,१. एकविंशति-वि(धा>)ध8- -धः काश्री २०,४, १५; बौश्री १५, १७ : ४; २६,१० : ७;८; काशु ५,३; -धाय बौश्री १५,१४: ११: वाध्यो ३, ७६: २०. एकावैंशति-सं (स्था>) स्थ^--स्थः कौसू १३८, १३. एकाविंशति-स्तोम8- -मेन बौश्रौ १८.४७: 5: २६.

एकावैंशती (ति-इ)ध्म- -ध्मान् वैगृ ४.१: २. एकविंशत्य(ति-श्र)क्ष(र>)रा*--रा निसू ६, ५: १३. एकविंशस्य(ति-त्र)ङ्गल- -लम् वैश्रो ११, ७: ८. एकावेंशत्य(ति-श्र) नुवाक--कान् मागृ १, २३, १५; -कैः वाश्री ३,४,३,२२. एकविंशत्य(ति-श्र)रिकि -- त्वयः शांश्री १६, ३, १; वाध्रशी ३, ७६: ९; -ितः वाधौ ३,४,१, ५४: - तिम् श्रापश्रौ २०, ९, ६; हिश्रौ १४, २, ३८; -त्नीन् बौध्रौ १५, १४:२; - ले: बौध्रौ 28. 34: 4. १एकविंशत्यवरापराधीत् माश्री 2.8,4,9°. एकविशत्य(ति-त्र)ह्व- -हे जुसू 2,98:95. एकविंशत्यह-कारिन्- -रिणः द्राश्री ८,२,१२१°; लाश्री ४,६, १२; निस् ५, ७: ३; -रिणाम् निस् ९, १२: १५. एकविंशि(न्>)नी'- -नीम् श्रापश्रौ २०,११,५; बौश्रौ १५, १३: ६; २०: २; वाधूश्रौ ३, 63: 3?B. एक-वि(धा>)ध - -धः श्रापश्री १६, १७, १५; श्रापशु ८,७; हिशु ३, ८; -धम् शांश्री १६, १९, २; बौश्रौ ६, २०: १४; ७, 9 : 9 ६; २५, 9 4 : २ 9. एकविध-प्रमृति- -तीन् बौश्

५: १०; २१: १०; -तीनाम् त्रापशु ८, ९; ११, १४; १६; हिशु ३,११; ४,१७; २०. एकविध-प्रसङ्ग- -ङ्गः बौशु ५: एकविधो(ध-उ)क- -कम् त्रापशु १२,४; हिशु ४,२६. १एक-विभक्ति- -क्ती पा,पावा १, 3.58. एकविभक्त्य(कि-श्र)न्ते --न्तानाम् पावा १,२,६४. २एक-विभक्ति - - कि पा १,२, ४४: -तो पावा १,२,४४. एकविभक्ति-त्व- -त्वात् पावा 2,2,28. एक-विमुक्त- - के काश्री ८,१,२. एक-विष्टर- -रः जैगृ १,१९ : ३७. **‡१एक-वीर- -रः माश्रौ १,६,२,** १७: वैताश्री १४,१. २एक-वीरb- -रान् कीस् ४७, १४. एक-वृक्ष- पाग ४,२, १३८; - क्षे मागृ १,१३,११; वागृ १५,५; त्रप २२, ३, ४; ७०३, ४, ५; نع.٤. F. †एकवृक्ष-सद्- -सदे मागृ १, १३,११; वाय १५,५. एकवृक्षीय- पा ४, २, १३४; -यान काश्री २, ८,१. एक-वृत्b- -वृत् काश्री ८, २, २७; ७,१३; श्रापश्रौ ६, २३, १५; माश्री २, २, ४, ३१; माग्र १, १०, २१1; २, २, ५; भाग २, २0:944. एक-वृद्धि - - द्या बौध ४, ५,१७.

a) विष. । बस. । b) वैष १ द्र. । c) पाठः १ एकविंशितः, अवरा, आ, परार्धात् इति चतुष्पदः शोधः (तु. शांश्री ७,१७,५७; संस्कर्ता च) । d) = कतु-विशेष- । e) °हः का इति पाठः १ यिन. शोधः (तु. लाश्री.) । f) विप. । परिमाणार्थे हिनिः प्र. (पावा ५,१,५८) । g) °शः इति पाठः १ यिन. शोधः । h) विप. । बस. उप. १ । i) °वत् इति पाठः १ यिन. शोधः (तु. माश्री.) ।

कुक-वृष* - - †षः अश्र ५, १६; अतं
 २: ९; ४८; ३: ९; ४: ११;
 -षम् श्रुस् १, २: २६^b; अश्र ५, १६°; -षस्य लाश्री ७, ६, ५^b.
 एकवृष-देवता - > व्य - त्यम्
 अश्र ५, १६; ६, ८६.

युक-चेद- -दे वाग् ६, २९; गौध २,५२.

एक-वेदस्य- -दाः बौश्री १८, ३३ :

ण्क-वेद्य(दि—श्र)न्त- -न्ते श्रामियः १,२,२:१७.

रिष्कवेद्यान्तेभ्यः हिए २, १९,६. एक-व्यपदेश- शात् मीस् १०, ६,४८.

एक-ब्यवेत- -तः तैप्रा ४,५१. एक-ब्यूह¹- -हम् विध १,६१.

†एक-बत,ता¹— -तः श्राय १,२१, ७; काय ४१,९; माय १,२२, १०; जैय १,१२:३३; —ताः श्रापश्री १७,१३,२; हिश्री १२,४,४.

†एक-बात्य भे " - - व्ह्य आपमं २, १६,३,६; भाग २,७:११; १७; हिंगु २,७,२.

१एकशक!— -कम् शंध ११६: ५०.

१एक-शत— -तम् शांश्री ११, १४,

२९; १५, २६, १; काश्री २०,

५, १६; ब्रावश्री १६,१६,१^३‡;

बौश्री १२, ९: २; १५,१४:

१; †वैश्री १८,१४: ५²; ६;

भाग्र १,२५: १९‡; हिए १,

२३,१‡; कीस् ९७,८³‡; ब्रव

७,१,८ = ; बृदे ४, ९५; निघ १,१२; या २,२४; -तात् वाश्रौ ३, ४, २, ६; हिए १,२३,9 =; -तेन काश्री ७, ३, ३; श्रापश्री १८, १४, ५३; बौधी १२, ९: १६; वैश्रौ १२, ७: १२; हिश्रौ १३,4,२३. २एकशत1- -तः बौश्रौ १५, २ : १६; ३६:२८. एकशत-तम- -मः वौधौ २२. २०: २१; लाश्री ८,४,९. एकशत-वि(धा>)ध'- -धः श्रापश्रौ २०,२५,५; हिश्रौ १४, ६, १६; -धात् काश्रौ १६, ८, २०; श्रापश्री १६, १७, १५; वैश्रो १८,१४: ३०; काशु ५,१; ६,५; श्रावशु ८, ७; हिशु ३,८; -धान् बौशु ५: ३; -धे काशु ६,२.

एकशतविधा(ध-श्र)न्त!-

एक-शक - - फम् शांश्री ७, १८, ४; श्रापश्री १६, २१, १५ †; बौश्री १०,३४: ५ †; माश्री ५, २, १४, ७; वैश्री १८, १९: २२ ‡; हिश्री ११, ७, ५९ ‡; — फाः बौश्री २, १८: १९ ‡; वाध्रश्री ३, ७५: १३; वाध २, १०, २०; शंध ४२०.

देकशफ¹--फम् गीध १७, २२.

एकशफ-द्विपद- -दानाम् गौध

२८,१३. एकशफ-विकयिन् -यी विध ४५,२३.

एकशको(फ-उं)भयदन्ता(न्त-श्र)शन^m- -ने विध ५१,३०. एकशफो(फ-उ)ष्ट्र-स्त्री^m--स्त्रीणाम् वैध २,१५,५^२ⁿ.

१एक-शब्द - ब्दे मीस् १,४,८°. ऐकशब्द - ब्दात् मीस् २, १,२८^p, ७,१,१८; ९, १,४७; ३, ३७; १०,३,६; ११,१,१४; २५; २,४.

> एकशब्द-त्व- -त्वम् पावा १, २,६४.

एकशब्दा (ब्द-श्र)भिसंयोग-गात् मीस् ११,१,१.
एकशब्दो (ब्द-उ)पदेश- -शः
मीस् ११,४,२; -शात् मीस्

११,9,५५; २,9. २एक-शब्द¹- -ब्दानि या ४, ९. १एक-शब्धा(का>)क¹- -केन कौस्

८०,२५. २एक-शलाका- -कया काश्रौ ५, ८,१८.

एक-शस्(ः) काश्री ४,१,३; ब्दे ६, २१; पा १,४,१०२.

एक-शा(खा >)ख¹ - पाग ४, २, १३८; -खम कौस् ९०,३.

एकशालीय- पा ४,२,१३८. एक-शाटी-परिहित'- -तः वाध १०,९.

एक-शाला- >°लिक-, ऐकशा-लिक- पा ५,३,१०९.

a) वै । १ द्र. । b) = साम-विशेष- । c) = स्क्ल-देवता- । d) विप. । बस. उप. = वेद- । e) पाठः ? वेद्यन्तस्यः इति शोधः (तु. Böht LZDMG ४३, ६००); वैतु. भाष्यम्) । f) विप. । बस. । g) पामे. वेप २,३ सं. एकमनाः मंत्रा १,२,२१ टि. द्र. । g) = श्वप्रह-विशेष- । g0 च्यारे डट्प्र. (पा ५,२,४८) । g0 विप. । वस. । g0 विप. । तस्यदमीयः अण्प्र. । g1 द्रस. > g2 प्रतार्थे डट्प्र. (पा ५,२,४८) । g3 विप. । वस. । g4 विप. । तस्यदमीयः अण्प्र. । g7 प्रकशब्दात् इति जीसं. । g8 प्रकशब्दात् इति जीसं. ।

एक-शि(खा>)ख⁵ - -खः बौगृ २, ४,१७. एक-शितिपाद्^b - पाग ६,२,८१; -पात माश्री ५.२ १०.२८‡.

एक-१शातपाद् - पाग ६, २, ८१; -पात् माश्रौ ५,२,१०,२८‡. एकशिनिपात्-स्वर-वचन--नम् पावा २,१,१.

एक-शोर्षन् - -पी सु १६,४.

एक-शुचि n - चयः हिंध १,७,८. एक-शू(च>)ळा n - ल्या आपश्री ७,१७,६ c ; १९,१ d ; माश्री ७,१३,७ c ; १४,१४ d ; वैश्री १०,१४: २ c ; १५: ३ d ; हिंश्री ४,४,३ c ; १६ d ; माग्र २,१६: २; हिंग्र २,१५२; -लाम् आपश्री ७,८,३; २१;३; माश्री ७,६,६;१६,१०; वैश्री १०,७: २ 9 ; हिंश्री ४,२,२७; ४,१८;४१; गोग्र ४,१,२.

एक-श्वज्ञ,ङ्गा* - - - - ज्ज्ज विध ९८,७८1; - ज्ञया माश्री १,८,३,३८५; ४, १२१; वाश्री १,६,५,८^c,२५^{d,2}ह; - ज्ञा माश्री १,८,३,२६; - ज्ञाम् माश्री १,८,४,३८; वाश्री १, ६,६,११; कीस् ४५,१३.

पुक-शेष- -पः पा, पावा^र १, २, ६४; -भे पावा १,२,६४^३. पुकशेप-निर्देश- -शात् पावा १, ३,३; ४, १०१; २,१,१; ६,३, ६७; ८,४,६८.

्र एकशेष-प्रतिवेध- -धः पावा २, ४.१.

एकशेषप्रतिषेधा(ध-श्र)र्थ--र्थम् पाता २,२,२८. एकशेष-वचन- -नम्, -नात् पाता १,२,६४.

१एक-श्रुति^h- -तो मीस् १०,७,५१; -त्या पावा ६,४,१७४¹.

एकश्रुति-क्रम- -मात् जैश्रीका ९३.

एकश्रुति-स्व - स्वात् मीस् ४,१, १२; ११,१,१६.

एकश्रुति विधान- -नान् द्राश्रौ १,१,४; लाश्रौ १,१,४.

र एकं-श्रुति - - ति श्राश्री १, २,८; काश्री १,८,९९; पा १,२,३३. ऐकश्रुत्य - - त्यम् श्राश्री १, २,९; पावा १,२,३९.

> एकश्रुत्य-वचन- -नम् पावा १,२,३९.

ऐकश्रुत्य-प्रतिषेध- -धः पावा -८,१,५५.

एक-पष्टि— -ष्टिः चात्र ४१:३; श्रत्र १८, १; अपं ४:४०; —ष्टवा केज्यो ४०.

एकवष्ट¹- - ष्टे काश्री १६, ८,

एकषष्टि-रात्र — न्त्रः बौधौ १६, ३६: १३; — त्रम् आश्रौ ११, ६,१३; श्रापधौ २३,८,८; निस् १०,४: १७; — त्रात् निस् १०, ४: १६; — त्रे शांधौ १३,१८, १; काश्रौ २४, ३,१७; बौधौ २३,१३: १५; लाश्रौ १०,५, ८: — त्रेण हिस्सौ १८,३,४.

एक-संयुक्त- -कः मीस् ९,३,३७. एक-संयोग- -गात् भीस् ३,३,१९; २९; ६,५,५३; ९,३, ३२; **१०,** २,४१.

एक-सं(स्थ>)स्था^a- -स्थाः अप ६४,५,४.

एक-संख्या-> ऐकसंख्य- -ख्यम् मीस् ८,३,१६.

एक-संज्ञा(ज्ञा-श्र)धिकार- -रे पावा १,४,९^२.

एक-सप्तति - तिः विध २०,११. एक-समास - न्यः काश ३ ३: -सेर

एक-समास- -सः काशु ३,३; -सेन काशु ३-४,३; ५,५.

एक-संप्रैष- चे आश्री २,१६,१५. एक-संभावे - - वेम् आश्री ११,५, १२, -चें वाश्री ३,२,४,१. एक-संभावे-ता- -ता वाश्री ३, २,३,३२.

एक-सर,रा^k— -रम् काग् ४१, २१; —राभिः श्रापत्रौ १५, ५, ७; बौश्रौ ६,१०: ९; १०,१२:६; भाश्रौ ११,५, ९; वैश्रौ १८,६: ६; हिश्रौ २४,२, ४; –रे कौस् ३३,१२.

एक-साध्य - -ध्येषु कप्र ३,८,२. १एक-सामन् - -मनः निस् १,१३ :

२एक-सामन् - -मा मीस् १०,६,

एक-सूक्त°- -के शांश्री ११, १०,

एक-स्क¹ - -कः श्रापश्री ९, १२, ४; १५,१९, २; वौश्री ९,१४: ७; भाश्री ११,१९, १०; वैश्री २०, २५:४; -कम् हिए १,

a) विष. । बस. । b) वैप १ द्र. । c) सप्र. °शूल्या <> °श्कृत्या इति पासे. । d) सप्र. °शूल्या <> °श्कृत्या इति पासे. । e) 'ला इति पाटः ? यिन. शोधः (तु. श्रापप्रौ ७,८,३) । f) = विष्णु- । g) °क्कायो ॰ इति पाटः ? यिन. शोधः (तु. श्रापप्रौ ७,९९,९) । h) षस. वा कस. वा । i) एकश्रुति-निर्देशात् इति गुसं. । f) दः प्र. उसं. (पा ५,२,४६) । f) विष. (दण्ड-, रज्जु- प्रभृ.) । उस. वा बस. वा । f) = एकचर-स्काल-

१६, १९; -के श्रापध १, ११, ३३; हिंध १,३,८४.

रशः । ६४ ८,२,००.

एक-स्तन° — - नम् आपश्रौ रॅ१,१५,
६; १६, ३५, १०; १७, २६,०;
२१,४,१४; २३,११,६; भाशौ
१२,५,१६; वैश्रौ १२,२४:०;
१९,१:१८; हिश्रौ १०,३,३९;
— नानि हिश्रौ ११,८, २६; १२,
८,२०; १६, १,४८; — ने माश्रौ
२,२,१,४९.

एकस्तन-प्रमृति — - ति बौश्रौ

२९,११:२१. एकस्तन-ब्रत-ं -तम् वौश्रो ६, २४:१.

एक-स्तोत्र— -त्रम् श्रापश्रौ १४, १८,१३;१९,९; हिश्रौ १५,५, १४; २०; निस् ४,८:२१; ६,१३:१८; -त्रस्य लाश्रौ १०, ३,५.

एकस्तोत्रिय- -यः श्राश्री ६,६, ८; -येषु श्राश्री ७,२,७.

पुक-स्तोम⁸— - मः बौश्रौ १८, ३६: ११; निस् ८, ८: १५; मीस् ५,३, ४३; -मम् सुस् ३, १६: ९; -माः निस् ८, ३: ४; १०, ७: १६; -मानाम् निस् ९,४: ३९; -मानि निस् ८,३: ६; -मेन क्षुस् ३,१६: १९; -मेषु लाश्रौ ९,७,८; निस् १०,७:८.

. एकस्तोम-ता- -ताम् निस् ८, ४:२६;१०:१२.

एक-स्थ^b-- स्थः बौध २,६, २२. एक-स्थान-- ने हिश्रौ १६,१,३६; ६,३. एकस्थान-वासिन्- -सी शंध १६०.

एक-(स्मय >) स्मया^a - स्मयया
†काश्री ५,४, ७; १८, ३, १७;
श्चापश्री ८५,२०; बीश्री ४,२:
३८: १०,५३: १९; द्राश्री १३.
१, ४‡; लाश्री ५, १, ४‡;
-स्म्याम् श्चापश्री १, ७, १३;
७,४,५,५,४; भाश्री १,७,८;
४: ११; हिश्री २,७,१८; २०;
४: ११; हिश्री २,७,१८; नस्म्यायाम्
श्चापश्री १,८,१; वाश्री १,२,३,
८;३,९.

एकस्पया-देश- -शे हिश्री २, ७,१७.

एकस्मान्-न-पञ्चाशत्°- -शत् वायूश्रौ ३,८६: ५. एकस्मानपञ्चाश°- -शः हिश्रौ १८,३,१.

एकस्मान्नपञ्चाशद्-रात्र - न्त्रः बौधौ १६,३६:४; ८; -त्राः श्रापधौ २३,७,१.

एक-स्रुव- -वम् वाश्रौ १,५,२,४९. १एक-स्वर-> ऐकस्वर्य- -र्यम् शाश्रौ १,१,३१.

२एक-स्वर⁸ - - रान् याशि १, ६०. एक स्वरित⁸ - - तम् श्रप्रा १,१,५; कौशि ३५.

⁺एक-स्विष्टकृत्° - -कृतः श्राय १, ३,१०; माय २,१८, ४^{१व}; कौस् ६,३४.

एक-हिवर्धान*- -नः बौश्रौ १८, ३६: ११. १एक-हविस - '-विः बौध्रौ २०,८: ३२,३५; कौसू ७४,१५†. एकहविष्-ट्व(< त्व) - -ट्वम् मीसू १०,७,१.

२एक-हविस्- - विषः आश्रौ २, ११,६; शांश्रौ २,३,१४:

एक-हाति - न्तम् अप ३०^२,१,३. एक-हाति - न्या बौध ४,५, १७. एक-हायन^० - नः आपऔ ९,८,

२,१३, १४, भाऔ २, १६, ७; माश्रो ५, १, १,२६; वैश्रो २०, २८:१५; हिश्रो १५,४,७; –नम् माश्रो ५,१,५,३५; व्यप्राय ४, १; विध ५०,२७; –नान् बौश्रो १८,११:२.

एकहायनी— -नी श्रापश्री १०,२२,२; २२,१५, ३; बौश्री ६,१०: ३; माश्री १०,१४, १९;१७,१२; हिश्री ७, २,१६; १७,६,२३; —नीम् काठश्री ८३; वेश्री १२,१६: ९; —न्या बौश्री १६,२४:१४;१७,१:३. एकहायन-प्रभृति— -ति श्रापश्री १८,३,९.

एक-हाविन् - - वी शांश्री २, १२,

एक-हिङ्कार⁴- -रः निस् २, ७ : ७; -रम् निस् २,७ : १.

†एक-होतृ है — -ता आपश्री ८, ४,३; बौश्री २७, १०: १७;२९, २: ३; बैश्री ८, ८: ५; २१, १२: ६; आप्तिगृ ३,४,४: ६; ७,३: २२; बौगृ ४, १०, १; ३; बौप २,२,२; ३, ४, १३; बैगृ ५,५: २६; ७,९: ८; हिपि १९: ९;

a) विष.। बस.। (तु. BC.) इति पाठः? यनि. शोधः। १दानार्थः। g) वैष १,९३०२ 1 द्र,।

b) विष. (परिवाजक-)। c) वैष १ द्र.। d) एकं स्विष्टकृतम्
e) विष.। तद्वितार्थे द्विस.। f) विष.। उस. उप. < 🗸 🖫

99.

-तारम् त्राप्तिए २,०,४: १५. एक-होम- -मे शांश्री २,९,१५; बौगृ ३,१३,१;२;वैगृ ६,६: ४;७.

एकाकिन् न पा ५,३,५२; -िकनम् बाध १७, ८६; बौध १, ५, १०२; - †की आश्रौ १०, ९, २३; शांश्रौ १६, ५, १३; काश्रौ २०,५,२०;७, १०; बौश्रौ १५, २९:५; ७; वाश्रौ ३, ४, ३, ५१३; अप २,१,५\$; विध ४५, २०\$; वाश्र ४२:६. एकाकि-ता - -तायै वाध्रुश्रौ ३,

१ एका(क-व्य) क्षर — - रस् वाध १०, ५; २५, ११; विध ५५, १०; — रात् ऋत्रा १६, ५; नाशि २, १,१०. एकाक्षर-णिधन ^b — - नः निसू ६,

एकाक्षर-णिधन^b - नः निस् ६, ३:५; -नम् लाश्रौ १०,१,१४; निस् ८,५:२८.

एकाक्षर-नियत^b- -तस्य उसू ८, १६.

एकाक्षर-भाविन्°- -विनः निस् १,७: २९.

एकाक्षर-वृद्धि- -द्धौ शुप्रा ५, २९.

एकाश्वर-समावेश- -शे ऋपा ३, ३.

एकाक्षर-ही(न >)ना- -ना उनिसू २: ३.

एकाक्षरा(र-श्रा)दि- -दौ ऋप्रा ९,१५.

एकाक्षरी $\sqrt{p}>$ एकाक्षरी-कृत--तात् ऋप्रा ३,२३. एकाक्षरी $\sqrt{H}>$ एकाक्षरी- भाव- -वान ऋपा १७,२२. एकाक्षरो(र-उ)प(धा>)ध--धम् ऋपा ८,१६. एकान्त(र्थ>)प्रांव- -र्थया द्राय ४, ३,९; -र्यायाम् गोग्र ४, ८,

२एका(क-अ)अर,राb- -रः शुप्रा ६, ५; -रम् वाध्यौ ४,१०० : ३; बैगृ ६४ : ४; बैगृ १,४ : २८;२, १०: १३; ऋप्रा ११,३; अप्रा ३,४,३;४; -रयोः ऋपा ८,५; -रस्य ऋप्रा ५, ३३; -रा बौश्रौ २४,२: ७ = निस् ३,४:५; उनिस् ३: ३; - †रा: त्रापश्रौ ४, ४, ४; भाश्रौ ४, ५, ५; वाश्री १,१,२, १६; हिश्री ६, १,५१; ऋप्रा १२,२२\$; -राणि श्रप्रा १,३,१०; -रात् पार्वा ५, २,११५; - †राम् वाश्रौ ३,१, १, ४१; निस् ३, ४:२; मैत्र १७; चात्र १४: ६; -राय वाश्री ३,१,२,२१‡; -रे ऋप्रा ७,१०; शुपा ३, ७६; ऋत ५,

१००: १९; वैश्रो १७,१३: ९; हिश्रो १३,१,५४; \$शोच ४, ५५;५६; —रेषु द्राश्रो ३,४,११. एकाक्षर-चर्षण-धन्य-वर्जम् ऋप्रा ९,२७.

२,६; माशि ५,९; - ‡रेण काश्रौ

१४,५,२८; आवश्री १८,४,१९;

बौश्रौ ११,७: ३१; त्राध्रश्रौ ४,

एकाभर-तत्र-पूर्व- -र्वम् ऋपा २,५८.

एकाक्षर-पदा(द-आ)दि--दीनि उनिस् १:४.

एकाक्षर-पूर्व-पद--दानाम् पावा

५,३,८४. एकाक्षर-प्रभृति- -तीनि निस् १,६:११.

एका(क-अ)क्षि°- -क्षिः अप **६९**,२, ३.

एका(क-आ)गम- -मात् शांश्रौ ९,

एका(क-स्र)गार- -रात् पावा ५, १, ११३.

ऐकागारिक- पा ५,१,११३. एका(क-आ)गु(र>)रा b - -रे आश्री ५,५,४.

१एका(क-न्न्र)ग्नि- - ग्निः भाष्ट दे, १:१; - ग्निम् कौस् ६९,१; - मेः काग्र ४५,१; - ग्नौ द्राश्रौ १२,१, ३; लाश्रौ ४,९,२; जैग्र १,१:५; द्राग्र १,१,२०; अप्राय १,१²; ६,९.

एकाग्नि-क'- > °का(क-आ) दि- -दौ शंध १३८.

एकाग्नि-त्व- -त्वात् मीस् ११, २,४७.

एकारिन-परायण- -णः श्राप्तियः २, ७,१०: १३.

एकाग्नि-वत् मीस् १२,१,६. एकाग्नि-विधान - नम् आगिष्ट २,५,१: ८; भाष्ट ३,३:१४.

२एका(क-श्र)मि^०- - मयः काश्रौ ६, १०,२०; -िनः श्रापध २,२१, २१; हिध २,५,१३०.

एका(क-ग्र)क्न- .-क्नम् श्रामिग्र ३, ११,४:४५; श्रापध १,२६,६; हिध १,७,१७; -क्नस्य विध १२,६.

एकाङ्ग-दर्शन- -ने बौपि ३,७,३. एकाङ्ग-वचन- -ने आश्री १, १,

a) वैप १ द्र.। b) विप.। वस.। c) विप.। उस.। d) = ऋग्-विशेष-। मत्वर्थीयः यत् प्र.। e) विप.। वस. समासान्तस्य पचः श्रभावः उसं. (पा ५,४,१९३)। f)' = गृह्याग्नि-। स्वार्थे कः प्र.।

93.

एका(क-अ)हुल,ला³- -लम् वैश्री ११,७:१०;८:६; -ला वैश्री ११,८:१२; -लाम् जैगृ२, ३:११.

एका(क-श्र)हुलि- -ल्या बौश्रौ २१, ९:६; -ल्याः लाश्रौ ८,९,१०१^६. एकाङ्गुलि-परिणाह^०- -हाः वैगृ १,८:५.

एका(क-स्र)ङ्ग्(४>)ष्ठा⁸- -ष्टा कप्र १,७,९.

†एका(क-आ्रा)ज्य° - -ज्यान् आए १,३,९०; माए २,९८,४१^त, कौसु ६,३४.

ग्का(क-ऋ)क्षिलि - लिम् श्राय ४, ४,९०; जैय २,५ : ६.

युका(क-श्र)तिरिक्त- -क्तान् श्रापश्रौ ८, १७, १; बौश्रौ ५, १६: २; १३, ३३: २; २३, ४: २; ४; ६; बौगृ ३, ८, २; -क्तानि श्रापश्रौ ८,५, ४१; बौश्रौ ५, ५: ६; बैश्रौ ८,१०: ९.

पुका(क-श्रा)श्मन् -> ऐकास्म्य--स्म्यम् बृदे २,१८.

ए(क>)का-दशन्⁶ - -श आश्री ३, २,१; ६, १२; शांशी; आज्यो १२, १²; -शऽ-श आश्री ९, ५,७; ८; शांशी १५,४,९१; काश्री २१,९,९; २२,५,२१; हिश्री १४,६,७; -शिमः आश्री १०,८,५; शांशी १६,३,२०; १२,१७; काश्री; -शम्यः शांशी ४,१०,२; पा ५,३,४९; -शसु काश्री ४,८,१०; १८,६,११; आप्री; -शानाम् वीश्री २६,

२३: ५; बौग्र ४: १७; कप्र ३,१०,५.

एकादश- -शः शांश्रौ १६, ३०, ७; बौध्रौ १८, ३२ : ८; वाश्री; -शम् शांश्री १६, ३०, १०; लाश्री ७, ५, १७; श्रापमं १,४,६ +; कागः; -शस्य बौश्री १०, ४८: ११; १७, २५-२६: ११; –शाः वैश्रो १८, १: १० +; हिश्रो ६, १, २६ +; ऋग्र ३, २२; -शात् त्रापश्री २०, ७, ७; हिथ्रौ १४, २, २०; -शाय त्रापश्रो ७,१४,८; बौश्रो १०, ४७: १४; भाश्री ७, ११, १२; माधी १,८, ३, १८; वैश्री १०,११: ६; हिथ्री ४,३,३४; –शासः ग्राश्रौ ९, ११, १५; शांश्री ८, २१, १६; तैप्रा ११, १६; -शे शांश्री ६,९,७; बौश्री १०, ४७: १७; ५०: 9; १२, २:3;8:28; 4:26; 20, २४: ८: २६, ३:३; माश्री; वाश्री: -शेषु वाध ११,५०.

एकादशी- -शी बौशौ
२५,४:८; वाश्रौ; -शी: निस्
७, ७:३१; -शीम शांश्रौ ६,
७,२; बौध ३,८,९; श्राज्यो ६,
९; -श्या बौश्रौ १०,२९:१२;
कौस २९,१४; वृदे ३,४०; श्रश्र
५, २४; -श्याम काश्रौ १७, ७,
११: बौश्रौ.

एकादशी-प्रभृति--तयः शांश्री ७, १५, १०; निस् १, ९: १०; –ति श्राप्तिगृ २, ७,९: ३५; ३६; भागृ ३,२०: ४; ६; १०; ११.

एकादश-दिन— -नात् वैध
३,९,१; —ने वैग्ट ५,१३: ४.

एकादश-द्वादश— -सयोः
गौध १, १३; —से अप १,
१२, १; १३, १; १५, १;

एकादश(श-अ) नुवाक—
-के वैश्री १९,६: ४१.
एकादश-कⁿ— -क: ऋश्र ३,
२८; २९³; —कम् ऋश्र २,
१०,५३; अश्र ५,३; १५; १९,
१९; अप ५: २५; —का: ऋश्र
१,६,८; ग्रुश्र ५,३९; अश्र १५,
१०; श्रपं ५: १९; —कानि
ऋश्र २,१,१३; अपं २: ४७;
-के श्रपं २: ४८; —की ऋश्र
३,२३.

एकादश-कपाल- -लः काश्री ४, भ,२१××; आपश्री; -लम् शांश्री १८, १३, ६; काश्री; -लस्य माश्री १, २, ३, ५; वैश्री ४,९:५; हिंश्री १,६,१५; २०; -लाः वीश्री १३,३५:९; २४,१०:२-५; -लाच् आपश्री १२,४,२; वौश्री ७,२:६; २६,१५:९; १०;२५; २७,१४:२१; माश्री; -लेन् वाधूश्री ४,२२:६; १३;२६:२१; वाश्री ३,२४,६². एकादश-काण्डा(ड-अ)न्त-

एकादश-काण्डा(ड-अ)न्त-न्तम् अश्रम् ८.
एकादश-कृश्वस् (ः) काश्री ९,
४,१५; श्रापश्री.

एकादश-गुण°- -णः वेज्यो १५;

वै

a) विष. । तिद्धतार्थे द्विस. । b) व्हया इति पाटः श्यिन. शोधः । c) विष. । बस. । d) व्हयाम् इति पाटः श्यिन. शोधः (तु. श्रायः) । e) वैष श्रद्ध. । f) व्हाः इति पाठः श्यिन. शोधः । g) पामे. वैष श्रद्ध. । g0 पामे. वैष श्रद्ध. । g1 पामे. विष श्रद्ध. । g2 प्रश्नद्ध. । g3 पामे. वैष श्रद्ध. । g4 पामें श्रद्ध. । g5 पामें श्रद्ध. । g7 पामें श्रद्ध. । g8 पामें श्रद्ध. । g8 पामें श्रद्ध. । g9 पाम

-णम् विध ५, ७९;८२.

एकादश-छिदः-प्रभृति- -तीनि
वैश्री १४,११: ९.

एकादश-त्रय- -यम् भाशि २६.

एकादश-प्रमा आपश्री ७, २६,
११; वौश्री.

एकादश-परमा - मान् वौश्री ६,
३४: ६.

एकादश-प्रकम - मे वैश्री १,
२:८.

एकादश-प्रवाज - -जम् वौश्री
२१,२५:२१; २४, ११:१०;
२६,२९:३; -जस्य वौश्री २४,
१०:१७; -जे वौश्री २४,

एकादश-रात्र^b— -त्रः श्रापश्रौ२२, २४,८; २३,१,५; बौश्रौ; —त्रम् निस् ९, ६:२६; बौध ३,६, १९; गौध १४,२; —त्रस्य श्रापश्रौ २२,१४,१२; —त्रात् श्रापश्रौ २२,१४,१; बौश्रौ; —त्राय बौश्रौ १६,३२:१; —त्रे लाश्रौ ९,५,१०; —त्रेण शांश्रौ १६,३०,१.

एकादशरात्र-प्रभृति— -तयः निस् ९,८:३५. एकादश(श-ऋ)चे°— -चेम् शुश्च २,४४५; ३,३१; चात्र ४०: १२; श्रञ्च ३,३१; ५,११-१२××; श्र्य २:८९; —चेन बौशो १०, १६:१८; बैशो १८,९:८; —†चेंभ्य: श्रप ४६, १०,८; श्रञ्च १९,२३.

एकादश-वर्ष°- -र्धम् पागृ २,२,

२; हिए १,१,३. एकादशावि(धा >)ध- -धम् शांश्री १६, ३०, १,२; -धात् बौशु ५: २.

एकादश-सूक्त°- -क्ताः श्रपं २ः १३.

एकादश-स्तोम⁴- नाः शांश्रौ १४,११,४.

एकादश-हीन - नः श्रयं धः९.
एकादशा(श-श्र)क्षर,रा° - -रः
तिस् १,१:३;१०; ऋषा १६,
२८;६७; -रम् वाध्यौ ध,
१००:९;२५; तिस् ३,४:
२६; -रा शांश्रौ १४, ११,५;
१६, ३०,२; वाध्यौ ४,८९:
१७; तिस् ३,४:१८; -राः
शांश्रौ ७, २७,२२; ऋषा १६,
४२;६९; -राध्याम् उत्तिस् २:३१;
-रौ तिस् १,४:१६; ऋषा १६,

एकादशाक्षर-त्रयोदशाचर--री निस् १,४: २३.

एकादशाक्षर-पा(द>)दा a -दा निस् १,४: १; -दाः निस् १,४: २६.

्षकादशाक्षरा(र-श्र) शाक्षर— -री निस् १, ४: २४. एकादशा(श-श्र)न्त— -न्ते काश्री १६,१,१३. एकादशा(श-श्र)भ्य(स्त>) स्ता— -स्ताम् बेज्यो २०. एकादशा(श-श्र)ह्म हात् गौपि १,४,११.

एकादशाहा(ह-श्रा)दि- -दि

कप्र २,७,५. एकादशै(श-ए)कादशश्तत--तानि लाश्रौ ८, ७,९.

एकादिकन्° - - शिनः शांश्री ४, १०,३‡; ऋष्य १, ९, ६; शुस्र ५,६५; ऋष्रा ९, ४२; - शिना वाश्री ३, ४, १,५५; - शिनोः ऋष्र १,५,५; शुद्रा ५,२८.

एकादशिनी- -नी आश्री ६, १४,१०; श्रापश्रौ २२, १०, १६; बौश्रौ १६,१९: ६; माश्रौ ५, २, १२,४६ ; हिश्री १७,४. ३४; -नीः ग्रापश्रौ २०, ९,९: हिश्री १४,६,९; -नीम आश्री १२,७,९;१४; बौधौ १६,११: १०;१३;१७, ११:१; माश्री ५. २,१२, १३; हिश्री १६, ८, ४; -न्यः आश्री१२,७,१०; त्रापश्रौ २१, २२,२; बौश्रौ १६, १२: ३;२६,१७:१; हिश्री १६,८,५; -न्या शांश्री १४, १०, १५; वौश्रो १७, १५: २; -न्याः भाश्री ७, १०, ९: -न्याम् त्रापश्री २२,२,११; बौध्री २६. २३: १; बांश्री ३, २, ६, १; बीगु ४: १६: २२: -न्ये बीश्रो २३, १४: १; १०; २६, १७: २; -न्योः शुत्र ३,१३१; -न्यौ काश्री २०, ४, २३.

ऐकादशिन — नाः त्राश्री ३,७,१५; शांश्री ६,९,३; काश्री १२, ६,१६;२२, ७, १२; श्रापश्री १४, ५,१;२२, ८,१४; १३,१८; २४, ३, ३६; काश्रीसं २८:२२; बीश्री १६, ११: ७;

a) विप. । बस. । b) वैप १, १०३२ ६ द्र. । c) पृ ४४१ द्र. । d) समाहारे द्विस. उप. श्राहादेश-निपेश: (पा ५,४,८९) । e) परिमाणार्थे डिनः प्र. (पावा ५,१,५८) । f) विप. । तिद्धिते आणि प्र. श्रिद्धे वा द्र. ।

१९ :२;२३,१९: २८; हिश्रौ ९, ८, 9; १७, ३, ३३; ५, ३९; -नान काश्री २०,५, ८; २१,१, ७; श्रापश्रौ ७,१३,९; १७,२२, ٤; २३, ४; १८,२२,9७; २०, 9,93; 94,8; 22,8; 28, 0; 28,98,6;22,98;23,0;93; बौश्रौ १०, ५७: ७; १५, १८: 90; 22,99: 20;26; 98: १२: १४: माधी ६,२, ६,१३; वैश्री १९, ६: १४४; ७: ३; हिश्री १४,२, ४२; ५,२; ६,५; १६,२,१७; ८,३; ९; -नानाम् शांश्री ६, १०, १२; १७, ७,७; श्चापश्री २४,३,३५; बौश्री २२, ११: २६; -नेषु शांश्रो ६,९, ४; मीस् ८,१,१४; १०,५,८६; ६, ६; -नै: श्रापश्रौ २०, २४, 99.

ऐकादशिन-देव(त>)ता^a- -ता श्रापश्री १९,१६,१०.

एकादशिन - -नान् आश्री १२, ७, ६;८; भाश्री ७, १०, ९; -नानाम् बौश्री २५, ३२:१; २६,११:२४.

एकादशिति-धर्म --र्माः काश्री १९,४,६.

एकाद्दिशनि-लिङ्ग--ङ्गात् काश्रौ १५,१०,६.

एकाद्शिनी-रशना--नाः श्रापश्रौ १४,५,१२; वीश्रौ १७,११: १५; हिश्रौ ९,८,७. एकादशिनी-वत् काश्रौ २०,४, १६; मीसू १०, ५,८३.

एकादशि-द्वादशित् - शिनोः ऋपा ८, ३६; -शिनो ऋपा १७,३८.

एकादशो(श-उ)प(र>)रा d -राम् श्रापश्रौ १४,५,१०; हिश्रौ
९,८,६.

एका(क-आ)दि— -दिः पा. ६, ३, ७६; -दीनाम् पाता २,२,२९. एका(क-आ)दिष्ट⁶ - -ष्टः कौशि १५; -ष्टस्य पाता ३,२,१०९; -ष्टात् पाता ७,१,१४.

एका(क-आ)देश- -शः अप्रा ३, १,३; शीच ३,६६; पा ८,२,५; पावा १,१,५७; ४,२; ३, १,३; -शस्य पावा १, १, ५१; ५७; ६, १, ८५; -शात् पावा १, ४, २²; ६, १, ८४; ९०; १२३²; -शे श्रप्रा १,१,६; २,२,६; ३, २२: २३; शौच १, ६९; पावा 8,9,84; 683; 6, 7, 8;95; पात्रवा ४,५. °एकादेश-शतृ-स्वर'->°रै-(र-ए)काननुदात्त-सर्वानुदात्ता-(त-ग्र)थ- -र्थम् पावा ८, ₹, €. एकादेश-स्वर- -रः पावा ८, एकादेश-स्वर-संधि-दीर्ध-विनाम- -माः शौच ४,११४. एका(क-श्र)धर8- -राणि वाधूश्री

एका(क-स्र)धिक,का — - कः स्रपं धः ४; - कम् स्रप ५२, ३, ३; ६, १; - का ऋस्र ३, ३३; स्त्र १, ३; १८, ३; उनिस् २:४; - काः ऋप्रा १७, ४४; - कान् काश्रौ ५,१०,१; वाश्रौ १,७,४, १३; हिश्रौ ५,५,२; - कानि काश्रौ ५,३,३; हिश्रौ ५,२,३४; काग्रु ६, ७; - केमु बौध १,२,

एका(क-ग्र)धिकरण- -णे पा २, २,१.

एका(क-स्र)धि-शत- -तानाम् चास्र ३: १.

एका(क-श्र)धिशय^b— -यः निस् १, ८: ११; —याः लाश्रौ ६, ५, १८; निस् १, ८: १०; २४;९: ३; १२; १६; २०; २१; २५; —यानाम् लाश्रौ ६, ५, २७; निस् १, ८: ४१; ४३; —येषु लाश्रौ ६,५,१३;२३.

एकाधिशय-प्रभृति - तिषु निस् १,८: २३.

एका(क-अ)ध्यायिन् - - यी आपध १,६,२४; हिंध १,२,४७.

एका(क-स्र)ध्या(स>)सा²- -से निस् ३,१३: २२.

एका(क-श्र)ध्वर्यु- -र्युः वैगृ २, १८: ६.

एका(क-स्रा)ध्वर्यव-प्रायश्चित्त--त्तानि बोधौ २७,६:३;१९; वैधौ २०,३०:१४.

एका(क-ग्र)ननुदात्त^क- >°त्त-स्व− -स्वात् पावा ६,१,१५४. एकाननुदात्तद्विःगुस्वर-गति-

a) विष: । बस. । b) पृ ८०१ g इ. । c) पस. पूप. हस्त्रत्वम् (पा ६, ३,६३) । d) विष. । तिहतार्थे द्विस. उप. = तत्परिमाग्य-विशेष- । e) = एकादेश- । f) द्वस. > पस. । g) सप्त. $^{\circ}$ धराणि <> श्वािख इति पामे. । $^{\circ}h$) विष. । उस. उप. कर्तरि कृत् ।

8,900: 38.

निघात- -तेषु पावा १,१,५७. एका(क-श्र)सुगान^क- -नम् द्राश्री २, १,१२; लाश्री १,५,९.

१एका(क-स्र)नृच^b — -चेभ्यः श्रप ४६, १०, २२†; —चेषु श्रपं २:५.

एका(क-स्र)नेक-प्राशन^c- -ने सुध ६२.

एका(क-स्र)न्तक- - न्तः पात्रा १, ३,९; - न्तम् माश्रौ १,१,१, ३१; - न्ते पात्रा १,३,९. एकान्त-तस(:) शंध २५०; श्रापशु १६,१३. एकान्त-दर्शन- - नात् पात्रा ४, ३,१६१. एकान्त-समाहित- - तम् श्रापध १,२०,८; २,२९,१४; हिंध १, ६,२२.

पात्रा १,१,७३. एका(क-अ)न्तर,रा^क- रः तेप्रा २, २५; नाशि १, १, ३; -रम् पा ८, १, ५५; -रया शांध्रौ १६, १३, १८; -रा माशि १, २; -रात् शुप्रा ६, १३; -रायाः बृदे २, १४०; -रे पाता ८, १, ५५: वेज्यो ११: -रेण लाश्रौ 8,99,28. एकान्तर-द्वयन्तर-ज्यन्तरा(र-श्रा)शिन्- -शी विध ९५,६. एकान्तर-विधि- -धौ पावा 6,9,02. एकान्तर-बृत्यु(त्ति-उ) पात्त--त्तम् विध ५८,८. पुकान्तरा-द्वयन्त $(र>)रा^d-$

-रासु बौध १, ८,७.

एकान्तरा-द्वयन्तरा-ज्यन्तरा--रासु वाध १८,८.

एका(क-म्र) क्र-- - सम् वैगृ ६५ : ११; वौध २,१०,५४^२.

एकान्-न-चत्वारिंशत्- -शत् ऋश्र २,८,५.

एकाञ्चच्त्रारिंशद्-रात्र— -त्रम् आश्रौ ११,४,८; -त्रेण श्रापश्रौ २३,६,९.

पुकान्—न-त्रिंशत्— -शत् बृदे ५. १०५; —शतम् आपश्री १४, १०,४; हिश्रौ १०,८,४७; लाश्री १०,११,३; —शता बौश्रौ १४,२०:१०.

एकान्नत्रिंश- -शः श्रप्राय ६,८; -शे बौश्रो १७,२४: १०; २५-२६: १३.

एकान्नात्रिंशै(श-ए)कत्रिंशश्वाः लाश्रौ २,७,६.
एकान्नत्रिंशत्-स्तोमभाग- -गैः
वैताश्रौ २९,७.

एकाबाविंशाद्-रात्र- -त्रम् आश्रौ ११,३,११; हिश्रौ १८,२,६; -त्रेण आपश्रौ २३,४,११.

एकान्-न-पञ्चाशत्- -शतः बौश्रौ २,८:२५.

एकान्नपञ्चाशद्-रात्र — -त्रः शांश्री १३, १७, ३; —त्राणि त्राश्री ११, ५, १; काश्री २४, २, ३७; लाश्री १०, १, १०; —त्रे काश्री २४, ३,३२.

एकान्-न-विंशति- -तिः लाश्रौ १०, १,७.

एकाबर्विश- -शम् बौश्रौ १९, ७:५६; -शे लाश्रौ ६,७, एकाञ्चविंशति-रात्र- -त्रम् त्राश्रौ ११,२,१८; -त्रेण त्रापश्रौ २३, २,१७; हिश्रौ १८,१,२३.

एका(क-अ)न्य- -न्याभ्याम् पा ८, १,६५.

एका(क्र-स्र)पचय- - येन काश्री ८, ३,२; बीध ३,८,२३; गौध २७, १३.

एका(क-स्र)पवर्ग° - -गाणि हिश्री १,६,४०.

एका(क-म्र)पस्ताव^e - वम् वीश्री १५,२:१४.

एका(क-म्र)भिधान--- ने पावा ८, १,४.

एका(क-श्र)भिसमवाय- -यात् मीस् ९,३,४५.

एका(क-आ)मन्त्रित- -ते शौच २, ४७.

एका(क-ख)रिल-प्रमृति- -ित आपश्री ७,२,१२; -तीन् काश्री ६, १, २५; -तीनि भाशी ७, २,६; हिश्री ४,१,२७.

एका(क-श्र)के-स्त्र'- -त्रम् कीस् ४०,१६.

एका(क-स्र)ध्यं - -ध्यंम् शांग्र ४, २,३; गौपि २,६,५.

एका(क-श्र)णैव-गत- -तः विध १,१०.

एका(क-म्र) शैव-जल - भ्र(ए>) ए। - - एाम् विध १,१०.

१एका(क आ)र्थ- - धें पावा ४, १, ९२.

१ १ देकार्थ्य - स्थिम् पाना १, २,५८; ६४; मीस् २, १, २८; ६,८,३७; -स्थीत् पाना २,१, १; पात्रवा ५,१३; मीस् ११,

a) विष.। बस.। b) वैष १ द्र.। c) इस.>कस.। d) रह्मपं इति पाठः ! यनि. शोघः। e) पृथथ d द्र.। f) विष. (श्रार्क-। श्रकंमिया-।)। बस.>षस.। g) पामे. पृथ्य दि.।

१, ६; १२, ३, १६; -ध्ये मीस् U, 7,99ª. एकार्थ-संयोग- नात् मीस् ३, ₹. ₹ €. एकाथां(र्थ-त्रा)पत्ति- -तेः मीस् 9,7,85. एकार्थी 🗸 मू > एकार्थी भाव--वः पावा २,१,१. ्रएका(क-अ)र्थे - -र्थम् या ४, १; -र्थाः मीस् १२, ३, १०; -र्था-नाम् काश्री १,८,१; पावा १,२, ६४; मीस् १२, ३, २९; -धें निस ९,१०: ६;१०,३:३५. २ऐकार्थ्य - ध्यति मीस् ८, 9, 76; 9, 7, 78; 86; 80, ४, १२; ७, ६५; ११, १, ५६; 8,4; 22, 3,34. एकाध-प्रहण- -णम् पावा ४. 3.3. एकार्थ-त्व- -त्वात् पाता १,२, EX; 2,2,29; 3,3,969; C, १, ४; मीस् १०, २, २१; €.00. एकार्थ-विकार- -रे मीसू १०, v, 89. प्का(क-शा)ई-वासस्d- -साः शंघ ३९०. एका(क-अ)र्ध-- में निस् २, २:२४. एका(क-शा)र्ष->°र्ष-ह्यार्ष-ज्यार्ष-पद्मार्थ-सप्तार्थ- -र्पात् वैगृ ३, २३:99. एका(क-म्रा)र्षेय, याb- -यः त्रापश्रौ

२४,६,४;६:१०,९; बौश्रौप्र ९:

३: ४५ : ८; हिश्री २१, ३,७३;

१५; वैघ ४, २, ७; ८; ६, २;

-यम् आपश्रौ २४, १०, १८; हिश्री २१,३,१८; -याः आपश्री २४, १०,४; १६; बौश्रीप्र १: ५: हिश्रौ २१, ३, १४; १६; -यान् बौश्रौप्र ४५: १. एका(क-आ) ज्यं - - ज्या: वैध १, 90,9;3;99,9. एका(क-अ)लाभ- - भे मागृ १, ७, ७: वागृ १०, ६. एका (का-श्र) ल्पीय (स्>) सी--सी: आश्रौ ७, ५, १२. एका(क-श्र)वदान-स्व- -स्वात् मीस् 20,2, 0; 90. एका(क-अ)वमb- -मानि ऋपा १६, एका(क-अ)वरb- -रम् वैगृ १, ३: एका(क-श्र)वसान,नाb- -नम् श्रश्र ५,१६^{१1}; -ना अग्र ५, ६; ६, ₹٤:٩२३; ٩३६; ७,२२;٩٩६; ८,9; ९,9; ५; १०,9; १०; ११, 4; १२, २३; १८, ३; १९, २१; ३८: -नाः श्रश्र ५, २६; २७; 9,3; १८,४; १९,२२; २३; २७; ४५;६९;२०,२; श्रपं ३ : २४; -नानि यय २, १९; -ने यय १,२६;२,१७; १२,१; १८, ४; १९,49. एका(क-श्र)बाञ्च^b- -वाञ्च निस् 8, € : 938. एका(क-श्रे)शीत्य(ति-श्र)धिकb--कम् ऋश्र ४,३. पुका(क-श्रा)श्रम- >ऐकाश्रम्य--म्यम् बौध २,६, २९; गौध ३, ₹€.

एका(क-अ) एका - - का लाओं १०. १. ७: श्रापमं २, २०, ३५+; +आप्रिय ३,२,६ : ३,६; आपय २१,१०; बौगृ २,११,६०; भागृ २, १५:२;१७:४‡; ११; हिगृ २, १४,२; ५+; १५, ९+; गोगृ ४, ४,३२+; द्राय ३, ५, ३८+; श्रत्र ३,१० +; - +काम् वौश्रौ १६,१३: ८\$; श्रापमं २, २०, ३३; श्रामिगृ ३, २,६:१; भाग २, १७: २; हिग २, १५, ९: -कायाः श्रापश्रौ ६,३०,७; २० ‡; भाश्रौ ६,१७, १९; १८, ८: -कायाम् काश्री १३, १,२; त्रापश्री १६,१,१;२१,१५,४‡; बौश्री १४,१३: २२,२४; १६, १३: ४; ६; माश्रौ ५, २, १०, ३८: ३९; ६,१,१,१; वैश्री १८, १: ७; वैताश्री ३१, ४; बीगृ १,१, १२; गो १, १०; २, ८; -काये जैग २,३: ४+; -+०के श्रापमं २,२०, ३४; श्राप्तिगृ ३, २, २: ५; भाग २, १५: ७; मागृ २,८,४; हिगृ २,१४,४. एकाष्टका-दीक्षिन्- -क्षिणः द्राधी ८, ४, २५; लाधी ४,८, एकाष्टका-श्रुति - तेः मीस् ६, 4,32. १एका(क-आ)सन--ने आश्री ७, २,१५; द्राश्री १२,४, ५; लाश्री 8,92,4. एकासन-स्थ- -स्थः शांगृध,८,६. एकासनो (न-उ)पवेशिन्- -शीः विध ५,२०.

a) एकार्थे इति कासं.। b) विप.। बस.। c) चस. इति शाबरभाष्यम्। d) विप.। बस.>कस.। e) = वानप्रस्थ-विशेष-। बस.। f) ॰नैक॰ इति पाटः ? ॰नमें (म्,ए)॰ इत्याकारकः शोधः। g) पामे. पृ. 4०२ g द्र.। h) विप.। द्वस. > बस.। i) वैप ? द्र.।

रएका(क-श्रा)सन^क - -न: विध २८,

एका (क-अ)हb- - हः आश्री ५,१५, १५; ९,१,३; ११,१, २; शांश्री १३, २४, १६; १५, १,३९; २, ३१;१६,८,६;१७; काश्रौ ८,२, ३७; बौश्रौ २६,२२:१; माश्रौ; -हम् आश्रो १०, ५, ९: काश्रो . १३,४,९; श्रापश्री ५,३,२३; ७, १४; बौधौ १८, ३२ : २; २३, १२: २४; वैश्री १, ६: १०; हिथी ३,२,५८: निस: -हस्य शांश्री ११, १५, ९; बौश्री २६, २२: ३; -हाः आश्रौ ९, ८, १५; १०,१,१०; काश्री २२,१, १; २३,५,९;२४,४,१७, बौधौ २६, १: २; ३०: १; वैताश्री ४२, १२; निसू २, १: ३५; ३. v: 98; &, 2: 9; ८, c: 9 ६; -हात् शांश्रो ११,४,१२; ५,३; ६,४;७;७,६; १०,११; वैध ३, ६, ७; मीस् ८,३,१२; -हान् त्राश्री १०,१,१३; -हाँ३इति^c बौश्रौ १६, २७: २४; -हानाम् श्राश्री ४, २, १६; ८, १३; ९. १. ३: शांध्रौ ९. १, १; आपश्री २४,४, ३; बौश्री २३, १८: २२: २९.१०: २४: निस् ६,९: १९; ८,८: १७; -हानि अप्राय ३, ९ : -हाय हिश्री १६, २, ५; -हे श्राश्री ८, ४, १७; शांश्री १३, १९, ३; १५, १२, ३ : आपश्री; -हेन आश्री Q, 99, 3; 80, 4, 20; बौश्रौ १,१:२; कप्र ३, ५, ९; -हेम्यः लाश्री ८, १, ४; -हेषु

आश्री ६, १०, २८; ७, ५,१३; तांश्री ४, १४, २; १४, १, १; आपश्री २२,१,१‡; वौश्री २९, ४: १५; वैताश्री ३५,६; ३९, २; कौगृ ५, १,२; निस् ६, २: ५; —है: निस् ३, ७: १४; १०, ८: २२; –ही क्षस २, ९: २४; निस् ७,८: २४; ११: २४; १२: १७; —हीऽ-ही जुस् २,९: २७.

ऐकाहिक,का- -कः श्राश्रौ ७,२,८, १०,१०,४; ६; बौश्रौ २२, ३: ७; २३, ११: १८; -कम् आश्री ७,१,२२;८,२, 94;3,38; 20,4,22;90,2; ४; शांश्रौ ११,१०,६; १३,१७; १२,4,२४; १४, १, ३; ३,१४; ८,७; १५,१,३८; २, ३०; १६ ७,१३; १५; १४,२; ४; १७,८, १३:१८,२०,८; बौध्रौ २२,३: ६;२६,१०:१७; लाश्री ६, ९, १६; निस् ८, ९: ११; १०: २३; ९,३ : २५;९ : ४१; मीसू ७.४,१३; -कयोः शांश्री १६, ८,५; -कस्य शांश्री १२, ४-५, १; जैश्रौ २१: २१; लाश्रौ ८, २.२०: -काः आश्रौ ७.५,१४; ९, २, ५; १०,१०, ३; चुसू २, १६: ३;७;९; निस् ३,६:३४; -कात् आश्री ६, ९, ६; शांश्री ११,१०,७; १५, ७-८,१; निसू ६,७:४३; -कान् शांश्री १२, ६, 95; ८, २; १५, ७, 5; -कानाम् आश्रौ ९, १०, १४; वैताश्री २५,१०; -कानि आश्री ८, ४, ३; १६; १०, १०, ६; शांश्री १२, ११, १७; २७, ५; वैताश्री ३३, १९; निसू ५, २ : १८; ७: १५; ७, ३ : १०; ८,५ : १२; -कम्याम् शांश्री १५, ८, २; -के आश्री ८, ५, ५; ९,८,२१; १०,१०; शांश्री १६, ७, १४; १६; १४,३ ६, १, ११; निसू ९,४ : १२१व; -केन लाश्री ९, ४, १८; -केषु शांश्री १६, ८,१६; -की आश्री ८,६,२०;७,९;११; शांश्री १२,

ऐकाहिकी - - की निस् ९, ३: २२; - की भिः शांश्री १०,७,१४; १२, ६,१८; - क्यः लाश्री ८, ७,१२.

ऐकाहिक-शस्त्र⁸- -स्त्राः शांश्रौ १४,८४,४.

ऐकाहिक-शस्य⁸- -स्याः आश्री १०,१,९.

ऐकाश्च°— -श्चात् निस् ३, ६:३३;३५.

प्काह-क्लृस- -सः निस् ८, १०:४७; ९,१:२; ६:१४. एकाह-गम- -मः पा ५,२,१९. एकाह-तन्त्र- -न्त्रात् निस् ८, ९:८; १३; ९,४: १९.

एकाह-ज्यह- -हम् निस् ८, १२:३.

एकाइ-द्वादशाइ- -हयोः काश्रौ १२,१,१.

एकाह-न्याय- -येन निस् ७, ८:३८.

एकाइ-प्रभृति- -ति आश्री ४,

a) विप. । बस. । b) = याग-विशेष-, एकदिन- । ति दितार्थे द्विस. वा कस. वा । c) -हः इति > -ह इति > यिन, प्लतो अनुनासिक आर्थः । d) पु॰ इति पाठः ? यिन. सोधः । e) विप. ।

2,98. एकाइ-भूत- -तस्य शांश्री १२, २,२६;६,9%. एकाइ-मध्य- -ध्ये काश्रीसं २७: एकाइ-याजिन् - जिनः बौश्रौ १४,४ : ३२; २६ : २१. एकाइ-वत् काश्री १२, २, ११; मीस ७,४,१३; १०,६,४. एकाइ वश- -शेन निस् ५, १: 99. एकाइ-संनिपात- -ते वैगृ ७, 8: 9. एकाइ-समास- -सम् निस् ९, 3: 34. एकाइ-स्तोम- -मः निस् १०, v : 3. एकाहा(ह-श्रा)तान⁸- -नः शांश्रौ १७,९,४; १८, २२, ३. एकाहा(ह-त्र)र्थ--र्थे आश्री ११, १,९; शांश्री १३,१५,१; काश्री 28,9,4. १एकाहा(ह-अ)होनb- -नः निस् 9,9: 39; 80. २एकाहा(ह-श्र)हीन- -नयोः जैश्रीका १४०. एकाहा(इ-ग्र)हीन-सत्र- -त्रेपु वाश्री १,१,१,६६. एकाही / भू > एकाही-भवत्--वतः शांश्री १३,२४,१७; -वत्सु श्राश्रौ ८,४,१४;१५; ९,२,५. १एका(क-आ)इन्--द्धि निस् १०, 6:94°. एका(क-आ)हवनी(य>)याd-

-याः काश्रीसं ५: २.

एकाहवनीय-पक्ष- -क्षे काश्रीसं 4:8. एका(क-या)हति- -तिम् हिथाँ ११, ७, ५३; १२, ५,८; ७,७; १५, ७,११; -त्ये वाध्यो ३, २२: 92. एकिन्- -किनि लाश्री ६,६,१२; १३; -िकषु लाश्री ६, १, १८; -कीनि लाश्रौ ८,५,२३;२४. एकिनी->॰नी-पर्याय--याः लाश्री ६,५,९. एकि-प्रभृति - तयः लाश्रौ ६, ५.१६:१८: निस् १,८: ५;२४; ९: ७; १२; २५; -तीन् लाश्रौ ८,9२,६. एकी √कृ>एकी-कर्तुम् काशु ६,७. एकी-कृत्य बृदे २, ११३, शैशि ३३३. एकी√भू, एकीभवति ऋपा २, 38:88,38. एकी-भाव- -वः शुप्रा ४,१३२; माशि ६,२; -वम् या १, ३; -वे ऋपा ३,११; नाशि १,३,१. एकी-भाविन्--विनाम् ऋपा ३, 94. एकी-भूत- -तम् उस् ८, ९. एकै(क-ए)क,का^e- -कः आश्री ३, ६,२५, काधी; -कम् आधी १, ५.३××; शांध्री; काश्री १५,८, १८१ : -कया शांश्री ४,२१,५; १४; १६, १३, ५; काश्रीसं; -कस्मात् वैश्रौ ६,५ : २; हिश्रौ २, १, २६; द्राय ३, ४, २१; -कस्मिन् श्रापश्रौ १,९, ७××; भाश्री: -कस्मै लाश्री ९, १, ९;

६, ४; ११, ३; कौसू ७२, १२; श्रप ९, ४, ६; -कस्य श्राश्री ७, ५, २१; काश्री; पा, पावा ८, २, ८६; -कस्यऽ-कस्य लाश्रौ ८,८,४८; -कस्याः शांश्रो ८, ७, ८; श्रापश्रो २०, १५, ८; या ७, ५; -कस्याम् बौश्रौ २०, १४: १२; १८: २२;२९; जैश्रीप ५; लाश्री ६, १,१; -कस्यै शांश्री १, १७,७; बौधी १३, २८: ९; २९: ६: माधी ५, २, ३,४; वाधुधी ४, ६: २; हिपि २०: १२; १४; -का आश्री २, १९,२८; शांश्री; -काम् आश्री ४, ८, ५; शांशीः -केन आश्रो १२, ५, १७-१९; शांधी. एकैक-तस् (:) हिशु ३, ३१. एकैक-वर्ण-वर्ति—त्व- -त्वात् पावा १,४,१०९. एकैक-वासस्d- -ससः वीपि ३, 8,958. एकैक-शस् (:) आश्री २, ६, ४××; आपश्री. एको(क-उ)चd- -चम् ऋत ३, १, ₹. एको (क-उ) चय- -येन काश्री २३, १,५; २,१८; २४, १, २; गोध 26,98. एको(क-ऊड>)डा- -ढानाम् विध ६५,४9. एको(क-ऊ)तिb- -ते: वाधूश्री रे, 96:9;98. एको (क-उ) स्कर्ष- - चेंण ऋपा १७,

88.

a)_ष्म. उप. = विस्तार- (g. वैप २, २खं.)। b) एकाहिविशिष्टः श्रद्धीनः इति कृत्वा मलो. कस. । c) पाठः ? °काह->-हे इति शोधः स्थात् (g. मुको.)। d) विप.। बस.। e) वैप १ द्र.। f) एकम् इति पाठः ? यिन. शोधः (g. चौसं.)। g) एकवा° इति B.। h) श्रर्थः ? इति C.। वैप २,२सं. द्र.।

एको(क-उ)त्तर°- -रम् शांश्री ४. १०, २; अप ५५, १, ४; -राः शांश्री १६, १९, १; ३०,१२; -राणि शांधी १३, १४, ९; वाधुश्रौ ४,१००: २; निस् १, ६: ११; ऋत्रा १६,५; - नरान् श्चापश्री १६, १७,१६; वैश्री १८, १४: ३०; श्रापश् ८, ८; हिश ३,१०.

एकोत्तर-वृद्धि - द्धिः आमिगृ ३,१०,५ : ३; बौग ३,१२, ९; हिपि ८: ७; गौपि १,४,१०.

एको (क-उ)त्सर्ग- -र्गम् काश्री ७, 0,92.

एको(क.उ)दक³- -कम् सु ९,४. एको(क-उ)दात्त - -तम् शुप्रा २, १; श्रवा १,१,५.

एको (क-उ) दिष्ट - - प्टम् की गृ ३, १४,११; शांग्र ४,२,१; त्रामिग्र 3,3.9: 92; 90,3: 4;99, २: १;१२,१: ७; बौपि ३,४, २५; ५, २; ९, ६; बैग्र ५,७: 93; 93: 9; 20; 0, 0: 3; ८; गौषि २, ६,१; श्रप ४४.१, ३; ७; १२; शंध १९०; २४०; -ष्टात् वैगृ ५, १४:२; -ष्टे श्रागृ ४.७,१; श्रामिगृ ३,३,२:१३; बौगृ ३, १२,१३; बौषि २,१०, १;७; त्रप ४४,४,६; विध २१, २; - ष्टेन कप्र ३, ५, १३; - ष्टेषु बौगृ ३,१२, ६; बौषि २,९,१. एको दिष्ट-निमित्त-श्राद्ध- -दे वैगृ ७,७ : ३. एकोडिष्ट-वत् आमिगृ ३,३,२:

२९: बौपि २, ११, २; वैग् ४,

8:9.

एकोइए-श्राद्ध- -द्रम् श्राप्तिगृ ३,११,१: १४; वैग् ५,१३:५; -दे आमिए ३,३,२:१३. एको दिष्ट-सूतक-मृतक- -केष्

एको(क-ऊ)न,ना- -नम् अप ७०, २,२; वेज्यो ३०; -ना वाश्रौ २, २,२,९; ऋत्र; -नाः मैत्र २१; -नानि काशु ६, ७; -नी लाश्री 20,90,0.

एकोन-चत्वारिंशद्-रात्र- त्रेण हिथ्रौ १८,२,१६.

एकोन-त्रिंशत- -शत् लाश्रौ १०, ६, ६; निस् ५, ३: १५; विध ९६,८४; शुद्र २,२१२.

एकोनत्रिंशद्-धा बौश २: 2320

एकोन-नवति- -तिः श्रश्र १८ ४: अपं धः ४१.

एकोन-पञ्चाशत् - -शत् गुत्र ३, ६: श्रत्र ४,२९; नाशि १,२,४; -शतम् शंघ ११६: ५५.

एकोन-विंशत् d- -शत् वैश्रौ . 20, 4: 90.

एकोन-विंशति- -तिः अप ४६, १०,१६; ४७,३, ६; श्रश्र २०, ४७: वेज्यो १९: -तिम् आज्यो ९, ५; -त्या काशु ७,३८.

एकोनविंश- -शम् अप १९१, 4,9; 88,4,0.

एकोनविंशति-लिङ्गोक्त-देव-(ता>)त°- -तानि शुत्र २,

एकोन-शत- -तात् वाश्री ३, 8,7,4.

एकोनशत-रात्र--त्रात् आश्री

22,8,6. एको(क-उ) बत- -तम् वाधूओं ४, ९०:१०: -ते वाधुश्री ४,९०:९-एको(क-उ)पक्रम-ख- -खात् श्रापश्रौ ८, २२,१७.

एको(क-उ)पचय- -यम् काश्री ७, ७,१४: -येन बौध ३,८,२७. एको (क-उ)पदिष्ट- - ष्टम् पाता १, 2,58.

एको (क-उ)पवास- -सम् वैगृ ६, 94: 0:92.

एको(क-उ)पसर्ग8- -र्गात् या ७,९. एको(क-ऊ)ध्वेद्वार⁸- -रम् अप 28, 8,4.

एको(क-उ)ल्मक- -कम् आश्री २, ६.२: आपश्रौ १,८,७:१०,१४; ८, १७,८;१२;१८, ८-९, १६; बौश्रौ ५, १६ : ५‡; ९; १२,१ : १२; १६; ४: ११; १३; १४, १३: २७: २८; भाश्री १,८,५; ८, २१, ५-७; माश्री १, ७, ६, १४;७,३; वाश्री १,२,३,१;७, 6,4;49; 43; 3,3,9,0;96; वैश्रौ ९,६: ५,१०: १५, ११: २; १०, १५: ९; हिश्रौ २, ७, 90:48; 4,8,30; 4,0; 99; १३,३,१८: ३३; -कस्य बौश्रौ 28, 4: 22; 22, 98: 6; -केन आप्तिय ३,५,६:१०; बौषि १,४: २५. एकोल्मुका(क-आ)हरण- -णम्

वाश्री १,१,१,२२.

एकौ (क-स्रो)दन- -नम् वौश्रौ १८, 6:99-

२एक!- (>ऐकायन-, ऐक्य- पा.) पाग ४,१,९९;१०५.

c) °शधा इति पाठः ? यनि, शोधः (तु. b) = श्राद्ध-विशेष- । बसं. । a) विप. । बस. । द्वारकानाथ-यज्वा)। d) कस. उप. = विंशति-। e) विप. । बस.>कस. । f) व्यप. 1 व्यु.! 1

एक-कुणिक- की आपध १, १९,
७, हिंध १,५,१०९.
एकलू १- (> ऐकल्डय-> ऐकल्डवपा.) पाग ४,१,१०५; २,१११.
एकविन्दु १- > ऐकविन्दिव- (>
वीय-) उपविन्दु - टि. इ.
१एक्टयम् वाश्री ३, २,६,४६.
१एक्टयम् विष्टु तृत्यं मासपूजादधा-

२,५,२६. **१एकागरगी**णिं**न्** – -र्णिनः चाश्र ४०:१३.

ज्युद्छिकापिष्टेकाः वाश्रौ ३,

एकानसि d पाउभो २, १,२३९. श्रुपकापरम् वाध्रुश्रौ ४,२९: १७. श्रुपकारिणाम् श्रुप १,६,५. एग t (> 0 र्प g - पा.) पाग ४, २,

√एज् पाधा. भ्वा. श्राहम. दीतो, पर. वस्पने, †एजित शांधी १६,४, १ श्वापमं २,११,१६; श्राक्षिण २,१,३ ३; बाण ३३,२; बौण २,८,३९; भाण १,२२: १२; ३,१३ औस १८,५३; श्रा १८,३१; शौस ११५,३; श्रा १८,१५; बाण ३,१५; वाण ३,१५; वाण ३,१५; वाण ३,१५; वाणी ९,१०,५; एजित श्र १८,१५ वाणी ९,१०,५; एजित श्र १८,११; वाणी १८,११; चाणी ४०,८,१२һ; १३; काषी २५,१०,५; वाणी ९,१०,३һ;

४; आपमं २, ११, १६; पाए १, १६, १; आप्रिंग् २, १, ३: ३; काग्र ३३, २; भाग्र १,२२: १३; हिग्र २, १, १; ग्रुश्र १, ५१६. $v(\pi > \pi)$ आप्रां २, १६,

ए(ज>)जाय¹ श्रापमं २, १६, १; भागृ २,१७: ७.

†एजत् - -जत् वौग्र २,१,७; माग्र २,७,१, कौस् १३३,३,१३५,९. †एजत् -(क >)का - -काः आपश्रौ १९, १२, १२; बौश्रौ १९, ३३२; हिश्रौ २३,२,२३. ॰एजय- पा ३,२,२८.

†एजयत् - -यन् श्रापश्रौ १४, २९,

एजि^{8'm}- (> ऐज्य- पा.) पाग ४, १,१५१.

पज्या- त्रा√यज्द. √पठ्पाधा. भ्वा. त्रातम. विवाधायाम्. पडक"- पाउमो २, २, ११°; पाग ४, १, ४; -कः हिध्रौ १५, ३, २५. एडका- पा ४,१,४; पावाग ७,३,

४५.

ऐडक- -कम् श्रापथ १,१७,२२. हिध १,५,५४.

ऐडकी- -क्या ग्रावधी १५, १७,५; १७,११,३; माधी ११, १७, ७; वैधी १९,६:२९. हिश्री १२,३,३.

एण- पाउभो २,२,१२२. एणी^p- -णी वाधूश्रौ ४, ३०:१०; तैव्रा १३, १२†; - † जो: श्राप्तिग्र ३, ८, २:३८; बौषि १, १५:४५; हिषि १५: १५.

ऐलेय-पा ४,३,१५९; -यम् पाग २,५,१७; काग ४१,१३; भाग १,१: ७; वाग ६,२८; जैग १,१२: ५०; ५१; आपध १,३,३; हिथ १,१,७५; -येन आग १,१९,१०; कौग २,१,१; शांग २,१,२.

ऐजेय-रौरवा(व-श्रा)ज--जानि गोग्र २,१०,८.

ऐजेय-हारिण- -णानि कौस् ५७,१०.

एणी-पद- पा ५,४,१२०.

पत्- (>ऐत-पा) पाग ५,४,३८व. १पत- ए (श्रा√इ) द्र.

२एत^p- पाउ ३, ८६; -ताः शुप्रा २,३५.

एनी- -नी श्रापश्रौ २२, १५,

एत-नव^P- -ग्वः निघ १,१४. एत-प्रतिषेध- -धे पावा २,१,६९. १एता(त-ग्र)न्वय^F- -ये श्रप ३, ३,५.

३प्रत^ड- (>प्रती^ड- पा.) पाग ४, १,४१.

थपत,ता- एतद्- इ.। पतद्^{णं}- पाउ १,१३३.

रब-> अ-तस् (:) आश्री १, ३,३०; ४,८××, शांश्री; माश्री

a) व्यप. | व्यु. ? | b) पाठः ? ॰कोप्ट्रसिन्धनीनाम् इति शोधः $(\mathfrak{g}.$ गौध १७, २२; २३) | c) पाठः ? सप्त. श्रापश्ची २१,१७,१६ बौश्ची १६,२१:५ हिश्ची १६,६,२१ प्रमृ. विशिष्टः पामे. | d) = उज्जियिनी- | व्यु. ? | e) पाठः ? एकंपार-> -रम् इति संस्कृती | f) श्चर्यः व्यु. $\exists ?$ | g) = देश-विशेष- ? | h) पामे. वैप १, १०५८ तहः | i) पामे. वैप १, १०३८ तहः | i0 i1 पामे. वैप १, १०३८ तहः |0 पामे. वैप १, १०३८ तहः |1 |2 पामे. विप १ दि. |3 प्रमुलं इति भाएडा. |7 पूप. श्चर्यः |1 |3 प्रमुलं |5 प्रमी- इति BPG. |8

१, ५,२, १२⁸; पा २,४, ३३; पावा ७,३,८५.

अतः प्रमृति- -ति वैश्री १३,४,११.

अतोदेवा(व-ग्रा)दि^b - -दि वैगृ १,५:१;२,२:६.

क्षत्र,त्रा श्राश्री २, ६, १५; ७, १××; शश्री; या १२, ३८‡°; पा २, ४, ई३;५,३,१०

अत्र-न्नह्ण- -णम् पावा ६, ४,२२.

१अत्र-भक्षित- -तः वाधूश्रौ ४,४९: ५.

अत्र संस्थित- -तेन वाधूश्री ४,६९: ३; ७६: ५.

श्रुपत,ता- -तम् आश्री १, ३,२३; ४,६,३××; शांश्री; श्रापश्री ७, 90,40; 8,90,900; 80,90, ३1; १३,७,१६1; -तया आश्री ५, ३, २५; श्रापश्रौ; -तयोः ब्राध्रो १, १३, ९; वाध्र्यो; -तस्मात् काठश्रो १२८; वाधुश्रौ; -तस्मिन् श्राश्रो २, १६,३; ५, ७, १××; श्रावधौ; -तस्मै वाधूश्री ३, ९९: ७; -तस्य श्राश्रो १, १,१; २, १९,८××; श्रापथ्रो: -तस्याः श्राथ्रौ ४, १३,१; शांश्रो ९, ६,१२; १०, १३,६; लाश्री ७,१३,२; या ६, २; -तस्याम् श्राश्रौ २, १८,८; बौश्री: -तस्यै शांश्री ६, ३,६ ई; श्चापथ्री ६, १८, ३‡; बौथ्री; -ता त्राश्री ५, ७, ५; शांश्री ७, ६,६; -ताः श्राश्रो २,७,७१८;४, ८,७;१४,२; शांश्री; श्रावश्री २, १०, ४h; १८,१३, २१1; वाश्री ३.२. ५.४३ मा: वैताश्री ३४. ९ 📲 ; -तान् शांश्री ४, १६,३; बौध्रौ ६, ३४: ८; वाध्र्यौ; - †तानि आश्री १, ६, १; २, १४,१२××; श्रापश्री; -ताभिः व्यापश्री ३, १४, २××; माश्री; -ताभ्याम् आपश्री ३, ८, ५; माश्री; -ताभ्य: वाधुश्री ३, ४५: १२; श्रापृ १, २, ४; -ताम् †श्राश्री १,६,१; ३, ८, १^२; १०, १६^e××; त्रापश्री; माश्रो ३,४,१० ‡ kte; -तासाम् श्चापश्री १९, १८, ८; वाध्रश्री; -तास आश्री ५, ४,७; वाध्रशी; -ते आश्रौ १, ३,३२; ५,२××; त्रापश्री; बैताश्री २०, ४१1; हिंगु रे, १७,४m; -तेन आश्रौ १, २, २३; 90, 8xx; ग्रापथ्रौ; -तेभ्य: वाध्यौ ३, ९२: ६; वौगृ १, २, ६६; ३, १,१५: या ७, ९२; २५; पा ५, ४,८८; पावा ३,१,२२; -तेषाम् ब्राध्रो २, १,११; ३, ८,६××; शांश्री; -तेषु वाधृश्री ३,१०२: ४; द्राश्री; -तै: त्रापश्री १, ९, १. २५,१५××; वाध्य्रौ; -तौ श्राधी १,५,३२; वाधुधी. ए(तक>)तिका- -कासु पावा Ø,₹,88.

एतद् - - - तत् आश्री १,१,७;२४××; शांश्री; -- तत्ऽ-तत् हिश्री २,४, २८; -- तदः पा २,४,३३; ५, ३,५; पात्रा ५,३,५°.

एतच्-चूर्ण- -र्णात् अप **३५,** १,१७.

एतज्-ज्ञान- -नम् ऋग्र १,१,१. एतत्-तद्- -तदोः पा ६, १, १३०.

१एतत्-तीर्थ--र्थानि बीश्री १३, १: ५.

एतत्-त्रय-विसंयुक्त- -क्तः विध ५५,१४.

एतत्-पक्ष- -क्षी बौश्री १८, ३८: ६;१४.

एतत्-परोक्ष- -क्षाणि निस्**४,** १३: ११.

एतत्-पवित्र[□] - -त्रः वाधूश्रौ **३,** २५: ८.

एतत्-पुरस्तात् श्राप्तिगृ ३, ८,१: १८.

एतत्-पुरोडाश°- -शाः वैश्रौ १७,१२: ५.

एतत्-पृष्ठ" - - हेषु आश्री ५,१५,

एतत्-प्रकम्प- -म्पानाम् अप ६२,१,९.

एतत्-प्रथम- पा ६, २,१६२. एतत्-प्रभृति -तयः माश्रौ ५ २,१६,१५; लाश्रौ ९,१२, ५, -ति हिश्रौ ९,४,४४; -तिना

a) पाभे. वैप १ पिरे. अदः काठ ७,१२ टि. इ. । b) विप. । यस. पूप. < अतो देवाः (ऋ १,२२,१६) इति । c) पाभे. वैप १,१४१४ व इ. । d) पाभे. वैप १,१०४१ b इ. । e) पाभे. वैप २,३३वं एतम् तैना १,४,४,१० टि. इ. । f) पाभे. वैप १,१०४१ c इ. । g) पाठः ? सा इति शोधः (तु. वैप १ पिरे. १एपा मै १, १०,३ टि.) । h) पाभे. वैप १,१०४३ f इ. । i) पाभे. वैप १,१०३० c इ. । j) पाभे. पु ५९४ e इ. । k) °रेताम् इति पा ९, एताम् इति च्छेदः । i) पाठः ? तान् इति शोधः (तु. आश्रौ १५,५,२१।, i) । i0 पाभे. वैप १ पुनः शौ ७,६९,९१ टि. इ. । i1) विप. । वस. ।

गोगृ ३,४, १९; -तिभिः द्राश्री ५,३,२३; ६, ३,२०; लाश्री २, ७, २०; ११, १४; गोगृ २, १, २३;३,६; ३,८,३; १०; -तीनि बाश्री ४, ५३, ७; हिथी ९, ७, ६२; श्रत्र ७,१. पुतत्-प्रमा(ग्>)णा⁸- -णाम् कप्र १,२,१२. पुतत्-फल³- -लः जैश्रौ १ः १८. एतत्-समृद्धि - -द्धयः वौधौ 28,36: 4. एतद्-अग्नि - - ग्नीनि वौश्रौ 23.0:99. एतदु-अधि(क>)काª- -कया द्राश्री ७, १, २२; लाश्री ३,१, २२. एतद-अनुख्य"- -ख्यानि बौश्रौ 28,90:94. एतदु-अन्त - -न्तम् वाश्री १. ३,२,२; निस् ५, ८:७^b; ६,७: 33: 9, 8: 83; 邪羽 2, 9, १६४; शुअ ३,४४; -न्ताः ग्रुश्र प्तद्-अर्थ- - थम् आपश्री १२, 98,99. एतद-अह:-कर्मन्- में आग्निगृ 3, 7, 8: 90?0; 4: 94; 0: प्तद्-अहर्-व्रत-परिमाण^d-

-णम् हिश्रौ १०,३,३६.

भाग २.१८: ८.

ष्तदु-अहः-स्नात- -तानाम्

क्तद्-आदि- -दयः श्रापघ १,

१३, ८; हिंघ १, ४, २२; -दि

श्रापश्रौ ××१३,१६,१२°; वैश्रौ १४,३: १०; हिश्री २३, २,४; आमिगृ; -दीनि श्रापध १,१३, ९; हिध १, ४,२३; ऋत्र २, १, ९९: श्रश्र ५,६. एतद्-उत्थ- -त्थे अप ५२, १६, ٤. पुतदु-देवता-> °वत्य,त्या--त्याः निस् ७, ४: ७; -त्येषु निसू ७, ४ : ८. एतद-ध्यान-युक्त- -कः कागृउ प्तदु-भक्ति"- -किः निस् ७, 8: 30; 4: 3; 90: 39; -क्तिनः निस् ७,४: २. एतदु-रूप8- -पस्य बौश्रो १८, २४: ११; -पेभ्यः निस् ४, २:३६. एतद्-वचन8- -नः आपश्रौ ८, 22,94. एतद्-वर्जम् श्रापश्रौ १२, ७, 93. एतद्-विद्1- -विदम् श्राश्रौ ८, १४,१; -विदे श्रापगृ ९, 99. एतद्-विद्वस्- -द्वांसः श्रामिगृ 3, 2, 4: 94; 0: 94. एतद्-विपरीत- -तम् श्रापश्रौ १७,२३,३; -ताः नाशि १,३, 99. एतद-वृक्ष->°क्षी(य>)-याह- -याम् भागृ १, १: २. प्तद्-व्रत - -तः हिए १,८,८. एतन्-नामधेयº- -याः बौश्रौ

२४, २७: २. -म्राणि शांगृ १, ३,२. एतन्-मास्- -मासि बौश्रौ २४. 4:93. एतन्-मुख⁸- -खम् बौश्रौ २२, २0: २4. एतन्-मूलº- -लम् वैध २,५,९; -लाः वैगृ २,७: १४. एतर्हि " बौश्रौ १४, १: १८; वाधूश्रो. एतल्-लक्षणो(ग-उ)पेत- -तम् श्रप ६२, २,३;३,३. ए(त>)ता-दक्ष!- -क्षम् शंध ११६: ५२1; - ‡क्षासः बौश्रौ १०,५३:६3; माश्री ६,२, ५, 33. ए(त>)ता-दश् 1- - दक् वाधूश्री ३,४६:४; -रङ् माश्री ६,२,. ५,२३; - दशम् शैशि ५६. ए(त>)ता-वत्- पा ५, २, ३९; -वत् श्राश्री ३, ५, ३; ८, १३, ३०; शांश्री; -वतः श्रापश्री १९,१३,१२; बीश्री २,७:२४; १९, 4: २८; २१, ६: २१; हिश्री २३,२,४५; -वता बीश्री ३,२८: २१; द्राश्री ३,१,३;२, ६; लाश्री; -वताम् या १, २०; -वति बौध्रौ ११, ११:१८; १८,४३: ८××; -वद्भिः वाधूश्री ४,१०३^२:१४; ११९ : ६; निस् ५,१२:३; -वन्तः बौश्रौ १०, ४८: ११; वाधूश्री; या १,२०; -वन्तम् वैश्रौ ९,७: २; -वन्तिः

a) विष.। बस.। b) 'न्तत' इति पाठः? यिन. च त' इति च शोधः (तु. श्रग्रीयं स्थलम्)। c) 'च तदह' इति पाठः? यिन. शोधः (तु. श्रमीयं स्थलम्)। d) कस.>सस.> वस.। e) पाभे. पृ ५९२. j स. f) विष.। उस. उप. $<\sqrt{a}$ विद् । शाने। e) विष.। विकारार्थे छ> हैयः प्र. उसं.। e) वैप १, १०४९ e स्त.। e) वेप १, १०४९ e0 हैयः प्र. उसं.। e0 वेप १, १०४९ e1 हैयः प्र. उसं.। e1 वेप १, १०४९ e2 हैयः प्र. उसं.। e3 वेप १, १०५९ e4 हैयः प्र. उसं.। e5 वेप १, १०५९ e5 हैयः प्र. उसं.। e7 वेप १, १०५९ e7 हैयः प्रताहक् इति पाभे.।

ब्रापश्री १४,१९,४; बौश्री २, पति – ए (ब्रा $\sqrt{3}$) द्र. ७:२४;२१,६:२१; बाधूश्री; पतिक – पाउभो २,२,९ – यान् ब्रापश्री ८,१४,२२;११. ३,८; काश्री सं.

एतावती- -तीः आपश्रौ १९, १३, १२; हिश्रौ २३, २, ४५.

एतावत्-स्व - न्त्वम् आशौ ८, १३, ३४; अप्रा १, १, ४; -स्वे शांशौ १३,१,३

एतावद्-अह- -हे द्राधौ १, ३,४; लाधौ १,३,१.

एव,पा- -पः स्राश्रौ १, २, ४××; शांश्रौ; श्रापश्रौ १८, १७, ११; हिश्रौ १३, ६, १०^{१‡}; -†पा श्राश्रौ ३,७, ६××; शांश्रौ; या १,१४.

एपका-, एपिका- पा ७, ३, ४७.

†एपो(षा उ) श्राश्रौ ४,१५,२; शांश्रौ ६,६,२.

पतर्हि एतद्- द्र. पतवै, एतव्य- √इ द्र.

पत्तरा^b- पाउ ३, १४९; - † शः ऋश्र २, १०, १३६; निघ १, १४; -शे ऋग्रा १, ८८; - † शेन वौश्रो ३, १९: १०; - शेभिः वौश्रो ६,१२: १५†;

एतरासु- पाउना ३, १४९. एतादक्ष- प्रमु: एतद्- द्र. १एतावादिना माथी ३,५,३. पति – ए (ब्रा√इ) इ.
पतिक – पाउभो २,२,१८.
पतिका – एतद् – इ.
१पते॰ दंवि २,११.
पतोस्(ः) √इ इ.
पत्य ए (ब्रा√इ) इ.
पत्य ए च्रा √इ इ.
ग्रेस् च – ऽ॰पुः-पति⁴ –
-तिम् शुप्रा ३,३८‡°.
१पदंतानात् वाधौ ३,२,६,३०.

√एध् पाधा. भ्वा. त्रात्म. वृही,

एघते अप ६८, २, ११; ७०, ८,४; विध ५१, ६८; †एघति। शांधी १२,१७,१; वैताधी ३४, ९; †एघति अापमे १, ६,८; काए ३१,४; वौर् १, ५, १०; †एघतु वैताधी ३६, ३१६; आपमे १, ९,० ७; वौर् १, ५, १३¹; †एघन्ताम् पार १,६,२; आप्रिय १, ५,४ : ३; कार २५, ३२; भार १, १६ : १३; मार. एघप्येते कीर ३, १२, १७; †एघपीमिह। आधी ३, ६.

८,१८; १८,१०; १३, २२, ६; बौश्रो ४,११ : ५ ××; भाश्रो. एधतु^d— पाउ १, ७७; —तुः शांश्रो ४.५,१‡.

२६: श्रापध्रों ७, २७, १६; ८,

†प्धमान,ना- -नः आपमं २, ११, ३२; -ना आपमं २, १३, १; आप्रियु २, १,४: १६; भाय १, २५: ९; हिए २, ४, २; -नाः कौस् ८९, १३; -नान् या ६, २२\$. एकमान-द्विष्¹- -द्विट् या ६, २२‡.

प(श्रा√इ)घ्, न्ध्, †आः इन्धते
श्राश्रो ६,४,१०; ७,८,१; शांश्रो
१२,११,२०;१८,०,६; श्रापश्रो;
†आ(इन्धते) शांश्रो ३, १२,७;
ऋग्र २,८,४५; शुश्र १,
४०४; साग्र १,१३३.
†आः इधीमहि श्राश्रो ७,८,
१; शांश्रो १२,१०,११;
माश्रो; वाश्रो १,२,३,३५१¹;
†आ(इधीमिद्दि) काग्रउ ४०:
१; निस् ६,७:५७; लाश्रो
१०९,९; साग्र १,४९९.

श्चापमं १, ९, ७^६; बौगृ १, ५, एध-,एधस- प्रस. √इस्,त्य द्र. व्ह¹; †एधन्ताम् पागृ १,६,२; र्र्ंण्**धासम्** बौषि १,९५ : ८२^६. श्चाप्तिगृ १,५,४ : ३; कागृ २५, १**पधिकीयताम्** अप्राय ६,८. ३२; भागृ १, ९६ : ९३; मागृ. एधोदक- प्रस. √इस्,त्य्द्र.

एनद्¹—>एन,ना— नः शुप्रार,१३ः शौच ३,८०; पा २,४,३४;—नस् आधौ १, १२, ३६; ३, ३,१¹; शांधौ; आपशौ ३, १४,२‡^m; भांधौ ३, १३,९¹^{}; मांधौ २,५,५२९[†]; शांगृ ३,२,९¹०; हिए २,९,८^p; रंघ ३३१²; अश्र १५,७²; ११९³; नघ ४,२†; सा १,१०†; १५; १६; २०‡; २,९०; २,१४;५,

२८;१०,८;११,२;२३; ऋपा ५, ६०%; -नया या ६,१२; -नयोः श्राश्रौ ५,६,५; वाध्रश्रौ; -ना शांश्री ६, ४, ७ ; काश्री; आपमं १,९,४[‡]^b; कागृ २५,५[‡]^b; निघ ३,२९; या३,२१+b; -नाः शांश्रौ ४,१६,१०; बौश्रौ; ऋपा ५, ६०; -नान् आश्रौ २,५,२‡; १२××; शांश्रौ १०, १५, ८°; बौश्रौ; लाश्रौ १०, १७, १३१व; †या २, ११; ८, ८; ९, ७; ८; १२, ४३; -नानि वौधौ १,३: ८; ८: १७; लाश्री; -नाम् त्राश्री १,११,७; २,४,१३××; आपश्री: बौश्री ६,२७:७^१^e; निघ ४,२; या १, १३;१४××; -ने शांश्रौ ११, १४, १; बौश्रौ १.४: १८; गोगृ; -नेन वाध्रश्री ३,३१:३; या २,५; ३,२१××; - नोः बौश्रौ १६, २६:९; -नौ बाधूश्री ३,६९: २४; लाश्री ९, ४, ११;४,३९; पागृ.

इनद्- -नत्, द आश्री ५, ४,८; ७, ९; आपश्रौ २, ६,७××; बौश्री; या १,९;८,१; ११,४७; पावा २,४,३४.

ब्बस'- पाउ ४, १९८; पाग ५, ४, ३८ : -नः आश्री +२,२,३;६; ५, १४,२४; ९, ३,१३; शांश्री; - †नसः श्राश्री २, ७, ११××; शांत्री:-नसःऽ-नसः त्रापश्री १३,

१७,९+; -नसा श्रापश्रौ १३, ७, १७+; बौध्रौ ८, ६:१४+; वैश्री १६, ८: ९+; हिश्री ९, २. १८ +: सु ११, ४; कप्र २, २, ११; -नसि विध २८, ४९: - मनसे श्रामिय १,५,४: २२; ६, ३: ५; २, ७, ४: ७; बौग् ४,११,२; बैग् ४, १: १४; ६, ९:४; -नस्सु वाध २२, १५; बौध ३, १०, १७; गौध १९, १९; -नांसि बौध्रौ २१, २४: १२; जैथ्रौ २०: ४. ऐनस- पा ५, ४, ३८; -सम् वाध २६, २;३. एनस्-विन् -विनः वाध १, १८; -विभिः विध ५४, ३१; -वी गौध १२,४२; बृदे ५,५५. एनो-निर्णोदन--नम् गुत्र ४,१९६. १एनी- २एत- इ. २ प्नी - -न्यः श्रप ४८,०६; निघ ₹,9₹. पमन्- √इंद्र. ?एमूव¹- - वम् या ५,४ . पयिवस्-, °युषी- ए(आ√इ) इ. ए(त्रा√ई)र्, एरिरे निघ ४, १; या 8, २३ .

एरयन्ताम् कीस् १३३, २ 1;

क्एरयस्व शांश्री १०,१६, ६1;

आपमं १,११,६^m; आप्रिगृ^m १,

२,७,६^m; भाग १,१५: १३m; हिए १,२०, २º ; जैए १,२१: १२m; †एर्य श्राश्रौ १, ८,७: शांश्री १, १३, ४; १८,११, २: त्रापश्री ४, ११, १; बौश्री १. १९: २७; भाश्री ३,६, १; ४.. १६,२; हिथ्रौ ६,३,३; पागृ १, ४, १६ⁿ; आ "ऐरयत् शांश्री ८,२५,१ ‡; आ ... ऐरयम् मागृ 2,99,92 =0.

एरयत् - - यन् अप १,३८,५. पर- पाउमो २, ३, २९. १एर(क>)काº- पाउमो २, २, ११^व; (>ऐरक्य- पा.) पाग 8,9,949.

२पर(क>)का"- -काः बौगृ १,२,२; -काम् बौश्रौ १७,३९ : १;२६; बामिगृ १,३,१:१;२:११; २,. ४, ६: २७; बौगृ १, ३, २०; बौपि ३,३, १२; भाग २,१८ : २;१४; जैगृ १,१९: २;४;२०: १२:१६: -कायाम् वौश्रौ १७, ४०: ३; आपगृ १२, ३; जैगृ १,७:४;२0:90.

एरको (का-उ)पवर्हण- -णे बौश्रौ २, 6: 8: 23: 9: 93; 3,90 F ₹;4.

प्रण्ड- पाउभो २,२,११७. प्रा- पाउना २,२७. ५,३: ११; ३, ९, ३: ८; काय श्रित्सिमानः अप्रा ३,४,१ . २५.२२ म: बौगृ१.७.४४ म:बौपि प्रवह्नि पाउभो २,१,१०१.

b) पामे. वैप १,१०५५ j इ.। c) एतान् इति C.। d) वनात् इति पाठः ? यनि. a) एतं इ. । कोष: । e) एना इति पाठः रे यनि. शोधः । f) वैप १ द्र. । g) पामे. पृ८०८ q द्र.। h) पामे. पृ ५९७ **g द.** । i) = नदी- । व्यु. ? । $<\sqrt{\epsilon}$ [गती] इति दे. । j) पामे. वैप १, १०६२ m द्र. । k) ऐरयस्व इति बाटः ? यनि. शोधः (तु. सपा. तैत्रा ३, ४, १; ८. च)। । । पामे. वैप २,३खं. ऐरयन् माश ११,७,२,६ टि. इ.। m) पामे. वैप १,१०६२ n इ. । n) ऐ॰ इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. पामे. वैप १, १०६२ n) । o) पामेq) = तृरा-विशेष- । े **१,६२७** ८ द., यत्र माय. यनि. शोधः। p) व्यप. । व्यु. १। °क- इति पाका. । r) = [अर्जानिर्मित-] श्रास्तरण-विशेष- । व्यु. ? ।

१पला*- > एला-सिद्धार्थक- -कैः श्रप १,४५,८.

२एला- (>√एलाय पा.) पाग ३, १,२७.

प्लाक^b- (> ऐलाक्य- पा.) पाग ४,१,१०५.

पलक- पाउर ४,४१.

प(आ√ई)ळ, †आ (ईळीत) शांश्री ११, ११, ७; ऋत्र २, ५, १७.

३एव,>वा^c श्राश्री १, २, १; ५; २६××; शांश्री; कौग्र १, ८, १८^d; माग्र १, १०, १५^e; हिग्र १, १५,८^t; या १,१; १०, १०[†]; १३, १²; १४; १८[†]; एवाँ⁸ ऋप्रा २, ६६; ७, ३; एवो (व-उ) श्रावश्री ६,२२,१†.

एव-कार-करण- पावा ३, ४, ६७; ११०.

२एव- √इ इ.

पवम् श्राश्रौ १,६, ४; २,७, १८××; शांश्रौ; वैश्रौ १७, ३: १०^{१ b}; हिश्रौ १६,२,१७¹; या १,३;५; ११; १४; ४, १६; ७,३; ७; १४, २९; ३०; ३३; पाग १, ४, ५७.

एवं-युक्त,का - -कः माश्री ४, ७, ८; -काः बौग्र ३, ३, २२; --कानि निस् ४,९:१४.

एवं-रूप,पा¹— -पम् श्रापश्रौ १२, २, २; -पाः गोगृ ३, २,१०†; -पाणि श्रापश्रौ २१,२,३; भाश्रौ १०, १४, ६; वाधूऔ ३, ७६: ११; हिश्री १६, १, २३; हिए १,१७,५.

एवं-लि(ङ्ग >)ङ्गा¹ - -ङ्गासु श्राश्री ८,६,२४.

एवं-वर्णगुण¹- -णानाम् श्रप ६४, ८,४.

एवं-वाद्¹- -दः निस् ७,१३: १२. एवं-विद्°- -वित् वाध्र्थौ ३, ९: २२; १३:१८××; श्राग्र; -विदः वाध्र्थौ ४, २८: १०; १००: ३; -विदम् वाध्र्थौ ३, १९: १४; २०:१०××; -विदा वाध्र्थौ ४, २८^४: ५; १०१: ९; श्राग्र ४, ४, ०‡; -विदे बौश्रौ २,१०: ४१.

एवं-विद्वस् - द्वान् वाधूश्रौ ४, ८६^२: १२.

दर्: १२. एवं-विध,धा¹- -धः निस् ७, ७ः ५; ९: ११;८,०:२;१०,४:७; श्रप ६९, ८, ६; श्रापध १, ३, २६†; हिघ १,१,१०१†;-धम् काठश्रो १२७; निस् २,१३:७; श्रप ७१, ७, १; –धस्य काश्रौसं २५: ३; –‡धा शांश्रौ १४, २, १५; ३, १९; ६, ३; ७,५; ८, ६; ९,३; १३, २; –धाः शांश्रौ १४, ५, ७; द्राश्रौ ५, २, १५; लाश्रौ २,६,८; –धान् काश्रौसं ३०: ३; विध २१,१; –धानाम् वौध १,११,१९; –धामः कप्र १८,९९; –धाय शांग्र १, २, ७: –धे शांग्र १, २, ८; –धेन विध २०,१५.

एवं-विहित,ता— -तः श्रापश्रौ १, १०,१७; —तम् भाशौ ४, २२, १२; ६,४,५;१४,१८; हिश्रौ ३, २,५९; ६०; —ता श्रापश्रौ २१, १४,४; २२,९; —ता श्रापश्रौ २१,१४,८^{१०1}; ११; १५,१२; २४; १६,९; २२,१४; हिश्रौ १६,८,३; —ताभिः श्रापग्र १४, १५.

एवं-वृत्त,त्ता¹— -तः श्रापथ २,११, ४; गौध ३,९; —त्ताम् कप्र ३, १,६; —तौ श्रापथ २,४,१५; हिध २,१,६८.

एवं-व्रत! - -तः श्रापध १,३,२६ ;
बौध २,१०,७१; हिध १,१,
१०१ ; -ताः बौग्र १,२,६३.
एवं-शब्द - -ब्देन काश्रौसं ३६:१.
एवं-स्तोम! - -मः शांश्रौ १४,२४,

एवं-स्थित । – नान् आश्री ७,३,४. १ एवं-कर्मन् – > ॰ मां(मं-आ) वृत्ति – न्तौ आश्रौ १,३,२९. २ एवं-कर्मन् । – मां या ५,२. एवं-करम् पा ३,४,२७. एवं-कृत – स्वस्थयन । – नः अप ४,

१,१९. एवं-ग(त>)ता- - †ताः ऋप्रा १७,३.

एवं-जाति->°तीय¹- -यम् हिश्री २१, १, १६; गोग्र २, १, १९; जैग्र १, २०: १२; -याः निस् १, ११: ३४; -यानि निस् ३,

 $a) = \frac{1}{2}$ मिपान्थद्रव्य-विशेष-। व्यु. ?। b) व्यप. व्यु. ?। c) वैप १ द्र.। d) पाठः ? (तु. सपा. शांग्र १,९३,४ एह (= आ [इहि], इह) इति पामे.। e) पामे. वैप १,०९९ k द्र.। f) Böht LZDMG ५२,८४। एनम् इति शोधुकः। g) संहितायां सानुनासिकता द्र.। h) अव° इति पाठः ? यनि. शोधः। i) सपा. एवं हि विहि॰ < एवंविहि॰ इति पामे.। f) विप.। वस.। f0 व्ह॰ इति मूको. f0. च । f1) स्वार्थे छ = ईयः प्र. (पा ५,४,९)।

१०:२१; -येन द्राश्री ५, २, ५; लाश्रौ २, ६, २; निस् १, 99:99. एवं-देव (ता >)त³ - -ताः शांश्रौ €,90,93. एवं-नामन्- -मानम् काश्रौ १५, 0,90. १एवं-न्याय- -येन श्रापश्रो २४, १०,३;१५; हिश्री २१,३,१६. २एवं-न्याय - -याः आश्री ११,१, एवम्-अनुपूर्वª - -र्वाः हिश्रौ ८, ७, 8€. एवम्-अन्त - -न्तम् अप ४४, ४, ११; -न्तानि श्रागृ ३, ४, १; कीय २,५,१: शाय ४, ९,३. एवम्-अर्थं - -र्थः निस् ७, ११: १६; -थीन भाग २,१: १९. एवमर्थ-त्व- -त्वात् मीसू १२, एवमधीय- -ये या ३,१. एवम्-आचारº- -रः गौध ९,७१. युवम्-आदि"- -द्यः शैशि २३७; -दि काश्रोसं २९ : २१; नैश्रप ४४,४,११; ६८,३,१३; -दीन् बौध्रौ २९,४:४: -दीनि अप्रा 2,3,98-94; 83,7,80. एवमादि-क- -कम् अप ६९, 4,8. एवमादि-धर्म- -र्मम् श्राप्तिय 2,0,99:90. एवमादि-निमित्त- -तेषु कप्र 3,4,8. एवमादि-प्रत्यायनान्त- -न्तान् पिषवत-, एतद- इ.

वैश्रौ १६, १५: २. एवं-प्रकार8- -रम् वृदे १, ५९; -राणि सुधप ८३: ३. एवं-प्रकृति8- -तयः वृदे १, ४०. एवं-प्रभृति - -तयः वागृ १४, एवं-प्रा(य>)या°- -या: श्राधी 9,9,4. एवं-प्रोक्त-विधान- -नेन अप ३१, एवं-बल - - लस्य मु २९,६. एवं-भूत- -तः आश्रौ १, १, २५; ११,१२; ८, १४, १०; -तस्य माश्री १, ५, ४, १८; -तानाम् वौध १,५,४३. एवं-माना(न-ग्रा)दि- -दि वैधौ १६,9: ७. एवं-मुखे- - सस्य यापध २, १९, २; हिध २,५,७४. एवया-मरुत्-, 'द्-आख्यात-, एव-यावन् - 🗸 इ द. १एवाजननेवाजनकम् अप ४०, १, ?प्वावद^b- -दस्य ऋपा ९,२४. √एप् पाधा. भ्वा. आत्म. गती. एष-, एषका- एतद्- इ. १?एपण--णे सुध ४२. २१एवण- पाग ४,१,४१°; -णेन या ४, ७ व; - णेषु या ६,२२. एषणी - पा ४,१,४१. एषणा-, एपणिन्- √इष् (वधा) द्र. एषिक- (>ऐषिक्य- पा.) पाग ५, 9,936.

ए(आ-इ)ए- आ√यज्द्र. ए एवे, एएव्य- √इच्छ (इच्छायाम) एप्टिं- -प्यः याशि २,८. पष्ट्री- √इच्छ (इच्छायाम्) द्र. पध्यत्- √इ द्र. प(या /ई)ह्>ए(या-ईह>)हाb--हाः अप्रा २,३,९ ई. एहस⁸- -हः निघ २,१३. पहिं e'b- (>एही- पा.) पाग ४,१, एहिकटा- प्रमृ. ए(श्रा√इ) इ.

दे पाग १, ४, ५७; अप ४७, १,१८; शुप्रा ८,५; ऐ३ शुप्रा ८,५. ऐ-कार- -रः अप ४७, ३, ४; उसू ७, ७; तैप्रा ९, १४; १६, २३; श्रप्रा ३, १, १६; २, २०; शौच ३,५०; भाशि २७; -रम् ऋप्रा १४,४१;४२; तैप्रा १०,६. ऐकारा(र-श्र)न्त- -न्तः भाशि ९५; -न्तम् या १,१७; शुप्रा ७,७; -न्तानि श्रप्रा २,१,१४. ऐकारौ (र-श्रौ)कार- -रयो: शुप्रा १,७३; तैप्रा २, २६; शौच १, ४१; पाशि २०; -री शुप्रा ४, 46;984. ऐ-त्व- -त्वम् भाशि ८१; -त्वे

ऋप्रा १४, ४४. ऐत्व-ग!- -गाः भाशि २८. ऐक-(>ऐकीय-) उपविन्दु->श्रीप-

विन्द्वि- टि. इ. पेकक्रम्य-, °ककाल्य- प्रमृ. १एक- इ.

a) विप. । बस. । b) वैप १ इ. । c) ऋर्थः व्यु. च ? । d) विप. । व्यु. ? $< \sqrt{\epsilon} \bar{q}(\eta \bar{n})$ इति स्क., SEY [४२], < √इष् (इंच्छायाम्) इति दु.। e) = नाराची-, ैद्यशलाका- इति पागम.। f) वैप १,१०७१ g द्र.। g) = कोध-। ब्यु. ? < √हन् इति दे.। h) <ए(ब्रा $\sqrt{\xi}$)ह इति न्यासः। s) = वर्ण-विशेष- । j) उस. उप.<√गम्।

पेकलव-, °लब्य- एकल्-द्र. पेकविश्य- १एक- इ. पेकविन्दवि-, °वीय- उपविन्दु-> श्रौपविन्दवि- टि. द्र. पेकश्चत्य- प्रमृ. १एक- इ. पेकायन- २एक- इ. १,२पेकार्थन, °काश्रम्य- प्रमृ. १ऐक्य- १एक- इ. २ऐक्य- २एक-इ. पेक्षव-, १,२ऐक्षक-, ऐक्ष्मारिक-इत्त- द्र. पेक्ष्वाक-, °क् - इक्ष्त्राकु- इ. पेग्य- एग-द्र. पेङ्गद- इहुदी- द. पेच्छिक- √इच्छ (इच्छायाम्) द्र. पेज्य- एजि- इ. पेटत- इटत्- द्र. १पेड- √इड् द्र. २पेड- २इडा- इ. पेडक-°की- एडक-इ. पेड-त्व- इड्- द्र. पेड-वाक्य- २इडा- इ. पेड-वाङ्-निधन-,ऐडाद्ध- √इड् येणेय- एणी- इ. पेतर-, ऐतरेय-, ऐतरेय-क-, ऐत-रेयिन्- २इतर- द. पेतश"- -शः वृदे ८, १०१; -शस्य बृदे १,५५. ऐतश-प्रलाप- -पः शांश्रौ १२,१७, ३१७; -पम् वैताश्रौ ३२, ऐतशप्रलाप-वत् वैताश्री ३२, पेतिकायन- इतिक- द्र.

पेतिशायन- इतिश- द्र. पेतिह- इदम्-> इति-ह- द्र. पेतिहासिक- इतिहास- द्र. पेतिह्य- इदम्->इतिह- द्र. पेतोस्(ः) ए(श्रा√इ) इ. पेत्वरायण- इत्वरा- द्र. पेदंयगीन- इदम्- द्र. ऐद्ध-, ऐध्मवाह- √इध् इ. पेनिपण्ड्य- इनिपण्डी- इ. पेनस- एनस-इ. पेन्दव-, °वी- इन्दु- द्र. पेन्द्र-, ऐन्द्रजाल्य- प्रभृ., ऐन्द्राº, १ऐन्द्रायुध- इन्द्र- द्र. २ऐन्द्रायुध- २इन्द्रायुध- इ. पेन्द्राभव- प्रमृ., ऐन्द्र- प्रमृ., ऐन्द्रोत- इन्द्र- द्र. ?पेन्द्रोपानस्यक° माधौ १, ३,५, 98 10. ऐन्द्रय-, ऐन्द्रयादि- इन्द्र- द्र. ऐन्धायन- ३इन्ध- द्र. पेन्य- इन- इ. ऐमकान्तक- इम- इ. १पेर- √इर इ. २पेर- २इरा- द्र. पेरक्य- १एरका- इ. ?पेरम्मः व श्रापमं १,३,६. पेरमद-, १,२ऐरावत- √इर् द. पेल- √इइ इ. †पेलव°- -बः श्रा ४८, ११६; दंवि 2,4. †ऐलब-कार- -रेभ्यः श्रश्र ११, पेल-बृद- √इड् द. पेलाक्य- एलाक- इ. पेल्रष- इल्लष- द्र.

पेशानी-, ऐशी-, °इवरि-, °इवरी-, °दवर्थ- √ईश द्र. पेषमस(>:) वा ४,२, १०५; ५,३, २२; पावा ५,३,२२. ऐवमस्-तन-, °रय- पा ४,२,१०५. ?ऐपमितिकम् अप १९,३,८. ऐषिकि!- 'कयः बौश्रीप्र ४३: २: -किः वौश्रौप्र ४४ : ४. ऐविक्य- एविक- इ. पेविर- इविर- द्र. ऐपीक- √ईप् द्र. पेवीकपाविष- -वयः निस् ६, ११: २२; -बीनाम् निस् ६,११: 385p पेषीरथि- इपीरथ- इ. ऐषुकारि- इषु- इ. पेप्रक- इष्टका- द. पेप्रिक-, °की-, 'धीक- इष्टि- इ. पेछेषि'- - वयः बौश्रीप्र ३ : ५. पेहलीकिक-, ऐहिक- इदम्-> इह द.

ओं ऋपा २, ३३; शुप्रा ८, ५३; शैशि ४४; ५१; ५७; माशि ७, ३; पाशि १९; पाग १, ४,

भो-कार- -रः आश्रौ ७, ११,११; शांश्री १,१,१९; जैश्रीका ११६; श्रप ४७,२,२; ३,४; या २,५; ऋपा १, ६८; शुप्रा १,९४; ४, ९३; तैप्रा; -रम् श्राश्री १, ४, १३;७,११,२; ऋश २,१७;४, २५; शुप्रा ३,४६; ४,४३;५५; तैत्रा ९, ७; १०, ५; १८, 9;

पानस्य टि. इ. । d) श्रर्थः व्यु. च ? । सपा. पागृ १,४, १५ वैक्रणः इति पामे. । e) वैप १,१०७२ d इ. । f)=ऋषि-विशेष- । व्यु. ? । g)= वात्य-विशेष- । व्यु. ? । h) —वि $^\circ$ इति पाठः? यनि. शोधः । i)=वर्ग-विशेष- ।

-रात् लाश्री ७, २, ११; शुप्रा ३, ६१; पावा ७, २, १; ८, ३, २०; -रे तैप्रा २, १३; अप्रा ३,9,३. ओकार-प्रतिषेध- -धः पावा ७, ٦,9. भोकार-सकार-भकारा(र-ग्रा) दि- -दी पावा ५,३,७२. भोकारा(र-ग्र)न्तº- -न्तः शौच १, ८०; -न्तात् अप्रा ३, १, २२. ओकारी√भू, ओकारीभवति माश्री ५,१,१,१२. ओकारी(र-श्री)कार- -रयोः शौच ३, ५१; -री हिश्री २१, 2.23. क्षोकारीकार-पर- -रे तेप्रा 20,0. श्रोत्->श्रोत्-स्व->°त्त्वा(त्त्व-श्र)भाव- -वः पावा ७,२,१. भोद-भाव- -वे पावा ७,१,१. भोख-वचनb- -नम् पावा ५, २, 90. **ओ-भाव-** -वः शैशि १९६; पाशि १४; माशि १०, ४; ५; याशि २,४६; -वम् याशि २,४८. कोभाव-प्रसंधान⁸- -नम् पाशि १५; शैशि १९८; याशि २,४७; नाशि २,५,८.

भो-भूत- -ते ऋत ३,१,१०.

श्रोक°- पाउच ३,४१; पा ७,३,६४.

ओकस् - पाउमो २, १, ३४५;

- †कः त्राश्रौ ९, ११, २०; ओढ- श्रा√वह द्र.

श्रो-वर्ण- -र्णे शैशि ५o.

शांश्री १५, ८, २१; श्राप्तिय ३, ओद्रा- पाउभो २, ३,३०. श्रश्र ५,२२; या ३,३ई; ९,५\$; ऋप्रा १४,५१; - कसः श्रापश्री ३, १४, २; बौधौ २, ९:४; भाश्री ३, १३, १; हिश्री २, ६, ३४; - †कांसि श्रापश्री ५,१९, ओत,ता- श्रा√वे इ. ३; हिथ्री ३, ५,४; जैथ्री ८: ओत्1- पाउ १,६९. १७\$; द्राश्री २,४,११; लाश्री 8,6,8. 9,9. ओ(बा 🗸 उ)क्ष, †आ(उक्षतम्) बाधी 2,98,99; ₹, ८, 9; 4, 90; २८; ७,२,२; ५,९; शांश्रौ. √ओख् पाधा. भ्वा. पर. शोषणा-लमर्थयोः. ओघ°- -घः या २,२. क्षोध-व(त>)ती'- -तीम् वौश्रौ १९,१०:४९. ओङ्कार- श्रोम्- इ. †ओचिषे° ऋपा २,७१. ओज - - जः श्राज्यो ६, १३; - जयोः ऋपा २, १८; -जाः ऋपा १, 90. १ओजस्- √उज् द्र. २ओजस्^b- (>भीजसायन-) पा.) पाग ४,१,११०. √ओजाय √उज् द्र. ?ओजाः¹ कौगृ २,३,१०†. ओजिष्ठ-, °जीयस्-, क्षोजोदा-√उज्द्र.

६,३:२५; ७,४:१६; बौषि √ओण् पाधा. भ्वा. पर. श्रपनयने. १, १२: १; चात्रम् २\$; †ओणी°- -ण्योः प्राध्नौ ४,६, ३;८. 9,96; 92,23; 80, 90, 8: शांश्रो ५, ९, ७; श्रप्रा ३,४,9; शौच ३,६१; - एयो अप ४८, ६०; निघ ३,३०. कोत्वो(तु त्रो)ष्ठ- -ष्ठयोः पावा ६, 9, 83. भोको-निधनd- -नम् लाश्रौ ७, +ओद्(त् >)तीc- -ती निघ १,८; -तीनाम् शांश्री १८, १, १३; लाश्रो ७,३,८; निस् १,२: १०; उनिस् ७: २२. ओदन^c- पाउ २, ७६; पाग २, ४, ३१; ५, १, ४; पागवा ५, १, १०१; - एन वाधी १, १, ५, ४; कौसू ६५, १२; ६८, २६३; -नः ग्राधौ २, ३, २; श्रापश्रौ; अप ४८, १०० +m; निघ १, १०‡ ; -नम् श्राश्रो ३,१०, २७; १४, १; शांश्री; या ६, ३४ 🕈 🍎 ; ७,१३; पावा १, १, ६७; -नयोः त्रापश्रौ ८,११,२; वैश्रौ ९, २: ९; काग ७०, ६; -नस्य बौश्रो २,१४:५; वाधुश्रौ; -नाः ३ शौच १,१०५ +; -नात् व्यापश्री २२, २५, २२; हिश्री २३, ४, १६; -नान् त्रापश्री ८, १०,७; १९, १३, १२; बौश्री; -नानाम् भाश्रौ ८,१२,१०;१३;

वाश्रौ १, ७,३,१२; भागृ २,९:

६; -नानि श्रापगृ २०, ५;

a) विप.। बस.। b) पस.। पाम । पक्षे। उ रहित । c) वैप १ द्र.। d) =साम-विशेष-। बस.। e) ब्यु. १। <√वह् इति स्क. दु. प्रमृ.। वैप३ श्रिप द्र.। f) = इप्रका-विशेष-। ु) = विषम- (तिथि-, वर्ण-)। ब्यू. i । i) पाठः i सप्त. शांग्र २,६,१ ऊर्जाः इति पामे. i) ओडू - इति पाउनावृ २,२८। k) पामे. वैप १,९८३ b द्र. । l) = विडाल- । व्यु.? $< \sqrt{3}$ अव् (रक्षणे) इति प्रायोवादः । m) = मेघ- ।

-ने माश्री १, ५, १, २४; कौस ६६,६; १०९, ७; -नेन श्रापश्री ४.११,३ +××; भाश्री: -नेभ्य: वैश्रौ ९, २: १२; हिश्रौ ५, ३, २६; श्रापगृ २०,४; हिगृ २,८, ९; -नौ काश्री १९,१,२१. औदनिक- पावा ५,१, १०१; -कम् बौपि २,४,१४. कोदन-चर- -रुम् गोगृ ४, १, ६; 2.98. ओदन-दर्व- -वेंण कौए ४,२,३ª. क्षोदन-पिण्ड- -ण्डम् श्रापगृ १९-२०, ७; भागृ २, १०:३; हिंग २,९,५. ओदन-वत् मीस् ६,४,२७. कोदन-वत्- -वताम् बौश्रौ १८. 96:90 =. ओदन-शेष- -पम् त्रापश्रौ २२. २६,६; हिश्री २३,४,२३; भागृ २, १०: १०; -पान् आपश्रौ 6,99,6. भोदन-सत्तवा(क्-श्रा)दि- -दि कप्र 3,4,3. अोदन-सवb- वः श्रापश्रो २२,२७, १: वौश्रौ १८,१०: २३: हिश्रौ २३, ४, ३४; -वानाम् कौस् ६७,५; -वेन आपश्रौ २२,२५, १९; बौश्रौ १८, ८: १; हिश्रौ 23,8,93. शोदना(न-ग्र)विशष्ट- - ष्टम् कौसू

ओदनीय-, °न्य पा ५,१,४. ओ(श्रा-उ)द-ऋच°- -चम् माश्री २,१,२,१६. ओदा- पाउना १,१३०. ओद्मन्- √उद् इ. ओ(श्रा-उ)प्र्यनम् > ओ(श्रा-उ)प-नत- -तम् श्रापश्री ७,१,१७^व, ओपराº- -शः श्रप्रा ३,४,५‡. ओपशिन्--शिनम् श्रप्रा ३,४,१ +. ओप्य, °प्यमान- श्रा√वप् द्र. √ओम् √ऋव्द्र. †ओम् ⁴ श्राश्री १, २, ३; ११, १५; 97,97; 93,0;6,93,68; 9. ३,११⁸;१२⁸; शांश्री ४,६,१७; ७,१७; २१,२३;२४; काश्री २, २,८; ९, १३, ३०; श्रापश्री ३. 98,9; 20,6; 8,8,8; 8,0,9; बौश्रौ; पा ८,२,८७; पाउ १, १४२; पाग १,१,३७; ४, ५७; †ओइम् शांश्री ४, ६,९; काश्री ४,१४,९; १५, ६, ३; वैताश्री 8.3. भों-कार- -रः काश्रौ १९, ७, ५;

र, र.

ii-कार— -रः काश्रो १९, ७, ५;

लाश्रो ९, ७, ५; निस्; या
१३, ९; ग्रुप्रा १, १६; याशि
२, २१; -रम् श्राश्रो १,२, १०;

हिश्रो २१, १, १४; द्राश्रो १५,
३,६; लाश्रो ५,११,६; ६,१०,
१६; ७,१०,२०; शांग्र; -रस्य

लाश्रो ९,७,४; शंध १०७; -रे

वाश्रो १,१,१,५४; -रेण काश्रो
२,२,९; हिश्रो २,८,१२; लाश्रो
६,१०,१३; ७, ७, ३४; ८, ३;

निस् ४,१ : ३५; ४१.

ऑकार-चतु(र्घ>)र्था- -र्थाभिः था गर ८,१०; १५,४. ओं कार-पूर्व- -वम् बीगृ १, १, ऑकार-पू(र्वक>)विका- -काः विध ५५.१५. ऑकार-वपट्कार- -री अप ४३ 2,94. ऑकारा(र-य)थकार- -री ग्रप्रा 2,90. ऑकारा(र-त्रा)दि- -दि वैध २, १०, ३; -दिः लाश्रौ ६. 99.6. ओंकारा(र-ग्रन्त>)न्ता- -न्ता बौश्रौ २५,९:६; -न्ताः गोगृ 2,90,38. ओंकारी √क, ओंकारीकुर्यात् लाश्री ६,१०,१६. ओं.√कृ, ऑकुर्यात् कप्र २,८,१६. ओम्-अर्था (र्थ-प्र)वाप्ति - - प्तिः वैगृ २,१८: ५. क्षोम्-आङ्- -आङोः पा ६,१,९५. ओम्-पू(र्व>)र्वा- -र्वाः श्रागृ ३, २,३; ५, १२; कौय २,४, ६ ; ४, ७‡; त्राप्तिगृ २,६, ४: ७; जैगृ २, ८: ९; वाध २३, २३; गौध १,५७.

ओम-, १-२ शोमन्-, °म्या-√श्रव् द्व. ओयि हिपि १४: १२^३. √ओलण्ड्¹ पाधा. चुरा. पर. उत्क्षेपणे. ओवा¹- -वया लाश्री ७, २, १२; -वायाः लाश्री ७,२,९.

a) सप्र. शांगृ ४, १५, १९ अक्षतसक्त्नां दर्वेण इति पामे. । b) = यज्ञ-विशेष- । वैप १ द्र. । c) श्रस. समासान्तवृ टच् प्र. उसं. (पा ५, ४,१०७) । सपा. तै १,२,२,३ प्रस्. आ उद्-ऋचः इति द्वि-पदः पामे. । d) पामे. पृ ५७५ g द्र. । e) वैप १ द्र. । f) वैप १,४४६ f द्र. । g) = प्रतिगर- । h) = विलापच- न्यनुकरण- । व्यु. ? । i) = $\sqrt{\pi}$ ण्ड् । j) = स्तोम-विशेष- । व्यु. ? ।

८९, २.

भोदनिक- पा ४,४,६७.

१२,२,9२.

√भोदनीय, कोदनीयन्ति काश्रौ

 कोचीली⁴ - -ली कप्र १, ७,२;५; श्रप २२,७,१; -लीम कप्र १,८,३.
 †ओष⁵ - -बम् श्राश्री ४,७,४⁰; बौश्री ९,९: २२; भाश्री ११,९,१५; श्रप ४८,१०६; निघ २,१२;

ओषत्- √उष् द्र.

सोषधि,धीव-पाउमो२,१,२०५;पाग ६. २, ४२; - ईधय: आश्री १, २,9;99,७××; शांश्रौ; निघ ५, ३\$; \$या ४,२५;६,३;३६; ९, ८;२७क;२८;१४,८; - +०धयः काश्रौ १६, ३, १३; श्रापश्रौ; वाश्रौ १,३,२,१८°; हिश्रौ ६,३, १७°; -धिः बौश्रौ २१, १२:४; वृदे ७,१२२; सात्र्य२,११७४‡; या ११,२; ५; - †धिभ्यः मागृ २, १२, ५^२; कौसू ७३, ५; -धिम् भाश्री ७,१, १२; हिश्री; हिए २,६,७¹; श्रश्र २,२७^{२g}; या ११,४+;-+धीb पागृ१,१३, १; बैग्र ६३ : ५; बैग्र २,१५:३: -†धीः आश्रौ ३, ६, २४××; शांश्री; माश्री १, २, ४, १८1; श्रामिष्ट २, २, ५:१० ; ऋश्र २, १०, ९७ ; शुत्र २, १२७ ; या २,२२\$; ६, ८; ९, २८1; शुप्रा २, ३८¹; -०धीः वौश्रौ ६. २:२६: - श्वीन पाग ३, ४, ८ + k; शंध ११६ : १४; - +धी- नाम् आश्रौ १, ३, २३; ४, १२, २: शांथ्री ४, १०, १1; पागृ १, प. १०1; विध ५०, ५०\$ m; हिध १. ५. ५७\$"; या ८,२२; -धीभिः श्रापश्रौ १,१४,२××; बौश्रौ; ‡माश्रौ १, २, ३, १३°; २,9,२,७^p; मागृ १,99, ६^{‡p}; - †धीभ्यः शांश्रौ ९, २८, ५; श्चापश्री; लाश्री ७,१२, ५^a; या ६,१; -धीभ्याम् बौषि ३, ११, १: -धीम आपश्री १५,१९,९; भाश्री; त्रापमं १, १५, १‡ ; -धीषु आपश्री ८, १, ४××; बौश्री; ‡माश्री १,८, ३, ३°; - † ० घे काश्री ५,२,१५; ६,१, १२:६.७: श्रापश्री; श्रापमं २,७, २५b; आमिए १,३,४:१b; भाए २, २१ : ३h; हिए १,१०, ६h; ११,३ b; या १,१५; -धेः शौच ३,५; पा ५,४,३७;६,३,१३२; -धी पावा ४,१,४२; -ध्यः विध ५१,६३; -ध्या माश्री १, 9.३, 9२‡t; २,४,७; वाश्रो १, २, २, ९; वागृ १, १२; कौसू ३०, ११; - १ध्याः वौश्रौ १, ११: ७; १२; १७; भाश्री २, १,६; बीग ४,१,३; शुप्रा २,१९. औषध-पा ५,४,३७; पाग २, ४,३१; -धः हिश्रो ११,८,९+; -धम् काश्री ४, १४, ४; वौश्री
२४, १:१८; २९,३:२; शंघ
३९४; वौध २,१०,६०; या ५,
२८; मीस् ८,१, ३७; -धस्य
वौश्री २०,६:७; १२; १३:
२१; २४; २८; २४, ९:६;
वौग्र २, ३,५; -धाः वाध्र्यी ३,
१००:५; -धात् वौश्री २४,
३:२; वैश्री १७, १६:१;
-धानि विध २०,४५; मीस् ८,
४, २५; -धेन वौश्री २०,४:
२; ४; -धें: श्रप ७,१,१

अोषध-कल्प- -ल्पः हिश्रौ २२,४,२.

स्रोषध-कारित- -तानि भाश्रो ७,१७,१.

औषध-धर्म- -र्माः काश्रौ २३,२,१६; २६,४,९.

भौषध-पात्र— त्राणि वाश्रौ १, ७, २, १४; हिश्रौ ४, ४, ४५.

क्षौषध-प्रदान- -नेन विध ९२,१७.

औषध-मन्त्र-संयोग- -गेन बौध २,९,१२.

औषध-वत् वौध २, १०,

भौषध-संयुक्त- -कैः श्रप ७०^२,९,३.

c) तु. त्रान.। d) वैप १ इ.। a)= श्रिमनथन-साधन-। aर्यु. (1 b) वैप १,१०७४ h इ. । e) पामे. वैप २,३ खं. ओषधे तैव्रा ३,७,६,१९ टि. द्र.। f) सपा. °धिम्<>°धीः इति पामे.। g) औ° इति पाठः ? यिन. शोधः । h) सपा. ॰धी<>?॰धे (तु. त्रापमं [भू XXIV]) इति पामे. । i) पामे. वैप ?, l) पामे. वैप १,१०७७ a द्र. । १०७५ e द्र. । j) पामे. वैप १,१०७५ d द्र. । k) ॰धीः इति लाधा. । m) औ॰ इति Jolly?। n) औ॰ इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. श्रापध, भाष्यम्)। ओषधीनां ···कीलालम् o) पामे. वैप १, १०७७ h द । इत्यस्य स्थाने सप्र. श्रापध १, १७, २५ कीलालीपधीनाम् इति पामे.। r) सपा. ऋ १०,१४५,१; शौ ३, q) गीतिविकारतया निर्देश: । p) पामे. वैप १,१०७७ दि.। t) पामे. वैप १ पवित्रे मा १, s) पामे. वैप १, १०७८ a इ. । १८,१ विम् इति पामे.। 93 दि. इ. ।

कोषधा(ध-त्रा)वसथा (थ-न्र) शना(न-ग्रा)च्छादन- -नै: शंध 380 भौषधा(ध-त्रा)हति- -त्या या १०,२१. ?ओपधि-कृच्छ्जीवनº- -ने 86,76. क्षोषधि-खनन- -नम् कौस् ३३, ओषधि-देवता->°(त्य>)त्या--त्ये शुत्र २,५१. ओषधि-पर्यन्तb- -न्तानि या ७,४. ओपधि-पाणि^b- -णयः माश्री ४, ३,३९; ४, ३७; ५, १२; ८,३; -णिः माश्रौ ४, १, ३१; ६,६: v. 9. कोषधि-पात्र- -त्राणि हिश्रौ ८,१ 86. १ओपधि-भत्तय(क्ति-ग्र)भीज्या--ज्या निसू २,५: १७°. ओपधि-भार- -रम् शंध ४०८. ओषधि-भोजिन्d - -जी वैध १, ७, ₹. भोषधि-मूल- -लानि त्रशां १२,३. कोपधि-वत् कीस् ३६,१२;३२. जोषधि-वत्- -वत् हिश्रौ १०, १,

22.

क्षोषधि-वनस्पति- -तयः बौगृ १,

५,५; द्राय १,५, ३३; बौध ४,

३,५; या ८,५; - †तिभ्यः श्रापृ

१,२,४; कौग ३,१०, ११; बौगृ

२,८,१७; भाग ३,१३: ६; ८; वाग १७, ८; गोग १, ४, ९\$;

कप्र २, ४, १-५; कौसू ७४, ६: या ८,५\$; -तिभ्याम् श्राप्तिगृ १. ७,२:१० =;२,४,३:७, -तिभ्य: पा ८,४,६; -तिषु मागृ २,१०, ८; या ६, ३६; -तीन् श्रापश्रौ २०, २५, १४; वैताश्री ७, १४; वौषि ३,४,८; गौषि १,३, १०; ध्यापध १,३०, १९; हिध १,२, ६३१%; ८,२२; -तीनाम् शांश्रौ १६,१५,११; काथ्री २१,१, ६: हिश्री १४, ६, २५; गोगृ १,९, १५; कौसू ३२, २६; श्रापध १, ७,४°; २,२,४; हिध २,१,२६: गौध ३,२०. भोषधिवनस्पति-मूल-फल¹--लै: श्रापध १,११, ५; हिंध १, 3. 62. क्षोषधिवनस्पति-वत्-वत् श्रागृ 2,0,3. ओषधि-वनस्पति-गन्धर्वा(व-ग्र) प्सरस्- -रसः वैगृ १,२०:४. ओपधि-विभाग- -गः आग्निय २, ६.५: २३: बीगृ २.९.२२. ओषधि-संयोग- -गात् मीसू ६,५, क्षोषधि-सूक्त- -क्तेन आश्री ६, ९, १; आपश्री १४,२१, १⁸; हिश्री १५, ५, २५8. कोषधि-स्तम्ब- -म्बम् हिपि १२: १: -म्बान् हिपि १६: ४. क्षोषधि-स्तृति- -तिः ऋत्र २,१०, ९७; -तिम् शुत्र २,१२७. कोषधि-होम- -मम् वाध्रश्रौ ३,

७८: २; -मान् आपश्रौ २०. 99.98. कोषधी:-पर- -रः तैप्रा ५,१७. भोषधी-म(त्>)ती- -तीः अअ 89,964. ओषधी-वनस्पति- -तयः श्रप ४१. ओषधी-बीरुध्- -रुधः श्रप ७०^२: ٤.9. ओपधी(धि-ई)श- -शाय वैगृ ४. c: ct. क्षोपधी-सूक्त- -क्तेन वैश्री २१.७: ओषधी-स्तव- -वः बृदे ७.१५४. क्षोपध्य(धि-अ)नुवाक- -कानू बौगृ ₹,9,264. ओपन्ती- √उष इ. ?ओष्- -पुम् शांश्री ५, १०,१०^{‡1}. ओष्ट्रां- पाउ २, ४: पाग ५,२,२४. -ष्ठः त्राधी १२, ९, ९: -ष्टम बोधी १७, २९:८; त्रापगृ ११, १३: -ष्ठयोः आश्रौ १, ७,१; -ष्टाभ्याम् ऋपा १४, ४: तैप्रा २,३९; १०, १४+; - हे बौध १८: ७; शुप्रा १, ७०; -ष्ठी वाध ३, ३९: श्राप्ध १,१६,३: १०; विध ९६,९२; हिध १,५. ३;९; तैप्रा २, १४; २१; शैशि ५३; ५८; १२०; पाशि १३: माशि ६.७. मोष्ट^k- - प्टम् काश्री ९,२,७. औष्टी1- -ष्टीभ्याम् काश्रौसं ३६ : १७.

a) पाठः?। भोखित (> ओखिद [तु. मूको.] < \sqrt ओख् [तु. पंजा. भौखा]) इति कृ॰ इति च द्वि-पदः शोधः । b) विप. । वस. । c) = आग्रयण – [य्रोषधीनां पक्षेः पाकस्याभीज्या-] । पाठः? ॰ धि-पक्त्य॰ इति शोधः (तु. मूको.) । d) विप. (श्रौदुम्बर- [सपत्नीकवानप्रस्थाऽन्यतम-]) । उस. । e) सप्त. १॰ तीन् +0 लिन् दित पामे. । +1 पामे. १ ७५५ +1 द्व. । +2 पाठः? सपा. शौ ७,०७,१ ओपुम् इति पामे. । +3) वैप.१ द्व. । +4) इवार्षे अण् प्र. उसं. (पा ५, ३,१०७) । +5) = [य्रोष्ठाकृति-] पानी- ।

बोष्ठ-चलु"- -लुः माशि १२,५. मोष्ठ-ज- -जः शैशि ४२; -जी पाशि मोष्ट-जाह- पा ५,२,२४. कोष्ट-द्वय-विहीन- -नः विध ५, 39. बोष्ट-वत् वैश्रौ ११,७:५. मोष्ट-हनु- - नु तैप्रा २, १२. ओष्टा(छ-ग्र)न्त- -न्ताभ्याम् तेत्रा 2.83. †मोष्ठा(ए-त्र)पिधा(न>)ना^b--ना गोग ३,४, २८; द्राय ३,१, सोष्टो(ष्ट-उ)परि-दन्त°- -न्ताः काध २७९: ३ बोष्टो(ए-उ)पसंहार- -रः तैप्रा २, स्रोच्छा^d - - ज्वः श्रप ४७, २,२; ऋप्रा १,४७; - ज्यम् दंवि १, २:४?e;२,८?e; -प्ड्यस्य याशि २,२०; -ष्ट्याः शुप्रा ८,४१; याशि २, १:९४; आशि १,१८; दंवि१,१२;-ष्ठ्यान् दंवि१,३१%; -प्रयानाम् शीच १,२५; -प्रये ऋत २,१,९; - ष्ट्यी शेशि ४३. बोच्छ्य-निभ- -भी ऋत्रा १४, भोब्ह्य-पूर्व- -र्वस्य पा ७, १, १०२; -र्वाः ऋप्रा २,३३. भोष्ट्य-योनि- न्योः ऋपा २, 39. क्षोप्ट्य-स्थान- -ने शांश्री १, कोप्ट्य-स्वरा(र-श्र)न्त- -न्ते कीशि ७९

†ओह- -हम् या ५, १९ ; -हेन | उस् ३, ५1; -है: भाशि ४५8. †ओह-ब्रह्मन् b -- -ह्याणः या १३, 936. ओ(त्रा-ऊ)हिवस्- त्रा√वह् द्र. ओहिषे^७ ऋपा २, ७१‡. ओ(आ-उ)ह्य, °ह्यमान- आ√वह द्र.

औ अप ४७, १, १८; शुप्रा ८, भरे; ऋत ३, २, ३; शैशि ४४; ५१; ५७: पाशि १९; पाग १,४,५७. की-कार- -रः शांधी १,२,१३; अप ४७,३,४; तैप्रा ९,१५; उस् ७, ५; शौच ३,५१; -रम् ऋप्रा २, १९; शुप्रा ७, ५; तैप्रा १०, ७; -रात् लाथौ ७, २,४. क्षीकारः(र-श्र)न्त- -न्तम् श्रुप्रा औकतथ-, °रध्य- उकरथ- इ. ओक्त्रायणि¹- -णिः वौश्रौप्र ४१: औक्थ- १उक्थ- इ. ओक्थिक,का-, °क्थिक्य- √वच् औक्ध्य-, °ध्यायन- १उक्ध- इ. १औक्ष- √उच् द्र. २औश्न- २उत्तन्- द्र. औक्ष्णोरन्ध्र- उक्ष्णोरन्ध्र- इ. औख-, 'खी- उखा- द. औखीय-, °खेय- २उख- द्र. औख्येयक- उखा- द्र. औप्रचिति!- -तयः बौश्रीप्र ६ : ४. औग्रेय- २उप्र- द. औचथ-, १औचध्य- १उचथ-इ.

२ औचथ्य- उचध्य द्र. ओचित्य- √उच् द्र. औद्यैःश्रवस- उच- इ. औजसायन- २ श्रोजस्- द्र. औजसिक- √उज् द्र. ओज्जयनक- उज्जयनी- इ. औजिहानि- उजिहान- द्र. औड->भोडी- पृ ५४७ b टि. इ. ओडपिक- उडप- इ. औडलि!- -लयः बौश्रीप्र ४७ : ८. औड्चि-, °बीय- उडव- इ. औडायन-(>॰न-भक्त- पा.) पाग 8, 2, 48. औडुप-, °पिक- उडुप- द्र. औडुलोमि- उडुलोमन्- द्र. औतकि 1- °की- (> औतकीय-पा.) पाग ५,३,११६. औतश्य- उतथ्य- द. औत्थिप- उत्थिपा- इ. औत्त्तेप- उत्क्षेप-इ. औत्तम-, °िमक- उत्तम- द्र. औत्तरकीय-, °रतनिक-, °रपक्षिक-, रपथिक-, °रपदीय-, °रवे-°राधर्य-, "राह-दिक-, १उत्तर- द्र. औत्पत्तिक- उत्√पत् द्र. औत्पत्तिक- उत्पात- द्र. औत्पन्निक- २उत्पन- इं. औत्पात-, 'तिक- उत्पात- इ.

औत्पाद- उत्पाद- इ. औत्पुर-, °टिक- उत्पुट- द्र. औत्पृतिक- उत्पृत- द्र. औत्पृतिक- २उत्पृत- द्र. १औत्स- १उत्स- इ. २औत्स~ √उद्,न्द् द्र.

d) विप. । भवार्थे a)- बिप. (पाठक-) । श्रर्थः ब्यु. च ? । b) वेप १ इ. । c) विप. । पस. > वस. । यत् प्र. (पा ४,३,५५)। e) औ॰ इति पाठः ? यनि. शोधः। f) वैप १,१०७९ j इ. । g) वैप १,१०७९ k इ.। h) = वर्ग-विशेष-। i) = ऋषि-विशेष-। व्यु.?। j) अर्थः पृ ४८०m इ. । तु. पाका., औदिक- इति भाण्डा. पासि.।

औत्सङ्गिक- उत्√सञ्ज् इ. औत्सायन- १उत्स- इ. औदक- प्रमृ. √उद्,न्द् इ. भौदकि-(>औदकीय-पा.) श्रीतिक- दि. इ. औदकी- √उद्,न्द् द्र. औदङ्कि-, °द्बीय- १उदद्ध- द. औदशायन-, °नि- उदश- द्र. औदअनक- २उद्यन- द्र. औदञ्चवि- उदञ्च- इ. सौदञ्चि- १उदध- इ. औदनिक- श्रोदन- इ. औदन्य- ३उदन्य- इ. औदन्यायनि- २उदन्य- इ. भौदन्य- ३उदन्य- द्र. औदपान- √उद् द. औदभूजि-,°दमजि- उदम्।,म।ज-औदमेघ-, °दमेघि-, °दमेघीय-, उदमेघ- द्र. औदमेयि-, °यीय- उदमेय- द्र. भीदर- उदर- द. औदरि"- -रि: बौश्रौप्र ३१ : २. औदरिक- उदर- द. औदल- प्रमृ. २उदल- द्र. औदवापि-, °वापीय- उदवाप- द्र. औदवाह-, °वाहि-, °वाहीय-२उदवाह- द्र. औदवजि- उदवज- द्र. औदशुद्धि- उदशुद्ध- इ. औदश्वित-, °िवत्क- √उद् द्र. भौदासीन्य उदा(द्√त्रा)स् द्र. औदुम्बर- प्रमृ. १उदुम्बर- द्र. औदुम्बरक−, °रायण-, ° °रि-२उद्ग्यर- द्र. भौद्रात्र- उद्√गै द्र.

२उद्राहमान- द्र. औद्रभण-, °हण- उद्√गृभ् , गृह् औदण्डक- २उद्गड- द्र. औद्दालिक- उहालक- इ. औदेशिक- उद्√िदश द्र. औद्धच- उद्√धृद्र. औद्धारि- उद्घार- द्र. औद्भिद्- प्रमृ. उद्√िभद् द्र. औद्याव- उद् √यु द्र. औद्धप- उद्दप- द्र. औद्वाहिक- उद्√वह द्र. औद्वेप- उद्√वेप् इ. औन्नेत्र- उन्√नी द्र. औपकर्णिक- उपकर्ण- द औपकार्य- उप√कृ द्र. औपकृल्य- उपकृत- द. औपगात्र- उप√ग द्र. औपचाकवि- उपचाक- द्र. औपचारिक- उप√चर् द्र. श्रीपच्छद- उपच्छद- इ. . औपजङ्गिन - निः बौध २,२,३३. औपजानक- उपजानु- द्र. औपजिह्नि - -ह्यः वौश्रौप्र ३:९. औपदहनि°- -नयः वौश्रौप्र ३१: £: 89 : 7. औपदेशिक- उप√दिश् द्र. औपधेय- उप√धा द्र. औपनायनिक- उप√नी इ. औपनिन्दवि- उपनिन्दु- इ. औपनिषद्-, °षदक-, °पदिक- उप-नि√षद् द्र. औपनीविक- उपनीवि- इ. औपबाहवि- उपबाह्- द्र. औपबिन्दवि-, वीय- उपबिन्दु- इ.

औपमत्कटायन°- -नाः बौश्रौप्र १९: 3. औपमन्यव-, °वी- उपमन्य- द्र. श्रीपमर्कटायन- उपमर्कट-इ. औपमिक-, अय- १उपम,मा- इ. श्रोपयज− उप√यज्द्र. औपयातिक- उप√या द्र. औपयिक- उपे (प√इ) इ. औपरव- उप√ह इ. औपराजिक,का, °की- उपराज- द्र. औपराधय्य- उप√राध् द्र. औपरिमेखलि-, भौपरिष्टाज्ज्यौतिष-उपरि द्र. औपल- उपल- द्र. औपवत्स-, औपवसथ-, °सथिक-, °सथ्य-, °स्त- उप√वस् औपचस्ति"- - स्तिः बौश्रौप्र ४६: १. औपचस्तिक- उपवस्ति- द्र. आंपवस्त्र- उप√वस् इ. ओपबाजन- ,उप√वा द्र. औपवास-, °सिक- उप√वस् औपवेशिर,षि,सि।क- उप√विश्द्र. औपट्य - - ज्याः बौश्रीप्र ४१: ६. औपशद- उपशद- इ. ओपराय- उप√शी द्र. औपरावि^b- -विः शुप्रा ३, १३१ भासू २,२०;२२. औपराल- उपशाल- इ. औपशि"- -शयः बौश्रौप्र १७ : ४. औपशिव्यª- -व्यौ अप १,३,9. औपसंक्रमण- उप-सं√कम् द्र. औपसद- उप√सद् इ. औपसार्गिक- उप√सज् द्र. औपविन्द् - -न्दवः बौश्रोप्र ११:२. औपसीर्य- उपसीर- इ. श्रीपस्तिक- उपस्ति- इ.

औद्गाहमानि-, °नी-, °नीय- औपभृत- उप√मृद्र.

औपस्थान-, °निक- उप√स्था द्र. औपस्थान्य- २उपस्थान- द्र. औपस्थिक- १उपस्थ- इ. औपस्थूण्य- उपस्थूण- इ. औपस्थृल्य- उपस्थूल- इ. औपहस्तिक- उपहस्त- द्र. १-२ औपाकरण- उपा√क इ. औपानद्य- उप√नह् द्र. औपानुवाक्य- प्रमृ. उपानुवाक्य-१औपासन- उपा(प√त्र)स् (क्षेपणे) द्र. २औपासन-, °निक-, °नीय-उपा(प√श्रा)स् द्र. औपास्तिक- उपास्ति- इ. औपोदिति- उपोदित- इ. १औद्जाङ्गिरस- -रसाम् चात्र २:

४.
१औभय- उभ- द.
२औभय-, °भय्य- २उभय- द.
औभयसाम्य- १उभय- द.
औभ-, °मक-, °मिक-, °मीनउमा- द.
औम्वेयक- उम्ब- द.
औम्भे- (>२बौम्भेयक-)
उम्ब- टि. द.
१औम्भेयक- उम्भ- द.
औरभ-, °भक- प्रम. उरम- द.
१औरच- १उस- द.
२औरच- १उस- द.
३औरच- १उस- द.

औरशि"- -शयः बौशीप्र ३: ९.

औरशी- उरश- द. १औरस- प्रमृ. १उरस्- इ. २औरस- उरसा- द. ३औरसb- (>२औरसायनि- पा.) पाग ४,१,१५४°. १औरसायनि- २उरस्- इ. औरसिक-, १औरसी-, १डरस्-२औरसी- २उरस्- द्र. औरस्य- १डरस्- इ. **औरासुत-** २उ(र>)रा- द्र. औरुक्षय- १उ६- इ. औरुद्यायण°- -णाः वौश्रौप्र ७: और्ण- प्रमृ., ॰र्णक- √ऊर्णु द्र. १और्णनाभ- ऊर्णनाभ- द्र. २और्णनाभ- (> २और्णनाभक-) ऊर्णनाभ- टि. इ. १ओणनाभक-, और्णनाभ- ऊर्ण-नाभ- इ. और्णवाभ- ऊर्णवाभ- द्र. और्णायव- १ऊर्णायु- इ. और्णावत-, °रय- १ ऊर्णावत्- द्र. औध्व-, °ध्वंकालिक-, °ध्वंदेहिक-, °ध्वेद्रिमक-, °ध्वेसग्रन- ऊर्घ-

श्रीम्यी जिर्मि इ. १ श्रीचं - २७र्ब - इ. २ श्रीचं - २७र्ब - इ. १ श्रीचं भृगुवत् १७र्व - इ. २ श्रीचं भृगुवत् २५ वे - इ. श्रीचंश्र - उर्वशी - इ. श्रीछण्दक - उत्तर - इ. औछण्दक - उत्तर - इ. औलिपन्- २उत्तथ- द्र. औलिपीय- ३उत्तथ- द्र. औलिप <>व⁰- -वः श्रापमं २,१६, २; भागृ २,७:८; हिगृ २,७,२. औलालायत°-(>बौलालायत-भक्त- पा.) पाग ४,२,५४. १औल्ठक- १उत्तूक- द्र. २औल्ठक-, °व्य- २उत्तूक- द्र. औल्डल - उत्तूबल- द्र. औरान-, °नकाव-, °त-इयावाख-उत्तन- द्र.

उशन् द्र. १-२औशनस- उशनस् द्र. ३औशनस- उशनस- द्र. १-२औशिज- उशिज्- द्र. ३औशिज- उशिज- द्र. औशीनर-, ज्नरी- उशीनर- द्र. औशीरेय- उशीर- द्र. १औषजलराजसु वाश्री ३,४,३,२२. औषद् श्राप्थ्री २४, १४, १०¹; पाग १,४,६१.

क्षोषट् √क पा १,४,६१. औषध- -ओषधि, धी द्र. औ(त्रा-ओ)षध्य(धि-त्र)नुवाक^ह--कम् ^क त्राप्तिगृ १, २,१ : २३; २४.

औषस- उषस्- द्र. ऑष्ट्र-, °ब्ट्रक-, °ब्ट्रक्षि- १उष्ट्र- द्र. औष्ट्रायण-, °यणक- २उष्ट्र- द्र. औष्ट्रिक- १उष्ट्र- द्र. औष्ट्र-, °धी- श्रोष्ट- द्र. औष्ण्य- √उष् (वधा.) द्र. औस्ज¹- -जे विध ८५, ५२¹. औह- √उह् (प्रापणे) द्र.

-a) = ऋषि-विशेष-। ब्यु. ?। b) ब्यप.। ब्यु. ?। < २उरस् -(क्षत्रिय-विशेष-) इति पागम.।

c) °दा- इति [पक्षे] भाण्डा. । d)= बालग्रह-विशेष- । ब्यु. ? । °व- इति हिग्र. । e) ब्यप. । ब्यु. ? ।

f) [पक्षे] श्रोषट् इति पदस्वी ? । g) श्रस. >पस. । h) पामे. पृ ७५५ 1 द्र. । i) = तीर्थ-विशेष- । व्यु. ? ।

j) °जसे इति जीसं. १, अगैशिजे इति १ Jolly।

क

१क°- कः भाशि ३४; कात् पा ७,३, ४४; के शौच ४,२५.

क-कार— -रः अप ४७, १, १५; ऋपा ४, ४७; ६, २१; तैपा ५, ३२; शैशि ३१२; ३१३; —रम् ऋपा ४,१६; —रे ऋपा ४,४१. ककार-द्वय— -यम् याशि २,६२. ककार-पकार— -रयोः शुप्रा ३,

ककार-वर्ग- -गें शुप्रा ४, १६५. ककार-पकारा(र-श्रा)दि- -दिः निस् ८,६ : ११; २०.

ककारा(र-आ)दि— -दयः उसू १,३; याशि २,१.

ककारादि-प्रथम— -मान् भाशि ३१.

ककारा(र-ख्र)न्त^b— -न्ते माशि १४,२; याशि १,६२; २,३६; —न्तौ भाशि ३२.

क-ख- -खयोः शुप्रा ३,११; शैशि ३२३. कख-प(र>)रा⁶- -सः नाशि १,८,९.

क-ख-प-फ- -फेपु ऋपा ४, ३८; शुप्रा ४,८.

क-प्रहंण- -णम् पावा ७,३,४४.

क-च-ट-त-प- -पाः याशि २,९४.

क-ट-त- -तैः शौच २,९.

क-ट-त-प- -पम् माशि १४, ६.

क-टा(ट-ग्र)न्त- -न्तयोः माशि ४,११.

क-न- -नौ श्रश ३,२,१६; २२^२. क-प- -पयो: श्रश ३,३,५; शैशि १२३. कप-पर- -रः उस् ५,६. कपा(प-त्रा)श्रितो (त-ऊ)ष्मे— जात- -तौ शेशि ३०.

कप-वर्ग-पर- -रः तैप्रा ९,४. क-रेफ- -फाभ्याम् शुप्रा ३,५८.

क-च $(\pi >)$ ती- -त्यः निस् ८, ६:५.

क-वर्ग- -र्ग: शुप्रा ८, ८; -र्गस्य श्रप ४७,१,२०; -र्गे तैप्रार,३५. कवर्ग-निवृत्य(ति-श्र)र्थ- -र्थम् पावा ८,३,७९.

कवर्ग-प्रथम- -माः हिश्रौ २१, २,३३.

कवर्गा(र्ग-ख्र)नुस्वार-जिह्नामूळी-य- -या: श्राशि १, १०. कवर्गा(र्ग-ख्र)वर्णा(र्ण-ख्र)नुस्वार-जिह्नामूळीय- -पा: श्राशि १,

क-शब्द - ब्दे श्रप्रा ३,४,१. क-स-वर्ण - र्णम् याशि २,४१. का(क-त्र्या)दि - -दयः श्रप ४७,१, ८; -दि शुप्रा १,४७; शैशि १८; -दीनाम् शैशि २१. कादि-लोप - -पः पावा ६,४,

को(क-उ)पध,धा— -धात् पा ४, २, ६५; ७९; १३२; ३, १३७; पावा ४,२,१०४; -धायाः पा ६,३,३७.

कोपध-प्रहण- -णम् पावा ४,२, १४१.

कोषध-प्रतिषेध- -धः पावा ४, २,१०४; -धे पावा ६,३,३६. २क्र^d- †कः काश्रौ ९,७,१३; १९,४,

- - | पकः काळा ५,७,१३; १५,४, १९; श्रापश्रौ ४,४,४; ९; १९, १०, १: १२,१५; बौश्रौ १४,।

८ : २७^२; १५, ३० : २२^२; भाश्री ४,५,५; वाश्री १, १, २, १६: वैश्रौ १५, २२: १३ र: हिश्रौ ६,१,५१; ४,३१; १४,४, २०३; २३,२,२६; द्राश्री ५, ३, १९; कौस् ४५, १७; श्रप ४८. १३७; बृदे १, १२२; २,१२५: ३, ७०; निघ ५, ४; या १०, २२\$ई; वेज्यो १०\$; †कम् श्रापश्रो ८, ७,१;१७, २; बौश्रौ 4, 6: 36; 98: 8; 8, 3: २२; १३, २०: ९; २५, ३: १७; भाश्री ८,२१, ६; १०, ५, ५; वाध्यौ ४,१९^२:१४;१०३^२: ११; १२; हिथ्रौ १,२, ४७; ५, २.५६; बृदे २, ४७३; अप ४८. ७५; निघ ३, ६; या २,9४Φ; ४, १८क; १०, ४; १४, ११; पा ५, २, १३८S; कस्य बौश्रौ २७,१४: १४ ; हिश्री २३,४, ३९ = वृदे ५, ९८; पा ४, २, २५: ५, ३, ७२; †काय शांश्रौ ९, २७, १; काश्रौ २०, ४, २; श्चापश्रौ ८,७, १; बौश्रौ ५,८: २८; १४, ८: २७; २५, ३: १६; १७; वाश्री ३, ४, १, ४८; वैश्रौ ८, १३: ७; हिश्रौ ५,२,५६; श्राय १,२०,८; शांय ३,२,२; काग ३४,४; ४१,१६; भाग १,७: ११; माग १, २२, ५: श्रुत्र ३,१४.

१काय,या⁰'- पा ४, २, २५; -यः शांश्री ३, १४, ४; १६; काश्री ५, ४, २१; बौश्री १७, ५६: १८;५९: १६; बांश्री १, ७,२,१७; -यम् श्राश्री ४,१२,

 $a)=a\sqrt{1-a}$ $a=a\sqrt{1-a}$ $a=a\sqrt{1-a}$ a=

२; त्र्यापश्रौ ८, ६, ७; बौश्रौ ५, 4:95+; 5:96; 6:95; २५,३:१७; माश्रौ ८, ५,११; ६,९; माश्रौ १,७,३,१; वैश्रौ ८, १०: ६; हिथ्रौ ५, २, २३; ३१; वैताथी ८, २२; ऋग्र २, १०, १२१; शुश्र २, १४२; -यस्य हिश्रौ ५, २, २७; -या बौश्रौ १७,५६: २४;६२: १४; -याः श्रापश्रौ २०,१४,९; हिश्रौ 28,3,90.

कायी - -यी शांश्रौ १४,७, ५; शुत्र ३, १८; बृदे ३, ९८; सात्र १, ३४१; -यीम् शुत्र २, १२९: -रयी शत्र ३, ४९. कारया (यी-श्रा) मयी-·टयौ ऋग्र २, १,२४.

कं-य-, कं-य- पा ५,२,१३८. कं-वत- -वति काश्री २१,३,२२. कंत-, कंति-, १कंतु-,कंब-, कंभ-पा ५,२,१३८.

के(क-ई)शb- -शस्य अशां ६,२. ३क.का- किम्- द.

√कंस ° पाधा. श्रदा. श्रात्म. गतिशा-सनयोः.

श्कंस d- पाउ ३,६२; पाग २,४,३१; -सः श्रापृ ४,६, १९; कौपृ ५, ८, ७; कागृ ४६, १०; ५७, ८; गोगृ ३,२,३८; द्राय २,५, ३३; श्रप १,३५, १; -सम् श्रापश्रौ १, १६, ३; बौश्रौ १, ४: २०; १८: १××; हिश्रौ; -साः श्रश्र १०, १३+; -सात् द्राय ३, ४, २४; पा ५, १, २५; -से बौश्रौ

४, ९ : १२;५,२ : १८;६:१०; 93; &, v: 6;9; C, 3:3××; भाश्री; -सेन श्रापश्री १,१६,३; बौश्रौ १,३: ३५; भाश्रौ १,१७, १२; वैश्रौ ४,२ : १०; हिश्रौ १, ४,४५; कौर ५,८,४; कागृ ४५, ५; गोगृ १,३,९;७, २; द्रागृ १, ५,११; -सी वौध्रो ५,९: १०. १कांस - -सम् जैर १,१७: ९; १३; १५; -सस्य शंध १६४2; १६५; -सेन माशि १०,१०. कांस्य!- -स्यः शांश्री ४,१६, ९; बीश्री १८,३५: ८; -स्यम् बौध्रौ १८,८:४;९: १५; माथ्रौ १,२,१,९; १०; ४,७, ५; बौगृः -स्यस्य शांश्रौ ४,२१,८; शंध १६४; -स्यानि बौगृ १,२, ५; -स्ये माश्रौ २,१,३,४;२,१,१; 8,9,5; 4,7,7,3;94;5,95; पागृ १, ३, ५; ३,४, ९; कागृ; -स्येन शांश्री ४,१६,३; माश्री १,२,१,८;वाश्री१,२,४,५; पागृ १,३,५; आपगः;-स्यैः श्रप २७, 9,9. कांस्य-कवच^b- -चः शांश्री १४, ३४,२; काश्री २२,१०,

३१: बौश्री १२, २: १३; -चौ लाश्री ९,४,१४.

कांस्य-कार- -रः वैध ३, 98,90.

कांस्य-ताम्रा(म-श्रा)दि--दीनाम् काध २७८: २. कांस्य-तुर्यb- -यांणि आमिगृ 2, 4, 4: 9:

कांस्य-दोहन-पूर (ग्>) णी8- -णीम् त्रशां १३,४. कांस्य-पात्र -त्रम् श्रप ९ कांस्य-पात्री- -त्रीम् अप ६८,4,4. कांस्य-भाजन- -ने विध ७१. कांस्य-भोजि-वत् मीसू १२. कांस्य-मय--यम् आमिगृ २. €. v: 98. कांस्य-लोह- -योः विध २३,२६₺. कांस्य-वानस्पत्य-मार्तिक--कैः काश्री २.३.५. कांस्य-१थ- -स्थम् कप्र ३, 90,98. कांस्या(स्य-त्रा)दि- -दि वैगृ 4,93: 20. कांस्यादि-लोह-म(य>) यी- -यी वैश्री ११, ९: ७. कांस्या(स्य-श्र)पहारिन्- -री विध ४४,१५. कांस्या(स्य-श्र)पिधानb--नम् कप्र ३,१०,१९.

कांस्यो(स्य-उ) पदो (ह>) हा!- -हाम् विध ९२,८.

'कंस-कुम्भ-पात्र-कुशा-कर्णी- -णीप पा ८,३,४६.

१कंस-पात्र- -त्रम् काश्रीसं ४ : १३. २कंस-पात्र¹->कांसपात्रि- -त्रयः बौश्रौप्र ४४: २.

कंस-पात्री- - ज्याम् पावा १,४,१.

a) विष. (ऋच्-, वशा-)। b) विष. । वस. । c) √कस् वा √कश् वा इत्यप्येके। विशेष-, तिक्रियंत-पात्र-,परिमाण- च । वैर १ इ.। e) विर. । विकाराधें अण् प्र. । f) विप., नाप. (कंस-)। विकारायथें यह प्र. (पा ४,३,१६८) । पाप्र. तु कंसीय- > यनि. इति । g) विप. । कस. > उस. उप. कर्तिरि क्युर् प्र. । h) ॰ली॰ इति जीसं. । i) विप. । बस. उप. श्राधिकरणे घल् प्र. । j) = ऋषि-विशेष- । a_{i} ? ।

कंस-मन्थ-शूप-पाय्य-काण्डण्डम्	80.	२८; ८,६ : १८; 5:9८; 9,३:
पा ६,२,१२२.	ककुत्-स्थ ^b - पाग ४,१,११२.	१२; - †कुमि शांश्री ७, २५,3
कंस-वसननम् कौस् ५४, २१;	काकुत्स्थ- पा ४,१,११२.	५\$; आपश्री २,५,११६1; बौश्री
१३६, ११; श्रव ७२,२,९.	काकुत्स्थ-कन्यान्याः बृद	१, १२ : १७ ^{१६ ।} ; ३,३१ : ६;
कंस-र े-न्नी १ ११.२५.	E,48.	१४,१४: ३; वाश्री १, ३, २,
The second second	र रः −‡मान्	१८1; भाश्री २, ५, २; माश्री
Bata		१, २, ५,८१ ^{k,1} ; हिश्रौ १, ७,
BATA SUST	CASH MEMO	१४ ^{१k¹1} ; \$निस् ४, १०:८; ६,
BATA SHOE STORE	MEMO	६: १४; ७, १२: ६; -कुमी
UELHI-110000		शांश्री ७, २५, ७; लाश्री ६, १,
FRUNE : 20Fa	22043	२०-२२; ७,९, १; ८; ५, १३;
S.T. No. LC/73/055559/1051		चुस्.
Qty. ART CLE		१काकुम भः पा ४, १, ४६;
ARTICLE	SIZE RATE A PO	शांश्रौ ७,२५,५; निस्३,१२:४;
HEYALI MIDIO	A P. P.	ऋंग्र १,११,३; २,६,४८३; शुश्र
	1/200	२, २२४; ऋषा १८, १; -सम्
	1 77	ऋग्र २, ८, १९; — माः शांश्री
		१८,१३, ९; ऋग्र २,९, १०८;
		-भान् ऋप्रा १८,२; - भानाम्
		वैताश्री २५, ५; ऋष ४, १०;
		—मे ऋपा १८,६; —भेषु आश्री
		4,94,4.
SOLD BY		काकुभ-बाईत ^m तः ऋपा
DATE	1,	१८,१९.
	TOTAL LASS :	ककुप्-कारम् शांश्रौ ९,२०,६; १८,
Thank was	AX : AII	
Thank you	A ALL OTHER TAXES	
Traink you	FOR SHOPPING	
VDAY CLOSED		
	(Terms of Sale overleaf)	
	त्रेश्री	
श्रापश्रा रह,	· ××	
६, २, २, २१; हिश्रौ १५, ८	, निध रागाः ६८	: । ५,५३.

₹6; 6,4 : 96; 5:96; 9,3: १२; - †कुमि शांश्री ७, २५, उन्हरी ५\$; आपश्री २,५,११^{६०1}; बौश्रौ 8. 97: 902k11: 3.39: 4: १४,१४: ३: वाश्री १. ३. २. १८1: भाश्री २. ५. २: माश्री १, २, ५,८१ k1; हिश्री १, ७. १४१k1; \$निस् ४, १०:८; ६, ६: १४; ७, १२: ६; -क्मी शांश्री ७, २५, ७; लाश्री ६, १, २०-२२; ७,९, १; ८; ५, १३; चस्. १काकुम- - भः पा ४, १, ८६: शांश्री ७.२५.५: निस् ३.१२:४: ऋंग्र १,११,३; २,६,४८३; शुश्र २, २२४; ऋप्रा १८, १; -अम् ऋत्र २, ८, १९; -भाः शांश्री १८,१३, ९: ऋग्र २,९, १०८; -भान् ऋप्रा १८,२; -भानाम् वैताश्री २५. ५: ऋब ४, १०: -मे ऋपा १८,६; -मेषु आश्री 4,94,6. काकभ-बार्हत^m- -तः ऋपा 86.99. क्कुप-कारम् शांश्रौ ९,२०,६; **१८,** ४.३:४:५.३: ४: कीए ३, ३.१: शांगृ ३,४,५;६,३,१२. ककुप-पंक्ति- -क्ती ऋग्र २,८,१९. कक्प-पूर्व"- -र्वः ऋपा १८,१९. ककुप्-प्रमृति- -ति लाश्रौ ६. ३,

a) = देश-विशेष-। ब्यु. १। b) ऋषि-विशेष-। ब्यु. १। c) वैप १ इ. । d) अर्थ: ब्यु. च १। e) = तिमिर-फल- इति दारिलः, श्रोषधि-विशेष- इति संस्कर्ता (तु. भू. XLVIII)। f) पाभे. वैप १, १०८१ k इ. । g) ककुभः इति मूको. । h) व्यप. । उस. । i) = शरीरावयव-विशेष-, श्रभा. तु कुकुन्दर- इति । व्यु. ! । j)=छन्दस्-, दिश्-, L उपचारात् । इष्टका-विशेष- प्रमृ. । k) भीः इति पाठः १ यनि. शोषः (तु. तैत्रा ३, ३, २, १)। l) पामे. पृ६४५ छ इ.। m) मलो. कस.। n) विप.। वस.।

वैप४-त-९

२; त्र्यापश्रौ ८, ६, ७; बौश्रौ ५, 4:94+; 4:96; 6:94; २५,३: १७; माश्री ८, ५,११; ६,९; माश्री १,७,३,१; वैश्री ८, १०: ६; हिथ्रौ ५, २, २३; ३१; वैताधी ८, २२; ऋग्र २, १०, १२१; शुत्र २, १४२; -यस्य हिश्रौ ५, २, २७; -या बौश्रौ १७,५६ : २४;६२ : १४: -याः आपश्रौ २ १४.३,१७. कायी - -यी ५; श्य ३, १८ सात्र १, ३४१; -१२९; -य्यो शत्र कारया (यी-. टयौ ऋश्र २, १,२४ कं-य-, कं-य- पा ५,२, कं-वत्- -वति काश्रौ २१ कंत-, कंति-, १कंतु-,कंब पा ५,२,१३८. के(क-ई)शb- -शस्य अशां १ ३क.का- किम्- इ. √कंस ° पाधा. श्रदा, श्रातम, ग सनयोः. श्कंस d- पाउ ३,६२; पाग २,४, -सः आगृ ४,६, १९; कीगृ ८, ७; कागृ ४६, १०; ५७, गोग ३,२,३८; द्राय २,५, ३ अप १,३५, १; -सम् आपश्र १, १६, ३; बौश्रौ १, ४: २०; १८: १××; हिश्री; -साः श्रश्र १०, १३+; -सात् द्राय ३, ४, २४; पा ५, १, २५; -से बौश्रौ

a) विप. (ऋच्-, वशा-)।

४, ९ : १२,५,२ : १८,६:१०; 93: 8, 0: 6;9; 6, 3:3××; भाश्री; -सन श्रापश्री १,१६,३; व बौध्रौ १,३: ३५; भाश्रौ १,१७, १२; वैश्री ४,२: १०; हिश्री १, ४,४५; कौर ५,८,४; काय ४५, ५; गोगृ १,३,९;७, २; द्रागृ १, ५,११; -सी बौधी !-

कांस्य-दोहन-पूर (ग्>) णी8- -णीम् श्रशां १३,४. कांस्य-पात्र -त्रम् अप ९ कांस्य-पात्री--त्रीम् अप EC, 4, 4. भाजन- -ने विध ७१.

> वत् मीसू १२.-श्राप्तिगृ २,

> > गीः विध

द वैगृ

ज्याम् पावा १,४,१.

£ **प्र** ₹,

TERMS OF SALE Claims for any manufacturing defect only will be

limited to the price of the goods. Complaints, if any should be taken up with the

shop Manager, preferably in writing. All claims must be supported by cashmemos. 2.

Guarantee chart prominently displayed at the 3.

cash counter.

र्कस् वा √कश् वा इत्यप्येके। विशेष-, तिन्धित-पात्र-,परिमाण- च । वै. र. । e) विप. । विकारार्थे अण् प्र. । f) विप., नाप. (कंस-)। विकारायर्थे यम् प्र. (पा ४,३,९६८) । पाप्र. तु कंसीय- > यनि. इति । g) विप. । कस. > उस. उप. कर्ति क्युट् प्र. । h) ॰ळी॰ इति जीसं. । i) विप. । बस. उप. श्राधिकरणे घम् प्र. । j) = ऋषि-विशेष- । ब्युं. १।

कंस-मन्थ-अर्प-पाय्य-काण्ड- -ण्डम् पा ६,२,१२२. कंस-वसन- -नम् कौस् ५४, २१; १३६, ११; श्रप ७२,२,९. कंप-स्थाल- -ले लाश्री ८.११.२५. कंसा(स-आ)दि- -दिना कप्र १,९, कंसिक- पा ५, १, २५. कंसीय->°य-परशब्य- -ब्ययोः पा ४, ३, १६८; पावा १,१, E92 २कंस8- (>२कंस- पा.) पाग ४, ₹.९₹. ३कंस^b->कांसायन- -नाः वौश्रीप्र ४१: १४. कांसि- -सयः बौश्रीप्र ३ : २. √कक् पाधा. भ्वां. श्रात्म. लौल्ये. ककन्द- पाउभो २,२,१६७. ककर°- -रान् श्रापश्रौ २०,१४,५. ककल - (>काकलेय- पा.) पाग ४, 9,923. ककाटिका°- -काम् अप्रा ३,४,9 . कक्च व^{0,0} - -चै: कीस् ४८,३२. कक्द°- पाग ८, २, ९; -कुत् बीश्री १३,४२: २; निस् १०,१: १; तैया ८,४; -कुदः श्रापश्री १८, ७, ९; बोश्रौ १८, ४०: ११⁸; हिश्री १३, २; ३८; -कुदम श्चापश्री १८, ७,९; हिश्री १३, २,३८; -कुदि बौश्री ४,६:६; ्वैश्री १०, १०: १६; -कुझिः श्रापश्री १४, ३३, ७; माश्री ६, २, २, २१; हिश्री १५, ८,

ककृत्-स्थb- पाग ४,१,११२. काक्तस्थ- पा ४,१,११२. काकृत्स्थ-कन्या- -न्याः बुदे €,48. क्क़द्र-मत्- पा ८, २, ९: - मान् बौश्रौ ११. ६: २४: ऋप्रा छ. २२; तैप्रा ८,४; शैशि २५३. क्क़द्र-रूप- पम् निस् ७,१०:२. कक्द°- पाग २,४,३१; -दस्य पा ५, ४, १४६; -दे कौसू ४४,७. ककुदा(द-श्र)क्ष-(>काकुदाक्षिक-पा.) पाग ४,१,१४६. ककृदिन -दी बौध १,५,८६. ककन्दर'- -रे विध ९६,९२. श्विकवद्धः निस् १,२: ३. १कक्भ^{с'।}- पाग ४, १,८६; -कृप् शांश्रो ७,२५,३; २७,४, लाश्रो ६,४,७; निस् १,२: ७;२,११: २७; २८; ऋत्र १, ५, ३××; या ७, १२ क; ऋपा १६, ३०; १८, २३; पि ३, १९; टनिस् ४: १४: ५: ३५; ३७; ७: १७: -कृष्सु लाश्री ७, ३, ५; निस् १०,५:९; -कुटिभः वाश्री २, २, १, ३१; -कुमः श्राश्री ६,१,२; ७,२,१७; शांश्री ७,२५,१४;१६;२७,२०; काश्रौ १७, १२,१०; श्रापश्रौ १२, ३, ३+; हिश्री ८, १, ४१+; त्रस् १. ५:९:६: १०:७:१७; जैश्रौ ९: ८+; निस् १, ३: १३××; निघ १,६ +; -कुभम् निस्६ ८: b) ऋषि-विशेष- । व्यु ? ।

२८: ८.६ : १८: 5:9८: €.३: १२; - किम शांश्री ७, २५, उन्टा ५\$; आपश्रौ २,५,११६1; बौश्रौ १, १२ : 902k11; ३,३१ : ६; १४,१४: ३: वाश्री १. ३. २. १८1: माश्री २. ५. २: माश्री १, २, ५,८?k1; हिश्री १, ७. १४१k1; \$निस् ४, १०:८; ६, ६: १४; ७, १२: ६; -क्मी शांश्री ७, २५, ७; लाश्री ६, १. २०-२२; ७,९, 9; ८; 4, 9३; च्सू. १काकुम- -भः पा ४, १, ८६; शांश्री ७,२५,५; निस्३,१२:४; ऋंग्र १,११,३; २,६,४८ ; शुत्र २, २२४; ऋश १८, १; -भम् ऋत्र २, ८, १९; - माः शांश्री १८,१३, ९: ऋग्र २,९, १०८; -भान् ऋप्रा १८,२; -भानाम् वैताश्रो २५, ५; ऋष ४, १०; -मे ऋपा १८,६: -मेषु आश्री 4.94.6. काकुभ-बाईत^m- -तः ऋपा 86,99. ककुप्-कारम् शांश्री ९,२०,६; १८, ४,३;४;५,३; ४; कीए ३, ३,९; शांगृ ३,४,५;६,३,१२. ककुप-पंक्ति- -क्ती ऋत्र २,८,१९. ककुप्-पूर्वn- -वी: ऋप्रा १८,१९. ककुप-प्रमृति- -ति लाश्री ६, ३, ककुप्-सतोबृहती- -स्यो ऋष २, 4,43.

a)= देश-विशेष-। ब्यु. ?। b) ऋषि-विशेष-। ब्यु. ?। c) वैप १ ह.। d) ऋर्थः ब्यु. च ?। e)= तिमिर-फल- इति दारिलः, भोषधि-विशेष- इति संस्कर्ता (तु. भू. XLVIII)। f) पामे. वैप १, १०८१ k ह.। g) ककुभः इति मूको.। h) ब्यप.। उस.। i)= शरीरावयव-विशेष-, स्थभा. तु कुकुन्दर- इति । ब्यु. ?। g) = छन्दस्-, दिश्-, L उपचारात् । इष्टका-विशेष- प्रमृ.। L0 भीः इति पाठः ? यनि. शोषः (तु. तैत्रा ३, ३, २, १)। L1) पामे. पृ६४५ L5.। L7) मलो. कस.। L7) विप.। बस.।

वैप४-तृ-९

१० : ४; -रासु तुसू ३,३:११; ४: १; निस् ७, २: २२; ४: 29; 39;42.

७,२ : २२;४:४०;५३.

कक्ब-उदिणह्- - विणश्च उनिस् ७: १७; - दिणही द्राश्री ८,३,८; २०; लाश्री ४,७,१;३.

क्कुब्-देश^b- -शे माश्री१,८,३,१२. ककुब्-भन्द°- -न्दः सु २३,४. ककुब्-रूप- -पम् निस् १०,४:७. ककुभ्-भादि- -दयः अप्रा३,३,२१. १ककुभि,न्>)नीव--नी या७,१२. ककुम्-न्यङ्कुशिरा⁶- -रा ऋश्र १, ५, ४; २, ८, ४६; शुत्र ५, २७; ऋप्रा १६,३३.

ककुम्-म(त्>)ती¹- -ती अय १, १०; ११; १४××; पिं ३, ५६; - त्यौ श्रत्र ८,५; १३,१. ककुरमती-ग(र्भ>)र्मा- -र्मा श्रश्र ३, १९; २७; २९; ४, ३; -र्माः अत्र १०,५. ककुम्मत्य(ती-त्र)नुष्टुभ्-

-ष्टुभः ग्रग्र ५,२८. **इकुम्-**मध्येज्योतिस्- -तिषी ऋग्र 2, 4, 22.

२कक्रभ्र⁸- (> २काक्रभ- पा.) पाग ४,१,११२.

ककुभ- -भः अप्राय ३,३^{† b}; -भम् जैश्रौ २३ : १०1; जैश्रौका ५६1; श्रप २६, ५, ३¹; - भाः अप्रा 3, 8,911.

ककुव्-उत्तर,रा n - -राणि निस् २, $| \uparrow$ ककुह k - -हः निघ ३,३; -हम् 1 श्चापश्रौ १२, ८, ३; बौश्रौ १४, १२: १३: वैश्रौ १५, १०: ७; हिश्रो ८,२,४२.

१ककुबुत्तरा-स्थान─ -नम् निस् ककोल─ पाउमो २,३,११५.

कक्खर- √कख्इ.

कक्ष, चा k- पाउ ३, ६२; पाग ५, २, १३१: - चः बौश्रौ १४, १३: २८; या २,२०; -क्षम् श्रापश्रौ ९, ११, २२; बीश्री १४,१३: २३; ३०; २३, ६: ८; ९; वाश्री १,५, ३, १७; वैश्री २०, २२: ११; वैताश्रौ ३१, ४; त्रापृ २,४,९; कौपृ ३,१५, ७; शांग्र ३, १४, ६; बौग्र २, ११, ६०; वैगृ ४, ४: २६; हिपि २३: १९; गोगृ १, २, २; ३; ४, १, २१; वाध २, १२; बौध १, २, ५०; या २, २; -क्षान् कौसू ४६, ४०; - †क्षाम् हिग् १,४,६^m; -क्षाय वैगृ १, १५: १३; -क्षे काश्रौ २१, ३, १५; वैध ३, १४, ७; या २, २८ +; -क्षी मांश्री १, ४, १, ३; २,१, 9, 26.

कक्ष-देवत-सोम- -माय वैगृ १, 94:93.

कक्ष-वन-दाहिन्- -ही शंध ३७७ :

कक्ष-सेन->काश्रसेनि- -निः निस् 8,99: 22.

√कक्षाय पावा ३,१,१४. कक्षिन्- पा ५,२,१३१.

क(क्य>)क्या"- -क्या या २,२४: ६, २८‡; -ह्या: अप ४८. ८२+; निघ २, ५+; या ३. ९कं;- ‡स्याम् mio आमिगृ १,१. २:४२; वैगृ २,६: १३; १२: १८; -क्यायाः पावा ६, १,३७. कक्ष्या-जीविन्- -वी वैध ३, 92,90.

कक्ष्या-वत्- -वान् या ६,१०. कक्षत्र (>काक्षतव-पा.) पाग थ. . 3,968.

कश्नी-वत् b- पा ८, २,१२; पात्रा ६, १, ३७; -वताम् आश्रौ १२. ११, ३; -बति बृदे २, १३०. - चन्तम् बौश्रौ ३,९ : ६; हिश्रौ ६, ६, १६; अप्राय ४, १; शुप्रा ५, ३७; या ६, १०; -वान् शांथ्रो १६, ११, ५; ऋग्र २,१, ११६; १२६; ९, ७४; बृदे ३. ५६; १४२; १५०; या ६, १०ई; तैप्रा ९,२९ई; श्रप्रा ३, 8,97.

१काक्षीवत- -०त श्राश्री १२, ११, ३; आपश्रो २४, ६, १५; बौश्रीप्र १२:३; १३:१; हिंथी २१, ३, ९; वैध ४,४,३; ४; -तः ऋत्र २, १०, १३१; १६९; शुत्र १, ६४०; -तस्य चात्र ४२: ५.

काक्षीवती- -ती ऋग्र २, १०, ३९; बृदे ७, ४२; -वत्यै बृदे ७,४८. २काक्षीवत प-तम् शांश्रौ ९,

a) विप. । बस. । b) क्.स. पूप. = ककुद्- । c) = सोमरक्षक-विशेष- । व्यु. ? । d) ककुदिनी-**इति स्क.** । e) मलो. कस. । स्त्री. डाबन्तम् । f) = छन्दो-विशेष- । g) व्यप. । 2 यु. 2 । h) सपा. काठ **३४,**१६ व्हः इति पाभे. । i)= व्यर्जन-वृक्ष- । j)= पिशाच-विशेष- । वैप १,१०८१ 1 यनि. शोधः । k) वैप १ द्र. । 1) पामे. वैप १,१०८१ m इ.। m) सपा. कक्षाम् <> कक्ष्याम् इति पामे.। n) वैप १,१०८२ j इ.। o) स्वार्थे प्र. । p) = वनस्यति विशेष- । व्यु. श. ऋकतु-, कर्कन्तु-, कर्कन्यु- इति पाका. । q) = स्क्र-विशेष- ।

२०, १२; १६, ११, ४; लाश्रौ ६,१२,१४°; निस् ७,५: ३३°; बृदे ३, १४१; १५२; -तानि शांश्रो ९,२०,११.

कक्षीवत्-प्रमुख^b - खान् वृदेध,२५. कक्षीवद्-वत् श्रापश्रौ २४,६,१५; बौश्रौप्र १२ : ४; १३:२; हिश्रौ २१,३,९; वैध ४, ४,३; ४.

कक्ष्या- कक्ष- इ. √कख् पाधा. भ्वा. पर. हसने.

कक्खर- पाउर ४,८१. √क्रम् (बधा.) पाधा. भ्वा. पर. -

√कङ्क् पाधा. भ्वा. श्रात्म. गतौ. १कङ्क°- - इम् अप ४८,८८+; -ङ्काः खप १^२,१,७; ५२,४, ५; साम्र

२,१२,१४‡; उनिस् ७: १०‡; -क्के: श्राप ६१,१,७.

कङ्क-चित्व- -चित् काथौ १६, ५, ९; त्रापशु २१, १; काशु ४, १; हिशु ६,५९; -चितः बौशु १२: १: -चितम् बौश्रौ १७, २८: ८; हिथ्री १२, ८, ४; आपशु २१,५; हिश ६,६४.

कङ्का(ङ्क-त्रा) कृति^b- -तिः हिश्रौ १२,८,४.

२कङ्क°->काङ्कायन¹- -नः कीस् २२, १३; अप ३०2, १, १; अअ ६, 50; 88,9.

कङ्कर^{g:h}-(> कङ्करिकⁱ-,कङ्करिन्ⁱ-, कङ्कटिल!- पा.) पाउ ४, ८१;

पाग ४, २,८०३. कङ्कण1- पाउमो २,२,१२४. कङ्कणीका- पाउ ४,१८. १कङ्कत - - †तः वौश्रौ १८,१९: ६; काए ३१,२; - †तम् काग ३१, २; वागृ १६, ८ै; -तेन कौसू ७६, ५; -तैः पागृ २, १४,

२†कङ्कत⁸- -तः ऋत्र २, १, १९१; वृदे ४,६३1.

३ कद्भत m- -तान् श्रामिगृ २,४,८: ९; -तेभ्यः श्रामिगृ २, ४, 6:8.

कङ्कति⁶- > °ति-ब्राह्मण- -णम् श्रापश्री १४,२०,४.

कङ्काल- पाउमो २,३,१०५. कङ्ग्- पाउमो २,१,४८.

√कच् पाधा. भ्वा. श्रातम, बन्धने. कच^g-(>कचिकb- पा.) पाग ४,२, 100.

कचप- पाउ ई,१४२.

?कचुलुक^e-(>काचुलुक्य- पा.)पाग 8,9,904n.

कच्चूर- पाउना ४,९६. १क्चछ⁰- पाउन् ४, १०५; -च्छः या

> ४, १८कः; -च्छम् या ४, १८; -चंछन या ४, १८९.

कच्छ-पº- -पः या ४,१८ई; -पम् कञ्चूल- पाउतृ ४,९०. माश्रौ ३,६,१६; वाश्रौ २,१,६,

कच्छा(च्छ-श्र)म्नि-वक्त्र-गर्ती(-त्त-उ) त्तरपद- -दात् पा ४, २, 934.

२कच्छ⁸-(>काच्छ-, काच्छक- पा.) पाउमो २, २, ८५; पाग ४, २, 933:938.

कच्छा(च्छ-आ)दि- -दिभ्यः पावा ४,२,१००; -दिषु पावा ४, २, 933.

कच्छ्र^व- पाउ १,८४°.

कच्छु-र8- पावा ५,२,१०७.

कच्छल⁸-(>°लिल¹- पा.) पाग **४,** 2.60t.

√कज् √खज् द्र.

कजाल पाग ५, २,३६.

कज्जला(ल-ग्र)म- पा ६,२,९१.

कजालित- पा ५,२,३६.

√कञ्च् पाधा. भ्वा. श्वातम. दीप्ति-वन्धनयोः.

?कञ्चखन्ता यप ४०,६,६.

शक्तञ्चन"- -नम् वागृ ६,९°.

कञ्चक""- पाउभो २,२,२३^x; पाय ५,२,३६; -कानि माश्री १, १, 2,96.

> काञ्चुक^y-> °िकन्- -श्रापध १,८,२; हिंध १,२,९.

कञ्चुकित- पा ५, २,३६.

कञ्ज- पाग २,२,३८.

कञ्चार-पाउ ३,१३७.

a)=साम-विशेष-। b) विप.। बस.। c)=१क्ति-विशेष-। ब्यु. $^{?}$ । d) विप.। उस. उप. किवन्तम् । e) व्यप. । ब्यु. ? । f) आयुर्वेदाचार्य-विशेष-, ऋषि-विशेष-। g) अर्थः ब्यु. च ? । h) कण्टक- काशादी] इति कर्कटा- [प्रेक्षादौ] इति च पाका, । i) = देश-विशेष-१ । j) वैप ३ द्र. । k) = केशप्रलेखनोपकरण- Lक्की इति नभा.]। व्यु.?। l) उत्तरेगा संधिरार्षः। m) = वायस-विशेष-। व्यु.?। n) तु. पाका.। चुलुक- इति भागडा. प्रभृ.। o) = नदी-तट-, कूर्माङ्ग-विशेष- प्रभृ.। व्यु. ?। p) उप. < 🗸 पा [पाने] 🗸 पा [रक्षणे] चेति या.। q)=रोग-विशेष-। व्यु.?। $r)<\sqrt{4}$ क्ष् इति। s) वैतु. MW.<कच्छु इति। t) वच्छूल- इति पागम. \bullet u) नाप. । ब्यु. ? । v) पाठः ? किञ्चन इति शोधः (तु. मागृ १,१,१०) । $w) < \sqrt{}$ कञ्च् इति पामाचा. \blacksquare $x)<\sqrt{a}$ कश् इति । y) स्वार्थे अण् प्र. ।

कद् वौश्री २३,७:२६.

√कट् (बधा.) पाघा. भ्वा. पर. वर्षा-वरणयोः गतौ च.

कट⁶- पाग ४,२,८०°; ५,१,४; ६,२, ८५: -टः वाधूश्रौ ३,७६: ३५; -टम् त्रापध्रौ २०,२१,७; बौध्रौ १५, १४: ९; वाश्री ३,४, १,७; ५,१०; पाय १,५,२; श्रापय ४, ९; गोष्ट २,१, १९; बौध १, ५, ११०: -टात् पागवा ४, १, ४१; -टान् श्रापश्रौ ११,८, २ +; २१,१२, ९; हिथ्री ७, ५, २७;७,२१;१६,५,३; -टे काश्री १३,३,१६; श्रापश्रौ २०,२१,१; बौश्रौ १५,३२: १२; ३३: ६; १८,२१: १३; २६, ३२: १७; वाश्री ३,४,५,९; हिश्री १४,४, २४; ४८‡; श्रापगृ १२,३; कागृ ४५,६; मागृ २,१,७; वागृ १४, ५; -टेन आपश्री २०, २१, ६; बौध्रौ १५, ३३: १०; हिध्रौ १४, ४, ५१; श्रामिय ३,५,३: ९; बौषि १,३: ७.

कटी- पा ४.१,४१. 9कट-क⁰- -कम् अप १८,२,२.

कट-कार— -रः वैध ३,१३,६.

कट-कारिन्- -री वैध ३,१३,६.

कट-परिवार°- -सम् बौश्रौ १६, २०:६: -रे बौश्री १६, २१: ७; -री बौश्री ६,१: १४.

†•ट-प्रवृत - ते था ३६,९, ३.

कट-पू- पाउ २, ५७; पावा ३, २, 906.

कट-शलाका- -कया आपश्री २१, 96,8.

कट-संघात¹- -ते श्रापश्रौ २१, १८, ५; हिथ्री १६,६,३३.

कटा(ट-श्र)मि- -मिना बौध २,२,

कटा(ट-ग्रा)दि--देः पा ४,२,१३९. कटा (ट-श्र)न्त- -न्तम् गोगृ २, १,२१; -न्ते गोगृ २,१,२२.

कटिन् ⁸- पा ४,२,८०.

कटीय-, कट्य- पा ५,१,४.

२कटक b- पाउ ५,३५1; पाग २,४, ३9; 4,9,8°.

कटक-केयूर-धारिन् - रिणे श्रप 80,9,93.

कटकीय-, कटक्य- पा ५,१,४.

क-ट-त-, ॰प- १क- इ. कटनि- पाउभो २,१,२१२.

कटभा- - भम् अप २६,५,३.

कटम्ब- पाउ ४,८२.

?कटविकटकराटेमाटे अप ३६,९,३. कटा^k- (> कटालु- पा.) पागवा

4,7,90.

कटाकु- पाउना ३,८०.

कटान्त- १क- इ.

कटार- पाउना ३,१३६.

कटाह- पाउमो २, ३,१८७.

१, ७, ९; -टिम् कप्र १, १, ३; कटेर- पाउनाव १,६०.

-टी शंध १९७; -टयाम् विध 4,20.

कटित्र- पाउमो २,३,८८.

कटिप'- (> काटिप्य- पा.) पाग 8,7,60.

 $?कटिरमाटर^k - -राय अप ६६,३,२.$ कटीर- पाउ ४,३०.

कट्टा- पाउच १,८; पाग ६, २,२४m; -दु अप ३६,३०,१.

> १कटु-क, का"- पाग ५, १,१३०; ६,२,८७°; -कम् विध६१,१५; श्रापमं १,१७, ९+; -काः द्रागृ ४, २, ८; -के अप ३५, १, १; -कै: अप २६,५,२.

> > कादुक- पा ५,१,१३०.

कदुक-प(त्र>)त्रा^p- -०त्रे श्रप ३५,9,9.

कटुक-प्रस्थ- पा ६,२,८७.

कदुक-बद्री^व- वा,पाग४,२,८२ कटुकिमन्- सा या ५,४.

कटु-तैल- -लेन अप ३५,१,१०.

कद्रतैला(ल-श्रक्त>)का- -काः श्राप २६,४,२.

कटु-मन्थ- (> काटुमन्थि-) २कटुक- टि. द्र.

२कट्टक⁸- (> काटुकि- पा.) पाग 2.8. 63t.

कटुक-वाधू (, वार्च [पाका.]) लेय-पाग ६,२,३७.

कटि!- पाउ ४, ११८1; -िट: कप्र कटेट- (>°टी-) पाग ४,१,४१".

a)=ध्यन्यनुकरण-। b) बप्रा.। वैप १ द्र. 1 c) अर्थः ?। d) स्वार्थे उत्पार्थे वा प्र.। e) नाप.। f) षस. । g) = देश-विशेष-? । <math>h) = श्राभर ग्य-विशेष- ।बस. उप. < परि√वृ ।श्राच्छादने।। k) अर्थ: व्यु. च ? । = चुद्रगजगण्ड- इति j) = बृक्ष-विशेष-। व्यु. ?। खु. ?। i) < √कट् इति । m) तु. पाका. । पटु- इति भाण्डा. । n) विप., नाप. l) = श्रोणि-। व्यु. ?। (क्रोबिध-विशेष-)। वैपर्द्र. । o) तु. पाका. । कन्दुक- इति भाएडा. । p) विप. । वस. । q) =तददूरभव-) r) कन्दुक° इति [पक्षे] भाण्डा.। 8) व्यप.। व्यु.?। t) कमन्थक - इति पाका., प्राम-विशेष-**इ.सम्थ** इति पागम. । u) तु. पागम. ।

कटोला,°क]-(>कटोल-पाद-, °लक-पाद- पा.) पाउ १, ६६; पाग 4. 8.93 ca. कट्वर- पाउ ३,१.

√कठ् पाधा. भ्या. पर. कृच्छ्जीवने. कठिन- पाउमी २, २, १९४: -नः या १४, ६; -नम् वैगृ २, ८: 9: -ने बौधौ १७,३9: 9६. °कठिनिक- पा ४,४,७२. कठिनो (प-उ)पचिना (त-ग्र)ङ्गb--ङ्गाः अप ६८, १,४०. कठेर- पाउ १, ५८.

कठोर- पाउ १, ६४. कठ°- पा ४, ३, १०७; -ठाः चव्य २: ३; -ठानाम् चव्य २:३३; -हैः काधौसं ३१ : १६;३२ : १. काठक^d- -कम् या १०, ५: -काः त्रापश्रौ २१, २३, ६: हिश्री १६,८,९: -के पा ७,४, ३८; बौगृ ३,१,२५; वाध १२, २४: ३०, ५: साश्र १, २६७: भाशि ६.

> श्रावश्रौ १९, १५,७; हिश्रौ २३, 3.20. काठक-प्रसि(इ>)द्वा--द्वा कागृड ४३: १५. काठका (ऋ-अ) भि^e--प्रीनाम् आप्तिगृ ३, ८,३ : २५; बौषि १,१६: ११.

काठक-चातुर्मास्य- -स्येष्

श्राप्तिगृ ३, ८, ३ : २३; बौपि ₹,9 € : 9.

कठ-कालाप- पाग ६,२,३७. कठकालाय-ब्रत्त- -तेष नाशि 2,9,8.

कठ-कौथुम- पान ६, २,३७; -माः द्रागृ ३,२,३१.

कठ-मैत्रा(त्र-त्रा)दि-सूत्र--त्रेषु काश्रीसं २७: २.

कठ-शाठ- (>काठशाठित्- पा.) पाग ४,३,१०६.

कठ-श्रति- -तेः काठधौ ६.

कठ-सूत्र- -त्रात् काठधौ ५.

कठाक- पाउ ३,७७. कठिण'- (>कटिणिन्- पा.) पाग ५,२,१३१.

कठरिंग (>कडिरण-पा.) पा.पाग 2, 8, 49.

√कड पाधा. भ्दा. तुदा. पर. मदे. कडङ्ग-> शीय-, ॰ क्वर्य- पा ५,१,

कडक्र- पाउना ३, १३३.

कड़त्र-पाउ ३, १०६. कडमा- पा,पाग २,४,६३ª.

कडम्ब- पाउ ४,८२.

कदार1- पाउ ३,१३५k; पाग २, ४, ३१; -राः पा २,२,३८; -रात्

पा १,४,9; २,9, ३.

कडोल- पाउना १,६३.

√कड्ड पाधा. भ्या. पर. कार्कश्ये. काठकाग्नि-चिति- -ती र्कण्¹ पाधा,भ्ना. पर. शब्दे गती च;

चुरा. उभ. निमीलने, कणति निघ २,9४ ई.

१कण"- पाग ४, १,४१;५,४,३ª; -णः या ६,३००; -णाः अस ११, ३#; -गान् काश्रौ २, ४, २३; ३, ८, ७; गोगृ ४, ६, १३; द्राय ४, २, २: विध ५१, १; ५२, १०; -गै: त्रामिगृ २,१,३:११;४: २४; हिए १, १५, ५; २, ३, ७ अप 38,99,9.

> कणी- पा ४,१,४१. कण-क - पा ५,४,३.

कण-पिष्याक-तक--ক্ষাणি बौध ४.५.२२.

कण-पिण्याक-यावक-द्धि-पयो-व्रतत्व- -त्वम् वौध २, १०, 45.

कण-वत् काश्री ४,३,६.

कण-सर्पप- -पै: वैगृ ३,१५: ३. कण-सर्धप-यव- -वानाम् वागृ 2,99.

कणिक°- -कः माश्री ५, १,९, ₹.

क(ग्र-क>) जिका^p- -का याशि १, ११.

कणिश्व- पाउभो २, ३, १४६ ; -शम् वौध ३,२,११.

२कण->कणे-घात⁸- -तः या ५, 99.

कण-मनस- -नसी पा १, ४,६६.

a) तु. पागम. । b) विप. । द्वस. > वस. । c) = वैशंपायनशिष्य-, नाप. (चरग्र-) । ब्यु. ? ।d) = शाखा-, तदभ्यासिन्- प्रमृ. । बुज् प्र. (पा ४,३,१२६)। तद्धीते इति पक्षे प्र. लुक् । e) पस. उप. = स्थण्डिल-। f) तु. पासि. । करुण – इति भाण्डा., करुणा – इति पास्रा. । g) = ऋषि-विशेष- । व्यु. ? । h) = भूसा(नभा.) । ब्यु. (i) व्यप. । व्यु. (i) नाप. । व्यु. (i) नाप. । व्यु. (i) स्थ्यप. । व्यु. (i) नाप. । व्यु. m) वैप १ इ. । n) = लोहोपकर एा-। o) विप. । मत्वर्थे उन् प्र. । पावा ७, ४,३ परामृष्टः इ. । p)= स्थ्म-रजस्- । स्वार्थे कः प्र. । q)= धान्यस्तम्ब- । मत्वर्थीयः इशच् प्र. उसं. (पा ५, २, ११७) । s) = श्रमिलाषातिराय- । r) < /कण् इति ।

कणे-हत- -तः या ५,११. कणीक- पाउना ४,२६. कणीचि- पाउ ४,७०. कणक - पाउभो २,२,२७. √क्रणट् b, कण्टति निघ २,9४ . कण्ट - -ण्टेष विध ४३,४३d. कण्टक - पाग २,४,३१;४,२,८० रा; ५,२, ३६; -कः या ९,३२^२∮; -कम् अप ३६, ११, १; -कै: श्रापश्री २२,४,२५; काश्री २२, ३,२२: हिश्रौ १७,२, २९; श्रप २६,५,२; विध ४३,३५. काण्ट (क>) की ब- -कीम् श्रापश्री १५,१,१; २,५,११; ७, १: ११,९: भाश्री ११,१,१; २; ५,१४; ११,१०; १२,७; हिश्रौ 28,9,9; 2; 2,4; 99; 4,2; वैश्रौ १३,१: ४. कण्टक-मर्दन-(>काण्टकमर्दनिक-पा.) पाग ४,४,१९. कण्टक-श(ल्य>)ल्या^b- -ल्यया कौस ३५,२८. कण्टक-शायिन्!- -यिनः वैध १, 6,9. कण्टक-शाल्मलि!- -लिः विध ४३, 98. कण्टिकक k- पा ४,२,८०.

कण्टकित- पा ५,२,३६.

2,3,4: 3.

कण्टिकन् - किनः द्रापृ ४, २, ८;

हिषि १: ६; याशि १, ३७;.

नाशि २,८,४: - किनम् आप्रिय

कण्टिकनी- -नीम् गौपि १,

४,४; सुध ५६. कण्टकि-श्लीरिन् -रिण: आगृ ₹,७,4; ४,9,98年. कण्टिक-ज- -जम् विध ६६,७; ८: -जानि विध ७९, ५; ६. कर्ण्टकिल- पा ४,२,८०. ?कण्टको(क-ऊ)पर-वत्- -वति काध २७७ : 91. कण्टकार^m- (>काण्टकार- पा.) पाग ४,३,१५४. कण्टकारिका"- पा, पाग ४, ३, √कण्ठ पाधा. भ्वा. श्रात्म. चु. उभ. शोके, कण्ठति निघ २,१४ नै... कण्ठ°- पाउ १, १०३; -ण्ठः श्राश्रौ १२, ९, ४; अप; -ण्ठम् काश्रौ २५, १०, ७; माश्री; -ण्ठस्य ऋप्रा १३,१; पाशि २०; -ण्ठात् कागृड ४६: १४; भासू ३,१९; माशि १,११; १२; नाशि १,५, ५,६; -ण्डे शांश्री ४, १४, २१; काश्री; -ण्डेन माशि ४,४; -ण्डेषु काथी १६,१,१८. कण्ठ-गडु- पाग २,२,३७. कण्ठ-गत- -तेन माशि ४, ५. कण्ट-(ग>)गा- -गाभिः वाध ३, ३२; शंध ९३; ९४; वैध २, 90,9: कण्ठ-ज- -जाः शैशि ४२. कण्ठ-ताल-> °लव्य- -व्यौ देशि ४४; पाशि १९; श्राशि १, २२. कण्ठ-देश- -शे श्रप ४७,२,६. कण्ठ-नासिका->'सिक्य- -नयम्

आशि १, २०. कण्ठ-पृष्ट-ग्रीवा-जङ्घ- - ङ्घम् पा ६, 2,998. कण्ठ-प्रावृत-> °ता(त-श्र)वसिय-का(का-अ) पाश्रयण-पादप्रसा-रण- -णानि गौध २,२०. कण्ठ-चन्ध"- -न्धस् माश्री ५,१,५. कण्ठ-बिल- -लम् आशि ८, ९; -लस्य त्राशि ८, २०;२१; -ले आशि ८, १०. कण्ठ-मात्र- -त्रम् सुधप ८७: ९. कण्ठ-युक्त- -क्तम् नाशि १,३,३. कण्ठ-शीर्ध-समाहत- -तः नाशि १. 4,6;8. कण्ठ-सक्त- -के वैगृ १, ५: १२. १कण्ठ-स्थान- -नम् नाशि १,७,२. २कण्ठ-स्थानb- -नी तैप्रा २,४६. कण्ठ-हस्त- -स्तेन अप १,२७,४. कण्ठे-विद्ध^p->काण्ठेविद्धि- -द्धिः बौश्रीप्र ४५: ४. काण्ठेविद्धी-, काण्ठेविद्धया-पा ४,१,८१व. कण्ठो (ण्ठ-उ)क्तिh- -क्ति भाशि १२९. कण्ठो(एठ-उ)रस् - -रसोः तैप्रा २, कण्ठो(एठ-श्रो)ए-> 'ए-ज-शैशि ४४; पाशि १९. कण्डोप्ट्य- -ष्ट्यो श्राशि १,२३. कण्ड्य, ण्ड्या- -ण्ड्यः ऋप्रा १,

३८; गुप्रा ४,४९; -ण्ड्यम् अप

४७,२,७; पाशि १६; याशि २

a)=धान्य-स्तोक । वैप १ द्र. । <math>b) या ९,३२ परामृष्टः द्र. । c)=कराटक- । ब्यु. ? । d) ॰ण्ठेषु इति जीसं. । $e)<\sqrt{$ कृत् वा $\sqrt{}$ कण्ट् वा कम् (<िकम् –) + तप –($<\sqrt{}$ तप्) बेति या. । बैप १ द्र. । f) सकृत् तु. पाका. । g) विप. । मत्वर्थीयः अण् प्र. (पा ५,२,९०३) । h) विप. । वस. । i) = वानप्रस्थ-विशेष- । j) = नरक-विशेष- । k) = देश-विशेष- ? । l) पाठः ? ॰वत्-स्थळ॰ इति शोधः संभाव्येत । m) = श्रोषधि-विशेष- । ब्यु. ? । n) धा. गतौ वृत्तिः । n0 वैप १ द्र. । n0 = ऋषि-विशेष- । n1 ०० वैर १ दि. । n2 = ऋषि-विशेष- । n3 ०० वैर १ दि. । n4 । n5 विप. । n7 ०० वैर १ दि. । n8 विप. । n8 विप. । n9 ०० वैर १ दि. । n9 = ऋषि-विशेष- । n9 ०० वैर १ दि. । n9 ०० वैर १ दि. । n9 ०० वैर १ विशेष- । n9 ०० विशेष- । n9 ०

५७; -ण्ड्ययोः ऋपा १४, १२; -ण्ड्यस्य ऋपा १३,१२; याशि २, २०; -ण्ड्या ग्रुपा १, ७३; -ण्ड्याः ग्रुपा १, ८४; ८, ३२; शैशि ३२४; याशि २, १; ९४; श्राशि १,७; -ण्ड्यात् ऋपा १४, ३१; ग्रुपा ४,५३; -ण्ड्यानाम् शौच १,१९; -ण्ड्यो ऋपा १४,६२; ऋत ५,३,५; -ण्ड्यो ऋपा २, ३२;६१; पाशि १७.

कण्ट्य-जिह्वामूलीय-ताल्व्य-मू-धन्य-दन्त्यो(न्त्य-ग्रो) -ट्य-यमा-(म-श्र)नुस्वार-विक्रजनीयो(य-उ) पश्मानीय-नासिक्या(क्य-ग्र)नु-नासिक्य-रङ्ग- -ङ्गाः याशि २,१. कण्ट्य-दन्त्य-पर- -रे ऋत ४,

कण्ड्य-पूर्व - -र्वः शुप्रा ४,३८. कण्ड्य-स्वर - -रः भास् ३,११; -रम् शुप्रा ७,२.

√कण्ड् पाधा. भ्वा. श्रात्म. पर. मदे; च. पर. भेदने.

कण्डन^a->°नी--नी शंध १३१; विध ५९,१९.

कण्डन-प्रक्षालन- -ने विध २३, ३५.

क(एडक->)ण्डिका- -के शुत्र ३,

१कण्डु,ण्डू^b— पाउमो २,१,५१°; पाग ३, १, २७; ५,२,९७^d; ४, ३४; पावा ५,२, १०७^e.

काण्डविक- पा ५,४,३४. कण्डु[,ण्डू]-ल- पा ५, २,९७. कण्ड् $\sqrt{p}>$ कण्ड्- $\overline{p}(\pi>)$ ता L -ता बौश्रौ १६,२४:१३; २६,१८: ७.

√कण्ड्यपा ३,१,२७;कण्ड्यते श्रापश्री १०,१०,२; बीश्री ६,५: २१;माश्री१०,६,१६;८,३;माश्री २,१,२,१३; वैश्री १२,९:७; हिश्री १०,२,१०;६७; कण्ड्यति माश्री १०,६,१६; कण्ड्यति बीश्री ६,६:३३; कण्ड्यस्व बीश्री ६,५:२३; कण्ड्यस्व बीश्री ६,५:२३; कण्ड्यस्व माश्री २,१,२,१४; २,४,४४; कण्ड्येत् कीण् ३,११,९९; शांण् ४,१२,१८; विध ७१,५३; कण्ड्यथाः बीश्री ६,६:२.

कण्डूति- -त्याम् वैश्रौ १२,

कण्ड्य⁸ बौथ्रो २८,९ : २३; वैथ्रो २१,२ : ९.

कण्ड्युन⁶ - नम् विध २३, ६०; काश्री ७,३, २६; भाश्री १०,९,८; —ने काश्री ७,४,८; मीस ११,४,४९.

कण्डूयनी- -न्या

काश्रौ १५,६,८. कण्ड्यन-मन्त्र- -न्त्रः

हिश्रौ १,१,४१. कण्ड्यत-स्वप्त-नदीतरा-(र-स्र)ववर्षणा(ए-स्र)भेध्य-प्रति-

मन्त्रण- -णेषु ग्रापश्रौ २४, १, ४॰. कण्डयमान- -नम् वैश्रौ

१२,९: ९. कण्ड्वा(एडु-ग्रा)दि- -दिभ्यः पा, पावा ३, १, २७; -दिषु पावा ३,१,९१; -दीनाम् पावा ६,१,३.

कण्डर e - $(>\sqrt{}$ कण्डराय पा.) पाग ३,१,१२ ‡ .

?कण्डिनी^h-(>काण्डिन्य- पा.) पाग ४, १,१०५, २,१११.

२कण्डु(>काण्डव-) १खण्डु- टि. द्र. कण्डूल- पाउमोग्र २, ३,११२. कण्डोला,को- (> कण्डोल-पाद-,

कण्डाला,कान (>> कण्डाल-पादन, कण्डो-लक-पादन पा.) पाटबृ १,६६; पाग ५,४,१३४.

कण्ड्या'->√कण्ड्वाय पावा ३, १,१७.

क्तणवा- पाड १, १५१; पाग ४,१, १०५:२,१११; -ण्वः अप ४८, ८५ई; निघ ३,९५०; स्रापध १, १९,३; हिध १,५,१०५; ऋय २,१,३६;९,९४; वृदे ६,३५; ३७: शुख २, ४४; ३१०; ३, २४९; ४, ३९; सात्र १, ५४; १३६; २२१; -ण्वस्य ऋश्र २, ८,9; बृदे ६, ३६; या ३, १७; -ण्वा:k श्रापश्रो १३, २१, ३+; २४, ८, २; बौधौप्र २१: १; ३: हिथ्री ९,५,४२+; निस् ४, ८: ५; बृदे ४, ९८; तेप्रा १३, ९+: -+०ण्वाः कागृ २२, १; या ७, २‡; -ण्वानाम् श्राधी १२, १३, १; वैध ४, ३, ५; -ण्वाय भाग ३, ११: ३; या ६, ६+; -०ण्वासः ऋप्रा ४, ६9 +1. १काण्व। -०ण्व आश्री १२;

a) भाप., नाप. (श्रन्नशोधन-साधन-)। b) गात्रविघर्षणे धा. वृत्तिः। c) $< \sqrt{a}$ ण् इति । d) ॰ण्डु-इति पाका., ॰ण्डु इति पागम., गण्डु-इति भाण्डा.। e) तु. पागम.। f) = aपः वृत्तिः। g) = aण्ड्यिता।

h) तु. पासि.। कुण्डिन- इति पाका., कुण्डिनी- इति भाण्डा.। i) = कृपा- (तु. पागम.)। k) वैप १, १०८३ ए इ.। l) वैप १,१०८४ ए इ.।

१३, ११ ; आपश्री २४, ८, ३; बौश्रीप्र २१: ३; वैध ४,३, ५; -ण्वः शाश्री १६, ११, २०; ऋश्र २, १, १२; ४४; ८, १; ७६; ८१; बृदे ६, ३९; शुग्र; -ण्वम् लाश्री ६,११,४; क्ष्रम् १,४: ५; १५; २,१०: २०; ११: १८; बौध २, ५, २०; -ण्वस्य बृदे ६, ५८; शुप्रा १, १२३; १४९; -ण्वाः चव्यू २: ३६; -ण्वाय बौग्र ३,९,६.

काण्वी^c— -ण्वीम् श्राश्रौ ४,७,४³; -ण्ड्यौ वृदे ४,१००. काण्व-कुरस— -रसौ श्रापध १,१९,७^d.

काण्व-गोपायन- -नौ श्रप्राय ३,५,८.

काण्व-पुष्करसादि- -दी श्रापध १, २८,१; हिध १,७, ३७.

काण्व-रोहितकूलीय°- -ये लाश्री ६,११,४.

काण्वायन - नस्य चात्र र : १६; ४: १; १४: ६; —नाः वीश्रीप्र २४: १; —०नाः ऋपा ८,२० +; —नी ऋग्र २,८,१४; साग्र १,१२३; १२४; २१२; ३८४; २,९९५.

काण्विष्य - - ण्वयः बौश्रीप्र ५:१. काण्व्य - पा ४,१,१०५.

२काण्य- पा ४,२,१११; पावा ४,२,१०४.

कण्व-कद्यप्^र - पेभ्यः श्रापश्रौ १३. ७. ५; वंश्रौ १६, ८: २; हिश्रौ १०,४,६६. कण्व-कदयप-याचमान-वर्जम् काश्रौ १०,२,३२.

कण्व-कश्यप-संकृति -तीनाम्

कण्व-कौरस- -त्सौ हिघ १, ५,

कण्य-चिकीर्धा- -र्पायाम् पावा ३, १,१४.

कण्व-पत्नी— -रन्याः बृदे ६,३६. कण्व-प्रभव^b— -वः या ३,१७.

कण्व-बृहत्° - - हत् क्षुस् २,१०: १२; ११: ५; ३,४:१; ३. कण्वबृहत्-कारिन् - -री जुस् ३, ९:३; १३.

कण्व-रथन्तर°— -रम् श्राश्रौ ९,८,
११; शांश्रौ १३,१६,५; श्रापश्रौ
२२, १२, १८; बौश्रौ १८, ७:
१३; हिश्रौ १८,२, १; जुस् २,
१०:१०;११: ३;१५:२८;२९;
३,३: ९; १४; निस् १,१३:
१४; ७,४:२१; ९,५: १९;
६:३०;१०:३५; -रस्य शांश्रौ
१०,९,१४.

कण्वरथन्तर-मध्यन्दिन- -नम् जुस् २,१५:२१. कण्वरथन्तर-योधाजय- -ये

जुस् २,१५: ३०. कण्वरथन्तर-सामन् - -न्ना श्रापश्रौ २२,१०,४; हिश्रौ १७, ४,२०.

कण्व-वत् श्रापश्रौ २४, ८, ३; बौश्रौप्र २०:४; वैध ४, ३,५. कण्व-संकृति- -तीनाम् शांश्री १, ७,३.

कण्वा(एव-ग्र)हिरो(रस्-ग्र)गस्य-शुनक- -काः ऋग्र ३,१०.

कण्वा(एव-त्र्या)दि-वत् पावा ४, १, १५१.

√कण्वाय पा ३,१,१७. कण्वा(एन-आ)श्रम--मे विघ ८५,

कत¹- पाग ४,१,१०५¹;२,८०¹;३, ९२¹; -तः ऋग्र २,३,१७; -ताः¹ श्राश्रौ १२,१३,२; श्रापश्रौ २४,७,३; बौश्रौप्र ३५: १;३; हिश्रौ २१,३,१०;१८; -तानाम् श्राश्रौ १२,१४,६; श्रापश्रौ २४,९,११; वैघ ४,१,

> कात्य- पा ४,१,१०५; ३,९२; -०त्य ब्राश्रो १२, १३,६; १४, ६; २४, ७, ४; ५; ९, ११; बोश्रोप्र ३५:४; हिश्रो २१,३, १०³; १२; वैध ४,१,९[□]; -त्यः बोश्रो २,१५:६; ७, ४:२४; ११, २:३०; २०, ४:२६; ५:३३; १६:४०; ५१; बौध १,२,४७; ऋब्र २,३,१५; ग्रुब २,५३; साब्र १,६०; -त्यस्य शुब्र २,३५९.

कात्यायन¹— -नः बौश्रौ २३, ७: २; कप्र २, ७,७; ९,४; ३, ७, ११; शंध २०७; काछ ७, १४; ग्रुप्रा ८, ५३; —नम् शाय ६, १, १; शंध ११६:४१; —नेन काश्रौसं ३६: १; कप्र ३,

a) °क इति पाठः ? यनि. शोधः । b) =साम-विशेष- । c) =ऋग्-विशेष- । d) सपा. काण्वकु °<> कण्व-की ° इति पामे. । e) सामनोः द्वस. । f) वैप १ द्व. । g) ऋषि-विशेष- । h) विप. । उस. । i) कपि-, कव- इति भाएडा. । कपिकत- इति पाका. । j) ऋथः व्यु. च ? । k) तु. पागम. । l) वहु. <कात्य- । m) काता ° इति पाठः ? यनि. शोधः । n) कात इति पाठः ? यनि. शोधः ।

७,६; -नी अप १,३,१. कारयायनी- पा ध. 9.96.

कात्यायन-महात्मन्--रमनः काशु ७,३९.

कात्यायन-वचस्- -चः

कप्र २,९,२४. कत-वत् त्रापश्री २४, ७, ४; ५; ९,११; बौश्रौप्र ३५: ४; हिश्रौ २१, ३, १०^२;१२; वैध ४,१,

कतिक पा ४, २,८०b. कतक-(> कातक-पा.") पाग ५, 9,93 ac.

8 SB

कतम-, कतर-, कति- किम्- द्र. कत्त्रि^d- (> कात्त्रेयक- पा.) पाग 8, 3, 94.

√कत्थ पाधा. भ्वा.त्रात्म. श्लाघायाम्. कत्थना- -ना बृदे १, ३,५; ५१.

कत्थक->कात्थक्य^e- -क्यः या ८, 4; ६; १०; १७; ९, ४१; ४२; सात्र २,६९७2.

†कत्पय'- -यम् निघ ४,३; या ६, ₹\$.

√कत्र ^ष पाधा. चुरा. उभ. शैथिल्ये. कत्रि- पाउमो २,१,२२६.

√कथ् पाधा. चुरा. उम. वाक्यप्रवन्धे, कथयति ऋप २४, ५, ४; कथयन्ति बृदे ३, ७३; ४, ३४; कथयामि अप ६९, १, ३; कथम्, कथा किम्- इ. कथयस्व त्रप २९, १, २; कद्- किम्- इ. १, ८, ६; हिध १, २, ९४;

कथयेयः द्राधी ९,४,१५. कथ्यते जैश्रीका ८६; शंध: कथ्यन्ते बृदे १,९३.

कथन- -नम् कौशि ६५; -नात् माशि १६,१४.

कथा- पा ३,३, १०५; पाग ४, ४, १०२; -धा विध २०, २५; -था: आगृ ४, ६,६; विध ३२,१०:-थाभिः गौपि १,४,२. काथिक-पा ४,४,१०२.

कथित,ता- -तः ग्रप २५, २, ४; विध ५, १९३; बृदे ६, १०१; -तम् अप २२, १०,१; २३,९, ५; वाध १२, १५; या ११, ७; -ता शंध १८२; विध २३, ४६; बृदे ३, १२३; -ताः विध ८२, ३; -तानि बृदे ३, १५४; -ताभ्यः बृदे ४, ६; -ते बृदे ३, ६९; पावा १,४,५१.

कथित-देवता-> •त्य- -त्यम् बुदे ५.५.

कथिता(त-त्र)नुकथन-मात्र--त्रम् पावा २,४,३२.

कथेर- पाउना १,५७.

कथ्यमान- नम् अप ७०, १, ३; ब्रे १,१०५.

कथक b-(>काथक्य->काथक्याय-(न>)नी- पा. यक.) पाग ४, 9,904;96.

कथयेत् त्रप २९, २,३; त्रापध कद्मव!- पाग ५,४,३1; पाउ ४,८२; -म्बः याशि १, ३६; नाशि २,

८,४: -म्बस्य माशि ४, १: इप ₹,4.2.

कदम्ब-क- पा ५,४,३.

१कदर,ल^k-(>°री∟,°ली- पाउबृ १. १०८ पा.) पाउमो २,३,३८1; पाग ४,१,४१.

कदली-स्तम्भ- नमे कत्र ३,३,५. २कदल™-(>कादलेय^b- पा.) पाग 8,2,60.

कदा किम्- द्र.

कदामत्त"- पा,पाग २,४,६९.

कदरक^{n'0} (>काद्रक- पा.) पाम 8, 9,992.

√कद्रा^p, कद्राति, चकद्राति या २, ₹ 4.

चकद्रव--द्रः या २,३.

१कद्रांग-पाग ५, २, १००; -ब्र काश्री २२,४,१४; -द्रः बौश्री 28,36:5.

कद्र-ण- पा ५,२,१००.

२कद्रद्रिण्ड- पा २, ४,६३;४,१,७१; ७२; पाग २, ४, ६३; ४, १, १२३; -० द्र स ६, २;५; - द्रवै बीय २, ८, १२; -द्रः वाधूश्रौ 8,40: 903; EX: 9; 7; 4; सु ५,३2; ९, २; बृदे ५, १४५; भाशि १७ ; -द्रम् वाधूश्री ४, ६४: २; सु ७,५; -द्वा सु २, २; ५,9; १०,9.

काद्रवेय- पा छ, १,१२३; -यः श्राश्री १०, ७,५; शांश्री १६,२, १३, सु २३, ३, ऋग्र २, १०, ९४; सात्र १, ६३१-३४; -याः

a) कात॰ इति पाठः ? यिन. शोधः । b) = देश-विशेष- ? । c) तु. पाका. कुतुक- इति भाण्डा. । d) = गर्दभी-(तु. पागम ३१५) । व्यु.? । e) = आचार्य-विशेष- । f) वैप १ द्र. । g) $\sqrt{कर्त्, कर्त्र् इति [पक्षे] BPG. ।$ $h)=\pi$ रिय-विशेष- । व्यु. $(i)=\pi$ त्त-विशेष- । व्यु. (i) तु. पागम. । (i) नाप. । व्यु. (i) कन्दल- इति पाका. । l)= इवेत-खदिर-। m) श्रर्थः व्यु. च ?। n) व्यप. व्यु. ?। o) तु. पासि.। खदूरक- इति पाका., खदूरक- इति भागडा. । p) यित. नैप्र. <कद् $\sqrt{$ द्वा । q) तु. टि. विश्वकद्म – । r) विप., नाप. (वर्गा-विशेष-) । s) नाप., व्यप. वैप४-त-१०

मु २९,२.

कद्र-नामन् -- मा सु २,१.

†कदु-पुत्र- -त्रान् त्राप्तिगृ २,४,८: ९; -त्रेभ्यः त्राप्तिगृ २,४,८:५.

कद्रयच्,ञ्च्- किम्- द्र.

शक्दिविन्दुकोष्ठ b - -ष्टैः कौस्४८,३०. शक्दिव c >कध-प्री c - -०प्रियः शांश्रौ

20,90,64.

√कन्^त पाधा. भ्वा. पर. दीप्तिकान्ति-गतिषु, †कनित श्रप ४८, ३; निघ २,६.

> †चाकनत् आश्रौ ८, ११, ४°; ऋप ४८, ३; निघ २, ६; ३, ११; †चाकन् शांश्रौ १८,१,६; वैताश्रौ ३२,१०; निघ ४,३; या ६,२८∳.

†कानियत् अप ४८, ३; निघ २,६; कानियः आश्री ५,४,६‡. कनक!— पाउत्र २,३२; —कम् अप ४८,९१; ६८,३,४; अशां १२, ३; नाघ २८,१०; विघ ९,४; ७८,२१; निघ १,२‡; या १४, ३०; —काः अप १४,१,८;५२, २,५६,६२; —कानाम् अप १७,

कनक-किञ्जलक-तडित्-कल्प--ल्पाः श्रप ५८,१,७.

१,८; -के अप ६७,८,२.

कनक-पिङ्ग(त**>**)ला− -लाः श्रप ६८,१,१३.

कनक-मणि-रजत-राङ्ख-श्चन्य(हिन्य) ब्दो(शब्दो)पल- -लानाम् सुध २७.

कनक-रजत- -तम् विघ ७८,४७.

कनका(क-श्राभा>)भ^a- .-भः माशि १,१३; नाशि १,४,१.

^{*}कन°-> १कनिष्ठ,ष्टा- पा ५,३,६४; पा,पाग ४,१,४;-ष्टम् वैय ६६ः २; -ष्टया वैश्रो १२,१७: १७; १८; काय २४, १३; -ष्टायाम्

माशि २,२; नाशि १,७,४. किनिष्ट-कुल->किनिष्टकुलीन h -

-नस्य शांध्री १४,३१,१.

किनष्टा(ष्ट-ग्र)ङ्गुलि-नाह¹- -हाः वैश्रौ ११,११: २.

कनिष्टा(प्ट-य्र)ङ्गुलि—मूल— -लग् वैग् १,५ : ७.

कनिष्टा(ष्टा-ग्र)ङ्गुष्ट- -ष्टयोः कप्र १,१,७.

कनिष्टाङ्गुष्ट-योग- -गेन शंघ ४५७-४५८ : ४.

कनिष्ठा(ष्टा-त्रा)दि--दि वैगृ ३, २२: १०.

कनिष्ठाद्य(दि-ख्र) क्रुल्य (लि—ख्र)म— -माणि वैग्र २,६:८-९.
कनिष्ठाद्ये (दि—ए)कैका(क-ख्र)
कुल्टि— -स्या वैधी १२,१७:१६.
कनि(ए-क>) ष्टिका $^{\circ\prime}$!— पाग
५,३, १०० $^{\circ}$!, —क्रया काश्री ७,
०,१३; ज्यापश्री १०,२४,८;
स्राप्तिग्र २,३,१:९; वैग्र ६६:२; —श्रकस्य वैग्र १,२:८¹;
—का कौशि ३८; —कायाम्
श्राप्तिग्र २,६,१:१०; शैशि
१७९; —के वैश्री १२,१०:२;१२:२9.

कानिष्टिक- पा ५, ३,

900.

कनिष्ठिका-तल- -लयोः शंध ५४.

कनिष्ठिका-तस्(ः) श्रापश्री १०,५,१२; भाश्री १०,३,१९; माश्री १,४,१,३; २,१,४,३; हिश्री ७,१,३८.

कनिष्टिका-प्रभृति - - तिभिः माश्रौ २,१,४,३.

कनीयस- पा ५, ३, ६४; -यः शांश्री १५,२२, १; आपश्री ४. ८,44;६,99,२;१६,२७,२94; बौधौ १, १२: ५४××; भाधौ; -यःS-यः आपश्रौ १०, ६, ९; भाश्रो १०,४,६; वैश्रो १२, ७: २; हिश्रो १०,१, ४२; -यस: बौशु २: १; -यसम् जैगृ १, ३:५; -यसा या ३, १३; -यसाम् बौश्रौ १८, २६: २; २६, ३३: १; विध ३२, ४; -यसि द्राध्रौ ९,३, २१; लाश्रौ ३, ७, ७; -यांसः शांश्री १५, २६, १२; तेप्रा १६, १३ ; -यांसम् बौश्रौ २, ९: २२; त्रापञ्च १०, १४‡; बौज्य ५: १२+; हिशु ३, ५४+; या ३, १३; -यांसि वाधूश्री ४,१००: १: -यांमी निस् ६, १२: ९; -यान् वाध्यौ ३, ८३: १०; निस् २, १२: २८; लाश्री ६, ७, ५; बौध २, ६, ३२ई; १०, ८; बृदे ४,१२; ६,३६; ७,१३; १५६; या २,१०.

a) विष. । यस. । b) श्रर्थः ब्यु. च?। c) वैष १ द्र. । d) या ४,१५ परामृष्टः द्र. । e) पामे. वैष १,१९७ व द्र. । f) = सुवर्ण-, तद्वर्णवत् । g) = श्रिक्श-, प्रह्निक्शप- । h) श्रपत्यार्थे खः > इनः प्र. (पा ४,१,१२९) । i) कस. > वस. । j) = किनिष्टा । k) किपिष्टिका = इति । पक्षे । पासे. किपिष्टिक -, पिष्टिका = इति । पक्षे । भाएडा. । l) पाठः ? किप्स्य (तु. मूंको.) यद्धा किनिष्टकस्य इति श्रोधः ।

कनीयसी- सी श्रप ५९,१, ६; -सीम् वैश्री २,४:९; जैग्र १, २०:३; -स्याः शंध ५७; ४५६.

कनीयसाम्-उक्ष्य– -क्ष्यः बौश्रौ १८, २६ : २; **२६**, ३३ : १.

कनीयो(यस्-स्र) क्ष $(\tau >)$ रा a -राभिः चुस् १,७:२६.
कनीयो-वादिन्- -दी भास्
३,६.

कनक- प्रसृ. √कन् द्र. कनखल^b-- - ले विध ८५,१४. कनल^c- (>कानलक^d-) पा ४, २, ८०.

१*किति°-> १ †कितीन,ना°- -नः आश्री ९,५,१६; -नाः शांश्री ८,२०,१; -ने¹ श्रापश्री ७,५,१; भाश्री ७, ४, १; वैश्री १०,४ : १३; हिश्री ४,१,६२.

स्किनि->कनी $^{\circ}$ - $^{+}$ नीनाम् श्रापमं ५,१२; श्राय १,४,८; वाय १६, ७; या १०,२१ ϕ .

9 कन्य °-> †कन्य-(ल>)ला--ला श्रापमं १,४,४; बौग्र १,४, १७; गोग्र २, २, ८; जैग्र १, २१:२०^२; द्राग्र १,३,२४; -ला: श्रद्य १४,२; श्रप्रा २,

प्रक(न्य>)न्या°- पाउ ४, ११२; पाग ६, २, १९४; फि ७६; -न्ययो: या ४,१५; -न्या श्राश्री २,८,३‡; ३,७,६‡; ५,२०,६; †शांश्री ६,१०,२; १२,२१,३; ४; हिश्रौ २२, ३, ४+: पागृ १,६,२^{‡१8}: श्रामिग् ३,१०,१: ६; काम १७,२; बौम ४.१, ९-११; बौषि ३,५,२; मागृ १,८, २; वागृ १३, ४; †१४, १८१४; २११ है वैगृ ३.१ : ३: जैगृ १. २9: २३²⁸; कप्र १, ६, 9३: १४; श्रप १,४३,८;४४,३;१४, 9,6; 86,2,95;88;89,8,4; स्थप ८८:६; बौध ४, १,१७३; विध २४,४०; ४१३; वाध १७, ६९; ७३३; शंध २७६; २९८; ऋय २, ८, ९१ ई वृदे ५,५८; ६,७६:९९: १०१ +: १०७: या २, २७; ४,१५०; श्राज्यो ३, ६^२; १४, 9; ५; - † न्याः त्रापश्री १७, १८, १; त्रापमं १, ५, ७; त्राग् १, ७, १३^३; कौगृ १, १८, ४३; शांगृ १, १८, ३३; मकागृ १७, २; २५, ३०; ३५; बौपि २, ३, १२^h; मागृ १, ११, १२; २, १४, १५: वाग्र १३, ४ ; हिपि १२: ११; काध २८०: १; ब्दे ३, १४६: -न्यानाम् शांग्र १, २८, २२; बौग्र ३. १३, ८; बौषि २, ३, ११, ३. ६. १; शंध ३४९; या १०, २१; श्राज्यो ३, ५; -न्याम् श्राश्री ५, १३, १७; भाश्री ७, १६, १४; माश्री ४, ७, २; आगृ १, ५, २; ६, १; कौगृ १, 7, 7; 6, 93; 6, 93; 5, १३; शांगृ १, ६, ४; ११, १;

२;४; १२,११; १५,९; श्रामिगृ १,६,9 : २; काम १७, 9: २१. १; मागृ १, ७, ८; १०; ८, ९; ११; १०,७; ११, ६; वागृ १०, ८; १३, १; ६; १४, १३; वैय 3, 9:8; ६-6; २:२; 4, 9: 4; 90; 8, 97-93: १; श्रप १, १०, २; ३६, ६, १; ६८, ४, २; वाध १, ३१; १७, १७; ७०; ७१; बौध ४,१,१२; १३; विघ ५, ४५; १६०; २४, ३३; ७८, ३७; गौध ९, ३२: काध २८१: ८; बृदे ५, ५६: ६६; ७६; त्राज्यो ३, ६; १३. ६; -न्यायाः कौगृ १, २, ३; शांगृ १, ६, ६; कागृ १४, ६; २५, २०; वागृ ३, ३; ४, २५; १३, २; वैग्र ३, १९: १०: ५. 99: 0; ६, ४: २; 9३: ३; श्रप ३६, ६, ३; बृदे ५, ६०; -न्यायाम् शंध ३३२; ३६६; -न्याय कागृ १८, १; -न्यासु बौध १,५,९४; काध २८१:२; -०न्ये मागृ १,१०,१७ ... कन्यका- पावाग ७, ३, ४५; -का कप्र १, १०, १२ⁱ; -काम् कप्र १, ६, १५: -के या ४, १५, कन्या-काम- -मः अप ३६. कन्या-कुमार- -री वैगृ ७, २: कन्या-गमन-प्रायश्चित्त- -त्तम्

वेष्ट ६,१२: १४.

कन्या-गृह- -हम् वेग ३, २:

a) वैप २, ३खं. इ. । b) = तीर्थ-विशेष- । व्यु. १। c) आर्थः व्यु. च १। विप. इति MW. d) = देश-विशेष- १। e) वैप १ इ. । f) विप. (वेदि-)। g) पाठः १ क्याः इति शोधः (तु. कागृ २५, ३० प्रमृ. Old. च)। h) कन्यानाम् इति मैस्. । i) नारी इति BI १. । j) वैप १. १०८६ ८ इ. ।

कन्या(न्या-श्र) ग्न्यु (मि-उ)-पयम- नोषु गौध १८,१९.

कन्या(न्या-श्र)दातृ-याजक-

-कानाम् सुधप ८६ : ४.

कन्या-दान- -नम् विध २४, १९; ३७,१७; बौध १,११, २; -ने बृदे ३, १४४; '-नेन वाध 29,96.

कन्या-द्वक- -कः शंध३७७:१२ कन्या-द्षण- -णम् बौध २, १,

कन्या-दृषिन् - पी शंध ३७८; 888.

कन्या-दोषिन् "- -षी शंध ४१५. कन्या(न्या-ग्र)नृत- -ते वाध ₹€,३४.

कन्यानृत-गवानृत- -तम् अप 9, 3,8.

कन्या-प्रजा(जा-त्र)र्थ- -र्थम् श्राज्यो ८,५.

कन्या-प्रद- -दः वैगृ २, १५: १४;३,२:५;-दाः विध २४,३८. कन्या-प्रदान- -नम् आज्यो ८,७ कन्या-भाग- नाः शंध २९८. कन्या-वत्- -ते बौध १,११, ४: गौध ४.८.

कन्या-विवाह- -हः वैध४,८,६. कन्या-सहस्र- -स्रेण श्रा २०, 2,0.

कन्या-हरण- -णम् वैगृ ३, १: 90.

कनिक्नत् - क्नतम् श्रप्रा ३, २, 9 € +b.

१कनिष्ठ.ष्टा-*कन- द्र. २कनिष्ठ, ष्ठा°- पाग ४, १, १२६; फि २२: -ष्टः बौश्रौ २, ९: २०; कौस् ८१, ३३; ८५, २४; - ष्टम् शांश्रौ १५, २०, १; स ३०, ३; विध २६, २; - ष्टस्य त्रापथ्रो २, १९, ४; ६, ४, १; बोध्रो ३,४: १८; भाष्रो ६, ९, १; २; वाश्रौ १,१,१,४१;५,२, १२; हिश्रौ २,२,१९;३,७,१९; वाध १७,४४; - ष्टाः काश्री २२, ४,५; निसृ ६, ११ : ३१; ३२; -ष्ठानाम् शांधी १४, ७२, १; श्रापश्री २२,५,१४, हिश्री १७, 2,82.

> कानिष्ठिनेय- पा ४, १, १२६; -यस्य श्रापश्रौ २, १९, ४; ६, ४, १; बौध्रौ ३,४: १९; भाश्रौ ६, ९, १; २; वाश्रौ १,१, १, ४१; ५, २, १२; हिश्रौ २, २,१९; ३,७,१९.

कनिष्ट-जघन्य^d- -न्याः आगृ ४, 2,8.

कनिष्ट-तस् (:) श्रापश्रौ ६,७,८. कनिष्ट-पूर्व- -र्वम् वैष्ट ५, ६: १३; -र्बाः शांश्री ४, १५, ४; पागृ ३, १०, २३; गौषि १, २, ३७; ४,9४.

कनिष्ठ-प्रथम,माव- -माः श्रागृ ४,४, १२; कौगृ ५, २,९; आमिगृ ३, 8,8: 22; 4, 3:4; 8: 4; १४; २२; वौषि १,३ : ४; १६; २३; ३०; ३, ४, १६; १९; वैगृ ५, ५ : ४; हिपि ४ : ७; -मान् मागृ २,७,५.

कनिष्ठ-भार्या - -र्याम् शंध ३९७. कन्तप 1 -पः या ९, ३२ k .

कनिष्ठ-यज्ञ - जः निस् ६, ११ :: ₹0.

कनिष्ठिका- प्रमृ. कन- द्र. कनी- २कनि- द्र.

कनीत->कानीत°- -तः बृदे ६,७९: -तस्य ऋग्र २, ८, ४६ +: -ते शांबी १६,११,२३ .

१कनीन- १*कनि- इ.

२क्तीन c'e-> कानीन- पा 8, 9, ११६; -नः वाध १७, २१: शंध २९१; बौध २, २, २४०; विध १५, १०; -नम् वौध २, 2.32.

कानीन-सहोद-पौनर्भव-पुन्नि-कापुत्र-स्वयंद्त्त-क्रीत- -ताः गौध २८, ३४.

कनीन-(क>)का'- - †का वृदे ४, १४४; या ४, १५; -के या 8, 94.

कनी(नक >)निका^{g,b}- - †का श्रापश्री १०,७,१; बौश्रो ६, २: १७; २१,८:११; भाश्री १०,४, १२; माथ्रौ २, १,१, ३८; वैथ्रौ १२,७: ६; हिश्री १०,१, ४४; मागृ १,११,८; -काम् बौधौ ६, १२: १५ ‡; ग्राप २७, २,9; २८,२,१; -के विध ९६,९२; तैप्रा ४,११‡.

कनीनिका-मूल- -ले विध ६२,9. कनीनी b->कनीन्य(नी-ग्र)प्र-सम—स्थील्य!- -ल्यम् विध ६१,9६.

कनीयस्- कन- इ. कन्त- २क- इ.

a) उस. उपं.?, यद्वा ऊकाराऽभावः वैकल्पिकः उसं. (पा ६, ४,९०) । b) पाभे. वैप १,१०८५ 1 द्र. । c) वैप १ द्र.। d) विष. । बस. । e) पाप्र. तु <२कन्या-। f) वैष १,१०८६ r,८ द्र. । g) = श्रक्षि-तारक-, कनिष्ठा-कुगुलि-। h) = कनिष्ठिका-। \overline{e} यु.(i) विप.। षस.>तृस.>वस.। j) = कएटक-। \overline{e} यु.(i) k) पू ८३० e टि.।

कान्त-कन्ति-, १कन्तु- २क- इ. २कन्त- √कम् इ. √*कन्थु a (त्रावर्गे) > क (न्थ>) न्था⁸- पाउना २, ४^b; -न्था पा २, ४, २०; ६, २, १२४. कान्थिक- पा ४, २,१०२. कन्था-पलद्-नगर-प्राम-हदो (द-उ)त्तरपद- -दात् पा ४,२, 983. कन्थक^c- (> कान्थक्य-, °क्याय (न>)नी-पा. यक,)पाग ४, 9,96;904. कन्थु - (>कान्थव्य- पा.) पाग ४, 9,904. √कन्द (बधा.)पाधा. भवा. परं. भाह्याने रोदने च, आतम.वैकुन्धेd वैकल्ये च. १कन्द^क- (>कन्दी- पा.) पाउवृ ४,९८; पाग ४, १,४१°. कन्द-मूल-फल- -लम् वौगृ ३, ₹,9 €. कन्द्-मूल-फल-शाक-भक्ष--आणाम् बीध ३,३,८. कन्द-मूल-फल-शाका(क-आ)

दि- -दीनि वैध ३,५,७.

कन्द-मूल-फल-शाकी (क-श्रो)

कन्द-मूल-भक्ष- क्षाः वौध

षधी- -धीः वौध ३,२,३.

२कन्द्र¹- (>१कन्द्र^g- पा.) पाग

3,3,3.

२कन्दर^b- (>कन्द्री- पा.)पाउवृ ३,१३१; पाग ४,१,४१; पावाग 6, 2, 961. कन्दर्पं -(>कान्दर्प पा.) पाग ४, १, कन्दल k - (> कन्दली-, कन्दलित-पा. यक.) पाउभो २, ३, ९३¹; पाग ४, १, ४१; ५, २, ३६; पावाग ८, २,१८1. कन्द्रां- पाउ १, १४. कन्द्रक¹-(>कान्द्रक-,कन्द्रक-प्रस्थ-पा. यक.) पाउमी २, २,२२^m; पाग ५,१,१३०; ६,२,८७ª. कन्द्रक-बद्री- कटुकबद्री- टि. इ. कन्ध(र>)रा°- -रा कप्र १,७,८. १कन्य- २क(न्य>)न्या २कनि- इ. √कप् √कप् द. क-प- प्रमृ. १क- इ. कपट- पाउव ४, ८१; पाग २, ४, 39. कपट^p- पाग ४,१,७३. कापटव^p- -त्रः निस् ४,८ : ३५. कापटवी- पा ४,१,७३. कपरि, लि)का - पावाग ८,२,१८1. कपर्दे - -र्जाः वाग् ४,१८. कापर्दि"- -ईयः निस् ९, 93:8. कपर्दिक- -कान् पागृ ३,५,२. +कपरिन्- -दिनम् वृदे ५, ११९;

-दिने शांग्र ५, ६,२; अप ६६, ३,२ र गोध २६, १२; श्रुप्रा ५, कपर्दिनी8- -नी नाशि १,२, कपल^t- -लम् शांश्रौ १८, ७, ८; कपाट"- पाउभो २, २,१००; पाग २, 8,39. कपाट-ध्न- पा ३,२,५४. कपा(टक्>)टिका^प-(>कापा-टिक- पा.) पाग ५,३,१०७. कपाल"- पाउ १, ११८; फि ६७; -लः त्राप्तिगृ ३,४,४ : ७; -ल**म्** श्राधौ ३, १४, १०; काश्रौ; -लयोः माश्री ४,३, ४४; वैश्री १५,५: १; -लस्य भाश्री ६, १५. ७; -लाः हिश्री १६, ८, २३: -लान् तैप्रा ६, १४ ; -लानाम् त्रापश्री८,९,१४ +××; बौधौ; -लानि शांधौ ४,१४, २५; काश्री; बौश्री २०,१२: ११×; या ७,२४; -ले आश्री ३, १३,९; यापश्री १,२२,३;२३,३; ३,१०,१‡;१२,४,१;९; काश्रौ; पावा ६, ३, ४५; - लेन काश्री २, ४, २६; हिथ्रौ १, १, ४३; त्रागृ ४. ५, १०; -लेभ्यः श्चापश्री १, २४, ६; भाश्री १, २५,१०; माश्री १, २, ३, १९;

a) वैप $\exists \, z. \, 1$ b) $< \sqrt{3}$ कन् इति $| c \rangle = \pi \sqrt{3}$ पि-विशेष- $| c y \rangle = 1$ $d) \sqrt{aq}$ इति [पक्षे] BPG. । e) अर्थः ?। f) अर्थः ब्यु. च ?। g) = देश-विशेष- ?। h) = दरी-। ब्यु. ?। i) तु. पागम. । j) व्यप. । व्यु. ?। तु. पाका.; किंद्रभे— इति भागडा., ?िकद्रभे— इति ।पक्षे। पाका. । k) प्र $m)<\surd$ कम्। n) १कटुक- इति पाका.। o)= प्रीवा-।. l) <√कन्द् । ८३३ i द्र. । वैप 🗦 द्र. । p)= श्राचार्य-विशेष- (तु. पाका ४,१,७८;३,८०)। q)= चूडा-, वराटक- प्रमृ. । ब्यु. 🛂 🔻 r) = त्र्याचार्य-विशेष- । कापटवः इति मृको. । s) = मूर्च्छैना-विशेष- । t) = भाग- । ब्यु. (s) नाप. । ब्यु. ? । < कं \sqrt{qz} [गती] इति श्रमा. । v) हस्तार्थं कन् प्र. । w) वै । ? द्वा. । x) काप । ° इति मुपा. ?यनि, शोधः (त. भव-स्त्रामी)।

-लेषु श्रापश्री १,२३-२४,६;८, ६,५; ९,१३,१०; १९,२१,२२; २२,८; बौश्री; -लें: बौश्री १०, १३: १२; बैश्री १८,०:४; हिश्री १५,८,४३; श्रप्राय ६,२. कापालिक*- -कः काथ २७८:

कपाल-करण- -णे बौश्रौ २७,३:१. कपाल-चिह्न-ध्वजा-> °जिन्--जी शंध ३७९.

कपाल-धर्म- -र्म: हिश्रौ ३,८,४४. कपाल-नाश- -शे बौश्रौ २८,९१:५. कपाल-प^b- -पान् आप्तिग् २,९,३ : २२; आपमं २,१४,१; भागृ १, २३: १४; हिगृ २, ३, ७.

कपाल-मन्त्र— न्न्त्रेण श्रापश्रौ ८, १०,२;१३,१८; १२,४,९; २४, ३,२४; भाश्रौ ५,१४,९; वाश्रौ १,४,४,३२; हिश्रौ ३,८,५८; ५,४,२२;८,१,५२; –न्त्रैः बौश्रौ २०,८:२०.

कपाल-मात्र— नत्रम् बौश्रौ २८,४ : १३.

कपाल-योग- -गम् आपश्रौ १,२३, २; भाश्रौ १, २४, ६; -गात् हिश्रौ १,६, ३७; -गे भाश्रौ १, २५,१०; हिश्रौ १,६,४२.

कपाल-वत् आपश्रौ २, १०,४; वैश्रौ ५,८: ५; मीस् ६, ६,६; १०, १,२२;२६.

कपाल-विकार- -रः मीस् १०,१, ३८.

कपाल-विमोचन- -नम् श्रापश्रौ ४,

१४,५°; १२, २५,१३; हिश्री ४,४,७१; -नात् माश्री २,३,७, ११.

कपाल-वृद्धि - - द्धिः बौश्रौ २७,३ : २.

कपाल-वृद्धि-हास- -सौ वैश्रौ २०,२८: १२.

कपाल-शे(9)षा- -पाः d स्त्रामिग्य ३,४,३ : ९; वौपि ३,४,८.

कपाल-शे(प-उ)षोदक- -कम् वैग्ट ७, २ : १२.

कपाल-संयोजन- -ने बौश्रौ २०,८: १२.

कपाल-संतपन e —>°ना(न-श्र)िन—
-िगा बौपि ३,१, ११ t ; बैग्र ५,
५:२९; ७,२:१३.
कपालसंतपनीय— -येन गौपि

१,१,२०.

कपाल-सामान्य- -न्यम् वौश्रौ २७, १४: २६.

कपाल-स्थान- -ने वैश्रौ ९,१:११. कपाल-हास- -सः बौश्रौ २७,३:२; कपाला(ल-स्र)बरो(प>)पा- -षाः वैग्र ५,५:१५ d .

कपा (ल-क≫) लिका– (२कापा-लिक– पा.) पाग ५,३,१०७.

कपालिन् - न्लिने वैग्र ५,२: ३०; -ली श्रय ४३, ५, १७; वाध १६, ३३; शंध ३७७: ७; वौध २,१,३.

कपालो(ल-उ)पधान°- -नम् काश्रौ ५, ८, १५; -नात् वौश्रौ ३, २४: ७: २०, ६: २८; भाश्रौ ५,१४,८; ८, १६, ४; —नानाम् बौश्रौ २०,८: १७⁸; —ने बौश्रौ २२,१८: १९.

कपिश्वतोष्मजात - १क - इ.
किपि - वाड ४, १४४; वाग ४,१,
१८; ४५¹; १०५¹; ५, १,१२४;
२¹, १८; ९७; १००; ३,१०८¹;
६, ३, ११९¹; -पयः वौश्रौप्र
२६: १;३; -पिः आवश्रौ १४,
२६: १;३; -पिः आवश्रौ १४,
१६†¹; श्राप्रिय ३, ७, १:
१४†¹; वौपि १, १७: १३†¹;
या ३, १८²¹; वृदे २, ११६¹;
ग्रुआ१,१२८™,-पीनाम् आश्रौ
१२,१३,२; आवश्रौ २४,७,८;
हिश्रौ २१,३, १०; -पेः हिश्रौ
२१,३,१०™.

कपी- पा ४,१,४५. कापिक- पा ५,३,१०८. कापेयⁿ- पा ५,१,१२७; -याः श्रापश्री १४,७,२०; हिश्री १, ४,६; ९,८,४५.

काषेयी - - यी त्रापश्रौ १४, ७,१९; हिश्रौ ९,८,४४. काप्य - पा ४,१,१०५; १०७; ५,१,१२४.

काप्या(प्य-श्रा)ध्वर्यव°--वम् श्रापश्रौ २३, ११, ११; हिश्रौ १८,४,१५.

काप्याय(न>)नी- पा

४,१,१८. कपि-केश— फि ७३; —शाः बौश्रौप्र ४७ : ६™.

a)= भिक्षु-विशेष-। तेनचरतीयः ठक् प्र. (पा ४,४,८)। b)= वालप्रह-विशेष-। उस. उप. $<\sqrt{v}$ (पाने)। c)= मन्त्र- ति. तै १,१,७,२]। d) सपा. 'शेषाः<> 'छावशेषाः इति पाभे.। e) उप. भावकरणयोः स्युट् प्र. f) 'सान्तपन' इति B.। g)= मन्त्र-। h) वप्रा.। तैप १ ह.। i) = वानर-। j) स्थप.। कत- [a] हि. श्रिप ह., [a] श्रिप ह.,

१कपि-ल-पा ५,२,९७. कपि-श- पा ५,२,१००.

कपि-शी(र्वन् >)ःगीं - - ज्ण्याम् द्राश्री ११,२,३; लाग्री ४,२,२, कपि-इयापर्णेय- पाग ६,२,३७. क(पि>)पी-व(त्>)ती- पा ६. 3,920.

कप्या(पि-आ)दि- -द्यः अप ६९,

कप्यु(पि-उ)प्टे (प्ट्-इ) भ-गवा (गो-आ)दि--दीनाम् अप ६९,३,३. १कपिञ्जल पाउभो २, ३, ९९°; -०ल कौस् ४६, ५४^{४त}; या ९, ५°; -लः श्रप १, ३६, ६; बृदे

४,९३; ६,१५१; या ३, १८ई; ९,४;-लम् शंध २२३; - †लान् त्रापश्रो २०, १४, ५; वाश्रो ३, 8,3,22+.

१कापिञ्जल- -लानि कौसू ४६, ५३;५४; श्रप १,३६,६.

कपिञ्जल-मांस- -सेन पागृ१,१९,८. किपिक्षला(ल-त्रा)दि- -दयः शुत्र ३,४३: -दीन काश्री २०, ६,६. कपिञ्जलादि-वत् काश्रौ २१,१,

२कपिञ्जल¹- पाग ४,१,११२³; -लः , श्रश्र २,२७; ७,९६.

२कापिञ्चल-पा ४,१,११२; -लाः बौश्रौप्र ४७: १.

कपित्थ h- पाग २,४,३१; ४,२,८०1; 4, 2, 9 3 4; 8, 3, 99 81.

कपित्थ-क - - कः भागृ २,२१:१०. कपिरिथ(>न्)नी- पा ५,२,१३५. कपिरिथल 1- पा ४.२.८०.

१कपि-ल- कपि-इ.

२कपिल™- पाउ १,५५; -०ल विध ९८, ८५; -छ: वैष्ट ३, २१: १० ई; श्रप २९, २, ४; ४३, ३, ४ ई; बृदे २, ६७; ७, १४१; बौध २, ६, ३०; -लम् ऋपा १७,५८; -लाः याशि २,१;३; -लात् श्राप्तिगृ २, ७, ७: ९; -लान् आमिगृ २,४,८:६. कापि(ल>)ला- -ले अप १, 3.9.

कपिल-रोमन्"- -माणः अप ६८, 9.8.

कपिला(ल-अ)कें(र्क-इ)न्द्र-मण्डल°- -लम् अप ६४.९.३. कपिललाटP- -टः कौस् ४५, ४‡; -टस्य माधौ १,८,५,१९; वाधौ १,६,७,१;४; -टात् माश्री १,

2,4,96. कपिला - -लानाम् त्रामिगृ २,४,८: २१; श्रप ७२, ४, ७; -लाम् श्राप्तिगृ २,५,१ : ४४; श्रप ८, २.३: विध ९२, ९; -लायाः श्रामिगृ २,७,७:८; श्रप ३८,१,

६: -लास अप ७२,४,७. कपिला-प्रदान- -नम् शंध २५०. कपिलि(क>)का"-(>कापिलिक-

पा.) पाग ४,१,११२.

किप्यन8- -नः निस् ८,४: २९. कापिवनt- -नम् आश्री १०,२,३; -नेन ब्रापश्री २२.१४.२०:हिश्री

20, 5, 94.

कपिष्टिक- > कापिष्टिक- व्यन-ष्ठिका- टि. इ.

कपिष्टल"- पाग २,४, ६९1; -लः पा, पावा ८,३,९१. कापिष्ठलि- (>कापिष्ठल्या-पा. पात्रा.) पाग ४, १, ८०;

पावाग ४,१,७९.

ू कपिष्ठल-कठ- -ठाः चव्यू २ : ३. कपिष्टि(क>)का-> कापिष्टिक-कनिष्ठिका- टि. इ.

कपी- कपि- इ.

कप्चछल - - लम् गोगृ २, ९,१८; कप्र ३,६,७.

कपुजा"- -जा कागृ ४०,२.

कप्रिणका'- -का कप्र ३, ६,७; -काम् गोगृ २, ९, १२; १८; -कायाम् गोगृ २,९,१४.

कपुस्- > °र्-विपर्वा-रोदाका-वृक्का-वती-नाडा-निर्दहन्ती "- -न्ती-नाम् वैताश्रौ ५, १०.

कप्यh- -यम् या ५, २४; -याः या 4, 28; 8,99.

‡?क-प्रथं - -पृत् आश्री ८, ३, ३०; शांश्री १२,२४,२; ४; अय २०, 930.

कपोतं "- पाउ १,६२; पाग ४,२, 99; 4, 8, 936; 8,8,943;

a)= वीगा-विशेष- । बस. । b) वैप १,१०८७ n इ. । $c)<\sqrt{348}$ कम्प् । d) सकृत् पाभे. वैप १ शुकुन्तक (खि २,२,५) टि. इ.। e) ॰ळः इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. खि २,२,१)। f) = ऋषि-विशेष-। ब्यु. (i-g) कु॰ इति [पक्षे] भाराङा. (i-h) वैप ३ द्र. (i-j) श्रर्थः (i-j) तु. पागम. (i-k) =मिरा-विशेष- (i-k)l)=देश-विशेष-? । m) विप., व्यप. (मुनि-, श्रपुर-विशेष-ध्वौध.) । वैप १,१०८७ ० द्र. । n) विप?(वातप्रकृतिक-नर-)। वस. । o) कस. > दूस. > पस. । p) = श्रङ्ग-विशेष-। व्यु. ? । q) = गो-। व्यु. ? 1, r) व्यप. । व्यु. ? । s) वैप १ द्र. । t) = त्राहीन-विशेष- । u) नाप. । व्यु. ? । पात्र. तु कपि-+ स्थळ- इति । v)= चूडा- । ब्यु. ? । w) श्रोवधीनां द्वस. इति सोमादित्यः । x) नाप., ब्यप. (ऋषि-विशेष- । ऋश्र. बृदे ।) ।

-तः श्रापृ ३, ७, ७^२; शांगृ ५, ५, २+; आग्निय २, ५, १: १; ३, ६, ३: २१; २३; कागृ ५६, १+; बौग ३, ६, १; बौपि १, ११: १८; १९; भाग २, ३२: १; माय २, १७, १, हिय १, १७, ५‡; जैगृ २,७: २; कौस् ४६, ७+; श्रप १९, १, १०+: ६३, ४, ७; ६७, ३, १; ७०३, ६, ९; २९, १+; शंध ३७८; काध २७६: ५; ऋश्र २, १०, १६५; बृदे ८, ६७; ६८; श्रश्र ६,२७२ +; - +तम् मागृ २,१७, १; कौसू ४६, ७; बृदे ८, ६८६; श्रश्र ६, २८; -ताय शांश्रौ १२, १६, १+; -ते कागृ ५६, १; मागृ २,१७, १; -तौ वृदे ७,८७. कापो (त>)ताª- -ता वौध कापोत-वृत्ति-नि(ष्टा>)ष्ठ--ष्टस्य बीध ४,५,२८. कापो(त>)तीb- -तीम् श्रप 403,6,9. कपोतकीय- पा ४,२,९१. कापोतक- पा ६,४,१५३. कपोत-पद-दर्शन- -ने त्रापग्र २३, कपोत-पाक- पाग ७,३,५३. कपोत-पाद- पा ५,४,१३८. कपोत-वत् बौध ३,२,१२. क्पोत-वृत्ति- -त्तिः विध ९४,११.

कपोत-वृत्तिक^c- -काः वैध १, ८,१. कपोतो(त-उ)पहति - तौ ऋत्र २, 90,984. कपोतो(त-उ) छक् - -काभ्याम् शांगृ कपोतोऌक-जन्या(न्य-ग्र)रिष्ट-क्षयd--काम--मः श्रश्र ६,२९. १कपोल°- पाउ १,६६. २कपोल'- -लाः चच्यू २ : ३६. कफ b- पाउभो २, २, २१८; -फम् वैथ्रौ २१,२: ५. कफ-प्रकृति1- -तयः श्रप ६८, १, ४; २९; ३७. कफस्¹->कफ(स्य>)स्या⁸--स्या:1 बौश्रौ २८,९ : १७; वैश्रौ 28,2:8. कफेलू- पाउ १,९३. √कब् पाधा. भ्वा. श्रात्म. वर्णे. कवन्ध^{e'm}- पाउमो २,२,१७४; पाग २,४,३१; -न्धः वाध्रश्री ४,३७: २१: २५; अप ५२,८,१; अअ ६,७५; -न्धम् अप ४८,७५ ‡; ६७, ६, १; निघ १, १२+; या १०, ४+क; ऋत्रा ४, ६१+; श्रप्रा ३, ४, १‡; -न्धाः श्रप ५२,५,१; -न्धानि श्रापश्रौ १६, ८,9; हिश्रौ ११, २, १३; -न्धे श्रप ७२,१,५;६,२. कबन्ध-यान- -र्नानि श्रप ७०१,११, कबन्धा(न्ध-श्रामा>)भ¹- -भाः

कबर"- पाउ ४, १५५°. कबरी P-पा ४,१,४२. कबर-पुच्छी- पावा ४,१,५५. कवोधव- (>काबोध- पा.) पाग 8,9,992. †कब- -१व° श्रश्र ११,३; दंवि २,४. √कम् प्राधा. भ्वा. आतम. कान्ती. कामयते काश्री ३, ८, १६; त्र्यापश्रो ××;२१,१२,४8; बौश्रौ: कामयति अप १, १३-१६, ३: कामयेते हिश्रौ ५, २, ६८; कामयन्ते आपश्रौ २३,१,८××; बीश्री; कामयसे श्रा ३६, २५. ३: कामये श्रापमं १. १३,४ ई; कामयावहे वाधूश्रौ ४. २: ६; कामयामहे या २, ७; †कामयातै श्रापश्री ४,८, ५; भाश्री; कामयेताम् बौश्री १८, ३५: ४; या ९, ४२; ४३; कामयन्ताम् या १२, ४६; अकामयत शांश्रो १०, १४-१५, २××; बौश्रौ; अकामयेताम् बौश्रौ १८,३५: १; अकामयन्त शांश्रो १०, १८, २; बौश्रौ; कामयीत बौश्रौ २,१: १; वैश्रौ २०,३४ : ९; श्रागृ १,७,३; २, ४,६: कामयेत श्राश्री १,७,३५; शांश्री; कामयेत् श्रापश्री ८,१९, ६; हिथ्रो १७,२,६५; वाध १७, ३५ कामयेयाताम् श्रापश्रौ ८,८, १७; भाश्री ८, १०, १५; कामयीरन् आश्री १२, ८, ३३;

a)=वृक्ति-विशेष-। ताद्धितः अण् प्र. स्त्रीः चं टाप् प्र. । b) विष.। अण् प्र. । c)=वानप्रस्थ-विशेष-। बस. । d) पंस. \rightarrow कस. \rightarrow षस. । e) वैष १ द्र. । f)=यजुःशाखा-विशेष-। व्यु. ? । g)=शाखा-ध्यायिन् । h)=श्लेष्मन् । वैष ३ द्र. । i) विष.। बस. । j) नाप.। व्यु. ? । k) विष. (२ अप्) । l) सपा. आपश्री १०,१४,१२ २५ पा— \rightarrow -पाः इति पासे.। m)=ऋषि-विशेष- [वाधूश्रोः स्रम्यः], स्रसुर-विशेष- [अप.] । n)=केश-, चित्र-। व्यु. ? । n)=शेशेषः । n)=शेशेषः । n0 व्यप.। व्यु. ? । n1 हिशी ६,१,३ पा ३. १,३०; ८,३,४६;४,३४ पावा १,१,५ पराम् एः द्र. । n2 सपा. यत् कामयतेn3 सरकामाः सवन्ति इति पासे.।

श्राप ५२,५,१.

कामयेरन् बोश्रो १४,२६: १; कामयेयम् छ २८,३. चकमे वाधृश्रो ४, १०८: ४; ५; बृदे ६, ९९; या ११, ३४. अचीकमेताम्, अचीकमन्त शांश्रो ६, १,५; अचीकमथाः वाधृश्रो ३,९२: ८. २कन्तु— पाउ १,२७;७३.

कमन - -नः या १०, २२; -नेन या ४,१५. कमनीय,या - -यः या २, २;

-यम् या २, ३; ३, १८; -या या ४,१५. कमनीय-देव- -वः या ५.

कमनीय-देव- -वः या ५, २७.

कमनीय-भोज^b-- -जाः या २, २.

कमर- पाउ ३,१३२. कमितृ- -ता पा ५,२,७४. कम्र- पा ३,२,१६७.

कान्त - - न्तः या ५, ११; - न्ताः काठभ्रौ ३३°; माभ्रौ १, ७, ४, ११°; कौग्र २, ६, ९ † अप ५२,१३,३; - न्तानाम् कौग्र १, ८,१०; - न्तानि या १०,२६^२; १४.९९^२.

कान्त-क- -कानि या ५,११. -कान्ति- -न्तिः विध ९९, ४; या

4,98;94.

कान्ति-कर्मन्° - - मेणः या ४, १५, ६,१०, ७,१२, १०, ३८; ११,५,१२,५; -- मोणः निघ २, ६; या ३,९. कान्ति-हत- -तः या ५,११. काम.मा¹- पाग ६. १. १९९

श्काम,मा1- पाग ६, १, १९९: पावाग ५. १. १११: - + • म श्राध्रौ ५,१३,१५; ८, १४, ४; श्रापश्री १४, ११, २^२; काश्रीसं ध: २; बौश्रौ १९, ७: ५६; माश्री ५, २, १४, १३; हिश्री १०,६, ९ रे जैश्री २० : १४; जैश्रीका २०१; वैताश्री ४, ५; द्राश्री.६.३.२७: लाश्री २. ११. २०; पागृ ३, १२, ९४; श्रामिगृ २.७.५ : ५^३:६: बौगृ ३. ३.६: मागृ १,८,९; वैगृ ४,१: १६र; ६,९: ५३; गोगृ २, १,९; कौसू ४८,५; ९२,३०;३१; अप ३२. १,८; बौध २, १,३३^४; ४, २, १० : गौध २५,४ : श्रश्र ९,२ : १६,५२: -मः †आश्री ५,१३, १५३: ८. १०,३; शांश्री ३, ५, ८+:४.७.१५^४+××; या ५,२+; ६, ७; -मर्म् ^ड श्राश्रौ २,२, ४+h××; शांश्री; काश्री २६,७, ४९ मा: श्रापश्री ६, १, ८ में; माश्रौ १,६,१, ४ + 1; श्रापमं २. १५.१४ + 1; या १४,६; पाग १, १.३७: - मम् ऽ-मम् वीश्रौ १८, २९: ७; ९; गो १, ८; -मस्य काश्रोसं ४ : ४ ; ९ ; ५ : ७: वाध्रश्री ४,९४ रे: ७; कीय २, २,१४; शांगृ २,४,२; आमिगृ १, ५, १: ९+: १०; बौग १, ५, २९+; हिंगू १, २४, ४+; -मा मागृ २, १३,६ 🕫 : -माः श्राश्री ९,

८,२४; शांश्री १४,९,१२; काश्री 3,८,9 +k; त्रापश्री ५,२९,४+: १०.६.५ +××; माश्री १,८, ४, ३६ + *: की गृ3.9 4.8 + *: शांग् 3. 93.3 + 1: +मागृ 2.४.५:९. ४; क्रीस् ६ ६,१;४५,११;१४; ८४, १; या ४, ६; ७, २ +; -मात् काश्री ४,२,४६: पागृ २,७, २; १७, ३; कप्र ३,१, ८; बाभ; -मान् आश्री ६, १२, ४; १०, ६, १; शांश्री ४, १८, २+; १०, २१, १४; १५, 9, १२××: आपश्रौ ध, ६, २+1: हिश्री ६,२,१० ‡1; श्रापमं १,७. ११‡m; या १,७;२०; ४, १६; -मानाम् आपश्री ४,१,२; बौश्री १, २१: २४ ई: माश्री ३, ११. १ ‡; वैश्रौ ३,१:५; निस् ; -माय आश्रो १, ११, १××; शांश्रो; काश्रीसं धः २ = वौषि ३.७.५°: -मायड-माय माश्री ५,२, १०, १३; बौध ३,८, ३५; - माये मागृ २,१३, ६; वागृ १४, १२; -मे वौश्री १,१२:२२†;२०,४: ४; द्राय २,५,१३; श्रप ४८,३4; पा ५,२,६५; पावा ६,१,१४०; -मेऽ-मे बौश्रौ २३. १:३७: -मेन आश्री ५, १३, १५^{‡9}; †शांश्रौ २,१३,६; ४,१२, १०; श्रापश्री १४, ११, २[‡]; बौश्रौ १३,9:9३: हिश्री १०,६,५+%; कीयः वा १२, १८ +; - नेभ्यः त्रापश्री ४, ४,४ ई:६,६,४; २०,

3

a) भावे कर्तिर च कृत् । b) विष.। उस. । c) सप्त. कान्ताः <> जाराः इति पाभे.। d) = गृक्ष-विशेष-। e) विष.। बस.। f) वैष १ द्र.। g) कि वित् वा. कि वि.। h) सप्त. शांश्री २,६,७ छोकम् इति पाभे.। i) पाभे. वैप १,९०९० छ द्र.। j) = काम-पन्नी-। k) पाभे. वैप १,९०९० g द्र.। l) पाभे. वैप १,९०९० f द्र.। g0) काय इति पाठः शयनि. सोबः (तु. सस्य. अग्नये कामाय, संस्कर्ता च)। g1) आयुष्मतीम् इति g2.। g2) पाभे. वैप १,९०९१ g3.।

683

१, ५; २२, ४; बौश्रौ; -मेषु माश्री ६,१,३,२६; अशां १७, ३; -मै: निस् २,४ : ९; श्रापमं २,२०,२८ 🕶; आमिर्ग् १,५,२: 4;3,9, +2: 2; 5°; xx2, 0: ५+3;बौगः; +भाग् २,१५:१४; १६: १४; १७: ९; †हिंगृ २, ११, १4; १५,७; या १२,२१; -मी श्रापथी १७,२४,१०;२३, २,७; क्षसू ३,१०: ५. काम-कातिb- -तयः त्रापमं २. 99,07. काम-काम- -माय वाध २३, ₹. काम-कामिन्- -मी विघ ७२,७. काम-कार- -रेण विध ५,१०४. कामकार-तस्(:) विध २८. 43. काम-काल-देश-दक्षिणा--णानाम् त्राधी ८,१३,३४. काम-कृत- -ते आपध २,२८, १२; हिध २,६,१२. काम-क्लिस- सीः वैताश्री ४२, काम-क्रोध-द्रोह-लोभ-मोह--हान् बौध २,३,२१. काम-क्रोध-भय-लोभा (भ-न्रा) दि- -दिभिः विध ३,७४. काम-क्रोध-लोभ-मोह-मद-मात्सर्य-स्थान- -नम् विध 98,40. काम-क्रोध-लोभा(भ-श्राख्या>) ख्य- - ख्यम् विध ३३,१.

काम-चार°- -रः बौधौ १५८:

८; काध २७१: ३.

काम-चार-वाद-भक्ष-गौध २,१. काम-चारिन्- -री जैगृ २, ८: २२; कप्र २,४,१७. कामचारिणी- -णीम् शंध ३३४. काम-जात- -तम् श्रा २०, ७, काम-ज(व>)वाd- -वाम् अप १,४९,9; १४,9,9६3. काम-तस्(:) शांगृ १,१,७: कप्र १,६,६; शंध १६१;४४९; विध २८, ४८; ५१, १८; बृदे ६, 44. काम-दर्शन- -नात् मीसू १२,४, 90. काम-दायि (न् >) नी- -०नि श्रशां ५,७. काम-दुघ्e- -दुघः! त्रापश्री ६. १.५; बौश्रौ २.७: २८. काम-दुघ,घाb- - †घः कौष्ट ५, ७, २; आमिगृ ३, ११, २:८; ३: १६; - धम् अप १, ४६,३; ४७,9: - घा भाग २,२: १९+; -घाः त्राधौ ६,१२,४; †त्रापश्रौ १, १४, १२; ५, २६, ५; बौश्रौ 2, 0: 26; 26, 80:99; १६; २४, ११: १५+; ‡माश्री १,११,१; ५,१८,१; वैश्री १, १९: ७ | †हिश्रो १,४,१०; ३,६,५; बौषि १, १५: ७२ ; -घाभिः वौश्रौ १८,४६: १८; - † बाम् आपश्रौ ६,९,४३; हिश्रौ ३,७,६१३; -०वे त्रापश्री १६. १९,५+; बौश्रौ १०, २५ : ५+;

माश्री ६,१, ६, ६; वाश्री २,१ ५,१६+; वैश्री १८, १६:१३+: हिश्रौ ११,६,३५. काम-दुह्- -धुक् कौगृ ३, १२, २६. काम-देव⁸- -०व विध ९८. 90. १काम-देवता-> °त्य, त्या--त्यम् अअ ९, २; -त्या अअ 3.29. २काम-देव(त>)ता^d- -ता या U, 8. काम-द्वेप- -पः या १४.३. †काम-धरणb- -णम् शांश्रौ २, १२, ४; बौश्रौ १०, २०: ६३; १९, २: २३ र; भाश्री ५, ५, २; वाधूश्री ४,११४: २; ३; हिश्री 3,3,28; 22,4,24. काम-नियुक्त- -क्तानि बौथ्रौ २४,१६: ५. काम-पति- -तिः शांश्री ४. 90,74. काम-पत्नीh- -त्नी मागृ २,१३, ξŧ. काम-पाल[‡]- -०ल विध ९८, 99. १काम-प्रb- - प्रेण जैय १,२:१७; -प्रौ वैताश्रौ १२,१. २काम-प्रb- -प्रम् कौस् ६६, ५; -प्राय शांश्री १७,१६,४‡; -प्रेण बौश्रौ २६,१०: २५. काम-प्र(द>)दा- -दाम् माय 2,93,4. काम-प्रवेदन- -नम् पावा रे, ३,१५७; -ने पा ३,३,१५३.

a) पामे. वैप १,9०९० g द्र.। b) वैप १ द्र.। c) वैप २,३खं. द्र.। d) विप.। वस.।
e) विप.। उस. उप. √ दुच् +िकप् प्र.। भष्वाऽभावश्च द्र.। f) सपा. मै १,८,६ कामदुघाः इति पामे.।
e) विष्णुनाम-विशेष। h) विप. (।देवी-विशेष-। पष्टी-)।

काम-प्रस्थ8- पाग ४,२,१३८: पा ६,२,८८. कामप्रस्थीय- पा ४, २, 936. काम-बल- -ले पा ५, २,९८. काम-भोग-परीत- -तस्य चात्र 30: 34. काम-भो(ग>)गाb- -गा आप्तिगृ २,७,६: १२. काम-मन्यु- -न्युभ्याम् श्रापध १. २६, १३; हिंध १,७, २४; -न्यू आपध १,२३, ५; हिध 8, 4, 9 3. काम-मा (त्र>)त्रा--त्राः वाथी ३,४,४,२६. काम-योग⊷ -गः वैगृ ३,१ : ९, काम-रूप-> °पिन्- -पिणे गौध २६,१२; -पी चव्य ४: काम-लिङ्ग^c- -ङ्गेन श्रापध २, ४,१; हिध २,१,५४. काम-लुब्ध- -ब्धः याशि २, £ 2. -काम-वत्- -वान् या १०,४२. कामवती- -त्यः काश्री १६, 9.20. काम-वर्षिन्- -धीं निस् ४, ३: ७; गोगृ ३, २, २४; जैगृ १, 90:0. काम-वादिन्- -दी बौध १, ५, 64. काम-विवेक- -कात् बौशु ७:

काम-शास्त्र -स्त्रम् मीस् १०,

4, 44.

काम-शोचिन्- -चिभिः श्रप १. ३८,२ ई: अशां ८.२. काम-श्रुति- -तिः मीसू २, २, काम-संयोग- -गः लाश्रौ ७, ११,२२; मीसू २,२,२८; -गात् मीसू १०, ५, ८१; -गे काश्री ४, १५, २६; मीसू ३, ६, ४३; ६, २, ७; १०, ५, ६५: - नेन मीस ११,४,१०. काम-सुक्त- -क्तम् अप १०, १, ७; ४६, ७, ४; ५; अपं ४: २४ = ; - क्तेन अप्राय २, ५: अप 20,4,4; 39,9,9. कामसुक्ता(क-त्रा)दि- -दयः श्राप २०,४,9. काम-इत- -तः श्रापश्री २२, ६,८; हिथ्रौ १७,२,५३. कामा(म-त्रा)गान- -नम् निस् 2.8:95 कामा(म-त्र)ज्ञान- -नात् मीसू 80,2,89. कामा (म-श्रा) तु (र>)रा--रा याशि २,६७. कामा(म-श्रा)त्मन्-चेतस्--तसा श्रश्र ६,९. कामात्म-दैव (त>)ता--ते श्रश्र ६,९. कामा(म-श्रा)नन्त्य- -न्त्यात् वैताश्री ४३,४३. कामा(म-श्र)भिधान- -ने पावा 4, 7, 44. कामा (म-त्र) थ- पा,पाग २,२, कामा(म-श्र)वधारण- -णानि

निस ३.३ : ४०. कामि(क>)काd- -काम् अप Go3. 6. 2. कामे(म-ई)प्स⁶- -प्सो: चाश्र १९: २६. कामे(म-इ)य-देवताक'- -कम् श्रश्र ३,२५. कामे(म-इ)प्ट- - हो मीसू १०, 2.82. कामो(म-उ)दक- -कानि पागृ 3,90,84. १काम्य- पावा ५,१,१११. कामन8- -नम् आपश्री ४, १, २: विश्रौ ३,9: ५. कामयत् - -यन्तः या ६, २६. कामयमान, ना- -नः बौश्रौ १४. २५: ११: २०: माश्री ३, ८, १ +b; वाध; -नस्य शांश्री १४, ३१, १; शौच ४, १०२; -ना बौश्रौ १८, ४४: २: १०: या १, १९; ३, ५; -नाः कौस् ९२, ३०; ३१; १९, ५२; या ५,१८××; -नान् या ६,१३: -नानि या १४,१५; -ने या ९, ३९; -नेषु बौश्रौ १४, २६:१. कामयाम् अस्(भुवि), कामयामास वृदे ६.७६. कामियत्वा वैताश्री ३४.२. कामि- पाउभो २,१,१६६. कामि(न्>)नी->°नी-मनो(नस्-थ्र)भिमुखीकरण-काम- -श्रश्र २.३०. कामुक,का- पा ३,२,१५४; पाग ४, १, ९९1; -काः दाधुश्री ४. 80:5.

a)=देश-विशेष-। b) विष.। बस.। c)= सन्त्र-विशेष-। d) विष. (दक्षिणा-)। मत्व**र्षे व्य** प्र.। e) विष.। षस.। f) विष.। षस.> बस.। g)= कामना-। भाष.। h) पामे. वैष १,१९७३ । g.। g.

कामुकी- पा ४,१,४२. कामुकायन- पा ४,१,९९; -नः मीस् ११,१,५७;६२.

२काम्य,म्या"- -म्यः श्रापश्रौ १२, ७,८; माश्रौ ५,१,१,३५; हिश्रौ १७,६, ४५; वैताश्री; -म्यम् श्राश्री ८,१०,१; शांश्री २,५,१; १२, २०,२ ; श्रापश्रो; -म्यस्य बौश्रौ २२,३:८; निस् २,८:६; -**∓या** श्रापश्रौ २०,१६,२; बौश्रौ १५. २४:४; वाध्री; -म्याः आश्री २,१०,१; शांश्री ६,१, २०: श्रापश्रौ ४, १३, २××; बौध्रो; - १० म्याः काश्रो ४,१२, ९; शांश्रो २,१२, ४; -म्यान् बौश्रौ २४, ३८: १; हिश्रौ; -म्यानाम् माश्रौ ५,२, ७, १; द्राश्री: -म्यानि शांश्री ३,११,५; श्रापश्रौ १०, २०, ५; ११, १०, १२; १२, १४, ४; भाश्री; या ११, ३६ † ∮; - ∓याभिः श्चापश्री १९,१८,१; हिश्री २२, २, १; -म्यासु शांश्री १, १६, २१; -म्ये हिश्री ८,२,५; ४, ५××; श्रायः; - † • स्ये द्राश्रौ ९,२,३; लाश्री ३,६,३; -म्येपु गोगृ ४, ५, १; ७; ९; द्रागृ १, २, २३; ४, १, १; अप; -म्यैः आपश्रौ १९, १६, १; हिथी २२,१,१; लाथी ७, १३, ८; कप्र १,६,१२; -म्यो आपश्रौ १२,७,८; वैताश्री ४३,३४. काम्य-त्व- -त्वात् मीसू ५,३, ₹४; ६,9,३9.

काम्य-देवता - ता काश्रौ ४, ५, १.

काम्य-नित्य-समुचय - -यः

मीस् १२, ४,१७.

काम्य-नैमित्तिका(क-आ)दि
-दिषु ग्रुत्र ४,१२७.

काम्य-युक्त - क्तम् मीस् ३,२,१९.

काम्य-वत् भाश्रौ ३,१३,१०.

काम्य-सामान्य - न्ये कप्र २,४,६.

काम्य-होम - -माः कौस् ५,४.

शौच ४,३०. ? काम्यमा $(\neg >)$ ना- -नाः वाध्रूशौ ३,९२ : ४ b .

काम्य(म्य-ग्रा)म्रेडित- -तयोः

†चकमान- -नः त्रप ४८,३; निघ २,६^c; -नाय वीगृ २,१,१४; ग्रन्थ १९,५२.

†कम् ^a ब्राश्री ५, २०, ६××; शांश्री; या १,९\$; १०; ७,२५.

कमक^d- पाग २,४,६९.

कामकायनं->°यनिन् e - -निनः वौश्रौप्र ३३: १.

कमठ¹- पाउ १,१००.

कमण्डलुL,ॡू।¹³ माउभो२,१,१०६; पा ४,१,७१; ७२^b; पाग २,४, ३१; ५,१,१३०^b; -लुः बाधूश्रौ ३, ७६:३५; बाग्ट; -लुना श्रापश्रौ २०, २२, १; काठश्रौ; -लुभिः बौश्रौ २०, २७:२०; २१,१४:२१; -लुम् बौश्रौ १५,१५:७××;कौग्ट; -ॡ्रत् बौश्रौ १५,१५:१३; वाधुश्रौ ३,०६: २४; -ली वाध्रुती ३, ९६: ४; बीघ १, ४,६. कामण्डलव- पा ५, १,१३०. कामण्डलेय¹- (>°लेयी- पा.) पाग ४,१,७३.

कमण्डलु-कपाल- -ले त्राप ४०,६,५ कमण्डलु-ग(त >)ता- -ताभिः वौश्रो २०,४: ७.

कमण्डलु-चर्या- -र्याम् बौध १, ४,१.

कमण्डलु ।-पद - -दे श्रापश्रौ ५,१५, १; भाश्रौ ५, ८, १६; वैश्रौ १, १३ : ३.

कमण्डलु-मृद्यह $(\sqrt[n]{\gamma})$ णी- -ण्यौ वैध २,३,३; ८,१.

कमण्डलः (लु-उ)दक- -केन बौध १,४,१४†.

कमण्डल्व(लु-ग्र)धारण- -णे बौगृ ४,११,१.

कमथ प्रय ४८,११६ मे.

कमन-, कमनीय- $\sqrt{\pi}$ म् द्र. कमन्त्र।,न्द्रक्त -(<> कामन्त-

्रिन्द्रकि- पा.)पाग २,४,६९.

कमर- √कम् द्र. १कमल¹- पाउभो २, ३, ९३; पाग २, १, ५६; ४, १, ४५; ५, २, १३५; -लै: श्रप १,४३,८.

कमला-,कमली- पा ४,१,४५. कमल-गर्भा(भ-त्राभा>)भ--भाः श्रप ५२,३,१.

कमिल (τ) नी- पा ५,२,१३५. २कमल d -पाग ४,३,१०६ m .

कामिलि−(> °लायन− पा.) पाग २,४,६१.

k) अर्थः व्यु. च ?। 1) वैष १, १०९३ दि.। m) तु. पागम.।

कामलिन्- पा ४,३,१०६. कमलकीकर- (>काम॰) कमल-कीट- इ.

क्रमलकीरा,राª'b- (>काम॰ पा.) पाग ४,२,११०.

क्रमल-भिदा⁸- (>कामलभिद-पा.) पाग ४,२,११०.

कमित्र √कम् इ.

कमजा°- -जा कागृउ ४४ : १९. ्र/करप्त पाधा. भ्या. श्रात्म. चलने, कम्पते अप ५०,९,२; ७०१,११. २३: निघ २.१२ ई; कम्पन्ते अप ५७, १-४, २; कम्पन्ति अप €8,0,€. कम्प्येते शैशि १२०. कम्पयन्ति अप ६४, १, ५;

कम्पयेत् अप ६४, १,१०; ६८,

२,६; शंध. कम्प--मपः अप ६४,२,२;३,९;उस्; -म्पम् उस् ८, २२××; शैशि: -म्पाः शैशि २००; कौशि २१; -म्पात् श्रप ६४,१,८; -म्पानाम् श्रप ६२,२,७; ६४, १,६; -मपे श्रप ६४, १,७;२,४; -म्पेपु श्रप ६२, ४, ६; कौशि १८; -मपैः त्राज्यो ११, १; -म्पौ त्रप ६४, 2.42. कम्प-प्रहास- -साः अप ६४, कम्प-विधि -- धिः शैशि १४५; १५२.

कम्प-संधि-स्वरा (र-आ) दि-

-दयः कौशि ५६.

कम्प-स्थान- -ने शैशि २४१. कम्पा(म्प-ग्र)र्थ- -र्थ: शैशि 883 कम्पो(मप-उ) स्विरता(त-ग्र) भिगीत- -तम् नाशि २,३,७. कम्पन - पागं ४, ४, ५९1; -नम् काश्री ९,१३,३५; श्रप ६४, ४, १०; भासू १, २०; -नाः या ६, ४; -ने अप ७१,२,२. काम्पनिक-, काम्पनीक- पा

8, 8,49. कम्पयत्- -यन् सु १४, २; बृदे २, € 10.

कम्पित- -तः नाशि १,४,८; -तम् माशि ५,२; -ताः अप ४७,३, ५; -तात् माशि ५,२.

कम्प्र- पा ३,२,१६७: -म्प्राभ्याम् काथी २२,४,१७. कम्प्र-मिश्र- -श्राभ्याम् लाश्रौ 6.9.90.

किपल - पाग ४,३,८०.

काम्पिल्य b- पा ४, २,८०; - ल्यः फि ६२.

कम्ब- २क- इ.

कम्बल'- पाउ १, १०७; -लः जैश्रोका १९५; श्रापध १,३, ८: हिध १, १,८०; कप्र ३, ८, १९१1; या २,२ई; -लम् अप १, ५०, १; श्रशां १३, ३; दंवि २,२ +: -लाः बौधौ २६,३२: २८; -लानि हिए १,२२,१४‡; -ले अप्रा ३, ४, 9⁺; -लेन अप काम- २क- द. ३३,६,५.

कम्बल-भा हारि - पाग २,४,६३. कम्बल-भोज- -जाः या २, २. कम्बला(ल-ऋ)र्ण- पावा ६, १, 66.

कम्बल्य- पा ५,१,३.

कम्बलिका,का। (>काम्बलिका-यनb- पा.) पाग ४,२,८०.

कम्ब1- पाउभो २,१,८५m.

कम्बु-क(ण्ठ>)ण्ठी- -ण्ठीम् विध 2.23.

कम्ब-शूर्प- -पे भाश्रौ ९, १६, 90.

कम्बू- पाउ १, ९३.

कम्बूक!- -काः श्रशां १५, ५; -कान् गोग ४,९,१४; द्राय ४, ३, ६; कौसू ६३,७+; अप्रा ३, ४,९+; दंवि २,४ .

कम्बूक-पिण्डक- -कः श्रप १, 38,3.

कम्बूका(क-भा)हति- -तिम् अशौ १५,4.

कस्बोज"- पाग ४,१,१७५;२,१३३; १३४;३,९३; -जाः, -जेषु या २, २ई.

काम्बोज- पा ४, २, १३३; ३, ९३: -जाः श्रप १,७,१०. काम्बोज-मुण्ड- पाग २, १,

काम्बोज-वाल्हिक- -काः अप 40, 2,4.

काम्बोजक- पा ४,२,१३४.

कम्र- √कम् इ.

b) कललकींट-, कललकीकटा- इति [पन्ने] पाका. । 'कीकरa) = प्राम-विशेष-। व्यु. ?। इति भाराङा. पासि. । c)=चूडा-। d) पा ३,२,१६७ पावा ६,४,२४ परामृष्टः द्र. । e) भाप., नाप. (कृमिg) ऋर्थः व्यु. च ?। h) = देश-विशेष-?। i) वैप १ इ. । f) तु. पागम. । अर्थः? । विशेष- [या.])। k) व्यप.। l)=शङ्घ-। व्यु.?। $m)<\sqrt{3}$ कम् इति। j) = मृग-विशेष-। त॰ इति पाठः ? यनि, शोधः। n) = जनपद-विशेष-, तद्राज- प्रमृ. । व्यु. ? ।

कयाधु ->कायाधव - -वः भाशि करमभ - पाउभो २, २, २३२; -म्भः 421.

कयाशभीय- प्रमृ. किम्- इ. १कर P- -रै: श्रप ७०३, ११,१३.

करिन-> करि-प'- पाग ६, २,

करि-पथ- पा, पाग ५,३,१००.

२कर- √क इ.

३कर- √कु (विक्षेपे) द्र.

करक,का^d पाउ ५, ३५, पावाग ७, ३,४५; -कम् वैष्ट १,६: २ .

करङ्क- पाउभो २,२,३.

करा,लाञ्ज'- पाउमो २,२,९०;-अम् वैध२,१५,५;-अस्य माशि ४,१ करा,लाञ्ज-पलाण्डु-परारिका- काः ब्रापध १, १७,२६; हिथ १,५, 46.

करआ(ज-आ)म्रा(म-न्य)सवर्ण--र्णाः कौगृ २,६,९.

करट⁸- (> 'टिक- पा.) पाउ . ४, ८१; पाग ४,४,१६ h.

१करण- (> कारणिक- पा.) पाग 8,2,998b.

२करण-,करणि-,°णी- प्रमृ. √कृ इ.

करगड- पाउ १,१२९.

करत्न-, °न्ती- √कृ द्र.

१करभ- पाउ ३,१२२; पाग ५,४, ३ b; -भे पा,पावा ५,२,७९.

करभ-क- पा ५,४,३.

करभ-रासभ- पाग २,२,३१b.

२करभा--माः बौश्रीप्र ३५: १.

करभर- पाउभो २,३,५९.

करम्ब- पाउ ४,८२.

श्राश्रौ १२, ८, ३३; श्रापश्रौ १२, ४, १३ +; काठश्री ११३; वैधौ १५, ५: ३; हिथ्रौ ८, १, ५६; १२,६, ६ ; वैताश्रौ १६, १७; कौसू १३८, २; -म्भम् काश्री ९, १, १५; †श्रापश्री ८, १५,१७; १२, ४, ६; बौध्रौ ५, १२: १८; २०; १३: १३: 98: 26; 94: 3#; 0,92: ४; २५, ३: १४; २०:४; २८,४: ३; वैथी ९, ६: ७;९; १५, ४: ५; हिश्रो ८, १, ५०; अप्रा ३, ४,9 +; -मभस्य वीथी ५, १४ : २; ७; १२; १३; ७, १२: ९; वैश्री १५, २५: २; ∓भात् माश्री २, ४, ६, ६६†; -म्भान् यापश्रौ २०, १०, ५; बौध्रौ २८, ४:४; हिध्रौ १४, ३, ३; बौगृ ३, १०, ४; -मभाय माश्री २, ३,२, २; ७, ८; -मभेण बौधौ ५,७: १३ .

करमभ-चर्मन् -र्माण बौश्रौ १५, 98:8.

करम्भ-पात्र- -त्राणि काश्री ५, ५, १०; श्रापश्री; -त्रेभ्यः भाश्री ८,५, ९; -त्रेषु त्रापश्रौ ८,६, १४; भाधी ८, ७,१०; वैश्री ८, ११: ४; हिश्री ५, २,४३; -त्रैः त्रापश्रौ २२,८,१२.

करम्भपात्र-करण- -णम् काश्रौ. 4,3,7.

करम्भपात्रा(त्र-स्र)र्थ- -र्थान्

श्रापश्रौ ८,५,३७.

†करम्भिन् - स्मिणम् आश्री ५. ४,२; गोगृ ३,३,६.

करवाल- पाउमो २, ३, १०५. करवीर"- पाउभो २,३,५०; पाग ४.

२, ८०; -रस्य माशि ४,२. कारवीरेय- पा ४, २,८०1.

करवीर-करञ्ज- - अयोः नाशि २.

करवीर-करञ्जक- -की याशि १.

करवीर-शङ्खपुष्पो(६५-उ)त्पल-नन्दा-वर्त-चम्पक-मिलका(का-अ)सित-गिरिकर्णिका-कल्हार-तापिच्छ-पुष्प- -ष्पै: वैष्ट ४, १३: १२.

करशिखण्ड¹- -ण्डानाम् वौश्रौप्र २६: २.

करस्- √कृ इ.

करस्कर^m- पाग ६,१,१५३ⁿ; -रान् बौधौ १८,१३: 9°; -राभ्याम् बौगृ २,८,३०°.

करस्कर।(र-श्र)वकाश- -शे बौगृ 2,6,30.

करस्न - -स्नान् शांश्री १८, २४, ३; -स्नौ निघ २, ४ ; या ६, 90ф.

†करस्य् - -स्युः द्राध्ये ११, १, ५; लाओं ४,१,५.

कराल¹- पाउभो २, ३,१००; -लः शैशि १६०; पाशि २७; माशि १५, २; याशि १, २६; नाशि २, ८, १२; -लाय मत्रप ३६, 9,8; ६६, ३,२.

a) वैप २,३ खं. इ. । b) = शुराडा-दराड- । c) = हस्तिप- । d) वप्रा. । व्यू. ? । e) = कमण्डलु-[जल-पात्र-]। f) = बृक्ष-विशेष-, रह्न-लशुन-। व्यु. 2 । 2 लः इति वैध. हिध.। g) श्रर्थः व्यु. च 2 । h) तु. पागम. । i)= ऋषि-विशेष-। ब्यु.! । j) वैप १ द्र. । k)= वृक्ष-विशेष- । ब्यु. ! । कर-वी $^\circ$ इति $\mathbb{E}[\pi$. । l)= देश-विशेष-! । n) तु. पागम. । कारस्कर- इति भाण्डा. । = बृत्त- वा गिरि- वा। o) = जनपद-विशेष-। p)= श्रगारैकदेश-, तद्धिष्ठित- देवता-विशेष-। q) विप. (वाण- ध्वीणा-) । ब्यु. १ । r) वैप ३ द्र. ।

कराली- (>°ली√क पा.) पाग 2,8,89. श्वराष्ट्रीलाः वाध १९,२१. √क द. करिकत्-करिकत"- -तः ऋत्र २,१०,१३६. करिणी b- -णी माशि ९,११; याशि २,१३-१५; -णीम् माशि ९. 97.

करित- √क द, करिन- १कर- इ. करिष्यत्-, करिष्यमाण- √कृ द्र. करीर°- पाउ ४,३०; पाग ४, २, ८६ª; ३,989; 4, २, २४; ६. २, ८७; -राणास् माश्री ५, २, ६, २३; -शाण काश्री ५. 4,9. कारीर- पा ४,३,१४१.

कारीरीº- -री आश्रौ २, १३, १; बौश्रौ १३, ४०: ५; माश्री ५,२,६,२३; -या श्रापश्री १९,२५, १६: बौश्रो १३,३७: १; माश्री ५, २, ६, १; हिश्री २२,६,9.

कारीरी-वत- -तम् श्रामिष्ट १, २, १ : २०1; बौगृ 3,9,24.

करीर-कण- पा ५,२,२४. करीर-प्रस्थ- पा ६.२,८७.

करीर-मूल- -लम् कीस् २९,२०.

करीर-वत्- पा ४,२,८६.

करीर-सक्त- -क्तवः श्राप्तिगृ २,५, १०:३; -क्तन् आपश्री १९, २६,

१, बौधौ १३,३७ : २; ६;३८, ७; माश्रो १, ७, ४, ७; ५, २, ६, ३; ५; हिश्रौ २२, ६, ६; श्रामिगृ २,५,१०: १८. करीरसक्तु-मि(४>)श्रा-·श्राः ग्रप ३०^२,१,१७. करीरी⁸- पा, पाग ४,१,४१.

रकरीप°- पाउ ४,२६; पाग ४, २, ३८; ५,२,१३५; -षाणि वाश्रौ १. ४, २,८; -पे मागृ १,२३, ९; १७; वागृ ७,८; विध २३, ٤٩.

कारीष- वा ४,२,३४, करीषं-कप- पा ३,२,४२. करीषा(ष-त्रा)दि- -दिपु वैश्रौ १,

99: 3. करीषिन्- पा ५,२,१३५; -षिणः न्द्रौस् ८९,१२^७.

†करीषिणी- -णीम् श्रामिगृ २, ६,१: २९; मागृ २,१३,६.

२करीव°->कारीषायण- -णाः बौश्रीप्र १७: १८.

कारीष- -षयः बौश्रीप्र २२: ३: 38: 9.

१करुण°- - ‡णम् बौश्री ३, ३०: ३1; o1: निघ २, १.

२करुण,णां- पाउ ३, ५३; पाग ३, 9,96; 4, 2, 939k; E, 2, १७०; -णम् अप ६८, २, २४; -णा नाशि १,७,१०.

√करणाय पा ३,१,१८. करुणिन्- पा ५,२, १३१. करुण्य1- > °ण्य-तर- -रः भाशि ९२#.

करुत्र- पाउना ४, १८१.

करुम°- - माः श्रप्रा ३,४,१+.

करूकर°- -रम् श्रप्रा ३,४,9‡.

†करूळतिन '- -ती अप ४८, ११५; बदे ४, १३९; निघ ४, ३; या E, 3 . So; 39.

करूशा, वm ।- पाउमो २,३, १६६; (> कारूशी- पा.) पाग ४, 9.908.

करेट- पाउव १,३७.

करेण्य"- पाउ २, १°; -णुम् अप ६८, २, २८; शंध २५४.

करेण-पालP- -लानाम् वैध ४, ४,

कारेणपाल- -०ल बौश्रौप्र २५: ३; वैध ४, ४, ५.

कारेणुपालि- (>कारेणु-पालायन- पा.) पाग २,४,६१ -लयः बौधौप्र १५: १;२.

करेणपाल-वत् बौश्रौप्र १५: ४; वैध ४,४, ५.

करोट- पाउमो २,२, १११.

कर्कप- पाउ ३,४०; पाग ४, २,७७ ; ५, २, १००¹; -र्कः काश्रीसं ३६ : १३8; -र्कम् माश्री ३, ६, 98.

कार्क- पा ४,२,७७.

कार्कीक- पा ५,३,११०.

१कर्क-श- पा ५,२,१००.

कर्कट°- पाउमो २,२, ९७.

b) = स्वरभक्ति-विशेष-। व्यु.?। <math>c) वेप १ द्र.। d) किरीर- इति a) = ऋषि-विशेष-। व्यु. ? पाका.। पागम.)। व्यु. ? । h) पाभे. वैप १,१०९४ 1 द्र. । i) ॰णाम् इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. सप. तै १,६,४,४) । k) ॰णा- इति पाका. । l) तत्रसाधत्रीयः यत् प्र. (पा ४, ४, ५८) । j) = दया । वैप ३, २२२ ० द्र. ।m) तु. पाका. पाउमो. च । n)= हस्तिन्- । ब्यु. $(1 \ o)<\sqrt{\pi}$ । $p)=\pi$ पि-विशेष- । उस. । q) बप्रा. । s) = श्राचार्य-विशेष-। व्यु. १। r) अर्थः १।

कर्कटक- (>कार्कटक्य-, >कार्क-टक-,पा.) पाग ४, १,१०५;२, 999. कर्कटा-(>कर्कटिन्-) कङ्कट- टि. कर्कन्तु-(>कार्कन्तय-) कत्ततु- टि. कर्कन्यु,न्धू - पाउ १, ९३; पाग ४, २,८६;३,१३४;५,२,२४;६,२, ८७: पावाग ६,१,९३. कार्कन्धव- पा ४, ३, १३४; 9 & 8 b. कर्कन्धु-कुण- पा ५,२,२४. कर्कन्धु-पर्ण- -र्णानि कौग् ४, ४, १९; शांग्र ४,१९२. कर्कन्धु-प्रस्थ- पा ६,२,८७. कर्कन्ध्-मत्- पा ४,२,८६. कर्कन्धु L,न्धू]मती- (>कार्क-न्धु [,न्धू] मत- पा.) पाग ४, 2,00. कर्कन्धु-सक्तु- -क्तुभिः श्रापश्रौ १९,२,१०; बौश्रौ १७,३४:१५; माश्रौ ५,२,४,२१;११,१६; बाभी ३, २,७,१८; हिश्री १३, ८, २३; -कत्न् वैश्री ११, 8:3. कर्तर -(>कर्दरी- पा.) पाउमो २, ३,३५; पाग ४,१,४१°. कर्करि"- -रि: कौस् ४६, ५४ =. ककीर-क- -कः शांश्रो १२, १८,

94.

करीक,का'- पाउना ४,२०; -काः

बीश्री १६,२०:६; २६, १७:

१३; -काभिः बौश्रौ १६,२१:

५:१४; २६,१७: ११. कर्करेट- पाउन १, ३७. १कके-श- कर्क- इ. २कर्कश^ड- पाग ४, २,७७^h; -शः बौश्रौ २, ५: १४1; -शानाम् माशि १६,१२; याशि २,१०६. कार्कश- पा ४, २, ७७. कर्कारु- पाउमो २, १, १००. १कर्की - पा ५,३,११६; ६,२,८७. कर्की-प्रस्थ- पा ६,२,८७. कर्कीय- पा ५,३,११६. २क(किं>)कीं a - -कींम् कौस् ६६, 93 = कर्की-प्रवा(z>)दा k - -दानाम् कौस् 28,99. कर्कोट- पाउमो २,२,११२. √कर्ज् पाधा. भ्वा. पर. व्यथने. √कर्ण पाधा. चु. पर. भेदने. १कर्णं भी- पाउ ३, १०; पाग ५, २, २४; ९७; -र्णः मागृ १, ३,४; कोस्५८, १ ; या १, ९; शुप्रा २, ३१ = पा ६, २, ११२; - र्णम् ब्रापश्रौ १९, १७,१; २०, १८, १३; २२, १६, ७; बौश्रौ १४, १३ : ३५; १५, ७ : १२; १६, २६ : १३; हिश्रौ १४, ३,२९‡; २२, १, १३; कौगृ १, २०, ६; भाग -१, ८: ८; १७: ११: २४: २: कीसू १०, ८; ५८, १; या ९, १८ +; - णयोः काश्रौ २५, ७, २७; श्रापश्रौ; -र्णस्य ऋत ५,१,१:-गर्ग या १०,४१+; -णिभ्याम् आश्री ५, ६, १२; त्रापमं १,१७,१‡™; त्राय ३,६,

८‡; पाय २,६,१९;३,१५,२३: बौग २, ५, ४१ ‡; मागृ १, ९, २५+; वागृ १२, २+; या ७, ३+; -र्णे आश्री ३, १४, १९: शांश्री ४, १४, २३; काश्री १३. ४,१८; श्रावश्री; पा ६,३,११५: -गॅभिः आश्रौ ५,१९,५;८,१४, १८; श्रापश्री १४,१६,१; बौश्री १९,१०: ६; हिश्रौ १५, ५,१; कौगृ ३, ५, ३; शांगृ ३, ८, ६: ५,५,११; काय ७२,३; माय १. १, १९; वैय १,६ : १२; श्रप्राय ६,१2; श्त्र ३,५२; -णीं काश्री ६,६,३; श्रापश्रो ६,२०,२३+; माश्री २, २,३,२०; वैश्री १३. १७: ३; शांग्र ५,५,११; श्रावगृ ११,१३; वाग २,४;३,१०; वैगृ १, ३: ११; गोगृ १,२,८; कौसू ४४, २२; श्रप ९, १,४; वाध २, १० ‡; शंध ५७; ४५६; त्रापध २,१९,१; विध ३०,४७ +; ९६, ९२; हिंध २, ५, ७३; वृदे ८, ११८; अर्थ १६, २+; या २, 8+; 80,893.

२क्रणं, जा "- - जाः श्रापश्रौ ९, १४, १४; भाश्रौ ९, १६, १७; हिश्रौ १५, ४, २१? ‡°; - जा श्रश्र ५, १३ ‡ P; - जाः श्रापश्रौ १८,११, १५; २५, ४, २४; बौश्रौ १२, ६: ८; हिश्रौ १३,४,२३; १७, २, २८; - जान् आपश्रौ १८, ११,५३; बौश्रौ १२,६:३;७; हिश्रौ १३,४,२२.

१कर्ण-क°- -की शांश्री १२, २२,

a) वैप १ द्र. । b) पृ ८२६ p द्र. । c) तु. पाका. । d) श्रर्थः व्यु. च ? e) फर्करंक – इति [पक्षे] भाएडा. । f) = बाय-विशेष-। ब्यु. १ । g) वैप ३, २२३ b द्र. । h) श्रर्थः ? । i) भाप. = कर्कशता- । j) = श्रायुधजीवि-संघ- । व्यु. १। k) विप. (ऋच्-)। बस. । l) = श्रोत्रेन्द्रिय-, तद्वत्-, कोग्य-, पार्श्व- । m) पामे. वैप १, १०९६ b द्र. । n) २,३ कर्ण- । विप. (ऋच्-)। बस. । l) अक॰ इति पाठः ? यनि. शोधः । p) पामे. वैप १, १०९६ h द्र. ।

3十. २कर्ण-कª- पाग ५,२,३६. कर्णका(क-ग्र)भावb- -वे काश्री 26.8.0. ‡कर्णका-च (त् >)तीª- -ती तैत्रा ३, ५; -तीम् वाध्यी ४. 30:93. कर्णकित°- पा ५,२,३६. कर्ण-कोष्ट- (> कार्णकोष्ट- पा.) कोध्ट-कर्ण- टि. द्र. कर्ण-गृहीत, ताa- -तम् माश्री २. १,४,३३; -ताम् हिश्रौ ७, २, २३: -तेन श्रापथ्रौ १०, २९. ४; बौधौ २१,१२: २८; भाधौ १०, २०, ४: वैश्रो १२, २०: १३: हिथ्रौ ७,३,२१. कर्ण-ग्राह^d- (>कार्णग्राहिक- पा.) पाग ४,१,१४६. कर्ण-घोष-वत्- -वति काध २७६: 93. कर्ण-च्छिद्र- -द्रे वाश्रौ २,१,७,५. कर्णछिद्र-प्रतीकाश- -शाः ऋप 42,0,4. कर्ण-छेर्- -दम् अप ६८,२,१०. कर्ण-जाह- पा ५,२,२४. कर्ण-दश्च - श्रम् श्रावश्रौ ५, १४, ८; माश्री १,५, ४, १३; वाश्री १,४,३, १४; हिश्री ३,४, १८; -न्ने वाधौ १,४,३,१३. कर्ण-धार°- -रः या १४,३३. कर्ण-ध्यनन- -ने श्रापृ ३,६,७.

कण-नासा-विकर्तन- -ने विध ५. €6. कर्ण-पत्रक- -की विध ९६,९२. कर्ण-पवित्र- -त्रे गौषि २,६,१२. कर्ण-प्रावृत- -ताः वैश्री १६, १८: 90. कर्ण-मूल- > 'लीय- -यः शैशि कर्ण-युग्म- -ग्मे शंध ४५७: १३. कर्ण-ल- पा ५,२,९७. कर्ण-ललाट-रासिका- -काः माशि 82.4. कर्ण-लोमन् - -मानि त्राग्निय ३, ५,८:५; बौषि १,७:७. कर्ण-वत्- -वन्तः या १.९+. कर्ण-विप्'- -विट् विध २२,८१. कर्ण वेधन - नम् कौगृ १,२०,१. कर्ण-वेष्टक - पाग ५, १, ४: -की पागृ २,६,२६. कर्णवेष्टकीय-, °क्य- पा ५, 9,8. कर्ण-श्रवस्- >कार्णश्रवस1- सम् लाश्री ७,३,३. कार्णश्रवसा (स-ग्रा) जिग-स-रूप- -पाणाम् लाश्री ६,१०,४. कर्ण-श्राविन्- -विणि गौध १६,६. कर्ण-श्रुत्व--श्रुत् ऋग्र २, ९, ९७; सात्र १,५३८. कर्ण-संश्रित- -तः बदे ८,११३. कर्ण-संमित- -तः बौश्रौ १९,१: £; v.

कर्ण-सहि(त>)ता - -ताः काश्री ₹9. €.3. कर्ण-स्थ-ब्रह्मसूत्र*- -त्रः श्रामिगृ 2.4.6:8. कर्णा (र्ग-त्रा)तर्दै!- -र्दम् आपश्री ११,७,३;४; हिश्री ७, ५,१६३. १कार्णिका- पा छ, ३,६५™; -का अप १८,१, १६ª. कर्णिका-मध्य- -ध्ये त्राप्तिगृ २. 8.90: 4. कर्णिन्-- र्णिभिः वौध १,१०,१०, कर्णिनी- -नी बौश्रौ १८, ४६: १४; -न्यः लाश्रौ ८, ६, २३; -न्यो काश्रो २२,४,२३. कर्णे-चुस्,र°]चरा- पाग २,१,४८. कर्णे-जप- पा ३,२,१३. कर्णे-टिरिटिराP- पाग २,१,४८. ३कर्ण- पाग ४, १,११२०;२, ८०व; -र्णः अप ५२.९.४°. कार्ण- पा ४,१,११२. कार्णायनि8- पा ४,२,८०. ३कर्ण-क^t- पाग २, ४, ६९. ?कर्णाजायेन वाधुश्री ४,१०८: २. कर्णाटा,ढ]क"- पाग २,४,६३. ?२काणिका - -कानाम हिश्रो २१. 3.46. कार्णिकार -> °र-वन- -नानि श्रप €८,9,9€. ?कर्णिन " कौशि **४५**. कर्ण्य-(>कार्णव-पा.) पाग ४,२. 933.

a) वैप१ द्र. । b) पूप. = दाहरफोटरोग-। c) = अङ्कुरित- इति Mw. । d) व्यप. । व्यु. ! । e) = नाविक- । उस. पूप. = अरित- । f) = कर्ण-मल- । g) = संस्कार-विशेष- । h) = कुगडल- । पस. । i) = साम-विशेष- । j) विप. (इष्टका-) । k) विप. । उस. > वस. । l) = ईषासंधानकील- । m) = अलंकार-विशेष- । n) = ओषधि-विशेष- ! । n0) तु. पाका. । n1) ॰ जै-टिहिम- इति पाका., ॰ जै-टिरिटिस- इति पागम. । n2) अर्थ: व्यु. च ! । n3) = सूर्य-प्रह- । n4) = देश-विशेष- ! । n5) स्वार्थिकः कः प्र. । n6) = वनस्पित-प्रशेष- । व्यु. ! । n7) = वनस्पित-प्रशेष- । व्यु. ! । n8) = वयप. । पाटः ! कुण्डन- n8 - नः इति शोध= (तु. तै. काण्डानुक्रमणिका २७) । n7) तु. पागम. ।

शक्षण्याः वाश्री ३,२,१,२. √कर्त् पाधा. चु. उभ. शैथिल्ये. १कर्त- √कृत् (छेदने) द्र. २कर्त- √कृत् (वेष्टने) द. कर्तरि,री- 🗸 कृत् (छेदने) द्र. कर्तवै, कर्तब्य- 🗸 कृ द्र. कर्त- पाउभो २,१,६४. कर्तम् 🗸 ह इ. १कर्तृ - (>कार्य- पा.) पाग ४, 9,949. २कर्त्र-, कर्तोस् (ः) √कृ इ. √कर्त्र √कत्र टि. इ. कर्त्र- √कृद. √कर्द पाधा. भ्वा. पर. कुत्सिते शब्दे. १करी, हीम b- पाउ ४, ८४; पाग ४, २, ४०३६; ६, २, ३६; १२७; १३५; फि ५९; -मम् काश्रौ रेष, ८, २; श्रप ७१, १३, ५; -मेन गौषि १,६,२. कार्दम-, कार्दमिक- पावा ४, ₹, ₹. २कर्दम- पा ५,२,१२७. कर्म-क- पा ४,२,८०d. कर्दम-कूप- -पेषु श्रप ६८, ५, २. कर्दम-भित्त्यन्तकोण-वेध- -धैः कप्र ३,१०,१६. कर्दमित- पा ५,२,३६. कर्दमि(न्>)नी- पा ५,२,१३५. कर्दमिल- पा ४,२,८०0. कर्पट- पाउन् ४, ८१; पाग २, ४, ३१. कर्पर- पाउभो २,३,३९.

कर्पास - पाउ ५, ४५; पाग २, ४, कर्पासी- पाग ४,३,१३६. १कार्पास- पा ४, ३, १३६: -सम् आश्रौ ९,४, १७; लाश्रौ ९,२,१४; निस् १,११: ८; गोगृ २,१०,११; शंध २३५; -विध ७१,१५; गौध १,२०. कार्पास-कीटजो (ज-क) र्णा (र्णा-श्र) पहरण--णे विध **५२,**१९¹. कार्पास-शणा(ण-त्रा) विक- -कानि विध २७, १९. २कार्पास⁸- -सः त्राप्तिगृ २,४, 9: 3. कार्पासा(स-ग्र)स्थि- -स्थि विध ६३, २५. कार्पासो (स-उ) तथ- -तथम् विध ७९,३. कार्पासिक- -कानि बौध १,६, 90. कर्पास-तन्तु->कार्पासतान्तवb--वम् विध ४४,२८. कर्पूर- पाउ ४,९०; पाग ४,१,१२३; 2,60°. कार्प्रेय- पा ४,१,१२३. कर्प्रिन् '- (> कार्प्रिण- पा.) पाग ४, २,७७. कर्पुरिल- पा ४, २, ८०व. √कर्ब पाधा. भ्वा. पर. गतौ. कर्वट'- पाग २,४,३१°. कर्वदार- पाउमो २,३, ४५. कर्बर- पाउन १,४१; -रम् अप ४८,

·4+. कर्म- 🗸 ह द. ?कर्मग्रामोऽवरुन्धेत¹ वाश्री ३,२,५, कर्मन् - 🗸 कृ द्र. कर्मन्द-> वन्दन्- पा ४,३, १११ कमार- √कृ द्र. √कर्व पाधा. भवा. पर. दर्थे. कर्च-,कर्चर- √कृ द्र. कर्विणी - -णी माशि ९, ११: -णीम् माशि ९,१२; †कर्राफ¹- -फस्य कौसू ४३, १; श्रश्र 3,9. कर्शित्वा √कृश् द्र. कर्ष-, कर्षक- √कृष् इ. कर्षट- पाउभो २,२,५७. क्ष्पण-,कर्षत्-,कर्षमाण-,कर्षयित्व। √कृष् द्र. कर्षाa - र्षासु अप ६८,२,४६. कर्पापण"- पाग ५,४,३८". १कार्पापण- पा ५, १,२९;४, ३८; पाग २, ४, ३१; -णः शंध ३२२; विध ४,१३; -णम् विध ५. ५४: -णाः शंध ३१२ ३२४; विध ५, ३८; वाध १९, २१; -णात् पावा ५, १, २५; -णान् विध ५, ५२; ५३; ६०; कार्षापण-द्य- -यम् त्रिध ५, कार्षापण-पञ्चविंशति- -तिम् विध ५,९१. कार्षापण-शत- -तम् विध ५,

a) त्रर्थः व्यु. च ? । b) वैप १,३ इ. । ° ई ° इति कप्त. । c) त्रर्थः ? । d) = देश-विशेष- ? । e) नाप. । व्यु. ? $< \sqrt{g}$ श्रियंः ? । हित प्रायोवादः । कार्पास— इति पाउना. । f) ° णांद्यप इति जीसं. । g) = कर्पास- । स्वार्थे अण् प्र. । h) विप. । तस्येदमीयः अण् प्र. उभयपददृद्धिश्च । i) तु.पागम. । j) पाठः ? सप्त. श्रापश्चै २१, २०,३ क्षेमे व्युक्षे प्रामेण इति पामे. । k) = स्वरभक्ति-विशेष- । व्यु. ? । सप्त. याशि २,९३ कुर्विणी इति पामे. । l) वैप १ इ. । m) = बोडशपल-प्रमाण- । व्यु. ? । n) का इति पाका. ।

२८; ३३; ४४; ५०;५७. कार्षापण-शतद्वय- -यम् विध ५,२६. कार्पापण-सद्ध- -साभ्याम् पा ५,१,२९. कार्पापणिक- पावा ५,१,२९.

किषिन्-, कर्ष्- प्रमृ. √कृष् द्र. √कर्ल्° (बधा.), पाधा. भ्वा. श्रात्म. शब्दसंख्यानयोः, चुरा. पर. क्षेपे, उभ. गतौ संख्याने च, कालयित निघ २,१४‡.

कल^b−>कल-हंस−प(द्>)दी^c− पाग ५,४,१३९. कल्रित− पाग २,१,५९.

कलकीट^d- (> कालकीट- पा.) पाग ४,२,११०.

कलकूट°- > कालकूटि- पा ४,१,

कलङ्क!- पाउभो २,२, ३०; पाग ५, २,३६.

कलङ्कित- पा ५,२,३६.

कलञ्ज-करञ्ज- इ.

कलत्र⁶— पाउ ३, १०६.

कलन^d− (> कालनक^b− पा.) पाग ४,२,८०.

कलन्दन- भलन्दन- टि. इ. कलप- पाउनाव ३,१४२.

कलभ- पाउ ३, १२२; पावाग ८, २,१८¹.

कलम- पाउ ४,८४.

कलम्ब- पाउना ४,८८.

कलल¹- पाउमो २,३,९६; -लम् या १४,६.

कललकीकटा-, कललकीट-कमलकीट- टि. द्र.

कल-च $(\pi >)$ ती k - -ती कप्र ३, ९, १०.

कलिवङ्क¹- पाउमो २, २,३२; -ङ्कः वृदे ६, १५१; -ङ्कान् श्रापश्रौ २०,१४,५‡.

कलविङ्क-प्लय-चक्रवाक-हंस-रज्जु-दाल-सारस-दाव्यूह-ग्रुक-सारिका-बलाका-बक-कोकिल-खक्षरीटा-(ट-ग्र्य)शन- -ने विध ५१, २९,

कलविङ्क-छ्(१,८^m)व-चक्रवाक-हंस-चाष-भास-कौञ्च-कूरकाक-कङ्क-गृध्र-इथेन-वलीक-मल्गु-टिट्टिभ-खञ्जरीटो(ट-उ)ॡक-रक्तपादा (द-प्रा)दि-मांस—भक्षण--णे सुध ३५

कल्ठरा¹— पाउमो २, ३, १४२; — तः आश्रौ ५, ५, १९‡; काश्रौ; या ११,१२ई; — तम् काश्रौ ८,९, १८; श्रापश्रौ; माग्र २, ११, १२‡"; गोग्र २, १, १२°; — ताः तांश्रौ ७,१५,८‡; माश्रौ २, ३, ७, ६‡; — त्तात् श्रापश्रौ १४,२७,३; बौश्रौ; — तान् तांश्रौ १७,४,८; १७,९; माश्रौ; या ११,१२‡; — तानाम् श्रुप २१,
 २,१; — 新 शांश्री १३, १२, १;

 तैश्रीका; — शेषु आश्री २, १२,

 ४‡; ५, १२, १५‡; शांश्री;

 — शै: वैश्री २१, ४:६; आए

 २,८,१६‡"; कौए ३, २,६‡";

 शांग्र ३,२,९‡"; वौंग्र ४, १०:

 १८; हिए १, २७,४‡"; अप

 ५, २; वौंघ १, ५, १२६;

 — शौ आपश्री १२, २९, ९××;

 वैश्री.

कलकी"- -†बी: आपमं २, १५,४; आग्निए २,४,१:१६; भाग्र २,३:९.

कलशी-कण्ठ^p- पाग २, ४, ६९¹.

कलशी-प(द्>)दी-पाग **५**,४,१३९.

कालशिक⁰— -काः वैध १, ८,१.

कलश-भेदन- -ने काश्री २५, १२, २३.

कलश-व(त्>)ती- -तीः शांश्री **७,** १५,८.

कलशि¹- (>कालशेय-)पा ४, ३, ५६.

कलह⁸- पाउमो २, ३,१८५^६; पा ६, २,१५३; पाग २, ४,३१; -हः माग्र २,१४,२९⁴; -हम् हिश्रौ ६, ७,८; हिग्र १, २९, २; श्रप ६८,१,१८; -हान् जैग्र १,१९३

b) विप.। धा. कान्तौ वृत्तिः। c) कस.>बस.। a) या २,२५ परामृष्टः इ. । f) = चिह्न-, श्रपवाद- प्रमृ.। ब्यु. १। g) नाप.। वैप ३ इ.। व्यु. च ?। e) = योद्ध-वंश-। व्यु. ?। j) नाप.। व्यु. ? i k) = बदरी-शाखा- । $h) = \hat{q}$ रा-विशेष-? । i) तु. पागम. । = करभ-। n) पामे. वैप m) पाठः? यनि. शोधः (तु. विध.)। l) वैप १ द.। p) व्यप.। बस.। q) = वानप्रस्य: o) °सम् वावि. यनि. शोधः। १, १०९७ दि.। s) = युद्ध-। व्यु. ? कळ- + ह- (<√इन्) इति श्रभा. इ विशेष-। r) कलश- I t) <√कल्।

93.4.

२९: -हे अप ७०२, १६,३; स 4.8. कलह-कर्मन् - -र्मणि अप २६,४,६. कलह-कार- पा ३,२,२३. करुह-प्रिय°- -याः श्रप ६८,१,९. √क्छहाय पा ३,१,१७. कलहिन्- -हि कौसू ९७,१; -हिनः आगृ २, ७, ११; -हिनि कौसू

कला b- पाग ४, २, ८०°; फि ५७; -लया आपश्री १०, २५, ४; काश्री; -ला शांश्री १६, २२, १८: बौश्री; -लाः शांश्री १६, २२.१६; वाध्रशी; या ६,६;११, १२: -लानाम वेज्यो ३८?d; -छाम् अप ८,१, ४××; वाध; -ले निसू ५,१२: ५. कालायन^e- पा ४,२,८०.

कला-त्रिंशत्- -शत् श्राज्यो १,४. कला-भर'- -रः गौध ६,१६.

क(ल्य>)ल्या⁸- -ल्या त्राप्तिगृ २, £.4: 28.

कलाप - पाः बौश्रीप्र ३१:८1; -पान् श्चापश्रौ ८,१,१५; हिश्रौ ५, १, ९1; -पेन अप ५८²,२,८k.

कराप-मा(त>)त्रा- -त्राम् अप ३६,90,9.

कलापिन्- पा ४, ३, ४८; १०४; पाग ४, १,११२1; पावा ६, ४, १४४: -पि श्रापश्रौ २२, ३, ८™: काश्रीसं २८: २: - पिनः

काश्री २२, ३, १८; पां ४, ३,१०८; - पिनम् शंध ११६: ६०n; -पी आश्रो ९, ७, १८; काश्री २२, ३,४८; लाश्री ८, ३,

कालाप- पा ४, ३, १०८; पावा ६,४,१४४. कलापक-पा ४,३,४८. कलापि-खाडायन-ग्रहण- -णम् पावा ४,३,१०४. कलापि-वैशंपायना(न-म्र)न्तेवा-

सिन्--सिभ्यः पा ४,३,१०४. कलाय- पाउमो २,३,८.

१कलि° पाउ ४,११८°; -लिः शांश्रौ १५, १९,१; वाध्यो ४, ५९२: ६; अप ६७, १, ४; या ११, १२क; -लिम् काश्री १५,७, १९; श्रापमं २, १३, ७°; श्रप ७०^३, ३२,४; ५; −लेः वाध्श्रौ ४, ५९^२ : ४; कप्र २, १०, १०: -ली जैथीका १.

√किल पा ३,१,२१. कलि-युग- -गम् विध २०,६. किल-व्यपे(त>)ता- -तासु विध 99, 22.

किछ-स्तोम- -माः निस् १, ९: ७; 93-98.

कलि-स्थान- -नम् निस् १,६ : ६. २कलिव- -लयः बौधौप्र ४४ : २१: कलित- √कल् इ. -िल: ऋत्र २, ८,६६; सात्र १,

९७: -ले: पा ४,२,८; पावा ४ 2.0.

१कालेय^म- पा ४, २,८; पावा ४. २,७; -यम् शांश्रौ ७, २४,१: १५,७,५; बौश्रौ १८, १५: ९: जैश्रौका १८१; लाश्रौ ९,५,१८: १०,७,९; चुस् १,२:१०xx; -यस्य लाश्रो ७, ८, २; ९, ५, १६; निस् ५ ४: १४; -यात् क्षस् १, ४: १०; २९;६: १९; ८: १०; निस् ४, १०: ११; -येन जैथ्रो १७: २५. कालेय-रैवत- '-ते आश्री ९. 99.8.

कालेय (य-ऋ)र्च् - यर्चः द्राश्रौ ९,२,१७; लाधी ३,६,१८. कालेय-स्थान- -ने द्राश्री ८, ३,१६; लाश्री ४,७,३.

२कालेय - -याः वौश्रौप्र ४४: १. कलिका- पाउभो २,२,१५.

कलिङ्ग'- पाउभो २, २, ६३; -ङ्गान् बौश्रौ १८,१३: २; बौध १,१, ३०; ३१; - ङ्गानाम् अप १, ६, २: -क्रेप्र बौध्रो २, ५: २० +; जैगृ २,९ : १८; श्राप ५१, १,३. कालिज्ञ- पा ४, १,१,७०.

कलिङ्ग-पुर-पृथिवी-मण्डल-मध्य- -ध्ये अप ५६,१,२.

कलित-हरण- पाग २,२,३७1. २३९;२७२;२,९५९; श्रश्र २०, कलिन्द्र^t- पाउभो २,२,१६८.

c) अर्थः ? । d) कु° इति पाठः ? यनि. शोधः । e) a) विप.। बस. । b) वैप १ द.। f)=कलाकार-। उस.। g) विष.। तत्रसाधवीयः **यत्** प्र.। h) वप्रा.। =देश-विशेष-?। j) = निधन- इति भाष्यम्। i) = ऋषि-विशेष-। व्यू. १। <कला- +√आप् इति श्रमा. MW.। n) सप्र. श्रपु २१९,२३ कापालिम् l) तु. पागम. । m) = धान्यतृण-मुष्टि- । $k) = a \epsilon - 1$ p) <:√कल् इति पामे.। 0) = युग-विशेष-, कलह-, यूत-साधन-, छन्दस्-, स्तोम-। वैप १ द्र.। ऽ) =जनपद-विशेष-, तद्वासिन्-। [भाषगे] इति । ब्यु. ?। t) = पर्वत-त्रिशेष- १ व्यु. ?।

कालिन्दी^a— -न्दी याशि १,३३. कालिन्द^b— -न्दः द्राश्रौ १,२, १५; लाश्रौ १,२,९.

कलिल- पाउ १,५४. कलिच-(>कालिब्य-) कविल- टि.

कलील- पावाग ८,२,१८°.

कलुं।,ल् वातर॰-(>कालुं।,ल्। तर-पा.) पाग ४,२,१३३.

कलुष, पा'- पाउमो २, ३, १६४; -पा: अप ६४,४,५; -पामि: बौध १,५,१४; -पौ अप ६४, ३,८.

क्लुप-सल्लिल(ल-ग्र) वर्षासु
—मग्न^ह-- -ग्नः ग्रप ६८,४,१.
क्लुपा(प-ग्रा)कृति-रिम^h--रमयः
ग्रप ५२,३,४.

कलेवर¹- पाउमो २, ३, ७५; -रम् इंध १५९: ९.

कल्क¹ – पाउ ३, ४०^k; पा ३, १, ११७; पाग २, ४, ३१; – ल्कः वाध ६,४०.

कल्प-, कल्पत्- प्रमृ. √क्लृप् इ.

कल्मट- पाउना ४,८६.

कल्मन् 1- पावाग ८, २,१८°.

कल्मिलि^m- - लि: श्रप्रा ३,२,२८. कल्मलीक^m- पाउभी २,२, २०.

†कल्मलीकिन् - किनम् अप ४८, २०: निघ १, १७.

कस्मय^m- पाउभो २,३,१५२ⁿ; -षम् श्रप ८, १, ७; श्रापथ १,२४, २६;२८,१८; २९, १; हिध १, ६, ७४; ७, ५३; ५७; -षस्य विध **५२,**१४; -षानि श्रप ५३, १,४.

रक्तस्माप[™]— पाउमो २, ३, १५३; पाग ४, १, ४१; —पः श्रापश्रौ २०, २२, १३‡; बाश्रौ ३, २, ६,३४; हिश्रौ १४,५, ९; —पम् श्रापश्रौ ५, ०, १०; बौश्रौ २, १५: २०; १०,५०: १०; १५, ३०: ८; माश्रौ ५,४,१; माश्रौ १, ५, १, ३३; बाश्रौ १, ४, १, १४; बैश्रौ १, ६: १६; हिश्रौ ३,२,६३; ९, ८, ३१; श्राग्र ४, ८,५; कौसू १०, १२; कप्र १, २,२; —पे कौसू २७,१५.

कल्माषी- पा ४, १, ४१; -षी काश्री १६,२,५; लाश्री ८,२,६; भाशि ९६+; -षीः बौश्री १८, ११:८; -षीम् आपश्री१६,१,७; माश्री ६,१,१,८; वाश्री २,१,१,४; वैश्री १३,१,१,१,१,१,९,१,१३; -†व्यः आपश्री २१,२०,३; हिश्री १६,६,४१.

कल्माप-दण्डि°- - जिंडः बौश्रौप्र ४९: २.

२कल्माष°- -षाः वौश्रौप्र १७: ८. कल्य- पाउमो २,३,१.

कल्याण,णा[™]— पाउभो २, २, १२८; पाग ४,१,४५,५,१,१३३;८,१, ६७; —णम् शांश्रौ १०,१९, २; श्रापश्रौ; या २,३;९,२; —णा पा ध, १, ४५; - जे बौझौ १८, ४४: १; ब्राग्ट १, ४, १; या ११, १९; पाना ५, २, १००; - जेषु ब्राग्ट १,८,६; - जै: ब्राग्ट १,२३,२२.

कल्याणी— पा ४,१, ४५; पाग ४, १, १२६; ६, ३, ३४; — ०णि वृदे ८, २६; — णी आश्री ८,१३,१३; शांश्री; — णी: श्रापश्री १०,२०,४ ‡; १७,२३,६; हिश्री १२,७,४; कौसू २०,९; या ७,६; — णीभा: गौपि १,४,२; कैगृ २,५ : १०; — णीम् शांश्री १०,१४,२; द्राश्री; या २,११; १४,११; — मण्याम् या ७,२२; ११,१९; २२,३९; — ण्यो श्राश्री ५,१३,१२; शांश्री.

काल्याणक- पा ५,१,१३३. काल्याणिनेय- पा ४,१, १२६.

कल्याण-कर्मन्^p - -र्माणः या ११, १४.

कल्याण-कृत्- -कृत् कप्र १,७,११. कल्याण-ग(व>)वी- -वी भाश्री १०,१७,१२.

कल्याण-चक^p - के या १०,३. कल्याण-चित्त^p - ने विध ९९,३०. कल्याण-जिह्न^p - ०ह्न या ८,६. कल्याण-दान^p - नः या २,२४; ५, २५; ६, १४; -०नाः या ६, २३.

a)= नदी-विशेष-। ततः प्रभवतीत्यर्थे अणि प्र. (पा ४,३,८३) स्त्री. डीप्-। b) विष.। तस्येदमीयः अण् प्र.। c) तु. पागम.। d) = तु. BPG.। e) = देश-विशेष-?। च्यु. ?। तु. भाण्डा.। कुछ्त- इति पाका. c f) = मिलिन-। च्यु. ?। g) कस. > दस. > सस.। पाठः ?। b) विष.। वस. > वस.। c0) = शरीर । द्यु. ? c1) नाप.। च्यु. ?। c2) किछ् इति। c3) विष.। च्यु. ?। c4) विष.। c5 किछ् c6 विष.। c7 किछ् c8 विष.। c8 विष.। c9) विष.। वस.।

कल्याण-देव- -वः या १४,२७. कल्याण-नामधेय- -यम् अप १, 39,0. १कल्याण-नामन्- -म या ९,२. २कल्याण-नामन् कौस् 196,6. कल्याण-नासि(का>)क8- -कम् वाघ २, ३५. कल्याण-पाणि - - णिः या २,२६. कल्याण-प्रजा- -जाः जैगृ १,२२:३. कल्याण-प्र(ज्ञा>)ज्ञ - -ज्ञः या १४,२७; -ज्ञाः या ११,१४. कल्याण-भ(द>)द्रा8- -द्राम् या 28,38. कल्याण-मङ्गल⁸- -लः या ९,४. कल्याण-वर्ण- -र्णस्य या २,३. कल्याणवर्ण-रूप⁸- -पः या २,३. कल्याण-वासस् - -साः या १,१९. कल्याण-वि(या>)य8- - यः या €,98. कल्याण-वीर8- -रः या ९, १२; -राः या १,७. कल्याण-शी(ल>)ला³- -लाः जैगृ १,२२: ३. कल्याण-सार्थि - -थिः या ९,१६. कल्याण-इस्तª- -स्तः या ११,४३. कल्याणा(ग्र-श्र)भिच्याहार⁸- -रः शांश्री १७,१,१८. कह्याणो (ग्-ऊ)र्मि°- -र्मिः या ५, √कल्ल् पाधा. भ्वा. श्रातम. श्रव्यक्ते-शब्दे. कल्लोल - पाउभो २, ३, ११५; पाग 4, 7, 3 4; 9 3 4.

कल्लोलित- पा. ५,२,३६.

कल्लोलि(न्>)नी- पा ५,२,१३५. कल्हार- पाउभो २,३,४५. कव- किम् इ. कवक- पाउभो २,२,७. ?कवकेशावकाशि(न्>)नी°- -नी कागृ ३५,१. कवच d- पाडमो २,२, ७५; पाग २, ४,३१; -चः त्रापश्रौ २२,१२, ७; -चम् काश्री १३, ३, १३; ब्रापश्री १८,१०, ३०; २०,१६, ४; हिश्रौ १४,३,२७; श्राय ३, १२,३; श्रामिगृ २, ५,१ : ५०; श्रप ३६,१,४; या ५,२५²ई; -चस्य बृदे ५,१३४. कवच-वरूथ- -थम् वाधूश्री ३, ७६: १६. कवच-स्तुति- -तिः वृदे ५,१३२. कवचिन्- -चिनः शांश्री १६, १, १६; श्रापश्रौ २०,५, १०; २१, १८,६:१९,१३; वाश्री ३,२,५, ४६;४,१,३१; हिश्री१४,१,४६; १६,६, ३४: काग ५७, ५; या १०,३०; -ची अश्र ११,१० . कावचिक- पा ४,२,४१. कवचि-निषङ्गि-कलापि-दण्डिन्--ण्डिनः कांश्री २०,२,११. क-चत्- १क- इ. कवन°- -नम् या १०,४∮. कवन्तक!- पाग २,४,६९. कव-पथ- प्रमृ. किम्- इ. क-वर्ग- १क- इ. १कवल⁸- पाउभी २,३,९८. २कवल b- पाग ४,२,८०; ६,२,८७. -‡वीनाम् श्राश्रौ ३,७,१४××, कवल-प्रस्थ- पा ६, २,८७. काश्री; या १४,१३∮; - †•वे कवल्यं- पा ४,२,८०.

†कवप्^d - - वषा आश्री ३,३,१: शांश्री ५,१७,५; ६,१,६; माश्री 4, 2, 9, 8. १कवष^d->कवषी- - प्यः ऋपा २. २कवष^d- -षः ऋग्र २, १०, ३०: सात्र १, ४३९; ४४०; ४५४: -षस्य चात्र १९: १३. क्वस- पाउ ४.२. कवाट^k- पाग २, ४, ३१. कवाटक- -के अप ६८,२,२९. श्रापश्री ६,१६,३; बौश्री ३,९: १६; भाश्री ६, १, ७; वैश्री २, ७: १; हिश्रो ६,६,७; बौध २. 9,38; 8,2,99. कवाद्वायोवसा वाश्री ३,२,८,१४. कवा-सख¹- -खः या ६, १९ † %: ऋपा ९,८. कविe- पाउ ४, १३९; पाग ४,१, १८;१०५^४;१५१; -वयः श्राश्री ५,९,१+; त्रापश्री; या ६,२७+; -०वयः या ३, २२+; - वये श्राश्री ४, १३, ७; श्रापश्री; - †वि: आश्रौ १, ८, ७××; शांश्री; निघ ३, १५; या ५, २; ८, 4: १२, 93¢; १४, २°; -विना पाता १, ४, ५%; - † विभि: श्रापश्रौ ४, ७, ३; भाश्री; - †विम् आश्री ४,६,३; शांश्री; - †वी श्राश्री ६, १२, १२; शांध्री; - ‡०वी श्राप्री ६,२१,१; वाधूश्री ३, ५४: १;

d) वैप १इ.। c) नाय.। ऋर्थः व्यू. च ?। b) भाष.। वैप ३ द्र.। a) विप.। बस.। i) =देश-विशेष- !। e)= उदक- । ब्यु. ?। f) व्यप. । ब्यु. ?। g)=प्रास- । h) श्रर्थः व्यु. च ?। i) त. पागम. । = कपाट- L व्यु. ? । k) व्यप. ।

श्रापश्री २, ९,१०; बौश्री; -वेः जैश्रीका ३; शैशि २८३‡.

जश्रका २; शाश २८२७.

काव - - चम् जैश्री २३: १६;
जैश्रीका ६१; लाश्री ७,३, ११;
धुस् १, ८: १५; ३, ३: १६;
११: २९; निस् ७, ८: ३१;
३५; १०, १२: २८; -चस्य
धुस् १, ७: २७; ३, ३: १६;
निस् १०,२: ३४.

कावा(व-श्र)न्त- -न्तम् जैश्रोका १८६.

कान्यb- पा ४, १, १०५; १५१; पाग ४, १,९९°; -च्यः शांश्री १४,२७,१; बौश्री; श्रप्राय ६,३^{२‡त}: -व्यम् बौश्रौ १४,७: ४ †; १८, ४६: १७; वाध्रश्री; या १४,१८ +; - + व्ययोः शांश्रौ ७,१०,११;शुश्र३,२३५;-व्यस्य भागृ २, ६: १६; चात्र ३८: १६: - | व्या श्राश्री २,१९,२४; बौश्री: - वयाय शांश्री १४,२७, १३:कौस्१३९,६;- वयेन बौश्रौ १८, ३१: ६: ऋपा ८, १३; - † व्येभिः आश्री ७, ५, ९; शांश्री १२,२,५;१५; -व्येभ्यः द्राश्री ७, २, १२; लाश्री ३, २, १२: -ब्यै: शांश्री ७, ५,२४; जैश्री.

कावी- पा ४,१,७३. काव्यायन- पा ४,१,९९; -ती ऋश्र २,८,१४.

काव्यायनी पा ४,१,१८. †कवि-ऋतु°- -तुम् आश्री ४, ६, ३; शांश्री ५, ९, ७; बौश्री ६, १४:१४.

†कवि-तम- -मम् आश्रौ ३,७,१४; -मस्य या ६,१३.

कवि-प्रशस्त^e - स्तः बौश्रौ २८, २:४६ चै.

कवि-मत्- -मतः निस् ७,५:१०; -मन्तम् निस् ८,७:३४;९, ४:३५.

कवि-वृध°- -धः शांश्री १८, १८, १८,

कवि-शब्द- -ब्दे ऋप्रा ४,५२.

किव-शस्त- पाग ६, २, १४७; - मस्तः आश्री १,३,६; शांश्री १, ४, १९म; - मस्ताः आपश्री ५, १९,४; हिश्री ३,५;५; या १२, ३३.

कवि-सत्तम— -मम् श्रप ७०^२,

√कवीय>कवीयमान- -नः ऋपा ९, १४‡; -नानाम् या १४, १३.

√कब्य पा ७,४,३९.

कविय- पाउमो २, ३, ११.

कविर- पाउभो २,३,४७.

कविल्ठ'- (>काविल्य^ह- पा.) पाग ४,२,८०.

कवूर- पाउमो २, ३, ५६.

कवर- पाउमी २, ३, ६१.

श्किवेरजेव चोडानाम् जैश्रौका ३. कव्य°- पा ५, ४,२५; –†व्यः शांश्रौ

६,१२,९; श्रापश्री ११, १५,१; वैश्री १४,१३:९; हिश्री १०, ३,४२; जैश्रौ १३: २३; द्राश्रौ ४, २, १६; लाश्रौ २, २, २५; -च्यम् वौग्र २, ११,३२†; वाग्र १७, १४; वैग्र ४, ३: १६; ५, १३: ८; १४: ७; -च्यासः आपश्रौ १४, ३२, ३‡; -च्येन वैग्र ५,२:२५; -च्येम्यः आपश्रौ १४, ३२, २‡; -†च्येः आश्रौ

५, २०, ६; शांश्रौ ८, ६, १३;

कब्य-वाल्^b— -वालम् अप **४३,** ५,३२.

वैश्री ९.९: १.

कन्यवाल्-भनल- -लम् कप्र २,२,३-८.

कब्यवाह्नी - नीभिः श्रापश्री १९, ३,११; वैश्री ११, ५: १२१ : हिश्री १३,८,३५१ ... कब्यवाह्न-प्रवाद - -दः माश्री ५,१,४,१४.

कब्यवाहुन-संस्तुति- -तिः बृदे ६,१६१.

कब्य-स्थाली - -लीम् वैय ५, १३:

a)=साम-विशेष-। तेनदृष्टीयः अण् प्र. । b) १क्ताब्य-, २काब्य्-, ३काब्य- (तु. वैप १) अश्व समाविष्टाः । c) काब्य- इति ।पक्षे। भाण्डाः । d) पामे. शोधश्व वैप १,९१०२ b द्र. । e) वैप १ द्र. । f) अर्थः व्यु. च ?। किल्व- इति पाकाः । g) = देश-विशेष-?। h) विप. । उस. उप. =वाह्>ळ्, e- i) पामे. वैप १,९१०३ o द्र. । e) पामे. वैप १,९१०३ o द्र. । e) = ।कव्यवाह्न-शब्दवती-। ऋच्- । e) का॰ इति पाठः ? यनि. शोधः । e) ॰िह्न इति पाठः ? यनि. शोधः ।

कन्या(व्य-श्र)पहारिन् - री शंध ३७८.

√कर्ण् पाधा. श्रदा. श्रातम. गति-शासनयोः.

कशस्8- -शः निघ १, १२ ा.

क(श>) शा^b – पाग ५, १, ६६; – शा श्रापक्षो १२, १८, १० नः शा श्रापक्षो १२८; वीक्षो ७, ८ः २० नः मान्त्रो २, ३, ६, १४ नः वेक्षो १५, २१ ः ८ नः हिन्नो ८, ५, १० नः श्राप्त १, १५ स्था १, १९ नः साम् वाक्षो ३, १, २, २, १९ दे ५, ३, ३८ १९ वृदे ५, १ १३२; श्रु श्रु ३, १२६; – शावाः श्रु श्रु २, १ नः १ कर्य – पा ५, १, ६६.

१करा - - शे बौश्री २,५ : ८ .

२करा°- (>२कश्य- पा.) पाग ४, ३,५४.

कराक! -- काय श्राप्तिए १, १,३: ४२⁸.

कशा,स^ыफ़ृत्स्न- (> काशा,स]-कृत्स्नि- पा.) पा, पाग २,४, ६९.

क-शब्द- १क इ.

कशम्बूक¹- -कः सु २३, ५.

कशास्व- पाउमो २,३,२२२.

कशाय¹- (>काशायन- पा.) पाग ४.३,१०६^k.

कशिक¹- (> कशिक-पाद- पा.) पाग ५,४,९३८.

कशिपां - -पा शुत्र ४,१९.

कशिपु m- पाउभी २, १, ८४; -पु

किशपू (पु-उ)पवहंण- -णम् श्रापश्रो १, ८, २; ८, १४, १६; भाश्रो १, ७, ९; ८, १७, ७; वैश्रो ९, ६:९; हिश्रो ५, ४, ३९; वैताश्रो ३६, २३; श्रश्र ९, ६‡; -णे वौश्रो ५,११:४;५; १२: २०; १५:२०.

कशिपू(पु-उ)पबईण-वासस् - -सः वैगृ ४,६ : ७.

कशिष्वा(पु-म्रा)दि- -दि वैताश्री ११,१४.

कशी"- पागम ५८.

क्रा(क>)का^b- -का श्रप **१**, ३४,४.

क्यु^b– -शोः ऋग्र २, ८, ५; वृदे ६, ४५.

कशेरु,रू- पाउ १,८८.

कश्मर- कश्मीर- टि. इ.

कश्मल- पाउ १, १०९.

कश्मीर^o- पांड 8,३२; पाग ४,१, १७६; २,८०^०; १३३;१३४;३, ९३.

काइमीर- पा ४,२,१३३; ३,९३;

-रम् अप ५६,१,९; -रान् अप ५०,२,२. काइमीरी- पा ४,१,१७६

काइमीरक- पा ४,२,१३४. काइमीर्थ- पा ४,२,८०⁰.

३कदय- पाउ ४,११२.

कइयप b- पाग ४, १, १०४: - ou वौश्रौ १८, १६: १० +; वैध ४, ७, ६; -पः शांश्री १६, १६, ४; बौश्रीप्र ५४: ७; १३; व्यापमं १,२, २+; कागृ ३, ५+; हिंग २, १९, २ अप १, ३. 9; 86, 994+; 42, 90, 2; बौध १, ११, २०; विध १, २१; ३०; 羽羽 २, ८, २९××; - †पम् वेगृ १, ४: १६; विध १, २०; २१; ३३; - +पस्य बौध्रौ १७, ४० : ४××; आपमं; - †पा त्राधौ ३, ३, १; शांश्रौ ५.१७,५; ६, १, ६; माश्रौ ५, २, ९, ४: -पाः वौश्रौप्र ४१: 9; 9९; ४४:६; -पान्^r वौश्रोप्र ४१: १: -पानाम् श्राश्रो १२,१४,७; श्रापश्रो २४, ९, १४; हिओं २१, ३, १३; - †पाय शांश्री १६,१६, ३; पाय २,९,२; भाग ३,१०:२; हिए २,१९,३; बुदे ५,१४५. १काइयप- पा ४, १, १०४; पाग ४, १, ९९; -०प श्राश्री १२, १४, ७^२××; श्रापश्री; -पः श्रामिष्ट १,२, २:१३; काधः या १२, ४०; -पम् शंध

a)= 3mc-1 b) वैप १ द्र. । c) का॰ इति पाठः? यनि. शोधः । d)= 3mc निशेप-?। व्यु. ?। $e)= \frac{1}{2}$ श-विशेप-(तु. पागम.) । $f)= \frac{1}{2}$ विशेप-। व्यु. ?। g) सप्त. कशः c> mu॰ इति पामे. । h) तु. पागम. । काशः इति पाका. प्रमृ. । i)= mu- विशेप-। व्यु. ?। i)= mu- । i)= mu-

११६: ३५; बौध २, ५, २६‡; — पस्य काथ २७९: ८; चाश्र; पा १,२,२५⁶; — पाः वैश्रौ १२, १: १९; वैध; — पानाम् वैध ४, ७, १; — पाय श्राप्तिग्र १,२, २: १६; बौग्र ३, ९, ३; — पे सास्र १,३६१; ५००; पा ४, १,१२४; — पौ ऋत्र २,९,९९; १०४^b; सास्र.

आवन्त्रं १३ थ. प्र हार अविवदा

काइयपी°--पी आप १, ३,१; -पीनाम् चाश्र १६:३१; ४०:१.

काइयप-कोशिक-ग्रहण--णम् पावा ४,२,६६. काइयप-शाकटायन- -नौ

शुप्रा ४,५.

काइयप-सगोत्र^d- -त्रम् चन्यू ४: २२.

काइयपायन- पा ४,१,९९. काइयपिन्- पा ४,३, १०३. काइयपीय°- -यम् काध २८२: ६; -यान् काध २७०: १. काइयपेय¹- -यम् अग्र ८, ९.

कर्यप-प्रो (क् >) का- -काः काथ २८० : ५.

कश्यप-वत् श्रापश्रो २४, ९, १४; १५;१०,२; बौग्रौप्र.

कश्यप-व्रत^{ष्ठ} - तम् निस् २,२:२९. कश्यपा(प-व्रा)५- - पेम् ऋ २,१, ९९; बृदे ३,१३०.

√क्ष्पृ h पाघा. भ्या. पर. हिंसायाम् ,

कपेत वैताश्री ११, २५. १कप- -पः पावा ३,३,११९. कपि- पाउ ४.१४०.

कष्ट,ष्टा- पा ७,२,२२; पाग ५,१, १२३¹; -ष्टात् या १४, २०; -ष्टायाम् विध २२,५५.

काष्ट्य- पा ५,१,१२३. √कष्टाय पा, पावा ३,१,१४.

२क्कध¹- (>काष्य-, > काष्याय-ॄण>∫णी- पा. यक्र.) ४, १, १०५:१८.

१कषक- -काय हिए १,६,५‡^к. २कषक¹- पाग २,४,६३¹.

१क्तपाय[™]- पाउभो २,३,८; पाग २,४,३१.

> काषाय"— -यम् श्राग् १, १९, ११; कौगृ २,१, ८; श्राप्तिगृ १, १, ४: ४७; हिगृ १, ८, १२; श्रापध; -याणि कौस् ५७,१४; -येण अप ३३,१,८.

काषाय-तोय°- -यैः वैगृ ७, ३ : ४; १३.

काषाय-धारण- -णम् वैध ३,६,५.

१काषाय-वासस् - -सः श्रप ६८, ५, ७; -ससी श्राधिय २, ७,११:२.

२काषाय-वासस्^d - - ससः मागृ २, १४, १०; ऋप **५३**, २,३; -साः बौध २, ६, २३; ८,१६. काषाया(य-श्र)जिन--नयोः वैग्र २,८: ११.

काषाया (य-श्र) प्यवित्रा(त्र-

न्ना)दि - -दीन् वैध ३,६,९. काषाया(य-न्ना)विक--कयोः अप १,३२,५.

कपाय-कटुक-प्रिय⁹- -याः **भप** ६८,१,३८.

कषाय-कटुका (क-न्ना) श्र(य>)-या^p- -याम् बौध ३, ३,

कशाय-प⁰---पः आप**ध १,२७,१०;** हिध १,७,३५.

२कवाय- (> काषायिन्-) कशाय- टि. द्र.

कषीका- पाउ ४,१६.

कष्कप'- -पासः ग्रश ३,४,१‡.

√कस्⁸ पाथा. भ्वा. पर. गतौ, श्रदा. श्रात्म. गतिशासनयोः, **कसरि** निघ २, १४‡.

कस- पा ३,१,१४०.

कस्वर- पा ३,२,१७५.

कास- पा ३,१,१४०.

कसन्नील¹- -लः श्रप्रा ३, ४,9‡ा. क-स-वर्ण- १क- इं.

१†कसाम्बु^र - -म्बु कीस् ८६,१; **ग्र**प्रा ३,४,१.

२कसाम्बु^v - > कासाम्बव^ण - - वेन श्रापश्री २०, १५, १२; **१३;** वाश्री ३, ४,३,४४; हिश्री **१४,** ३,२३^x.

a)= त्राचार्य-विशेष-। b) काइयच्यो इति [पक्षे] षङ्गुहशिष्यः । c) विष., नाप.। d) विष.। वस.। e) विष.। प्रोक्षार्थे छण््रईयः प्र. उसं. (पा ४, ३,१०२)। f) विष.। दृष्टार्थे ढक् ्र्यः प्र.। g)= साम-विशेष-। a्यु.?। a0 या २,२ परामृष्टः द्र.। a1 या त्रि.। पामे. पृ ४८२ । द्र.। a2 विष.। a3 व्यप.। a4 शे पामे. पृ ४५६ । द्र.। a5 विष.। a7 विष.। a8 विष.। a9 विष.। a8 विष.। a9 विष.।

कस्त(म्भ>)म्भी"- -म्भ्याम् श्रापश्रौ ३,८,४; भाश्री ७,२२, ७;८, १०,२; हिश्री २,५,३.

कस्तम्भ-देश- -शे माश्री १,३,४, २८; वाश्री १,३,६,२२.

कस्तर- पाउत्र ४,९०.

किस्तेडाः निस् ८,२ : ४२.

रकस्थली⁵- -ली बीगृ २,१,१९.

कस्ये° कौस् ८४,१० क.

कहरा d-(>काहरा- पा.) पाग ४,१, 993.

कहल- पाउमो २,३,९९.

कह्य[,ष]^d- (>काह्य[,ष]- पा.) पाग ४,१,११२°.

कहोडा.ळ,ला^{d'}- पाउमो २, २, ११९: पाग ४,१,११२; -ळ: कौग २,५,६; -ळम् आग ३,४, ४; कौय २,५,३; शांय ४,१०,३; ६,१,१; अप ४३,४,२८; -ळाय कौगृ २,५,६.

†कहा^ह- -० हा माश्री ६, १, ८, १३; वाश्रौ २,१,८,१२.

कह-मिश्र b- -श्रम् लाश्रौ ८,६,१२.

१कांस- १कंस- इ.

२कांस- २कंस- इ.

कांसपात्रि- १कंस- इ.

कांसायन-, कांसि- ३कंस- इ.

कांस्य- त्रमृ. १कंस- इ.

कांस्यस्थल- -छन् माश्री ४,६,३.

१काक'- पाउ ३, ४३; -कः जैश्रीका १७९; अप ३७, २, १; विध

४४.१८: या ३, १८ क; -कम्

शंध ४२६; -काः अप ९, ४,१; ५३,२, १; ७०३,६, ४; -कात् श्राप्तिगृ ३, ११, १: ७; -कै: वाध १४,२५. काकी- पावाग ६,३,४१.

काक-कङ्क-गृध-इयेन- -नाः गौध १७,२७.

काक-कङ्क-वका(क-ग्रा)दि- -दिभिः विध ४३,३४; -दीनाम् विध 83.30.

काक-कपोत-कङ्क-गृध्र-यक्ष-राश्चस-पिशाच-श्वापद- -देष् श्रप ७२, २,२.

काक-गुह- पावा, पावाग ३,२,५. काक-ताल 1- (> ॰लीय-) पागम १९५.

काक-तुण्ड-नि(भ>)भा- -भाभिः श्राप ५२,४,४.

काक-बन्ध्या^k- -न्ध्यायाः कप्र ३, 9, 8.

काक-बलाक-हंस-सारस-कारण्डव-चक्रवाक-गृध-इयेन-खञ्जरीट-टिट्टिभो(भ-उ)ऌक-शुक-सारिका-मयूर-का [व1] क-कोकिल-कल-विद्ध-कपोत-कपिञ्जला(ल-श्रा) दि- -दीनाम् काध २७२ : ४. काक-मार्जार-नकुल-सर्प-मूषक-

पित्रन्- -क्षिभिः शंध १८३.

काक-मयूर^m- पाग २,२,३१. काक-मृषिक-मार्जार- -रान् श्रप

903, u, 3.

4, 8.

काक(< की पावाग.)-शाव- पावा ६, ३,४१.

काक-श्वा(श्व-श्र)वलीढ- -ढे श्राप्तिग 2,0,0:8.

काक-संपात- -तात् कौस् ३१,२८: ३४,२२.

काक-स्वर"- -रम् याशि १, २९: नाशि १,३,११.

काका(क्-अ)ण्ड°-वर्ण- -र्णेषु अप E4,9,7.

काको (क उ) च्छिप्ट- -प्टम् शंघ ४३१. काको च्छिष्टो (ए-उ) पहत- -तम् बौध ३.६,७º.

काको(क-उ)ऌक- -काः अप ७०१ €,90.

काको (क-उ) ऌक-कपोत- -तानाम् यप ७०,५,४.

काको (क-उ) ऌक-कृकलास-इयेन-निपतित- -ते अप ७२,२,६.

२काक^d-, (काक्य-,काककायनि- पा. यक.) पाग ४,१,१५१;१५८.

काकण-(>काकणी- पा.) पाग 8, 9,89.

काकदन्तकि (> कीय- पा.) वाग ५,३,११६ ..

काकदन्ति- (> व्नीय-)काक-दन्तिक- टि. द्र.

काकन्दि^व- (>॰न्दीय- वा.) पाग 4,3,994.

काक-शब्द-फ्रान्त- न्ते शांग्र ५, काकपिञ्जक - कः बीश्री ९,१८:१४.

d) व्यय.। व्यु. !। e) ॰ प – इति पाका.। f) ॰ उ – इति पाउमो. पाग., ॰ रू – इति श्रप.। g) पामे. व्यु. =केप १ द्र. । h) विप. । पूप. ऋर्थः ब्यु. च ? । i) = वायस-। वैप ३ द्र. । j) तु. पाका. प्रमृ. (पा ५,३, n) =गीतिदोष-१•६)। k) = (प्रसंतिन-) स्त्री-। ब्यु. ?। l) पाठः ? यनि. शोधः ?। m) तु. पागम.। - विसेष- । वस. । o) पस. पूप. पुंवद्भावः (पावा ६,३,४१) । p) पामे. पृ ६२९ a इ. । q) = आयुधजीविसंध-बिवेप-?। ब्यु. ?। r) °दन्ति— इति पाका. । s) = पक्षि-विशेष-?। ब्यु. ?।

काकरन्ति - (> व्तीय- पा.) पाग 4,3,994. काक लि^b- -लि: नाशि १,४,९;११. काकलेय- कक्ल- इ. काकाद्न c- पाग ४,१,४१. काकाद्।,तd]नी- पा ४,१,४१;न्याः कीय १,१५,१; शांग १,२३,१. काकि- पाउभो २,१,१७३. काकिणी - -ण्या श्रापश्री १९,२१,२; हिश्री २२,४,२.

काकिणीक- पावा ५,१,३३. काकिनी'- -नीम् माशि ९,१३. काक- पाउच १,१. काकृतस्थ- क्कुद्- इ. †काकुद् ⁸- -कुत् निघ १, ११; -कुदम् निघ ४,२; या ५,२७. काकृद b- पाउभो २,२, १७१; -दम् या ५ २६; -दस्य पा ५, ४,

986. काकुदाचिक- क्कुद- द. काकृद्र!- -द्र: श्राश्री १२,९,४. १काक्भ- प्रमृ. १क्कुम्- इ. २काकुभ- २क्कुभ्- इ. काकोल !- -लम् विध ४३,१३. काक्य- २काक- द. १काश्वk- पा, पाग ४,३,१६४. २का(का-श्र)स- किम्- द. काक्षतव- कक्षतु- इ. काक्षसंति- कक्ष- इ.

१-२काक्षींचत- प्रमृ. कक्षीवत्- इ. काङ्कायन- २कङ्क- द.

√काङ्ख् पाधा. भ्या. पर.कांक्षा-

याम् , काङ्क्षते आश्रौ ५,७,४; काङ्क्षति शांश्रौ १, १, २५; माश्री २,३,२,१२; बृदे ४,२०; काङ्क्षन्ते गोगृ ३, ३, ९; १३; जैगृ १, १४: १३; काङ्क्षत गोगृ २, ७, १६; काङ्क्षेत श्राश्री २, ३, २७; बीध ४, १, १५; काङ्क्षेत् आश्री ५,१, ७××; शांश्री; काङ्क्षेयुः वौश्रौ १४,२७: ८; २६,९: १९.

काङ्क्षण- -णाय बौश्रौ २४, १६: 93.

काच⁸- -चाः वाधूश्रौ ३,७६:३२; हिश्रौ १४,३,२२; -चान् बौश्रौ १५, १५: १६; २५: ५; ६; ८; हिथ्री १४, ३, २२; —चौ माश्री ६,१,७,१५. काच-नीलाञ्जना (न-म्र) रिष्टा (ए-प्र)शनि-सर्प-निभ- -भेषु श्रप ६१,१,५-

काचाक्षि1- - चयः बौश्रीप्र १०: १. काचान्ति - -न्तयः बौश्रौप्र ४७: ५. †काचित्-कर"- -रम् या १२,९०. काचुलुक्य- बचुलुक- इ. काच्छ-, काच्छक- २कच्छ- इ. काजव8- -वानि बौश्रौ २,११:२३ क्. √काञ्च पाधा. ¥त्रा. आत्म. दीसि-बन्धनयोः.

काञ्चन"- पाउभी २, २, १९२; काटुक- १कटु- द्र. पा, पाग ४, ३, ५० -नम् कादुकि- २क्टुक- इ. त्राप्तिगृ २, ५,१ : ४५; जैगृ २, कादुमन्थि- १कटु- इ. ९: ३३; द्या ३०, ४, १; ३१, काठक- प्रमृ. कठ- इ.

€,8;8€,6,2; 86,59**†; €6,** २,२७; वाघ ३,६१; १५, २०; २८,१६; बृदे ५,३४; -नाः अप ६५, १, ८; -ने विध १, ६४; -नेन अप ५८^२,२,४.

काञ्चन-तुल्य-गौर- -रः श्रप २४,

काञ्चन-मनःशिलो(ला-उ)प(मा>) म- नेषु अप ६५,१,६.

काञ्चन-रत्न-वर-प्रतिरूप- -पः भप ₹0, €, ७.

काञ्चन-सप्र(भा>)भ- -भः अप 29,7,8.

काञ्चना(न-श्राभा>)भ- -भः अप 29,9,4.

काञ्चनार°- पाउमो २,३,४५. काञ्चित P- -तम् या ५,२५.

१काञ्ची^प-> °ब्बी-नूपुरा (र-म्रा) दि- -दि काश्रीसं धः १४.

२काञ्ची¹- (>°ञ्ची-प्रस्थ- पा.) पाग ६,२,८८.

काञ्चुकिन्- कञ्चुक- इ. १ काट - - टः आपमं १, १०, ७; त्रप ४८, ७७; निघ ३, २३; -टाय श्रापश्री १७,२,६.

२काट^ड-(>काटर¹-पा.) पाग ४, २; cou.

काटिप्य- कटिप- इ.

a) त्रामुभजीवि-संघ-विशेष- व्यु.! । b) = स्वर-विशेष- । व्यु.! । c) = त्रोषधि-विशेष- ! । व्यु.! । f) = स्वरभिक्त-विशेष-। व्यु. ?। g) वैप १ इ. । d) इति शांग्र.। e) = गुझा-। व्यु.?। h)=तालु-। व्यु. i) = काकुद्-। j= नरक-विशेष-। व्यु. i। k) = वृक्ष-विशेष-, तत्फल-। व्यु. i। $l)=\pi$ िष-विशेष-। व्यु. l=m) दिप., नाप.। वैप ३ द्र.। n) तु. पागम.। o) = वृक्ष-विशेष-। व्यु. l=mp) व्यु. ? <क-(<िकम्-) + अञ्चित- इति दु. । q) = आभरण-विशेष- । व्यु. ? । r) = नगरी-विशेष- । ब्यु. 2 । $_{\mathcal{S}}$) स्रर्थः ब्यु. च 2 । $_{t}$) $_{t}$ = देश-विशेष- $_{t}$ । $_{u}$) तु. पाका. । कोट $_{t}$ इति भाण्डा. ।

काठेरण- कठेरणि- इ.

काठेरिण - (> ॰ णीय - पा.) पाग ४,२,१३८.

काठोरकृत् b- -कृत् बौश्रौप्र ३: १०. काठोरिb- -रि: बौश्रौप्र १०: ४.

श्काण, जा°- पाग २, २, ३८; -णः वौश्रौ १५, ८: १४^d; हिश्रौ १७, ७, २९; शंघ ३७७: ४; विघ ४५, २१; या ६, ३०५; तैप्रा १३, ९‡; -णम् श्रप ३, २,४; -णाः श्रापश्रौ २२, ४, २४; -णे श्रप ३,२,५; ९,४,५; या ६,३०‡; -०णे सु ६,२.

काण-खञ्जा (ज-न्ना)दि- -दीनाम् विध ५,२७.

काण-स्रोर-कूट-बा,वा(ण्ड>)ण्डा--ण्डानाम् लाश्री ८,५,१६. काणस्रोरकूटवण्डा-हुतमि(श>) श्रा- -श्राः काश्री २२,३,१९.

काण-खोर-कूट-वण्ट- -ण्टाः गौध २८,६.

काण-द्रोण- पाग २, २,३८°.

काणेय- (> काणेय-विध- पा.) पाग ४,२,५४.

२काण b- पाग ४,१,११०.

काणायन- पा ४, १, ११०; -नाः बौश्रीप्र १९: ३.

†काणुक°- -का ऋष ४८, ११५; निघ ४,२; या १,१५; ५,११०.

काणक- पाउ ४, ३९.

काण्टकमदीनक- कण्टक- द.

काण्टकार- कण्टकार- द्र.

काण्ट(क>)की- कण्टक- इ.

काण्ठेविद्धि-,°द्धी-,°द्धया- कएठ-द्र.

१काण्ड°- पाउ १,११५; पाग ४,२, ८० : ३,१३६; -ण्डम् श्रामिग्र ३,८,३:७; बौगृ३,१,२५; बौपि १, १५: ७८ दें; वैगृ २, १०: १४; कौस् ३०, २; त्रापध १, ११,६; हिध १,३,६३; श्रश्र ४, १;१३-१५,१;१८,१; -ण्डस्य बौगृ ३,१,१९;२०; - +ण्डात्ऽ-ण्डात् काश्री १७, ४, १८; श्चापश्रौ १६, २४, १; बौश्रौ; -ण्डानाम् कीस् ८६, १४; -ण्डानि आमिए १,२, १: ८; कौसू ६२, १०; -ण्डाभ्याम् वाश्री ३,३,१,७; हिश्री १३,३, १९: -ण्डे कौसू २७,१५; ३४, १०; कौशि २१; अपं ४: ३६; -ण्डे-sण्डे बौगृ ३,२,३; -ण्डेन श्रापश्री २२, ९, १५; लाश्री ८, ९,९+; कौसू २९, २०; -ण्डेषु श्रपं २ : २.

२काण्ड- पा ४,३,१३६.

काण्ड-ऋषि— -षये आप्तिग्र १,२, १: ३^२;४; ५; बौग्र ३, १, ५^४; २,६; १९; ३, ८; —िषः बौग्र ३,१, १८; —िषम्यः आप्तिग्र १, २,१: ४; बौग्र ३, १, ५; २, ३१; ४४; —िषम् बौग्र ३,२,६; १९; ३१; ४४; ३, ८; —षीन् आप्तिग्र १, २,१: २; २: ३९; बौग्र ३,१,५.

काण्ड-धार'-,काण्ड-वरक°-,काण्ड-वारण^ड-- पा, पाग ४,३,९३. काण्ड-नामन्- -मानि श्राप्तिगृ १, २,१: ५; २: ४०; भागृ ३,८:

३; हिए २,१८,३; २०,९.

काण्ड-परिसमासि - -से: श्रत्र २,१. काण्ड-पु(^{६प}>)ग्पा- पाना४,१,४. काण्ड-प्रतीक-त्व- -त्वेन श्रत्र १९,९.

काण्ड-प्रइना(इन-स्र)नुवाक--कानाम् कौशि ७५.

काण्ड-मणि- -णिम् कौसू २६,,

काण्ड-म(य>)यी- -यीम् दाश्री ११,२,७; लाश्री ४,२,६.

काण्ड-र- पा ४,२,८०.

काण्ड(एड-ऋ)िष्- - प्यः हिए २, १८,३; - प्ये माग ३,८:४-६; मैबैए २, ७:१,९:८;१०: १;३;६;८; हिए २, १८,३; - मिंग्यः भाग ३,८:७; हिए २,१८,३; - प्यां श्राप्तिए २,६, ३:३७; हिए २, १८,३; २०,९; भाग ३,८:३; वौध २,५,२७. काण्डपिं-द्वितीय- - यम् श्राप्तिए १,१,४:५०.

काण्ड-विसर्ग- - में श्राझिए १, १, ४: ४८; बौगु ३, १, २१; हिए १,८,१६.

काण्ड-बीणा- -णाः शांश्रौ १७, ३, १२; काश्रौ १३, ३, २१; वाश्रौ ३,२,५,२६; हिश्रौ १६,६,२१; -णाम् शांश्रौ १७,३,१४; द्राश्रौ ११,२,६; लाश्रौ ४,२,५.

१काण्ड-वत-विशेष- -षाः वाग् ७, ११.

काण्ड-समवाय - -यः श्रयं २ : ७. काण्ड-समापन - ने श्रापध १,११, २; हिध १,३, ५९. काण्ड-सक्त - -काः श्रयं २ : ५.

a) त्र्रार्थः व्यु. च ? । कामेरिण—, कावेरिण— इति पाका. । b) = ऋषि-विशेष- । व्यु. ? । c) वैप १ द्र. । d) सपा. श्रापश्री २०, ७, १८ अन्धः इति पामे. । e) तु. पागम. । f) = देश-विशेष- । °धार— इत्यस्य. • श्वरकः, वारणः इति पामे. द. । g) तु. पाका. । h) मलो. कस. (तु. शौ १६,१७) । तात्रथ्यात् = मन्त्र- ।

काण्डा(एड-आ)दि- -दि आप्रिय १. २, २:४७: -दिभिः अप ४६,२,४; -दीन् श्राप्तिगृ १,२, २ : ४१: बीग ३.१, ९; ९,१०; भाग ३, ८: १०; ११: ११; हिए २,१८,५; २०, ९; -दीनि पा ६,२,१३५. काण्डादि-दूर्वारोपणो (ग्र-उ)-दधिधावन-वर्जम् वौगृ ३, ९, काण्डा(ण्ड-ग्र)नुवचन- -नेपु वागृ 4, 24. काण्डा(ण्ड-ग्र)न्त- -न्तात् पा ४, 9, 33. काण्डीर- पा ५,२,१११. काण्डो(ण्ड-उ)त्तम- -मै: श्रप ४६, 2.8. काण्डो(ण्ड-उ)पाकरण - -णे आमिगृ १.१.४ : ४८; हिए १, ८, १६; त्रापध १, ११, १; हिध १, ३, काण्डोपाकरण-काण्डसमापन--नाभ्याम् बौगृ ३, १, १७; २, काण्डमायन³- -नस्य तेप्रा ९,१. काण्डर्थि - -थयः वौश्रोप्र ४: २.

काण्डव- २कण्ड्- इ. काण्डविक- √कएड् इ. काण्डिन्य- करिडनी- इ. काण्ड्रश्य b- -याः बौश्रौप्र ४८: १. काण्य-, ॰ण्वायन- ॰ण्व-, ॰ण्वी-, ·णव्य- कण्य- इ.

कातक- कतक- इ. १कातर°- पाउभी २,३,६६व.

कातर-नयन°- -नः चव्यू ४: १८. २कातर,छb-(> °रा, छायण-पा.) पाग ४.१.९९. कात्र'- -तुः निघ ३,२३ क्.

८६१

कात्कल b - -लाः बौश्रीप्र १७: ११. कात्त्रेयक- कित्र- इ.

कात्थक्य- कत्थक- इ. कात्य-,कात्यायन- कत- इ.

काथक्य-,°क्यायनी- कथक-इ.

काशंचित्क∸ किम्- इ.

काथल (> काथलायन- पा.) पाग ४,१,९९ ..

काथिक- √कथ् इ.

कादम्ब- पाउ ४,८३. कादलेय- कदल- इ.

कादि- १क- इ.

काद्रक- कद्र- द.

काद्रवेय- २कर्- इ.

कानन- पाउमो २,२,१९२.

कानलक- कनल- इ.

कानान्धb- -न्धम् बौधौ १८, ४१:६; -न्धस्य बौधौ १८,४१:१५ . कानान्ध-यज्ञ - -ज्ञः बौश्रौ २४,

११: २; - ज्ञे बौधौ २६,३३:

कानिष्ठिक- 'कन- द. कानिष्ठिनेय- २ कनिष्ठ- द्र.

कानीत- कनीत- इ.

कानीन- २कनीन- इ.

कान्त- √कम् द.

कान्तार - पाउभो २,३,४५. कान्तार-पथ-> व्यक- पात्रा ५,

9,00.

94.

कान्ति- प्रमृ. 🗸 कम् इ. कान्धक्य-, °क्यायनी- कन्धक- इ.

कान्धव्य- कन्ध्र- इ.

कान्धिक- √कन्थ् द्र.

कान्द्र1- (>॰न्द्-र1- पा.) पाग ४,

2,60.

कान्द्रम^b- -मस्य वाध्यौ ३,९४:५

कान्दर्भ- कन्दर्भ- इ. कांदिशीक- किम्-द्र

कान्द्रक- कन्द्रक- इ.

कापटच-,°वी- कपटु- इ.

कापट"- - टवः बौशौप्र ४६ : २.

का-पथ- किम्- इ.

कापर्दि - कपर्द- इ.

कापाटिक- क्याट- इ.

१.२कापालिक- कपाल- इ.

कापिक- कपि- इ.

१कापिञ्जल- १कपिञ्जल- इ.

२कापिअल- २कपिजल- म कापिअलादि^b- (> °द्य- पा.)

पाग ४,१,१५१ k.

कापिला- २कपिल- इ.

कापिलिक- किपलिका- इ.

काणिवन- कपिवन- द्र.

कापिशी- > कापिशायन- पा ४,

कापिशुभ्र^b- स्त्राः बौश्रौप्र ४८ : ९.

कापिष्टिक- कपिष्टिक- इ.

कापिष्ठb- - हाः बौश्रौप्र ४५: २.

कापिष्ठलि-, °ल्या- कपिष्ठल- इ. कापिष्टिक- कपिष्टिका-ं इ.

का पृष्टिb- -िटः बौधौप्र ४४: २.

कान्तार-भय- -यम् विध ९०, का-पुरुष-, ॰रूप्य- किम्- इ.

b) = ऋषि-विशेष-। ब्यु. ?। c) विष.। a) = श्राचार्य-विशेष-। व्यु.? < ?काण्डम- इति PW.। व्यु.? का-(<िकम्-)+ \sqrt{q} इति श्रभा. । d) < \sqrt{q} इति श्रभा. । d) < \sqrt{q} इति श्रभा. । d) = कूप-नामन्-। i) ऋर्थः व्यु. च ? । j) = देश-विशेष- ? । g) तु. पागम.। h) नाप.। व्यु. ?। ब्यु. ? (तु. दे.)। k) <कपिञ्जलाद् – इति PW. । l) =नगरी-विरोष- ।

कापेय-, °यी- कपि- इ. कापोतक-, °ता-, °ती- कपोत- द. काप्य- प्रमृ. कपि- इ. ?काप्यतिशययो³- चात्र ४२: ८. काप्यायनी- कपि-इ. काखव b- - वम् दंवि १, ९ . ?कावर-कb- -कः दंवि २,६ क. काबोध- कबोध- इ. १काम- √कम् इ. २काम^с-(>कामायन- पा.) पाग ४, 9.88. कामायनी- -नी ऋग्र २, १०, १५१: - न्येव बौश्री १७, ४२: ३; श्रापमं २, ८, १०; भागृ २, २२ : ५: हिए १, ११,४. कामकायन-,°निन्- कमक- इ. कामण्डलव-, °लेय- कमण्डलु-द. कामन- √कम् द्र. कामन्तक°- -काः वौश्रीप्र ३१: ३. कामयत्- प्रस. 🗸 कम् इ. कामलकीकर- कमलकीकर-इ. कामलकीट,र- कमलकीट,र- इ. कामलभिद- कमलिभदा- इ. कामलायन-, कामलि-, कामलिन्-२कमल- इ. कामशि°- -शयः बौधौप्र ४३: ३. श्कामाहुर्धनिनाः अप ६५,२,४. कामि-, कामिन्-, कामुक-, कामुका-यन-, कामुकी- √कम् इ. कामेरणि- काठेरणि- टि. इ.

काम्पनिक-, °नीक- √कम्प् इ. काम्पिल्य- कम्पिल- इ. १काम्पील'-> १काम्पीली⁸--स्याः †काम्पील-वासि(न् >)नीb--०निष श्रापश्री २०,१८,३; बौश्री १५,२९:३४; हिश्री १४,४,९. २काम्पील⁵- -लम् कौस् ४८, ४९; -लै: कौसू १६,२८. २काम्पी(ल>)ली1- -लीभ्याम कीस ४३,२०; ८२,८५. काम्पील-पलाश- -शेन कौसू ७६, काम्पील-पुट- -टान् कौस् २८,८. काम्पील-शकल- -लैः कौसू २७, काम्पील-शाखा- -खया कौसू ८३, 9 4; 20,82. ?काम्पीवकंसम्¹ त्रा ४८, ११६. काम्बरोदरि°- -रयः बौश्रौप्र ४१: 90. काम्बलिकायन- कम्बलिक- इ. काम्बल्य°- -ल्याः बीश्रीप्र १७: १८. काम्बोज-, °जक- प्रमृ. कम्बोज- इ. १.२कास्य- √कम् द्र. १काय- २क- इ. २काय k- पा ३, ३,४१; -यः कप्र ३, ३,७; या ९, २०; -यम् कीय ३,२, १; वैष्ट ५,८: ८; श्रापध १,२२, ६; बौध २, १, १७; या

२; हिंध १, ६, १०^{?1}; -यान माध्रौ ६, १,३,११; -ये कागृज ४६ : ९; श्रप ५०, ३, १; या ४. १६,५,२५,६,१७; -यै: आमिग् 3,90,8:9. काय-क्रेश- -शात् वैध १,११,१३. काय-प्रासन- .- नम् काश्री १६, १, काय-मात्रा(त्र-श्रा)याम- -मम् वैगृ ५, ३ : ७. काय-शोधन- -नम् श्रामिगृ २, ७. v: 9. काय-स्थ- -स्थम् अप २३,५,४. काया(य-अ)मि- -मिम् पाशि २६. कावा(य-आ)यस"~ पाग २,१, 80. कायिक"- -कै: विध २२,७७. कायमान- √के द्र. कायाधव- कयाध- द्र. १कार°- पावाग ८, २,96. २,३कार- √क द. ४कार- √क इ. कारक- √कृ इ. कारडि^p- - डिम् जैगृ १,१४: ९. कारण- प्रमृ. 🗸 ह द्र. कारणिक- १करण- इ. कारण्डव - पाउभो २,३,१३५; पाग ६,३,११९; -वः शंध ३७८. कारण्डव-व(त् >) ती- पा ६, ३, 998. १२, ३०; -याः श्रापध १,२३, कारपचव - -वम् शांश्री १३, २९,

a) पाठः ? *कप्य(पि-श्र)तिशय-> -यस्य इति शोधः । b) वैप १ द्र. । c) = ऋषि-विशेष- । व्यु. ? e) वैप १,११०७ f d) व्यान्ये इति, व्यास्यै[हिए] इति च पाठौ ? यनि. शोध: (तु. श्रापमं. [भू XXIV])। द्र.। f) =नगरी-विशेष-। g) पामे. वैप १, १९०७ h द्र.। h) =यृक्ष-विशेप-। व्यु. १। i) विप.। . विकारार्थे अण् प्र.। j) प्राति. श्रर्थः व्यु. च ?। k) = शरीर-। व्यु. ? पाप्र $< \sqrt{1}$ च [चयने]। l) व्यात् इति पाठः $^{?}$ यनि. शोधः (तु. श्रापधः)। m) = श्रौदिरिक-। n) तात्रभविकः ठक् > हकः प्र.। o) =रक्षा-निर्वेश- इति पागम. । p) = त्राचार्य-विशेष-। व्यु. ? । q) =पक्षि-विशेष-। व्यु. ? । हंस-, कारण्डव-**इति भाण्डा. । हंसकार** इति पाका. । r) = देश-विशेष- । व्यु. ? ।

२१; काश्री २४,६,१०; श्रापश्री २३,१३, ६; हिश्री १८,४,४०; -वे आश्री १२, ६,२८. कारव - - ववः वीश्रीप्र ३: १२. कारयत- प्रमृ. √कृ इ. कारवीरेय- करवीर-इ. १कारस-कर^b- पाग ६,१,१५७. २कारस-कर°- -रान् बौध १, १, कारा^d- पा ३, ३, १०४; पाग ६, १, कार्कण- कृकण- द्र. कारा-भू- पावा ६,४,८४. कारा-व्रत- -तम् श्राप्तिगृ १,२,१: २४°; बौगृ ३,१,२७. काराद्धोत्रिया- किम्- इ. कारालिक'- -कानि वाय १३,५. कारि-, कारिका-, कारित-, कारिन्-√कृ इ. कारिरौति°- -तिः बौश्रौप्र १९: ५. कारीर-, थी-, थी-वत- करीर-इ. श्कारीरिणीं श्रामिय १, २,१: २२. कारीय- १करीय- द्र. कारीषायण-, शीष- २करीष- इ. कार- √कृ द्र. कारुणि - -णिः बौश्रौप्र १०: ४. कारुपथि8- -थय: बौश्रीप्र १७: 90. कारुशी- कहश-द्र. कारूप- पाउमो २,३,१६७. कारेणुपाल-, ॰लायन-,॰लि- करेणु- कार्त-, कार्त-क्रीजप- 🗸कृ> 菜.

कारेय"- -याः बौश्रौप्र ४३ : २.

त्रप ४८,७७‡; तैप्रा १, १५‡; कार्ति- √क इ.

१९,६,१; बौश्री १७, ३१: ५; ३२:३;४: हिथ्री २३, १,१०; -रात् काश्रौ १९,२,७; निघ ३, २३十. कार्क- कर्क- द्र. कार्कटक-, कार्कटक्य- कर्कटक- इ. कार्कट्य b- (> कार्कट्यकायनि- पा.) पाग ४,१,१५८. कार्कण्डेय- कृक्स्ट्र- इ. कार्कन्तव- कर्कन्त- द. कार्कन्धच-, व्ह्या,न्धू ।मत- कर्कन्यु-कार्कलासेय- २क्रक्लास-इ. कार्कलि- इक्ला- द्र. कार्कश- २क्केश- द्र. कार्कप- (> °पकायनि-) कार्कट्य-टि. द्र. कार्कसेय- कुकसा- इ. कार्कार'->°रिन्- -रिगः पागृ ३, 94, 98. कार्कीक- कर्क-इ. कार्डव- ऋड- इ. कार्ण- ३कर्ण- द. कार्णकोष्ठ-, ॰र्ण-प्राहिक-,कार्णश्रवस-१क्ण- द्र. कार्णव- कर्ण-इ. कार्णायनि- ३कर्ण द्र. ३कृत- द्र. कार्तयश-, कार्तवीर्य-, कार्तान्तिक √क> १कृत- द. कारोतर8- -रः बौध्रौ २६, २२:१९;

-रम् काश्रो १९, २,७; त्रापश्रौ | कार्त्तिक-, की-, कार्त्तिकक-, कार्ति केय- कृत्तिका- द्र. कार्ज्य- १क्री- इ. कात्स्नर्थ- कुत्सन- इ. कार्दम-, ॰िमक- १कर्दम- इ. १.२कापीस- प्रमृ. कर्पास- इ. कार्परिण-, कार्परेय- कर्पर- द्र. कार्म-, कार्मण-, कार्मनामिक-√क > कर्मन्- द्र. कार्मार-, °रक-, °रिक- कार्मा-र्यायणि- /क>कर्मार- इ. १कार्मक!- -काः अग ५२,७,३. २कार्मक √ ह द. ३काम्क- कुमुक- इ. कार्य- √क इ. काइर्थ- √कृश् द्र. कार्ष-, कार्षक- √कृष् द्र. १कार्पापण- प्रमृ. कर्पापण- इ. २कार्षापण "- पा, पाग ५,३, 990. कार्षि-, कार्षिक-, कार्षिक्य- √कृष् कार्षित"- -ताः बौधीप्र ४५: ५. कार्षीयण- काष्ट्यं- √कृष् द. कार्षा- २कृष्ण- इ. कार्णकर्ण- १कृष्ण- इ. काष्णीजिन- २कृष्ण- द्र. कारणीजिनि- २कृष्णाजिन- इ. काष्णीयन- ३कृष्ण- द्र. काष्णीयस- १कृष्ण- इ. कार्ष्णि - ३कृष्ण- द्र. कारणीं- २कृष्ण- द्र. काष्णर्य- ३कृष्ण- द्र. कार्धन - √कृष्दः

 $a)=\pi$ षि-विशेष-। न्यु. $(1-b)=\pi$ क्ष-विशेष-। न्यु. (1-c)=देश-विशेष-। न्यु. (1-d)=वन्ध-नालय-। वैप ३ द्र.। e) कारीरावतम् इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. बौगृ.)। f) = वादित्र-विशेष-। ब्यु. ?। g) वैप १ द्र. । h) तु. पाका. । कार्कप- इति भागडा. । i)=काकशब्दानुकृति- । व्यु. ? । j)=प्रह-विशेष- । ब्यु. (k) =श्रायुधजीवि-संघ-विशेष-। ब्यु. (k)

कार्ष्मये - - वैश्च माश्रो १,८,३,२६. कार्ष्मये - मय - - याः काश्रो ८,१,१०,६०,६०,३; माश्रो १,५,६; माश्रो १,८,१,१८; विश्रो १,८,१,१८; विश्रो १०,६:९; हिश्रो १०,६:९; हिश्रो १०,५,६५; - याणि श्चापश्रो १५,५,१५; - यान् वौश्रो १८,१,१५; - यान् वौश्रो १८,१३,१३ १३,१३; श्चापश्रो ११,१३,१; वैश्रो; - येन वौश्रो १८,२१:२९; - येः वौश्रो ६,१८:२.

कार्क्मर्यमयी— -यीभ्याम् काश्री ६,५,७; —यीम् काश्री १७, ४, १२; ब्रापश्री १६,१,७; २२,५; ६; बौश्री १०, ३०: ८-१०; माश्री; —य्यी श्रापश्री ७, ८,३; काठश्री; वैश्री १०, ७: २^{१०}; हिश्री ४,२,२७.

कार्चं° - > °८र्थ-वण- पा ८,४,५.

√काल् पाघा. चुरा. उस. कालोपदेशे.
१कालं - पाघ ४,३, ५४; पागवा ५,
२,९७;१००; ४,३; -ल॰ काश्री
१,७,७; -†०लं श्रापमं २,
२१,३१; भाग २, २९:१०;
-लः शांश्री २,५,७; ६,६,२०;
काश्री १२,६,३६; २५,१,३;
श्रापश्री २,२१,२; ५,३,१९;
बीश्री ६,२२:२१××; वैश्री;
या १,६;२,१८;६,३; पावा २,
२,५;-लम् श्राश्री २,१,४;४,३;
८,१४,७;१०²;११; १२,८,

२०; शांश्रौ १३,६, १; त्रापश्रौ; हिंगू १, १२, ४ = १११8; गोगः; -लवोः बौध्रौ २८, ८:६; श्रापध २,१, २; हिध १,९, २; -लस्य काश्रौ १८, ६, ३०; ग्रापश्री २४,४, २०; हिथी ३, १, २८; निसू २, १३: २५; थ्रपः पावा २, २, २५; -लाः वौथ्रो १९, १०: १९ +; बाध्रशी ३. १०२: ३: श्रापगृ २१, १; वाधः पा २, १,२८; २, ५; -लात् वौथौ ६,२२: २४;××; माश्री: पा ४,३,११;४३; ५,१, ७८; पावा ४, २, १०४; ५, १, ५८; - †लाय यापधौ ६, २०, २: बौधौ १०, १८: ११; बाधौ १,५,४, २०; हिश्री ६,६, २४; याधिए: -ले याथी ३, १४, १४××; शांधी; अप १, २१, ४b; या ५,१३; पा २, ३, ६४; ५, ३, १५; पादा २, ३,२८;४, २, ३; -लेंs-ले बौधौ २२, ८: ४: २३, २: १४; जैथीका; या ८,१७; १२, २७; -छैन बौधौ २८,१२:२; जैगृ २,८:१३; अप ६८, ५,५; ६; शंध; -छेभ्यः बौग २,८,३३+; पा ४, २,३४; मीस् ६, २, २७; -लेषु आपश्री ६, ४, ११ ; भाश्री ६, ९, ९; माश्री ५, १, ६, ३२; आप्रियः; वा ३, ४, ५७; -हैं: या ८, ३; -ली हिथी ६, १, २३; श्रामिय १, १, ४ : ३०; ३१; हिए १, 6, 22.

°काल°- पा ६,३,१७. काल-कर्मन्- -र्मणाम् पावा १, ४, कालकर्मक- -काणाम् पावा१,४. 47. काल-कमें(म-ए)कत्व- -त्वात काश्री 4,0,3. काल-काम- -मी शंध २१०. ?काल-कृति— -तौ निस् ५,४:४. काल-क्रमो(म-उ)दित1- -ताः कप्र 3,0,98. काल-गुण-भेद- -दात् काश्री ६, v, ? c. काल-चक-वर्णन- -नम् ऋग्र २, 9,958. काल-ज्ञान- -नम् वेज्यो ५. काल-तस् (:) त्रापध २,१५,१२; हिध २,३,४६; पाशि १०;११. काल-त्रया(य-त्र्या)त्मक- -काः श्रामिगृ २,४,१२: ८. काल-दूत-> °दूतिन्- -तिनः जिंगु २,९: १६. काल-इच्ये(व्य-ए)कार्थत्व- -त्वात् काश्री १,७,१२. काल-द्वय - -यम् विध २८,४. काल-धारणा- -णा ऋपा ११, काल-नष्ट-प(थ>)था।- -थाम् अप 502, 7,90k. काल-नामन् -नामनः पा ६, ३, 90. काल-नियम- -मः गौध १५, ५; -मम् कौगृ २,७, १७; शांगृ २,

99,93.

a) वैप १ द्र. । b) °द्मीयम° इति पाठः १ यनि. शोधः । c) = बृक्ष-विशेष- । ब्यु. १ । d) वैप १, ९ २०० b द्र. । e) = काले । f) सपा. काल <> १कालम् इति पामे. । g) कामम् इति Böht LZDMG ५२, ८३। शोधः । h) अका॰ इति पाठः १ यनि. शोधः । i) पस. > तृस. उप. $<\sqrt{a}$ द् । j) विप. । तृस. > वस. । k) °थम् इति पाठः १ यनि. शोधः ।

काल-निवृत्त्य(ति-ग्र)र्थ- -थेम् पावा ४,३,५३.

१काल-परिमाण- -णम् पावा २, २,५.

२क:ल-परिमाण^a— -णानाम् पावा ७,३,१५.

काल-पाश- -शौ शंघ ११६:

काल-पुत्र^b - न्त्राः अ१ ५२,५,१. काल-पूरण - - णेन आश्रौ १२,३,८. काल-प्रकर्ष - - पीत् पात्रा ३, ३, १५.

काल-प्रयोजन - नात् पा ५,२,८१. काल-प्राधान्य - न्यात् काश्रौ १३, ४.१३: भीस ६,५,४१.

काल-प्रवृत्ति - - तिम् माश्रौ ३, १,३४.

काल-भावा (व-ध्र) ध्वगन्तव्य--व्याः पावा १,४,५१.

काल-भेद--दात् काश्रौ ८,८,३६; १४,३,९; १५,१,२; १९,६, १; २०,७,२५; काश्रौत ५: २; पावा १,१,७०; ४,१०९; मीस् ३,६,२८; ८,१,२४⁰; १०,६,३१; ७१; ११,१,६८; २,१२; २४; ४,३७; ५५; १२,

काल-सन्त्र-हीन- -ने व्यय ३८, ३,४.

काल-प्रात्र - - त्रम् मीस् ४,४,६; ६,५,५०; १०,६,३; ११,३, ४७; -- त्रे पावा ३,१,१३३.

काल-योग- -गात् पात्रा ४,२,३. काल-ल- पात्रा ५,२,९७.

काल-लिङ्ग – -ङ्गानाम् मीस् ६, २,

काल-वचन— **-नम्** मीस्**११**, २, २१.

काल-वाक्य-भेद- -दात् मीस् १२,२,१५.

काल-वाद- -दः शांश्री **१०**, २१,

काल-विधान- -नम् मीस् ६, २, २८; -नात् मीस् ५,४,८^व. कालविधान-शास्त्र- -स्त्रम्

वेज्यो ३.

काल-विधि -धिः मीस् ३, २, ६; ११; ६,२१; ६,४, ४५.

काल-विप्रकर्प- -र्पः शौच २,३९; -र्पाः निस् ६,९: १९.

काल-विभाग— -गे पा ३,३,१३७. कालविभाग-शस्(:) वौध २, ३,५६.

काल-विशेष- -पे पावा २,१,१७. काल-शब्द-ब्यवाय- -यात् पाप्रवा १,११.

. काल-शास्त्र— -स्त्रम् मीस् २,४, ७; ३,६,२९; १०,८,४०.

काल-शेष- -पम् पाग्र ३,१०,४४. काल-श्रुति- -तौ मीस् ३,४,२४. काल-संयोग- -गात् मीस् ११,४,

काल-संशय-त्व- न्वात् याथ्रो १२, ४,२०•

काल-संकर्ष- -र्धात् निस् ६, ९: १४:१९.

काल-लंनिकर्ष- - चें आपभी ९,३, ३; -चेंण हिश्री १५,१,५१.

काल-समय-वेला- -लासु पा ३,३, १६७.

काल समापादन- > °नीय- -यम ज्ञावश्री ९, ७, ३; ४; भाश्री ९, ९, ११; १५; हिथ्रौ १५, २[,] २२.

काल-समुचारण— -णात् पावा **३,** ३,१३३.

काल-संपत्ति— -त्तेः काश्रौ २६, २,

काल-सामान्य— न्यात् हिश्रौ **४,** ५, ६२; मीस् ८, २, १६; **११,** २,६०.

काल-सूक्त- -क्तम् त्राप १०,१,७. काल-सूत्र^०- -त्रम् विष ४३, ६; -त्राणि शंध ३७४.

काल-स्नान- -नम् श्राप्तिगृ १, २, ३: १९.

कारा(ल-त्र)ग्नि-रुद्र¹- -द्रम् शंघ ११६: २.

काला(ल-श्र)तिकम- - मे काश्रौ ७, १, २२; श्राप्तिग्र २, ७, ४: १; पाग्र २, ५, ४१; बौग्र ४,६,२; ११, १; - मेषु बौश्रौ २८, ८: १७; १२: १०.

काला(ल-ग्र)तिनय— -ये हिश्री १५, १,८३: २२,२,९.

काला(ल-श्र)तिपत्ति - -ितः श्राप्तिय २,७, ९: ३२; भाग्र ३, २०: २; -त्ती माश्री ३, १, ३३; **५,** १,७,२७.

काला(ल-ग्र)तिपत्त- -बस्य श्रापश्री ९,७,११.

काला(ल-ग्र)तिपात- -ते श्रप्राय '५. ३.

काळा (ल-श्र) तिरि (क्र≫)का— -क्ता वाध १७ ६९.

कालम(ल-त्र्य) ती (त>)ता- -ताः ग्रम **७०^२, १०, २; -तासु श्रप ३७,१२,१**.

a) विष. । यस. । b)=प्रहर्-शिर-। ℓ) कर्मभे° इति जीसं. । d) क्लिनिर्देशात् इति जीसं. ℓ । e) = नरक-विशेष-। पस. । f) कस.>करा. ।

वैप४-तृ १४

काला (ल-ग्र) त्यन्त-संयोग- -गे पावा ३,१,२६.

काला(ल-त्र)त्यय - -येन त्र्याश्री ३, १२,१९.

काला(ल-त्रा)दि- -दिषु पावा ३, १,९४.

काला(ल-ग्र)ध्वन् -ध्वनोः पा २, ३, ५.

काला (ल-न्ना) नन्तर्य-धर्मानुमह--हेभ्य: काश्री ४,३,९६.

काला(ल-श्रा)नुपूर्वी— - वर्षा वेज्यो ३. काला(ल-श्र)नुवाद – - दम्या १२, १३.

काला (ल-स्र)न्तर — -रम् काठश्रो १०३; लाश्रो ८, ८, ४४; — रे काश्रो १,८,६; स्रापध २,१,५; हिंध २,१,५; मीस् १२,३,१५. कालान्तर-भोजिन् — -जिनः वैध १,८,१.

काला (ल-अ) न्यत्य- -त्वम् पावा ३,४,१.

काला (ल-ऋ) पनय— -यः ऋापश्रो १९,१८,१५.

काला (ल-ऋ)पराध- -धात् मीस् ६, ५, १.

काला (ल-त्र) भाव— -वात् काश्रौ १२,६,३४.

काला (ल-ऋ) भिनियम- -मात् श्रापध २,१६,७; हिध २,५,७.

काला(ल-ग्र)भ्यास- -से मीस् ८, ३, ६.

काला(ल-त्र्य)र्थ-त्व- -त्वात् मीस् ६,४,४३. काला(ल-श्र)विभाग- -गात् पावा ३,२,१२३.

काला(ल-म्र)ब्यवाय- -येन ऋप्रा २,२.

काला(ल-स्र)व्यवेत— -तेषु स्राप्रो २४,१,४०.

कालिल-पा ५,२,१००.

काले-ज- पा ६,३,१५.

कालै(ल-ए)कत्व - -त्वात् मीस् ११, ४,५४.

कालो(ल-उ)कर्ष- -र्षः मीस् ५, १,२१.

कालो (ल-उ)पसर्जन- -ने पा १, २, ५७.

श्काल्य,ल्या— पा ४, ३, ५४; ५, १,१०७;पाग६,२,९३१; —ल्यम् श्चाप्तिग्र ३, ७, ३ : ८; बौपि २, १,३; —ल्या पा ३, १, १०४; —ल्याम् बौश्रौ २०, १ : ४७; ४९; ५२; श्चाप्तिग्र ३,७,३ : ८; बौपि २,१,३.

२काल^a- पात्रा ८,२,१८^b; पागवा ५, ४, ३; -लेन श्रापथ्रौ **१९,५,**७; हिथ्रौ २३,१,६.

काली- पा ४. १, ४२; -लीम् कामृ १९, ७°.

कालिका− का श्रप **६८,**२, ~~

काल-क, °िर्का^d – पा ५,४,३^e;३३; –क: त्राप ६८,२,३१.

> कालक-वन¹— -नात् वाय १,८; बौध १,१,२५⁸. कालका-भू^b— -भुम् श्रापश्रौ

२०,२३,१; हिथ्रौ १४, ५,११. कालकेय¹— -यान् बृदे ७,५३.

काल-क(र्ग्ग >)र्णी- -र्णी शंध १०१; विध ६४,४१, -र्णीम् विध ४८, १९¹.

काल-कर्णी $(\sqrt[4]{u}-3)$ पेत- -तः या ६,३०.

काल-ने(त्र >)त्रा h - -०त्रे कौस् १०६, ७ \dagger :

काल-बुन्द्^h— -न्दैः कौस् ३२,८. काल-रात्री^k— -त्रीम् वौध ३,६,६¹

काल-वाल^h- फि ७२.

काल-विहीन¹ - नम् वैग् ४,११:१. काल-शकुनि - निः श्रप १,३२,३.

काल-शाक-- -कम् विथ ८०, १४. कालशाक-- च्छाग-लोह-खड्ग- मांस m - -से: गोध १५,१५.

काला (ल-म्र) नुशातनⁿ— -नेन ग्रापश्रो १९,५.७, हिश्रो २३, १.६.

काला(ल-ग्र)म्बुद्-परिस्नाव- -वाः श्रप ६४,१०,५; -वैः ग्रप ६३, ५.४.

कालां(ल-त्र्या)यस— -सस्य वौश्रौ १५,१५ : ७; -सान् वौश्रौ १५, १५ : २; -सेन त्र्यापश्रौ १९, ५,७; हिश्रौ २३, १, ६; -सैंः बौश्रौ १५,२८ : १३;३० : २६; ३३ : २.

कालायस-कृत् -कृतः बौधी १५,१५:१.

कालायस-त्सर^b— -रूज् बौधौ १५, १५: ३.

a) =कृष्ण-त्र्र्ण-, तहत्- । व्यु. ? । b) तु. पागम. । c) देत्री-विशेष- । d) तिष., नाप. । e) °का- = सुरा- । f) = पर्वत-विशेष- । वस. । g) कालकात्, वनात् इति काचित्कः पामे. । h) विष. । वस. । i) व्यप. । त्र्यरयार्थे ढक् > एपः प्र. । j) सपा. °कर्णीम् <> °रात्रीम् इति पामे. । k) = कृत्या- (र्. गोविन्दस्त्रामी) । समासः ? । l) विष. । तृस. । m) तु. Bühler । हस. उप. हस. >पस. । लोह- = रक्त-छाग- । n) कस. उप. = उपधान- (तु. हिश्री.) ।

कालो(ल-उ)दक⁸- -के विध ८५, ?कालकमेविवभूः वाश्री ३, ४, ५, काल-काञ्च^c- - आः त्रप्रा ३,४,१‡व. कालकीर- कलकीर- इ. कालकीतक° - -कस्य कौग् १,१५,91. कालकृटि- कलकूट- इ. कालकीतक^e- -कस्य शांग्र १, २३, कालनक- कलन- इ. कालप्रविष- -वयः वौश्रोप्र २७ : ८. कालवव^b-> °वविन्- -विनः निस् 8. 3:90:0:6: 9, 93: कालववि-ब्राह्मण- -णम् श्रापश्रौ 20,9,9. कालमृप¹- -पाः त्रप १,७,१०. कालश्य ह - -यः बौध्रौप्र ४१: १३. कालशाक- कलश- द्र. कालशेय- कलशि- इ. १काला¹- पाग ४,३, १६७; -लाम् त्रामिगृ ३, ५, ५ : ६; वौषि १, 8: 4. २काला⁸- - हा बृदे ५,१४४. कालाप- कलाप- इ. १कालायन- कला- इ. २कालायन - नाः बौश्रीप्र ४९: १.

कालाल1- -लम् माश्री १,८,२, ३०;

2,9,8,33.

कालिङ्ग- कलिङ्ग- द्र. कालिन्द-, ॰न्दी- कलिन्द- इ. कालिल- १काल- द्र. कालिट्य- कलिव- इ. कालृतर- कल्तर- द्र. कालेता"- -ता चच्यू २: १६. १,२कालेय- २कलि- द. कालोप"- -पाः चब्यु ३:४५. कारिक - - स्कयः वौश्रीप्र ४८: ५. काल्प्य- √क्लप् इ. १काल्य- १काल- इ. २काल्य^ड- (> ल्ल्यायन- पा.) पाग 8,9,88. ?काल्यताम ° भाग ३,१४ : २३ ‡. काल्याणक-,°णिनेय- कल्याण- इ. काच- कवि- इ. कावचिक- कवच- इ. का-विराज् - किम्- इ. काविल्य-कविल द. काची- कवि- इ. काचेरणि- काठेरणि- टि. इ. काट्य-,काट्यायन-,°नी- कवि- इ. √काञ् पाधा. भवा., दिवा. आत्म. दीती, काशति अप ४८,५८. चाकशीमि पावा ७,३,८७. १काश- -शे पा ६,३,१२३. काशन- -नात् या १२,२५. †१काशि - -शिः निघ ४, ३; या ६,१; ७,६; -शीन् कौस् २१, v: 28,2; 80,38.

†चाकशत् - -शत् त्रापमं २.१६. २; ५; भाग्र २, ७ : १०; १६; हिमृ २, ७,२. चाकश्यमान- -नेषु काश्री ४, १५, २कारा'- पाग ४,२, ९०8;३,५४^{t)॥}; -शाः अप १,६,३; शंध ११२; वृदे ७, ७९: -शान वैश्री ११. १०: ८; विध ७९,२; -शानाम् त्राप्तिगृ ३, ८, ३:४ ‡; कागृ ध्य, ६; बौषि १, १५: ७६ +; -शैः शंध ११२. काश-कुश- पाग २, २,३9t. काश-ज- पा ६,२,८२. काश-दिविध्वक-वेतस--सान कौसू ४०, २. काश-मय- -ये द्राश्री १४,२,६; लाश्री ५,६,९. काश-स्तम्ब- -म्बम् आमिगृ ३,८, १: ९:३: ६: बौपि १,१४: ९; 94: 00. काश-हस्त"- -स्तः शंध ५९. काशीय-पा ४,२,९०, १काइय- पा ४, ३,५४. ३कारा^ड- पाग ४,१,११०. काश-कृत्स्न"- पाग ४, २, ८०"; -त्स्नः बीगृ १,४,४४; -त्स्नस्य हिथ्री २१, २, ३४; -रस्नाः वौधौप्र ३ : ६. काशक्रस्नक- पा ४, २,८०.

a)= तीर्थ-विशेष-। वस.। b) पाठः ? कालकाभ्रु -1द्र.]>-भ्रः इति शोधः। <math>c) वैष्ठ ? द्र.। d) पामे. वैष ?, 9 9 c 1 द्र.। e)= चृक्ष-विशेष-। eयु. ?। f) सपा. ° लकि ° <> ° लकि ° < > <math>° लकि ° > <math>° लि ° > <math>° लकि ° > <math>° > ° > <math>° > <math>°

काशकृत्स्नि"- -िस्तः काश्रौ ४, 3,90, काशायन- पा ७,१,११०. **४काश**⁵−(>काशिल°− पा.) पाग ४, काशपरी d-(>काशपरेय- पा.)पाग 8, 7,90. काराफरी d - (> काराफरेय-पा.) पाग ४,२,९७^e. काशायिन्- कशाय- द. श्काशि- √काश् द. २काशि¹- (>काइया- पा.) पाग ४, 9,60. ३काशि, शीं - पाउभो २,१,१६६ h'1; पाग ४,२,११६; फि ५७. काशिका,की- पा ४,२,११६. काशि-पारियात्र-कुरु पाञ्चाल- -लाः श्रप ५६,१,२. काशि-राज- -जः ऋग्र२,१०,१७९. काशि-विदेह- -हाः बौधौ १८,४४: काशी(शिर्ड्) इवर^k- -राय आमिगृ १,२,२ : २३; हिए २,१९,६. २काइय1- पाग ४,१,९९; - इयस्य वृदे ६, ४२. काइय-वैदेह- हयोः शांश्री १६, २९, €. काइयायन- पा ४,१,९९. काशीत m--तम् लाश्री ७,२,१; निस् ३,१०:१०;७, १२:७; -ते लाश्री ७,१०,६.

काशीय- २काश- द.

काशीवाज"- -जाः वौश्रौप्र १०:४. काशू- पाउ १,८५. काइमर्थ°- फि ७६. काइमर्यो(र्य-उ)दुम्बर- -रः श्रप २३,६,५. काइमीर-, °रक-, °री-, °र्य-कश्मीर- इ. १कार्य- २काश- इ. १काश्यप- कश्यप- इ. २काश्यप^p− -पम् श्रप ७०^२, २०, १; 903,90, E. काश्यपायन-, °पिन्–, °पीय-, °पेय-कश्यप- इ. काइयातप"- -पाः बौधौप्र ४१: ४. काषाय- १क्ष्याय- इ. काषायिन् - २कषाय- इ. काप्टरेवि"- - षयः बौश्रौप १२: १. काष्ट्य- √कष् इ. काष्ठ्रव- पाउ २, २; पाग ४,२, ९३; ६,४, १५३; पावाग ८,१, ६७; -ष्टम् काश्री १५, ४, ३१; २५, ३,२; ब्रापथ्रौ; -ष्टयोः गोय ३, १०, २९; -ष्टात् कीय ३, १०, ३५; शांगः; -ष्टानाम् बौश्रो २२, १७: १७; बौध १,६,२४; शंध १६४: - ष्टानि श्रापश्री २, १२, ५:१२,३,५; बौधौ; -ष्ठे आमिय ३, १०, ३: २२; कीस् ८७, १९‡; बाध १२, १५: - छेन वैधी १२, ६: ८; पाए; - छेनु ब्राथी ३,१४,१६; -धैः ब्रापधौ १६,११,१; वेथों.

काए-कलाप- -पम् आग्निगृ १, १ ४ : ३११^r; हिगृ १,८, २. काष्टकीय- पा ४,२,९१. काष्टक- पा ६, ४, १५३. काष्ट-जल-लोष्ट-पाषाण-शस्त्र- विष-रज्जु- -ज्जुभिः वाध २३,१५. काष्ट-मय- -यः वाध ३, ११; -यम हिपि १५: ६. काष्ट-मौनिन्- -नी शंध ३९०. काष्ट-रज्जु-स्वक्-धर्म-चीर-वेणु-विद्-ल-पत्र-पर्ण- -र्णानाम् काथ २७७: १२. काष्ट-वत् वाध ६, ३२. काष्ट-शक्-स्थातृ- -ता पाता८,२,२२ काष्ट-संघात- -तैः अप २३,५,२. काष्ट-स्थ- -स्थः नाशि १, ६,५७. काष्टा(प्र-या)दि-प्रहण- -णम् पाचा ८,१,६७. काष्ठा - फि ५७; -ष्टा दौथी ११, ७: ३७; ऋापभ्र १,२२, ७; हिध १,६,७; या २,१५३; वेज्यो ३९; -ष्टाः श्रापश्री १७, १८, १‡; **‡**ग्रथ ४८, ७५; ९९; निघ १, ६‡; या २,९५४ं∮; ७,२३‡∮; -ष्टानाम् या २, १६‡; वेज्यो ३०; - ष्टाम् ग्रापश्रो १८, ३, १५; बौश्रौ; -ष्टायाः या९,२४‡; - † ष्टाम् आपश्रो १७, ८, ७^२; साओं ५, २, ३, ९; १२^६; वैश्रौ १९, ५: ५१2; - हे बीधी २६, २९ : ५;७;-ष्टोम् ^६ आपश्रो १९,

२३,१; हिथ्रौ २२,४,१७.

काष्टा-गमन- -ने बौधी २२, १४: काष्मर्य°- -र्यः कौगृ २,६,९. काष्य-, ° व्यायणी- २कप- इ. √कास b पाधा. भवा. श्रातम. शब्द-कुत्सायाम्, चकासति सु ४, २कास,सा^त- -सम् त्रापध २,३,२; हिध २,१,३३. कासा-देवता- > °वत्य- -त्यम् अय ६,१०५.

कासिकाd- -का वौथ्रौ २, ५:

994. १कास- √कम् इ. कासक्तिक - - कः गोगृ १,२,२५. कासर- पाउमी २,३,३८. कासाम्बव- कसाम्ब-इ. कासार- पाउ ३,१३९. कासू- पाउभो २,१,११६. कासृ-त(र>)री- पा ५,३,९०. का-सृति- किम्- इ. १कासीवलदादीष्यध--धाः अप १, v. c.

कास्तीर'- पा ६,१,१५५.

काहल- पाउमो २,३,९९.

काहय- कहय- इ.

†काहाबाह⁰ - हम् अप्रा ३,४, १; दंबि २,३. काह्य- कह्य- द. काह्ययन -नाः बौश्रौप्र ३: ११; 86:0. काह्योदङ्क - - इतः वीधीप्र १७: ६.

√िक पाधा. जु. पर. ज्ञाने, चिक्यत् निघ ३,99^{‡h}. किंशके अप ४८,५ . किंशारु!- पाड १, ४: -रु बौधी १, ५: ४; १४; वैश्री ४, ४: ८; -रूणि बौथ्रौ ६, २३: ७ ; १4.9:8. किशिल - -०ल बौथौ १०, ४४: किकिटा ०० टा√क > °टा-कारम् ११; -छः तेत्रा १६, २५; -लाय शुप्रा ५,३७. किंश्का- पागम १०७; -कः अप ५२, ५,२; -कम् या १२, ८; -कानि श्रापगृ १८,६; हिंगु २, 94,3;4. किंद्युक-होम- -मः हिए २, १६, 99. किंशु(क>)का-गिरि- पा ६, २, किंशका(क-ग्राभा >)भ- -भः त्रप २९,१,४. किंगुका(क-ग्र)शोक-पद्मा(ध-ग्राभा>)भ- -भः ग्रप २१, v.3. किंशलक k-(> कि) का-गिरि-पा.) पाग ६,३,११६. किस- पाग ८,३,११०. किंस्त्य1-> किंस्त्य-नाभि-पिष्पली--ल्यो कौस् १०,१६. ?किंस्त्य-श्वजाग्वीलोदकरक्षिकाम-शकादि"- -दिभ्याम् कौस् ३०,

३१,9६. किकि।, की "दी।,दिणविव- पाउ ४, ५६; - †वि: श्रापश्रौ २०, २२, १३: बौथ्रौ २६,११ : २१;२२; हिथ्रौ १४, ५, ९; -विम् बौथ्रौ १५ ३७ : ८; -व्या पावा ७, 3,909. बौध्रौ १४,१५: ६. †किक्टिंग कुँख) बौधी १४, १५:६; ७; ८३; ९, चात्र १३ : ४. किखि- पाउमो २,१,१७६. किङ्कण- पाउमी २२,१२८. किङ्कणीका- पाउना ३, ५८. १किङ्गा,छ।°- (> केङ्गगयण-°लायन- पा.) पाग ४, १, २किङ्कर- किम्- इ. किङ्किणि^p- - िणम् आपग् १८, किङ्किणिका- पाउदु २,६६. किङ्किणीका- पाउमो २,२,२०. किञ्जलक- पाउमो २, २, ६; पागम 200. किञ्जलका(लक-य)रविनद्-संनिभ--भेष अप ६५,१,६. √िकट पाधा. भ्या. पर. त्रासे गतो च. किट्किडा^व>°डा √क>°डा-कार-·रः ऋत २,१,१º. किंस्त्या(स्त्य-था)दि- -दीनि कौस् किंग्च^र- पाउना १, १४०; पाग **५**,

a) पृ ८६४ a टि. इ. । b) पा ३,१,३५ परामृष्टः इ. । c) दीप्ती वृत्तिः । पामे. वैप १ प्रकाशते खि २,१,४ टि. इ.। d) वैप १ इ.। e) ऋर्थः व्यु. च ?। = सोर्छाप- इति भाष्यम् , ?old. च । f) = नगर=विशेष- । $g)=\pi$ र्हप-विशेष- । ब्यु. ? । h) दर्शने युक्तिः । i)= धान्य-ग्रूक- । ब्यु. $?{<}$ किस् $-+{\checkmark}$ शृ इति श्रभाः । j) नाप. । वैप ३ इ. । k) स्रर्थः ब्यु. च १ । l) = शङ्ख-विशेष- । ब्यु. १ । m) पद-विभागः १ । n) पाउ. o) ब्या. । ब्यू. १ । p) नाप. । ब्यू. १ । q) डाजन्तम् ऋव्य. । पाठः । तत्रैव वृत्तौ भूवांसः पाभे. । r) = सुरा-किट्ट- । व्यु. ? ।

94.

१,४. किण्व-कार्पास-सूत्र-चर्मा(र्म-श्रा) यु-धे(ध-इ)ष्टका (का-श्र)ङ्गार--राणाम् विध ६,१६. किण्व-हस्त⁹- -स्तेन श्रप १,३०,४.

किण्व-हस्त³- -स्तेन श्रप १,३०,४. किण्वीय-, ^{००}व्य- पा ५,१,४.

√िकत्^b पाधा. भ्त्रा. पर. निवासे रोगापनयने च, जु. पर. ज्ञाने^c, चिकेत ऋप्रा ८, ४५^d; चिकिद्धि कौस् ४६,५४[†].

> ‡चिकेत शांश्री १०,५,४; ऋश्र २,५,६५; चिकिते या ६,१०‡. ‡चिकित्सत° श्रापश्री १३,१०, १०; वीश्री ८,१०:१७; वेश्री १६,१२:१३; हिश्री ९,३,३३; वीग्र १,९,६; ‡लचिकित्सन् श्रापश्री ४,८,३; भाश्री ४,१२,१; हिश्री ६,२, १९; चिकित्सेत वीध २,१,२६; चिकित्सेत काश्री २५,१३,१९.

†केत— -तः आश्रौ ८, १३, ९; शांश्रौ १०, १४, ४; बोश्रौ ३, ६, २७; वैग्र ५,४: ५; हिश्रौ ३, ६, २७; वैग्र ५,४: ५; नीष २,६,२२; निष ३,९‡; —तम् वौश्रौ ११,२: ३; जेग्र १,३: ८; ऋप्रा ७,३८. कृत्र १,३: ८; वौश्रौ ११, २: ३; जेग्र १,३: ८.

केता - -ता पाग्र ३, ४,१४ - केतु - पाउ २, १,५९ के, - †तवः

आपश्री १६, १२, १; बौशी
८, ५:७; १९, १०:५०;
बाश्री ३, २, १, ६२; देशी
१८,१०:९; हिग्री ८, ४,२७;

११, ४, १३; वैताश्री -९, १६; जैगृ १,४: ९: कीस् १८, २५; ५८.२२: श्रप ३२,१,२२; ५२, १२,३;१३,४;१५,२; श्रश्र १३, २; या १२,१५०; - ‡तवे वौधौ ६, १६: १३; श्रापमं २, २१, ७: श्राप्तिगृ २, ५, १:३२\$; - †तः ग्रापश्रौ ९,१८,१५; १९, १२,२; बौथ्रौ १९, ३: ५; ५: २४; २८, ७: १२; माश्रौ २, ४, १, ३६; हिश्रौ २३, २, १३; वैताश्री ३९, १६; श्रापमं १, १६, २; २, ११, २६; श्रागृ ३, ६.८: मागृ १, ३, २; वैगृ ४, १३ : ३S; हिगृ १,१७,४; जैगृ २, ९: २१\$; अप ४८, ८४; \$48, 9, 8; 3, 9; 48, 9, ४\$; ६३, ३,६\$; ऋয় २,१०, १५६S; सात्र २,८७७S; श्रय १३,२; निघ ३,९; या ११, ६; उस ४,१७; दंबि १,७; - †तुना श्राश्री ३,१२,१८; काश्री २६, ४,१६; त्रापश्रौ ९,७,१०; १५, १०, १०; बौश्रो ९, ८: २३; 99: 22; 92: 99; 88, २४ : २१; २९,३ : १५; माध्री ९,१०,९; ११, १०, ६; माश्रो ३,२,१५; ४,३,२७; वैश्री १३, १२: १२; २०, १३: २; हिथ्रौ १२,६,६; १५, २, २७; ८, ४; त्रामिगृ ३,६,१ : २०; वौषि १, ८:१७; हिपि ७:१०; ऋत्र २, १०, ८; बृदे ६, १४७; शुत्र ४,८६; साद्य १, ७१; या ११,

२००; भाशि १२१; - चतुभिः त्राधौ २, १, १७; श्रापश्रौ ५ १,२; बौश्रौ २,६:३५; १२: १०; माश्री १, ५, १, ९; हिश्री ३, २, १; वैताश्री ७, ५; अपं ३ : ६८; श्रप ७०, ८, ३८: -तुभ्यः श्रामिगृ २, ५,१ : २१ !: - †तुम् त्रापश्रौ १,४,१५; १४, २९,३; १९,३,५; २०, १६,३: २४, १३,३; बौश्रौ १५, २४: ५; १७,३८: २; भाश्री १, ४. १५; माश्री १, १,१,४६; वाश्री १, २,१, २७; ३, ४, ३, २७: हिथी १, २,५१; १३, ८, ३०; १४,३,२६; १५, ७,१६; श्रापमं २, २०, ३१¹; पागृ ३, ३, ५; श्रामिष्ट २, ५,१: ३१; वैष्ट १, ४: ११; ४, १४: ४; जेंगृ २, ९: ६; ११; ३१; अप्राय ५,६; शंघ ११६ : ४८S; वौध २,4, २३; शुत्र ३, ११३; या १२, ७ ф; -त्नाम् अप ३१, ४, ४; ५४,२,३; ५५,१,४; चात्र २: १५: १५: ३; -तोः आप्रिय २,५,१ : १७; ३६;४६; वैग् ४, १४: १३; जैंगृ २, ५: १३; १६; २४; २७; ३२; ३४. केत-पीडन- -नेन श्रप ५१,

† केतु-मत् - मत् त्रापधौ २०,

१६, १४; -मद्भिः श्रापमं २,

१८, १०; आसिमृ २,५,८:११;

बौगृ २, ७, १६; भागृ २, ८:

५; हिंगू २, ८, २; चात्र १७:

a) विष. । बस. । b) पा ३,१,५ परास्तृष्टः इ. । c) तु. BPG. d) पामे. वैप १,६१४ \times इ. । e) पामे. वैप १, १११० i इ. । f) स्त्री. भावे अः प्र. । g) = प्रकाश-, प्रार्थिस्-, ध्वजा-, प्रह-विशेष-, ऋषि-विशेष- । वैप १ ह. । h) $< \sqrt{a} < \sqrt{d}$ इति । i) पाठः १ केतवे इति संभाव्येत (तु. श्रत्रेव शुकाय प्रमृ.) । i) पामे. वैप १, ११११ हह. ।

१०; -मन्तम् शंध ११६ : ६\$; -मान कीय ३,१२,२९. केतु-संचार- -रम् श्रप ५४,१,१.

केतू (तु-उ) दय- -ये काध २७६: १.

चिकित् 8-> °िकत्-त्र--वम् श्राश्रौ ४,१२,२b.

†चिकितान- -oन श्राश्रौ ७, ११, २२; ऋग्र २, ५, ६६; -नः आपथ्रौ १४, २९, ३; बौध्रौ ९, ७ : १५; हिश्रो १५, ७, १६; श्रप्राय ५,६.

चिकिति"- -ति: नाशि २,३,१७ +. †चिकित्वस् - नुपे शांश्रौ ९,२८, ३°; बौश्रौ; -०त्वः या ६,८‡व; ऋपा ७, ५४; -त्वान् श्राधौ २, १७, १०; काश्री; हिश्री २, १, ५०^{१0}; या २,११; ८,५.

चिकित्सक- -कः वाध ३, ३; -कस्य श्रापध १, १९, १४; वाध १४, १९; शंध ४३४; हिध १, ५, ११६; -कान् विध ८२, ९.

चिकित्सक-मृगयु-पुंश्वली-दण्डि-क-स्तेना(न-अ)भिशस्त-पण्ड-पतित- -तानाम् वाध १४,२.

चिकित्सा- -त्सा शंध ४; शुप्रा ३, १२९; -त्सायाम् श्राज्यो ४,८.

चिकिरिसत- पाग ४,१,१०५ ;२, १११1;-तम् हिथ्रौ १४,१,२५रे. चैकिरिसत्य- पा ४,१,१०५.

चैकित्सित- पा ४,२,१११. चिकित्स्य- -त्स्यः पा,पावा ५, २,

चेकितत्- -तत् लाश्रौ ८.५,२२ न. †चेकितान- -नः हिश्रो २१, २, ३५; -नम् बौथ्रौ १०,३६: ९; माश्रो ६, १, ८,१०; वैश्रौ १८, २१: २७: हिश्रो ११, ८, १४; श्रापमं १,११,१; काय ३०, ३; ६०,५; मागृ १, १४, १६; वागृ १६,१; चात्र ४०: २१८.

कित b- (>कैतायन- पा.) पाग ४, 9,990.

कितक- (>कैतकायनि-) २कितव-टि. द्र.

१कितव - पाउमो २,३, १३४; पाग 2,9,80; 44; 8, 2, 90; 4, १. १३०; -वः शंध २०१; या ५, २२; - बम् वृदे ७, ३७; -वस्य शंध ४३४; अप ४८, १२९+; शांथ्रो; -वाः त्रागृ२,७, ११; -वात् या ३, १६; -वान् माथ्रौ १,५,५,८; १३; अप्रा ३, ४. १ +: - वासः श्राप्तिगृ २, ५, 90:29#.

> कितवी- -बी श्रापृ १,५,५. कैतव- पा ५,१,१३०.

कितव-वध-काम- -मः श्रश्र ७, 40.

कितव-व्यवहार- -रे पावा२,१,१०. कितवीय- पा ४,२,९०.

रिकतव h- पाग छ, १,११०; १५४1. केतवायन- पा ४, १, ११०; -नाः बौध्रौप्र ७: ३.

कैतवायनि- पा ४, १,१५४; -नयः बौधौप्र ३२: २.

कितवाराय^h - - यस्य निस् ७, १०:

किदर्भ। (> कैदर्भ- पा.) कन्दर्प-टि. इ.

? किंतना- अप ६५,२,२.

किन्दर्भ-(> कैन्दर्भ- पा.) कन्दर्प-

किंदास b- (>कैंदास-,> कैंदासा-यनk- पा. यक.) पाग ४, १, 908:900.

किन्नर1- (>कैन्नर- पा.) पाग ४,३,

किम् °->३क,का-कः आश्री १, २, १ ‡; ४, १२, ३ ‡; शांश्री; या ११, ४ +m; १४, २५; २६; पा ७,२, १०३; क(:>)स S कः पाग ८, ३, ४८; कम् आश्रौ १, ३, १३; ५, ६, ६; शांश्री; श्रापश्री ३, १४, ३१°; †या ६, ३५००; †कया श्राश्रौ २, १७, १५; शांश्री; कस्मात् काश्री २५, ५,२५; निस् ८,१३:२७; स् २०, ३; या १,४; कौशि २४; कस्मिन् ग्राश्रौ २,१, ११; १४; भाश्रौ; †कस्मै आश्रौ ५, १३, १५; शांथी; कस्य †शांथी १४,१६,९; १५,२२, १; वाध्यो; कस्याः श्राश्री ४,१३,१; बौश्री १,१३: २५; माश्रौ २, ३, १, २; वैश्रौ १५,३: १०; कस्ये शांश्री १४, ९, १; ‡का आधी ४, ६, ३; काथ्रौ; -काः आधी २, १३,३; बौध्रौ; या ७, १३; कान् भागृ २, १:१६; कौस् १३५,९‡; वाध १२, ४७; कां(न्>)स ऽकान्

a) वैप १ द्र. । b) पाभे वैप १,१११० b द्र. । c) पाभे. वैप १,१११२ d द्र. । d) किप. इति दु. ।. e) °त्वत् इति पाठः? यनि. शोधः । f) व्यप. । था. श्रर्थः ? । g) °तानानः इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. ते भ, ७,२,१)। h) व्यप. । व्यु. i) कितक – इति [पक्षे] भागडा. । j) श्रर्थः व्यु. च i। k) के॰ इति पाका. । l)= देश-विशेष-। व्यु. ?। m) पामे. वैप १,१११३ f इ. । n) पामे. वैप १, १११३ g इ. । o)= अन-। ऋत ४, २, ५; पा ८, ३, १२; कानि शांश्री १६, ६, १†; श्रापश्री; काम्याम् लाश्री ८, ६, ११; काम्याम् लाश्री १६, २, २१; काश्री; कासु ऋप्रा १४, ६०; †के ब्राश्री २, ९, १४; शांश्री; केन †श्रापश्री २१, ११, १३; वाध्रुशी; केम्यः निस् १०, १०: ५; केपाम् लाश्री ९, ४, २७; †केपु शांश्री १६,६,१³; वैताश्री ३७,१³; वृदे २, ७५६; कै: चव्यू ३: १३; की या १२,१.

कतम,मा- पा ५,३,९३; पाग १,१, २७; - माः शांश्रो १७, ८, ७; श्रापश्री; -मत् श्रापश्री १, ५, ५ ; बौश्रो; या २,४ ; १३,१०; -मस्य शांश्री १५, २२, १‡; -मस्ते काष् ३४,४ +; -मा बौधौ २५,२४ : ३०; वाध्यो ४,५०: ३; -माः बौधौ २५, ३०: ९; वाध्रुत्रौ ४, ५३: ३; ९०: १२; -मानि वौश्रौ २५,७: १; २४: २७;२६,१७: ४; निस् २,११: १८; या १३,९; -माभ्यः भाश्री ९,६,३; -मे बौथौ २५,१०: ३; २६,९:६; २७: १०; निस् १,90:9; 6; ३, १२:9%; -मी वाध्यी ४,४५: १.

कतर,रा- पा ५,३,९२; पाग १,१,
२७; -र: आश्रो ३,६,३; बोश्रो;
या ७,३० †; -रत् शांश्रो १२,
१७, १ †; बोश्रो २४, १९: ७;
२५,१०: १; बाधूश्रो ४, ६४३:
७; -रस्या: सु २०,३; -रा आश्रो
७,७,८; शांश्रो १०, ८, १४ †;

बौध्रौ २०, १९: ३५; ऋघ २, १,१८५‡; बृदे ४,६१‡; या ३, २२‡; –रा: वासूऔ ४, ६७: ९; –रे बौध्रौ १८, ४६: ५; –रेण वासूध्रौ ३,९२१. कतर-कतम– -मी पा २, १,

६३;६,२,५७. कित— पा ५, २, ४१; - कित— पा ५, २, ४१; - ित काश्रो २०,७,१३; श्रावश्रो ८,६, २०; काटश्रो;—ितिभः वाश्रो १, ७,२,२७; —ितभ्यः बृदे १,२३. कित-थ— पा ५,२,५१. कित-था गोध २५,१. कित-प(τ)दा $^{\circ}$ — -दाः श्रप ४१,५,२. कित-पय— -याः लाश्रो ९, ४, २१: —यान् शांश्रो १७, ६, ६;

—में वैश्रौ २०,३ : १. कतिपय-कृत्वस(> :) हिश्रौ १,५,७२.

कतिपय-थ- पा ५,२,५१. कतिपया(य-ग्र)ह- -हेन शांश्रौ १७,१,२. कत्य(ति-ग्र)क्ष(र>)रा^ड- -रा श्रप ४१,५,२.

कश्चम् श्राध्नौ ८,३,१७; १२,१०, १; शांध्रौ; पा ५,३,२५; पाग १,४,५७. कथं-कारम् पा ३,४,२७.

कथ-चित्-(> कार्यचिक-पा.) पाग ५,४,३४. कथम- -थिम पा ३, ३, १४३.

कथ्रा श्राथ्रौ ७.५,२०; शांश्रौ ११, ४, १०; काथ्रौ १०, ३, १३; श्रापथ्रौ ९, १०,१२; बौथ्रौ; पा ५,३,२३;२६. कथो(था-उ) श्राश्रौ ९, ५,१६. †कद्⁰—, कत् श्राश्रौ ७,४,६;७,७; शांश्रौ ३, ५,६××; १२,१८,१९; निघ ३,६; या ६,२००; पा ६, ३,१०१६. कचित्^d पा ८,१,३०; पाग १, ४,५७.

कत्-तृ(ग्र>)णा-पा६,३,१०३ कत्-त्रि-पाश ६,३,१०१. कद्-अध्वर्यु- -र्युः वौश्रौ १७, ४५:४².

कद्-अर्य- र्यस्य शंध ४३४; -र्याय वौध १,५,८१.

कर्य-दीक्षित-बहा(द्र-क्षा) तुर-सोमविक्रयि-तक्ष-रजक-शोण्डिक-सूचक-वार्धेषिक-चर्मा-वक्रन्त- -न्तानाम् वाध १४,३. कदु-उदग- पा ६,३,१०७. कद्-रथ- पा ६, ३, १०२; -थः शांथी २,५,२७. कद-वत् - वत् शांश्री १५, २, ९; वाध्रश्री ३,६९ : ३८; -वतः श्राश्रो ७, १,१५; ८, ७, १०; शांश्री ११, ११, १०; १२, २; -वताम् आश्रौ ८, ४, १६; -वद्भ्यः त्राश्रो ७,४,७;-वन्तः प्राध्नो ७, ४, ६; ८, ४, १५; शांथी १३, २४, १८; -वन्तम् शांश्रो १२, ६, १०; -वन्तौ शांधो १२, ६, १; -वान् शांधी १२,४-५,१; १६, २१,२५;२८; ३०; वैताश्री ३५,१२.

कद्वती- न्यः काश्रौ १६ १,४०.

कद्-बद्- पा ६,३,१०२. †कदा आश्री ४, १३,७; शांशी २,

a) विष. । बस. । b) वैष १ ह. । पात्र. । ६,३,१०१। < छ- इति । c) पाभे वेष १,२४४१ d ह. । d) निपातसमाहारू: इ. ।

१२,७; काश्रौ**१०**,३,४; त्र्यापश्रौ; \$पा ३,३,५; ५,३,१५; \$पाबा २,१,६९;५,३,७२^२.

कयाजुभीयº- -यम् शांश्रौ ११, २, ४; ११,९; १३,५, १५; १५,२, ९; ७, १; श्रापश्रौ; चाश्र ४१: ६१⁰; -यस्य श्राश्रौ ७, ७, ६; माश्रौ५,१,६,४४; -यात् शांश्रौ १०,११,१२; -ये जुस् १, ८:

कयाशुभीय-तिद्दासीय— -ये ब्राध्नो ९, ८, २२; १०, ५,२२; शांध्रो १४,३९,९; ८४,५; १६, २१,३१; २३,१८.

किं कौग्र १, ६,७; शांग्र १,६,८; वाध; पा ३,३,५; ५,३,२१.

कच->कच-पथ- पा ६,३,१०८. कचो(व-उ)ज्ज- पा ६,३,१०७; -जो शांश्रो ४,१४,१५.

का-> २का(का-श्र)स- पा ६,३,

कांदिशोक°- पाग २,१,७२.

का-पथ- पा ६,३,१०४; १०८. का-पुरुष- पा ६,३,१०६; (> ॰एव्य- पा) पाग ५,१,

938.

काराधद्धोत्रि (a>) या b - - याः शांश्रौ ९,२०,१२.

का-विराज् - - राट् ऋग्र १, ६, ५, र्शुंग्र ५,३६; ऋग्र १६,४०. काविराण-नष्टरूपी - -प्यी

ऋश्र २,१,१२०.

का-सृति! - - त्या गोगृ ३,५,३५. को(का-उ) पा ६,३,१०७; -णौ कौगृ ५,३,३⁸.

किम् - किम् आश्री ३, १४, १३; शांश्री; पाड ४,१५८^h; पा २,१, ६४;८,१,४४; पाग १,१,२७. †१४-वदन्त¹--न्तः पाग्र १,१६, २३; आभिग्र २, १,३:१४; काग्र ३५,१; हिग्र २,३,७; जैग्र १,८:१६.

र्कि-बद्(न्ति>)न्ती- पाउनृ ३, ५०; पागम १०७. किं-वर्ण-दैवत-लिङ्ग- -ङ्गाः

किं−वर्ण-देवत-लिङ्गम -ङ्गाः याशि २,१.

किं-वृत्त- -त्तम् पा ८,१,४८; -त्तस्य पावा ३,३,१४५; -ते पा ३,३,६;१४४.

किं-स्तोम¹- -मानि निस् ८, १३: ११.

किं-स्थान¹ - नम् नाशि १,८,

किं-स्वित्^{क्ष} पाग १,४,५७. २किं-कर- पाँ ३, २,२१; -रः अप ३५, २,३; -रेः विध ४३,

किंकरा(र-श्र)वतान¹— -नाः बौधौ १८, २४: १५. किं-कर्मन्¹— -र्मा बौधौ २६, १४: ६. किं-किरात— पागम १०७. किं-किल— पा ३,३,१४६; पाग १,४,५७^६. किं-कृत— -ताः या ६,३२. किं-गत— -ते बौधौ २४,१२:६. किं-गोत्र¹— -त्रः कौस् ५५,१०; वैध ४,८,७. र्कि-चन पाग १,४;५७^६. किं-चित् वैश्री १८,११:१४. किंचित्-व -स्वात् कौशि**५.** किंचित्-पुष्प-फ(ल≫)

ला- -ला या १, २०.

किं-तम-> ध्माम् पा ५,४,११. किं-तर-> °तराम् पागं १,४,

किं-दक्षिण'— -णम् बीश्रौ २४, २९: १; वाधूशौ ३,३४-३५: १; -णाः बीश्रौ २६,२०: १. किं-दर्श-पूर्णमास्म - सः बीश्रौ २५,१६: ४.

किं-देव $(\pi >)$ त $^{J}-$ -ताः या ८,२१.

किं-देवता → ित्य, त्या — त्यः वीश्री २४, ३७: ८; —त्यम् वीश्री २४, ३६: ३; —त्या वीश्री २४, ३७: ७; २५, ८: १३; २६, ११: १५; ३०: १९; —त्याः वीश्री २४, ३: १२; २५, १०: १५; २१: ८; २६, १: ४; ११: २५; २६, १: ४; ११: ११; —त्यानि वीश्री २५, १: १९; २६, ७: ८; ३१:१८; —त्ये वीश्री २४, २५: ७; —त्येन वाध्र्शी ३,४३: १. किम्-मिनहोत्र!— न्त्रः वीश्री २५,१६: १.

किम्-अनु(ख्या>)ख्य¹-ख्यानि वौधौ २४,१०:१३.
किम्-अभिधारित- -तम् वौशौ
२४,२७:४.
- किम-अर्थ - -थः वौधौ २६.

किम्-अर्थ - -र्थः बौश्रौ २६, २७: १३; निस् २,४:३४××;

a) वैप १ द्र. । b) °यः इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. सप्र. मै २,१,८) । c) कां दिशम्>यनि. इति । d) <का राधन् धोत्रा (ऋ १,१२०,१) । e) = छन्दो-विशेष- । f) = का-पथ- । g) कवो॰ इति मूको. । h) < $\sqrt{3}$ । i) = बालप्रह-विशेष । उस. उप. $\sqrt{44}$ द् + क्षच् प्र. उसं (पाउ ३, १२६) । f) विप. । वस. । f) तु. पागम. । f) पस. । शायतन— इति मूको. (तु. शब्दस्ची) ।

पावा ३, १, ११२; - थम् बौश्रौ १८,४६: ८; १३; निस् ४, ३: ८; ७,६ : २०; या ८,२२; पावा १,9,9; ७××; -र्थाः निस् ३, १३:१४;-थों बौश्रौ २६,१०:९. किम्-आधार8- -रः या १,9३; किम्-उत पाग १,४,५७. किम्-उप(ज्ञा>)ज्ञ°- -ज्ञः बौधौ२४,२:४; क्षम् ३,१३:५. किम्-औपसद® - -दः बौश्री २५, 96:9. किं-पवित्र°- -त्रः वाध्यौ ३, २4: 0. किं-पू.पू b)रुष- पागम १०७; -षः शांश्री १६, ३, १४; १२, १३; वाध्यो ४, १९:१३; -षम् श्रुप्रा ५,२१; -षान् शंध ११६: ४९; - वं बौधी २,५: 9 6 +. किं-पूत- ते वीश्री२४,२५:७ . किं-प्रभृति - तयः निस् ९, 6:9. किं-प्रसुत^a- -तः वौश्रो २५, 98:9. किं-प्रोक्षि(त>)ता- -ताः वौथौ 28,24:99+. किं-बल⁸- -लः सु २८,२. ार्के-भाग - -गः निस् ३,५:९. कियत् °- -यत् श्रापश्रौ २०, ५, १५: बौध्रौ २४,१८: १××; पा ५, २, ४०; पाग ५, ४, १०७; -यतः या ६, ३; -यति बौश्रौ २३,५: १; -यन्तः बौश्रौ २६, १६: १४; अप ५२, १, १;

7

-यन्तम् अप्राय ३, ६; आज्यो ७, ८; -यन्ति वौश्रौ २४, ५: कियती- -स्यः बौश्रौ २४, 8:93; 2. कियद-धा- -धाः या ६,२०. कियद्-रात्र - न्त्रेण हिश्री ९,६, †िकस °(:) निघ ४, ३; या ६,३५. की-दक्ष- पावा ३,२,६०;६,३,९०. की-हश् c- पा ३,२,६०; ६,३,९०; -हक श्रापश्रौ ९,५,८; ६,१;२; ५:इ: बौश्रौ; -दशम् अप ४१, ५,२; चब्यू ४: १२. की-दश- पा ३,२, ६०; ६,३,९०; -शाः अप ५२,१,१. कीदशी- -शीम् त्राप्तिगृ ३,७, ३ : ६. की-वत्°- -वंतः या ६, ३ की. १क्त - पा ६,३,१३३; पाग १, १, ३७: कु^e सात्र १, ३०५‡; कोः पा ६,३,१०१. कु-गति-प्रादि- -दयः पा २, २, कु-चेल,लाº--लाम् शंध ३३४. कुचेल-दर्शन- -नम् अप १, 32,99. कु-तस् (:) त्रापश्री १, ३, ५; बौध्रौ; पा ७,२,१०४. कुतस् ऽकुतस् > कौतस्कु-तस्(:) पाग ८,३,४८. कौतस्कुता(त-श्रा)दि--दीनाम् ऋत ३,७,८. क-तीर्थ'- -र्थात् पाशि २५; माशि १५,६; नाशि २,८,१०.

कुत्र,>त्रा माश्री ५, २,१,१७: कप्र १, २,१०; ऋपा ७, ३३ +: शैशि १४९; तैप्रा ३, १०; पा ७,२,१०४; पाग १,४,५७. कु-दामन्ष- (>कौदामि[क>] का-, °की- पा.) पाग ४, २. 994. कु-नख°-> °खिन्- -खिना अप्रा ३, ४, १‡; -खी बौजी १५,३७: २; अप ४८, ११६ : वाध १,१८; २०,६; ४४; शंध ३७६; विध ४५,५; काध २७८: ७; चव्यू ध : २^b. कु-नामन्- (>कीनामि Lक>। का-, °की-) कुदामन्- टि. इ. कोनामि- पा ४, १, ९६; -मिः बौश्रीप्र ४४ : ३. क-पथ- पा ६,३,१०८. क-पान- -नम् या ३,१९. कु-पुत्र- (> कौपुत्रक- पा.) पाग ५, १, १३३. क-पुरुष- पा ६,३,१०६. क-ब्रह्म-, °ह्मन्- पा ५, ४, 904. क-यव^c- - वम् शुप्रा ५,३०^{‡1}. क-ष्ठल- पा ८,३,९६. क-सृति- -त्या त्रापध १, ३१, २१: हिध १,८,४०. क्-स्त्री- (>कौस्त- पा.) पाग 4,9,930. कु-स्वम- -मम् अप ६९,५,५. ‡क्ह^c आश्री ७, ११, २८; शांश्री १०,५,२०; ऋग्र २,१०, २२; बृदे ७, २२; या ३, १५;

पा ५,३,१३; ७,२,१०४.

a) विष. । यस. । b) शुप्रा. पाठः । c) वैष १ द्र. । d) ईपदर्थे कुत्सार्थे प्रश्ने च यृतिः । c) वैष १,१११९ h द्र. । f) प्रास. उप. = गुरु- । g) कु-नामन् – इति [पक्षे] पागम., कुल-नामन् – इति वामनः इति पागम. । h) = अर्थर्ववेदीयशास्ता-विशेष- । i) पामे. वैष १,११९९ m द्र. ।

कहश्रतीय⁸- -यस्य आश्रौ ७,१९,२९; -यानाम् श्राश्रौ ७, 99,32.

†क ष्याश्रो २,१६, १५; शांश्रो १०,१०, ५; १२,१३,५; बौधौ; पा ७,२,१०५; पात्रा ४,१,८३; ६,१,२; ७,१,२.

का(यु-त्रा) ङ्-स्व(सु-त्र)ति-दुर्-गति-वचन- -नात् पावा २, 2,96.

†किमीदिन्b- -दिने निघ ४, ३; या E.११०: -दी श्रप ४८,११६; श्रप्रा ३,४,१.

कि-पुरुष- प्रमृ. किम्- इ. ?किम्बक°- -कः जैश्रोका १७९. कि-भाग- किम् इ. किस्मीर- पाउभो २,३,५०. कियत् - प्रमृ. किम् - द्र. ?कियात्या^b ऋप्रा ९,५१ . कियाम्ब् b- -म्बु कौगृ ५,५,५‡. ‡किये-धा^b− -धाः श्रप ४८, ११५; निघ ४,३; या ६,२००.

१किरण b- पाउ २,८१; - ‡णाः श्रप ४८, ११३; निघ १, ५; -णौ आश्री ८, ३, १८; शांश्री १२, २२.9: २: वैताश्री ३२,२१.

श्किरण°- (> कैरणक⁴- पा.) पाग ४,२,८०.

किराट- पाउमो २,२,९९. किरात- पाउभो २,२,१३७.

किराता(त-ग्रा)कुलि- -ली बृदे

U. CE. किरि- पाउ ४,१४३. किरिकb- -केम्यः शुप्रा २,२६५+%. किरीट'- पाउ ४, १८५; पाग २, ४,

किरोटिन - - टिनम् विध ९७,१०. किरीर- (> प-वत्-)करीर- टि. इ. ?किरेचेत् वाध्रश्री ४,७४: २८. किमीर- पाउव ४,३०.

√िकत्र^७ पाधा. तुदा. पर. श्वैत्यकी-डनयोः.

किल आश्री ५, २०, ६ +; शांश्री; या १, ५२; १८+; पाग १,४,५७. किलाट- पाउमो २,२,९९.

किलात¹- (>कैलात- पा.) पाग 8,9,908.

किलालप¹ -(>कैलालप-,>कैला-लपायन- पा. यक.) पाग ४, १, 908; 900.

†िकलास⁵- पाउभो २, ३, १७७; -सः बौश्रौ २,५ : १७‡; -सम् कौस १३,१२.

किलासा-(स-ग्रा)बाध¹- -धम् काश्री ६५,३,२५.

किलासिन्- -सी त्राप्तिगृ ३, १०, १: ५; बौषि ३,५,२.

किल्वि ।, ल्वि ष ष प पाउ १, ५०; -धम् बौधौ २,५ : २३ ‡; ‡अप ३७,९,३; १९,२; वाध ३,१५; बौध २, १,१६; या ११,२४ई;

-पात् त्रामिष्ट २, ६, २ : २९; ३, १२, २: १२; १३; वाध ३०,६; बौध २, १,१६;५,१४; पाशि २५; माशि १५,६; नाशि 2,6,90.

किल्बिषिन्- -षी कप्र २, ३, १०; शंध ३२५; सुघप ८५: ७.

किल्भिद्- -दम् या ११,२४. किशर,राष- पाग ४, २, ८६1; ४, 43m.

किशरा-वत् पा ४,२,८६.

किशरिक- पा ४,४,५३.

किशास- किशर- द. किशलय"->किशलयो (य-उ)प-(मा>)म- -मी विध १,२५.

१किशोर°- पाउ १,६५: -रम् अप ७१,७,३; -रेण मीसू ७,४,७.

किशो(र-क>)रिका^p- (>केश्लो-रिकेय-पा.) पाग ४,१, १२३.

२किशोर¹->कैशोरि-ः(>कैशोर्य-पा.) पाग ४,१,१५१.

√िक क् व पाधा. चुरा. श्रात्म. हिंसा-याम्.

किष्किन्ध"- पाग ६,१,१५३.

किष्किन्धा8- पाग ४, ३,९३; ६,१, 9432.

कैक्किन्ध- पा ४,३,९३.

किष्क्र"-, °द्कुरु"- पाग ६,१, १५३. किस्(ः) किम्- इ.

१४,३१; १९,४४; शंध ३१७; किसर"- पाउमो २, ३,७२; पाग ४, 8, 43m.

 $a) <_{\mathfrak{g}}$ ह श्रुतः [ऋ १०,२२,9] इति । b) वैप १ द्र. । c) श्रर्थः व्यु. च १ । d) $\dot{=}$ देश-विशेष-१। द्र. । i) व्यप. । व्यु. ? । j) षस. पूप. किलासा- $\lfloor 1 + 2 \rfloor$ इति विद्याधरप्रभृतयः? । ब्यु. (l) किशरु – इत्यन्य इति पागम. । m) तु. पाका. । किसर – इति भाण्डा. प्रमृ. । n) = q हाव- 1 व्यु. ?। 0) = शावक- । ब्यु. ?। p) व्यय । q) √िवष्क् इति भाण्डा., <math>√िहक्क्, √िहष्क् इति । पक्षे।t) = गुहा-इत्यपि। r) तु. पागम. । = पर्वत- । $s) = -\pi i \tau - \pi i \pi - 1$

किसलय - पाउभी २,३,४; पाग २, 9,40; 4,2,34. किसलय-क्याक्-लश्न-निर्यास--साः गौध १७,३०. किसलयित- पा ५,२,३६. श्किहाः वाश्री ३,४,३,१७. कीकरं b- पाउभी २, २, ९८; -टाः श्रप १, ८, १०; या ६, ३२र्फ; - † टेपु निघ ४, ३; या ६,

32. १कीकस, सा^b- पाउब ३, ११७; -साः श्राश्रौ १२, ९, ११; १२; कौस ३२, ११‡; -साभ्यः त्रापमं १, १७, २‡; –सासु ब्रामिगृ ३,४,१ : ३४; बौपि ३, ३,१०; वैगृ ५,४: ११.

२कीकस°->कैकस⁴- (> °सी-पा.) पाग ४,१,७३.

कीचंक- पाउ ५,३६. **√कीद** पाधा. चुरा. पर. वर्णे.

कीटb- पाडमो २, २, ९५°; -ट: श्रापश्री ९, २, ५; बौश्री २६, ७ : २३; २७, ९ : २; भाश्री; -टाः श्रप ५७,४,४; -टेन कौसू ३१,१९; -टैः नाशि २,८,२१.

कीटा(ट-य्र)त्रपत्त- -त्रम् काश्रीसं ३१:६;३२:१२; माश्री ३, २,७३; वैश्री २०, ५:४; हिश्री १५,१,४३; अप्राय २,६; ४,१; ३; -न्नस्य बौधौ १४,९ : १६; ₹६,७: २२.

कीटा(ट-श्र)शन- ने विध ५१, ३२.

कीरो(ट-उ)पचातिन्- -ती विध ५,

कीदर्भ!- पाग ४,१,१०४. की-दक्ष-, °श-, °श- किम्- इ.

कीनाश^b- पाउ ५, ५६; -शस्य श्रापध २,२८,२; हिध २,६,२; - †शाः त्रापश्री ६, ३०, २०; १६,१९,३; बौध्रौ ३,१२:२८; भाश्री ६, १८, ७; माश्री १,६, ४,२४; वाधी १,५,५, ८; वैधी १८,१६:१२; हिश्री ६,८,१; ११,६,३३; पागृ ३, १,६; जैगृ १, २४: ८; कौसू २०, ४; बृदे 4.9.

कीम् पाग १,४,५७. कीर- पाउमो २,३,५०.

कीरिb- - †रये श्रापश्रो २२, ७, ११; - †रि: त्रप ४८,९७; निघ ३, १६: -रिभिः बृदे ३,९६.

कीरिन् ह-- +रिणा आश्रो २, १०,९; बौश्रौ १३,७:३; हिश्रौ २२, २,१७; श्रापमं २,११, ५; बौगृ १,६,१०,४, १२, ३; भाग १, २२: 4.

कीर्ण- √कृ (विक्षेपे) द्र.

कीर्तन-, °र्तयत्- प्रमृ. √कृ[स्तुतौ]

√कील पाधा. भ्वा. पर. वन्धने. कोल->°ल-क- -कम् अप ३६, १, ६; -काः अप ५२, ७, ५; -कानाम् अप २१, ३, ४; -के काश्रीसं ३५: १३.

कीलक-स्नान- -नात् अप १क्- किम्- इ.

३६,9६,२.

कीलका (क-ग्र)स्ना(स्न-त्रा)-दि--दि श्रप ३६,३०,३. कील-वत्- -वति अप ७२, 9,8.

कीलालb- पाउभी २, ३, १०५b. -†लः श्रापश्रौ ६,२७,३¹; हिश्रौ ६,७,८1; कौगृ ३, २, ६1; ४,५; शांगृ ३,३,१1; ७,२; कागृ २७, ३1; भाग १, २७: ८1; हिग १,२९,91; - †लम् शांश्री ४,५. ३; श्रापथ्रौ १, १०, ४; हिश्रौ २,७,३७;४९; आम्निगृ २,६,३: ५७;३,११,२: १२; बौगृ; निघ 2,0.

कीलाल-पाb- -पे त्रापश्री १९, ३, 3+.1

†कीलाल-पेशस्^b- -०शसः त्रापश्रौ १६, १८, ६; वैथ्रौ १८, १५: १७; हिश्रो ११,१६,२८.

कीलाल-मिश्र- -श्रम् कौस् १२,

कीलाली(ल-श्रो)पधि - -धीनाम् त्रापध १,१७,२५.

कीलालि^k— -लयः वौधीप्र १० : ४. कीलिन1- -नम् कप्र ३,१०,१५.

की-वत् किम् द.

†कीस्तb- -स्तासः अप ४८, ८५; निघ ३,१५.

√कृ[™] पाधा. भ्वा. तुदा. आत्म., अदा. पर. शब्दे, कवतेⁿ निघ २,9४. कोकूयमा(न>)ना- -ना या५,२६.

a) = प्रवाल-। b) वैप १ द्र.। c) व्यप.। व्यु. 2 । d) कैंकसेंय- इति पाका.। e) $<\sqrt{$ कि। g) वैप १,११२२ m द्र. । $h) < \sqrt{a}$ क्छ्। i) पामे. वैप १,११२३ d द्र. । j) पामे. f) तु. पागम. । k)=ऋषि-विशेष- । ब्यु. l । l) = किलिन- (तु. अ-किलिन- इत्यत्र उप.) । नाप. = क्षित्र-9 696 n 3. 1 m) = √क् lतुदा.], √क्नू इति BPG.। या ५, २६; १२,१३ पा ७,४,६३ परामृष्टः इ.। स्थान-। व्यु. ?। n) गतौ वृत्तिः ।

२क°- कुः पाशि १७. कु-त्व-विज्ञाना(न--श्र)र्थ- -र्थम् पावा ७,३,५६. का(कु-आ)दि- -देः पा ७,३,५९. ३क्b- पाउभो २,१,१९. क-ज^c- पाग २,४,३१^d. कीज - - जे विध ७८, ३. क-ध- पावाग ३,२,५. १क-ए- पा ८,३,९७. क्रं शुप्रा ८,२४; याशि २,९४. √कंश् पाधा. चुरा. उभ. भाषायाम् . √कुक् पाधा. भ्या. श्राहम. श्रादाने. क्रकः - -काः बौधौप्र १७: १६. कुकुन्दुर- पाउमो २,३,५२. †कुकुन्ध^h- -त्याः यय ८,६; अप्रा 3,8,9. कुकुभ्। - > व्व-देश - -राम् वाश्री 8, 8, 8, 98. कुकुभ- पाउमो २,२,१३६. कुकुर-पाउ १,४%. कुकुस् "- -सम् अप ३६,४,२, कुकूरभb- -भाः त्रप्रा ३,४,१ रै. कुकूल- पाउभो २,३,११२. कक्कर "!- पाउमो २, २, १०६; पाग २, ४, ३१; ६, २, १२५; ३, ११६ ; -टः काथी २, ४, 94 + m; हि औ १, ५, ५४ + m; न्त्रापध १,१७,३२; बौध १, ८, १२: ९, १४; हिध १, ५, ६३; शुद्र १, ५७ +m; याशि २, ६२ : -टाः श्रप २०,६,३.

कुक्कुटी->कीक्कुटिक-पा ४, ४, ४६. कुक्कुटा,टय(ट,टी[रात्राग]-श्र)ण्ड- पावा ६,३,४१. कुक्कट-कन्थ- पा ६,२,१२५. कुक्कुट-सूकर- -रम् बौध १, ५, १२९; -राणाम् श्रापध १,२१, १५; हिंध १,६,४५. कुक्कुटा(ट-अक्षि>)अ-(>कीक्कु-टाक्षिक-पा.) पाग ४,१,१४६. कुक्कुटा(ट-ग्र)ण्ड- पावा ६, ३, कुक्कुटाण्ड-प्रमाग- -गम् श्रामिगृ ३,११,१ : ४. कुक्कु(ट>)टा-गिरि- पा ६, ३, क्वक्र°- पाउ १,४१. कुक^ड- >कोकाथन- -नाः बौश्रौप्र १७: १७. कुका(इ.-ग्रा)ग्रिवेइयौ (स्य-ग्रौ) र्जायन- -नानाम् श्रापश्रौ २४, 5,92P. कुक्ष- पाउ ३,६८. क्रिश्नि – पाउ ३, १५५; पाग ४, २, १२७^५; -क्षिः वैताश्रौ १७, ९; कौस् २४, १९ ‡; श्रप्राय २, ५+; त्रप १८१,१,७; †ग्रग्र ७, १११; ९, ७; −क्षिम् श्राप्तिगृ ३,५,१: १९; बौपि १, २:५; वागृ १६, ६; -क्षी श्राश्री ६,३, १; श्रप ४१, ६,५;

-क्षी वैश्री २, ६: ११; श्रामिग्र ३, ५,७: ९; वैग्र ३, १४: ३; ६, ३:२;७,४:६; - झ्योः बौषि १,६ : ४. कोक्षक-पा ४,२,१२७. कौक्षेय- पा ४, ३, ५६. कीक्षेया(य-त्र)ग्नि- -मिम् नाशि २,८,१. कौक्षेयक- पा ४,२,९६. कुक्षि-भरि- पात्रा ३,२,२६. कुक्षिरुb- -राः ग्रप्रा ३,४,१‡. कुगतिप्रादि- किम्- द्र. कुङ्कण- पाउमो २,२,१२६. कङ्कुम^r- पाउभो २,२,२५४; पाग २,४,३१; -मन् विध ६६,९. कोङ्कुम^s- -माः अप ५२,३, २. कुङ्ग- पाउभी २,२,६६. √कुच् पाधा. भ्वा. पर. शब्दे तारे, संपर्चन-कोटिल्य-प्रतिष्टम्भ-विलेख-नेपु, तुदा. पर. संकोचने. कुचित- पाउ ४,१८६. †क्चरh- -रः आयो २, १०, १४; श्रापश्रो ११, ९,१; हिश्रो ७,५, ३५; अप १, ३६, ४; या १, २०∮; शुप्रा ५, ३७; स्त्रप्रा ३, 8,9. कुचवार- (> कौचवार-, १कौच-वार्य- पा.)पाग ४, १,१०४ git; कुचुक k- (>कीचुक- पा.) पाग ५, 9,930.

कु-चेल- प्रमृ. किम्- इ. √कुज् पाधा. भ्वा. पर, स्तेयकरणे.

कु-ज- ३कु- इ.

√कुञ्च् पाधा. भ्वा. पर. कौटिल्याल्पी-भावयोः.

कुञ्चित->कुञ्चित-केश-रमध्र--श्रः चव्यू ४: १३.

√कुञ्ज् √कृज् इ. १कु अ b- पाउभी २, २,८८; पाग २, 8,39.

कुझ-र°- पाग ६,३, १०८व; पावा ५,२,१०७; -रः माशि १,१०; नाशि १,५,४; -रम् आप्तिगृ २, ५, १:४६; जैगृ २, ९:३४; श्रप ३०२,२,७; ६८, ५,३०; -रस्य विध ७८,५३;-राः श्रप७१,३,५ २कुअ°-(>कीक्षायर-।>°न्य- पा ५,३,११३।पा.) पाग ४,१,९८. √कुट्¹ पाधा. तुदा. पर. कौटिल्ये, चुरा. श्रातम. छेदने.

कुटित- पाउ ४,१८६. १कुटिल- पाउव १,५४; -लानि या २,२८; -ले काश्री २१,४, १९.

१कौटिल्य- -ल्ये पा ३, १, 23. कौटिल्य-बहुल-

श्रप ७०२,१६,३. कुटिल-गामि(न् >)नी- -नी या ९,२६.

क्टिलि(क>)का->कौटि-लिक-पा ४,४,१८.

१†कुट^ह- -टस्य त्रप ४८,११५;१३१;

निघ ४,२; या ५,२४०. २कुट^{h'!}- पाग २,४,३१.

३कुट°-(>कौट्य-, > कौटायन-पा. यक.) पाग ४, १, १५१;

४क्ट^{h'।}->क्ट-भार->कीटभा-रिक- पाग ५,१,५०.

कुटज k- - जस्य माशि ४,२1. क्टज-भार- > कौटजभारिक-४कुट- टि. इ.

क्टप- पाउ ३,१४२.

कटरु^m- पाउ ४,८०; - ‡हः ग्रापश्रौ १, २०, २; भाधी १, २१, ९; माश्री १,२,२,१७; वाश्री १,२, ४,५०; हिश्री १, ५, ५४; -रुम् वाश्री १,२,४,४; ४,५०; हिश्री १,४,३३; ४,४,४५.

कुटर्व(ह-ग्र)न्त°- -न्तानि माश्रौ 2,2.9,8.

कुटाक पाउमो २,१,४१.

कटि-,टीP- पाउ ४,9४३; पाग ४, ३,१४२; -टिम् आपध १,२४, १३; २१; हिध १, ६,६०;६९; -टी त्रापगृ १९, १४; भागृ २, ८: ४; हिगृ २, ८, २; -ट्याम् वाध १०, २३; -टीम् बौध २, 9,3; 3,9,93.

कीट->कीट-तक्ष- पा ५, ४, 34.

क्टी-क्ट- पाग,पावाग २,४,११. कुटी-गुº- (> कौटीगब्य-,>

904;2,499. क्टी-चक - - काः वैध १,९,९;२. क्टी-मय- पा ४, ३,१४२.

१क्टी-र- पा ५,३,८८.

२कुटिल^{d'e}- पाग ४,१,१०५. २कौटिल्य- पा ४,१,१०५; -ल्याः बौध्रौप्र ६: ३.

२क्टीर k'1-(>कीटीर-पा.)पाग ४. 3,938.

कुटुम्ब- -म्बम् अप ६७, १, ५; वाघ १७, १९; शंध १५८; २७०; -मवे आपध २, ७,२; विध **६७,** ३७; हिंध २,२,२३.

कीटुम्ब- म्बन् आगृ २,६,१०. कुटुम्ब-क- -क: अप ६९,८,३. कुटुम्ब-व्यवहार- -रान् शंध २७०.

कुटुम्बा(म्ब-ग्र)र्थ- -थे विध ६,३९. कुटुम्बन् - मिवनः आपध २,७,१; हिध २, २,२२; - म्बिनम् आपध

२,६,५; हिंध २, २,५: - म्बिना विध ६, ३८; - म्बिनी आपध २, २९, ३; हिध २, ६, १६;

-म्बिभ्यः विध ५९, २९. कुटुम्बिनी- पावा,पावाग ४,२,

√कुट्ट् पाधा. चुरा. पर. छेदनभर्स-नयोः; त्रात्म. प्रतापने. कुह->कुहिम8- पाग २,४,३१.

क्ट्यत्- -यन्तः अप ६४,७,९.

कुट्टाक- पा ३, २,१५५.

कुद्मल- पाउ १,१०९. कौटीगव- पा.) पाग ४, १, १ कुठार- पाउभी २,३,४३.

a) या ७,१२ परामृष्टः इ. । b) = लतादिपरिवेष्टित- स्थान-, हस्ति-दन्त- । \circ पु. ? । c) वेतु. पागम. <२कु- + \sqrt{g} इति । d) तु. पागम. । e) व्यप. । व्यु. । f) या ६,२० पा १,२,१ परामृष्टः द्र. । g) वैप १,११२४ c द्र. । h) अर्थः व्यु. च i । i) = घट- वा हलाङ्ग-विशेष- वेति पागम. । j) तु. पागम. । कुटज - इति भाण्डा. प्रमृ. । k) व्यु. $\{\cdot \mid l\}=$ वृक्ष-िवशेष $-\mid m\}$ वैप १ द्र. । n) पासे. वैप १, ११२३ p द्र. । p) विप.। बस.। p) = शाला-। ब्यु.। q) = संन्यासि-विशेष-। उस. उप. कर्तरि $< \sqrt{\pi}$ क् $\lfloor \overline{c}R^{\dagger} \rfloor$ । 7) उदुवि(न्>)नी- इति भागडा.। 8) तेननिर्वृतीयः मप् प्र. (पावा ४,४,२०)।

२कुठार³- (>कोठार- पा.) पाग ४,१,११२. कुटारि(क>)काº-(>कीठारिकेय-पा.) पाग ४,१,१२३. क्रिंड- पाउ ४,१४४. कुठेर- पाउ १,५८. √ कुड़ पाधा. तुदा. पर. वाल्ये. कडपb- पाग २,४,३१. कडव - -वैः वेज्यो २४. क्(डि)डी-> कुडी-कुडd- पाग 2,8,99. कुडुरव्⁶->॰म्ब-भार- -रम् श्राप्तिगृ २,७,१०: ३. कुडुव'- - वम् वैश्रौ १,७ : ५. कड्मल"- पाग ५, २, ३६; -लम् विध ४३, १४. कुड्मलित- पा ५,२,३६. कुड्य,ड्य(b'a- पाउर ४, ११२b; पाग ४,२,९५. कौड्येयक- पा ४,२,९५. कुड्य-मूल1- -लात् वैगृ ३,१६:११. कुड्य-ल(प्र>)प्रा1- -प्राम् कप्र १, 9,94. √कुण् पाधा. तुदा. पर. शब्दोपकर-

णयोः, चुरा. पर. संकोचने श्रामन्त्रणे च. कुणपं!- पाउ ३, १४३; पाग २, ४, ३१^६; ४,१,८६^{७,0}; -पम् तैप्रा १३,१२‡. कीणप- पा ४, १,८६⁰.

कुणप-गन्ध->°न्धिन्- -न्धिनः श्रप ६४,७,१०. कुणप-रेतो-मूत्र-पुरीषो (प-उ) पह-त- -तानाम् शंध १७९. कुणपतन्त्र1->कीणपतन्त्र- -न्त्रिः वौश्रौ २०,१३: २६. कुणपदी- कुणिपदी- टि. इ. कुणव^m- पाउना ३,१४४. †कुणारु¹- -रुः श्रव ४८,१००; -रुम् निघ ४,३; या २,२; ६,१०. कुणालं- वाउ ३,७६. १क्रणिⁿ-> कुणि-प(द>)दी^o-पाग ५, ४,१३९. २क्णि¹- -णिः वौषि ३,५,२. कोणेय1- -यः तैप्रा १३, १२ ; -यस्य^p चात्र ४१: ९. कृणिन्द- पाउ ४, ८५. क्षट्ठेंं - पाग २,२,३८व. √कुणठ्^र पाधा. भ्वा. पर. प्रतिघाते. कुण्ठ- पाउभो २,२, ११३; पाग २, २,३८0; ५,२,9२0d. √कण्डु भ्या. श्रात्म. दाहे, पर. वैकल्ये, चुरा. पर. रक्षणे. १कुण्ड'- पाउ १, ११५; पाग ५, २,९७; -ण्डम् बौश्रौ १७,२१ : २;३२; शांगृ २,७,२८; वेंगृ १, ८:१४; अप २३,१०,३;२५,१, 9;7;9; 90; 303,9,3; 4;0; ८; १२-१४; वेध १,६, ५; पा ६, २,१३६ ; -ण्डस्य अ। २१,

५,४; -ण्डानि बौधौ १७,२१ १; अप २५, १, ४; -ण्डे त्रापश्री १०,५,१६; भाश्री १०, ४, १; हिश्रौ १०, १, ३५; त्रामिगृ १, ६, ३ : ३८; वैगृ १, कुण्डी- पा ४,१,४२. कुण्ड-कर्ण"- -र्णः सु २३,४. कुण्ड-पायिन्->कौण्डपायिन्--नस्य लाधौ १०, ११, १; -ने लाश्रो १०,१०,६;१६,१२. कौण्डपायिनी "--न्यः बौधौ २४,४:७. कौण्डपायिन-तापश्चित--तयोः द्राश्रौ १, ४, २८; लाश्रौ 8,8,93. कौण्डपायिन-सारस्वत-न्तयोः द्राश्रौ १, ४, ३०; लाश्रौ 8,8,34. कौण्डपायिनी(य>) या×- यास बौध्रो २३,१४:२२. कीण्डपायिन्य भ- ५- न्ये बौधौ २१,१: ११. कुण्डपायिनां-सत्र- -त्रम्¢ श्रापश्रौ २३,१,४. कुण्डपायिनाम्-अयन- -नम् आश्री १२,४,१; काश्री २४,४, २१; बौथ्रौ २६,२५: १; हिथ्रौ १८,१,४; -नस्य आश्रौ १२, ६, ११; शांश्री १३, २४, ११ ;;

a) ब्यप्. । ब्यु. ? । b) अर्थः ब्यु. च ? । c) = परिमाण्-ितशेष- । ब्यु. ? $< \sqrt{2}$ ण्ड् इति अभा. । d) तु. पागम. । e) = कुउम्न- । f) = कुउन- । g) = कुट्मन- । h) कुल्याम् इति पाका. । i) पूप. = भिति- । i) त्रेप १ द्र. । i0 कुसप- इति [पक्षे] पासि. । i1) = आचार्य-ितशेष- । ब्यु. ? । i2, ? । i3 कुसप- इति पाका. । i4 कुण्ड- इति पाका. । i5 क्षेपण्ड- इति पाका. । i7 कुण्ड- इति पाका. । i8 कुण्ड- इति पाका. । i9 कुण्ड- इति भाण्डा. प्रस्ते । i9 कुण्ड- इति पाका. । i9 कुण्ड- इति भाण्डा. प्रस्ते । i9 विप. । तस्येदमीयः अण् प्र. । i9 कुण्ड-पायिनाम्-अयन- । i9 विप. । तस्येदमीयः छi9 तस्येदमीयः च्यः प्र. । i9 कुण्ड- इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. С.) ।

मीसू ८, २, २९; -ने त्रापश्रौ | कुण्डप⁰¹- पाग २, ४, ३१. २३, १०, ६; हिश्री १८, ४,२; बौब १, ६, ३०; -नेन बौध्रौ १७,२०: १.

क्णड-पाययº- पा ३, १, १३०; -रये पावा ३,१,१३०.

कण्ड-प्रतिरूप- -पाः काश्री २४, ४, ४०; -पैः लाश्रौ १०, १२,

१क्ण्ड-ल- पा ५,२,९७. क्ण्ड-स्रक्ति- -क्तिपु श्रप ३०², 9,98.

कुण्डा(एड-ग्रा)कृति- -ति ग्रप २१,

कृण्डा(एड-ग्रा) युदात्तत्व-पावा ६,२,१३६.

२क्राड⁰- -ण्डः वैध ३,११,४. कुण्डा(एड-ग्रा)शिन्- -शी शंध

> ३७७ : ३; विध ४५,२४. कुण्डाशि-सोमविकय्य (यि-स्र) गारदाहि-गरदा (द-श्र)वकीर्णि-गणप्रेष्या (ष्य-स्र) गम्यागामि-हिंस-परिवित्ति-परिवेत्त-पर्या-हित-पर्याधातृ-त्यक्तात्म-दुर्वाल-कुनखि-इयावद्च्छिव (त्-धि)त्रि-पौनर्भव-कितवा(व-स्र)जप-राज-प्रेज्य-प्रातिरूपिक-शृद्वापति-निरा-क्रति-किलासि-कुसीदि-वणिक्-शिल्पोपजीवि-ज्यावादित्रताल-नृत्तगीतशील--लान् गौध १५,

३कण्ड°- (>कीण्डायन^d- पा.) पाग ४,२,८०.

२क्रण्डल⁸- पाउव १,१०४; पाग २, ४,३१; ४,२,८०^{२०}; पावाग ५, २, १०३^h; -लम् वैथ्रौ ११, ५: ७; श्रामिग् ३,३,२: १९; माशि १६, ११; -लाभ्याम् वैगृ २,१५: ३; विध १,४२; -ले द्राश्री १२, ४, १३; लाश्री ४, १२, ८; श्रापृ ३, ८, १; १०; श्राप्तिगृ २, ६, ६ : १९; २०; हिगृ १,१०,६; ११,१; २; विध ७२,१६.

कीण्डल- पावा ५,२,१०३. कीण्डलिक^d- पा ४,२,८०.

कुण्डल-युग- -गानि बौगृ १, २, v; ६9.

कुण्डल-युग्म- -ग्मम् श्राप्तिगृ २, ६,६: २.

कुण्डल-र-पा ४,२,८०. दुःण्ड(ल≫)ला-क (र्ग्र≫) णीं¹--णीं ऋत ५,१,३.

कुण्डला(ल-त्रा)कृति- -तिः याशि १,६२.

कुण्डलिन्- -लिनम् भाश्री १०, २,७; विध ९७, १०; -ली अप 28,8,8.

कुण्डलिनी- पावा, पावाग ४, 2,49.

१कृण्डिन । पाउत्र २, ४९; पाग ४, 9, 904k; 2, 84; 999k; -नाः¹ बौश्रौप्र ४६: १; ४; पा २, ४, ७०; -नानाम् श्राधौ १२,१५,२; श्रापश्री २४, १०,

७: हिथ्रौ २१,३,१४. १कौण्डिन- पा ४,२,१११. कौण्डिनेयक- पा ४,२,९५. १कीण्डिन्य- पा ४, १,१०५; -०न्य आश्रौ १२, १५, २: त्रापथ्रौ २४, १०, ७; बौश्रौप्र ४६ : ५; हिश्रौ २१, ३, १४; वैध ४, ६, ३; -न्यः तैप्रा १७, ४; -न्यस्य शुत्र २,४२८: तेप्रा १८, ३,१९,२; -न्यानाम् वैध ४,६,३; - मन्याय आमिग् १, २, २ : २९; बौगु ३, ९,६: भाग ३, ११: २; हिंग २. 20,9.

कीण्डिन्यायन- -नः ऋष १,३,9.

कुण्डिन-वत् त्रापधी २४, १०,७; बौधौप्र ४६: ६: हिश्री २१, ३,१४; वैध ४,६,३.

२कुण्डिन-(>कौण्डिन-) २कुएडल- टि. द.

कृण्डिनी- (>२कीण्डिन्य-) किएडनी- टि. इ.

कुण्डोदरायण^{।'™}— ∙णाः बौश्रौप्र 80:8.

कुण्ड्या^{०,} (कीण्डेयक- पा.) पाग 8, 2, 94ª.

कृण्ड- पाउभी २,२,१२०.

कृतप°- पाउभो २, २, २१२; पाग २, ४,३१; पावाग ५,२,१०३; -पः बौगृ २, ११, ६३; वाध ११, ३५; ३६०; -पम् काय ४,८; ५,९; -पस्य देगृ २,२:

c) अर्थः व्यु. च ?। d) = देशa) वैप १ इ. । b) = [जीवित पत्यो जारज-] पुत्र- । व्यु. ? । e) तु. पागम. । f)= कतु-विशेष- । g)=श्राभरण-विशेष- । eयु. ? । h) २कुण्डिन- इति पाका.। i) विप.। वस.। j) = ऋषि-विशेष-। व्यु.?। k) कण्डिनी — टि. इ.। l) बहु. <कीण्डिन्य-। m) <कुण्डोदर- इति । n) व्यप. $(= \lfloor श्रान्ध्रदेशीया-<math>\rfloor$ नदी-) । o)= काल-विशेष- $(\lfloor 2\pi + 10 \rfloor - 10]$, पागम.), पर्वतीयछागरोमनिर्मितवस्त्र-। व्यु. १ < √कु इति पाउमो., < कु- + √तप् इति पागम.।

३; -पानाम् बौध १, ५, ३३; विध २३, २०. कौतप- पावा ५,२,१०३. कृतप-सौश्रुतª- पावा, पावाग २, 9, 49.

कृतस्त⁰- > कौतस्त- -स्ती बौश्रौ १७,१८:६१°; बौगृ ३,१०,६१°. कुतुक d- पाग ५,१,१३०°.

कौतुक- पा. ५, १, १३०; -कम् आसिए २, ३, ५: १; -कानि ब्याज्यो ६,५;-के मागृ १,९,३०. कौतुक-तन्तु- -न्तुम् आमिगृ २, 3,4: 3. कौतुक-बन्ध- -न्धम् आप्तिगृ 2,3,4: 2.

कुतू - > कुतुप- पा ५, ३,८९. कृत्रहल- (>कीत्हल्य-,कीत्हल-, कतूहलित- पा. यक.) पाग

4,9,928;930;2,34. कुत्हिल (न् >) नी^ड- -नी बौगृ 2,9,98.

कुत्र किम्- इ.

कुत्वविज्ञानार्थ- २कु- इ.

√कुत्स् पाधा. चुरा. श्रातम. श्रवक्षेपणे. कुत्सन- -नम् वाध १२,४१; -नात् पावा ८, १, १७; -ने पा ४, १, १४७; ८, १, ६९; -नैः पा 2,9,43. कुत्सन-प्रावीण्य- -ण्ययोः पा 8,2,926. कुरसना (न-ग्रा) भीक्ष्य--क्षण्ययोः पा ८,१,२७.

कुत्सनाभीक्षण्य-प्रहण- -णम्

पाचा ८,१,२७२.

क्त्सियत्वा श्रापध १,१७,४; हिध 8,4,34.

कुत्सा- -त्सायाम् या ३, १८; पा ४,१,१६७.

कुत्सित,ता- -तम् या १, २०; ५, २४; पावा ४, १, १६२; -ता सुधप ८८: ६; -तानि पा २, १,५३; -ते पा ५,३,७४; पावा ३,२,९३; -तैः पा २,१,५४. कुरिसत-प्रहण- -णम् पावा ५, कुल्सित-नामन् b- -मा बृदे १,

कुत्सिता (त-श्रा) दि - -दीनाम् पावा ५,३,७४.

कुत्सितादि-वचन- -नम् पावा ५,३,७४.

कुरिसतादि-समानाधिकरण--णात् पावा ५,३,७४.

कुरिसता (त-अ) थे->°थींय--यम् या ५,७.

कुरिस(न्>)नी- -नी बौषि३,५,२. कत्सा- पाग ४, १, ११०1; २,८०k; -त्स: माश्रौ २, १,३,५१¹; श्रप ४८,१०४^m; ऋग्र; निघ२,२०^m; या ३,११^२ Ф"; ७,१०°; -रसम् ऋपा ७,३४^m; -त्सस्य शुत्र २, २५५; ३५६; -त्साः^p लाश्रौ ७, ८,9९; पा २, ४, ६५; -त्सात् ऋग्र ३, २१; बृदे ३, १२५; -त्सानाम्^p त्रापधौ २४, ८, १; -स्साय या ४, २५ ; -से बृद ३,१२८; ४,१८; -त्सेन बृदे ५,

१कौत्स- - • त्स आपश्री २४. ८, १; -त्सः आश्री १, २, ५; ४,६;७,१,१९; काश्री ७,६,२1; बौश्री ६, १४: २२; वैश्री १२, १५: ३1; द्राश्री १३, ४, १५; लाश्री १०, २, ९; निस् २, ९: 4; 3, 99: x; 4, 5: 5; C. १०: ७; गोगृ ३, १०, ४; कप्र २, ८, २४; श्रापध १, १९, ४; हिंध १, ५, १०६; ऋश्र; या १, १५; -त्सम् हिश्रौ ७, १, ७२; त्राप १,३, १; -रसस्य बौश्रो ६, १५: ७; -१साः वौश्रौप्र २२: १; -त्सात् त्रापधी १०, २०, १२ +; बौश्री ६,१५ : ८; भाश्री १०,१३,७; -त्साय बौध्रौ ६. 94:99.

कौरस-हारीत- -तौ आपध १, २८,१; हिंध १,७,३७. २कौरस^व- -रसम् चुस् १, ५: 95; 2, 3:94; 3,5:52; लाभी ७,१,१; ९,१३; निस् ८, १ : ३१; श्रप ४२, २, १०; वाध २६, ५; शुत्र ४, १६९; -स्तस्य क्षस् १,७ : ६; निसू ४, १०: ११; १०, २: १८; -रसे लाशौ ७,१,९.

कीत्स-धीख- - शाभ्याग् जुस् १, 4: २६.

कीःस-प्रकणसामन्- नमन्याम् त्तुस् २,३ : २१.

a) व्यप. । मलो. कस. । b)= सर्प विशेष- । व्यु. (1-c) ेनुस्तौ ेस्नुकः इति यकः पाठौ (1-c) यितः शोधः (तु. राप्र. तां २५,१५,६) । d) नाप. । ब्यु. (1 e) कतक- वि. द्र. । (f) = चर्मनिर्मित-नैलमाजन- । ब्यु. (1 e)g)= मातृ-विद्योप - । ब्यु. ? । h) विप. । वस. । i) वैप ? इ. । j)=ऋषि-विद्योप - । k) ऋषैः ? ।

(l) सप्र. कुःसः<>कौरसः इति पामे. । (m)=वज्ञ-। (n) सकृत् = वज्ञ-। (c)=देवगर्गाऽन्यतम-।

p) बहु. <कौरस-। q)=साम-विशेष-, स्क्र-विशेष-।

वैप४-तृ-१६

कोत्स-वैमद्- -दम् ऋपा ८, २२. कीत्सायन-पा ४,१,११०; २, कौत्स्य^b-> कौत्स्यौ (त्स्य-ग्रौ) शनस- -सौ ऋत्र २,५,३१. कुत्स-वत् त्रापश्रौ २४,८,१. कुल्स-सूक्त- -क्तेन श्रप १९३,४,१. कुत्सस्य।(स्य-त्र)धिरथीय^c- -यम् ध्रस् ३,१०:३१. √कुथ् पाधा. दिवा. पर. पूर्तीभावे, क्या. पर. संश्वेषरा. क्थ- पाउना २,१२. कथहारि^{d,e}- -रिम् बौध ३,१,८. कुथुम- पाउमो २,२,२५२. कुथुमिन्1- >कीथुम- पावा ६, ४, १४४; -माः चव्यू ३ : ५-७. कौथुम-लौकाक्ष- पाग ६, २, क-दामन् किम् द. कदाल^ड- पाग ५, ४, १३८; -लेन वौध ३,२,३5. कौदा(ल>)लीⁿ- -ली बौध 3,9,4; 7,37. कुहाल-पाद- पा ५,४,१३८. कुद्भि - पाउभो २,१, २२९; पा, पाग 2, 8, 63; 8,9,9361. कोद्रेय- पा ४, १, १३६; -याः बौधौप्र २७: ८.

क़द्रीची k-> ची-राफ- -फान् कौस्

५०, २२. कु-ध्र- ३ कु- इ. कुनखिन्- किम्- इ. १कुनखीन्¹ श्राप्तिगृ ३,११, १:९. कु-नामन् किम्- द. १कुन्त^m->कु(न्त्य>)न्त्याⁿ--न्त्याः बृदे ८,१०१. २कुन्त- पाउमो २,२,१४७. कुन्तल- पाउमो २,३,९९. कुन्ताप°- -पम् आश्रौ ८,३,७; शांश्रौ १२, ६, १३; १३, ७; वैताश्रौ ३२,१९; -पे बृदे ८,१०१. कुन्ति^p- पाउभो २,१,९९०; -न्तयः व श्रप १,८,६. कीन्त-> १ कुन्ती r- पा ४, १, 905. कुन्ति-सुराष्ट्र- पाग ६,२,३७. २कुन्ती d- (>कीन्तायनि -) पा ४, 2.60. √कृन्थ् भ्या. पर. हिंसासंक्रेशनयोः, क्या. पर. संश्लेषणे. कन्द^s- पाउत्र ४,९८. क्रन्द-गोक्षीर-गी(र>)रा--राभिः श्रप ६८,१,३३. कुन्द-पुष्पा(ष्प-ग्राभा>)भ- -भाः अप ५२,१३,४. कुन्द-सप्रभ- -भः माशि १, १३; नाशि १,४,१. कुन्द्र,न्दु^t]म- पाग ६,२,१३४. कुन्दुमि(न् >)नी u- पाग ४, २,

√कुन्द्र पाथा. चुरा. पर. श्रनृतभाष्णे. √ कृप्^v पाधा. दिवा. पर. कोंधे, चुरा. उभ. भाषायाम् , कुपः सु २८,५. कोप- -पः पा १,४,३७; -पम् अप ५३,४,३; विध ७९,१९; -पात् शंघ १२. कोप-भःर्धन- -नयोः पावा ८. 9,6. कोपन- -नाः श्रप ६८,१,४३. कोपित- -ताः जैगृ २, ८: १८: वौध ३,९,१०. कृप्ण- -पे काश्रो ५,१०,१८. क-पथ- किम्- इ. कुपच- पाउमो २,३,१३४. क-पान- किम्- द. कृपिञ्जल- (>कौपिञ्जल-) २ऋषि-जल-द्र. ?क्षिन्त - नैः माश्रौ ६,१,२,१७. कृपिन्द- पाउ ४, ८६. क-पुत्र-, कु-पुरुप- किम् इ. कृत्तू×- -प्त्वाम् आपगृ २३, ९; भागृ २,३२: १; हिंग १, १७,५?У. क्ट्य र- - प्यम् पात्रा ३,१,११४. क्ष्य-द्रव्य- -व्यम् विध ७८,३१. कुप्र- पाउना २, २८. क्वेर 1- पाउ १, ५९; पात्राग ८, ४, ३९; –रः त्राधौ २०, ७,६; शांश्री १६; २, १६; श्रप ३६, १, ९, d) अर्थः व्यु. च !।

a)=देश-त्रिशेप-? । b) साऽस्यदेवतीयः प्र. । c)= साम-विशेप- । d) आयेः व्यु. च ? । e)= दात्र- इति Bühler, भाष्यं च । f)= ऋषि-विशेष- । व्यु. ? । g)= स्वनन-साधन- । व्यु. ? । h)= गृति-विशेष- । i) व्यप. । व्यु. ? । j) विश्वि— इति Lपक्षे] भाण्डा. । k)= गुड़ची- ? (तु. संस्कर्ता) । व्यु. ? । l) पाठः ? कुनस्विनः इति शोधः संभाव्यते । m)= कुन्ताप- । व्यु. ? । n) विप. (ऋच्-) । o)= स्कः तिशेप- । व्यु. ? । p)= जनपद-विशेप- । व्यु. ? । q) वहु. < कौन्त- । p) व्यप. । p)= व्यति- । त्यु. ? । p)= तत्युप्प- । व्यु. ? । p)= तत्युप्प- । व्यु. ? । p)= त्वान- । p) तुप्प- । व्यु. ? । p)= कुप्प्वा इति पाठः ? यिन. शोधः । p) नाप. । p) कुप्प्वा इति पाठः ? यिन. शोधः । p) नाप. । p

অয় ८, १०(४)‡; २२; য়য় ३, ४, १+; दंवि २, ४+, -रम् वेगृ १,४: ७‡; -राणाम् व अप ५५,५,४; - † राय भाग १,८: १: २, ५: १४: वैग्र ५, ३: १९: -रे श्रप ५५,५,३; ७१, १कौबेर- -राः श्रप ५५, १, ४; -रान अप ५५,५,१. २कीबेरb- -री वैगृ ३,१७ : ७. कौबेरी°- -री श्रशां १६,9; -रीम् अप ६८, ३, ९; अशां १७,३: -यीम् अशां१८-१९,४. †कोवेरक^d - - काः आपमं २, १३, ११; आमिए २, १,३: १७?e; भाग १, २३: ९; हिंग 2,3,0. क्वर-केशव- पाग २,२,३१1. क्वेर-वन- पावा ८,४,३९. कुवेरि (क>) का 1 ' g - (> कीवेरि-केय- पा.) पाग ४,१,१२३. कब्ज b- पाडमो २,२, ८८; पाग ५, ४,३1; -ब्जः वौश्रौ १५,३७:२; त्रामिगृ ३, १०, १: ५; बौपि ३,५,२; या ७,१२. क्वज-क- पा ५, ४,३. कृटज-किL,कै¹]रात- पा, पाग २, 8,99.

कुब्ज-षण्ड-पङ्गु-दरिद्र- -द्राः शंध ३७६. क्टजा(वज-आ)म्। - मे विध ८५, कब्र- पाउ २,२८. कु-ब्रह्म-, °ब्रह्मन्- किम्- द्र. √कुभ् (क्षेय), कोभित अप ४८, कम् पाग १,४,५७. क्मण्ड k->कौमण्ड- -०ण्ड बौश्रीप्र १२ : ४; वैध ४,४,३; -ण्डाः वौश्रौप्र १: ३; १२: १;२. कौमण्ड-गीतमण्ड-गीतम--मानाम् वैध ४,४,३. कुमण्ड-वत् बौश्रीप्र १२: ४; वैध 8,8,3. √कमार्¹ पाधा. चुरा. पर. कीडायाम्. १क्मार1- पाउ ३,१३८; पाग ५,४, ३ = ; - ०र वाभुश्री ३,९४:१२; १६: १८: -रः कौगृ १, १७, २××: पागृ: ऋत्र २,५,२; ७, १०२; १०, १३५; बृदे ३, १४५ म; या ५, १९; पा ६,२, २६; -रम् आश्रौ २, ७, १३ ई; शांध्री; †श्रापमं २, १३, १ⁿ; -रस्य कीय ३,१,३; पायः -राः त्रापथ्री १, ११, २; वौश्रो; -राणाम् त्राप्तिगृ २,५,३ : ४३; बौगृ ३, ७, २७; अप ७१,१७, ६; मीसू ११, १, ५१°; -रान् वाध्रश्रौ ४, ७५: २१; ३३; शांग्र २, १४, २१; श्रापग्र १९, १; गोगृ ३, २, ६; हिध २, १, ६५º; -रे वैग्र ३;१४: १०;६, ४: ५: जैगृ १, ८: १; -रेषु श्रप ५०, ३, ४; ७०१, १०, ७; -रै: भाग १, २१: १३; -री बुदे ७.६. कुमारी- पाग ५, २, ११६, -•रि शांश्रौ १२, २२, १⁹⁸‡;

-री माश्री ६, २, ३, ४; द्राश्री; -रीणाम् कौग् १, २१, २०; कागः; -रीम् काश्रौ २०,८,२५; श्रागृ: -रीषु श्रप ७०१, १०, ७; ७१, १७, ६; -र्यः काश्री ५, १०,१५; त्रापश्री; -र्या त्रापर १४, ११; भाग १, २२: ३; -र्याः पागृ १,४,५;६,१; श्रापगृ; -र्याम् बौश्रौ २,५:११‡; त्रापध २,२६,२१; हिंध २,५, २१६; पा ६,२,९५; -यें श्राय १,१५, १०; १६,६; १७, १९; कौगृ १, १, ८; ८,१; १६,११; शांग्र १, ५,५; १२, १; कौसू ३७,५. १कीमार- पा, पाता ४,२,१३: -रम् वाध १७, १९. कीमार-दार-स्यागिन्- -गी शंध ३७७ : ४°; ४१४. कौमारिक'--काः वागृ १०, १३; -कान् वागृ १०,

93.

a) बहु. < कौबेर- । b) विप. । साऽस्यदेवतीयस् तस्येदमीयश्च अण् प्र. । c) = शान्ति-विशेष- । e) °रिकाः इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. श्रापमं. प्रमृ.) । f) तु. पागम. । d) = बालप्रह-विशेष ।g) व्यप. । व्यु. i । h) वैप १ इ. । i) तु. पाका., [पक्षे] पागम. च । j) =L उत्कलदेशस्थ-] तीर्थ-विशेष- । k)=ऋषि-विशेष- । व्यु. ? । $\ \ l)$ $\ \ \sqrt{}$ कुमाल् इति Lपत्ते] BPG. । $\ \ m)$ कुमार-, इवश्चर- इति पाका. । कुमारी-श्वगुर— इति भाराडा. । n) सपा. हिग्र २,४,२ पुत्रम् इति पाभे. । o) तु. श्रान. । p) सपा. श्रापध २,४,९२ बालान् इति पामे. । g) 'रपरत्या' इति पाठः q यिन. शोधः (तु. मदनपारिजातः, मिताक्षरा च) । q) विप. । मत्वर्थे ठज् प्र. उसं. (पा ५,२,११६)।

कृडज-खञ्जै(ज्ञ-ए)क्लोचन- -नाः

कृटज-वामन- पा,पाग २,४,११.

विध ४५,३२.

१कुमारिक-, १कुमारिन्-पा ५, २, ११६. कुमारी-कुचयुग्म-वत् याशि १,६९. कुमारी-कुल- -लात् कौस् 194,90. कुमारी-क्रीडन- (>°न-क- पा.) पाग ५,४,२९. कुमारी-ज- -जम् श्रप 400,90,0. †कुमारी-दाª- -दाः आपभौ १७,५, १६; वैभौ १८, २१: १७; हिश्रो ११,८,१०. कुमारी-पत्नी- -त्नीभिः काश्रौ २०,६,१८. कुमारी-पाल- -लम् कौस् ७५,१२, -लाय कौस् ७६,१. कुमारी-पुत्र- (> °त्र-क- पा.) पाग ५,४,३. कुमारी-बाल-बृद्ध-तरुण-प्रजा(त>)ताb- -ताः वाध 22,0. कुमारी-वत् पा ५, २, 994. कुमारी-बदन- -ने अप **६८,4,₹.** कुमारी-श्रशुर- (> ९-क-) १कुमार- टि. इ. कुमार्या(री-श्रा)दि--दिभिः शुत्र ३,३२. २कौमार^c- -रभ् विध २०,

४९; -रे आ ८, २,७; वाध ५,

३; बौध २,२,४६.

कुमार-क- पा ५, ४, ३; -कम् शांगृ ५, ७,३; -कान् श्रंप ६७, कुमार-कर्मन् - मेसु वाय रे, ५; -र्माणि वागृ ३,१३. कुमार-कुल(ट>)टा−, °र-कुशल−, ॰र-गर्भि(न्>)णी- पा २, १, कुमार-घातिन्- पा ३,२,५१. कुमार-चपल- पा २,१,७०. कुमार-ज- -जम् अप ७०३, १०,७; ७१,9७,६. कुमार-ताप(>स)सी-, °र-दा-(स>)सो- पा २,१,७०. कुमार-निद्न्d- पाग ८,४,३९. कुमार-निपुण-, °र-पण्डित-, °र-पटु- पा २,१,७०. कुमार-प्रत्येनस्- पा ६,२,२७. कुमार-प्रविज्ञि(त>)ता- पा २, १, 50. कुमार-प्रसंव- -वे शंध १७. कुमार-बन्ध(क>)की-, °र-मृदु-पा २,१,७०. √कुमारय > °रयां √क > ?कुमारयांचके बौधौ १८,४६: कुमारयु- पाउन् १,३७°. कुमार-यज् - -ज्ञेषु जेगृ रे,९ : ५. कुमार-रूप- '-पेण बृदे ५, २१. कुमार-श्रम(ग्>)णा-, °रा (र-ग्र) ध्यापक-, °रा(र-श्र) भिरूपक-पा २,१,७०. २कुमारिन्- -रिणा आपमं १,११, कुमुर"- (>कुमुरित-पा.) पाग प,

२क्मार'- पाग ४,१,९९. ३कौमार-> कौमारी8- -री. श्रशां १६,१; -रीम् श्रशां १७. ५; -यीम् अशां १८,७h; १९,७ कीमारायण- पा ४,१,९९. कुमार-धारा!- -रायाम् विध ८५. कुमार-वृष- -षौ शुत्र २,२३८. कुमार-हारित1- -तः शुत्र २, १२४. १कुमारिक- १कुमार- द. २कुमारि(क>)का- (>कीमारि-केय- पा.) पाग ४,१,१२३. √कुमाल् √कुमार् टि. इ. कुमालन - नाय आपध १, ३२,२४; हिंध १,८,६५. कुमुद् - पाग २,४,३१; ४,२, ८०³; ५,२, १३५; पावाग ३, २, ५; -द: श्रप ५२,५,३^k; -दै: श्रप 8,88,3.2017 कीमदिक1- पा ४,२,८०. $_{\mathfrak{F}}$ मुद्गान्ध $^{\mathrm{m}}$ ->कीमुद्गान्ध--िन्दः बौश्रौप्र १७: १५. कुमुद्-पत्र- -त्रैः वैगृ ३,२१ : १४; कुमुद्-मयूरगल-कालक- -केषु अप ६५,१,६. कुमुद्दिक1- पा ४,२,८०. कुमुदि(न्>)नी- पा ५,२,१३५. कुमुदो(द-उ)ःपल-पद्म- -द्मानि अप 60°,8,3. कुमुद्-वत्- पा ४,२,८७‡. र्री कुमुद्वती - -ती कीसू १०६, ७ ई.

a) वैप $\{$ द्र. | b) द्रस. | °प्रजाताः ? इत्यस्य स्थाने प्रदा $(\pi >)$ ताः इति ?Bühler | c) भावे e) <कुमार $- + यु- (< \sqrt{2}$ या)। f) ϵ यप्.। अण् प्र. उसं. (पा ५,१,१३०)। d) तु. पागम.। h) कौवेर्याम् इति संस्कर्ता । i)=तीर्थ-विशेष- । j) व्यप. । कस. । g) =शान्ति-विशेष- । l)=देश-विशेष- ! । m)=ऋषि-विशेष- । n) त्रर्थः व्यु. च ! । मुकुर- इति $\lfloor q \frac{2}{N} \rfloor$ k) = प्रह-त्रिशेष- । भागडा.।

٦,३६.

√कुम्ब् ^क पाधा. भ्त्रा. चुरा. पर. श्राच्छादने.

कुम्बा - पा ३,३,१०५.

१कुम्ब - नम्बम् बौश्रौ ६,१:६;४:
१०;२५,४:४;५; दंवि १,७‡.
कुम्ब-कुरीर - न्सम् आपश्रौ १०,९,
५;७;बौश्रौ ६,५:१५; भाश्रौ
१०,६,५; -राणि बौश्रौ १५,

२कुम्ब,म्बा^६ - न्म्बम् वैश्रौ ११,८:२; -म्बाम् बौश्रौ १८,२४: १९. कुम्ब-तस् (:) बौश्रौ ४,९: १७; २०,३०:४;२५,३२:१२; २२;२८.

कुम्ब-शेष- -पम् वैश्री ११,८: ३.

√क्रभ √क्रम्ब् टि. इ. कस्भ b- पाउमो २,२,२३८; पाग ४, २,७५^d;८०^{२d}; ५,४,३^e; -म्भः बौश्रो ६,३२: ४;२५,१३: ९; श्रागृ२.८.१६ में : ११ गृ३,४,४ में ; आमिय २, ४, १: १६^{†1}; काय ११,२ +1; भाग २,३:९ +1; मागृ २, ११, १२ ईंग् १, २७, ४ +1; कप्र; कौसू १३६, १8; श्रप्रा ३, ४,१ = ; -म्भम् काथौ १५, १०, १६××; श्रापश्रौ; -म्भस्य श्राप्तिगृ २, ३, ५:५; -म्भाः वाश्रौ २, १, ५, २२; त्रापमं २, १५,४^{‡1}; त्रप २१, ५, ३; -म्भात् काश्रौसं २८: ५; माश्री २,२,५,५६; कौए ३, २,६‡1; मागृ १,११,२६; गोगृ १,१,२६; बृदे ५,१५३; नम्भान् काश्री २१,३,६; बौश्री १०,५०ः ७; वाध्र्थी ३,७६ : १८; हिश्री ११,८,११; श्रायः नम्मे शांश्री ४,१५,८,६; श्रापश्री १८,२,१२; १८,२,६; श्रापश्री १४,२१,१२; बौश्रो; कौस् ९३,४३६; नम्मेन काश्री २१,३,७; श्रापश्री ११,२०,५; काठश्री; नम्भेम्यः विध ५,१२; नम्भेषु वाश्री३,४,३,२२; नम्मो काठश्री ११९.

१क्म्भी b- पाग ४,२, ८०; पा ४,१,४२°1; -म्भी भाश्री १, २.१३: श्राप्तिगृ २.५, १०-११: ३; श्रत्र ११,३ ई; -म्भी: वौश्रौ १५, १४: १२; वाधूश्रो ३,७६: १८:१९: हिश्री २,६,५५; ११, ८,११ = मीभि: त्रापथी ३, १६, १७; हिश्रौ २, ६, ५५; -म्भीभ्यः श्रापश्रो ३, १७,१ : वाश्रौ ३, २, ५, ४१; -मभीम् काश्री १९, ३, २३; आपश्री; -म्भीप बौश्रौ १५, १६: ९; -∓¥यः श्रापश्रौ ३,१७, १; १४, ७, ४; हिश्रो २, ६, ५५; ९,८, ३६; १३, १, २४; -मभ्या कौस् ६१, १२; -मभ्याः शांश्री १४, ४१, ९; शांग्र ३, २, ९^{‡1}; -म्याम् आवश्रो १,१३,६;१०; ७,२२,९; २३,७; बीथ्री; वाश्री ३, २,७,५१1; -म्भयौ माश्रौ १, १,३,१०; वाश्रौ १,३,३,३०.

कौम्भायनि^k- पा ४,

2,60.

कुम्भी-दोहन- -नम् भाश्रौ १,११,११

कुम्भी-धान्य- -न्यः वैध ३,१,१२; -न्याः बौध १,१,५. कुम्भी-पक°-पाग २,१,

80.

कुम्भी-पाक¹ - -कम् कौस् ८८,१;-कात् कौस् ६,३२. कुम्भीपाक-रौरव-महारौरव-कृटशाल्मलि-शिलासं-घात-त्रज्ञकण्टकशयन- -नानि शंघ ३१४.

कुम्भीपाक-रौरवा-(व-ब्रा)दि- -दिपु शंध **३७५**. कुम्भी-पाक्य^ण- -क्यौ श्रापश्रौ ८,६,६; भाश्रौ ८,६,८; हिश्रौ ५,२,३२.

†कुम्भी-पात्र"— -त्रः भागृ १,२३: ७º.

कुम्भी-पूरण-सादन-प्रत्यसना(न-ग्र) भिमन्त्रण--णानि वेश्री १८, २१: १३. कुम्भी-वत् मीस् ११, ४,

80.

कुम्भी-शूल-वपाश्रपणी-णीनाम् मीस् ११,४,३१.
कुम्भीशूलवपाश्रपणीप्रभुत्व- -त्वात् श्रापश्रौ २४,४,
१६.
कौम्भ- पा ४,२,७५.
कौम्भायन-, कौम्भय- पा ४,

 $a)=\sqrt{3}$ क्म्म् इति [पक्षे] BPG.। b) वैप १ द्र.। c) श्रर्थः व्यु. च ? । = मांस- वा मांसल-प्रदेश- वा स्थूल-प्रदेश वा इति वौश्रौ. स्वी । d) श्रर्थः ? । e) तु. पागम.। f) पामे. वैप १, ११२७ ६ द्र.। g) उत्तरेशा संधिरार्षः । h) = श्रुद्रक्रम्म-, उखा- । i) = तैलादि-स्थान-, स्तम्भाधार-। j) ककुम्याम् इति पाठः ? यनि. शोधः । k) = देश-विशेष-?। l) = श्रोदन-, नरक-विशेष-। m) विप.। उस.। n) = वाल-प्रद-विशेष-। n) सप्त. कुम्भीपातः >कुम्भिशत्रुः >कुम्भी, शत्रुः >कुम्भः, शक्तिः इति पाभे.।

₹,608.

क्रम-क^b- पा ५,४,३. क्रभ-कार- पाग ४, ३, ११८; -रः वैध ३,१२, ११; -राणाम् वाधूश्रौ ३, ७६: १७; -रान् वाध्रश्रौ ३,७६: ३; कौम्भकारक- पा ४, ३, क्रभकारा(र-श्र)दि-वेश्मन्--इमसु अप ३६,१४,१. कुम्भ-देश- -शे वागृ १७,७. क्रम्भ-पदी°- पाग ५,४,१३९. कुम्भ-बिल- पा ६,२,१०२. कुम्भ-मण्डूक- पाग २,१,४८; ६, 2,69. कुम्भ-मध्य-गत- -तम् गौपि १, कुम्भ-मात्र- -त्रम् वाधूश्रौ ३,७६: कुम्भ-मिश्र- -श्रम् बौश्रौ २१,२४: कुम्भ-वत् काश्री १९,३,२३. क्रभ-स्थ- -स्थम् श्राप्तिगृ २, ४, ७ : १९; वैग्र ४,११ : १५. क्रमा(म्म-ग्र)न्तd- -न्तम् त्राप्तिगृ ३,७,३:२८; बौपि २,३,२; हिपि १२: ८; ४४: १२. †क्मिन्°- -म्भी पागृ १, १६, २३; हिग्र २,३,७; जैग्र १,८: 94. क्मिनी- -नीः वैताश्रौ ३४, ९; -न्यः द्राश्री ११, ३, २४; लाश्री ४,३,२३.

2,9,3:944. कुम्मे(म्भ-इ) एका ह- -काः वौश्रौ १0, २0: ४; २९, ६: 90; माश्री ६,१,६,१८; १९; वाश्री २, १,५,२२; वैश्रो १८, २१: २०; २१, १८: ३; हिश्रौ ११, ८,११; -कानाम् श्रापश्रौ १६, ३३,9;३; बौश्रौ २२, ६: ११; हिश्री ११,८,१२. कुम्भो(म्भ-उ)पमारणा(ण-अ) न्तb- -न्तम् काश्रो २०, ८,२०. क्(म्भ्य>)म्भ्या - -म्भ्यानाम् त्रापश्री ११,२०,११; हिथ्री ७, 6,43. शक्तिभ°- -मिभः कागृ ३५,१‡1. २क्स्भी - (>कीस्भेयक- पा.) पाग 8, 3, 94. कुम्भी(क>)का^ष - -काः श्रय १६, ٤‡. कुम्भीर- पाउमो २,३,५०. क्-यव- किम्द्र. √कुर् पाधा. तुदा. पर. शब्दे. कुरङ्ग- पाउभो २,२,६१. क्रणट k- °ण्ट-हेमा (म-श्र) रुण-शङ्ख-कन्द-मुक्तावली(ली-इ)न्दु-प्रति-(मा>)म- -मे अप २४,५,१. कुरण्टा(एट-या)कृति-गोक्षीर-हेमा (म-ग्र)रुणतडित्-प्र(भा>)भ--भः श्रप २४,३,२. कुरण्टक- पाउमो २,२,८. करर- पाउ ३,१३३. कुरल¹- पाउना १, १०५; -लस्य श्रप ७०१,३,४. कुम्भि-शत्रु - -त्रुम् श्राप्तिगृ कुरव- (>°व-क- पा.) पाउभो २,

२,८; पाग ५,४,३m. करीर⁸- पाउ ४, ३३; -रम् बौश्री ६, १ : ६; ४ : १ १; २५,४ : ४; ५; भाश्री १०,६,६; वाधूश्री ३, ०६:२६; वैताश्रौ ११,२२; १३, ९; श्रप ४८,११६; १क्ह ह - पाउ १,२४; पाग ४, १,८६; 992m;949; 948n;2,933; १३४; -रवः शांश्री १५, १६, ११; - 🕈 ० रवः त्र्यापश्री १८,१२. ७^२; हिश्रौ १३,५, ४; २४; −हः या ६,२२र्क; -रुभिः अप ५०. २,४; -रुषु वाधूश्री ३,९७ : ३; वृदे ७,१५५; -रूणाम् वाधूश्रौ ३,७५:८; -रून् अप १,८, ४; बृदे ६, ११०. कौरव- पा ४, १, ८६; ११२; २,१३३; -वे° त्राश्रौ ८,३, १०; शांश्री १२,१४,१. कीरवक- पा ४, २,१३४. कौरवायणि- पा ४,१,१५४. कीरव्य- पा ४,१,१५१; १७२; -च्यः शांश्रौ १२,१७,१‡; हिशौ १३,५,४; वृदे ७,१५५; -व्यम् ब्रापश्रौ १८, १२, ७; -व्यस्य चात्र ४२: ५; -व्ये वृदे ८, २; -च्यो या २,१०. कौरव्याय(ग्>)णी- पा ४, 9,99. कुर-कत-(>कौरकात्य-, ॰त्या-यन- पा.) पाग ४, १, १८; 904. कुरु-क्षेत्र 🗕 -त्रम् वाध्यौ ४, ७५:

२९; -त्रात् शांध्रो १५, १६,

a = देश-विशेष-?। b) कुम्भिका— इति पागम.। c) कुम्भी $^\circ$ इति पागम.। d) विप.। वस.। e)=बालप्रह-विशेष-। f) पाभे. पृ८८५ ${\sf p}$ द्र.। ${\sf g}$) वैप १ द्र.। ${\it h}$) विप.। पपः>बस.। ${\it i}$) विप.। तत्रभवीयः यत् प्र. । j)=नगर-त्रिशेष- । कुम्भि— इति पागम. । k)=पुष्प-विशेष- । ब्यु. ? । $\ell)=$ कुरर । ब्यू.(n) तु. प्रागम. (n) करू- इति पाका. (n) वैप १,११२७ (n) दे (n)

११: -त्रे काश्री २४, ६, ३२; बौध्रौ १८,४५ : २४; ४० : ७; कुरुण्टक- पाउमो २,२,८. वाध्यौ ४, ७५: ४०; लाश्रौ १०,१९,१; शंध १९४; बृदे ६,

कौरुक्षेत्र"- -त्रम् वैष् १,४: १. करू-गमन- नात् या ६,२२.

करु-गाईपत- पा, पावा ६, २,४२. क्र-पञ्चाल - पाग ७, ३, २०; −लाः त्रापश्रो१८,१२,७‡;बौश्रो १८, ४४: २२; -लान् हिथ्रौ १३,4,8.

की रुपाञ्चाल- पा ७,३,२०. कुर-पाञ्चाल- -लान् यापथी १८, १२. ७: -लानाम् वाध्यी ४, 906:94;96.

कुरु-ब्रह्मन् -ह्मणाम् वौधौ १८, २६ : ६.

क्र-राज- -जः वाधूश्रौ ४, ७५: १७१°; -जाय वाधुश्रौ ४,१०८ :

करु-श्रवणb- - + णम् वृदे ७, ३५; उसू २, २६; -णस्य ऋग्र २, 90,33.

क्र-श्रेष्ठ^d-पाग २, २,३१.

२करु^e- - †रवः अप ४८, ९६; निघ 3,96.

३क्ररं- - रुः वैश्री १७,११ : ११रे. करु-वाजपेय- -यः शांश्री १५, ३, १७; ग्रापभौ १८, ३, ७; लाभौ ८,99,96.

कुरुङ्ग^b- -ङ्गः या ६,२२∮; -ङ्गस्य या ६, २२+; ऋग्र २, ८, ४; बुदे €,88.

कृरुत व- (<°त-पाद-पा.) पाग ५,

कुरु-पथ-b>कीरुपथ- -थिः कौस् ६३,२७; अअ ७,५८; ११,८.

करुविनद् - नदान् वौधौ २४, ५:

क्रस्ति^h - -तिः ऋग्र २, ८, ७६; साय २,३४१.

करुस्तृति .- -तिः शुत्र १, ५२७; श्रश्र २०,४२.

†कुर्कुर b- -रः आपमं २, १६, १३; भागृ २,७:६;७; हिगृ २,७,२ . कर्द्ध पाधा. भ्वा. त्यातम. कीडायाम्. कर्द- (>क्ट्री- पा.) ऊर्द- टि. इ. क्पीसक^d- पाग २,४,३१.

कर्वत- प्रमृ. √कृ इ. कर्विणी - -णी याशि २,१३-१५.

√कुल् पाधा. भ्या. पर. संस्त्याने वन्धुषु च.

१क्ल^k- पाग २, ४,३१^d;५,२,१३६; —लम् वौथ्रौ २७, ४: ११; वाध्रुथौ; या ६, २२∮; -लस्य वाध्यो ४,९०: १०; १२; १४; वैगृ; –लात् शांश्रौ १४,४०,१०; हिथ्री १४, १, ४७; श्रापध २, १७, ९; हिंध २, ५,३८?1; -लानाम् त्रापश्रौ २४, ७, २; हिथ्रो २१, ३,१०; निस् ४,८: १०; -लानि वाध्यौ ३, ९७: ३; निस् ४, ८: ३; आप्तिगृ २, ७,१:३; कीस् ५७, १९; बौध १,५, ८२; ८४२; विध २६,६; -लाय कौसू १८, २०; श्रापध २, २७, ३; हिंध २, ५, २२२; -ले **आपश्रो २२, १८, १३**‡; बौश्री; हिथ्री २, ५,३८१1; -लेप्र या १,४. १कील"- -लेन बौध्रौ २४,

१कीलेयक- पा ४,१,१४०. कुल-कल्प- -ल्पः वागृ ४, १; जैगृ 2,99: 22.

कल-क्रमा(म−ग्रा)ग(त>)ता- -ता जेश्रोका २.

कल-गमन- -नात् या ६,२२. कलं-कल- -लः शांग् ४, १२,११º; वाध १२,८; गौध ९,५३. क्लं-अय- -ये अशां १७,४. कुल-चारित्र-शील-विद्या-लक्षण-

गुणा(गा-त्र)धिक- -केपु शंध

क्ल-ज- -जः ग्रापश्रौ २०, १८,१; हिथ्रौ १४, ४, ८; -जाः विध 6,6.

कल-उधेष्टय- -ष्ट्यम् कप्र २,४,११. कुल(ट>)रा°- पावाग ६, १, ९३; फि ५९; -टायाः वाध १४,१९; शंघ ४३४; श्रापध १, १९,१४; हिध १,५,११६. कौलटिनेय-, 'टेय- पा ४,

9,920. कीलटेर- पा ४, १, १३१. क्लटा-षण्ड-पतित- -तेभ्यः

विध ५७, १४.

a) त्रिप. । तत्रभवीयः अगण् प्र. । b) वैप १ द्र. । c) कुरूजः इति पाठः ? यिन. शोधः । पागम. । e)=ऋत्विग्-विशेष- । व्यु. ?। f)= ऋष्प- । व्यु. ?। g) ऋर्थः व्यु. च ?। h) व्यप. । व्यु. ?। i)=त्रोपधि-विशेष- $\mathop{!}$ । $^{\mathrm{a}}$ यु. $\mathop{!}$ । j)=स्वरभिक्त-विशेष- । $^{\mathrm{a}}$ यु. $\mathop{!}$ । k) वैप $\mathop{\mathsf{q}}$, ९,९९२८ $\mathop{\mathrm{m}}$ द्र. । l) $^{\mathrm{c}}$ लाकु $^{\mathrm{a}}$ इति पाठः ? यिनि, शोधः । m) विप. । तस्येदमीयः अण् प्र. । n) पासे. पृ १२ a द्र. । o) उस. उप. $\sqrt{$ अट् +कर्तरि अच् प्र., परहपत्र ।

कुलटो(टा-उ)न्मत्त-चौर- -रान् कप्र १,६,६. कुल-दक्षि(गा>)ण⁸- -णः काश्रौ २२,११,१२; लाश्रौ ९, ४,२८. कुल-दूषण- -णम् श्राज्यो १४, १. कुल-देवता-संबद्ध- -द्रम् शंध २२. क्ल-धर्म- -र्मः आपगृ १६, ७; २०,१९; बौगृ २, ४, १७; भागृ २,१०: १८; हिगृ २, ९, १२; -र्मम् कौष्ट १,२०,२. क्लधर्म-परिग्रह-> °ह-रिक्थ-पिण्डो (ण्ड-उ) दक- -कानि शंध 266. कुल-नामन्- (>कौलनामि|क>] का-, °की-) कुदामन्- टि. द्र. कल-पति - पाग ४,१,८४; -त्योः गोगृ ३,३,२९. कौलपत- पा ४,१,८४. कल-पर्वत- -तान् शंध ११६ : १०. क्ल-पा- -पाः श्रश्र १,१४ क. कल-पुत्र- (> कौलपुत्रक- पा.) पाग ५,१,१३३. कुल-प्रगाश- -शे वाध १,३८. क्ल-मित्र- -त्रम् विध ५७,१६. क्ल-योषित्- -षिताम् विध ८१, कुल(ल-ऋ)र्विज्- -र्विजाम् कप्र 2,4,8. क्छ-त्रत्- पा ५,२,१३६. कल-वध्- -धृः शंध ७८. क्ल-वर्द्ध(न>)नी- -नीम् श्राज्यो क्ल-वृद्ध- -द्धः शंघ २१; -द्धाः

कौगृ ३,१०,३५; शांगृ २, १६, ४; श्रामिगृ २,४,७: २. क्ल-वेद- -इम् शंध ११६ : ३९. कुल-शील-वयो(यस्-ग्र)न्वित--ताः श्रप ७०, १,५. क्ल-संख्या - - ख्याम् बौध १, ५, कुछ-सत्त्र- -त्त्रम् काश्री १, ६, कुल-स्त्री- -स्त्रियाः वाध १६,३५; -स्त्रीणाम् शंध ३४१. कुला(ल-ग्र)ध(म >)मा- -माः काध २८०: १. कला(ल-ग्र)पकर्ष- -र्षः वाध १, कुला(ल-अ)पदेश- -शेन वाध १, कुलीन,ना- पा ४, १, १३९; -नः माश्री ५, १, १०, ४१; -नम् थ्रा ३, १, १३; विध ३, ७०; -नाम् वाध १, ३८; -ने वाध 20,00. कुलो(ल-उ)च्छेद- -दम् अप ३५, 9,90. कुलो(ल-उ)स्माद- -दः श्रप ३६, कुलो(ल-उ)पाध्याय- -यः शंध १क्टय- पा ४,१,१४०. २कल^b->२कौल^c- -लम् विध २२, ३कळ^d- -ल: भागृ २,७: २०‡. २कौलेयक- पा ४,२,९६.

४क्ल°−(>कुल-र¹−,२कुल्य¹−) पाग 8,2,60%. पक्ल⁸- पाग ४,१,११०. कौलायन- पा ४, १, ११०; -नाः बौश्रौप्र ३१: ४५. कौलि- -लयः बौश्रौप्र २२: ३. ६क्ल^h-(>३कील-) पाग ४, २, 933. कुलङ्ग¹-> 'ङ्ग-वर्जं ! - -र्जाः बौध १. 4,932. कुलङ्गापमारिन् "- -री मागृ २,१४. क्लत्था- -त्थान् वौश्रौ २४, ५ : १६. कौलत्थ- पा ४,४,४. कुलत्थ-सप्त(+ >)मा m - -माः त्रापश्रौ १६,१९,१४. क्लप- पाउमो २,२,२१०. कुलल"- -ले बौश्रौ २,५: ९. क्लाय!- पाउमो २, ३, ८; - मयम् शांश्रौ १२, १७, १°; १८, १३; श्चापश्रौ ७,१७,१^р; बौश्रौ ४,६: ३६^p; ११,४ : २०^p; भाश्री ७, १३, ४^p; हिश्री ४,३,५४^p; अप 86, 68. †कुलायिन् - यिनम् आश्रौ १,११, १; शांश्री १, १५, १३; बौश्री ३,३० : ४;८; भाश्री ३,९,१२; वाश्री १, १, ४, ३१; वैश्री ७, ११: ५; हिश्रौ २, ५,३२;४१; ६, ४, ६; २१, २, ७२; -यी श्रापधौ १६,२७,७. †कुलायिनी- -नीः वैश्री १८, १७:४७; हिथ्री ११, ७,४०;

a) विष. । बस. पूप. = गोकुल-, उप. = दान- । b) वैप १,११२८ t द्र. । c) = मद्य-विशेष- । d) = श्व-प्रह=विशेष- । e9, श्रियं: e9, श्रिय

अप्राय ६,२; -नीम् आपश्री १५, ३,१३; १७, ५; १६, २४,१४; बौश्रौ ९, १७: ३६; ३७; भाश्रौ ११,३,८; १७, ६; माश्री ६,१, ७, १४; वाधौ २, १, ६, २३; वैश्रौ १३, ४:७; १८, १७: ४७; हिश्री ११, ७, ४०; २४, १,१८; लाश्रो ६,२,११;१९. कुलाल"- पाउ १, ११८; पाग ४,३, ११८: -ला: बौध्रौ १५, १३: १४: -लान् बौश्रौ १५, १४: ११; -लेभ्यः शुप्रा ५,३७. कौलाल- -लम् पावा ५, ४, ३६; श्रागृ ४,३,१९. कीलालक- पा छं,३,११८. कलाल-चक्र-निष्पन्न- - नम् कप्र २, कुलाल-वृत्ति^b- -तिः वैध ३, १२, कुलाश्व°-> कीलाध- -धः वीधी १६,२७: २२. कलिङ्ग^त - - ङ्गे बौश्री २,५: १५. कुलिज°- पाउमो २,२,८९. °क्लि(ज>)जी-,°क्लि-जि(क>) की-, °क्लि-जी(न >)ना- पा 4, 9,44. कलिज-कृष्ट'- - पे कीस् ४३,४. १क्लिश - पाउभो २,३, १४६; पाग ५, ३, १०८; -शः मैत्रप ४८, १-७४; १३१; किंच २, २०; ४,३; या ६,१७ई, -शेन>ना

सु २८,१; या ६,१७ . कौलिशिक- पा ५, ३,१०८. २कुलिश^E-(>कौलिशायनि^b-पा.) पाग ४,२,८०. कुलीन- १कुल- द्र. क्लीर!- पाउभी २,३,४९. कलीर-कर्कट- -टी ग्रा ३९, १, क्लीर-सुपिर- -रात् बौधौ २४, 98. 8. कलीरो(र-उ)द्ध(त>)ता--ताम् वैध २,४,२1. कल्लन k- (>कील्न- पा) पाग ४, 3,93. कुलूत- (।पाउभो २,२,१४८) >कौ-ल्त-) उलूप- टि. इ. कुलून^b- (>कौलून-पा.) पाग ४, ₹,9३३¹; ३,९३₺. कौलुनक- पा ४,२,१३४. कृल्प"- -ल्पानि श्रापमं १,५,२‡". कल्फ^a- पाउ ५,२६. कल्फ-दन्न- - हम् माश्री १, ५, ४, १२: - हा वाश्री १,४,३,१३. क्लमल⁸- पाउ ४, १८८; -लम् श्रप्रा ३,२,२८ ई. कुलम्।,ल्मु°jल-यहिष्- -पः ऋश्र २,१०,१२६; साश्र १,४२६. कौल्मलबाईषप--षम् दाश्रौ ८, १,३३; लाधी ४,५,२६; -पस्य लाश्रौ ७,२,१५; -चे लाश्रौ ७, ٦,9.

क्टमाप'- पाउभो २, ३, १५३; पाग ४, ४,१०३; -पम् विध ९०, २७; -धाः या १, ४०; -धान् या १,४. कौल्माष- पा ५,२,८३. कील्माधिक- पा ४,४,१०३. कुल्मि°->कुल्मि-मात्र- -त्रः श्रापश्रौ १,३,१७; भाश्री १,३,१५. कुल्मुद्t->कोल्मुद्व- -दम् जैथी २२: ६; जैश्रीका २०. १क्ट्य- १कुल- इ. २क्टय- ४कुल- इ. ३क्(ह्य>)ह्याa- पाउना ४, १२१; पाग ४,२,९५^u; - † ल्याः श्रापमं २, २०, २८; श्राय २, ४, १३; ३,३,३4; कीए ३, १५, ४; शांख ३, १३, ३; भाग २, १६: १३; १७: ८; मागृ २, ९, ४; कौसू ४५,१४; ६६,८\$; ८४, १; अप ४८, ७६; निघ १,१३; -ल्याम् बौध्री ध,६:४३+; वैध्री ११, v: 4. ३कीलेयक- पा ४,२,९५. कुल्ब- (कील्ब-) ६कुल- टि. इ. कुवल - पाउमो २,३, ९६; पाग ४, 9,89; 4,2,280. क्वली- पाउभी २, ३,९६; पा ४, १,४१; पाग ५,२,२४ .. क्वली-कुण- पा ५,२,२४. कवल-कर्कन्धु-बदर-चूर्ण- -र्णानि

काश्री १५, १०,१०.

a) वैप १ द्र. । b) विप. । बस. । c) व्यप. । ब्यु. ? । d) = पक्षि-विशेष- । ब्यु. ? । e) = परिमाण-विशेष- । व्यु. ? । f) द्यर्थः ? । पूप. = घर- (तु. उद-कुलिज – । कौस् १२,६।) । g) सर्थः ह्यु. च ? । h) = देश-विशेष- ? । i) = जलवर-विशेष- । ब्यु. ? । j) कुली इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. C.) । k) कुल्यन- इति पाका. । l) पृ ८५३ e द्र. । m) = लाज- । ब्यु. ? । n) पाभे. वैप १ पूर्वािव शेष- । वस. । q) = साम-विशेष- । r) = धान्य- विशेष- । व्यु. ? । s) = गोवाल- । गोपुच्छ- । ब्यु. ? । s) = ऋषि-विशेष- । व्यु. ? । s) कुल्या- s0 शांकरायनाभिमति पागम. ।

वैप४-तृ-१७

कुवल-कुण- पा ५,२,२४. कुवल-प्रस्थ- पाग ६,२,८७°. कुवल-सक्तु- -कुभिः माथ्रौ ५, २,४,२१;११,१६; वाश्री ३,२, कुवलय⁶-(>॰ियत- पा.) पाग ५,

२,३६.

क्विट्यास^{c,0}- (कोविट्यासीय^c-) पाग ४,२,८०.

?क्वितः अप ४८,११६ . कुविद् श्राश्रो ३,८, १; १३, १२; ८, १०,१; शांथ्री; निघ ३,१4; या ४,१५; पा ८,१,३०.

क्विद्यास-(>कौविद्यासीय-) कुविट्यास- टि. इ.

क्विन्द ^ह- पाउ ४,८६. क्वेणिका c'b- (> कीवेणिकेय-वा.) वाग ४,१,१२३.

√कुश √अस् इ. १क्श'- पाउमी २,३, १४१; पाग ५, २,९७; -शम् श्राप्तिगृ २,५,१ : १७; -शस्य द्रप २३, १, ५; -शाः बौधी १८, ३९: 9××; कौगः; -शान् शांश्रौ ४, ४, २१××; काधी; = शानाम् शांधी १७, ४, ५; बौधी २२, १७: १६; कौगृ ५,१, ६; -शे शांश्रौ ३,१९,९; वैध २, ९, ३; -शेन कौगृ १,४,१; शांगृ १, ८, १४; कप्र १,६, १०; -शेषु आश्री १, १२,८××; शांधौ; -शैः श्राधौ २,४,१३; शांधी; -शो काधी 2,3,30; 8,2,94; 8, 8, 8; ब्रागृ १,३,३; वैध २,२,१. कौश!- -शम् शांश्री १६, १२, २०; काश्रौ १,३,१२; १४,५,३; द्रापृ १,१,६; कप्र १,२,१०; अप ३०,२,२; बौध १, ५,५.

कौशी- -शी काश्री ६, ३, १३; शीम् कागृ ४३: २; कप्र १, २, १२; -इया काश्रौ ६, ३,

कुश-कण्टक- -कम् k शांग्र १, २०, ३; पागृ १,१४,४.

कुश-करका(क-अ)शिहोत्रद्रव्या(व्य— श्र) पहार- -रे शंध ३२५.

कुश-काश- पाग २, २, ३१¹. कुश-मन्थि-कृ (त>) ता- -ताम् शंध १०७.

कश-चीर-चर्म-बहकल-बासस्--साः ग्राप्तिगु २, ७, १० : ४; शंध ३६९:३९०.

कुश-तरुण- -णभ् काथौ ६,१,१२; ७,२,८; क्रीगृ १, २१,१०-१२; शांग्र १, २८, १२: १३; १५; शुत्र १,२३४;३६४; -णान् कीय २,४,३:२४; शांगृ २,७,५; २८; -णानि काश्रौ ५,२, १५; पागृ २,१,१०; -णाभ्याम् काँगृ १, ५, ४: -णाभ्याम् शांग् १, ८, १७; -णे शांधी २, ७, १२; काश्रौ ५,१,२३; कौगृ १,४, १; ५; शांगृ १,८,१४; -णेन काथी १०,९, ३१; २५, १२, १; कीय ४,२,३; शांग्र ४,१५,११.

क्रा-तरुणक- -कानि आप्रिए ३,७,

१: ३; २: ७; बौपि १, १७: ३:२७: -कै: बौश्रौ ९,१: १५: १०,१: १३; आमिगृ ३,६,२: 90; 98; 0, 2: 4; 3: 92; १४;९,२: १२; बौषि १, १०: ६: ९; १२; १४; १७: २५; २, 9,5;6,5,90; 99.

कश-तिल-मिश्र- -श्रेण विध ७३.

कुश-तिल-बस्र-पुष्पा (६४-अ) लंकार-ध्य-दीप- -पै: विध ७३,१२. कश-तीक्षण- -क्ष्णम् वैधौ ११, ७:

कश-तोय- -यैः वैगृ ७, ३ : २; ५; 98.

कुश-दण्डक- -कम् कीगृ १, १२,

क्श-दर्भ- भीन् वैध २,४,२. कश-देश- -शे आश्री २,४,१४. कश-द्वीप m - -पम् शंध ११६ : ४. कश-पलाशो(श-उ)डुम्बर-पद्म-शङ्ख-पुष्पी-बट-ब्रह्म-सुवर्चला-पत्र--त्रै: विध ४६,२३.

कश-पवित्र- -त्रैः काश्रौ ७,३,१. क्रापवित्र-पाणि- -णिः शंध

कश-पिञ्जूल- -लान् आश्री ६, ९, १; -लानि यागृ १, १७, ८; ४, ६,४: -है: श्रापृ १,१४,४.

क्श-पप्प-दर्भा (भ-य) न्यतम--मेन वैगृ ४,१२: ३.

कुश-पृ(छ>)ष्टा"- -ष्टाः द्राधी ५, २, ३; लाश्रौ २, ६, ११º; निस्

a) तु. पासि. । कुरल- इति पाका. । b) = उत्पत्त- । व्यु. (1 + c) श्रर्थः व्यु. च (1 + d) कुविद्यास-इति [पक्षे] पासि., विक्त्रास- इति पाका., विक्ठ्यास- इति भागडा. । e) =देश-विशेप-१ । f) वैप १ द्र. । स्वार्थे वा विकारे वा अण् प्र. । k) सप्र. कुशकण्टकम् <> कुशदण्डकम् इति पामे. । l) तु. पागम. । m) = सप्तद्वीपाऽन्यतम-। n) विष.। बस.। o) कुशाः पृ इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. द्राश्री.)।

१,११: ६.
कुश-प्रसू- -स्वः काश्रौ ५,१,२०.
कुश-प्रस्तर- -रे वाध २१,८.
कुश-बद्ध- -द्वे काश्रौ २५,३,१७.
कुश-बन्ध- -न्धम् आप्तिग्र २,७,

कुश-बस्त्रा, स्व^क]ज— -जैः काशु ७, १४.

कुश-बल्बज-मी(अ>)आ- -आम् श्रप २८,१,३.

कुश-बृती – -स्याम् शंघ १०७. कुश-भार – -रान् शांश्री १७,६,६. कुश-भित्त^b – -त्तम् शांग्र१,२८,७^८. कुश-भित्ति^b – न्तिम् कौग्र १, २१,

कुश्च-मय - यम् वौश्चौ ९, १५: १४; ३३; १४,१६: १८³;२१, २:२२; आप्तिग्ट ३, ५,१:२; ५; वौषि १, १७:२; ५; -यौ वौश्चौ ९,५:८.

कुश्तमयी - - योम् वौश्रौ १५, २: ३; - टयौ वौश्रौ १०,१:२. कुश-मुष्टि - - िष्टिभः कौग्र ४, १,९; - ष्टिम् काश्रौ १, ३,२३;६,२, १२;९,७,१;१८,३,४;गोग्र १,८,२६.

कुश-मूल- -लेंपु ब्राक्षी २,३,२०. कुश-एउत्त- -ज्जुम् गोग्र १,२,१; -ज्जू ब्राग्र ४,८,१५.

भकुश-रू- पा ५,२,९७. कुश-रूव- -चम् आग्निए ३,३,२ : ४. कुश-वारि- -रिणः वौध ४,५,१३. कुशवारि-जरू- -रुम् आग्निए ३,

92.9:2.

कुश-वीरिण- -णम् आगः २,७,४. कुश-वृत्ति^d- -त्तेः शंध १३३. कुश-सम- -माः शंध ११२. कुश-सूना- -नासु श्रागः ४,८, २२; २७.

कुश-स्तम्ब - - स्वम् काश्रो १७, ३, १; आगृ १,२२,२१; आशिए ३, ८,१:९; वौषि १,१४:९; - स्वे काश्रौ १७, ३,१४; २५,४,६; ग्रंघ २०७; वौष १,४,२.

कुश-स्थान- -ने विघ ७९,२. १कुश-इस्त⁰- -स्तम् बौधौ ६,२५: २१;२१:२४.

२कुश-हस्त^त - -स्तः बौश्रो २१,१४ः १६; ऋप ४२,१,५; -स्तेन ऋप २३,१०,७.

कुशा(श-अ)हुर- -रम् वैष्ट ३,१२:

कुशा(श-स्र)म- -म्रम् जैर्ग् २, ९: २४; -म्राणि काश्रौ १७,३,२०; -म्रेण विध २०,४४; -म्रै: वैश्रौ ८,११:२.

कुशाबीय- पा ५,३,१०५. कुशा(श-ग्र)भाव- -वे काउग्र ४० : १५: विध ७९,२.

कुशा(श-ख्र)लाम- -मे जैए १,१ : ११; शंध ११२.

कु $(\pi >)$ शा-च $(\pi >)$ ती¹- पाग ६,३,११९.

कुशा(श-म्रा)वर्त^ह - न्ते विध ८५,

कुशा(श-श्र)श्मन्तक-वर्वज--जानाम् पार् २,५,२४.

कुशा(श-श्रा)सन- -तम् श्रप २३,

9३,३; -ने ऋप ३८,१,३. कुशे(श-३)ण्ड्च- -ण्ड्ञानि पाय **३,** ७,३.

कुशे(श-इ)ध्मा(ध्म-त्रा)दि- -दीन् वैध ३, ५,१.

बध ३, ५,१. कुशो(श-उ)त्तर, ता^d - -रायाम् शंध १०७; -रेषु विष ७३,२. / कुशो(श-उ) दक - -कम् आमिए २, ०,०:१२; १५; काए ६,४;७,३; अप ३८,१,४; २,३; वाध २७, १३; बीध १,५,१२३; ४,५, १०-१२; १४;२५; बैध २,१,४. कुशो(श-ऊ)ण, णां - -णां काश्री ५,३,८; आपश्री ८,६,१२;

५, ३, ८; श्रापश्री ८, ६, १२; भाश्री ८, ६, ७; -र्णानाम् वाध्रश्री ३, ६९: ३४; -र्णानि हिश्री ५,२,३९.

२कुदा,द्या^b— -साः द्राश्री ५,२,१;९; ६,३,५; लाश्री २, ६,१;४;११, २; निस् १, ११:४; २८; –सानाम् स्राश्री ८,५,७. कुशी–पा ४,१,४२; –सीम्याम् वाध्रश्री ४,३४:४².

कुशा-विधान- -नेन द्राश्री ५, २,४. †कुशाय!- -यः अप ४८, ७७; निघ ३,२३.

२कुश्तलं - पाउमो २, ३, ९९; पाम २,१,४०; ५९; ४,३१; ५, १, १२४; १३०; १३३; ६,२,२४; -लः बौश्रौ २,१४:१; ५,१: २९; बौध १,५,४०; पा ५,२, ६३; -लम् शांश्रौ १५,२६,१^२; बौश्रौ; -लान् श्रप ७०,१०,५; -लेन निस् २,५:२०××; गोष्ट.

a) श्रप. पाठः । b)=कुश-कट- । c) परस्परं पाभे. । d) विप. । वस. । e)=कुश-मुष्टि- । f) तु. पागम. । g) = तीर्थ-विशेष- । h) = श्रयस्- पा. । त्यावृत्ति- संख्यानार्था- । व्यु. ! । व्यु. ! । g) भाप. । दिप. g0 नाप. । व्यु. ! g1 कुश नामन् । व्यु. ! । g2 भाप. । दिप. g3 नाप. । व्यु. ! g4 कुश ना कुश g5 नाप. । व्यु. ! g5 कुश ना कुश g7 नाप. । दिप. g8 कुश ना कुश g8 कुश ना कुश g9 नाप. । दिप. g9 ने ति यु. । पाप. ९ कुश g9 नाप. ९ कुश g9 नाप.

9,908; - क: 邪羽 २,३, 9;

३१; १०, १२७; शुष्र ३,२२२;

कीशल- पा ५, १, १३०; -ले पा ८,३,८९. कौशलक- पा ५,१,१३३. कोशल्य- पा ५,१,१२४. क्शल-श्रत- -तम् गोगृ १,७,७. क्शला(ल-श्र)नामया(य-श्रा)रोग्य--ग्याणाम् गौध ५,४२. कुशला(ल-श्र)ध- -थें: पावा २,३, क्शलिन् - ली द्रागृ २,३,३०. क्शली√क, कुशलीकुर आगृ १, 90,90. कुशलीकारयन्ति गोगृ २,९,२३; 90, 4. कुशली-कर्न्- -र्ता जैय १,११ : कुशली-कृत- -तम् द्राग् २, कुशलीकृत-शिरस्- -रसम् श्रागृ १,१९,१०. कुशलो(ल-उ)दिए- -एम् निस् ९, 9:84. **३कुरा**(ल>)ऌा°- (> कौशलि-पा.) पाग ४,१,९६. कुराहारीत"--तः आमिगृ ३,११, २: २२-२३. कुशास्व"- पाउना ४,१०३; पाग ४, 9,933.

कौशा(म्ब>)म्बीb- (>१कौशा-

म्बेय- पा.) पाग ४,२,९७.

२कौशाम्बय- पा ४, १, १२३;

-याः बौश्रीप्र ६ : ३.

कशिक°- पाउभी २,२,१८; पाग ४,

या २, २५०; -कस्य या २, २५‡: -काः व श्रापश्रौ २४,९, १२: बौश्रोप्र ३१: १:९: ३८: १: हिश्रौ २१,३,१२; बृदे ४, ९८; - †०काः व शांश्रो १५,२७, १‡; या ७,२; -कान् व वृदे ४, ११५; -कानाम् व वृदे ४,११४. कौशिक- पा ४, १, १०४; -०क आश्री १२, १४, ६; श्रापध्रौ २४, ९, १३; बौश्रौप्र ३८-३९ : २; हिधी २१,३,१२; जैश्रौ ३: १६²; ७: २;३; द्राश्रौ १, ३,३; लाश्री १, ३, १; हिए १, १७, ३ = वेध ४, १, १०; ११; -कः वैताश्री १,३;२२,१; ३६, २१;४३, ३; कौसू ९,११; ४६, १६; ६८, ३७; अप २३, १०,४; ४४,४,८; शंध ३७७: ७; ३७८; वैध ४,१, १०; श्रश्र ६, ३५; ११७; -कस्य जैश्रौ २२: ७; जैश्रीका २१: -काः श्राप १, ६, ९; श्रश्र १०, ६; -कात् अप ४४,४,१५^२; -कान् अप ५०,५,५; -केन अप २९. 2.2. कौशिकी- -की अप १, ३,9°; -क्याम् विध ८५,३91. कौशिकिन्- पा ४,३,१०३. कौशिको(क-उ)क्त--क्तानाम् अप २३,९,४.

बौश्रौप्र ३८-३९ : २; हिश्रौ २१. ३,१२; वैध ४,१,१०;११. क्शीरक प- (> कीशीरकेय - पा) पाग ४,२,८०. क्शीलव¹- -वः वाध ३,३. कौशीलव-> °व-गन्धा (न्ध-श्र)क्षन- -नानि गोगृ ३,१,१७. कुशीलव-ता- -ता विध ३७, ३२. क्र्यूल - लानाम् अप ६४, ४, कुदोरिकाº- (> कौशेरिकेय- पा.) पाग ४,१,१२३. क्रमल- पाउना ४,१९५. कृश्चि"- पाउभो २, १, २२८ "; -श्चि: शुत्र २,१७. की श्रि- -श्रयः वौश्रीप्र ४३: ३ √कृष्¹ पाधा. क्या. पर. निष्कर्ष. कृषित्वा पा १,२,७. कोष- पाग २,४,३१m. कृषप- पाउमो २,२,२१०. कृषाकु- पाउभो २, १,४१. क्षीतक - पाउमो २, २, ४१; पा, पाग २,४,६९. १कौषीतक- -कः वौश्रौ २,३:५; त्रापृ ३,४,४; कौपृ २,५,३. कौषितकायन- पा २,४,६९. कौषीतकि- -कये कौष्ट २,५, ६; -िकः शांश्रौ ४,१५, ७; ७,२१, ६; ९,२०,३३; वाधूश्री ३,३९: २; कौर २,५,६; ३,७,८; ५,४, १०; शांगु ४,५, ६; आप्तिगृ ३, ६.४:१८; बौषि १,१३:१७, हिपि १०: १४; बृदे ५, ४४;

a) व्यप. । व्यु. ? । b) = नगरी-विशेष- । c) = ऋषि-विशेष-, नृप-विशेष- (या २, २५) । वैप १ द्र. । d) बहु. < कीशिक- । e) विप. (ज्येष्टा-नज्ञन-) । f) = नदी-विशेष- । g) श्चर्थः व्यु. च ? । h) = देश-विशेष- ? । i) = गायक- । व्यु. ? < कु- + शील- + \sqrt वा इति श्चमा. । j) कुस्ल- इत्यनेन स-न्यायता द्र. । k) $<\sqrt{$ कुश्च. । k) या ५,२६; ६,२२ पा ३,१,९०; ७,२,४६ परामृष्टः द्र. । k0 तु. पागम. । कोश- इति भाएडा, प्रमृ. ।

कुशिक-वत् श्रापथी २४, ९, १३;

-िकम् शांए ४,१०,३; ६,१,१; ख्रय ४३, ४, २९; -कीन् निस् ६,१२:१३; -केः शांश्री ११, ११,३;६. २कीपीतक⁶ - कम् शांश्री ४, २,१३; ११,१४,२०. कीपीतकन् - किनः श्रापश्री

कोषोतकिन् - -िकनः श्रापध्रौ १०,१,१०; भाश्रौ १०,१,७; श्राग्र १,२३,५; श्राप्तिग्र ३,६, ४:१९; बोपि १,१३:१७.

कौषीतकेय- पा ४,१,१२४; -याः बौश्रीप्र ४१: ८.

कुषुभ- (>√कुषुभ्य पा.) पाग ३, १.२७.

कुषुरभ⁵- -रभम् ग्रप्रा ३,४,१‡. †कुषुरभ-क⁵- -कः^c त्राग् ३,५,७; कीगृ ३,७,१०; शांग् ४,५,८.

कार २,७,१०, सार ८,५,०. १कुप्रचित्^{तार} (>कीप्रचित्क-पा.) पाग ४,४,१०२

?कुष्टिवद् - (> कौष्टिविःक -) कुष्ट-चित् - टि. इ.

१क-ए- ३क- द.

रकुष्ठ'- पाउ २, २; -०४ अअ ५, ४‡; -४: अप्रा ३,४,१‡; -४म कौस् ३५,२५; अप ३५,२,३;९; अअ ५,४; -४त अप १८,३,१. कुष्ठ-मांसी - -सी अप ३५,१,१४. कुष्ठ-लि(क्र≫)क्वा- -क्वाभिः कौस् २८,१३.

१कुष्ठविद्- (>कोष्ठियःक- पा.) कुष्ट-चित्- टि. द्र.

कुष्टिन् - छी आप्तिए ३, १०, १ : ५; बौपि ३,५,२१ ; शंघ ३७५; ३७७ : १; विघ ४५, २; हिघ २,५,४९. क्रिकेटिक वाडण- -णानम

कुष्ठि-पैत्तिक-ब्राह्मण- -णानाम् विध ९,२७.

कुष्ट्य(ष्टि-श्र)समर्थ-लोहकार--राणाम् विध ९,२५.

कुष्टि-व्यङ्ग- -ङ्गे श्रप ९,४,५.

३कुष्ठ^ь−>कु (ए-क>)ष्टिका− -काः ग्रप्रा ३,४, १†; -काम् श्रापश्रौ १९,९,५; हिश्रौ २३,१,४७.

कुष्टिका-शफ- -फाः आपश्रौ १९,९, ४; हिश्रौ २३,१,४६^२ ; -फान् आपश्रौ १९,९, ७; हिश्रौ २३, १, ४७; -फाभ्याम् आपश्रौ १९,९,५; हिश्रौ २३,१,४७.

प्रकु(g>)ण्ठा¹— - ‡व्यया^k श्रापश्रौ १०,२५,६; वैश्रौ १२,१८:८; _हिश्रौ ७,२,६२; – छाः माश्रौ २,२,३,३९; – छासु माश्रौ १,

कु-ष्ठल- किम्- द. १कुष्ठीन् श्राप्तिगृ ३,११,१ : ९. कुष्मन्- पाउना ४,१५९.

कुष्मल− पाउना ४,१९४. √कुस् पाधा. दिवा. पर. संद्वेषरो.

√कुस् पावा. १६वा. ५८. तर कुसप- कुएाप- टि. इ.

?कुसय-सर्पिस् b— -पिंपा श्रापश्री १७, ११, ३; वैश्री १९, ६: ३५.

कुसित^b- पाउ ४,१०६.

कुसितायी- पा ४,१,३७. कौसित^b- -तम् मागृ १, ६, २;

-तान् मागृ १,६,४.

कुसिद्¹->कुसिदायी- पा ४, १, ३७.

कुस्तिन्ध^b -न्धम् श्रप्रा ३,४,१[‡]. कुस्तिन्ध-भग-सृगाल-सुराध्वज--जान् वौध १,१०,१८.

?कुसी अय ४८,२०‡.

कुसीद^b पाउ ४, १०६; -दम् श्रापश्रौ १३,२४, १५^{‡1}; बौश्रौ ४, ११:८^{‡1}; माश्रौ २, ५,५, १८^{‡1}; वैश्रौ १६, २८:५^{‡1}; हिश्रौ ९,६, २५^{‡1}; गोग्र ४,४, २५^{‡1}; वाघ २,१९; बौध १, ५,७७; गौघ १०,६; १२, ३३; -देन बौश्रौ १७,३८:१६.

कुसीद-जीवन- -नम् विष ४०,१. कुसीद-वृद्धि- -द्धिः गौष १२, २६.

कुसीदिक- पा ४,४,३१.

कुसीदिन् - - दिनः आश्री १०,७, ७; शांशी १६, २, २०; या६, ब्राह्म २६; -दी ऋग्र २, ८, ८१^m; बृदे ३, ५८^m; शुअ ३,२०७^m; साग्र १,१३९^m; या६,३२. ^{पुअ}

कुसुण्ड- पाउना ४,११४.

कुसुभ- पाउमो २,२,२३९.

कुसुम"- पाउ ४, १०६; पाग २, ४, ३१; ५, २,३६; -मानि श्रप ३५,२,१; ६७,४,२; -मे याशि २,७५.

१कुसुम-सर्पिस्° - -िर्पः वाश्री ३,४,

कुसुमा(म-त्रा)शिन् - - शिनः वैध १,८,१.

a) प्रोक्तार्थे अग् प्र. । b) वैप १ द्र. । c) पामे. वैप १, १०९६ h द्र. । d) अर्थः व्यु च ? । e) तु. पाका. । ?कुष्टिविद् – इति पासि., ?कुष्टिविद् – इति भाएडा. । f) वैप १, ११३१ t द्र. । g) °ष्टीः इति पाठः ? यिन. शोधः । h) वैप १, ११३१ y द्र. । i) °कश ° इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. आपथ्रौ.) । j) वैप १, ११३१ r द्र. । k) पामे. वैप १, ११३१ s द्र. । i) पामे. वैप १, ११३२ j द्र. । i0) अर्थः ? । मलो. कस. ? । i1) चानप्रस्थ- विशेष- । उस. उप. i2 अश् (भोजने) । i3 पायः श्री । i4 श्री । i5 पायः श्री । i7 श्री । i8 पायः श्री । i8 पायः श्री । i8 पायः श्री । i9 चानप्रस्थ- विशेष- । उस. उप. i9 अर्थः श्री । मलो. कस. ? । i9 चानप्रस्थ- विशेष- । उस. उप.

कुसुमित- पा ५,२,३६. कुसुमो(म-उ)द्गव- -वः श्रप ६४, ८,३.

कुसुम्भ°- पाड ४, १०६; पाग ४,१, ४१^७.

कुंसुम्भी- पा ४,१,४१. कुंसुम्भ-कुङ्कुम- -मानाम् शंध १८२.

कुसुम्भा(म्म-ब्र)तसी-नारिकेल-वृक्ष- -क्षाणाम् वैध्नौ ११,११ :

कुसुरुविन्द°- -न्दः निस् ९, ४: १; भाशि ६८.

कौसुरुविन्द्^d— -न्दः काश्रौ २३, ५, २२; २४, ३,१; हिश्रौ १७, ८, ३५; निस् १०, २: १; -न्देन निस् १०, १२: १०; -न्देन श्रापश्रौ २२, २२,११; २४, ६; हिश्रौ १७,८,१६.

?को सुरुविन्द-द्वितीय°- -यम् काश्रो २४,४,४८.

कौसुरुविन्द-वत् श्रापश्री २२,

कुसुरुबिन्दु'- -न्दुः ग्रुत्र १, ५२१; मात्र २, ११८७; -न्दुम् आश्री १०,३,२३.

कुसुरुबिन्दु-त्रिरात्र^ह— -त्रः शांश्रौ **१६**,२२,१४.

कुस्ल्र^७— पाडभो २, ३, ११२; पाग ५,४,१३८; -लाः श्रप्रा ३, ४, १^{‡1}.

कुसूल-धान्य- -न्यः वैध ३, १, १२. कुसूल-पाद− पा ५,४,१३८. कुसूल-बिल− पा ६,२,१०२.

कुस्तुम्बुरु- ऋत ४, ६, ५; -रूणि पा ६,१,१४३.

कु-स्त्री- किम्-इ.

√कुस्म् पाधा. चुरा. श्रात्म. कुत्सित-स्मयने.

कु-स्वप्त- किम्- इ.

√कुह् ¹ पाधा. चुरा, ब्रात्म. विस्मापने. कुहक^k – पाउ २, ३७; –कः वाध ६,४०.

> कुहक-शट-नास्तिक-बाल-बाद--देषु श्रापथ १,२०,५, हिंच १, ६,१९.

कुह किम्- द्र. कुहर- पाउभो २,३,३९. कुहुड- पाउभो २,२,११९.

कुह्र°- पाउभो २,१,१२५; -हू: आश्रौ १,१०,८ ‡; ६, १४,१५; शांश्रो ९,२८,३‡; बौधौ २४,२०:११; १२; हिश्री २१,२,६०+; कागृउ ४४:१३; बैग्र १,१६:५‡; कीस् १, २०; अप ४८, १३९+; बृदे १,१२८; २,७७; ८,१२५; निघ 4, 4+; या ११, ३9+; ३६¢; ब्रप्रा ३,४, १+; -हम् +ब्राधी १,१०,६-८; शांश्रौ ९,२८,३+; व्यापथी ३,९,४; बौधी २४,२९: १४; भाश्री ३, ७, १६; ८,२‡; ४,१९, ४; माश्री १, ३, ५, ४; वंधौ ७,९ : ३; हिधौ २, ५,९; ६,४,१;२१,२,६७+; वैताऔर, १६; आमिग्र, १, ५: २१ ‡; वैगृ

१,१६: ५५; अप ३२,१,१९६; वृदे ४,८०; अस ७,४०६; अप २:६८६; या ११,३३६; - ह्याः १स्त्रापश्री ४,१३,२; ३; भाश्री ४,१९,४६; माश्री १,१,४,३,१६; वाश्री १,१,४,५,६ हास् आश्री ४,१,१५; - ह्यां स्त्राश्री ६,४,५,१५; वाश्री ८,२८,२; वाश्री २,४,१६६; वाश्री २,४,१६६; वाश्री २८,१,६७.

कूच- पाउमो २,२,७१. १कूचवार¹- >२कोचवार्य- पा ४,

२क्सचवार- (>कौचवार-) कुचवार-टि. इ.

√कूत्त्[™] पाधा. भ्या. पर. श्रव्यक्ते शब्दे. कृजित- > °त-सन्निभ- -भेन माशि ४,५.

√कूट्ⁿ पाधा. चुरा. श्रात्म. श्राप्रदाने; उभ. परितापे.

कूट,टा°- पाग २, ४, ३१^b; ४,२, ८०^{३p}; ६,२,८५^a; -टः श्रापथ्रौ २२,२१,५; हिश्रौ १७,७, २९; -टम् श्रापथ्रौ ९, १४, १४†; भाश्रौ ९, १६, १७; हिश्रौ १५, ४, २१; -टाः श्रापश्रौ २२, ४, २४; हिश्रौ १७, २,२८; -टानि कौस् १६,१६; -टाम् बोश्रौ १२, ५:२३; श्राप्तिगृ ३, ५,३:१;

बौषि १,३: १: -टे सु १३, १; -टेन हिए १,१५,६ . कौटिक-, 'टीय-, 'टय- पा ४, 2.600. कर-कर्ण काण-खण्ड-खञ्ज-घृष्ट-वण्ड-इलोण सप्तशफ-यर्जम् वंश्रो १०, 9:93. कूट-कर्ण-काण-खण्ड-वण्ड-श्रोण-सप्तराफ-वर्जम् त्रापश्रौ ७. 92.9. कूट-कारक- -कः शंध २०१. कट-तक्ष- -तर् पावा ६,१,६७. कृट-तुलामान-प्रतिमान-व्यव-हार- -रे शंध ३१६. †कट-दन्तb- -न्तान् त्रापमं २,१३, १२; आशिष्ट २, १, ३: २१; भागृ १,२३: १३; हिगृ २,३,७. कृट लेख्य-कार- -रान् विध ५,१०. कूट-वादिन् - - दिनः विध ५, १२३. कूट-व्यवहारित्- -री शंध ४०३; ४०४; ४१४; विध ५४,१५. कूट-शासन-कर्तृ- -तृत् विध ५,९. कूट-शासन-प्रयोग- - ने शंध ३१६; कृट-साक्षिन्°- -क्षिणम् विध ८, १८; -क्षिणाम् विश्व ५, १७९; ८,२५; ३७; १०,९; -क्षी शंध ३७७:९: विघ ८,४०: ५४,९. कीटसाक्ष्य- - इयम् विध ३६, २: गौध २१,१०. कट-स्थ- स्थेपु अप ५२,११, ४. कृट-स्थानं c- -नानि यप ५२,११,१. कृटा (१८^त)-कर्ण-काण-खण्ड-बण्डा-(ग्ड-श्र)पन्नद्त् - - तः वाश्री १, ६,३,२६.

4.938. कृटा(ट-ग्र)गार-प्रमाण- -णैः विध 83,88. √कृड् तुदा. पर. घसने^e. √कृण् पाधा. चुरा. उभ. संकोचने. कृती -> कृती-पलाश-मा (त्रा>) त्र- -त्रम् माधौ १,६,४,१४. क्रदीº- -दीम् कौस् ७१, २१; ८०, ३३; ८६, २४; -द्या कौस् ८६, २२: -द्याः कौस् ७१,१९ ई. कदी-प्रान्त- -न्तानि कौस् २१,२; 34,28. कृदी-म(य>)यी- -यी कौस् २१, 93. कृद्य (दी-उ) पस्ती (र्ग्>) र्णा--र्णायाम् कीस् ४७,३०. √कृप √कृप दे. कप्ड- पाउ ३,२७; पाग ४,२,८०^{२h}; ५,9,२; -पः श्राप ७१,१४, ३; निघ ३, २३ ‡; या ३, १९ ई; -पम् बौश्रौ ९,१९:४१; आए; या ४,१८; - ईपस्य ग्रम ४८,७७; निघ ३,२३; -पात् बौध २,३, ७; विध २३. ४४; ५४, २; -पान् बौध २, ३, ६; -पानाम् थ्रप ७०^२,२,२; -पे विध २३, ४५; वैध २, १४, २; वृदे ३, १३२; या ४,६; अप्रा ३,४,९५: -पेभ्यः हिपि १८: १७^२,१८; -पेप पा ४,२,७३. कप-कच्छप- पाग २, १, ४८; ६, 2,69. कूप-कर्तृ- -र्तुः विध ९१,१. क्य-कर्मन् - -र्मणा या ५,२६. कृपका- (>कृपकि-) वृत्प-

कप-चूर्णक- पाग २,१,४८; ६, २, कप-नामन - -मानि निघ ३, २३; या ३.१९. कृप-पतन- -ने काथ २७६: १. कृप-पर्वत- -ताः अप ७१,४,४. कृप-पर्शु - - श्वः या ४,६. कप-प्रस्ववण- -णेष् अप ६८, १, कृप-बिल- पा ६,२,१०२. कृप-मण्डूक- पाग २, १, ४८; ६, 2,69. कृप-यज् - ज्स्य कागृ ७१,१ रे. क्प-वत् विध २३,४६. कृप-वापी- -पीप वौध १,५,५५. कृप-वापी-तडाग- -गानाम् अप ३९, १,८; -रोष् अप ३२,१,२. कप-सेत्-तडाग-विप्र-देवतायतन-भेरत- -ते काध २७०: ८. कृप-स्थ- -स्थानि कप्र १,१०,१४. कृपा(प-आ)ि - दीनाम् अप ३९, १,५; -देः श्रप ३९,१,१२. कूपा(प-ग्रा)राम-तडाग- -गेषु विध 98,98. कृपिकº- पा ४,२,८०. -काभिः कृषे (प-इ)ष्ट(क>)का-बुरे ३,१३५. १कृष्य- पा ५,१,२. २क्एय, प्या- -प्याः काश्री १५, ४, ३५; बौध्रौ १२, ८: ११; माश्रो ६,१,५, २२; कौगु ५,५, ६ +; वाग् ४, ३ +; -प्यान् वैध २, १३,५; -प्यानाम् त्रापथौ १८, १३, ६; वाध्रौ ३, ३, २, १६ c) विष. । बस. । d) पाठः ? यनि.

हिश्रौ १३, ५,१४; -†प्याभ्यः श्चापश्रौ २०, ११, १७; स्राप्तिर २,४,३ : १३; वेरु १,४ : २.

क्पत्- पाग १,४,५७. क्वर"- पाउभो २,३,७४; -रम् बौश्रौ १२, १२: ९; १३: २४; १८, २४: १४.

क्चरी- -रीम् पाय ३,१४,५. क्वर-बाहु^b- -हू गोय ३,४,३०. क्कुर-- -रः पाय १,१६,२४^२.

कर्च - पाउभो २, २,७३; पाग २,४, ३१; -र्चः शांध्रौ ४, २१, २५; वैताश्री ३६, २३; आमिए १,५, १ : ३; २,६,६ : ७; बौगृ १,२, १५; हिए १, १२,१६ +; -र्चम् शांश्री ४, २१, २; १७, ४, ५; काश्री ध, १३, १४; बौधौ; -चियोः काश्रौ २०,२,१९; बौश्रौ १६,२१ : ८; हिश्री १६,६,४५; -चेंस्य काय ६,३; -चीन् द्राश्री १०, ४, ७; १४; लाश्री ३,१२, १४; दैताश्री ३४,७;८; बौगृ १, २,५; -चीभ्यास् आपगृ १३,७; १०; आप्तिम २, ६,६ : ९; बौम १,२, १९; २६; ३०; ३३; ४०; -चें याथी १०, ६, ११; काथी ४, १४, १६; २०; श्रापश्री; -चेंन भाग २,२३: ३; वैगृ १, ९: १६××; -चॅपु यापथ्रो २१, १७,१५; हिथ्रो १६,६,१३; पाय ३,८, ११; -चैं: वैश्रो १२,७: १२; आमिय २,४,६ : ६; -ची श्रापधी २१,१७, १४; २१, ७; बौधौ १६, २०:४; २१:३;

लाश्री ३,१२,६; बौग् १,२,६. कूर्च-त्रय- -यम् श्राप्तिग् २,६,६: २. कूर्च-फलक- -के हिश्री १६,६,१२. कूर्च-स्थान- -ने काश्री ४,१४,२८. कूर्च(र्च-श्र)क्षत-सुवर्ण-रख- -त्रानि वृग् ४,११: २.

कूर्चा(र्च-त्रा)दि- -दीनि गौध १०,

कूर्पं^d- पाउभो २, २,२०८; पाग ५,

कूर्पर'- पाउभो २,३,३९; -रम् याशि १,२०.

कृपीस- पाउभो २,३,१७८. १कूर्मª- पाडभो २, २, २४७; -र्मः यापधी १६, १३, १०; वेथी; -मम् काश्री १७, ४, २७; व्यापध्रो १६, २५, १; बौध्रौ; -र्मस्य श्रापश्रो १,२५,४; भाश्रो १, २६, २; वाथौ; -र्माः अप ६२, ३, २; बृदे ७, ७९; बौज्य २०: २; -में बौथी २,५: ३ . कुर्मी⁸--मीं डिनस् ४ : ३५. कीम्यी- -म्यम् श्त्र २, १६३. क्रम-चित्1- -चित् बौश्री १७,३०: ६;९; -चितम् बीश २०: १. कूर्म-पित्त1- -तम् पागृ १,१४,५. कुर्म-पृपत् k- -पन्तम् आपश्रौ १७ १३,६; बौथ्रो १०, ५०: २३ ई; २४; वैथी १९, ६: ७२; हिथी १२,४,९.

क्रभ-प्रकार^k - -रम् वौधौ १,९:१४. क्रभ-प्रवेश - -शे काथ २७६: ७. क्रभ-मकर - -री ब्या ३९,१,१०. शिक्रम-लक्षणो - -णम् चव्यू २: ३२. कूर्म-वत् काश्री १७,९,६. क्रिम् क्रमा(म-त्रा)कृति^६ - तिम् माश्री १,२,३,२२; ३,६,१६. कुर्मा(म-त्र्य)ङ्ग - ङ्गानि नाशि १,६, १२.

२कूर्भ^m-- मेः ऋत्र २,२,२७; शुत्र**३,** २११; ४,३६.

√कूल् पाधा. भ्वा. पर. त्रावरसे, कृल्येत् त्रापश्री ६,६,१.

रक्ल — पाग फ,२,१२६; —लम् बौग्र ४,३,७; विध ६३,४८[™]; या ६, १५; —लस्य श्रापश्रो ११,२०, ८; हिश्रो ७,८,५१; —लात् वैश्रो १२, १४:१३; वाध ६, १६; —लानि या ६,४; —लेन श्रापश्रो २३,१२,२३;१३,१३.

कू छं-कप - पा ३,२,४२. कृष्ट-तीर-तूष्ट-मूष्ट-शाला(ला-श्र)क्ष-सम- -मम् पा ६,२,१२१.

क्लम् उद्रज-, °उद्यह-पा ३,२,

कूल-मृत्तिका- -काः श्रप १, ४३, ७.

क्ल-वन् पा **५,**२,१३६. क्ल-शातन - नः या ६,१७. क्ल-सुद्र-स्थल-कर्ष- -पाः पा ६, २,१२९.

कृला(ल-ब्रा)दि- -दीनाम् पात्रा ६, २,१२१.

क्लिन्- पा **५**,२,१३६. क्(ल्य>)ल्या°- -ल्याः ऋक्षिय **२,** ६,४ : १०,११^३,१२,१३,३,१, २ : ६‡,२,५,१२‡;७ : ५; हिय २,११,१;१५,७.

a) वैप $\{z, 1, b\}$ = रथेपा- (c) = वालप्रह-निशेष- (c) = (c) चु. (c) च (c)

२कूल- (>कीलक°- पा.) पाग ४, २,१२७.

कूलास b- (>कौलास- पा.) पाग ४,२,७५.

‡ शक्रू स्वजम् ^० श्रप्रा ३, ४, १; दंवि २, ५.

क्वाचर-(>की°) कुचवार-टि. इ. क्रमाण्ड वंग्न- पाउमो २, २, १०७; -ण्डम् शंघ ११६:२८; -ण्डानि बौधी २,११:२३; बौग्र २,९, ५; माग्र ३,१५:३; वाघ २८,९; ११; गौध १९,१३; -ण्डै: बौध २,१,५८; ३,७,१; गौध २०, १२; २२,३८; २४,११.

कूइमाण्डी— -ण्ड्यः श्राप्तिय २, ६,५: ९; बौय २, ९,५; ११; भाग ३,१५:६;१८‡; बौध ३, १०,११;७,५.

क्रमाण्ड-होम- -मम् वैगृ ३,२१ : २; -मान् वैश्री १, ४ : ५.

कृष्माण्ड^{त/२} - ण्डै: वाश्रौ १,४,१,६; श्रामिग्र २,४,४: १; वाध २३, २१; शंध ४४३; सुधप ८६: ६. कृष्माण्डी - -ण्डी: विध ८६, १२; शुश्र २,४१४; -ण्डीभिः शंध ३७९; विध ८,१६; -ण्ड्यः श्रामिग्र २,४,५: ८†; श्रप ४६, ७,४; शंध १०५; वीध ४,३,७; विध ५६,७. कौष्माण्डिक!- -कम् अप ४२,

कूष्माण्ड-राजपुत्र - -त्रः वैगृ ६७: ६; मागृ २, १४, २; २९; - †त्राय मागृ २,१४, २७.

कृष्माण्ड-वत् श्राप ५२, १२,४.

?क्षप्र: 1 ऋत्र २,५,७४ [‡].

√कृष्ण पाधा. खा. तना. उभ. करणे, करते ऋप्रा ७, २२ †; करति श्राश्री ५, २०, ६; श्रापश्री १६, ७,४ 🗐; हिथ्री ११,२,२ 📲; अञ्र १९,१६; ऋत्रा ४,४५+1; पा ८, ३, ५०; ‡करतः आपश्रौ १४, २९, १; या ३, १५; करन्ति या ३,१० †; †करिस वैश्रौ १८,५: १1; आमिए ३,६,१: ४; बौपि १,८:४; करथ: ऋप्रा ४,६० ‡; करामहे बौथा ११, ६: १८ ; †करत् आश्री ३,४,१५; श्रापश्री ४, २,9k; बौध्रौ; भाश्रौ ४, २, ३ k ;हिश्रौ १,२,५ k ;श्रापमं 1 १,४, ५,५,७; बौगृ १, ४,१८1; पा ८, ३,५०; करन् माश्रौ ५,२,९,६; ऋप्राष्ट्र,४९‡;करः ऋप्राष्ट्र,६३‡; कराथः कौसू ९६, ३+; कराथ कौसू २,३६ †; करवे काश्रौ २५, ११,२१‡^m; ‡करतुⁿ त्राप्तिगृ**३**, ७,१: ९; बौपि १, १७: ९; करताम् माश्रौ ५, २, ९,६; कर >रा° ऋपा ४, ६२‡.

कृषे या ५, २५[‡], कृथ: ऋपा ८, ८ई; कृष्व>ध्वा ऋप्रा ७, ३३+;+कृषि आश्री३,८,१;११, 90; शांश्री ३,२०,२⁰; ८,४,३; काश्री २५, ११, २१ ; आपश्री 3, 92, 99; 8, 94, 9; 88, २४, ८8; २२, २६, ७8; बौश्री; भाश्रौ ३, ११,१⁰; माश्रौ ३,२, १^व; वाश्री १,३, ७,१२ हिश्री २,६, १२^व; श्रापमं १, ४, ६^t; १५, २º; २, ४, २⁸; कौगृ १, १९, १०⁸; शांग्र १, २७, ७⁸; त्रामिए १, १,२:५३⁸; हिए १, ४, ११⁶; ऋप्राय २, ४⁸; पा ८, ३,५०; कर्त (न>)ना ऋप्रा ८, 33+.

†कृणुते पाय ३, २,२१; मायः जैय २, ३: ५; या ३, १५; ५, १९; †कृणोति माय २, १७, १; अप्रायः या ९, १४; १७‡ ; कृणुतः आपमं १, ११, १०† ; १कृण्वतः हिश्री ११, ३, २४ ‡ , कृण्वते आपश्री १६,१८, ७ ‡; वैश्री; †कृण्वन्ति आपश्री १९, २६, १७; वौश्री; कृणोिष

श्रापमं १,५,१२ १;वायः; †कृण्य, >था श्रश्च ६,२२;ऋपा ७,१०; ८.३०: †कुणोमि श्राश्री ३,१३, १४; श्रापश्री ७, १७,७ ; बौश्री 8. 5:80 ; 88.8:38 ; 84, २९:२० ; भाश्री ७, १३, ८ ; माधौ; वैधौ १०,१४:३°; हिधौ 8. ४,४°; श्रापमं १,५,१७‡°; कृण्मसि कौस् ९२.३ १ †; †कृणवत् काश्री १०,९,८; बौश्री ८,१८: २: माश्री २,५,४, ४०; श्रापमं २.११.२८: क्रणवात् शांश्री १२. १८, १‡°; †कृणवन् आपश्रौ १६,१२, १; या ४, २०; २५; कुणवथ श्राश्री३,३,४‡;†कुणोतु आश्रो १,६, ५^d, २,११, १२^e; शांश्री १,९,२; ३,६,२°;९,२८, ३1; आपश्रौ ६,३०,१०६; बौश्रौ ३, १२: १० हैं, भाश्री ६, १७, १७8; माश्री १,२,४,४ b; ६,४. २६ है; वाश्री १,१,२,१९; हिश्री ६, ८, 98; वैताश्री १७, ७: आपमं १,८, १०1; २,४, ४^e; कीय ५, ८, ५; पाय ३,१,४8; ३,६1; आपगृ ११, ६k; मागृ २. ८,६राग; हिग्र १,७,११ k; कौस ४२, १७1; †कृणुताम् आश्री २,

१०, १६; श्रापश्री; कुण्वन्तु श्रापश्री १६, ४, ५; बौश्रौ; क्रमाव श्राभी ४,६,३; शांभी; त्रापमं १, ६,४m; मागृ १,१३, ६ m: या १२,८ m; कृण बौश्रौ १, २०: २५; जैश्रो; †कृण्हि आश्री ४.४. २: शांश्री ३, १९, ३º; माश्रौ ६,२,३,८२०; वैताश्रौ २५,१४^०; बौगृ २,५,१२^व; वागृ ५, ९व; या ५, १५; ६,१०; ८, ६; ऋपा ८,४२; कृणुतम् श्राश्रौ ध. १३. ५‡; बीध्री; ‡कृण्ध्वम् श्चापश्रो १४,१७, १××; वाश्रो; या ५, २६; १२, ४३; †कृणुत शांश्री २,८,८1; काश्री७,४,१५5; त्रापश्रो २,२,६:६,६,१०¹:१०. १२, ४⁸; बौश्रौ; बौषि ३, २, १०t: †कृण्तात् आश्री ३, ३, १र, शांश्री ५,१७,५; माश्री २, ५.५,२१ ": †क्रणोत बौश्रौ १७. ४२: १२^v; वैताश्री १०, १७; श्रावमं २,९,६°; श्रामिगृ १, ३, ५: १४°; भाग २,२२: १५°; ऋप्रा ५,५९ °; ७,४२; कुणवाव या ४, १६ +; +कृणवाम शांश्री १२. ४. १३: श्रापश्री: +अक-णोत् बौश्रौ १, १५: २१; वागृ

१४, १ "; या ५, ३; ६, २:: तैप्रा ११, १७; अकृणुताम् पागृ २,६, १२ ; †अकृण्वत अप १. ५१, १; या २, २५; ५, २५: †अकृण्वन् श्रापश्री १२,७, १०: हिश्रौ ८,२,९; कौसू ५,६; ५९, १९; या ७, २८; श्रपं २: ७८: ऋप्रा २,७२; अकृणोः शांश्रौ १२. १६,१‡; अकृणुतम् गोगृ ३, ४. १७ ‡; अकृण्महि भाश्रौ १०. 96.90\$. कुरुते शांश्री ७, ७, ४; काश्री: करोति आश्री १,११, ४; शांश्री: बौध्रौ २७, २: २० ‡ ; पा ४, ४, ३४; पावा ३, १, २६: कुरुतः काश्री १५, ७, १३;

करोति आश्री १,११, ४; शांशी; बीश्री २७, २: २० ‡ ; पा ४, ४, ३४; पावा ३, १, २६; कुरुत: काश्री १५, ७, १३; आपश्री; कुर्वते आश्री ३,६,२५; शांश्री; कुर्वन्ति आश्री ६, १०, १; शांश्री; हिश्री २४, ५, ५ ! ; करोषि आपश्री २, १८, ९ ‡; कुरुथ: या ३, १५; ‡करोमि आपश्री २, ८,६ ; १०,६ ; ७, १०,६ ; बीश्री १, १४: ४ × × ; माश्री; माश्री १, २, ६, १९ ; आपमं १,५,१६ शांगु १,२८, ९ । ; आपमं २,१२,६ । ; १४ । ; श्रीप २,१२,६ । ; १४ । ;

a) पामे. वैप १,११३८ ० द्र. । b) पामे. वैप १,११३८ n द्र. । c) पामे. वैप १,११३९ l द्र. । d) पामे. वैप १,११३९ p द्र. । e) पामे. वैप १,११४० g द्र. । f) पामे. वैप १,११०९ f द्र. । g) पामे. वैप १,११४५ k द्र. । h) पामे. वैप १,११४० n द्र. । j) पामे. वैप १,११४० m द्र. । j) पामे. वैप १,१५१० e द्र. । l) पामे. वैप १,१५१० e द्र. । l) पामे. वैप १,१५१० e द्र. । l) पामे. वैप १,१९४५ q द्र. । q) सपा. वौ २,१३३,२ इ. ए च दित पामे. । r) सपा. वृण्य <>करिष्यथ <>अकार्ष्ट इति पामे. । s) पामे. वैप १,१९४२ j द्र. । t) कुरुत इति मेसू. । u) पामे. वैप १,१९३९ n द्र. । v) पामे. वैप १,९९३५ e द्र. । w) पामे. वैप १,१९३९ g द्र. । x) वैप १,९९३८ c द्र. । y) क॰ इति पाठः १ यनि. शोधः । z) पामे. वैप २,३६६ं. करोमि तैना ३,७,५,२ टि. द्र. । a¹) पामे. वैप १,९९३८ l द्र. । b¹) पामे. वैप १ पिरे. अस्तु मा ३,६२ टि. द्र. । c¹) पामे. वैप १,९९३८ b द्र. । d¹) पामे. वैप १,९९४ b द्र. ।

पागृ१, १६,६°;वागृ११,७°; हिगृ १,२५,9°; २,३,१०° तेप्रा ८, ३०; कुर्महे शांश्री १५, २६. १+: कर्मः बौश्रौ१०,५१:१७+; जेथ्रोप: करवत् काथ्रो१२,२,८; हिथ्री १६,१,२९; कौसू १७,७; †करवः श्राप्तिगृ ३, ६,१: २; बौषि १. ८: २; नकरोतु आश्रौ २, ७, ११; शांश्री ४,१३, १1; त्राप्त्रौ २,११,१०⁸; ६,११,५¹; १५b,२,२;६; †क्रुतात् काश्री ६, ८, १; श्रापश्री; क्वंताम् श्चप १, ११,४;३९,४; श्रशां ९, ४: +कर्बन्त श्रामिय २, ५,११: २४; वागृ; कुरुव्व आपश्री १२, २६. ४ +: बौश्री: +कुरु श्राश्री २,१६,१९; ६, ३,२२1; शांश्री; माश्री १,२,५,१०;६,३,७1; २, 9,3,81; श्रापमं १,४,६k; २,६, 921; c, 8m; हिए १,90, 5m; २०, २k; कुरुऽकुरु अप ३६, १, १४र: क्त्रुतम् श्रापश्रौ ६,२१, ें; वाध्रश्री ३,५४:२; कुरुध्वम् बौधौ ७, १३: ६××; बैधौ; या ५.२६:१२,४३; कुरुत शांश्री ४, २१, २३; श्रापश्रौ १०,१६, १६ +1;बौध्रो; +करोत बौध" २, १,३४; ४, २,११; क्रुतन निघ ४,91; या ४,७; कुरुतात् हिश्रौ

१४, १, २५+; +करवे बौश्रौ २८, ९: २०; श्रागृ; करवाणि श्राश्रो ६, ५, ३; बौश्रो; विध ७३, १२°; करवावहै बौश्रौ १८, ४४: २०; अकुरुत वीश्री ८. १९: १२ ; अकरोत् वाश्री ३,४,१,३७ +; हिश्री; या ५,३; ६,२;८,१४; अकुर्वत बौश्रौ १४, ८: १३; २; ४३; ५; ६; आमिगृ ३,२,४: १२; मागृ २,८,४[‡]; या ५,२५; तैप्रा ५,० +; अकुर्वन् या ७, २८; †अक्रतम् शांश्रौ ८, ११, १३; अक्वम् व श्रापध १, १३, २०? हिंघ १, ४, ३३; कुर्वीत आश्री ६, ९, १; शांश्री; कुर्यात् आश्री १, ३, २२; शांश्री; कुर्याताम् जैश्रीका १९१: द्रानी: क्वीरन शांश्री १३,२०,४; काश्री; कुर्यु: आश्री ६, ११, ६; शांश्री; कुर्याम् श्रापश्रौ १२. १५. २××; हिश्रौ. चके वौध्रौ १२,९:९+; वाध्रुऔ; †चकार आश्री २,२, ३; शांश्री; +चक्रतः शांश्रो ९, ६, २१; श्रापश्री; चिकरे †श्रापश्री ५,६, ३: १९, ३; बौश्री; चक्रः सु ७, ४: हिपि: चक्रषे कौस्८२,२१ ई; चकर्थ बौधौ १८, २६: १६; मु: †या ३,२१; ६,३; †चक्रथुः या ६,२६; ९,४१; †चक>का त्रापश्री १४, १६, १; हिश्री; †चक्रम.>मा श्राश्री ६.१२.३: शांश्री; †कर्तास्मः द्राश्री ७,३,६; लाश्री ३, ३, १०; करिष्यति शांश्री १.४.५+; श्रापश्री; या १. ४2; ५3; करिष्यन्ते शांश्री ३,८, २२: करिष्यन्ति या ४. २०: करिष्यसि सु ६, ४; १४, ५; करिष्यथ आश्री २, २, १५ कः करिव्ये आपश्री ४.४.१ राशी: त्रापृ ४, ७, १८°; करिप्यामि शांश्री १.४.५र; काश्री; कीय ३, ५. ९º: शांगु ४, २, ३८º; बौध २, ८, ७°; हिंध २, ५, ४६^६; करिष्यामहे पागृ ३, १०, १३; करिष्यामः बौश्रौ २, ४: १७; २०: जुश्री: कियात श्रामिए ३, १०,४:९; †क्रियासम् आश्रौ १,११,१; शांध्री; ‡मकृत श्राश्री १,९,9; शांश्री; या ४,१६; ईल-करत श्रापश्री १४,३१,३; हिश्री; श्रापमं १, १, ९⁰; अकाषींत् त्रापघ १, २६, १३⁴; हिंध; 🛉 अकः आश्री ३, १३, १२; शांश्री; श्रापश्री ९,४,१°; भाश्री ९.४.२२४; वैश्री २०,९:४४; हिश्रौ १५, १, ७५ , पा ३, १, ४२; †कः श्रापश्रौ १२, १५,

c) पामे. वैप १, ११३८ र . । b) पामे. पृ ११२ ० इ. । a) पामे. वैप १, ११४५ b इ. । e) = सपा. तैत्रा ६,१,४। ऋ १०,१६,१ शौ १८,२,५ तु कृ<u>ण</u>वः इति पामे. । d) पामे. वैप १,9 १३८ S इ. । h) पामे. वैप १, ११३४ m इ. । g) पामे. वैप १, ११४० दि. । f) पामे. वैप १, ११४० i इ. । k) पामे. वैप १, ११४१ h इ. । j) सपा. कुरु <> कुरुत इति पामे. । i) पामे. वैप १,११४५ q इ. । n) पामे. वैप १, ११४० m इ.। m) पामे. वैप १, ११४१ p इ. । 1) पामे. वैप १, ११४१ ० इ. । o) सपा. करवाणि <> करिष्ये<>करिष्यामि इति पामे. । p) पामे. वैप १, ११४९ f इ. । q)= अकरवम् । r) अकुर्वीत इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. हिंध १, ४,३३)। s) पामे. पृ ८९८ r दू.। v) पाभे. वैप २, ३खं. अकः तैत्रा ३, करिप्यामि <> क्रियताम् इति पामे. । u) पामे. वैप १,११४३ g इ. । ७,३,६ टि. इ. ।

६; बौधौ ९, ९: ११ ; हिश्रौ; बौगृ २,१,१० ; पा ८, ३, ५०; अकाताम् आश्री १,९,३; शांश्री; क्षक्रवत बौश्री ११,४:२१××; अकत आश्री १, ९, ३; शांश्री; आपमं २,२०, ३४ + b; आश्रिय 3. २. २:४[‡], भाग २, 94: ६+); हिए २, 98, ४+); †या ४, ९; १२, ७; †अफ्रन् काश्री ५, ५, १२; श्रापश्री; †अक्त्याः बौश्रौ २८, ६ : ५^२; वैथ्री: कृथा: श्राध्री ५, ५, २१; कागः चनकार्धाः वैश्रौ २, १०: १६; हिश्री ६, ७, ८; कार्षीः या १, ५; अकरः श्रप १2, १, ३4; अकार्ष्ट श्राश्रौ २, ३, ९‡°; †कार्ष्ट कीस् ९२, २५; २८; **†अकर्त** शांश्रौ १५.२७,9;अकर्त शांश्रौ १५,२७,9‡; हिश्रौ; अफि त्रापमं १,१६,४ +; अकृषि बौश्रौ २४. १२: १५: †अकारिषम् श्राश्रौ २,१२,५; ६, १२, १२; शांथ्री; †अकार्षम् श्राध्रौ ८, ३, ३२°: त्रापश्री: †अंकरम् त्राश्री ६,४,१०: श्रापश्री; नकरम् कागृ २५,५; ऋप्रा ४, ४३; †अकर्म आश्री ३, १०, ३१¹; काश्री २५, ९, १५'; श्रापश्री ३, १२, १3; ९, १८, १२1; बौधी ८, २०: १७ ; भाषी; माश्री ३,५, १४1; हिश्री १५, ८, १२1; या १२, ४२⁸; †अकार्य्म द्राश्रौ १२, ३, २; लाश्री ४, ११, ५;

अकरिष्यत् निस् २,९: २८××. क्रियते शांश्री १५, १३, १४; काश्री; श्रापश्री ३, १२, १‡h; क्रियेते हिश्री ४, ४,७१; ८, ६, ४: कियन्ते शांश्रौ १२, ७, ४; श्रापश्री: †िकयाते बौश्री १, १२: २२; २,७:४; क्रियताम् श्रापश्री १४, ३३, ८‡; हिश्री; त्रापध २, १७, १८¹; क्रियेत शांश्री ४, ५, १३; श्रापश्री; क्रियेरन् आश्री ६, ८,२; वौश्री; अकारि शांश्री १८, १९,९; हिश्री. कारयते आपश्री १०, ५, ११; भाश्री: कारयति आपश्री १०, ४, १४; बौश्रौ; कारयन्ते हिपि ११: ६: कारयन्ति शांश्री १७. २.१: मागृ: कारय द्राश्री १३,१, १४: लाश्री: कारयध्वम् श्रप ३१,२,२; कारयीत माश्री १,४, १,४;२,१,१,२९; कारयेत हिंध १, २,९१1; कारयेत् शांश्री १३, २,१; श्रापश्री; श्रापध १,८,३1; कारयेताम् निस् ७, १०: ३; कारयेयुः वैश्री २१, ११:३ द्राश्री १०,२,१४ ; निस् ८,७: १५; कारयेः लाश्री ३,१०,१८k. कारियज्यामि बौधौ १८, २०, चिकीर्षति श्रापश्रौ ६, ६, ८+; निस् : चिकीर्षन्ते भागृ १, १२: १३: चिकीर्धनित विध ५४,२७: चिकीर्षतु अप १, १०,६; अचि-कीर्षत् निस् ३, ११: १६;

वेश्री; चिकपिरन् श्राश्री ८, १३, २२. अचिकीपीत् निस् ३, १२: ४७××. चिकीप्यते मीस् २, १,८;४,७; ४,१,३.

चिकीर्वेत् भाश्री ११, १५, १;

चिकीर्षयन्ति या १३, ४४. चर्कृषि शांश्री १२, १५, १†; चर्किराम ऋपा ८.२†.

२कर्-पाग-५, २, ३६: -र: कप्र १,१,८: -रम् त्राप्तिगृ २,६,१: ३; कप्र २,५,१७; श्रप २७, २, १; विध ९७,१; वैध २,९,६; माशि २,१०;११; याशि १,५२; ५३: -रयोः विध ११, ३: १०: -रस्य कप्र २,५,१७; -रात् कप्र २, ८, १८; अप ४१, ४, ३; -राभ्याम् अप ६८, ३, १०; -- रे वैग् ४,३ : ११; ७, ८ : ३; श्रप ६७, १, २; वाध ६, १८; विध ६०, २५; ९७, १; वृदे ७, ५६; -रेण कप्र २, १, ९; -री वैगृ १,२: १३,९: १०; ५,४: २७ ‡; विध १, २५; ११, १०; वैध २,९,६.

२कार^m— कर-मू— द्र. कर-कृप— -पम् हिपि १७:१४; १८:१२;१८. कर-गⁿ— -गम् सुधप८७:९. कर-च्छेद् — -दः विध ५,१३४; १३६. कर-तल — -लम् कप्र ३,९,१८,

a) पामे. वैप १ पिर. अकः मा ३८, ५ टि. इ.। b) पामे. वैप १, ११४९ f इ.। c) पामे. पृ ८९८ q इ.। d) पामे. वैप १, ११४९ m इ.। e) पामे. वैप १, ११५० b इ.। f) पामे. वैप २, ३ खं. अकः तज्ञा ३,७,३,६ टि. इ.। g) पामे. वैप १, ११३८ p इ.। h) पामे. वैप २, ३ खं. अियुते तैज्ञा ३,७,१ f टि. इ.। f पामे. पृ ८९९ f इ.। f सार्थे अण् प्र.। f सार्थे अण् प्र.। f विप.। उस. उप. f मम्।

 -छै: विध १,४३.
 कर-द्वय-सहित- -तानि विध ११, ४.
 कर-पाद-द-त-भङ्ग- -ङ्गे विध

भ,६८. कर-पृष्ठ-्षम् याशि १,५४.

कर-पृष्ठ- -ष्टम् याशि १,५४. कर ८,२कार]-भू- पावा ६,४, ८४.

कर-मण्डल - न्लम् माशि २, ७. कर-संपू $(\hat{\eta}>)$ र्णा - -र्णाः वैगृ १,१४: २.

कर-स्थान- -नान् त्राप्तिगृ २,३, ३:२३.

करा(र-स्र)मा (प्र-स्र)मपवि-त्रक^a- -कम् कप्र १,२,९.

करा $(\tau-\pi)$ मा $(\pi-\pi)$ कुिल — पी-डि $(\pi>)$ ता^b — -ताम् श्रप ३६, ८, १.

करा(र-स्र)ङ्गुष्टा(छ-स्र)य- -प्रेण वैग् २,१८: १२.

करा (र-ग्र)वद्यर्थण- -णम् विध ७३, २२°.

करित- पा ५, २, ३६.

२करण⁴ - †णः⁶ द्राश्रौ ११, १,५; लाश्रौ ४,१,५; -णम् श्राश्रौ १, ११,१†'; शांश्रौ १, १५,१२†'; बौश्रौ १,११:२५⁸; ४,२:२⁸;५, २:२⁸××; माश्रौ; वाश्रौ १,३,५, १६‡'; श्रापशु ७,४^h××; ऋप्रा १३, ८¹; पाशि २२¹; याशि २,९४¹; पा १,४,४२; ३,१, १०२;६,१,२०२; पावा १,४,9; -णस्य शौच १,१८; श्राज्यो ७,

१५: १७: -णात् निस् ५.१३: ७?; श्रव ३०१,२,१०; पावा ५, १,३७; -णानि वैश्रौ १८,१६: ७२; अप ४८, ६१1; निघ २,१1; त्रापशु ९,११; १२, ४; हिशु ३, ३०; ४, २६; ब्राज्यो ४,३; -णे बौश्रौ२०,२:३५××; बैगृ ६७: १२^k; कप्र; गीध १८,३६¹; शुप्रा १,११1; याशि१,३७1; पा २,३, ३३;५१;६३; ३,१,१७; २,५६; ८५; १८२; ३, ८२; ४, ३७; पावा ३,३, २०; ९५; ४, ३७; ६, ३, ६९: -णेन पावा ३, १, ८७: श्राज्यो ७, १३; १४; -णेभ्यः त्रापश्रौ १४, २३, ११‡ ;- जेवु शांश्री १,२,२६: मीसू ३, ८, २५; -णैः श्राज्यो 8.8n.

करणी°--णी काशु २, ७; ३, १; १४; ६, २; -णीनाम् काशु ७, ५; त्रापशु ११, १४; २०, ९; -णीम् काशु २, १३; बौशु २: ९;१२; हिशु ४, १७; -ण्या काशु २, २२; त्रापशु २, ७;८; बौशु २: १; ३;८; हिशु १, २८, ३०; -ण्याः त्रापशु १२, ८; हिशु ४, २९; -ण्यो हिशु ६, १६.

करणी-तृतीय- -यम् काशु २,१७.

करणी मध्य - -ध्ये काशु ४,५; -ध्येषु काशु २,६; ४,६. करण-जल्प-कर्ष- - चेषु पा ४, ४,९७.

करण-पूर्व- - वित् पा ४, १,५०.

करण-भाव- - वयोः पा ३, २,

४५.

करण-मध्य- - ध्यम् तैप्रा २,

४५.

करण-वर्ष- - वत् तैप्रा २३,६.

करण-वर्ष- - जाः निस् ८,७ः

१०.

करण-विज्ञान- - नम् अप ६८,

१,५०.

करण-विन्ययण- - यात् तैप्रा
२३,२.

करण-स्थान-भेद- - दे ऋप्रा ६,

२७.

करणा(ग्रा-ग्रा)दि- - दिषु ऋप्रा

करणा(गा-त्रा)दि— -दिषु ऋप्रा ७,२१.

करणा(ग्रा-ग्र)श्विकरण— -णयोः पा ३,३,११७; पावा १, ३,१०; ४, २३.

करणा (ग्र-श्र) भिमर्शन-श्रुश्ण-धूपन-प्रदहनो(न-ः)द्धरणा(ण-श्र) वसेचन- -नानि काश्रौ २६, १,२९.

करणा⁰(ग्र-श्र) थे—ख- -त्वात् मीस् १२, ३,२५.

करणा (ए-ग्र) वस्था- -स्थया ऋप्रा १४, ६५.

करणीय,या- -यः आग्निए ३, ३,१:१०; ११; -यम् वैगृ ४, ४:२०; -यया हिश्रौ १५, ४, ८; -या वाधुशौ ४, १०४:८;

a) विप.। पस. >वस. उप. = पितत्रस्याऽप्र-। b) विप.। पस. >कस. >त्स.। c) करघ° इति जीसं.। d) वैप १ द्र.। e) = बाण-। f) पामे. वैप १,१०९४ ० द्र.। g) = मन्त्र-विशेष-। h) = इष्टका-निर्माण-पात्र-। i) = प्रयत्न-विशेष-। j) = कर्म-नामन-। k) श्र्यथः ?। l) अकरणे इति जीसं.। m) = यज्ञ-साधन-। n) = तदाख्या-विशेष-। n0) = रज्जु-विशेष-। n0 उप. = विन्यास-वा विविधस्पर्श- वा। n1 स्वार्थिकः ल्युट् प्र.।

—याम् बौश्रौ ९, १:३;१०, १:३.

करणि- पाउभो २, १,२१२.

†कर(त्>)न्ती- -न्ती श्रप ४८, ६१; निघ २,१.

†करस्^b— -रांसि श्रप **४८, ६१;** निघ २,१.

†करिकत्- पा ७, ४, ६५; -कत् श्रप ४८,६१; निघ २,१.

करिष्यत् - - प्यतः वाधूश्रौ ४,१०३ : ११ †; द्राग्र २, ३, ७; - प्यत्सु द्राश्रौ १४, ४,१०; लाश्रौ ५,८, १०; - प्यन् शांश्रौ१७,१७,१ †; काश्रौ; - प्यन्तः श्राश्रौ ४, ५,३; द्राश्रौ.

†करिष्यन्ती— -न्तीम् शांश्रौ १७,१७,१; द्राश्रौ ११, २, ११; लाश्रौ ४,२,१०.

करिष्यद्-वचन- -नात् मीस् ११,४,५७.

करिष्यमाण- -णः श्रामिय ३, २, १: १; श्रप १,९,१.

करोति - > करोति-कर्मन् - - र्मणः या ८,१३; - र्मा या ४,१९. करोति-शब्द - - ब्दात् मीस् १, १, ८.

†कर्तवे काग्र २५, २७; वाग्र १४, १३; ऋष ४८,६१.

†कर्तवे मागृ १, १०, १५°; निघ २, १.

कर्तव्य,व्या- -व्यः काश्रीसं ३३ :

३;३५: ७; निस्; -च्यम् बौश्रौ ३, १: २; ३; बौश्रौप्र; -च्याः निस् ८, ११: ८; जैग्रः, -च्याः बौश्रौ २७, ४: १९; निस्; -च्यान् निस् ७, १३: १९; ८, ७: २१; -च्यानि श्रापश्रौ ९, १, ५; भाश्रौ; -च्ये श्रशां ६,५; -च्यौ बैग्र ६,१२: १३. कर्तव्य-काल- -लाः श्रप १८²,

कर्तव्य-काल- -लाः श्रप १८^२, २०,१.

कर्तुम् वाध्र्यौ ३, १९: १८×४; निस्.

२कर्न- पाग ५, १, १२९ª; -र्तिर श्रापश्री २४,३,१; भाश्री १,१, १८; बौध; -र्ता श्रापश्रौ १८, २१, ४; बौश्रौ; या ३, ६ ईं; 99;4, 29; &, 4; 34; 80, 24; पा १,३,६७××; -तरिः शांश्रौ ७, ४, १३; श्रापश्री २४, २, १३;वाश्री;-तिरम् श्रापश्री २४, १,२४;बौध्रौ; -री या ८, १२; -र्तुःत्रापश्री१६,२१,१०; माश्री; बौषि ३, ११, २^e; पा १, ४, ४९××; -र्नृभिः निस् १०, १०:१०; बृदे ३, ४९; -र्तृषु पावा ३,२, १५; -तृंणाम् वाश्रौ १, १,१,१४; -र्तृन् बौश्रौ २५, २०: ६; भाश्री १०, २०, ९; -र्जा कौस् ७०,१५; -र्जे श्रापश्रौ १६, ४,३; बौश्रौ; -र्ज्ञीः पा ३, 8.83.

कर्तृ-कर- पा ३,२,२१. कर्तृ-करण- -णयोः पा २,३, १८; -णे पा, पावा २,१,३२. कर्तृ-कर्मन्- -मणोः पा २,३, ६५; ३,३,१२७; पावा १,३, 90xx.

कर्तृकर्म-ग्रहण- -णम् पावा ३,३,१२७.

कर्त-गुण- -णे मीस् ३,१,१८. कर्तृ-ग्रहण- -णम् पावा १, ३, १४;७८; २,३,७१.

पढ़, ७८; २,२,७५. कर्तृ-तस् (:) मीस् ३, ३,२६. कर्तृ-त्व - -त्वम् वृदे ४,४५; पावा ३,१,८७; -त्वात् पावा १, ३,६७; ३,१,४८; ७,३,६१. कर्तृ-दातृ - -तारो कीस् ६७,१३;

श्रप ३९,१,११. कर्नृ–देश-काल– --लानाम् मीसू

.४, २, २३. कर्तृ-धर्म- - मेंण मीसू १, ३, २३. कर्तृ-नियम- -मः मीसू ६, ६, ३६.

कर्तृ-निर्देश- -शः पावा २,३,९. कर्तृ-परिमाण- -णम् मीस् ३,७, २७.

कर्तृ-प्रत्यय! - -यम् माश्रौ ५, २, ८,३.

कर्तृ-भाव- -वः पावा १,४,२३. कर्तृ-भूमन्- -म्ना मीस् १, १, ११.

कर्तृ-भेद- -दः मीस् ११,२, ४२; -दात् मीस् ११,२,४८.

कर्तृभेद-वत् मीसू ११, ३, २३.

कर्तृ-वचन- -नेन पावा २, २, २४.

कर्तृ-वत् मीस् ३, २, ३७; ३, २८.

कर्तृ-विधि - - भेः मीस् ११,१,९० कर्तृ-वेदना - - नायाम् पा ३, १, १८.

कर्त्-शब्दा(ब्द-श्र)नुपपत्ति— -तिः पावा १,४,२३. कर्त्-संयोग— -गात् मीस् ३,३, ३३; ४,२,१७; १०,३,६६. कर्त्-संस्कार—-रः मीस् १०,६, ५३. कर्त्-सं(π) π 8— - π म् पावा १,४,१० १कर्त्-संज्ञा— - π ायाम् पावा १,

१कतृ-सज्ञा- -ज्ञायाम् पावा १, ४,५४. कर्तृ-संबन्ध- -न्धात् मीस् ११, ४,२.

कर्तृ-सामान्य - न्यात् पावा ८, १,५१; मीस् १,३,२. कर्तृ-स्थ - स्थे पा १,३,३७. कर्त्र(र्तृ-श्र)भिष्राय - - ये पा १, ३,७२.

कर्तोस्(:) निघ २,१‡; या ४,११‡; पा ३,४,१६.

कर्त्र^b - - त्रेम् अप्रा ३,२, ९, श्रापमं २,८,१०.

कर्म°- -र्मः द्राश्रो ११, १,५; लाश्रौ ४,१,५.

कर्मन् - पाउ ४,१४५; पाग २,४, ३१; ४,४,६२; ५,२,११६; पावाग ८,२,१८; -में श्राश्रौ १,१,११४×; सांश्रौ; श्रापश्रौ १३,१६,१२^d; बौश्रौ २५,२९: ७१^e; श्रप्राय ३,८²१^t; -मेंऽ-में कौस् ६३,१३; या १२,१८; पा १,३,६७××; -मेण: सांश्रौ १, ३, १२, १: वौश्रौ: कौ ११९, २8: निघ २, १: या ५,२४××: -र्मणः s-र्मणः काश्रौ ११, १, ८; आपश्री १८, २, १०; बौश्री 2, 3:90; 88, 2:92××; पा ३, १, ७××; पावा, -र्मणा श्राश्री६,१,२××; शांश्री;बौध२, ६,३२^२ मे¹; या २,४ म; २२ × × ; पा; -र्मणाम् श्राश्रौ १२,४,१८; शांश्री: -मिण श्राश्री१,१२,३१: शांश्री: -र्मणिड-र्मणि श्रापश्री 3. १८, ६: हिश्रो २, ८, ७; बौगृ: -र्मणी श्राप्तिगृ३,७, ३ : २; बौषि २,१,१; गोगृ ४, ८, ११; -र्मणे काश्री २, २, २१^२‡××; श्रापश्रौ; वौषि १, १: ११¹; -र्मणोः विध ३०, ३: मीस १०,८,४०; -र्मन् आपश्री १६,१,३‡; श्राप्तिगृ१,५,२:३५; या ३,१; -मिभिः त्राश्री ९,३, २०; बौश्रौ; मीसू १०, ३,५७1; -र्मभ्यः द्राश्री १, १, १३; १३, १,१०; लाश्री १,१,१३; ५,१, ८; गोगः; -र्मस शांश्री १,१,२५; काश्री: -र्माण श्राश्री २,१९, ४: शाश्री.

कार्म- पा ४, ४, ६२^६; ६, ४,१७२.

कार्मण- पा ५,४,३६. २कार्मुक¹- पा ५, १,१०३; -कम् ग्रुत्र ३, ११६; -काणि शांत्री १४,२२,१०. कर्म-कण- -कम् कप्र १,६,७.
कर्म-कर- पा ३, २, २२; -रः
गोध २०, ४; मीस् ६, ३, २४;
-रेषु शंध २५१.
कर्म-करण- -णम् बोध २,२,
७५; -णाः आश्रो १,१,२१.
कर्म-कर्न- -तिर पा ३, १, ६२;
पावा ३, १,४८××; -र्तुः पावा
३,१,४८;८७.

कर्मकर्तृ-त्व- -त्वात् पावा १,३,६७.

कर्मकर्त्र(र्तृ-श्र)र्थ- -र्थम् पावा २,३,६५. कर्म-कर्मा (म-श्र) नुपूर्व- -र्वेण कौस् ६३, १३. कर्म-कर्प- -स्पाः चुस् १,११:

३२.

कर्म-कार⁰ - -रः वैध ३, १५,४.

कर्मकार-निपाद-रङ्गावतारिवेण-शस्त्रविकथिन् - -थिणाम्
विध ५१,९४.

कर्म-कारिन् - रिणाम् कप्र १,
३,९; -रिमिः कप्र १,५,९; -री
वैध ३,९५,४.

कर्म-कार्य- - र्यात् मीस् ३, ७, ३२; ४,२,३१.

कर्मकार्य-समवाय— -यात् मीस् १२,४,१६. कर्म-कृत्— पा ३,२, ८९; -कृत् काग्र १०,२; माग्र १,७,१; वाग्र ८, १२; -कृतः श्रापश्रौ ८,६, २५‡:वौश्रौष,८:६‡××; भाशौ;

a) विष.। वस । b) वैष १ द.। c) विष. (L वीणा-विशेष-] वाण-)। d) पाशुकं कमें इत्यस्य स्थाने स्वा. वैश्री १६,२०:९ पाशुकंन इति पामे.। e) कमं इति पाठः? यित. शोधः। f) सकृत् कामं इति पाठः? यित. शोधः (तु. पूर्वं रथलं मूको. च)। g) पामे. वैप २, ३ खं. तैत्रा ३, ७, १९,५ टि. द.। b) सकृत् पामे. वैप १, १९५२ k द.। i) स्वा. कर्मणे<>कर्मण्यः इति पामे.। j) विकर्म॰ इति कासं। k) कार्मण- इति BPG.। l) = धनुस्। m) = कर्म-कर-। घट इत्यस्मिन्नर्थे कः प्र. उसं. (पा ५, २,३५)। भकं: इति जीसं.?, व्यंकम् इति BI.?। n) उप. भावादार्थे स्युट् प्र.। o) = L वर्णसङ्कर-] जाति-विशेष-। उस.।

१२; -मिमः भाश्रौ ८, ३,१८;

कर्म-कृत- -तम् बौध ३,६,६; विध ४८,१९. कर्म-गण- -णः कप्र १,५,५. कर्म-गर्हा (हा-श्र) नुपालम्भ--म्भः मीसू १,२,४५. कर्म-गुण- -णै: बृदे ६,७०. कर्म-गण-त्व- -त्वात् काश्री ८, कर्म-प्रहण- -णात् पावा ३, १, कर्मप्रहणा(ग्र-श्रा)नर्थक्य--क्यम् पावा १,४,२७. कर्म-प्राम8- -मः वाश्रौ ३, २, 4.83 +b. कर्म-चोदक- -कः काश्री १, 90.9. कर्म-चोदना- -नाः श्रापश्रौ २४, १,३२+; मीस २,३,६; ४,२४; -नायाम् आश्रौ १,१,१४; पात्रा €,9,63. कर्म-ज- -जम् वाध २७, २; बंदे २,२३: -जे मीसू ७,३,२७; -जै: बृदे ३,६; ४१; ४३. कर्मज-स्व- स्वात् मीसू १०, 8, 33. कर्म-जनमन् - -न्मानः या ७,४. कर्म-जीविन्- -विनः विध ३, कर्म-ज् - जः वैश्रौ १२,१:६. कर्म-ठ- पा ५, २, ३५. कर्मण्य d प ५,१,१००; -ण्यः बौधौ ६,२४: ३१; आमिए ३, ५, १: १२°; कौसू ९४, ९; गौध २६,२०: - + ण्यम् वैताश्री

४, १, ६; भाशि ४४; - -ण्याः काश्री ४,२, १२ +; -ण्यी कीस् ६७, १७; १४०, ४; अप १९, कर्म-तति - -तिषु या ११,२४. कर्म-तस् (:) आपश्रौ ३, ११, २ 4: बौथौ. कर्म-तादर्थ- -र्थम् मीसू ६, 9,93. कर्म-त्व- -त्वात् मीसू १०, ३, ७१: ४, ४८; -त्वे पावा १,३, ६ ७; ३, १,७. कमत्व-निर्देश- -शात् मीसू 4,3,76. कर्म-दर्शन- -नात् पावा ३, १, 60. कर्म-देश- -शस्य जिश्रौका ३८. कर्म-द्रप्ट- -ष्टा या १४,१. कर्म-धर्म- -र्मः मीसू १, ३, २२; २,४,9; ३; ३,४,४. कर्म-धारया- -यः वृदे २,१०५; पा, पाता १, २, ४२; -यात् पावा ६,१,२; -ये पा, पावा २, 3.36xx. कर्मधारय°- पा ६, ३, ४१ कर्मधारय-त्व- -त्वे पावा कर्मधारय-वत् पा ८, १, 99. कर्मधारयवत्-स्व- -स्वे पावा ८,१,११. कर्म-नक्षत्र- -त्रम् अप ७२, १ २; श्राज्यो ९,५. कर्म-नामन्8- -म या २,१३;५,

-मानि निघ २,१; या ३,१. कार्मनामिक - -कः या 2, 93. कर्मनाम-तन्मानि-प्रेप्स--प्सुषु शीच ४,२९. कर्म-नामधेय- -यम् श्रापध १. २९, १; हिध १,७,५७; -यात काश्रौ ८, ९, ४; -येन श्रापश्रौ ८,३,१३; १२, २४, १५; १५. ११, ११; हिश्री १, १, २३; 28,4,3. कर्म-निबन्धन - - नम् विध २०. कर्म-निवृत्ति- -त्तिः श्रापगृ १६. १कर्म-नि (छा >) ए- -छे श्राप्तिगृ ३,१०,४ : ३३. २कर्म-निष्टा^d - - ष्टाम् ऋपा ५. 864. कर्म-निष्पत्ति- -त्तेः मीसू १,२, 90; १२,४,90. कर्म-न्यास- -से श्रापध २,३८, २; हिध २,६,२. कर्म-पाश-वश- -शः विध २०, कर्म-पृथक्त- न्वम् शांश्री १, २,२४; - त्वात् ऋश्र १,२,१३; या ७,५; मीसू ६,५,५६; ११, २,9४; २०; ४,9६. कर्म-प्रयोग- -गः कीसू ७, कर्म-प्रवचनीय1- -यः श्रप्रा १, १,१०:१२: -याः पा १,४,८३.

ें) समूहे प्रामच् प्र. (पावा ४,२,३७)। b) सप्र. कर्मश्रामोऽवरुन्द्वेत <> क्षेमे व्युद्धे श्रामेण <> क्षेमाध्यवस्थतो श्रामे न इति विशिष्टः पामे.। c) विप.। बस.। d) वैप १ द्र.। e) पामे. पृ ९०३ k द्र.। f) = समास-विशेष-। g) मलो. कस.। h) विप.। तत्रभवीयष् ठल् प्र. उसं. (पावा ४,३,६०)। i) = L कर्मश्रोकत्रताम् L संज्ञा-विशेष- (तु. पाम.)। उस. उप. कर्तरि <प्र $\sqrt{$ वच्।

कर्मप्रवचनीय-प्रतिषेध- -धः पावा २.२.१८.

कर्मप्रवचनीय-युक्त- -के या २,३,८; पावा २,३,८;४, ८३.

कर्मप्रवचनीय-योग- -गात् पावा २,४,८३.

कर्मप्रवचनीय-संज्ञा- -ज्ञा

कर्म-प्रसव - वाय शांश्री ४,६,

कर्म-प्राधान्य- -न्यात् काश्रौ १०,२,२३.

कर्म-फल- -लम् गीध ११,३१; ब्राज्यो ९,११; -लेः ब्राप्य २, २४,१०; हिध २,५,१७५.

कर्मफल-विशेष— -पेण शंध २०१६

कर्मफल-रोप- -चेण श्रापध १, ५, ५; २, २, ३º; हिंध १, १२,५.

कर्मफला(ल-प्र)सम्भव--वात् काश्रो २५,१४,२.

कर्म-भेद - -दः मीसू २, २, १; २१; ४, ४; ८××; -दम् मीसू ६, ३, ४; -दात् मीसू ३, ४, ३०××; १०, ६, ६२ $^{\text{b}}$. कर्म-मङ्ग(त्) ला $^{\text{c}}$ - लाः वीग्र ३,१३,८.

कर्म-मध्य- -ध्यात् श्रप ३७, ४,१.

क्र. 1. कर्म-मात्र- -त्रम् मीस् ४,३,९. कर्म-युक्त- -क्तः श्रापध १,६, १९; बौध १,५,७५; हिध १, २,३४; -क्तम् मीस् २,२,३७; -के मौस् ४,२,१८.
कर्म-योग- -गः द्राध्यौ १२,२,
१९; लाध्यौ ४,१०,२०; -गात्
काध्यौ १,६,१२; द्राध्यौ १२, २,
११; लाध्यौ ४,१०,११; -गे
ख्रापध १,१२,९; हिध १,४,९.
कर्मयोगिन् > °गि-स्व-स्वात् मीस् २,२,२५; ६,३,

२१.
कर्म-लिङ्ग⁴ - - - - - क्रॉस् १,४.
कर्म-लिङ्ग-विधान-विद्-वित् श्रप १,४२,५.
कर्म-वचन- - - नेन पावा २,२,

कर्म-वत् पा ३,१,८७; पावा. कर्म-वत् - -वतः या १४, २५; --०वन् या ५,११; -वन्तः या १०,२२; -वन्ति या १४, २५. कर्म-वश-कारित - -तम् बौश्री २५,२९: १३.

कर्म-वसु d -ं-सुः या ११,२६. कर्म-वाद e -ं-दः निस् ५,९ः ४; बौध २,६,११; ३१.

वाध २,६,११; ११. कर्भ-विधान¹— -नम् हिश्रौ १,

कर्म-विपर्यास - ने शांश्री ५, १०,१३; १३,९; काश्रीसं ३१: ३; बीगृ ४,११,१; श्राप्तिगृ २, ७,४:४; श्राय ३,४.

कर्म-वियोग->॰ग-विख्यापन-विवासना (न-ख) ङ्ककरण-

-णानि गौध १२,४४. कर्म-विशेष- -पम् ऋपा १३,

४७; - षेण विध ४५,३२. कर्म-विशेषक-स्व- - श्वात् पावा ३,१,७. क्ये नदि— न्टार

कर्म-वृद्धि - द्ध्या मीस् ६, ६, ११^ड.

कर्म-वैषम्य- -म्यात् मीसू १०, ३,५४.

कर्म-व्यतिहार— -रे पा १, ३, १४; ३,३,४३; ५,४, १२७; ७. ३,६; पावा.

कभेव्यतिहारा(र-श्रा)दि-

-दिषु पावा १,३,१४. कर्म-शंसा- -सा बृदे ५,६.

कर्म-शब्द — न्दः काश्रौ ४,३,१; मीस् ४,२,६ h ;७,२,१३; — न्दाः मीस् २, १, १; — ब्दात् काश्रौ २२,१,१९; — ब्दे मीस्२,२,२४०

कर्म-श्रेष- -षः मीस् २,३,२०; -पम् श्रप्राय २,५; श्रप ३७,४,

-पम् अश्राय र, ५; अप २७, ६, १; -षेण गौध ३, ६; हिंघ २, १,२५².

कर्म-श्रुति - - तेः मीस् ११,२,६ - कर्म-संयुक्त - - कानि हिश्री ३, ८,४१.

कर्म-संयोग— न्यात् द्राश्रौ १,३, १; लाश्रौ १,२,२४; मीसू ६,१, ४५××; –गे पावा २,३,३६⁴; मीसू ६,१,९;४०; –गेन शांश्रौ १,१,२४.

कर्म-संस्कार- -रम् मीस् १०,

कर्म-संस्तर- -रे बौश्रौ २७, ४ : २२: २९,८ : २२.

कर्म-संस्था- स्थासु बृदे ३,८२; ५.९३.

कर्म-संकर- -रम् श्रप ७०,११, ३: ७२,४,२.

a) सपा. कर्मफलरोषेण <> कर्मशेषेण इति पामे. । b) °दः इति जीसं. । c) = मङ्गल-कर्मन् [किया-] । d) विप. । बस. । e) नाप. । उस. । f) = वाश्य- । g) कर्मवत् इति कासं. । h) करोजि शब्दः इति जीसं. । i) कर्म-योग – इति पाति. ।

-त्रम् लाश्री १०,१६.४.

१कर्म-सं(ज्ञा>)ज्ञ- -जः पावा 2,8,49. २कर्म-संज्ञा- -ज्ञा पावा १, ४, ५१; -ज्ञायाम् पावा १,४,४९. कर्मसंज्ञा-प्रसङ्ग- -क्रः पावा १,४,२३;२९;४९. कर्म-संतान- -नः मीसू १२,३, 30. कर्म-संनिपात- -तः माय १,११, 9; -ते काश्री २२,१,४२. कर्म-समवाय- -यात् लाश्रौ १०, 5,3. कर्म-समाप्त - - सम् आपघ १, २४,२४; हिंध १,६,७२. कर्म-समु(त्थ >)त्था- -तथाः बृदे १,२९. कर्म-संपत्ति"- -तिः वा १,२. कर्म-संबन्ध- -न्धात् मीस् २, ₹,98. कर्म-समानकर्तृक-प्रदुणा (ग्।---श्रा) नर्थक्य- -क्यम् पावा ३, 9, 0. कर्म-साकल्य- -ल्यम् मीस् ६, कर्म-साधन- -ने बौध ४, ८, 963. कर्म-सामान्य- -न्यात् मीस् ३, 0,36;6,28. कर्म-सिद्धि - -द्ये नत्रप १,३७, २;३; ५; ३९, २; ४०, २; ४१, ५; †श्रशं ७,२;३;५; ९,२;१०, २; ११,५; याशि १,४२; - द्धिः अप १, ४६, ३; - द्धिम् कप्र २, ४,११; अप २१,३,४; ३६, ३, २; ७०,१२,१; ७०३,४,४; विध UC,99.

कर्मसिद्धि-विनाशि(न् >)

नी- -नी अप २६,२,५. कर्मसिद्धय(द्धि-श्र)र्थ- -थम् श्रप ३१,५,५. कर्म-स्थ- -स्थः कप्र ३, ७,१६; ऋत ५,३,२. कर्मस्थ-क्रि(य>)या8--याणाम् पावा ३,१,८७. कर्मस्थ-भावक⁸- -कानाम् पावा ३,१,८७. कर्मा(र्म-त्रा)कुल- -ले अप **७२.4.₹.** कर्मा(म-त्र)इ- - इम् काश्री २, १,१३; श्राग्निय २,३,३:२. कर्मा(म-त्र)ङ्ग-भृत- -तम् शुत्र 3,09. कर्मा(र्भ-श्रा)चारb- -रः श्राश्री 8, 7, 9 4. कर्मा(र्म-अ)तिरेक- -के हिश्रौ 22, 2, 4. कर्मा(र्म-श्रा)त्मन् - -त्मानः या 19.0. कर्मा(र्म-त्रा)दि-, -दिः काश्रौ १, ३, ५; -दिम् माश्रौ १, १, १, ४; -दिषु द्राश्री १२, १, १४; लाश्रौ ४, ९, ८; श्रामिगृ २, ४, ४: २२; कप्र १,१,१३; बौध ३,७,१६‡; पावा २, ३, ५२°: -दीन् श्रापश्रौ २४,२,१; भाश्री १,२,२; -दी शांश्री छ. ६,७; भाश्री १,२,३. कर्मादि-संनिपात- -तः मीस् १२, ३,२५. कर्मा(र्म-श्रा)धिक्य- -क्यम् माश्री ५,२,१०,५. कर्मा(र्म-ग्र)धिपति- -तये जैगृ १,२:२३十. कर्मा (मे-आ) नन्तर्यमात्र-

कर्मा (र्म-अ) नुकीर्तन- -नम् बृदे ४,३८. कर्मा(र्म-श्र)नुवाद- -दः बौश्रौ 28.9:8. कर्मा(मे-श्र)न्तd- -न्तः बौश्रौ २४,१५: १२××; वागृ; -न्तम् बौश्रौ २, ७: २१; बौगृ ४, २... १६; ४, १३; -न्ते गौषि १,७. १०; कप्र २,५,१; -न्तेन वौश्रौ 20, 7: 6; 28, 94: 93; 98. कर्मा(म-अ)न्तर- -रम् काश्रौ ४, ४, २; मीसू २, ३, १; -रे श्राग्निगृ २,७,८ : ३. कर्मान्तर-स्व- -स्वात् काश्री 2,8,98; 28,9,93. कर्मा(मे-श्र)न्वित- -ताः द्राश्री १२,३,६. कर्मा(र्म-श्र')पवर्ग- -र्ग काश्रौ २, २, २१; १५,१०,२३; शांग्र १,२,१: -गीत् काश्रौ २५,१३, कर्मापवर्गिन्->°वर्गि-ख--त्वात् मीस् ४,२,३०. कर्मा(म-न्य)भाव- -वात् मीसू 9,9,82. कर्मा(र्म-त्र्य)भिधान- -ने पात्रा 2.3.42. कर्मा(र्म-श्र)भिसंबन्ध- -न्धात् मीसू १०, ७,१९. कर्मा(र्म-त्र)भ्यावर्तिन् -बौश्रौ २४, ६: १;२. कर्मा(र्म-श्र)भ्यावृत्ति- -ती वाश्री १,१,१,८०. कर्मा(म-त्र)भ्यास- -सः त्रापध १, २६, ७; २९,, १८; बीध २,

a) विप. । वस. । b) उप. = काल-। c) उप. = आश्रय-। d) = कर्म-विशेष-।

१,४८; हिंघ १,७,१८; ७५. कर्मा(र्म-आ)रम्भ- -म्भे शुत्र 8.943. १कर्मा(र्म-त्र)र्थ- -र्थः कौसू 229,8 +a. २कर्मा(र्म-त्र)र्थb- -र्थम् काश्रौ २५,८,२१; मीसू ३,८,२८. कर्मार्थ-स्व- -स्वात् मीस् ३, 9.4: 22,9,6; 22,3,98. कर्मा(र्म-त्र)वयव- -वेन श्रापध २,२४,१४; हिध २,५,१७८. कर्मा(र्म-श्र)विभाग- -गात् मीस १०,६,२०. कर्मा(र्म-त्रा)वृत्ति - -तौ काश्रौ 2,0,6. कर्मा(र्म-श्र)समवायित्व- -त्वात् मीसू ३,१,१८. कर्मे (मे इ)न्द्रय- -याणि विध 98.94. कमें(म-ए)कत्व- -त्वात् काश्री 28,9,92. कर्मो(र्म-उ)त्पत्ति- -त्या कौस् £3,94. कर्मो (र्म-उ)त्सर्ग- -र्गः हिगृ १, १३, ११; मीसू ११, २, ४९; -गांत् मीस् ९,४,५४. कर्मी (म-उ)पक्रम- -मम् श्राग्तिगृ २,३,५: ७. कर्मो(र्म-उ)पदेश- -शः मीस् 4,9,3; 88,9,90°. कर्मो(र्भ-उ)पपद- -दः पावा ३, 2,9. कर्मी (र्म-उ)पपात- -ते काश्री 24,9,9. कर्मों(र्म-उ)पमा- -मा या ३, कर्मो(र्म-उ)परमण- -णम् वैगृ E4: 99. कर्मो(र्म-उ)पसंयोग-द्योतक--काः या १,३. कर्मो(र्म-उ)पसंग्रह- -हः या १, 8. कर्मोपसंग्रहा(इ-श्र)र्थ- -थे या १,४. कर्मिक- पा ५, २, ११६; पाग 4,9,926. कार्मिक्य- पा ५,१,१२८. कर्मिन- पा ५.२.१ १६: -र्मिणः श्राश्री ४,७,४; ६,१४,२१. कर्मार^d- पाउमो २, ३, ४२; पाग ४,१,११२^e; ३,११८; ८, ४, ३९1; पावा ४,१, ९७8; ५, ४, ३६¹; -रस्य शंध ४३४; -राः बौश्रौ १५, १३: १५; अप्रा ३, ४, १+; -राणाम् वाध्यौ ३, ७६: २१; -रान् वाध्यौ ३, ७६: ३; -रेभ्यः ग्रप्रा ५.३७ . कार्मार- पा ४,१,११२; पावा ५,४,३६. कार्मारक- पा ४, ३, 996. कार्मारकि- पावा ४, १, कार्मार्थायणि - पा, पावा ४, १, १५५; -णयः बौश्रौप्र २७: ३. कर्मार-वन- पा ८,४,३९. कर्ब- पाउ १,944. कर्बर⁰- पाउ २,१२१; - †रम् अप

४८, ६१; निघ २, १; - शामि श्राश्री २, १९, ३२; शांश्री ३, १७, १: काश्री २५, ६, ७; श्रापश्री ८, १६, ५; १८, २, ३; बौश्री ११, ३: १६; भाश्री ८, १६,२१; १९,१०; वैश्री १७, ९: ७; हिश्री ५, ४,८६; १३, १,१८; शांग् ५, ८,२. ३कार!- -रः लाश्री ७, ८, ५; श्रप ४७, १, १५; -रान् बौश्रौ २३, १२: १७: -रे पा, पावा ६, ३, ६९: -रेण शुप्रा १,३७. कारक- -कम् कौशि ४; पा ८,१, ५१; पावा १, ४,२९; ५१र; ३, १. २६: -काणाम् पावा २, १, ३५; -कात् पा ५, ४, ४२; ६, २, १४८; पावा ६, २, १४८; -के पा १, ४,२३; ३, ३, १९; पावा १,४,२३; २, ३,9; ६,२, 89: 3,55. कारक-काल-विशेष--षात् पावा 2,9,24. कारक-ग्रहण- -णम् पावा ३,३, 98. कारक-त्व- -त्वे पावा १. ४, 89: 2,3,34. कारक-मध्य- -ध्ये पा २,३,७. कारक-विभक्ति--क्तिः पावा २, ३,१९; -क्तीनाम् पावा १, ४, 39k. कारकविभक्ति-बछीयस्व--स्त्वात् पावा २,३,१९. कारका(क-ग्र)न्यत्व- -त्वात् पावा ८,१,५१. कारका(क-श्र)ई- - हाणाम् पाव,

a) पांगे. वैप २, ३ खं. यज्ञः तैन्ना ३,७,११,५ टि. द्र.। b) विप.। यस.। c) °देशस्वात् इति जीसं.। d) वैप १ द्र.। e) तु. भाण्डा.। व्यप.। f) = ३क्ष-विशेष-। g) तु. पागम.। h) तु. पाका.। i) अपत्यार्थे प्र. युडागमश्च। j) कर्तिर वा कर्मणि वा भावे वा कृत्। k) तु. पासि.।

२,३,३६. श्राको (क-उ)पादान - नम् पाना ३,१,२६. कारण--णम् शांश्री २,१४,८; साश्री; -णस्य काश्री २,११,

हाशी; -णस्य काशी ९, ११, १५, १५; मीसू ४, ४, ३४; -णात् काशी ९, १३, २४; वैशी; पावा १, २, ०१; २, २, २९; -णानि ऋपा ११, ५९; मीसू १, ४, २२; -णे मीसू ४, ३, १९; -णेन शांश्री ३, १९,१०; -णैः आपश्री २४,४,२; कीय ३,१२, १; अप ५२,१५,९

कारण-कारित- -तम् निस् ९, १३: ३३.

कारण-द्रब्य- -च्याणि शंध २६२.

कारण-प्राप्ति - - सिः मीस् ६, ४,२०.

कारण-भाव- -वात् मीस् ३,५, ३५.

कारण-श्रुति - - तिः मीस ४, ४, ३६;४०.

कारणा(गु-त्रा)गम- -मात् मीस् ३,५,४६.

कारणा(ग्य-त्र)घह- -हे मीस् १२,३,२२.

कारणा(ए-श्र)बहण- -णे मीसू १,३,७;४,१,५.

कारणा(ग्-श्रा)नुपूर्व- -व्यति मीस् ३,५,४०.

कारणा(ए-ब्र)न्तर- -रात् कप्र २,११,१३.

कारणा(गु-ग्र) न्वय - - यात् ऋप्रा ११,४५.

कारणा(गु-ग्र)विशेष- -षात् मीस् ३, ४, ४४. कारणै(ग्रा-ए)कत्व- -स्वात् मीसू ११,१,३०.

कारयत्— -यन् ऋप १, १०, ३; शंध ४०५.

कारयमाण- -णः कौस् ४६, ८; -णम् कौस् ५३,९.

कारयाम् √अस्, कारयामास त्रप ४,१,२१.

कारयितृ- -ता बौग्र ३,३,६^२†; - -तुः श्रप ७०, १२,२.

कारियत्वा भाश्री ११,२२,९; द्राश्री. कारियव्यत् - व्यन् त्राप्ट १,२४, ३१: कीए.

कारियव्यमाण- -णः श्रागृ १, १७, ३; भागृ २,३: १; -णस्य श्रागृ १,१७.६.

कारि- पाउ ४,१२९.

कारिका- > °का-शब्द- -ब्दस्य पावा १,४,६०.

कारित,ता- -तम् बौश्रौ २,१२: २१××; वैश्रौ; या १,१३; -ता बौश्रौ ६,१:९; १०,१२:१०; १२,१७:२; -ताः बौश्रौ १०, १५:१०; १२,२०:४.

कारिता-कायिका-शिखा(खा-ग्र) धिभोग- -गाः गौध १२, ३२.

कारिता(त-अ)न्त- -न्तस्य शौच ४,९१.

कारिन् - - रिणः कप्र १, ६, ६; - - रिणि पा ५, २, ७२; पावा ५, २, १४; - रिभ्यः पावा ४, १, १५८; - री वाध्रुश्री ३, ७०: ८².
कारि-मागध - - धानाम् वाध्रुश्री

कार-मागव- -वानाम् वायूत्रा ३,९०: ८.

कार°- पाउ १, १; -†रवः आश्रौ

४, ७, ४³; शांश्री ५, १०, ८² श्चापश्री १७,८,७; १९, २३,१; माश्री ५, २, ३, ९; ११; वैश्री १९, ५: ५०; हिश्री २२, ४, १७; वैग्र २, १०: ५; श्चप १, ८,८\$; \$शंघ २४८;२६२; \$तृदे २, २२;२८; →‡०वः श्चाश्री ३, ७,५; वैश्री १८, ५: १२; ऋश्व २, ३, ६; ─हः श्चप ४८, ९७; निघ ३,१६; या ६, ६५; ─हम् शांश्री १२, १५, १‡; ─हम् शांश्री १२, १५, १‡; ─हणाम् विघ २२, ५१; ─०रो या २,२७‡; ─रोः शांश्री १४,५०,२‡.

कारु-कर्मन् - मंणि विध २२, ५१.

कारु-कुशीलव- -वान् वौध १,. ५,८०.

कारु-प्रवादन - नम् नाशि १, ४, १२,

कारु-विश^b— -शाः बौश्रौ १५, ३:३; १८,१८:८.

कारु-हस्त- -स्तः शंध १७६; बौध १,५,४८; विध २३,४८, वैध ३,४,६.

कार्यं, या - - ये: शांश्री ११, १२, १; काश्री; - येम् शांश्री १७, ६,२; श्रापश्री; पा १,४,२; ५, १, ९६; पावा १,२,३२; - र्या बौश्री ६,१:२××; वेश्री; जैश्रीका २१०? ; - र्याः बौश्री २४,२५: ६××; वैश्री; - र्याः बौश्री २४,२५: ६××; वैश्री; - र्याः श्रापश्री १६, ८,६; वैश्री १८,५:१७; - र्याणा स्थ्रप ५१, ५, १; - र्याण श्राप १२, अप्राय; - र्यान ऋप्रा १३, १४; - प्रें श्रापश्री १०, २१, १६; बौश्री; पावा १,१,४४

a) वैप १ द्र. 1 b) कस. वा द्रस. वा (तु. स्ची) । c) काया इति पाठः ? यनि. शोधः ।

-येषु अप ३०^२, २, ११; विध ५७.१४; कौश ६८; -याँ निसू ५.८: २४; कागृउ ४१: १. °कार्य- -यम् पाप्रवा ५,१५. कार्य-वृत्तस्व- -त्वात् पावा ६, 9,904; 8,908. कार्य-ग्रहण- -णम् पावा ५, १, 94. कार्य-ज्ञ- -ज्ञः शंध २७०. कार्य-त्व- -त्वात् काश्री १, ६, १९: मीसू १०,२,६७; ४, ४६; 88.9.39. कार्य-निरोध8- -धात् गौध १४, कार्थ-निष्पत्ति- -तिः त्राज्यो 9,99. कार्य-वत् - वान् कप्र २,१०,१. कार्य-वश- -शात् विध ८,११. कार्य-विनाश (न>) नी- -नी श्राज्यो ५,१३. कार्य-विपरिणाम- -मात् पावा 2,9,44. कार्य-विपर्यास- -सः बौश्रौ २८,१०: १०; -से बौश्रौ २८, 90:6. कार्य-शब्द- (> °ब्दिक- पा.) पात्राग ४,४,१. कार्य-संप्रत्यय- -यात् पावा १, २,६९; ३,१,१. कार्य-सन्यb- पा, पाग २, १, 80. कार्य-सिद्धि - - द्विम् श्रंप ६८, 4.392. कार्या(र्य-अ)कार्य- -यें कीए ३, 93,6. °कार्या (र्य-त्र) तिदेश- -शः

पावा ७, १, ९०; -शात् पावा १,२,9. °कार्या(र्य-श्र)भाव- -वस्य पावा 2,8,88; 0,9,9. कार्या(र्य-म्र)र्थ- -र्थः पावा १. 3.9. कार्या(र्य-त्र)थिन्- -थिभिः विध ३,७४. कार्ये(र्य-ए)कत्व- - स्वात् मीस् 80,3,40. कार्यिन् - - यी पावा ६,३,२५. कुर्वत् - - वंतः काश्रौ २१, ३, १४; श्रापश्रौ; पावा ३,१,२६; -वंति श्रापश्रो ९, १८, ९^२; काश्रोसं २९:५; -र्वते वाध १,३१;-र्वत्सु जैश्रीका ४६: -वेन काश्री ६,६, २१: श्रापश्री; -विन्तः शांश्री २, २,१६; बौश्रौ १४,६:२१; हिश्रौ ९,४,५२; द्राश्री; - वन्तम् जैगृ १, २: २०; श्रश्र ९, ५; श्रपं १: २9; ३: ७०. कुर्वती- -ती कौसू ७७, २३; या ११, ४०; -तीम् विध १, . 29. कुर्वाण,णा- -णः त्रापश्रौ ५, १, ७ +××: वैश्री; -णा बौग २,६, ९ म: -णाः शांश्री १३,१९,५; हिश्री ९, ४, २८; या ४,५%; -णाम विध १,२७; २८; -णे माश्री ५,२,१५,९; या २,२०; -जेषु शांध्रौ १३,५, १९; २०; -णी वाध्रश्री ४,३०: १२. क्रण्- पाउमो २,१,७४. कृण्वत् - ज्वन् आश्रौ ३, १०, ६; शांश्रौ; श्रापश्रौ ७,६,०‡°; -ण्वन्तः श्रापश्रौ १,६,७;भाश्रौ;

-ण्वन्तम् श्रापश्री ७, १६, ६; †क्रण्वती- -ती श्राश्री **३**, ११, २: शांश्रौ. †कृण्वान,ना- -नःव काश्रौ १०,५, ३: श्रापश्रौ ××११,१२,३; हिश्रौ ७, ६, १८××; कौस्; -ण्वाने माश्री ५, २, ८, २०; श्रापमं २, २०,३9€. कृत्- -कृत् पा १,१,३९××;६,१, १८२; कृतः या १, १४; २,२; पावा: कृतम् कौगृ १,१६, १२; शांगृ १,२४,४; पागृ १,१७, २; वैगृ; कृता पा२,१,३२××;पावा; कृति पा २,३,६५××; पावा. कृत्-तद्वित-समास- -साः पा 2,7,84. कृत्-त्व- -त्वात् पावा २, ४, 69:3,2,928. कत-प्रयोग- - गे पावा २,३,२२. कृत्-संज्ञा- -ज्ञा पावा है, १, कृत्-स्थ- -स्थस्य पावा ८, ४, 29;37. कृत्-स्वर- -रः,-रात् पावा ६,२, कृत्स्वर-निवृत्त्य (त्ति-श्र)र्थ--र्थम् पात्रा ६,३,९४. कृत्स्वरा(र-श्रा)बाधक-त्व--स्वस्य पावा ६, २,५२. कृद्-अन्त- -न्तस्य पावा ५, १,१३; -न्तात् अप्रा ३, २, ४; पावा ४, १,४८; -न्ते अप्रा १, 9,90; 2,3,6. कृदन्त-प्रकृतिस्वर-त्व--स्वम् पावा ६,१, ८४; -स्वात्

a) र्थं वि॰ इति जीसं. । b) तु. पागम. । c) पाभे. वैप २, ३खं. कृष्वन् तैत्रा २,५,८,१२ टि. इ. । d) पाभे. वैप १,९१५५ ते इ. । e) पाभे. वैप १,९१९९ ह इ. । f) = प्रत्यय-संज्ञा-, तदन्त- ।

पावा २,४,८१. कृदन्त-प्रतिषेधा(ध-श्र)र्थ--र्थम् पावा ६,१,३३. कृदन्त-प्रातिपदिकत्व- -त्वे पावा ६,१,८४. कृदन्त-शब्दा(ब्द्-श्र)भि-हित- -तः बृदे १,४५. कृद्-अर्था(र्थ-श्र)नुपपत्ति- -तिः पावा ३,२,६०. कृद-भाख्यात- -तयोः शुप्रा €,8. कृद-इकार- -रात् पावा ४, १, कृद्-उपदेश- -शे पावा ६, २ 40, कृद-प्रहण- -णम् पावा ६, २, १३९; -णे पावा १,४,१३. कृद्रहणा(एा-श्रा)नर्थक्य--क्यम् पावा २, ३,६५; ६, २ 40; 939, कृद्-यो(ग>)गा- -गा पा २. 2, 6. कृत्-निवृत्त्य(त्ति-त्र)र्थ- -र्थम् पावा १,२,४८; ७,४,१३. कुल-लोप- -पे शुप्रा ५, ३०; पावा १,४,१.

१ कृत,ता— पाग १,४,५७°; २,१, ५९; —तः आऔ १,११, १३†°; शांश्री ३,१९,३†°; बौश्री; †कौस् ५,१३°; ९७, ४°; या ६,१८†; ८,१८; १२, १८†; —तम् †आश्री २,२,३; ३,९,४°×४; शांश्री; आपश्री१४, ३०,३†व; १९,७,३†°; हिश्री १५,७,२०†व; २३,१,२६†°;

या १,५; ५,२२ +; -तम्ड-तम् बौश्रौ २,९:२५; -तयोः निस् ४, ६:१६: ५,१२:५; -तस्य शांश्री ३, २०, १७; गोगः; श्राश्री ६,१४, १०; श्रापश्री; -ताः लाश्रौ ९,५,१२××; सु; -तात् माश्रौ २,५,५,२०; विध १८,१२; -तान् वौश्रौ ३,३०: १२ †; वैश्रौ; -तानाम् निस् ३, १:१५; बौध १,१,३२; -तानि ब्राध्रो ६, ४, १० ; †शांध्रो; -ताम भाश्री ४, ७, २; वैश्री; पावा ३, २, १; - †ताय काश्रौ २,२,२१; भाश्रौ ३, १८, १०; वाश्री १,१,४,२१; श्रप ४३,५, ५०; -तायाम् त्रापध्रौ १०, २१,६; श्रामिय ३,१०,२: १; मागृ २, १, ७; -तासु त्रापश्रौ १६, १३, २; वैश्री १८, ११: १९; हिश्री ११, ५, १३; -ते त्रापश्री १३, १, १६××; वाश्री; पा, पावा ४, ३, ८७; ११६; -तेS-ते जैश्रीका ७०;११७;-तेन श्रापश्री ८,३,११; बौश्री; -तेषु वैग् ७,८: १२; पा ८,३, ५०; -तैः कप्र ३, ३, १०; -तौ निस् ६,१३ : ३५; अप १,४१, ७+. १कृत-क,का- पाग ५,१,१३०°; -कम् मीस् २, ४, १२; -काम् वेध ३, १४, ३; -केप शंध 380.

कार्तक-पा ५,१,१३०. कृत-कार्ल- -लानाम् मीस् ५, १,२५. कृतकाल-स्व- स्वात् मीस् १०,६,२८;३०.

कृत-काष्ठ->°षा(ष्ठ-श्र)इमकौलाल-चर्म-वेत्रदल-भाण्ड-ण्डेषु शंघ ३२४.

कृत-कौतुकमङ्ग(ल>)ला¹-ला काघ २८०: २.

कृत-गोदान¹- -नः भागृ १,
१०:१३.

कृत-म--मः शंघ ४०३;४०४;
४१४; विघ ५४,१५; -मान्
विघ ५४,३२.

कृत-चक्र-धारिन्- -री कागृउ
४६:१६.

कृत-चू(डा>)ड¹- -डे विघ
२२,३०^६.

कृतचूड-क- - के शंध ३६og. कृत-चौड'- -डः वैगृ ५,९: १: -डम् वैष्ट ७, २ : ४; -डस्य वैग् ५,९: ११; -डी वैग् ७, २ : ६. कृत-ज(टा>)ट'- -टस्य गौध १४,३२. कृत-जप्या- -प्यः शंध ११६:१. कृत-जातिभ्रंश-कर^b- -राणाम् विध ४४, ६. कृत-जातिभ्रंश-करण- -णाः विध ४३,२८. कृत-ज्ञ- -ज्ञः आज्यो १३, ९; -ज्ञाः श्रप ६८,१,२३. †कृतं-जय¹- -याय बीगृ ३,९, ५; श्रामिय १,२,२ : २१; भाय ३,१० : ६; हिग्र २,१९,६. कृत-तन्त्र'- -न्त्रम् निस् ९, 2:8.

कत-त्व- -त्वात् काश्री १, ७,

a) तु. पागम. । b) पामे. वैप १,११५६ i द्र. । c) पामे. वैप १,११५६ o द्र. । d) पामे. वैप २,११५६ r द्र. । e) ऋषेः ? । f) विप. । बस. । g) परस्परं पामे. । h) विप. । बस. > पस. उप. भाप. = करण। i) व्यप. । उस. खजन्तम् ।

 $2\times \times$; पात्रा १,१, ३६; ४,७४; २,१,५१; ३,१,१३१; ४, १,१२; ९६; ६, ३, ७८; ४, १३२; १७४; ७,३,१५. कृत-दर्ग – रम या ३,२०. कृत-दा(रा>)र 3 – रः कप्र ३, १,५. कृत-दू(9>) पा – पा मीसू १२,१,९. कृत-देश – न्शात् मीसू ५,२,

कृतदेश-त्व— -त्वात् मीस् १०,५,७०; ६,१३.
कृत-धूर्तिं — -तिं: चाग्र १६:६.
कृत-वापित-कृरयं — -त्यम् जैग्र १,१२:४.
कृत-वामन् — -मा श्राप्तिग् २,७,११:१२.
कृत-वियम-यन्त्र — -न्त्र: श्राप्तिग् २,७,५:३.
कृत-विर्णेजन — -वान् विध ५४,३९.
कृत-विर्रेश — -शौ पावा ४,३,६६.
कृत-प्(त्) च्-छौच — -चान् श्राप्त ४,७,२.
कृत-परिमाण —त्व — -त्वात् मीस्

कृत-पातक-> °िकन् - -िकनः

कृत-पुण्य⁸- -ण्यस्य अप २४,

कृत-पुण्याइ->°हि(न्>)नी-

नीम् आमिष् १,६,१: ११.

कृत-पाप⁸- -पानाम् काध

80,4,30.

विध ४३,३२.

200:5.

कृत-पुष्पोपहार®- -राणि श्रप EC,9,34. कृत-प्रमाण - -णाः निस् १०, v: 99. कृत-प्रसङ्ग- -ङ्गः पावा १,३,९. कृत-प्रस्थान-लिङ्ग^c- -ङ्गः श्राप्तिगृ २,७,१०:४; शंध १५८. कृत-प्राणायाम - -मः वैध २, कृत-प्रातराश°- -शस्य कौगृ २, ७,१८; शांगृ २,१२,१. कृत-प्रायश्चित्त⁸--तः श्रापध १, 20.9. कृत-भूमि- -मी श्रापध १,१७, ८: हिंध १,५,४०. कृत-मङ्गल, ला⁸- -लः श्राप्तिगृ २,४,५: १३; -लम् कीय १, ८, १; शांग्र १, १२, १; -लाः कागृ १७, २ . कृतमङ्गल-विरचितोष्णी-षिन्- -षी श्रप ८,१,३. कृत-मर्ङ्गलस्वस्त्ययन⁸- -नः श्रामिगृ १,६,१: ८. कृत-मलापकर्ष⁸- -र्षः विध ६४, कृत-मलिनी-करण- -णाः विध ४३,३०. कृत—मिलनी-करण-कर्मन्--मेणाम् विध ४४,९. कृत-यजुस्8- -जुः वौश्रौ ३, 9:9. कृत-यशस्d- -शाः ऋअ २, ९,१०८; साश्र १,५८२. कार्तयश°- -शम् चुस् ३, ९: ५; लाश्री ७, ३, ११; -शे कृत-यागे - -गः अप १९३, 4.9. कृत-यान8- -नः या ५,१५. कृत-यामº- -मम् कौस् ७६. ٤ŧ. कृत-र(क्षा>)क्ष - -क्षः अप 803,4,8. कृत-रोद्रश(ब्द>)ब्दाº--ब्दाः श्रप ७०१,११,२०. कृत-लक्षण⁸— -णाः लाश्रौ ९.. ११, १४; -णान् काय १४, ६; गोगृ २,१.५. कृतलक्षण-प्रहण- -णात् मीसू ८,३,९. कृत-लब्ध-क्रीत-कुशल- -लाः पा ४,३,३८. ?कृत-वत् निस् ९,१३:२२. कृत-व(त् >)ती- -त्यः निसृ 2,99:98. ?कृतवन्मन्त्र'- -न्त्रान् भागृ १,४: ३. कृत-वापन् - नः शंध ३९० विध ४६,२४; ५०,१६. कृत-विघटन-हेमपद्म-किअल्क-चूर्ण-निकरा(र-ग्र)रुणता(ता-श्र)मलां (ल-श्रं) ग्र- -ग्रः श्रप २४, ५,४. कृत-वीर⁸- (>कार्तवीर्य- पा.) पाग ४, १,१०५. कृत-वीरासन°- -नः अप ४१, कृत-वैश्वदेव"- -वः बौध २, ३, †कृत-व्यध (न>) नी b- -०नि कौसू ३९,११. कृत-शपथ°- -थान् विघ८,१९..

a) विप. । बस. । b) व्यप. । व्यु. ? । c) विप. । बस. > षस. । d) = ऋषि-विशेष- । e) = साम-विशेष- । f) पाठः ? । कृतवन् , मन्त्रान् इति संस्कर्तुः पदस्वी । g) तु. पागम. । h) वैप १ द्र. ।

लाश्रौ ७,१०,१३.

कृत-शान्ति - -न्तयः शांगृ ६, 3,90. २कृत-शीच,चा°- -चः आप्रिय २. ४.५:३; -चा शंध ३३५; -चानाम विध २३,३४. कृतशीचा(च-श्र)वशि(ए>) ष्टा- -ष्टा वाध ६,१७. कृत-इम्श्रुकर्मन् -- -र्माणः विध 89,96. कृत-संयुक्त- -कान् शंध 209. कृत-संहि(ता >)त- -तानाम् ऋप्रा ६,१७. कृत-संकरी-करण- -णाः विध 83,30. कृत-संकरी-करण-कर्मन्--र्मणाम् विध ४४,७. कृत-सं(ख्या>)ख्य8- - ख्येषु वाश्री १,१,१,८०. कृत-सं(ज्ञा>)ज्ञ - -ज्ञाः वैताश्रौ 33.24. कृत-संध्योपासन⁸- -नः विध 26.98. कृत-सुकृत-हानि®- -निः विध 6.34. कृत-स्नानº- -नः वैध २, १, कृत-स्वरª- -रम् लाश्री ७,११, कृत-स्वस्त्ययन8- -नः अप ४,२, १३; १९२, ५,१; -नम् आप्रिय २, २, ३: २; -नस्य अप ४, 9, 9. कृता(त श्र)कृत, ता- -तः श्चापश्रौ १,९,३; १३, १, १५;

माश्रौ २, ५, १, ४८; हिश्रौ २, ७,२९;८,६,१५;९,४,२१; निसू २, १२:१४;१३:१७; ३,१३:५; ४,७ : ३; ९,५ : ३७; श्राग्निगृ ३, १, ३ : ८; हिए २, १२, ३; -तम् आश्री ३, ६, २३; हिश्री ६,६,२०; श्राय १, ३, ४; २२, २५; कप्र ३, ५, २; ३; श्रापध २, १८, १८; हिंघ २, ५, ७१; -तस्य बृदे २,९७; -ता आश्री २,१७,१७; -ताः श्रापश्री ५, २७, ७: हिश्री ३, ६, ९; ९, ६, ७; -तात् माश्रौ २,५,५,२०; -ती त्राश्री ३, १, १२; माश्री १, ८, ४, ३०; हिश्री ४,४, कृताकृत-कर्मन् -र्मणाम् भाश्री १०,१,८. क्ता(त-श्र)कृति- -तिः निसू 8, 6:9 4. कृता(त-त्रा)गम- -मः निस् ७, 3:34. कृता(त-त्रा)गस् - -गसः वौधौ १७,४६: 9. कृता(त-श्र) मिकार्यº - -र्यः श्राग्निगृ ३,४,१०: २. कृता(त-श्र)ङ्क --ङ्कः विध ५, २०: - इम् विध ५.३. कृता(त-श्रा)चमन⁸- -नः श्राग्निगृ २, ४,५ : ३. कृता(त-ग्र)अलि³- -लि: वैगृ ५, ५: २; २८; कप्र २, १,१२; वृदे ५, ७६.

9: 34. कृता (त-श्र) नुकर- -रः काश्री 4,8,37. कृता(त-त्र)कार- -रः बौश्रौ २५,२: १२; १३. कृता (त-श्रा) धा (न>) ना8--ना कागृड ३९: १. कृता (त-श्रं) नुज्ञात⁸- -तस्य श्रागृ ३,९,४. क्ता (त-श्रा)नुपूर्व-त्व--त्वात् मीस् ५,२,२:३.३. कृता(त-श्र)नुबन्ध-त्व- -त्वात मीसू २,२,9b. १कृता (त-श्र) न्त°- -न्तात् त्रापश्री १४, २५, २; १५, २. १३; बौश्रौ २०, २: १०; २५, १६: १९; भाश्री ११, २, २१; वैश्री २१, १०: ५; हिश्री १५, ६, २; २२; २४,१,१४; श्रप्राय ६, ४१^d; वौशु ५: ६; -न्तान् काश्रीसं ३३: १६?; -न्तेन बीगृ 8,9,8. २कृता(त-त्र)न्त^e - -न्तम् वैगृ १,9९ : ६; - १ न्ताय अप २६, ९,५; ४३, ५, ५१; -न्ते नाशि १, १, २; -न्तेन श्रप ५८, ३ कृतान्त¹- (> कार्तान्तिक-पा.) पाग ४,२,६०. कृता(त-त्र) ल ह - - सम् त्रापश्री २०,५,१७; २२, ७, २३; १७, २‡; हिश्री १७, ३, २२; ६, ४०: लाश्री ८,८,४२; श्रप २६, ५.८: वाध २, २६; श्रापध १, १७,९७; बौध २, ३,२०; विध

a) विप.। बस.। b) 'बन्धि' इति कासं.। c) = कर्मान्त-। शोधः (तु. श्रापत्रौ १४, २५,२)। e) = यम-, दैव-, सिद्धान्त- प्रमृ.। g) = पक्काज-।

d) कृतान्त्वात् इति पाठः? यनि, f) तु. पागम.। = मुहूर्त-शास्त्र-।

कृता (त-श्र)अलिपुट- -टः कप्र

२,४,९; -टम् आमिए ३, १२,

१८, ४४; ४४, ३३; हिघ १, ५, ४९; गोंध ५, २३; — जस्य स्त्रापध १,१८,४; हिघ १,५, ७४.

कृतान्न-दक्षिण"— -णः काश्रौ २२,६,१. कृता(त-श्र)पकृता(त-श्रा)दि— -दीनाम् पाता २,१,६०.

कृता(त-स्र)पसन्य - - व्यः शंध ११६: ७०.

कृता(त-ग्र)पात्री-करण- -णाः विध ४३, २९.

कृता(त-श्र)पात्रीकरण-कर्मन् --र्भणाम् विध ४४,८.

°कृता(त-ग्र)भाव- -वः पावा २,४,८१.

कृता(त-स्र)भिषेक - -कः स्रप १९२,५,९.

कृता(त-ख्र)ध्यं - - स्याः कौग्र ३,१०,३३; शाग्र २, १५, १०; पाग्र १,३,३१.

कृता(त-अ)र्ध- -र्थान् गोगृ ३,

कृतार्थ-त्व- -त्वात् श्राश्रौ ५,६,२४; मीस् ४,२,१६; २०; २७; ११, १,११; २२;१९; ४, ४४.

-कृता(त-आ)लय⁸− -यानि विध ९८,२.

कृता(त-ब्रा)वसथ⁴- -थः त्रापध २,८,१; हिध २,१,१०२. कृता(त—ब्रा)शेष-ऋतु-वर--रम जैश्रौका ४.

कृता(त-श्रा)ह्निक³- -कः श्रप १९२,५,९. √कृति पा ३, १,२१. कृतिन् – -ती श्रापमं १, १६, ४^६.

कृतो(त-उ)श्थान^a - -नः श्रप **४१**,३,८.

कृतो(त-उ)दक° - -कम् जैए २, ५:९; -काः पागृ ३,१०,४४; कप्र ३,३,३.

कृतो(त उ)पकार^a - रात् विध ५८.१०.

कृतो (त-उ)पचार⁸ - -रः श्रप ६९,२,४.

कृतो(त-उ)पवास*- -पः श्राग्निगृ २,७,५:३.

कृ भे(त-उ)पवीत- > °तिन्--ती वैगृ ३,७: १५.

२क्ठत°— -तम् शांश्री १५, १९,१; श्चावश्री ५, २०, १; बौश्री १२, १५ : २०; भाग्री ५, १२, ७; बाध्री १, ५४, १४, १४, १३, ३, ३, ३, ३, १४, ३औ १,१५ : २; हिश्री ३,५,७;६, ५,१७.

कृत-च्छन्दस् - -न्दांसि निस् १,५: ७,८.

कृत-युग- -गम् विध २०,९. कृत-स्तोम- -माः निस् १,९:

१०; २१-२३. कत-संख्य - जान कीस

कृत-संपन्न - ज्ञान् कौस् १७, १७.

कृता(त-आ)दि - -दयः वाधूश्री ४, ५९^२: ४; -दि काश्री १५, ७,१८.

३कृत d —>कार्त-> कार्त-कीजप-पा,पाग ६,२,३७. कार्ति- पावा ८, २,४२.

कृतवत् - -वान् अप ३१, २,३; वृदे ४,५९; ६,४१; ७,५८; ८,१८; या ५,२२.

१कृति— पा ३,३,१००; —तिः बृदे २,६; ३,३०.

रकृति°— -तयः श्रश्न २०, ६७; —ितः निस् १, ५: ९; ऋश्न १, ६,३; २,१,१२०; ग्रुश्न २, ८१; ४,१८४; ५,३४; श्रश्न ४,३४; १२-१३,३²; १७,१; ऋप्न १६, ३८; ८९;९२; उनिस् २: १८; Й ४,३; —ितम् ग्रुश्न ३,१०; —ती श्रश्न १०,५. कृति-एति-पथ्या-पङ्क्या(क्कि— श्रा)दि— -िद श्रश्न ११,३, (२).

कृति-प्रकृत्या(ति-आ)कृति-वि-कृति-प्रकृत्य (ति-अ) भिकृत्यु (ति-उ) क्ष्विति— -तयः शुश्र ५,२.

३कृति¹- -तिः श्रश्र १, ४.

कृतु- > †कृत्विय^ड- -यःⁿ वौश्रौ २८,१ : २१;२:२६; वैश्रौ २०, ३३ : ११.

कृत्तु⁸¹¹— पाउना ३, ३०; -†त्तुः श्राश्रौ २, १८, १५; बौश्रौ १८, ३१: ५; ऋग्र २, ८, ७९^२\$; वृदे ६.९७.

कृत्य- पा ३, १, १२०; -त्यम् वाधूश्री २,११: २; लाश्री १०, ११,१२; गोग्र १,१,२; ३,७, २; ४,२,५; ३,१; झग्र १,१, १७; -त्या: १पा ३,१,९५×; -त्यानाम्। पा २,३,७१××;

a) विष. । बस. । b) स्पा. ऋ १०,१५९,४ कृत्वी इति पामे. । c) = ग्रूत- पाश-, युग-, छन्दस्-, स्तोम- प्रमृ. । d) व्यप. । व्यु. ? । ϵ) = छन्दो-विशेष- । ϵ] = ऋषि-विशेष- । ϵ यु. ? । ϵ) विष., व्यप. (ऋषि-विशेष-) । ϵ) = प्रत्यय-संज्ञा- । विष., व्यप. (ऋषि-विशेष-) । ϵ) = प्रत्यय-संज्ञा- । विष., व्यप. (ऋषि-विशेष-) । ϵ)

पावा: -त्यानि गोगृ ३, ६, ८; श्रप ३६, १०, १; -स्ये पांवा ६,१,१४०; -स्यै: पा,पावा २, 9,33;83. **कृत्य-तुल्या(** ल्य-श्राख्या >) स्य- - ख्याः पा २,१,६८. कृत्य-नामन्- नाभ्यः पावा ५, 9.93. कृत्य-संज्ञा- -ज्ञायाम् पावा ३, कृत्या(त्य-श्र)नुदार्शन् - शी शंध २४५. कृत्या(त्य-म्र)थ- -थे पा ३, ४, १कृत्याb- -त्यया कीसू ३९, ११^९; -त्या श्रापमं १, १७, ७‡; - कत्याः कौस् ७९,२३; श्रश्र ५, १४; ८, ५; १४, २; — स्यासिः श्रश्र ८,५+; -त्याम् काश्रौ ८, ५,९+; कौसू ६,२२+; श्रश्र ४, 90; 4,39. कृत्या-कृत्^b - -कृतम् अप ४६, ४,१;५,५; श्रश्र ५,३१; -कृते श्रश्र ५.१४. कृत्या-तस् (:) श्रप २०, ७,५. कृत्या-दूषण°- -णः श्रप ३३, ६, १; त्रशां २३, १: श्रत्रभू १: -णम् अप १८, १, १४; श्रश्र 4, 98. कृत्याद्षण-चातन- -नौ श्रप ₹₹,9,5. कृत्यादूषण-देवता->°त्य--त्यम् अत्र २,११; ५, ३१; ८, 4; 80, 9.

कृत्याद्षण-सन्त्र- -न्त्रैः अप

33.4.4. क्रत्या-नाशन- -नम् बृदे ८,४५. कृत्या-परिहरण-सूक्त-श्रश्र २,११. कृत्या-प्रतिहरण^d- -णः श्रप ३२, १,२; -जम् अअ ४,४०; ५,१४; -णानि श्रत्र ३२,१,२. कृत्याप्रतिहरण-गण- -णस्य श्रश्रभू १. कृत्या-प्रशमन- -नाय श्रश्र ५, 39. **†कृत्या(त्या-त्रा)सक्ति- -किः** श्रापमं १, ६, ८; कागृ ३१, ४; बौगृ २,५,१०. क्रत्रिम,माb- -मः कौस् ७६,५‡; बौध २,२,२१; ऋत्र २,१,२४; साश्र १,१५; अप्रा ३,४, ५‡; -मायाम् शंध १९२; -मे शैशि २४२;३०३; पावा ६,३,१२१. कृत्वस्^b(:) श्रापश्रौ १२, १०, ४; बौश्री: पा ५, ४, १७; पाग १, कृत्वो(त्वस्-श्र)र्थ- - ये पा ८,३, कृत्वोर्ध-प्रयोग- -गे पा २, ₹. ६४. कृत्वा त्राश्री १, २, १०; शांश्री; त्रापश्री १,१०,9४ 🕈 ; भाश्री १, १०, १40; हिश्री २, ७,५६+0; पागृ ३, २, २ दां; बौपि ३, U. 38. कृत्वा(त्वा-श्र)पकृत- पावा २, 9,59. †कृत्वाय काश्री १६,४,४; श्रापश्री १६,५,३; बौश्रौ १०, ५ : २१:

१, ३९; १८, १: ७२; हिश्री ११, १, ५८; शुत्र २,६२. †कृत्वी निघ २,१; या १२,१०h. कृवि- पाउ ४,५६. †क्राण^b− -णा श्रप ४८, ११५: ऋत्र २, ९, १०२¹; निघ ४,१: या ४,१९०. क्रियमाण,णा- -णः निस् ९, २: ३; -णम् भाश्री १, ६, १३: श्रामिगृ; या १, १६ +; -णयोः निस् ४, ६: १६; -णाः निस् ८, ७: १५; -णानाम् या ४, ११: -णानि भाश्री ४, ५, ३: -णाम् त्रापश्रौ ४, ५, ५××; माश्री: -णाय आपश्री ७, १५. १‡; बौध्रो; -णायाम् आपध्रौ १४, ८,५; १९, १, १५; हिश्री १०, ३, २४; ८, १०; हिंगू १, १३, १३; अप्राय ३, १; -णे शांश्री ३, १६, १५; त्रापश्री;

माश्रौ ६, १,२,१२; वैश्रौ २,१

७,९१¹; श्रापश्रौ. क्रियमाण-च्छन्दोम- -मान् निस् ९,५ : ३.

-जेड-जे माश्री १, ४, १, १३;

-णेषु शांश्री ९, २३, १३; १२,

कियमाणा(ग्र-म्र)नुवादि∸त्व--रवात् मीस् १२,३,३ ७.

किया- पा ३,३,१००; -यया विष ५५,१४; पाता २,१,३५;-ययोः पाता २, ३,१; मीसू १, ४, ४; -या श्राश्री २, ६, १८××; काश्री; श्राज्यो १०,४; पा ४, २,५८; ५,१,१५५; पाता १,४, ३१; -या: काश्री ४, ३, २५

a) प्रत्यय-संज्ञा- । . b) वैप १ द्र. । c) विप., नाप. (गण-विशेष-) । उस. । d) = गण-विशेष-, स्क-विशेष- । उस । e) पामे. वैप १,११५ शं द्र. । f) पामे. वैप १,११५ k द्र. । g) कुर्यात् इति $^{\rm R.}$ । h) पामे. वैप १,११६० a द्र. । i) पामे. वैप १,११६० m द्र. । j) किय° इति पाठः? यनि. शोधः ।

बौश्रौ; -याणाम् बौग्ट ३, १३, 9: मीस ६,३,११; ११,१,२७; -याभिः या ६, ३२; -याभ्यः बौध १,२, ५७; -याम् श्राश्रौ ५, १३, १०; जैश्रीका ११५; निस ४,११: २४: कागृउ ४३: ९: ४५: ९: बौध ४,८,१; २; -यायाः वेगृ १,१६:१; पा,पावा ३, २, १२६; पावा ८,१, ६९; मीस ७,२,२;३;-यायाम् याश्रौ ७,५,५; ऋत ३,५,४; पा ३,३, १०: पावा ३,३, १३, मीसू ४, १.३: -यास कप्र १, ८,२०; त्रप ३७, १२,१; शंध २६१; बंदे १,४४. क्रिया-काल-विरुद्ध- -देपु वैगृ 8.98: 94. क्रिया-करसने - - ने पावा ८,9, क्रिया-गणन- -ने पा ६, २, 9 62. किया-गुण-त्व- -त्वात् श्राश्रौ २,६,१७; काश्री २५,११,७. किया(या-प्र)क्रb- -क्रम् शंध ₹003. क्रिया(या-ग्र)तिपत्ति- -ती पा 3, 3,938. क्रिया-निमित्त-त्व- - श्वात् मीस् 8,2,98. किया(या-अ)न्त- -न्ते वैगृ १, 39:93. १ किया(या-म)न्तर°- -रम् भीसू 80,3,96. २किया(या-श्र)न्तर्d - रेपा ३, 8,40.

किया-पूर्व- -र्वान् श्राप्तिगृ रे,

99.9:99. क्रिया-पृथक्तव - त्वे पात्रा १, 8.906. किया-प्रतिषेध- -धः पात्रा २, 7,98. क्रिया-प्रधानत्व- - त्वात् पावा ३, 8, 29; 4, 3, 56; 60. क्रिया-प्रबन्ध-सामीप्य- -प्ययोः 91 3.3.934. किया-प्रबन्धा (न्ध-प्र)र्थ- -र्थम् पावा ३,३,१३६. किया-प्रश्न- - के पा ८,१,४४. किया-प्राधान्य- -न्यम् शंध ६८. क्रिया-फल- -ले पा १,३,७२. किया(या-ग्र)भिधान- -नम् मीसू ७, ३,१;४; -नात् पावा 2, 2, 20. क्रिया(या-श्र)भिानेर्वृत्ति-वश--शेन वृदे १,४ %. क्रियाभिनिर्वृत्तिवशो(श-उ) पजात- -तः वृदे १,४५. किया(या-त्र)भिलुस- -सः बौगृ 3,93,9. किया-भेद- -दात् पावा १,४, २३. किया(या-श्र)भ्यावृत्ति-गणन--ने पा ५,४,१७. किया-मय- -यम् बौगृ३,१३,९. किया-युक्त- -क्तम् वैगृ ३, 39:6. १किया-योग- नो पा १, ४, ५९; पावा १, १, १४; ४, ६०; -गेन बृदे २,९४. रिक्रया-योग⁶ -गान् बृदे २, क्रिया(या-श्रा)रम्भ- नमः विध

३७,२७: -म्भे बौध २,३,५७. क्रिया(या-त्र)ध,र्था- -र्थानाम् मीस ४,३,७; -र्थायाम् पा ३. ३,१०; -धेन मीस १,१,२५. कियार्थ-त्व- -त्वात् मीसू १. २,9;३,३३; ९,४, २८; ११,9, 33;34. कियार्थो(र्ध-उ)पपद- -दस्य पा २,३,१४; पावा ३,३,१०. किया-लोप- -पे वैगृ ६,१ : ५. क्रिया-बचन- -ने पावा १,३,१. किया-बद् - वन्तम् शांगृ १,२, क्रिया-वाक्य- -क्यम् शंध ५. किया-वाचक- -वम् ऋपा १२, क्रिया-विधि- -धिः कप्र ३,१०, क्रिया-विशेष- - षे पावा ३, १, 27. क्रिया-विशेषक- -कः पावा १, क्रिया-ब्युपरम- -मः अप ६४, 4.4. क्रिया-शब्द- -ब्दः भाशि ३९. क्रिया-समिसहार- -रे पा रे, १,२२;४,२; पावा ३,१, २२३; 8,2; 6,9,92. किया-समाप्ति- -सेः पावा ३,२, 930. क्रियासमाप्ति-विवक्षितत्व--त्वात् पावा ३,३,१४२. क्रिया-सातत्य- -त्ये पा ६, १, १४४; पागवा २,१,७२. क्रिया-साधारणत्व- -त्वात् शंध २५१.

a) तु. पाका. पासि.। b)= स्नान-विशेष-। c) तस. (पा २,१,७२)। d) उस. उप. $<\sqrt{$ अन्तरि |< अन्तर-।। e) विप. । बस. ।

क्रिया-स्नान- -नम् शंध १००^२; १०३. क्रिया-हीन- -नाः श्रप ४१,३, ३: -ने वैय ६,३: १; १२:४; U.8:90. क्रिये(या-ई)प्सित-त्व- -त्वात् पावा १,४,४९.. कियो(या-उ)त्पत्ति- -त्तिम् मीस् 2, 9, 22. | चक्वस् - -वांसः शांश्री ३,१८,५; -क्रषः भाशि १६. चकत् - -कत् निघ २,१ ई. चिकि- पावा ३,२,१७१. चक- पाउमो २,१,२०. चर्करीतb-> °त-वत् श्रप्रा ३, २, चर्करीत-वृत्त- -तम् या २,२८; €. २२. चिकीर्षत्- पाग ५,४, ३८; -र्षतः काश्री २५, ८, ६; -र्घतोः बृदे ४,६८; -र्धन् आपभी १०,१३, ९: वैश्री. चैकीर्षत- पा ५,४,३८. चिकीर्पा - पैया मीसू ३,७, ७;

-**र्धा** निस् ६, ५ : २३. चिकीर्थित- पाग ५, ४, ३८°; -त: बौश्रौ २५,१६: २१; या ७, 9 4; 8,8:8; 4: 23; 6: ४, ५८; -ताः निस् ६, ९:३; ८, ४:७; -तानि निस् ८, ३: 35:8:93. चैकीर्षित- पा ५,४,३८. ?कृकुन्धम्पात् अप ४८,९‡.

चिकीर्षित-ज- -जः या ६,१. क्रक- पाउमो २, २,५. क्रकण- पाउभो २,२,१२६^d; पाग ४, ₹,७६, कार्कण- पा ४,३,७६. क्रकणीय- पा ४,२,१४५e. कृकण्डू !- (> कार्कण्डेय- पा.) पाग 8,9,923. ?कुकद- -दम् वाश्रौ ३, २,५,४०. कृकदावर8- -रे वाश्री ३,२,५,३८. कृकला- (>कार्कलि-पा.) पाग 8,9,9 5hic. कुकलाश- कुकलास- टि. इ. कुकलास¹- पाग ४,१,१२३h; ६,३, १०८^{०:]}: -सः श्रा ६८,२,५३; ५,८; शंध ३७८; वृदे ६,१०६; -सम् कौस् ४७,३९; -साः अप €0,0,2. कार्कलासेय- पा ४,१,१२३. कृकलास-शिरस्- -रः कौस् ८,१८. क्रकलास-सर्प-नकुल-विडाल-गो (गो-श्र)जा-वध- -धे काघ २७२: 99, क्रकवाक 1- पाउ १,६; -कु: अप १, ३४, ३; या १२,१३ ई, -क्रम् शांश्री १२, २४, ५+; -को: या १२,१३; -की अप्रा ३,४,१ . २३;२४; -तम् निस् २,११ : कुक(प>)पा^k- -पायाः पापृ १,१९, 90. -४१;८:१८; ८,४:१८; बृंद कृकसा^b- (>कार्कसेय- पा.) पाग ४,१,१२३. कुकाट'- -टम् अप्रा ३, ४,१ ई. क्रिकास- कृत्रवास- टि. इ.

क्रच्छ, च्छू। - पाउमी २, ३, २८: पाग ३,१,१८; ५, २,१३१; ६, २, १७०; -च्छु: ∮त्राथ २१. १६; २०; २४, २; ३; शंध ४३२; ४४८; बौध १,५, 936; 2, 9, 40; 48; 44; २, ४९; ४, ५,६; ७; १३; १५; गौध २३, २; -च्छम् श्राप्तिगृ २, ४, ४ : ७; ३, १२, १: ११; १२; कागृ ७,३; वैगृ २,८:८; ३,६:४;६, १३: १; त्रप ४८,६५+; ६९,८,३; ७०,२,३; वाध १९, ४२;२०, ६; ७; ९; १२; २१, १३;१८; २४; २५; २७; २९; ३२; २३, 99; 98; 20, 20; 30, 6; शंघ ४११;४१५; ४३०; ४३९; श्रापध १, १३,१०; वौध २,१, ७^२; बौध ४, ५,११; १६; विध ३८,७; ५२, ५; ५४, ३०; वैध २,१,२; हिंध १, ४,२४;६,७७; ७,५: काध २७१ : ६; २७२ : ९; सुध ५३; ६२; बृदे ६, १४०; या २, ८; शेशि ६९ ‡; -च्छा श्रापध २, २९, १३; -च्छाणाम् वाथ २४,४;-च्छाणि शंघ ४१४; विध ४६, १; २४; -च्छात् कप्र २,१,१३; -च्छान् कप्र २, १०, ११; वाध २३, १०; बौध २, १, २२; विध ५४, २६; गौध २६, १; २३; काध २७५ : ६; -च्छाम् बौध ३, ३, २१; -च्छे बौध २, १, ६८; गीध २७, २; -छ्रेग

c) तु. पागम. । b) = यङ्लुगन्त- इति कैयटः (तु. पाम ६,१,६)। a) = कर्म-नामन्-। e) भारद्वाजदेश-वाचिनश् छः प्र.। f) स्कण्ड- इति [पक्षे] पाका., स्कण्डु- इति भार्sा. प्रमृ.। ब्यप.। ब्यु.?। g) विप. (चर्मन्-)। व्यु.?। h) ब्यप.।ब्यु.<math>?। i) वैप १ द्र.। j).पक्षे व्लाश-,**"किटास** – इत्यपि । k) = पक्षि-विशेष-। व्यु. ? । l) नाप. । वैप १ द. ।

श्राज्यो ५, ११; -च्छ्रैः शध १५९: १३; ४४३; विध ५४, २५.

कृच्छ्न-ग्रहन- -नयोः पा ७,२, २२. कृच्छ्न-त्रय- -यम् सुध ४६; सुधप ८४: १२.

कृच्छ-द्रय- -यम् सुध ५८.

कुच्छ्न-द्वादशरात्र— -त्रम् श्रापथ १, २७,६; बौध ३, ७, १०; हिध १, ७, ३१; —त्रस्य श्रापध १, २७,७; हिध १,७, ३२; —त्रेण यौध २,१,३९.

कुच्छ्रद्वादशरात्रा(त्र-श्र)भ्यास--मः श्रापध १, २८, २०; हिध १,७,५६.

कुच्छ्र-पाद- -दः शंध ३६२; सुध ४५; -दे शंध ४४६.

कृच्छ्र-भूयस्त्य - -स्त्वम् कप्र २, १,१३.

कुच्छ्र-विधि - धिः वाध २३, ४२; -धिम् काग्र ५,१.

कृच्छ्र-संवत्सर— -रः श्रापध १,२७, ८; हिंघ १,७, ३३; -रम् श्रापध १,२५,९.

कृच्छ्रा(च्छ्र-म्र)कृच्छ्रा(च्छ्र-म्र)धे--थेषु पा ३,३,१२६.

१क्टच्छ्र।(च्छ्र-अ)तिक्टच्छ्र- -च्छ्रः वाध २४,३; वौध २,१,६७; ४,५,९; विध ४६,१३; गौध २६,१९३; -च्छ्रम् श्राप्तिए ३, १२,१:९; विध ३९,२; ४१, ५; ५४,३०. २कृष्ट्रा(च्छ्र-ग्र)तिकृष्ट्र - प्ट्री वाध २०, ८; १०; १९; २२, १६; बौध २, २, ६५; ३, १०, १८; गौध १९,२०.

कृच्छ्रातिकृच्छ्रा(च्छ्र-श्रा)दि--दीन् वीध २,२,५१.

कुच्छा(च्छू-मा)दि- -दि कप्र ३, ५,५.

कुच्छ्रा(च्छ्र-श्रा)पत्ति - -तिः या २.७.

क्रुच्छ्र।(च्छू-ख्र)टर् – -ब्दः गौध २३, ३३.

कुच्छ्राब्द-पाद- -दम् वाध २०, १६: बौध २,१,१८;३८.

√कृच्छ्राय पा ३,१,१८; कृच्छ्रा-येत श्रापश्रौ १०,२६,१६; हिश्रौ ७,२,८०.

कृच्ळ्रा(च्ळ्र-ग्र)र्धे- -धे रांघ ४४६. √कृड् पाघा. तुदा. पर. घनत्वे.

कृडु^७-(ं >कार्डव-,कृडिमन्-,कृडुःव-पा.) पाग-५, १,१२२.

कुणु- √कृ द.

√कृणव्° पाधा. भ्वा. पर. हिंसा-करराग्रोः, कृण्वति निघ २, १९‡वै.

कृण्वत् –, कृण्वान – √कृद.
√कृत् पाघा. तुदा. पर. छेदने,कृत्तति
सु ५,४; श्रप ४८,१९‡ ; निघ
२, १९‡ ; कृत्तन्ति वाधूशी
४, ५९३:७; †कृत्तामि वौधी
१७,४४: ५; वौगृ१, २, ३६;
कृत्तत गोगृ२,७,२०‡.

कृत्यते या ४, ३, †कृत्यताम् श्रापश्री ३, १,२; बौश्री १,१०: २८; भाश्री ३, २, ७; हिश्री २, ३, १.

१कर्त⁸ - र्तः निघ ३, २३; -र्तम् बौश्रौ १८, ४४:४; ९; बाधूशौ २, २०:४; ४, ९०:६; अश्र ४, १२‡; -र्तानि श्रापश्रौ २१, १२, ३; हिश्रौ १६, ४, ३५^h; -र्ते बाधूशौ ४,१८:३०; लाश्रौ ८, ८,३; -र्तेन श्रापमं २, १७, ३‡¹.

कर्त-परव¹— -स्वम् श्रापध १, ५,३; बौध १,१०,३८; हिध १,२, ३^१^६.

कर्तरि,री1- पाउमी २, १, १, २३०; -रिः माशि ९, ६?^m; नाशि १, ६,११?^m; -री याशि २,८.

२कृतक- पाउ २, ३७.

कृत्त- -त्तम् वृदे ३, २३.

कृत्त-दृतिन् "- -ती या ६,३०. कृत्त-दृन्त°- -न्तम् या ६,३०. कृत्त-नख°- -खम् कीस् ५४,४.

कृत्ति— ‡त्तिः श्रप ४८,८९^०;निघ**३,** ४; ४, २; या ५,२२५^०; –ित्तम् बौश्रौ १५, २८: २३; २५; या ५,२२‡.

†कृत्ति-वासस्° - -ससे गौध २६, १२; -साः काश्रौ ५, १०, १९; ब्रागश्रौ ८, १८, ९; बौश्रौ ५,१७: ७; भाश्रौ ८, २२, ५; हिश्रौ ५, ५,२; द्वाश्रौ १३, ३,

a) तु. जीसं. । b) तु. पागम. । = मन्तु- । ब्यु. ? । c) पा ३,१,८० परामृष्टः इ. । d) वधे वृक्तिः । e) या १,९,३,११;५-६,२२,९,३२ पा ७,१,५९; २,५० परामृष्टः इ. । f) हिंसायां वृक्तिः । g) वैप १ इ. । h) कर्ताप्रिश्च इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. श्रापथ्रौ.) । i) पाभे. पृ २७० f इ. । j) उप. $\sqrt{ \sqrt{q} \lfloor \ln n \rfloor }$ । k) कर्तृप॰ इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. श्रापथ.) । l) नाप. । अरिः प्र. उसं. (तु. श्रंशतः पाउभो.; वैतु. श्रभा. k) केत्प॰ इति पाठः ? यनि. शोधः । n) वैप १,१०९५ c इ. । o) विप. । बस. । p) = एइनामन् । q) = यशस्-, श्रज्ञ- प्रमृ. । वैप १ इ. ।

९; लाश्रौ ५,३,१२; ख्राप्तिग्र २, ५,३: १५; बौग्र ३, ७,१४; या ३,२१; ५,२२.

कृत्य(त्ति-श्र)धि^क, धीवास- -सम् श्रापश्री १२, ८,११; १८, १८, ६; २०, १७,८; वाधृश्री ३,७६: ३६; हिश्री १०,४,१४;१३, ६, १७; -से हिश्री १८,३,५६.

२कृत्या- पाउमो २,३,३. कृत्त⁵>कृत्त-विचक्ष(ग्ऽ)णा-पा,पाग २,१,७२.

कुन्तत्र°- पाउँ ३,१०९; -त्रम् या २,२२ई; -त्रात् वृदे २,५९; या २,२२‡; -त्रेण निस् ७,

√हृत् व पाघा. हथा. पर. वेष्टने, कृणित्त वीग् १, ७, ३२; †अकृत्तन् श्रापश्री १४,१२,४; माश्री ५,२, १४,२०; हिश्री १०,६,९; द्राश्री ५, ४,२३; लाश्री २, ८,२३‡; श्रापमं २,२,५‡; पाग् १,४,१३; श्राफ्रिग्;वाग् ५,४१°; या ३,२१० १चकतुः काग् ४१,५‡°.

शबकृतन् h श्चापमं २,२,३ $^{+8}$. २कर्ते 1 > कर्त-संसर्ग $^{-}$ -गें मागृ २,१५,६.

कृन्त(त् >)न्ती- -न्त्योः कौस् १०७,१‡.

कृत्दि > कृत्दि b - विचक्ष (ग >) णा - पा,पाग २,१,५२.

कृत्-, १-३कृत- प्रस्., १कृतक-√कृद. २कृतक - √कृत (छदने) द. ३कृतक - -कानि या ५,११. कृतद्वसु - -सू श्रापमं १, ११, ११‡.

?कृताद्^k - -तात् माश्रौ २, ५, ५, २०†. १-३कृति-, कृत् - √कृद.

कृत्त-, कृत्ति- √कृत् (छेदने) द्र.
कृत्तिका°- पाउ ३, १४७; पाग ६,
२, १९३; फि २०; -का काछ
७, ३५; -काः आपश्री १७, ५,
४; ६, ५†; बौश्री; श्रप १,३३,
१९१¹; -कानाम् आपमं १, ९,
७†; †आप्तिग्र; -काभिः वाध्रश्री
२,१८:२; अर; -†काभ्यः बौश्री
२८, ३:११; २०; शांग्र १,
२६, ५; वैग्र ३, २०:३; अशां

न्नापप्रौ. कार्ति(क >)की m — -की विध ९०,१६; गौध १६ ३७; —क्याः कौस् ७५,२; —क्याम् शांश्रौ ३,१५,१; काश्रौ ५,६,१; काश्रौसं २८:२१; वाधूश्रौ ३,६९:१०; वैश्रौ ९,१:१; हिश्रौ ५,३,१; ४४; वैताश्रौ ९,१; कौए ३,६२; शांग्र ३,११,२; पाग्र

३,९,३; श्राक्षिगृ १, ७,४:२;

कागृ ५९, २; मागृ २, ७, ९;

हिपि १७: ५-७; गोगृ ३, ३,

२२; अप १८२,९,१; १८३, १,

१२, १; -काम् अशां १, १; २;

-कास आश्री २, १, १०;

२; ५०,९,५; विध ८६,२; वैध १,७,६.

कार्तिक - पा ४, २, २३; -कः विध ८९, १; -कम् विध ७८, ५३; ८९, ३; ४; -के वाधूश्री ४, ४०: १; लाश्री ९, १२,१३; अप ५५, २,१.

कार्त्तिकिक- पा ४,२,२३. कार्तिकेय c - -यः श्रप २०, २,९.

कृत्तिका(का-त्र्रा)ख्या- -ख्या फि २०.

कृत्तिका(का-ब्र)झि°- -िज़म् काश्रौ २०,१,३२.

कृत्ति(का-आ)कादि- -दीनि अप ३०^२,१,१४; अशां १,१.

कृत्तिका-पुत्र- -त्रम् श्रेप २०,६, ४; -त्राय श्रप २०,६,५‡.

कृत्तिका-प्रभृति - तीनि शांध्रौ २, १,९.

कृत्तिका-यु $(\pi >)$ ता - -ता विध 9

कृत्तिका(का-ख्र)रोका(क-ख्र)रोधा (ध-ख्र)वाप्य^p— -प्येषु कौस् ४७,११.

कृत्तिका-रोहिणी-मध्य- -ध्ये श्रप १^२,१,७.

कृत्तिका-रोहिणी-मृगशिरः-फल्गु-नी- -नीपु काश्री ४,७,२.

कृत्तिका-रोहिणी-च्याख्या(त>) ता- -ताः श्रप १८ 3 ,१९,४. कृत्तिका-रोहिणी-सौम्य 0 -म्यम्

a) °धि° इति वाधूऔ.।' b) लोटि मपु १ श्रनुकरणम् । c) वैष $\{ \, \, \xi \, \, \xi \, , \, \, | \, \, d \, \}$ पा ७, २, ५७ परामृष्टः $\{ \, \xi \, , \, \, | \, \, e \, \}$ श्रकृतन् इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. पाय. प्रमृ.) । $\{ \, f \, \}$ पाठः ? चकृतुः इति शोधः (तु. संस्कर्ता) । $\{ \, g \, \}$ परस्तरं पाभे, । $\{ \, h \, \}$ पाठः ? । लुिंह प्र३ इति संस्कर्ता । $\{ \, \chi \, \chi \, \chi \, \chi \, \}$ भापः (विष्टन-) वा नापः (चर्ला। नमाः ।) वा। $\{ \, j \, \}$ तो तु. भाग्रहाः प्रमृ. । किन्दिवि इति पाकः , °विश्विणा- इति शाकटायनः (तु. पागमः) । $\{ \, k \, \}$ पाठः ? = पृताद् - $\}$ -तात् इति । $\{ \, i \, \}$ जतरेण संधिरापः । $\{ \, m \, \}$ = पौर्णमासी- । $\{ \, i \, \}$ = मास-नामन् । $\{ \, i \, \}$ वेष २,३ खं. $\{ \, i \, \}$ शाभिचारिकक्रमंत्पयुक्तानां कालानां $\{ \, \xi \, \}$ । प्रतिशब्दम् श्रथः ? । $\{ \, i \, \}$ समाहारे द्वसः । सौम्य- = मृग-शिरस्- ।

श्चप ५६,१,१. कृत्तिका-रोहिण्या(णी-श्चा)दि--दीनि श्चप १८^२,१९,१. कृत्तिका-स्वाति-पूर्व- -वें: काग्र १४,२; माग्र १,७,४; वाग्र १०,

कृत्तु-, १कृत्या- प्रमृ. √कृ द. २कृत्या- √कृत् (छेदने) द्र. कृत्रिम- √कृ द. १कृत्रिरासदिवादरभूतदिवा श्राज्यो ५,१८.

कृत्वस्, °त्वा, °त्वाय, °त्वी √कृ इ. कृत्स- पाउ ३,६६.

कृत्स्न,त्स्ना"- पाउ ३, १७; -त्स्नः भाश्रौ ८,१०,७; निसू; -स्नम् शांथ्रौ १३, १२, १०; श्रापथ्रौ; -त्स्नस्य हिश्रौ २१, २,९; मीसू ११,३,३१; -त्स्ना हिथ्रौ ७,२, १२;९,६,११; लाश्री ७,८,१९; कप्र ३,१०,३; -स्नाः मैश्र २१; -तस्नान निस् ८, ७:२२; -त्र्नानाम् भाश्रौ ९, ८, २; -त्रनाम त्रापश्री ७, २०, ९; वैश्रौ; -त्स्नायाम् त्रापगृ ११, १२; बौगृ २,५,४०; -त्स्ने निसू २,५: ९; - स्नेन वाधूश्रौ ४, ११: ५; ७; ९; निस् २,१०: १२: -रस्नैः शांश्रौ १३, १०,७; -त्स्नौ निसू २,५: १६;९,१३:

कारस्त्ये - त्स्न्यम् या १, १५; मीस् ९, ४,२५; -त्स्न्ये वा ५, ४,५२; -त्स्न्येन अप ५२,१६, ४;५८^२,१,२; ७०,११,५; मीस् ६,१,५

कुरस्न-क— -के शांश्री १६,२९,८. कुरस्न-प्रास— -सम् वाघ १२,१९. कुरस्न-त(म≫)मा— -माः निस् ८, १३: ७.

कृत्सन-तर— -रः निस् ८,११: २३. कृत्सन-ता— -ताये निस् ८,११: ६. कृत्सन-रव— -स्वात् भीस् १०,८,३७. कृत्सन-वचन— -नात् मीस् ९,४,८. कृत्सन-वत् लाश्रो १०, १६,२; या २,५.

कृत्स्न-विकार- -राय निस् ७,५: २०.

कृत्स्न-विधान— -नम् मीस् ५, ४, १८; -नात् मीस् ८,१,५; १०, ५,३४.

कृत्स्न-विधि - -िधः मीस् १०, ६, ७५.

कृत्स्न-शब्द - न्ब्दः मीस् ३,२,१८. कृत्स्न-शस् (ः) वृदे २,५:८,१३०. कृत्स्न-संयोग - -गात् मीस् ६,६, १०;७,३७.

कृत्सन-संस्था— -स्था वैश्रौ १०, १८: ३; —स्थाम् आप्श्रौ १३, २४,११.

कृत्स्ना(त्स्न-ग्र)न्वित- -तानि निस् ६,५:२०.

५, ५. ५७. कृत्स्ना(त्स्न-अ)भाव- -वे हिश्रौ ३, १,२५.

कृत्स्नी √कृ > कृत्स्नी-चिकीर्षेत्--र्षन् मिस् ६, १२:३; ७, ९: १८. कृत्स्नी√भू > कृत्स्नीभवति निस् ६,६:१५.

कृत्स्नो(त्स्न-उ)पदेश- -शात् कांश्री १,७,५; २, ७,१३; मीस् ३,२, १५.

†कृद्र°- पाउ ५,४१; -रः निघ ३, ४; -रम् श्रापश्रौ २०,१७, ३; बौश्रौ१५,२८:८; बाधृशौ ३,८९: १; हिश्रौ १४, ३,५४; अप ४८, ८०; निघ ३,२९; या ३,२००.

निघ⁶ ३, २¹; या ६, ३**५**⁶.

कृषुक - - क: श्रा ४८,६०‡¹.

कृन्त -, कृन्तत्र - √कृत् (छेदने) इ.

कृन्त(त् >)न्ती - √कृत् (बेष्टने) इ.

कृन्दि √कृत् (छेदने) इ.

√कृप्⁸ पाधा. भ्वा. श्रात्म. सामध्यें;

चुरा. उम. श्रवकत्कने, दौर्वत्ये. †कृप्- कृषा श्राश्री ४,६,३; शांश्री ५,९,०; बौश्री ६,१४:१६; निघ ४,३; या ६,८∮: श्रप्रा २, २,१५.

कृपण^a— पाउभो २, २, १२४; पाग २,१,५९,३,१,१८; ४,१,४५^b; ५,२,१३१; ६,२,१७०; -णम् शांश्रौ १५,१७,१‡.

कृपणा-, कृपणी- पा ४,१, ४५.

कुपण-काशिन्° — -शी वैगृ १, १८: ११. कृपणा(ग्य-आ) तुरा (र-श्र) नाथ-व्यङ्ग-विधवा-बाल-वृद्ध — -द्धान् शंघ २४७.

√ कृपणाय पा ३,१,१८. क्रपणिन्- पा ५,२,१३१. √कृपण्यक, †कृपण्यति श्रप ४८,९; निघ ३,१४. कृपण्यू - - ण्यवः बृदे २, २७; ३३; - मण्युः अप ४८, ९७; निघ ३, १६. कृपयत्- -यन् या २,१२ ई. १कुपा- पाग ३,१,१३^b; ३,१०४^c; -पया बौध ४,५,३२. क्पा(पा-आ)दि- -दीनाम् शौच √कृपाय, कृपायति निघ ३, कृपायमाण- -णः या २,१२. २क्(प>)पाº- -पाः त्र्यापश्रौ १०, 98,91. क्रपाण⁸- पाउभो २, २, १२७; -णः श्रापश्री १८,१०,२१. कृपीट8- पाउ ४, १८५; - #टम् अप ४८,७५; निघ १,१२; ऋप्रा ७, 84. क्रमि⁸- पाउ ४, १२२; पाग ५, २, १००;८,२,९; -मयः श्रप ४६, ५,9‡; ६७, २, २; -मिः वाध ४,३२; १८, १६; शंघ ३७७ : १६; विघ ४४, ११; या १४, ११; -मिभिः विध ध३, ४०; -मीणाम् अप ४६,५,५ . कृमि-कीट- -टानाम् विध ४१, २. कृमि-केश-कीट-युत- -तम् वैध २, 94, 3.

कृमि-जम्भन- -नम् श्रश्च २,३१.

कुमि-ण- पा ५,२,१००. कृमिण-त्व- -त्वम् अप ६८, २, क्मि-द(ए>)एा- -एाः त्रप २६, 8, 4. कृमिद्ष-चिकित्सा- -रसायाम् कप्र १,५,९. कृमि-भूत - -तः वाध २,३०. कुमि-मत्- पा ८,२,९. कमि-योनि- -नयः विध ४४,३. रुमुक^g-> कार्मु(क>)की- -कीम् काश्रौ १६,४,३५. कुमुक-शकल- -लम् कौस् २८, २. कृवि- √कृ द्र. √कृञ् पाधा. दिवा. पर. तन्करणे, कर्शेत् भाश्रौ १०,८,१६. कशयति वैधी १२, १२: ९; कर्शयेत् आपध २, २७, १०; 26, 4. कर्शित्वा पा १,२,२५. कुश,शा⁸- पाउना ४,११६; पा ८, २,५५; पाग २,४,६३ hb; ५,9, १२३; - शः काश्री ६, ७, १२; † श्रापश्रौ १०,१४,८-१०; २१, १,९; हिश्री १६,१,७; कागृ; ऋग्र २,८,५५1; -शम् त्रप १, ३७,४‡; ३,२, ३; अशां ७,४; -शा सु १०,४; अप २६, २,५; ३,१; ५८, २, ४; -शाः भागृ १, ७: १३ +; -शासः बौध १, काइर्य- पा ५, १, १२३; पावा ५,३,९१.

कृश-कृत्सन- (> काशकृत्सन-पा.) पाग २,४, ६९. कुश-मध्य । -ध्यः चव्यू ४: 94. क्श-वृत्ति। -त्तयः वैगृ ५ 93: 3. कुश-हारीत!- -तः गौषि १, ४. 25. क्शाश्वh-(>क्शाश्वक-,क्शा-श्विन्- पा. यक.) पाग ५, २, ६२; ४,३, १११. कृशो(श-उ)दर1- -रम् याशि 2, 64. कृशित्वा पा १,२,२५. कुशन - ०न गोग २, १०, २६ +: -नम् कौस् ५८, ९; कत्रप ४८. ७९^k;९१; श्रश्न ४,१०; ‡िनघ १, २; ₹, 6k. क्रशम1- -मः अप ४८, ६७‡. क्रशर"- -रम् कौस् ६६,१६; ८४,३; श्रप १,२८,१; शंध १३६. कृशाकु-(> कृशाकवक- पा.) कृशानु- टि. इ. क्रशानु "- पाउ ४,२; पाग ५,२,६२"; - † नुः श्रापश्रौ ११,१४: १०; बौध्रो ६, २९: १६; वैध्रो १४; १३: ३; हिश्री १०, ३, ४२, जैश्रो १३: ५; -नुम् माश्रौ ४, २, ३४; शंघ ११६: ३७; - † • नो शांध्रौ ६, १२, ३°; बौश्रौ ६, १५: १५; द्राश्री ५, ४, १२; लाश्री २, ८, १२; -नोः या ११,८ .

a) अर्चास्तुत्योर् वृत्तिः । b) तु. पागम. । c) $< \sqrt{m}$ प् इति पावा. ।) अर्चायां वृत्तिः । e) = जल-विशेष- । कर्तिरि कः प्र. । f) पामे. पृ ८४० 1 द्र. । g) वैप १ द्र. । h) व्यप. । व्यु. ? । i) = ऋषि-विशेष- । j) विप. । वस. । k) = रूप-नामन् । l) = हस्व-नामन् । व्यु. ? । m) कृसर- इत्यनेन स-न्यायता द्र. । n) तु. भाषडा. १ मृ. । कृशाकु - इति [पक्षे] पासि., दशान - इति पाका. । o) पामे. वैप १, ११६४ 1 द्र. ।

क्रशानवक- पा ५,२,६२.

√छप् विषा. भ्वा. पर., तुदा. उम. विलेखने, कर्षते श्रापश्रो ११,२, १; १८, ५; माश्रो १२, २, ४; कर्षति वौषि १,९५: १८; कौस् ३९, २९; कर्षन्ति वौष १, ५, ८४; कर्षेत् श्रापश्रो ११,९,१०; वौश्रो २०, ७: १७; २७: २२; शंघ ८९; श्रश्च १५, १३[‡]; कर्षेयु: वाधृश्रो ३, ४४: १३; लाश्रौ १०, १५,९५.

कृषित काश्रो १७, २,११; २१, ४, १; श्रापश्रो; कृषित काश्रो १७,२,१८; वाधूशो ४,७४: ६; हिश्रो ११,६,३५; कपतु श्राप्तिग् ३,८,२: ६†; कृषेत् बौश्रो २२, ५: २४; २५; पाग्र २,१३,४. कक्ष्यित कीस २०, १६‡; अकृक्षत कीस २०, १६‡; अकृ

क्षाम कौस् २०, १० । कर्भयति बौधी १८, २०: ५; कर्पयेत् हिंध २, ५, २२९; ६,

अचकृषुः वाधौ १, ५, ५,८‡^{१,b}; †अचकृषुः श्रापश्री ६,२०,२०^b; वौधौ ३, १२:२८^b; माधौ ६, १८, ७^{१,b,o}; माधौ १, ६,४, २४^b; पागृ ३,१,६^{१,b,o}; जैगृ १,

कर्ष- पा ६, १, १५९; पाग २,४, ३१; ५, १,६४; -चें ब्राप्य २, १६, १४; हिंध २,५,१४. कार्षिक- पा ५, १,६४. कर्षक°- -काः श्रव ६३,३,३; वाघ ११,४२; -काणाम् श्रव ५८³, ४,४; शंघ २६२; -काय श्राप्रिय २,५,१२:५; -कैः गौघ १०, २३.

कर्षक-वणिक्-पशुपाल-कुसीदि--कारु- -रवः गौध ११,२३.

कर्षण'- -णः शौच २,३९; -णम् श्रप १,४४,५; शंघ १६६; बौघ १, ६, १७; नाशि १, ६, १९; -णात् कौशि २०; -णे बौश्रौ २२,५:२५.

कर्षण-करणा(ग्र-श्र)र्थ- -र्थम् वाध १९,१२.

कर्षण-वपन- -नाम्याम् बौश्रौ २६, २८: ८; -ने बौश्रौ २६, २८: ८.

कर्षण-शुश्रूषा(पा-श्र)धिकृत— स्व - स्वात् बौध १,११,१५. कर्षणा(ग्र-श्रा)दि - दीनि श्राज्यो ५,९

कर्षत् - -र्षन् श्राश्रौ २, ३, ८; श्रापश्रौ.

कर्षमाण- -णम् वैताश्रौ २८,३१⁸. कर्षियत्वा वैय २, १३: ८; कौम् ८३,१८.

कर्विन् - वीं बीध २,२,७३; वाध २,३२.

कर्ष्य पाउ १, ८०; - ष्यू काश्री २१,४, १९; - ष्यूं: बौश्री १०, १९: ११; १८; १९, १: १८; आमिय ३,४, १: १९××; काय ६५,३;५; ६६, ४; बौपि १,८: १८××; -पूंणाम गोग ४, २, २३;३,३; कप्र २,८,४; -पूंम्यः आप्तिग्र ३,७,३: ३१; बौषि २, ३,५; -पूंम् काश्रौ २५. ८,३; माश्रौ; -पूंच आग्र २, ५, ६; पाग्र; -प्वां: गोग्र ४, २, १८; -प्वांम् माश्रौ १, १, २, १०; काग्र इ; द्वाग्र ३, २,३१²¹. कर्पू-त्रय - यम् विध २१,१०‡; ७४, ७.

कर्पृत्रय-मूल- -ले विध ७४,४^२.

कर्पूत्रय-संनिकर्ष- -र्षे विध २१,१८. कर्पू-वीरण¹-वत्- -वति काश्री २१,३,२५.

कर्पू-समन्वित- -तम् कप्र ३.५,

कर्पू-समीप- -पे विध २१,५. कर्प्वा (र्पू-ऋा)दि- -दि हिपि ९: १३: १६: १४.

कार्षक- पाउ २,३८.

कार्षि*- पाउ ४, १२७; --†िर्षः¹ काश्रौ ९,३, ५; आपश्रौ १२,५, १०; बौश्रौ ७, ३:१६; माश्रौ २,३,२,१७; बैश्रौ १५,६:६™; हिश्रौ ८,१,६७; श्चश्र १, ४२२‡.

कार्कन् ६ - - क् शैशि ७७ क .

9 : कृष - - चम् वाश्री २,१,५,२२.
२ कृष - (> कृषी - पा.) पाग ४,१,
४१°;

कृषक- पाउ २,३८.

a) या २, २०; ९, १९ । अर्ग्युमाने वृत्तिः।, पा ७, ४, ६४ पावा ३, १,४४ परामृष्टः इ. । b) पामे. वैप १, ११६४ छ इ. । c) 'क्रि' इति पाटः ? यिन. शोधः । d) चकृषः इति पाटः ? यिन. शोधः । e) = कृषीयल- । f) कर्ग्ये भावे च स्युट् प्र. । g) कृष्यः इति C. शोधः । h) = लेखा-, नाली-, गर्त- । i) का॰ इति पाटः ? यिन. शोधः । j) 'वीरिं इति चौसं. । k) वैप १ इ. । l) पामे. वैप १,११६५ b इ. । m) 'पीः इति पाटः यिन. शोधः । n) अर्थः व्यु. च ? । o) तु. पागम. ।

क्षत्- - वन् बौश्री २५,३०: १. कषि - पाउ ४, १२०; पाग ४,४, ६२0; ४, १, ११२°; -षिः ‡ब्रापश्रौ १०,१५,१; १६,२८, १; वैश्री; -षिम् माश्री २,१, २, ११; १३; बौध; - पी: अप ३७, १, २; शुप्रा ३, ३३; -बी पा ५, ४,५८; -प्या वाध २,३१; बीघ १, ५, ८४; अश्र ११,३(२) +; - प्याम् कप्र ३, ७. १०; - च्ये श्रापश्री १०, १०,१××; बीश्री. कार्य- पा ४,४,६२. कृषि-कर--राणाम् मागृ २,१४, क्षि-कर्मन् - मणि कौय ३, १३,१; शिष्ट ४,१३,१. कृषि-गो-पाल->०पाल-क्षे-त्रिक-परिचारक-नापित-निवेदि-वारमन् -स्मानः सुघप ८४ : ३. क्षि-गोरक्ष-वाणिज्य-कुसीद-यो-निपोषण- -णानि विघ २,१३. कृषि-गोरक्ष्य-वाणिज्या(ज्या-श्र) धिक- कम् श्रापघ २, १०, ७; हिघ २,४,७. कृषि-गोरध्य-वाणिज्यो (जय-उ) पजीविन्- -वी वैध १,५,२. कृषि-जीवd- -वान् वृदे ५,९. कृषि-पशुपाल्य-रत- -ताः श्रप

48,8,4.

कृषि-प्रशंसा- -सा या ७,३.

कृषि-वत् मीस् ११,१,२०.

-दम् गीध १०,४८.

कृषि-वणिक्-पाशुपाल्य-कुसीद्-

क्षि-वाणिजय- -जथे गौध १०, कृषि-विनाश- -शाय बीध १, 4,64. कृषि-सक्त- -क्तान् कप्र १,६,५. क्(पि>)पी-त्रन्*->का्षीं-वण- --णाः अप्रा ३,४,१‡. क्(बि>)षी-वल⁸- पा ५, २, ११२; -लः, -लम् अप ६९, क्रचा(षि-आ)रम्भ- -म्भे कप्र 3,0,2. कृषिक- (कार्षिक्य- पा.) पाउ २,४०; पाग ५,१,१२८. कृष्ट, ष्टा- पाग ५, १,१२३°; -ष्टः लाश्री ७, ८, ५; -ष्टस्य हिपि १५: ८; - ष्टाम् वाश्रौ २,१,५, १६; वैध ३, ५,३; -ष्टे आपश्रौ १६, १९, १०; १४; वाश्री; श्रामिष्ट २,६,८:६१. कार्ट्य- पा ५,१,१२३. कृष्ट-(ज>)जा- -जानाम् विध 40,40. क्ष्ट-पच्ये - -च्यस्य पा, पावा ₹,9,998. कृष्ठ-मात्र- -त्रे काश्री १७,३,५. कृष्ट-राधिक8- - कम् भागृ १, 99:92. कृष्ट-शब्द- -ब्दः भाशि ३४. कृष्टा(ए-अ)कृष्ट- -एयोः काश्रौ 20, 3,8. कृष्टिमन्- पा ५,१,१२३. कृष्टि"- पाउभो'२,१,१८९; - † ष्टयः आश्री ९, ११, २१; ऋप ४८, ७८; निघ २,३; या १०,२२०; -िष्टः बौश्रौ १८,४७:२२, -ैम्टीः आश्रौ २,१२,५; ६,१४,१६,१४,१६; आश्रौ २,२,८; हिश्रौ १५,१,४५; अप्राय ४,३; ० मा १०,२२; २९; ३१; -ैम्टीनाम् आपम २,२,७; पाग्र १,४,१२ मा १२,४,१०; चौग्र १,५,१२; मिर्ट १,४,२; -िष्टें १,४,२; -िष्टें वौग्र १,४,१२; हिग्र १,४,२; -िष्टें वौग्रौ १८,४७:२२.

कृष्ट्वा वाधूश्री ४,१९: ४४;४५. कृष्यमाण- -णाः विध ४३,३३; ४३; -णे त्रावश्री १४,८,५; हिश्री १०,८,१.

१कुरण, रणा^a- पाउ ३, ४; पाग ४, २,७७1; ५, २,९७; पागवा ५, ४, ३; फि ११; -प्णः श्रापश्रौ ९,२०,१०; १४, ३४, २; १६, ३४,५; १९,२५,२०, २७,१२; २०, २, ९; बौश्री १५, १: १५××; या १२, १३; -णम् †श्राश्रौ २, १३, ७k; ८,८,९; शांश्री; श्रापश्री १०, ९, ६ 1; माधी ५, २, ६, २० + ; वैताश्रौ ९, ५ + ; श्रश्र ६, २२^{‡k}; १३, ३^{‡k}; 刻i ३: ६८^{‡k}; या २, २०∮; २१ ‡ ∮; ७, २४ ‡ k; - जिया बौश्रौ २५, ८: १५; गोग् ४, ७,२५; -ध्णस्य बौश्रौ २२, ८३ ३६; कौगृ १, १६, १६; शांगृ

a) वैप १ द्र. । b) पृ ७७९ j द्र. । c) तु. पागम. । d) उस. उप. कर्तारे अच् प्र. । e) आकृ2- i2. द्र. । i3 क्यां इति पाठः ? यनि. शोधः । i4 १, १२४५ i5 तु. पाका. । कृi7 क्यां इति पाठः ? यनि. शोधः । i7 तु. पाका. । कृi7 कृi7 कृi7 कृi7 कृi7 तु. भाभे .वैप १, १९६६ i7 दूति भारा । कृi7 कृi7 कृi7 तु. भाभे .वैप १, १९६६ i7 दूति । i7 कृi7 कृi7 तु. भाभे .वैप १, १९६६ i7 तु. । i8 कृi7 कृi7 तु. भाभे .वैप १, १९६६ i7 तु. ।

१, २४, ६; अप ६८, २, ५४; -त्या शांश्री ३, ५, १० +; २, २० † ∮; काश्री: या -च्णाः काश्रौ १७, १, २३; ग्रापश्रो; -ज्णान् ग्रापश्रो १९, २०, ८; बौश्रौ १३, २१: १०; हिथ्री २२, ३, २६; वाध २८, १८; - ज्ञानाम् आपश्रौ १९, २०, १९; २६, १३; बौश्रौ; भाश्री १०, ६, ७; -प्णानि वाध्यो ३, १०१:३; अप ६४, ८, ३; - ज्णाम् श्रापश्री १०, २६, १३××; बौध्रौ; - काय श्रापश्री २०, ६, ४; ११, १३; बौध्रौ १५, ७: १५; हिथ्री १४,२,३; गौध २६,१२; -ध्यायाः काश्री १८, ४, २; माश्री २, १, ४, १४; ४,६,३; ६, २, ५, ११; शांग्र ५, ५, ८; त्राप ३८, १, ५; ४६, ६, ५‡; -दगायै आपथी १७,१५,२××; बौश्रौ; -प्णासः ऋपा ४,९८ ‡; -को काश्री १२, ६, ५××; बौध्रौ; ××२१, ९:५ª; जैगृ; - जोन आपश्री १९, २६, १; बौध्रौ १३, ३७: ५; बाध्रौ ३, २,७,२; हिश्रौ २२, ६,६; विध ५८,५; गुत्र ३,२०२‡; -ध्णेपु ब्यापश्री १७,५,३; वैश्री १९,५: १२; हिश्रौ १२, २, १७; -ध्यै: वीधं २,१,५७. कृत्णीb- -त्णी वाश्रौ २, १, ५,

कृष्ण-क°- पा ५,४,३. कृष्णक-तण्डुल- -लानाम् कौसू ८०,२६.

22.

कृष्ण-कर्ण- (>कार्ष्णकर्ण- पा.) १कृष्ण- टि. इ. क्रव्ण-केश^d - शः बौध १,२,६. कृष्ण-खर- -रम् वाध २१,१. कृष्ण-खु(र>)रा- -राम् हिपि कृष्ण-गव^d- -चम् हिपि २: १०. कृष्ण-ग्रीव,वाd- -वः वाश्री ३, ४, ३,१३; हिश्री १४,३,१४; शुत्र ३,१३१; -वम् आपश्रौ १४. ६,१३;२०,१३,१२; बौश्रौ १०, ५७: ८; श्रप ६१, १, १४; -वाः †त्रापश्रौ २०, १४, ७; ८; ११; १५, २; माश्रौ ५, २, १०, ४६; हिथ्री १४, ३, १६; -वी ग्रापश्री २०, १३, १२; बौश्रौ १५,२३:६, २६:७. कृत्ण-चतुर्देशी- -शी श्राज्यो ४,७. कृष्ण-चतुष्पद् - -दैः अप ६८, २, कृष्ण-चेल-परिहित- -तः कौस् १८,9. कृष्ण-जन्मन् d- -न्मभिः,-न्मानम् जेथी १: १४. कृष्ण-जाति−>°ती(य>)या--या या १२,१३. १कृष्ण-तिल- -लाः श्रशां १२, ५; -है: गौवि १,३,१०. २कृष्ण-ति(ल>)ला^d- -लाम् श्रप 8,40,6. कृत्ण-तूष⁰- -षम् त्रापश्रौ १८,८, १८; १९, २५,१७; बौश्रौ १२, 9: 92;96; १३,३७: २; ५; 90; १८,२४: 4: २६,9: 4; हिश्रौ २२,६,२; श्राप्तिगृ २,५, 90: 7;0.

कृष्ण-श्रयोदशी- -शी विध ७६,१. कृष्ण-सर्व- - रुः वाधुश्री ३, ७६ : ३१; -हम् बीश्री १५,१५:२. कृष्ण-दन्त^d- -न्ताः काध २७९: ३; -न्ताय पागृ १, १२,४. कृष्ण-द्(शा>)श^व- -शम् काश्रौ २२,४,१५; बौश्री २६, १: ६; हिथी १३, ३, २१; लाश्री ८, कृष्ण-द्वाद्शी → - इयाम् विध ९०, कृष्ण-धान्य- -न्यम् शंध २७७; त्रापध २, १८, २; हिध २, ५, कृष्ण-नीहार-तिमिर- -रे अप ६३, कृष्ण-पक्ष- -क्षस्य ऋागृ ४, ५, १; श्रप ३१, ८, ६; विध ७३, २; हिंध २, ५, ७⁸; -क्षान् काश्री १५, १,१६; -क्षे बैग ६७: १; कागृउ ४२: २२; श्रप ४३, ६, १; श्राज्यो ७, २०. कु:णपक्ष-द्वादशी- -श्याम् विध 90,98. कृष्णपक्षा(क्ष-श्रा)दि- -दौ वाध २३,४५. कृष्ण-पञ्चदशी- -शी त्राज्यो ४,९; कृ ग-प (द्>) दी- पाग ५, ४, कु ज्ञ-पर्यन्त d - न्ताः श्रप ५२, कृत्ज-पांसुव- -सु गोगृ ४,७,७. कःग-विङ्ग-दोष- -षे अप ७०, १कृःग-पिङ्गल- -लम् आमिगृ २,

a) प्रकरणतः कृष्णाजिन -> -ने १ति प्रतिभाति । b)= इष्टका- (c)= तिल्- । a) विष. । दस. । e) पामे. पृ २५३ k द्र. । f) तु. पाका. । कृष्णाप $^{\circ}$ १ति भागडा. ।

६,८:३६; अप ७०,१०,१. २क्ष्ण-पिक्कलं - पाग २,४,६९. कुष्ण-पिपीलिका- -कानाम् कौस् ११६,३. कृष्ण-पिशङ्ग- - इम् वाश्री ३,४,१, क्ष्ण-पुष्प- - प्यैः श्रशां १५,३. क्ष्ण-पृष्ठ-शिरस्^b- -रः श्रप २३, कुष्ण-बा,व^c]लक्ष- -क्षे काश्री २२, ४, १९; श्रापश्रौ २२, ५, ५; हिश्री १७, २,३३; लाश्री ८,६, कृष्णबलक्षी- - स्यौ बौश्री ६, 90: 3; 98: 9; 86, 28: 4. कृष्ण-सक्ष^b- -क्षः निस् ४,३ : २; गोय ३,२,१०; द्राय २, ५,२४; कौस् ३१,२८. कृष्ण-भूम- पावा ५,४,७५. कृष्ण-भीम^d- -मम् शंध ११६:४. कृष्ण-मण्डल^b— -लम् लाश्री ९, कृष्ण-मधु- -धु बौश्रौ १३, ३७: २; ६; २६, ६: १७; आग्निगृ 2,4,90-99: 3. कृष्ण-मधुस- -धुषा श्रावश्री १९, २६,१; हिथी २२,६,६; आप्रिय 2,4,90:96. कृष्ण-रु°- पा ५, २,९७; -सम् आपभी १९, २१, १०; बौधी ११, 9: 99; १३, २४: ५; ६; माश्रौ ५, १, ९, ३; हिश्रौ

२२, ४,३; अप ४, २, ५; विध

४, ६; काशु ७, २८; लम्ऽ-लम् आपश्रौ १८, ५, ४; वैश्रौ १७, १४: ४; हिश्री १३, १, ६२; -लान् विध ५, ८५; -लानाम् बौश्रौ १३, २३:५; -लानि बौश्रौ ११, १: ३; ९: २××; माश्री ५,१,९, ६; वाश्री ३,१,२,९; -ले विध ४, ११; -लेन काशु ७,२७; -लेपु हिश्रौ ३,८,४२; मीस् १०,२,१. †कृष्णली- -लीम् श्रशां २१,१. कृष्णलो (ल-ऊ)न- -ने विध 9,84. कृष्ण-ललाम⁶— -मम् बौश्रौ १५, २३: ५; २६: ६. कृष्ण-लोहित-रिहम- -इमयः अप 42,4,4. कृष्ण-वर्ण, ण्रांb- -र्णः श्रप २१, ७,५; २४,३,३; चव्यू ४: १५; -र्णम् श्राभिष्ट २, ५, ६ : ४; हिध १,७,३६; -णी वाध १८, १८; या २,२०. †कृष्ण-वर्तनिb- -०ने श्रापश्री १६, ११, ११; वैश्री १८, ८: १३; हिश्री ११, ४,११? .. †कण्ण-वरमेन् b- †त्मेनेष श्रापमं २, १४, २; आप्तिगृ २,१,३: २५; भाग १, २३: १८; हिग्र २,३,७; -त्मा अप १,३७,१‡; ७०^२,५,१; श्रशां ७,१🕂. कृष्ण-वसन,नाb- -नः कौसू ३१, २८; -नम् कौस् ४७,४०;-नाः

कौस् ३४, ३. कृष्ण-वस्त्र,स्त्रा^b- -स्त्रः निस् ४, ३: २; गोग्र ३, २, १०; द्वाग्र २,५,२३; -स्त्राम् अशां १५.२. कृष्ण-वा(ल>)ला^b- -लाम् हिपि कृष्ण-वासस्^b- -साः अप ३३, ४. ४; अशां १५,१. कृष्ण-वाससb- -सै: अप ७०१, ७, 90;02,99,8. कृष्ण-त्रीहि- -हयः श्राप्तिगृ २, ५. १: २; -होणाम् काश्री १५, ३, १४; आशिय २, ५, १०: ३९; ११: १३. कृष्ण-श1- -शम् काश्री २२, ४, १४; श्रापधी २२,५,५; लाधी ८,६,92. कृष्ण-शकुन⁶- -नः यौश्रौ १४, 9: 3. क्षण-राकुनि^e- -निः श्रापश्रौ ९, ११, २४; १४, ३१, १; वैश्री २०, १९: ३; हिश्रौ १५, ३, २५; ८,३१; अप १९, १, १०; काध २७६ : ५; -निना कीसू ४६, ४७; -नेः कौस् १८, १६; -नी बौश्रो २,५: ७ . क्षाशक्ति-मुखा(ख-श्र)वस्ए--ष्टम् शंघ १८०. क्ष्णशकुन्य (नि-श्र) वमृष्ट--ष्टम् त्रापश्रौ ९,१७,४. कृष्ण-शर्ब(ल>)ली⁶- -ल्याः माश्री ५,२,१, ३४. कृष्ण-शिरस्^b- -रसम् माश्रौ ५.. 2,92,90.

a) व्यय. । ब्यु. ? । b) विप. । वस. । c) वि इति काश्री. हिश्री. लाश्री. । d) = पातालविशेष- । e) वैप १ द्र. । f) व्ययमैनः इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. शौ १,२८,२ श्रापश्री. वैश्री.) । g) पाठः ?
व्यर्तने (सं१) इति शोधः (तु. संस्कर्ता । भू xxv), यद्वा व्यर्भन् (सं१) इति स्यात् । h) कस. समासान्तप् टच् प.
(पा ५,४,९०३) । i) स्वार्थे शः प्र. उसं. [पा ५,२, १०० (तु. श्राग्निस्वामी । लाश्री ८,६,१४।)] ।

त्रापश्री १९, २६, १५; -नायै

कृष्ण-शीर्ष - - र्षम् वाश्रौ ३,२,६, कृष्ण-शीर्षन् - -र्पा वाश्री ३, २, 2,88. कृष्ण-ग्रुक्त,का- -क्रयोः माश्री २, १,४,१३;-क्कानाम् माश्रौ ५,९, ६,१५; -क्हे मांश्री २,१.२,४. कृष्णशुक्त-संहत- -ते वाश्री ३, 2,4,3 cb. कृष्ण-श्वेत- -तः हिश्रौ ७,३,२१. कृष्ण-सारह- -ङ्गः त्रापश्रौ १०, २९, ५; वैश्रौ १२, २०: १४; -झम् काश्री ७,९,१८; २०,१, कृष्ण-सीर- -रेण कीस् ३९,२९. कृष्ण-सुन्द्र^c- (<> कार्ष्ण-सुन्द्रि- पा,) पाग २,४,६९. कृष्ण-सूत्र- -त्रम् हिपि १७: २०; -त्रेण कौसू ३६,१७. कृष्ण-स्थाना(न-ग्रा)सन-पन्थ-भक्ष--क्षेषु गोगृ ३,२,२५. कृष्णा(ह्या-त्रक्ष>)क्षीव--क्षीम् हिपि ४: ५. कृष्णा-गोमय- -यम् आप्तिगृ २, ७,७:६. कृष्णा(ध्एा-ग्र)अना(न-ग्र)भ्र^d--भ्रम् अप ६४,८,९. कृष्णा(ष्ण-ग्र)न्त°- -न्तानि काश्रौ 22,8,22. कृष्णा-प(द् >)दी- कृष्णपदी-कृष्णा(ब्रा-ग्रामा>)भ- -भाः श्रप ५२,३,४. कृष्णा(ध्गा-त्र)भाव- -वे द्राश्री ७,

१,६; लाधी ३,१,६.

कृष्णा(ब्ला-ग्र)म्बर-धर- -रः श्रप 38,9,3. १कृष्णा(ष्ण-श्र)यस⁶- -सम् जेगृ २, ९:३४; शंध २७७; आपध २, १६,१८; हिंध २,५,१८. कार्णायस¹- -सम् वाध १७,४५; -सेन वीय १,३,१८. कार्जायसी--सीम् विध 40,38. कृष्णायस-रसरु° - -रवः वाधूश्रौ 3,09: 39. २कृष्णा(ष्ण-त्र)यस^a- -साः वाधूश्रौ 3,09:30. कृष्णा(ष्ण-त्र)श्च- -श्वः त्राप्तिग् २, 4,90:9. कृष्णा(ध्या-श्र)ष्ट(क>)का- -कासु विध ७३,८. कृष्मा (ष्ण-त्र) ष्टमी- -म्याम् श्रामिगृ २,५, ४: २; अप ३६, कृष्णो(ष्ण-ुड)रभ्र- -भ्रः श्राप्तिगृ 2,4,90: 3. कृष्णोरभ्री- -भ्री: श्राप्तिगृ २, 4,90:39. कृष्णो(ष्ण-ऊ)र्णा- -र्णया कौस् ७१, १७; ८६, २०; -र्णाभिः कौसू ३५, १०. कृष्णोर्णा-ज्य⁸- -ज्येन कीस् ३२,८. कृष्णो(ष्ण-3)ष्णीष - -षा: श्रापश्रौ १९,२६,१५. २क्रब्ला में - पागवा ५, ४, ३८; - ‡ब्लः काश्रौ १,७,१६; श्रापश्रौ १,६, १;२; २,८,१; बौश्रो १,२:२६; १३: ५; भाश्री १,५,१३; १४;

२,७,१३; माश्रौ १,२, ५, २३; वाश्री १,२,१,३२;३३; ३,३,३; वैश्री ३, ५: १; २; ५, ५: ३; जैश्री १३: ९; हिश्री १,२,६६; ६७; ७, ५२; वैगृ १, १० : २; वाध १, १५; ऋत्र २, ८,८५; शुत्र १,९५; शुप्रा २, २५; बौध 8,9,26. कार्ज- पा ५,४,३८. का(र्च्ण) र्ज्जी 171 - र्ज्जी आपश्री १७,१३,२; वैश्री १९,२:२; ३: १; ६: ६६; तैप्रा ४, १२; -र्जाभ्याम् लाश्रौ ९,१,२४. कृष्ण-मार्ग^k-ज- -जम् वाध २८, कृष्ण-मृग- -गः बौश्रौ २४, २३ : २; कप्र ३,८,११; वाध १,१३; शंध ७;८; -गस्य वैगृ २,४:२. कृष्णमृगा(ग-श्र)जिन- -नम् विध ८७, १. कृष्ण-रुरु-बस्त- -स्तानि शंध ३५. कृष्णरुखंस्ता(स्त-श्रं)जिन--नानि बौध १, २, १५; गौध 2,96. कृष्ण-विषाण,णा- -णम् भाश्रौ १०, ८,२; लाश्री ९, १, २३; -णया काश्रौ ७, ४, ३१; श्रापश्रौ १०, २३, ३; १८, १६, ९; बौध्रौ; –णा बौश्रो ६, ५:१५; २१, ११: २४; शुत्र १, २५२; -णाः श्रापश्रौ २१, ५ १३; हिश्री १६,२,२१; -णाम् काश्री ७, ३, २५; श्रापश्रौ ६०, ९, 90; 93, 3; **23**, 0, 94××; बौश्रौ; -णायाः श्रापश्रौ १३,

a) विप.। बस.। b) सप्र. आपश्री २१,१९,९ विशिष्टः पामे.। c) व्यप.। ब्यु. १। d) विप.। कस.>बस.। e) कस. समासान्तष् टच् प्र. (पा ५,४,९४)। f) स्वार्थे तिद्धितः प्र.। g) विप.। बस. उप. = ज्याः। h) वैप १,९१६८ n द्र.। i) विप. (उपानह्-)। j) विकारे अन् प्र.। k) कस. उप. = मृग-।

१८,७; बौश्रौ २१,७ : २०;९ : १४;२१ : २२; २४ : १६. कृष्णविषाणा-मन्थि - न्थिम् वेश्रौ १६,८ : ८. कृष्णविषाणा-मेखला - ले काश्रौ १०,८,१५.

१कृष्णा(प्ण-स्र)जिन - नम् शांश्री
३,११,१४;४,१४,३०; काश्री;
-नयोः बीश्री १८, २४: ६;
२१,९: १; -नस्य शांश्री
१५,१३,१५; आपश्री; -नात्
स्रापश्री १०,१५,११; बीश्री;
-नानाम् बीश्री २१,७:
१८; बीध १,५,३२; ६,१३;
-नानि स्राश्री ५,१३,१२;
शांश्री; -ने स्राश्री २०,८,

कार्णाजिन^{8,16}— -नानि त्र्यापश्रौ १५, ५, १२; वौश्रौ ९, ५:४; वैश्रौ १३,७:१८; हिश्रौ २४,२,६.

कार्णाजिनी - नी वौश्रौ १०,३७: २; वैश्रौ१९,४°: १; ८;६: ५८⁴; -नी: वौश्रौ १०, २३:१४;३७: ५;३९: ३;४१: ३;४४: ३;४९: २; वैश्रौ १८, १४: ३१; -नीनाम् वौश्रौ २२, ५: ६.

कार्ग्गाजिनी-प्रभृति—
-तीन् वौश्री २६,२८: ७.
कृष्णाजिन-कहप— -हपः वैश्री
४,८: २; हिश्री १,५,७७.
कृष्णाजिन-कण्ड°— -ण्ठाः निस्

4,93: 4. क्णाजिन-दीक्षा- -क्षा काश्री २०,४,३. कृष्णाजिन-दृति- -तौ बौपि २, v. v1. कृष्णाजिन-निष्यूत- -तम् काश्रौ १६,4,9. कृष्णाजिन-पाद- -दम् माश्रौ २,१,२,३; लाश्रौ ९,१,२३. क्ष्णाजिन-पुर- -टानि माश्री ४,२,२; -टेन त्रापश्री १७,२०, १३ ‡; बौश्रौ २२, १०: २१; २४,८: १२; माध्रौ ६, २,५, ३४; हिथ्रौ १२,६,२१. कृष्णाजिन-पुष्करपर्ण- -णे वैश्रौ १८,१:३७; शुत्र २,३३. कण्णाजिन-प्रभृति- -ति वौश्रौ 24,29: 92. कःणाजिन-प्रासन- -नात् वौश्रौ २१,१०: १. कःगाजिन-मात्र- -त्रम् बौश्रौ १८,७: ४. कज्णाजिन-लोम - -मै:h बौश्रौ 9,3: 6; 80,4:8. कृष्णाजिन-लोमन्- -मभिःh त्रापश्री १६,४, १: वाश्री २,१, १, ३४; हिथ्रौ ११, १, ४४; -मानि आपश्री १५,२,१; बौश्री ९,१ : ५;१७; १०,१: ५; १६;-भाश्री ११,२, ७; वैश्री १३,२: ३; हिश्रौ २४,१,१०. कृष्णाजिन-वाचन- -नात् वौश्रौ २९,६ : १०; वैश्री २१, १७:६. क्ष्णाजिन-शेष- -षेण आमियृ

३,४,२: १४.
कृष्णाजिना(न-त्र्रा)दान- -नम्
काश्रौ २,४,१.
कृष्णाजिना(न-त्र्रा)दि- -दि
काश्रौ ७,४,१०;२०,४,११;
-दीनाम् वौध ३,१,१४; -दीनि
काश्रौ २४,७,३.

कृष्णाजिनादि-क- -कः कप्र 3,8,9. १कृष्णाजिना(न-अ)न्त- -न्तम् काश्री १०, ९, ४; -न्ते माश्री ४,१, १०; -न्तैः बौश्रौ २३. २क्ष्णाजिना(न-श्र)न्त^e- -न्तम् काश्री २०,४,५. कृष्णाजिना(न-त्र)वकृत्त- -तै: काश्री २६,४,२. कृष्णाजिना(न-ग्र)वधवन- -नम् बौश्रौ २५, ३१:५; -नात् बौश्रौ २०,६ : २६; -नेन बौश्रौ 24,9:98. क्ष्माजिना(न-त्रा)स्तरण- -णम् श्रापश्री १०, ३१, ३; ११,१७, १०; भाश्रो ६, १६, २०; वैश्रौ १४, १६: ५. कृष्णाजिनो(न-उ)त्तरीय⁶- -यः त्राप्तिगृ २, ७, १०:४; शंध 389. ?कृष्णोस्या'-(>°स्यक- पा.), कृष्णोस्याखरेष्ट्र¹- (> °ष्टक-

३कुष्ण ^k- पाग ४, १, ९६; १०५; पागवा ४, १, ९९; -०व्ण विध ९८, ९६; -व्णः ऋग्र २ १०,

पा.) पाग ५, २,६२.

a) विप. (धवित्र- ध्यजन-)। b) विकारे अञ् प्र.। c) कृष्णा॰ इति पाठः यनि शोधः । d) उत्तरेण संधिरार्षः । e) विप. । वस. । f) तु. मैस्. L9९२० । ॰ दुतौ इति मैस् L9९०४ । ॰ जिन घटे इति a. । a. ।

४२; सात्र १, ३७८; श्रश्र २०, १७; ८९; ९४; -ज्णाः वौश्रीप्र 86: 3; 93. कार्णायन- पा ४,१,९९. कार्दिण- पा ४, १, ९६; -िंग: 邪羽 २,८,८६. काव्ययं- पा ४,१,१०५. कब्ज-द्वेपायन - नम् शंध ११६: ४१: - ‡नाय आर्मिगृ १,२,२: १८; बीगृ ३,९,५; भागृ ३,१०: ३: हिग्र २,१९,६. क्ष्णा(प्ण-त्रा)त्रेय- -याः बौश्रीप्र २७: 4. कृष्णक- प्रमृ. १कृष्ण- इ. १कृष्णाङ्कहमिश्रम्^७ लाश्री ८, ६, 93. कृष्ण-मार्ग-, °मृग- प्रमृ. २कृष्ण-क्षणल- प्रमृ. १कृष्ण- इ. कृष्ण-विषाणा- २कृष्ण-द्र. कृष्ण-ब्रीहि- प्रमृ. १ कृष्ण- द्र. १कृष्णाजिन- २कृष्ण- द. २कृष्णा(ष्ण-श्र)जिन°- पाग २, ४, ६९: -नाःव बौश्रौप्र ४८: ९. कार्ज्जाजिनि- -निः काश्रौ १,६, २३; मीसू ४, ३, १५; ६, ७, ₹€. कृष्णाञ्जनाभ-, प्रमृ. १कृष्ण- इ. कृष्णोरभ्र- प्रमृ. १कृष्ण- द्र: कृष्णोस्या, 'व्यरेष्ठ २कृष्ण- द्र: कृष्यमाण- √कृष् द्र. ?क्टवा°- - ज्वा कीय ५,५,६ र्न.

२, ७,९;९, ५; ७; द्राय २, २, २६; ३, १८; -रम् श्रागृ २, ४, ४; ५, २; अप १, ४८,३; श्रशं १३, १; १५, ४; -राम् श्रप ६८,५,१. कुसर-पायसा(स-म्र)पूप- -पैः शंध २१८. क्सरा(र-श्र) स- - त्रम् विध ५०, कुसरा-पायस- -से श्रप ७०,६,२. क्सरा-पायसा(स-स्र)पूप- -पैः श्रप ४४,३,१०. $\sqrt{sp}(\epsilon_0$ तौ) > कीर्ति- पाउ ४,११९h; पा ३, ३, ९७; -िर्तः पाय २, ५, ३१; श्रामिय २,१, ४:१८; बौगु; -र्तिम् श्राश्री ८, ७, २३५; शांश्री १०, १०, ६+; द्राश्री १०, ३, ४+; लाश्री ३, ११, ३‡; पायः; -त्या श्राश्री ९, ७, २२; कौग्र ३, १०, ३५; शांग्र २,१७, ४; श्रामिगः; -त्ये श्राश्रौ १,३,२३+; ५,१३,१२; शांश्री १३,१४,६; श्रापश्रौ २१, ५, १०; वाश्रौ ३, २,१,३६+; हिश्रौ १६,२,१९+. √कोर्ति, कीर्तयति वैश्रौ १२, १२: १३; बृदे ४, ३५; कीर्त-यन्ति बृदे ५, १०१; अकीर्तयत् बृदे ४, ६८; कीर्तयेत् आपश्री १०,१५,१५; १६,१०,६;बौश्रौ. कीर्तियिष्यामि अप ४: १६:

कीर्त्यन्ते बदे ५, १७२. कीर्तन,ना- -नम् वृदे छ, ३१: ३२;-ना वृदे ५,११४; -नात् सु ३१,८; बृदे ४,११९;८,१२३. कीर्तयत् - यन् कौस् १९, ३१; वृदे ७, ५८;१०३; -यन्तः श्राप्रश्री १४, र२, १; वैश्री. कीर्तयाम् अस (भुवि), कीर्तयामास वृदे ६,२४. कीर्तित,ता- -तः श्राप्तिगृ २, ४,9 र: २; अप २२, ७, ४××; शंध ४५७: १०; बृदे ३, ६१; -तम् श्राप्तिगृ २, ५, ६: २१; अप्राय २, १; अप ६३, ५, २; बृदे; -ता कप्र ३,७,४; श्रप २२, ५, ३; शंध ६५; -ताः भ्राप ६८, ५, १७; शंध २२४; बौध; -तानि अप ४७, २, ४; -तेन बंदे ४, १२०. कीर्त्यमान- -नान् अप ५८, 9,9; ६४, 9,४. कीर्ति-मत्- -माज् अप १, १८, १;२;४;२१,१; वित्र ९१,१४. कीर्ति-युक्त- -क्त. विध ३,९८. कीर्ति-राज!- -जानाम् चाश्र 80:94. √कृ[∫] पाधा. तुदा. पर. विक्षेपे. ३कर^k- पाग ५, ४,३८. ४कार- पा ५,४,३८. कार-नामन्- -िम्न पा ६, 3,90. करा (र-श्रा) दान- -नंम् विध

3, 24.

कुसर,रा'- पाउ ३, ७३8; -रः गोगृ a) बहु.<काष्णीयन- वा कार्ष्णि- वा । b) = कृष्णशम् । पाठः ? । c) = ऋषि-विशेष- । बस. ? । e) पाठः ? । सपा. शौ १८,३,६० पुष्वा इति, तैत्रा ६,४,१ पृष्ठा इति च पामे. । d) बहु: <कार्ष्णाजिनि-। f) नाप. (L तिलोहन-] खिचडी [नंभा.]) । व्यु. ? । g) $<\sqrt{2}$ इति । h) वैप १ द्र. । 4 कीर्ति इति । j) बा २, ८; ११, १२ ऋत ४, ६,२ पा ७, २, ७५ पावा ३, १, ८० परामृष्टः व. h i) = देव-विशेष- ।

कीर्तियिष्यामः अप २१,१,१.

कीर्त्यतें अप २२, ४; ४; बृदे;

k) = राजप्राह्म-भाग- । अपू प्र. (पा ३,३,५७)।

किर- पा ३, १, १३५. कीर्ण- -र्णे श्रप ६३,२,१. कीर्ण-गमस्ति- -स्तिषु श्रप ६८,१,३३.

√क पाघा. कया. पर. उभ. हिंसायाम्. √कृत् पाधा, चुरा, पर, संशब्दने, √क्ल पृ⁸ पाधा. भ्वा. श्रात्म. सामर्थ्ये, कल्पते शांश्री १०, १८, ८; बौध्रौ; माश्रौ ६, २, ५,२६^{२‡b}; वाश्री २,२,४,५ + b; निघ ३,१४; कल्पन्ते बौश्रौ १३, १९:१३ +; वाधूओं; †कल्पताम् श्रापश्रौ १, 4,92: 90, 92; 93, 90; 8, १०.९र: १८, ५,१३^b; बीश्री १, 3: 20xx; 88, 99: 94b; भाश्री: वैश्री १७, १५: 9b; हिश्रौ १३, २, ४b; चात्र १४: ३^b; †कल्पेताम् श्रापश्रौ ४,१०, ९;५,२०,४; बौश्रौ; कल्पन्ताम् शांश्री ४, ९, २^२××; ब्रावश्री; श्रामृ ३,६,८°; हिमृ १, १७,४; क्रिल्पस्व श्रापश्रौ ७, ४,५;१९, २: वैश्री: कल्पत >ता श्रप्राय ६, ६; अकल्पत शांश्री १०, १८,८; करुपेत माश्री ५,१,७,१६; चव्यू २: ३४; मीसू १, २, २४; कल्पेरन श्रापश्री १२,१४,४××;

कल्प्यते विध ७७, ७; कल्प्यन्ते लाश्रौ १०,९,१०; बृदे ३,७४. कल्पयते बौशौ १,९५: १९;२, ११: २१‡; कल्पयति काश्रौ २, ७, २५; श्रापश्रौ २, ९, ७××; ९,२, ६‡व; बौशौ;

वौश्रौ

हिश्री १५, १,४५^{‡d}; कल्पयतः श्चापश्री १४, ३३, ५; कल्पयन्ते निस् ४,१३: ७; श्रापृ १, २३, ६ +; भाग ३,९ : ६; कल्पयन्ति काश्री २०, ७, १; आपश्री; कल्पयामि श्रापश्रौ २,१०, ६ : क्वीश्री: कल्पयामः द्राश्री ८,१, ५; लाश्रौ ४, ५, ६; निस् ४, १२: १०; †कल्पयाति कौसू ५, १२; १०१, २; कल्पयताम् कौस २०, ५; १२४, २; ३; क्तिल्पयतु श्रापमं १, १२, १; कौगृ १,१४,१०; शांगृ १,२२, १३; श्राग्निगृ; कल्पयन्ताम् मागृ १,३,१; कल्पयस्व वाश्री १,६, १, २७ ‡; ‡कल्पय श्रापश्री ३, १२, १^{२६}××; भाश्री ३, ११, १^{२e}××; वाधौ; हिश्रौ २, ६, ४º; १६º; †कल्पयतम् श्रापश्रौ १२,२३,92; बौध्रौ ७,98:92; हिश्री ८, ७, १९३; कल्पयध्वम् श्रापथ्रौ ६,२०, २ ; कुल्पयत बौश्री ६,२३: ६:१०,२३: १३: श्रापमं; कल्पंयावहै या १२, २८ ‡; अकल्पयत् सु १,४; शांगृ १, १९, ९+1; भाग ३,९ : ५+; †अकल्पयन्त आपश्री २१, ११, ण; ८; हिश्रौ १६, ४, ३१^२; †अकल्पयन् शांश्री **४**, १०, १; १२, २०, २; श्रापश्री; कल्पयेत निस् २,८: २५;५,२:५; कल्प-येत् श्रापश्रौ ६, ३०, २; बौश्रौ; कल्पयेयुः क्षस् २, १४: २३; श्रामिष्ट ३,५,१:२;बौषि १,१:२.

चिकल्पयिषेत् बौश्रौ २४,१:७. कल्प⁸- पाग ६, १, १९९; -ल्पः श्राश्रो १२, ६, १३; श्रापश्रो ३. १४, ७; १६, १६; ५, २६, २; ६,१७,११××; बौश्रौ; या १३,९; -ल्पम् श्रापश्री १५. १६,६; बौश्रौ २४, १: १;१८: १७;२९: ११××; वाश्री; शंध ११६: ३९; बौध ३,५,१; विध ४३,२३; -हपस्य जुसू ३, ३: ३: -हपाः श्रापश्रौ १२,२१,१७; वौश्रौ २३,११: १५;२६; हिश्रौ ७, १, २८; निस् २, १ : ३४; 4,4: 9; 8, 93: 74; 90, ९: ३: - ल्पान् हिश्रौ २,६,४६: श्रापृ ३, ३, १-३; श्रामिगृ २. ६,४: ९; १२; - स्पानाम् बौगृ ३,९,१५; श्रा ४६, १,३; ८,३; हिंध १, ३, ८९: -ल्पानि चव्य ध : ६; -ल्पे श्रापश्री ६, ४,३; ७,९; जैश्रीका १२१; द्राश्री १२, १.३७; लाश्री ४, ९,२३; ६,१, १०; निस् ८,२:५७; १०,१२: ११;१२; कौय ३, ९, ४८; शांय ४,७,५३; श्रामिगृ ३, ६,२ : ३; थ्य २२,१,२; विध २०, २४^२: चृदे १,४१; पात्रा ४, २, ६६:३. ६६; -ल्पेऽ-ल्पे चव्यू ४: ७; -ल्पेन श्रापश्रौ ५,९,५××;बौश्रौ; -स्पेषु शांश्री १२,२१,२^६; ऋप्रा ७, ५० ई; -ल्पैः श्रापश्रौ १८, ५,१३; बौश्रौ ११, ११: १४; २२, १५: ५; वैश्री १७, १५: . १; हिश्रौ १३, २, ४; -ल्पौ

a) ऋप्रा १३, ३५ या ६,८ पा १,३,९३; ७, २,६० परामृष्टः द्र. । b) पाभे. वैप १, ११६९ h इ. । c) °ताम् इति पाठः ? यनि. शोधः (तृ. सप्र. हिए १, १७,४) । d) पाभे. वैप १ यातयित ऋ ३,५९,१ टि. इ. । e) पाभे. वैप २,३. खं. कल्पय तैत्रा ३,७,११,५ टि. इ. । f) पाभे. वैप १,११७० छ इ. । g) भाप., नाप. (वेदाक्ष-, पक्ष-, कालमान- प्रमृ.)। वैप १ इ. ।

भाश्री १, ६, ६; क्षसू ३, १६: १५: वैताश्री ४३,४६. काल्प्यª- -ल्प्यः कौस् १४१, कल्प-कारो (र-उ) क्त- -क्तः शुत्र १,१७. कल्प-दृष्ट- - एम् आमिगृ २, ७, 8: 4. कल्प-प्रदेश- -शः लाश्री १०, 90,4. कल्प-प्रायb- -याणि निस् १०, 92: 20. कल्प-ब्राह्मण- -णे मैश्र ९;१४. कल्प-मात्र- -त्रे पागृ २,६,७. कल्प-विचारित- -तानि निसू 9,99: 26. कल्प-विप्रतिपेध- -धे शांश्रौ १३,98,4. कल्प-विरोध- -धात् मीस् ६, €, २२. कल्प-वृत्त^c- -तेन लाश्रौ १०, 2,93. कल्प-व्रत- -ते त्रप ४६, २, ७. करुप-स-प्राय^d- -यम् निस् ६, २:३१: -याणि लाश्रौ ६, ९, १२: निस् ६,२ : २९. कल्प-सृत्र°- (> काल्पसृत्र¹-पा.) पाग ४, २,६०. कल्प-स्थायिन- -यिनः शंध ११६: ६. कल्पा (ल्प-ग्रा) स्यात- -ते निस् ५,९: ३. कल्पा (ल्प-त्र्रा) दि- -दिभ्यः पावा ३,३,५६; -दिषु विध १,

٦.

कल्पा (ल्प-न्न) ध्यायिन - -यी बौगृ १,७,५. कल्पा(ल्य-त्र्य)नु(ग >)गा--गाः वृदे ८,१०४. कल्पा(लप-ग्र)न्त- -न्ते श्रप 902, 3, 3. कल्पा(ल्य-त्र)न्तर- -रम् मीसू ६,७,२२. कल्पै(लप-ए)कत्व- -स्वात् शांग्र 2,9,98. कल्पत्- -ल्पत्? श्रश्र ११,५ . कल्पन- -नम् पाप्रवा २, २. कल्पना-> ैन(ना-ए)कदेशत्व--स्वात् मीसू १,४,३०. कल्पमान,ना- -नः अप्राय २, ९+; -नम् श्राप्तिगृ १, ५, ३ : ४; हिन् १, १९, ७ ; -नाः बौश्रौ १४,१७: २६. कल्पयत् - - अः आपश्री २, २१, १‡; ३,११,२; बौश्रौ; -यन्तः वैध १, १०, ९: -यन्तम् कौस् 99.74. क्लपयन्ती- नती बौधौ ६, २५: २;१५,३०: १४\$; भाग्र २,२: ११; कौसू १०१, २; तेत्रा ४,१५. कल्पितब्य- -ब्य: श्रापश्री ६, 30.8. कल्पियतुम् बौध्रौ २४, १: ६. कल्पयित्वा काश्रौ २१, ४, ८; यापथौ. कल्पियप्यत्- -प्यन् धुस् २, 9:9. क्षित- -तम् बौधौ २७,३ : २. किंपता(त-ग्र) - नम् कागृ

E3.90. कल्पुप- पाउमो २,३,१६४. कल्प्य- -ल्प्यः वाध१९,९: -ल्प्यान् तेत्रा १४,२‡. क्लप्त,प्ता- -प्तः वीश्री १९,७ : २५; क्षुस्; या १४, ५; -सम् शांश्रौ १७, ८, १४; १८, २१, १३; हिथ्री १८, २, १; वैताश्री; –प्ताः शांश्रौ १०, १८, २; ८; जुस्; आप्रिय ३,७,१ : ११^{‡1}; बौषि १, १७: १० +h; -सान् त्रापगृ २१, ७; -सासु शांश्री ४, ९, २‡; -से हिश्री २१, १, २; - सेषु शांश्री १०,१८, २; ८; लाश्री ८,८, ३५; -सी क्षस् १,४: १. क्ल्स-केश-इमध्र्- -श्रु अप ११,9,३. क्लुस-केश-इमश्रु-रोम-नख--खी अप १३,१,३. क्लुस-प्रमाण- -णानाम् ऋप्रा 20,9. कलप्त-शब्द- -ब्दे भाशि २६. वल्पि- -सयः शांश्रौ १२, २०, १; –प्तिः श्राश्री १०, ९, ७; शांश्री ४,९, २; श्रापश्री ४,१०, ९३; भाश्री; - पिम् आपश्री १०,१, ४; बौध्रौ २,४ : २३; श्राय १, २३,१५; -सीः माश्रौ ६,२,२, ६: -प्या वृदे २,१४; -प्याम् निस् १०, १०: १२: -प्ये वाश्री १,३,७,७ . क्लुप्ति-सामनसी- -सीम्याम् श्चापश्रो ५,२०,४; वाश्रो १,४, ४,२२; हिश्री ३,५,९.

a) विष. । प्राग्दीव्यतीयः ण्यः प्र. । b) विष. (सर्ष-सामन्-) । वस. उप. = वाहुल्य- वा तुल्य- वा । c) ऋर्थः ? । पस. वा समाहारे द्वस. वेति ऋष्निस्वामी । d) विष. । वस. । e) तु. पागम. । f) अण् प्र. (तु. पाका. प्रमृ.) । g) वैष १,१९७१ f द्व. । h) पामे. वैष १ साक्म शौ १२,२,२५ टि. द्व. । वैष ४-तु-२२

केकय"- पाउमो २,३,७; पाग ४, १, 904. केंकय - -यः श्रप ५६,१,१०. कैकेय- पा ४, १,१७८; ७, ३, २; पावा १,१,५७. केकर- पाउभो २,३,६४°; पाग ४,१, ९९वः -रः अप ३,३,२°. कैकरायण- पा ४,१,९९. केका°- (>केकिन्- पा.) पाउमो २, २,६; पाग ५,२,११६. √केत् पाधा. चुरा. श्रात्म. श्रावणे निमन्त्रणे च. केत- कित् इ. केतक- (> केतकी- पा.) पाउभोवृ २.२.४३: पाग ४, १,४१1. केता-, केतु- प्रमृ. √कित् द्र. केदार - पाउभो २, ३,४५; पाग २, ४.३१: -रे विघ ८५,१७. कैदारक-, कैदार्थ- पा ४,२,४०. √केप पाघा. भ्वा. श्रात्म. कम्पने गतौ केपि - -पयः अप ४८, ११५ ; निघ ४,२+; या ५,२४ ई; २५+. केरल'- पाउभी२,३,९९: पावा,पावाग 8.9.903. करा1->केरा(रा-श्र)कं- -कों कौस् ₹८, ६. केर'->केर-गुलाल'- -ल वाश्री १, €,9,₹€. **√केल** पाधा. भ्वा. पर. चलने. १केलि- पाउ ४,११८.

केला $(>\sqrt{a}$ लाय m - पा.) पाग ३, 9,20. २केळि"- - लिम् याशि २,४८. †केवट 1- -टः त्रप ४८,००; निघ ३, 23. १केवल,लाb- पाउमो २, ३, ९७; -लः बौध्रौ २५,१७:८; वैताध्रौ; -लम् आश्री ६, ३, १६; काश्री; -लस्य पा ७, ३,५; पावा १,२, ४५: -ला बृदे ३, १०८; -लाः वृदे २,८१; -लात् अप्रा २, ३, ७; पा ५, ४, १२४; -लान् या ८, २६‡; -लानि शंध ४२८; विय ५१,४२; ब्राज्यो ७, २३; -लाभ्याम् पा ७, १, ६८; -लायाः पावा ५, १,३३³; -ले या ८, २२ ; मीसू २,३, २०; -लेन पावा १, २, ४५; -लेपु बीध ४. १, ६: -है: बृदे १, ٤٤. केवली- पा ४,१, ३०; -लीः मेबीश्री ८,१५: १२;१३. केवल-प्रहण- -णम् पावा ७, १, ६८; -णात् पावा ७,३,१. केवल-दृष्टस्व- -स्वात् पावा ३,१,२. केवल-यू- पाउना १,३७. केवल-वेदिº- -दिः काश्रीसं २९:९. केवला(ल-ग्रा)भेय^p- -यः कप्र ३, १, १५; -यम् वाध्रुशौ ४, ५: 99;98; 94. †केवला(ल-श्र)घh- -धः कौगृ ३,

१०, ३०; बौध २, ७, १६; या Ø. ₹. †केवला(ल-आ)दिन्b- -दी कीग ३,१०,३०; बौध २,७,१६: या ७, ३. केवला(ल-ग्रा)धान- -ने जैश्रीका केवला(ल-अ)शन- -नम् मीसू ९. 8,34. २केवल^प-> कैवल्य- ∙ल्याः बौश्रौप्र १९: 4. केवाल^k- (>केवाली- पा.) पाग 8, 9, 89. केवाली, °सी (> °ली, °सी √क पा.) पाग १, ४,६%. १के(क-ई)श- २क- द्र. २केश'- पाउ ५,३३; पाग ५,२,२४; -शः त्रापध १, १६, २३; हिध १, ५, २२; -शाः आपश्री ६, २०,२‡; बौश्रो; या१२,२५०ँ; -शान् आश्रौ २, १६, २३; त्रापश्री; †त्रापमं २,१,१^t; ७^u; क्षाग् १,१७,७^t; १६^u; क्पाग् २,१,६^t;१९^u; काग्४०,१२^{‡u}; बौगृ २,४,८‡t; ‡मागृ १,२१,. ३^t;६^v; ७^u; †वाग् ४, ८^{‡t}; १७"; जैय १, ११: ९‡; -शानाम् शांश्रौ १८, २४, २३; शंध ३९१; त्रापध १, १६,१४; हिंध १,५,१३; -शेन कौस् ५१, १९; -शेष वैश्री १२, ६: ४;

a)=क्षत्रिय-विशेष-, तद्-देश-। ब्यु. ?। b) स्वार्थे अण् प्र.। c)= वक्रदृष्टि-। ब्यु. ?। $<\sqrt{6}$ इति। d) तु. पागम.। ब्यप.। e)= मयूर-वाणी-। ब्यु. ?। f) तु. पागम.। g)= त्तित्र-, तीर्थ-। ब्यु. ?

ब्यु. ?

ब्यु. ?

ब्यु. ?

। a

पे स्वार्थः ब्यु. च ?

। a

समाहारे द्वस.। a

शि विलासे वृतिः (तु. पासि.)। a

शि व्यु. ?

। a

शि व्याप्त-, स्क्त-। a

शि विशेष-। ब्यु. ?

। a

शि विप.। बस.। a

शि विप.। a

श

हिश्री ६, ८, ८; १०, १, ३२; माग्र २, १४, २६‡; कौस् ३३, १३; पावा ६,१,६१; –कैं: द्राग्र २,३,२४; श्राप ६९,२,१. १केशिक-, कैइय- पा ४, २,

केश-कल्मल-शैवाल— -लाः शंध ३७४.

केश-कीट— -टान् वाघ १४, २३; —टै: शंध ४३१; विध २३,३८. केशकीट-युत— > °त-घात-वाससाहत⁴— -तम् सुध ६०^{; b}. केशकीटा(ट-श्र)वपन्न,न्ना— -न्नम् गोध १७, ९; —न्ना श्रप ३७, ७,९.

कश-कीट-क्षुत-वचो(चस्-ग्र)भि-हत- -तम् सुधप ८८: ३.

केश-जाह्म पा ५,२,२४. केश-तुष-कपाला(ल-स्र)स्थि-भस्मा-(स्म-स्र)ङ्गारम -रान् विध ६३,

२४. केश-नख- -खान् शंघ ४४३. केश-नख-कीट-पतङ्ग- -ङ्गेः श्राश्रौ

केश-निधान - नात् श्रापगृ १२, ३; १६,८.

3,90,30.

केश-पक्ष- -क्षम् कीए १, २१, ८; शांग्र १, २८,९; -क्षयोः आए १,७, १६; -क्षस्य कीस् ५३, २०;२३; -क्षान् आश्री १०,८, ८; आपश्री १४,२२,१;२०, १७, १३; वैश्री २१,८:५; हिश्री १४,४,२;१५,४,३५; त्रापृ १, १७, ८; -क्षी कामृ ३१,४.

केश-प्रतिग्रहण^c - -णस् कौगृ१,२१, ६^d; -णाय शांगृ १,२८,७^d.

केश-प्रतियाह^e - - हाय गोर्य ३, १, ७; द्राय २,५,५.

केश-प्रसाधन- -नम् नाग् १६, ९. केश-प्रावरण- -णेषु अप ७०^२, २१,४.

केश-मण्डल- -लानि कौस् ३६, ९७.

केश-यत्म - -त्नान् वाग् ४,१४.
केश-रोम तुषा(प-म्र)ङ्गार-कपाला
(ल-म्र) स्थि-विण्-मूत्र-पूयशोणित-रेतः-रुळेप्मो (प्म-उ)
चिछप्ट- प्यान् वैध ३,३,२.

केश-ललाट-वक्त्रा (क्त्र-म्ब) न्त^ह--न्ताः शंध ३६.

१केश-ब- पा ५, २, १०९; -बात् काश्री १४,१,१४. केशवा(ब-ब्रा)स्य- -स्ये काश्री १५,५,२२.

केश-वत्- पा ५,२,१०९.

केश-वपन- -नम् आगृ १,२२,२५; आग्निगृ ३, ७, ४:७; -नात् आपश्रौ १०,६,१०.

क्षेत्रवपन-वर्जम् वीध २,१,७१^२. केशवपना(न-स्र)र्थ- -र्थे काश्री १५,८,२४.

केशवपनीय े - - यः आश्री ९,३, २४; शांश्री १५,१६,१; काश्री १५,९,१५; २१; बौश्री १२, २०:१७; २६,२:१०; ३: ९.१६:हिऔ १३,७,३०; - यस्य लाश्री ८,११,१०; -याय बौश्री १२, २०: ६; २६, २: १४; बाश्री ३,३,४,४०; लाश्री ९,३, १; -ये श्रापश्री १८,८,४; निस् ७,७: १६; लाश्री ९,३,१४; -येन आपश्री १८,२२,९; हिश्री १३,७, २९; लाश्री ९,३,३. केसवपनीया(य-श्र)न्त!—

-न्तः बौश्रौ २६,२ : २५. केश-वर्जम् आपश्रौ ५,४,९; १०,६,

ज्ञ-वर्जम् आपश्री ५,४,९,११०,६, ३; बौश्रौ २, १२, २६; कौस् ६७,१६.

केश-वर्धन-काम- -मः श्रश्र ६, १३६.

१केश-वाप° - -पाय आपश्रौ १८, १५, ६; वाश्रौ ३, ३, २, ४५; हिश्रौ १३, ५, २७; काय ४०, १२; १८; माय १,२१,७; १२; वाय ४,१७;२३.

२केश-वाप->°प-विधायक- -कः भाशि ८.

केश-वेश- -शान् आगृ १,१७,१८. केश-शब्द- -ब्दे आगृ १,१८,३.

केश-शेष-करण- -णम् पागृ २,१, २१.

केश-इमश्रु— पाय २,२,३१; —श्रु[®]
काश्री २,१,९; ७,२,१३;
आपश्री; आप्तिए १,३,२:
१७‡³; हिए १,९,१६‡³;
—श्रू भाए ३,६:२; —श्रूण
शांश्री १८,२४,१९; आपश्री;
—श्रून वाए ९,३‡[?]¹.

केशइमश्रु वापन- -ने कौगृ ३, ९;३७.

a) समाहारे द्वस. । b) °तः इति पाठः ? यिन. शोधः । c) = केशप्रहण्-साधन- । उस. उप. करणे वा भावे वा ल्युट् प्र. । d) परसरं पाभे. । e) = नापित- । उस. अण्णन्तम् । f) पस. उप. = रचना- ? । g) विप. । द्वस. > बस. । h) दैप १ द्व. । i) विप. । यस. । j) पाभे. पृ ९३० ॥ द्व. ।

केश-समश्रु-नख- -स्रानाम् श्रप €८,२,३८.

केश-इमश्रु-नख-लोम-निकृन्तन--नानि काश्री २५,७,१८.

केश-इमश्र-रोमन् - - म कौस् ५४, १ +; -माणि वैश्रौ १,४ : ६. केश-इम्थ्र-रोम-नख- -खानि गोगृ ३,४,२३; कौसृ ६७, १५; ८०,

93. केश-इमग्र-लोम-नख- -खानि आश्री ६,१०, २; आपश्री १५, २१, ७; बौध्रौ २८, ८: १२; त्राय १,१८,६; ४,१,१६; ६,४; कौगृ ३,१,२; आमिगृ; बौध २, 90,99; 3,9,6;0,4;6,2. केशरमश्रलोमनख-कर्मन्--र्मभ्यः गौपि १,७,२. केशरमध्रलोमनख-वापन- -नम् त्रापध २,३,६; बीघ १,३,७; २,१,७०;३,१,२१; हिंध २,१, ३७: -नेन बौगृ २,६,९.

केश-संमित- -तः आगृ १, १९, १३^b; शांग्र २,१,२३; पाग्र २, ५,२८; वाध ११,५५.

केश-स्तुक- -कात् कौसू ३३, ४; 82,99.

के (श>) शा-केशि°-> °शि-संग्र-हण- -णात् शंध ३२८.

केशा(श-आ)म- -माणि कौगृ १,२१, १२; शांगृ १,२८,१५.

केशा(श-आ)दि- -दि काश्री २५, ७, १९; -दीनि वैगृ २, १३:

१केशा(श-श्र)न्त-> °ितक- -कः कीय २,१, २३; कप्र ३,८,१२.

२केशा(श·अ)न्त^d- -न्तः पागृ २, १. ३; वैगृ २, ४: १; -न्तम् बौश्रौ २.८: ६; २१, ९: १६; वागृ ४,८: १५; जैगृ १,७ : ६; ११: १०; -न्ताः कौगृ १,१, ९; शांग्र १,५,८; -न्तान् कौग्र १,१०,६; शांग्र १,१६,६; गोग्र ३,१,३; -न्ते माश्रौ २,१, १, २१; कौय १,१,५; शांय १,५, २; पागृ १,४,२; २,१,७; १७; १९; २३; २४; काग्र ४०, ११; मागृ १,२१,४; वागृ ४,९. केशान्त-करण- -णम् गोगृ ३, १,२; जैगृ १,१८:३; --णेन जैगृ 2,98: 4. केशान्त-ललाट-नासा-देश^e---तुल्य- -ल्याः विध २७,२२. केशान्ता(न्त-ग्रा)यत- -तम् वैध २,३,२.

केशा(श-अ)ल्पत्व- -त्वम् शंध ३७८.

केशा(श-ग्र)वधि->°धि-ल्लाट-नास-तुल्य- -ल्याः शंध ३६. केशिन्- -शिनः त्रापश्री १८,२२. १०; २२,२८, २+; बौथ्रौ १८, १९: ४+; २६: १०; वाश्री ३, ३,४,४२+; हिथ्री २३,४,४२+. कौसू ७९, ३० +; बीगृ २, ४, ३+; वाग्र ४,५+; वाध २,२८; ऋग्र २,१,१६४३; बृदे १,९४; ९५+; मय्य ९, १०; १४,२; निघ ५, ६+; या १२, २७+;

भाशि २७ ; -शिनम् बृदे २, ६५; -शिना त्राश्रौ ६,११, ९; श्वेशवाल- - हे दंवि २,९. -शिनाम् वृदे १,९५; -शिनी शिकेश-व- २केश- द्र.

या १२,२६; -शी वौश्रौ १४.७: २३+; १७,48: 4; १८,३८: १६‡; वाध्यौ ३, ४६:२1: 98:81; 8,30: 38; 907: १३२; ‡; अप ४८, १४२ ‡; ऋश्र २, १०, १३६+; ब्दे १, ९४; ८, ४९; निघ ५, ६ ; या १२. २५०; २६५ ; -० शी३न वाध्रश्री ४, ३७:७.

केशिनीb- पाग ४, १. १५१; -नी वाधूश्रौ ४, ३७: ३०;३१; श्रापमं २,१३, १० : श्राप्तिगृ २,१, ३: १६ ‡; कागृ ३५, १ ‡; भाग १, २३ : ५ ‡; हिए २, ३, ७‡; -नी: वाभूश्रौ ३, ४६: १६; वैष्ट ३,१५: ५; -नीम् आपश्रौ १०, १०, ६; हिश्रौ १०,२,१४.

कैशिन्य- पा ४, १,

949.

कैशिन- पा ६, ४, १६५1; -नम् ऋअ २, १०,१३६; वृदे 6,88.

केशि-गृहपतिक - कानाम् वाध्यौ 3,४६: १.

केशि-यज्ञ - जः बौश्रौ १७,

केशि-साध्य- -ध्याः वृदे २,

केशी-बाह्मणk- -णम् अप ४६, 2, 6.

केशर1- पाग २,४,३१.

केशरिन्- -रिणः विध १,२,६.

c) पा ५,४,१२७। d) विप., नाप. (शिरो-भाग-, चूडाa) समाहारे द्रस. 1 b) तु. श्रान. । [संस्कार-विशेष-])। वस.। e) विग.। इस. > कस.। f) व्यप.। g) = नृप-विशेष-। h) = दीक्षा-, प्रजा-, राक्षरी-प्रमृ. । i) विप. (स्क-), । j) विप. । बस. । k) की पि॰ इति मृको. । ℓ) तु. पागम. । = केसर-।

३९: ५,७: ९ ‡; बौगृ १,११, ७ +: वैगृ ३, १३ : ३ : बौध २, ५, २४ = ; विध १,३३; ४९, ८; - वाय आमिगृ २,४, १०: ५; 3,99,8:93; 98. केशवा(व-आ)दि- -दीनि आप्रिय 2,0, 8:90. केशवादि-द्वादशनामन् - मिभः श्राप्तिगृ २, ४,१०: ३५. केशवादि-नामन् -मिभः श्राप्तिगृ २,४,१०: १६. केशवा(व-त्रा) च- -चैः वैध ३, 90.9. केशवा(व-आ)लय- -यम् विध १, 39. केसरº- पाउमो २.३,६८. केसर-पा(श>)शाb- -शा श्रापश्री १८,१०,२१; हिश्रो १३,४,१०. केसर-पुच्छ- - च्छेप काश्री २०. ५. 98. †केसर-प्राव(न्ध>)न्धा^a- -न्धायाः अप्रा ३,१,७; शौच ४,९६. √के(बधा.) पाधा. भवा. पर. शब्दे. †कायमान°- -नः व जैश्रीका ५३;

४,१४ई. †चकान- -नः आश्री ६, ३, १; शांश्रौ ९,५,२.

श्रप्राय ६, २; श्रा ४८,११५;

सांत्र १. ५३: निघ ४. १ ; या

कैकय- केकय- द. कैकरायण- केकर-द्र.

विकास के - - वम् आप्रिय २, ४, १० : | कैकस -, °सी - रकीकस - द. कैकेय- केकय- द्र. केङ्करायण-, °लायन- १ किङ्कर्...ल]-कैतकायनि- कितक- द्र. कतव- १ कितव- इ. कैतवायन-, व्यनि- २कितव- द्र. कैतायन - कित- द. कैदर्भ- किदर्भ- इ. कदारक-, कैदार्य- केदार- द. कैन्दर्भ- किन्दर्भ- इ. केन्द्रास-, °सायंन- किन्दास- द्र. कैन्नर- किन्नर-द. कैरणक- २किरण- द्र. कैरव-(>°विLन्>] णी- पा.) पाउमो २,३, १३५; पाग ५,२, 934. केरात³- -०त श्रश्र ५,१३ म. केमेंद्र'- पा, पाग ४,३,९३. केलात- किलात- इ. केलालप-, °पायन- किलालप- द्र. केलास°->°स-मैनाक-मुख- -खान् शंध ११६ : 99. कैवर्त⁸->°र्ता(र्त-य्रा)दि--दि अप

> रकेशिक b- • कम् नाशि १, ४, ९; कैशिक-मध्यमb- -मः नाशि १,४,

३६,9४,9.

१केशिक- २केश- द.

कैशिन-, कैशिन्य- २केश- द्र. केशिवायन'- -नाः वीश्रोप्र १७:१५.

केशोरि- २किशोर- इ. केशोरिकेय- १ किशोर- इ. कैशोर्य- २किशोर- द. केश्य- २केश- द्र. केष्किन्ध- किष्किन्धा- इ. कोक- पाउभो २.२.४. कोकण1- (>॰कणी- पा.) पाग ४, 9,89. १कोकिल.ला^k- पाउ १,५४; पा,पाग

४, १, ४; -लः माशि १, १०; याशि १, ९; नाशि १, ५, ४; -लम शंध ४२६; -लस्य अप ७०१, ३, ४; -लाः अप ७१, ३, २; -लान् श्राप्तिगृ २, ४, ٤: ६.

१कौकिल- पावा ४,१,१२०. २कोकिल- -लस्य चात्र ३८: १२. कोक्वा1--वा या ५,२६m कोक्रयमाना- √क द. कोट- (>१कोटर- पा.) पृ ८५९

रकोटर"- पाउमो २,३,३८ पाग २, ४,३9°; ६, ३,99६. कोट(र>)रा-व $(\tau>)$ ण- पा ६, ₹,99€; €,8,8.

कोटव- पाउमोतृ २,३,१३५. कोटा-> /कोटाय पावा ३,१,१७. १कोटि^p- पाउ ४,११८; -टिम् अप २,३,१; ३१, ६, २; -ठ्यः शंध ८०; या १४, ७; - ख्याम् अप 24,2,42; 303,2,9.

कोटि-भाग- -गम् श्रप २,३,२.

d) पामे. वैप १, १९७३ र इ. । b) विप. । बस. । c) धा. कान्तौ वृत्तिः । a) वैप १ द्र.। $e) < \sqrt{\pi}$ ाय् वा $\sqrt{\pi}$ म् वेति या. दे. । f) = देश-विशेष-। व्यु. ? । कौमदुरे- इति पाका. ।g)= धीवर- । व्यु.? । के-वर्त-(<क- ।जल-] + $\sqrt{2}$ व्त्) + मत्वर्थीयः प्र. (तु. श्रभा.) । h)= राग-विशेष- । व्यु.?। $i)=\pi$ षि-विशेष-। व्यु. i। j) ऋर्थः व्यु. च i। काकण— इति Lपक्षे। भारङा., कण— इति पाका.। i i i पक्षि $m) < \sqrt{\mathfrak{F}}$ n) =4. ? 1 विशेष- । व्यु. $? < \sqrt{}$ कुक् इति श्रभा. प्रमृ. ।) = जिह्ना- । व्यु. ? । o) तु. पागम.। p) = संख्या-वचन-। व्यु. १ <√कुट् इति स्रभा.।

कोटि-मध्य- -ध्यात् श्रप ३, १, 94. कोटि-संमित- -तः श्रप ३१,४,२. कोटि-होम- -मः अप ३०2,9,9; २; -मम् अप ३०^२,२,९; ३१, २,२; ३,३; ४,५; ५,३; ७,२; ८,३; १०, ३; -मस्य श्रप ३१, ४,9; ५, ४; १०, १; -मे अप ३१,७,५; ३४,१,६; -मेषु अप 190,8,4. कोटिहोम-फल- -लम् अप ३१, 90,8. कोटिहोम-समन्वित- -तैः श्रप U0,8,₹. २कोटिº- -ट्याः बौधौ १९, ६: ८; श्रापशु १६,१०; हिशु ५, ३१; -ट्याम् वाध २, ४२; बौध १, ५,७९; श्रापशु ३, २; १५; हिशु १,४१;५५; -ठ्यो: त्रापशु १५-१६,९; हिश ५,१६;३०. कोटीर- पाउभो २,३,४८. कोणb- - जेपु अप ६, १, १४. कोद्रव°- पाउभोच २, ३, १३५. कोद्रव-चणक-माप-मसूर-कुलस्थो-(१थ-उ) दालक-वर्जम् शंध १३२. कोद्रव-चीन-राजमाष-मसूर-कुलस्थ-वरक-वर्जम् श्राप्तिगृ २, ६, ४: कोद्रवो (व-उ) दार-वरक-वर्जम् बौश्रौ २८,१३: २.

कोप- √कुप् इ.

को(क-उ)पध- प्रमृ. १क- इ.

कोपन-, कोपित- 🗸 कुप् इ.. ?कोभागिनसत्र^त - त्रेषु वैश्रौ २१, E: 4. कोम e माश्री ५, २,३,११. कोमल- पाउ १,१०९. कोयप्रिक- पाउभो २, १, १८७. कोरक!- पाउ ५, ३५; पाग ५, २, कोरकित- पा ५,२,३६. कोरण्ड - पाउना १,१२०. कोरदृष b- पाउभो २,३,१६७. कोलाहल- पाग २,४,३१1. ?कोलोच्याः बौश्रौ २६, १७: १२. कोविदार⁸- पाउभो २,३,४५¹; पाग ४, २, ८० ; -रम् वैध ३, कौविदार्य- पा ४,२,८०. कोविदार-वट-पिप्पल-शाण-शाक--कम् विध ६८,३१. कोविदार-शमी-पील-पिप्पल (ल-इ) ङ्गद-गुगगुल-ज- -जम् विध E8, 8. कोश्1- पाउभो २, ३,१४०; पाग २, ४, ३१; -शः वाधी १, ६, ५, १०; बौर २,५,४१‡; अप ४८, 9 · · +m; विध ९, 9 ·; ३9; १४, १; अअ ११, २‡; निघ १, 9° + m; या ५, २६ कै; - शम् बोश्रो १४,१४: १४; १९, ७: ३३+; +कीय १,५,४;३,१०,३; त्रामिष्ट २,५, १०: २८ +; जैस् १, ३: ५; कौसू ३६, १५; अप . ४६,५,२‡; ६३,३,९; विध ९,

१५; सुधप ८८: १०; -शात् कौसू १३९,२५;२६ #; अप ४१. ३,२ = ;६७,६,५; गौध १०,४७: श्रश्र १९, ७२‡; -शान् श्रापश्रौ ९, १९, २; वैश्री २०, ३८: ५: हिश्रौ १५, ८, २४; श्राज्यो ७. ५: -शे श्रापश्रौ ९, १९, १: वौश्रो २,५:१० +;१४,१४:१६९ वैश्रो २०, ३८: ४; कौसू ४७. ४५; ४९; अप ७१, १९, ७; विध ३, ५७; पावा ६, ४. १४४; -शेन जैगृ २,५:१३; कौसू २८,९; -शेभ्यः अप ७०१. 29,2. कोशी-> °शी-धान्य--न्यम् बौषि ३,१२,१n. कौशीधान्य°- -न्यम् बौश्रो २,२०:४; २४,२१:९; 26,6:8. कौशेय- पा ४,३, ४२; पा,पाग

५,३,११७; -यम् वाध ११, ६६; विध ४४,२६.

कौशेया (य-त्र्या) विक--कयोः विध २३, १९; -कानि वैध ३,४,२. कोश-का(र>)री- -रीम् आप्रिय

२,१,१: १२; हिंगृ २,२,६. कोश-अय- -यम् अप ३,३,२. कोश-परिपालन- नम् शंध २५१. कोश-विल- -ले आश्री ८, ३, १९; वैताथौ ३२,२५.

कोश-मिश्र- -श्रम् बौश्रौ १४,१४:

a)= श्रप्रभाग-, कोण-विशेष-। व्यु. $^{?}<$ कुट् इति श्रभा.। b) वैप ३ द्र.। c)= श्रन्न-विशेष-। ब्यु. १। d) पाठः १ एकाहाहीनसत्र-> -त्रेषु इति शोधुकः १संस्कर्ता। e) काष्टासु (मा २७, ३०) इत्यस्यायक्षरेण सह जोम् इत्यस्य योगः द्र. । f) = कलिका- । व्यु. ? $<\sqrt{25}$ र् इति पाउ. । g) = वृक्ष-विशेष- । व्यु. ? । h) नाप.। ब्यु.?। i) तु. पागम. । j) $\sqrt{ कन् इति पाउभो., < क- [भूमि-] + वि<math>\sqrt{ } z$ इति श्रभा.। k) ऋर्थः ! । l) वैप $\{ z : l = m \} = \hat{H}$ य-नामन् $-l = n \}$ की \circ इति $R : l = 0 \}$ स्वार्थे प्र. l

कोशयी°- -यीः ऋप्रा १४, ४३ मे. कोश-व(त्>)ती- -त्यः निस् २, 99:94. कोश-वर्जम विध ९,१४. कोश-वाहन-संक्षय- -यः अप ३, 3,4 कोश-स्थान- -ने विध ९,१७. कोशस्थानीय- -यानि या ५. कोशा(श-त्र)पिधान- -ने हिश्री ५, ५.६: -नेन त्रापश्रौ ८,१७,७ +; भाश्री ८,२१,४. कोशल- कोसल-इ. कोशात(क>)कीb- पाउमो २,२, ४३; पा, पाग ४, १, ४१; पाग ४,३,१६७; -क्याः कौगृ१,१५, १; शांगृ १,२३,१. ? कोश्वोब्योः वैताश्री ३४,९. कोष- √अप इ. कोष्ठ°- पाउ २, ४; -एम् श्राशि ८, ७; -ष्टान् आज्यो ७, ५; -ष्टाभ्याम् कौस् १८, १५; -ष्टे बौश्रौ २०, ६:४; अप ७०२, २,५: श्राशि ८,७. कोष्ठा(प्ट-त्रा)गार-पति- -तिम् अप 4,4,3. कोव्ह्य- - प्र्यम् ऋपा १३,१. कोणा- किम्- द्र. कोसा,शाल - पाउन १, १०६°; पाउमो २,३,९८. कीसल'- -लाः श्रप १,८,१०%. कौसल्य- पा ४,१,१७१; -ल्यः शांश्री १६, ९, १३; -ल्यस्य शांश्रौ १६,२९,६.

कौसल्यायनि- पा.पावा ४, १, कोसल-कौशाम्बी-तीर- -रम् अप 48,9,2. कोसल-तोसल-वेणातट-सजपुर--राः अप ५६,१,४. कोहड़ - (>कौहड- पा.) पाग ४, १,११२; -डाः बौश्रौप्र ४३: १. कोहल - पाउमो २,३,९९. कौहलि->कौहली->°ली-पुत्र--त्रः तैप्रा १७,२. कोहलीय--याः गोगृ ३,४,३३. कौहलीय-मता (त-श्र) नु (ग>)गा- -गाम् कौशि १. कोहित⁸- (> कीहित- पा.) पाग 8,9,992. कौकक्षि⁸- -क्षयः बौध्रौप्र १७: १६. १कोकिल- १कोकिल- इ. २कोकि(ल>)ली⁵- -ली आपश्री १९, १०, १३; हिश्रो २३, १, ६०: द्राश्री १३, ४, १४; लाश्री ५,४,२०; -लीम् आपश्रौ १९, ५.१: हिश्रौ २३,१, १; -ल्याः माश्री ५, २, ११, १; -ल्याम् वाथ्रौ ३,२,८,१; द्राध्रौ १३,४, १५; लाश्री ५,४,२१. कौकिली-याज्या- -ज्याः मैत्र ८. कौकिली-सूक्त- -क्तानि बौगृ ३,१, 28. कोकण्डेय - -याः बौश्रीप्र ४३: २. कोकुशालि³-- लयः बौश्रीप्र ४८: ७. कोकृत्य⁸- -त्याः बौश्रौप्र ३५:२. कोक्कुटाक्षिक-, °टिक- कुक्कुट- इ. कीक्वायन- कुक्व- इ.

कोक्षक-, कोक्षेय-प्रमृ., कोक्षेयक-कक्षि- द. कोङकम- बुङ्कुम- इ. १कोचवार- कुचवार-इ. २कीचवार- २कूचवार- इ १कोचवार्य- कुचवार- इ. २कोचवार्य- १कूचवार- इ. कोच्चक- कुचुक- द्र. कीज- कु-ज- द्र. कीआयन-, ॰न्य- २कुझ- द्र. कोटजभारिक- कुटज- द्र. कौर-तक्ष- कुटि, टी- इ. कौटभारिक- ४ इट- इ. कौटसाक्ष्य- कूट- इ. कीटायन- ३कुट- द्र. कोटि^g- (> कौट्या- पा.) पाग ४, 9.60. कोरिक- कुट- इ. कौटिलिक-, १कौटिल्य- √कुट् इ. २कोटिल्य- २कुटिल- इ. कोटीगय-, 'व्य- कुटि,टी- इ. कोटीय- कूट- इ. कौटीर- २क्टीर- ह. कोट्रम्ब- कुटुम्ब- इ. १कोट्य- ३क्ट- इ. २कोट्य- कूट- इ. कौठप^{छ।}- -पाः बौश्रौप्र २२: २. कीठार- २कुठार- इ. कौठारिका- कुठारिका- इ. कोड्येयक- कुड्य,ड्या- द. कीणप- कुराप- इ. कीणपतन्त्रि- कुणपतन्त्र- इ. कौणेय- २कुणि- द्र. कीण्डपायिन- प्रमृ. १कुण्ड- इ.

a) वैप १ द्र. । b) = वनस्पति-विशेष- । व्यु. ? <कोश- + \checkmark अत् इति श्रभा. । c) नाप. । e2. ? < \checkmark कुष् इति पाउ. । d3 = जनपद-विशेष-, तद्वाज- । e4) < श्वार्थ पाउ. स च वावि. द्र. । f5) स्वार्थ प्र. । g5 = ऋषि-विशेष- । = पु. ? । g7 = = सिंगामणी- । = पु. ? । = पु. = पु. = पु. ? । = पु. =

कीण्डल-, ॰लिक- २कुएडल- इ. कोण्डायन- ३कुएड- इ. १कोण्डिन- १कुण्डिन- इ. **२कौण्डिन** २कुग्डिन- इ. कोण्डिनेयक-, १कोण्डिन्य-१कुरिडन- द्र. २कोण्डिन्य- कुरिडनी- इ. कीण्डेयक- कुण्ड्या- इ. कौण्डोपरथ^{a,b}-(> ॰थीय- पा.) पाग ५,३,११६. कौतप- कुतप- इ. कीतस्कुत-, °तादि- किम्-> कु-तस् इ. कीतस्त- कुतस्त- द्र. कौतालª- (>॰लक- पा.) पाग ४, २,५३. कोत्क- प्रमृ. कुतुक- द्र. कोत्हल-, °ल्य- कुत्हल- इ. कौतोमत°- -तेन गोगृ ४, ५, १८; द्राय ४,१,११. १-२कोत्स-, ल्सायन-, ल्स्य- कुत्स-कोथुम- प्रमृ. कुधुमिन्- इ. कौदामिक- किम्-> कुदामन्- द्र. कौद्दाली- बुदाल- द्र. कौद्रा,न्द्रा।यण^d- (>॰णक^e-) पाग ४,२,८०. कोद्रेय- कुद्र- इ. कौनामि-, कौनामिका-, °की-किम्-> क्-नामन्- द्र. कोन्त- कुन्ति- इ. कौन्तायनि- २क्रन्ती- द्र. ?कोपन'- -नम् आप्रिय ३, १०, ४: 90.

कौपिञ्जल- कुपिजल- इ. कीपीन8- पा ५,२,२०. कौपीना(न-ग्रा)च्छादनh- -नाः बौध कौपीना(न-त्रा)च्छादन-मात्र- -त्रम् विध ९६,१३. कौपीना(न-ग्रा)च्छादना(न-ग्र)र्थ--र्थम् गौध ३,१८. कीपुत्रक- किम्-> कु-पुत्र- इ. कीवाह्य'- -ह्याः वीश्रीप्र १०: ३. १,२कोवेर-, 'बेरक- कुवेर- इं. कौबेरिकेय- क्रवेरिका- इ. कौबेरी- क्वेर-इ. कोभोजि - - जिः वौश्रौप्र ४५ : ४. कीमण्ड- प्रमृ. कुमण्ड- इ. १,२कौमार- १कुमार- द्र. ३कोमार- २कुमार- इ. कोमारवत्या- -त्याः बौश्रोप्र १०: २. कीमारायण- २कुमार- इ. कोमारिक- १कुमार- इ. कीमारिकेय- २कुमारिका- द. कीमारी- २कुमार- द्र. कोमदगन्धि- कुमुद- इ. कोमदादि!- -दयः बौश्रीप्र ४८: ३. कोमदिक- उमुद- इ. कौमेद्र- कैमेंद्र- टि. इ. कीस्म-, कीस्भकारक-, कीस्भायन-, कोम्भार्यनि- कुम्भ- इ. कीम्भेयक- २क्रमी- इ. कोमभ्य- कुम्भ- इ. †कोरयाण¹- -णः श्रप ४८, ११५; कोल्व- कुल्व- इ. निघ ४,२, या ५, १५; -णस्य 羽 ₹,८,३^k. कौरव-, °वक-, 'वायणि- प्रमृ. कौविदार्य- कोविदार- इ.

१कुर- इ. कोरुपथि- कुरुपथ- इ. कोरुपाञ्चाल- १३६- इ. कौर्य- १कूर्म- इ. १कोल- १क्ल- द. २कोल- २कुल- इ. ३कोल- ६कुल- द्र. कोलक- २कूल- इ. कोलिटिनेय-,°टेय-,°टेर- १कुल- इ. कौलत्थ- कुलत्थ- इ. कोलनामिका-, °की-, कौलपत-, कौलपुत्रक- १कुल- द्र. कौलव - - वम् आज्यो ४, ५; -वस्य आज्यो ५,१६;-वे श्राज्यो ५,५ कौलायन- ५कुल- इ. कोळाळ-, °लक- कुलाल- इ. कौलाभ्य- कुलाध- इ. कौलास- कुलास- इ. कोलि- ५कुल- इ. कौलिशायनि- २कुलिश- द्र. कोलिशिक- १कुलिश- द्र. कौलुन- कुलुन- इ. कोलूत- कुल्त- इ. कोल्रन-,°नक- कुलून- इ. १कोलेयक- १क्व- द्र. २कोलेयक- ३कुल-इ. ३कोलेयक- ३क्ल्या- द्र. कौल्मलवहिंप- कुल्मल- द्र. कौल्माप-, °पिक- कुल्माप- इ. कील्मुद् - उल्मुद - इ. कीवाचर- क्वाचर- द्र. कौविट्यासीय- कुविट्यास- इ.

b) °ण्ठो° इति शाक्टायनः। a) तु. पागम. । c) = [कुतोऽमत इतिशब्दवत्-] मन्त्र-विशेष- । d) श्रर्थः व्यु. च ? । \dot{e}) = देश-विशेष-? । f) पाठः ? कौपी॰ इति संभाव्येत । g) = पुरुष-लिङ्ग-, तदाच्छादन-। ब्यु. (i+h) विप. । बस. । (i)= ऋषि-विशेष-। ब्यु. (i+j) वैप १ इ. । (k)< कुरुयाण— इति पड्गुरुशिष्यः (i+h)= । ज्योतिःशास्त्र-प्रसिद्ध-। करण-विशेष-। व्यु. ?।

कीविद्यासीय- क्विद्यास- द्र. कौविशल°- -लम् अप २६,५,३. कौवेणिकय- क्वेणिका- इ. कीश- १कुश- इ. कीशल-, °लक- २क्शल- द. कौरालि- ३कुशल- द. कोशल्य- २कुशल- इ. कीशास्वी -, १,२कीशास्वय-कशास्त्र- द्रं. कौशिक-, 'किन्-, 'की- कुशिक-瑈. कोशी- १कुश- इ. कौशीधान्य- कोश-इ. कोशीरकेय- कशीरक-इ. कौशीलव- कुशीलव- द. कोशेय- कोश-इ. कौशेरिकेय- क्शेरिका- इ. कोश्चि- क्थि- इ. १.२कोपीतक-, °कायन- °कि-, °िकन-, °केय- कृषीतक- इ. कीप्रचित्क- १क्ष्रचित्- द. की प्रवित्क- १कुष्टविद्- द्र. १कोप्र चात्र ३८: १५ म. कीष्ठिचितक- २कुष्ठ- द. ?कोष्ठ्य प्रापश्री १६, ६,४; माश्री ६,१,२,२६; वाधूश्री ३, ४९: १ | वाश्री २,१,१, ५०; वेश्री १८,३ : १०; २१,८ : ३; हिश्रौ ११,१,६९; हिपि १८: ११. कौष्माण्डिक- कृष्मार्ड- इ.

कोसल- इ. कौसित- कसित- इ. कौसरुविन्द- कुसुरुविन्द- इ. कौस्तभव- अम् श्राज्यो ४, ६; ५, १: -भस्य श्राज्यो ५,१५. कौस्त्र- किम्-> क्-स्त्री- इ. कोहक - - कम् अप २६,५,३. कौहड- कोहड- इ. कोहलि-, ॰ली-, ॰लीय- कोहल- इ. कोहित- कोहित- द्र. √वनंस् 'पाधा. चुरा. पर. भाषायाम् . √क्नस् पाधा.दिवा.पर. हरणदीप्त्योः. √ **कन्** पाधा. क्या. उभ. शब्दे. √कन्य ह पाधा. भ्वां. आतम. शब्दे उन्दने च, क्रोपयति या ७,१४. √क्सर् पाधा. भ्वा. पर. हुर्च्छने. †क्याक् b- -कु त्रापध १, १७, २८; हिध १,५,६०. क्याम्ब् - न्यू हिथ्रौ १५, ४,२१1. √क्य √ह्य टि. इ. √ফ্লাঁগ^k ऋकच1- पाउमो २, २, ७६; पाग २, ४,३१^m; -चै: विध ४३,३५. ऋकर- पाउमो २,३,३९. ऋत^b- पाउ १,७६; पाग ६,२,११८; -तवः ग्राश्रौ ५, १८,५; बौश्रौ; -तवे आपश्रौ १४, २४, २०; बौश्रौ ९,६:२७ +; हिश्रौ १५, ६, २०; -तुः श्राश्री ४, १३, ८××; ५, १३, ६+=; शांश्री ७. १६, ८१"; बौथ्रौ; मिन्य २,१; ३.९: -तुना श्राश्री ९, ११,१४; श्रापश्री: या १०, १० कं; - र्नतिभः आश्री ५, १४,१७; शांश्री; -तुम् श्राश्री ६, ५. १८××: शांथी; काथी २५, १२,४‡°; शंध ११६: ५५°; या २, २८ ‡ई; -तुपु आश्री ४, १.२१: श्रापश्री: -तू हिश्री १५, ७,१२ +; वेज्यो ११; -तुन् शांश्री १५, १५,६‡; श्रापश्रौ १०,२५, ११4; बौधौ; -त्नाम् वाधौ १, १,१,१८: हिपि १९:६; अप 82.२. १३: मीसू 4, ३, ३२; -० †तो शुत्र ४, १२८; -तोः ग्राध्रौ २, ८, १४ 🔭; श्रापश्रौ; -ती आधी ८, १२, २××; त्रापश्री: पा ३, १, १३०; ६,२, ९७: पावा ४, २, ४३; - | त्वा श्राश्री ३, ८,१; सांश्री; - क्ले त्राध्रौ ४,१२,२; शांध्रौ; -खोः शांथी १४,५१,८.

कतु॰ पा ४, २,६०.

कतु-करण — -गः हिंश्रौ ९, ७,३६;

१३,१,१६; -णम् व्यापश्रौ १२,

६,५²;१४,१,५; बौश्रौ २४,४:

१०; २६,२२: ४;८; बैश्रौ १५,

८: ३³;१७,२:३;९:४;हिंश्रौ

८, १, ८२³;९,७,५; १७;३६;

-णानि बौश्रौ २१, १७:४;

२२, ११:२४; -णे बौश्रौ २१,

२१; —णेन वैश्री १७,१: ३. ऋतुकरण-यजुस— -जुः वैश्री १७,३: १०.

कतु-करणि° -- - - - निम् माश्री २,३, २, २,२, २,२६°.

कतु-काम- नाः निस् २, ४: ८; २३; --मम् आपश्री २४,४,१०; बौश्रौ २,१:१†; निस् २,४: ५; --मे निस् २,४:२५.

कतु-तस (:) मीस् ३,३,२७.

कतु-दक्षिणा— -णाः शांश्रौ १३, ६, भ; श्रापश्रौ १९, १५,१३; हिश्रौ २३,३, ३३^२; निस् १०, १०: १२.

कतु-द्नत° - -न्तः विध १,३ d.

ऋतु-दोष- -पः निस् २,४:१५.

कतु-धर्म-त्व- -त्वात् मीस् ४, ३,७°.

ऋतु-नामधेय- -येन काग् ४१, १९.

ऋतु-निर्देश- -शम् माश्री २, १, १.११.

कतु-पञ्च- शवः श्राश्रौ ५,३,४;१२, ७,२; श्रापश्रौ १४, १,५; ५,१; बौशौ २३,१९: २७; हिश्रौ ९, ८,१; —ञ्चल् श्रापश्रौ १८, २, १२; २१,२३,१३; माश्रौ ६,२, ६,१३; हिश्रौ १३,१,२०; —ञ्चलाम् शांश्रौ १५,१,२१; बौश्रौ २३,१९: २७.

†कतु-पा'— -पाभ्याम् बौश्रौ ७,१२ः २०; ३७; ५०,

कतु-प्रधान°- -नम् मीस् २,३,३; ४,३,३.

कतुप्रधान-स्व- -स्वात् भीस्

१०, ३,७३. ऋतु-प्रवा(द>)दा°- -दाः निस् २,

.तु-प्रवा(द*्र)*दा *− -*दाः ।गर्द्ध - ११: **९**.

कतु-यज्ञ - -ज्ञेभ्यः पा ४, ३,६८; पावा १,३,१०.

कतु-युक्त- -कस्य मीस् १०, ५, ६१.

क्रतु-योग- -गम् वौशौ २६, ३३: २४; -गात् काश्रौ २२, २, १५.

क्रतु-राज्- -राट् विध ५५, ७; नृदे ८,९२.

कतु-वत् मीस् ११,१,५;२९.

†कतु-विद्! - - वित् आपश्री ३,१२, १; बौध्रौ ३,३१ : ४; माश्रौ ३, ११,१; हिश्रौ २, ६, १७; आग्निए १,५,४ : २०; - विदम् आश्रौ ५, १०, २८; शांश्रौ ७, १२,४; श्रञ्च २०,६.

क्रतु-शब्द- -ब्दः मीसू २, ३, २१.

कतु-संयुक्त,का - - कम् मीस् ३,४, १२; - काः हिश्री १०, ७, १५; २६; - काभ्यः हिश्री १०, २, ३८.

कतु-संयोग- -गात् मीस् २, ३,१; २३⁸; ५,३,४३; १०,३,५७; ६,१५.

ऋतु-सामान्य- -न्यात् मीस् ११, २.५०.

कतु-स्थ(ल>)ला¹- -ला शुप्रा ३, ८१‡.

कतु-स्पृश्'- -स्पृक् आश्री ५, १९,५‡.

कत्।,त्।-दक्ष'- -क्षाभ्याम् शुप्रा २,

४७ ‡; -क्षी शंध २१०.

√कत्य,कत्यन्ति ऋपा ९,१६‡. कत्व(तु-ऋ)क्षि-शेष- -षः मीस् ५, ३,१६.

कत्व(तु-श्र)न्त- -न्तम् जैश्रीका ३६; -न्ते श्राप्तिगृ ३,९,३: २७; बौपि २,७,२१; मीस् ५, ३,२७.

कत्व (तु-ख्र)न्तर- -रे मीसू १०, ७,६९; -रेषु मीस् ६,३,५;११, १,११;१८.

क्रत्वन्तर-वत् मीस् ५,१,११.

ऋख(तु-म्र)न्तराल— -लेषु हिश्री १७,३,३५.

क्रस्व (तु-श्र)भाव- -वात् मीसू ६, ८, ५.

कत्व (तु-त्र्र) भिधान - नात् मीसू ७, ४,१५.

कत्व (तु-स्र) थें,थीं - -थें: मीस् ४, ३,१८; -थेंम् काश्रौ ७,२,५; मीस् १०,२,४८; -थींयाम् मीस् ११,४,११; -थें मीस् १०, ३,६९.

ऋत्वर्थ-त्व- -त्वात् मीस् ८, १, २५; १०,३,७१.

कत्वर्थ-पुरुषार्थ- -र्थयोः मीस् ४,१,१.

१कत्वा(तु-ग्रा)दिⁿ – न्दी श्रापश्री २४, ४,१०; बीश्री २,१:१.

२कत्वा(तुःश्रा)दि°- -द्यः पा ६,

ऋत्वा(तु-आ)हुति— -तिषु कप्र १, ८,२४¹; ९, ९¹.

करिव(तु-इ)ष्टका- -काः बीश्री १९, ३:३६.

a) =कतुकरण- । कास. उप. $\sqrt{5} +$ अनिः प्र. उसं. (पाउ २, १०२) । b) पाभे. पृ ९३० ८ द्र. । c) विप. । वस. । d) व्यक्तः इति जीसं. l । e) °र्मः इति जीसं. । f) वैप १ द्र. । g) तःसंयो° इति जीसं. l । d) यस. । d) कामा॰ इति d1. d2 किया॰ इति d3. । d4 किया। d5 किया। d6 किया। d7 किया। d8 किया। d8 किया। d9 किया

कत्वे(तु-ए)कत्व- -त्वे मीसू ५,१, ४;६.

क्रत्वास्थिर°- -रः वाधूश्रौ ३, ८८:

√ ऋध्^b वाधा. भ्वा. पर. हिंसायाम्, क्राययेत् भाशि ५६‡.

क्रथ- पा ६, १, २१६.

√क्रद्,न्द् पाधा. भ्वा. पर. श्राह्वाने रोदेन च, श्रात्म. वैक्कथे, कन्दति बृदे २,५६; या २,२७; †अक-न्दत् श्राश्री ३,१३,१२; काश्री; †अकन्दः श्राश्री १०,८,५; शांश्री; कन्देत् श्रापश्री १९,२५,

†अकान्° निस् ३, १० : २०; गौषि २,४,८; जैग्र २,१ : ३५; ८ : १५; साझ १,५२९; २, ६०३; या १४,१६∳.

अकन्द्यत् श्रश्र ८,९ ई.

†अचिकदत् काश्रौ २६, ७,१२; वैश्रौ; श्रश्र ३,३वै.

कितकद्- (<†°कदत्-)>°कद्-श्रादि- -दिना वैग्र \mathbf{Z} , २:४;१०; २२: ५.

†किनिकदत्॰ - -दत् श्रापश्री ८, १, ४; १६,३,१२; बौश्री; या ९, ४ ϕ ; पा ७, ४,६५.

१‡क्रन्द[©]- -न्दः श्रप ४८,१०५; -न्दाय श्रग्र ११,२.

क्रन्द-व (त् >)ती - -तीम् माश्री ६,१,४,११; -ध्या माश्री ६,१,४,३०.

कन्दत् -न्दित शांग्र **४**, ७,३७^६; -न्दन् बृदं २, ५७; -न्दन्तम् बृदे ६,१२.

क्रन्द्ती- -त्याम् कीयृ ३,९, ३२^६.

√क्रप्¹ पाथा. भ्वा. श्रात्म. कृपायां गतौ.

√क्रम् पाधा. भ्या. पर. पादविक्षेपे, क्रमते शांश्रो ४, ११, ६; काश्री; क्रामति ख्रापश्रो ४, १४, ६ × ×; या २, २७; क्रामतः ऋप्रा ६, १५; क्रामित वाश्रो ३, २, १, २४; क्रमताम् बौश्रो २०, ५: ३१ ‡¹; क्रमस्व बौश्रो २६, १२: १४²; ‡क्रमध्वम् काश्रो १८, ४, १; बौश्रो; क्रामेत् बौश्रो २०, ५: ३०; क्रमेरन् बौश्रो २६, १२: १३².

्मं अकंस्त¹ श्रापश्री १, १७, ८; भाश्री १, १९,७; वैश्री ४,४:४; हिश्री १, ५,१०; अक्रमीत् वैश्री २१,८:२; अक्रमिष्यत् निस् ८,११:२५.

कामयति हिश्रौ १६, १,८;३८; हिए १,२०,९¹⁰;कमयन्ति ऋप्रा १४,५०; क्रामयेत् उस् ४,१५; ७,१६; ८,५;३२. चङ्कम्यते वाधूश्री २,१३:३: वैश्री; चङ्कम्येत माश्री ३,२, १३; वाधूश्री.

कत"- पाग ४,२,६०°; ६१; -मः
काश्री १,५,१७; †श्रापश्री;
-मम् जैश्रीका १७१; श्रामिग्रः
-मस्य ऋषा ११,६३; कीशः
५५; -माः माश्री ६,१,४,२३; -माणाम् वाश्री २,१,३,१०; -मात् काश्री १,५,६; वंश्री; -मात् वंश्री १४,२०:२७; माश्री; -मे निस् २,१३:७××; ग्रश्रा; -मेण श्रापश्री१३,१८,९†; †वोश्री; -मेषु ऋषा ११,२४; ५८; -मैः †श्रापश्री २०,१६,१५८; -मैः †श्रापश्री २०,१६,१५८; -मैः †श्रापश्री

कामक- पा ४,२,६०.

कमक- पा ४,२,६१.

कम-काल- .-ले उसू ८,२७;

३०; शैशि १५१.

कम-काल- संयु(क)का
-क्ता मीसू ५,१,२०.

कम-कोप- -पः . मीसू ५,४,

¬р; ११,१,५४.

कम-ज- -जः नाशि २,२,१५;

-जम् शुप्रा १,१०४.

कम-ज(टा)ट्य- -टः, कम
दण्डय- -ण्डः चव्यू १:५.

कम-पर्य- -दः चव्यू १:५;

-दम् शौच ४,११०.

कम पार्य- -दः चव्यू १:५;

कम-प्रवक्त- -क्ता ऋपा ११, क्रम-योग- -गात् काश्री १६, £, 24. क्रम-वत् शौच ४,१२३. क्रम-बात्सप्र"- -प्रम् माश्री ६, १, ४, ४०; -प्रे वाधी २, १, क्रम-विक्रम-सत्कृत- -तः विध 8,4. क्रम-विक्रम-संप(न्न>)झा--बाम् तैप्रा २३, २४; कौशि क्रम-वियु (क् >)क्ता- -क्ता नाशि २,६,६. कम-शस (:) वैश्रौ १२,१:१८; शंघ २८; १५८; वौध ४, ५, ६; उनिस् ३: ६. क्रम-शास्त्र- -स्त्रम् ऋपा ११, €8. कम-संयोग- -गात् मीसू २, ४, ३१; -गे श्रपा ३,२,८. ऋम-संधि-समाकीर्ण- -र्णः याशि १,३१. कमा(म-श्रा)गत- -तम् विध 46,9. ऋमा(म-श्र)ध्ययन- -नम् शौच 8,906. क्रमा(म-त्र)र्थ- -र्थम् कागृउ 8१: २३. कमा(म-अ)वसार- -नम् शुप्रा 8,990.

क्रमा(म-त्रा)हित^b- -तः दंवि 2,3. क्रमे(म-इ)तर-(>क्रामेतरिक-पा.) पाग ४,२,६०. कमो(म-उक्त>)का- -क्ता शुप्रा 8,39. क्रमो(म-उ)दित°- -तौ भाशि क्रमण^d- -ण: या १०,२२; -णम् वाश्री २,१,३,२०; ऋप्रा १४, ५८: शैशि ९५; -णे पा ३, १, क्रमणीय- -यम् काशु ७,११. क्रममाण- -णाय श्रापश्रौ ५, २४, 87. क्रममाण-धा^e - धाः या ६, क्रमयत् - - यन्तः ऋप्रा १४,४१. क्रमित्वा बौश्रौ १, ५: ११; २२, 8:98;96; 26, 36:8. क्रान्त- - चन्तम् बौश्रौ १०, ५६: १०; ११, ७ : २५; १२, १२ : ६; वाश्री; -न्तान् अप ४७, १, ६; -न्तानि या १०,२६; १४. 98. क्रान्त-क- -कानि या ५,११. कान्त-दर्शनb- -नः या १२,१३. कान्ता (न्त-ग्रा) द्य (दि-ग्रें) थे--र्थे पावा २,२,१८. कान्तु- पाउ ५,४३. कान्त्वा या २,१५^३. कामत्- -मत्सु वाधूश्री ४,१०८:५. चङ्कमा- -मया कौसू ३१, १८1.

चङ्कम्यमाण- -णः जैगृ २, ८:: ?क्रमंतरिक्षकम⁸- -मस्य चात्र ४२: क्रमुक - पाउमो २, २, २५; -कः हिश्रौ १५,६,१०; -कम् हिश्रौ ११,३,4. ऋमुक-ताम्बूल-शाक-काष्टा (ष्ठ-श्रा). दि-कयविकयिन्- -यी वैधः 3,93,4. क्रमेलक- पाउभो २,२,३३. ऋय-, ऋयण- प्रभृ. √की द. †श्क्रयी¹ त्रापश्रो १८, १३,२२; बौश्रो १२, ११: १४; हिश्री १३, ५,. ३७; तैप्रा ३,१३. ऋय- √की द. श्क्रविदाः[।] कौस् ११७,२. ऋविस् k- -विषा कौसू ११२,9 ‡. १क्रव्य ४ - -व्यम् या ६,११ ई; -व्ये या ६,१२; -व्येण शांश्रो ३,४,६. फ्रव्य-बाहन^k- -नः आश्रो २, १९, 39十1. क्रच्या(व्य-ग्र)मि-> °मि-व्याल-रू(प>)पा^m- -पाः श्रप ५८^२,. 8.99. ऋच्या(व्य-ग्र)दु k- पा ३, २, ६९; - † ज्यात् बौश्रौ २, १०: ८; श्राप्तिगः; - † व्यादः शांश्रौ ४; १९, ८; आमिय १, ५,३:

५; कागृ ४५, ७ⁿ; हिगृ १, १९,

७; कौसू ७१,६; श्रापध १,१७,

३४°; ३८; हिंध १, ५, ७०;

- † व्यादम् काश्रौ २१, ४, २७,

a)= स्क्र-विशेष-। पूप. = विष्णु-कम-। b) विष. । बस. । c) उप. $<\sqrt{a}$ द् । d) भावे करणाधिकरणे च ल्युट् प्र. । e)= किये-धा-। उस. । f) पाठः ? ॰मृत्तिकयां इति सा. (शौ । भू ६,८३।) । g) व्यप. । प्राति. ब्यु. च ?। h)= पूप-, काष्ट-शकल-। ब्यु. ? $<\sqrt{a}$ म्म इति श्रभा. प्रसृ. । i) वैप १, १९० ६, d द्व. । j) स्वरूपं प्राति. च ? । k) वैप १ द्व. । l) पामे. वैप १, १९०३ n द्व. । m) विप. । द्वस. । n) सप्त. शौ १२,२,२,२० माय २,९,९० विशिष्टः पामे. । o) सपा. क्रब्यादः $<\sqrt{a}$ क्रव्यादाः इति पामे. ।

श्चापश्री; -व्यादि कौस् ७१, ३; - च्यादे गौपि १,५, २०; या ६,११; - व्याद्भिः श्चप ६१,१, ११: विध २३,५०.

क्रह्याद^a — -दाः कौसू ८२,२१; —दाः श्रव ६४,७,९; बौध १,५,१२८; विध ४४,१०; हिंध १,५,६५^b; —दात् श्रक्तां १५,२; —दान् श्रंथ ११६: २४; —दानास् श्रव ७१, १५,९; —दैः श्रव ६४,७,१; ६८,२,३९; ७०³,१४,२; विध ४३,३४.

कव्याद-सृग-पक्षि-मांसा (स— अ)शन- -ने विध ५१,२८. कव्याद-सृग-वध- -धे विध ५०,४०

कच्या(व्य-ग्र)दस्- - -दसाम् श्रापध १,२१,१५; हिध १,६,४५. कव्ये-ग्रहण- -णम् पावा ३,२,६९. २†कव्य^त- -व्याः वौश्रौ १०,५०: २२;श्रापमं २,१७,२५.

काण - √क द.

कारत - प्रम. √क प्र.

किमि - पाउ ४, १२२; -मयः

प्रापश्री ९, २०, २; वौश्री ९,
१८:२०; श्रश्र २, ३१ क्ं; या
६, ४; - क्मिः गो ए ४,९,१८°;
वौध १,५,१२३; २,१,५२; या
६,१२०; -मीणाम् वैए ३,७:
२२; श्रश्र ५, २३ क्ं; -मीन्

श्रापश्री १५, १९, ५; भाश्री
११, २०, १; - कें श्रापश्री

१५, १९, ५; बीथ्री ९,१८: २०; भाश्री ११,२०,१. किमि-जम्भन- नाय श्रय ५,२३. किमि-ण णा'- -ण: श्रापश्री ९.

कि. मि-जम्मन — नाय अश्र ५, ५३.

कि. मि-ण,णा — — -णः आपश्री ६,

२०, २१⁸; वैश्री २०,३९ : ४;

—णा आपश्री १५,१९,५; भाश्री

११,२०,११ⁿ.

क्रिमि-दष्ट - प्टः बौध १,५,१२३. क्रिमि-मत् - नम्त्तम् गोग्र ४,९, १८: द्राग्र ४,४,३.

क्रिमि-छेप-वर्जं - जीन् वैश्री १, ७:११.

क्रिय- पाडमो २,३,१२. क्रियमाण-, क्रिया- प्रस्. √कृ द्र. †क्रिवि^d- -वि: श्रप ४८,००; निघ ३, २३; -विम् शांश्रौ १८,१३,५;

ऋप्रा ८,३२. †क्रिविस् 0 ->क्रिविर्-द्(त्>)ती--ती निघ ४,३; या ६,३०.

-ता निय 8,र; था ६,र॰.

√की पाधा. कया. उस. द्रव्यविनि
सये, कीणाित काशी १५,९,२३;

श्रापश्री; कीणाित काशी १५,९,२३;

श्रापश्री; कीणाित व्राश्री; कीणािस

काश्री ७, ८,९१; †श्रापश्री १०,

२५, ४६; ११; †श्रापश्री १०,

२५, १६; १५, †श्राप्री १०,

१६, १६; १५,१; †श्री १०,२,६०;

६५×; †कीणीिह काश्री ७,

८,५; साश्री २,१,४,८; कीणािन

काश्री ७, ८, ४; ६†; श्रापश्री;

साश्री २, १,४,८ ‡ श्रक्तीणन्

लाश्रौ ८, ४, ८; क्रीणीयात् श्रापश्रौ १०, २०, १२ * × × ; बौश्रौ, क्रीणीयु: श्रापश्रौ ११,४, १०; लाश्रौ ८,२,१६; १०,११, ७.

चिकाय वाघ १७, ३२ ; †केव्यामः श्रापश्रौ १०,२५,१; भाश्रौ.

क्रय- -यः काश्री ७, १,२५; बौश्री;
-यम् श्रापश्री १८, २०, १७;
वाश्री; -यस्य बौश्री ६,१०ः
१; १०, १९: १; मीसू ६, १,
१६; -यात् काश्री ७, २, २;
११, १, ३; श्रापश्री; -ये माश्री
२, ३, ३,४; हिश्री; -येण विष
२४,२४.

ऋय-ऋी(त>)ता- -ता काध २८२:१.

कय-धर्म- -र्मः श्रापध २,१३, १०; हिथ २,३,१०.

क्रय-परिक्रय-संस्कार- - रेषु श्रापत्रौ २४,२,८.

क्रय-प्रतिकर्ष- - पीत् मीस् ११, २,५५.

क्रय-प्रभृति -- ति लाश्री ८, ४, ४;१२.

क्रय-वत् श्रापश्रो १२,९,३; वैश्रो १५,११: ६.

क्रय-विकय- -यम् आज्यो ५, ८; -याभ्याम् मीस् ६, १,११; -यौ श्राज्यो ८,७.

ऋयविऋयिक-पा ४,४,१३.

a) विप., नाप. । उस. उप. अजन्तम् (तु. अज्ञाद – १वैप ३।) वा अण्णन्तं वा १ । कैयट-नागेशौ श्रदन्तं प्राति. नादियेते । यतु पक्रमांस-वाचिनः कव्य-शब्दाद् उपपदाद् धा. अण् प्र. इति केषांचिदिभमतं तद्बोधाचिन्त्यम् (तु. नागेशः) । b) पाभे. पृ ९४० n टि. इ. । c) विप. । वस. उप. भाप. । d) वैप १ इ. । e) पाभे. वैप १, १९८९ व इ. । f) मत्वर्थे नः प्र. उसं. (पा ५, २,९००) । g) क्रिम्णः इति पाठः १ यनि. शोधः । h) भीणा इति पाठः १ यनि. शोधः (तु. श्रापश्रो.) । i) विप. । द्वस. \rightarrow उस. । j) पा ३,९,८९ पावा १,९,३९ परामृष्टः इ. । k) पाभे. वैप १,९९८९ k इ. ।

क्रयविक्रयिन् -यी विध ५१ ७४.

क्रय-विकय-दृष्टभोजन-प्रतिप्रह--हेषु शंध ४५०.

क्रय-शब्द- -ब्द: श्रापघ २, १३,११; हिध २,३,११.

क्रय-अति - तेः काश्री १३, 9, 6.

क्रया(य-श्र)क्रय⁸-> 'क्र (यक>)ियका- पावा, पावाग 2, 9, 40.

क्रये(य-ए)कत्व- -त्वात् काश्रौ १4,6,90.

क्रयण- -णात् हिश्री ११, ४, ८; लाश्री ८,४,५; -णेषु मीस् १२, 8.4b.

क्रयण प्रभृति - - ति काश्री १०, 9. 39.

क्रयण-वत् भीस् ३,३,२४. क्रयण-वेद्यारम्भण-प्रवर्गीत्सादना (न-श्र)मिप्रणयन-हविधीना (न-श्र)मीषोम- -माणाम् काश्रौ

28,9,93. ऋयण-श्रपण-पुरोरुग्-उपयाम-ब्रह्णा(ण-श्रा)सादन-वासोपन-हन°- -नम् मीस् ८,२,४. क्रयणीय-> °या(य-श्रा)दि-

-दी काश्री १६,६,२३. १क्रयिक- पा ४,४,१३.

२क्रयिक- पाउ २,४४.

करय^d- पा ६, १, ८२; - च्य: काश्री ७,८,२;३; श्रापश्री १०, २५,२;३; बीश्री; - रचाः काश्री १९, १, १८; भाश्री १०, १६, 94.

क्रीत,ता- -तः काश्री ७, ८, १३;

बौश्रौ; श्रप्राय ३, १^{‡e}; -तम् श्रापश्री १०, २४,३; १४, २४, १०: बौधौ १४,२९:१६; हिश्रौ; पा,पावा ५,१,३७; -ता वाध १, ३७;बौध १,११,२० +;-तात् पा ४,१,५०;५,१,१, -ताय काश्री ७,५,५३; श्रावश्रो १०,२८,४‡; बोध्रो; -ते श्राध्री ६,८,१;शांध्री. क्रीत-त्व- -त्वात् मीस् ६,१, 95; 3,28. क्रीत-लब्धा(ब्ध-ग्र)शन- -नाः

विध १९,१४.

क्रीत-चत् पा,पावा ४,३,१५६. कीता-पति- -तिम् या ६,९. क्रीतो(त-उ)त्पन्न- -न्नेन आगृ

४,४,१५: वाध ४,१५. क्रीतब्य- -ब्यः श्रश्राय ६,४. कीत्वा शांश्रो ५,६,१××; काश्रो. क्रीयमाण- -ण: भाशि १२^{‡6};

-णस्य हिश्रौ १०, ३, २२; -णात् काश्रौ १४,१,१४. केतृ - -ता विध ५, १६६; श्राज्यो

५, १०; -तुः, विध ५, १२७; 935.

क्रेय- -यः हिश्रौ १५,६,१२. केव्यत्- - व्यन्तः द्राश्री १४,१,११; लाश्री ५,५,८.

√ऋीइ, तर, ळ पाधा. भवा. पर. विहारे. †क्रीडतः आश्री १०, ८, १०; ११; शांश्री १६,४, १; क्रीडेत् विध ७१,७८.

†कीड'- - डम् आश्री २, १८, १६; ८,१०, ३; शांश्री ३, १५, १५; काय २२, १; ऋश्र २, १, ३७; बृदे ३,१०७.

क्रीडत्- -डन् अप ४६, ३,६+;

ऋप्रा १६,७३ ; वाध १५,१८: -डन्ती या १, १६.

†क्रीडन्ती- -न्ती: क्रीगृ ३,६. ९; शांग ३,११,१४; पागृ ३,९, ६; कागृ ५९,५; विध ८६,१६.

क्रीडमान- -नैः कप्र ३,८,१८.

क्रीडा- -डाम् वैध ३, ३, १; -डायाम् पा ४, २,५७; ६, २,

क्रीडा-जीविका- -कयोः पा २. 7.90.

क्रीडा(डा-श्र)ध--धम् बौध १. १,१४; वृदे ३,१४३.

क्रीडित->क्रीडिता(त-त्रा)यास-दर्शन- - नम् अप ६८,२,४९.

क्रीडिन् - - डिनाम् वैताश्री ९,५: -डिभ्यः श्राश्रौ २, १८, १४; शांश्री ३, १५, १४; काश्री ५. ७,१; श्रापश्रो ८,११,२२; २०. १४, १० ‡; बौश्रौ ५, १०: २६ +; १८, ११: १०; भाश्री ८,१३,१०; माश्री १,७,५,३१; वाश्री १,७,३,२३; वैश्री ९,३: हिश्री ५, ३, ३९; १४, ३, १७; - †ही श्रापश्री १७, १६, १८; वैश्री १९,६:

१०९; हिश्री १२,५,३०. कैडिनb- -नः शांश्री १४, १०,१६: श्रापश्री २२, ८, १८; बौश्रो १५,१०: १९; १७,५७: 93; 98; 40: 4; 49: 8; -नम् आश्रौ ९,२, १५; बौश्रौ १५,१०:१८;१९; -नस्य बौश्रौ १७, ५७: १४; २१, ३: १३; भाश्रौ ८, १३,१; -नास् भाश्रौ ८ २२.१२: -नाय वाश्री १,७,

a) तु. पाका. । b) 'येषु इति जीसं. । c) 'श्रय' इति जीसं. 1 d) विप., नाप. [पा.]। e) पाभे. वैप १, ११८२ g, परि. च इ. । f) वैप १ इ. । g) नाप.(महत्-) । h) सार्यदेवतीयः अण् प्र. ।

३,२१º; –ने बौश्रौ २१,६: १८. क्रैडिन-प्रभृति – -ति बाश्रौ १,७,४,७८^b. क्रीडिन° – -नस्य माश्रौप,१,४,७ √फ्रुञ्च् पाघा. भ्या. पर. क्रीटिल्याल्पी-भावयोः.

कुञ्च्^d— पा ३,२,५९; ६,१,१८२; पाग ४,१, ४; ५, ४, ३८; कुङ् भाशि १६.

कुञ्जा⁹- पा ४, १,४; पाग ४,१,११२¹; २,९१; ६,४, १५३;८,२,९; पावा ८,२,२२. कृञ्जकीय- पा ४,२,

39.

'क्रौज्ञक- पा ६,

8,943.

१क्रीब्र - पा ४, १,

993.

क्रौडा(ब-ग्रा)-हिरस- -सस्य चात्र ३८: १११ फे.

कुञ्चा-मत्- पा ८,२,९. २क्रोज्ञ!- पा ५,४,३८; -ज्ञः विध ४४, २८; नाशि १, ५,३; -ज्ञम् व्यापश्री २४, १४,५‡; हिश्री २१,१,१०;२, ४४‡; विध ५०,३९; -ज्ञाः याशि १,८.

फ्रौब्ब-नकुल-प्रियवृक्ष-चैरय--त्यानाम् श्रप १,३२,४.

क्रीज्ञ-नाद- -दः माशि १,९. कुज्ञ[!]->३क्रीज्ञ^к- -ज्ञम् द्राश्री ८, ३,११;लाश्री ४,७,१;लुस् १,५ः २०; ३, २:१७;१०ः२२; -ज्ञस्य लाश्री ६, ११, ३; खुस् २, ६: १८; २४; ३, १०: २४; — बे लाश्री ७,८,८; जुस् ३,८: ७. कुख-की ब्र-वार्श्वाणस-रुक्ष्मण— वर्जम् श्रापध १, १७,३६; हिध १,५,६७.

√कुड्¹ पाधा. तुदा. पर. निमज्जने.
√कुध्[™] पाधा. दिवा. पर. क्रोधे,
कुध्यन्ति त्रप ६८,१, २४; अकुध्यन् या ४, २५; कुध्येत् वैश्री
१२,११:२; वौध १,७,३०.
कुधः वाधूश्री ४,३०:१०; वृदे
५, ७८.
कोधयन्ति श्रंश्र ४, ३६ †;
कोधयेत् श्रापध २, १८, ३;
हिध २,५,५५.

† चुकुधम् या ६,२४; नाशि २, ३,११.

कुद - - द्धः श्राश्रो २, १०, १६ कः श्रापश्रो ५, २७, १२ कः भाग्रो;
- द्धम् श्रापण् २३, २; हिण् १,
१५, ३; - द्धस्य विध ७१,२२;
- द्धाः वैताश्रो ५,१३ कः छ २,
४; कौस् ७०,६ कः अप ६८,१,
२४; ऋग्र २, १०, ५६; अश्र १२, २ कः
इ.इ.-इ.ट-भोता(त-श्रा) ते-लुब्धबाल-स्थविर-मूद-मत्तो(त-उ)
नमत्त-वाक्य--क्यानि गोध ५,
२५.

२५. कृदा(द्र-ग्र)शनि-मुख- -खम् ग्रप ४०,२,२.

कुद्वा काश्रौ ७,५,१.

क्रुध्यति- > °ति-कर्मन् - -र्माणः निघ २,१२; या ३,९.

क्रोध- -धः श्रापध १,२३, ५; विध ३३,६; हिध १,६,१३; श्रश्र ९, ७ ; -धम् आश्रौ १२,८,८; द्राश्री ७, ३,८; श्रापमं २, २२, २4; पाय ३, १३,५; हिय १, १५,३ ई। इंध २५८; आपध २, १८,३; हिध २,५,५५; - मधस्य पागृ ३, १३,५°; श्रप ४८, १८; निघ २, १३; -धात् सु १०, १; अप १९^२, ५,६; ५२, १२, ५; बृदे ५,१६; -धाय आमिए १, २,२: २४; हिए २, १९, ६; -धे वैताश्री १२, १३ ; अप ४८.१८ +; -धेन स २३,६. क्रोध-कर्मन् - र्भणः या१०,२९. क्रोध-तस् (ः) वीध ४,५,४. क्रोध-नामन् -मानि निघ २, १३; या ३,९.

क्रोध-लोभ-मान-भय-दोषो-(व—उ)पहत- -ताः शंध २५१० क्रोध-वश- -शे बौध २, ८,१५० क्रोध-विनयन- -नम् हिगृ १, १५,२.

क्रोध-विवर्जित- -ते विध ९९ २०.

क्रोध-संभव- -वे कप्र १,२,१४. क्रोधा(ध-आ)दि- -दीन् आपध १,३१,२३; हिघ १,८,४२. क्रोधा(ध-अ)नृत- -ते द्राश्री ७, ३,२४; लाश्री ३,३,२५; गोग्र ३,१,१४.

a) °नीयाय इति पाठः? यनि. शोधः। b) °िंडनि॰ इति पाठः? यनि. शोधः। c) साऽस्यदेवतीयः अच् प्र. उसं. । d) वैप १ द्र. । e) < कुञ्च = इति पिक्षे] पाम ४,१,१ । f) तु. पागम. । g) व्यप. । h) °ञ्चां अ' इति पाठः? यनि. शोधः । i) < कुञ्च = इति भाण्डा. । f) नाप. (कुःच्-) व्यप. च । f) = साम-विशेष-। f0) $\sqrt{3}$ इ हिति BPG. । f0) पा १,४,३७;३८ परामृहः द्र. । f1) पामे. वैप २,३सं. शूरः तेत्रा २,५,३,१ दि. इ. । f2) स्पा. त्रापमं २,२२,१ मृष्टस्य इति, हिए १,१५,३ मृद्धस्य इति च पामे. ।

क्रोधन- पा ३,२,१५१.

क्रुमुक°- -कः श्रापश्रौ १४, २४, ५; -कम् आपश्रौ १६,९,६; बौश्रौ १०, १२: ७; १३: २१; १४, २८: १२; माश्री ६,१,३, २८; वाथ्रौ २,१, २, २२; वेथ्रौ १८, ६ : ८b; भाशि १७.

क्रमुक-शकल- -लम् वौश्रौ १४, २८: १३.

√क्रुञ् (बधा.)° पाधा. भ्वा. पर. श्राह्वाने रोदने च, क्रोशन्ति अप ७२, ४, ४; कोशतु कौसू ५८,१‡; क्रोशेत् लाश्रौ ९,८, १५; मागृ १,३,४. अक्रक्षत् भाशि १७.

क्रवन्- पाउ ४,११४.

क्ष्ट - - ए: बृदे ८, ११२; ११६; नाशि १, १, १२; ७, ३; १३; -ष्टम् बृदे ८, ११४; माशि २, १; -प्टस्य नाशि १,७, १; -प्टे नाशि १,७,१०; - प्टेन त्रापश्रौ २४,१,१४; नाशि १,७,६. क्ष्ट-प्रथम-द्वितीय-तृतीय-चतुर्थ-मन्द्रा(न्द्र-ग्र)तिस्वार्थ- -र्याः तैप्रा २३,१४.

१कोश^e- -शम् लाश्रौ ७, १, १; निस् ८,१०:३३. क्रोशा(श-य)नुक्रोश- -शे त्रापधी १४, २०, १; हिश्री १५, 4,39.

क्रोशत्- -शन्तम् कीस् ५८, १. क्रोशन'- -नासः बृदे ७,२६ . कोन्दु ह – पाउ १, ६९; पाग ४,१, क्रेणि – पाउ ४,४८.

४१;९९; –ष्टुः पा ७,१,९५. कीष्टवायन- पा ४,१,९९h. क्रोच्टु-कर्ण'-(>क्रोच्टुकर्ण-पा.) पाग ४,३,९३. क्रोव्ट-पाद- पाग २,४,६३1. क्रोव्दु-मा(या>)य- पाग २,४, €3k

कोप्ट्र1- -प्ट्रे अश्र ११,२. क्रोच्ट्री- पा ४,१,४१.

कर'- पाउ २,२१; - †रः वैश्रो १८, १४: २; बौगु; -रम् काश्रौ ६, ६,५‡; ऋापध्रौ; आपमं १,१७, ९^{‡m}; या ६, २२∮; −[‡]रस्य काश्री २, ६, २४; बौश्री; -राः श्रप ३३,७, ५; ६८,१,४; ४०; बृदे ३, १३२; -राणि बौधौ ९, १८: ७; निस्; - १ ग्रापथी १६, १५, ९; बौश्रौ १०, २२: १५; हिथ्रो ११, ६,७; - १रेण यापधी १४,१४,१; वौश्रो १४, 96:98.

कर-कर्मन्- -मा शंध ३७७ : ६. क्र-कृत्- -कृताम् वीश्री १४,२७: २; वैश्री २१,७: १०. क्र-चर्मन्- -र्मणा बौथौ १६,२०:

कृर-र(क्ष्स् >)क्षो-भूत-गण--णाः श्राप्तिगृ २,५,११: २३. क्र-णि[,नि]धन- -नम् निस् ७, 99: 4; 97:90.

करा(र-य)पहनन- -नाय बौध्रौ २0,2:96年.

केत्-, केय-, केव्यत्- √की इ. क्रैडिन- √कीड् द्र.

१क्रोड¹- पाउभो २, २, ११९; पाग ४, १, ४५; ५६; -डः श्रश्न ९. ७+; -डम् काश्री ६, ७,६; ८, १२; बौधौ १५, ३०: २१; कप्र ३,१०,४; -डस्य वाधी १, ६, ७,१; वाध्यौ ३,९७: १; -डात् श्रापश्रो २०, १८, ७३; बौश्रो १५, ५: १४; २४: १९; २१; ३०: १३; १६; २३; माश्री १. ८,५, १८; -डेभ्यः वौश्रौ १५. २४: ११; -डी श्रश्र १०, 93.

कोडी-पा ४,१,४५.

कोड-लोमन्- -मानि कौस् २६,२१. २क्रोडⁿ->क्रीडायण- -णाः बौश्रीप्र १७: ११.

क्रीडि- (>क्रीड्या- पा.) पाग ४, 9,60.

क्रोथुनि"- -निः वौश्रौ १६, २७:

क्रोध-, प्रसृ. √कृष् द. क्रोधाº- -धा बृदे ५,१४४.

१क्रोश- √कुश् द्र. २क्रोश^p- -शः त्रापध २,२६,७; हिध २, ५,२०२; -शम् वौश्रौ १८, २०:२०:-शात् अप १,२७-३०, ४^२; वैध ३,७,५; -शानि हिश्री १७, १, ३६; -शे श्रापश्री २२, २,२०; हिश्रौ १७,२,१७.

क्रोश-प्रत्यवाय- -येनऽ-येन काश्री २२,३,३३.

 $a) = \pi y \pi - 1$ b) कौ y° इति ?संस्कर्ता । c) या २,२५; ९,१९ परामृष्टः द्र. । d) = स्वर-विशेष- । e)= साम-विशेष-। वैप १ द्र. । f) वैप १ द्र. । g) = श्रुगाल-। h) व्यप. । ${}^{\circ}$ Сट्ट-(>की द्रुा ${}^{\circ}$) इति पागम. । i) = देश-विशेष-। °प्टुकर्णक- इति भोजमते, °प्टुकशब्द- इति वामनमते इति पागम. : j) क्रोप्टुमान- इति केचित् इति पागम. । k) तु. पागम. । l) पाप्र. <को रह- । m) पामे. वैप १,१४९७ l हु. । n) = ऋपि-विशेष- । o) = दत्त-मुता- । ब्यु. १ । p) = अध्वपरिमाण-विशेष- । ब्यु. १ । ट्यु. ?।

क्रोश-शत->क्रीशशतिक- पावा ५,१,७४.

क्रोशत्−, °शन √कुश् द. क्रोष्ट⁴– ·ष्टाः बौश्रौप्रध्रशः ६. क्रोष्ट्रन √कुश् द.

क्रोप्टुकि^b- -िकः अप ५०, ४, ५; -केः अप ६८, १, २; २, ८;

39.

क्रोप्टून, कोप्ट्रीन √कुण् इ. १-३क्रोञ्चन √कुःच् इ. ४क्रोञ्च°न >क्रोज्ज-द्वीपन -पम् शंध ११६ : ४.

क्रोञ्चायन - नाः वौश्रोप्र ४: ३. क्रोञ्चोक्य^क - क्याः वौश्रोप्र ४६ : २. क्रोडायण-, क्रीड-, 'ड्या- २क्रोड-

क्रोडिस्य°- -स्याः बौश्रौप्र १७: १२. क्रीप्टबायन-,क्रीप्टुककर्ण- √कुर् द. १क्रोप्टुकि⁰- -क्यः बौश्रौप्र १९:२; -क्षः बृदे ४, १३७; या ८, २; -क्षे: ५ ३,२९.

- २क्रीप्टुकि c - (> c कीय- पा.) पाग ५, ३, ११६.

क्रीप्ट्रायण!-(>°णक^g- पा.) पाग ४,२,८०.

√ऋथ् पाधा. भ्वा. पर. हिंसायाम् . √ऋद् प्राधा. भ्वा. ग्रात्म. वैक्लब्धे. ऋद्थु¹- -थुः बौश्रौ २,५: १९†. √ऋन्द् पाधा. भ्वा. पर. श्राह्वाने रोदने च. श्रात्म. वैक्लब्थे.

 $\mathfrak{F}(\overline{z}>)$ न्द्रा $^{b}-$ -न्द्राः श्रश्र २,२ ‡ \checkmark क्कप् पाधा. चुरा. पर.व्यक्तायां वाचि.

√क्कम् 1 पाधा. दिवा. पर. म्लानी, क्वामयन्ति श्रप ६८,१,९९. क्वमिन् पा ३,२,१४१. क्वान्त- -न्तम् वाध ६,३०.

√िक्किद् पाधा. दिवा. पर. श्रादींमावे, क्रेड्यन्ति विघ २०,५१.

किन्न, न्ना — न्ना म् श्रापश्री ५,२५,७; भाश्री ५,१६,२०; माश्री १,५, ६,१६; वेश्री १,१८: ४; हिश्री ६,५,२७; वीध १,७,२०; — न्नस्य पाता ५,२,३३; — न्ना श्रप २२,३,२;३;२३,३,५; — न्नाया: वीध १,६,१८; — न्नो वीध ३,५,२. किन्न-काष्टा(प्ट-श्र)भ्याधान—

- नम् वाश्रौ १,४,३,४२. क्तिन-वासस् - साः बौध ४,

२,८¹. क्केंद्र - -दः बौश्री २,५ : १३**†**. क्केंद्र-बत् - -वताम् श्रप ६५,

क्केद्रियत्वा ऋष्यौ १०, २६, १४; हिश्रौ ७,२,७८; भागृ १, २५:

√िक्किन्द् पाधा. भ्वा. परिदेवने. √िक्किश् पाधा. दिवा. त्र्यात्म. उपतापे, कंगा. पर. विवाधने, क्किश्यत सु ८,२.

क्षिशित-, °त-वत्-, °त्वा पा ७, २,५०.

क्तिश्तत् -श्तन् वाधूश्रो ३,९४:

क्टेश- -शम् अप २९,२,५.
 क्टेश-भाजन- -नः श्राज्यो १३,
 ५^k.

क्केशा(श-श्र)पह- पा ३, २,५०; -हम् श्राप्तिग्र ३,२,१ : ४. क्केशा(श-श्रा)वह- -हम् हिग्र २, १४,३.

क्रेशक- पा ३,२,१४६.

क्कीतक,का'- -कािमः¹ श्रापश्री १५, ३, १६; माश्री ११, ३, ९; -कैः™ गोग्र २,१,९.

√क्कीव् पाधा. भ्वा. आतम. श्रधाष्ट्यें.
कीव े - - व अश्र ६, १३८;
-वः वौश्रो १२, १०: ९××;
वैश्रो; -वम् वौश्रो १२,१०:
१६; १७, ३१:२; अप;
-वस्य वौश्रो २२,१९:१; शंघ
४३४; -वा: शंघ १३; नाशि
२,८,२६; -वात् काश्रो १५,९,
२३; १९,१,१९;आपश्रो; -वाय
हिश्रो १३,५, २८; -वे अप ३,
२,५; -वेन हिश्रो १३,५,२८:
केव्य - व्यात् वौश्रो १३,

२६: १२. क्रीव-कर्तु-काम--मः श्रश्न ६,

क्रीब-ता- पावा २,४,१७. क्रीब-पद- -दे कीस् ३६,३६. क्रीब-व्याधित- -तयोः बौध २,

√क्कीबाय पात्रा ३,१,११. क्कीबो(ब-उ)न्मत्त- -त्तान् वाध

वैप४-तृ-२४

१९,३५; —त्तानाम् वाघ १७, ५४. क्रीबो(ब-उ)न्मत्त-पतित— -ताः वाघ १७,५३. √क्रु पाघा. भ्वा. श्रात्म. गतौ. केद्र — √क्रिद् द्र.

हेद - √क्षिद् इ. हेदन - पाउ १,१५९ रे. क्लेट्यित्वा √क्लिट् इ. क्लेट् - पाउ १,१०. √क्लेव् √ग्लेव् टि. इ. √क्लेड् पाधा. भ्वा. श्रात्म.

श्रव्यक्तायां वाचि. क्लेश- प्रमृ, क्षेशक- √क्लिश् द्र. क्लेब्य- √क्लीब् द्र.

क्लोक b - के बौधौ २,५:८. क्लोमन् c - पाडमो २,१,२८५; -म श्रप १, ७, ३; -मा श्राधौ १२,९,१२; विध ९६,९१; - †मानम् श्रापधौ ७,२२,६; २४,१२; माधौ ७,१७,६;१९, ११;वाऔ १,६,७,१०; वैधौ १०,

'४,१,४; द्राग् ३,४,१६. क्टोम-फ्रीहा(ह-अ)ध्यृत्ती-पुरीतत्--ततम् काश्रौ ६,७,११.

५९; श्रापमं २,१४, २; श्रामिगृ

२,१,३:२५; भाग् १,२३:

१८; हिम २,३,७; -म्नः गोमृ

क किम् न द. √कम्प् पाधा. भ्वा. पर. शब्दे, कणन्ति या ५,१८. कण- पा ३,३,६५.

कणत्- -गन् श्रप ४८,१०० .

काण- पा ३,३,६५. √कथ् पाधा. भ्वा. पर. निष्पाके, काथयति कौस् २६,२५. काथ्यन्ते विध ४३,३६.

कथ- पा ३,१,१४०. कथत्- -थन् भाशि ५६‡.

कथन- >कथने(न-इ)ष्टका- -काः बौधौ २९,६: १८; वैधौ २१, १८: ३.

कथित- -तस्य विध ४६,२३. काथ- पा ३,१,१४०.

काथयित्वा वाध २७,१२.

कल°- -लाः त्रापश्रौ १,१४,१; -लै: वैश्रौ ३,८:८; हिश्रौ १,३,५३.

कल-सक्तु- -क्तुभिः श्रापश्री १९, २, १०; वौश्री १७, ३४: ६; हिश्री १३, ८, २३; -क्तून् वैश्री ११,४: १.

काङ्स्वितदुर्गतिवचन- किम्- द्र. कादि- २कु- द्र. १िकत् पाग १,४,५७. १कोसनः श्रुप ४८,९७ मु.

√क्शा, अक्शत्¹ माश्रौ ३,३,६; ६,१,१,१४. क्षड – क्षम् ऋत ५,३,७.

्र च पापू करा ५,२,०. √श्चञ्ज् पाधा. भ्वा. त्र्यात्म. गति-दानयोः

√क्षण्^ष पाधा. तुदा. उभ. हिंसायाम् , क्षणोति या ४,१८; ६,१.

क्षण- पाग ५,२,३६; -णः आक्षिप् ३,३,२: ९†; ११; १२^२; १३; १४^२; १५^२; १६; बौग्र २,११, १८‡; गौपि २,२,२२; या २, २५कुः -णम् आन्निग् ३,३,१ ः ७;१६;२ ः ९; बौग्र २,११,१७; -णात् वाध २६,१;६; २८,१९; बौध ४,६,५; -णेन सु १५,५. क्षणित- पा ५, २,३६.

क्षणि!--णिः या ६,१2.

क्षणे > °णे-पाक- पा, पाग ७, ३, ५३.

क्षत- पा ६, ४, ३७; पाग २, ४, ३१; -तम् सु ३, २.

चत-ज-प्र(भ>)भा- -भा ऋष ५८^२, ४,१४;१५.

क्षत-बद्ध- -द्वानि अप **६२**, २, ७.

श्चिण्वा कर्णवा वाधूश्रौ ३,३९ : ७. $श्च(\pi)$ चा-, क्षन्- $\sqrt{\pi}$ द द्र.

१सत्र°- पाउ ४, १६७; पाग २, ४, ३१; -त्रम् याश्रौ ४, १२,२‡; शांश्रो ३,७,४ 🗐; काश्रो ५,१२, ४८, ९०^{‡1}; †िनघ १, १२^m; २,१०1; - † त्रस्य काश्री १५, ५, १४××; श्रापश्रौ; -त्रा वृदे ७, ९६+; - + त्राणाम् काश्री १५, ५,३२; श्रापश्रौ; - † त्राणि त्रापश्रो १५, ११,२ⁿ; बौश्रो ९, 99:9"; भाश्री ११, 99, २"; कौसू २, ४१; १३७, ३०°; अप ४६, २, १; या ३, २०; - त्रात् ब्रापश्रो १४,६,९; १७,१७,४‡; वाश्री ३, २, ६, ३०; हिश्री ९, ८, २६: - † त्राय काश्री १७, ११, ११; आपश्री; - मंत्रे शांश्री

 $a) < \sqrt{g_2} (1 - b)$ नाप.। श्रर्थः ब्यु. च ?। c) वैप १ द्र.। d) तु. पागम.। तदनु च भत्संनपादपूर्णयोः। e) स्वरूपं ?। = स्तोतृ-विशेष-। °तः इति संस्कर्ता ?। f) पाभे. वैप १, ११८५ f द्र.। g) = श्रक्षर-। h) या २,२५; ६,१ पा ७, २,५ परामृष्टः द्र.। i) कर्तरि कृत्। j) पाभे. वैप २,३खं. क्षत्रम माश ११,४,३,७ दि. द्र.। k) पाभे. वैप १, ११८५ f द्र.। f) = धन-। f0) पाभे. वैप १,११८५ f1 द्र.। f1) = धन-। f2 द्रक-। f3 पाभे. वैप १,११८५ f3 द्र.।

8, १०, ३; काश्री; — नैत्रेण श्रापत्री १७, १७, ७; वीश्री ८, ३:१८; हिश्री १२, ५, ३४; गोध ११, २९; श्रश्र २, ६; — नैत्रेम्य: श्रापश्री १६, ३०, १; वैश्री १८,२०: ३४; हिश्री ११, ८,४.

१क्षात्र- -त्रः वाध १, २९; ३४.

चात्र-कर्मन्- -र्म वैध ३, १२,१२.

क्षात्र-हानि**- -**निः ग्रप **७०**^३, ११,२८.

क्षत्र-धर्म- -र्मः बौध २, २, ७०; -र्मम् बौध २, १, १६; -र्मेण बौध २,२,६९.

क्षत्रधर्मा(र्म-ग्र)नुगत- -ती बोध १,११,१२

क्षत्र-धति - तिः काश्री १५, ९, १९; वैताश्री ३६,१२.

" क्षत्र-पति - - तिः काश्रौ ६,१३,१; १५, ५, ३२; श्रापश्रौ १८,१६, ६; बौश्रौ १२,११:६; हिश्रौ १३,५,३४.

क्षत्र-प्राय^क - - ये निस् ९, १०: ३९. क्षत्र-बन्धु - - न्धून् बृदे ५, १२६; - न्धो: विध २७.२६.

‡क्षत्र-मृत् b— -मृत् द्याश्री ४, १, २२ ६; १२, २; द्याप्तिगृ २, ३, ५: २१; —मृतः द्यापश्री १६, ३३, १; वैश्री १८, १६: ६१; हिश्री ११, ८, ११; व्यप्राय ६, २; —०मृतः वौश्री १३, ३८: ९; —मृते शांश्री ९, २२, २; वौश्री २३, ९: ११; वाधूश्री ४,१०८: ८.

†क्षत्रभृत्-तम- -मः श्रापश्रौ २२, १२, २०; बौश्रौ १८,७ : ७; हिश्रौ १७,५,२३.

क्षत्र-मार्ग- -र्गेण निस् ७,५:३४. क्षत्र-वत्- - +वते शांश्रौ ९,२२,२; बौश्रौ २३,९:१०; वाधृशौ ४, १०८:८; -वान् श्राश्रौ ४,

क्षत्र-वध- -धः श्रप ५०,७,२. †चत्र-विनि - -िनम् श्रापश्रौ ७, १०,१२; बौश्रौ ४,४:३३; ६, २७: ८; भाश्रौ ७, ८, १४; माश्रौ १, ८, २, २०; २, २,३,

क्षत्र-विट्-ग्र्ड्न -द्रेषु विध २२, २२.

क्षत्र-विट्-ग्रुद्ध-गो-वध- -धः विध ३७,१३.

क्षत्र-विद्या- (>क्षात्रविद्य- पा.) पाग ४,३,७३.

क्षत्र-वृत्ति - निः गौध ७, ६°; -त्तिम् वैश्रौ १७,१८:८;१०; लाश्रौ ८,१२,१०.

क्षत्र-वृद्धि - द्विम् त्र्यापध १,३,९; हिध १,१,८१.

क्षत्र-संयमा(म-न्न)र्थ- -र्थः निस्

चन्न-सामन् -म निस् ५, १ : १९; ८,७ : ३८.

क्षत्रस्य-एति^व - तिः आश्रौ ९, ३, २७; बौश्रौ २६,३: ११; १७; निस् ७,६: २०; -तिना शांशौ १५, १६, ८; ११; बौश्रौ २६, २: २३; लाश्रौ ९, ३, ११; -तिम् वाश्रौ ३,३,४,५०; -तौ श्रापश्रौ १८,८,४. क्षत्राणां-पृति^d -- तिः त्रापश्रौ १८, २२,१८; हिश्रौ १३,७,३४.

क्षत्रा(त्र-म्रा)यतन->°नी(य>) या $^{\circ}-$ -या लाश्रौ ६,६,८;१८; निसू १,१०:२५; -याम् लाश्रौ ६,८,३.

क्षत्रिन्¹->°त्रिणी- -णी त्र्राज्यो १२,१.

क्षत्रिय,या⁵- पाग २,१,५९: -यः शांथी १४,२९,२××:काथी:-यम् शांश्री १६.१०. ९: काश्री: कीस १७,२८²; +8; अप १८²,9,8+8; -यस्य श्राधी ४,१,२३; शांधी; -या शंध ६५^२: गौध ४, १९: -याः शांश्री १४,३३,१२; वाश्री ३, २, ५,४६; अप ३५, १, ८; -याणाम् त्रापश्री २४, १०,११; बीश्रीप्र: -यात् शांश्री १५. २०. १; बौध; पा ४, १, १६८; पावा ४,१,१६६; - चयान् शांश्री ९, २४,३; बौश्रौ १३, २१: १२; माश्री ५, १,८,१६; हिश्री २२, ३,२७; \$ अप ५४, १, ३; ५८. ४,१५; -याम् वैय ६,१२ : २; -याय शांश्री १५, १६, ७; †बीथी; -यायाम् बीध १, ९, ६:७; शंध; -ये शांश्री १६,१७, २: गौध १२, ८; पागवा ४,१, ८०: १५१: १७२: -येण भाश्री १०, ७, १६; शंघ ७५; -येषु शांश्रौ १४,३३,१२; -यौ नाशि 8,8,3.

क्षत्रिया,याणी- पावा ४,१, ४९.

क्षत्रिय-कन्या- -न्यया विध्यस्त्र, ६; -न्यायाम् वैध ३,१२,४.

a) विप. । यस. । b) वैप १ इ. । c) विपयृ॰ इति कचित्कः पाभे. । d) = एकाह-विशेष-। e) = विष्टुति-विशेष- । f) = क्षित्रिय- । g) पाभे. वैप १,१९८७ f इ. ।

क्षत्रिय-प्रहणा (ग्-न्त्रा) नर्धक्य--क्यम् पावा ४,१,१६६. क्षत्रिय-नाशन- -नम् अप ७१, 98.3. क्षत्रिय-प्रभृति - तीनाम् श्रापध १,१८,९; हिंघ १,५,७८. क्षत्रिय-वत् श्रापघ २,१०, ७; हिंध २,४,७; पाग १,१,३७. क्षत्रिय-वध- -धे बौध १,१०, २१; विध ५०,१२; -धेन बौध 2,90,20. क्षत्रिय-वर्जम् विध १८,९. क्षत्रिय-वैश्य- -श्ययोः काश्री ३,२,११; ६,१०; वैध १,१,६; गौघ १, १३; -इयानाम् बौश्रौप्र ५४: ३; -इयौ वैश्रौ १२,१०: ११; वैगृ ६, १२: ११; विध १८,95; गौध १२,99. क्षत्रियवैदय-वध- -धे सुधप 64: 9. क्षत्रियवैश्य-गो-म्-ता--ता सुघप ८६ : १. क्षत्रियवैद्या(श्य-श्र)नुलोमा-(म-म्र) नन्तरो(र-उ)लब्ब-नb- -जः शंध ७६°. चत्रियवैश्यो(स्य-उ)पक्षष्ट- -ष्टाः आश्रौ २,१,१३. क्षत्रिय-शुद्ध- -द्री विध१८,२२. क्षत्रिय-श्रीकाम- -मयोः काश्रौ 8,0,8. क्षत्रिय-समान-शब्द- -ब्दात् पावा ४,१,१६६.

क्षत्रिया(य-ग्रा)दि--दीनाम् बौध १,१०,१९. क्षत्रिया-पुत्र- -त्रः विध १८,३; -त्री विध १६,५. °क्षत्रिया(य-ग्रा)र्घ° पा२,४,५८. क्षत्रिया-वैश्या-शुद्रा-पुत्र- -त्रेषु -विध १८,११. क्षत्रिया(य-प्रा)शौच- -चे विध 22,99;98. क्षत्रियो(य-उ)च्छाद्क^d- पाग 2,2,9;6,2,949. क्षत्रियो (य-उ)च्छिष्टा (ए-अ) शन- -ने शंध ३९६. २त्तत्र^e- (>क्षात्रायण- पा.) पाग 8,9,99°f. $\sqrt{$ क्षद् $^{g}>$ क्ष $(\pi^{h}>)$ ता- -तायाम् बौध १,९,११. क्षत्त-संग्रहीतृ- -तारः बौधौ १4, ३ : ३, ५ : २६, १८,96 : ७; २५, ३४: १०; -तारी बौध्रौ १२,१५: १८;२२; १८: ६; -तृणाम् वौश्रौ १५, १: १९; 4: 92;24: 3;5; 29: 26; ३०: १९; -तृणाम् वाध्रश्रौ ३, ७९ : ६;९० : ८; -तुन् वाधूश्रौ 3,97: 4. क्षत्- पाउ २, ९४; पा ६,४,११; पावा ३, २, १३५; -०त्तः वाध्यी -३, ७०: १; ९९: ७; -ता शांश्रौ १६, ९, १६^{‡1}; श्रापश्री ५,२३,९‡; बौध्रौ १२, १५: ७; २३; बौध १, ९, ६;

-त्तारम् त्रावश्रौ १८, १९, ६: बौश्रौ १२,१५: ६; हिश्रौ १३, ६,३१; श्रश्र ९, ६(५)‡; -तः काश्रो १५,३,९; बौश्रो १२,५: २७; - चुम्यः बौश्रो १०,४८: ६; वैश्रो १९,६ : ३७. २क्षात्र1-> चात्र-संप्रहीत--तृणाम् काश्रौ २०,१,१६. क्षत्तु-वैदेहक- -कयोः वौध १, 9,90. क्षत्र-संग्रहीतृ- -तृभिः त्रापश्रौ २०, ४, ४; हिश्री १४,१, ३८; -तुणाम् शांश्रौ १६, १, १६? ; वाश्रो ३,४,१,१७. †क्षद्मन्^ड- - द्म अप ४८, ७५, निघ 2,92; 2, 0. चक्षदान8- -नम् या ५, २१ ई. √क्षप्¹ पाधा. चुरा. पर. क्षान्त्याम्, उम. प्रेरणे,क्षपेरन् कीस्१४१,५ ‡क्षप्^g— क्षपः श्रप ४८, ७५^m; निघ १, १२^m; ऋप्रा १८, ५३ क्षपा सात्र २,९८१. च्रप- पा ३,१,१३४°. क्षपगº- -गन् कौय ३, ७, १३; शांगृ ४,५,१७; पागृ २,१२,४;.. गौध १८,१५. क्षपणी^p— -ण्यः बौश्रौ १९,१०ः क्षपण-क^व- -कः शंघ ३७७: ‡क्षपा^ध- पाग ३, ३, १०४^d; -पा श्रप ४८,७४; निघ १,७; -पाः

a) द्वस.>उस. । b) विष. । षस.>षस.>उस. । c) °मान्तरो° इति पाठः? यिन. शोधः (तु. भाष्यं ध्याज्ञ १,९५।) । d) तु. पागम. । e) व्यप. । व्यु. ? । f) तु. पाका., ३क्षान्त – इति भाण्डा. । g) वैप १ द्व. । h) = च्यु – (तु. काश्रौ २०, १,१६) । i) पामे. वैप २, ३खं. क्षन्ता माश १३, ५,४, ६ टि. द्व. । j) समूहार्थे स्वार्थे वा अण् प्र. (तु. क्षन्तु-संगृहीतृ –) । k) क्षत्रसं॰ इति पाठः ? यिन. शोधः । $\sqrt{2}$ क्षम् इति पाका ३, १,१३४ । m) = उदक- । n) क्षम – इति पाका. । n0) धा. उपरमे वृतिः । n1) = इष्टका-विशेष- । n2) = भिन्नु- ।

बौध ४,२, ७; -पाणाम् बौश्रौ १९,३: 9; २०. क्षपा-शय- -यः कागृ ५.७. क्षपा-हास- -सः वेज्यो ८. क्षपे(पा-इ)ष्टका8- -काः बौश्रौ १९,3: 4;96.

√क्षम्^७ पाधा, भ्वा, श्रात्म.,दिवा, पर. सहने, क्षमिति पा ७, २, ३४; क्षमन्ताम् जैश्रीका क्षमस्य बृदे ५.७८; क्षम वैताओं ३७.२: चमेत विध ३,९३. क्षाम्येत भागृ ३,८: १०.

क्षन्तुम् अप ४०,६,१२. क्षम c- क्षमि बौधौ १८, ४१:३ ई. °क्षम- पावा ३,२,9. क्षम- पा ३,१, १३४; -मम् अप

100, 2, 2. १क्षमा^d- पाग १, १, ३७; -मा

विध २,१६; -मायाम् पावा १, 3, 29; 3,9,4. क्षमा(मा-ग्र)न्वित- -तः विध ३,९६; -ते विध ९९,२०. क्षमा-पर- -रम् सु १६,३. क्षमा-वत् - वन्ति श्रप ५८2,9,

३; -वान् शंध २४४. रक्षमा°- -मा श्रप ४८, ७२; निघ 8,9.

क्षमा-शय- -यः वाध ९,६. क्षम्य e - श्रामिगृ १,२, १: ७; २: ४२: हिगृ २,१८,७;२०,९.

१क्षान्त,न्ता- पाग ४, २,९०1; ६, ३,३४; - न्तः श्रप ३८, १,३; वैध ३,५,७; -न्तम् वाध६,३०. क्षान्तीय- पा ४,२,९०.

क्षान्ति- -न्तिः गौध ८,२१:-न्तिम् शंध ११६:३०; - त्या विध 22.90.

क्षान्त्या (न्ति-श्रा) हति- -तिः वाध ३०,८.

क्षान्त- पाउ ५,४३.

†क्षामन् c- -मन् भाशि २१; -मा त्रापमं २,११,२४; ऋपा ७,३३; ञ्जपा ३,१२९^२; तेप्रा ३,१०.

१क्षय- √िक्ष इ. २क्षय- √िक्(निवासगत्योः) द्र. ३क्षय- √ क्षि (ऐश्वर्य) द्र. क्षयण- क्षि (निवासगत्योः) द्र. क्षयत्- प्रमृ. √िक्ष (ऐश्वर्य) द्र. क्षयि- पाउमो २,१,२२३. १त्तयिन् √िक्ष द.

२त्तयिन्- √िक्ष (निवासग°) द्र. क्षरय- √िक्ष (च्रिये) इ.

√क्षर्⁸ पाधा. भ्वा.पर. संचलने,क्षरति बौश्रौ १७,३६:१०; बृदे २,५८; या ५, ३; ११,४१ ‡; १३,१२; क्षरिति पा ७, २,३४; †क्षरित बौश्रौ १८, ९:३६; श्रामिय ३, ३,२: १; कौस् ९१,१; ९८, २; विध ५५, १८\$; ‡क्षरन्तुh श्रापमं २,२०, २८; श्राप्तिषृ ३, 9, 2 : 4; 2, 4: 92; 6: 4; भाग २, १५: १३; १६: १४; १७: ९; हिए २,११,१;१५,७; क्षर > रा ऋपा ७, ३३ ‡; अक्षरन् श्रापश्रौ १२,१९,५. कक्षाः लाश्री ७,९,८;१०; निस्

१, १: १६: निघ्ध, २ = ;या ५, ३ ३ = ; †ऋपा १, ७९; ४, ४०; †क्षाः गोग १.३.१९: द्राय १,५,२०. क्षारयति वैताश्रौ १२,६.

क्षर.रा1- पा ३, १, १४०; -रम्. पाप्रवा ८, १; विध ९७, १२; -राः अप ४८,७५.

क्षर-क्षाम-महीरुह- -हाः श्रप 62,99,3.

क्षरा, रे।ज-, पा ६,३,१६. क्षर(त्>)न्ती- -न्तीः माश्रौ ५, 2,8,39.

क्षरति-> 'ति-निगम - -मः या 4.3.

क्षार रा1- पाइ, १, १४०; पाग४, २, ९०k; -रम् हिए १, ८, १०;. -राभिः बौध १, ५, १४; -रेण शंघ १६४.

क्षार-नदी- -द्यः शंध ३७४. क्षार-मात्र- -त्रम् बौश्रौ २६, 33:94.

क्षार-लवण- -णम् हिध २,५, १४५; -णे माए १,१,१२; २, २१; द्रागृ १,४,९.

क्षारलवण-वर्जन- -नम् ब्रापगृ ८, ८; ११, २१; भागृ ३,१२: ५; श्रापध २,३,१३1. क्षारलवण-वर्जम् बौगृ २,-4,44.

क्षारलवण-वर्जित-भोजन--नम् आप्तिगृ ३,६,२: ५. क्षारलवण-वार्जेन्- -जी कागृ १,८.

a)=इष्टका-विशेष-। मलो. कस.। b) $\sqrt{क्षप् टि. द्र.। पा ७,३,७४ परामृष्टः द्र.।$ d)=क्षान्ति-। e) पा ७,१,३८। विश्रम्य इति Böht [ZDMG ५२,८७] शोधुकः ?। f) शान्त— इति पाका. \wp

g) या २, ५ परामृष्टः इ. I

h) पाभे. वैप १ स्नवन्तु मा ३५, २० टि. इ.। i) विप., नाप. (उदक-)।

j) विष., नाप. (रस-विशेष-)। इति पामे.।

k) क्षोध- इत्यन्ये इति पागम. । l) सपा. ॰णवर्जनम् <> ॰णमधुमांसव॰

क्षारलवण-होम- -मः श्रापध २,१५,१४; हिध २,३,४८. क्षार-लवण-दुग्ध- -ग्धम् द्रागृ 2. 8,33. क्षार-लवण-मधु-मांस- -सानि बौषि ३,१२,१; श्रापध १,२,२३; ४,६; हिध १, १,५६;१२५. क्षारलवणमधुमांस-वर्जन--नम् हिपि ८: ११; हिध २, 9,888. क्षार-छवणा(ग्र-श्र)चरान्न-संस्पृष्ट- -ष्टस्य श्रापगृ ८, ३; बौगृ २, ८,४. क्षारां(र-श्रं)श- -शः कप्र ३, त्तारीय- पा ४,२,९०. २क्षर b-(>क्षर्य- पा.)पाग ५,१,२. √श्रुल पाधा. चुरा. पर. शौचकर्मणि, क्षालयतः वैश्रौ १६, २६: ६; क्षालयेत् वैध ३, ४,१. क्षालन- -नम् कागृउ ४६: १४; कप्र ३, १०, १; हिध २,५,९९; -नात् वैध ३,३,११. श्रालित- >> °त-पार्--दान् श्राप्तिगृ २,३,३:५.

सव- √छ र. सवक- पाउमो २,२,७. सवध- √छ र. †स्रा^d- क्षा व्यप ४८,७२; निघ १,१; या २,६∳; क्षाः व्याओ ३,८, १; व्यापश्री २४,१३,३; क्षाम् शांधी ८,११,१३; या २,६\$.

१क्षात्र- १क्षत्र- इ. २क्षात्र- √क्षद् द्र. आत्राण°- -णाय कौसू ५६,१३. न्नात्रायण- २क्त्र- इ. १क्षान्त- √क्षम् इ. २न्नान्त¹- -न्तम् या २,१०. ३क्षान्त- (> ज्ञान्तायन- पा.) २क्षत्र- टि. इ. चान्ति-,क्षान्तु- √क्षम् इ. क्षा-पवित्र^ह- -त्रः त्रामिष्ट २, ४, ५ः ८१^h; -त्रम् वौध ४,७,५. क्षाम- √क्षे इ. क्षामन्- √चम् इ. क्षामा^b- (>क्षामा-प्रस्थ- पा.) पाग €, २, ८८. क्षाम्यायण¹- -णाः वौश्रौप्र १७: १. १-३क्षार-प्रमृ. √क्षर् द. क्षारक- पाउभो २,२,७. ?क्षारहरतिरात्रम् वैधौ २१, ३:१०. आरीय- √क्षर् इ. √िक्त¹ पाधा. भ्वा. पर. क्षये; स्वा. पर. हिंसायाम् , क्षयति अप ४८, ११६‡; चयन्ते अप ६८, १, क्षिणोति निघ २,१४^{‡k}. क्षिणाति या ६,६ . †क्षेष्ट जैय २, १:२८; २: २२²; †क्षेष्ठाः आधी १, ११, ६; १३,४; शांश्री ४,९,४; ११, ३; काश्री ३,४,२७; बौश्री २, १०: २१; २५; २८; ३, २०: १२; माश्री १,४,२,१२; वाश्री

१,१,३,१६; वैताश्री ३, २०१ आपमं. क्षीयते वौश्रौ १४, ४: १०; वाध्य्रौ; या १३, १२; क्षीयन्ते वाध्यौ ४, ५२: ७; ९; श्राप्तिगृ २,६,५ : २४; बौगृ २,९,२३ ; श्रापध २, ४, १४; हिध २, १, ‡क्षायि श्रापश्रौ ४, १०, ९1 बौधौ ३, १०: ३०1; भाष्रौ ४. १६,१¹; हिश्रों ६, ३, ३¹; श्रापमं २, १०, १५; बौगृ १, २, ५७; भागू २, २५: १६; ३, १२: ११; हिंग् १, १३, १५; श्रापध 2,3,99. १क्षय^m- -यः अप ६४, ८, ५××; शंध; -यम् निस् ७, १२:७: कप्र; या १३, १२; -यस्य अप ७२,३,५; -ये अप ४८, ४२ ‡; ७२,३,५; श्राज्यो ७, ७. क्षय-कर- -रः अप २७,२,३. क्षय-नाशा(श-ग्र)ग्निदाह--हेष कप्र ३,१,३. क्षया(य-अ)न्त"- -न्ताः कप्र ३, 3.620. क्षया(य-या)मग-> व्यन्--यी शंध ३७६. क्षया(य-त्र)र्ध- -र्थात् या ७, ₹3. १क्षयिन- पा ३,२,१५७; -यी शंध ३७७ : ७; १८; काध २७८:७^р. क्षरय- पा ६, १,८१.

क्षित- पा ६, ४, ६१; -तः वैश्री २१,१४: ८.

क्षेति- पावा ८,२,४२.

क्षिया- पाग ३,३,१०४; -यायाम् पा ८,१,६०. क्षिया(या-त्र्या)शी:-प्रैप- -धेषु पा ८,२,१०४.

क्ष्मीण- पा ६,४,६१; -णः सु १०, ४; गौध १०,६०; कप्र २,६,५; -णम् अप ७०³,११,४;५; -णे अप ७०,१,८; विध २०,४३; कप्र २,६,१;३;८; आज्यो १३,४.

> क्षीण-कोप^a - पः वाघ २९, ७. क्षीण-पु(ण्य >)ण्या^a - ज्या वाघ २१,११; स्रापघ २,१७,८; हिध २,५,३७.

> क्षीण-मनुष्य-कोश^b-- -शः श्रप ७०^३,११,१५.

> क्षीण-मेधा-जननी- -नी याशि १,३८.

> र, २०. श्लीण-स्वरे $(\tau - \xi)$ ड° – -डम् निस् ७, १२: ७.

> क्षीणा(गु-ग्रा)युस् – -युः वाध ११, ३८; –युगः बौधौ १८, ४४:१९.

क्षीयमाण,णा- -णा कप्र २, ६, २; -णेषु श्राप्तिगृ २, ७,११:१८.

√िच्च^a पाघा. तुदा. पर. निवासगरयोः, क्षयन्ति बौधौ २, ८: २६ ौ; श्रामिष्ट २, ७, ४: ११; बौषि २,९,११.

र, भ, भ। से ति बृदे ५, ७५ है; है से पत् शांत्री १४, ५३, ७; बृदे ५, १०५.

क्षियति बृदे २, ५८; निघ २,

१४ ‡; या ५, ३; १०, २७; †क्षियन्ति श्रापश्रौ ११,९,१; बौश्रौ २०,१६: ११.

२च्चय.याº- पाग २, ४,३ 91; -यः या ८, १८; पा ६, १, २०१; - †यम् त्राश्रौ ४, ४,४; ७,४; ८, १,२; श्रापश्रो १४, १०, १; १७,३,५; बौश्रौ १०, ४५: ८; १४, २०: ७; माश्री ५, २, १६,१४; ६, २, २, ३; वाश्रौ; -या अप ४८,८९+; -०+याः श्रापश्रो १२, ३, २; वैश्रो १५, ३:८; हिश्रो ८,१, ४१; - चयाय श्राश्री ५, १९,३; शांश्री ८, ४, ३; त्रापश्री १४, १०, १; १७, ३, ५; बौश्रौ ४, १: ११ ××; - † ये याथ्रौ २,११, १४; १७, १५: ५,५, १८; शांश्रौ २, ११, ६: त्रापश्रौ ९, १९, १३; १३, १८. ९: बौथ्रौ ३,८: २२××; वैश्रौ.

चयण^g— -णस्य या ६,६. २क्षयिन्— पा ३,२,१५७.

स्ति न - †तयः अप ४८,०८; निघ २, ३; या ४, २४; -तिः हिश्रौ १०, २, १४†; निघ १, १५; अप ४८,०२†; निघ १, १५; -तिम्यः बृदे २, ४१; -तिम्यः बृदे २, ४१; -तेः अप ६८,२,१; ४; विघ १,३५; बृदे २,५०;६३; -तेः अप ६४,६,४;९,५;६३; -तेः अप ६४,१,४;९,५;९,५;-तौ स ९,१; अप ५८²,१,५;४,१६;६४,२,२; बृदं २,४१; -या वैताऔ १२,१; -ये वाध्रौ ४,३७:३. †क्षेत-०० क्षेत-वत् - वत् आऔ ४,१३, ७;१०,३,५;

शांश्री ६,४,३; १०, ३,३; ११, १३,१८; १५,३.

भर, १८; १५,२. क्षिति-मो-धन-धान्य-रत्ना (त्न— ग्रा) दिक— -कम् श्रप ३,१,१७. क्षिति-त्राण— -णम् विध २,१२. क्षिति-पति— -तयः श्रप ५१,४,१, —तेः श्रप ७०३,५,१. क्षिति-पाल—लक्ष्मी— -क्ष्मीः श्रप २४,६,४.

†क्षिति-सृज्- -सृजे अप १,३९, २; अशां ९,२.

क्षिति-(स्थ>)स्था- -स्थाः वाध ३, ४७.

क्षित्य(ति-स्र)न्तिरक्ष-द्य-स्था (न>)ना- नाः ऋग्र १,२,८.

╬स्यत्— -यतः या ९, १०∳; —यन्तः शांश्रो १८,१५,५; गौषि २,४,७; —यन्तम् श्राश्रो ३,८, १: या १०,१२.

क्षियति-> °ति-निगम- -म ',-माः या ५, ३.

क्षेत्र° — पाउमो २, ३,८५; पाग ४, २,३८; —०त्र विथ १,५२; —त्रम् आपश्रो १८,१९,७; बौश्रो; अप ४८,९० ‡ ; या १०,१४ ई; १४, ३; —त्रस्य आश्रो ९, ११,१४ ‡; शांश्रो; निघ ५,४ ‡; या १०,१४;१५ †; —†०त्रस्य आश्रो ९,११,९५; वाश्रो ३,२,५,२१; आपग्रे ३,१८,४८; या १०,१६; —†त्राणि काश्रो १०,५,३; आपश्रो १६,२,०; हिश्रो ११,१,२२; १५,७,८; —त्रात् लाश्रो ९,११,११; आपृ १,५,५; आपृ ३,१५; कौस् ६३,५ †; —त्रे आपश्रो १६,१,३ ‡; बौश्रो; वैश्रो

a) विप. । बस. । b)विप. । बस. > दूस. । c) विप. । कस. > वस. । d) या २,६;१०,१४ परामृष्टः द्र. । e) वैप १ द्र. । f) तु. पागम. । g) = गृह- । h) वैप १,१९९९ h द्र. । i) = धन- । j) शोधार्थं पृ २२५ o द्र. ।

२०,२९ : $\mathcal{L}^{p,0}$; पा ४,१,२३; ५,२,१; पावा ५, २,२९; -त्रेण स्त्रापध १,९,७; हिध १, ३, ७; -त्रेषु बौध ३,२,९;११;१२.

†क्षेत्री ि - - त्रिये व्यापमं २,१२,६; श्रामिष्ट २,१,४:५; बौग्ट २,१,३;५,३०; बैग्ट ३, १५:१२; हिग्ट २,३,१०.

क्षेत्र- पा ४,२,३८. क्षेत्र-कर- पा ३,२,२१. क्षेत्र-करण- -णम् बीश्री १९, ५:३१;६-९:१.

क्षेत्र-कर्मविशेष- -षे श्रापय २, २,४: हिथ २,१,२६.

क्षेत्र-क्षेत्रज्ञ-विज्ञान- -नम् विध ९६,९८.

क्षेत्र-ज^d - जः वाध १७, १४; शंध २९१; वौध २,२,१७; विध १५,३: -जम् वौध २,२,३१.

क्षेत्रज-पुत्रिका-पुत्र- -त्रयोः रांघ २६९; २९१. क्षेत्र-च- पाग ५, १, १२४; १३०; -०ज्ञ विध १,५२; -ज्ञः वैघ १, १०, ५; बृदे ४, ४०ई; या १४,१०; -ज्ञम् विध ९६, ९७;९८; वैध १, ११, १३; या १४,३;१०; -ज्ञस्य चाय्य १६:

चैत्रज्ञ- पा ५,१,१३०. चैत्रज्य- पा ५,१,१२४. क्षेत्रज्ञ-द्वार- -रेण वैध १, ११,३.

24.

चेत्रज्ञ-परमात्मन् -त्मनोः वैध १,९,९५;१९,३;४. क्षेत्रज्ञ-पृथक्त्व- -क्त्वाय या १४,३.

क्षेत्रज्ञ-योगा(ग-य)-त--तम् वैध १,११,४.
क्षेत्र-ज्ञान— -नम् काशु २,
१९; खृदे ४,३६.
क्षेत्र-दार-हर— -रः वाध ३,
१६.
क्षेत्र-वृह्या(व्य-य्र)पहरण—
-णम् शंध २५५.
क्षेत्र-पति— पाग ४, १, ८४;
-तये कौस् ५१, २१; -तिः खृदे
१,१२३.

क्षेत्रपत- पा ४,१,८४. क्षेत्रपती^e- -स्या त्रापश्री ११,१०,१८.

क्षेत्रपत्य,त्या'- -त्यम् बौश्रौ १२, १९: २०; १३, २: ११; हिश्री २२,२,८; श्रापगृ १९,१३; २०, १८: भाग २, १०: १७; हिन् २,९,८; अप ७०३, ६, ४; –त्यस्य हिथ्रौ २२, २, ८; भागृ २,१०: १३; हिए २, ९, १२; -त्याः ऋग्र २, ४, ५७; वृदे 4. 0. क्षेत्र-बीज-भक्त-गो-शकट-कर्षण-द्रव्य- -व्याणि शंध २६२. क्षेत्र-मध्य- -ध्ये आमिए २, ६, क्षेत्र-मर्याद्।- -दायाम् श्रापश्रौ ९,१२,६; वैथ्रौ २०, २५: ८; कौग ३,१३,२; शांगु ४, १३,२. क्षेत्रमर्यादा-भेद- -दे शंध क्षेत्र-वितृ(ण्ण>)ण्णीय--ण्णीम् ३१; बौपि १, १४: ७; १५: ३६; १६: १७; -ण्ण्याम् आप्तिग्र ३,८,२: २८. क्षेत्र-साधस् - -धाः या २,२‡. क्षेत्र-सारथि - -धिभिः कौस् १०६,७‡. क्षेत्रा (त्र-न्ना) पण-गृहा(ह-न्ना) सक्त - क्तम् विध २०,४२. क्षेत्रा (त्र) त्रा-सा - -साम् ऋप्रा २,२४. क्षेत्रिक! - -कस्य शंध २८७². क्षेत्रिन् - -त्रिणः वाध १७, ६; -त्रिणाम् शंध २८८.

९२; -यः पावाप,२,९२; -यम् श्चापश्चौ १३, ७, १६; १८, ८, १३[†]‡; †वाश्चौ ३, ३,१, ११; १२; हिश्चौ १०,५, १; १३, ३, २४^२‡; -‡यात् श्चापम,१२, १०; श्चाप्तिग्र २, १, ४: १०; हिग्न २, ३, १०; कौसू २७, ७;

क्षेत्रिय,या - पा, पावा ५, २,

श्चप ३२, १, ७; श्रश्च २, १०; श्चपं २ : २०. †त्तेत्रिय-नाश(न>)नीⁿ--नी श्चपं १ : १९. क्षेत्रो(त्र-उ)दका(क-श्चा)हरण-

-ले शंध ३११. †क्षेत्री(त्र-श्रो)पधि-वनस्पति--तयः अप ४३,२,३०.

चेत्री (त्र-छो)षधि-वनस्पति-गन्धर्वा (वी-छा)प्सरस् - -रसः आगृ ३, ४, १; कौगृ २, ५, १; शांगृ ४,९,३.

क्षेम^b- पाउ १,१४०; पाग २,४, ३१; -मः श्रापश्रौ ११,४,

a) पाठः ? क्षत्रे इति शोधः (तु. सप्र. तैत्रा ३,७,१०,३)। b) वैप २,३र्खः द्र.। c) पाभे. वैप १,१९९३ k द्र.। d) = पुत्र-भेद-। e) = L क्षेत्रपतिशब्दवती-। ऋच्-। f) वैप १,१९९२ n द्र.। g) = रूप्टक्षेत्र-पृद्-। h) वैप १ द्र.। i) मत्वर्थायप् ठन् प्र.।

श्चामिगृ ३, ८,१ : ७; ११; ३ :।

१४ = भाभी; - मम् शांश्री १२, १७, १‡; श्रप; -मस्य पागृ ३, ४, ४; - ‡माय काश्रौ ४, १२, २२; श्रापश्रौ; - में त्रापश्री २१, २०, ३; बौश्री. क्षेम-कार- पा ३,२,४४. क्षेम-कृत- -कृत् आपध २,२५, १५; हिध २,५,१९५. क्षेम-धृत्विन् भ पाग ४, १, e & b क्षेमध्रिव- पा ४,१, ९६; (>क्षेमध्त्वीय- पा.) पाग ४, ₹,9₹26. क्षेम-प्रापण^c- -णम् श्रापध २, २१, १४; १६; घौध २,२,७६; हिध २,५,१२३; १२५. क्षेम-म्-कर- पा ३,२,४४. क्षेम-यृत्तिन्0->क्षेमयृत्तिb'e-(>क्षेमबृत्तीय- पा.) पाग ४,

३,१३१. क्षेम-चृद्धिन्⁰— पाग ४,१,९६; २,१३८[†].

क्षेमबृद्धीय- पा ४, २, १३८.

क्षेममृद्धि पा ४, १, ९६; (>क्षेममृद्धीय - पा.) पाग ४, २,१३८^६;३,१३१^६. क्षेमा(म-त्र्या)चार - रे स्राग्री ४,१०,५.

?क्षेत्रा(म-श्र)ध्यवस्यत्- -स्यतः वीश्रो १६,२३: ८.

क्षेत्रय^ह – पावा ५, ४, ३६;

- ‡म्यः आश्रौ ३, १२, ७; आपश्रौ ९,७, ६; माश्रौ ९,९, १७; माश्रौ ९,६; वैश्रौ २०,१३:५; हिश्रौ १५,२,२३; ६पाग्रु ३,६-७,४; अप्राय ४,४; -म्यम् आज्यो ९,७; -म्ये आज्यो १०,६; ११,३.

√िक्स (ऐक्ष्यें), †क्षयति श्रव ४८, २१; निघ २, २१; †क्षयति श्रापश्रौ ५,२३,९; †क्षयथ>था श्राश्रौ ४,१३,७;७,११,७; वैश्रौ १५,४:२; पाग्र ३,५,३. क्षेति बोश्रौ १८,४१:२‡^h.

३क्षय¹- -यस्य व्यापश्री ६,२३,१%. †क्षयत्- -यन्तम् या ५,९ई; -यन्ता व्याश्री ८,११,१; शांश्री १०,११,५.

्र‡क्षयद्-बीर'- -रस्य श्रापश्रौ १७, २२,१; हिश्रौ १२,६,२६. √क्षिण् पाधा.तना. उम. हिंसायाम् .

क्षित- √िक्(क्ष्ये) द. क्षिति- √िक्ष (निवासगत्योः) द.

शिक्षितिकाम् [।] कौस् ३२,१२. क्षित्वन् – पाड ४,११४.

√िक्षप्¹⁹⁴ पाधाः दिवाः परः, तुदाः उभः प्रेरणे, शिक्षप्यन्ति¹ विध **४३**, ४२.

ह्मपति बौधौ ११, ७: ३३; वैधौ; क्षिपन्ति श्रप १, ८, ५; क्षिपेत् बौधौ ९, १८: ९×× वैधौ; क्षिपेयुः विध १९,९.

†चित्तिपः ग्राप्तिगृ ३, ६, १:२;

बौषि १,८: २.

†क्षिप्¹— क्षिपः आश्री ५, १२, १५³; शांश्री ७,१५,७³; श्रापश्री १४, ३०,५; हिश्री १५,७,२१; १६,८,१९; निघ २, ५.

क्षिपक,का- पाउमी २, २, १०; पाग ४, २,८०^m; पाना, पानाग ७, ३,४५.

क्षिपिकन्"- पा ४, २,८०.

क्षिपणि¹- पाउ २, १०७; **-णिम्** या २,२८‡∳.

क्षिवणु¹- पाउ ३, ५२; -णोः त्र्यापश्री १७,१८,१‡,

क्षिपण्यु- पाउ ३,५१.

क्षिपा- पा,पाग ३,३,१०४.

†क्षिपित- -तः त्रापश्रौ ४,११,५; माधौ ४,१७,२; हिश्रौ ६,३,८.

क्षित, सा- -सः याशि १, ३४; -सम् शैशि ९९; १०५; -सा

या ६,४‡; -से याशि १, ४९; -सै: बृदे २,४३.

क्षिप्त-योनि⁰- -नेः आगृ **१** २३,२०.

श्विप्त-सर्वसाधन-संयुत्त -तम् श्राप्तिग्र ३,१०,४:१८.

क्षिप्टवा वैग्र २, २: १४; कप्र **३,** २,५; शंध ४३९.

'क्षिप्नु^व- पा ३,२,१४०.

क्षित्र¹- पाउ २, १३; पाग **५, १,** १२२; -प्रम् शांश्री १२, २३, ४[‡]××; त्रापश्री; श्रापमं १, १, ८[‡][‡]; या ३, ९∳; ५, २; ३;

a) व्यप. । व्यु. ? । b) तु. पागम. । c) विप्. । उस. । d) ग्रर्थः व्यु. च ? । e) क्षेमहिंदि इति भाण्डा. पासि. BPG. च । f) तु. पाका. । क्षेमहिंदि इति भाण्डा. प्रसृ. । g) वैप e, १९९३ e हते भाण्डा. प्रसृ. । g) वैप e, १९९३ e हते भाण्डा. प्रसृ. । g) वैप e, १९९४ e, श्रात्रां स्थलमिंप तत्र योज्यम् । e । वैप e हते । e श्रां भाज्यमं । e । विप. ।

वैप४-त-२५

८, १३; ११, ५०; १२, ४४; —प्रमंड-प्रम् अप ६८, १,३८; —†प्रस्य अप ४८,१०६; निघर, १५; —प्राः भाशि ६⁴; —प्राणि आज्यो ५, २; —†प्रे आपश्री २२,१६,९; वौश्री १६, २०: २०; वाध्र्यो २, ९:५; ३, ४४:१५; हिश्री १७,६,३३†; —प्रेण सु २३,२.

क्षेत्र^b— पा ५, १, १२२; —प्रः ऋप्रा ३,३४; ग्रुप्रा; —प्रस्य माशि ७, ६; याशि १, ८०; नाशि२,१,२; —प्राः ऋप्रा२,२३. क्षेत्र-नित्य—ं-स्ययोः तैप्रा

20,5.

क्षेप्र-वर्ण- -र्णान् ऋप्रा १७,२३.

क्षेप्र-संयोगै (ग-ए)का-क्षरीभाव- -वान् ऋग्र १,३, ६; ग्रुग्र ५,६.

क्षेत्रा(प्र-य)भिनिहित--तेषुऋपा३,१३; –ती ऋपा ३,१८.

क्षेप्री√भू >क्षेप्रीभाव> व्य - व्ये ऋप्रा ७,१०.
क्षिप्रं-सुवन - नम् श्रापण् १४,
१३; भागु १,२२:८.
चिप्र-कर्म-प्रसाधक- -०क श्रशां ४,५.
क्षिप्र-काम- -मः गोध २६,६.
क्षिप्र-कारिन् -रिणः या ९,९;
श्राज्यो ७,३.

क्षिप्र-जन्मन्⁰- -न्मा श्रप १७, 9, 47. क्षिप्र-ता- पा ५,१, १२२. क्षिप्र-त्व- या ११,१६; -त्वेन पा ५,१,१२२. क्षिप्र-द्रावि(न्>)णी-- -गी या क्षिप्र-धन्वन् e- -न्वा सु २३, 9: 3. क्षिप्र-नामन् - म या ५,३;१७; ६, १२; १२, २२; -मनी या ६, १; -मानि निघ २,१५; या 3, 9. क्षिप्र-प्रसवन^c- -नम् हिए २, क्षिप्र-प्रहारिन् - -री या ५,१२. क्षिप्र-यल्व - - ले शैशि २०१. क्षिप्र-वचन-- -ने पा, पावा ३, 3,933. क्षिप्र-चाहिन्- -ही अप १, 83.9. क्षिप्र-विपाक- > °िकन्--कीनि अप ७२,१,२. क्षिप्र-इयेन¹- -नः श्रप १,३२,३. चिप्र-संस्कार^d - -रम् वौधौ२७, 9:9. क्षिप्रसंस्कार-तम- -मम्

क्षिप्रसंस्कार-तम- -मम् बौश्रौ २४,९ : ३. क्षिप्र-संश्कृत- -कम् श्रशां २,१. क्षिप्र-संश्चि- -श्विः शांश्रौ १२, १३,५; निस् १,७ : ३२. क्षिप्र-हन्तृ- -न्तारौ या १३,५. क्षित्र-होम^ह— -माः कत्र ३,८,२;; -मेषु कत्र १,९,५.

क्षिप्रहोम-वत् कप्र ३, १०,

क्षित्रा(प्र-श्र)श्नि - श्मिम् माश्री १,५,३,१; ६,१,३,२३.

क्षिमे(प्र इ)षु b - पने या १०,६. १क्षेप - पः छुदे १,३९,४९; याशि १,६८; -पम् याशि १,७२; -के विध ५,३१;३३ ; पा २,१, २६;४२;४७;६४; ५,४,७०;६, २,६९;१०८; पाना ५,२,१३१; ६, ३,७४.

क्षेप-संज्ञक d --काः माशि १३,५. २क्षेप b -,>क्षेपिमन् k -, क्षेपिछ k -, क्षेपीयस् k - पा ६,४,१५६.

क्षेपण- -णम् या २,२८. क्षिपस्ति¹- -स्ती निघ २,४. क्षियत्न-, चियति- √क्षि(निवास-

गत्योः) द्र. **क्षिया**- प्रसृ. √क्षि(च्रये) द्र.

√ित्त्वृ^m पाधा. भ्या. पर. निरसने. √ित्त्वप् ^m पाधा. क्रया. पर. हिंसायाम् . √शीज् पाधा. भ्या. पर. श्रव्यक्ते शब्दे. श्रीण- प्रसृ. √िक्ष(क्षये) इ.

द्शाण- प्रमु: √ाल्(ल्य) द्र. √क्षीब् पाधा. भ्वा. श्रात्म. मदे. क्षीब°- पा ८,२,५५.

क्ष्तीयमाण- √िक्ष (चये) द. क्ष्तीर^h- पाउ ४,३४; पाग २, ४,३१; -रन् माश्रो ५, १, ९, ९,

वाध्र्यौ; श्रप ४८, ७५[‡]ः, निघ १,१२[‡]ः, या २, ५∳; -रस्य

a)= [रेफयकारसिंहतैकाक्षरवर्ता] संज्ञा-विशेष-। b) भाष., नाप. (स्वरितस्वर-भेद-, संधि-विशेष-)। c)= कर्म-विशेष-। उस.। d) विष.। वस.। e) व्यप.। वस.। f)= पिक्ष-विशेष-। g)= होम-विशेष-। उस.। h) वैष १ द्र.। i)= निन्दा-, विमोक- प्रमृ.। i) ° कांचेष इति जीसं.। k) पाप्र. < क्षिप्र— इति। i)= बाहु नामन्-। व्यु. १। i)= $\sqrt{2}$ शिष्र- इति। i)= शिष्ठ- च। i)= शिष्ठ-

अप ३६,१६,३; ३८,२,१; शंध ४०५; बौध ४,५, १३; —राणि शंघ ४१८; ४२४; —रे आपश्री ३,३,१३०×; बौश्री; —रेण बैश्री १,४: ४; हिश्री; पावा २,१,१; —रेषु शंघ १५५; ४१८. क्षेरेय— पा ४,२,२०.

क्षीर-क्षार-छत्रण-विकय- -ये सुध ५८.

चीर-द्वि-मधु-घृत-पूर्ण- -र्णानि विध ८७,६.

चीर-धारा— -सः वाध ११,२२. क्षीर-धेनु— -नुम् श्र्य ९,३,२. क्षीर-प॰— -पः वौश्रौ १८,४५: ६. क्षीर-पान॰— -नम् वौश्रौ २,९:१६. क्षीर-प्राशन— -ने शंध ४२५; सुध ३४.

क्षीर-अक्ष- -क्षः कौस् २२,८ क्षीर-अक्षित् - -क्षिणः अप ३५, २,६.

क्षीर-भाण्ड-भेदन- -ने काध २७६: ११.

क्षोर-मध्या(धु-न्ना)ज्य- -ज्यैः त्रप ३५,१,११.

क्षीर-यव-पिष्ट-विकार- -रान् वाध १४,३८.

क्षीर-लेह- -हम् कौस् ३०,५. †क्षीर-वत्- -वान् श्राप्तिगृ ३,८, २:६३; बौषि १,१५:६७; , अश्र १८,४.

क्षीर-विक्रय – -यात् वाध २,२७. क्षीर-विवर्जि(त>)ता – -ताः सु \mathbf{g} \mathbf{g} , ३.

क्षीर-वृक्ष^b - -क्षाः वोश्रो २८,१३ : १०; -क्षाणाम् ग्रव ७०^२,२२,१. क्षीरवृक्ष-निषेत्रण- -णम् श्रप ६४,७,५. क्षीरवृक्षा(र-श्र)ह्नुर- -राः श्रशां १२,५.

क्षीर-श्री° - न्श्रीः श्रप्राय ३,३ †. क्षीर-समायुत - न्तम् श्रप ६५,३,८. क्षीर-सर्पिस - -पिं: वाध्यौ ४, ९६: ८;९.

√क्षीरस्य पा, पावा ७,१,५१. क्षीर-स्रव- -वे त्र्य ७०^९,८,३. क्षीर-हारिन्- -री शंघ ३७७: २०. क्षीर-होत्- पाग ६,२,८१; -‡ता

क्षीर-होतृ- पाग ६,२,८१; - नता काश्री ४,१४,३१; खापश्री ६, १५,१६; भाश्री ६,७,३.

श्चीर-होम- -मात् अप ३६,१०, ३. श्चीरहोमिन्- -मी काश्ची ४,१०, १६.

क्षीरा(र-ऋह≫)का- -क्ता अप २६,३,३.

क्षीरा(र-स्र)णैव^d- - वे स्राप्तिगृ २,४, १०: ३४.

क्षीरा(र-या)सेचन- -नम् काश्रौ २५,१२,१३.

क्षीरिन् - -रिण: आशिष्ट ३,५,५: २; बौषि १,४:२; साष्ट २ं, ३०:४; हिषि १:६; अप २६, ५,५; बाशि १,३७; नाशि २, ८,४; -रिणाम् आपण्ट ६,५; अप ५३,१,५;६८,२,१५.

क्षीरिणी— -णीः काश्री २५,७, १६; श्रापश्री १४, २४, १२; हिपि १३:६; —ण्यः श्राप्तिपृ ३,५,५:८; बौपि १,४:८.

क्षीरो(र-उ)स्सिकः - के माश्री ५, १,६,१७; कौस् ४८,४१; -केन

हिपि ९ : १; कौसू ८२, २७. क्षीरो(र-उ)द् 4 - -दम् विध १,३३;

-दे विध १,३२. क्षीरोद-नभस् - -भसि श्रप

५२,१३,४. क्षीरोद-ग्रुक्तिपुटगर्भ-विकीर्ण

क्षाराद-ग्राक्तपुटगभ-विकाण मुक्तासंघात-पाण्डुररज⁶- -जः श्रप २४,५,५.

१क्षीरो(र-उ)दक^b - केन श्राय ४,
 ५.४; गौषि १,५,२२; २,१,३;
 -कै: कीय ५,५,५.

रक्षीरो (र-उ) दक - -काम्याम् काश्रौ २१, ४, १९; -के काश्रौ १८, ५,८; पागृ ३,१०, २८; जैगृ २,५:१२.

३क्षोरो(र-उ)दक d - कम् शंध ११६: ७.

१क्षीरो^ह(र-ब्रो)दन^b -नम् द्राश्री १३,१,१५^b; कौग् १,१९,८; ब्राप २०, ३,४; वाध २१,६; -नस्य द्राश्री १३,१,१३¹; -नेन वौग् २,११,५४.

क्षीरोदन-हविस्- -विःषु श्रप ७०.६,४.

२क्षीरो(र-श्रो)दन^e- -नः श्रप **४६,** ७,४.

क्षीरो(र-उ)दक्षित् - कित् कौस् ३१, २४.

१क्षीरौ(र-न्रो)दन^b - नम् शांश्रौ १४,१६,४; लाश्रौ ५,१,१३^b; श्रामिय २, ५,१:३५; जैय; -नस्य हिश्रौ ६,८,१; लाश्रौ ५, १,११¹; कौस् ४३,१३.

क्षीरीदन-पुरोडाश-रस- -सान् कौस् ७,६.

a) उप. $<\sqrt{q_1(q_1)}$ । b) मलो. कस. । c) वैप १ द्र. । d)= क्षीर-सागर-। e) विप. । द्वस. > वस. । f) द्वस. । g) संहितायां वृद्धिविकल्पः । e) सपा. शोदनम् <> शौदनम् इति पामे. । e) सपा. क्षीरोदनस्य <> क्षीरोदनस्य इति पामे. ।

क्षीरीद्ना (न-आ) दि- -दीनि कौसू ४९,२२. क्षीरीदनो (न-उ) रक्च-स्तम्ब-पाटा-विज्ञान - -नानि कौस् ₹७.9. २ चीरौ(र-श्रो)दनb- -नः कौस् १२७, २; १३८, २. **क्षीरकरा**,ल[©]]सभव् -स्भाः बौश्रौप्र ११:9. क्षेरकलम्भ- -म्भः लाश्रौ १०, 90,20;93,96. श्रीरहृद् - (>क्षेरहृद् - पा.) पाग 8,9,997. √क्षीव √ित्तव् टि. इ. √श्रीष् √क्षिष् टि. इ. √क्ष पाधा. श्रदा. पर. शब्दे. क्षव!- - वम् श्रप १, २६,५ . क्षवथु- -थुः बौश्रौ २, ५: १६ ‡; -थुम् श्रापध २, ३,२; हिध २, १, ३३; -यो त्रापध १, १६, १४; हिध १,५,१३. क्षुत्वा श्रागृ ३,६,७; गोगृ. **श्च** - †श्च त्रप ४८,८८; निघ २,७. †श्च-मत्- -मति त्रत्र १८, ३; -मन्तम् आश्री ५, १२, ९; ६, ४,१०; शांश्री ७, १५, ३; ९, १२,१; ऋश्र ३,२८. क्षुमती- -ती: आपधी २४, 93,34. श्रुच्छस्त्रमरण- प्रमृ. √चुध् इ. **√शृद** पाधा. रुधा. उभ. संपेषणे, क्षोदति^{ष्ठ} निघ २,१४. १अद्भाद,दा - पाउ २, १३; पाग ४, २.९०^b; ५,१,१२२; -द्र: अअ

१०, १०; -द्रम् या १०, ४२ ‡;

-द्रस्य या १३, ९; -द्राः बौश्रौ १८,१५: १३+; -द्राणि बौश्रौ १७, ३१: १७; -द्रान् आपध १, ३२, १८; हिंध १, ८, ६०; -द्राभ्यः पा ४, १, १३१; - मेद्रेभ्यः अप ४६,९,६; १०, २१; श्रद्य १९, २२; २३; -द्रेषु श्चपं २: ४; पावा ६,१,६२. क्षद्र-कर्मन् b- -र्मा चव्यू ४: क्षद्र-काण्ड->°ण्डा(एड-श्र)र्थ-सूक्त-मन्त्र- न्त्राणाम् अग्रभ् ۷. क्षद्र-कोट-> ∘ट-मक्षिका-पिपीलिका-वर्जम् बौधौ २७, क्षद्र-जन्तु- -न्तवः पा २, ४,८; -न्तुनाम् शंध ४०९. अद्भानन्त् (न्तु-उ)पताप--पयोः पागवा ५,२,९७. श्रुद्र-ता- पा ५,१,१२२. क्षद्र-तृण- -णानि बौश्रौ १४, 39:90. क्षद्र-त्व- पा ५,१,१२२. क्षद्र-धमनि- -नीनाम् विध ९६, क्षद्र-धान्य- -न्यम् अप ६३, 3,3. १श्रद्र-पद्1 - दम् बौशु १ : ३; -दानि बौश्रौ ६,२२: १४;१६; २क्षुद्र-प(द>)दा - -दा उनिस् v: २२. क्षद्र-पशु- -शवः शंध ३०७. क्षद्रपशु-काम- -मः गोगृ ४,

९,१३; द्राय ४, ३,१६. क्षद्रपशु-मत्- -मान् श्रापध २,१६,११; हिथ २,५,१०. क्षद्रपशु-स्वस्त्ययन-काम--सः गोगृ ४, ५, ३०; द्रागृ ४, 9,94. क्षद्रपश्व(शु-त्र)नृत- -ते गौध १३, १५. क्षद्र-मिश्र- -श्रेः याप्तिम ३,६, ३: २२; वौषि १,११: १८. अद्र-संज्ञा->°ज्ञिन्- -ज्ञिनाम् अप ६४,५,४. क्षद्र-समिध्- -मिधाम् वौध १... ६,२३. १अद्र-सूक्त- - केप् कौगृ २, ४, १८; शांगृ २,७,२१. २क्षद्र-सूक्त- -काः आगृ ३, ४, २; कौगृ २,५,१. अ़द्रसूक्त-महासूक्त- -काः शांग्र ४, १०,३; चृदे ३, ११६; ऋग्र १, २, २; -क्ती श्रप ४३, 8,93 1. क्षद्रा(द्र-त्रा)चरित- -तान् त्रापध १,३२,१८; हिंध १,८,६०. क्षद्रा(द्र-ग्र)नत्र -नत्रम् विध 98,99. क्षुद्री \sqrt{n} > °द्री-चिकी(\sqrt{n} >) र्षा- -र्षया निस् ६,११:१२. क्षद्रीय- पा ४,२,९०. क्षद्रो(द्र-उ)पद्रव- -वः अप ३५, क्षुद्रोपद्रव-नाशन- -नम् श्रप ७,9,₹. २क्षु (z>) द्र। $^{k}->$ क्षीद्र- पा ४,३,११९; -द्रम् अप ६४,८,

c) ॰ल॰ इति लाश्री.। a) द्वस. > पस. । $^{\circ}$ पाठा $^{\circ}$ इति संस्कर्तुः टि. । b) विप. । बस. । d) = ऋषि-विशेष- । ब्यु. ? । e) ब्यप. । ब्यु. ? । f) वैप १ द्र. । g) संप्रेपणे इति दे. ? । h) पू ८६७ S टि. इ. । i)=प्रमाण-िवशेष-। j)=उष्णिग्-भेद-। बस.। k)=मधु-मिक्का-।

9: 502,0,5; 68, 8, 2;98, १: -द्रे अप ७०१, ७,११; ७१, १०, ४; विध ९९, १४; -द्रेण वाध २८,१८.

क्षीद्-क्षीर-पलाश-धूम-दूर्वा-रजत-कनक-विद्यम-प्र(भा >) भ- -भेष अप ६५,१,५. चौद्र-युक्त- -क्तैः विध ९०, 90.

क्षोत्त- पाउव २,९४.

क्षोद->क्षोदिमन्a- पा ५, १, 922; 8,8,944.

क्षोदिष्ठ°- पा ६,४,१५६; -ष्टाः वाश्रौ है, ३, १,५१; अप्राय ५, ३; - ष्टान् ग्रापश्रौ १८, ११, १४: हिश्रौ १३,४,२२.

क्षोदीयस् - पा ६, ४, १५६. †क्षोदस्^b- -दः श्रप ४८, ७५; निघ १, १२; -दसा आश्री ३, ७,६; ८,९,२; शांश्री ६, १०, २; १०,९,४; ११, ५; ऋ॥ २, 0,84.

क्षुद्रक°- -कान् अप ५०,२,५. क्ष्रदक-मालव-(>क्षीद्रकमालवी-पावा.) पागवा ४, २, ४५.

√श्लुष्° पाधा. दिवा. पर. वुभुक्षायाम् , क्ष्येत् आप्रियः २, ७,८:३.

क्षुध्b- पाग ४, १,४¹; ५,२,३६⁶; पात्राग ३, ३, १०८; क्झत् काश्री १८, २, २; त्रापश्री १७, १२, ५; बौध्रौ २, ५: १××; वाधूश्री; †श्रुध: श्रापश्री ५,१,७; १०,१३,११^h; बौश्रौ २८,९: २२^b; वाधूश्रौ ३,९: १४; हिए १, १७, ४h; †अधम् आपश्रौ १९, १३, २०; बौश्रौ १९,५: १६; वाधूऔ; क्षुधा श्रापश्री ९, २०, ७+; हिंध २, ५, १९०; †अधे गोग ४, ९, १४; दाग 8, 3,94. **क्षच्-छस्त्र-मरण- -णैः** ऋप

5,9,500

१क्षच्-छस्त्र-ज्याधि-वर्षा (पी-य) ग्नि-मृत्यु-सस्यानिलानयोः अप ६३,४,६.

क्षुच्-छ्वासा(स-य)मि-भय--यम् अप ६३,३,५.

क्षुत्-तृष्णा(ष्णा-त्र)पनोद्न- -ने विध ६३,१८.

क्षुत्-पाप्मन् - प्मना माश्री ५, २,90,9€.

क्षुत्-पिपासा- -साभ्याम् गोगृ 8,9,98.

क्ष्रिप्पासा-सह- -हाः ऋप EC, 9, 29.

क्ष्तिपपासित- -तः वाध १६,३३.

क्षुत्-पिपासा-भय- -यम् अप 22,90,4.

क्ष्त्-सहन- -ने अप ४८,५३. क्षद्-भय- -यम् अप १९, १, ८; ५१,३,५××; बृदे ६,९०. अद्-यु(क >)का- -कासु

बौश्रौ १६,३१: १०. क्षुद्-रोग- -गः त्रप ७०^२, ७, ६; ७१,९,२.

क्षुधा- पा ४; १,४; -धया

विध ४३, ३६; -धा अप २३, १४, ६; वाध १२, ४; आपध 2,24,99.

क्षुधा-काल- ले अप २३, 0, 8.

श्रधा-परीत- -तः वाध १२,

क्षुधा-रोग-मृत्यु-शस्त्रा-(स्त्र-ग्र)ग्नि-कोपन- -नाः श्रप 46,9,90.

क्षुधा(धा-र्ख्रा)र्त- -र्तः विध 3, 09.

क्षधित- पा ५,२,३६; -तः कप्र २,२,९1; वैध २,१५,९; -तस्य वेध २,१५,८.

क्षधुन- पाउ ३,५५.

क्षुध्य(त्>)न्ती- -न्तीम् वाश्रौ २, 9,4,98.

क्षोधुक,का- -कः श्रापश्री १६, २६, १० ई वैथ्री १८, १८: १५ ई; हिश्री ११, ७,५० =; गोग १,६, २; -का मांश्रौ ६,१,६,५; वौपि १,२:७ मा; हिपि ४:३ मा; -काः श्रामिगृ ३,५,१:२१ ई.

क्षप- पाउमो २,२,२०९.

√क्ष्म् पाधा. भ्वा. श्रात्म., दिवा. क्या. पर. संचलने, क्ष्म्यते या 4,9 4.

क्षुब्ध- पा ७,२,१८; -ब्धम् बृदे 8,43.

क्षुब्ध-दुन्दुभि-निनाद- -देषु त्रप ६५,१,६.

क्षोभ- -भम्, -भे श्रप ६८,२,३८ †क्षोभणb - - णः तेप्रा ९,३.

a) पाप्र. < क्षुद्र – । b) वैप १ द्र. । c)= क्षत्रिय-, जनपद-विशेष-। व्यु. ? । श्रन्यत्र °वक – इति । e) पा ७,२,५२ परामृष्टः द्र. । f) तु. पागम. । g) क्षुधा – इति पाका. । h) पामे. वैप १, अधिगम्यते शौ ७, १०६,१ टि. इ. । i) क्षुदितम् इति पाठः ! यनि. शोधः । j) पामे. वैप २,३ खं. श्लोधुका टि. इ.। k) पा ८,४,३९ परामृष्टः इ.।

क्षमा8- पाउमो २, २,२४२. क्षीम,माb- पाग ६,२,८८°; -मम् काश्री ४,६,१९; ७,२,१५; १५, ५,८; श्रापश्रौ १०, ६, ४; २४, ७: बौश्रो १८, १६: ३; १९: २: भाश्रौ; निस् १, ११: ८; कौंग्र १, ८, ८; शांग्र १, १२, ८: गोगृ २, १०, ११; जैगृ १, १२ : ५०; विध ४४, २७; -प्राणाम् बौध १,५,३५; विध २३,२२; -माणि वौध १,६, १०; -मे काश्री ४,७,१२; १५, ९,२३, श्रापश्रौ ५,४,१०; १९, १, १; ५, ७; भाश्री ५,२, २२; माधौ १,५,१, १२; २,१,४,३; ५; वाश्री; -मेण श्रापश्री १०, २४,9४; १६, ३, ७; २०,9७, ९;१८,३; भाश्रौ १०,६,८;१६, ११: हिथ्री ७,१,४८; २,४४. क्षोमी- -मी आश्रो ९, ४,

१७; लाश्रो ९,२,१५.
श्रीम-ज- -जानाम् वाध ३,५५.
श्रीम-दशा- -शाम् गोग्र ४,२,
३०.
श्रीम-वत् वौध १,५,४०.
श्रीम-शाण-कम्बल-वस्न -स्वम्
कीस् ५७,१३.
श्रीम-शाण-कार्यास्।,श्रव] -सानाम् द्राश्री ५, २,४; लाश्री
२,६,१.
श्रीम-शाण-कार्यासी(स-श्रो)ण-

-र्णानि गोगृ २,१०,७.

क्षीमा(म-श्र)न्त- -न्तेन काठश्री

क्षौमि(क>)की- -कीम् कौस् ५७,३. √अुम्प्, क्ष्मपति निघ २,१४ ‡. क्षुमप^e- - ‡म्पम् श्रप ४८,११५; निघ ४,२; या ५,१६\$र्क;१७. √शुर् पाधा. तुदा. पर. विलेखने. श्चिर्(क>)का¹- पाउना २,४४. क्षर°- पाउ २, २८; -रः शांश्रौ १२, १५, १‡; बौश्रौ; -रम् काश्रौ ७, २, १२; बौध्रौ; -रस्य वैगृ ३,२३: ४; -रे वैश्री १२,६:३; -रेण काश्री ७,२,९; श्रापश्री. १ जीर ह- -रम् श्रुत्र १,२२७. २क्षीरb- -रम् ग्राज्यो १०,३. क्षर-कर्मन् - -र्म आज्यो १०,१. क्षरकर्मा(म-आ)दि- -दिना वैगृ 3,96:8. क्षर-कृत्य- -त्यम् गोग् ३,१,२०. क्षर-कान्त1 - -न्ते अप ६३,१, ९. क्षर-तेजस्- -जः श्रागृ १,१७,१६. क्षर-घा(रा>)र¹- -रान् अप १, 40,6: क्षर-पवि,वी°- -वि सु २५,३; २७, २: -विः वाध्यौ ४,१५: ४; सु २५, १; माग १, १५: १२ +; हिए १,२४,५+; भाशि १०३+. -विना या ५, ५‡; -व्यः सु 34,4.

ख़्लु°- >†क्षुल्ल-क°- -कः निघ 3. २; -काः अप्रा २,३,१३. क्षुहक-तापश्चित^k- तम् त्राश्रौ १२, ५, ९; शांश्री १३, २५. ६; निसू १०, ९:१; -ते काश्री 28,4,6. क्षह्रक-वैश्वदेव º- पा ६,२,३९; -वस्य बौश्रौ २५,२१:१६. श्रहक-वैष्टम्भ¹- -म्भम् निस 4,0:96. श्रुहको(क-उ)पस्थान**−** शुत्र १,१९९. भ्रवका^m-(>क्षुवका-वत्-,क्षुविकल-पा.) पाग ५,२,१००. क्षण- पाउमो २,२,१२३. क्षेत्र-, °त्रिक-, °त्रिन्-, °त्रिय- प्रमृ. √ित्त (निवासग°) द्र. १-२क्षेप- प्रमृ. √क्षिप् द्र. क्षेम- प्रमृ. √िक्ष (निवासग°) द्र. √क्षेत्र पाधा. भ्वा. पर. निरसने. √क्षे पाधा. भ्वा. पर. क्षये, **श्लायति** श्चापथ्रौ ९,१५,६; ७‡; बौश्रौ २७, १२: २; भाधौ ९, १७, ६; हिश्रौ १५, ४, २६; क्षायेत्

४,२८. श्रामⁿ- पा ८, २,५३; -मः अप्राय २,१; -मयोः माश्रौ ३,१,२२; -माः अप ६८, १,४२; -माय श्राश्रौ ३,१३,४; काश्रौसं ३२: ५; -मे^० श्राश्रौ ३,१४,२; काश्रौ २५,८,१७; बौश्रौ २७,२: १२; वैश्रौ २०,२६:८; बौग्र

भाश्रो ९,१७, १०; हिश्रो १५,

a)= त्रतसी-। व्यु. $?<\sqrt{8}$ इति प्रायिकम्। b)= वस्त्र-विशेष-। विकारे अण् प्र.। c) श्रर्थः? ।

श्चर-पाणि!- -णिः गोगृ २,९,४.

क्षर-विपा-> °पि-शीर्षच्छिद-

-च्छिदी शांधी १४,२२,४.

क्षर-संस्पर्श- -र्शे कौस् १४१,१५.

n) वैप १ निर्दिष्टयोरिह समावेशः द्र.। o) था. दहने वृतिः।

k)=सत्र-विशेष-। कस. । l)=साम-त्रिशेष- । m) श्रर्थः व्यु. च ? । तु. पाका. । धुवक- इति भाए π ।

१३; भाग ३,१८: ९;१८; मीस् 8,8,96. श्चाम-काष⁸- -षम् वौश्रो २,१४: 99; 4, 90: 94; 30; 28, क्षाम-नष्ट-हत-दंग्ध-व (त् >) ती--तीः श्राश्रौ २,१४,२३. १क्षाम-चत्- - ‡वते शांश्री ३,४, १३: ग्रामधौ; -०वन् ग्रामिय २.७.९:२० +; - वान् वौश्रौ २९, १: १२; भागृ ३,१९: ५; कप्र 2,8,94.

्र/नै>

क्षामवती- -तीम् त्रापश्रौ ९, ३, २३; भाश्री ९, ५, २१; वैश्रो २०, ९:१; हिथी १५, १, ७३; ऋप्राय ५,५; -वत्यः हिश्रौ २२, २, १३. क्षामा(म-श्र)भाव- -वे श्राश्रौ

3,92,22. २क्षामवत् पा ८,२,५३. क्षेतयत⁶- (>क्षेतयतायनि- पा.) पाग ४,१,१५४.

क्षेतवत्-√िक्ष (निवासग°) द्र. क्षेति- √िक्ष(क्ष्ये) इ. क्षेत्र-,°त्रज्ञ- प्रमृ.√ांक्ष्(निवासग°)इ. क्षेप्र- प्रमृ. √क्षिप् इ. क्षेमवृत्ति- प्रभृ.√िक्ष (निवासग°) इ. क्षेमिति°- -तिः बौधीप्र ४८: ८. क्षेरकर्, लाभि- शीरकरा, लाम्भ-द. क्षेरहद् - क्षीरहद् - द्र. क्षेरेय- क्षीर- इ. √श्लोट व पाधा. चुरा. उभ. क्षेपे.

४,९,४; त्राप्तिगृ २,७,९:६; | +च्चोण°- - णस्य निच ४,३; या ६,६. क्षोणि,णी°- पाउ ४,४८; -णिः निघ १,91; -णी अप ४८, ६०8; ७२1; निघ ३,३०8. क्षोत्त-, क्षोदस-,क्षोदिमन्,क्षोदिए-, क्षोदीयस्- √जुद् द्र. क्षोधक- √ध्रुध् इ. चोभ-, क्षोभण- √जुभ द्र. क्षोम- पाउ १,१४०. च्तीणी - -णी विध ५,१८३; -णीम् विध १,६२. चौद्र-प्रमृ. √कुद् द्र. सीद्रकमालव- क्षुद्रक- द्र. चौम-, क्षोमिकी-, क्षोमी- क्षुमा- द्र. १,२झोर- चुर- इ. √क्ष्णु¹ पाधा. श्रदा. पर. तेजने. क्ष्माe- पाउ ५, ६५; †क्ष्मया आश्री २.१५.२; शांश्री १०,१०,८; या १०,७ई; †स्मा अप ४८, ७२ निघ १,9; या १०, ७०. √क्षमाय् । पाधा. भवा. श्रात्म. विधूनने. √दमील् पाधा. भ्या. पर. निमेष्णे.

> . शब्दे. क्ष्वेड-> क्ष्वेड-घण्टा-बाद्य-कर->°कर-नट-वृथाप्रवजित-रङ्ग-वैताल-लेखनजीवक-देवलक-नक्ष-त्रजीवक-ग्रामयाजक-पयिहित-पर्याधारक(?)-परिषङ्गक-पौनर्भ-व-दिधिपूपति-राजसेवक-तत्पुरो-हित- -ताः काथ २७२ : २. क्वेडन1- -नम् ऋपा १४,२०.

√िक्ष्वड्^k पाधा. भ्वा. पर. श्रव्यक्ते

क्षेवेडिता(ता-त्रा)स्फोटितो(ता-उ) रक़(ए>)एा- -एाः अप ५८रे, 8,93.

√दिवद् पाधा. भ्वा^m. त्र्यात्म., दिवा, पर, स्नेहनमोचनयोः. क्ष्वेदित-, क्ष्वेदितवत्- पा १, २, √क्ष्वेल पाधा. भ्वा. पर. चलने.

ख

ख>ख-कार- -रे ऋपा ६,२१. खकार-यकार- -री ऋप्रा ६, ख-फा(फ-ग्रा)दि- -दयः पाशि

ख-य- -यी शुप्रा ४,१६७. ख-सवर्ण- -र्णम् याशि २,३६.

१ख- ख" वेज्यो १८; खे° ऋत ३, 6,4.

२ख^e- पाउमो २,२ ५१^p; खम् त्रापश्रो २, १० ४ ई; ४,४,४; भाश्री ४,५, ५; माश्री १,५,६, १८ = वाश्री १,१,२,१६;३,३, २८+; हिथ्रो १,८,२१+; ६,१, ५१; द्राश्री ५,४,८; शंध ११६: ६०0; विध ८,३३; बृदे ७,९३; शुत्र १, १२ ई ४, १३२; या ३, १३ई; पाग १, ४, ५७; खस्य तेप्रा २२, ९; १०; खात् शुप्रा १,६; खानि वाय ६, ३६; त्राप १, ३९, ३+; ऋशां ९, ३; वाध ३,२८; बौध १, ५, २१; विध २३, ५१; ६२, ८; ७१,

c) = ऋषि-विशेष-। व्यु. ?। b) व्यय. 1 व्यु. ? 1 a) =[भाण्डसंलग्न-] दग्धांश-। कस.। g) द्यात्रापृथिवी-नामन्-। $d)=\sqrt{\mathrm{e}}$ ों दूर्होत [पक्षे] BPG.। e) वेप १ द्र.। f) पृथिवी-नामन्। h)= पृथिवी- । व्यु. i । i) पा १,३,६५ परामृष्टः द्र. j) पा ७,३,३६ परामृष्टः द्र. । k) = $\sqrt{$ क्षिवद् इति । पक्षे । BPG. । l)=ध्वनिदोष-विशेष- । $m)=\sqrt{$ िवद् इति [पक्षे] BPG. भागडा. पासि. । n) निर्श्निकिकः पाठः । = विशाखानक्षत्र-। o) दुःख- इत्यस्याऽन्तिमाक्ष्रस्य सप्त१ । $p) < \checkmark$ अश् (ब्याप्तौ) । q) = एकाद्शस्द्रेष्वन्यतम- ।

क्ष्वेडि(त>)ता- पाग २,४,३१.

७९; गौध १, ४१; अत्र १०, २+; या १०, ९+; +खे आपमं १,१,९३; सु ८, १; कींगृ १,९, ७; शांग्र १, १५, ६; काग्र २५, ९रे; २६,३४; मागृ १, ८, ५१रे; वागृ १४, १३; कौस् ३५, ७; त्रप ५८^२,२,८; या १, ९; ऋप्रा २, ४५; १३. १; शैशि २२९; याशि २,६८; खेन कौस् १५,४; ७२,१६; खेम्यः या ३, १३. ख-कोटि- -टिप् अप ६५,१,७. ख-ग- -गै: वाध ३,४५. ख-गम^a-> खगमा(म-ग्र)गम्य--म्यम् विध १,३७. ख-चर- -राः श्रप ५२, १२, ३. ख-रछ^b— -रछ: ख-रछद्^b— -दः या ४,१८. ख-द्योत- -तः शंध ३७७: १६; -तानि अप ६५,२,४. ख-मृति-मत्- -मान् विध ५५,१६ १ख-र- पावा ५,२,१०७. ख-श(य>)या- -या या ९,१९; -याः या १,४. ख-शरीर c ->°रीरिन्- -रिणः कप्र १,१०,९ त. खे-चर-राः श्रप ५७, ३, ५; -राणि अप ५०,११,१३. †खगल्य e- ल्यम् श्रापश्री १६,९८, ४: वेथी १८,१५: १२; हिथी ११,६,२६. √खच¹ पाधा.क्या.पर.भ्तप्रादुर्भावे.

√खज् पाधा. भ्वा. पर. मन्थे. †खज⁸− -जे श्रप ४८,१०५; निघ खजं-कर^ह- -रम् बौधौ १८, 90:93 =. खजप- पाउ ३,१४२. खजाक- पाउ ४,१३. ‡?खजापो।,बीh]जा!- -जा श्रापमं२, १३,१०; ऋामिए २,१,३ : १६; भागृ १,२३: ५. खजूर- (>खाज्रायण-) २खर्जूर-टि. द्र. √खञ्ज् पाथा. भ्वा. पर. गतिवैकल्ये. १वझ- पाग २, २, ३८; -आः बौषि ३,५,२. २खञ्ज!- (>खञ्जा-गिरि- पा.)पाग ६,३,११७. खञ्जन^k- (> खाञ्जन- पा.) पाग 8,5,992. खञ्जर-पाग २,२,३८. खञ्जरीट1- पाउमो २,२,१०४. खझरीट-क- -कम् शंध ४२६. खञ्जाक-पाउमो २,२,१२. ख्या जे^mरि पाग ४, १, ११०ⁿ; 993. खाञ्जा[,जे]र- पा ४,१,११२. खाञ्चारायण- पा ४,१,११०. खञ्जाल^k-,°स°-,°ह°-(>खा° पा.) पाग ४,१,११२. खञ्जूल- (> खांञ्ज्वायन- पा.)

√खर् पाधा. भ्या. पर. काङ्चायाम. खट^h बौध्रौ ९,१८: ७. √खटट पाधा. चुरा. उभ. संवरशे खट्बर^{1'p}- (>खाट्बरेय-पा.) पाग ४,१,१२३. खटवा प- पाउ १,१५१; पाग ५, १. ५०; -ट्वा पा २, १, २६; -ट्वाभिः पावा ६, १, ८४; -ट्वायाम् आपध १,६,४; १५. २१; हिंध १,२,२९; ४, ८०. खट्वा(ट्वा-छ)ङ्ग- -ङ्गम् अप ४०, ३, २; आपध १, २९, १; हिध 8,18,40. खट्वाङ्ग-कपाल-पाणि- -णिः गोध २२.३. खटवाङ्गिन्- -ङ्गी शंध ३७९; ३८९; बौध २,१,३. खट्वा-भार- >खाट्वाभारिक-पा ५, १, ५०. खटवा(ट्वा-श्रा)रूड- पाग ६, २, 980. खट्वा-शयन->°न-द्न्तधावन-प्रक्षालना(न-ग्र)भ्यञ्जनो(न-उ) पानच्-छत्र-वर्जिन्- -र्जी वाध 19,94. √खड् पाधा. चुरा, उभ. भेरने. १खड्।,डा¹]- (>खड्।,डा]-वत्-पा.) पाग ४,२,८६. २खड्^k- पाग ४, १,११०. खाडायन- पा ४,१,११०; पाग ४, 3,488; 60;936t; 3,904.

खाडायनक- पा ४,२,८०. खाडायन-भक्त- पा ४,२,५४. खाडायनिन्- पा ४,३,१०६. खाडायनि- पाग ४, २,१३८. खाडायनीय- पा ४,२,१३८2. खडण्ड^b- (>खाडण्डक- पा.) पाग 8,2,920. खडिक°- (>खाडिकि8- पा.) पाग ४,२,८०d. खडिव°- (>खाडिब्य- पा.) पाग 8,2,608. खड- पाउ १,८२. . #श्वडर'- पाउमो २, ३, ५७; -रे श्रत्र ११,९; श्रवं ३:४९. २खड्र- (> खाडूरेय-) खट्वर-खडरक-(>खाडुरक-)कदूरक-टि.द खडोन्म(त>)त्ता^६- (>खाडोन्म-त्तेय- पा.) पाग ४,१,१२३. अबङ्ग मे— पाउ १, १२४; -ड्गः बौगृ २,११:६५; - इगम् अप ४, 9,922; 93#; 98; 23,2,9; ६,१; २; १३, २; -ड्गस्य अप १,४४,४; ४५, ६; -ड्गाः अप १,८,६; ६७,६,५; ७०,, ७,८; ७१, ९, ५; विध ८०, १४; -इंगानि श्रप ७०^३, ११, १३; -ड्गे बौश्रौ २, ५: ६ ; वाध १४,४७; विध ९९,१२; -इगेन

शंध ११६: ८१1; २८१.

खाड्ग- -ड्गेन विध ७९,२४।१। खाड्ग-कवच- -चः शांश्रौ १४,३३,२०. खड्ग-कुतप-कृष्णाजिन-तिल-सिद्धा-र्थका(क-अ)क्षत- -तानि विध U9.9€. खड्ग-पात्र- -त्राणि विध ७९, २२; -त्रेण शंध ११६: ७१;११७. खड्ग-प्रभृति- -तीनि अप १८, 98.9. खड्ग-मांस- -सेन त्रापध २, १७, 9; हिध २,५,२८. खड्ग-मृग-महिष-मेष-वराह-पृषत-शश-रोहित-शार्क्न-तित्तिरि-कपोत-कपिञ्जल-वार्धाणस--तानाम् बौगृ २, ११, ५३. खड्ग-वर्ज- -र्जाः वौध १,५,१३१. खड्गो(ड्ग-उ)पस्तरण- -णे श्रापध २,१७,१; हिंध २,५,२८. खड्डू- पाउ १,८२. खण^{c'k}- (> खाण- पा.) पाग ४, 9,993. √खण्ड¹ पाथा. भ्वा. श्रात्म. मन्थे. चरा. उभ. भेदने. खण्ड,ण्डा^m- पाग २, ४, ३१; ४, २, ८०^{३०}; ९०; १२७⁶; १३३°; १३४; ५,१,१२२;२,३६; -ण्डः शांश्री १६, १८, १८; गौपि २, ४, १०; -ण्डम् श्रापशु २, १६; बौजु २: १०; हिग्रु १, ३७; या

३,१०५; - चडाः त्रापश्री १७, २२,५; २२, ४,२४; वैश्री १९. ६: १४३; हिश्री १२, ६, २६, -ण्डाम् आपश्री १६, १३, ९; वौशु ७: १; -ण्डेन त्रापध १, २४,१४; हिध १,६,६३. खण्डी- पा २, ४,३१°. खाण्ड- पा ४,२,१३३. १खाण्डक- पा ४,२, १३४. २खाण्डक- पा ४, २, ८०%; 920. खाण्डाय(न>)नी-(>°नीय-पा.) खाडायन- टि. इ. खण्ड-क- पा ४,२,८०. खण्ड-कृष्ण लक्ष्म-वर्जम् माश्री €,9,8,35. खण्ड-ता-,खण्ड-त्व- पा ५, १, खण्ड-परशु^व- - शो विध ९८, v ₹. खण्ड-र- पा ४,२,८०%. खण्ड-शस् (:) मैश्र ८. खण्डा(एड-ब्र)जिन-(>°नीय-पा.) खलाजिन- टि. इ. १खण्डित- पा ५, २, ३६. खण्डिमन्- पा ५,१,१२२. खण्डीय- पा ४,२,९०. खण्डन-> °न-कारक- -कः शंघ 300: 4. खण्डल'- पाग २,४,३१.

पिडक - पाग ४,२,३८°; ४५°; ८०वः,५,१,१२८ः -कः वाधूश्रौ ३,४६: ३°; -कस्य वाध्रुश्री ३, 84: 94°. १खाण्डिक- पा ४,२,३८;४५. २खाण्डिक - - कम् बीश्री १७, ५४: ५: -केम्यः गोगृ ३,३,८. स्ताण्डिकीय- पा ४,३,१०२. साण्डिकेय- -याः चव्यू २:१४;१५ खाण्डिकेयौ(य-श्रौ)खेय--यानाम् भास् ३,२६. खाण्डिक्य- पा ५,१,१२८. १खण्डित- √खण्ड् द्र. २खण्डित- (> खाण्डित्य- पा.) खडिव- टि. इ. खण्डिन- (स्वाण्डिन-पा.)पाग 8, 2, 60. खण्डिमन्- √खण्ड् द्र. खण्डिल⁸- -लस्य मागृ १,६,३ b. खण्डीय- √खण्ड् द्र. १खण्ड²- पाउभो २, १,१११; पाग ४, 2,001;60. श्रुखाण्डव¹- पा ४, २, ७७; -वे बोश्रौ १७,१८: ८. खाण्डवक - पा ४,२,८०. २खण्डु^ह->२खाण्डव- -वम् विध 48,34. †खण्वखा¹- ∙०खा३इ¹ श्रश्र ४, १५; शौच १,९६;१०५. √खद् पाधा. भ्वा. पर. रथेयें हिंसायां भक्षणे. खर्^m-(>खद्य-पा.) पाग ५,१,२.

खदा"- -दायाम् कीस् २४,२५: ३८,

v; 84,9. खदा-शय- -यस्य कीस् ४६,३३. खदिर1- पाउ १, ५३; पाग ४, १, 9900; 7, 6000; 50; 3, 935; 4, 7, 78; 8, 3, 996; - 7: वाधूश्री ४,६४ : २; वैथ्रौ; -रम् ब्रशां २१, ४; -रस्य द्राश्रौ ५, २,२; लाश्रौ २, ६, १; कौगृ १, ९, ३+; शांग्र १,१५,१०+; अप ३६,२,४; माशि ४,१. खादिर- पा ४, ३, १३९; -रः काश्रौ १, ३,३३; श्रापश्रौ; -रम् त्रापश्री १, ५, ६××; काठश्री; -राः शांश्रौ १६, ३, २××; श्रापश्री; -राणि श्रापश्री १,१५, १३××; भाश्री; -रान् वौश्रौ १५, १४: ३××; गोगः; -रे श्रापश्री १९,२३,१३××; बौश्री; -रेण काश्रौ ८, ३, १२××; वाध्रश्री; -रै: श्रापश्री २०, १०, ५: वाश्री ३,४,२,४; हिश्री १४, ३, २; -री अप २२,६,५. खादिरी^p- पाग ४. २. ९७: -री बौग् १,३,१३; -रीः निस् १,११: ७; श्रशां २१,३‡; -रीम् काश्रौ १५,७,१; त्रावश्री; -र्या माश्री ४,१,१०. खादिरेय-पा ४, २,

खादिरेय- पा ४, २, ९७. खादिर— ज्य (त्रि-श्र)क-समिध्- - मिधाम् श्रप ३६, २४,२. खादिर- पालाशा (श-श्र)

लाभ- -मे गोगृ १,५,१६. खादिरा(र-श्र)मि- -मी श्रव 38, 8, 8. खादिरौ(र-श्रौ)दुम्बर- -रान् काश्रो २, ८,१. खादिरक- पा ४,२,८०^{२k} खादिरायण- पा ४,१,११०. खदिर-क- पा ४, २, ८०k. खदिर-कुण- पा ५,२,२४. खदिर-बिल्व-रीहितक- -कान काश्री ६, १,९. खदिर-व(त् >)ती- पा ६, ३, 996. खदिर-शङ्कु-शत- -तम् गोगृ ४, 6,93. खदिरा(र-श्रा)दि- -दीनाम् श्रप ३६,७,१. खदिरा(र-श्र)भाव- -वे काश्री ६, 9,90. खदिरीय- पा ४,२,९०. खदूर-(>खादूरेय-)खट्वर- टि.इ. खद्रक-(>खा॰-पा.)कदूरक- टि.इ ख-द्योत- २ख- इ. √खन्^व पाधा. भ्वा. पर. श्रवदारखे, खनति काश्रौ २, ६, १××; श्रापश्री; खनन्ति शांश्री १३,२९, ६; १७,५, ८; काश्रौ २४,५,

२९; श्रापश्री; | †खनामि श्रापश्री

११,११,६; बौश्रौ ६,२८: ११,

वेश्रो १४,७: ९; हिश्रो; †खना-

मिस कौसू ३३, ९३; ४०, १४;

खनतु वौश्रौ १०, ६: ९‡; खन

बौश्री ४,२: ३३; ६,२६: ६ ;

a) बप्रा. । नाप. । व्यु. ? । b) तु. पागम. । = कलाय- । c) °का- इति पाका. । d पृ ९६१ d इ. । e व्यप. । f व्यप., नाप. । g प्रर्थः व्यु. च ? । h खिंगडत- इति भाष्यम् ? । i तु. भाएडा. । २क०डु- इति [पक्षे] पाका. । j) = वन-विशेष- । k) = देश-विशेष- ? । l विप १ इ. । m) = हिंसक- (तु. पागम.) । n) = गर्त- । व्यु. ? < एखद् इति MW. । e । e विप., व्यप. (नगरी- [पाग.]) । e या ३,१३ पा ३,२,६७;६,४,४२;४३;९८ परामृष्टः इ. ।

१३५; २२; वैश्री; †खनतात् श्राश्री ३,३,१; शांश्री ५,१७,७; श्रापश्री ७, १६, १; बौश्री; अखनत् कीस् ३३,९; ४०, १४५; श्रपं २:३२५; खनेत् श्रापश्री २,३,६; बौश्री २२,१: २२; २४,२४:१४; २६,२४: २; भाश्री; खनेयुः लाश्री १०, १५,१७.

खन्यात् द्राय ३,५,६. खायते वाधूश्रौ ४,२६:२६. खानयति बौश्रौ ४,२:३४;६,२५:१३-१५×; वैश्रौ १८,१:८०; खानयन्ति बौश्रौ १०,१९:१९,१:१८,१:३३ खाय १,१५:११; खानयेत् शांश्रौ १७,१०,२;४; आग ४,१,६; गोग ४,२,१६; जैगृ.

खनक- पाता ३,१,१४५; -कः वैध ३,१५,८; -कात् वैध ३,१५,९. खनत् - नन् वैध ३,४,३; माशि १६, ७; याशि.

खनित->°ति कर्मन्- -र्मा या २, २६.

- खनन - - नः वाश्रो १,६, १, २५; - तम् वैश्रौ १४, ४: १३; वैग्र ५,१३: १३; - नात् श्रापश्रौ २, ३,६; बौशौ २०,६: ३०; वैश्रौ; - ते बौशौ २२, १: १२; श्रप ४८,४६. खनन-जीवन - - वी वैध ३,१५,

खनन-पुरी(प>)षाb- -षाम्

भाश्री २,३,९. खनन-मन्त्र- -न्त्रम् भाश्री २, ३,३.

स्तना(न-म्र)न्यमृत्पूरण-गोवास-का(क-२म्रा)य- -चैः वैघ ३, ४,३. खनना(न-म्रा)र्थ- -र्थम् वैभ्रौ

खनना(न-ग्र)थ- -थम् व ११,७: १३.

खनातक^c— -केन आपश्री १७, २६,

स्ति^व- पाउ ४,१४०; -निः बौश्रौ २२,१: १०‡; -निम् श्रापश्रौ २,२,३‡.

†खनितृ- -ता कौस् ३३,९; -तारः कौस् ४०,१४.

खनित्र^d— पा ३, २, १८४; — त्रेण श्रापश्रौ १७,२६,१५; हिश्रौ १७, १,१३; लाश्रौ ८,२,४‡; माशि १६,७; याशि २, १११; नाशि २,८,२७.

†खनित्रि(म>)मा^d- -माः त्रप्रा ३,४,५.

खितिःत्रा वैश्री १३, १: १०; वैग्र. खिनव्यत्— -ज्यन्तः श्रापश्री १५, १,७४४; हिश्री ११,१,१४.

खन्य- पा ३,१,१२३.

२खर°- -रः वाश्री ३, २, ७, १३; काञ्च ७,२१; २२;३८; ग्रुञ्च ४, ९७; -रम् श्राश्री ४,६,१;७,४; ५,३,१७; काश्री ८,५,२५;१४, १,१८; १९, २,७; श्रापश्री ११, १३,८××; -रयोः काश्री १९, २,१६; -रस्य बौश्री ७,२: ८××; -राः काग्र ६५,४;

-रात् माश्री ५,२,४,१०; -रान् श्रापश्री १५,६,२०; भाश्री ११, ६, १५: वैश्री; -राय श्रापश्री ११,७,८; -रे काश्री १०, ६,४; २५: १४, १, २६; २५, १२. १०××; वाश्री ३, १, १, ४?1: -रेभ्यः आपश्री १५. ५, २०; बौश्रो ९, ५: ९: १३: ३; भाश्री; -री शांश्री ५, ९,४; काथी १९,२, ३; २६,२. ३०; ७, ३०; त्रापश्री १५,१३, ७; १४, ५; बौथ्रौ ९, १३: ७; १४: १४; माथ्रौ. खर-काल- -ले आपश्री १८. १,११; वैथ्री १७,७ : ९. खर-देश- -शे माश्री ४,१,२१; €,9,7,98. खर-पांस- -सन् वैताश्री १६, २३; हिश्रौ ९,५,१२. खर-मध्य- -ध्ये काश्री १४,२,९ खर-श्रोणी- -ण्याम् बौश्रौ ७, 2:93:98.

र: १२; १४.
खर-स्थूणा-मयूख-कृष्णाजिना(न-म्र)भ्युपराया(य-म्रा)सन्दी—
-न्दीनाम् काभ्रौ २६,६,२७.
खर-होम— नात् हिभ्रौ३,३,१७.
खरां(र-म्रं) भ— न्से वैभ्रौ १५,
२: ११.

खरा(र-श्र)न्त- -न्ते वैश्रौ **१५,** २: १४. खरा(र-श्रर्थ>)र्था- -र्याः

काश्री २६,२,२३. खरो(र—उ)त्तर-पूर्वा(वै-श)-धं⁸- -धं काश्री ९,२,२.

a) कर्तिर भाव च प्र. । b) विप. । बस. । c) = खिनत्र- (तु. तो १६,६,५) । आतकः प्र. उसं. (पाउ ३,८२) । d) वैर १ द्र. । e) =स्थिष्डल- । हरः प्र. (पावा ३,३,१२५) । f) वरे इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. सप्र. काश्री १४, १, १८ ? संस्कितुः टि. च) । g) यस. > इस. > यस. qप. = स्थिष्डल-, टप्र. = ईशान-कोग्य- ।

सरो(र-उ) त्तरा (र-ग्र)र्ध- -ध काश्री ८,७,१३. खरो(र-उ)परवो(व-उ)त्तरवेदि--दिम् माश्रौ २,२,४,१२. स्तात,ता"- -तः निघ ३, २३ tb; -तम् लाश्री ३, ११, १^{‡°}; कप्र १, ८, १३; -ता आपश्री ८, १३, ४; -ते शांश्री ४, १५, ८; काओ १६, ८,१९; माश्री; -तेन श्रप २३,२,२. खात-क- -कम् अप ३१,५,४. खात-लून-छिन्ना(च-श्र)वहत-पिष्ट-दुग्ध-दुग्ध- -मधेषु काश्रौ 8,90,92. स्तात्रd- पाउ ४,१६२. स्तात्वा काश्री १९,२,७;२१,४,१९; श्रापश्रौ २५,८,३××; काठश्रौ. स्तानियत्वा बौश्रौ ११,२: ९; १६, २०: १०; कौय. सान्य- पा ३, १, १२३; -न्यम् लाश्री ८,२,४. खान्या(न्य-अ)भाव- -वे लाश्री 6,2,4. खेय,या - पा ३, १, १११; -या बीश्री २४, २४: १०; ११३; -याम् वाश्री १,३,१,४५. चाखायितुम् पावा ६,४,२२. चाखायितृ- -ता पावा ६,४,२२. खन°- > खन-खन°- - नेनाय श्रप ३६,९,१७; २४,१. खनन- प्रमृ. √खन् द्र. खपुर'-> ॰र-व(त् >)ती- पाग ६,

3,996.

खमूर्तिमत्-, १ख-र-२खर- √खन् इ. ३खर्8->खर-ता- -ता वैग्र ३,१०: अखर,रा"- पाग ५,१,२; पावा ५,२, १०७: -रात् काश्री १६,३,१०; -रेण विध ५४, २३; -रै: अप ६१,१, ७; ६४,७,५. खरी- > ख(री>) रिं-धम-, ख(री>)रिं-धय- पावा ३, २, 38. खर-कण्ठ!- -ण्ठः सु २३,४. खर-करभ-महिष- -षाः श्रप ६७, खर-करभ-मु(ख>)खा- -खा श्रप ७०३, ११,२६. खर-कुटी - पा, पाग ५,३,९८. खर-णस्-, ॰स- पावा ५,४,११८. खर-नादिन् k- पाग ४, १,९६. खारनाL,णा1]दि- पा ४,१,९६; -दयः वौश्रौप्र १७ : ६?. खर-यान- -नम् शंध ३२५रे; सुध 48. खर-वध- -धे विध ५०,२७. खर-वृषो (प-उ)च्ट्रा (च्ट्र-श्र)श्र--शान् अप ७१,७,५. खर-शाल- पा ४,३,३५. खरा(र-श्र)जिन- -नम् श्रापध १, २८,१९; ६१; हिंध १, ७, ५४; 40 खरा(रा-श्र)भिगामिन्- -मी शंध ३७८: ७. खरा(र-आ)रोहण- -णम् शंध ३१३.

खरो(र-उ)ष्ट् - - प्ट्रम् शंध ३०५:: -प्टाः अप ७१,३,५. खरो(र-उ)ध्ट्-काक-मांसा(स-श्र). शन- -ने विध ५१,२६. खरो (र-उ)प्ट्-हय-मातक्र- -ङ्गाः श्रप ७०२, ११,४. खर्य- पा ५,१,२. पखर™- -रे अप ४८,१०६. खरप"- पाउभो २, २,२१२; पाग २... 8, 53; 8, 9, 99. खारपायण- पा ४,१,९९. खरीखन्^{n,0}-, खरीजङ्ग- पाग २, 8, 68. खरु-पाउ १,३६. खरु-संयोगोपध-प्रतिषेध- -धः पात्रा ४,१,४४. खरेभव- -भाः बौश्रीप्र ४१: १५. †खर्ग(ल>)ला°- -ला अप ४८, ११६; -लाः कौसू १०७,२. √खर्ज् पाधा. भ्वा. पर. पूजने, खर्जेत्^म माश्री ६, १, ४,३०. खर्जत्- -र्जित काश्री ८,४,४; १६,. €, २0. खर्जू- पाउ १,८०. १खर्जूर®- पाउ ४,९०. खार्जूर⁸-> 'र-पानस- -से विध २२,८३. खर्जूर-कर्ण'-(> खार्जूरकर्ण- पा.) पाग ४,१,११२. खर्जूर-स्क्- -क्तवः त्राप्तिगृ २, ५, १० : ३; ११ : ३; १६; -कून् श्रापश्रौ १९, २६, १; वाश्रौ १, ७, २, २३; हिश्रो २२, ६, ६;

a) वैप १ इ. । b) = कूप-नामन- । c) पामे. पृ४८४ k इ. । d) = खिनन- । e) = शब्दानुकरण- । ब्यु.? । f) = पूग-नृक्ष- । ब्यु.? । c प्य- + \sqrt{q} इति क्ष्रमा. । g) = कठोर- । ब्यु.? । d । वैप १, १२०१ f इ. । d) = सर्प-विशेष- । बस. । d) = नापित-शाला- (तु. पागम.) । d । बौधी. पाठः । d । व्यप. । उस. । d) = क्षिप्र- । ब्यु.? । d । व्यप. । ब्यु.? । d । विशेष- । d व्यप. । ब्यु.? । d । क्युने नृतिः । d । विकारार्थे प्र. । d । व्यप. । बस. ।

श्रामिष्ट २,५,१०:१७. २खर्जूर³- (> खार्जूरायण- पा.) पाग ४,१,११०. √खर्द् पाधा. भ्वा. पर. दन्दश्र्के. ्रखर्ब पाधा. भ्वा. पर. गतौ. √खर्व पाधा. भ्वा. पर. दर्पे. †खर्व b− -र्वः वौग् १,७,३६; —र्वेण बौगृ १,७,३५. स्त(र्व-क>)विंका°- -काम् आपश्री 28,2,23年. खर्वि (त>) ता^d- -ताम् कप्र २, €.90. √खल् ¹ (बधा.) पाधा. भ्या. पर. संचये. श्खल°- वाग २, ४, ३१; ५, ३, १०८; पावाग ४,२,५१; -लः श्राश्रो ९, ७, १४; काश्रो २२, ३, ४२; श्रापश्रौ २२, ३, ४; ४, ९; अत्र ११, ३+; या ३, १००; -लम् वाध्यौ ४,६४ : ६; -ले हिश्री १७, १, ४२; २, १८; लाश्री ८,३,५; पागृ२,१७, १६; अप ४८,१०५ ई; निध २, १७ 🕫; या ३, १० 🕇; —लेषु

श्रप ५८२,४,४.

खालिक- पा ५,३,१०८.

खल-क्षेत्र- -त्रेषु बौध १,५,५५.

खल-माला->°लि(न्>)नी-

-नीम् पागृ २,१७,९ .

खला(ल-श्र)जिनb- (>॰नीय पा.) पाग ४.२.९०. खिल(न्>)नी- पा ४, २, ५१; पावा २, ३, १०; ४, २, 49. खले-ब्रा,शीमा- पाग २, १, खले-यत्र- पात्रा, पाग २,१,१७. खले-वालीk- -ली त्राश्रौ ९,७,१५; काश्रौ २२,३,४७; श्रापश्रौ २२, ३,७; बौश्रौ २६,३२: १६;१७; हिश्री १७,१,४५; २,१८; लाश्री ८,३,६+; -लीम् बौश्रौ १८, २१:४: - ल्या काश्रीसं २८: १ खल्य- पा ४,२,५०; ५,१,७. २खल¹- पाउना ५,८३. ३खल^m->खली"- पागम ५७. खले(ल-इ) एका- -काः अशां १३, खलकुल°- -लान् कौस् ८२, १८; -है: अप १,२९,१. खलत- पाउरवे ३,१०५. खलति°- पाउ ३,११२; पाग २, २, ३८; ३, ४, ७४; -तिः शांश्रौ १६,१८,१८; बौश्रौ १५, ३७: २; १८,१ : ५; शंध ३७७ : १; -तिम् आपश्रौ २०, २२, ६; हिथी १४,५,४; -ते: वाश्री ३, /खव् /खव् टि. इ.

8,4,90. खलतिन्ं p - तिनः श्रप ६८, १, खलतिक व- पावा १,२,५२. खलतुल-प(र्ण >)र्णी¹- -र्णीम् कौस २९, १५. खलीन - पाउमो २, २,१९७^t; पाग 2,8,39. खलु[©] श्रापश्री ८, ९,१२; २१, ५××; बौश्री; या १,५ ,१३, १२; पाग 8,8,40. २खल्य^u−,°ल्यका- (यक. >खाल्या-यनि-,खाल्यकायनि- पा.) पाग 8, 9,948. १खल्व°- पाउभो२,३,१२९^६; -ल्वान् कौसू ८२,१८. खल्वा (ल्व-ग्रा) दि- -दीनि कौसू २७,२६. २खल्व^v-> खल्वायनि- -नयः बौश्रौप्र ४८ : ५. ? खल्वका™ कौस् ८२,१८^x. खल्वका-, खल्वा- (> खाल्व-कायनि-, ॰ ल्वायनि- यक.) खल्य- टि. द्र. खल्वङ्ग"- -ङ्गान् कौस् २७,१४. खल्वार^y- पाग ५, १, १२७¹; -रः शंघ ३७८: १०; विघ ४५,

c) वैप १ द्र.। b) वैप १, १२०१ i इ. । a) व्यप. । व्यु. ? । खजूर- इति [पन्ने] भाएडा. । d)= श्रमावास्या-। e) खर्विकाम् इति जीसं. PW. च। f) या ३,१० परामृष्टः द्र.। g)= संप्राम-नामन्-। k) वैप २, ३खं. इ. । \pmb{h}) खण्डाजिन— इत्यन्यः इति पागम.। \pmb{i}) तु. पागम.। \pmb{j}) = काल-विशेष-। m)=तिल-कल्क-, पिण्याक- । खल- नभा.] इति । ब्यु. ? । n) तु. पा 2, १, ४२ । $l) = g \sin - 1$ o)=धान्य-विशेष- । व्यु. ? । p) मत्वर्थीयः इतिः प्र. उसं. (पा ५, २,११६) । q)=पर्वत- वा वनr)= त्रोविध-विशेष-। ्व्यु .?। पाठः ? ॰लकुल॰ इति शोधः (तु. दारिलः)। s)= कविका-। ब्यु.?। खलीन-इति श्रभा. शक., खलिन-इति शाक्टायनः इति पागम. । $t)<\sqrt{a}$ छ्ह् इति । u) व्यप.। व्यु.?। तु. पाका.। °का- इति भागडा., °ल्वका-, °ल्वा- इति पागम.। v) ऋषि-विशेष-। व्यु.१। w) ऋषेः व्यु. च १। = सक्त – (सक्तक्र – । हा गान्वगक-।) इति संस्कर्ता (तु. भू IL) । x) पृ ४४६ I इ. । y) = सकित – । व्यु. ? ।

खश°->खश-भद्र- -द्राः अप ५६, १,४. ख-राया-, खशरीरिन्- २ख- द √खप् पाधा. भ्दा. पर. हिंसायाम् . खण्- पाउ ३,२८. खस^b- पा,पाग ५,१,१७३.

†खा°- खाः श्रव ४८, ७६; निघ १, १३; खाम् ऋपा ४,६०. खाजूरायण- खज्र- द्र. खाञ्जन- खजन- द्र.

खाञ्जार-, खाञ्जारायण- खजार- द्र. खाञ्जाल-,°स-, °ह- खद्गाल-, °स-, °ह- द्र.

खाञ्जूलायन खञ्जूल द. खाट¹ - -ट: श्रप ४८,००[†]. खाटि - पाउन्न ४,१२५. खाट्र - वाटूर - टि. इ. खाट्यरेय - खट्रव - इ. खाट्यामारिक - खट्वा - इ. खाडण्डक - खडण्ड - इ. खाडायन - प्रमृ. २खड - इ. खाडायन - (खाडायनीय - पा.)

साडिकि - खडिक - द्र. खाडिव्य - खडिव - द्र. साड्ररक - खड्ररक - द्र. साड्ररेय - २खड्रर - द्र. साड्रोमसेय - खडोन्मता - द्र. साड्ग - प्रमृ. खड्ग - द्र.

२खड- टि. इ.

खाण- खण- द्र. खाण्ड-,१-२खाण्डक- खएड- द्र.

१खाण्डच- १खण्ड- इ. २खाण्डच- २खण्ड इ.

खाण्डवक- १खएड- द्र.

स्वाण्डवीरण- (>साण्डवीरणक-

पा.) खण्ड- टि. द्र.
खाण्डायनी-, °नीय- खण्ड- द्रं.
१-२खाण्डिक- प्रमृ. खण्डिक- द्र.
खाण्डित्य- २खण्डित- द्र.
खाण्डिनि- खण्डिन- द्र.
खाल- प्रमृ. √खन् द्र.

√खाद्° पाघा. भ्वा. पर. भक्षणे, खादित श्रापश्रौ १४, २९, ३‡; बौश्रौ १०, ५९: २४; भाशौ; खादिन्त वाधूशौ ४,११८: ९; बौषि ३, ११, २; खादेल बौशौ २५, ३२: ३६; २९, ५: २१; २३; वाधूशौ ४, ११८: ११³; श्रामिए.

खादयन्ति शांधी १४,२,१११ स्वादयेत् शंध ३३१; गौध २४, १४; खादयेयु: श्राप्तिए २,५, ९:१२; जैगृ २,६:१०.

खाद- -दम् श्रापश्रौ २०, ५, १६; हिश्रौ १४,१,४७,

खादक- पा ३,२,१४६; -कः विध ५१,७४.

स्वादत्— -दतः विध ५१,६२; -दन् कौस् ३८,१७.

खादत > ०त-मोदता-, °त-वमता-, °ता(त-म्रा)चमता-पाग २,१,७२.

स्तादति-> श्ति-कर्मन् - मी या ४,१९.

खादस->॰दो-अ(र्ण>)र्णा॰--†र्णाः श्रप ४८, ७६; निघ १,

खादित->°ता (त-म्र) धं- -धंम् शंथ २२६.

सादितवत् - -वन्तः या १२, ४२. | स्वारपायण- खरप- इ.

खादिस्वा श्रावश्री १५,२१,७; बौश्री २६, ३३: १५; भाश्री ११, २२,९.

खादायन- खाडायन- टि. द्र. खादि-> †खादिन् - - दिनम् आश्री २, १६, ७; शांश्री ३, १३, १७.

खादिर- प्रमृ. खिदर- द्र. खादूरक- खदूरक- द्र. खातियत्वा, खान्य- √खन् द्र. खाय-सेन^द- -ने श्रप ४८,१०५‡. खार- पाग ४,१,४१.

> खारी°- पा ४,१,४१; - †रीम् बौध्रौ ९, ४: ५; १०, ७:६; ब्राप्तिग्र ३, ५, ७:१८; - वीम् बौध्रौ ९,४:२७;१०,८:१०;वैध्रौ १८,२:८; श्राप्तिग्र.

खा(री>)रिं-धम-, °धय-पावा ३,२,२९.

°खारीक- पावा ५,9,३३. खारी-विवध- -धम् बौध्रौ १६,३०: ७.

खारीविवधिन्- -धी बौश्रौ १६,३०: १.

खारी-होम^b— -मः बीश्री १५,२०: ७; -मम् वाध्र्यी ३, ७८: ४; ८३: ६-८; १२; १५; १६^२; -मेन वाध्र्यी ३, ८३: ८.

खारीहोमा(म-म्र)नुवाक--कान् वाधूश्रौ ३,८३ : १७. खार-शत-> °तिक- पावा ५, १, ५८.

खारणाः,नाःदि- ४खर- इ. खारपायण- खरप- इ.

a) = जनपद-विशेष- वा तद्वासिन्- वा । व्यु. ?। b) तु. पागम. । c) वैप १ ह. । d) = शव- शव्या- । व्यु. ?। e) पावा १, ४,५२ परामृष्टः इ. । e) साध्यम् इति e. । e0 संप्राम-नामन्- । e1 साध्यम् इति e2 । e3 संप्राम-नामन्- । e4 । e5 साध्यम् इति e6 । e7 संप्राम-नामन्- । e8 साध्यम् इति e9 संप्राम-नामन्- । e9 संप्राम-नामन्- ।

खारिग्रीवि"- -वयः वीश्रीप्र १७:४. खारी(री-इ)ण्ड्वb- -ण्ड्वम् बौषि १. ६:93. खार्जूर-, खार्जूरकर्ण- १खर्जूर- द्र. खार्जूरायण- २खर्जूर- द्र. खार्दमायण - -णाः बौश्रीप्र ४१: ७. खार्दमायन"- -नाः बौधौप्र ९: १. खार्वमायन - -नाः वौश्रौप्र ४३ : ४. खालिक- १खल- द. √खिट् पाधा. भ्वा. पर. त्रासे. √ खिद् √खेट् टि. इ. √खिद ° पाधा. दिवा. रुधा. श्रात्म. दैन्य; तुदा. पर. परिघाते, खिद्ति वाधूश्री ४,६४ : १२; अखिदन् वाधूश्री ४,६४ : ११. खिल--धाः बृदे ४,२१. खेद- -दः चौश्रौ २,५: ७ . खेदा(द-श)नुकम्पा- -म्पयोः या . 8, 70. खेदन- -नम् या ११,३७. †खेदाd- पा ३, ३, १०४6; -दया शैशि २२९. क्षेदि¹- -दयः श्रप ४८, ११३; निघ १,५. खिदिर- पाउ १,५१. खिद्र - पाउ २,१३; - दम् श्रापमं २,१८,९; या ११,३७. १िखल ह - (> बैलायन मे- पा.) पाग 8,2,60. २खिल'- -ल: श्रत्र २०, १२७;

१५, २०, २; ८; २१, २; १०; बौश्रौ ९,१९: ३; ३४;२०: ५; भाश्रौ ११, २१, २; ८; २२,६; १३; हिश्री १०,७, ६; भाग ३, ६ : ३; १५; ७ : ८; -लेषु कौसू १४१, ३८; ऋग्र ३,३६; -ली श्रश्र २०,४८. खैलिक- -कानाम् ऋग्र ३, १७; -कै: ऋग्र ३,३९. खिव-(>खैवायन-) पाग ४, १, 9900. †खील^d - लः¹ आपश्री ४, १२,८; भाश्री ४, १८, ४; वैश्री ७, ६: १४; १२: २; हिश्रौ ६, ३, १७; ४, १०; -लाः त्रापश्रौ २१, २०, ३; हिश्री १६, ६, 89. √खू पाधा. भ्वा. श्रात्म. शब्दे. खुँ शुप्रा ८,२४; याशि २,९४. √खुज् वाधा. भ्वा. पर. स्तेयकरणे. √खुड् पाधा. तुदा. पर. संवरणे. √खुण्ड् पाधा. चुरा. पर. खएडने. √खुद् ।=√खुर्द्। >चनीखुदत्--दत् आश्रौ २,१०,१४ +k. खोदन- -नम् शांश्रौ १२, २४, 七十. खुम् पाग १,४,५७. √खुरू पाधा. तुदा. पर. छंदने. १खुर¹->खुर-खुर->√खुरखुराय > चमाण- -णः वैगृ ५, १:२६. −लानि ऋत्र ३,७; −ले श्रापश्रौ | २खुर $^{ ext{m}}$ − पाउ २,२८ $^{ ext{n}}$; पाग ४, १,| रिख्ना | शैशि २१३.

४५: ५६: -रै: काश्री १९, ४, १खरी- पा ४,१,४५. खुर-ण(<न)स्-, ॰स- पावा ५, 8.996. २खरº- > २खरीº- -याँ बौश्रौ १८,२४: 90. √खुर्द् पाधा. भ्वा. श्रात्म. कीडायाम् . २ख- द्र. खे-चर-√खंद्^व पाधा. चुरा. पर. भच्ने. √खेड् √खेट् टि. इ. खेड'- (>खेडायन- पा.) पाग ४, 9,990. खेय- √खन् द्र. √खेल पाधा. भ्वा. पर. चलने. खेला- (>√खेलाय पा.) पाग 3,9,20. खेल^{6:8}-- पाग २,२,३८. √खेव गाघा. भ्वा. श्रात्म. सेवने. √खे पाधा. भ्वा. पर. खदने. †खेम(ख>)खा⁴- -०खा३्इ श्रश्न ४,१५; शौच १,९६; १०५. खैलायन- १ खिल- इ. खैलिक- २ खिल- इ. खो: पाग १,४,५७°. √खोद √खेट् टि. इ. खोड®- पाग २,२,३८. खोदन- √खद् द्र. √खोर्,ल् पाधा. भ्वा. पर. गति-प्रतिघाते.

b) ऋर्थः ?। द्वस. ?, पूप. = Lसंभारार्थ-। पिटक- इति, उप. L परिa) = ऋषि-विशेष-। व्यू. ?। थेचनोपयोगिन्-] जाल- इति O. Lतु. भू XI]। c)पा ६,१,५२;७,१,५९ पावा ६,१,१६१ परामृष्टः द्र.। d)वैप१ द्र.) e) तु. पागम. । f)= रिम- । g) श्रर्थः ब्यु. च i । i वेप i , १२०३ i , i वेप i , १२०३ i , i वेप i , १२०३ i , ij) पामे. वैप २, ३खं. खीतः तैब्रा ३,७,६,१९ टि. द्र. । k) पामे. वैप २, ३ खं. कुनीखुनत् तैब्रा २,४,६,५ टि. द्र. । l) = शब्दानुकृति- । ब्यु.? । m) = शफ- । ब्यु.? । n) $<\sqrt{g_{\overline{\chi}}}$ (छेदने) इति । o) = खुराकृति-लोहमय-द्रव्य- । व्यु. ? । p) विष. (उपानह-) । q) = $\sqrt{\text{Req}}$, $\sqrt{\text{Req}}$, $\sqrt{\text{Req}}$ हित BPG. । r) व्यप. व्यु. १। खेर- इति MW.। s) = खडा-। व्यु. १।

√ख्या° पाधा. श्रदा. पर. प्रकथने, +अख्यत्^b काश्रौ १६, २, १४; २५,३,१५; श्रापश्रौ ९,१, ११; ७.६:९.१: १६,२.८; बौश्री २, 93: \$xx. ख्यायते उनिस् ८: ३६; ख्या-यन्ते या ३,२०रे. ख्यापयन्ति अप ६८,१,२५. ख्यात- पा ८, २, ५७; -तम् बृदे ६, १४६; त्राज्यो ५, १; -तान् त्रप ६४,१,६. ख्यातवत्- पा ८,२,५७. ख्याति- -तिः विध ९९, ५; -तौ ऋत ३,८,६. ख्याति-सदश- -शेषु ऋपा ६, †ख्यातृ - न्त्रे श्रापश्रौ २०,१,१७; बौश्रौ १५, ३: ७: वाश्रौ ३.४, १,७; हिश्री १४, १, १२; पावा 2,8,488. ख्यान- -नम् या २, २; १२, १६; -नेन या १२,२२°. ख्यापयत् - - यन् अप ६९, ७, ५; शंघ ३७९ : २; बृदे ५,५१. ग

ग्^d पिँ १,९०. ग°> ग-क-घा(घ−म्र)क्षर- -राः शैशि २५४.

ग-कार- -रम् या ७,१४. गकार-लोप--पम् निस्-२,१०: गकारा(र-ग्र)न्त¹- -न्तः निस् २. १०: १०: -न्तात् अप्रा २, 2, 4. ग-ज-ड-द-ब- -बाः याशि २,९४. ग-ड-द-ब- -बाः नाशि २,४,१०. ग-न- -नी भाशि ६०. ग-प्रतिषेध- -धात् पावा ८,४,३. ग-म- -मी अप्रा ३, २,१५. ग-र- -री भागि ८८. श्ग ह- गः वेज्यो १८. २ग1- नाशि १,४,१२. गगन1- पाउ २,७७; -नम् निस् १, ५: ६1, सु ४, २; अप ५०, ७, 9; 462, 7,8; 86,9,88; -7 विध ९९,९. गग्लनस् k- -नाः वाध्यौ २, १३: गग्ला1- -ग्लाः हिश्रौ ५,२,६२‡m. गङ्गा- पाउ १, ५२३; पाग ४, १, 997;974; 948; 4,9,382; -ङ्गा शंध ४५७: ९; विध २३. ६१; या ९, २६; याशि १,३४; -ङ्गाम् अप ४२, २, ४; शंध ११६: ११; - †ङ्गायाः काश्रौ १३, ३,२६; श्रापश्री २१, २०, ३; बौश्रौ , १६, २३: ४; बाश्रौ

३,२,५,४३; हिश्रौ १६, ६,४७; वैताश्री ३४,९; विध २०,२३\$; -ङ्गायाम् जैश्रौका १९५; विघ ८५, १०; - १०के श्रामिय २. १,२: १२°; हिगृ २, १,३°; या ९, २६; शैशि १३१. गाङ्ग^p- पा ४,१,११२^q; - इस् विध ६४,१७. गाङ्गायन'- -नाः वौश्रौप्र ९: २: ४३ : ४. गाङ्गायनि- पा ४,१,१५४. गाङ्गिक- पाग ५,१,३९. गाङ्गेय- पा ४,१,१२३वः, -०य वैगृ ५,२:५^p; -याःव बौश्रौप्र ३: १२; -यैः वैगृ १, 4:३º. गङ्गा-द्वार⁸- -रे शंध १९४; विध 64.26. गङ्गा-प्रवाह-वत् जैश्रीका ३. गङ्गा(ङ्गा-त्रा)म्भस्- -म्भसि विध १९,११;१२. गङ्गा-यमुना- -नया त्रप ४०, ४. ४t; -नयोः वाध १, १२; बौध १,9,२६. गङ्गा-सागर-सङ्गम- -मे विध ८५, 26. √गच्छ,गम्" पाधा. भ्वा. पर. गतौ, गच्छते बौश्रौ २८, १३: २१: गच्छति आश्री २,७,१७; शांश्री;

हिगृ २, ३, ७^v; गच्छतः बौश्रौ

 $a)=\sqrt{+\pi}$ ा, $\sqrt{+}$ ा, $\sqrt{-\pi}$ 1, $\sqrt{-\pi}$ 1, $\sqrt{-\pi}$ 1, $\sqrt{-\pi}$ 2, $\sqrt{-\pi}$ 3, $\sqrt{-\pi}$ 4, $\sqrt{-\pi}$ 4, $\sqrt{-\pi}$ 4, $\sqrt{-\pi}$ 4, $\sqrt{-\pi}$ 5, $\sqrt{-\pi}$ 5, $\sqrt{-\pi}$ 6, $\sqrt{-\pi}$ 7, $\sqrt{-\pi}$ 8, $\sqrt{-\pi}$ 9, $\sqrt{-\pi}$ 9

२४,४: १२××:गच्छन्ति शांश्रौ ६, १२, १३; काश्री; त्र्यापमं २, १३, ११⁸; गच्छथः श्रप्रायः ६, ९ ; गच्छामि बौध्रौ ३. ५ : २१ +; गच्छाति बौपि १. ८ : ४ ई; गच्छान् श्राप १, ३२, ७; ऋप्रा ४, ७३; †गच्छांसि^b त्रापमं २, २,७; श्रामिष्ट १, १, २:३०; ५,9: २२××; बौगु; क्गच्छत श्रावश्री ४, १२, ३: बौश्रो १, १७: २१; भाश्रौ; गच्छताम् या १२,४ : गच्छम्त बौश्रो २, ८:२७; वाश्रो; पगच्छ श्राश्री ८, १३, १०; काश्री; -श्रापश्रौ ३,१४,,३°; पागृ १,४, १२^b; †गच्छतम् त्रापश्री ७, २१, ३; ११, ७, २; बौश्रौ; †गच्छत शांश्री७,१८,९;श्रापश्री १३, ६, १४; बौश्रौ; गच्छाव स ६. ५: अगच्छत् शांश्रौ १४. १२,२^२; बौश्रो २,७: २^२ +××; अगच्छन् वाध्यौ ४, २६ : ८; ५५ : ४;७; निस् ; अगच्छः भागृ २.७:१३ +: अगच्छतम् या १२. २‡:अगच्छम् शांश्री १४,१२,२; गच्छेत अप १, ४९, ३; गच्छेत् काश्री १६,६,१९;काश्रीसं; माश्री २,१,४, ६‡^d; शांग्र ४,८,१८^e; गच्छेयुः काश्री २, ३,४;२२,६, ७; त्रापश्री; †गच्छेयम् श्रापश्री १०, २०, १०; बीश्री १८,३०: १०; १२××; †गच्छेम वौश्रौ १४,२१: २,४,९,११,१६. गन्ति निघ २,१४‡, ‡गन्त> न्ता श्राय ३,५,७; कौय ३, ७, १०; शांय ४,५,८. गमति निघ २, १४; ‡गमाम हिश्रो १५, ५, ४; जैश्रोप १२;

गमित निघ २, १४; †गमाम हिश्री १५, ५, ४; जैश्रीप १२; श्रापमं २,७,१५; गमे: श्रप ४८, २†; गमेय शांश्री १, १२,५†¹; †गमेयम् श्रापश्री ४, १०, १³; वौश्री; माश्री १,४,३,९६; द्राश्री ९; २, ३¹; लाश्री ३, ६, ३¹; †गमेम हिश्री ६,६, १७; कौसू

जगित, जगिन्त निघ २,१४ मैं; †अजगिन् माश्री ३,८,१; हिश्री १२,६,६; इश्राय ६,२; निघ २,१४ कुं; या ४,१४ कुं; †अजगिन्त श्राश्री ८,३,३०; अजगिन्तन या१३,३ मं; जगम्याम् श्राय ६,१ में.

†जगाम श्रापश्रो ७, १८, ८; बौश्रो; जग्मतुः बृदे ४,७६; या २,१; जग्मुः श्रापध २,१६,१; वैध; †जगन्थ श्राश्रो १०,९,२; शांश्रो १६, ६, १; वैताश्रो; गिम्प्यति श्रापश्रो ९, २०,७; जुसुः गिम्प्यति श्रापश्रो १४, ४०,१; गिम्प्यामि बौश्रो १७,४५: ६; गिम्प्यामः बौश्रो १६, १६: १०; †गम्यात् श्रापश्रो ४,१२, ६²; माश्रो १,४,२,९७; †गम्याः

हिश्री १२, ६, ६ ; †अगमच् श्रापश्री २०,१६,१६; बीश्री १५, ६:१५××; हिश्री; †अगन् आश्री ३, १३, १५ शांश्री २, ९,७; काश्री; क्षा ३न काश्री ३, ६, १५: श्रापश्री ३, ७, ९; बौश्री: गन शांश्री ७, १०,९+; +अगमन् द्राश्री १५. ४. ७: जाश्री ५. १२, १५; अगमः या ध. १४: श्गमः कीमृ ३,२,६ द गमत पास २, १४, ११ 🕇 अगमम् श्रापश्री १०, ९, ४^२; हिश्रो १०, २, ७ †अगन्म प्राश्री २,५,१२; शांश्री ध, १२, ७; काश्री ३, ८, १३; 80, 9, 01; 24, 9, 94m; आपश्रौ १८, ५, १४°; माश्रौ २, ५, ४,४०1; वैश्रो १७, १५: २n: माग १.१०.३०0.

अजगमत या १३,३. गम्यते हिश्री ३,८,२६; वृदे; गम्यति या ९,२^{१०}; गम्यताम् वृदे ८,१३५; गम्येत आपश्री २४,३,४०; तैष्रा; गम्येत्व् मीस् ८,४,२५.

गमयित बीश्री १४,१८: २७ म; भाश्री; या १४,३०;गमयतः तैप्रा ४,५२; गमयन्ति आश्री ६,१०, २३; बीश्री १८,२५:१८; वाश्री; †गमयतु आपश्री३,७,३;४,१२, ७;बीश्री;†गमय शांश्री ६,८,९; आपश्री ३,७,२; बीश्री; †गमय-तात् आश्री ३,३,१; शांशी ५,

a) पामे. पृ ५८१ j द्र. l b) पामे. वैप १,१२०६ c द्र. l c) पामे. वैप १,१२०५ g द्र. l d) पामे. वैप १,१२०५ j द्र. l e) सप्त. गच्छेत् c j गमेयेत् इति पामे. l j पामे. वैप १,१२०७ j द्र. l j सपा. श्रापश्री ४,१३,२;३ भूयासम् इति पामे. l j लघुशास्त्रीयः पाठः l j पामे. वैप १,१२०५ l द्र. l j पामे. वैप १,१२०० j द्र. l j पाठः l पामे. वैप १,१२०८ j द्र. l j पामे. वैप १,१२०८ j द्र. j पामे. वैप १,१२०५ j पामे. वैप १,१२०५ j द्र. j पामे. वैप १,१२०५ j द्र. j पामे. वैप १,१२०५ j पामे. वैप १,१२०५ j द्र. j पामे. वैप १,१२०५ j पामे. वैप १,१२०५ j पामे. वैप १,१२०५ j पामे. वैप १,१२०५ j पामे. वैप १,९२०५ j पामे.

१७, ३: गमयन्त या १२,४३; अगमयन् वाधुश्रौ ४,८८: ७; गमयेत् श्रापश्री ९,१५, १९; बौश्री; कौय ३,९,५८°; गमयेयुः आश्री ६,१०,२९. गमयिज्यावः वाध्रश्री ४, ७५: **†**गामय श्रापश्रौ ९,२,७; माश्रौ ३,२,१०; ऋप्रा ९,५०. जिगमिषेत् द्राश्री ५, २, २४; लाश्री २,६,१७. अजिगा सम् तैप्रा १६,१३ . जक्रनित निघ २,१४^२ नं.

गच्छत्- -च्छतः शांग्र १, ६, १; आप्रिय २,६,५ : १०××; -च्छ-ताम् आपश्रौ १४, ८,६३; १०, १२; हिश्री १०,८,२४; -च्छतोः निस् ६,३:१; -च्छत्सु द्राश्रौ १३,१,८; लाश्री ५,१,८;-च्छन् काश्री ९,३,२; १२,५, १९××; -च्छन्तः वृदे ५,७१; या १३, ८; -च्छन्तम् वैय २,१८ : १५; गौषि १,२,१० +; वाध. †गच्छन्ती- -न्ती श्रामिय २.१. ३: २३^b; -न्ती: हिश्री १०,४, 84.

गत्- पा ६,४,४०.

गत,ता- -तः श्रापश्री६,२,९;दाश्री; -तम् आश्री ५, १९,५: बौश्री: -तयोः काश्रीसं ३२:११: -तस्य बाध ३०: १८; ऋप्रा ९, २८; - नेता आप्रिय २,५,६:११; विध १,४५;या २,५;१४;-ताः आश्री ५, ७, १०; वाधूश्री; -तानाम् बौधी २८, १०:४; श्रश्र ८, १%; -तानि विघ २३, ५३; या १०,

२६; १४, १९; -ताभिः बौध १,५,१८; -ताभ्याम् अप ६२, २.६: -ताम् वैग् ५,१५:१७ ; -ते शांश्री २,६, १३; बौश्री; वावा ४, २, १०४; -तेन स् ८.४: -तेषु द्राश्री १५,४,८; लाश्री ५,१२,१५; कौए १,८, गत-तम- -मम् या ७,१३. गत-ताच्छील्य°- -ल्ये पावा १, 3, 39. गत-प्र(ज>)जा- -जा बौध 2,7,63. गत-प्रत्यागत, ता- पावा २, १,६०; -ता बौध ४,१,१८. गत-भयd- -येन या ६, १२. गत-भास^d- -सम् या ६, ३५. †गत-मनस् d- -नाः श्रापश्रौ १३,१४,४; बौश्रौ ८,१४: १३. गत-मात्सर्य - - र्यम् अप ६९; 9.9. गत-श्री - -श्रियः श्राश्री २, १,३६; शांश्री २, ६, ५; काश्री ४, १३, ५; श्रापश्री; -श्री: श्रापश्री २,१९, ३; ६, ४, १; १६,९, ७; बौश्री ३, ४: १८; १०, १३: १७; भाश्री. गता(त-त्रा)गत- पाग ४, ४, १९; -तम् अग ५८,४,१३; -तै: नाशि १,४,७. गातागतिक- पा ४,४,१९. गता(त-न्रा)च (दि-न्र) र्थ- -थें पावा २,२,१८. गता(त-श्र)ध्वन्-> ध्वा⁶--ध्वा गोगृ १, ५, १०; -ध्वाम् गता(त-श्र)नुगत- (>गातानु-गतिक- पा.) पा ४,४,१९. गता(त-श्र)भ्यस्त- -स्तम् वेज्यो ४३. गता(त-श्रा)युस्^d- -युः श्रश्न ८,१; -युषाम् अ्रशां १७, १. गता(त-श्र)र्थ- पाग २,२,३७. गता(त-श्र)सुd- -सुम् श्रापश्री १५, २०, १९; अप ७२,६,६; -सी बृदे ७,८९.

गतासु-मांस- -सम् श्रव ३५,१,१३. गतो(त-उ)करd- -रः जैश्रीका १६५.

गतवत्- -वन्तम् या १३.८. १गति- पाग ४,१,४५; -तयः श्राश्री १२,६,२५; -तिः श्राश्री १,९,५+; शांश्री १, १४, १९; बौश्री; ऋप्रा १८, ५९; ऋता २, ३,९; ३, ५,१०; -तिम् श्राश्री 2, 0, 90; 20, 4, 94; वाधूश्री; -तिषु शांश्री ४, ६, १२: -ती बैगु ५,१: १२: -ती श्रापध २, ४, २७⁸; श्रुपा २, ५८; पा. ३,१,२३; ७, ३, ६३; ८, ३, ११३; मीसू ६, ५, ४८; १०,२०,५५; -त्या माश्री ४,४, ४; सुध ६५.

गती- पा ४, १,४५. गति-कर्मन् d- -र्मणः या १, ७; २०××; -र्मणाम् या १४,१२ -र्मा या २,२××; -र्माणः निघ २,१४; या ३, ९. गति-कल्प- -ल्पी द्राश्री १५,9, ११; लाश्री ५,९,८. गति-कुत्सना- -ना या २,३.

a) पामे. पृ ९६९ e इ. ।

b) पामे. पृ ९६८ V इ. 1

c) पूप. = रृत-(तु. पासित्रा.)।

g) पामे. पृ ४९h इ. । ·d) निप. । बस. । e) = [चतुर्दशीविद्धा-] श्रमावस्था- । बस. । f) अर्थः ? ।

कप्र २,६,९.

गति-चला-कर्मन्8- -र्मणः या 8.3. गति-चेष्टा-भाषिता(त-२श्रा)-ध- - द्यम् विध २८,२५b. गति-बुद्धि-प्रत्यवसाना (न-श्र) र्ध-> र्थ-शब्दकर्मा (म-श्र) कर्मक- -काणाम् पा १,४,५२. गति-बुद्ध्या(द्धि-आ)दि--दीनाम् पावा १,४,१. गति-मत्- -मान् कौगृ ३, १२, 93. गति-युक्त- -केषु पावा १, ४, गति-हिंसा(सा-त्र)ध- -थेभ्यः पा १,३,94. गति-हीन- -नम् अप ६४, 3.3. गत्य(ति-श्र)ध- - थस्य या १, १७: -र्थेभ्यः पा ३, ३, १२९; -थेंचु पावा १,४,५२. गत्य(ति-म्र)र्थ° पा १, ४, £9: 6.9.49. ग्रत्यर्थ-कर्मन् - र्मणि पा २, 3,92. गत्यर्था (र्थ-त्र)कर्मक° पा ३, 8,02. गत्य(ति-अ)धवाद°- -दात् मीस् U. 3. 28. गत्या(ति-त्रा)नुपूर्व- -व्यंण द्राध्रौ ३, ३, १७; लाश्रौ १, 99,8. रगतिd- -तिः पा १,४,६०; ६,२, ४९; ८,१,७०; पावा ६,२,४९; ८,१,७१; -तेः पावा ६,२,४९रे; ८,१,७०; -ती पा ८, १, ७०; पावा ६.२.४९: -स्योः पा ८.३, गति-कर्मप्रवचनीय-प्रतिषेध-संप्रत्यया(य-- श्र)र्थ- -र्थः पावा €,9,03. गति-कारक-पूर्व- -वस्य पावा १.४.१३: -वें पावा २,१,४७. गति-कारके(क-इ)तर-पूर्व-पद°- -दस्य पावा ६,४,८२. गति-कारको (क-उ) पपद--दात् पा ६,२,१३९; -दानाम् पावा ४.१.४८. गति-म्रहण- -णे पावा ८,१,५७. गतिग्रहणा(ग्रन्त्रा)नथक्य--क्यम् पावा ८,१,७०. गति-त्व- -त्वात् पावा ६, २, गति-दिवःकर्म-हेतुमत्- -मस्सु पावा १,४,9. गति-संज्ञा-संनियुक्त- -कम् पावा १,४,७४. गत्या(ति-त्रा)दि- -दिभ्यः पावा 8,7,939. गत्यु (ति-उ) पसर्ग-सं(ज्ञा>) ज्ञ- -ज्ञाः पावा १,४,६०. गत्यु(ति-उ)पसर्ग-संज्ञा-पावा १, ४, १. गत्र- पाउना ४,११२. गस्वर- पा ३,२,१६४. †गत्वा शांश्रो २, १४,४××; काश्रो; श्रापश्री १७,१४,९1; हिंध २,१, 8 E8. गत्वाय शांश्री १२, २०, ५ा; सु 32,5. गन्तब्य- - व्यम् वैध ३, ७, ४;

श्राज्यो १०. ९. गन्तव्य-पण्य- -ण्यम् पा ६. गन्तु- पाउ १,६९; -न्तुः या ५, गन्तम् वाध २५, ७; बौध २, २, ७७: श्राज्यो २.९. गन्त- -न्ता या ५.१८. गन्त्री- -न्त्री कप्र ३, ३,६. नगन्तोस(:) त्रापश्री १४,१६,१; वाधश्री ३,४: १२; हिश्री. रगम- पा ३,३,५८. गमथ- पाउ ३,११३. गमध्ये भाश्री ७,८,१० + गमध्ये या २,७∮ ф. गमन--नम् काश्रौ १९, ५, ११; कौगः -नात् पागृ ३, १०, १०; या ९, २६××; -नानि या ४, ७: -नाय या २, ७: -ने काश्री २५, ४, १७; कौगृ ३, ९, ६०; बौगः -नेषु जैश्रीका ४२; -नी त्रापश्री १, ५, १; हिश्री १, 2.48. गमन-पातिन् -तिनी या ६, गमन-वेधिन् - - धिनौ या ६,३३. गमन-संयुक्त- -कम् हिश्री ५, 3.86. गमना(न-आ)गमन- -नम् बीध 2,99,39. गमनागमना(न-म्र)योग--गात् काध २८१: ७. गमयत्- -यन् अप्रा २,४,१५ . गमयित्वा आपश्री १४, २१, ९; बौश्रौ.

a) विप.। मलो. कस.>वस.। b) °तादिकम् इति जीसं.। c) मलो. कस.। d) = पारिमाचिक-संज्ञा-। e) तु. पासि.। इ.स.>पंस.>कस.। f) पामे. पृ ५८९ h इ.। g) पामे. पृ ७३४ k इ.। h) पामे. वेप १,९२० i इ.।

गमिष्यत्- -व्यन् द्राश्री ११, २, ११: लश्री ४,२,१०. गमयिष्यन्ती- -न्तीम् द्राश्री ११,२,११; लाश्री ४,२,१०. बिमन्- पाउ ४,६; पाग ३,३,३. गमि-गाम्या(मि-आ)दि--दीनाम् पावा २,१,२४. गमिव्यत्- -प्यन् शांश्रौ ३, ४, ९; वैगृ ६,१६: १२. बस्य स्या- स्यः ऋपा १४, ६३; -म्याः वैगृ ३,९ : ८. शा- पा ३,२,६७. गामिन- पाउमो २, १, २८७: -मिनम् विध २०,४०. गामिनी- -नीम् श्राज्यो १,९. गामुक-पा ३,२,१५४; -कः बौश्रौ १८,94: 30. रिमन्ता ऋपा ८,३०५. विम- पा, पावा ३, २, १७१; - कमयः त्रापश्री १४, १६, १; हिश्रौ १५,५,११ ; अप्राय ६,१; -िमः या ५, १८ . बिग्मवस्- पा ७,२,६८;-गमुषः या १२,४३; -मुषे या २,१४ . जग्म- -मने श्रापश्री १४,२९, 3 +b. -जक्रम°- -मम् सु १६, १2; १७,३; . श्रप ७०१, १२, ४; ७१, ६, १; या ५,३;९,१३; -मस्य या १२, १६; -मे अप ७०२,१२,४. नक्रम-स्थावर- रस्य वृदे १, £9; ८,994. जिगत्नु- पाउ ३,३१.

जिगनु- पाउमो २,१,७६. जिगमिष्- -षोः बृदे ४,९३. †जिगांसत् - सन् कौस् १३५,९. गच्छ- पाउभो २,२,८३. गच्छत-, °न्ती- √गच्छ द्र. √गज् पाघा. भ्वा. पर. शब्दे मदने च; चुरा. पर. शब्दे. गज°- -जः श्रप ७०९,७,९××; बृदे ५, १२३; याशि १,९; -जम् अप १, ३१, ३; ७××; विध ४४, ३८; ५०, २५; -जस्य वैश्रौ ११, ७: ५; अप १, ४४, ४; -जाः श्रा २०, २, २; ५७,२, ६××; -जान् अप ६८,३,११. गाज^d > गाज-वाज- गज-वाज- टि. द्र. गज-क्षय- -ये श्रशां १७.५. गज-ता- पावा ४,२,४३. गज-दैवत-वाजिन् - -जिनाम् श्रप ₹8, ₹, 9. ?गज-प्रोहित- -ते श्रप ७०^३,११, गज-बन्धन- -नम् आज्यो ८,८. गज-भग्न-कृत- -ते विध ७०, ८. गज-रोहण- -णम् श्राज्यो ८.७. गज-वाज⁶- पाग २, २,३१. गज-वाजिन् -- जिनः श्रप ६७,१,४. गज-विषाण- -णेन श्रप १,४५,४. गज-वीथी!- -थीम अप ५०,४,४. गज-व्यवेषिन् 8- - थी माशि १२,६. गज-संमित- -तम् श्रामिगृ ३, ४, ५: १०; बौषि ३,१०,३. गजा(ज-त्र)ध्यक्ष- -क्षम् त्रप ५,

गजा(ज-आ)ननb- -नाय शैशि १. गजा(ज-श्र)भ- पाग २, २, ३१1; -श्वस्य शंध ३९५. गजा(ज-श्र)श्व-मरीचि- -चयः विध २३, ५२. गजा(ज-त्र)श्वो(श्व-उ)ष्ट्-गो-घाति-न्- नी विध ५,४८. ग ते(ज-इ)न्द्र°- -न्द्रे विध ९९,११ गजेन्द्र-दन्ताग्र-कम्पित-महा-र्णववीचि-वृ(क्ष >)क्षा1--क्षाम् अप २४,६,२. गजेन्द्र-बलाहकौ(क-श्रो) घ-स्वन-दुन्दुभि^k--भीनाम् श्रपः 28,4,9. गजेन्द्र-मद्-संयुक्त- -क्तम् अपः ३५,२,9. गजो(ज-त्रो) छ - - ष्टम् अप २३, 3, 9. गजोष्ठ-सदद्शा(श-श्रा)का(र>)ः रा- -रा श्रप ३०२,१,१२. √गड़ पाधा. भ्वा. पर. सेचने. गडिक- (>गाडिकि- पा.) खडिक-टि. इ. गडु- पाउभो २,१,५४; पाग ५, २,. 90. गड्ड-कण्ठ- पावा २,२,३५. गडु-ज - (>°जी- पा.) गडुल-टि. इ. गडु-मत्- पा ५,२,९७. गडु-ल- पा ५, २, ९७; पाग २,२,. 36; 8, 9,89m; 4,9,938. गड्ली- पा ४, १,४१..

a) °युः इति पाठः? यनि. शोधः (तु. ऋ १,८९,७)। b) पाभे. वैप १,१२१० p द्र.। c) वैप १ द्र.। d) समृद्धार्थे अण् प्र. इति पागम.। e) तु. पाका.। गोजवाज— इति भाएडा., गाजवाज— इति पासि., पागम.। f) =व्योममार्ग-विशेष-। g) विप. (श्रध्येतु-)। उप. श्रर्थः?। h) व्यप.। वस.। i) तु. पागम.। j) विप.। पस.>तुस.>वस.। k) द्रस.>वस.>कस.। श्रोघ- = जलौघ-। l) विप. (यज्ञपात्र-)। वस.। m) गङ्ज— इति पाका.।

गाडुल्य- पा ५,१,१२४. गडुल-गालव- पा २,२,३४. गडु-शिरस्*- पावा २,२,३४. गड्वा(ड-श्रा)दि- -दिभ्यः पावा २,२,३५. गडुकb- पाग २,४,६९. गडेर- पाउ १,५८.

गडेर-क- > गडेरक-दशेरक*- पाग २,४,६८.

गडोल- पाउ १,६६. √गण् ° पाधा. चुरा. पर. संख्याने, गणयेत् शंध १०७.

गणd- पाग ४,१,९८⁶; २,६०; ३, प४; ४, १०२; ५,१,३९; -णः श्रापश्रौ १४,३,१०; १५,१९,१; बौश्रौ; श्रप ३२,१,२१;२३-२५; निघ १, ११¹; या ६, ३६**५**; -णम् आपश्रौ १४,२, २; १७, १६,१५; बौश्रौ १०,५३:९××; हिश्री; -णम्ऽ-णम् वेश्री १९,६: १०६; -णस्य हिश्रौ १२,५,३२; ३७; बृदे ५,४७; -णाः श्रापश्रौ २१, १५, १९; बौश्रौ ७, ५: ४ +××; श्राप्तिगृ; -णात् बौश्रौप्र २:५; याशि २,१०१; नाशि २, ८,२५; मीस् ८,३, ११; -णान् श्चापश्री १७, १७, ४; बौश्री; माश्रौ २,४, १, ३५ +8; वैताश्रौ १९, १८⁸; -णानाम् श्राश्रौ ४, ६, ३; †शांश्री ५, ९,१८; १४, १९;काश्रौ२०,६,१३‡; श्रापश्रौ; पागृ १, ५, १० h; -णाभ्याम् भ्रापश्री १४, ३, १४; -णाय आप्तिग्र२,४,५:६†; — णे आपश्री १८,१,१०; २,१३²; † बौश्री १७,३:३; ६; हिश्री; पावा १,१,३४¹; — णेन आपश्री १७,१६,१५; बौश्री १०,५३:९; माश्री; — णेन ऽ-णेन आपश्री १७,१६,१६; वैश्री १९,६:१०६; — † णेम्य: बौग्र २,८,९; अप ४६,९,१६; अशां २८,६; — णेषु आपश्री १७,१६,१५,६; वैश्री; — णें। आपश्री १७,१६,१५४; वैश्री; — णें। वैश्री १५,३०:१४; आप्रिग्र २,४,५:८‡; श्रशां २३,२‡; बौध ४,७,५.

गाणायन- L > °न्य- पा ५,३,११३] पा ४, १,९८.

गाणिक- पा ४,२,६०; ४, -9.03. गण-कर्मन्। -र्मभः कौस् १३९,७; -र्मा अप ३२,१,२४. गण-काम- - मम् कौगृ २, २, ८ k; -मान् शांग् २,२,१३ k. गण-गणिका-स्तेन-गायना (न-श्र) ब- - सानि विध ५१,७. गण-चोदना- -नायाम् मीस् ८, 3.3. गण-तिथ- पा ५,२,५२. गण-(त्व>)त्वा- - व्याये कीस् २४,२०; श्रप १८३,१,११. गण-द्रव्या(व्य-श्र)पहर्तृ- -र्ता विध ५, १६७. गण-ना(मन् >)मनी 1 - -म्न्यः गण-निधन^m - नम् निस् १०, १२:२२, नाः निस् ८,९:२२, गण-पित - पाग ४, १, ४४; ५, १,१२४; -तिम्यः बौगृ २, ४, ९, १; -ौत्रमौ १३,२६:१५; वाशौ ३,४,४,१३; हिशौ १४,४,३; २२,४,१०; आमिगृ १,१,३ ५५; २,६,३:२४; वागृ ५,२३; हिगृ १,६,११.

गाणपत- पा ४,१,८४. गाणपत्य- पा ५, १, १२४; -†त्यात् तैप्रा १३,९°. गण-पाद- पाग ६,२,८१°. गण-प्रशंसा- -सयोः पा ३, ३, 64. गण-बलि- -लिम् अप १९३, 4,8. गण-मध्य- -ध्ये काश्री १७, 99, 4. गण-मुख्य- -स्यम् वैगृ २, ६: 904. गण-यज्ञ - -ज्ञः काश्रौ २२,११, 19. †गण-वत्- -वते बौश्रौ १८, २८: १४; -वान् आश्री २, 99,6. गणवती- -ती बौश्रो १३, २६: १४. ?गणवत्सवनमुखीयेषु^व जैश्रौ **१४**ः गण-शब्द- -ब्दम् जैश्रीका

१४५.

a) तु. पागम. । b) व्यप. । व्यु. ? । c) पा ७,४,९० पावा ७,४,८२ परामृष्टः द्र. । d) मन्त्र-गण्-िवशेष- क्षित्रभू., श्रप ३२ प्रभू. । वैप १ द्र. । e) व्यप. । f) वार्ड्-नामन् । g) पाभे. वैप १, १२९९ f द्र. । i) = गण-पाठ- । j) = मन्त्रगण्-िवशेष-, भैषज्य-गण्-१२९९ e द्र. । e । e पाभे. वैप १, १२९९ f द्र. । e ।

क्षसू ३,७: ५.

गण-शस्(ः) आश्रौ ९,९,१६; बौश्री. +गण-श्रि.श्री- -श्रिभिः या ८, २: -श्रिये श्रापश्री १४, २५, ११: -श्रिये हिश्री १५, ६, 35. गण-संवत्सर- -राणाम् निस् ₹0,9:9 €. गण-समय-श्रेणी-पूग-चरण-व्य-वहार---निष्ठा°- -ष्ठा शंध 244. गण-सामन् -मानि निस् ६, 99:90. गण-स्थान- -नम् निसू १०, ८: २१; -नात् बृदे ५, गणा(ण-म्रा)देश- -शे वाभी १, 9,9,09. गगा(गु-श्र)धिपति- -तिम् बीध ३,६,२०. गणा(ग-अ)न्त- -न्तेषु श्रप ३३. ६,३; अशां २४,५4. गणान्त-स्व- -स्वात् पावा 19.8.04. गगा(ए।-अ)स- -सम् वाध १४, १०; राध ४३४; विध ४८, २१; बीध ३,६,१०. गणिका^b->गाणिक्य- पावा 8,2,80. गणिका-धूर्तचारिणी(णी-ई) क्षणिका-मायाविनी-कुहकशीला-विप्लुता- -ताभिः शंध ७९. गणिका-धूर्ता -व्यभिचारिणी-

मूलकुह्ककारिका-दुःशीला(ला– आ)दि--दिभिः शंध ७७. गणिका(का-श्र) स- -सम् वाध १४, १०; शंध ४३४; बौध ३,६,१०; विध ४८, 39. गणिका-पाद- पाग ५,४,१३८. गणिन्- पा ६,४,१६५; -णिनः बौश्रौ ७,७: १० . गाणिन- पा ६,४,१६५. गणी / कृ>गणी-चिकीर्षा--धया निसू ६, ११: १०, -पी निस् ६,६: २१; ८: ३५. गणे(ग्-इडा>)ड°- -डाः निस् 6,5: 39. गणे(ग-ई)श- -शम् भाशि १; -शानाम् अप ७०^३, १०, ५; -शेन कप्र १,१,१२. गणेश-रूप- -पाय शैशि २. गण्य- पा ४, ३, ५४; ४, ४, 68. गणक^d- -काः ऋप ५२,४,२. गणन- -नात् या ६,३६. गणना- -ना अर्व ध : २०. गणियतुम् विध २०,२३. गणित⁶- पाग ४, २, ६०¹; ५, २, ८८; -तम् वेज्यो ४. गाणित-, गाणितिक--पा 8,2,40. गणितिन्- पा ५,२,८८. गणकारि- (>गाणकार्य- पा.) पाग ४,१,१५१8. √गण्ड् पाधा, भ्वा. पर. वदनैऋदेशे. प्रवितिते (ता-ई)क्षणिका-माया- । गराडि - पाउ १, ११४; पाग ५, २,

९७; ४,१३८; -ण्डो विध ९६ 931 गण्ड-पाद- पा ५,४,१३८. गण्ड-माला!->गण्डमालिन्--ली शंध ३७७ : ५. गण्ड-ल- पा ५, २,९७. गण्डयन्त- पाउ ३,१२८. गण्डियत्तु- पाउभो २,१,८३. १गण्डु- पाउच १, ७; पाग ५, २, gok. गण्ड-ल- पा ५,२,९७. २गग्ड्र¹- [>गाण्डब्य-(>गाण्ड-व्याय[न>]नी-) पा. यक. रिपा 8,9,904;96. गण्डूष- पाउ ४,७८. गण्डोल- पाउ १, ६६; पाग ५, ४, 936. गण्डोल-पाद- पा ५,४,१३८. गण्डोलक-(>गण्डोलक-पाद-पा.) पाग ५,४,१३८. गत्−,गत−, १-२गति- प्रभृ. √गच्छ 瑈. गति(ल>)ला- पाउन १,५७. गञ्ज-, गत्वर-, गत्वा, गत्वाय √गच्छ द. गथुनस् -- नसः वाधूश्री २,१३:२. √गद् " पाधा. भ्वा. पर. व्यक्तायां वाचि; चुरा. उभ. देवशब्दे, गद्ति श्रप ४८,९ ई. जगाद बृदे ३,१२६; १३७; ४, 3; 94××. १गदित- -तम् अप ७, १, १३; बृदे ७,९५; -ताः श्रप ६९,६,१. गद्य- पा ३,१,१००.

a) इस.>षस.>इस.>सस.। b) नाप. । मत्वर्थे ठन् प्र. । c) विप. । बस. । d) =प्राजापत्य-प्रह-विशेष-। e) शास्त्र-विशेष-। f) तु. पागम.। g) गणकार— इति पागम.। h) व्यु. $? < \sqrt{n}$ म् इति पाउ., $\sqrt{100}$ इति श्रमा. i)=10 = 10 = 1 \mathbf{d} इ.। $l)=\pi$ पि-विशेष-। ब्यु. ?। m) व्यप.। ब्यु. ?। n) पा, पावा ८,४,१७ परामृष्टः इ.।

-म्बे: आपश्री १४, १२, ९;

श्गद"- - †दाय आपमं २, ३, १९; श्रामिष्ट १,१,३:४३; हिप्ट १, गदा(द-म्र)पनुत्ति - - त्तये वैताश्री 83.2. ‡रगद्र - पाग ४, १, ९६; १०४; -०द बौश्रौ १८, १७: २२; श्रामिगृ २, ७, ३ : ३; ३, १०, ३: 9.9. गाद-,>गादायन- यक. पा ४, 9,908;900. गादि- पा ४,१,९६. गदयित्न- पाउ ३,२९. शादा°- पाग ५,२,१३६; -दया अप ३६,१,९; -दा अप ७०१,५,२. गदा-रूप->ंरूपिन्- -पि विध गदा-वत्-, गदिन्- पा ५,२,१३६. २गदा^d->गदा-कर्ण⁶- -र्णे माश्रौ 4, 2, 4, 61. गदिक प- (>गादिकि h- पा.) पावा 8,2,60. श्गदित- √गद् द्र. २गदित $L,a^1]^g-$ (> गादित्य h [,डयो]- पा.) पाग ४, २,८०. श्राद्धद- पाग ३,१,२७,५,२,६४. गद्भद-क-पा ५, २,६४. √गद्रद्य पा ३,१,२७. श्गद्भव् - -दः शैशि १६१; पाशि २७; माशि १५, २; याशि १,

े२७: नाशि २,८,१२.

गद्य- √गद् द्र. √*गध् ^k>?गुधिता¹ निघ ४,२. †गध्य- -ध्यम् निघ ४, २; या 4,94\$. गध्यति->°ध्यत्यु(ति-उ)त्तरपद--दम्या ५,१५. ग्धाd- -धायाम् व त्रापश्री १९, २६, ४; बौश्रौ १३,३८: १२. गन्तव्य-, गन्तु- प्रमृ. √गच्छ् द्र. गन्दिका"-(>गान्दिक-पा.) पाग .8,3,93. √गन्ध् पाधा. चुरा. श्रात्म. श्रर्दने. गन्धन- -ने पा १,२,१५. गन्धना(न-ग्र)वक्षेपण-सेवन-साइसिक्य-प्रतियत्त-प्रकथनो-(न-उ)पयोग- - गेपु पा, पावा 2.3,32. गन्ध"- पाग ५, २, ९५; ४, ३⁸; - † न्धः बौश्रौ २, ५:८; ११××; -न्धम् श्रापश्रौ २०,२१, ८ ; हिश्री १४,४,५३; आगृ ३,६, ७; श्राप्तिंगः; -न्धस्य बौश्री २६, १०: २४; पावा ५,४, १३५; - १ न्धाः बौश्रौ २,११:१; वैश्रौ १,४:११; श्राप्तिगः; -न्धान् बौश्रौ १५,२४:१८;२३,१:३१; पागृ १, १९, ४; भागृ १, १०: १२; मागः; -न्धानाम् श्रापध १, २०,१५; - न्धे श्रापध २, २८, १०; हिध २, ६, १०; -न्धेन हिश्री १०,६, ४; या १४, ४;

लाश्रौ २,६,१; निस्. गन्ध-कº- पा ५,४,३. गन्ध-तोय P- -यैः वैग् ४, १०: †गन्ध-द्वा(र>)रा°- -रा आमिए २,७,७: १३; अप ३८, २, २; बौध ४,५, १२; -राम् शामिए 2, 8, 90:96; 4, 9:39; माए २,१३,६; वैग् ४,१४: ८. गन्ध-पान - नम् माग् २,१४,२८. गन्ध-पुष्प- - प्पाणि अप १,३४,५; -च्यैः आमिगृ १, ६, ३ : ४७; बौषि २,९,११; मागृ १,१६,१. गन्ध-पुष्प-धूप-दीप- -पैः श्रामिष्ट 2, 2, 2: 34; 0, 9: 6xx. गन्ध-पुष्प-धूप-दीप-नैवेद्या (य-धा) दि- -दिभिः विध ९०,३. गन्ध-पुष्प-धूप-दीप-माल्य-्-स्यम् हिपि १७: १९. गन्ध-पुष्प-धूप-दीप-वासस्--ससाम् गौपि २,३,२७. गन्ब-पुष्प-धूप-दीपा (प-श्र) - कछो (ल-उ)दक- -कै: भाग ३,११:७. गन्ध-पुष्प-धूप-दीपौ (प-म्रो)दन-पायस-यावक-लाजा (ज-मा) दि- -दि अप ४०, १,१०. गन्ध-पुष्पा(ध्प-श्र)क्षत-धूप- -पात् श्रामिय २,४,६: १९. गन्ध-पुष्पा(ब्प-२ऋ।)च- -चैः श्रामिष्ट २, ३,३ : ९.

a)=रोग-। ब्यु. $?<\sqrt{\eta}$ द् इति श्रभा. । b)=ऋषि-विशेष-। ब्यु. ?। c)=श्रायुध-विशेष-। ब्यु. $?<\sqrt{\eta}$ द् इति शक. । d)=रथावयन-विशेष-। ब्यु. ?। e) षस. उप. = प्रान्त-। f) सपा. ब्यु. $?<\sqrt{\eta}$ द् इति शक. । d)=रथावयन-विशेष-। ब्यु. ?। e) षस. उप. = प्रान्त-। f) सपा. ग्रायाम् < प्रथमायां गधायाम् इति पाभे. । g) तु. पागम. । श्रथं: ब्यु. = । e1 वेप १ द्र. । या ५,९५ । e2 वेप १ द्र. । या ५,९५ । e3 वेप १ द्र. । या ५,९५ पराम्प्टः द्र. । e4 । e5 वेप १ द्र. । इह गन्धवत्यिप वृत्तिरिति विशेषः। धा. शिङ्कने वृत्तिः तु. वेप २ । e7 विशेष-। e8 विशेष-। e9 मलो. कस. । e9 विप. । बस. ।

गन्ध-प्रवा(द>)दा°- -दाभिः वैताश्री १०, ५; कौसू १३, १२; 48.4. गन्ध-माद्नb- -नम् शंध ११६ : ९; -नात् मागृ १,१०,१७ . गन्ध-माल्य- -ल्यम् श्रप ७०^२, ९, ४; श्राप्तिगृ २, ५, १: १३; -ह्यानाम् कौग् ४,१,१;-ह्यानि श्रप ४, १, १५; - हयेन श्रप ४, ३,१; -ल्यैः अप ७०१,९,१; आप्तिगृ ३,१०,४:४. गम्ध-माल्य-तिल- -लै: श्रप ४४, ₹,₹. गन्ध-माल्य-धूप- -पैः शंध २१५. गन्ध-माल्य-धूप-दीप- -पानाम् कीय ₹,9₹,४. गन्ध-माल्य-धूप-दीपा(प-श्रा)च्छा-दन- -नानाम् श्रागृ ४,०,१७. गन्ध-माल्य-धूपा(प-त्रा)रहादन-सिद्धोपहार- -रै: शंध १९६. गन्ध-माल्य-धूपा(१-श्र)अना(न-श्रा) टर्श-प्रदीप- -पस्य अप ४४, ₹, €. गन्ध-माल्य-वस्त्रा (ब्र-श्र)लङ्कारा(र-श्रा)दि- -दिभिः विध २१, १. गन्ध-माल्या(ल्य-श्रा)भरण- -णानि शंघ ७८. गन्ध-रस- -साः वाध २,२६. गन्ध-रस-कृतान्न-तिल-शाण-श्रीमा-(म-श्र)जिन- -नानि गौध ७,९. गन्ध-रस-दुष्ट- -ष्टम् वैश्री ११, 99:93. गन्ब-लिस- -सः श्रापगृ ८, ९.

गन्ध-लेप-क्षय-कर--रम् श्राप्तिगृ

२,६,८: ८; विध ६०,२४. गन्ध-वत्- पा ५,२, ९५; -वन्तः बौश्रौ २३, १:३१; -वन्तम् बौगृ १,६,२२. मान्धवती -- तीभिः द्राश्रौ ५,२, ४; गोगृ ३,४, १०; -त्यः जैगृ १,9:93. गन्ध-वर्ण-रसा(स-श्र)न्त्रि(त>) ता- -ताः वौध १,५,५७. गन्ध-बह- -हः नाशि १,५,९°. गन्ध-वारि- -रिणा कप्र ३,४,११. गन्ध-गुक्त-पुष्प- -ष्पैः श्राप्तिगृ २, 4, 4: 98. गन्ध-शेष- -षैः श्राप्तिगृ २, ५, 97: 4. गन्ध-सर्ज् - सजः श्रप ११,१,९. गन्ध-सग्-दामन् - नमिः मागृ २, गन्धस्रग्दाम-व (त् >) ती--त्याम् मागृ २,६,४. गन्धा(न्ध-त्रा)ब्राण- -णे गौध २३, गन्धा(न्ध-श्रा)च्छादन- -ने वागृ १२,२. गन्धा(न्ध-श्रा)त्मक*- -कम् वैगृ ५, 9:90. गन्धा(न्ध-श्रा)दि- -दि श्राप्तिगृ २, ५, १२: ५; ३, ११, २:६; -दिना आमिए १,६,१: २२. -दिभिः श्राप्तिगृ २,५,१२: ४; ३, ३, १: १२; २: ७; १८; -दीन कप्र १,४,३.

गन्धा(न्ध-श्र)नुलिस,सा- -सः बौग १,१,२४;५,१५;-साम् बौगृ १. गन्धा(न्ध-श्र)पहारिन्- -री शंध 396. गन्धा(न्ध-त्रा)भरणा(ण-त्रा)दि--दीनि वैय २, १४: १. गन्धा(न्ध-त्रा)मलका(क-त्रा)दि--दिभिः वैगृ ३,९ : ४. गन्धा(न्ध-त्रा)हुति- -तिभिः कागृ 89,0. गन्धो(न्ध-उ)त्साद्न^d - - ने मागृ 8,9,7620. गन्धो(न्ध-उ)दक- -कम् कप्र २. ८, ८; श्रप २०, ३, २; -केन कागृ १७,२; विध ७३,१२; -कै: बीगृ ३,१०,४; गौपि १,४,१९; 2,3,98. गन्धौ(न्ध-श्रो)पधी- -धीभिः जैषृ 2,4:93. गन्धक- प्रमृ. गन्ध- द्र. गन्ध्न- प्रमृ. √गन्ध् द्र. गन्ध-पान- गन्ध- द्र: गन्धपिङ्गला¹- (> गान्धपिङ्गलेय-पा.) पाग ४,१,१२३. गन्ध-पूष्प- प्रमृ. गन्ध-द्र. गन्धरायण⁸- -णाः बौश्रौप्र १९: १. गन्धर्वb- पाउभो २, ३, १२६; पाग ५,४, ३८1; -- व पाग १,११, २: - १वी: आश्री ४,७,४; शांश्री ५,१०,२५; १२,३०, २; काश्री २,८,१; श्रापश्री २,९, ५; १५, गन्धा(न्ध-त्रा) च- चै: वैगृ ४,३ : रिल १६,९; बौश्री १,१३ : २०; के 93: 97; 8,98: 0; 8,98:

a) विप. । बस. । b) = पर्वतं-विशेष- । उस. । c) नासां गन्धवहः इत्यस्य स्थाने नास। गन्धावहः इति लासं. । d) विप. (वासस्-) । इस. मत्वर्थे अच् प्र. । उप. = उद्दर्तन- । e) व्योत्सद् इति पाठः शयिन. शोधः f) व्यप.। व्यु.!। शुद्धपिङ्गळा- इति पाका. 1-[तु. मूको., भाष्यकारः, Knauer (पक्षान्तरातु: पदस्वी।)] । $g) = \pi s (q - q) + q = q \cdot (q - q) + q \cdot$

96: 22, 7: 3; 26, 86: 45; भाश्रौ २,९, ३××; माश्रौ १,२, ६,८; वाध्यी ४,४७:३८; वाथी १.३.३.१४:वैश्री; या २,६:-वेम् बौश्रौ ८,१४:४० +; १८,४६:८; वैश्रो १६,१८: १७ +; काय २५. ३५२+; वैगृ ३,४:३; अप १,४५, ५: वृदे ७,१३०:- वैस्य याश्रौ ४.७.४; शांध्री ५,१०,२३; कौगृ १, १२, २; शांग्र १, १९, २; त्रत्र १४,२; नाशि १,४,32?ª; -र्बाः आश्री १०,७, ३; शांश्री १६. २. ८, श्रापश्री २२, ११, ८ +: +बौश्रो ११,६ : २२;२४, २७: १२; वाध्रश्री ४,४७: १; २: ११६: १: हिश्री १७, ५, ५2+; वैताश्रौ ३६,२७+; त्रापमं १,७,८; मागृ २, १८, २‡; अप 33,0,4,82,930,08,96,3; हिध १,६,२०; वृदे ७,६८; श्रश्र १२,9‡; या ३,८; अप्रा ३,४, १‡; नाशि १,२,१३;२, ७,१२; -र्वाणाम् शुत्र १,१६४; -र्वान् वैश्रो २१, १५: ७ ; †हिश्रो ७,१,६०; १५,७, १०; श्रामिगृ २,५,३: ३१ ई: पाग २,१२,२; वौगृ ३,७,२१; कौस् १०६,७+; कप्र २.२.३-८: नांशि १,२,१५; -विभ्याम् शांश्रौ ४, १०, १; - † वीय द्राभी ३,४,३०; लाभी १, १२, १६; श्रापमं १, ३, २; ४, २; कौगृ १, ७, १; शांगृ १, ११,४; पाय १,४,१६; आमिय; -वें कागृ १९, ३; -वेंण बृदे ८. ५२: -वेंभ्यः मागृ २, १२,

१७; त्राप २०,७,३;- +वेंषु बौश्रौ १७,४१: २; श्रापमं २,४,६;७, २४: आमिगृ १, १, ४:३७: काय ४१,१८; भाग २,२०: ५; मागृ १, २२,११; वागृ ५, ३०; हिए १,८, ४; १०, ४; जैए १, १२ : ४२ : अप ७१, १७,९8. गन्धर्वाणी - -णी कागृ 20, 2. गान्धर्व,वि - -र्वः श्रापृ १, ६, ५; वैगृ ३,१ : २,१०; वाध १, २९: ३३: श्रापध २, ११,२०; वौध १, ११,६; विध २४, १८; २३;२८; हिध २, ४, ३५; गौध ४, १०; -र्वम् अप ७०^३, १०, ५; बौध १,११,१६; -वी: नाशि १, ७,१८; - र्वात् वेषृ ६,१२: १०; -वें वैगृ६, १२: १०; -वेंण वैगृ ६.१२: ७: विध २४,३७. गान्धर्वीd- - +वीं अप ४८,१०२; श्रशां १६, १; निघ १,११^e; -बींम् श्रशां १७, ५; -व्याम् अशां १८,७; १९, ८. गान्धर्व-वेद- दः चव्यू ४ : ११: -दम् शंध ११६: ३८; -दे याशि १.६. गन्धर्व-गण- -णाः बौश्रौ १९,१०: ₹. गन्धर्व-नगर- -रम् अप ६४,२,८; **७२.३.६.** गन्धर्व-नामन् -मिः माश्रौ ४, गन्धर्व-पद- -दम् अप ७०,१२,५. गन्धर्व-यजुस्- -जूंषि वौश्रौ ९,१६:

गन्धर्व-राज- -जस्य चात्र १४: १: -जाय कापृ १७,१ . गन्धर्व-लोक- -कम् बौषि १, ७: १५: विध २४, ३७; ९१,१२. गन्धर्व-सेना- -नया सु २६,२. गन्धर्वा (व-त्र्र) प्सरस् - -रसः व्यापथ्री २२,११,६+; वाध्यीध, ११६: २: हिश्री १७,५,४+; वैताश्री ७. २२ + : निस् ७, ७ : २६; क्यप ४३,२,३१; ४५,२, १०; शंध ११६ : १६; बृदे ७, ७१;८,११४: गुत्र २,३३२; श्रत्र २,२: ८, १० (५) नाशि १,७, ६; -रसाम् बौश्रौ १४,१८: ९; चात्र ३९: ११; -रोभ्यः शांश्रौ ६,२,२; वाध्यो ४,१०४: १०; कौस ४९,१२ . गन्धर्वाप्सरो-देवता- > °त्य--त्यम् श्रश्र २,२. †गन्धर्वा (र्व-ग्र) प्स (र>) रा--राभ्यः श्रापश्रौ १४, ११, ३; वौश्रौ १९.७: ५७: हिश्रौ १०, €.9. गन्धर्वा(र्व-त्र)प्सरी(रा-न्रो))पध--धीः श्रश्र ४,३७? . गन्धर्वा(र्व-मा)हति- -तिः मामिगृ २.५.३ : ४६; बीग ३,७, २८; -तीः बौश्रौ १०, ५०: १५; वैश्रौ १९,६: १३४. गन्धर्वे(र्व-इ)तरजन- -नेभ्यः माश्री 2,4,9,80+. गन्धर्वे-ष्ठा^ड- • ष्ठाम् माश्री २, ५, 2, 294. गन्धर्वी(र्व-उ)रग-राक्षत- -साः बृदे 4,984; 0, ६८.

f) °ियः इति पाठः ? यिन. शोधः । g) वैप १ द्र.।

a) पाठः ? गांध॰ इति शोधः (तृ. लासं.)। b) स्त्री. ङीष् प्र. श्रातुग्-श्रागमश्च उसं. (पा ४,१,४९)। c) विप., नाप. (विवाह-विशेष-)। तस्येदमीयस् तत श्रागतीयो वा अण् प्र.। d) = शान्ति-विशेष-। e) = वाच्-।

गन्धर्वायण°- -णः वीश्री १८, २६ : १३; -णाः वीश्री १८,२६:२०. गन्धर्वाहुति- प्रमृ. गन्धर्व- द्र. गन्धार^b- पाग ४, २,१३३; १३४;३,

श्वान्धार°— पा ४, २,1३३;३,९३; —रा: अप ५६,१,४;५७,२,५. ग्रा,गा|न्धारि°— पावा ४,२,५२; —रय: बीश्रौ १८, ४४:२३; —रिभ्य: अप ४६,५,५‡. २गान्धार— पा ४, १, १६९°; पावा ४,२,५२¹; –रान् बौशौ १८,१३:१.

गान्धार-कलिङ्ग-मागध- -धान् हिश्रौ १७, २, ६२ 5 .

गन्धारि-कलिङ्ग-मगध--धान् श्रापश्रौ २२,६,१८^४. गान्धारक^b- पा ४,२,१३४.

गब्दिका- (> गाब्दिक- पा.) गन्दिका- टि. इ.

†गभ¹- -मे आश्री १०, ८, १०; शांश्री १६,४,१.

गमस्ति¹- पाउमो २,१,१८५¹; पाग ६,३,१०९¹; -†स्तयः श्रप ४८, ११२; निघ १,५; २,५; -†स्ती श्रप ४८,८१; निघ २,४; -†स्ती श्रापश्री १२,१४,१५; हिथ्री ८, ४,१७; -स्त्योः या ५,४‡. †गमस्ति-पूत- -तः बौश्री ७,५:

३३; या ५.६. गमस्ति-माला->°लिन्- -लिनि श्राप ६५,२,२.

गभीका¹- पाग ४,३,१६७^m.
†गभीर,रा¹- पाउ ४,३५\$; -रः श्रप ४८, ६८; निव ३,३; या ११, २०; -रम् निघ १, १२; या १४,११; -रा श्रप ४८, १०२; निघ १, ११; -राः श्राश्री ३,८,१; -रे श्रप ४८,

√गम् √गछ्द. १गम- ग द. २गम- √गच्छ्द. †गम्भन्¹--म्भन् काश्रौ १७, ५,१ⁿ; शुत्र २,१६१. गम्भिष्ठ--ष्टम् बोश्रौ १०,५६:१२.

६०: निघ ३,३०.

गम्भिष्ठ--ष्ठम् बोश्रो १०,५६:१२ गम्भर¹- -रम् निघ १,१२‡.

श्गमभीर.रा1- पाउ ४, ३५; -रः शंध २४४: -रम् त्रापश्री १६, २५.२ + n; बोध्रो ७,५:० +; वैध्रो १८,१७:५३ ‡ हिश्री ११,७, ४२ + n; 외 국, 9, 9 ३; 왕८, ٥4²+; ६२, ४, २; ١٥٥٤, ४,३; ब्रप्रा २, ४, ६; - चरा बौश्रौ ८,१९ : १४°; श्रप ४८, १०२: निघ १,११; - १ श्रप ४८,६०; निघ ३,३०; - १रेभिः श्राश्रो २, ७, ९^p: - †रैं:^p बौश्रौ ३, ११: २२; आमिय ३,१,१ : ८: ३ : ३४; बौपि २, ९,१३^२; भागृ २,११: ५;१४: १४; हिए २,१०,५^{१०};१३,२. गाम्भीर्य- पा ४,३,५८.

गम्भीर-कर्मन्¹ - -र्माणः या ११,

गम्भीर-प्र $(\pi >)$ π^{r} - -जाः या ११, १७.

गम्भीर-वेपस्^r- -पसः या ११,.

रगम्भीर8-(>गाम्भीर-पा.) पाग ४, २,७५.

१गय¹- पाउमो २,३, ७; पाग ६, १, २०३; -यः जैऔ ११: १८‡; अप ४८, ८७‡; ऋस २, ५,९; १०,६३; बृदे ३, ५५; ग्रुख २,४५३; साझ १,८२;८४; †निघ २,२;१०; ३,४; -यम् सु १९,६; बौगु २,२,१०‡; -यस्य चाझ ४२:६; -ये बृदे २,१३०.

गय-साधन¹— -नम् ऋप्रा ७, ५३[†]. गय-स्फान¹— पावा ६,१,६५; —[‡]नः आश्रौ २,१,२०; ४,८,८; शांश्रौ ३,०,३; १५,८; काश्रौ ५,१२,

२गय,या^t- पाग ४, २, ८२; -याम् श्रव ४२, २,४; विघ ८५, ६७; -यायाम् कागृउ ४५: ६; शंध १९४.

गय-शिरस्"— -रसि या १२,१९. गया(या-ग्रा)दि— -दौ कप्र ३,

गया-शीर्ष"- - एम् शंघ ११६ ह १३; - पे विघ ८५,४;६६. गया-स्थ- -स्थः वाघ ११,४२.

a) व्यप.। व्यु.?। b) = देश-विशेष-। व्यु.?। c) = तद्देश-त्रासिन्। d) = $\lfloor n \rfloor$ विषय-देश-। वैप १ द्र.। n° इति आपश्री. अप.। e) = तद्-राज-। f) = गान्धारि-। g) परस्परं पामे.। h) = $n \rfloor$ नगन्धार-। i) वैप १ द्र.। j) $n \rfloor$ भस् इति। k) तु. पागम.। $n \rfloor$ पामे. वैप १,9२९४ $n \rfloor$ मस्यादीप्ती। इति। l) = $n \rfloor$ चित्र-। व्यु.?। m) गर्गरिका- इति पाका.। n) पामे. वैप १,9२९४ $n \rfloor$ विप.। वस.। s) अर्थः व्यु. च?। t) = $n \rfloor$ नगरी-विशेष-। व्यु.?। u) = स्थान-विशेष-। पूप.?।

श्गर- ग इ. श्गर- पाग ३,१,१३४. अत्रª- पाग ५, २,३६; ६, १,१६०; पात्राग ८, २, १८^b; -रः अप ४८, ७५‡°; -रम् वौश्रौ १८, ४७: १;२;२३; -रस्य निस् ७, ७ : ३२. गर-गिर - -गीः काश्रौ २२, १०, १६; ग्रापश्री २२, ११,१; हिश्री १७,५,७; बौध ४,८,१. गर-गोर्णª- -र्णम् आश्रौ ९,५,१. गर-द- -दः वाध ३, १६; शंध २०१; विध ४५,१६; -दाः शंध 880. गरदा(द-त्र)मिद्- -दी शंध 300: 3. गरदा(द-त्र)भिद-प्रसद्यतस्कर--रान् विध ५,११. गरित-पा ५,२,३६. गरण-वत्- √गृ (निगरेण) इ. गरम- पाउना ३,१२१. गरमाण-रोहिन्- 🗸 ग्(निगरणे)इ. गराजि - - जिः श्राज्यो ४, ५,१७; -जिना आज्यो ५,८. गरि- (>गारेय- पा.) पाग ४, २, gub. गरितृ-, √गृ,गृ (शब्दे) द्र. गरिमन्- गुरु- दे. गरिष्ठ- गुरु- इ. गरी- पाग ४,१,४१ b. गरीयस्- गुरु- इ. गरीर-पाउना ४,३१. गरुडª- पाउ ४, १५६; -डः सु १३,

9; 88,8; 80,4; 20, 2; 8; २१, ४; २२, १; २५, २; २६, ५; ३४, ३; -डम् स ४, ४; ५, 9; ३१, 9; शंध ११६: ३३; -डस्य सु ४,१;२२,३;२४,१. गरुड-हंस-वत् माशि १५,८; नाशि २,८,२४; याशि २,१०२. गरुडे(ड-इ)न्द्र-> व्नद्र-तार्ध्य--स्याः स १,५. गरुत - पाउ १,९४; पाग ८,२, ९. गरुत्-मत् - - †मतः वौश्रौ ३,२५: ४; भाश्री ३,१७,७; माधी; चात्र १६ : १४\$1; -मति सु २२, २; -०मन् स् ७,३;११,२;४; १३, ५××; -मन्तम् सु ३१,9; कप्र २,१,१६; बौध २, ५,२४ ‡; या ७,१८; - मान् शांश्री १७,१७, १: श्रापश्री १६, १०,१२ ;१७, १५, ४; बौधौ; \$ अअ ध, ६; ५, १३; ६, १२; १००; ७, ८८; १०, ४; या ७, १८ф. गरूतमती- -ती सु१९,२. गारुतम(त>)तीष- -ती गुत्र २,८११h. गरुतमत्-संभव- -वे सु ४,५. गरूथ- √गृ, गृ (शब्दे) द्र. गर्भा - पाउ १, १२८; पाग ४, १, १०५: १५१ ; -र्गः ग्रप ५१, ५,२; ६२,१, १; ऋग्र; -र्गस्य त्रप ५०,४,४; ५१, ५, ६^२××;

गार्य- पा ४, १,१०५; १५१; -० वर्ष आधी १२, १२, २³; श्रामध्री; -मर्थः बौध्रौ १६, २७: २३: लाश्री ७, ९, १४²; कीसू; -ार्यम् कीय २, ५, ३; शांगः; -ग्र्यस्य ऋत्रा ६, ३६;११,२६; पा ८,३,२०; -ग्याणाम् वैध ४, ३.३: - गर्येण श्रव ७०१,२३,१. गार्गी- -गीं आगृ ३. ४,४१k; कौय २, ५,३; शांय ४, १०,३; श्रप ४३,४,२२. गार्ग्य-गालव- -वयोः पा ७, गार्ग्य-पार्थश्रवस- -सौ कौसू १७,२७. गार्ग्य-पार्थश्रवस-भागलि-का द्वायनो(न-उ)परिवभ्रव-कौशिक-जाटिकायन-कौरुपथि- -थयः कौसू ९,१०. गर्ग-त्रिरात्र!- पाग ६, २, ८१; -त्रः शांश्री १६, २, २; बौधी १६, २७: २६; - + त्रम् श्राधौ १०, २, ६; -त्रेण आपश्री २२. १५, १; १८, ७; बौधौ २६, १८: १०; हिश्रौ १७, ६, १९; गर्गत्रिरात्र-शस्य - स्याः श्राश्री 20,2,94; गर्ग-बैद-च्छन्दोमा(म-स्र)न्तर्वस्-पराक- -काः काश्री २३,३ ८. गर्ग-भार्गव-> विका $^{\mathrm{m}}->$ 'विका-ग्रहण- -णम् पावा ४. 9,68.

a) वैप १ इ. । b) तु. पागम. । c) = जल- । d) = [तदाख्य-]करण-।वरेष-। $= \frac{1}{2}$. । e) वै। १ गःत-मत्- टि. इ. । $= \frac{1}{2}$ । $= \frac{1}{2}$ विप. (ऋय्-) । $= \frac{1}{2}$ । $= \frac{1}{2}$ विप. (ऋय्-) । $= \frac{1}{2}$ विप. (ऋ्य्-) । $= \frac{1}{2}$ विप. (श्रु १ विप. शोवः (तु. कौय. प्रस्.) । $= \frac{1}{2}$ विप. (श्रु १ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप. (श्रु १ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप. (श्रु १ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप. (श्रु १ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप. (श्रु १ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप. (श्रु १ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप. (श्रु १ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप. (श्रु १ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप. (श्रु १ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप. (श्रु १ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप. (श्रु १ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप. (श्रु १ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप. (श्रु १ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप.) । $= \frac{1}{2}$ विप.

आपश्रौ.

-गी. वौश्रीप्र १:४;१९:१;६;

-र्गाणाम् । श्राध्नौ १२, १२, २;

गर्ग-वत् त्रापश्रौ २४, ७, ९; १०; बौश्रीप्र १९: ८; ९; हिश्री. गर्ग-वत्स- पाग ६,२,३७. गर्गर*'b- वाडमो २, ३,३५; पाग ४, १, १५१°; -रस्य हिथ्रौ १, ७, 24. गार्गर्य- पाग ४,१,१५१. गर्गरिका- गभीका- टि. इ. **√गर्ज़**, पाधा. भ्वा. चुरा. पर. शब्दे, गर्जते अप २९,२,२; ७१, १४, ३: गर्जनित अप ७०²,२१,५. गर्ज⁰- (>१गर्जित- पा.) पाग 4, 2, 3 €. गर्जन- -नम् श्रव ६१,१,१९; २१; ७०^२, २, २; -ने अप ६१, १, २४; ७१,9,४; ५; २,9. गर्जमान- -नः श्रप ६२, ४, २; -नेषु अप ६१,१,२१. २गर्जित- -तम् श्रप ७०२,१७,३. गर्त - पाउ ३,८६; पाग ४, २, ७७; ८०^{२1};९०;१२७⁸; - †र्तः माश्रौ ४,१,२१\$; श्रप ४८,८९^७; निघ ३,४७; या ३,५ई; -र्तम् काठश्रौ ६३: ९८: बौध्री ६,८: ६××: माश्री; या ३, ५+; -र्ताः कप्र १,१०,६; -तीन् बीश्री ६,२५: १६; -तें माश्री १, ८, ४, ४१; त्राय २,८,१५; ४,५, ७; कीय; कौसू ४९. २३1; -तेषु त्रागृ २. ८,१४; -ताँ बौश्री १७,३५:३. गार्त्। पा ४,२,७७. गार्तक- पा ४.२.१२७. गर्त-कूट1- (>गार्तकूटक- पा.)

पाग ४,२,१२७. गर्त-प्रस्रवण- -णे अप ४२,१,२. गर्त-मित्b- - †मित् बौश्रौ १७, १३: ३; २६,२३:१७; -मितम् श्रापश्री १४, ६, ७; बौश्री १७, १३: १; २६, २३: १५; हिश्रौ 9,2,29. गर्त-सद्b- -सदम् आगृ दे, १०, 90+. †गर्ता(त-श्रा)रुह्b- -रुक् या ३, गर्ता(र्त-त्रा)रोहि(न् >)णी- •णी या ३,५. गर्तिक । पा ४,२,८०. गर्तिन्1- पा ४,२,८०. गर्तीय। पा ४,२,९०. गर्ते-ष्ठा- -ष्ठाः या ३,५ . गर्तो(र्त-उ)त्तर-पद- -दात् पा,पावा 8,2,930. √गर्द पाधा. भ्वा. चुरा. पर. शब्दे. गर्दन k- नम् अप ४८,८० म. गर्दभ b- पाउ ३, १२२; -भः श्रापश्रौ ९, १४, १४ ई; बौश्री २४, ५: १९,२५,२९:४३; भाश्रो ९,१६, १७; वाधूश्री; -भम् श्रापश्री ९, १५, १××; बौश्रौ; -भस्य श्रापश्री १६,२,२;३, १०; हिश्री ११,9,9३‡;३७; -भात् लाश्री ९,८,१६; -भान् मागृ २,१४, ११: वेग ६७: ११: - मे माश्रौ; -भेन श्रापध १,२६, ८; हिंघ १, ७,१९; गौध २३,१७;

-मी शांश्री १२,२४,३[‡]. गर्दभी - - भी कौसू ११०,१. १गर्दभी-मुख¹- > गाई-भीमुख- -खाः वौश्रौप्र ४३:५. १गार्दभ^m- - भम् श्रापध १,३२, २५; हिध १,८,६६. २गार्द(भ>)भी"- -भीम् श्रुश्र 2,90. गर्दभ-ऋश्य-भास- -सानाम् अप 60, £, £. गर्दभ-चर्म-वासस्º- -साः बौध २. 9,3. गर्नभ-प्रथम- -माः श्रापश्रौ १६. गर्भ-प्रवेश- -शे काथ २७६ : ८. गर्दभ-मन्त्र- -न्त्रः वौश्रौ २२, १: गर्भ-मुख- -खेन अप १,३२,१०. गर्भ-रशना- -नाम् वैश्रौ १८,१: १७^p; -नायाः वौश्रौ २२,१:६. गर्दभ-स्त्रीव⁰- -वः भागृ २,२१: 4; 9年. गर्दभा(भ-त्र)जिन- -नम् विध २८, गर्दभाजिनिन्- -नी शंध ३७९. गर्देभे(भ-इ)ज्या- -ज्या काश्री १, 9,93. शार्द्ल"- -लः वाध्रश्री ३, ६९: ३८. √गर्भ पाधा. चुरा. पर. श्रभिकांका-याम्. बौश्री २,५ : ३; १०, ४ : १२; गर्ध-, गर्धन-, गर्धित- √एथ् द. गर्भb- पाउ ३, १५२; -र्भः शांश्रौ १५; ७,८;१७,१‡; काश्रो २६,

b) वैप १ इ.। c) पृ ९७९ j इ.। d) प्त- इति पागम.। a) = राजर्षि विशेष-, कलश-। e) वैप १ निर्दिष्टयोरत्रसमावेशः द्र. । f) द्रर्थः ? । सकृत तु. पागम. । g) वर्चगर्त— इति पाका.? । h) = ηe^{-1} i) °तें इध्मी इत्यत्र संधिरार्षः (तु. संस्कर्तुः टि., भू LVIII च)। j) = देश-विशेष- !। k) = उदर- । व्यु. ! "i $m{l}$) ब्यप.। बस.। m) विपं.। तस्येदमीयः अण् प्र.। n) विप. (ऋच्-)। o) विप.। पस.> बस.। p) विम् इति पाठः ? यनि. शोधः । q) विष. (मिर्गा-)। वस. । r) अर्थः व्यु. च?।

४. १३ +; श्रापश्रो ९,१९, २ +; १४, २९, १+; १६, ३,९; ३२, ४'+: बौश्रो ५, ९: १९××; माथौ; श्रापमं १,१२, ५; ८ª; 2, 99, 90b; 96b; 25c; पाग ३, ३,५‡व; हिग १,२५, 9° ‡°; या २,9९;१०,२३°;∮; १३, ३०3; ३९; १४, १६#; - कीम आश्री २, ७, १३; ३, 90, ३9e; १0, ९, ५; शांश्री; त्रापश्रो ५,८,८1; ९,४,9°; १८, १२^e: आपमं १,१२,१^g; ६h: ७i: पागृ १, १३,9g; मागृ २,१८,२^{७६}; हिगृ १,२५, १^{६६}; या ३, ६; ४, २१²; ६, १२; -र्भस्य शांश्री १३,३,५; काश्री २५,१०,६; स्रापश्री ९,१९, ८; १२; बौथ्रौ; चात्र २: १४1; या १०,३९; -र्भाः शांश्री १४, ४९. ३: काश्री २५, ११, १९; बौश्रौ २,१०: ३२; १०, ४२: ६: माश्री; या ४,२१; १४,२९; -० 🕶 शापश्री १२, ३, २; वैश्री १५, ३: ९; हिथ्री ८,१, ४१; जैश्रौ ९:८; -र्भाणाम् बौपि ३,६, २; बृदे ५, ८६; ८, ६६; -- मर्भात् बौधौ १०, ३४: १७; वाध ११, ५०; ५१; श्रश्र १०, १३; पागवा ५,२,३६; - मर्भान् शांश्री ३, १८, १४^६; श्रापश्री ६,११,५; १३, ९, ११; भाश्री; - में ब्राध्री ९,७,२; शांध्री १२,

३.११: श्रापश्री१.८.७:२०.२०. ९; हिश्री १४, ४, ३८; कीए १, १२,६ : शांगृ१,१९,१२ : आपगः - † भेभ्यः श्रापश्री ६, ११, ५; भाश्री ६,१३,६; वाश्री १,५,२, ४५; हिश्री ३ ७, ९३; -मेंब् कौस १२४, ३ +; - मीं बौश्रौ 28.6:93. गर्भ-कर्तृ- -र्ता ऋत्र २,१०,१८४. गर्भ-कर्मन् - र्मणि बृदे ५,९२. गर्भ-का(म>)मा- -मा कौगृ १, १०,२४1; शांगृ १, १७,९; पार्य १.९. ५: -माये शांश्री ५, १४, √गर्भकाम्य > गर्भकाम्या--म्यया बृदे ७,५. गर्भ-कारम् आश्रो ९, ११, ४; वैताश्री २७, १८; निस् ८, २: गर्भ-गृह- -हे त्राप्तिगृ २, ६,४: २३: शंध १३२. गर्भ-ज- -जः अप १३,४,१. गर्भ-नतीय- -ये जैय १,११: १. गर्भ-दशम- -मेषु कीय २,१,२; शांग्र २,१,३. गर्भ-दंहण- -णानि कौसू ३५, १२: -णाय श्रश्र ६,१७. गर्भद्दंहण-देवता- > 'वत्य--त्यम् श्रश्र ६, १७. गर्भ-द्वादश- -शे" विध २७, १७; -शेषु" कीय २,१,४; शांय २,१, ५: श्रापम १०, ३; बौम २, ५,

२: भाग १,9: ५; वाग ५, २; गोगृ २,१०,२; श्रापध १,१,१९; हिध १,१,२१. गर्भ-धº- -धम् वौश्रौ १५,२९: 347 +. गर्भ-नवम- -मेषु भागृ १,१ : ६. : गर्भ-निधा(न >)नी p- -नीम् या ₹. €. गर्भ-पतन- -ने वाध ४,३४. गर्भ-पुरोडाश- -शम् श्रापश्रौ ९, १९,६:७:१३: वैश्रो २०, ३८: ७; हिथ्री १५,८,१९; २६;२८; '-शेन खापश्रौ ९,१९,७. गर्भ-भर्त-संयोग- -गे पावा ४,१, 32. गर्भ-भूत- -ताः त्रप ६५,१, ७; -तानि निस् ८,२: ५१. गर्भ-मास- -सस्य गोगृ २,६,१; -से श्रागृ१,१३,२;१४,१; कागृ ३१, १; मार १,१५,१; १६,१; वार १६,५;७; -सेषु कागृ ३२,२. गर्भमास-तुल्य- -ल्याः सुधप ८४ : २; -ल्यानि सुध १९. गर्भमास-स(म>)मा- -माः गौध १४,१६. गर्भमास-संमि(त>)ता- -ताः बौध १,५,१११. गर्भ-रक्षण- -णम् कीय १, १३, १; शांगृ १,२१,१. गर्भरक्षणा(ए-प्र)र्थ- -र्थम् अप्र गर्भ-रस- -सम् श्रापश्री ९,१९, ९;

a) सपा. गर्भः <> गर्भे इति पासे. । b) पासे. वैप १,१२०० h द्र. । c) पासे. वैप १,१२१० h द्र. । d) पासे. वैप १,१२१० j द्र. । e) पासे. वैप २,३ खं. गुर्भम् तैवा ३,०,३,६ टि. द्र. । f) पासे. वैप २,३ खं. गुर्भम् तैवा १,२,९,९४ टि. द्र. । g) पासे. वैप १,९१८५ o द्र. । h) पासे. वैप १ पुत्रम् खि ४,९३,३ टि. द्र. । i) पासे. वैप १,९२९८ d द्र. । j) = ऋषि-विशेष- । k) पार्भम् इति साधीयानिति c. (g. तैवा २,४,५,७) । i0 भः इति पाठः ? यिन. शोधः (g. शांग्र. पाग्र. च) । i1 = शस्त्र-विशेष- इति MW. । i2 परस्परं पासे. । i3 वैप १ द्र. । i4) विप. । उस. उप. श्रिकर्णे कृत् ।

–साय श्रापश्रौ ९,१९,५. गर्भ-लम्भन8- -नम् आगृ १,१३,१. गर्भ-वत् वैगृ ६,३ : २; बृदे ५,८५. गर्भ-वत्- -वन्ति निस् ८,२:२६; २७:४४. गर्भवती- -ती वौश्रौ २४,१८: 94. गर्भ-वास- -से शंध ३७०. गर्भ-वासिन्--सी शंध ३७७: २३. गर्भ-विधान- -नम् निस् ८,२:४७. गर्भ-विनिःसृत- -तानाम् २७४ : २. गर्भ-वेदन-> °न-पुंसवन b- -नैः वैताश्री १२,१४. गर्भ-वेदि(न्>)नी°- -न्यः मागृ 2,96,2. गर्भ-शातन- नम् श्रापध १, २१, ८; हिंध १,६,३८. गर्भ-संस्कार- -राः वैगृ ६,३: १२; -रान वैगृ ६,३:९. गर्भ-संस्नाव- -वे ऋश्र २, १०, १६२; श्रश्र २०,९६१व. गर्भ-सङ्ग- - क्रे वैगृ ३,१४ : ४. गर्भ-स्पन्दन- -ने शंध १५. गर्भ-स्नेसन- -ने सुध १९; सुधप 28: 3. गर्भ-स्रवण- -णे बौधि ३,६,२. गर्भ-स्राव- -त्रे बौध १, ५, १७; विध २२,२५. गर्भस्नावि(न्>)णी- -णी ऋत्र 2,9,909; 4,06. गर्भा(र्भ-त्रा)दि- -दिः वौध १,२, ८; गौध १,९; -दिभिः वैगृ ३, 9:93.

गर्भा(भ-श्रा)धान^e- -नम् कागृ ३०, ८; मैबैगृ ६, ३ : ४; कप्र १, गर्भाधान-काल- -ले वैगृ ६, 3:9. गर्भाधान-पुंसवन-सीमन्तोन्नयन-जातकर्म-नामकरणो(ग्रा-उ)पनि-र्कामणा (गु-श्र) नप्राशन-चौली-(ल-उ)पनयन-व्रतचर्या (र्या-अ) ध्ययन-समावर्तन-विवाह-यज्ञ-दाना (न-ग्रा) दि-सध ५. गर्भाधान-पुंसवन-सीमन्तोन्नयन-जातकर्म-नामरक्षणा (एा-अ)न्नप्रा-शन-चौलो(ल उ)पनयन- -नम् गौध ८,१३. गर्भाधान-पुंसवन-सीमन्तोन्नयन-विष्णुवलि-जातकर्म-नामकरणो (गा-उ) पनिष्कामणा(गा-श्र) न-प्राज्ञन-चौलो(ल-उ)पनयना (न-था) दि- -दि बीगृ ४,६,१. गर्भाधान-बत् वैष् ६, ३ : ६. गर्भाधाना(न-त्रा)दि- -दि वैगृ ६,७:४; -िद्यु शंध २८; -दीन् वैगृ ६,६ : ७. गर्भाधानादि-क्रिया- -याम् वेगृ २,१,२. गर्भाधानादि-चतुर्थ- -थे वैगृ 3,99:9. गर्भार्धानादि-चौडका(क-अ) न्त- -न्तेषु वैगृ ६,६ : ३. गर्भाधानादि-वर्ष- -र्षे वैष्ट 2,3:9. गर्भाधानादि-संस्कार- -रम्

वैगृ ६, ७: ६; -रान् वैगृ २. ३ : ८; -रेषु वैष्ट ६, २ : १०. गर्भाधानाद्य (दि-श्र) ष्टम--मे वैगृ ३, १२:१. गर्भा(र्भ-त्रा)धानक'- -कम् त्राज्यो 9.4. गर्भा(भ-अ)र्थ- -र्थम् वृदे ५, ८२; ८५; ८,८३; यश्र ५,२५. गर्मार्था(र्थ-श्रा)शिस् - -शीः ऋय २,१०,१८४. गर्भा(भ-त्र)ष्टम- -में त्रापृ १,१९, २; पागृ २,२,१; शंध ३१-३३; विध २७, १५; -मेष्ड कीगृ २, १, १; शांगृ २,१, १; श्रापगृ १०,२; बौगृ २,५, २; भागृ १, १:५+; वाग ५,१; गोग २,१०, १; वाध ११,४९; त्रापध १,१, १९; हिंध १,१,२१. √गर्भि, गर्भवेत् अप ७०³,७,१. गर्भित- पा ५,२,३६. १गर्भिन् h- भिणः चस् २,६: १. २गर्भि(न्>)णी1- पाग २,१,७०; ४,२,३८¹; -णयः ध त्रापश्री १९, १६, १० = : -णी श्रापश्रौ २२, १०,१८; बौधो १२,१९:७;१८, ३०: ६; वाधी ३, ३,४,४४3; निस् १,१०:२५; त्रापमं; हिंग १,२५, १ 📫; -णीः हिश्रौ १०, ४,१४; -णीनाम् काश्री २४,५, २८; काथौसं २१:२२;२९:२०; २२; मागृ १, ४, १५; -णीभिः वौश्रौ १२, २: १४; -णीभ्याम् शांश्रौ १५,१४,१३; काश्रौ १५, ९,१२१m;-णीम् काश्री२५,११,

a)=कर्म-विशेष-। उस.। b)=मन्त्र-विशेष-। द्वस.। c)=ऋग्-विशेष-। उस.। d) °स्तावे इति पाठः १-यिन. शोधः। e)=संस्कार-विशेष-। f) विष.। वस.। g) परस्परं पामे.। h) ऋथः १। i) विष. (योषित्- प्रमृ.)। वैष १ द्व.। j) = क्षेत्रभक्ति- (तृ. पागम.)। k) वैष १,१२९९ १ द्व.। l) पामे. वैष १ पुत्रम् शौ ३,२३,४ टि. द्व.। m) °ण्याम् इति पाठः १ यिन. शोधः (तृ. चौसं.)।

१९; श्रापथौ १८, २१, १३; वौश्रौ १२, १९:६××; हिश्रौ; —णीपु लाश्रौ १०,१७,३; —ण्यः श्राश्रौ १,४,१४; काश्रौ १२,५, १४; बौश्रौ २४,३८:४; —ण्या पा २, १, ७१; —ण्याः श्राप्तिष्ट ३,१०,२:१; वैष्ट ६,३:११; ७,५:६; —ण्याम् वौषि ३,९,१; —ण्यै वौध २,३,५७. गार्भिण— पा ४,२,३८. गर्भिण-प्रायश्चित्त॰ — न्तम् श्रापश्रौ ९,१९,१४.

गर्भें(र्भ-ऐ)कादश--शे विध २७, १६; हिध १, १, २१²; -शेषु कौग २, १, ९३; शांग्र २, १, ४; आपग्र १०, ३; बौग्र २, ५, २; भाग्र १, १: ५; बाग्र ५, २; गोग्र २, १०, २; आपध १,

गर्भो(भ-उ)द्भव- -वाः श्रप ६४,८,

गर्भो(र्भ-उ)पपत्ति - - त्तिः निस् ८, २:४८.

गर्भुत्^d− पाउ १,९५. गार्भुत^d− -त: हिश्रौ २२, ५, २३; −तम् बौश्रौ १३, ३६∶१; ३; −ताः बौश्रौ २४, ५∶१८; −ते माश्री ५, १,९,२४; २५. गार्मुत-सत्तम°- -माः श्रापश्री १६,१९,१४.

√गर्व पाधा. भ्वा. पर. दर्पे; चुरा. श्रात्म. माने.

गर्व¹- पाउ १,१५५; पाग ३,१,१३^b; ५,२,३६; -वैम् माशि १२,६. √गर्वाय पा ३,१,१३. गर्वित- पा ५,२,३६.

गर्वर- पाउ २,१२१.

√गर्ह् पाधा. भ्वा. श्रात्म. कुत्सायाम्; चुरा.उभ.विनिन्दने,गईते श्रापश्री २०, १८, ४; ६; बौश्री; गर्हन्ते श्रापध १, २०, ७; हिघ १, ६, २१.

गर्ह्यते विध ९३,१२.

गर्हणा- -णाम् विध ५५,१४. गर्हमा(ए। >)णा- -णाम् वौश्रौ

गहमा(रा >)णा= -णान्, पात्रा १५,२९ : ३१. गर्हा= -र्हायाम या २, २: पा ३,

गर्हा- -हीयाम् या २, २; पा ३, ३,१४२; १४९; ६, २, १२६; पावा ३,३,१४२.

गर्हा-प्रसृति - ती पाता ३, ३, १४१.

गाईति,ता— -तः कप्र २, २, १२; वाध २,४१; बौध १, ५, ७९; –तम् आगृ २, ८, ३; ५; भागः; –ताः श्रापगृ ३,१२; –तेन विध ५४,२८.

गर्हिता(त-श्र)ध्यापक-याजक-

-काः वाध २३,३६.

गही- -ही: या १, १४; -हीम् पा ४,४, ३०; -हायि पाना ४,४, ३०.

गर्ह्य-पणितब्या (व्य-स्त्र)निरोध-

√गल्^ड पाधा. भ्वा. पर. श्रदने; चुरा. श्रात्म. स्रवणे.

गलन,ना b — -नम्, –नाः या ६,२४ 1 -गालन 1 — -नेन या ६,२४ $^{\circ}$

जल्तल्यमान- -नः या ७,१३[‡]. गल^k- पाग ४, १,४५;५६; २,४९¹; पावा ८,२,१८^b; पागवा ५, २, ९७; -ले गोगृ १,२,२६; कौशि

> र. गली- पा ४,१,४५.

गल-विल- -लस्य श्राशि ८,७.

गल-ल- पावा ५,२,९७.

गल-ग्रु(ण्डक>)ण्डिका m - -के विध **९**६, ९२ n .

गले-चोपक°- पावा २,१,३३. ग(ल्य>)ल्या- पा ४,२,४९.

गलंडा^{b'p}- (>गालंडि- पा.) पाग ४,१,९६.

गल्गा 0 — -ल्गाः श्रापश्रौ ८,७,१ $^{\circ}$. $^{+}$ १गल्दा $^{\circ}$ — -ल्दया $^{!}$ निघ ४,३; या ६, २४ ϕ ; शैशि ९२; —ल्दा निघ १, ११.

†शाब्दा- -ब्दाः माश्रौ १, ७, २, १८; या ६,२४[॥].

a) पूप. हस्सः (तु.पाम ७,३,१००)। b) तु. पागम. । c) परस्परं पामे. । d) वैप १ द्र. । e) विप. । वस. । f) = दर्प- । व्यु. ? \checkmark मृ [शब्दे] इति पाउ., \checkmark गर्व इति क्रमाः MW. । g) वैप ३,२०१ h द्र. । h) = रस- । भावे कर्तरि च प्र. । i) पृ ५५६ p द्र. । j) भाप. (क्षरणः) । k) = कराउ- । व्यु. ? । l) = मत्स्यवन्धन-विशेष- इति पागम., = वनस्पति-विशेष- इति MW. । m) = शरीरावयव-विशेष- । पस. । n) क्लाएं इति जीसं. । g0) = आमरण-विशेष- (तु. नागेशः) । उस. । g1) व्यप. । व्यु. ? । g2) = २गल्दा- । वैप १ द्र. । g3) पामे. पृ ९३८ m द्र. । g3) = वान्- । व्यु. ? g4। इति दे. । g4) वैप १,१२१९ t द्र. । g5) व्यु. च? । गल्ज- + धा-(g4। क्रिकरणे) g4, यनि. धमनि-पर्याय इति (तु. केवित् मूको., SEY १०९ च) । जा गल्दाः (क्रागलनाः) इति या. प्रमृ. परमेकं बुवाणाश्चिन्त्याः (तु. स्वरः, पृ ५५६ p, RNM च) ।

√गल्म् पाधा. भ्वा. त्र्यातम, धाष्ट्रये. √गल्ह् पाधा. भ्या. श्रातम. कुत्सायाम्. ग(ल्ह>)ल्हा³- -ल्हा श्रप्रा ३, २, 93+.

गव- गो-इ.

गवय^{b,c}- पाउमो २,३,७; पाग ४,१, ४१; -यः शांश्री १६, ३, १४; १२,१३; वाधूश्री ४,१९:१९; ३० : ८; -यम् बौध्रौ १०,३४ : १० = न्याः ऋष १, ८,६; -ये बौश्रौ २,५ : ६ न.

> गवयी- पा ४, १, ४१; पावा ४, १, ६३; -यी वाध्यौ ४, 30:6.

गावयd- -येन विध ८०,९.

गवल- पाउमो २,३,९८.

गवाग्र- प्रमृ. गो- इ.

गवादन-(>॰नी॰-पा.) पाग ४,१,

गवादिदक्षिणा- प्रमृ. गविनी-, गविष्-, गविष्टि- प्रमृ. गो- द्र. शाबि-ष्टत!- -ताय अप १, ४१,५; श्रशां ११,५.

गवीडा- गो- इ.

गवीधक,काb- -काः श्रापश्री १६, १९, १३; बौध्रौ २४, ५: १७; भाशि ५० +; -कै: त्रापश्रौ १५, ३,१६; भाश्री ११,३,९.

गावीधुकb- -कम् त्रापश्रौ १७, गर्चर- पाउमो २,३,६०.

४, ६; वैश्रौ १९,६:४७; वाथौ २, २, ३, ९; हिथौ १२, ३,८; १३, ४, १०; भाशि 42+.

गवीधुक-यवागू- -ग्वा श्रापश्रौ १७,११,३; वैश्री १९,६ : ३४; हिश्री १२,३,४.

गवीधुक-सक्तु- -क्मिः त्रापश्री १७,११,३; वैथ्रौ १९,६ : ३५; हिथ्री १२,३,४.

गवीधुका-प्रहण- -णम् पावा ४, 3,938.

गवीधुका-सक्तु- -कू.न् माश्री ६, २,४,३; वाश्री २,२,३,३⁸.

†गवीनीb- -स्याम् b श्रावमं १, १२, ६; मागृ २, १८, ४; -न्यौ वौश्रौ १४,१४: २१1.

गवेधु(क>)का¹- पाउभो २,२,२६; पाग ४,३,१३६; -काः काश्रौ २६,१,३; ११; -कानाम् काश्रौ १५, ३, १२; -काभिः काश्रौ २६,१,२३.

> गावेधक- पा ४, ३, १३६; -कः काश्री १५,१,२६; -कम् शांगृ ५, ६, २; -के काश्री १, 9,92.

गवेधका-सक्तु- -क्तून् काश्री १८,

१२, १; १८, १०, २०; बौश्री 🗸 गवेष् पाधा. चुरा. उभ. मार्गसे. १०,४७: १५××; माश्री ६,२, गर्चेष- (>गावेष- पा.) पाग ४,

2,04k. गवेषण-, १,२गव्य- प्रमृ. गो- इ

√गह¹ गहनb- पाउभो २,२,१९२m; पाग

₹, 9, 90; €, ₹, 900; ८, ४, ३९; -नम् आपश्री २१, १२, ९+; वाश्रो ३,२,२,३६+; हिश्री १६, ५,३ ई; वैताश्री ३४, १ ई: श्रपं ४८, ७५; निघ १, १२; या १४, ११; -‡नेⁿ त्रापध्रौ २. ११, १०; बौश्री १, १०: १६. भाश्री २, ११, ११; हिश्री १. ८,३٩.

√गहनाय पा ३, ५,9८; पात्रा 3,9,98.

‡गहान् b- -हान् o माश्रो ६ १, ७. २२; वाश्री २, १,६,३६; -हाना श्रापश्री २२, २६, १२; वौश्री १८,९:३८; हिश्री २३,४,२७. गहा^b- -०ह्य बीश्री १०,४१:१० . १गहर^b- पाउ ३, १; -रः त्रापमं २, १७,२२ +: -रम् अप ४८, ७५+; या १४, ११; याशि २, ६०; - १रेपु आपश्री २, ११, १०; बौथ्रौ १,१०: १६; भाश्रौ २, ११, ११; माश्री १,२,४,४; वाधौ १, १, २, १९; हिथौ १,

> ८,३9. †गहरे-(१>)ष्टाb- -ष्टाP बीश्री ६,२१: १९; वाध्यी ४,६०: ७: वैगृ १,२१: २.

a) स्वरूपं पाभे. च वैप १, १२६९ i, j इ. । सा. [शौ ६, २२, ३] तु = [स्तनियत्नुलक्त्णा-] वाच्- इति कृत्वा $\sqrt{\log \lfloor \frac{1}{2} \rfloor}$ कर्तार कृदिति । संस्कर्तुः टि. श्रिप इ. । b) वैप १ इ. । c) गोरिवाऽयः (गमनम्) यस्येति कृत्वा बस. नैप्र.> यनि. इति पाउव L२,६७। d) विष. (मांस-)। विकारे अण् प्र.। e) = इन्द्रवाहणी-Lत्तता-विशेष-]इति पागम. । व्यु. ? । f) पाठः ? । कवि-प्रु(<स्तु)त- इति संस्कर्ता [श्रशां.] शोधुकः । g) °वेधु $^{\circ}$ इति संस्कर्तुः टि. । h) पामे. वैप १, १२२० f द्र. । i) पामे. वैप १, १२२०, e द्र. । j) = गवीधुका- । k) उ पाका. । \circ श- इत्यिप भारहा. । l) वैप १, १२२० j द्र. । m) = वन- । n) सपा. काठ ३१, १४ माश्री १,२,४,४ विशिष्टः पामे. । o) पामे. वैप १,१२१४ p इ. । þ) पामे. वैप १,१२२० m इ. ।

बाह*- (>गहीय- पा.) पाग ४, २,

गहन- प्रसृ. √गह्द.गह्द-(>२गह्द-र b - पा.) पाग ४, २,८०.

१गहर- √गह्द.

√गा° पाधा. भ्वा. श्रात्म. गतौ, जु. पर. स्तुतौ,गाति निघ २, १४ . जगाति निघ २,१४^d; †जिगाति ब्राधी ४,१०,४; शांधी ५,१४, १५; श्रापश्री; †जिगासि कौस् ध २: जिगातु^e अप ४६, ३, २ ; जगायात् निघ २,१४ ई. जगी शांश्री १५,२६,१; †गेपम् श्रापथ्रौ १९; २४, १०; श्रामिय २, ५, ३ : ४०; बौगृ ३,७,२६; †सगात् श्राश्रौ ३, १४, १२; शांश्री ३, २०, ४^{३८}; काश्री; †गात् श्रापश्रो ९,१२,४; १४, २२,३^h; बौश्रौ १८, १९: ७¹; भाश्रो; श्राप्तिग्र ३, ७,२:२^h; बौगृ २, ४, १४1; बौपि १, १७: २३^b; मागृ १, २१, ८1; वागृ ४, १४1; या ३,४ई; गुः वौधौ ६, १०: २० ई; गाः वृदे ८, २८; †गात श्राश्रौ ५, २, १४1; शांश्री ६, ८, ६1; बौधौ १४, ९: २९1; भाधौ १०, २२, ५; हिथ्रो १०, ८, ४४¹; जैगृ १, १२: २४; †अगाम वाश्री २, २, ४, ५^k; ३,१,२, १९^k; द्राश्री ७,२,७; लाश्री ३, २, ७; श्राप्तिगृ ३, ७, १,२०; वापि १,१७: १८.

प,र०; वाप र,४७: ४ट.
गाङ्ग-, °ङ्गायन- प्रमृ. गङ्गा- द.
गाज-, गाजवाज- गज- द.
गाडिकि- गडिक- द.
गाडुल्य- गडु- द.
गाड-, √गाह् दृ.
गाणकार्य- गणकारि- द.

गाणगारि¹ - -रि: श्राश्रौ २, ६,१६; ३,६,६; ११,१८,५,६,२५;१२, १४; ६,७,४; ७,१,२१; ८,१२, १९; १२,१०,१.

गाणपत-, °त्यं- प्रसृ. \sqrt{n} ण् द्र.
गाणिस्पति^m- -तयः वौश्रौप्र २७ः४.
गाण्डस्य-, °व्यायनी- २गगडु- द्र.
गाण्डि, एडी] 0 ->°िष्डा, एडी 0 -वं 0 पा ५,२,११०; पाग २,४,३१.
गातागतिक-, °नुगतिक- \sqrt{n} च्छ्

गातु⁰— पाड १,७३; -तु¹ द्राश्री १२, २,५; लाश्री ४,१०,४०; -तुः †श्राश्री २, १९, ३२; ५,१,८; शाश्री ३, १७, १‡; काश्री २५, ६, ७‡; श्रव ४८, ७२५⁸; ऋश्र २,५,३२^६; साश्र १,३१६^६; निघ १,९८⁸;४,१;या ४,२५⁸:-‡तम ञ्चापत्री १, १, ४; ७,१६, ७,ँ; बीऔ १,२१:३१^२××; माश्री **४,** १,३; माश्री १,१,१, १२^२××; बाश्री १, २, १, २; वैश्री २०, ३६: ५; हिश्री १, ४, ५५; ६, ८,४⁸; कीसू ८१,३५; अप ४६, ३, २³; अशां १४, २; या ४, २१⊈; २५.

†गातु-म(त् >)ती- -त्या श्रापमं २,१५,१९; पाग्र ३,४,७; काग्र १२,१; माग्र २,११,१९.

√गातुय, गातुय>या ऋपा ८, ३३‡.

†गातु-विद्^व — -वित् आश्रौ ४,१०, ४; आपश्रौ १,१,४××; बौश्रौ ६,३१:८; वैश्रौ १४,१६:२; हिश्रौ ६,८,४××; —विदः माश्रौ ५,२,१३,१^७; —†•विदः काश्रौ ३,८,४;५,२,९; आपश्रौ; —विदौ माश्रौ ५,२,१३,९° †गातुवित्-तम— -मः आश्रौ ४,१३,७; माश्रौ १,५,३,५; वाश्रौ १,४,३,२७; जैश्रौ २२:६. √गात्य, गातुयन्ति ऋप्रा ९,४६†.

गातब्य- √गै द्र. १शातृष्णुयम् वाश्रौ ३,२,२,२. १गात्यादसण- -सम् शंध ११६:५१. १गात्र⁰- पाउ ४, १६९; -**†त्रम्** त्राप्रिगृ ३,६,३:१५,बौपि १,११:

a) अर्थः ब्यु. च ? । = प्राम- (तु. पागम.)। b) = देश विशेष- ?। c) पा १,२,९; २,४,४५; ४९-५५; ७७ पा १,९,५९; २,४,४९; ७७ परामृष्टः द्र. । d) लघुशाखीयः पाठः । e) वैष १,१२२० \mathbf{w} द्र. । f) पाभे. वैष १,९२२० \mathbf{x} द्र. । g) पाभे. वैष १,९२० । j १ १७० अनुगात् इत्यत्र अनु (कप्र.), गात् इति शोधः (तु. सा । तैन्ना २,७, शोधः (तु. ऋ १०,१८,४)। i) पृ १७० अनुगात् इत्यत्र अनु (कप्र.), गात् इति शोधः (तु. सा । तैन्ना २,७, १७,२)। j) पाभे. वैष १,९२२० । k) पाभे. वैष १,९२० । तः । l) = प्राचार्य-विशेष-। ब्यु. ?। n) = १ मृष्टिप्राह्य-। दार-खराड- (तु. पागम.)। ब्यु. ?। o) तु. पाग. । p) = पन्द-विशेष-। वृ) वैष १ द्र. । r) गातु विक्तमः (ऋ ८,९०३,९) इत्यस्य प्रतीकमात्रम् । s) = प्रथ्वी-। t) = ऋषिविशेष-। u) = गमन- (तु. या ४,२९)। v) गातु वित्त । \mathbf{x} पातु विशेष-। व्यु. ?।

वैप४-तृ-२९

९८६

१३; - †त्रम्ऽ-त्रम् आश्रौ ३,३,। १; शांश्रौ ५,१७,६; -त्रस्य बृदे ४,३०; श्राशि ८,२०;२१;- मत्रा श्रापक्षौ १२, २४, १३३; माश्रौ २,४, १, ३५३ ; हिश्रौ ८, २, २३"; जैश्रौ १४: १८"; वैताश्रौ १९,१८ ;कौसू ६२,१७; श्रप्रा ३, १,७; -त्राणाम् बौश्रौ १४,१५: १६‡; ऋप ६८,५,११; -त्राणि शांश्री १०, १७, ४; काश्री ९, १२,४ 📫; त्रापश्री: -त्रे कौशि ३: -त्रैः अप ७०१, ९, १; ७१, €, 8. गात्र-प्रहरण-ध्वज- -जान् 4.5. tol गात्र-भाज्- -भाजः वीश्री १४, 94: 90 = 0. गात्र-भेद- -दः श्रप ३,३,१. गात्र-गुद्धि- -द्धिम् वैगृ १,३ : २. †गात्र-ञ्जभ- -भाः श्राप्तिमृ ३,४, २: १६; बौपि ३,२, ३; गौपि 8,2,89. गात्रा(त्र-त्रा)दि- -देः कौशि ४. गात्रा(त्र-श्र)नुलेपन- -नम् शंध १९७. गात्रो(त्र-उ)त्सादन- -नम् कत्र ३, £,94. गात्रोत्सादना (न-श्र) अन-केश-संयमन-पादप्रक्षालना (न-न्या) दि- -दीनि विध ३२,६.

2,4,92:3.

गाथक-, गाथा- √गे द्र.

१गाथिन् -- धिनि बृदे २,१३१; -थी। ऋत्र २,३,१;१९. गाथिन'- पा ६, ४,१६५; -०न श्राश्रौ १३, १४, ६ ; -नः ऋश्र २, ३, १; साश्र १, ५४; ६२; ७९××; - †नाः शांश्रौ १५,२७, गाथिन-भार्गव- -वी बृदे 6.00. øगाथिनः-सामन्- -म जैश्रौ २२: ६; जैश्रौका २१. गाथिनः (सामन्-) श्रापश्रौ 4,90,99. गाथिनौ(न-ग्रौ)र्वश- -शौ बृदे ३,५६. गाथि-पुत्र- -त्रः बृदे ४,९५. गाथि-सूनु- -नवे बृदे ४,११२. २गाथिन्- √गै इ. गाद-,गादायन-, गादि- २गद-इ. गादिकि- गदिक- इ. गादित्या,व्या- २गदिता,वा- द्र. √गाघ् (= √गाह्) पाधा. भ्वा. श्रातम, प्रतिष्ठालिप्सयोर्प्रन्थे च. गाध,धाb- -धः या २,२; - चम् श्रापश्री २१, २०, ७; पागृ ३, ३,५; भाशि ४८; वाः या २, २४; -धे त्रापश्री ६, ४, गाध-लवण- -णयोः पा ६, २, **२!गात्र** c >गात्र-बीणा d --णा नाशि | गाधेर l -(> $^{\circ}$ धरकायनि-पा.) पाग ४,१,१५८. गान-प्रमृ. √गैद्र.

गान्तु- पाउ ५,४३. गान्त्र- पाउ ४, १६०. गान्दिक- गन्दिका- इ. गान्धपिङ्गलेय- गन्धपिङ्गला- द गान्धर्व-, °र्वी- प्रमृ. गन्धर्व- द १.२गान्धार- गन्धार- इ. ३गान्धार¹- -रः माशि १,११;१३: २, १; नाशि १, २, ५; ७; १५; 8, 9; 8; 8; 6; 4, 9; 4; 92; १३; १६; ७,३; भास् ३, २१; -रम् याशि १, ८; नाशि १, ५, ३; -रस्य नाशि १, ४, ७; -रे माशि १, ९; नाशि १, २, 99. गान्धार-प्राम- -मम् नाशि १ 3.6. गान्धारक-, गान्धार- गन्धार-गाब्दिक- गब्दिका- द्र. गामि¹- (> गामि-शाला- पा.) पाग ६,२,८६. गामिन्-,गामिनी-, गामुक- √गच्छ् गास्भीर- २गम्भीर- द्र. गास्भीय- १गम्भीर- द्र. गायत्न-, °न्ती-, गायत्र-,°त्री- प्रस्-√गे द्र. गारित्र- पाउ ४,१७१. गारुत्मती- गहत्-मत्- इ. गारेट- पाउमो २, २, ११०. गारेटकायनि- गाधेर- टि. इ. गारेघ-> धकायनि -गाधर- टि.

a) पामे. वैप १,१२२२ c द्र. । b) पामे. वैप १,१२२२ h द्र. । c) स्र्यः व्यु. च ? । d) = वीणाe) =ऋषि-विशेष-। व्यु. ?। g) पाभे. वैप २,३खं. गाथिनाम् ऐवा ७, १८ f) = विश्वामित्र-। h) वैप १ द्र. । i) तु. पागम. । व्यप. । व्यु. ?। गारेध- इति पाका., गौधर- इति भाण्डा., **गारे**ट- इति [पक्षे] पागम. । j) = स्वर-विशेष-। ब्यु. (l-k) ग॰ इति लासं. । (l-k) = आचार्य-विशेष-। ब्यु. (l-k)गीम- इति पाका., गोमि- इति पासि.।

गारेय- गरि-इ. गार्गर्य- गर्गर- द्र. गार्गी-, गार्थ- प्रमृ. गर्ग- द्र. गार्त-, गार्तक-, गार्तकुलक-गर्त- द्र. गार्त्समद- ग्रंसमद- इ. गार्दभ- गर्दभ- इ. गार्भिण- गर्भिणी- इ. गार्मत- गर्मत्- इ. गाईपत- प्रमृ. √गृभ्,ह् द्र. गालडि- गलडा- द्र. गालन- √गल् द्र. गालव° - -वः बृदे १, २४; ५, ३९; ६,४३; ७,३८; शुत्र २, ३४०; या ४, ३; शैशि ५; -वस्य पा ६,३,६१; ७,१,७४. गालव-गडुल- पा २,२,३८b. गावय- गवय- द्र. गावामयनिक-,गाविष्टर-, रायण-, गाविष्टिल-, °लायन- गो- द्र. गावीधक- गतीधक- द्र. गावेधुक- गवेधुक- इ. गावेश- गो-द्र. √गाह°, पाधा.भ्वा. श्रात्म. विलोडने, गाहेते हिथ्री १०,५,२६. गाढ- -ढम् कप्र १,८,२. गाढ-तर- -रम् काथौ ८, २, ४; वैश्री १२,२४: १२०. १गाइ- (>०ही- पा.) पाग ३,१, 9386;8,9,89. गाहन- -नम् माश्री २, १, २, गाइमान- -नः कौस् २६,३१. गाहि- (>२गाह-) गोह- टि. इ.

†शिद'- -०द द्राश्री ५,४, १०; लाथौ २,८,११. गिध्र - पावाग ३,२,५. गिर्- √गृ,गृ (शब्दे) द्र. गिरण-, गिरति-कर्मन्- 🗸गृ (निगर्ण) द्र. ? गिरसयोः चात्र ३०: २३. श्गिरिb- पाउ ४, १४३; पाग ४,२, ९७^b; ५, २, १००; -स्यः वौश्रौ २५, १०: ३; श्राय ३, ४, १; कौर २,५, १; ३,१५, 4+1; शांग्र ३,१३,४+1; ४,९, ३; श्रप; -रिः श्रापश्री १४, २०,४ +; वैश्री २१,६ : ४; अप ४८, १०१; निघ १, १० ; या १, २० ई; -रिभिः सु ९, ३; - किस्यः या ६, ३३; उसू २,२३; -रिम् माश्रौ ५,१,१०, ६४; पाय ३, १५, १२; आमिय ३,९,३:११; बौपि; -रिषु बौश्री १५,१६:८; वैताश्री ३०, १३+; श्रप ३२,१,७+;६५,१,२; +ग्रग्र ५,४;९,१; श्रवं २:४१; -रीणाम् मु ९, ३; या २,२४; -रीन् श्रापश्रौ २१,१२,३‡; बौश्रौ २५, १०: २; हिथ्रौ; -रेः श्रापमं २, २२, ५‡; पाय ३,७, २; बौगः; या ५, १६ ; पा ५, ४, ११२; -री श्राश्री १०,८, १२;१३; शांश्रो १६,४,२‡; काश्री; श्रापश्री १४, २९,३ 4?1; हिश्री १५, ७,१६ में? गैरिक^k-> °का(क-आ)दि-

-दयः बदे ७,८०. गैरेय- पा ४, २, ९७; -यान् बौश्रौ १५,१६: ८. गैरेयी- -यी बौध्रौ १८. गैरेय-कविमती- -त्यौ बौश्रौ १८,३९: २. गिरि-क1- पाग ५,४,२९b. गिरि-गहर-कानन- -नाः अप ६८, 9,80. गिरि-गुहा- -हायाम् अप ४०, गिरि-ज - - जाय श्राश्री १२, ९, गिरि-ण[,न]ख- पावा ८,४,१०. गिरि-ण[,न]दी- पावा ८,४, १०; पा,पाग ८,४,३९. गिरि-ण[,न]द्ध-, गिरि-णि[,नि]-तम्ब- पावा ८,४,१०. गिरि-नगर- पा,पाग ८,४,३९. गिरि-निकाय- -ययोः पा ६, २, गिरि-निलया(य-श्र) ग्नि-जीविन्--विनः श्रप ५१,४,१. गिरि-भिद्- -भित् काश्रौ २५,१४, २२; श्रापश्री १४, २०, ४५; हिश्रौ १५, ५, २३; -मिदाम् श्रापश्रौ ११,२०,५. गिरि-राजे(ज-इ)न्द्र^m—पुत्री-> ॰त्री-महेश्वर-प्रियस्तु"- -तुम् ऋग्र ३, १. गिरि-वर-पतन- नम् श्रा ७०१, 99,98.

a)= श्राचार्य-विशेष-। व्यु. ?। b) तु. पाग छ.। c) या २,२ परामृष्टः द्र.। d) सप्र. गाउतरम् <> संतराम् इति पामे.। e) तु. पासि.। गाहा– इति भाण्डा., ग्राह– इति पाका.। f) वैप २,३ खं. द्र.। g) श्रर्थः व्यु. च ?। h) वैप २ द्र.। i) सप्र. गिरयः <> पर्वतैः इति पामे.। j) पाठः ? क्रिरः इति शोधः (ਰु. शौ ६, ४९, २)। k) = धातु-विशेष-। तात्रभविकष् ठम् प्र. उसं. (पावा ४,३,६०। l) = किमार्याः f कीडनक-विशेष-, पाषाया-। f = हिमाचल-। f = गयोश-।

गिरि-शर्मन् -- -र्मा कप्र २, ९, 94. गिरि-शङ्ग-ज- -जः अप ५१, †गिरि-ष्टा⁰- -ष्टाः श्राश्रौ २, १०, १४; आपभी ११, ९, १; हिश्री ७,५,३५; श्रप १,३६,४; या १, २०^३ø; उस् ५,१. गिरि-स्थायिन् - यी या १,२०. गिर्यो(रि-श्रो)षधि- -ध्योः पावा 3,3,908. श्रीरि°->†गिरि-त्र- -०त्र शुप्रा 4. 907. गिरि-शb- पा ५,२,१००; पावा ३, २,१५; - †०३व शुप्रा ५,१७ †. गिरि-षद्- -षदे पागृ ३, १५, ३गिरि°- (> गैरायण- पा.) पाग 8,9,990. शिरिददाय वाश्री ३,४,१,५. गिर्वणस्- √गृ, गृ (शब्दे) द्र. गिल-, गिल-गिल- √गृ (निगरणे) १ गी:कोइबोप्योः वैताश्री ३४, ९. गीर्त्वा √गृ (निगरणे) द्र. .√गु,गू पाधा. भ्वा. श्रात्म. श्रव्यक्ते; शब्दे गतौ [निघ.], तुदा. पर. पुरीषोत्सर्गे, गवते निघ २, 984. गून- पावा ८,२,४४.

†जोगू b--गुवाम् आपश्रौ १९,१७,

8,3. गुँ याशि २,९४; शुप्रा ८,२४. गुग्गुल b- लम् वैगृ ६७ : १४; अप १९ र, ३, २; विध ७९, १०; वैध 2,8,2. गुग्गुल-गन्धि - -न्धयः वाश्रौ ३, 2,4,82. गुग्गुल-सुगन्धितेजन- -ने[।] वैश्रौ १०,६ : 92₺. गुग्गुलि¹- -िल: बौश्रौप्र ४६: १. गुग्गुलु^m- पाग ४, ४, ५३; -लु अप ३३, ७,१; -लुः वृदे ७, ७८; -लुम् अप ४०,२,४; ६६,२,२; श्रशां २०,५‡; शंध १९७. गुगगुल्र- पात्रा ४,१,७१. गौग्गुलव- (> °वी- पा.) पाग ४,१,७३. गुग्गुलु-क,की- पा ४,४,५३. गुगगुल-कुष्ठ-धूप- .पम् अप ४,४, ७,५,१०, ६,२,२,१७,२,१४. †गुग्गुल्-गन्धि b - न्धयः वीश्रौ १६,२३: ११; वैताश्री ३४,९. गुगगुल्-लवण - - णे कीस् १९, १९; 20, 34. गुग्गुल्-सुगन्धितंजन- -नम् । भाश्रौ ७,५,२; हिश्रौ ४,२,१५ गुग्गुळु-सुगन्धितेजन-पैतुदा्र--रुभिः आश्रौ ११,६,३. गुग्गुल-सुगन्धितेजन-वृष्णेस्तुका"--काः काश्री ५,४,१५.

गुग्गुलु-होम- -मः श्रशां २४,६ . १३; बौश्री ३,३०: १३; श्रशय √गड़ पाधा. भ्या. श्रातम. श्रव्यक्ते. शब्दे, शब्दे च. ग्(ङ्गु>)ङ्गू^b- -ङ्गू: वैगृ १,६: ११°; बृदे ८,१२५. गुङ्ग्वा(ङ्गू-२ श्राय >) शा--द्याः वृदे ४,८७. गुच्छ- पाउभो २,२,८३. √गुज् पाधा. तुदा. पर. शब्दे. √गुञ्ज् पाधा. भ्वा. पर. अव्यक्ते शब्दे. ग्(टक>)टिकाº- -काम् अप ३६. 90,9. √गुड् पाधा. तुदा. पर. रक्षायाम्. गुड़ा,ल^व]- पाउ १, ११५^r; पाग 8, 2, 605; 8, 903; E, 2, १९४^{5't}; -डः शंध १८१; वौध १,५,१४; -डम् विध ४४,३०. गौडिक- पा ४,४,१०३. गौ(ड>)डी^u- -डी विध २२, गुड-कार्पास-धान्य- -न्यानि शंध ३९५. गुड-तिल-हिरण्य-बस्त्र-गो-धान्या-(न्य-था)दि - प्रतिप्रह् - - हेपु शंध १७. गुड-धेनु- -नुम् अप ९,३,१. गुड-पायस- -सम् श्राप्तिगृ २, ५, ७ : १५; ३, ११,४ : १३; बौर 2,99,99. गुड-प्रिय- पावा २,२,३५. गुड-मिश्र- -श्रम् हिपि १७: ८.

a)= श्राचार्य-विशेष-। b) वैप१ इ.। c) वैप १,१२२४ f इ.। d) पाभे. वैप १,११६१ k इ.। h) विप. । बस. । f) पाठः ? (तु. पाभे. पृ ४७९ h)। g) = यम-विशेष-। e) व्यप. । व्यु. ? । i) सप्रा. गुग्गुरू $^{\circ}$ < $>गुग्गुर्ख<math>^{\circ}$ < $>गुल्गुर्ख<math>^{\circ}$ इति पाभे. । j) सप्र. $^{\circ}$ रुसुगन्धितेजने <> $^{\circ}$ रुसुगन्धितेजनम् \sim गुल्गुळुषुगिन्धितेजनम् इति पामे. । k) °िजने इति पाठः ? यिन. शोधः । l) =ऋषि-विशेष- । $^{\mathrm{e}}$ युः ? । m)= गुमाल- । ब्यु. (1 n) प. श्रलुक् द्र. o) क्षुः इति पाठः यनि. शोधः (तु. ऋ २,३२,८) । p)= विटिका- । t) तु. पाका.। गुत्र-स्यु.!। q) आगिनगृ. बौध. बैध. पाठः। $r) < \sqrt{\eta}$ इति पाउनृ.। s) स्रर्थः !। इति भाग्डा, प्रमृ.। u) = y(1-1) v दस. > aस. > aस. > aस. > aस.

गुड-र8-पा ४,२,८०. गुडा(ड-श्रक >)का- -क्तया अप 34,9,6.

गुडा(ड-ग्रा)ज्य-फल-युक्त- -क्तम् वैध ३ १०,३.

गुडा(ड-ग्रा)दि- -दीनाम् विध २३,

गृडौ(ड-श्रो)दन- -नम् आशिगृ २, ५,१ : ३४; अप २०,३,४.

गुडूचीb- पाउभो २,२,८०°; पाग ४, 9,89.

गुडेर- पाउ १,५८. √गुण् पाधा. चुरा. उभ. श्रामन्त्र**णे**. **१गुज** - पाग४,२,६०^e;६३^f;४,१०२; ५,२,९५;६,२,१७६;-ण: ऋप्राय ४,२; अप ६८,२, ५६३; बृदे २, १०८; या ३,१४; ६,३६; त्राशि ४,७; याशि १,४८; मीस् २,१, ८;१८;२,५××; -णम् भाश्रौ १, ४,८; ७,९,३; हिश्री ४,२,६६; वैगृ ५, १: १७; अप ६३, १, ६; शुश्र ३,११७; -णस्य पा ५, २,४७; पावा; -णाः शांगृ १, २,२; बौध ४,१,२७; बृदे २, १०८; या १०, २३; शैशि; -णात् पावा २,२, ९; ६,२, ९३: मीस १, २, ४७××; -णान् शंध २२६; आपध २, १०,२; हिध २,४, २; बृदे ८, ६३; या १०, २३; १४, ५; -णानाम् काश्री १,५, ९; ८, १; मीसू १,४, १६; २, २,६; ३,१, १५; २१; ४, ४, ४०××; -णे बौश्रौ ४,४:४०; माश्रौ १,८,

२,२८; वैश्री; पावा १,४,५१;

३, २, १२६; -णेन बौश्रौ ४, ४ : ३६; वैश्री १०,९ : ९; या ३, १३; पावा १,२,४५; मीस १०,३,६; - णेषु काश्री १, ६,१०; श्रापश्री १२, २८, १५; काठश्री ३; १२; -णैः द्राश्री १, १,८; लाश्री; पावा २,२,८; ९; -णी शौच १,१. गौण- -णः मीसू ३,३, १५; ८, २४; १०, ३, ७१; -णाः वैश्री ११,१०: १४;११: ३. १गोण-मुख्य-> व्य-प्रभेद-तस्(:) शंध 800. १गौणिक- पा ४,२,६०;६३;४, गुण-कर्मन् - र्मणि पावा १,४,५१; 2,3,64. गुण-काम- -मेषु मीस् ८,१,२३, गुण-कात्स्नर्य- -त्स्नर्ये पा ६, २, गुण-काल-विकार- -रात् मीस् १२,१,२. गुण-प्राम- पावा ४,२,३७.

बृदे ५, १५६; सात्र १, १९७; गुण-त्व- -त्वम् मीस् १०,४,५४; -खात् काश्रौ १५,९,२८; २२, ८,१४; मीसू ३, ८, १२××; -त्वे मीसू ३, ८, ६; ९,१,९; -खेन मीस् ६,१,१; ६,११; ८, 9,38.

गुण-तस्(ः) ऋत्र २, १०, १०५र;

१गुण-दोष⁸- -षः श्रंप ५८^२,१, ७; ६३,१,६.

२गुण-दोष- -षान् अप २२,१, १; शंघ २१८; -षौ विध ३२,१३; कौशि ४१.

गुण-द्रव्य- -व्ययोः काश्रौ १, ४,

गुज-प(द>)दी 1-- पाग ५, ४,

गुण-प्रधान- -नेषु मीस् ११,१,९. गुणप्रधान-त्व- -त्वात् पावा ५, 3, 40. गुणप्रधान-भूत- -तानि मीसू

गुण-भाव-> विन्-> वि-त्व--त्वात् मीस् ९,४,३६.

2,9,4.

गुण-भूत- -तानाम् आश्री ३,१४, ५; -तेषु वृदे ५,९६.

गुणभूत-ता- -ता मीस् ४, १,

गुणभूत-त्व- -त्वात् मीस् २, 9,98; 7,70; 8,0; 3,8,80; ४२; ४,१,११; ७,१,३××. गुणभूत-विकार- रः मीस् १०, १,३०; -रात् मीस् १०,१,२२.

गुण-भेद- -दात् बृदे ५,४९. गुण-भोक्तृ- -क्तृ विध ९७,१७.

गुण-मात्र- -त्रम् मीसू ६,३,२;४२; 9,3,70.

गुण-मुख्य!- (> २गौणमुख्य-पावा.) पावाग ४,३,८८.

गुणमुख्य-विशेष- -षात् मीस् 20,9,38.

गुणमुख्य-व्यतिक्रम- -मे मीस् 3,3,9.

गुग-युक्त- -क्ताः शुत्र ३,४२. गुण-योग- -गात् काश्रौ १, ५,१३.

(a) = देश-विशेष- (1 + b) = श्रोषिध-विशेष- $(c) < \sqrt{3}$ ड् (रक्षणे) इति । (d) वप्रा. । (d)धर्म-, रज्जु- प्रमृ. । वैप १ द्र. । e) गण-, गुण- इत्यस्य स्थाने गुणागुण- इति पाका. १। f) गुण-, चरम- इति द्विपदस्य स्थाने चरम-गुण- इति [पक्षे] पागम. । g) मलो. कस. । h) पूप. = तन्तु- (तु. पागम.) । i) तु. पागम. । गुण-लोप- -पे शांश्री ३,२०, १७; मीसू १०,२,६१;४,३४.

गुण वचन - नम् पावा १,४,१; ६, ४, ५५; - नस्य पा ८,१,१२; पावा २,१,५५; ४,१,३; ६,३, ३४; - नात् काश्रौ २०,७,२०; पा ४,१,४४; ५,३,५८; पावा ४,१,४४; - नेन पा २,१,३०; पावा २,२,७; - नेभ्यः पावा ५, २,९४; - नेपु पा ६,२,२४; पावा २,२,४४.

गुणवचन-त्व- -त्वात् पावा ८, १,१२.

गुणवचन-ब्राह्मणादि- -दिभ्यः पा ५,१,१२४.

गुणवचन-वत् पावा १,२,६४.
गुण-वत् - -वत् विथ ७७,९; पा ५,
२,९५; -वतः मागृ १,१६, २;
वाध ११, १८; -वति श्राप्तिग्
२,७,१०: ३; शंध १५८; -वते
शंध १३५; बौध २,३,१२; ४,
१,१२; विध २४,१९; ९२,३२;
-वस्सु विध २८,९; -वन्तः
शंध ४२; -वन्तम् गौध १५,
२१; -वान् शंध ७; बौध २,२,

गुणवत्-ता- -तया शंध ८५. गुणवत्-सहायो (य-उ) पाय--संपन्न*- न्नः गौध ११,४.

गुण-वर्जित - -तः श्राज्यो १३,५. गुण-वाक्य - क्यात् मीस् २,३,२^b. गुण-वाद - -दः मीस् १,२,१०. गुण-विकार - -राः श्रापश्रौ १४,१, १; हिश्रौ ९,७, १; श्रापश्च १२, १; हिश्र ४,२१; -रे मीस् १०, ३,३०. गुण-विकृत- -तम् श्रापश्रौ २१, २४,१.

गुण-विमह- -हः वृदे २,१०२. १गुण-विधान- -नम् काश्रौ ४,४, ३.

१गुण-विधि -धिः मीस् ७,३,१७; ११,४,४८.

गुण-विशेष- -षात् मीस् ३,६,४६; -षे काश्रौ १,१०,११.

गुणविशेष-योग- -गात् ऋप्रा १३,१३.

गुण-वृत्ति - - तिः नाशि १,३,१. गुण-शब्द - - ब्दः मीस् ९,१,३७; - ब्देन मीस् १०,३,५६.

गुणशब्द-त्व- -त्वात् भीसृ १०, ५,१५.

गुण-शासन- -नम् मीस् **१०,** ४, २६°.

गुण-शास्त्र -स्त्रम् श्रापञ्च १३, ७; १४, ११; हिशु ४,५०; मीसृ १०, ६,६४;७,६४.

गुणशास्त्र-त्व-, -त्वात् श्रापशु १२,१; हिशु २,२१; मीस् १०, ४,५८.

गुण-श्रुति— -तिः भीस् ३, १, २६; ६,४०; ४, २, २५; —तैः मीस् १,४,६; —तौ भीस् १०,४,२४. गुण-संयुक्त— -कः भीस् ३,१,२५. गुण-संयोग— -गात् मीस् ७,३, ४; १०,३,२१;६,६८.

गुण-संस्कार-विधि -धीन् गौध १५,६.

गुण-संपन्न - नः गौध २८,३६. गुण-संमित - नाः श्रप ५७,२,७. गुण-स्थान - ने मीस् १०,४,३४. गुण-हानि - नौ काश्रौ १,६,५; - न्याम् श्रापध २,१७,५; हिघ २,५,३४.

गुण-होन- -नः वाध १५, १२; -नम् वोध ४, १, १६; -नाय वोध ४,१,१२.

गुणा(ण-स्र)गुण- (> गौणागु-णिक)- गुण- टि. इ.

गुणा(स-प्रा)चार-परिभंश- -शात् वाध १८, ७.

गुणा(गु-श्रा)दि- -दयः पा ६,२, १७६; -दिभ्यः पावा ४,२,३७.

गुणा(एा-अ)नुमह- -हात् काश्री १, ४,१९;६,१.

गुणा(एा-श्रन्त>)न्ता^व- -न्तायाः पा ५,४,५९.

गुणा(एा-ग्र)न्वित - -तः कप्र २, ५, ८; -तम् जैश्रीका ७; -ताय कप्र २, ५,८.

गुणा(एा-स्र)पाय- -यात् मीस् ९, ३,४२°.

गुणा(ए-ग्र)भाव- -वात् मीस् ३,

गुणा(र्य-श्र)भिधान- -नम् मीस् ८, ४,५; -नात् मीस् ३,२,२६;७, १०.

गुणा(ग्-श्र)भिधायक- -कानि वृदे ५.९५.

गुणा(ण-अ)थे, थां — -थेः मीसू २, १,४१; —थेम् काश्रौ ५,४,६; होदे ८,१७; मीसू २,१,१५; ६, १,४८⁴; ७,३,२२; १०,५,७७; —र्था मीसू २,४,२९; ३,६,२०; ७,३,५; —थीयाम् मीसू १०, ८,४२; —थें मीसू १,४,२२⁸; ८,४,२१; २३; १०,४,५६; —थेंन मीसू १,२,४१;२,२,१६;

a) विप. । कस. > दूस. > तृस. । b) व्यय्वात् इति जीसं. । c) शास्त्र – इति जीसं. । d) वस. qप. = आवृति । e) व्यानपा॰ इति जीसं. । f) व्यंन इति जीसं. । g) व्यंः इति जीसं. ! ।

90; 3, 4, 20. गुणार्थ-ता- -ता मीसू ६,२,५. गुणार्थ-त्व- -त्वम् मीस् ६,४,६; १०,७,६८; -त्वात् मीसू ६,१, ३४°; १०, ४, ४०××; — त्वेन मीसू ६, ४,१२b. गुणार्थ-वत् मीसू ४,३,१२. गुणा(गा-त्रा)वेश- -शः मीसू ८,३, गुणि(त>)ता- -ता माशि १६,२; याशि २, १०४;१०५. गुणिन- -णिनः पावा १, २, ४५; -णिनि पावा ५, २, ४७; -णी मीसू ६,७,३८. गुणि-द्वैध- -धे विध ८,३९. गुणी√भू > गुणी-भाव- -वः मीसू ४, १,२०. गुणे(ग्-इ)द्रन्ता^d-विकार- -रः मीसू 20,3,68. गुणो(ग-उ)त्कृष्ट- -ष्टान् विध ८, गुणो(गा-उ)देक- -कात् वैगृ ५,१: गुणो(ए-उ)पदेश- -शः मीसू १, -शात् मीस् १०, ८, गुणो(गा-उ)पबन्ध- -न्धात् भीस् २, 3,99. २गुण°- -णः पा १,१,२××; -णयोः पावा १,२,३१; -णस्य पावा १, २,६४; ३,१,४५; -णात् पावा १,२,५××; -णे पा ६,१,९६; पावा. गुण-दर्शन- -नात् पावा १,१,६. गुण-निमित्त-त्व- त्वात् पावा ३, र्गुण्ड् √गुण्ठ् टि. इ.

गुण-पर-रव- -रवात् पावा ७, २, गुण-प्रतिषेध- -धः पावा ३, २, -धे पा६, २, 938xx; गुणप्रतिषेध-प्रसङ्ग- -ङ्गः पावा 19,3,64. गुण-भूत- -तस्य पावा ७,३,८१. २गुण-विधान- -नम् पावा ७, ३, ८५; -ने पावा ७,३,१११; ४, २गुण-विधि- -धिः पावा ७,१, गुण-वृद्धि - -द्धी पा १,१, ३; पावा ६,४, १४८; ७, १, १०२; पाग २,२,३१; -द्धयोः पावा १,१, गुणवृद्धि-प्रतिषेध- -धः पावा १,१,५६;५७; -धे पावा १,३, गुणवृद्धि-प्रसङ्ग- -क्ने पावा १,१, गुणवृद्धि-विषय- -ये पावा ६, 8, 6. गुण-वृद्धि-दीर्घत- -त्वेभ्यः पावा 6,8,86. गुण-वृद्धि-द्विर्वचना(न-श्र)ह्रोप-स्वर--रेभ्यः पावा १,४,२. गुणा(ग्-आ)गम- -मात् ऋपा ११, √गुण्ठ्¹ पाधा. चुरा. पर. वेष्टने रच्यो च. गुण्डित- -ताः अप ५२,६,१.

गृत्स- पाउ ३,६८. √गुद पाधा. भ्वा. श्रात्म. कीडायाम्. गुद्द,दा8- पाउभो २,२,१६५; पाग ४, 9,84;44;933^b;3,60¹; -दः श्रापध्रौ २०,१८, १४; हिथ्रौ ४, ४,५८; कौस् ४५, ४ =; -दम् शांश्री १६, ३, ३६; श्रापश्री ७, २२, ७+; २४, ६; बौश्रौ; -दस्य श्रापश्रौ ७, २४, ३; बौश्रौ ४, ८ : ६;९ : ९; १० : ७; भाश्री; -दात् भाश्री ७, १९, १०; -दानाम् माश्रौ ५, २, १२, ३२; -दाभ्यः श्रापमं १,१७, ३ +; -दे काश्री ६, ७, १२; विध ६०, २५; वैध २, ९, ५; -दैः हिश्रौ ९,८,४१. गुदी- पा ४,१,४५. गौदेय- पा ४,१,१२३. गुद्-काण्ड1- -ण्डम् भापश्रौ ७, २६, ११2; माश्री ७, १९, ४; वाश्री १,६, ७, २३; वैश्री १०, २०: १५; हिश्री ४,५,८; १२; ३७; -ण्डयोः हिश्रौ ४, ५, ९; -ण्डस्य काठश्रौ ७०; -ण्डानि भाश्री ७,२१,११; -ण्डै: श्रापश्री १४,७,३१. गुद्र-कोष्ट- -ष्टम् विध ९६,९१. गुद-जाघनी- -नी माश्री २, २, 4, 23. गुद-तृतीय- -यम् काश्री ८,८, ३; त्रापश्रौ ७, २२, ६^२; वाश्रौ; -यस्य काश्रौ ६, ९, ९०; -यानि बौश्रौ १२, १३:३५××; -ये काश्री ६,८,९; बौश्री २०, ३०: १९;२२,१५: १६; -येन

a) °र्थि° इति जीसं.। e) = पारिभाषिक-संज्ञा- । व्यु. ? ।

c) तु. जीसं. । d) उप. इदम् + ता। b) र्थेन इति जीसं. । $f)=\sqrt{3}$ ण्ड्, गुण्ड् इति [पक्षे] भाण्डा. । चूर्णाकरणेऽपि इति BPG. ।

h) व्यप. वा नाप. वा ? । i) ऋर्थः ? । j) = गुरैकदेश- । g) वैप १ निर्दिष्ट्योरत्र समावेशः इ. ।

बौश्री ४,१०: ५; ८,१६:४; — खेषु बौश्री २२, १५: १६; २३, १३: ३५; — यै: बौश्री ११,१३: ३५;१७,१०:२४. गुदन्तीया(य-श्र)णिष्ट— - ष्टम् काश्री ६,७,७.

गुद-मध्य- -ध्यम् काश्री ६,७,६. गुद-मेदस्- -दसोः वैश्रौ १०, १९: ५.

गुद-रैं- पा ४, २,८०. गुद-विन्दुं- - प्यु काठश्री ६३. गुद-श्रोणि- - गी कौस् ४५,३†. गुद-हीन- - नः विध ५,२२. गुदा(द-ग्रा)दि- - दीनाम् वाश्री ३,२,६,५४.

√गुध् पाधा. दिवा. पर. परि-वेष्टने, क्या. पर. रोषे.

गुधित्वा पा १,२,७.

गुध- गुड- टि. इ.

गुधेर- पाउ १,६१. गुन्द्र- पाउभो २,३,३०.

√गुप्° पाघा. स्वा. श्रात्म. गोपने, पर.
रक्षग्रे; दिवा. पर. व्याकुलत्वे,
चुरा. उम. भाषायाम्, गोपायति
श्रापश्रो ११,२१,१४²×४; १३,
२०, १‡व; माश्रो; कौए ३,५,
९‡°; गोपायन्ति बौश्रौ ६,
३४: ११;१५, ८: ९; बाध्रश्रो;
†गोपायताम् माग्र २, १५,९६¹;
गोपायतु हिश्रौ ६, ६, १७⁴‡;
या ११,४६; †गोपायन्तु बौश्रौ
३, २८: २; हिश्रौ ६, ६,

१७; पागृ; †गोपायस्व शांगृ २, १८, ३⁸; आमिगः; कौस् ५५,१५^b; †गोपाय आश्रौ १, १२, ९××; शांश्रो; श्रापश्री 4, 96, 2⁴¹; &, 28, ६^{र्h}: बौश्रौ २, १८:१५; १७; १८; २०;२२; ३,१४: ११: १२^२: १३^२; भाश्रौ ५,११, ७^{५1}; माश्रो १, ६, ३, ७^{२1,1}; वैश्रो १, १४: १५^{२1}; हिश्रो ६, ५, १६^{६1}; श्रापमं २, ३, ३१⁸; ४, १४; স্মাযূ १, २०, ৬⁸; कौगृ २, ८, ९⁸; या २, ४‡; †गोपायतम् अधी २, ५, २; ग्रापश्री ६, २४, ४; भाश्री ६,४,११; माश्री; †गोपायध्वम् काश्री २५,१३,२५k; †गोपायत त्रापश्रो ६,२१,१; १४,२०,७¹; बौश्रौ; गोपायेत् पाय २, ७, १८; श्रापध १, ४, २३; दिध; †गोपायताम् हिश्रौ ६,६,१७; पागृ ३, ४,१०-१३;१४२;१५२1; 9 52: 9 631.

जुगुप: स्रस्र १९, २७ \dagger ; गो-एस्याम:वाध्रुशे ४,६१:३;८६:५. गोपयेत् स्रप ६२, २,४; स्राज्यो १०, ६; \dagger अजुगुप: गांश्रो २, १५, २^{६1};४²;५²; माश्रो १,४, ३,१७;६,३,१४^{५1}; वाश्रो १,५, ४,३६^{५1}; हिश्रो ६,७,७^{४1}; \dagger अजू-गुर: स्राध्रो १,१३,६; स्राप्यो ६, २५, १०××; २६,५⁸¹; माश्रो; अजूगुपःऽअज्रागुपः वाधूश्रौ २,७: १; †अजुगुपतम् । वाश्रौ १,५, ४,३७; हिश्रौ ६,७,७; जुगुपतम् माश्रौ१,६,३,१५¹;†अजूगुपतम्। श्राश्रौ २,५,१२; ६,२६,३; भाश्रौ ६,६,१.

जुगुप्सते भाश्री ४,४,५;जुगुप्सते आपश्री ८,४,८; भाश्री;जुगुप्सेत् बाधूश्री३,१०१:४;जुगुप्सेयाताम् गोगृ १,६,७; जुगुप्सेरन् दाश्री३, ३,१४;जुगुप्सीत काश्रीसं ३३:५. †गुपित – न्तः कौगृ१,१६,७; शांगृ १,२४,४.

गुपिल- पाउ १,५६.

गुप्त, सा— - सⁿ पाग २, १०, ४; - सः श्राप्त १, १५, १ † ^m; हिस्स १, १६, ६ † °; श्रव ४१, ३, ७; बृदे ७, ९९; — सम् बौश्रो १, २: २४; ३७; वैश्रो ३, ८: १२; हिश्रो; — सा गोध २२, ३७; — साः श्रापश्रो ५, १८, २ †; हिश्रो ६, ५, १६ †; सा २, १७; — साम् श्रापस्त ३, ११; — सायाम् शंध ४००; — सासु बौस् २, ७, ३.

> गुप्त-तम- -मे वाध ६,९. गुप्त-तीर्था(र्थ-ख्रा)यतन- -नेषु ख्रव ४१,१,२.

गुप्ति - - िप्तः वैश्री २०, १: ३; - िप्तम् श्रापध १,३१,१९; हिष १,८,३८; - † प्त्रे श्रापश्री ५, १२,२; १३, ८; १५, ६; वौश्री २,१६: ४०; १७: ३७; हिश्री

a)= देश-विशेष-?। b) मलो. कस.। c) पा ३,१,५२८ पावा १,३,६२ परामृष्टः इ.। d) पामे. वैप १,१२६२ f द्र.। e) सपा. गोपायित<>गोपायनम् इति पामे.। f) पामे. वैप १,९२२५ n द्र.। g) पामे. वैप १,९२२५ o द्र.। g) पामे. वैप १,९२२५ f द्र.। g) पामे. वैप १,९२२५ g द्र.। g) सपा. गोपायध्वम् g0 गोनायत इति पामे.। g1 पामे. वैप १,९२२६ g2 g3 गुप्तः g4 पामे.। g4 विशिष्टः पामे.।

गुप्तवा आपध १,४,२४७. श्गोप- पाग ३,१, १३४. गोपन- -ने अप ४८,३४. गोपयत्यb- -त्यम् या ५,9 + . गोपायत्- -यन् बौश्रौ १०, १: ११; वैश्रौ १४,२०: १०; अप्रा 3,8,94. गोपायन- -नम् शांग्र ३,१०,२‡°. गोपायमान,ना- -नम् पागृ ३, ४, १५३; मागृ २, १५, १‡; -नाः वाधूश्री ३,७९: १३. गोपायितव्य- -व्यम् या ५, १. गोपायितृ -ता या ३, १२, ७, ९; -तारः या ५,१. †गोप्तृ- -प्ता बौश्रौ २०, ६:११; द्राश्री १०,२,७; लाश्री३,१०,६; श्रापमं: श्रश्र १७, १^d; -प्तारः श्रापथ्रौ २०,५, १४; वौश्रौ १२, १८:१०; वाधुश्रौ; -सारम् त्रापश्रौ ५, १२, २××; बौश्रौ; -प्तुणाम् बौधौ १५, १: १७; ७: १९; -प्तृणि या १२,३८; -प्तृन् वाधूश्रौ ३, ७५:२; -प्त्रे कौय २, ८,९°; शांय २, 96,30. †गोप्त्री'- - ब्प्ति कीय २, ८, ४; शांगृ २, १३, ५; -प्त्री श्रापमं २, २, १०; कागृ ४१, ११; बौगृ २, ५, १४; मागृ; - प्टयः आपश्रौ ६,२१,१. गोप्य->गोप्या(प्य-म्र)र्थ- -र्थान्

जुगुप्ता — > प्ता-विराम-प्रमादा-(द — श्र) थें — - थांनाम् पाना १, ४,२४. जुगुप्तत — - तम् विध २७,९. जुगुप्तु — - प्तुः शांश्री ३,२०,५. √गुफ्, म्फ् पाधा. तुदा. पर. प्रन्थे. √गुर्ष पाधा. तुदा. श्रात्म. उद्यमने. गृतं, तांं — पा ८, २,६१; — † तांः

या १०,४७ ϕ .

गुरिचीत b — >१गौरिचीत— -०त

हिश्रौ २१,३,१४; वैघ ४,३,१.

गुरिचीत-वत् हिश्रौ २१,३, १४;

वैघ ४,३,७१1. गरु^{b'k}- पाउ १,२४; पा ६,४,१५७; पाग ५,१,१२२; -रवः जैगृ २, ८: १८; आपध १, १४, ७; बौध ३,९,१०; हिध १,४,४०; -रवे श्रापश्रौ १५,२०,१०;२१, २; भाश्री ११, २१, १२; २२, ६; माश्री ४, ७, ५; आगृ ३, १०,१; कौय २,३,१९; आमिय १, 9, 8: 5; २, ३: २4××; श्रापम ११, १८; बौम ३, २, ५६; बौषि ३,४,९; भागः; -रु श्राश्री ६,१२,३ +; माश्री २, ५, ४,९ +; वैताश्री २३,१२ +; निस् ४,९: २;११; कप्र २, ४, १८; ऋप्रा; पा १, ४, ११; पावा १, ४, १; -हः बौश्रौ १८, ४७: १; २; २३; जैश्रीका १७२; कौय २, ४, १९; ७, १४; शांग्र २, ७,२२;११,१०; कायः; अप७,१, ७1; -रुणा आगृ ४,६, १; कीगृ २,३,१७; शांग्र २, ६, ७; पाग्र; -रुभि: बौध २,२,६२; -रुभ्यः कीय ३,११,२; शांग्र ४,१२,२; श्रामिए ३,११, ४ : २९ ; बीए २,११,३४+; वैय २,१२ : १०; श्रप ४३,१, २६५; ऋत्र ३, ३; -हम् त्रागृ ३, ९, ४; पागृ २, ६, ९; गोग २, ३, १३; ३, २, ३६;४०; गौषि १,१,३; जैगृ; या २,४4; -रुपु हिपि ८:९; वाघ २२, १५; श्रापध १, १०, २; बौध; -रू निस् ४,२:१६; १८; २१: १०,११: ४; बृदे ४,६०; -रूणाम् बौश्रौ २०,१२: २**९**; वैगृ ३, २२: १२; ५, १३:२; शंध ३७; ११६ : ७६३; ११८३; त्रापध १,१५,१; विध ३२, ८; हिंघ १, ४, ६०; गौध २, ५७; -रूणि वाध २२, १५; बौध ३, १०,१७; गौध १९, १९; ऋप्रा १, २०; तैप्रा २२, १४; -स्नू श्रामिगृ २,६,३ : ५२; मागृ १, २, १८; वाय ९, १८; गोय २, ४, १०; द्रायः; -रोः आश्री १, ९, ५; आभिय २, ६, ५ : २०; कागृ ३, १६; बौग्रं; अप ५१, ४, ३m; ५२, १६, ४m; या २, ¥+; पा 3,3,903; ८,2,64; पावा ८,२, ८६; -री आग ४, ४, १९; पाय २, ११, ७; अप; श्राज्यो ६, १२.

श्राज्यो १०,६. ७,२२;११,१०; क्षाप्ट; श्रवण,१,। आज्या द, १२. a) सप्त. गुप्तवा <> गुद्धात् इति पाभे.। b) वैप १ द्र.। c) पाभे. पृ ९,२ e द्र.। d) पाभे. वैप २,३ खं. सिवेत्रे माश ११,५,४,३ टि. द्र.। f) विप. d) पाभे. वैप २,३ खं. सिवेत्रे माश ११,५,४,३ टि. द्र.। f) विप. d) पाभे. वैप २,३ खं. सिवेत्रे माश ११,५,४,३ टि. द्र.। f) विप. d) सिखला-, स्विस्त-प्रसृ.)। d) या ३,५ परामुष्टः द्र.। $\sqrt{\eta}$ र् इति क्रिचित्रः पाठः। d) = ऋषि-विशेष-। d] सप्त. गुरि॰ <>गौरि॰ इति पाभे.। d) गुरु॰ इति पाठः? यिन. शोधः (तु. तत्रैव गौरि॰)। d) = पारिभाषिक-संज्ञा- (ऋप्रा. पा. प्रमृ.)। d) = बृहस्पति- (देवगुरु-)। d) = बृहस्पति- (प्रह्-)। d) = बृहस्पति- (प्राचार्थ-)।

वैप४-तृ-३०

गुर्वी*- >गुर्वी-सखि, खी--खिम् श्रापघ १,२१,९; -खीम् वाध २०, १६^b; बौध २, १, ४४; हिघ १,६,३९b. गौरव- पा ५,१,१२२; पाग ५,

२,३६; -वम् निस् १,१:२५; श्रापध १, ६, ३५; हिंघ १,२, ५७; -वेण वाध १३,४८.

गौरवित- पा ५,२,३६.

गरिमन्- पा ५,१, १२२; ६,४, १५७; -मणा बौश्री ३,१४: १. गरिष्ठ- पा ६,४,१५७; - ष्ठम् शंध ११६ : ६१.

गरीयस्- पा ६, ४, १५७; -यः शांग्र ४, ११, १४; विध ३२, १६; गौध; -यस्सु बौध ४, १, २; २, २; -यांसि बौध ४,१,१; २,१; -यान् वाध १३, ५७; १७,७९; विघ; हिध २, ४, ५९^{‡°}; पावा ४, २, २१; -यान्ऽ-यान् श्रापध २, १२, २२ +0.

गुरु-कर्मन् - र्मसु श्रापघ १, ५, २४; हिध १,२,२५.

गुरु-कुल- -ले बीध २, १, ४७; विध २८, ४३; वैध १,३,३; ६; -छेषु माशि १६,४.

गुरुकुल-वर्जम् विध २८,९. गुरुकुल-वास- -सः वौश्रौ २९,

८: २; विध २८,१. गुरु-कृत- -तम् माशि १४,१०. गुरु-ग(त>)ता- -ताम् माशि १६,७; याशि २, १११; नाशि

2,6,20.

गुरु-(ग>)गा- -गा वाध २१,१०.

गुरु-गीतिd- -तीनि निस् २,३:३; 9:93.

गुरु-गौरव- -वात् याशि २, ११७. गुरु-तल्प- पावाग ४,४,१; -ल्पम्

वाध १,२०.

गौरुतल्पिक- पावा ४,४,१. गुरुतल्प-ग- -गः वाध २०,१३; ४४××; शंघ ३७८;३८५××; बौध २,१, १२; विध ४५,६; ५५,६; गौध २३,९.

गुरुतल्प-गमन- -नम् बौध ३, ५,६;६,१८; -ने विध ५,७. गुरुतलप-गामिन्- -मी श्रांपध १,२५,१;२८,१५; हिध १, ६, 04;0,40.

गुरुतिलपन् - ल्पी बौध२, २,६८. गुरु-त्व- -त्वम् कागृउ ४५: १८; विध ४२,२; तैप्रा २४,५.

गुरु-दक्षिणा- -णा वाध १७,६९; -णाम् बौगृ ३,३,३१.

गुरु-दर्शन- -ने गौध २,२०;३३. गुरुदर्शना(न-श्र)र्थd- -र्थः हिध 2, 2, 904.

गुरु-दार- -रम् श्रापध १,२५, ११; हिंध १,७,७; -रेषु विध २८, ४५; ३२,१५.

गुरुदार-गमन- -नम् विध ३५, १.

गुरुदारगमन-सम- -मम् विध ३६,४.

गुरुदारा-निवेवण- -णम् अप ९,

गुरुदारा(रा-श्र)भिगामिन्- -मी सुध ५६.

गुर-दुह्- -धुक् अत्र ८,१.

गुरु-नियोग- -गात् बौगृ ३,३,१६-गुरु-निवासिन् - सिनाम् शंध ५३. गुरु-पत्नी- -त्नी विध ३२, १३; -त्नीः आप्तिष्ट २, ६, ३: ५२; वौध २,५,२९ +; - लीनाम् बौध १,२,३४; विध ३२, ५; ६; १४; - क्तीभ्यः त्राप्तिगृ ३, ११, ४: २९; बौगः; -त्नीम् काथ २७५:४, गुरु-पर-वइयता - -ताम् विध ९६...

गुरु-परिचारक- पाग २,२,९1. गुरु-पुत्र- -त्रस्य वाध १३,५४; -त्रे विध २८,३१;४४ ‡; पावा १,१, 44.

गुरु-पूजन- -नात् शंध ४१. गुरु-पूर्व- -र्वात् पावा ६,४,५६. गुरु-प्रयुक्त- -कः वाध २३, १०; बौध २,१,२२.

गुरु-प्रसाद- -दः वाध २४, ७३; बौध ४,४,१०२.

गुरु-प्रसादन->°नीय8- -यानि त्रापध १,५,९; हिध १,२,९.

गुरु-प्रसू (त >) ताh- -ता गीध १८,4.

गुरु-बुध- -धयो: वैगृ ४,१४: ७. गुरु-भार्या- -र्याणाम् गौध २,४०. ग्र-मत्- -मतः पा, पावा ३, १, ₹€.

गुरुमद्-वचन- -नम् पावा रे, 9,34.

गुरु-मध्य- पावा २,३,३५1. गुरु-लघु-संज्ञा- -ज्ञे पावा १,४,१. गुरु-वत् वाध १३,५४‡; विध; पावा 8,9,44.

गुरु-वधू - -धूः मागृ १, २, १८१.

d) विप. । बस. । सपा. श्रापध $a) = \mu_0 - 1$ b) गुर्वी सखीम् इति पामे. c) परस्परं पामे. ce) कस. > पस. । f) तु. पागम. । g) विप. (कर्मन्-) । h) उप. $<\!\!\sqrt{4}$ १,८,९७ गुरुं दर्श° इति पामे. । (प्रेरणे)। i) बन्धून इति बडोदासं.।

ग्रु-वर्ण- -र्णः नाशि २,६,४. ग्रह-विधि- -धिः पावा १,१,५७. ग्रह-वृत्ति- -त्तिः वौगृ ३,३,२५; ऋप्रा १८,६०; -त्ती निस् १,१: गुरु-वृद्ध-दीक्षित- -तानाम् वैध १,२,90. गुरु-शासन- -नात् आप्तिगृ १,६, 9: 3. गुरु-शिष्य- - प्ययोः विध ३०, गुरु-शिष्य(प्य-ऋ)र्विज्- -र्विजः वैगृ ७,१ : ६. गुरु-शुश्रूषा- -पया विध ३१, १०; याशि २, ११३; -षा कौ य २, ३,१८; शांग्र २, ६, ८; पागृ; - † बाम् कौष्ट २, ७,२१; शांष्ट 2,92,4. गुरु-शुश्रुपिन् - -पी बौध २,६,१५. गुरु-सिख, खी- -खिम् श्रापध १, २१,९; - खीम् वाध २०,१६; बौध २,१,४४; हिध १,६,३९. गुरु-सङ्कर-> °रिन् - -रिण: बौध 2,3,9. गुरु-संज्ञक- -कम् माशि १२,४. गुरु-संज्ञा- -ज्ञा पावा १,१,८,५७. गुरु-संनिधि- -धी श्रापध १,१०, १५; हिध १,३, ४३; नाशि २, 6,99. गुरु-समवाय- -ये श्रापध १,७,१४; हिध १,२,७१. गुरु-समीप- -पे शांग्र ४, ८, ५;

वाध १३,२४. गुरु-स्तव- -वः वृदे ४,१०३. गुरू(ह-उ)दरb- -रः सु १७,२. गुरूदरी- -री सु ३,१. गुरू(ह-उ)पोत्तम- -मयोः पा ४, १, ७८; -मात् पा ५,१,१३२. १ गुर्व (ह-श्र) क्षर- -राणाम् ऋप्रा १८,६0. २ग्वं(रु-ग्र)क्षरb- -रम् ऋपा १८, गुर्व(ह-श्र)धीन- -नः वाध ७, १०; -नान् वागृ ९,१८. गुर्व(ह-स्र)नुज्ञात- -तः विध २८, ४२; श्रश्रम् ८; -तम् विध २८, गुर्व(ह-ख्र)न्तd- पावा २, ३, ३५. गुर्व(ह-स्र)भाव- -वे वैध १,२,११; गौध ३,७. गुर्व (ह-स्र)भिवाद .- -नम् विध 26,98. १गुर्व(ह-श्र)ध- -धम् वाध १४, गुर्वर्थ-निवेशीषधार्थ-वृत्तिक्षीण-यक्ष्यमाणा(ग्र-श्र)ध्ययनाध्व-संयोग-वैश्वजित- -तेषु बौध २, ३,१९; गौध ५,२२. २गुर्व(रु.श्र)र्थ- -र्थेषु गौध २३, 39. गुर्वा (र-त्रा)त्मन् - त्मा या ७, गुर्वा(६-श्रा)दि- -दी ऋत ५,

गुर्वा(ह-आ)भरण-संयु (त>)ता°--ताम् अप ६९,६,३. गुर्जर- पाउभी २,३,३७. √गुर्द् पाधा. भ्वा. श्रातम. कीडायाम् चुरा. पर. पूर्वनिकेतने. गुर्द् - (> °र्दी- पा.) पाग ४, १, √गुर्व पाधा. भ्वा. पर. उद्यमने. गुर्वि(न्>)णी8- पाउ २,५४; -णीम् विध ५०, ८; ६७, ३९; ६९, गुल- गुड- इ. गुलगुधा,ला¹(>°धा,ला √क पा.)पाग १,४,६१. गुलु¹- (>गौलव्य- >°व्यायनी-पा.) पाग ४, १, १८; 904. गुलगुधा (> °धा √कृ) गुलगुधा टि. द्र. गुलुगुलु- पाउभो २,१,१०६. गुलुच्छ- पाउभो २,२,८५. गुलुगुधा(> ॰धा √कृ) गुलगुधा टि. इ. -गुल्गुलु - -लु श्रापश्रौ ७, ६, १; बौश्रौ ४,१ : २; ३ : १४. गौल्गुलव^k - -वेन आपश्रौ २०, १५,१२; १३; २३,७,९; बौश्रौ १५, २५: १; हिश्री १४, ३, २३; १८, ३, ३; वाश्री ३, ४, †गुल्गुलु-गन्धि¹- -न्धयः^m काश्रौ १३, ३, २६; श्रापश्री २१,२०,

a) विष. ([एनस्विन-] द्विज-)। b) विष.। वस.। c) काः इति जीसं.। d) तु. पागम.। e) विष.। कस. > तूस.। f) अर्थः व्यु. च?। गूर्द- इति पाका.। g) =गिर्भिणी-। व्यु. ? $<\sqrt{n}$ वृं इति पाउ., < गुरु- इति Pw. प्रम्., उभयथिति अभा.। h) पीडार्थे अव्य.। तु. पाका.। गुरुगुला, गुलूगुला इति पागम., गुलुगुला इति भाण्डा.। i) = ऋषि-विशेष-। व्यु. ?। तु. पाका.। गुरुजुलित भाण्डा.। j) वैष १ द्व.। k) विष.। तेन संस्कृतिमत्यर्थे अण् प्र. उसं. (पा ४,४,४)। l) = गुग्गल-गन्धि-। m) पाभे. पू ९८८ i द्व.।

३; हिश्रौ १६,६,४१.

गुल्गुलु-सुगन्धितेजन—नम् श्रापश्री ७,६,१^क.

गुल्गुल्वा(लु-श्रा)दि— -दयः ग्रुश्र १,३१६.

गुरुक b- पाउ ५,२६; पाग ४,१,५६; ५, २, २४; -रुक: अप ४८, ११६‡; -रुकात् शंघ ७७; -रुकान् कौस् ३९,१३; -रुकेषु

गुल्फ-जाह- पा ५,२,२४.

गुल्फ-दश - - शस् वीश्री १७, ३०:
५३; हिश्री ४, १, २२; श्रामिए
३,८,१:३०३; बीपि १,१५:
९३; - जे श्रापश्री ७, २, ६;
बीश्री १०,४८:१३; भाश्री
७,१,१४; वैश्री १९, ६:४३;
हिश्री ४,१,२०.

गुल्फ-देश- -शे बौश्रौ २१,८:

गुल्फ-मात्र- ने वैथ्रौ १०,१:

†गुल्फित— -तम् श्रापश्रौ १०, १०, ३^२; १३, ७, १६^२; माश्रौ १०, ६, १७^२; हिश्रौ १०, २,

गुल्म वाउमो २, २, २४३[©]; पाग २,४,३१¹; ५,२,२४⁸; —हमान् श्रप ६८,२,२२^b.

गुरुम-कृत,ता— -ताः बौश्रौ १०, ४५: २३; ११, २: २९; वैश्रौ १९,५: १६; -तान् वौश्रौ ११, ३: ११.

गुरुम-ब्रही-लता— -तानाम् विध ५०,४८; —तासु श्रव ५०^२, ८,५. गुरुमबङ्घीलता-युक्त— -क्ते श्रव

२१,४,१. √गुल्माय, गुल्मायते श्रप ७०^३, ११,९.

गुवाक¹- पाउभोव २,२,१४. गुवेर- पाउभो २,३,६०.

गुष्पित b- -तम् अप्राय १,५ .

√गु, गूह्¹ पाधा. भ्वा. उम. संवरणे, गृहते या ५,१९ \ddagger ; गृहति वाश्री १,६, ६, १९; गृहत>ता ऋशा ७.३३ \ddagger .

> गृह्यति कीस् ४८, १९, गृह्येत् वैश्री १२,६:९; वैग्ट २,१३:

†जुगुच्चतः ऋप्रा ४, ९८^k; उस् ६,६‡.

गुहा^b— पाग ३,३,१०४; ५,१,६६; ६,१,२०३; - †हा श्रापश्री २, ११,१०;५,१,७;१०,२०,८\$¹; बौश्री; कीस् ११७, ४^ш; या १३,९**ई**; -हायास् सु ११,१; १२, १; या १३,९; -हासु श्रापश्री ५,१,७†.

गुहा-कारम् श्रापश्रौ ५,१, ७‡".

गुहा-शय- -यम् आपध १,

२२, ५; हिध १, ६, ५; आहि। १,२; -यस्य आपध १, २२,४; हिध १, ६, ४; -याः अप १, ८, ५°.

†गुहा-हि(त >)ता- -ताम् माश्रौ १, २, ४,४; नाश्रौ १,२, १९.

गुह्य, ह्या^b — पा ५, १,६६; पावा ३,. १, १०९; — ह्यम् शांश्री १८, १, ८†; श्रापश्री; — † ह्या शाश्री २,८,३; शांश्री; — ह्याः वृदे८,९८; — ह्यात् हिथ १,१४३^०; — † ह्यानि शांश्री २,४,३^०.

> १ गुद्ध-क^र - कम् कप्र १,७,९; गुद्ध-प्रदेश - - शे वैध ३,८,२. गुद्ध-स्थान - - ने श्राप्तिगृ ३,१०.

४: १६. गुद्धो(ह्य-उ)पनिषद्-आसन'--न: विध १,९.

२गुद्धक- -केश्यः मागृ २,१२,१०६. गुद्धमान- -तम् श्रापश्रौ १७,१४,.

गूढ़ ,हा - -ढः कप्र ३,६,६; - †ढम् श्रप्राय ६, ९; या ७,३; -ढात वैध ३, १२, १३; १३, ६; १२; -ढे विध १, २५; ग्रुप्रा ४, १७६॥.

गृढ-मन्त्र- -न्त्रस्य काशु ७, ३९.

गृह-मन्त्र-प्रचार a ->•र-सं-वृत-रन्ध्र b - -न्ध्रः शंध २४४. गृहा(ह-श्रा)चार- -रात् वैध ३, १४,२.

गृहो (ड-उ) एप स° — - सः वाध १७, २४; राध २९१; बाँघ २, २,२२; विध १५, १३; वैध ३, १९,६; १२,६

१गोद्यd - - ह्यः पागृ २,६,१०.

गुह्र^e- पाउना ५, ५२; पाग ४, २, ८०^{२१}; ५, २, १००^६; -हस्य वैग्र ३, २२:६^२; ७; -हाः^h बौऔप १४:२.

गुह-र- पाग ४,२,८०. १गुहिल- पा ४,२,८०;५,२,

गुह्रलु- पाउभो २,१,१०६. गौह-लब्य- > ब्बायनी- गुलु-

गुहाक्य- - क्ये हिश्रौ १०,१,२७¹. २गुहिल- पाउ १,५६.

गुहेर- पाउ १,६१.

√ग् √गुह् द.

गुथ- पाउ २,१२; पाग २,४,३१.

गुन- √गु,गू द.

√गूर् भधा. दिवा. श्रात्म. हिंसागत्योः; चुरा. श्रात्म. उद्यमने.

गूर्जर¹— पाउना ३, १३२. गूर्त- √गुर् द्र. १गूर्द - - † दं: श्रापश्रो १६, ३०, १; वैश्रो १८, २०: ३२; हिश्रो १९, ८, ४; लाश्रो ७, १, १ १ ; - देस्य लाश्रो ७, १, २ ; - † दीय, - † दें, - † देंस्य: श्रापश्रो १६, ३०, १; वैश्रो १८, २०: ३२; हिश्रो १९,८,४.

२गूर्द्-(>गूर्दी-) गुर्द- टि. द्र. √*गूर्ध्", †गूर्धयति श्रप ४८,९; निघ ३, १४; गूर्धय, >या ऋग्र २, ८,१९; ऋग ८,१३;१८,२. गूह"-(>गूह्वल°- पा.) पाग ४,२,

√गृ पाधा. भ्वा. पर. सेचने, चुरा. श्रासम. विज्ञाने.

श्रात्म. ।वज्ञान. $\sqrt{y^p}>$ जागृ(श्रवत्तोधने) पाधा. श्रदा. पर. निदाक्षये, जागिते श्रापश्री४, ३,१३,५,८,३××;साश्री;श्राप्तिग्र २,१,३:२४ $+^q$; जागृतः माश्री १,५,२,६; माग्र २,१,४; या१२,३७+; + जागृतः माश्री १,५,२,६ माग्र २,१,४; या१२,३७+; + जाग्रतः श्राप्तिग्र १,१२:४६; ४७;४९; काग्र; श्रप्रार,३,१९ r ; + जाग्रतः हिग्र १,४,८; जैग्र; + जाग्रथं श्रापश्री १,१४,३; माश्री १,१४,९; हिग्र २,४,५; पग्र १,१६,२२ tt ; हिग्र २,४,५; माग्र १,१६,२२ tt ; हिग्र २,४,५; भाग्र १,२५:१ tt ; हिग्र २,४,५ tt ; + जाग्रतः श्राप्तिग्र २,१,४:१; वौग्र२,१,१२ tt ; हिग्र २,४,५ tt ;

†जागार कौय ३, १२, ३३^३; श्रप्रा ३,१,७; शौच.

जागरयन्ति आपश्री ५, ८, २; ११, २१, १२; २०, १, १५; भाश्री; जागरयीत काय ४६,२; जागरयेत कप्र २,९,१६; जागर-येयु: माग्र २,९,२.

जागरण- -णम् त्रापश्रौ ४, ३,१६; १०, ४,१२; वैश्रौ; -णात् या ९,८.

जागरण-धारण— -गे काश्री ४, ८,११.

जागरण-संतति— -तौ पावा ३, २,११०.

जागरयत्— -यन्तः बौश्रौ २,१५: १७; १५,३:५; १८,१८:९; वाधूश्रौ ३,७०:९^२.

जागरा- पावा ३,३, १०१; -राये वाधुश्री ३,७०: ९.

जागरूक- पा ३, २,१६५; -कः या १,१४.

a) विप.। बस. > द्वस.। b) कस. उप. बस.। c) = अपत्य-विशेष-। d) = अग्नि-विशेष-। वैप २,३ खं. द्र.। f) तु. भाएडा. पासि.। सकृत् गुद्दा— इति भाएडा.। श्रर्थः ?। e) = स्कन्द-। कर्तरि कः प्र. (तु. श्रभा.)। j.) = देश-विशेष- । व्यु. ? । g) तु. पागम. । ऋर्थः ? । h)=ऋषि-विशेष- । i) पामे. पृ ९९६ 1 द्र. । m) वैप १,१२२९ h इ.। n) ऋर्यः व्यु. च ? । तु. पाका. । महl) = साम-विशेष-। k) वैप १ द. । p) पा ३,१,३८; ६, १,६;१९२; ७,२,५; ३,८५ पावा १,२,१;६, o) = देश-विशेष-?। इति भागडा.। r) पाठः ? जागार इति शोधः १,८;७,२,१० परामृष्टः द्र. । q) सप्र. जागित्र्त्रं >बोधयित इति पासे. । s) Böht [ZDMG ५८,८६] जागृय, जागृत इति यक. शोधुकः? । लेटि श्रडागमे यनि. हेर्प (तु. संस्कर्तुः टि.)। स्याताम् । t) पामे. वैप १,१२२९ s इ. । u) सपा. जाम्रत । लोडथें लेटि इ.। <> जागृत इति पामे. ।

जागर्या- पावा ३,३,१०१. जागृत- -तम् श्रप ४८,८०°. †जागृवस् b--वद्भिः आश्रौ ४,१३, ७; १५,८; 邪羽 २,१०,९१. जाग्रविb- पाउ ४, ५४; पावा ६, १,६६; - †वि ग्रापश्रौ १२, ८, ३; ११, ११; बौश्रौ; - विः श्रापश्री १४, १२, १; बौश्री २, १४: १८; हिश्रौ; या ९,८र. जाप्रत्- -प्रत् काश्री ९, १, १३; माध्रौ २,२,५,३; श्रश्र १६,७ ; -प्रतः वैताश्री ५, ८; श्रामिगृ ३, १२, २: १०; श्रप; -प्रतम् काश्री २५.३.११. जाप्रद्-दुष्वप्न्य^b- -प्न्यम् श्रत्र १६,६4. जायन्-मिश्र- -श्री गोगृ १,६,६. √गृ, गृ° पाधा. क्या. पर. शब्दे, गृणाति निघ ३, १४ ; या ४, २४; †गृणन्ति श्रप १,३७,४; श्रशां ७,४; गृणीषे या १०,४४ ई; †गृणे श्राश्रौ ६, २,६; ८, १२, २४; ९, ५,५; शांश्रौ ९, ६, ६; १४, ३, १२; साश्र १; ३९१: †गृणामि या ५,९ई; गृणीमसि आश्री ७, ८, २; जुसू १, ६ : १५;२३; + वैताश्री ३९,२;४१, . 9; 4. गरितृ- -ता या १, ७. गरूथ^d- -धम् या ६,१७. गिर्b- पाउमो २, १, ३०३; †िगरः श्राश्रौ २, ८, ३××;

शांश्री; या १, १०३; ५, १७; १०, ६; १२, ३६; पावा ८, २, २२; गिरम् वाध २८, ६; बौध २, २,५८; †गिरा श्राश्रौ ६,४, 90; ८, 9२, २४; ९, ५, ५; शांश्री; या ६,२४ ई°; १०,५ई; 🕇 गिराऽगिरा आपश्री १७, ९. १: वैश्री १९, ६: १; गिरि शांश्रौ ८, २५, १ 1; गिरी पावा ८, २, २२; †गीः बौश्री ५, ८: २; वाध्रश्री ४, ११५ : १५\$; वैताश्रौ ३४, ९; श्रप्राय ६, ९; श्रप ४८, १०२; निघ १, ११; ऋप्रा ७, २६; †गीर्भिः आश्रौ १, ५, ३५; ६, १⁸××; ३, ७, १३⁸; शांश्री; या ६, १४; १४, ३२. गिरा- पाग ४,9,8h. †शिर्-वणस् b- -०णः त्राश्रौ ४, ६,३; ९, ६; ६, १, २^२; शांश्रौ ५, ९, १२; १३, १०; श्रापश्री ११,८,४; बौश्रौ ६, २७: २१; माश्री २,२,३,२६; ४, २, २८; वैश्री १४, ६: १४: हिश्री ७, ५, २९; ७, २१; वैताश्री ३९, ७: ४०, ४: श्रापमं १,२,६4: श्रामिए १, २, ३ : ८; साश्र १, १९५; शुप्रा २,१०; शैशि २३६; नाशि २, १, ९; -णसे या ६, १४ मः; -णाः श्रप ४८, ११५; निघ ४,३; या ६,१४०. गी:-पति!-, गी:-पुत्र-, गीर्- पति—, गीर्-पुत्र— पावा ८, २, ७०.

गृणत्— - † णते श्राश्रौ २,१६,११; ७,११,७; शांश्रौ २,१६,३; श्रापश्रौ १३,१८,१; माश्रौ २, ५,४,१२; पाग्र ३,५,३; – णन् चेदे ४,७८; – † णन्तः श्राश्रौ २,८,१४; २,९,७.

गृणाति->°ति-कर्मन् - मा या ६,८. गृणात्य(ति-श्र)थे- -थे या ९.

8; 20, 23. चंगृणान,ना- -नः श्राश्रौ १, २,७: शांधी १४,११, ९; काश्री २५. ११, ३४; बौऔ १३, २७:८; निस् २, १३: ३०; श्रापमं २. २, १1; श्राप्तिगृ १, १, २:४1; बौगृ २,५, ९1; भागृ १,५: ९1; हिए १, ३, ५1; अप्राय २, ७; श्राप ४६, ३, ५; ऋप्रा ७, २६; -ना श्राश्री ५, ५, १२; शांश्री ७,२,७; श्रापश्री १६, २९, २; वैश्रौ १८,२०: २८; हिश्रौ ११, ८,४; श्राय ३, ५, ७; कौय ३, ७, १०; शांग्र ४,५,८; या ११, ४९; -नाः श्रामिगृ ३, ७, १ : ८; बौषि १,१७ : ८.

√गृज् , ब्ज् पांघा. भ्वा. पर. शब्दे. गृञ्ज¹-> गृञ्ज-क- -कम् वैध दे, ५,८™.

गृञ्जन"— पाउभी २, २, १९२; -नम्

a) = 3दर-। धा. श्रर्थः ?। b) वैप १ द्र.। c) या १,१०;२,२८; ३,५°; ६,१७;९,५;८ पराम्प्रष्टः द्र.। d) = स्तोत्र-। ऊथन् प्र. उसं. (पाउ २,६ $\lfloor g \rfloor$, स्त्र.])। e) पाभे. वैप १,१२३२ g द्र.। f) 'श्रस्य (सोमस्य) मदे (मदाय) गिरि (स्तुतौ सत्यां $\lfloor G \rfloor$, कालमेव]) इन्द्रः ϕ उपस्थात् (उपतिष्ठेत)' इति वा. द्र. (वैतु. ? G) गिरिन्छाः इति)। g) पाभे. वैप १,१२३३ G द्र.। g) पाभे. वैप १,१२८४ g द्र.। g) पाभे. वैप १,१३८४ g द्र.। g) पाभे. वैप १ कृणानुः ऋ १०,१८,६ टि. द्र.। g) = गुजन-। ब्यु. ?। g0 क्रा कृष्टिन्द्र, हि. g1 ति g2 कृष्टिन्द्र।। g3 क्रा कृष्टिन्द्र।। g4 क्रा कृष्टिन्द्र।। g5 क्रा कृष्टिन्द्र।। g7 वित्र कृष्टिन्द्र।। g8 क्रा कृष्टिन्द्र।। g9 क्रा कृष्टिन्द्र।।

७; वैध ४,२,८.

गृणत्-, प्रस. √ए (शब्दे) द्र. गृत्स*- पाउ ३,६९; -त्सः श्रव ४८, ८५‡^b; निघ ३,१५‡^b; या ९,५**∮**.

गृहस-मद^क — न्दः आए ३,४, २; कौए २,५,१; शांग्र ४, १०, ३; अप ४३, ४, ३‡; ऋश्र २, २, १; ९, ८६; बृदे २, ५५××; शुश्र; अश्र २०,२०; ३४^{१०}; या ९, ५७; —दम् बृदे ४, ००; या ९,४; —दस्य चाश्र १६: २; —दाः बृदे ४, ९८; —दे बृदे २, १५५; ३,१२८; —देन बृदे ३,

गार्त्समद्व - - - ० द श्राश्री १२, १०, १३ वें १९; श्रापश्री २४, ६, ४; बौश्रीप्र ९: ४; हिश्री २१, ३, ७; वैघ ४, २, ८; -दः शांश्री १०, ३, ४; ऋग्र २, २, २७; बृदे ४, ७८ ई; छ्य ३, २११; ४, ३६; -दम् श्राश्री ७, ६, ३; ८, ८, ८; या ८, २२; -दाः श्रापश्री २४, ६, ३; बौश्रीप्र ९: १; हिश्री २१,३,७; -दानाम् शांश्री ११, १०,५; वैघ ४, २, ८; -दानि शांश्री ११, १०, ४; -दे शांश्री ११,०,३; बृदे ३,३६. गुल्समद-वत् श्रापश्री २४,६,४;

बौश्रौप्र ९:४: हिश्रौ २१, ३,

गृत्स-मदन- -नः या ९,५. †गृद् - -दम् आपश्री २०, १८, ४; हिश्रौ १४,४,५०. √गृघृ 8, पाधा. दिवा. पर. श्रमि-कांक्षायाम्, जागृधुः ऋप्रा ९, गर्ध- (>गर्धित- पा.) पाग ५, ₹,३६. गर्धन- पा ३,२,१५०. गृधु- पाउ १,२३. गृध्नh- -धनः राध २४३1. गृध्नु- पा ३, २, १४०; -ध्नुः श्राश्रौ ६,३,१७. गृध्नु-परिवार¹- -रः शंध २४३[₹]k. १गृध्य°- -ध्यैः अत्र १२,२ . ग्रभ्र°- पाउ २, २४; -धः आपश्रौ १५,१९,४; बौश्रौ ९,१८: ११; भाश्री; वाध १६,२३¹; या १४, १३; -धाः क्यप १,३६,५;१३, १, ७; ५१, ७××; -ध्राणाम् श्रप ७०१, ११,२६; विघ ४८,

> गृध-गोमायु-वायस - -सैः अप ६१, १,११. गृध-परिवार¹ - रम् वाध १६,२१; २२;२३^{२६}. गृध-इयेना(न-आ)रोहण - -णे काध

28,93.

६ 🕆 ; या १४,१३ Ф; -धाणि या

गृध-सङ्ख — - क्वैः अप ७०³, ११, २९.

√गृस्, इ्, अस्, ह्¹ पाधा. भ्वा.
चुरा. श्रात्म. प्रहर्गे; कषा. उम.
उपादाने, गृक्केत् कौस् ८२, २१.
†गृभ्णामि श्रापमं १, ३, ३[™]; भ५,
४[™]; श्राय १, ७, ३[™]; कौय
१, ८, १०[™]; शांग्र १, १३, २[™];
पाय; अभत् श्राश्रौ ६, ५,
१८‡°; अभः शांश्रौ ९, २०,
२६‡°; गृभ्णातु वाश्रौ २, १९,
६०³, अप्रा ८, २; †अगृभ्णत् या
७, २६६६°; †अगृभ्णत् श्रापश्रौ

१६,२, १; २०,३,३; बौश्रौ;

?अगृभ्णाम् शैशि ६६.

8:2ª;90.

६; †अग्रभेषम् वौश्रो १७, ४१:१६; श्रापमं २, ८३; माय २, २१.१७; अग्रभिषम् हिय १, १०, ६†°; अग्रभम् अग्र १९, ३८‡; †अग्रहम् श्रामिय १,३,

जप्रभम् पाय १,१३,१4. गृह्वीते आपश्री १६, २१, ८; बौश्रौ १, १२: ५०; ५२; ५४; ५५××; माश्री; गृह्णाति शांश्री ३, १७, ८××; काश्री; श्रापश्री १८, २,9°; हिश्रौ ८, २,३२°; आमिगृ१,१,३:६१^d;हिगृ१,५,६; या १०, २३; गृह्वाते भाश्री ५, ४, ११; गृह्वीतः काश्रौ ९, १३, ५; बौश्रौ; गृह्णन्त शांश्रौ १८, २४, ९; आपश्रौ; †गृह्धे कीसू ३, ११-१५; †गृह्वामि आश्री २,९,९;काश्री; त्रापश्री १२, ७,१८°; २१,२१, ४1; माश्री १,४, १,१५8; २, २,१, २^b; श्रापमं २,५, २२^{३1}; भाग १, ७ : ८1; वाग ५, १९1; हिगृ१,२०,9 ; गृह्वातु †श्रापश्री १, १६, ३; ८,६, २१; १५,३, ४1; १६, ५,३1; काठश्री; बौश्रौ ९,३:१९1××; †गृह्वीव्य श्रापश्रौ १,२५. ७; बौश्रौ १,१०: ६3; भाश्री; माश्री १,२, ३, ३०^m; वाश्रौ १, ३,१,२६™; †गृहाण बौओं ७, १६: ४६; ८, ७: ७; आग्र; अगृह्धत आश्री ८,१३, १०; वाधूशी ४,२६: ३; या ७, २६; अगृह्धत् आश्री १८, १३,९९ + गृह्धीत बौशी २५,११ + गृह्धीत बौशी २५,११ + गृह्धीयात् आश्री १,१०, ३××; शाशी; गृह्धीयाताम् भाशी ८,७,५; बौधी २३,८:२५; गृह्धीरन् बौशी २३,८:२५; गृह्धीरन् बौशी २३,८:२५; गृह्धीरन् बौशी २३,८:२५; गृह्धीरन् बौशी २३,८:२५;

जम्राह शांश्री १५,१८,१; वौश्री; जगृहुः वृदे ३, १३६; जगृह्म जुस ३, १०: ३८; साश्र १, १०७ क्ष्म मुद्रिक्त मु

गृह्यते बीशी १४,२६: १९××; वाध्रशी; गृह्यते आपश्री १२, २७,२; बीशी; गृह्यन्ते आपश्री १२,१८,११××; बीशी; या १, २३; गृह्यत अप ५७,१-४,३; गृह्यरम् आपश्री १२,२१,२२. आहयति आपश्री ८, ६,२२,९, १५,०‡; बौश्रो; प्राहयत बृदे ३, २१; प्राहयेत बौश्रो २६,५: १४; बौग्र; प्राह्येयम् वाध्रौ ४,९०:२४.

जिगृहीषेत् वाधूश्रौ २, १०: ६; ९.

†गृभीत- -तः या १४,२३; -तान् कौस् ५,१.

गृह - पा ३,१,१४४; पाग २, ४, ३१;४,२,७५; - ईहः आश्री ३. ६,२४; श्रप ३२, १,५; श्रश्न ५ ६; - †हम् आपश्रौ ११, ७, २; वाश्री; या १३, ३र; -हम्ड-हम् शांग ३,१,९+; -हस्य हिंथी ३. ८, १; ६, ७, १; वागृ; - नहाः ग्राश्रौ १, ११, ७××; शांश्रौ: बौगृ ३,, २२5; या ३, १३%: -० वहाः आश्री २,५,१७;काभी; -र्वहाणाम् त्रापश्री ५, १६, २××; वैश्री; -हाणि अप ५५. ६, ३××: -हात् शांश्री ४, ५, भ; आपश्रौ ५,७,६××; बौश्रौ; - नहान आश्री २, ५, २; १२; १७ : शांश्री; आपश्री ६, २७, 3 2670; 88, 98, 881; ANI १८, १४: १२; १५; हिश्री ६,७,८ १६; द्राश्री ७, ३,११ भाषाः लाश्री ३, ३, १^{३६७॥}; श्रापमं १, ८, २^६; कौग्र ३,४, ३^६; ५^{६६}; शांग्र ३, ५, ३६; ७, २३६;

a) पाभे. वैप १, १२३६ p द्र. । b) पाभे. पू ५६९ c द्र. । c) पाभे. पू ३११ d द्र. । d) निगृह्णाति इति पाठः ? यिन. शोधः (तृ. हिग्र १, ५,६)। e) पाभे. वैप १,६५४ m द्र. । f) पाभे. वैप १,१२३८ b द्र. । g) पाभे. वैप १,६२७ o द्र. । h) पाभे. वैप १,१२३७ l द्र. । i) सपा. गृह्णाम <> प्रतिगृह्णामि इति पाभे. । j) पाभे. पू ६९५ c द्र. । k) पाभे. वैप १,१२३६ f द्र. । l) पाभे. वैप १,१२३६ f द्र. । l) पाभे. वैप १,१२३६ n द्र. । o) सपा. हिग्र २,३७ बंशांत इति पाभे. । p) पाभे. वैप १,१२३६ q द्र. । q) पाभे. वैप १,१२३८ h द्र. । r) वैप १ द्र. । s) पाठः ? महाः इति शोधः । तपा. ?गृहा दाक्षिणानि <> महद्राक्षिणानि इति पाभे. । t) पाभे. वैप १,१२४१ b द्र. ।

बीगृ १,५,३१०;६२०७१०; बौपि २, ४,१८? मागृ१,२७.३ ;मागृ१. १४,६^b; हिए १,२९,१^{३b,0};२^b; या ४, ५; शुप्रा ३, १५० रिंग्ण; - इतय आगृ १,२,४; बौगृ २, ८, १९; -हासः श्राप्तिगृ ३,८, २ : ३६; बौपि १,१५:४३; -हे शांश्रो १५, १७, १××; काश्रो; †श्रापमं १, ९, ४^d; २, ८, ८^e; †हिगृ १, ११,१°; १९,७^त; या 8, 24+; 0, 6+; 6,4; 88, १६५; ४६; - १६ेऽ-हे शांश्री १५, २३, १; श्रापश्री १६, २६, १; बौश्रौ; या ९, २१; -हेण वाधुश्री ३, ४९ : ४[‡]; -+हेभ्यः त्रापश्रौ ५,१, ७××; भाश्री; - †हेषु ग्राश्री ३,११,७; काश्री; मागृ २, १७, १1; हिगृ २,४,५8; - १हैं: बौश्रौ १४,२१: १३; माश्री १,४,३,१; वाश्री.

गाई- पा ४,२,७५.
गाई b- - ह्यांणि वैध ३,१,२.
गृह-कर्मन् - में श्राज्यो १०,२;
- मेंणः श्राप्तिगृ २,५,९: १; जैगृ
२,६: १; - मेंणि श्रप २८,२,१.
गृह-कलिङ्क - पाग २,१,४८.
गृह-कारिन् - - नी विध ४४,
३६.
गृह-कोष्ठ-प्रवेशन - - नम् शंध

्१२. गृह-क्षेत्र- -त्रयोः शंध ३०९. गृहक्षेत्र-विरोध- -धे वाध १६,१३. गृह-गोधा— -धा काघ २७६:५.
गृह-प्राप्त-पुर— -राणि अप ६८,
२,३३.
†गृह-(p) p1— -p1 पाय १,
१९,२;४; जैय १,२२:२०.
गृह-दाह— -हे सांश्री ३,४,१३;
प्राप्त्री २,३,१७; वैश्री २०,

गृहदाह-वह्नि - ह्विना वैश्रौ २०,८:८,

गृहदाहा(ह-श्र)ग्नि— -ग्निना कप्र २,९,९५. गृह-दीपक!— पाग २,२,९. गृह-देव— -वाः श्रप १९१,५,४; —वान् श्रप ४,२,१४. †गृह-देवता— ताभ्यः आगृ १, २,४; आग्निगृ १,७,२: ८; वैग्

-३, ७:९;५, २:१२; वाष्ट्र
 ११,४; गौध ५,१४.
 गृह-द्वार्- -द्वारः या ८,१०;
 -द्वारि आिंग्स्य २, ६, ४:९२;

बौध १,५,११०. गृह-द्वार— -स्म् गोगृ ४,७, १८; —रे आम्रिगृ २,६,७: ५; बौपि ३, ४, २०; शंध १३२; ३४५; ३४६; —रेऽ-रे बौध ३,२,६.

गृहद्वार-पार्श्व- - में गौपि १,४,९७. गृह-धर्म- - मेम् श्राप्तिगृ २, ७,

१०: १. गृह-नमन- पा,पाग ८,४,३९. गृह-नामन्- -म या .४, ५३; -मानि निघ ३,४;१३. गृह-निहित- -तानाम् विध २३, ३१.

†गृह-प*- -०प, -पाय श्राप**मं** २,१८, ३३; भाग्य २,**९:९;** हिग्य २,९,२.

†गृहपी- -•पि,-प्ये आपमं २,१८,३४; भाग्र २,९:९; हिग्र २,९,२.

गृह-पति- पाग ४, १, ८४; ६,२,१६०; -तये आश्रौ २, ४,८; ४,१०,९; शांश्री; -कतः আগ্রী १, १०, ५××; **রাগ্রী**; बौगृ ३,१०,६१०; - दिना शांश्री ध्र, १२,१०^{२1}; श्रापश्री ६, २६, १^{२1}××; बौश्रौ; कौसू ७०, ९ रा: -तिभ्यः भाग ३, १३: ९+: -तिम् आश्री १, १०, ४; ८, १३,१४; शांश्री १, १५. २ * × ×; काश्री; श्रापश्री ४, १, १०^२+=; भाश्री ४, २, २^२+=; हिश्री १,२,५^२+m; -ती निस् १०, ८: १९; -तीनाम् बौश्रौ १०, ५६:१५; चाश्र १८: २१३; - + ० ते आश्री २, ५,१२; शांश्री १,१५,४; २, १५,५××; काश्री; —तेः आश्री १, १०, ६××; शांश्री; -ती आश्री ६,१०,२६; शांश्री ४,९,७××; द्राश्री.

†गृहपक्षी- - सी श्रापमं १, २, ८; काय २५,५; बौगृ १,५,३²; जैगृ.

नाईपत- पा ४,१, ४४; -ते काश्री १,६,१६; २२,४,७;

a) म्र° इति पाटः? यनि. शोधः । b) पामे. वैप १,१२४० n द्र. । c) पामे. वैप १,१२४१ b द्र. । d) पामे. वैप २,३२४० n द्र. । f) पामे. वैप १,९२४० d) पामे. वैप २,३२४० n द्र. । f) पामे. वैप १,९२४० d) पामे. वैप २,३२४० n द्र. । g) सपा. गृहेषु <>देवेषु इति पामे. । g0 सपा. गृहेषु <>देवेषु इति पामे. । g0 सपा. । g0 पाम. । g1 पामे. वैप १,९२४२ i g2 पामे. वैप १,९१२८ द्र. । g3 पामे. वैप १,९१२८ द्र. । g4 सपा. । g5 सपा. । g7 पामे. वैप १,९१२८ द्र. । g7 स्तिना इति पाठः? यनि. शोधः ।

लाश्रौ ८,६,१; पावा ६,२,४२; मीसू ६,६,२१.

श्नाईपत्य - पा ४, ४,९०; - + ० त्य श्रापश्रौ २,५,९; वौश्रौ १,१२:३१; भाश्री; -स्यः श्राश्री २,२, १३;५,१२^{†b}××; काश्री; -त्यम् आश्रौ २,२,१; ३, १५; 90; 4,2; 0, 99; 99, 34; ३७; शांश्री; काश्री १७, १,३; वैताऔं २८,२४; -स्यस्य आश्री १, १०, ४××; शांश्री; -त्यात् आओ १, ११, ४; ९; २, २, 9: 9४: शांश्री २. ६, २××; 94. ५+ ; काथ्रौ; - नत्यानि शांश्री ४, १२, १०; माश्री; -त्याय माश्रौ १, ५, २, ९; आपमं 🕈 १, ३,३; ९, ४; पागृ; -स्ये आश्री १, १२, ३२××; शांधी: - मत्येन शांध्री २,८,८; आपश्रौ ६,५, ६; श्राप्तिगृ.

गाईपत्य-कर्मन्— नीम्यः हिश्री ७,८:१३; –र्माण वाश्री १,६,२,५;हिश्री ७,८:१३. गाईपत्य-कञ्याद्—

-च्यादी कीस् ७०,१०.

गाईपत्य-चिति—
-तिः वाधूश्रौ ४, ११५: २;१४;
—तिम् श्रापश्रौ १६, १५, ५;
वैश्रौ १८, १२: २६; —तीः
वाधूश्रौ ३, ७९: १४; —तेः
श्रापश्रौ १६, १४, १; ४; वैश्रौ
१८,१२: ७; ११; हिश्रौ; —तौ
श्रापश्रौ १६,१४,५; वौश्रौ २२,
४: ४; वैश्रौ; —त्याम् वाधूशौ
४,११५: ६: —त्यै वाधूशौ
४,११५: ६.

गाहुँपत्य-दक्षिणाग्नि—
-न्नी श्रापश्रौ ९, ३, २१; हिश्रौ
३,६,२८××; —ग्न्योः वाश्रौ १,
३,२, २६; हिश्रौ १,८,१९××.
गाहुँपत्यदक्षिणान्नि-स्थान— > $^{\circ}$ नीय— -यम्
वाश्रौ १,२,३,३८.

गाईपत्य-देश— -शम् श्रापश्री १, १०, ८; -शे वैश्री ३,४: २२; ८: ११; हिश्री १, २,५७××; कीस् २२,१४. गाईपत्य-पश्चात् श्रप

गाहंपत्य-पश्चात् श्रप **४५**,२,१७.

गाईपत्य-प्रवाद- -दः

हिश्रौ २, ७,६८. गाईपत्य-लक्षण^c--णस्य माश्रौ १, ५,२,९; ३,१; श्रप्राय ५, १; -णे माश्रौ १,५, २,२०; वाश्रौ १,४,२,१०.

गाईपत्य-लोक-म्प्रणा^d- -णाः काश्रौ १७, ७, २६.

गाईपत्य-विधान-तस् (:) श्रप २३,१०,४. गाईपत्य-शब्द--ब्दः श्रापश्री १,१०,२१; भाश्री १,१०,१५; -ब्दम् वैगृ ४,

६ : १२. गाईपस्य-श्वत- -तम् कौस् २२,१४. गाईपस्य-श्रोणि-

-णिम् वैश्रौ २,२: १८. गाईपत्य-संयुक्त-

-कानि हिश्री ५,२,४.

गाईपत्य-सकाश--शात् वौश्रौ २६, ५:९; -श्रे बौध्रौ २५,११: २७. गाईपत्य-स्थान- ने काश्रौ ४,११,८; मागृ १,६,२. गाईपत्यस्थानीय-

-यम् भाश्रौ १,१०,१३.

२गाईप(त्य>)स्या⁶--त्याः वाधूश्रौ ४, ११९ : २. गाईपत्या(त्य-श्र)-

गार- -रे काश्री ४, ७,१४;८, १; श्रापश्री ४,३,१७; माश्री. गाईपरया (त्य-श्र)-

मि- -मिम् वैश्री ४, १०: १२; -मी वैध २,६,३.

गाईपत्या(त्य-श्रा)-

ज्य- -ज्यम् श्रप्राय २,३. गार्हपत्या(त्य-श्रा)-

दि- -दीन् वैघ २,३,४;४,३;

गाईपत्या(त्य-श्र)न्त--न्ते माश्रौ १,२,५,२०;७,४, ११;६,१६;२,२,१,४१××. गाईपत्या (त्य-श्र)

नाह्यत्या (त्य-अ) न्वाहार्यपचन—ं-नो श्रापश्रौ १,. ७,१३.

गाहिपस्या(त्य-ग्र)न्वा-हार्थपचना(न-ग्रा)हवनीय-सभ्या (भ्य-ग्रा) वसथ्य- श्यानाम् वैग्री १,८: ९.

गाईपस्या (त्य-आ)यतन-नम् काश्रौ ४, ८, २१; आपश्रौ
५,४,२; १२××; बौश्रौ; –नात्
भाश्रौ ५,२,१८; हिश्रौ ३,३,
९; –ने श्राश्रौ ३,१२,२५;
आपश्रौ.

गाईपत्या(त्य-श्र)-

a) = तत्स्थान- [काश्रौ १७, १,३ प्रम.] शिष्टं वैप १ द्र. । b) पाभे. वैप १,१२४२ p द्र. । c) चस aप. = कुरड-चिह- । d) मलो. कस. पूप. = चिति-, उप. = इष्टका- । e) विप. (इष्टका- [तु. C.]) ।

गाईपत्या(त्य-म्रा)
हवनीय- -ययोः श्राश्रौ ३,
१०,१५; १३, ६; त्रापश्र ४,१;
५३, काग्र; -यौ श्राश्रौ २,५,
२; १२; ४,२,१२; शांश्रौ २,
१२,६; काश्रौ १,८,२३; २६,
२,३०; श्रापश्रौ.

गाईपस्याहवनीय-संब(न्घ>)न्धा*- -न्धाम् वैश्रौ १,२: '१२.

गाईपरये (त्य-इ)
प्रका- -काः वैताश्रौ २८,२५.
गाईपत्यो(त्य-उ)पस्थान- -नात् भाश्रौ १, १०,

गाईपत्योपस्था-ना(न-ग्र)न्त^क - -न्तम् भाश्रौ ८,२०,६.

गाईपत्यो (त्य-उ) त्मुक- -कात् शांश्रौ३,१९,१४. गृहपति-गोत्रा (त्र-श्र)न्वय--याः श्राश्रौ १२,१०,३.

गृहपति-भक्त- -क्तम् श्रप १,२७,२.

गृहपित-मरण- - णे श्राश्री १२,६,३४³, काश्री २४,६,१८. गृहपित-महानस- -सात् गोगृ १,४,२४.

गृहपति-मुख्य--स्यान् वाश्रौ ३,२,१,१२

गृहपति-यविष्ठ- -ष्ठयोः ऋत्र २,८,१०२.

गृहपति-वत् मीस् १०, ६,

गृहपति-वदन- -नम् शांश्रौ

१०,२०,१. गृहपति-चर्जम् काश्रौ १२, १,१८.

मृहपति-सप्तद्श- -शाः त्राश्री ४, १, ८; शांश्री १३, १४,१.

भूष्ठ, गृहपत्य (ति-स्र) न्वारम्म—
-मः काश्रौ १२,१,१३.
गृहपत्या(ति-स्रा)हवनीय^b—
-ये काश्रौ १२,१,१६.
गृह-पोपण— -णे स्राज्यो ४,८.
गृह-प्रद— -दः वाध २९,१४.
गृह-प्रपदन— -नम् श्राग्र २,१०,९.
गृह-प्रपदन— -नम् श्राग्र २,

–ज्ञम् श्राज्यो ५,९. गृह-प्रवेशन– पाग ५,१, १११^०; –नम् कौगृ ३,३,८.

गृहप्रवेशनीय— पा ५, १, १११. १११. गृह-भू-कुट्या(ड्य-ब्या)द्य(दि— उ)पभेतृ— -त्ता विध ५,१०८. गृह-मध्य— -ध्ये मागृ २, १२, ६; वैगृ ३,७:११. गृह-मध्य(म>)मा— -मायाम् मागृ २,१२.५.

1,८. †गृह-मेध^d- -धस् आपश्रौ ५, २६,५; भाश्रौ ५,१८,१; -धान् माश्रौ १,७,५, २३⁶; -०धासः आश्रौ २,१८,४; शांश्रौ ३,१५, ९; -धे आपघ १,४,२९; २,

गृह-मही-स्थ- -थाः अप १४,

२५, ७; हिघ; -धेम्यः श्राश्री २, १८, ३; शांत्री; मात्री १,

o, 4, 99; २२†.

गृहमेधीय - पा ४, २, ३२;
-यः शांश्री १४,१०,१६; बीश्री
५, १०: १५; २५, २: १७;
भाश्री; -यम् बीश्री ५,१०:९;
हिश्री ३,६,५५; -यस्य श्रापश्री
८,९,९; बीश्री २१,३: १४;
१६××; भाश्री; -यात् भाश्री ८,१२,९;
माश्री १,७,५,१०; हिश्री
५,३,२; -ये बीश्री २१,६:
१८; माश्री १,७,५,५; -येब
श्रापश्री २२,८,९; काश्रीसं
२९: ७; बीश्री.

गृहमेधीय-प्रभृति-तीनि बौधौ १७,६०: १०.
पृहमेधीय-वत् मीस् १०, ७,५०.

गृहमेधो(ध-उ)पदेशन--नम् आपध १, २, ७; हिघ १, १,४०.

मृहमेधन पा ४,२,३२.
गृह-मेधिन — -धिनः आश्री
१०, ७, १; शांश्री १६, २, २;
आपश्री; —धिनम् कीग्र ३, १०,
३५; शांग्र २,१६,६; —धिनाम्
वैताश्री ९, २; आज्यो ५, ८;
—धिनोः आपध २,१,१;१५;हष
२,१,१;१४; —धम्यः आपश्री
८, ९, ८; २०, १४, १०†३;
काश्री ५, ६, ६; बीश्री; —†धी
आपश्री १७,१६,१८; वैश्री १९,
६: १०८; हिश्री.

गृहमेषिनी- -†नी आपश्री ३,१०,९; माश्री ३

a) विष. । वस. । b) मलो. कत. । c) तु. पागम. । d) = भौपासन-होम- । वैष १ द. । e) पाभे. वैष २,३स्तं. गृहमेष्टिनः टि. इ. । f) पाभे. वैष २,३स्तं. गृहमेष्टिन्यः टि. इ. । g) वैष १ द. । h) पाभे. वैष १,९२४३ । इ.

३,४: १४; ४,२: १०; श्रापध.

१२,८; -नीनाम् वाध २१,१४. गृहमेधि-वत- -तम् गोगृ १, 8,96. गृहमिधि-स्विष्टकृत्- -कृती काश्री ५,६,१७. गृह-यु*- पाउना १,३७. गृह-राज^b- -जाय बौगृ २, ८, गृह-लाभ- भः वाध २९,१३. †गृह-वत्- -वान् श्रापश्रौ १, २,992; माश्री १,३,४2. गृह-वृद्धि --द्धिम् श्राप्तिगृ २, ५,९: १; जैगृ २,६: १. गृह-शयना(न-ग्र)लङ्कार-वासस्--सांसि शंध २६२. गृह-शान्ति- -न्तिम् आशिषृ २, ५,९: २; जैगृ २,६: २. गृह-संकाश- शो कीसू २४, 99; 00,98. गृह-सर्प - पाग २,१,४८°. गृह-स्थ- -स्थः श्रामिगृ ३, १०, १:६××; बौगृ; -स्थम् बौपि ३, १,१०; वैष्ट ७,१: १४; गौपि; -स्थस्य आमिगृ २, ७, ३: १; ३, १०,४ : ३०; बौग्र; —स्थाः वैध १, ५, १; —स्थान् आमिए ३, ११, १: ११; वाघ ११, १७; -स्थानाम् अप ५३, ५, २: वाध ६, १९; शंघ; -स्थे वाध ८,१५; -स्थेन आमिय २, 4.99: 9. गार्हस्थ⁰- -स्थस्य गौध 3.362

गाईरध्यd- -स्थ्यम् वैगृ

गाईस्थ्य-नैयमिक--केष वाध १९,३. गाईस्थ्या(स्थ्य-श्र) क्र--क्रानाम् वाध १९,१३. गाईस्थ्या(स्थ्य-श्र) नुसरण- -णम् वैध १,३,३. गृहस्थ-धर्म- -र्माणि वैगृ ६, १८: ८; -र्मान् श्राप्तिगृ ३, ७, ४: ३२. बौषि. गृहस्थधर्म-वृति- -तौ शंघ ४६१°. गृहस्थ-वत् वैगृ ५,७: १३. गृहस्थ-साधु- -धून् गौषि 2,2,90. गृहस्था(स्थ-त्रा)श्रम-> °मिन्- -मी वैध ३,१,१. गृहा(ह-त्रा)गत,ता- -तम् वैध १,४, १; -ताः गौपि १, ७, ९; -ताम् गोगृ २,४,६. गृहा(ह-श्रा)नन'- -नौ सु २,३. गृहा(ह-त्रा)वस्यक- -कानि शंध गृहा(इ-ग्रा)श्रम- -मात् विध 49,70. गृहाश्रमिन्- -मिणः विध ३३,२; ५८,१; -मी विध ५९, 9; 26; 28. गृहा(ह-श्र)श्व-स्थ-भूम्य(मि-श्र) र्थ- -थें शंघ १४४. गृहिन्- -ही आमिगृ ३, १०,४: २३; कप्र ३, २, २; शंघ. गृहिणी- -णी कौस् ७३,१4; -णीम् अप २०,७,१०.

गृहिणी-भक्त-श्रप १,३०,२. गृहो(ह-उ)त्सर्ग- -र्गः शांगृ ५ 99,9. गृहो(ह-उ)पकरण- -णानि वाध 20,84. १ गृह्य,ह्या⁸— -ह्यः शांगृ ५,२,४: गोगृ १, १, २१; ३, १६; द्रागृ; -हाम् आगृ १, ९, १; कीगृः ३,४,५; शांग्र; - व्याः आपश्री ८, ११, २; बौश्री ५, १६: ६; भाश्री; -ह्याणि वौश्री २९ १२: ६; आगृ १,१,१; आप्रिगृ २,७,२: १××; हिग्: - ह्यात् दाय ३,२,१; - ह्यान् काश्री ४, १२,२३; वाध ११,८; -ह्यानि बौगृ २,६,१७;-ह्याभ्यः पागृ २, ९, २; कागृ ५४, ४; बौगृ; -क्रे श्रापृ १, २३,२५; कौगः; - ब्रेषु कौसू ८९,१६. गृह्य-पुरुषb- -षः वागृ १,१. गृह्य-प्रायश्चित्त- -त्तानि श्राप्तिगृ २, ७, ४: १; भागृ ३, 96:9. गृद्ध-स्थालीपाक- -कानाम् पागृ १,१,१. गृ(स >)ह्या-कर्मन्1--मीण गोग १, १, १; द्राप १, 9.9. गृह्या(हा-त्र)मि- -प्रिम् बीए ३, ५,९; ऋप २२, १, ३; -मी कौगृ १, १७, ७; वाध ११, ३; वैध ३,१,२. गृहयालु- पा ३,२,१५८.

गृहीत,ता- पाग ५, २, ८८; -तः काश्रौ १०,७,८; बौश्रौ; -तम् ब्रापश्री ९,४,१३;१६,९; भाश्री; -तम्ऽ-तम् बौश्रौ ३,१६:१९; -तस्य त्रापश्री २,७,१२;भाश्री; -तानाम आश्री १०, १, १७; -ताम् श्रप्राय २, ५; -तायाम् श्रप ३७, ६,१; वैध ३, ११,३; -ते शांश्रौ ३, २०,२०; ७,१५, १७; हिथ्री;-तेन श्रप १,३१,७; ३५,३: विध ६६, १; ७९, १; -तेष जैश्री ९:२५; वैताश्री 30,90. गृहीत-गर्भा-छिङ्ग- -ङ्गानि वैगृ ३,१०:१: गृहीत-प्रन्थ°- -न्यः नाशि १, **६.२२.** गृहीत-दर्भº- -र्भः अप १८², गृहीत-धन-प्रवेश- -शे विध €,9. गृहीतधनप्रवेशा(श-श्र)थ--र्थम् विध ६,९. गृहीत-पाणि - पात्राग २, २, ₹. गृहीत-पा(द>)द्।"- -दाम् विध ९९,१. गृहीत-मधुपर्के - -र्कः श्राप्तिगृ 8, 4, 9 : 5. गृहीत-मूल्यº- -ल्यम् विध ५, 930. गृहीत-शिक्ष - - श्रः विध ६०, गृहीत-सोम8- -मम् काश्री ७, 3,9.

गृहीत-स्तोत्र - -त्र: जैश्रीका 860. गृहीता (त-श्र)नुगमन- -ने काश्री २५,३,१५. गृहीता(त-श्र)स्तमित- -तयोः श्राप ५३,६,४. गृहीतिन्- पा ५,२,८८. गृहीत्वा श्राश्री १,११,९××; शांश्री; गृहीत्वाऽगृहीत्वा काश्री ९, ५, Sxx. गृह्णत् - द्वतः बीगृ १,८,६; -ह्वता जैश्रीका १०४; -ह्रस्सु जैश्री ८ : ४; -ह्नन् आश्री ३,६,१६; श्रापश्री:-ह्यन्तः बौश्रौ २६,१२: २३; -ह्नन्तम् वैताश्रौ ५, ७; 30,90. गृह्वती- -तीम् कागृ १४,८. गृह्णन्ती- -न्तीम् गोंगृ २,१,७. गृह्णाति->°ति-कमेंन्- -र्माया ६, गुह्वान- -नः बीश्रौ १, १२: ५४××; -नाः काश्रौ ८,१,१८; गह्य श्रामिष्ट २, ६,६ : २०; द्रापृ ३,१,१४; बौध १,४,९××. गहा- पा ३,१,११९. गृह्यमाण,णा- -णः श्रा ५३,२,३; शुत्र १,४९०; -णम् निस् १०, ८:३६; -णान् माश्री ५,२,१६, १२; -णानि माश्रौ ५, २, १६, १०; हिश्रो ६, २, ९; -णासु माश्रौ १, ४, १, १२; ब्दे ५, १५४; -ने श्रापश्री १३, ९,४; जैश्रीका; -गेषुं शांश्री ७, १५, १५; स्रापश्री १४,९,४; बौश्री. ‡प्रभ°- -भाय या ३,३∮. म्रहण^d- पाउभो २,२,१९४; -णस् काश्री ३, ६, १८; ५,४,६××; ९, ५,१५°; श्रापश्रौ; पा ५, २, ७७; पावा १, ४, ५१××; -णस्य तेप्रा १, २२; मीसू १०, ७,३३××; -णाः माश्रौ २,४, २,२1; -णात् काश्रौ ७,५,२४; १२, ६, २४; श्रापश्रौ; -णानि श्रापश्री १३,२,५; हिश्री ८,४, ६; -णे श्रापश्रौ १८,१३, १९; बौश्री: पावा २, ४, ७७; - जेषु हिश्रौ ९,७, २१; पावा १,१, 40. प्रहणी- -णीह कौसू २९, २; -ण्यौ म त्रापश्रौ १८,२,६; हिश्रौ १३,१,१८. प्रहण-काल- -ले अप ११, १, २; १३,१,२. प्रहण-निर्वाप- -पे बौश्री २७, 8:39. प्रहण-प्रतिषेध- -धात् पाव। १, ₹,8. ग्रहण-प्रदान- -ने श्रापश्री १२, प्रहण-भेद- -दात् काश्री ९, 8, 23. प्रहण-मन्त्र- -न्त्रः बौश्रौ २५, २३,६. प्रहण-छवन-स्तरणा(ग्र-श्रा)ज्य ग्रहण- -णेषु काश्री १,७,९. प्रहण-विशेषण-ख़- स्वात् पावा 2,9,92. प्रहण-विसर्ग- -गौं वैगृ २,१३:

a) विप. । बस. । b) तु. पागम. । c) वैप १ ह. । d) भाप., नाप. (उपराग- [श्रप.]) । e) प्रह्मप्रहणम् इति w_{eb} . । f)= मन्त्र-विशेष- (तु. मै १,३,१६ प्रमृ.) । g)= कटक-बन्ध- । h)= ऋग्-विशेष- (तु. मै १,१९,४) ।

ग्रहण-शक्ति- -किः माशि 28,8. ग्रहण-संयुक्त- -के श्रापश्री १८, 93,20. ग्रहण-सादन- -नाः श्रापश्रौ १२, १५, १०; -नी आपश्री १२, १५,११;१८,१०××; वैश्रौ. ग्रहण सादन-प्रत्यसन- -नाः श्चापश्री १६,३३, १; वैश्री १८, 94:46. ग्रहण-सादन-स्तोत्रोपाकरण-होम-भक्षाहरण-भक्षण- -णानि काश्री १२,४,१५4. ग्रहण-सादना(न-ग्र)वदान-प्रदान- -नेषु काश्री १,५,१२. ग्रहणा(ग-श्रा)च्छादन- -ने श्रप £8,9,28. ग्रहणा(गु-म्रा)दि- -दि काभौ २५,७,७: -दिभिः शंध ११५. ग्रहणा(गा-ग्रा)नर्धक्य- -क्यम् पावा १,१,३४. अहणा(ग-अ)न्त^b- -न्तम् आगृ १,२२,३; भाग ३, ५: २; बौध १,२,४; गौध २,५४. ग्रहणा(ग-त्र)थं,थां- -थंम् मीस् ९, २, १३; -र्था मीसू ७, २, 94. ब्रह्णा(ग-श्रा)सादन-श्चापश्रौ ८,१४,७. ब्रह्णा(ए-ब्रा)सादन-प्रोक्षण--णानि शांगृ १,३,४. ब्रहणो(गु-उ)पाधि- -धीनाम् पावा १,१,७२.

ग्रहणि°- पाउ ५, ६७. ग्रहिण- पाउमो २,२,१९४. ग्रहीतन्य,च्या- -च्यः श्रापश्रौ १२, ८.१२: बौश्रौ २४,२५: १^२××; या ३, ३; -व्या जिश्रीका १७०; - चयाः बौश्रौ १४, ११: २८; २९××; भाशि ८८; -च्यौ श्रापश्रौ १२,८,१३;१४2. ब्रहीतुम् श्रापश्री १२, ८,१०; हिश्री ८,२,३२१वः वैधौ १५,९: ७. ग्रहीत्-काम- -मः श्रप ५३, 9, 2. ग्रहीव्यत् - - ज्यतः द्राश्रौ १५, २,७; लाश्रौ ५,१०,७; -व्यन् श्रापश्रौ १,१६,४; बौश्रौ. ग्रहीप्यमाण- -णः बौश्रौ २९,४: १; - णेषु हाश्रौ १५, २, ११; लाश्री ५, १०,११. ब्राह- पा ३, १,१४३; पाग ३, १, ब्राहक- -कः श्रप ४७,१,१४. ब्राहम् माश्री २, ३,८, २××. ग्राहियत्वा बीश्री ५ं, १:३१;५: १९××; वागृ १४.३. †प्राहि'- -हिम् कीस् ६१, २२; -ह्या श्रप्रा २,२,१९^३६; -ह्याः श्रापमं २, १२, १०; श्राप्तिगृ २, १,४: ९; हिंगृ. ब्राहिन्- पा ३,१,१३४. ब्राहक- -कः भाशि ६४ +: -काः हिश्री ११,३,१९. ब्राह्म,ह्या- -ह्यः व्यापश्री १२,८, ६;

कप्र २, ५, २१; अप ३८, १, ६; याशि २, ११७३; -ह्या कप १, ८, १७; -ह्याः वैश्रौ ११. १०: ६; १४××; कप्र ३,७,३; थ्रप; -ह्याणि वैश्री ११, ११: ८; -ह्याम् विध ५७,११. ग्राह्य-क- -कम् श्राप्तिगृ २, ७, प्राह्य-लोक^b- -कः वौश्रौ २१. 39:8. जिघ्धत्- -क्षन् गोगृ १,१,८;२०. गृष्टि'- पाउभो २, १, १८८h; पांग ४, १, १३६; -ष्टिः माश्री ५. २, १०, १३; श्रप १, ५०, ३; -ष्टेः जैगृ १, ५: १; कौसू १९, १५; - ष्ट्यै बौश्रौ २८,४ : ८. गार्धेय'- पा ४,१,१३६. गृष्टि-दामन्- -म कौसू २४,७. गृह- प्रमृ. √गृम्, ह इ. √ग (शब्दे) √गृ इ. √ग 1 पाधा. तुदा. पर. निगरणे, गिरति या ९,४; १०,२३; १४, १८र;२१२; गिलति या ९,२४. †जगार बौश्रो १४, ७:४; भाश्रौ ६,१,९; या १४,१८०; अगारीः या ६,८. †अजीगः निघ ४, ३; या ६, ८क ; ऋप्रा १, १०३; शुप्रा १, १६८; तैप्रा ८, ८. गरण-> गरण-वत्- -वान् या ७, 96. गरमाण->°ण-रोहिन्- -हि या

€,90.

a) तु. चौसं. web. च; वैतु. कासं. °णप्रदानस्तो ° इति । b) विप. । बस. । c) = [शरीरस्थ-] कला- विशेष- (तु. श्रष्टाक्रहृदये शारीरस्थानम् [३, ५०]) तात्रथ्यात् = प्रह्णी- [रोग-] । d) गृही ° इति पाठः ? यिन. शोधः । e) तु. पाका. । गाह— इति भाण्डा. । f) वैप १ द्र. । g) सकृत् पारे. वैप १, १२४५ a द्र. । h) $< \sqrt{\eta}$ [निगरणे] i) या २, २८; ६,८; ९,४ पा ८, २,२०;२१ पावा १,३,५१; ७,२,११४; ८,२,२१ पराम्ष्टः द्र. ।

१४, २६,9 +××; हिथ्रौ; - हाम्

विरण- -णे अप ४८,४९ . शिरति-> वित-कर्मन् - मी या ६, गिल- -ले पावा ६,३,७०. गिल-गिल- -ले पावा ६,३,७०. गीर्त्वा बौश्रौ १८,४७: १;२‡;२४; श्रापगृ ७,१९,७. √रोप् पाघा. भ्वा. श्रात्म. कम्पने गतौ च. √गेव पाधा. भ्वा, श्रातम. सेचने. ्रीप पाधा. भ्वा. श्रात्म. श्रन्व-च्छायाम्. गेय-, गेज्यु- √गे द्र. बोहª- पाग २,४,३१; फि ३; -हम् पावा १,४, १; -हात् वागृ ४, २१; वैग् ५,२ : १; -हे वैग् ६, १८:३; पा ३,१,१४४. गेहा(ह-स्र)मि- -मी कागृउ ४०: गेह-दाह- -हे काश्री २५,४,३६. गेह-द्वार- -रम् द्रागृ ४,२,१३. गेहा(ह-म्र)न्तर- -सम् आमिए २, 8.6:82. गेहे-स्वेडिन्-, °तृप्तb-, °दाहिन्-, °द्दस-, °धृष्ट-, °नन्दिन्°-, °नार्तिन् °-, °नार्दिन्-, °पटु°-, व्यण्डित°−, व्यगल्भ°−, भेलि-ज्°-, °महिन्- °विचितिन्°-°विजितिन्-, °व्याड-, °शूर-पा, पाग २,१,४८; ६,२,८१. √गै^व पाधा. भ्वा. पर. शब्दे, गायते माश्री ४; ४, ३२; वैश्री;

गायति शांश्रौ ५, १२, ३; १६,

१७,४; काश्री; गायतः वीश्री

१५, ९: १०; हिश्री १४, २,६; १८; १६, ६, ४०‡°; बौगृ; गायन्ति श्राश्रौ ७, ८, ३५; †शांश्री ११, ११, १२; १२, २६, २२××; काश्री; गायसि श्रापमं १,१३,१‡; बौगः; †गाये जैश्रौ ८: १६; द्राश्रौ २,४,११; पगायत शांश्री १०,११,६;११, ११, ९; ऋग्र २, १, १७३; गायात् आश्रौ ९,९, ८; १०,७, ९: शांश्री; †गायतु श्रापश्री २१, २०, २१; हिश्रौ; †गाय श्राश्रौ ८,१,१८;९,११,२१; शांश्री; वैताश्री १७, २१1; कौसू 23, 221; 40, 9321; 49, २५? !; श्रश्र ६,१? !; †गायतम् आपगृ १४, ४; बीगृ १,१०, १०: †गायत, > ता श्राश्री -७,३, २××; शांश्री; अगायन् वाधुश्री ४, ४७: १;६; गायेत नाशि १, ६, १५; गायेत् श्रापश्रौ २५, १९, ११; भाश्रौ; जैश्री २२: १६? ; २५: ३? ; गायेताम् आपश्रौ २०,७,१;२१, २०,१‡°; गायेयुः श्रापश्रौ २१, १९,१९+; जैश्रौका १८५. जगौ बृदे २,३८;४०××; जगुः बृदे ७,१०१; गास्यामि वाधूश्रौ ४,४७ : ६; पागृ १,७,२ +h; †गास्यामः मागृ १, १०,१५; वागृ १४, १३. गीयते शांश्री १६,८,२८××;वैश्री ८,१४:३; हिश्री; गीयन्ते माशि १,७, गीयताम् जैश्रीका ५४.

गापयेत द्राश्री २,१,११; लाश्री १,५,८?1; कौगृ. गातन्य- -न्यम् जैश्रौका ४०:५४. गाथक- पा ३,१,१४६. गा(थ>)था8- पाउ २,४; -थया बौश्रौ १६, ६:५; निसू २, ११: ३० +; त्रप; -था भाग २,२१: १०: श्रप ४८,१०२ +××; विध ८०,१३; ८३,२०; ८८,३; निघ १, ११+; -थाः काश्री २०,२, ७‡; बौश्रौ; -थानाम् काश्रौ १५,६,३; - च्याम् शांश्रौ १८, १५, ५१३; वाधूश्री ४,४७:५; ६; १२; पागृ; -थायाः श्राश्रौ ९, ३,११; शांश्री; -थासु वाश्री ३, ३,३,३३; ४,१,३६; ऋत २,४, ८: -थे विध ७८,५१. गाथा-कार- पा ३,२,२३. गाथा-मिश्र, श्रा- -श्रम् या ४, ६; -श्राः श्रापश्रौ १८,१९,१०; हिश्री १३.६.३५. गाथिक- -कम् नाशि १,१,२. †२गाथिन्8- -थिनः आश्रौ ६, ४,१०;७,२,३; शांश्रौ; या ७,२. गान - नम् काश्री ४,९,५; जैश्रीका ११९; १५९; द्राश्री; -नस्य नाशि १,३,१११k; -नेषु कप्र ३, गान-काल- लम् जैथ्रौ २२:१; २३: १; जैश्रीप १; -ले द्राश्री १५,४,9२. गान-जाति- -तिषु निस्१,६:१. गान-संयोग- -गात् मीस् ९,१, 44.

a) वैप १ द्र. । b) तु. पाका. । c) तु. पागम. । d) या १,८; ७,१२ परामृष्टः द्र. । e) सप्त. गायतः <>गायेताम् इति पामे. । f) शोधार्थं वैप १,६२६ 1 द्र. । g) ग॰ इति पाठः ? यिन. शोधः । h) परस्परं पामे. । i) गायेत् इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. द्राध्रौ. श्रिमस्वामी च) । j) न्थम् इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. प्रेश्रा ५,२,१०) । k) न्थम् इति लासं ?।

गायत् - यतः झाश्रौ ८,७, २३; वाधूश्रौ ४, ४७:९; द्राश्रौ; -यस्मु कौस् ९३,१३; श्रप ७२, २,२; -यन् माश्रौ ६,१,२,२७; लाश्रौ १०,१९,१०; -यन्तः पाग् ३,१०,९; -यन्तम् वाधूशौ ४,४७:९.

गायन्ती— -त्यः आपश्री २१, १९,१८; बौश्री.

गायत्र8- पा ५, ४, ३८^b; -त्रः ब्राभी ४, १२, १; शांभी; वैघ[°] १, ३, १; २; ब्राध्रौ ४, १३, ७××; शांध्रौ; या १,८ कु; +त्रस्य बौश्री १३, ३२: १०^d; द्राश्रौ ९, ३, ४; -त्राः आश्री ६, ४. १२; निस् ४, १०: ३; पिं ३, २६; -त्राणाम् शांश्री ७. २६,१२; -त्राणि शांश्रौ १२,२, १७; जैश्री ११: १३; चुस् २, ९:२; निस्; -त्रात् शांश्रौ ९, २०, ८; †बौश्रौ १०, ३५ : ५; १४, २२: १०; निसू २,७: २४; -त्रान् आश्रौ ८, ८, १; बौश्रौ १०, ५६:९; ५८:६××; - † त्राय शांश्री ९,२७, १; १७, १३, १; श्रापश्रौ २०, ९, २; बोध्रो १५, १७: ११; माध्रौ; शुत्र ३,१३२१°; -+त्रे श्राधी ८, २,१२; श्रापश्रौ ५,१६,४;बौश्रौ; -त्रेण आश्रौ १,३,२२; ६,५,२; शांश्रीध,१२,४××; काश्री; -त्रैः उनिसू १: ५३; ५६-५८; पि

३, २३; ४८; -त्री श्राधी ६, १३, ५; आपश्रौ २२, ६, ३; वाधूश्रौ ४,९८ : ८; १३; हिश्रौ. गायत्री1- पाग ४,१,४१^b; ५, ४, ३८^b; -०त्रि मागृ १, २,२; -त्रियः वाधूश्रौ ४,९१:३; ११५:११;१२;-त्रिया †श्रापश्रौ १,६,८; ५,२, ४; †बौश्रौ १३, 0:968; 88, 28:348; २८: १५⁸; १७, १७ : १०; २७, १०: ६⁸; वाधूश्रौ ४,१०५: १; हिश्री ३,१,११××; - †त्रियाः श्रापश्री १४, १९, १^h; बौश्री १४, ४: १७; हिश्रौ १५, ५, १६; - कत्रिये श्रापश्री ३, १८, ४1; बौश्रौ ३,२३:१८1;१४, २२: १०; भाश्री ३,१४,२1; वाध्रश्री; हिश्री २,८,१1; -न्नियी वाधूश्री ४,८५: ३; -त्री श्राश्री २, १४, १९; ४, १२,२; शांश्री ७, २७, १××; काश्री; या ७, १२कृ; -त्रीः शांश्री १८, १३, १; ८; काऔ; आपश्रौ २२,११, २२१1; हिश्री १७, ५, १४k; २१, २, ६k; - श्रीणाम् शांश्रौ ९, ६, ११; निस् ४, ९: २;७,२:६; -त्रीभिः श्रापश्रौ ५, ६,२××; बौश्रौ; -त्रीभ्यः काश्रौ १७, १२, १२; -त्रीभ्याम् माश्रौ ६, १, ४, २०; वाश्रौ; - † त्रीम् आश्री १,४, ९; शांश्री १४,३३, ७; १८, ७,२; १६,२; श्रापश्री १०, ९, १; १३, २२,

१1××; बौश्री; या ७,१२; -श्रीषु आश्रौ १०,२,२०; बौश्रौ १८, १: ८; लाश्री; -त्र्यः श्राश्री ६,२, ३; ३,५; शांश्री; -च्या श्राश्री ३, १२, २२⁸; १४, १०; श्रापश्रौ ९, १३, ८ +××; बौश्रौ; भाश्रौ ९, १२, १२8; कौस् १३३, ६⁸; - † ज्याः आपश्री १४, २६, २; वैश्री; - ज्याम् क्षस् २,१४: ६; दाश्री ८, ४, १३; लाश्री ४, ८ १२; ६, ३, १८; निस्; - ज्यै शांश्री १३, ५, ४h; ‡काश्री 2, 9, 961; 24, 98, 941; बौश्रौ ; - ज्योः ऋत्र २, १०, १०१; - ज्यो शांश्री १६, २२, १२; श्रापश्रौ ५, २८, २××; माश्री

गायत्रि-या(मन्>)म्नी--म्नी m वैश्री ५, ७ : ϵ ; हिश्री ६, २, १७.

गायत्री-ग(भे>)र्मा--र्मा श्रश्र १०,८.

गायत्री-जप-निरत--तः विध ८३,१४; ८९,३.

गायत्री-तृतीय-सवन"--नः बौश्रौ १६,१०: ८.

गायत्री-त्रिष्टुभ्--प्टुभोः लाश्री ७, १२, १९; -प्टुभौ शाश्री १, १७, ९; श्रश्र २, ६९××.

गायत्री-त्रिष्टुब्-उ-व्याह्- -व्याहः ग्रिश्र २,१३७.

a) वैप १ द्र. । b) तु. पागम. । $c) = \pi \epsilon \pi \pi \pi \pi (1-6\pi) \pi e - 1$ d) पाभे. वैप १, १२४७ क द्र. । e) ज्याय इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. मा २९,६०) । f) वैप १ द्र. । g) पाभे. वैप १, १२४७ e द्र. । f) पाभे. वैप १, १२४७ f द्र. । f) पाभे. वैप १, १२४७ f द्र. । f) शायक्रीः संप्राः इति शोधः (तु. C. [तु.लाक्ष्री ९,४,३१]) f0 ग° इति पाठः ? यनि. शोधः । f1 पाभे. वैप १, १२४६ f1 द्र. । f2 पाभे. वैप १, १२४६ f3 पाभे. विप १, १२४६ f4 पाभे. विप १, १२४६ f5 पाभे. विप १, १२४६ f7 पाभे. विप १, १२४६ f7 पाभे. विप १, १२४६ f8 पाभे. । f1 विप १, १२४६ f2 पाभे. विप १, १२४६ f3 पाभे. विप १, १२४७ क द्र. ।

गायत्री-त्रिप्दब्-जगती--तीभिः वौध १,२,१२; -तीषु हिश्रौ २१,२,५ . गायत्री-दश-साहस--जप- -पेन विध ५५,५. गायत्री-पाद- -दम् लाओं १०,६,९. गायत्री-प्रतिपत्क⁸--त्कम् त्तस् १,१:२३. गायत्री-प्रातःसवन ---नः बौध्रौ १६, १०: ५; -ने बौश्रौ २६,१५: ४. गायत्री-बृहती- -त्यौ श्य ४,१०१. गायत्री-बृहत्य (ती-अ)नु-ब्द्रभ्- -ब्द्रब्सु मीस् ५,३,१४. गायत्री-माध्यन्दिन⁶--नः बौश्रौ १६,१०: ७. गायत्री-या(मन् >) स्री- -स्री^b आपश्रौ ४,७,२. गायत्री-शंसम् शांश्रौ 86.98.9. गायत्री-शत-पञ्चक--कम् विच २२,१४. गायत्री-संप(न>)ना--न्नाः काश्रौ २२, ११, १७; लाश्री ९,४,३१. गायत्री-सामन्-द्राधी २, २, २४; लाधी १,६, २२; ६, १२, १४; निस्; -मनी लाश्री ७,२, १; निस् ७, ५:२९; -मसु लाश्री ७, ६, ८; -मानि चुस २, ९: ४;७; -मनोः लाश्रौ ६,१२,५.

गायत्रीसामा(म-श्रा)

पन्न- -न्नम् निस् ७, १: १८;

C. E: 40. गायत्री-स्थान- -नम् निस् ७,८:८; ११:३२. गायव्य(त्री-श्र)ष्ट-शत--तम् श्राप्तिगृ ३, १२, १:४; श्रप ६७,८,२; राध २२६; विध 22.94. गायव्य (त्री-त्र) ए-सहस्र- -सम् विध २२, १०; ६३; सुध २२; २५; २६;३५. गायव्य(त्री-ग्र)सपत्ना--लाः काश्री १७,११,६. गायण्या(त्री-त्रा)दि--दयः श्रापश्रो १७,१०,५; -दि त्रशां १८,३; त्रत्रभू १-३; त्रप ११2, ३, ४९; ऋप्रा १६, ११; -दिः ऋपा १८, ५; -दीनाम् उनिस् १: ६; -दीनि शुत्र १,४. गायन्य(त्री-उ)त्तरª-न्सः निस् ४,१०: ७. गायत्र्य (त्री-उ) विणग्-अनुष्ट्व-बृहती-पङ्कि--ङ्क्तयः यत्रभू ३. गायब्यु(त्री-उ)िषणग्-अनुष्ट्व-बृहती-पङ्कित- त्रिष्टुब्-जगत्य(ती-श्र) तिजगती-शकर्य-(री-ग्र) तिशकर्य (री-ग्र)ष्ट्य(ष्टि-त्र)स्यष्टि-धृति-कृति-प्रकृत्या (ति-श्रा) क्रति-विकृति-संकृत्य (ति-श्र)भिकृत्यु(ति-उ)ःकृति- -ति अयभू १. गायच्यु(त्री-उ) व्णिग्-अनुष्टुब्-बृहती-पङ्क्ति-त्रिप्टुब्-जगत्य(ती-श्र)तिजगती-शक्कर्य-(री-अ)तिशक्यं (री-अ)ष्ट्य(ष्टि-श्र)स्यष्टि-ध्स्य (ति-श्र) तिधृति- -तयः ऋत्र १,३,२; शुत्र ५,२. गायत्र्य (त्री-उ) ष्णिह्--िणही शांश्री ७.२७,३०. गायत्र-काकुभ^с- -भः ऋपा 82.8. गायत्र-च्छन्दस्"- -न्द्सः शांश्री १४, ३३, ८; ९; काश्री २५, १२, ५‡; बौश्रौ; -न्द्सम् काश्री १२,५, १६ +; - न्दसा बौध्रौ २६, १५:१०; १९;२८; द्राधी; - मन्दाः शांधी ६,८,१०; काश्री १३,१,११; त्रापश्री. गायत्र- (नि>) णिधन- -नम् निस् ३,३: २; -नानाम् निस् 3,3: 24. गायत्र-ता- -तया निस् १, 97: 3. गायत्र-त्रेष्ट्रभ-जागत- -ताः डिनस् १:३६. गायत्र-धर्म- -र्मान् निस् २, v: २२. गायत्र-पार्धd - - श्वम् द्राश्रौ ८, ४, १४; लाश्री ४, ८, १२; ८, ५,२०; २२; निस् ८,६: ७. गायत्र-बाईत°- -तः ऋपा १८, गायत्र-वत्- -वान् निस् ३.५: ‡गायत्र-वर्तनि°- -नि जैगृ १, ४:८; कौसू ५, ७. गायत्र-वैराज- -जी ऋपा १७, गायत्र-संहित- -ते चुस् १, 6: 97; 7,9: 4. गायत्र-संज्ञा->°ज्ञित- -तम् जंश्रीका १०४.

a) विप.। वस.। b) पामे. पृ १००८ m इ.। c) मलो. कस. पूप. = प्रगाथ-। d) विप.>
नाप.। वस.। e) वैप १ द्र।

गायत्रा(त्र-आ)महीयद- -वे जुस् २,९:४. †गायत्रिन्*- -त्रिणः आश्री ७, ८,३; शांश्री १८, ६,२; बोश्री. गायत्री√क्>°त्री-कारम् आश्री ७,२, १६; द्राश्री २,४,

गायन-पा ३, १, १४७^b; -नम् कागृ ३,१७; ऋप ६८,५,१३. गायन-प्रहास- -सैः ऋप ६८, ४,२.

गायमान- -नः श्रापश्री १२,८,५; बौश्री १४,१२:२५; वैश्री. ‡शायिषे श्राश्री ७,१२,७; ऋप्रा १८,२.

गीत,ता- -तः निस् २, ८: २९; नाशि १, ५, १३; १४; -तम् लाश्रौ ७, ७, ३३; ८, ५; निसू ३,८:६; पागृ; -ता आपश्रौ २१,२०, २^३+; हिश्रौ १६,६, ३९ ‡; बृदे ३, १५५; -तानाम् लाश्री १०, ९,८; निसू ६, ७: ५४; अप ६४,४, २; -तानि शंध १०५; विध ५६, २७; -तायाम् हिश्रौ १२,७,६; -ते जैश्रीका १९३; पाग २,७,४; -तौ नाशि १,५,१४. गीत-क- -कम् श्रप ७०३,३,३. गीत-कारिन् - री निस् ३, ८: 90. गीत-गान्धर्व-निस्वन-श्रप ७०१, २.४. गीत-नृत्य- -त्यम् श्रप ७०2, 9, 3. गीत-वादित-रुदिता(त-श्र)ति-

वात- -तेषु गोगृ ३,३,२७.

गीत-वादित्र-निर्घोष- -पः श्रप ₹8,9,6. गीत-वादित्र-निस्वन-त्रप ५८^२,४,१२;७१,१५,५. गीत-वादित्र-शब्द- -ब्दाः अप 68, 2, 2. गीतिन्- -ती शैशि २०९; याशि 2.62. गीति- -तिपु मीस् २,१,३४; -त्या क्षस ३, १०:४६; निस् २, ३: ११; या ६,२४; १०,५ गीति-तस् (:) निस् ५,५: ६. गीति-दोष- -पाः नाशि १, ३, 99;93. गीति-विकार- -रः लाश्रौ ७, 92,9. गीत्वा जैश्रोका ३०; १७९; १९५;

गीयमान— -ने व्यापश्रौ ५, ११, ६; १३, ८; १५,६; बौश्रौ २,१७: ३८; भाशौ. गेय— -यम् जैश्रौका ४६; ८१××; लाशौ; —यानि जैश्रौ २४:१; २;२६:९; जैश्रौका ८३;१०३; लाशौ ४,७,१. गेया(य-ब्रा) दि—निर्वोष——यु-क्त— -कै: व्याप्तिगृ २,४,६:३९.

द्राश्रौ २,१,२६××; लाश्रौ.

गैरायण- ३गिरि- द्र. गैरिक-, गैरेय- प्रमृ. १गिरि- द्र. गो^{वेर}- पाउ २,६७; पाग ४,२,४९^a; ५, १, २; गवा आश्री १२, ६, ३४; शांश्री ४,१७,१; १६,२२, १९; काश्री; गवाम श्राश्री ९,९, १४; १२, ६, ३२; ३४; शांश्री ७,१७,१७××; काश्री; या ६,

२; ९,२३‡; २४‡; गवि शांश्री प, १०,१^२; काश्री २५, २, ३; ब्रापश्री१७,१८,१‡;वौश्री; पावा ६,३,४५; ‡गवे शांश्रौ ९,२८, ५; १७, १२, ३; श्रापश्री; गवी: माश्री ३,२, ११; ३, ६; वाश्री १, ५, ३, ५; श्रश्राय ४, ४; गाः आश्रौ १,७, ८; ४,१२,३; ८,१, ८; शांश्रौ ७, १८, २xx; काश्री; माश्री ६,१,२,२६°; †या ६, २ई; १४, २५ई; गाम् त्राश्रो ३, १०, ११३××; शांश्रौ: श्रापमं १,९, १०^{‡0}; हिए १, 96, 4^{‡e}; पांवा १, ४, 9; †गावः आश्रौ १, ७, ७३; ३, 99, 4; 8, 0, 81; 4, 0, 4; शांश्रौ १, ११, १२; ५, १०, ८1××; काश्री; श्रश्र ४,२१%; या १, १७; २, ७; १७; ६, ५; ८; ३२; १०,२१; १२,७; १४, १४; १५०ँ; ‡०गावः शांश्रौ ९,२८, ८××; आपश्री; गावा या ९,३९+; +गावी काश्री ७, ८,१४; श्रापश्रौ ५, २०,११××; बौश्रौ: या ९, ३९; †गोः आश्री ३, ५, ९; ९, ८, ३××; शांध्री: या २, ६; ४, २५; ६,२; १९; २०; पा ४, ३, १४५××; गोनाम् शांथ्रौ १२, १४, ३ ; †गोभिः श्राश्रौ २, ११, ३ शांश्री ३, ७, ४; काश्री; या २, ५××; †गोभ्यः शांश्रो ९, २८, ५; बौध्रौ २८, १:२; शांग्र; गोभ्याम् हिथ्रौ ७,२,७०‡; वृदे ५,३१; गोषु शांश्री १३, २९, १६; काश्रौ ४, १५,५; ग्रावश्रौ;

a) बैप १ द्र. । b) नाप. । c) =स्तोम-विशेष- इत्यपीह द्र. । d) तु. पागम. । e) पामे. बैप १,१२५० e द्र. । f) पामे. बैप १,१८५५ h द्र. । g) सकृत् पाठः ? ।

ग

١;

3,

×:

٦;

×;

ŧ;

₹;.

या

۷,

Į;

<u>र</u>ि ९, द्राश्रो ७, ३,४³‡⁴; लाश्रो ३, ३, ४³‡²;‡गौ: याश्रौ १,७,७³××; शांश्रौ; वाश्रौ ३, २, २, १५²^b; या १,१;१२;२,५**\$**;१४**\$**.

गव^c- -वस्य श्रप ६८,२,१४. गवां-त्रत^d- -तस् द्राश्रो १२,२,५;

लाश्रौ ४, १०, ५; चुस् **१,३** : १९;२२.

गवा(व-क्र)य- -ये पावा ६,१,१२१. गवा(व-क्रा)घात- -तम् शंघ ४३१; वैघ २,१५,३.

गवा(व-श्र)जिन- -नम् काग् ५,९. गवा(व-श्रा)दि-द्चिणा- -णाम् वैगृ ३,२३: १५.

गवाहिदक्षिणा-करण— -णम् वैष्ट ३,२३ : ६.

गवा(व-स्रा)धिपत्य- -त्यम् विध ९०,११.

ावा(व-स्र)नुगमन- -नम् विध ५०, १६.

गवा(व-स्र)नृत⁶- -ते वाध १६,३४; वौध १,१०,३५.

गवाम्-अयन - नम् आशौ ११, 0,9;70;87,4,0; शांशौ १३, 72,9;87,4,0; शांशौ १३, 72,9; शांशौ २४, 73,95, 70; २४, 75,95, 70; २४, 75,95, 70; २४, 75,95, 75

बौश्री २४, १०:१८××; लाश्री;
--नेन श्राश्री १२,१,१;५,१२;६,
२२; काश्री २४,५, २; श्रापश्री.
गावामयनिक- -कः

गावामयानक- -कः काश्रौ २४, ३,१६.

गवाम् (त्र्यन-) लाश्रौ **१०,** १३,१२.

गवामयन-न्याय— -येन लाश्री १०,३,१३.

गवामयन-पक्ष- -क्षयोः काश्रौ २४,५,९.

गवामयन-प्रकृति - -तीनि काश्रौ २४,४,२; हिश्रौ १८,१,२.

गवामयन-विकल्प - न्लाः काश्रौ २४, ७, २२; द्वाश्रौ ८, १, १; लाश्रौ ४,५,१.

गवामयन-शस्य- -स्याः श्राश्री १२,५,१३;१४.

गवामयने(त-उ)त्पाद⁸ -दौ निस् १०,१२: ७.

गवा(व-श्रा)युस्- -युषी वैताश्री ३१,१४.

गवा(व-ऋ)र्थ- -थें शंघ १४४; बौध २,२,७१; विध १६,१८.

गवा(व-श्र)विक- पाग २,४,११. †गवा(व-श्रा)शिर्^h- -शिरः श्राश्री ७.६.२: हिश्री १२,६,६.

गवा(व-ग्र)श्च- पाग २, ४, ११; -श्चम् वृदे ५,६४; -श्वस्य वाघ १७,४३.

गवाश्व-प्रभृति- -तिषु पावा २, ४,११; -तीनि पा २,४,११.

गवा(व-स्र)श्वा(ध-स्र)ज-महिष-मण्डल- -लेषु वैगृ ५, १५: 94.

गवा (व-श्र) श्वा (श्व-श्र) जा (जा-श्र) विक-हस्ति-दासपुरुष-ब्रीहि-यव-माप-तिल-दण्डो (ण्ड-उ)पानच्-छत्र-कमण्डलु-याना (न-श्रा)सन-श्रयनो (न-उ)पधान- -नेः बौग्र २,११,४४.

गवा(व-थ्रा)ह्निक- -कम् शंघ ३९०. गवि(न् >)नी- पावाग ४,२,५१. गवि(गो-इ)ष् - -विषे श्रापृ १, १,४ \dagger .

†गवि(गो-इ)ष्टि^b - - ट्ये¹ आश्रौ **३,** १३,१२; आपश्रौ १९,२५,१२; - ट्रौ शांश्रौ ८,१६, १; ग्रुपा **३,** १२९¹; अप्रा ३,१,१५; शौच २,२३.

गाविष्ठिर।, छ । न प ४, १, १, १०४; -०र आश्री १२, १४,१; आपश्री २४,८,१२; बौश्रीप्र २९: २; हिश्री २१,३,११; वैध ४,५,३; -रा: बौश्रीप्र २७: ५.

. गाविष्ठिलायन- पा ४, १,१००.

गविष्ठिर-वत् श्रापश्रौ २४, ८, १२; बौश्रौप्र २९:२; हिश्रौ २१,३,११; बौध ४,५,३.

a) पामे. वैप १,१२५३ a द्र. । b) पाठः ? गोः इति शोधः (तु. कौ १,४५८) । c) स्वार्थे अच् प्र. उसं. (पा ५,४,३८) । d) =साम-विशेष- । e) मलो. कस. । f) तु. चौसं. । g) विप. । aस. । b) वैप १ द्र. । i) पामे. वैप १,९२५४ b द्र. । j) पामे. वैप १,९२५४ d द्र. । k) तु. पागम. । a0 थहः ९ इति पाठः ? यनि. शोधः । a1) यहः a2 गाविधिर- ।

शिवीडा⁸ - -डाम् वैताश्रौ ७, २; ४३,६. गवीडा(डा-श्रा)दि-श्रेष - -पे वैताश्रौ ७,२५.

गवे(व-इ)न्द्र- पा ६,१,१२४. †गवे(गो-ए)पण^b- -णः श्रप्रा ३,१, १५; -णे शौच २,२३.

√गब्य>†गब्यत् - व्यता शांश्री १८, ९, ४; -व्यन्तः शांश्री २, २०, ४³; शांश्री १४, ११, ८; ९; श्रावश्री.

१ ग(ब्य>)ब्या^b- -ब्या साम्र १,१८६‡.

गन्यु b - - च्यु: या ६,३१ ‡.

२गव्य,व्या°- पा ४, २, ५०; ३, १६०; ५, १,२; ३९; पावा ४, १,८५; -व्यः वाध्रश्री ४, ९६: ५; यय ९,७; - + व्यम् याश्री २,१०, ४; शांश्री १४, ११, ९; श्रापथ्रौ १७, १८, १; बौश्रौ; -व्यस्य मीस ८, १,१८ª; -व्या या २,५१०; -व्याः श्रापश्रौ १९, १६, १६; -व्यात् बीध १, ५, १३८; -च्यान् श्रापश्रौ २०,२२, ४; २१, २३, ४; १०; बौध्रौ; -व्यानि श्रापश्रौ २०, १२, २; बौध्रौ १५, ३७: १२; बौगु; -च्याम् शुत्र १, १८५; -व्याये बौधौ १५, २६ : १ +°; -च्ये आश्री ४, ७, ४; बौध १, ५, १३९; ऋग्र; ग्रुप्रा २,२०^e; -च्येन काश्रीसं ३६ : ९; कौगृ: २, १,४; शांग्र २, १, ५; कप्र; -व्यै: अप १,३०,२.

गव्य-घृत-पूर्ण-कुम्भ- न्म्भेन विध ९०,३. गव्य-मांस-तस्(:) ऋष ३६, १७,१.

गन्यूति^b— पात्रा ६, १, ७९; -तिः स्रापा ३,४,१‡; स्रापध १,१८, १; हिध १, ५, ७१; -तिम् बौश्रौ १८,२०: १९.

गो-अ(प्र>)प्रा^b- -प्राः श्राश्रौ ९,११,१८‡.

गो-अर्घ^b - र्घम् तैषा ११,१६‡. गो-अश्व - श्वम् बौश्रौ ११,६: ३१; १२,७:४२××; भाग्ट १,२७:८‡; -श्वाः बौश्रौ २८, ६:१५; वैश्रौ; -श्वानाम् आपश्रौ १९,६,८; हिश्रौ २३,

गो-अश्वा(श्व-त्र)वि-मिथुन- -नानि द्रागृ २,५,३.

गो-बायुस^b - -युभ्यां च्राश्रो १२, ६, २०?¹; काश्रो २४, ७, १७; वोश्रो २६, १६: ३; १८; -युषः निस् ६, ३: १६; -युषी आश्रो ९, १, ४; ११, १,११××; गांश्रो; -युषोः द्राश्रो ८,३,३५; लाश्रो ४,७, १३; ८, १,१८; गुत्र ४,१८५.

†गो-ऋजीक^b--कम् वाश्रौ ३,३, ३,९; ऋषा २,७४.

गो-ओप (श>) शा^b- -शा ऋप्रा २,७४‡.

गो-कङ्काला(ल-म्र)धिरोहण- -णम् त्राव ३६,३,१.

गों-कर्ण-वत् वेश्री ११, ८: १०;

वैग्र १,२ : ६; नाशि १,६,१३. गो-कर्णा(र्ग-त्र्या)कृति—वत् श्रामिग्र २,६,१ : ३.

गो-कुल- -ले अप ६६, ३,४; ७०^९, २३,९.

गोकुला(ल-श्र)न्तिक- -के श्रप ६६,१,५.

गो-क्षीर- -रम् शंघ ४१८; वैघ २, १५,५. गोक्षीर-कुमुद्-प्रख्य- -ख्याः

श्रप ५२, २,१. गो-गजा(ज-श्र)श्वा(श्व-श्रा)दि—

पृष्ठ- -ष्ठेषु शंध १९२⁸. गो-गमन- -ने विध ५, ४२;

५३, ३. गो-गामिन् - मी शंध ३७७:

गो-गामिन् - मी शेथ ३७७:

गो(गो-त्र्य)गन्य(ग्नि-त्र्य)र्थ- -र्थे गौध१२,२५.

गो-ग्रहण- -णे पावा ६,१,९३.

गो-ब्रास- -सम् कौष्ट ३, १५, ७; शांग्ट ३, १४,४; बौग्ट २, ११, ५७; गोग्ट ४,१,२०.

गो-न्न^b— पा ३,४, ७३¹; -न्नः शंघ ३७५; ३७७: २××; विघ४५, १९; -न्नस्य सुध ३६.

गो-चर¹- पा ३,३,११९; -रः श्रपः ७०^२, २३, १०; वाध ६,४२; -रम् वैश्रो ३,३:५; हिश्रौ १, २, १६; -राय श्रापश्रौ १,

गोचरा(र-त्रा)दि--दीनास्पारा ३,३,११९.

गो-चर्मन् -र्म वैष्ट ६, १:३ ;

a)= श्रमिन होत्री-। व्यु. ?। b) वैप १ द्र.। c) वैप १ निर्दिष्ट योरिहै कत्र समावेशः द्र.। d)= गवामयन-। e) पासे. वैप १,१२५५ d द्र.। f) °युपी स्थाम् इति पाठः ? यनि. शोधः। g) °दिवृक्षेषु इति पाठः ? यनि. शोधः। g0 °दिवृक्षेषु हित पाठः ? यनि. शोधः। g1 °दिवृक्षेषु हित पाठः ? यनि. शोधः। g2 °दिवृक्षेषु हित पाठः ? यनि. शोधः। g3 उस. उप. कर्तरि कः प्र. g4 पावा ३,२,५)। g4 = श्रमाण्-विशेष-। g5 = श्रमाण्-विशेष-।

T

गौपि १, ७, ५; -मेणा शंध ३९३. गोचर्म-मात्र,त्रा- -त्रम् आप्तिगृ १,७,9: 4; २,४,4: 93××; बौपि; -त्रा विध ५, १८३; -त्राम् अप १०, १, ८; विध ९२, ४; -त्रेण वाध २९. 94. गोचर्ममात्रा (त्र-त्र)धि-(क>)का- -काम् विध ५, 969. गोचर्ममात्रो(त्र-उ)पलिस--से वैगृ ६, १: ३. गो-चितिº- -तिम् त्रापश्रौ १७, ४, ११; वैश्रौ १९, ५: ११; हिश्रौ १२,9,84. ? गोच्छगल b- -लाः वौषि २, ३, गो(गो-त्र)ज- -जयोः काश्रौ १७, 4,94. गो-जा°- -जाः या १४,३१ . गो(गो-श्र)जा-महिषी-वर्जम् विध 48.36. गो(गो-श्र)जा(जा-श्र)श्व-सृग-पक्षिन्- - चिषु अप ६४, ८, 90. †गो-जित्°- -जित् आपश्रौ १६, १८,६; २१,४,२, माश्री ६,१, ५, ३८; वैश्रौ. गो-तर्पण- -णम् अप ४,६,५; ६९, 0,8. गो-तृप्ति- -प्तिः बौध १, ५, गोत्रप्ति-कर- -रम् वैध ३,४,४.

गो-त्र,त्रा^{0)d}- पाउ ४, १६७; पाग

८, १, २७; -त्रः अप ४८,

१०१ = निघ १,१० = नत्रम् श्रापश्री १७,२१,७१; वौश्रीप ५४: १४: माश्री १,२,५,४ %; २,१, २, २३; ३,३, ६; हिश्री १२,६,२६+; आग ४,४,१०; कागृउ ४२: २०; कौसू ४, २ ई: अप ४१, ५, २; वैध ४, १, २; चव्यू ४: २५; याशि १, १८; पा ४, १, १६२; पावा ४, १, १६३; -त्रस्य अप्रा ३, ४, १+; पावा २, ४, ६२; ४, १,८९; - † त्रा त्रापश्री ३, १२, १: भाश्री ३, ११, १; हिश्री २,६, १४; अप ४८, ७२⁶; निघ १, 9°; -त्राणाम् श्रापश्रौ २१, २, ५; ७; २४, ११, १५; १६; बौश्रो; -त्राणि सात्र २, १२०५: पि ३,६६; -त्रात् वेश्रौ ६.५: ३: हिश्रौ २,१, ५६; पा ४,१,९४; ३,८०; पावा; -त्राय वागृ ५,१३ ई; -त्रे वैध ४,१,२; पा २,४,६३;४,१,७८;८९;९३; ९८; २, १११; ८,३,९१; पावा ४,१,८९; ९३ ; - त्रेण गोगृ २, ३.१३; ४, १०; अप ४१,६,५; श्रापध १, ६, ३०; हिंध १, २, ५३; गौपि १, २, ७; ४, ९; द्रागृ १,४,५. गौत्रक- पा ४,२,३९. गोत्र-कल्प- -ल्पः जैगृ १,११: गोत्र-क्षत्रिया (य-श्राख्या >) हय- -हयेश्यः पा ४, ३, ९९; पावा ४.२.१०४. गोत्र-प्रहणा(एा-त्रा)नर्धक्य-

गोत्र-चरण- -णात् पा ४, ३, १२६; ५, १, १३४; पावा ४, 2.908. गोत्र-ज- -जैः शंध २८०. गोत्र-तस्(ः) शंध ३६१; ३६६-गोत्र-नामन् - म वैगृ १,७ : ८; कप्र ३,३,२; -मिभः कप्र १, २.७: -मानि शांगृ १,६,४. गोत्रनाम-पूर्व- -र्वम् वैग्ट 4.4:99. गोत्रनाम-युक्त- -क्तम् वैष्ट 3.99: 0. गोत्रनामा(म-आ)दि--दिना वैगृ ५,१३: १५. गोत्रनामा (म-त्र्र) नुवादा (द-ग्र)न्त- -न्ते कप्र ३,३,२. गोत्र-पूर्व- -र्वम् वैश्रौ १२, 90:90. गोत्र-प्रकृति- -तौ पावा ८, ३, 99. गोत्र-भाग-विभागा (ग-अ) र्ध- -र्धे शंध २८०. गोत्र-भाज्- -भाजः बौध २,२,३२; गौध २८,३४. गोत्र-भाव- -वे पावा ४, १, †गोत्र-भिद्°- -भित् बौश्रौ १0, २४: 99. गोत्र-मूल- -लानि वौश्रौप्र ५४: गोत्र-मैथुन'- -नः बौपि दे, ४, गोत्र-वचन- -नम् पावा ५, ३, 996. गोत्र-पंज्ञा- -ज्ञायाम् पावा ४, 9,982.

a) मलो. कस.। b) पाठः ? गौः, छ॰ इति द्विपदः शोधः (तु. बौपि १,२:१४, \mathbf{R} . च)। c) वैप १ द्व.। d) नाप. (अपरयसामान्य-, पौत्र-प्रमृति- Lपा.।) इतीह विशेषः । e) = पृथिशी-। f) विप.। वस.।

-क्यम् पावा ४,१,१६३.

गोत्र-स्त्री- -स्त्रियाः पा ४, १, 980. गोत्रा(त्र-श्रा)ङ्गिरस-वासिष्ट⁸⁷⁶-- ष्टम् अप ३,३,६. गोत्रा(त्र-श्रा)दि- -दिषु पावा ८, १, २७; -दीनि पा ८, १, गोत्रादि-प्रहण- -णे पावा ८,9,२७. गोत्रा(त्र-त्र)न्त- -न्तात् पावा 8,9,03. गोत्रा(त्र-श्र)न्तेवासि-मानव-ब्राह्मण- -णेषु पा ६,२,६९. गोत्रा(त्र-श्र)वयव- -वात् पा, पावा ४,१,७९. गोत्रा(त्र-त्रा)श्रय - -यम् गोगृ 2,90,39. गोत्रिन्- -त्रिणः श्रप्राय ३,७. गोत्रो(त्र-उ)त्तरपद- -दस्य पावा १,१,७३. गोत्रो(त्र-उ)त्पन्न- -न्नात् वैध ₹,99,₹. गो-त्व-वत् मीस् ६, ३, १२; ८, 3,96. गो-दक्षि(णा>)ण^a- -णः वौश्रौ **१**३, १:१८; २४,२९: १०. गो-दक्षिणा- -णाम् कौस् ६३, 20. गो-दशक- -कस्य विध ८,१७. १गो-दान- -नेन विध ९०,१४. गोदान-फल- -लम् विध ५९, 94; 98,90.

गोदान-सम- -मम् विध ६७,।

गो-दुह⁴- -दुहे माश्री १, १, ३, १६; -धुक् हिश्री १, ३, ३९; या ११,४३#; - ‡०धुक् आश्री ४, ७, ४°; शांश्रो ५, १०, १०; श्रापश्रौ. गो-देव-गृह-वासिन्- सी श्रामिष्ट २,७,११: १५. गो-दोह- -हात् कौय ३,१०,२१. गोदोह-मात्र - -त्रम् शंध १३२. १गो-दोहन-> 'न-काल-मात्र--त्रम् वैध ३,७,१. गोदोहन-मात्र⁸- -त्रम् शंध १३३; वौध २,१०,४४. २गो-दोहन¹- -नः पावा ३, ३, १२३: -नेन श्रापश्रौ १, १६,३: भाश्री १, १७,१२; माश्री १,२, १,८; वैश्रौ ४,२ : ९. गोदोहनी- -नीम् बौश्रौ ९, 4: 3;98;30. गोदोहन-संनेजन- -नेन हिश्रौ ३,७,३२. गो-द्विजोत्तम- -मौ शंध ४११. गो-धायस d- -यसम् भाशि ४७ +. गो-धेनु- -न्वाः श्रप १,५०,५8. गो-नामd- -मेषु मागृ १,४,१२. गो-नामन्- -म कौसू २७, २१; या ४,१९: -मिभः हिश्रौ ९, ८, ४८; द्राश्री ९, २, ३; लाश्री ३, ६, ३; गोगः; -मसु कप्र ३, ६,५^२; -मानि लाश्रौ ९,६,१७; माय १, ४, १५; निघ २, ११; . या ३,९.

गो-निर्हार-मुक्त⁴- -क्तानाम् विघ 82,981. गो-निष्काल-प्रवेश- -शयोः कप्र 2,4, 4. गो-निष्कान्त- -न्तानाम् बौध ३ €, ₹o¹. गो-न्यास-प्रमृदित- -तानाम् बौश्रौ २२,१७: १६. २गो-प1-> गोप-शौण्डक-शैल्ख-रजक-व्याध-स्त्री- -स्त्रीणाम विध ६, ३७. गो-पक्ष^{a,k}- -क्षः काश्रौ २३, ५ 39. गो-पक्षि-शब्द —वृद्धि- -द्धिः श्रप ६४,९,२. †गो-पतिd- -तये त्रापश्री ४,३,६: भाश्री ४, ५, ४; हिश्री; -तिः त्राश्रौ २,५,१७; ८,२,२१;१२, २०; शांश्री; -तिना श्रप १६.१. १३; -तिम् त्राश्रौ ६, ४, १०; शांश्रो ९, १३,१; १८, ७, १५; श्रापश्रौ १, १३, ११; भाश्रौ; -ते: कौगृ ३, ५,४^{२1}; शांगृ ३, ९,१; -ती श्राश्री ३, ११,६™; श्रापथ्रौ १,२,९; बौश्रौ. †गीपत्य^त- -त्यः गोगृ ४, ५, १७": - त्यम बौश्रौ ७,१४:२३; १४, ५: २७; -त्येन शांश्री २, १२,9: बौथ्रौ ३,८ : २४; १३: 98. गो-पदº- -दे बौगृ २,१,८º. गोपद-मा(त्र>)त्रीप- -त्रीम् श्रापश्रौ ७,५,१.

a) विष. । बस. । b) गोत्र-इत्यस्य पूर्वनिषातः उसं. (पा २, २, ३७) । c) गोप्रदा° इति जीसं. । d) वैष १ द्र.-। e) तु. त्यान. । f) = पात्र-विशेष- । कास. उप. त्यधिकरणे ल्युट् प्र. । g) निर्विसर्गः पाठः? यनि. शोधः । h) पस. > तृस. पूप. = गोमय- । i) सप्र. °सुक्तानाम् <> °निष्कान्तानाम् इति पामे. । j) = जाति-विशेष- । k) पूप. = गो प्टोम- । l) °ते इति पाठः ? यनि. शोधः । m) पामे. वैप १,१२५७ p द्र. । n) विष. प्रार्थियतीयः एयः प्र. (पा ४,१,८५) । p) = गोष्ट- । p) सप्र. गोप्दे<> गोष्ठे इति पामे. । p0 पूप. = गोशफ- ।

गो-पयस- -यः श्रापश्रौ १५, १०, १:१४,१० का बौश्रो ९,४:४: ९:२६;१०.७:५; भाश्री; -यसा बौश्रौ ९, ४: १९; १०, ८: ३; वैश्रौ १३,६:५;१८,२:७. गो-पशु- -शुः कौगृ ३, १५, ७; शांग ३,१४,३; - ग्रम् कौग ३, १०.३१; शांग २,१५,१; - श्रून बौश्रौ २१,२६: १. १गोपा-लª- पा ६, २,७८; -लः हिए १,१८,१4. गौपाल्य- -ल्यम् निस् १०, 99: 3;8. गोपाल-धानी^b-> °नी-पूला-स- पाग २, २,३9°. गो-पा(लक^d>)लिका- पाग ध, १, 8º:992. गौपालिक- पा ४,१,११२. गोपालिका (का-आ) दि--दीनाम् पावा ४,१,४८. गो-पितृ- -ता या ६,१५. गो-पीठ'- - ठे अप १,४३,५. १गो-पीथ³- पाउ २, ९; - †थाय कौसू १२७,७; या १०,३६ . गो-पुच्छ- पाग ५,३,१०७; -च्छुम् माश्री १,८, १, १४; वाश्री १, ६,१,१५; हिश्री ४,१,३१. गीपुच्छ- पा ५,३,१०७. गौपुच्छिक- पा ४,४,६. गोपुच्छ-वत् वैश्रौ १०,२: ७. गोपुच्छ-सदद्य- -शः अप २१, 2,4. गोपुच्छा (च्छ-ग्र) प्रा (प्र-त्रा)कृ-ति- -तिः श्रप २७,२,४. गो-परीष- -षात् शंध ४४८.

†गो-पोपª- - चम् आश्रौ १, १२, ३७; आपथ्रो ९,३,१; भाश्रो. गो-प्रकाण्ड- पाग २,१,६६°. गो-प्रकृति-निवृत्त्य(ति-श्र)र्थ--र्थम् पावा १,१,६१. गो-प्रद - -दः अप १६,२,१. गो-प्रदान- -नेन विध ९२,५. गो-प्रयुक्त- के वाध २९,११. गो-प्रलून- -नैः वाध १०, १०. गो-प्रवाद- -दात् निस् ७, ८: गो-बलीवर्द-महिष-धूर्या(य-अ) विक-हिंसा(सा-श्र)वाति--सौ काध २७१: ३. गो-बाल- गो-बाल- द. गो-बिडाल-सिंह-सैन्धव- -वेषु पा 8, 7, 07. गो-बीज-काञ्चन- -नैः विध ८,२२. गो-ब्राह्मण- -णम् शांग्र ४, ९, ३; श्रप ६८,२,१९; सुधप ८४:६; -णान् श्रप ४३,२,५१‡; -णाय श्रप ७, १, ९; -णेभ्यः सुधप ८४ : ६: - जेषु शंध ३९४. गोब्राह्मण-क्षय- -यः त्रप ६४, गोबाह्मण-परित्राण- -णम् शंध २५१. गोबाह्मण-शरीर- -रे सुध ५०. गोब्राह्मण-हत⁸- -सानाम् गौध 28.5. गोब्राह्मणो(ण-उ)पराग- -गं विध ६८,४. गो-ब्राह्मण-नृप-मित्र-धन-दार-जीवि-त-रच्चण- -णात् विध ३,४५. गो-ब्राह्मण-विधवा-पतित- -तेषु

श्रामिगृ ३,११,४:४३. गो-ब्राह्मण-सत-सांवत्सर-वैद्य--द्यानाम् अप ७२, ४,१. ?गोभाजशः बौश्रौ २,११: १६. गो-भू-तिल-सुवर्ण- -र्णम् श्रप 303, 3, 4. गो-भू-तिल-हिरण्य- -ण्यानि श्राप्तिगृ २,४,५ : २६h. गो-भूमि-काञ्चनः (न-श्र) ध--श्वानाम् श्रप ७०,३,२. गो-भूमि-तिल-हेम- -मानि बौध 8. v. 9h. गो-भ-हिरण्य-वस्ता(स्र-त्र) ब- -नैः अप ६९,६,३. गो-भृत्1- (> गौभृत- पा.) पाग 8, 7,04. गो-मख!- -खेन विध ३७,३५. गो-मचर्चिका- पाग २,१,६६°. †गो-मत्- -मत् श्राश्री ४, १५,२; शांश्रौ ६, ६,२;१०,८; श्रापश्रौ; -मतः श्राश्रौ १०, २, २२; श्रापश्रौ १४,३३,६; १७,२१,७; माश्री; -मता श्राधी ३, ८, १; ८,९, २; शांश्री; -मताम् कापृ ५८,१६;या ६,१७; -०मन् शुत्र ३.५९: -मन्तम् शांश्री ११,८, ३; त्रापमं; -मान् शांश्रौ ४, १२, १०; श्रापश्रौ. १गोमती- - †ती कौगृ ३, २,५; शांगृ ३, ३, १; पागृ २, १७, ९; ३, ४, ४; श्राप्तिगृ; -तीः श्रापमं १, १४, ७‡; -तीम् श्चापश्री ४, १६, १३; २०; भाश्री ४,२२,१४. रगोमती8- पाग ४, २, ८२;

a) वैप १ द्र. । b) = गोपाल-स्थान- । c) गौपालिधान-पूलास- इति पागम. । d) = गो-पाल- । e) तू. पागम. । f) = गो-स्थान- । g) तृस. वा चस. वा । h) सप्र. भूतिलिहिरण्यानि <> भूमितिलिहिरण्यानि <>

११०; -त्याम् विध ८५,४३. गौमत- पा ४,२,११०. गो-मतल्लिका- पाग २,१,६६8. गो-मधुपर्का(र्क-म्र)ई- -ई: श्रापध २,८,५; हिध २,१,१०७. १गो-मयb- पा ४,३,१४५; पाग २, ४, ३१; - • य श्रप ४२, १, ८+; -यः गोगृ २, ९, ५; द्रापृ २,३,१८; -यम् आपृ १. १७,३; ४, ४, १३; ६, ४; की गृ १, २१, ६; ५, ४, २; शांग्र; -यानि भाग २, २९: १६; न्त्रप २६, ५, ७; -ये शांश्रौ ४. १५, ५; श्रागृ १,१७, ११; श्राप्तिगृ २,६,८ : ६; गोगृ; -येन शांश्री १८, २४, २७; आपश्री १,६,५३; भाश्री; -यै: गोगृ ४. ८, १५; द्राय ४,३,३. गोमयी°- -यीः वैश्रौ २०. 99: 99; 98: 4. गोमय-गर्त- -तें वाध २१, ८. गोमय-गौरसर्षप- -पम् गौषि 2,8,94. गोमय-परिचयd- -ये कौस् १५, 9; १९.८; २२,9२. गोमय-पर्युषित^e- -ते वाध १३, गोमय-पायस- >(°यसीय*-) पाग ५,३,१०६. गोमय-पावक- पाग २,२,९8. गोमय-पिण्ड- -ण्डम् पागृ २, १,२२; भाग १, २८: ८; १९; -ण्डान् वागृ १०, १४; -ण्डे

पागृ २, १, १२; भागृ १, २८: 9; 96. गोमय-लोष्ट- - ष्टम् भाग् १, ११: ९; ११; मागृ १, ७, ९; वागृ १०,९. गोमया(य-श्र)श्नि -शिना वाध २०,४२. गोमया(य-श्र)नुलेपन- -नम् शंध ३१३. गो-महिषी-रचण- -णम् बौध २, 9,88. गो-महिष्य(षी-श्र)जा- -जानाम् वाध १४,३५. गो-महिष्य (पी-अ) जा(जा-स्र)वि (क>)का- -कानाम् सुध ३४. गो-मांस-तुल्य- -ल्यम् वैध ३, गो-मांस-भक्षण- -णैः वाध १४, गो-मात्र- -त्रम् वाध २१,२५. गो-मायु - पाउमो २, १, १; श्रापश्री ९, १२, -यवः ४; वेथ्रौ २०, १५:३; -युः त्रात ५३, २,१; ६७, ७,२; -यू कौस् ९६,१; ३. गोमायु-लोक- -काः वाध २१. गोमाय-वदनb- -ने कौस ९३,४. गो-मार्ग- -र्गात् अप १,४३,५. गो-मिथुन- -नम् श्रागृ १, ६, ४; १८, ८; मागृ १, ७,१२; वागृ; -नेन वैगृ ३, १: ७; वाध १, ३२; शंध ६७; -नी शांश्री ३,

98,90. गोमिथुन-ग्रहण- -णेन विध २४, गो-मिन्- पा ५, २,११४; पाग ४,१,११०¹; -मिनः श्रप ५७. ३, ४; -मिनाम् अप ५८९, ४. ४; वाध १७,८. गौमायन- पा ४, १, ११०; -नाः बौश्रौप्र ४१: १५. गो-मुख्र - पा ६,२,१६८; - एव कागृ १७,२; वागृ १३,४. गो-मूत्र- पागवा ५, ४, ३; -त्रम् श्रामिगृ २,७,७:६;१३; कागृ ७,३; श्रव; -त्रस्य माश्री५,१,६, ३९;९,२५; वाश्री ३,३,२,२२; -त्राः वौश्रौप्र ४३ : ६^४; -त्रे वौध १,६,३८; ४,६,५; -त्रेण बौध्रौ २९,११:२; बौष २,८,७: कौस् ४१,१९; विध ५०,२२. गोमूत्र-क1- वा ५,४, ३. गोमूत्र-गोमय-क्षीर-द्धि-सर्पि:-क्रशोदक- -कानि विध ४६, १९; सुध ६४. गोमूत्र-गोमया(य-त्रा)हार-> °रिन्- -रिणः वैध १,९,४? m. गोमूत्र-भाग- -गः बौध ४, 4,93. गोमूत्र-मिश्र- -श्रेण काश्रौ २५, 99,90. गोमूत्र-यावक- -कम् शंध ३९०; ४२३. गोमूत्र-वर्णक"- -काः अप ९,

a) तु. पागम. । b) = गो-पुरीप- । c) विप. (।गोमयसंमिश्रिता- । २श्रप्-) । d) उप. = राशि- e) उप. = उपलिप्त- (तु. श्रापध १,९,५) । f) महिषाजा॰ इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. वाध १४,३५) । g) = श्रुगाल- । विप. (मएड्क- ।कौस्. ।) । h) उप. = रुत- । i) व्यप. । j) = वाद्य-विशेष- । उपमाने वस. । k) = ऋषि-विशेष- । l) = ।गोमूत्र-वर्णक- । श्राच्छादन-विशेष- । ॰ मूत्रिका- इति पागम. । m) ॰ मयहा॰ इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. C.) । n) विप. (तिल.) । वस. ।

गोमूत्रा(त्र-म्रा)दि- -दि वौश्रौ २८,११: १८; २९,११: १६; २०; -दिभि: वौध ४, ५,१६; विध ४६,२०.

गोमूत्रै(त्र-ए)क-पल- -लम् स्राप्तिगृ २, ७, ७:१०; श्रप ३८,२,१.

नो-मृग⁶ - नः त्राश्री १०, ९, ५; शांश्री १६; ३, १३; १२, १२; श्रापश्री १९, १६, १६; वौश्रो २६, ११: ५; वाश्री ३,४, ३, १२; -गम् श्रापश्री २०, २०, २; वौश्री १५, १४: १३××; माश्रो; -गस्य † श्रापश्री २०, १९, ३^२; ९; काश्रीसं २६: २; वौश्री १५, ३०: २५ × ४; वाश्री.

गोमृग-कण्ठ- -ण्ठम् श्रापश्रौ २०,१९,११; वौश्रौ १५,३१: २५; हिथ्रौ १४,४,३५; -ण्ठेन बाधृश्रौ ३,९६:४; -ण्ठेन श्रापश्रौ २०,२२,१; वौश्रौ १५,३४:७; २४,८:१५; वाश्रौ ३,४,५,१३; हिश्रौ १४,४,

गोसृगकण्डा(गठ-स्र)इव-शफ- -फयोः काश्रौ २०,८,१. गो-मेध- -धेन वाधृश्रौ ४,१९ः ३१.

गो-यज्ञ - -ज्ञः पाय ३, ८, १५; -ज्ञस्य काय ७१,१; -ज्ञे गोय ३,६,९; -ज्ञेन पाय ३,९,२; गोय ३,६,१२.

गोयज्ञ-कर्मन् - र्मणः कप्र ३,७,

वैप४-तृ-३३

८; -मंणि कप्र ३,७,१.
 गो-यवागू - -ग्वोः पा ४, २, १३६.
 गो-यान - -ने विध ५३,४.

गो-युक्त- -क्तम् गोग्र ३, ४,३०; द्राप्ट २,५,१४; ३,१,२०; -क्तानि हिश्रौ १३,१,३१; -क्तेन ख्राप्ट ४,२,३.

गोयुक्ता(क्व-स्त्रा)रोहण - -णम् गोयु ३,१,२२.

गो-युग°- पावा ५,२,२९; -गानाम् वौश्रौ २२,६: १; -गेन माश्रौ ६,१,६,७.

गो-रक्षक- -कान् वीध १,५,

गो-स्थ- -थैः वाधूश्रौ ३, ७५: १३.

गौ-रस^d - -सम् वैध ३,५,२; -सस्य शंध १८३; -सैः विध ५०, २३: ९०,२५.

गो-रूप- -पम् कौस् ११३,२‡. गो-रोचन⁶- पाउतृ २,७८.

गा-राचन°- पाउन्न र,७८. १गो(गो-ग्र)र्थ- -र्थम् पावा ७, २, ११५.

२गो(गो-अ)र्थ- >गोर्थिन्- -र्थी अप १,४३,५.

गोर्-द्वादशाह'- -हः चुसू २, १६:

गो-लाङ्गल- -लानाम् श्रव ७०^२,

३, १. गो-लोक- -कः जैश्रौका **१७**९; -कान् विध ९२,६.

गो-लोमन्-(>गौलोमन- पा.) पाग ५,३,१००. गो-वत् गौध १३, २१.

गो-वध- -धः बौध १, १०, २३; -धे शंध ३९४; विध ५०,

38.

गो-वराह-श्व-सर्प-मण्डूक-मार्जारा-(र-२आ)य- -द्येः वैगृ ६, १: १६.

गो-वर्चस*- -सम् गो २,३४. गो-वर्जम् शंध ४०८; गौध २२,

शो-वशा- -शाम् वौश्रौ ११, ३: ३०.

गो-वस्त्रा(स्त्र-श्र) जा (जा-श्र)वि---वीनाम् काश्री १४, २,२९.

गो-वर्षज-यज्ञ- -ज्ञयोः कप्र **३,** ७.७.

गो-वाट^ड – -टे अप ६६,१,५. गो-वा, वा^b]ल – -लेन हिए **२,** ९,७;-ले: कप्र १,७,७; वाघ **३,** ५४; शंघ १८३; वीघ १,६,

४१; विध २३,२८; सुध ३३?1. गोवाल-रज्जु - - ज्ज्वा बीघ १, ५,३१; सुधप ८७: १३.

गो-वासन¹- (> गौवासनि-(क>)का,की- पा.) पाग **४,** २, ११६.

गो-विकर्त¹- -र्तस्य श्रापश्रौ १८, १०,२०^{‡*}.

गो-विकर्तृं 1 - >°कर्त्र (र्त्-म्र) क्षा-वाप- -पौ हिश्रौ १३,४,८.

†गो-विद् - - वित् साश्र २,३ • ५; ३२९; - विदम् शांश्री १२,

गो-विन्द - पात्रा ३, १, १३८;

a) वैप १ द्र.। b) पूप. = शक्ट-। c) पस.। पात्र. = प्रत्यय-विशेष-। d) = दुम्धादि-। e) = श्रोषधि- विशेष-। f) = याग-विशेष-। g) उप. = मार्ग-। h) विध. पाठः। i) गोपळैः इति पाठः? यनि. सोधः (तु. विध.)। j) = प्राम-विशेष-। गोधाशन- इति पाका., गौवासन- इति [पक्षे] पागम.। k) पामे. वैप १, १२५९ ० द्र.। l) = गो-विकर्त-।

-o=c केंश्रीका १११+; विध १,५९: - १न्दम् आग्रिय २,५, ७: ९; बौग्र १,११,७; वैग्र ३, १३ : ४\$; बौध २,५,२४. गो-विप्र-पित्-देव- -वेभ्यः बौध ४, 4, 4. गो-विप्रो(प्र-उ)दका(क-श्र)ग्नि-वाय्व (यु-श्र)क-तारे(रा-इ)न्दु - -न्दून् वैध २,९,४. गो-विराड्-अध्यात्म-देवता-> °त्य- -त्यम् श्रश्र ९,१०. गो-विषाण- -णात् अप ६४, ८, गो-विसर्गb- -में अप ६८,२,५९. गो-वीथी°- -थी, -धीम् श्रप ५०, गो-बन्दारक - पाग २,9,६2. गो-वृष- - षः गौध २८, ५; - षम् श्रप ३०२, २, ७; ६८, २, ₹8. यो-व्रज- - जे विष ६०,१९. श्गो-व्रत- -तम् विध ५०, २४; 43, 3. २गो-वत°- -तः हिश्रौ १७, ५, गो-व्यच्छि(न्>)नी - -नी श्रापश्री १८, १०, २३; हिश्री १३, ४, 90.8 गो-शकृत्- -कृत् वैय ३,२३ : ३; बौध १,६,३६. गोशकृत्-सुवर्णा(र्ण-अ)पो(पः-अ)

गोशकृद्-मृद्-भस्मन्- -स्मभिः वौध १,५,२६1. गोशकृद्-युक्त- -के वैष्ट २, 4:6. गो-शफ- -फः श्राश्रौ ८, ३, २३; शांश्री १२, २३,३; वैताश्री ३२, २५: -फे शांश्री १२, २४, २+; लाश्रौ ९,१०,५. गो-शब्द- -ब्दः ऋत ३,२,९. गो-शरण्य- -ण्यम् वाध ६,३०. गो-शान्ति- -न्तिः श्रप ६६, ३, ३; -िन्तम् अप ६६, १, ३; -न्तेः श्रप ६६,३,३. गो-शाल, ला- पा ४, ३, ३५1; -लाम् कौस् २४,१०;८१,२८. गो-शिरस- -रः वाश्रौ २, १, ७, 99. १गो-श्रङ्ग- - इम् अप ३६, २९, १; -क्नेण जैय २, ५: १३; कौसू ३१,६; अप ३६, ११, १; शंध १७८. गोश्टइ-तस् (:) अप ३६,३,२. २गो-श्रङ्ग^k->गौश्रङ्ग¹- -ङ्गम् जुस् ३,१०:४३; लाश्री७,२,१. गौश्क-सञ्जय--ययोः लाश्रौ ६,१०,१११m. गौश्दङ्ग-हारायण-कौल्मल-बर्हिप-वैतहब्य--च्यानाम् लाश्री ७,२,१३. गो(गो-अ)ध-पुरुष-भूमि- -मिप् गौध १३,१६.

गो(गो-ग्र)ध-वाल-वाल"- -लेक काश्री १९,२,९. गो(गो-श्र)धा(श्व-श्र)जा(जा-श्र)वि--वयः वौध २, २, ९; -वीनाम् कौसू ६९,१६. गो(गो-अ)धो(ध-उ)ष्ट्-गजा(ज-अ) पहारिन्- -री विध ५,७७ गो-(<स)ष°-> °प-तम- -माः ऋप्रा ५,३० न. गो-पा(< सा)º- -षाः अप्राय ६,३ . गोषु-चर- -रे पावा ६,३,१. १गो-पू ।,सू ।क- -कै: कीगृ ४, 9.8P. गोपूक्तिन् a- -की सात्र १,१२३:. 928;362;363; 2,884. गौपूक्त - कम् लाश्रौ 19, 7,9. २गोपूL,सू]क्त8- -क्तम् जेश्री २२: १६; निस् ८, ९: ३३; वाध २८,१४; शंध १०५; विध ५६,१८; -केन श्रापश्रो ६,१९, 9. गोपूक्ता(क्त-श्र)श्रसूक--क्ते जैश्रौ २२: १५; निस् १०, 93: 9. गोपूत्तय(हि-श्र)श्वसूक्तिन्--िक्तनो ऋग्र २, ८, १४; साग्र १, २१२; श्रश्र २०, २७; ६१;

€8;90 €.

गो-ष्टो L,स्तो ! मº- -मः हिथी १८,

प्रि-गोरसर्षप - -पान् बोपि ३, । गोध १३,१६. । ४,३२; लाश्रो १०,१६,१; a) ब्यप. (पुरुष-)। b) = रात्रि-याम-विशेष-। वस.। c) = आकाश-मार्ग-विशेष-। d) तु. पागम.। e) विष.। बस.। f) नाप. (।गो-हन्त्री-] रज्जु-)। उस. उप. $\sqrt{}$ व्यच्छ [ब्यथने]। g) व्युच्छ इति पाठः?। h) व्यतिलान् इति R.। i) कृद्भ इति मैस्.। j) = गोशाल-जात-। k) = ऋषि-विशेष-। e3.?। e4) = साम-विशेष-। e7) गो॰ इति पाठः? यिन. शोधः। e8) दस. e9 पस. उप. e9 पतित्रापः। e9) वैष १ द्र.। e9) वैष १ द्र.। e9) विष्यः। e9 इति पाठः। e9) विष्यः। e9 पुरुष्यः। e9 पुरुष्यः।

त्त्र २,१६:१४; -मम् आपश्रौ २३,१२, १८; -मे लाश्री १०, १६,१; ६; -मेन श्रापश्रौ २२, १३,२२; हिथ्रौ १७,५,४२. गोस्तोम-भूमिस्तोम-वनस्पति-सव8- -वानाम् आश्री ९,५,२. गो-ष्ठb- पा ८, ३, ९७; -ष्ट: द्राश्रौ ८.४.१३; लाथी; - + एम् काथी ८.४.४; श्रापश्री; - एस्य श्रापश्री १५,१९,१०; भाश्रौ; -ष्टाः मागृ २,१८, २ ; - ष्टात् वौश्रौ २६, ५:२७१व: वाधौ१,४,२,८; त्रागः; - † छे शांश्रो २,११,६; श्रापश्रो ७. १७. १××; बौश्रौ; श्राय २, १०,६°; कौसू ८९, १¹; - † छेन कौस १९,१४; अप १६, १,६; - १ छेषु हिश्री १७, ६, ३८; अप ४, ६, ५; ५८2, ४, ४; ६९, 0,8.

१गोष्टी- पा ४,१,४२8. गोष्ठ-कर्मन् - -र्माण कौसू १९, 98. गोष्ट-क्षेत्र-परिष्कन्द्^b- -न्दाः बौध ३,१०,१३. गोष्ठ-गत,ता- -तम् बौध १, ५, ५५; -ताः कौगृ ३,५, ७; हिंगू १,9८,४. गोष्ट-ज- फि ७०. गोष्ट-देवताक1- -कम् अस ३, गोष्ट-मध्य- -ध्ये अप २६,२,३; ६६,१,५. ?गोष्ठवतीय- -यम् श्रपं २:

गोष्ट-श्व- पा ५,४,७७. गोष्टा(ए-त्रा)दि- -द्यः पावा 4.2.39. गोष्टीन- पा ५,२,१८. गोष्टे-क्ष्वेडिन् -, °नर्दिन्-, °पद्-, °पण्डित-, °प्रगल्भ-, °विजित- > °जितिन्-, °च्याड⁸-, °शूर-पाग २,१,४८. गोष्टे-शय- -यः शंध ३९३. गोष-पद1- पाग ६, १, १५७8; -दम् ऋत ४, ६, ९; पा ६,9, १४५; -दे स २,४. गोज्यद्-मा(त्र>)त्री- -त्रीम् हिश्री ४,१,६३. गो-संस्तव- -वे शांश्री १४,११,९ गो-सिंख - - खायम् ऋपा ५,२७ = . †गो-सनिb- पाग ८,३,११०; -नि तैप्रा ६, १२; -निः श्राश्री ६, १२,२;११; शांश्रौ; -निम् कागृ ३२, ३; अप ४६, ५, २; अप्रा 3,9,0. गोसन्या(नि-आ)दि- -दीनाम् शौच २,१०३. गो-समानाक्षर-नान्त- -न्तात् पावा 3,9,6. गो-समास-निवृत्त्य(ति--श्र)र्थ--र्थम् पावा १,२,४८. गो-सवb- -वः काश्रो २२, ११,६; श्रापश्रौ २२, २५, १८; बौश्रौ; -वस्य शांश्रौ १४, १५, ६; -वे शांश्रौ १४, ११, १०; श्रायः; -वेन शांश्री १४, १५, १; गो-अग्र- प्रमृ. गो- इ.

आपश्रौ. गोसव-विवध- -धी श्राश्री ९. 2.92. गोसव-विवध-वैश्यस्तोम- -मेषु वैताश्रौ ३९,१०. गोसवा(व-श्र)भिषेचनीय-·ययोः वैताश्रौ ३९, ४. गो-सहस्र- -सम् अप १६, २, ३; ४××; शंघ ३७९; ३८२; बौध १,१०,२१; सुध ४८; ५९. गोसहस्र-प्रद- -दः श्रप १६. ٦, २. गोसहस्र-विधि"- -धिः श्रप 28,9,9. गो-सादु-,गो-सादिन्-,गो-सारथि-पा ६,२,४१. गो-स्तेन- -नाः श्रप ५०,५,२. गो-स्त्री- -स्त्रियोः पा १,२,४८. गोस्त्री-जनमन् -नम अप ६७, 3,2. †गो-स्थानb- -नम् श्रापश्रौ २, १, ५; बौध्रौ १,११ : ८;१३; १८; भाश्री. गो-स्थायिन m- -यी अप ५०,६,9. गो-रपर्शन- -नम् श्रप ६८,२,६१. गो-स्रोतस"- -तांसि कप्र ३,१०,२. गो-स्वामिन् - मिने काश्री १५,६, गो-हन्तृ->°न्तृ-ब्रह्मोज्झ-तन्मन्त्र-वृद्-अवकीर्णि-पतितसावित्री**क**--केषु गौध २१,११.

गो-हर्न- -र्ता शंध ३७७ : १७.

c) = L तत्स्थ-] रक्षो-विशेष- (तु. Knauer) 1 b) वैप १ द. । a) एकाहविशेषाणां द्रस. । e) पांभे. वैप १ परि. गों हे खि ४, १२,२ टि. इ.। f) पांभे. वैप \P d) गी° इति पाठः ? यनि, शोधः। लोके मा १९,४६ टि. इ.। g) तु. पागम.। h) परिष्कन्द- = देवालय-। i) विप. । बस. । j) बस. । उदकमाने (ऋत.), सेवितासेवितप्रमारोषु (पा.) सुङ् श्रागमः । k) = परिशिष्ट-प्रन्थविशेष- । ℓ) पामे. वैप १, १२६१ f इ. । m) उस. पूप. = रश्मि-। n) पस.। उप. = छिद्र-।

गोकश्न - पाग ४,१,१०५; १५४b. गौकक्षायणि- पा ४,१,१५४b. गौकक्ष्य- पा ४,१,१०५; पाग ४, १,८०°;१५४; पावाग ४,१,७९. गौकक्ष्या- पा ४,१,८०; पावा 8,9,09. गौकक्षी-पति-, °पुत्र-पागम 30. गौकक्यायणि- पा ४, १, 948. गोख- गोखा- टि. इ. गोखा"- पाग ४,१,५६°. गोज-वाज- गज-वाज- टि. इ. गोण'->गोणी'- पा ४,१,४२; ५, ३.९०: पाग ५,३,१०८: -ण्याः पा १,२,५०; पावा १,२,४९२. २गौणिक- पा ५,३,१०८. गोणी-त(र>)री- पा ५,३,९०. गोत्- गो- इ. गो-तम - पा, पाग २,४, ६३h; ६५; -मः शांश्रौ १४,६१,१; ६३,२; ऋग्र २,९,३१;६७; बृदे; -मस्य शांश्री १४,६१,१;१५,१,८;१६, ३, ७: -माः शांश्री ६,४,१ +; बाश्री ४,७,१५; बृदे ४,९८; पा २.४.६५: -मात् वृदे ३.१२५; -मानाम्¹ आश्रौ १२,११,१; -मे बृदे १,५८; २,१२९; ऋपा २, ६३: -मेभिः शांश्री १४,

40,947.

गौतमध- पांग ४, १, ४१;

- • म आश्री १२, ११, १^६; ३;

श्चापश्री २४,६,११;१३; बौश्रीप्र

१०: ६××; हिश्रो; -मः आश्रो १, ३, ३३××; त्रापश्रो; -मम् द्राधौ ८, २, २३; लाधौ ४, ६, १६; वैग्र; -मस्य बौश्रौ १८, ५२: ११; द्राश्री १, ४, १७: लाश्री १, ४, १३; -माः त्रापश्रो २४,६,१०××; वौश्रो; निस् ५,१०:१२१1; -मात् ऋग्र ३.२१: -मानाम् बौधौप्र १६: ५; -माय आमिय १, २, २: १६; २१; बौगृ; -मे लाश्रौ 20,8,5. गौतमी- पा ४,१, ४१; ७३; -मी श्रप १,३,१. गीतम-धानञ्जयय- -य्यौ लाश्रौ ६,३,६; ७,१०,९; ९, ३, १४; १०, २, ७; निस् ३, २: २४; ४: ९; ४,9:४. गौतम-पुत्र- -त्रस्य चात्र 4: 2. †गीतम-व्याणk- - •णदाश्री १,३,३; लाश्री १,३,१. गौतम-भरद्वाज- -जौ शुश्र 8,996. गौतम-भारद्वाज-याज्-वल्क्य-हारीत-प्रभृति--तीनाम् वैध १,९,२, गौतम-वत् वैध ४,४, १-७1. गौतम-वार्कखण्डि - ण्डी गोगृ ३,१०,६. गीतम-शाण्डिल्य- -ल्यी द्राश्रौ २,३, १६××; लाश्रौ १, ७, १४; ३, ९, २; ४, २, ३;

कप्र २, ८,२१. गौतम-शाण्डिल्यायन- नौ द्राश्री ५, ३,२; लाश्री २,७,१. गौतम-सार्ज्ञगव- -वौ लाश्रौ ७, ९, १ ३. गौतमे(म-इ)च्छा- -च्छायाः वेध ४,८,८. गौतमीय- -यम् दाश्रौ १. ४,४; २,३,२०; लाश्री १,४,२: ७,१८; ९,९,२; गुत्र ४, १६२: -ये द्राश्री २,१,२५; लाश्री १, ५,१९; -येन लाश्रो ८, २,२०. गौतमि- -मिम् शांग् ४,१०,३. गोतम-गौर- पाग २,२,३८m. गोतम-चतुष्टोम- -मयोः आपश्रौ २०,९,१२; हिश्रो १४,२,४२. -माभ्याम् आपश्रौ २२, ११, १५: हिश्रो १७.५.८. गोतम-वत् आपश्रो २४, ६, ११1; १३; बौध्रौप्र १०: ६1; ११: ४××: हिश्रो २१,३,९^{२1}. गोतम-स्तोम"- -मः आश्रौ १०, ४, १; ८, २; -मम् आश्रौ ९, ६,१; -मेन श्राश्रौ ९, ५, १४.. गोतमा(म-आ)दि-कप्र ३,७,१४. गोतमाद्य(दि-उ)क्त- -क्तः कप्र 2,8,6. गोत्र- प्रमृ., १गोत्व- गो- इ. २गोत्य- पाउना ४,११६. गोद- पा,पाग ४,२,८२. गोदन्त°- (>गौदन्तेय-पा.)पाग 8,9,923.

 $a)=\pi$ षि-विशेष-। ब्यु. ?। b) तु. पासि.। गोकक्ष्य— इति पागम., गौकक्ष्य— इति पाका. भारा = गौकक्ष्य— इति पिक्षे]भाष्टा.। c) गौळक्ष्य— इत्यपि पाका.। d)= पश्चन्न-विशेष-। ब्यु. ?। e) गोळ- इति पागम.। f)= धान्याद्यावपन-।शार्ण-कोष- प्रमु.]। ब्यु. ?। g)) वैप १ द्र.। h) तु. पागम.। i) बहु. < गौतम—। j) पाठः ? गोतमाः इति कोषः (तु. संस्किनुः टि.)। k) वैप २,३ खं. द्र.। l) सप्र, गौतमवत् < शोतमवत् इति पामे.। m) गौतमगौर— इति [पक्षे] पागम.। n) = क्रनु-विशेष-।

१गो-दान-गो- इ. श्गोदान - पावाग ५, १,९४; -नम् गोध¹- -धान् श्रप ५०,२.४. काश्रौ ५, २, १४××; त्रापश्रौ; -नयोः बौश्रौ २५, १०: २; -नस्य कौगृ २, ७, १५; -नात् पागृ ३, ६,२; -ने गोगृ १,९, २४: द्रागृ २, ५, १: -नेन कौसू 48,94. गौदानिकb- पावा ५, १, ९४; -कम् आगृ ३, ८, ६°; -कैः काय १७,१. गौदानिक-वातिकौ(क-श्रौ) पनिषद- -दाः जैगृ १,१६:१. गोदान-करण- -णम् जैगृ १, 96: 3. गोदान-कर्मन् -मं कौगृ १, २१, १७; शांगृ १, २८, १९; श्राप्तिगृ २,२,५: २१; हिग् २, ६,१५; -र्मणः भागृ १, ९: १३; १०: १२; -मिणि कौंगृ १, २१, १६; शांगृ १,२८,१८. गोदान-व्रत- -तम् त्रापगृ १६, गोदान[,निक^d]-बातिका (क-श्रा) दित्यवती (त-ग्रौ)पनिषद-ज्ये [,ज्ये व] एसामिक- -काः गोगृ ३,१,२६; द्राय २,५,१७. गोदाना(न-त्र्रा)दि- -दि गौध २, 94. गोदानिकb- -कः मागृ १, २१, 93. गोदावरीº- -र्याः पावा ५, ४, ७५;

-र्याम विध ८५.४२. श्गोधा - पाग ३, १,२७; ३,१०४; ४,१,१२३; -धा श्रप १,३०,२; ६८, ५, ८; बृदे ६, १०६; ग्रुपा ५,३७‡; श्रप्रा ३,४,१‡; -धाम् विध ४४, २९; -धायाः वैश्रौ १८,१९: २९; -धायाम् बौश्रौ 2.4:01. गौधार- पा ४,१,१३०. गौधेंय- पा ४, १, १२३. गौधर- पा ४, १, १२९. गोधा-कच्छप-इवाविट्-छ(<श)र्यंक | .शल्यक^b]-खड्ग-शश-पूति-L,तीक] खप-वर्जम् आपध १, १७,३७; हिध १,५,६८. गोधा-प (द>) दी- पाग ५, ४, 938. गोधा-वीणा-(क>) का1- -काः काश्रौ १३,३,२१. गोधा-शलभ-श्रव्यक-मत्स्य-कूर्म-शिश्रमार- -राणाम् सुध ३९. गोधो (धा-उ)ऌक-काक-झष-वध--धे विध ५०,३२. श्गोधा!- -धा ऋत्र २, १०, १३४; बृदे २,८२; सात्र १, १७७; २, गोधाशन- (> गोधाशनिक-) गो-वासन- टि. इ. ? गोधुकसा- -सा अप ४८,१३९ ई. गोधूम 8- पाउ ५,२; पाग ४,३,१३६; १५२^k; -मम् काश्रौ १४, ५,९;

बौश्रौ २२, १३: १८; -माः श्रापश्री १६, १९, १३; बौश्री; -मान श्राज्यो ३, ३; -मानाम् हिथ्रौ १७, २, १८; -मैः विध 60.9. गौधूम8- पा ४,३,१३६; १५२; -मम बौश्रौ २२, १३: १५; भाशि ५२ . गोधूम-चपाल1- -छ: काश्रौ १४,१,२२. गोधूम-कलापि, पी^m- -पिः शांश्रौ १४,४१, ८; -पी श्रापश्रौ १८, १.८: -पीम् बौश्रौ ११,१: ५; 2:90. गोधूम-कुवल-चूर्ण- -र्णान काश्रौ १९,२,१७. गोधूम-खल- -लः शांश्रौ १४, ४१, गोधूम-चपाल¹- -लः" शांश्रौ १५, १,१६; वैश्रौ १७,४ : ६. गोधूम-पिष्ट- -ष्टानाम् गौश्रौ २२, १३ : १८; वाश्री ३, १, १, ४; -है: हिश्रौ १४,४,१८. गोधूमपिष्ट-चपाल1- -ल:" श्रापश्रौ १८, १, ८; हिश्रौ १३, 9, 0. गोधूम-सक्त्- - वतुभिः आपश्रौ १९,७,१; माश्री ५,२,११,१६; वाश्री ३, २,७, ६३; हिश्री २३, 9,24. गोधूमो(म-उ)र्वरा- -रा शांश्री १४,४१,६; हिश्री १७,२,१८.

 $a)=(गावः \lfloor केशाः \rfloor$ दीयन्ते $\lfloor < \sqrt{1}$ श्रवखण्डने। श्रव) शिरोभाग-, $\lfloor \frac{1}{4}$ केशसमूह- (तु. काश्रौ. प्रमृ.), = L तद्धिकृतकर्मन्-] संस्कार-विशेष-। b) विष. । तदस्य प्रयोजनिमत्यर्थे ठल् प्र. (पा ५, १, १०९) पक्षे वृद्धयभावश्च उसं. (पा ७, २,११७) । c) विप. । तस्येदमीयः प्र. । d) गोगृ. पाठः । विशेष- । व्यु. $(i) = \hat{c}$ श-विशेष- । व्यु. $(i) = \hat{c}$ श-विशेष- । $(i) = \hat{c}$ श-विशेष- । ह्रस्वे प्र.। पूप. = गोधा-चर्मन् । j) =ऋषिका-विशेष-। व्यु. l। k) तु. पागम.। l) विप.। बस.। m) उप. = मुष्टि-। n) सप्र. गोधूमच $^{\circ}$ <> गोधूमिपष्टच $^{\circ}$ इति पामे. ।

गोनर्त- (>गौनर्तिक- पा.) पाग 4,9,588. श्गोप- √गुप् इ. २गो-प- गो- इ. अगोपb- -०प वेताश्री १०,१७ . गौपायन°- -नः सात्र १,४४९-५०; २,४५९; -ना: 邪羽 २,५,२४; वृदे ७,९०; -नान् ऋग्र २,१०, ५६; वृदे ७,८७; ९७; -नानाम् निस् ९, ९: २६; -नै: बृदे ७, 900. श्रगोप^d. °प > पा-गिरि- ऋत ४, v.90. गो-पथ^e- -थः अप २८, १, २; अश्र १९,६५:४७: -थात् अप ३१, १०,५: -धेन अप २७,२,५. गोपथो(थ उ)क्त- -क्तैः अप २०, गोपन-, गोपयत्य- √गुप् द्र. गो-पयस्- गो- इ. गोपवन⁸- पाग २,४,६७;४,१,१०४; -न: 宋羽 २, ८, ७३; साअ १, २९;८९; -नाः^b बौश्रौप्र २७:८. गौपवन- पा २, ४,६७; ४, १, 908. गोपवना(न-श्रा)दि-प्रतिषध- -धः पावा २,४,६७. †गोपा^ह- -पा श्राश्रौ ८,१०,१; श्रापमं १, ७, ११; श्रप्रा २, २, १३^२; -पाः श्राधौध,१२,२;१३,७××;

शांश्री; या ३,१२; ७,९ई; १२, |गोफि।,भि।ला,लि।क^k-(>गोफि-३८: -०पाः श्रापश्रौ १२,३,२; हिथ्री ८, १, ४१: -पाम् त्राश्री ४,६,३; श्रापश्री; या १४,३. गोपानसि'- पाउभो २, १,२३८. गोपार्यत्- प्रमृ. 🗸 गुप् इ. १गो-पाल- गो- इ. २गोपाल⁸−> गौपालायन⁸− -नः बौश्रो १८,२६: ७;१५. गोपालि!- -िलः बौधौप्र ४८: २. गोपि¹- -पयः वौश्रौप्र ४८ : ५. गोपिका - (> गौपिक- पा.) पाग 8,9,9924. गोपिल- (>गौपिलेय1- पा.) पाग 8,2,60m. १गो-पीथ- गो- इ. †श्गोपीथ - -थः अप्रा ३,४,१. ‡३गोपीथ⁸- -थाय त्रापश्रो १, २०, ११; बौश्रौ १, १४: १९; वाश्रौ १,२,४,३०; हिश्रौ १, ५, २०; बौगृ १,७,३६. गोपीध्य8- -ध्याय ऋप्रा ८,४७. गोपूर"- -रे अप ७०३,११,२६. गोपुरा(र-श्र)द्वाल-शैल-प्रासाद-वेरमन्- -रमनाम् अप ६४, 3,5. गो-पुरीष- प्रमृ. गो- इ. गोप्तृ-, गोप्त्री-, गोप्य- √गुप् इ. गोफिल- (>गौफिलेय-) गोपिल-टि. इ.

[,भि]ल[,लि]क- पा.) पाग **४,** 9,9920. गोवल!->गोवल-दशरात्र-बौश्रो २३,१३: ८. गोभिल^{1/p}-(>गौभिलेय- पा.) पाउभो २,३,१०८; पाग ४,२, ८०^m; -लाः^व बौश्रौप्र ४३: ४: -लेन कप्र ३,७,६. गोभिल-गौतम- -मौ कप्र २, ८, 28. गोभिलो(ल-उ)क्त- -क्तानाम् कप्र 8,9,9. √गोम् पाधा. चुरा. उभ. उपलेपने. गोमठ-(>गीमठिक-), गोमय-(>गौमथिक-)२गोमय- टि.इ. १गोमय- प्रमृ. गो- द्र. २गोमय- (गौमयिक¹- पा.) पाग. 8,2,601. ?गोमहः मैत्र १. गोमहिपी- प्रमृ. गो- इ. गोर- (>१गोर- पा.) पाग ५, ४, 3 ca. गो-रथ- प्रमृ. गो- इ. ?गोर्मायुक¹- -कस्य चात्र ४०: गोल⁵->गौलायन- गोलाइ- टि. गोल-वत् अप ५८१,२,९;४,९. गोलकt- -कः वैध ३, ११,४º; -काः

b) वैप १, १२६१ s इ. । c) अपत्ये फक् प्र. उसं. (पा ४, १,९९)। a) तु. पागम.। d) = पर्वत-विशेष-। e) = [श्राधर्वण-] ऋषि-विशेष-। व्यु. ?। f) = [तत्प्रोक्त-] ब्राह्मणप्रन्थ-विशेष-। g) वैष ? h) बहु. < गौपवन-1 i) = सौधाप्र-छिदस्-1 व्यू. ? < $\sqrt{1}$ प्प वा गो-+ $\sqrt{1}$ पा [पाने] इति वा श्रभा. । j) = ऋषि-विशेष- । व्यु. (l-k) व्यप. । व्यु. (l-k) = देश-विशेष- (l-k) । (l-k) गोहित-, गोहिल-इति पाका., गोफिल-, गोभिल- इति पागम. । व्यु. १। n) = पुर-द्वार-। o) तु. पागम. । ॰िल॰- इति भागडा., ॰भिलिक- इति पाका. । p) $<\sqrt{}^*$ गुम् (शब्दे $\lfloor g$. MWA \rfloor) । q) वह. < ाँ भिलेय- r) गोमध- इति s)= मराइलाकार-, व्यप. च। व्यु. $?<\sqrt{\eta}$ ड् $\lfloor \tau$ त्तायाम् \rfloor इति स्रभा. प्रमृ. \rfloor पाका., गोमठ इति पागम. । t) बप्रा. । ब्यु. ? । u) = (विधवायां) जारज- ।

शांग्र ४,१९, ४^a; काग्र ७०,५^a; कप्र ३,९, १८^b; —कानाम्^b गोग्र ४,४,२५.

ज,०,९,६. जो-छक्षण- गो- द्र. जोळित्तिका°- -का ग्रुप्रा ५,३७. जोळा,ळु^dुन्द- (>गौळा,ळु]न्य-पा.) पाग ४, १,१०५.

गोलाङ्क°- (>गोलाङ्कायन- पा.) पाग ४, १, ११° रे. गो-लाङ्गल- प्रस्. गो- इ.

गो-लाङ्गल- प्रमृ. गो- द. †?गोषद्^ध(> गोषदक- पा) माश्रौ १, १, १, २४; वाश्रौ १, २, १, १३; चाश्र १:२; पाग ५,२,

√गोध्ट् पाधा. भ्वा. श्रातम. सङ्घाते. गो-ष्टोम- प्रसृ., १गोध्टी- गो- इ. २गोध्टी¹- (>गौष्ट- पा.) पाग ४, २,११०.

गोप्-पद- प्रमृ. गो- द्र. गोह¹- (>गौह- पा.) पाग ४, २,

गो-हन्तृ प्रमृ. गो- द्र. गोहित- (>गोहितेय-), गोहिल-(>गोहिलेय-) गोपिल-टि. द्र.

१गोद्य - √गृह् द.
 २गोद्य - (>गोद्य -) गोह - टि. द.
 गौकक्षायणि -, गौकक्षी° -, गौकक्ष्य -,
 गौकक्ष्य -, गौकक्ष्यायणि गोकक्ष - द.

गौकुध्य- (>गौकुध्यायनि-) गो-कक्ष- टि. इ.

गौग्गुळव- गुग्गुलु- इ. गोड->॰ड-पुर- पा ६,२,१००. गोडिक-, गोडी- गुड- इ. गोण-,१,२गोणमुख्य-,गोणागुणक-, १गोणक- गुण- इ.

२गौणिक- गोणी- इ. गौतम- प्रमृ. गोतम- इ. गौतमगौर- गोतमगौर- टि. इ. गौदम्तेय- गोदन्त- इ. गौदानिक- प्रमृ. २गोदान- इ. गौदेय- गुद- इ.

गौधार- १गोधा- द्र. गौधारानिक- गोधाशन- द्र. गौधुम- गोधूम- द्र.

गोधय-, गोधर- १गोधा- इ.

ग्रीपत्य- गो- द्र.

गोपवन- गोपवन- द्र. गोपायन- ३गोप- द्र.

गौपालायन- २गोपाल- इ. गौपालिक-, गौपाल्य- गो- इ.

गौपिक- गोपिका- इ.

गौषिलेय- गोषिल- इ. गौषुच्छ-, गौषुच्छिक- गो- इ.

गौफि।,भि।लि।क- गोफि!,भि।ल-।,लि।क- द्रः

गौफिलेय- गोफिल- इ.

गौभिलेय- गोभल- द्र.

गोभृत- गो- द्र. गोमतायन^k- (> ॰नक¹- पा.) पाग ४, २, ८०.

गौमायन- गो- इ. गौमि-(गौमि-शाला-) गामि- टि.

द्र. १गौर- गोर- द्र.

२गोर,रा^{m'o}- पाउ २,२८; पाग ४, १, ४१; ६, २, १९४; -†०र[™] जैश्रो ३:१५, द्राश्री १,३,३; लाश्रो १,३,१; -रः

१,३,३; लाश्री १,३, १; नरः ब्राध्री ७,४,४; शांश्री; या ११, ३९; नरम् बौश्री १०, ३४:६‡; नराः उत्तिस् ८:९; नराय हिए

२, १६,४‡; -‡रे बौश्रौ २,५: ६;द्राप्ट ४,२,६; -रै: श्रप ३६,

८,३; १२,१.

गौरी^o— पा ४,१,४१; **-री**वौश्रौ १९,१०:२६‡; वाधूशौ ४,
३०:७; हिश्रौ १७,५,२६; वैए ६,
१३:३°; कप्त; या ११,३९७;
-‡री: बौश्रौ १९,१०: २६^१⁹; श्रांघ
११६:२२\$; ऋग्न:,१,१६४;
या ११,४०; -रीम् वैए ६,१२:
१; वृद्द २,८१; ४,३६; -‡यम्

श्रापश्रौ ६, २२, १; श्राप्तिए १, १, ४: ३२; ३४; हिए १, ८,

गौर-खर- -रम् वाध २१,२. गौर-गवय-शरभ- -भाः वाध १४, ४३.

गौर-गो [,गौ]तम- पाग २, २, ३८.

गौर-प्रीव,वि^q- (> गौरप्रीवीय-पा.) पाग **४,**३,१३१.

गौर-पांसु - -सु गोग ४,७,५.

a)= यवादिमय-िपएड-। b)= पलाशदृत्त-। c) वैप १ द्र.। d) तु. पाका.। e) व्यप.। ब्यु.?। f) गोळाङ्कय— इति पाका., गोळ-, अङ्क- इति प्रिक्षे। पागमं.। g) स्वरूपम्? वैप १, १२६३ n; १२८९ r द्र.। h) °पद- इति पाका.। i) तु. पाका. पागमं. च। गीप्टी- इति भाएडा. प्रसृ.। j) गाहि-, २गोह्म- इति पाका.। k) श्र्यर्थः ब्यु. च? < गोमत- इति पागमं., < गो-मत्- इति p प्रसृ.। गोमतायण- इति पाका.। p चेरा-विशेष-?। p °री इति पाटः? यिन. द्रोधः। p0 व्यप.। बस.। p7 विप.। बस.।

गौर-मृग- -गः कप्र ३,८,११. गौर-वर्ण -- जः श्रप ७०३,२३,१. गौर-सर्धप- -पः विध ४,४; -पाः श्रप १,३१, ४; ४३, १०; श्रशां २२, १; -पाणाम् श्रापध २, १९, १; हिध २, ५, ७३; -पान् पागृ ३,१०, २४; बौगृ; -पैः श्रप १,४३,६; विध २३,२२. गौरसर्घप-कल्क- -ल्केन वाध ३,५५; बौध १,५,३५; - ल्कैः कौग ४.१.१.

गौरसर्धपकल्को(ल्क-उ)द्वर्ति-त-शरीर- -रः विध ९०, रे. गौरसर्षप-दूर्वा-बीहि-यव- -वान् कौगृ ४,१,१. गौरसर्वप-सर्वि:-पयस् - -योभिः

श्रप ३७,८,१. गौरा(र-म्रा)त्रेयb- -याः बौश्रौप्र 20: 4.

३गौर्b- -रः सात्र १, ४५९; -राः बौश्रीप्र ३१: ४; ४८: ४;१३. गौर-खर- प्रमृ. २गौर- इ. गौरव-, गौरवित- गुर- इ. गौरवीति°- -तिः हिश्रौ १८,४,१८व.

गौरवीत°-ं -तम् हिश्रौ १५, ५, ४०1:१६,२, १६⁸; -तेन हिथ्रो १4,4,9220;941.

गौरव्यb- -व्याः बौश्रोप्र ४५ : ६. गौरपक्थ- गौरिपक्थ- टि. इ. गौराङ्गिरस1- -सस्य लाश्री६,११,३. गौरात्रेय- श्गौर- इ.

गौराम्भि - -म्भः बौश्रौप्र ५: २. गौरिकिb- -कयः बौधौप्र ३०: २. गौरिग्रीविb- -वयः बौश्रीप्र २७ : ४. गौरिमत् ६- (> ॰मती-पा.) पावा 8,9,03. गौरिवायण(,<न)b- -णाः बौश्रौप्र १७,५; ४१ : ९. श्गौरिचीत- गुरिबीत- इ. गौरिवी।त¹,।तिm- -तिः श्रापश्रौ २३, ११,१४^d; 邪羽 २, ५,२९; 9,906+;90,03. २गोरिवीत- -०त आश्रौ १२, १२,५;६; श्रापश्रो २४,१०,८; वौश्रोप्र २३:५; -तम् श्रापश्रौ २१,१३,२२⁸; बौध्रौ १४, २५: २६h; वाश्रौ ३, २,५,९; -तेनn त्रापश्रो १४,१८,६; १०^h;१४¹; वैथी २१,४: १०1. गौरिवीत-सामन् - -मा वेथ्रो २१,९:४. गौरिवी [त1,]ति-वत् श्रापश्री २४, १०, ८; बौश्रौप्र २३: ५. गौरिश्रवस^b- -साः बौश्रीप्र४५: २. गौरिपक्थ^p- पागवा ८, ३,९८^a.

२२७; साद्य १, ३२०; ३३१; ५७९; २,३०२. गौरीवित°- -तः निस् ९,९ : १९; गौल्डय-, °व्यायनि- गुलु- इ. -तम् तुस् २,१५:८××; लाश्री; गौलाङ्कायन- गोलाङ्क- इ.

†गौरीविति'- -तिः ग्रुत्र ३,१८९;

गौरी- २गौर- द्र.

निस् ९, १०: २२; -तानि निस १०,८: २५; -तेन काश्री २५. १२,६;१३,८; माश्री ३,७,१०३ क्षस् १,१०: ९; १६; निस् ९ ९: ६; श्रप्राय ६, ६.

गौरोविती- -त्यः निस् २, 97:34. गौरीवित-बृहत् - हती द्राश्रौ ८,२,१८; लाश्री ४,६,१४. गौरीवित-लोक- -कम् धुस् 3, 7: 28. गौरीवित-इयावाश्व- -श्वयोः लाश्री १०,८,९. गौरीवित-स्वर⁵- -रः चुसू २, १०: ४; ८; -राः क्षस् २,१६: ४; ७; १०; ३,१: १३. गौरीविता(त-ग्र)पाय- -यात् निस् ८,११: २७;९,५: २२. गौरीवितौ (त-श्रौ)दल- -ले लाश्री ७,९,१३.

गोरीवित् - - वितः बौश्रीप्र ३०: गौरुणिड् - - ण्डिम् जैगृ १,१४: ९. गौरुतिष्पक- गुरु- इ. गौर्ग्छवि - - विम् जैगृ १,१४: ९. . गौलक्ष्य- (>गौलक्ष्या-) गोकक्ष-

गौल।,लु!न्य- गोल।,लु!न्द- इ. -तस्य लाश्रौ १०,३,१२; ८,८; गौलाङ्कचायन- गोलाङ्क- टि. इ.

a) बिप.। बस.। b) = ऋषि-विशेष-। ब्यु. ?। c) = गौरिबीति- (वैप १ द्र.) । e)=गौरिवीत- (वैप १ द्र.) । f) सप्र. गौरवीतम् <>गौरवीतिः<>गौरिवीतिः इति पामे. । गौरिवीतसामा इति पाभे. । g) सप्र. गौरवीतम् <> गौरिवीतम् इति पाभे. । h) सप्र. गौरवीतेन <>गौरिवीतम्<>गौरिवीतेन इति पाभे. । i) सप्र. गौरवीतेन<>गौरिवीतेन इति पाभे. । j) =साम-विशेष-। k) व्यव. |a| व्यव. |a| वौश्रौ. पाठः |a| वैप १ द्र. |a| = साम-विशेष- |a| वैप १,१२६४ |g| द्र. |a|o) पामे. पृ ९९३ i द्र. । p) = मुनि-विशेष- । व्यु. ? < गौरी-सक्थ- (बस.) इति पाका. पागम. । q) व्यप इति [पक्षे] पागम. । r) वेप १,१२६४ f इ. । s) उप. = सामन् । t) = श्राचार्य-विशेष- । व्यु. 9 ।

गौलोमन- गो- इ. गौलगुळव- गुलगुलु- इ. गौवासन- (> °निका-, की-) गो-वासन- टि. इ. गौश्टाङ्ग-, गौपूक्त- गो- इ. गौष्ट्रायण- -णाः बौश्रीप्र ३: ५. गौष्टी- (>गौष्ट-) २गोष्टी- टि. इ. गौहळा- , °व्यायनि- गुहलु- इ.

गौहितंय- गोहित- द.

गौहिलेय - गोहिल - द्र.

†गता - झाः शांश्रौ १, १५, ४; ८,
२१, १; श्रापश्रौ १४, १२, ४;
काठश्रौ १३०; बौश्रौ १०, ७:
१; माश्रौ ५,२,१४,१०; वाश्रौ;
श्राप्थट,८६;१०२; वृदे ८,१२८;
निच १, ११; ३, २९; या ३,
२१०,४०००; १२, ४६;

झाभिः ऋषा ८,४४. †झाव^b - वः वाधूश्रौ ४,८४ : ८; -बो(?वम्) काश्रौ ९,८,१२; श्रापश्रौ ११,१९,८; बौश्रौ ७, ९:११;२५,२१:१०; माश्रौ २,३,६,१७; हिश्रौ ७,८,४२^а.

†ग्नास्-पति⁵- -तिः ऋषा १३,३०; उस् ८,१९.

गमन्ता √गच्छ् द्र. गमा°- गमा श्राप ४८, ७२; निघ १,१.

√प्रथ्, नथ् पाधा. भ्वा. श्रात्म. कीटिल्ये, क्या. पर. सन्दर्भे, चुरा. उभ. बन्धने सन्दर्भे च, ग्रध्नाति बौधौ ६,५:८; वैश्रौ; प्रथ्नित वाश्री ३,४,३,४५; †प्रथ्नातु श्रापश्री १,४,९३; वौश्री १,२:२०; भाश्री; प्रथ्नीयात् झापश्री ११,८,७. †जप्रन्थ माश्री १,३,५,९७; वाश्री १,३,७,९७; माग्र १,९९, २०.

प्रथ^t - >प्रथि(7 >)नी $^g - -$ नी काशु ७,१२.

प्रथित- -तः श्रा २०, ७,१; -तम् वैश्रौ ११,१०: ३; माग्र २,१४, २८; वैग्र १,८: ६; -ते वैध १, ६,४.

ग्रथित्वा जैग्र १,५ : ५. ग्रथ्न⁴– -थ्न: कप्र ३,६,७.

प्रन्थ - -न्थः अप ३१, १०, ५;
- न्थम् या १,२०; - न्थान् वाश्री
३,४,४,११६; - न्ये ऋअ ३,
१०; वृदे ५. २३; भाशि १०७;
पा ४,३,८०; ११६; पाता ४,
३,८०; १०१; ११६; - न्थेषु
वृद २,९०; ९२; या १,९.
प्रन्थ-परिसमासि - - से: अअ १,
३२.
प्रन्थ-संख्या - - ख्यया अपं
३:१.

ग्रन्था(न्थ-श्र)न्त- -न्ते पात्रा ६, ३, ७८.

ग्रन्थान्ता(न्त-श्र)धिक- -के पा ६,३,७९.

प्रन्थो(न्थ-उ)चारण-शिक्षक--कान् नाशि १,६,२२. प्रस्थि - पाउ ४, १४०; पाग ५,२,
९७; -स्थिः कीय ३, ५, २‡;
शांग्र २, २, २; ३, ८, ५‡;
शांग्र २, २, २; ३, ८, ५‡;
शांग्र २, २, २; ३, ८, ५‡;
शांग्र २, ७, ३; ८, ४, १९;
†शापश्री १, ४,१३³××; १०,
१०,३¹; १३, ७, १६¹; काठश्री;
साश्री १०,६,१७‡¹; हिश्री १०,
२,१२‡¹; -यी वैश्री १४,६:१६;
११:१; हिश्री ७,५,१८;३३;७,
२१; -यीन् श्रापश्री ११,६,३;
१३, २४, १४; काठश्री ९०;
बौश्री; -चे: आश्री ८,३,१९;
वैताश्री ३२,२५.

म्रस्थि-करण- -णम् त्रापश्री ११, ८,६; बौश्री २१,९:११; -णे बौश्री २०,३:१;१०:१५. म्रस्थि-छेद- -दाः त्रप ५०,५,

ग्रन्थिन्^k - - न्थिनम् श्राप्तिगृ ३, १२,१: १५.

प्रन्थि-भेद्क- -कानाम् विध ५, १३६.

ग्रन्थि-ल- पा ५,२,९७.

ग्रन्थि-संयु(क>)का− -का श्रप २६,४,३^२.

ग्रन्थि-समन्वि (त>)ता -ता श्रप २६,१,४.

ग्रन्थि-ही(न>)ना- -ना ऋष २६,४,२.

√ग्रभ् प्रमृ. √एभ् इ.

a) वैप १ द्र.। b)=त्वप्टृ-देव-। ग्ना-+(भूत->[नैप्र.]) व-(भाप. । धृति-।)> बस. यिन.। पाप्त. मत्वर्थायः वप् प्र. उसं.। c) पाठः १ यिन. शोधः (तु. वैप १,१२६८ f, सज्ञात्यं->-त्यम् इत्यत्रापि टि. द्र.; वैतु c. ग्ना-वत्->प्र३ इति । वाध्यूष्रौ.।, द्वि. वा सं. वेति । ध्वाप्रौ.। च)। पाम ३,१,३४ गा वो नेष्टात् इत्यस्य त्थाने मावं नेष्टात् इति शोधः। d) १मा॰ इति पाठः १ यिन. शोधः। e) = पृथिवी-। व्यु. १ < $\sqrt{1}$ गम् इति दे.। f) भाप.। घन्नथें कः प्र.। g) विप. (रज्जु-)। h) =स्तवक-। कर्मणि नक् प्र. इसं. (पाउ ५,३)। i) = प्रत्थि-। j) पासे. वैप १,१०४१ ० द्र.। k) = प्रत्थि-रोगयुक्त। मत्वर्थे **इतिः** प्र. (पा ५, २,१९६)।

वैप४-तृ-३४

√ग्रस् पाधा. भ्वा. आतम. अदने, चुरा. उभ. प्रहरो, प्रसते श्रप ५०,५,9; ६४, ८, ८; ६८, ३, १०; १२; ग्रसति अप १८, ३, ७; ५३, ३, ५; ६७, ६, १; ग्रसन्ति वैष् ५,१:१८; ग्रसेत वाघ १२,१९; ग्रसेत् माशि १०, ७; याशि २,६९. ग्रसीत श्रापध २, १९, ५; हिध

2,4,00.

ग्रस्यन्ते या ४,२७; ६,१९. ब्रासयेत् काश्री २५, १, १८; श्चापश्रौ ९,५,४; वैश्रौ २०, ९: ८: हिश्री १५,२,३.

ग्रस->ग्रसिष्ट- -ष्टः या ६, ८[‡]. ग्रसत्- -सन्तः श्रप ६२,३,३.

ग्रसित,ता- पा ७, २, ३४; -ताम् श्रापथ्रौ १५,८,१२ +; बौश्रौ.

प्रसितृ- > प्रसितृ-तम- -मः या €. ८.

असिष्ण्- - ज्या विध ९७,१९.

ग्रस्त- -स्तः त्रा ३६, २४, १‡; -स्तम् अ१ ७२, १, २; ऋपा ₹8,20.

ग्रस्त-दोष- -यम् शैशि ११८; १८७; याशि २, १७; नाशि 2, 4, 9.

ग्रास^b- -सः वौध ३,८,२४; ऋप्रा १४,१२°; २२°; -सम् श्रापध २,१९,५; बौध ४, ५, ८; विध ८,१७; हिथ २, ५, ७७; -साः शंघ ४५२; वाध; -सान् वाध २३, ४५; शंध १५९ : ७; बौध; -से त्रापध २,२८,१०; हिंध २. €, 90.

प्रास-कर्म-कर्तृक- -कस्य पावा 6,2,88.

ग्रास-प्रदान- -नेन विध २३,६०. य्रास-प्रमाण- -णम् गौध २७,

प्रास-मात्र^c- -त्रम् विध ५९, 9 &d.

प्रास (स-श्र) वराध्ये^{०,0}- -ध्यम् त्रापगृ २१, ९; श्रापध २, १७, 94.

ग्रास-संस्थ- - ष्टम् सुध ६१. प्रासा(स-प्रा)च्छादन- -नम् वाध १९,३३; -नै: बौध २,२,३८. ग्रासा(स-श्रा)च्छादन-स्नाना (न-ग्र)नुलेपन- -नेपु वाध १७, ٤٦.

य्रासा(स-श्र)नुमन्त्रण- -णम् गौध २७,९.

प्रासा(स-ग्र)वराध्र्य^c- -ध्यम् गौषि २,५,१८.

ग्रासो(स र)पचय-भोजिन्--जी वाध २३,४५.

य्रासियत्वा त्रापश्रौ ६, ३०, १४. जयसान- -नः सु १७, २; -नान् ऋप्रा ४,६६.

√श्रह √गृह द.

ब्रह'- पा ३, १, १४३; ३, ५८; पाग 8,2,60; 4, 2, 9004; 6,9, २०३; -हः आश्री ५, ५, २१; शांधी १, १४, ५××; यापधी; माश्री २, १, ४, २⁺ ; -हम् श्राश्री २,९,९+; ५,१७,३; ८, १३,१०;२०; शांधी ८,५,२××; ·काश्री; द्यापश्री १९, १४, २०1; -हयोः याध्रौ ५, ५, ६; वौध्रौ

२१,२०: १; अप ६३, ३, ६; -इस्य श्रापश्री १२, २८, ३; बौश्रौ ७, ५:४६××; हिश्रौ; -हाः शांश्रौ १३.११,७; श्रापश्रौ १२,१९,५+;१८,१२,१६;बौश्री १०,५७:६××; माश्री; -० हाः शुत्र १, ५५६; -हाणाम् आश्री ३, ९, ३; शांश्री ७, ४, १५: काश्री; -हात् काश्री २५, १२, १२; बौध्रौ १०, ५७: ६××; -हान् शांश्रौ १३, ११, २: काश्रौ ९, ७, ८××; आपश्रौ: -हाभ्याम् श्रापक्षौ १२, २१,७; -हाय आपमं २,७,२१; वैगृ २, १४,२ ई हिए १,१०,४ ई -हे शांश्री७,१५,१७; बोश्री; -हेंड-हे बौध्रौ २२,१८: १३; २३, ५: २०; -हेण श्राश्री ५, १४, १: १८,9; ६,५,२३; त्रापश्रौ १२, २६, १६××; काठश्रौ; -हेभ्य: काश्रीसं ३३: ९; माश्री; -हेपु शांधी ७, १५, १५; १४, ५७, १६: श्रापध्रो १४, ९, ४××; वौथौ; -है: आपश्रौ १४, २४, ७××; वाथ्री; -ही त्रापथ्री १२, २२, ६; ८‡; बौधौ ७, १२ २१^२××; माश्री.

ग्रह-ऋक्ष- -क्षाणि ग्रप ४, ६, ४; EQ. 19.3.

ग्रह-काल- -लात् हिथौ १०, ८, ४१; –ले श्रापश्री १३,१०,११; १८,२,9.

ग्रह-क्लिसि - सि: ग्रापथी २१, १३,६;२१,२; -सेः बोधौ १६, 90:9; 94:0.

d) तन्मात्रम् इति जीगं.। b) = कवल-1 c) विष. । वस. । a) := उचार ग्रहोप-विशेष- । g) तु. पागम. । h) पाने. वेप e) छान्द्रयो हस्यः इति हरदत्तः। f) वैप १ द.। पाप्र. <√प्रह इति। ं) प्रतिप्रहम् इति ए. शोधः (तु. «DMG [५७, ७४२])। १, १२६५ f इ. ।

ब्रह-गण- -णान् अप ३१, ७, ५; 100,9,4. ग्रहगण-खचित- -ताः श्रप ७०१, 99.35. ग्रहगण-भिन्न-भूमिकम्प⁸--म्पाः -म्पान् अप ५१, ५, ४. अह-गहीत--तम् वाध्यौ ४,२६:४; -तानाम् आप्रिय २, ५, ३: ४३; बौगृ ३,७,२७. ग्रह-ग्रहण- -णम् काश्रौ १३, २, १४; -णात् श्राश्रौ ५, १२,११; €,90,93. ब्रह्महण-प्रतिगर-होम- -मेषु काथी ३,८,१८. ग्रहग्रहणा(ए।-ग्रा)दि- -दि काश्री २४,३,३९. ग्रह-ग्रहा(ह-श्र)न्त- -न्ते जैश्रीका १०५. ग्रह-चमस- -सेष् वैश्रौ २१, १४: ४: -सै: वाश्री ३,१,२,३८. प्रह्-जात- -तः जैगृ२,९ : २११ b'c. ग्रह-जात-क- -कम् अप ५१,१,४b. ग्रह-स्व- -स्वम् वाध्यौ ४,८३ : ४. म्रह-दाक्षिणd- -णानि त्राप्तिगृ १,२, 9:900. ग्रह-देवता- :ताः जैगृ २,९ : १७. ग्रह-देवत-पूजा- -जाम् अप १, 82, 9. ग्रह-नक्षत्र-ज- -जाः श्राज्यो १४, ग्रह-नक्षत्र-तारा- -राणाम् श्रप ६४, 9, 0. ग्रह्-नक्षत्र-पीडा- -डायाम् श्रव ₹६,4,5.

:

4;

٧;

9;

₹,

7

प्रह्-नक्षत्र-माला- >°लि (न् >) नी- -नीम् अप ४,३,५. ब्रह-नाराशंस- -साः श्रापश्री १२, २८, ९; १३, ८, ३; ६; १३, १३; वैश्री १५, ३६:१७, -सानाम् वैश्रौ १५, ३६: ९; हिथ्री ८, ८, ३४; ३९; ९, २, ब्रह-पात्र¹- -त्रम् त्राश्री ५, ५, ७; -त्रे वाधी ३,२,५,९. ग्रह-पुत्र- -त्राः श्रप ५२,१,१. ब्रह-पूजा- -जाम् वैग् ४,१४: १७. ग्रह-प्रभेदन- -ने काध २७६: १. ब्रह-मोक्ष- -क्षी याशि १,४७. ब्रह-याग- -गः ऋप १८^२, १९, ३. ब्रह-युद्ध- -द्रम् अप ५१,२,३. ग्रह्युद्ध-तन्त्र- -न्त्रम् अप ५१, ग्रह-रूप- -पेण धाप्तिय २, ५, १: ग्रह-वत् मीस् १०,७,२. ग्रह-वत्- -वान् निस् २,१३: १३. ग्रह-वर्जम् आप्रिय ३,४,१ : ३०. ब्रह-वर्ण- -र्णानि श्राप्तिगृ २,५,१: १२; जैगृ २,९:६. प्रह-वैषम्य- -म्यम् अप ७२,३,६. प्रह-शस्त्रा(स्त्र-श्र)भाव- -वात् द्राधी २,४,६. ब्रह-शान्ति- -न्तिम् वैग् ४,१३:१. ग्रह-शेष - - षम् काश्री ९,१४,१४; वाधी ३, २, २, ३१; वैधी १५, ३७: ९; ३८: १२. श्रिहशेषान् वाश्रौ ३,२,६,२८. ग्रह-सेछादन- -नम् अप ६१, १,

95. प्रह-संपात- -तम् हिश्रौ ८, ८,४८; 44: 49. मह-सादन- -नम् काश्री ९,५,२३. ?प्रह-स्थ⁸- -स्थान् बीश्री २३; 99: 6. प्रद-स्थाली- -ली: काठश्री ११७. ग्रह-स्थिति- -तिम् वैगृ ३,१४: ७. ब्रहा(ह-श्रा)गम- नमम् श्रप ५८, 9,99. ब्रहा(ह-श्र)प- -प्रम् माश्री २, ३, ५,३; -प्राणि आपश्री १२,१४, ४; माश्री २,३,५,१; वाश्री ३. २, ३, ३३; -मे हिश्री १५,५, ४०; -ग्रैः बीश्रौ २६,१५: १. ग्रहाय-तस्(:) वैश्री २१,९ : ४. ब्रहा(ह-न्रा)तिथ्य- -ध्यम् जैगृ २, ९ : ३; श्रप ७०,२,४. ग्रहातिथ्य-बलिकर्मी (म-उ) पहार- -रान् श्राप्तिग् २, ५, 9:9. ग्रहातिथ्य-विधि- -धी श्रप २४, ग्रहा(ह आ)दान-प्रमृति- -तिः माश्री २,४,२,४१; ५,१,४९, ग्रहा(ह-त्रा)धान b- -नेषु बौश्रौ 23,99:93. प्रहा(ह-श्र)न्तर्-उक्थ्य - -क्थ्यः आश्री ९, ६, २; -क्थ्ये शांश्री ११,२,१४. प्रहा (ह-ग्र)न्तर्गत-स्तनित-गम्भीरनिस्वन - नेषु अप ६५, 9, 4. ग्रहा (ह-त्र) भाव- -वे मीसू १०,

a) विष. । पंस. > वस. । b) परस्परं पामे. । c) पाठः ? °ताः इति शोधः । °हाः, जाताः इति c. शोधः ? । d) काग्डविशेषयोः इस. $(= \hat{a}$ १,४,९-४२;४३) । e) पामे. पृ १००० a इ. । f) पूप. a सोम- । g) पाठः ? प्रहान् इति शोधः । a) उस. उप. श्रिषकरयो कृत् (तु. भवस्वामी) । a) विष. । तृस. a वस. । a

9,26.

प्रदा(ह-त्रा)म्नान- -नम् मीस् ३, ६,३०; १०,४,३°.

ग्रहा(ह-आ)यतन- >°न-भूता-यतना(न-प्र)म्न्यायतन- -नेषु श्राप्तिगृ २,६,७:३७.

प्रहा(ह-त्र्या)य(त>)त्ता- -त्ता वैगृ ४,१३: १.

ब्रहा (ह-ब्र) थे- -थेम् मीस् १२,१,

ग्रहा(ह-स्र)वकाश^b— -शैः स्रापश्रौ १३, २, ७; १४, १०, ६; वैश्रौ १५, २१: १३××; हिश्रौ ८,५, १५; ९,१,१७; ३,३४.

ब्रहिल- पा ४, २, ८०°; ५, २, १००.

१प्रहे(ह-इ)ष्टका^d— -काः बौश्रौ १९, ७ : ५०.

२ प्रहे(ह-इ) ष्टका -> °क° - -कम् मीस् ५, ३,१५.

श्रहो(ह-उ)ख्य-याज्या-पृष्ट्य-हिरण्य-वर्णीय'- -थेषु तैप्रा ९,२०.

ग्रहो(ह-उ)च्छेषण- -णस्य हिश्रौ १३,८,२८.

ब्रहो(ह-उ)दय- -यम् श्राप्तिगृ २, ७,६:२८.

ग्रहोद्य-निमित्तक^ड -कम् अप ६३,५,४.

ब्रह्मे(ह-उ) पस्थान->-त-कल-शोपस्थाना(n-x)-त $^{b}--$ -तम् नाश्रौ १,१,६,६.

ब्रहो(ह-उ)पस्पृष्ट- -ष्टानाम् जैय २,९: ३६. ब्रहो(ह-उ)पहत- -तम् श्रप ७२, १,२.

ग्रहो(ह-उ)क्का(ल्का-स्र)शनि-निर्वात- -तैः श्राज्यो ११, १.

ग्रहण- प्रमृ. √एभ्, ह्द. **√ग्राम्**¹ पाघा. चुरा. पर. त्र्यामन्त्रणे,

/**ग्राम्** पाधा. चुरा. पर. श्रामन्त्रणे उभ. संघाते.

श्राम¹- पाउ १,१४३; पाग ४,२,९५; -मः बौश्रौ १८,२५: १५;२४, १४: ५; जैथ्रौ १: ८; निस् ३, ३: १०; कौगृ; पा ६, २, ६२; -मम् शांश्रो १५, १८, १; १९, १६;२०,१; श्रापश्रौ १५,२०,६; २०,२२,९;२४,१७; बौधौ ९, १९: ३१; २०: २६; भाश्री; त्रापमं २,१३,११‡ k; त्रामिगृ २, १,३:१८ +k; या ९,३० +; नाशि १, ५,१७1; -मस्य भाश्रो ११, २२, ११; माश्री; पावा १, ४, २३; -माः निस् ७,७: ९; गोगृ ४, ८, १६; द्राय ४,३, ४; अप ५७, १, ४; श्रश्र १२, १; नाशि १, २,४¹;६¹; -मात् श्राश्रौ ८, १४, ३; काधी २१, ३, १८; त्रापश्रौ १२, १५, २ ; वौश्रौ; या ९, २९; -मान् लाश्री ९, 9, २9; हिग २,३,०‡k; कौसू; - माय कीए ३, ४,२; शांग ३, ५,२; अप ३२,१,१२; अग्र ६, ४; - में काश्री ५, ५, १०: २१, १,१८; श्रापधी; पा ६, २,८४; -मेऽ-मे विध ५०, ३: -मेण स्त्रापश्री २१,२०,३‡; बौश्री १८, २५: १५; हिथ्री; —मेम्य: स्त्रापघ २, २६, ७; हिध २,५, २०२; —मेषु बौश्री १५,१६: ७; हिथ्री; —मी या ३,९.

प्राम-काम- नमः आश्री ९,७,२८; काश्री ४, १५, २१; आपश्री ८, २२,५×४; वौश्री; नमम् आपश्री २२, ६, १०; माश्री ५,१,५, १६×४; हिश्री १३,८,४४; १७, ४,२४; गो १,२६; नमस्य काश्री २२,५,९; ८,७; आपश्री ६,१०, ३; १५,१; वौश्री; नमाः आग्र ४, १, २‡; नमाय वौश्री १४,

ग्रामकाम-तन्त्र- -न्त्रेण माश्रौ ५,१,५,६.

ग्रामकाम-भूतिकाम- -मयोः माश्रौ ५,१,५,५.

प्रामकाम-भूतिकाम-पशुकाम--मानाम् माश्रौ ५,१,५,४.

यामकामा(म-श्र)न्नाद्यकामे(म-इ) न्द्रियकाम-तेजस्काम- -मानाम् श्राश्री २,३,२.

प्राम-कुक्कुर- -ट्स् विध ८१,९. प्राम-कुण्ड्या-(>°कुण्ड्येयक-पा.) पाग ४,२,९५™.

याम-कुमार~ (> °रक^- पा.), यामकुल~ (> °लक°- पा.),

प्राप्त-कुलाल- (> °लक°- पा.) पाग ५,१,१३३.

ब्राम-खण्ड^p- (>॰ण्डक^q- पा.) पाग ५, १,९३३.

a) °तम् इति कासं. । b) पस. उप. = मन्त्र-त्रिशेष- । वस. वा (तु. भाष्यकारः । हिश्रौ ८, ५,१५)। c) = देश-विशेष- ? । d) मलो. कस. । e) विष. (श्रौपानुवाक्य-) । द्वस. \rightarrow मत्त्रिये अच् प्र. । f) द्वस. । प्रह- = ते १,४,१-४२ । g) विष. । वस. । h) विष. । द्वस. \rightarrow वस. । i) \checkmark श्राम् इति । प्रेशे ВРС. । j) वैष १ द्व. । k) सप्र. त्रासष्< अस्मान् इति पासे. । k) = सामस्वर-भेद- । k) तु. पापम. । k) 'रिका- इति पामम. । k) तु. पाका. । पण्ड- इति भाण्डा. । k) 'ण्डिका- इति पामम. ।

ग्राम-गवा(व-ग्र)श्वा(श्व-ग्रा)दि--दि श्रत्र ४,२२.

ग्राम-गो-दुह्- पाग ६,२,८१. ग्राम-चतुष-पथ- -थे मागृ २, १४,

२८.

ग्राम-च(र्य>)्यां- याम् श्राश्रौ १२,८,३.

ब्राम-चारिन् - - रिणः वाध १४,४८. ब्राम-जनपदः मनुष्य - - प्येभ्यः पावा ४,३,१२०.

भ्राम-जनपदा(द-श्रा)ख्यान-चान-राट⁸- -टेषु पा ६,२,१०३.

ग्राम-जनपदे(द-ए)कदेश- -शात् पा ४,३,७.

япн-जित्^b— -जितः श्राश्रौ २,१३, ७‡.

ग्रामट-(>°टी°- पा.) पाग ४,१,

ब्राम-णी^b— पाग ४, ३, ९३°; पावा ३,२,६१; —णीः शांश्री २,६,५; काश्री १५, ७, १२; वौश्री १७, ४९: १; २३, १०: ८; भाश्री १,९५,९; वाश्री १,२,२,६; वाश्री १,२,२,३,३,३,२; वैश्री १,२,२,३०: ६; हिश्री १,४,९; भाग्र २,२३: ७; १३; श्र श्र १२,३१[‡]; पा ५,२,७; चौश्री ४,११,७; वौश्री २,१६: ४७; १२, ५:२६; भाश्री ५,६,७; हिश्री ३,४,१०; तैप्रा ७,२; —ण्ये वाश्री ३,३,३,२२.

ग्रामण- पा ४,३,९३.

म्रामणि¹-कुल- -लम् पाना १,१, ३९.

म्रामणि¹-पुत्रा(त्र-म्रा)दि- -दिषु पावा ६,१,७०.

प्रामणी-सव⁸— -वः शांश्रौ १४, २२,३: बौथौ १८,४:१३.

प्रामणेय^b - -याय जैश्रौ ११:७. प्रामण्य(गी-अ)प्रतिचार-तस्(:)

अप ७०३,६,७.

ब्राम-तक्ष- पा ५,४,९५. ब्राम-तस्(ः) काश्री २१,३,२६.

ग्राम-ता- पा ४,२,४३.

१य्राम-देश¹- -शात् कौस् ८६,१४. २य्राम-देश- -शयोः विध **५**,३२.

ग्राम-दोष- -पाणाम् विध ३,११. ग्राम-द्वार- -रे श्रव ७०^३,६,८.

ग्राम-द्वार- -रे श्रव ७०°,६,८. ग्राम-धर्म- -र्माः आगृ १, ७, ९;

—मेंण वैग्र ५,६ : ३.

ग्राम-नगर- -राणाम् पा ७,३,१४. ग्रामनगर-वृद्ध-> °द्ध-श्रेणि-

विरोध- -धे शंध ३०९.

म्रामनगरबृद्ध-श्रे Lिण¹, प्रणी-प्रत्यय- -यः वाध १६, १५; शंध ३०९.

ब्राम-त्याय- -यम् बौश्रौ २४, १ : १४.

ग्राम-पशु- - ज्ञूनाम् वाध २,२८. ग्राम-पिष्ट^४- - टानाम् काश्रौ २६,

४,७. ब्राम-पुत्र-(>°त्रक¹- पा.) पा ५, १,१३३.

ग्राम-प्रतिषेध- -धे पावा २,४,७. ग्राम-बहिष्कृत- -तः वैध १,७,३. ग्राम-मध्य- -ध्ये श्रप ३६, १६, १; बौध ४,१, २२; -ध्येन श्रप ७०^३,७,५.

प्राप्त-मर्यादा— -दाः हिपि २३: ६;
—दाम् बौश्रौ २९, १२: १७;
आग्निग्र ३, ९,१: २०³; बौषि
२,६,८;९; हिपि २३: २;७;
—दायाम् वैश्रौ २०,२३: ५;
श्राफ्रिग्र ३,९,१: १८; बौपि २,

ग्राम-याजन- -नम् वौध २,१,४४. ग्राम-याजिन्- -जिनः विध ८२,

ग्राम-योनि^m- -निः बौश्रौ २०,१ : २२; २३,४ : २१; १९ : १९.

प्राम-रागⁿ - नाः नाशि १,२,७.

ग्राम-वचन- -नम् पाग् १,८,११. ग्राम-वध- -धः श्र्य ७०^३,६,८.

प्राम-वर- -रः कौस् १७, १०;

-रम् कौस् ९४,१७; १२०,१३; १२६,१३; अप ११,१,१३××.

्राम-वासिन्- -सी श्रप ७०^३,११, २६^२.

श्राम-इमशाना (न-श्र) न्तर- -रे काश्री २१,४,२४.

ग्राम-पण्ड- (> °ण्डक-) प्राम-खएड- टि. द्र.

ग्राम संकर- -रम् शंध १०**२**.

त्राम-पण्ड-, °साण्ड-(>°ण्डक-, >°ण्डिका- पा.) पाग **५, १,** १३३^d.

प्राम-सद् - -सदे माय १,१२,१० क्-प्राम-समीप - -पम् काश्री २१,३,७. प्राम-सांपद - -दानाम् कौस् ५९, ८; -दानि कौस् ११,७.

a) द्वस । पूप. द्वस. > पस. । b) वैप १ द्र. । c) = प्रामिटका- । d) तु. पागम. । e) = नगर-विशेष- । f) हस्वः (पा ६,३,६१) । g) = एकाइ-विशेष- । h) भावे ढक् प्र. उसं. (। ५, १, १२०) । i) उप. = स्थल- । j) शंध. पाठः । k) पूप. = लौकिकः $\lfloor =$ श्रमन्त्रक- \rfloor । l) ॰ त्रिका – १ति पागम. । m) विप. । वस. । n) पूप. = स्थर-भेद- ।

प्राम-सीमा(मा-ग्र)न्त- -न्ते बौश्रौ २९,९:१३; बौध २,१०, १३; ₹, 9, 9₹. ग्राम-स्कर- -रः काघ २७८ : ८. प्राम-स्रव°- -वः अप ३६,३०,१. ग्रामा(म-श्र)मिb- -मिना काश्री२५, ४,३०; बौश्रौ २२,२: १९; पाय ३,१०,१२; -प्रिम् काश्रौ ४,८, १०; -मेः बौध्रौ २०,१७: १७××; -मी बौश्री २१, ३: ₹0. ग्रामा(म-आ)दि- -दीनाम् फि ३८; -दी वैध ३,१४,७. आमा(म-म्र)ध्यक्ष- -क्षः विध ३, 19. आमा (म-ग्र) ध्ययना (न-ग्र) नन्त-हिंत°- -तानि शांग ६, १, ८. ग्रामा(म-अ)न्त- -न्ते बौश्रो २९, ९: १३; पाय २,११, ६; वैय. ग्रामा(म-प्र)न्तर- -रम् पागृ २,७, ५: गोगृ ३,५,३२; जैगृ १,१९: ग्रामा(म-अ)भिमुख- -खेन त्राप्रिय 3,8,9:99. श्रमा(म-अ)रण्य⁰- -ण्ये कौगृ ३, ९.२१; शांग्र ४,७,२३. २ब्रामा(म-श्र)रण्य- -ण्ययोः आपध १,११,९; हिध १,३,६६. ग्रामा(म-अ)शन- -नम् वैध २,४,५. ग्रामिक- (>ग्रामिक्य- पा.) पाग

4,9,938°.

ग्रामिन्- -मिणाम् माश्रौ ५,२,१,

११: -मी बौधौ १४, १७:

१३ ई: अप ३६,१६,२; तैप्रा ४, 43 . ब्रामीण- पा ४, २, ९४; - णेभ्यः कौसू ११,९. ग्रामीण-घात- -तम् अप ७०१, €, ७. प्रामे-गेय- -यः द्वस् ३,१०: १५; -यम् ह द्राश्रौ ७, ४,१६; लाश्रौ ३,४,१५; गौषि १,३,१५. ब्रामेगेय-इयेन- -नः लाश्री ७, 8.9. प्रामे(मे-अ)नुवाक्य^b- -क्यस्य ब्रापभ्रौ १७,१७,१^२; हिश्रौ १२, ५,३२१1:३३: -क्येन हिश्री १२, 4,34. ब्रामेयक- वा ४,२,९५. ब्रामो (म-उ) द्यान- -नम् आज्यो 2.3. १ब्राम्य,म्या¹- पा ४, २, ९४; -म्यः वैश्रौ १९, ६:१०९; कौसू १३३, १; वाध ६, २७;

२,२.

प्राम्य,म्या¹— पा ४, २, ९४;

-म्यः वैश्रौ १९, ६:१०९;

कौस् १३३, १; वाध ६, २७;

-म्यम् जैगृ २,४:११; -म्यस्य

आपश्रौ १५, २१, ८; बौश्रौ;

-क्ष्मा:आश्रौ २,२,१७;आपश्रौ
६, ५,७××; बौश्रौ; -म्याणाम्
बौश्रौ १५,२६:१३××; वैश्रौ;

-म्याण वाश्रौ २, २, ४, ९;

-म्यात् श्रापश्रौ ४, ३, ६क्;

-म्यात् श्रीपश्रौ १५, १६:८;

भाश्रौ ४, ५, ४क्; वाश्रौ; -म्ये
हिश्रौ १२, ५, ३२; कौस् २७,
३२; ९३, ४०; -म्येण श्राश्रौ
३, १३, ७; शांश्रौ; -म्येन

हिपि १: २०; -म्येभ्यः वाधुश्रौ ४, १०४: ३; ११; - मयै: आग ३,९,१; काग ४१,२३. ग्राम्य-कुक्कुट-सूकर- -रयो: गौध २३, ६; -री गौध १७. ग्राम्य-धष्ट- पाग २,१,५३°. ग्राम्य-पशु- -शूनाम् वाध १०. 94. ग्राम्यपशु-घातिन् -ती विध ग्राम्यपशु-पीडा-कर- -राः विध ५, ७६. ग्राम्यपशु-संघ- - वेषु पा १. २,७३. †श्राम्यमङ्कीरदाशकौ धापश्रौ २१, २०, ३; बौश्रौ १६, २३: ७?¹; हिश्रौ १६, ६,४१. †श्याम्यमनिरसाकसै वाश्री 3. २,५,४३. ग्राम्य-वादिन् -- दिनः माश्री ५.

ब्राम्या(म्य-अ)भोजन— -नम् काश्रौ २२,१,३०. ब्राम्या (म्य-ब्रा) रण्य— -ण्यान् श्राश्रौ ११, २, १८; —ण्यानाम् हिश्रौ १३, २, २१; आपध २, १६,२८; विध ३९,१.

१,८,१२; -दी" आपश्रौ १९,

२०, ७; बौश्रौ १३, २१: ९:

माधौ ५,१,८,११.

ग्राम्यारण्यौ (ण्य-श्रो) षधि-बीज- -जानि वैश्रौ १, ११:

ब्रास्या(स्य-त्र)लंकरण- -णम् वैगृ ५.२: २.

रब्राम्य⁸- पाग ४.१,१५४. ग्राम्यायण- -णाः बौश्रीप्र ५: १. ग्राम्यायणि- पा ४,१,१५४.

यावन b- पाउमो २, १,२७८; -वणि काश्रीसं३३: १३: -विभः यापश्री १२, १२, ३; बौध्रौ; - चयः बोशौ ९,११:८: वैश्रौ १३,१३: १०; या ९, ९: -वभ्याम् अप ११,१,७4; -वस् श्रावश्री १२. ३, १३; काठथी १४६; बौथौ; - †वा काश्रो २, ४, ४; श्रापश्रो १२, ९, २××; बौश्रौ; -वाणः आधौ ५, १२, २१: २४; शांश्रौ ध. १४. २६; श्रावधी; या ९, ८कः, - • वाणः श्राश्री ५, १२, १०; काश्री २३,३,१‡; श्रापश्री; -वाणम् आश्रौ ५,२,३; श्रापश्रौ १२. १. ९××: बोश्रो: - †वाणा श्राश्री ४, ६, ३; १५, २; शांश्री ६,६,६; ऋग्र २,२,३९; -वाणी वैश्री ११, ९: ६; क्कीस ६१, १८;१९; श्रश्र ११,१^२‡; -हणः त्राधौ ५, १२, ७; काश्रौ ८, ५, २४××; श्रापश्री; - ‡हणा श्रापधी १३, २०, ८; बौधौ ६, २८: ४५××: माश्री; -ब्णाम् बौश्रौ ७, ५: ५; हिथ्रौ ८, १, ४०: बृदे ७, ११६; ८, ७४; -िंटण शांधी १३, १२, ३; क्षस १,११: २७; अप्राय ६,३. ग्राब्जी c- न्वजी ऋश्र २, ७,

१०४; बृदे ६,३०. प्राव-घोष- -षम् शांश्रौ ७,१५.२. ग्राव-द्रोणकलश-सोमपात्र- -त्राणि काश्री ८.७.५: ८.

प्राव-मुख- -खेभ्यः बौश्री ७, ६:

90: ८,9: २9. प्राव-वायव्य⁰- -व्यानि काठश्रौ १०५: माश्रौ २.२,४,२६;२९. प्राव-स्तुत्^e- पा३,२,१७७; -स्तुत् ब्राध्नी ४,१,६;५,१२, १; शांध्री ७, १५, २; १३, १४, १; २४, १०: श्रापश्रो २३,१०,१२; बौश्रो २.३: ११××: माश्री; -०स्तुत् वैश्री १६, १: २+; -स्तुतः आश्रो ९,४,२०; १२, ९, ११; शांश्री १०, १३, ५; बौश्री ८, ६: ११: १६.२: ५; वाश्री ३, ३, ४, २०; मीस् ३, ५, २८; -स्तुतम् श्रापश्रौ १०, १, ९‡; वौधौ ७, १:४; ८, १:३+; ११.६: ५; १६,9: १५; वैश्री १६, १: १; हिश्री १६,१,३६; -स्तुते काश्री १०,१,२; आपश्री १३,१,५; १८,२१, ७; काठश्री १४६: बौधी ८, १: ९; माधी २, ४, ४, २; वैश्री १६,१ : ७; हिथ्रो ९,१,६; ३,२८; १३, ७, १५: लाश्रौ ९,६,१.

ग्राव-स्तृति- -तिः या ७ ७. म्राव-स्तोत्रि, त्री(य >) या'--याः माधौ २, ४, ४, ३; त्रापश्री १३, १, ६; वैश्री १६, 9:6.

प्राव-हस्त^b- -स्तासः या ८, २[‡]. श्रावस 8->प्रावी-वायन्य व- - व्यम् बौश्री ६,३० : २८; २५, १४ : ११;१५: ९××: -व्यस्य बौश्रौ २१, २४: २१: -व्यानि बौश्रौ २५, १२: ३; ४; ⊸व्येन बौश्रौ 28. 28: 99.

श्रावाणकोे वैगृ ५, ४:२९. ग्रास-, ग्रासियत्वा- √प्रस्द्र. ग्राह-, ब्राहक- प्रमृ. √ग्म्, द् द्र. १म्री(व>)वाb- पाउ १,१५४; -बा वेश्री १.9: १८; १३, १७: ५; अप २२, ४, ५; विध ९६, ७०; या २, २८ † ∮: - †वाः काश्रौ ४,२,१२:७,९,९; श्रापश्री १०, २६,१४:वौश्रौ;-वाणाम् आपश्रौ १५,१५,१; भाश्री ११, १५,८; हिथी २४, ६, १२; -वाभ्यः आपमं १,१७.२‡; पा४,३,५७1; -वाम् भ्रापश्रौ ९, ११, २३; आप्रिय: -वायाम् शांश्रौ ४, १५,१२; बौथ्रौ २०,२७: १५; वैश्री; या २, २८ +1; -वासु त्रापश्री ७, १७, ६; २०, १२, १३: १३,४: १२; बौश्री. प्रेव- पा ४, ३, ५७; -वम् शांश्री १८, ३,१. ग्रेवेय- पा ४.३,५७. ग्रैवेयक k- पा ४,२,९६. ग्रै(व्य>)व्या १- व्याः श्रश्न U. U & #. ग्रीव-छि(न>)न:- -माः सु २५,

b) वैप १ इ. । c) विप. (ऋच्-)। साऽस्यदेवतीयेऽणि प्रकृतिभावाऽभावः a) व्यप. । व्य. ? । e)=ऋदिवग्-विशेष-। f) पस.। उप. = ऋच्-। °िव्र° इति माध्रौ.। वैप १,१२६८ d टि. परिहर्तव्यम् । g)= प्रावन्-। व्यु. i। h) स्वरूपम् i= प्रावास्ती । व्यु. i। i) = धमनी- i- (तु. पाका.)। i) पामे. वैप i- i9२६८ h इ. । k) = श्रलंकार-विशेष-।

मीव-द्रम - मम् वौश्रौ १७, ३०: ३; २२, ४: १०; आप्रिय ३, ८, १: २९; बौषि १, १५: ८; -म्ने बौश्रौ १०,४८: १५; २०, 90: 3.

ग्रीवा-तस् (:) वौश्रौ २०, ७ : ११; माश्री १,२,२,५.

प्रीवा-व्यादेश- -शः या १४,६. रत्रीवा⁰-(> प्रैवायण- पा.) पाग 8.9.990.

ग्रीवाच b'c-(> भ्रवाक्ष- पा.)पाग 8, 9,992.

१श्रीषा - पाउ १, १४९; पाग ४, १, ८६; २, ६३^d; पागवा ४, १, ८६; -प्मः काश्री ४, ७, ६; आपश्री; या ४, २००; ७, १०; - | प्यम् बौश्रौ ३,१८ : ८; माश्री १, ४, १,२७; वाश्री १, १,३, १; -प्मस्य बौश्रौ ११, १: १३××; माश्रौ; - ‡प्माय आपश्री २०, १४, ५; २०, ६; हिश्री १४,४, ४६; - जो शांश्री २, १, २; १६,९,२८; काश्री. ग्रेप्स^{e18}- पा ४,१,८६; -प्सः श्राश्रौ ४,१२,१; -प्माः आपश्रौ २०,२३,११; बौश्रौ १५, ३८: १२‡; वाधूश्रौ ४, २९²: ७; - | दमाय शांश्री ९, २७, १; - | प्मी वैश्री १९,२:१०; अग्र १4,82.

> प्रेक्मी- पावा ४, १, ८६; - चमी शाशि ३३.

ग्रैप्सक- पा ४,३,४६; ४९

ग्रैष्मिक- पा ४,२,६३; -कानि, -कै: बौगृ २, १०, ३. ग्रीष्म-प्रतिपद्- -पदि अप १८^२, 93,9. ब्रीव्म-वर्षा-शरद्- -रत्सु आश्री २, 9,93. म्रीध्म-वसन्त- पाग २, २,३१º. ग्रीष्म-हेमन्त- -न्ती वृदे १, १३१.

म्रीप्मा(ष्म-त्र्या)दि- -दी बौगृ २, ग्रीप्मा(ध्म-ग्र)न्त- -न्ते या ६,३६.

२प्रीष्म^b- (> प्रैष्मायण- पा.) पाग ४,१,११०.

√ग्रुच्⁸ पाधा. भ्वा. पर. स्तेयकरणे. ‡य-मृष्टिª- -ष्टिः भाशि २२; -ष्टिम् बौश्रौ ९, १३:२; १६:९; १0,40:4; 92; 28.

ग्रेव- १श्रीवा- द. ग्रेवाक्ष- श्रीवाच- द्र. ग्रेवायण- २ प्रीवा- इ. ग्रेवेय- प्रमृ. १श्रीवा-- इ. √ग्लस् पाधा. भ्वा. श्रातम. श्रदने. √ग्लह् पाधा. भ्वा. श्रातम. प्रह्णे. √ग्लह् (*देवने)°>ग्लह- पा ३, 3,00.

ग्लाव b- -वः बौधौ १७, १८: २; बौगृ ३,१०,६.

√ग्लुच्^ह पाथा. भ्वा. पर. स्तेयकरणे. √रलुञ्च्^ष पाधा. भ्वा. पर. गतौ. √ग्लेप् पाधा. भ्वा. आत्म. दैन्ये. √ग्लेव्¹ पाधा. भ्वा. आत्म. सेवने. √ ग्लेष् पाधा. भ्वा. आत्म.

अन्विच्छायाम् .

√ग्ले¹ > पाधा. भ्वा. पर. हर्ष-क्षये, ग्लायते श्रप ६८, १, १२; ग्लायति पागृ १, १६, २५; ग्डायेत् द्राश्री ४,४,१६; ५, ४, १६; लाश्रौ २, ४, ९; ८, १६; ग्लायेरन् शांगृ ६,३,८.

ग्लान-> °ना(न-आ)द्य(दि-श्र)धै--र्थे पावा २,२,१८.

ग्लानि- पाउ ४, ५१; पावा ३,३, ९५; -निः अप ५५,४,२.

ग्लायत्- -यन् काश्रौ ६, १०, ४: -यन्तः या १, २०.

ग्लास्तु- पा ३,२,१३९. गली 1 पाउ २, ६४; ग्ली: बौश्री २,५: १९; कौस् ३१,२०. श्रवा¹ वाश्रौ २,१,१,३५.

घ

घ^a.>घा त्राश्री २,९, १४;३,७,१४; १६, २; शांश्री; या ४, २० ‡; पाग १,४,५७m.

√घंप्,स् वाधा. भ्ता. कान्तिकरणे.

√घघ् पाधा. भ्वा. पर. हसने.

√घट्¹ पाधा. भ्वा. श्रातम. चेष्टायाम्, चुरा. उभ. संघाते, भाषायाम्. १घट°- पागप,२,११७;४,२९¹;६, २, ८५^०; -टः कप्र ३, ९, १; -रम् वैगृ ५, ५ : ८; अप ७०8, ३; विध २२, ५७; -टान् श्रापश्रौ १२,२,१३; वैश्रौ १५, ३: ७; ६: २; कागृ ५७, २; -टे जैगृ २,५: १५; अप १८²,

d) = प्रन्थ-विशेष- । a) वैप १ द्र. । b) व्यप. । व्यु. ? । c) व्वा-अ $^{\circ}$ > बस. इति MW. । h) = सर्प-विशेष-। e) विर. (ऋतु-, मास-, पशु- प्रमृ.)। f) तु. पागम. । g) पा ३,१,५८ परामृष्टः द्र. । व्यु 2 । i) √क्लेव् इति [पक्षे] पासि. । <math>j) पा ३,४,६५ परामृष्टः द्र. । k) = चन्द्र-, गग्डव्याधि-। व्यु. 2 । l) पाठः ?। उखाम् इति संस्कर्तुः टि. (तु. माश्री ६, १,२,६)। m) हिंसा-प्रातिलोम्य-पादपूर्रोपु इति पागम.। n) तु. BPG. । o) = कुम्म-। वेप र द. । p) कट- इति [पक्षे] भाण्डा. प्रमृ.।

-रेव जैग २.९ : २०: -दै: वैश्रौ 24.0:9. घटी- पा ४.१.४१. घटिं-धम-,घटिं-धय-पावा ३, २,२९. घटी-ग्रह- पावा ३,२,९. घट-क- पा ५,४,२९b. घट-घ्रह- पावा ३,२,९. घट-वत- पा ५,२,११७. घट-शरावा(व-न्ना)दि- -दीनि वैगृ ५,२:८. घटा (ट-ग्रा) सिक्त-द्रम-ज--जे विध ७०:१२. घटिक-, घटिन-, घटिल- पा 4.2.990. घटो(ट-उ)दक- -कम् श्रप ३७, 96.9. रघट°- -टः पा ५.२.३५. घटा- पाग ५,२, १२७; पागवा 4. 7. 9 vd. ३घट- पा ५,२,१२७. घटा-ल- पा ५,२,९७. घटि.टीe- पाउ ४,११८. घटिका⁶- -काः कागृउ ४४: ८; श्राज्यो ५.१४. श्चरप्रत्ययण'- -णस्य चात्र ३० : ४. √घटट पाधा. भ्या. श्रात्म., चुरा. पर. चलने, घट्टयति काश्री १७, ५, घट्टना- पावा ३,३,१०७.

१५. १: -टेन बौषि २, ७, ५ : | √घण्ट पाधा. चुरा. उभ. भाषायाम्. | घ(ण्ट>)ण्टा - पाउभो २.२.९६. घाण्टिकh- -कः शंध २०१: विध 84.24. घण्टा-निर्हाद-वत् श्राशि ८.१२. घण्टा-पताका->०कि (न->) नी- -नी श्रप २०,२,५. घण्टा-पताका-स्रज्- -स्रजः अप 20,9.3. घण्टा(एटा-त्रा)भरण-भूषित- -तम् श्रप ६८,५,३०. घण्टा(एटा-श्र)वसान->°सा-निक1- - के वैग्रं ५.9: 93. घतन- पाउना ५.५०. १घन,ना¹- -नः श्रप ७०^३, २, ५: या २, १; ९, २३; १४, ६; -नम् वैश्री ११,७:४; ६; ९; ८:६; विध १.२६: -ना शैशि ३२०ई: -नाः कप्र ३.९.१०: श्रप ६१, १,६;६५,२,२: -नानाम् वाध १४, २६; -नायाः बौध १,६, १६: -नै: कप्र २, ८, ४; श्रप ६४,१,८; ६८,१, ४६; काशु ७, 96. घन-निचय- -यम् अप ६५,१,९. धन-बन्ध - न्धाः शैशि ६४. घना(न-ग्र) नुया (त>)ता- -ता श्रप ७०१,११,८. घना(न-ग्र)स्थ(क>)का^k- -का विध ९६,७५. २घन¹- -नः श्रप ५२,५,३. घनघन"- -नाय ऋप ३६, ९,१८ .

घनाघन- √हत् इ. घर्घर- पाउभो २.३.३५. १.२घर्म-, धर्म्य- √षृद्र. घर्ष-, घर्षण- 🗸 चृत्र द्र. √घप " पाघा. भ्त्रा, पर, कान्तिकरणे. √घस° पाधा. भ्वा. पर. श्रदने. †चसत् श्राश्री ३, ४, १५: ८. ८: माश्री ५.२. ९. ६: या १२. ९; घसन् माश्री ५, २, ९, ६; घस्त शांश्री ६, १, ५; घस्ताम् माश्री ५,२, ९,६: घसन्त शांश्री €,9,4. जग्धि निस १.२: ५. जस्तः शांश्री १४.७.१; द्राश्री ७. ३, २०; बृदे ६, ५८; अधसत् शांश्री ६,१,५; माश्री ५,२,९,६: अवत आश्री ३.४.१५ शांश्री ६. १. ५: अघस्ताम माश्री ५. २.९.६: अघसन् शांश्री ६.१.५: माश्री ५,२,९,६; मंसक्षन शांश्री ३, १७,२; ६,१ ५\$; काश्री ५, ९, १६; १९, ३, २१; आपश्री १,१०, १४; ८,१६,९; बौश्रौ. †घसिP- -सिः बौश्रौ २, ५ : २: -सिना काश्री २,२,१८; श्रापश्री 3.२०.9१a: माश्री 3.9८.9१a: वैश्री ७, १: ७१व: हिश्री २, ८, 39. घस्मर- पा ३,२,१६०. घस्र- पाउभो २,३,२१. घास°- पा २, ४, ३८; -सः कीस

२१.११ : -सम् आपश्री १२.

√घण √घण टि. द्र. a) °टम् इति R. । b) तु. पागम. । c) कर्तरि कृत् । d) श्वाटा- इति पागम. । e) वैप ३, २८६ $\mathbf n$ इ. । $f)=\pi p$ िष-विशेष- । व्यु. (p)=1 वाद्य-विशेष- । व्यु. (p)=1 विष. । तेन जीवतीत्यर्थे प्र. । i) विप. > नाप. (काल-) । मत्वर्थायप् ठन् प्र. । j) विप., नाप. (या., वैश्री., श्रप. प्रमृ.) । ब्यु. १ । k) विप. । बस. । l) = प्रह-विशेष- । ब्यु. ? । m) = स्द्राणाम् अन्यतम- । ब्यु. ? । n) = \sqrt{g} ष् इति BPG., o) या २,५ पा २,४,३७; ६,४,९८; १००; ८,३,६० पाता २, ४,३७; ७, २,६२ परामृष्टः इ. I [पक्ष] भागडा.। q) °सी° इति पाठः ? यनि. शोधः। þ) वैप १ द.।

१२, ११ ‡; बौश्रौ २२, ८:४; वाश्रौ १,७,२,२०; माग्र १,२३, १६; वाग ७,9'1. घास-दान- -नम् निस् २,४:१७. घास-अज्ञº--ज्ञाणाम् शुप्रा ४, c4+. घासो(स-उ)क्तb- -क्ताः वौश्रौ 28.2: 30. धासिª- पाउ ४,१३०; -सिः अप 86,664. जिक्षवस् - पा ७, २, ६७; -वांसः या १२,४२; तेप्रा १६,१३ . जाध,गधा- - †गधः आपमं २, १६, १५^२; १६^३; १७^२; हिगृ २, १६, ५६; -म्धम् या ४, ७; माशि १५,५; नाशि २,८,११; - का श्रापमं २, १६,१५;१७; हिंगू २, १६, ५. जग्ध-पाप्मन् "- -प्मा अअ ९, € (२)†. जम्ध-सारङ्ग°- पाग २, २,३७० बिश्य- - गिधम् विध ६७,४०. जग्ध्या (ग्धि-श्रा) दि- -दिषु पावा १,१,५७; २,४,३५. जग्ध्वा बौध्री१३,९:५;४३:१;माध्री. १घाट- १घाटा- द्र. २घाट- २घाटा- इ. घाटकर्करी°- -रीः शांश्री १७,३,१२. घाटरी°- -री शांध्रौ १७, ३, १६; -री: शांश्री १७,३,१५1. **१घाटा-** (>१घाट-) घटा- टि. द्र. .स्याटा^इ- (> २घाट- पा.)पाग ५.

घाण्टिक- घएटा-इ. घात−, घातक− √हन् द्र. घातकि - (> ॰तक्य-पा.) पाग ४, 9,949. १,२घातन-, घातियत्वा-, घाति-, घातित-, घातुक-, घातिन्-√हन् द. घार्तेय!- पाग ४, १, १७६1; ५, ३, 9905. घार्तेयी- पा ४,१,१७६. घास- प्रमृ. √घम् इ. घासकुन्द प्- (> पन्द- पा.) पाग 8.2,60. √घिण्ण् पाधा. भ्या. त्रात्म. प्रह्णे. √घु पाधा. भ्या. श्रात्म. शब्दे. घूँ प्रिप्ता ८,२४; याशि २,९४. √धुंष् √धष् टि. इ. √घुद् भ्वा. त्रात्म. परिवर्तने, तुदा. पर. प्रतिघाते. √घुण् भ्वा. श्रात्म., तुदा. पर., भ्रमणे. घुण¹— -ण: जैग्र १,३ : २¹. घुण्ड- पाउ १,११५. √घुण्ण् पाधा. भ्वा. त्रात्म. प्रह्**णे**. घम पाग १,४,५७. √घुर् (बधा.) पाधा. तुदा. पर. भीमार्थशब्दयोः. घरण- पाउ २,८३. √घुप्[™] पाधा. भ्या. पर. श्रविशब्द्ने, चरा. उभ. विशब्दने, घोषेत् श्रापथ्रौ ३,१६,२. घोषयेत् अप १९र, ५,६.

घुष्ट-, घुष्टवत्- पा ७,२,२३. श्वोषⁿ- पाग ४, २,१२७°; ६, २. १८५; -पः वाध्यौ ३,९४: ८: ११; ४, ३३: १; २; दाश्री: यापमं १, ४, ९[‡], यामिगृ १, ५,२:५४ +1, बौग १,४, २२+1, भाग १,१४: ६ १,१६, हिंग १,१९, ७ + P; जेगृ १,२०: २२ + P; अप. ४८, १०२^{‡व}; निघ १, ११^{‡व}, या ९, ९; -पम् शांश्री १७; १४, १२; १७, ७; आपमं २, २०, ३४[‡] सु २२, ५; ब्राग्निय ३, २,२ : ४^{‡ र}; भाय २, १५:६ 🕂; माय २,८,४ 🕂; हिय २,१४,४‡ ; श्रप; या ९,९‡ф; १३; -पाः श्रापश्रो २१, २०,६; बौश्री ११, ८: १६××; हिथ्री; -पाणाम् अप ४७, २,९; -पात् शेशि २१७; -पान् आपश्रौ २०, १६,१० ‡; वाधी ३,४,३, ३४; हिश्री; - प्याय त्राश्री ५,९,२६; शांश्री; -पे ऋत ३, ६,५; -पेण श्रापश्री १२,३,२‡; हिथी ८,१, ४१ +; बृदे २,६०.

वीपक- पा ४,२,१२७. घोष-कृत्- -कृतः बांश्री १७, १४,१२;१७,७. घोष-ग्रहण- -णम् पावा ४, ३, १२७. १घोषदा- (>॰दक- पा.) पाग ५,२,६२^व. घोष-बु(इ>)हा- -हा दंवि २,

a) वैप १ द्र. । b) सस. पूप. वरुणप्रघास = इत्यस्याऽवयवः । c) विप. । वस. । d) तु. पागम. । e) = वीगा- । व्यु. ? । f) सप्त. वीश्री १६ २०: ५ श्राघाटीः इति पासे. । g) द्र्यर्थः व्यु. च ? । h) व्यप. । eयु. ? । i) = श्रायुश्रजीविसंघ-विशेष- । व्यु. ? । j) तु. भाण्डा. (पक्षे) । धार्तेय — इति पाका. पासि., धौर्तय — इति भाग्डा. पासि. च । k) = [वर्गी-विशेष-] यम- । l) घुणः, प्यग्तुका इति ८. पदच्छेदः; वैतु. श्रीनिवासाध्वरिः घुणस्त्री, भाण्डा. पासि. च । k) = [वर्गी-विशेष-] यम- । l) भाष., नाप. । o) = देश-विशेष- ? । p) पासे. वैप २, ३ खं मंत्रा १, १,९३ द्र. । q) वाङ्-नामन- । r) पासे. वैप १, १९४९ ि द्र. ।

०†.

घोष-वत्— -वत् श्रप ४७, १,
१०; उस् १, ८; श्राशि ८,१५;
शेशि २४; —वताम् ऋपा १३,
१५; १४, १८; —वित शौच २,
१९; ४३; ५४; याशि २, ९८;
—वन्तः वौश्रौ ८, १: १२;
श्राशि ४, ४; —वान् श्रापश्रौ
१३, १, ८; सु १३,२; श्रापध.
घोषवत्-पर— -रः ऋपा ४,
२४; तप्रा९,८;—राः ऋपा ४,२.
घोषवत्-सं(ज्ञा >)ज्ञ—
—ज्ञम् श्रप ४७,१,१६.
घोषवत्-स्वर— -रेषु शौच १,

पर.

घोष-सं(ज्ञा >)ज्ञ - - ज्ञे शैशि १०२.

घोष-स्थल -, ॰ ली - (> घौष-स्थलक - पा.) पाग ४,२,१२७.

घोषा(प-म्रा)दि - - दि: ऋत ५, ३,२.

घोषा(प-म्रा)नासिक्य - नासिक्य -

-क्याः शैशि ३४४. १घोषिन् - - विणः ऋषा ६,४७; १२, ६; १२; १४, ३५; - विणा ऋषा १३, १७; - विणाम् ऋषा धृणी- वाउन् ४,५२.

१३,६; १७. घोषो(प-ऊ)ष्मन् - प्माणः श्रप ४७,२,९; -प्माणौ अप ४७, २,१०.

२,१०. घोषियत्तु – पाउमो २,१,८३. घोषियत्वा त्राप्तिए २,४,३ : १८. २घो(प>)पा – -पा ऋग्र २,१०, ३९; बृदे २,८२; ७,४२; –षाम् ग्रांश्री ६, ६, १२; –पाये बृदे ७,४८.

घौषेय°- -यः ऋग्र २,१०,४१. घोषि^d- -िष त्राध्रौ ४,१,२३‡°. घोषित- -तम् त्राप्तिगृ ३, १०, ४:६

†रुघोषिन्'- -०षिणः, -षिभ्यः श्रापमं २,१८,३५; भाग्र २,९ : ११; हिग्र २,९,२.

† चोषिणी - -०णीः श्राए ४,८, २७;२८; -णीम्यः श्रप ३२,१, १२;४६,६,४; श्रश्च ११,२; श्रपं ३:४८; -ण्यः कीए ३,५,४; शांए ३,९,१

घुसुघुस^ь – -साय श्रंप ३६,९,१९[‡]. घुसुण – पाउमो २, २, १२३. घूक – पाउमो २,२,३. √घूर् पाधा. दिवा. श्रात्म. हिंसा-

वयोहान्योः. √घूर्ण् पाधा. भ्वा. श्रात्म., तुदा. पर. श्रमणे.

√घृ (बधा.) पाधा. जु. पर. क्षरण-दीप्योः; चुरा. पर. प्रस्वत्यो, †जिधित श्रप ४८, ३२; ४९; †जिधिम श्रापश्री १६, ३, १; बौश्री २, १४: १०××;वैश्री. धारयति बौश्री ११,५: १२.

१घर्म^d- पाउ १, १४९: - † • म आश्री ४, ७, ४; सांश्री ५, १०, ३ १: काश्री: श्रापश्री १५, १७. १० k: १७, २०,१६1; बौश्रौ ९, १७: १८ : भाश्री ११.१८,9 %; माश्रौ ४,४,३९k; - मर्मः श्राश्रौ 3, 98, 90; 8, 0, 8 mxx; शांश्री ५. ९.२५:१०.२३ ××: १३, १२,१३º; काश्री; आपश्री ११, २०, १०1; या ११, ४३; १४, २^०; ११; - मैंन आश्री 8, 8, 32; v, 820; c, 98; C, १०, ३⁰; शांश्री; या ६, ३२**४**; ११,४२०; -र्मस्य आश्री ४.७. ४^२‡; ‡शांश्रो ५, १०, १७××; काधी; - ईर्मा ऋत्र २, १०, ११४: बृदे ८, ३८; - १०मी श्रापश्री ६, २१, १; वाध्रश्री ३. ५४ : १; -मां: वैश्री ९, ५ : ३ +: -र्मात् हिथ्री ३,८, २३: - ‡र्माय काश्री २६, ५, ४××; श्रापथ्री: - र्मासः श्रापमं २,२०, ३२: तैप्रा ११, ५; - में प्राधी ४,१, २७××; शांश्री ५, १०, १० P: काश्री; -मेंण आश्री ५, १३.२: श्रापश्री: वैताश्री १३. 301.

a)=देश-विशेष- । तु. पागम. । b) वैप १, १२७२ e इ. । c) व्यप. । ढक् प्र. (पा ४, १, १२१) । d) वैप १ , १२७२ h इ. । f) नाप. (सर्प-) । g) नाप. (सेना-) । h) = स्द्राणामन्यतम- । e0 वैप १, १२७२ h इ. । f0 नाप. (सर्प-) । g0 नाप. (सेना-) । h0 = स्द्राणामन्यतम- । e1 विप. । e2 वेप १, १२७२ h3 वेप १, १२७२ h4 वेप १, १२७२ h5 वेप १, १२७२ h6 वेप १, १२७२ h7 वेप १, १२७३ h7 वेप १, १२७३ h8 वेप १, १२७३ h9 पाभे. वैप १, १२७३ h8 वेप १, १२७३ h9 पाभे. वैप १, १२७३ h8 वेप १, १२७३ h9 पाभे. वैप १, १२०३ h9 पाभे. वैप १, १२

घर्म-कपाल- -ले माश्रौ ४,१, १४.

धर्म-कार्य-विपर्यास- -से बौश्रौ ९,१७: ३१.

धर्म-दुघ्- -दुघः वौश्रौ ९, ५: ३२; ९: ७; वैश्रौ; -दुघम् आपश्रौ १५, ९, ३××; बौशौ; -दिघ माश्रौ ११, १८,५.

धर्म-दु(q>)घा $^*-$ धा श्रशय २, x^2 ; —धाम् श्राधौ ४, ७, २; काश्रौ २६, ७, ४२; वैताश्रौ १४,४: —धे बौश्रौ ९,५: ७.

धर्मदुधा(घा-स्र)थ- -थः वैश्रौ १३,७:१३.

धर्म-दुह्- -दुहः काश्रीसं ३६: ६; वेश्री १३, ८: १३; -दुहि आपश्री १५, १८, २; -धुक् काश्री २५, ६, ८; आपश्री; या ११,४२;४३.

धर्मधुग्-घ्या(<ह्या)छ ै− -छे काश्री २५,६,२१°.

घर्मधुग्-दोह- -हाय वैताश्री १४,३१^a.

धर्म-देवता-> श्य,त्या- -त्यम् शुत्र ४, ९४; -त्या शुत्र १, ५४८; -त्याः शुत्र ४, ८१; -त्यानि शुत्र ४,७७; -त्ये शुत्र ४,८६; ९२.

धर्म-दैवत- -तम् शुत्र ४,११२. पृंधर्म-पै- -पान् बौधौ ९,१०: २३;२४;१९:१८³; बौग्र ३,४, १९;१२; -पेभ्यः बौधौ ९, १९:१४;१९:९;१०;बैधौ १३,१३: १३; बौग्र ३,४,५;६. धर्म-प(र>)रा $^{\circ}$ - -सः वृदे ८, १५,

घर्म-पात्र- -त्रम् वैश्री १३,१४: १०; -त्राणि माश्री २, २, २, २××: द्राश्री.

†धर्म-पावन् " - - वभ्यः माश्रौ १,२,५,२७; वाश्रौ १,३,३,६. धर्म-प्रायश्चित्त - - त्तानि आपश्रौ १५,१७,४; बौश्रौ ९,१२:२;

१७: १;३१; भाश्री ११,१७,४. धर्म-भेद- -दे काश्री २६,७,

†बर्म-रुचि⁹- -चिः श्राप्तिग्र २, ५,३: १८; बौग्र ३,७,१५. धर्म(र्म-ऋ)स्विज्--रिवजः काश्रौ १०,१,२३.

घर्म-वत् वैताश्री २१, १९; २५,

†धर्म-वत् - वते बौश्रौ १३,११: ४; ९; माश्रौ ५,१,१,३८. धर्म-वृद्धि - दि: वेज्यो ८. धर्म-वत¹⁷⁸ - ते जैश्रौ २३:८; जैश्रौका ५२.

धर्म-वत-दुह् h - -दुहोः काश्रौसं ३६ : ८.

घर्म-शिरस्- - तः बौश्रौ २४, १९: १; - त्सा आपश्रौ ५, ११, ६××; भाश्रौ; - रांसि आपश्रौ ५,१२,१; ३; १६, २; हिश्रौ ३,४,१२.

धर्म-शेष- -षस्य द्राश्री १४, ३,७; लाश्री ५,७,६. घर्म-संस्तव- -वः वृदे ६,१३४. †घर्म-सद्*- -सत् माश्री १, २,४,२१; वाश्री १,३,१,४४; वाग्र १,७.

धर्म-सादन- -ने जैश्रोका ६१. धर्म-सूक्त- -क्तम् श्रश्र ७,०३; श्रपं २: ८९; -क्तेन वैताश्री १४,५.

φ ध म स्य-त तु ! - - नू जै श्रो २३: ८; जै श्रोका ५२; - न्वौ द्राश्रो २,२,२७; लाश्रो १,६,२५. φ ध म स्य-रोचन! - - न म् द्राश्रो २,२,२८; लाश्रो १,६,२६; जै श्रो २३:९; जै श्रोका ५५.

धर्मा (र्म-श्रा)दि- -दि श्राश्री १,१२,१८.

वर्मे(र्म-इ)न्धन— -नानि श्रापश्रौ १५,५,११; भाश्रौ ११,५,१५; हिश्रौ २४, २, ५; –ने जेश्रौ २३:८.

धर्मे(र्म-इ)ष्टका¹— -काः वाश्रौ २, १, ६, ३५^k; -काम् श्रापश्रौ १५, ३, १३××; बौश्रौ; माश्रौ ६, १, ७, २०^k.

धर्मो (र्म-उ) च्छिप्ट- - प्टम् बौश्री २५, १६: २; - प्टे बौश्री १६, २: १०; बौध १,६,३०.

घर्मो (र्म-उ)पसद् - -सदी विताशी १५, ५.

घर्म्य - स्थम् काश्रौ २५, ५. ३०; २६,६,१६.

२६र्म¹ - -र्मः ऋश्र २,१०,११४; १८१.

 a) वैप १ द्र. ।
 b) षस. उप. भाप. $< \sqrt{g}$ छ्।
 c) °दुग्ध्वा° इति पाठः ? यित.

 क्षोधः (तु. चौसं.) ।
 d) °धोहाय इति पाठः ? यित. शोधः ।
 e) विप. । वस. ।
 वस. ।
 f) = साम

 विशेष- ।
 g) वैप २, ३ छं द्र. ।
 h) विप. ।
 चस. > उस. ।
 तत- = दुग्ध- ।
 i) = अन्त

 विशेष- ।
 श्व. ।
 f) परस्परं पाभे. ।
 f) = ऋषि

 विशेष- ।
 धा. अर्थः ? ।

घृण,णाº— पाउभो २, २, १२३; पाग ५, २, १३६^b; —ण: निघ १,९‡; —णा वाध ६,२३. घृणा(ण-ग्र्य)िध— -िधम् ऋग्र ३,१. घृणा-वत्— पा ५, २, १३६; —वन्तः वैगृ ५,१३ : २. घृणिन्— पा ५,२,१३६; —िणने गोध २६,१२‡.

घृणि°- पाउ ४,५२; -†णि: ग्राध्रो २, १९, ३२; शांध्रो ३,१७,१; काध्रो २५,६,७; ग्राप्तिगृ. †घृ(णि>)णी-वन् °- -वान् ग्रुप्रा ३,९७⁴; तैप्रा ५,२१.

धृत°- पाड ३,८९; प्राग २,४,३१; फि २१: - †तम् आश्रो २, ५. १७°;८, ३; १०, ४××; शांश्री; श्रापश्रौ ६,२७,५°; श्रापमं १,८, २º: आगू २,९ ५º; कीगू ३,४, ३º; शांग्र ३,५, ३º; काग्र २७. ३º: बौगृ १,५,६º; मागृ १,१४, ६°:२,११,१७°; वागृ १५,१७°; श्रप्राय ६, ६^{२१}; श्रप ४८, ७५^६; निघ १, १२⁸; पावा ६, ४,६६; - ‡तस्य त्राधौ २, ८, ३××; शांध्री; काथ्री १३, ३, २६h; श्रापश्री ४.७,२1; २१, २०,३h; माश्री१,८,४,३६1, वैताश्री ३४, ९ h; आगृ र्, १५, १ k; मागृर,४, ५1; क़ौसू ४५,११1; या ७,१०ई; -तात् भाश्री १०, १५,२; वैथ्री; -ते त्राधी ५, १९, ३; काथी;

हिश्री ७ १.१७1: - †तेन श्राश्री े २. ५. १४××: शांथ्री: श्रापश्री ध्र.१३.४m: ७.६.५1: माश्री १, ४, ३, २^m; ७,३, ४०¹; या ७. ₹४4; ८, 90; 968; १०, ४०1; १४,२७; - क्तेभिः श्राश्रौ ७. ८.१: शांश्री १२, ११, १९; - कतेः त्रापश्री ५, ६, ३; १४, १७,१; बौश्रौ. घत-कद्वला(ल-श्र)गार"--राणाम सधप ८७ : १८. धत-कम्बल°- -लः अप ३१,८, 9:२: ३३, १,१०; ३,१; -लम् ग्रप १९,१,११; ३१,७,५; ३३, १,१××: -लस्य ऋप ३३,१,९. घृतक्रम्बल-पृ(४>)ष्टा^p− -म्रा अप ३१.८,३. घतकम्बल-संय(त>)ता--ता श्रप ३१,८,9;२. घृत-कुण्ड- -ण्डे बौपि ३,७,४. घृत-कुम्भ- -म्भम् अप ३३, १, ७: ५, ७; विश्र ५०, ३६; सुध ३८: -म्भात् हिषि २३: ३२. घत-कश-हिरण्यो(ण्य-उ)दक-प्राशन- -नम् सुध १८. घृत-क्षीर- -रम् वैध ३, ८, ४; -राभ्याम वैग् ५,१० : ३:५. घृत-क्षीर-फला(ल-आ)साव--वे अप ६४,८,५. घृत-क्षीरा(र-ग्र)म्भस्- -म्भसाम् श्रप ६४,८,५. धत-गौरसर्पप- -पैः शंध ३४५. घत-घट- -टः गौध २२,२६. घृत-चर्मन् व- र्मणाम् बौश्रौ १५, १९: २: -र्माण बौश्रौ १५, 98: 3. घत-तिल-तैल-पत्र-प्रवप-मूल-फल-केश-ग्र¹-रक्तवस्त्र-पक्काश्व-विक्रय- -ये सुध ५८. घत-तिल-मिश्र--श्रम बौपि २. 90.2. घत-तला- -लाम विध ९०,२१. घत-तैल- -लम विध ६६, ११; -लानाम् शंध १८३. घत-दिध- -भा अप २६,३,५. घत-दधि-पयस्-तक - -काणाम् शंघ १८१. घत-दर्ग- -नम् वैगृ ५,४ :२०. घत-द्रोण-रात- -तेन श्रप ३३, 3. 4. घृत-धारा-पातना(न---श्र)र्थ--र्थम् वैधौ ११,७: ५. घत-धेन- नम् अप ९,३,१. †घृत-निर्णिज्°- -र्णिक् श्रापश्री ५,६,३; हिश्री ३,२,५५. घृत-पक- -कान् बीगृ ३,१०,४. घृत-पट- -टम् वाध २१,८. घृत-प(द् >)दी°- पाग ५, ४, १३९; - †दी श्राधी १, ७, ७; शांश्री १, १२, १; वाय १३, २; -दीम् श्रापथ्रौ ३, १, ७; बौथ्रौ १, १८: ३; भाश्री ३, १, १; हिथ्रो २,३.८. घूत-पात्र- -त्रम् शंघ ४०१.

a) वैप १ निर्दिष्टावत्र समाबिष्टी द्र. । b) तु. पागम. । c) वैप १ द्र. । d) पामे. वैप १,१२७४ ८ द्र. । e) १ ६२४ k घृतमु॰ इत्येषं द्र. । f) सङ्ग्तू पामे. वैप १,६२२ a द्र. । g) = उदक- । h) पामे. वैप १,९२७५ f द्र. । i) पामे. वैप २,३२७५ e द्र. । f) सद्र. । j) पामे. वैप २,३२७५ e द्र. । f) सद्र. शांष्ट्र द्र. । i) पामे. वैप २,३२७५ e द्र. । f) सद्र. शांष्ट्र द्र. । j) पामे. वैप २,३२७५ e द्र. । f) सद्र. शांष्ट्र २,९३१ १,२४,४ मस्वाय इति पामे. । l) घृतेचरुम् इति समस्तं व्याचचाणो गोधीनाथविन्त्यः (तु. सप्र. काठ २२,९३१ २,२४,४ मस्वाय इति पामे. । l) घृतेचरुम् इति समस्तं व्याचचाणो गोधीनाथविन्त्यः (तु. सप्र. काठ २२,९३१ चर्षुते, ग्रापथ्रौ १०,४,२-४ प्रमृ. च) । m) पामे. वैप१ व्यतेन स्व ४,८,४ टि. द्र. । n) इस. कडल- = तक-,ध्रार- चर्षुते, ग्रापथ्रौ १०,४,२-४ प्रमृ. च) । m) पामे. वैप१ व्यतेन स्व १,०४ हे. द्र. । n) इस. कडल- = तक-,ध्रार- चर्युते, ग्रापथ्रौ १०,४,२-४ प्रमृ. च) । m) पामे. वैप१ व्यतेन स्व १,०४ हे. द्र. । n) इस. कडल- = तक-,ध्रार- चर्युते, । o) = महाभिपेक- । मलो. कस. १ । p) विप. । वस. । q) उप. = [चर्ममय-]पात्र-विशेष-। r) पाठ १ गुड-१।

घृतपात्र-स्थ- -स्थम् श्रप ८,

घृत-पिण्ड-- -ण्डम् पाग्र २,१,८; -ण्डान् श्रापश्री १७, ५,८^{१७}; बौश्री २२,८:२३;वाश्री २,२, २,११;कौस् ५२,१९;५४,१४. घृत-पीत-- पाग २,२,३७.

घृत-पू²- -पुवः बौधौ ६, २ ः ८‡°.

चृत-पूर्ण,णां - - जम् श्रप ८,१,५; विध ९०,१५; - जांन् श्रप १९^२, २,३; - जांम् काश्रो १७,४,१२; २५,७,२१.

† छत-एष्ठ,ष्ठा^a — -ष्टः आश्री ५, १९, ३^d; आपश्री १४,१७, १^d; आपमं २,२, १^d; आमिए १, १, २:४^d; बौए २,५,९^d; भाए १, ५:१०^d; हिए १,३,५^d; बृदे४, ३३; या ४, २६; ५, ७; —ष्ठाः आपश्री १,१६,८; भाश्री १,१८, ६; हिश्री १,४,५४.

† मृत-प्रतीक,का - - कः प्राधी २, १०,४°; श्रापश्री ५,६, ३; १४, १०,७°; वीश्री; श्रापमं २,२,१°; की मृ १,१०,६°; सांगृ १,२५,७°; हिंगृ १,३,५°; - कम् श्रापश्री ५, ६,३; हिंश्री ३, २, ५६; - का श्रापश्री ४,५,१××; माश्री; - के

श्रापश्रौ ७,५,१; भाश्रौ ७,४,१; हिश्रौ ४,१,६२.

घृत-प्रदीप-माल्य— -ल्यैः श्रप १९^२,३,२.

घृत-प्रमाण—-णम् श्रप ३३,३,२. घृत-प्रस्नावि(7 >)नी— -न्यः या १२,३६.

घृत-प्रस्नावि(न् >)णी- -ण्यः या १२,३६.

घृत-प्राश¹— -शः वाध २३,३०; विध ५०, ४९.

घृत-प्राश्चन - नम् शंघ ४०२; बौध ३, १०, १२; वि़्ध; —नेन शंघ ४१२.

घृतप्राशना (न-ग्र) नत^g---न्तम् वैगृ ३,१५: १५.

†चृत-प्रुष्^a - प्रुषः आश्रौ ५, १९,३; श्रापश्रौ५,६,३;१४,१७, १; हिश्रौ ३,२,५५; १५,५, १; भाशि २१.

घृत-प्लुत- -तम् विथ १३, ४; ७३,१२.

† इत-बोधन - -नः त्रप १^२,१,५. १ इत-भाग - -गौ श्रप ३३, ५.७.

‡२छृत-भाग⁸ - नाः श्राप्तिय **३,** ८,२: ५८; बौषि १,१५:६३. छृत-मधु-तेल-प्रदान- -नेन विध ९२.१६.

घृत-मांस- -सम् काय ६६,४. घृत-मात्रा- -त्रा त्रप ३३,२,५; ३,५.

मृत-मिश्र- -श्रम् वैश्रौ १, ४: ४; द्याप्रिय २, ५, ७: १५; ३, ११,४: १३; बौय १,११,११; -श्रान् कीस् ६७,१४. घृत-या(ज्य>)ज्या^h - ज्या श्राश्री ५, १९, २; -ज्यायाम् श्राश्री ४, १, १४; -ज्ये श्राश्री ९,२,१७.

ष्ट्रतयाज्या-स्थान— -ने श्राधी ८,१२,७.

घृत-युक्त− -क्तम् शंध १९७; -क्तैः शंध ४४१.

† वृत-योनि - निः याश्रौ २, १०, ४०; यापश्रौ २,१०,४ ×; भाश्रो; की ए १,१०,६०; शाष्ट्र १,२५,००दे निम् यापश्रौ ५,६,३; हिश्रो ३,२,५६; -०ने याश्रौ ५,१९,३; शांशौ ८,४,३; वीश्रौ ४,१:११;६,३०:३०.

घृत-लिङ्ग¹— -ङ्गः अप ३३,१,९; -ङ्गो अप ३३,६,३.

-क् थ्रप २२,६,१.

ঢ়त-लि(स>)सा- -साः वैश्री
१५,६:७.

† ঢ়त-वत् -वत् आश्री २,२,
१७,६,१४,१६; शांश्री ५,१३,
५×; आपश्री; या १०,२२;
-वता माग्र १,२३,११; वाग्र७,
१०; -वित आपश्री २,१७,
१×; बौश्री; -विद्धः माग्र१,

99, 9; शांध्रो; -वन्ति शांध्रो ३,१८,१५; ख्रापध्रो ८,२°, ५; बृद्दे २, ५१\$; -वान् आध्रो १, १२, ३७^६; काध्रो; ख्रापध्रो ९, ३,१^६; भाध्रो ९, ४, २^६; हिध्रो १५, १,४९^६; -वान्ति ऋप्रा ९,

२३, १२८; -वन्तम् श्राधौं १,

891.

a) वैप १ द्र. । b) शोधः पृ ५१६ m द्र. । c) पामे. वैप १,१२७७ k द्र. । .') पामे. वैप १,१२७७ n द्र. । e) पामे. वैप १,१२७७ p द्र. । f) उप. भाप. । g) विप. । यस. । h) = ऋग्-विशेष- । i) पामे. वैप १,१२७८ o द्र. । l) पामे. वैप १,१२७८ n द्र. । वैप १,१२७८ n द्र. ।

घतत्रती- - नेती आश्री ४, १२.२××: शांश्रौ: निघ 3.३०°: -तीभिः आपश्रौ ५, ६, २; - विम् आश्री १,४,११; शांश्री १६१६: काश्री. घत-वर्ण-निभ- -भः ऋप ७०³. 4.3. घृत-व्यञ्जना (न-त्रा) दि- ∙िद विध ७९.१३. घत-व्रत^b - -तः त्रापश्रौ २२,९, १३: हिथी १७,४,७: लाथी ८, 9.6. घत-शहद- -ददः काश्री १०, €.90. †धृत-इचुत्°- -इचुतः आपश्रौ १४. २८. ४ , वैश्री २१,१५: १२; हिश्रो १५, ७,१२; श्रापमं १,२,५; या १०,२४. घृत-इच्युत् c- -इच्युत: कप्र हे. 0.94. घृतइच्युन्-निधन[€]− -नम् जैश्रो २५: ७. घृत-श्री - -श्रियम् माश्रौ ५, 9.3.90\$. घृत-संयु(त>)ता- -ताः ऋप 38,4,2; 84,3,4. घृत-संस्कार- -रः अप ३३,५,१. घृत-सानि(न् >)नी¹- -न्यः या १२,३६. घृत-सारि(न्>)णी- -ण्यः या .87.39. घृत-सून्तः- -नेन यौग् ३, ७,

२७; आप्रिगु २,५,३ : ४३.

‡घृत-सृद्न°- -नः श्रापश्रौ ९,

१७, ४; ५; माश्रो ३,५, १५;

हिथ्रो १५.७.२४:२५. घत-म्तति- -तिः ऋग्र २. ४. ५८: ग्रम्भ २,३२१: चात्र ४०: १२: -तिम् बृदे ५,११. घत-स्तोम->°मीय- -यम् शांध्री १५.१.३३. †घृत-स्नुb- -स्नुः आश्रौ ३,८, १: -स्नः आश्री ३,८, १; या १२,३६०; शेशि ७७. घृत-होम- -मः गौध २२.३८^२. चृतःह (द्>)दा°- -दाः श्रश्र 4.88.8 घृता(त-ग्र)क्त.का- -कः वाध २०,४२: -कम् माश्री ६,१,३, २८; वाश्रौ २,१,२,२२; आगृ; -क्तया अप ३५, १, ८; -क्ताः काश्री ४, ८,३; बौश्री १९,२: १२; वाधी १, ४,४, ४; वेधी; -क्तान् काठथौ १३९; पाग्-२, १४, ८; अप ८,१, ४; -क्तानि काश्री १६,१,३०; पाय ३,७,३; वेग २.७:६: -काम् माथौ ६,१, ४.२०; २१: बाध्रौ २,१,३,२१; श्रप २६,३,४. घृता(त-श्र)च्त- -ताः अशां 82.8. †पृता(त-अच् >)ची°- -ची ब्राधी ४, १२, २९ काधी २,८, १२; ३,६,१८¹; आपश्रो २,९, १५××; बौध्रौ; -चीः श्रापध्रौ ष, ६, ३; ७, १७, १[।]; बौश्रौ २, १४: १४; ४, ६:३५¹; ११,४: १९¹: हिथ्रो ३,२,५३: ५४; -०चीः श्रापश्रौ २,४, २: वेश्री ५,२: १२; हिश्री १,७,५: -चीनाम आपश्री २, १०, ३; बौधौ १, १४: २७: भाशौ २. ९,१६: हिश्रो १,८, १६: -च्यः आगृ २,१०, ६; कौगृ ३,५,६; शांगु ३, ९,३: -च्या हिथ्रौ ३, २. ५३: -च्यो। माश्रो १,३.४. 24: 0.2.93. घता(त-त्रा)दि - -दीनि वैध ३, 8.2. घतादि-दान- -ने विध ७९, घृतादि-द्रव्य-सर्वे - - वेपु श्रव ३५,१,५. घृता(त-ग्र)न्पिक,काb--कम् बौश्रौ ७, १:३१; -क्ताम् प्रापश्रो १६,१२, ८; १०; बौध्रौ १०, १७: १०; वैश्री १८,११: ८;११; हिथ्री ११,५,५;६. १ घृता(त-ग्र) स- - सेन आग्निगृ 2.8.4:0. ‡२ घृता(त-अ) ऋ^b- - ऋ: श्रापश्रौ १४,१७,१; हिथ्रौ १५,५.१. घृता(त-श्र)न्यक्त,का^с- -क्तम् वेश्री १२, १७:२; -क्ताः ग्रापथ्री ५,१७, ४; १५,२०, २; बौधौ; -क्तानाम् आप्तिगृ २,५, १ : ३२; -की अप १८,१,८. वृता(त-ग्र)न्वीक्षण- -णम् शंध 240. धृता(त-ग्र)भ्यक्त,का- -कः वाध २०,१४;-न्हाः वौगृ३४,१५;३१ घृता(त-अ) मृतौ (त-ओ)घ-कल्या- -ल्याभिः कप्र २,४,१३. घृता(त-अ)म्भस् - नमसोः

अप ३८,२,३.

a)= यावा-पृथिवी- । b) विष. । बस. । c) तेष १ ह. । d) पामे. बंप १,९२७९ k ह. । e)= साम-विशेष- । f) उप. $<\sqrt{\pi}$ । तेष १,९३५९ ध ह. । e)= साम-विशेष- । f) उप. $<\sqrt{\pi}$ । तेष १,९३५३ ध ह. । f) कस. >कस. उप. परनिपातः । f) पामे. वैष १,९३५३ ध ह. । f) कस. >कस. उप. परनिपातः ।

घृता(त-ग्र)चित-- -तम् श्रप 33,0,4. षृता(त-श्र)चिस्°- -०चिः विध 96,03. घृता(त-अ)थै- -थे अप ३१, पृ(त>)ता-वृध्^b- -वृधा ऋप्रा 9,234. घृता(त-म्र)वेक्षण- -णम् अप ८, १,१; -णस्य श्रप ८,२,१. घृता(त-त्रा)शिन्- -शी त्रप ५. 3,3. घृता (त-श्रा) सुतिb- -तिः श्राधौ ८,१२,७‡. †घृता(त-ग्रा)हवनb- -नः ग्राश्री १,३,६;५,१९,३°; शांश्री १,४, 95; ८,२४,9. घृता(त-आ) हतb- -तः माश्री ₹,9,२८4. ९ घृता(त-श्रा)हृति^b - - तिभिः श्रापृ ३,३,२; -तिम् कप्र २,९, 93. २घृता(त-श्रा)हुति- -तिः, -तिम् कौस् ७२,३२ . चृते(त-इ)प्टका^b- -काः श्रापश्री १६,१३,१०; १७,५,७; बौध्रौ १०,४५: २८; वैश्री; -कानाम् बौश्रौ २२,८: २१. घृतो(त-उ)दक⁰- -कम् शंध . ११६ : ७. घृतो(त-उ)न,ना'- -नम् काश्रौ १५,५,१०; - ज्ञाम् काश्री १६,

8,34.

षृतो(त-उ)षि(त>)ता^व- -ताः काश्री १८,३, १४; श्रापश्री १७, १४,५: माश्री ६,२,५,३; हिश्री १२,4,9. घृतौ (त-श्रो)दन- -नः कागृ २४, २१; -नम् श्रापृ १, १६, ४; कौगृ १, १९, ५; शांगृ १, २७, ५: आग्निय २,५,१ : ३५; -नेन बौध ४,७,६. √घुण् b पाधा. तना. उभ. दीप्ती. घुण,णा-, घृणि- √षृ इ. √घुण्ण पाधा. भ्वा. त्रात्म. प्रह्णे. घृत- प्रमृ. √ घृ द. प्रताचि¹- -चेः जैश्रौ २२ : ४; जैश्रौका १९. घृता(च्>)ची- प्रमृ. √षृ इ. √घुष पाधा. भ्वा. पर. संघर्षे, वर्षयेत् शंघ १६७. वर्ष- -पीत् वाध ३,५७. घर्षण- -णम् काध २७७ : ८. घृष्विb- पाउ ४,५६. १घुष्वचमस- -साय वाधूश्री ३, 96:9. घोट1->घोट-प्रकार*- - - रे श्रापश्रौ १५,३,१२; भाश्री ११,३,७. घोणा- पाग ४,१,५६. १घोर.राb- पाउ ५, ६४; पाग ८, 9. ६७; -र: काग २८, ४^{‡k}; †कीस् ; -रम् वाश्री १, २, -३, २९+; श्रामिगः; -+रा शांश्री १०, ३, ५; ६, ७; बौश्रौ १७, ४४ : ५: बौगृ: - †रा: श्रापश्रौ ५, १५, ३; १७, ८××; बौश्रौ;

-राणि सु ५, ४; वैगृ १,६:६+; कौसः; - †रात् श्रामिष्ट २, ५, ३ : १९; बौगः; -रान् वैध ३. १५,१२; -राभिः भाश्रौ ५,१० १३; वैश्रौ; - राम् द्राश्रौ १०. ३,४; लाश्रौ ३,११,३; **-†राय**¹ श्राश्रौ २,७,७^{२m}; शांश्रौ४,५,१: बौश्रो; -रे अप ९,४, १; बौध: - १०रे माश्री ५, १, ८, १३: त्रशां १५,५; -रेभ्यः त्रप ४०. ३,३‡; -रेषु अप २४, १, ५: ३१,८,५; ६९,४,३; -रैः त्रिध 83,33; 34. घोर-ख्यान8- -नाय या ६,११. घोर-चक्षस्b- -क्षसे या ६,११ . घोर-तारक- -काः श्रप ५२, ७,४. घोर-रूप°- -पम् बौश्रौ २, १५: ४ⁿ; २o, १६: ३; -पा: श्रप 3,3,0. घोर-वृक्ष- -क्षाणाम् अप ३१, 9, 7. घोर-स्तनित-दीर्घता- -ता श्रप E8,0,2. घोरा(र-श्रा)चार-> °रिक- -कः वैध १,५,१,५. घोरा(र-श्र)न्त°- -न्तम् वैगृ ३, 8:3. २घोरP- -रम आश्री १०,७, ४; शांश्री १६, २, १२. ३घोर'- -रः ऋत्र २, ३, ३६; -रम् श्राश्री १२, १३,१; -राणाम् चात्र ३:२; ४२:२.

बौर- -०र आश्री १२, १३,9;

a) विप. । बस. । b) वैप १ द्र. । c) पामे. वैप १,१२७७ p द्र. । d) पामे. वैप १,१२७८ o द्र. । e) विप. > नाप. (समुद्र-) । f) तृस. उप. $<\sqrt{3}$ द् । g) उप. $<\sqrt{3}$ स् [निवासे] । h) = $\sqrt{5}$ ण् इति BPG. । i) व्यप. । व्यु. ? і j) नाप. (प्रश्व-) । व्यु. ? $<\sqrt{5}$ स् इति प्रभा. । k) पामे. वैप २,३ खं. भोषः मंत्रा १,१,३ टि. द्र. । l) पामे. वैप १,१९८३ छ द्र. । m) अघोराय इति पाउः ? यनि. शोधः (तु. सा २,३२ मै १,१०,३) । n) वा. किवि. । 0) = मन्त्र-विशेष- । p) = प्रन्थ-विशेष- । व्यु. ? ।

−रः ऋश्र२,१,३६;८,१; बृदे ६, ३९: शुत्र ४, ३९: सात्र १,५४: 44:936:966;229;480. होर-पत्र- -त्री बंदे ६,३५. १-२घोष- प्रमृ. √ष्रष् इ. #शिचायत" आपश्री १,३,३; ९,९,६; बौश्री १. २: ३; भाश्री. घोषि- प्रसृ. √वृष् इ. हीर- ३घोर- इ. जीवक- घौषस्थलक-, घौषेय-√घुष द्र. ब्नत्- प्रमृ. √हन् द्र. †वंस⁸- -सः श्रा ४८, १११^b; निघ १.९b: या ६.१९क: -सम् या ६ ४०: ३६०: -से या ६, 996. घंस-विलीन- -नेन कौस् ४८.३९. वंस-श्रत- -तम् कीस् ४८,३९. श्चन वैताश्री ४.८ +. √घा° पाधा. भ्वा. पर. गन्धोपादाने, जिञ्चति वैगृ ३,२२: ९; जिञ्जेत् शांश्रौ ७.८.१२. १ घाण^d− पा ८,२,५६. २ब्राणe- -णम् कप्र१,१,६;२,१,९; शंध ९७: चव्य २: २६; शैशि ३५८: -णयोः श्राप्तिगृ ३, ४, २: १०; -णे श्रप ९, १, ४; -णेन वैध १.११.८. घाण-वत् कप्र १,८,१३. घ्राण-संमित- -तः पागृ २, ५, २८: वाध ११,५७. घाणा(ग्-श्र)न्त- > °न्तिक--कः कौगृ २, १,२१.

१८३: विध २३, ३८; ५१, घातवत d- पा ८.२.५६. घाति- -तिः विध ३८.२. जिन्न⁸- पा ३, १, १३७; -न्नेण बौधौ १.१८ : ८.

द

ड़^h शप्रा ८.८. इ-कार- -रः ऋपा ६, १५; तेप्रा ९. १८: -रस्य माशि १४, २; -रे ऋप्रा ४.१६; माशि १४,२. ङकार-णकार-नकार- -रेष हिश्री 22.2.33. ङकार-परिवर्जित- -तः याशि २,७०; -ताः माशि १०,९. ङकार-श्रवण- -णम् शैशि ३०२. ङकारा(र-अ)न्त¹- -न्तम् शैशि ३०१: ३११: भाशि ५९: -न्ते याशि २.४१. ङकारा(र-श्र)वग्रह!- -हाणि श्रप्रा २.३,२४. ह-ज-ण-न-म- -माः याशि २,९४. ह-ण- -णे याशि १,६२. ङ-ण-न- -नाः शौच ३, २७; -नानाम् शौच १, ४७; -नेभ्यः शौच २, ९. ङणना(न-ग्र)न्त- -न्ते माशि 8.99. ह-ण-न-म- -मम् माशि १४, ६. ङ-न- नौ शैशि २९३; २९४. हन-वत्- -वन्ती उस् ७,१६. ङ-पर्व- -र्वः तैप्रा ५,३२. छ श- -शयोः शेशि ३१३. ब्रात⁰- पा ८, २, ५६; -तम् शेष √ङु पाधा. भ्वा. श्रात्म. शब्दे.

च

च1 >चा शांश्री १.१.९:काश्री१.१.७: श्रापश्री: आपमं २.२. ८ मा: या १. ४: ऋपा ८. ३२ म पाग १. ४. ५७: पाप्रवा ८. १: फि ८४: चे अप्रा ४.७: ऋत ४,२,४. च-कार- -रः शैशि २६३: २७३: ३१९: -रम ऋत्रा ४. ११: १८: तैप्रा ५. २२; ऋत ४, ५, ७; -रेण ग्रप्रा ४. २५. चकार-करण- -णम् पावा ५,१. 920. चकार-प्रतिषेध- -धः पावा १. 3.0. चकार-वर्ग- -रीम् शुप्रा ४, ९६; -में शुप्रा ४, ९६. चकारवर्गीय-> व्यायो(य-उ)दय'- -यो ऋपा ५, १३. चकारा(र-श्रा)दि--द्यः याशि 2.9. च-छ- -छयोः शुप्रा ३, ७; १३४. च-ज-ज- -जेषु शैशि ३०९. च-ट-त-वर्ग- -र्गेष शौच २, २६; -र्गै: शौच ३.९४. च-र-वर्ग- -र्गयोः शौच २, १४. च-पर'- -रः तैप्रा ५, ४; २०; -रे उस् ६,२; अप्रा १, १, १४. च-योग- -गात् अप्रा १,१,२१. चयोग-वावचना(न-न्या)नथे-क्य- -क्यम् पावा २,१,१. • च-ल-मो (म-उ)दय- -यम् ऋत 8.8.4. च-वर्ग- -र्गः शुप्रा ८, ९; शौच १, ७: -में तैप्रा २, ३६; शीच २,

a) वैप १ द्र. । b) श्रहर्-नामन् । c) पा २,४,७८;७,३,७८;४,६;३१ परामृष्टः द्र. । d) निष्ठायां e)=नासिका-। f) विष.। बस.। g) पा. कर्तिरे, बौश्रौ. भावे कृत्। h)=वर्श-विशेष-। i)= वर्ण-विशेष-। समुच्चयार्थे श्रव्य.। j) पामे. वैप १,१३१८ j द्र.।

ब्राणवत्^d- पा ८,२,५६.

३९: शेशि ९७: याशि २,३५. चवर्गीय- -ये शौच २,११. च-वा-योग- -गात श्रप्रा १,१,१४; -ते अत्रा १, १, १५; पा ८, १, च-वा-हा(इ-श्र) है(इ-ए)व-युक्त--के पा ८,१,२४. ? चवैवाब्यतानि अप्रा १,१,१४. चा(च-आ)दि- -दिभिः पावा २, १,१; -दिषु पा ८,१,५८. चादि-लोप- -पे पा ८,१,६३. चा(च-अ)नबन्ध^b- -न्धः पावा ८, 9.69. चा(च-श्र)ह-लोप- -पेपा ८,१,६२. √चक्° पाधा. भ्वा. त्रात्म. तृप्तौ प्रति-घाते च. चिकतd- -तः कप्र २,१,१६. चकद्र-, चकद्राति √क्दा द्र. चकन - पाग ६,२,१३४. चकमान- √कम् द्र. चकान- √के द्र. च-कार- प्रमृ. च इ. √चकास्¹ पाधा. श्रदा. पर. दीसी, चकासति सु ४,२. चक्रवस- √कृ द्र. श्चकोर8- पाउ १,६४. २चकोर्¹->चकोर-भीम[गं]रथ¹--थाः श्रप ५६,१,५

√चक्क् पाधा, चुरा, उभ, व्यथने.

चक्रन- चक्रन- टि. इ.

चक्र¹⁷⁸- पाउना ५, ५३; पाग २, ४, 39: 8.9.9901; 3, 60m; 3, १०४ª: ५,१,१२३°; पाता ६,१, १२; -कः बौगृ३,१०,६^p; -कम् आश्री ९,९,८; शांश्री ७, १५,२; श्रापश्री ५, १४,६; १८,४, १०; बौश्रो १४,१२:३१ +××; भाश्रो; काग २९. १ + व: वाग्र्भ, २२ + व; याध,२७‡ई; -ऋयोः कौगृ १,९, ४:शांगृ १,१५,४; -कस्य आश्रौ ४,९,३; श्रप ७२,२,६; - 📫 क्रा शांश्रौ ५,१३, ३; बौपि १,१०: १८; -क्राणि आपश्रौ ११,७, २ +; माश्री २,२,२,१३; हिश्री ७,५,११+; लाश्रौ १०,५,१३+; -काभ्याम् आश्रौ ९,३, ५; अप २३.५.२: -के श्रापश्री १,१७, ८: बौश्री: या ४,२७ +; - फ्रेण अप १३,३,९; विध ८६,१०. १ चकी k- - किया या रे. २२[‡]. चकी-वत् s'k- पा ८,२,

चकी-वत् ⁵³⁸— पा ८,२, १२; —वत् श्राश्रौ ३,१०,१०; शांश्रौ १३,२९,३; श्रापश्रौ १५, २०, १८; माश्रौ ११,२१,१८; माश्रौ २,४,५,९२; —वित शांश्रौ ३,४,२; काश्रौ २५,४९,०; हिश्रौ १७,८,५; —वन्ति श्राश्रौ १९,८,५; —वन्ति श्राशौ १२,६,५;

काश्री २४, ३, २६; ५, २६; श्रापश्री २३, १२, १३; हिश्री १८,४. २८; लाश्री १०,५,१३. चक्रीवत्-ता- -ता लाश्री १०,१५,९. २चकी 1- की मागृ १,१४... 92+9. चाक्र- पा ४,३,१०४. चाक्रायण- पा ४,१,११०. चाक्रेय- पा ४,२,८०. चाक्य- पा ५,१,१२३. चक्र-काल-वृद्धि- -िद्धः गौध १२... चक-कृत"- -तान् कीस् ८३,२. चक्र-चर-त्व- -त्वम् बीध ३,१,३%. चक्र-ण(, न)दी-, चक्र-णि(, नि) तम्बा- पावाग ८,४,१० v. चक्र-तुण्ड^p- -ण्डः सु २३,४. चक्र-दुन्दुभि-> °भ्य"- -भ्याः काश्रौ १४,३,१३. चक्र-धर- पाउत्र २,२२. चक्र-ध्वज-वेश्मा (श्म-श्रा) वसथ-प्रासादा(द-म्र)प्र- -मे अप ७२,-2,2. चक-पाणिb- -णिः श्रप ६७,६,७. चक्र-पाल×-(> चाक्रपालेय- पा.) पाग ४,२,८०. चक-पिशङ्ग- -ङ्गी बौश्री १७, १८: चक्र-युक्त- -क्ते या ३,२२.

a) पाठः ? च-वै-वाव-युतानि इति संस्कर्तुः टि. शोधः । b) विष. । वस. । c) या ४,२७ परामृष्टः द्र. । d) = भीत- (=परिवर्जुक- ।तु. अकर्तृ- इति काचित्कः मूको. ।) । e) श्रर्थः व्यु. च? । तु. पाकाः; चक्कन- इति ।पक्षे। पाका. । f) पा ६,१,६ पावा ३,१,३५ परामृष्टः द्र. । g) =पक्षि- विशेष- । व्यु. ? । h) =देश-विशेष- । व्यु. ? । i) द्वस. उप. स्वरूपम् ? । j) वप्रा. । k) वैप १ द्र. । l) = ऋषि-विशेष- । m) श्रर्थः ? । चकं- इति पाका. । n) तु. पागम. । n0) तु. पाका., वक- इति भाएडा. । n0) = सर्प-विशेष- । n0) स्पा. चक्रभिवानुहुद्दः n1 विष. । n1 वैप १,१२९५ n2 द्वस्ते । n2 विप., नाप. (रासभ-, शक्ट- प्रमृ.), व्यप. [पा.] । n3 चक्क- । n4 पूप. = [पंजा.] चक्की । n5 विप., नाप. (रासभ-, शक्ट- प्रमृ.), व्यप. [पा.] । n5 श्रर्थः व्यु. च n7 श्र्यः व्यु. च n7 श्र्यः व्यु. च n8 श्र्यः व्यु. च n9 विप. (प्रस्त-) । n7 श्र्यः व्यु. च n9 श्र्यः व्यु. च n9 विप. (प्रस्त-) । n3 श्र्यः व्यु. च n9 श्र्यः व्यु. च n9

चक्र-रूप- -पम् श्रप ७०³,५,२. चक्ररूपिन्- -पी विध ९८,२. चक्र-वत् श्रप ५८³,२,७; ६४,९,५; श्रापध २,२,३; हिध २,१,२५; बृदे ४,३५.

चाक्रवर्मायण - -णाः बौश्रीप्र ३२:१.

चक्र-वाक^b- पाग ४,२,८०^c; ६,३,

†चाकवाक— -कस् श्राप्तिय १,५,४:४०; काय २९,१; वौयः; १,४,५; भाय १,१०:१४; माय १,१४,१२; वाय १५,२२; हिय १,२४,६; २५,१.

चाक्रवाकेय- पा ४,२,८०. चक्रवाक-व(त्>)ती- पा ६,३,

चक्र-वाल⁶-(> चाक्रवालेय- पा.) पाउभो २,३,१०५; पाग ४, २,

चक्र-संस्था(न>)ना^d- -नाः श्रप ५८^३,४,७.

चका(क-ग्र) ङ्कित-'-तः शंध १२९. च(क>)का-चत्- -वत्सु वाश्री १, ५,४,४०१०.

चका(क-श्रा)ह्मय!- -यैः माशि ४,५.

१चकिन् - किणः हिष्ट् २, ७,२⁸; -क्री श्रापमं २,१६,९⁸; भाग् २,७: २४⁸. चकि-दशमीस्था(स्थ-श्र)नुमाद्य-वध्-स्नातक-राजन् - जभ्यः गौध ६.२५.

चक्रत् - √ह द.
चक्रति व्यप ४८,५२‡.
चक्रिन - √ह द.
चिक्रिक - कः वैध ३,१४,६.
२चिक्रन् - की वैध ३,१३,१२.
चक्री-चत् चक्र- द.
चक्रु- √ह द.
चक्रन- चक्रन- टि. द.

√चक्ष्¹ पाधा. श्रदा. श्रात्म. व्यक्तायां वाचि, द्शेने, चष्टे श्रप ४८,२‡; निघ ३,११‡.

> चक्षस् – पाउ १ २३३; — † क्षसा आश्री ३,८,१; शांश्री ११,१४,४; या १२,२२-२५; ऋप्रा १,१००; — † च्यते े आश्री ८,६,८; बौश्री ६,१६:१३; भाश्री १०,२०,४; हिश्री १०,३,३०; जैश्री ६:४^k; १२:३; द्राश्री २,३,५^k; लाश्री १,७,५^k; आपमं २,७,१३; या ९,२७०.

चक्षु^b— -क्षो: श्राप्तिगृ २,७,८:१२‡. चक्षु-निरोध— -धः श्रापध २,२७, १^{७1}. चक्षु-निष्पत्ति— -त्तिः श्राज्यो

चक्षु-ानव्यात्त— -ातः त्र १२,११. चक्ष्वा(जु-ब्रा)दि- -दि ब्राप्तिर १,६,३:१४.

१चक्षसb-पाउ २,११९; पाग ५,४, ३८™:५१:-†अः त्राधी१,४,९; १३,१;३,३,१"××; शांश्री १,६, २××:५,१७,३ª; काश्रौ; श्रापश्रौ 4,97,9°; 8,98,9°; 0,9,7°; १६,३२,३0; बौश्री२,१७:३९%; हिश्री ३,४, १२°; ४,१,४°; ६, ६, १७º; वैताश्री २६, १º; आप्तिगृ ३, ६, १: ६ª; या ४, ३4; -क्षभिः अप ४८,३९4; -क्षभ्याम् आपश्रौ १२, १८, २० ‡; बौओं; -क्षयः श्राश्री ८, १४.१८: काश्री: - †क्षवा श्राश्री १,१३, १××; शांश्री; माश्री १, ६,३, १८⁸; आपध २,५, १९⁸; -क्षुपाम् वैताश्रौ ९, २० + : -क्षि वाधुश्री ४, ३७: १८; जैश्रो १९: ५; त्राप्तिय १,१,३: ३१+; हिए १,५,१३+; -क्षुषी श्राश्री ६,९,३; शांश्री; पावा ५, २,३३; - †क्षुषे आश्री ६,९, १; काश्री: -क्षचोः ऋापश्री १०, १४, ९‡; १२, २५, १; माश्रौ; -क्षंपि शैशि २७८ .

१चाक्षुष- पा भ, ४, ३८; -॰ष अप्रा ३, १, १३ ; -षः वृदे ८,११९. †चक्षुः-स्रोत्र- -त्रे वाश्री १,१, ३,१६; वाष्ट्र १२,२.

a) व्यप्.। b) वैप १ इ.। c) त्रर्थः व्यु. च ?। d) विप.। वस.। e) पाठः ? कि॰ इति संस्कर्नुरिभमतः शोधः। f) = वकताक-। वस.। g) परस्परं पाभे.। h) = L वौर्यात्। शूदायां जात-। व्यु. ?। i) या १, ९,४,३ पा, पावा २,४,५५ परामृष्टः इ.। k) पाभे. वैप १, १२६ c इ.। l) सपा. e अनि॰ e श्रु नि॰ इति पाभे.। e वक्षस् — इति। पक्षे। पाका.। e पाभे. वैप १, १२६ e इ.। e पाभे. वैप १, १२९६ e इ.। e पाभे. वैप १, १२९८ e इ.।

चक्षुरा(र-आ)दि-विनाशि(न्>) नी- नी अप २३,३,५. चक्षुर्-णो -कर्ण-वक्त्र- -क्त्राणि जैश्रीका १४१?b. †चक्षुर्-दा- -दाः श्रापश्रौ १७, 4.9 ६: वैश्री १८, २१ : १६?°; हिश्रौ ११,८,१०. चक्षुर्-निमित, ता- -ता बौश्रौ २०,२५:३१; -ते बौश्रौ २, १२: २४ ; माश्री ५, २, १७. चक्षुर्-निरोध- -धः हिध २,५, ₹₹ª. ?चक्षर-मुख- -खी सु २४,२. चक्षर्-विषय°- -ये शांश्री २, १४, १०; विध २८,२३. चक्षञ्च-श्रोत्र-स्वग्-घ्राण-मनो-ब्यतिक्रम- -मेषु बौध ४,१,५. चक्रप्-काम- -मः श्रापश्री ७, १,१६; ८,१९, ५; बौश्री १३, \(\cdot \) 99; 94; \(\cdot \) \(\cdot \) ?; -मस्य माश्री ५,१,६,२७;२, २.१९: हिश्री २२,३,५:४,१९; मागृ १,४,१६. †चक्षुष्-पा- -पाः आश्री ५,६, ७; शांश्री ४, ७, १२1; ८, ४,६1; काश्रौ ३,६,१४; बौश्रौ १, १९, ३२××; भाश्री; -पाम्याम् बौश्री 0,97: 30. †चक्षप्-मत्- -मते^ड श्रापश्रौ वञ्जा°- पाउभो २, २, ८२^०; -ज्ञा

२१, ४,१; आश्रिय २,४;२ : ५; मागृ २,१८,२; या११,७; -मान् श्रापश्री ४, ९, ९; ११^{४h}; बौश्री ३,१८:१२h; माश्री ४,१३,४^{२h}; १४, १^{२५}; २^{२५}; माश्री १, ४,२, -9 Vh; वाश्री १, १,३,२ Vh; हिश्री ६,३,२⁸b; विध ९१,१५\$. चक्षुस्-त्वक्-शिक्षो(श्र-उ) दरा-(र-श्रा)रम्भणं- -णान् हिध 2,9,909114; 90,946. २चक्षस 1- -क्षः ऋग्र २, ९, २चाक्षप- ऋत्र २, ९, १०६; -षः साअ १, ५६७; २, ११२; ११७६; -क्षुषम् शंघ ११६: yum. चत्तस्-, चधु-, १चक्षुस्- √चन् चङ्कुण¹->चाकुङ्ण- -णस्य चाश्र ३८:१३. चङ्कुर- पाउ १,३८. चङ्कमा-, °म्यमाण- √कम् द्र. चछ-,चजज- च द्र. √चञ्च् पाधा. भ्वा. पर. गतौ. चञ्च"- (>चञ्च-क- पा.),चञ्चत्-(>॰त्-क- पा.) पागवा ५,४,३. चञ्चरीक- √चर् इ. चञ्चलीक- √चल् द्र.

पा ५, ३,९८. चञ्च- पाउमो २, १,७. √चट पाधा. चुरा. उभ. भेदने. १चटक,का^व- पाउभो २,२, ७; पा पाग ४, १,४; पावाग ७,३,४५. चाटकर- पा ४,१,१२८. चटका-विद्यद्-वज्र-निर्घात-प्रपतन- -ने काध २७५: १०. २चरक^s-(> चारकायन- पा.) पाग ४,१,९९. चटर- पाउमो २,३,३८. चटतवर्ग-, चट-वर्ग- च द्र. चटस- पाउमो २,३,१७३. चटाक्- पाउमो २,१,४०. चट्ट^t- पाउभो २, १,७^u; पाग १, ४, 404,4,2,90. चदु-ल-पा ५,२,९७. चण्ण पाग १, ४,५७. √चण्x पाधा. भ्वा.पर. गतौ दाने च... चणक⁸-(>चाणक्य- L>चाणक-पा. यक्त.]) पाउभो २,२,७; पागः 8, 9,904y; 2,999y. √चण्ड् पाधा. भ्वा. त्रात्म. कोपे. १चण्ड"- पाउ १,११४81;पाग४,१, ४५; ५,१,१२२;४,२९; -ण्डाः श्रप ६४,३,१०; माशि १६, ५; याशि २,१००; नाशि २,८,१४; -ण्डात् चव्यू ३: १२.

चण्डी- पा ४, १, ४५;

c) °दा इति पाठः? b) °क्ताणि इति पाठः? यनि. शोधः । a) = नस्- । ओत्वं छान्दसं इ. । e) पस. । f) पामे. वैप १, d) पामे. पृ १०४३ रि. । यनि. शोधः (तु. हिश्री.)। h) पामे. वैप १ परि. अन्नादः तै १, ६,२,३ टि. इ.। g) पामे. वैप १, १२९९ C इ. । 9396 h 3.1 i) विष. (त्रास्राव-) । इस. >वस. । j) पासे. पृ १०४३ t द्र. । k) °रम्भाणि इति पाटः? यनि. शोधः । 0) = तृणमय-पुरुष-। व्यु. ?। $l)=\pi s$ षि-विशेष-। ब्यु.?। m)= मन्वन्तराऽन्यतम-। n) तु. पागम.। $p)<\sqrt{2}$ च इति । q)=पक्षि-विशेष-। eयु. $q<\sqrt{2}$ च्य इति श्रभा. प्रमृ. । q>2s) व्यप.। व्यु.!। t) =िप्रयाऽऽत्वाप-। व्यु.!। u) $<\sqrt{\exists z}$ इति । v) तु. पाका. । $\exists iz$ — इति भाएडा.। x) √वण् इति विभाषयेति पावाग ७,४,३। y) वण- इति पाका.। w) श्रव्य. । = चेद् इति पासित. । मर्णक इति । पक्षे। भाग्रहा. । z) वित्र., नाप. । a^1) $<\sqrt{\pi \eta}$ इति ? ।

_ °िएड सु ३,४.
१ चाण्ड – पा ५,१,१२२.
चण्ड क – पा ५,४, २९.
चण्ड न्ता –, चण्ड न्त्व – पा ५,१,१२२.
चण्ड -पवन – ने विघ ३०,७.
चण्ड मन् – पा ५,१,१२२.
२ चण्ड क – (> २ चण्ड – पा.) पाग ४,१,११२.

चण्डातक - पाउभो २, २, ४२; -कम् काश्री १४, ५,३.

चण्डाल° पाउ १, ११७; पाग ४, १,७३;३,११८; -लः बीघ १, ९,६; बैघ ३,१४,७; -लम् कीय २,७,२३; शांग्र २,१२,१०; ६, १,३; बीघ १, ५, ५२; १२२; -लात् बैघ ३, १५, ११; -लानाम् विध⁴ १६, ११;१४; -लेः सुध १६.

चण्डाली- पा ४, १, ७३; -लीम् शंघ ४४९३; बौध २,२, ६७.

चृण्डाली-गमन- -ने विघ **५**३, ५.

चण्डाली-व्यवाय- -यः बौध २,२,६६.

चण्डाल्य(ती-स्र)वकी-र्णिन् - र्णी शंध ३७८.

चाण्डाल- पाना ५, ४, ३६; -लः नाघ १८, १; श्रापघ २, २,६: हिघ २,१,१२८.

चाण्डाली- >°ली-पुक्कसी-गमन- -ने शंघ ३७७: 96.

चाण्डाली-व्यवाय--यः वाध २३.४१. चाण्डाल-म्लेच्छ-संभाषण--णे विध २२,७६. चाण्डाल-संयुव- -ते कौस 188,36. चाण्डाला(ल-त्र)ग्नि- -ग्नौ अप ३१,९,२. चाण्डाल-पतिता(त-श्र) न-भोजन- -नेषु वाध २०,१७. चाण्डाला (ल-श्र) न्ना (न-श्र) द- -दः श्रप २,६,३. चाण्डालो(ल-उ)पस्पर्शन--ने हिध २,१,३°°. चाण्डालक- पा ४,३,११८. चाण्डालकि- पावा ४,१,९७. चण्डाल-दर्शन- -ने सुधप ८६: 981. चण्डाल-पतित-स्पृष्ट- -ष्ट्रा बौध 2,4,48. चण्डाल-पतिता(त-म्रा)दि--दर्श⁸--र्शे श्राप्तिगृ २,७,८:९. चण्डाल-प्रेक्षित- -तम् स्थ ६१. चण्डाल-वत् वैध ३,१५,११.

चण्डाल-वेदेहक-सूत- -ताः विध १६,६^व. चण्डाल-शव-यूपा(प-आ)दि- -दि शंध १००.

चण्डाल-सूतिक-पतितो(त-उ)दक्या-शव-स्पर्शन- -ने सुध ३२.

चण्डाला(ल-श्रा)दि-स्पृष्ट- - ष्टानाम् काथ २७८: ५. चण्डाला (ल-२आ) **ग्य- -चैः** विध २३,५०^d.

चण्डाला(ल-श्र)न्त^h— -न्तैः वैगृ ७, ४:१०.

चण्डाला(ल-म्र)**ल- -लम्** विध **५१,** ५७^व.

चण्डाला(ल-ग्र)वेक्षित- -तम् सुधप ८८:४.

चण्डालो(ल-उ)पस्पर्शन- -ने श्रापध २,२,८°.

चिष्डला- पाउर १, ५७.

√चत्(बधा.)¹ पाधा. भ्वा.उभ.याचने, नाशने था. १, चतित निघ२,१४‡ चातयसि या ४, २५; चात-यामः या ६, ३०; चातया-मसि या ६, ३०†∮; †चात यत श्रापश्री १२, ३,२; हिश्री ८, १,४१.

चत्त, त्ता- पा ७, २, ३४; - †ता बृदे ८, ६०¹; - †त्ताय श्रापश्री २१,१२,९; वाश्री ३,२,२,३६; वैताश्री ३४.१.

चस्य- पात्रा ३,१,९७.

चातन[™] — -नः श्रव ३२, १,३;३३, ६, २; श्रक्षां २३, १; श्रश्रभू २; श्रश्र १, ८; १६;२८××; —नम् श्रप १९^२, ४,२; —नानाम् कौस् २५, २२;८०,१२; —नानि कौस् ८, २५; १३६,९; श्रप ३२, १, ३; —नेन श्रप २१, ६, ८; अशां २१, १; —नैः वैताश्रौ ५,१०; श्रप ३३, ५, ६.

चातन-गण- -णस्य श्रत्रभू २.

a) व्यय. । व्यु.? । $b) = \lfloor x$ श्रांश्कः \rfloor वस्त्र-विशेषः । व्यु.? । c) नाप. । व्यु.? । d) चा॰ इति जीसं. । e) सपा. चाण्डा॰ <> चण्डा॰ इति पामे. । f) पामे. पृ ४२४ d द्र. । g) द्वस. > वस. > षस. उप. = दर्शन- । h) विप. । वस. । i) वैप १ द्र. । या ६, २० परामृष्टः द्र. । j) गतौ पृतिः । k) पामे. वैप २,३ खं. चातयत तेत्रा ३,७,९,९ टि. द्र. । l) वैप १,९२९ k द्र. । m) = ऋषि-विशेष- श्रिश्र. |k|, गर्ग-, स्क्ल- प्रमृ. श्रिप. श्रशां. कौस्. |k|

चतर -> चतस- पा ७, २,९९; पाग ४,१,१०; -सरि पावा ७,२, ९९; -सृणाम् काश्रौ १७,७,१४; बौध्रौ ८, १०: १४××; माश्रौ; पा ६,४,४; -सिमः आश्री २, १३, ९; शांध्रौ ४, ११, ६××; काश्रौ; -स्भिःऽ-स्भिः त्रापशु २०,२; हिशु ६, ३९; -सभ्यः त्र्यापश्रौ १३, १०, ११; १९,६; बौश्री; -सपु शांश्री १४, ६१, २: श्रापश्री; -सपुड-सपु काश्री १७, ३, ३; श्रागृ ४, ८, २२; –स्नः श्राश्रौ २,४,१३××; शांश्रौ; -स्र: ५ काश्री १०, २, २४; बौश्रौ १५, २२ : १६××; माश्री ६, २, ५,२७; हिश्री. चतुर्8- पाउ ५, ५८; पाग ५, ४, १०७; -तुरः श्राश्रौ २, १६, ९; ११, ७, १०; शांश्री ५, १, २××; काश्री; -तुर:ऽ-तुरः त्र्यापश्री १७, २६, ४; २३,११, ३; बौश्रौ; -तुर्णाम् श्राश्रौ ७, ५,९××; शांश्री; -तुर्भिः श्राश्री ८,१,११; १०, ३, २२; काश्रौ: -तुर्भिः ऽ-तुर्भिः बौश्रौ २१, १ : ३३; वैताश्रौ १६, ६; -तुर्भ्यः ब्राध्रौ २, १०, १८; श्रापध्रौ; -तुभ्याम् हिशु ६, २४; -तुर्ष् न्याध्रौ १०, २, ३०; शांध्रौ; -तुर्वुs-तुर्व बौध्रौ २८,८: १३; वैश्रो. चतु:-कृष्णलो(ल-ऊ)न- -ने विध ९.८. चतु:-पारायण- -णम् चव्यू 8: €. चतुः-प्रमा(ग्>)णाb- -णा काशु ३,६.

चतुः-प्रस्थ° - -स्थम् अप ३३,
३,३.
चतुःप्रस्थो (स्थ-उ) दक-पू(र्ग्णे>)णां॰ - -र्णा वैश्रो ११,
९:८.
चतुर्-अच॰ - -क्षः बौश्रो १५,
१:९५; वापूश्रो ३,६९:३८;
-क्षम् काश्रो २०, १,३६‡;
आपश्रो; -क्षौ हिपि १८:८‡.
चतुरक्षी - -ची अश्र ५,
१९‡.
१चतुर्-अक्षर - रम्ऽ-रम्
निस् ४,१०:५; -राणि आश्रौ
६,४,६; शांश्रो ९,१८,२; जुस्
१,५:५; ६:२६; -रात्

ऋप्रा १७,१९;४४. चतुरक्षर-शस् (:) लाश्रौ ७, ७,९; ९,११. चतुरक्षरा(र-स्र)धिक^b—

-कानि उनिस् १:४. २चतुर-अचर,रा⁸ — -रः लाश्रौ १६,१०,२; ऋप्रा १६,३३; -रस् श्राश्रौ ६,३,८;७,१,१२; वाधूश्रौ; -रा वाधूश्रौ ४,५०: १; निस् १,५:९; -राः श्राश्रौ ७,१०,६; -रे शांश्रौ ९,५, १३; -रेण शांश्रौ ९,६,७-१०; वाधूश्रौ ४,१००:२३; निस् २,१०:१६.

चतुरक्षर-ता— -तायाः निस् १,१:७. चतुर-अङ्ग,ङ्गा^b— -ङ्गम् श्रप २६, २,१; -ङ्गाम् श्रप ६८,२,२. चतुर-अङ्गुळ,ळा°— -ळः काश्र ७, २२; -ळम् शांशौ १७,१०, ४; आपशौ; -ळम्ऽ-ळम् काशौ १६, ८, १८; -ळाभ्याम् शांशौ १७,१०,४; -लाम् आपश्री २, २, ७; हिथी १, ६, ९४; -ले शांश्री १७, १०, ४; बौश्री ९, ३:१८; १०, ५:१७; हिश्री ४,४,१३; -लेन बौश्री ४,२: ३३; ६,२६:२३; बैश्री.

चतुरङ्गुल-पृथ्वी- -थ्वीः काग्र ६५, ३; गोग्र ४, २, १७; विध २१,४.

चतुरङ्गुल-मात्र- -श्रम् माश्रौ १,२,६,१२; -श्रेण बौश्रौ २६, २३: ७.

चतुरङ्गुल-मान^d - नेन अप २५,१;१२;३०³,१,९.

चतुरङ्गुल-विस्तार,रा⁰-- रम् वैश्री ११, ८: ९; -राम् वैष्ट १,८: ११.

चतुरङ्गुलविस्तारो(र-उ) ब्र(त≫)ता- -ता वैध १,६,५. चतुरङ्गुला(ल^त-श्र)प्र⁵--प्रम् वैगृ १,८ : ६. चतुरङ्गुलो(ल-उ)च्छ्(य≫)

या^b— -या त्रप २२,२,२; —याः माध्रौ १,२,१,६. चतरङ्गलो(छ-उ)स्मे(ध>)

चतुरङ्गुलो(ल-उ)रसे(ध>)
धा^b - -धा वैध १,६,५.
चतुरङ्गुलो (ल-उ)ब(त>)
ता - -ता वैश्रौ ११,८:४;
-ताम वैश्रौ १,१:१६.
चतुर्-अङ्गुलि -> °लिविस्तार - -रम वैश्रौ १,३:५.

चतुरङ्गुलिविस्तारो-(र-उ)न्न(त>)ता- -ताः वैश्री १,३: ७; -ताम् वैश्री १,२: ७;१२; वैग्र १,८:१२.

चतुरङ्गुलि-विस्तारा(र-म्रा) यत- -तम् वैश्री ११, ८: ७.

a) वैप १ दू.। b) विप.। बस.। c) विप.। तिद्धतार्थे द्विस.! d) समाहारे द्विस.।

चतुर्-अञ्जलि-मात्र- -त्रान् गोगृ २,१,१४.

चतुर्-भ्रनीक⁸ - -कः ऋप्रा ५, ५३[‡].

चतुर्-अनुतोद^{b'c}--दम् निस् ३, १२: १३;१७^३.

चतुर्-अनुवाक^b - कम् अत्र १८,१.

चतुर्-अनुष्टुब्-अन्त^d- -न्तम् ऋश्र २,४,३७; ६, ५९; ९, ५; १०,१६; ८७.

चतुर्-भ्रन्त,न्ता^b— -न्तम् माश्रौ १, ३, ३, २०^e; —न्ता विध ८७, ९.

चतुर्-अपस्नाव^b— -वम्¹ श्रापश्री १८,१८, ५; बौश्रौ१२,१४:१५. चतुर्-अभिष्ठव^b— -वान् श्राश्रौ ११.७.२:१०.

चतुर्-अरित, ती हिन - तिः काश्री ५,३,१२;६,१,२४; श्रापश्री ७,२,१७; वौश्रो; - तिम् हिश्री ४,१,४०; - तीम् वैश्रो ९,४: २; - तो वैश्रो १०,२:६.

चतुर्-अवत्त, ता - न्तम् काश्रौ ३,३,९१; श्रापश्रौ ११, १, १; बोश्रौ; -त्तस्य बोश्रौ १३,२३: ९; २३, ३:१६; -ताम् श्रापश्रौ ३,१,६; वैश्रौ ६,११: २; हिश्रौ २,३,७.

चतुरवत्त-पञ्चावत्त- -ते वाश्रौ १,१,१,४४.

चतुरवत्तिन् - त्तिनः आपश्रौ २,१८,९; ७, २०,११; वैश्रौ ६,८:६; ९,७:११; १२; -ित्तनाम् श्रापश्रौ ८, १५, ५; बौश्रौ २०, ५: ३२ं, माश्रौ ८, १८, ३; बैश्रौ ९, ७: ८; -त्ती माश्रौ ७, १६, ५; गोग्र १,८,७; मीस् १०,७,७०¹. चतुर्-अवदान — नस्य भाश्रौ २,१८,१२; १९,३××; वाश्रौ. चतुर्-अवर — नस्य वाग्र ११, २२.

चतुर्-अवरार्ध^b'- -र्धान् गोय ४,२,६.

चतुर-अवराध्ये^b— -ध्याः द्राश्रौ ३,४,१; -ध्यान् लाश्रौ १,११, २५.

चतुर-अवसा(न>)ना b - ना शुत्र १, ३०४; २, ८९; श्रश्र १०,५; १३,३; नाः श्रश्र १३, ३ 3 ; १९,३९; श्र्यं ३: ६९. चतुर-अवस्नाव b - -वम् हिंश्रो १३.६.९ o !

चतुर्-अशीति -- तिः श्रप ५२, २.२: ऋपा १६,९०.

चतुर-अश्र,श्रा- पा ५,४,१२०;
-श्र: शांश्री १५,१,१६; श्रापश्री;
-श्रम् काश्री १६, ४, ९;
श्रापश्री; कीग्र १,३,२^६; -श्रयोः
श्रापश्च २,६²; हिश्च १,२६;
२०; -श्रस्य श्रापश्च १,१०;
७,९; १३,३; हिश्च २,५९;
७,९; १३,३; हिश्च २,५९;
श्र,३५; -श्रा वैश्री १९,८:५;
प्राप्त, -श्राः श्रापश्ची १७,२१,५;
माश्री ६,१,४,३९; वाश्री;
-श्राणाम् बौश्च १८:६; २१:६; -श्राणाम् बौश्च १८:६; २९;

हिश्री १२,८,९; श्रापशु; -श्रात् श्रापशु २,८; बौशु २: ३; हिशु १,३०; -श्रान् वैश्री १४,१२: ४; हिश्री ७,०,२०; बौशु १९: १; -श्राभिः वैश्री १८,१६: ३०;०६; श्रापशु; -श्राम् श्रापश्री १६,४,०; ५,४; बौश्री; -श्रासु बौशु ६: २१; -श्रे बौश्री २०,२५: ११; श्रापशु ८,३.

चतुरश्र-करणी¹- -णी बौशु २:२४.

चतुरश्र-कृत,ता- -तस्य बौश्रौ २६,१०: ३; -ताः बौद्य ८: २३.

चतुरश्र-चपा(त्)ला^b--ले बौध्रौ २०,२५:११. चतुरश्र-पा(य))द्या^b--खाः

बौग्रु १०: १९;२२; १२: ११; १३: ६.

चतुरश्रा(अ-श्रङ्ग>)ङ्गी^b--ङ्गधाम् काश्रौ १६, ५,५. चतुरश्रा(अ-श्रा)त्मन् b --रमा बौग्रु ८ः २ pm .

न्सा बाद्ध ८० २० -चतुरश्रो(श्र-उ)पलिस - -से वैघ २,१४,७.

चतुर्-अक्षि² - - श्रिः बौशौ २५, ३४: १; वैशौ १७, ७: ६; - श्रिम् बौशौ ४, १: ३०; ११, १: ५.

चतुर-अष्ट(का>)कb- -कः गोए ३,१०,३. १चतुर(र-अ)ष्टादश- -शः हिश्रौ

१चतुर(र्-म्र)ष्टादश- -शः हिभौ १७,२,४.

a) वैप १ द्र. । b) विप. । वस. । c) उप. अनु \sqrt{g} द् + घज् प्र. । d) विप. । कस. > वस. । e) सपा. चतुरन्तम् <> चतुर्धां इति पासे. । f) सपा. $^{\circ}$ पखावम् <> वस्नावम् इति पासे. । g) विप. । तिस्तार्थे द्विस. । h) मलो. कस. । $^{\circ}$ जु. जीसं. । $^{\circ}$ अप. $^{\circ}$ दित $^{\circ}$ सपा. $^{\circ}$ अम् <> जिस् दितार्थे द्विस. । h) मलो. कस. उप. = रज्जु-विशेष- । m) $^{\circ}$ राश्रा $^{\circ}$ इति पाठः $^{\circ}$ यिन. शोधः ।

चतुर-अस,सा— -सः वाधौ ३, १,१,७; काशु ७, २१; —सम् काशौ ८, ५, २५; १७, ५, ३⁸; श्रापश्रौ १६, १४, १; माश्रो; शागृ १, ७, २^b; —साणि कौस् ८५, ८; —सात् काशु ३, १; —साम् माश्रौ १,७,३, २१; ६, ११; —स्ने काश्रौ १६, २, २^c; कौसू १३७,१७.

चतुर्-बह्व — -हः काश्रौ २४, ३, २५; ५, ११; वाधृश्रौ; —हम् श्रापश्रौ २१, ४, १३; बौश्रौ १८, ३२: ५××; वैश्रौ; —हम्ऽ-हम् श्रापश्रौ २१, ४, १०; माश्रौ ४, ३, ५५; —हाः श्राश्रौ १०, २, २६; काश्रौ २३, २, ११; —हाणाम् वैताश्रौ ४१,१०; —हात् श्राप्रिय २, ५, ५; काश्रौ १३, १९, ५; वोश्रौ; —हेण बौश्रौ १८,२३: १६; —हो वाध २३,४३.

चतुरह-तन्त्र- -न्त्राणि निस् ८.९: ६.

चतुरइ-पञ्चाहा(ह-अ)हीन-दशाह-छन्दोमदशाह- -हेपु वैताश्रौ ४०,४.

चतुरहा(ह-श्र)थे- - थें श्राश्री ११,१,११; शांश्री १३,१५, ७; काश्री २४,१,१०; निस् ९,१०: ८.

चतुरहो(इ-ऊ)न--नान् बीशी

२६, २६: १२; १३; -नान्ऽ -नान् बौश्रौ २६, २६: ७.

चतुरहो(ह-उ)पजन°- -नाः श्राश्रौ ११,६,९५. चतर-आण (२>) वा°- -वा

चतुर्-आण (व>) वा^e- -वा याशि १, ११.

चतुर्-आवृत् - वृताम् निस् १०, १: ३३.

चतुर्-आवृत्त- -त्तः वौश्रौ २६, १६: ९.

चतुर्-आश्रम- पावाग ५, १, १२४.

चातुराश्रम्य- पावा ५, १, १२४; -म्यम् वैध १,९,८.

चातुराश्रमी-> %प्रिम-त्- -मिणाम् वैग् १,२:१. चतुर-आहाव'- -वाः शांश्रौ ७, १४,४; -वानि श्राश्रौ ५,१०,

चतुर्-उक्ध्य°- -क्थ्यम् काश्रौ २४, ७, २३.

चतुर-उत्तर⁶ - -रः श्रृषं ४: २९; -रम् ऋप्रा १६, ८; १७, १९; -राः निस् १, ५: १५; ९: ७-१०; -राणाम् शांश्रौ ७, २०, ३०³; -राणि शांश्रौ १८,६, १; बौश्रौ; -रे श्रृप ५२, ४, ३; -रेः लाश्रौ १०,६, १२; निस् ५, ३: २८; -रो निस् १,५: २: ऋप्रा १६,७९.

चातुरुत्तर्यं - -यम् निस् ५,४:१.

चतुरुत्तर-च्छन्दस् - -न्दः निस् २,१३: ७. चतुरुत्तर-प्रयोग- -गः लाश्री १०,७,४.

चतुरुत्तर-संपन्न -न्ने लाश्रौ ८,५,२५²⁸.

चतुरुत्तर-स्तोम - -मः शांश्री १५, १, ८; १६, ३, ७; -मम् शांश्री १४,६१,११.

चतुरुत्तरीय- -यः बौश्रौ २६, १० : २६^{२१}; ३३ : ९.

चतुर्-उदकुम्भ- -म्भान् मागृ २,१४,२४.

चतुर्-उदय- -यः वौश्री २६, १६: ९.

चतुर्-ऋच¹— -चः वृदे ६, १८; —चम् शांश्रौ १२, ८, ३; निस्; —चान् श्रपं २: ४५; —चानाम् लाश्रौ ६, ४, १०; —चानि श्रपं २: ६०; ८०; —चे श्रश्र १९, ३; —चेन श्रश्र १९, २३. चतुर्क्रच-प्रकृति— -तिः श्रश्र

२,१. चतुर्ऋच-स्थ- -स्थे निस्**६,** ३:१६.

चतुर्-औदुम्बर- -रान् ऋष १८, १,१२.

चतुर्-ग $(\eta >)$ णी k --णीम् श्रप ३१,५,५.

चतुर्-गव¹- -वाणि काश्रौ २२, ११,२; -वानि लाश्रौ ९,४,१९. चतुर्-गायन्य (त्री-ऋ) न्त^ळ--न्तम् ऋत्र २,३,५९.

चतुर्-गुण,णा- -णः श्रप ३६, १५, १; -णम् काश्रौ ७, ७,९;

a) "श्रम् इति चौसं. । b) पाभे. पृ १०४७ k द्र. । c) "श्रे इति चौसं. । d) पृ ८०५ b द्र. । e) विष. । बस. । f) विष. (होत्रक-, शस्त्र-)। वस. । g) "ज्ञो इति पाठः? यनि. शोधः । h) = एकाह-विशेष-। बस. । i) "ज्ञरी" इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. उत्तरं स्थलम्) । j) विष., नाप. । वैष १ द्र. । k) समाहारे दिस. । l) विष. । 'बस. अच् प्र. उसं. (पा ५,४,७५)। m) विष. । कस. > वस. ।

हिंश्री ७, २, ३९; वाध; —णा विध ६,१३; —णाः वैताश्री ३७, ९; या १४,४; उनिस् ३:१७; —णानि विध २०, ९; —णे विध ९,१४.

चतुर्गुणो(ण-उ)च्छ्रय^क - -याः अप २१.५.२.

चतुर-गृहीत,ता^b— -तम् आश्री २,५,१४;३,१२,३;१७;शांश्री; -तस्य माश्री १,७,४,३८;५, ३३; -तानि काश्री १५,४,३७; २५,१,९; श्रापश्री; -ताभ्याम् आपश्री २,१८,१; चौश्री; -तेन काश्री १०,८,२४××;श्रापश्री; -तै: कागृ ४३,६; हिपि २३:

चतुर्गृहीत-हवन- -ने चाश्र ३०: २.

चतुर्गृहीता(त-श्रा)ज्य- -ज्ये हिश्रौ २,५,२७. चतुर्-जगस्य(ती- श्र)न्त^c-

-न्तम् ऋग्र २,१०,८४. चतुर्-जगत्या(ती-म्रा)दि⁰- -दि

ऋग्र २,१,९२. चतुर्-ज्योतिष्^त - -तिषम् रांध

११६ : ५०. चतुर्-ण(<न)वत^e- -तानि

काश्री १६,८,१८. चतुर्थ⁵¹- पा ५, २,५१; -थैं: आश्री १, ५, २४; ३, ९, २; शांश्री; अपं १:३५²⁸; -थैम

त्राधी ५, १२, १९××; शांधी; श्रावधी १३, ५,११;१२; वैधी

१६, ७: २; मीस २, १, ३६ h; -र्थस्य श्राधी ७, ७, २; शांश्री; -र्थाः बौश्रौ २६, ११:२७; शप्रा: -र्थात श्राश्री ११, ६, २; श्रापथी: पावा ५.३,८३: -थीन आपश्री १४. ४. १४; हिश्री ९, ७, ४२; ऋप्रा ४, ५; -र्थानि वैश्रौ १, १: १९; -र्धाभ्याम् त्रापञ्च १९, ४; ६; ७; हिञ्च ६, २०; २६; -र्थाय बौश्री ३. २१: ३; १०, १६: ३; वैश्रौ १८,८ : ५: -र्थे श्राश्री ७. ११. 9××; शांश्री: --थेंS-थें श्रापश्री २२,१४,१५: भाश्री ७,११,१०: ८,२,२४; माश्री १,८, ३, १८: वाश्री १,६,४,२१: -धैन आश्री ८,१२,२५; शांश्री: -र्थेभ्यः वैश्री १६,७: २; -थेंपु वैताश्री ४१. ११; श्रप ४७,२,९.

चतुर्थी— -थीं श्राक्षी ५,३,३; कांक्षी; -थींम् श्राक्षी ५, १२,१५××; शांक्षी; -थ्यें: श्रापशु १७, १; ७; वौशु; -थ्यां शांक्षी १६,४,८××; श्रापक्षी; पावा २, २,१८; -थ्यां: श्राक्षी ८,१,२२; कांक्षी २०, १,१६; वाध ११, १६; पा ६,३,७; -थ्यांम् कांक्षी १५, १०,२××; काठक्षी; -थ्यों श्रापशु १६, १४; १७, ३; ९; हिशु ५,३६;४१; ५९.

चतुर्थि-प्रभृति¹—
-ति श्रापगृ २,,१¹.
चतुर्थी-कर्मन्^k-

-र्भ शांग्र १,१८,१; गोग्र २,५,१;

कप्र २, ९,५.

चतुर्थी-निर्देश--शः पावा ४, ४, ६५; -शात्

पावा ५,१,८०.

चतुर्थी-पञ्चमी--मीभ्याम् गोगृ ४,१,१६; -म्यौ श्रत्र २०,१२५.

चतुर्थी प्रमृति-

-ति बीगृ १,७,४५¹. चतुर्थी-व**चन-**

-नम् पावा २,३,६२. चतुर्थी-वत् वैष्ट

8.9: 0.

चतुर्थी-वास-

-सः वैग्र ३,५ : १. चतर्थी-विधान-

-ने पावा **२,३,**१३.

चतुर्थी-वत-

किया—हीन- -ने वैष्ट ६,

चतुर्थी-पद्यी-

-ष्ट्यौ शत्र्य २,१२.

चतुर्थी-पष्ट्य (ष्टी-

य) ष्टमी-दशमी- -म्यः ऋष २.३,३३.

चनुर्थी-होम-

-मम् वैष्ट ६,१८: १०. चतर्थ्य(थीं-**म्र)**

न्त-पर- -रः भाशि ४६.

चतुर्ध्य(**र्था-ग्र)र्थ-**-थे पा १, ३, ५५; २, ३, ६२;

पावा ५,१,४७.

चतुर्थर्थ-प्रे-

2

क्षा- -क्षा या १,१७.

a) विष. । वस. । b) वैष १ द्र. । c) विष. । कस. वस. । d) = महद्-विशेष-। ब्यु. १ । e) पू ७९७ g द. । f) क्रिचिद् भागे अन् प्र. (पा ५,३,४९) । g) पाठः १ र्थे इति संस्कृतः भाष्यानुसारी पाठः प्रतीयते । g) र्थः १ इति कासं. । g) पूप. हस्वः । g) सपा. र्थिप्र॰ g0 पाये. । g0 पाये. । g1 पाये. । g2 पाये. । g3 पाये. । g4 पाये. । g7 पाये. । g8 पाये. । g9 पाये. । g9

चतुर्धा(यी-श्रा)-

दि- -दि ऋग्र २.८,६३.

चत्रध्या(थी-२श्रा-ग्र>)ग्रा- -ग्राः ऋश्र २, १, 934; 3,63; 0, 66; 6, 68; १०,५६; अश्र २०,६४;९५.

चात्रधिंक°- -कम् निस् ५ २: २९: -कस्य लाश्रौ ७, U. 79.

चात्रध्यं - ध्यात् निस् 3. 6: 34.

चतुर्थ-क- -कः याशि २, ९४; भाशि ४३; नाशि १, १, १२; -कम् याशि २,२१.

१चतुर्थ-काल- -ले श्रापध १, २७, ११; बौध २, १, ४२; हिंघ १,७,३६.

चत्र्थकाल-पान-भक्ष^e--धाः कागृ ४,१०.

चतुर्थकाला(ल-आ)हारव-नः शंघ ४०१.

चतुर्थकालिक--कः शंध १५९: 93.

२चतुर्थ-काल⁰-- लाः श्रापध १, २५, ११; बौध २, १, ४१; हिंध १,७,७.

चतुर्थ-नवम- -मयोः काश्रौ १२, ६, २२; -मे आश्री ४. 93,0.

चतुर्थ-पञ्चम- -मयोः निस् ९.२: १३: -माभ्याम् काश्रौ ३.३, ६: -मे आश्री ८,९, ४: निस् ३,७: ११; ८,१०: १८. चतुर्थ-प्रतिपद् - -पद्म् निस्

6.5:6.

चतुर्थ-प्रभृति- -तिषु वैश्रौ १८,१२ : ३°; हिश्रो ४, ५,४०; आपशु १०,१३°.

चतुर्थप्रभृत्या (ति-आ) हार- -रेषु हिशु ३, ५३º.

चत्रथं-भाग-भागिन्- -गी वाध १५,९.

चतुर्थ-भागो (ग-ऊ) न-कला (ला-म्र)बिशष्ट- - एः कप्र २, €. ७.

चतुर्थ-विसर्ग'- -र्गः कौगृ ३, १४,१८; शांग्र ४,२,८.

चत्रथ-वेला- -लायाम् बौश् १६: १८.

चतुर्थ-च्या(स>)साव- -साः बौशु १९: ७.

चतर्थ-पष्ट- -ष्टयोः शांश्रौ १२,३,१९; लाथौ ७, ४, १९; ऋप्रा ११,१२; - ष्टे निस् ८,३: २८; - हो आश्रो ५,१५,६.

चतुर्थ-पष्टा (ए-अ) एम-काल-भोजिन- -जी वाध

चतुर्थ-सप्तम- -माभ्याम् श्रापश १९,८: हिश ६,२८. चतुर्थ-सविशेष- -पेण श्रापशु १९,३;४; हिशु ६,२०. चतुर्थसविशेष-सप्तम--माभ्याम् आपश् १९,८; हिश् €, २८.

चतुर्थसविशेषा(प-अ)र्ध--धिभ्याम् आपश् १९,५; हिश् E, 338.

चत्रथ-स्वर-जीविन्- -विनः नाशि १,७,७.

चत्थां(र्थ-श्र)श- -शम आमिष्ट २,४,१०:३९.

चत्थांशिन् - शिनः गौध 26,34.

१ चतुर्था (र्थ-त्रा) दि- -दौ भाग १,२२: १.

२चतर्था(र्थ-त्रा)दिव- -दि नाशि २,२,१०.

चत्र्या(र्थ-अ)नुवाक- -के वैश्रो १९, ६:३७.

चतुर्था(र्थ-श्र)प्टम- -मयोः त्रापथ्रौ ७,१४,८; बौध्रौ ४,६: १५; ५, ३: ८;८: १२;११,४: ८; १५, २८: 90.

चतुर्था(र्थ-अ)हन्->चात्-थाहिकb- -के शांश्री १५, ७. 9; 6, 9.

चतर्थो(र्थ-उ)त्तम- -मौ शांश्री ३,१३, १९; आपश्री ८, 2,94.

चत्थीं(र्थ-उ)त्पाद्व- -दम् निस् २, १३ : ४.

चतुर्-दंप्ट्1- -प्ट्रान् अत्र ११, 9.

चतर्-दशन्- -श आश्री ८,३, ८; ११,६,१५; शांथ्री; -शिभः श्रापथ्री १६, १९, ११; २०, २१,९; बौध्रौ; -शपु त्रापश्रौ १२,२७,४; हिथ्री ८,८,१.

चतुर्दश- -शः शांश्रौ १४, ७२, २; ऋपा १७, ३६; -शम् श्रप ४१, ५, ७; श्राज्यो ९, ७; -शस्य वेज्यो २७; -शे वौधौ १२,२:६××; बीगः; -शेन बीछ १९: १०: -श: काश ७,३७..

a) विप. । भवार्थे ठल्प्र. । b) भवार्थे ण्यः प्र. उसं. (पावा ४,१,८५) । c) विप. । वस. ≻इस. । d) विष.। बस.। e) पामे. १ ५७९ ८ इ.। f) पस. (तु. Old.; वैतु. भवत्रातः तृस. इति)'। g) व्याभ्याम् হুति पाठः? यनि, शोधः (तु. सप्र. द्यापञ्च.)। h) विप.(स्क्त-)। i) वे र १ द्र.।

चतर्दशी- पाग ४, ३, १६: -शी बौधौ २४,२१ : ४; श्राप्तिगृ २, ७, ६ : ९^a; कप्र २, ६, २, बौध १, ११, ४०; विध ७८.५०; ऋत्र २, ६, ५२; बृदे ५, १३२; आज्यो ६, ५; १०; -शीम् शांधी ९,८,३; श्रापश्री; -इया कप २ ६,५;९; -इयाम् त्राधौ ८,३,१२; त्रापश्रौ;-इयोः वैध २.११.७.

चातर्रश- पा ४,

3.94.

चतर्इय (शी-अ)

वेक्षा- -क्षया कप्र २,६,४.

चन्देश्य(शी-अ)मा-वास्या- -स्ययोः कीमृ ३,९,७;

शांग्र ४.७,७.

चतर्इय(शी-अ)

प्रमी- -मीप विध ३०,४.

चनर्डस्या (शी-२त्राय>) या^b- -चे ऋत्र

2.6.9. चतर्श-क^c- -कम् अश्र ५,

६:२२;९,६ (६); अपं ५: ७. चतुर्दश-गुणb- -णम् अप

23.6,3.

चत्र्रश-मृहीत- -तम् अप २३, ८, २; -तानि बौश्री २८. 92: 39.

चत्र्रंश-प(द>)दा^b- -दा

उनिस् ६: २८. चत्र्रश-मा(त्रा>)त्र- -त्रः

जधीका ११६.

चतुर्दश-रात्र - -त्रः बौधौ १६,३३: १;२; -त्रस्य श्राधौ ११. २. ९: १०: १२: -त्राः श्चापयो २३.१.१२: हिथी १८, १.१६: -त्राणि आश्री ११, २, ४: बाधौ २४.१.१८:-त्राभ्याम् काथी २४. १. २७: -त्रे निसू 9.90: 29: 92: 90.

चतर्दश (श-ऋ)र्चd- -चेम् त्रात्र ५,२८; -चॅभ्यः अप ४६, 90,997.

• चतुर्दशा(श-ग्र)क्षर- -रम् वाध्यौ ४,१०० : ८; २०.

चतर्दशा(श-श्र)ङ्गु (ल>) ला- -लाम् अप ३०,१,११.

चत्र्वा(श-य)ङ्गुष्ट- - एम्

व्याप्तिग् २.३.१: १४. चतुर्शा(श-स्र)भिष्ठवb-

-बम् काथी २४,३,२५.

चतुर्-दिश्- -दिक्षु वंश्री १, २: ९; श्राप ५, ३, २; ४, ५; 863,33.

चत्रुः (र्श)श- -शम् वेशी १.८: १२××; हिथी.

चतर्-द्रिटि°- - धिम् माधौ १. 0,3,98.

चतुर्-दी(क्षा>)क्ष - - चः काथी १५,१,३.

चत्र्-दो(ग्>)गा°- -णा श्रव 9,9,2.

चत्र्-द्वार^b- -रम् अप १९२, २,३; २१,४,५: ६६,२,१. चतुर्धा आधा ६, ३, ९;

शांत्रो; काश्रो ३,४,१०¹; बौश्रो २,१८ : १२¹; चतुर्घाऽचतुर्घा

बौगु १६: १७. चतुर्धा-करण- -णभ् बौधौ

२४, २९ : ६: ३७ : ५; -णानि वौधी २४, २८: ९; -णे मीस् १२,४,४६.

चात्रधांकरणिक⁸--कानि वैश्रो ६, ६: ७; **हिश्रौ** 2, 2, 9 3; 3, 4, 9 0.

चतुर्धाकरण-काल- -ले व्यापश्री ५.२२,३: १९,२१,६; २३.४: भाश्री ५,१५,३; हिश्री 22.8.2:99.

चतर्-नव(क>)का^с- -का ऋश्र १.७,९: गुत्र ५,५०.

चत्र्-नवति- -तिः ऋग्र ४,९. चत्र्-निधनb- -नम् निस् ७, 99:94.

चतर्-न्यन- -नम् काशु ७, ₹.

चतर्-बाहु^b- -हुम् विध १, Sin.

†चतुर्-बिल^b- -लम् त्रापश्रौ १,१३,१; ७, १०,१; भाधौ. चतुर्-भाग'- -गः श्रप ३३, ३, ७^२; उनिस् २: २३; -गम्ऽ-गम् काधी २४, ५, १६; -गे अप

चतर्भाग-मात्र- -त्रम् याशि

२२,३,१.

चतुर्भाग-त्रत- -तम् वैश्री १९,9:98.

चत्रभागी(य >)या- -या व्यापरा ११, ३; १६, ६; हिश्र ध.४: ५,२७; -याः श्रापशु १५, इ: बीश ८: १९; १७: १२; हिरा ५.७; -यानाम् वधी १८, १६ : ७८; श्रापश् ११, ५; हिशु

b) विष. । बस.। c) विष.। परिमाधे कन् प्र. (पा ५,९,५८)। a) अत्र सप्तम्या लुक्।

d) वैप १ द्र. । ϵ) विप. । तदितार्थे द्विज. । f) पामे. पृ १०४७ e द्र. । g) विप. । तस्येदमीयप् ठक् प्र. ।

४,६; —याभिः वैश्री १८, १६: ८१; आपञ्च ११,८; बौग्र १०: २४; ३३; २०: १९; २५; हिञ्च ४,११; —ये बौज्ञ १७: १३. चतुर्भागीया(या—अ)

क्ष्णयो(या-उ)अयतो-भेद- -दः आपशु १६,११; हिशु ५,३२. चतुर्भागीया-मात्र- नत्रम्

श्वापशु १६,६; हिशु ५,२७. चतुर्भागीया (या-श्र) धै--धैम् श्रापशु १६, ७; हिशु ५,

चतुर्भागो(ग-ऊ)न,ना- -नः आपशु १९, १; हिशु ६, १६; -नाः आपशु १५, ८; हिशु ५, १३; -ने नौशु १: १८.

चतुर्-भुज²— -जम् वैष् ४,११: ४; विष ९७,१०; आभिष्ट २, ४,१०:१३.

चतुर्-महाराजिक®- -०क विध ९८.४९.

चतुर्-मात्र,त्रा- -त्रः त्राश्रौ १, २,१४; शांश्रौ १, २,१३; शैशि ३४६; ऋपा १५,५; -त्रा शांश्रौ १,२,३

चतुर-मास->चातुर्मा (स>) सी^b- पावा ५, १, ९४; -सी: द्वार ३, २, २८; -सीषु श्रापघ १,१९,५; हिच १,३,३०.

श्चातुर्मास्य - पावा ५, १, ९४; -स्यम् श्रामिए २, ४, ४: २१; शंघ २५२; वैघ २,५,४; ३,६,८; -स्यात् वैघ ३,६,७; -स्यान् वैश्री १,१८: १; -स्या-नाम् शांश्री ३, १३,१; काश्रीसं २८: १४; २४; २९: ११; बौश्रौ ३, २६: १४××; माश्रौ;
—स्यानि श्राश्रौ २, १५, १;
२०,६³; ९, २, १;३,३; शाश्रौ;
—स्यानिऽ-स्यानि वैश्रौ ९,१२:
१५; —स्येभ्यः वाध्रुशौ ४,
१०३³: ७; —स्येषु श्राश्रौ २,
१५, ७; शांश्रौ; —स्यै: श्रापश्रौ
८,२१,२; बौश्रौ.

चातुर्मासक- पावा ५.१.९४.

चातुर्मासिक^d--कानाम् बौश्री २१, १: २८; २६,१०: १८; -कानि बौश्री

२१,१ : ८. चातुर्मासिन्- पावा ५,१,९४.

२चातुर्मास्य^e - स्याः काश्रौ २२, ७, १; श्रापश्रौ २०, १५, ३; बौश्रौ १५, १२: ९; १७, ६२: २२^२; -स्यान् हिश्रौ १४,३,१८.

चातुर्मास्यक¹- -कान् वाश्रौ १,७,५,१३.

चातुर्मास्य-पशु--शूनाम् बौश्रौ २४,१०: ११.

चातुर्मास्यपद्य-दक्षि(गा))ण²--णैः शांश्रौ १४,१०,२३.

चातुर्मास्य-दक्षिणा--णाः बौश्रौ २१,६ : २०.

चातुर्मास्य-देवता—
-ताः शांश्री १४, १०, ४; १६, ३, १६; १२, १५; काश्री २०, ७, २२; —ताभ्यः शांश्री १६, ३,१५:३२,१४.

चातुर्मास्य-पर्वन्-

-वैणाम् शांत्री १३, २४, ४; -विभः कात्री २४, ४, ३०; -वैसु मात्री ५,१,७,२८.

चातुर्मास्य-पशुबन्ध-सौन्नामणी- -णीषु वैश्री २०, २२: ९.

चातुर्मास्य-प्रयोग--गः काश्रौ ५,१,१; १५,१,१५, चातुर्मास्य-स्य-स्य

हिपि २१: १. चातुर्मास्य-मन्त्र-

-न्त्राः शुत्र,१,२२९.

चातुर्मास्य-याजिन्--जिनः श्रापश्रौ ८, १, १, १२, ८,१; हिश्रौ ५, १, १; १७, ३, २५; –जी श्रापश्रौ ८, ४, १२; १३; वैश्रौ ८, ८: ७; वैध १, ५,३.

चातुर्मास्य-वत् श्रापश्रौ २२,९,४.

चातुर्मास्य-वैश्वदेव> व-गर्ग-वैद-च्छन्दोमवत्पराका(क-श्र)न्तर्वस्व(स-श्र)श्वमेधन्यह्--हाणाम् वैताश्री ४१,२-

चातुर्मास्य-व्रत-

-तानि श्राश्रौ २,१६,२२. चातुर्मास्य-संयोज-

न - - नः बौधौ २६,२९: ९-चातुर्मास्य-हविस-

-वींषि शांश्री १४, ५,५.

चातुमिस्या (स्य-म) न्तराल- -लेषु भाश्रौ ८, ३,२५-

चातुर्मास्यान्तरा-छ-व्रत— -तानि बौश्रौ २८,८:१.

. चतुर्मास-शस (:) काश्री

28,4,6.

a) विप. । वस. । b) =पौर्णमासी- । c) = इष्टि-, व्रत-विशेष- । वैप १ इ. । d) विप. । सेवेडर्षे अप् प्र. (पा ४, ३, १९६) । e) विप. । तस्येदमीयः अण् प्र. । f) विप. । तस्येदमीयः वुस् प्र. उसं. (पा ४, ३, १२६) ।

चतुर्मासो(स-उ)पसत्क°- -त्के काश्री १७.७.१२. चत्र्-मुख³- -खम् श्राप्तिगृ २, ५.६ : ४: बौध २,५,२०.

चतुर्मुखी- -खीम श्रप ६,१, 98.

चत्र्-मुहूर्तb- -तम् गौध १६,

चत्र्-मेध⁸ - -धः श्रापध २,१७, 33°

चतुर्-मेधस्8- -धाः वाध ३, 980.

चतुर्-यम- -मम् तैप्रा २३,२०; 23.

चतुर्-युक्त- -क्तः नाशि २, ४,७; -क्तस्य श्रप १,३२,१. चतुर्-युग- -गम् b विध २०, १०:४३,२६^व: -गानाम् विध 20.99.

चतुर्युग-सहस्र- -स्रम् विध 20,93.

चतुर्युगा(ग-म्र)न्त- -न्ते श्रप 42,98,9.

चतुर-युज्- -युक् काश्री २२, ५,१०; १०,३०; श्रापश्रौ २२, .१२, ४; बौश्रौ १८, २०:६; १९: लाश्री ८, ७, ३; -युजः काश्री १४, ३, ११; बृदे ३, १४७; १४९; -युजा श्रापश्री . २२, २, २०; हिश्रौ १७,१,३६; -युजाम् वाधूश्रौ ३, ७९:३; -युजी लाश्री ९,४,१३.

चतुर्-व(क्त्र>)क्त्रा - -क्त्रा

वाध २८,२१.

१चत्र्-वर्ण⁰⁷⁸— -र्णम वैग्र ३. 99: 6. २चतर्-वर्णा- पावाग ५, १,

चातुर्विणिक - -काः वैध ३. 92.3.

चातर्वण्यं- पावा ५, १, १२४, - ण्यम वाघ ४,१; मीस् ६, १, २५; -ण्येस्य विध १, £9; £3.

चात्र्वण्यं-व्यवस्थान--नम् विध ८४,४.

चातुर्वर्ण्य-संकर- -रेण वैध ३,११,१.

चतुर्-वार- -रम् श्राप्तिगृ २, ३, चतर्-विंशत्b- -शत् अप ५२,

चतुर्-विंशति- -तिः त्राश्रौ ४, ८, १५; शांश्रौ; -ति:ऽ-ति: शांश्री १६, १५, १८; -तिम् शांश्री १०,१२, ९; १४,७७, २; काश्री; हिश्री १६, १, १११1; -तेः विध २७, २६; -त्या त्र्यापश्रौ १०, २६, ५; हिश्रौ; -त्याम् श्रापश्रौ ५,४,४; भाश्रौ ५, २, १५; श्रापश ४, ३; हिश

चतुर्विश!--शः आश्रौ १०, ३,११; श्रापश्रौ २३, ४, २; ७, १३; ८, १०; बौश्रौ १०, ४२: ५××;हिश्रो; -शम् आश्रौ८,१३. ३ १××;शांश्री; -शस्य दाश्री११, ४, १; लाश्री ४,४,१; निस् ४, ५:५: -शाः शांश्रौ १४,४२.३: बौश्रौ १६,२८: ३;३४:७;३६: २०; हिश्री १७, ७, ८; -शात् शांश्रौ ११, ५, ७××; बौश्रौ; -बानाम् आश्रौ १२, ५, १२; -शानि श्रापश ५,१३; हिशु २, २४: - शे श्राश्री ७, २, १××; शांश्री: -शेन श्राश्री ७,६,१;८, ७,२; ९,१०,१; श्रापश्रौ; -शेषु लाश्री १०, ८, २; -शी शांश्री १४, ३३, २; बौध्रौ १८,२३ : ५; २५,३३ : ३; हिश्रौ १७,२, ५: निस् ७,६ : १३.

चतविंशी- -शी शांश्रौ १८, १४, ४; -शीम् वाध्यौ ३,५८: ७.

चात्विँशिक^k- -कम् आश्री ७,६,६; ८,५,९; -कानि शांश्री १२,२७,४.

चत्रविंश-चतुश्रस्वारिंशा-(श-श्र) ष्टाचत्वारिंश- -शाः वैताश्री ३५,२०.

चतुर्विश-त्रिणव- -बी निस् ७,९: ४.

चतर्विश-बहिष्पवमान⁸--नः हिश्री १७,२,४.

चतुर्विश-महावत- -ते शांश्रौ १६,२०,१८.

चतुर्विश-महावता (त-अ) भिजिद्-विश्वजिद्-विषुवत्--वरस श्राश्री ७,२,१०.

चतुर्विश(श-ऋ)चै--चेम् श्रश्र ४, १७;९,१.

चत्विंश-वत् वैताश्री ३३,

b) समाहारे द्विस.। c) परस्वरं पामे.। d) चा $^{\circ}$ इति जीसं.। a) विप.। बस.। = अक्षर-। f) कत. उप. = जाति-। g) तत्रजातार्थे ठक् प्र. उसं. (पा ४,३,२५)। h) उप. = विश्वति-(तु. वैप ३)। i) पाठः ? °ितः इति शोधः (तु. सप्र. काठ ३४,९ ता १०,३,३)। j) विप. (स्क्र- । अस्र ८,८), k) विप. । तेननिर्वृत्तभित्यर्थे ठक् प्र. (पा ५,१,७९)। नाप. (स्तोम-, एकाइ- प्रमृ.)। पृ ७९४ ८ व्र.।

9: 30,8. चतर्विश-षष्ठ®- -प्टान् निस ७,९: २. चतर्विश-स्तोम°- -मस् शांश्रो १०,९, १; १२, १; ११, 3.9. चत्रविंशा (श-अ) क्रर--रम् अप ३१,४,२. चत्रविंगा(श-ऋ)ङ्गुल, ला⁶- -ल: काशु ७,२५; -ला श्राप २२,२,२. चत्विशै (श-ए)कविशत्--शदभ्याम् ययं ४: १९. चतर्विशक°--कम् अत्र९,४. चत्रविशिका°- -का ऋश्र 2,6,84. चतुर्विशिति-कृत्वम् (:) शांश्री १८,१४,९; आपश्री १५, १२,५; भाक्षी ११,१२,५; हिथी 28.4.4. चतुर्विशति-गत्र- -तस् श्रापश्री १६,१८,५; हिश्री ११, ६,२७; हिपि १५ : ३. चतुर्विशति-परम⁶- -माः श्रापश्री २३,१,१. चतुर्विशिति-पाइत्र-भाग--गः काशु ७,३७. चतुर्विशति-दिण्ड- -ण्डान् बीपि २,११,८; चवविँदावि-भाग- -गेन हिपि २५: 4. चनविँशति-मान°- -नम् बौधौ १८, ३७:८; -नानाम् बौधी १८,३७: १२; लाधी ८, १० २: -ने बौधौ १८,३७: ८. चतर्विशति-रात्र- न्त्रः शांश्रौ १३,१६,५; बौधौ१६,३४:१;४; -त्रम काथी २४,२,१३; -त्रेण श्चापधी २३,४, १; हिथी १८, र्. १: -त्रो आधी ११, ३, ६; आपथ्री २३. . १४; हिथ्री १८, चतर्विंशति वर्ग, गांव- -गां काश्री २२, १०, २७; -र्गान् लाधौ ९,४,१२. चत्रविंशति-वर्ष- -र्पाणि व्याभिग ३.९.३ : १६; वौषि २, चत्रविंशति-स्ोत्रीय8- -येण हिथी १७,२,१८. चतुर्विशस्य(ति-य)क्ष(र>) रा- ग ्यो १४, ४२, १९; वाध्या ४, ५८: ५××; निस्; -राम दाघथो ४, १०० : ७. चतुर्विशस्यक्षरा (र-या) दिª- -दीनाम् सांश्रो ७, २७, ३०: - जीनि ऋय १,३,३; शुश्र चतुर्विशस्य(ति-घ)ङ्गुल--छम् वंशी ११,७:१; यप २३, ३,४; ५,५; -छस्य वंश्री ११, 90:94. चतुर्विशस्य (ति-स्र) ङ्गुछा-(ल-ग्रा)यत,ता"- -तम् वंश्री ११,८:११, -ताल् वैश्री १, 9:94. चतुर्विशस्य (ति-य्र) इगुलि-

चतुर्विशत्य (ति-श्र) इ- -हः वाध २२, १३; वौध ३,७, ७: १०, १६; गांध १९, १८; -हे पागृ २,३,६; श्य ४,१७८. चतुर्-विद्या- (> १चातुर्वेद्य-पा.) पाग ७,३,२०. चतुर्विद्य^d- पागवा ५, १. 938e. चातुर्वि ।, वैं । द्यां - पा ५,१,१२४;- द्यम् वाध ३,२०8. चतुर-विध"- -धः कागृ १३,२: माशि २, ५; ५, ५; याशि २, ८; -धम् शांधी १६, २३, १; ४; २६; कप्र; -धस्य अप २, १, ७; गोंध ८, २; श्राज्यो ७, ९७: -धाः वैध १,३,१; ५, १; ७,२;९,१;१०,२; -धानाम् वृदे २,३५;-धे अप३,३,८;६१, १, २०; -धैः श्रप ३६.१,३. चानविध्य- -ध्यात् निस् ८, 9: 23. चत्र-त्रीरh- -रः निस् ८, ९: 9: -रे नित् ९,४: २८. चत्र्-वृत्! - -वृत् वीषृ १, २, 93. चत्र्-वृष् - -पः श्रश्र ५,१६. १ चत्र्-बेद् k- -दात् बीष १,. v. v. चातुर्वेद्य'- - चम् चब्यू १: २. २चतुर्वेद्व- पागवा ५, 9, 938. २चातुर्वेद्य'- पा ५,१,

a) विष. । वस. । b) विष. । तिहिताभें हिस. । c) पृ ७९४ f द्र. । d) श्राधीताथीं यस्य प्र. लुक् । e) तु. पसि. । f) स्वार्थे प्यति प्र. उप. वा गृद्धिः उसं. (५ ७,३,२५) । g) सपा. चातुर्विद्यम् <> स्वातुर्वेद्यम् इति पामे. । h) = भ्रहीन-विशेप- । यस. उप. = पुत्र- । i) = मधुपर्क-विशेप- । उस. उप. श्रीध कर्षे किप प्र. । i) वैप १,५०२ i द्र. । k) समाहारे द्विस. ।

-लयः श्रापश् १५, ७; हिश् ५,

१२४; -चम् वौध १,१,८°.
चतुर्वेदा (द-म्रा) दि-मन्त्र-न्त्रान् वंगृ ६, ११: ३; वैध २,
६३,६१°; -न्त्रेः वेगृ ६,१७: ४.
चतुर-हविस ९ - विः वौशौ
१७, ५३: ५; १०; माशौ ५,
१,१,३२; १०, १८; २,२,१५;
हिशौ १३,३,३०; -विषः माशौ
५, १, १, ३४; २, ३; १०, १;
-विषम् वौशौ १८,६: ७;
-विष श्रापशौ १८,९,६; माशौ
५,१,०,०,०.

चतुर्-हस्त,स्ता^d - -स्तम् वैश्रौ ११,९: १; वेग् ६,१:३; कागुड ४५: ४; अप ३०^२, १,३; ४; -स्ताम अप १८,१,१०

चतुर्हस्ते (स्त-इ) डा- -डाम् बौश्रौ १,२०: १५.

चतुर्-हस्तो(स्त-उ)च्छ्त^e--तः विध १०,२.

चतुर्-हाय(न>)णी- -णीम् माश्री ५,२,१०,२.

चतुर्-हायन°- पाग ८, ४, ३९; -नाः वाश्रौ ३,४,३,१९.

चतुर-होतृ!— -तिर शांधो १०, १५,१; —ता वौधो १७, २१: ८; माधो ५,२, १४,२; हिश्रो २१,१,२,२×׆; वौश्रो; —तारम् शांधो १०,१५,२; आपश्रो ४,९,७; ५,२४,७××;

बौध्रौ; -तुः श्रापश्रौ २१, १०,

७; वौश्रौ १९, ७: ५२; २६, २९: १; हिश्रौ १६, ४, २४; -तृमः काग्र ४३, ६; -तृमम् श्रापश्रौ १४, १३ वौश्रौ १९, ७: १४; हिश्रौ १०, ७, १; चाश्र १०: ३; -तृन् श्राश्रौ ८, १३,६; श्रापश्रौ ५, ११, १××; वौश्रौ; -त्रा श्रापश्रौ २, ११, ५; ४, ८, ७××; काश्रौसं.

चातुहीतृक^द - कम् काय ४३: १.

चातुहों।,हों।तृकी--की मागृ १, २३, १^५; वागृ ७,

चातुहोंत्र¹— -त्रः श्रापश्रौ १९, १४, १८; २७; १५, ११; हिश्रौ २३, ३, १६; २१; ३१; -त्रम् त्रप २३, १०, ७**४**; ११, २**४**.

चातुर्होत्र-विधान-

चांतुहोंत्रीय¹— -यम् श्राप्तिए १, २, १: १२; बौए ३,१,२३.

काश्री १२,४,१६. चतुर्-हो(त्रा>)त्र¹- त्रम्

चत्रहाँत-व्याख्यान k- -नम्

बैगृ ५,४: २; ४. चतुर्होत्रे(त्र-इ) ष्टका m - नकाः बौश्रो १९,७: ११.

चतुश्-चक्र"- -कः वौश्रौ **१७**, ५३: १; ५४: १;२; -क्राणि बौशौ १५, १४: ७; -के बौशौ २३,१७: २८; बौध १,६,३०. चतुक्-चत्वारिंशत्— -शत् शांशौ १२,२,९७; वाधूशौ ४,४६: ५; ६५१: ५; अञ्च १०, १०; १९; नघ ३,१४; या ३, १९; ऋपा १६,६४; —शतम् ञ्चापधौ २१, १,१४!°; बौशौ २६,४: ९; हिश्रौ १६,१,१९°.

चतुश्रस्वारित— - शः श्रापश्री १७, ३, २; वीश्री; — शम् श्रापश्री २२, ८,११ × ४; वीश्री; — शः वीश्री १६, ३४: १४; ३६: २०; — शे श्राश्री ७, ५, ११; १२, ७, १२; लाश्री ६,२,

चतुश्रत्वारिंश-स्तोम-

चतुश्चत्वारिंगद्-अच(र>) रा- -रा वाधूश्री ४, ६५ : ६; १०० : ९; निस् १,४ : १.

†चतुश्चत्वारिशिन्'- -सी माश्री ६,२,२,१; वाश्री २,२,

१ चतुः, ज्ञ-ज्ञत^p - तम् शांश्री १८, १३, १; ८; बौश्री; -तान् श्रापश्री १८,१९,५; हिश्री १३, ६,२९; -ते लाश्री १०,७,११.

चतुःशता(त-श्र)क्ष(τ) रा°- -रा निस् १,५ : २. २चतुः-शत 0 - -ताः श्रापश्रौ २०,५,१२.

a) पासे. पृ १०५४ g द्र. । b) °न्त्रम् इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. C.) । c) विप. । वस. । d) विप. । तिक्षतार्थं द्विस. । e) कस. पूप. समाहारे द्विस. । f) वैप १ द्र. । g) विप. । स्त्रार्थं टक् > कः प्र. (पा ४, ३,०२) तिक्षतार्थं द्विस. । e) कस. पूप. समाहारे द्विस. । e) विप. । परस्परं पासे. । e) = यकः , मिनचयनः । तस्येदमीयः तुप. वृद्धिवां उसं. (पा ७,३,२५) । e) = प्रत्य-विशेष- e-तैत्रा ३,१२,५। । स्त्रार्थं e0 > ई्यः प्र. । e0 = शस्त्र-विशेष- e1 विप. । e1 = प्रत्य-विशेष- e3,८। । । = मन्त्र-विशेष- । वस. । e3,८। । वस. । e4,८। । वस. । e5 वस. समासान्तप् उच् प्र. (पा २,२,२५,५,४,०३) । प्रश्रे भ द्र. । e7) = १०४ । मलो. कस. । e7) वस. समासान्तप् उच् प्र. (पा २,२,२५,५,४,०३) ।

चतुः-शमी°- -मीम् कीस् १३७, चतुः-श(य>)या⁸--याम् माश्रौ १,७,३,१३. चतुः-श(य>)यी^a- -य्या काठश्रौ ९२. १चतुः,श्-शरावb- -वः बौश्रौ १४.१८: २८; भागृ २, १५: ९+: हिंग २, १४, ४+; -वम् ग्राध्रौ ३,१४,१; श्रापध्रौ ५,५, १××; बौश्रौ; -वस्य श्रापृ २, २चतुः-शराव- -वैः वैश्रौ १,५ः चतु:-शख°- -खाः श्राश्रौ ६, 8,0. †चतु:-शिख (ण्ड>) ण्डा^b− -ण्डा^व त्रापश्रौ ४, ५, १; ६, २: ११, ५, ३; भाश्री ४, ६, ४; ८,३; वैश्री ४,११:४;५,६: ३; १४,४: १३; हिश्री ६,२, २; १०; -ण्डे श्रापश्री ७, ५, १; भाश्री ७, ४, १; वैश्री १०,४: १३; हिथ्रौ ४,१,६२. चतु:-शि(ठा>)ल°- -ले कौस् ₹,96年. चतु:-ग्रुक्ट°- -क्रम् वैगृ २, १: ८; -क्टान् जैगृ १,६ : ४. †चतु:-शृङ्ग°- -ङ्गः त्रापश्री ५, १७,४; हिश्री ३,४,४८. चत्रप-क'- -कः लाश्री ६, ७, १; ऋश्र; -कम् लाश्री ६, ७, ३; वाध २, ४८; विध ६, २; 羽羽 २,9,8९××; 羽羽.

चतुष्क-प्रभृति - तयः निस् 2.5: 3; 90; 39. चतुष्क-पट्क- -ट्काभ्याम् उनिस् १: ५२; -ट्की पि ३, 80. चत्रष-कप(र्द>)द्रि --द्रि उस ५, ६^d. चतुः,प्-कपाल^b- -लः श्रापश्रौ २२, १८, १८; हिथ्री १७, ७, १०: -लम् बौश्रौ १६, २८: १४; त्रप्राय ४, १; -लाः बौश्रौ १३, ४१: ११; -लान् वौश्रौ १३,३३: १××; माश्रौ. चतुः,-ष्-कर(ग्)णी^þ- -णी काशु ३, ६०; श्रापशु २, १२; हिशु १,३२. चत्ष्-क(ल>)ला^e- -ला ऋत 2, 8, 2. चतुष्-काल->चतुष्कालिक¹--काः वैध १, ८, १. १ चतुप्-कोण->°ण-वनस्पति-शाखा- -खायाम् मागृ २,६,४. चतुष्कोणा (ग्र-श्र) धवीत।--तम् अप २३,१,५. २चतुष्-कोण^e- -णम् श्रप ३०, १,५; शंघ १४१. चतुष-क्रम- -मः ऋप्रा ११,१९. चतु-ष्ट(<स्त)न⁰- -ने वाश्री ३, 2.4,29. चतुष्-ट(< त)य- -यः बौध्रौ १७,४४: १७; -यम् शांश्री १, १,३९; काश्री८,१,११; श्रापश्री; -याः शांश्रौ १६,२३,२; -यानि २; —ये कीय १, १६, १६; शाय १, २४, ७; —येन बौश्रौ १३, २५: १७; २४, १: १६; निस् १,६: ७.

चतुष्टयी- -यी: बौधौ १५. २: १××; -यीनाम् बौश्रौ १८. १८:१०; -यीपु बौधौ १५.३: १२; वाश्रौ ३,४,१,११; -य्यः श्रापथ्रौ २०, २, ३; ९, १०. हिथी १४,१,१६; २,४१. चतः-ष्टोम^{b/k}- -मः शांश्रौ १५. १२, ४××; श्रापश्रौ;- मम् श्रापथ्रौ २२,६,८;१०; बौध्रौ; -मयोः लाश्रौ ६,८,१; ९,४,८: -मस्य शांश्री १६, २४, ९; -माः त्रापश्रौ २२, १८, १४; बौधौ १६, २८:८; -मात् शांश्री १६, २९, १२; -मान् बौधौ १६, ३५: ८; १८,४९: ११; १९; -मे बौश्रौ १८,४८: १८; १९; निस् ८, ७:३२; -मेन शांश्री १४, ५१, ३××; बौश्रौ: -मेषु निस् १०,५: २३; -मी काश्री २२, १०, १८; श्चापश्री २२, ११, १४; बौश्री १८,४८: २७.

चतुष्टोम-कारि(त>)ता-ताः निस् ८,८: ७.
चतुष्टोम-त्रिककुभ्¹- -कुष्
श्राश्रौ १०,३,२२.
चतुष्टोम-न्याय- -येन निस्
९,१:३५.
चतुष्टोम-सर्वस्तोम- -मयोः

चतुष्टोम-सर्वस्तोम- -म लाग्रौ ९,११,१३;१४.

a) विष. । पृ ४३९ ० द्र. । b) वैष १ द्र. । c) विष. । बस. उप. $< \sqrt{3}$ संस् [स्तुतौ] । d) पामे. वैष १, १३०३ d द्र. । e) विष. । बस. । f) विष. । तदस्य परिमाणे कन् प्र. (पा ५,१,५८) । g) दौः इति पाठः ! यिन. शोधः । h) = रज्जु-विरोष- । i) = वानप्रस्थ-विरोष- । j) विष. (र्र्ग्य-) । कस. । k) हिंश्री १७,२,५२;५८ पुराष्ट्रो इति पाठः । i) = श्रहीन-विरोष- ।

बौश्री ५, १:४; ५: ३; १०:

चतुष्टोम-स्तोम-संपद्— अतिरेक- -कात् द्राश्री २, ४, ६.

चतुष्-ट्व(<त्व)- -ट्वम् या १,२.

चतुष्-पङ्क्त्य(ङ्क्रि-श्र)न्ते --न्तम् ऋग्र २,८,३१.

चतुष्-पञ्च-कृत्वस् (ः) शांश्रौ २, ८.१७.

चतुष्-पथ- -थः बौशौ ५, १६ः ८; -थम् भाशौ ८, २१, ९; वेश्रौ ९, १०ः १५; हिश्रौ; -थात् श्राप्त १, ५,५; काप्त १४, ५; गोग्त २, १,४; कौस् ३७, ९; -थान् गोग्त २, ४,२; -थे काशौ ५,१०,७; श्रापशौ ८, १०, १२; वौशौ २,८ः १४; २४, ८ः ३; भाशौ; -थेषु काग्त २६, ७; श्रप ४.६,५; ६९,७,४.

चातुष्पय^b- -थम् श्रापश्रौ ८, १८, १.

चतुष्पथ-सद् - -सदे माय १, १३,१३; वाय १५,६. चतुष्-पद् - -पत् श्रापश्रौ १८,

१९, ०^{†а}; वाधूश्रौ ४, १००: ३०; वौग्र ४, २, ९^{†е}; —[†]पदः शांश्रौ ४, २०, १; श्रापश्रौ; —पदाम् श्रामिग्र २,५,९:१५; जैग्र २,६:१२; गौध २८,०; —[†]पदे श्राश्रौ २, ९,१०;

चतुष्पदा- -दया श्रापश्रौ ३,१४,४; -दा शांश्रौ ७,२७, ६; वौधौ; -दाः निस् १,३: | २२; ७,८: ६; ऋग्र १,३,१२; गुक्र ५,१३; श्रक्ष २,२४; ऋग्र १७,५०; -दानाम् ऋग्र १८, ४७; श्राज्यो ४,१०; -दायाम् निस् १,७: ७; -दे श्रग्र १८, ४; १९,१६; उनिस् १: ५४.

चतुष्पदा (दा-श्र)ति-शक्ती- -र्थः श्रश्र ५,२४¹.

चतुष्पदी— - †दी बौश्री १४, १४:३१; आग्र १,७,१९⁸; कौग्र १,८, २८⁸; शांग्र १, १४, ६⁸; या ११, ४०; —दीम् उस् ५,६†; — या: आपश्री १८, २०, ५; वाश्री ३,३,४,४; हिश्री १३, ६,४६.

चतुष्पत्-पक्षि-भुजग- -गान् श्रप ७०^२,१२,३.

चतुष्पत्-पक्षि-मानुष- -षाः श्रव **७०^२,२१,३**.

चतुप्पत्-पक्षि-सदश--शानि श्रप ७०^२,१०,४.

चतुष्-पद- -दम् आज्यो ४,६; ९; -दे निस् ६,३:१०; आज्यो ५,१५.

चातुष्पद्र^b— -दौ निस् ५, ८: ५. चतुः,प्-पर्याय!— -यः बौश्रौ १७,९: १७; —याः लाश्रौ ६, ८,१; —यान् निस् ७,८: २. चतुष्-पद्यु¹— -ग्रुः बौश्रौ १७, ३२: ८.

चतुप्-पाणि^k -- णि श्रप २५,

२,५. चतुष्-पात्र^k - -त्रम् बौश्रौ २९, १०: १९.

चतुष्-पाद् — -पात् श्रापश्रौ ४, ११,१ १; वोश्रौ १२,०:४४;१६: ५; माश्रौ; कौस् ३३, ९ १ ९; -पात्सु माश्रौ ५,२,१,३; बौय ३, ५,१२; -पाद्स वोश्रौ १४,९:३; माश्रौ १,८,३,३ १ माश्रौ १८,८,३,३ १ श्री श्रिप्ट २,५, ५:३ १; मेश्र १०; श्रश्र ८,१० (३,४²); पा २,१,०१; -पाद् बौश्रौ २८,११:५; -पाद् स्थः या १२,१३; पा ४,१,१३५.

चतुष्पाच्-छ($\langle x\rangle$)कुनि—
-निषु पा ६,१,१४२.
१ चतुष्-पाद,दा°— -दः विध ८६,
१५; —दाः शांश्रो १६, २३, ३;
निस् ७,८: ३; वौश्रो २७,४:
१; —दाभ्यः निस् १,४:२५;
—दे काग्र १७,१.
२ चतुष-पा (द \rangle) दी m — -दी

वेज्यो ३०. चतुष्-पुट¹- -टम् आपश्रौ **१२,** २,१४.

२,१४.
चतुः,ष्-पुरुष्* - -षः श्रापश्रौ
१६,१७,११; माश्रौ ६,१,५,
३१; बाश्रौ; -षम् जैश्रौ ७: ५.
चतुः,ष्-प्रकार¹ - -रः श्रप ७०,
१०,१; -रम् श्रप ४४,१,२.
चतुष्-प्राइय -> चातुष्प्र(इय° पावा ५,४,३६; -श्यम् काश्रौ
४,६,११; ८,२;१०; द्राश्रौ १२,
१,१६; ४,८; लाश्रौ ४,९,१०;

a) विप. । कस. > वस. । b) विप. । तत्रभवीयः अण् प्र. । c) वैप १ द्र. । d) पामे. वैप २,३ छं. चतुप्पात् ऐता ८, २० टि. द्र. । e) पामे. वैप १,१३०३ k द्र. । f) कस. । एतदनु पृ ९० अतिशक्ष्यः इत्यत्र यिन. शोधः । g) पामे. वैप २,३ छं. चत्वारि तैत्रा ३, ७,७,९१ टि. द्र. । h) विप. । तस्येदमीयः अण् प्र. । i) विप. , नाप. (श्रातिरात्र-) । बस. । j) विप. । वस. । k) तिद्धितांर्थे द्विस. । l) पामे. वैप १,१३०३ । द्र. । m) समाहारे द्विस. ।

१२,८; — इयात् बौश्रौ २०,६ : ३; २३, २-३ : ३; — इया**म्** वैताश्रौ ६,६°.

चातुष्प्राश्य-पचन-वत् पागृ १,२,४.

चातुष्पाश्य-प्राशन— -नम् द्राश्रौ १२, २, ११; लाश्रौ ४, १•,११.

चतु:-षष्टि - िष्टः वीश्री २१, ६:२०; श्रप ३३, ३, २, विध; -ष्टिम् वीश्री १८, ३०:१२; १७; विध ५, ६७; वीशु १६,

चतु:षष्ट^b - स्टम् काश्रौ २४, ५,९१; लाश्रौ १०,९४,९३^{? c}. चतु:, प्-पोडशिन्^d - शी आपश्रौ २२,५,९४; हिश्रौ १७, २,४२.

चतुस (ः) पा ५, ४, १८; ८,३, ४३; आश्री ७, ११, ११; १६; शांश्री; जैश्री २६: १२°; चतुः-ऽचतुः भाश्री ७, २२,११; निस् ७,८:४; कप्र ३,६,२.

चतुस-त्रिंशत्— शत् शांश्री १६, ३, २४; वाध्र्यी ३, ८२:३; द्राश्री; —शतम् काश्री २३, ४, ४‡; २५, ६, १; वाश्री; —शताम् काश्रीतं २९:२३.

चतुर्खिश— -शः वौश्रौ १०, ४२: ८; —शम् निस् १०, ७: १; —शानि लाश्रौ ८,१२,१४. चतुर्खिश-पवमान— -नः वौश्रौ १२,१६:२८; —नाः वौश्रौ १६,२८:१९. चतुर्श्विशद्-अक्ष(र >)रा--रा निस् ३,४:२९; -राः निस् २, १२:२३; २७; ४,१०:१३. चतुर्श्विशद्-धो (< हो)म--मः काश्रौ २५,१२,१७.

चतुस्त्रिशद्-रात्र'- -त्रः वौश्रौ १६,३५:१३; -त्रम् आश्रौ -११,४,५; काश्रौ २४, २, ३२; आपश्रौ २३,५,१२; हिश्रौ १८, २,११.

चतुस्त्रिंशद्-बाच्य- >°च्य-त्व- -त्वात् मीस् ९,४,१७. चतुस्-त्रि-द्वि-भाग- >°गी-√क>°गी-कृत- -तान् विध १८,७.

चतुस-त्रिष्टुच्-भन्त^ह- -न्तम् ऋग्र २,१,५८; १०१. चतुस-त्र्ये(त्रि-ए)क- -कैं: कप्र

१,७,१०. चतुः-सं(स्था>)स्थ- -स्थः

वैताश्रौ २६,१५. चतुः-सप्त(क>)का- -का ऋश्र

१,५,८; ग्रुश्र ५,३१. चतु:-सद्स^ь-- न्सम् अत्रप्त ५, २०†.

चतुः-सी(ता>)त¹- -तम् बोश्रौ १७, २८: ११; हिश्रौ १२,८,५.

चतु:-सुवर्णक¹— -कः विध ४, १०.

चतु:-सूक्त'- -क्तानि शांश्री १२,३,४; -क्ती ऋग्र ३, १५¹. चतु:-स्तन,ना^b- -नम् श्रापश्री १७,२६,७; २१, ४, १४; २३, ११,६; भाश्रौ १२,४,५; वैश्रौ
१२,२४:६; हिश्रौ १०,३,
३९; —नानि आपश्रौ १६,३५,
१०; वैश्रौ १९,१:१७; हिश्रौ
११,८,२६; १२,८,२०; १६,
१,४७; वाध्र्थौ ४,१०६:४;
६; —ने माध्रौ २,२,१,४९.
चतु:-स्तम्भ¹— -म्भस् श्रप २१,
६,१.
चतु:-स्तोत्र¹— -न्नः काश्रौ १२,
६,६.

चतु:-स्थान- -ने काश्री २०, ४, ९. चतु:-स्थू (ψ) ψ 1- -णम्

श्रापश्रो ११, ९, ४; साश्रो २,

२,३,१२; वैश्री १४,१०: १. चतु,:-स्रक्ति – -िक्त श्रापश्री १२, २, १××; वौश्री; —िकतः काश्री २६, ७, १४‡; श्रापश्री १५, १४, ५५; २२, ९, १८; वौश्री; —िक्तना काश्री १२, ५, २; ७; १७, ३,३; —िक्तम् काश्री ५, ३,३१; श्रापश्री ७, ५, १××; काठश्री; —क्तीन् काश्री १८,६,७;—क्ती वौश्री१२,६:२. चतुस-स्वर-

-यम् भास् ३,२६. चत् (< तुर्)-रात्र h - -त्रः शांत्रौ १६, २३, ७; हिश्रौ १७, ७,६; निस् ८,१०: १७; शौच ४,८० $^+$, -त्रम् काश्रौ १९,१, १४; वैश्रौ २०,१५: ७; ब्राप्तिए १, २,१: २०; वौग्र ३,१,२६; गौपि १, ५, १; -त्रस्य श्राप्रौ

a)=ब्रह्मीदनिर्विर्तिका- घेतु- (तु. गो १,२,२१ प्रस.)। b) विप.। श्रिषिकार्थे डः प्र. उसं. (पा ५,२,४५,४६)। c) व्यमिति पाठः ? यनि. शोधः। d) = त्रात्य-स्तो म-विशेष-। वस.। e) तु. भाष्यम् ; बैतु. सस्कर्तुः स्वी उत्तरेण समस्तम् इति i। f) = सत्र-विशेष-। g) विप.। कस. > वस.। h) वैप १ द्र.। i) विप.। वस.। j) चतुष्ककी इति संस्कर्तुः टि. द्र.। k) समाहारे द्वस.।

२२, १४, ५; हिश्रौ १७, ६, ३;
–त्राः श्रापश्रौ २२, १८, ११;
बौध २, १, ६५; –त्राणाम् निस्
३, ७: ८; –त्राय वौश्रौ १६,
२८: १; ६; १०; –त्रे वौश्रौ
१६, २८: १२-१४; —त्रेण शांशौ
१६, २३, १; २६; निस् ८, १०:
१४; २१; —त्रेभ्यः लाश्रौ ९,

चात्रात्र $^{\alpha}$ — -त्राय निस् <, < : २९.

चत्रात्र-प्रश्ति - तयः निस् ९,८: १९; -तिषु श्रापश्रौ २२, १४,१५; हिश्रौ १७,६,५.

चत्रात्रा(त्र-त्रा)दि- -दिषु काश्रो २२.१.७.

चत्रात्रो(त्र-उ)पजन^b - -नम् श्राश्रो ११, २,१४; ३,४; ११; ४.५: ८.

 जैग्र १, २१: २८ † इ. था १, १; १२; ३, ११; १३, ७ † ई; ९ ; ९ †; -व्वारिऽ-व्वारि आऔ ९, ४,५; काऔ २२, ११,१; बौऔ १३, २३: ८; २३, ३: १५; माऔ १,१,१,३; २, १,१,१७; ५, १,९,६; लाओ ७,५,१३; १२,९ †.

चात्वारिंश¹- पा **५**, १,

चत्वारिंश - - शम् श्रापश्री २३,९,८;१४;हिश्री १८,३, १६; -शाः बौश्री १६,३४: १३; -शे लाश्री ६,६,१९; -शी बौश्री १८,२३:९.

चत्वारिंशच्-चतुःपञ्चाशत्—
-शतम् निस् ५,१२: ६.
चत्वारिंशच्-छ(<श)त—
-तानाम् वौश्रौ १६,२५: १९.
चत्वारिंशत्-कर($\mathbb{U}>$) \mathbb{U}^1 —
- \mathbb{U} काश्च २,९.

चत्वारिंशत्-प(द >)दा--दाम् काश्रौ १७,३,१४. चत्वारिंशत्-प्रमृति- -तौ पा ६,३,४९.

चत्वारिंशद्-अच (र >)रा^b---रा वाघूशी ४,१००^२: ८;११५: १०; निस् १,३:१.

चत्वारिंशद्-अन्त⁵- न्ताबि काश्री २४.१.२.

चत्वारिंशद्-दिवस- -सात् वैष्ट ३,१९: १.

चत्वारिंशद्-रात्र*- -त्रम् आश्री ११,४,८; काश्री २४,२, ३६; -त्रात् शांश्री १३,१४,९; काश्री २४,२,३१; निस् ९,१०: ११; -त्रेण आपश्री २३,६,११; हिश्री १८,२,१७.

चत्वारिंशद्-वर्ष- -र्षः बौश्रौ २६.६: १३.

चत्वारिंशन्-मान^c - नम् श्रापश्रौ ५, २१,९; वाश्रौ १,४, ४, २६; वैश्रौ १, १६: १३; हिश्रौ ६,५,१८.

तुरीय,या°— पावा ५,२,५१; — †यः आपमं १, ३,१¹; पाय १,४,१६¹; काय १,४,१६¹; बीय १,४,१६¹; काय १,१६ १,३०,१¹; केय १,२१ १,३०,१¹; केय १,३०,२¹; केय १,३१ वा ६,१५०; ८²×४; कीय; या ६,२१६; या ६,१६,१५; वा ६,११; वा ६,११; वा ६,११; वा ६,११; वा ६,११; वा ६,११; वा ६,१९; वा ६,१९

a) स्वार्थे अण् प्र. । b) विष. । बस. । c) वैष १ द्र. । d) $< \sqrt{3}$ चत् । e) पामे. वैष १, १३०५ j द्र. । f) चत्वराः इति पाठः? यिने. क्षोत्रः । g) पामे. वैष २,३खं. चत्वारि तैना ३,७,७,११ टि. द्र. । h) क्षोधः पृ ४३९ w द्र. । i) = नाह्मणप्रन्थ-विशेष- । j) चतुष्करणी— इत्यनेन स-न्यायता द्र. । k) = सन्न-विशेष- । l) पामे. वैष १, १३०६ c द्र. ।

३,७+; ऋप्रा १८,४५. तुरीय-कº- -कम् शंध २७३. त्रीयो(य-ऊ)न- -नम् कप्र २, 4,94. तर्य - पावा ५, २, ५१; -र्यः ब्रामिय १, ५, ३: १५^{‡c}; वाय १४,१० 🕈 ; अपं ५:१७; -र्यम् माश्रौ २, ४, ५, ७; -यें भाशि १०९: -चॅण जैथ्रौ ९: २०. तर्य-पुरुष - - पम् माश्री ६, १, तुर्य-वाह् b- -वाहः वाश्री ३,४, ₹,994. तुर्योही- -ही शुप्रा ५,४० . चत्र"- पाउ १,३८1; पा,पाग ५, २, १२७; पाग ५,१,१२४8. चातुर्ये- पा ५,१,१२४. ?चत्रानर्तनम् " कौगृ १,७,२; शांगृ 8,99,4. श्चतुरोनर्तनम् ^७ काय २२, १. चतुस् प्रमृ. चतुर्- इ. चत्त-, चरय- √चत् इ. चत्र'- -त्रम् कप्र १,७,२;५;८,४. चत्र-बुध्न- -भ्रे कप्र १,८,२. चत्रा(त्र-त्र)प्र-कीलका(क-त्र)प्र---(स्थ>)स्था--स्थाम् कप्र १, €, ₹k. चत्री(त्र-श्रो)वीलीक1--कम् कप्र ३, 3.99m.

चत्वर"- पाउ २, १२१1; -रे श्रशां १4,9. चत्वाभ्याम् ° बैगृ ६३ : ४. चत्वार्- चतुर्- द्र. ? चत्वारभाग- -गे कौशि २. ?चत्वारम् जेश्रोका २०९. चत्वारिशत्- प्रमृ. चतुर्- द्र. √चद् पाधा. भ्वा. उभ. याचने. √चन (वधा.) पाधा. भ्वा. पर. हिंसायाम्^p, चुरा. उभ. श्रद्धोपह-ननयोः. चनस्b- पाउ ४,२००; पावा १,४, ६०; - ‡नः श्रापध्रौ १६, ७,४; वैश्री १८,४:२१: हिश्री ११,२, २; निघ ४,३‡; या ६, १६ई; -निस वाधूश्रौ ४,९४ : ३;४. √चनस्य > चनसित् - - ०त श्रापश्री १०,१२,८; भाश्री १०, ७, १५; माश्री २, १, २, २९; -तम् श्रापश्रौ १०,१२,७; भाश्रौ १०,७,१४; हिश्रो १०,२,३७. चनसित-व (त् >) ती--तीम् बौश्रो ६,६ः ७; १९; वैश्रौ १२,99: 3. चनसिता(त-ग्र)न्त'- -न्तम् वैश्रौ १२,११: ३. चनसितो (त-उ) त्तर'- -रम् वैताओं ११,१९. चनो-हित^b- -तः वाध्यौ ४,

९४ : ५;८; -तम् वाध्यी ४, 984: 4. चन^b श्राश्रौ १, ३, १३××; शांश्रौ: त्रापश्री ६,१७,१० ቱ ; भाश्री ६, ४,४‡5; या २,9४;११,३८‡; १३, 9; ४८३ पा ८, 9, ५७; पाग १,४, ५७t; श्राज्यो ५,१२. चनीखुदत्- √खुद् इ. √चन्द b'u पाधा. भ्या. पर. श्राहादे. चन्द्रने - पाउवृ २,७८; पाग २,१. ५६; -नम् आमिगृ १,३,१:३, भाग २,१८: ३; हिग १,१०,४; श्रप ९,२, १; ३६, २८, १; या ११,५ई; -नस्य आभिग् १, ३, ३: १५; -नेन त्रापग १२, ८; भागृ २, २०: ७; अप १८, ३, १; विध ९६, २३; -नै: जैश्रोका १२; श्रप १,४५,२. चान्द्रन^v- -नः श्रप २१, ₹, ₹. चान्दन-मणि--णिम् हिगृ ₹,90,5 ... चान्दन-सुरोदका(क-अ)-क्षताक्षत-गोमय-दूर्वास्तम्बो(म्ब-उ)दुम्बर-पलाश-शमी-वैकङ्कता-(त-ब्र)श्वत्थ- -त्थेन हिए २, 8, 5x.

चन्द्न-कानन- -नम् श्रप ६८,

9,38.

 $a) = \sqrt{4\pi + 1} \quad b)$ वैप १ द्र. $1 \quad c$) पामे. वैप १,१३०६ ए द्र. $1 \quad d$) विप. $1 \quad d$ दिस. $1 \quad e$) विप. $2 \quad d$ विप. $1 \quad d$ विप. $1 \quad d$) विप. $1 \quad d$ विप. $1 \quad d$ विप. $1 \quad d$) विप. $1 \quad d$ विप. $1 \quad d$ विप. $1 \quad d$) विप. $1 \quad d$ विप. $1 \quad d$ विप. $1 \quad d$) विप. $1 \quad d$ व

चन्द्रन-कुङ्कुम-कर्पूर-सृगमद्-जातीफल-वर्जम् शंध १२८. चन्द्रन-कुङ्कुम-कर्पूरा(र-य्र)गुरू-पद्मक- -कानि विध ७९,११. चन्द्रन-सृगमद्द्रार्-कर्पूर-कुङ्-कुम-जातीफल-वर्जम् विध ६६,

चन्द्रना(न-श्र)गुरु- -रु श्रप ३६, १५,१; -रुम् श्रप ६६,२,२^b. चन्द्रनागुरु-संयुत- -तम्

श्रामिष्ट २,४,६ : २४. चन्दना(न-श्रा)दि-प्रदीपान्त°--न्तै: श्रामिष्ट २,४,१० : ९. चन्दना(न-श्रा)दि-विलेपन--नम् कप्र २,८,५. चन्दनो(न-उ)क्षित-सर्वोङ्ग--क्रम् कप्र ३,२,४.

चन्द्र,नद्रा^{d,6}- पाउ २,१३; पाग ५, २, ३६1: - १० न्द्र बौश्रौ ८,६ : ६: पागः -न्द्रः शांश्रौ ६,३,११+; जैश्रीप ९: सः या ११, ५ क; -न्द्रम शांश्री ६,३,१+; †काश्री ७,८,१४;२६,४,१;श्रापश्री २०, १८,१०: -न्द्रस्य अप ५०,४, ५; बौध ४,५,२०; बृदे १,८८; श्राज्यो ७.२३; -न्द्रा बौश्रौ ६, १३ : १+; भाशि १२०+; नाशि १,२,१० ह; - मेन्द्राः बौश्रौ १२, ९: ७; भाशि ११५; - + नद्राणि श्चापश्रौ १०,२६,१०; बौश्रौ ६, १५: ३; वैश्री १२, १९: ३; हिश्री ७,२,७४; - मन्द्रात् काश्री २५. ६, ८; अप्राय २, ९; -†न्द्राय आपश्री १४, २५, ११, कौस् ४९, १२; १००, २; १३५, ९; -न्द्रे अप ६८, २, ४; ७०³, ११, २३; विध १, ३६; शुप्रा ३, ५४†; ऋत ४, ७, ३†; -†०न्द्रे द्राश्री ९, २, ३; लाश्री ३, ६, ३; -†न्द्रेण बौश्री ६, १५: २; १२, ९: ७; कौग्र १, १०, १; बांग्र १, १६, ३; अप १, ५, ६%.

चानद्र^h - नन्द्रम् श्रय २,१९; या ११,५; -न्द्रे विध ७८,२. चनद्र-क- (> चन्द्रकित-) चन्द्र- टि. द. चन्द्र-कला(ला-ग्र)भिवृद्धि--द्रौ विध ४७,३. चन्द्र-प्रह्ⁱ - -हे श्राप्तिग्र २,५, १:६.

१:६. चन्द्रग्रह-निमित्त- -त्तानि अप ५३,२,२. चन्द्र-चार-विद्- -विदः कप्र २,६,६. चन्द्र-दिश्व (पा>) 0^1 - - 0^1 : बौश्रौ ८,५:२१; बैश्रौ १६,७:३; हिश्रौ १०,४,४५. चन्द्र-दर्शन- -नम् काग्र ३८,१; -ने कप्र १,९,७. चन्द्र-निर्णिज् $\frac{1}{2}$ - $\frac{1}{2}$ 0क् ऋप्रा १४,४५; उस् ५,१. चन्द्र-पर- -रः तैप्रा ५,५. चन्द्र-प्रमाण $\frac{1}{2}$ - $\frac{1}{2}$ 1 विष४९,९. चन्द्र-ग्रहस्पति - $\frac{1}{2}$ 1 विष४९,९.

चन्द्र-भाग^k->णा¹- पाग ४, १,४५; -गायाम् विघ ८५,४८० चन्द्रभागी¹- पा ४, १,४५. चन्द्र-भास^m- -सः श्रप ५२, १०,१.

ा॰,ा. चन्द्र-भास्कर− -रौ श्रप ६२,३, ३;६४,३,८.

१चन्द्र-मस् - पाउ ४, २२८: पाग ६, २, ४२: -०मः शांश्रौ ध.८.४ =: -मसः बौश्रौ १८. ५२: १५: निस २, ५: ३०; कौस ९३.८: कप्र: या ४,२५+; ११. ३: ४: १४.८: पावा ४,२, ३: -मसम् शांश्री ३, ८, १५ ; त्रापश्री १.७.१; बीश्री; या २, ६; ११, ४; १४, ८; १८; २३; -मसा आश्री ३,१३,१३; काश्री २५, ४, ३७; ब्रागृ ३,११,१‡; श्रप्राय ५, ६; या ७, ११; १३, ३६: १४,२३: -मसि च्यापश्री ५, ९, ७××; बौश्रौ; -मसे श्रापश्री ६,८,१+; १०,१०,६+; बौश्रौ: -मसौ अप १, ४१, ६; श्रशां ११, ६: -माः †श्राश्रौ ५,१३,१४: १०, ९,२; †शांश्रौ ५, १, ३; १६, ५,४; आपश्रौ; वैगृ ५, ४ : ३६? मं; या ११, 40.

चान्द्रम⁰- -मः निस् ५,१२ः

१चान्द्रमस^ड - सः द्राश्री ८,४,६; लाश्री ४, ८,६; निस् ५,११:७; साथ्र १,१४७;

a) °मदागुरुक° इति जीसं. । b) मलो.कस. । c) विष. । बस. > कस. । d) = प्रह-, हिरण्य-, मेदस्-, साम-विशेष- प्रमृ. । e) वेष १ द्र. । f) तु. पाका. । चन्द्र-क- इति भाष्डा. । g) = प्रूच्छेना-विशेष- । h) विष. । सास्यदेवतीयः तस्येदमीयश्र अण् प्र. । i) उप. = उपराग- । f) विष. । वस. । f0 = पर्वत-विशेष- (तु. पागम.) । व्यु. । f1 = नदी-विशेष- । चान्द्र° इति केचिदिति पागम. । f2 = प्रह-विशेष- । f3 श्रा इति पाठः । यनि. शोधः । f3 चान्द्रमस- । उण् प्र. उसं. इति विशेषः ।

-सम् बौधौ १८,३७: ५; २६, ३३ : ६; वैग् ५,१ : ११; अप्राय ३. ४: श्रश्र; -साः निस् ५, ११:३१: -से या १३, ५; - मसेन श्रामिगृ ३, ९, ३ : २४; बौवि २, ७, १९; -सौ वृदे ७, 934.

चान्द्रमसी8- -सी शांश्रौ १४, ३२, ३; श्रत्र १८, ४; -सीभिः वौध ३,८,१८; -सीम् बौध ३, ८, ९; शुत्र १, ८६; -स्यः निस् ४, ९: ५; या ५, ११: -स्या ग्राधी ९, ८, २; -स्यौ श्रश्र ६,६८. †चन्द्र-रथb- -थम् श्रापश्रौ ५, १०, ४: माश्री १, ५, २, १४; वाश्री १,४, २, ५; हिश्री ३,३, ₹€. चन्द्र-रिम-मनोहर- -रम् विध 8,38. चन्द्र-राहु- पाग २,२,३१°. चन्द्र-ललाट^d- -टाय गौध २६, 937. चन्द्र-वत् श्रप ४,२,१२. चन्द्र-वपा- -पयोः आपश्री २०, १९,३^२; हिश्री १४,४, २७^{२१}°; -पानाम् वाश्रौ ३,४,४,२२ . चन्द्र-वरुण-विश्वदेव- -वाः श्रश्रभू ३. चन्द्र-वल्ल(भ>)भा^d- -भाम् अशां १,३. चन्द्र-शब्द- -ब्दे ऋप्रा ४,८४;

उस् ६, ५.

चन्द्र-सामन्1- -म विध4६,१४.

चन्द्र-सालोक्य- -क्यम् विध

चन्द्र-सूकत- -क्ते विध ५६, ₹0. चन्द्र-सूर्य- -र्ययोः अप ६७, ६, ४; ७०^२, ३, १; बृदे ६, १२६. चन्द्रसूर्य-ग्रह - - हे कप्र १, १०,७: अप ५३,६,५. चन्द्रसर्यप्रहो(ह-उ) पग- -गान विध ९०,२९. चन्द्रसूर्य-तला(ल-त्रा)श्रय--याः भ श्रप ५२,७,५. चन्द्रसूर्यो (य-उ) पराग- -गे वाध १३,३४. चन्द्रा(न्द्र-अप्र>)पाb- -माः या १२,१८ . चन्द्रा(न्द्र-ग्र)दर्शन- -ने काश्री ध, १, १; माश्रौ १, १, २, १; -नेन वाश्रौ १,9,२,9. चन्द्रा(नद्र-श्रा)दित्य- पाग २, २, ३१°; —त्यौ आमिगृ २, ६, 9:90.

चन्द्रादित्य-गत- -तम् श्राज्यो १,२. चन्द्रा(न्द्र-श्रा) न (न>)ना--०ने विध ९९,३. चन्द्रा(न्द्र-ग्र)यण-> १ चान्द्रा-यण1- पाग ४,२,५४1;-णः वाध २३,४७; २७, २१३; विध ४७, ३क्; गौध २७, १६; -णम् बौश्रौप्र ५४: ५; आमिए ३, १२. १: ७: वैगृ: -णेन शंध ४४९; सुध ४४; -णै: विध 94,93. चान्द्रायण-कल्प- -ल्पम्

बौध ३,८,१.

विध ५३,६.

चान्द्रायण-भक्त- पा ४ 2, 48.

चान्द्रायण-विधि- -धिः वाध २३,४४.

चान्द्रायण-व्रत- -तम् वाध २३,१६; वेध १.७.८ चान्द्रायणा(ग्र-ग्र)ब्द-

फल- -लम् शुअ ४,२२१. चान्द्रायणिक- पा ५,१,

७२.

चान्द्रायणो(ग्र-उ) तर--रम् वाध २१,१३. चन्द्रा(न्द्र-श्र)र्क- पाग २,२. ३१: -र्कयोः अप ७२,३,१५: शंध ४६; -कों त्रप ६७,६,9: ७२,२,१.

चनद्रार्क-संनिकर्ष-विप्रकर्ष--र्षयोः विध ५९,४. चन्द्राकों (र्क-उ) पराग- नो

विध ६८,१. चन्द्रा (न्द्र-ग्र) र्क-तार(क >) का- -काः विध ६८,३७. चन्द्रा (न्द्र-ग्र) की (र्क-उ) ल्का-प्रसेद- -दाः अप ६४,६,६. चन्द्रा(न्द्र-ग्र)र्ध- -र्धः काशु ७, 39.

चिन्द्रत- पा ५, २,३६. चन्द्रें(न्द्र-इ) नद्रध्वज-सूर्य--र्याणाम् अप ६८,२,३७. चन्द्रो (नद्र-उ) त्तरपद्- -दे वा 8,9,949. चन्द्रो(नद्र-उ)द्य- -ये विध 90, 9.

a) विप. (इष्टि-, ऋच्- प्रमृ.)। b) वैप १ इ.। c) तु. पागम.। d) विप.। वस.। e) व्हस्य वपयोः इति पाठः? यनि. शोधः (तु. सपा. श्रापश्रौ.)। f) = साम-विशेष-। g) उप. = उपराग-। 11) विप. 1 बस.>बस.। i) = व्रत-विशेष-। <math>j) = राज-विशेष-।

चन्दन- √चन्दु द्र. चन्दिर- पाउ १,५9°. चन्द्र-, १चन्द्र-मस्- √चन्द् द्र. श्चन्द्रमस् b- पाग ४,१,१५४. २चान्द्रमस- -साः बौश्रौप्र ३: १२. चान्द्रमसायनि- पा ४,१,१५४. ्रिच्य पाधा. भ्वा. पर. सान्त्वने. चुरा. पर. परिकल्कने. च-पर- च द्र. श्चपल,ला°- पाउ १, १११; पाग 2.9.80; 48; 00; 3,9, 92; **५**,१,१२४;१३०; ६,२,२४;३, ३४: -लः कागृ ३५,११ न. चापल- पा ५, १, १३०; -ले पावा ८,१,१२. चापल्य- पा ५,१,१२४. चपल-मध्य^d- -ध्ये विध ७०,१४. √चपलाय पा ३,१,१२. २चपल^b− (>चापलायन− पा.) पाग ४,१,११०. चपेट- पाउमो २,२,१०९. चप्पट्टक - (> चाप्पट्टक्य- पा.) पाग ४.१.१५9°.

चफट्टक^b-(>चाफट्टकि->चाफट्ट-कायन- पा.) पाग २,४,६१. ?चव्चाम बाधुश्री ४,२६:१.

√चम् ¹ पाधा. भ्वा. पर. श्रदने, स्वा. पर. भक्त्यो, चमन्ति या १०, १२; चमताम् वाश्रौ १,१, २, ३‡⁵.

चमस^b- पाउ ३, ११७; पाग २,४, ३१; ४,१,४१^e; १०५^b; -सः †खाश्री १,३,६××; शांश्री; †या १०, १२**५**; १२, ३८; -सम् श्राश्री ५.७.७: ९.३.१८: शांश्री: बौषि १. ५: १८२।: मै: या १०, १२ +: -सस्य श्रापश्री १२,२४, ५: बौश्रौ १४, २ : २५; हिश्रौ; या ११,१६: -साः आश्री ५.६. २३: ६.१२.६: काश्रो ९.१४,६; २४, ४, ४०; श्रापश्री; -सात् बौश्रो ३,२९: १५; लाश्रो ९,२, ४: -सान आश्री ५,६, १३××; शांश्री: -सानाम बौश्री २१,१९; २६××: माश्री; -सायऽ-साय बौश्रौ ८. १२: ४२: २५, २३: v: -से शांश्रो १३, १२, ११; काश्री ११.४.९; २५,११, ३३; श्रापश्रौ; -सेन काश्रौ १०,५, १; श्रापश्रौ ८,३,८; बौश्रौ; -सेभ्यः श्राश्रौ ५, १७, ५; ६, १२,७; वौश्रौ; -सेपु श्राश्रौ ६, ४, १०; १२, ११; काश्री; -सै: काश्री १०, ५, ८××; श्रापश्रौ; -सौ श्रापश्रौ १२, २६, ८; बौश्रौ ५, ९: १०: माश्रो.

चमसी- पा ४, १,४१; पाग ६,२,१३४.

चामस्य- पा ४,१,१०५.
चमस-गण- -णाः बौधौ १७,
९:१६; माधौ २, ५,३,१३;
वैधौ १७,५:५; हिधौ ९,०,
५९; -णाभ्याम् बौधौ १७,९:
१५; -णाय आपधौ १४,२,२;
२१,१०,३; वैधौ १५,३८:३;
हिधौ ८,८,५४;९,७,२२; १३,
२,२८; १६,४,१५; -णेभ्यः
आपधौ १४,१,६;३,८;४,१२;

हिश्री ९.७. ८: ३८: ५८: -णेषु वैश्रौ १७. ४: ६: -णौ बौश्रौ १७.७:98. चमस-ग्रह-पात्र- -त्राणि अप 23. 9.2. चमस-दर्वी- -व्यों गोगृ ३, ७, 99: 94. चमस-निधान- -नात् काश्रौ 20.9.24. चमस-पात्र- -त्राणाम् बीध १, 4.88. चमस-रस- -सम् श्रापश्रौ १३, 90,9. चमस-वत काश्री १८, ५, ४; शंघ १६७; मीसू ३,५,८. चमस-श्रति- -तिः मीस् ३,५,३१ चमसा(स-त्रा)कृति- -ति काश्रौ 2.3.80. चमसा (स-ग्र) ध्वर्युb- -यवः काश्री ९, ११, २; २२, १०, ६; त्रापश्रौ १०, १, १४ +××; वौश्रौ; - † ० र्यवः काश्रौ ९, ११, ३; आपश्रौ १०, ३, १; १२, २३, ४^२; बौश्रौ; -र्यंबे त्रापश्री १४,२८, १; वैश्री १५, ३०: ११; हिश्रो ८, ७, ३३; -र्युः वैश्रौ १५, ६ : १; -र्युभ्यः आपश्रौ १३, ६, ६; हिश्रौ १०, ४,५९;६१; -र्यून् आपश्रौ १०, ३, १; बौश्रौ; - + ॰ यों काश्रौ ९, ३, ३; श्रापश्रौ १२, ५, २;

> चमसाध्वर्यु-प्रसर्पक-सदस्य--स्येभ्यः श्रापश्रौ १३,६,७.

२६,४; बौश्रौ.

a)=चन्द्र- वा हस्तिन्- वा । b) व्यप. । व्यु. ? । c) विप., नाप. (बालप्रह- । त्रायः ।) । व्यु. ? । $<\sqrt{3}$ प् इति क्रमा. प्रस., $\sqrt{4}$ कम्प् इति MW. । d) पूप. = दुर्व्यसिनन्- । e) तु. पागम. । f) वृदे ७,१२९या ११,५ परामृष्टः द्र. । g) पामे. वैप २, ३खं. रमताम् तैन्ना ३, ७,४,३ टि. द्र. । h) वैप १ द्र. । i) पामे. प्र ५८६ । i । प्र ५८६ । i ।

चमसिन् पाग ४, १, ९९ ; —सिनः ख्राश्री ५, ९, २०; ख्रापश्री; —सिनाम् वैश्री १५, ३१: ८; हिश्री ८, ७,३८; मीस् ३,५,३०; —सी वैश्री १५,३१: ९; हिश्री ८,७,३९.

चामसायन- पा ४, १,९९. चमसो(स-उ)न्नयन-काल- -ले काश्रौ १०,९,३०.

चमू^b— पाउ १, ८०; — †मू शांश्री १०,४,५; श्रापश्री १९, ३,२[?]°; ग्रुपा १,९६; — म्वा कीस् ४८, ४; — †म्बोः शांश्री १५,२३,१; या ४,२१ ∳; — †म्बी श्रप ४८, ६०; निघ ३,३०.

चम्-पाल- -लान् श्रप ६३,३,९. ?चमकुटिल- -लानि या १४,३१. चमर^व- पाउ ३, १३२; पाग ४, ३, १५०^६.

चामर-पाध,३,१५०;-रम् विघ६५, १४; - रैः श्राप्तिगृ २,४,६:३८. चामर-प्राह- (> °हिक-पा.) पाग ४,१,१४६.

चामर-छत्र-संयुक्त- -क्तम् श्रप ५, ४, ४.

चमूर- पाडमो २,१,१०४. √चम्प् पाधा. चुरा. पर. गत्याम्. चम्पा- पाडमो २,२, २०९; पा, पाग ४,२,८२.

चम्प्- पाउभो २,१,१२४.

√चय् पाधा. भ्वा. श्रात्म. गतौ. १चय^g- (> १चाय- पा.) पाग ४, ३,१५२^k.

२चय-, चय-क-, चयन- प्रमृ. √चि द्र.

चयमान^b-> १चायमान- -नः बृदे ५, १२४; -नस्य ऋत्र २, ६, २७; -नेन बृदे ५,१३८.

च-योग- च इ.

√चर्¹ पाधा. भ्वा. पर. गतौ भक्षणे च, चुरा. उभ. संशये, चरते मागृ १,२२,२०; बौध २, १०, ३०: या ६, ११; चरति च्याश्री ८, १४,४; १०, ९, २९; शांश्रौ; बौश्रौ १०,४: ५ मा ४, ४, ८;४१; पावा ५, १, ९४; चरतः शांश्री १५, १९, १+; काश्री; चरन्ति श्राश्रौ १, ५, १××; शांश्रो १५, १७, १k; या १४, १०: चरसे वाश्रौ १, २, १, ३३ †; चरसि काश्रौ ५, ५, ५+, विध; चरथः या १२, २+; †चरथ¹ शांग्र ३,११,१४;पाग्र ३, ९, १६; विघ८६, १६^m; †चरामि त्रापश्री ५, २५, २०××; वौश्रौ; **†चरावः** ग्राश्रौ २, ५, १०; वौथ्रौ; माथ्रौ २, ५, ५, १८"; †चराति शांश्री १५, १९, १; त्रापमं २,१,५; जैय १,११: १७: चरान कौसू १०४, २‡; †चरतात्° त्रापमं २, ३, १: त्रामिगृ १,१,३:२; हिगृ १,५,१; कौसू ५६, १४; जैमृ १, १२: २७; चरन्तु श्रप १२,१,७ ; †चर,> रा शांश्रौ १५,१९,१र, हिश्रौ; चरतम् माश्रौ २, ३, ७, २ : †चरत, >ता माश्रो २, १, २. २७º; कौगृ ३, ६, ९; मागृ १, २२,२°; वाध ३०, १\$; चराणि कप्र २, २, १०; चराम हिंगू १. १५, १५; ईअचरत् श्रापश्री ४. ८, ३; बौध्रौ १८, ४७ : ८: भाश्रो;अचरः त्रापृश्रो ५,१,७4: वाश्री १, ७,२,२७; चरेत शांश्री ९, २८,१८; काऔ; हिध १,८. ४३°; या १४,३१°; चरेयाताम् शांगृ १, १७,५; श्रामिगृ; चरेयुः आश्री ३,५,५××; काश्री. चचार शांश्रो १४, ५०, १××: त्रापश्री १, ९, ९⁺³; बौश्री; चरिष्यति शांश्री १४, ५०, १; **†चरिष्यामि** आश्री ८, १४, ६; शांश्री ४, ८, ३^t; त्रापश्री ४, ३,२^{२६}××; बौश्रौ; अचारीत् बौश्रौ २४, १२: ६; †अचा-रिषम शांश्री ४, १२, १० ; त्रापध्रौ ४, १६, ११^t; बौथ्रौ. चर्यते वाध्यौ ४, ७४: ७; चर्चर्यताम् कौस् १७, १९; बौध

१,११,३; गौध ४,७.

a) व्यय. 1 b) तैप १ द्र. c) पासे. तैप १ परि. चिस्त्र ऋ १०, ९१, १५ टि. द्र. 1 d) = पशुविशेष-। व्यु. ? $<\sqrt{3}$ म् इति पाउ. । e) तु. पागम. 1 f) = $\sqrt{3}$ छम्प् इति BPG. 1 g) ऋषीः

ब्यु. च ? 1 h) चर्ग-(तु. भाएडा.), चाप- इति पाका. 1 i) या २, ५; ४, २७; ६, ११; ८, १५ पा ३, १, २४; ७, ४,
८७ पावा ६, ३, ५३ परामृष्टः द्र. 1 j) पासे. तैप १, १३११ तु. 1 k) पासे. तैप २, ३खं. मिथुनीमवन्ति
ऐत्रा ७, १३ टि. द्र. 1 l) पासे. तैप १, १३१२ तु द्र. 1 m) चरत इति प्राये। n) शोधार्भ तैप १,
१३१२ k द्र. 1 o) सपा. चरतात् (मंत्रा १, ६, १४) <> चरता इति पासे. p) पासे. तैप १,
१९४२ ј द्र. 1 q) सपा. न चरेत्<> वर्जयेत् इति पासे. 1 r) चरत् इति BN. 1 s) सपा. चचार <> चरती<> विचरन्ती इति पासे. 1 t) पासे. तैप १,१३१३ व द्र. 1

चारय > या शुप्रा ३, ९०[‡]; चारयेत् श्रापथ्रौ १०, १९, ५^६; १३, ७, १२; हिथ्रौ १०, ३,

चन्नरीक- पाउ ४,२०.

चर^b- पाग ३,१,१३४; ४,१,४१; ९९;५,४,३८°; -रम् विध ९७, १८; -राः ग्रुप्रा ६,२८; -राणि

> चरी- पा ४,१,४१. १ चार^त- पा ५,४,३८. चार-चक्षुस्⁰- -क्षुः विध

३,३५. चार-प्रतिचार- -री शंध २५१.

चार-भट'- -टे अप ९,

8,4.

चारायण- पा ४, १, ९९; --गाः वौश्रौप्र २३: २.

चारायणीय- -याः चन्यू

२: ३. चर-कर्मन्- -र्मसु श्रशां ३, ३;

चरकर्म-प्रसाधक- -०क श्रशां १,६; ५,१.

चरकर्म-प्रसाधकी- -०कि श्रशां ५,२.

चर-वृत्ति[®]- -त्तिः हिंध १, ७, ५५.

१चरण^ड - पाग २,४,३१; ३,१,२०; ५,३,१०३; -णम् शांश्रो १५, १,२०; १६,३,६; १२,७; काश्रो ५,८,१; काश्रोसं ६:९; बोश्रो; -णस्य काश्रीसं ६: २०; -णान् जैश्रीका ९६; -णाय काश्रीसं ६: १९^२‡; या ४, १९;६,२०; -णे शांश्री ५, ११, १५; या ५, १‡; -णेन वाश्री ३,२,६,४९; -णी गोग्र १,२,२०; वृदे ४,२.

१चारण^{hod} - -णः श्रापशु ६, ९**५**; हिशु २,३८**५ं**. चरण-चारण¹ - -णान् श्रप ५३, २,५.

चरण-मध्य-गत-भू- -सुवम् विध-९७,१०.

चरण-शब्द- -ब्दे काश्री ३, ७,६.

चरण-इत- -तः हिश्रौ १७,२, ५३; त्रापध २२,६,८.

√चरण्य पा ३,१,२७. चरण्य- पा ५,३,१०३.

चर्य न न न, स्, १९, १९, १९ चरत् – स्तः शांश्रौ १५,१९, १९ महा स्ताम् नाशि १,६, १६; नस्त या ६, १९३; –रत्त या ६, १९,१०, १४ माश्रौ; –रन् शांश्रौ १५, १९, १९, १४ माश्रौ; –र्न्तः श्रव १,७,४; ७; ४०,५,३; वैध १,९,२; –रन्तम् वौश्रौ १४,५ ३६; १५, २४ स्वाध्रौ १४,५ ३६; १५, २४ स्वाध्रौ १४,५ ३६; १५, २४ स्वाध्रौ १८,५ ३५ स्वीध्रौ २,१००७; श्रापमं २,१९,१३;५; कौय २, १५,५; श्रापमं २,१९,१३,५; कौय ३, १५,५; श्रापमं २,१९,०,०.

चरन्ती - -न्ती शंध **३०४;** -न्ती: वैताश्री ३८,५; -न्तीनाम् श्रव ४२,१,८‡; -न्तीम् भाग्र १,११:७; विध ७१,६१; वैध ३,२,१५; -न्त्या या १०, २१.

चरति-> °ति-कर्मन्- मी या ११,

चरध^k - -थाय या ४,१९‡\$. चरध्ये^k या ६,२०‡\$.

चरस्^{k,1}- -राः पागृ २,१,१६‡...

चराचर^k - पावा ६, १, १२; -रः

ऋप्रा ३, ४, ५†; -†रम् आश्रौ
२,२,१७ⁿ; श्रापश्रौ ६, ५, ७ⁿ;

भाश्रौ ६,१०,५ⁿ; माश्रौ १, ६,
१,१५ⁿ; वाश्रौ १, ५,२, १७ⁿ;

हिश्रौ ३,७,२८ⁿ; भाग्र २,२:
४ⁿ;हिग्र २,१७,२ⁿ; शंध ४५७:
१८६; -रे विध ५१, ६७;
-†रेम्य: वौग्र २,८, ३३; ग्रुप्रा

चराथ^k- -था या १०,२१†. चरि- पाउ ४,१४०.

चरित- पाग ३,१,१३; -तम् जैश्री
१२:१; निस् ४, २:३३;
क्रीग्ट; -ते काश्री ५,५, २०××;
हिश्री; लाश्री ९,१०,८.
चरित-निर्वेदाण- -शम् बौध
२,१,३७; हिध २,५,२१९;
-शस्य ग्रापध १,१८,१२; हिध
१,५,८१०.
चरित-पायश्चित्र®- -चः हिध

2,0,389.

चरम-

चिरत-ब्रह्मचर्य - , -यः कागृ ४, २२, २३; -र्यम् श्रापध १,८, ३०; हिंध १,२,११८; -यें कौगृ 2.0.90. चरित-बत⁸- ्र-तः आगृ १, ८, १२; -तानाम् वाध १५, १७; -ताय श्रापृ १,२२,२०. √चरिताय पा ३,१,१३. ऋरिता(त-ग्रर्थ>)र्था°- -र्था कप्र ३०१०,६. चरित्रb- मा ३, २, १८४; पाग ५, ४.३८°: - † त्राः त्रापश्रौ ७,१८, १०: बौधी छ, ६ : ५३; माधी ७, १४,७; वैश्री १०, १४: ११; -त्राणि कौस् ४४, २४ ई; -त्रान् माश्री १, ८,४,५. १चारित्र- पा ५,४,३८. चारिज्य- - ज्यम् शंघ ७७; ७९: ३४१. चरित्र-वत्- -वन्तम् श्राग् ४,८, चरित्वा श्राधी ३, ५,५××; शांधी. चरिक्य- पा ३,२, १३६; - + क्यु ा शांश्री १, ११, १³; बौश्री ३, २९: ८ ; शांग २, १, ३०; काग 8१,9३; वाग ५,-९: - + प्णू या 19.29 p. चरिष्यत् - न्यस्य आश्री ४, ६, १;

ब्राश्री १३, ३,१६; १५, २, २;

लाश्री ५,४,१; १०, १; -ध्यन्

-प्यन्s-प्यन् काथौ २६, २,9; | - ज्यन्तः काश्री ५,९,२; काश्रीसं. चर्य- पाःइ, १,१००. चर्यमाण- -णम् त्रापध १, २०, ३; हिध. १.६.१७. चर्या न्या श्रापध १, ३१, १९; -या आपश्रो ११, ४, ४; १२, २८, १५; २०, २१, ४; बौश्रौ; -र्यास् निस् ९,८: १३; -र्यायाः श्रापश्रो १३, २०,६; बौश्रो २५, २३: १: ३२: १: -र्यायै वौश्रौ 20,30:93xx. २चार- -रः कौसू १०१, २1; -रम् कप्र २, ६, ८; अप ५३, ६, ७; -रे^b कौसू ५१,२;२०. २चारण¹->°ण-दार- -रेषु बौध 2,7,44. चारियत्वा ऋश्री ८,१४,१; लाश्री. २चारिब⊢ पाउ ४,१७२. चारिन्- -री आपध १, १८, ३०; हिंध १,५,९७?1. चर- प्रमृ. √चर् दः १चरक^b- पाउ २, ३२; पा ४, ३, १०७; पाग २, ४, ३१°; -काः चव्य २ : २;३; -काणाम् भास् 3, 24. चारकीण-पा ५,१,११. चरक-सोत्रामणी b- -णी द्राश्री १३. ४,१४; लाथी ५, ४, २०; शुत्र 2, 434. काश्री ६, ६, २२; काश्रीसं; रचर(क>)का1- पावाग ७,३,४५.

१चरण- √चरु द. २चरण"-ं -णम् कौस् १४१, ९: -णात्यावा ४,३,१२०;-णानाम् पा २, ४,३; -णे पा ६, ३,८६: -णेभ्यः पा ४, २,४६. ३ चारण"- -णः गौध ६, १७; -णम् आपध १, १४, १३; हिध 8,8,84. चरण-वत्- -वतः बौध २, ८, ६: -वन्तः वाधूश्री ४, १८: २४: २७; -वान् वाध्यौ ४, १८: २०:२9:३9. चरण-विद्याº-> चारणविद्यP--द्याः चव्य ४: ३. चारणवैद्य^p- -द्यै: अप २२, २, चरण-च्यूह^व- -हम् चन्यू १: १; . ४ : २९;३१;३३;३५. चरणव्यूह-श्राद्धकल्प-ग्रुल्ब--ल्बानि चव्यू २: ३०. चरण-संबन्ध- -न्धेन पावा ४, २, 1936. ३चरण¹-(> चरण-स-, चरणिल-षा.) पाग ४,२,८०2. √चरण्य प्रमृ. √चर् इ. चरम.माb- वाड ५,६९; वाग ४,२, ६३ म: नमः वैश्री ८,७:१५;-मम् न्त्रसू १,१: ३; विध २८, १३; -मया बौध्रौ १०, ४८: २; -मायाम् बौश्रौ १०,४८: १८; १९,४: २४; वैश्रो १९,६ :३२;

d) सपा. चरिष्णु<>जरिष्णु<> b) वैप १ द.। c) तु. पागम.। a) विप.। वस.। f) =सूर्य-। कर्तिरि णः प्र.। e) शः प्र. यगागमश् च उसं. (पावा ३,३,१०१)। वरिष्णुः इति पामे.। i)= कुशीलव- । णिजन्ताल् ल्युः प्र. (पा ३, १,१३४) । j) चा $ext{SS}^{2\circ}$ g) भाप. । h) = गोचर-प्रदेश- । इति पाठ। ? यनि. च अविधि° (पृ४०९ दि.) च शोधः (तु. श्रापधः)। k) = याग-विशेष-। **ब्यु**. च n = m = शासा-। ब्यु. n = m = समानशास्त्राध्यायिन्। n = m = श्रथर्वशास्त्रा-विहोष-। **ब्र.** (पा ४,२,५९) उप. ब्रुद्धिर्विभाषया उसं. (पा ७,३,२०) ।ः q) = परिशिष्ट-विशेष- । r) = [प्रकर्रातः] प्रन्थ- । पु ९८९ र है।

४८; -मे काठश्रौ ५८; वैश्रौ १८, ४: १७; काग्र ५१, ११; -मेण वौश्रौ ६,१५: ५‡. चारमिक- पा ४,२,६३. चरमगुण-(>चारमगुणिक-) १गुग्ग- टि. इ.

चरस- प्रमृ. √चर् इ. चर- पाउ १, ७; पाग ३,४.७४b; -रवः काश्रौ १५, २, १६××; हिश्री; -रवे बौश्री ५, १ : १९: -रुः श्राधौ २, ९, ८; शांश्रौ; काश्रौ १५, १, २६°; अप ४८. १०१ ^{‡ व}: निघ १, १० ^{‡ c}; या ६,११ 🛊 🍎 ; - रुणा शांश्री ५, ५, १; श्रापश्री; -रुभिः काश्री २०,३,१२; - १६भ्यः त्राप्तिगृ ३,८,३:२; बौषि १,१५: ७४; -रुम आश्री १२,६, ९; शांश्री; -ह्यु माश्रौ १,७,१, १२; -रू काश्री २५, ५,६; श्रापश्री २२, २, १२; माश्री; -रूणाम् वौश्रौ २०, १२: ११; भाश्री; -रून् बौश्रौ ५, २: १७; २७, १४: २३: वैश्रौ: -रो: श्राश्रौ २,७, ३; आपश्रो २, ७, ९ ××; वौश्रो; -री कांश्रो २०, ८, १; वाध्रश्री ४,४४ : ४; वैश्री.

चरव्य'— -व्यान् वौश्रौ १,७:१७; ५,१:२५,२६; भाश्रौ ५,१४, ६; १४; ८,१,२१; माश्रौ १, ७,१,१८; वाश्रौ १,४,४,३१. चरु-कपाल— -लम् माश्रौ १,७, १,१४. चरु-कल्प— -ल्पः श्रापश्रौ १३,१३, १५; १९, १, ६; आमिय २,५, ३ : १०; बौय १, ६, ९; ३,७, ११; –त्यान हिथ्रौ ३, ८, ५५; –त्येन वैश्रौ ११, १ : ८; हिश्रौ ५,१,१७; १३,८,५.

चर-तन्त्र- -न्त्रम् ऋप ६७, १, ८; २, ४; ७, ५; -न्त्रेण अप ३९, १.४.

चरु-द्वय - -यम् काश्रौसं ४: ६;७; चरु-निष्काप^ड - -पम् माश्रौ २, १, ३,२८.

चरु-पयो-वत् मीस् ९,४,४१. चरु-पश्च- -श्चोः काश्रौ १९,१,१७. चरु-पशुपुरोडाश- -श्चो बौश्रौ १८, २४:१७.

चरु-पाकयज्ञ - -ज्ञानाम् कीय १, ६,२; शांग्र १,१०,४.

चरु-पात्र- -त्रम् कीय ५,२.१२. चरु-पुरोडाश- -शान् वैध ३,

> ५,७. चस्पुरोडाश-गण- -णे श्रापश्रौ २४,३,२०.

चरुपुरोडाशीय- -यान् श्रापश्री २४,३,२०; वीश्री १,७: १७. घरुपुरोडाइय- -इयान् हिश्री ३, ८,६३.

चर-भेक्ष-सक्तु-कण-यावक-शाक-पयो-दिध-घत-मूल-फलो (ज-उ) दक- -कानि गौध २७, १२०

चरु-मुख¹ - खानि बौश्रौ २०, २२:३; - खेषु बौश्रौ २०,८: १०.

चरु-मेक्षण-बर्हिस् - --हिं: काश्रौ ७, ५,१४.

चरु-शेष- -षम् वाश्री ३,४,५,७; -षेण दौषि २,१०,३; वैग्र ४, ४:१५

चरु-स्थाली- -ली वैश्रौ ११.९:१२: कप्र २,५.१२: ऋपः -लीः बीश्रौ 4 9 : 4: 23:4: 3: 90: 3: १८:३: २०, ८:८; भाश्री ८,१, १७: -लीम आश्री २, ६, ५; त्रापश्री १. ७. ५: बौश्री: -ल्या गोग १. ३.९:७.२: द्राय १, ५, १२: श्रप: -ल्या: श्रप ४५,२,२; -ल्याम भाश्री ५, १४, १२; माश्री २,१, ३, ४२; कौसू ८९. २: अप्राय: - ल्यो माश्रो १, ७, ३, ८; गोगृ ४, २,२६. चरुस्थालि!-शर्प-स्फयो(स्फय-उ) लूखल-मुसल-ध्रव¹-कृष्णाजिन-सकृद।च्छिन्ने (न-इ)ध्म-मेक्षण-कमण्डल- - त्रन आशी २.

> चरस्थाल्या(ली-या)ज्यस्थाली-सुक्-सुवे (व-इ)ध्म-मेक्षणे (ख-इ) डापात्र-स्मय-सूपो (प-उ) खुबळ-मुसला(ल-या)दि--पात्र--त्राणि वैगु ४,५:४.

€,8.

चरु-सुक्-सुव- -वाणाम् विध २३,

चर-हविस्- -विषाम् बौश्रौ २५,८: १२.

?चरू (रु-ऊ) जैम् आग्निय २, ५, १२:७.

चर्ब(र-श्र)र्थ- -र्थान् काश्रीसं **४: ५.** चर्क- (> चार्केय-) चक्र- टि. द्र. चर्करीत- प्रस्. \sqrt{g} द्र.

नर-शब्द- -ब्दात् मीस् ८,१,३८. चर्ग-(>चार्ग-) १चय- टि. द्र.

a) वैप १ द्र. । b) वहचरू— इति Lपक्षे] भाग्रहा. । c) च इति चौसं. । d) पर्वत-नामन् । e) मेप-नामन् । f) यत् प्र. (पा ५, १, २) । g) = Lसलेपा-। चरु-स्थाली- (तु. सप्र. दाश्रौ ७, ५, १४) । उस्र. उप. श्रिष्ठकरणे घन् प्र. । h) विप. । वस. । i) हस्दिहान्दसव इति गर्गनारायणः ।

√चर्च पाधा.भ्वा.पर. परिभाषणहिंसा-तर्जनेषः तदा. पर. परिभाषण-भत्सेनयोः; चुरा. उभ. श्रध्ययने, चर्चयेयुः ऋप्रा १५,१६;२०. चर्चक°- -कः चव्यू १: ५.

चर्चा - पा ३,३,१०५; पाग ४,२, ६०:३,७३°; -र्चा चव्यू १: ५; -चीयाम् शुप्रा ३,२०; ४,१८; 94.

> चार्च- पा ४.३.७३. चार्चिक- पा ४,२,६०. चर्चा-पद- -दानि ऋग्र ३, ४६. चर्चा-परिहास⁰- -सयोः शौच 8.08.

चर्चा-पार- पावाग ३,२,१. चर्चा-मन्त्र- -न्त्रेषु कप्र ३, ८,

√चर्चाय, चर्चायते ऋत्र ३, 96.

चर्चित- -तानि ऋग्र ३,४५. चर्पट- पाउन् ४, ८१. **√चर्ड** पाधा. भ्वा. पर. गतौ.

न्तर्भक- पाउमो २,२,११. चर्मन - पाउ ४, १४५: पाग २, ४, 395; 8, 2, 36; 90; 4, 2, ११६: -में शांश्री ४, १६, २; १४, २२, १७; काश्री; या २, प²Φ; -र्मणः बौश्रो ६,9४: ९; माश्री २, २, ३, ३८; वेश्री; पा ५, १, १५; -मैंणा शांश्रो १७, ३, ५; ५, ६; ९; काओं; -मैणाम बीध १, ५, ३७; -मिण काश्री ध, ८, २××; श्चापश्री; -र्मणी द्राश्री १०, २, १२: लाश्री ३.१०, ११; -र्मन् श्रापश्री १३,२१, ३‡; बौश्रो ६, २८:४५××: -र्माण काश्रौ १,१०,४: बौश्रौ १५,१९: 9;

चार्म- पावा ६,४,१४४. चार्मण- पा छ,२,३८.

चर्म-कर्ता- -र्तम बौश्रौ १६, २०: ३:२१: १;३; -तें आपश्रौ २१, १८,४;१९,९ वोश्री १६,२२: ४ है; हिथ्री १६,६,२८?87h.

चर्म-कर्तृ!- -र्तुः विध ५१,८. चर्म-कार- -रः वैध ३, १५, ५: -रस्य शंध ४३४.

चर्म-चीर-वासस्- -साः विध९४.८. चर्म-जीव- -वात् वैध ३,१५,६. चर्म-जीवन- -वी वैध ३.१५.५1. चर्मण्य- -ण्यम् बौश्रौ १५, १४:

११: द्राश्री ५,४, २; लाश्री २, 6,3.

†चर्मण्-वत्°- -वते तैप्रा १३, १३; भाशि ६३.

चम्णवती - पा ८,२, १२; पाग 8.2.941.

चार्मण्वतेयक- पा ४,२,९५. चर्म-तूणी m- -ण्यः काश्री १५, ३, 95.

चर्म-नद्ध- -द्वः त्रापश्रो १९,६,२. चर्म-पत्त- -क्षे आपश्रौ १०, २०, चर्य- प्रमृ. √चर् इ.

चार्मप (क्ष>) भी"- - श्रीभ्याम बौश्रौ १२,१६: २३; १८,१९: २; -क्यो बौश्रौ १२,१६: २२: १८,98: 3.

चर्म-पूरम् पा ३,४,३१. चर्म-प्रशंसा- -सा ऋत्र २,१,२८. चर्म-मण्डल- -ले वाश्री ३,२, ५. 3 c8.

चर्म-मय-ं-यः वाध ३, ११; बौध १,9,99; -यम् वैध ३,४, 9: -याः त्रापश्रो १८, १०, २७: हिश्री १३,४,१३; -यैः वौश्री 86.28: 6.

चर्म-स्न - स्नम् श्रा ३,९२ . चर्म-वारवाण-वाणिज्य-कारिन--री वैध ३,१५,११.

चर्म-हविस- -विः कीसू ६१,६. चर्मा(र्म-त्र)न्तर्(ः) वैश्री १५,३:९. चर्मा(म-श्र)वनद्ध- -द्रम् विध ९६

चर्मिक- पा ५,२,११६; पाग ५,१, 926.

चार्मिक्य- पा ५,१,१२८. चर्मिन्- पा ५, २, ११६; पाग ४, 9,9400; 2,300.

चार्मिकायणि- पा ४,१,१५८. चार्मिण-पा ४,२,३८.

चार्मिणि- पा ४,१,१५८.

चर्मीय- पा ४,२,९०. चर्मशिरस् १- -राः या ३,१५.

√चर्व पाधा. भ्वा. पर. अदने.

c) तु. पागम. । d) इ.स. उप. b) भाप., नाप. (चर्चक-)। a) = संहिता-पाठप्रकार-विशेष-। e) वैप १ इ.। f) = चर्म-खएड-। उप. $<\sqrt{p}$ त् $\lfloor \overrightarrow{v}$ द्देने \rfloor । g) सपा. चर्मकर्ते <>चर्ममण्डले इति पामे. । h) ॰ त्रें (॰कृते) इति पाठः १ यनि. शोधः (तु. श्रापश्रौ. वौश्रौ.) । i) = चर्म-कार-, ॰जीव-, j) तु. c. मूको. च। k)=नदी-विशेष-। l) तु. पाका., पागम.। वर्मती- इति °जीविन-। उस.। **भार**डा.। m)= इषु-धानी-। n) विष.।विकारे क्षण् प्र.। o) व्यप.। p) तु. पाका.। q)= ऋषि-विशेष-। व्यु. ?।

+चर्षणि - पाउमो २,१,२१४\$: -णयः श्रप ४८,७८: निघ २. 3· - णि: निघ ४. २: या ३. ११:५,२४**०ँ**; −णिभ्यः आश्रौ ३.७.१३: शांश्री १, ८, ११; ६, १० ९: माश्री: -णी: ऋप्रा २. ६१: -णीनाम् आश्रौ ७.४. ४: शांश्री.

चर्चिण-प्राª- -प्राः शांश्रौ १७, ९, ५: बौश्रौ २५, २२: १०; २६, १५:६: माधौ.

‡चर्ष (गि >) णी-धत्8- - धतः आश्री७,५,९; शांश्री ३,१७,१२; त्रापश्री; -० धतः शांश्री ७,१०. १४; १०,९, ११६; आपश्रो १२, २८.४: बौश्री: या १२.४००; -धृतम b आश्रो ६,१,२; शांश्रो ९.२,३: ऋग्र २,३, ५१; साग्र १.३७४: - धतो अप १,४१,८; श्रशां ११,८.

चर्ष (णि>) णी-सह व- -सहम् ऋप्रा ५, २८; ९, ८; -सहाम् शप्रा ३,८३;१२९.

√चल पाधा, भवा, पर, कम्पने; तुदा. पर. विलसने; चुरा. उभ. भृतौ, चलते अप ५७, १-३, २; ४,२; ६: चलति या ४, ३; चलन्ति श्रप ७०^२, २, २; चलेत् श्रप 40,8,8. चालयति वैगृ ४, १: १७; चालयन्ति वौध २,२,५६; चाल-येत् भाश्रौ १०,१२,१३; माश्रौ. चञ्चल- पाउमो २,३,९८°.

चञ्चलीक⁰— पाउना ४,२०.

२६.१:६: -लम अप **७०**९, २.५२: त्रापध १, १९,६; हिध १.५.१०८: -लाः त्रप ६८, १, ३८: -लानाम् अप ६४, ३, ४; -लानि श्राज्यो ४,४: ७,४. चल-स्व- -स्वम अप ६४,३,४. चल-दर्शन- -नम् अप ५७. 9-2.6: 3.6. चल-निकेत'- -तम श्रापध १. २२,४: हिघ १,६,४. चल-विकान्त1- -न्ताः अप ६८. 9.36.

चलत- -लतः गौध ११,१०. चलत्-कर्मन्- -र्म आज्यो ६,५. चलत्-तुनद्-> व्निद्न्- -नदी वौध १.५.८६.

चलन->°न-पतन-सर्पण--णानाम् गौध ८,२. चलन-शब्दा(ब्द-ग्र)र्थ- -थॉत् 91 3.3,986. चलन-समर्थ- -र्धः या १४.६. चलना- -नायाम गोध २२,२८.

चलाचलक-पावा ६.१,१२; -लासः या ४,२७ न.

चिलत- -ते अप ७०,७,२. चिलत-त(म>)मा- -मा या 3.90. चिलत-दन्त'- -न्तम् अप ३७,

6,9. चाचिल- पाता ३,२,१७१. चाल- पाग ३,१,१४०.

चालियस्वा वैगृ १,२०: ११. चलमोदय-, चवर्ग-, चवायोग-,

चवाहाहेब-युक्त- च द्र. चल°- पाग३,१,१३४;-लः श्राप्तिय चन्य - > चन्य-दांडिम- -मम् शंघ

√चप पात्रा, भ्या, उभ, भक्षणे. चय - -पः वाध्यौ ४,१९:२९;३०. चपक1- पाउ २.३२; पाग २,४,३१. चपाल°- पाउ ४, १०७; पाग २, ४, ३१: -लः श्राश्री ९, ७ १८: -लम् शांश्री १४, ४०.९:४१,८: काश्री ६.१,२७; २, १४; ३, ३; १२; आपश्रौ; -लस्य बौध्रौ ४. १: २८; -लात् त्रापश्रौ ७, ३, ६; भाश्रौ ७. २. ११: माश्री १,८,१,१७; वाध्यौ; -लानि श्रापत्रौ १४,६, ११; हिश्रौ ९, ८, २८; -लाय बौश्रौ ४, १:३०; -ले बौश्रौ ११,२: १८; २८, ७:१३; वैश्रौ २०, २४: ३; -छेन वाध्रश्रौ ८, ६३: ९; -लेप बौधौ १७, 93:6.

चपाल-भा(ग>)गा'- -गा लाश्रौ ८,३,६;٤.

चपाल-भाजन- -नम् बौधौ १८, २१ : १४; २६,३२ : १७.

चषाल-मुख¹- > °ख-तरसपुरोडा-शोर(१) मिष्ठसय-ब्रह्मसव-क्षत्र-सव-भूमिसवी (व-श्रो) षधिसवी (व-श्रो) दनसव-वनस्पतिसव--वानाम् शांधी १४,७३,३.

चपाल-वत्- - वन्तः त्रापश्रौ ७, २८,२; हिथ्रौ ६, ८, ६; -वान् बौधौ २०, २५: ७.

चपाछ-संमि(त>)ता- -ताम् यापश्री १४, ६,१०; बौश्री १७, १२:७: २६,२३: ९; हिश्री ९,

d) = चञ्चरीक - ।a) वैप १ इ. । b) पासे. वैप १, १३१७ e इ. । c) $< \sqrt{2}$ चन्च् इति । $m{e}$) भावे कर्तारे च कृत् । f) विष. । बस. । g) =श्रोपधि-विशेष-। य्यु. 2 । h) = झप- [मत्स्य-विशेष-] । ब्यु. (i)=1 पात्र-विशेप-। ब्यु. (i)=1 एकाह-। (k) पाठः (i)=1 प्राप्तः विशेषः।

-सम् बौधौ १०,५० १८. चषाला(. ल-ख्र)थ- -धै काश्री २२;: 3.86.

चपाले(ल-ई)क्षण- -णात् काश्री 6,6,93.

√चह पाधा. भ्वा. पर; चुरा. उभ. परिकल्कने.

चाकरात्-, °इयमान+ .√काश् इ. †श्चाक्पान- -नः त्रापश्री १४, २८, ४b.; १६, २६, ६°; 9२°; बेश्रो १८, १९: १ ; २१,१५: १५0; हिश्रौ ११,७,५9°.

चाक- चक- इ. ?चाकपाण--णः हिधौ१५,७,१२[‡]. चाक्रपालेय- प्रमृ. चक- द. १,२चाक्षप- √चन् द्र. चाखारितम् , 'यितृ- √खन् द्र. चाङ्कुण- चङ्कुण- इ. चाचिलि - √चल इ. चाटकायन- २चटक- इ. चाटकर- १चटक- इ. चाट- पाउ १,३; पाग १,४,५७. चाइन्कार- पा ३,२,२३: चाणक-, °क्य- चएाक- द. १चाण्ड- √चण्ड् द्र. २चाण्ड- : २चण्ड- इ. ?चाण्डा- _भण्डा श्रव ४८, ११५[‡]. च(ण्डाल-, °लक-, °लकि-, °ली-प्रमृ. चएडाल- द्र. चातन- प्रमृ. √चत् इ.

चातप- पाउमो २,२,२१२. चातराध्यमिन- प्रभः. चतुर- द्र. चातर्थे अद्भार द. चातर्विणिक- प्रमृ. चतुर- इ.

चपाल-होम³- > चपालहोसीय- | चात्र^d- - त्रम् अत २२, ७, १; ८, २; १०, १; -त्रस्य ऋप २२, ८, १; −त्रात् श्रप २२, ६, ५; −त्रे श्रप 22.0.3.

चान-पोडक - - की अम २२,६,५. चात्वारिश- "चतुर्- इ.

चात्वाल!- पाउ १, ११६; -लः त्रापश्री ७, ४, १,११,५,४;५; भाश्री १२. ५. ५; वाध्रश्री; -लम् आधौ १, १,६; शांश्रौ ६, १२, ८; काश्री; -लस्य - काश्री २.३. ९: बौधौ ५. ५: २५××; माश्री; -लाः त्रापशु १४, ३ ; -लात काओ १,८,३८; श्रापश्रो ११. ५. ४××; बौऔ; -लान् बौग्र १८: १०; -ले याथ्री ३, ५,१; ५,३,१३; शांश्री ५, १८, १२; ६,११,१७; काश्री.

चात्वाल-ग (त >) ता- -ताभ्यः काश्री २५,१३,२३.

चात्वाल-देव(ता>)त- -तम् शुश्र 8.88.9.

चात्वाल-देश- -शम् द्राश्री ३, ३, २७: लाश्री १,११, १८; -शात् काश्री १७, १, १८; माश्री ६, १, ५, ८; वाधौ २, १, ४, १५; -शे बौश्रो १६, ९: ११; २५, २४: २४; द्राश्री ६, ३, २२; लाश्री २, ११,१६.

चात्वाल-भूमि- -मी जैश्रीका १२७. चात्वाल-मार्जन- -नात् श्राश्री ५. 3, 4.

चात्वाल-वत्- -वत्स् श्राश्रौ १,१,६. चात्वाल-समीप- -पे द्राश्री १५, १, ३; लाश्री ५,९,२.

चाखाल-सारि(ंन्>)णी- -पीछ बौश्रौ २५,4: ४.

चात्वाल-स्थान--नात् श्वापश्रो १६ 94,9.

चात्वाला(ल-त्र)वेक्षण-प्रभृति--ति द्राश्रो ३,४,३४; लाश्रो १, १२. 99.

च खाला(ल-श्र)न्त- -न्ते माश्री २ 3, 7, 9; 97; 94; 4, 7, 33: 3,30; 8,4,92.

चात्वाला (ल-श्र) वट- -टान हिश्र 8.88.

चात्वालो(ल-उ) त्कर-. -स्योः वैश्री १४, १८: १: -री शांश्री ५. १४,२××; काश्री.

चाखालो(ल-उ)कर-शामित्रो(त्र-ऊ) वध्यगोहा(ह-आ) स्तावा (व-आ) श्रीधीया(य-श्र)च्छावाकवाद--दम् वैताश्री १८,१३.

चादि-, चानुबन्ध- च द्र. चान्द्रन-, चान्द्र-, १चान्द्रमस-√चन्दु द्र.

२चान्द्रमस-, चान्द्रमसायनि-२चन्द्रमस्- द्र.

१चान्द्रायण- √चन्द् इ. २चान्द्रायण⁸- -णाः बीश्रीप्र ५: १; २३: ३.

चान्द्रायणिक- √चन्द् इ. १चाप- १चय- टि. इ. २चाप- पाग २, ४,३१^h.

चापल- १चपल- इ.

चापलायन- २चपल- द्र.

चापर्य- १चपल- द. चाप्पट्टक्य- चप्पट्टक- दः

चाफहकायन-, व्हिक-चफहक- इ.

a) ससः पूपः = । उपचारात् । रथाप्र- (तुः संस्कृतुः स्ची) । b) पाभेः वैप १,१९७१ m इ.। c) पामे. बैप १, ११७१ n द. । d) चत्र- इत्योनन स-न्यायता द. । e) = पात्र-विशेष- । f) वैप १ इ. । g) = ऋषि-विशेष-। व्यु. १। - h) तु पागम.।

शैकामत्त जैय २,9 : २७. नामर- प्रमृ. चमर- इ. चामरज्जू b- पा,पाग ५, ३,१००. चामसायन~, चामस्य √चम् द्र. √चायु° पाधा. भ्यां. उभ. पूजानिशा-मनयोः. चायत- -यन बदे ७, १२९; या ६, २८: ११.4. चायन-> 'नीय- -यः वृदे ७. १२९: -यम् या ४, ४; १२, ६; 9.4. चायनीया(य-श्र)प्रव--प्राणि या १२.१८. २चायमान- नः या ४,१४. चायित्- -ता या ५,२४. #चारय- -रयः वागृ ५, ९; १२, ३: हिग् १,४,३. १चाय- १चय- द. २चाय- √चि इ. १चायमान- १चयमान- द. १चायि अप ४८,२ ई. १-२चार- प्रमृ. √चर् द. चारकीण-चरक- इ. चारचक्ष्रस्-, १-२चारण- प्रमृ. √चरु द्र. ३चारण-, चारणविद्य- °वैद्य-२चरण- द्र. चारमगुणिक-, °मिक- चरम- इ. चार्यित्वा, चारायण-, चारायणीय-, १-२चारित्र-. चारित्र्य-, .चारिन्- √चर् द्र. चारु!- पाउ १,३; पाग ५, १,१२२⁸;

६, २:१६०;८,२,९8: "- + स्व:h श्रामश्रौ ६, २३, १; भागृ २, २०: १२: - कि श्राश्री २, १०. ४: श्रापश्री १४, २, १३; बौश्री; डिया ८, १५%; ११, ५: - १ इ. ग्राथी ६,३, १; शांशी९, प, २; श्रापश्रौ; या ८, १५; - फम आश्री २, १३, २; शांश्री १, ५, ९1; त्रापश्री १९, ३,२; २४,१२,६ भ; वाध्यो; या १०,३६; -री पावा ३,२,४९. चारिमन्- पा ५,१,१२२. चारु-चामर-ह (स्त >) स्ता--स्ताभिः ग्रप १९१,४,४. चारु-ता-, चारु-त्व- पा ५,१,१२२; -क्ष्वम् आश्रौ ३,८,५; शांश्रौ१३, चार-दर्श(न>)नाव- -नाम् त्रशां - ५,६; -०ने अशां ५,८. चारु-देव्ण- पाउमो २,२,१२९. चारु-नद्^d- पाग ८,४,३९8. चारु-ना(स>)ंसा^व - साम् विध 2.33. चार-पर्व-मनोरम- -मः अप १८, 3,4. चार-बुद्धिमत् - -मन्तम् आप्तिगृ २, ७,६:३६. चारु-मत्- पा ८,२,९. चार-लोच(न>)ना^d- -०ने श्रशां 8, 9. चारु-सर्वा(व-ग्रङ्ग>)ङ्गा^d- -०ङ्गे अशां १,५.

चार्व- या ५, १,१२२. वार्व(र-अक्र)की^त - •िक्न विध . 2.32. चार्वा (रु-ग्रा)घाट,त- पावा ३, २, चार्केय-चर्क-द्र. चार्ग- चर्ग- इ. चार्च-, चार्चिका- √चर्च द्र. चार्म-, °र्मण-, °र्मण्वतेयक- प्रमृ. चर्मन- द्र. १ चाल्यकम अप्राय ६,२. चाप'- -षः अप १,३२,३; ऋषाः १३, ५०; माशि १३, ३; याशि १, १७; भाशि ९६ +; -पस्य अप ७०१, ३, ५; -चे बौश्री २, ५: चाष-काक-कलापिन् - -पिनाम् कौशि ६९. चाहलोप-चद्र. √चि" पाधा. स्त्रा. चुरा. उभ. चयने, †चयसे ऋप ४८, ११५; निघ ४.9; या ४, २५०. चिनुते बौधौ १०,३५: २६××; वाधूश्रौ; चिनोति काश्रौ १२, १, २५; १८, ६, ७; २५, ७, १५; ग्रापश्री; चिन्वते ग्रापश्री १९, १४, ४; बौश्रो; चिन्वन्ति काश्रौ १६,५,९; वाध्यी ३, ८१ : ६; वाश्री; चिनवत् हिश्री ११, ८, १४‡; ‡चिनवन् श्रापश्रौ १६, ३४, ४; हिश्री ११, ८, १५१ण; चिनुष्व अग्र ११, १ भ; चिनुत

बौश्रौ १५, १४: २; 🏲अचिनुत भाशि ७:१०३: चिन्वीत श्रापश्रौ १४,२३,९××; बौश्रौ; चिनुयात् बौध्रौ २३, १४: २१; वाध्र्यौ; चिनुयुः वाधुश्रौ ३, ८१: ७; लाथौ ८.८,४५. चिकाय बौश्रौ १८, ४५: ५; चेष्ये बौश्रौ २,१: १५. चीयते आपश्रौ १६, १५, ६ ; १९,११,२; बौधौ. अचिकीपत भाशि १०३ . २चय- पाग ५, २, ६४; ६, १, 955. चय-क- पा ५,२,६४. चयन- -नम् काश्रौ १६, ७, १२; १७, १, ११; श्रापशु १२, ४; हिश ४, २६; -ने चात्र १७: 90. चयन-पुरीषनिवपन- -ने काश्रौ १७,७,३. चयना(न-प्र)न्त - -न्तम् हिपि १२:5b. २चाय- पा ३,३,४०. चिकयां√कृ, चिकयामकः पा ३, 9.83 +. चिकीषमाण- -णः काश्रौ१६,१,५°. †१चित्d- चित् काश्री १७, १, १२: श्रापश्री १, २२, ३; १६, १४,७: बौश्रो; चितः काश्रो २, ४,३३××;श्रापश्री; चिते श्रापश्री १७, १३, ३; बौश्रौ १०, २३: १४:१६र वैथ्रो १८, १४ : ३२; ३३;१९,६:६७. चित्त,ता°- -तः हिथ्रौ १२, ७, २४;

कौस ८५, ११; -तम् श्रापश्रौ १६, ३४,४ ई वैथी; कौसू ८०, ५२?1; -ता श्रापश्री १४, २३, ६; -ताः वाश्रो ३, २,२,१५^{‡8}; या ५, ५; -ताम् लाश्रौ ८, ८, १५; श्रामियः -तायाः श्रामिय ३, १०, २:२; -तायाम् आमिए ३,४,२:१५××; बौषि ३,६,४b; -ते आपथी १४,२३,९; माथी; -तेन श्रप १,१०,५. चित-तूल-भारिन् - रिपु पा ६, ३,६५; पावा १,१,७२. चिता(ता-त्र)मि- -मी त्रप ३१, 9. 3. चिता-धूम-सेवन- -ने विध २२, € €. चिता-पूर्व- -र्वम् वैगृ ५,३:१७. चिता-प्रमाण- -णम् वैगृ ५, ३: चिता(ता-श्र)स्थि- -स्थीनि वैगृ 4, 4: 22; 19, 4: 90. चितो(ता-उ)देश- -शम् वैगृ ५, 3:8. चितवत् - वित वैश्री १८, १२: १चिति!- -तयः श्रापश्रौ १९, १५, ४: बौश्रो १९, ८:४: १०: ५४: माश्री: -ति: त्रापश्री १४, २३, ६××; बौश्रौ; -तिभ्यः शांश्री ९, २४, ९1; -तिम् शांश्री ४, १४, ९; काश्री १७, ३,२२××; श्रापश्री; ‡माश्री ६, 9, 0, 99k; 7, 9, 98k; 3, १५ , १३ ; महिश्री ११,

७,२९^k; १२, १, ४३^k; -तिम् s-तिम् श्रापश्री १६,३५,१; २: माश्रौ; -तिपु बौश्रौ १९, ५: १७: ८: ४; हिश्रौ १२, १, १: द्राश्री १४, ४, ९; लाश्री ५, ८. ९: -तीः बौश्रौ १९, ८: ५. १०: ५४; माश्री; -तीनाम् माश्री ६, १, ६, १३; वाश्री २. १, ६, ५; -तीभ्याम् तैप्रा ३. v+; -तेः श्रापश्रौ १६,२१,२; १७, ४, ९; वैश्रौ १९, ५: 9; हिश्री; -ते:ऽ-ते: श्रापश्री १४. ८, ५; -ती शांश्री ४, १४, १२; काश्रौ २२, ६, १५. २५, ७, १९; श्रापश्री १६,१५, १××; माश्री; -त्या त्रापश्री १५, 90, 4; १७, 99, ३; बौश्रौ; -त्याः श्रामिय ३,७, ३:३१; बौषि २, ३, ५: -त्याम् त्रापश्रौ १६, २४, ४; १७, ४, १३; वाध्यौ ४,११९: ३; वाश्री २, १,८,६; वैश्री १९, ५: १३; हिश्री ११, ७, ३६; १२, १, ४६; श्रामिय २,६,८: ५; -त्याम् ऽ-त्याम् माश्री ६. १,५,७××; वाश्रौ. चिति-क्ल्सि- -सिः वौशु ७: २०; -प्त्या त्रापश्री १६,३४,३; बौध्रो १०, ३६ : १७××; वैध्रौ १८, २१: २९; हिश्री ११, ८,.

98.

90:98.

विति-प्ररीप- -पे काश्री १७,७,

चिति-प्रणयन->°नीय- -यस्

a) विष. । बस. । b) सपा. चयनान्तम् <> चित्यन्तम् इति पामे. । c) °कीर्ष॰ इति पाठः? यिन. शोधः । d) वैप १ द्र. । e) विष., स्त्री. नाप. (शव-चित्या- L लाश्री. त्राप्तिग्र. प्रम्. L) । f) °त्तम् इति पाठः? यिन. शोधः (तु. सप्त. शो १८,४,९४) । L0) पामे. वैप १,९३२० L0 द्र. । L1) सपा. चितिभ्यः L2 चित्यप्तिभ्यः इति पामे. । L3) पामे. वैप १,९३२० L4. ।

बौश्रौ २४,१८: १५. चिति-भस्मन् -सम श्रप ३५. 9.93. चिति-वत काथौ २१.३.२१. चिति-स्तोम- -मः श्रापश्रौ २२. ६ 9: हिथ्री १७.२.४६. चिति-होम- -माः वाश्रौ २.१.८. १५: -मान् माश्री ६,१,८,१५. चि(ति>)ती-मुखं - - खः विध 8,3. चित्य(ति-श्र)गिनb- - +गिनभ्य: c त्रापश्री १६, २१, ३; माश्री ६, १, ६, १४; वाश्री २, १,६, ५; वैथी १८.१६: २८: हिथी ११. ७.४: - ग्नीनाम् आपश्रौ १४, ८.६: हिथ्री १०,८,२३. १चित्य(ति-श्र)न्त- -न्ते बौश्रौ २२.७ : १८:२०: हिथ्रौ ११,८, २२; श्रामिगृ ३,६,१ : ८;७,३ : ३१; बौषि १,८: ७; २,३,४. २चित्य(ति-श्र)न्ते - -न्तः त्रापश्रो १७, १,१०××; हिश्रो १२, १, ७; २०; २९; -न्तम् d श्रामिगृ ३, ७,३:२९: बौपि २. ₹, ₹. चित्य(ति-श्र)न्वारब्ध-काश्री १८,५,९. चित्या(ति-ग्रा)दि-लक्षण- -णे कप्र ३,२,८. चित्य - -त्य: ८-त्य: बौश्रौ १४,१९: १२: -स्यम् काश्रौ १८, २,१; १३: ३, १९: ४, १; मागृ १,

३,४: -त्यस्य शांश्री ९,२५,9;

१०,७,१०; काश्री १६,७, ३१;

१८. ६. ३४: चात्र ४०: ११: - त्ये काश्रौ १८,५,१४. चित्य-नामन- -म काश्री १८. €. २२. चित्य-यपो(प-उ)पस्पर्शन-> °न-कर्णकोशा(श-श्र)क्षिवेपन--नेषु गोगृ ३,३,३२; द्रागृ २,५, 34. चित्या(त्य-त्र)मिचित्या- -त्ये पा 3.9.932. चिरया(त्य-श्रा)रोहण- -णम् काश्री १८,३,४. चित्या(त्य-श्रं)शक्ति--क्ती काश्रौ १८.६.३२. चित्यो(त्य-उ)पस्थान- -नम् काश्री १७.६.१. चित्या'->चैत्यह- -त्यम् श्रागृ ३, ६, ८: वागृ १५, ४: -त्यस्य माश्री १,५, १, २४; ४, ७, ३; वाश्रौ १, ४, १, १०१ h; -त्याय त्रागृ १, १२, १¹; — स्येषु श्रप 302,39,9. चैश्य-तैल-परिस्रव- -वाः. श्रप ६४,६,८. चैत्य-द्रम- -माणाम् अप 403,99,98; 28. चैत्य-यज्ञ - जे श्रापृ १, 92,9. चैत्य-वृक्ष- -क्षः अप ७०र, ٥,90;94; **७१,90,३; ٩٩,३**; -क्षम् बौध १,५, ५२; -क्षाः अप ७१,१०,१. चैत्यवृक्ष-स्तम्भ-पतन--ने श्रप ७२,३,९.

चैत्यवक्षा(क्ष-श्र)भिघात--तेष अप ५८ र.४.३. चैत्यव्रक्षो (क्ष-उ) द्भव--वानि शंध १९७. चैत्य-शुप्क-विरोहण- -णे श्रप ७१,१,४; १६,३. चित्वा काश्री १८.४. १३; २५,१४, १: आपश्रौ. चिन्वत- -न्वते लाश्री ८.२, २३: -न्वन ग्रापश्री १६, २१, ८: वैश्री १९,१:१; हिश्री ११,७,७. चिन्वान- -नः श्रापश्री १६, १३, ११××: बौथी: श्रप्राय ६,२+1. चीयमान--नम् जैश्रीप १९; -ने काश्री २२, २,१; माश्री ५, २, १६, २३; वाध्रश्री ४,११४ : ४; द्राश्री २,१,८,१२; लाश्री १.५, 4:9. चेतव्य, व्या- -व्यः त्रापश्री १९, १४. ६: बौश्री १९, १: ११: हिश्री २३,३, ४; -व्या श्रापश्री १७,२६,9. चेतृ- -तारः वृदे ६,७+; -तुः हिश्री 23.3.33. चेष्यत- -ष्यतः बौश्रौ १०, २१: १३: - ज्यत्स द्राश्री १४, ४,9; लाश्री ५.८.१: -ध्यन् माश्री ६, 9,4,3. चेव्यमाण- -णः आपश्री १६,१,१; १९,११,३; बौश्रौ; -णस्य शांश्रौ ९,२२, १; -णाः काश्रौ १२,१, १५: हिथ्री १६, १, ३५; -णानाम् शांश्रौ ९,२२,६. चि^k वेज्यो १८.

a) विष.। बस.। b) नाप.। 'श्राग्यर्था चितिः।= इष्टका]' इति कृत्वा कस. परिनपातः। c) पामे. पृ १००२ j टि. इ.। d) पामे. पृ १००२ b इ. e) वैप १ इ.। f) = चृत्वर-। g) विष., नाप.। तत्रभवाद्यर्थे भण् प्र.। h) व्ययः इति पाठः? यनि. शोधः(तु. माश्रौ.)। i) श्र्यंस्य कृते तु. Old. टि. इ.। j) पामे. वैप १,१३२० h इ.। k) चित्रा-नक्षत्र-बोधक-।

वैप४-त-४०

चिकयां √क √िव इ. चिकार- (> चैकार्य- पा.) पाग चिक्रित- -िकः ग्रप ४८,११६ म. 8.2.60.

चिकित³-(> १चैकित्य-,L>१चै-कित-। पा.) पाग ४, १, १०५; २,१९१; -ताः^b बौश्रौप्र ३१:३.

चिकित-कालबव-मनुतन्तु-बभ्र-यज्ञ-बल्की (लक्र-ग्री) लोन्त्ये (न्त्य-ई) मीर-बहद्भि-सांशिख-वारिक-तारकायण-शालावत- -ताः हिश्री २१.३,१२.

चिकित-गालब-कालबव-मन्तन्तु-क्शिक- -कानाम् आश्री १२. 98.3.

चिकित-मनुतन्त्वौ (न्तु-श्रौ)लिक-वालुकि-यज्ञवल्को(ल्क-उ)ल्क-बृहदग्नि-बभ्र-गालवि-शालावत-शालङ्कायन-कालबव- -वाः श्रापश्रौ २४,९,१.

चिकितान-, °िकति-, चिकित्व-, ॰त्वस्-, ॰त्सक-प्रमृ. √कित् इ.

चिकिन- पा ५,२,३३.

चिकीर्पत्- प्रमृ. √कृ इ. चिकीषमाण- √चि इ.

चिकर- पाउमो २,३,५२.

√चि ।,च्य वक पाधा. चरा. पर. व्यथने.

चिक्क- पावा ५, २,३३.

चिक्कण- (>°ण-कन्ध- पा.) पाग €, २, 9 २ 4.

चिक्कश°- -शेषु कीस् २१,१४. चैक्कश- -शम् कौस् ४८, ४१.

चिक्यत् √िक इ.

चिखल्ल- पाग ६,३,१०९º.

चिञ्चा¹- पा, पाग ४,३,१६५.

√चिट् पाधा. भ्वा. पर. परप्रेब्ये.

√चित्र पाधा. भ्वा. पर. संज्ञाने;चुरा. श्रात्म. संचेतने, †चेतति श्राश्रौ ८,२,२१; ऋप्रा ८,४५; अचेतत् त्राश्री ३, ७,६ र्न.

†अचेति बृदे ६, ८५; सात्र १, ४४७: उनिस् ५: १६.

चेतयसे या ५,५; चेतयध्वम् या ७,२ ‡; चेतयानि बौश्रौ ७,१२: 30: 83:44.

२†चित् b - चित् काश्रौ ७,६, १३; श्रापश्रौ ४, १०,४; १०, २२,८; बौश्रौ.

†चित्-पति!- -तिः काश्रौ ७, ३. १; श्रापश्री १०, ७, १०: १२; बौश्री ६,२:२०; २०,८: २१; भाश्री १०, ५, १; माश्री. चिदा(द-त्रा)नन्द- -न्दाय शैशि 8.

चितयत् - - यन्तम् आग्निगृ २,५,१ः 39十.

?चितयम् लाश्रौ ९,१०,९ +1.

†चिता(न >)नाb- -नाः वौश्रौ १२,८:६;१७; ९:७.

२+चितिb- -तये। श्राश्री १०,९,२; शांश्री १६,६,9; वैताश्री ३७,9. चित्तb- पाउभो २, २,१३३; -तम्

त्राध्रौ ८, १३, ९; शांध्रौ १०,

१४, ४; त्रापश्री; च्या १,६२: १३+; - +त्तानि श्रापमं १, ३. १४; श्रामिगृ १, १, ३:२५: हिंग १, ५, ११; या ९, ३३; - †त्ताय त्रापश्रौ ५, २४, २; हिश्री २२, १, ३०; श्रामिग्र 2,9,7:94;4,7:96;4,7: ३; हिए १, ३,९; - † ते श्राप्तिग १,५,४:३९; बौगृ १, ४, १; भाग १,१७:९; - † तेन आमिग्र १,१,३:२३; हिए १,५,११. चित्त-वत् -वति पा ५,१.८९ चित्तवत्-कर्तृक- -कात् पा

8,3,66. चित्त-विनाशन-पाग ३, १, 938.

चित्त-विराग- -गे पा ६,४,९१. चित्त-व्यापत्युः?1 अप्राय ३, ५. चित्ता(त्त-आ)दि"- -दि वैगृ १, 90:4.

चित्ते(त-ए)कीकरण-काम- -मः श्रश्र ६,४३.

चित्ति"- - ‡त्तये हिश्रौ २२, १,३०; त्रामिगृ १, १, २: १६; ५, २: १८; ६,२ : ३; हिए १, ३, ९; -तिः याश्री ८, १३,९; शांश्री १०,१४,४; त्रापश्री; - किभिः অব १, ४१, ७; স্মহা ११, ७; या २, ९७; - †त्तिम् श्रापश्रौ १६,२३,२0; ३४, ३;४; १७,१, १३°;३, ९°; १५, ७\$; दौश्रौ;

a)=ऋषि-विशेष- । व्यु.े । तु. पाका. । चे॰ इति भागडा. पासि. च । b) बहु. <चेकिस्य- । c)= यव-चूर्ण- । ब्यु.? । = ॰स- इति कृत्वा $< \sqrt{ चिक्क ्रित शक. । <math>d)$ श्रर्थः ब्यु. च ? । e) तु. पागम. । f) नाप. h) वेप १ द.। (तिन्तिडी-) ा चिम्पा- इति Lपक्षे] पासि. भारहा. च । व्यु. ?। g) या १,६ परामृष्टः इ. । k) पामे. वैप १, १३२२ f इ. । j) पामे. वैप १,१३२२ c इ. । i) वैप १ निर्दिष्टानां समावेशः इ.। n) वैप १ निर्दिष्ट्योः समावेशः l) पाठः ? उप. = व्यापत्तिः ?। m) पूप. < चित्तं च (तै ३,४,४,१) इति। o) पामे. वैप १, १३२० र इ. ।

शंध ११६: ५७\$°; शत्र २, वित,ता- √िय द. १०, ४; भाश्री ४, १५, २; हिश्री ६, ३, २; -च्या कौसू चितान- √चित् इ. ४२,१७ =:- स्ये ग्रापश्री ५,२४, 3中. चेतत- -ततः वाध्रश्रौ ३, ५८: चेत्रतन°- -नस्य^त त्रापश्रौ १४, ३०.२: बौश्रौ २९.५: ३; हिश्रौ 24,0,96.

चैतन्य->॰न्या (न्य-ग्रा) धार- -०र विध १,५६. न्वेतना- °ना-वत- -वान् या २, 99: 6.4.

चेतनावत-त्व- -त्वात् पावा 3,9,0.

चेतनावदु-वत् या ७,६;७. चेतय- पा ३, १, १३८.

‡चेतय(त्>)न्ती- -न्ती या ८, 936.

चेतयमा(न>)ना- -ना या ८,१३. चेतस्- - †तः ऋप ४८, ८४; बृदे ४,११३\$; अत्र ९,७; निघ ३, ९; -तसः बृदे ७,१०१; -तसा वौध ४, ७, २; - †तसे कौसू ५४,११; श्रंप्राय २, ५; श्रश्र 6,89.

†चेत्र- -त्ता वौश्रौ ३, १६: २१; २२;२४; १८,90:96; 90: १८; -त्तारम् हिश्रौ २१,१,२.

१चित्- √चि इ. √चित् द्र. २चित्− प्रमृ.

३१३: - ‡०ते प्रापश्री ४, चितयत्-, ?चितयम् √चित् इ. चितवत्- √चि इ. १चिति- √चि द्र.

> २चिति- √चित् इ. ३चिति°->चिति-प्रायश्चित्ति-शमी-रामका-सर्वशा-शाम्यवाका-तला-ज्ञा-पलाज-वाजा-शिंशपा-शिम्ब-ल-सिपुन-दर्भा(भे-स्र)पामार्गा-(र्ग-आ)कृतिलोष्ट-वल्मीकवपा-द्वांप्रान्त-बीहि-यव'- -वाः कीस 6.94.

> > चित्या(ति-आ)दि- -दिभिः वैताश्री 4,90.

चित्कण-(>॰ण-कन्थ- पा.) पाग ६,२,१२५.

चित्त- √चित् द्र.

चित्ता- >°त्ता√क विन्ता- टि. इ. चित्तानसि- पाउमो २,१,२३९.

चित्ति- √चित् इ.

चित्य- √चि इ.

√चित्र् पाधा. चुरा. उभ. चित्रीकरऐो. १चित्र8- पाउ ४,१६४h.

चित्र-कर- पा ३,२,२१.

चित्र-संनिभ- - भः नाशि २,८,१८. २चित्र- (>॰त्र-क- पा.) पाग ५,४,

३1; -त्रः अप १, ३४,३1. ३चित्र°->चित्र-क- कम् वैध ३.

4.6. ४चित्र^४− -त्रम् बौध २,२,२५; -त्राय श्राप्तिगृ २,६,८:३५; अप ४३,

4,80.

चित्र-गप्त^{क्षा}- -सः जैस २,९ :१६; -सम् शंध ११६:२०: बीध २. ५. २५: -साय श्रामिगृ २, ६,८ : ३५; अप ४३,५,४८.

पचित्र.त्रा™- पावा ४,३,३४°;-†•त्र ब्राश्री ४.१.२३: ७.८.३; शांश्री ११. ११. १५××; आपश्री; या ४, ४; - 井 त्रः आश्री २. १७. १५××: शांश्री: वैगृ ४, १४: ४º: या २. १९**०**: -त्रम् च्याश्रो २.१६.११××: शांश्री; या २, १९; ४, ४ई; १२, ६कः, १६कः, शुप्रा ६, २७ 🔃 -त्रया बौध्रौ १३, ३६ : ४; ५; १५,7: 4; १८,34: 4;80: १८; अप १,२८,२; -त्रा काश्री ८, ७, ४; श्रापश्रौ २०, १, २; माश्रौ १, ५,१,५; हिश्रौ; नाशि १, २, ९३; वेज्यो ३६; या ४, १९‡; -त्राः शांश्रौ ८,२०,१‡; बौगृ ३,१०,४; मगो २, ९;१०; अप्रदेश.८.१ : - † त्राणि अप १, ११, १××; श्रशं ६, ७; १२, ५; चात्र १५:७; श्रत्र १९, ७: -त्रान् बौधौ १०, २४: १२ ‡; गो २,९; -त्राभिः शांश्रौ ८, १६, १; १९-२०, - † त्राम् आपश्रो ५,१७,५⁰;१७, १५, ६०; १९, २५, १४; बौश्रौ १०, ५२: २२0; १५,२: ४;१८, १६: ५; ४०: १७; भाश्री ५, १०,१०व; वैश्री १९,६: ९२व; हिथ्री ३, ४,४९^a; ११, ३,१५^a;

c) वैप १ द्र. । d) पामे. वैप १, b) = देवगवी- । a) वीतिहोत्रम् इति ऋपु २१९, २६। f) वृक्षौषधीनां द्वसः । g) = श्रालेख्य-। व्यु. <math>?। e)= श्रोपधि-विशेष-। व्यु. ?। $h) < \sqrt{\exists \lfloor \exists \, u^2 + \rfloor} \, \mid \, i)$ तु. पागम.। त्र्र्थः $(i \mid j) = u$ सि-विशेष-। व्यु. $(i \mid k) = \lfloor \, d \, u \, u \, u$ तदाख्य- $(i \mid k) = \lfloor \, d \, u \, u \, u \, u \, u \, u$ n) जातार्थे विहितस्य प्र. लुक् । o) उत्तरेण संधिरार्षः । p) = मूर्च्छना-विशेष-। q) पामे. वैप १,१३२५ a द्र. b १२,५,१०°; भाए ३,१:२६°; गो २,७; अप १,१०,१;३९,२; अशं ३,२; ९,२; —त्राय आपए १३,२०; प्रतः १३,२०; अशं ४,२, अहर अप १,०,४; —त्रायाम आपथी ५,३,१३; बौधी २,१२: १३ \dagger ×; भाथी; — \dagger न्नाये शंए १,२६,१२; वैण्ठ ३,२०:६; अशं १२,२; नेत्र अप ६५,१,७; — \dagger ०३ शंथी ८,१९,१; काश्री १७,४,४; भाए १,१२: १४; अशं ३,२; —त्रेण या ६,१७ \dagger ; —त्रे: हिश्री ८,६,३३ \dagger ; अप ७१,१९,५

१चै(\mathbf{x}) त्री $^{\mathbf{b}}$ — न्त्री काश्री १३, १,६; वैग्र १,१:७;४,८:१; विध ९०, ९; गीध ८, १६; मीस् ६, ५, ३१; — ज्या वैग्र ६, २०:३; — ज्या: हिश्री १६, ५, १७; वैताश्री ३६,१०; ३७,११; हिपि १३:२; — ज्याम् आश्री २,१४, ३; बांश्री ३,१३,२; काश्री; — ज्ये आपश्री २१,१५,६; बौश्री १२, १:२; १६, १३:७; १७, ५५:३.

२चैत्र°- पा ४, २, २३; -त्रस्य श्रापथ्रौ २१, २, ११; काश्रौ २४,७,२; -त्रे विघ ३, ४०.

चैत्र-पक्ष- -क्षस्य वाश्रौ ३,२,१,१०.

चैत्र-वैशाख- -खयोः लाश्रौ ९,९,८; ग्रप ५५,५,१. १चैत्रिक⁰- -कानि-,-कै: वौगृ २, १०, ८. चैज्य⁰- -ज्याणि वैगृ ४,

२चैत्रिक- पा ४,२,२३. चैत्री-पक्ष- -त्तस्य लाश्री १०,२०,२; -क्षेण लाश्री १०, ५,१८.

चैत्री-प्रयोग- -गस्य शांश्रौ ३,१४-१५,२.

चैत्री-यज्ञ-विहीन- ने वैगृ ६,२०:२.

चैत्री-समापन¹- -नौ वाश्रौ १,७,५,९.

चैत्र्या(त्री-त्रा)रम्भण¹— -णी वाश्री १,७,५,९.

†चित्र-ज्योतिस् - -तिः बौश्रौ१०, ५३: २; माश्रौ ६,२,५,२३. चित्र-तन्तु - -न्तवः बौश्रौप्र ३१:

चित्र-तम- -तमः शांश्रौ ११, ११, १२‡.

चित्र-ता- -तया वाश्री ३,२,२,१४. चित्र-दण्ड- -ण्डै: श्रप १९१,४,४. चित्र-ददु-विचर्चिका-- -काः अप २६,१,५.

चित्र-पक्ष¹---- पाय ३, ६, ३; -क्षाः अप २०,२,३.

†चित्र-भानु⁵ - - नु वौशौ १८,१६ : १०; - नुः शांश्रौ ८, २४, १; श्रापश्रौ १६,३५,५¹; हिश्रौ ११, ८, २३¹; कौस् १३५, ९; श्रप ७०³.५.३: - नम् वाश्रौ २,१, ८, १६¹; -०नो शांश्री ७,१०, १३; वैताश्री ३१,१६; ३३, १४; ४०, ११; छुस् २,१०: २६; ११:१६; चृदे ७, ६५८; छुप्रा ३,९२; अप्रा ३,१,७.

चित्र-महस्र^ड - - †हसस् आश्री ४, १३,७; शांश्री १०,८, २०; १४, ५७, ४; -हाः ऋग्र २, १०, १२२ⁿ.

चित्र-माल्य- -ल्यै: श्रप १,४४,२. †चित्र-स्य^ह- -थः श्रश्च ८,१०(५); -थम् आश्रौ ४,५,३; शांश्रौ ५, ७,४; -थाय कौसू ७४,८¹. चैत्रस्य^६- -थम् श्राश्रौ १०,

चेत्रस्थ^k - श्वम् आश्रौ १०, २,३; -थेन आपश्रौ २२, ३४, २२; हिंधौ १७,६,१७. चित्रस्थ-वाा,वा¹ोह्लोक- पा, पाग २,२,३१.

चित्र-रू(प>)पा'- -पाम् श्रशां ३,

चित्र-व(त् >)ती[™] - -र्ता नाशि १,. २,९[™]; -तीषु आश्रौ ९,९,९; शांश्रौ १५,३,३; -त्यः निस् २, ११:२४; -त्या बौश्रौ १०,. ५७:१४.

चित्र-वर्ण - - जम् श्राप्तिगृ २,५,६ :

चित्र-वस्त्र-प्रदान- -नेन विध ९०,९ चित्र-वासस् '- -ससः वौध १,६,९. चित्र-शिखण्ड-धर- -०र विध ९८, ६५.

चित्र-इयाम-इयावदन्त-कुनखि-जटिल⁰- -ल: ग्रप १,३२,५.

a) पामे. वैप १, १३२५ a इ. । b)= चैत्रपौर्णमासी-, Lतत्रविहित-] पाकयज्ञ-विशेष- । c)= मास-विशेष- । d)= ऋष- । भवार्थीयप् टक् प्र. । e) भवार्थीयः यत् प्र. । f) विप. । a स. । g) वैप १ इ. । h)= ऋषि-विशेष- । i) पामे. वैप १,१३२५ i इ. । j)= सर्प-विशेष- । k)= ऋही-विशेष- । तेनदृष्टीयः अण् प्र. । l) तु. पाका. । m)= ऋन् - (< चित्रं देवानाम् [ऋ १, ११५,१]) । n)= मृ्छ्ना-विशेष- । a0 द्वस. > मत्तो. कस. ।

‡चित्र-श्रवस् -तम³- -०म श्राश्रो १०.६.७: शांश्रो ३.१५.१०: ५. ५.६: आपथ्री: -मम् बौथ्री ९. 8: 0: 20.0: 9.

चित्र-संनाह^b- -हम् श्रप २०,२,३. क्तिय-मेन°- -नाः बौश्रौप्र ६: ३: -नाय कीस ७४.८^d.

चित्रसेन-प्रमुख⁶- -खान शंध ११६ : १६.

चित्रसेनि'- -नयः अप ७१. 96.3.

चित्रा-कर्मन् - में कौसू १८,१९. चित्राकमैं-निशा- -शायाम् कौस् 23.92.

चित्रा-गण⁸--णः अप ३२,१,१८^२; अग्रां १८,२; २४,२ .

चित्रा(त्र-अ)न्तb- -न्तम् आपश्री १९.२०.२: हिश्री २२,३.१९. चित्रा-पत्त- -क्षम् कीस् ७५,४.

चित्रा-पूर्णमास- -से श्रापश्रौ १९, २५, १४; हिश्रौ २२, ५, २५.

†चि(त्र>)त्रा-म(घ>)घा^a--घा अप ४८,११०; निघ १,८.

चित्रा-य(त>)ताb- -ता विध 90,8.

2.6,3; 3,0,4; 4,20,4. चि(त्र)त्रा-वसुक--सुना आपश्रो ६,

१६, ११; भाश्री ६, २, २; - १०सो शांथी २, ११, ४; काश्री ४, १२, ३; बौश्रौ ; -सो:1 श्रापश्री ६,१६,१०.

चित्रा-विशाखा- -खयोः वैगृ २. 93: 3.

चित्रा-विशाखा-स्वाति-बहला(ला-श्र)पाढा(ढा-आ)हिर्बधन्य-

याम्य- -म्यस्य अप ६५. २. ५. चित्रा(त्र-त्रा)सङ्ग- -ङाः बौध १.

€.9. चित्रा-स्वाति- पाग २, २, ३१;

-स्योः बौश्रौ २५. ५: ८: काश्र U.34.

चित्रिय^k- -यम् श्रापगृ ९, ३; -यस्य आपश्रो ५,५,१०; बौश्रौ; -याणाम् बौगृ ४, २, १५; -याणि बौगृ २.२.१३: - #यात् श्रापश्री ५,६,१: बौश्री.

चित्रिया(य-ग्र)श्वत्थ-∹धस्य भाश्री ५.३.१२.

चित्री / कृ > चित्री-करण- -णे पा ३,३,१५०; पावा ३,१,२६; ३ 949.

√चित्रीय पा ३,१,१९.

चित्रो।,त्री1] (त्र-त्रो)दन- -नम् आप्रिय २,५,१ : ३६; जैय २, 9: 36.

चित्रय"- - ज्यम् भागृ २,३१: १. ‡चित्रा(त्र-ग्रा)युस्°- -युः श्राश्रौ ६चित्र™- पाग ४, १, ९९°; २, ८०; -म्रः बंदेⁿ १,४८+; २,१३७+; ६, ६०; -त्रम् बृदे ६, ५९ "; -त्रस्य ऋत्र २,८,२१ⁿ.

३चैत्र- -त्रस्य चाअ ३९: १८. चैत्रायण- पाग ४,१,९९; २,८०. चैत्रेय°- -याः बौश्रौप्र ३१: ७.

चित्वा √िच द्र.

चिद्र श्राश्री २, १,११; शांश्री; या 3.98:8.90 + 4; 97 6, 9, ५७: २.१०१: पाग १, ४,५७°; चिद-उत्तरb- -रम् पा ८.१,४८.

†श्चिदाकोः श्रापश्रौ २१,९, १५; हिश्री १६,४,१३.

?चिनही वैय १,१४: १३.

√चिन्त पाधा. चुरा. पर. समृत्याम्, चिन्तयन्ति वृदे ७,४६; चिन्त-येत आग्निए २, ४, १०: ५: श्रप २३,४,१; ४३, ६,३; विध ९६,२३;९७,9; नाशि २,८,9.

चिन्तयत- -यतः बदे ५,६०; -यन् श्रापध १, २३, १; हिध १, ६.९: -यन्तम् आश्री ४,१,२३. चिन्तयन्ती- -न्ती सु ३,३.

चिन्तयाम् 🗸अस् , चिन्तयामास विध १.१९.

चिन्तयित्वा वैगृ ५,६ : २५.

चिन्ता- पा ३, ३, १०५; पाग १, ४, ७४ : - न्ताम् अप ३३,१, ३: विध १,२०; बृदे ७,४३. चिन्ता /कृ पा १,४,७४.

चिन्तित- -तः मैत्र ३३; -ताः आज्यो २.२.

१ चिन्ति- पाउभो २,१,१९०.

२ चिन्ति-> °न्ति-सुराष्ट्र -पाग ६, 2.30.

चिन्वत-, चिन्वान- √चि द्र. चिपिट- पा ५, २, ३३; -टः श्रप ६८,२,३१.

a) वैप १ इ. । b) विप. । बस. । c) = ऋषि-विशेष-। d) = सर्प-विशेष-। e) बस. पूप. = गन्धर्व-राज-। f) = गन्धर्व- । इनि प्र. श्रादिगृद्धयभावः उसं. (पा ७,२,११७)। g) = मन्त्रगण्-विशेष- । h)=चैत्री-। i)= मन्त्र-। j) विप.। वस. उप. = उत्तरीय-। k) वैप २,३खं. द्र.। l) श्राग्निगृ. पाठः। p) पाठः ? चिता गोः इति शोधः (त. o) तु. पागम. । n) = नृप-विशेष- ।m) बप्रा. । व्यु. ? । q) = सूर्यरश्मि-विशेष-। व्यु. १। ८. टि. श्रिप इ.। 🔻 🖒 चित्ता- इति भाण्डा. । वैप १,१३२० e)। s) जनपदयोः द्वस. ।

चिवक - पाउमो २, २, २६; -कम् विध ९६,९२. चिम्पा- चिम्ना- टि. द. चिर°- -रम् श्रापश्री १३,९,९; १७, १४, ३+; बौश्रौ; कौगृ १, ८, २३^{‡b}; शांग्र १, १४, १^{‡b}, या १०,४०××; पाग १,१,३७; -रस्य पाग १, १, ३७; -रात् चिल्ल- पावा ५,२,३३. शांश्री १४, १४, १; अप; पाग १. १. ३७: -राय सु ३१, ३; पाग १, १,३७; -रेण या १४, ८: पाग १,१,३७. चिर-कृच्छ्र- -च्छ्रयोः पा ६, २,६. चिर-जीवि-त्व- -त्वम् वाध २९,२. चिर-तन- पावा ४,३,२३. चिरंतन- पा ४,३,२३. चिर-सग्न-गात्र--मात्र- -त्रः अप

EC, 3, 97. चिर-रात्र- -त्राय पाग १,१,३७. चिर-लब्ध- -ब्धः या १०,३९. चिर-लोपिन्- -पी श्राप्तिय २, ७, चिर-स्थान- -ने गौध १२,२८.

चिरा(र-ग्र)चिर-वचन- '-नात् पावा १,१,७०. चिरा(र-श्रा)युस्- -युः मागृ १,

चिरन्त^d-(>चरन्त्य- पा.) पाग ४, 3.60.

?चिरस्या श्रामिय २, ६,१:१६.

√चिरि पाधा. स्वा. पर. हिंसायाम्. ? चिरोणु या १४,५. √चिल् पाधा. तुदा. पर. वसने. १चेल- पाग ३,१,१३४ . चिलिचिम - मः बौध १,५,१३४. √चिल्लू पाधा. भ्वा. पर. शैथिल्ये भावकरणे, हावकरणे च. चिश्चाº या ९,१४ .

चिश्चिषा¹ > 'षा√क > 'षा-कारम्¹ श्रापश्री १३, १७, ६; वैश्री १६, २१: ४; हिश्रौ ९,४,५१.

चिहण^e- (>चिहण-क(न्था>)न्थ-पा.) पाग ६,२,१२५.

चिह्न - हम् काध २७८: ६; -हानि श्रप ७०३, ११, १३; -हैं: विध U.9 7.

चिह्न-युक्त- -क्तः वैध ३,१५,११. √चीक् पाधा चुरा. उम. श्रामर्<u>ष</u>णे. चीप-दु - -दुः अप्रा ३,४,१‡.

√चीव √चीव् टि. इ.

१चीवा,व^{1'm}]र- -रम् गोगृ ४,९,७; कप्र ३,९,१८.

√चीभ् पाधा. भ्वा. ग्रात्म. कत्थने. √चीय् √चीव् टि. द्र.

चीयमान- √चि इ. चीर"- पाउ २,२५; पाग ४,२,८० 10; -रम् बौगृ २, ६,९: वैध २, २, २; पा ६,२,१२७.

चैरेय- पा ४,२,८०.

चीर-चर्म-जल-प्रिय^p-3,3,99.

चीर-वल्कल-वसन् - -नः वैध १. υ, Ę.

चीर-वल्कल-वासस्^p- -साः शंध ४४२.

चीर-वासस्c- -साः जैगृ २,८: २: बौध ३,९,२; विध ५३,१.

चीरा(र-ग्र)जिन-वासस्^p- -साः वौध २,६,१७; गौध ३,३४. चीरा(र-ग्र)जिन-वासिन् - - सी

वाध ९,१.

चीर्ण- √चृद्र. √चीव् " पाधा. भ्वा. उभ. श्रादानसं-वरणयोः; चुरा. पर. भाषायाम्.

१चीवर- चीवर- द्र. २चीचर⁵- पाउ ३, १; -रम् शांश्रौ २.

१६,२; या ११,४७. √चीवरि पा ३,9,२०.

चीवि-वाच्t- -वाक्" विध ४४,२४.

√चुक्क् √चिक्क् टि. द्र. चुक्तत्°- -क्रते काश्री २५,१२,२४.

चुक्र^{e;w}- (> चुक्र-ता-, चुक्र-त्व-, चुक्रिमन्-, चौक्य- पा.) पाग

4, 9,923.

चक्षा^{e'x}- पाग ४,४,६२^५.

१चौक्ष- पा ४, ४,६२; पाग ५,9, 928.

चौक्य- पा ५,१,१२४. √चुच्य √१-२शुच्य टि. इ.

a) वैप १ द्र. । b) पाभे. वैप १,१६३९ p द्र. । c) विप. बस. । d) तु. पासि. । विरत – इति पाका., विरत— इति भाराडा. । e) ऋर्थः व्यु. च ? । f) तु. पागम. । g) = मत्स्य-विशेष- । व्यु. श h) तु. BPG. Ik) वैप ३ द्र.। l) कप्र. पाठः। i)= शब्दानुकृति- । ब्यू. i । j सप्त. चिश्चि॰<>चुरचू॰ इति पाभे. । m)= लोहचूर्ण- । ब्यु. ? । n)= वस्त्र-खंग्रड- । ब्यु. ? । o) वीर- इति भाग्डा, प्रमृ. । p) विप. । द्वस.>बस.। q) विप.। द्वस.>उस.। r) $\sqrt{}$ चीब्, $\sqrt{}$ चीय् इति BPG.। s) = वस्त्र-। 2 यु. 2 $<\sqrt{}$ चि इति पाउ.। t) = झिल्लिका- (नभा. झिगुर्रा)। eयु.!। u) तु. MW.। चीरी $^\circ$ (बस.) इति कृष्णपिएडतः; वीचि $^\circ$ इति जीसं., चीरी-वाक- इति मनुः (१२,६३)। v) तु. चौसं.। चुक्नु॰ (तु. कासं.), वुक्न॰, चुङ्क॰ इति BC.। w)= %म्त- इति पागम.। x)= शौच- इति पागम.। y) चो॰ इति वामनः (तृ. पागम.)।

√चुट् पाधा. तुदा. चुरा. पर. छेदने. √चुट्°, चुट्ट् पाधा. चुरा. पर. श्रहपीभावे.

√च्ड पाधा. तुदा. पर. संत्ररणे.

√चुड्ड पाधा. भ्वा. पर. भावकरणे. √१चुण्ट्^७ पाधा. चुरा. पर. छेदने.

√श्चुण्ट् पावा. चुरा. पर. १ √श्चुण्ट √चुम्य टि. इ.

√चुण्ड् पाधा. भ्वा. पर. श्रल्पीभावे

√२चुण्ड् √१चुण्ट् टि. इ.

√चुत्°, †चुतत्व श्राश्रौ ३, १०,३१; काश्रौ २५,९,१५.

√चुद् पाधा. चुरा. पर. संचोदन, चोदत् वौश्रो १८,४१:४†. चोदत् वौश्रो १८,४१:४†. चोदयित वैश्रो १०,११:५; १६:११; हिश्रो ४,३,३१××; या ७,१३; चोदयतः श्रापश्रो ७,२७,२; चोदयतः श्रापश्रो ४,१४,५६,३; श्रापश्रो १२,१४,१४,६,३; श्रापश्रो १२,१४,१३†; वौश्रो ७,६:४७†; या १०,३९; †चोदय वाश्रो ३,१,२,२; या ४,२५,९,२०°; चोदयेत् श्रापश्रो १५,१४,३; वौश्रो २,३:१८; २९,२:१; माश्रो; चोदयेयु:श्राश्रो २,११,१९;१८,१३.

चोदिष्यामः वीश्रौ १६,३:८. चोद्यते शांश्रौ १,१७,७; लाश्रौ; चोद्यन्ते शांश्रौ१,१,२४;श्रापश्रौ. चोद्र'->°द-प्रवृद्ध'- -द्धः शैशि ३१०†.

चोदक - -कः ऋप्रा १०,१५; ११,

चोदन- -नम् हिश्रो १६,१,६;-नात् वाश्रो १,१,१,१८; हिश्रो१३,३,

९; मीस् ४, ३,३९; ८,३,४.
चोदना— -ना काश्रौ २५, १, २;
वाश्रौ १, १, १, ६५; हिश्रौ;
—नाः मीस् ७, ३, ७; —नानाम्
मीस् ४, ४, १; १०, ३, ५८;
—नाम् मीस् १०, २, ६४; १२,
३,८; —नायाम् शांशौ १३, १५,
५; १४,३,१३; कौए; पावा १,
२,६४; —नासु मीस् १०, ५,
१२; पावा १,२,६४.
चोदना-गुण— -णेषु काश्रौ १,८,
२२.

२२. चोदना-गुणै–स्व⊢ -स्वात् काश्रो ५,१२,८. चोदना-तस्(ः) मीस् ४,४,४;

९,१,५; १२,१,१. चोदना(ना-त्रा)नुपूर्व- -च्येंण

शांश्री १,१७,२. चोदना(ना-श्र)नुबन्ध- -न्धः मीस ९.२.४०.

चोदना(ना-स्र)न्तर - - रम् मीस् २,३,५; - रात् मीस् १०,४,३७. चोदना-पृथक्त्व - - त्वम् मीस् १९,२,४९; - त्वात् मीस् ११,४,२३. चोदना-प्रकरण - जो शांश्री १,

१७,१. चोदना-प्रतिभाव- -वात् मीस् ३,८,७¹.

चोदना-प्रभुत्व- -त्वात् मीस्१०, ३,३.

चोदना(ना-स्र)भाव- -वात् मीस् १०,६,३८. चोदना(ना-स्र)भिसंबन्ध-

-न्धात् मीस् १०,२,६५.

चोदना-भूत- -तम् मीस् ९, १,१. १,१. चोदना-भेद- -दात् काश्री ६, ७,२७. चोदना(ना-य्र)र्थ- -थेन मीस् ४,३,१०.

चोदनार्थ-कारस्न्यं - -रस्न्यात्

चोदनार्था(र्थ-श्र)विशेप--पात मीस ६.३,१५. चोडना-लक्षणb- -ण: मीसू १, 9.3. चोदना-लिङ्ग-संयोग- -गे मीस १०,४,२. चोदना-विधि-शेषत्व- -त्वात् मीस ११,२,९, चोदना-विरोध- -धात् मीसू ३, 4.9: 8.8.9; 6,38. चोदना-विशेष- -षात् मीस् ३, 6.87: 4.3,88. चोदना-व्यवाय!- -यात् मीस् 22,9,56. चोदना-शब्द- -ब्दस्य काश्रौ २०, ७,२०; -ब्दात् काश्रौ १, 90.9.

चोदनाशव्द-सामान्य—
-न्यात् भीस् ७,४,९२.
चोदना—शेष-भाव— -वात् मीस्
७,१,३.
चोदना-संयोग— -गात् हिश्रौ १,
१,६०.
चोदना-संदेह— -हे शांश्रौ ६,
१,७.
चोदना-समुदाय— -यात् मीस्
९,१,२८.

चोदना-सामान्य- -न्यात् मीस् 0,3,30. चोदनै(ना-ए)क-काल- -लम् मीस ११,४,५०. चोदनै(ना-ए)कत्व- -त्वात् मीसू ४, ३, १२; ६, २, ६; ८, 9, 3 & x x. चोद्नै(ना-ए)क-वाक्य-त्व--त्वात् मीस् ११,२,५३. चोदनै(ना-ए)कार्थ्य - ध्यात् मीसू ३,६,५. चोदयत्- -यन् लाश्री १०,११,५; -यन्ता अप्राय ६,९ .

चोद्यन्-वत्- -वति आपश्रौ ५,

६,३: हिश्री ३,२,६. चोद्यित्वा लाश्रौ १०,५,२. चोदित,ता- -तः द्राश्रौ १,३,२८; -तम् जैश्रौका ३७; श्रप २३, ११, ३; माशि ५, ५; ६, ६; श्राज्यो ११,६; मीसू १,३,१०; -तस्य मीसू १०, ४, ३८; -ता काश्री २२, १, १३; -ताः बृदे ५, २४; -तान् अप २२,१, २; -तानाम् लाश्री ९, ६, २१; -ताभ्यः शांश्रौ ३,२०,२०; -ते काश्री ४,३,२०; अप ७०, ११, २; मीसू २, २, ६; ३, १, १४; ९,१,३९; -तेन मीसू १०, ४, ₹. चोदित-स्व- -स्वात् काश्रौ १, ८,१; ४,३,२४; ५,८,२०; मीसू 3,7,6;74××. चोदिता(त-श्र)तिक्रम- -मे वैष् २ चुतुक - -कयोः वौशु १५, ३;

चोदिता(त-श्र)भाव- -वे काश्रौ 2,8,9. चोदिता(त-अ)भिधान- -नान् मीस ९,१,३६. चोद्यमान- -नम् लाश्रौ ६,१, १; -नानाम् शांश्री ५,१९, ५; १३, २०,११; -नानि शांश्रौ ९,२७, ३; श्रापश्रौ २४, २,२६; -ने श्रापश्रो ६,१६,२; २४,१,२३; हिश्रौ ३,८,१६. चुनम a'b (>चीनमायन- पा.) पाग 8,9,990. √चुन्द् √बुन्द् टि. इ. √चुप पाधा. भ्वा. पर. मन्दायां गतौ. √चुप् √छुप् टि. इ. चुप्^{b'c}-(>चौपायन- पा.) पाग ४, 9,990d. चुप्णीका'- -का विध ६७,७°; तप्रा १३,१२4. चुपणीमुख⁸- -खः कागृ ३५,१. चुप्र- पाउना २,२८. †१चुवुक¹- -कः दंवि २, ११; -कात् श्रापमं १,१७,१^h. चुबुक-दृघ्न- -ध्नः आपश्रौ १०,१०, ५; हिश्री ७, १, ५५; -ध्नम् आपश्री ७,८, ३; वाश्री २,२,२, 29. चुबुक-प्रतिष्ठित- -तम् आपश्री १०. 28.81

-कात् बौश्रौ ६,२५: १२; -के वौश्रौ ६, २५: ६××; वैश्रौ १४, ६ : ३1; बौज़ १४ : ४: चुब्र- पाउ २,२८. चुम्रिं- -रिः वृदे ४, ६७; -रिम् श्राश्री ९,८,४ ई. चुम्प- (>चौम्पायन-) चुप-टि. द्र. √चुम्ब् पाधा. भ्या. पर. वक्त्रसंयोगे: चुरा^m. पर. हिंसायाम् चुम्बते याशि २,६३. चुम्बुक"- -काय हिश्री १४, ५. 8年. चुम्र- पाउना २,१६. √चुर्° पाधा. चुरा. पर. स्तेये. चुरण-(> √चुरण्य पा.) पाग ३. 9,30. चुरा- पाग ३, ३, १०४^р; ४, ४, £ 2. १चौर- पा ४,४,६२. चोर- पाग ३, १,१३४;४,१,४१०; 4,9,928;933; 8,36; -ot वाध २०,३०; -रः अप ६८,२, ५५; शंध ३२८; -रम् वाध २०, ३०; -रस्य वाध १४,१७; शंघ ४३४; बौध ३,६,१०. चोरी- पा ४, १,४१. २चीर- पा ५,४,३८; -रः विध ५, १९६; -रस्य विध चुबुका(क-अ)न्त - -न्तम् वेश्री १०, ४८, २१; -राणाम् अप १, 88, 9; -रे पा ५, १,

993.

a) तु. पाका. । b) व्यप. । व्यु.? । c) चुम्प - इति पाका. (तु. BPG) । d) चुपदासक - इति । पक्षे। पागम. । e) = a लिदेनता-विशेष-। व्यू. ?। क्षिप्रणिका इति जीसं.। f) वैप १ द्र.। g) = वालप्रह-विशेष-। व्यु. ?। h) पाभे. वैप १, ७३७ h इ. । i) सप्र. चुबुकप्रतिष्ठितम् <> मुखेन प्रतिष्ठाप्य इति पाभे. । k)= वेदिभाग-विशेष- । व्यु. ? । l)= हिवधीनशकटभाग-विशेष- । $m)=\sqrt{2}$ चुण्ट् इंति BPG. । n) = जुम्बक- रतु. वैप रे। पामे. वैप १,१३८१ p इ.। o) पा ३,१,२५ परामृष्टः इ.। p) तु. पागम.।

चौर-भय- यम् अप

६०,१,२. चौर-वत् विध ५,१६०; १६६;१७०.

चौर-व्याधि-भय- -यम् ग्राव ७०^२,२,१२.

चौर-शखा(स्र-त्र)मि-

मृत्यु- -त्युभिः श्रप ६३,२,४. चौर-हत- -तम् विध ३,

€€.

चीरक- पा ५, १,१३३^६. चीर्य- पा ५,१,१२४; -र्यम् श्राज्यो ८, ४; -र्यात् वैध ३, १४.६.

चोर-भक्त-प्रद - -दः वाध ३,४. चोर-राजा(ज-प्र)ग्न्यु(ग्नि-उ) दक - केम्यः कौग्र ३,१२,३०. चोर-वृत्त - -तात् वैध ३,१४,४. चोर-सम - मः गौध १२,४६. चोर-हस्त-ग(त>)ता - -ता

चोर-हत- -तम् गोध १०,४६. √चुळ् पाधा. चुरा. पर. समुच्छ्राये. चुल^b- (>चुल्य- पा.) पाग ४,२,

चुलु°- -लुः याशि १, ४४; माशि २, १११व.

चुलुक- (>चौलुक्य- पा.) पाउना २,२९; पाग ४,१,१०५°.

√चुर्लर पाधा. भ्वा. पर. भावकरणे. चुल्ल- पावा ५,२,३३.

चुहीं'- -ही शंध १३१; विध ५९, १९: -ल्ह्याः वेग्र ३,७:१९^{१६};

-्ल्याम् वैग्र ३,१५: १. $चुक्चूपा<math>^{h}$ >॰पा \sqrt{p} > ॰पा-कारम् h माश्रौ २,५,४,७.

चूचुक- पाउना २, २९; -कात् वैध ३,१४,१०¹.

चूडा, $\overline{\otimes}^{k}$ — पाग ३,३, १०४; ४, १, ९६ 1 ; ५,२,९७ m ;१३६; पावाग ५,१,१९०; —डाः काग्र ४०,१; माग्र १, २१, १; वैग्र ३, २३: ११; हिग्र २,६,११; —डाम् वैग्र ३,२३: १०.

चोड, छ - पावा ५, १, ११०; -डम् श्राप्ट १,१०,१; श्राप्तिय २,२,५:१०; श्राप्य १६,३; बौग्ट १,१८:१; द्वाग्ट २,३,१६; -डात् श्राप्तिय २,३,१०;३,६,१; -डेन भाग्ट १,१०:१०:चोड-क--कम् वैय ३,२३:१:६,५:८; -कात् वैय ५,

-के वैग्र ६,५:५. चोड-करण- -णेन जैग्र १,

99:4; 0, 4:8; 0:9;

१८:४. चौल-कर्मन्- -र्मे श्राप्तिय २, २,५:१.

चौडकर्मो (र्म-उ)पनयन-गोदान-विवाह- -हाः श्रापृ १, ४,१.

चौल-वत् बौग् २,५,७;३,२, ५३: द्राग् २,५,१.

चौलो(ल-उ)पनयन-गोदान--नेपु द्वागृ १,३,१०. चौडि- पा ४, १, ९६.

चूडा-करण--णम् कौष्ट १, १, ५; शांग्र १,५,२; पाए २,१, १; बैष्ट ६५: २; ३; गोग्र २,९,१; कौस् ५४, १५; विघ २७, १२; -णे पाग्र १,४,२; -णेन गोग्र ३,

चूडा-कर्मन्"— -र्म कीय १, २१, १; १७; तांग्र १, २८, १;१९; बीय २,४,१; हिय २,६,१;शंघ २५-२७; -र्मण गोय १,९,२४.

चूडा-ल- पा ५,२, ९७.

चूडा-वत्- पा ५,२,१३६.

१चूडिक- (> चौडिक्य- पा.) पाग ५,१,१२८.

२चृडि(क>)का o - -कायाम् वैष्ट ५,४ : ३५.

चूडिन्- पा ५, २,१३६.

चृडो(डा-उ)पनयन- -नानि आज्यो २,५; १०,१०; -ने आज्यो ५, ३; -नेषु अप २४,१,३.

चूडार-(>चौडार्य-पा.) पाग **४,** २,८०.

चूडारक¹- पाग २,४,६९.

चूडा(ल >)ला¹- (> चौडालि-पा.) पाग ४,१,९६.

चूडितिक-(>चौडितिक्य- पा.) पाग ५,१,१२८.

√चूर् पाधा. दिवा. आत्म. दाहे.

√चूर्ण् पाधा. चुरा. पर. प्रेर**णे,** संक्रोचने.

चूर्ण P - पा ३,१,२५; पाग २,४,३ 9 m; ५,४,३ m; -र्णाः श्रव ४८,७५व;

a) चौरिका— इति पागम. । b) बुल — इति पाका. । c) = हस्ताकार-विशेष-। ब्यु. ?। d) च॰ इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. संस्कर्तुः टि., याशि. च)। e) पृ ८२७ n इ. । f) नाप. [चुल्हा इति नभा.]। ब्यु. ?। g) °ल्याः इति पाठः ? यिन. शोधः । h) चुस्चु॰ इति MW. । i) पामे. पृ १०७८ i इ. । j) = वर्षासंकर- विशेष-। i = शिखा-। i = यु. i । i = शिखा-। i = यु. i । i = यप. । i = यप. । i = यप. । i = यप. । i = i

-र्णानि श्रापश्रौ १९, ५, ८; हिश्री २३, १,७; हिए १, १४, ७: कौसू ११, १७; त्रापध २, १९, १; हिंघ २, ५, ७३; -र्णन ब्राव ३५, १, १३; २, ९; - जेंपु कौसू ४१,२२; -र्णेः काश्री १९, १, २०; बौश्रौ १७, ३१ : २०; कौस ४१,२५; श्रप ३६,७,४. चुर्ण-क- पा ५,४,३. चूर्ण-कृत- -तम् बौश्रौ १७, ३१: ३: -तैः वाश्रौ २,१,१,३४°. चर्ण-पेषम् पा ३,४,३५. चर्ण-मासर- -रै: काश्री १९, १, चुर्णा(र्ण-त्रा)दि- -दीनि पा ६, २, √चूर्णि पा ३, १, २५; चूर्णयेत् माश्री ३, ८, २. चूर्णियत्वा वैश्रौ १३,६: ८. चर्णित->°त-लवण- -णस्य विध ९०, १. चर्णिन्- पा ४,४,२३. चूर्णा√क>चूर्णा-कृत- -तैः माश्रौ €,9,7,30. चुर्णी-कृत्य काश्री १५,९,२४. चुर्णि- वाउ ४,५२. √**चूप्** पाधा. भ्वा. पर, पाने. √पत्^р पाघा. तुदा. पर. हिंसा-श्रन्थनयोः. **√वप** पाघा. चुरा. पर. संदीपने. √च(*समाप्तौ)>चीर्ण- - जेंप् बौगृ २,

चीर्ण-पितृ-वत- -तः वैगृ ५, v: 4. चीर्ण-प्रायश्चित्त- -त्ती कप्र १, €. ₹. चीर्ण-वत°- -तः वीध ३,५,८. चीर्ण-बदा(त-अ)न्त- -न्तेन वौगृ 8,93,3. चीर्णा(र्ण-त्र)न्त- न्ते काध २७१ : ७; २७२ : १; ६; १०; 93. चेकित- (>२चैकित-, २चैकित्य-) चिकित- टि. इ. चेकितत्-, °तान- √िकत् इ. १चेटd- -टः श्रापध १, १७,३८; हिध 2,4, 49. चेट-गवय-शिद्यमार-नऋ-कुलीर--राः वाध १४,४१. २चेर^e− (>चेरी− पा.) पाग ४, १, चेतत्−, चेतन- √चित् द्र. ? चेतना कौग ५,४,७. चेतना- प्रमृ. √चित् द्र. चेतव्य- √चि इ. चेतस्-√चित् द्र. चेतृ- √चि इ. चेत् √चित् द्र. चेद पाग १, ४, ५७; आश्रौ १, १, ११; शांश्रौ; या १,११+; पा ३, ३, १५४; चेत्ऽचेत् पागृ १, 98,28. चेद-अर्थ- -थे पावा ८,१,३०. चीर्ण-निर्णय°- -यः बौषि २,७, चिदिष- पाग ४,२,११६h; -दयः श्रप

2.0.21. चैदिका-, चैदिकी- पा ४, २, 998. चैद्यं- - चस्य ऋग्र २,८,५. ‡चेरु¹- -रवे आश्रौ ५, १५,३; शांश्रौ ७,२०,४; तुस् २,११ : ४. √चेल पाधा. भ्वा. पर. चलने. १चेल- √चिल् द्र. २चेल - लानाम् शंध १७४; १७५: बौध १,५,३६. चैल- -ले वाध १०,२३. चैल-यत् वाध ३, ५३; काध २७७: १२. चैल-शिरस्- -रसोः वौश्रौ २७.९: २. चेल-क्नोपम् पा ३,४,३३. चेल-खेट-कटुक-काण्ड- -ण्डम् पाः ६,२,१२६. चेल-पिणड - -ण्डात् गौध १२. चेल-राज्या(जय-त्रा) दि- -दिभ्यः पावा ६,२,१३०. चेल-वत् शंध १७४; बौध १, ५, ३७; गौध १,३५. चेलो(ल-उ)पमार्जन- -नैः वैगृ ५, 3:9. चेलक1- -काः" बौधौप्र १७: ५. चैलकि- -किः ग्रुग्र १,१७६. √चेष्ट्" पाधा. भ्वा. खात्म. चेष्टायाम्, चेष्टते वैथ्रो १२, १२:२१; त्रप ७०१, ७,२०: ७१,१२, ३; चेष्टति बौश्रौ ४, २:३५;५,१६ : 9××; बौगु; चेष्टन्ति बौश्रो ६,

a) ॰र्जी॰ इति संस्कर्ता । सपा. ॰र्ज॰<>॰र्जी॰ इति पामे. । b) पा $oldsymbol{v}$, २,५७ परामृष्टः द्र. । c) विप.। बस. । d) = मत्स्य विशेष-। व्यु. ? । e) = नाटकीय-पात्र-। व्यु. ? । f) पाठः ? चेद् , अनया (ऋचा) इति द्विपदः शोधः । g) बप्रा. । ब्यु. ? । h) बैदी- इति [पक्षे] पाका., १वेदि- इति पासि. । i) = चेदि-निवासिन- । m) बहु. < चैलकि-। k) समाहारे द्वस. । l) = ऋषि-विशेष- । व्यु. ? । i) वैप १ इ. । U, ४,९६ परामृष्टः द्र. ।

२७: १४: ७,१: २६: २०: ७: | चैकार्य- चिकार- द्र. <. 98:98; 88, R:96; चेष्टताम् हिए १, २३, १; चेष्टे-ताम द्राश्री १२, २, ३३; ३४: १चैकित्य- चिकित- द्र. लाश्री ४, ११, ३^२; चेष्टत द्राश्री २चैकित्य- चेकित- द्र. १२ २. २: लाथ्रौ ४, ११, ५; चेष्टेत गोगृ १, ६, २१; चेष्टेरन् माश्री ३,६,२२. चेष्टिषि हिग् १,२३,१. चेष्टयति शांग्र ४, १५, ७; चेष्ट-यनते गांथी ८.९.२. चेष्ट- वेष्ट- टि. इ. चेष्टत- -ष्टति आपध १, ६, २८; हिध १, २, ५१; - प्टन्तम् बौश्रौ २४,३७:१४: वाध्यी ४,६९: ४: ७६:६:८०:४ं;कौस् ८०,११. चेष्टा- - एया मीसू ३, १, ९; - छाः श्राश्री १,१,८; -ष्टानाम् श्रापशु ६,३; हिशु २,३१; -ष्टाम् कौसू ४८.१४; याशि १, २३; नाशि १,६,१२; - ष्टायाम् पा, पावा२, ३,१२; -ष्टास् ग्राश्रौ १,१२,५. चेष्टा-दृष्टि-पर- -रम् माशि २, 92. चेष्टा-भोजन-वाग्-रोध- -धे विध ५,६९. चेष्टित- -तम् वाध्य्री४,३६:७;५०:

१३; द्राध्रौ ११, २, १०; कप्र; -तानि अप ६४,३,६;शुत्र ३,६. चेष्टित्वा बौश्रौ २, १८: ३३; ६, चोपन− √चुप् द्र. 8: 93: 9,99: 34. चेप्यत्−, चेप्यमाण- √चि द. चैकयत^{a, v}-(>°यत-विध-,°यत्या- चोष्क्र्यति-,चोष्क्र्यमाण- √स्कु द्र.

पा.) पाग ४, १,८०°; २,५४, चौक्रय- चुक- इ.

१चैकित- चिकित- इ. २चैकित- चेकित- द्र. चैकित्सित-, °िसत्य- √िकत्> चिकित्सित- इ. चैकीर्घत-. ॰र्षित-- 🗸 कृ इ.

चैक्रश- विकश- इ. चैटयत ⁰- (>चैटयत-विध-, चैट-यत।यनि-, चैटयत्या- पा.)

पाग ४,१,८०^d; १५४; २,५४^e. चैतन्य- √चित् द्र.

चैत्य- प्रमृ. बि>चित्या- द्र. १.२चेत्र- ५चित्र- इ.

३चैत्र- ६चित्र- द.

चैत्ररथ- ५चित्र- इ. चैत्रायण- ६चित्र- इ.

१,२चैत्रिक-, चैत्री- ५चित्र- इ.

चैत्रेय- ६चित्र-इ. नौडय- ५चित्र- इ.

चैदिका-, ॰की-, चैद्य- चेदि- इ.

चैरन्त्य- चिरन्त- इ.

चैरन्दि'- -न्दिः बौश्रीप्र ४४:४. चैरेय- चीर-इ.

चैल- २चेल- इ.

चैलकि- चेलक-इ.

चोड,ल8- पावा, पावाग ४,१,१७३.

चोद-, चोदक- प्रमृ. √चुद् द्र.

चोर- प्रमृ. √चुर् द.

चोलपल'- -ला: बीग्रीप्र ४४ : ४.

श्चीक्ष- चुचा- द्र. २चौच'- -क्षाः बौश्रौप्र ९ : २. चौक्य- चुक्षा- इ. चौटयत-(> ॰त-विध-) वैटयत-टि. इ.

चौड-, चौडक- प्रमृ, चूडा- इ. चौडकायन'- -नाः बौश्रीप्र ४५: ६.

चौडार्य- चडार- इ.

चौडालि- चुडाला- इ.

चौडि-,चौडिक्य- चूडा- इ. चौडितिक्य- चुडितिक्- इ. .

चौड़हल'- -लाः बौश्रीप्र ३४: १.

चीनमायन- चनम- इ.

चीपदासकायन- चुपदासक- इ.

चौपयत⁰-(>॰त-विध-, ॰तायनि-, ल्या- पा.) पाग ४, १, ८०;

948: 3,48.

चौपायन- चुप- इ. चीम्पायन- चुम्प- इ.

१-२चौर- प्रमृ. √च्य द्र.

चौल- पाग ६,२,१३४.

चौलि'- -िलः बौश्रीप्र ४८ : ११.

चौलुक्य- चुलुक्- इ.

चीवल'--लाः बीशीप ३१: ५. √च्यु^h पाधा. भ्वा. श्रात्म. गतौ, च्यवते अप्राय १, ५; अप ३७,

३. १: वाध ८, १७; शंध ११; बौध; चाम्र ४०: १८१1; निघ २,१४ 🕇, च्यवन्ते बौश्रौ ८,२१ : ९; लाश्री १०,८,८; निस् ६,५:

१२; १४; भाशि ७०; च्यवताम् हिए १, २३, १‡; स्यवेरन्

वाधूश्री ४, १००: १३; च्यवेयुः भाश्री ९,१४,१५.

c) चैतयत- (<√चित्) इति पाणिनिः (तु. पागम.)। b) व्यप. । व्यु. ? । a) तु. पागम. । e) तु. पाका. । चौट° इति [पक्षे] भाण्डा. । d) तु. पाका. । वैट॰ इति ? [पक्षे] भाग्डा. प्रमृ. । h) पा ७, ४, ८१ परामृष्टः इ. । i) धवत इति g) = जनपद-विरोध-। व्यु. ?।विशेष-। व्यु ?। पाटः ? यान. शोधः।

चिच्युषे पा ६,१,३६; च्योध्यते वाधुश्री ४, १०१: ११; १२; च्योध्यन्ते शांश्रौ १५, १६, ११; 'च्योद्वम् हिगृ १, १८,३; भाशि १९: च्योषि हिए १, १८, ३१ª; २३; 9.

च्यावयते या ११.७: च्यावयति आपश्री ९.९.६: बीधी: या ११. ६: च्यावयन्ति निस् ५,६ : २४; च्यावयामि त्रापश्रौ १२, १६, ८+ b; +च्यावयतु कौगृ ५, २, ६? : हिपि २: १२; च्यावय ऋपा ९,३२ +; च्यावयेत् निस् ९, 9: 38: 80,2: 28.

अचुच्योत् वैताश्री २४, १: **†अ**चुच्यवुः हिश्रौ ९, १, १०; 4.34.

३ चयवन d - -नः श्रापमं २,१३,८; ९; पागृ १, १६, २३ ; आमिगृ २,१,३: १३; भाग १,२३: ४; हिमृ २,३,७; जैमृ १,८: १५.

२च्यवन⁶- -नः कागृ ४, १५; श्रप ४८,११५丰; ऋत्र २,१०, १९; निघ ४, १**†**; या ४, १९**०**; -नम् श्रप १, ४१, ७ ф; श्रशां ११,७; या ४,१९; -नस्य चाश्र २: ८; ४२: ३; - ‡नाय कागृ ४,२०; वैष्ट २,१२: १३.

च्यावन- -०न आश्री १२, च्युप- पाउ ३,२४. १०.६-९; श्रापश्री २४, ५,१२; √च्युस् √च्यु टि. इ. १५; बौश्रीप्र ३: १६; ४: ४; चियौत्नी- पाउमो २,२,१८४.

५: ३; हिश्रौ २१, ३, ७^२; वैध ४,२,२;३; -नम् लाश्रौ ६,१२, १४1: -ने लाथी ६,१०,९1. च्यावनी8- -नीभ्याम

वागृ २,२ . च्यवन-वत् प्रापश्रौ २४, ५, १२; १५; बौश्रौप्र.

च्यवान e'h - - नम् या ४, १९२ +: - †ना¹ अप ४८,८१; निघ२,४. च्यावयत् - -यन् निस् ४, ४: १०; कीस १३५,९+; ऋप्रा ८,३+.

च्यावयित्- -ता था ४,१९. च्युत- -तः नाशि १, ६,२०; -तम् श्रप ३७, १९, २; -ताः विध २३, ५१: -तेषु गोध १, ४६: -तैः वैगृ १,५ : ३.

च्युति- -तिः कप्र १, ८, ४; -तेः गौध १,४५.

च्योत्नb- पाउ ४,१०४: -तः ऋपा ४, ७४ +; - + तम् अप ४८, १०३; निघ २,९.

√च्यु पाधा. चुरा. उभ. सहने हसने

च्यक्त- पाउना ४,११५. √च्युत् पाधा. भ्वा. पर. त्रासेचने, ख्योतन्ति कौसू १०५,१. च्युतत् त्रापश्रौ ९,१८,१२ k. च्योतत् - तत्सु कौसु ९३,१३.

हर्व

छ¹- शुप्रा ८,९; ऋत ५,६,२; छम शुप्रा ४,९८; ऋत ४,४,४.

छ-कार- -रः ऋपा ६,३;१२; शौच २,१७; १८; -रम् ऋप्रा ४, ४: १२; तैप्रा ५, ३, ४; याशि २, ४१; -रे शप्रा ४,२५. छकार-वत्- -वत् ऋपा ५,५९. छकारा(र-श्रा)दि- -दि उस् ८,७.

छ-त्व- -त्वम् शैशि ३१४; ३१६. छ-परं- -रम् नाशि २,६,१०.

छंबर्, °ट छम्बर् टि. इ.

१छगल^b- पांच १, ११३; -लः त्रापश्रौ २०, २२, १३: हिश्रौ १४,५, ९; -लम् बौश्रौ ९,५: ३४; -लाः श्रामिगृ ३, ५, २: १०१ म; बोपि १, २: १४; ३: १४; २१; २९; -लान् श्रामिगृ ३, ५, २: १०? वौषि १, २: १४: -लानाम् वौषि १,३: 98; 39; 36.

२छगल,ला°- पाग ४, १, ९६^०; २, 60;3,93.

> छागल- पा ४,१,११७; ३,९३; -लाः वौश्रीप्र २७ : २.

१छागलि- पा ४,१,९६.

१छागलेय- पा ४,२,८०.

२छागलेय - -याः चध्य २: ७... छागलेय-ब्राह्मण^r- -णम् बौथ्रौ २३,५: १५.

a) चौषीः इति पाठः? यनि. शोधः (तु. उत्तरीयं स्थलं संस्कर्तुः टि. च)। b) पामे. वैप १,९०५ b इ.। ϵ) च्यातय॰ इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. हिपि.)। d) = वालप्रह-विशेष-। ϵ) = ऋषि-विशेष-। f) = सामg)=ऋग्द्रय-विशेष-। h) वैप १ द्र.। i)= वाहु-। j) शीच ४,९१ परामृष्टः द्र.।= $\sqrt{=}$ युस् विशेष-। k) पामे. वैप २, ३सं. अवसुक्षोत तैत्रा ३, ७, ३, ६; ७ टि. द्र. । l) = वर्ण-विशेष-। इति BPG. । n) छकलान् इति पाठः ? यनि. शोधः lतु. बौषि.] 1m) शकलाः इति पाठः ? यनि. शोधः Lतु. बौषि.।। q) = ऋषि-विशेष-। श्रपत्यार्थे ढक् > एयः प्र. (मा ४, १, १२ ·)। 0) बप्रा. । व्यू. ? । b) व्यप. I

s) उप. = प्रन्थ- I

छगलिन्°−>छागलेयिन्- पा ४, ३,१०९.

√छञ्ज् पाधा. चुरा. पर. कृच्छूजीवने. छटा- पाउभो २,२,९६.

†श्छत् आपमं २, १६, ३; ६; ९-११; भागृ २,७: १२; १८;२३; २४; २७; हिगृ २,७,२^५;

१छत्र^b− >छात्रि^c− (>छात्रि-शाला– पा.) पाग ६,२,८६.

छत्राक^d - - कम् आग्निगृ २, ५, २ : ४; बौगृ ३, ६, १.

छत्राक-कवका(क-श्र)शन- -ने विध ५१,३४.

छ-त्व- छ- इ. छत्वर- पाउ ३,१.

√छद्, न्द्^{©1} पाघा. भ्वा. पर. ऊर्जने; चुरा. उम. श्रपवारणे; पर. संवरणे, †छन्दति श्रप ४८, ९, निघ ३,१४.

†छन्सत् श्रापथ्रौ २१, १२,९, वाश्रौ; त्रप ४८,३; निघ २, ६; अच्छान् या ९,८‡; अच्छान्सुः श्रप ४८,३‡.

छद्यते निघ ३, १४; अच्छ-दयत् वाध्यौ ४,२९: २०.

छन्दयाते वैताश्री ३८,५ई.
छादयति काश्री १७,१,५,३,१५;
६,१०; कीग्र ३, ६, ३; शांग्र;
†छादये हिश्री २१, १, १; ३;
छादयामि अप ३७, १, १९ई;
छादयेत् काश्री ४,६,६; पाग्र ३,
९,६; काग्र ५९,५; अप.

भचच्छदत् या ९,८. छाद्यते शांगृ ३,११,९; श्रप ६४, १,१०; या ४,१८.

२ छत्र है — पांउ छ, १५९; पाग २,४, ३१; ४,४, ६२; — त्रम् आपश्री १५, २०, १७; बौश्री ९, १९: ४२; १७,३९:६; ४२:९; भाश्री; — त्राणि काश्री २१,३,६; अप ६४,७,६; — त्रे श्रप ७०^३, ११, १५; विघ ९९,१२; — त्रेण जैग् १,१६:४; १७:७; कौस् ३३,९. छात्र मे — पा ४,४,६२; पाग ५,१,१३३.

> छात्रक- मा ५,१,१३३. छात्र-व्यंसक- पाग २,१,

v2. छत्र-दान- -नात् वाध २९,१३. लत्र-धारिन- -री कागृ ३,११. छत्र-ध्वज- -जम् श्र**प७०^२,९,**३. छन्न-ध्वज-पताका- -काः अप ६७,४,२:-कास् अप७१,१९,२. छत्र-प्रदान- -नेन विध ९२,२९. छत्र-भङ्ग- -ङ्ग: अप ६४, ६, ७. छत्र-वत् अप ५८२,२,७. छत्र-वस्त्र-ध्वज- -जानाम् अप **६४,4,**६. छत्र-व्यंसक- पाग २,१,७२1. छत्रा(त्र-श्रा)का(र>)रा¹- -स त्रप ५८,४,७. बुत्रा(त्र-श्रा)द्श-फलो(ल-उ) क्णीप-शुक्रमाल्या(ल्य-त्र्या) गम- -मे अप ६८,२,१२.

छत्रा(त्र-त्रा)दान - नात् बीप्ट २,६,९. छत्रा(त्र-त्रा)दि - -दीनि श्रप ४, २,१४. छत्रा(त्र-त्र)पहारिन् - -ती शंध ३७८. छत्रा(त्र-अ)सि-धनुस - -नुषाम् श्रप ६८,२,१३. छत्रिक - (>छात्रिक्य - पा.) पाग ५,१,१२८. छत्रिन् - -त्रिणम् श्राप्तिष्ट २,२, ३:३. छत्रो(त्र-उ)पानह्^k - -हम् कौष्ट २,३,१९. छत्रोपानह-प्रदान - नेन विध

९०,११. छद्¹ – -देन आपश्रौ २२,११,९. छदि™- -दिम् आप्तिग् २,७,१० ः

१२. छद्य(दि-श्र)न्तराल- -लेपु आपश्रौ ११, ८,२.

छिदिस् - पाउ २,१०८;-दिः काश्रौ ८,३,२०××; श्रापश्रौ; -दिषः निस् १,११:११; -दिषाम् हिश्रौ ७,५,२७; ७,२१; -दिषि शांश्रौ ५,१३,६; हिश्रौ २२,६,७ द,७ द्राधौ; -दिषी श्रापश्रौ ११,८,२; वैश्रौ १४,६:१४; -दीषि काश्रौ ८,४,१७; अपपश्रौ ११,१०,८; १९,२६,३; वोश्रौ ६,२६:८³; साश्रौ २,२,३; हिश्रौ.

3

a) =कलाप्यन्तेवास्यन्यतम-। मत्वर्थे इनिः प्र. (तु. PW. प्रम्.)। b) व्यप. । c) = श्राचार्य-विशेष-। d) नाप.। व्यु. १< छत्र— + $\sqrt{8}$ क् इति स्रमा. शक., छत्रा— + $\sqrt{8}$ के इति । पत्ते। शक., $\sqrt{5}$ द् इति PW. प्रम्. । e) वैप १ द्र. । f) पा ६, ४, ९६; ९७ परामृष्टः द्र. । g) = श्रातपत्र-। h) व्यु. १। 'गुरुरुत्रम् , गुरुणा शिष्य- e) वैप १ द्र. । f) पा ६, ४, ९६; ९७ परामृष्टः द्र. । g) = श्रातपत्र-(=शिष्य-)>नैप्र.यिन. इति तु मतम् । श्रुत्रवच्छाद्यः शिष्येण च गुरुरुस्त्रवत्परिपाल्यः' इति पाम. । $\sqrt{3}$ शास्त्र-(=शिष्य-)>नैप्र.यिन. इति तु मतम् । श्रुत्रवच्छादः शिष्येण च गुरुरुस्त्रवत्परिपाल्यः' इति पाम. । $\sqrt{3}$ शास्त्र-(=शिष्य-)>नैप्र.यिन. इति तु मतम् । i) तु. पागम. । i) विप. । वस. । i) समाहारे द्वस. समासान्तप् टच् प्र. (पा ५, ४,१०६) । i) = उपच्छद्- । i) च छिरेस्- । इः प्र. उसं. (पाउ २,१०८) । i) सप्र. श्रापश्रौ १९,२६,४ प्रमृ. विशिष्टः पामे. (तु. पृ ९७५ रि) । i

छादिषेय- पा ५,१,१३. छदिर्-अन्त- -न्तम् माश्रौ २, १,४,२९; -न्तेषु माश्रौ २,२, 3,36.

छदिर्-दर्श - -र्शे श्रापश्रौ ६, २५,६; वैश्रौ २,१०: ७.

छदिष्-मत्- -मत् वाश्रौ १,२,४, १९: -मता आपश्रौ १०, २४, २; हिश्रौ ७, २, ३६; -मती भाश्री १२, ६, ९; हिश्री ७, 4,9.

चचन्- पाउ ४,१४५; -+ द्राश्रौ २, ३, १७; लाश्री १,७, १५; आगृ ३,८,१९; - ब्राना विध ९३, १२; श्रश्र ८,१.

छाद्मिक^b- -कः विध ९३,८.

छन्द्याम्√अस्, छन्द्यामासुः वृदे 19.940.

छन्दस्⁴- पाउ ४, २१९°; -न्दः श्राश्री ४, १२, २; ६, २, ९; शांश्रौ; हिश्रौ ९, ५, ४३ + व; या ७,१२;१३; पा ५,२,८४; पावा ६,४,१०६; -न्दसः श्राश्री २, १४, २०××; बौश्रौ; पा ४,३, ७१; पात्रा १,१,६; ५, २, ८४; -न्दस:S-न्द्स: शांश्रौ १६, ८, ९; - मन्द्सा आश्री १, ३, २२; ६, ५, २३; शांश्री; आगृ १,२४, १८°; कौसू ६८, 9°; २^{३0}; -न्द्साम् आश्रौ ४, १२,२; १५,२; शांश्री; -न्दसि त्रापश्रौ ५, १६, ४^३‡; बौश्रौ; पा १, २, ३६; ६१; ४, ९××; पावा १, ४, ६०; ८०; २,१,२××; -न्द्सी लाश्री १०, ६, ९; निस् ५,३:२३;

२७: - इसे शांश्री १३,५, ४-६: काश्रौ; -न्दसो: निस् ५, ४ : ८; -न्दःसु वाधूश्रौ ४, २९:४; अशां १८, ३; या (१३, १३; -न्दांसि आश्री १, 2, 9+; 8, 9+; 4, 98, 5; शांश्री १६,२६,२; श्रापश्री १३, २२, 9 † d x x; बौश्रौ; या ७, 93\$; C, 332+; 83, 0; - न्दोभि: श्रापश्रौ १३, २१, ३; १६, २९, १; बौश्रौ; -न्दोभ्यः बौश्रौ १४, २९:३०; ३४; बाध्यौ; या १,१.

छान्दस- पा ४, ३, ७१; पाग ५, १, १३३; -सः निस् ३, १२: १२; ४, २: ६; कौसू १४१, ३४; -सम् निस् ३, ११:२३; जैंगृ २, ८:१४; बंदे २. १०१; श्रत्र ८,९; १९, २१: -सस्य निस् २, १: ३१; -सानि निस् ४,१२: १५;२१; ५,२:२३; -सेन निस् २,२: 8:99.

छान्द्रमी- -सी निस् 2,90: 22.

छान्दसक- पा ५, १, 933.

छान्दस-बठर'- पा २,२, 36. †छन्द:-प(क्>)चाª- -क्षेष श्रश्र ८,९; श्रप्रा ३,३,५. छन्दः-पवित्र- -त्रैः वाधूश्री ३, 94:8. छन्दः-पाद- -दाः निस् १, 9:3.

छन्दःपादा(द-श्र)क्षर-

संयोग- -गात् नाशि १,३,२. छन्द:-पुरुष- -षम् श्रन्न ध 994.

छन्द:-प्रत्यय-प्रहण- -णम् पावा ٤,٩,٥.

छन्दः-प्रमाण-लिङ्ग-दैवत--तानि आश्री ५,१०,२६. छन्दश्-चित्8- -चित् बौश्रौ

१७,२८: २: - †चितम् श्रापश्रौ १७, २६, २; बौश्री.

छन्दश-चितिª- -तिम् वाश्री २. २,१,२९: -तीः माश्री ६,२,२. 29.

छन्द-संयोग-रूप- -पः निसू 4.8:9.

छन्दः-सवनो(न-उ)पदेश--शम् जैथ्रौ १४: १५. छन्दः-सूक्त- -क्तम् बृदे १, १६.

छन्दस्-तस् (:) लाश्री ६, १,

छन्द-स्तोम-रोह- -हम् निसु 3.92:84.

छन्दस-त्व- -त्वम् उनिस् ८: 34.

छन्दस्य,स्या°- पा ४, ३, ७१; ४,९३; पावा ४,४,१४० ; -स्यः श्रप ४८. ९७; -स्यम् त्त्सू रे, ८: २; -स्याः काश्रौ १७, ९, ९; १२, ४; श्रापश्रौ; -स्यानि निस् ९, ३:२८; -स्ये निस्

छन्द्स्या-पशु- -शूनाम् चात्र १६ : २९. †ङन्दस्-व(त् >)ती- -तीष श्रापमं २, २०, ३१; तैप्रा ४,

9.3:80.

20.

d) पाभे. वैप १, १३३२ b इ. ।

a) वैप १ द्र. । b) ठक् प्र. (पा ४,४,८) । c) <√चन्द् इति । e) सत्र. शांश्री ४,२१,१२ विशिष्टः पामे. । f) तु. पागम. । उप. = मूर्ख- । g) पामे. वैप १,१३३३ g द्र. । छन्दोग-सत्र-मानवसत्र-

१छन्दो-ग॰ - नाः लाश्रौ ८,८, ३५; अप २, २,४;४,३; ४४,२, ४; वाध ३, १९; —गम् शांश्रौ १३, १,४; —गाः आश्रौ ६, ३, २१; १०, १५; शांश्रौ; —गात् आश्रौ ५, २, ४; —गान् वौश्रौ १६,२८:४;९;२१; वेश्रौ २१, १६:१; —गानाम् वाश्रौ ३,२, २,४२; लाश्रौ; —गेभ्यः आश्रौ ५,१९,६; शांश्रौ १७, १४,१; लाश्रौ ९,६,२; —गैः आश्रौ १०,५,२०.

छान्दोग्य- पा ४, ३, १२९; -ग्ये ग्राश्रौ ८, १३,३२; काश्रौ २२,५,१; ६,२५.

छान्दोग्य-श्रुति--तिः वैध ४,८,८.

छन्दोग-गुरु- -रुणा श्रप २,

छन्दोग-तस्(:) बौश्रौ १४, ४:२८:३१.

छन्दोग-प्रत्यय- -यम् श्राश्रौ ८,१३,३३.

छन्दोग-बह्बृच- -चाः बौश्रौ २३, ११: ४; १८: १७; -चेपु बौश्रौ १४, २६: १; २३, ८: २०:२२.

इन्दोगबह्वृच-तस् (:) बौश्रौ १६,१०: ५.

्छन्दोग-बहबृचा(च-श्र) ध्वर्यु-प्रत्यय- -येन बौश्रौ २४, १: १३.

छन्दोग-बाह्मण- -णम् श्रापश्रौ १०, १,३; २,५; बौश्रौ २,२ : २०; २५,४ : ६‡. छन्दोग-बश- -शेन शांश्रौ १0,८,२9.

-त्रयोः काश्रीसं २७: १. छन्दो-गण- -णः श्रशां १८.३. छन्दो-प्रहण- -णम् पात्रा ४, ३, 808 छन्दो-देव(ता>)तb- -ता: या छन्दो-देवता- -ताः शुत्र ४, 933. छन्दोदेव(त्य>)त्या- -त्या त्तस १,८: १८. छन्दो-दैवत-प्रतिरूप- -पः वैताश्री ३५.५. छन्दो-दैवत-सामान्त-योग--गान लाश्रो ६,९,१. छन्दो(न्द्स्-श्र)नन्तर- -रेण शांथ्रो ६,६,१७. छन्दो-नामन्- - मिन पा ३, ३, 38: 6,3,98. श्चन्दोनामानाम् माश्री २, १, ४. 年. छन्दो-निषेध- -धः मीसू ३, २, छन्दो(न्दस्-श्र)नुक्रम->°क्रम-लक्षण- -णम् मैत्र १. छन्दो(न्दस्-ग्र)नुक्रमण- -णम् ग्रग्रम १. छन्दो(न्द्स्-य)नुक्रान्ति-विज्ञान- -नाय ग्रश्न १८,२१. छन्दो(न्द्स्-ग्र)न्त- -न्तैः माश्रौ पाता १,३,१०.
छन्दो-भक्ति- -किः निस् ३,४:१.
छन्दो-भाषा- पाग ४,३,७३;
-षा चब्यू २:२९; -षाम्
तैत्रा २४.५.

छान्दोभाष- पा ४, ३, ०३. ७३. ७२. छन्दो-म^a - मम् बौधौ १६,६ ६ १-३; निस् ९, ६:३४; १०, ६:२२; -मयो: गांधौ १२,४, ५××; -मस्य निस् ९, ६:३४; -माः आधौ ८,०,१४××; शांधौ; -मान् शांधौ ११,९३,१३××;-मान् आधौ ११,९३,११६%; न्यांधौ; -मानाम् शांधौ १०,१९,३००××; आपधौ; -मेम्यः निस् ५,६:६; -मेषु शांधौ १०,९,५××; वैताऔ; -मों गांधौ १४.३९.३.

छान्दोम- -मः शांश्रौ १६, २२, ६; -माः शांश्रौ १५, ६,१; -मात् निस् १०,६:२१.

छान्दोमिक° - - कम् या ७,२३,२४; - कस्य आश्रौ ८,७, २०; शांश्रौ १०,९,६; - कानि निस् ५,२:२०; ७:१७; - के काश्रौ २२,६,२३; बृदे ६,

छन्दोम-चतुरह- -हः निस् ३,६:२३.

छन्दोम-ता- -तायै निस् १०,७:२.

छन्दोम-त्रिककुद्¹- -दः शांश्री १६, २९,१४.

a) वैप २,३स्बं. द्र. । b) विप. । वस. । c) शोधः पामे. च वैप १ द्र. । d) = एकाह-विशेष-, स्तोम-विशेष- प्रमृ. । वैप १ द्र. । e) विप. । तात्रमविकष् ठक् प्र. । f) = त्र्यह-विशेष-।

8,9,9,22.

श्रशां १७,२.

छन्दो-ब्रह्मवर्चस-काम- -मस्य

छन्दो-ब्राह्मण- -णानाम् पावा

४,२,६६; -णानि पा ४,२,६६;

छन्दोम-ज्यह- -हे निस् ८, ६: ७.

छन्दोम-दशरात्र°- -त्रः श्रापश्री २३,९,८; १४.

छन्दोम-दशाहⁿ -- हः काश्रौ २३,५,३१; २४, ४,१०; १५; -हम् शांश्रौ १३,२१,१३; -हयो: लाश्रौ १०,१०,१; -हे खुस् ३,१:१६; १०:४१; १२:२३.

छन्दोम-पवमान^b - नम् आश्रौ १०,३,१०; श्रापश्रौ २२, २२,१८; हिश्रौ १७,८,२२; निस् ८,१३: २५;-नेन श्रापश्रौ २२,१८,८; २२,१७; हिश्रौ १७,७,३;८,२२.

छन्दोमपवमान-व्रत⁰--तम् आश्रौ १०,३,६.

छुन्दोमपवमाना (न-स्र) न्तर्वसु- -स् स्राप्ती १०,२,

छन्दोम-प्रथमा(म-ग्र)न्त्य--न्त्ययोः वैताश्रौ ४२,७.

छन्दोम-भक्ति- -क्तयः बौश्रौ २६.२१: ११:

छन्दोम-वत् - - वता श्रापश्रौ २२,२४,३; - वित श्चस् ३,१ : १३; निस् ९,१३ : ३१; - वन्तम् श्राश्रौ १०,३,२४; - वान् निस् ९.५ : १.

छन्दोम-विलोप- -पः निस् ६,२:२१.

छन्दोम-साद्य - - स्यात् निस् ९,१: ३९; ४६. छन्दोम-सामन्- -म निस् ८,४: १९.

इन्दोम-स्तोम- -मम् निस् १०,६: ११; ७: ५.

छन्दोमे(म-इ)डा- -डाम् जुसू ३,१२: १९.

छन्दो-मय- -यम् वाधूश्रौ ४, ७२: १; ६; हु १, २; -यौ बौश्रौ १८,३८: ५; १४.

छन्दो-मान पाग 8, 3, 93; $- \pi \mu$ हिश्री $28, 9, 98^3; 7, 32;$ नाशि 2, 8, 9; $- \pi \pi$ शांश्री 2, 9, 98; $- \frac{1}{2} \pi$ नाशि 2, 8, 7.

छान्द्रोमान- पा ४,३,७३. छन्द्रो-योग-पर्वन्⁰- -वैणि निस् ९,१०: १९.

छन्दो-योग-विकार- -रः निस् ६,११:१०.

छन्दो-स्थ- -थः बाधूश्रौ ४, २६^४: १७; -थेन बाधूश्रौ ४, २६^४: १८.

छन्दो-हर् (<ह्)-स्तोम°--मस्य शांश्री १०,८,२१.

छन्दो(न्दस्-श्र)र्थ- -र्थम् पावा ४,३,१०१; ८,१,७०.

४,२,५०५; ८,७,७०. छन्दो-चा-चचन- -नम् पावा ६, ४,१०६.

छन्दो-विचिति[!]- पाग ४,३,७३; -तिः श्रापध २,८,१११ हिंध २, १,११३: -तिम् शंध ११६:३९.

छान्दोविचित- पा४,३,७३. छन्दो-विजिति[।]- (>छान्दोवि-जित- पा.) पाग ४,३,७३. छन्दो-विद् - -वित् उनिस् ८: ४१. छन्दो-विषय-स्व - स्वात् पावाः १, १,६;२,६. छन्दो-व्यतिक्रम - -मात् मीस् १०, ५,८८.

छन्दो-च्यूह- -हे निस् ४, ९:

छन्न, जा- पा, पावा ७, २, २७; - १ न्नः वैश्रौ २०, २४: १; हिश्रौ २१, १, १, १; ३; - जम् शांशौ १४, २२, ९; काशौ; - जा काश्रौ ५, ४, १; - जाः वाधूशौ ४, ५७: ४; - जाम् भाश्रौ १२, ५, १०; वैश्रौ छन्न- पाप- पाः श्रप ५१, ५, ९ छन्नो (ज-उ) पन्न - जाः वाध १८, ७.

छादन- -नात् या ७,१२. छादयत्- -यन् वाश्रौ १, ३,३,१३; गोग्र १,७,१२; जैग्र १,१: २०; कीस् १३७,३६^{?ह}; स्रप १, ३२, ८; -यन्तः द्राश्रौ ३,४,७.

छादयिस्वा गौषि १,३,१२. छादित- पा ७,२,२७; -ताः उनिस् ८:३२.

?छन्दोम्येन निस ९,७: १६. छ-पर- छ- द्र.

√छम् पाधा. भ्वा. पर. श्रदने.

छमण्ड- पाउव १,१२९. √छम्प् √चम्प् टि. इ.

छम्बद् भ पाग १, ४, ५७¹; बौध्रौ १७,५०: १३².

छम्बत् >छम्बत् √कृ, सम्बत् कुर्व-न्ति बौधौ १६, १३ : ८ [‡]।

 $a)=\pi a$ ह-विशेष-। $b)=\pi a$ हीन-विशेष-। $c)=\pi a$ हान-विशेष-। d) वस. $\rightarrow \pi a$ स.। $e)=\pi a$ पि-। $f)=\pi a$ स्त्र-विशेष-। g) छादय-तोत्त॰ इति पाठः ? ॰ यन् , आ, उत्त॰ इति त्रि-पदः शोधः (र्ड. मूको., सप्त. गोग्र. जैग्र. न)। h) वेप १ द्र.। i) तु. पाका.। छंवट् , ॰ ट इति भाण्डा.। j) पाभे. वेप १ परि. छम्बट्कुवेन्ति तै ७, ४,८,२ टि. द्र.।

द्धावल8- -ल: हिगृ २,७,२b ट्य - -यम् शंघ ११६ : ५७ª √छर, छरति श्रप ४८,९^{‡0}. ्रश्चे पाघा. चुरा. उम. वमने, छर्द-यते कीस २८.३; छर्दयति काश्री इष. ११, ३२: छर्दयेत वाधुश्रौ ३,१०४: १; ३; लाश्री ८,१०, ९: छर्दयेत् आमिए ३,१२,१:२. ळर्टन- -नम गौध २३, २७: -ने वैध २.१२.३. कर्टियत्वा वौध्रो २८, ९: ९: वैध्रौ २१,१: ६; श्रापध १,१०,२२; · हिंघ १,३,४९. छर्टि'- -द्या काश्री २५,११,३२. छर्दि-ज्वरा(र-श्र)तिसार- -राः श्रप ५५,४.२. छ(र्दक>)र्दिका8- -का वाध्रश्री ३, 908:9. छर्दित- -तस्य वाध १३,२८. छर्दित्वा श्रापश्रौ १०,१३, ११. छिदिंस - पाउ २, १०८; - †िर्देः त्रापश्री ५,१२,१; ६,१७,१०¹; बौश्री: - †दिंषा बौश्री १०, ३9 : ६; ३९ : १५;४६ : ३८. छर्दिष-पाb- -पौ शैशि १२५ . द्धला- पाउन १,१०४; पाग २, ४, छल-चृत-व्यवहार-ं -रे बौगृ ४, 3, 9.

श्चिवका- -काम् अप १,६,५.

३,१२,६; -बी निस् ६,६:११. ळविका- पाउभोव २,२,१८. √छप पाधा. भ्वा. पर. हिंसायाम . श्लाग.गा^b- पाउ १, १२४: -‡∘ग श्चापश्रौ ९. १८, २: बौश्रौ: -गः बौश्री ६,८ : २ ; २८,६ : १६; हिथी ४,३,१; मीसू ६,८,३३; -गम काश्री ६.३, १८; श्रापश्री ९.१८.२: बौश्रो: - मगस्य काश्रौ १६,३,१०××: श्रापश्री: - †गा काश्री ७. ८. १४: श्रापश्री १०. २६,७; बौध्रौ; -गाः बौध्रौ २६, ११: २३: ३२: १९: -गानाम् श्रापध्रौ २०, १९, ५^२‡; काश्रौसं २६: ५^२: बौश्रौ: -गाम् बौश्रौ ६.१०: २;१४: १××; -गायै बोश्रौ ९.५: २××; वाध्रशौ ३, १००: १०: -गेन मीस ६, ८, ४०: -गै: वौधी १५,२८:१६ . २छाग^k− -गेन विध ८०.६. १ळाग-काल- -ले माश्री २.५.५.८. छाग-पक्ष- -क्षे कप्र ३,१०,६. छाग-मित्र¹- (> ेत्रि कि>] का, ॰की- पा.) पाग ४,२,११६. छाग-मेष- -षाभ्याम् वाग् ३, १२. छाग-लक्षण^m- -णम् चव्यू २ : ३०. छाग-वृषभ- -भाः शंध ३०६. छाग-स्थान- -ने श्राश्री ३,४,१०. छागा-पयस- -यः बौश्रौ ९, १:

-यसि बौश्रौ ९. ४ : २२: १७ : 9: 80.6: 4. छागो(ग-उ)स्न-मेष- -पाः काश्रौ 20,0,99. ३छाग¹-(>छाग्यायनि- पा.) पावा 8. 9.944. छागरि¹- -रयः बौश्रीप्र ४१: १. लागल-. १ नगलि- २ लगल- द्र. २छागलि¹- -लयः बौश्रौप्र २६ : ३. १.२व्हागलेय-, व्यन्- प्रमृ. २छगल- इ. ?द्वागल्यः" अप ३६, २५, ४. ट्यागव्या- -व्याः बीश्रीप्र ४१: ५. ळागसि--सयः बौश्रीप्र ४१: ४. श्ळाणुश्चतेस्य° वाश्री ३,३,१,३८. लात- पाउन ३,८६. छात्र-, छात्रक- प्रमृ. √खद द. छात्रि- १छत्र- इ. छात्रिक्य-, छादन- प्रमृ. √छद् इ. छान्दि - - न्दिः बौश्रौप्र २७: १. छान्दोगि'- -गिः बौश्रौप्र २७: १. लान्टोग्य-, ॰न्दोभाष-, खान्दोम-, °मिक-, छान्दोमान-, जान्दो-विचित-,°जित-प्रमृ. √छद् म् ह्याय P- -यः श्रप ७२, ३,९. लायक - - कात् अप्रा ३, ४,१ कात्र ल्ला(य>)याb- पाउ ४,१०९; पा २, ४, २२; -यया विध ९१, ७; बौशु ८: ७; -या श्रापश्रौ ११, १०, ९+; बौथ्रौ; निघ ३,४+व; ४××; -यसा बौश्रौ ९,४,:१५; श्राज्यो १, ८; -यानाम् शांश्रौ १०,७: १३; वैश्रौ १८,२:६;

छ्वि,वी b- पाउ ४, ५६; -विम् पाय a)= बालप्रह-विशेष- । व्यु. ? । b) सपा. छम्बलः <> शबलः इति पामे. । c) साध्यदेव-विशेष-। d) साध्यम् इति ऋषु २१९, २६ पाठः। e) श्रर्चायां वृत्तिः। f) = रोग-विशेष-। **इः** प्र. **उसं.** ·व्यु. ? I h) वैप. १ द. । g) = रोग-विशेष- । ण्वुल् प्र. (पा ३, ३, १०८)। (पाउ २,१०८)। वैप १, १३३४ ० द. । j)= छुद्रान्- । व्यु. ? । $<\sqrt{ छिद् वा \sqrt{ छो } (तु. श्रमा.) वा इति पाउतृ., <math><\sqrt{ स्खल्$ l) ऋषि-विशेष-। व्यु.१। m) = परिशिष्ट-विशेष-। n) प्रकरणतः k) विप. (मांस-)। इति PW. प्रमृ.। o) पाठः ? सप्र. श्रापश्रौ १८, १०,२५ पालाकलस्य इति पासे.। p) सर्थः ली-> -ल्याः ष १ इति स्यात् ? । व्यु. च ?। a) गृह-नामन्-।

२, ६, २; अप्राय १, १; -याम् श्रापश्री ५, १८, २4; हिथी; -यायाः हिश्रौ ७, ८, ५०; -यायाम् श्रापश्रौ १०,१३,८××; काठश्री: -याये श्रापश्री ११, २०,७; बौश्रो ६,३२ : ६; १६, 3 : €. छाया(या-श्रा)तप- -पयोः माश्रो २. 2.4,94. छायातपो (प-उ)प (मा>) म--मम् माशि ३, ६; नाशि १, ६, 96. छाया-दर्शन- -नम् अप ६४,४,३. छाया-पत्नी-सहाय°- -यः त्रिध 8, 9. छाया-प्रमाण-तस् (:) श्राज्यो 8.4. छाया-शुक्क^b- पा २,१,४०. छाया-संभेद- -दात् भाश्री ६, ७,५. छाया-संभेदन- -ने श्रव ४१,४,२. छाल- पाग २,४,३१. छित्ति- √छिद् द. छित्वर- पाउ ३,१. छित्वा √छिद् इ. ?छित्वा^६ पागृ ३,७,३. √छिद^व पाधा. रुधा. उभ. द्वैधीकरणे. १कित्स्व बौधौ २९,११ : २. छिनत्ति काश्री २,३,३०; ४,२, १: श्रापश्री; पावा १, ४, १; क्रिन्दते बौध्रौ १५, १४: १; छिन्दन्ति बौध्रौ १५, १: ३; वाश्री; †िंवति काश्री ४,२,२; श्रापश्री: छिन्धि स २७, ५; पाय

२,१,१८; छिन्दत° बौश्रौ १५, १४: १; २; अच्छिनत् वाध्यौ ४, ६४ : १; बृदे ५, १५: छिन्दीत बौश्रौ ३, ११: १० +; २४.३२ : १९: भाश्री: छिन्यात बौश्रौ २४.२३:६: जैगृ: छिन्दाः लाओं ९, २, २६. †चिच्छिदः बौश्रौ १७, ४५: ९××: वैथ्रौ: छेत्स्यसि वाध्य्रौध, ४९: ३; अछिदत् बृदे ६,१५०; हित्थाः त्रापश्रौ ६,२२,१‡;छिदः बौगृ २, १, १३ ई छैसी: आश्री १. ३, २२ +; वाध्रश्री ३, ९६: २; †िहत्स शांश्रो १, ५,९; ४, १३, १; आपश्री; छैरिस' जैश्री १९: ५: छित्स्मिहि बौश्रौ ६. १७: १९ ‡; अच्छेस्यताम् वाध्यौ ४,९९ : ८. छिद्यते श्रापश्रौ १२,५,६; हिश्रौ; छिद्यन्ते वाध १६,३५: अच्छिद्यत बौश्रौ १४, २९: २०; वाध्रशै; छिद्येत आपश्री १४, २६, ३: वौश्रौ †छेदि शांश्री १०, १८, ६; आपश्री ४,१६,४; भाश्री. छेदयति बौश्रो १८, २०: १; छेदयन्ति शांध्रौ १७, १, १५; छेद्येत् गोगृ ४,२,१२. छित्ति- पात्राग ३,३,१०८b. छित्त्वा काश्री ६, ६, ८; ७,२, १०; त्रापश्री; कीगृ १,२१,९⁸. छिदक- पाउ २,३७. छिदा- पा ३,३,१०४.

१ छिदि- पाउ ४, १४३. २ छिदि-> छिदि-क्रिया- -या पावा 2.8.33. छिदिर- पाउ १, ५१. छिद्र- पा ३,२,१६२. छिद्यमा(न>)ना- -नासु कीसू ३३. १ छिद्र^b- पाउ २,१३;- मद्रम् आश्री ३, १४,१० ; श्रापश्रो; -द्रयो: कौगृ १, २०, ७; श्रापशु ९, १: हिशु; -द्राणि माश्री ६, १.७. २६; निसू २, ११: १७-१९: २१; अप; -दे आपश्री ७, ३,८; श्रापगः; -द्रेण काश्रौ १६, २, १४; -द्रेभ्यः शंध ४६२; -द्रेष वाश्रौ २, १,७, ५; कप्र ३,२,५; श्रापशु ८,१३; हिशु ३,२०. छिद्र-प्रन्थि-विवर्जि(त>)ता--ता श्रप २२,३,१. २ छि(द् >)दा- -दा अप २३, ३,३: -द्राम् काश्री १६,२,३; १७, ४, १५; -दे काओं १७, 93,38. छिद्रा(द्र-स्र)पिधान- -नाय वैश्रौ ₹७.६: २. छिद्रापिधाना(न-ग्र)र्थ-त्व--रवात् मीस् १२,२,८. ?हिडावर्त- -र्ताः अप ७०^२,१८, छिद्री√भ, छिद्रीभवेत् अप 902,94,2.

छिन्दत्- -न्दत् भाश्रौ ९,१५,१०1;

हिथ्रौ १५,४,९ 17k; -न्द्न् आथौ

a) विष. । कस. > बस. । b) तु. पागम. c) पाटः ? शिक्खा ($<\sqrt*$ शिक् L वन्थने' तु. शिक्या > ।, c पाटः ? शिक्खा ($<\sqrt*$ शिक् L वन्थने' तु. शिक्या > ।, c पाटः ? शिक्खा < । c । ति स्पाः ति हि. १पित्वाहः > । c । ति पाटः १ विकरण ह्योपेतं स्पम् । c । c । c । ति पाटः ? यिन. शोधः (तु. सपा. पै २०, ४८,५) । पामे. वैप १, १३३६ व द्र. । c । सप्र. शांप्र १, २८,९१ विशिष्टः पामे. । c

२,०,११; निस् ५,५: २५. हिन्दत्-प्राणिन् -णि श्रापश्री २, १३, १^क; १६, ८; भाश्री २, १५, ८^a; वैश्री २०, २०: २; हिश्री १५,४,१.

हिन्धि>°न्धि-विचक्षणा- पा २,

छिन्न.सा- -तः त्रप ५०, ८, १; -न्नम शांश्री १३, १२, १३^{+b}; ‡बौश्रौष्ठ ३, १५: १८; २४; वाधश्री; - त्रया आपशु २, ११; बौश २: ५; हिश १, ३१; -बस्य हिश्रौ ४, ४, १५; -न्ना श्रापश २, १२; हिशु; -न्नाम् हिश्री ७,४, ५०; - ने बौश्री २७, २ : १२: हिश्रो ३,८,५३; बीगु; -जी वैश्रो १३, ७: १२. छिन्न-क^c-> °क-तरा(र-श्रा) दि- -दयः पावा ५,३,७२. किल-पक्षd- -क्षाय शांश्री १२, 94,94. छिन-मूल^d--लेप अप६५,१,६. छिन्न-शीर्षd- पाग २,२,३७°. छिन्न-स्तुक^व- -कस्य भाश्री ७, 4,71 छिन्न-हस्त^व -- स्तः शंध ३७७: 90. छिन्नां(न-म्रं)श-द्रव्य-दर्शन⁸- -नम् श्रप ६८,२,५१. छिन्ना(ल-श्र)प्र^d− -प्र: वैश्रौ १३,७: १९; -ग्रम् वेश्री १०, 94:98. छिन्ना(न-ग्र)भ्र- -श्रेष् ग्रव

E4. 9. E. छिन्नो (न-श्रो) ह्र^d - - हः शंध 300:90. छेत्तब्य,ब्या- -ब्यम् बौश्री २४. ३२: १९; २१: शंघ २६०; ३२९: -ब्या बौश्री २४.२३: ५. छेत्स्यत्- -स्यन्तः हिश्रौ ४,१,१०. छेद- पाग ४, १, ४१; ५, १,६४; -दः शैशि १८१: माशि ९, ६: याशि २, ८: नाशि १, ६, ११; -दम् श्रापशु ५, ९; हिशु २, १८: -दे माश्री ६, १, २, २४; वैगृ ६,१:१८; सुध ४७. छेदी- पा ४.१.४१. छैदिक- पा ५,१,६४. छेद-दाहो(इ-उ)पघात- -तेषु वौध्रौ २७,१: २३. छेद-संहि(त>)ता- -ते बौश् २०: २२. छेदा(द-त्रा)दि-पथिन्- -थिभ्यः पावा ५.१.६७. क्टेन--नम् या ११, ३७; पावा १,४,२३; -ने विध ५०, ४८; पावा १,४,२३. छेदन-ज्ञान- -नाय बौश्रौ २६, 33: 85p छेदन-भेदन-खनन-निरसन-पित्रया-राक्षस-नैर्ऋत-रोदा(द्र-श्र)-भिचरणीय- -येषु बौग ३,१३, ४: बौध १,७,६. हेरन-भेदन-भोजन-मैथुन-

(न-श्र)वस्फोटन- -नानि गौध 9.49. क्टेन-भेदना(न-श्र)वदारण-दहन- -नेष श्रप्राय ६,९. छेदन-मन्त्र- -न्त्रः हिश्री ३. ८. छेदन-संमार्गा(र्ग-श्र)वदान--नेप मीस ११.१.३६. छेदम लाश्री ८. ५.४. छेदयत- -यन अप १.९.८. छेदयित्वा शांश्री १७, १, ८; वैश्री. छेदि- वाउ ४.११९. √छिद्र पाधा. चुरा. उभ. कर्णभेदने, करणभेदने इत्येके. छिन्दत्-, छिन्न- प्रमृ. √िखद् इ. छुच्छुन्दरि!- -रिः विध ४४,३१. √छुट् पाधा. तुदा.; चुरा. पर. छेदने. √छड पाधा. तुदा. पर. संवरखें. √छुप् पाधा. तुदा. पर. स्पर्शे. †छुब्क - - कात् पाय ३, ६,२; दंबि √छुरू पाधा. तुदा. पर. छेदने. छुरि(क>)का- पाउनाव २,४४. √छद¹ पाधा. रुधा. उभ. दौप्ति-देवनयोः; चुरा.. उभ. संदीपने. †छणत् बौश्री ९, ४: १७^३; माश्री ४,१,२९; †छन्दि बौश्री 9,7:96; 8,963. √ छुप् पाधा. चुरा. उम. संदीपने. छक- पाउभो २,२,६. छेत्तव्य-, छेस्यत्-, छेद्- प्रमृ.. छैदिक- √छिद द. √छो^{mं} पाधा, दिवा, पर, छेदने,

a) पामे. पृ १०९० k टि. इ. । b) पामे. वेप १,१३३६ e इ. । c) कन् प्र. (पा ५,४,४)। d) विप. । वस. । e) तु. पागम. । f) सप्र. खापश्री ७,६,९ व्हनस्य इति पामे. । g) वस. > कस. > पस. । d) विप. । वस. । e) तु. पागम. । f) सप्र. खापश्री ७,६,९ व्हनस्य इति पामे. । g) वस. > कस. > पस. । h) क्वायाय इति पाठः ? यिन. शोघः ।तु. भवस्त्रामिभाष्यम्) । i) क्पितृरा इति पाठः ? यिन. शोघः ।तु. यौघ. । l) क्पितृरा दिते पाठः ? यिन. शोघः ।तु. यौघ. । i) = प्राणि-विशेष- । छद्धन्दुर इति नभा । । व्यु. ? । k) वैष १ इ. । l) पा ७,२,५७ परामृष्टः इ. । x,७२, ७,३,३७,४९ परामृष्टः इ. ।

-नानि अप ४१,३,३.

छेदन-भेदन-विलिखन-विमर्दना-

†छाति आपश्रौ २०, १८, ९; वाधूश्रौ ३, ९४: १५; हिश्रौ १४,४,२०; शुप्रा ४,१५५. √छ्यु^क पाधा. भ्वा. श्रात्म. गतौ.

ज

श्ज- शुप्रा ८,९°; पि १,६°. २ज d- जी वेज्यो १८. जी>जावा(जी-आ)द्यं(दि-श्रं)श--शैः वेज्यो १७. १जº- -जः शुप्रा ४, १६६; शैशि २०५; भाशि २. ज-कार- -रम् तैप्रा ५,२३. जकार-लकार- -रयोः ऋप्राध,१० जकारा(र-त्रा)दि- -दिष् त्रप्रा 2.8.94. ब-न- -जी भाशि ६०. ज-पर- -रः तैप्रा ५,२३. ज-भाव- -वः पावा ६,४,२२. ज-शब्द- -ब्दः याशि २,५२. २ज- √जन् इ. √जंस पाधा. चुरा. पर. रक्षणे. √ज्ञां पाधा. त्रदा. पर. भच्चहसनयोः. जक्षति त्रा ४८,५३ ई. जिश्ववस्- √धस् इ. **+?जधः** शांश्री १८, २१, ११; काश्री १३,२,२४. जगत्⁸- पाउ २, ८४; पावा ३, २, १७८: - †गत् आश्री ४, २,५; आपश्री ९, १७,१ bxx; बौश्री; हिश्री १५.७,२३h; श्रापमं १,९,

q) विप.। बस.।

१०1; हिए १, १८, ५1; या ५, ३ई; ९,१३ई; - मगतः श्राश्रौ ४, १२, २; शांश्री; श्रप ४८, ७८1: निघ २,३1; या १२,१६ई; - +गति बौगृ २,८,२९; भागृ३, १३:१०; ऋप १,३८,५;श्रशां ८, ५;विध २०,२७\$; बृदे ४,३७\$. जगती8-पाग ४, १,८६; शांश्रौ ७, २७, ९××; काश्री; या ७, ११; १३ई; - †तीः काश्रौ १७, १२,७; श्रापश्रौ; -तीनाम् शांश्रौ १३,१०,५; ऋग्र ४,५; -तीभिः श्राश्रो ६,३,९; शांश्रो ८,९,२‡k; त्रापश्री; बौश्रो १,९:८ + k; -तीम् आश्रौ १, ४,९‡; शांश्रौ; -तीपु च्रसू ३,११: १६; निस् ५, ९: १; १०; -त्यः त्राश्रौ ६, २, ६; शांश्री; श्रश्र ३, २६१1, - †त्या श्राश्री३,१२,२२^m;४,१२,२‡ⁿ; काश्री; कौसू १३३, ६m; -स्याः शांश्रौ ७, २७,१७;२६; श्रापश्रौ; -त्याम् निस् ५,३:३३;३७; अप २०,७,११; ऋत्र २,६,७५;-त्यै शांश्रौ १३,५,६; काश्रौ; -त्योः निस् ९, २: १३; -त्यी भाश्री ९.१६.१४; हिश्री.

जागत^ड -पा ४,१, ८६; -तः शांश्री १५,१०,३; त्रापश्री; -तम् श्रांशी ४, १३, ७××; शांश्री; -तस्य शांशी ९,८,३××; लाश्री ७, १०,१२; निस् ८,४: ६; —ताः श्राश्रौ ४, १२, १; —तात् शांश्रौ ९, २०,१८; ऋप्रा १७, ४४; —तान् श्रापश्रौ १३, १८,८; २०,२०,११; वाश्रौ ३, ४, ५, ६; हिश्रौ; —तानि शांश्रौ १०,११, ११; हिश्रौ; —तानि शांश्रौ १०,११, ११; हिस् ९, ५: २८; —ताभ्याम् पि ३, २४; उनिस् १: ५८; —ते शांश्रौ ७, २६,६; श्रापश्रौ; —†तेन श्राश्रौ ६,५,२; शांश्रौ; कौस् ३, १०°; —†तेभ्यः शांश्रौ ९, २७, १५; —तै: पि ३, ३५; —तौ ऋश्र १, ६,३××; ग्रुग्र.

जागती g — -ती निस् १,१ : २३ p ; —तीम् अप्रायः २,९ $^+$; शुअ १,४४८.

जागत-गायत्र-

-त्राभ्याम् उनिसः १:४०; पि ३,१६; -त्रौ ऋत्र २,३,५१.

जागत-ता- -तया

निस् १,१२: ५.

जागत-प(द>)रा^व--दा ऋग्र १,१०,१; शुत्र ५,७१. जागता(त-ग्र)नुग-

-गम् पाशि ८.

जगती-ग(भे>)र्भाव- -र्भा श्रत्र ८, ५; १०,५; ११,२.

श्रजगती-छन्दस् -न्दसा बौश्रौ २३,१३:३३; २६,१५: ११,१८; २७; जैश्रोका १४६.

a) \sqrt{a} सु, \sqrt{a} सु, \sqrt{a} सु, \sqrt{a} सु, \sqrt{a} सु इति BPG. । b) = aर्ण-विशेष-। c) = ज-गण-धिन्दो-गण-। d) = स्रक्ष्युज्- [स्रिश्वनी-नक्षत्र-]। e) पा ६, १,६; ७, २,०६;३,९८;९९ परामृष्टः इ. । f) पाञे. वैप १ पशुम् शौ ८,०,११ टि. इ. । g) वैप १ इ. । h) पाञे. वैप १ हिन्दाः काठ ३५, ४ टि. इ. । i) पाञे. वैप १ पशुम् शौ ८,०,११ टि. इ. । j) मनुष्य-नामन्-। k) पाञे. वैप १, १३३८ छ इ. । l) श्यौ इति पाठः १ यिन. शोधः । m) पाञे. वैप १, १३३८ ते इ. । n) श्योनं इति पाठः १ यिन. शोधः (तु. तै ४, ४,१२,२)। o) पाञे. पु २०१ व इ. । p) = छन्दोवृत्ति-विशेष-।

२ चनाती-छन्द्स³ - -न्दसः बोश्रो ८. १२:३७××; वेश्रो १६. १४: १०: -न्दाः त्रापश्री १९, ४. ९: बौश्रौ; जैश्रौ ११: 960

जगती-त्रिष्ट्रभ- -प्रभी शश्र २,४४४.

जगतीत्रिष्ट्य-अन्त⁸--न्तम ऋग्र २,६,६१.

जगती-प्रात:-सवन- -ने बौश्रौ २६,१५: १२.

जगती-शंसम् शांश्रौ ११. 94.99.

जगती-संप(न>)ना-

-ब्राः लाश्री ९,४,३१. जगत्य- पा ४.४.१२२.

जगत्य(ती-श्र)न्त⁸- -न्तम् ऋग्र २, १, ८२××; श्रत्रभू १; ऋत्रा १६,११.

जगत्य(ती-श्र)र्घ^c-- 'भें ऋश्र २,६, ७५; -धेंन गुत्र ३,१२०. जगत्या(ती-श्रा)दि- -दि

ऋत्र २,१०,८३;१७७. जगत्यु(ती-उ)त्तर⁸- -रः ऋप्रा १८.२९.

जगच्-छन्दस्8- -न्द्सः शांश्रौ १४, ३३, १४;१५;.काश्री २५, १२, ६; माश्री २, ५, १,३३;५०; -न्दसा निस् ३,६:२९;- नन्दाः शांश्री ६,८,१२; काश्री १३, १, ११: माश्रौ २,५,१,२२.

जगत्-कारण-कारण- -णम् विध 2.69.

28.90: 4. जगत-पति- -०ते विध ९८.१९. जगत-परायण- -०ण विध ९८.

जगत्-प्रभ- -भः श्रप ४,१,२१. जगत्-प्रातः-सवनª- -नः बौश्रौ १६,

3:00 जगत-संभृति-संरक्षा-संहारे(र-ए) कविनोद्व -> °दिन् - दिने

शैशि 3. १ जगत्-सामन् १ - - मिन मीस् १०, 4.46.

२जगत्-सामन् - -मा त्रापश्रो १२, १४,१, माथ्रौ २,३,५,२.

जगत-स्वामिन--मिनि श्रप ७१, 98.4.

जगद्-(हि>)धित- -ताय श्रप 48,9,2.

जगदु-बीज- -जम् शुत्र ३, १३७; श्रश्र 3.६.

जगद-वृत्तिª- -त्तयः निस् ५,९:४. जगनू-नाथ- -०थ विध १,५०;५८. जगन-माध्यंदिनª- -नः बौश्रौ १६,

?जगता¹ त्रापमं २,१५,४; त्राप्तिय २, ४, १: १५; काय ११, २; भाय २, ३:८ मागृ २, ११, १२; हिगृ 2. 20.8.

श्जगति निघ २, १४^{‡ड}. ?जगदै. पागृ ३, ४,४१;८. शजगाति निघ २,9४^{‡8}. जगुरि - -रिः या ११,२५ क. जग्ध- प्रमृ. √घस् द. .

जगत्-तृतीयसवन°- -नः वौश्रौ जिम्म-, जिम्मवस्-, जम्मु- √गच्छ्

द.

जग्रसान- √प्रस द.

जधन b- पाउ ५, ३२: पाग ४,३, ५४: ५.३. १०३: -नम् कौसू १३९,१५‡; श्रप; या ९,२००; -नान्या ९, २० ‡; -नानिया व ९.२०^२: -ने बौषि ३, ३,१२१1; वैग ३.१४ : ४: कौस २५, १७; ८०, ३३; माशि ९, ३; -नेन शांश्री १६,१,७; १७,५,८; १०, ४; आपश्री; बौपि १, १४: 150

जाघ(न>)नीk- -नी मीसू ३, ३, २०; -नीः बौश्रौ १७, ५: ८ +: २६, २२: १२; -नीनाम् वाथ्री ३, २, ६, ५४; -नीभिः त्रापश्री १४, ७, ११; हिथी ९, ८,४२; -नीम् आश्रौ १२, ९, १०; काश्री; -न्या काश्री ६, ९, १४:१९; ग्रापश्री; -न्याः भाश्री ७,२२, १०; वैश्रौ १०, २१: १७; -न्याम् वैश्रौ १०, २१: १९: - न्ये श्रापश्री ७,२७, १०; बौश्रौ ४, १०:१६; १७; २०,३१ : ५; ७; ८; १०; हिश्रौ 8,4,89; 40.

जाघनी-गुद्- -दम् काश्रौ ६,८,१३.

जाघनी-शेप- -षम् भाश्रौ ७, २२,१४; हिश्रौ ४,५,५१.

जधन-च्युति - - तिम् श्राश्रौ २, 90,984.

जघन-तस् (ः) कौस् ७५, १३; १८; ८१.२91.

a) विप. । बस. । b) पामे. वैप २,३ खं. जगच्छन्दाः तां १,५,१५ दि. इ. । c) = $\lfloor \sqrt{3}$ जगतीछन्दस्क- \rfloor श्चर्षर्च- । d) पस. >द्वस. >कस. । e) मलो. कस. । f) पाठः ? पामे. ?जगता<>?जगदैः <> ?जायताम् इति, तच्छोधार्थं तु. सस्थ. टि. वस्स-> -सः ?। g) लघुशाखीयः पाठः । h) वैप ? द्र. । i) भेन इति पाठः ? यनि. शोधः । जटरे इति R. । j) पामे. पृ २५३ a द्र. । k) = पशु-पुच्छ- । l) उत्तरेण संधिरार्थः (तु. संस्कर्ता। भू LVIII) ।

जघन-देश- -शे कौसू ४४,७. जघना(न-ग्र)र्ध- -र्धात् वाश्रौ १,६, ७,४; श्रामिगृ ३,९,३:९; बौपि २, ७, ८; बौध ३, ४, ७; -धें श्रापश्री १९, ११, ११; हिश्री २३, २, ११; जैश्रौ १९: १४; श्रापगृ १२,४.

ज्ञाचन्य,न्या भी- पा ४,३,५४;५,३, १०३: -न्यः श्राश्री १,१३, ७; शांश्री ३,८,२६; श्रापश्री; -न्यम् शांश्री १३,१२,८;आपश्री;-न्यम् S-न्यम् श्रापध २, ११, ११; -न्यस्य शंध ३३२: -न्या श्रापमं २,१४,१५; आप्रिगृ २, १, ३: २३ +; भाग १,२३ : १५ +; हिग् २,३,७ : शंध ८५; - न्याः वैगृ ३, १: १२; -न्यान् गौध ५, २६: - न्यानि श्रापध २,१६, ६; हिध २, ५, ६; -न्याम् आशिय ३. ५, ३: २; कौसू ८१, २०; -- वायाम् त्रापश्रौ १९,२६,१०; - चे हिश्री २२,६, १०; - च्येन वाध्यौ ३,३९ : २३. जघन्य-ज- -जः वृदे २,६१. जघन्य-तर- -रे लाश्री ८,४,८. जबन्य-वाप्य°- -प्यान् बौश्रौ १८,२0:4. जघन्य-विधि- -धेः लाश्रौ ९, v. v. जघन्य-वज्या^d -ज्याम् लाश्रौ ८,9२,२. जघन्य-संवेशिन् --शी कागृ १, जङ्घनत्-, जङ्घन्यति- √हन् द्र.

११; श्रापध १,४,२८; बौध १, २,२२; हिंध १,१, १४७; गौध 2.20. जघन्य-सम-समाना(न-श्रा)सना (न-ग्र)नुचरण- -णानि वैश्रौ ₹७,9८:5°. जघन्य-स्तवन- -नम् लाश्रौ 20,5,8. जघन्या(न्य-त्र)हन्- -हःसु बौश्रौ ११,9: १३; १८,२०: ८;२२, 93: 5: 28,32:9. जघन्यो(न्य-उ)दक'- -के बौधौ १६,२९: ८; ३०: २. जघन्वस्-, जिन-, जिन्नवस्- √हन् जच्न- पाउभो २,१,२०. जङ्गम- प्रमृ. √गच्छ् द्र. जङ्गल पाउभी २, ३, ९५; -लम् श्राप ५७,३,४h. जाङ्गल- -लम् विध ३, ४; -लानि श्रप्राय ३,१०; -ले श्रप **६२,३,४.** जङ्गल-धेनु-वलजा(ज-श्र)न्त--न्तस्य पा ७,३,२५. जङ्गल-पथ->जाङ्गलपथिक-पावा ५,१,७७. †जिक्किड"- -डः श्रशां १९, ६र; श्रश्र १९, ३४2; -डम् अशां १९, €. जङ्गिड-देवताक- -कम् श्रश्र २, ४.

ज(क् >)ङ्गा -पाउ ५, ३१; पाग ४ १, ९६1: ५, २, ९७; - इयोः वैताश्री ३,१४; श्रापृ ४,३,१४: वैगृ १. २: १२; श्रप ९. २. १; शंध १०२; विध ९६, ६४: -ङ्घा श्रप २२, ४, ४; -ङाभिः भाशि ३९+; - + द्वाभ्याम् ध्यापभ्रौ १९, १०, २; वाश्रौ ३. २, ७, ३८; हिथ्रौ २३, १. ५२; श्रापमं १,१७,४ ; हिपि ९: १०\$; - ङ्वाम् दाश्री ३,४, १७: ५,१,२५; लाओं १,१२, २; २. ५,२०; -ङ्घायाः त्रापध २,२०. १४: हिंध २, ५, १०१; -हे शांथी १५,१९,१+; वैश्री. जाङ्गिक - कम् शंध २५५. जङ्घा-कर^m- पा ३, २,२१. जङ्घा-द्वय- -यम् विध ९६,९०. जङ्घा-प्रहत- (>जाङ्घाप्रहतिक-पा.), जङ्घा-प्रहृत"- (जाङ्घाप्रहृ-तिक- पा.), जङ्घा-प्रहत-(>जाङ्वापहृतिक- पा.) पाग 8,8,95. जङ्घा-मात्र- -त्रम् त्रप ३०,१,४. जङ्घामात्री- -त्रीम् काश्री १६, ८,२३. जङ्घा-रथ!- पाग २, ४,६३. √जज् पाधा. भ्वा. पर. युद्धे. √जज्झ , >†जज्झ(त्>)ती°--तीः निघ ४,३; या ६,१६. १जज्ञान- √जन्द.

२जज्ञान- √जा द.

b)=पश्चिम-, नीच-। c) त्रिप. (यत-)। उस.। d) तृस. उप. भाप.। a) वैप १ द्र.। $m{arepsilon}$ दूस.>३स.>३स.। जबन्यसमासना॰.इति संस्क $rac{1}{2}$ रिममतः $\{1-f\}$ विप.। बस.। $\{arrho\}=2$ प्रराय-। ब्यु. $rac{1}{2}$ i) व्यय.। k) पांभ. वेप १ $<\!\!\sqrt{n}$ ल इति शक., \sqrt{n} न् इति पाउभो.। h) ऋ i ः ?। i) तु. पागम.। l) बिप. > नाप. ([जङ्घाजन्यदेय-] राजशुरुक- [तृ. विवादरत्नाकरः पार्व्णिभ्याम् ऋ १०, १६३, ४ टि. इ.। पृ ६६२]) । तस्येदमीयष् ठक् प्र. उसं. (पा ४, ३,१२४) । m) = दूत- (= जाङ्किस- [तु. राजतरिङ्गणी ७, १३४८ श्रमा. शक. च] इति, जङ्घारिक— Lतु. कौटिल्यार्थशास्त्रम् २,१,१९] इति च) । उत. । n) तु. पा हा. ।

जङ्गिड-मणि- -णिम् यत्र २, ४.

जिझ- √जन् द्र. ज-अ- ज-इ. ्र/जञ्ज पाधा. भ्त्रा. पर. युद्धे. जञ्ज- पाग ६,१,१६०. जक्षण²->जञ्जणा√म> +जञ्जणा-भवत् - वन् श्रप ४८, २०: निघ १,१७. जञ्जप-, ॰पूक- √जप् द्र. जञ्जभत-, 'भान-, 'भ्यमान-√जभ द्र. √जट पाधा. भ्या. पर. संघाते. जरा^b- पाउ ५, ३०°: पाग ५, २, ९७: १००; १२७; -टा कौशि ५४: -टाः वागृ ४,१; जैगृ १, ११:१; शंध १५९ : ८; -टाम् कौशि ५३: ५७: -टायाः कौशि ५५: -टायाम् कौशि ५६. जाठ्य^d- -ठ्यः या १,9४. जट- पा ५,२,१२७. जटा-करण- -णम् वागृ ५, ४; -णेन वागृ ९,२. जटाकरणीय- -यान् वागृ ५, 90. जटा-धर- -रः वैध १,७,६. जटा-धारिन्- -री शंध ३८१. जटा-ल- पा ५,२,९७. जंटा-लोम-नख- -खानि पागृ २, €, 7 0. जटा-इमश्रु-रोम-नख--खानि वैध ३,५,७. जटा-इमध्र-लोम-नख- -खम्

कागृ ३,५; -खान् विध ९४,९.

४६; २,७,१० : ४; वैगृ २,८ : ११; हिंगू १, ८,१०; अप ४०, २,९: शंध ३६९: वैध १,३,६. १जटिल,ला- पा ५, २, १००; -लः स १६. ५: कागृ १,२४; वाध; -लान् मागृ २, १४, ९; श्रप ५३,२,३; - † लाय श्रप६६, २.६:३,२: -०+छे अप ३६, १, ४; १३; -लेन विध २८,४१. जटाय- पाउभो २,१,४. जटायस- पाउव २,११८. जटालि- पाउद ६,२२. जिट- पाउ ४,११८. २जटिल- पाउदु ५,५३. जिटलक - पाग २,४,६९. जिटिलिक^e- (>जाटिलिक- पा.) पाग ४.१,११२1. जठर*- पाउ ५, ३८°; पाग २, २, ३८;४,३१४; -रम् आश्रौ ६,३, १+; शांश्री; या ४, ७०; - रा त्रापश्रौ ६, २१, १; बौश्रौ १४, ७: १३; २६, ७: १६; वाध्या ३, ५४: १; ४,१०२: ३; - मरे श्राश्री १,१३,१; ६, ३,१६; शांश्री; वैताश्री १२,८b. . जाठर- -रम् नाशि २,८,७1. जठर-तस् (:) श्राप्तिगृ ३,९,१:१०; बौषि २,६,२. १जड - पाग ५, १, १२३; -डः श्रामिष्ट ३,१०,१:४; वौषि ३, ५,२; शंघ ३७८; -डम् अप ३,२,४; -डस्य गौध २८,४५; -डे अप ३,२,५.

जाड्य- पा ५,१,१२३. जड-कीय- -बी गौध २८,४४. जड-मूका(क-श्र)न्ध-बधिर-कुब्ज-वामन-कण्डक- -कान् कप्र १, €.4. जिडमन्- पा ५, १, १२३. २जडº- (>जाडायन- पां.) पाग ४, 9.990. जढ- -ढवः श्रप ४८, ११५ . जत°- (> १ जातायन-पा.) पाग ४, 9,55. जतका- पाउ १, १८; पाग ४,२, ८०; -तु वाध २,२६; -तुना कौस १३.३; २६,२१. जतू- पावा ४,१,७१. जतविल- पा ४.२.८०. जत्। त्]कर्ण - पाग ४,१,१०५ m; २,१११; -णीय आप्तिगृ १, 3.3:96. जातुकर्णि- -र्णि:" वाधूश्री 8, 906: 3;4. जातुकण्यं- -ण्याय बौगृ३,९,५. १जात्कर्ण- पाग ४,१,१०५m; -जीम् शांगृ ४, १०, ३; -जीः बौश्रीप्र ४५: ३: -णीय भाग्र ₹,90: ₹. जातूकण्ये- पा ४,१,१०५;-ण्यः शांश्रो १, २, १७; ३, १६, १४; २०,१९; १६,२९, ६; काश्री ४, 9, 26; 20, 3, 90; 24,0, ३७; श्रप १,३,१; -ण्यम् श्रप ४३,४, ४०; - ण्यस्य शुप्रा ४, १२५; १६०; ५, २२; -ण्यांय c) < \/ जन्।

हिंगु २, १९: ६. २ तात्कणे- पा ४,२,१११. जतुक - पाग २,४,६९ . जतुरक - पाग २,४,६९ . जतु^०- पाउ ४, १०२; -त्रुः विध ९६,७१;- †तुभ्यः काश्री २५,५, ३०१ ; कागृ २७,२१ ; -त्रूणाम् श्रापश्री १५,१५,१ भाश्री ११, १५,९; -त्रूणि वैश्री १३, १७,

√जन् पाधा. जु. पर. जनने; दिवा. श्रातम, प्रादर्भावे, नजनिष्व> प्वा श्रापश्रौ १६, ३,७¹; वैश्रौ १८, १:४३1; हिश्री ११, १, ३२1; ऋप्रा ७, ५६; तैप्रा 3.01. जजनत् शांश्री १०,१५,६ . जायते †ग्राश्रौ २,१६,१९××; †शांश्री; श्रापश्री २, १, ३^{‡8}; बौध्रौ १, १०: २० +8; भाध्रौ २,१,४ +8; हिश्री १,६, ६१ +8; बौपि ३,१२,३^{२५}; जायेते बौश्रौ १८,५० : २६; वाध्रश्री ४,८३ : ९××; जायन्ते शांश्रौ १५,१८, १2; त्रापश्री; †जायसे त्रापमं २. ११. ३३: १४, ३; श्रायः; +जायत आश्री ८,१,९; शांश्री १०,८,9; १८, २३, 99; 邪羽 २, १, १२८; जायतै वैश्री १८, १५: ५‡1; जायाते वाध्रश्री ३, ९२: १०: जायाते बौश्री १०, २४: १९ ै ; 🕇 जायथाः श्राश्री ८,५,१२; १०, २, २२; शांश्रौ; **†**जायताम् शांश्रौ **४**, १४, ३६; १५, १८,१; काश्री; श्रापृ २,८, १६१1; आमिय १, ५,५: १४k, हिगृ १, २५, १^{४k}; जायेताम् हिश्री १५,४,१४1; †जायन्तास् शांश्री १५, १८, १2; भागः; †जायस्व श्रापश्रौ ५, १०, ९; भाश्री; क्षजायत बीश्री १०, २२: ८; वाध्रश्री; अजायेताम् ऋग्र २, १, १६६; †अजायन्त बौध्रौ ७, ४, २०; श्रुप्रा ४, ७८: †अजायथा: श्रापृ ४, ३, २७; कौसू ८१, ३०; जायेत शांश्री १५, १८, १; काश्री; जायेयाताम् आपश्रौ ९, १४, ७: भाश्री ९, १६, १३; वश्री २०, ३०: १; श्रप्राय ५, ५; जायेर्न काश्री २२,३,२; आगृ १, ७, ३; भागृ. †जज्ञे श्राश्री ३, १२, २२××;

श्रप्रा १,१,१२; पंजनिता माधी ५, २, ४,६; ११,५; क्तिब्यते काश्रौ १२,२,८; श्रापश्रौ; जनिष्ये शांश्री १, ५, ९; बृदे ४, १३०: जनिषीय श्रश्र ९,१+; +अजन् श्रापश्री ५,११,२; वैश्री १,११: १; ईअजिन शांश्री १५, १८, १: श्रापश्री; श्रप १,१७,१\$?; जानि ऋप्रा ९,४७ म: में अजनिष्ट आश्री ३,७,८××; शांश्री; या २ १९: जनिष्टो(ए-उ) या ११, ३६ %; अज्ञत शांश्री १५,१८,१^२; भाशि ६०; ‡अजनिष्ठाः कौसू ६०,२३; ७०,१; गो २,६;७; बौध १,१०. ३२\$; अत्र ११, १; †जनिष्ठाः श्राश्रो ५, १४, १९; ९, २, ५; शांश्री; †अजनिद्वम् , जनिद्वम् गो २, ९;१०.

सजायि^p या ६,१५.
जनयते श्रप ५३, ५,१; ६५, १,
३; पश्चि ९; जनयति †श्चापश्चौ
९, ९, ११×४; बौश्चौ; कौस्
५९,१९†व; जनयतः श्चापध १,
१, १८; हिध १, १, १७;
जनयन्ति वाधूश्चौ ३, १३:
१४; ४, ११६:३; निस्;
†जनयधः श्चापश्चौ ५, ८, ६;
बौश्चौ २,१५:९; हिश्चौ ६, ५,
१०; †जनयध>था जैश्चौ
१२:५; श्चापमं; जनये श्चापश्चौ

d) शोधः वैप १,१३४० c) वैप १ इ. । b) तु. पागम. । a) व्यप. । व्यु. ? । e) पा १, ३, ८६; २,४,८०; ३, १,६१; ६, १,१९२; ४,४२;४३;९८; ७, २,७८;३,३५; ७९ पावा m 3. 1 ६,१,१९१ परामृष्टः द्र. । f) पामे. वैप १,१३४१ \mathbf{d} द्र. । g) पामे. वैप १,१४५४ \mathbf{c} द्र. । h) सकृत् k) सपा. i) पाभे. वैप १,१३४२ d इ. । j) पाठः ? पृ १०९३ g इ. । प्रमियते इति R. । m) यज्ञे इति जायताम्<>धीयताम् इति पामे. । l) सप्र. ॰येताम्<> ॰येयाताम् इति पामे. । 0) पामे. वैप पाठः ? यनि. शोधः (तु. मै १,६,१) । n) जाज्ञे इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. तै २,२,४,८)। r) पामे. १,१३४४ b द्र. । p) = \dagger जारयायि । कर्मणि लुङ्ग्पिम् । q) पामे. वैप १, १३४४ i द्र. । वैप १,१३४५ । इ. ।

१९, ३, २ + कः + जनयामि कीग १,१२,६१ ; या ६,९: 4 जनयन्त ब्रापश्री १४, १६, १; बौश्री; जनयासि^c शांगृ १, १९, ६‡; पंजनयत शांध्रौ २, १०, १^d; भाश्री ९, १४, १७; श्रप ४५,२, 30. रंजनयन्त श्रापमं १,१३,२: हिंगु १, २५, १: †जनय > या शांश्रो १७, १३, १०; बौश्रौ ३,३०: १३; कीय १,१२,६ en शांगृ १, १९, ६^२ , श्रप्राय १, ३: ऋप्रा ८, २८; तेप्रा ३, १२; †जनयतम् ह माश्री १,५, २, ३; वाश्री १, ४,१,२०; ‡अजनयत् शांश्रो ४, १४, ३६××; श्रापमं; क्रजनयन्त श्राश्री ३, ८, १; श्रामृ ३,१०,९: पामृ; अजनयन् वैताश्री ३०, १६ ; या ७, २८; †अजनयम् श्रापमं १, ११, **९**; वीगृ १, ७, ४३; मागृ; जनयेत् आश्री ३, १३, १२; शांश्री: जनयेय: लाश्री ८, ५, १७; एजनयेयम् बौध्रौ १०, १३: १६; १३, १८: ९: वैथ्रौ. जनियद्यति कौषृ १, १, १०; १, ५, १०; भागः; ‡जनियद्यतः माश्री १, ५, २, ४; वाश्री १, ४, १, १९; †जनयिष्यथः श्रापश्री ५,८,८; बौश्रो २, १५: १३; हिश्रौ ६, प, १०; जनियज्यामि जैथी |
११: ३; वृंद ८, १९; ‡अजीजनत् त्राश्री २,१५,२; ८,९,७;
शांश्री; जीजनत् शांश्री १०, ९,
१०‡!; ‡अजीजनन् त्रापश्री
१६, १५, ५; बौश्री २,१६:
३५; भाश्री; अजीजनथाः पाग्र १,
१६, १९‡; ‡अजीजनः ग्रुत्र ३,

२ज,जा¹- जाः श्रप ४८,८७[‡]; निघ २,२; या ६,९; जाम् या ३, ६; जासु ऋप्रा ८,४५[‡]; जे पा ७,३,१८.

१ क्तज्ञान— -नः त्राश्री ६, ४, १०; त्र्यापश्री १६, ३५, ५××; वाश्री; या १४, २४; —नम् त्र्याश्री ४, ६, ३; ६, ९, ९, १२; शांश्री.

जिज्ञि^k— पा, पावा ३, २, १७९५ — मैज्ञि श्रापक्षौ २०, ८,१३;१२, ८; बौक्षौ १५, २६ १५; हिश्रौ १४,२,३०.

१जन¹— पाग ४,२,८०;६,१,१९९; —‡नः शांश्री १२, १५, १××; काश्री २२, १, २९५[™]; आपश्री १०,७,१३[™]××; बीश्री; लाश्री⁰ \$८, २,१०-१२; —‡नम् आश्री ३, १३, १५[™]××; आपश्री ९,१०,१६^२^१Р; १३, ५^१Р; १०, १५,११९; ३४,२८,२^१Р; २२, ६,७८५; बीश्री; आप्तिग् २,७,९: १०१व: भाग ३. १८: १४१व. चात्र ३०: १२^{१०}: या २,१०; १२,१४ %: - मनस्य आश्री ध. १३, ७: ७. ७.४: शांश्री: -नाः श्राश्री ७, ४, २५; श्रापश्री; या १०,२७:१४.४: -० नाः आश्रौ ८, ३, १०; शांश्री; -नात कीस ३६,२५+: अग्र ७. ४५+: वर्ष २:६७ ‡: या २.१०; माशि १५. १०: - † नान आश्री ३.११. २२: श्रापश्री: आपमं १,६, ९ :: बीग १. ५, २ : भाग १, १४: भाकः या १, १५६; १०, २२; १२, २२-२५; - ‡नानाम् आश्रौ १, ११, १; श्रापश्री; या १०. २०; - चनाय बौध्रौ १, १७: २४××; वैश्री; या ४.२५; १४. २६: - †नासः आपमं १, ३,४; या १०, २७"; -• †नासः कीस् ६,१७; ३४,१; ५९,३; अब १, ३२; या १०, १०; - व मात्री ४, ११, ६; ६, ४, १०; अधि; काश्रीण २२, १, २७; २८; त्रापश्रौ ९, ११, ४^ए; भाश्रौ ९, १४, १६४; वैश्री २०, २०:४४; हिश्री १५, ३, ३०°; ३१°; त्रापमं १,१५,४[‡]"; हिपि २२: ८ : १२ : - नेन बौध्रौ १३, २६ : १६: माश्री ५,१,५, १६; -नेभ्यः वैताश्री १७, ७: - नेमु

a) पामे. वैप १,१३४५ a द्र. । b) पाठः ? जनयानि इति शोधः (तु. c टि.)। c) जनयांनि इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. पामे. वैप १,९३४५ h)। d) पामे. वैप १ रमयतु का ३,२,५ टि. द्र. । e) सकृत् पामे. वैप १ विन्यस्य शोधः (तु. पामे. वैप १,९३४५ l द्र. । h) पामे. वैप २,१३४५ l द्र. । h) पामे. वैप २,१३४५ l द्र. । h) पामे. वैप २,१३४५ l द्र. । h) पामे. वैप २,१९०५ a द्र. । j) वैप १ निर्दिष्टयोरत्र समावेशः द्र. । शुं चेप १ तेत्रा १,२,९,९४ टि. द्र. । i) पामे. वैप १,९९०५ a द्र. । j) वैप १ निर्दिष्टयोरत्र समावेशः द्र. । शुं चेप १ तेत्रा १,२,९,९४ टि. द्र. । i) पामे. वैप १,९९०५ a द्र. । j) वेप १ निर्दिष्टयोरत्र समावेशः द्र. । k) वैप १ द्र. । पो वामे. वैप १,९३४५ j द्र. । m) = वैश्य- । n) पामे. वैप १,९३४५ h द्र. । l) वामे वैप १,९३४५ f द्र. । j) वामे दिप पाठः ? यनि. शोधः (तु. श्रापमं. प्रम्. BC. च) । t) पामे. वैप १,९३४५ c द्र. । l) पामे. वैप १,९३४९ c द्र. । v) = देशान्तर- । w) पामे. वैप १,९३४९ c द्र. ।

ब्राश्री ३,१२, २०^२, शांश्री ३, १९, १६^२ ××; ब्रापश्री ९, ९, ३^२ ××; बौश्री; हिश्री १५,३, २^२, ब्राश्रय ५,१^२

जन-क(ल्प>)ल्पा^{b)०}- -ल्पाः शांश्री १२,२१,१.

जनकीय- पावा ४, २, १३७; ३,६०.

जन-चय- -यः श्रप ५१,२,४; ३, २; ५८^२, ४, २; -यम् श्रप **६१**,१,९; ७०^३,११,३५.

जनक्षय-का(रक>)रिका--काः अप ५८^२,४,११.

जन-ता^d- पा ४, २, ४३; -ता वाधूश्री ३, ७९: ११; -ताः श्राप्र ३, ४, १५; -†॰ताः श्राप्र ३, ४, १५; -ताः श्राप्र ३, ४, १५; -ताम् वीश्री १३, २ : ४××; माश्री; -तायाम् श्रापश्री ५, २४, ४†; भाश्री; -†ताय श्रापश्री ५, २४, ४†; भाश्री; -†ताय श्रापश्री ५, २४, ४६; हिश्री ३, ५, २५°; -०ते वाश्री ३,३,२,३६‡.

९०, ६; १२, २२, १^२; १८, १६,९; बौध्रौ. †जन-धायस्^त - -याः बौध्रौ ९,

†जन-धायस्^d - -याः बीश्री ९, १४:११^h; माश्री २,४,१, ६²g.

जन-पद- पाग ४,१,८६; -दः लाश्रौ ८,२,१२; कौस् ९४,१; श्रप ३०^२,१,२ः -दम् काश्रौ २२,११,३०; माश्रौ; -दयोः बौश्रौ २३,५:१३; -दस्य वौश्रो १०, ३०: १३; वैश्रो; पा ७,३,१२; पावा १,१,७२; न्दाः वौश्रो २६, ५: २०; श्रप १,७,८; ८,५; ५,५,२; -दात् हिग्र १,२३, १६‡; पावा ४,१,१६६; २,१२४; १३७; -दान् श्रापश्रो २२,२८,२४; वाधृश्रो; -दानाम् पावा ४,२,१०४; -दे काश्रो २२,२२; माश्रो; पा ४,२,८१; पावा ४,२,५२; -देन पा ४,३,१००; -देभ्यः बौश्रो १५,१६: ७; -देषु श्रापश्रो २२,२८,१; हिश्रो २३,४,४१.

जानपद- पा ४,१,८६; -दम् श्रप ७१, ३, २; ११,२; १४,२; ७२,४,५.

जानपदी — पो ४, १,४२; पा, पाग ४,२,८२¹; —दी लाऔ ८,३,९; —दीभिः वाऔ ३,४,३,१७; —दीपु या १,१६.

जानपदिकं- -कम् त्रप ७१,१७,५.

जनपद्-तदवधि- -ध्योः पा, पावा ४,२,१२४.

जनपद-धर्म- -र्माः श्राग्र १, ७,१.

जनपद-वत् पा ४,३,१००. जनपद-शब्द-- -ब्दात् पा

४,१,१६८. जनपद-छो- -स्त्रीणाम् श्रप ७०^३,११,३५.

जनपदा(द-श्रा)ख्या-

-ख्यायाम् पा ५,४,१०४. जनपदिन् - -दिनाम् पा ४,.

जन-प्रथन^d -- नाय बौश्रौ ८,.

†जन-मृत् ^d— -मृतः श्रापश्रौ १८, १३, १६; वौश्रौ १२, ८: १४; वाश्रौ ३,३,२,२४; हिश्रौ १३,५,१४.

जन-मरण- -णे काश्रौ २५,४,.

जन-मार- -रेण श्रव ५०, ७, ३; ७०^२, १५,४.

जनमारी->०री-भय--यम् श्रप ७०^२,१८,२:

जनमार-भय- -यम् श्रप ७०^२,६,१.

जनमारभयं-कर— -राः श्रव ७०^३,७,४,

जन-म्-एजय^d - -यः शांश्रौ १६,९,१; बौश्रौ १७,१८: ७¹; बौग्र ३, १०, ६¹; -यम् शांश्रौ १६,८,२७.

जनमेजय-राज्य- -ज्ये वाधूश्रौ ३,७९ : २५.

†जन-योपन^d- -नः या १३, ३‡.

जन-राज- पाग ५,१,१२४^k. जन-राजन्^d- -ज्ञः ऋप्रा १८, ३०‡.

जानराज्य^d— पा ५,१,१९२४; -ज्याय बौश्रौ १०,५६ : ५[‡]. जन(न-ऋ)िष्- -र्षीन् बौध २,५, २७.

a) पामे. वैप १, १३५२ f द्र. । b) = ऋच्-। c) वैप २,३खं. द्र. । d) वैप १ द्र. । c) पामे. वैप १, १३५० c द्र. । f) पामे. वैप १, १३५० e द्र. । g) पामे. वैप १, १३५० g द्र. । k) पामे. वैप १, १३५० j द्र. । i) अर्थः । जालपद- इति पाका., जालपदी- इति पिक्षे । भाण्डा. पासि. च १ j) सर्प-विशेष-। k) तु. पागम. ।

जन-वाद- पाग ४, ४, १०२; -टम जैंगू १, 99 : **२९.** जानवादिक- पा ४.४.१०२. चजन-विद्°− -वित् कौस् ७८. 90: -विदे^b मागृ १, १०, ८३; वाग १४, १०३; कीस ७८, 90 जन-श- पा ४.२.८०. जन-श्री8- -श्रियम् या ६.४#. जन-समवाय- -यम् कौगृ ३. ११.७; शांग्ट ४,१२,९. श्जनस्य भद्रे मे वतम ° वाश्रौ 3.2.4.83. जन-हित- -तः वृदे २,३८. जना(न-श्र)द्देनd- पाग ३, १. १३४; -नम् विध १,३१; -ने

१: २१. जने-वाद-(>जानेवादिक-पा.) पाग ४,४,१०२.

श्जने(न-इ)च्छ°- -च्छम् निस् ८,

विध १.9%.

इजन्य,न्या^क पा ४, ४, ९७; -न्यः वाश्रौ ३,३,२,४८‡; बृदे २,३८; या १०,१००; -†न्यम् श्राश्रौ ४, ४, २; बांश्रौ; -न्याः स्तुस् १,३: १६; निस् २,४: १२; -†न्यानि श्राश्रौ ५,१, १७; बांश्रौ ६,७,१०; -न्याय बौश्रौ १२.९: १३.

जन्य-मित्र- -त्रम् श्रापश्री १८,१६, ५१^१; हिश्री १३, ५, रजन⁸ - पाग ४,१,९९^६;११०. १जान- -नः ऋश्च २,५,२; बृदे ५,१४; -नम् बृदे ५,१८. जानायन- पा ४,१,११०; -नाः बौश्रौप्र ३: ६.

†जनक¹— -०क बीध २, २, ३४; —कः वाधूश्रौ ३,४०:१⁸; आपध २,१३,६;हिष २,३, ६.

> जानिक g - (> जानकीय-पा.) पाग ५,३,११६ h . जनक-गोत्र- -त्रम् शंघ ३५०. जनक-सप्तरात्र!- -त्रः शांश्री१६, २६,७; काश्री २३,५,११; बौश्री २३,१३: ३; -त्रम् आश्री १०, ३, १४; -त्रे निस् ९, १:४; -त्रेण श्रापश्री २२,२३,५; हिश्री १७,८,२३.

१ +जनत् - -नत् वाध्यी ४,९८:५;

त्रैताश्रौ १, ३; १८; २, १; ८,
३××; श्रापमं.
जनद्-वत् - - † वते शांश्रौ ३,
१९, १५; श्रापश्रौ ९, ९, १; ९;
१३; १४; भाश्रौ; - वान् श्राश्रौ
३,१२,२६; निस् ३, १२: ३८.
जनद्वती - स्यः निस् ६, ९:
१; - त्याम् निस् ३,१२: ३८.
२जनत्1 - - नतः चाश्र ४०: ३.
जनन² - नाः श्राश्रौ ३, ८, १ ‡;

-नात् वैग्र ७,५ : ३; गोग्र; -ने वैग्र ६,४:१; कीस् ; -नेन मीस् ६.२,२३. जननी- नी शांश्री १५,१७, १‡; माग्र १,१४,१८‡; कप्र २,२,९; -नीम् श्रप ४,३,

जनन-मरण- -णयोः बौध १,५, ९०: १०३; ११,३९; विघ २२, १: -णे विघ २२,३९.

जननमरणा(ग्र-म्र)न्तर- -रे विध ८.२६.

जनन-मारक- -के भागृ ३,१४: २२‡.

जनना(न-श्र)शौच- -चम् विष २२,३५.

जननाशीच-मध्य- -ध्ये विष २२,३५.

जनमान- पाग ४, १, १०५^{८१ m}; -ने या ६,८‡.

जानमान्य- पा ४,१,१०५.

†जनयत्- -यत् श्रापश्री १४,१२,
१; हिश्री १०,६,९; -यन् माश्री
२, १९, ३२; शांश्री; -यन्तः
हिश्री १४,४,३८;-यन्ती मापमं
१,११,७.
जनयन्ती- -न्ती श्रापमं १,४,

१।. †जनयति*- -स्यै काश्रौ २,५,१४; ग्रापश्रौ १.२४.५: बौश्रौ.

जनयां√कृ, जनयांचकार बौश्रौ १८, १३:८; वाधृश्रौ; जनयांचकुः वाधृशौ ४,९०³:१.

जनयाम् √अस्, जनयामास **बृदे** ४,२५.

b) सप्र. जनविदे <>जनिविदे <>वसुविदे इति पामे. । c) पाठः ! a) वैप १ द.। जनः, सः, भद्रम्, एधित इति चतुष्पदः शोधः (तु. शांश्री १२, १७,१ वैताश्री ३४,९)। (d) = विष्णा- 1 f) पाठः ? जन्यः, मित्रम् इति द्विपदः शोधः (तु. मै ४, ४, २, ०. च)। e) = सामन्- ? व्यु. ? । $k) = \alpha u \epsilon \Omega$ j) = होमयाग-विशेष-। i) = पितृ- । h) तु. पागम. । g) व्यप.। $l)=\pi$ िष-विशेष-। m) तु. पाका.। १ जरमाण- इति भाग्डा.। n) पामे. विशेष-। वैप३ द्र.। वैप १,१३५१ m द.।

जनियत् - -ता बृदे २,३८; या ४, २९; १०,१०; १४,१२°; -तुः सु १३,५; वाघ; या ३,१. जनियत्री - -त्यः भांशि ६†; -त्र्यौ या ८,१४.

कनियत्तु- पाउभो २,१,८३. कनियत्त्वा हिश्रौ ९, ४, ५५; कौसू १३३,६.

† 3 जनस् ⁴ - -नः माश्रौ १,६,१, २६; वैश्रौ १,३: ५; आप्रिय २, ६,३: १३; ८: २६; कप्र २,१, ६; शंध १०७; बौध २,५,२०; १०,३२.

जनो-लोक- -कम् शंघ ११६: ६६.

२जनस्^b—>जनो-वाद्-(>जानो-वादिक-) जनवाद- टि. द. जनस्य^c- -स्यान् श्रप १७,२, १३.

श्रेजना संस्तये बौश्रौ १८,४१: १४. खिन, नी व पाउ ४,१३०; - † नयः बौश्रौ १०, ७: २; वैश्रौ १८, १: ८५; आप्तर्स १,१,६°; आप्तर्स ३,०,२: १०; वौर्य १,६,२६°; ४,१,१९°; वौर्य १,१०:३०; या ८,१०; - † निस्यः आपसं १,११,९; कौस् ३०,३; बौर्य १,०,४३; सार्य १,१४,१६; - निस् वैताश्रौ ३२,२५‡; - निषु अश्रय ५,१‡६; - नी स्या १०,२१; १२,४६; - नी स्या १०,२१,१२,४६; - नी स्या १०,२१,९‡.

जिन-कर्नृ - -र्तुः पा १,४,३०.
१†जिन-स्व - -रवम् श्राप्तिग्र ३,
५,६: १७; वौषि १,५:४.
†जिन-मत् - मन्तम् कौग्र १,
५,२६; शांग्र १,९,९; काग्र २५,
२६; शांग्र १,९,८; काग्र २५,
३१².

√जनिय, जनियन्ति श्रप्रा३, १,१४†^b.

जनि-वत् - -वतः या ३,२१‡. †जनि-विद् - -विदे आपमं १,४, १-३¹; आपग्र ५, २; काग्र. जनी-मत् - -मान् आशौ ८,३,

जनी-मत्- -मान् श्राश्री ८, ३ १९‡.

√जनीय > †जनीयत्^d - - यन्तः ^h आश्रो ३, ८,१; शांश्रो २,४,५; ६,११,८; बृदे ६, १९; साम्र २,८१०; ऋप्रा ९,१६. २ र्जन्य,न्या ¹ - पा, पाना ४,४,८२; पाग ४,२,९०; - न्याः वाग्र १०,१३; - न्यानम् गोग्र २,९,१२. जन्य-यात्रा ^k - (> र्जान्ययात्रिक - पा.) पाना ४,४,१.

जन्यीय- पा ४,२,९०. जनित- -तौ श्रप्राय १, ५१¹.

जनितृ^m- -०तः ऋप्रार्,१०९; -ता श्राश्री ३,८,१; श्रापश्री; या ४, २१; १४,१२⁸; पा ६,४,५३; -तारा श्राश्री ६,७,६. †जनित्री- -०त्रि श्रापश्री १४, ३३, २; हिश्री १५, ८, ३५? कु अप्राय ६, १; नत्री आश्री ३,८, १××; शांश्री; या ८,१४; नत्री: भाश्री ७,१३, ४; नत्रीम् कीस् ८०,२३;८१,४५; कप्र २,२,९\$; - ज्या: गोग्र २,८,४.

जितितेस्(ः) वाध्रुश्री ३,३० : २. जितित्र⁽¹⁾⁰ - न्त्रम् शांश्री १२, ९, १५; काश्री ५,१,२२‡; त्रापश्री; - †त्रे श्रापश्री ९,१,१००; भाश्री ९,१,१००; लाश्री १,४, १००; हिश्री १५,१,१८०; लाश्री. जित्र-स्थान - नम् लाश्री ९,१२,८

रजनित्व^d— पाउ ४, १०४;. —†स्वम् या ४,२३; १०,२१; अप्रा ३,४,१; —स्वैः आपमं २,.

जिनमन्^व- पाउ ४,१४९; श्रग्ना ३, ३,१९†; -मा ऋषा ८, १०†; -मानि कौस् ६,११†व.

जनिष्यत् - - प्यत् सु २१,२.

जनिन्यमाण,णा— -णः या १०,२१; —†णाः श्रापश्रौ ४,६, ५; ७,२; भाश्रौ; —†णानाम् जैश्रौ ७:६; द्राश्रौ; —णाम् वौश्रौ २,१८: १५; —†णाय श्रापश्रौ २०,१, १७; बौश्रौ; —णे श्राश्रौ १,३; १+; या ६,८.

†जनुस्^d पाउ २, ११५\$, -नुषः ऋपा २,४४; -नुषम् श्राश्री ८, १,२; आगृ ३,१०,९; या ९,४;

a) = ब्याहृति-विशेष-। वैप ३ द्र.। b) = १ जन-। c) = जनता-। समृहार्थे यः प्र. उसं. (पा ४, २,४९)। d) वैप १ द्र.। e) पामे. वैप १,९३५२ ० द्र.। f) पाठः १। वैप १ पिर. \checkmark *आक्षन्य टि. द्र.। g) पामे. वैप १,९३५२ f द्र.। h) पामे. वैप १,९३५२ n द्र.। i) पामे. पू १०९९ ० द्र.। j) वप्रा.। = जामातृ-वयस्य-, कन्या-ज्ञातिजन- [गोग्र. संस्कृत्तिः टि.], प्रमृ.। k) तु. पागम.। l) भितता वयम् इति पाठः थिनि. शोधः। m) वैप १ निर्दिष्टानां समावेशः द्र.। n) श्री इति पाठः १ यनि. शोधः (तु. श्रापश्री.)। o) = सामनः श्रीश्री. प्रमृ.। p) पामे. वैप १,९३५३ f द्र.। q) पामे. वैप १,९३५४ e द्र.।

-नुवा आश्री ४, ६, ३⁸; वाश्री ३, ३, ३, १; आपमं १,१०,२; कौगृ; -नुवे आश्री ४, ६, ३; शांश्री ५,९,६.

जनुषा(षा-ग्र्य)न्ध- -न्धः पावा ६,३,३.

जनुषे(पा-ए)कर्च^b - -चौं निस् २, २:२०;७,८:३०;८,४:६; ९:१५.

जन्त- पाउ १, ७३; -न्तवः क्याश्रो २, १६, ७××; शांश्रो; निघ २, ३+; - + न्तवे आपश्री १४, १२, १; हिश्री १०, ६, ९: -न्तुः कौसू ८३, २३; विध २०, २९; ८५, ६५; या १४, ६‡; श्राज्यो १४, २; -न्तुभिः वौश्रौ २७, ७: १; वैश्रो २०, ३१: ६; श्रप २२, ९, १; -न्तून् वाध २८, १५; शंध १०५; विध ५६, २७; वैध ३, ६, १०; -न्त्नाम् अप ६४,५,४; विध ४४,४५; -न्तोः बौषि २,१०,६; या ४,१९ . जन्त-प्रतिम- -मम् वैश्री १५, २:४; ११:३; १२;१५:२; २२: ३.

जन्त्यं° - न्त्याः बौिष १, ७ ः ७ मै. जन्मन् - पाउ ४, १४५; - न्म अप ६३, ५, ४; आपधः निघ १, १२ में या ९, ४; - में नम स्था आपे १, १७, १५, ५; बौधी; - न्मनः आधी २, १६, ४;६,५,१८ में; शांधी; - में नमना आधी ४, ८, २५; शांधी; या १४,१;२; - न्मनि आप्रिय २,५,

६: १२; वैध १, ११, १३२; बृदे ४, ७३^२; श्राज्यो ११, २; - नमनिs-नमनि चन्यु 8 : २६; -न्मनी तैप्रा ४, १२ +; -न्मने श्राश्रो ८, ९, ५‡; -न्मभ्याम् वैगृ ६,७: ३; -न्मस् अप ४१, ४,७; या ११, २३ ‡; -न्मानि कप्र ३,१,१३; श्रप १४, १, ४; या ९,२८³; १२,२३[†]∮. जन्म-कर्मन् - र्मणि आज्यो ९, 3;99. जनम-कर्म(र्म-ऋ)व्विज् --र्विजः जैथौ १: ५. जन्म-कर्भ-त्रतो(तं-उ)पेत- -ताः विध ३,७. जन्म-कर्म-श्रुत-शोल-शोचा (च-त्रा)चार-वत्- -वन्तः शंध - 246. जन्म-कर्म-सांघातिक-सामुदा-यिक-वैनाशिक (क-ऋ)र्क-संस्थ- - स्थेषु वैगृ ४,१४:१५. जन्म-तस् (:) कप्र १, ८, ६; त्रापध १, १, ५; बौध. जन्म-तिथि- -थिम् कौगृ १,१७, ३;६; शांगृ १,२५,५;१०. जन्म-त्रय- -यम् श्राप्तिय २, 0, 4:99. जन्म-दिन- -ने श्रप १८2,9,9. जन्म-नचत्र- -त्रम् वैषृ ३,२० : १: अप ७२, १, २; -त्रात् श्राज्यो ९, ५; -त्रे बौधौ २८, ३ : ८; स्राप्तिगृ २,२,१ : २××;

जन्मनक्षत्र-याग-होम-

जनम-प्रभृति- -ति बौगृ ३, 93,9. जन्म-मरण- -णम् या १४, ६°. जन्म-मृत्यु-जरा(रा-श्रा)दि--दीन वैध २,६,१. जन्म(न्म-ऋ)र्श्न -क्षम् विध 190,4. जन्म-वार- -रे श्राप्तिगृ २, ५, 8: 3. जन्म-शरीरलक्षण-गुणो(गु-उ) पेत- -तान् शंघ १९८. जन्म-सम्पद्-विपत्-चेम्य--म्याः त्राज्यो ९,४^{?1}. जन्मा(न्म-आ)दि- -दि बौग रे, 93.6. जन्मा(न्म-श्र)न्तर- -रेषु श्रप ९,२,७; वैध १, ११,१२; १३. जन्मा(न्म-श्र)न्ध- -न्धः श्रश्रभू

इजन्य^ह- पाउ ४,१११; पा ३,४, ६८; पावा ३,१,९७; -न्ये गौध २२,२.

जन्यु- पाउ ३,२०.

٤.

शतात, ता^b — पा दे, ४, ७२; — ०ता आपमं २,१७,२‡; — †तः आश्रो दे, १,९××; शांश्रो; पा छ, ३,२५; — तम् आश्रो दे, १,९६,५; आपमं १,१७,६!; — तम् उत्तम् काश्रो १२,२,६; — तस्य शांश्रो १५,१७,१; काश्रो; — ता काग्र छ१,१९,†; कश्र दे,९,४; वाध १८,५; मा १२,३‡; — †ताः आपश्रो १,५,५××; वोश्रो; — †तान् काश्रो १,५,५××; वोश्रो; — †तान् काश्रो १,५,५×; वोश्रो; — †तान् काश्रो

a) पामे. वैप १,१३५४ m इ. । b) = साम-विशेष-। c) = २जनित्वन्-। वैप २, ३खं. इ. ।
d) = उदक-। सपा. जन्म<>जद्म इति पामे. । e) णे इति राज. । f) क्पद्विपक्षेण् इति पाठः ? यनि. शोधः।

g)= युद्ध-। h) वैप १ द.। i) पामे. वैप १,१३५४ a द.। j) पामे. वैप १,१३५६ दि.।

१७, ११,३; श्रापश्री; -तान्ऽ-तान बीश्री १८, ४४ : १६;१८; -तानाम कीय १, १२, ६ %; शांगृ १,१९, ६+; श्रप; -+तानि बाधौ ४,३,२; १०,६,९; शांधौ; आपमं २, २२, १९ *; श्राप्तिगृ * १, ५,४: १३; ३,२, २:९; जैगृ १, ४:१३ ; या ७,१९ \$;१०,४३ ;; १२, २३\$; - †ताम् श्रापश्रौ ५, ५, ४; बौश्रौ २, ६ : ३३; १८: १५; हिश्री ३, २, ३; गो २, २\$; या ३,४; -ताय शांश्रौ 3. १३, १७; काश्री; -तासु श्रामिष् १,२,१:१; भाष् ३,८: २; हिगृ २,१८,२; -ते आश्रौ १.२ १ ‡; काश्री; ‡या ३, २२; ६. ८: वा ६,२,१७१; -तेंड-ते या १, ८; ७, १९; -तेन श्रापमं २, ११, २९+; काग ३२, ३+; शंघ २८२; २८५; -तेभिः शांश्रौ १८, ९,७; -तेम्यः बौध्रौ २०, २०:३८; ३९; -तेषु द्राश्री ६, ३,११; लाश्री २, ११,५; काए; -तै: श्रप ११.२,४; बृदे १,९२: शैशि १०१+; -तौ श्रापश्री २०, २,११; हिश्री १४, १, २३; या 22.3. जात-कb- -कम् वैष् ७,४ : ८; -कात् वैष्ट १, १: १२; -की

कौसू १११,४.

जातक-संस्कार- -रः वैष् ७.

जातका(क-श्र)मि- -मिः बीगृ ४, १०,२; - झिना वैगृ ७, २: ४: - मिम् वैगृ ३,१५: १;१८:

१; ६, ४: १०; ७: ८; -मी वेगृ ६, ४: ५: ८: ५: २: ६: 0.8: 4.

जात-कर्मन् - - म कौगृ १, १६, १: शांगृ: -र्मणः बौषि २, ७,८: -र्मणा काय ३६,१२; ४४,२.

जातकर्म-नामकरण- -णयोः श्रामिगृ २,३,२: १५.

जातकर्म-प्रभृति -- ति श्रामिगृ ३, ९,३: १०; बौषि २, ७, ९; हिपि २३: ३३.

जातकर्म-वत वाग् 3.90. जातकर्मा(र्म-श्रा)दि-संस्कार- -रान् बौषि ३,७,४. जातकर्मी(म-उ)त्थान--नयोः वैगृ ६,२: १६.

जातकर्मी(र्म-उ)पनयना (न-न्या)दि- -दि वेश्री २०, २३: ७.

जात-तुष- - षेपु माश्री १, २, 3.96.

जात-दन्त- पाग २, २, ३७; -न्तम् वैष् ७, २ : ७; -न्तस्य वैगृ ७.२: ५: ७: १: 🗝 ते वागृ 3.6.

जात-दु:(ख>)खाव- पाग २, 2.300.

जात-धन^d- -नः या ७,१९. जात-पक्ष^d- -क्षाः वाध ६, ३. जात-पुत्रd-पाग२,२,३७e;-त्रः भाश्री ध, २१,७; माश्री १, ५, १,४; वैश्री २,८: ५: ७, १३: १२; हिश्री ६,४,२७,६,१७.

जातपुत्र-कल्प- -ल्पः भाश्री €. ₹. €.

जात-प्रज्ञानd- -नः या ७,१९. जात-प्रतिषेध- -धः पावा ४,१. 42.

जात-बल^d - -लः वाध २७,२. श्जातमकी - -र्कः जैगृ २, ९: 96.

जात-मात्र- न्त्रः वैगृ १, १: १२; बृदे ४,१३१; - त्रस्य स ४. १; वैगृ ६,७: १; -त्रेण सु ३,४. जात-मृत- -ते विध २२,२६. जात-मृतक-सृतक- -के काथ २७३: ३.

जात-रूप- -पम् शांश्रो ३.१९. ९; वाश्री; -पेण वैताश्री ५. १६; कौगृ १, १६, ७; शांगृ: -पेभ्यः पा ४, ३,१५३.

जातरूप-मय - -यम् श्रप १४,१,२.

जातरूप-शकल- -लेन कौसू १०,9६; १९,२३.

जात-वित्त^d- -त्तः या ७,१९. जात-वि(या>)य^व- - चः बृदे २,३०; या ७,१९.

जात-विद्याष्ट- - द्याम् या १,८ क. जात-वीर्यं - -र्यः बौध १, २, 38.

जात-वेदस्⁸- पाउ ४, २२७: - † • दः श्राधी १, २, १××; शांथ्री; कीसू ७२, १३h; १४h; - †दसः कीस ८१, ४५; ८७, २३; श्राप ४०, ३, ४; या ७, १९कृ; - †दसम् श्राश्रौ ६, ५, १८; शांश्री; -दसा बृदे ८, ७; -दिस शांश्री १५, १७, १ ; कप्र ३, १, १९; -दसी बृदे १, ९७;

a) पाभे. वैप १,१३५७ h इ. । b) = श्राव्य-, संस्कार-विशेष-। c) = पंस्कार-विशेष-। d) विप. h) पाभे. वैप १ बस. । e) तु. पागम. । f) पाठः ? जातः, अर्कः इति द्विपदः शोधः । g) वैप १ द. । परि. महिरः मा १२,८ टि. इ. ।

या ७,२०; - †दसे आश्री ५,५, १९;७,१,१४; वौश्री; - † • दसी माश्री ५,१,३,२०; कीस् १०८, २; - †दाः आश्री १,६,५; १२, ३०*××; शांश्री ८, २४, १²०; आपश्री ९, ३,१°; भाश्री; माग्र १,१०, १०°; या ७,१९०\$; -- वोड शांश्री ७,९,३†.

जातवेदस- -सम् या ७, २०; श्रश्र ५,१२;२९; -सानाम् या ७,२०; -से श्रश्र ७,३४. जातवेदसी- -सी श्रश्र ४, ५६; श्रश्र १८, २; -स्याम् या ७,२०; १४,३३. जातवेदसीय- -यम् शांश्री ८,६,६; १०,८,२०××.

जातवेदस्-त्व- -त्वम् या ७,

१९. जातवेदस्य d — स्यम् आश्रौ ८,१२,२४; ऋश्र २,१,९९;१०, १८८; बृंदे; —स्यानाम् आश्रौ ७,१,१४; —स्ये आश्रौ ८,८,६. शजत-शिला ने लाः कप्र ३,९, १०; —लासु गोगृ ३,९,६. जात-श्रम्थ— पाग २,२,३७. जात-श्री— श्रियम् या ६,४. जात-श्र्वि— तेः काश्रौ ५,३,४. जात-संवःस (τ) रा पाग २, २,३७. जात-संकार— रः,-रेण वौषि ३,१,४.

जात-सु(ख>)खा'- पाग २, २,

जा(त>)ता-ज्वाल⁸--लेन कौसू

₹७.

जाता(त-श्र)धिकार- -रः मीसू 3.3.9. जाता(त-श्र)र्थ- -थे पावा ४, ३, ₹. जातो(त-उ)क्ष- पा ५, ४, ७७. जाति- -तयः विध १६, १७; बृदे ५,१४६; -तिः श्रप ५३,४, ४; ऋत ४, ६, ५; श्रप्रा १, २, ५; याशि १,१८: पा २,१,६५; ४, ६; ६, १, १४३^b; पावा १,४,१; ४,१,४; मीस् १,४,२४; -तिम् श्रापध २, २, ३; ६, १; विध; -तीनाम् हिश्री १०, ३, ३; अप ७०,७, ३; -तेः काश्रौ १५, ४, १७; पा ४,१,६३; ६, ३,४१; ४८; ८,१,४; पावा ४,१,१४३; मीस् ६,८,४५; -ते:S-ते: काश्रौ १४, २, ३२; -तौ पा ४, ४, १६१××;-त्ये हिपि १७:१६ . जाति-कल्प- -ल्पः लाश्रौ १०, 9,5: जाति-काल-सुखादि- -दिभ्यः पा ६,२,१७०; पात्रा २,२,३६. जाति-प्रहण- -णम् पावा ४, १, 930. जाति-नामन् - - मः पा ५,३,८१. जाति-निवृत्त्य(ति-अ)र्थ- -र्थम् पावा १,२,५२. जाति-नैमित्तिक- -कम् मीस् ९, 3.3. जाति-परिप्रश्न- - श्रे पा २, १, ६३; ५,३,९३.

११,१०; ११; हिध २, ४,२५; ₹. जाति-पूग- -गानाम् विध ५, जाति-पूर्व- -वीत् पावा ४, १, जाति-भेद- -दे श्रापश्री २४,४, जाति-भ्रंश-कर- -रम् विध ३८, ७; -रस्य विध ५, १७३; -राणि विध ३८,६; -रेषु विध ३३,४. जाति-मात्रो(त्र-उ)पजीविन्--विनाम् बौध १, १, १०; वाध ३,५; इ १८,३. जाति-वाचक-त्व- -त्वात् पावा १,२,१०; ४,१,१४. मंजाति-विद्- -वित् कौस् ७८, १०१; -विदे कौसू ७८, १०. जाति-विशेष- -षात् मीसू ३,५, जाति-शब्द- -ब्दः मीस ६, ८, ४9: - ब्देन पावा १, २, ५८; -ब्देभ्यः पावा ४,१,१४. जाति-संहार- -रः लाश्री ६,६, १४: -रम् लाश्रौ ६,७,१०;१७. जाति-संज्ञा- -ज्ञयोः पा ५,४, 58. जाति-समर1- -रः चब्यू ४: २६. जातिस्मर-स्व- - स्वम् श्रप ४२,२,१३; वाध २८,१५; शंध १०५: विध ५६,२७. जाति-स्वर-प्रंसंग- नाः पाता 2,9,28.

a) पामे. वैप १,१३६० с द्र.। b) सप्र. जातवेदाः <> वैश्वानरः इति पामे.। c) सप्र. श्रापमं १, ४,७ पागृ १, ५,९१ हिंगृ १, ९९,७ विशिष्टः पामे.। d) प्रारदीव्यतीयेऽथें यत् प्र. उसं. (प ४, १,८५)। १, ४,७ पागृ १, ५,९१ हिंगृ १, ९९,७ विशिष्टः पामे.। g) [बृक्षभूमौ] 'जातािमः । श्रोषधीिमः। ज्वालः (तपनं) यस्य' e) = [शर्करा-भिन्न-] शिला-विशेष-। f) तु. पाका. प्रमृ.। ॰तौ इति भाण्डा. BPG. च । i) उप. कर्तिर अच् प्र.। इति कृत्वा विप.>नाप. (उदक-)। k) तु. पाका. प्रमृ.। ॰तौ इति भाण्डा. BPG. च । i) उप. कर्तरि अच् प्र.।

जाति-परिवृत्ति- -तौ श्रापध २,

१जात्य - -त्यम् अप ४०, १, १४; -त्यानाम् माशि १५, ९; याशि २,१०९; नाशि २,८,२३. २जात्य⁰- -त्यः ऋपा ३, ३४; शुप्रा १, १११; शौच ३, ५७; रीशि २३३; २३४; माशि ७,२; ५; ८, २; याशि १, ७६; ७८; नाशि १,८, १०; २, १, १; ८; -स्यम् ऋत्रा ३, ८; -स्यस्य याशि १,५६; -त्ये याशि१,६८. जात्य-वत ऋप्रा ३,२६. जात्य-वर्ण- -र्णानाम् नाशि 2,9,90. जात्य-स्वर - -रः शेशि २३४. जात्या(त्य-त्रा)दि- -दिः रै।शि २३८, याशि १,५६. जात्या(त्य-ग्र)भिनिहित-क्षेप्र-प्रक्षिष्ट- -ष्टाः भास् १,१०. जारय(ति-स्र)धिकार- -रात् पात्रा ४,१,१५. जात्य(ति-ग्र)न्त- -न्तात् पा ५, 8.5. जात्य(ति-त्र)न्तर- -रात् मीस् ४, २, २; -र बौश्रौ २८, २: ५४: मीसू ११,४,३८. जात्य(ति-श्र)न्ध-> °न्ध-मूक-बिधर- -रै: श्रप २३,१२,४. जात्य(ति-त्र)पहारिन्- -रिणा विध ५,९९. जात्य(ति-ग्र)भाव- -वात् काश्रौ 8,8,90. जात्य(ति-त्र)र्थ- -र्थस्य मीसू ٤,٩,٤.

6,9,8. जात्या(ति-श्रा)चार-संशय- -ये श्रापध २, ६, १; हिध २, २,१. जात्या(ति-श्रा)दि-निवृत्त्य-(त्ति-- त्र)थ- - र्थम् पावा ४, 9.53. रजान - ना या १४,३६ मे.

१†जानु(क>)का^c- -का श्रापश्रौ १,१०,११; भाश्रो १, १०, ९; 3,9,90.

जायमान,ना- - †नः श्राश्रौ २, १९, २४××; श्रापश्रौ; -नम् वाधूश्री ४,६८:६; वैश्री १,१०: ११; -नस्य श्रापश्रौ १६, १६, १+; वैश्री १८, १४: ८+; वैगृ २, १८: १६; - ‡नाः श्रापश्रौ १,११,१०; ७, १२, ८; बौध्रौ; -नात् वाधूश्री ३, १५: १; या ८, १५ +; - १ नाये कौसू ६६,२; श्रत्र १०,१३; -ने वैग् ३,१४: ८; कौसू ७२, ३९; या १०, 80年.

जाया- पाउ ४,,१९९; -यी शांश्री १२, १७, १‡; कौगु; - †या शांश्रो १०, १, ११; १२, १७,१; १५, १७, १ ; श्रापश्री; -याः शांश्रौ १५, १७, १; वौषि २, ४, २; या ७, ६+; ८, १०; -यानाम् या १०, २१; १२, ४६: -याभिः बौश्रौ १५,२४: २१××; वाध्रुशै ३,९०: ५;९; -याम शांश्री ३,१३,३०; १५, १८,४६:७; गोगः, पा ५,४, १३४; -यायाम् आप्तिए ३, १जनयीते हिश्री १,६,३२.

७. ४: २७; बौपि; -यापै वागृ १५, २२; कौसू ३६, ३५: -ये बौश्रौ १७, १३ : c+: श्राप्तिगृ ३,७,४:१९ ; बौषि २. ४, २; - एवं काश्री १४, ५. ६; त्रापथ्रौ १८, ५, ९; बौथ्रौ. जाया-काम- न्मः कौस् ५९ ११; श्रश्र ३,२५; ६,८२. जाया-ध्न- पा ३,२,५२. जायान्य^c- > °यान्ये^d(न्य-इ)-नद्र-दैवत- -तम् श्रश्र ७, ७६° जाया-पति- -ती काश्रौ ५, ५, १०; ३०; श्रापश्री; पाग २, २, ३१: -त्योः बौध्रौ २९,९: २: श्रामिगृ ३.७, ४ : २२; बौपि. जायापति-कर्मन्->

°र्मण्य- -ण्यम् जैगृ १,२२:१३. जाया(या-श्र)भिवृद्धि - -द्वयै श्रश्र ६,७८.

जाया-वर्जम् विध २०३९. जास->जास्-पति->जास्पत्य^с-

- †त्यम् श्रापश्री ३, १५, ५; त्रापमं: -त्ये ग्रुप्रा ४,४१.

जिजनिषमाण- -णस्य निस् ७, 9:4.

†जेन्य°~ -न्यः त्रापश्री १६, ३,७; वैश्री १८, १: ९३; हिश्री ११, 9.32.

जनक-, १-२जनत्-१-२जन-, जनन-प्रमृ. √जन्द.

जनंधर- (>जानंधरायण-)जलंधर-टि. इ.

१७,१‡; काश्रौ; –यायाः बौश्रौ जनपळण्डुकुम्भीक¹- -कः सुध २१. जनमान- √जन् द्र.

a) विप. (स्कम-, इय-)। e) ॰दैवत्यम् इति W. । यनि, शोधः। जनयति- > -स्यै इत्यस्यैव विकृतं ६पं द्र. ।

जात्या(ति-श्रा)ख्या- -ख्यायाम्

पा १,२,५८; गता १, १, ५६;

d) ॰=यै॰ इति पाठः ? c) वैत १ इ. 1 b) = स्वरित-विशेष-। f) पाठः ? लग्जनपलाण्डुगृक्षनकु दित संस्वर्तः टि. । g) पाठः ? जन्तु- √जन् द.
जन्तुक°- पाग २,४,६९.
जन्त्य-,जन्मन्- प्रमृ. √जन् द्र.
√जप् ष्षाः भ्वा. पर. व्यक्तायां
वावि, मानसे, जपित आश्रौ १,
१,१६×४; शांश्रो; वौपि २, ५,
७°; जपतः काश्रौ २०, २,९;
श्रापश्रो; जपन्ति श्राश्रौ; जप
काश्रौ १८, ३,१७५; काश्रौ; जप
काश्रौ १८, ३,१०५; जपेतुः
श्राश्रौ १,४,८×४; शांश्रौ;
जपरन् शांश्रौ ३,६,३; जपेतुः
शांश्रौ १०,२१,१५; द्राश्रौ.
जेपुः ऋश्र २,१०,५८; ५९;
बृदे ७,९०;९१.

जापयेयुः श्राश्रौ ९,९,८.

जप- पा ३, ३, ६१; पाग ६, १, १५६; -पः आश्री १, २, २४; ५, १०, २२; त्रापश्री; -पम् आश्री १,२,६:२,९,९; काठश्री; -पाः ग्राश्री ४, ८, २; श्रापश्री १४,१५,४; बौश्रौ ३,३० :२३; हिश्री ६, १, ७; ११; १०, ७, २६; विध २०,४५; मीसू १२, ४, 9; -पात् कप्र २, २, 9; -पान् शांश्री १७, १२, ४; -पानाम् शांश्री ३, १६, १९; -पे बृदे ८,१३४; -पेन आश्री ६, ३, १५; -पेभ्य: शांश्री १, १,१८; -पै: श्रप्राय ६,९; श्रप. जाप^d- -पः त्रापगृ १५, १. जप-कर्मन् - र्मणि हिध १,४, ६०७; अश्र ११,३ (२). जप-नैत्यक! - - कम् वाध २६, १९. जय-मन्त्र'- -न्त्राणि शांश्री ३, १६,२०. जय-यज्ञ- -ज्ञः वाध २६, ९;

जप-यज्ञ- -ज्ञः वाघ २६, ९; विध ५५, १९; -ज्ञस्य वाध २६,१०; विध ५५,२०.

जप-संस्कार- -रम् मीस् १०, २,४७.

जप-हवना (न-श्र) ध्ययन-ब्रह्म-चर्य-पर- -रः सुधप ८५: ५. जप-होम- -मः श्रप ७०^३, ९, ४; १०, १; -मैः सु २, २; -मौ अप ५३.६.४.

जपहोम-तस्(:)श्रप ७,१,१. जपहोमा(म-श्रा)दि- -दि श्रश्र ४,१९५^६.

जपहोमादि-कर्मन्- -र्मसु कप्र १,१,९.

जप-होम-पितृक्षिया - -याः ऋप २३,१०,७.

जप-होम-प्रतिग्रह- -हान् बौध २,८,१६.

जप-होमे(म-३)ष्टि-यन्त्र--न्त्राणि बौध ४,५,३.

जपहोमेष्टियन्त्र-स्थ- -स्थः बौध ४,५,५. जपहोमेष्टियन्त्रा (न्त्र-रत्र्या)

च- -द्यैः बौध ४,५,२. जपा(प-ग्रा)दिक- -कम् शंध १०१.

जपा (प-अ) ध्याय-तपो-दान--नै: श्रप २३,१२,३.

जपा(प-अ)नुमन्त्रणा(ण-म्रा)प्या-यनो (न-उ) पस्थान— -नानि म्राग्नौ १,१,२० जपा(प-ग्रा)वृत्ति- -त्या श्रप ३६,८,४.

जपत्— -पता जैथ्रीका१६९; —पताम् वाघ २६,१४; —पत्सु काश्री ९, ६,३४; —पद्गः अप ६८,४,५; —पन् आश्री २,५,४; श्रापश्री; —पन्तः आश्री २,१९,३६××; शांश्री; —पन्तम् जैग्र १,२ः१९‡.

जपन- नम् वैग्र ३,२२: १. जिपत्वा श्राश्री १,२,५×४; शांश्री. जस,सा- -सम् श्रप ३६,२४,१५; -सा शंध ४५४; -सानि वाष २८,१५; -सै: श्रप ३६,१२,१.

जप्तब्य,ब्या- -ब्यम् अप ३६,८,५; -ब्याः अप ७०^२,३,५.

जप्तुम् > प्तु-काम- -मः शंध १००.

जप्त्वा श्रामिगृ २, ५, ६ : २६××; वैगृ.

जप्य े - - प्यम् शांश्री १७, १४, ४; श्रशां २३, ३; शंघ ११४; विष ५०,४८; - प्याः कागृउ ४१: ६; वौध ४,६,१; - प्ये शंघ १०६; विघ ६४,४०; - प्येन विध २२, ५०; ५४, २८; ५५,२१; - प्यैः श्रप ५४,२,५. जप्य-कर्मन् - मीण श्रापघ १,

> १५,१°. जप्य-होम-तपस्- -पांसि विष ८५,२.

ज्ञन्या (प्य-श्र) ग्निपरिमृजन- -ने हिध २,१,९७.

जप्या(प्य-म्र)ग्निहवना(न-म्रा) दि--दिषु शंध १००.

जापिन् - पिनम् वाध २६,१२.

a) ब्यप.। ब्यु. १। b) पा ३,१,२४;७,४,८६ परामृष्टः इ.। c) जपेत् इति छ.। d) =जप-।
e) सपा. जपक°<>जप्यक° इति पामे.। f) विप.। बस.। g) तप॰ इति पाठः १ यनि. शोधः। h) कर्मणि
यत् प्र. (पा ३,१,९४)।

जाप्य - -प्येन वाध २६, ११. जाप्य-पर^a - -रः वाध २६,१३. ज-पर - ज द्र. जपा^b - -पायाः याशि २,७५. जपारूप^b - >°^cप-काकुत्था-मण्डी^d-कुरण्डक - वर्जम् जैमृ १,१:१२.

जिपत्वा- प्रमृ. √जप् ह.

†जवारु°- -रु अप ४८, ११५; निघ
४,३; या ६,१७; उस् २,११.
√जभ्,म्सं' पाधा. भ्वा. आतम.
गात्रविनामे; चुरा. पर. विनाशे,
†जम्भयामसि आप्तिगृ ३,०,२:
६; बौषि १,१७: २७; †जम्भय>या आपमं २, १७, १; या
३,११; ऋषा ७,३१.

बंजमत्- -मतौ शांश्रो ४,२•,९‡. बंजमा(न>)ना- -ने कौस् ११४, २‡.

र्जजभ्यमान- -नः श्रापश्रौ ४, ३, १२; हिए १,१६,२.

जम्भ⁶- पाग ४,१,११२⁸; - ‡म्मे वाश्रौ २,१,८,१^६; श्रापमं १, १०,७××; याशि २,९४.

जाम्भ- पा ४,१,११२. जम्भ-गृहीत- -ताय कीस् ३२, १; ३५,१३.

१जम्म्य- म्यान् तैप्रा २,१७. २जम्म्य°- - †म्म्येभिः श्रावश्री २०,२१,९^h; बौश्रौ १५,३५: ५; हिश्रौ १४,४,५५.

जम्मक^{e'1}- -कः माग् २,१४,२९[‡]. जम्मन-> °न-नर्तन-गान-कृत्य¹- न्यः वैध ३,१४,४. †जम्भयत् - -यन्तः या १२,४४; ऋप्रा २,४३; ग्रुपा ४,६५ं.

जिम्भन्- -म्भिनः श्रप ६८,१,४१.

ज-भाव- ज-इ.

√जम् ^{*} पाधा. भ्वा. पर. श्रद्ने, जमीत निघ २,१४¹.

†जमत् ^m- -मत् श्रप ४८, २०; निघ १,१७.

जमद्-अग्नि - पाग ४, १,१०५: २,१११; -मय:" बृदे ४,११४; या ७, २४०; - मये थामिगृ १, २, २: १५; बौग ३, ९, ३ ई; भाग ३,१०: १‡; हिग २,१९, ३ +; - मि: शांश्री १४, ६७, १; १५,२१,१‡; बौश्रौ १७,४२: ३+; १९,१०: २८+; बौश्रीप्र ५४: १२: श्रापमं २,८, १० : शांग ४,१०,३; पाग २,६,२३+; भाग २,२२: ५‡; हिग १,११, ४+;२,१९,२; कौसू ३१,२८+; ऋग्र: - पितना श्राश्री ५,५,१२: शांश्री ७,२, ७: श्रागृ ३, ५, ७: कीय ३,७, १०; शांग ४, ५, ८; -†मिभिः" श्राश्रौ ८,९,७;शांश्रौ १०,१०,८; या ७, २४; - झिम् वैगृ १, ४: १५ ; - श्रीनाम् " काश्री १,९,३; श्रापश्री २, १८. २; ६,८,२; भाश्री २, १७, ६; वाश्री १,१,१,३०; वैश्री ६,६ : ५; हिश्री २,२,९; - में झे: बौश्री श्रापमं २,७,२; कौगृ.

१जामदम्न° - - मः काश्री २३, २, १२; - मम् श्राश्री १०, २, २३; ३, ६; वृदे ८, ३७; -माय लाश्री ९,१२,१.

जामद्रस्य P - पा 8. 9... १०५; -- व्यन्य श्रापश्री २४, ५, १२; १३; बौश्रौप्र ३: १६; हिश्रौ २१,३,७; वैध ४, २, २; -ान्यः श्राश्रौ ३, २, ८; वृदे ५, २५: - गन्यम् श्रापश्री २, १८, २; भाश्री २, १७, ७; माश्री १,.. ३,२, ५; वाश्रौ १, १, १, ३०; हिश्री २,२,१०; - नन्यस्य माश्री १,३,२,५; ७, ६, ३१; -म्याः त्रापश्री २४,५,११; हिश्री २१. ३,७; -ग्न्यानाम् श्रागृ १,७,९: कीय १,५,१२; जैय १,३ : २३; द्रागृ २, १, १७; -ग्न्याय निस् ८, ४: २९१०; बीगृ ३, ९:३; -ग्न्येन श्रापश्री २२, १८, १६; हिश्री १७, ७,९.

२जामदम्न पा ४,२, १९९; -माः आश्री १२,१०,६. जमदमि-वत् आपश्री २४, ५, १२; १३; बौश्रीप्र ३: १७; हिश्री २१, ३,०³; वैध ४,२, २. जमदमेश्-चत्रात्र - -त्रः शांश्री १६,२३,७. जमदग्न्या(मि-आ)पै^a - -पैः

भ; हिश्रौ २,२,९; -†ग्नेः बौश्रौ ऋग्र २,३,६२. १७,४० : ४; १८,५२ : १०\$; जम्-पति^ग - न्ती पाग २,२,३१.

a) विष. । बस. । b) नाप. । ब्यु. ? । c) द्वस. (तु. C.; वैतु. भाष्यम् जपा-रूप - इति । d) चण्डी - इति C. । e) वैप १ द्व. । f) पा ३,१,२४; ७, १,६१;४,८६ परामृष्टः द्व. । g) व्यप. । h) पाभे. वैप १,१६६२ e द्व. । i) = विनायक-विशेष- । j) विप. । द्वस. > बस. । k) या २,६ परामृष्टः द्व. । $=\sqrt{6}$ जम् इति BPG. । l) गतौ वृत्तिः । m) ज्वलने वृत्तिः । n) बहु. < जामदम्न्य । o) = श्रहीन-विशेष-, ऋषि-विशेष- प्रमृ. । q) $^{\circ}$ वन्ये इति पाठः ? यनि. शोध- (तु. मुको.) । r) नाप. । = यु. ? (तु. वैप १ दुम्-पित=)।

जम्ब- पाउन् ४,९५. जम्बाल- पाउमो २,३,१०५. जम्बीर- पाउमो २,३,५०. जम्बु, म्बू 8- पाउ १, ९३; पा ४, ३, १६५; १६६; पा, पाग ४, २, ८२; पाग ४,२,८०. जाम्बव- पा ४,३,१६५. जाम्बवक- पा ४,२,८०. जम्बु-द्वीप- -पम् शंध ११६ : ४. जम्बू-फल- -लानि शंध २३२. जम्बुकb- पाउमो २,२,२६; -कः श्रप ७०१,६,८; -कम् अप ७०२,२, ७,-काय वाश्री ३,४,५,१७ . जम्बुक-प्रवेश- -शे काध २७६ : ७. जम्म- प्रमृ. √जम् द्र. जम्मल- पाउच १,१०६. जस्मिन्-, १,२जम्म्य− √जम् द्र. १,२जय-, जयत्- प्रमृ. √िज द्र. १जयन- पाउमो २,२,१८५. २जयन-, °यन्त- प्रमृ. √िज द्र. ?जयमने या १३,५. ?जयाहे नाष्ट्यं तु (१) कल्पयते° श्राप्तिगृ २,५,५: १. 3जयेते^व या १४,७. जर−, जरठ−, जरण− प्रमृ. √जू (वयोहानी) द्र. जरति e''- (>जारतेय- पा.) पाग 8,9,923. जरतिन्-(>जारतिनेय-)जरति-टि. इ. जरन्त- पाउ ३,१२६.

१जरमाण- पाग ४,१,१०५8. जारमाण्य- पा ४, १, १०५; -ण्यः बौश्रौप्र ४१: १२. २जरमाण-,जरियतृ-, जरस्- √जृ (वयोहानौ) द्र. जरसान- पाउ २, ८६. १जरा- √ज़ (वयोहानी) द्र. २जरा- √जृ द्र. ३जरमाण- √ज़ इ. ?जराध्य श्रव ४८,११५‡. जरायु े - पाउ १, ४; - † यु श्रापश्री १४,२९,३; १६,३२,४५; बौश्रौ; बौपि १, १७: १३१1; या १०, ३९५;१३,५; -युणा बौश्रौ१०, ४८:३५ +; माश्री; -युणि कौसू ३३,१५;-योः बौध्रौ २६,२:४. जरायु-गर्भ-शब्द- -ब्दाभ्याम् बृदे 4,60. जरायु-ज- - +जः कौसू २६, १; ३८, १; श्रप ३२, १, ७; श्रश्र १,१२; -जम् या १३,५. जरायु-स्थान->°नीय- -यः या 20,38. श्जिरिताम् √जृ (वयोहानौ) द्र. १जरितृ - -ता ऋअ २,१०,१४२. २जरित्र- √जृद्र. जिरत्वा-,जिरमन्-√जृ(वयोहानौ)द्र. ?जिरिमाणेयो[।] श्रामिष्ट १,१,२:४५; 80;88. जरिष्णु- √जृ (वयोहानी) द्र. जरूथ - पाउ २,६; - चथम् निघ ४,

३; या ६,१७. जरूप- पाउमो २,३,१६६. √जर्च √जर्ज् टि. इ. √जर्ज्[¥] पाधा. भ्वा. पर. परिभाषण-हिंसातर्जनेषु; तुदा. परिभाषण-भर्त्सनयोः. जर्जर- √जृ (वयोहानौ) द्र. √जर्भ √मर्भ टि. इ. जर्ण- पाउ ३,१०. जर्त- पाउना ५, ५८; पाग ४, १, 9 0 3 1. जर्तिल b- -लाः त्रापश्री १६, १९, १३; बौश्रौ २४,५:१७; -लैः श्रापश्री १७,११,३; हिश्री १२, जर्तिल-तैल- -लम् बौश्री २८,१३:६ जर्तिल-मिश्र- -श्रान् काश्री १८, ٩,٩. जर्तिल-यवागू- -ग्वा श्रापश्री १७, ११, ३; वैश्रौ १९, ६:३४; हिश्री १२,३,४. जर्त्- पाउ ५,४६. श्जर्त्रभ्यः™ त्रापमं १,७,9‡. √ जर्त्स √ जर्ज् टि. इ. जर्भरि- √मृदः जर्वर"- -रः बौश्रौ १७,१८: 9°. जर्हचन्त, जर्हचाण- √हष् द्र. √जल पाधा. भ्वा. पर. घातने; **नुरा.** पर, अपवारणे. १जल^P- - लम् वैश्री १२, ६: १२; जैश्रीका; वेज्यो १०⁰; -लात्

काशु ७, ४; -लानाम् अप ६८, २,१३; -कानि अप ५५, ६,३; -ले आमिए २,६,१: २; वौपि; या ६, २७; -लेन वैश्रौ १२, १९: ८; वैग्र; -लेषु अप ६५,१, ६; विघ ९९,१७; -लै: वैध २,

जल-कीडा- -डाम् कप्र ३,६,१५. जलकीडा-रुचि-शुभ- -भम् विध १,२°.

जल-क्रिश्च-वासस्- -साः गौध २४,७.

जल-क्षय- -यम् श्रप ५८^२, ४, ८. जल-गत- -तयोः शंध २८८.

?जलगोत्रसाभूत- -तम् त्रप ६५, २.९.

ज्ञल-चर- -रम् विघ ५०, ४५; या ६,२७; -राणाम् विघ ४१,१. जलचर-गति^b- -तिः या ७,१३. जलचर-योनि- -नयः विघ ४४.६.

जल-ज- -जम् विध ६६, ९; ७१, १२; -जाः गौध १७, २७; -जान् शंध ४२६; -जानाम् विध ४१,१; -जानि विध ७९, ६: -जै: श्रप ६५,२,३,

जलज-योनि— नयः विध ४४,५ जल-जाति°— -तिः श्रप ६०,१,३. जल-ज्वलन-चौर— -राणाम् श्रप ६३.

२,८. १जल-द- -दाः श्रव ६१,१,७.

जल-दु(र्ग>)गां− -र्गाम् या ७, २०; १४,३३.

जल-धेनु- -नुम् श्रप ९, ३, २;

विध ९०, १३; काध २७१:

जल-पथ— पा,पाग ५,३,१००. १जल-पवित्र^व— -त्रम् श्राप्तिगृ २,४, ६:८; —त्रे श्राप्तिगृ २, ४, ६:९.

२र्जल-पवित्र⁶-- त्रम् बीध २,१०, १२:३२^२.

जल-पिण्ड-दाना(न---श्रा)दि---दि वैगृ ५,१५: १२.

जल-पूरित- -तान् जैश्रौका २००. जल-पूर्ण-कुम्म- न्मम् वैगृ ५, ५:६.

जल-पूर्ण-पात्र- -त्रे वैग् ४, १०: १२.

जल-प्रद - -दः विध ९१,३. जल-प्लव¹ - -वः शंघ ३७७ : १४. जल-विन्दु - -न्दवः श्रप ४१,४,३. जल-बुद्बुद -संनिभ - -भे कप्र ३,

३,५. जल-भय-जल-संक्षय- -ययोः श्रशां १७,४.

जल-भाण्ड- -ण्डैः श्रप ६८, २, ४९.

जल-वत् वौध १,१,१५. जल-वेग–समाहि(त>)ता− -ताः

श्रप ५५,१,७. १जल-शयन- > °न-पञ्चतपो-(पस्-श्र)भ्रावकाश- -शान् शंध

३९०. जलशयन-पञ्चतपो^४(पस्-श्र) भ्रावकाश-नियम-पर^b- -रः शंध ३६९.

२जल-शय(न>)नी!- -नी वैगृ ३,

१६: ८. जल-संनिधि- -धौ श्रप ६८, ५, २२.

जल-स्थल - लेषु वैगृ १,२ : ३. जल-स्नाव - वे श्रप ७०²,८,४. जल-स्नुति - तौ श्रप ७०²,९,१. जल-हारिन् - तौ शंध ३७७ : २० जल-होमा(म-श्रा)दि - कर्मन् --मैण कप्र १,८,२४.

जल-हृद्¹- (> जालहृद्- पा.) पाग ४,१,११२.

जला(ल-श्र)जल-ज—संतान^k--नान् श्रप **६५**,२,७.

जला (ल-श्र)क्षिल- -िलम् वैघ २,.. ७-८,६; -लीन् विघ ८५,६५. जलाक्षिलि-त्रय- -यम् शंघ १२२.

जला(ल-श्रा)दिक- -कम् श्राप्तिष्ट. ३,३,३:१२.

जला(ल-ग्र)नु(ग>)गा- -गाम् विध १,१.

१जला(ल-ग्र)न्त- -न्ते वैघ २,१२,. ७.

२जला(ल-श्र)न्त^b— -न्तम् वैगृ **५**, ७ : ३.

जला(ल-श्र)भ्याश- -शे बौध ३, २, ३.

जला(ल-अ)र्थ->°र्थिन्- -र्थिनः वैगृ १,४: २३; कप्र १, १०,८; अप ४२,२,५.

जला(ल-आ)शय- -यम् विध ८६, १९; -ये आप्तिग् २, ४,७: १४××; वाध २७,१७; विध ८६,१९; -येषु विध २३,४६.

a) °चि, शुभम् इति जीसं.। b) विप.। वस.। c) उप. = जीव-। d) = [जलपात्र-] मिण्कि-। e) = जलपावन-वस्त्र-। उस. उप. कर्रणे कृत्। f) नाप.। उस.। g) °पाश्रा है ति पाठः ? यिन. शोधः। h) विप.। द्वस. >वस.। i) = व्याह्मित-विशेष-। उस. उप. कर्तिर कृत्। j) व्यप.। व्यु.। k) द्वस. >वस. qप. = जलवर-रथलवर-, उप. = समूह-।

ज(ल>)ला-बाह्⁸- पाग ८,३, 96b. जले-चर- -रान् शंध ४२६. जले-भव- -वम् या ६,२७. जले-शय- -यम् या ६, २७०. जलेशय-बिलेशय- -यम् शंघ 880. जलो(ल-उ)दर°- > °रिन्- -री शंघ ३७७ : ९. जलो(ल-उ)द्रव- -वानि शंध १९७. जलो(ल-उ)पजीविन्- -विनः श्रप 419, 3, 4. जली(ल-श्रो)घ- -वै: श्रप ७०१, 99,94. २जल - -लः शांश्री १६,२९,६. जलडा^{d,e}- (> जालडी- पा.) पाग 8.9.94. १जल-द- १जल- इ. **२जलद**⁴->°द¹-, -दः श्रव २,५,२. जलदायन!- -नै: अप २२,२,४. जलन्द^व- -न्द्रः हिश्रौ २१,३,१०. जलंधर ^{d'8}- पाग ४,१,९९. १जालंधरायण- पा ४,१,९९; पाग 8.2.43. जालंधरायणक- पा ४,२,५३. जालंधरि- -रिः बौश्रौप्र ४३: ६. १ जलाली ऋप ४८,११६ ई. †जलाप^h- -पम् श्रप ४८,६४¹; ७५¹; निघ १, १२¹; ३, ६ h'k?.

जलिक¹- (>जालिक्य- पा.) पाग 4,9,926. जलू(क>)का"- पाउमो २,२,२७. जलूका-वत् वैगृ ५,१ : २७. जले-चर- प्रमृ. १जल- इ. जल्गल्यमान- √गल् द्र. √जल्प् " पाधा. भ्वा. पर. व्यक्तायां वाचि, †जल्पति° श्रप ४८,९; निघ ३,१४; जल्पन्ते श्रा ७०^२, १२,२; जल्पन्ति अप ७०१,९, १; ७१,४,१; जल्पेत् कागृ १, १९; मागृ १,१,९; वागृ ६,८. जल्प^p- पाग ६,१,१५६. जल्पत् - न्सन् श्रामिष्ट २, ६, १: ४; बौध १,५,१५. जल्पन- पाग ३,१,१३४; -ने श्रप 903, C, 4. जल्पाक- पा ३,२,१५५. जल्पि - - ल्प्या या १४,१० =. ज(ल्प्य>)ल्प्या - ल्प्या बौश्रौ 2,4: 224. चेजल्हु मे− -ल्हवः निघ ४, ३; या ६, २५ई; शैशि ११३. १जव- (>जावायनि- पा.) पाग 8,7,00. २जव- √ज द. १जवन'- पावा, पावाग ४,१,१७३. २जवन-, जवमान- प्रमृ. √जु द्र. †जलाय-भेषज $^b-$ --ज श्रप ३२,१, जिंबी \checkmark भू, जवीयस-, ॰सी \checkmark ज् द. जाजलिन् $^0-$ >२जाजल $^y-$ पावा ६,

√जष् पाधा. भ्वा. पर. हिंसायाम्. जब b- -यः माशि ९६ क. √जस् दिवा. पर. मोक्षणे; चुरा. पर. हिंसायाम् ; उभ. ताडने, जसित^t निघ २,98 . जसुरि - पाउ २, ७३; - †रिः श्रप ४८, ११५; निघ ४,१; -रिम् या ४,२४ . जस्त- -स्तम् या ४,२४. जस्यत्यम् 1 अप ४८,११६ .. जहा-, जहिजोड-, जहि-स्तम्ब-√हन्द्र. जह्नुb- पाउ ३, ३६; -ह्नाम्" शांश्री १५, २७,१. जहमन्1- -हा अप ४८,०५+*. जा- √जन्द्र. ?जांबुक- -कम् वाश्रौ ३,४,५,१२. जागत- प्रमृ. जगत्- द्र. जागर-,•ण- प्रमृ. √गृ (निद्राक्षये)इ. जाधनी- जधन- इ. जाङ्गल-, °लपथिक- जङ्गल- द्र. जाङ्गाप्रहतिक- प्रमृ. जङ्गा- द. जाङ्गि- पाग ४,१,९६ . जाङ्किक- जङ्घा- द. जाङ्ग्रि- जाङ्गि- टि. इ. जाङ्मायन "x- -नम् कौस् ३,२;६८, 90. १जाजल^d- (>जाजलायनि- पा.) पाग ४,१,१५४.

a) विप. वा नाप. वा। उस.। b) तु. पाका. प्रमृ.। °षाढम् इति [पक्षे] भाराङा., °षाडम् इति [पक्षे] पासि. । c) = रोग-विशेष- । d) व्यप. । व्यु. ? । e) तु. पागम. । f) = तत्त्रोक्तशाखाध्यायिन्- । g) जलंधर-इति पागम., जनंधर— इति भोज्यमते । h) वैप १ द. । i) = सुख-। j) = उदक-। k) °शम्।दु.] इति पाठः ?यनि. शोधः । l) श्रर्थः व्यु. च l । m) = जलौका- । व्यु. <math>l । n पावा l, ४, ५२ परामृष्टः द्र. । l श्रर्थने कृतिः । p) तु. पाका. भाएडा. प्रमृ. । तल्प-, नल्प- इति पासि. । q) भावे क्यप् प्र. उसं. (पा ३,३,९८) । r) तु. पागम. । = देश-विशेष-। s) पा २, ३,५६ परामृष्टः द्र. । t) गतौ शृतः । u) बहु. < जाह्नव-। v) पामे. पृ १९०१ d द्र. । w) < जङ्क- वा जङ्का- वेति PW. । जाङ्ग्पि- इति पा्सि. जाम्ब- इति पाका. । x) = जलपात्र- विशेष- इति संस्कर्ता Lभू LJ, जाग्मायन- इति केशवः । y) = शास्त्राध्यायिन्- ।

जानन्ति -> °न्ति-बाह् वि-गार्ये-

४,१४४; -है: श्रप २२,२,३.

जाज्वल्यमान- √ज्वल् द्र. जाटिकायन°- -नः श्रश्र ६, ३५; जाटिलिक−, जाठ्य- √जट् दे. जाठर- जठर- इ. जाडायन- २जड- द्र. जाड्य- १जड- इ. ?जाणवत्पलादादााखावन्ति--तयः वौश्रौप्र १९: ४. जाणवत्स³- -साः बौश्राप्र ४३: जाण्ट- पाउभो २,२,९५. १जात- √जन् इ. २जात- (> २जातायन- पा.) पाग 8,9,990. ३जात- (>३जात्य->४जात-) श्रभय-जात- टि. इ. ?जातमर्क^b जैय २,९:१८. १जातायन- जत्- इ. जाति- √जन् इ. जात वैताश्री ३८,६ कागृड ४२: १९; वाध १०,२; विध ९९,२३; या ४,२; पा ८,१,४७; पाग १, ४,५७; पावा ८,१,७२. जातु-यद् - यदोः पा ३,३,१४७. जातकर्णि-, व्पर्य- जतु- द. जातकर्ण- प्रमृ. जतु- द. १-२जात्य- √जन् इ. अजात्य d- - स्यम् भाग २, १: २; १,२जान-, जानकि- प्रमृ. √जन् द्र. जानत्- √शा द. जानन्तरि"- -रि: बौधौप्र ४३ : ६.

गौतम-शाकल्य-बाभ्रव्य-माण्ड-ब्य-माण्डुकेय- -याः श्रागृ ३, ४,४; कौगृ २,५,३. जानंधरायण- जनंधर- इ. जानपद-, °दिक-, °पदी-, °मान्य-, पाज्य-, °वादिक- √जन् द्र. €,4. शजाना वाश्री ३,४,२,४. जानान- √शा द. जातायन- √जन् इ. जान - पाड १, ३; पाग ५,४, २९; - जु आश्री १, १२, ३१; २, ३, १५××; शांश्री; श्रापश्री २०, ३,९º; -नुः बौशु १: ५; -नुनः कप्र १,२,६; -नुना शांग्र २,७, ५: - नुनि श्रापध २,२०, १४; हिध २,५,१०१; - नुनी काठश्रौ १५६; माश्री १, २, ५, ११; वाश्री; -नुनोः श्रप २२,५, १; याशि १, १९; पा ५, ४, १२९; -नुभिः विध ४३,४३; -नुभ्याम् श्राश्री ६, ५, ४; श्राप्तिगृ २, ४ ९: १५; गोगृ ३, १, ३१; श्रप; -नुम् हिश्रौ १४, १, ३०°; श्रामिष् ३, ४, ४ : १९;११,१ : ५; बौगृ; बौषि ३,४, १७1; -नू शांग ४,८, ९; शंध २१६; २१८; -नृनि आप्तिगृ ३, ५, ६ : २; बौषि १, ४ : १८; हिपि ५:२; -नोः वंश्रौ १८, १६: ७४१६; श्रापश ९, १५; बौरा ५: ९; ७: ३; - न्वोः जैगृ 8:3. १, १६: ५; बौध १, २, २८; जाबाळि"- - खयः बौध्रीप्र ३१: ५; वैध २,१०,७.

२जानु-क- पा ५,४,२९. जानु-कपोल- -लयोः विध ९६,६५ १जानु-जङ्घा- -ङ्घयोः जैगृ २, ४: जानुजङ्घा(ङ्घा-श्र)ष्टीवत् - न्वतोः शांश्री ४, १५, १९; कीय ५. जानु-द्दन - - म्म् आपश्री ७,४,२: १६, १३, ११; काठश्री; -ध्ने त्रापश्रौ ५, १४,८××; बौश्रौ. जानुद्द्नी- - द्नीम् बौश्रौ १९. १०: ४; आपशु १०,१०. जानु-प्रहत- (>०तिक- पा.) पाग ४,४,१९. जानु-मात्र- -त्रम् आगृ २,८,२; ४, ४,८; -त्रे काश्री १८,१,२. जानुमात्र-पा(द>)दी b- -दीम् काश्री १९,४,७. जानु-शिरस्- -रसा श्राश्री १, ४, जानु-हस्तb- -स्तेन अप १,२८,४. जान्व(नु-ग्र)क्र- -क्रः श्रापश्री १०, ९,२‡; भाश्री १०,५,१५; वाश्री १,9,9,२९. जान्व(नु-ग्र)स्थि- -स्थि ग्रापश्री 8,3,90. १जानु-क- √जन् द्र. जानेवादिक-, जानोवादिक- √जन् जाप-, ॰िपन्-, ॰प्य- √जप् इ. जावाल^{8'1}- -लाः चव्यू २:३६; -लि: बौश्रीप्र ३ : १ रे.

a)= ऋषि-विशेष-। व्यु.?। b) पाठः ? जातः अर्कः इति शोधः (तु. सपा. श्रप ५१, १, ३)। c) वैप १ द्र. । d) = श्रज्ञन-विशेष- । व्यु. ? । e) सप्त. $^{\circ}$ नु <> $^{\circ}$ नुम् इति पामे. । f) $^{\circ}$ नु इति \mathbf{R} . । i) पामे. वैप २, ३खं. काश. जान्वक्णुः g) जनोः इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. श्रापशु.) । h) निप. । वस. । छ,२,१,३ टि. इ. । ्j) < जवाला- इति संभाव्येत (तु. वैप ३) ।

जाबालेय⁸-पा, पाग ५,३,११०^b. १-२जामदग्न-, पन्य- √जम् द्र. जामलायन⁰- -नाः बौश्रीप्र ४:३. जामालि⁰- >°ल्यै (लि.ऐ) तिशायन-विरोहित-माण्डच्या(व्य-श्र) वट-मण्डु-वैद-रेतवाह-प्राचीनयोग्य--ग्यानाम् हिश्री २१,३,७.

जामातृ^d – पांड २,९५; –‡०तः ऋपा १,९०२; छुपा १, १६८; –ता विघ ८३,९७; बृदे ५,५७-५९; या ६,९∳; –तरम् श्राप्तियृ १, ७,१:१५; –तुः या ६,९.

जामि^d- पाउभो २,१,१६८; - ‡मयः श्राश्रीप,७,३२;शांश्री; श्रप ४८, ८२°, निघ २,५°; या ३, ४¹; - †मये वृदे१,५७;या३,६∳;-मि श्रापश्री ९,९,९;भाश्री; श्रप ४८, ७५‡8; निघ १,9२‡8; - † मि: शांश्रौ १४,५२,५; ७; श्रप ४८, ११५; निघ ४,१; या ३,६०\$; ४, २०; १०, १६; - मिम् श्रापश्रौ ३, १३,५^b; भाश्रौ २, ८,८;३,१२, ३; माश्रौ; -मिषु ऋपा ९, ४५+; -+मी श्रापश्री १२, ७, १०1; दाश्री १३,३, ३\$; हिश्रो ८, २,९१17; बौगृ ३, ११,४; -मीनाम् अत्र १६,८ ; -म्याः शांश्रो १२, २०,२‡; या ३,५; -मये कौस् ३४,१५;२०. जामि-करण- -णः निस् १,१३:९.

जामि-कल्प- -ल्पः लाश्रौ ९, ११,

जामि-क्लप्त- -साः क्षुस् २,६:१४.

94.

जामि-ता— -तायाः जुस् ३,११:३२.

†जामि-शंस^d— -सात् श्रापमं २,
१२,१०; श्राप्तिग्र २,१,४:
१०; हिए २,३,१०.
जाम्बव—, °बक— जम्बु— द्र.
जाम्बवता,न्त^k—ं(>°तक—
।,°न्तक—ं पा.) पाग ४,२,८०.
जाम्ब— जाङ्च— टि. द्र.

वैताश्रौ १२,८. जाम्भ- √जम् द्र. जायमान-, जाया- प्रमृ. √जन् द्र. जाय-, जायुक- √जि द्र.

जाम्बील^d-> °ल-स्कन्दन- -ने

जार^d- पावा ३, ३, २०; -० +र जैश्री ३: १५; द्राश्री १, ३, ३; ८; ४,७; लाश्रौ १,३, १; ४,४; -र: शांश्रौ १४, **५६, १**१†; श्रापश्रौ ८,६,२२; बौश्रौ ५,७: ६: ७; माश्री ८,८, ५; वैश्री ८, १२: ३; मागृ २, १८, २4; या ३, १६०; ५, २४‡; १०, २१+; -रम् श्रापश्रौ ८,६,२२; बौश्रौ ५,७ : ७; भाश्रौ ८,८,५; वैश्री ८, १२: २; हिश्री ५, २, ४६; कौसू ३६, ३५; -राः¹ श्रापश्री ८,६,२०; भाश्री ८, ८, ४; वैश्रौ; -रात् वैध ३, १२,२; ११; १३, ४; -रे लाश्री १, ३, ८: -रेण वाध २८, १; वैध ३, १३, १०; - + रेभ्यः भागृ १, १५: १२; हिगृ १,२४,५. जार-ग(भ्>)र्भा- -र्भाः नाशि २,

†जार-(हन् >)ध्री- -ध्री कौए १, १०, २: - ब्रीम् श्रापमं १, १०, ३; ६; शांग्र १,१६,४; पाग्र १, ११, ४; बौग् १, ६, १२; भाग्र १,१९: १५; हिगृ १,२४, ५. जार-भर- पाग ३,१,१३४. जार-स्त्री-(> जारस्त्रैणेय- पा.) पाग ४, १,१२६m. जारिणी- -णी या १२,७ . जारो(र-उ)त्पन्न- -न्नः वैध३,१३,२. जारतिनेय- जरतिन्- द्र. जारतेय- जरति- इ. जारत्कारच− √जॄ (वयोहनौ) द्र. जारयन्ति - √जृ द्र. ? †जारयायि विष ४,३; या ६,१५. जारी- √जृ (वयोहानौ) द्र. जाल^{d'n}- पा ३, १,१४०;३,१२४; पाग २,४,३१;४,४,१०;१२;५, ४,१३८; -लम् काश्री ७,४, ७; काठश्रौ; या ६, ५; १२; २७ई; -लानि कौस् १६, १६; -लेन

श्रापश्री १६,२५, २; वैश्री १८, १७: ५१; हिश्री ११, ७, ४२; पाग्र १,१६,२४; श्रापग्र १८,१; श्रप ६३,२,६. जाल-नद्ध - -द्धाः ऋग्र २,८,६७. जाल-पाद - पाग ५,४,१३८; -दान् शंध ४२६°.

जाल-स्था (स्थ-ग्र) के-मरीचि— गत- -तम् विध ४,१. जाल-हस्त^p- -स्तेन ग्रप १,२९,४. जाला(ल-ग्र)ध्यास^q- -सः वाधूश्री ४,९८: २०.

a)= श्रायुधजीविसंघ-विशेष-। ब्यु. ?। b) तु. पाका.। ज्याबाणेय- इति भाएडा.। c)= श्रिष-। ब्यु. ?। d) वैप १ द्र.। e)= श्रक्णिल-। f) पामे. वैप १,१३६६ i द्र.। g)= उदकः। h) पामे. वैप १,९३९० j द्र.। i) पामे. वैप १,९३६६ j द्र.। j) °मीनम् इति पाठः ? यिन. शोधः h) पामे. वैप १,९३९० j द्र.। i) पामे. j0 प्रमे. १ ८४९० j0 प्रमेनम् इति पाठः ? यिन. शोधः i1 पामे. i2 ८४९० i3 पामम.। i3 पाप्ता.। i4 पाप्ता.। i5 पाप्ता.। i7 पाप्ता. i8 पाप्ता.। i9 = श्रन्वाख्यान-विशेष-। (धातने)। i9 पाप्ता. i9 पाप्ता.

6,99.

जालिक- पा ४,४,१०; १२. जालकीटं- पा, पाग ४,२,११०. जालडी- जलडा- द्र. जालंघर-> (२जालंबरायण-) जलंघर- टि. इ. १जालंघरायण- ॰णक-, ॰धरि-जलंधर- द्र. जाल-पद- (> ॰पदी-) जानपदी-टि. इ. जालमानि -(>॰नीय-पा.) पाग ५, ₹.994. जालहद- १जल- द. जालागत^b- -ताः बौश्रीप्र ४७ : १. जालिक्य- जितक- इ. जालम°- पाउभो २, २, २४७; -हम: वाश्री १.६.५.१० +. क्जाल्मी- -०लिम वाश्री ३, २, ५, ३२; दाश्री ११, ३, १०; लाश्री 8,3,99. शजाल्मि− श्रव १,३१,८. जावन्य- √ज इ. †जाष्कमद°- -दाः श्रप १, ३६, ५; श्रप्रा ३,४,१. जास्पत्य- √जन् द्र. जाहवाण- √हष् द्र. √िज पाधा. भ्वा. पर. जये, श्रमि-भने; चुरा. उभ. भाषार्थे, जयित आश्री ९, ९, ८; काश्री; या ९, १४ +; पा ४, ४, २; जयन्ति आपश्री ५, २०, २××; हिश्री: जयथ या ५, २६; †जयामि आश्री २, २,४°; ११, ८२1; शांश्री; जयामः या १०, १५: †जयामिस वाश्री १, ५, २, ५; श्रापमं २, १८, ४७; या १०,१५: क्जयाति बौध्रौ १३. २८: १६; १७; वैताश्री; जयात् वाधुश्री ४, ९४ : ८; ९४ ? : ९; ९४ : ८:९४ : ९: जयाथ या ५, २६; †जयतु श्राश्रौ ८,१४,४३; बौधी ६, ३० : २४; गोग ३,४, ३१; या ९,१२; जयताम् त्रापश्रौ १६,२६,9‡; †जय,>या वाश्रौ १,३,४,५; ३, ३,२,५५; माश्रौ; †जयत, > ता श्राश्री ५, ७. ३²⁸; ९, ९, ८^b; शांश्री १६, १७, ६^६; बौश्रौ; †जयानि⁶ शांश्री २, ६, ७; श्रापश्री ६, १, ८; भाश्री; अजयत् शांश्री १४, ४३-४८, १; बौश्री; या १, १५ ; अजयन् वौश्रौ १४,१६: १३ ; वाध्रश्री; एंअजयः श्राश्री ५, १९,४ ; श्रापश्री ५,९,११); माश्री १, ५, २, १५1; वाश्री; जयेत् बौध्रौ १८, ४९: ५; वाश्री १, ४,४, १७; हिध २,५, १७८ कः श्रश्रः जयरन् बौध २, २,४८; जयेवहि बृदे ५, १ २६; क्जयम काश्री २,१,३; श्रापश्री; वैताश्री २७, ९º: या ५, २: 9,90%. जेत माथी १,५,५,१३ . †जिगाय श्राश्री २,२,४; शांश्री; †जिग्यथुः श्रापश्री २२, १६, ४: बौश्री: जेप्यन्ति बौश्री १८,४६: १६: †जेप्यसि बौश्रौ १५,२७: २:८; वाध्रश्री ३, ८८ : ३; २०: +जेज्यामः काश्रौ १२, २, ८: बौध्रौ; जेवथ शांध्रौ ७,६,३२+8; क्तेषम् श्रापश्री १८, ४,८; १७. ५1: बीधी ३, १८: २३××: १२k,१२: ९:१३:२४: माश्री: हिश्री १३, ६, ४k; जेब्स बौश्री १,६:२१ † मजैत् आश्री ३. २. १०: शांश्री: अजियत् बौश्रो ११,८: १४ +; +अजेषीत श्रापश्री २२,१६,५; हिश्री १७. ६,३३; †अजै: पाश्री १,३,४, २; वैताश्री ४,२; भजेषी: वाश्री १,३,५,१६+;+अजैब्म कीस्४९. १९; अत्र १६,६; ऋप्रा१४,४४; अजयिष्यत् वाधूश्रौ ३,२२:१४. जीयते प्रमृ. √*जी द्र.

a)= श्रायुध जीविसं धिवरोष- । ब्यु. ? । b) ब्यप. । ब्यु ? । c) वैप १ द्र. । d) या ९,१७ ऋपा १४,४४ पा ३,२,६१; ६, १, ४८; ७, ३, ५७ परामृष्टः द्र. । e) सप्त. जयामि <> जयानि इति पामे. । f) पामे. वैप २,३खं. जयतु तैन्ना २, ४,६,१२² टि. द्र. । g) पामे. वैप २,३खं. जेषध शांना २८, ६ टि. द्र. । h) पामे. वैप १,१३६९ त द्र. । i) पामे. २,३खं. आः अजयत् ता १,५,९९ टि. द्र. । j) पामे. वैप १,१९० त द्र. । k) पामे. वैप १,१३६८ त ह । k) पामे. वैप १,१३६८ त । k) पामे. वैप १,१३६८ त । k) पामे. वैप १,१३६८ त । k) पामे. । k) तु. पामम. ।

जिग्युः बौश्रौ १८, ४६ : २० ‡;

१३; श्रामिगृ २,५,५: १;१० ई; मागृ १,१०,११; वागृ १४,१२; -चेषु बौश्रौ २३,७: १०; -चै: वाथी १,४,४,४४. जय-क- पा ४, २, ८०; ५, २, जय-काम- -मेन अप २,४,२. जय-घोष- -धैः श्रप २१,६,६. जय-ख- -खम् बौश्री १४,१६: १४: श्रामिष्ट २,५,५: १० . जय-प्रभृति- -तयः कागृ २५, २६: -ति श्रामिष्ट १, ७, ३: ३८; २, ४, ४१ ७××१8; बौगृ १, ६, १९; ११, १०××; मागः; -तिभिः कागृ २३,२;२८,४××; जय-शब्द- -ब्देन श्राप्तिगृ ३, 90,8: 4. जय-होम- -मम् श्राप्तिगृ २, ७, v: 7. जया(य-त्रा)दि- -दि त्रामिगृ १, २, २:४१; श्रापगः; -दीन् बौश्रौ २९,१२: ८. जया(य-श्र)भ्यातान- -नाः श्चापश्रौ १९, १७,१८; मागृ १, ११, १४; -नान् हिश्रौ २२, १, २९‡; पागृ; वैध २, २, ३b; -नानाम् वागृ २,७. जया(य-अ)र्थ- -र्थम् अप १, 0.4. जयार्थिन्- -थीं श्रप ६८, 8,2.

२६,४,३: -हाः श्राज्यो ६,१२. जये(य-ई)प्स- -प्सः अप ६९, 4,3. २जय,या°- -यःव ऋश्र २,१०,१८: शुत्र २, ३५४; -यम् शंघ ११६: ५४°; -या श्राज्यो ६, ८; १०¹; कप्र १, १, ११⁸; विध ९९,४; -याम् श्रामिगृ २, ५, ३ : २२ ‡; शंध ११६ : ३७; ब्राज्यो ६, १२¹; -यायाम् श्राज्यो ७,३1; - चाये मागृ १, 90,99; 2,93,4. जय-विजय¹- -याय श्रप ६६, ₹,२‡. जया(य-श्र)धिपर्ति- -तये ६६, ₹,२4. जयत्- - चयताम् वीश्री १८,४१ : १२: माश्री: या ९,२१; -यते श्रापश्रौ २०, ७, १६; २२,२१, ७: - चयन्तम् बौश्रौ १८, ५: १२: आमिष् २, ५, ३:२०; बौगृ ३,७,१६; उनिस् ४: ११. १ जयन्ती- -न्ती श्रापमं १, 94.44. २जयन- - नम् या ५,२६; - नात् या ९,२४.

२,८,९; भाग २, ८: १०; ९ ५: १०: हिंगू २,८,५: ८2. २जयन्ती- -न्त्याः बौश्रौ १८, 84:90. ३ जयन्ती1- -न्ती श्रप ५,२,१. जियन्- पा ३,२,१५७; -यी विध 6.36. जय्य- पा ६,१,८१. जाय- पाउ १.१. †जायुक"- -कम् श्रापश्री १६, ९, ८; माश्री ६,३,२७; वैश्री १८, v: 99. †जि [गि",]गीवस- -वांसः बौश्रौ ११, ९: ५; तैप्रा १६, १३; -वांसम् त्रापश्री ३,४,७; बौश्रौ १, १९: ६; माश्री ३, ४, ८; वाश्री १,३,५,१६; वैताश्री ४, २; -वान् अप्रा ३, ४, १; शैशि २९०: - खुषः बौश्रौ १३,२: १४\$; - युवाम् कीस् ४६,५४; -ग्युषे श्रापश्री १७, ८,७; वैश्री १९.4: 43. जिगीषत् - - पतः शांश्री १४, ४२, १६; -पन् शांत्री १४,४३,१३; ४४, १३;४५-४८,१३; माश्री ५, 9.5.90. जिगीषमाण- -णौ बौश्रौ १८,५०: ₹0. जिगीपु°- (>जैगीषव्य->ष्या-य(ण>)जी- पा.) पाग ४, 9.96; 904. जित,ता- - नतम् अप ३२, १, १५; अस १०, ६; १६, ८;९.

श्रापमं २, १८, १३; ३०; बौगृ जया(य-श्रा)वह,हा- -हा अप b) जयान्, अन्यातानान् इति C. । a) °याप्र° इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. बौग्, प्रमृ.)। f) = तिथि-विशेष-। e) = मरुद्-विशेष-। d) = ऋषि-विशेष- । c) बप्रा, । व्यु. ?। i) मलो. **क्स.** । i) पाउ. h) = । लक्ष्म्यादिसाहचर्यात्] देवी-विशेष-। g) = मातृदेवता-विशेष- । k) सपा. जयन्त<>जयन्तः इति पाभे. । l) = श्लोषधि-विशेष- । m) वैप १ इ. । विद्वाय व्यप.। n) बौश्रौ. तैप्रा. पाठः । o) व्यप. । CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

जयन्त्र – पाउ ३, १२८; - + ०न्त

ब्रापमं २, १८, १३k; भागृ २,

८-९: १०: -न्तः हिर् २, ८,

५+k; -=तम् श्रापगृ २०, ३;

भाग २,८:७; हिगृ २,८:४;

बौध २, ५, २२; - चन्ताय

पा ४, ४, २; –ता सु ७,१; –ते शांश्रौ २. ९, ७: -तौ बृदे ५, जित-काम-राग-द्वेष-लोभ-मत्सर- -रः शंध २४४. जित-वर- -सम् बौधौ १८, 89: 3. जित-स्थाना(न-ग्रा)सन- -नम् श्रप ३,१,१३. जित-स्थाना(न-श्रा)सन-हिमा-(म-म्रा)तप- -पः शंध २४४. जिता(त-ग्रक्ष>)श्री*- -श्री हिगृ १,१५,७. जिते(त-इ)न्द्रिय,या- -यः कीगृ 3.92,39; अप ४,६,६; ६९, ७, ५; बौध; -यम् श्रव ३, ३, ८: ४,६,३; ६९, ७, २; -यस्य वाध १०,१७; -याः वाध ६, २५; -यासु विध ९९,२२. जिति- -तिम् वाधूश्री ४, ३: ५; ६: १३: १४: - +स्यै शांध्री २, ६,७; काधौ १९,५,४; श्रापश्रौ. जिति-नामन् b- -मसु निस् ६, €:98. जिति-प्रवाद"- -दानि निसू ६, 8:90. जित्य°- पा ३,१,११७. जिल्बन्- पाउ ४,११४. जिस्वर- पा ३,२,१६३. जित्वा श्रापश्री १८,१७,८; २०, ५.१६; बौश्री.

जिब्ला- पा ३, २, १३९; -काबे

कौस् ४९,४ +; - + प्णुः वैताश्रौ

३७, १व; कीसू ९८, २३; या

१२, ३; - च्युम् शांधी ८,

१८,१; त्रापश्रौ ९,८,८; बौश्रौ १३,४३: १३; बीग १,६,१८; - • ब्लो विध ९८,९४; -ब्लो: श्रा ४६,३,४ ई. जतब्य- -ब्यानि या ९,१२. जतुम् अप २,१,२. १जेतृ- पाग ५,४,३८°; -ता शांश्रौ ८,२४,१‡; गौध १०, १९; बृदे २,३८; या १०,१०; १४,२८; १जैत्र- पा ५,४,३८. २जेत्र - ता ऋत्र २, १, ११; शुत्र २, ११६; साम्र १, ३४३; 349. †जेत्व8- -त्वानि गोगृ ३,४,३१; या ९,१२. १ + जेमन ह - -मानम् बौश्री ३,१८: १९: भाश्री ४,१४,८; माश्री १, ४,२,६; वाश्री १,१,३,५. २जेमन् ह- -मना, -मने या १३, जेज्यत्- - ज्यन् वाध्यो ३, ६९: १५;१६; - ज्यन्तः आपश्रौ १८, ४, १४ +; बौश्रौ ११, ७: २३; कीस् १५, १६; - च्यन्तम् श्रापश्री २, १३, १; बौश्री १, १५: १२; भाश्री २, १२, १०; वाश्री १, ३,४,५; हिश्री २, १, ११; वैताश्रौ २,१३. †जेब्यन्ती- -न्ती त्रापश्री ८, ८,२; वैश्री १६,२५ : २. २जैत्र8- -त्राय शांश्री १२,१६,१+; या ४,८; वागृ ५,१३ . जैत्री- -त्रीम् त्राश्री ४,१३, †जैत्रि प्रb- -याय श्रापश्री ६.

२०,२; हिश्रौ ६,६, २४; भाग 2,29:98. नंजेत्रय1- - ज्याय बौश्रौ १७... ४१: १४; श्रापमं २, ८, १:. श्रामिष्ट १, ३, ४ : ८; हिगृ १. 90, 4. १जिका- -का श्रप ३५,१,५. जिगत्न-, जिगनु-, जिगमिषु-, जिगांसत्- √गच्छ द्र. जि [गि,] गीवस्-, °षत्- °षमाण--√ जि **इ**. जिघांसत्- प्रभृ. √हन् द्र. जिघृक्षत् - √गृभ् द्र. जिघ− √घा द. जिजनिषमाण- √जन् द्र. जिजीविषु- √जीव् द्र. जिज्ञास- प्रमृ. √ज्ञा द्र. ?जिज्ञास्थि- पाग २,२,३१. जिज्यासत्- √ज्या द. जित-, प्रमृ. √जि द. जित्वL,त्वन्1]-(> जैत्वायनि- पा.)· पाग ४, २,८०. १जिन- पाउ ३,२. २जिन k-> °न-वचना(न-म्र) धीन- पाग २,१,४०°. जिनत्-, जिनाति- √ज्या द्र. àजिन्व्¹ पाधा. भ्वा. पर. श्रीराने,. जिन्वति हिश्री ११, ३, २४ ; अप ४८,३१^m; निघ २,१४ⁿ;४,. ३; अप्रा १, १, १५; जिन्वन्ति या ६,२२३; ७, २३३; जिन्बसि शांश्री १७, १३, १०; जिन्वथः ऋप्रा ४, ५३; जिन्वथ जैश्री १२: ५; श्रापमं २, ७, १५; ं जिन्वत् श्राश्री ६,२,११; जिन्व-

a) विष.। बस.। b) = जित्- । तु. अभि-जित्- प्रम्.। c) = हिल-। d) पाभे. वैप १ परि. प्रम्: टि. इ.। e) तु. पागम.। f) व्यप.। g) वैप १ इ.। h) पृ ६७६ q इ.। i) भावे ज्यम् प्र.। j) तु. भाण्डा.। k) = जिन-मुनि-। l) या ६,२२ परामृष्टः इ.। m) पाने वृक्तिः। n) गतौ वृक्तिः।

ताम् हिश्रौ ६, ३, २; जिन्वतु बौश्रौ २, ४:२५; जिन्वताम् श्रापश्री ५, १५, २४; बीश्री; वाश्री १, ४, ४, ४१°; जिन्व, >न्वा ग्राध्रौ १,७,८; शांध्रौ; श्रापश्रौ 3. 2, 99 2b; &, 92, 8 c; भाश्रौ ३, २, ४^{२०}; हिश्रौ ६, ३. २^{२०}; लाश्री ५, ११, ३१^d; वैताश्री ३३, २७°; जिन्वेथाम् हिथ्री ८, ७, १५; जिन्वतम् श्चापश्रौ १, १३, १ ; १२, २२, ६८: ८८: बौध्रौ ७, १३: १६१-१८र भाश्री; हिश्री १, ३, ३६1; ८, ७, १9^८; जिन्वत ग्रापश्री १६,१, ३; अजिन्वत् शांश्री ८,२५,9.

जिन्त्रिष्यामि बौश्रौ १८, ४५: १५.

जिन्वमान - नस्य वाश्री१,३,१,२४ †जिन्वर्^ष - न्वः वौश्रौ १३,३८: ६; श्रामिग्र २,५,११: १२.

√जिन्स् √जु॰च् टि. इ.
√जिम् √जम् टि. इ.
√जिप् पाधा. स्वा. पर. हिंसायाम्.
जिबि – √जृ (वयोहानौ) इ.
√जिप् पाधा. भ्वा. पर. सेचने.
जिप्णु – √जि इ.
जिहिरिपु – √ह इ.
जिहीति – न्तयः बौशीप्र ३: ७.
जिहीरिपु – प्रम्. √ह इ.

जिह्म,ह्मा^ह- पाउ १, १४१; पाग ३, १, १३^h; -ह्मः त्र्यापश्रौ १२, 99, ९; १३,१८,५; १६,९,५; हिंश्री २, ६, २४; ९, ४, ६९; – सम् शांश्री १,६,२‡; श्रापश्री २,९,४; १३,६१; माश्री ३,६,४; हिंश्री २,९,३१; या ८,१५७; – †सानाम् श्रापश्री १६, ७, ४; वैश्री १८, ५:२; हिंश्री ११,२,२; या ८,१५. जैह्मय – न्ययम् वीध २,२,७८; विंध ३८,३.

जिह्म-(1>)गा $^1-$ -गाः श्रप ५८ 3 , ३.७.

†जिह्य-सा¹— -सी 'श्रप १,४१,४; श्रशां ११,४.

√जिह्याय, पा ३, १, १३; जिह्या-येते वैताश्री १०,१७.

जिह्याय(त्>)न्ती- -न्त्यः या १,११‡.

जिह्या(ह्य-श्र)शिन्^k पाग ४, १, १२३¹.

जैह्याशिनेय- पा ४, १, १२३; ६,४,१७४.

जिह्न⁸ – -ह्नस्य माश्रौ २,३,२,३३^m † . जिह्नरतम् \sqrt{g} द

जिह्ना⁸— पाउ⁸ र, १५४; −†ह्नया श्राश्रो ६, १२, ३; शांश्रो; −ह्ना श्राश्रो २, ८, ३†; †शांश्रो; या ५, २६³ ∳; १४, ७; −†ह्नाः श्रापश्रो ५, १८, १××; बौश्रो; –ह्नाम् काश्रो ६,७, ६; बौश्रो; –ह्नायाः श्रापश्रो ७, २४, २; बौश्रो; –ह्नायाम् श्राप्र, १,४. जैह्न"- -हः सु १७,१.

जिह्ना(हा-ख)म- -मम् तैपा २, १८; शौच १, २२; २४; -मे बौधौ ३,२५: ५; वैश्रौ; -मेण तैप्रा २,३७;३८; खाशि २,८. जिह्नाम-करण^०- -णाः शुप्रा १, ७६

जिद्धाप्र-मध्य- -ध्येन तैप्रा २,

जिद्धामा(ग्र-त्र)धस्(ः)त्राशि २,७.

जिह्नाग्रीय->°य-फलित--तम् शैशि ३३२.

जिह्ना-च्छेद- -दः गौध १२, ४; -दम् आपध २,२७,१४^р.

जिह्ना-च्छेदन- -नम् हिध २, ५, २३३^०.

जिह्ना(ह्ना-श्रा)दी (दि-इ)न्द्रिय--याणि वैगृ २,१८:४.

जिह्ना(हा-ग्र)न्त- -न्ताभ्याम् ऋप्रा १४,२७.

जिह्ना-प्रथन- नम् ऋपा १४,२१. जिह्ना-प्र)भिमर्शन- नात् शंष ६२: गौध १,४४.

जिह्वा-मध्य -ध्यम् तैप्रा २,२२; -ध्येन तैप्रा २,३६; श्राशि २,५ जिह्वा-मध्या(ध्य-श्र)न्त--न्ताभ्याम् तैप्रा २,१७,४०.

जिह्ना-मूल- - रुम् अप ४७,१,२०; ऋप्रा; - रु शुप्रा १,६५; ऋत २,१,४; पश्चि १७; याशि २, ४९;९३; - रुन तैप्रा २,३५;

a) पामे. वैप २,३सं. जिन्वतम् तैब्रा ३,७,४, १६ टि. द्र. । b) पामे. वैप २,३सं. जिन्व तैब्रा ३,७, ५,७ टि. द्र. । c) सकृत् सप्र. माश्री १,६,१,४८ प्रीगामि इति पामे. । d) जिस्वा इति पाठः ? यिन. शोधः । e) पामे. वैप १,१३७४ ८ द्र. । f) पामे. वेप २,३सं. जिन्वत तैब्रा ३,७,४,१६ टि. द्र. । g) वैप १ द्र. । e) पामे. वेप २,३सं. जिन्वत तैब्रा ३,७,४,१६ टि. द्र. । g) वैप १ द्र. । e) पाम. । e) उप. e0 पाम. । e1) उप. e1) शिवा । उस. उप. e2,4सन् (वैतु. संस्कर्ता । अश्रां.) जिद्या-ग- । e3,4 १,१३७४ ० द्र. । e3,9३०४ ० द्र. । e4,9३०४ ० द्र. । e7) विप. । उस. । e7) परस्परं पामे. । e8,9३०४ ० द्र. । e8,9३०४ ० द्र. । e9) विप. । उस. । e9) परस्परं पामे. । e8,9३०४ ० द्र. । e9, विप. । उस. । e9) परस्परं पामे. । e9, परस्परं पामे. ।

आशि २,४. जिद्वामूछ-निम्रह- -हे ऋपा १४, जिह्नामूल-प्रयोज(न>)ना²--नाः नाशि १,८,९. जिह्नामूलीय- पा ४, ३, ६२; -यः अप ४७, १, १०; २०; शुप्रा ८,१९; शैशि २९; याशि २,१; त्राशि १, ९; -याः ऋप्रा १,४१; ग्रुपा ८, ३८; याशि २, १:९४; -यानाम् शौच १,२०. जिह्नामूलीय-नासिक- -के पाशि २१. जिह्नामूळीया(य-श्र)नुस्वार-नाः शप्रा १,८३. - जिह्वामुलीयो(य-उ)पध्मा-नीय- -याभ्याम् शुप्रा ४, १०५; -यौ शुप्रा ३,१२. जिह्नो(हा-उ)पात्र- •प्रेण श्राशि २, जिह्नय- -ह्नयः श्राशि १, ९; -ह्नयाः आशि १,१०: -ह्यानाम् आशि 2,8. **†जिह्नय-तालब्य-मूर्धन्य-दन्त्य-**-न्त्यानाम् आशि २,२.

वर्जम् पावा १,१,७४. जिह्नाम-प्रमृ. जिह्ना- द्र. √"जी;जीयते° श्रापश्री९,८,२; वाधूश्री ३,७९:१९; झप ३१,१,२; ३६,२४,१; जीयन्ते हिश्री १८, ४,३९१⁴; लाश्री १०,१७,७;

जिह्नाकात्य b-> व्य-हरितकाश्य-

जीयेत आपश्री ९, २०, ६; २२, ४, २६; जीयेरन् आपश्री २३, १३, ४; नौश्री १६, २९: १५; हिश्री १७,८,११.

जीन-, जीनवत् - √ज्या द्र.
जीमूत°- पाउ ३, ९१; पाग ६, ३,
१०८; -०त विघ १, ५५;
-†तस्य श्रापश्रौ २०, १६, ४;
बौश्रौ १५, २४: ७; वाश्रौ ३,
४,३, २८; हिश्रौ १४, ३, २७;
ऋश्र २, ६, ७५; खुदे ५, १२८;
बुश्र ३, ११४; -ताः श्रापश्रौ
१७, ५,३; वैश्रौ १९, ५: १९;
हिश्रौ १२, २, १७; चाश्र ४०:
५; श्रप्रा ३, ४, १‡; -†तेषु
श्रापश्रौ १७, ५,३³; वैश्रौ १९,
५:१८; १९; हिश्रौ १२, २,

श्जीमृतस्य¹ चात्र ४२ : ८. श्जीयान् वाय ५,९⁸. श्जीयाम् वाय १२,३⁸. जीर् √जृद्य.

-रः श्राश्रौ ८,९,२‡; -‡राः श्रप ४८,१०६; निघ २,९५. जीर-दानु - पाउन् २, २३; -‡नुः श्राश्रौ ३, १४, १०; श्रापश्रौ २, ३,१०^b; ८,१,४; ९, १३,९; बौश्रौ १,११:३,१५: १४; भाश्रौ ९,१६,३; बैश्रौ २०,

२८ : ३; बौग् ४,१,५; पावा ६,

9.६५; - क् आश्री १, ९,91;

जीर°- पांड २, २३; पांवा १, १, ४;

शांश्रौ १,१४,४¹. जीर्ण- प्रमृ. √जू (वयोहानौ) द्र. जीर्वर¹- -रः बौगृ ३,१०,६⁴. जीर्वि- पाउ ४,५४. जीर्छ¹- -ऌः गौघ २२,२८.

√जीव™ पाधा. भ्वा. पर. प्राणधार्णे... जीवति वाधुश्री ३, ४५:४:: लाश्री; पा ४, १, १६३; १६५:. ४,१२; ५,२,२१; पावा ४, १, १६३: जीवतः श्रापश्री १७,२६ १५; हिश्री; जीवन्ति गौषि १, ४,9; श्रप; जीवथ वृदे ६, १३७: जीवामि पागृ २, ६, २० + n; श्रामिगृ २,६,१: २६; जीवामहे बंदे ६,१३८: †जीवाति कागृ३१. २;मागृ १,११,१२°;या ४,२५°; जीवात् श्रापश्री १४, २९, १‡; श्रप्राय ६, ३ ई; या १४, २५; जीवतु कौष्ट १, ८, २३[‡], शांगृ १,१४,२‡°; बौपि; या ४, २५; †जीवातु श्रापमं १, ५,२; बौगृ १, ४,२६; वागृ १६, १०; +जीवन्तु श्रापश्रौ ९,१२,४;१४, २२, ३; भाश्री; †जीव श्रापमं २, २, ७××; श्राग्र; वाग्र १२,. ३º; जीवतात् आग्निग ३, १०.२ : ४ : +जीवाहि जैय. १, ८:३; १२:६; ८; १९; †जीवानि श्रापश्रौ १, ५, ५; भाश्री १, ५, १; हिथ्री २, ७,. ५: जीवेत् शांश्री १४, २२, २१; काश्रौ २२, ६, ५; १९; २५,

a) विष. । बस. । b) व्यप. । ब्यु. ? । c) वैष १,१२७५ g इ. । d) व्यन्ति इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. लाश्रौ.) । e) वैष १ इ. । f) पाठः ? जीम्त्र – > -तस्य इति शोधः (तु. ऋ ६, ७५, १) । g) सपा. शौ १९, २४,६ पै १५, ६,३ श्रापमं २, २,८ जीवन् इति पाभे. । h) पाभे. वैष १,१३७६ d इ. । i) पाभे. वैष १,१३७६ e इ. । j) = सपै-विशेष-। व्यु. ? । k) पाभे. पृ १९०७ O इ. । l) = हित-। व्यु. ? । m) पा ७,४,३ परामृष्टः इ. । n) सप्र. जीवामि <> जीव <> जीवेम इति पाभे. । o) पाभे. वैष १,१३७६ f इ. ।

७, २; काठश्री; जीवेयु: बौश्री १८, १३: १४; द्राश्री १, ३, २१: लाश्रौ १,३,१९; १जीवेतª श्रप्राय ६, ६, जीवेव श्रागृ १, ७, ६ +; +जीवेम श्रापश्री ५,१, ७^२: २,४; बौश्री; मागृ १, ९, जीव्यासम् ° कौस् २४, १३; जीवीत् अत्र १६, ७‡; अजी-विष्यत् वार्ध्श्रौ ३,७७ : ४. †जीवयत त्राश्रौ ६, ९, १^२; श्चापश्री १४,२०,८र; माश्री. जिजीविषेत् काश्री २२, ६,२०; लाश्री ८.८,४१. जिजीविषु- -षुः अप १, ९, २; विध ६९,१७; ७१,७६. जीव वाd- पाग ५, २,९७⁶; - ‡वः ब्रापऔ १,१२,१४^{1,8}; १४,२९, 9; -वम् माश्री १, ८, ३, ३^h; वाश्री: श्रापृ १,८,४1; कीपृ १,९, २1: शांगृ १,१५,२1; कौसू ७९, ३०1; - वाः श्राश्री २, ७, ७; ६, ९,१; श्रापश्री; माश्री १, १, ३, १८⁸; ६, ४,२१¹; - †वान् श्रापश्री १४, २९,१; श्रश्राय ६,

३; या ६, २००; भाशि ११७;

१२०; -वानाम् अत्र १२,२‡; -वाभिः देताश्री १, १९; कीसू ३.४:५८,७:९०,२२; - †वाम् श्चापमं १, १, ६; बौगृ १, ६, २६; ४, १, ११; - †वाय¹ श्राश्रौ २, ७, ७; शांश्री ४, ५, १; बौध्रौ ३, ११: १२; वैग्र ५, ३: २१; गोगृष्ठ, ३,१८; गौपि २, ४, १६; जैगृ २, २: १८; द्रापृ ३, ५,२४; -वे त्राश्री ३. १ं३,११५;- वेभ्यः दुत्राश्री २, ६,२०; २२; शांश्री ४, १६, ५; काश्री २१, ४, २४; श्रापश्री **९,१२,४; १३,२२,५; १४,२२,** ३: बौश्रौ ४, ११: १५; २७, २:२: भाश्री ३,१०,२; वैश्री २०, ७: १; २.५: ६; आपमं २,२२, २४; आगृ ४, ६, ९; कौगृ ५,८,५; श्राप्तिगृ ३, ७,२: १; बौपि १,१७: २२; हिपि ११: १०; कौस् ७२, १७; बुदे ७, ११; शुत्र ४, ५२; श्रद्य ८,१; -वेषु त्रापश्री १, १०, १२; बौश्रौ ३, ११:३; भाश्रौ १,८,७; माश्रौ ५,२,११, ३; हिश्रौ २,७,६२; शांगृ ५, ९, ४; भागृ १, २७: ५; गौपि २, ६, २१: जैपृ २, २: २६; कौसू ७०, १; ८९, १; अप ५८३, २, ₹\$. जीव-कोष(ग्>)णी - -ण्याम् कौसू २६,४३. †जीव-गृभ् - -गृभः या ३,१५; श्रुप्रा २,९. जीव-ब्राहम् माश्रौ ५,१,१,५१; पा ३,४,३६. जीव-घारय"- -स्यम् कीस् ७, श्जीवघात्यायाः° कौस् १८,५. जीव-चर्म-करण्ड- -ण्डै: शंध २३४. जीव-छत्र-पताका- > °ताकि-(न् >)नी- -नीम् अप ६८, 3.3. जीव-ज- -जम् विध ७९,९. जीव-जात- -तम् विध ६६,१०. जीव-जीवक^p- -कः विध ४४, PUF. जीव-तण्डुल^d- -लम् श्रापश्रौ १, ७,१२^र; ५,५,७; भाश्री १,७,७; ५,३, ९; ९, १८, ६; माश्री १, 9,2,4; 4,9,98; 4, 90; 4,

a) पाठः ? जीवयत इति शोधः । b) पाभे. पृ १११६ n द्र. । c) पाभे. पृ ५३६ f द्र. । d) वैप १ द्र. । e) तु. पाका. । बीज— इति भाण्डा. प्रमृ. । f) तु. C., BC. । g) पाभे. वैप १,१३७० p द्र. । h) पाभे. वैप १,१३०० k द्र. । i) पाभे. वैप १,१३०० k द्र. । j) पाभे. वैप १ पिर. अजीताः तै प, ७,३,४ टि. द्र. । k) = ऋग्-विशेष- [शौ १९,६९,१-४ (तु. B. LJAOS ११,३८०); वैतु. Garbe =उदक- इति)]। पाभे. वैप १,१३०० j द्र. । m) नाप. [जीवतः (सतः । चर्मैंकरेशे कृता-!) कोषवती- (।वस्तुधारणार्थविहितरिक्त-रिक्तयान्। = स्थाली-स्थानीया-)] । पतः उप. = [$\sqrt{3}$ क्ष् (निष्कर्षे [खनने, रेचने]>कर्मण) कोष- (=खात-, रिक्तथान-)> केथ-वन्ती— (=कोषवती-)>नेप्र. यितः (तु. ।शोधितः सन् । दारिलः = चर्माङ्का?ङ्गा स्था?स्था!लिका-इति; वैतु. B. तालपर्याऽप्रहणः ?)] । n) नाप. [सजीव (सर्वर्थ-पशु-।) वर्मन-] । पतः उप. < $\sqrt{3}$ हन् [शाच्छादने (हन्यते आच्छायतेऽनेन । तु. दारिल-केशवौ पूप.; वैतु. B. पूप. = जीवत- इति, सर्वे च ते उप. < $\sqrt{3}$ रन् (हिसायाप् दिति ?।)] । o) पाठः ? जीव-घात्य—वासस् -> न्साः (= अहताऽन्यवसनः संक्ष्ममात्रवसनः) इति शोधः । ° त्यवासाः > नेप्र. श्यायाः इति दिक् (वैतु. अन्येऽसंगतवदाः ?) । p) = पित्त-विशेष- । q) जीवं-जीवकः, जीवंजीविकः इति पाठान्तरौ । r) नाप. ।

२,५,२७; वाश्रौ १,२,३, ६; ४, १,७; हिथ्रौ २,७,१३; कौगृ ५, १,१०; मांग् २, २, ३; वैग् ४, ५: १३; गौपि १,५,१७. †जीव-दानु*- -नवः कागृ ४० १०; वाग् ४,८. *जीव-धन्य,न्या*- -न्यः श्राश्रौ २,१४, १२; आपश्रौ २०, २०, ९; हिश्री १४,४, ३८१^b; -न्याः ब्राध्रौ ५,१,१९. जीव-नाशम् पा ३,४,४३. जीव-पति^c- -त्यः श्रागृ १, 98.6. †जीव-प(नी>)वि°- -ितः कागृ २५,३१;३६; ३८. †जीव-प (ति>) त्री--त्री श्रापमं १,४,९; श्रागृ १,७,२२; आमिय १,५, २:५५; बौगृ १, ४,२२; भाग १, १४: ७; वागृ १४, १९+१ वं; हिए १, १९, ७; गोगृ २, ७, १२; जैगृ १, २०: २३; -त्न्याः आगृ १,७,२१. जीव-पितामह°- - हः बौश्रौ २४, 32: 3. जीव-पितृ^c- -ता श्रापश्रौ १, ९, ८; बौश्रौ २४, ३२: २; भाश्रौ १,८,१०; हिश्री २,७,३२; -तुः शांश्री ४,४,७°; बौश्रौ २४,३२: १º; भाश्री ५,२,९; हिश्री २,७, ३५°; ३,१, १६; श्राप्तिगृ ३,९, ३: ६; बौषि २,७,५. जीविपतृ-क- -कः काश्रौ

४, १, २३; वाग ११,३; -कम्

वागृ १५,१९; -कस्य काश्री ४,

जीव-पुत्र,त्रा^c- -त्रः कागृ २०, २; पागृ २,४,३; -त्रा कागृ २८, ४ : - त्रायाः श्रापगृ ६, ११. जीव-प्र(ज>)जा°- -जाः श्रागृ १,१४,८; -जायाः श्रागृ १, ७, 29. जीव-भर्त्(क>)का°- -कायाम् वैध ३,११,४. †जीव-भोजन°- -नः शांश्रौ १६, ३,३६; -नम् वैताश्रौ ३६, ₹0. जीव-मातृ⁰-> °तृक--कम् वागृ 24.95. जीव-मृत- -तानाम् आश्रौ २, ६,१९; -तेभ्यः श्राश्रौ ६, १२, १जीव-ल.ला"- पा ५, २, ९७; −ला श्रत्र १९, ३९‡; −‡लाः श्रापश्री ७, ९, ९; भाश्री ७, ७, ११: अप्राय ६,६: अअ १९,६९; -लाम् श्रश्र ८,२. २जीवल!- -ल: शुत्र १, १७६. +जीव-लोक- -कम् श्राग् ४, २, १८; श्राप्तिगृ ३,५,६: १५; ७, ४: १०; बौषि १,५: ३; २,४, १; श्रय १८, ३; -के याप्तिगृ ३, ८, २: १९; बौवि १, १५: २९: श्रप १,५०,१०\$. जीव-वत् -वन्ती श्रापश्री ८, १४, २३; २४; बौधौ २८, ३: ९; वेथ्रौ ९,७ : ४. जीव-व(त्स>)त्सा^c- -स्सायाः कागृ ५९,५; पागृ ३,९,६.

जीव-विषाण- -णे पागृ ३,७,२. आपगृ २३,६; भागृ २,२७:१२. जीव-शङ्ग- - इम् हिगृ १, १४, ३: -के हिए १,१४,२. जीव-संयोग- -गात् मीस् १०. 7.44. जीव-संचर- -रः कौसू ८३,२६. †जीव-स्8- -स् : श्रापमं १,१. ४º; बौगु १, १, २५; भागु १. १५: १२; हिए १, २०,२; गोगृ २,७,१२^h; जैगृ १,५:४;२१:९. जीव-स्वरी8- -री मागृ २, १८. ٦١. जीवा(व-श्रा)दान1- -नम् विध E4, 2. जीवा(व-ग्र)न्त- -न्तः श्राश्री २, €,96. जीवा(व-श्र)न्तर्हित- -ताय शांश्री ४, ४, ८: -ते काश्री ४, १, २३; -तेभ्यः आश्रौ २, ६, 29. जीवा(व-त्रा)वृत्ति- -त्तिः बृदे 19.64. जीवो(व-ऊ)र्णा- -र्णया मार १, १२,४; वागृ १६,११; -णीनाम् काश्री ९, २, १६; श्रापश्री १०, ९,६: भाश्री १०,६,७. २जीव - वम् ऋप्रा १७,५; निस् 2, 4:99. ३जीव- पाग ४,१,१२३¹; २, ८०; -वम् शंध ११६: ४८m. जैव- -वे विध ७८,५. जैवि- पा ४,२,८०. जैवेय- पा ४,१,१२३.

a) वैप १ द्र. । b) व्न्वः इति पाठः १ यनि. शोधः (तु. श्रापश्री.) । c) विप. । वस. । d) व्निः इति पाठः १ यनि. शोधः । e) सप्र. व्यपि॰<>विपि॰ इति पामे. । f) = वैप २, ३खं. द्र. । g) विप. । उस. । h) पामे. वैप १ वीरसूः ऋ १०, ८५,४४ टि. द्र. । i) व्यपेन इति वसं. १ । f) = प्रास्पप्रतिष्ठापन- । f) = प्रस्दो-विशेष-] द्वापर- । व्यु. १ । f) व्यप. । f0 = नक्षत्र- ।

श्रामिगृ ३, ८, जीवत् -वत् 9: २६१ª; बौषि १, १५: ५; -वतः शांश्री ४, १४, १; १५, १७, १; जैश्रीका; या ६,२७; -वता श्रामिगृ ३,१०,२:५; बौषि ३.९.३: - वताम् आपमं १,४, ८: पागृ: -वति वैश्रौ १०,११: २; शंध; पा ४,१,१६३; १६५; मीसू १०, २, ५८; -वते भागृ २.५:१३: -वतोः श्रापमं १,८, ५+; -वन् माश्री २,५,५,१८+; ब्रावमं २,२,८[‡], आप्तिगृ १,१, २ : ३४ +; काग ४१,०+b; बाग २.५.१२ +b; बौपि ३,७,४; भागृ १.६ : ३+b; हिए १, ४, ३+b; कीस् ८२,२१+;श्रप्रायः - +वन्तः श्राश्री २,७,७१°;श्रापश्री; श्रामिगृ ३,८,२:४४^d; कागुउ ४०:१; बौषि १, १५: ५१^d; कीस् ८९, १२; ऋप १८, १, ४; -वन्तम् काश्रौ ४,१,२७; श्रापथ्रौ.

जीवती- - †ती श्रामिष्ट १, ५,१:२६; भाग्ट १,१३:११; -त्याम् काग्रुड ३९:१.

१जीवन्ती - - नेन्तीः आपश्री १,१२,१४;भाश्रीः - न्तीम् माय १,१४,९; भाशि ७९; - नेन्त्याः शाश्री ४, १४,१४; आपमः - न्त्याम् कप्र ३,१,७.

जीवत्-पितामह[®] - - हः वाश्री १,२,३,२,२, - हस्य माश्री १, १.२.२१ जीवत्-पितृ"- -तु: माश्रौ १,१, २,२१; वाश्रौ १,२,३,२०.

जीवत्पितृ-क- -कः मागृ १, ९, ४.

जीवद्-आत्मन् ^६-- त्मानम् सु १८,५.

१८,५. जीवद्-वंश्य°- -श्यम् पाता ४, १,१६२; -श्यात् पावा ४,१, १६३.

जीवद्-व(त्स>)त्सा e - -त्सायाः विध् ८६,४.

जीवथ- पाउ ३,११३.

जीवन⁸ - नः या १, १४^b; -नम् श्रापमं १, ९, ९†; †भाग्य २, ३१: ६××; हिग्गः, -नाय शांश्री १६, १३, ४†; श्राग्यः, या १, १०†;१०,४०;१२,३६;३९. जीवन-कर्मन्° - -मणः या ११, ४७.

जीवन-क्षय- -यात् शंघ २७९. जीवन-वत् -वन्तौ शांश्रौ ३, १६,२४.

 $\sqrt{\text{जीवनस्य}^1} > \frac{1}{\sqrt{\text{जीवनस्य}}} - \frac{1}{\sqrt{2}}$ न्याय वीश्रौ १३, ३२ : ११; १३;१५.

जीवना(न-म्र)र्थ- -र्थम् बृदे ७, ११०.

जीवना(न-ग्रा)शा- -शा वाध ३०,९.

१जीवन्त¹⁷¹- पाउ ३,१२७. २जीवन्ती^k- -न्तीम् काय २५,४५; मायृ १,१४, ९; वायृ १५,२१; शौच ३, ६⁺¹. जैवन्तायन- पा ४,१,१०३. जैवन्ति- पा ४,१,९५. २जीवन्त[™]-,३जीवन्ती[™]-(>जैव-न्तायनि- पा.) पाग ४,२,८०; †जीवयत्- -यन् श्रप १,३९,३;

श्रशां ९,३. †जीवसे श्राश्रौ २, ५, १०; ३, ८, १;१२,१४; शांश्रौ; श्रापमं २,१, २[°]; मागृ १,२१, ३[°]; या १२,

३९; भाशि ४३. †जीवातु¹- पाउ १, ७८\$; —तवे बौश्री १३, ३२ : ११××; माश्री; या १०, ४००; —तुः बृदे ७, २९; —तुम् श्राश्री ६, १४,१६; शांश्री; या ११,११०; —त्वे श्रापश्री ४, ११, २९; ५, ११,५; बौश्री.

जीवातु-मत्- -मन्ती आश्री २, १०, २; १९, १६; हिश्री ५, ४,४७.

जी(वक >) विका - - † काः आश्रौ ६, ९, १; श्रापश्रौ; - काम् या ११, ११.

> जीविका√कृ पा ४,१,७९. जीविका(का-त्र)र्थ - स्थे पा ५, ३,९९; ६,२,७३.

जोवित— -तम् सु १२, २; कप्र; -तस्य बौध १, २,५; -ते श्रापध १,२३,३; हिध १,६,११. जीवित-परिमाण— -णे पावा ५, १,५८².

a) जीवम् इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. वौपि.)। b) सपा. ॰वन् (शौ १९, २४,६)<>॰वती इति पामे.। c) पाठः ? जीवयन्तः इति शोधः (तु. वैप १ पिरे. १ ज्योग्जीवन्तः Lकाठ ९,६])। d) पामे. वैप १ पिरे. जीवम् शौ १८,४,५१ टि. द्र.। e) विप.। वस.। f) पामे. पू १११८ ट द्र.। g) माप., नाप.। h) = इज्ज-रस- इति दु.। i) वैप १ द्र.। j) नाप., व्यप.। k) = तारा-विशेष-, श्रोपधि-विशेष- शौच.] शे। पामे. वैप १, १३७९ k द्र.। m) श्रर्थः व्यु. च ?। n) तु. पाका.। e0) पामे. वैप १ वर्चसा शौ ६, ६८,२ टि. द्र.।

जीवित-वत् -वन्ती माश्री ५, १,४,१६; ५, ४७; -वान् माश्रौ 4,9,4, 84; 88××; जीवित-विज्ञान- -नम् कौसू 24.93. जीविता(त-म्र)वभृथ- -धात् गोगृ १,३,१४. जैवातृक- पाउ १,७९%.

जीवति"- -तयः बौध्रौप्र ४१ : ७. १ जीवित अप ३७,१४,३. जीव्य(वी-श्र)लाका°- -काभ्याम् कौस् 38,36.

जीहरतम् √हृद. √जु, जू^d, जबते या ३, १८; जबति निघ २,9४ . जुनाः बौध्रौ ७,४ : ३ .

रजव°- पावा ३, ३, ५६; -वः काश्री १४,३, ८+; वैताश्री ३, १४; सु १०, ४; -वम् बौश्रौ ११,६ :२२ +; -वात् सु २५,२; -वानि श्रप १, ११,१‡; -वे वागृ २,१७, १६; वा ६,४,२८; -वेन शांश्री १६, १, १५; बौश्री ३,११: २२ +; हिश्री; -वेषु या 23,93+.

जवा(व-म्र)र्थ- -र्थान् अप १, 90,2.

जवी 🗸 भू > जवी-भाव--वानाम् या १४,७.

सु २५,२; श्रप्राय ६,९ . जवीयसी- -सी सु २५,१. रजवन!- पा ३, २,१५०; पाग ३, 9,9388; 4,9,923. जावम्य- पा ५,१,१२३. जवन-काम- -मः शांगृ १,२७, ४b; -मस्यb कीए १, १९,४; पागृ १,१९,९.

जवमान->जवमान-रोहिन्- -हि या ६,१७.

जू - पाउ २,५७; पा ३,२, १७७; पावा ३,२, १७८; चुवः शांश्री १०, ७,३; 宋羽 ३, १९; 十项; काश्री ७,६,७; श्रापश्री.

१जूति8- पा ३, ३, ९७; - †तिः लाश्री ४,१२,१1; श्रप; या १०, २८8;-तिम् माश्री ६,१,७,२८; वाश्री २,१,७,११.

१जुगुः श्रप ४८,११६ . जुगुप्सा- प्रमृ. √गुप् इ.

√जुङ्ग् पाधा. भ्वा. पर. वर्जने > जुङ्गित->°तो(त-उ)पग(त>) ता- -ता वाध २१,१०.

जुर्जुर्वस्- √जृ (वयोहानौ) द्र. जुजुषाण- √जुष् द्र.

√जुञ्च्¹ पाधा. चुरा. पर. भाषार्थे.

√जुद् पाधा. तुदा. पर. बन्धने._ √जुड् पाधा. तुदा^k. पर. गतौ; चुरा.

उभ. प्रेरणे. जवीयस्--यः सु २५,३; -यान् । √जुत् पाधा. भ्वा. श्वात्म. भासने. √जुन् √जुड् टि. इ.

चंज्रम्बक"- -काय काश्री २०,८,९६: श्रापश्री २९,२२,६; बौश्री १५. ३७ : ३; २६, ११ : १६; वाधूऔ ३,९९ : ५; हिश्री १४,५, ४१1; वैगृ ६,८ : ४; शुष्र ३,४७.

√जूष पाधा. तुदा. श्रात्म. प्रीतिसेव-नयोः चरा. पर. परितर्कणे, जोष>षा ऋप्रा ७, ३३ ई. +जुजोषति शांश्री १८, १५, ५; श्रापमं १,१,१; बौगृ १,१,१४; जुजोषत् पावा ७,३,८७.

†जुषते श्रप ४८,३; निघ २,६; जुपन्ते कौसू ७३,१८ ; बौध १, ५,६२;६,१;बृदे; †जुषे^ळ श्रापश्रौ ७.२.२: बौश्री; +जुषताम् श्राश्रौ १,६,4;२,4,98; ३,8,94××; शांश्री; श्रापश्री २२,१९,१"; हिग्र १,८,४⁰; †जुपेताम् माश्री ५, १,३,२७; वाश्री १.४,४,४११р; भाशि; †जुपन्ताम् आश्रौ १,७, ७; ३,९, ३⁰; शांश्रौ; †जुपस्व श्राश्री १,७,८; २,२,१७ ; १४, ३9; ३, २, ६; ४, 98××; शांश्री; श्रापश्री ६, ५, ७¹; †जुषेथाम् श्राधौ २, २०, ४; शांश्री; श्रापश्री १४, ३०; २६; †जुपध्वम् शांश्री ४, १९, ४; आपथी; 🕇 अजुषत आश्री १,९, १;५; शांश्री१,१४,६××; बीश्री;

a) वैप १ द्र. । b) = ऋषि-विशेष- । ब्यु. ? । c) स्त्रोषधि-विशेषयोः द्वस. । d) गतौ वेगे च वृत्तिः (तु. पासि. प्रमृ. ३,२,१५०) । या ५,१;६,४;८,९ परामृष्टः द्र. । e) वैप १ निर्दिष्टयोः समावेशः द्र. । f) भावे कर्तरि च इत्। g) तु. पागम.। h) परस्परं पाभे.। i) पाभे. वैप १,१३८१ n द्र.। j) √िजन्व् इत्यपि BPG.। l) व्यतु॰ इति पाठः ? यनि. शोधः। एतदनु वैप १, १३८१ p शोधार्हः। m) पाभे. वैप k) √जन इत्येके। o) पामे. वैप १,७०९ f इ. 1 १,१३८२ e द. । n) पाभे. वैप २, ३ खं. जुहुता तां २१, १०, ११ टि. द्र.। p) जुषेतः इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. प्रकरणम् , सप्र. तै ३,५,१,२ जुपेथाम् इति पार्भे च) । q) पाभे. वैप १, s) तु. श्रान. । BI. पाठः ? । r) पामे. वैप १ मिति "गृभाय शौ ३, १०,६ टि. इ.। 9362 k a. 1 s) पामे. वैप १,६२२ a इ. ।

अजुषत् त्रापश्री १९,२५,१३†; †अजुषेताम् शांश्री १,१४,९; ११; १२; †अजुपन्त त्राश्री १,९,५; शांश्री १,१४,१४; आपश्री; अजुपन् ऋप्रा १४, ५८†.

जुजोष वीश्री ३, ३ : ४ †; †जोषिषत् श्रापश्री १६, ७, ४; विश्री १८,५ : १ ़ हिश्री ११, २,२; †जोषि वीश्री १६,५ :

जोपयते श्रापश्री ७,१,१९; वौश्री ६,१: १० × ×; माश्री; जोपयतः बौश्री २६, १०: ८; जोपयन्ते काश्री ७, १, १०; जोपयंत्र वौश्री ६, १२: १८; जोपयंत गोगृ ४, ७, १; जोपयंत्र वौश्री २०, २७: ४; श्राप्तिगृ ३, ४,१: १३ × ×: वौपि.

जोषियप्यन्ते शांश्री ३,८,२२. जुजुपाण— -णासः या ६, १६†ई. †जुपमाण— -णः श्रापश्री ५, १३, ४; बौश्री, –णाः श्रापश्री ८,१५,

** जुपाण,णा— -णः श्राश्री १, ५, २९; २, १०, १४ ० × १; शांश्री; आपश्री १३, १९, १० ०; पा ६, १, ११८; —णा श्राश्री २, ४,३ ० × १; साश्री; —णाः श्राश्री २, ४,३ ० × १; साश्री; —णाः श्राश्री १,५,२ ४; ८,७, ४; शांश्री; या १२, ४२; —णानि शांश्री ६,३,८; —णे कीस् २२,४; —णी शांश्री १,८,७. जुपाण-या(ज्या) उय — -ज्यो

हिश्री २१,२,४६?0. पंजह, हो - - र: आश्री २, ११, ९××; शांश्री; -एम् शांश्री ४, १७, ७××; श्रापश्री; -ष्टा बौश्रौ 3, 96: 34; 6, 97:5; -ष्टाः बौश्रौ ६, २७:२२; श्रापमं; -ष्टात् श्रापश्रौ ४,१२, ६: -ष्टान् बौश्रौ ७, ३: १८; माश्री; -प्टाम् शांश्री १, ४,५\$; श्रापश्री २,२,६××; बौश्रौ;-\$हे बौधौ २,१२: २१××; शांध्री; - • हे हिश्री ६,३,२; लाश्री ३, £.32. †जुष्ट-तम- -मम् काश्रौ ९, ८, १५; बौथ्रौ १,४ : ३०; ५:१०; -मात् हिथ्रौ ६,३,१४. जुष्ट-त(र>)रा- -रा श्रापश्रौ

जुष्ट-त(२०)ता- रत आर्था ४, १२,६‡. जुष्ट-व(त् ्र)ती- -ती आश्री २,१४,२०. जुष्टा√कु>जुष्टा-कार->°का-

जुष्टा √ कु > जुष्टा-कार- > का-रा (र-आ) दि—संवापनान्त--न्तम् वैग्र ५,१४ : ८. जुष्टा(ष्ट-श्र)पित- -ते पा ६, १,

†जिप्टि - प्टयः बीश्री ६, २०: २२; श्रापमं; - प्टिः बीश्री ३, १८: २५; वैश्री ७,१: १३; - प्टिम् शांश्री १,१२,५; बीश्री ३,१८: २६; भाश्री.

209.

जुल्य- पा ३,१,१०९. †जोप- -पम् बौश्रौ १, १९: ३४; माश्रौ १,३,४,२६; बाधश्रौ: पाग १,१,३७\$. †जोष-वाक⁸ - -कस् श्रप ४८, ११५; निघ ४,२; ५,२२. जोषण- -णेन वाश्रौ ३,२,६,५. जोषणा(ए-आ)दि - -दि माश्रौ ५,२,१२,३.

जोषणा- > जोषणा-श्रुति- -तेः काश्रौ ५,१२,७. जोषयमाण- -णाः या ६,१६.

जोषियतन्य- -न्यम् या ५,२१. जोषिय(तृ≫)ग्री- -न्यौ या ९, ४१;४२.

जोषियत्वा हिपि १०: ६;२३: ८. †जोब्टू ^b- -ष्ट्रम् माग्र १, ४, २^९; वाग्र ८,२.

१जोप्ट्री- -प्ट्रीम कागृ ९, २१¹; मागृ १,४,२³; वागृ ८,२.

†२जो(प्टृ>)ष्ट्री- -ष्ट्रीम् आश्रौ २, १६, १२; शांश्रौ; बृदे **१.** ११४\$.

जुहवां√क √हु(दाना°) द्र. जुहुराण- √हृ द्र. जुहुरे श्रप ४८,११५‡.

१जुहू¹– हू : ऋग्र २, १०, १०९; बृदे २,८२; ३,५८; ८,३६.

२जुहु^ड- पाउ २, ६०; पावा ३, २, १७८; - ‡०डु आपश्री २, १३, २;४,७,२; वौश्री; - हू हिश्री ४, २,२७; - हू: आश्री १, ३,६‡; आश्री १,४, २१‡; ३, १९, ५; काश्री; - हूम शांशी ४, ९, ५; १४,१८; काश्री २, १०, ९××; आपश्री; हिश्री २, ६, ५४⁸; - ‡ह्व: शांश्री २,२,१७; आपश्री;

a) ज्योतिपत् इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. श्रापश्रौ.) । b) पाभे. वैप १,१३८४ i द्र. । c) पाभे. वैप १,९३८५ b द्र. । d) विप. । वस. । e) जुपाणा या॰ इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. श्राश्रौ १,५,२९) । f) वैप १ निर्दिष्टानां समावेशः द्र. । g) वैप १ द्र. । h) भाप. । i) जुशीयम् इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. माग्र. वाग्र.) । j) ज्यप. । eयु. ? । e0 जुहु॰ इति पाठः ? यनि. शोधः ।

१,८,४४××; श्रापश्रौ; या १२, | √जू,जू- √जु द. ३६ क: -ह्नाः श्रापश्रौ २,१०,२; माश्री; -ह्वाम् काश्री २, ७, ९××; श्रापश्रौ; -ह्ने वाश्रौ १,६, २,१११ ; -ह्यी बीश्री ५,६:६. जीहवb- -वम् मीस् ४,१,४३; -वस्य श्रापश्रौ ११, ३, ११; मीसू ४, १, ४७; -वानि काथौ €,0,€.

जुह-दर्शन--नात् काश्री६,१०,१८. जुह्र(हू-उ)पमृत् - नृतः भाश्रौ ७, २२,३; -मृताम् वैश्रौ १०,२१: १४; -मृतोः काश्रौ ६, ८, ८; ब्रापश्रौ ७,२३,११;१२; काठश्रौ; -भृती काश्री ३, १, १६; ५, १७; श्रापश्रौ.

जुह्र(हू-उ)पभृद्-ध्रवा- -वाः शुत्र 2,900.

जुह-प्रतिषेध- -धात् मीस् ४, १,

जुहु-वत् काश्री २,७,१५; श्रापश्री ३,१६,१६××; वैश्रौ. जुहूवद्-आया(म>) मा°-

-मा वैश्रौ ११,८: १. जुहू-षट्कपाल⁰- -ली श्रानधी ८, 94.3.

जुद्ध(हू-श्र)प्र- -प्रे काश्री ६,४,१०. जुह्ना(हू-ग्रा)दि- -दीनाम् वैश्री ११,

७: १: मीसू ६,६,३३. †जुह्वा(हू-श्रा)स्य^e- -स्यः कौस्

१०८,२; अप्राय २,७.

जुह्नत्-,°ह्नान- √हु (दाना°) द्र.

जुटा- वाउमो २,२,९५. १जूति- √ज द. २जूति¹- -तिः ऋश्र २,१०,१३६. √ज्र पाधा. दिवा. आत्म. हिंसा-वयोहान्योः.

१जार्णि°- पाउ ४, ४८; -+कि: अप ४८, १०६; निघ २, १३; १५; ४,३; या ६,४०.

२जू (र्णि>)णींँ - -०र्णि श्रय २, 28.

√ज्य पाघा. भ्वा. पर. हिंसायाम्. जूय- पाउना ४,८१.

√जुम्भ् पाधा. भ्या. आत्म. गात्र-विनामे.

जम्भ- पाग २, ४,३१. ज़म्भ(ग>)णीb- -णी वौगृ २,

ज़म्भमा(ग्>)णा- -णाम् वैध ३,

जिम्मत्वा श्रापृ ३,६,७.

√ज¹ पाधा. दिवा. ऋया. पर.; चुरा. उम. वयोहानी, जीर्यते विध १३, ५; जीर्यति बौश्रौ ३,८: १५²××: जीर्यनित वाध्रश्रौ ४, १०: १; वाध ३०,९ रे. जूर्यन्ति अप्राय ६,९ .

जरयसि पागृ ३,३,५41. जर^k- पाग ३, १, १३४1; -रायं श्रामिष्ट १,२,२: २४^m; या ४,

30年. जरठ- पाउत्र १, १००; -ठम् काश् 19.0.

जरण- -णम् वाधूश्रौ ४,१०२ : २ जरत्n- पा ३,२,१०४; -रत् अप्रा २, ४, १५ ; -रन् शांश्री १२ १५,१‡; -रन्तः कीस ८,१७. जस्ती- पाग ४, १, १२६; -तीम् आमिए ३, ५, ३: १: बौपि १, ३: १; हिपि ४: ४: कौस् ७१,५ .

> २जारतिनेय- पा ४, १, 934.

जरच्-छत्र- -त्रम् कौस् १८, १०. जरत्-कदुरथ- -थः बीश्री १८. २4: 4;9.

जरत्-कर्ण- -र्णः ऋत्र २,१०,७६ ? जरत्-कार-सून्°- -नोः अप १,३८,२+; श्रशां ८,२.

?जरत्-कारु°- (>जारत्कारव-पा.) पाग ४, १,११२.

जरत्-कोश-बिल^p- -ले बौश्रौ 4.98: 3.

जरत्-कोष्ट- -ष्टात् कौसू १८, १३; - हे कौसू ७१, ९.

जरत-खात- -ते कीसू २७,३. °जरत्-पर्वन् - - र्वस् शौच ४, 43.

जरत्-पू(र्व>)र्वाव- -र्वया वीश्रौ १५, ५ : ८ ; २६, १० : १२; -र्वा बौश्रौ १५,१: १६; वाधूश्रौ 3, 59: 39.

जरत्-प्रयोग्यंs- -ग्याभ्याम् बीध्री १८,२५ : ७;९.

a) पाठः ? ॰ ह्वी इति शोधः । b) तस्येदमीयः अण् प्र. । c) विप. । वस. । d) उप. = । पर्कपाल-संस्कृत-| पुरोडाश-। e) वैप १ द्र.। f) व्यप.। व्यु. १। g) वेप १,१३८७ d द्र.। h) = मातृ-विशेष-। धा. ऋर्थः i। i) पा ३,१,५८;६,४,१२४ परामृष्टः इ.। j) पामे. वैप १, १३८७ h इ.। k) भावे कर्तरि n) वैप १ निर्दिष्टानामेकत्र समावशः द.। च कृत्। l) तु. पाका. । रज- इति भागडा. । m) व्यप. । o) पूप. व्यप. । व्यु. ? । p)= जीर्ण-मञ्जूपा- । q)= बन्धन-रज्जु- । व्यु. ? । r) सपा. त्र्यापश्रौ २०,३,९ वेशमा इति पामे. । ऽ) कम. उप. = प्रयुग्य- [बलीवर्द-]।

जरत्-संव्याय°- -यः शांश्रौ २. 4.20.

जरद-अइव- -इवः वाधुश्री ३, ६९: ३७; - इत्रम् वाध्यौ ३, 64: 3.

‡जरद-अष्ट- -ष्टयः श्रापृ १, ७.१९; कीय १.८,१८; शांय १, १३, ४; पागृ १, ६, ३; -ष्टिः बौश्री १३,३२: १८, ९: ३२; श्रापमं १,३,३; २,१,३^b; ४, २; श्रागृ १, १७, १०^b; कीयः पाय २,१,११b; माय १, ₹9. €0.

जरदु-उपानह- -नहा कौस् ८४, ९: -नहीं श्रापश्रौ १८, २२,२; कौस १८,१०.

जरदु-दास- -सः श्रागृ ४,२,१८. -श्जरमाण-> °ण-रोहिन्- -हि या €,90.

जरियतृ - ता या ३, १६;५, २४; 80,29.

-जरस्°- पा ७,२,१०१; पागवा ५, ४, १०७; - †रसः श्राप्तिगृ ३, ५, ६: ३; बौषि १, ४: २०; हिपि: - एसम् श्रापश्री १४,१६, १; माधौ २,५,४,२०व; वाध्श्रौ; श्चापमं २,२,१^d,४,३; श्रागः; कागः ४१, ७३६; बौग २, ५,९व; भाग १,५:९^d; हिग्र १,३,५^d; -रसा बौश्रौ १७, ४०: ११; वाधूश्रौ; श्राप्तिगृ १, ५,१: २०^{‡1}; कागृ २५, ४ = 1; बौग २, ५, १ १ = 1; हिए १,४, २ ई जिए १, २० : । १५+1; या ११,३८+\$;-+रसे श्रापमं २, २,१;५ ××; पागृ १. ४,१३1; श्रामिय: मार्ग १,१०, ¿;२२.३.

जरसान- पाउ २,८६.

१जरा°- -रया श्रामिय ३, ५, १: 9; बौषि; या १०, ३९^२; ११, ३८: -रा श्रापश्री १३, ३,३+; बीश्री; - राम् आश्री २,९,१०; श्रापश्री; -रायाः पा ७,२,१०१; पागवा ५, ४, १०७; -रायाम् बौश्री २,५: ७ +: -राये जैग् १,८: ९; अश्र ३,११ . जरा-मरण-क्षुत्-पिपासा-शोक-क्रोध-लोभ-मोह-भय-मत्सर-हर्प-विषादे(द-ई)र्ष्या(र्घ्या-श्र)सुया-(या-श्रा)त्मक- -कैः या १४,७. जरा-मर्वेष- -येम् अप्राय ३,६; वाध १९,२. जरा-मृत्यु- पाग ६,२,३७. १जरिताम् h मागृ १, १३, 964. +जिर्मन्°- -०मन् कौस् ५४, १३: -मा वैताश्री ३६, १९; श्रामिगृ^{e'1} १, १, २ : ४५; ४७; ४९; हिग् १, ४, ८१०1; जैगृ^{०, ४} १, १२:६; ८; १०; ऋषं ३: २६; अप्रा ३, ४, १; -माणम् श्रप्राय ६,९; श्रश्र २,२८२. जरिमा(म-श्रा)युर्-दैवत- -तम्

जरित्वा पा ७,२,५५.

क्तरिव्यु- -व्यु¹ श्रापमं २, २,११; त्रामिए १,१,२:४१; बौए २, ५, १६; भाग १, ६ : १२; हिन् १, ४,६; -ब्युः पाय २,२,१९1.

जरीत्वा- पा ७, २,५५. जर्जर- पाउन ३,१३१.

जर्जर-ग्रह- -हाः श्रप ५२. 93,9.

जा(रि>)री°- -री वाधूश्री ४, १०२ : १७; - वें बौश्री १४, ७ : २४; २६,७ : २१; वाध्रश्रौ 8,907:94.

जि[,जी"]वि°- पाउ ५,४९; पावा ८,२,७८; - वयः या ३, २१ +; - †बी आपमं १,९,४"; जैगृ १. 22:4.

जीर्ण,र्णा- पा ३,४,७२; पाग ५,४, ३; -र्णः श्रापश्रौ ३, १४, १३; वैश्री ३, १:३; या ३, १८; -र्णम् आपश्री१९,१७,३; हिश्री; -र्णस्य बीश्री २९,५: २०; -र्णा श्रप ३७,१७, १; - मर्णाः बीश्री १६,९ : २; या ३,२१; -णीन गौध १०, ५८; - मर्णाम् बौश्रौ २७. ७ : ६; त्रप; बौशु ७ : २: या १४, ३३+; -णीय शांश्री १४,१२, २; -र्णे श्रापश्री १९. १७,१; बौश्री.

जीर्ण-क- पा ५,४,३. बीर्ण-पर्णा(र्ण-आ)हार-आप्रिय ३,७,१०: ९.

b) पामे. वैप १, १३८८ d इ. । सपा. शौ ६, ६८,३ a) कस. उप. कर्गो घनन्तम् = पट-। विशिष्टः पामे. । c) वैप १ द्र. । d) पामे. वैप १,१३८८ m द्र. । e) पामे. वैप १,९३८८ p द्र. । f) पामे. वैप १,१३८८ ०र.। g) वैप २, ३खं. इ.। h) पाठः ? जरताम् इति संस्कर्तुः टि. ?। i) जरिमाणे यो इति पाठः शजिरम्णे नयेत् इति शोधः [तु. j टि.]। j) पाठः ? जिरम्णे नयेत् इति Böht [ZDMG पर, 49] शोधः । l) पामे. पृ १०६६ d इ. । m) श्रापमं, जैयू, पाठः b .k) पाठ: ? जिरम्णे इति शोधः (तु. j टि.)।

श्रश्र २.२८.

n) पामे. वैप १,१३८९ k इ. । CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

जीर्ण-मलवद्-वासस्- -साः विध ७१.९: गीध ९, ३. जीर्ण-मल-वासस्- न्साः वैध जेन्य- √जन्द्र. 3, 3, 9 4. बीर्णा(र्ण-श्रा)इार- -रः नाशि जीर्यत्- -र्यतः वाधुश्री ४,१०: १; वाध ३०,९३; १०. जीर्यद्-रङ्गेश्वर*- -रम् जैश्रीका जुर्जर्वस् - -वान् ऋप्रा ४,६८ क. √ज्^{b'c}, †जरते श्रापमं २,११,२१^d; श्रप ४८,९; निष ३,१४; ४,९; या ४,२४ª. 🛉 ३ जरमाण- -ण: श्राश्रौ ९, ११, १४: शांश्री १५.८,७. २जरा^b- -रा या १०,८. †जरा-बोधb- -०ध आश्रौ ९, ११,१४; शांश्रौ १५,८, ७; बृदे ३, ९९; सात्र १, १५; या १०, ۷¢. जराबोधीय°- -यम् बौधौ १८, १५: १६; ख्रस् ३, १२: १८; निस्; -यस्य निस् ८,२: 43. ‡२जरित^b— -०तः आश्री ८, ३, १९ ××: शांश्री; –ता श्रप ४८, ९७; निघ ३, १६; या १, ७; त्रापश्री ७,६,७; बौश्री; -तृणाम् श्रापथ्रौ १७, ७, ८; -त्रे या १, जोग्र- √गु (शब्दे) द्र. ७: ऋप्रा ७,३५. जारय(त् >)न्ती- -न्ती ऋप्रा ९,

जेतव्य-, जेतुम्- प्रमृ. √जि द्र. १-२जेमन् √जि द. √जेष पाधा. भ्वा. श्रातम. गतौ. जेप्यत्− प्रमृ. √जि इ. √जेह पाघा. भ्वा. श्रात्म. प्रयत्ने, जेहते निघ २,१४ 1. जेहमान- -नाः आश्रौ २,१९, २४. √जै पाघा. भ्वा. पर. क्ष्ये, जायति निघ २,9४ 1. जैगीषव्य-, जैगीषव्यायणी-, १-२जैत्र- 🗸 जिद्र. ३जैत्र- (>जैत्रायणि- पा.) पाग ४, 2.60. जैत्रिय-, जैत्री- प्रमृ. √िज द. जैमिनि 8'b - - नि: जैश्रीका १७१; जैय २.८: १७; अप ४३, ४, १४; मीसू ३,१,४; ६,३,४; ८,३,७; ९,२,३९; -निम् जैगृ १, १४: ८; -नेः मीस् १२,१,७. जैमिनि-वैशस्पायन-पैल-सूत्र-भाष्य-गार्थ-बभ्र-बाभ्रव्य-मण्डु-माण्ड-ब्य- -ब्याः शांग् ४,१०,३. जैमिनीय- -यैः जैश्रीका १७२. जैव-, जैवन्ति-, जैवन्तायन-, जैवातृक-, जैवि-, जैवेय-√जीव् द्र. -तारः भाशि ९३; -तारम् जैह्याशिनेय-, जैह्य- जिह्य- द्र. जैह्न- जिहा- द्र. †जोवत्का b- -काः आपश्री १९, १२, १२; बौधौ १९,३ : ३२; हिश्रौ,

२३,२,२३. जोष- प्रमृ. √जुष् द्र. जोह(व>)वा- -वा या ५,२६1. जोहत्र- √हे द. जौलायन- (> जौलायन-भक्त-पा.) पाग ४,२,५४. जीहव- २जुहू- द्र. जीहत- √ह (दाना°) द. श्च-, ज्ञा- √शा द्र. √श्चप्¹ पाधा. चुरा. पर. ज्ञाने ज्ञापने च. अजिज्ञपत् भाशि ६०. ज्ञीप्सित वाध्यौ ३, ६९: १७% ज्ञीप्सन्ति वाधुश्रौ ४, १०८: 94:98. ज्ञित-, ज्ञा- पा ७,२,२७. ज्ञीप्समान- पा १,४,३४. √ आ ष पाधा. भ्वा. पर. मार णतोषण-निशामनेषु; क्या. पर. श्रवबोधने; चुरा. उभ. नियोगे, जानाति बौश्रौ ३, २७: ९; २५; ३१: १; वैश्रौ; या १४,२०3; जानते या ४, १० ई; जानन्ति शांश्रौ १५,१७, १‡; श्रापश्रौ २३, ७, ८; हिथ्रों; जानीषे विध १०,१०; १३, ६; जानामि या २, ५; जानीमः निस् २,३ : २४;३,३ : ३४;१२ : २९××; जानातु गौपि १,१,२७‡; †जानन्तु त्र्यापश्री ६, २७, ३; हिश्री; श्रामिष्ट ३, ९,१ : ५१¹; बौपि २, ५, ११¹; जानीष्य सु १२,२; चजानीतात् माधौ २,५,५,२१; अप्रा २,४, १८; जानीतम् या ४,६; ५,२१;

a) उप. व्यप. । d) वैप १ इ. । c) या १०,८ परामृष्टः इ. । b) पामे. वैप १,१३४० n इ. । e)=साम-विशेष-। f) गतौ वृतिः। g) = ऋषि-विशेष-। h) वैप २, ३खं. द्र.। i) = जिह्वा-। व्यु. i? $<\!\!\sqrt{g}$ (तु. SEY [७४]) वा \sqrt{g} वेति । j) पा ७, २, ४९; ४, ५५ पावा ७,४, ५५ परामृष्टः द्र. । k) या १४,१० पा १, ३,७६; ३,४,६५; ७,३,७९ परामृष्टः द्र. । l) जाय॰ इति पाठः १ यनि. शोधः (तु. हिपि. २१: १६: B. [बौपि.])।

जानीध्वम श्रापृ २, १०, ८ +; जानीत माश्री २, ५,५, २१°; जानीयात् बौश्रौ १३,9:90××; वाश्री: जानीरन आश्री ११, ६, ४; काश्रौ २४, ३, १४; जानीयुः श्रापश्रौ २३, ७, ८; हिश्री १८,३,३.

जज्ञे या २,८; जज्ञः यौगृ ३,११, ३+: ज्ञास्यामि कीगृ ३,१२,८. ज्ञायते बौश्रौ २४, १४:६; निस् ९, ६: ३; ऋप; पावा १, २,६४; ज्ञायेत वैश्री २०,२२: १०: बृदे ३,७८.

ज्ञापय अप ७०३,१,२; ज्ञापयेत् श्रापध १,८, १६; हिध १,२, १०४; ज्ञापयेयुः आश्री २, ५,

जिज्ञासेत निस् १,६ : ७;८. रजज्ञान वैगृ २,२: ५[‡]

जानत्- - ‡नतः श्रापश्रो ६, २७, ३; हिश्री ६, ७, ८; द्राश्री ७, ३,9; लाश्री ३, ३, ११^d; शांग्र ३, ७, २; कागृ २७, ३; भागृ १, २७: ५; हिंगु १, २९, १; - वता बीगृ २, २, ८; कौसू ७३, १७; - नते या १, १६ ‡; -नन् शांश्री ३,२,३; काश्री ९, ६,२३××; बौश्रौ; या १४,२२; -नन्तः विध ८,३७; -नन्तम् या १,१५; १६. जानती- - †ती त्रापश्रौ १२, . १५,६, हिश्रौ ८,४,२१.

जिज्ञासा- -सा मीसू ४, १, १;

-सायाम् पावा १,३,२१. जिज्ञासित- -तम् भास् २, ११; -तयोः भास ३,२. जिज्ञास्- -सः वृदे २,११९. ज्ञा- पा ३,१,१३५; ७,३,४७;

ज्ञाय त्रप ६६, २, ६‡; ज्ञेभ्यः कौगृ १,८,३७°.

ज्ञ, ज्ञि(क>)का- पा ७,३,

ज्ञ-समवाय'- -ये गौध ६,५. ज्ञात- पाग ५,४,२९; -तः बौध २,२,२२: ३, ५, ८; गौध २६, २३: -तम् कप्र २, ९, १२; कौशि ५८; -ते मीसू ३,८,१८; -तेषु बौध्रौ २९,१३:१७. ज्ञात-क- पा ५,४,२९. ज्ञात-प्रिया(य-ग्र)नृचान- -नान्

ज्ञातव्य- -व्यः याशि १, ४२; -व्यम जैश्रीका १३२.

काश्रो ९,७,१५.

ज्ञाति8- -तयः शांश्रौ ३, ६, १; श्रापमं: -तये काश्रौ १०,२,३३; श्रापश्रौ; -तिः वैगृ ४, ७: ७; या ४,२१०; −ितिभिः भागृ २. ५: ११; - †तिभ्यः काश्रौ ५, ५, ८; वैताश्री ३७, १४; १७; श्रापमं २, २२, ५^h; कौगृ; हिगृ १,१४,२^h; -तिम् श्रापश्रौ ८, ६, २२; बौश्रौ; -तिषु श्रापध १, १०, ३; हिंध १, ३, ३२; -तीन् बौधौ २८, २: ५४; द्राश्री; या ४, २१; -तीनाम् श्रापश्री १. ८, ७; लाश्री; -ती श्रागृ ४,४,२२.

ज्ञाति-कर्मन् - में गोग्र२,१,१०-ज्ञाति-कुल- -लम् भागृ १,१३: 99.

ज्ञाति-धन- -नम् त्रापध २, १४.९: हिध २, ३,२०.

ज्ञाति-नामन् -मानि शांश्रौ ६, 9, 8.

ज्ञाति-पत्नी- -त्नीः त्राप्तिगृ २, ६.३ : ५४: बौध २, ५, २९ ; - † तीभ्यः श्राप्तिगृ ३,११,४: ३२; बौगृ २,११,३४.

†ज्ञाति-मत्- -मन्तम् कौगृ १, ५,२६; शांगृ १, ९, ९; -मान कीय १, ५,२६1; शांय १,९,९1; कागृ २५,३६².

ज्ञाति-मरण- -णम् विध १४, ४: -णे विध २२,३८.

ज्ञाति-वर्ग- -र्गाः वैगृ ५, १५: ७: - + र्गेभ्यः वैगृ १,४: १९; 8,8:9.

ज्ञातिवर्ग-पत्नी- - + त्नीभ्यः वैगृ १,४: २०; ४,४: १०.

ज्ञातिवर्गपरन्य(ली-श्र)-न्त!- -न्तेभ्यः वैगृ ३,७: १४. ज्ञाति-विद्- -वित् 1, -विदे कौस ७८,१° k. ज्ञाति-श्रेष्ट्य- -ष्ट्यम् विध ७८, 96. ज्ञाति-संभाष- -षौ आमिष्ट १.

६.३ : ४२. ज्ञातेय- पा ५,१,१२७.

ज्ञातुम् बृदे ३,३९; ११०.

b) ॰नम् (मा १३,३) इत्यस्य प्रतीकंद्र.। c) पाने. वैप १, a) पामे. वैप १, १३९१ i द्र.। d) जान इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. द्राश्रौ.)। e) सर्पा. शांगृ १, १४,१७ याज्ञिकेभ्यः f) अज्ञस $^{\circ}$ इति ST.। g) वैप १ द्र.। h) सप्र. पाय् ३, ७, २ विशिष्टः पामे.। १०२६ ग इ. । i) सप्र. ज्ञातिमान् <> ज्ञातिवित् इति पाभे. । j) विप.। बस. । k) ज्ञाति॰ इति पाठः ? यिन. शोधः (g. BC.) 1

ज्ञात- -ता विध १, ३२. या १४, १०: -तारम् आगृ ३,१०,११; -तः वैघ ४,८,८. जात्र°- - त्रम् गो २, ७; १० ‡; -त्रेण निस् ५,९:२३. ज्ञाखा काश्रीसं ३३ : १६; सु. ज्ञान- नम् निस् १,६: ९; कप्र २, ६, ३; वाघ; -नस्य गोगृ १, ५, १३; या ३, १२; आज्यो ७, १७; -नात् भ्रप ४,२,१०; श्रापघ; -ने शुप्रा ८, २९; पाप्रवा ६; -नेन भाग १, ११: १६; वाध ३,६०; शंध. ज्ञान-कर्मन्b- -र्मणः या १४, 932. ज्ञान-कृत- -तः या १४, १०; -तेभ्यः वौध ३,५,५. ज्ञान-गम्य- -०म्य विध ९८, ३३; -म्यम् विध ९७,२०. ज्ञान-तस् (:) विध ३२,१८. ज्ञान-दुर्बल- -लः सुध १३. ज्ञान-नृम्ण^b- -म्णः या १४,२४. ज्ञान-पति- (>°त- पा.) पाग 8,9,68. ज्ञान-पूर्व- -र्वम् गौध २०,९. ज्ञान-प्रद - - दम् काध २८२ : ६. ज्ञान-प्रशंसा- -सा या १,१७. ज्ञान-मोक्षा(क्ष-श्र)क्षर-प्रशंसा--सा ऋत्र २,१,१६४. ज्ञान-राशि- -शिना वेज्यो ४२. ज्ञान-लोचनb- -नः श्रप ३०,१, 3. ज्ञान-विधृत-पाप्मन् -प्मा या 8,964.

ज्ञान-विषय- -ये शांश्री १३, 4,9. ज्ञान-संस्तव- -वः वृदे ८, ९३. ज्ञाना(न-श्र)ज्ञान- -ने वैगृ ५, 9:36. ज्ञाना(न-श्र)पहारिन्- -री शंध 300:96. ज्ञाना(न-श्र)भिनिवेश--शाभ्याम गौध २८,५४. ज्ञानो(न-उ)क्त--क्तानि या १४, ज्ञापक- -कः पावा १,१, ४५; ३, 9. ३६××; -कम् पावा १, १, ११; १९××; -कात् पावा 8,2,96. ज्ञापित, ता- -तान् श्रागृ ४, ७,२; -तायाः वाधुश्री ३,१५:४. ज्ञाप्यमान- -ने पावा २,३,१३. ज्ञाय°- (> °टय- पा.) पाग ४,३, ज्ञायमान- -ने त्रापध १,९,८;१४, १४; हिध १,३,८;४,४६. ज्ञेय.या- -यः कप्र ३,८, ११; श्रपः -यम् वैश्री १,१: १३; कप्र २, ८, ५; श्रप; -या कप्र १,७, ९; श्रप; -याः जैश्रीका १६८; श्रप; -यात् श्रापध १, २३,२; हिध १,६,१०; -यानि श्रापशु ५,७; हिश २, १६; ऋअ ३, ४६; -याभिः आपश् १, ९; हिशु १, १४; -ये बृदे ५,८६; -यौ ऋत्र ३.४०: बृदे. ज्ञेय-राशि- -शिम् वेज्यो ४२. शात- √ता द.

श्चातल d- (> °लेय- पा.) पाग थ 9,933. ज्ञाति- प्रमृ., जिका- √ज्ञा द्र. श्रीप्समान- √ ज्ञप् द्र. ज्ञ -> ज्-वाध् - -वाधः भाशि ५९+ †जमन् °- जमन् आश्रौ ३, ८, ९: त्रापश्री २०, ३,१५; बौश्री १५. ६: ११; हिश्री १४, १, ३६: शश्र २,२७३%. ज्मय°- -याः या १२,४३ ф. †जमा°- जमः श्राश्री ४, १५, २: वैताश्री ३३,१९; साम्र १, ५२; उमा श्राश्री २, ९, १४; ३, ७, १०; शांश्री ६,१०,६; श्रप ४८. ७२; निघ १,१; या १२,४३\$. √ज्या¹ पाधा. क्या. पर. वयोहानी. जिनाति वाश्री ३, ३, ३, २ ; हिश्री १३,६,८; जिनासि श्राश्री २,१०, १६ +8; जिनामि काश्रौ १५,६,२१ +: +अजिनाः श्रापश्री २०,६,१४; बौश्री १५, ९: ८: हिश्री १४, २, १७; जिनीयात् लाश्री ९, १, १५; जिनीयुः वाधूश्री ३,७९: १६;१८. ज्यास्यते वाधूश्रौ ३, ७५: ११; ७९: २०; ज्यास्यन्ति बौश्रौ १५,४:११;८:४; श्रेज्यासिषि बौश्रौ २४,१२: १५;१८: २. †जिज्यासत्- -सतः बौश्रौ ७, ४: १७; श्रश्रा ३,४,१. जिनत् -- नताम् श्रत्र १२,५(६) . जीन-, जीनवत्- पा ८, २,४४. ज्यानान- -नः बौश्रौ १७,१७: रे.

ज्यानि - पाउ ४,४८; पावा ३,३,

९५: -निम् हिश्री ३,६,२; १८, ज्यानान-, ज्यानि- 🗸 ज्या द्र. ८: -न्याः श्रापश्री ३, १५, ७; -न्याम श्राश्रौ १२, ६, ३४; ? ज्यायम् निस् १०,११: १३. त्रापश्री ५, २६, ३; माश्री ५, 90,4.

ज्याक b- ज्या वैश्री २०, ३३: ११+; सु २२, ४; श्रापध १, २, ३४; हिध १, १, ६६; काशु ७, ३८; बुद १,१११; श्रश्र ५,१८‡; निघ प, ३[‡]; या २, ५\$; ९,१७\$; +ज्याः या ९, १८; ऋपा २, ५९: ग्रप्रा ४, ८७; १५५; तैप्रा १०, १३; ज्याम् त्रापश्रौ २०, १६, ६; वाश्री ३,४, ३, ३०; हिश्री १४, ३, २९; वैताश्री १२,१३‡°; श्रापमं २,२२,३‡°; श्रामिय १, १,१: १७; हिय १, १, १७; कौसू २६, ३; ६; ३५, १३; ३६,२८†°; श्रप ३२, १, ७‡°; ऋत्र २, ६,७५; त्रत्र ६, ४२‡°; ज्यायाः या ९, १५‡. ज्या(ज्या-श्र)भिमन्त्रि(न् >)णी--णी बृदे ५,१२९.

> ज्या-स्तुका-ज्वालं - - लेन कौस् 32,90. ज्या-होड°- -डः काश्रौ २२,४,१२; श्रापश्री २२. ५. ५; हिश्री १७,

ज्या-मौर्वी- -वीम् बौगृ २,५,१३.

२,३३; लाश्री ८,६,८.

४.३९: -न्या बौश्रौ १८, ३०: ज्याबाणेय'- (>°बी- पा.) पाग 8,9,904.

ज्यायस् - पा ६, ४, १६०; -यः

त्राश्री १,३,१४+; ९,१; ५२+; शांश्री; -यसः श्रापश्री २४,१३, ३: बौश्री: पावा २, २, ३४; -यसा या ३,१३; -यसि द्राश्री ९, ३, २०; लाश्री; पा ४,१, १६४: -यःस लाश्री ६, ६, १७: -यांसः शांश्री १५,२६, १२: बोधी: -यांसम् श्रापश्री ध, १४,६××; बौश्रौ; श्रापश् १०,१११ ; -यांसि बीश्री २४, २८: ८; -यान् बौश्रौ १३, २८: १३××; लाश्री; या ३, १४; -यान्ऽ-यान् आगृ २, 3,9.

ज्यायसी- -सीम् काठश्रौ ८३; वाध २,२३; १७,५८; -सीम्ड-सीम् बौश्रौ २०, १३: २; -स्य: निस् १,६ : **३**.

ज्यायस्-वत्- -वन्तः श्रश्र ३,३० क. ज्यायु े - -युम् कीस् २३,१०.

√ज्यू पाधा. भ्वा. श्रात्म. गतौ. √ज्युत्¹ पाधा. भ्वा. श्रात्म. भासने, †ज्योतते अप ४८,२०; निघ १,

94. †ज्यो(त>)त. - -०ते। द्राश्री ९, २,३; लाधी ३, ६, ३; शुप्रा ४, ٤٤.

ज्योतिk- -ते: श्रप ५२,८,२. ज्योतिस् (> र,ष्)^{a·1}- पाउ २, ११०: -ति: च्याश्रौ २, ३, 9 62; 8, 242; 4, 98 xx; शांध्री: काथ्री २५,१०,२५^{‡™}; श्रापश्रो १५, १०, १० † "; †द्राश्रो ६,४, ९^{२०}; १२,४,९[™]; †लाश्रौ २,१२, १०^{२०}; वैताश्रौ ८, ३^{‡™}; ऋ쬐 १,९,८[₽]; 흰쫴 ५, ६७^р; या २, १; १९‡; ४, १९××; ऋप्रा १६, ७००; -तिर्भिः या २,9४³; -तिषः शांश्रो ९, २१,७; बौश्रौ १७, २२:४××; माश्रौ; कौसू १४१, २२व; गौध २,१७; या २,१६; १०, ४१××; -तिषम् त्रापश्रौ २१, १५, १०¹⁷⁸; निस् प,११:२६;२७;८,१२: ६; ९, ६: १८; या १४, ४; -तिया श्राश्रौ २,५, ७^{‡1}; ५, १३, ६; ८, १०, ३; शांध्री; श्चापश्री ६, २५, २1; श्चापमं २, २०, ३२^{‡॥}; शुद्र २, १७२+ "; या २,२१+; ६, २६; १०, २९+; ३१+; १२, 9; -तिषाम् काश्रौ २५, ११, २५;

धापश्री ४, १, ८××; बौश्री;

या २.१३: १४ ; १९ ‡; २१;

a) वैप १ द्र. । b) = धनुर्गुण-। c) पामे. वैप १,१३९३ d द्र. । d) विप.>नाप. । पस.>बस. (तु. जात-ज्वाल-) । ϵ) वैप २,३खं. द्र. । f) = श्रायुधजीविसंघ-विशेष- । व्यु. $lap{?}$ । प्रावाणेय- इति पाका. । g) ॰यासां इति पाठः? यनि. शोधः । h) = ज्या- (तु. भू L) ।' i) तु. BPG. । j) पामे. वैप १,१३९४ e । k)= ज्योतिस्- । l) भाष., नाप. (छन्दस्-, एकाह्-, स्तोम- प्रमृ.) । m) पामे. वैप १,१३८९ n इ. । n) पामे. वैप २,३खं. ज्योतिः तैश्रा ४,१०,४ टि. इ.। o) पामे. वैप १,१३९४ g इ.। p) = श्रष्टाक्षर-पाद-। q) उत्तरेण संधिरार्षः, 'तियः इति वा 'तिषाम् इति वा शोधः (तु. संस्कर्तुः हिं.)। r) = एकाह- ध्याग-। । s) पुं. इति संस्कृतुः सूची। t) पामे. वैप २,३खं. ज्योतिषा तैत्रा १,२,१,२० टि. दू.। u) पामे. वैप १, १३९६ c द्र. । v) पामे. वैप १,१३९६ b द्र. ।

पावा १,३,४०: वेज्यो २; -तिषि शांश्री १८,१,८; श्रापश्री; -तिषी बौश्रौ २४,३०: २;६; निस् ४, ६: १३; ऋत्र २,८,२२; या ७, 94:96: 202; 23; 39; 82, २६: - †तिषे काश्री ३, ८,२३; श्रापश्री; -तिबोः द्रापृ ३, २, ३०: गौध १६, १६; -तिष्पु ब्रे ३,१२; -तींषि शांश्री ९,५, १: १६,२१,२; श्रापश्री; या २, 98; 20,24; 28,98. ज्यौतिष--षाः निस् ८,३ : 99. ज्योतिर्-अतिरात्र°- -त्रः बौश्रौ १७,६9: 9; ६२: ९. ज्योतिर्-अनीकb- -कः ऋपा ५, 43 +. ज्योतिर्-अयन- -नम् बौश्रौ १६,३२ : ८; १७, ५९ : 9. ज्योतिर्-आयतन- -नम् कौस् १६,३१; -नस्य कौसू ३८,१६. ज्योतिर्-उदयन°- -नः निस् ५, २: १४;१६. ज्योतिर्-उद्गमन- -ने पावा १, 3.80. ज्योतिर्-गण- -गेषु अप ६५, ज्योतिर्-गणना (ना-श्रा) दिका (क---श्र)धिक-वृत्ति^d- -त्तिः वैध 3,92,60. ज्योतिर्-जराय्^b- -युः या १०, 394. ज्योतिर्-भाग- -गः या १२.१. †ज्योतिर्-भास'- -भाः बौधौ

९.१४: २२: वैश्रौ १३,१६: ज्योतिर-मध्य- ध्ये श्राप्तिय २, 8,90:0. ज्योतिर्-मय- -यम् अप १३, 4, 4. ज्योतिर्-लोक- -कम् श्रप १५, ज्योतिर-वर्ण - - णस्य या ७, 39. ज्योतिर्-विचार- -रान् निस् ४, ७: २६. ज्योतिर्-विध- -धानि निस् ५, 6: 5. ज्योतिश्-चक्र-विद--विदः कप्र 2.4.0. ज्योति:-शब्द- -ब्दै: आश्री ५. 3,99. ज्योति:-शास्त्र-प्रयुक्त- -क्तानाम् श्राज्यो ७.६. अज्योतिष^ह- पाग ४, २,६० b; -पम् अप १,१५,१; शंध ११६: ३९: श्रापध २,८,११: हिध. ज्योतिषिक'- -कः श्रव ७. 9.90. ज्यौतिषिक- पा ४,२,६०. रज्योतिष्1-> °षी-> °षी-मत्1- -मान् श्रप्रा ३,१,१८ . ज्योतिषाम्-अयन- -नम् म चव्य २: २५; वेज्यो २; -नेन बौश्रौ २८,४:३१. ज्योतिषामयन-विकल्प--ल्पाः लाश्री ४,८,१. ज्योतिष-कृत्^b- -कृत् शैशि १२५†.
१ ज्योतिशेम⁵⁾¹— पा ८, ३, ८३;
—मः श्राश्रौ ९,१,३××; शांश्रौ;
—मस् द्राश्रौ ८,२,१६; लाश्रौ;
—मस्य लाश्रौ ६,९,१××; लुस्;
—माः काश्रौ २४, ७, ३०; ३२;
लाश्रौ १०,१३, ४; —माव् द्राश्रौ २,४,२३; लाश्रौ; —माय लाश्रौ २,१,२; —मे श्रापश्रौ १४, ८,१; हिश्रौ; —मेन काश्रौ १४, १३; २२,११,३२; श्रापश्रौ;
—मैः वाश्रौ ३,२,२,४७; —मौ लाश्रौ ८,११,११; निस् ८,९:

ज्यौतिष्टोम- -मम् निस् ६, ८:२६; ७,४:३२;८, ३:१०.

ज्यौतिष्टोमी- न्म्यः मीस् १०, ६,६५.

ज्यौतिष्टोमिक^m— -कात् मीस् ७,१,१६; -कानि मीस् ७, ३,६; -कैं: काश्रौ २४,५,१६. २ज्योतिष्टोमⁿ— -मानाम् निस् ३,१०:४०;४,१२:१२; -मानि निस् ३,८:३××.

ज्योतिष्टोमी- -मीमः निस् ६,१३:१; -मीम् निस् ४.७:२७.

१ ज्योतिष्टोम-तन्त्र— -न्त्रे लाश्री ४,५,१०; ८,११,६. २ ज्योतिष्टोम-तन्त्र^c— -न्त्रंः निस् ९,६:३४;१०,१३:२१. ज्योतिष्टोम-दक्षि(गा>) ज^c— -णाः बौश्री २३,१९:१२.

ज्योतिष्टोम-दशाह--हाभ्याम् निस ४,१२: ११. ज्योतिष्टोम-धर्म- -र्माः काश्रौ १२,9,9. ज्योतिष्टोम-प्रद(शंक>)-र्शिका- -काम जैश्रीका ५. ज्योतिष्टोम-प्रदेश-लाथौ ९,१२,१७३ं. ज्योतिष्टोम-प्राय--याणि लाश्रो १०,१,१६. ज्योतिष्टोम-विचार- -रेभ्यः निस् ६,२: २३. ज्योतिष्टोम-विधि--धिः लाश्री ९.६.१८. ज्योतिशोस-विश्वजित्-त्रिवृत्-पञ्चद्रा-सप्तद्रौ(श-ए)कविंश--शाः काथौ २३,१,१८. ज्योतिष्टोम-सर्वस्तोम- -मी निस ८.३: २६. ज्योतिष्टोमा (म-आ) दि--दिभिः लाथौ ८,११,६. ज्योतिष्टोमा(म-ग्र)यन--नम् निस् १०,९: १४. ज्योतिष्टोमायन-विकल्प--ल्पाः द्राश्रौ ८,४,9?ª. ज्योतिष्टोमो(म-उ)त्पाद--दम् निस् २, १३ : ११b. ज्योतिशेम्य- -म्यम् निस् 9, 2: 26. ज्योतिष्-(त्व>)ट्व- -ष्ट्वम् बौश्री २८, ४:३१; शौच ४, 902.

ज्योतिष्-प्रायण^c - -णः निस् ५, २: १४; १६. ज्योतिष्-मत् - - † मत् श्रापश्रौ ९,८,८; बौश्रौ; - † मतः श्रापश्रौ १०,१६,१६; २२,९,१९; १२,१०; बौश्रौ; - मति श्रापश्रौ २, १२,७; १४,१; १४,१०; काश्रौ; - मतः शांश्रौ ३,१९,१०; काश्रौ; - † मन्तम् श्रापश्रौ २,८,८; १२,७,७; बौश्रौ; - मान् श्राध्रौ ३,१९,१०; काश्रौ; - स्वाध्रौ ३,१९,८,८; १२,७; बौश्रौ; - मान् श्राध्रौ ३,१२,२८; श्रापश्रौ १६, १२,६; बौश्रौ.

ज्योतिष्मती - नी निस्
१,४:२;५; पाग्र ३,३,५ + 6; काग्र; -तीः श्चापश्रौ १७,६,४; वौश्रो; -तीभः श्चाप्तिग्र ३,०,३:२२; वौष्ति २,२,६; हिपि १९:५; -तीभ्याम् बौश्रौ १०,१८:६; २७,११:८; वैश्रौ १८,११:१५; -†तीम् श्चापश्रौ १६,२४,७××; वौश्रौ; -त्यः श्चापश्रौ १६,२४,७××; वौश्रौ; -त्यः श्चापश्रौ १६,०,७; माश्रौ; -त्यौ उनिस् ५:१४. उयोती-स्थ-प्रवाद - -दम् उस् ६,९. ज्योत्सना - पा ५,२,११४;

ज्योत्स्त- पावा ५, २, १०३; -त्स्तः गोग्र २, ८, १; -त्स्तस्य शांश्रो १३, १९, ६; -त्स्ते माश्रो १, ६, २, ४; ४,

पावाग ५,२,१०३.

७, १; ८, १; माग्र १, २१, १[;] २, १,२; --स्नाः गोग्र २,८,६. ज्योत्स्न⁸---स्ने द्राग्र २,३,१

श्डियेना अप ४८,११६ . ज्येष्ठ, ष्ठा^b- पा ५, ३,६१; ६२; पाग ४,१,४; १२६; फि २२; -छः श्राश्रौ ४, ११, ५‡; शांश्रौ १२, २०,३ +1 ××; बौश्रो; श्रप ४८, 904+1; -8:2-8: १९, १०; - छम् आश्रौ ७, ४, ३ +; †शांश्री; या २,१०; ३,५; १४.२४ =: - ध्या पाय २,१३, १; त्रापगृ २१, १०; भागृ २, १५: २; श्रप १,५,२; २९,२; ४०,9‡; श्रशां १०, 9‡; विध २६.१: - एस्य शाश्री २, १२, १०; काश्री; कप्र २,६,६ ; - छा कप्र ३,१,४, अप; -ष्टाः काश्रौ २२,४, ६: वाधुश्री ४, २६:५; १२; निसू ६,१२:२; श्रप १,७, ८; -ष्टानाम् शांश्रौ १४,७२,१; ब्रावश्री: पागृ १, ५, १० 1; -०ष्ठानाम् शांश्रौ ४,१०,१^{†™}; -ष्टानि अप १,२८, २; -ष्टा-भ्याम् " बौगृ २,८,३० +; -ष्टाम् श्रशां ४, १; बृदे ६,७७;-ष्ठाय शांश्रो ९, २६,२‡; काश्रो; शांग्र १,२६,१६°; -ष्ठायाम् आप्तिष्ट ३, २, ५: १; कागृउ ३९: १; अप १,४,४; १०,४; ३३,९;४४, ६;४९,५; श्रशां १३,३; -ष्टाये वैगृ ३, २०: ८°; अशां १२,

a) पाठः ? (तु. सप्र. लाश्री ४, ८,९; धन्वी च ज्योतिपाम॰ इति) । b) ॰मात्पा॰ इति पाठः ? यनि. शोधः । c) विप. । बस. । d) = छन्दो-विशेष- (ऋग्र. ऋप्रा. प्रस.), = ऋग्-विशेष- (बौश्री १०,९८: ६ प्रस.) । शिष्टं वैप १ द्र. । e) पाभे. वैप १, ९ २९० ० द्र. । f) वैप १ द्र. । g) = शुक्ल-पक्ष- । मत्वर्थीयः भच् प्र. । शिष्टं वैप १ तिर्दिष्टानामेकत्र समावेशः द्र. । i) पाभे. वैप १,९३९८ f द्र. । f) = संप्राम- । f0 पाभे. वैप १,९३९८ f1 द्र. । f1 पाभे. वैप १,९३९८ f2 द्र. । f3 पाभे. वैप १,९३९८ f3 द्र. । f4 पाभे. वैप १,९३९८ f5 द्र. । f5 पाभे. वैप १,९३९८ f5 द्र. । f7 पाभे. वैप १,९३९८ f7 द्र. । f8 पाभे. ।

३: -छे आश्री ३,८, १; ८,८, ६; वैष्ट ६, १३: ६; १४: १; ४; शंध २७०; -० छे त्राशा १, २; ४,१; -ष्टेन कौस् ८०,४६. ज्यैष्ठिनेय°- पा ४, १, १२६; -यः श्रापश्रौ २२, १३, २१; हिश्री १७,५,४१; -यस्य काश्री २३,१,१५; श्रापश्री २,१९,३; ६, ४, १; बौथ्रौ ३, ४: १८; भाश्री ६, ९, १; २; वाश्री १, १,१,४०; ५,२,१२; वैश्री २, २: ७: हिथ्रौ २, २, १८; ३, ७,१९; गीध २८,१५. ज्यै(ह>)ही b- - ही विध ९०, ११: -एयाः वैताश्री ३६,१२. ज्येष्ट°- -ष्टे ऋष ५५,६,१. ज्येष्ठय⁰- -ष्टयम् शांश्रौ १४, ३१,१; †काश्री; -ष्टवात् हिश्री १०, ५, २५+; -ष्ट्याय शांश्री १०, १६, २; ८; १५, २६, 9;

9°. ज्येष्टय-काम- -मः श्रापश्री १९,9४,99; हिश्री २३, ३, ९; -मम् श्रप १, ४४, ६; -मस्य जुस् १,६: २०.

श्चापश्री; -ष्ट्ये शांश्री १५, २७,

ज्येष्ठ-जघन्य'— -न्याः आगृ ४,४, १२. ज्येष्ठ-तम— -माय शांश्री १४, ३१,

ज्येष्ट-तस्(ः) श्रापश्रौ ६,७,८; श्रश्र

११,३(१)†. ज्येष्ठ-ता— -ताम् बौश्रौ १८, १४: १३.

ज्येष्ठ-ताति- पा ५,४,४१. ज्येष्ठ-दक्षिण^{११६}- -णाः कौग्र ४,४, १०१^६: कांग्र ४,१८,६.

ज्येष्ट-पुत्र-प्रसूत- -तस्य शेष २८४.

ज्येष्ठ-प्रथम¹- -माः त्रागृ ४, २, ९; -मान् मागृ २,७,४.

ज्येष्ठ-बन्धु- न्न्युः बौधौ १४,१८: २३; २४; १८, १४:१२; माधौ २,३,५,३†; हिथौ ८, ४,५‡.

ज्येष्ट-भार्या- -र्या वैध २, ११, २; -र्याम् शंध ३९७.

ज्येष्ठ-भ्रात्−>°त्-स्वसुर-पित्व्य-मातुळ- - लान् कप्र २,२,३-८. ज्येष्ठ-यज्ञ- -ज्ञः निस् ६, १२:१; -ज्ञम् निस् ६, १२:३; -ज्ञे निस् ६,२:१९;१२:४.

ज्येष्ठ-राज्^a - -राजम् वाग् ५,२२[‡]. ज्येष्ठ-लक्ष्मी^a - क्ष्मीम् वाधूश्रौ ३, १९:६[‡].

ज्येष्ट-वत् बृदे ४,११२.

ज्येष्ठ-शब्द-त्व- -त्वात् मीस् ४, ४,९¹.

ज्वेष्ठ-सामन् 1— - स्नः गोगृ न्, २, ४७; — स्नाम् बौध न्, १०, ११; गौध १९, १३. ज्वेष्टसाम-ग^k— - गः 1 श्रप ४४. २,४; वाध ३, १९; शंध १९९; २००; श्रापध २, १७,२२; विध ८३,४; गौध १५,२८.

ज्येष्ठसामिक^m - -कः¹ वौध २, ८,२; हिध २,५,५०.

ज्येष्ट-स्तोमⁿ- -मः शांश्री १४, ३१,१.

ज्येष्टां(ष्ट-श्रं)श- -शः बौध २, २,९; -शम् बौध २,२,१२. ज्येष्टांश-होन- -नम् गौध २८.

३७. उयेष्टानाम्-अग्निष्टोमⁿ- -मः बौश्रौ १८,२६: १; २६,३३: १.

ज्येष्ठा(ष्ट-श्र)भिन्याहरः - रे शांश्री १४,३१,५.

ज्येष्टा-यु(त>)ता- -ता विध ९०, . ११.

ज्येष्ठा(ष्ठा-भ्र)वकाश°- -शे वौगृ २, ८, ३०.

.जयेष्टो(ष्ट-उ)त्तर-कर^p— -रान् कप्र १,२,९.

श्चिष्ठद्यथ^६ हिश्रौ १७,६,२७. ज्योप- °श्चिय- °श्ची- °श्च

ज्येष्ठ-, °ष्टिनेय-, °ष्टी-, °ष्ट्य-ज्येष्ट- द्र.

†ज्योक् बापश्री ५,८,८; १०,८,९; बौश्री; माश्री १,६,४,२९¹; बाश्री १,५,५,७¹; पागृ ३,२, २¹; जैगृ २,३:६¹; पाग १, १,३७.

ज्योग्-आमयाविन्^त— -विनः वौश्रौ १४, १९: ३; वाश्रौ; -†वी

a) बेतु. सा Lतां २०,५,२], विद्याधरः Lकाश्रौ २३, १,१५], MW. <ज्येष्टिनी - इति । b) = पौर्याधि । c) = ज्येष्ट मास । d) बेप १ द्र. । e) पाभे. बैप २, ३खं. छत्ये ऐद्रा ७,१८ टि. द्र. । f) विप. । = सस. । g) उप. = सब्येतर - । h) ल्णापा॰ इति पाठः ? ल्णाः पा॰ इति द्विपदः शोधः (तु. शांग्र.) । i) ॰शब्दात् इति जीसं. । j) = साम निशेष - । k) उप. $<\sqrt{1}$ । l) सप्र. ॰सामगः < ० ल्सामकः इति पाभे. । m) विप. । तदधीते इत्यर्थे ठन् प्र. उसं. (पा ४, २,६३) । ॰मक - इति Hul. पाभे. । n) = एकाह- [याग-] । e0) प्प. = प्रगारैकदेश - । e1) विप. । त्रिपदः बस. । e2) पाठः ?5 ज्येष्टम् , अध इति द्विपदः शोधः संभाव्येत । e3) पाभे. बैप १ पारे. ?3 जीताः ते ५,७,२,४ टि. द्र. ।

श्चापत्रौ १९, २३, १०; बौश्चौ १३, ६: ७××; माश्चौ. १ज्योक्तिª - - न्तये श्चापश्चौ १३,३,१. ज्योता -, ॰ ति -, ॰ तिष् - √ज्युत् द्र. ज्योतिषाण - - पायाः विध ८५,३३. ज्योतिषिक - ॰ वी-मत् -, ज्योतिस् -, ज्योत्स्न - √ज्युत् द्र. १ ज्योत्स्ना - √ज्युत् द्र.

ज्योत्स्ता- √ज्युत् इ. ज्योन्ताक- पाउमो २, २,१४. ज्योतिष-,°िषक- प्रमृ. √ज्युत् इ. √ज्ञि पाधा. भ्वा. पर. श्रमिभवे; चुरा. उम. वयोहानो, ज्रयति

√ज्वर्⁰ पाधा. भ्वा. पर. रोगे.

ज्वर⁰- पाग ५,२,३६; ६,१,१९९;

-रः कौस् १३, १२; श्रप ३६,

८,१; -रम् श्रप ५३, ५,१;

शंध ११६: २१¹; -राय हिए

२,१९,६¹; -रेण श्रप ३६,

१०,२.

जवर-गृहीत- -तानाम् बौए ३,

७,२७.

जवर-ह(त>)ता- -ताम् वैश्रौ

१२,१४:६.

जवरा(र-श्रा)गम- -मम् श्रप ६८,
२,४०

ज्वरित- पा ५, २,३६.

√ज्वल् पाधा. भ्वा. पर. दीप्ती,

ज्वलते श्रप २९, २, १××;
ज्वलति श्रापश्री १६, ११, २;
भाश्री; ज्वलन्ते श्रप ६७,४, २;
ज्वलन्ति श्रप ७०,२,२,३,७०३,

भाग २, ३१: १‡; ज्वलेयुः श्रप ७१,१९,५. ज्वलिष्यन्ति पावा १,४,२३. ज्वलयन्ति श्रापश्री १३,१५,४; श्रप ५८^२,१,४;ज्वलयेरन् बौश्री २६,१२:२३. जाज्वल्यमान- -नम् या ५,३.

जाज्वल्यमान- -नम् या ५,१. ज्वल-'पा ३,१,१४०.

ज्वलत् - लत् हिश्रौ ३, ७, ४०^६;
 -लृतः श्राश्रौ २,५,९; ३, १२,
९; श्रापश्रौ; -लृता श्राश्रौ २,
३,७; श्रापश्रौ ६,६,६; श्रापग्र
१, २२; -लृताम् श्रव ७०²,
२०,५; -लृति माश्रौ १,३,९,
५; वाध्रश्रौ ३,३२: १; -लृत्सु
काश्रौ १६, २,११; बौश्रौ २३,
९:७: -लृन् वैश्रौ २,६:९;
श्राप्रध २,६,३; हिध; -लृन्तम्,
श्राश्रौ २,२,१; काश्रौ.

ज्वलन्ती— -न्तीम् माश्रौ १,६, १, ३६; नाश्रौ १, ५, २, ३४; बौध २,१, १३; विध; —लन्त्यः श्रापध २, २४,१३; हिध २, ५, १७७; —न्त्याम् श्रापश्रौ ६, १०, ३; हिश्रौ ३, ७,६३; गोगृ ४,८,१६.

ज्वलति-> °ति-कर्मन् - मणः या २,२०; ६,१; १३; ८,११;११, ३९; -र्माणः निघ १,१६; या २,२८.

ज्वलन^h – पा ३, २, १५०; –†नः श्रप १,३७,१; श्रशां ७,१; –नम् श्रप ६४,३,९; ७०¹, ११, १८; मीस् १०,१,५७; –नानि श्रप ६४,६,३; -ने श्रप ७१, १, ५; -नेन या ६,२५.

जवलन-फ्रिया- पावा १, ४,२३. ज्वलन-च्छ(व>)वा¹- -वा श्रप ५०,९,२.

ज्वलन-मरण-काल-बृद्ध-योग--गान् श्रप ६८,३,५१.

ज्वलन-रवी(वि-इ)न्दीवर-करण्ड-तपनीया (य-श्र) कोंदय-हरिताल-नीलोत्पल-वृत-मधु-बन्धुजीवक-जपापुष्प-किंग्रुक-राशि— संनिका(श>)शा- -शा धप ६५,२,१.

ज्वलन-बहन- -नी मागृ १, १०,७.

ज्वलना(न-ग्र)के-सम- -मः वाष २७,९.

ज्वलयत्— -यन्तः वौश्रौ २, १६: ५; १०,१९: १४.

ज्वलित,ता- -तः या **१**,१७; **-तम्** ग्रप ६८, ५, १; **-ताम् ग्रापष** १,२५,२; हिघ **१**,६, ७६; **-ते** द्रागृ ४,३,४; ग्रप ७०,७,२. ज्वलिता(त-ग्र)ङ्गार-कुण्ड--ण्डाः शंघ ३७४.

ज्वलिता(त-म्र)ङ्गार-संका(श->)शा- -शा श्रप ५८^२,३,७.

ज्वाल,ला- पा ३, १, १४०; -ला श्राप्तिगृ ३, ६, ४ : ८; बौपि १, १३ : ८; अप २३, १२, २××; -ला: श्रप ७०^३,४, ४; -लान् माश्रौ १,२,३,२९; वाश्रौ १,३, १,२६; -लाम् वैश्रौ २,५:६; -लै: श्रापश्रौ १,२५,९.

a) स्त्री. नाप.। श्रर्थः व्यु. च ? । < ज्योक् इति MW.। b) = नदी-विशेष-। व्यु. ? । c) गतौ 2π तिः। d) पा ६,४,२० परामृष्टः द्र.। e) = रोग-विशेष-। f) = ज्वराधिदेवता-। g) = व्याहृति-विशेष-। π स्त्रा. श्रापश्रौ ६,८,३ प्रथक् इति पामे.। π भावे कर्तरि च हत्। π शिप.। बस. उप. छवि— π समासान्तः अप्र. उसं. (पा ५,४,७५)।

ज्वाल-भार- -रै: श्रप २४,४,४. ज्वाला(ला-श्र)प्र- -ग्रै: श्रप 190³. 3. 7. ज्वाला(ला-ग्र)ङ्कुश-धर- -राः श्रप ५२,१३,१. ज्वाला(ला-ग्र)द्भुत- -तानि अप ६९,६,१. ज्वाला-पिण्ड- -ण्ड: याशि २, ९१: -ण्डान् याशि २,९३. ज्वाला-भङ्ग- -ङ्गम् अप ३६, ३,२. ज्वाला-भार-विसर्पि(न्>)णी--ण्यः अप ५८,२,२. ज्वाला-मा(ला>)ल- -लाः ग्रप 42,3,4. ज्वाला-माला(ला-ग्रा)कुल--लः श्रप २४,३,४. ज्वाला-मुख-भयान(क>)का--काः अप ३६,२५,३. ज्वाला-रूप- -पेण श्रप७०^३,२,३ जवाला-विमु(चि>)ची^a- -ची श्राप ७०१,११,३०. ज्वालियत्वा श्रप ३६,२५,१. ?ज्वसेन^b शांगृ ३, ८, ३.

झ

झगिति झिटिति टि. इ. झञ्झा- पाउभो २, २,९३. झटिति^० पाग १,१,३७व. √झई वाधा. तुदा. पर. परिभाषण-भर्त्सनयोः. झर्झर- पाउभो २, ३, ३५.

रणयोः.

ञ

अ°->ज-कार- -रः शौच २, १०; -रम ऋपा ४, ६.

र-उ

 z^{g} ->ट-कार- -रात् शौच २,८. टकार-नकार- -रयोः ऋप्राध,१७ टकार-वर्ग- -र्गम् ऋपा ५, ११. टकारा(र-आ)दि- -द्यः याशि 208. टकारा(र-ग्र)न्त- -न्तम् उस् ७, २०; -न्तात् शैशि ३०७; -न्ते माशि १४, ३; याशि १, ६२: २,३७. ट-न-कार-पूर्व- -र्व: तेप्रा ५,३३. ट-वर्ग- -र्गः ग्रुपा ८,१०; तैपा १४, २०: -र्गस्य शौच २, ३९; -र्गे तैप्रा २,३७; भाशि ४१. टवर्ग-पर- -रः तेष्रा १३,११. टवर्गीय- -यम् उस् ५,१; -ये शौच २,१२. टा(ट-ग्र)न्त- -न्तम् ऋत ४,५,४. √टङ्क् पाधा. चुरा. पर. वन्धने. १टङ्क - पाग २,४,३१. २टङ्र¹->टाङ्क- -ङ्गम् विध २२,८३. √टल् पाधा. ¥त्रा. पर. वैक्लब्ये. √टिक पाघा. भ्वा. आत्म. गतौ. टिक c-(> टैकेय- पा.) पाग ४, १, टिट्टिभ- पाउमो २,२,२३४. √झप्¹ पाधा, भ्वा, उभ, श्रादानंसव- । √टीक् पाधा, भ्वा, श्रात्म, गतौ,

श्टीकाः हिश्री २२,३,१९. टेक¹- -कः हिए २,७,२‡. होट- (>°टी- पा.) पाग ४,१,४१ √ट्वल् पाधा. भ्वा. पर. वैक्लब्ये. ठ -> ठ-कार- -रेण याशि २,८८.

ड

ड,ळ⁸-ळः, डम् तेप्रा १३,१६. ड-कार- -रः ऋपा १,५२:शैशि१४: -रम् शुप्रा ३,४५; -रस्य ऋप्रा 8,49. ड-ड- -डयो: शैशि २२; -डी श्रप्रा 8,984. ळ-कार- -रः ऋपा १, ५२; -रेण उस् ७,२०. ळ-ळह- -ळही शुप्रा ४,१४६. √डप्^k पाधा. चुरा. आत्म. संघाते. डमर- पाउभो २,३,३९. √डम्प् √डप् टि. इ. डम्बर- पाउना ३,१. √डम् √डप् टि. इ. उहर- पाउभो २,३,३९. डहळ°-(>डाहळ-पा.)पाग५,४,३८ डाक 1 - (>डाकि(7>)नी- पावा.) पावाग ४,२,५१. डामर- पाउभो २,३,३९. डिकम् पाग १,४,५७. डिण्डिम- पाउमो २,२,२५१. डिण्डीर- पाउमो २,३,५०. √िंडप् पाधा. दिवा. तुदा. पर. देपे; चुरा.^m त्रात्म. क्षेपे, सङ्घाते. √डिम्प् √डिप् टि. इ. डिम्ब- पाउभी २,२,२२२.

a) विप.। उस.। b) पाठः ? पासे. वैपर अवसुम् मा ३, ६१ इ.। c) तु. पागम.। d) झिगिति g) = वर्गा-विशेष- I e) √दर्झ इति [पक्षे] BPG. । f) √ऋष् इति [पक्षे] BPG. । i) = कपित्थ-विशेष-। ड>ळ इति ऋपा. प्रमृ., ळ>ड इति तैप्रा. । h) = पापाण-छेदन- (तु. पागम.) । ब्यु. ? । l) डूक-> डूकिनी-ब्यू. (i - j) =बालप्रह-विशेष- । ब्यू. $(i - k) \sqrt{$ हम्प् , $\sqrt{ }$ हम्भ् इत्यधिकः BPG. । m) √डिम्प् , √डिम्भ् इति [पन्ते] BPG. । इति [पक्षे] भाण्डा. ।

√डिम्म् √डिप् टि. इ. √डी पाधा. भ्वा. दिवा. श्रात्म. विहाय-सागती, डीयते निघ २,१४‡. डुपद्⁴- (> डोपदायनि- पा.) पाग ४,२,८०.

डुमल- पाउमो २,३,९२०. डुल-(>डुल्य- पा.) पाग ४,२,८०. डुक-(>डुकि[न्>]नी-)डाक-टि.इ.

ढ

ढ,ळ्ह^b−>ढ-कार - -रः ऋप्रा १,५२ ळ्हकार-ता- -ताम् ऋप्रा १,५२. ळ्ह-ळ-जिह्नाम्ळीयो (य-उ)पध्मानी-य-नासिक्य- -क्याः शुप्रा८,३५. √ढीक् पाधा. भ्वा. श्रात्म. गतौ.

ण

ण^b→ ज-कार — -रः शोच २, १२;

-रम् शुप्रा ३, ८४; तैप्रा ७, १;

१३, ६; —रस्य माशि १८, ३;

-रे माशि १८, ३; —रेण शैशि

७१; याशि २,८९.

णकार(र-ऋ)कीर — -री शुप्रा १,

८८.

णकार-पकारा(र—आ)देशा(श—
श्रा)दि — -देः पावा ६,१,१;४,

१२०.

ण-य — -यी श्रप्रा ३,२,२३.

त

१त्^b−>त्-स-छन् - लाः ऋत२,१,७. २त्^c− १४१,५. १त^b−>त-कार्- -रः ऋप्रा ४,१०; ग्रुप्रा ४,१३; तैप्रा ५,२२;३३; श्रप्रा; -रम् ऋप्रा ४,१७; -रस्य शौच २,१३; -रात् ऋप्रा १२,२; -रे ऋप्रा ५,३१; ग्रुप्रा ३,८०; याशि १, ६२; पावा ७, २,४८; ३,३२; -रेण शौच २, ८; -री माशि १४,१. तकार-नकार- -रयोः शुप्रा ३, तकार-पर- -रः तैप्रा ६,५;१४. तकार-वर्ग- -र्गः ऋपा १, ४४; ५,११; जुप्रा ४,९६. तकार-सकार- -राभ्याम् शौच 8.80. तक।रा(र-ग्रा)दि- -द्यः याशि २, १; -दी शीच २,८३; ४,६१. तकारा(र-ग्र)न्त^d- -न्तः भ्रप ३४,१,२; -न्तम् अप्रा १,१, २; -- तानि अप्रा २,४,१८; ३, २, ३; - न्ते अप्रा २, ४, १५; माशि ४,१०; १४,४; याशि २, 34,39. तकारा(र-आ)वाध- -धे अप्रा २, ३,२१; ३,३,१९. तकारे(र-इ)त्त्व- -त्त्वम् पावा १, 2,90. त-च- -चंयोः शैशि २२१. त-त्व- -त्वे पावा ७,४,४७. तत्व-निपातना(न-न्या)नर्धवय--क्यम् पावा ६,४,१७४. तत्व-प्रतिवेध- -धस्य पावा ६, 8,908. त-थ- -थयोः शुप्रा ३, ८; १३५; -धी शुप्रा ३,७९; शेशि ३०८. त-परe- -रः पा १,१, ७०; भाशि ८२; -रम् पाप्रवा ६, १; -रे उसू ५,२. तपर-करण- -णम् पावा ७, १, ९०; पाप्रवा १, १४; -णे पावा १,१,७०;४,१०९.

तपर-निर्देश- -शात् पाता १,१, ६९;२,२७; ८,४,६८. तपरो(र-उ)चारण- -णम् पाप्रवा 8,9. तपरो (र-उ)पदेश- -शः पाप्रवा 8,9. त-म- -मी श्रप्रा ३,२,१४. त-य-कार- -स्योः उस् ८,३. त-लोप- -पः शप्रा ३, ५२; पा ४, ३,२२; पावा ६, १,६७; -पस्य पावा ६,४,१०४; -पे पावा १, तलोप-वचना(न-प्रा)नर्थक्य--क्यम् पावा ४,३,२२. त-वर्ग- -र्गः शुप्रा ८,११; -र्गस्य ब्राव ४७, २, १; -में शुप्रा ३, ९३; तेप्रा २,३८; अप्रा ३,३,३. तवर्ग-परd- -रः तेप्रा १४,२०. तवर्ग प्रतिषेध- -धः पात्रा १, 3.8. तवर्गीय- -यम् उस् ५,१; -यस्य शौच २,१५;-यात् शौच २,१७. त-वर्ण-लोप- -पः श्रप्रा १,२, १६. त-स- -सौ श्रप्रा ३,३,२१. त-स-वर्ण- -र्णम् याशि २,४१. ता(त-त्रा)दि - - देः पावा ६,४,१४९; -दी ऋत ५,२, १०; पा ६, २, ५०; पावा ६,२,५०; ८,३,४१; ताद्य(दि-त्र)थ- -थम् पावा ६, 2,40. तो(त-उ)प(धा>)ध- -धात् पा 8,9,38. २त,ता- तद्- इ. √तंस् पाघा. भ्वा. पर.; चुरा. उभ. अलंकारे, †अतंसयत् आश्री १०,

a) तु. पाका. । द्वपद – इति भाण्डा. । b) = वर्ण-विशेष- । ढ> ळह इति । c) = तगण्- । d) विप. । बस. । e) विप. । पंस. वा बस. वा । f) तु. BPG. ।

८,१०; शांश्री १६, ४,१; तैप्रा १६,१३; भाशि ६१. √तक् पाधा. भ्वा. पर. हसने, तकति निघ २,१४ + छ सिने, या ६,६२ . तिकतुम् या ९,३. तक्य-पावा ३,१,९७. †तकन् - का अप ४८, ८३; निघ ३,२४.

तक पाग १,४,५७. तका- तद्- द.

†तकरी^d - सीम् श्रापश्रौ ९,१९,३; बौश्रौ १४,१४:२०; वैश्रौ २०,३७:७; हिश्रौ १५,८,१७.

त-कार- प्रमृ. १त- द्र. तकिला- पाउन्न १,५७.

तकोल- पाउनाव १,६३.

†तक्मन्° - - नम अप ४८, ८७; निघ २,२; या ११,२५° \$; - ० नमन् अप्रा ३, ३, ३; - क्मा अश्र ११,२; - क्मानम् कौस् २९, १८; अप ३२, १,७; अश्र ५, २२; अप ३२, ५०.

तक्म-नाशन^c- -नः श्रप ३२,१,७; -नम् श्रश्र ५,४;२२; -नानि श्रप ३२,१,७.

तक्मनाशन-गण- -णस्य श्रश्रभू

तक्मनाशन-देवता- > ०वत्य-

तक्मा(क्म-श्र)पवाध- -धाय अश्र ५,२२१०.

तक'- पाउ २, १३; पाग ७,३, ५३⁸; -कम् शंध १४०; १८१; -कॅं

पाशि १९: -कॉ शैशि २२८. √तन पाधा. भ्वा. पर. तन्करणे, त्वचने, तत्त्वि आपश्रौ १४, ५, ८; वाश्री १,६,१,१५; कौस् ८, १२: तक्षत् सात्र १, ५३७ ‡; †तचन याथी ५,१८,५; शांधी ८,३,१४; तक्षत¹ या ४, १९‡; अतक्षन् शांध्रौ ८,२०,9^२‡. तक्षणोति हिश्रौ ४, १, ३०; तच्णुयः लाश्रौ ८,८,१२. . क्ततक्ष कौसू ७६, ३२; श्रश्र ११, ५; १४, २; ततक्षः वृदे ३, ८७ ‡: या ६, २७ ई; ततक्षथुः या ४,१९; तक्षथुः या ४, 99 \$ 4. तत्त्वयति वैश्रौ १०,२ : ८; तक्ष-येत् अप १,९,१०.

तक्ष°- >तक्ष-क°- पाउ २, ३२; -०क श्रापमं २,१७,९; -‡कः वौश्रौ १७,१८: ३; बौग्र ३, १०,६; वैध ३,१४,१०९³; श्रश्र ८,१० (४); १४; -‡काय कौग्र ४,४,९; शांग्र ४,१८, ३; भाग्र १,८: २; १कौस् २८, १; २९,१;३२,२०;५६,१३. तक्षक-देवता->०त्य-

-त्यम् श्रश्नं ४,६;५,१३; ७,८८. तक्षक-दैवत- -तम् श्रश्न ६, १२; १०,४.

तक्षका(क-श्र)न्न^k— -न्नम् विध ५१,८. तथ-शिला¹— पास ४ २ ८२-

तक्ष-शिला¹— पाग ४, २, ८२; ८६; ३,९३. ताक्षशिल- पा ४,३,९३. तक्षशिला-वत्- पा ४,२,

तत्तो (क्ष-उ)पतक्ष- -क्षाम्याम् काग् ५४,२; कौस् ५४,८; विघ ६७,५ m .

तक्षण- -णम् काश्रौ २२, ६, १०; बौध १, ५, २९; सुध; -णात् शंघ १६४; बैध ३, ३, ११; -णानाम् हिश्रौ ४, १, ३६[॥]; -णेन विध २३, ४;२७.

तक्षण-शस्त्र- -स्त्रम् भाश्रौ ७, १,३.

तक्षत्- -क्षतः विध ९६,२३; -क्षन् ऋग्र २,१,१११‡.

तक्षती—-ती या ११,४० + ०.
तचन् ८— पाउ १,१५६; पाग ४,
१,४१; ११२; १५१०; पागवा
४,२,९१; ६,४,१५३; —क्षाय्यः
प्राप्यो १७,१३;९९‡; बौऔ;
छुत्र १,१७५р; या १,१४;
—क्षाणः बौऔ १५,१३:१४;
—चाणम् बौऔ ४,१:१३;
—चणम् बौऔ ४,१:१३;
वौऔ; पा ५,४,९५; पावा ४,
१,१५३; —क्षाम् बाधूऔ ३,
५,१५३; —क्षाम् बाधूऔ ३,
५,१५३; —क्षाम् बाधूऔ ३,

तङ्णी— पा ४,१,४१. इताङ्ण— पा ४, १,११२; पावा ४,१,१५३.

a) या ११,२५ परामष्टः द्र. । b) गतौ वृक्तिः । c) वैप १ द्र. । d) व्यु. पामे. च वैप १,९४० १ e,f द्र. । e) ध्यो इति पाठः ? यनि. शोधः । f) = उदिश्वतः । व्यु. ? < \sqrt{n} कच्च् इति पाउ. । g) तन्न – इति पिन्ने। भाएडा. । h) या ४,९९ पा ३,९,७६ पावा ३,९,२६ परामुष्टः द्र. । i) करणे वृक्तिः j) = वर्णसङ्कर- । a) पूप. = वर्धितः । b) = नगरी-विशेष- । पूप. द्र्य्यः ? । b) मस्योपभक्ष्याभ्याम् इति जीसं. ? (तृ. काय्. प्रम्.) । b) = काष्ट- । b) तृ. पागम. । b) = ऋषि-विशेष- ।

२ता(चण >)इणी°-इणीनाम् शांश्रौ २,३,१४.
ताक्ष्य- पा ४,१,१५१.
तच्कीय- पा ४,२,९५.
ताक्षक- पा ६,४,९५३.
तक्ष-रथकार- -रयोः श्रापश्रौ
१८,१०,१०,६श्रौ १३,४,८;
-रौ हिश्रौ १३,४,८.

तक्णुवत्— -चन् या ५,२१.
तष्ट— -ष्टस्य वाधौ १,६,३,१४; -ष्टे
आपभौ ११,१३,१ हिंभौ ७,
६,२८; -ष्टेषु या १३,१३‡.
तष्ट्— -‡ष्टा आग्रौ ७,४, ९; वांभौ
१२,५,३; ऋग्र २, ३, ३८; या
५,२१.

तगर^b- पाउभो २,३,३९^c; पाग ४, ४,५३; -रम् श्रप ३५,१,१४; २,३;९.

तगरिक- पा ४,४,५३. तगरो(र-उ)शीर- -रेण कौस् १६,१. √तङ्क् पाधा. भ्वा. पर. कुच्छ्रजीवने. तङ्क- पाग २,४,३१.

 $\sqrt{n = 1}$ पाधा. भ्वा. पर. गतौ. $\frac{1}{n}$ प्रः \sqrt{n} पाधा. भवा. पर. गतौ. \sqrt{n} पाधा. भवा. पर. गतौ. \sqrt{n} पाधा. भवा. पर. गतौ. \sqrt{n} पाधा. भवा. पर. गतौ.

√तञ्च् पाधा. भ्या. पर. गतौ; स्था. पर. संकोचने^d.

 $\sqrt{n \times 3}$ $\sqrt{n \times 4}$ ित है. है. $\sqrt{n \times 4}$ पाधा, भवा, पर, उच्ह्राये, $n \times 4$ पाडनाव ४, ११६ 1 , पाग ४,१,

४१; ५,२,१३५. तटी- पा ४,१,४१. तटि(त्>)नी- पा ५,२,१३५. तटाक^g- पाग २, ४,४१; -कम् ग्राप्तिगृ २,५,११: ६; -के वैगृ ४,१०:११. तटाक कल्प- -ल्पम् आभिगृ २,

४,३ : १. तटित्^b- पाउना १,९५¹.

ताटत् — पाउना र, ५२.

√तड्,ळ् पाधा. चुरा. उम. श्राघाते,
भाषायाम्, ताडयति श्राग्निग्
२, ४, ९:१४; या ३, १०;
ताळ्हि निघ २, १९†¹; ताडयेत् श्राग्निग् २, ४, ७:१९;
विघ ५,१०५;७१,८१.
ताड्यन्ते विघ ४३,३८;४२.
ताड— । चाड ४,११८.
ताड— - नम् शंघ ३१३; वैघ ३,
३,७.
ताड्यमान — - नाः विघ ४३,३७.
तड— २तन् टि. इ.
१तडाक्ष-(>ताडाक— पा.)पाग ४,
१,११२.
२तडा(क>)का— पाउ ४,१५.

तडाग-कर्तृ - - - - - चुंः श्रव ४२,१,३. तडाग-क्रूप - - पान् श्रव ६५,२,५. तडाग-कृत् - - कृत् विध ९१,२. तडागा (ग-श्रा)राम-क्रूप - - पानाम् श्रव ६८,२,३०.

तिडि- √तड् द्र. तिडित्^m- पाउ १,९८; -िंडत् †श्रप ४८, १९; ७३³; †िनघ २,१६; १९; या ३,१०; ११†∳. तिडित्-प्रकाश- -शे विष ९९,९.

तडुल- वाडना ५,८. ?तणाधीतासम्ⁿ वाश्रौ ३, ३, ३, १३.

√तण्ड् पाधा. भ्या. त्राहम. ताडने. तण्ड°- पाग ४,१,१८; १०५.

ताण्ड्य- पा ४, १, १०५; पाग ४,३,१०४;१०६^४;-ण्ड्यः जैश्री १:१८.

ताण्ड^p— -ण्डम् लाश्रौ **७**, १०,१७.

भ०, भ७.

ताण्डकः प- - कम् प्रापश्री २१,
१६, ५; १४; हिश्री १६, ६, २;
ऋग्र २,७,३२; ग्रम्र २०,७९.

ताण्डिन् प- पा ४,३, १०४;
१०६; - ण्डिनः श्रापश्री २४,
१०, १८; हिश्री २१, ३, १८;
उनिस् १,४२;४९;८,२९;५ ३,
३६; - ण्डिनाम् वीश्रीप्र २६:२.

ताण्डिनाम्-अयनः - ने
वौश्री २३,१९:३५.

a)= इष्टि-विशेष- । तस्येद्रमीयः अण् । b)= मुगन्धिद्रव्य-विशेष- । व्यु. ? । $c)<\sqrt{\alpha}$ ह्ण् इति । d) $\sqrt{\alpha}$ इति । e)= तीर- । e्यु. ? । $f)<\sqrt{\alpha}$ न् इति । g)= जलाद्यय । व्यु. ?< तट- + $\sqrt{\alpha}$ क इति यभा । e0 = तिर- । e1 : e2 . e1 : e2 . e3 : e4 : e4 : e5 विशेष । e7 : e7 : e8 : e9 : e

तडाग1- वाउमो २, २, ५८; वाग २,

93.6.

४,३१; -गम् श्रप ७२,१२, ५;

-गानाम् अप ७०^२,७, २२; -गे

ग्रप ४२, १, २; ३; वैध २,

s) = सत्र-विशेष- I

ताण्ड-भालविन्--विनाम् नाशि १, १, १३; भास् 3.94. ताण्ड्याय(न>)नी- पा ४, 9.96. तण्डक⁸- पाग २,४,३१. तण्ड-बतण्ड- पा, पाग ६,२,३७. तिण्डिb- -ण्डि: बौध्रौप्र ३१: २३. तण्डिन्^{0,d}- (>ताण्डिन्य- पा.) पाग ४.१,९०५. तण्ड- पाउमी २,१,५१. तण्डल°- पाउ ४,१०७; ५, ९; पाग २,४,३१; ५, १, ४; -लः यशां १२,१; -लम् श्राप्तिगृ २,३,३: १८; ५ : २;२४; -लाः ग्रापश्रौ १, ८, ५××; बौध्रौ; -लान् काश्रौ २,५,६; १५,३,२८; २५, ४,३८; त्रापश्री १,२०,११;२१, २१1; xx; बौश्रौ; -लानाम् बौधौ २६,६: ६; भाधौ; -लेन वैगृ ४, २: २; -छेवु भाश्री १, २१, ८; वैथ्री; -छै: काथ्री ४, १५,२३; त्रापश्रौ. तण्डल-किण्व- पाग २,२,३१. तण्डल-चर्मन्य- -माणि वौश्रौ १५, 99: 3. तण्डल-प्रक्षालन- -नम् वीश्रो १, ६: ३०; भाश्री १,२२,१२.

तण्डुल-प्रक्षालन - नम् बौश्रौ १, श्राप्तिगृ १, ५, २: विद्युल-प्रक्षेप- -पः श्रप ३६, १९, १. तिति - √तन् द्र. ततुराण- √तृप् द्र. ततृपाण- √तृप् द्र. ततृपाण- √तृप् द्र. ततृपाण- -तृप् द्र. तत्त्वि- -त्यम् पावाग ४, ८; ११; मीस् ६, ५, १६.

तण्डल-मिश्र- -श्रम् कौस् २२,०. तण्डुल-संपात--तान् कौस् २१.२४. तण्डला(ल-त्रा)दि- -दि कप्र ३, 4.3. तण्डुला(ल-ग्र)पनय- -यः काश्रौ 24,8,89. तण्डुला(ल-ग्र)भाय- -वात् ग्रप्राय ५,३; -वे आपश्रौ १,१४,२. तण्डुलीय-, ० त्य- पा ५,१,४. √तन् द्र. तत्-१तत°- पाग ५, ४, ३८^d; -‡०त ब्राध्रौ २, ६, २४; शांध्रौ; -तः या ६,५ मंं ∳; -तस्य कौस् ८८, १०; - वाः पागृ १, ५, १०; कौस् ८८, २४; -०ताः श्राप्तिगृ १,५,२: ३४+; -तान् अअ५, २४: - ‡ताय बौश्रौ २, १०: २१: त्राप्तिगृ ३,१,३:२४;२,३: १४: -ते ब्रापधौ २१,१९,१५. तात- पा ५,४,३८. २तत-, ततन- प्रमृ. √तन् इ. ततस् (ः) तद्- इ. †ततामह°- -हस्य कोस् ८८,९; −हाः पाय १,५, १०; कौसू ८८, २४; श्रप ४६, ५, ५; श्रश्र ५, २४; अप्रा ३, ४, १; -०हाः त्रामिष् १, ५, २:३४; कौसू 66,34. तति- √तन्द्र. तत्रि- √तृइ. तत्पाण- √तृष् इ.

अप ५१, १, १; ६८, १, ५५: बृदे ८,१३०; मीसू १, ३, २७: ९,३,२९; १०,२,७२; - स्वात या १, २; -स्वेन अप २६, १. १; ७१, २, ३; बृदे ३, ३९: माशि १५,३; १६, १६; -स्वैः विध ९७,१. तत्त्व-चिन्तक- -कैः विध ९७ 94. तस्व-ज्ञ- -ज्ञैः अप ५२,६,४. तस्व-तस (:) अप ३९, १, १; ६८, ३,9: २; बृदे ३,१३४; ४,४% श्राज्यो १४,११. तत्त्व-दर्शिन् - -शिभिः हिषि १९:३: ऋग्र ४,११; बृदे १,१०. तस्वा(स्व-ग्रा)ख्यान- -ने पावा ३, २,9२६. तस्वा(स्व-त्रा)त्मन् !- -त्मानम् विध . 60.90. तस्व।(त्त्व-ग्र)र्थ-चिन्तक- -काः याशि १,६०.

३,८; २,१३,१; बौश्रौ १०,१ : १२: भाश्री: हिए २, १३,१३ 📫: पा ५, १, ८०; तम्डतम् बौश्रौ २५, ३० : ५; वैताश्री ३४, १; श्रापश्च ७, २; तया श्राश्री २, २. ४[‡] ; ३,२५; शांश्री २, ६, ७+b: श्रापश्री १, २, २; ६, १, ८^{‡0}; माश्रौ; हिए २, ११, १+१°; तयोः आश्री १, ५, ७: श्रापद्भी; पा ५, ३, २०; ८, २.१०८; पा। २,३,१३२; ५, ३,२०; तयोः ऽतयोः ऋपा ११, ५८: तस्मात् श्राश्री २, २,३ +; श्रापश्री; तस्मिन् श्राश्री १, ७. ७ ; काश्री; तस्मै श्राश्री १, ११.१५ : शांश्रो ९, २८,३ +0; श्रापश्री; श्रापमं २, ११,२^d†; शांगृ १, २२, ८‡व; तस्मैऽतस्मै श्राश्रौ २,६,१६; मागृ २, ९,२; तस्य श्राश्री १. १. ८; काश्री; हिंगु २,११,४३१ ई है , कौसू ११७, ४^{‡1}; तस्यऽतस्य काश्रो १७, ५.२१: श्रापश्री १,२३,४; हिश्री 9,6,36; 80; 88, 0, 623; श्रव ६८,१, ५१; तस्याः श्राश्री

१.७. ८: शांश्री १८. २२.७ +8: श्रापश्री; या ११,४१^{‡8}; तस्याम् श्राश्रौ २, १, ३३; श्रापश्रौ; तस्याम् इतस्याम् अप ६४, २, ६: तस्ये श्राश्री १, १०, ८ : श्रापथ्री; तस्यैऽतस्यै श्राश्री ३, १३, १४: बौश्री २७, ३: १०; श्रापृ १, १०, ६; ता श्रापश्री १३,9८, २h; माश्री १,८, २; १८+1; श्रापमं १, ६, १२+1; या २.७^{‡1}: १४.२०^{‡k}:२३; ऋप्रा; ताडता शांश्री १२,२१,१-६? +1; ताः आश्रौ १, २, ८; श्रापश्रौ; कौगृ ५, ३,३११+m; श्रप्राय २, ९3?n; ताइत् शौच १, १०५+; तान आश्री १, ३, १५; २, ६, २१‡0; ५,५,२१; त्रापश्रौ; लाश्रौ ९,१०,१२^{‡०}; बौवि ३,५,२१०; तानि श्राश्री २,१०,१६‡; शांश्री; ताभिः त्रापश्री ४,४,४५;हिश्री; श्रापमं २, २२, ७[‡]; ताभ्यः श्राश्री ५. १.२: वाश्री: ताभ्याम् श्राश्री २, ४, २१; काठश्री; या ७, २३; पा ७, ३, ३; ताम् श्राश्री १, ८, ७‡; त्रापश्री; पागृ

३,२,२‡ : ताम् ऽताम् श्राधौ १. २,१७; ऋप्रा १७, २४; तासाम् श्राश्री १, ६, १; श्रापश्री; तासु श्राश्री ५, १, १५; लाश्री; १ते शांत्री १,३,५: १०, १५, २१६: काश्री: श्रापश्री ७, १०, ८ 🕂; द्राश्रौ ९, १, १६३१ म: लाश्रौ ३. ५.१५^{१३ ॥}:तेन>ना आश्री ३.४. १२; शांश्रो १,१,८; ५,८,४ रं; श्चापश्रौ; वैश्रौ १६, ७:६१ण; त्रापमं २, १४, ५†*; श्रागृ ६. १५,१२+ पाग १,१६,६4; तेनऽतेन आपश्री १३,६,४;हिश्री; †तेभिः श्राश्री ३, १४, १०^१ काश्री; कीमृ १,१२,६१ "वी; शांमृ १,१९,६81; तेम्यः आपश्री ३, ४.३: काठथी: तेषाम आश्री २. १४,३; काश्री; शांगृ १,१९,७⁶¹; तेषु आश्रौ २,२,१६; ५,१७०1; त्रापश्री १,१२, १: ६,२७,५^{०1}; बौधीं; लाधी ९, १०, ९ १ १ +01; १० +: श्रापमं १.८, २^{०1}:मागृ⁰¹१. १४,६; २,११,१७;हिय १,२९. २⁰¹: तेषुऽतेषु बौध ४, १, १; २,१; तैः ब्राश्रौ २,१,२;ब्रापश्रौ;

तौ बाश्री १,५, २९; ब्यापश्री. त(क>)का- ११ ७, ३, ४५; -काः काश्रौ १३,३,२६. त-तस्(:) आश्रौ १, ५, ३३; शांश्री; श्रप्राय २, ५१ + b; ततःऽ ततः श्रप ५८,४,१९. ततो-बृहतीक- -कः शांश्री 22,93,9. तन्न,ना आश्री १, १,३; शांश्री; मीसू ३, ७,२°; तत्रऽतत्र वौश्रौ १९.६ : ४:२६,५ : २५; वैश्री. तत्र-प्रहण- -णम् पावा ३, 9.53. तत्र-चक्षर्-मनस्व- -नाः गौध १,५३. तत्र-जाता(त-श्रा)दि- -दिष् पावा २, १,२४; ४, ३,२५. तत्र-स्य⁶- -स्यः शुत्र ४, १२०: -स्येन वैध १,११,२३१. तत्र-प्रकरण- -णे पावा ४, 3,43. तत्र-भव- -वेन पावा ४, ३, 35; 4,9,54. तत्र-वचन- -नम् पावा ३. 9,53. ?तत्र-लोक- -कात् हिपि १८: २५. तत्र-स्थ- -स्थः जेश्रौका ९: २०३; -स्थाः श्रप्राय ३, १०; -स्थै: जैश्रीका २१०. रतथा आश्री १, ३, १९; शांश्री १, २,२८; काश्री. तथा-काम- -मः निस् २,

तथा-कृत- तेन बौश्री १४, तथा(था-श्रा)कृति^d - - तिम् काश ४,३. ?तथा-केतु-वसुन्धरा⁸--राम् अप ६८,२,२. तथा-गत- -तम् विध ७२, ६: -तात् ऋपा ३,१०. तथा-गुण^d- -णाः श्रापध २, २६,५; हिंघ २,५,२००. तथा-जात- -तः वौध १, ५, तथा-त्व- -त्वम् मीस् १, २, २३; ९,१,२८h; १०,२,३9. तथा-दृष्ट-त्व- -त्वात् त्राश्रौ १२.४.99. तथा(था-अ) न्वयं- -यम् श्राश्री २,१९,५. तथा(था-श्र)पवर्गं - -र्गः बौध १, ७,२. तथा-भाव- -वात् मीस् ९, 8.24. १ताथाभाव्य1-> २ताथाभाष्य^k- -च्यः शुप्रा १,१२०; माशि ७, १०; ८, १; याशि १, ७७; ८५;८६. तथा-भूत- -तः याशि १,८९; -तम् मीस् १०,३,४;-तस्य मीस् ९,४,३२;-तेन मीसू १०,३,१०. तथाभृत-विवक्षा- -क्षा मीसू १०,८,३३. तथाभूतो(त-उ)पदेश-

-शः मीसू ९, १, ५३; -शात् मीसू ६,३,१; ७,३,३४. तथा-मित- -तम् वैश्रौ १६. 9:90. तथा-मुख^d- -खाः श्रापश्री ८,७,२०; वैश्री १६,२४: ७: -खैः गोगृ ४,२,५. तथा(था-आ)यत- -तम् गोर 8,2,8. तथा-युक्त,का- -क्तम् ऋप्रा २, ३६; पा १, ४,५०; -क्तान शांश्री १३, १९, ९; १६; -क्ताभ्याम् आश्रौ ३,१, १७; -क्ताम् श्रापशु ५,९; हिशु २. तथा-रूप^d- -पम् बृदे ५,८७; ६,९४; ८, ६२; -पान् बौश्रौ १५,१६: ७: लाश्री ९,१२,१२. तथा-लिङ्ग-दर्शन- -नात् मीसू ३,८,२३1. तथा(था-श्र)वस्ता (त>) ताd- -ताः गोगृ ४,२,१७. तथा-वादिन् - -दी त्रिध ५, तथा-वि(धा>)ध^d- -धम् विध ५८,१२. तथा-श्रुति - ते: ऋश्र ३ तथा(था-त्रा)सीन,ना- -नस्य वैगृ ३,१९: ३; -नायाः वैगृ ३, 93:8. तथा-सूर्य"- -र्याः बौश्रौप्र

धरः १६.

b) भत इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. श्रप ३७, ५,२) ! c) अतस्त्र° इति a) पामे. पृ ५९४ e इ. । f) तत्रस्थेन इति C.Ie) भवार्थे त्यप् प्र. (पा ४, २, १०४)। जीसं. । d) विप. । बस. । j) स्वाथ i) बस. वा. किवि.। g) वा. रे। वस. > कस. । h) तथा इति जीसं. । l) दर्शनात् इति कालिसं. I k) = स्वरित-विशेष-। मत्वर्थे अच् प्र. (तु. भाष्यम् । याशि १,८५)। प्यम् प्र.। m) व्यप. 1

तथा-स्वर*--रम् लाश्रौ ७, १०,२०; -राः लाश्रौ ७,५,३. तटा श्रापश्री २२,७, २५; वैश्री; पा ५, ३, १५; १९; तदाऽतदा भाग १,२५: १७. तदानीम् आपश्रौ ८, १३, १; बौश्रौ; या १३, ४८; पा ५,३, १९; पाग १,४,५७b. तमुद्दहीय°- -यात् शांश्रौ १०, 99,93. तया-देव(ता>)तवा- -तम् श्रापश्री १६,१४, १०; १५,१०; बौश्री: -तेन श्रापश्री २४, ३, १६: बौध्रौ २२,६: १३;१६. तयादेवत-सूददोहस्- -हसः बौधौ २२, ६:२०; ८:४; -हसे बौश्रौ २२,४ : २८. तर्हि श्रापश्रौ ६,२,९; बौश्रौ. तद- पाउभो २,१,२७०;पाग १,१, २७^e;४,५७; तत् आश्रौ १,२, १; शांश्री; †आपश्री ६,२२, १: ९, १२, १०; भाश्री ५, १२,१११ ; माश्री २,५, ५,१८; जैश्री ८:३१^h; हिग् १, ८,३^{‡1}; तत्रतत् या ३,१०; १०,१७. तच्-चमस- -सान् काश्रौ २०, 8,79.

, , , , , तचमस-ता – -ता आश्रौ ५, ६,२५. तच्-चरु – - रुम् वैगृ २,२ : १५. तच्-चर्या – -र्याः निस् ३,३ : ३४.

तच्-चिकीर्धा- -र्धा मीसू ६,३, 90:30. तच्-चोदक- -केषु मीसू २, १, ₹0. तच-चोदना- -ना मीसू ८, ४, 96. तच्-छक्ति-विषय- -ये श्रापध १,६,२८; हिध १,२,५१. १तच्-छन्दस्->°छन्दस्य¹--स्यानि निस् ५,५ : ४;५. २तच्-छन्दस्1- -न्दसः शांश्री 84.9.8. तच-छ [छा । नदस1- -नदसम् जिमृ २,८: १४; बौध ३,९,९m. तच्-छन्दस्(क>)का- -काभिः कप्र ३,८,२०. १तच-छब्द्- ·ब्दाः" मीसू ५, ३.५: -ब्दार काश्री २४,४,१७. ताच्छ्ट्य- -ट्यम् पावा १, २,४३; ४, ३, ६६; मीसू ११, १,८; -ब्द्यात् मीस् ८,२,१. २तच्-छब्द- -ब्दात् काश्रौ १४,9,२४. तच्छब्द्-स्व- -स्वात् मीस् 0,3,37; 20,8,37.

(४,३,३२; १०,४,२२. तच्-छमन— -नम् श्रप ७०,८,५. तच्-छिष्ट— -ष्टम् वैश्री १३,३: ६; —प्टेन वैग्र ३,२२:६. तच्-छील— -लम् शंघ ३३३. ताच्छीलक— -के पावा ४,१,१५.

ताच्छील्य- -स्ये पा ३,

२,११;७८;६,४,१७२. ताच्छील्य-वयोवचन-शक्ति--किषु पा ३,२,१२९. तच्छील-तद्धर्म-तत्साधुका-रिन्- -रिषु पा ३,२,१३४. तच्छीला(ल-श्रा)दि- -दिषु पावा १,३,१०. तच-छिंड- -द्वेय कप्र १,६,८. तच्-छेप- -पः हिश्रौ १, १, ९; मीसू १,४,१९; -पम् वैश्री ९, २: २; जैगृ १,१३: ९; -पेण श्रापथी २४, ३, ५४; कौए ३, १३,९: श्राप्तिगृ २,४,१०: २०; बौध २.८.८. तच्-छ्मश्र- -श्रुणा पावा ८, 8. ६ ३. तच्-छापिन्°- -पिणः काश्रौ 2,4,96; 0, 4. तच्-छूत- -तेन मीस् ६,६,१४. १तच्-छृति- -तिः मीसू ६, ३, २०; -ती मीसू ७, ३, १; १०, 9,80; 3,94; 0,46. २तच्-छ्ति°- > °छ्ति-ख--स्वात् मीस् ६,७,२१; १०,८, ₹४. तच्-छलोक- -केन पावा ८,४, £ 3. तज्-ज- -जम् शंध १६३. तज्ज-सद्मन् -द्मनि श्रप ३६, २६,१. तज-जघन- -नेन वैश्री १८

a) विप. । बस. । b) तु. पागम. । c) = स्क्ष-विशेष- । < तुमु प्टुहि (ऋ ६,१८,१) । d) < त्वा दैवतया (तै ४,२,४,४) । e) < \checkmark तन् इति पागम. । f) पाभे. वेप १,१४३८ ते ह. । g) पाठः १ तवा हित शोधः (तु. माश्रौ १,५,५,१६) । h) तद्व॰ (खद्व॰ म्को.) इत्युभयविधः सामासिकः पाठः१ तत् (= तथा हि) हित वर्च॰ इति च द्वे पदे पृथक् इ. । शेषं सस्थ. वर्चस्वन्तः इत्यत्र इ. । i) विप. । भवार्थे यत् प्र. । j) विप. (सामातान- [सामप्रगाथ-]) । k) जैगृ. पाठः । l) तस. समासान्तष् रच् प्र. (पा ५,४,९०३) । m) व्य॰ दित मैस्. । n) व्यः इति जीसं. । o) विप. । उस. उप. < श्रा [पाके] । CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

तज्-जघ(न्य>)न्या- -न्याम् बौगि १,३ : २; हिपि ४ : ४. तज्-जपे(प-इ)ज्या-होम- -माः वैश्रौ २०,१: ७. तज्-जाति®->°जातीयb--यम् बौश्रौ १८, ११: २३; २८, ६: १३; १५; वैश्री १८,१९ : २८; हिश्रो १५, ८, ६; ११; -यस्य बौश्रौ २४, ३५:३; -यानि निस् २, ४: १०; -ये हिश्रौ 24.6,0; 99. तजातीय-विवेक- -कः निस् 8.9: 38. तज्जातीय-व्यवाय- -यात् पावा १,१,७. तज्-जीवन- -नम् विध १६, 93. तज-ज्ञ- -ज्ञाः वैगृ ३, १४ : २; ब्राज्यो ७,७; -ज्ञैः शंध ३७२; नाशि १,८,२. तज्ञ-ज्ञान- -नात् या १४, ३. तज्ञ-ज्योतिस्"- -तिषम् निस् 2, 2:94. तज्-ज्वाला-रूप^e- -पम् वैश्रौ 2.4:93. तत्-कर्d- पा,पावा ३, २, २१; -रः या ३.१४**०**. तत्-कर(ए))गीº- -गी काश् 2,0. तत-कर्त- -र्ता वैध ३, ८,३. तत-कर्मन- -म काश्री १५, ६, २८; बौध्रौ २९,११: ७. तत-कर्म-जन्म-माहात्म्य--तम्यम् अप ५२,१४,१५.

तत्-कारित->°त-त्व- -त्वात् हिश्री ३,१,७. तत्-कारिन्->°रि-व- -त्वात् मीसू ६,५,१७; ९,४,५४. तत्-कार्य- -यम् शंध ३०२. १तत्-काल- -लम् पागृ २,११, ५:६; बौगः; -लात् काश्रौ १,४, १५: -ले शंध ४६२; मीसू ३, तारकालि(क>)का,की-पावा ४, २, ११६; -की शंध 238. तत्काल-प्रसङ्ग- -ङ्गः पावा 8,9,40. २तत्-काल, ला⁸- -ल: मीस् ११,३,१०; -लम् काथौ १,२, २२;२५,१,१; -लस्य पा १,१, ७०; -ला मीसू ५,१,१९; ११, ३,२१; -लाः श्राश्री १२,४, १६; मीसू ११,३, ५; -लानाम् पात्रवा ५,9 ६. तत्-काल-स्थान^ड- -नम् ऋप्रा तत्-कीर्तन--ने पाता १,१,४४. तत्-क्ल->°त्-कुलीन- -नम् विध ३, ४७; -नेषु शंध ३२१. तत्-कृत- -तः विध २३, ३९; -तै: विध ७,१२. तत्कृत-त्व- - श्वात् मीस् ९, 2,89. तत्कृत-प्रसङ्ग- -ङ्गः पावा ४, 9,34. तत्कृता(त-त्र)र्थ- -थेन पा 2,9,30. तत्-क्रम- -मात् कप्र २,९, २२. तत्-क्रिया- -या कप्र १,३,६. तत्क्रिया-परिसमाप्ति- -मेः वैग ६.१३: ५. तत्-क्षग^b- -णम् श्रप ६८, २, २२; -णात् अप १६, २, १; ३८, ३,५; ७०, ७, ६; ब्रे ७. ३२; -णेन सु ४,५. तत्-क्षीर-वत- -ती काश्री ७. 8,20. तत्-तत्->°तत्-कर्मन्--र्मणिः श्राप्तिगृ २,३,४:२. तत्तरकर्मा(मे-आ)पन्न--त्रः जैश्रौ २६ : ५. तत्तत्कर्मा (म-श्र) ह--हाणि वैश्रौ ११,१०: २. तत्तत्-काल- -ले वैगृ ६,५: ४: वैध २,१२,३. तत्तरकाल-निबन्धन³--नम् याशि २,५१. तत्तत्-प्रसङ्ग- -क्ने वैश्रौ २१, 96: 4. तत्तत्-संभार-संग्रहण-मन्त्र- -न्त्रै: वैश्रो १,९: १३. तत्तत्-संस्था-चमस-गण--णानाम् वैश्रौ १६,१८: ५. १तत्तत्-स्थान- -ने वैगृ ४, 98: 9; 6,9:96. २तत्तत्-स्था(न>)ना³--नाः ऋग्र १,२,१२. तत्तद्-आधान-मन्त्र- -न्त्रैः वैश्रो १,११: १५. तत्तद्-दिक्-पति- -तिभ्यः वैश्रौ २०,२९: ५. तत्तद्-देवता- -ताये वेश्री 9,0:90.

a) विष. । वस. । b) स्वार्थे छ>ईयः प्र. (पा ५,४,९) । c) विष. । पस. >वस. । d) पा. टः प्र., पावा. अच् प्र. इति विवेकः । e) = रज्जु-विशेष- । f) किचित् वा. किवि. । g) विष. । वस. >दूस. । h) कस. वा. किवि. ।

तत्तहेवत्य- -स्यम् बौषि २, ७, १७; -त्याः वौश्रौ २६, 9:94. तत्तदु-ध(<ह)विस्- -विषः वैथ्रो ९,७: १०. तत्तद्-धो(<हो)म-व्रत--तानि वैश्रौ २०,७: ६. तत्तद्-यजुस्- -जुपा वैश्रौ 28,6:4. तत्तद्-योनि-तस्(:) वैश्रौ 20,98:90. तत्तद्-रूप⁸- -पान् शंध ११६ : २४. तत्तद्-वत--तानि वैश्रौ २०, v: 6. तत्तद्वत-सूक्त- -क्तानि वैगृ ३,२१:३. तत्-त (न्त्र >) न्त्राº- -न्त्रा मीस १२,२,१७. तत्तन्-नामन्- -म्ना वैगृ ३, 93: 4. तत्-तीर- -रे वैध २,१४,२. तत्-त्यb- -त्यः या ८,१५. तत-त्रय- -यम् विध ४, ३; ¥; Ę. तत्-पञ्चक- -कम् विध ४,७. तत्-पञ्चाह- -हः द्राश्रौ ८,४,६; लाश्री ४,८,६. तत्-पत्नी- -त्नी वैध २, ३, १; -त्नीनाम् शांगृ ४, १, ११; -त्नीभ्यः वैगृ ४,७ : ५; -त्नीम् शंघ ११६:३५; ३६३; ३७; -स्न्याम् बौध १,२,३८.. तत्-पत्र-त्रि-सहस्र-तस् (:) श्रप ३५.२,५.

तत्-पद् --दानि वैगृ ६,१: १७. १तत्-पर,रा- -रा श्रश्र ५, ३; -री याशि १,८९. २तत्-परº - पाग ५, १, १२४; -रः श्रापश्रौ १४, १३, १२; पावा १, ४, ११०; -रम् ऋत ४, ४, १४; -रस्य पावा ७, ३, ५४; -रे पावा ८,४,४८. तात्पर्य- पा ५,१,१२४. तत्पर-त्व- -त्वात् काश्री १, 8,98; 4,4. तत्पर-विज्ञान- -नम् पावा 8,9,20. तत्-परिग(त>)ता- -ता वैध १,६,५; -ताम् वैश्रौ १, २:६; वैगृ १,८: १२. तत्-परिग्रह- -हान् अप ५२, 98,4. तत्-परिपूर्ण-नेत्र-वदन- -नः बौध २,३,५३. तत्-परिमाण- -णम् काश्रौ १,२, 33. तत्-परिवार- -रम् शंध २४३. तत्-परिहरण- -णात् बौध १, 4,904. तत्-पश्चात् शांश्रौ १७,१०,४. ?तरपातपरित्यक्त[°] श्रप ७०^२, 23,98. तत्-पात्र- -त्रेण काश्री १५, ३, तत्पात्र-क्षालन--नेन कप्र १, तःपात्रो(त्र-उ)दक- -केन वैगृ 8,8:98. तत्-पाद- -दः ऋप्रा १६,१०.

तत्-पाप- -पम् वाध ३,६. तत-पाल- -लः विध ५,१४०व. तत्-पावन - - नाय विध ८, १६. तत्-पितामह- -हाय विध २१, 92. तत्-पितृ- -ता वैगृ ६,३ : १०; -तुः कप्र २, ८, २०; -त्रे विध 22,92. तत्-पित्रा(तृ-२त्रा)द्य^e- -द्ये: वैध ३,३,८. तत्-पुट- -टयोः वैश्रौ ११, ७:९. तत्-पुत्र- -त्रः वैश्रौ २०, ३: ११; वैगृ ७, ९:२; हिपि २: ३; २२: ३; -त्राः विध १५, ३८; -त्रान् बौंश्रौ १८, २६ : १८; विध ८२, ११; -त्रे बौध १,२,३७; वैध १, २, ११; -त्रैः विध १८,४३. तत्पुत्र-वर्जम् बौध १,५,९५. तत्-पुत्रा(त्र-आ)दि- -दीन् वैध 2,9,2. तत्-पुत्र-पौत्र- -त्रैः विध ६ 20. तत्-पुनराधान- -नम् वैगृ ६, 94:6. तत्-पुरीष- -षे गौध १५,२२. तत्-पुरुष'- -षः बृदे २, १०५; पा १,२,४२; २,१,२२;४,१९; पावा १, ४, १; -पस्य लाश्रौ १०, १३,४; पा ५,४, ८६; पावा ५,४,७३; -षाः काश्रौ ७,१,८; बौश्रौ २, ३ : २१; वाश्रौ ३, २, १,५; -पात् पा ५,१,१२१;४, ७१; -पाय चात्र १७: १४ +; -वे पा ६,१,१३; २, २; १२३;

a) विप. । बस. । b) वैप १, ७१२ d यद् उक्तं तद् दु. मतेन द्र. । c) पाठः ? उत्पातपरित्यक्तस्य इति शोधः (तु. संस्कृतुः टि.) । d) ॰ळकः इति जीसं. । c) पस. > बस. । f) =समास-विशेष- । चृदे., पा.] । षस. वा कस. वा ।

१९३; ३,१३; १०१; पाना २, ४,६४;६,२,२; -वेभ्यः आप्तिय २,६,४: २४ म.

तत्पुरुष-प्रदण- -णम् पावा १,४,१.

तरपुरुष-स्व- -स्वे पावा १, ४,१.

तःपुरुष-वचन- -नात् पावा १.४.१.

तत्पुरुष-विज्ञान- -नात् पावा ४.१.२७.

तत्पुरुषा(ष-श्र)न्तोदात्तत्व-

तत्पुरुषा(प-श्रा)हृत- -ते जैश्रौका १०.

तत्-पुष्प- -ष्याणाम् श्रव ३५, २, ६.

तत्-पूर्व, र्वा - - वेम् वौश्रौ २६, ३२: ३; वैश्रौ ४, ९: ६; भाग्र २, ५: १; ख्रप्रा १, १, २८; - वेस्य शैशि ७९; २५२; - वींः ऋग्र २, ८, ४; २६; - वीणाम् कौग्र ३,९,१२; शांग्र ४,७,११: - वित् ग्रुप्रा ३, ५७; - वें ऋग्र

२,८,१९; बृदे ४,८७. तत्पूर्व-मृत- -ताः वैगृ ५, १५: ६.

तत-पूर्वक-ख- -स्वात् मीस् ७, ३,६.

तत्-पृथक्-त्व- -त्वम् मीसू १०,३,२८.

तत्-प्रष्ट⁸— -ष्टः शांश्री १४, २२,६. तत्-प्रकरण— -णे लाश्री १०,२, १; मीसू ३,४,६.

तत्-प्रकीर्तन- -ने पावा १, १,

तत्-प्रकृति° – - ति या १, २०; १३, १२; – तीनि शांश्री १३, १९, १८; – तेः मीसू ५, ३,

तक्षकृति-त्व -त्वम् मीस् ३,२,२८; -त्वात् मीस् ७,३, १६××.

तत्-प्र(ख्या>)ख्य⁸- -ख्यम् मीस् १,४,४.

तत्-प्रजा- -जाम् शंध **११६** : ३५^२; ३६^३; ३७.

तत् प्रतिनिधि - -धिः काश्रौ २५,५,४.

तत्-प्रतिपादना(न-त्रा)गम--मम् वैध १,११,६.

तत्-प्रतिषिद्ध - - द्धम् या २, १४.

तत्-प्रतिषेध- -धः या १, ८; ९,२६; ११,१८; -धात् पावा १,४,३; -धे मीस् ९,४,३२.

तत्प्रतिषेध-विज्ञान- -नम् पावा ६,३,३३.

तत्प्रतिषेधा(ध-म्र)र्थं - -थेम् पावा २,३,९.

तत्-प्रत्यय - - यम् श्रापध २, १५, ९; बौध १,५, ११०^b; - यस्य पा ७,३,२९; - यात् पा, पावा ४,३,१५५.

तत्प्रत्यय-स्व- -स्वात् वौध १,११,१२.

तस्प्रत्यय-विज्ञान- -नात् पावा ७,२,११४. तव्यत्यया(य-श्र)न्त- -न्तात् पावा ४,३,१५३.

तत्-प्रथम- पा६,२,१६२. तत्-प्रदान- - नम् याशि २, ११५; - नात् कप्र २,४,१२; - नेन विध ९२,२.

तत्-प्रधान,ना⁸— -नाः अप २२, ४,३; या १०,२१; —नानि विष २६,७; —नायाम् मीस् ४,३,३; —ने मीस् ३,४,७; ९,१,४०.

१तस्प्रधान-स्व -त्वात् मीस् ३, ४,१;८,४; ४,२,११;२६;३, ३५.

२तत्-प्रधान-स्व - न्वम् मीस् ९, १,१०; - स्वात् मीस् ४, २, ७××.

तत्-प्रपितामह- -हाय विध २१, १२.

तत्-प्रभव⁸—त्व - त्वात् मीसू ८,२,१३;२२[°].

तत्-प्रभृति - - - ति वांश्री ५, १४, २; श्चस् ३, १३:८; ९; गोगृ २, ३, १५; - तिः लाश्री ६, ६, १; - तिम् वाध्र्यी ३, ८३:१८; - तीनाम् लाश्री ७, ४,१५; ९,५,७; - तीनि द्राश्री

५,१,२९; लाश्रौ रं,५,२४. तत्-प्रमाण,णा^० - ·णः विध ५, ३७; -णम् वैगृ ५,१०:३; -णा अप २२,३,५; -णाः वैगृ १,८:८; -णैः वैगृ ५,३:१४.

तत्प्रमाण-त्व- -त्वात् मीस् ४,१,१४; ५,१,१. तत्-प्रमाणा(ण-ग्रा)कार°- -री

वैश्रो ११,८: १०. तत्-प्रयाज• - - जस्य शांश्रो ५.

a) विप. । वस. । b) वा. कि वि. (वेतु. भाष्यं णमुख्यतम्) । c) श्रधानःवात इति जीसं. । d) कि चित् वा. कि वि. । e) पस. > द्वस. ।

98,0. तत्-प्रयुक्त- -क्तः मीस् ९, १, १: -क्तम् मीस् ९,१,२. तस्त्रयुक्त-त्व- -त्वे मीसू ९, 9,94. तत-प्रयोग- -गे हिश्रौ १२, ८, २: कप्र ३,६,१. तत्-प्रयोजक--कः पा १,४,५५. तत्-प्रयोजन°-स्व- -त्वात् शंध 248. तत्-प्रयोजन-मात्र- -त्रम् श्रप 23.9.9. तत्-प्रयोयुग- -गाः बौश्रौ २८, 97: 30. तत्-प्रवाद् - -दी श्रापश्री १९, १८,४; हिश्रौ २२,२,४. तत्-प्रवृत्त- -ते विध ९१,१. तत्-प्रवृत्ति - निः मीस् ८, १, १५: - स्या मीसू १२,२,३५. तत्-प्रसव-मरण- -णे विध 22.38. तत्-प्रसाद् - -दः शंध ३१२. तत्प्रसाद-तस्(ः) विध १, ३२. तत्-प्रसूत- -तः गोध ११,१५; विश्री २१,६: ९. तत्-प्राची- -च्याम् वैश्रौ १, 3:6. तत्-प्राधान्य- -न्यात् काश्रौ 28.4,0. तत्-प्रायवचना(न-ग्र)र्थवन्त--स्वाभ्याम् मीस् ६,८,४५. तत्-प्रेप्सु- -प्सुः या ६,२८. तत्-फल- -लम् अप ६८, २, ५७; वैध १, ९, ९; -लस्य अप ६२,४,७; -लेन शुत्र १,११.

तत्-पट्क- -कम् विध ४,५. तत्-पोडशक- -कम् विध ४,१२. तत्-संयुक्त- -कम् मीस् १, ३, १५; ३,४,६; -काः शांश्री १, 3.9. तत्-संयोग- -गः विध ३५,२; -गात् हिश्रौ ३, ८, ४१; मीस् २,४,३२××; -गेन मीसू ४,३, तत्-संशय--यात् गौध २८,२०. तत्-संस्कार- -रः मीसृ १०, १, २३; -रात् काश्री ६, १, २१; मीसू ४,४,२३; १२,४,४६. तत्संस्कार-कृत् - -कृतः वेगृ 4,6:99. तत्संस्कार-श्रुति - तेः मीस् 20,6,29. तत्-संस्तव- -वात् मीस् ३,४, तत्-सं(स्था>)स्थ^a--स्थम् हिध २,३,३७^b. तत्-संस्था-श्रति- -तेः काश्रौ २५,७,9. तत्-सकाश--शे वैश्री २,१०:३. तत्-सख°- -खः या ३,११. तत्-सं(ख्या>) ख्य⁸ - - ख्यम् मीस १०,५,५७, तत्-सद् - - सदे भाग २, ३०: ३; ४; हिग १,१६,१३ रे. तत्-सदश- -शम् या ३, १३; -शात् पावा ४, १, ९६; -शेषु कप्र १,८,२३. तत्-संधि -- धिः भास् १,४. तत्-संनिधि - - धेः मीसू २, २, १६: -धी मीस् ४,४,३४. तत्-सम- -मम् श्रप ३१,७,४; ४६, ८, २; वाध; -मेन काध २७३ : ७. तत्सम-त्व- -त्वात् मीसू ९, 3,90. तत्-सम-काल- -लम् विध १२,४. तत्-सम(र्थ >)र्था - -र्था शंध ५. तत्-समवाय- -यः मीस् ६, ८, 98. तत्-समाहार- -रः शैशि १२८. तत्-समिध- -मिधाम् अप ३५, 2,8. तत-समीप--पम् श्रप ४२,२,५; -पे श्रापश्री १८,१,१३;१५. तत्समीप-वर्तिन् -वर्ति-नाम् विध ५,७४. तत्-समुत्थान- -नम् शंध ३२७. तत्-समुदाय- -ये पावा ८,४,२. तःसमुदाय-प्रहण- -णम् पावा ६,२,१३६. तत्-समृह- - इम् वेज्यो २१. तत्-संपातिन् -- ती या १२,२२ . तत्-संप्रत्यया(य-त्र)र्थ- -र्थ म् पावा ४,१,१. १तत्-संबन्ध- -न्धात् मीस् ५, १,२२; -न्धेन या ११,२. २तत्-संबन्ध^d- -न्धे पावा ५, 3, 60. तत्-संबन्धि-बान्धव- -वानाम् शंध ११८. तत्-सवर्ण- -र्णः शैशि २८२. तत्-स-स्थान- -नम् ऋपा ४,३१ तत्-सहि(त>)ता- -ते काश्री U. 3, C. तत्-सामध्यं- -ध्यम् मीस् १, 8,90.

a) विष.। बस.। d) बस. (तु. नागेशः)। b) सप्र. श्राप्ध २, १५,७ विशिष्टः पामे. ।

c) तसं. समासान्तष् टच् प्र. ।

तत्-सामान्य- -न्यात् या २,२; मीस् १,२,२३; ४,३,३९; १०, ३,५६; -न्येन मीसू ६,३,३२. तत्-साम्य- -म्यम् विध ५३,५. तत्-सायुज्य- -ज्यम् बौश्रौ १८,५३ : २०. १तत्-सिद्धि -- द्धिः मीस् १, 8, 23. २तत-सिद्धि*-> °द्धि-ख--त्वात् काश्री १,४,१. तत्-सुत- -तः श्रप ६७,८,४; ऋग्र २,१०,११०. तत्-सेवा (वा-ग्र)शक्ति- -कौ विध ९६,४२. तत-स्तेय- -येन कप्र २,५,७. तत्-स्तोत्र- -त्राय आश्रौ ५, 7.0. तत्-स्थ- पाग ५, १, १२४b; -स्थम् या ६,३२;-स्थस्य पावा ८, ४, १४; -स्थे पावा २, ३, २१: -स्थैः पावा २,२,८. तारस्थ्य- पा ५,१,१२४.

तास्स्थ्य- पा ५,१,१२४. तत्स्थान- -नात् वैग्ट ५,१५: २; ऋषा ४,८०; -ने आश्रौ २, १,२३; ३,१०,२६; श्रापश्रौ; या १४,३०.

रह, २०.

ततस्यानीय-> °य-त्व
-त्वात् मीसू ६,५,१९.

तत्-स्नानो(न-उ) २क - -कात्
विध १४,२.

तत्-स्नेह- -हात् ऋग्र २,१०,

३३.

तत्-स्पृष्ट-प्रपद्°- -दम् वैश्री
६,३: ७.

तत्-स्वामिन्- -मिनाम् विध ५,

५५; -मी श्रप ७१,४,३.

तद्-श्रंस- -सस्य वैश्रौ १४,४ : ११. तद्-श्र-कर्मन् d -मेणि मीस्६,

तद्-अशि - मयः वैगृ २, ७: १४; - भिना वैगृ ७,२:२; - मेः वैगृ ४, ५:१८; - मो वैगृ ७, ४:१९.

तद्-अग्र- -ग्रेण वैश्री १०,१०: ९: -ग्रे: कप्र २,८,४.

तद्- बङ्ग — इस् काश्रौ १, २,३; ४; आपश्रौ; — इस्य कप्र १,३, ६; — इनानास् मीस् ३,८,३६; — इनि वाश्रौ १,१,१,६२; — इस् मीस् ३,१,१७.

तदङ्ग-त्व- -त्वात् मीस् १०, २,३७; ५,५०.

तदङ्ग-भाव- -वेन मीस् ७, २,३.

तदङ्ग-वत् मीस् ४,४,२६. तद्-अङ्गुष्ट – रेष्टेन वैग् २,२:१४. तद्-अतिकम – मे श्रापध १,५,२; विभ ३२,९; हिध १,२,२. तद्-अतिकम($\sqrt{0}$)णी – -णीम् विभ ५,१८.

तद्-अधस्तात् शांश्रौ १७,१०, १४.

तद्-अधिकरण- -णानाम् पावा १,४,१०८

तद्-अधिकार- -रात् मीसू ६, ७,३३; १०,३,६७.

तद्-अधिदेवता - - ताः वैग्र ३, २०: २; - ताम् वैग्र ४, १३: १०.

१०. तद्-अधिप--पान् वैगृ ४, १४:१. तद्-अधिष्ठान - नेषु या ४,१५. तद्-अधीन,ना - - नः जैग्र १,२०: १; - नम् गौध ११, १८; १३, २४; - ना आपध १, ७,१४; हिध १,२,७१.

तदधीन-वचन- -ने पा **५,** ४,५४.

तद्-अध्यक्ष-कर-चिह्नित--तम् विध ७,३.

तद्-अध्ययन- -नेन विध ३०,

?तदध्याय- -यम् बौश्रौप्र ५४:८.

तद्-अनन्तर- -रस् श्रप ३३, ५, २; ३६, १६, ३; ४६, ८, ३; याशि १,२२; नाशि १, ६, ४;

७, ३. तदु-अनुकारिन्- -रि कप्र २,५,

तद्-अनुकारिन् - नरं कप्र २,५,

तद्-अनु-चक्षुस्°- -क्षुषः माश्रौ ४,८,३.

तद्-अनुमान-ज्ञ- -ज्ञाः बौध १,१,६.

तद्-अनुयायिन्- -यिना अप ५८^२,२,१.

तद्-अनुरूप-गर्भ- -र्भम् निस् ८,२: ३१; ३४; ३७; ४०. तद्-अनुरूप-त्व- -त्वात् मीस् १,३,२८.

तद्-अनुवत- -तेभ्यः ऋप्रा १५,१.

१तद्-अन्त- -न्ते काश्री १०, ९,२१××; कप्र २,६,४;७.

तदन्त-तस् (:) बौश्रौ २६,

२तद्-अन्त,न्ता²- -न्तः काश्रौ

a) विष.। बस.। b) तु. पागम.। c) विष.। तृस.>बस.। d) उप. तस.। e) विष.। सस. >बस.। f) अनु॰ इति जीसं.।

२२, १, १२; मीसू ६, ७, ८; -न्तम् काश्रौ ८, ९,४; २२, ६, ६; श्रापश्री १९, २२, १; मीसू ५, १, २४; २,६°; श्राज्यो ४, १२; -न्तस्य पा १, १, ७२; पावा १,१,७२; ३, १,३; ४,१, १; ७, ३,८; -न्ता माश्री १,७, ४. ४१; -न्तात् पावा ३, ३, २१; ४,१,१५; ५, १, २०; २, 934; 3,44;8,8. तदन्त-कर्म-कर्नृ—त्व--स्वात् पावा २,३,६५. तदन्त-प्रहण- -णम् पावा 4,9,20; 9,3,9. तदन्त-त्व- -त्वे पावा १, १, 4;98;39. तदनत-द्विवचन- -नात् पावा 0,7,90. तदन्त-निर्देश- -शात् पावा 0,9,30. तदन्त-प्रतिषेध- -धात् पावा €,9,9₹. तद्नत-विधि- -धिः पावा ४, 3,939. तद्नतविधि-प्रतिषेधा (ध-ग्र)र्थ- -र्थम् पावा १,४, 98. तद्न्ता(न्त-त्र)ग्रहण- -णम् पावा ४,१,१७५; -णात् पावा U,x, c 3. तद्न्ता(न्त-श्र)न्त-वचन--नात् पादा १,१,७२. तद्रन्ता(न्त-त्रा)प्रतिषेध--धस्य पावा ४,१,१४. तद्नतो(न्त-उ)पाधि-प्रसङ्ग--क्रः पावा १,१,७२.

वैप४-तृ-४९

तद-अन्तर् (:) कीसू ६६,२६. तद-अन्तर- -रम् बीध २, ८, १४; काशु १, ३; -रान् काश्री ८,५,६; -रे वैश्री १,२: १३. तद-अन्तेवासिन्- -सिनम् श्रापध १,६,३४;हिध १,२,५६. १तद-अल-- चम् वैश्री १,१५: २तद्-अ(त्र>)न्ना^b- -न्ना निस् 80,9:99. तद्-अन्य- -न्यः भाशि ३९; -न्येष जैश्रीका १२०. तदन्य-परिसंख्यान- -ने मीस १०,७,६. तद्न्य-वनस्पति- -तीनाम् वैश्री ११,१०: १३. तद्-अन्यत्र भाशि ४८. तद्-अन्वय--यात् ऋप्रा ११,९. तद्-अन्वारोहण- -णम् विध 24,98. तद्-अपचार- -रे निस् २,११: 33. तद्-अपत्य- -त्यम् सुधप ८५ : ३; या ६, ३२; -त्याय कौसू ४६,३६; -स्ये गौध ३.७. तद्पत्य-त्व- -त्वम् बौध 2,9,89. र्थ- - थम् पावा ६,२,३३. तद्-अपे(क्षा>)क्ष^b- -क्षः गीध ८,७; -क्षम् मीस् ११,४,२०. तद्पेक्ष-त्व- -त्वात् मीस् ९, 2,37°. तद्-अभाव- -वः मीस् ११, २, ३; -बात् मीस् ६,३,३६; १०, २,५२; -वे काश्री ४,२,२३××; आपश्री; पा १, २,५५; पावा १, 9,84; 19,8,40. तद-अभिधान- -ने पावा ५, १, 9953. ?तद्भिप्र-य - - यात् लाश्री १०, 4,93. तद-अभिप्राय- -यान् बृदे १,३. तद्-अभिमन्त्रण- -णम् अप ३६, 4.2. तद्-अभिवादि(न्>)नी- -नी या २,१६; ५,१४; ९,४;६;२३; १०,२६;३२; १२,१०. तद्-अभिहार^b- -रम् बौश्रौ 28,9:4. तद्-अभिहित-श्रोतृ- -तारः° विध ८,१२. तद-अमीज्या- -ज्या मीस् 📞 2,49. तद-अभ्यास- -सः मीस् ८, ३, 4,9,7,79; 78; 20,6,7%. तद-अर्थ, थीं पावाग ५, १, १२४: -र्थः हिश्रौ १, १, २३; निस् १, १३: ९; गौध; -थंस् श्रामिगृ १,५,१: २८; हिपि; पा, पावा ५, १, १२; पाप्रवा ८, १; -र्था मीस ३,५,३१; ५,३,३०; -र्थान् आपध २, ६, १६; हिध २,२,१७; -र्थे पा ६,१,८२; २, ४३; मीसू ३, ८, २०⁸; ९, ४, २६; १२,२,१९; -थेंन आपश्री २४,४,१९; मीसू ५, ४,६;१३; ११, २, ६६; ४, ४४; -येंबु श्रापध २,१४,३; हिघ २,३,१४; पा ६,२,७१; मीसू ९,१,४१. तादर्थिक- -की कौस् €0.4.

a) °क्रम् इति जीसं. b) विप. 1 वस. 1 c) °पेक्षः इति जीसं. 1 d) पाठः १ तदिभप्रयाणात् इति शोधः (तु. सप्त. तां २४,१९,३) 1 e) °हित-ज्ञातारः इति जीसं. 1 f) चस. वा बस. वा 1 g) °थंः इति जीसं. 1

तादर्थ- पावा ५, १, १२४; -ध्येम् मीस् ९,४, ४८; 20, 9,9; 0, 20; 22, 9, 9; -ध्यति पावा १,२, ४३; ४,३, ६६; मीस् ६,१,२××; -ध्ये पा ५,४,२४; पावा २,३,१३; मीस् ६, २, ५; २२; -ध्येन मीसू ५, 8.5. तदर्थ-गति- -तेः पावा २, 9,9. तद्ध-ज- -जम् ऋपा ११,६. तदर्थ-स्व- -स्वम् मीस् ५, ४,७; -खात् ष्राश्री २,६, १६; आपश्री: पाता ३, १, १३१; ६, 9,97; 6,7,86. तद्रथ-निर्देश- -शात् मीस् 9,9,84. तदर्थ-प्रतिषेध- -धः पावा 2,3,95. तदर्थ-प्रत्यय-प्रतिषेध- -धः पावा १,३,१. तदर्थ-मात्र- -त्रेण पावा २, 9,34. वद्रथ-वचन- -नात् मीस् ५, तद्रथं-वत् "- -वत् मीस् ४, 8,28; 8,0,24; 8,9,22. तद्र्य-वाद-वदन- -नात् श्राश्री ५,१३,९. तदर्थ-शाख- -खात् मीस् १, 2,39. तद्रथ-सूक्त- -कानि अपं २: 90. वदर्था(र्थ-अ)ध्यवसान--नम् पावा २,१,३५.

तदर्था(र्थ-अ)र्थ-बलि-हित-सुख-रक्षित- -तैः पा २,१,३६. तद्-मर्ध,र्धा - -र्धम् शंध ३८२'; ४१०; ४४०; विध; -र्धा अप दर, ३, ५; -ध कप्र २,३, ८; काशु ७, ३३; बौशु १:२८; -धेन अप २१,५,२; ३. तदर्ध-पूर्ण- -र्णः वैश्रौ ११. 9:94. तद्ध-भाज्- -भाक् श्रप 86.2.46. तदर्ध-विस्तारb- -रम् वैगृ 4,3:0. तदर्ध-व्या(स>)साb- -साः बौग्र १४: २. तद्-अर्पित- -तम् निस् २,१०: 99. तद-अई- -ईम् वैगृ ३,१९: ७; ४, १४: १४; -हेंण वैगृ ४, 98:9. तद्-अलाभ- -भे श्रापश्रौ २२. २,१२; ३,१५; वैश्रौ. तद-अवसान- -नात् द्रागृ १,२, तद-अवासि- -सी विध ९६. ₹€. तद्-अशक्ति- -क्तिः मीसू १, ३, तद्-अश(न>)ना°- -ना बौश्रौ १८,४४: १३. तद्-अश्मन्- -श्मनि वैगृ ७, € : ₹. तद्-अश्र-पात-कारिन्- -री विध २२,६०. तद-अष्टक- -कम् विध ४,२.

तद्-अष्टम- -मेपु बौध १, २,८. तद्-असंयोग- -गात् मीस् १०. 4. 46. तदु-असंभव- -वे वैगृ ६, ७:५. तद्-असहन⁴- -ने पावा ५, २, 922. तद-अस्थन् - स्थ्नाम् वैग् ७ 3: 6. तद्-अस्थि- -स्थि विध २२. ७०; -स्थिभिः वैगृ ७,३: १२; -स्थीनि वैगृ ७,३ : ४; ७. तद-अह (न् >) स्- -हस्सु काध २७३: ८. तदहः-स्नात--तानाम् श्रामिष्ट १,३,२:२°. तदहर्-जन-संभा(र>)रा-

-राम् बौध ३,३,२१.
तद्-आकृति^b— -ति अप २३,
२,१.
तद्-आकृति^b— -णे विध ५४,
१४.
तद्-आकृषण— -णे विध ५४,
१४.
तद्-आख्य,ख्या^b— -ख्यः मीस्
२,३,२३; ३,२,२१; -ख्यम्
काश्रौ २२,४,१३;१५; मीस् ७,
४,१३; ९,३,२८; १०,५,५८;
-ख्या काश्रौ १६,३,२०; -ख्याः
काश्रौ २२,४,७; -ख्याम् अत्र ५,
१५, १८, १०,५,०

तदाख्य-त्व- न्त्वम् मीस् ८, ३,१३; -त्वात् मीस् ८,४,२. तदाख्या-मिष्-तस् (ः) श्रश्र ५,१७^ड. तद्-भागम- -मे मीस् ४,१, १५; ४,२२.

a) तु. गङ्गा.। यहा °वत् इति ऋहार्थीयः वतिः प्र. (पा ५, १, १९७) इति विमृश्यम् । b) विष.। वस्त.। c) विष.ः वस.उप. < √अश्राभोजने।। d) तु. पासि.। तस्र सहते इति पाका. भाएडा.। e) सपा. भाए २,१४:८ एतदृह्व इति पामे.। f) षस. उप. = छदान्-। g) °यता इति पाठः १ यिन. शोधः।

तद्-आज्य°- -ज्यम् शांश्री ११, 93,96. तद-आत्मक"- -कम् याशि १, ४३: नाशि २,७,११. तदु-आदान- -नम् विध ३०, 83. तदा(द-आ)दि- दि आश्री १, १२,२६; शंध २६७; पा १, ४, १३: वेज्यो ६; मीसू ५,१,२४; -दिष भाशि ५; मीसू ८, १, १८°; १०, ५, ६७; -दीनि बृदे ८.९३; -दे: पावा ३,१,३²; ४, ३,६०; ५,२,४६; ३,८३; -दी पावा १,१,७२; ६, १, १३; ३, ११५: -द्योः वैताश्री ३२, १४. तदादि-ग्रहण- -णम् पावा ७,३,९; -णस्य पावा ७,३,८. तदादि-तदन्त-विज्ञान-न्नात् पावा १,४,१३;७,१,९६. तदादि-स्व- -स्वात् मीस् १०,५,६; -त्वे पावा १,१,२१. तदादि-वचन- -नम् पावा 2,8,93. तदादी(दि-इ)तिहास- -सः 羽 マ, 4, ४ 0. तदाद्या(दि-श्रा)दि-वचन--नात् पावा १,४,१३. तदाद्या(दि-श्रा)चिख्यासा--सायाम् पा २,४,२१. ,तद्-आदेश- -शम् दाग् ३,४, २८: -शात् काश्री १,७,२७. तद्-आनन्तर्य- -र्यात् मीस् १०, ६,२७. तद्-आनुग- -गम् शंध ३६१. तद्-आपत्ति- -तेः मीस् १०,

7, 40. तदापत्ति-वचन- -नात मीस् 20,6,30. तदु-आयतन^b- -नानाम् श्रप 86,97; 86; 906. तद्-आया(य-श्र)पाय-व्यथन--नानि ऋप्रा १४,१. तद्-आयुस्b- -युषाम् मीस् ६, v.39. तद्-भारम्भ- न्मात् द्रागृ १, ₹,₹. तद्-आरूढ- -ढे हिश्री ७, १, तद-आवपन-श्रुति- -तेः काश्री २५,98,93. तद्-आवृत्ति- -त्तिः मीस् ८, ३, ३; -तिम् मीस् ८,३,७. तद-आवेश- -शात् मीसू ९, २, ४३. तद-आशि(त>)ता- -तायाः काश्री ४,६,9३ª. १तदु-आशिस्->तदाशिष्-ट्व- -ट्वात् मीस् ९, ३, ३८; 80,2,48. २तद्-आशिस्^b- -शिषः ऋग्र 2,6,39. तद्-आशीच-व्यपगम-विध २२,२१. तद्-आधम- > भन्- -मिणः वेध १,१,१३. तदु-काश्रय,या- -यम् पावा २, ४, ८; ३, २, १२४; -या शंध ३५०; -याः बौपि ३, ७, ३; -ये पावा १,१,१. तदाश्रय-त्व- -त्वात् पात्रा

१, १,५०;२,६४. तद्-आसत्ति - -ति: मीसू १०, ६,१०°: -त्तेः मीसु ११,१,४५. तद्-आसन^b- -नः आपघ २, १९,१; हिध २, ५,७३. तद-आहार- -रः बौध ४,५,१४. तद्-इच्छा- -च्छया विध २२, 42. वद्-इति-कर्तव्यता- -तया काथीसं ३५: ३. †तद्-इद्(द्-श्र) थें - -र्थाः याश्री ६,४,१०; वैताश्री २६,५. तिद्रासीय - -यम् शांश्रौ ११, २,६; १५, ८,१. तद्-ईप्सा- -प्सा मीसू ६,३,३५ तदीय- पा १, १, ७४; -यम् वैगृ ५,१३:२०; शुत्र ३,१४३. तद्-उक्त- -के मीसू ४,२,२८. तदक्त-दोष् - - पम् मीस् ९, 2,2. तदुक्त-प्रतिषेध- -धात् मीस् 9.8.34. तदुक्त-संख्या-प्रमाण^b--णानि वैश्री ११,९: १०. तदुक्त-हेतु- -तुः भीस् ९,३, ul: १२,४,२0. तद-उक्ति-रव- -रवात् मीस् €,9,७. तद्-उत्त(र>)रा- -रे बृदे ४, 66. तद्-उत्तरपद्b- -दस्य पावा १, 9.02. तद्-उत्थान-स्यय- -यम् विध 4,04. तद्-उत्पत्ति - - तेः मीस् ६, ३,

a) घस. उप. = स्तोत्र-। b) विप. । यस. । c) एतदा॰ इति कासं. । d) ॰ता इति पाठः ? यित. शोवः (तु. चौसं.) । c) ॰तेः इति जीसं. । f) वैप १ द्र. । g) < तुदिदास (ऋ १०,१२०,१)। h) वस. > वस. । i) ॰क्तो है॰ इति कासं. ।

80; 8, 2, 89; 80, 3, 92; १२,३,२४. तद्-उत्पात--ताः श्रप ५४,२, 4: 44,9, 4. तद्-उत्सर्ग- - मीस् ४,१,३. तद-उद्गतो(त-ऊ)पम-हर्त--र्तारः कीस् ८४,७. तद्-उपकृत--ताः निस् ६,८:४. तद-उपक्रम- -मात् मीस् ५, 9,6: तद्-उपदेश- -शः मीस् १२, १.४३: -शे पावा ७,१,५८. तद्-उपनयना(न-श्र) म्नि--िमना वैगृ ७,१: १५. तद-उपरि गौपि १, ४, १८; वैघ १,९,४. तद-उपरिष्टात् श्रामिगृ ३, ८. १: १५;१६; बौषि १,१४:१४. तद-उपलेपन- -नात् विध ९१, 96. तद्-उपस्प्ट- -ष्टाः निस् २, 93:38. तद्-उपा(ख्या>) ख्य°-ख--स्वात् मीस् ८,१,३२. तद्-ऊन- -नम् ऋपा १३, ३३; मीस १०,३,७२. तद-ऊर्ध- -ध्वम् वीपि २,५,४. तद्ध्वीं(र्ध्व-उ)पयम- -मम् आमिय २,७,६ : १२१b. तद-ऋतु-फल--मिश्र- -श्रेण श्रामिष् १,७,४:९. तद-एकदेश- -शः मीस् ४,२,३. तदेकदेश-त्व- -त्वात् भीसू ११,२,६9. तदेकदेश-विज्ञान- -नात्

पावा १,१,७२; ४,१३. तद-एकान्त-ग्रहण- -णम् पावा ४,२,१०; ५,४,१३५. तद्-एव (> वक- पा.) पा ५, ₹. ६ ₹°. तद-ऐक्य- -क्यम् शैशि १२८. तद-ओजस् - -जाः वौश्रौ २८, ₹ : ४६. तद्-गण- -णः श्रप ७०र, १३,३. तद-गत, ता- -ताः विध १,१३; -तानि बृदे ५,९५. तद्-गामिन्- -मी वौध १, ५, 90. तद्रामि-त्व- -त्वात् वाध १९,३६. तद्-गीति- -तिः मीसू ९, १, १तद्-गुण^d- -णाः आश्रौ १२, ४.१६: -णान् अप ५२,१४,५; -णे पावा १,२,३१; -णै: बौश्रौ 29.6: 24. 9,9,4. तद्गुण-स्व- -त्वम् मीस् १०, २,६; -स्वात् मीस् ५,१,४××. तद्गुण-दर्शन- -नात् काश्री १२,9,9; १३,9,9; २३,9, 4; 28,8,2. तद्गुण-भाव- -वात् श्राश्रौ 0,9,99. तद्गुण-विका(र>)रा--राः वैश्रौ १७,१: १. तद्गुण-व्यतिषङ्ग- -ङ्गात् काश्री १६,१,१. तद्गुण-शास्त्र -स्नात् मीसू

80, 8,80. तद्गुण-संविज्ञान--नात पावा ६,९,१. तद्गुणा(ग्-श्र)नुरोध--धात वैताश्री २८,४. तद्गुणा(ण-श्र)न्वत- -तम वैगृ ३.१४ : ८. तद्गुणा(ए।-श्र)भाव- -वे काश्रौ १४,२,१४; १५, १०,४. तद्गुणा(ग-त्रा)यत्त- -तः बृदे २, ९९. तद्गुणा(ण-आ)श्रित- -तः उनिस् ८: ४२. तद्गुणी / भू > तद्गुणी-भूत- -तः पावा १,१,२०. २तद-गुणe--णाः मीसू १,४,९. तद-गुरु- -रूणाम् गौध ६,३. तद-गृह- -हम् अप ३६, ६, ३; -हे अप ३६,६,२; वैग् ७,५: तद्-प्रह- -हाणाम् श्राप्तिगृ २,५, ताद्गुण्य- -ण्यम् भीस् 9:0. तदु-ग्रहण- -णात् पावा ७,३,१; मीस ३ ७, ५२; -णे मीसू १०, ७.३२: -णेन पावा १,१,२०. तद्-प्राम- -मे वैगृ ७, ५: ११. तद-द!- -दः या ३,१०. तद्-दक्षिण-पार्थ- - भें वैगृ ४, 93:90. १तद्-दक्षिणा^ह- -णस्याम् वैष्ट 8.8:9. २तद्-दक्षिणाb- -णाम् वैश्रौ 20, 36: 4. तद्-दर्शन- -नाय श्रप १, ३२,. - 99.

d) षस: वा b) भाः इति पाठः ? यनि. शोधः। c) भोजमते इति पागम.। a) विष. । बस. । h) तस. उप. g) षस. उप. = दिश्- । e) इस. पूप. = कर्मन्-। f) उप. $<\sqrt{|x|}$ [दाने]। बस. वा। = दान-।

तद्-दातृ- -तृन् ऋग्र २, १०, 900. तद-दासी- -सी हिश्री १, ५, v2. तद्-दिन- -ने वैगृ ५, १४: १. तद्-दिवस-शेष- -पः वौध १. 19,34. तद्-दी(क्षा>)क्ष³- -क्षः काश्रौ 84,6,9. तदु-दु:ख- -खे विध ३,९८. तदु-दूषक- -कान् विध ३,३४. तद-देव - -वः वृदे १,६. १तद्-देवत,ता"- -तः त्रापश्रौ ७,२२,४; -तम् कौस् ९२,२१; -तया कागृ ४७, ११; -ता या १२, ३०; -ताः श्रापश्रौ २०, २४,११; हिश्री १४,६,९; या ७, ४; -ते शांश्रौ १,१६,८;१७,९; १८; काश्री २५, २,२३; -तेन काश्री २४,६,४०; -ती श्रापश्री १९,१८,४; हिश्री २२,२,४.

तद्देवता-त्व- -त्वात् मीस् ९,४,५६^७. २तदु-देवता- -ताः शांध्रौ १५,

9. 8.

तद्देवत्य,त्या — न्त्यः काश्रौ ८,०,२५; बौश्रौ २४,१०:६; बैश्रौ १४,१०:६; बैश्रौ १४,१०:६; बैश्रौ १३,२,०; काठश्रौ ६३; निस् २,१३:२३; न्त्ये बौश्रौ १३,१०:१६; †श्रप १,३८,४; ५; †श्रप ८,४;५; न्त्यै: द्राश्रौ ११,४,२२; लाश्रौ ४,४,२१; १०,२०,९. तद्-देवयजन² — नः वाध्रौ

8,१८: ३१. तद्-दैवत*— -तः या ७,१; -तम् आश्री ७,२,१४; काश्री २५,२, २३°; श्रापश्री; पाग्र ३,११, १०⁴; -ताः बृदे ८,१०३; -ते आश्री ६,६,१८. तद-दैवस्य,स्या³— -स्यम् वौश्री

तद्-दैवत्य,त्या न न्त्यम् वौश्रौ १८, ११:२३; २८, ६:१२; श्रामिग्र ३,९, ३:२०; न्त्याम् स्त्रप्राय ६,८.

१तद्-देश- -शे काश्री २५, १३,२२.

तद्देश-धर्म- -र्मान् विध ३,

तहेइय° - -श्यानाम् श्रप ५८९,४,५. २तद्-देशे - -शानाम् मीस् ९, १,२५; १०,५,६६. १तद्-द्रब्य - -ब्याणाम् काशौ १४,१,१५; श्राप्ध १,८,६; हिध १,२,९४; -ब्याणि शंघ

१७६. तद्द्रव्य-संस्पर्श- - श्रीत् श्रप् ३५,१,१६. २तद्-द्रव्य*- - व्यः मीस् ७, ३,

२तद्-द्रब्य*- -ब्यः मास् ७, २, १६.

तद्-द्वादश- -शम् विध ४,८. तद्-द्विगुणा(एा-श्रा)याम- -मम् बौग्र २० : १०.

तद्-धर्म- -र्मः मीसू ३,४, २०; ६.७, १४¹; २८; १०, ३, ३५; -र्मेण मीस १०,६,५६.

न्तर्य नात् (२,१,१) तद्-धर्मन् - मे मीस् ९,४, ३०६; - मा काश्री १,६,१९; ब्रापश्री २४,३,५३; मीस् ६,१, ४१; ३,२६; -र्माणः वाघ १५, १६.

तद्धर्म-त्व- -त्वात् मीस् १०, ५,२९.

तद्-ध(< ह)विस्- -विषः ग्रापश्री ८,१५,२१.

तद्-ध(<ह)स्त- -स्तम् वैष्ट २.१६: ३.

१तद्-धि(<िह)त^h- -तान् वृदे १,३; -तेषु श्रापध २, २९, ४;

हिंघ २,६,१७.
२तद्-धि(<िह)त!— -तः पा
१,१,३८; ४,१,१७; पावा ३,२,
१५;६०; —तम् शांग्र १,२४,४!;
पाग्र १,१५,२!;३; वैग्र ६४:६!;
वाग्र ३,१!;—तस्य पा ६,१,
१६४×४; —ताः पा ४,१,७६;
६,२,१५५; पावा १३; —ते वृदे
२,१०६; ग्रुप्रा ५,८;२९; अप्रा
३,३,२१; शौच २,८३; ४,१३;
पा ६,१,६१×४; पावा ३,१,
९४४×;—तेषु पा, पावा ७,२,

ताद्धित- -तम् या २,५; ६; -तेन या २,५.

तद्धित-प्रहण- -णम् पावा ७, ४,१३.

तद्वित-पूर्वपद-स्था(स्थ-श्र)-प्रतिपेधा(ध--श्र)र्थ- -थैम् पावा ८,४,३.

तद्धित-बलीयस्त्व- -त्वम् पावा ४,१,१.

तद्धित-लोप- -पे पावा ८, ३.५६.

तद्धित-वचन- -नम् पावा

a) विप. । वस. । b) ॰तत्वात् इति जीसं. । c) ॰देवतम् इति कासं. । d) तस. । e) भवार्थे यत् प्र. । f) ॰मां इति जीसं. । g) तु. गङ्गा. (बैतु. प्रयासं. उत्तरेण समस्तिमिति) । h) तस. उप. १-२६ति – द्र. । i) = प्रत्ययसंज्ञा- वा तदन्त- वा । j) पाभे. पृ ८१ b द्र. ।

8,9,90. तद्धित-विधाना(न-ग्र)र्थ--र्थम् पावा ४,१,१. तिद्वत-समास- -सान् या २, ३: -सेषु या २,२. तिद्वता(त-ग्र)नुत्पत्ति- -तिः पावा २,१,५१; ४,१,१. तद्विता(त-श्र)नत - -न्तम् कौगृ १,१६,१३; अप्रा १,२,१२. तिद्वता(त-म्र)र्थ- -र्थेन पावा 2,9,49. तिद्वतार्थ-निर्देश- -शे पावा ४.१.९२. तद्वितार्थ-प्रतिषेधा-(ध-म्र)र्थ- -र्थम् पावा २,४,१. तद्वितार्थो(र्थ-उ)त्तरपद-समाहार- -रे पा २,१,५१. तद्वितो(त-उ)त्पत्ति- -तिः पावा २,१,५१. तिह्तो(त-उ)दय - -यः श्रप्रा १,१,११. तद्-धु(<हु)त- -तौ मागृ २, तद्-धे(<हे)तु - -तुः मीसू 22,2,26. तद्-धो(<हो)म- -मात् अप 38,96,9. तद-बन्धन-त्व- -त्वात् मीस् 6,9,30. तदःबन्धु- -न्धून् शंध ७७. तद्-बुध्न- -ध्नम् कप्र १,८,२, १तद्-ब्राह्मणb- -णम् वीध ३, २तद्-ब्राह्मण°- -णम् जैगृ २, 6:98.

तद्-भ°- -भम् वेज्यो २६.

तद्-भ(क् >)काª- -काः बृदे 2.03. १तद-भक्ति-> °क्तिन्--क्तिनाम् श्रप ५८^२,४,४. २तद्-भक्ति°- -क्तीनि अप ४८, 934: 989; 984. तदु-भक्ष- -क्षः कीस् १८,२४. तद-भगिनी- -न्यः सुधप८५:२. तद्-भय- -यम् अप ६४, ८,५; 67,90,3. तद्-भर्तृ- -र्तुः विध १७,१९. तद-भस्मन्- -सम वैगृ ६, ४: ८; १५: ९; -स्मना अप ३६, 24,8. तद्-भार्या-पुत्र- -त्रयोः वैध २, १२,१; -त्रेषु गौध २,३८. तद-भार्या-पुत्र-सब्रह्मचारि-सद्- -सद्भ्यः गौध २,४७. तदु-भाव- -वम् वृदे ४, ५०; ऋप्रा १,५६; -वात् काश्री ४, 3,93. ताझाच्य- व्यम् या १३, तद्-भावि(त>)ता- -ताम् बौध्रौ ९,१: ८; १०,१: ७. तद्-भूत- -तानाम् मीस् १, १,२५; -तेषु मीसू ८,२,२९. तद्भूत-स्व - -स्वात् मीस् ५, 3, 22. तद्भृत वचन- -नात् मीसृ 20,9,20. तद्भूत-स्थान- -नात् ११, तद्-भेद- -दात् मीस् २, २, 98;6,9,3;88,9,43;2,90;

तद-आतृ- -तरः सुधप ८५: २ तद्-याजिन्- -जिनः विध ८२. 90. तद्-युक्त- -कम् मीस् १२, १. १७; -क्तस्य मीस् ३, ४, १५; ९, १, १६; - स्तात् पा ५, ३. ७७; ४, ३६; पावा २, ३, २८; ३4; 8, २, ३; 4, ३, ७४: -क्तानाम् ऋपा १, ५८; -क्ते मीसू ३,७,९; ५, ४,१९; ६,७. २७; १०,4,६६0. तद्यक्त-स्व- -स्वात् श्रामिगृ 3,9,9: 4. तद्-युक्ति-प्रतिरूपक- -कै: विध ७.१२0. तद्-योग⁸- -गाः श्रापश्रौ १८. १९, २: श्रापध २, १०, १०; हिध २,४,१०. तद्-योनि-पूर्व-स्व- न्तात् मीसू १०,४,४२. तदु-रक्षण-धर्म->°ध(र्मिन्->)र्मि-त्व- -त्वात् गौध १०, तद्-रस- -सान् वैध ३,१४,५. तद्-(र>)रा'- -रा या ५,9३. तद्-राज⁸- -जः पावा ४, १, ९५: -जस्य पा २, ४, ६२; -जाः पा ४, १, १७४; ५, ३, ११९; -जात् पावा २,४,५८. तद्राजा(ज-ग्रा)दि- -दीनाम् पावा २,४,६२. १तद्-रूप- -पम् लाश्री १०, ५, १३; निस् ३, १२: ३२; ४३; १०,१३ : ६: वैगृ ४, १० : ४; -वैध ३,९,४.

२तद्-रूप°- -पः निघ ३,१३ €,

a) विप. । बस. । b) उप. = २ ब्राह्मण-। c) उप. = नक्षत्र-। d) श्युक्तम् इति जीसं. । e) पितैः इति जीसं.। f) मत्वर्थीयः रः प्र.। g) = प्रथ्ययसंज्ञा-। पस. समासान्तप् टच् प्र.। '

४;२४; -दे काश्री १,७,४.

-पम् शांश्री १३, २, ७; बौश्री; -पाः वैगृ ५, १३: २५; चाश्र १: ८; -पान् श्रप ५२,१४,५. तद्रप-त्व- -त्वात् भीस् २, 9,32; 8,4,3. तद्-रूप-वर्ण-वयस् - -यसम् श्रापश्री ९,१८,५;८. तद-वंश-विनाश- -शः वैगृ ७, 6:99. तद्-वक्त-, -क्न् वाध ३,६. १तद्-वचन- -नात् मीस् १०, २,६८; ५,१,१७; ९,३,२४. तद्वचन-त्व- -त्वात् काश्रौ 8,3,8; 2, 6, 8; 9, 8, 90; ८,३,२८; मीसू ३,५,३५. २तद्-वचनb- -नाः श्राश्रौ १,३, 94. तद-वत् काश्रौ १०,९,३०; १७, १२, ५८; श्रापश्री; पावा १, १, ६९: २, १; ७,१, ९५; पाप्रवा 8,98. तद्वदु-अतिदेश- -शे पावा 2,2,9. तद-वत् - वत् या १२, ३०; -वतः पावा १, १, ५९; -वति शुप्रा ५, ८; -वन्तः या ३, ८; -वान् या ३, १९; ४, ८; १२, २५;३०; पा ४,४,१२५. तद्वती- -ती या ९, २६. तद्वदु-अर्थ - - र्थे या ६,३१. तद्व(द् >)न्-निर्देश- -शात् पावा ५,२,७९. तद्-वयस्b- -यसम् काश्रौ २५, ९, १; बौध्रौ १८, ११: २३; २८, ६: १२; माश्री ३, ५, २; हिथ्रौ १५,८,६; ११. तद्-वर्जम् काश्रौ ४, ११, १०; पावा ६, १, १५४; मीसू ३, €, ₹. तद्-वर्णb- -र्णः निघ ३,१३‡; -र्णम् काश्रौ २५,९, १°; बौश्रौ १८. ११ : २३; २८, ६ : १२; माश्री ३,५,२; हिथ्री १५,८,६; ११; अप्राय २,९; ५,५. तद्-वर्ण-वर्णd- -णैं: वैगृ ४, 93:98. तदु-वर्ण-संकरा(र-अ)भक्य-नियम- -मः गौध ७,२४. तद-वर्तन- -नात् वौध ३,१,२. तद-वर्ष- -र्षात् अप ७१,५,२. तद्-वश- -शेन निम् ९,२: 94; 20,7: 29. तद्-वस्त्रा(स्त्र-ग्रा)दि- -द्रीन् वैध ३,१५,११°. तदु-वहन- -नम् वैध ३,८,७. तद-वार्चक- - कम् मीस् ७, १, 98. तद्-वाचक-त्व- -त्वात् पावा 2,9,44. तद्-वाचिन्- -चिनः पावा १, 9.86. तद्-वाद- -दः काश्रौ १२, ४, तद्-वामिन् - मिनः काश्रौ १९, 2,99. तद्-विकार - -रः मीस् ३, ६, १०××; -रात् मीसू ९,२,४८; -रे मीसू ५,३,१२; -रेषु हिश्रौ 8,4, ६४; ६4; ६६.

तद्विकार-तस् (ः) पावा २, 3,20. तद्विकार-स्व- -स्वात् मीसू 6.9,4. तद्विकारा(र-ग्र)शन- -ने शंघ ४१८; ४२४. तद्-विघात- -तस्य पावा १, 9,38. तद्-विद्! - -विदः विध ९६, ९७;-विदाम् गौध १,२; -विदि मीसू ३,३,५; -विद्भ्यः गोगृ 2,4,93. तद्-विध,धाb- -धा बौध १, २, ४९; विध २९, ८; -धेषु बौध ३,७,१०. तद्-विधान- -नस्य पावा ३, २,८४; ३,१३२; -नात् पावा 3,8,998; 6,8,30. तदु-विधि- -धिः पावा ५ १, १९; पात्रवा ४, ९; मीसू ८, ४, 968. तद्विधि-निर्णय- -ये इंति १,३. तद्-विन्यास- -सः कप्र २, 8,9. तद्-विपर्यास- -सम् कौर ५, २,९; -से पावा २,३,३६. तद्-विप्र्प् - -प्रुषः वैध ३,४,९. तद्-विभक्तिb- -क्तीनि निस् ५, 9:93. तद्विभक्ति-पर-पूर्वb- -वंम् अप्रा २,४,३. तद्-विभाग- '-ो पावा ३, ३, १३७; मीस १०,६,५. तद-विभावित- -तः विध६,२०.

a) विप. । बस. > द्वस. । b) विप. । वस. । c) तु. चौसं. । d) विप. । तस. > बस. । e) °दीन् गृ॰ इत्यस्य स्थाने तद्वस्त्रादिप्राही इति c. । f) उप. $< \sqrt{aq}$ [ज्ञाने] । g) विधिः इति जीसं. q? ।

h) समानविभक्तिः परो वा पूर्वी वा यस्माद् इति बस. द्र.।

तद्-विमोक - के मीस् १२,२, १३. तद्-विमोक - नात् या ३,१५. तद्-विघोग - नात् या ३,१५. तद्-विघृद्ध - -देः लाश्रौ ५,१९,१९. तद्-विघृष्ट - -हात् कौस् ७५,१९. तद्-विशृष्ट - -हम् मीसू ९,१,४१; -षः मीसू ८,३,१०. तद्-विशेष - -पः ऋप्रा १३,८; -षम् आपश्च २,२; हिशु १,२३; -पाणाम् पावा १,१,६८३; -पेग्यः पावा ४,३,१९६. तद्-विशेषक - कः पावा ८,३,६५. तिद्वेषक - कः पावा ८,३,६५.

ताहुशपक-त्व - स्वात् पापा २,१,५७. तद्-विशेषण - -णम् पावा ३, ४,१०२; -णैः पावा २,२,८. १तद्-विषय - -ये पावा ३,२, १०८; ४,२,१०४. २तद्-विषय - -यः पावा ४, २,६६; -यम् पावा १,२,७१; २,२,२९; -यात् पा ५,३,

तद्विषय-ता— -ता पावा १,१,४४.

-यौ मीसू ९,२,५८.

तद्विषय-दर्शन— -नात् पा १,२, ७१;२,२,२९.

तिद्वपय-प्रसङ्ग- -ङ्गः पावा ४,२,६६; ४,२०.

तद्विपय-वचन- -नम्, -नात् पावा ४,२,६६.

तद्-विस्तारो(र-उ)च्छ्य^c--यम् वैगृ ५,३: १५. १३. तद्-डयञ्जन— -नम् श्रापश्री १७,१७,१०; हिश्रौ ३,८,८६; १२,६,४.

तद्-व्यतिक्रम- -मे श्रापध २, २७,६; हिध २,५,२२५. तद्-व्यपदेश- -शम् मीस् १,

४,५. तद्-ब्यवगृहीत– -तानि वौश्रौ २३,३:१७;१९.

तद्-व्यवेत- -तैः लाश्रौ ८, १९,६. १तद्-व्रत- -तम् काश्रौ ७,४,

१तद्-व्रत--तम् काश्रौ ७,४, २२. तद्वत-श्रुति--तेः काश्रौ

१८,६,३१. २तद्-वते — -तः काश्री २५, ४,३७; माश्री ३,१,१५; गीध २४,१२.

तन्-नपात्- -पातम् वृदे ७, ३५.

तन्-नाद- -दः कौशि ७३. १तन्-नामन्- -म वैग्र ३, २२: ७; -म्ना वैग्र २, १: १०; ५, १५: ३; ७, ६-८: ४; अप ३६,१७,१.

तन्नामा(म-त्रा)दि- -दिना वैगृ१,३:२२;४:६. २तन्-नामन्*- -मा बृदे २, १२८; -क्नि पा ४,२,६७. तन्-नाम-गोत्र- -त्राभ्याम् विध २१,३. तन्-ना(मक>)मिका- -काभ्यः पा ४,१,११३.

तन्-नाश- -शे वैश्रौ १८, १९:

तन्-निकामन- -नात् द्राश्रौ १५, ३, १२; लाश्रौ ५, १९, १२.

तन्-निधान- -नात् या २,७. तन्-निभ- -भैः अप ७०^२,१५,

तन्-निमग्न- -ग्नः विध २२, १०;६३.

तन्-निमित्त- -त्तः श्रापशु **१,** ६; हिशु १,१०; -त्तस्य पा ६. १,८०; -त्ते गौध २२,६.

तक्विमित्त-ग्रहण- -णम् पावा १,१,५; २,१,२; ४,१,८८.

तित्रिमित्त-ख- -खात् वाष ४,२२; पावा ५,१,२८; ६,४, ५२;८,२,२; मीसू १,१,२५; ३,९××.

तन्-नियुक्त-कायस्थ-कृत--तम् विध ७,३.

तन्-नियोग- -गाय निसू ३ १०:१८.

तन्-निर्देश- -शः पावा ५, २, ४८; ६,१,८४.

तन्-निर्मातृ - ता या ६,९.

तन्-निर्वृत्ति - -तेः काश्रौ १, ७, १७; ४,३, १०^{१व}; -त्या मीस् ११,१,२७;४,२.

तन्-निवास- -सात् या १०, ४४; ११,४५.

a) पस. उप. = विच्छेद-। b) विप.। बरा.। c) विप.। वस.>द्वस.। d) निवृत्तेः इति पाठः t यिन. शोधः (तु. चौसं.) ।

तन्-निवृत्त्य(ति-श्र)धे- -धेम्
धुध ४.
तन्-निवृत्त्य(ति-श्र)धे- -धेम्
विध ५९,२०.
तन्-निव्ह,व्धि- -प्टः या १४,
३; -प्टया हिथी ४,४,१६.
तन्-निसर्गे- -गीत् वागृ ६,१७.
तन्-त्याय- -येन श्राश्री ६,५,१५.

तन्न्याय-त्व - त्वात् मीसू १,३,१६××.
तन्-मत- -तेन श्रप २२,८,४.
तन्-मध्य - ध्यस्य पावा १,१,७१; -ध्ये काश्रो ५,८,२१;
वैश्रो १४,१०:७××; कौगृ.
तन्-मनस्- -नाः शंघ ८९;
वौघ २,७,६; विध.
तन्-मन्न -न्त्रम् बौश्रौ २९,१९:७; श्रशां २०,४‡; -न्त्रेण

तन्मन्त्रां(न्त्र-श्रं)हो-मुच-चै: श्रप ४६,०,३.
तन्-मन्यु- -न्युम् हिष १,७,
६४.
तन्-मय- -यः वैगृ ५,१:,१६;
-यम् पागृ २,१०,२; श्रप ३६,
२६,१; -यान् अप ५२,१४,५.
तन्मयी- -थी कप्र १,७,

तन्मय-त्व -त्वात् शंध ३४०. तन्-मरण-दिन- -ने वैग् ७,७:९ तन्-मात्र- -त्रम् विध् २३, ३५; माशि २, ११; याशि १,५३. तन्मात्री- -त्री जैग् १,

तन्मात्र-ब्छेद- -दः शंध १७५. तन्-मास- -सम् बौध ४, १, तन्मास-तुल्य- -स्यैः वैगृ 0,4: 4. तन्-मिश्र- -श्रम् निस् १,१: ४: -श्रेः पागृ २,१७,८. १तन्-मुख- -खे काय ३४,६. तनमूख-नि:सृत- -तम् श्रप ८,२,३. २तन्-मुख°- -खाः श्राश्री ४,१, १तन्-मूल- -लम् वैश्री ११, ७: ८; -ले विध ९६, ७३; -है: माश्री २,४,४. तन्मूल-स(क>)का- -का कप्र १,६,९. २तन्-मूल,ला⁵- -ला शंध २६२. तन्मूल-स्व- -स्वात् गौध ६, २३. तल-लक्षण-त्व- -त्वात् मीस् 3,0,96; 9,3,80. तल्-लक्ष्मन्- -क्ष्म बौश्रौ २८, 3: 4. तल्-लिङ्ग,ङ्गा°- -ङ्गाः निस् ५, २: ५: -ङ्गानाम् अप ६५,२,९; -क्ने शांश्री १,१७,५; -क्नेन निस् 4,8:3. तलिङ्ग-त्व- -त्वात् श्रापश्रौ १९,१८,४; २४, १२, ४; मीसू १०,६,२३. तिह्यन-दर्शन- -नात् लाश्रौ E, 8, 22; 82. तिल्लीय- -यान् निस् २, 99: 33. तस्य-निमित्त-प्रकरण- -णे पावा 4,9,36. तस्य-पुनर्-वचन- -नम् पावा 8,3,937. तस्य-प्रकरण- -णे पावा ४, ३, 937. तस्ये(स्य-इ)दं-वचन- -नात् पावा ४,२,९२; ३,१३२. तस्ये(स्य-इ)दं-प्रत्यय- -यस्य, -यात् पावा ४, २,६०. ता-हजू- -हक् आश्री १२, ९, १७: श्रापश्री. ताहग्-विध°- -धेन विध 0, 9. ता-दश- -शः निसू ३, १२: ३१; ४२; भाशि १२८; आज्यो १२, ७; - शम् वैश्री २०, ३५:३; ५; निस्; या ७, ७; -शाः माशि १६, ४; -शानाम् सु ७,३; -शानि आपश्री ९, ९, ११; भाश्री; -शे निस् ३, १२:

३१,२,३.

ताहशी— -शी वैग्र ३,९:६.
तान्वत्— पा ५,२,३९; पाग १,
४,५५^d; —वत् आश्री ७,१,२२;
शांश्री; वौिप ३,७,३°; —वतः
काश्री १४,२,४××; आपश्री;
पावा १,३,११; —वतःऽ-वतः
काश्री २०,२,११; आपश्र;
—वता आपश्री १६,१७,८; वैश्री;
—वताम् आश्री ४,१,९; राषः;
—वति आपश्री ११,५,४; वौश्री;

२९; ४, ७: २१; -शेन अप

a) विप. । बस. । b) चस. उप. = दान-। c) तस. वा बस. वा । d) तु. पागम. । e) वानि

तिहाक संयोग - गात् मीस्

इति छ.।

9, 4, 98.

-बस्सु द्राश्री ६, ४, १५; लाश्री २, १२, १६; -बिद्धः लाश्री १०, २०,९; बृदे २, १०२; -बद्भ्यः वैग्र ३, ७:१५; या १, १२; -बन्तः शांशी ८, २१, १^३†; श्चापश्री; -बन्तःऽ-बन्तः वाग्र ३,७; -बन्तम् वीश्री ८,३: ४‡; माश्री; -बिन्त श्चापश्री ८, ५,४१; वीश्री; -बान् श्चापश्री ७,२,१३; वाध्रुशी.

तावती— -ती बौधौ २, १०: २०; २३; २७; भाधौ; —ती: शांधौ८,२१,१‡; श्रापशौ; —तीभ: माधौ ३, ७, १; क्षस् १,७: १९; २५; —तीम् श्रापशौ २,२,७; बौधौ; —त्यः शांधौ ८, ७, ५××; बौधौ; —त्याम् बौछ १: २१.

तावतिथ- -थम् पा, पावा ५, २, ७७; -थेन काश्रौ ३, १, ९‡; पावा ५,२,७७. १तावति-सृक्त^{2,6}- -काः

श्राश्रौ ८,५,७.

तावत्-काल- -लम् वौषि २.८,७; वैषृ.

तावत्-कृत्वस् (ः) श्रापश्रौ १४,७,१४; बौश्रौ.

तावत्-प्रमाण°- -णी वैश्री ११,९:२.

तावद्-अधः-खा(7 >)ता a - -ताः विध २१,४ c . ताबद्-अन्तर,रा°- -रम् विध ११,२; -राः कागृ ६५,३; विध २१,४.

तावद्-अन्तराल⁴- -ले बौग्र ८,११; हिग्रु ३,१७.

तावद्-अवखा(त>)ता^a--ताः कागृ ६५,३°.

तावद्-अवरार्ध²- -र्धः

बौथ्रौ २४,२३:२. तावद्-दम्म - न्नम् बौथ्रौ १०,४६:३१.

तावद्-वर्ष^d - -र्पान् लाश्री ९,१२,१२.

तावन्-मात्र - न्त्रम् वौश्रौ २९, १२: १२; -त्राः वौश्रौ २६,२३: ९; १०; -त्रेण वौश्रौ १७.२८: १२.

तावन्मात्री- -त्रीः वौश्रौ १९,२: ११.

तावन्-मान - - नम् श्रापश्री १९,२३,१२; वौश्री १३, ३१: ६; २६, ६: १२; हिश्री २२,

तेस्-त्वम्-आदि--वर्जम् शौच २,८४.

१स,सा— †सः आश्री १, २,१; ४, ७,४^e; शांश्री; श्रापश्री १२,१९, ५^t; २३,८^e; श्राप्तिग् ३, १०, ५: १०^{१t}; हिग्र १,५,१¹; कौस ११९, २¹; ४¹; पा ६५, १, ५६××; सःऽसः श्रापश्री १२, २५, ३; बौश्रो १२, ५:१५; सा श्राश्रो १, १०,८ \dagger ; शांश्रो; काश्रो ९,११,९ \dagger E ; पाग्र ३,३, ५ E ; हिंग्य; सो (सः-उ) भास् १, ११.

?तदहर्ती श्रप्राय ६,८. ?तद्दि¹ शौच २,१०५‡.

तद्भ- पाउमो २,१,११३.

श्तिद्विदेय[™] द्राश्रो ९, १,१६; लाश्रो ३, ५,१५

√तन्ⁿ पाधा. तना. उम. विस्तारे; चुरा. उम. श्रद्धोपकरणयोः, १अततनन्त⁰ माग्र १, १०, ८; २२, ३. तन्तते या ४, ११‡; तनोतिः

त्रप्त था ४, ११७; तनाति स्रप्राय १, ५; या १०, २९; †तन्वते पाग्र ३, ३, ५; वाग्रः,
१५ : २१; वाश्रौ १, ३, ५,
११; †तनोतृ द्राश्रौ १, ३, ५,
११; †तनोतृ द्राश्रौ १, ३, ५,
१९; लाश्रौ ४, १२, १;
तन्वताम् माश्रौ ५, २, ८,
२० †; †तनुहि द्राश्रौ ६, ३,९;
लाश्रौ २, ११, ३; अतनुत
भाशि १०२ †; †अतन्वत
स्रापश्रौ १४, १२, ४; वौश्रौ;
†अतन्वन् माग्र १, १०, ८;
२२, ३; वाग्र ५, ९; तन्वीत

a) विष. 1 वस. 1 b) ॰ित॰ इति पाठः ? ॰त॰ इति शोधः संभाव्येत (तु. भाष्यम्) 1 c) सप्त. ॰ श्राधः साताः <>॰ श्राध्यसाताः इति पामे. 1 d) तिह्नितार्थे द्विस. 1 e) पामे. वैष ?, १४४९ ? द्व. 1 f) पामे. वैष ?, १४४८ ? द्व. 1 f) पामे. वैष ?, १४४८ ? द्व. 1 f) पामे. वैष ?, १४४८ ? द्व. 1 f) पामे. वैष ?, १३५ 1 f) सप्त. 1 f0 पामे. वैष ?, १५५ 1 f1 10 वैष 11 12 13 वैष 14 15 15 विह्न 15 16 विह्न 17 18 विह्न 18 विह्न 19 पामे. वैष 19 पामे.

श्रापश्रौ ९, १५, १५; वौश्रौ; तनुयात् कप्र २,२, १२; तनुयुः श्राश्रौ २,१,१८. क्ततान आपश्री १०, २७, १०: या १०, २९: मतातान ऋप्रा ९, ४६; †ततन्थ पागृ १, ४, १३°; भाशि ५४; अत्नत या १२, ३४ 🗗 क्षतिपत या १२,३४. तायते आपश्री ३, ११,२ ;१३, 9,9; बौध्रौ; माध्रौर,२,४,५‡b; वाश्रो १, १,२,२० + b; तायन्ते वाधुश्री २,१०:२; कीस १२७,२. तत्->तत्-वत्-> वन्-नीति --तिः पावा १,४,१०९. .२तत,ता- - कतः शांश्री २, १२, १०; काओं ३, ८, २२; - †तम् श्राश्री ७, ७, ३; शांश्री; -ताः या ८.५% तत-वत्- -वत् या ४,९. ततन1--नात् या ५,१९;६,२८. प्ततन्षि°- - िम् श्रप ४८,११५; निघ ४,३; या ६,१९०. ततन्वस्- -न्वत् या ५, १५. तति- -तिः वौश्रौ २४, ५: १××; निस : -तौ शांश्री ६.१.३: बौश्री. तत्य श्रामिगृ २,४,९:५. †तत्वाय वाध्यौ ४,१०३: ८. †तन्°- †तना° बौश्रौ ११,३:१४; १७, ३४:३; निघ २, १०; ऋपा ७, ३१; तने धाश्री ७, १२.७; ऋप्रा ६,१२.

तनन- -नात् वृदे २,२६.

तनय⁶,या - पाउ ४,९९; पाग ६, ३, ३४: -यः निघ २, २4: - चम अप ४८, ८७: या १०. ज्
 द्रि, १२,६; - † याय श्रापश्रौ
 विकास
 व ५, १२, १^२; बौश्रौ २, १६: ४२; १७: ४; हिश्री ३, ४, १२ : - चे ब्राधी ३, ३, १; शांश्री ५, १७, ९; त्रापश्री ४, १६,५; माश्री ४, २१,४; हिश्री ६, ४,२६; भागृ ३, १२:२०; -येषु या १०, ७+; -यैः वृदे 4.958. तनय-लाभ- -भाय श्राज्यो६,३. र्†त(न>)ना°- -नायाः त्राश्री ४, ७, ४; शांश्री ५,१०,१८. तनि(त >)त्री- -त्री या १२,३०. १तनु^g- (>तनु-क- पा.) पा ५, 8.29. २तन् e'b- पाउ १, ७; पाग २,२, ३८1; ५, १, १२२; - जुना अप ६३,२,६; -नुभ्याम् गौध २, ५०; -नून काश्रौ ८,५,२२. तनिमन्- पा ५, १,१२२;-म बौश्रौ ४,८: ४; ९: ११; वैश्रौ १०, १७:६; १९:५; - इतः। बौधी ४,९: २. तनिष्ट- - हे माश्री १,८,४,१२; वाश्री १,६,५,२५; श्रापश्री ७, १९, १; भाश्री ७, १४, १४. तन्ता-पा ५,१,१२२. तन्-तृणविन्द्-पाग २,२,३८k. तनु-त्व- पा ५, १, १२२; -त्वे पा, पावा ५,३,९१.

तनु-त्वङ्-नख-रोमन्1- -माणः श्राप ६८,१,११. तनु-पुरीष- -पम् बौश्रौ १०. २9: 90; ३७: ५; ४६: २४: १९, ४: १६; वैथ्रौ १८, १२: २१; बौपि १, १६: १२; बौश 28: 5. तनु-प्र(भा>)भ1- -भाः श्रप 42,93,3. तनु-मध्य- -ध्यानि हिश्री ५,४. तनु-मिश्र- -श्रेण माश्री २,१,१, तनु-शि(र>)रा^m- -रा ऋग्र १,५,५; २, १, १२०; अश्र ५, २८; ऋप्रा १६.३५. तन् /क्>तन्-करण- -णे पा ३,१,७६; पावा ३,१,२६. ३तनु,न्°- पाउ १, ७; ८०; -नवः शंध २८६; -तुः वृदे २, २६; -नुभिः वाधूश्री ३, १३: १६; - चुम्यः श्रापश्री ३, ७, ५; भाश्री ३, ६, ९; वैश्री ७, ६: १२; हिश्री २, ४, २७; -नुम् त्रापश्री ८,४,१; बौश्री २७,७: ६ + "; अप ३६, ५, 9; ३; विध १, ३७; बृदे ३, १; - १ नुबः त्रापश्री २,२०, ६; ५,१०, २º; 3xx; 28,98,80; 29,99,50; बोश्रो २, १६:१३°××;१०,२०: ७º: १९,२: २४°: भाश्री ५,५, १५××°; वाधुश्री; हिश्री ३, ३. 39°; 28, 4, 76°; 23, 7, 5°;

a) पृ १९५४ ० इ. । b) पांसे. वैप १, १४५४ ० इ. । c) तु. पास. । = तन्वन्-नीति- यइ. । d) = तनन- (भाप. [तु. दु.]) । = यु. ? । e) वैप १ इ. । f) पांग. पाठः । g) = स्ट्र । h) = इंशन्, स्ट्स । i) तनुतड- इति (काचित्कः पांसे. [तु. साएडा.]), तड-, तनु- इति पांसे. । j) = यकुत्। k) तु. पांगस. । l) विप. । वस. । m) = उिष्णुक्-छन्दो-विशेष-। वस. । n) अप २२,९,२ रवचस् इति पांसे. । e) पांसे. वैप १,१४५५ ० इ. ।

आप्रिय ३, ६, १: १०°; बौपि १,८:९*; - †नुवम् आपश्री १, २५, ९७; १०, ६,६; बौध्रौ १.90: ९bxx; भाश्री १,२६, ७ ××: वैथ्री; हिथ्री १, ६, 4२^b; भागृ २, ३०: १४^c; - चुवा आपश्री १०, ३, ८; बौश्रौ; - † नुवे श्रापश्रौ ४, १६, ५⁰; ५,१५,५; बौश्रौ ३,१२: २३^d;भाश्री ४,२१,४^d; हिथ्री ६, ४, २६^d: पागृ ३, १, ४ª; जैगृ १, २४ : ६ª; - चुवै श्चापधी ९, १, १७⁶; १४, २९, ३1; भाश्रौ ९, १, १७°; हिश्रौ १५,१,१८°; ७, १६1; श्रामिगृ ₹, ६, ₹ : 99e; ७, 9 : 9₹1; बौषि १, ११: १६°; १७: १२1; हिगृ १, १६, ७; - 🕇 नुवी श्चापश्ची ५,१५,२^४; बौश्चौ; -नू जैश्री २३: ८; जेश्रीका ५२; श्रापमं १,११,२‡4; कामृ ३०, ३#:वागृ १६,9 # है तेप्रा ४,५२; - १न: आश्री ३, १०, ६; ८, १३, १२; शांश्री; या ८, ५; - चनुनाम् आपश्री १४,१६,१;

१७,९, १; बौश्रौ; - मन्भिः श्राश्री २, ११, १२; शांश्री; - १ नूम्यः त्रापश्री ३,११,२; बौध्रौ; - मन्म आध्रौ २,१९, ३२^b; शांश्री ३,१७,१^b; काश्री 4, 7, 981; 24, 8, 6h; श्रापश्री; बौश्रौ १,९२:२९¹; वाधौ १,३,२, २१ ; श्रापमं १, २,७1; पागृ २, १, ९1; - मन्यु शांश्रौ १८, ११, २; त्रापश्रौ; -०नो या २, १२; - ‡न्वः श्राश्रौ २, ५, ९××; शांश्रौ २, ११, ३k; ४, ११, ६1; काश्री; माश्रौ १,६, ४, २५^d; वाश्रौ १, प, प, ८^d; द्राश्रौ ४, १,८^m; लाश्रौ २, १, ७m; कौस् ४६, १४1; ७४, १९^d; या ८, ५; - १ न्वम् श्राश्रो ३, ११, ११; शांध्रौ; त्रापध्रौ ७, ६, ५º; ९, ६,३१०; भाश्री ९,८,६१०; माश्री . १, २, ३, २८^b; ७, ३, ४०ⁿ; वाश्रौ १, ६, २, १ⁿ; ६, ११ⁿ; वैश्रौ २०, ११: ४º; या १, 6; 98; 3, 39; 80, 96P; ४०"; - ‡न्वा श्राश्री २, ५,१०: ३,८,१^५; शांश्री; माश्री १, ३, ५, १८¹; ८,३, २९⁸; ४,३६⁸; वाश्री १,५,४,२९⁸; ६,४,३४⁸; माग्र २,४,५⁸; साग्र २,४,५⁸; साग्र २,४,५⁸; साग्र २,४,५⁸; साग्र २,४,७[‡]; -†न्वाम् श्राश्री २,१९, ३२⁴; शांश्री ३,१७,१⁸; -†न्वोम् श्री ३,४,१¹; साश्री; -†न्वोम् श्री ३,४,१¹; सा १४,२६; -न्वे सोश्री १५,२९,३; ६; साश्री २६,४,१२‡; वाश्री १५,५,१३८‡.

शतान्व x — नन्वः या ३,६ $^{+}$ \$.
तनु-कृत् a — -कृद्भ्यः वैश्री१४,
१४: १३ $^{+}$ b.
तनु,اन् c 1-त्यज्— -त्यक् या ३
१४; —त्यजः आप्तिग्र ३,४,४:
११; वौग्र १,५,२९ 2 1; वौषि
३,४,१४;१५; आपध २,२६,३; हिध २,५,१९३; —त्यजा या ३,१४ $^{+}$ \$.
तनु-त्याग—सदश— -शः विध ३,

a) सपा. ऋ १०, १६,४ तन्वः इति पामे. । b) पामे. वैप १, १४५५ प द. । c) सपा. शौ ६, १२४,२ तन्वः इति पामे. । d) पामे. वैप १, १४५६ ह. । e) पामे. वैप १, १४५० ह. । f) पामे. वैप १, १४५० व.स. । g) संहितायां सानुनासिकत्वं द. । h) = सपा. तै १,०, १२,२ में १,१०,३ ऐश्रा १,३,४ । काठ ९, ६; १४, ३; ४५, १२ तु तन्तू इति, शौ ७, ३,१ तन्वां इति च पामे. । i) पामे. वैप १,१४५८ घ. द. । j) पामे. वैप १,१४५० व. । k) पामे. वैप १,१४५६ ह. । l) पामे. वैप १,१४५५ । स्र. । m) सप्र. शौ १०,५,२३ विशिष्टः पामे. । n) पामे. वैप १,१४५५ m इ. । o) पाठः १ व्नाम् इति शोधः (तु. माश्री ३,५५ हिश्री १५,२,११) । p) पामे. वैप १,१४५८ w इ. । q) पामे. वैप १,१४५९ k इ. । r) पामे. वैप १,१४५६ b इ. । s) पामे. वैप १,१४५६ c इ. । t) पाठः १ त्व इति शोधः (तु. ते १,५,१०,१) । u) = सपा. में १,१०,३ ऐश्रा १,३,४ । काठ ९,६; १४,३,४५,१२ शौ ७,३,१ तु तन्वंम् इति, ते १,०,१२,१ त्वाम् इति च पामे. । v) विच इति पपा. । w) पामे. वैप १,१४६ f इ. । x) उत्तरेण संविरार्षः y) पामे. वैप २,३४५ तन्तुकुद्भयः इति पामे. । c¹) या. पाठः । d¹) पाठः १ तनुत्वच् > -त्वचः इति शोधः (तु. सपा. हिष्ट १,२४५ वचः इति पामे.)।

तन्-हविस्"- -विभिः भाश्रौ ५,१३,१५; -विभ्यः भाश्रौ ५, १४, २; -बींपि माश्री ५, १३. 20:98,9. †तनू-कृत्b- -कृतः शांश्रौ ७, १०.१४:-कृद्भ्यः त्रापश्री ११, १६, १६; बौथ्रौ ६,३०: १६; माश्री २, २, ४, २४; हिश्री ७, ८, १७; चात्र ३:२. तन्-जb- -जम् सु २७,५. तन्-त्यक्तृ - न्का या ३,१४. तन्-द्विb- -िषः पागृ २, ६, 90. तन्-देवता- -ताः शांश्री २, ३, १०; -ताभिः शांश्री २,३,१४; -ताभ्यः काठश्रौ १७. तन-नपात्b- पाग ६, २, १४०; -पात् †आश्रौ १,५,२१; २,८, ६; शांश्री; बौश्रीप्र ५४:३°; वैध ४,८,१३°; ऋत्र २,१,१३; या ८,५कुं; -०पात् या ८,६‡; -पातम् श्रापश्रौ २, १७, २; भाश्री २,१६,७; वैश्री ६,७:४; हिश्री २,२,३१. १तानूनपा(त>)ती^d-

-ती निस् ४, ८:२; -तीम् बौश्री १०, ११: ८; ९; लाश्री ६,४,१३; निस् ४,८:४; ९. २तानूनपात^e- -तेषु निस् ४,८: ४. तानुनपातिन्!--तीनि निस् ४,८: ३;६.

तनूनपात्-वत्- -वन्ति या

८,२२2. तन्नपाद् - - दानाम् वैध 8,0,9.

तन्-नप्तृ^b--पत्रा या १०, १८; - †प्त्रे काथ्रौ ८, १, १५; बौश्रौ ६,१९: १; माश्री २,२, १, २; वाध्यौ ४, ५४: ५; वैताश्रौ १३, १६; शुप्रा २, ४७; याशि 8,64.

तानुनप्त्रb- -प्त्रम् आश्री ४, ५,३; शांश्री; काश्री ८, १, १९; हिश्री१०,३,३११1;-प्त्रस्य वीश्री १४, २:५; ९; २१, १३: १९; -प्रे अप्राय ३,१.

तानूनप्त्र-पात्र-वैताश्री १३,१६.

तानृनिष्त्रन् - ष्त्रणः श्रापश्री ११,१,११‡; १३,१८, २; वैश्री १२, २३: ६; १६, 33: 631 तन्-पb- - +पात् k त्राश्रौ ५,२, १४: बौश्री १४,९: २९; हिश्री १०, ८, ४४; वैताश्री १७, ४; कौसू १०८,२. तन्-पा^b- - †पाः शांश्री २,

99, 3; 8,92,301; 8,6,54; श्रापश्री: - पेपी शांश्री १,६,११. क्तन्-पावन् b- -वानः आश्रौ 4, 4, 92; o2; 992.

तन-पृष्ठ"- -ष्ठः चुस् २, १४: १५: - ष्टस्य शांश्री १०,८, २१; -छे वैताश्री ४२, ९; -छी धुसू 2.9: 38.

तनू-पृष्ठय"- -ष्टयः श्राश्रौ ८,४० ₹७.

†तन्-शुभ्रb- - अम् या ६, 994.

तनु-शोभियतृ- -तारम् या ६,

तन्-हविस"- -वींषि काश्री ४, ५.८:१०.७: बौध्रौ २.७: २३. तन्स^b- पाउ २,११७.

तन्ति,न्तीb- - मन्तिः हिगृ १, २३, १; गो २, २०; -न्तिम् श्रापश्री २१,८, २; हिश्री १६, ३, ३७; हिग् १, २३, १4; गो २,२० +; - + न्ती गोगृ ३,६,७; द्राय ३,१,४९; -न्तीम् गोय ३, ६,७; द्रागृ ३,१,४९.

†तन्ति-चर^b- -रः श्रापश्री ३,४, ८; बौश्रौ १,१९ : ८; भाश्रौ ३, ४,९; माश्री १,३, ४, ३; वाश्री १, ३, ५, १७; हिथ्रौ २,३,४९; गोगृ १,८,२७; द्रागृ २,१,२६. तन्ति-पाल- पा ६,२,७८. तन्ती-विहरण- -णम् गोगृ ३,६,

१तन्त्b- पाउ १,६९; - मन्तवः श्राश्री ३, १४, १०; शांश्री; - † न्तवे काश्री ३, ८, २३; श्रापश्री; -न्तुः शांश्री २, १२, ९ +××: काश्री; या ६, १२; -न्तुना अप ५८^२, ३, २; - + न्तुभिः द्राश्रौ ११, १, ६; लाश्री ४,१,६; - मन्तुम् आश्री १. ११, ९××; शांध्री; -न्त्

c)=प्रवर-विशेष-। d)=ऋच्-। a) = तन्-ह°। °नृ° इत्यपि मूको.। b) वैप १ इ. I e)=तानूनपातिन् । मत्वर्थीयः अन् प्र. । f) मत्वर्थीयः इनिः प्र. । g) मत्वर्थे साऽस्यदेवतीयः अण् प्र.। i) 'प्रम् इति पाठः ? यनि. शोधः । अच्प्र.। h)= त्राज्य-विशेष- श्राश्री, काश्री, प्रमृ.।। शेषं वेप १ द्र.। j) तन्॰ इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. श्रापश्रौ.) । k) पाभे. वैप ?, १४६० m S द्र. । l) पाभे. वैप ?, १४६१ c द्र. । m) = सोमयाग-विशेष- । बस. पूप. श्रर्थः $\stackrel{?}{!}$ । n) = Lतनूशब्द-युक्त-। इविर्-विशेष- ।

कीस् १०७, १; —न्त्न् श्रापश्री २१, १७,९; हिश्री; —†न्त्नाम् श्रापश्री १,१२,८; हिश्री १,३, २९; —न्तोः शांश्री १५,२४,१‡; —न्त्वा शुश्र १,१६८‡; —न्त्वोः कौस् ९३,१५.

तान्तव° - - वस् वाध २,२५; ११,६७; - वे पावा ७,३,४५. तन्तु-न्नय - - यम् कप्र १,१,२. तन्तु-मत् - - मते आपश्री ९,८, ५; बौश्री; - मान् बौश्री २७,६: २३; वैश्री २०,१५: १०;३२:

तन्तुमतीb- -ती बौश्रौ २७, ११ : १८; २०; २९, १ : १२; -ती: श्राप्तिगृ २, ६,५: ५××: बौगः; -तीम् बौश्रौ २७, ४: १८; वैश्री २०, ३९: ?; -त्यः बौध्रौ २८, ११: १०; -त्या बौश्रौ २९, ७:६; ८: १६: -त्यौ माश्रौ ५,१,२,१६. तान्तुमत°- -तः श्राप्रिगृ २, ६, ५: ७; बौगृ २, ९, १०; भाग ३.१५: १६; २१: १०. तन्त-वाय - -यः वैध ३,१४,१. तन्त-शब्द⁶- -ब्दाः बौधौप्र 32: 4. तन्तु-ग्रुक्रपटो(ट-उ)पम¹- -माः व्यव ५२,१३,२. ?तन्त्व(न्तु-ग्र)प्र- (>तन्त्वप्री-य- पा.) पाग ४,२,१३८.

१तन्त्र8- पाउभो२,३,८५; पाग ५,

२.३६h; -न्त्र¹ काश्रो १, ७, ७;

-न्त्रम् शांश्रौ १४, ३९, ५××; काश्री: -न्त्रयो: निस् ६, २: २३××; -न्त्रस्य श्राश्रौ १, १, ३; बौथौ; --त्राणाम् श्राश्रौ १२,१०,२: कौशि ७५: -न्त्राणि बौश्रौ २०, १९ : ८; २४, ११ : ९: निस्: -न्त्रात् बौधौ २३, ६ : १२; पा ५, २,७०; -न्त्राय वौधी २०, ३: २१; -न्त्रे श्राधी ४, १, ९; शांश्री; -न्त्रेऽ-न्त्रे बौश्री २०, ३: २२; २१, ८: ३९: -न्त्रेण काश्री १६, ७, १७××; बौश्रौ २३, १९: १७; निस् ८,२: ११; -न्त्रेभ्यः निस ८,११: २२; -न्त्रेष बौश्रौ २०. १८: ७; निस् ८, ५:६.

तान्त्र!— न्न्त्राणि या ८,७. तान्त्री— न्न्त्रीः त्र्यापश्रौ १४,१२,६; — न्त्रीणाम् त्रापश्रौ १४, १२, ५; हिश्रौ १०, ६, ८; मीस् १०,८,४९^k.

तान्त्रिक- -कः श्रप्राय २,५. तन्त्र-क- पा ५,२,७०. तन्त्र-क- पा ५,२,७०. तन्त्र-करण- -णे वीश्रौ २०, १८: १०; १९: ५,९: २३: ५,९: २४. तन्त्र-त्तर- -रम् निस् ५,८: ७ण; ६,७: २३; ७,४: ४३. तन्त्र-ता- -ताम् श्राश्रौ ११, १,१५. तन्त्र-नियम- -मः मीस् १२, ३,३.

तन्त्र-भाव- -वः मीसू ११. २ 99: 8.39. तन्त्र-भू(त>)ता- -ताम अञा 20,94. तन्त्र-भूय- -यम् बौश्रौ २४.३: तन्त्र-भूयस्-रव- -रवात् मीस् १२,३,9. तन्त्र-भेद- -दः मीस् ११, ४, 98; 82, 9, 2: 2,94. तन्त्र-मध्य- -ध्ये मीसू १२. 9.3: 3,90: 33. तन्त्र-लक्षण- -णम् शांश्रौ १. १६,६; लाओं ६,९,१३. तन्त्र-विकार- -रः श्राश्रौ २. 98.98. तन्त्र-विधान- -नात् मीसू ११, 2,98; 20. तन्त्र-विलोप- -पः लाश्रौ ९. 99,93; 94. तन्त्र-शेष- -षम् आमिए २, 4,8:94. तन्त्र-समास- -सः बौश्रौ २०. १८: २३: २२: १: -से वौश्रौ 2. 0: 30; 20, 96: 33; 22:9. तन्त्र-स्थ- -स्थः निस् ९, २: ३२. तन्त्र-स्थान- -नम् बौश्रौ २४. 3: 4. १तन्त्र-स्वर-> १तन्त्रस्वर"--राणि श्राश्रौ २, १५,१६.

तन्त्र-हर,रा- -रया बौधौ २२.

a) विकारार्थे अण् प्र. । b) = आहुति-विशेष- । c) विष. । तस्येदमीयः अण् प्र. । d) नाप. । उस. । e) विष. । वस. । f) विष. । इस. > वस. । g) भाप., नाप. (शास्त्र-, सामन्-, १प्रवाणी- [पा प, २, ७०]) । वेप १ द्र. । h) तन्त्र-, विष्न- इति भाएडा. [पक्षे], पागम., विष्नतन्त्र- इति भाएडा. पासि. । i) = तन्त्रेण । j) विप. । तस्येदिमित्यादार्थे प्र. । k) ॰ द्री॰ इति जीसं. । l) उप. $\sqrt{\pi}$ 1 + प्ट्न् प्र. (पाउ ४, १५९) । m) शोधार्थ प्र. । n) मत्वर्थीयः अच् प्र. ।

१२: ११; -राणाम् बौश्रौ २१, 9: 38. तन्त्रा(नत्र-त्रा)कृपार^क- -रम् निसू ९, ५: ३४. तन्त्रा(न्त्र-ग्रा)दि- -दिषु वाश्रौ 8,9,4,9. तन्त्रा(न्त्र-ग्र)न्तर- -रे कप्र ३, 0, 6, तन्त्रा(न्त्र-श्र)न्वित- -तानि निस् ४,१२: १४; ५,२: १९; ७: १६; -ते निस् ९,२: २९. १तन्त्रा(न्त्र-ग्र)पवर्ग- -र्गे वौश्रौ 20,3: 23. २तन्त्रा(न्त्र-ग्र)पवर्गb- -र्गः मीसू ११,३,७. तन्त्रा(न्त्र-ग्र)पेत- -तः निस् ९, २: ३३. तन्त्रा(न्त्र-श्रा)यिन् c- -यिणे शांश्रो ८,१५,१२‡; द्राश्रो १४, ३.५ª: लाश्री ५,७,४ª. तन्त्रा(न्त्र-श्र) थे- -र्थस्य मीसू 22.9.3. तन्त्रा(न्त्र-ग्र)विलोप- -पः निसू ५,११: १९; ८,८: २०. √तन्त्रि>तन्त्रयित्वा वैगृ ६, E: 8; 0; 0, 8: 9. -तन्त्रित- पा ५,२,३६. तन्त्रन्->°न्त्रि-समवाय- -ये मीस १२,१,१. तन्त्री 🗸 भू > तन्त्री-भाव--वात् श्रापथी २१,३,२; भाशी ६,१७,४; हिश्री १६,१,३६. तन्त्रै(नत्र-ए)क- -कम् वाध

23.83. तन्त्रो(न्त्र-उ)पधि- -धिना निस् 9,0:94. तन्त्र्य, न्त्र्या - न्त्र्यम् निस् ६, ८:६; -न्याः माश्रौ १, ५, 4,8. २त(न्त्र>)न्त्री°- पाउ ३,१५८; --- त्रीभिः वौध्रौ २३,११: २९; -न्ध्या कौसू ३२,१२. ३त(न्त्र>)न्त्री'- -न्त्रीम् काथौसं २८: १; -न्यः द्राश्री ११, १,२; लाश्री ४,१,२. १तन्यत्- पाउ ४,२. †तन्वत्- -न्वन् श्राश्रोष १, ११, ९××; शांश्रो; त्रागृ ४, ६,७⁸; -न्वन्तम् बौश्रौ १,९: १४; नाशि १,६,१९. तन्वत्-इयामाक- -कम् कौस् ७४,१६. तन्वान- -नस्य निस् २,७:१७. तान- पावा ३, १, १४०; -नः काश्री १, ८, १८h; भासू ३, २७^{१ h}; २८^h; -नाः नाशि १, २, ४¹, -नान् नाशि १,२, ८1; -नेन वैताश्री ३०,२७h. तान-राग-स्वर-ग्राम-मूर्च्छना--नानाम् नाशि १,२,२. तायमान->°न-रूपb- -पाणाम् श्राश्रौ ७,१,११; -पाणि शांश्रौ १३,२४,१६;१८.

तन्यु°- -न्यवः या ४,१९ . तन्- प्रमृ., १-३तनु- √तन् द. धतनु k −[> तानव्य− (>°व्याय-[न>]नी-) पा.] पाग ४, १, 904:96. तनुतड- २तनु- टि. इ. तनुल- पाउना ५,८. तन्तस्- (>√तन्तस्य पा.) पाग ३, 9,20. तन्ति,न्ती−, १तन्तु- प्रमृ. √तन् इ. २तन्तु k - $[>तान्तच्य-(> <math>^\circ$ च्याय [न>]नी-) पा.] पाग ४, १, 904;96. √तन्त्र् पाधा. चुरा. श्रात्म. कुटुम्ब-धारणे. १-३तन्त्र- प्रमृ. √तन् द्र. तन्थी(>तन्थी√कृ पा.) पाग १,४, √तन्द् >तन्द्र->तन्द्रा¹- पाउना २,१५; पाग ५,२,३६; -न्द्रा नाशि २, ८,२९^m. तन्द्रा-विन्"- -विणम् बौश्रौ ९,८:२० ई. तन्द्रित- पा ५,२,३६. √तन्द्र>तन्द्रालु°- पा ३,२, √तन्द्रि, तन्द्रयते शांश्रौ १५, 99,94. तन्द्र°- पाउ ४,६६; -न्द्रिः बौश्रौ 2,4: 7. तन्द्री- पाउमो २, १, २४२; -न्द्री आज्यो १२,१०; -न्द्री**म्** गौषि १,५,६. d) ॰यणे इति पाठः ? यनि. शोधः

a) साम-विशेषयोः द्वस. । b) विष. । aस. । c) वैष १ द. । d) ॰यणे इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. मा ३८, १२) । e) = वीणा-, वीणा-गुण- । $\sim \sqrt{\pi}$ न्त्र् इति पाउः । f) = स्नायुमयरज्जु- । g) पाभे. विष १,१४५४ f द्व. । h) = एकश्रुति- । i) ततः इति पाठः ? यिन. शोधः । f) = संगीत-स्वर- । f0 विष १,१४५४ f1 द्व. । f1 वाप्त । f2 वाप्त । f3 वाप्त । f4 वाप्त । f5 वाप्त । f7 वाप्त । f8 वाप्त । f9 वाप

तितनिषु - - षुम् या ६,१९.

√तन् (=√स्तन् ।शब्दे।)> शतन्य-

तु°- -तुः या १२,३० म.

n) विनिः प्र. उसं. (पावा ५,२,१२२)। 0) पाप्र. <√तन्द्रा इति।

श्तन्नोकस्यामानोः वाघूऔ ४,६४:४. १तन्यतु – √तन् द्र. २तन्यतु – √तन् (=√स्तन्) द्र. १तन्यन्तः अप ४८,११६. तन्य°-> २तान्व°- -न्वः ऋग्र २, १०,९३. १तन्वोपप्ठवमध्य°- -ध्यैः बौश् ६:

90. √तप्⁰ पाघा. भ्वा. पर. संतापे; दिवा. श्रातम, दाहे ऐश्वर्ये च; चुरा. उम, दाहे, तपति श्राश्री ८,१३, १४: शांधी १४, २४, ३; १५, २४, १+; १६,३, १०; बौध्रौ; तपन्ति बौश्रौ १, ८: २१; सु १७.9: †या २,२२; ४,६; ६, ३२: तपामि वैताश्री १४, १4; तपत् आश्री १, १२, ३४१ + व; तपः आश्रौ १, १२, ३४ वं; नेतपत् आपश्री १४, २९, १⁶; श्रामिग्र ३,६, १: ९; बौपि १, ८:८; तपन्तु आश्री २,१२,२१ +; †तपस्व आपश्रौ १४, २९, ३¹; हिश्री १५, ७, १६1; श्रामिग्र; †तप.>पा.पो (पा + उ) शांश्रौ ५.९.१०: श्रापश्री १४,२९,३^{३६}; बौधौ ९,७: १४^{१६}××; भाधौ: माधौ ४, २, १८१ हिश्री १५,

७,१६ पह: तपध्वम् बृदे ६,१४०; तपत>ता तेष्रा ३,१२ . तेपे शांश्रौ १४,१२,२; ऋश्र २, १०,४७; बृदे ५, १५५; ७,४९; तताप वैताश्री ४, ८ ; तेपिरे या १४,८;९; तेपुः वृदे ६,१४१. तप्यते आपश्री २१, २०, ३4; २३, १४, ३; बौश्रौ; तप्यति वाघ २७,५; तप्यामहे कौस् ५७, २३; तप्यताम् वाश्रौ १, ३, २, 96十; 唐翔 年, 3, 90十17; तप्यतु वाध २५,५; तप्यन्ताम् माश्री १, २, ५,८ +1; +तप्यस्व श्चापश्रौ १, १२, ३; बौश्रौ; क्तप्येथाम् बौध्रौ २०, ८: २३: माश्री १, २, ३, ८; **†तप्यध्वम्** श्रापश्रौ १,२३, ६; बौश्री १,८: १८; २०,८: २३; भाश्री १, २४, ९; हिश्री १, ६, २१: अतप्यत शांश्री १६, १५, १: बौश्री. तापयति कौसू २६, २५; २९, २२: †तापयामसि माश्री १,२, ५, ८k; वाश्री १, ३, २,१८k; हिश्री ६,३, १७k; तापयेत् श्रप ३१,९,४; ५; वैध ३,२,६.

काग ४,२०[†].

†तप(प-ऋ)पिं^m - पीं च आक्षिण २,६,३:३७; वौध २,५,३७.

†तिषष्ठ - -०ष्ठ आपश्रौ १४,२९,३; हिश्रौ १५,७,१६; अप्राय ५,६; -ष्टैः या ६,१२.

तिषष्ट-तम- -मैः या ८,१९. तपत्- -पतः बौधौ १८,५२ : १५; -पन्तः बौधौ ९,७ : ३‡.

१तपन,नाⁿ- पाग ३, १, १३४;
 -†ना° श्रापश्रौ ४,६,४; भाशौ
 ४, ९, २; हिश्रौ ६, २,१५; -ने
 मैश्र २१[†]

तपन-मन्त्र- -न्त्रम् वौश्रौ २०, ८: २२.

तपनीय q - यम् अप ११,२,१. तपनीय-व (\hat{v}) \hat{v} विध ९९,३; ७.

२तपन r — > तापनीय s — -याः चव्यू २ : ३५.

तपन्त⁽— -न्ताय काग्र ४, २० †. १तपस्^{*}— पाउत्र ४,१८९; पाग ४, ४, ६२; —पः शांश्री ४,१३, १×׆; काश्री; माश्री २,३,७, ४†[॥];शंघ १०७†^०; बौघ २,१०, ३२†^०; —†पसः काश्री ७,८, १९; श्रापश्री; काग्र ४१,१९^१ण;

a) वैप १ द्र. । b) अर्थः ब्यु. च?। पस. >पस.,तन्व-=तन्, उपप्छव-= अन्त इति द्वारिकानाध्यण्या। c) या ६,३,११ पा ३,१,८८;२,४६; पावा ३,१,८७ परामृष्टः द्र. । d) पामे. वैप २,३ खं. तमत् रे, तमः तैन्ना ३,०,२,७ टि. द्र. । e) पामे. वैप १,६३९ g द्र. । f) पामे. वैप १,१४६ k द्र. । g) सकृत् तपा इति पाठः? सकृत्व पामे. वैप १ तुव ऋ ६,५,४ टि. द्र. । h) शोधार्थं वैप १,१४६ a द्र. । i) पामे. वैप २,३ खं. शोचतु तैन्ना ३,७,६,१९ टि. । j) ता॰ इति पाठः? यनि. शोधः (तु. वाश्री.) । k) पामे. वैप २,३ खं. नाश्चामित तैन्ना ३,३,२,१ टि. द्र. । l) =देन्नता-। m) नाप. । कस. । n) माप. विप. नाप. च। o) पामे. वैप १ पिर. तपनाः पे १३,१०,९ टि. द्र. । p) अर्थः ब्यु. च? = प्रकरणः निशेष- इति संभाव्येत । q) = प्रवर्णः । अर्घा छे छे छे प्र. (वैतु. अमा. करणे अनीयर् इति)। r) =ऋषि-विशेष- । व्यु.? । s) तेनप्रोक्तमधीत इत्यें छण् प्र. छसं. (पा ४, ३,१०२)। t) कर्तिर झच् प्र. (पाउ ३,१२८)। u) पामे. वैप १ मनसः तै ३,२,८,२ टि. द्र. । v) = व्याहृति-विशेष- । w) सकृत् तपः इति पाठः? यनि. शोधः (तु. सपा. आपमं २,२,१० प्रमृ.)।

१तप- पाग ३, १, १३४; -पाय1

शुप्रा ३,२७^a; -पसा आश्री ३, १२, २७^a; शांश्री; आग्निए ३, ६, १: ९^b; माए २, १२, ६^c; -पसाम अप ३८,१, १; वैध २, ५,९; -पिस शांश्री १६,१५,१; आपश्री; -†पसे आपश्री १५, ७, ३; २०, १, १७; काश्रीसं; -पांसि वाध ६, २; वौध.

श्तापस- पा ४,४, ६२; ५, २,१०३; -संः बौध ३,३, १९; २०.

तापसी- पाग २,१,

vo.

तापसा (स-म्र) पसद्वे— पाग २,१,५३. तप:-कर्मक— -कस्य पा ३, १, ८८; पावा ३,१,८७. तप:-क्षय— -ये श्रप ४२,२,१३.

तपःक्षय-जन्म-प्रापक°— त्व- -त्वात् वैध १,९,१४°. तपः-पूत- -तः विध ८३,११. तपश्-चित् '- -चिते वौधी १०, २३: १५; वैधी १८,१४:३३.

तापश्चित⁸— -तम् आश्री १२, ५, ११; १३; शांश्री; —तस्य काश्री १७, ११, १२^b; लाश्री १०,१३,१; —तानि आश्री १२, ५, ८; —ते काश्री १७, ७, १४; श्चापश्ची १७, २६, ३‡; वौश्ची ९,१२: २४; लाश्री १०,

तापश्चित-विकल्प--ल्पः काश्रौ २४,७,२७.

तपश्चिताम्-अयन्। - - नम् श्चापश्री २३,११,१; -नेन बौश्रौ 20.33:9. तपः[,स्¹]शब्द- -ब्दः श्रापध १,५,9; हिंध १,२,9. तपः [,शू*]-शील¹- -लः वैध १,७: ५; बौध २,६,१७; गौध 3, 24. तपसादे^m काश्रीसं ७ : २. †तपस्-पति- -तिः बौश्रौ ६, १९: ५; वैताश्री १३,१८ª. √तपस्य पा, पावा ३,१,१५. तपस्यमान- -नान् या २, १तपस्य,स्या- -स्यम् बौध २, ३, १; - ‡स्याः त्र्यापश्रौ १०. १४, १; बौधी २८, ९: १८; वैश्री २१, २: ५; -स्याभ्यः काश्री २५, ११,२९ . तपस्-वत् - वते शांश्री ३, १९, १५; आपृथी; -वान् आश्री ३, १२,२६; माश्री १, ४,१,२७^{‡0}; वाश्री; श्रप्राय ५,६ .

तपस्वती – तीम् ग्रप्राय ५,१ तपस्-विन् पा ५,२,१०२; —विनः वाश्रौ ३,२,५,३५; शंध; —विनम् शांग्र १,२,६; विध ३, ७०; गौध ११,१४; —विनाम् ग्रप ५८²,४,५; विध ९९,१४; —विने ग्राश्रौ २,१,४; या २,३; —विनौ नृदे ५,१५०; —च्वी ग्रापश्रौ ४,५,३; १०,१२,२; २१,१,९०; माश्रौ ४,६,६××; वाश्रौ.

तपस्विनाम्-अयन्।-हिथ्री १८,४,११. तपस्-संयोग- -गम् वैध २, 4. 4. क्तपो-जा- -जाः श्राश्री ५, ६, १२: ७२: ११२; श्रापश्रौ. तपो-धन,ना'- -ना सु ३, ४; -नैः श्रप २२,८,३. त्तवो(पस्-श्र)धिक¹-आग्निगृ २,७,१०: १४. तपो-निधि- -िधः श्राज्यो १३, तपो(पस्-ग्र)न्त! - -न्तम् विघ 94.94. तपो-बल- -लात् शांग्र ४, ५, १५: ऋश्र ३,४. त्यो-मध्य1- -ध्यम् विध ९५, तपो-मय- -यम् सु २७,२; वाष ६, २६. तपो-मूल1- -लम् विध ९५, तपो-युक्त- -कः आपगृ १८, १; ३; श्रप ३,३,५. तपो (पस्-श्र)र्ध- - धम् सु २,५; ६; -धॅन सु १,३. १तपो-लोक^p- -कम् शंध ११६ : ६६. तप्य- न्पोः ऋप्रा ४,६३ . तपुषि,षीव- -िषः या ६, ३ई; -षिम् या ६,३ +; -षी निष 2,934.

a) पासे. वंप १, १४६५ f द्र. i b) वैप १,१४६५ k द्र. i c) . o

तपुस्*- पाउ २,११७; -पुः या ६, ११+ं० तपुर-मूर्यन्*- -र्धा श्रापश्री १४, १७, १+; हिश्री १५, ५, १+; ऋअ २,१०,१८२ .

तस्र, सा— -सः श्राश्री ४, ७, ४ ३; शांश्री; —सम् श्राश्री ४, ७, ४ ३; शांश्री; —सस्य माश्री २, २, १, ९; —सा वाध्रुशी ३, २८: २; —साः वौश्री १९, १०: १४; —सानाम् काठश्री ८९; —सानि गोध २३, २; —साभिः श्रापश्री १, २४, ५; भाश्री; —साभ्यः माश्री १, २, ३, ९; वाश्री १, ३, १, ८; —साम् माश्री ६, १, २, २३; —सं श्रापश्री ८, १, ३, २३; —सं श्रापश्री ८, १, ३, २३; —सं श्रापश्री ८, २, ५; वौश्री ५, १: २७; भाश्री; —सेन पाग्र-२, ८, ६; वौध १, १०, १८.

त्तस-करम्भ-वालुक°- -काः शंध ३७४.

तस-कृच्छ्र्ये — - ∲च्छ्ः वाध २१, २१; बौध २,१,६३; ४,५,१०; विध ४६,११; —च्छ्रम् काग्र ६, १४; वैग्र ६,१६: १८; ७,४: १३; वाध २१,१८; शंध ३९०; ४१६; ४४७; विघ ४१,५; ५१, २८; ५४,१७; सुध ४८; ६३; सुधप ८५: २; —च्छ्रेण शंध ४४०; ४४९; विध २२, ५८; ४०, २.

तसकुच्छू-सहित- -तम् वाध २३,१६.

तप्तकृच्छा(च्छ्-श्र)वसान--ने

श्रप ३३,४,२. तस-तम— -मै: या ६,१२. तस-तर— -रेण वाध्युश्री ३,२८: ३.

तस-रहस- पा ५,४,८१. तस-वत°- -तः त्रापओं ११,२, २; वौश्रो ६,१९:२४; भाश्रो १२,२,५; वैश्रो १२,२४:२; हिश्रो १०,३,३४; -तौ माश्रो

२,२,१,४७. तप्त-शर्करा-- -राभिः कौसू २५, २६.

तप्ता(प्त-श्रा)तङ्कय*- -ङ्कयम् माश्रौ २,५,१,२‡.

तसातद्वय-शीतातद्वय--क्वये माश्री २, २,५,२९. †तसा(स-त्र्य)य(न>)नी⁸--नी' काश्री ५, ३, २२; माश्री १, ७,३,१५; वाश्री. श्तसो(स-उ)दक- -केन भाग्र १, २५:१७. २तसो(स-उ)द(क>)का⁶- -का

शंध ३७४. तप्त्वा शांश्री १४,६,१××; बौश्री.

तप्यमान,ना- -नः श्रापश्रौ १०, १२: ३; -नम् श्रप १,३८,२‡; श्रशों ८, २१ ;- †ना श्रापमं २, २०,३५; पाग्र; - †नाः बौश्रौ २६,९: २२; भाश २३,

ताप- -पेन वाध २५, ६; बौध ४, १,२६.

तापन- -नम् शंध १६५; विध ४३,

तापियता द्राय ४,३,३. ताप्यमान- -नम् वैताश्रौ १३,३०. तेपान- -नात् वाधूशौ ४,९४: २; ९४^२-९४^५: १.

१तप- √तप् द्र. २तप¹- -पाय बौश्रौ ७,१६:३२‡. १-२तपन- प्रमु: √तप् द्र.

श्तपवर्गनिमित्तामावात् अप्राय ४, २.

श्तपश्चात्¹ वाश्रौ २, २,१,५. १तपस्- √तप् द्र.

‡२तपस* - -पः काश्रौ १७,१२,२१; श्रापश्रौ १७, ४,५; वौश्रौ १०, ४४: १४; वैश्रौ १९,४: २०; हिश्रौ १२, १, ३४; आपमं १, १०,८ ६; श्राप्तिग्र १,०,४: ११ ६; वौग्र २, १०, ७; वैग्र ४,८: ७; वेज्यो ६६; -पसे भाश्रौ ८,१४,

३तपस्¹->२तापस¹- -सः बौश्रौ १७,१८: १; वाधृश्रौ ३, ५१: २; बौगृ; -‡साय कागृ ४,२०; गौध २६, १२.

१तपस्य- √तप् द्र.

†स्तपस्य⁹— स्यः काश्री १७, १२, २१; आपश्री १७, ४,५; बौश्री; आपमं १, १०,८[™]; आप्रिए १, ७,४:११[™]; बौग्र २, १०,७; वैग्र ४,८:७; —स्याय बौश्री ७,१६:३९; भाश्री ८,१४,६; माश्री २,४,२,१३.

तपु-, तपुषि, षी-, शतपो-लोक-√तप्द्र.

२तपोलोक¹- -काः बौश्रौप्र ४७:२.

श्तिमे आपश्री २१,१२,३. शतप्ता बौश्रौ २,५: १९. श्ता,ता पट्य वाश्री १, ३, २, १८; हिथ्री ६,३,१७. तप्यमान- √तप् द्र. . √तम् a (बधा.) पाधा. दिवा. पर. काङ्क्षायाम्, †तमत् श्रापश्रौ ९,२,९^२; भाश्रौ; †तमः⁶ श्रापश्रौ ९, २,९; भाश्रौ. ताम्यति वौध्रौ १४, २४: ९; २५; कौसू ८८, २०; ताम्यन्ते माश्री १, ७,६,४९; वाश्री १,७, ४, ५१; ताम्येत् श्रापथ्रौ ९, ८, ४; भाश्री ९, ११,६; वैश्री २०, १४: ३; हिश्री १५,२,३१. तमयति काश्रौ ६, ५,१७. तम->०मी'- पाग ४,१,४१. तमत- पाउ ३,११०. तमन- -नात् शांश्री २,७, ७; ४,४, १३: काश्रौ ४,१,१३. तमिवत्वा श्रापश्रौ ५,२,४ . तमितोस् (:) काश्रौ २५, ४, १०; श्रापश्रौ. तमिन्- पा ३,२,१४१. तान्त- -न्तः द्राश्रौ ३, ४, १५; वौध २, ४,८; गौध २४, १२; - 🕂 न्तस्य श्रापश्री ५, २, ४; वैश्री १, ७: ९. तान्त-गान-विवर्जित- -तः नाशि २, ८, १३.

तामिष- -मीः कीम् ८८,२०.

तमङ्ग- पाउमो २,२,५९. ?तमतन्वार्धि वैश्री २०,१०: २. तमस्h- -मः आश्रौ ८, १०, ३; १२, ३; शांश्रौ ; श्रव ४८, ७४ 🚉 ; निघ १, ७^{‡1}; या २, १६[‡] ई; प, १^२कं; ९, २९‡कं; -मसः श्राश्री ४, १५, ९; ६, १३, १५‡; शांश्री ६,८,९‡; श्रापश्री; · -मसा †त्रापश्री १७, २१, ७; २१, १२, ३; बौश्रौ; या ७,३‡; ९, ३३५; १४, १०; शौच ३, ६५; -मसि माश्री २, ५, ४, २४; बौगृ ४, ४, १२; कौस् ४, १७; शंध ४४०; काशु ७, १८; ऋपा ८, ४६‡; शुप्रा ३, १४४; -मसे बौध ३,४,४+; -+मांसि शांश्रौ ८,२४,१; बौश्रौ;-मोभिः माश्री ५, २, १०,१६. तामस- -सः श्रप २२, ४, १; -सम् शंध ११६ : ४५¹. ्रतामसी- -सी श्रप ३०°, 9,90. तामस-कीलक- -काः श्रप 42,3,8. ?तम-उक्त- -क्ताः निस् ४,६ : १२. तमः-पर- -रम् ऋप्रा ११,७. तमस्-काण्ड- पाग ८,३, ४८. तमस्-व(त् >)ती- -ती श्रप ४८, ७४^{‡1}; बुदे ३,१०; निघ१,७^{‡1}; -०तीः श्रप्राय ६,२‡k. †तमस्-व(न् >)री- -०री:k बौधौ १३,३८:८; श्राप्तिगृ २,

4, 90:98. तमस्-वि(न् >)नी- -न्याम् कप्र 2,3,5. तमिस्र,सा- पा ५,२,११४; पावाग 4,2,903. तामिख,सा- पावा ५,२,१०३; -सम् विध8३,२¹; -सस्य वाश्री ३,२,३,३m; -स्ना गोगृ ३,१०, ७;-स्नाः काय ६१,२; -स्नाणाम् मागृ २, ८, २; - स्ने माश्रौ १, ६,२,४; -स्त्री गोगृ ४,६,१४. तामिस्र-प्रथमा- -मा लाश्रौ 9.3.6. तामिस्ना(स-त्रा)दि- -दौ गोग ४,६,१२; द्राग ४,२,१;३. तामिस्रा (स-त्र) न्तर- -रेषु गोगृ ४,६,१५. तामिस्ना(घा-त्र)ष्टमी- -स्यः द्रागृ ३,३,२७. तमो-धूम-रजस्का"- -स्काः अप 46,9,4. †तमो-नुद- -०द मागृ १, १९,४; 2,98,39. तमो(मस्-त्र)पह- पा ३,२,५०. तमो-भाग- -गः या १२,9°. तमो(मस्-ग्र)भिधान- -ने पावा 0,2,96. तमो(मस्-स्र)स्यय- -ये काश्री ४, 94,93. तमो-मूड- -डाः वाध ३, ६; बौध १,9,92. तमो-लिङ्ग"- - इः या १४,३.

तमक-पाउमी २,२,७. वाला ६२,२७. ताला ५ ताला ६२,२७. ताला ६० ताला ६२,२७. ताला ६० ताला ६२,२७. ताला ६० ताला ६०

तमस- पाउ ३,११७. श्तमायीवयः अप ४८, ११६ . तमाल"- पाउ १, ११८; पाग २, ४, ३१; ४, २, ४०; ५, २, 934. तामालेय- पा ४,२,८०. तमालि (न् >) नी- पा ५, २, ?तमासमाप्यति^b वाश्री ३, ४, १, तमितोस् प्रमृ. √तम् द्र. रितस्यभ्यका अत्र २०,६२. **१तम्बल°**--लः कप्र ३, ८,११. **२तम्ब**ल⁴- > °ल-वीणा- -णाः⁶ श्रापश्रौ २१, १७, १६; १९, ₹. **√तय्** पाधा. भ्वा. पर, गतौ. तय- युष्मद्- द्र. ता,ता विष्य – पाग ६,१,१९९. श्तर⁴->तर-तम- पाग ५,१,१२४; -मयोः शुप्रा ५, २; शौच ४, तारतम्य- पा ५,१,१२४. २तर- √तृ इ. तर्भु - पाउमो २,१,१०९; फि ४३; -क्षुः अप ६८,५.८. तरङ्गा- (>तरङ्गित-, °ङ्गि[न् k-]जी-पा.) पाउ १,१२०; पाग ५,२, ३६: १३५.

वतिक- पा.) पाग ४,२,६०. तरण-, ॰िण- प्रमृ. √तृ इ. तरण्ड"-पाउभो २,२,११६; पाग २, 8.391. √तर्ण्य्,तरत्-, °ती-, °ध्ये √तृ द. तरन्त"- पाउ ३, १२८; -न्तम् वृदे 4. 69; 60. तरन्त-पुरुमीड L,ल्ह°]- -डाभ्याम् निस् ९,९: १०; -ही ऋंग्र २, ५,६१; बृदे ५,६२. तरन्त-महिषी- -पीम् ऋत्र २, ५, तरन्ता(न्त-श्र)नुम(त>)ता--ता वृदे ५,६३. तरन्ती- √तृ इ. तरल^p- पाउमो २,३,९८^a. तरल-रथ-नेमि--घोष- -षेषु अप ६५,१,६. तरस्- √तृ द. १तरसा--सम् बौधौ २८, १३: २; -सेन वौथौ २८,१३: २२. २तरस^s- -साः श्रापश्री २३, ११, १३; हिश्रौ १८,४,१६. तरस-पुरोडाश- -शः श्रापश्री २३, ११, १४; -शम् श्रापश्रौ २३, ११, ११; हिश्री १८, ४, १४; निस् १०,९: १८. तरस-मय- -याः काश्रौ २४,५,२०: वाध १४,१५.

तरस्वत्- प्रमृ. √तृ इ. त(र>)रा"- -रा याशि १,७१. शतार->°रा"- -राम् याशि १. तरि w- पाउन् ४, १३९. तरितब्य-,तरिन्-,तरिष्यत्- √तृइं. १तरी - -र्थः बौश्रौ १७, ३१ : १४: 90. २तरी- √तृ द्र. तरीष- पाउ ४,२६. तरुं पाउ १,७; पाग २, १,५६; ५, 2,900. तरु-वत् वृदे ३, २८. तरु-श-पा ५, २, १००. तरुक्ष"- पाग ४,१,१८;१०५; -क्षाय श्रामिय १, २,२: १८; बौय ३, ९, ५; भाग ३, १०: ३; हिंगू 2,98, 4. तारुक्य- पा ४,१,१०५. तारुक्ष्याय(ग्>)णी- पा ४,१, 96. तरुण,णा"- पाउ ३, ५४; पाग ४, १, ४१; ८६; ५, १, १२३; पावाग ८, २, १८1; - एणः श्रापमं २, १५, ४; स ८,१; श्राय २, ८,

१६; कौग ३,२,६; शांग ३,२,

८; पागृ ३, ४,४; आप्रिगृ २,४,

१: १५; काय ११,२; भाय २;

३ : ८; माय २, ११, १२; हिंग्र

तरसन् व (त् >)ती - (> तारङ्ग- तरसान - पाउन्न २,८६. १,२७,४; -णम् माशि १४, a) = नृक्ष-विशेष-। ब्यु. ? \checkmark तम् इति पाउ.। b) पाठः? वावि. इति कृत्वा तद् , (मास्-) मासम् , आप्याययित इति शोधः। c) = मृग-विशेष-। ब्यु. ?। d) = तामिल-देश-। ब्यु. ?। e) सपा. तम्बलवी ॰ < तालुकवी ॰ इति पामे.। f) तु. भाण्डा.। g) < \checkmark ताय् इति न्यासः। h) श्रातिशायिनकः प्र.। ब्यु. ?। i) = हिंस-जन्तु-। ब्यु. ? < तत्-। पाति-] + \checkmark श्रि । हिंसायाम्] इति श्रमा. शक., < \checkmark तृ इति पाउमो.। j) वप्रा.। ब्यु. ? < \checkmark तृ इति पाउ.। k) = देश-विशेष-। l) तु. पागम.। m) = 8^{3} -। n) वैप १ इ.। n0) बृदे. पाठः। n0) विप.। ब्यु. ?। n1) = तरा-। n2) = मास-। ब्यु. ?। n3) मत्वर्थ (तु. स्तरी-)। ब्यु.?। n4, इति विमुश्यम्। n5) = नृक्ष-। n7। = श्रमुह्ल-न्नीहि- (तु. स्तरी-)। ब्यु.?। n7। इति विमुश्यम्। n7) = नृक्ष-। ब्यु.?।

१०;१५,१; - 🕂 णा वैष्ट १,११: ६; -णाः बौश्रौप्र २५°:२ श्रप ७१, १५, २; -णै: श्रप २१. 8,9. तरुणी- पा ४, १,४१; पावा ४,१,१५; -णी अप ४६, ८,२; -ण्या कप्र २,८,२५. तारुण- पा ४, १,८६. तारुण्य- पा ५, १, १२३. तरुण-गृह- -हेपु वाध १६,१२. तरुण-ता-, तरुण-त्व-, तरुणिमन्-पा ५,9,9२३. तरुणे(ण-इ)न्दु- -न्दुम् श्राप्तिगृ २, 8, 6:83. तरुत्-, °रुत्र- प्रमृ. ॑ √तृ द्र. √तर्क् पाथा. चुरा. उभ. भाषायाम् . \sqrt{a} र्क् b (बधा.)>र्तर्क- -र्कः पागृ २, ६, ५; गौध ११,२५; चव्यू २: २८; -कम् या १३,१२; -कें द्राश्रो ९,४,१५. तर्क-तस् (ः) या १३,१२. तर्कार-(> पी- पा.) पाउर ३,

त्रात्म. तर्जने. तर्जनीd- -न्याः याशि १,६४. तर्जनि(क>)का- -काम् याशि 8.42. तर्जनी-मूल- -ले विध ६२, ४.

१३९; पाग ४,१,४१.

तर्कु c- पाउ १,१६; -र्कु या २,१.

तर्जन्य(नी-ग्र)ङ्गुष्ट- -ष्रयोः याशि

2.64. तर्जन्यङ्गुष्ट-योग- -गेन शंध ५७^२е; ४५६^२; ४५७; ४५८. तर्जन्यु(नी-उ)परि याशि १,५२. तर्ण- पाउमो २,२,१८२. श्तर्थाः अप ४८,८३ . √तर्द (=√ तृद्) पाधा. भ्त्रा. पर. हिंसायाम् . तर्द-, तर्दन- √तृद् द्र. तर्द्र- पाउ १,८९. तर्दान् √तृद् द्र. तर्पण- प्रमृ. √तृप् द. तर्पर - पावाग ८,२,१८. तर्पित- √तृप् द्र. तर्ष- पाउ ३,६२. तर्हि तद्- द्र. √तल् पाघा. चुरा. उभ. प्रतिष्ठायाम्. १तल - लम् वाश्रो ३, ४,३, ३७; श्रागृ ३,१२,११. २तल!- -लम् शंध ५७!; या ५,२६? k; -लेन् कप्र १,१,७¹. तल-तीर्थ-कम- -मेण वेग् १, 8: 2. ३तल⁴-(>तालिन्-पा.) पाग ४,३, 904. √तर्ज पाधा. भ्वा. पर. भत्सेने; चुरा. तलवकार - पाग ४, ३,१०६; -रम् जैगृ १, १४: ८.

[ण>]णी-) पा.] पाग ४, १, 96;904. तलन™- पाउ ३,५४; पाग ४,१,४९; ८६; पावाग ८,२,१८ª. तलुनी- पा ४,१,४१; पावा ४, 9.94. तालुन- पा ४,१,८६. तल्प1- पाउ ३, २८; -ल्पः मागृ २, ७, ८२ ‡; - ल्पम् श्रापश्री १४, ११, ३[‡]; १२, ९; हिश्रौ; -स्पस्य श्र**प ६, १, २**; १०; -ल्पान् हिपि १२: ५; -ल्पे श्राश्री ११,२,६; काश्री; -ल्पेन त्राप्तिगृ ३,५, ३:९; बौपि १, ३ : ७. ताल्प°- -ल्पाः कौसू १७,१४. ताल्प्यp- -ल्प्यस्य श्रापमं २, 94,349. तल्प-ज- -जः विध १५,१४. तल्प-देश- -शम् बीग ३, ५,६; ९. तल्प-रूपा- -पम् बीश्री २६, ३३: तल्प-वत्- -वन्तम् बीगृ १,६, २२. तल्प-सम- -मः गौध २३, १२. तल्प-(स्थ>)स्था- -स्था नाशि २, 6,90. तल्पा(ल्प-म्र)**ल-धन-लाभ--वध**8--धेषु गौध २२,३०.

तल्पा(ल्प-आ)रोहण- -णम् या ६,

तरूप्य^t- -रूप्याः श्रापश्रौ २०, ५,

20.

c) नाप. । कर्तु- ($< \sqrt{2} = \sqrt{2}$ b) वैप ३ द्र. । a) = ऋषि-विशेष-। e) सकृत् सप्र. कप्र १, १, ७ किनिष्ठाङ्गुष्टयोः इति पामे. । f)=स्तेन-। d) = अङ्गुलि-विशेष-। व्यु. ?। प्राति. व्यु. च 2 । g) = पश्रूनां कण्ठघराटा- इति पागम. । h) = हस्तन्न- । व्यु. 2 । i) = तत्ता इति नमा. । j) सप्र. ॰लम् <> ॰लेन इति पाभे. । k) $<\sqrt{लत् इति । }l)$ वैप १ द्र. । m)= तरुण-। q) सपा. त्रागृ २, ८, १६ o) = तल्प्य- । तत्रजातार्थीयः भण् प्र. । p) स्वार्थे प्यम् प्र. । मागृ २,१५,१२ पोषस्य इति पामे. । r) विप. । वस. । s) द्वस. > पस. > षस. । तत्प- =(तात्स्थ्यात्) भार्या । t) तत्रभवीयः यत् प्र.।

तालवकारिन्- पा ४,३,१०६.

तलुक्ष⁰- [>तालुक्ष्य-(>°लुक्ष्याय-

तलाशा¹- -शा श्रप्रा ३,४,१‡.

तलिन- पाउ २,५३.

१३ ‡; बौश्रौ; -ल्प्यानाम् बौश्रौ १५, १: १७; ५: १०. तल्पल - पावाग ८,२,१८. तव- √तु इ. तवर्- युष्मद्- इ. तवश्यावीयb- -यानि गौपि१,१,७. तंवस्-, तविष-, तवीयस्-√तु द. श्तिशाने आमिए १,५,५: १२. तप्-, तप्ट्र- √तज् द्र. √तस्° पाघां. दिवा. पर. उपक्षये. तसर⁰- पाउ ३,७५; -रम् निस् ६, ७: २७⁶; -रेण श्रापश्री १९, ५,७; हिश्रो २३,१,६. तसर-पक्षमन् - -क्ष्मणा वाश्रौ ३, २, v. ?1. तस्कर^व- पावा ६,१,१५७; -रः श्राश्रौ ९, ५,२+; श्रप ४८,८३+, शंध २०१; निघ ३, २४‡; या ३, १४५; श्रप्रा ३,४,१4; ऋत ४, ७,७; -राया ३, १४ क; -राः श्राप्रिय २,५, ९ : १२; जैय २, ६: १०; श्रप ५२, ३, १; शुप्रा

५, ३७ +; -राणाम् हिग् २, ९,

६+; -रान् हिए १, ११, ८२+;

अप ५३,२, ५; ग्रुप्रा ३, ५२ ई;

-राभ्याम् या ३, १४; -रेभ्यः

श्रापध२,२६,६; हिध२,५,२०१

णिका-शूद्र-प्रेष्या (प्य-श्र) गम्या

गामि-परिवेत्तु-परिवित्ति-पर्याहि

त-पर्याधातृ-पीनर्भवा(व-श्र)न्ध-

बधिर-चारण-छीवा-(व-अ)वकी

तस्कर-कितवा (व-श्र) जपाल-गण-ग

र्णि-त्रार्धुषिक-गरदायि-कूटसाक्षि-नास्तिक-वृषडीपःयु(ति-उ)पह तादो(द-उ) त्सृष्टाग्नि-सोमविक रय (यि-श्र)विकेयविकेतृ-पौस्तिक-कथक-कुण्डाशि-कुण्ड-गोलक-यन्त्रकार-काण्डपृष्ट-दुश्चर्भ-चण्ड-विद्वशिक्ष-देवलक-पण्डा(ण्ड-श्रा) रूढपतित-प्रायोश्यित कुनखि-कि लाशि-१३यावद्नतर्वाणक्-शिल्प-वादित्रनृत्यगी(१त)तालोपजीवि-मृल्यसांवत्सरिक-महापथिका (क-श्र) इमकुट्टक-हीनातिरिक्ताङ्ग--ङ्गाः सुधप ८४ : ४. तस्कर-कीकपा(प [१कितवा]-श्र)ज विक्रयि-पापण्ड-गण-गणिका-प्रेव्य-परिविण्ण-परिवेत्त-अग्रेदि धिपु-पर्याहितधेनु-पुनर्भवा(व-श्र)न्ध-वधिर-वा(१चा)रण-क्री वा(य-त्र)भिशस्ता(स्त-त्र)वकी र्णि-बांधुंपिक-कारु-गायक-कृट साक्षि-स्तेयि-वृष्ठीपत्य(ति-ग्र) हुताशिनो(१)-विस्थानि(१मि)-सोमविकयी(?यि)-कुण्डगोलका-शियन्त्रकार-?कान्धवृपुद्कीट-ध-इवापद-आपणी(? एए)शिलो (१ल्यो)पजीवी(१वि)-वादित्रनृत्त-गानोपजीवी(१वि)-संवत्सर-महा-पथिका(क-श्र)इमकुट्टश्च(? चर्म) विक्रमी(?यिन्-> -?यि)णाम् सुध ६२. तस्कर-भय- -यम् श्रापध २, २५, १५; हिध २,५,१९५.

शंघ ४४३. तस्तभान- √स्तभ् द्र. तस्त्व - - वम् श्रप ४६,५,४ +. तस्थिवस्- √स्था द्र. श्तरसमे श्राप्तिगृ ३,१,२: १४: १७: २0; २,३ : ३;६;९. ताक्षशिल− प्रमृ. √तक्ष द्र. ताच्छच्य- प्रभृ. तद्- इ. ताजक्^d त्रापश्री १३, ९, ९ **: बौश्रौ: पाग १,४,५७h. †ताजता श्रप ४८,१०६; निघ २,१५ ताड-, °डघ-, °डन- √तड् द्र. ताडाक- १तडा र- द्र. ताङ्यमान- √तड् इ. ताण्ड- प्रभृ. तग्ड- इ. ताण्डव- पाग २,४,३१. ताणिड्रन्य- तण्डिन्- इ. तात्री- पाउ ३,९०; पा ५,४, ३८%; -०त शांश्रो १५, २४, १; स १२, २; १९, २; अग्र १४, २; -तः बंदे७,४४; -ते कप्र२,७,९. तात-पाद्1- पाग २,१,६६. तातृपाण-, तातृषि- √तृप् द्र. तातृपाण- √तृष् द्र. तात्कालिक-, तात्पर्य-, तात्स्य-, १-२ताथाभाष्य- तद्- इ. ?तादर्कसहस्रयाजिन्™- -जी हिश्री ₹19. €. ₹2. तादर्थिक-, तादर्थ- तद्- इ. †तादु(र>)री⁴- -०रि श्रप ४८, ११६; या ९,७; अप्रा ३,१,७. ताहरा-, भ-प्रमृ.,ताद्गण्य-,१दित-, तस्कर-श्वापदा(द-श्रा)कीर्ण- - ज °द्भाव्य - तद्- द्र.

c) या ४, २४ परामृष्टः इ. । a) = गजपृष्ठैकदेश- इति पागम.। b) = साम-विशेष-। व्यु. ?। d) वैप १ इ. । e) श्रर्थः ? । f) सप्र. तसरेण, पक्ष्मणा <> तसरपक्ष्मणा इति पामे. । g) पाठः ? तस्य में इति द्वि-पदः शोधः (तु. सप्र. बौध २,८,९२ तस्य ते इति पाभे.)। h) तोजक् इति Lपक्षे। पागम., माजक् इति Lपक्षे। i)= ताजक् (तु. वैप १,१४७२ e द्र.) । j)= १तत- । वैप १,१४०३ c द्र. । k) < १तत- इति l) तु. पागम. । m) पाठः ? तद् , अर्कस॰ इति संभाव्येत ।

तान- √तन् द्र. तानव्य-, व्यायन-४तनु – द्र. १,२तानूनपात-, °नप्त्र- प्रमृ.

√तन् द. तान्त- √तम् द. तान्तव- √तन् द्र. तान्तव्य-, व्यायन- २तन्तु- द्र. तान्त्मत-, तान्त्र-, १तान्य-√तन् इ.

२तान्व- तन्व- इ. ताप- प्रमृ., श्तापस- √तप्द. २तापस- ३तपस्- द्र. ताप्यमान- √तप्द्र. †ताबुव - - वम् श्रश्र ५, १३; दंवि १,90.

तामरस- पाउव ३,११७. तामल^b->°ली- -ली श्रापध १,२, ३७; हिध १, १, ६८;-लीम् जैगृ १,१२:४९.

तामस- प्रमृ. तमस्- द्र. तामालेय- तमाल- द. तामि- √तम् इ. तामिस्न- तमस्- इ.

ताम - - मुः निघ ३,१६ नै.

तास्त्रल^d- पांड ४,९०; -लम् त्रामिगृ 2,8,90: 36; 3,3,9:96. ताम्बूला(ल-त्रा)दि- -दि श्राप्तिगृ 3,3,9:93.

ताम्र°- पाउ २, १६1; पाग ५, १, १२३; -म्रः वैध ३,१५, ७⁸, श्रप २३,१,४; ६, २; २९,२,४; **५३, ५, १; ६२, १,४; -**म्रम् वाध्यौ ४,६८:४, त्राप्तिगृ २, ४, ६: ७; वैग् ४, १४: १२; श्राप २१, ३, ३; वाध ३, ६३; निघ ३, ७ ‡ h; -म्राः विघ १, २७; -म्राणि बौधौ २६, ५: ३१; -म्रे अप ६३,४,५; -म्रेः श्रप ५, १, २; २७, १, १; २; -म्री अप ३९,१,१०.

ताम्र-कर्ष¹-> °म्रकार्षिक¹- -कः विध ४,१३.

ताम्र-जीव8- -वः वैध ३, १५, ७k; -वात् वैध ३,१५,८.

ताम्र-ता-पा ५,१,१२३. ताम्र-तिल- -लेन रांध ११६:७८. ताम्र-त्रपु-सीसा (स-त्रा)यसा (स-

श्रा)य- -द्यानि वैध ३,३,११. ताम्र-त्व- पा ५,१,१२३.

ताम्र-धू(म्>)म्राव- -माः त्रप्रा ३, 2,284.

ताम्र-पट्ट- - हे विध ३,८२. ताम्र-पात्र- -त्रे त्रप ३८, १, ४; -त्रेण अप ३८,३,१.

ताम्र-भाजन- -नम् श्रप ९,१,५. ताम्र-मय- -यम् आमिगृ २,६, ८:

१: -ये अप ४,२,९. ताम्र-रजत-सुवर्ण- -र्णानाम् बौध 2,4,20.

ताम्र-राजत-हैम- -मानाम् अप २१,

ताम्र-रीति-त्रपु-सीस-मय- -यानाम् विध २३,२५.

ताम्र-वत् काध २७८: १.

ताम्र-वर्ण, र्णा - -र्णः चव्यू ४: १५; -र्णायाः ऋप ३८, १,५. ताम्रवर्णी m-> °र्णी-पयस्- -यः श्रामिगृ २,७,७:७. ताम्रा(म्र-त्र)पहारिन्- -री शंघ ३७८.

१ताम्रा(म-श्र)यसⁿ->२°सⁿ--सम् काशु ७,२८; -सेन बौगृ 2,3,90.

ताम्रिमन्-,ताम्रय- पा ५,१,१२३. ताम्रप(र्ग्) offo-पा,पाग ४,२,८२. √ताय् ^р पाधा. भ्वा. त्रात्म. संतान-पालनयोः.

ताय- पाग ६,१,१९९. ?तायत् - स्तायत् - टि. इ. ?तायतम्^व अप ४८,१०७‡. तायमान- √तन्द्र. †तायु - -युः श्रप ४८, ८३; निघ ३, २४; या ४, २४; -युम् आंश्रौ ८,१२,२४; या ४,२४०.

१तार- तरा-इ. २तार¹->॰र-पङ्ग- -क्के श्रप ३,३,३. ३तार8- -स् पाशि ८; माशि ४, ६; तैप्रा २३,१२.

श्रतार¹->तार-भाव- -वः पावा ६,३, 909.

पतार,रा"- पाग ३, ३, १०४; -रा श्राज्यो ७,१९; -राः श्रप ५८, 9, 4; 8, 94; 402, 23, 8; -रान वैग् १,४: १२ . तारा-गणा(ग्-ग्रा)ड्य- - व्ये विष

99,9.

c)= स्तोतृ- । व्यु. ? $< \sqrt{\pi + 1}$ काङ्क्षायाम् । इति दे. । a) वैप १ इ.। b) =तमाल-। d) = नागवाही- । व्यु.? $<\sqrt{\pi \pi}$ इति स्रभा. प्रमृ. । e) विष., नाप. (धातु-विशेष-) । वेप १ द्र. । f) $<\sqrt{\pi \pi}$ g)= जाति-विशेष-। h)= रूप-। i) उप. = परिमाण-विशेष-। j) तस्येदमीयष् उक् प्र. उभयपदत्रुद्धिथ । k) ॰वी इति O. । l) विप. । बस. । m) = धेतु- । स्त्री. ङीष् प्र. उसं. (पा ४,१,६३) । n) पृ ९२५ e,f द्र. । o)= नगरी-विशेष- । ब्यु. ? । p) पा ३,१,६१ परामृष्टः द्र. । q) अन्तर्हित-नामन् । au) = घन- । ब्यु. $ilde{!}$ । $ilde{s}$) = वाक्स्थान-विशेष- । ब्यु. $ilde{!}$ । $ilde{t}$) = तीर- । ब्यु. $ilde{!}$ । $ilde{u}$) = नक्षत्र- । ब्यु. $ilde{!}$ ।

तारा-मह-परिवेष- -षाः श्रप ६३, | तारतम्य- १तर- इ. 8,8. तारा-पात- -तैः श्रप ६४,२,१. तारा-पुञ्ज-प्रतीकाश- -शाः श्रप 42,8,2. तारा-बल- -लम् श्राज्यो ७,२०. तारा-मण्डल-संवृत--ताः श्रप ५२, तारा-पष्टि-समन्त्रित- -तः श्राज्यो **19.33.** तारो(रा-उ)ल्का-पात-कलुप--षम् अप ६४,९,३. तारो(रा-उ)ल्का-पात-पिङ्गल--छम् अप ६४,८.९. तारका"- पाग ५,२,३६; पावा ७,३, ४५: -का कौसू १२६, ९‡b; -काः श्रप ५८^२,३,१०; ६४,७, ४: -काणाम् चात्र ४०: १९°; -के श्रश्र ३.७. तारक - -काः श्रापश्री २०,१४,६ तारका(का-आ)कार^व- -राः अप ५२, 6,4. तारका(का-श्रा)कृति - -तौ श्रप ५२, 0,4. तारका-युक्त- -क्ताः श्रप ५२,४,३. तारिकत- पा ५,२,३६. तारकाद्य°- -द्याः बौश्रीप्र २३: २. तारकायण°- -णाः बौश्रौप्र ३१: ५. तारङ्गवतिक- तरङ्ग- द्र. तारकि- (> कि.क > का-, की-) भारिङ्ग, जी- टि. इ. तारण- √तृ इ.

तारियत्-, °रियतुम् , तारिसक- प्रमृ. √तृ इ. तारा- १,५तार- इ. तारिक - √तृ इ. तारुदय-, °क्यायणी- तरुक्ष- द. तारुण-, °रुण्य- तरुण- द. तार्क्षाक- तृक्षाक- द. १तार्क्यक्षे - - स्यः श्राश्रौ १०,७,९⁸; शांश्रीह ११, १४, २८; १६, २, २५; ब्रापश्रौ १४, १६, १‡h; बौश्री १७, १८: ४1; हिश्री १५,५,9[‡]; ₹ २, ६⁸; ९,9⁸; बीगृ २,२, ११[‡]; ३, १०,६¹; मागृ २, १५, ६ † भ अप्राय ६, 9十十; 中双4 86, 931; 930; †निघ १, १४¹; ५,४; या १०, २७+०: ऋत्र २,१०,१७८+; बंदे १,१२३; साय १, ३३२+; - क्यम् आशो b ७,१,१३; ८,६, 98; स २,२1;88; १७,88;१९, 4+h; 45; बौग २, २,९+;90+; ऋअ २, १०, १७८k; बृदे २, ५८० म: या १०,२८ +; - स्येस्य शांश्री १२,११,१२^k; सु ७,३^g; - ह्यांय कीस् ७३, ७; - ह्येंण आधौ ८, १२, २०k. तादर्थी"- - स्यी सात्र १,३३२. ताक्ष्य-देवता-> श्य- -त्यम् श्रश्र 19.64. तार्ध्य-दैवश्य- - स्यम् बृदे ८,७७.

-त्रः स् २७, ३; ऋत्र २, १० 988. तार्ह्य(र्क्य-ऋ)र्षि - - षिः वृदे २.५८. तार्स्य-वर्जम् आश्रौ ९,१,१५. तार्ध्य-सामन् - मनी जैश्रीका २४: ३९; द्राश्री २,२, २१; लाश्री १. €.98. ताह्यां(ह्य-त्रा)दि- -दिः त्राश्रौ €,9,4. २ताक्य-, °क्ष्यायण- प्रमृ. तृक्- द्र. तार्छ"- -र्छम् कौस् ४८,२४. श्ताण- १तण- इ. २तार्ण- २त्ण- इ. तार्णकर्ण- तृणकर्ण- द. तार्णविन्दवि-, °वीय- १तृण- इ. ताणीयन- २त्ए- इ. तार्तीय- प्रमृ. त्रि- इ. तार्घ्य के - - प्यम् शांश्री १६,१२,२०: काश्री: -प्याणि माश्री ५,२,५, 9: -प्यें हिश्रौ १४,३,५६;१७, ६,३१: - प्वेंण बौश्री १५,२८: २६:२९:३३; वाश्री ३, ४,४,९; हिश्री १४,४,९; भाशि ७१ न. तार्थ-पांड्वा(ड्व-श्र)धीवासो(स-उ) ट्णीवP- -बाणि ग्रुश्र १,६००. तार्थ-प्रमृति- -तीनि काश्री १५, 4.98. तार्थ-वृक्छ प - लानाम् बीध १,६, 92. तार्प्या(र्प्य-त्रा)दि- -दीनि काश्री १५,७,२५. तार्स्य-पुत्र- - न्त्र सु ३०, ४; नतार्ष्टा(घ>)घी - - घी: श्रप ४६,

b) पामे. वैप १,१४७३ g द. । c) विप. । = तारका-सदश-। a) वैप १ इ. । बस. । $e)=\pi$ र्श-विशेष-। ब्यु. ?। f) बप्रा.। विवेकः उत्तरेषु टि. द्र.। g)= गरुड-। h) पासे. वैप ?, n) =मिण-। त्र्र्थः व्यु. च ? । = पलाशकमिण- इति केशवः, = त्र्रिस्थकमिण- इति दारिलः । 0) = वस्त्र- (क्षौम-वा त्रिपाण- वा घृताक्त- वा र्तु. काश्रौ १५, ५,७-१०र्र) । þ) द्वस. । पांड्य = रक्तकम्यल- इति म. (तु. तत्रत्यं टि.)। a) नाप. । इस. उप. अर्थः ? ।

५,५; श्रशां २१,३. ्र/ताष्ण्यं- √तृष् इ. श्ताल®- पा, पाग ४, ३, १५२; -लात् पावा ४,३,१५२. ताल-वृन्त^b- -न्तैः श्राप्तिगृ २, ४, E : 39. तालवृन्त-चामर-प्रदान- -नेन विध ९२,३०. तालवृन्त-चामरा(र-श्र)ध-गजा-(ज-ग्र)ज-गो-द्धि-क्षीर-मधु-सिद्धार्थक- -कान् विध ६३,३० ‡२ताल°- -लम् व त्रापश्री १६, १८, ४; वैश्री १८, १५: १२; हिश्री ११,६,२६. ३ताल°- -लम् वैश्रौ ११,१०∶५. श्रताल¹->ताल-हीन- -नम् याशि १,३०; नाशि १,३,१२%. पताल- (>ताली^h- पा.) पाग ४, 9,83. तालवकारिन्- तलवकार-द्र. तालव्य- ताल्- इ. तालि- पाउभो २,१,१६८. तालिन्- ३तल- इ. ताली¹(> ताली√कृ पा.) पाग १, 8,89. तालीस- पाउमो २, ३,१८०. तालु -पाउ १, ५; पाग ५, ४, २९;

-लु व्राप ४७, २, १; या ५,

२६°कं; ऋपा; -लुनि कौसू १०,

१७; २९, २२; ऋत २, १, ५;

तालब्य,ब्या- -ब्यः बृदे ८, ११२; ताविष- √तु द्र. ११७; माशि ८, १^२; नाशि २,५,५; -व्यस्य याशि २,२०; -च्याः शुप्रा ८, ३९; पाशि; -च्यानाम् शौच १, २१; श्राशि २,५; -व्याभिः शंध ९३k; -च्ये ऋपा ४, ११; १४, ४६; -च्यो ऋपा १,४२. तालन्या(व्य-म्रा)दि- -दे: ऋत 4,3,4. तालु-क- पा ५,४,२९. तालु-(ग >)गा- -गाभिः शंध ९४; वैध २,१०,१. तालु-स्था(स्थ-ग्र)चल---जिह्न--हः विध ९७,१. १तालु-स्थान- -ने शांश्री १,२,४. २तालु-स्थान¹- -नः ऋपा १४,४७; -नाः शुप्रा १,७९. ताल (लु-उ)दर- -रम् विध ९६, ताल्बो(लु-श्रो)ए- -एयोः श्रप ४७, १,१९; शुप्रा १,७३. तालक-वीणा"- -णाः हिश्रौ १६, €, ₹9ª. तालुक्य-, °क्यायण-, °णी- तलुक्ष-· इ. तालून- तलुन- इ. तालूर- पाउमो २,३,५८. ताल्प-, °ल्प्य- तल्य- द्र. -ली शुप्रा १,६६; तैप्रा २,२२; तावक-, °वकीन- युष्मद्- द्र.

तावत्-, °तिथ- तद्- द्र. तासीर- पाउमो २,३,५०. ति°->ति-लोप- -पे पावा १,१,५७. √तिक् पाधा. भ्या. श्रात्म.; स्ता. पर, गतौ. तिक P- पाग ४,१,९९;१५४;२,९०व. तैकायन- पा ४,१,९९. तैकायनि- पा ४, १, १ ५४. तिक-कितव- पा, पाग २,४,६८. तिकीय- पा ४,२,९०. √तिग् पाधा. स्वा. पर. गतौ. √तिज् ^र पाधा. भ्वा. श्रात्म.; चुरा. पर. निशाने, तितिक्षते वाधूश्रौ ३,१: १; तितिक्षेत निसू २,८: २५; विध ९६,१९. तेतिके पा ७,४,६५. तिक्त8- -क्तम् विध ६१,१५. †तिका(क-ग्र)य(न >)नी!--नी श्रापश्री ७,३,१४; बौश्रौ ४, २: ७; भाश्रौ ७, ३, १; हिश्रौ ४,१,४३. तिरम!- पाउ १,9४६; -रमः निघ २,२० +; -गमम् वैताश्रौ ९, २; कीय १, १९, १० +u; शांग १, २७, ७‡"; या १०,६∮; भाशि ११९+; - + गमेन काश्री १८,३, ११; श्रापश्री. †तिग्म-ता- -तया अप १,३८, १; अशां ८,१. तिग्म-तेजस् । - - जसाम् बृदे ६,

a) विप., नाप. (वृत्त-विशेष-)। व्यु.!। b)= व्यजन-। बस.। c)= ताड-[कशा-]। व्यु. $!<\sqrt$ तळ् (इ) इति स्थात् । d) सपा. मै २,७,१२ ताडम् इति पाभे.। e) = ।द्वादशाङ्गुल-। प्रमागा-विशेष-। व्यु. ?। f) वैप ३,३६० f इ. । g) तालुही° इति पाठः? यनि. शोधः (तु. कालि. याशि. च) । h) तु. पागम. । = [लोहमयी-] कुश्चिका-। i) श्चर्थविस्तरः पागम. इ. । j) वैप १ इ. । k) विप. ([तालुगा-] २ श्चप्-)। l) विष. । बस. । m)= वाद्य-विशेष- । व्यु. l । n) पामे. पू ११६४ ४ दे. । o) विंशति – इत्यस्या – Sिन्तमवर्ण-। p) व्यप.। व्यु. १। q) ऋर्यः १। r) पा ३, १,५ परास्टः इ.। s) = रस-विशेष-। t) पामे. वैप १, १४६७ p इ. । u) पामे. वैप १, १४७४ g इ. ।

८४; - †जाः बौध्रौ १, ११ : ४; भाश्रौ २,१,१; याशि २,८. †तिग्म-श्रङ्ग°- -ङ्गः आश्री ७,५, २०××: शांश्रौ. तिग्मा(ग्म-श्रा)युध"- -धाय या 80. ६ \$ \$. तिग्मे(ग्म-इ)पु - - पवः या १०, 304. तिजिल- पाउ १,५६. वितिक्ष b-(>तैतिक्य-।> १ तैति-श्र-। पा.) पाग ४,१,१०५; २, 999. वितिक्षा- पाग ४, ४, ६२; -क्षा वाधश्री ३.१ : ८; विध ९९,५; -श्रायाम् पा १,२,२०. रतैतिक्ष- पा ४,४,६२. १तीक्ष्ण,क्ष्णा⁸- पाउ३,१८; -क्ष्णः अप ३६, २, ६; ६८, १, ११; काञ: -क्ष्णम् अप ३६, १६, १××; श्रापघ; -क्ष्णा काश्री १६, २.५: वाधुश्री ४,१५:२; -क्ष्णाः स ८, ३: -क्ष्णाम् माश्री ६,१, १. ८: वाधुश्री ४, १५: ४; - क्लाय श्रप ३६,९,१५; ६६, २, ६; ३, २; गौध २६, १२; -क्षे वैश्रौ १०,१: १०. तीक्ष्ण-काष्ट- - प्रेन बीध ३,२,३. तीष्टण-तैल°- -लम् श्रप ३६, 30,9. तीक्ष्ण-दीप्ति-प्रकाश-स्व--त्वात् नाशि १,५,१५. तीक्ष्ण-दंष्ट् d- -ष्टाय अप ३६,

9,944.

तीक्ष्ण-रूप- >°पिन्- -पिणे गौध २६,१२4. तीक्ष्ण-शूल-विशाला (ल-श्रम>)मा⁶- -मा श्रम ५८², ₹. ₹. तीक्षण-स्वर- -रेण अप ७०रे, तीक्ष्णा(क्ष्ण-त्र्य)प्र^d- -प्राः शंध 308. तीक्ष्णा(क्ष्ण-श्रन्त>)न्ता^d--न्ताः कप्र २,८,२. तीक्ष्णा(क्ष्ण-श्र)धेव-स्व- -स्वात् काश्री ८,२,१७. तीक्ष्णा(क्ष्ण-श्र)सग्-विष---यक्त1--कानाम् अप ३६, २,५. तीक्ष्णी√क्> °क्ष्णी-करण--णम् वैगृ ३,२३ : ५. तीक्णी-कृत्य वैश्री ४,११:७. तीक्षणीयस्8- -यसी निस् ३, 93: 20. तेहिणष्ठ - - हम् आपश्री २१, 93.34. २तीक्षणb-(>तैक्ष्णायन- पा.) पाग 8,9,990. †तेज³->†तेजिष्ठ,ष्टा°- -ष्टस्य वाधी १,३,२,१४; -ष्टा श्रापश्री ४,६,४; माश्री ४,९,२; वैश्री ५, ७ : २; हिश्रौ ६, २, १५; -छेन श्रापथी २,४, १०; १६, ३२,५; बौश्रौ १,१२: ३; भाश्रौ २,४,११; वैश्री १८,१६ : ४६; हिश्री ११,८,११. तेजीयस् - -यसा बौश्रौ १३,५:

१४ में.
तेजन — पाग ४, १, ४१; — मैनम् आपश्री १४,२९,३; हिश्री १५, १,१६; आमिए ३, ७,१:१४; बीपि १७:१३. तेजनी — पा ४,१,४१; — नी हिश्री ७,५,२५; लाश्री ९, २,२७; — नी: आपश्री ११,८, २;२१,१२,९; हिश्री ७,५,२० %; ७,२१; — नीमः हिश्री १६,५, ३; — नीम् काश्री २१,३,२६; वाधश्री: — नीम् वाए १०,१३;

वाग् १४,५.

तेजनि-संघात— -ते
हिश्रौ १६,६,३३¹.

तेजन्य(नी-अ)न्त—
-न्तौ माश्रौ २,२,२,३०.
तेजन²— -नः श्रापश्रौ १७,
१४,८‡; —ने वाश्रौ ३,४,५,९.
तेजनी— > 'नि-स्वच्!—
-†स्वक् द्राश्रौ ११,२,९; लाश्रौ
४,२,८.
तेजन-संघात— -ते श्रापश्रौ
२१,१८,५¹.

-न्याम् माश्री २,२,२,२९;३१;

तेजस् — -जः †श्राश्री २, ३,४××; शांश्री; श्रापश्री १०, २८, ५ ; — जसः पाग्र २,६,२९; वृदे १, ९८; या १४, ५; — जसा श्राश्री ३,१४,१३; काश्री; श्रापश्री ८, ४, २ ; माश्री ६,१,८,१० † ; — जसाम् वाश्री १,१, २, ३ † ; — जसाम् वाश्री १५, ४, ४; बौश्री

a) वैप १ द्र. । b) = ऋषि-विशेष-। व्यु. ?। c) पूप. = कृष्ण-सर्वप-। d) विप. । वस. । e) विप. । कस. > कस. > कस. । f) कस. > मलो. कस. > तृस. । g) वैप २, ३खं. द्र. । h) = यप्टि- इति गोपीनाथः। i) सप्र. °निसंघाते < > ॰नसंघाते इति पामे. । j) विप. । वस. पूप. हस्वः । k) पामे. वैप २, ३खं. तेवा २,५,५,९ टि. द्र. । m) पामे. वैप २, ३खं. तेवा २,५,५,९ टि. द्र. । m) पामे. वैप १,०५६ । द्र. ।

२०,२: १० \dagger ; माश्रौ १,७,२, २३ \dagger °; —जसे आश्रौ ५, १३, १२; शांश्रौ; आपश्रौ १९, ९, १३ \dagger ° आपमं २, ८, ११ \dagger °; —जांसि अप ५८ 3 ,२,९;—जोभिः कप्र ३,१,१५.

तेंजस^d - -सः या १२, ३७°; -सम् बौध १, ५,२२; या १४, ७; -सानाम् शंध १७९; बौध १,५,२६;६,३५; विध ९२,१५; सुधप ८७: १६; -सानि विध ७९,१४; २२; ८७,६; -सैः बृदे १,८८.

तेजस-द्रव्य-संभ(व>) वा- -वा कप्र २,५, १०.

तेजस-मार्त्तिक-दारव-ताम्तव— -वानाम् गोध १, ३१.

तैजस-मृन्मय-दारव-ता-न्तव— -वानाम् वाध ३,४९. तैजस-वत् वाध ३,५०; बौध १,५,३८; गौध १,३२. तैजसा(स-श्र)पहारिन्— -री शंध ३७६; ३७७: १.

तैजसा(स-श्र)शममय-मृ-न्मय- -येषु श्रागृ ४,७,१०. तेज-शादि---दि श्रापश्रौ २,६,४. तेजसस्-काय- -यम् श्रापध १, २२,६¹.

नेजस्-काम- -मः शांश्रौ १४, ४,१××; काश्रौ; -मम् वौग्र २, ५,५; श्रापघ १,१,२३; हिघ १, १,२३; -मस्य शांशौ १५,४,२; भापथी; -माः वीश्री ३,१४: ९; -मानि शांश्री १४, ७८,२. तेजस्-कामिन् -मी श्राप्तिय २, ४,११:२४. तेजस्-काय- -यम् हिध् १.

तेजस्-काय- -यम् हिध १ ६,६¹.

तेजस्-त्व- -त्वात् मीस् ८, १, ३५.

†तेज(स्य>)स्या^ड--स्या वौश्रौ १३, ३४: ५; -स्याः श्रापश्रौ १८, १३, १७; बौश्रौ १२, ८: १५; हिश्रौ १३,५,१४.

†तेजस्-वत् -वत् श्रावश्रौ २२, २६, ३; बौश्रौ १८, ९: ५%; हिश्री; -वते श्रापश्री २२,२६, २: बौश्रो १३,५: १२: १४, 9 9: ४^h; ५^h××; हिश्रौ; -वन्तम् श्रापश्री २२, २६, २; बौश्री; -वान् वौश्रौ १८, ९: ६; माश्रौ. तेजस्-विन् - - वि अप १,९, ४; -†•विन्¹ श्रापश्रौ १३,८,९; बौधौ १४, ११: ६; वैधौ १६, ९: १४; हिथ्री ९, २, ३२; -विनम् अप ३,१,१३; -विना त्रप १८१,१,११; - †वी श्रापश्रौ ६,२३,१; १९,१४, १३; बौश्री ७,१३ : २६; १४,११ : ६¹××; हिश्री ६,६,२६; ९,२,३२1××;

तेजस्विनी- -०नि मागृ २,१४,३०; -नीः हिश्रौ ११,८, ११.

पाय.

तेजस्वि-तम- -मः कागृ

49. 4. क्तेजः-सद्ध- -सत् आपश्रौ १६,२९,२; वैश्री १८, २०:२८: हिथ्रौ ११,८,४. तेजो-दा⁸- -दाः श्रप्राय ६,३4. तेजो-धातु-मय- -याः श्रप ५२, 92,4. तेजो-वल- -लेन मु २४,१. तेजो-ब्रह्मवर्चस-पुरोधा-काम--मस्य काश्री २२,५,११. तेजो-मय- -यः शुत्र ४, २१९. -येन बौगृ १,२,१४. तेजो-मूर्ति- -िर्वः वैश्री २,६:९, तेजो-रूप- -पम् शंध १२३. †?तेजोवत्सव : वैय २,१४: ३: वैध २,२,२. †तेजो-विद्⁸- -वित् श्रापश्रौ १३,८,९; बौश्रौ १४, ११: ८; वैश्री १६,१०: १. तेजो-विशेष- -षेण श्रापध २. १३, ८; हिध २,३,७. तेजो-वत1- -तम् कौस् १८,२३; श्रप १८,१४,१.

†तेतिजान™— -नः बौश्रौ ४, १: २६: भाश्रौ ७,२,४.

तितउ⁸- पाउ ५,५२; -उ श्रप ४८, ११६†; निष ४, १†; या ४, ९५; -डना या ४, १०; ऋपा २, १३†; -डिन कौस् २६, २; ३१; ३०,१७.

तितउ-प्रभ"- -भौ कौस् २६, ३;५. तितनिषु- √तन् द्र. तितिक्ष-, °क्षा- √तिज् द्र.

a) पामे. पृ ११७० 1 टि. द्र. 1 b) पामे. वैप १,१४७७ 0 द्र. 1 c) पामे. पृ ४६७ 1 द्र. 1 d) विप. 1 स्वार्थ विकारार्थे वा अण् प्र. 1 e) = (स्वप्रावस्थायाम्) श्रात्म-स्वरूप- 1 f) सप्र. जसस्का॰ <> जस्का॰ इति पामे. 1 g) वेप १ द्र. 1 h) पामे. वेप १,६९० 1 द्र. 1 i) पामे. वेप १,६९० 1 द्र. 1 j) पामे. वेप १,६९० 1 द्र. 1 k) पाठः 1 (1 संस्कृतः टि.) 1 e पृताञ्चन- (1 द्र. द्रारिखः) 1 m) पामे. वेप १,९९० 1 द्र. 1 l) 1 द्रस. उप 1 न पामे. वेप १,९९० 1 द्रस. उप 1 न प्राप्तिक वा प्रमुखन वा प्रमुखन

तितिस्भ°- (>तैतिस्म्य- पा.) पाग 8.9.904. १तिचिर्b- -रम् शंध २२३. १तैत्तर- -रम् आगृ १,१६, ३; कौगृ १,१९,३; शांग्र १,२७,३; -रेण आपगृ १६.२. रितिचिर°- -राय^d श्राप्तिगृ १,२,२: २८; हिगृ २,२०,9°. १तित्तिरि'- पाउव ४, १४३; -रिः विघ ४४, २६; या ३, १८ई; शुप्रा ३, ८१^{‡8}; -रिम् विध ५०, ३७; -रीन् श्रापश्रौ २०, 98,4th. तित्तिरि-कपिञ्जल-लावक-वर्तिका-मयर-वर्जम् विध ५१,३१. वित्तिरि-कपोत-कपिञ्जल-वार्घाणस-मयूर-वारण- -णाः बौध १, ५, 933. श्तितिरि!- पाग ४, १,१०५1; २, १११; -रवे बीग ३,९,६; भाग ३,११: १; -रिः बृदे ६,१५१. तैतिरीय - पा ४,३,१०२; -याः बौश्रौप्र ९: २; निस् ९,३: १९; २५; नाशि १,१,११; -याणाम् तैप्रा २३,१८. तैत्तिरीयक - -काः चव्य २: १३: तैप्रा २३,१७. तैत्तरीय-ब्राह्मण- -णम् अप्राय €, 6. तैत्तिरीया(य-श्रा)ह्नरक- -केषु

नाशि १,9,९. तैत्तिर्य- पा ४,१,१०५. रतेतिर- पा ४,२,१११. तितीरिषत्-, ॰तीर्षत्-, ॰र्षमाण-, र्षा- √तृ इ. तिथ- पाउ २,१२. तिथि¹- पाउमो २,१,२०३; -थयः शंध ११५; श्राज्यो ६, ८; ११; -थये गोगृ २, ८, १२; -थिः श्रप २, ५, ५; ३५,१, ४; बौध; -थिम् मागृ १, १०, ९; २,२, १५; वागृ; -थिषु या ४, ५; -थेः कागृउ ४४: ८; त्र्राज्यो ७,१३;१७;२१; -थी शांगृ ५. २,२; श्रप २२,१,४; ३१,५,१; श्राज्यो ७,४. श्तिथि-ऋक्षाद्य-अयोगतस्(:)™ ऋप ३६,२,१. तिथि-करण-मुहूर्त-नचत्र-प्रहा(ह-श्रा)दि- -दीनाम् अप ७२,३,६. तिथि-छिद्र- -द्राणि श्रप ३१,५,१; -द्रेषु अप ३१,८,६. तिथि-ज्- -ज्ञाः श्राज्यो ६,१३. तिथि-देवता- -ताः कप्र ३,६, ९; -ताम् मागृ १,१०,९;२,२,१५. तिथि-द्रब्य-ब्राह्मण-संयोग--गे अप 88,9,4. तिथि-नक्षत्र- -त्रम् वेज्यो २०. तिथि-नक्षत्रं-करण-महर्त- -तेन श्राज्यो ७,१२.

तिथि-नक्षत्र-पर्व-समवाय- -ये गोग 8,9,93. तिथि-निष्टा- -ष्टाम् वेज्यो २२. तिथि-भा(भ-श्रा)दान->°दानि-(क>)का"- -काः वेज्यो २१ तिथि-वारा(र-श्रा)दि- -दिभिः बौषि २,१०,७. तिथि-विचक्षण- -णः श्राज्यो ७,४. तिथ्विक- (>तैथ्विक्य- पा.) पाग 4,9,926. तिनिश- पाउमो २,३,१४७. तिन्तिडीक°- पाउ ४,२०. तिन्त्रिणीक- पाउना ४,२०. तिन्द्क P- पाउमो २,२,२२. तिन्दक-ज्योतिस्1- (> °तिषीय-पा.) पाग ५,३,१०६. √ति।,ते।प् पाधा. भ्वा. श्रात्म. क्षरणे. √तिम् पाधा. दिवा. पर. श्राद्राभावे. तिमि – पाउं ४, १२२; पाग ८,२, 81. तिमिं-गिल्पं - पावा ६,३,६९. तिमि-मत्- पा ८,२,९. तिमिर"- पाउ १, ५१; पाग २,४, ३१; पावाग ८, ४, ३९^р'. तिमिर-मकर-नग-नाग-नक-ग्राह-ार्श-ग्रुमार-शङ्ख-दुम-कूर्मो(र्म-उ)र्मि-झए-महिप-वराह दिग्दिरद-नव-कुमुद्-खण्डाकृति-नल-कलश-कुड्मलापीड-तोरणा(गु-श्रा)वर्त-स्वस्तिक-वर्धमान-रवौद्धरजतम-

a) तु. पागम. । व्यप. । ब्यु. ? । b) = पक्षि-विशेष- । व्यु. ? । c) = ऋषि-विशेष- । व्यु. ? । d) सपा. प्राय <> ॰ स्ये इति पामे. । e) ॰ रायो॰ इति पाठः ? ॰ रये उ॰ इति शोधः (तु. Böbt LZDMG पर, ८८] । f) वैप १ इ. । g) पामे. वैप १, १४७८ k इ. । h) पामे. वैप १, १४७८ l इ. । i) तु. पागम. । j) = शाखाध्यायिन् । k) = तैत्तिरीयाग्नाय- । तस्येदमीयः बुङ्ग् प्र. (पा ४, ३, १२६) । l) = काल-विशेष- । व्यु. ? । $<\sqrt{}$ अत् इति पाउमो., $<\sqrt{}$ अत् इति ऋमा. । m) पाठः (तु. संस्कृतः सूची) ? ॰ शा(क्ष-न्न्ना)द्य-वो॰ इति शोधः विमृश्यः । n) मत्वर्थे उन् प्र. । o) तित्तिडीक – इति पाम ४, ३, १५६ । p) = शृद्ध-विशेष- । व्यु. ? । r) उस. उप. कः प्र. । s) बप्रा. । व्यु. ? । t) = पावाग ८, ४,६ । विमिरा- इति भाण्डा. पासि., तिमिरिका – इति पाना. ।

द्वाणिपताकाशिवतात्या-स्थान-विविध-जलचर-पक्षि-विरुत-चतु-व्यदा(द-आ)कारª- ·रेषु अप E4,9,8.

तिमिर,रा-वन- पावाट, ४,३९. तिमिरिका-वन- तिमिर- टि.इ.

तिर्¹->तिर्√अच् >तिर (र्-श्र)-च- -रक् वौश्रौ २५,३:३‡°. श्तिरइचीव- -श्रीः ऋत्र २, ८,९५;

> सात्र १,३४९;३५०; - †इच्याः श्राश्री ७,८, ३; शांश्री १२,२६,

तैरइच्य°- -इच्यम् चुस् २, १५: २४; निसू ५, ७: २७;८,४: २१;२३;८:३२.

तैरइच्य(रच्य-ऋ)र्च- -र्क्ष लाश्रौ ६,८,१२.

तैरइच्यो(श्च्य-उ)त्त(म>) मा- -मायाम् लाश्री ६, ८, 93.

तिरश्ची-ग्रतान- -नी श्रश्र २०, 930.

श्तिरइची-, °चीन- तिरस् द्र. ?तिरक्चीनर्थं कौस् १२४,४.

तिरस (:) पाउना ४, २२४; †श्राश्रौ १,२,७; २,५,७; शांश्री ८,२४, १ +; +श्रापश्रो ६,२५,२;९,१२, 8^{g} ; 8^{g} , 8^{g} , 8^{g} ; 8^{g} ; ३, १०,२⁸; ६, ५,५; श्रापमं २, २२, २४^{‡8}; आमिय ३, ७,२:३+8; बौषि१,१७:२४8+; कौसू ७२,२ ई; निच ३,२९ ई; या ३, २० + \$; ५, ४ +; ५ +; १२, ३२; पा १,४, ७१; पाग १,१, ३७; ३,9,२७.

तिर:-पवित्रh- -त्रम् श्रापश्री १, १३, ६; १४, ३‡; बौश्रौ १,३: ३१; ४: २१ ××; भाश्री; हिग्र 8, 9, 281.

तिरश्-चर्मन् । - र्मन् बौश्रौ ६,२८: 84; 0,4,98; ८,9,99; २4, ₹₹.

तिरस्√कृ>°कृत्य काथौ ६, १, १२; बौध १,५,६८; पा १,४,

√तिरस्य पा ३,१,२७.

तिरो-अह्मय^d - -यस्य बौश्रौ १७, १०: १७ =; -याः तेप्रा ११, १७‡ : -यान् त्रापश्री १४,४, ८+1: बौश्रो १७, १०: १३+1; वैश्री २१,१५:९; हिश्री ९,७, ५३ k‡; १५, ७, १०; -यानाम् श्रापश्री १४, ४, ७^२‡"; बौश्री १७, 90:90^{+™}; २३, १३:३०:३२; हिश्रौ ९, ७, ५३[™]; -येभ्यः काश्रौ २०, ८,

तिरो-अह्नव^d- -ह्नवस्य द्राश्री ६,३, १८: लाश्री २,११,१२; -ह्यान् माश्री २.५.३,२४ +1;-ह्यानाम् आश्रौ ६, ५, २४ 🖶; शांश्रौ ९, २०,३१ +m; काश्रौ १२,६,१३; माश्रौ २, ५, ३, २३ +m; - क्वांसः श्राश्री ६, ५, २४ ; शांश्रौ ९, २०, ३०; -ह्रयेषु श्रापश्री १४, २८,२.

तैरोअह्नय"- -ह्नये श्राश्री ५, 4.200.

तिरोमह्या(हय-त्रा)दि- -दि काश्री २४,३,३८.

तिरो(रस् $\sqrt{3}$)च् > तिरश्-च् d --रश्चः काश्रौ १८, ६, ७; अप्राय ४,४; -रश्चा या ६,२० .

२तिरश्ची- -श्ची आश्रौ ८,१४,४‡; शांत्रो ४, १८,१‡; काश्री २,८,५; श्रापश्री १६,१४, ६: बौश्रौ; द्राश्रौ १०, ४, ७ + P; लाश्री ३,१२,६‡°; -श्रीः बौश्रौ ५,६ : ६; माश्रौ १, २, ५, २; हिश्री १,७,३; -श्रीम् श्रापश्री २, १, २; बौश्री; -श्रीषु काश्री १७, १,१३; -इच्यो काश्रो १७, 9,90; 8,98.

तिरश्चि(क>)का^व--काः श्राश्रौ १,२,१.

तिरश्चीन,नाd- -नः शुत्र रे, २३६+; -नम् भाश्रौ ७,१४,९; वैश्री ६, ८: ५; -नाः कौस् १३१,२.

तिरश्चीन-निधन⁶- -नम् लाओं ६, ११,४. तिरश्चीन-संनद्ध- -दम्

वाध्रुत्रौ ३,७५ : ६;८.

c) सपा. तै १,१,२,१ तैब्रा ३, b) तिरस् > यनि.। a) द्वस. > बस. । पूप. = जल-जन्तु- । e)= साम-विशेष-। f) पाठः ? d) वेप १ द. । २, २,५ ब्रापश्रौ १, ३, १२ तिर्युक् इति पामे. । g) पामे. वैप १, १४७९ a इ.। h) वैप २, ३खं. इ.। तिरश्चीनं यत् इति Web. शोधः (तु. संस्कर्तुः टि.)। i) Böht LZDMG ५२, ८१। पद-द्वयम् इति (तु. ऋ १, १३५, ६)। ј) श्रस्त, टजभावपत्तः (पा ५,४,१०९)। k) पाभे. वैप १, १४७९ с इ. । l) सपा. ॰िह्नयान् <> ॰ह्नयान् इति पाभे. । m) सप्र. ॰िह्नयानाम् <>**°द्व**यानाम् इति पामे. । n) विप. (श्राश्वन- । श्रतिरात्र-।) । स्वार्थे अण् प्र. । 0) चेतरो अह्न्ये इति पाठः यिन. शोधः (तु. श्रान.)। p) सपा. शौ १५,३,५ °इच्ये इति पामे.। q) नाप.। स्वार्थे कः प्र. हस्तक्ष ।

तिरश्चीना(न-म्र.)म,मा --मान् बौधौ ९, १५:२१; -माम् बौधौ ९, १५:२३; -मौ बौधौ ९,१५:१०.

तिर(स्>)श्-च-^b>°श्च-ता--ता° स २३,१.

तिरश्च-राजि^b--जिः^d श्रापम

२,१७,१७ \dagger . \dagger -तिर(स्>) श्-चि $^{-b}>$ °िदचशाजि b - -जिम् श्रश्न ३, २६ d ; -जे: कौस् ३२, ५; श्रश्न ७,
५६; श्रपं २:८६.

तिर्य(रि-श्र) च्, ज्च् पा ६, ३,९४; -र्यक् शांश्री ४, १२,५; १७, १, १९, १३, ११, १६, -र्यक्ष विध ५, १०,०, -र्यक् वाध्रशी ३,६ : २३; ६९ : ३५; लाश्री; -र्यचि पा ३,४,६०; -र्यज्वः वाध्रशी ३,६ : ३, द्राश्री १०,४,८+; लाश्री ३,६ : ३, द्राश्री १०,४,८+; लाश्री ३,१२,७+; विध ५१,६३; -र्यञ्चस श्रापश्री २,३,११४×; वीश्री १,११ : ३६××; १२,९:२४+; -र्यञ्चि बीश्री ६,२६ : ८; वाध्रशी ३,६ : २; -र्यञ्जी श्रापश्री २,१२,८; बौश्री ५,५ : ३०.

तिरीच,ची--चम् वाधूश्री ३,६: १; -ची वाधूश्री ३,६: १;२; -ची: वाधूश्री ३,६: १. तिरीचीन⁸- -नम् श्रापश्री २,१८,९.

तिर्यक्-तस् (ः) त्रापश्रौ १४, ६,११; हिश्रौ ९,८,२८.

तिर्यक्-त्व- -त्वम् विध ४४,

४४; ४५, १;५८, ५. तिर्यक्-प्रमाण- -णानि

तियेक्-प्रमाण- -णान त्रापश्री १,३,१७; -णेन त्रापश्री १६,४,७.

तिर्थग्-अङ्गुरि^०- -रिम् कौस् ८७,१४.

तिर्यग्-अयन- >तैर्यगयनि-क- -कः लाश्री ४,८, ७; द्राश्री ८,४,७; निस् ५,१२: १५.

तिर्वेग्-ग,गा— -गा श्रप ५८^२, ४, ६; –गाः श्रप ५२, १३,१.

तिर्यग्-द्विगुण- -णानि काशु

†तिर्यग्-विल^b- -लः शुअ ४,१९७; या १२,३८^b.

8,1 \times 0; या (<, < >) दा = -दाः बौशु १७: ८; १९: ७.

तिर्धेग्-योनि -नयः विध ४४, १; -निषु विध ९६, ३९; -नौ अप ७०³,१२,२;४; विध; -न्याम वाध ४,३१.

तिर्यंग्योनि-गत- -तान् बौश्रौ २८,२: ५३.

तिर्यग्योनि-भयावह--हो श्रप ६३,४,७.

तिर्यग्योनि-ब्यवाय- -थे वाध २३,५.

तिर्यङ्-नद्द- -द्दम् काश्रौ २२,४,१०.

तिर्यङ्-नीच- -चः ग्रुप्रा १,

तिर्यङ्-मान¹- -नम् काशु ७,३२.

तिर्यंङ्मानी¹- -नी काशु

२, ७;९; ११; श्रापशु; -नीम् श्रापशु ४,७; वौशु २:९; हिशु २,६; -न्या काशु ३,३; आपशु २, १५; हिशु १, ३६; -न्याः काशु ७,५; वौशु १५:२,-न्यो श्रापशु ५, १२; हिशु २,२२.

तिर्थेङ्मानी-शेष--षःकाशु १,१३;१५;आवशु१,७ ?तिरोधसा वाधूश्री ४,१०२:१५. तिरो√धा^b> °धा- -धाम् अश्र ८,१०(५)昔.

> †तिरो-धाय वीश्री १४,७:२३; २६,७:२०;२१; वाध्रुश्री ४, १०२:१४.

तिरो-हित- -तम् विघ ७१,१९.
तिरो √म्, तिरोभवति श्रापश्रौ
२३, १३, १५; हिश्रौ १८, ४,
५२; लाश्रौ १०, १९, १९;
निस् १०, ११: ५; तिरः
…भवति बौश्रौ १४, १:२०;
तिरोभवन्ति हिश्रौ १८, ४,४९;
४२; तिरः (श्रभवत्) वाधृशौ
४,२६²:४.

तिरः ' बभूव वाध्यौ ४, ७५: ३५; तिरो ' भिवतास्मि वाध्यौ ४,७५: २४; तिरोऽभूत् वाध्यौ ४,७५: २४; ३६,

तिरो-भूत्वा वाधूश्रौ ३,२९: ५ तिरो-विराम^६ - मः शैशि २३६ माशि; -मम् माशि ७,९; नाशि २, १,५¹.

तैरोविराम- -मः शुप्रा १,११८; -मम् याशि १,८३1.

तैरोविराम-क- -कः याशि १,७७.

a) विप.। बस.। b) वैप १ द.। c) वा. किति. इति BW.। d) पामे. वैप १, १४७९ j द्र.। e) पामे. पू १ १७३ c द्र.। f) पामे. वैप १,१४७९ e द्र.। g) = ितरश्रीन-। h) पामे. वैप १,१४८० f द्र.। i) उस. उप. भावकरण्योल्युंद् प्र.। j) = रज्जु-विशेष-। k) = स्विरित-विशेष-। l) सप्र. तिरो॰ <>तैरो॰ इति पामे.।

तिरो-व्यञ्जन->तैरोव्यञ्जन"- -नः

शुप्रा १, ११७; तैप्रा; नाशि १,

८, १०? , २, १, ४? , ८? ,

तैरोव्यञ्जन-पादवृत्त- -त्तयोः

तैप्रा २०,१२.

तैरोव्यञ्जन-सं(ज्ञा>)ज्ञ
-ज्ञः याशि १,७७.

तैरोव्यञ्जन-स्वरित- -तः
कौशि ८.

तिरिन्दिर° - - रस्य ऋअ २, ८, ६; - रे शांश्री १६,११,२०; २१. तैरिन्दिर⁶ - रम् बृदे ६,४७. तिरीच,ची - प्रमृ. तिरस् द्र. तिरीट - पांड ४,१८५. तिरोअह्निय - प्रमृ. तिरस् द्र. तिरोत्न -, तिर्पिरका - पांवाग ८, २,१८°.

†शितर्य°— -र्यम् श्रश्रा ३,२,३१. तिर्यच्, ञ्च् – तिरस् द्र. √तिल् पाधा. भ्वा. पर. गतौ; तुदा. पर. स्तेहने.

तिल — पागवा ५, ४, ३; -लः हिश्रौ
२१, ३, १०; आए; -ल्स्
आप्तिए ३, ११, ४: १८; वैए
४,४: १८; वौध ३, १०, १५;
-लस्य शंध ४०५; -लाः वैश्रौ
१६,६: ५; बौए; -लान् आपश्रौ
१३, ५, ४‡; माश्रौ; -लानाम्
वैगृ ५,३: १३; जैए; -लेभ्यः
बौश्रौ २, २०: ४; २४, २१:
९; २८, ८: ५; वैश्रौ १, १६:
३; बौषि ३, १२, १; -लेषु
बौश्रौ १८,२३: १६; कौम् ९३,
२९; -लेः कौग्र ३,१४,३; शंए.
तैल्ला- पाग २,४,३१६; -लः

कौसू ९२, १०: -लम् बौश्रौ २८,१३ : ५; वेश्री; या ६,१७; -ले कौसू ९३,३९; श्रप ७०^२, ७,१३; ७१, १०, ४; ५; –लेन वैताओं ४३, १२; अप १, २८, 9; विध ४३,३८, तैल-गुड-शुक्कगोमये(य-इ) न्धन-तृण-कुश-पलाश-भस्मा-(सम-त्र)ङ्गार- -रान् विध ६३, तैल-द्रोणी— -ण्याम् वैश्री २०,२३: २; हिपि २२: १२. तैल-धारा- -रा माशि ४. १५: -राम् शैशि ३५०. तैल-परिप्लु(त>)ता--ताम् अप ६८,५,१. तैल-पात्र- -त्रम् गोगृ ३, 4.30. तैल-पायिन् ४-> °यि-क--कः विघ ४४,२३, तैल-पीत- पाग २,२,३७. तैल-बिन्द्- न्दुः विध ३, 90. तैल-मिश्र- -श्रम् श्रप १, ४८,३; अशां १३,१. तैल-वत् विध ६४,१२. तैल-संयु(त>)ता- -ताः अप ३१,९,२. तैल-संपर्क- -र्कः वैगृ ५,१४: तैल-संपात- -तम् कौस् 30,9. तैल-सर्पिस् - -र्पिषी श्रापध १, १७, १६; बौध १, ६, ४८; हिंघ १,५,४८.

तेला (ल-अ)क--कम् अप ३६, १६, १. तैला(ल-श्र)पूप- -पस्य काग्र तैला(ल-श्र)भ्यक्त,का- -कः श्रप ६८, ५,१; -क्ता अप २६, 3,4. तैला(ल-श्रा) मलक-संनिभ--भाः अप ६३,४,८. तैलो(ल-उ)दक- -कयो: विघ ७१,२३. तैलीन- पा ५,२,४. १तिल-क- पा ५,४,३. तिल-कट- पावा ५,२,२९. तिल-करh- -रम् विध ९,६. तिल-कल्क- - ल्कै: विध १९,१८. तिल-काल° (> °ल-क- पा.) पागवा ५,४,३. तिल-गन्ध-पुष्प-माल्य- - स्यैः बौपि 2,90,7. तिल-गोमय-कर्दम- -मै: श्रप ६८, 4,99. तिल-तण्डुल- -लाः श्रशां १२, २; -लान् आप्रिय ३,४, १: २२; १०, १: ९; बौपि; -लानाम् आप्तिए ३, ४, १ : २०; बौपि; -लानि श्राप्तिगृ ३,४,४:२६. तिल-तण्डुल-द्धि-मधु-क्षीर--राणाम् वैग् ५,४: १. तिल-तण्डल-पकास- -सम् वाध २, 3 9 21. तिल-तण्डुल-संपर्क- -कं: कप्र ३, €,6. तिल-तेल- -लम् अप २३, ५, ४; -लेन शंध **२४**२.

a)=स्वरित-विशेष-। b) 'लब्बं' इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. याशि. प्रमृ.)। c) वैप १ द्र.। d) विप.। तस्येदमीयः अण् प्र.। e) तु. पागम.। f) वैप १ निर्दिष्टयोः समावेशः द्र.। g) = [परोष्पी-नामक-]पक्षि-विशेष-। उस.। h) उप. = २कर-। e) 'नम् इति पाठः ? यनि. शोधः।

तिलतेल-तुला- -लाम् विध ९०, 33. तिल-दधि-भौद्र-लवण-लाज्ञा-मद्य-मांस-कृतान्न-स्त्री-पुरुष-इस्त्य-(स्ति-श्र) स्व-वृषभ-गन्ध-रस-कृष्णाजिन-सोमो (म-उ)दक--कात् शंध १५३. तिल-दर्भ- -र्भान् श्राप्तिय ३, ३, तिल-टान- -ने बौध २, ८, १५%; -नेन श्रप्त ४,२,१०. तिल-द्रोण- -णम् विध ५०,३७. तिल-धान्या(न्य-श्र)न्न-वस्त्र--स्नाणाम् शंध ३९५. तिल-धेन- -नुः अप ९, ३, ५; -नुम् श्राप्तिय ३,१०,२:१०; बौषि ३, ९, ५; श्रप ९, १, १; श्रशां १३,५; काध २७१:८. तिलं-तुद- पावा ३,२,२८. तिल-पात->तैलंपा(त>)ताb-पा ६,३,७१. तिल-पात्र-दान- -नम् श्रप ६८,२, ٤٩. तिल-पिझ- पावा ४,२,३६. तिल-पिशित- -तम् वाग् ४,२३. तिल-पिइल°- -इलम् मागृ १,२१, 93d. तिल-पिष्ट-माषो(प-श्रो)दन°- -नम् जैय २,९ : २७1. तिल-पिष्टा(ए-श्रा)दि- -दिभिः आमिए ३,३,१:१३.

तिल-पेज- पावा ४,२,३६. तिल-पेशल- -लम् कागृ ४०,१८०. तिल-प्रद - -दः विध ९२,२३. तिल-प्रस्थ- -स्थस्य हिपि १७: ८. तिल-भक्ष⁸- -क्षः श्रापध १, २६, १५;२७,१; हिंध १,७,२५;२६. तिल-मध्-संसष्ट- -प्टम् बौगृ २, 99,43. तिल-मय- पा ४,३,१४९. तिल-मात्र-चित्र- -त्रः या ३,१८. तिल-मात्र-तुन्न- - न्नम् या ४,९. तिल-माष- -षाः त्रापश्री १६,१९, १३; जैगृ १, ११: ६; आपध २, १६, २३; हिध २, ५, २३; -षाणाम् कौष्ट १,२१, ६; शांष्ट १, २८, ६; जैगृ १, ११: ४; -षान द्राश्री ५, ४, २८; लाश्री २.८.२८: -षैः गोगृ २,९.६. तिल-माष-बीहि-यव- -वाः वौश्रौ 28.4:94. तिल-माप-बीहि-यवो(व-उ) दक-दान - -नै: गौघ १५, १४. तिल-मिश्र, थां- -श्रम् श्राश्री ८, १४,३; बौश्रौ २६,३३:१४; श्राप्तिगृ: -श्राः श्राप्तिगृ ३,४,४ः २०;८,१ : ६; बीगृ; -श्राभिः आमिष्ट ३, ८,२:३८;६५; बौषि १,१५:४५; हिपि १५: १५; -श्रेण आग्निय ३,११,२:४. तिलमिश्र-गन्धो(न्ध-उ)दक--केन बौपि २,१२,२. तिलमिश्र-पिष्ट -मापौ (प-श्रो) दन- -नम् श्रामिगृ २,५,१:३५ तिलमिश्रो(श्र-उ)द्पात्रा(त्र-ग्रा) नयन- -नम् हिध २,५,४५1.

तिल-मुद्ग-माष-यव-गोधुमा (म-आ)दि- -दीनाम् शंघ १४६ तिल-मुद्ग-मिश्र- -श्रम् पागृ १. १५,४; जैगृ १,७: २. तिल-लाज- -जै: वैगृ ५,१०:५. तिल-वत् कप्र १,३,९. †तिल-व(त्स>)त्सा^k- -साः श्राप्तिए ३, ८,२:३९: बौपि १. 94:84. तिल-वर्जम् शंध २७७. तिल-व्रत- (> °तिन्- पावा.) पावाग ५,१,९४. तिल-बोहि-यवा(व-आ)दि--दीनाम् अप ७०,४,९. तिल-शण-गोमय-शान्ता-ज्वाल1--लेन कौसू २७, ३३. तिल-सक्त- -क्सिः बीय २,१,१८. तिल-सक्तु-द्धि-लाज- -जम् वैध 2,94,9. तिल-संबन्ध--न्धम् विध ६८,२९m तिल-सर्पप- -पै: कीय ३, १, २; शांगृ ३,१,३; वैगृ ३, १४: २; श्रप ३१,८,५. तिला(ल-त्र)क्षत- -तान् वैगृ ५, १२ : ४; -तेषु वैगृ ५,६ : १०. तिलाचता(त-त्रा)दि-वैगृ ५.४: २२. तिला(ल-अ)क्षतो(त-उ)दक-वैगृ ५,२: २०;२४. तिला(ल-श्र)नुप्रकिरण- -णम् हिध 2,4,84. तिला(ल-ग्र)न्तर- -रम् नाशि १,६,

a) °लादा° इति Hultsch । b) जः प्र. (पा ४,२,५८)। c) पस. । उप. $? = \frac{1}{2}$ चित माध्यम् \overrightarrow{i} d) सपा. °पिश्लम् <> °पेशलम् इति पामे. । e) पस. > मलो. कस. । f) सपा. तिलिम्पिष्मापो° <> तिल-मिश्रपिष्टमापो° इति पामे. । g) उप. कर्तिर कृत् । h) तु. जीसं. St. । h) विप., नाप. h0 सप. श्रापघ २, १७, १७ उदपात्रानयनम् इति पामे. । h1 विप. । बस. । h2) शान्ता- =श्रोपिश-विरोध- । h3 °संयुक्तम् इति जीसं. ।

तिला(ल-श्र)म्भस्- -म्भाः शंधे १२१. तिला(ल-त्र)र्थ- -र्थः त्रापृ २, ५, १५; कौगः; -र्थम् बौगः १,१, २४: -र्थाः अप ४४,१,१०. तिला(ल-म्र)शन⁴- -नः वौध ४,५, ₹. तिलो(ल-उ)दक- -कम् आमिगृ 3, 3, 2: 22; 99, 3: 29; बौगः -केन श्रामिगृ १,२, २: ३७; -कै: श्रामिगृ ३, ११, २: १०:३ : १७; वैगृ ७,८ : ३. तिलोदक-दाना(न-ग्र)न्त--न्तम् बौषि २,११,५. तिलोदक-पात्र- -त्रम् वीपि २, ९,२; १०,३; -त्रे वौषि २, ९, 4; 99,2. तिलोदक-प्रदान- -नम् वौपि २,१२,४; भागृ ३,१७:१०. 'तिलो(ल-ग्रो)दन- -नः त्रप १,३४, ४: -नम् वैग् ५, १३:८; -नस्य वैगृ ५, १४: ६; -नेन वैगृ ५,१३: १६. तिलो(ल-उ)दुम्बरपत्र-दर्भ- -र्भान् वैष् ५,१५: १;२. तिली(ल-त्र्रो)दन- -नः कौस् १३८: तिल्य- पा ५,१,७;२,४; फि ७६. शतिल-क- तिल- द्र.

रतिलक°- पाग ५,१,१२८°;२,३६.

३७: 9; १८,9: ६.

तैलक्य- पा ५, १, १२८.

१६, १८, १८; -लम् त्रापश्रौ २०,२२,६; हिश्री १४,५,४. तिलकित- पा ५,२,३६. †तिलदा^e- -०दे श्रापमं २,११,१९; श्रामिय २, १, ३: ९; भाय १, २२: १४; वैष्ट ३, १४: १३; हिए २,३,३. तिलिका- (>तैलिक्य-) रतिलक-टि. द्र. तिल्पिञ्ज' - - अम श्रप्रा ३,४,१ ई. तिल्पिक्जय- -क्ज्याः कौस् ८०,२८. तिल्पिलिका⁸- पावाग ८,२,१८. √तिल्ल् पाधा. भ्वा. पर, गतौ, तिल्व¹->तिल्व-क,का- -कः श्रागृ २,७, ६; -काम् त्राप्तिगृ ३, ५, ५: ६; बीपि १,४: ६. तैल्वक'- -कः काश्री २२, ३,९; श्चापश्रौ २२,४,१५; हिश्रौ १७, २,२१; -कम् आपश्रौ १६,१०, २; हिश्रौ ११, ३, १९; -कानि वौश्रौ १८, ३६: २; -कौ वैश्रौ १८,0:96. तैल्वकी- -कीम् माश्री ६, १,३,२८; २९; वाश्रौ २,१, २, †ति क्विल,ला⁵- -ला श्रापमं २,१५, ३; त्रागृ २,८,१६; कौगृ ३, २, ६: शांगृ ३, ३, १२; मागृ २, ११, १२; -ले ऋपा १४,५८. ? ... तिच वाध्रुत्रौ ३,५: १. शतिव्यपासम्[।] वाश्रौ ३,२,१, २४. तिष्ठत्- प्रमृ. √स्था इ. तिलक-वत्- -वान् वौश्रौ १५, तिष्य!- फि २३; -ष्यः बौगृ १, १,

त्रापध २, २०,४; हिध २,५,९; -ज्याय वैगृ ३, २०: ५, -ज्ये बौश्री १७, ३९: ९; आमिए; -च्येण श्राग् १,१३,२; श्रापगृ. तैष- पाग ६, २, १९४ ; पा, पावा ६, ४, १४९; -पस्य शांश्री १३, १९,३; -चे बौग्र २, 99.3. तैबी- -बीम् गोगृ ३,३,१४; जैगृ १, १५: १; - ज्याः हिश्रौ १३,३,२; वैताश्री ३६, २, गोष्ट ३,१०,१६; -प्याम् बौश्रौ १३, १७: ३; माध्रौ. तैषी-पक्ष- -क्षस्य श्राप्तिगृ १, २, २: १; भागृ ३, ८: ११; हिए २, १८, ८; हिध 2,3,2. तैष्या(षी-म्रा)दि- -दि आश्री ८,१४,२२. तिष्य-नक्षत्र-संयुक्त- -के अप ५, 8,3. तिष्य-पुनर्वसु- -स्वोः कौगृ १, २०, ३; पा १,२,६३. तिष्य-पुनर्वस्व(सु-श्र)नुराधा (धा-श्र) श्वि-रेवती- -रयाम् आमिए २, २,३: २. तिष्य-पुष्य- -ष्ययोः पावा ६, ४, 989. तिव्य-बृहस्पति- -तिभ्याम् कागृ १८, २. तिष्य-मूल- -लयोः श्राप्तिगृ २, ५, 97:9. तिव्य-रोहिणी- -ण्याम् आमिर २,

4, 4: 97.

तिल(क>)का-वल^d- -लः शांश्रौ c) तिलिका- इति पादा. । d) मत्वर्थे b) = विशेषक- । व्यु. ? । a) विप.। बस.। e) = जरायु-। व्यु. १। f) वैप १ द्र.। वलच् प्र. उसं. (पा ५, २,११२) पूप. दीर्घः (पा ६,३,११८) च। i) पाठ: ! ब्यत्यास-> -सम् इति शोधः (तु. h) विप. (स्थूणा-, च्रेत्र-)। वेप १ द्र. । g) तु. पागम. । तत्रवे २२)। j) = नक्षत्र-विशेष-। ब्यु. i। k) अर्थः i। नैष- इति पाका.।

२१; भाग २, १८: ६; - प्यात्

ति(ध्य>)ध्या-पूर्णमास - -से बौश्रौ १३, १७: २; २३, २: २२; हिश्रौ २२,३,७. तिब्बो(ब्य-उ)त्तर- -रेषु वेगृ २, 93: 3.

तिस- प्रमृ. त्रि- इ. तिसृणीभि: अप १,४०, ३; अशां 80,3.

तिस्तिराण- √स्तृ,स्तृ इ. √तीक् पाघा. भ्वा. श्रात्म. गतौ. १,२तीचण- प्रमृ. √तिज् द्र. √तीर पाधा. चुरा. उभ. कर्मसमाप्तौ. तीर"- -रयोः हिश्रौ १०, ३, १७;

-रस्य पावा ६, ३, १०८; -रे माश्री ५, २, २, ६; लाश्री; श्राप्तिगृ २, १, २: १२ †°; बौगः हिए २, १, ३‡° -रेण आश्री १२, ६, ३; शांश्री; क्यापमं २, ११, १२°; १३°; बौगृ १, १०, ११^{‡°}; भागृ १, ₹9: 6+°.

तीर-रूप्यो(प्य-उ)त्तरपद्- -दात् पा ४.२.१०६.

तीर्थं - पाउ २, ७; पाग २, ४, ३१; ४, २, ८०; १२७; ३, ७६; ५, १, ६४; ९७; -धम् आश्री १, १. ७: शांश्री; या ४, १५; -र्थस्य वाश्री ३, २, ५,४५; वैगृ ५ ७ : ९; शंध १०३; -र्थात् काश्री १४,३,१६; बौध्रौ;-र्थानि बौध्रौ १५, १: ४; वाध्र्यौ; -र्थाय वाश्री ३, ४, १, २०; -य काश्री १४,४,११; श्रापश्री; आपध २, १६, २५^d; हिंध^d २, 4. 28: 904; 91 &, 3, 20°;

-र्धेs-र्थे वाध्रश्रौ २, १७: २; -र्थेन आश्रो १, ११, १४ ××; काश्रौ ५, ५, १०××; श्रापश्रौ; वैगृ १, २:६; ५:६; ८;१०; १३: १; १४:४; -धेंभिः या १४. ३१;-थेंषु जैगृ २, ५: १५: अप: -थें: अत्र १८, ४ ई; या १४, ३१. तैर्थ- पा ४,३,७६; ५,१,९७. तैर्थक- पा ४,२,१२७. तैर्थिक- पा ५, १, ६४. तैर्ध्य- पा ४,२,८०. तीर्थ-गमन- -ने बौश्रौ २१, ८: १; वाध २१.९. तीर्थ-देश- -शात् आश्रौ ५, २, ६; ८,१३, २३; -शे आधौ ५, १, १३; ६,१२,६; ९, ९,८; वैताश्रौ २७,९; ३४,१२. तीर्थ-पूत- -तः विध ८३,९. तीर्थ-मृत्यू- -त्यवः अप ४१,४,७. तीर्थ-यात्राह- (>तैर्थया | त्र>] त्री-पा.) पावाग ५,१,११०. तीर्थयात्रा(त्रा-श्रा)श्रित--तम् शंघ १०४. तीर्थ-वासिन् - - सिनाम् वाध २६, 93. तीर्थ-व्यतिक्रम- -मे बौग् ४,३,६. तीर्थ-सद्- -सदे मागृ १, १३. 984. तीर्थ-स्थाणु-चतुःपथ-ब्यतिक्रम- -मे

तीर्था(र्थ-श्र)नुसरण- -णम् विध २ १६: -णेन विध ३६,८. तीर्था(र्थ-अ)न्त- न्ते वाश्रौ ३, १, 9,30; 8,9, 23. तीर्था(र्थ-त्र)भाव- -वे शंध १००. तीर्थो(र्थ-उ)दक- -कम् अप १६. १.५; -केन अप १६,१,६. तीर्थोदक-पूर्ण-कलश- -शम अप १०,१,१. तीर्थ्य - -ध्यान् वौश्रौ ६,9:२५. तीर्ण-, तीर्त्वा √तृ इ. √तीव पाधा. भवा. पर. स्थौलेय. तीवर- पाउ ३,१. तीव,वा°- पाउभो २, ३, ३०: पाग 3, 9, 96h; 8, 2, 431; -a: शांश्रौ १४, २१, २; श्राशि ८. २०: - बम् माश्री २,५,१,३२; श्रप; -बस्य श्राश्रौ ९, ७, ३२; शांध्रो: -बाः च्याश्रो ६,५,२४; ७, ६, २; शांश्री; बृदे ३, ९, ४ + 1; या ९, १७ +; - + वान् काश्रौ १०,५,९; श्रापश्रौ; -ब्राम् बौश्रौ १७, ३२: १4; -व्रेण बौधौ १७,३२: १+; अप ५२, २, १; वाध २५,७. तैवक- पा ४,२,५३. तीव-गति-त्व- -त्वात् श्राशि ८, तीव-तर,रा- -रम् तैप्रा १७, १,-४; -रा त्रापध २, १६, २४; हिध २,५,२४. त्रापगृ ५,२५; बौगृ ४, २,१४. तीव-ता- -ता वौश्रौ १८, ३०: ५; -ताम् बौश्रौ १८,३०: ९ ‡; तीव-दारू^k- (>तैवदारव- पा.) तीर्था (र्थ-श्रा)ग (त >)ता- -ता

पाग ४,३,१५४.

a) वैप १ इ. । b) पाठः ? त्रि-स्(ण >)णीभिः इति श्रशां. संस्कर्तुरभिमतः शोधः । तीरे<>तीरेण इति पामे. । d) = दानाई-पात्र-। ϵ) = गुरु-। f) धें इति BI . । g) तु. पागम. ℓ h) तु. पाका. । i) व्यप. । j) उत्तेरण संधिरार्थः । k) = दृक्ष-विशेष- ।

तीर्थ-स्थान- -ने वैगृ ५,७ : ९.

तीर्थं-स्नान- -नात् शंध १००.

माशि १५.७.

तीब-सवº- -वः शांश्रौ १४,२१,१. १तीव-सुत्b- -सुत् शांश्रौ १४, २9,7年.

२तीव-सुत्a- -सुत् काश्री २२, ९, १५; -स्तम् वौश्रौ १८,४१: १६‡; -सुता त्रापश्रौ २२,१०, ६: हिथ्रो १७, ४, २३; -सुति काश्रौ ८,८,२०; लाश्रौ ८, १०,

तीव्रसुच्-चतुःपर्याय- -ययोः वैताश्री ४०,५.

तीत्रमुद्-उपशब्दो(द्-उ) पहब्य- -ब्येपु वैताश्री ३९,९.

तीव-सोम° - -मः वौश्रौ १६, ३१: १८; -मे बौधौ १८,२९: २१; -मेन आश्रौ ९,७,३१.

तीवा(व-प्र)न्त°- -न्तम् श्राश्रौ ५, 9.940.

√तीवाय पा ३,१,१८.

तीवा(व्र-त्र)र्थ-तर- -रम् या ४, 34.

तीवी √क>°क्(त>)ता--ताभिः वैश्रौ १६,२२: २. तीवी-कृत्य त्रापश्रौ १३,१७,९; हिश्रो ९,४,५५.

√त् पाधा. श्रदा. पर. गतिवृद्धि-हिंसासु, †त्ताव निघ ४, १; या ४,२५. त्तोत् ऋपा ७,४२ ई.

*तक्->तवीयस्°- -यान् श्रश ₹,₹,४.

†तब्य(स्>)सी°- -सीम्

ब्राश्रौ ५, २०, ६; शांश्रौ ८, ६, ६; निस् ३, ९: २०; ऋग्र 2,9,983.

†तवस् - - वः निघ २,९1; - वसः शांश्री ८,२३,१; अप ४८,६८ ቱ निघ ३, ३^{†8}; या ५, ९**∮**; -वसम् श्राश्रौ २, १३, ९; ४, १३,७; शांश्री; या ५,९; -वसे ग्राश्री ७, ४, ८; शांश्री १२,४, १७; शांग्र ५, ६, २; ऋपा २,

क्तत्रस्-तम- -मः शांश्रौ ८, 90,9; १८,३,२.

क्तवस्-तर- -रम् आश्रौ ६,४, १०; श्रापश्रौ.

तविष, पा'- पाउ १, ४८; -पः निघ ३,३^{‡६}; -पाः श्राश्रौ २, १३,७ +; कौस् ६,९1; - विभिः या २,२४∮ रै.

> †तविषी- -षी श्रप ४८, १०३; निष्ठ २,९; या ९,२५ई; -पीभिः श्राधौ ९,५ ५; श्रापश्रौ ५, १०, ४; माश्रौ १,५,२,१४; वाश्री १, ४,२, ५; हिश्री ३,३, ३६; -षीम् हिश्रौ १२, ६, ६; या ९,२५+;

> √तविष, ?तविष्यते निस् ७, 6: 38 +k.

ताविष- पाउमो २,३,१५७. तु,>तू व श्राश्री १, १, ३; २, १८, १९; शांश्री १, १, ४०; १५, २७,91; १६, १३, १५m; १८, १३, ४; १५; काश्री; पा ८,२, ९८; पाग १, ४, ५७ª ; पावा १, १, १××; पाप्रवा १, ६; ९; 99; 4,98.

तु-न-पूर्व- -र्वः तैप्रा ५,१३. तु-शब्द- -ब्दः उनिस् २: १३. तु-हि-ह-वै-त(द्>)च्-छ(<श) ब्द्—विशिष्ट- -ष्टानि ऋत्र १, 97,3.

तुक°- -कः श्रप ४८,८९. तक्ष- (>तीक्षायण- पा.) पाग ४,

१त्रग्र^c-> †तीग्रय- -उयः शैशि ३३०; -प्रयम् ऋप्रा ५,३६. २तुग्र->तुग्रिय- पा ४,४,११५. †त्(प्रय>)द्रया°- - प्रया निघ १, १२;

-ग्रयाः अप ४८,७५. त्(प्य>)द्रयावृष्°- - वृधः ऋपा ९,

994. तुग्वन् °- - ग्व या ४,१५ई; - भग्विन

श्रप ४८,११५; निघ ४,१. तङ्ग- पाउभो २,२,६६.

तुच्°- पाउभो २, १, २४६°; †तुक् अप ४८,८७३, निघ २,२; भतुचे साम्र १,३९५.

तुच्छ- पाउभो २,२,८३. तुच्छघ°- -च्छयान् ऋप्रा १४,५२ . ?तुछुब्दः दंवि २,११.

àत्त्,ञ्ज्^{с, व} पाधा. भ्वा,पर.हिंसा-याम् ; चुरा. पर. हिंसावलादान-निकेतनेषु, तुक्तते वैताश्री ३१, २७; तुझित श्रप ४८,१३;१४;

b) विप. । उस. । c) वैप १ इ. । a) = एकाह- Lयाग-विशेष-]। उस. उप. ऋधिकर्ऐो प्र.। d) पामे. वैप २, ३सं. तीब्रान्तम् ऐव्रा २, २० टि. इ. । ϵ) या ९, २५ पा ६,१,७; ७, ३,९५ परामृष्टः इ. । h) पांभे. वैप १,१४९१ ${f q}$ द्र. । i) वैप १ निर्दिष्टयोः समावेशः द्र. । f) वल-नामन्-। g) महन्-नामन्-। k) वैप १, १४८३ d द्र. । l) पामे. वैप २,३सं. स्थ ऐबा ७, j)= बलवत्-। विशेषः वैप १, ८४३ ${f k}$ इ. । १८ टि. इ.। m) पृ १९४ b इ.। n) तु. पागम.। o) गृह-नामन्-। p) <√तु इति । q) या ६, १७ परामृष्टः धा. च दाने वृत्तिः इ. ।

निघ ३,२०. तुज्यते या १४,२६ ई. तुज - तुजा उस् २,२५ . तुज - -जः निघ २,२० नै. क्तुज्यमान- -नासः श्रप ४८, १०६; निघ २, १५. †तुझ°- -आः निघ ४, ३; या ६, १७ई; -क्षेऽ-क्षे या ६,१८ई. †त्तुजान°- -नः श्रप ४८, १०६; निघ २,१५; या ६,२०∮; ऋप्रा U, 30. त्तुजि°- -जिः श्रप ४८, १०६; निघ २,१५. †शतजःव शांश्री १८,३,२. †तुजि°- -जये या १२,४५०. √तुञ्जू पाधा. भ्या. पर. पालने; चुरा. पर. भाषार्थे. √तुद् पाधा. तुदा. पर. कलहकर्मणि. तटि->तुट्या(टि-त्र्या)कार!- -रम् वैग् ४,१३: ८. √तुङ् पाधा. भ्वा., तुदा. पर. तोडने⁸. √तुरा पाधा. भ्वा.; तुदा.पर.कौटिल्ये. √तुण्ड पाधा. भ्वा. श्रात्म. तोडने b तुराड"- पा, पाग ५, २,१२७1; -ण्डै: श्रप ६४,७,९. तुण्डिक - -कः श्रप्रा ३,४,१०. तुण्डेल - - लम् अप्रा ३,४,१ +.

तुण्डदेव 1-(> °व-भक्त- पा.) पाग 8,2,48. तृण्डि- पाउ ४, ११८;पाग५,२,९७k. तुण्ड-भ- पा ५,२,१३९1. तण्डिकेर1- -रः भाग १,२३:३ मण. तुरिडल- पाउ १, ५४"; पा ५, २, ९७°; -लः कौग् ४, ४, १९; शांग ४, १९,३^P; -लस्य कागृ 90, 8ª. √तृत्थ् पाधा. चुरा. उभ. त्रावरणे. तृत्थ- पाउ २,७1. तथ"- - चा शांश्री ६, १२, १७; त्रापश्री; माश्री २,४,१,६^{२8}. तथ्य'->तुध्या(थ्य-त्रा)ग्निवेश्यी (श्य-श्रौ)र्जयान- -नानाम् हिश्रौ 28,3,90". √तुद्र पाधा. तुदा. उभ. व्यथने, तोतु धेते कौसू १०७,२ ‡. १तुद् "- -दस्य या ५,७. तुद्यमान- -नाः विध ४३,३५. तु(न>)ना- -न्ना या ९,२६. तुन्न-वत् - वत् या ४,९. तोत्त्र*- पा ३,२,१८५; -त्त्रेण कौसू ₹8.4. †तोद - -दः निघ ४, २; या ५, υφ; -दस्य या ५, v; -देन कीसू १०७,२ ४४, २तुद्र - (>तीदेय- पा.) पाग-४,

9,933. त्नपूर्व- तु इ. १तन्द्^{क1}- पाउ ४, ९८; पाग ५, २ 990;930. २तुन्द- पा ५, २,१२७. तुन्द-परिमृज- पा, पावा ३,२,५. तुन्द-वत्- पा ५,२,११७. तुन्दा(न्द-श्रा)दि- -दीनाम् पावा 4, 7,90. तुन्दिक-, तुन्दिन्- पा ५,२,११७. तुन्दिल-पा ५,२,११७; -लः मागृ 2,90,8. तन्दि^{b1}->°न्दिभ- पा ५,२,१३९. तुन्य⁰¹- -न्यम् अप १,७,१. √तुप्।,म्प्],तुक् [,म्फ्] पाधा. भवा., तुदा. पर. हिंसायाम्. √तभ् ^{d1} पाधा. भ्या. श्रात्म., दिवा. क्या. पर. हिंसायाम्. तुभ्य- युष्मद्- इ. तुम् पाग १,४,५७. तुमुल 1- पाउभो २,३, ११०; -ल: द्राश्री ४,३,३; लाश्री २,३,३; त्रप ७०^२,२१,२; ५; -लम् श्रप 40,0,9; 603,3,9. √तुम्प् √तुप् , √तुम्य् टि. च द्र. √तम्फ् √तुप् द. √तुम्ब् पाधा. भ्वा.पर. श्रर्दने; चुरा¹¹. पर. श्रदर्शने.

a) वैप १ इ. । b) = वज- । कर्तरि अच् प्र. (तु. दे.) । c) वैप १ निर्दिष्टयोः समावशः इ. । d) पाठः शिधार्थ वैप १,१४८६ ते इ. । e) वैप १,१४८५ 8 इ. । f) विप. (प्रह्षिठ-) । वस. पूप. = शुटि-(क्रथः शितु. C. टि. ।) । g) $\sqrt{\eta}$ इत्यपि BPG. । h) चुरा. पर. प्ररणे इति BPG. । i) तु. पागम. । j) = मनुष्यजाति-विशेष-इति MW. । k) = तुन्दि- इति पागम. । l) = बालप्रह-विशेष- । व्यु. ? । m) सपा. तुण्डिकरः <>तौण्डुल्यः <> शाण्डिकरः इति पामे. । n) $<\sqrt{\eta}$ ण्डु इति । o) $<\eta$ ण्डि- इति पागम. । p) श्र्यः ? = (पिष्टमय-) तुन्दिल-पुरुष- इति नारायगः । q) = पुरोडाशाकृति- इति देवपालः । r) $<\sqrt{\eta}$ द्द इति । s) पामे. वैप १,१४८६ ह इ. । t) = ऋषि-विशेष- । व्यु. ? । u) पामे. पृ ८७७ p इ. । v) या ५ ६,१०,७ परामुष्टः इ. । w) = तोद- । कर्तरि कः प्र. । x) = प्रतोद- । y) करणे प्र. । z) व्यप. । व्यु. ? । α 1) = जठर- । व्यु. ? । α 5) = । व्यु. ? । α 7) = । व्यु. ? । α 7) विप. । व्यु. ? । α 8, १५५ परामुष्टः इ. । α 9) = । व्यु. ? । α 9) = । व्यु. ? । α 9) च्युः । α 9 = प्रतोद- । व्यु. ? । α 9) निप. । व्यु. ? । α 9 = । व्यु. ? । व्यु. व्यु. व्यु. व्यु. व्यु. व्यु. व्यू. व्यू.

तुम्बर°- -रम् श्रप ३६,४,२. तुम्बर-दण्ड- -ण्डः श्रशा २२,१‡; -ण्डेन कौस् ७६,२.

तुम्बुरु^b— पाउभो २, १,१०२; पाग ४, ३, १०६^c; -रुणा नाशि १, ५, १४. तौम्बुरविन्- पा ४,३,१०६.

ताम्बुरावन्- पा ठ,२,१०२. तुम्बुरु-नारद-वसिष्ठ-विक्वावस्वा(सु-श्रा)दि- -दयः नाशि २,७,

†तुम्र^d - -म्रम् श्राश्रौ ३,८, १; शांश्रौ १४,२१,२.

√तुर्^व पाघा. जु. पर. त्वरणे. †तुर्^व− तुरम् श्रापश्री ६, २२,१; कौस् ९१,३०.

१तुर्d- - ‡०र गोग ४,९,१६; दागृ ४,४, २; -रः त्रापश्रौ ६, १७, १२ ‡ °;हिश्रौ ६,६,१६ ‡ °;त्रापमं १,१४,२+; वाग ५,१५; +या ३, २१⁶; १२,१४∳; -रस्य श्राश्रौ ७, ११, ३४; -राणाम् बौश्रौ १३,२०:९+; हिश्रौ २२,३,१९; ऋप्रा १७,३४; -राय श्राश्री २, १६,११;३,७,१२‡; शांश्रौ १४, १६,९+;३१,५+;४९,२; हिश्रौ ९, २,२४ +; वैताश्री ३१,१९. तर-ग!- -गाः श्रप ७०३, ११, ३१; -गे विध ९९,११. तुरं-ग!- -गम् विध ५०, २६; ७८, ३४; -गस्य भागृ २, ६: 94.

> तुरंग-स्कन्ध- पावा ४, २, ५१.

तुरं-गम- -मानाम् श्रप ७० 3 , १९,१३. तुर-या(न>)ण->तौरयाण 8 -णः निव ४,२; या ५,१५ † \oint . तुर-श्रवस् b - -वाः साम्र १, २९.

तौरश्रवस¹— -सम् श्रापशौ
१४, २०, १; चुस् १, ८:९;
१४; लाश्रौ ७, ३,३; —से काश्रौ
२५,१४,१३.
†तु(र>)रा-पा(<सा)ह्¹—
-पाट् श्राश्रौ ५, १६,२; ६, ३,
१; शांशौ ९,५,२; खंदे ४,०५;
श्रश्र २,५; श्रश्रा ३,४,१.
√त्रीय, तुरीयति निघ २,
१४‡.

तुरण- पाउभो २,२,१२६; पाग ३, १,२७; तुरण्य->√तुरण्य¹, 'तुरण्यति या २,२८∮†.

†तुरुष्यत् - -ण्यतः बौश्रौ ११,८:२६;१५,२९:१७. †तुर्वणि^व - -णिः निघ ४, ३;या ६,१४**०**.

तूर्ण- पा ७, २, २८^k; -णै: काश्रो १०,१,८; -णीम् काश्रो ८, १, २; २५,१०,२३; भाग्र २,१०: १६; अप ३५,२,९;७०^२, १९, ६;७१,८,२; बृदे २,५८;३,१६; या २,२८; ४,१५;५, १६; २५; ६,२०;८,१३;१०,२७; पाग १, १,३७°. तुर्ण-गिति—- ति: या १२,१४. त्र्ण-यान[™] - -नः या ५,१५**∳.** त्र्ण-वनि[™] - निः या ६, १४. त्र्णा(र्ण-आ)पिन्° - -पि या ६, २१.

त्णिं – पाउ ४,५१; – † णिं: स्राक्षी १, ३,६; शांश्री; या ७, २० ई; – † णिम् स्रापश्री ५, १०, ४; माश्री १,५,२,१४; नाश्री १,४, २,५; हिश्री ३,३,३६. त्पर्य(णिं-स्र)थें – - थां: स्राश्री ५,१,१११ है.

२तुर^p->तौर^a- -रम् निस् १०,१९ : १०; -रेण लाश्रौ १०,२०,१.

तुरा(र-श्र)यण - - जम् श्राश्री २, १४, ४; शांश्री ३,११, १५; काश्री २४, ७,१; - जेन श्रापश्री २३,१४,१; हिश्री १८,४,५३. तौरायणिक - पा ५,१,७२.

तुरि- पाउमो २,१,१५९. †तुरीप^त- -पम् श्राश्रौ १,१०,५; ३ ८,१; शांश्रो; या ६,२१∳.

तुरीय- प्रमृ. चतुर्- द्र. तुरुष्क- पाउमो २,२,६. †तुर्फरिष- -री या १३,५∳. †तुर्फरीतुष- -त्र् या १३,५∳. तुर्मिञ्ष- -र्मिशम् श्रप १,११,१‡. तुर्थ- प्रमृ. चतुर्- द्र.

तुर्वणि - √तुर् द्र.

†तुर्वश्व - - र्शाः श्रप ४८, ७८; निघ
२,३; -शाय श्राश्री ९, ५, २;
-शे निघ २,१६; श्रप ४८,७३.

√तुल् पाधा. चुरा. पर. उन्माने,
तुरुषते विध १०,११.

a)=1 ह्स-विशेष-। व्यु.?। b) व्यय.। व्यु.?। c) तु. पागम.। d) वैप १ द्र.। e) पामे. वैप १,9४८० दि.। f) = श्रश्व-। उस. उप. \checkmark √गम्, पूप. भाग. (तु. श्रभा. प्रमृ.)। g) विप.। बस. पूप. (तूर्ण- \lor 4 हि.। \lor 5) नेप १ द्र. (वैतु. पाप्र. \lor 6 उप. \lor 7 श्राप्। \lor 8 विप.। बस.। \lor 9) वैप १ द्र. (वैतु. पाप्र. \lor 7 उप. \lor 7 शाप्। \lor 9 वैप २,३ खं. द्र.। \lor 9 = याग-विशेष-। उप. \lor 7 वप. \lor 8 प्रमृ. \lor 9 वप. \lor 9 वप.

तुला – पाग ३, ३, १०४ , – ल्या वाध २, ४२; बौध १, ५, ७९; विध ८,३६; – ला विध ९,२३; १०,३; – लाम् श्रप ११,१,१०; शंध ४०५; विध १०,९. तौल्य – - ल्यम् श्रप ११, १,१५. तुला कूट – - टम् श्रप ९,३,४.

नु, १५. तुला-कूट- -टम् श्रव ९,३,४. तुला-धार^d- -रम् विघ १०,८; -रस्य विघ १०,९. तुला-धत- -तम् वाघ २,४७. तुला-पुंस[®]- -पुमान् वौध ४,५, २२. १तुला-पुरुष[®]- -पः विघ ४६,

२२. २तुळा-पुरुष- >॰ष-विधि--धिम् अप ११,१,१. तुळा-मान¹->॰न-कूट-कर्नृ-

-र्तुः विध ५,१२२. तुलामान-प्रतिमान-समुत्य --त्थानि शंघ २६२.

तुलामान-प्रतीमान-व्यवहारा-(र-ग्र)र्घ-संस्थापन- नम् शंघ ३२०.

तुला(ला-म्रा)रोहण- -णम् शंध २६५.

त्र्लित- -तः विध १०,१२.

१तुल्य,ल्या- पा ४, ४, ९१; -ह्यः वैग्र ५, ११: २; वृदे; -ह्यम् काश्रौ १२, २, ७××; काठश्रौ; -ह्ययोः श्रापश्च २,६; हिग्र १, २६; -ह्या काठश्रौ ८८; काश्रौसं २८: ६; ३१: १३; श्रप; -ह्याः काश्रौ १५, ८२९:१६,१,९०; वैग्र; -ह्यान् तुल्य-कारण-स्व- स्वात् पावा १,२,७१; २, २, २९; ३, १,७; मीस् १०,७,३५.

तुहय-काल^ड - न्लाः श्राप्ट १, ३,९; -लानाम् मीस् ५,१,८. तुह्यकाल-स्व - न्तात् पावा ४,३, १०५; मीस् ३, ५, ५९; १०,८,८.

तुल्य-क्रि(या>)य- -यः पा, पावा ३,१,८७.

तुल्य-गात्रंक^ड— -काः श्रप ६९,३,४.

तुल्य-गुण^इ- -णेषु श्रापध २, १७,१०; हिध २,५,३९.

तुल्य-चोदन- -नात् लाश्रौ ८,१,१०.

तुल्य-तस् (:) वाध १७,२३. तुल्य-व्य - व्यात् मीस् १,४, ७; ३,६,७; १०,७,३१;८,२४. तुल्य-देश-प्रयत्न - लम् पावा १,१,९.

तुल्य-दोष⁸- -पः वाध २०, ३०. तुब्य-धर्म-त्व- -त्वात् मीसृ १०,५,७१. तुब्य-नामन् ^ह- -मानौ बुदे

तुल्य-नामन् ^ह— -मानी बृदे १,९२.

तुल्य-निमित्त-स्व- -स्वात् पावा ३,१,३१.

तुल्य-प्रकृति-ता- -ता श्रप ६८,१,६.

तुल्य-प्रमाण^ध -णानाम् काञु२,२१.

तुल्य-प्रमाणक-त्व- -त्वे कप्र ३,९,१७.

तुल्य-बल-त्व- स्वात् पावा

तुल्य-बल-विरोध- -धे गौध १. ६.

तुल्य-भाज्- -भाक् गौध २८,३६.

१तुल्य-योग– ∙गे पा **२,** २,२८.

तुल्ययोगिन्-> °गि-त्व- -त्वात् मीस् २,१,४६.

२ तुल्य-योग,गा⁸ - -गा नाशि २,३,८; -गात् याशि १, १०; ५९.

तुल्य-रूप⁸- -पान् वृदे **५,** ६७; -पे पाप्रवा **४,**9३.

तुल्य-वत् श्रापश्रौ २४, २,

३७; मीस् . तुल्य-वयस्^{8,1}— -यसः वृदे

५,६८; -याः पागृ ३,८,१७. तुल्य-वर्चेस्^ह- -चेंसः श्रप

५२,८,१. तुस्य-शब्द-स्व- -स्वात् मीस् ३,५,५४; ८,२,२६.

a) वेप १ द्र. b) तु. पागम. । c) कर्मिण प्यम् प्र. । d) नाप. । उस. उप. क्तिरि कृत् । e)=(पश्चदशाहिक-) वत-त्रिशेष- । f) तृस.>षस. >षस. । g) विप. । बस. । h) उप. = श्रायुस्- ।

तुल्य-श्रुति-त्व- -त्वात् मीसू | तुल्वलb- पाउभो २,३,१२३. 2,9,90; 4,7,96. त्रल्य-सं(ख्या>)ख्य°--ख्यानाम् मीस् ११,४,४०. तुल्य-संख्यान- -नात् मीस् 8,8,94. तुल्य-संनिपात- -ते लाश्रौ 8,8,6. तुल्य-समवाय- -ये काश्रौ 8,4,90. तुल्य-हेतु-स्व- -स्वात् मीस् 9,9,40; 80,6,3. तुल्या(ल्य-ग्र)पकृष्ट-वध--धे बौध १,१०,२०. तुल्या(ल्यं-श्र)र्थं - -र्थानाम् वाश्री १, १,१, ६९; कौसू ६३, १७; -थें: पा २,३,७२. तुल्यार्थ-नृतीया-सप्तम्यु (मी-उ) पमाना (न-श्र) व्यय-द्वितीया-कृत्य- -त्याः पा ६, ٦, २. तुल्या(ल्य-न्ना)स्य-प्रयत्न--तम् पा १,१,९. तोल्यं- -ल्यः ऋप ११,२,१. २तुल-(>२तुल्य- पा.) पाग ४, २, तलभ-(>°भीय- पा.) पाग ५, ३, तुलभ्य^b- -भ्याः बौश्रौप्र ३६ : १. त्रलसी°-> °सी-दल-भक्षण--णम् शंध १२९. तुलसी-भू-महादेवी-चूर्ण-स्पृष्ट--ष्टः अप ३५,२,१०. १तुल्य- √तुल् द.

२तुल्य- २तुल- द्र.

तौल्वलि- पाग २, ४, ६१; -लिः त्राधी २,६,१७; ५,६,२४. तौल्वलायन- पा २,४,६१. †त्विव - वि श्रप ४८, ६६; निघ तुवि-कृर्मि⁰ - -र्मिः शांश्रौ१८,७,५‡ †तुवि-क्ष^d- -क्षम् या ६,३३ क. †तुवि-क्ष(त्र>)त्रा^d- -त्राम् श्राश्रौ .२,१,२९; शांश्री २,२,१४. †त्वि-जात⁴- -तः वैश्रौ १८, १: १५; या १२,३६०. तुवि न्मण - मणः आपश्रौ १२, 98,944. †तुवि-शुप्मd- - ज्म शांश्री १०, १३,९; -ष्मः शांश्रौ १५,२,१. †त्वि-श्रवस् d-> °स्-तम- -मम् श्राश्री २, १०,९; काय ३२,३. तुवि-ष्वण(<स्वन)स्^d--णसम् माश्री ५, १,२,१७ . ३९ +. तु(वि>)वी-सवd- -वम् ऋप्रा ९, ٦ŧ. त्विस्-d>तुविष्ट(स्-त)मd- -मः शौच ३,९६ +%. तुविष्टम-वर्जम् शीच ४,५९. √तुञ्^d>तोश^d- -शा त्राश्रौ ५, १०, २८; शांश्री १२, २, १८; सात्र २,१०५२2. तु-शब्द तु. इ. √तुष् पाधा. दिवा. पर. प्रीतौ, तुष्यति श्राप्तिगृ २, ५, १ : ४७; जैगृ २, ९: ३५; कप्र २, १०, ६; श्रप ७०३, २९, २; श्राज्यो

११, ५; तुष्यन्ति नाशि १, ५, १६; तुष्येत् शांश्रौ १, १७, ५; तुष्येरन् अप १३,४,८; तुष्येयुः श्रप ३०,४,१; ७०,३,३; श्रशां 24.3. अतोषयत् बृदे ४,५८. तुषित!- -०त विध ९८, ४७. तुष्ट--ष्टः श्रामिगृ २, ५, ४: १७; बौगृ; -ष्टाः अप ५,५,२; १३, ५,9; विध १९,२३; - छे ऋअ ३,१: - छेषु विध १९,२३. तुष्ट-तम- -माः विध १९,२३. तुष्टि- -ष्टिः कप्र १,१,१२; श्रापध १, २३, ६; हिध १, ६, १४; -्ष्टिम् अप ६८, २, २५; बौध 2.4.284. तुष्टि-ऋदि- -दी श्राप्तिगृ २, ३,३:२७. तोषयित्वा श्रापध २,१३,१२; हिध. तोषित- -तः कप्र २,१०,७. तु(वि>)बी-मध $^{
m d}$ - ०घ भाशि तुष $^{
m d}$ - पाग ४, २, ८० $^{
m g}$; -षम् कीस् ६१, २५; -षाः आपश्रौ ८, ७, १५; भाश्री; -षाणाम् श्रापश्री ८, ८,१२; बौश्रौ २०, ७: १०; -वान् काश्रौ २,४,१९; आपश्रौ; -वैः श्रापश्रौ ८, ७,१४; बौश्रौ. तीषायण- पा ४, २,८०. तुष-केश-पुरीष-भस्मा (म-श्र) स्थि-श्लेष्म-नख-लोम- -मानि शंध तुष-धान्य-वर्जम् बौध ३,३,७. तुष-निष्कास- -सम् आपश्री ८,८, १३; भाश्री ८, १०, १३; माश्री १,७,४,३४१ वंशी ८, १४: ६; -सस्य माश्री१,७,४,४०१०.

a) विप.। बस.। b) = ऋषि-विशेष-। ब्यु. (1 c) = श्रोपिध-विशेष-। ब्यु. (1 d) वैप १ इ.। e) पाभे. वैप १,१४९१ $ext{q}$ द्र. । f) = विष्णुनामाऽन्यतम-। व्यु. ? । g) श्रर्थः ? । h) ॰ व्काप- (तैवि.) इति पाठः ? यनि, शोधः।

†तुप-प(क>)का°- -काः काश्री १७, १, २३, श्रापश्रौ १६,१५. ८; बौश्रौ १०, १९ : ३; २२ : ९; माश्री ६, १, ४, ३९; वाश्री २,१,४,२३; वैश्रौ १८,१३ : ७; हिश्री ११,६,५. तुष-प्रतिपादन- -नम् हिश्रौ ५, ३, तुष-विद्दीन- -नान् बौध ३,२,१०. तुषा(ष-श्र)मि- -मिना श्रामिष्ट ३, १०,४:२०; - ग्निम् आग्निगृ 3,90,8:4. तुषा(ष-आ)द्य(दि-श्र)ग्नि--प्रविष्ट--ष्टानाम् काध २७४: १. तुषा(ष-श्रा)प्रित- -तेन वैश्री ४, v: 9. तुषो(ष-उ)पवपन- -नम् श्रापश्री ६,२९,१७. तुषार b- पाउ ३, १३९; -रेण श्रप ६८,9,३9. तुष्टुवस्- √स्रु इ. √तुस् पाघा. भ्वा. पर. शब्दे. तुस्तूर्षमाण- √स्तु, तृ इ. √तुह् पाधा, भ्वा, पर, श्रर्दने. तहिन- पाउ २,५२. त्रहिह्वैतच्छव्य-विशिष्ट- त्,तु द्र. तुख°- -खानाम् चाम्र ९:१; १०: २; ३९: १०; ४१: १४; १८; 98;22. √तूड् √तुड् टि. इ. √तूण् पाघा. चुरा. आत्म. पूरणे. तणव- पाउभो २,२,१२३; पाग ४,१, ४१; -णम् शुत्र ३, ११९; -णात् श्रप ६७, ६,५.

त्रणी- पा ४,१,४१. तूणी-बन्ध- -न्धः बौथ्रौ १८, 34:6. तूणकर्ण- (>तौणकर्ण)- तृगाक्रण-टि. इ. †त्णव°- -वम् कागृ १७, २; -वान् आपश्रौ २१, १७, १७; १९,४; -वे तैप्रा १३, १२; -वेषु या १३,९. तूणव-ध्म⁸- -ध्मम् शुप्रा ५,५‡. तूणीर्d- पाउव ४, ३०; -रात् श्रप 68,98,8. तृ तुजान-, त्तुजि- √तुज् इ. †तूतुम"- -मा या ५,२५०. त्तोत् √उइ. तूपर - -रः श्राश्री १०,९, ५; शांश्री; -रम् श्रापश्रौ १६, ७, १××; बौध्रौ; -रस्य †स्राप्ध्रौ २०, १९,३^२;९; काश्रौसं; -राः शांश्रौ १५, १, २२; ब्रापश्री; -रान् श्चापश्री १८, २, १३; वाश्री ३, १, १, २०; -राय वौश्रौ २६, १०:१९: -रेण विध ८०,११. तुपर-गोमृग- -गयोः श्रापश्रौ २०, १८,८; हिश्री १४, ४,१७. तपर-मिधन-दक्षिणाº- -णा काश्री १८,६,२३. तबर- पाउभो २, ३,७४. †त्या- -यम् अ१ ४८, ७५; १०६; निघ १, १२; २, १५; या ३, २0; 4, 7\$; ८, 93\$. √तूर् पाधा.दिवा.श्रात्म.गतित्वरणहिं-सनयोः. तूर्ण- प्रमृ. √तुर् द.

†तणां(र्*-ना)श³- -शम् निघ ४.२. या ५,१६०. तार्णे- √तुर द. त्र्यं8- -याणि अप ५, ४, ३; ७१. तूर्य-घोष- -षेण श्रप ४, २, १३: १९र, 4, 9. तूर्य-निर्घोष - -पः अप ७०3, २,३. तूर्य-माण्,नं- पावा ८, ४,१०. तर्यन्ती - -न्तीम् श्रामिय २, १, ३: २: श्रापगृ १४,१४;भागृ१,२२: १०; वेंग ३,१४:९; हिग्२,२,८. √त्(< तु)र्वृ° पाधा. भ्वा. पर. हिंसायाम्,त्वंति अप ४८,१९ न. तूर्व->तूर्व-या(न>)णª- -णम् शांश्रो १४, ४९, ३ . √तूल् पाधा. ¥वा. पर. निष्कर्षे. तल - - लः श्रापमं २, १६, ८; हिए २,७,२; -लम् अप ११, २,४; त्रापध १,३२,२४¹; बौध २,७, १५ हिंध १,८,६५१1; -लानि माश्री १,१, ३,२; -लेपु, -लैः माश्री १,१,३,१. √तूलि पा ३,१,२५. तूलि- पाउच् ४,१२०. √तूष् पाधा. भ्वा. पर. तुष्टौ. तूष - - पम् लाश्रौ ८, ६,२१ . तूष्णीम् श्राश्री १,३,२९××; शांश्री; पाग १,१,३७; तूक्जीम्डत्क्जीम् श्राप्तिय ३,५,५: १६. तूर्णी-शंस"- -सः श्राश्री ५, ९, ११; शांश्रो ९, २५,१; १८, १, २; -सम् श्राश्री ५, ९, १; शांश्री 0,9,9; 20,90,94; 26,39,

a) वैप १ द्र. । b) = हिम- । ब्यु. ? $<\sqrt{\pi}$ प् इति प्रायोवादः । c) = ऋषि-विशेष- । ब्यु. ? । d) = इपु-धि- । ब्यु. ? । e) उप. = २दक्षिणा- । f) वैप १,१४९२ n द्र. । g) = वाद्य-विशेष- । ब्यु. ? ।

h) = श्रोषधि-विशेष- [श्रवका-] । व्यु. ? ।

i) बप्रा. । वैप १,१४९३ g इ. ।

j) = श्रागामिनी- संपद्-।

k) = इवीकात्र-। l) कूलम् इति वाठः ? यनि. शोधः। m) ऋक्समृहसंज्ञा-।

१; -से शांश्री १७, १४,३. तर्णीं-स्तोम - -मः बौश्रौ १६,८: ७: -मात् बौश्रौ २६, १४: १०; १४; -माय बौश्रौ १६,

तूब्णी-क,का- पावा ५, ३, ७२; -कः बौध्रौ २०, १६: २५××; -कम्^b त्रापश्री २१, ११,११; बौश्री; -का बौश्री २१, १९: १०××; -काः बौधौ २१, १: ७××: -कान् वाश्री १, ७,४, १३: -कानि बौश्रौ २१, १: ८: २२, २०: १५; २५, १: १६: -काभिः हिश्री ७, ४,५८; -काम[°] श्रापश्री १४,२३, ७; वाश्री १,१,१,२७;६,३,१; पावा . ५, ३, ७२; -केन बौश्री २१, १६: १२; वैश्री ३, ८:२; हिश्री १, ३, ४९; ३, ८, १७; २२, ३, ७; -केपु आपश्रो ३, १८,७; १४, २३, ५; भाश्री ३, १५,१; वैश्री २१,१०:७; हिश्री 2,9,22; 2, 6,6;84,6,8. त्त्वा-न्याय^व- -यम् कौगृ ५,

त्णीं√भू> °भावृम् पा ३, ४, तूर्णी-भूत- -ताः विध ८,३७. तूष्णीं-भूत्वा, °भूय पा ३,४,६३. त्रस्त°- पाउभो २,२,१३४; पाग ६,२,

938.

√त्सित पा ३,१,२१.

√तुंह् ,तह्र पाधा. तुदा.; रुधा. पर.

हिंसायाम्, तृंहन्ति तैप्रा १६, 3年. **†**तृणेढि श्रप ४८, १९; निघ २, १९: तृणहान् श्रप्रा २,४,१५ . तृंहत्8- -हत् ऋपा ८,२७ म. √तृत्त् पाधा. भ्वा. पर. गती.

त्स्र - पाग ४, १, १०५; -क्षम् आपश्री २४,८,८1. २तार्स्य- पा ४, १, १०५; -० ह्यं आश्री १२, १२, १; श्रापश्री २४,८,८; -र्स्यम् आश्री १२,9२,9.

ताध्यीयण- पाग ४,२,५४; -णाः बौधौप्र ७ : २. ताक्ष्यीयण-भक्त- पा ४,

2.48. तृक्ष-वत् श्रापश्री २४,८,८1. तृक्षाक - (>तार्क्षाक - पा) पाग ४, 9,992.

त्च- त्रि-इ. ?तृचि जैश्रोका ५३९. √तुण् पाधा. तना. उभ. श्रदने. १तुणंड- पाउ ५,८; पाग २,४,३१;४,

> १४४; ६, २, ८५; पावा २, ४, १२; पावाग ४, २,५१; -णम् श्राश्रौ १,३,३१××;शांश्रौ; -णस्य हिश्रौ ४,४,१५;-णानाम् वौश्रौ २०, ५: १८; कौसू; -णानि आश्री १,३,२२; शांश्री; -णाभ्याम् काश्रौ ९, १४, ४; —णे काश्री २,६,९××; काठश्री; -णेन काश्री ४,१४,५; त्रापश्री;

२, ४९; ८०; ९०; ९१; ३,७६;

पावा १, ४, २३; - जेषु आश्रौ ८, १४, १३; १४; बौश्रौ; -णैः काश्री २, ३,६; श्रापश्री. १तार्ण- पा ४, ३, ७६. तृण-काण्ड- पावा ४,२,५१. तुण-काष्ट- पाग २, ४,११1; -हम्

त्रप ५०,९,३; बौध २,१,५५^k; - छेषु श्रापध १, १५, १४; हिंच १,४,७३; -ष्टैः श्रापध १, २१, २; हिध १,६,३१. तृणकाष्टा(प्र-त्र)पासन- -नम् काश्री ७,७,८.

तृण-काष्ठ-द्रम-ग्रुष्काञ्च-गुड-वस्त्र-चर्मा(म-श्रा)मिष--षाणाम् विष 42,9.

तृण-काष्ठ-शुष्कपलाश- -शानाम् विध २३,१६.

तृणकीय- पा ४,२,९१. तार्णक- पा ६,४,१५३.

तुण-कूर्च- -र्चेन जैगृ १,३ : २४. तृण-च्छेदन-> व-लोष्टविमर्दन-

[नि1]ष्ठीवन- -नानि आपध १, ३२,२८; हिंध १,८,६९.

तुण-च्छेदिन् -दी विध ५, ५५; ७१,४३.

तृण-जम्भ- पा ५,४,१२५. तुण-जय"- -याय बीगृ ३,९, ५. तृण-निरसन- -नम् शांश्रौ ४,६,५. तृणनिरसना (न-श्रा)दि- -दि वैश्रौ १५, २४: ४,५.

तृण-प(द् >)दी- पाग ५, ४, 935.

तृण-पाणि"- -णिः ऋत्र २,५,४९;

a)=स्तोम-विशेष-। b) प्रायेण द्वि १ सत् किवि.। c) वा. किवि.। d) विप.। वस.। e) अर्थः ब्यु. च १ । = जटीभूत-केश- इति पासि., = धूलि- इति MW.। f) पा ७,३,९२ प्रामृष्टः इ.। g) वैप १ इ.। h) व्यप. । व्यु. i । i ॰ध्ध॰ इति पाठः i यित. शोधः (तु. सप्र. आश्री १२, १२,१; c, च) । j तु. पागम. । n) व्यप. (तु. साम्र. बृदे.; वैतु. l) हिध. पाठः। m) = ऋषि-विशेष-। k) तृणं, का° इति चौसं. । षड्गुरुशिष्यः विप. इति)। बस.।

तृणपाणि-क- -कम् ऋग्र २, ६,४८; -कस्य बृदे ५, ११३. तण-प्रासन-प्रभृति- -ति द्राश्रौ ४, १,१५; लाश्रौ २,२,३. तृण-वि(,वि) न्दु b- पाग ४, १, ९६; पावाग ४,२,२८; -न्दवः बौध्रौप्र २७: २: - द्वे आप्तिगृ १, २, २: १८; बौगृ ३, ९, ५; भागृ ३,१० : ४; हिगृ २,१९,६. तार्णवि[,वि°]न्द्वि- पा छ, 9,94. तार्णिबन्दवीय- पावा ४, २, तृणबिन्दु-तनु- पाग २, २, ₹ 68. तृण-भूम्य(मि-श्र)ग्न्यु(मि-उ)दक-वाकसृनृता(ता-त्र)नसृया- -याः वाध १३,६१. तुण-मय- पा ४, ३,१४४. वृण-मुष्टि- -ष्टिम् बौश्रौ २, ८ : ४; २४: वैगृ २,१६ : ७. तृण-वंश- -शम् बीश्रौ २५,४ : ४. तृण-वर्त - तिन् बीश्री ६, २७ : तृण-वह्यी-समाकु(ल >)ला--लाम् अय **७०**°,२३,१०. तृण-श- पा ४, २,८०. तृण-शायिन्- -यी विध ५०,४. तृण-संवाह- -हः श्रापध १, ११,८; हिध १,३,६५. तृण-हिरण्य- -ण्यैः काश्रौ १२, €,9.

तणा(ण-अ)य- -प्रम् काश्री ६, ६, १४; वाश्री १,३, १,३३; ६,५, २१: - ब्राणि वाश्री ३,२,६,४६. तृणा(ग-त्र)द्- -दान् अप ७१, 4.3. तृणा(ण-आ)दि- -दि काश्री ३, ७, -१३; -दीनाम् अप ६४,५,१०. तृणा(ण-ग्र)द्य- -द्यात् त्र्यापश्रौ २०, २,११^२; हिश्रौ १४, १,२३^२. तृणा(एा-ग्र)न्तर्धान- -नेन वाधी ३. 2,9,96. तृणा(ग-त्र)पचयन- -नम् शांश्री २, - 94.3. ?तणापल- त्रणोलप- टि. इ. नुणा(ण-ग्र)र्थ- - ये काश्री २,८,७. तणिल- पा ४,२,८०. तृणीय- पा ४, २, ९०. तृणे(एा-इ) द - द: हिश्रौ १५, ३, 990 तृणै(ग्-ए)धe- -धः भाश्रौ ९,१३, ९व: -धे श्रापश्रौ ९,९,१२व. तृणो(ग्र-उ)द्क- -काय बौश्रौ ६, तृणो(ए-उ)दक-भूमि- -मि गौध ५, 34. तृणो(ण-उ)लप'- पाग २,४, ११. तृणौ(एा-श्रो)पधि- -धीनाम् बौध 3, 2, 94. तृण्य- पा ४,२,४९. २तृण⁸- पाग ४, १,९९;११२^h. रतार्ण- पा ४,१,११२. तार्णायन- पा ४,१,९९. तणकर्ण8- पा. पाग २, ४, ६३; ४,

9,992 11 तार्णकर्ण- पा ४,१,११२. तृण-काष्ट- प्रमृ. १तृण- इ. तृणव1-(> वीय- पा.) पाग ४, २, 90. ?तणवः अप १,७,५. श्वत- -ते कौस् ४६,२६ + k. तृतीय- प्रमृ. त्रि- द्र. ?तृत्यम् वाश्रौ ३,२,५,२६. तृत्सु1- -त्सवः या ७,२ . √तृद पाधा. रुधा.उभ. हिंसानादरयोः, अतृणत् ऋपा १,९८‡; तृन्यात् या १,१२. ततर्द या १०,४१ क. †तर्दे¹- -०र्द श्रश्र ६, ५०; -र्दम् कौसू ५१, १७; १९; अप ३२, १,१२; अत्र ६,५. ?तर्दापते¹ श्रश्र ६,५० ‡. तर्दन m- -नम् या १, १३. तर्जन्1- -र्ज काश्रो ६,१,२८; कार २५,९‡"; कौसू ७६,१३; -र्भसु काश्री ७,३,१७; काय २६,३ . तृदान्1- - दा श्रापमं १,१,१० 🕫. √तृप्, मप्° पाधा. दिवा. स्वा. पर. प्रीणने; तुदा. पर. तृप्ती; चुरा. उम. तृप्ती संदीपने च, तृष्यति बौश्रौ १०, १०: १; २७, १२: ९; माध्री; तृष्यन्ति वौश्रो २७, १२: ६,८; वाध्रश्री; तृप्यामि गोगृ १,९,३; तृप्यामहे विध ८३,२१; तृष्यतु श्राधी ५, ६,२‡; शांश्री; ‡तुप्यताम् श्रप ४३, २, १५××; दत्रप्यन्ताम्

कोग्र २, ५, २³; वैग्र; †तृप्यन्तु श्रापश्रो ३, ११, २; बौश्रो; शाग्र ४, ९, ३³; ६, ६, ९०°; तृप्यस्व बौग्र ३, १२,८; बौप; तृप्य बौश्रो८,९:२१†;†तृप्यतम् श्रापश्रो २, २०, ६^b; १४, ३०, २°; बौश्रो २४, २९:२१; २९, ५:३°; भाश्रो; हिश्रो १५, ०,१८; †तृप्यत श्रापमं २,२०, २३³;२५³; श्राप्तिग्र; †तृप्याणि श्राप्तिग्र १, ५, १:१०; १३; तृप्येत् वाध १०,२५; १४,१३;

तृष्णुवन्तु †बौश्रौ २, १०: ३३;३५;३६; तृष्णुतम् कांग्र १, १७,७†;†तृष्णुत्व श्रापश्रो १९, ३,७ बौश्रौ.

तृम्पताम् शांष्ट ३, ३, १६ ह्म्प्ताम् आपश्री १३, १२, दः, वौश्री; ह्म्प्पन्तु काश्री ९, ११, १३, १५, शुत्र १, ४५१; ह्म्प्याः १, १५, १५, १५, १५, १५, १५, १५, १५, १२, ५०, १६; १३,१२,५०.

तातृषुः श्रापश्रौ २१,१९,१९,१९ तृत्यास्म बौध्रौ ८, ९:२१ है; अतृपम् श्रामिष्ट १, ५, १:१२ १२ है.

तर्पयते त्राप्तिग् २, ५, ७: ९; २,६, ८: १६; तर्पयति काश्री ३, ८, २७; बीश्री; तर्पयन्ति श्रापृ ३,५,२१; शांपः; †तर्पयामि बौश्रौ ९, १९: १५३; कौगः; बौध २, ५, २७^{३८६}; तर्पयामः श्राप्तिगृ २,५, ३ : २३; बौगृ ३, ७, १७; तर्पयतु कौगृ ५,७,२‡; तर्पयन्तु श्रापमं २, २०, २४; श्राग्निगः; श्रापध २, ७, १३^{‡8}; हिध २, २, ३२^{‡8}; [‡]तर्पय, >या त्रापश्री ४, ८, १^३; भाश्री; माश्रौ १, ३, ५, २७^h; ८,४, ४०^h; २, ४, १, ५९^b; पागृ २, ६, १८३ ; तर्पयत शांश्री ४,५, ३ †; श्राप्त्री; अतर्पयत् वाध्यी ३,२१ : २; अतर्पयन् वाध्रुशौ ३, २१:४; श्राप्तिगृ; तर्पयेत् कागृ ७, २; ८, २; भागः; तर्पयेयुः पागृ २,१२,२; गोगृ ३,३,१५. †अतीतृपत् कौषृ ३, १५, ३; शांगृ ३, १२, ५; अतीतृपन्त बौश्रौ ५,१५ : १६ +; अतीतृपन् माश्री २, ३,७, १+; अतीतृपम् बौश्रौ १४, ८: २८ . तितर्पयिषेत् शांगृ १, २,७; गोगृ

१, ९, २.

तर्पण — जम् वैग् ३, २३: १५ × ×;

कप्र; — जात् कप्र २, ३, ५;

— † जाय आमिग् ३, २, १: १६;

हिग् २, १४, ४; — जेन पाग् ३,

३, ११; — जे: आज्यो १४, ९,

तर्पण-विधि — - धि: शंध ११६:
२; — धिम् अप ४३, १, १.

तर्पण-सम(र्थ>)र्था- -र्थाः वाख ३,३५. तर्पण-हीन- -ने वैगृ ६,८:८. तर्पणा(स-म्रा)दि- -दीनि शंख ११२.

तर्पयत् - यन् काग्र ४, २०; बौग्र २,११,४०; -यन्तः या ६,१५. तर्पयन्ती - -न्तीः श्रापमं २, २०,२४ .

क्तर्पयितवें काश्री ३,८,२७; श्रापश्री ८,१६,१७; बीश्री. तर्पयितृ - -ता या १०,१०; -तारः बीश्री ८,९:२१.

तर्पयित्वा बौश्रौ ९,१९ :३०××; सु. तर्पित- -तैः वाघ ११,३३.

त्तर्षित-दाक्षि¹- पाग २, २,३७. तातृषा(ण्)णा- -णा ऋपा ९, ५२‡.

तातृषि¹- -षिम् ऋप्रा ९, ५२**†.** १तृष्- †तृषा^४ ऋाश्रौ **४,** ६, ३; शांश्रौ ५,९,७.

तृपत्¹- पाउ २, ८५; पाग ३, १, १२; -पत् ऋप्रा १७,३५^{‡1}. √तृपाय पा ३,१,१२.

तृपु^m – पुः निघ ३,२४[‡]. १तृप्त,प्ता – पाग ३,१,१८ⁿ; ५,२, १३१°; ६,२,१७०°; –प्तः श्राश्रौ २,९,३;४; बौश्रौ; –प्त**म्** बौश्रौ २५,३४:११; –प्ता माश्रौ १,३,५,१६[‡]; –प्ताः वाध्रशौ ३,४२:९;

a) सप्त. तृष्यन्त्<>तर्पयामि इति पामे. । b) पामे. वैप २, ३खं. तैज्ञा ३, ७,५,१२ टि. इ. । c) पामे. वैप १,१४९५ g इ. । d) पामे. वैप१,१४९५ f इ. । e) सप्त. तृम्पताम् <> तिष्ठन्तीम्<> c) पामे. वैप १,१४९५ g इ. । d) पामे. वैप १,१४९५ g इ. । g) प्यंस्यु इति पाठः १ यिन. शोधः (तु. सपा. पुण्यताम् इति पामे. । g) तेप १ इ. । g) त्यंस्यु इति पाठः १ यिन. शोधः (तु. सपा. शौ १५,१९,२) । g0 तु. पागम. । g1 वैप १ इ. । g2 तुप्पा स्वः १ त्यूहः, तस्य च सपा. शौ १५,१४,२ इ. ह्यमावः (तु. BC. C.) । g3 वैप १,७४५ g4 इ. । g5 तुपा स्वः १ त्यूहः, तस्य च सपा. शौ १५,१४,२ इ. ह्यमावः (तु. BC. C.) । g5 तुपा स्वः १ त्यूहः, तस्य च सपा. शौ १५,१४,२ इ. ह्यमावः (तु. BC. C.) । g7 तुर्थः भागः । g8 तुपा स्तेन-नामन् । g9 तु. भागः । तुप्र- इति पागमः, तीज्ञ- इति । पद्यो पाद्यः । g9 तु. भागः । तुप्र- इति पागमः, तीज्ञ- इति । पद्यो पाद्यः । g9 तु. भागः । तुप्र- इति पागमः,

श्राप्तिगृ; -प्तान् श्रागृ ४,७,२६; कागृ ६३,१९; कागृउ; -प्ताम् या १४,२९+; -प्तेषु वाधूश्री ४, ७४ : ३०; वैग् ४, ४ : १; कप्र १.३.९. तृप्त-तम- -मैः या ६,१२. तृप्त-वत्- -वन्ति निस् २,११: 93. √त्रसाय पा ३,१,१८. तृप्तिन्- पा ५,२,१३१. २तृप्तº- -सम् निस् १, ५: १९; ऋप्रा १७,५. तृप्ति- -िस: श्रापश्रौ ४, ८,9^३‡; भाश्री; अप ४८, ७५[‡], निघ १, १२[†]; - † सिम् आगृ १, २३, १५; २४, २४; श्राग्निगृ; -सौ श्रप ४८, ५०. तृप्ति-कर- -रम् वैध १, ९,१५; -राः वाध ३,४७. तृप्ति-कर्मन् - -र्मणः या २, ५; 9.4. त्रसि-प्रश्न- -श्नः शांगृ ४,४,१४. तृप्त्य(प्ति-त्र)न्त- -न्ते बौगृ २, 99,89. तुप्यत् - प्यन् गीध २,४८. तप् -पाः वीश्री २५, ३४: ११; -पाणाम् हिश्री १३,५, २३. †त्रपल-प्रभमेन्°- -र्मा या ५,१२०. त्प(ल>)ला- पाउ १,१०४. तृप्- प्रमृ. √तृप् इ. ?तृप्यधि-द्वय¹- -येन वैगृ १,१३: ५. त्रप्र,पाष- पाउ २, १३; मेपाग ५, १,

-प्राभ्यः काश्री २५, ११,३१ . तार्प्र- पा ५,१,१२२. तृप्र-ता-, तृप्र-त्व- पा ५,१,१२२. तृप्र-प्रहारिन्- -री या ५,१२. √तुप्राय १तृप्त− टि. इ. त्रप्रालु- पावा ५,२,१२२. तृप्रिन्- १तृप्त- टि. इ. तप्रिमन- पा ५,१,१२२. तृप्रो(प्र-उ)त्प(च>)न्ना- पा, पाग 2,2,301. √तृफ् , म्फ्^k पाधा. तुदा. पर. तृप्तो. तुफला- पाउर १, १०४. √तृप्¹ पाधा. दिवा. पर. पिपासा-याम् , †तातृषुः त्राश्रौ २, १९, २४; शांश्रौ; अतीतृषाम ऋप्रा 2,900+. ‡ततृपाण- -णः ऋप्रा ९, ४४; -णम् ऋप्रा ९,४३. तात्रपाण- -णम् ऋपा ९, ३२ ई. तृष-(>तृषित- पा.)पागध,२,३६ त्षाण- -णान् ऋप्रा ४, ६६ नै. तृष्ण(प्-नै)ज् e- पा ३, २, १७२; -ब्लक्,-†ब्लजे या ११,१५०. तृष्णाe- पाउ ३, १२; पाग ५, १, १२३¹; - ज्या विध ४३, ३५; - + जा बौधौ २,५: १०; वैधौ १,१४: १२; - ज्णाम् कौसू २७, ११; ७०, १‡; वाध ३०, १०. ताष्णर्य- पा ५,१,१२३. नृत्णा-गृहीत- -तस्य कौसू २७, तृष्णिमन्- पा ५,१,१२३. तृत्यत्- - ज्यतः श्रप १,३२,७ *.

†तृष्°- -पु आपश्रौ ३, १५, ५; श्रप ४८, १०६; निघ २, १५. तुष्वीe- -ष्वीम् या ६, १२ ‡. †夜里°- - ₽म 邪羽 २, 90, ८५™: बदे ७,१३४; श्रश्र १४,२. तृष्ट-दंइमन् - - स्मा कीस् १३९,८ +. †त(एक>) एका°- -०के कौसू ३६. ३८; अश्र ७,११३. तृष्टिका-देवता- > 'वत्य- -त्यम् ग्रम्र ७, ११३. तृष्णा-वरूत्रि"- -त्री पाग ६,२,१४०. √न्ह √नंह द. √त्°ं वाधा. भ्वा.पर. प्लवनतरणयोः. तरते श्रप ७०२, २३,१२; तरति वौश्रौ २, ११: २१ रे‡; भाश्रौ; तरिनत श्रश्र १८,४+; +तरामि माश्रौ १,५,२, १; वाश्रौ १, ४, १,१६; ‡तरत् वैगृ १,४ : २७; २,१०: १०; गौपि; या १३,६3; †तर>रा शुप्रा ३, १२९; तैप्रा ३,८; ‡तरत>ता बौधौ १४, २१: १३; श्रामिगृ ३, ४, ४: १७; शुप्रा ३, १२९; तैप्रा ३, १२; अतरत् श्राश्रौ २,११,८‡; मु ३१, ९; बृदे ८, ३२; अतरः या ११,२५+; तरेत् काश्री २५, ११, २३; भाश्रो; †तरेम काय ४५,१०; वायृ. तिरति अप ४८, १६ . तरुपेम⁰ या ५,२ ‡ ई. ततार ऋपा २,७२ +; +अतारि-पम् हिथौ ७,२,८३; +अतारिजमव श्राश्री ४, १५, ७; श्रापश्री १६,

9२२¹; -प्रम् अप ४८, ६५^{‡1}; | नृष्यत् - प्यतः अप १,३२,७[‡]. | आश्रा ४,१५,७; आप्रा १,५८,० वि. | व्या १,३२,७[‡]. | आश्रा ४,१५५,७; आप्रा १,१८ वि. | व्या १,३२,७[‡]. | व्या १,१५,७ वि. | व्या १,१ वि. | व्या १,१५५ व्या १,१५५ व्या १,१५ व्या

१९, ८: वैश्री; †अतार्फा दाश्री ११,१,६; लाश्री ४,१,६. तारयते जैगृ २, ८: २५; कौसू ८२, १०; तारयति कौस् ७१, २४;८६,२७; बौध; या ७,२०; १४,३३ दः तारयन्ति वाध ६,२; ५: तारयेत् त्राग्निय ३,१२,१: १५; त्रप ३९,१,७; चब्यू २:३६. †तत्त्रि°- -रिः शांश्रौ १,११, १३; -रिम् या ६,३. २तर- पा, पाग ३,१,१३४. तरण- पाग ३,१,२७b; -णम् अप ६४, ९, ६; -णात् या ३, १८; -णानि कौसू ५२, १०°; -ण वैताश्री १२, ११ ; ध्य ६८, २,३६. √तर्ण्य पा ३,१,२७. तरणि°-पाउ२,१०२;-†णिः त्राश्रौ २,२०, ४××; शांश्रौ; ऋप ४८, १०६^d; निघ २,१५^d; -णिम् आपश्री ५,११,६‡; बौश्री. तरणि-स्व- -त्वेन या ११, 98 \$ 6. तरत्- -रन् श्रापश्रौ १०, १९, १२; कौगृ ३,१३,१७; शांगृ ४, १४, ५: -रन्ती सु २,३. तरती- -ती त्रापगृ ६, २. तरन्ती- -न्तीम् वौग् ४, ३, ६;

१,१५,१८. तरस्तमन्दी^०- -न्दीभि: गौध २०,११; -न्द्यः बौध ४,२,४.

-न्त्याम् कौगृ १, ९, १५; शांगृ

तरत्समन्दीय- -यम् बौध २, ३, ८; विध ५६, ६; -यैः वौध 8,2,4. तरत्स(म>)मा^e- -माः वाध २८, ११; शंघ १०५; बोघ ४,३,०. क्तरध्ये आपश्रो १६, १८, ७; वैश्रो १८.१६ : २: हिथ्री ११,६,२९. तरस8- पाउन ३, ११७; पाग ५, ३,१०८1; - १रः श्राश्री ८,१०, १; शांश्री १०,१०,४; अप ४८, १०३; बृदे ६; १८; निघ २, ९; - †रसा त्रापश्री ४,४,४; भाश्री; - †रोभिः ग्राश्री ५,१६,२; ७, ४.४: शांश्रौ. तारसिक- पा ५,३,१०८. तरस्-वत्- -वान् हिथा २१,३, तरस्वती^g- -त्यः निघ १, 93+. तरस्-विन्¹- -विनाम् बौश्रौप्र २६: १. तरितब्य,ब्या- -ब्यम् आगृ १, १२, ६; -व्याः वागृ १५, १०; मागृ १,१३,१५. तरिन्8- -री श्रश्र ५,२७ . तरिष्यत् - ज्यन् कौगृ ३,१३, १३; शांगृ ४,१४,१. २तरी¹- पाउ ३,१५८. तारिक!- -कः विध ५,१३१. तरुतृ8- पा ७, २, ३४; -तारम् या १०,२८ई. तरुत्र"- पाउभो २,३, ८९; - 🕇 त्रः

बौश्रौ १०,२४: १०. †तस्त्री- -त्री कागृ ४१, ११; मागृ १,२२,७k; वागृ ५,७. तरुस् a - $> \sqrt{तरुष्य^{1}}$, तरुष्यति निघ ४.२ . तारियतुम् वाध ६,२५. तारियतृ- -तारम् या १०, २८. तितीरिषत् "- - पतः हिश्रौ २, ६, तितीर्षत्- -षतः हिश्रौ ३,७,३३. तितीर्धमाण- -णस्य भाश्री ६, 90,6. तितीर्घा- -र्घा हिश्री १७,१,२६. तीर्ण, र्णा- - र्णम् या ३, २०; -र्णा बौश्रौ १०,१२: ६; -णीनि या ३,२०: - में या १०,२७. तीर्ण-तम,मा- -मः या ४, ६; -मम् या ५,२६; ७,१२; -मा या ३.१०. तीर्ण-निर्णय"- -यः श्राप्तिगृ ३, 5,3:98. तीर्त्वा बौश्रौ १४, २१:२४ +; वाध्य्रौ. श्ते तद्- इ. २ते युष्मद्- द्र. †तेक°- -कः श्रापमं २, १६,८; भागृ 2,0: 20. तेक्णिष्ठ- √तिज् इ. √तेज्व पाधा. भ्वा. पर. पालने. तेजन-,°नी-,तेजस्- प्रमृ. √तिज् द्र. १तेद्नि,नी - -निम् शांग् २, १२, १०; -नीम् म कौगृ २,७,२३8.

a) वैप १ द्र. । b) तरिण— इति [पक्षे] भाएडा., पासि. । c) = तरएा-साधन- । d) = क्षिप्र- । e) = ऋच्-विशेष- । < तुरत् स मन्द्री (ऋ ९, ५८,१) । f) तु. पाग्म. । g) = नदी-विशेष- । h) = ऋषि-विशेष- । i) = नौका- । j) = नाविक- । जीवत्यर्थे ठक् प्र. (पा ४,४,१२) । k) पामे. वैप २,३ खं. h) = ऋषि-विशेष- । i) = नौका- । i) या ५,२ परामृष्टः द्र. । i । i विप. । बस. । i परस्वी मंत्रा १,६,२८ टि. द्र. । i । या ५,२ परामृष्टः द्र. । i । i तोजनीम् i ।

#२?तेदनी"- -नी शांश्रौ १२, १८, √तेप √तिप् इ. तेपान- √तप् द्र. तेलुb-(>तैलवक- पा.) पाग ४, २, 43. √ते**व** पाधा. भ्वा. श्रात्म. देवने. तैकायन-, ॰नि- तिक- द्र. तैक्षणायन-, तैजन- प्रमृ. √तिज्द्र. तैटीकि°- -िकः या ४,३; ५,२७. **१तैतल- (> °लायनि-) १तैतिल-**तैतलिन्- (> २तैतल-) तैतिलिन्-टि. इ. १-२तैतिक्स-, तैतिक्य- √तिज् द्र. १तैतिल⁴- (>°लायनि-पा.) पाग 8,9,9480. तैतिल-कब्- पा ६,२,४२. तैतिलिन् ¹- (> २तैतिल-) पावा ६,४,१४४. ३तैतिल⁸− -लः श्राज्यो ४,५; -लस्य श्राज्यो ५, १६; -ले श्राज्यो 4, 4. श्तेतिर- १तितिर- इ. २तैत्तर-, शीय-, व्यं- शतित्तिर- द्र. तैधिवक्य- तिध्वक- इ. तैदेह b- -हाः बौश्रीप्र १०: २; १७: २; २७ : ४; ४३ : ६. तैरइच्य- १तिरश्वी- इ. तैरिन्दिर- तिरिन्दिर- इ. तैरोविराम-, ॰मक-, ॰व्यञ्जन-

तिरस द्र. तैर्थ-, तैर्थक-, तैर्थयात्रिक-, व्धिक-, °थर्थ- तीर्थ- द्र. तैर्यगयनिक- तिरस् इ. ਨੈਲ− ਸ਼ੁਸੂ. तिल− द्र. तेलक्य- २तिलक- द. तैलम्पात- तिल- द्र. तैलवक- तेल्- इ. तैलीन- तिल- इ. तैल्वक- तिल्व- द्र. तैल्वल-(>॰लक- पा.) पाग ४, २, 431 तैवक-, 'बदारव- तीत्र- द. तैषी- तिष्य- इ. तैस्त्वामादिवर्जम् तद्- इ. †तोक¹- पाउभो २, २, ४\$ k; -कम् श्रप ४८,८७; निघ २,२; या ३, ५; १०, ७०\$; १२,६०; शुप्रा ३, १२९; -काय आपश्री ४. १६,५; ५,१२, १2; बौश्रौ; या १४,२६∮; -के आश्रो ३,३,9; शांश्री ५,१७,९; श्रामियः; -केषु या १०,७. तोक-वत्- -वत् काश्री ५,१३,३ %. †तोक-साति¹- -ता श्रापश्रौ ५, ४, १: बौथ्रौ २, ६ : ८; हिश्रौ ३, तोकि(न् >)नी- -नी मागृ २,१८, ٦#. तोकम1- -कमम् वाश्री ३, २, ७, ३; -क्माणाम् m बौश्रौ १७, ३१:

१९; -क्मानाम् काश्री १९, १. १८: -क्मैं: श्रापश्री १९, ५. ११; हिश्रो २३,१,८. तोकमा(क्म-श्र)वा(स्त>)स्ता"--स्ताभिः श्रापश्रौ २२, २८,१३: हिश्री २३,४,५१. तोकमन् 1- पाउना ४, १६४: -कम निघ २, २‡; -क्माणि^m वौश्रौ १७, ३१ : २; २६, २२ : १८; १९; -क्मानि श्रापश्री १९, ५. ७: हिश्री २३,१, ६; कापृ २५, ३२ ‡°; बौगृ १,५,८. तोक्म-किण्य- -ण्ये श्रापध १,२०. १२; हिध १,६,२६. तोक्म-चूर्ण- -णीनि काश्री १९, १. तोकम-सक्त- -क्तुभिः माश्री ५,२, 99,98. तोजक् ताजक् टि. इ. †शतो ते[।] त्रापधौ १०, २३,४; बौधौ. †?तोतो। काश्री ७,६,२३. तोत्त्र-, तोद- √तुद् इ. तोमर्p- पाउव ३,१३१; पाग २, ४, 39. तोमर-ग्रह- पावा ३,२,९. तोय - -यम् जैश्रोका ९; कप्र; -ये शंध १०३; -यंन वैध १, ४.9; -यै: वैश्रो २,६: १. तोय-प्रहण- -णम् श्रप ५, १, २. तोय-द्- -दः वाध २९, ८; -दाः श्रप ५९,१,१३.

a) वैप १,९५०१ a इ. । b) व्यप. । 2 पु. 2 ! c) = आचार्य-विशेष-। 2 पु. 2 ! d) व्यप. । 2 पु. 2 ! c) तितिलिन् - इति पाका ६,२,४२ । e) तु. पाका. पासि. । १तैतल- इति भाण्डा., पामा. (< तितल-, इति) च । f) = आचार्य-विशेष-, [उपचारात्] प्रन्थ-विशेष-। िष्तिः प्र. उसं. (पा ४,३,१०६)। तैतिलिन् - इति पागम. । e) = e-प्रियोतिःशास्त्रसंज्ञित-] करण-विशेष-। e-पु. e-प्रियोतिःशास्त्रसंज्ञित-] करण-विशेष-। e-पु. e-प्रियोतिःशास्त्रसंज्ञित-] करण-विशेष-। e-प्रयोतिःशास्त्रसंज्ञित-] करण-विशेष-। e-प्रयोतिःशास्त्रसंज्ञित-] करण-विशेष-। e-प्रयोतिःशास्त्रसंज्ञित-] करण-विशेष-। e-प्रयोतिःशास्त्रसंज्ञित-] करण-विशेष-। e-प्रयोतिःशास्त्रसंज्ञित-] करण-विशेष-। e-प्रयोतिःशास्त्रसंज्ञित-। e-प्रयोतिःशास्त्रसंज्ञित-। e-प्रयोतिःशास्त्रसंज्ञितिः। e-प्रयोतिःशास्त्रसंज्ञितिः। e-प्रयोतिः। e-प्रयोतिःशास्त्रसंज्ञितिः। e-प्रयोतिःशास्त्रसंज्ञितिः। e-प्रयोतिः। e-प्रयोतिःशास्त्रसंज्ञितिः। e-प्रयोतिः। e-प

तोयद-सोमा(म-श्र)र्क- -र्काः त्रप ६४,९,१०. तोय-धारा- -राम् अप ७,१,१०. तोय-धि - धिम् वैगृ ५६: ७. तोय-पार्ध- -र्ध वैध ३,७,६. तोय-पिष्ट- -ष्टी वैगृ २,१७: ४. तोय-प्रदान-पूर्वक- -काः वैगृ ३, 9:93. तोय-बिन्दु- -न्दुभिः वैध ३,४,१२. तोय-माल्या(ल्य-ग्र)नुलेपन- -नम् तौल्य- √तुल् इ. श्रप ६८,१,२६. तोया(य-त्रा)दि- -दि शंध २२६. तोया(य-श्र)वक- -कम् वाश्रौ ३, 2,9,49. तोया (य-ग्र)वलम्ब-जलद-रतनिता-(त----श्र)भिराम--मः श्रप २४,६,२. तोया(य-आ)हारª-ं -राः बौध ३,३, S: 932. तोरण - पाग २, ४, ३१; -णम् अप १८,१,५;७०२,२०,१; -णानि श्रप १,९, १०; ६७,४, २; -णे

तोरण - पाग २, ४, ३१; -णम् अप १८,१,५; ७०^२,२०,१; -णानि श्रप १,९, १०; ६७,४, २; -णे श्रप ७०^२,२३,९; ७०^३,२०,१०. तोरण-गृह-स्थ्या (थ्य-श्र)न्तर- -रेपु शंघ ३१०. तोरणा(ण-श्र)द्वालक- -कानि श्रप

तोल्य – √तुल् इ. तोश – √तुल् इ. तोषित्वा,तोषित – √तुष् इ. तोसल – पाउना १,१०५. तोचायण – तुक्ष – इ. तोग्य – तुम इ.

ध्य, ६, २.

तौज्वलि°- -लयः बौश्रौप्र १७: ६. तौणकर्ण- तूणकर्ण- द्र. तौणिड°- -ण्डः वौश्रौप्र १०: २. तौण्डुलेय⁰- -यः कागृ ३५,१º. तौदेय- √तुद् द्र. तौम्बरिबन्- तुम्बुर- द. तौर- २तुर- इ. तौरयाण-, तौरश्रवस- √तुर् द्र. तौरायणिक- २तुर-इ. तौरवलायन-, °िल- तुल्वल- द्र. †तौचिलि(क>)का¹- -के अब ६, तौषायण- तुष- द्र. तमन्!- पावा ६, ४, १४१; क्सना श्राश्रौ २, ११, १२; शांश्रौ; या ३, २२; ६, २१; ११, ३१; समने श्राश्री ६, ९, १ ^{‡8}; ऋप्रा ५, ५९; हमानम् आश्री ६,९, 9 +8; तमन्या या ८, १७ ई; श्रप्रा ३,२,१३. त्य,त्या- त्यद्- द्र. त्यग्नायिस् b- -ियः द्राश्रौ २, २, १;

१२,८.

√त्यज्¹ पाधा. भ्वा. पर. हानौ,
त्यजित वैग्र २,८:१०; वैध
३, ५, ११; या १४, ३४³;
त्यजन्ति श्रप ६४,४,९; वाध
६,३; या १४,३४; माशि १६,
४; त्यजेत् शांश्री २,१६,३;
बोश्रीप्र; त्यजेयुः द्राश्री ९,२,३;
लाश्री ३,६,२१.

६, ४, ७; लाश्री १, ६, १; २,

तित्याज पा ६,१,३६. त्यक्त- -क्ते वैगृ ६, १६: १९. त्यक्त-प्रव(ज्या>)ज्य1- -ज्यः विध ५,9५२. त्यक्त-मङ्गल!- -लम् आग्निए २,५,१ : २; जैगृ २,९ : २. त्यक्तब्य- -च्यानि ऋप ७०१,११,१. त्यक्त्वा सु १८, ६; मागृ. त्यज्ञत्- -जतः वाध ३०, १०; -जन् विध ५, १५३; वैध ३,५, ७: -जन्तः श्रप ५२, २,३. †त्यजस् k'! - -जः अप ४८, १८; निघ २,१३. त्याग- पा ६,१,२१६; -ग: काश्री १,२,२; जैगः; -गाः मागः २,१३, ६1; -गात् विध ५२, २; -गे काश्रौ १, ७, २०; वैगृ २, ८: १०: शंध ३०३. त्यागिन्- पा ३,२,१४२; -गिनाम् विध ८१, २२; -गी शंध २४४. त्याज्य आमिष्ट ३,११,२: १%. त्याज्य,ज्या- -ज्यम् श्रप ७०३, २७, ९; बृदे २, १००; -ज्या वाध २८, ३; -ज्याः विध ५७,

स्यद्¹—

†स्य,स्या— स्यम् श्राश्रौ २, १३,

२××; शाश्रौ; श्रापश्रौ १५,१६,

१०^{२॥}; हिश्रौ २४,६,१६^{२ш};

या १०,२८०, स्या श्राशौ

२, १३, ७; श्रापश्रौ; स्याः

शाश्रौ ६,५,१२; ऋत्र २,१,

१; -ज्यानि ऋप७०२, ११, ३.

या १२, ७ ; त्यान् शांश्रौ ९. २४, ३; बौश्री; †त्ये श्राश्री ४, ७,४; ७, ४,३°; शांश्री ७, २३, ५°××; १२, ४,२२°; हिथ्रौ; वैताश्री २२, ११ ; २७, १२ ; ₹₹,२४°.

रयद्- पाउ १, १३२; पाग १, १, २७; ५,४,१०७; क्यत् आश्रौ 8,98, 2; 4, 93, 4b; E, 8, १०; शांश्री १, १५,५°; ७,१६, ८^b; ८, ८, ९^c××; काश्री २६, ७, ५५^b; श्रापश्री; माश्री ४,५, Sb.

त्यादायनि- पावा ४, १,

त्यदादि-विधि- -धयः पावा

५,३,१; -धी पा १,१,२७. १स्य,स्या- स्यः श्राश्री ४, ७, ४ + x x; शांश्री; †या २, २८; १३,३; पा ६, १, १३३; ‡स्या ब्राध्री ३,७,६; ४, १४, २; ८, १०, १; शांश्री; स्यो३ शांश्री १२,9३,44.

त्याद चो प्र श्रप ३४,१,८. त्याग- प्रमृ. √त्यज् द्र. ?त्यैप्ततः सु ५७. √त्रख =√डख्यद्र. √त्रङ्क =√कङ्क् यद. √त्रन्द् पाधा. भवा, पर, चेष्टायाम्. √त्रप्¹ पाघा. भ्वा. पर. लजायाम्.

?त्यवे^त वैश्रौ २१,२ : ७.

९२; १•, २२; बृदे ३, १२४; | त्रप्ष->त्रंपिष्ट¹-, त्रपीयस्¹- पा ६, 8,940. १त्रप्!- पाउ १, १०; -पु वाभूश्री ४, ५९र: ५: वाध २,२६; अश्र ११, ३+; -पुणः शंध १६४. त्रापुष- पा ६,४,१३८. त्रपु-चामर-सीसक-विक्रयिन्- -यी विध ४५,२२. त्रपु-जतु- -तुभ्याम् गौध १२, त्रपु-मिथु-पूर्व- -र्वः तैप्रा ५,४. त्रपु-सीस- -सम् त्रापध २, १६, १८; हिध २,५,१८. २त्रप्र- -पुः अप ४८,७७ . त्रपूषीk- वी अप ४८,१०४ . त्रपुस् - -पुः माश्री ५,२,१४,९. त्रपुस 1 ->त्रापु(स >)सी- -सी: श्रशां २१,२. त्रपुस^m-मुसल-खदिर-तार्षाघ--घानाम् कीस् २५,२३. त्रय- प्रमृ. त्रि- इ. √त्रस् पाधा. दिवा. पर. उद्वेगे; चरा, उभ,भाषायां धार्णे, प्रहणे, वारणे. च त्रस्तु-पा ३,२,१४०. त्रसदस्य°- -०स्य वैध ४, ३,४. त्रसदस्य-वत् वैध ४,३,४. त्रसदस्य्1- -स्यः ऋग्र २,४, ४२: बृदे ५,१३; ३१; शुत्र १,४४६;

१२, २; श्रापश्री २४, ८, ९: बौश्रीप्र २०:४; -वम् निस् ७,५ : ३५; वृद ७, ३५; -बस्य ऋग्र २, १०,३३. त्रसदस्य-वत् त्रापश्रौ २४, ८, ९: बौश्रोप्र २०: ५. त्रसरेण-पाउव ३,३८. त्रसरेण-लंज्कp- -कम् विध ४.१. १,२त्राण- √त्रे द्र. १त्रात°- -तस्य चात्र ४२:६. २त्रात−, त्रातुम्, त्रातु− √त्रै इ. त्रापुष- १त्रपु- इ. त्रापुसी- त्रपुस- द. त्रायक-, °यमाण- √त्रैद. त्रायोदश- त्रि- द. ? त्रासुरर्धर्धम् कौशि ७३. त्रि¹->तिस्- पा ७,२,९९; पाग ४.

१,१०; -सृणाम् आश्रौ २,१६. २; शांथ्रौ; -स्भि: श्राश्रौ २,३, २९××; शांश्रो; कीगृ१०८,२‡०; -सृभि:s-सृभि: शांश्रौ १६,१३, ६; श्रापश्रो; -सभ्यः श्रापश्रौ १३,२,9;१५,८; बौश्रौ; -सपु शांश्री १४,४२, ८; ९; काश्री; -सृपुऽ-सृपु वौश्रौ १८,३६: १२; -स्तः श्राश्रौ २,१,३०××; शांश्री; श्रापमं २, १७, २६ 📫; -सःऽ-सः श्राश्री २,४,१७××; शांश्री.

तिस्-चतस्-त्व- -त्वम् पावा 2,9,38. तिस्-धनव!- -न्वम् श्रापश्रौ

a) पामे. वैप १,940३ j द्र. । b) पामे. वैप १,9४३९ c द्र. । c) पामे. वैप. १,9४३८ d द्र. । d) पाठ: ? सप्र. शौ ७, १०५,१ कृण्वे इति, वौश्रौ २८, ९ : २० करवे इति, काश्रौ २५, ११,२१ करवे इति च e) प्रचोदयात् इत्यस्य वैपरीत्येन निर्देशः। f) पा ६,४,१२२ परामृष्टः द्र.। g) श्रर्थः व्यु. च 2 । पामे.। h) पाप्र. < तृप्र- इति । i) वैप १ द्र. । j) = कूप- । = यु. ? । k) = वज्र - । = यु. ? । k) = वृक्ष - विशेष - । 0) = ऋषि-विशेष-। व्यु. !। m) द्वस. उप. ?। n) पा ३,१,७०; ६, ४,१२४ परामृष्टः द्र. । b) विष. । बस. । q) पामे. वैष १,१५९५ n इ. । r) सप्र. तिस्वः < > सर्वाः इति पामे.।

-स्योः ऋग्र २, ८,१९; बृदे ६,

त्रासदस्यव -०व आश्री १२,

१७,१२,३; १८,२१,१७; २२, २६,५; बौश्रौ.

तिस्धन्वन् -न्विनाम् वाधूश्री ३,७९: ७; -न्वी बौश्रौ १६,२०: १४; २२: २. तिस-भाव- -वे पावा ७, २, 99.

तिस्रस्-कारम् आश्री ५,१५, ५; माश्री ६,२,३,१३.

क्रि- पाउ ५,६६; पा ४,२, ९१º; त्रयः श्राश्रौ १,८, प××; शांश्री; या ३,9०∯; त्रयःऽत्रयः आश्रौ ७, ५, २१; शांश्री; त्रयाणाम्^b त्राश्री २, १०, २१××; शांश्री; त्रिभिः श्राश्री ८,१,११; १२, ८, ३१; काश्री; या १४, २९; ३१; त्रिभिःऽत्रिभिः श्रापश्रौ १५, ४, १०: भाश्री; स्त्रिभ्य: श्रापश्री १४, १, ६; काश्री; या ७, १४; त्रिपु श्राश्रौ १०,९, २^२; शांश्रौ; त्रिपुडत्रिष् श्रापश्री ८,२२, १५; भाश्रौ; †त्री श्राश्रौ ९, ५, १६; शांश्री; †त्रीणाम् शांश्री १२, २, १४; श्रापश्रौ; त्रीणि आश्रौ ४, २, ३××; शांश्रौ; श्रापश्रौ १०, १२, १२°; आपमं १, ३,९°; पागृ १, ८,९°; मागृ १, ११, १८°; †हिगृ १, २१, १°; त्रीणिऽत्रीणि श्राश्रौ १२, ९, १२; श्रापधी; क्त्रीन् श्राधी ३, ८, १××; शांश्री; गौध २६, १व: त्रीन्ऽत्रीन् आश्रौ १०, २,३०; शांश्री; त्रेः पा ६,३,४८; 19,9,43.

तु [,त्रि]चb- पावा ६, १, ३७; -चः श्राश्री ८,१,२३; १२,२४; शांथी; या २, १; -चम् आश्री १,१,१९××; शांश्रौ; श्रश्र ६, २°; -चम्ऽ-चम् श्राश्रौ ५,१०, ४; -चयोः आश्रौ ८, १२, ६; द्राश्री; -चस्य जुस् १,६ : १३; दाश्री; -चाः श्राश्री ४, १५, २××; शांथ्रौ; -चात् श्राथ्रौ ९, १०, १५; शांश्री; -चान् श्राश्री ५, १२,१५××; शांश्री; -चानाम् शांध्रो ७, १९, १९; १८, २, २: -चानि सांश्रौ १०,३,५××; -चे आश्री ५, १०, ८××; शांश्री; गौषि १,३,२१1; -चेन शांश्री १, १२, ८××; काश्री १४, ४, ५⁸; श्रापश्रौ; -चेभ्यः शांश्रो १२, ३, १६; १२, ११; द्राश्री; -चेषु जैश्री २२: १३; २६: ७; द्राश्रौ ; -चैः शांश्री १६, १३, १४; काश्री १4, 90, 9 48; १७, ३, ८8; -ची श्राश्री ३, ८, १××; शांश्रौ. तृच-करण- -णम् लाश्रौ ६.

3,98.

तृच-क्लृप्त- -प्तः शांश्रौ १७,८,११; - प्तम् शांश्रौ ११, ३,9 × × ; धुस्.

तृचक्लृप्त-शस्त्र^b- -स्त्री शांश्री १४,४२,१४.

तृच-चतुष्टय- -यम् जैश्रीका १५२.

तृच-ता- -ताम् निस् ६, 93:93.

बच-दृष्टिb- -ष्टबः निस् %. २: ११; - शीन निस् २, २: 9:3.

रुचद्रष्टि-स्व- -स्वात निस् 2,2:20.

त्च-प्रथ(म >)मा- -मा निसू ६, २: २८; ७, ८: ३२; ९,३: ३३; -मायाम् निस् ६,

त्च-प्रायणb- -णम् निस् ६, 93: 38.

वृच-भा(ग >)गा¹- -गा लाश्री ६,५,१;४;५; निस् १,८ः 90:6: 20:39.

त्चभागा-स्थान- -नेषु लाश्री ६, ५, ७; ७,४; निस् १, 99: 33.

त्व(च-ऋ)र्च- न्वं उनिस् 19: 3.

तृच(च-ऋ)र्चा(चा-ऋ)र्धर्च-पाद- -दानाम् साध १,१.

त्च-विकार- -रः उनिस् ७:

त्च-शत- -तम् ऋष ३, ४०; चब्यू १: १२.

त्च-समाप्ति- -प्तये निस् €, 90 : 28;0, 9 : 29;9,9 : 48:4: 38.

वृच-सूक्त- -क्तानाम् लाश्रौ ६, ३,१; -क्तानि धुस् २,९:

त्च-स्थ- -स्थम् नुस् २, 94: 30;3,4:98; 4:98; -स्थयोः ब्राध्रौ ५, १५, १२; -स्थानि जैथ्री २२: १२; २६

b) देप १ द्र.। c) पामे. वैप २, ३खं. त्रीणि तैत्रा ३, ७, ७, ११ टि. इ. । a) तु. पागम. । f) त्रिचे इति पाठः। g) त्रि॰ इति चौसं.।

e) तृचः इति पाठः ? यनि. शोधः। d) g. st. 1 h) विष. । बस. । i) षस. । j) = स्तोत्रीया-विशेष- ।

७; -स्थे निस् ६,३ : २०. तुच-स्थान- -ने आश्रौ १०, 90,8;4. त्चा(च-आ)दि- -दिष मीस् 80,4,0. तुचा(च-त्र)धम"- -मम् वृदे 6.55. त्चा(च-ग्र)न्त- -न्तेष् श्राश्री 4,92,94. १तचा(च-त्रा)पत्ति- -त्तिः निस् ७,२: १६. २त्चा(च-त्रा)पत्ति"--त्तीनि द्राश्री २,१,२; लाश्री १,५,२. त्चा(च-ग्रा)पब--सम् निस् 2,2:39. तुचा (च-श्र)र्थ- -र्थः निस् 9.8: 36. तृचे (चर्इ) प्सता- -तायै जेश्रौ २६: ८. त्वै(च-ए)कर्च- -चान् निस् 8.3:90. त्चैकर्च-ख- -खम् लाश्री ६, ३ : २०. तुचो (च-उ)त्तमा- -मायाम् लाश्री ६,३,२०. तृचो(च-उ)दयन8- -नम् निस् ६,१३: २४. त्रिच-त्रय- -यम् ज्थीका १२१. त्रिचा(च-श्रा)दि- -दिष् काश्री १९,७,३. ?त्चा^b श्रप्राय ६,४. तृतीय,या- पा ५,२, ५५; -यः श्राधी १,५,२३; २,१७,१५;५,

३.३; शांश्री; गौध २६, १९°; या ४, २६ ई; ७,९; १०, २१ ई; -यम् आश्रौ १, ५, १३××; शांश्री;श्रश्र ६,९९^d; या ३,१७; ७,२८ =; -यम्ड-यम् काश्री२०, ४,२७; काशु ५,७; -यया आश्री ४, ६, ३; शांश्री; -ययो: श्राश्री ६, ३, ११; -यस्य श्राश्रौ ५, ५, १५××; शांश्रौ; -यस्याः वैश्री ३, ७: १४ ई हिश्री ९, ४. ३४; श्रापमं २, १६, १; ७‡°; कौसू ८२, ३६; १३९, २५: -यस्याम् आश्री २,१,२६; काश्री; भाग २, ७, १९ +°; हिंग २, ७, २‡°; - ‡यस्यै त्रापश्रौ ११, ६, ८; ५, २, ४; वाध्यौ; -या शांश्री २,२,१२××; काश्री; -याड या जुसू १, ८: १८; -याः आश्री ५,१०,१९; बौश्री; ब्राज्यो ६, १३²; -यात् शांश्री १०, ८, १३××; जुसू; पा, पावा ५, ३, ८४; -यान् श्रापश्री १४, ४, १४; हिथ्री ९, ७, ४२; ऋपा ४, १; -यानि श्राश्रौ ८, ४, १७; वैश्रौ १, १: १९; जुसू ३,१३:४; -याभ्याम् पा ७, ३, ११५; -याम् आश्री ३,६, २६; ६, ५, २१; शांश्रौ; -याय श्रापश्री १३, ६, १२; बौधौ ८,४:३०; लाधौ ७,६, ४; -यायाः काश्री २०,१, १५; बौश्री; पा ५, ४, ४६; ६, २, १५३; ३, ३; -यायाम् काश्रौ १७,९,१; २२,८,१८; श्रापधी; पा ३, ४, ४७; — मेथे आश्री ५, ४, ३××; शांश्री; वैताश्री ४, ६, ५, ८, ४; — येऽ-ये लाश्री ४,०, ८, ४; लेव आश्री ७,०, ८, ४; त्रेश्री १०, २, २४; वैश्री १६, ७ : २; स्त्रप ४६, ९, १० +; — येषु स्त्राशी ७, १, ९, ८, ३, ९; स्त्राप्री; — येः माश्री ५, २, १२, ५; स्त्रप्रा ४, ११०; — यो शांश्री ७, २०, १८; वैश्री १०, १९ : ५; साश्री ५, १, १६; लाश्री २, ५, १३; नाश्रि २, २, १०.

तार्तीय^ह- -यम् श्राश्री **१०,**२,४.

तार्तीयिक h — -कानि निस् ८, ५ : २३; -केषु निस् ८,६ : २४ 2 !

तृतीय-क,का- -का कप्र २, १,५; -के जैथ्रौका १४३; कप्र ३,६,४.

तार्तीयक¹- -कम् निस् ७,४ : ३.

नृतीय-कर $(\mathbb{U}>)$ णी $^{k}-$ -णी काशु २,१५; १८; श्रापशु २,४; भ; वौशु.

तृतीय-ग्रह- -हम् माश्री २, ३,३,१२.

तृतीय-चतुर्थ- -र्थयोः निस् ५, २: १; -र्थाः श्राशि ४, ४; -र्थान्याम् लाश्री ६, ११, ८; -र्थे श्राधी ४,१३,७; ८,२,६; -थौं श्रपं ४: १५; तैप्रा २३, १९; श्राशि ४,४.

तृतीय-ता- -ताम् ऋश ११,

a) विष. । बस. । b) पाठः ? तत्र ऋश्च इति संस्कर्तुः टि. संभावितः पाठोऽपि ? तृचेन (तृ१) > नैप्र. यिन. इति प्रतीयते (तृ. तत्रैव सप्र. ६,६ गौरीवितेन इति) । c) तु. st. । d) उत्तरेण संधिरार्षः । e) स्प्र. < ल्स्याः < ल्स्याम् इति पाभे. । f) तृतीयम् इति c. शोधः । c0) तस्यद्मीयः शण् प्र. । c1) तस्यदमीयम् उक् प्र. । c3) पाठः ? ल्याकीयु इति संभाव्येत (तु. संस्कर्तुः टि.) । c4) स्थार्थे अण् प्र. । c5) नाप. ।

ततीय-तुर्य- -ययोः भाशि .80 नृतीय-स्व- -स्वम् भाशि तृतीय-धवित्र- -त्रम् वैश्रौ १३,१७: ७. तृतीय-पञ्चम- -मयोः शांश्रौ १२,३,१८, १०,५,१२,५, निसू ५, ३: २२; -माभ्याम् लाश्रौ ७, ४, १८; -मी श्राश्री ५, 94.6. तृतीय-प्रथम-कृष्ट- - ए।न् नाशि १,१,११. तृतीय-प्रभृति- -तिभ्यः शांश्री १२,२७,३. तृतीय-भाव- -वम् ऋप्रा २, १०: -वे ऋप्रा ११,४८. तृतीय-भूत- -तैः ऋप्रा ४,५. त्तीय-मात्र- -त्रम् माश्री च.२.२,६; गोगृ ४,१,१४;३,८. तृतीयमात्री- -त्रीम् हिथ्री १३,८,११. तृतीयमात्र-खात- -तानि काठश्री ११६. तृतीय-मास्- -मासि त्राप्तिगृ 2,9,9:9. तृतीय-वर्षं - - र्षस्य वागृ 8,9. तृतीय-वेला- -लाम् श्रापश्रौ १५, ३, ५; बौश्रौ; -लायाम् बौश्रौ २४,३५: ४. तृतीय-शस् (ः) श्रापश्री २२, ७,१५; हिश्री १७,३,१४. तृतीय-श्रुति - तेः काश्रौ 80.3.4. 2,6. पाशि ८. 22:98.

व्यापश्री २१,२४,९. तृतीयसवनं-चर- -राणि त्तीय-षष्ट- - हे क्षुसू २,१४: च्स् ३,११:६. तृतीयसवन-ज्ञात्र- -त्रेष १ततीय-सवन- -नम् श्राश्री ५,१७,१××; शांश्री; या ७,११; निसू ५,७:२४. वृतीयसवन-भाज्--नस्य शांश्री ८, १, २; बौश्री; -भाजः वाध्यौ ४,०६ : ४. -नात् शांश्री १३,९, १; काश्री; तृतीयसवन-श्रुति- -तैः -नानि आश्रौ ७,१०,२; ८, ८, ३; शांश्रौ ११, १२, ९; -नाय काश्री १०,४,१३. त्तीयस्वन-सामा(म-काश्री ९,४, ३४; बौश्री; -ने श्र)न्त- -न्तः निस् ९,३ : ८. ग्राश्री ५, २, १३××; शांश्री; वृतीयसवना(न-म्र)वि--नेन आपश्रौ १२,११, ५; २९, वृद्धि - दिः वौधौ २१,१९: १२; काथौसं: -नेषु काथौ २१, वृतीयसवना(न-आ) दि-तार्तीयसवनb- •नम् -दि वैताश्री ३७,६. वृतीयसवनिक- -कः तार्तीयसवनिक°--कः बीध्री २५,२३: ६. माश्रौ २, ३, २, ३; ५,३, १०ई वृतीयसवनीय,या- -याः वाश्री ३,२,२,३२; -कम् माश्री बीश्री २५, २१: १६; वाध्यौ २, ३,१,१९;४, ६,२३; -कस्य ४.२९³ : ८; -यान् शांश्री १४, श्चापश्री २१, १०, ३; -कात् २,१९;१३,५; बौध्रौ; -यानाम् हिंथी १६, ४, १५; बौश्रौ १८,२२ : ७; २६, २१ : श्रापश्रौ २२,८, १८; -कानाम् ६; -येषु बौश्री १८,३७: १६. बौश्रौ २१, २३: १३; -कानि २तृतीय-सवनº- -नः हिश्रौ निस् २,११: २३; -के श्रापश्रौ १४, १९, ११; बौश्रौ २१,२२: १६,८,२५. वृतीय-स्थान,ना"- -नम् १७; -केन बौश्रौ २८, ४:७; निस् ७,३: २९; -बा निस् ९, -केम्यः वौश्रौ २१, १९:४; -केषु बौश्रौ २१,१९: ३; मीस् ३:३२. १तृतीयां (य-श्रं)श- इर-१२,२,१२१वः -कैः बौश्रौ २६, न्ताः बीध २,२,११. वृतीया√कृ पा ५,४,५८. तातीयसवनिकी-त्तीया-चतुर्थी- -थ्यों शांश्री -क्यः त्राध्रौ ५,५, १९; -क्याः १०,१२,१५; ऋब २,१,१२०; शांश्री ५.३,७. तुतीयसवन-काल- -ले श्रम ३,२६.

a) तद्धितार्थे द्विस. प्र. लुक् (पा ५, १,८९)। b) तस्येदमीयः अण्प्र.। c) तस्येदमीयष् ठक् प्र. । d) व्यन॰ इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. शबरभाष्यं प्रयासं. च)। e) विष. । मत्त्रथीयः अच् प्र. । f) विष.। बस.। g) उस. उप. अच् प्र. (पा ३,२,९)।

तृतीया-चतुर्थी-नवमी- -म्यः अग्र २,३१७.

वृतीया-चतुर्थी-पञ्चमी--स्यः उनिस् ७ : ४०.

तृतीया(या-आ)दि — -दि ऋत्र २,३,२४; ४,१०१; —दिः पा ६, १,१६४; —दिषु आश्री ७,५,४; अशा २,४,३; पा ७,१, ०४; ९७; —दीन् वैताश्री ३१, १७; —दीनाम् वैताश्री ३२,६; —दी पा २,४,३२.

तृतीयाय(दि-श्र)युज्-

तृतीया(य-मा)वेय - -यम् बौम्रौ २४,१९: ७; --ये वाम्रौ १,५,१,२०.

तृतीया-नवमी- -म्यौ ऋग्र २,७,९७.

तृतीया(य-श्र)नुरूप- -षस्य शांश्रो ११,११, १५; १५; १३,२६;१२,१२,१४.

तृतीया(य,या-अ)न्त^क - न्तम् अप्रा ३,२,२६; -न्तस्य शौच ३,१९; -न्ताः पावा २,१,१०; -न्तानि श्रप्रा २, २,१८-२०; शौच १,८.

तृतीयान्त-सप्तम्यन्त--न्तेषु पात्रा २,२,२८.

तृतीया(य,या-अ) न्त्य,न्त्या--न्त्ये बृदे ३, ७१; ऋग्र ३, १; -न्त्यो श्रर्थ २: १५.

तृतीया-पञ्चदशी- -रयौ ऋत्र २,६,१५.

तृतीया-पञ्चमी— -स्यौ ऋत्र २,८,५५.

?तृतीया-पर- - रे कप्र २, ६,

तृतीया-पूर्वपद - -दः पावा २, १,३५.

तृतीया-प्रभृति - नतयः शांश्रौ ८,७,३; -तीनि पा २,२,२१. तृतीया(य-श्रा)याम - मम्

श्चापशु ७,४; हिशु २,५२.

ृ तृतीया-युक्त— -क्तात् पा १, ३, ५४.

तृतीया(या-त्र)र्थ-निर्देश-

तृतीया(य-श्र)लाम- -भे मागृ १,७,७; वागृ १०,६. तृतीया-वर्जम् कीस् ३८,१९;

82,98.

तृतीया-विधान- -ने पावा २,

तृतीया-पष्टी— -ष्ट्यी ऋत्र २,

१,१६२; शुत्र ३,५४. तृतीया-घोडशी - - स्यो ऋत्र

2,5,900.

तृतीया(य-श्र)ष्टम- -मयोः साश्र २,१५६;१५७; -मे श्राश्रौ ४,१३,७.

तृतीया-संदेह- -हे श्रप्रा २, २,३.

तृतीया-सप्तमी- -म्योः -पा २,४,८४; -म्यौ ऋग्र २,३,८; ५,५६.

तृतीयासप्तम्य (मी-श्र) न्त- -न्तेषु पावा २,२,२७. तृतीया-समास- -से पा १, १,३०; पावा २,१,३०; ६९; ६,१,८८.

तृतीयासमास-त्रचन-

तृतीयासमासवचना-(न-म्रा)नथैंक्य- -क्यम् पाता ६,

तृतीया(य-श्र)ह- -हम् श्रप्राय २,९.

तृतीया(य-श्रं)हन्->तार्ती-याह्मिक - के शांश्री १५,८,३. तृतीयिन् - यिनः श्रापश्री २१, २, १८; माश्री; -यिम्यः श्राश्री ९,४,५; माश्री २,४,५, ७; हिश्री १०,४,३९; -यी ऋत ५,५,५^ь.

तृतीयिनी°- -नीनाम् लाश्रौ ९, ६,६; -नीभ्यः लाश्रौ ९,११,३; -न्यः लाश्रौ ९,१, १२.

तृतीयो(य-उ)त्तम- -मा-भ्याम् श्राश्रौ ८,२, १०३; -मौ श्राश्रौ ४,७,४.

तृतीयो(य-उ)दुप्त- -प्तानि माश्री २,३,१,१३.

त्रय- पा ५, २, ४३; -यम्
श्राश्री ४,८,२७; वीश्री; - पाः
काश्री १९,५,८; ०,५; श्रापश्री;
-याणि वीश्री १७,३१:४;
वाध्रश्री ३,१:८; १०१:३;
श्रापमं २,११,२२; या ९,२८;
-यान् श्रापश्री १९,६,७; शांशी
१०,१४,८; वीश्री १७,३१:
३; हिश्री २३,१,१६; -वेण
वीश्री १०,१०:९; २५,१८:
७; माश्री ६,१५,६

त्रयी^d - - यी: वीश्री २५, १७: ४; - यीम् आपध २,२४, ८; वीध २,६,३६; हिध २, ५, १७३; या १३, १०; - याः

a) विष. । बस. । b) स्वार्थे इनिः प्र. उसं. (पा ५,२,११५) । c)=1 तृतीयदक्षिणावती- $\int \frac{1}{2} e^{-\frac{1}{2}} e^{-\frac{1}{2}}$

वाधूश्री ४, १५: १३; -च्या काश्री २५,८,५‡; -च्याम् गीघ ११,३; -†च्ये श्रापमं २, १०, १; काग्र २४, १३; वीग्र १, २, ३४; भाग्र २,२४: १०.

†त्रयि-विद्ª− -दाः बौध्रौ २,१८:२२.

त्रयी-मय--यम् शुत्र

१, 9.

त्रयी-वि(द्या>)य^b->°द्या(द्य-त्र्या)ख्या- -ख्या मीसू ३,३,५.

त्रयी-विद्या- -द्याम्

निस् २,१:३८. त्रया(य-श्रा)देश- -शे पावा

१,१,५६. -त्रया(य-श्र)न्त^b -- -न्तानि निसू ५,२: २०.

त्रयस्°- पा ६,३,४८.

त्रयस्-विंशत् — - नात् त्राश्री
३, १४,१० = पं, शांश्री १३,
१२,१३ = पं, शांशी १३,
१२,१३ = पं, शांशी १३,
१२,१३ = पं, शांशी १३,
१३,९०; वीप २,
१६,२०; वीप २,
१५,२६; वाश्री २,२,४,५ = हांशी २,२,४,५ = हांशी २,२,४,५ = हांशी १६,१,१५,१५; हांशी १६,१,१९%; हांशी १६,१,१९%; हांशी १६,१,१९%; हांशी २२,४,२०; — नाता कांशीसं २९:२१; लांशी ८,६,२६ = हांशी ८,६,२६ = हांशी १८,४,२०; वांशी ८,६,२६ = हांशी १८,४५; हांशी १८,४५ ।

१७,२, ३८; -शती दाश्री ११, १,३; लाश्री ४,१,३.

त्रयस्त्रिश- -शः आश्रौ ४,१२,१; ११,३,८; श्रापश्री; वैश्रौ १८, २१: २४^{‡8}; -शम शांश्रौ १०, १२, २××; काश्रौ; -शस्य बौश्रौ २३, १३: ११; लाश्रौ ६, २, २०; निस् ४, ५: १५; -शाः शांश्री ४, १०, ३ई; श्रापश्रौ १६,१, ३ ; २१, २५, ३; बौश्रौ १६,३६: १९; हिथ्रौ ११, १, ६; हिगृ २, १७, ४; -शात् बौश्रौ १६,३४: ५;१५; ३५: ३; ६; -शान् निस् ४, १३: ९; -शानि आश्रौ १२,४, २३; श्रापश्रौ २३,१०,९; हिश्रौ १८, ४, ६; लाश्री ९, १२, १६; निस् ८,१२: २३; -शाय शांश्री ९,२७, १‡; -शे आश्री ७,५,११; १२,७,१२; श्रापश्री; -शेन आश्री १२,३,३; शांश्री; -शेभ्यः हिए १,२२, १४; -शौ बौश्रौ १८,३६: १४; २६,३३: ३: लाश्री १०, १०,८.

त्रयास्त्रेशी--शीम्

श्राश्रौ १२,७,१४.

त्रवस्त्रिशद्-द्वात्रिंश^b-

-शौ निस् ६,१२: १०.

त्रयस्थित-प्रमृति--ति बौश्रौ १६,१४: १९.

त्रयश्चिश-स्तोम- -मः या ७,११; -मम् शांश्रौ १०, ७,१; -मान् बोश्रौ १७,२२: त्रयश्चिशा(श-श्चा)-

रम्भण - -णः शांश्री १३, १६, ४;५; हिश्री; -णाः श्रापश्री २३, १०,५; हिश्री १८,४,९¹.

त्रयास्त्रशा(श-श्र)-

यन- -ने निस् ५,४: २२. त्रयस्त्रिशत्-क!- -की

अपं धः १५.

त्रयिक्षंशत्-कपाल^४--लम् बौश्रौ १३, ३५:८; २३,

४: ११. त्रयास्त्रिंशच्-चिति - न्ती

बौश्रौ २३, १५: ८.

त्रयस्त्रिशच्-छ(<श)त-

-तम् निघ ४, ३.

त्रयस्त्रिंशत्-प्रभृति-

-तीन् लाश्री १०, ८,२. त्रयाद्विशत्-सप्तशत-

-तम् श्रत्र ८,१०(१).

त्रयास्त्रंशद्-अक्ष(र>)

रा- -राः निस् ४,८: ३०. त्रयास्त्रिंशद्-अरति- -त्रेः

ब्रापथ्री ७, २, १२; भाश्री ७,

२,६; हिश्रौ ४,१,२८०

त्रयस्त्रिशद्-रात्र- -त्रः शांत्री १३, १७, १; बौत्री १६,

३५: १०; -त्रम् हिश्रौ १८,२, १०; -त्राः श्रापश्रौ २३,५,५;

-त्राणि श्राश्री ११,४,१; काश्री

२४, २, २४; -त्रात् निस् ९, १३: १; -त्रे लाश्रो १०, ३,

२१; निस् ९,१३:३८.

त्रयार्खेशि (न>)नी --नी वाधूश्री ४,९७: ३; ५;

a) वैप २,३ खं. द्र. । b) विप. । वस. । c) वैप १ द्र. । d) पामे. वैप १,९३०४ k द्र. । e) = त्रवस्थि पिरमारा- । तिद्धितस्य लुक् । f) शोधः ४३९ पृ w टि. द्र. । g) पाठः ? °शम् इति शोधः e) = त्रवस्थि पिरमारा- । तिद्धितस्य लुक् । f) शोधः ४३९ पृ w टि. द्र. । g) पाठः ? °श-द्वा° इति शोधः । g0 °णः इति पाठः ? यिन. । तिद्धतार्थे दिस. । g1 ७९५ पृ g2 टि. द्र. । शोधः । g3 शापश्री. । g4 पृ g5 विप. । पिरमारो कन् प्र. । g7 तिद्धतार्थे दिस. । g7 ७९५ पृ g7 विप. । परिमारो कन् प्र. । g8 तिद्धतार्थे दिस. । g9 उ९५ पृ g7 विप. । परिमारो कन् प्र. । g9 तिद्धतार्थे दिस. । g9 पायः g9 विप. । परिमारो कन् प्र. । g9 तिद्धतार्थे दिस. । g9 पायः g9 विप. । परिमारो कन् प्र. । g9 तिद्धतार्थे दिस. । g9 पायः g9 विप. । परिमारो कन् प्र. । g9 तिद्धतार्थे दिस. । g9 पायः g9 विप. । परिमारो कन् प्र. । g9 तिद्धतार्थे दिस. । g9 पायः g9 विप. । परिमारो कन् प्र. । g9 तिद्धतार्थे दिस. । g9 पायः g9 विप. । परिमारो कन् प्र. । g9 तिद्धतार्थे दिस. । g9 पायः g9 विप. । परिमारो कन् प्र. । g9 विप. । परिमारो कन् प्र. । g9 विप. । परिमारो कन् पर. । g9 विप. । परिमारो कन् पर. । g9 विप. । पर. । g9 विप. । g9 विप. । पर. । g9 विप. । विप.

९;१४;१८; २१; —न्यः वाधूश्रौ ४, ९७^९: ३.

त्रयो-दशन् - न त्राश्री ८, ८,८; ९,१०,२; शांश्री; या ३, १९; ८, २१; - नाऽ-श काश्री २०,६,६; - नाभिः काश्री २६, ३,९; त्रापश्री; - नाभ्यः श्रापश्री १४,३,८; हिश्री ९,७,३८;१७, ६,४२; - नासु आपश्री १२, २७,३; हिश्री ८,८,१; - नानाम् श्राश्री ९,९,१३; नाश्री १५,३,

† अयोदश - - नाः आपश्री १६, १८, ८; वाधूशी; - नाम् शाश्री ९, २०, १०; काश्री; - नास्य बौशी २१, ६: ११; - नाः याशि २, ९४; - नो बौशी १२, २: ४४×; लाश्री; - नोन आपश्री २१,१,१३; आपशु ११, १४; हिशु ४,१७.

त्रयोदशी॰- पाग ४,३,१६; -शी शांश्री १८,१४, ६; ख्रापश्री; -शीम् श्रापश्री ५, २४,३; भाश्री; -श्या शांश्री ९, ८,३; श्रश्र ५, २४; -श्याम् बौश्री २६,२: १५; माश्री.

त्रायोदश-

. १९,६,४ ११.

त्रयोदस्य(शी-श्रन्त्य >)न्त्या- -त्त्ये ऋश्र २,१,५२.

त्रयोदस्या(शी-आ)दि-चतुर्- -तुर्धु ऋप ३८, ३,३. त्रयोदश-चतुर्दश--शौ श्रापश्रौ १२, २७, ५; वैश्रौ १५,३४: ८.

त्रयोदश-त्रयोविंश--शयोः लाश्रौ ६,७,५.

त्रयोदश-क^b— -कम् श्रश्र ७.१४:२३:२५; ८,१०.

त्रयोदश-कपाल- -लम् काश्री २५, ४, ३५; त्रापश्री ९, १४,७; वैश्री २०,३०:१; हिश्री १५, ४, १४; क्षप्राय ५, ५‡; -ले माश्री ५,१,१,४९;६,४१. त्रयोदश-गव°- -वम् आमिए ३, ८, २: ६; वौषि १,

१५ : १६. ऋयोदश-प(द्≫)दा^d– -दे उनिसु ६ : २७.

त्रयोदश-पुरुष⁶- -षः वाधश्री ४,११३: २;३.

त्रयोदश-रात्र'— -त्रः बौश्रौ १६,३२:१३; हिश्रौ १७, ५,३५; -त्रम् श्रापश्रौ ५,२३, ३; -त्रे काश्रौ २४,१,१४; लाश्रौ १०,३,१२; निस् ९,१०: १४; १०,३:१५; -त्रौ श्राश्रौ ११,२,१; श्रापश्रौ २३,१,७;

त्रयोदशरात्रा(त्र-आ)
दि- -दिषु मीस् ८,२,२७.
त्रयोदश(श-ऋ)र्च- -र्चः
शुद्ध ३,२४४; -र्चम् शुद्ध २,
३२१; ३९२; श्रश्च ३, १०;
-†र्चेम्यः श्रप ४६, १०, १०;
श्रद्ध १९,२३.

त्रयोदश-समाप्ति— -प्याम् मैस २५. त्रयोदश-सूक्त^त— **-क्तौ** श्रपं २ : १४.

त्रयोदशा(श-ख्र)क्षर⁰--रम् वाध्रुशै ४, १००: ९;२२; -री ऋप्रा १६,५२.

त्रयोदशा(श-आ)गम--मात् शांश्रौ ९,१,१०.

त्रयोदशा(श-श्र)रित--ितः आवश्रौ २०, २, ७; हिश्रौ १४,१,२०; -ित्तम् काश्रौ२०,१, ७;वाश्रौ ३,४,१,१४; श्रप २०, १,३; -ःन्यौ वोश्रौ १५,२:४.

त्रयोदशा(श-अ)ह- - हम् श्राज्यो १२, १; निसू ५, १२: १०; - हम्ऽ-हम् निसू ५, १२:४०.

त्रयोदशि(क >)का^ह--का आपशु ५,४; हिशु २,१२; -के बौशु १:४.

त्रयोद्शिन्- -शिनोः ऋग्र १,७,७; ग्रुत्र ५,४८.

त्रयो-विंशति— -तिः आश्री १२,५,१४; शांश्री; या २,१८; -तिम् ब्राध्री ८,२,२३; हिश्री १६,१,११²

त्रयोविंश - - नः बौश्रौ १०,४२: ७; - नम् माय १; ४,१४; श्राज्यो ९,७.

त्रयोविंशक¹— -कम् श्रश्र ११,६:

त्रयोविंशति(क>)का^{*}--कया श्रद्य १४,१.

a) वैप १ द्र. । b) विप. । परिमाणे कन् प्र. । c) विप. । वस. उप. समासान्तः अच् प्र. उसं. (पा ५, ४, ७५) । d) विप. । वस. । e) विप. । तद्धिताथं द्विस. । उत्तरेण संधिरार्थः । f) = सत्र-विशेष- । g) विप. प्रमाणार्थं प्र. । h) शोधः पृ ७९४ a द्र. । i) वैप १,१०३३ k द्र. । j) पृ ७९४ f द्र. । k) पृ ७९४ g द्र. ।

त्रयोविंशति-दारु*- - रुः श्चापश्रौ ७, ७, ७; ८, १, १४; –रुम् भाश्रौ ७,६,४;८,१,९५. त्रयोविंशति-दी(झा>) अ- -क्षः काश्रौ २१,१,१.

न्नयोविंशति-रान - न्नम् आश्रौ ११,३,५; काश्रौ ६४,२, १२; त्रापश्रौ २३,३,१२; हिश्रौ १८,१,२८.

त्रयो(यर्ग्-स्र)शीति - - तिम् बौश्रौ १५, ६: २२; वाधूशौ ३, ८३: ३.

८३: ३.
विविद्यात पे— पा ५, १, ५९;
—शत् शांश्री ४, १५, १४××;
आपश्री; —शतः वीश्री २६,
२७: ३; निस् ४, ९:२८;
—शतम् शांश्री १४,९,५; काश्री;
आपश्री २१, १, १४१°; हिश्री
१६, १, १२°; या ५, १९;
—शतम्ऽ-शतम् शांश्री १४,
३२,९; —शता श्राश्री ५,१८,
५; शांश्री; —शति श्राश्री ८,
११, ३‡; शांश्री; —†शते तैप्रा
१६,२४; —शद्धिः काश्रु ७,३७.

त्रिंश- -शम् श्रापश्री २३, ९,८; १४; हिश्री १८, ३, १३; १६; -शाः वेश्री १८,१:१० हैं; -शानि द्राश्री ८, १, ११; १४; लाश्री ४,५,११;१४; -शे लाश्री ९,५,४.

त्रिंशी- -शी ऋग्र २,

9, 40.

त्रेंश- पा ५,१,६२. ।त्रेंशक- पा ५,१,२४. ।त्रेंशच्-छ(≪श)त- -तानाम् बौधौ १६,२५:५;११. श्रिंशत्-क^d – -काः अर्पं धः

97.

त्रिंशत्-कृत्वस्(ः) लाश्रौ १०, १२,८.

त्रिंशत्-तम- -मम् वौश्रौ २६,१६:२.

त्रिंशत्तमी- -मी शांश्री १८,१४,६; -मीम् काश्रौ १७, ११,११.

े त्रिंशद्-अक्ष $(\tau >)$ रा $^{8}-$ -रा बौध्रौ १८, ३२ : ७; वाध्ध्रौ ४,९१ : ५; ९७ 3 : ४.

त्रिंशद्-अन्त⁹ -न्तानि काश्रौ २४,३,३२.

ब्रिंशद्-रात्र - न्त्रः बौधी १६, ३५: २; - त्रम् श्राधी ११,३, ११; श्रापधी २३,४,१३; हिथी १८, २, ७; - त्रात् श्राप्तिए २, ७,९: ३५; भाग्र ३, २०: ४; - त्रे बौधी २३,१३: १६.

त्रिंशदात्रा (त्र-त्र)न्त--न्तानि लाश्री १०,१,१०.

न्त्रिशद्-वत् काश्रो १,२,१७. निशद्-वर्ग- - गें वोश्रो २६, १८:४; - गों वोश्रो २६,१८:३. निशद्-वर्ष- - पें: वोश्रो २६, ६: १२.

विंशन् निमित्त⁶--त्ताः ग्रापं

न्निंशन्-मान⁸ - नम् बौश्रौ २,२०:१२; भाश्रौ; -ने श्रापश्रौ ५,२१,९; हिश्रौ ६,५,१८.

त्रिंशन्मान-चःवारिंश-न्मान- -ने बौध्रो २,२०:१८; माश्रौ ५,१६,१८.

শ্লিহান্ - - - হান: লাসী १०, ৭০, ६; - হানী লাসী १०, ৭০, ९†.

त्रिंशि-मास- -सः श्रापश्रौ २०,७,४; हिश्रौ १४,२,१९. त्रिं-शतिं- -तेः अपं ४ : ३१8. १त्रि-क, काb- -कः मीस् १०, ५,१०; -कम् शांश्रौ १०, १२, ३; लाश्री; -काः काग् ७३, ४; -काणि लाश्रौ ८, ५, २४; निस् ६, १०: ३; -के लाश्रौ ६, ५, १०; ६, १२; निस् ४, ९: २८; -केण चुस् १, ७: १२; ११: ७; द्राश्रौ ९,४,७; लाश्री ३,८,१; निसू ७, ८: २४; कप्र २, १, १०; -की श्रम १५,९; श्रपं ५: १९. त्रिक-चतुष्क--ष्कयोः श्रापश् ५,२; बौद्य १:३६; हिद्य २,९. त्रिक-पञ्चिन् - ज्ञिनी लाश्री 6.4,24.

त्रिक-प्रभृति - तयः लाश्रौ ६, ५, २०; निस् १, ८: १३; ९: ८;१५.

त्रिक-भाव- -वात् पावा ५,

त्रिक-विष्टाव⁸ – -वः लाश्रौ ६, ७.१६.

त्रिक-स्तोम- -मः निस् ४, ८:२७.

त्रि-ककुद्¹- पा ५,४,१४७; -कुत् आपश्री २२,२३,१७°; हिश्री १७,८,३२^९; -कुदः शांश्री १६,२९,१२

a) विष. । वस. । b) वैष १ द्र. । c) शोधः पृ ४३९ W द्र. । d) पिरमाणे कन् प्र. । e) विष. । बस. उप. = मान- । f) = त्रिंशत- । वैष १,१५११ h द्र., दशित- इति ततो विशेषः । g) ॰तैः इति पाठः e यिन. शोधः (तु. संस्कृतुः टि.) । e) स्त्रार्थे वा पिरमाणे वा कन् प्र. । e) वैष १ निर्दिष्टयोः समावेशः द्र. । यिन. शोधः (तु. संस्कृतुः टि.) । e) स्त्रार्थे वा पिरमाणे वा कन् प्र. । e) वैष १ निर्दिष्टयोः समावेशः द्र. ।

. त्रैककुद° - - दम् आपश्री १०,७,२; बौश्री; --देन आपश्री १०,७,९; बौश्री १७,४२:४; भाश्री

मात्रा. त्रैककुदा(द-आ)अन--नेन काश्रौ ७,२,३१. त्रैककुदाअन-दैव-

त- -तम् श्रश्र ४,९.

त्रिककुद्-दशाह- -हस्य वैताश्रौ ४२.५.

त्रि-ककुभ्^b— -कुप् श्राश्री १०, ३,२१; काश्री २३,५,१९; शैशि २६७†; -कुभः निस् ९, ७: २५.

त्रैककुम $^{\circ}$ — -मम् जुस् १, ३: २०; जैश्रौका २५; द्राश्रौ २,२,४७; लाश्रौ १,६,४४; निस् ४,१३: १; ६,८: २०; ९,१: ७; —मस्य माश्रौ २,१,१,३८ $^{\circ}$; लाश्रौ ७, ५, १८; निस् ४,७: १९; माग्र १,११,८ $^{\circ}$; —मानि, —मे निस् ९,५: २७.

त्रैककुभ-वैद्यानस- -नसे लाश्री ७,९,१३. [त्र-कण्टक°- (>त्रैक°- पा.) पाग ४,३,१५४. [त्र-कदुक'- -काः आश्री १०,३,१३; काश्री; -काणाम निस् १०,१०: २२; -कान् द्राश्री ८,४,७; लाश्री; -†केभिः आपश्री १७, २१,८; हिश्री १२,६, २६; अश्र १८,२; -केम्यः काश्री २३,५,१०; द्राश्री १,४,२७;

लाश्री १,४, २२; -केषु आश्री

६,२,६××; बांश्री; -कै: ब्राश्री १२,६,२१; काश्री २४,५,५;७, १६.

त्रैकदुक- -कः निस् ९, १३: ६;३०.

त्रिकद्रुक-म्लृप्त- -सम् निस् १०,१०: १९.

त्रिकदुक-त्र्यत्- -हः निस् ५, ११ : २०; -हम् निस् ५,११ : १२.

त्रिकद्रुक-द्वादशाह− -हाः चुस् २,१६∶१.

त्रिक्दुक-पञ्चाह- -हः निस् ५,११:१७.

त्रिकद्रकी (य>)या⁸- -या शांश्री १०,१३,७; -यासु ऋप्रा 20.84. १त्रि-कपाल- -लेषु श्रप ३६, 24.9. २त्रि-कपाल- -लः काश्री १५, २.१७: श्रापश्री २२, १८,१८; हिथ्री १७.७.१०: -लम् आपश्री १८,१०,१७; २०,१९; बौश्रौ. त्रि-कर(ग्>)णी- -णी काशु २,१४;२०; श्रापशु २,३; बौशु १:३३; हिशु १,२४; -ण्या श्रापशु-५,११; हिशु २,२१. त्रि-कर्ण-समास- -सः काञ् 8,9. त्रि-कला- -ला ऋत २,३,९.

त्रि-काल- पाग ५,४,२३ . त्रैकाल्य- पा ५,४,२३ b; -ल्यम् शुप्रा १,९५.

त्रि-कारण- -णम् नाशि २,६,१.

त्रिकाल-स्नान -> 'स्ना-निन्- -नी वैध ३,५,७.

त्रि-किण¹-> 'किणिन्-णिनम् वौश्रौ २४,१३: ६.

त्रिकीय- पा ४,२,९१.

त्रि-कृष्णलो(ळ-ऊ)न- -ने विध ९,७.

त्रि-कोण¹- -णम् वैश्रौ १,३: ९; वैग् ४,१३: ८; श्राप्तिगृ २.

९; वैग्र ४,१३: ८; आमिग्र २, ५,१:१८; ७:८; जैग्र २, ९:११; अप २५,१,६; ११; शंध १४१.

त्रिकोण-क- -कम् श्रप २५, १,३.

त्रि-कम- -मः उस् ४, १८; -मम् कौशि ४९;-मे कौशि ५०. त्रिकम-कारण- -णे ऋपा

११,१७. वि.कोश k — -शे श्रापश्री २२,२, २०;४,५; हिश्री १७,२,७. वि.ना(घा>)ध l — -धम् श्रापश्री १९, २६,२; बौश्री १३, ३७: ३; २६, ६: १८; हिश्री २२, ६,७ $^{\circ}$!.

त्रि-गम(न>)ना^J- -ना या ७, १२.

त्रि-गर्त[™]— पाग ४,१,१७६;५, ३,९१७; —र्तान् श्रप ५६,१,८. त्रेगर्त— पा ५, ३,९९७; –र्ताः श्रप ५१,४,१;५३, ३,९; —तें पा ४,१,९९९.

त्रैगर्ती- पा ४,१,१७६. त्रैगर्तायन-(>॰नक- पा.) पाग ४,२,८•.

a) वैप१ ह.। b) वैप १ निर्दिष्टानां समावेशः इ.। c) = साम-विशेष-। d) विप. (श्राझन-)। e) = वृक्ष-विशेष-। f) = श्रहीन- (तु. श्राश्री. प्रम्.)। शिष्टं वैप १ इ.। g) = ऋच्-। मत्त्र्थे छ > ई्यः प्र. उसं. (पा ५, २,५९)। h) तु. पागम.। i) कस. उप. = ज्याघाताङ्क- प्रमृ. [तु. परस्वी]। j) विप.। वस.। k) समाहारे द्विस. उप. = श्रकोश-। l) भगवम् इति पाटः श्यनि. शोधः [तु. श्रापश्री.]। m) = देश-विशेष-, तद्वासिन- च। बस.।

त्रि-गायध्य(त्री-त्र)नुष्टुब(प्--श्र)न्तक- -न्तम् ऋग्र २,८,३३. त्रि-गायम्य(त्री-श्र)न्त - -न्तम् 邪羽 2,8,44. त्रि-गुण,णा°- -णः काश्री २०. ४,१५; काशु ५, २; बौशु २१: १३: -णम् आपश्रौ १०,२४,७; वाध; या १४, ४; -णया भाश्री ७,९,२; -णा काश्री ६, ३,१३; त्रावधी ७, ११,२; भाषी ७,८, १८: माधौ १, ८,२, २३; विध इ. १२: -गानि विध २०, ८; अय १६, ८; अपं ५: २६; चव्य २: १९ -णाम् काठश्रौ ५२; बौधौ; -णायै बौधौ ४, ५: १८: -णासु बौधौ ११,३: ३२: -णे शांश्री १७, २, ३; जैगृ १, १८ : ३; विध ९, १३; -णेन अप १८^२,१,५.

त्रिगुणा-रज्जु^d- -ज्जु माश्री १,१,३,६.

त्रिगुणी√क्>°णी-कृत--तम् त्राप्तिगृ २,४,९∶१०.

त्रिगुणी-कृत्य श्राप्तिगृ २, ४,९:१४.

त्रिगुणे(सा-ई) श्वर - राणि वैग्र ५,२:२३. त्रि-ग्रहणा(सा-न्ना) नर्थक्य-क्यम् पावा ७,४,७५. त्रिच- प्रमृ. त्रि->तृच- इ. त्रि-चक्र - पावाग ६,२,१९९. त्रि-चतुर्-युक्तद्-अस्मद्-म्रहण--णेषु पावा ७,२,९८. त्रि-चतुर्-युक्तद्-अस्मत्-स्यदा- दि-विकार- -रेषु पावा ६,४. 930. त्रि-चत्र- पावा ५,४,७७, १ त्रि-चत्र्थं - - थम वाश्री १.३. 9.32. २त्रि-चतुर्थ- -र्थयोः शैशि २६०. त्रि-चतु:-शराव- -वान् वैश्रौ 80,92:4. त्रि-चत्वारिंशत् - -शत् अप ४७, त्रि-चित् ए- -चितम् काश्रौ १७, 9,33. त्रि-चितिक°- -कम् वाश्री २, 9,8,90. त्रि-चितीक^e- -कम् श्रापश्रौ १६,१५,३; वैधी १८,१२:२३; हिथ्री ११,५,३९; १२,७,२६. त्रि-चैल°- -लः कौस् ८२,४३. त्रि-च्छदिस् - -दिः हिधी २२, €, ७.

श्रि-च्छादस् — -ादः हिशा ररः, ६,७.
श्रि-च्छादस् — -कम् बौश्रौ
२६,६:१९.
श्रि-जगत्या(ती-श्रा)दि b — -दि
ऋग्र २,६,६९.
श्रि-जगत्(<)ता c — -ता श्रुश्र
५,४७; ऋअ १,७,६.
श्रि-ज्योतिस b — -तिषम् शंघ
१६६:५०.
श्रि-ण(<न)य,वा e — -वः श्राश्रौ
४,१२,१; शांशौ १४,३३,५;
१६,२३,१२; श्रापश्रौ २२,६,
१९¹; २३,१८³; बौश्रौ; या ७,
१९; — वम् सांशौ १३,१६,५³;
१६,२३,१९; श्रापश्रौ; — वाः

बौधी १६,३६: १९; अप ५२
१२,४; —वान् निस् ४,१३:९;
—वानि शांधी १५,६,३; —वािमः
आपथी १६, २०,१०; हिश्री
११,६,५९; —वाय शांधी ९,
२७,१†; —वे आधी ७,५,११;
१२,७,१२; आपथी; —वेन
आधी १२,३,३;४,२३; आपथी;
हिधी १७,२,६३; —वी
आपथी १६,३३,५†; बौधी
१६,३१:१९; वैधी १८,२१:
२३†; हिथी ११,८,३²†.

त्रिणव-चयक्किंश- -शयोः निस् ८, ४:१७; -शाम्याम् निस् १०, ७:१८; -शे शांश्री १६,१५,१२; निस् ६,१२:११; -शी काश्री २१,२,११,बीशी. १त्रिणव-स्तीम--मः या ७,

श्रिणव-स्तोम° - 'मम्
शांश्री १०,६,१.
श्रि-णा(<ना)चिकेत³ - -तः अप'
४४, २, ४; वाध ३, १९; शंध
१९९; २००६; आपध २,१०,
२२; वीध २,८,२; विध ८३,
२; गीध १५,२८.
श्रि-णामन् श्रि-नामन् द्र.
श्रि-ण(<ि)धन⁰ - -नः चुस्
३,१०:१४; -नम् चाश्री ६,
४,५; ७,४,१; शुस् ३,५:१३;
१२:१०; निस् ८,१:१७;
१८;२१;२८;३४; -नस्य लाश्री
७,९:८; चुस् ३,१०:१५;

-नानि निस् ५, १: १४; -ने

a) वस. > इस. > बस. $|b\rangle$ कस. > बस. $|c\rangle$ विप. |a बस. $|d\rangle$ विप. |a स. पूप. पुंवद्गावा-भावश्छान्दसः $|e\rangle$ वैप १ द्र. $|f\rangle$ त्रिराष्ट्रत्तश्च भागो यत्रेति कृत्वा बस. वा. किवि. $|g\rangle$ वैप २,३ र्खं. द्र. $|h\rangle$ = मस्त- |a स. $|i\rangle$ सप्र. |a| वं |a| वं |a| दित पासे. |a| वेप ३ द्र. |a| वेप |a| व

लाओं ७,४,१; ८,११. त्रिणिधना(न-म्र)नुमह--हाब निस् ६, १०: १८; १०, 97: 33. त्रित°- -तः बौश्रौ २४,२६:१३; हिश्री; या ४, ६; ९,२५ ई; -तम् बृदे ३, १३२; या ४,६; -तस्य बृदे ३, १३६; १३७; - †ताय काश्री २,५,२६; बौश्री; -ते अब ६,११३ ने. १त्रेतb- -तम् लाश्री७,३,३. त्रि-तय- पा ५,२,४३. त्रितय-यु(क>)क्ता- -क्ताः उनिस ३: १८. त्रि-ता- -ता या ७, १२०. त्रि-त्रिदुब्-अन्त°- -न्तम् ऋत्र 2,9,946; 4, 99; 6, 909; 90,99. त्रि-त्रिष्टुब्-भादि°- -दि ऋश्र 2,4,40,90,88. त्रि-दक्षि(गा>) ग^d-काश्री १५,३,१६. · त्रि-दण्ड°- -ण्डम् त्राप्तिगृ ३, 90.8: 98; वैध २,६,३;८,9; ३.८.२; -ण्डे वैध ३,६,९. त्रिदण्ड-कमण्डलु-काषायधा-तवस्त्रप्रहणवेष-धारिन्!--रिणः वैध १.९.३. त्रिदण्डा(एड-आ)दि-वैध ३,८,४. ब्रिदण्डिन् -ण्डी बीध २,

१०,४०.

त्रि-द्वाह - - शाः शंघ १५०.

त्रि-द्वाह - - वम् बौश्रौ १७,४६:
५; मु; -वात् श्रप ४२,२,१३;
-वे मु ३०,५-७.

त्रि-द्वो(द्वि-ए)क - - के वेज्यो
१४; -केषु श्रुप्रा २,३.

त्रि-धा †श्रापश्रौ५,१७,४^५;१७,१८,१; वाश्रौ; हिश्रौ ३,४,४८†⁶; या १२,१९; १३,७†०⁶; श्रुप्रा २,४४†⁶; त्रिधा-इत--तम्वैष१,६,४.

त्रिधा-कृत--तम् वैष १,६,४.
१क्रि-धातु - -तु आश्रौ ७,३,
१९†; शांश्रौ; -तुः या १४,२‡¹;
-तुम् आपश्रौ १९,२१,२२;
२७,१५; वौश्रौ; -त्ति शैशि
२४६‡; -तौ वौश्रौ २६,६:१९.
क्रेधात(व>)वी - -वी शांशौ
१५,१६,२; काश्रौ १३,४,७;

त्रैधातब्य(बी-श्र)न्त--न्ते काश्रौ २१,१,१७.

त्रैषातवीय,या⁸ - - यया श्रावश्री २०, २३, ५; २४, १६; १७; बौश्री; - या श्रावश्री २०, ८, ४^k; २२, १५, २; वाध्र्शी; - याम् श्रावश्री १४, २३, २; - येन बौश्री १३, ४१: १; बौध ३,१,९.

त्रैधात(व्य >)व्या⁸- -स्यय्ष माश्री ५,२, ५, १: -व्या वाश्री 3, 8,9,86 +k. रित्र-धातु1- -तवे बौगृ ३,९,५: आप्रिए १,२,२: २२; भाग ३... १०: ७; हिए २,१९,६. त्रि-नक्षत्र™- -त्राः श्राज्यो ९... त्रि-नयनⁿ-> °न-मुख-निःसृ-(त>)ता- -ताम् पाशि ३२. त्रि-नव°- -वम् माश्री २,२,३... 93P. †त्रि-नाक°- -के श्रश्र ९, ४; अप्रा ३,१,७. †त्रि-नाभि°- - †भि अप्रा ३, १,७; या ४,२७. त्रि-ना[,णाव]मन् क- -०मन् तेप्रा ७.२: अप्रा ३, १, ७; -मानम् अत्र ६,७४.

त्रिनाम-देवता \rightarrow °व-(त्य \rightarrow)श्या - श्या श्रश्च ६,०४. त्रि-निष्क -, त्रिनैष्किक - पा ५, १, ३०. त्रि-नेत्र m - न्त्र: श्रप ६९,२,३. त्रि-पक्ष T - क्षे शांग्र ४,३,२;

श्रामिर ३, ३,२:१४;१२,१:९. त्रिपक्ष-वत् श्रामिर ३, ३,

२: ३०. त्रिपक्ष-श्राद्ध - दम् श्राप्तिए ३, ३, १: ४; २: ३०; -दे श्राप्तिए ३,३,२: १४.

a) वैप १ द्र. । b) = सामन् । c) कस. > चस. । d) विप. । वस. उप. = २दिक्षणा । e) समाहारे द्विस. । f) विप. । द्वस. > उस. । काषाय-धांतुना (गैरिकेण) रक्ताना वस्त्राणां प्रहणं यत्र तथाभूतं विप्तासित भावः (वैतृ. C. प्रहण - शब्दमनभित्रयित्रिते) । g) = देव- । वस. समासान्तप् उच् प्र. (पा ५,४,७३) । h) पामे. वैप १,९५९ b द्र. । i) पामे. वैप १,९५९ g द्र. । j) = इष्टि-विशेष- । k) सपा. विया < विषा दित पासे. । l) व्यप. । व्यु. ! । m) विप. । वस. । n) = $\lfloor \frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1}{2} - 1$ । n0) विप. । तिद्वितार्थे दिस. प्रमाणे प्र. लुक् । n1) सप्त. वैश्री १४,९०ः ५ अष्टादश इति, त्रापश्री ११,९,७ सप्तिविश्रतिः इति च पामे. । n2) तैप्रा. पाठः । n3 मलो. वस. वा समाहारे द्विस. वा ।

त्रि-पञ्च°-कb- -कः ऋग्र ३, २३:२५; -काः ऋप्रा १६, १८. त्रि-पञ्च-सक्त°- -कः ऋग्र ३, 20.

त्रि-पञ्चाशत्- -शत् श्रश्र१२,४. त्रि-पद्°- -पदः श्रत्र १८,४.

त्रिपदा- -दा शांश्री ७, २७, १; निस् १,२: १;६; ४: २६; १२: २६; ८, ६:४४; विध '५५,१५; ऋत्र १, ४-५,१; गुत्र न्ष, १४; २३; श्रश्र १, २; १७; २६××; उनिस् १: २१; .५: १८; -दाः श्रश्र २, ११; १०,५; १५,५; उनिसू ६ : २२; ७: २८; -दानाम् निस् १, ७: ५: -दाम् या ७,१२+; -दायाम् वाध २५, ९; -दासु ऋपा १८, ४६. -दे श्रश्र ९.६.

त्रिपदा-प्रभृति- -तीनाम् निस १,७: ३.

त्रिपदी- पाग ५, ४, १३९; -दी बौथ्रौ १४, १४: ३१; त्रागृ १, ७, १९^{†d}; कौगृ १,८, २८ 🕂 वं; शांग १,१४, ६ 🕇 वं; - चा श्राश्री ८,२,१४.

१त्रि-पद्€-

त्रैपद,दा'- -दम् बौश्रौ १८,२०: १९; जुस् ३,६:४; -दाः बृदे ४,८; -दे शांश्री १४, 89,99.

त्रिपद-क्रम- -मः कौशि

40.

त्रिपद-परिणाइ"- -हानि बौश धः २४.

त्रिपद-प्रमृति - - ति तैप्रा १, £ 92.

त्रिपद-मात्र- -त्रे आश्री ४,

त्रिपदा(द-त्रा)द्या(दि-त्रा) वर्तमान- -ने श्राप्रा ४,१६८. २त्रि-पद,दा^{8/प्र}- -दः श्राश्रौ ५, ९,११; काश्रौ १६, ८,१६; कप्र ३.९.५; त्रापश ६, २; हिशु २, २७; -दम् शंध ३१०; काशु ७, ३४; -द्या काठश्रौ ९२; -दा काशु २, ८; -देन बौधौ 23,98: 6.

त्रि-प(य>)द्या^b- -द्यायाः वेज्यो १४.

त्रि-पर्णa- -र्णाः वैश्रो ११,११:

त्रि-पर्याय° - -यः काश्रौ ९, ५, २; त्रापश्री १२,१२,१०; -यम् काश्री ७, ४, ७; -यान् काश्री १०,१,३;३,१५.

त्रि-पर्वन् - -र्वणे अप३६,९,२. त्रिपर्वा- -र्वया आपश्री २१,१८,८१ ; हिश्री १६,६,१५. त्रि-प(र्व>)वीं - -वीं शंध ५३. त्रि-पल^k- -लम् आप्तिगृ २, ७, v:99.

त्रि-पशु - - शुः काश्री १५,१०, १; बौश्रौ १७, ३२: ७; माश्रौ ५, २, ११, ११; - श्रुना हिश्री १४,५, ११; -सोः काश्रौ १९ ३,१०;६,१४; शुत्र २,४३८. त्रि-पाद् - पा ६, २, १९७; -पात् त्राप्तिगृ २, ७, ८ : ७०; श्रप ३०, ३,२; ३१,३,२; श्रश्न; -पादः श्रश्र २,१९; ५,२४; ६, १३३; ९,६(३,४); -पादम् अप ३१, ४, २; -पादी श्रव ९, ३; १4.97.

त्रिपाद-गायश्र- न्त्रम् अञ्च २,१७; -त्राणि श्रश्र २,१९. १त्रि-पाद->॰द-मात्र- -त्रम् वाध १६,१२. २त्रि-पाद,दा - -दः सैशि ३६; ३७: -दाः श्रश्र ४, ३९: -दे कौस २६,३२0; ३५,२७;४१,७. त्रिपाद-कº- -कम् कौस् ८३,

₹. त्रि-पुण्ड्- -ण्ड्म् शांष्ट २, 90,8. १ति-पुरुष! - यम् शांत्री १६ २२,२९; पागृ २, ५,४२; वाष ४, १८; बीच १, ११, १८५; विध ५७,४; गौध ४,३०.

त्रिपुरुपा(ब-अ)वधि- -धिः वैष्ट ६,४ : ३. २त्रि-पुरु(व>)वा^k- -वाम् काश ५,१२. ३त्रि-पुरुष"- - चाः आश्री ४, १त्रि-पुष्कर"- -रे वाध १०,.. 33.

a) विप.। वस.। b) पृथ४३ f टि. इ.। c) विप.। बस. > बस.। d) पाभे. वैप २, ३ ई. e) कस. वा समाहारे द्विस. वा । f) तस्येदमीयः अण् प्र. । g) उप. h) = पौर्णमासी- । i) त्रिः पर्वयेत् इति पाठः ? यनि. च उत्क° इति त्रीणि तैत्रा ३, ७,७,११ टि. इ. । := प्रमाग्विशेष- वा चतुर्थभाग- वा । च शोधः (तु. हिश्रो. C. च) । पृ ८२८ कट-श्रलाका - > -कथा इति नेष्टम् । j) समाहारे द्विस. । k) विष. । तिहतार्थे हिस. । l) वैप १ द्र. । m) पामे. वैप १, १५०७ С द्र. । n) = शिक्य- इति दारिलः । o) = तिपाई

रित्र-पुष्क(र>)राª- -राम् लाश्री ९.२.९. त्रि-पूर्वb- -र्वः माशि ५,४. †त्रि-पृष्ठ°- -ष्टम् गौषि २, ४,८; सात्र १,५२८. त्रि-प्रकृति --तीनि ऋपा १६, त्रि-प्रकम- -मे काठथी २७. त्रि-प्रगाथा(थ-म्रा)दि- -दि ₹₹ ₹,७,५९;८,२२;७०. त्रि-प्रगाथा(थ-श्र)न्त- -न्तम् ऋग २,८,७१. त्रि-प्रतिषेध- -धः पावा ६, १, त्रि-प्रभृति -- ति काश्री ९, २, २२: -तिष शांश्री १, १, १८; ऋप्रा ११,२१; पा ८,४,५०. त्रि-प्रमा(ग्>)णा^b- -णा काशु १त्रि-प्रवर- -रम् आश्री १२. 90.97: 93. २त्रि-प्रवर^b- -राः बीधौप्र १:६. त्रि-प्रस्ता(र>)रा^b- -राः श्चापश १०,१३; हिश ३,५३. त्रि-प्टक्ष⁰->°क्षा(च श्र)-वहरण°- -णम् काश्री २४, ६, ३६: लाश्री १०,9९,९. १त्रि-फ(ल>)ला'-पा,पाग ४, १, ४; -लाम् याशि १, ३८; नाशि २.८,६. २त्रि-फ (च>)ला^b- -ला श्रप ₹. २.9. त्रि-बर्हिस् - - हिं: वाध्यो २, २: १; ३, १३: १४; -हिंपः वाधुश्री ३,१४:४;६. त्रि-ब्रह्मन् b- -हा शैशि ३५२. १ वि-भाग- -गान् बौशु ७:१६. त्रिभाग-तस (:) अप २, 3.9. त्रिभागा(ग-त्रा)दि-प्रवृत्ति--ती गीध १६,२६. त्रिभागो(ग-ऊ)न- -नः बौश १७: ६; -नम् बौशु ३: १५: -नाः बौधौ १९,१: १४; बौशु १७ : ४. २त्रि-भाग^b- -गम् निस् ३.७: २: ऋप २३,१०,१; -गाः ऋप 42,3,2. त्रि-भाव- (>त्रैभाव्य-पा.) पाग ५,१,१२४. त्रि-सृष्टि^b- -ष्टि माथौ २,३. १, १५; -ष्टिभिः माश्रौ १, ५, ₹.94 +8. त्रि-मणिb- - िणम् कीगृ १, ८, ८; शांगृ १,१२,८. त्रि-मध्^b- -धः अप ४४, २,४; र्शंध १९९; ग्रापध २,१७,२२; बौध २.८.२: गीध १५,२८. त्रि-मधुर^d- -रम् अप ३६,१५, १; १९,१; ३०,१; -रस्य कीयृ १, २०, ६; -रेण कौगृ १,२०, ८; अप ३६, ७, ३; १८, १; -रै: श्रप ६९,२,५. त्रिप्रधुरा(र-अक >) का--क्ताभिः वैष् ४,१४: ५. त्रि-म(ध्य>)ध्या^b- -ध्या श्रप

१९; ऋप्रा १३, ५०; १५, ५;
तैप्रा २२, १३; ऋत २, ५, ५;
शौच १,६२; याशि १,१४;१६;
—त्रम् आश्री १,२,१०; ७,११,
२; उस्१,११; ऋत २,४,९; शैशि
३५१; माशि १३, २:३; याशि
१,१८; —त्रयोः ऋप्रा ३, २७;
—त्राणि माश्री ५, १, १, १, १९;
ग्रुप्रा २,५०; —त्रात् रेशि ३५३;
—त्रे ऋपा १,६४.
१त्रि-मास्।— -सः वैगृ ५,१४:
३; —से गौपि २, ६, १८.
२व्रि-मास्।— > त्रैमासिक—
-कम् वैगृ २, ११: ७.
विमासिक!— -कः श्रप ५७,

8.0. त्रि-मर्भb- पा ५,४,११५. त्रि-मर्धन् k- पा ६, २, १९७; - चिनम् आश्री ४, १३, ७; शांश्रो १४, ५७, ११; ऋय २, 9,984. क्त्रिय(जि-अ)म्बक् - -कम् ... व्यात्रिय २,३,५:२६;५,४: ७; ८; १० : २३. त्रि-यव"- - वम् माश्री ५, १, ९,३; काञु ७,२८. त्रिय(शि य)ह°- -हः वाधूथी३, v: 3. †त्रिया (ग्रि-द्रा)युद्ष- -पम्व जैगृ १, ११: २४३; २५३. त्रिया(त्रि-ग्रा)िलेखि(त>)ता--ताम् वंथा १८, १ : ७६. त्रि-युक्त- -क्तः काश्री १५, १,

a) बस.उप. = क्रमल- । b) विष. । बस. । c) वैष १ द्र. । d) समाहारे द्विस. । e) = प्रदेश-विशेष- । बस. । f) नाप. । द्विस. । g) वैष १,9५१६ p द्व. । h) नाप. (ऋ १,९०.६-८ इति मधुश्रान्दोपेतमन्त्रत्रयाध्यायिन-)। i) कस. पूप. =तृतीय- । j) विष. । मत्वर्धीयष् ठन् प्र. । k) वैष १,९५९५ द हत मधुश्रान्दोपेतमन्त्रत्रयाध्यायिन-)। i) कस. पूप. =तृतीय- । j) विष. । मत्वर्धीयष् ठन् प्र. । k) वैष १,९५९५ द हता मुं = त्र्यायुष- । q) पाभे. वैष १,९५९६ b द . ।

त्रि-मात्रb- -त्रः शांधी १, १.

28,9,8.

†त्रि-युग°- -गम् त्रापश्री १, ५,५; माश्री १,५, १; हिश्री १, २,३३; या ९,२८.

त्रियुगा(ग^b-त्रा)दिक- -कम् वैश्री १८, १५: १५. त्रि-युज् - युजा श्रापश्रौ २२,

2,20. त्रि-यून^d - नम् काश्री १, ३,

त्रि-यूप⁰- -पः काश्रौ १५, 90, 4.

त्रि-योग°- -गाणाम् वाध्यौ ३, 49:8.

त्रि-योजन'- -नः श्रप ६१, १, ₹.

त्रि-रात्र"-- -त्र: त्रापथ्रौ१४,१९, ८; बौश्रौ १६, १०: ५××; हिश्रौ; गौध २३, ३५२०; -त्रम् ब्राध्री ८, १४, ९ शांत्री; शंध ४६१; त्रापध १, २६,३; बौध; -त्रस्य त्रावधौ २२, २,५; १४, ४:१५; हिथ्री; -न्नाः निस् ८,५: १: - त्राणाम् लाश्रौ ९,६,१; निस् ३,७: ५; -त्रात् भागृ १, ९: ६; ३,२०: ८: गोगः-त्राय काठश्रौसं ३१: १५; कागृउ ४१: ७; -त्रे शांश्री १६, २०,१७; काश्री; सुध १४: -त्रेण शांधी १६,२१, १; २२.३०: बौश्री १४,२७: ७××;

वाध; -त्रंपु लाश्री ९,११,१३; निस् ८, ११: २२; -ग्री बौधी १८.49: २३: २६,३३: २9.

त्रैरात्रिक- -काणि निस

0,3:93.

त्रिरात्र-तन्त्र°- -न्त्राः निस् 6,6:99.

त्रिराश्र-न्याय- -येन निस ६,८: ५; ३३.

त्रिरात्र-परम°- -मम् गौधं 23, 26.

त्रिरात्र-प्रभृति- -तयः निस् ९,८: १६; -तियु निसू ७,३: 38:80.

त्रिरात्र-विध- -धः निस् ६, 6: 33.

त्रिरात्र-संमित- -तः काश्रौ २२,२,८; श्रापश्री २२, २, ५; हिथ्रौ १७,१,२३.

१त्रिरात्रा(त्र-त्र)न्त- -न्ते काश्रौ २५,११,१७.

२त्रिरात्रा(त्र-श्र)न्त^e1 न्तानि बौधि ३,७,४.

त्रिरात्रा(त्र-त्रा)सि- -सिम् निस् ६,८: २.

त्रिरात्रा(त्र-श्र)भोजन- -नम् गोगृ ४,५,९.

त्रिरात्रा(त्र-श्र)वर--रम काश्री ४, ११, ३; श्रापश्री १५, १९, ८; भाधी ११, २०, ४; श्रापगृ ९,४: गौध २३,२४.

त्रिरात्रि(क>)की- -क्यः निस् ६,८: २२.

त्रिरात्री(ग>)णा^k- -णा ब्यापश्री ९,२,३.

त्रिरात्रो(त्र-ऊ)न- -नान् कौस १३९,२०.

त्रिरात्रो(त्र-उ)पजन⁶- -नम् ब्राध्नै ११,३,११; ४,८.

त्रिरात्रो(त्र-उ)पवास- -सः शंध ४०२; सुध ४३.

त्रिरात्रो(त्र-उ)पेप्सन् - प्सी माश्रौ ५,२,५,१.

त्रिरात्रो(त्र-उ)पोषित- -तः श्रामिगृ २,६,५: २६; बौगृ २, ९, २५; गोगृ ४, ८, २०; अप ३१, ५, ५; शंध ३९६; ४०१; बौध ४, ७, ४; विध २२, १३; 44. 4.

त्रि-रूप,पाº- -पम् काश्री २०, १, २७; -पाम् काश्री १३, ४, 98.

त्रि-रेखा- -खा नाशि १,६,

त्रि-लक्षण- पाग ४,२,६०1. त्रि-लोक- पावाग ५,१,१२४.

त्रिलोकी- -कीम् विध 99, €.

बैलोक्य- पावा ५,१,१२४; -क्यम् अप ५१,४,३. त्रि-बद्धर- पावाग ६,२,१९९. त्रि-वण- त्रि-वेणी- द्र. त्रि-व(त्>)तीण- -त्या त्रापश्री १९,२७,१८; बौश्री १३, ४२: ५; हिथ्रौ २२,६,३६.

त्रिवत्स,त्सा"- - नसः काश्री २२, ३.३९: श्रावश्री १८,१०, २२५; २२,२,२५; वाशी ३,३,४,२०; हिश्री १७, १, ३८; लाश्री ८,३, ९रे; मीसू १०, ३, ६०; -स्साः श्चापश्रौ २२, २०, ११; हिश्रौ १७, ७, २२; -स्साम् अप १, ५०,३; -स्तेन बीश्री १८,२९:

c) विप.। उस. उप. कर्मिशा प्र.। d) विप.। b) उप. = ध्र-1 a) उप. = काल-विशेष-। f) विष. । तिहतार्थे हिस. उप. = अध्वपरिमाण- । e) विप.। बस.। तुष. उप. < 🗸 यू [बन्धने] । h) = वत-विशेष-। i) कवित् वा. किवि.। j) ज्यहा° इति R.। g) = याग- । तद्धितार्थे समाहारे च द्विस. । l) तु. पागम.। m) = ऋच्-। n) वैप १६६1 क) भतार्थे ख>ईनः प्र. (वा ५,१,८७)।

२; २६,३२ : १०. त्रि-बन्धर°- -रम् बृदे.३, ८६; त्रप्रा ७.३२ . †त्रि-वरूथ°- -थम् भाश्रौ १०. २२,४; हिश्री ७,३,५६. त्रि-वर्गb- -र्गम् जैश्रौका १३०; जैगृ २,८:१६; -र्गाः° द्राश्री १२, ४, ११; लाश्री ४,१२, ८; -गाणाम् ° श्राज्यो ९,३; -गाँ काश्रौ ८,६,८; उनिस् ३: १३. त्रिवर्ग-सेवा- -वाम् विध 49.30. १ त्रि-बर्ण bid -> त्रैवर्णिक-> °क-भेद-सूचक- -कान् काध 200: 4. २ त्रि-वर्ण e'1 - - र्णम् कौगृ ३,६,३; शांग्र ३,११,७; -णीः ऋपा ९, ३१: - में अप ६१,१,१५; - में: अप ३६,१२,१;६१,१,१५ त्रिवर्ण-सर्पप- -पै: श्रप ३६. 96.9.

त्रैवर्षिक! - - कम् आश्री १२,५,६;११. त्रैवार्षिक! - - कम् गौध २२,१५; - कै: वेग्र ५,१:३. त्रैवार्षिका(क-श्र)धि-का(क-श्र)स - - ज्ञः शंध १४८.

३ त्रि-वर्ण8- -र्णाय आमिए १,

१त्रि-वर्षे - - पात् सुध २०.

न्नैवर्ण- -र्णाः बौश्रौ ४७ : २.

२,२: २२h.

त्रैवार्षिका(क-श्र)भ्य-धिका(क-श्र)ज्ञ- -सः विध ५९,८.

त्रिवर्ष-पूर्व - वै: श्रापध १, १४,१३; हिध १,४,४५. २श्र-वर्ष - वै: श्राश्री ९,४, २०; लाश्री ८,३,११. ३श्र-वर्ष - वाय श्राप्तिग्र १, २,२:२२; बौग्र ३, ९,५; भाग्र ३,१०:७; हिग्र २,९९६. त्रि-वलि॰ - लि: श्रापश्री १०, ९,१९; बौश्री ६,५:१६; २१, ७:२०: -लिम् काश्री ७,३, २५¹; भाग्री १०,६,१३; वैश्री १२,९:४; हिश्री ७,१,५२.

त्रिवली-क°— -कम् वौश्रौ ।
२६,६: १८.
त्रि-विकल्प°— -ल्पः कप्र २,९,१२; —ल्पम् कप्र २,१०,१६.
त्रि-विकमण्— -मम् श्रापिष्ट २,५,०: १०; वौष्ट १,११,०; वैष्ट ३,१३: ४; वौध २,५,२४; वृदे २.६४.
त्रि-विवत्त्व । - -स्तम् श्रापश्रौ ७,४,२; मश्रौ ७,३,४; वैश्रौ १०,३: १०; हिश्रौ ४,१,४६.
त्रि-विवत्ष — -ष्यम् कौस् २६,२७.
त्रि-विवा— पात्रा ४,२,६०.

त्रैविद्य°- पा ५,४,२३^p. त्रैविद्यक⁰- -कम् माश्री छ, ७,८; काग्र धर, १; माग्र १, २३,२४; वाग्र ६, १४; ७,१६; स्रापध १,१,२८; २,६; हिष १,१,२६;३९.

त्रैविद्य-वृत्ति- -तिम् लाधौ ८,६,२९.

त्रैविद्य-वृद्ध - - न्दाः वाष १, १६; विध ८,८; - न्दानाम्श्चापध २,२३,१०; विध ५,३१; हिध २, ५,१६३; - देभ्यः बौध १, ५०; गौध ११, २७; - न्दैः बौध २,१०,५७.

त्रैविद्य-समवाय- -येषु शंध ९.

त्रैविद्य-साधु- -धुम्यः वाघ १७,८७. त्रि-विध,धा°- -धः आपश्रौ १६, १७,१५; जैग्रः, या १४,३; -धम् शांश्रौ १६, २१, १४ विध २२, ८२; बृदे २,७२; ३, १४; माशि १६, ६; याशि १, ७१; -धाः अप ३,३,७; वैध १,१०,१; या ७, १; -धान् अप ६४,१,१; या ७,१; -धान् बृदे १,१०; ३,४२; -धन् बृदे ३,१२.

त्रैविध्य->०ध्य-गत- -तेषु बौश्री २१, ११: ६; २५, ५: १६. त्रि विराड्-अन्त⁸- -न्तम् ऋम २,७,३१.

a) वैप १ द्र. । b) समाहारे द्विस. । c) कस. । d) उप. = जाति-वचन- । e) विप. । बस. । f) उप. = अक्षर- वा रङ्ग- वा । g) = ऋषि-विशेष- । व्यु. ? । h) सप्र. त्रिवर्णाय <> = यक्षण्य इति पामे. । i) = सत्र-विशेष- । भावीत्यर्थे ठल् प्र. उप. वृद्धिप्रतिषेधक्ष । j) विप. । तत्रभवीयप् ठक् प्र. उभयपदवृद्धिक्ष । k) तिद्वतार्थे द्विस. । l) त्रिव इति कासं. । m) = विष्णुनामाऽन्यतम- । वस. । n) डः प्र. उसं. (पा ५, १,५५) । o) तद्वेदैत्यर्थे अण् प्र. (पा ४, २,५९) । p) तु. पागम. । q) विप. वा नाप. (वत-) वा । त्रैविद्यानां धर्म इत्यर्थे वुष्प् प्र. [पावा ४,३,१२६ (तु. हरदत्तः । आपथ्र. ।; वैतु. देवपालः < त्रि-विद्या- इति)] । यदा त्रिविद्य- + कर्मणि वुष्प् प्र. (पा ५,९,१३२) इति विद्यर्थम् । r) प्रयोवि॰ इति मैस्. । s) कस. > वस. ।

त्रि-विशाख"- -से हिश्री १४, 4.99. त्रि-विषू(क>)का^b--काम् हिषि १४: ३; -के हिपि १४: ७. त्रि-विष्टप^c- पाउत् ३, १४५; -प्रम अप १९२, ५, ९; ५५, ५, ३: शंध २८४. †शत्रिविष्टपि^व श्रापश्रौ ५,९,११, वाश्री१,४,२,७; हिश्री३,३,३२. त्रि-विष्टाव - - वाः निस् १,८: 95. †त्रि-विष्टि^d− -ष्टि श्रापश्रौ १६,६,७; वाश्री २, १, ५, २०; वैश्री १८,४: ८; हिश्री ११,9, :50 त्रि-वीधि(१थि¹)8- -धीः(१थीः) वैश्री १,५: २; वैग् ५,२: १८. त्रि-वृत् d - पावाग ६, २,१९९; -वृत् आश्री ४, १२,१; २××; शांश्रो ९.२१,१; १३,१६,५××; काश्री २,७,१९; ४,२, १६××; श्चापश्रौ १, ६, ९; १०; १०, ९, १३××; बौश्रौ १,३:३ ××; भाश्री १,६,११:१३ +;माश्री ६, १,४,९; २,१, २३; वाधुश्री ३, ७६: २६;२७^२××; वाश्रौ १,२, २,६;२,२,१,१७+; वैश्री ३,५: 992; १२, ८: 9३; १७, ५: 9; १८, २१ : २० +××; हिथ्रौ १, ३, ३; ४; ७, १, ४९; ११, ८, ३^१‡××; लाश्रौ १०, ५, १: वैताश्री २६, ८; ३५, १५; चसू १, १०: १०; निस् १,

9, 93:99××; 90: 3: कींगृ १,३,८; १४, ११+; शांगृ १,८, २; २२, १५; श्रामिगृ २, २,४: ७; बौगृ १, २, ११; बैगृ ३,१०: ७^२; हिए १,१२,११; २,५,२; कप्र १, १, २३; ७,७; श्रप्राय ६, ३+; श्रप ४८, १३६; श्चावध १,२,३३; बौध १,५,५; २,१०,१३: ४. ५, ७; हिंध १, १, ६५; बृदे १, ११५; चात्र १७ : ३ †; या ७, ८; १२ €; मभाशि ६६; ७०; ९४; १०७; -वृत: ग्राश्रौ ६, १०, २२; ९. १.१७××: शांश्री १३,२९,३२; १४, ६, ४××; काथ्रौ १६, ५, २;२२, ५, ६××; श्रापक्षी २२, ७, १; १८,५××; मबौधी १०, ३4: ६; १४, २२: ११××; माश्रो ३, ८,७; हिश्रो १७, २, ३२; ३, १६××; लाश्रौ ६, २, ४; ५, ११××; निस् १. १०: ५; १०××; -वृतम् काश्रौ १,३,२३; ६,३, १३^b××; ब्रापश्रौ १९, १४, १०; २१,६, १०; बौश्रौ १,२:२८; १३: १९××: भाश्री १, ६, ५; वाश्री १, २, २, १; ३, २, १, ४२; हिश्री १, २, ७४; ७५; †वैताश्रौ १०, १७; २६, ८; निस् ४,११: १३; ७,५: १२; ७ : ३५; १०, १३ : १७; शांग्र १, १२, ६¹; पागृ १, १५, ६; व्याप्तिष् १, १, २ : ३८; व्यापर् १३,११; कागृ ४१, १२; भागृ १,२ : ६; हिए १, ४, ५; १२, १०: गोगृ १. ७, १०; जैगृ १, १८: ३; १९: ३; १८; द्राय १, २, ११; अप २२, ७, २; अशौ १९,२;५;७; वैध २,६, २; अग्र ५,२८: -बृता श्राश्रौ १,३,२२; १२, ३,३××; शांश्री १४, २७, ५: ११××; काश्री २, ७, १; १६, ३, ५; श्रापश्री १२, १८, १२; २२,६, ५××; भवौश्री ३, २७: २२; १४, २०: १५××; भाश्रौ १०,६,१०; माश्रौ १,८, २, २४××; वाधूश्री ४, २६: ६: वाथी १,६,३,२०; वैश्री१५, १९:६;२१:११ ××; हिश्रौ ८, ५,१३;११,१,३४;×× ताश्री ९, ७,९:१०,४,४^२‡; चुस् १,१०: २०; निस् ९,१३:१०३;३७३; १०,१ : ३५२; कौए २,१, २९; ब्रामिगृ १, १,४: २८;४३××; बौगृ १, ८, ४; २, २, १३××; बौषि ३,१०,२; भाग १,६: ६; हिंगू १.७.३२:८.७: हिपि १३: ९: जैगृ २. १ : २२ ई; अप्राय; -बताम आश्री ११, ५, ३; लाथौ ८, ७, २; १०, १४, ४; -वृति शांश्री १२, २, ११; काश्रौ १६,५,१; निस् ४, ७: १०; शांग १, २२, १०1; कौसू १५, 9; १९, 6; २२, १२; याशि १,३५; मीस् १०, ६,२२; -बृती आपश्री २२, २०, ४;

a) विष. । बस. । b) विष. ([त्रिशाखा-] मेथी-) । बस. उप. < विध्वष्ट्न । c) = स्वर्ग- । कस. पूप. = तृतीय-, उप. = भुवन- । d) वैप १ द्र. । e) विप. (स्तोमानां पर्याय-) । f) इति शोधः (तृ. C.) । g) कस. उप. = कर्पू- । h) सप्र. श्रापश्री ७,१९,५ त्रः प्रदक्षिणं पूपम् इति पाठः. । i) सपा. कौगृ १,८,६ °ता-> -ताम् इति पाभे. । j) सपा. ॰ वृति <>० वृते इति पाभे. ।

त्रिवृच्-छिरस्⁸- -रसम् श्रापश्री १, ६,५; भाश्री १, ६, ५; वैश्री ३,५:५.

शत्रवृत्-पञ्चदश^b— - नायोः निस् ४, ११:४; २४; १०, १०:१८; - ने शांश्री १५, ६, २; लाश्री १०, १८,७; जुस् १, १०:२; - नो शांश्री १३,२१, २; १४,२९,४; बौश्री १८,३०: १८;३५:९;२५,५:११;निस् ४,११:२५;१३:८;७,९:२६.

रित्रवृत्पञ्चद्रः - - नः लाग्री ८, ११,८; निस् ८, ४: २५; - त्राम् निस् ८, ४: ३१; १०, १०: १६; - त्राः श्राश्री १२, १,२; श्रापश्री २३, ९, ४; - त्रानि शांश्री १४,३३,३.

त्रिवृश्यञ्जदश-स्तोम⁴--माः काश्रौ २४, ४, ३; -मे काश्री २४,६,२४.

त्रिवृत्-पञ्चदश-सप्तदशै(श-ए) कार्वेश-त्रिणव-त्रयखिश- -शाः काश्री २२,६, २६; वैताश्री ३५, १६.

त्रिवृत्-पञ्चदश-सप्तदशै(श-ए) कविंश-त्रिणव-त्रयिक्षंश-नव-सप्त-दश- -शेष् वैताश्री ४०,८.

त्रिवृत्-पवमान⁸- -नः,-नस्य जुसू १,११ : १५.

त्रिवृत्-प्रभृति - -तयः शांश्रौ १६,२१,३: -तीनाम् शांश्रौ १३, २४,५: २८,५.

त्रिवृत्-प्राशन- -नम् वैष्ट ३, १२ : ६; १९ : ४; २२ : २.

त्रिबृत्प्राशना(न-त्रादि)--दीनि वैष् ३,११: ६.

त्रिवृत्-सप्तदश— -शौ वौशी १६,२८:१६; निस् ७,९:६. १त्रिवृत्-स्तोम— -माः निस् ८,८: २५; -मे लाश्री ६,१, १८; -मेन शांश्री १४,५१,२. २त्रिवृत्-स्तोम - -मः निस् १०,१३:२१; -मम् शांश्री १०,२,१; १३,२१,९. त्रिवृद्-आदि-वत् वैताश्री

त्रिबृद्-उत्तम" --माः श्रापश्री २३,१०,५; हिश्री १८,४,१. १त्रिबृद्-दशरात्र -- त्रस्य शश्री १२,९,१^a. त्रिवृद्-देवता-> श्य--स्यम् श्रश्न ५,२८; १९,२७. त्रिवृद्-बहिष्पवमान- -नेन काश्रौ २५,१३,३८.

त्रिबृद्-राथन्तर^{a,e}- -र:^f श्रापश्रौ १४,४,३; -रम्^f हिश्रौ ९,७,४९.

त्रिवृद्-वत् मीस् १०,६,१५; ६,१७.

त्रिवृत्-मुझ-पञ्जाङ्गी— बह- -हाः काश्रौ १६,२,४. त्रि-वृत,ताष- -ता काशु ७,१३; -ताम् कौग् १,८,६^ћ; आशिष्ट १,१,१:१६; आपप्ट १०,११; बौग् २,५,१३; बैग् २, २:३; [ह्यु १,१,१७¹; -ते कौणु १,

त्रिवृती√कु>°ती-कृत--तम् श्रप २०,७,१. त्रि-वृपन्->त्रैवृष्ण^k- -ष्णः बृद् ५,१३;१४.

त्रैबृष्ण-पोस्कुरस्य - स्स्यो ऋग्र २,५,२७; साग्र १, ४३२; २,८५६. त्रि-वेणी - (> त्रिवण -> त्रैवण - पा. L>णीय पा ४,२, ९०]) पाग ४,१,११२. त्रि-वेदण - -दः वीश्री १८,१६६. त्रिवेद-संयोग - गात साग्री

२५,१४,३७. त्रि-वेदस्^{0,10}— -दसः बीधी १७, २१:१; —दाः बीधी १८, ३२:१५;३३:१२.

a) विष. । बस. । b) द्वस. पुं. न. । c) मत्वर्थे अच् प्र. । d) यनि. समस्तिमिंत ?C. । e) उप. -स्वार्थे अण् प्र. f) परस्परं पामे. । g) = न्नि-वृत् - । उस. उप. कर्मीण कः प्र. । h) पामे. पृ १२०७ k टि. द्व. । i) Böht. (ZDMG [४३, ५९९]) न्निवृत् - > -तम् इति शोधः अकिश्चित्करः । j) पामे. पृ १२०७ m टि. द्व. । k) वैप १ द्व. । l) व्यप. । बस. ? । m) नाप. (नद्भानः) । श्वाध्ययनार्थीयस्य प्र. लुक् (पा ४, १,८८) । n) उप. = वेद- ।

त्रि-वेदि-सिहत- -तम् वैध १, ६,५. त्रि-च्या(म>)मा a — -मा काश्री ६,३,१३; —माम् काठश्री ५२. त्रि-च्याया(+>)मा a — -मा श्रापश्री ७,११,२; भाश्री ७,८,१८; माश्री १,८,२,२३; —माम् वाश्री १,६,२,१९; वैश्री १०,७:३; हिश्री ४,२,२७; ६१. त्रि-चत b — -तम् श्रप ४६,८,४. त्रि-चत b — -तम् श्रप ४६: ५०. त्रि-चाङ्क d — -ङ्कः श्रप ५२,१०,१.

त्रिशत-स्तोन्नी(या >)य b -यम् क्षस् ३,२:२९.
२ श्च-शत i - -तम् शांश्रौ ९,
२०,१३; -ताः या ४,२२ i १८.
त्रि-शब्द- (> त्रैशब्द्य- पा.)
पाग ५,४,२३.
त्रि-श(य >)य ab - -याम्
साश्रौ १,७,३,१३.
त्रि-शस्(:)ऋषा १८,५०;५९.
त्रि-शा(खा>)ख b - -खः वाश्रौ
३.४,५,२२;-खम् कीस् ९०,३.
त्रि-शाण- > त्रिशाण्य-,
त्रैशाण- पा ५, १,३६.

त्रिशती- -ती वेज्यो २८;

-तीम् विध ४७,९.

त्रि-शि(खा>)खb- -खः बीगृ २,४,१७; -खाः ऋप ५२,३,२. त्रि-शिरस्^व- -राः अप ५२, ८, १: ऋत्र २, १०, ८; बृदे ६, १४७: १४९: १६२; शुत्र २, १४८: साम्र १,७१. त्रि-शिल°- -ले कीस् ३६,१५; 90: 964. त्रि-शीर्ष b- -र्षाय श्रप ३६,९,२. त्रि-शोर्षन् '- -र्घाणम् शांश्रौ १४, ५०,९; वाध ५,८; -र्जाः चात्र 8 : v; १३ : ३. त्रि-शक्। - क श्रापश्री २२, ७,७; बौश्रौ १८, १ : ४; ६; हिश्री १७,३,७. त्रि-शक्तिय'- -यः शांश्री १६, २२,२९;-यम् द्राश्री १,१,१६. त्रि-शुक्र¹- -क्टाः वैगृ ५,१३:२, त्रि-शुच्'- - शुक्^m शांश्री ७,१६, ८: बौधी ८,३ : १७. त्रि-शोक!- -कः ऋश्र २, ८, ४५; शत्र १, ४७४; ३, १८५; साम्र १, १३३; १३६; १६१; २०७; २१६; श्रद्ध २०, ४३॥; -काय बंदे ६,८१. त्रैशोक°- - कम् चुस् १, २: ९; सस् ३७, ६६; -कात् जुस् 2.7:90. त्रैशोक-वैस्तानस- से

त्रेशोकी(क-ग्रौ)णांयय-भास- -सै: P सस् ३५,३८. त्रि-श्ये(त>)ता^व- -तया माश्री १, ७, २, २३; माग्र १, १२, 2 175; 94,9 678. १ त्रि-धृत्^u - श्रुत्^m आश्री ५ 93.64. त्रि-श्रेणि"- - जि बौधी ११.३: २३;२४; २२,9४: ५. त्रि-ध्रेणि-गर्त- -र्तान् बौश्रौ E, 26 : 90. त्रि-इवे(त>)ता"- -तया" कौगृ १,१४, ७; वागृ १६,१०; गोस् 2,0,6. त्रि-वं(<सं)यक्त'- -कम् वाश्री ३,३,१,२८; हिथी १३,३,४४%; -केष काश्री १५, २,११; -कैः बीश्री १२, ४: २४; २६, ३: ४; हिश्रौ १३,३,४३. त्रि-षं(सं)वस्सर" - -रम् काथी २४, ५,१२; श्रापश्रौ २३, १४, ग्नि-षंवत्सरो(र-उ)पसत्क^y-न्तम् काश्री २४,५,६. त्रि-प(<स)स्य'- -स्याः बीच 2,90,26; 8,2,99. त्रि-वं(<सं)धि'- -धिः श्रम ११, ९+; -धीनि कौस् १६, २४: -०धे शौच ३,६५?2. त्रि-षं(<सं)निपात- -ते बौग्र

a) विष.। तिव्यतार्थे द्विस.। उप. = व्यायाम । b) विष.। वस.। c) = मरुद्विशेष-। कः इति शर्क. वि. वायु-]। d) व्यप.। वस.। e) समाहारे द्विस.। f) वैष १ द्व.। g) वैष १,१५१० d द्व.। h) उप. = हस्त-। i) विष., व्यप. (विश्वहप-)। j) वैष २,३ खं. द्व.। k) पामे. वैष १,१५९० h द्व.। l) = त्रि-शुक-। m) पामे. वैष १,९५९ o द्व.। n) क्यः इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. ऋ ८,४५)। o) = साम-विशेष-। m) पामे. वैष १,९५९ o द्व.। n) क्यः इति पाठः ? यिन. शोधः। q) विष.। तस.। r) त्री इति वसं. ?। s) सप्र. p) क्याः विशेष-। तस्ति। (त्व.) पाठः ? क्रि-शुक्- > शुक् इति विशेष-। त्विद्वार्थे द्विस.। x) सप्र. क्रि-सं॰ <> क्रि:वे॰ <- क्रि:वे॰ <- क्रि:वे॰ <- क्रि:वे॰ <- क्रि:वे॰ <- क्रि:वे॰ <- क्र

निस् ८,४: ६.

३,९:१४; दाग्र ३,२,२७.

†वि-स्.सं । साम् - साः अप
३२,१,१०; २३; २८; ३७,८,
२; १७,१; ४६,४,१ँ; ५,१;
अस्र १,१; स्रपं २:९; शौच २,
९८; -साभिः आपश्री १६,२०,
१०; हिश्री ११,६,५७; -सैः
ऋपा ५,२७.

त्रियसीय- -यः ऋष ३३,१, ९⁴; -यम् [©] कौस् ७,८; १३९,

शत्र-प(<स)वण¹— -णम् कायः ४,१९; बौग्र ३,२,६२; ३,१६; माग्र १,२३,८; १६; वाग्र ७,६; अप ४६,१,४; वाघ ९,९; २४, भ; शंघ ३९९; ४००; आपघ १,२८,११; २,१८,५; वीघ २,१,६८; ४,५,४; विघ २८,५०; ४६,३; ५०,२; हिघ १,०,४०; २,५,५७; धुध ४७; ६२; धुधप ८६: ११.

त्रिषवण-छ।न- -नम् सुघ ३४.

त्रिषवण-स्नायिन् -यी शंघ ३८७; विघ ४६, २४; ५४,१३; ९४,१०.

त्रिषवणिन्— -णी सुधप ८५ : ६. रत्रि-ष(<स)वण⁸— -णः शांश्री १६,२१,२.

त्रि-पष्टि - 'ष्टिः श्चस् १, ६ : ४; १०; १६; बौजु १३ : २; श्रश्र १२, १; शैशि १०; पाशि ३; श्राशि १,४. श्चि-बा,सा^h]हस्त^b— -सः त्रप ३६, ३०,३; -स्नम् श्रापश्चौ १६, १३,११; बौश्चौ २५,२८:१;८; १३; वाश्चौ २,२,२, २२; वैश्चौ १८,१२:२; हिश्चौ ११,५,२२; श्चापशु १०,११; हिशु ३,५१; -सस्य बौशु ७:२१; -से श्चापशु १०,१३; हिशु ३,५३.

आपश्च (७,1२; ।हश्च २,५२. त्रिसाइस्री- -स्त्री काश्रौ १७, ७,२३.

त्रि-दर्भb- पाग ४, १, ८६; -ष्टुक्^в आपश्रौ ९,१४,९; बौश्रौ १९, ७: ३८+; २४, २०: ११; वाधूश्री ४, ४६ : ६; ८५ : ५; ८९: १९; १००र : १०; हिश्री १५,४, १६; - ज्दुग्मिः श्रापश्रौ ५,६,२;१६,३,४; बौश्रौ; -प्दुप ब्राश्री ६,२,६; शांश्री; ऋत्र १, ९, १; ३; १२, ६××; बृदे १, १३०; शुत्र ५,६०;६२; श्रश्रम् २; चव्यू ४: २२; या ७, १०; १२०; ऋपा १६, १; ६४;६५; ६८;६९××; पि ३,५०; उनिसू १: २; २:३१; ६: १७; ७ : ३४-३६; -द्रुष्म चुस् ३, १०:२८: निस् ५, ९:८; - जुब् वाश्री ३, ४, ४, १७ ; -ष्टुटिभः माश्रौ १, ५, १, २४××; वाश्री; - ध्टुभः शांश्री १०, १२, ९; काश्री १७, १२, ६: ‡ श्रावधी १४, १९, १1;२६, २××; बौश्रौ; निस्१,४: १६××; ऋत्र ४, ४; बृदे ८, १०६; शुत्र ४, १३९; ५, ९××; या ७,१२: ४१, १५^२‡; ऋप्रा १६,६७; पि ३,६; उनिस्ट: ८××; – ज्डमम् आश्री १, ४,९××; शांश्री; पागृ २,३,८; माग्र १, २, ३; २२, १३‡; वाग्र ५, २६; उनिस् १: ५६; – ज्डमा आश्री ३, १२, २२××; आपश्री; – ज्डमाम् उनिस् ८: २१; – ज्डिम निस् २,११: १६; ५,३: ३३;३७;४: ६;७; – ज्डमे शांश्री १३, ५, ५‡; चापश्री; – ज्डमो वौश्री २,१९: ६: १४××; माश्री.

त्रैद्रभ^{b'1} -पा ४,१,८६: पाग ५, ४, ३८k; -भः आश्री ८, १२, १; शांत्री; शुत्र ५, ६४ ; ऋप्रा १८, २९; - भम् त्राश्री ४, १३, ७××; शांश्री; अश्र १, ९?1;१८^m; ऋपा १८, ६०: शौच ४, ८३ +; शैशि १४०: याशि १०५; उनिस् ४: ३०: ६ : २: - भाः शांश्री १४, ११,६; १६, ३०, २; उनिस्;. –भात् आश्री ५,१४,९;शांश्री९, २०,१०; -भानि आश्रौ ७,१३, २,८,८,३; शांश्री; -भाय शांश्री ९, २७, १4; -मे शांश्री ७, २६, ६; १७, ९, ५; ब्रापश्री; -भेन आश्री ६, ५, २; शांश्री; -मैः पि ३,१७; -भी ग्रश्र ४, 38xx.

त्रैब्दुभी- -भी निस् १,१ : २४; -भी: वैताश्री २९,८; -भीम् अप्राय २,९.

1) त्रि° इति पाठः ? यनि. शोधः । m) पाठः ? त्रिष्टुप् इति शोधः ।

a) आपश्री. हिश्री. ऋप्रा. पाठः । b) वैप १ द्र । c) पामे. वैप १, १५१९ ६ द्र. । d) = विश्वकर्म-गण- (तु. दारिलः [कौसू ७, ८]) । e) = स्क्त-विशेष- । f) समाहारे द्विस. g) विप. । बस. । g) विषी. पाठः । g) पामे. वैप १, १५१९ g1 है. । g2 विप. (पाद-, स्क-प्रमृ.) । g3 तु. पागम. ।

त्रैष्ट्रभ-जागत--तात् निसू ५, ९:५; -तानि ऋप्रा १८,६२; -ते शांश्री १८, ६,५; माश्रौ ४, २, २७; -तौ ऋप्रा १७,३८.

त्रैद्भ-जागत-चतु-व्क- -व्काः ऋत्र १,५,४; शुत्र 4,20.

त्रैष्ट्रभ-ता- -तया निस् १,१२:४.

त्रैष्ट्रभ-प(द>)दाव--दा ऋत्र १,९,१; शुत्र ५,६०. त्रैद्रभा(भ-श्र)नुगb--गम् पाशि ८.

त्रेष्ट्रभौ (भ-श्रौ) रिजह- -ही ऋग्र २,१,७९. त्रिष्दुक्-शब्द- -ब्दः भाशि

त्रिष्टुङ्-माध्यंदिन⁸- -नः बौधी १६,१०:६.

त्रिब्दुप् ह(<श)त- -तम् शांश्री १८,१९,१.

१त्रिप्दुप्-छन्दंस्- -न्दः जिश्रोका १४५.

२त्रिष्टुप्-छन्दस् - -न्दसः श्राश्री ५, १३, ६××; शांश्री; -न्दसा बौध्रौ २६, १५: ११××; द्राध्रौ; - चन्दाः शांध्रौ ६,८, ११; काभ्री; जैथ्री ११: 9 0 ? 0 . .

. त्रिष्टुप्-तृतीयसवन⁸- -नः बौध्रौ १६,१०:७. त्रिष्दुप्-त्व- -त्वम् या ७,

त्रिप्टुप्-प(र>)रा⁸- -रा

श्रश्च १,१४.

त्रिप्टुप्-पू (र्व>)र्वाº- -र्वे ऋत्र २,६,१६.

त्रिप्टुप्-प्रातःसवन⁸- -नः बौध्रौ १६,१०: ७; -ने बौध्रौ 28,94: 20.

त्रिप्टुप्-शक्वर्य(री-अ) न्त- -न्तम् ऋत्र २,१०,११५. त्रिष्टुप्-संपन्न- -न्नानि निस् ७,५: १८.

†त्रिप्टुब्-अनुष्टुभ्--ष्ट्रभी लाश्री ७, १३,१०; ग्रश्र २, ५१; -ष्टुब्भ्याम् शुश्र रे, 934.

त्रिष्टुबनुष्टुब्-ग(भ्>) भि--र्भा श्रद्य १२,१.

त्रिप्दुब्-अन्त- -न्तम् ऋष्र २,१,६४××; श्रश्न २०, ९४; -न्तस्य ऋश्र १,१२,१३; -न्ते ऋग्र २,९,४२.

त्रिष्टुब्-अ(त्या>)न्त्य⁸--स्यम् शुत्र ३,१३७.

त्रिष्टुब् आदि - - दि श्रश्र 20,58.

त्रिद्द्-उत्तम°- -मे आऔ 0,92,96.

त्रिष्टुब्-उत्तर⁸- -रः ऋपा १८,२८; -री ऋपा १८,३१. त्रिद्दुब्-उदिणग्-ग (भ्>) र्भा- -र्भा श्रश्च ८,८,

त्रिष्टुब्-ग(भे>)भांक--र्भा श्रश्र ९,१; १०,५;११; ११,१०; १४,२.

त्रिष्टुब्-गायत्री- - प्यौ शुश्र 8, ६७.

त्रिष्टुब्-जगती- -तीः निस् ५,९:९; -तीनाम् शांश्री ७, २६,४; -तीभ्यः आश्रौ ६, ५, १६; -स्योः लाश्रौ ७,१३,१५; उनिस् १: ५९; -खौ शांश्रौ ७, २७, ३०; ऋप्रा १८, ५९; उनिसू १: ५४; ७: ३३.

त्रिष्दुब्-बृहती-ग (भे>) र्भा - भी श्रश्न १२,१.

त्रिप्दुव् बृहत्य (ती-श्र) नुष्टुब्-अन्त- -न्तम् श्रम २, Ę, Ęo.

त्रिष्टुब्-व(त्>)ती- -ती द्याश्री २,१४,२०.

त्रिष्टुब्-विराज्- -राजोः शांश्रौ ७,२७,२२.

त्रिष्टुब्-विराब्-जगती- -त्यः 羽 2,4,9.

त्रिष्टुम्-मध्य°- •ध्यम् ऋष 2,90,958. त्रि-ष्टो(<स्तो)म^व- -मः श्रापश्री १८,२२,१८; २२, २४, २ : -मम् बौश्रौ २६, १४: १०; १४; -मानि शांश्री १६ २२,८; -मेन शांश्री १४, ५१, 7: 24, 96,90.

त्रिष्टोम-ज्योतिष्टोम- -मी काश्री १५,९, २०. त्रि-(स्थ>)४- पा. ८,३,९७. त्रिस् (:)d आश्रौ १,२,१९××; शांत्री; आपश्री ७, ११,५°; वाष २०,२८ ; आवध १, २४,२९ ; हिंध १, ६,६९; या ३, २१७; ७,१२; त्रिःऽत्रिः भाश्रौ २, २, ११; शांथी.

c) ॰ देति (=॰ दाः इति) इत्यत्र सन्धरार्वः (तु. तोता b) विप. 1 उस. 1 e) तु. पृ १२०७ h द्र. । f) सप्र. गीध २२, ७ प्यवरम् इति, मनुः ११, a) विप. । बस. । d) वैप १ इ. । 2,4,93)1 ८० त्रिवारम् इति च पामे.।

त्रि:-प्राय*- -यम् आपध २, १७,१४; हिघ २,५,४२.

त्रि:-प्लक्ष⁰— -क्षम् श्रापश्री २३.१३.१४°.

त्रिर्-मभ्यास*- -साः माश्रौ २,१,३,१९‡.

त्रिर्-आणद^{20d}- - वस् याशि

त्रिर्-उपसत्क*- -रकः माश्रौ ४.३.४९.

त्रिर्-उपेत- -तः निस् २,

†श्रिर्-एकादश^e - -०शाः आपश्रौ ४, ४, १; १६, १, ३; बौश्रौ ३,२७:३२; भाशौ ४, ४,३: हिश्रौ ११,१,६.

त्रिर्-वचन⁸- -नस्य माश्री ५,१,३,१३.

त्रि:-ग्र(क्र>)हा*- -हया औस २९,१२.

त्रि:-इवे (त>)ता- -तया शांगृ १,२२,८¹.

त्रिस-ताब,वाह- पा ५, ४, ८४; -वः आपथी २०, ९, १; बौधी २६,१०: ७; आपशु २१, १०†; बौग्रु २१: १३†; हिग्रु ६,६८†; -वा वाधी ३, ४, १, ५३: हिधी १४,६,१६.

ब्रि:-सप्त^e- -सै: श्रापगृ ९, ५; गोगृ २,६,६.

त्रि:सप्तन्->त्रि:सप्त-

कृत्वस् (:) शंध १७९; वीघ १, ५, ४२; काघ २७८: ३.

त्रिःसस-पुरुष- -षैः श्रप ११,२,४.

त्रिःसप्त-मार्जन- -नात् शैध १६५.

त्रिः-स्नाना(न-श्र)क्षार-भोजन- -नम् श्राप ३८,३,३. त्रि-संयुक्त- -क्तेन माश्री ५, २, ७,१६. १त्रि-सं,,सं¹ विस्तरं - रम् शांश्री १३,२८,४¹; हिश्री १८,

४,६५¹; लाधौ १०,२०,१३. २त्रि-संवत्सर—-रम् वैध १,३,५. त्रि-सं(स्था>)स्थ⁸—-स्थौ शांशौ १४,४२,१७.

त्रि-सङ्गम− -मे ऋप्रा ११,१८. त्रि-सत्ता– -त्तायाम् कौस् १४१, ३७.

त्रि-स (न्था>)न्थ्य- न्थ्यम् कौगृ ३, ९,४; शांगृ ४, ७, ४; पागृ.

त्रि-सप्तति- -तिः काशु ७, २८; ३६.

त्रि-सप्तन्^k- -स भाशि ९४. त्रिसप्त-क¹- -कम बौध ४.

५,१६. त्रि-सताह- -हात् विधं १४,४. त्रि-सहस्र- -सम् वाश्री ३, ४, ३,४५.

त्रिसहस्र-युक्त- -क्तम् ऋत्र

₹,४५.

त्रि-सांवरसरिक™- -कम् बृदे ५,. ९७.

त्रि-सागरा(र-श्रन्त>)न्ता--न्ता श्रव २४,५,२. १त्रि-सपर्णे- -र्णम् वाध २८..

१४; शंघ १०५; विघ ५६,२३. २त्रिसुपर्ण°— -र्णः वाघ ३,

१९; श्रावध २, १७, २२; बौध २,८, २; विध ८३, १६; हिष २,५,५०; गौध १५,२८.

त्रिसुपर्णिन् - - णी ऋप ४४, २,४; शंध १९९.

त्रिसीपर्ण^p - र्णः शंघ २००. त्रि-सूक्त^a - कः ऋग्र ३,१५. त्रि-स्तन^b - नम् काश्री ८, ३, १; श्रापश्री; -नानि श्रापश्री १६,३५,१०; वैश्री.

त्रिस्तन-द्विस्तन- -ने माश्री २,२,१,४९.

त्रिस्तन-द्विस्तने (न-ए)-कस्तन-व्रत- न्तस्य बौश्रौ १८, ३२: १३; २६,३२: २३.

त्रिस्तन-वत - तम् बौशौ
६,१०:१०;२१:२३‡; २४;
२४;१०,१९:१३;२३:४;५:१त्रि-स्थान->°ना(न-श्र)धिछि(त>)ता- ताम् वृदे ८,९९:२त्रि-स्थान,ना⁸- नः ग्रुत्र २, ३११; या ९, २५; -नम् वृदे १,६५; श्रीति ३५२; नाम्,

a) विष. । वस. । b) समाहारे द्विस. । c) सप्त. तां २५,१३,४ त्रिष्ठक्षान् इति पामे. । d) उप. = अगु-पिरमाणः । e) वैष १ द्र. । f) पामे. पृ १२०९ ८ टि. द्र. । g) विष. (वेदि-, श्रिन-)। h) शांश्रां. पाठः । i) विष. । तद्वितार्थे द्विस. । निर्वृतेऽर्थे अण् प्र. उप. वृद्धिविभाषया उसं. (पा ७,३,१५)। j) पामे. पृ १२०९ ४ टि. द्र. । k) ग्राम्याः (ते ६, १,८,१) इति प्रकरणे त्रयः सप्त-शब्दा इति भावः । f) विष. । तेनिर्वृत्तीयः कन् प्र. उसं. (पा ५,१,९०)। m) = १त्रि-संवत्सर- । उप. ठस् प्र. (पा ५,१,७९) इति विशेषः । n) वैष २,३सं. द्र. । o) नाप. (ऋ १०,११४,३-५ इति सुपर्णशब्दोपेतम्त्रत्रयाध्यायन-) । अभ्ययनार्थायस्य प्र. लुक् । p) तद्यति तद्वेदेत्यर्थे अण् प्र. उप. वृद्धिश्वः ।

निस् ७,२:६; ८,६:९. न्नि-स्वर- पावाग ५,१,१२४. त्रैस्वर्य- पावा ५, १, १२४;

-र्यम् माशि ६, १; याशि २, २९; नाशि २,५,२.

न्नैस्वर्यो(र्य-उ)पनय- -येन श्राशि ६,२.

त्रि-हलिका-प्राम®- -मे विध 64,28b.

त्रि-हविस्c- -विः श्राश्री २,१४, ६; शांश्री; -विष: माश्री ५.१. १. ३३: -विषम् आपश्री १६, ८,११; १८, २१, १६; बौध्रो; -विषा, श्रापश्री २०, ८, ११; माध्रौ ५,१,५,१८××; -विषाम् माश्री ५,२,६,२०.

त्रिहविष-(क>)का^c--कया काश्रौसं ३ : ३.

त्रि-हस्त- -स्तः काशु ७,२. १त्रि-हायण^d - - जम् वाश्रौ ३, ४,१,१४; विध ५०, ३९; -णेन बौधौ २६.३२: १२.

त्रिहायणी- पावा ४,१,२७; -जी हिथ्री ७, २, १६; -जीम् माश्री ५, २, १०, २; -ण्यः काश्री २२, ९, १३; -ण्याः कौसू १२,८; काशु ७,२३.

त्रिहायणी-बाल^e- -लाः

काशु ७,२४. २त्रि-हायण->त्रैहायण'--णात् शौच ४,८३.

त्रि-हायन- -नाः वाश्री ३,४,३, १८: -नेन काश्रीसं २७: १४. त्री(त्रि-इडा>)ड⁸- -डम् चुस् 2.0: 30. त्रीणि-प्रमृतिh- -तिभिः कौस् ८१. ४9.

त्री(त्रि-इ)पु⁸--पु शांश्री३,२,७. त्रीपु-क⁸- -कम् काश्री २५. 8,84.

त्रे(त्रि-एत>)णी'- -णीम् बौंश्रौ ५, १:३;५:२;१०: २:१८: २: -ण्या काश्री ५,२, १५; बौश्रौ ५, ४: २४××; भाश्री; आप्तिय २,१,२:९१1. त्रेता'- -ता शांश्री१५,१९,१‡ ; वाधुश्री ४,५९ : ४ ; विध २०, ८k: -तायाम् शंघ१३८1.

त्रेता-कलि-च्छन्दस--न्दांसि निस् १,६:४.

त्रेता-स्तोम- -माः निस् १. 9: 6: 94.90.

त्रेता-स्थान- -नम् निस् १,

£ : 4. त्रेघा शांधी १२, १६, १६; काश्री ५,१,१९; त्रापश्री; या U. ₹ ८+; १२, 9८+\$; १३,9; पा ५.३,४६. इयं(त्रि-श्रं)श^m- -शःⁿ वेज्यो २७°; -शम् वाध १७,४८. ज्य(त्रि-अ)को(क्त-अ)दुम्बर-समिध- -मिधः अप ३६, 20,9. १ च्य(त्रि-श्र)क्षर^p- -रम् निस् ३,४: ७: -राणाम् निस् १,६: २१: -राणि निस् २,१२: ३३; -रेण आभिगृ २,४,१२:४.

ज्यक्षर-णि(<िन)धन⁸− -नम् निस् ६,८: १९.

ज्यक्षर-प्रभृति- -तीनाम् ऋत ५,२,५.

ज्यक्षरा(र-श्रन्त>)न्ता8--न्ताः ऋप्रा २,५५. २ इय (त्रि-म्र)क्षर, राष- -रम् वाध्यौ ४, १००: ५; लाश्रौ; -राः निस् २,१२: ३२; -राणि लाश्री ७, ७, ७; -रेण वाध्रशी 8,900: 33.

व्य(त्रि-श्र)ङ्ग^व- -ङ्गाणाम् बीधौ 8. 9: 4: 24, 37: 4; 96; भाश्री ७,१९,४; माश्री १,८,५, १९; मागृ २, ४, ११; तैप्रा ७, १० +; -क्नाणि भाश्री ७,१९,४; हिथ्री ९,८,३९; -क्नानि आपथ्री १४,७,८; बौधी ४,८ : ६; कौसू ४५, ४‡; -क्रेषु आपश्रौ २०, १८, १३; -के: मीस् १०, 0,99.

त्रयङ्ग-वत् मीस् १०,७,१२. इय(त्रि-अ)ङ्गल ला^т - लम् काश्री ६, १, २८××; आपश्री ७, ३, ६; ८, ५, १०^६; बौध्रौ; -लाम् आपधी २, २,७¹; हिधी

c) विप.>नाप. (इष्टि-विशेष- वितु. Mw. विप. b) °काश्रमे इति जीसं.। a) =तीर्थ-विशेष-। इति।) । बस. । d) विप. । तदितार्थे द्विस. णत्वम् उसं. (पावा ४,१,२७) । e) उप. = केश-। f) वैप १ द्र. । g) विप. । बस. । h) पूप. त्रीणि (शौ १८,१,१७)। i) = ज्येणी- । परस्पम् उसं. (पावा ६,१,९४)। j) त्रै॰ इति पाठः? यनि. शोधः : k) =युग-विशेष-। l) =श्चिन-। m) समाहारे द्विस. (तु. विध १८, n) कस. पूप. = तृनीय-। o) श्री इति कासं. । p) कस. वा द्विस. वा । 3)1 =दिच्चिग-दोस्-, सव्या-श्रोणि-, गुद-।तु. भाश्रौ ७,९९,४ प्रमृ.।। т) विप.। तदितार्थे द्विस.। पाप्र. (५,४,८६) तु °िल- + समासान्तः अच् प्र. । ৪) क्रचित् वा. क्रिवि.। t) सप्र. ॰लम् <> ॰लाम् इति पार्भे.।

१,६,९४; जैगृ २,३: ११; -छे बौश्री ९, ३:१८४४; वैश्रौ; -छेन वैश्री १०,७: १२; हिश्रौ ४,२,३८४४.

ज्यङ्गुल-खा(त>)ता--ताम् काश्री २,६,१.

त्र्य(त्रि-श्र) ङ्गुलि°->°लि-नि-(न्र>)म्ना- -म्ना वैश्रौ ११,८ :

४. इय(त्रि-अ)हुष्ट^b - - ष्टम् कप्र १,

ज्य(त्रि-श्र)धिक,का° - -का ऋश्र २,१,९१××; श्रश्न १८, ३; अपं ध:३४; वेज्यो ३८; -कात् ऋपंध:४०; -केषु बौध १,२,

.. च्या(त्रि-म्र) नीक, का^d — -का भ्रापथ्री २१, १४, ४; २२, ९^e; —काः हिश्री १६,२,१२;७,२२^e; —कान् बौध्री २६, १६:१८; —काम् भ्रापथ्री २१,१४,१;२२, ७; हिश्री १६,७,१६; —कायाम् मीस् १०,५,७७.

ज्यनीका-प्रवृत्ति - न्तिः मीस् १०, ५,८३¹. ज्य (त्र-श्र)नुतोद्द^{8¹h} - -दम् निस् ३,१२:११;१६². ज्य(त्रि-श्र)नुवाका(क-श्र)न्त --न्ते काश्री १८,१,२. ज्य (त्र-श्र)नुष्ठ्य् - अन्त --न्तम् ऋग्र २,२,३२. ज्य(त्र-श्र)नुष्ठ्य् -ग(भे>) मी - भी श्रिश्र १०,९. इय(त्रि-स्र)नृयाज⁸-श्चापश्ची ८.२०,७. इय(त्रि-म्र)न्तर⁸- -रः द्राश्री ३, ४, ८1; -रम् नाशि १, १, ३; -रेण लाश्री १,११,२७1. ब्यु(त्रि-त्र)पक्रम- -सम् वैश्रौ 8,4:3. इय(त्रि-अ)ब्द- -ब्दात् कप्र १, €. 6. इय(त्रि-श्र)भिक्रम- -मे ऋप्रा ११,२६. इय(त्रि-श्र)भिष्ठव - - वम् काश्रौ 28,2,20. इय(त्रि-श्र)म्बक¹- -कः या १४,३२; - एकम् काश्री ५,१०, १३^k; त्रापधी ८,१८,२^k; ३^k; ४k; बौथ्रौ ५, १६: १४; १९k; २३^k; भाश्री ८, २१,९^k;१०^k; वाश्री १, ७,४, ७१ ; वैश्री ९, 99: ७k; हिश्रौ ५, ५, १५k; १८k; द्राश्री १३,२,१३;३,३^{२k}; लाश्री ५,३,५; ७ ; वंताश्री ९, १९k; कागृ २५ ३७^{२k}; मागृ २,३,५; वैगृ ३,१७:५ %;४, ९: ५k; बृदे ६,३\$;शुत्र १,२२४k; या १४,३२**०** ; उस् ८,३५ ; शैशि ३२९k; -कस्य श्रप ३१, २,३; ५२,१५,५; -कात् शांध्रौ १४, १०,२१1; -कान्" श्राश्री २,१९, ३७; शांश्री ३,१७,१०; बौश्रौ १४, ८: ६; वाश्रौ १,७, ४, १३; १५; तैप्रा ६, १४‡; -काय गौध २६,१२; -कै: वाश्रौ १,७,४,५९m.

१त्रैयम्बक — - कम् वैताश्रौ ९, १८; -काः बौश्रौ २५,३: १५; हिश्रौ १४,३,१८; द्राश्रौ १३,२,१०; लाश्रौ ५,१६: १०; १८; २१,५: १९; २७; २८,३: १८‡; -कान् काश्रौ ५,१०,१; श्रापश्रौ २०,१४, १३‡; बौश्रौ ५,१६: २‡; वैश्रौ ९,१०: ९; हिश्रौ ५,५,१; -केः श्रापश्रौ २२,८,२०; काश्रौसं २९: १०; बौश्रौ १५,

इयम्बक-वत् काश्री १५,२,३. इय(त्रि-श्र)रिकि^b— - जिः काश्री ६,१,२४; श्रापश्री ७, २, १०; बौश्री २४,३५:०; माश्री ७,२, ०; हिश्री ४, १, २९; - जिम् काश्री २,६,१; हिश्री ४,१,४०; - ज्ञी वैश्री १०, २:६; कौसू ४५,१.

े ज्यरिल-विस्तार— -रम् ज्ञापश्रौ ११,८,१; वैश्रौ १४,६: १२.

डय(त्रि-श्र)रुण°— -णः बृदे ५, १४;३१; -णाय बीए ३, ९, ५; भाग ३, १०: ७; हिए २, १५,६.

ज्यरुण-त्रसदस्यु - स्यू ऋश्र २,५, २७; ९, ११०, श्रुश्र ३, १०; साश्र १,४३२; २,८५६.

a) पाप्र. समासान्तस्य प्र. श्रभावः । b) विप. । तद्धितार्थे द्विस. । c) विप. । यस. वा तृस. वा । d) नाप.(द्वादशाहे नवाहसंज्ञाविशेष-) समाहारे द्विस. । e) सप्र. °का <> °काः इति पाभे. । f) °कापरि॰ इति जीसे. । g) विप. । यस. । h) उप. = श्रभ्यास- (तृ. सा । तां ८,९,९३।) । i) परस्परं पासे. । j) वप्रा. । वैप १ . १. १ पाभे वैप १,९५२ हो. । e0 विप. । e1 विशेष- । e2 विप. । e3 विप. । e4 १,९५२ हो. । e5 विप. । शिष्टं वैप १ द्व. । e7 विप. । e8 विप. । e7 विप. । e8 विप. । e9 विप.

व्य(त्रि-अ)वदात- -तान् जैगृ २, 9:8: ज्य(त्रि-अ)वम°- -मान् बौश्रौ E. 38: 4. व्य(त्रि-श्र)वर,रा^{b/c}- -रम् गौध २२.७^d; -राः वैश्रो ३, ३ : ५; द्रागृ ४, ३, ५; -रान् वैधी ३, ३ : ४; १५, ६ : २; आपगृ २१.२; वैगृ ४,३ : ४; बौध २, ٤.٤. इय(त्रि-त्र)वरार्ध, र्धाa- -र्धम् कौस १, १७; -र्धाः हिश्रौ ८, १,६०; -धीन वैश्री १०, १: १२; शांगृ ४, १,२. त्र्य (त्र-त्र)वराध्यं a'0- -ध्यः बौश्रो २८,३: ९; -ध्यम् श्रापश्रौ ३,१६,९; हिश्री २, ६,५०; ५, ६,१३; श्रापगृ २१, ९; -ध्र्याः लाश्री १,११, २४°; गोगृ ४,८, १७; कौसू ६७, ३; -ध्यान् हिश्री ४, १, १३; कीय ३, 98.3. ज्य(त्रि-श्र)वसा(न>)नाª--ना शुत्र १, २०९××; श्रश्र; -नाः शत्र १, १८७; २, ४८; श्रत्र १०,५××; -नाम् शुत्र १, ५४१: -ने शुत्र १, २३१; २, ४०२; अत्र ११, ९; १२, १रे; 23.3: 29.39. ्र्मेड्य(श्चि-श्च)वि^b- -त्रयः वाश्ची ३,४,३,१८; -विः श्रापश्रौ १७, १.८ वौश्री १०, ३५: १७;

३८: १७1; १४, २२: १७;

माश्री ६,२,५,२६8; वैश्री १९, २: ११'; हिंथी १२,१,६'. त्र्यवी- -वी माश्रौ ६, २, 4. 2 E b. ज्य(त्रि-म्र)शीति- -तिः श्रपं ४ : 99. व्य(त्रि-त्र)श्र- -श्रम् श्रापशु 20,941. ज्य(त्रि-अ)श्रि°− -श्रि हिशु ६, ५५1; -श्रिः हिश्रौ १२,८,१५. प्य(त्रि-अ)ष्ट(का>)क⁸- -कः गोगृ ३,१०,५. व्य (त्रि-त्र)ष्ट-सूक्त- -कः ऋत्र 3.39. ज्य(त्रि-य) शिका-योग!- -गेन वैग ५.२: १५k. इय(त्रि-म्र)सि"- -सि¹ काशु €, 01. - ज्य(त्रि-अ)ह^m- -हः आश्री ९,-२.१३: ११.३,८: शांश्री; -हम् शांश्री २, ३, १४; श्रापश्री; -हम्ऽ-हम् श्रापश्रौ २१, ४, १४; कागृ ६, ४; बौध ४,५,६; ८: १०: -हयोः निस् ५,२:9; -हस्य शांश्रो १०,५,७××; निस् ७,३:१३××; -हाः श्राश्रौ ९,१, ८; १०,२,१४; काश्री; -हाणाम् बाश्री ९, १, ५; क्षसू ३, १३: २: -हाणि श्रप ७०, २, १; -हात् आश्री ८, ७, १५; ९, १,९; शांश्री; -हान् आपध १, २९, १७; बौध २, १, ४८; ४, ५, ९; हिध १, ७, ७४; -हे श्राश्री ८,८,१; ९,१,९; ११, ३.८: शांथी: -हेण बीश्री १८, २३ : १२; वाघ २, २७; -ही निस् ८,१२: २;९. व्यह-क्ल्स- -से आश्री ८, ज्यह-तन्त्र- न्त्रे निस् ५, 99:90. व्यद्व-तृतीय- -यानि काश्री 28,0,93. इयह-द्वितीय- -यानि काश्रौ 28,0,93. ज्यह-प्रथम- नानि काश्रौ 28.0,92. व्यह-भाग- -गात् निस् ३, 6:34. ज्यह-वत् वैताश्री ३३,४. ज्यह-वत- -तम् आप्रिय १, १.४ : २९: हिए १,८,१. ज्यह-शस् (ः) जुस् ३,१३ ः पः ७; निस् ३,६ : ४१ª. व्यहा(ह-म्र)भ्यन्तर- -रे वैगृ ६,१५: ८. ज्यहा(ह-म्र)भ्यस्त- -स्तम् शंध ४४५; -स्तैः विध ४६, ज्यहा(ह-म्र)र्थ- -र्थे म्राभौ ११,१,११; शांश्री १३,१५,६; काश्री २४,१,९; निस् ९,१०:८. इयहो(ह-उ)पक्रम- -मात् निसू ४,१३:२४. त्रयहो(ह-उ)पजन^a- -नः आश्री ११,२,१२; -नम् आश्री

b) वैप १ इ.। c) क्रचित् वा. क्रिवि.। d) पांभे. पृ १२११ ई.। a) विप. । बस. । g) पामे. वैप १. e) सपा. द्राश्री ३,४,९ चतुरव° इति पामे.। f) पामे. वैप १, १५१५ w द्र.। १५९५ x इ.। h) पामे. वैप १,९५९६ ६ इ.। i) सपा. अम् <> अम् <> िस्त इति पामे.। j) कस. >षस. पूप. इकारलोपः। k) त्रि-यष्टि° इति मूको. C. च। l) 'त्रिः इति पाठः ? यनि. शोधः।

m) वैप १,१०३६ k इ.। n) °हःशः इति पाठः ? यनि. शोधः । CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

११,२,9३. इय(त्रि-श्र)हन्°- -हानि हिश्रौ 20.4.29. प्रवहीनb- नः लाधौ ८, ४, इत्रा(त्रि-श्रा)युष°− पा ५,४, ७७; - +वम् काश्रौ ५,२,१६; बौश्रौ. ज्या(त्रि-आ)चेंय d- -यः श्रापश्री २४,६,२××; बौश्रौ; वैध ४,८, ४°: -यम् श्रापश्रौ २४, ५, १३××; हिश्रौ; -याणाम् वौश्रौप्र ३१: २. इयार्चेय-संनिपात- -ते बौश्रौप्र डया(त्रि-श्रा)लिखि(त>)ता°-·ताः काश्रौ १६,४,६; श्रापश्रौ; -ताम् काश्री १६,३,२१;४,२४; श्चापश्री. ज्या(त्रि-धा)वृत् -> वृत्-पुरोडाश-शकल- -लानि जैश्री १८: 94. ज्या(त्रि·श्रा)वृत्त- -त्तः वौश्रौ २६,१६ : ९. ज्या(त्रि-आ)श्रम->°म्य¹--म्यम् वैध १,९,८. इयु(त्रि-उ)त्तर- -राः निस् १,९ : इथुत्तरी√भू>इथुत्तरी-भाव- -वेन लाश्री ६,५,१७. इयु(त्रि-उ)द्य^व— -यः बौश्रौ २६, ।

96: 5. त्र्य(त्रि-उ)दि°- -दिः वौश्रौ १०, ५: १६; - द्विम् श्रापश्रौ १५, २, १४; १६, ४, ७; बौश्रौ १०,५: १५; माध्री ११,२,२३; माश्रौ ६,१, २, ६; वाश्रौ २,१, १, ३६; वैश्रौ १८, १: ७०; हिश्री ११.१, ५१; २४,१,१५; -द्वीन् वैश्रौ १३,३: १२; -द्वौ श्चापश्री ५,२२, ६; माश्री १,५, ६,५; ४,१,१७; वाश्रो १,४,४, २८; हिश्री ३,५,१७. इयु(त्रि-उ)क्तत° - -तम् वाध्रशौ ४,९०: १५; -ते वाध्यौ ४, 90:98. इयु(त्रि-उ)परिष्टाद्बृहत्या(ती-ग्रा)दि- -दयः ऋत्र २, ७,५५. इयु(त्रि-उ)पसत्क^d - त्कः काश्रौ ९, २, ३७; लाश्रो ८, ५, १९; -त्कम् बौधौ २५, २७: १; २; १३;२८: १; - स्के काश्री १७, ७,६; श्रापश्री १५,१२,५; भाश्री ११,१२,५; हिश्रौ २४,५,६. इय्(त्रि-उ) दिणग्-अनुद्रुव्-अन्त- -न्तम् ऋग्र २,६,५१. इयु(त्रि-उ) व्णिग्-आदि- -दि 邪羽 2,4,80;06. व्यू (त्रि-ऊ)न,ना- -नम् ऋत्र ३, ४०; चव्यू १: १२; -ना ऋग्र २,२,२७;३,३२; ५,४३;५२;६, 42,90, ६३.

व्यु (त्रि-ऋ)च- -चम् शुष्र १. १९१;१९४;१९५; २१९; -चेन वाश्रौ १, ६, ६, १३; भागृ २, 26:98. ज्य(त्रि-ऋ)तु d- -तुः या ४,२७ च्ये(त्रि-ए)क⁸- -केण आश्री ९ 4.93. च्ये (त्रि-एत>)णीb- -ण्या काश्री ५,२,१५1; श्रापश्री ८,४, १; त्राय १,१४,४; पाय १,१५, 8:2,9,90. १त्रि-क- त्रि-इ. रित्रक- (> त्रिकिक- पा.) पाग 8,2,60. त्रि-ककुद्- प्रमृ. त्र- द्र-√त्रिङ्ख् पाधा, भ्वा, पर, गती, त्रि-चक्र- प्रसृ. त्रि- इ. श्तित्वशुमृदुसुखान् ¹ वाश्री ३, ३, 2,39. त्रि-दक्षिण- प्रमृ. त्रि- इ. श्तिद्शानुपरिक्षिणः वाश्री ३, ४, 9,39. त्रि-दिव- प्रमृ. त्रि- इ. ?त्रिपाण¹- -णम् काश्री १५,५,९. त्रि-पाद्- प्रमृ. त्रि- इ. १त्रिरुजाहुः अप १,६,१०. त्रि-रूप- प्रमृ. त्रि- इ. श्तिषतम् ™ वाश्रौ ३,२,५,४७. त्रि-पत्य- प्रमृ. त्रि- इ. १त्रिपि अप ४८,२ . त्रि-ष्टुभ्- प्रमृ. त्रि- इ.

a) कस. उप. समासान्ताऽभावः । b) तदितार्थे द्विस. । निर्वृतेऽर्थे ख>ईनः प्र. (पा ५,१,८७)।
c) वैप १ द्र. । d) विप. । वस. । e) उत्तरेण समस्त इव पाठः कोष्यः (तु. उत्तरं स्थलम्)। f) स्वार्थे ध्यव्य्
प्र. वृद्धपमावश्चा g) = एकाइ- धाग-]। h) = त्रेणी-। वैप २,३खं. द्र. । i) त्रे ३ इति चौसं. । j) पाठः १
प्रति वृद्धपुस्तान् इति त्रिपदः कोषः संभाव्यते (तु. श्रंशतः सप्र. श्रापश्रौ १८,१४,११; सा. [तै. पृ १२२०] च)।
k) पाठः १ त्रिशतान् उपरक्षिणः इति कोषः (तु. सप्र. श्रापश्रौ २०, ५, १०-१४)। l) विप. । स्यु. १ उस. उप.
<√पा [पाने] इति ककिविद्याधरी, वावि. <ित्र-पर्णी- इति MW. । m) पाठः १ त्रिः॰ इति संस्कर्तुः टि., सप्र.
काश्रौ १३,३,१५ त्रिः समन्तम् इति पाठः ।

/ब्रट् ^a पाधा. तुदा. पर., चुरा. श्रात्म. छेदने.

ब्रिटि^b- -टिः श्राज**ो १, ४; -टीनाम्** श्राज्यो १,५.

√त्रुप्,म्प्, त्रुफ्, म्फ् पाधा. भ्या. पर. हिंसायाम्.

न्नेता- प्रमृ. त्रि-इ.

√त्रे° पाधा. भ्या. श्रात्म. वाध; पालने, त्रायते बौगृ ३, २, ६३; त्रायन्ते विध २०, ४५; †त्रायसे ञापमं २, १७, ३; आगृ २, १, १०; मागृ २, १६, ३; त्रायध्वे ऋग्र २, ७, ५९+; †त्रायताम् त्रापथ्रो १०,८,९; १६, १९,१; वैश्री १८, १६: १०१व; हिश्री; †ज्ञायन्ताम् बृदे ८, ५०; श्रश्र ८,७; †त्रायस्य त्रापश्री ६,११, ३××; बौध्रौ; कौसू ४७, १६?0; †त्रायेथाम् त्रापश्रौ ७, १४,११; बौधौ.

त्राति वाध ३०,६; त्राहि अप ७, १,२; त्राध्वम् ऋप्रा १८, २१ ‡; पावा ६,१,४५.

१त्राण- -णम् त्रापमं २, १७,३; त्रापध २, २७,११; हिध २, ५, २३; या ५,२५.

२त्राण- पा ८,२,५६.

२त्रात- पा ८, २, ५६; - ‡तः आपधी ४,१०,१; वाधी १,१, ३,६१1; हिथ्री ६,४,४२.

त्रातम् यप ७,१,४; विध १०,११; ११,१२; १२,८; १३,७.

†त्रातृ- -०तः ऋपा १, १०१; ४, त्रियाहायक- त्र्याहाव- इ. ५२; -ता आश्री २, १०, ३; त्रेरात्रिक- प्रमृ. त्रि- द्र. शांध्रौ; -तारः वाध १७, २५; ब्रोटि- पाउभी २,१,१६३. -तारम् आश्री २, १०, ४; ६, ९,५; बौध्रौ; -तुः ऋषध्रौ ४, १०,१; वाथी १,१,३,६; हिथी ६, ४, ४२; - \$ त्रे आपश्री ३, १५. ७;बौश्रौ १३,१२ : ६. त्रायक- -कः वैध ३,१५,१३. त्रायमाण,णा"- - †णः शांश्री ६,१०, १०; १५,८, १९; अप ४,४,१;

-णम् अप ४, १, ८‡; -णस्य चात्र ३०: ७; -णा बौश्रौ १७, ४१ : ७ ‡; श्रापमं २, ७, २५; पागृ १, १३, १; वैगृ ६३ : ५; त्राप्तिगृ १,३,४: १+; भागृ २, २१ : ३+; +िह्य १, १०, ६; ११, ३; - 🕶 णाँगे अप ३२, १, १८; श्रत्र ६, १०७; त्रपं २: ५७;

त्रोत्र- पाउ ४,१७३.

−णे श्रप ४,५,८[†].

त्रेंश- प्रभु., १त्रैत- त्रि- द्र. २त्रैतh- -तम् बौश्रौ २४,३९: १ मा; -तानाम् श्रापधौ २०, २३, १; माध्रौ ५, २,१०,६; हिश्रौ १४, 4,993.

त्रेतन¹- -नः वृदे ४,२२.

त्रैधातची- प्रमृ., १त्रैयम्बक- त्रि- इ. र्त्रेयम्यक^k− -कम् कप्र ३,९,१८.

त्रैयम्बक-प्रमाण1- -णान् गोगृ३,१०, 93.

त्रेयहचक- त्र्यहब- द्र.

त्रोत्र- √त्रै इ. √त्रीक् पाधा. भ्वा. श्वातम. गती. इयंश- प्रमृ. त्रि- इ.

इयस्र[™]- (>इय [,इयाⁿ]क्षायण⁰-> °यणभक्त- पा.) पाग ४,२,५४.

ज्यम्ब्(क>)का^p- -का जैगृ १,३:२. इयरित- प्रमृ. त्रि-इ.

इयहच्व-(>त्रैयहचक- पा.) पाग ध, 2,920.

इयायण-(>°ण-भक्त-)त्र्यक्ष- टि.इ. डयायुष- प्रमृ. त्रि- इ.

ज्याहाच- (>त्रैयाहाचक-) ज्यहक-टि. इ.

इयुत्तर- प्रमृ. त्रि- इ.

१त्व-> त्व-शब्द- -ब्दे उनिसू २: 93.

२त्व- त्वद्- द्र.

३त्व- युष्मद्- इ.

√त्वद्ग¹ पाधा. भ्या. पर. तनू-करणे.

> †स्वक्षस् 1- -चः अप ४८, १०३; निघ २,९.

?विष्टि¹->† ?व (ष्टि>)ष्टी-म (त्>)ती1- -ती8 आपश्री १०, २३, ७; १५,८,१७; बौश्रौ ६, १३: १२; ९, ८: २२; भाश्री ११,८,२२; वैश्रो १२, १७: ६; १३,१०: २१; हिथ्री २४,३,७. स्बच्द्र!- पाउ २, ९५; पावा ३, २,

a) पा ३, १,७० परामृष्टः इ. । b)=काल-विशेष-, परिमाण-विशेष-। व्युः ! । c) पा १,४,२५ d) ताय° इति पाठः ? यनि, शोवः । e) त्रयस्य इति पाठः ? यनि, शोवः । f) त्राता इति परामृष्टः इ.। पाठः थित. शो यः (तु. स्राय्यौ.) । g) वैप १ निर्दिष्टयोः समावेशः द्र. । h) वैप १ परि. द्र. । i) त्रे॰ इति पाठः १ यनि. ज्ञोधः ।तु. सप्र. तै २,१,१,६। j) वैप १ द्र. । k) = करतल- । ℓ) विप. । यस. । m) तु. पागम.। n) तु. भारङा. प्रमृ.। o) त्र्यायण— इति पाका.। p)= मित्तका-विशेष-। ब्यु. ceil। q) तु. पासि. ceilव्याहाब – इति भागडा. प्रमृ. । r) बृदे ३,१६ या ८, १३ परामृष्टः द्र. । s) पाभे. वैप १, १५२६ ८ द्र. ।

१३५; - ‡०ष्टः श्राश्रौ ३,८,१; शांथ्री; -ष्टा श्राध्री २, ११,२; ३+: ४+××; शांश्री; या ६, 98+; 39+; C, 98 \$ 6, ३३; ३४‡; १२,११‡; - धारम् ब्राश्रौ १, १०, ४××; शांश्रौ; या ८, १४५; - १६दुः श्रापश्री १६, २७, ११; बौश्रौ; या ४, २५;८,१५; - ज्हा बौधौ८,१४: २४ ‡; २५, २३: १३; वंथ्रौ; या १०, २७; श्रप्रा ३,२,२६‡; -ब्ट्रे शांश्री १५,१४,४; आपश्री. त्वाप्ट्*- -प्टः काश्रौ ५, १२, ३; ८,९,१; बौश्रो; -प्टम् शांध्रौ १३,४,१; १४, ५०, १; काथी; -प्ट्स्य बौथी २३, १४: १२; १४; १७; अशां ६, ४; -प्टाः ग्रापश्रौ २०, २२, १३; हिथ्री १४, ५, ९; साम्र १,७१; -ष्ट्रान् बौध्रौ १५,३७:८; -च्टे त्रप ३१,५,२; विध ७८, १९; -प्ट्रेण आश्री ६,१४,१०; शांश्री ९, २७, ४; बौध्री २८, ६: १७; कौस् ३६,२५ =; - प्ट्रौ ब्रापश्री २०, १३, १२; बौश्री १५, २३:६; २६:७; हिश्री 28.3,98.

स्वाप्ट्री- -प्ट्री श्रशां १६, १; ऋग्र; या १२, १०; -प्ट्री: श्रापश्री ९, १९, १७; बीश्री १४, २८: ५; -प्ट्रीम् श्रशां १७,५; बेदे ७,३; -प्ट्र्याम् श्रशां १८, ६; १९, ७; -प्ट्र्यी ऋभ २,२,३२; बेदे ४,८६. स्वाब्द्री-सामन्-म लाश्री ७, ३, १५; ८, ५;
जुस् ३,२: १६;१०;५: १३^२;
१२: १०; ११; निस् ५,२:
१; —म्न: लाश्री ७,४,१३;
—िम्न लाश्री ७,८,११.

त्वाप्ट्रीसामा-(म-त्रा)यास्य- -स्ये लाश्री ७, ४,१^१

श्वाच्ट्रेत्वच्ट्रे वौश्रौ १४, २८: ६. त्वच्ट्ट-दैव(त>)ता- -ता श्रव १,४,३. त्वच्ट-दैवत्य- -त्यः पागृ ३, १५,५. †त्वच्ट्ट-मत्क- -मन्तः काश्रौ २६,४,९५; श्रापश्रौ १०,२३, ८१०; श्रुश्च ४,८५. त्वच्ट्ट-वनस्पति- न्त्योः काश्रौ ८,९,५. त्विच्ट्->िव्ट्-मत्क- -मन्तः क्षिणे १माश्रौ २,९,३,४७; ४,२,३७.

शत्वच्चिरितेति° वैष्ट २,१०ः१३. शत्वम्दात्रे¹ शांश्री ७,१८,३‡. शत्वम्रस्थाश्विनः वाश्री ३,२,७,७०. √त्वङ्ग् पाशा. भ्या. पर. गती कम्पने च.

√त्वच् पाधा. तुदा. पर. संवर्षे.
स्वच्°- पार्ज र,६३; स्वक् राधि ६, १,६; काश्री; स्वचः शांश्री ६३, ३,५;१६,१५,१०; काश्री; हिष्य १,२४,४^६; स्वचम् शांश्री ५,१७, ४‡; श्रापश्री; या १४,३४^३‡; स्वचा †श्रापश्री १०,१४,९;१६, १९, १; वाध्रृश्री; त्वचाम् कीस् ६२,२३; त्वचि श्रापश्री ८,१९, ९‡; बौश्री. त्वक्-केश-नख-कीटा (ट-आ) खु-

स्वक्-केश-नख-कीटा (ट-आ) खु-पुरीष- -पाणि बौध २,७,५. स्वक्-छि(<िश)इनो (श्र-उ) दरा (र-आ)रम्भणै - -णान् आपश् २, ५,९९¹.

त्वक्-तस्(:) द्राध्रौ ५, २, ३; लाध्रौ २,६,१; निस् १,११:६. त्वक्त-आसेचन¹--नानि वौध्रौ

20,94: 4;6.

स्वक्तो-वि(ल>)ला 1 - -लाः श्रापश्री १, १५,१२; काउश्री ७; हिश्री १,४,३२; काग्रु ४६: ५. १ स्वक्पाइबोर्ध्वमा(ग>)गा- गाम् वैश्री १,१: १४: १त्वक्पाइबोर्ध्विल- -लम् वैश्री १,७: २. स्वग्-अस्थि-गत- -तम् श्राप्तिगृ २,७,७: २०; श्रप ३८,३,२. स्वग्-दोप-> ध्वन्- -पी वृदे ७,९५६.

स्वग्दोपिणी- -णी वृदे

ह, ९९.
त्वादोषो(प-उ)पहते(त-इ)
िद्रय¹- -यः वृद् ८,५.
त्वग्-वि(ल>)ळा³- -ळा य्रप
२३, ३,१; -ळाः काश्रौ १, ३,
३८; भाश्रौ १, १६, ६; -ळाम
भाग्र १,१:३.
त्वग्-रोम-नख-दन्तो (न्त श्रो) ४पाणि-पाद्यत्ळा(ल-प्रा) दिन-

-a) वैप १ द्र. । b) °धी° इति पाठः ? यिन. शोधः । c) पाभे. वैप १, १५२६ c द्र. । d) स्विप्टुम॰ इति पाठः ? यिन. शोधः । e) पाठः ? तु, अचिरतम्, इति इति त्रिपदं संभाव्यत । f) पाठः ? त्रवक-दान् ->-त्रे इति शोधः (तु. वप १ परि मा ७,४७ टि.) । g) तनु-स्वचः इति संस्फर्तुः शोधः ।

h) तिप.।द्वस.>वस.। i) पभे. पृ १०४३ t द्व.। j) तिप.। यस.।

90:94. रवग-व्यादेश- -शः या १४, ६ स्वङ्-मस्तिष्को(ष्क-उ)द्गत-

-तानि काश्रौ १६,१,३०. त्वङ्-मांस-रुधिरा (र-अ) स्थि--स्थीनाम् अप ६४,५,८. त्वङ्-मांस-शोणित - -तानि या

28,4. त्वचः-सुख"- -खाः श्राप्रिगृ ३, ४,२: १७; बौषि ३, २, ३; गौषि १,२,४११b.

त्वचा(चा-ग्र)न्तक १८ - न्तः शुश्र 3,84.

√त्वचि पा ३,१,२५. स्त्रचो-बि(ल >)ला^a- -लाः माश्री १, २,१,६.

१ त्वचनस्थितिः जैश्रीका ३०. त्वच्छी- युष्मद्- इ. √त्वब्रच् पाधा. भ्वा. पर. गतौ. शत्वञ्चसत्वम् अप १,४१,२. त्वत्-पितृ-, व्वत्-पुरोहित- प्रमृ. युष्मद्- द्र.

त्वद् d-

२त्व- पाग १, १, २७; त्वः अप ४८, ११९ ; बृदे २, ११४; निघ ३, २९; ‡या १, ७; ८ई; १९क्; ३, २०; जुप्रा २, १६+; तैप्रा ११, ५+; भाशि १४+; त्वा पाग १,४,५७. ९; त्वम् या १,८ ; त्वसमै या श्वायीद्या वाश्री ३,३,१,३६. १, ८; १९+ं∮; †स्वे श्रापश्रौ २१, २२, ४; वाधौ; श्रापमं १, ७,९°; या १,९³‡; १३,१३. त्वावत् पाग १,४,५७h.

त्वग-लोमन् - मानि वैश्री १३, १-२त्वदर्थ- प्रमृ., त्वम्, त्व-मर्ति-, त्वा-चत्- युष्मद्- द्र. स्वय्- युष्मद्- द्र.

√त्वर्' पाधा. भ्वा. श्रातम. संभ्रमे, त्वरते अग ३१, ५, ३; वाध २७, १७; बौध ४, ५, ३०; त्वरध्वम् बौश्रौ २५, ९:४; त्वरेत श्रापश्री ९,९,८; १२, १३, १२; भाश्री; त्वरेत् श्रप्राय ४, ३; त्वरेरन् शांश्री १६,७,७. त्वर्यति वाश्री ३,२,२,२९.

स्वर^d- -रम् श्रा ७१,१०,२. स्वरत्- -रन् कप्र १,६,७.

त्वरमाण- पाग ६, २, १६०; -णः माश्री २,३,८,९; हिश्री ८, ३, ५७; अप्राय ५, १; अप १६,९, ७; बौध १, ५, १५; या ६, २०; ७,२७; त्राज्यो ७, १४; -णैः वौधौ २७,४:२६.

स्वरा^d - - स्या वैश्रौ १२, १४: ९; या १२, १४; -राम् विध ७९, 39. स्वरा-क्रोध-विवर्जित- -तः विध

६६,१५. रवरा-युक्त-त्व- -स्वात् मीस् १०,७,४२.

त्वरित,ता- पा ७, २, २८; -तम् शंधं ७७; माशि १६, ३; नाशि २,८,१८; -ता आज्यो ७,१६.

स्वत् पाग १, १, २७; या १, त्वा-, स्वा-दात- प्रमृ. युव्मद्- इ. त्वाव वाध्रश्री ४,३७:३०; पाग १,

8,40h.

त्वाष्ट्-, 'ष्टी √त्वच्च इ.

√ित्वप्¹ पाधा. भ्वा: उभ. दीप्ती, स्विष्यति अप ४८,१६+.

†तित्विषे वाश्री ३, २, १, ५८; हिश्रौ ८,४,२७,

त्विष्^d- पावाग ३, ३, १०८; †ित्वपः काश्री २६, ७, ५६; ञुअ ४, १११; खिषा बौश्रौ २५, २०: २५ ; बृदे ६. १२१; त्विषे माश्रौ ४,३,३०+.

रिविषिवं।- - †विः काश्रौ १५, ५, १;२५; त्रापश्री १०,११,१:१८. १५, ५; बौथ्रौ १२, १०:१२३; १७,१९: ४\$; वाश्री; या १, १०\$; - †षिम् शांश्रौ १४, ३४,१३; १७, १३, १०; हिन् १,२४,२; - कंदी आपश्री १५. ११, १; बौध्रो ९, १०:३१; भाश्रौ.

> त्विधि-काम- -मः शांश्री १४, ₹४,9.

रिविष-देवता- > श्य- - स्यम् श्रश्र ६,३९.

त्विषि [,षी] मत्- -मता शांश्री १४,३४,३; -मित बौश्रौ २६, ८ : ४; - ममते कीस् ४,१; शप्रा ३, ११६; तैत्रा ३, ७; -मन्तः ऋप्रा ९,९ +; -मान् काश्री ३, ३,५+; बौथी १८,३९ : ९-१२. त्विष-तस् (ः) बृदे ३,१६.

विष्य(पि-भ्र)पचिति- -त्योः श्राश्रौ ९,८,२१; वैताश्रौ ४०,१. िविवत- -तः या १,9७ व.

a) विप. । बस. b) त्वचसु॰ इति पाठः ? यिन. शोधः । c) पूप. त्वचा (मा २५,९) । d) वैप १ e) पामे. वैप १ प्रथे शौ १४,२,७ टि. इ. । f) या ६,१२,१२,१४,१३,९ पा ६, ४,२०,७,४,९५ परामृष्टः द्र. । g) वा. किवि. । h) तु. पागम. । i) या ८, १३ परामृष्टः द्र. । j) =दीप्ति-, ऋतु-विशेष- ightharpoonupk) कौस्. ऋपा. श्रुपा. तैप्रा. पाठः ।

क्स्वेष*- -षः त्राश्री ६, ३, १\$; काश्रौ २२,६,१६; श्रापश्रौ १३, १६, ८; माश्री १, ५, ३, ४; वाश्री; -चम् आश्री ६, ७, ९; श्चापश्री; या ९, २९; ११, ८; -घस्य त्रापश्री १३, १६, ८; हिश्रौ १०, ५,१३;-बासः शांश्रौ ८,२३,9. †त्वेष-नृम्ण⁸- -म्णः श्रापश्रौ २१,२२,३; वाश्रौ ३,२,५,२०; हिश्री १६, ७, १५; या १४, २४; ऋप्रा ५,५१. त्वेष-पुर्वे(ह-ए)वम्-आदि--दिषु ऋप्रा ५,५१. त्वेष-प्रती(क>)का0- -का या १०,२१ क. त्वेष-संदश् "- -दशः शांश्री ३, 4.997. त्वेषत् b- पाउना १,१२४. श्त्वे पाग १,४,५७. श्त्वे युध्मद्-द्र. त्वै आपश्रौ २४, १३, ११ पाग १, 8,40. श्तिवतानाम् वाधी ३,४,५,२३. त्वोत- युध्मद्- द्र. त्सघी - - घी: श्रप ४८, १०२ क. √त्सर् पाधा. भ्वा. पर. छद्मगती, †त्सरति कौसू १००,२; निघ २, १४; त्सरन्ति वाधूश्रौ ४, २६^२: ५; ६; अत्सरत् वाधुश्रौ ४, 2 62 : 8.

त्सरु - पाउ १,७; पाग ५, २,६४; -रु वाध २, ३५; -रुः श्रापशु १३, ९; १०; बौशु १७: ५; हिश ४,३७; -रूणि वौध्रौ २५, १३: १९; -रोः बौशु १७: त्सरु-क- पा ५,२,६४. त्सरु-पाइर्व - - इर्वयोः श्रापशु १३,१६; हिश् ४,४१. त्सरु-मत्- -मतः आवश्री १२, २,८; माश्रौ २,३,१,२०; वैश्रौ १५, २: १५; हिथ्रौ ८, १ 32. त्सर-वर्जम् त्रापश् १४, १२; हिश ४,५१. रसरु-श्रोण्य(ग्णि-श्र)न्तराल--लयोः वौश् १७ : ९. त्सर्व(ह-ग्र)ग्र - मे ग्रापशु १३, १३; हिश ४,४५. स्मारिन - - री शेशि १०७ . थ^e->थ-कार- -रः या ७, २९; -रेण याशि २,८८; -री माशि 28.9.

थ-स-वर्ण- -र्णम् याशि २,३९. √थङ्ख √मुङ्ख् टि. इ. √*थर्व¹ थलाथल- पा, पाग २,४,६९⁸. थलित"- श्रा ४८,६१ ई. थांड पाग १,४,५७. थाट् पाग १,४,५७. †अस्साः या ५, ३; ऋपा १, √थुइ पाधा तुदा. पर. संवर्णे. √ थुर्व पाधा. भ्या. पर. हिंसायाम्.

द द,दा⁰- दः ऋत ४, ३,५. द-कार- -रः अप ३४, १, २; तैप्रा ५,८; -रम् शुप्रा ३,५५; -रात् श्रप ३४, १, ३; -रे ऋषा ५. 98. दकारा(र-अ)नत1- -नतात् अप्रा 2.3.94. द-को(क-ऊ)ध्व- -ध्वः भाशि ९६. द-संयुत- -तम् भाशि ८४. १दा(दा-श्र)न्त- -न्तम् सागृ १, १८,9: गोगृ २,८,१६. ?दार्ण - - र्णस्य शैशि २'५४. √दंश,दश्र पाधा. भ्या. पर. दर्शने; चुरा. त्रातम. दंशने, उभ. भाषायाम्, दशेत् माश्रौ ३, द्दंश भाग २,१ : १६ ‡; दाङ्धुः मागृ २, १६,३^{१1}. दंशयति कौसू ३०, १६; ४६, 88.

दंश"- पाग ३, १,१३४; ४,१, ८६ ६ ५,२, १३६; -शः विध ४४, १७; या १,२००; –शान् ग्रापथ्रौ २१, १२, ३ ; हिश्रौ १६,४,३५.

> दांश- पा ४,१,८६. दंश-मशक- -कान् त्रापश्री २१, १२,१; हिश्री १६, ४,३४; बीध 3,3,98. दंश-वत् - पा ५,२,९३६. दंश-वारणः(गा-ग्र)र्थ- -र्थाः या 8,20.

त्सरत्- -रन्तः ग्रापश्री १२,१७,३. b)=देव-विशेष-। c) पाठः ? त्रैतानाम् इति शोधः (तु. हिंश्री १४, ५, ११) । a) वैप १ द्र । f) या ११,१८ परामृष्टः द्र.। g) तु. पागम.। e) = वर्ण-विशेष-। d) वाङ्-नामन् । व्यु.?। i) विष.। बस.। j) पाठः ?। द-वर्ण- इति स्यात् ?। k) या १,२० पा ३,९, h) कर्म-नामन्- । व्यु. ? । २४,६,४,२५,७,४,८६ परामृष्टः द्र. । l) ॰क्षु इति पाठः ? यनि. शोधः । m) भाप. नाप. व्यप. च ।

१दंश-बीर्य°'b- -र्याः बौध्रौ १७, १८:१०.

दंशिन्- पा ५,२,१३६.

दंशुक- -काः बौश्रौ १७, १८: १०; निस् १०, १३: ३; तेप्रा १६,१९‡.

दंश्मन् c- - इम कीस् २९,६०;३२, २४.

दंष्ट्र,ष्ट्रा⁶- पाउत्र ४, १५९; पा ३,२,१८२; पाग ४,१,४¹; ५, २,११६; -ष्ट्रः गोग्र २,९,१३⁸; -ष्ट्रया श्रव ३६, १, १०; -ष्ट्राभिः शैशि १६४; पाशि २८; माशि ४,७; याशि २,७९; नाशि २, ८, ३०; -ष्ट्रभ्याम् श्रापश्रौ १६,१०,३†; २०,२१, ९; बौश्रौ; -ष्ट्रो बैताश्रौ १०, १७†. दंष्ट्रा(ष्ट-अ)ग्र- -ग्रेण विष १

दंद्रा(च्ट्र-अ)य- -ग्रेण विध १, ११.

दंष्ट्रा-घण्टा-निना(द>)दा--दाः अप ३६,२५,३.

दंष्ट्रिक- पा ५,२,११६.

दंष्ट्रन्-पा ५,२,११६; -ष्ट्रणः वाश्री ३, ४, ३,२२; श्राप्तिग्र २, ५, ९: १२; जैग्र २, ६: १०; श्रव ६८,३, १३; वाध २, २८; -ष्ट्रणा वैग्र ७, ४: ११²; -ष्ट्रिमा श्रव ६८, २, ३९; -ष्ट्रिमः श्रव ६८, २, ३९; -ष्ट्रिमः हिपि २३: १७. दंष्ट-श्रक्तिन्- -क्रिणाम् श्रव

दङ्क्णु - पावा ३,२,१३९.

38,20,9.

दङ्क्यत् - -क्यन्तम् स्रापमं २, १७,१.

दंदश्क - पा ३, २, १६६; -कम् श्रापमं २, १७, १†; -†काः श्रापमं २, १७, १†; -†काः श्रापश्रो १८, १५; वौधौ १२, १०: १५; वाशौ ३, ३, २, ४५; हिश्रौ १३, ५, २७; श्रापमं २, १०, १३; श्राप्तिय ३, ३, २: ५१; वौषि २, ९, ९; या १४, ९६; -†कानाम् श्रापश्रौ २०, २६, १४; वौश्रौ ६, १५: १३; माशौ २०, १०, १०, १४, १४; वैश्रौ १२, १९: ६; हिश्रौ ७, २, ७८; -केम्यः वौग्र ३, १०, ५†.

दशत्— -शतः श्रापश्रौ २२,१७,५; हिश्रौ १७, ६, ४२; -शते माय २,१६,२‡; -शन्तम् श्रापमं २, १७,१‡.

दशन¹— -नाः विध ९६,५७. दशने-छदो(द-उ)पहत- -तः विध २२,८०.

दशना(न-श्र)ग्र- -ग्रेण दंवि २,१.

दष्ट--ए: कौस् २९, ७; ३२, २५; बाध २३, ३१; शंध ४१२³; बौध १,५,१२६; बिघ ५४,१२; -एम् गोगृ ४,९,१५; अप ६२, २,७; -एस्य गोध २३,८.

दष्ट-मत्- -मद्भिः द्रापः ४,४,१. दब्दुम् बृदे ६,१२.

√दंस् पाधाः चुराः त्रात्मः दर्शन-दंशनयोः, परः भाषार्थः, दंसयन्तिया ४, २५ k ; †दंसयः 1 निघ ४,१; या ४,२५.

†दंस(न>)ना°- -नाभिः श्रापश्रौ १९, २, १९; -नाभ्यः वौश्रौ १३,८: ८; तेष्रा १६,१९.

दंसना-वत् -वान् शांश्रौ ८, १७,१‡.

†दंसस° - - सः अप ४८, ६१; निघ २, १; ऋप्रा ८, १८; - सांसि माधौ ४,४,३८; काए; - सोभिः अप्राय ६, ९ †; तैप्रा १६, १९.

दंसस्-वत् - >दंसिष्ट - • ष्ट ऋपा ७,४६ ‡.

दस्म – पाउ १, १४५; – \dagger स्सः आपश्री १६, २०, १४; हिश्री ११, ६, ६१; – स्मम् आश्री ५, १६,२ \dagger ^m××; शांशी. दस्म-वर्चस् e – र्चाः आपश्री ५,

दस्म-वर्चस्^६- -चोः श्रापश्री **५,** २३,९**†**.

द्रस्य°- -स्यम् आगृ१, १, ४‡.

दस्त⁶- पाउ २, १३; -स्रः वृदे ७, ६ⁿ; -स्नम् संध ११६: ६४ⁿ; -† ०सा स्नाभौ ४, ७,४; सांभौ ५,१०,८; या ६, २६; ग्रुस्र ३, २२१; -०साः स्नामिष्ट २, ५, १०:३०†; -०स्तो बौशौ ७, ३:२†.

√दक्ष् पाधा. भ्या. त्रातम. वृद्धी शीव्रार्थे गतिहिसनयोध, दक्षत ऋत्रा ४, ९८‡; †अदक्षन्त भाशि ११८; १२०.

दत्त्वयति वाधूशौ ४, ४: ६; ४; दक्षयेत् वाधूशौ ४,४: ३.

a) विष. । बस. । b) दंशु॰ इति पाठः? यित. शोधः (तु. पै ६,१४,३ संस्कर्तुः टि.च) । c) = दृष्टस्थान- । श्रिथकर् । मिन् प्र. (पाउ ४,१४५) । d) दंस्म इति दारितः । e) वैप १ द. । f) तु. पागम. । g) पामे. वैप २,३सं. दंद्रः मंत्रा १,६,४ टि. द्र. । h) ॰ना इति पाठः ? यित. शोधः । i) ॰न्त॰ इति पाठः ? यित. शोधः । j) = दन्त । k) ॰न्ते इति शिवसं. । k) वैप १,५८८ छ द्र. । k) तु. श्रान. । k) व्यप. (श्रश्चिनोरन्यतर-) ।

अददक्षत् वाध्यौ ४,४ : ४. दक्ष,क्षा³- पाग ४,१,१५४^b; -क्षः शांश्री ७, १६, ८^{‡०}; श्रापश्री: बृदे^व ७,११४; ८, १२८; शुस्र^e ३,२३५; ४,३४; या ११,२३‡; १२, ३६+; - +क्षम् आश्री ५, १८,२1; शांश्री ८,३,४1;६,११; १२, २, १४; आपश्री ८, १४, २४; बौध्रौ ६, ५: ५; ९,१६: १६; श्राप ४३,३, २१‡; शंध \$? ? \$: 3 0 8; 8 0 8; \$ 2 1; -क्षस्य शांश्री ७, १०, ११‡; पाय १,१८,५+; बृदे ७,१०४+; या २, १३; ११, २३ +; - चा कप्र २, १०, ४; -क्षाः बौश्रौ २१,२४:४; -क्षात् या ११, २३ ‡; -क्षाय त्राश्री ४, १२, २; शांश्रौ ९,२७,२‡; श्रापश्रौ; या ११,३०+; -क्षे श्रापश्रो १०, 3,61.

दाक्षायणयज्ञिन्-

-जी काश्री ४,२,४८. दाक्षायणयाज्ञिक !--कानि शांश्री ३,९,४. दाक्षायण-सव- -वः कौशि ४२. २दाक्षायण^{क भ}− पाग ४, २, ५३^७; ५४; -णाः शुप्रा ५, ₹७. दाक्षायणक- पा ४, २, 43. दाक्षायण-भक्त- पा ४, ३दाक्षायणº- -णम् काश्री 8,8,34. दाक्षायणि-पा ४,१,१५४^b; -णयः बौश्रौत्र ४१: ११. दाक्षायणी1- -णी श्रप १, २, १; ३७, ५‡; श्रशां ७, ५‡; ऋत्र २,१०,७२; या ११, २३: -णीम् शंध ११६ : ३०; -ण्यः श्रामिगृ २,५,३ : २४ ‡; बौगृ ३, ७, १८ ; बृदे ५,१४३; -ण्याः चाश्र ७ : ३. दाक्षि- पाग ४, २, ५३; -क्षिः वौश्रीप्र २७ : ३;३० : १. दाक्षी->दाक्षी-पत्र- -त्राय पाशि ३१. दाक्षीपुत्र-पाणिनि- -निना पाशि ३१. दाक्षक- पा ४,२,५३.

३८^b. दाक्षि-भिक्षुक- पाग २,

दाक्षि-कूट- पाग २, २,

२,३१^b. दाक्ष्य[™]- -क्ष्येण बृदे ८,

नंदक्ष-कतु- -तुभ्याम् आपश्री १२, १८, २०; बौश्री १४,८: २१; ३४; माश्री २, ३, ७, १; बैश्री १५, २२:४; हिश्री ८, ५,१९; -त् आश्री ६, ९, ३; आपश्री ४, ३, १२°; १२,१९, ५; १४, २१, ४; बाध्री ४, ९३:५६; हिश्री १५, ५, २६; २७; आगृ ३, ६, ७°; हिगृ १,

†दक्ष-पितृ^a - - तरः विध ४८, ८; –ता आपश्रौ १०, ३, ८; –तारः वौश्रौ ६,७ : ११; बौध ३,६,१५.

द्श्र-प्रजापति -- तिः काध २८२ः

दक्ष-यज्ञ - - ज्ञे अप ५२,१२,५. दक्ष(क्ष-ऋ)र्षि - - चें: अअ १, ३५.

दत्त-वृध् - - वृधे बौश्रौ ७, ४:

दक्ष-सावर्ण- - जम् शंध ११६ :

दत्त-सु(त>)ता"- -ता बृदे ३,५७; -०ते श्रशां १,२.

दक्षमाण- -णः श्रञ्ज १,३५[†]. †दक्षस्⁸- -क्षः निघ २,९; -चसे श्राश्रौ २,५,१०^०; श्रापश्रौ १७, ९,१^०; वैश्रौ १९,६:१^०.

द्धाय्य°- पाउ ३,९६.

a) वैप १ द्र. । b) तु. पागम. । c) पाभे. वैप १, ११७६ a द्र. । d) = देवता-विशेष-। e) = ऋषि-विशेष- । f) °क्ष इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. सप्त. शौ ७,१५,४) । g) व्यप. । h) =िवश्वेदेवा-ऽन्यतम- । i) पाभे, वैप १,१५४ d द्र. । j) तस्येदर्मायप् ठङ् प्र. उसं. (पा ४,३,१२४) । k) पाप्त. (४,१,१०९) <दान्ति । l) त्रिप., व्यप. । m) भावे प्यष्ट् प्र. । n) उप. = कन्या- । o) पाभे. वैप १,१९६ d द्र. ।

श्वक्षा गौषि १,१,८ .

श्टक्षिण, णा"- पाउ २, ५०; -णः श्राश्री २, २, १३××; शांश्री १७, १३,२^२‡७; काथ्री; बौथ्री २२. ८:३°; या १, ७ф; -णम् आंश्री १, १, १२××; शांथ्री; त्राप्तिगृ ३, ५,८:६^d; -णम्ऽ-णम् माधौ १,१, २,२; वाश्री १,२,३,१६: -णया शांश्री 8,99,8°; काथ्रौ; -णयोः काथ्रौ १७,१०,८××; बौधौ; -णस्मात् माश्री १,७,३,४६; २, २,३,३; वाश्री; पा ७, १,१६; -णस्मिन् माश्री १, ७, ४, १७; वाश्री; पा ७,१,१६; -णस्य आश्री ४, ९,३××;शांधी; -णस्याः काश्रौ ७. ३. २७: आपश्री: -णस्याम् त्राध्रो १,११,७‡°; ६,१०,२१; शांश्री: -णा आश्री १२, ९, ५: काश्री: -णाः बौश्रौ २, ११: ७××: भाथी: लाथी ५,६,१०?!; -णात आश्री ४.४, ४⁸; शांश्री; -णान आश्री ४,५,७; १०, ८, ८: काथ्री: -णानि आपथ्री १०, २२, ११; ११, १०, ९-११; बौश्री: बौपि १,७: ८व ; कौसू ८१, २७; -णाभ्याम् काश्रौ १७,१०,५; मागृ १, १०, १६; -णाम् शांध्रौ ६,३, २+; १७, १०,११र; काश्री; वैताश्री ७, २४h; -णाम्ऽ-णाम् वाश्रौ १,२, ३, १२; -णाय श्राश्री ५,

६,१२; ऋप्रा १५,२१; -णायाः भाश्री ७, १८, १२; माश्री: -णायाम् बौधौ ३, २०: १३; १0, ३८: 90; ११, २: २६; माश्री १,७,३,३१: ६,१,८,५: वैथ्रौ; -णायै श्रापथ्रौ २, ८, ३; १६,१९,७; बौधौ; -णे आधौ १, १२, ३२××; शांश्री; बौश्री १६, ३: ३०; -णेन, > ना¹ त्राधौ ३, १, १८××; शांधौ; -णेभ्यः ग्रापश्रौ १९, १४, १३; -णेपाम् आपश्रौ १५, ७, ३ 4; बौश्रौ; -णेषु काठश्रौ ८४××; बौश्रौ; -णैः श्राश्रौ ६,१२,७; आपश्री; -णी त्राश्री १२.९.८: -णीऽ-णी बौश्री २१, 98:39.

दक्षिण-कपाल-थोग- -गात वैश्रौ 8,90:8.

दक्षिण-कर्ण- - र्णम् आग्निगृ २, ७, द : ४; - जें वाधी १, ४, ३,८; कागृउ ४३: २.

दक्षिण-ग्रीव!- - वम् वैगृ ५, ३:

दक्षिण-जान--नुना काश्री ७, ३, दक्षिणजान्व(नु-ग्र)क्त- -क्तः

गोग १,३,१; २,१०,३२; द्राय १, २, १७; -क्तम् द्राय २, ४, 20.

दक्षिण-तस्(:)1 ग्राभौ १,७,६××; शांश्री; ८, १५, ११k; श्रापश्री

१०, २०, 9¹; १४, २०, ८™; दाश्री १०, ३, ६^b; लाश्री ३, ११, ३^b; पामृ ३, ४, १७^{१०,0}; मागृ २, १५, १^{‡n}; याशि १, ५८; पा ५, ३, २८; वेज्यो

दक्षिणत-उपचार1- -रः बौश्रौ २६, ३३: १८; -रम् वापश्री ११,९,४; हिथी १३,६,

दक्षिणत-उपवीतिन्- -तिनः श्रापथ्रौ ३, १७,१; हिथ्रौ २,६,

दक्षिणतः-प्रवृत्ति!- -त्तयः शांग्र 8,6,4.

दक्षिणतः-सद्- -राद्भ्यः वाश्रौ 2,9,3,90.

दक्षिणतो-न्याय!- -पम् शांश्री 2,99,9; 8,4,9.

†दक्षिग-द्घ् - - धक् लाश्री ५, U. 3.

दक्षिण द्वार् - द्वारा वैश्री १४, 99:8.

दक्षिण-दार!- -रम् वैश्रौ १४, १०: २: काम ११, १; गोम ४, ७, १६: -राणि आमिए २, ६, ३: ४ = ; कौसू ८५, ११; अप १, २८,३.

दक्षिण-धिष्णय!- -ष्ण्य:ऽ-ष्ण्य: शांश्री ६,१३,४.

दक्षिग-धुर्->°धुर्य- -र्यम् काश्री 24, 4, 96.

a) १दक्षिण,णा-, २दक्षिण-, णा- (तु. वैप १) इत्यत्र समाविष्टी । b) सप्र. दक्षिणो बाहुः <> दिचणतः इति पामे.। c) = दिक्षणतम्(:) इति । <math>d) सपा. \circ णम् $<> \circ$ णानि इति पामे. । नैप १,१५३५ s द्र.। f) ॰णान् पद्यः इति पाठः ? यिन. च न्यन्नः इति च शोधः (तु. द्राश्री.)। g) पृ ६३८ h) °णात इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. सोमादित्यः C. च) । i) वैप १ द्र. । j) विप. । वस. । k) पाने. वैप १,१५३६ j द्र. । l) उत्तरेण समस्तिमिति संस्कृतुः सूची । m) सप्र. दृष्टिणतः <>दिश्रणा इति पाभे.। п) सकृत् वैप १ पश्चात् [काठ ३७,१०] इति पाभे.। о) पाभे. वैप १,१५३६ ९ इ.।

-विभ्याम् श्रापृ २, ६, ३; भागृ

१, २७: १२; -वीम् काशु १,

८; -र्वे काश्री ४,७,१०; आपश्री

१४,३०,५; वैगृ; -वेंग' काथ्री

८.६. १८: श्रापश्री १, ७, १३;

दक्षिगपूर्वा(र्व-श्रा)य(त>)ता-

दक्षिणपूर्वा(र्व-स्र)र्ध- - धे काश्रौ

३,३, २०; ९, १, ८; वैश्रो ९,

९ : २; कौगृ १, ५, १७; कौस्

दक्षिणपूर्विन्- -विंणम् आपश्री

भाश्रो १,७,८; ८,१५,२.

-ताम् काधौ २५,८,३.

28,93,2.

दक्षिणधुर्य-सम³- -मम् काश्रौ 20,1,38b दक्षिण-पश्चात् वैताश्री ३४, २; ग्रामिय २, ५,९:७; जैय २, ६ : ६ : ग्राप ५६, १,६. दक्षिण-पश्चा(अ-श्र)र्घ°- पावा ५, ३,३२; -र्धात् कीय १, ५,१८; शांग १,९,६. दक्षिण-पश्चिम, मा°- -मस्याम् वैगृ १,९:५; ४, ५:४; -मे श्राय ४,२,१३; वैगः. दक्षिण-पाणि- -णिना वैध २, १३, ५; ३, ३, ११; -णिम् वैगृ २, ६ : ३; गोगृ २, १०,२२; -णेः वैगृ १,५ : ६; ३,२६ : १०. दक्षिण-पाद- -दस्य हिंश्री ६, ४, २०; -देन पागृ १, ५, २;७,9; -दी वैश्री १९,६ : ६ ud. दक्षिणपादा(द-श्र)ङ्गष्ट- - ष्टे वेगृ 2,96:93.

द्क्षिणपादाङ्ग्रष्टा(प्ट-च्य)प्र--प्रेण वैध २,२,१.

दक्षिण-पार्श्व - स्वे अप ५६, १, ५; विध ९०,२१; - श्वें: पागृ ३,२,

दक्षिण-पुरस्तात्⁶ त्राश्रौ ५, ३,२३; १२,६,७; श्राप्तिग २,५,९ : ६; जैगृ १,१ : २०: २,६ : ६. द्ज्ञिण-पूर्व,वांº- -र्वम् श्रापश्रौ १,

१२,३०; बौधौ १९,१०:४४+; थागृ ४,१,६; श्रामिगृ ३,४,४ :

१; -र्वा भ्रापक्षी ९, २०, ७;

द्क्षिण-पूर्व-पाद- -देन काश्री ४, 9,93. द्क्षिग-प्रणिधि- -धी वैगृ १,१३: १; २०: १४; -ध्याम् वैगृ 8, 30: 94; 8,99: 4. द्त्रिण-प्रत्यग्-अपवर्ग^द- -गंम् कौस ₹.9€. दक्षिग-बाह--हम् वैथी १५,२४:३. दिचण-मारुते(त-ई)रित-परि-तत- -ते अप ६५, १, ६b. दक्षिण-म्ख^ह- -खः विध ६८, ४१; -खाः गौनि १,४,७. दक्षिण-व(त्>)ती- -ध्यः निस् २, 99:34. दक्षिण-वेदि- -दिम् वैग् १, ९: १२: -दे: वैथी ८.९: ९. ८, ८; ११, ११, २; १२, ३; दक्षिण-शयन-पाद'- -दम् कीस् हिथी; -र्वस्याम् काश्री २५, ३६,४. दक्षिण शिरस्य--स्सम् गोगृ ३,१०, दक्षिण-शीर्षं - - चम् वैश्री १५.२ . ४: वैष्ट ५,9:७; २:२०. दक्षिण-श्रोणि- -णिम् वैश्रौ १९ ५:३४1; -ण्याम् काठश्रौ ११५. वैश्रौ १२,२२: १५;६५,२:९. दक्षिण-सक्थि-पूर्व-नडक- -कम काधी ६,७,७. †दक्षिण-सद्⁸− -सत्¹ त्रापश्रो १५. १०, ११; बौधी ९, १०: १३: भाश्री; -सदः बौश्री १२,४: ५: भाग २,६,७; -सद्भ्यः आपश्री ३,४, १; भाधी ३,४, १; वैश्री ७,३ : ६; हिश्री २,३, ४०; ६, 3.0. दक्षिण-साद - -सात् आश्री ४, ७, दक्षिण-स्कन्ध- -न्धे शांगु २,१०,८. दक्षिण-स्थ- -स्थान् श्रत्र ३,२६. दक्षिण-हविर्धान- -नस्य वैताश्री 84,90.

दक्षिण-हस्त- -स्तम् आमिगृ २, ४, ९: १३; वैष्ट १, ५:१०; -स्तस्य काथी ७, २, ६; वैश्री १,३: ११; १२, ६: ७; -स्ते काश्री २५, ७, २१; त्राप्तिगः; -स्तेन आमिगृ २, ७, ६ : ३१; वैध २. ७.६. दक्षिगहस्त-पुरोडाशं^g- -शाः

वैताश्री ९,२०. दक्षिणहस्त-(स्थ>)स्था- -स्थाः श्रप ४१,१,३० मे.

दक्षिणहस्ता(स्त-श्र)ङ्ग(लि>) ली- -लीभिः श्राप्तिय २, ४,

b) 'र्य-तमम् इति चौसं. (पानिकः पामे. इति कर्कः । c) = नैर्ऋती-दिश्-। a) = अध-विशेष-। तुस.। d) उप √मुच् इत्यस्य द्विकम्कत्वं मत्वा °दौ (=°दयोः) इति वर्मत्वविदच्या वा. द. । €) = आग्नेयी-दिश्-। f) वा. किवि.। g) विप । बस.। h) प्रकरणतः ॰ततेषु इति संभाव्यते । i) कस.>पस.। j) ॰ण्यार॰ (= ॰िणम् आर॰) इत्यत्र संधिरार्षः । k) वैष १ द्र. । l) पामे. वैष १,१५३६ j द्र. ।

२५: -राः त्रामिष्ट २, ६,७:३९.

दक्षिणा⁸ ग्राश्रो २, १९, ४; ३,८, १; ४, ४,२; शांध्रौ; वैध्रौ २१, ६: ८^b: हिथ्री २५, ३, २१^c; पा ५,३,३६;३७.

दाक्षिणात्य- पा ४,२,९८. दक्षिणा(णा-श्र)य,याव- -यम् बौश्रौ २,९:६××; वैश्रौ; -ग्राणि वैगृ ५, ३: १५; - मान् काधौ ४,१३,१५;२५,८,११; श्रावधौ; -ग्राम् गोग् ४, ३, २; कप्र ३, २, ९; -प्रेषु शांधी ४, ३, ३; बौगः -बैः व्यामिगृ १, २, २: २७; आपगृ. द्त्तिणा-ग्रीव^d - वम् श्रापश्रौ ९, ११, २३; आफ्रिय; -वेण बौषि ३,४,१०. दक्षिणा(गा-त्रा)चार^d- -रः

माथौ १, १,१,६.

-जाः या ६,९º.

दक्षिणा-ज->दाक्षिणाज^e-

दाक्षिणाजी- -जी या ३,५. दक्षिणा(गा-ग्र)ञ्च्^a- -णाञ्चः वैताथी ९, १७; -णाज्यम् वताथौ १२,१; कौस् ८७,१८. दक्षिणा-त्ल^d- ·लान् माश्रौ 2.2, 4, 29. दक्षिणा-दार,राव- -रम् माधौ २, २,३,१२; हिथ्रौ; श्रापध २, २५,२६; -राः माधौ ६, १, ८, १०: -राणि बौध २,५,१७. दक्षिणा(गा-ग्र)न्त्व- -न्तम् वैगृ ४, ४: २; ५,२: १९; कप्र

२,८,४ b; - स्तान् वेगृ ४,६ : ५.

दक्षिणा-न्यायह- -यानि शांश्रौ 2,9,98.

दक्षिणा-पथ- पाग ४,२,१२७; -थम् ग्राध्रौ ५,१३,१२; -थाः वौध १, १, २९; -थेन शांश्री १३,१४,६; काथी.

दाक्षिणापथक- पा ४, २,

दक्षिणा-प(द् >)दी^d- -दीम् बौध्रौ २,९ : ३०; श्राप्तिगृ. दक्षिणा(ए॥-य्र) पवर्ग,र्गाव- -र्गः बौगृ २,११,१६; -र्गम् श्रापश्रौ १६, १५, ९; हिथ्रो ११,६,७; -र्गाः वाधौ ३,२,६,११; वैधौ; -र्गाणि आपश्रौ २४, २, १६; कौस् ४७,५; -र्गान् श्रापश्रौ १, ९,१; १४,६,१४; भाश्री. दक्षिणा-पर्चात्। श्राप्तिय २,५, 97:97. दक्षिणा-पश्चिम-द्वार¹- -रे द्राय 8,2,93. दक्षिणा-पुरस्तात् ४ आप्तिगृ २, 4.92:99. दक्षिणा-पूर्व, र्वा^k- -वस्याम्

वैथ्रौ ९,४: २; -वेंण हिथ्रौ २, v.99. १द्तिणा-प्रतीची । - चीम् गौध 23,991.

द्त्रिणा-प्रत्यच्,ज्च् । - तीचः माश्री ५, २, १०, २७; - त्यक् माथी ५, २, १५, ५; माय २, १,८; १७,२; श्रापशु ८,१४.

२दक्षिणाप्रतीची^m--च्यः

आमिए ३,५,५:३; बौपि १,४: ३; हिपि १: ३.

दक्षिणाप्रत्यक्-प्रवण- -णम् श्रामिय ३, ४, १: १३; ५,५: ५; त्रापगृ १७, १; बौपि १, ४: 4; २, ९, १; ३, २, ८; हिपि १: २, गौपि १,२,६.

दक्षिणाप्रत्यक्प्रवण-चिता-देश- -शात् गौपि १,

दक्षिणा-प्रवण- -णम् काश्रौ २२, ३, ६: आगः, -णे शांश्री ४, १४,६; काश्रौ. द्क्षिणा-प्रष्टि- -ष्टिम् काश्री १४, ३,८: - हेः काश्रौ १८,६,१. द्विणा-प्राच, ज्च्^k- -प्राक् त्रापशु ८,१३: -प्राचः माश्रौ ६, ९,५,४२; -प्राज्जम् त्रापथी २, १२,७; भाश्रौ; -प्राञ्चि श्रापश्रौ 2.0,4.

१दक्षिणाप्राची- -ची त्रापश्री १,७,१०; भाश्री १,७, ५; हिथ्रौ २, ७, १२; -चीः श्राग्निगृ ३, ८, ३ : ३७; बौपि १,८: १८××; -चीम् श्रापश्रौ १.७.१३; भाश्री.

दक्षिणाप्राक्-प्रवण- -णेन शांथी ४,१४,६; कौग् ५,२,१३.

दक्षिणाप्राग्-अप्र^d- -प्रान् ब्रापधी १४,३२,३; वैधी २०, २८: ८; -ग्रे: श्रापथ्री १,७,५; माश्रौ. २दक्षिणा-प्राची^k- >°ची-

b) पाभे. पृ १२२३ ${f m}$ द्र. । c) ${}^{
m c}$ णाम् इति पाठः ${}^{
m c}$ यनि. शोधः $({f g}, {}^{
m c}$ त्रापशु a) वेप १ इ. । e) स्वार्थिकः क्षण् प्र.। f) ॰णात्याः इति शिवदत्तस्य शोधः। g) सप्र. ९,9)। d) विप.। वस.। h) ॰न्ताम् इति पाठः ! यनि. शोधः (तु. जीसं. श्रस्य.)। °णाद्वारम् <>°णोद्रग्द्वारम् इति पाभे. । k)=श्राग्नेयी-दिश्-। यस.। l) सप्र. बौध २,१,१४ दक्षिणाप्रतीj) = नैर्ऋती-दिश्-। बस.।किवि.। च्योर्दिशोरन्तरेग इति पामे. । m) विष. (रम्रप्-)।

संतत- -तम् हिए २,१४,४^२ª. दक्षिणा-प्लव- -वम् रांध २०९. दक्षिणा(ए॥-त्र)भिमुख- -खः भाश्री ८, १६, १०; आग्निए; गौध ९,४१^b; - खस्य कप्र १, ४,४; -खेन कप्र २,८,१३. दक्षिणा-मुख^c- -खः आश्री १, ४, १३; काथी; भाशी १०, २, ५व: -खम् आपश्रौ १२, १,९; १३, ९; जैगृ २,५: ९; -खस्य वैताश्री १, ९; -खाः चुस् १, ११ : ५; श्रागृ; -खान् वेषृ ५, 93:5. दक्षिणामुखी- -खी दाश्रौ ११,३,८; लाश्री ४,३,९; -खीम् शांश्री ४,१४,१३. दक्षिणा(गा-श्रा)य(त>)ता--ताः कागृ ६५.३. दक्षिणा(गा-त्रा)रम्भ°- -मभैः वाय १.९. १दक्षिणा(गा-आ)वर्त^e- -र्तः वाश्री २. १. ५. ५ : - तें कीस् 86.3. २दक्षिणा(णा-श्रा)वर्त - -र्तस्य अप १,३२,२. दक्षिणा(णा-त्रा)वृत्ष- -वृत् श्राश्रौ १,१,४; ३,३,४; शांश्रौ; -वृतः श्राश्रौ २,१९,३०; ५,३, १७: शांश्री; -वृताम् कीस् ८२, १; -बृद्धिः वाश्रौ २, १, ६, ४.

दक्षिणा(गा-त्रा) वृत्त,त्ता- -तः

श्रापश्रौ १०,१,७^d; -त्तया वैश्रौ

१४, ४:४; -त्तानाम् श्रापध १.२.३३: हिध १,१,६५. दक्षिणा-शिरस्^c- -रसम् काश्रौ २२, ६,१५; बौध्रौ; -राः काध्रौ २२,६,४; आपश्रो २२, ७,२४; हिश्रौ १७,३,२३, लाशौ ८, ८, ५: हिपि १ : १७. दक्षिणा-श्रोणि- -णेः काश्रौ 20,6,34. द्क्षिणा-संचर- -रेण वैताश्री 23,99. †दक्षिणा-सद् h- सदः,-सद्र a: h श्रप्रा २,३०. दक्षिणा(णा-श्रा)हवनीय!- -ये लाश्रौ १०,११,१२. दक्षिणां(ग्र-श्रं)स- -सम् पागृ १,८, ८; ११, ९; २, २, १६; -सात् काश्री १७, ६,५:१२,२३. दक्षिणांस-सहित- -तम् काश्री 4,8,99. दक्षिणा(गा-त्र)मि - - मि: काश्रौ ४,१३,४××; श्रापश्रौ; -श्निना वैथी २०,८: ७; -ग्निम् आश्री २, २, १; १९, ३०; शांश्रौ; -मे: आश्री २,६, २××; शांश्री; -ग्नी ग्राध्नी २, ६, ८; शांध्री. टाक्षिणाग्निक- -काः वाश्रौ १,9, ४, १9? k; -की-माश्री १,७,६,४३;८,५,९. दक्षिणाग्नि-पक- -कम् काश्री ४, €,99. दक्षिणाग्नि-स्थान- -ने मागृ १,

दक्षिणाग्नि-होम- -मान् वैताश्री दक्षिणाशिहोमा(म-त्र)न्त--न्तम् काश्रौ ८,९,१३. दक्षिणाग्न्य(मि-त्रा)मि- -मिना काश्री १६, ४,१२. दक्षिणाग्न्या(मि-श्रा)दीस- - सः काथौ १६,४,८. दक्षिणाग्न्या(मि-त्रा)यतन- -ने हिश्री ३,४, २२. दक्षिणाग्न्या (मि-श्रा)हवनीय--यौ त्रापश्रौ ९,३,२१. दक्षिणाग्न्य(मि-उ)ल्मुक- -कम् काश्रौ ५, १०,७; १५,१,८. द्क्षिणा(एा-आ)दि^c- -दयः आश्रौ ५, ३, २६; -दि वैताश्री २९, 93m; au 2,2: 8; 99: 4; 3,94:98. दक्षिणादि-कर्ण- -र्णयोः वैषृ २, 94: 8; 3, 22: 99. दक्षिणादि-प्रणिधि- -ध्योः वैगृ 8,20: 6. द्क्षिणादि-प्रद्क्षिण- -णम् वैगृ 2.0:6. दक्षिणा(ग-२आय>)द्या- -द्यासु श्रप ५२,८,४. दक्षिणा(ग-अ) नामिका-मध्यमा--माभ्याम् वैश्री ६,८ : ४. १दक्षिणा(एा-ग्र)पर,रा"— -रम् शांश्रौ १,६, ६; आपश्री ११, १२, ४; माधी १,८,४,९; ६,१,५, १५;

वैश्री १८, १३ : ८; हिश्री १,६, 99; ११, ६, ५; १३, ३, 9%; द्राश्री ३,२,१४; लाधी १,१०, १०; स्त्राप्तिगृ २, ७, ९: १५; भाग ३,१८: १९; गोग १,६, १४; कौसू ८७, २६; -रस्याम् शांश्री १३,११,२; श्राय ४,१, ६: कागृ ४५, ७; -रा श्रापश्रौ ९, २०, ७; -राम् वाश्रौ ३,२, ५, ३६; कौस् ८४, १६; श्रापध १,३१,२; हिध १,८, २०; -रे काश्रौ ८,५,१७; -रेण हिश्रौ २, ٧,99. दक्षिणापर-तस् (:) अप ५२, 8,9. दक्षिणापरा(र-श्र)भिमुख- -खः विध ६१,१२. २द्त्रिणा(णा-श्र)परा- -रयोः हिशु 4. 30B. उदत्तिणा-प्रतीची- -च्योः बौध २, 9.98b. १दक्षिणा(ण-प्र)यन- -नम् भागृ १,१२: १; वागृ ८,७; वैगृ ५, १: ११; विध २०: २; गौध १६, २; या १४,८; -नात् या १४, ८, -ने भाग १,१२: १; हिपि २०:८ +; -नेन त्राप्तिगृ 3,9,3:24. द्त्तिण।यन-पशु- -शोः बौश्रौ ~ 7८, १२: १६; १७. २दक्षिणा(एा-श्र)यन - - नान् कप्र ₹,९,२. दक्षिणा(गा-त्र)र्थ - -र्थस्य त्रप १,

34,9.

दक्षिणा(ग्-म्र)र्घ- -र्धम् श्रापश्री १२, २०,१०; बौश्रौ; -र्धस्य वाश्री ३,२,५, ५७; -र्धाः ऋप १. ६.९: -धांत् शांश्री ४,२१, ९; श्रापथ्री; -धें शांश्री ४,४, २; २१, ९; १७,४, ४; काश्री; -धॅम्यः वैश्रौ ९,८: १५. दक्षिणार्ध-पूर्वार्धे - - धे श्रापश्रौ २, १८, ५; बौध्रौ १, १६: १०××: भाश्री. दक्षिणार्ध-शिरस्- -रः वाश्रौ १, £,8,98. दक्षिणार्घा(र्ध-श्र)परार्धe- -र्धात् शांश्री १८,२४,१९. दक्षिणाध्यं,ध्यां - -ध्यं: त्रापश्रौ १, ५,१०; बौश्रौ; -ध्यम् बौश्रौ १,८: १२××; भाश्री; -ध्यान् बौश्रौ १७, १४: १४; २६, २४: ११; -ध्याम् बौश्रौ १२, २०: ५; १८, ५०: ३; -ध्यीयाम् हिश्री ५, ४, ७५; -ध्ये बौश्रौ १५,90:90. दक्षिणार्ध्यं - पूर्वार्धे -> वी-ध्यं - ध्यंम द्राश्री ३, २,४; लाश्री १,१०,३. दक्षिणा(गा-म्र)वरा- -रयोः श्रापशु 9€,90. दक्षिणाहि पा ५,३,३७. दक्षिणे(गा-ई)मैन्- -र्मा पा ५, ४, 934. दक्षिणो(ए-उ)त्तर,राb- -रः जैगृ १, १ : २१; -रम् वेष्ट १, ८ : २; ५,१०: २; कीसू २, २३; ७८, ७; -रयोः वैश्री १, २: १२; वैगृ: -राः काश्री १२, १, १५; १७,१, ८: २३: -राणाम् काश्रौ ८,८,१४; -राणि वैश्री १५,२: १०; गोष्ट १, ७, १३; -रान् काश्री १२, १, २५; -राम्याम् श्राश्री ३, १, १६; काश्री; -रे काश्री १५, ३, ३३××; २६,४, १०1; माश्री २, ३, १, १९; -रै: शांग्र ६,३,६; -री काश्री ८,३,९××; श्रापश्रौ. दक्षिणोत्तर-परिधि-संधि°- -न्धी वंश्री १३,११: २. दक्षिणोत्तर-मुख- -खम् अप १८,३,२. दक्षिणोत्तर-वेदि-श्रोणी- -ण्यौ शुत्र १, ४५७. द्धिणोत्तरा (र-श्र)यण- -णे श्रामिष्ट ३,११,४: १1. दचिणोत्तरिन्- -रिणः बौश्रौ ६. १९: १७k; २१: १६; -रिणम् शांश्री १, ६,१०; १७, १६, ७; माश्री १,१,३,१; -रिणा आश्री १, ३,३१; -री बौश्रौ ३, २८: ६; ३१ : १०. दिश्वणोत्तरो (र-उ) त्तान--नाभ्याम् द्राश्रौ २,३,३. दक्षिणो(ए-उ)त्तान°- -नाः काश्रौ ८,२,८; -नान् शांश्रौ ५, ८,५; -नेन बौरि ३,१,१६; -नै: वैश्री १४,३, ११; हिश्री ७, ४, २३; -नी गोगृ ४,३, १८; २०; द्राय 3,4,28;24. दक्षिणो(ए-उ)दग्-द्वार- -रम् कौसू ८३, २५; हिंध २,५,१८३1.

a) सप्र. 'परयोः <> 'व्यरयोः इति पामे. । b) पामे. पृ १२२५ m द्र. । c) विप. । वस. । d) = श्राग्नेय-कोण- । e) = नैप्र्य्यत्येगः । f) वैप १ द्र. । g) स्वार्थे यत् प्र. । h) वस. वा द्वस. वा. । i) 'री इति चौसं. । j) सप्र. वौग्रशे ३, २०,१ 'यणयोः इति पामे. । k) 'च्वरेण इति सा (तै १,२, १,९) । l) पामे. पृ १२२५ g द्र. ।

दक्षिणो(ग-उ)द्वासना(न-प्र)न्त--तम् कप्र ३,१०,१३. दक्षिणो(ग्-उ)व्रत- -तः श्रप ५०, ₹,₹. दिचण्ते(ग्य-उ)पक्रमº- -मान् माश्री 8,8,9,2. दक्षिणो(एा-ऊ)रू- -रुम् काश्रौ १०, ७,४; -री वैश्री १५,२६:११. २दक्षिणा⁰- पा ५,१,९५; पाग ४, २.३८: -णया बौधौ १३, १: १३; वाधूश्री ४, ४ : ३; ४; ६; बौध २, ३, ६२; विध २१, ४; -णा आश्रो ३, १०, १२××; शांश्री; या १, ७; -णाऽ-णा ब्रापश्रौ १९, २७, २३; -णाः श्राश्रौ ५, १३, ११; १४°××: शांश्री; वैश्री १६, ७: ३ª: -णानाम् आश्रौ ५, १३, १४; शांश्री; -णाभिः श्रापश्री १४, २०, ३; बौश्रौ; -णाभ्यः श्रापश्री १०,१३,३; १३,६, ७; भाश्री; -णाम् आश्री ३, १४, ८××: शांथी; कीर ५,१,१४‡°; -णायाः बौश्रौ २९, १२: १०; वाध्रौ २,२, ४, १९; वैश्रौ २०, ४: 9: हिश्रो १०, ६, ५३; -णाये श्रापश्री १६, ३४, ४ ; बौथ्री: -णासु काश्री २५, ११, ८: १२. २७; श्रापश्री; -०णे श्रापथी १४,११,२‡. टाक्षिण'- पा ४, २, ३८⁸;

-णानाम बौधौ २३, १०: ९;

१८: १: -णानि श्रापश्रौ १३. प, ६१h; बौश्रो; बौगृ ३, १, २२1: -णेभ्यः बौध्रौ १०,५७: १५; ११, ६: १०; १२, ७: २५; १८: १४; १५, १८: १३; ३२:३; ३६:९; -णेव शांश्री १३,१४,६; -णैः वाध्र्यौ ४, ८८: २; ८; -णी त्रापश्री १८, २,१९; २१,५,१०: माश्री २,४,५,१; वाधौ ३,२,१,३६; हिश्री १३,१,२५; १६,२,१९. दाक्षिण-होम- -मः काश्रौ १०, २, ४; -मी वैताश्री २१, दाक्षिणहोमा(म-त्र)न्त°--न्तम् वैश्रौ १७,११: १. †दाक्षिणेय!- -यै: k श्रापश्रौ १४,२६,१; हिश्री १५,६,२९. दक्षिणा-कर्मन् - मं काश्रीसं २९: १७: ३३ : १७. दक्षिणा-काल- -लः शांश्रौ १, १२, १०: ७. १७, १६; -लम् वेगृ १,७: १३; -लात् भाश्री ५, १२,१४; २०, १२; माश्री ५, २, ११, ३३; ६, २, ६, १४; वाध्यौ ३,७९: १७; -ले काश्रौ १२,२,२२××; श्रापथ्रौ. दक्षिणा-गण- -णाः श्राश्रो ९, ९,

दक्षिणा-स्थाग- -गात् वाध २३.. 3年. दक्षिणा-त्व- -त्वम् वाध्रश्री थ 8: 5. 9. दक्षिणा-दान- -नम् श्रापश्री ४. १,२; माधौ २,२,५,१; वैश्रौ ३,१: ६; हिश्रो ६,१,७; मीस १०, ३, ३०; -ने श्राश्री ३. 98,8. दक्षिणा-दाना(न-त्रा)दान- -ने वैगृ १,७: १५. दक्षिणा-द्रव्य- -व्ये जैश्रीका १६५. दक्षिणा-नयन- -नात् बौश्रौ २१, 90: 3. दक्षिणानयना(न-न्र)वध--धि जैश्रीका ३७. द्क्षिणा(गा-श्र)पनय- -यात् मीस् 80,2,88. दक्षिणा-पृथक्त्व- -क्रवेन हिश्रौ 23,3,90. दक्षिणा-प्रतिग्रह¹- -है: श्राप्तिगृ ३, ७. ३: २१; बौपि २, २, २; हिपि १९: ८. दक्षिणा-प्रवाद- -दः निस् ९, ९: टिल्ला-भाग- नगम् वैश्रौ १६, ७ : ५; हिश्रौ १०, ४, ४६;४७; -गान् हिश्रौ २०,४,५२. दक्षिणा-भेद- -दः मीस् १०, ६, € €. दक्षिणा-युक्त- -काः बौधौ २३, 90:99.

a) विप. । बस. । b) वैप १,१५३८ d इ. । c) पाभे. वैप २,३खं. दक्षिणाम् तैत्रा २,४,६,७ E. इ. । d) सप्त. दक्किणा नयति<>दक्षिणातिनयनः इति पाभे.। e) पाभे. वैप १ विद्वान् शौ १८,२,५७ टि. इ. । f) वैप १ इ. । g) समृहे प्र. । h) द॰ इति पाठः १ यिन. शोधः (तु. c.) । i) पासे. प्र j) अर्हार्थे ढक् > एयः प्र. उसं. (पा ५,१,६९)। k) सपा. काठ ३५,१० क ४८, १२ 9000 5 3. 1 m) सा. Lते १,४,४३,२। °णांनिनयने दक्षिणीयै: इति पामे.। /) विष. > नाप. (मन्त्र-)। उस.। इति पाभे.।

दक्षिणा-तस्(:) कीगृ ५,८,८.

त्रावश्री १३,६,९d'm.

दक्षिणा (णा-त्र)तिनयन1- -नः

दित्तणायुक्त-त्रचन- -नात् मीस् 20,2,28.

दक्षिणा(गा-त्र)र्थ- -र्थम् भाशौ १०, १२, ४; अप २१, १, ७; -र्धस्य मीस् १०,३,५७.

दक्षिणा(गा-श्र)ध-हर- -रः कप्र 2,4,3.

दक्षिणा-वत्- -वता आश्री १२,१५, ११; बौध्रौ १०,२५: १०××; निस्; -वताम् वैष् १,६,१२+; -बत्स द्राश्रौ १,३,१; ७,१,९६; लाश्रौ ३, १, १७; -वन्तः निस् ९,९:११; -वान् आमिगृ ३, ८, २: १४; बौषि १, १५: २४; ऋपा ९,२२ ई.

३,८,२ : ३२; बौषि १,१५ : ४०. -तीः बौधौ २०,१८: २9;२८.

दक्षिणा-वर्जम् श्रापश्रौ १४, १४, ९; श्रापगृ ७,१७.

दक्षिणा-विकार- -रः मीसू १०, ३,

दक्षिणा-विधि -- धिः अप ७०, ४, ३: -धी जेश्रीका १७१?b.

दक्षिणा-वेला- -लायाम् काश्रीसं २८: ९; लाश्री ८, ५, १७; ९, १७; ९,१,१५; निस् ७,१ :१४. दक्षिणा-व्यपेत- -तम् बौश्रौ १३,

9:98.

दक्षिणा-शब्द- - द्वात् मीस् १०,२, ₹.

दक्षिणा-शास्त्र - - स्त्रम् मीस् १०, **६.६२.**

दक्षिणा-संमार्जन-संप्रेष- -पम् वाश्री १, ६, ७,२१.

दक्षिणा-हृद्य^d- -यः विध १,८. दक्षिणीय- पा ५,१,६९.

दक्षिणीय-तम- -माः बृदे ५, 946.

दक्षिणो(णा-उ)क्त- -क्ती बौश्रौ २५, E: 99.

दक्षिण्य, ण्या- पा ५, १, ६९; -ण्यम् बौश्रो २४, २९: ४; -ण्याम् बौश्रौ २४,२९ : ३.

दक्तिणाकार°- -रः वीश्रौ २०,११: 38.

दक्षिणावती- - †ती श्रामिग् दिसणाहि १दिएण- द. ?दक्षितवती'- -वत्यः निस् ८,४:

दक्षि-सूरि- √दह द.

दगु - पाउमो २,१,४६; पावा ४, १, 944.

दागव्यायनि- पावा ४,१,१५५. द्राध- प्रमृ. √दह् द्र.

√द्रघृ^h (*वधा.) याधा. स्वा. पर. घातने पालने गतौ [निघ.] स्वणे [या.] च, द्ध्यति निघ २, १४; दृष्याः । ऋप्रा १४,५२.

दघन k- -धनम् या १,९.

दङ्क्या- √दंश् द्र. √दङ्घ्¹ पाधा. भ्वा. पर. पालने. दडी"- पा, पाग ४,३,१६७.

√दग्रङ पाधा. चुरा. उभ. दग्डनिपा-

१दराड"- पाउ १,११४; पा, पाग ५, ३, १०; पाग २, ४,३१; ४,२, 60: 8,920; 490; 4, 9, 44; १२२; ४, ३º; -०ण्ड हिंगृ १, ११,८‡; -ण्डः शांश्रो १७,३,३; ४; काश्री; शांग्र २,१,१८; पाग्र 2, 2, 92; 4, 24; 3,94,20; श्रापगृ ८,९;११,१६; १७; वाध ११,५२;१९,९; २०,१८; शंध ३१२;३१३;३२१; ३२२;३२९; ३३२; त्रापध १,२, ३८२; बीध १,२,४१; २, २, ५४; विध ३, ९५; ५,२;३७;१२०;१५१;२७, २८; वैध २, ३,२; ८,१‡; हिध १, १,६९२; गौध ११,३०; ३३; शुत्र १,२५३; श्रश्र ९,१‡; श्रपं ३, १६ +; या २,२; -ण्डम् श्राधौ ३,१,१६××; शांध्रौ; श्राय १, २२,9; ३,८,9;२०; कौग २,३, १०,८,७‡; शांग्र २,६, २; १३, ७; ३, १,११; पागृ २, २,११; ६, १५; ३१; आम्रिय १, १, 9:90;8:94; 3,9:4; ५:१०; त्रापगृ; वाघ १२, ३७; १९,८; शंध ४२; ११६ : १९; ३०३; ३०६; श्रापध २, ११,१; २; २९,८; बौध २,३, २८; ३, २, ६;३, १६; विध ३, ६४; ९१; ५, १९४; १९५; ६, २०; २७, २९; ७१, ८०; हिंध १, ७, ५७p; २,४, १८;99; ६,

a) सपा. ऋ १०,१८,१० दुक्षिणावते इति पामे. । b) ब्रिधी इति पाठः १ यनि. शोधः । c) उप. e)= त्राचार्य-विशेष-। व्यु. ?। f) पाउः ? = श्रुति-। d) वित्त. (यज्ञवराहः L=विष्णु-])। बस.। दक्षिणवती— इति क्षोधः (तु. निस् २, ११: २५)। g) व्यप. । व्यु. ?। h) या % (1, 1) या % (1, 1) वा % (1,i) °ध्य° इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. RN. प्रमृ.) । j) वैप १,१५३९ h इ. । k) पाप्र (५,२,३७) प्रत्यय-विशेषः । l) तु. BPG. । m) = स्रोषधि-विशेष- । व्यु. l । n) वैप १ द्र. । l0) तु. पागम. ।

p) सप्र. दण्डमादाय <> दण्डार्थे इति पाभे. ।

२१; या २, २^२; ३, २१; -ण्डस्य बौश्रौ २१, ९: १७; वैश्री ११, ७: ३; ६; ८: १; कौगृ २,८,२; ३, ९, ६०; शांगृ २, १३, २; आप्रिय २,७, १: १३; श्राप ४८, १२२; या ३, २१; -ण्डा; श्रापश्री १५, ५, १३ ‡; भाश्री; शंध ३६; श्रापध १,८, २९; बौध १,२,१६; विध २७,२१; हिध १,२,११७; बृदे १, ५० +; -ण्डात् श्रापश्रौ १०, १५, १२+; बौश्री ६,६ : ८××; भाश्री; विध ५, ७३; -ण्डान् माश्रौ १, २, ५, २; वाश्री १, ३, २, १३; हिश्री; बौध १, १०, २०; -ण्डाय श्रापध २, ११, ३; हिध २. ४,१७; १९; -ण्डे शांश्री ५, १६,४ ‡; कीए २,८,६; शांग्र २, १३, ६; श्रव ७२,२, ६; -ण्डेन काश्रौ २५, १, १५; श्रापश्रौ ९, ५,३; हिश्री; विध ८,३७; या दाण्डिक- पा ४,४,१२. दाण्डीक- पा ४,४,५९%.

दण्ड-क,का^b- पा ४, २, ८०; ५, ४,३; पाग २, ४, ३१[°]; पावाग ७, ३, ४५^d; -काः श्रश्र ११, ३(२).

दण्ड-कमण्डलु- -लू शंघ ३७९; ४४३.

दण्डकमण्डलु-धारण- -णम् श्रप ४६,१,६.

दण्ड-कर्मन् - -र्म शंध २५१. दण्ड-कारिन् - -री विध ५,१९५. दण्ड-प्राह[®] (>दाग्डप्राहिक- पा.) पाग ४,१,१४६.

दण्ड-ताडन- -नम् त्र्यापध २, २७, १५; २८,२; हिध २,५,२३४; ६, २.

दण्ड-धाना(ना-श्र)जिन- -नम् कौस् १०,१५.

दण्ड-धारण- -णम् भाश्रौ १०,९, ८; पागृ २,५,११.

दण्ड-नायक¹ - -कः श्राज्यो ७,१७. दण्ड-निभ- -भानि श्रप ७२,३, १४.

द्ण्ड-नियम- -मः है कौगृ २, ८, १; -माः है शांगृ २,१३,१.

दण्ड-नियोग- -गः गौध १२, ४८. दण्ड-पाणि - पाग २,२,३७; -णिः स्राप ६७,३,५.

दण्ड-पुरुष - पः या २,२.
दण्ड-प्रणयन - नम् विध ३,९२.
दण्ड-प्रदान - नम् श्रापश्रौ १०,
२७,४;११,१८,६; कौस् ५९,
२७; मीस् ४,२,१६; - नात्
श्राश्रौ ४,११,२; श्राप्तिग्र २,
७,१:६; - ने श्राश्रौ ४,१,
१२;बौश्रौ २१,१२:१७.
दण्डप्रदान-वर्जम् श्राश्रौ ५,३,५.
दण्डप्रदान-वर्जम् श्राश्रौ ५,३,५.

कौगृ २,७,४; शांगृ २, ११,४; -न्ते वाश्रौ ३,२,४,१०. दण्ड-अङ्ग- -हे^ड बौगृ ४,११,१.

दण्ड-भिन्न - न्नेष श्राप्तिग्र २, ७, ४:५.

दण्ड-भूयस्त्व- -स्त्वम् गौध १२, १४.

दण्ड-भृत्- -भृतः श्रप ५३,३,१.

दण्ड-मथित- -तम् श्रप ४६,१,५. दण्ड-माणव- > °वा(व-श्र) न्ते-वासिन्- -सियु पा ४,३, १३०.

दण्ड-माथक' -(> दाण्डमाथिक-पावा.) पावाग ४,४,१.

दण्ड-मेखला(ला-श्र)जिन-जटा-धारिन- -री जैग्र १, १२: ६९

दण्ड-मेखलो (ला-उ) पवीत--तानाम् कौय २,८,३; शांग्रः

-तानाम् कौष्ट २,८,३; शांष्ट २, १३,३.

दण्ड-युद्ध-वर्जम् श्रापध २,१०,७; हिध २,४,७.

दण्ड-युद्धा(द्ध-श्र)धिक- -कानि श्रापध २,१०,६; हिध २,४,६. दण्ड-यूपा(प-श्रा)सन- -नानि श्रप २३, ६,३.

दण्ड-रज्ज्व(ज्जु-श्र)ई- -ईम् काशु ७. ३२.

दण्ड-वत् वाय ६, ११; श्रप ५८^२, २,७; विध २८, ५.

दण्ड-वत् - - चिद्धः काश्रौ २६,४,१. दण्ड-विधि - - धिः विध ५,१९३. दण्ड-वृत्तता - - ता श्रप २३,२,४. दण्ड-व्यसमा - - मेयोः पा ५,४,२.

दण्ड-शायिन्- -यी श्रप ५०,४,६; ५, ३. दण्ड-ग्रुल्का(ल्क-ग्र)त्रशिष्ट- -ष्टम्

वाध १६,३१. दण्ड-समा(स>)सा¹- -सा शांश्री

ण्ड-समा(स>)सा¹- -सा शाश्रा १७,३,९.

दण्ड-स्थायिन्— -यी श्रप **५०,** ४,६; ५,२;३.

दण्ड-स्थील्य- -ल्यम् श्रप २३, ३,३.

a) तु. पागम. । b) बप्रा. । c)= छन्दो-विशेष- इति पागम. । d)= श्चरण्य-विशेष- इति पागम. । e) व्यप. । व्यु. ? । f)= निर्णायक- । g) परस्परं ामें. । h) विप. । वस. । f उप. f प्राप्त । f विप. । वस. । f वप. f वप. । f

दण्ड-हस्त°- -स्तानाम् वाध्रुशौ ३, 49:6. दण्डा(ण्ड-ग्र)कर्मन्- -र्मणि श्रापध २,२८,१३; हिध २,६,१३. दण्डा(ण्ड-ग्रा)कृति"- -तिः वैगृ 8.93: 8. दण्डा (ण्ड-श्र) जिन-(>दाण्डा-जिनिक) पा ५,२,७६. दण्डा(एड-आ)दि- -दि वताश्री १२,७; श्रशां २२,४ . दण्डा(एड-ग्र)न्तक- -न्तम् काश्रौ U.8.90; 88, 8,84. दण्डा(ण्ड-आ)यत- -तम् वैश्री 28.0:6:6:3. दण्डा(एड-आ)याम- -मम् वैश्री ११,७:99. दण्डायाम-प्रमाणक^a - - कम् श्राप्तिगृ ३,१०,४:८. दण्डा(एड-अ)र्थ- -थे श्रापध १, 38.9b. दण्डा(एड-ग्र)ई- -ई: वृदे २, 908. दण्डा(एड-अ)शनि- -निः श्रप 903,99,23. √दण्डि, दण्डयेत् वाध ३,४. दण्डन-> ॰नीय- -यः विध ५, 908. दण्डियस्वा विध ५,१७२. द्ण्डिक- (>दाण्डिक्य- पा.) पाग ५,१,१२८. १दण्डिन् - जिडनः शांधी १६, १,१६; श्रापमं २, १७, १३‡;

वागृ: या २,१. दण्डिमन्- पा ५,१,१२२. दण्डो(ण्ड-उ)च्छ्यणा(ग्ग-श्र)न्त°--न्तम् काश्रौ १६,४,३१. दण्डो(एड-उ)पानह^त- -हम् शांश्री ३,३,७; बौधौ. दण्डो(एड-ऊ)ध्रवं- -ध्रवे वैश्रो ११, v : c. दण्डय- पा ५,१,६६; -ण्डयः शंध २६४; ३०३; ३१४; श्रापध २, २६,१९; विध ५,२६××; हिध २.५.२१४; गौध १२, ५; १३, २३; बृदे २, १०६; अश्रभू ८; या २,२; -ण्ड्यम् , -ण्ड्यात् विध ५, १९५; -ण्ड्येपु विध 3, 99. दण्ड्यो(ण्ड्य-उ)ःसर्ग- -र्गे वाध 89,80. २दण्ड^e- पाग ४,१, ९९¹; ११२; ३, 904. १दाण्ड- पा ४,१,११२. दाण्डायन- पा ४, १, ९९. दाण्डायन-स्थली^६- (>°लक-पा.) पाग ४, २,१२७. दाण्डिन्- पा ४,३,१०६. दण्ड[प,]म- (>दाण्ड[पा,]मायन-पा.) २दण्ड- टि. द्र. २द्वण्डिन् पाग ४,१,९९. २दाण्ड- पावा ६,४,१४४h. दाण्डिनायन- पा ४, १,९९; ६,४, 908.

-ण्डी त्राप्तिगृ १, १, ४: ४६; दत् - पा ५, ४, १४१; ६, १, ६३; दतः आपश्रौ ६, ११, ४××; बौश्री; दृत्सु शांश्री ४,१४,२६?1; आगृ ४,३, ५; कौगृ; दक्तिः वाश्रौ ३,४,५,११ + k; वंश्रौ १६, २9: ३+; मागृ १,२३,२०+k; त्रापध १,१६,१७: गुत्र^k ३,४४; ४६; चात्र ४२:१२+; +दद्भ्यः श्रापश्रौ २०,११,१२; वेषृ. दत्-तस् (ः) वौषि १,११: १२. †दत-वत्- -वते आपश्रौ २०,१२, ५; बौथ्रौ १५,१९: १५; वायूथ्रौ ३,८३ : ७; १५; मागृ २,१६, १दत्त¹- -त्तः वीश्री १७,१८ : १; वीगृ 3,90,4. २दत्त^h- (>दात्तेय- पा.) पाग ४, ३दत्त-, दत्तक- प्रमृ. √दा द्र. दथ- पाउमो २,२,१५७. √दद[™] पाधा. भ्वा. श्रात्म. दाने, दद्ते अप ४०, ६, १४; सा २, २+;+ददन्ते" आपश्रौ १६,२९, १; बौध्रौ ३, १५: १८; २४; वैश्री १८, २०: ८××; हिथौ ११,८,२; †अदद्त्° पागृ १, ४,१६२; बीमृ १, ४, ८२; बामृ १४,१० , जैगः, मनदद्नत आपमं २, २, ५^p; आप्रिय १,१, २: २०^p; ५, १:२०^p; कागृ २५, ४ १; ४१, ५ १; बोगः; या ५, १४; द्देत् आप्रिष्ट २,३,३:१५;

c) विष. । षस.>बस. । b) पामे. पृ १२२९ p इ. 1 a) विप. । वस. । समासान्तः अच् प्र. (पा ५,४,९०६)। e) = ऋषि-विशेष-। व्यु. ?। f) तु. पाका. । दण्डप- इति भागडा. h) तु. पागम.। i) वेप १ द्र.। प्रमृ., दण्डम- इत्यपि पागम. । g) पूप. < दाण्डि- इति पागम. । j) अपसु इति पाटः ? यनि. शं।धः (तु. सप्र. त्रागृ., c. च)। k) पाभे. वैप १,१२०२ h इ. । l) = सर्प-विशेष-। व्यु. ?। m) पा ६, ४,९२६ परामृष्टः द्र.। n) पामे. वेप १, १५४० d द्र.। o) पामे. वेप १, १५५५ \mathbf{f} इ. \mathbf{i} p) पाभे. वैप २, ३खं. ?ततन्थ मंत्रा १,१,५ टि. इ. \mathbf{i}

अप १६,२,४.

†ददमान- -नात् निघ ३,१३; या ३,१६.

ददितृ- -तारः बौश्रौ १४,८:१६‡. दद-, ददत्-, ददाति-, ददाबस्-√दा (दाने) द्र.

ददाश्वस्- √दाश् द्र. दिद-, दिवस- √दा द्र. ददत्- √ट (विदारणे) द्र. दद्गण- √दा द्र. दद्व°- पाउभो २,१,११३; पागवा ५, २,१००.

दृदु-ण- पा ५,२,१००; -णः शंघ ३७६.

√दा द्र. दद्वस्-√ †दध् पाधा, भ्या. आत्म. धारणे. द्धते वैताश्रौ २५, १२^b; द्धे काश्री ४,८, २६; द्धत् आश्री २, १०, ४º××; शांश्रौ; आपश्रौ 4, 92, 3d; 88, 28, 8°; बौध्रौ १३, ३२: १९°××; माधौ; आप्तिगृ^с १, १, ३: ३५0; २, १, ५:३९; ४, ४: १०; १९: ३०: ५,३:१२; बौगृ ३,७, १२⁸; भागृ १, २०: ७; मार १,२१,२; हिर्ग १,५,१५; २, ४, १९; बौध^e ३,७, ११; १४; अद्धत शांश्री १४,२८,८; १५,६,६.

१दघन् - > °न्-वत्¹ - -वान् शुप्रा ३,१३६†. दघन्-वन् - -वा भाग्य२,२८।८†°.

द्ध-, द्धत्- √धा द्र.

श्विधत्य- -रयम् श्रत्र १,१६.
२द्वधन्¹- पा ७,१, ७५; -धन् बौश्रौ
१७, ५०: ८; भाश्रौ ९, ६, २;
हिश्रौ १५, १, ७६; -धनि
काश्रौ २५,४,३८; श्रापश्रौ २,२०,
४४×; बौश्रौ;-झा बांश्रौ १३,६,
३; काश्रौ; -झाम् श्रप ६७, २,
२; -झ बैश्रौ ८, ५: ४; विध
९९,१४.

दधन्वस्- √धन् इ.
दधाति-, दधान- √धा इ.
१दधि शांश्री १५, १५, १३.
१दधि'- पाग ५,४,१५१; -धि आश्री
२,२,१८××; शांश्री; आपश्री
१,१३,१४‡; बोश्री; या १,४;
-धिः आश्रिग् २,७,७:७;
-धिनि माश्री ६,२,४,१८; जेश्री
२५:६; -धिनी माश्री २,२,
५,२९; हिश्री ५,२,१९.
दाधिक- पा ४,२,१८.

द्धि-कंस- सः अप १, ३५,२. द्धि-क्षीर-घृता(त-ग्रा)दि- -दिभिः अप ६६,२,४.

द्धि-क्षीरा(र-अ)मृत- -तानि अप ६८,१,३५.

द्धि-ग्रह¹⁹¹— -हः श्रापश्रो १२,७, ८; बौश्रो १४, २२: २‡;२५, १३: २३; मीस् ४, ४, ८; –हम् बौश्रो ७, ४: १२‡; माश्रो; –हस्य बौश्रो २१,१७: ५; हिश्रो ८,२,२८; –हाय श्राश्री ११,२१,८‡; माश्रो; -हे बीधी २३, १९: ३१;
-हेण त्रापधी १२,७,५; वाध्यी.
दिधिग्रह-पात्र - -त्रम् आपधी
१२,२,१; बीधी; -त्रे वैश्री १५,
८: १२; हिधी ८,२,२; -त्रेण
वाश्री ३,२,५,३.

द्धिग्रह्-विकार-त्व- -त्वात् श्रापश्रो १२,७,१५.

द्धि-धर्म'- - में: काश्रो १०,१,९९; बोश्रो; - में मू आपश्रो १३,३,२; १५, १८, १७; बोश्रो; - † में स्य आश्रो ५,१३,६; शांश्रो; - † मां य काश्रो १०, १, १८; आपश्रो; माश्रो २,४,४,१८६; हिश्रो ७, ४,५४६¹; - में शांश्रो ५,१०, ३०; बोश्रो: - में ण आश्रो ५, १३,१; शांश्रो ७,१६,१; आपश्रो १३,२,१†¹; काठश्रो.

द्धिवर्म-ग्रहण- -णम् काश्रौ २६, ७,५४. द्धिवर्म-होम- -मम् वैताश्रौ

द्धिवर्म-होम- -मम् वैताश्रौ २१,१८.

द्धि-घृत- -ते माश्रो ६,२,६,२३. द्धि-घृत-क्षीर-मिश्र- -श्रम् वैध १,४: १.

द्धि-वृत-मध्(धु-उ)दक- -कानि गौपि १,५,२७.

द्धि-घृत-मिश्र- -श्रः माय २, ३,६; -श्राणाम् कौय ३, ७, ५; शांय ४,५,३.

द्धि-तण्डुल^m- -लान् श्राप्तिग् **३,** ४,१:२७.

द्धि-तण्डुल-सुरभि-गुक्तसुमनस्-

 $a)= \overline{a}$ मरोग-विशेष-। ब्यु. ?। b) पामे. वैप १ सचते मा ८, ३६ टि. इ.। c) पामे. वैप १, १५४० m इ.। d) पामे. वैप १, १५४० n इ.। e) दधात इति पाठः ? यित. शोधः (तु. उत्तरं स्थलम्)। f) वैप १ इ.। g) पामे. वैप २,३खं. तैश्रा १,१२,२ टि. इ.। h) पृ १९३ j, ४६० r इ.। i) पामे. वैप १, १५४१ i इ.। j) = पात्र-, दिधिद्रव्य- वा कर्म-विशेष- वा । k) सपा. भीय<>भीण इति पामे. । l) पक्षान्तरे वस. इति भाष्यकारः। m) मलो. तृस.।

-नसः आमिए २,३,२:४°. दधि-स्थ- पाग ६,३,१०८b. दधि-दृति- -तिः श्रापश्रौ २२, ४,५; हिश्री १७, २,७°; १६. दधि-द्रप्स^व- -प्सः हिथ्रौ १०, ५, १४; -प्सम् वैश्री १८, १३: ४; श्रामिय २,१,१: १०; हिय २,२,४; -प्सान् आश्री ६, १२, १२; श्रापश्री; -प्सेन जैगृ १, 4: 3. द्धिद्रप्सा(प्स-श्रक्त>)का--क्ता⁶ काश्रौ १८,४,७. द्धि-धा(न>)नी'- -नी वैश्री ८. ४: ३; -नीम् हिश्रौ ४, २,२७; ५, १, १२; -न्याम् श्रापध १, २९,१४; बौध २, १, ५०; हिध 2,0,09. द्धिधानी-सध(म्>)र्माष--र्मा^b श्रापध १, २९, १३; हिंध १,७,७०;-र्माः बौध २,१,५०1. द्धि-पय-आमिक्षा-पशु- -शवः बौश्रौ २७,१४: २४. दधि-पयस- -यसी पा,पाग २, ४, १४: -यसोः काश्रौ १.९.७. द्धि-पलल- -लम् कौस् २६,१३. द्धि-पात्र- -त्रान् वौश्रौ १८,४० : १६; -त्रेण अप १,३१,७; ३५, ३; -त्रै: बौश्रौ १८, ४० : २४; २६. द्धि-पीतb- पाग २,२,३७. दध-पू (र्ग)>)र्णा- -र्णाम् काश्री १७,४,१३. दधि-पृषातक!- -कम् पागृ २, 94,3.

·वैप४-त-६ o

द्धि-बद्रा(र-श्र)क्षत-मिश्र- -श्राः शांगृ ४,४,१०. द्धि-भक्ष- -क्षम् शांश्री ४,१३,२; द्राश्री ६,३,३०; लाश्री २, ११, दिधिभक्षा (क्ष-श्र) नत्।- -न्तम् द्राश्री ४, ४, २३; ६, ४, १४: लाश्री २,४,१४;१२,१५. द्धि-भक्षण- -णम् काश्रौ १०, ८, द्धि-मधु- -धु कागृ ६६, ४; मागृ १,१२,५; कौसू १०,१८; १२, १५; -धुनि कौसू ७, १९; -धुभ्याम् कप्र ३,१०,१८. द्धि-मधु-घृत- -तम् काश्रौ १८, ३,४; पागृ १, ३, ५; बैगृ ६४: ३; वौगृ २, १ : ७; वौषि ३,१, २०: -तै: काश्री १७,४, २७. द्धि-मधु-वृत-क्षीर-वर्षम् अप ७२, द्धि-मधु-घृत-तिल-तण्डल-द्रभ--भान गौषि १,२,१. द्धि-मधु-घृत-पयस्- -यांसि आमिष्ट २,५,४: ६. द्धि-मधु-वृत-मिश्र- -श्रम् आगृ १,१६,५; कौर १,१९,९; शार १,२७,६; पागृ २,१६,२. द्धि-मधु-घृता (त-श्रक्त>) का--क्ताः शांग् ५,१०,२; अप ६६, ३,१; -क्तानाम् अप ३६, ३,३; काध २७६ : ९. दधि-मधु-तिल-तण्डल--लान् गौपि 8,2,34. द्धि-मधु-भक्ष!- -क्षः कौस् २२,

4. द्धि-मधु-मिश्र- -श्रम् कौस् १९. ६; २२,६; -श्रस्य वागृ १७,६. दधि-मधु-सर्पिः-पयः-सक्त-पल-मोदक- -केम्यः विध ६८, ४५. द्धि-मन्थ- -न्थः श्रापश्री ६,३१,५; जैगृ १,१९ : ३८; —स्थम् श्रापश्रौ २२, २६, १; हिश्रौ ६, ८, १; २३, ४,१७; कीस् ४०,९; श्रशां २४, ७; -न्थान् श्रागृ २,५,२. दिधमन्थो (न्थ-उ) दमन्थ--न्थयोः द्राधौ १,२,१३+; लाश्रौ 8, 2,6. द्धि-मांस- -सस्य अप ६८, २, द्धि-मिश्र,श्रा- -श्रम् काश्री ५, ४, २४; बौश्रौ २४, २१ : ८; बौध ३, १, १९; -श्रया अप ३५, †दिधि-त्रत्- -वान् श्राप्तिगृ ३, ८, २:६३; बौपि १,५:६७. द्धि-वर्जम् विध ५१,४२. द्धि-विनाल!- -लान् बौश्रौ १८, ₹0: ७. द्धि-शेष- - षम् द्राश्री ७, २, १०; लाश्री ३,२,१०. द्धि-षो (<सो) म- -मान् जैश्रौ २०: १७; जैश्रौका २०४. द्धि-संयुत- -तम् कप्र ३, १०, द्धि-सक्त- -क्त् आगृ ३,५,५; १०; कौसू १३९,२; ६; ९; विध ६८,३०. द्धि-संभव- -वम् शंध २३१.

a) °क्काः सु॰ इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. सप्र. वैग्र २,९ः७) । सुरिभ- ? । b) तु. पागम. । c) °द्धितः इति पाठः ? यिन. शोधः । d) षस. उप. = घनीभूतांश- । e) °क्काः इति चौसं. ? । f) = स्थाली- । कास. । g) तृस. । h) परस्परं पामे. । i) तृस. उप. = पृथदाज्य- । j) विप. । बस. । k) विभाषयैक्तद्भावः (पा २,४,९२) । l) षस. उप. = सन्थन-दगड- (तु. बौधौ १८,२०:२३)।

†दिध-सम्राज्°- -म्राजा वाधूश्री ३, ६१: ५.

द्रधि-सर्पिर्-मधु-युज्- -युजाम्

दिध-सुमनस् - नसी विध ७१,५४. दिध-स्थाली - न्लीम् वैश्री १३, ४: ६

√दधीय, दधीयात् आपश्री १०, १६, १२; भाश्री १०, १०, ४; हिश्री १०,२,५०.

दध्य(धि-अ)र्ध- -र्थम् श्राश्री १२,

दध्या(धि-आ)ज्य - ज्यम् ^b माश्री १,८,१,२५; -ज्ययोः माश्री १, ६,१,२४; वाश्री १,५,२,१९.

दध्या(ध-आ)द्य(दि-अ)भ्यक्त--छाज- -जानाम् श्रप ३६, १३,१.

१दध्यु(धि-उ)दक- -के कौगृ १, १६,४; शांगृ १,२४,३.

२दध्यु(धि-उ)दक°- -कम् शंध ११६:७.

दध्यु(धि-उ)पसेक - कम् वैश्री १२,७:१.

द्ध्यो(धि-ओ)दन- -नम् कौय १, १०,१४;१९, ७; शांग्र १, १७, ७; श्राप्तिय.

दध्योदन-शेष- -षम् भागृ ३,

२द्धि°->†दध्य(धि-श्र)च्, ट्च्°--धीचः श्राश्री ७, २,३; शांश्री; बृदे ३,२३\$; –ध्यङ् श्राश्री ८, १,२; शांश्री; बृदे २,१२\$; \$३, २२; १२१; ४, १०; शुअ ४, ५९\$; निघ ५, ६; या १२, ३३∯;३४. दध्यङ्-पुत्र--न्त्राणाम् चाश्र ३०:

दध्यङ्-पुत्र- -त्राणाम् चात्र २०: २०. १३द्घि->†दधि-क्रा°- -क्राः श्राश्रौ

निध-> †दिधि-का° - काः श्राश्री
२, १२, ५; बौश्रौ १३,८:५;
२८, २:३६; श्रप ४८, ९३;
१३७; बृदे १, १२४; २, ५६;
निघ १,१४;५,४; या २,२७∮;
२८¹××; -काम् ऋश्र २,७,
४४;बृदे ४,१०२.

दाधिक^ड - - कम् ऋश्र २, ४, ३८; ७, ४४; बृदे ५, १७३; -काणाम्, -काणि बृदे ५, १; -के बृदे ५,१७३.

दाधिकी- -की साम्र १,

३५८. दधिक^b- -क्रम् जैथ्रौ २५: ६; जैथ्रौप १५.

†दिधि-क्रावन्° - - वा आश्रौ २,१२, ५; आपमे १, १४,६; अप ४८, ९३; \$शुअ १, ५६६; ३, ३३; निघ १,१४; -च्णः आश्रौ २, १२,५; ६,१२,१२; ८,३,३२; शांश्रौ; आग्निग्ट २,६,८:१०²¹; -च्णे \$बौश्रौ १३,८:२; २८,

१द(ला १का)धिवासम् त्राप्तिर २,५, १२:३.

द्धिषाय्य− √धा द्र. १द्घिषे आपश्रौ ४, ५०,४; भाश्रौ ४, १५,२; हिश्रौ ६,३,२.

१दधीतस्य म् चात्र १६: ३. दधृष्- √धृष्द.

†श्दनः श्रप ४८,११५; बृदे २,११६;: निघ ४,३; या ६,३१.

दनायु¹- -युः बृदे ५,१४४. दनु™- पाउमो २,१,७९; -नुः श्रवः

५२,१०,२; बृदे ५,१४४1. दन्त°- पाउ ३, ८६; पाग ५, २,२४; पागवा ५,२,९७; -न्तः हिश्री १४, ३, ३५; या ९, १९ ; ---तस्य पा ५,४, १४१; ---ताः शांश्री १५,१८,१; श्रप; -न्तान् श्चापश्री १०,१३,४; बौश्री; -न्ते श्रप ७२, २, ६; श्रुप्रा १, ६९; ऋप्रा २, १,७; -न्तेन श्रामिग्र २, ६,७:३०; -न्तेषु कामृ ३९. १: कागृड ४४:१८; श्रप ९, १. ५: -न्तैः काश्रौ २, २, १६; वैताश्री: -न्ती निस् १०,१३:५. दन्त-काष्ठ- -ष्ठम् श्राप्तिगृ ३,११ २: ब; कप्र १, १०, २; विध ६१,१७.

दन्त-ज- -जाः देवि १,१२. दन्त-जनन- -नात् वैग्र ५,१५ : ६; ७,५ : २; वाध ४,१०; बौध १,५,९२;९३.

दन्त-जन्मा(न्म-न्ना)दि- -दि गौध १४,४१.

दन्त-जात^d— पाग २,२,३७ⁿ; -तः वैग्र ५,९: १; -तस्य वैग्र ५,९: ११; -तानाम् वौपि ३,६,४; -ते विध २२,२९.

दन्त-जाह- पा ५,२,२४.

a) तृस. (पा २,९,३५)। उप. = सोम-। b) विभाषयैकवद्भावः (पा २,४,९२)। c) = दिध-समुद्र-। वस. । d) विप. । बस. । e) वैप १ द्र. । f) पामे. वैप १,९५४ ० द्र. । g) = स्क्ल-विशेप-। h) = L^{3} साम-विशेप-। i) विणः इति पाठः ? यिन. शोधः । f) पाठः ? दृध्यी-f- विशेप-। f0 पाठः ? ति शोधः (तु. सप्र. मे ४,२,५; ए. । आपभौ । f1) पाठः ? । । । = दक्ष-दुहित्-। व्यु. ? । f2, पागम. । व्यु. ? । f3, पागम. ।

दन्त-धावन° - नम् बौश्रौ १७, ३९: २; आप्तिग्रः - ने कौस् १४१,१४; - नेन भाश्रौ १०,३,

्दन्त-पाद-हृदयो(य-उ)दक-नासिका-सह-समान-रात्रि(?)-जाया-दारू-मास (?स) b - -मास(?सा)ः अप्रा २,४,६.

दन्त-प्रक्षालन° - -नम् श्रापध १, ३२,९; हिध १,८,५१; -नानि श्रापध १,८,२२; हिध १,२, ११०.

दन्तप्रचालना(न-म्रा)दि- -दीनि पागृ २,६,३२.

दन्तप्रक्षालनो(न-उ)त्सादना(न-अ)वलेखन- -नानि श्रापध १, ८,५^d.

दन्त-भङ्ग- -ङ्गाः अप ६४,६,७.
दन्त-मूल- -लानि श्रप ४७,२,४;
शौच १,२८; -ले शुप्रा १,६८;
-लेभ्यः श्रप ४७,२,५; तैप्रा २, ४१; -लेषु श्रप ४७,२,५; तैप्रा २,३८;४२; -लेः वाश्रौ ३,४,५,

दन्तमूल-स्थान- -नम् आशि १,१४. दन्तमलीय⁰- -यः ऋपा १.

दन्तमूलीयº- -यः ऋपा १, ४४; याशि २,९४.

दन्तमूल्य¹ - न्त्यः पाशि १८. दन्त-राजस् - -जसा कीस् ३१,१४. दन्त-राग - -गः बौश्री २,५: २१‡.

पा ७,४,५६ परामृष्टः द्र. ।

दन्त-लग्न- -ग्नेषु शंध ६२; बौध १,५,२०.

दन्त-वत् वाघ ३, ४१; शंघ ६२; बीघ १,५,१९^२; २०; गौघ १, ४४.

दन्त-वेष्ट⁸- -ष्टी विध **९६,९**२. दन्त-शङ्ख-मणि-रजत-सीवर्ण-

-र्णानाम् काध २७७: ८. दन्त-हिलष्ट- -ष्टेषु गौध १,४४. दन्त-सक्त- -क्तेषु वाध ३,४१;

दन्त-सक्त- -क्तंषु वाध ३,४१; बौध १,५,१९.

दम्ता(न्त-श्र.)ग्र- पाग ४, २, १३८^h; -ग्रेण श्रप १८, ३, ७; -ग्रे: शुप्रा १,८१.

दनताग्रीय- पा ४,२,१३८. दनताश्रीक- -अये जैग्र १,

२:२२; - (झ: जैगृ१,२:१४. दन्ता(न्त-ग्र)न्तर-वेष्टित- -तम् विध २३,५२.

दन्ता-वल- पा ५,२,११३.

दन्ता (न्त-न्ना) विष्करण- -णम् मान्नौ २,१,२,३२.

दन्तुर- पा ५,२,१०६.

दन्तूल- पा ५,२,९७. दन्तो(न्त-उ)ॡखल-> ॰खलिक¹-

-कः आप्रिय २, ७, १०:९; विध ९५, १५; -काः वैध १, ८.१.

दन्तो(न्त-ओ) छ- - छम् नाशि २, ८, १३; - छौ अप ३३, १, ९; शैशि १६२; याशि १,२७. दन्तो छव - - छवः आशि १,१६ . २; -न्त्यस्य ग्रुप्रा १, ४२; -न्त्याः ग्रुप्रा १, ७६; ८, ४०; पाशि १, १५; दिव १, ३; पाशि १, १५; द्रेवि १, ३; -न्त्यात् ऋत ४,४,४; -न्त्यात् ऋप्रा १४,३९; -न्त्याताम् शौच १, २४; आशि २, ८; -न्त्ये ऋत ५,३,४;७,९; पा ७,३,७३. दन्त्य-मूर्धन्य-माव- -वः ऋप्रा ५,६१. दन्त्यो (न्य-श्रो) १९- -ष्टो माशि १५,३.

दन्त्य- -त्त्यः ऋत ५, ७, ११;

-त्यम् ऋत ४,४,८; दंवि १

दन्त्योष्ठ-करण!- -णम् माशि १४,१०.

दन्त्योष्ठ-विधि-विस्तर--रम् दंवि १,१. दन्त्यो(न्य-श्रो)ष्ठय¹- -ष्ठयः

शैशि ४३; पाशि १७. दन्दश्क- √दंश द्र.

दन्द्रमण- √द्रम् द्र. दब्धि- √दम् द्र.

दन्द्रकी^m— -कीः हिश्रौ २१,३,१०. √द्म्,म्भृ पाधा. स्वा. पर. दम्मने, दमत् बौश्रौ ६, ३१:११ $\frac{1}{7}$;

†दभाति आश्री ६, १४, १८; ९, ५, २; मार २, १७, १; †दभेयम् बौशी ३, १८: १४; भाश्री ४, १४, ४; माश्री १,४,

२,४; वाश्री १,१,३,४. दभ्नोति श्रप ४८,१९‡; ‡निघ

a) भाष., नाप. (दन्त-काष्ट-)। उप. $< \sqrt{\sqrt{2}}$ धाव् $\lfloor v \rfloor$ और $\lfloor v \rfloor$ शांप्रं $\sqrt{2}$ (='स-अप्-पुं $\sqrt{2}$) इति संस्कर्तुः शोधः $\lfloor v \rfloor$ = दन्त-धावन-। क्षालनो॰ इति पाभे.। e) e) e $= \sqrt{2}$ इंगः प्र. उसं. (पा e, २,६२)। e0 नाप.। उस.। e1 श्र्यंः $| v \rceil$ श्राम- इति वश्चित् $| v \rceil$ प्रामा $| v \rceil$ कस.। $| v \rceil$ वस.। $| v \rceil$ कस.।

b) हस. । °मासः पुंसि इति पाठे d) सप्र. दन्तप्रक्षालनो° <> पादप्रf) भवार्थे यत् प्र. (पा ४,३,५५)। i) विष.। वस.। j) विष. m) = व्यप.। व्यु.?। n) या ३,२०

२, १४; १९; या ६, ३; दम्न-वन्ति या ५,१२^३.

देसुः या ५, १२†; †दभन् आपश्री ४,६,४; १६, १८, ७; बीश्री; या १४,३७; अप्राय २, ५?*.

†दिप्सित कौस् ४३,३७; अप ३२,१,८; अप्रा ३,१,१३.

†दन्धि - न्हिंधः श्रापश्री ४, ९, १३; बौश्रौ.

दभ^b- -भाय श्राश्री ८,१०,१[‡]. दम्भ^c- पाग ३, १, १३४; -म्भः श्रापध १,२३,५; हिध १,६,१३.

दास्भिक- -काः श्रप ५१, ५,१.

दम्भ-दर्प-लोभ-मोह-कोध-विवर्जित- -ताः बौध १,१,५. दम्भ-लोभ-मोह-वियुक्त- -काः गौध ९,६.

दभ्र^d- पाउ २, १३; पाग ४, १, १५१°; -श्रम् निघ ३,२; २९; या ३,२०; -श्राः शांग्र ३, १३,५‡; -श्राणि या ३,२०‡. दश्र-मिश्र- -श्राः बौश्रौ २६,३२: २८.

√दम्¹ पाधा. दिवा. पर. उपशमे, दमयेत् गौध ११,३०.

१दम8 - -मः वाध ६,२३; श्रापघ; —मेन विध ७२,५; बृदे ८,१३०. दम-दान-शील - -लः गौघ ९, ७०.

दम-मनस्- -नाः या ४,४. दम-यम- -मेन विध ७२,१. √दमाय^d, अदमायः ऋपा ९, ५०.

दमायत् - - यन् ऋप्रा ९,१६. दमथ- पाउ ३,११३.

दमन- पाग ३, १,१३४; -नः ऋष २, १०, १६^h; ग्रुष्र ४, ५५^h; -नात् गौघ ११,३०; या २,२. दमन-शील- -लम् या १४,

दमित- पा ७,२,२७. दमितृ- -ता बौधौ १८, ३१: १६ -

दमिन्- पा ३,२,१४१. दम्यां- -स्यो बौग्ट १,२,६१.

रदान्त— पा ७, २, २७; —न्तः निसू ५, ८: १५; वाघ २९, २१; श्रापघ १, ३, १९; विघ ८९, ४; हिघ १, १, ९२; चब्यू ४: १७; —न्तम् श्रापश्रौ २०, २,१०, हिश्रौ १४,१, २४; श्रप ३,३,८; विघ ९२,१०; —न्तस्य श्राप्तिग्र २, ५,१: ५२; जैग्र २, ९: ३८; विघ ७२, ३; —न्ताः श्रप ३०,२,१; ३१,७,१; ५१, ४,३; —न्तेन श्रापश्रौ ६,२९,८; —न्तेषु द्राश्रौ ५,४,१९. दान्त-शान्त— -न्तयोः पावा

२द्म - -म: श्रव ४८, ८९‡; या ४, ४; -मे बौश्री ३, ८: २८; निघ ३, ४‡; -‡मेऽ-मे श्राश्री २,८,३; शांश्री २,४,३³; बौश्री ८,१९: १८.

19, 2, 30.

इद्म¹- -मम् शंध ११६:६९^३. दमुनस्- पाउ ४, २३५. दमून¹->°न-व(त्>)ती™- -त्यौ-वौश्रौ २८, २:४३.

†दमूनस्^d – -नाः आश्रौ २, ११, ९; १२, ५××; शांश्रौ; या १, १४; २,२;४,५∳; श्रश्रा २,२,९; ३, ४,१.

ृदस्ना श्रप ४८,११६. दम-पति^व- -तिभ्याम १

दम्-पति^व - - - तिभ्याम् श्राप्तिग्र १,५, ५ : ११;१२;६,३ : ६४ †;६५ †; -ती माश्रौ ३,३,६; वाश्रौ; पाग २,२,३१; - त्योः कप्र ३,१,१; श्रप.

√दम्भ् √दभ्इ.

√द्य् पाधा. भ्या. श्रात्म. दानगीत-रक्षणहिंसाऽऽदानेषु, दयते श्रप ४८,११६‡, निघ४,१‡; या४, १७; दयन्ति श्रप ४८,११६‡. ‡दयमान- -नः या ४,१७; -नाः°

या ४,१७; ९,४३. दया- -या वाध १०,५; विध २, १६; गौध ८,२१. दया(या-स्र)न्वि(त>)ता--तास विध ९९,२२.

दया-पूर्व -र्वम् वौध २, १०,

दया-युक्त- -क्तः वैध ३,१२,८. दया-सत्य-शोचा(च-म्रा)चार-युत- -तः वैध १,४,४.

दयालु- पा ३,२, १५८; -लुः वैध ३,५,७. द्वित- तम् वैश्री २०, १७: १;

a) ° श्यन् इति पाटः ? यनि. शोधः (तु. सपा. ऋ १०,१२०,४)। b) भावे कृत्। c) भाप., नाप. (पाग.)। d) वैप १ द्र. । e) =ऋषि-विशेष-। तु. पागम. । २दर्भ- इति भाण्डा. प्रमृ. । f) पा १,३,८९; ३,२,४६;७,३,४४ परामृष्टः द्र. । g) विप., भाप. । h) =ऋषि-विशेष-। i) नाप. । यत् प्र. (पा ३,१,९८)। j) = ऋकिरो-विशेष-। k) मदम् इति ऋषु २१९,२०। l) = दुमृनस् (ऋ ५,४,५)। m) = संयाज्या-। n) या ४,१७ पा ३,९,३७ परामृष्टः द्र. । o) पामे. वैप १,९५४६ k द्र. ।

विध ९२,३२. दर- √ह, दृ (विदारऐं) द्र. दरक- पाउना ५,४४. दरण- √ह, दृ (विदारणे) द्र. श्टरद- पाउ १,१३०. २दरद् ध,दb]- पाग ४, ३, ९३; -दान् अप ५०,२,२. दारद- पा ४,३,९३. टरि- पाउमो २,१,१५२. नंदरिद्र°- -∘द्र शुप्रा २, २०; -दः वैगृ ४, ४: २६; कप्र; या १२, १४; -द्रम् काश्रौ २५, ११, २५; बौश्रौ: -द्रान् श्राप्तिगृ ३, 3,9: 0; 99,9:99. दरिद्र-ता- -ता श्रप ६७,८,७. दरिद्री /क्> दरिद्री-कृत्य वौध 2, 2, 40. √दरिद्वा^व पाधा. श्रदा. पर. दुर्गतौ. दरिन- √ह (श्रादरे) द. दर्त- √ह, दृ (विदारणे) द्र. दर्दर- पाउमों २,३,३५. दर्दरीक- पाउ ४,२०. दर्दर°- पाउ १,४०; -रः विध ४४, २७; -रम् अप ४८,८० ई. दार्दुरिक- पा ४,४,३४. दर्दरो(र-उ)दर-देश- -शौ याशि 2, ६4. दर्द- पाउं १,९०. दर्प-, दर्पण-, दर्पित- √हप् इ. रदर्भ'- पांड ३, १५१; पांग ३, १, 9388; 8, 2, 60; 3, 987; -·भे श्रश्र १९, ३२[‡]; -[‡]र्भः

श्रापश्री १,६,१०; बौश्री; -र्भम् श्रापश्री १,१४, ६××+; भाश्री; -र्भाः श्रापश्रौ ९, ११, ८; १५, १६, ५; बौश्रौ: -र्भाणाम् श्रापश्री १,५,१२; ६,४; भाश्री; -र्भान् आपश्री १, ३, ६××; काठश्री; -र्भानाम् माश्री १,८, २,२३; -र्भाभ्याम् माश्री १८, ३,३; २,५,३,७; वाधौ; -र्भाय वैगृ २, १२: १३; -में वैश्री ३, ५ : १२ =; १२,६ : ३; हिश्रौ १, ३,४ ई; वैधं २, ९, ३; -भेंग श्रापश्री २, १, १; बौश्री; - भेंपु श्रापश्री १, १६, १०; २, 8,90; &, 6,99; 88, 30. ८h; १५, २१, १०; काठश्री; -भैं: त्राश्री ३,१२,१६; आपश्री; -भौ श्रापश्री १, ११, ६××; दार्भ'- - भम् वैश्री ३,५: ५; द्राश्रौ १०,४,३; लाश्रौ ३,१२, ३: -में जैश्रीका ७; द्राश्री १२. ३, ७; लाश्री ४, ११, ८; -भेण काम २५,४. दार्भी- -भीं हिश्री १४, १, २०; -भीम हिश्री ४,२,६११1; ३,१७; - भ्यः द्राश्रौ ११,१, २; लाश्री ४,१,२. दर्भ-कुलाय- -यम् बौश्रौ ३, १: 4:93. दर्भ-कृर्च- -र्चान् माश्री ४,४,८; -चेंन कप्र ३,१०,१.

दर्भ-क्षर-कर्मन्- -र्भ कागृ ४०, दर्भ-गुरु-मृष्टि"- - ष्टिना वाश्री २, २,३,२३. दर्भ-ग्र-मृष्टि"- -ष्टिना आपश्री१७, 9३, ६¹; हिश्रौ १२, ४, ८¹; श्रापगृ २०,११. दर्भ-चटु"- -टी कप्र २,९,२५°. दर्भ-तरुण- -णाभ्याम् भाश्री ६, १४,१६; भाग १,३ : ८; हिए १, १, २७; जैय १, २: ५, -णेन ब्रापश्री १२,२४, ५; वैश्री १५, ३१: ४; हिश्री ८,७,४३; -णी वैश्री २,९: ५. दर्भ-तरुणक- -के शुत्र १, २९५; -कै: श्राष्ट्र ४,६,११. दर्भ-तृण- -णाभ्याम् हिश्रौ ३, ७, ११५; श्राप्तिय १, १,१: दर्भ-नाडी- -डी: बौश्रौ १,३: ३, -डीम् बौश्रौ ६, १२: ७; १२, ९: १; वैश्री ३.४:४; -द्या वैश्री १२, १६: ६; -ड्याम् बौश्रौ ६, १२:६; १२, ९:४; -ड्यो हिश्रो १,२,२८. दर्भ-पवित्र- -त्रे माश्री ४,२,७. दर्भपवित्र-पाणि^p- -णिः श्रप १८,१,१०; शंध ३९०. दर्भ-पाणिP- - णिः कागृ ९,४; मागृ १,४, ५; ९; ५, ३; वाय ८,५; विध ७३,२५. दर्भ-पिञ्जील- -लानि भाश्री १०,

a)= देश-विशेष-। व्यु.?। b) [पक्षे] भाण्डा., पागम.। c) वैप १ परि. १दरिव्र- द्र.। d) पा ६, १, ६; १९२; ४, ११४ पावा ६, ४, ११४; ७, २,४९ परामृष्टः द्र.। e)= मण्डूक-, उदर- [अप.]। e व्यु.?। e वैप १ द्र.। e विशेष २१,६:e उपविष्टम् व्यु.?। e वैप १ द्र.। e विशेष २१,६:e उपविष्टम् व्यु.?। e वैप १ द्र.। e विशेष २१,६:e उपविष्टम् इति पाभे.। e विशेष अण् प्र. (पा ४,३,१३५)। e विशेष इति पाठः? यनि. शोधः (तु. भाष्यम्)। e वैप १ द्र.। e विशेष १ द्र.। e विशेष

३,१२; -काम्याम् भाश्रौ १०, ४,८; -केन भाश्रौ १०,४, १२; -कै: भाश्रौ १०,५,१.

दर्भ-पिञ्जु° क्यू क्री - - कीः गोय २, ९,१४; ४, २,२८; जैय १, ११:११; द्वाय २,३,२४;३,५, २०; - क्रीभः गोय २,७,५; कौस् २५,३७; - कीम् गोय ४,३,२; १३; - ह्यः गोय २,९,४; - ह्या कौस् ५३,२०; ७९,१४. दर्भपिञ्जूली-शेष - - पान् जैय १,११:१९.

दर्भ-पिञ्जूल^b— -लानि माधौ ३, ८,३; काग्र ७२, १; —लाम्याम् माश्रौ २,१,१,३५; —लैं: माश्रौ १,१,१,१८; २,१,१,४०; कौग्र ५,८,५; पाग्र १,१५,४.

दर्भपिष्जूल-वत्- -वता शांग्र ६,२,१२.

दर्भ-पुक्षील — - लम् बौश्रौ ८,१५: २८; २१, २४: ३; २५, १०: १३; — लान् श्रापश्रौ १४,२०,८; वैश्रौ २४,६: ७; हिश्रौ १५,५, २४; — लानि बौश्रौ २,८: ७४: वाध्श्रौ; — लाम्याम् श्रापश्रौ १०,६,९१; हिश्रौ १०,१,४३; — लेन श्रापश्रौ १०, ७, ३; वैश्रौ १२,७: ७; हिश्रौ १०, १,४६; — ले: श्रापश्रौ १,२,३××; बौश्रौ.

दर्भ-पूतीक°- पाग २,४,११. दर्भ-पूतीक-भाङ्गा- -ङ्गाभः कौस् २२,१४.

दर्भ-पूल- -लेन वैष्ट ३,१६:१०. दर्भ-प्रमृति- -तयः श्रप ३३,१,७. दर्भ-प्रान्त - न्तानि कौस् ५३,२. दर्भ-मणि⁰ - - िम् श्रशां १९,४;६. दर्भ-मण्डलद्वीपिन्⁰ - - पिभिः द्रागृ ४,२,७¹.

दर्भ-मय- पा ४,३, १४४; -यस् आपश्रौ १, ३, ५; १८, ५, ८; वौश्रौ; -ये आपश्रौ १५,५,२०; भाश्रौ ११,५,२०; नेश्रौ १३,७: २२; हिश्रौ २४, २, ६; -येन कीगृ ५,३,२४; हिपि ८: १. दर्भमयी- -यी आपश्रौ २०, २, ७; -यी: वौश्रौ ३,१: ५; १४; -यीम् वाश्रौ ३,४,१,१४; -योम् वाश्रौ ७,११,२; भाश्रौ ७,८,१८.

दर्भ-मुष्टि - श्विना द्राश्री ५,३,२३; लाश्री २,७, २०; आमिए २,५, ९:४; बौए ३,५,१९; जैए २,६:४; -श्विम् काठश्री ३; १२; माश्री; -श्वेन् माश्री २, ५,२,९; माए १,६,२.

दर्भ-मूल- - ले वैश्रौ १२, ६: ८; विध ७३,२२. दर्भ-र- पा ४,२,८०. दर्भ-रज्ज- - ज्जुम् वैग्र ५, ६: ४; - ज्ज्वा माग्र १, ११, ५; कौसू १६.२५:३९.१९.

१६,२५;३९,१९. दभरज्जु-संवीत- -ताः वैष्ट ५, २:१४.

दर्भ-रोमन्⁸ - -मा विध १,३. दर्भ-लवन^b - -नम् कौस् ८,११. दर्भ-वदु¹ - -दुम् गोगृ १,६,२१. दर्भ-वीता - -तासु श्रागृ ४,८,२७. दर्भ-शर - पा २,४,११. दर्भ-शुल्य- - ल्बम् कीस् ४६, १९; - ल्बेन वाग् १४,२.

दर्भ-शेष- -षम् आपश्रौ २,१,१०. दर्भ-संख्या- -ख्या कप्र २,९,२५. दर्भ-संमित- -तम् गोग्र ४,७,९, द्राग्र ४,२,९.

दर्भ-सूची । -च्या कौग्र १,१४, ७; शांग्र १,२२,९.

दर्भ-स्तम्ब - न्यः बौश्रौ २२,१९:

१७; -म्बम् श्रापश्रौ ९,५,४××;
बौश्रौ; -म्बस्य बौश्रौ २२,५:
१६: -म्बे श्रापश्रौ ९,३,९××;
बौश्रौ; - म्बेषु बौग्र ३,५,१८;
श्रशय ५,२.
दर्भस्तम्बो(म्ब-ड)त्पत्ति- -तौ
श्रप ७२,३,११.

दर्भ-स्तम्भ - स्मम् काग् ४३,४. दर्भ-हस्तः - स्तौ वाग् ५,२५. दर्भा(र्भ-अ) म - प्रम् माश्रौ १, ८, ४, २४; बौपि २, ९, ४; कौस् ४४,३७; -म्राम्याम् कौस् ६१, ६; -म्रे आपश्रौ ६, १५,५; आपग् १,२२; बौग् १, ३,११; द्वाग् १,२,१२.

दर्भाग्र-मुष्टि— -िटना श्रापश्री १६, २१, ३; वैश्री १८, १६: २८; १९,६: ७१; हिश्री ११, ७,४.

दर्भा (भै-स्रा)दि- -दीन् स्रप ३३, ५,८; वैध २,१,६. दर्भा(भै-स्र)न्तर्हित- -तेषु स्नागृ ४,

७,१०. दर्भा (भे-श्र)म्बर-धर- -राः वैष् ५, २:१४

a) गोगृ. पाठः । b) वैप १ द्र. । c) ॰पूली॰ इत्यपि पागम. । d) = रक्षाकरएड-विशेष- । e) तु. श्रान. । कस. उप. द्वस. > मत्वर्थायः प्र. । f) सप्र. गोगृ ४, ७,१२ शादासंमितं मण्डलद्वीपसंमितम् इति पामे. । g) विप. । वस. । h) = लिवन । कास. उप. करऐ। प्र. । i) = [ब्रह्मएः] कुशानिर्मिता- पुत्रिका- । सपा. ॰चुट - इति ।लैवि.]; ॰वुट -, ॰बुट - ।तु. MW.] इति ।वावि.] च यथायथं पामे. । j) उप. = श्रप्रभाग- ।

दर्भा(र्भ-त्र)र्थ- -थे त्रप ३१,९,१. दर्भा(र्भ-श्र)वस्तीर्ण- - जें कौसू २१, दर्भा (भ-श्रा)सन- -नेषु वैगृ ३,१३: दर्भा(भ-आ)हार"- -राय कौसू १, २४; ६१,३८. द्भे(भ-इ)ण्ड्व- -ण्ड्वम् गौषि १, ३,२; -ण्ड्वे कौसू २६,३०. टर्भे(भ-इ)ण्व- -ण्वम् श्रापगृ ४,८. दर्भे (भ-इ)ध्माबहि:-परिधि-विष्टति-पवित्र-हवि:-कपाल-सक्-स्वा (व-श्र)रणि-कृष्णाजिन-प्रणीता-(ता-म्र)ग्न्युद्वासनb- -नेन बौश्रौ २८, १०: ९. दर्भे(र्भ-इ)षीका- -कया आपश्री १०,७, ३; भाश्रौ १०, ४, १२; हिश्रौ१०,१,४६; -काभिः माश्रौ २, १, १,३८; माय १, ११, ८; -काम् अप ३६,६,२; १४,१. दभौं(भै-उ)पक्लप्ता(प्त-आ)सन--नेषु आप्तिगृ २, ३,३ : ६. दर्भो(र्भ-उ)ल्क, ल्का- -ल्कया वैध २.१५.४: - ल्केन वैग्र १,१२:९. २दर्भ (=दल्भ-)°- पा ४, १, १०२; पाग ४,१,१५१^d. दार्भायण- पा ४,१,१०२; -णाः बौधौप्र ३: २; ४४: १. दार्भि - भेयः बौश्रौप्र १७: १७; -भि: बौश्रीप्र १०: २. दार्भ्य°- पा ४,१, १५१; - भर्यः बृदे ५,५०;७६;७७; - भ्याः बौश्रौप्र

दर्भन- 🗸 ह, दृ (विदारणे) द. दर्व°- पाउ १, १५५1; -वेंण शांग्र ४, १५, १९⁸; -वें: बौथ्रौ १५, 99:944. दर्वि,वी°- पाउ ३, ८४; ४, ५३; - † • वि आशी २, १८, १३h; काश्री ५, ६, ३० भ; श्रापश्री ८, ११,१९º; बौश्रौ; पावा ७, ३, १०९: -विं: काय ६३, १४ ई; कीस् ८८,८१-१०१; अप ४४, ४, ४‡; विध ७३, १७-१९; श्रश्र ९, ६ +; - विम् बौश्रौ १५, १९: १२; † कौसू ८७, २४; १३८, १२; -वीं बौगृ १, ३, १३; १४ ‡; कप्र; -वीं: वाध्रुश्रौ २, ५: १^२;्र -चीम् श्रापश्रौ ८, ११,१९; बौँश्रौ; - ‡०वें माश्रौ १,७,५,२९; वाश्री १,७,३,२१; वैताश्री; -व्या काश्री ५,६,३०; ग्रापश्री; -व्याम् बौश्री १७, ४१: ६; १२; भाश्री. द्विं-कूर्च-प्रस्तर-परिधि-बर्हिर्-विष्टति-पवित्र-वेदो(द-उ)पवेषे-(प-इ)ध्म-द्रब्य-संभार--राणाम् बौश्रौ २७,१ : २२1. दर्वि-कृत- -ते कौसू ६२,४; ६८, 30. दविं-दण्ड- -ण्डे बौश्रौ १७, ४१: £;93. द्वि-होम- -मः काश्रौ १५,३,१४; ब्रापश्री २२, २५, २१; २४,३, २; हिश्रौ ३, ८, १६; २३, ४, १५; मीसू ८, ४, १; -मम् बौध्रौ १४, १९: २८; -माः काश्री ६, १०, १०; आपश्री १३,१,४; २२,१८,१९; बीश्री;
—मान् आपश्री २४,३,९; हिश्री ३,८,१५; —माय वाध्री ४,१०३३:६; —मे कीस् १३८,१५; —मेन काश्रीसं २९:७; —मेम्यः हिश्री ३,८,२३; —मेषु भाश्री ५,११,३.

दार्विहोसिक¹, का— -कः भाग्र २,१५: ५; -कम् श्राप्तिग्र १,६,३: ५८; -का भाग्र ३, १:२८; -काम् भाग्र ३,१: २९.

दार्विहोमिकी- -कीम् बौध २,१,३३; ४,२,१०. द्विंद्दोम-चोद्ना- -ना वाश्रौ १, 9,9,28. द्विहोम-धर्म-- -मैं: वाश्रौ १, 9,9,20. द्विहोम-वत् वैश्रौ १३,८:६. द्विहोम-संर कार- -रेण श्रापश्रौ १५,६,७; भाश्री ११,७,१. दर्विहोमा(म-श्रा)कार*- -रम् बौध्रौ १०, ५३: १. द्विंहोमिन्- -मी या १, १४. दवीं-कूर्च-प्रस्तर-परिधि-बर्हिः -पवित्रे(त्र-इ)ध्म-द्रब्य-संभार--राणाम् बौग् ४, २,91. दवीं-दण्ड- -ण्डे आमिए १, ३, दवींदण्ड-सूत्र- -त्रेण आप्रिय 2,3,3:96. द्वीं-निष्टपन-काल- -ले आप्तिए १, ७, ३ : १७.

दर्भण- √हम् (प्रन्थे) द्र. । वाश्रा १४, १९: २८; -माः

a) नाप. । उस. उप. कर्तिरि कृत् । b) समाहारे द्वस. ।

d) दश्र- टि. द्र. । e) = दिन- । व्यु. १। f) < √दू । विदारणें। ।

d) दश्च- ।ट. इ.। ϵ) = ५।५ । अप्र. दिवि॰ < > दवि॰ इति पामे.। \hbar) पामे. वैप १, १५४७ k इ.। i) सप्र. दिवि॰ < > दवि॰ इति पामे.।

g) पाभे. पृ ८१७ a इ.। j) तस्येदमीयष् ठक् प्र.।

c) वैप १ द. ।

k) विप. । बस. ।

२२: 9.

दवीं-प्रमाण- -णम् आप्रिय २, ३, 9:93. द्वी-सूक्-सूव-प्रणीता (ता-श्रा)ज्य-स्थाली-चरुस्थाली- -ली: वैगृ 8,9: 3. द्वीं-होम- -मः बौगृ १, ४, ३९; -मम् बौग् ४,९,३; -मस्य बौग् १, ४, ४४; -मेन वाध्रश्री ४, 981: 4: 9:94: 27. दर्ब्या(वॉ-आ)कृति"- -ति अप २३, द्रव्या(वी-आ)चमनb- -नम् पागृ 2,98,28. दर्धा(वी-२ आ) ख- - चम् अप २३, दब्धुं (वी-उ)दायुवन - - नम् आपश्री ८,११, १६; माश्रौ ८, १२, ३; १३,४; वैथ्रौ. १,२दर्श- प्रमृ. √दश् द्र. √दल पाघा. भ्वा. पर. विशरणे, शब्दे; चुरा. उभ. विदारणे. दल- पाग ४,२,८०; ५,२,१३१. दलिन्- पा ५,२,१३१. द्र्य- पा ४,२,८०. द्लित- पाग २,१,५९. दलत्- (>दालत्रक- पा.) पाग ४, दलप- पाउ ३, १४२; पाग्न ६, २, 938. दलिक- पाउमो २,२,१५. दलीप⁴- (> दालीपि°->°पायन-पा.) पाग २,४,६१.

8, 9,904. दाल्भ्य- पा ४,१, १०५; -ल्भ्यः बौश्रौ १८,३८: १६ +; -हभ्यम् ऋग्र २, ५,६१; -हभ्यस्य बौश्रौ १८, २६ : १०; भाग २, ६ : १६; शुप्रा ४,१६. दिलम- पाड ४,४७; पाग ८,२,९. दिल्म-मत्- पा ८,२,९. दवर- पाउभो २,२,३८. दवस्8-> ॰स्-वत्-, द्विष्ठ- पा ६, 8,944. दवीयस्- पा ६,४,१५६; -यः या ९,१३ ; भाशि १३. द्विद्युतत्−, द्विद्योत् √युत् द्र. दविष्वत्- √ध द. √दश् √देश् द्र. √दश्^ष (=√दाश्)> *दशस-> àदशस्य, दशस्यति श्रप ४८,२८; दशस्यथ>था ऋप्रा ८, ३२; दशस्य>स्या ऋप्रा ७, ३३. दशस्यत्- -स्यन् ऋपा ७, ४५; -स्यन्ता आपमं १, ११, 99?h. १दश,शा'- -शया माश्री २,३,४, २०; २४; ५,94; ६,90; ४,२, ३६; -शा काश्री ४, १, १७; माश्रौ २,३,१,१८; वैश्रौ ९,६: १०; -ब्राः कौगृ २, ७, २०; शांग्र २,१२,५; -शात् वैगृ १, ३ : २‡; -शाभिः श्रापश्रौ १२, २९,९; १३,१५,२; बौश्री; वैश्री १६, १८:३¹; -शाम् आश्री दल्भ'- (= २दर्भ-) पाउ ३,१५१; पाग

२,७,६; शांश्री; -शायाम् काश्री ७, ३,२५; बौश्री; -शास बौश्री ११,६: २८; १२,७: ३८: वैश्री १४,१४: १२; कीय ५, ४,८: -शे लाश्री ८, ६, २२; -शेन गौषि १,१,१२. दशा(शा-आ)ख्या- -ख्या लाश्री ८ E. 29. दशा-ग्रन्थिक8- -के कप्र १.५.९. दशा(शा-अ)नत- -नतम् वैश्री १४. १४: १३; वैगृ ५,२:४; शंघ ७२. दशा-पवित्र- -त्रम् काठश्रौ १२४: बौश्री ७, ६ : २०; ८, १ : २३; माश्री; -त्रस्य त्रापश्री १०,२६, ११; भाश्री; -त्रे वौश्री ६,३०: ३××: माश्री; -त्रेण काश्री ९. ५,२३;६,१५; बौध्रौ. दशा-वत् आपश्रौ १२,१४,११. दशा-सूत्र- -त्रम् बीगृ ४,२,६. २दश- (>दाश्य- पा.) पाग ४, २, 60. १दशत्- √दंश् द्र. २दशत्-, दश-ति- दशन्- द्र. द्रान्8- पाउमो २, १, २७७k; -श थ्राश्रौ ५,१२,१५^२; ‡शांश्रौ ७, १५,७२; १२, १४, १३; काश्री; माश्री ५, २,८,१७1; श्रश्र १५, १७१ ः १९, ४६; श्रपं ४: ५; या ३,९‡,१०; -शS-श आशौ ९, ३,१८; शांश्रौ; - †श्रीमः ब्राश्रौ ४,७,४; शांश्रौ ५,१०, ८××; काश्रौ; -शभि:ऽ-शभिः

d) व्यप. । व्यु. ! । a) विष.। बस.। b) उप. = मुख-। c) = दब्धैन्त-। उप. <उदा $\sqrt{2}$ । g) वैप १ द. I e) < दिलीप- इति पागम., श्रम्ये तु यनि. इति । f) = ऋषि-विशेष- । व्यु. ? । j) °शभिः इति पाठः ? h) ॰लवा इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. ऋ ८,३१,९)। i) वैप १,१५५२ e इ.। यनि. शोधः (तु. उत्तरं स्थलम्)। k) $< \sqrt{ दाञ्च इति । } l$) पाटः ? द्वादश इति शोधः (तु. श्रत्रैव विंशे स्त्रे द्वादरा प्रैष-प्रतीकानि सा. L तैत्रा ३,६,२,२। च)। т) पाठः ? दशकम् इति शोधः (तु. श्रश्र १५,१५)।

आपश्री १६, २०,१०; -शस्यः आपश्री २२, १७, ६; बीश्री; -श्च आश्री ८,१३, ८; काश्री; -श्चप्रऽश्च काश्री १६,७,१९; बीश्री; -शानाम् आश्री ४,१३, ७३; आपश्री.

दश-क°- -कः सम्र १,४,६; १०, ३; २,३,२८; ग्रुअ; -कम बौग्र ४:६; ७; अग्र; -काः सम्र १,६,७; ग्रुग्र; -काः सम्र १,६,७; ग्रुग्र; -काः नैघ ३, ५,७; -के स्र १,८,३; -के स्र १,८,३; -के स्र १,८,१; ग्रुग्र दशक-द्वय- -यम् सम्र ३,४,५. †दश-कह्ये - -ह्यः वाधूश्री ३,४९:२; -ह्ये भ्यः या ३,९. दश-कपाळ- -छः काश्री ५,१२,३; श्रापश्री २२,१८,१२; बौश्री २६,३०:१०;१३; -ळम् शांश्री १८,१३,७; काश्री. दश-कर(0>)01- -01 काग्र २,८.

दश-कर(प)) नाज कर का का कर कर दश-कर्स (:) काओ ७, ५, ९०; ब्रापक्षी २,७,९; बौधी.

१दश-क्रम- -मात् खुस् २,९:१५. २दश-क्रम^b- -मम् निस् ४,८: ३७:९,१०:२८.

१दश-ग(ग्(>)णा^b- -णा श्रशां २४,४.

दश-गणा(y-x)धि(x)का c -काः काश्रौ १७,७,३०.
२दर्श-ग(y)

१८२,१९,३.

दश-गव $^{\circ}$ - > $^{\circ}$ वा (व-म्र) वरा-($^{\imath}$ ($^{\imath}$ 2) $^{\imath}$ 2 - $^{\imath}$ 4 कौस् ८२, ४१.

दश-गुण^b— -णम् श्रप ६९, ३, १; शंघ ११४.

दश-गुणो(ण-उ)त्तर- -रान् गौध १३,१६.

दश-मृद्दीत- -तम् श्रापश्रौ २,७,६. दश-म्राम- पाग ४,२,८०;११६^६. ःदाशम्रामिक(क >)का-, °की- पा ४,२,११६.

दश्रमा(म-श्र)ध्यक्ष- -क्षाय विध ३,१२.

दशयामिक- पा ४,२,८०. दशयव⁸- -ग्वम् ऋपा ७,४६. २दशत्⁸- -शत् पा ५,१,६०; -शतः श्राश्रौ ८,५,७; श्रापश्रौ २०,१४,४;२२,१७,५; हिश्रौ

१७,६,४२; या ३,१०; -शतम् श्रापश्री ५,८,८‡; २२,१७,६; बौश्री. दशद्-अर्थ- -थें पावा ५,१,

१९. १दशतत्रयं च के श्रश्न १९,४५. दश-तय^६ – -यम् बीश्री ६,३:१६;

वाधूश्रो ३,७६: ३६. दशतयी!— -चीपु आपश्रो १७, २६,१०; हिश्रो; या ७,८; २०; १६,१६; १२,४०.

दाशतय। -ये बौश्री २४,

१३ : ८; २५, ४ : ११; आसिष्ट ३,६, २ : २२; बौपि १,१० : १८; ऋअ ३, ३७; —येन निस् २,११ : २८; —येः नाश्रौ २,२, ५,२६.

दाशतयी— -यी ऋषा
१७, ४२; -यी: श्रापत्री १४,
२४, २; वैश्री २१, १२: ८;
-यीपु शांश्री १२,२, १६; २२;
वृदे, -ट्यः हिश्री १, १, २०;
१५,६,३५६; तिस २,१३: ७.
दशति¹— -तयः निसू ५,१२: ९२;
-त्यः उनिसू ४:३;३०; ५:२८
दश-त्व- -त्वम् मीसू ३,७,२७.
दश-दशन्-> १शन् —-शी शांश्री
१३,२३,७; श्रापश्री २३,१४,९;
हिश्री १८,४,६४.

दशद्शिनी- -नी शांग्र **६**, ३,१४.

दशदशि-स्तोम^b- -मे आश्रौ १२,५,२⁸.

दश-दारु - - रुः आपश्री ११, २, १४; - रुम् भाश्री १२, २, १३. दशदार्बि(इ-इ)ध्म - ध्मम् माश्री २,२,१,१६.

दश-द्वादश-हस्त- -स्तम् अप २१,५,१.

दश-धा शांश्री १७,३,६; बोश्री. दश-धेनु-द- -दम् अप १, ५०,६. दश-धेनु-प्रद- -दः विध ९२, ६;

a) पृ १०५६ f द्र. । b) विष. । यस. । c) विष. (इएका-) । कस. > पंस. । d) समाहारे द्विस. । e) समाहारे द्विस. टच् प्र. (पा ५,४,९२) । f) दासप्राम- इति पाका. । g) वैष १ द्र. । h) पाठः १ प्रकरणतः दशकम्, तत्र, पञ्च इति त्रि-पदः शोधः संभान्यते । i) = ऋक्शाखा- (तु. स्क. । या ११,९६।) । प्रकरणतः दशकम्, तत्र, पञ्च इति त्रि-पदः शोधः संभान्यते । i) = दशसामानां वर्ग- । तिः प्र. j) स्वार्थं अण् प्र. । तु. पङ्गुरिशिच्यः । i) सप्र. (पावा ५,९,५८) । i) ईंदशी॰ (तु. i) इति, ददशी॰ (तु. i) इति पाठः १ यनि. शोवः (तु. सप्र. शांध्रौ १३,२३,७ आपश्रौ २३, १४,९ दशद्शी इति), यद्वा दशि-स्तोम-i) स्वाधः संभान्यते (तु. सप्र. निस् १०,९३: ३ दशिनं स्तोमम् इति) ।

दश-पक्ष*- -क्षः कीस् १३५,९. दश-पश्चदशन्-> °श- -शानि आश्री ११,५,२.

दश-पण*- -णः विध ५, १२०; -णम् बौध १,१०,१४^b.

दश-प(त>)त्रा⁶- -त्राः त्रशां २२,१‡.

दश-पद,दा— -दः काश्री १६, ८, १६; —दया काठश्री ९२; —दा काठश्री ४९; बौश्री ४,१ : ३३; २०,२५ : ३१; आपछ ६, १२; बौशु ३ : २२; ४ : ९; हिशु २, ३९; —दाम् श्रापश्री ७,३, १०; भाश्री.

दशपद्-व्यास°- -सः वौशु १०: ५:१२.

दश-प(द्>)दा- -दा श्रश्न ९,५; -दा: श्रश्न ९-१०,५.

दश-पशु - - शुः शांश्री १६, १४,

दश-पु.,पू ्रीरूष - -षम् श्राश्री ९, ३,२०; शांश्री १५,१४,८; बौश्री २८, २: ५८†°; बाध ३, १९; २२,१०‡°.

दश-पेय'- -यः आश्री ९, ४, ७; शांश्री; -यस्य शांश्री १५, १३, २; श्रापश्री; -याय श्रापश्री १८, १२,२;बौश्री; -ये श्रापश्री १८, ८, ४; बौश्री २२, २०:१९; वाश्री; -येन श्राश्री ९,३,१७; लाश्री ९,२,५; ३,३.

दशपेय-संस्था- -स्था वाश्रौ ३, ३,४,१५. दश्पेया(य-श्र)धे- -धेम श्रापश्री १८,१२, ३, हिश्री १३,५,२. दश-पौरुष- -षम् श्राश्री २,१२, ६‡°. दश-बाहु*- -द्वे शैशि २. दश-भाग- नाम् हिशु ५,३०^६.

दशभाग-व्यास- -सम् श्रापशु १६,९⁸.

दशम— नः शांश्री १६, २९, १७; वौश्री; —मस् श्राश्री ४, १२, २××; शांश्री; श्राज्यो ९, ५१¹; —मस्य वौश्री १७, २५: १०; ६६: १०; द्दाश्री; —मात् शांश्री १२, २, २३; १३, १५, १३; श्रापश्री; —माय वौश्री १०, ४७: १; —मे श्राश्री ८,१२,१; १०,९,९, शांश्री; †श्रापमं १, १२,३; ४;६; श्राप्तिग्र १,५,५: १० † काग्र ३२,३ † ; वौग्र १, ७, ४० † ; †माग्र २, १८, २; ४३; केग्र; या १४, ६ † ; —मेन वौश्री २९, २: ८; लांश्री; —मै: लाश्री ७,०,११३.

दशमीं - मी शांशी २, ३,१४;१०,६,१४;कीए; - मीम् आश्री ५,१,८; शांशी; - मीम् ५ मीम् आश्री १०,७,१०; - म्या बौशी १०, २९: १०; कीस्; - म्याः काश्री १९, ७,४; आए; - म्याम् शांशी १५,१४,५; वाशी; - म्ये बौशी १२,१८: ८; भाशी ६,६,४.

दशमी-चतुर्दशी-

रयो ऋश्र २, ७,१०४. दशमी-पोडशी--इयो ऋश्र २,३,५३. दशम्या(मी-श्रा)दि-

-दयः ऋग्र २,७,६६. दशम्या (मी-२आ-

च>)चा- -चाः ऋत्र २,१, १९१; ८,९; २५.

दाशिमक k — -कः निस् k , o : 9 o ; o : निस् o , o : o : o :

दाशिमकी- - नयः नित् ९, २: २६; - क्यौ नित् ९, ७: १५. दशम-तन्त्र- - न्त्रम् नित् ९, २: ३; ७: २५.

दशम-धर्म- -र्माः निस् ४,८ १७,९,६:१;१०:२३,१० ७:२१.

दशम-प्रदेश- -शात् लाश्रौ १०, १०,१.

दशम-यज्ञ - -ज्ञम् निस् ९, ७:१.

दशम-वर्जम् वैश्रौ १०,२१ : ७. दशम-विसर्ग-वचन--नात् मीस् १०,६,३९.

दशम-वत- -तम् आश्रौ ८, १३,३१¹; -ते द्राश्रौ ९, २,१६; लाश्रौ ३,६,१७.

दशम-संयोजन- -नाः निस् ९, ७: १३.

दशम!(म-श्र)र्थ- -र्थम् लाश्रौ १०,३,१८.

a) विष. । वस. । b) प्रतिशतं दशमो भाग इत्यर्थः । तु. यास्म २,१९९] । c) = त्रोविष- । वस. । d) बौश्रौ. वाघ २२,१० पाटः । e) सपा. 'पूरुषम्<> 'पौरुषम् इति पामे. । f) वैप १ द्र. । g) सप्र. 'गं व्यासम्<> 'गव्यासम् इति पामे. । h) 'रुम' इति पाटः ? यिन. सोधः । i) पामे. वैप १, १५५० f द्र. । j) विप., नाप. (तिथि-) न । k) तत्रभवार्थीयष् ठक् प्र. । f) तु. श्रान. ।

दशमें(म-ए)कादश- -शाम्याम् श्रापध २, ३, २२; हिध २, १, ५२; -शे आपश्री १७, २३,९; हिश्री १२,७,९.

दश-मास - न्सात् श्रप ७१,९,४.
दशमास-तस(:) श्रप ७०३,
७,१८; ७१,१९,५.
दशमास्य - - †स्यः काश्रो २५,
१०, ५; श्रापमं १, १२, ९;
श्राप् १, १३, ६; कीण् १, १२,
६३; शांग्र १, १९, ६; १२,
पाग्र १,१६,१; हिंग्र १,२५,१;
श्रप्रा ४,८५; -स्यम् बौश्रो १६,
१६:२;२४,५:१३;-‡स्याय व्यापमं २,११,५५;
१,१:१२; भाग्र १,२२:११;
हिंग्र १,२५,१; २,२,५.

? दशमासः $^{\circ}$ भाग १,२२: १८ † . दश-योक्त्र $^{\circ}$ — क्त्रेम्यः या ३,९ † . दश-योजन $^{\circ}$ — नेम्यः या ३,९ † . दश-यथा(क्ष>)क्षा $^{\circ}$ — क्षाम्

श्चापथ्रौ १४, ५, १०; हिथ्रौ ९, ८,६.

दश-राजन्->दाशराज्ञº- -जे शांश्रौ १२,१५,५‡.

शांश्री १२,१५,५५.
दश-रान्न² - -त्रः श्राश्रौ १०, ५,
३××; शांश्रौ; -त्रम् श्राश्रौ ११,
७, ११; १८; शांश्रौ; -त्रयोः
निम्: १०, ७:२७; -त्रस्य
श्राश्रौ १२,७,१०; काश्रौ; -त्राः
श्राश्रौ १०, ३, २९; काश्रौ;
-त्रात् श्राश्रौ २, ५, १४××;

शांत्री; —त्राय श्रावश्री २२,२३, १६;बीग्री; —त्रेश्वाश्री ८,७,१७; १२,१९; श्रावश्री; —त्रेण शांश्री १६, २९, १; १८; बीश्री; —त्री सुस् ३,१२: ३; निस् १०,७: २०.

दाशरात्रिक- -कः निसू ८, ९: २५: -कम् शांश्री १०, २, १; लाश्रो १०, ५, १; निस् ९, १३ं: ११; -काः निस् ३, ७: १३: -काणाम् लाश्रौ १०, ५, ३; निस् ४,७: १७; १२: १२; ८,३ : २७; -काणि काश्री २३, १, ५; निस् ८, १:४; ६:५; ९.३:२६; ९: ५; -कान् निसू ६, १२: ३; -केम्यः लाश्रौ ६, ६ ९: १७: निस् ४, १३: १५; -कै: निस् ९,१३: ९;३४. दशरात्र-न्याय- -येन निस् ६, ६: १८; ७,३: ३६; ९: १३; 94; ८,90: २६. दशरात्र-प्रबर्ह⁶- - र्हः ज्ञस् २, v: 9. द्शरात्र-प्रभृति - -तयः निस् ९, 6: 33. दशरात्र-मास- -सम् द्राश्रौ ८, 3,391. दशरात्र-मिश्र- -श्रम् लाश्रौ ४, ७,१९1; -श्रात् द्राश्रौ ८, ३, २८; लाश्रौ ४,७,८. दशरात्र-रूप- -पाणि निस् ४, 93: 0.

दशरात्र-लि(ज्ञ >)क्रा⁸- -क्रा निस् ८,६ : २६. दशरात्र-वत् लाश्रौ १०, ३, दशरात्र-वत- -तम् श्रामिष्ट ३. 4,3:90h. दशरात्र-समीप- -पे द्राश्री ७, ४,२२; लाश्री ३, ४,२१. दशरात्र-स्तोम-विकृत¹- -तः निस् ९,४: ५; १०,२: ७. १दशरात्रा(त्र-श्र)न्त- -न्ते चुस् 3,2:34. २दशरात्रा(त्र-श्र)न्त⁸- -न्ताः निस् ९,६: २३. दशरात्रा(त्र-त्रा)सि--सिम् निस् 6,2:96. दशरात्रा(त्र-त्र)वरार्ध- -धें शांश्रौ 2,94,9. दशरात्रा(त्र-श्र)वलोपा(प-श्र) हीन1- -नाः निस् ८,9: ३ . दशरात्रा(त्र-श्र)वसान- -ने निस् U.S: 93. दशरात्रिक¹- -के निस् ५, ९: २२^m; शुश्र ४,१८७. दश-रात्रि"- -त्री श्राज्यो १२,२. दश (श-ऋ) र्चं - -र्च: शुख २, ३९४; -र्चम् बौश्रौ १०, ५१: २१ +; माश्री; -र्वस्य काश्री २०, ६, १८; -र्चाः ऋत्र २,९, ८६: -चें ऋश्र २, १०, ५९; -चेंन आपथी १७, १४, ७;

वेश्री: -चेंभ्य: अप ४६,१०,७ ..

a) वैप १ द्र. । b) पाभे. वैप १,१५५० f द्र. । c) पाठः ? दश, (मास्->) मासः इति शोधः [तु. सपा. हिए २, २,७] । d) विप. (६१०४० श्रह्गुलिपरिमिता- । रज्जु-) । e) मलो. कस. उप. भाप. <प्र $\sqrt{2}$ ह्त (उद्यमने ६तु. लाश्री ४,५,४ भाष्यम् ।) । f) सपा. 'त्रमासम् <> 'श्रमिश्रं मासम् इति पाभे. । e) विप. (कुसुरुविन्द-) । e) वस. > e) विप. । वस. । e) सप्र. वौपि २,७,९ द्वादशरात्रमेतद् वतम् इति पाभे. । e) विप. (कुसुरुविन्द-) । e) वस. > e) 'विलोपा' इति संस्कर्तुः टि. । e) = दशशरात्रिक- । e) शु इति संस्कर्तुः टि. । e) कस. पूप. = दशमी- ।

दश(श-ऋ)र्ष(म>)भा⁸--भा बौध्री २४, ३८: ८; -भायाः भापश्री १९,१६,९.

दश-वर्ग- -गम् वाश्री २,१,७,१९; २,१,२१; -गान् काश्री २२, १०,११: लाश्री ९,४,२.

१दश-वर्ष- -पति वैग्र ६,१२:३. दशवर्ष-अक्त- -कम् शंघ २०९; गोघ १२,३४.

दशवर्ष-वृद्ध- -द्धः गौध ६, १५.

दशवार्षिक b - - कम् कागृ १९, २.

श्दश-वर्ष⁶ - - पं: श्रापध १, १४, २५; हिघ १, ४, ५४; - पंम् श्रापध १, १४, १३; विघ ३२, १७; हिघ १,४,४५.

दश-बार- -रम् बौग्र २, ९, ४; ं भाग्र ३,१५: २.

दश-वाह-वाहिनी- -नी वाध १९,

दश-विध,धा^d - -धम् शांश्रौ १६, २९, १; २; १८; -धा नाशि १,३.१-

†दश-वीर°- -रम् शांश्री ४, १३, १; श्रापश्री; श्रापमं १,६,१२‡°.

†दश-वृक्ष*- -०च कौस् २७, ५; ऋप ३२,१,७; अञ्च २,९^२.

दश-व्यास^d" - -सः बौग्र ४: २. दश-शत^ह - -तम् शांश्रौ ११,१३,६; लाश्रौ ९,६,१३; वाघ १३,

86.

दश-सं(स्थ>)स्था^d- -स्था श्रप ६१,१,२८. †दश-सनि- -निः, -निम् पाय २,६,१६.

दश-सप्त-चतुर्दश-वर्जम् काश्रौ ६, १,२९.

दश-सहस्र- -सम् श्रामिग् २, ५, १०: ४^b: गौषि १,७,१३.

दश-साहस्र - -स्नः वाध २५, १२; -स्नम् शंध ४५३.

दशसाहस्र-जाप्य- -प्येन शंध ४५४.

दश-सूक्त- -केषु आश्री ३,२,९. दश-स्तोम^d- -मानि बौश्री १७, १८:९.

दश-हिबस् - - विः काश्रौ ५, १२, २; बौश्रौ १५,१७: १२; ३७: १७; -विषः ग्रुश्र ३, १३२¹; -विषम् श्रापश्रौ २०, ९, २; २३,२; बौश्रौ.

दश-हस्त- -स्तम् श्रप ३०^२, १, ३;५.

दशहस्त-समुःसेध⁰- -धम् श्रप १८,१;५.

दश-होत् - -ति शांश्री १०, १४, १; -ता बौश्री २५, ३१: ४; माश्री; -तारः आपश्री २१,११, १६, १, १६, ४, २० हांश्री १६, ४, २० हांश्री १६, ४, २० हांश्री १०, १४, २; आपश्री; -तः आपश्री २१, १०, ७; बौश्री; -ता आपश्री ५, १०, ४×; बौश्री. दशहोत्र(त-श्र) थ - - थ म् बौश्री दशहोत्र(त-श्र) थ - - थ म् बौश्री

२,७: १९. दश-हो(त्रा>)त्र k - -त्रम् वैष्ट ५,

8: 8;0.

दशहोत्रे(त्र-इ)ष्टका--काः बौश्री-

दश-होम- -मानाम् भाश्रौ ५, २१,.

दशां(श-श्रं)शक^d - -कः श्रप **६९**,.

१दशा(श-स्र)चर->॰र-नियत - तै: उनिस् १:३८. दशाक्षरो(र-उ)पयु(क>)का-का: निस् २,१२:२३ 1

रदशा(रा-श्र)क्षर,रा² - रः निस् १, १:४; -रम् वाध्रश्री ४,१००: १०;२७; वृदे ७,२१; -रा शांश्री १६, २९, २; श्रापश्री ६, १३, ९; वौश्री १४,१९: ११; श्रामिए ३, ८, २:५९‡; -राः शांश्री ७, २७, २३; बौपि १, १५: ६४‡; ऋप्रा १६, ४२; -राणि श्रुस् १, ६:१८; -राभ्याम् उनिस् २:३०; ३४; -रेण श्राश्री ८,१२,१६; -रेषु लाश्री १०,९,७; -री ऋप्रा १६, ६८; उनिस् १:३१.

दशाक्षर-ता- -तायाः निस् १,

दशाक्षर-पाद,दा^d - -दम् निस् ३, ४:३२; -दाः निस् १,४: २५.

द्शाक्षरे(र-ए)कादशाक्षर- -री निस् १,१:२६.

१दशा (श श्र) ज़ुल- > °ल-प्रमा (रा>)णा- -णाम् श्रव २६, ३, ४.

a) वैप १ द्र. । b) विप. । aि [पा ५,१,९४] प्र. उप. वृद्धिः [पा ७,३,१६] । c) तिद्धितार्थे द्विस. । d) विप. । e) पामे. वैप १ सर्ववीरम् शौ १४,२,६ टि. द्र. । f) पूप. = दश-पद- [तु. संस्कर्तुः टि.] । g) वैप १, १५१८ g द्वा । g) वैप १, १५१८ g द्वा । g) वैप १, १५१८ g द्वा । g) द्वा ।

२दशा(श-श्र)ङ्गल- -लः विध ५, २५:- लम् वैश्री ११, ८: १३; बौशु १: ३. दशा(श-त्रा)त्मक⁴ - -कम् बौश्रौ २७,१०: १७ +××; -केन बौश्रौ 29,7: 0. द्शा(श-श्रा)दि- -दिभिः पावा २, दशा(श-ग्र)ध्यक्षb- -क्षान् विध ३, दशा(श-अ)न्त- -न्तात् पा ५,२, दशा(श-श्र)भीशु°- -शुभ्यः या ३, दशा(श-श्र)भ्यास- -सेन वाश्री ३, 8,2,0. दशा(श-श्र)रति-मात्र^d- -त्रः चव्यू 8: 30. द्शा(श-ऋ)ण-(>दाशाण- पा.) पाग ५, २, ६१6; पावा ६, १, 661. दशा(श-श्र)ध-युक्त- -क्तेन विध ७२.६. १दशा(श-श्र)ई- (>१दाशाई-पा.) पाग ५,२,६१⁸. दशाई-पयस्- (> दाशाई-पयस-) १दशाई- टि. इ. दशा(श-श्र)वनि°- -निभ्यः या ३, दशा(श-अ)वर,राb- -रम् आमिगृ २,६,२ : २६; ८ : २९; जैगृ १, १३ : ५, बौध २, ५,१२, ४,८,

१८; -रा वाध ३, २०; बीध १, १, ७; ८; -रान् गौध २८, ५०; -राम् वाध २६,१५; बौध १,४,७; -रैः गौध २८,४९. दशा(श-श्र)ष्ट-पञ्च-मात्रा1- -त्राः कौशि ७५. दशाह1- -दः वाश्री ३, २, ३, ३१; ३२; -हम् निस् १०, २: ३; त्रागः -हस्य वैताश्री ४२, ३; ·-हात् श्रामिगृ २, ७, ४: १०; बौगः; -हानि श्राश्रौ १२,४,२३; क्षसः , -हे बौश्रौ २९, ११: ६; वैश्रौ. दशा(श-श्र)हन्->दशाह्निक- -के कांगृउ ४५: ६. दशिका- -का त्रापशु ५,१२. द्शिन्- -शिनः वौधौ १५, २३: १५: -शिनम् निस् १०, १३: ३; -िशनि लाधी ६, ७,१. दशिनी- -नी ऋपा १७, 83. दशि-प्रभृति - तयः निस् १, 9: 30. दशै(श-ए)कादश->दशैकाद-शिक- पा ध,४,३१. द्शै(श-ए)कादश-द्वादश-रात्र--त्रयः सुध १०. द्शै(श-ए)काद्श-द्वादशा(श-श्र) क्षर- -राणाम् ऋग्र १, ३, १०; शुश्र ५,११. दशो(श-स्रो)णि°- -णये, -णिम् ऋपा २,७१ क.

दशो(श-श्रो)ण्य°- -ण्ये ऋपा २, 19年. दशन- √दंश इ. दराम- प्रमृ. १दशाई- दशन्- द्र. २दशार्ह - (> दशाई-क- Lपा 4, ४, २९] २दाशाई- पा.) पाग 4, 3,990;8,281;361. दशिन्- दशन्- इ. दशी वाध्यौ ४,९६:३१. दशेर- पाउ १,५८. दशेरक-> °क-गडेरक"- पाग २,४, दशोनसि°- -सिम् अप्रा ३, ४, 94. दष्ट-,दब्दुम् √दंश् द्र. √दस्° पाधा. दिवा. पर. उपक्षये, चुरा. श्रातम. दर्शनदंशनयोः; दस्यति श्रप ४८,४२. †दसये^p श्रापश्रौ १६,१६, १; वैश्री १८,9४: ८. दस्तृ- पाउना २, ९२. दस्यु°- पाउ ३, २०; पावाग ५, ३, ६६; -स्यवः कौस् ८७, ३०+; अप ४४, ४, ५+; ७१, १६, १; -स्युः या ७, २३ई; -स्युभिः ऋप ६८, २,१६; विध २३,५०; - †स्युम् या ६, २६; ७,२३; - स्यून् लाश्री ७, १०, १२८; निस् ७,११: ८; पाय ३, ३, ५०; श्राप्तिगृ ३, २, ६: ६; श्रप १,३२,८; ऋप्रा ४, ७१; -स्यूनाम् शांश्रौ १५, २६, १;

a) विष. । बस. । b) षस. पूप. = दशप्रंम-। c) वैष १ ह. । d) विष. (श्रथंतवेद-) । e) शब्दानुकररामात्रं ह. । f) = देश-विशेष- वा नदी- वा। उप. = दुर्ग- वा उदक- वेति पासि. । g) दशाई-, बयस- इति भाण्डा., दशाईपयस- इति पाका. । h) विष. । बस. । -रम् इति क्रचित् वा. किवि. । i) उप. = काल-विशेष- । j) समाहारे वा तद्धितार्थे वा द्विस. । k) व्यप. वा नाप. वा । a2. ? । l1) तु. पागम. । उप. $<\sqrt{8}$ 4 श्व. । m) पश्चरशी- इत्यस्यैकदेशः । n) तु. पागम. । a3 या १,९;२,१७; ७,२३ पा ७,२,२७ परामृष्टः ह. । a4 श्रभं १,९५४ a5 ह. । a7 पामे. वैष १,९५४ a7 ह. ।

- १ स्योः श्रप्राय ६,९; या ५,९. दस्य-हन्->दस्यहन्-तम--मम् माश्रौ ५, १,३,१; वैताश्रौ 4,98.

द-संयत- द- द. वस्त- √दस् इ. दस्त्यृह- पाउभो २,३,१८९. दस्म-, दस्म्य- √दंस् इ. ?दस्य अप ४८,१३९. दस्यु- √दस् द.

दस- √दंस् इ. √दह्° पाघा. भ्वा. पर. भस्मीकरऐो, दहति बौश्रौ १३,४: १०; १४, १३:३१××; वाध्रश्री; या ७, २०; दहन्ति पागृ ३,१०, ११; श्रामिगः दहसि या ७, २३; दहामि हिथ्रौ २४, ६, १४+; दहतु अप ४, २, ६ ; दह श्चापश्रौ १,२२,२; १४,२७,११; बीधी; नेदहऽदह अप ३५,१,२; ३६,९,३; दहतम् श्रागृ ३, १०, ११‡^b; ‡अदहत् बौश्रौ २,१०: ८; श्राप्तिगृ ३, १, २ : ३; बौगृ २, ११, २९१°; भाग २, ११: १८; हिग्२,११,१; दहेत् भाश्रौ ९, ५, ९; वाश्री; दहेयुः श्राश्री ६,१०,८;३०; श्रापश्रौ. दहोत्^d मागृ २,१५,६. धहयसे आपश्री ३, १५, ५‡°; दक्षत् ऋपा ४, ९८‡; धाक्षीत् वैश्री २.३ : २ .

दहाते स १८ २; वाध २७, ४;

दहान्ते बौध २, ७, १५; विध

५५,८; दहाताम् अप ४,२,१०; अद्द्यत ऋश्र २,७, ३२; श्रश्र २०, ७९1; दह्येत बीश्री २९, ६ : १५; वैश्रौ २१,१७ : ८. दाहयति वैगृ ७,१ : ८; १३;२ : ३;१४;३ : ८; दाहयेत् श्राप्तिगृ ३,१०,२: ९××; बौपि.

?दक्षिष->†दक्षि-स्रि^द - -रयः ऋप्रा ४,९८; ११,८; उस् ४,५; €. €.

दग्ध,ग्धा- -म्धः स्राप्तिगृ ३, ६,२: १५: बौपि: -म्धम् वौश्रौ २७, ३ : ७;८; वैश्री; नघा सु ८,४; -म्धाः अप २६, ४,५; -म्धात् या ७, १४; -मधायाम् आप्रिगृ ३,७,४:२७; बौप २,४,१३; -उधासु श्रप ५८,१, १२; -उधे त्राध्रौ ६,८,१; काध्रौ; -म्धेषु काश्रीसं ३२:५; बौश्री२९,१:१२ दग्ध-पु(त्र>)त्रा^h--त्रा सु९,२ दग्ध-शेष- -षे अप २३,४,९.

दग्ध(व्य>)व्या- -व्या कागृउ ४२:१८; कप्र ३,४,७.

दग्ध्वा आश्री ६, १०, २४; शांश्री १३. ११. १: काश्री २५, १३, २७:१४,१: श्रापश्री.

दहत्- -हन् श्रापश्री १६,६,७+: वैश्री १८.४: १०; हिश्री ११, १,७३; वैताऔ ६,७भ प्राप्तिगृ ३,१०,४ : ३१; वैगृ ५,८ :१४; -हन्तम् बौश्रौ १४,१३:१६. दहति-> ०ति-कर्मन्- -र्मा या 8.90.

दहन1-पाग३,१,१३४;-नम् श्रापश्री १४, २१, ११; माश्री ३, ८, ५. कौगः -नस्य वाध्श्री ४.९० र: ५: ८: श्रामिय: -नात् श्रामिय ३.६-३:६ कौसू; -ने आमिए ३. ६,४: १२; बौपि १,१३: १२. दहन-कर्मन् - र्मणा गौषि१,२,७: वाध२८,१,-र्मणि गौपि१,१,१७ दहन-कल्प- -ल्पम् बौषि 3. १.१ - ल्पेन हिपि १२: ११. दहन-काल- -ले वैगृ ७,४ : १६. दहन-देश- शम् हिपि १: २: ३:५; ७:१०; गौषि १,२,५. दहन-नक्षत- -त्रेषु आप्रिगृ ३, 3.7:39. दहन-निधान-देश- -शे कौसू 60, 3. †दहन-पतिk- -तये¹ बौपि ३. २,१०३; वैगृ ५,३: १२.

दहन-प्रभृति - - ति वैगृ ७.७: २. दहन-मन्त्र- -न्त्रेण गौपि १.

3.98. टहन-वत् हिपि १०:६; २३: ८. दहन-विधि- -िधः आप्रिय ३, ४,१:१; -धिम् वैगृ ५,१:२; गौवि २,१,१.

दहन-विहीन- -ने वैगृ ७,३ : ३. द्हन-संस्कार- -रेण वौषि३,१,५ दहना(न-म्र)ग्नि- -मनेः गौपि 8,4,93.

दहना(न-श्रा)दि- -दीन् श्रप 82.9.94.

†दहना(न-म्र)धिपतिk- -तये1

c) अदहं इति पाठः ? यिन. शोधः a) या ७,१४ परामृष्टः इ..। b) पाभे. वैप १, १८५४ j इ.। (तु. हिग्.)। d) इयन् परस्मैपदश्च उसं. (पा ३, १,९०)। e) पामे. वैप १,१५५४ e द्र. । f) दह्येत् इति h) विंप. । बस. । पाठः ? यनि. शोधः (तु. ऋग्र.) । g) वैप १,१५५३ g,h; अनु-दक्षि - परि. च ह.। i) पासे. वैप २,३खं. सदनान् गोत्रा १,२,२१ टि. द्र.। j) कर्तरि भावे च कृत्। k) पूप. = प्रेत-। l) सप्र. क्षपत्तये<> नाधिपतये इति पामे. ।

गौपि १,२,१९; २०२. दहना(न-ग्र)थ- -थम् वैगृ ७, 8:96.

दद्यमान- -मः श्रागृ ४, ४, ७‡; अप ६८, २, २५; -नम् आगृ ४, ४, ६; वैग्र ५, १ : २०; अप ६८, १, १४; -नाः विध ४३, 34.

१दह- पाउ २,१३.

दाह- -हः काश्रौ २५, ८, १३; श्राप्तिगृ ३, १०, ४ : ३४; बौपि २, ३, १७; शंध १६६; -हम् अप ५८,१,३; ५; ६१,१,२७; ६७,४,३; -हाः श्रप ५८,१,८; -हात् कप्र ३,५,७; शंध ३५३?; बौध १,४,२; -हे वैगृ ६, १: १८: काध २७६: १; -हेन विध २३,५७; वैध ३,४,३;-है: श्रप ६४, २, १; श्राज्यो ११, 9. दाइ-फल- -लम् अप ५८, 9.9. दाहा(ह-श्रात्मक>)रिमकाa--काः श्रप ६८,१,१२. दाहो (ह-उ)पघात- -ते बौगृ ४,२,५: -तेषु बौगृ ४,२,१. दाहन- -नात् शंध १६४.

४: १५; कप्र ३,१,५; ६. दाहुकb- -कः श्रापश्री ५, ३, ४; हिश्री ३, २, ७ ; श्राय २, ८, 984. दाह्य,ह्या- -ह्यः वैगृ ५, ११: १; ६: -ह्या कागृड ३९: २. दिधक्षत्- क्षन् बृदे ६,३७. धक्ष°- -क्षोः ऋप्रा ४,९३ . धह्यत- -हयन्तः शांश्री १८, २४, १५; श्राप्तिए ३, ६,४:१; बौपि १, १३: १; हिपि १०: ५. दहर- -रम् काश्री १४,५,३^d. दहर-क- -कः अप ४८,६७°. १दह- √दह द. २दह°- -दे बौधौ १४, १४: १६; श्रापध १, ९, २३; हिध १,३, 38. √दा पाधा. भ्वा. पर., जु. उभ. दाने, दत्ते शांश्री ३, १६, २७; भाशि ४५‡; ददाति प्राश्रौ १, १, १५; १०, १०, १०; शांश्री; आपश्री २१, २२,५8; हिए १,२०,२⁺;

१,५: १५ ; या ११,२४; तैप्रा १६,१८ ; †ददे त्रापश्री ५,८, ८; बौश्री २, १५: १२; हिश्री ६,५,१०; †ददामि श्राश्रौ २. १८,१३: काश्री: शांय ३, ११, १४1:पागृ ३, ९, ६1; कागृ ४१, ९ k; ५९, ४1; माग्र १, १७, ६^{४1}; वैगृ ३, १०: ७¹; विध ८६, १६1; दबाहे आमिए ३, ७, २:३ +m; अप ३६, २५, ३; +ददत् आश्री २,११, ४; १८, १३; शांश्री; श्रापमं १,३, २^२n; शांगृ ३, १०, २°; कागृ २५, २२^२n; मागृ १, १०, १०^२n; ददः बौश्रौ ६,७ : २ ; †ददातु श्राश्रौ १, १०, ८××; ६, १४, १६०; शांश्रौ १, १५, १३××; 69,90,9-4; 9, 30,310; 8C, ३.२ : काओं; आपश्रो १४,२८, ४5; १७, १३,२२४१; वैश्री २१, १५: १४⁸; हिश्रौ १२,४,४^{२८}1; १५, ७,१२8; श्रापमं २, ४,५⁴; ११,१^v; ३^v; ४^v; श्रापृ १,१४, ३०;कीए१,८,१३०;१४,६०;शांग १,२२ : ७^०; श्रामिगृ २, १,१ : २"; २:२"; 4:8"; ३,४,9: १५ "; बौगु" १, १०,४;५; बौपि १,४: १० "; भाग १,२६: ५";

दाहियत्वा वैगृ ७,२ : २; ३ : १२; c) वैप १ द्र. । d) = कौ थीनb) उक्ज् प्र. उसं. (पा ३,२,१५४)। a) विप. । बस. । e) हस्य-नामन-। f) गौध ५, २० या ७, ९ अप्रा २, ४,१ शौच ३, ११;४,६१ इति विद्याधरः । मीस् ४,२,२९ परामृष्टः द्र. । g) दधाति इति काचित्कः पाठः (तु. c.)। h) पाभे. वैप १,९५५७ j) पामे. वैप १ पुरि · ददामि तै ३, ३,९,9 k द्र.। i) सपा. ददाति <> दद्यात् इति पामे.। l) पामे. वैप २, ३ खं. दधामि माश १४, ९, ४,२५ k) पांभ. वैप १, ११३८ t द.। टि. द्र. । m) पामे. वैप १,१७०४ m इ.। n) पामे. वैप १,१५५५ f इ.। 0) पामे. वैप रि. द्र.। p) पामे. वैप १, १७०४ g इ.। q) पामे. वैप १, ५५४ n इ.। १,944७ व इ. । s) पामे. वैप १ परि. द्धातु मै २, १३,२२ टि. द्र.। t) सकृत् पामे. वैप u) पामे. वैप २,३ खं. दधातु मंत्रा १,५,९ टि. इ.। v) पामे. वैप १,९५५ p इ. ь वैप १,१५५५ प इ. । १,१३४४ । इ. । w) पामे. वैप १,9448 m द ।

हिध २, १, १२१ +1; ५, ६५ +1;

दत्तः श्रापश्रौ ५, ४, ११; १३,

२२,४; भाश्रौ; ददते वैष्ट ५,६:

१२; ददित आपश्री १६, ३३,

४+; हिश्री १५,३,३४; ददासि

श्रापमं २,११,११‡; श्राप्तिगृ २,

वैगृ १, १६ : १°;२°;३°;२,७ : ९°; हिए १,६,४°; ८,४°;२,१, २ ; २,२ ; ४,९ ; बृदे ४,८८ ; या ६,३१; ११, ११^b; ३१;३३; १२,१८\$; दत्ताम् बौश्रौ १३, ३२: १;३; ददत शांश्री १२, १९,३; बौध्रौ; मद्द्धि अप ४८, १२; ऋपा ७,२७; †देहि आश्री 2,96,93; 3, 6,26d; 8,8, ९º; शांश्रौ २, ११,३^{२१}; ३,१५, ४⁸: ४, १२, १०^{२१}××; काश्रौ; त्रापश्रौ ४,१५,१^h; ६, १३,५¹; १६,११,३1; माश्री १, ६, १, ५२1; श्रापमं २,१५,१५1; श्रागृ १, १६, ५1; कीय १, १९, १०1; शांग्र १,२५, ७1; २७,७1; पागृ २, ४,७^{२१}; मागृ १,२०,२¹; २, १४,३० ६ कौसू ५७, १६; \$या १,७; ४,३; ७, १३; १०, १९; भाशि ४३; दत्तम् पागृ ३, ४, ८+; +दत्त आश्री २, ७, १२k; शांथी; माथी १,१,२,३३ k; कौसू ८८. २५३४; †ददानि आश्री ५, १३, १४1; शांधी; †अददात् ब्राभ्रौ ८, १, १२; शांभ्रौ; कौय १,१२,६^m; श्रामिगृ १,५,३: १२; १३; हिए १, २०, २^२n; गो २,१५; ददात् वाधूश्री ४,

२६: १८; बददुः बीश्री २,७: ३;५; कीस् ८२, १२ $\frac{1}{2}$; या १२, १० $\frac{1}{2}$; बददाः श्रापश्री २०, ६, ५ $\frac{1}{2}$; वंश्री; ददीत अप ४०, १,२;१४; दचात् श्राश्री; आमिष्ट २, १, ५: २८ $\frac{1}{2}$; दचातम् श्राप्री ८, ८, १०; भाश्री; दद्युः श्राश्री १२, ६, ३०; ९, १०; काश्री; दद्याः श्रप १, ४२, ८; द्याम् वैताश्री ३७, १४.

वैताश्री ३७, १४. †ददे श्रापश्रौ ४, १०, ४⁵; ५, ८, ८^t; भाश्री ४,१५, ३^s; आप्तिगृ; यौश्रौ; ददी शांश्रौ १५,२२,१;बौश्रौ; ददतुः बृदे ५, १३९××; †ददुः शांश्रौ १५,२१, १2; बौश्रौ; दास्यति वाध ११, ४०; शंध २८१; दास्यन्ति बौश्रौ १४, ५: ३२ +; श्रप ५, ५, २; दास्यसि या ८, १८; दास्यामि माश्री २, १, १, १२; भाग ३, १४,२१; विध ६,४०; दास्यामः बौश्रौ २, ७ : ४ +; स २, ५; †देष्म आपश्रौ १, १०, ३; गोगृ ४, ३,२३; †अदात् शांश्री ४.७.१५ र.७.१८,७; काश्री; या ४, १५^२\$; ऋपा २, ४०; १८.

९; क्वदुः श्रापमं १,३,३; पागः †दः या १४,३५[॥]; अप्रा १,३, ६2; बदाः हिश्री ३, ५, २५+; नदाः आश्रौ १, ७, ८^v; ३, ६. २७व;१३,१४; शांश्री ३,२,४2: श्रापश्री ५, २४, ४; १५, १२, ७ : वीश्री ३, ८ : ३२:९. υ: Ψ";ξ"; ζ"; 9";90²××; माश्री; या १, ७\$; १०, १९; †दात द्राश्री ६,४, १७; लाश्री २, १२, १७; कौसू ९१, २०: अदाम् श्रापश्रौ १३, ७, १३ +: नदाम् आश्री ६,४,१०; शांश्री ९,१६,३; ऋत्र २, १०,४९. दीयते शांश्री १६,१४,१८: १५. २०; श्रापश्री; पा ४,४,६६; ५. १, ४७: ९६; पात्रा ५,१, ४७; दीयताम् बृदे ५,५८. दास्यते वैगृ ३,१:३. दापयेत् पागृ ३,१४, १५; त्रप. दित्सिस ऋपा ५,१९ †; †दिदासिथ शांश्री १६,१६,३x; क्षदित्सताम् निस् ९, ९: १०; दित्सेत् बौधौ ३, २९: १५; हिथ्री १७,६,४२.

३दत्त, ता- -तः कौस् ३, १० हः वौध २, २, २०^५; विध १५, १९\$; श्रश्र २, २९; -तम्

a) पामे. वैप १, १५५५ p इ. । b) पामे. वैप १, १००४ g इ. । c) पामे. वैप १, १५५५ q इ. । d) पामे. वैप १, १००९ r इ. । e) पामे. वैप १, १५५६ h इ. । f) पामे. वैप १, १५५६ c इ. । g) पामे. वैप १, १०१० k इ. । h) पामे. वैप १, १००९ l इ । i) पामे. वैप १, १५५६ e इ. । j) पामे. वैप १, १५४० m इ. । k) सपा. आपश्री १, ९, १२ विध ७३, २१ धत्त इति पामे. । l) पामे. वैप २, ३ खं. ददामि तैन्ना २, ४, ६, ७ टि. इ. । m) सपा. शी ६, ११, ३ दधत् इति, शांग्र १, १९,६ अदधात् इति च पामे. । n) पामे. वैप १, १५५५ f इ. । o) पामे. वैप १, १५५७ b इ. । p) पामे. वैप २, ३ खं. अददात् तैन्ना ३, ९, १४, ३ टि. इ. । q) सपा. दखात् < दध्यात् इति पामे. । r) पामे. पृ १२४७ j इ. । s) पामे. वैप १, १५५७ f इ. । t) पामे. वैप २, ३ खं. ददे तैन्ना १, २, १, १४ टि. इ. । u) पामे. वैप १, ७४४ l इ. । v) पामे. वैप १, १५५० f इ. । x) मां दिदासिथ (ऐन्ना ८, २ । च) इत्यस्य स्थाने सपा. माश्र १३, ७, १, १५ मन्द्र आसिथ इति पामे. । y) = दत्तक-पुत्र-।

आश्री ६,१२,२५; श्रापश्री ४, ९,६+; भाश्री; या ५, १३; पा ४, ४, ११९; - †त्तस्य आमिगृ ३, १, २: १४××; -ता बौश्रौ १६, २७: ८ | वौगः -त्ताः मागृ २, १४, २६३+; -त्तानाम् वाध २९,१८;-त्ताम् वौश्रौ १३, ३२: ८ ; श्रामिगृ; -त्तायाम् वाध १७,७२; -ते श्रापश्री ६, ३०,४××; वैथ्री, माश्री २,५,५, १८8: - † तेन बीगृ २, ११, ४२; गौषि २, ४, १९; -तेषु कप्र १, २, ७; वैध ३, २,४; -ती हिपि १८:१११tb. दत्त-क°- -कः वाध १५,९;१७, २८: विध १५,१८. दत्त-कृत्रिम- -मो बौध २, २, दत्त-दक्षि(गा>)णd- -णान् विध २१,१६. दत्त-पाद^व- -दाः विध ४३,४३. दत्त-श्रत- -तयोः पा ६, २, दत्ता(त-ग्र) क्षरयो(य्य-उ)दक--कः विध **२१**,४. दत्तवत्- -वतः या १२,४०;-वन्तः या १२,४०; -वते या ११,११. दत्ति°- -तिः या १२,१७. द्त्वा आश्री ३,१२,४; ८, १४,४; शांधी: वैताधी १०,१७ 1. दत्त्वाय आश्रो २, ७,९ ቱ अपमं १,९, ५^{‡ h}; पागृ. †दन्त्र¹- -त्रम् श्रप ४८, ९१; निघ

१, २. दद- पा ३,१,१३९. ददत्- -दत् श्रापश्री ५,२५, १८; भाश्री ५,१६, १८; हिश्री; या ६,२२; शुप्रा ३,१२९+; -दतः †आपश्री ४,१०,९; १७,१३,२; बौश्रौ; श्राप्तिगृ ३,१,१ : ८;३: ३५; भाग २, ११: ५1; हिंग २, १०,५1; -दतम् कीस् ७९,२०; -दता बौगृ २,२,८ . †ददती- -ती काश्री ५, १२, १२; बौषि २,९,१३. ददाति- > °ति-परिवर्जित- -तः शंध ४६१. ददाति-वृत्त- -त्तम् पावा ५, 3.933. ददाति-सामर्थ- -ध्यात् मीसू 80, 2, 22. ददावस् - - रान् अप्रा ३,४,१ %. †ददि!- -दि: आश्री ७, ४, ३¹; कौसू २९, १; ४८, ९; अत्र ५, १३; श्रपं २:४६; ऋप्रा ५, ३७; १६,३३. ददिवस्- -दुषः श्रप १,३२,७ . दद्वस्- -द्वान् ऋप्रा ४,६८ . दा - दाः चात्रं ४१: २५ . दातवे या ४,१५ . दातवे त्रामिगृ २,७,११: ११ . दातब्य,च्या- -च्यः बौश्रौ २५, ३: २०; २६, ५ : २७; ऋाम्रिय; या ४.४: -च्या बीश्री २६,९:१४; श्चप ९,२,२; ४,६३; ३१,७,३; विध ६०,२५.

दातुम् शांश्री १६, १६, ३+; क्य २,८,१९; वाध. दातृ - -तरि कौस् ६७, १९; -ता त्राध्रौ २, ११, ४"××+; शांश्रौ: -तारः गौपि २, ५, १२ +; कौस् ८८, १३; श्रयः -तारम् श्रापश्रौ १६, ३५, १५; वैश्री; -तारी कीस् ६०, १३; ६७, १५; –तुः मागृ १, ८, २; कौस् ; -तृणाम् श्रप ११, २, ३; -तृन् बृदे ८, २३; या ११, २१; -त्रा माश्री १, ३, ३, १६४+; वाश्री १, ३, ५, १२ 🕇; वैताश्री ३, १६ ‡; विध ५७, ८; ८१, १९; -त्रे आश्री २, १०, १५: शांश्री. दातु-तम - -मः या ८,२; -मम् या ७,१५. दावु-त्व- -त्वात् बृदे ३, ६१; ८,२३. दातृ-याजक-पञ्चम- -माः शैध ३९८; बौध २,१,३९. दातृ-लोक- -कम् विध ५७. १ चात्र!- पाउ ४,१७०; पा ३,२, १८२; -त्रम् बौधौ १२, ९: ६; श्रुप्रा ६, २६; -त्राणाम् वैताश्रौ ८, १३°. १दान!- पाग ५, ४, २९; -नम् शांश्री २, ३, २५; काश्री; -नस्य या ४, १८; -नात् वाध २, ३०; १०, ५; २०, ४७ कः वीध २, १, ५२;

a) वैप २,३ खं मंत्रा २,३,२० टि. द्र.। b) पाभे. वैप १,१५५८ a द्र.। c) = पुत्रभेदाऽन्यतम-। d) विप.। वस.। e) = उपहार-। f) पाभे. वैप १,१६४९ g द्र.। g) तु. श्रान.। पाभे. वैप १,१५५६ p द्र.। h) पाभे. वैप १,१५५६ p द्र.। h) पाभे. वैप १ द्र.। h) पाभे. वैप १ द्र.। h) पाभे. वैप १ द्र.। h) पाभे. वैप १,१५६६ द्रथतः इति च पाभे.। h) पाभे. वैप २,३ खं. द्रदती माश ११,४,३,७ टि. द्र.। h) पाभे. वैप १,१५६० h0 द्र.। h1 विदिष्टयोः समावेशः। h2 पाभे. वैप २,३ खं. क्ष्यम् माश ११,४,३,७ टि. द्र.। h3 पाभे. वैप १,१५६० h5 द्र.।

वा ७, १५; -नानाम् श्रप १०, 9, 22; 88, 2,2; 00, 3, 9; वाध २९, १९; -नानि अप ४, २,१५; ७०^३,११, ३६; श्रापध; -नाय श्रापश्रौ १६, ७, ३[‡]; वाधुश्री; या ४, १५; -ने वौश्री २०, १७: ९××; -नेऽ-ने या ६, १८; -नेन वाध २९, १; श्चापघ: -नेषु श्रप १४, १, ९; -नै: अप ५४,२,५; ५५, १,६; वाध २५,३; शंध. १दान-कर्मन् - - में या ६,२५. २दान-कर्मन् - -र्मणः या १,७; 2. 96: 8, 90; 8, 90; 80, ३९; ११,३०; -मा या ४,१७; **५**. २३; १०, १५; २२; २३; -मांगः निघ ३, २०; या ३, १९: -मांणम् या १०,९. दान-का(म>)मा- -मा श्राश्री ९,५,१४; -माः त्रापश्रौ ५, ३, ८: बौश्री १३, १४: २; २७: ३: माश्री ५, १, १२; हिश्री ३, दान-च्छेदो(द-उ)पवर्णन- '-नम् विध ३.८२. दान-तुष्ट- -ष्टः ऋग्र २, १, १२६; ५,६१; बृदे ५,२९. दान-पति- -ती या २,१३. दान-प्रतिग्रह- -ही शंध ९०. दान-प्रभृति- -ति काश्रौ १०, ५.११: -तीन हिश्री ९, ३,५४; 20,4,9. दान-मनस्- -नसः या ६, ३१; -नाः या ४,४. दान-मात्र- -त्रम् मीस् १०, ७, 94. दान-मान-स्थान-व्यपरोपित-न्ताः शंध २५१. दान-वाचना(न-श्र)न्वारम्भण-वर-वरण-व्रत-प्रमाण- -णेपु काश्री १,१०,१२. दान-विकया(य-श्र)तिसर्ग- -र्गाः या ३,४. दान-विधि - -धिः कप्र २, ५,६; त्राप ७०,३,३. दान-शक्ति- -किम् बृदे ६, दान-शब्द- -ब्दः मीस् ३, ४, ४८: -ब्दात् मीस् १०,२,४२. दान-संयोग- -गात् मीस् ६. ७, ७: -गे काश्री १,८,२०. दान-संस्तुति - -तिः मीस् ३,४, दान-संमान-रक्षन- -नै: श्रप २, 9,8. दान-संमान-सःकार- -रैः श्रप 8. ६. ३; ६९,७,२. दान-स्तुति - - तयः ऋग्र १, २, २३: - तिः ऋग्र २, १, १ २ ५××. दान-होम-पाक-प्रतिपेध- -धे मीस १०.८.93b. दान-होम-पाका(क-श्र)ध्ययन--नानि वैताश्री ११,२०. दाना(न-ग्र)विकार--रात् काथौ 22.3.20. दाना(न-अ)ध्ययन- -ने आगृ 8,8,90. दाना(न-ग्र)ध्ययन-कर्मन्- -र्मस याशि २, १०८; नाशि २, ८, 20.

दानो(न-उ)पवासा(स-२श्रा)ध-- सम् विध ४९,१०. दापियत्वा वैगृ ५, ९ : ८; विध ५. 906. दाप्य- - प्यः विध ५, १२७:१६९. -प्याः विध ५, ८९: -प्यो विध 8,89. १दारु- पा ३,२,१५९. †दावन्°- -वने निघ ४,9; या ४. 960. दास्यत्- -स्यतः कौस् ५५, ६: -स्यन् काश्री २५, १४, ३०: श्रापश्री. दित्सत्- -त्सतः गौध १२, ३: -त्सन् कप्र २, ५, ४; -त्सन्तः त्रायिष्ट १, २, २: ६; हिस् २ 90,8. १ दित्स- -त्सः बृदे ५,५६. दीयमान,ना- -नम् काथौ २२, १, ३२; ग्रापश्रौ १७, २६, १८; हिथ्री १७, १,१४; अप ७०,४, २; विध ६,१०; -नाम् आपश्रौ १३, ७, ११; हिश्रौ १०, 80.8 दीयमान-स्व-> व्सव-दर्शन--नात् कप्र ३,१०,९. देय,या- -यः काश्रौ २२, ८, २०; त्रापश्री: -यम् शांश्री १८, २४, ३२; काथ्री; -या आपथ्री ९, १५, २१; भाश्री; -याः त्रापश्री ५, २०,१३^३; जैथ्रौ; -यानि कप्र

३, ५, १०; वाध ३, ८; र्शध

१९७; बीध ३, १०, १५; गीध

१९,१७; -ये काश्री ४, ७,१३;

पा ५,४,५५; -यी त्रापश्री १८

a) विष. । वस. । b) थिघः इति जीसं. प्रयासं. प्रमृ. । c) वैष १ द्र. । d) पाभे. वैष १, १ ९ ९ ६ । e) ग्रादित्सन्तः । = मुष्णान्तः । इति । पक्षे । मानृदत्तः, तमनु Böht LZDMG ५२,८०। विष्यन्तः इति प्रस्तानुकः ।

१९, ४; आपध २, ११, १८; हिध २,४,३३.

√टाª पाधा. श्रदा. पर. लवने, दाति त्रापश्री १, ३, ८××; भाश्री; दान्ति माश्रौ १, ७,६,२; दामि वाश्री १, २, १, १६ +b; दानतु +कौस् १, २५;६१,३९.

टात- -ते बौश्रौ २१,३: २२. २टात्र°- पा ३,२,१८२; -त्रम् भाश्री १,३,६; वाश्री १,२, १, १२: १६: कौसू १, २४; ६१, ३८; या २,२.

२दान-> ट्रान-प्रसव^त- -वानि भाश्रो ६,१८,१५.

√दा, दो° पाधा. दिवा. पर. ऋव-खगडने.

√टा(बन्धने)>३ दान- -नम् आश्री ८,३,१९१ ; वैताथ्री ३२,२५.

दा-√दा(दाने) इ. दांश- √दंश् द्र.

दाक- पाउ ३,४०.

दात्तक-, १-३दाक्षायण- प्रमृ. √दक्ष द.

दाक्षिण- प्रमृ. २दिशण- द्र. दाचिणाग्निक-, दाक्षिणाज-, टाक्षिणात्य-, दाक्षिणापथक-१दक्षिण, णा- द.

दाक्षी- प्रमृ. √दच्द्र. दाक्षिणेय- २दक्षिणा- इ. दागव्यायनि- दगु- इ.

दाडिम"- पाउमो २, २, २५०; पाग

2,8,39;8,9,89h.

दाडिमी- पा ४,१,४१. दाडी- पा,पाग ४,३,१६७. १दाएड- २दण्ड- इ. २दाण्ड- २दण्डिन्- इ. १दाण्डकि!- (>°कीय- पा.) पाग 4,3,99 4. २दाण्डकि !- -कयः बौश्रौप्र ३२: १.

दाण्डग्राहिक- १दएड- द्र. दाण्डपा,मा]यन- दण्डपा,म]- इ.

दाण्डमाथिक-, दाण्डाजिनिक-१दगड- द्र.

दाण्डायन-, °न-स्थली- २दएड- द्र. दाण्डिक-, ॰िडक्य- १दएड- द्र.

दाण्डिन्- २दएड- इ. दाण्डिनायन- २दण्डिन्- द्र.

दाण्डीक- १दएड- इ. १दात भ अप ३७ १४,३ क.

दात- √दा (लवने) द्र.

दातवे प्रमृ. √दा (दाने) द्र.

दात्तेय- २दत- द. दात्योह∸ दित्यवाह्- द्र.

१दात्र- √दा (दाने) द्र.

दात्व- पाउ ४,१०४,

दादा जैथीका १५५.

दाहहाण- √दंह द्र.

दाधिक- १दधि- द्र.

दाधिक- ३दध->दध-का- द.

दाध्यि- √ध्य द्र.

दाभ्रेषि। - - पयः बौश्रौत्र ३ : ४.

√दान्[™] पाधा. भ्वा. उभ. खएडने.

१दान- √दा (दाने) द्र.

२दान- √दा (लवने) इ.

३दान √दा (बन्धने) द्र.

४ दान"- -ना शांश्री ११, १२, ४; -नाः शांश्री १५,८,९.

?दानपन्परिवस्यते अप ४८, ५९.

†दानस्°- -नः अप ४८,९०.

१दान् P- पाउ ३,३२; -नुनः या २, 93 + 6.

२दान्म - - नृन् या ११,२१ + व.

दानव^p- -वः श्रप ४८,१००^r; -वम् या १०, ९ +8; -वान् शंघ ११६: २१; या ११, २१;

-वानाम् अप ७,१,१; -वैः अप

७,१,२; बृदे ७,५१.

दानवी- -बीम् बृदे ६,७६.

?३टान^p- - † नवः श्रापश्रो १५,९,८; बौध्रौ ९, ९: १४; माध्रौ ११, ९,१०; माश्री ४, ३, ११; वैश्री १३, ११: १२; हिथी २४,

8,3.

१दान्त-द- द्र.

२दान्त- √दम् इ.

दापियत्वा, दाप्य- √दा(दाने)

दामन्t- पाउ ४,१४५; -म आपश्री १९, २७, २३; बौधौ १३, ४२:१२:१०:वाध्य्रौ३,७६:२७; हिथी २२,६,२८; भाशि ७७+; -मनी काश्री २२, ४, २३; आपश्री २२, ५, ८; हिश्री १७, २, ३६; लाश्रौ ८, ६, २२ ई;

> -मना आपश्री २, ५, ४; १६, ३.७: १९, २६, १; बौश्रौ ९,

b) पाभे. वैप १,९५६१ k द्र. । c) = लवन-साधन-। d) विप. । बस. । a) या २,२ परामृष्टः द्र. । e) पा ७,४,४० पावा ७,४,४७ परामृष्टः इ.। f) शोधः वैप १,९५६२ d इ.। g) = वृक्ष-विशेष-। ब्यु. १।

h) तु. पागम. । i)= त्रायुधजीविसंघ-विशेष- । ब्यु. $i=j=\pi$ िष-विशेष- । ब्यु. i=k) त्रुटितः पाठः । m) पा ३,9,६ परामृ हः इ. । n) वैप १, १५६२ । इ. । o) = धन-।

l) = स्तोभ-विशेष-। ब्यु. ?। ब्यु. $?<\sqrt{q}$ ा [दाने] इति स्यात् ?। p) बैप १ द्र. । q) पासे. बैप १, १५६३ e द्र. । r) = सेघ- ।

1) वैप १,94६३ ० द.। s) पामे. वैप १, १५६३ g इ. ।

CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

५: ३२; माश्रौ ६, १, १, ३१; वाश्रौ २,१,१,२५; हिश्रौ ११, 9,38.

दाम-कण्ठ"- पाग २,४,६९. दाम-तृष,पा^b- -षा त्रापश्रौ १८, १०,२३°; -वाणि काश्री २२, ४, २२; श्रापश्री २२, ५, ७; हिश्री १७, २, ३५; लाश्री ८, ६, २०; २१.

दाम-द(शा>)श^b- -शानि लाश्रौ **६,२9.**

दाम-हायना(न-ग्र)न्त- -न्तात् पा, पावा ४,१,२७.

दामो(म-उ)दर⁶- रम् श्राप्तिगृ २, ५, ७: १०; बौगृ १, ११, ७; वैगृ ३, १३: ५; बौध २, ५,

दामनि- (>°नीय- पा.) पाग ५, ₹,99 €.

श्वामोदात्तोत्तायनाः वव्यू ४: २. दामोण्णीपि-(>॰व्य- पा.) पाग 8,9,9498.

दास्भिक- √दभ्, म्भ् द्र. दाय - -यः या ३,४ +; -यम् +शांश्रौ १५, २५, १; २७, १; बौश्रौ; -यात् शंघ २७५; -येन आपघ २, १३, २; हिंध २, ३, २; -येभ्यः शंघ २७६.

दाय-विभाग- -गः वाध १७, ४०; बौध २,२,८.

दाय-हर- -रः विध १५,२९. दाया(य-आ)दि^b- दिः गौध ५,७. दाया(य-म्र)नुरूप- -पम् विध ६,

श्दायम् वाश्रौ ३,२,६,३२. ?दायाद¹- पाग ५, १, १२४; पावा ३,२, ५1; -दः वाध १७, ३९; ८१; श्रापघ २,१४,६; हिध २, ३,१७; या ३,४;६; -दाः गौपि १,५,१०; वाध १७, २५; विध १७,२२; या ३, ४; -दे पा ६, २,५; -देषु शंध २९१.

दायाद्य- पा ५, १, १२४; - द्यम् †बौश्रौ १२, ११: १२; १३: २७; श्रापध २,१०,४; हिध २, ४,४; पा ६,२,५.

दायाद्य-काल- -ले शांगृ १, १, ४: पागृ १,२,२.

दार1,k- पावा ३, ३,२०; -रम् वाध १४,१३; श्रापध १,३२, ६; २, २२, ७; २७, १०; हिंध १, ८, ४८; २, ५, १३७; २२९; —राः श्रापश्रो २०,१५, ८‡; वाध ६, ४: बौध २,२,५५; काध २७९: ७: -रान् गोगृ २, १, १; ३,४, २; द्रागृ; -रे अप ६४, १०, ६; वाध १६,३५; श्रापध २,१,१८; ५, १०; ११, १२; हिंध २, १, १७; ९१; ४, २७; -रेण पागृ १,११, ६; श्रापध २, १, १७; हिंध २, १, १६; -रेभ्यः भागृ २, २: १०; हिग् २, १७, २; -रै: शंध १५८; वैध १, ६, ६;

99?1 दार-काल- -ले पागृ १,२,१.

दार-किया- -या मीसू ६, ८, १५ दार-गव- पा ५, ४, ७७; पाग २. 2.39.

दार-गृप्ति- -सिम् हिगृ १,१४:६. दार-जार- पाग २,२,३१1. दार-स्यागिन् - गी शंध ३७७ : ९. दार-व्यतिक्रम- -मे वौश्रौ २८. १: ३०; २ : ५२; हिंध १,७,५४™. दारव्यतिक्रमिन्- -मिणे श्रापध

१, २८, १९; हिंध १, ७, ५४; -मी श्रापध १,२८,9९™.

दार-संग्रह- -हे शंध ४११; ४३९; बृदे ५,८२.

दार-संग्रहण- -णम् वैध १,३,४. दारा(र-श्र)धिगमन->°ना(न-श्रा) धान- -ने कप्र १,६,२.

दारा(र-अ)धी(न>)ना--नाः काघ २७९ : ७.

दास(र-ग्र)न्न-धन-लाभ- -भानाम् शंध ४३९.

दारा(र-स्र)पत्य-पोपक- -कः काध 200:8.

?दारा(र-श्र)र्थ- पाग २,२,३१¹. दारा(र-आ)श्रय-भूषण"- -णानि श्राज्यो ८,६.

दारक°- -कस्य वैगृ ३, २०: १; ५, ११: ७; विध २७,४. दारिका->°का(का-श्रा)चार्य- •र्यः शंघ ३७७: १६º.

दार-कर्मन् - मणि हिपि २३: दारद- २दरदाद् - द.

c) पामे. वैप १ परि. दाम-भूषा टि. इ. । a) व्यप.। बस.। b) विष.। बस.। e)= ३कृष्ण- । वस. । f)= श्रथर्वशाखा- । पाठः $begin{small}
ho$ भोदाः, त्तो॰ इति PW. प्रमृ , दामोदात्तः, (वासस्-)। क्षीत्ता॰ इति महीदासः । g) व्यपः । व्युः dela। h) वैप १,१५६४ c दः । i) वैप १ द्र । j) तुः पागमः । k) पुं. नाप. । l) °मांणि इति पाठः ? यनि. शोधः । m) सपा. °ऋमे<>°ऋमी इति पाभे. । n) वस. >कस. । °रा श्रि° इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. संस्कर्तुः टि.) । o) = बालक-। व्यु. ? । p) तु. मदनपारिजातः (पृ ७०२)। मिताक्षरायां L३,२१६] तु दारका॰ इति पामे.।

दारयत्-, °ियत्- √द,दृ(विदारणे)

१दारु- √दा (दाने) द्र.

२दारु⁴- पाउ १,३; पाग २,४,३१; ४,३,१५४; पावाग ६,३,१२१; -रु आपश्री ५,२५, ७; वौश्री; या ४,१५; -रुणा वोश्री २०,१९:३०; -रुणि काठश्री ३६; पा ५,४,११४; -रुण काठश्री ३६; पा ५,४,११० -रुम्यः भाश्री ६,१३, ८; -रुम्यः भाश्री ६,१६,४;७,१३,८; -रुण आपश्री ६,२५,४†; वौश्री १७,३९:२; आपश्री १४,२४,४; वौश्री १४,२८:११;१२; हिश्री १५,६,९; -†री आपश्री ९,२,८³; वौश्री ९,३,८³; वौश्री ९,३,८³; वौश्री ९,३,८³; वौश्री ९,३,८³; वौश्री ९,३,८³; वौश्री ९,३,८³; वौश्री

दारव- पा ४, ३, १ ५४; -वम् कप्र १, ७, २; विध २३, ५; वैध २, ८, ३; -वाणाम् बौध १, ५, २९; विध २३, २७.

दास्वी— न्वी नाशि १,६,१. दारु-कार — -रः वैध ३,१४,१०. दारु-चय— -यम् कप्र ३,२,८. दारु-चि(त>)ता— -ताम् आप्तिगृ ३, ५, ५:१०; वौपि १,४:१५; ३,३,४; वैगृ ५,४:१५; गौपि १,२,२३.

दारु-चिति - - तिम् श्राधियः ३, १०,४:९; हिपि ३:१०; १२;१५;४:९; - तेः हिपि १:८;३:१२.

दारु-ज- -जम् त्रप १४,१,३. दारु-दन्त-जात- -तानि वैध ३, ३,११. दार-पात्र- -त्रम् त्रापश्री १, ११, ५र वैश्री ३,६:३; हिश्री १, ३,८; काध २७७: ५; -त्राणि वैश्री ४, १: १४; हिश्री २, ६, ५५; -त्राभ्याम् वैश्रौ ७, २: ११; -त्रे श्रावधी १,१२,१६; १४, ३; वैश्री ३,८:८; विध ९६,७: -त्रेण बौधौ १७,४८: १३; भाश्री १, १४, ९; माश्री १,१,३,३७; वैश्री ७, २: ११. दारु-पात्री- -त्रीम् बौश्रौ १, ४: १०; त्राप्तिगृ ३, ५, ७:९; बौषि १,६:४; ३,३,१२. दारु-पादु- -द्वोः या ४,१५. दार-पिण्ड- -ण्डः याशि २, ९१; -ण्डेन शैशि ६८. दारुपिण्ड-क- -कान् याशि २,

दारुपिण्ड-वत् श्राशि ५,२. दारु-मध्य - ध्यात् काशु ७,११. दारु-मय - यः वौश्रौ २६,२२: २०; बौध १,१,११; -यम् बौश्रौ २९,६:२०;२४; माश्रौ; -याणि श्रापश्रौ ९,१६, ३: बौश्रौ १५,१४:५; श्रामिग्र

२, ७, ९: १३; तैप्रा ७, १२‡; -यानि आमिए २, ७, ८: १५; -यानाम् बौध १, ६, २६; -ये

भाग ३,१८:१७. दारु-वत् श्राप्तिग् ३, ७,४:७; बीपि.

दार-वह- पावा ६,३,१२०. दार-संघात-वत् माशि ११,८. दार्बा(रु-त्र्या)घा(त>)ट°- पाग ४, २,८६; पावा ३,२,४९; फि ६५; -‡ट: ग्रुप्रा ३,४८; तेप्रा

७, १३. दार्वाघाट-चत्- पा ४,२,८६. दार्वा(६-न्ना)चित- -तानाम् बौश्रौ १५, १९:३; -तानि बौश्रौ १५,१४:१;१८,४०:१५;१९. दार्वा(६-न्ना)द्वरण--णम् काश्रौ २२,

दारुण-, ज्य- $\sqrt{\epsilon}$, द्विदारणे) द्र. दार्घसत्र- दीर्घ- द्र. १-२दार्डच्युत- प्रमृ. $\sqrt{\epsilon}$ द्द द्र. १दार्ण- द- द्र.

.वार्तेय- १ हति - द्र. दार्देरिक- दर्दर- द्र. दार्भ- १ दर्भ- द्र.

दाम- नदम- म.
दार्भायण-, दार्भ-, दार्भ- रदर्भ-

दार्भ्यूष 4 - चेण कीस् ३२,८;३५,२८. दार्घा- (> चेंय- पा.) पाग ४,२,

दार्विहोमिक- दर्वि,वॉ- द्र. दार्व्य- -च्यम् अप २३,५,९. दार्श-,°शेप्णैमासिक- प्रसृ. √द्श् द्रं. दार्षद्-, दार्षद्वत- द्व्यद्- द्र. दार्षिविषयिक-, दार्ष्य- √द्श् द्र. दालिवक- दल्ल- द्र. दालीपायन-, °प- दलीप- द्र.

दारुभ्य- दल्भ- इ. दाय- √दु (उपतापे) इ. दायन्- √दा (दाने) इ.

दावन् - √षा (पान) यः दाविक - √दिव्>देविका - द्र. √दाश् ° पाघा. भ्वा. उभ. दाने,

| वावा. न्या. उस. स्तान | †दाज्ञति अप ४८, १३; निघ | ३,३०; या ६, ८; ऋप्रा ४,९३; | दाज्ञात् कीस् ५, १†; †दाज्ञेम | आपश्रौ १७, ९, १; वैश्रौ १९,

६: ३;४.

a) वैप १, १५६४ दि.। b) = वर्धिक-। उस.। c) वैप १ द.। d) वैप १, १५६४ k द.।

ददाशः या ११,२४ 🗗. ददाइबस्क- शुवे आश्री २, १३, दाशस->'स-पति->°रयb-न्त्यम् लाश्रौ ७,४,११°; -त्यस्य चुसू ३,१०:१६; -स्ये लाश्री 9,8,9 8?d. †दाश्वस् - - शुपः श्राश्री ५, ९, २६: श्रापश्री; या १२, ४०; -शुषे श्राध्रौ १, १०, ८××; शांश्री; या ११, ११; -इवांसः गौषि २,३,५; या १२,४०; तैप्रा १६,१३; - स्वांसम् आश्रौ २, २0, ४; ३, ८, 9; ८, 9, २; -इवान् या ५, ७°; पा ६, १. 93. √दाञ् पाधा. स्वा. पर. हिंसायाम्. हाडाक- पाउ ५, ११; पा ३, ४, 5 e टाशी-> टाशेर'- फि ६७. दाराग्रामिक-, °शतय- प्रमृ. दशन्-롲. दारार्म- -र्मस्य चात्र ६: ४8. दाशार्ण-, १दाशाई- दशन्- द्र. २दाशाई- २दशाई- द्र. दाशाईपयस- दशन्- इ. √दास् पाधा. भ्वा. उभ. दाने, †दासति ग्राप ४८, १३°: निघ 3, 20. दास-> दास्-वत्- वन्तम् श्राश्री ८,१,२; शांश्री १८,२३,९; वैश्री

१९, ५: ९; जैथ्रौ ५:४; २१:

४; चस् ३,७:१; निस् १,७

्रदास (हिंसायाम्),दासति अप ४८, दास^h दाश्री ५, ४, १३; लाश्री २, 6,93. श्दास'- पाउ ५,१०; पाग ३,१, १३; ४,१,४१1; -सः सु ९, ५; कौसू १७, १५; वाध १५, १२; विध २२,५७; गौध २०, ४; या २, १७०: -सम् शांश्री ८,२५,१ +; वैताश्री ३१,२५ ; हिध २, १, १२६; -साः त्राप्तिगृ; कौस् ९०, १८ के: -सान् हिश्री१३,१,३१; -सानाम् विध २२,१९; -साय कौस ८९,४; - से शांश्रो १८, १४.५4: -सेन सु १०,३: -सैः ज्ञानिगृ २, ४, ७ : १७^{१1}; -सी बौध्रौ १५, १: १५; २६, १०: दासी- पा ४,१,४१; पा, पाग 4, ३, १००1; ४, १३८; -सी श्चापश्ची १, २१, ८; बौश्रौ; -सी: वाधौ ३,१,१, २९; वैधौ १७,११ : ८; हिश्री १३,१,३१; -सीनाम् श्राधौ ९, ९, १४; -सीम् बौध १, ११, २०; बृदे ध. २५: -स्यः काश्रौ १३. ३. २४: श्रापध्री: -स्या श्रापध १. ९६,३२ं; हिध १,५,३२. दासी घट- -टात् गौध 20.8. दासी-दास-पाग २,४,११; -सम अप २०. ५. २: -सेन

श्रप १,४४,९. दासी-निष्क-रथ-हस्ति-यान-गो- -गवाम् लाश्रौ ८, ११. 9 €. दासी-प(द्>)दी- पाग ५. 8,938. दासी-भार- पा ६, २. दासी-माणवक- पाग २,४. दास-कर्म-कर- -रम् आवध २,९, ११^m; -राः श्रापमृ २३.७. दास-कर्म-कार- -रम् हिध २, १, 9 3 & m. दास-कुमारी- -र्यः आपश्री २१. १८,७; १९,१८; २०, ५; हिश्रौ १६,६,३९. टास-गोपाल-नापित- -ताः विघ 40,98. दास-ग्राम- (> °मि[क] का-, °की-)दश-ग्राम- टि. द्र. दास-प(ति>)त्नी - पावा ४, १, ३५: -तीः या २,१७ क. दास-मिथुन- -नी लाश्री ८, ४, दास-वर्ग- -र्गस्य विध ८१,४. दासा(स-श्र)धिप(ति>)त्नी--रन्यः या २,१७. √दासाय पा ३,9,9३. दास्य- -स्यम् सु ६, ४; विध ५, १५२: -स्यात सु १०, २××;-स्ये सु ५, १; विध ५, 949.

a) वैप १ द्र. । b) = साम-विशेष- । c) दासस्यश्यम् इति पाठः ? यिन. शोधः (तृ. तां १३,५,२६) । d) °स्थरये-इति पाठः ? यिन. शोधः । e) पामे. वैप १, १५६५ e द्र. । f) द्रक् प्र. (पा ४,१,१३१) । g) दाशान्मे ° इति पाठः ? यिन. शोधः (तृ. काठ ७,६) । e) दासनु->- शो (तृ. तां १,७,९) इत्यस्यात्रयवः द्र. । e) विप., नाप. (मृत्य-) । वैप १ निर्दिष्टयोः १द्वास- २दास- इत्येतयोः समावेशः द्र. । e) तृ. पागम. । e) उत्तरेण संधिराषः । e) दासर इति पाठः ? यिन. शोधः । e0) परस्परं पामे. ।

श्दास⁵-(>दास।यन- पा.)पाग ४, 9,880 दासक -(> कायन- पा.) पाग ४, 9,990. दासमित्र- पाग ४, १, ९९a'b; २, 99 40. दासमित्रायण- पा ४,१, ९९; पाग 8.2,48. दासमित्रायण-भक्त- पा ४, २, 48. दासमित्रि-(> °त्रि-भक्त-पा.)पाग 8,2,48. दासमित्रि(क>)का-, °की- पा 8,2,994. १दास- द्र. दास्य-दास्यत्- √दा(दाने) द्र. दाह-, दाहन- प्रमृ. √दह द्र. दिग्ध- प्रमृ. √दिह् द्र. दितिd- पावा १,१,७२; - †ति: श्रश्र ११,३; १५, ६; -तेः माश्रौ २, ३,८,२२; हिश्रौ ८,६,३३; कौसू ५९,१२; श्रश्र ७,७; १५,६. दैत्य- पा ४, १, ८५; -त्यान् शंध ११६: २०; -त्यानाम् बृदे ६, ११५; -त्येषु बृदे ७, ५४: -स्यौ बृदे ४,६७.

५०.
देश्य-मन्त्रो(न्त्र-उ) किकाल-तस(:) जैश्रौका १०६.
देश्ये (त्य-इ) नद्ग-नियुत-तानि विध २०,२५.

दैश्य-दानव- -वान् बृदे ७,

दित्य-वाह् - वाहः वाश्रौ ३, ४,

३, १८ †; -वाहस् श्रापश्री ५, २०, १६. दित्यौही- -ही छुप्रा ५, ४० †; -हीस् श्रापश्री ५, २०, १६. दात्यौह- पा ७, ३, १. दित्सत्-, १दिःसु- √दा (दाने) द्र. २दित्सु°- -त्सु श्राश्री ९, ९, १२ †. दिद्शीयपत्- √हण् द्र. दिद्शाण- √हण् द्र. दिद्शा- प्रम्ट. √हण् द्र. दिद्युत्व - पाउना २, ५७; पावा ३, २, १०८; -† खुत् श्राश्री ६, ३, १; निघ २, २०; या ६, ३०; १०, ७०; २१; -० सुत् श्रश्र २, २ †.

दिद्युतान √शुत् द. ?†दिद्योत्¹ त्रापश्रौ १८,१५,५;बौश्रौ १२, १०: १४; हिश्रौ १३, ५, ३०; त्राप्तिष्ट ३,३,२:५;बौपि २,९,८.

दिधस्त- √दह द्र.
१†दिधिषु - - ०पो या ८,२० ४ ०.
२दिधिषु - पाउ १,९३ ।; - † षोः ।
श्राप्तिस्य ३, ५,६:१६; बौषि
१,५:४.
†दैधिषच्य - - ० व्य आश्रौ
१,३,३०;काश्रौ.
दिधि (पु>) पू-पति - - तिः वाध
१,१८;२०,१०.
दिध्त > ता √ध द्र.

दिन¹- पाउत्व २,४९; पाग २,४,३१; -नम् वैष्ट ३, १२:२; त्राप; बौश्री १९,३: ४; १५; -नानि आपश्री १,०,४; बृदे ४, १३२; -ने आपश्री २१,१२,३‡; बैश्री; -नेऽ-ने अप ३१, ६,३; ९, ५; याशि २,६७; -नेन बौध ४, ५,२८; -नेषु अप ३१,८,५; -नै: अप ३५,१०; बौध ४,५,२७.

दिन-कर^k - -रस्य अप ७० 1 , ११, २३. दिन-कम - -मेण कप्र २,१०,५ 1 .

दिन-क्रम - - मेण कप्र २,१०,५¹. दिन-क्षय - - यात् वाध ११,२१. दिन-त्रय - - ये वैग्र ६, ८: ११; -येण विध २२,३७. दिन-द्वय - - येन विध २२,३६.

दिन-भाग- -गानाम् वेज्यो ४१. दिन-राशि- -शिः वेज्यो २९.

दिन(न-ऋ)ःवं(तु-ग्र)यन-मास--सानाम् वेज्यो ४४.

दिनर्त्वयनमासा(स-श्र)क्व --क्रम् वेज्यो १.

दिना(न-श्र)धिप- -पाः श्राज्यो ८,१.

दिना(न-श्र)न्त- -न्तेषु बृदे ७, १२१.

दिने(न-इ)ष्टका- -काः बौधौ १९, ३:१;१२.

दिनै(न-ए)कादशक- -केन वेज्यो २६.

दिनो(न-उ)पभुक्ति- -िकः वेज्यो २६.

-नम् वैग् ३, १२ : २; ऋपः; √दिन्व् पाधा. भ्वा. पर. प्रीर्णने. -नान् बृदे ४, ३४; -नानाम् दिरसा- (>दैरस- पा.) पाग ४,

a) ब्यप.। ब्यु. ?। b) दास-, भित्र- इति भाएडा. प्रमृ.। दासिमित्र- इति [पन्ने] पागम.। c) = देश-विशेष-। d) वैप १ द्र.। e) वैप १,9५६८ हु द्र.। f) ब्यु. पाभे. च वैप १,9५६९ b,c द्र.। g) पाभे. वैप १,9५४२ हु द्र.। तत्र च ॰पोः?>॰षः इति शोधः। h) <दिधि $\sqrt{}$ सो इति, पाउभो २,9,9२३ तु $<\sqrt{}$ ध्प् इति । i) पाभे. वैप १,9५४२ j द्र.। j) = दिवस-। ब्यु. ? $<\sqrt{}$ दो [अवखएडने] इति पाउ. दे., $<\sqrt{}$ दी चिये] इति अभा.। k) उप. z: प्र. उसं. (पा ३,२,२९)। l) ॰त्रयेण इति जीसं.। m) विप.। बस.।

CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

३,९३. **दिलीप**- पाडभो २,२,२१४. **दैलीप**- (>°पायन-) दलीप-टि. द्र.

√दिव° पाधा. दिवा. पर. क्रीडाविजि-गीषाव्यवहारद्यतिस्तुतिमोदमद-स्वप्नकान्तिगतिषु, दीव्यति वाध्यौ ४, ५९ : १०; ७५ : १: पा ४,४,२; दीव्यामः वाध्रुश्री ४,७५: १२; †दीव्य-ध्वम काश्री ४, ९, १९; १५, ७, १७; चैदीव्यत आपश्री ५, १९,४; भाश्री५,१२,६; हिश्री३, ५,८; दीब्येत वाधूश्रौ ४,५९: १२: दीब्येयुः भाश्री ५, १२,८. देविष्यावः वाधुश्रौ ४, ७५ : ४. दिव्b- पाउभो२,१,३०६;पाग५,४, १०७: +दिवः आश्री १,४,९××; शांश्री: श्रावश्री १, २१, ३°; २, 4,9ª; &,98,92°; ८, ८,291; १६, ३२, ३8; १८, 9६,90h; माश्री १, २, ६, २५¹; ८, २, २८¹; श्रापमं २, १६, ७ ६; श्रागृ ३.८,१९1; पायृ१,५,१०m; हिंग १,9७,४ⁿ; या२,१३;६,२२××;

पा ६, १, १३१; ३,२९; ७, १, ८४: पावा ६, ३, २०; दिवम् श्राश्री १, ३,२७; २, १०,२१; ३, १२, ९‡°; शांश्री; काश्री ६, ९, १२[‡]^р; †आपभी २, १, دع: الم عربة: عمر العة: وع. 9. 938: 83, 4, 6; 84, ४, ४°; †माश्रौ १, २, ३, ४^u; ६,२५^v;८,9,99^r;६,90^p; ४, १,२३°; द्राश्री ४,१,५१ण;लाश्री २. १. ६: या ६, २२ +××; †दिवा श्राश्री १.७.७³; शांश्री; आगृ १,२२,२x; शांगृ २,४,५x; 3.93.4y; 917 2,3, 2x; हिंगू १.५.१०x; २,१०,७४; गोगृ २, १०,३४x; कौसू ५६,१२x; या ११, ४९; पाग १, १, ३७\$; दिवाम् श्रापश्रौ १४, २५, ११+2; †दिवि आधी १, ६. १××; शांश्री १,१३, ४××; ४, १२, २⁸¹; काश्री; श्रापश्री ३, ९, १०^{b1}; माश्री^d १, २,५, ८; ३, ५, २५; वाध्रश्री ४, १४: २१^{८1}; हिश्रौ २,५,११^{b1}; श्रापमं १, १६, ४^{d1}; भागृ २, ७:

२०^k; हिए २, ७, २^k; पा ८, ३, ९७; दिविऽदिकि पाशि ३२; †दिवे श्राश्रौ २, ३, ८; ३,८,१;४,५,७⁰¹; शांश्रौ;आपश्रौ १२,२०,८⁶¹; लाश्रौ ५, ६,९⁶¹; वैताश्रौ २०, १३¹¹.

दिवा^b— पाउवृ ४,१७५; — †वा^b शांश्रो १,११,१^२;९,९,१; काश्रो; या ३,१५; १४,१८; पाग १,

दिवा-कर- पा ३, २, २१;
-रः अप ५१, २, १; ५५, २, २;
७०³, ११, ३; ४; -रम् आप्तियः
२,४,११ : ८; †अप १,४१,६;
अशां ११,६; वृदे २,६२; -रस्य
अप ५१, ३,३; ७०³,११, ३०;
-रे अप ४१,४, १; ५३,१,४;
६५,१,७.

दिवाकर-तला (ल-अ) भ्याश—सेविन्- -विनः ऋष ५२,८,३.

दिवाकर-प्रभा— -**भाः** श्रम ७०^३,११,१७. दिवा-कीर्ति^{ध1}— -र्तिम् वैगृ ६७:११.

a) पा १,४,४३ परामृष्टः द्र. । b) वैप १ द्र. । c) पामे. वैप १,१५७० दि. । d) पामे. वैप २,३७६. दिवः तैन्ना २,३७६. दिवः तैन्ना २,५,५,२ टि. द्र. । e) पामे. वैप १,९५७४ h द्र. । f) पामे. वैप २,३७६. दिवः तैन्ना १,५,५,२ टि. द्र. । g) पामे. वैप १,९५७२ e द्र. । h) पामे. वैप १,९५६ m द्र. । i) पामे. वैप १,९५७२ c द्र. । j) पामे. वैप १,९५७१ d द्र. । k) सपा. दिवः <> दिव्यम् इति पामे. । m) पामे. वैप १,९२९ d द्र. । n) दिवे इति Böht LZDMG ५२,८४] । o) पामे. वैप १,९५७१ g द्र. । p) पामे. वैप १,९५७२ q द्र. । q) पामे. वैप १,९५७३ k द्र. । r) पामे. वैप १,९५७३ i द्र. । s) पामे. वैप १,९५७२ p द्र. । t) पामे. वैप १,९५७३ b द्र. । u) पामे. वैप १,९५७२ o द्र. । v) पामे. वैप १,९५७२ p द्र. । t) पामे. वैप १,९५७३ हि. द्र. । v) पामे. वैप २,३४७. देवान् तैन्ना ३,७,५,३ टि. द्र. । w) दिवसारु इति लैवि. सन् पाठः १ दिवमारु दित शोधः (तु. लाश्री.) । x) पामे. वैप २,३५७. दिना मंन्ना १,६,२६ टि. द्र. । y) पामे. प९,९ p द्र. । z) पामे. वैप १,९५७६ i द्र. । a¹) पामे. वैप १,९५७३ l द्र. । b¹) पामे. वैप १,९५७५ b द्र. । c¹) दिव्या इति पाठः १ यनि. शोधः (तु. संस्कर्तुः टि.) । d¹) पामे. वैप १,९६७४ a द्र. । e¹) पामे. वैप १,९५७६ a द्र. । f¹) पामे. वैप १,९५७६ a द्र. । f²) पामे. वैप १,९५६ a द्र. । f²) पामे. वैप १,९५०६ a द्र. । f²) पामे. वैप १,९५०६

दिवाकीरया (र्ति-स्रा)दि--दीन् मागृ २,१४,११.

दिवा-कीर्स्य - -र्स्य: आश्री १,५,१८; ८,६,१; वाश्री ३,२, ३, १८; -र्स्यम् आपश्री २०, २१, १०××; बौश्री १६, १४: १५; हिश्री १८,१,२५; ३,३;४. दिवाकीर्स्य-पृष्ट - -ष्टः

लाधौ १०,१३,१५.

द्विकार्थ-सामन्^b-मानम् त्रापश्रौ २१,१५,१६.

दिवा-चर- -राः श्रप ५२,१, ३; ७०^३, ५,५; --†रेभ्यः^० काय ५४,१७; वैयु ३,७ : १६; विध ६७,२१.

†दिवा-चारिन् - -रिभ्यः° त्रागृ १,२,८; श्राप्तिगृ १,७,२ : १०; मागृ २,१२,१८.

१दिवा(वा-म्रा)दि- -दिपु गोध २४,७.

दिवा-मैथुन- -ने आग्निए २, ७,४ : ३; बौए ४,११,१.

दिवा-रात्रि-चर- -राः श्रप '५२, १, ३; -राणाम् श्रप ६४, ४.३.

दिवा-सन्ध्या- ्-न्ध्ययोः श्राप्तिगृ २,६,८ : ७.

दिवा-स्थान^d -नः वौध **४,** ५,५.

दिवा-स्वप्त-शील- -लेन वौध २,२,७७. २दिव्-आदि- -दिभ्यः वृदे ४,६. दिव्-आदित्य- -त्यौ श्रश्च ४, ३९. †दिवि-क्षित्° - - क्षिते बौधौ १५,१,१३. दिवि-गत- - तम् अप ५१,५,३; -तान् वैग्र ५,१४:८‡; -तेम्यः वैग्र २,२:११‡; ५,१४:१४. दिवि-चर- - राः व्रप ५२,१३. दिवि-ज- पा ६,३,१५; -जः या ७,१८.

†दिवि-भाग^b— -नाः श्रापश्रौ १९,२७,११; बौश्रौ १३,४०: भ; माश्रौ भ,२,६,१८; हिश्रौ २२,६,२०.

दिवि-लोक - - कः वाधूश्री ४, ५४:५;१०६:२; - कम् वाधूश्री ३,१३:८; ४, १६:८;६३:९; - कात् वाधूश्री ४,६३:९; - के वाधूश्री ३,१३:९;४,११:२०;१६:८;५४:५.

दिवि-षद्°- पाग ८,३,९८¹; -†षद्भ्य: श्रापश्री १,९,६; ९,१८,१६; बौश्री.

दिवि-ष्ठ- पा ८,३,९७.
दिवि-सद्--सदम् ग्रुपा ३,८३
†दिवि-सपृश्--सदम् ग्रुपा ३,८३
†दिवि-सपृश्-- स्पृक् बौशौ
९,१०:५; माश्रौ ४,३,२०;
वैश्रौ १३,१२:८; ऋपा ५,
२४; -स्पृशः बौशौ ३,३:५;
वैश्रौ १९,५:४; निस् ३,९:४७; -स्पृशम् ग्राश्रौ ७,१२,७;
शांश्रौ १०,६,६; १४,५७,५;

श्रापश्री १७, ७, ४^६; बौश्रौ १, १५: २१: हिश्री १२, २,२४ ; या ९, ३८६; -स्पृशा आश्री ७,६,२; शांश्री १०,३, ५; ग्रुप्रा ३,८१: -स्पृशि या ७,२५. १दिव्य,व्या⁶- पा ४,२, १०१; - † व्यः त्रापश्रौ १५, १६, ९; १७, ८, ४; वैथ्री; या ७, १८की; - वियम् आशी १,९, ५; २, ८, ३; ३, ८, १; शांश्री; द्राश्रो २,३,१७b; लाश्रो १, ७, १५h; या ४,१३;७,१८;-व्यया वाध्यी ४,२९: १२; -व्यस्य आपश्रौ २२,७,११+; बौध्रो; या ६, २२; - क्या काधी २६, ७.४; श्रापश्री; या १२, ३०; - † ज्याः आश्रो १, ७, ७३; आपश्री;हिंग २, १६,६?1; या २. ११; ४, १३; -० च्याः आपश्री २२, १९, १; हिश्री १७,७,१०; - †च्यात् आपश्री ४, १६, ४; बौधौ; -व्यान् कप्र २,२,३-८; श्रप ७१, १, १; शंध ११६: १७१! श्रापध २,७,१६;हिध २, २,३५; - †च्यानाम् कीगृ ४,२, २;३८; शांग्र; -ब्यानि अप ७२, ४,४ ; विध २०, ६; बृदे १, १२१; श्राज्यो ५, ७; -च्याम् वाधूश्री ४, २९: ९; अप १, ४९, 9: १४, 9, १६ ; बृदे १, ७४: -व्यासः या ४, १३ ई; -च्ये विध १४,५; या ८,११ %; -च्येन बौध्रौ १८,१७: ३ ; श्रप्राय: - क्येभ्यः बौश्रौ ७,

a) =एकाह- $\lfloor = 2\pi i \pi^{-1} \rfloor$, सामन्-, वषट्कार- प्रमृ.। शेषं वैप १ द्र.। b) विप.। बस.। c) पाभे. पृ ४७४ g द्र.। d) विप.। उप. कर्तरि कृत्। e) वैप १ द्र.। f) तु. पागमः। g) पाभे. वैप १, १५७७ g द्र.। g) पाभे. पृ १२५६ g द्र.। g) दिव्यः इति पाठः १ यनि. शोधः। g) विया इति पाठः १ यनि. शोधः।

५:४१;६:२६; जैश्रौ; - †च्येषु आपश्रौ १६,३०,१; वैश्रौ १८, २:३५; हिश्रौ ११,८,४; -च्यै: आपश्रौ १४,१७,१†; हिश्रौ १५,५,१†; विघ ५१,७७. दिच्य-तन्त्र-विद्⁸- -वित् अप ७०,९,१.

दिब्य-नदी->॰दी-पुल्लिन-सङ्गम- > ॰म-गोष्टा (ष्ट-श्रा) श्रम-पर्वत-प्रस्न-वण-तपोवन-विद्यारिन् - री सुध ५३१^६ दिब्य-नाग- -गान् शंध

११६: ३४. दिव्य-मण्डल- -लम् अप

१९^२,२,३. दिब्य-स्त्री-गीत— गन्धर्व-विमाना (न-श्र)द्भुतस्वन^e--नाः श्रप ६४,९,७.

दिब्या(व्य-श्रा)स्मन् व - स्मा कृदे ७,७७.

दिन्या(न्य-म्र)द्भुत--तानि त्रप ७२, ५, ३; -तेषु ऋप ७०,४,३.

दिव्या(व्य-स्र)निष्ट-विषत् — कर- - रे श्रप ७०, ४,४.

दिड्या(व्य-श्रा)न्तरिक्ष-पार्थिव- -वान् श्रप १,९,२. दिब्या(व्य-श्रा)न्तरिक्ष-भीम- -मानाम् श्रप २,२, ३; -मेषु श्रप ३०^२,२,९; श्रशां 20,9.

दिब्या(ब्या-श्रा)प्य- -प्यम् अश्र ६,१२४.

दिच्या(व्य-आ)शीर्-ना-(मन्>)म्नी- -म्न्या जैश्रौका ८७.

शु°- पाउमो २,१,३४; पा ५, २,१०८; वेज्यो १२; १६;२७; ३७;३८; सुः या १,६; \dagger स्त्रिमः स्राप्ती ४,१३,०; शंप्री; या ६, १ ϕ ;१३,१; सुपु शांप्री ८, २२, १ \dagger ; \dagger स्त्र् साप्ती ३,८,१;श्रापमं २,११,३०; स्ति वेज्यो ३९.

द्यु-त्रिंशत् - - शत् वेज्यो ३१. द्यु-पथि-मथि-पुं-गो-सखि-चतुर्-अनडु(ह्>)त्-त्रि-प्रहण-णम् पात्रा १,१,७२.

द्यु-भक्ति^d - क्तयः वृदे ६, १५६; -क्तिः वृदे ३, ११३; -क्तीनि या ७.११.

खु-भू- भ्वोः बृदे ५,११४. खु-म- पा ५,२,१०८. †खु-मत् - मत् आश्री ८, १,१८¹; ९,७; शांश्री; -मन्तः वौश्री ३,८:१०; -मन्तम् शांश्री २,११,३^६; बौश्री १, १३:२६; -मान् श्रापश्री १२, १९,५; बृदे ६,७३; या ६,

ग्रुमती- -तीम् बृदे ८,८. †शुमत्-तम- -•म हिश्रौ ११, ७, ४३; -मः बौश्रौ ३,८:३१; -मम् श्रापश्रौ १६, २६,१; बौश्रौ; या ९,२१. सु-मैथुन- -ने श्रप ३८, ३,४.

चु-लोक- -कः हिपि ७:५†.. चु-वत् बृदे २,८०. चु-स्थ- -स्थै: बौध ४,८,.

द्य-स्थान^d - नः वृदे २, ७; या ७,५; १५; १२,४१; -नाः या १२,१; ३५; ४१; -ने वृदे ८,४८.

द्यव(यु-अ)धिक- -केन वेज्यो .39 चों- पाउमोर, १, १५०; † विव गौषि २, ३, ७; या १, ६; शुप्रा ३,६८; तैप्रा ६,२; † सविऽसवि अप ४८, १११; निघ १, ९; † द्यवी श्राश्रौ ८,११, ३; शांश्रौ १०, ११, ८; †द्याम् श्राश्री 2, v, 99xx; &, 2,99?1; C, १३, १०k; शांश्री; काश्री ६,१, १६1; त्रापश्री २,२,३m;७,२७, ४º; माश्री २. ४, ५, ५k; हिश्री २२,३,१९°; वैताश्री २९,१३०: त्राभिगृ ३,६,१ : ६⁰; हिगृ १; १५,३ ; या ३,२०; ७,२३; ९, 934; 20, 224; 234; 204; ३२; १२, २३; १३,८; †द्यावः

984.

ब्राश्री ७,१०, ८; ९,११, १६; शांश्री; या १३,२; पावा ६,१, ९२; द्यावी या २, २०; द्योः पावा ६,१,९२³; †द्योः श्राश्री १,२,९⁸; २,९,१४××; शांश्री १,६,४⁸××; काश्री; श्रापश्री ६, २२,१⁶; हिग्र २,११,४⁸); निघ १,९[‡]°; या १,१५; २,

†खावा श्राश्रो ३,८,९३; ५, १८,५; ८,८,४; शांश्रो ५,१३, ५×; काश्रो; या २, २० ϕ ; ९, ३८ ϕ ; पा ६,३,२९; धावोः सीस् ९,३,२१.

†द्यावा-क्षाम् ^d — -त्तामा काश्रौ १६,५,४; शुप्रा २,४७. द्यावा(वा-आ)दि — -दिना श्रव ३३,६,८.

†खावा-पृथिवी^d - वी आश्रौ १, २, १; ३, २३ × ×; शांश्रौ; आपमं २, १, ८°; १२, ७¹; हिए २, ३, १०²¹; ६, १२°; निघ ५, ३; या ५, ३; ८, १४ ई; १२, ३६; --०वी आश्रौ १, ९, १; काश्रौ; --वीभ्याम् शांशौ १, ६, ११; ५, ८, ५⁸ × ४; काश्रौ; हिंशौ १, ५, ३२ ३; ६६; शांग्र ४, १३, ३⁸; --व्या शुश्र ४, २९; --व्याम् शुश्र १, ५२०; --व्योः आश्रौ १, १, २३ × ४; काश्रौ; आपश्रौ १, 9८, ४^b; बौश्री १, ५: २४^b; भाश्री १, २०,४^b; माग्र १,२१, १०^e; या ३, २२;७,२८; –व्यौ सु २,१;कौस्; या ४,६;२५××. स्रावाप्टियवी-नाम-धेय- -यानि निघ ३, ३०; या ३,२१.

द्यावापृथिवी-बलि--लिम् शांग्र ४,१३,२.

षावापृथिवीय, या ग्व-पाठ, २, ३२; —यः शांश्री ३, १२, ३, १३, ११; काश्री ४, ६, ५, ५, १, १४; वाश्री १, ५, ५, ६; —यम् शांश्री ८, ३, ११××; माश्री; —यवा शांग्र ४, १२, ३; —यस्य शांश्री ६, ११, ७; १४, ५६, ९; भाश्री ५, ५, ६८; माश्री ५, २, ७, ६; —या शांश्री १४, ६, ३; —याः साश्र १, ६२३; —यांन् माश्री १, ६, ४, ४; —याम् श्राश्री १२, ७, १२; काश्री २०, ८, ७; माश्री ५, २, १०, २३; —याय माश्री १, ६, ४, ११; —ये माश्री ५, २, १०, १८.

द्यावाप्टिय्वय,व्या¹— पा ४,२,३२; -व्यः काश्री२०,३, १८; बौश्री २६,३०: १३; जैग्र १,२४:३; -व्यम् श्रापश्री६,२९, १०; आपश्री; -व्यया श्रापश्री ९,२,५;१२,१५;भाश्री; -व्ययोः भाश्री ६, १७,१३‡; -व्यस्य बौश्री ३,१२:२०; तैश्री ८,१:
१०; -व्या बौश्री १७,५५:१६;
६२:१४; -व्या: श्रापश्री २०,
१४, ७; बौश्री २४, ३८:३;
हिश्री १४,३, १६; -व्यान्
साश्री ६,१७,१४; -व्यान्
बौश्री १५,३१:१९; -व्यान्
आपश्री २१,२३,४; हिश्री १६,
८,८;१३; -व्ये ऋश्र २,१,२२.
धावाप्टिय्य-विकार -री बौश्री २७,१४:२३.
धावाप्टिय्या(वी-श्रा)
दि-देव - वान् श्रश्र २,४८,
धावाप्टिय्योर्-अयन - नम् श्राश्री २,१४,१२;

वैताश्रौ ४३,२७. द्यावा-भूमि^d- -०मी ऋपा ३,४, १; -म्योः ऋश्र २, ६,४८.

चौस-(>र्,:)>†चौर-दा*--दा: आप्श्री १७,५, १६; वैश्रौ १८, २१: १७; हिश्रौ ११, ८,

चौर्-लोक- -केन शांग्र **१,** १६,३.

द्यौः,स्-सम् - मम्^b श्राप्तिगृ¹ ३, १, २:२०;२,३:**९;** वौध २,८,१२^m.

१†दिव^d - -वेऽ-वे आश्रौ **४, १०,** १ⁿ, ३; शांश्रौ ५; १४, ८ⁿ××; काश्रौ; या ४,१९**∮**.

a) पामे. वैप २, ११७१ िट. द्र. । b) सकृत् सपा. धौः, समा <> घौः, स्-संमम् इति पामे. । c)= दिन-। d) वैप १ द्र. । e) पामे. वैप २, ३ खं. द्यावापृथिकी तैन्ना २, ७, १७,३ िट. द्र. । f) पामे. वैप १ सोमः शौ २, १०, २ टि. द्र. । g) पामे. वैप १, १५७६ ६ द्र. । h) पामे. वैप १, १५८५ g द्र. । i) धावापृथिकी द्याम् इति पाठः १ यनि. शोधः (तु. मा २८, १२) । j) विप. (पुरोडाश-, ऋन्, स्कृ- प्रमृ.) । i0 वैप १, १५८६ g1, द्र. । i1 विसर्ग-युतः पाठः । तनैव १ समन्तस्स i2 समम्, तस्य इति शोधः । i3 वैप १, १५८६ i4, १५८६ i7, पामे. वैप १, १५८२ i7, पामे. वैप १,

२दिव°->दिवी (व-खो) कस ^b-कसः कप्र १,१०,८; २,३,१२.
दिवस्- > दिवः,য়-३येनि,नी॰-नयः काश्रीसं ३ः १; ६ः १;
श्राक्षिष्ट १, २,१:१४; बौग्र ३,१:
२४; -नीभिः श्राप्त्री १९,१५,
१७; काश्रीसं ३:१;७;६:४;बौश्री
१९,८:६; हिश्री २३,३,३६.
दैवःइयेन⁰- -नम् काश्रीसं
४:१;५:४°;६:४.
दिवस-पति⁵- पाग ८,३,४८°;

-•ते विध ९८, २०.
दिवस-पृथिवी - पा ६, ३,३०;
- क्यो: आश्री १, ९,१; शांश्री
१,१४,३, ऋप्रा १३, ३०; उस्

दिवस'- पाउ ३, १२१; पाग २, ४,३१; -सः शंघ १८६; २३७; विघ २०,१६; -सम् वैग्र ७,५ः ९; वाघ २७,१०; शंघ ११६ः ४९; याश्च २, १०८; नाशि २, ८,३०; -सस्य वाघ ११,३६; -साः सुधप ८४:२; -सात् बौध १,५,१०४; -सान् श्रप ५०,९,५; -सानि श्राप्तिग्र २, ७,६:२३; -साय वैग्र २,१२ः ७; -से वौध ४,५,३०; विघ १९,१०; वैघ२,१,४,८; श्राज्यो ८,३; -सैः शंघ ३५२.

दिवस-प्रमाण- -णम् वेज्यो ४०. दिवसां(स-श्रं)श-भाग- -गः वेज्यो २७. दिवसा(स-श्र)धिक- -कम् सुध दिवसा(स-ग्र)न्त- -न्ते विध १३.५: ३२.९. दिवसै(स-ए)कविंशति-क्षपण--णम् विध ४६,१३. दिवि: (?) गो १,२१ . दीदिविb- पाउ ४, ५५; -विः पागृ ३, ४, १६^२‡: -विम् बौश्रो ३, c : عن . दीवित- -तारः आपध २, २५, १३: हिध २,५,१९२. दीव्यत- -व्यतः शंध ३७८; -व्यन्तः वौश्रौ १०,९ : ३. दीव्यति-> °ति-कर्मन् - मा या 3,94. १देव!- पाग ३, १, १३४; ४,१, ८६; ३, ११८k; - • व श्राश्री १,३, २३; ४, ७××; शांश्री; श्रापश्री ९.८,८‡1; †माध्री२,४,१,९ण; 4, 8, 20"; 4, 2, 2, 98"; त्रापमं २, २, १ +"; कागृ ३९, २ + "; बौग २, ५, ९ + "; भाग १, ५: ९+"; हिए २, १७, ३+1; कौसू १३७, ३९°; यां ५, २७; ७, ३१+; ११, ५+; -+वः

आश्रौ १, ६, १; ८, ७^९хх; शांत्री; श्रापत्री ९,१८,१६०: पाग ₹, 9, ₹1; हिगृ १, २७, ८०-कौसू ४०, १३ ; या २, १०२: २६××; ७, १५Φ; - †वम त्राध्रो १, ८, ७; २, २, २××: शांश्री; लाश्री ७, १२, ४8; या १,४: ६, ४××; - † वम S-वम श्राश्री ७, १२, ७; १०, ६, ६: शुत्र ३, २५१; - वस्य त्राश्री १, १३, 9; ६, 98, 94××; शांश्री २, १०, २××; ६, ८, ६ : वैताश्री १७, ७ : या ध. 99: 8, 0; 0, 8; 88, 99: १४, १८; - †वा आश्री २, १६, १२; ७, ६, २; शांश्री ३.. 93,20: 0,90,90; 80, 3, ५: अप ४८, २: - ए॰ वा आश्री ९,११, १४; या ५, २२; -वाः आश्रौ १, ३, २७××; शांश्रौ: काश्री १५, ४, ३६ † "; त्रापश्री 28, 20, 0+v; 39, c+w; वाध्यौ ४, ४३: २१x; ५५:४^{२y}; वाश्री २, २,३,२१2; हिश्री १,७,. ८;9९°1+; वैग् २,२:६+b1; ३, 93 : 6 + bl; 8 + bl; 8, 90: १० ‡ bl; ११:९ bl; हिभ १, ६, २०⁰¹; या २, १२; ३,८ *×;. - १०वाः श्राश्रौ १, १२, ३६;

 a) = $\{\bar{c}q-1\ b\}$ = $\bar{c}q$ and $-1\ a$ and $-1\ c$)
 \bar{c} \bar{c}

२, ९, १०××; शांश्री; आपश्री 88. 20. 038; 88, 38, 8b; माश्रौ २, ३,८,४^{२b};४,१,६^{२b}; प. प. २१°; हिश्रो २१, १४: १४; १६^७; या ५, २२; ८,२२; १२,४०;- †वान् आश्री१,३,६१; २२××; ३,१२,१४^{२०/e}; शांश्रौ १ ४ २१××: ३,५,९°; काश्री; श्रापश्रौ १, १०, १४1; २, १०, 48: 4, 4, 6h; 9, 8, 9021; 88.30.81; 86,34,430; 86, ५.१४k: शांगृ२,१३,५e; श्रप १, ४०,४¹; या १,२०; २,२६××; -वान S-वान काश्री ३, ५, ८; - †वानाम् श्राश्री १, ३, ६; ६, ५××: शांश्री १,४,२१××;१०, १८.६m; काश्रौ २,१,१८n××; ८, १४°; श्रापश्री १, ३, ६××; 2,90,40;3,96,8°;0,9,7°; १४, 90, 9h; १७, 93, २a; काठश्री: माश्री १,५,१,१६^b;५, २.१५.२"; श्रापमं२,२,९"; हिगृ १, ४, ४'; हिंध १, ८, २६"; -- वाताम् आपश्री २, ५, ७ ; १६.१.३: बीधी: - †वाय आधी ध,१३,७××; शांथी; माश्री६,२, ४.६^७: या २०,६:२३; - † वासः श्राश्री ८.१,१२; शांश्री; या ७, २८:१२,३०: - † • वासः श्राश्री ८,१,१२; गांधी; आपधी १३, 90, 90t; हिश्री ९, ३, ३३t; या ६, १४; १२, ४०; - वे श्रान्थ्री ५, २९, ५; भाश्री; - tan आश्री १, ३, २२; ५, २.१४": शांथी; द्राश्री १५, ३, ९": लाओं ५, ११, ९"; या १०,१८: - विभिः आश्री ५,९, २१××; शांश्री; आपश्री ४,१२, ३ °: - †वेभ्यः आश्रौ १,९, ५रे; २,२,२××; शांश्रो १,४,५××; २,८, २०^w; ४,८, १^x; काश्री; श्रापथ्रौ ९, २, १०^५: माश्रौ १, 9,9,982; 0,9, 672; 6, 3, १वी: माग्र-१,२२, भेरा; कीस् ५६,१३^{२b1}; या १,४; ७,९××; - वंब आश्री १,३,२३; ८,७; 92, 367; 3, 92, 20xx; शांश्री: श्रापश्री १६,११,११ माश्री ३. १.२७ ; पाय १, १६. २२^{२वा}: या ६, ८; ८, २०; ९, ३८: ११, ३९: - †वै: आश्री २. १७. ३××: शांधी: श्रापश्री 8. 90, 8el; E, 6,83W; 8E, १०.८11: माश्री२,३,३,७81; या ९,३: १३+: १२,२९+; -+वी शांश्री ७,५,६; त्रापंत्री; श्रापमं १, १२, २¹¹; मागृ २, १८, २¹¹; या १२, ३७; - † • वी काश्री २३,३,१: श्रापश्री: या ५,२२. १देवी- पा ४, १,४१¹¹: - † ० वि श्राश्री १, १०, ८; ३, १. १४: शांश्री; श्रापश्री १०, २३,६11; बौश्रौ ६,१३: ११11; माश्री १०, १५, १५11; वैश्री १२, १७: ५¹¹; हिश्री ३, ३, ३२१k1; ७,२,३१¹¹; आमिग २, 9, 4: 9८?11; या ११, ३२; ३३; - †वी आश्री १, ७, ७: २. १६. १२ ××; शांश्री;

b) पाभे. वैप १,१६०० h इ.। c) पाभे. वैप १,१५९९ छ a) पामे. वैप १,१६०० g इ.। d) पामे. वैप १, १५९१ a द्र.। e) पामे. वैप १, १६०० 1 द्र.। f) पामे. वैप २, ३ खं. योनिम् मंत्रा २,३,१७ टि. इ.। g) पामे. वैप २, ३खं. देवान् तेत्रा ३, ७,५,३ टि. इ.। h) पामे. बैप १,१६०४ b ह.। i) पासे. वैप १,१५९१ a ह.। j) पासे. वैप १,१६०१ m ह.। k) पासे. वैप १,9499 j द.। l) देवाः इति पाठः ? यनि. शोधः। m) पाभे. वैप १, १६०३ i इ.। n) पाभे. वैप o) पामे. वैप १,१६०३ c द्र. । p) पामे. वैप १, १६०२ h द्र. । q) पामे. १, १६०३ d इ. । वैप १ वृष्टिद्यावानम् मै २,१३,२२ टि. द्र.। r) पासे. वैप २, ३खं. देवी मंत्रा १,६,२७ टि. द्र.। s) सप्र. देवानां सुराज्ञश्च<>देवानानां राज्ञश्च इति पासे. । t) पासे. वैप १,१६०६ ${f g}$ द्र. । u) पासे. वैप १,१५९३ ${f j}$ ह.। v) पाभे. वैप १ विश्वदेवेभिः मा २, २२ टि. इ.। w) पाभे. वैप २, ३खं. देवैंः तैन्रा २, १,५, १० $^{\circ}$ टि. इ. । x) पामे. वैप १, १६०३ f इ. । y) सपा. देवेभ्यः <>देवेषु इति पामे. । z) पामे. वैप १, १६२३ b इ. । a^1) पामे. वैप १,१६०३ h इ. । b^1) सप्त. देवेभ्यः <>देवताभ्यः इति पामे. । c^1) पामे. बैप १, १६०७ \mathbf{e} द्र.। d^1) पामे. पृ १००१ \mathbf{g} द्र.। e^1) पामे. बैप १,१६१२ \mathbf{i} द्र.। f^1) पामे. बैप १, १५९६ j इ. । g^1) पामे. वैप १, १६१२ g इ. । h^1) पामे. वैप १, ९६२ a इ. । i^1) तु. पागम. । j^1) पामे. वैप १,१६११ b द्र.। k^1) देवी इति पाठः ? यनि. शोधः [तु. सप्र. काठ ७,१२]। l^1) देवी इति पाठः ? यनि. शोधः । तु. ऋ २,३२,६।।

CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

श्रापश्री ५. ९,११°; माश्री १,५, २. १२°; कीय १,१६. १८२१०; २, १,२९°; शांग १, २४,१०२; २,२,9°; पागृ२, २,८°;मागृ १, २२,१०°; या ९,४१;४२^९;४३; ११,४६;- +०वी आश्री ४,१३, ५: श्रापश्रौ १५,१,१०; बौश्रौ; -+वी: आश्रौ २, १६, ९; १२^{२१व}; ५, १, १३; शांधौ; श्रापश्री १८,१३,१९°; वैश्री १, ९: ८8: श्रापमं २, २, ५1; पाय १.४, १३ रा आमिए १, १, १ : 201: 261: 4,9: 991; 201; 2, 9, 8: 928;8, 9: 20h; कागृ २५, ४२1; बौगृ २, ५, ११री; भाग १, ५: १२ी; १३ी; 93:21:31: हिए १,४,२21; या २.४६: ८. १२: १३; - † • वी: काश्रौ २, ३, ३४; ९, ३,४××; आपश्री १५,२,91; बीश्री ९,२: १८1: भाश्री ११,२,३1:माश्री छ, १,११1; वैश्री १३,२:१1; हिश्री २४.१, १०1; श्रापमं २, ९,६1; या ८.१०: १२, ४५: -वीनाम् त्राथी ६, १४, १७; हिथी ७, ८, ४३; ऋत्र २, १, २२; बुदे ३, ९२; - †बीभ्यः शांश्री

९. २८. ४: कीय १, ५. २९; श्राग्निगृ १,५,२: १६; - † बीम् आश्री ३,८,१,४,१३,२; शांश्री; वैताश्री १, १६ ; कीए १, १६, १८12: या ११, २९: -च्यः मबौश्रौ २.२: ११; ४: १४; १६: मागृ १, १०, ८रा; २२, ३ रा: वैगृ: या ८,१३; १२,४५; ४६: - + ० व्यः काश्री २३, ३, 9: २६, १, ७¹; श्रत्र ४, ७४¹; या ८. १०८: - + व्या श्राश्री २, १७, ३; शांश्री; -व्याः वैश्री १,१७: ११ +; - + व्याम् कौसू ३१,२८; अत्र ६,१३६; - वयै श्रापमं २, ८, ६××; श्राप्तिगृ; -ज्यो बृदे १, १०८; ३, ८; या 9.89:83.

देवीराप^m-(>देवी-रापक- पा.) पाग ५,२,६२. २देवीⁿ->देवी-ज--जम् अप ३५,२,३.

दैव⁰- पा ४, १, ८६; पावा ४, १, ८५; -॰व वैताश्रौ २०, १९?; -वः †शंशौ २, १२, ९;४,६,९^२Р××; बौश्रौ; बौश्रौप्र ४१: १४^द; लाश्रौ ५, २, ११†[‡]; श्रापमं २, ७, २४†⁸;

श्रापृ १, ६, २० ; वैगृ ३, १: 9t; ५\$t; वाध १, २९ \$t; शंघ ६८० ; बौध १, ११,५४% विध २४, १८ ; २० ई; ५९. २२"; गोध ४,९Φ°; सात्र १ ५१ °; दंवि १, ७; -वम् श्राश्रौ ९,३,१२; १०,२, २७; शांश्री: माश्री १, ५, २, ४ 🔫; अप २. 9, २x; ३x; वाध १, ३१ 6v: -बस्य बृदे ६, १६१; - वाः श्रापश्रौ २०, १४, ६; बौश्रौ: -वात् शांश्रौ २, १४,४[‡],१५. २; कप्र ३,४,४१४; अप २, १. ३१×; बौध १, ११,१८ भाष ४, ३१t; -वान् अप १, ६, ७; -वानाम् श्राश्री१२,८,२:-वानि श्रापश्री२४,२,१५: बीथी: ऋप्रा १६,३: -वे शांश्री १५,२७,94: कौगः: -वेन आश्रौ ९, ३, १२: शांश्री १५, २७, १: द्राश्री ७. ३.94: लाओं ३, ३, 94; वैष्ट १, ५: ८²××; श्रापध; श्रप २. 9, २x; विध २४, ३४t; -वेषु भाश्री १, १, १०^२; श्रप ७२. ३,9; -वैः श्रप ११,२,५.

दैवी^{ब1}- -वी श्रापमं २,४,६‡; श्राप्तिगृ; हिगृ १,८,

a) पामे. वैप १,१६११ e इ. । b) सकृत देवीम इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. शांग्र १,२४,१०)। c) पामे. वैप २, ३खं. देवी मंत्रा १,६,२० टि. इ. । d) सकृत °वी इति पाठः यनि. शोधः (तु. मै ४,१०,३)। e) पामे. वैप १,१५९ प त ह । f) पामे. वैप २,३खं. देव्यः मंत्रा १,९,५ टि. इ. । g) पामे. वैप १,१६१३ ट इ. । j) पामे. वैप १,१५१३ ट इ. । j) पामे. वैप १,१५१३ ट इ. । j) पामे. वैप १,१५९० त ह । k) पामे. वैप १,१६१३ ह इ. । l) पाठः ? देवी इति शोधः (तु. सपा. शांग्र १,२४,९०)। m) $< \frac{1}{2}$ देवीः आपः (मा १,१२) इति । n) = श्रोपधि-विशेष-। o) वप्रा. । विप., नाप., व्यप. च । विवेक उत्तरत्र टि. इ. । वैप १ निर्दिष्टानां समावेशः इ. । p) पामे. वैप १,१६०३ त इ. । q) = ऋषि-विशेष-। r) पामे. वैप १,१६१४ त इ. । s) सपा. देवः < >देव्यः इति पामे. । t) = विवाह-भेद-। u) = देव-यश्-। v) = देवोदास-। w) पामे. वैप २,३खं. देव्यम् तैव्रा १,२,१,१५ टि. इ. । x) = भाग्य-। y) पामे. वैप २,३खं. देवात् मंत्रा २,२,० टि. इ. । 2) = देव-तीर्थ-। 2) विप. (ऋच्-प्रमृ.), नाप-(गायत्री-)।

8१°; उनिस् ३:३°; पि २, ३°; -वी: काश्री १८, ४, २५; श्रापश्री; श्रापमं २, १२,८‡°; हिग्र २, ४, १‡°; -‡वीनाम् काश्री ६, ४, ३; ९, ८, १४; श्रापश्री; -‡वीभ्यः श्रापश्री ३, ११, २⁰; वौश्री १, २१:१३; भाश्री ३, १०, २; वाश्री १,३, ७,२०; हिश्री २,६,१; कौस् ५, १३⁰; -वीम् काश्री ७,४,२०; श्रापश्री; चाश्र १४:२; -च्या श्राप्री १७, १५, ११; चाश्र

दैवी-जगती°़− -त्यः श्रश्र १५,४; १९,२२;२३; –त्यौ श्रश्र ११,३(२²).

दैवी-त्रिष्टुम्°--ष्टुभः श्रश्र ११, ३ (२); १९, २२;२३^२.

दै $\lfloor , \xi^I \rfloor$ वीं-धिय g (> दे $\lfloor , \xi \rfloor$ वीं धियक - पा.) पाग ५,२,६२.

दैवी-पङ्कि°− -ङ्क्यः श्रश्र ११,३(२);१९, २२;२३.

दैवी-पुत्र^b- -त्रः

विध २४,३०.

दैवी-सुतb- -तः

वैगृ ३,१: १४.

दैव-कर्म-विद्- -विदौ अप २,१,४.

दैव-कृत- -तः श्रप ७१,

१९,१; –ते वैगृ ५,१ : १७. देव-चिन्तक- -के: श्रप ७१,१८,२.

दैव-ज्ञ¹— -ज्ञम् श्रप ५, ५,४; ६५,२,८; ~ज्ञाः श्रप ५१, ४ ३

दैवज्-विधि-चो-दित- -तम् शंध १००.

दैव-तीर्था(र्थ-श्र)भिगम-न- -नम् शंध १२.

दैव-त्व- -त्वम् कौशि ५२.

दैव-पित्र्या(त्र्य-ग्रा)तिथे-य- -यानि विध २६,७.

देव-पूर्व¹- - वेम् गौषि २, २,१८; कप्र २,८,६; विध ७४, १³.

दैव-पैत्र- -त्रयोः शंध

७३. दैव-मानुप-क^k- -कम्

विध ९५,१६. दैव-राजो(ज-उ)पघात-

-तात् विध ६,६.

दैवा(व-ग्र)नुबन्ध-

-न्धम् वैगृ ३,१० : ३. दैवा(व-त्र्रा)वृध्¹- -वृत्

वैताधी ९,८;१४.

दैवो (व-उ) त्पात-चिन्त-क- -काः गौध ११,१७.

दैबो(व-उ)पद्यात- -तात् विध ५,१५६; -तान् विध ३, ६८; -तानाम् श्राप्तिय २,५,१: 49.

दैवो(व-उ)पसर्ग- -र्गाः श्रव २,३,३.

दैवो(व-उ)पस्ट- - हे श्रप

१,७,६.

दैवक- पा ४,३,११९८. १दैविक⁻⁻---कम् वंश्री १,४३ १०; वैग्र १, ५: ८; कप्र २,८, १०; श्रप २३,५,३; -के वैग्र १,

१०; ब्राप २३,५,३; –के वैग्र १, ६: ७;८: ९;६,१: १०; –केन वैग्र ६,२:११.

दैविक-पैतृक- -काणि वैगृ

६,४ : ४.

दैविक-वत् वैश्रौ १,४ : ७: वैगृ २,१ : ४; ६,२ : १२. +दैंब्य, ब्या" - \$पावा ४,9, ८५;३,५८; -व्यः काश्रौ ३,२, ७; त्रापश्री ४, १६, ४°; भाश्री ६,३,७°; हिश्रौ ६,६,१७°; हिग्र १,१०,४^p; -ब्यम् आश्रौ ४,७, ५: शांश्री: श्रापश्री ३,१८,४; ५, ८, १^९××; बौश्रौ; -व्यस्य त्राधी ४,११,६; बौशु ८: ५; -च्या आश्रौ २, १६, ९; १२; ९,११,१९; शांश्री; या ८, १२; -च्याः आश्रौ १,७,७; ३,३, १; शांश्री; -०व्याः माश्री ५,२,८, २२; वैश्रौ ६,१२:१०; -च्यान् Sमाश्री १०, १, १०; २, १; -व्याय काश्री २; ३, ३८; श्रापश्री; -ब्यासः श्राश्री ५,६, १२; ७२; ११२;. - हवे आश्री ४,

a) दैवीम इति पाठः ? यनि. शोधः ।तु. तैग्रा १०, ४१, १; ८. च] । b) = गायत्री-विशेषः । c) पाभे. वैप १,१६०२ k इ. । d) पाभे. वैप १,९६०८ h इ. । e) = छन्दो-विशेषः । f) तु. पाका. । दे॰ हित भाएडा. प्रमृ. ? । g) <दैशें श्रियम् (मा ४, ११) इति । h) पूप. = ।दैविववाहः परिएपीता- । स्त्रीः । i) = ज्योतिर्-विद्- । j) विप. । वस. । k) ॰ पज- इति जीसं. । l) = कर्म-विशेषः ।तु. ZDMG ५३,२२६। । i) = ज्योतिर्-विद्- । j) विप. । वस. । k) ॰ पज- इति जीसं. । l) = कर्म-विशेषः ।तु. ZDMG ५३,२२६। । m) तस्येदमीयष् ठक् प्र. । n) यज्ञञ्यो प्र. । वैप १ इ. । o) पाभे. वैप १,१५७८ b इ. । p) पाभे. प्रभु देवैप २ ३सं. दैव्यम् तैना १,२,१,१५ टि. इ. । प्रभु हैप २ ३सं. दैव्यम् तैना १,२,१,१५ टि. इ. ।

११,६; श्चापश्ची; -ब्येन श्चापश्ची ४,६,४;७,२'; बौश्ची; या ५, १४;८,१८; -ब्ये: श्चापश्ची६, १,६; बौश्ची; -्रुब्यी ऋत्व२, १,१३; बृदे२,१४९; ३,११९; या ७,२०;८,१२९; -ब्यो शांश्ची ७,१०,१२.

दैन्बो(न्य-उ)पसृष्ट- - ष्टेन श्चय ७२,५,४. †देव-ऋषि- - षिभ्यः शांग्र ६,६, १६; -षीन् आग्निग्र २,६,३:३६. देव-ऋषि-पितृ-मनुष्य- - प्येभ्यः शांग्र ६,६,१६.

देवऋषिषतृमनुष्य-पूजिन्—-जी वैंध १, ७, ३. देव(क>)का —, ॰विका — पाउ मो २, २, ७ । पावा ७, ३,४५ । , —विकाः आपश्री १३, २४, ५ । ; २४, १२, ३; वीश्री १४,१९ : १ । ; २१,२६ : १५; माशि १२७ । , —विकामः माश्री ३,३,४,५०; —विकामु माश्री ५, २,७,११.

दाविक- पा ७,३,१. २देविक- -कानि हिश्री ९,६,१७.

देविका(का-आ)दि- -दिषु पावा ७,३,१.

देविका-प्रमृति - - तिभिः वाश्री ३,४,५,३२.

देविका-हविस् - - विभिः बौधौ १०,५९: २१; १२,२०: २६××; - विषा कैताश्री २४, १३१⁴; - विषाम् बीश्री २१, २६: १२; २२, १२: १३××; माश्री; - वीषि स्राश्री ६, १४, १५; शांश्री ९, २८, १; काश्री. ईव-कर्मन् - माणि शांश्री १,१,

 †देव-का(म>)मा- -मा°

 श्रापमं १,१,४; पाय.

 देव-कार्य- -पंणि श्राच्यो २,५.

 †देव-किल्बिय- -पात् श्रापश्री

 ७,२१, ६; बौश्री ४, ७: २५;

भाश्री ७, १६,१३; हिश्री ४,४, ४४; द्राश्री ४, २, २; लाश्री २, २,१११.

देवकीय- पागवा ४,२,१३४ देव-कुल- -ले कौग्र २, ७, २१: शांग्र २, १२, ६; काग्र १९, ३; स्राप ४०³,२३,११.

देवकुला(ल-आ)यतन--नानि कौग ३,११,१५. देव-कृत^b-- -तम् आश्रौ १, ७, ७‡¹; शांशौ १,१२,१‡¹; बौशी; -‡तस्य आश्रौ ६,१२,३; शांशौ. देव-खात¹-- -ते अप ४२,१,२; वैघ २,१३,८^k; -तेषु शंध १००³. ‡देव-गा^b--गम् कौस् ७३,१८. देव-गाण^b--णः साग्र १,५२४;

वा ११, १९; १२, ४१; -णाः मागृ २, १३, ६‡^m; त्रप २२, ७,३; बृदे ६, १५६; सात्र १, ४४५; या २, २२; ५, ४××; –णान् बृदे ४, ३६; –णानाम् शांश्री १४, ७२, ४; श्लामिगृ १, २, २: १२; हिंगु २, १९, १; –णेभ्यः निस् ७, १: ११; –णैः खप ३१,१,३.

देव-गत- -तम् या १०,२८. १देव-गन्धर्व"- -र्वः श्राप्तिगृ १, ५, ४: ४१‡°; भागृ १, १७: १५‡°; हिगृ १,२४, ६‡°; ऋश्र २, १०, १३९; शुग्र २,१,२२; -वों बौगृ १,४,५‡°.

२देव-गन्धर्व- -र्वाः आपध **१,** २०, ६^p; -चैंः अप १४, १, १०.

देव-गन्धर्व-यक्ष- -क्षाः श्रप ६८,१,४९.

देव-गम- -मम् बौध २, ८, १६.

देव-गव^b— -वाः आपश्रौ ११,७, ६‡.

देवगवी— -वी: श्रापश्री **४,** १०,४; साश्री ४, १५, २; वैश्री ६, ३, २; –वीभि: गो २, २५; –व्यः गो १,१४.

देव-गुरु⁰- - रुम् श्रप १,३४,९; श्रशा ८,९; -रोः वृदे ६,१९३; श्राज्यो ८,६.

देव-गुरु-धार्मिक- -केभ्यः गौध ९,६४.

a) वंप १, १६१६ b, c द्र. । b) = ब्राप्यरो-विशेष- वा न दी-विशेष- वा । c) तु. पागम. । d) पाठः ? °बींपि इति शोधः (तु. शांध्रौ. c. च) । e) पाभे. वैप १, १६१६ f द्र. । f) पाभे. वैप १, १६१६ f द्र. । g) एव कि॰ इति पाठः ? यिन. शोधः । g) वेप १ द्र. । g) पाभे. वैप १, १६१६ g0 द्र. । g1 पाभे. वैप १, १६१६ g1 हो। चेवा॰ इति रहा. । g2 उप. g3 पाभे. वैप १, १६१६ g3 हो। वेवा॰ इति रहा. । g3 उप. g4 पाभे. g4 ९ g5 वेवां इति पाभे. । g5 पाभे. g7 ९६९ g7 है। g7 है। g8 है। पाभे. g9 ९६० g7 है। g9 है। विश्वराति ।

देव-गुरु-विप्र-घृत-क्षीर-दिध-मृत्-तोय-समिद्-दर्भा(र्भ-ग्र)ग्नि-वनस्पति— -तीन् वैध ३, १, १५.

देव-गुरु-स्नातक-दीक्षित-राज-गो-श्रष्ट- -ष्टानाम् वैध ३, २, ११.

देव-गृह - - हम् श्राप्तिग् २, ६, २: ३; बौध २, ५, २; - हे ग्राप्तिग् २,६,४: २३; ७, ११: ६; ३, ११, ४: ३; बाध ६, १७; १०, १३; - हेषु अप ७२, ४,४.

देवगृह-प्रतिश्रयो(य-ड)द्याना-(न-आ)राम-सभा-प्रपा-तटाक-L,डाग^a]-पुण्यसेतु-सुत-विक्रय--यम् शंध ४१६;४४७.

देवगृह-मार्जन - नात् विध $2,9,4^{\circ}$.

†देव-गो(9) 10° - पा या $1,2,3,4^{\circ}$.

देव-गो-विप्रा(9,2,3)11 - नीत् वैध 1,2,4.

†देवं-गम, मा(9,2,3)

†देवं-गम,मा° - नम् आपश्री १,५,३;४; बौश्रौ; -माम् आश्री १,८, ७; शांश्रौ १, १३,४; -मायाम् आश्रौ १,९,५; शांश्रौ १,१४,१६.

देव-चोदित- -ताः श्रप **७०**², ७,२.

देव-छन्दस् - न्द्साम् वाधूयौ ४,१००: ४; -न्दांसि निस् १, ६: ११. देव-च्छन्दस^०- -सानि वाधूश्रौ ४,१००:३.

देव-जन^c-- +नाः कौस् ६६,१६; श्रश्र ९, ७; १५, ३; -नेन श्रप १०,१,१९+; -नेभ्यः गोगृ ४, ८, ३; द्रागृ ३, २, १०; कौस् ७३,५+.

देव-जा° -- - जाः या १४,१९ क् †देव-जात, ता° -- - तस्य या ९, ३; - ता^६ अप ३२,१,२४; अशां १९, १; - ताय बौशौ ६, १६ : १३.

†देव-जातु!- -तवे त्रापमं २, २१,६:७.

देव-जामि- -मयः ऋत्र २,१०, १५३; साअ१,१२०,१०५; त्रत्र २०,९३; -मिभ्यः कौस् ७४, १०‡^क.

†देव-जूत,ता°- -तम् आश्रौ ७, १, १३; यः १०, २८; -ता श्रापश्रौ ६,२०,२°.

देव-जूति°- पाग ६,२,४२; -+तिः[।] वौश्रौ ३,३:१९; हिश्रौ ३,६,२७.

†देव-तम- -मः आपथौ १३, ४,२; १६,३५,१; वौथौ ८,३ : १३; वैथौ १९, १:९; हिथौ ९,१,३४; ११,८,२१.

देव-तर्पण-पूर्वक- -कम् श्रप ३८,३,८. देव-तस् (:) वाधूश्रो २,८:

३; बाधी १,३,७,२०. देव-ता°— पा ५, ४, २७; पाग ५, ४, ३८; -तया †आश्री १, ३, २२; २, ३, २५; काश्री; मीस ८. ३. २: -तयोः वौश्रौ १८, ३८: ९; -ता † आश्री १, ४.१०: ४. ६.३: शांश्री: या १. 90 1; 2, 6; 0, 94; 23; १०,१७; पा ४, २, २४; -ताः आश्री १, ३,६; ५,२४××; शांश्री; श्रापृ ३, ५, २९६; या २, ८; ७, ५××; -तानाम् त्राध्री ३, ४, १५; ४, २, ३; शांश्री; त्रापमं १, ४,७‡t; त्राय १,93,६+1; पाय १, ५,99+1; श्रामिष्ट १, ५, २: ५० †;¹ हिष्ट १, १९, ७१ ; आपध १,३१, ५‡ "; या १, २०; २, १३ × ×; -ताभिः शांश्री १,१६,७; १५, १४,६; आपश्री; या ११, १२; -ताभ्यः शांश्रौ ६, २, २; १४, ५७,२०; श्रापश्री; मागृ २,१२, ६ + h; हिए १, ६, ५ + n; -ताम् ब्राध्रीर,३,२०;६,३××; काथौ; या १३, १३; -तायाः श्रापश्री १९,२१,५; २४, ४, १; हिश्री; या ७, ४; १३, १; -तायाम् वाध्यौ ४, २८ : १; अअभू १; या ७, १; पावा ३, २, १३५; मीस ६,३,१९××; -तायाम् ऽ-तायाम् बौधी २१, ८: २३; -तायै आधी ३, १३, १४; शांश्री; या ८,२२; -तासु आश्री 3. १०. १९; शांध्री १, १७, ५: ३,२०,१५; श्रापश्रौ १,१०,

६ † * ; † नौ श्री * ३, ११ : २१; १९:१३ × × ; भाश्री १,९,११ † * ; हिश्री २, ७, ५० † * ; या ८,२; —ते ब्राश्री ३,१३,१८; व्यापश्री; — † ० ते काय ३,८; भाय २, २२:११; माय १,२,१६.

दैवत - पा ५,४, ३८; वाग २, ४, ३१; -तः आज्यो १४.४: -तम् आश्रौ ३,२,११; ५, १८, ९; काश्री; या १, २०; ७, १^२; १४, १; -तयोः निस् ६,७: ५: -तस्य श्रापश्रौ १६, ८,४; बौश्रौ २५,२: ११; २९, ३: ११; हिश्री ११, २, १८; -तात् श्रापश्री १४, १२, ४; -तान् श्रामिगृ २,४,११ : २०; -तानाम् आपश्री ७, २४, ५; माश्री १,८, ५, २०; हिथी ४, ५,३; श्रामिगृ २, ६, ५: १८; -तानि श्रापश्रौ ७, २२, ६××; बौध्रौ: -ताय श्रापध्रौ १५, ३, ६: भाश्री ११, २, २७; वैश्री १३,४: १: हिश्री २४,१,१६; -ते आश्री २, १४, २४; शांशी; कौसू ६, ३४°; -तेन श्राश्री ३, ७, ४××; शांश्री; या १, १७; -तेम्यः माधी २,१९,४; माधी १, ३, ३, ३; हिश्री २,२,१३; -तेषु श्रापश्रौ ७, २४, ६××; वैथ्री; -तै: माथ्री १,८,५,२९; मागृ.

दैवत-ज्ञ- -ज्ञः वृदे १,२.

दैवत-प्रधानत्व-

-स्वात् ग्राश्री ६,७,४. दैवत-योनि^त⊸ -नयः

अप ६३,१,४.

दैवत-विद्°- -वित्

बंदे ८,१३९.

दैवत-सौविष्टकृते (त-ऐ)ड- -डेवु श्रापश्री ९,१९,९. दैवत-सौविष्टकृते (त-

ऐ)ड-चातुर्धाकारणिक--कानाम् श्रापश्री २,२१,४.

दैवस्य!- -स्ये द्राप ३,

8, 70.

देवत-लक्ष(ग्>)णा^{d'g}--णाः ग्राश्री २,१४,१८.

देवता(ता-ग्रा)ख्यान- -नम्

श्रप्रा २,१,१०. , देवता-गण- -णैः श्रप १, ३७,३: श्रशां ७,३.

देवता(ता-श्रा)गम- -मे श्राध्रो २,१,२२.

आश्रा र, १, १२२. देवता(ता-त्रा)गार- -रम् वैध १,११.७.

देवता(ता-श्र) ग्नि-शब्द-िक या,(या>)य- -यम् h मीस् ६, ३, १८; -या: 1 काश्री १, ६,६; -याणाम् 1 वैश्री २०,१ : ४.

देवता-ज्ञान- -नम् कौस् ७३,१९: -नात् शुअ ४,१५८. देवता (ता-ग्र)णूक- -कम् बौगृ २,१,२८.

देवता-तस्(ः) शांश्री १,१६,

देवता-तर्पण- -णम् शंध ११०.

94.

देवता(ता-श्र)तिथि- -थीन् वाध १४,१३.

देवता (ता-त्र्य) तिथि-भृरय--रयानाम् विध ५९,२६ देवता(ता-त्र्या)रमन्- -रमनः

बृदे १,३४.

देवता-त्रय-व(त् >)ती--स्यौ वैश्रौ ११,३: १०.

देवता(ता-त्रा)दि- -दीनाम् त्रप ६४,५,९.

देवतादि-तस्(:) श्रश्र १, ३; उनिस् २: २४; पि ३, ६२.

देवता(ता-श्रा)देश- -शात् काश्री ९,६,१६.

देवता(ता-आ)देशन— -नम् शांत्री १,२,१९; आपश्री १०, १,१४; हिश्री २,२,४१; ३,८, ६२; -नस्य आपश्री१०,३०,९. देवता-द्व-द्व- --द्वानि शुप्रा २,४८; --द्वे अप ४८,१४८; अप्रा ३,४,२; शौच ४,४९; पा ६, २,१४१; ३,२६; ७,३,

देवता(ता-श्र)धिकार- -रात् उनिस् ७ : ३७.

?देवता(ता-म्र)ध्यासम्-

देवता-नक्षत्रा(त्र-त्रा)दि--संबद्ध - न्द्रम् शंध २१. देवता/ ता-प्र)नपनय- -य

देवता(ता-भ्र)नपनय- -यः मीस् ११,२,३२ .

देवता-नामन् -म शांश्री १, १७, १४; १५; या १, २०;

a) पाभे. वेप १,१६२० a द्र. । b) विप., नाप. । c) उत्तरेण इतिना संघिः $\lfloor g$. स्पाः श्वाः १, ३,१०] । d) विप. । बस. । e) उप. $< \sqrt{\text{विद् } \lfloor g \mid j \mid}$ । f) स्वार्धे ष्यस् प्र. । g) पूप. छान्दसो हस्वः $\lfloor g$. साध्यम् \rfloor । h) समाहारे द्रस. । i) द्रस. । j) पाठः १ दै॰ इति पाठः समुचितः (तु. स्क. RNM.) । k) ॰ताऽपनय— इति गङ्का. । ॰तानय— इति जीसं.; द्रब्यदेवता॰ इति शबरः प्रमृ. ।

-मानि बौत्रौ ६,६: ५. देवतानाम-चोदना (न-इ.) थें- -थेंस्य मीस् २, १, १४.

देवतानामा(म-श्रा)देश---श्रम् गोगृ १,७,३.

देवता-नामधेय- -यम् शांश्री १, १, ३७; हिश्री १०, १, १८; -यस्य शांश्री ६, १, १५; -यानि लाश्री ८, ९, १; सुदे १, १७; सा १०, ४२.

देवता-निगम- -माः श्रापधौ २४.४.१८.

देवता-निमित्त-स्व- -स्वात् मीस् ३,३,४१.

देवता(ता-श्रा)नुपूर्व्य-

देवता(ता-श्र)न्त- -न्तात् पा ५,४,२४.

देवता(ता-श्र)न्तर- -रम् मीस् १०,१,१७; -रात् मीस् ३, २,४०; -रे श्रश्राय ४,१; मीस् ११,४, ३२; -रेषु निस् ३,

देवता(ता-अ)न्तरय- -ये श्रापश्री ९,१६,९.

देवता(ता-म्र)न्यत्व--त्वात् काश्री ५,१,८; -त्वे मीस् १०,४,४८.

देवता-पद°- -दम् लाश्रौ ७,५,१५^२.

देवता(ता-श्र)पनय- -यस्य मीस् ६,५,१७.

देवता-पृथक्त- -स्वात् मीस् ९,३,४५.

देवता-प्रतिमा- -मा अप

502, 23,9.

देवता-प्रमृति - - - तिना बौ औ १७,३७: ४; - तिभिः बौ औ १७,३७: ७; - तिभ्याम् बौ औ १७,२०: १००.

देवता-भाज्- -भाक् वाधूश्रौ ४,२६ : २५,

देवता-भाव- -वात् मीस् ५, ४,१९.

देवता(ता-च)भिधान--नम् आपध १, ३१, ४; हिध १,८,२३; या १,२०.

देवताभिधान-व--खात् मीस् २१,१३.

देवता(ता-स्र)भिमुख- -खः विध १४,३.

देवता(ता-श्र)भिसंयोग--गात् मीस् ११,१,५२.

देवता-भेद--दे मीस् ११,

देवता(ता-श्र)भ्यावर्तिन्--तिं योश्रौ २४,६ : १.

†देवता-मय- -यम् आपश्रौ १४,३३, ८; हिश्रौ १५,८,४१; अप्राय ६, १.

देवता-यजमान-पशु-वा-चिन्- -चिनाम् माश्रौ ५, २,

देवता(ता-आ)यतन— -नम् कौगृ १,१८,४; -ने कागृ १८, ३; अप ६८,५,२०; वाध ११, ३१; -नेषु अप ४, ६,४; ६९, ७,३; विध ९१,१९; -नै: अप ७०३,९,४.

देवतायतन-इमशान-चतु- | व्यथ-स्थ्या - स्थासु विध ३०, 34

देवता-याग-पूजन - नम् इप ६७,८,८.

देवता(ता-मा)राधन--तम् भाप्तिगु २,४,१०:१.

देवता(ता-प्र)विं° - -वाः अप ७०¹,८,३; -वांनाम् विष २३,३४; -वांम् विष ६३,२७; -वांयाम् विष ६५,१; -वांसु अप ५८,४,१.

देवता(ता-म्र)चिं^d - **-चंयः** अप ७२,३,११.

१देवता(ता-ऋ)र्थ- थैं: मीस् ३,२,१३; -र्थम् मीस् १२, २, १८°.

देवतार्थ-स्व - स्वात् मीस् १२,२,९; ४,१९. २देवता(ता-म्र)र्थ' - - र्थे म्रापध १, ३, ४३; हिध १,१,

996.

39.

देवता(ता-आ)षा(र्ष-प्र)धै-छन्दस-तस्(ः) बृदे १,१४. देवता-लिङ्ग- -क्रम् बृदे ८,

देवता(ता-अ)वकाश- -शे बौग् २,८,१६.

देवता-वत् बृदे १, ८१; २, १३६; या २, २३^२; २७^३; ७,४; मीस् ३,२,४१.

देवता(ता-म्र)वदान- -ने भ्रमाय ४,१.

देवतावदान-याज्यानु-वाक्या-हविर्-मन्त्र-कर्म-विप-र्यास- -से माश्री ३,१,६. देवता-वाचिन्- -चि माश्री ५,२,९,३.

a) समाहारे द्वस. उप. =पाद- ।तु. निस् ३, ११: १५; १९ पददैवतम् इति। b) °ती° इति पाठः । यनि. शोधः । c) पस. उप.पिक्टिप्रिकिमार्गाज्यकिकाञ्चला Vipid) Kuमीबान्दशासिकात् प्रकेशिकाः चस. । f) पस. ।

देवता(ता-भ्रा)वाहन - नम् बृदे १, ११९; -नात् आश्री ६, ६, १३; -नेषु वौश्री २७, १:९.

देवता-विकार- -रः मीस् १०,४, २९; -रे शांश्री १,१६,

देवता-विचार- -राः गोगृ ३,१०,२.

देवता-विद्°- -वित् बृदे ८, १२४: १३१.

देवता-विपर्यास- -से काश्री २५,५,१८; बीगृ ४,११,१.

देवता-विभक्ति- -क्तयः

निस् ५,२: ३. देवता-शब्द - -ब्देष श्रा

देवता-शब्द- -ब्देषु श्राश्रौ ९,७,२५.

देवता(ता-ब्रा)श्रय^b - यम् मागृ १, १८, २; गोगृ २, १०, २०; द्रागृ २, १, ९; ४, १२; -ये मीसु ६,२,२०.

देवता-श्रुति - निः मीस् ८, १, ३४; २, १, ९; -तेः काश्रौ २५,५,५.

देवता(ता-श्र)श्वाङ्ग- -ङ्गेभ्यः काश्री २०,८,४.

देवता-सद्- -सद्भिः श्रप ६४,३,७.

देवता-संप्रदान- -ने पा २, ३,६१.

देवता-सामान्य - न्यम् बौश्री २७, १४: २६: -न्यात् काश्री १६, १, ३६: मीस् ८, २,१०: -न्येन हिश्री ३,८,२७. देवता-स्वष्टकृत्- -कृद्ग्याम् काश्री १४,२,१८.

देवता-होम-वर्जम् काय ५१, ४: माय २,४,२.

देवते (ता-इ) ज्या- -ज्या काश्री २५,४,१४.

देवते (ता-इ) ष्टि- - ष्टिषु काश्री १९, ६, ६.

देवतो(ता-उ)पदेशन- -नम् आपश्री ७,१२,९; २४,३, १९. देवतो(ता-उ)पपरीक्षा- -क्षा या ७.१:४٠

देवतो (ता-उ) पलक्षणा-(ग्रा-श्र)धै—त्व- स्वात् मीस् १२,४,३.

देव-ताति — पा ४, ४, १४२;
— †तये श्राश्रो ७, ३,१९; शांश्रो
१०,५,१८; द्राश्रो; — †ता श्राश्रो
९,५,१६; श्रापश्रो २४,१३,३;
श्राप ४८,९५; निघ ३, १७; या
१२,४४; — तिम् श्रप्राय ६,१‡;
— तो या १२,४४.

देव-तीर्थ⁰ - - व्यंन शंध ११०. देव-तुमुल⁶ - - लम् काय ९,७; माय १,४,६; वाय ८,६^{२१!}. †देव-त्रा आश्री २,१९,२४;५, १,८; शांश्री; या ८,६; २०; पा

५,४,५६. देव-स्व – -स्वम् आश्रौ १०,३, १६, ११,२,९; आपश्रौ; या **४,** १९‡; -स्वे विध २०,३५. १देव-दक्तं⁸ – -क्तम् पाता २, ४,

दैवदत्ति-> व्य(ति-म्र)-

र्थ- -र्थम् पात्रा ४,१,१६३.

देवदत्त-शठ- (>दैवदत्त-शठिन्- पा.) पाग ४,३,१०६. २देव-दत्त-(>दैवदत्ति Lक>] का-, °की- पा.) पाग ४,२,

देव-दर्श^h- पाग **४**, ३, १०६; --हों: श्रप २२,२,३.

दैवदर्शिन्- पा ४, ३,

देवद्शिंन् । - शिंनाम् कौस् ८५,७; -शीं चब्यू ४: २. देव-दर्शन- (> देवदर्शनिन्-) देव-दर्श टि. द्र. देव-दारु । - - स् वृदे ७,७८. १देव-दारु । - (> ॰ली- पा.)-पाग ४,१,४१. देव-दास - - स वैध ४,२,५.

देवदास-वत् वैध ४,२,५.
देव-देव — -०व विध ९८, ७;
-व: वृदे ३,८८; -वम् विध १,
४८;९८, ५; -†वस्य अप ४०,
२, ७; विध ९९, १; वृदे १,
१०४; -वा: वृदे ३,१२६; -वे
विध १,१९.

देवदेवे(व-ई)श- -०श अप ६६,१,१. देव-देवता->॰रय- -त्यः वृदे ३,११२; -त्यम् या ७,४; -त्ये गोगृ ३,१०,२४; -त्येषु गोगृ ४,४,२२. देव-द्रद्यो(व्य-उ)पजीवक--कः शंघ ३७६.

a) उप. $<\sqrt{aq}$ [ज्ञाने]। b) विप.। वस.। c) वैप १ द्र.। d) = [करस्थ-! तीर्थ-विशेष-। e) = अभ्र-ध्विन-। f) °तुम् ९ दित पाठः? यिन. शोधः (तु. कागृ. मागृ.)। g) व्यप.। h) व्यप. (तु. पागम.)। °श्चन- इति भाण्डा. पासि.। वेददर्श- इति वामनः (तु. पागम.)। i) प्रोक्ताध्येत्रर्थस्य प्र. लुक् उसं. (पा ४, ३, १०७)। j) = दैवदिशिन्-। युद्धपभावः उसं. (पा ७,२,११७)। k) = युक्ष-विशेष-। l) तु. पागम.।

देव-द्रोणी°- -ण्याम् वाध १४. 24. देव-द्विज-गुरु- -रुन् सुधप ८७: देव-धर्म- -मेंण या ११,२३. देव-धि-> व्ह-,देवद्य(द्रि-श्र) च, ब्च-पा ६,३,९२. †देव-नामन्b- -मिभः वौधौ ९.९: ४: -म्नः अप १,४०,४; श्रशो १०,४. देव-निर्माख्या(ल्य-ऋ)पनयन--नात् विध ९१,१७. देव-निर्मित- - नतः श्रागृ ४,७, ८; श्राप्तिगृ ३,३,१ : २८; बौपि २,९,६;११,३; गौषि २,३,१८; -ताः श्रव ५५,१,२. देव-निश्रे(गि))णी°- -णी जैंगृ 2.6: 24. देव-निरुश्रय(ग्>)णी°- -णी बौध ३,९,१८. देव-नीति- पाग ६,२,४२. देव-नीय - -थम् वैताश्रौ ३२, 26.

देवनीथा (ध-म्रा) दि-सं-(क् >) ज्ञा 0 - - ज्ञा बृदे ८,१०१. देव-नृप- - पान् श्रप्पट 2 ,४,१५. देव-प(ति>) क्री 0 - - त्यः बृदे २,१२; ३, ९२; या १०,४७; - त्रीः श्रापश्रौ २, ५, ०××; बौश्रौ; या १२,४६ $^{+}$; - त्रीनाम् माध्रौ १,३,५,४; वाश्रौ १,३, ७,६; बृदे २,१४३; चाश्र १६ः ७; - त्रोभ्यः श्रापश्रौ ३,९,६; 99; -स्न्यः अप ४८, १३९†; बृदे २, ७८; ५, ४५; निघ ५, ६^९†; या १२,४४;४६; -स्न्याः भाश्री २,५,८; -स्न्यी या ११, २५:३१.

देवपत्नी-स्तव- -वः ऋग्र २, 4,84. देव-पथ- पा, पाग ५,३,१००. देवपथीय'- -यानाम् चात्र 80:99?8;82:93. देव-पवित्र- -त्रम् बौश्रौ २७, १२: ११; १२३; १३; आपघ २,३,९; हिध २, १,४०. †देव-पात्र- -त्रम् श्रापश्रौ १, १४,३: -ंत्रे गौपि २,३,१७. †देव-पानb- -नः श्राश्रो १, ३, ६: ४,७,४; शांश्री १,४,२१;५, १०,२३; बौपि १,६: २. देव-पितु- -तरः श्रप ४३, ५, ४०: -त्न् शंध ११९. देविपत्-कर्मन् - मं विध

६६, १. देवपितृ-कार्य--र्यम् राध४०. देवपितृ-तर्पण- -णम् विध

६४,२४;२६. †देविपतृ-बार्हिस्h- -०िई: बौश्रो २५,३:२; वैश्रौ ९,४: ५; हिश्रौ ५,४,६.

देविपतृ-यज(न>)नी-०नि¹ श्रापश्री ८, १३,६; हिश्री
५,४,६; -न्यै बौश्री २५,३:३.
देविपतृ-वत्- -वत् हिश्री
५,४,५.

देवपितृ-संयुक्त- -क्तानि बौध १,५,१२.

देविषतृ—सदा(दा-आ)हिक¹- -कः अप ४४, २,४.
देव-िषतृ-नर- -रेभ्यः शांग्र २,
१४,१९.
देव-िषतृ-भूत-मनुष्य(ध्य-ऋ)
र्षि-पूजक- -कः बौध २,११,
१७.
देव-िषत्-मनुष्य- -ध्यान् गौध

११,२९; - ज्येभ्यः वाघ ९,१२. देविपतृमनुष्या (ध्य-श्र) पार्थक^६- - कम् काश्रौ १६, २,

देव-पितृ-मनुष्य-ऋषि-भूत-पूजक- -क: गौध ५,३. देव-पितृ-मनुष्य-भूत-ब्रह्मज् -ह्मणाम् गौध ८,१५.

द्वितृमजुष्यभूतवस-यज्ञ-ज्ञान् काध २७०: ३.
देव-पितृ-मजुष्य-भूत(त-फ्र)षिएजक- -कः गोध ३,२९.
देव-पितृ-मजुष्य-यज्ञ- -ज्ञाः
गोध ५,९.
देव-पीयु^b- -युः अश्र ५,१८‡;
-युम् या ४,२५.
†देव-पु(त्र) न्नां- -त्रे आशो
१,०,०; शांश्रो १,१२,१;
आपश्रो १०,३,२; भाशो १०,
१३,३.
देव-पुर्^b- -पुरः वाश्रो १,२,
१,३३; -पुरम वीश्रो १५,१९ः
६¹:-पुरा आपश्रो २२,२४,१^m.

CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

a) उप. = [स्नानार्थं कलशाकार-] पात्र-विशेष-। b) वैप १ द्र.। c) = सोपान-। परस्परं पाभे.। d) = मन्त्र-विशेष- (=शौ २०, १३५, ६-१० [तु. ऐवा ६, २५])। e) बस. > कस.। f) विप. (तारक-)। भवार्थे छ> ईयः प्र.। g) °याणाम् इति पाठः ? यिन. शोधः। h) पाभे. वैप १, १६२२ u द्र.। u विप.। बस.। u विप.। चस.। u विप.। चयां विप.। चयां विप.। u विप.। चयां विप.। u विप.।

देव-पुर,रा°- -रा आपश्री १४, २६, १; अप ३२, १, १५^७; अशो २४,१.

†देवपुरा(र-ब्रा)दि°--दिभिः श्रप १, ३७, ५; श्रशां ७.५.

ंदेवपुरीय^d— -यः श्र^प ३२, १,१५.

देवपुरीय-गण- -णः श्चप ३२,१,१५. देव-पूजा-> °जा-संगतकरण--णयोः पावा १, ३,२५.

देवपूजा-संगतकरण-मित्रकरण-पथिन्--थिषु पावा १,३,२५. देव-पूजि(त>)ता--ताम् अशं १,२.

देव-पूर्व°- -र्वान् विध २१,१२. देव-प्रतिमा-भेदक- -कः विध ५,१७४. देव-प्रतिष्ठा->°ष्टा-विवाद-

-हयोः विध २२,५३. देव-प्रत्यक्ष- - चम् निस् ६, ७ :

३१. देव-प्रवाद°- -दाः भाश्रौ ८,१५, ७; -दै वैधौ ९,४: ३.

देवप्रवाद-मन्त्र- -न्त्रम् हिश्रौ ५,४,५. देव-प्रक्रन- -क्षेम्यः श्राप्ध २, १९,३; हिध २,४,१९.

देव-प्रसादन- -नेन श्रप १, ६, १०: ७,२: ३

४०; ७,५; २ देव-प्रहित- -तेन वृदे ३,८६. देव-प्रोत- -तम् या १०,२८.
†देव-प्रेरित - -तः श्राश्री ३,
१४,१३.
†देव-प्रेषित,ता- -तः श्रापश्री
९,१६,१९;भाश्री ९,१९,८;
श्रप्राय ४,२; -ताः बीश्री २,
१९:३.
देव-प्रेष्य- -प्यम् श्रप ५०३,
१०,६.
देव-वन्धु - -न्धुम् दंवि १,१९;
-न्धोः वाश्र ३०:२० .
†देव-बर्हिस - -िर्हः श्रापश्री १,

†देव-बर्हिस° – -हिं: श्रापथी १, ३, १२¹; ४, ८¹; बोधी १, २ : १०¹; १२¹; १३: १७; ६, ३०: ६; भाधी १, ३, १२¹; ४,१¹; बैधी ३, ४: ६¹; ९¹; ६धी १, २,३२¹;४१¹,८,४. देव-बहान् – -हाणो: पा १, २,

३८; पावा १,२,३२;३८. देव-ब्राह्मण- -णान् विध ३,७६. देवब्राह्मण-क्रोशक- -कः शंध

३७७: १.

देवब्राह्मण-जुष्ट— -ष्टम् वैश्रौ १२,४:३.

देवझाह्मण-पूजन- -नम् विध २,१७.

देवब्राह्मण-संस्थित- -तम् शंध ३००.

देवब्राह्मण-संनिधि- -धौ विध ९,३३.

देवबाह्यण-संपन्न- -न्नम् वाध ११,४१.

देवब्राह्मणा (ए-श्र)पहारिन्-री शंध ३७७ : ३.
देव-ब्राह्मण-गुरु-बश्ज-दीक्षित-तानाम् विध ६३,४०.
देव-ब्राह्मण-पित्-भूत-मनुष्य-

देव-बाह्मण-पितृ-भूत-मनुष्य-यज्ञ- -ज्ञान् श्राप्तिगृ २,७,१०; ७.

देव-बाह्यण-शास्त्र-महात्मन्-त्मनाम् विध ७१,८३.

‡देव-भक्त¹- -क्तम श्रापमं

†देव-भक्त¹— -क्तम् श्रापम् **२,** ११,२८.

†१देव-भाग - गम् प्रापश्रौ १, २, ६; बौश्रौ १,१:१२; भाश्रौ १,२,१५.

२देव-भाग^{b'n}-- -गः श्राश्रौ **१२,** ९,१८.

देव-भीति- पाग ६,२,४२. देव-भूत-पति- -तिभ्यः शंध ३३५.

देव-भूत-पितृ-ब्रह्म-मनुष्य--ष्याणाम् कप्र २,३,२.

†देव-भोजन°- -नौ श्रप १,४१, ३; श्रशां ११,३.

देव-मत^p->दैवमति- पाग २, ४,६१; -तयः बौश्रौप्र ११:७. दैवमतायन- पा २,४,

६१. देवमत्य^व– -त्याः बौश्रौप्र ३ : ११.

देव-मनुष्य - - प्याः जैगृ १,

a) बैप १ ह. । b) =मन्त्रगण-विशेष-। °पुरीय- इति संस्कृतुंः टि. शोधः ? । c) विष. । वस. पूष. = देवता- इति संस्कृतुंः टि. । d) = मन्त्रगण-विशेष-। तस्येदमधीयः छ> ईयः प्र. । e) विष. । वस. । f) तृस. (तु. BI. श्रान.; बैतु. BC. पदह्रयम्?) । g) सपा. °प्रेरितः <> °प्रेषितः इति पामे. । h) = ऋषि-विशेष-। i) पामे. वैप १,९६२२ u ह. । j) पामे. वैप १,९५८० u ह. । u) उस. । u0 विष. । u1 विष. । u2 पामे. वैप १,९६२३ u3 ह. । u3 विष. । u4 विष. । u5 विष. । u7 विष. । उस. । u8 विष. । u8 विष. । u8 विष. । u9 विष. । उस. । u9 विष. । उप. । u9 विष. । u9 व

१८: १४; श्रापध २, १६, १; हिंघ २,५,१; श्रश्न ८,१०(२)‡; —†व्याणाम् श्रापश्रौ १०, २०, १०; वाधृशौ ४,९४३ : ४; ६; हिंप ३:६; गो २, ३४; —†व्येभ्यः बौश्रौ ६, ५:३१; हिंश्रौ १८,४,४१; —व्येषु †जैय १,१८: ११; १२; १४; १५. देवमनुष्य-स्थान— -नेषु

या १,२०. देव-मातृ - -ता या ४,२२; -तूणाम् चात्र १४:५.

ेदेवमातृ-गण- -णान् शंध ११६: २७.

देव-मानुष- -षस्य^क श्राप्तिगृ १, ३,३ : ८†. देवमानुष^b- -षस्य^क बौश्रौ

१७, ४० : २४; भाग्र २, १९ : १४. देव-भित्र°- >दैवमित्रि- > दैवभित्रायण- पाग २,४,६१. देव-सुनि°- -नि: ऋग्र २,१०,

१४६. १देवम्रणानिकाकुभ- -भौ श्रप १,४१,३; श्रशां ११,३. √देवय^d>†देवयत्^d--यताम् बौश्रौ १०, ५२:८;

७,४,९; वाश्रो २,१,८,१६; वैश्रो १०,५:१३; हिश्रो ४, २,११; —यद्भ्यः काश्रो ३, ३,१२; वौश्रो १,२१:७; ३,

-यते बौधौ ४,३: १०; भाधौ

२०: ६; माश्रौ १, ३, २, ७;

वाश्री १, ३, ७, २१; —यन्तः आश्री २, ९, १४××; शांश्री; या ८,१८.

†देवयन्ती- -न्ती वैश्रीं १८,५:११.

देवयु- पाउ १,३७ 4 ; -यवः आप ४८, ९६ 8 ; निघ ३, १८ 8 ; नाशि २,३, ११ 4 ; -यु लाशौ ७, १२,४ $^{+1}$; -यु हिशौ १६, ४, ३५ $^{+1}$; - $^{+1}$ युवम् हिशौ १६, ४, ३५ $^{+1}$; - $^{+1}$ युवम् श्राथौ १,४,११; शांशौ १,६,१६ : वैशौ १५,३७: ८; -यूनाम् श्रापमे २,२०,३२. $^{+1}$ देव-यज् 4 - यजम् 1 काशौ २, ४, २६; श्रापशौ १, २२, २; बौशौ; -यङ्भ्यः 6 शांशौ ४,११,

देव-यजन^d— -नः माग्र २, १४, २^m; —नम् शांध्री ५,२,१; १५, १४,१; काश्री; माश्री १,२,३, ३^{†1}; —नस्य वीश्री १५,१; ५५,१; —नस्य वीश्री १५,१; ५४,२; भाश्री; —नात् श्राश्री ६,१४,३; श्रावश्री १०,२०,१०; वीश्री; —नानि श्रावश्री १०,१९,१७; माश्री १०,१३,६; माश्री २,१,१,३,३३,१,३५; —ने काश्री १५,३,३३; २२,१,३५; आवश्री.

†देवयजनी— -०नि n काश्रौ २,६,९; ब्रापश्रौ २, १,५; बौश्रौ; माश्रौ १,२,४,१०; -न्याः हिश्रौ १,६,७९; -न्यै o श्रापश्रौ

२, २,१; बौश्रौ १, ११: १३; भाश्रौ २,१,१३; बैश्रौ ४,११: १८; हिश्रौ १,६,७८.

देवयजन-कल्प- -ल्पः,-स्पम् बौश्रौ २५,५: १.

देवयजन-देवता-> °रय--रयौ शुत्र १,२३२.

देवयजन-भू(त>)ता^p--ता लाश्रौ १०,१७,१०.

देवयजन-मात्र,त्रा— -त्रम् श्रापश्री १०,२०,१०; बौश्रीः -त्रा वैश्री १२,४:४; -त्रात् द्राश्री १,१,२१; लाश्री १,१,

देवयजनमात्र-देश---शम् काश्रौ ७,१,१२.

†देवयजन-वत- -वान् श्रापक्षी १०,२,१०; वैश्री १२, ३: ६; हिश्री १०,१,१३.

देवयजना(न-ग्रा)दि- -दि वैश्रौ २१,१०:४.

देवयजना(न-ग्र)ध्यवसान--नम् श्रापश्रौ १०, १९, १५; हिश्रौ १०,३,१८.

देवयजना(न-अ)न्तर- -रम् काश्रौ १५,८,२.

देवयजनो(न-उ)लेखन-प्रभृति- -ति श्राप्तिगृ २, २,१ : ३××; बौगृ. देव-यजुस- -जुषो: उनिस् ३:८. १देव-यज्ञ- -ज्ञ: श्रागृ ३,१, २; ३; श्राप्तिगृ; -ज्ञम् आपिगृ २, ६, ७:२; बौध २,६,२;

१देव-यान- (> देवयानक-)

-ज्ञाय वैष्ट ३, ७:७; -ज्ञेन ब्रामिष्ट २,६,५:१५; बौष्ट २, ९,१४; भाष्ट ३,१५:२४[‡]. २देव-यज्ञ°->देवयज्ञि°-पाग २,४,६१.

दैवयज्ञी-, °ज्ञ्या- पा

8,9,69.

दैवयज्ञायन- पा २, ४,

६१. +देव-य(ज्य>)ज्या b — -ज्यया आपथ्री ४, ९, ९××; बीश्री; —ज्या o आश्री ५, ९, ८; या ६, २२ ϕ ; —ज्याम् श्राश्री १,९,५; शांश्री १,९४, १०; वीश्री २७, ०:५; —ज्यायाम् d श्राश्री १,९२,१; —ज्याये श्राश्री १,१२,१; —ज्याये श्राप्त्री १,१२,१२; ६:१ २०; १०:३××; माश्री १,१२,१××; माश्री १,१२,१××; माश्री; या ६,२२. +देव-यशस b — -सेन बीश्री १४, ५:१५.

†देवयशसिन् "- -सी बौधौ १४,५: १; ६. †देव-या "- -याः श्राधौ ६, १५,११; या १२,५ ϕ . देव-यात "- पाग ४, २,५३ t ; -ताः बौधौ ४१: १०.

दैवयातक h - पा ४,२,५३. देवयातव - (> १दैवयातवक -) देवयात - टि. इ. †देवयानी- -नी
श्रापथ्रौ १७,४,६; वेथ्रौ १९,४: २०; हिथ्रौ १२,५,३५; -नीः बौथ्रौ १४,२१:१२.

माधौ १, ८,३,३; २,५,५,२१;

वाध्यौ ३,५५ : २; गौषि २,५,

१४; अप४४,४,१२; -नौ निस्

S. 8:96.

?देवयात-पितृयाण - -गौ ग्रुश्र २, ३९०. देव-युग- -गम् या १२,४१. देव-योक्त- -क्त्रैः वाधूश्रौ ३, ५५:२ है. देव-योनि- -निः कप्र १,७,१९; थप २२,६,२;३. १देव-रथ- -थः श्राश्रौ ६, ५,

३ +, -थम् वाध्रुत्री ३,१४: २. -थस्य जैश्री १७:२०. २देव-रथ - (> दैवरथायनि-पा.) पाग ४,१,१५४. देव-राज- (>दैवराजक-. °जिका, ॰की- पा.) पाग ध. 2,994; 3,9961. देव-राजन् - -राज्ञाम् निस् ७. 4: 32. देव-राज-ध्वज- -जानाम् श्रप 502,98,2,02,94,9. देव-राज-बाह्मण-संसद्- -सदि गोध १३,१४. देव-राजा(ज-ग्रा)यतन- -नेषु शंघ ३१०. देव-रात^m- -तः †शांश्री १५, २४, १; २७, १^२; ऋअ **२, १,** २४; साम्र १, १५; -ताः" ब्रावधी २४, ९, १; हिथी २१, ३,१२: -ताय,-तेन शांश्रौ १५,

२७,१‡.

†दैवरात- -०त आश्री॰
१२,१४,२,५, आपश्री २४,९,
२, वोश्रीप्र ३१:१०; हिश्री
२१,३,१२; वैध ४,१,४.

देवरात-वत् श्रापश्रौ २४, ९,२; बौश्रोप्र ३१: १०; हिश्रौ २१,३,१२; वेश ४,१,४.

देवराता(त-ग्र)पर-नामन्^p--मा श्रश्न २०,४५^व. देव(व-ऋ)र्षि- -पिः चाग्र १**७ः**

 $a)=\pi s \left[q-1 + 2 \right] \cdot \left[q-1 \right] \cdot \left[q$

१७; - वींणाम् चात्र १६: ८; ४१ : १७; ४२ : १२; - पीन् शंध ११६: ३१; बौध २, ५, देव (व-ऋ) पि-गो-बाह्मणा(ग्-श्रा) चार्य-मातृ-पितृ-नरेन्द्र--न्द्राणाम् सुध ८७ : ३. देव(व-ऋ) र्षि-पितृ-ऋण--णानाम् विध ३७,२९. देव(व-ऋ)र्षि-पित्-गण- -णेभ्यः कौगृ ३,१०,२१. देव(व-ऋ) धि-पित्-तर्पण--गम् बौध २,३,४. देव(व-ऋ)पि-पित-पूजा(जा-य्र)र्थ- -र्थम् वृदे ४,१२६. देव-लब्ध-वरा(र-आ)काश--शे या ५२,१६,५. देव-लाति- पाग ६,२,४२. देव-लोक- -कम् आपश्रौ २३, १३, ५०; बौध्रौ; या १४, ९; -काः वाध्यौ ३, २: ३; ४, ५४: ९; -कात् या १४, ९; -कान बौध ३, ७, १६ +; -के त्रापश्रो १०, ५, ५; २३, ११, १४; कौसू ४,१३. देव-वत् काश्रौ ५, १०, १४; २६,४,४; कप्र. †देव-वत्- -वतः त्रापश्रौ १९, १९, ८; बौश्रौ १३, १७:७; मांश्री ५, १,६, ७; हिश्री २२, ३,७; चात्र ४१: ३०°. **†**देववत्-तर- -रम् श्रापमं २,२२,१०; भागृ २,२७:४. †देव-वध- -धेभ्यः कीस् १४, २५××; अप. देव-वर- -रः विध ९९,६. देववरा(र-ऋ) घत-(स्थ>) स्था- -स्था विध ९२.७. देव-वाज^b->देववाजेय^c--यः निस २,२: २१. देव-वातd- -तः ऋत्र २, ३, २३: शुक्र. देव-वापि^e- (>॰पीय- पा.) पाग ५.३.११६. देव-विज्ञान- -नम् अश्र ४,१६. देव-विप्रा(प्र-स्र)ग्निहोत्र- -त्रे बौध ३,३,२०. देव-विश्- (> °शा¹- पा.) पाग ४,१,४. देव-विहित,ता- -तम् वाध्यौ ४,२६^२ : ३; -ताम् त्राप्तिगृ २, £ . 0 : 0. देव-वी8-> वी-तम- •मः बौध्रौ ९,७: १ . †देव-वीनि^ह- -तये श्राश्रो २, १६, ७; ३, १३, १३; शांश्रौ; -तिम् ^h आश्री ३, १२, १२; वैध्रौ २०,२१ : १२; हिध्रौ २२, 3,93. देव-वृत - तः शांश्री ७,९,३ ‡ देव-वेइमन्- -इमनाम् अप ६४, 6,8. देव-व्रत- पावाग ५, १, ९४; -तानि लाभी ९, २, १७; ९,

१४: वाध २८,१३: शंध १०५. देवब्रतिन्- पावा ५, १. ९४; -ती शंघ १३३. देव-शब्द- -ब्दम् लाश्रौ ८, ९,३; -ब्दस्य वैश्रो ९,४:४. देव-शर्मन् b- पाग ४, १, ९६; 2.9361. दैवशर्मि- पा ४,१,९६. दैवशर्मीय- पा ४,२, 936. देवश मींय- पा ४,२,१३८. देव-अनी- -नी या ११, २५; -नीम ऋग्र २,१०,१०८. देव-देष--षन् वैष् २,२: १४. देव-श्रवस् ^ह- -बाः ऋत्र २, ३, २३; १०,१७; शुद्रा. †दैवश्रवस- • स श्राश्रौ १२,१४,३; आपश्री २४,९,३; बोध्रोप्र ३३ : २; वैध ४,१,६. १देवश्रवस-वत् यौश्रीप्र ३३: ३: वैध ४, १,६. †देवश्र(वस् >) वो-वत् श्रापथ्रौ २४, ९,३. †देव-धृत् 8- -श्रुत् माधौ २, १,१,२४1; -श्रतः आपश्री १२, ९,१; बौधौ ७, ५:३; वैश्रौ १५,८: ९; हिथ्री ८, १, ८९; मेश्र १६; -श्रुतम् या २,१२५; -श्रती काश्री ८,३,२८; श्रापश्री ६, २०,२^k; माथ्रौ. †देव-श्रृ¹- -श्रू:" आपथी १०,

५.८: बौश्रौ.

c) श्रवत्यार्थे b) = ऋषि-विशेष-। a) प्यतः इति पाठः १ यनि. शोधः ।तु. काठ ११,१२।। d) वैप १,१६२६ k इ. । e) = आयुधजीविसंघ-विशेष- । eयु. f) वैप ढक् प्र. उसं. [पा ४,१,१२३]। h) पाभे. वैप १, १६२७ ${
m e}$ द्र. । i) तु. पाका. पासि. । g) वैप १ इ. I दैवशर्मि-इति भाण्डा.। j) पांभे. वैप १,१६२७ p द्र.। k) पांभे. वैप १ भद्रश्रुती शौ १६, २,४ टि. द्र.। m) = सपा. ते १, २, १,१। में ३, ६,२ तु देवश्रुत् इति पाभे. l) नाप. (नापित-)। वैप २, ३खं द्र.। शिष्टं वैप १, परि. इ. ।

देव-संयुक्त- -काः आपश्री ८, १३.६: -कानि आपगृ १,१६; बौगृ १,३,७. †देव-संसद्*- -सदम् श्रापश्रौ ध.१.९: भाश्री ध, २, १; हिश्री †देव-सल^b- -०ख श्राश्रौ १०, ९.२: शांश्री १६, ६,१; लाश्री ९,१०,९; वैताश्री ३७,१. देव-संख्य- - ख्ये या १,२०. देव-सत्र- -त्रे स २.२. +देव-सदनb- -नः श्रत्र ६,९५; १९,३९; -नम् आपश्री १,३, ११: भाश्री. देव-सम- -मः आमिगृ ३,९,३: १५; बौषि २,७,१४. देव-साक्ष्य- -क्ष्ये निस् ३, ८: देव-सामन्- -म निस् ७,१२: देव-सायुज्यक°- -कः वैगृ ५,८ः देव-सुतो(त-उ)प(मा>)म°--मम् बृदे ३,१४४. देव-सुमतिb- -तिम् या २, 9944. देव-सुरभि- -भिभिः लाश्रौ 20,8,90. देव-स् b- -स्वः त्रापश्री २४. १२,३: बौधी १०, ५६: ४+; -सुवाम् श्रापश्रौ १३,२४,८××; बौध्री; -सुबौ चात्र १५: ६; -स्नाम् याधौ ४, ११, ५; -स्भिः वाश्री ३, ३, ४, ५०;

-स्रम्यः शांश्री ९,२६,१; -स्वः वाश्री ३,३,१,६०;४,१, ५६; -स्वाम् वाश्री २,२,४, २४.

देवस्-देविका-हविस्--वीषि काश्री ४,५,१०.

देवस्-वत् काश्रौ १५, ५, ३३.

देवस्-हिवस् - -वींषि काश्री १५,४,४; २२,५,१२.
देव-स्ति - पाग ६,२,४२.
देव-स्ट - - ट: कीस् १२९,२‡; - टम् श्रप १,६,१०;७,५.
देव-सेना - - ना कप्र १,१,१९६; - ‡नाः भाग् २,९:१६; हिए; - ‡नाः श्रापमं २,१८,४०;४१; भाग् २,९:१५; हिए २,९,३; - ‡नाभ्यः श्रापमं २,१८,४०; ४१; श्रापण्यः २०,५० भाग्

देवसेना-विजय — -याय अश्र ५,२१. देव-सोम — -मस्य जैश्रीका १११;१६२. देव-स्थी — -स्श्रीणाम् अप ७० 3 , १०,६. देव-स्थान - -नम् निस् ७,४ : ४७;५:३२; —ने लाश्री ७,५,१२; अप ७१,९९,२ 1 . देव-स्पृति — -तयः अश्राय २,९. देवस्यत्वा (> ॰वक — पा.) पाग ५,२,६२. देव-ह्य-शिरोध (रा>)र 8 — -रम् दंवि १,९.

 †देव-हिवस् - - - विः श्रापश्री - ७, १३, ८; बीश्री ४, ५: १७;

 ७, १३, ८; बीश्री ४, ५: १७;

 भाश्री ७,१०,०; माश्री ,

 †देव-हित - - तम् श्राश्री ३,

 ९,४; ८,३,१; शांश्री ,

 †देव-हू - पाग ४, १,१०५ ;

 - हू: श्रापश्री १२, २७, ११;

 वीश्री ,

दैवहब्य- पा ४,१,१०५. †देवह-तम- -मः काश्री ५, १३. ३: -मम् बौश्रौ १.४: ३०; ५: ११: -मान् शांश्री १०, ४, २; श्रापश्री १६, २६.. १३××; बौश्रौ. †देव-हृति- पाग ६, २,४२\$; -तयः या ५, २५**०ँ**; -तिम् शांश्री ८,१६,१; १९,१;२०,१; त्रामिगृ ३, ७,१: १९^{१1}; —स्या वाध्रश्री ४, २८: २1; -स्याम् शांश्री ४, १०, ३; श्रापश्री १६, १.३; पाय १,५,१०; आमिय 2, 4, 2: 34. देव-ह्यb- पा ३,१,१२३. देव-हेड(,ल1)नb- -नः अपं २ः ४४?; - चनम् आश्री ३, १३,. १८; त्रापध्रौ; आम्रिय २, 8, 8: 9; 96; 0, 4:0; बौगृ २,९,५; बौध ३, ७, ११; १४; -नस्य वैताश्री २३,१२;

-नेन कौसू ४६,३० ; ६०,७.

देव-हेतिb- -तिः अत्र१२,५(४)

देवा(व-अ)गार- -रम् आमिए

३. ११. २: १९; -रे मार्ग १,

७,१०: विध ६८,४७.

a) वैप २,३स्तं. द्र. । b) वैप १ द्र. । c) विप. । वस. । d) = षोडशमातृकाऽन्यतमा- । e) = सामन्- । f) = मन्दिर- । g) विप. । कस. > बस. उप. = प्रीवा- । h) = ऋषि-विशेष- । i) पाभे. वैप २, ३सं. तैआ ६,९०,२ टि. द्र. । इह °ितः इति शोधः (तु. पाभे.) । j) °दूत्या इति संस्कृतः टि. । k) पाभे. वैप १,०९२९ c द्र. । l) आमिए. बौए. बौधः पाठः ।

?देवाग्रेष्वग्रे^क हिश्रौ ३,८,५४. देवा(व-अ)च्-> †देवाचीb--च्या निघ ४,३; या ६,८०. देवा(व-श्र)तिथि^{टात}- -थिः ऋश्र २, ८,४; साम्र.

दैवातिथ⁶- -थम् लाश्रौ ७. 3.921. देवा(व-श्रा)समन् e -स्मा कौस् E4.98+.

देवा(व-आ)दिष- -द्यः आश्री १.८. ३; -दीन् कप्र ३, ७, 90.

देवादि-श्राद्ध- -द्रम् शंध 204. देवा(व-आ) हत- -तः श्रप ७०, 9.4. देवा (व-अ)द्भुत- -तेषु कागृ ७२.३. देवानां-शतरात्र- -त्रेण आपधौ २३,८,११; हिथी १८,३,५. देवानां-प्रिय- पावा ६,३, २१h; पावाग ५,३,१४1. देवा(व-श्र)नुग- -गान् कप्र २, २.३-८: शंघ ११,६ : ४९. देवा(व-अ)नत^ह— -न्तम् वेग् २, 2: 29. देवा(व-आ)पिb- -पि: आश्रौ २, १३, ८; ऋत्र; या २,१०३; ११ 🕈 १९ 🕂 : - पिम् बृदे ८,

३; या २,१०. देवापि-शन्तनु - नू पाग २, 2.391

देवा(व-श्रा)म्नात- -ताः पाग २,9,491

√देवाय .पा ७,४,३८.

†देवायत्- -यते आपश्रीk ७,७,१; १६,३५,५; भाश्री ७, ५, ५k; माश्री १, ७, ३, ४३k; वाध्री ३,२,२,२८; हिथ्री ४, २,9९: ११,८,२३; तैप्रा ३,२; -यदभ्यः1: -यदभ्याम्1 माश्री 4, 2, 93, 9.

देवायु^b- -युवम् आपश्रौ १२, २८, ११; १६; बौध्रौ ७, १८, ५××; माश्री २, ४, ३, देवा(व-ग्रा)यतन- -नानि शांगृ ४,१२,१५; -ने वैष् ४,११: 99: 97: 93.

देवायतन-कारिन्--री विध 98,90.

देवायतन-इमशान-शून्या-लय- -येषु विध ६९,७. देवा(व-अ)रि-बल-सूदन--०न विध १, ४९. देवा(व-ग्र)र्क-चन्द्र-ग्रह-नक्षत्र-तारा- -राः वैध ३,२,१०. देवा(व-आ)र्ष- - र्षम् शुत्र १, ५८९: - र्षाण शत्र १,५३५. देवा(य-अ)ई- -ईाणि वैश्री ३, 4:93. देवा(व-श्रा)लय- -ये श्रामिग् २,५,४: २; वैध ३,२,८;६,६; -येप विध ९९,१०.

दे(व>)वा-वत्- -वान् ऋप्रा 9.384.

देवा-वृध्व - वृधम् काश्री ६. १,३३: वाश्री १, ६, १, ३?"; श्रप्राय ३,१० क.

देवा(व-म्र)श्व- -श्वाः बौश्रौप्र १७: 9º: यां १२,४४. देवा(व-श्र)सुर- पाग ५,२,६१;

-राः शांश्री १४, २३, १××: बौश्रौ; -राणाम् निस् १, ६: २२: - चरान् बौध्रौ १४, १३: ७; भाशि १०५; - १रेभ्यः मागृ १,१०,१५; वाय १४, १३.

दैवासुर- पा ५,२,६१; पावाग ४,३,८८:१२५.

देवास्र-च्छन्दस्- -न्दांसि निस् १,६: १०. देवा(व-श्र)स्र-प्रजापति--तीनाम् उनिस् ३: १. देवा(व-आ)हतिp- -तिः बौपि 2,90:96 \$9. देवा(व-ग्रा)ह्वान- -नात् द्राश्री १,३,११; लाश्री १,३,४. देवे(व-इ)ज्या- -ज्या या १२,

+देवे(व-इ)द्ध- -दः आश्री १, ३,६; ५, ९, १२; शांश्री १,४, १९; ७,९,३; बौध्रौ ३,१८:२; माश्री ५,१,४, १३; हिश्री २१, 2,90. देवे(व-ई)श- -०श श्रप ३१,

१,२; विध १, ४६××; -शम्

a) पाठः ?। (हे) देव प्यः], अग्रेयु, अग्रे इति संनमनपूर्व कः शोवः (तु. ते १,१,५,१)। b) वैप १ इ.। d) वैव २, ३ खं. द्र.। e) = HIH - [विशेष - 1] तेनदृष्टीयः अण् प्र.। c) = ऋषि-विशेष-। पाठः $\{$ यिन शोधः । $g\}$ विष. । वस. । $h\}=$ देत-पशु- इति पागम., पूर. =मूर्ख- इति कैयटः [पाम २,४,५६] । i)= य्राशीर्थचन-। j) तु. पागम.। k) पामे. वैप १,१६२३ ० द्र.। ℓ) यनि. ऊहप्रक्रियया < देवायते m) पाभे. वंप १, १६२९ ० इ. । n) भृद्म् इति पाठः १ यनि. शोधः ।तु. माश ११, .(मे १,२,१५)। ७,२,६] । $o)=\pi$ िष-विशेष-। p)=देव-हूित-। q) पामे. वैप २,३खं. देवहूितः तैत्रा ६,१०,२ टि. इ.।

अप ६६,२,२; -शाः शंध ४५७ः १५: -शाय वैध ३,१०,३. देवे(व-इ)प्र- -पुः निस् ७,१ : ₹ 3. देवै(व-ए)नसb--सात् श्रश्र १०, देवो(व-उक्त >)का- -काः श्रश्र २०,१०७. देवो(व-उ)धारण- -णेषु वीश्री 20,9: 0. 9.3. 97:98××; 图图 20,52°; -•वाः (-•धे) आश्री ३,७,१०; ५, १८, १३; कीयः -वानाम् (-श्रेषाम्) बैश्री १५,२२ : १२; दिवि-ष्ट- प्रमृ. √दित् द.

शुत्र १.४७७. देवनb- - नस्य हिथ्रौ १३, ५,३३: -नाःव बौश्रीप्र ४५ : ६: -नात आगृ १.५.५: -ने याप,२२ +e. देवन-कर्मन् - -मैणाम् या 28.93.

खूत,ता- पाग २, ४, ३१; -तम् बौश्री २, ७: ८8; बौध; -ता बौश्रौ २,९:२६b; -ते द्राश्रौ १२,२,२२; लाश्री ४,१०, २३; विध ५,१३४.

द्यत-निन्दा- -न्दा या ७,३. चत-म्मि- -मिम् काश्री १५, ७. १३: -मी काश्री १५,७,१५. द्यत-विजय- -यम् विध ७८, 89. द्युता(त-श्रं)न्त- -न्ते काश्री १५, €. 3. द्युता(त-त्र)भ्रेष- -षयोः पा ३, 3.30.

द्यन- पा ८,२,४९. देवो(व-उ)पसृष्ट- -ष्टे ऋप ७२, दिष्-, १,२दिव-, दिवस-, दिवस-, दिवा- प्रमृ. √दिव् द्र. २ देव- (२विश्व-) -वाः (-क्षे) ?दिविप्रकान्ते श्राप्तिगृ ३,५,१:१५. श्राश्री २,९, १३; १४,५; १६, दिवि-भाग- प्रमृ. √दिव् द्र. १०; ४,१२,१; २^२; बौश्रो ३, दिविष्टि^b- -ष्टयः श्राश्रो ७,१२, ७; शांश्री ६.६.८४:१०.६.६: - ष्टिष अप ४८,११५: निघ ४, ३; या 8, 22.

-वासः (श्वे) आश्री २,९,१४; श्विवोऽछत अप्राय ६,८. दिवो-दासb- पावा ६,२,९१; ३,२; -सस्य चाश्र ७,२.

दैवोदास^b- -०स^d आश्री १२. १०, १२; बौध्रीप्र ७:४; -सम् द्राश्री ७.४. ८: लाश्री ३,४,७; ६, १०, ११; निस् ७, ५ : ३५; ८, १ : ११; १३; -से लाश्री ७.५.१७.

दैवोदास-स्ज्ञान- -नयोः लाश्री ७,१०,७. दैवोदासि^b- -सिः ऋग्र २, १,

१२७; ९, ९६; साअ. दिवोदास-वत् बौश्रौप्र ७: ५ १दिव्य,व्या-प्रमृ. √दिव इ. २दिव्य षे- -व्यः ऋअ २,१०,१०७. १दिव्यसा श्रश्र ४,१६. विव्यस्त्री- प्रमृ. √दित् इ.

√दिश 1 पाधा. तदा. उभ. श्रात-सर्जने, दिदिहिंढ आमिगृ २.१.. ५: १८; या ११,३२ +ø. †दिशामि श्रापमं १,१३,५; ६; बौग् ४,२, ११2; भाग् २,३१: ११;१३; दिशतु मागृ २, १३. ६‡; दिशताम् मागृ २, १३, ६ भं; दिश आपमं १,९, ९ ; सु १५,५: हिए १, १८, ५: या ११,३२: दिशेत् अप २६,५,४: †देदिइयते शांश्री १२, २४, २; लाश्रौ ९,१०,६.

दिश्र - पा ३, २,५९; पाग ४, १, १२३^m;३,५४;५,४,१०७; दिक् त्राध्रौ १०,१०,१०; शांध्रौ १६, ९,१८;२८,२; काश्री; या १,७; दिक्ष शांश्रौ ४, १२, ५ ××; श्रापश्री: दिग्भि: बौश्री २,१०: ३+;वाध्यी; कीगृ३,१५,५१+"; शांग ३.१३,५4; या११,४० र; दिग्भ्यः श्राश्री२,४,१३५;शांश्री; दिशः श्राधी २, १३, ९××; ५, १३, १४° ‡; शांश्री; आमिय २.६.८:४८^०; मागृ १, २२, २+°:या २, १५+ \$;६,१;११,

a) = एकाह- $\lfloor 2\pi n - 2\pi n - 3\pi n -$ ६९,११)। d) =ऋषि-विशेष-। e) पामे. वैप १,११०८ ए इ. । f) विप. । बस. । g) विप. (। शूत-निर्जित-] ओदन-)। h) विष. ([यूतनिर्जिता-] गो-)। i) पाठः ? यदि, विप्रकान्ते इति शोधः (तु. बौषि १,9: १३)। j) =साम-विशेष- । k) =ऋषि-विशेष-। व्यु.?। l) या २, १५ परामृष्टः इ.। m) तु. भारखा. पासि. । दिशा- इति पाका. । n) दिवस्यः इति पाठः १ यनि. शोधः (तु. शांगृ.) । 0) पामे. वैप २, ३ र्ख. युशः तैत्रा २,४,६,७ टि. इ.। p) उत्तरेश संधिरार्थः । q) पामे. वैप २, ३ र्ख. अयम् मंत्रा १, ६, 98 2. 3. 1

२८; पा ५,३,१;७,३,१३; वि३, पः दिशःऽदिशः †भाग २,३१: ७;३२ : १३; हिए १,१८, ५^{१०}; श्रश्र ९.३: दिशम् श्राश्री १,१२, ४××; काथी; वीश्री ४,७:२०b; या १, ७; ऋप्रा १५,१; †दिशा शांश्री ४,११,४ 0; त्रापश्री १७, ७.६; बौथ्रौ; माश्री १,४,३,८°; दिशाम् आश्रौ ४, १२, २८: शांश्रो ४, ९, २+; १२,२०, १; १४, ८३, १; ८४, ६; आपश्री; दिशि आधौ १, ११,७ †°;८, १४,१२; शांश्री; आपश्री ४,१४, ४ कि. या ८, १२; दिशे वौथी २०, ३०:११ ; २२,९ : ७;९; बौग्; दिशोः वैगृ १, ११: ३; बौध २.१. १४^d: दिशौ श्रापश्रौ ८, 93,44.

दिशा- पाग ४, १, ४°; १२३¹; -शाः भाश्री ११,४,५‡. देशेय- पा ४,१,१२३. दिक्-कुष्ठा^ह- -ष्टाम् माश्री १,७, ६,११. दिक्-चन्द्रमस्- -मसः श्रश्र ४, १९. दिक्-चारिन्- -रिणः श्रय ५२,

१,३. दिक्-पति- -तिभ्यः शंध१३२†; -०ते विध ९८,२५. दिक्-पूर्व-पद- -दस्य पाता ५, ३,३२; -दात् पा ४,२,१०७;

३,६; पावा ४,१,६०;३,४. दिक्-प्रसृति— -ति शांग् ५, २,५.

दिक्-शब्द- -ब्दाः या ६,२,

१०३; -ब्देभ्यः पा ५, ३, २०; पावा ६,३,१०९. दिक्-संयोग- -गः हिपि १३:८. दिक्-संख्या- -ख्ये पा २,१, ५०. दिव-समास- -से पा १,१,

दिव्-समास- -से पा १, १, २८.

दिक्समास-सहयोग--गयोः पावा २,२,२७. दिक्-स्तोम^b- -माः श्राश्रौ ९, ८,२६. दिक्-स्रक्ति¹- -क्तयः हिपि १७:१३; -क्ति काश्रौ २१, ३,२७; -क्तिम् हिपि १७:

दिस्व(जु-स्र)तीका($\mathfrak{I}>$)शा $^{\mathbf{h}}$ -शा बीऔ ६, १: ११; २५, ५: ९ 3 ; -शाम् बौऔ १५, १: ११.

दिग्-अग्नि- -ग्नी काश्रौ १५, २,३.

दिग्-अनुप्रह - - हाय निस् ५, ७: १९.

दिग्-ग्रन्तर्-देश- -शेभ्यः अश्र ४,४०.

दिग्-अम्बर^b- -राः वैध १, ९,५.

दिग्-आश्रय b - - याणि या ११, ४१.

दिग्-ब्रह्- -हाः श्रव ५२,१२,२ दिग्-बो(<हो)म- -मम् वाश्रौ ३,२,६,५२.

दिग्-दाह- -हः श्रप ६८, ५, १५; -हान् श्रप ५८, १, १; -हे वैध २,१२,३. दिग्दाइ-ज- -जम् श्रप ५८, १,१३.

दिएदाह-विद्युद्-उल्का---ल्काः अप ६८,१,९६.

दिग्दाहा(ह-आ)योग- -गन् अप ५८,१,४,

दिग्दाहो(ह-उ)पथ्पन--नम् अप ७२,३,५.
दिग्-देव(ता>)त h --- -तानि
अप ४१,५,७.
दिग्-देवता---त(ः वैगृ १,३ :
२२;४ : ६; --तानाम् अप २५.

१,४; -ताभ्यः गौध ५,१२. दिग्देवत्य- -त्यम् वैगृ६, ४: १४; -त्यानि तुग्र २,१९३. दिग्-देश-काल- -लेपु पा ५,३,

दिग्-युक्त- -क्ताभ्याम् कौस् १४,२५‡; ५०,१३. दिग्-वासस्¹- -साः सुघ ५१. दिग्-विदिश्- -दिश्च अप २५. २.३.

दिग्-विभाग- -गः मीस् ३,४, १०; -गे अप २१,४,३. दिग्-व्याघारण- -णम् कार्थे ८,८,३०; पागृ ३,८,९. दिङ्-नाग- -गाः अग ६४,९, १०; -गान् शंघ ११६: ३३. दिङ्-नाद->॰द-पर्वत-प्रपात-

-तेषु वाध १३,३५. दिङ्-नामन् - मानि निघ १, ६; २,२५; पा २,२,२६. दिङ्-नियम- -मः कप १,९,९.

दिङ्-मन्त्र- न्न्त्रैः वाश्रौ १,१, ४,२०.

a) °श इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. भागृ २, ३१: ७; Old. च)। b) दक्षिम् इति पाठः ? यनि. शोधः । c) पाभे. वैप १,९६३३ f द्र. । d) पाभे. g १२२५ f द्र. । f) g १२७६ f0 द्र. । g1 विप. । बस. उप. = कोग्र- (तु. ऐश्रा ५,१,३) । g1 विप. । बस. । g2 विप. । बस. उप. = कोग्र- (तु. ऐश्रा ५,१,३) । g3 विप. । बस. । g4 विप. । बस. उप. = कोग्र- (तु. ऐश्रा ५,१,३) । g5 विप. । बस. । g7 विप. । बस. । g8 विप. । बस. । g8 विप. । बस. । g9 विप. । विप. ।

दिङ्-मुख° - -खम् b आमिए ३, ३,१:२९.
दिशाम्-अवेष्टि° - -ष्टिः बौशौ १३,१:१५; -ष्टिभिः माश्रौ ५, २,०,२३; वाश्रौ २,३,४,३९; -ष्टिः शांशौ २,३,४,३९; -ष्टाः शांशौ २,३,४,१९; -ष्टया आपश्रौ १८,२९,२२,२५, १३; बौशौ १२,१९:१९, माश्रौ ५, २,०,२३; वाश्रौ ५,

दिशो-दण्ड- पावा ६,३,२०. १दिश्य- पा ४,३,५४; -श्यः कौस् १२७, २; -श्यस्य कौस् १२७,६; -श्याः श्रापमं २,१७,८‡; श्राप्य २,१,९‡; हिष्य २,१६,६‡; कौस् ६६,८; -श्याम् कौस् ८,३; ५१,३; -†श्याम् शांप्य ४,९५,९५; हिष्य २,१६,४; -ग्रंथः श्राप्य १५,९५,१; हिष्य २,१६,४; -ग्रंथः श्राप्य १४,१७,१; हिथ्र १५,५,१.

रहि(स्य>) इया^d - - स्याः काक्षी १७,९, २; श्रापश्री १७, २,२; बीधी.

दिशत- - †शन् आपश्री ४,१०,४; भाश्री ४,१५,३; हिश्री ६,३, २; नाशि १,६,१२\$; -शन्ता या ८,१२०

दिष्ट - - ए: अप ७०^३, ६, ८; - एम् शांश्री १८, २३, ५; वाध्रुशी ३, ४: ७; ११: ४; पा ४, ४, ६०? ९; - ऐ मीस् १०,२, ५५. देशक - पा ४,४, ६०.

दिष्ट-गमन- -नात् हिपि १३: १:२०:६. दिष्ट-शस्त्र°- -स्त्रम् शांश्रौ १७, ८,३.

१दिष्टि^ड - स्टि: बौश्रौ १७, १९ : ६ ^{† h}; - ष्टी: कौसू ५०,७; - ष्ट्या कौसू ५०,५.

दिष्टि-कुदिष्टि-वितस्ति-निमुष्ट्य-(ष्टि-श्र)रिल-पद-प्रक्रम- -माः कौस् ८५,२.

दिष्टि-वितस्ति— -स्रयोः पा ६, २,३१.

देश^d- -शः आवश्री २०,१३, ११; हिश्री १,१,६३; श्रागः, या ६, ३२: -शम् वैश्री १०, ३:४; हिश्री १,७,२०; शांग्र; या १३, ३: -शस्य काश्री १५, ४, १७; माश्री ४,६, ३; हिथ्री; -शाः काश्रौ २६,७,८; श्रप; पा ३,४, ७; -शात् श्रापध्रौ २, ५, ८; भाश्री; या ६,३; -शान् काश्री ५.१०.४; लाथी; -शानाम् जैगृ २,९: २१; मीसू ११, २, २७; -शाय तैप्रा १, ५९; -शे शांश्रौ ४,१४,६; १३,११,२; श्रापधौ; त्रापध २, ३, १५¹; पा १, १, ७५; ३,३,७८; ४,२, ५२; ६७. 999; 4,7,904; 934; 8,3, ९८; ८, ४, ९; पावा ३, २, ४८, ४, २, १०४३; -शेंड-शे त्रापध २, ३, १८; हिंध २,१, ४८: -शेन शांधी १७,१३,९, द्राधी ३,१,१२; ४, ३१; लाखी १,९,१३:१२,१७: -शेभ्यः बौगृ २,८,३३; -शेषु श्रापश्री १३, २३,४: वाश्री २,२,३,७: श्रप: -शौ श्रापश्री१२,१३,८: या १.७ देश-काल- -लयोः वैश्री २०, १: ५; -ली काश्री १,७, ५; वाध ११,२८; बीध २,८,२२.

देशकाल-तस्(ः) बृदे २,

देशकाल-संनिकर्ष- -र्षे शांश्रौ १३,२४,१४.

देशकाल-समायुक्त- -क्रम श्रप ७०,११,१. देश-काल-द्रव्यप्रयोगसंग्रह-नि-मित्त-ज्ञान-कुशल-शंध २४४. देश-काल-द्रव्या(व्य-श्र)नुपप-त्ति- -त्तिः बौधौ २९,८: २. देश-काल-धर्म-वयो-विद्या• स्थान-विशेष--पैः वाध १९,९. देश-काल-शक्ति-भंपन्न- -न्नः शंघ २५३ देश-ऋल-धर्म- माः आपध २,१५,१; हिध २,३,३१. देश-जाति-कुल-धर्म- -र्माः गीध ११,२२: -मेंण गौपि १, 9,99. देश-तस् (:) श्राधिय २, ६, ७: ५: आपध २,१५,१२; हिध २, 3,84. देश-द्रच्या(व्य-त्र)नुरूप- -पम्

-र्मान् वाध १९,७. देशधर्म-जातिधर्म-कुलधर्म--र्मान् वाध १,१७. देश-नाश--शाय श्रव७०^२,८,१. देश-प(र>)रा⁸--रा श्रव ७०^३,

देश-धर्म-> °र्म-जातिक्रलंधर्म-

शंध ३२०.

99,94.

a) विप. । वस. । b) वा. किवि. । c)= इष्टि-विशेष- । d) वैप १ द्र. । e)= प्रमाग्ग- इति पाका., = भाग्य- इति पाशे. प्रम्ह. । f) दिष्टगतौ इति जीसं. । g) = प्रादेश-प्रमाण- इति केशवः । h) = ब्रह्मणः भाका- (तु. सा. Lतो २५,१८,४।) । i) सपा. देशे संस्कारः <> देशसंस्कारः इति पाभे. ।

देश-पीडा- -डाम् श्रप ७१,१६, ₹. देश-पृथकत्व- - त्वात् मीस् १२, १.४४: -मत्वे शांश्री ४,६,७. देशप्रथक्त-दर्शन- -नात् पात्रवा १,१२. देश-प्रामाण्य- -ण्यम् बौध १, 9.33. देश-बद्ध- - द्रम् मीस् ९, १, 30. देश-भक्ति- -क्तयः श्रप ५८,१, देश-भङ्ग- -ङ्गम् अप ७०^२,२३, देश-भय- -यम् अप ७०२, 98,9. देश-भाग- -गान् श्रप्र, १, १. देश-भेद- -दः बौधु १८: ११; -दात् मीसू ११,२,३३. देश-मात्र- -त्रम् मीस् ३, ७, 98:94. देशमात्र-ख- -खात् मीसू १०,9,90; ११,२,४६. देश-रथ- -थम् वैश्री १७,११: देश-राष्ट्-पुरा(र-श्र)मात्य-नाश- -शः श्रप २,४,४. देश-वाचि-त्व- -त्वात् मीसू 20,4,80. देश-विनाश- -शाय अप ६४,

480 देश-विरति-व्रत-> व्तिन्-पावा ५,9,९४°. देश-विशेष--षे आपध २,१४, ७; हिंध २,३,१८. देश-वृक्ष-चतुष्पय- -थेषु श्रागृ 8,6,4. देश-शोभित^d- -तेषु अप ६५. देश-संयोग- -गात् मीसू १, ३, 98. देश-संस्कार- -रः हिध २, १, ¥€e. देश-सामान्य- -न्यात् मीस् ८, ₹.9. देश-साम्य- -म्यात् मीसू ३,३, 931. देशा(श-श्रा)चारा(र-श्र)विरुद्ध--द्रम् विध ७,११. देशा(श-श्र)ध्यक्ष- - चः विध ३, १५: -क्षान् विध ३, १०; -क्षाय विध ३,१४. देशा (श-अ)नपरोध- -धेन काश्री २४,३,२७. देशा(श-म्र)न्तर- -रे वैश्रौ २०, २३: २; वैग्र ७,३: ३; पापवा ५: -रेषु मीसू १,३,२०. देशान्तर-गत,ता- -तम् शंध

३.११.४ : ४४: बौपि ३.७.२. देशान्तर-स्थ- -स्थ: विध २२,३९⁸: -स्थे श्राप्तिगृ३,७,४: ३; बौपि २,३,८; वाध ४,३६. देशान्तरस्थ-क्रीबै(व-ए) कवृषण- -णान् कप्र १.६,४. देशान्तरितb- -ते शंध३६३: सुध १७. देशा(श-अ)भ्यास- -से बौगृ २, देशा(श-आ)र्थ, थां- -धम् मीस् ४,४,४; -र्था मीस् ४,२,२२. देशा(श-आ)वर्त- -र्तः कौसू १२४.१. देशीय1- -यम् निस् ७, ४,२४. देश्य- वा ४.३.५४. †दे(६८) प्टी¹- -ध्टी श्रापमं १, ११,३; पागृ १,४,१४. दिश्- प्रमृ., १-२दिश्य- √दिश्इ. ३दिइय*- -इयाः बौश्रीप्र १४: 9. दिए-, १दिष्टि- प्रमृ. √दिश द. रदिष्टि¹- -ष्ट्या पाग १,९,३७. √दिह™ पाधा. श्रदा. उभ. उपचये. दिग्ध, ग्धा- नधः वृदे ५, १३३; -म्बा अप ४६, ५, ४+; -म्बा-भ्याम कीस २८.३: -मधेः बीध 2,90,90. दिग्ध-सह-शय- पावा ३, २, 94. 1वेह्र1- पाग २.४.३१:३,१,१३४°; €,9,9€°"; -€: 羽9 €८, १.८: -हम् आमिए ३,१०,४ :

a) अर्थः व्यु. च ?। देशस्थम् अश्वम् इत्यस्य स्थाने सप्त. आपश्री १८,३,३ हिश्री १३,१,२० स्थम् इति पाभे.। b) °विष्ठवे इति जीसं.। c) तु. पागम.। d) विप.। बस.। e) पाभे. पृ १२७८ i इ.। f) °सामान्यात् इति जीसं.। g) उत्तरेण समस्तमिति जीसं.। h) विप.। इतच् प्र. उसं. (पा ५,२,३६)। i) तस्येदमीयः v>ई्यः प्र.। v) वैप १ इ.। v) =ऋषि-विशेष-। vयु. ?। v0 हर्षातिरेके अन्य. वा. किवि.। v2, श्रु. v3, v4 परामृष्टः इ.। v3, v4 परामृष्टः इ.। v5, v5, v7 परामृष्टः इ.। v7, v7, v7, v8, v7, v7, v7, v8, v8, v9, v

विध ८,१२.

देश-विभ्रम- -मे विध २२.

90.8.

३६४: -तस्य वैश्रौ २०, २३:

१; -ता कप्र ३,१,१२; -ते

देशान्तर-मृत- -ते श्राप्तिगृ

२०; वैगः; -हात् अप ४०, ६, ६+; विध २३, ५१; -हान् बौध्रौ २५,२९ : ७; ८ ‡; श्रापशु ७, १३; हिशु २, ६३; -हे आमिगृ २, ७, ७:२०; अप ३८, ३,५; विध २०, ४९; ९९, १४३; या ३,१७. देह-स्याग- -गः विध १६,१८. हेह-स्व- -स्वम् श्रापध २, २४, २: हिध २, ५,१६७. देह-नाश- -शः ऋष ७०२,८,१. देहा (ह-म्र)ङ्ग-सन्धि- नधी वेग्र 3,99:99. देहा(ह-ग्र)नित्यत्व- - त्वात् काधी १,६,१८.

देहा(ह-म्र)न्त- -न्ते श्रप २२, १०,५; वाध ४,३२; श्रश्र ८,१. देहा(इ-म्र)न्तर-प्राप्ति- -िसः त्रिध २०,४९.

देहिन्- -हिनः अप ६८,१, ७; विध २०, ४९; -हिनाम् अप ३८.३.२; बौध ४,५,२३; विध २२,८८; ५१,७२; श्राज्यो १४, ९: -ही विध २०,५०.

२ हे ह⁸ - (>°ही - पा.) पाग ४, 9,89.

√दी (=√डी [विहायसा गतौ])> दीयत्- -यन् या ६,७ .

√दी (दीप्ती), दीद्यस्व श्रापश्री ६, 93,99.

क्दीद्यति अप ४८, २०; निघ १, १६; †दीदयत् के काश्री ६. ४, ३; श्रापश्री ११, १९, ८; वौश्री ४. ६ : १२; ७,९ : १८;

या १०, १९०°; दीदायत्^b माश्री २, ३, ६, १७; शौच ३, २२; ४, ८९; †दीदेत् शांश्रौ ८,२२,१; या ७,२४; †दीदिहि श्राश्रो २, ४, १९; ८, ९, ७; হাাগ্রী.

†दीदाय श्राधी २, ४, १९; श्रापश्री; हिश्री ७, ८, ४३^b; †दीद्यासम् काश्रौ ४,१४, ३०; श्चापश्ची.

†श्दीदिदासि^d श्रापश्रौ ६, १३, १०; ११; भाश्री ६, १४,८. †१दीदिदामेंसिव हिथ्री ३, ७,

दीदिदाय आश्री २, ४, १९; वाधी १,५,२,५१.

दीदि-> †दी श(दि-अ)प्रिª--०मी श्रापश्री २१, ७, १६; वाधौ ३,२,२,१; हिश्रौ १६,३, ३५: माश्री २,४,२,११.

†दीदिन् - ता^व वेथी २,९ : ९. †दीदिवसº- -०वः आधी २, १, २५; बौधी ३,८:३०; माधी ६,२,२,२१; वाधी २,२,२,४; -वांसम् माथी २, ५, ५, २८; तैप्रा १६, १३: -वान् हिथी 28,9,3.

†दीचत्- -चत् श्राश्री ३, १२,२७; शांधी: हिथीर्५,३,२१º: अप्राय ५,१; -द्यतम् आपश्री ९,८,८; वीगृ १,६, १८; - ! सन्तम् बौधौ १३,४३: १४.

दीद्यान,ना- -नः वौध्रौ २, १७:

२६ +: -नाम् श्रापश्री २२.१७ १०: हिश्री १७, ६, ४४: अप E8. 3. 7.

्रीष पाधा, दिवा, श्रात्म, चये, दीयति, दीयतेⁿ निघ २,१४ . दीन"- पाउ ३, २; पा ८, २, ४५; वाग ५,१,१२४; -नः बृदे २. ४६; -नान् बीध २, ७, १९: -ने या १०, १२ +; -नैः विध £3,94.

दैन्य- पा ५, १, १२४; -न्यम् बौध २,२,७८. †दीन-दत्त°- -क्षाः आपश्रौ ३. १२. १; बौध्रो ३, ३१: ३; भाश्री ३, ११, १; हिश्री २,६, १७; श्रामिष्ट १,५,४: २०. दीन-त्रपुस् - -पुषाम् अप ६४,

दीन-विकृत- -ताः श्रथ ७०३, 96,8.

दीना(न-ग्र)नाथा (थ-ग्र)न्ध-कृपण- -णान् अप १९२, ५, ३. दीना (न-त्र)नुप्रह-कर्तृ- -र्ता शंध २४४.

कौस् ६८, ३१; ग्रुपा ४, ७४; 🗸 दीक्ष्ण पाधा. भ्या. श्रात्म. मीएडये-ज्योपनयननियमवतादेशेषु, दीक्षते शांधी १५, १२, १२; काश्री; दीक्षनते शांश्री १०, १, १; ग्रापश्री; †दीक्षे ग्रापश्री १०, १०, ६ ; हिश्री १०, २, १४ !k; बीध ३, ८,२१; †दीक्ष-ताम् शांधी ५,४, १ ; श्रापश्री; ‡तीक्षन्ताम् श्रापश्री १०, ११, 9"; हिथ्री २०, २, १४; अदी-

a) वैप १ द्र. । b) पामे. वैप १,9६३५ ६ द्र. । c) पामे. वैप १,9६३४ s द्र. । d) पाठः ? सपा. !दोदिदासि<>ेदीदिदामेसि<>दीदिता, मे, असि इति पामे. । e) दीयत् इति पाठः? यनि. शोवः (तु. सपा. मै ४,१०,२) । f) परस्परं पामे.। सपा. काठ २,१५ तैवा २,४,१,४ दीधतम् इति । g) प। ६,४,६३ परामृष्टः द्र.। h) लघु-शाखीयः पाठः। i) विष. । वस. । j) पा ३,२,१५३ परामृष्टः द्र. । k) सङ्गत् दि॰ इति पाठः १ यनि. शोधः।

क्षत वाधूओं ४, २२:२; ७; अदीक्षन्त वाधूओं ४,२६:२१; दीक्षेत आश्री१०,७,११; शांश्री; दीक्षेयाताम् अप ३७,८,१; दीक्षेरन् श्राश्री १२,६,२;१५; शांश्री.

दिहीक्षे श्रापश्री १३,२१, ३ कः निस् ८, ४: २९; म्झदीक्षिष्ट श्चापश्ची १०, ११, ५; बौश्ची. दीक्षयते वाश्रौ ३, २, १, १२; दीक्षयति काश्री १२, २, १५; त्रापधी: दीक्षयन्ति श्रापधी १८, २०, १२××; बौध्रौ: †दीक्षयामि श्रापश्रौ १०, ११, १": †दीक्षयतु श्रापश्रौ १०, १०,६ हे हिश्री १०,२, १४ दृवः नदीक्षयन्तु आपश्रौ १०, ३, ८; दीक्षयेत् काश्री २५, ११, १९; श्रापश्री; दीक्षयेयुः श्राश्री ६, १०,२५; १२, ८, २५; वाध्रश्री 3.906: 0.

स्, १०५२. ०. अदिदीक्षः वाधूश्री ३, ४१ : ६; २४.

दिंदीक्षाण- -णाः निस् ५,१३: २३. दीक्षण- -णम् वैताश्री ३६, २५; -णात् द्राश्री १४, १,६; लाश्री ५,५,४; कप्र ३,५,५; -णे बौश्री २१,८: ३२.

दीक्षणा(ण-ग्रा)दिन -दि त्राश्रौ ४,१,१०; १२,८,२.

दीक्षणादि-राज्ञ-संख्यान-नेन बाधी ४,२,१३.
दीक्षणा(गुन्धा)नुपूर्य- -र्धेण
शांधी १३,१४,३.
दीक्षणीय,या⁰- -यम् वाध्धी

४, ३२: ६; १११: १; हिश्री १३,४, २०; -यया बौश्री २६, २८: ३; -यस्य वाधूश्री ४, ३८: ६; ९७: १; -या शांश्री ५, ३, १××; श्रापश्री; -यास्र काश्री ७, २, २८; श्रापश्री; -यायाः काश्री २०, ३, ८; श्रापश्री; -यायाः काश्री २०, ३, ८; श्रापश्री; -यायाम् श्राश्री ४, २, १; काश्री; -यायम् श्राश्री ४, २, १; काश्री; -यायम् वोश्री १०, १२: १३××.

दीक्षणीया (या-२त्राय>)-द्या^c- -द्याः जैश्रीका **३४.** दीक्षणीया-पुरुषसंस्कारा-

दाक्षणाया-पुरुषसस्कारा-(र-त्रा)शीर्-वर्जम् काश्रौ २५,१३,४२.

दीक्षणीया-प्रमृति— -ति शांश्रौ ८,१२, ९; काश्रौ ८, १, ४; हिश्रौ १०, २, ६८; -तीनि माश्रौ ५,२,१६,१; हिश्रौ १६,

दीक्षणीया-प्रायणीया (या-त्रा)तिथ्या-देवता- -ताः काश्रौ प्र ५ ९

दीक्षणीये (या-इ)ष्टि-कर्मन्-र्मणि जैश्रीका ३९.

दीक्षमाण- -णः बीध्रौ २५, २९: १०; - †णम् आपध्रौ १०, ११, ११; हिंध्रौ १०,२,१४.

१दीक्षयनम् काश्रीसं २७: १०. दीक्षयित्वा शांश्री १३, ११, १; श्रापश्री.

दीक्षा- पाग ५, २, ३६; - †क्षया आश्रौ ४,२,३;आपश्रौ १०,१०, ६ *××; बोश्रौ; -क्षा शांश्रौ ५, २,४××; काश्रो; माश्रौ २,१,२, ३६°; -क्षाः आश्री ४,२,१३××;
शांश्री; -क्षाणाम् आपश्री १०,
८,१; बौश्री; -क्षाभिः बौश्री
१७,२०:०; -क्षाभ्यः माश्री २,
१,३,२०; ६, १,४,४०; हिश्री;
-क्षाम् आश्री ४, २,३†; शांश्री;
-क्षायः आपश्री १८,२०,१४;
हिश्री १३,०,३; -†क्षायाम्
माश्री ३,६,२°; द्राश्री; -क्षाचे
आपश्री १३,२१,३°; बौश्री;
-क्षाचु आश्री १२,८,२९;
शांश्री; -†०क्षे काश्री २५,११,२९;
वौश्री ६,६:२२°××.
वैक्ष'- -क्षः आपश्री १०.

१६,१५‡; हिश्री १०,४,१९‡; द्राश्री २, १, १०; लाश्री १, ५, १४; –क्षम वीश्री २५, ७: ४; माश्री; –क्षस्य वीश्री २५,२४: २०; २२; मीसू ७,१,१३; –क्षाः निसू १०,९:२; माश्री १०,९,१४.

देश्ल-पश्च-वत् वेश्रौ १५, १: २.

दीक्षा-कल्प- -ल्पाः वैश्रौ १२, २: ६; हिश्रौ ११,५,१६; -ल्पे हिश्रौ १०,३,२; -ल्पेषु आपश्रौ १६,१३,५; वैश्रौ १८,११:२१; हिश्रौ ११,५,१७.

दीक्षा-काल- -लस्य मीस् ६,५, ३८; -ले काश्री १२, १, २१; २, १०.

दीक्षा-क्रय-प्रसवो(ब-उ)ध्यान--नानि लाग्नी १०,१,१. दीक्षा-तपस- पाग २,२,३१४;

a) सकृत् दीक्षा° इति पाठः १ यिन. शोधः । b) विप., नाप. (दृष्टि-) । c) विप. । बस. । d) पाठः १ दीक्षा, श्रयनम् इति द्वि-पदः शोधः संमान्यते । e) सपा. दीक्षा <> दीक्षे इति पामे. ।

f) तस्येदमीयः अण् प्र.। g) तु. पागम.।

देशोपसद°-

४,१४; - पसी बौश्रौ १४,१: ७; ८; तैप्रा ४, १७; - पसोः काश्री ७,२,१६; शुअ १,२३७. दीक्षा-दक्षिण"- -णम् मीस् ३, 0.99. दीक्षा(क्षा-आ)दि- -दि काश्री २२,३,२७; ६,२; -दिः लाधौ 20,93,9. दीक्षा(क्षा-आ)नुपूर्व- -वेण दाश्री १,४,१५; लाश्री १,४,११. दीक्षा(क्षा-आ)नुपूर्व - व्येण द्राश्री ७,४,४; लाश्री ३,४,३. दीक्षा(क्षा-त्र)न्त- -न्ते त्राधी ४,२,१८; काश्री. †दीक्षा-पति- -तिः बौधौ ६, १९: ५: भाश्री १२,१,३; हिश्री १०, ३,३१; वैताश्री १३, १९0. दीक्षा(ज्ञा-श्र)पराध- -धे मीस् €,4,34. दीक्षा-परिणाम- -मे हिश्रौ ७, 9.09. दीक्षा-परिमाण- -णम् माश्रौ ६, ४. ३७: -णे श्रापश्री १६, १४, 9; वैश्री १८, १२:४; हिथी ११, ५, २४; मीस् ६, ५, २८. †दीक्षा-पाल°- -लाय त्राधौ ४, 2,3ª. दीक्षा-प्रतिहास- -सः लाश्री ९, दीक्षा-प्रभृति - - ति काश्री ७, १,२१; द्राधी. दीक्षा(क्षा-त्र)भिसंबन्ध- -न्धात् मीस ५,३,२९. दीक्षा-भेद- -दे वाध २१,३२. दीक्षा-योग- -गम् वाध्रधौ ३,

63: 3. दीक्षा(क्षा-आ)रम्भ- -म्भे काश्रौ 28,9,92. दीक्षा-रूप- -पम् निस् १०. ११: २०; -पाणि काश्री २४, ७,३; २५,११,१४. टीक्षा-लिङ्ग- - इम् वैताश्री १३, दीक्षा-वत् काश्री १९, २, २९; पागृ २.२.१३;मीसू ११,३,२०. दीक्षा-विधान- -नात् मीस् ३, v. 3 v. दीक्षा-विसर्गा(र्ग-त्र)र्थ-त्व--त्वात् मीस् ११,४,१९. दीक्षा-वता(त-म्र)भाव- -वात् काश्री २०,८,२०. दीक्षा(क्षा-त्रा)हति,ती- -तयः वैश्रौ १२,८: २; -तिभ्यः वाश्रौ २,१,२,१७;३,४,१,४७; -तिपु बौधौ १६.२:६: -ती: आपधौ १०, ८, ५: बौश्रौ: -तीनाम् बौध्रौ २१. ८: ४४; -तीभ्यः त्रापधी १०,८,४; १६,८, १३. दीक्षाहति-काल- -लः त्रापश्री २०, ८, ७; हिश्री १४, २,२७; -ले हिश्री ११, ३, २; . १४, २, २५. १दीक्षित⇒ पा ५,२,३६. दीक्षो(क्षा-उ)पसद- -सत्स श्राश्री १२, ८, २७; बीश्री २३, १२: २३; २९,११: १; द्राश्री; -सदः आश्री ७,१,२; १२,६, ३: काथी; -सदाम् लाथी १०, ११, ८; मीस ११, ४, २१; -सद्भिः बौधी २६, ३३: २२.

80,90, 4. द्याक्षो(क्षा-उ)पसत्-प्रसव-संस्थो-(स्था-उ)त्थान- -नानाम् त्राधौ ८,9३,३४. दोक्षो(क्षा-उ)पसत्-पुत्य--त्यानि काश्रौ २४,५,८. दीक्षो(क्षा-उ)पाय- -यः वाश्रौ 2,9,3,98. २दीक्षित- - † • त काश्रौ ७, ४, १४: १७; श्रापश्री; -तः श्राश्री ४, ८, १८××; शांश्री; हिश्री १५. ७, १६?!; -तम् शांश्री १६, २०, ७; त्रापश्रौ; -तयोः ऋत्र २,१, १६६; -तस्य काश्रौ ७, १, २८; ४, २४; श्रापश्री; -ता माथ्री २, १, २, ७^{‡8}; वैगृ ५,९: ४; -ताः श्राश्रौ २, १६, २१××; शांश्री; -तान् श्रापश्री २१, ३, ११; वाध्यौ ४, ३७: ९; द्राश्री ७,३,७ +; -तानाम् ब्राश्रो ४, २, १२; ६, ९, १; काथ्री; -ताय काथ्री ८, २, २; २६,७,३३; वैश्री १२,१३: २; हिश्री ७, १, ६४; -ते आपश्री २२,३,१; माधी ६, १,४,३८; त्त्तसू १,१: २१; चाअ ४२:९; -तेन बौश्रौ २८,९ : २५; -तेषु ग्राधौ ४,७,४; -तै: बौधौ २९, ५: १०; वैश्रौ २१, १६: ९. दीक्षित-ऋत्विग्-ब्रह्मचारिन्-

-रिणः सुध २०.

दी चित-त्व- -त्वम् वाध्यौ ४,

२२:९; -त्वात् मीस् ६, ५,३९.

दीक्षित-दण्ड- -ण्डः हिथी ७,

a) समाहारे द्वस. उप. = २दक्षिणा-। b) पाभे. वैप १, १६३७ d द्व. । c) वैप २,३खं. द्व. । d) सपा. तैत्रा २,४,३,४ ९ ल्टेभ्यः इति पाभे. । e) = मास-। तस्येदमीयः अण् प्र. । f) ९क्षतः इति पाठः f यनि. शोधः। g) पाभे. वैप १,१६३७ f द्व. ।

१, ५४; -ण्डम् काश्री ६, ४, ५; श्रापश्री; -ण्डस्य वीश्री १८,२४: ९; -ण्डेन माश्री २, २, ३, १८; जैश्री ६: १२; जैश्रीका ७७. दीक्षित-द्रव्य - व्ये: आश्री १२,८,२५. दीक्षित-प्रमीत-प्रायश्चित्त-नम् हिपि २१:४.

दीक्षितप्रमीतप्रायश्चित्त-वत् वीपि २,७,२२. दीक्षित-प्रमीत-वत् प्राप्तिगृ ३, ९,३:२८. दीक्षित-वसन^० - नम् काश्री १५,७,२६; त्रापश्ची १०,१५, १५, -तस्य वीश्री १८,२४: ५; -तात् काश्री १८, ५,४; -ताति शांश्री १८,२४,४; हिश्री १६,५,१०; -ते श्चापश्ची ८,८,९७; वैश्री.

दीक्षितवसन-निवृत्ति - निः काश्रौ १५,५,१५. दीक्ति-वाद - -दम् बौश्रौ ६, ६:१; १४,१:४; ६ वैश्रौ १२,११:२; -दस्य बौश्रौ १८,२४:९. दीक्ति-विमित - नात् श्रावश्रौ १०,१३,६;१५,५; बौश्रौ. दीक्षित-वृत्ति - निः हिश्रौ १०,४,९. दीक्षित-व्यक्तन - नानि श्रावश्रौ १०,१५,३. १दीक्षित-व्रत - तम् काश्रौ ४,६,१४; बौश्रौ १८,२४:४.

दीक्षितवित्- -ती वौश्रौ २६, ३: ८; वाधूश्री ३, १०५: २दीचित-वत°- -तः शांश्री ३, 6,90. दीचित-शाला- -लायाम् काश्रीसं २७: ११. दीचित-संचरव- -रः माश्रौ २, १, २, ३०; -रेण काश्री ७,९, २८; माश्रौ. दीक्षिता(त-ग्रा)गार- -रे वैश्री १२, १२: ६; हिथी १०, २, ₹. दोक्षिता(त-त्र)दीक्षित-व्यप-देश- -शः मीसू १०,६,५८. दीक्षिता(त-श्र) स- - त्रम् वैश्रौ १२, ४: १४; -न्नस्य लाश्री 20,99,98. दीक्षिता(त-स्र)भिवादन--नम् आश्रौ १२,८,१२. दीक्षिता(त-स्र)वकीर्णe- -र्णाः बौधौ १८,२५: १. दी चिता(त-त्रा) वेदन- -नात् वैताधौ ११,१२. दीक्षितो (त-उ) तथत- -ताः आश्री ६,१४,२३. दीक्षितो(त-उ)ज्णीष- -पस्य बौध्रौ १८,२४: ८. दीचित्वा आश्री ४,१,८; श्रावश्री. दीचिष्यत्- -ष्यन् वृदे ६, २०. दोक्षिप्यमाण- -णः त्रापथ्रौ २२, २३, १६; बौधौ १६, ३१: १४: २३,१३: ५; हिथी १७, ८, ३१: -णस्य हिश्री ७, १,

१५: -णाः श्रापश्रौ २१, २. १४; १५, ४; बौश्री; -णान् लाश्रौ ३,३,६. दीक्षा- √दीक् इ. १दीक्षाचान्ताद्विति अप्राय ६,४. १-२दीक्षित- √दीच् द्र. दीदि-, दीदितृ-, दीदिवस्- √दी (दीसौ) द. दीदिवि- √दिव् इ. दीयत्-, °यान- √दी (दीप्ती)द्र. दोधिति- √धी इ. √दोधी' पाधा. जु. श्रात्म. दीप्तिदेव-नयोः. दीध्यत्−, दीध्यान− √धी द्र. दीन- √दी (चये) द्र. दीनार⁸- पाउ ३, १४० b; -राणाम् श्रप ३६,२६,३. √दीप्¹ पाधा. दिवा. श्रात्म. दीप्तौ, दीप्यते अप ७०, १९, ६; वाध २६, १३; श्रश्न; दीप्यन्ते अप ७१, १२, ५; दीप्यन्ति अप ७०३, ७, ३: ११, १३^२; दीप्यसे या १०, १९; दीप्यताम् वागृ ५, २०: दीप्येत आग्निय २, ५, २: ३; बीय ३,६,१; जैय; दीप्येरन् वैश्री २१,96: ४. दीपयति काश्री १६, ४, १२; कौस १४,३०,६०,१; दीपयन्ति वैश्री १६, १८: १०. दीप1- पाग ५,१,४^k; २,६४; -पः शंध २४२: -पम् आप्तिय २, ४, १०: १९; बौगृ; -पाः श्रप १,३४, ६; -पान् बौगृ ३, ८, २: -पेन अप ४,४,४.

a) वेप १ द्र. । b) उप. =िचह- । c) विप. । बस. । d) उप. =मार्ग- वा स्थान-विशेष- वा । e) कस. । f) पा १,१,६; ६,१,६; ७,४,५३ पाता १,१,६ परामृष्टः द्र. । g) = मुवर्ण-मुद्रा- । व्यु. ? । h) $< \sqrt{2}$ िचये] । i) पा ३,१,६१;२,१५३;७,४,३ परामृष्टः द्र. । j) = दीपक- । कर्तिर करणे वा कृत् ।

k) तु. भाएडा, प्रमृ. । पीप- इति पाका. ।

१ दीप-क- पा ५,२,६४. दीप-ह्रय- -यम् विघ ९०, २०. दीप-नदी°- -दी विध ४३,२०. दीप-निर्वापक- -कः विध ४५, 29. दीप-प्रदान- -नेन विध ९१,१५ दीप-मध्य- -ध्ये विध ९०,१६. दीप-वत् वैश्रौ २,६: १२; विध 90,9. हीप-वत- -वन्तम् बीगृ १, ६, दीप-हारिन्- -री शंध ३७६. दीपा(प-आ)दि- -दि कौस् U8,9₹. दीपा(प-ग्र)पहारक- -कः विध 84.20. दीपा(प-त्र)पहारिन्- -री शंध ३७७ : ७: ३७८. दीपा(प-म्र)र्थ- -थें विध ६६, 99: 59,0. दीपीय- पा ५,१,४. दीपो(प-उ)स्सव- -वम् श्रप १८2,€,9. दीप्य- पा ५,१,४. २दीपक- -कै: अप ४, ३,१;५,६; -की श्रप ९,१,४. दीपिका- -का जैश्रीका २१५. दीपन- -नात् या ७,१५. दीपन-प्रभृति- -ति कौगृ ५, £,4. दीपयमान-- -नाः त्रागृ ४,६,६. दीस.सा- पाग ५,१,२; -सः श्रप ७०१, २,५: -सा अप ५८९, २, ४; ७०३, १५,१; नाशि १, ७, १०^b; १४^b; -साः श्रा १,३४,

६××; -सान् वैश्रौ १,४:१७; १०, ५:५; -साम् नाशि १, ७, १३^b; १८^{२b}; -साय गौध २६, १२: -प्तायाम् वाधूश्री ३, ३१: २: -से आमिए २, ४, १०: ३: ११: विध ९९, १२; -प्तै: अप ६४,७,५. दीप्त-तेजस्°- -जसम् बृदे ५, ६५: -जाः श्रप ७०३,२,२. दीप्त-द्विज-मृगा(ग--श्रा) वृत- -ताः श्रप ५८,१,६. दीप्त-धूम-रजो-ध्वस्त--स्ताः श्रप ६४,९,१०. दीप्त-प्रतीक°- -काः या १०, दीप्त-रूप-> विन्- -पिणे गौध २६,१२. दीप्तां(प्त-श्रं)श्र --शुः श्रप ५५, 2.3. दीप्ता(प्त-अ)मि- -मिः विध ९०,१५;२७;९२,२४. दीप्ता(त-त्र)ङ्ग°--ङ्गः त्रप ६८. 2.28. दीप्ता(प्ता-श्रा)यता-करु(ग्>) णाb- -णानाम् नाशि १,७,९. दीप्तय- पा ५,१,२. †दीप्ति- - प्ति: श्रापमं २, १०, १; कागृ २४, १३; बौगृ १,२, ३४; भाग २, २४: ११; या 2, 48. दीष्ति-कर्मन् c - - र्मणः या८, १३; १०,२९; -मां या १४,२४९. दीप्ति-(ज>)जा- -जा तेप्रा 23.94. दीष्ति-तेजस् - - जसः त्रप ६८.

१,३.
दीप्ति-नामन् - म या १,१०.
दीप्ति-नमण - म या १,१०.
दीप्ति-नमण - मणः या१४,२४
दीप्ति-नमण - नः नृदे ३,१८.
दीप्ति-राग-प्रज्विल्त - नानि
स्रप ६४,३,८.
दीप्तोस (:) वाधूश्री ३,३१:४.
दीप्य - प्यान् वौश्री २,१३:२;३.
दीप्यमान,ना - नः वौश्री १४,३:
१४; या १०, ४१; - नम्
आपश्री ९,६,१२; माश्री; -नाः
स्रप ७०३,११,२९; -नेषु वौश्री
२४,३१:१०; -नैः वौषि १,

दीप्र- पा ३,२,१६७. दीप्र-चे(ष्टा>)ष्ट⁰- -ष्टानाम् जैगृ २,९:३.

दीयत्- √दी (विहायसा गतौ) द्र. दीयमान- ्रदा (दाने) द्र. दीर्घ, र्घाव- पाउमो २, २, ६९; पाग ५,१,९७⁶; १२२; १२३; -र्घः आश्रौ ३,१३,१४; बौश्रौ; नाशि १, ८,३; पा ३, १,६××; पावा १, २, १७××; -र्घम् श्राश्रौ ५, १९,४;शांश्रो;श्रापमं१,८,१० 📫; पागृ ३, २, २^{‡g}; ३, ६^{‡२g¹h}; मागृ २, ८, ६^२‡8'b; कौस् ४२, 9 ७ ‡ 1;, ‡या २, १६ रें €;८,२२; ११, ६;३६; १४, ३६ ६, नाशि २, २,२; वा १, ४,१२; - धस्य श्चापशु १,८; शौच ४,७९; -वर्ष अप २२,२,२; २६,२,५; ३,9; श्रापशु ५, ९; याशि २, १२; -र्घाः बौश्रौ १०, १५: १०; २१,७: ३; कप्र; -र्घाणाम् वागृ

a)= नरक-विशेष-। b)= स्वरश्रुति-विशेष-। c) विष. । बस. । d)= पारिभाषिक संज्ञा- (प्रातिशाख्य-, पा.) । शिष्टं वैप १ द्र. । e) अर्थः ? । f) पाभे. वैप १,६९० k द्र. । g) पाभे. वैप १ विश्वम् स १,९३, ३ टि. द्र. । h सकृत् पाभे. g ५४३ b द्र. ।

३,१२; पावा १,२,९३; -र्घाण त्रप ४१, ४, ८ª; ऋप्रा १, २०; माशि १६, ११; -र्घात् ऋप्रा १३, २८; १४, ३०; शुप्रा; -र्घाभ्याम् माशि ९,५; - पर्घाम् काश्री २, ५, ७: श्रापश्री: -घें वाध्रश्री ३, ६९:४१; बौशु; नाशि १, ७, १५; पावा १, १, ५७^२; २,९^७; ६, ४, ३; पाप्रवा ४,७: -चेंण ऋप्रा ६,१३. दैर्घ- पा ५,१,९७. दैर्ध्य पा ५, १, १२३; -ध्यम् कप्र १.७.४. दीर्घ-कण्ठयो(एठय-उ)प(धा>) ध- -धम् शुप्रा ७,७. दीर्घ-कर(ग्>)णी- -ण्याम् बौशु 3: 32. दीर्घ-काल- -लम् कागृउ ४१:१२. दीर्घ-काश-तुप-भ्राष्ट्-वट-- -टम् पा ६,२,८२. दीर्घ-कीट- -ट: शंध ३७७ : १९. दीर्घ-ग°- -गौ भाशि १२. दीर्घ-प्रहण- -णम् पावा ६,१,१६८; पाप्रवा ४, ५: -णे पावा १, १, दीर्घ-घण्टा-निनाद-वत् शेशि ३५०. दीर्घ-चतुरश्र, शाd- -श्रम् श्राप्तिगृ २.५.१ : १९: जैगृ २,९ : १२; श्रापशु २,१५;३,१; बौशु१:२०; २:६××: हिशु १, ३६;३९××; -श्रस्य बौशु १ : ३४; हिशु

१, १३; -आ हिशु २, १८;

-श्राणाम् त्रापशु २१,१२; हिशु ६,६९: -श्राम् बौद्य २:१७. दीर्घ-चतुरसा= था- सम काश ३, २; ४; ४,६; - सस्य काशु १, १७; २, ११. दीर्घचतुरस-समास- -सेन काशु 8,0. दीर्घ-जङ्ग⁶- -ङ्घाः बौश्रौप्र २५ : २. दीर्घ-जि(ह>)ह्वी1- पा ४,१,५९. टीई-तपस°- -पसः चात्र ४२: ७: -पाः बृदे ८.६७. दीर्घ-तम^{e'g}- -मः वाध्रश्रौ ३,९४: ७: -माः बौश्रीप्र १:३: -मानाम् वैध ४, ४,४. दैर्घतम- - म वैध ४, ४,४. दीर्घतम-वत् वैध ४,४,४. दीर्घ-तमस- -मसः बुदे ३, १४६; -मसम् वृदे ४, २१; -मसाम्¹ श्राश्रो १२,११,४; बौश्रौप्र १३: १; -मिस बृदे २, १२९; -माः ऋग्र २,१,१४०; ३,२१; बृदे. दैर्घतमस- -०स आशौ १२.११.४: बौश्रीप्र १३: २१1; -सः ऋत्र २, १, ११६; -सम् त्राश्रो ५, १८,५ ; क्षस् २,१०: २२1: ११: ११1; या ८,२२k; -सस्य लाधौ ७,७,१६1. दैर्घतमसी- -सी बृदे ३. 942. दीर्घतमसो (सः-श्र)की- -र्कः m द्राभ्रौ ९, ३, १२; १३; लाभ्रौ

दीर्घतमो-वत् बौश्रीप्र १३: २-दीर्घ-तस (:) भाशि ७९. दीर्घ-ता- -ता त्रप ४७,३,३. दीर्घ-त्व- - त्वम् पावा १,१,१९××; अप्रा ३,३,१९^२; याशि २,२३; -स्वस्य पावा १, १, ३९; -स्वे श्रप २२, ४, २; पावा ६, १, १३××; - त्वेन चन्यू ४: १६. दीर्घत्व-दर्शन- -नात् पावा ६, 8,9 4. दीर्घत्व-बाधना(न-ग्र)थे- -धम् पावा ६,१,८६. दीर्घत्व-समापत्ति- -तेः श्रप्रा 3,9,0. दीर्घत्वा(त्व-श्र)भाव- -वः पावा U. 7.3 U. दीर्घ-त्सरुº- -रुभिः वाधुश्रौ३,८३ः ४: -रून वाधुश्री ३, ७६: १४. दीर्घ-दण्ड.ण्डा- -ण्डम् बौश्रौ १५, १९: १२; -ण्डान् बौश्रौ १५, १४: ६2: -ण्डाम् बौश्री १५, १९: १२; -ण्डेन कौस् १५,४. दीर्घ-दिशन- -शीं शंध २४४. दोर्घ-दारु- -रुभिः बौधौ १९,१०: दीर्घ-धार-स्वp - - त्वात् मीस् १२, 3, 26. दीर्घ-नलोप-स्वर-णत्वा(त्व-श्र)नु-स्वार-शीभाव- -वाः पावा १, 9.80. ॰दीर्घ-नलोपा(प-म्र) नुस्वार-शी-भावे-नकार-प्रतिषेध- -धाः पावा १,१,४७.

a) सपा. मनु ४,९४ दीर्घम् इति पामे. । b) तु. पाका. । c) उप. $<\sqrt{n\pi}$ । d) विष., नाप. (श्रायत-) । e) = ऋषि-विशेष- । बस. । f) वैप १ द्र. । g) उप. = तमस्- । h) बहु. < दैर्घतम- । i) बहु. < दैर्घतमस- । f) दी॰ इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. श्राश्री. संस्कृतुः टि. च) । f0 = स्कृत्वामध्य- । f1 = साम-विशेष- । f2 सस्थ. अर्कः इति नेष्टम् । f3 सस्थ. अर्कम् इति नेष्टम् । f4 विष. । f7 विष. । बस. । f7 विष. (पा ६,३,६४) ।

३,६; ३२; ३३; निस् ; -कंम्"

निस ९,२:३०;५:३१.

दीर्घ-नीध°- -धे ऋप्रा ५,४८ . दीर्घ-पर- -राः ऋप्रा २,३०. दीर्घ-प(र्वन् >)र्बाb- -र्वा: श्रप 28,2,3. दीर्घ-पा(य>)चा^c- -चे वौशु 84: 8. दीर्घ-पूर्व- -र्वः ऋप्रा २, २४; १३, २२: -वंम ऋपा १३,३३. दीर्घ-प्रतत-यज्- -ज्ञम् या ५, २. दीर्घ-प्रतिषेध- -धः पावा ६,१, १; 0,8,34; 6,8,46. दीर्घप्रतिषेघा(ध-ग्र)र्थ- -धम् पावा ६,1,9३२. दीर्घ-प्रयज्यु8- -ज्युम् या ५,२ ‡ ई. दीर्घ-प्रयुक्त- -केषु काश्री १७, २, दोर्घ-प्रसङ्ग- -ङ्गः पावा ३,१,६; ६, ४,१६; ७,२,८२; ४,८२. दीर्घ-प्रसद्मन्8- - द्मनि ऋपा १८, 344. दीर्घ-प्राणb- -णः त्रापश्रौ ६, 20.27. दीर्घ-प्लुत- -तयोः शीच १, ३८; पावा १, २, २७; -ती शुप्रा १,६३; पावा १,४,१. दीर्घप्लत-प्रतिषेध- -धः पावा 8,9,00. दीर्घप्लत-बचन- -ने पाप्रवार, ३ दीर्घ-सक्षd - -क्षम् बौश्रौ ७, १५: 6: C.8: 28; 92:35; -&TI: बौधौ २५, २२:४; -क्षेण बौधौ २१. २०: १३;२५,२०: २२. १दीर्घ-म(ध्य>)ध्याb- -ध्या शैशि १८३°.

दीर्घ-मात्र-प्लुत!- -ताः त्रप ४७, 3.8. दीर्घ-मु(ख>)खी - - + ० खि श्चापश्रौ १५,१९, ४: बीश्रौ ९, १८: १६; भाश्री ११,१९,१३; बौगृ ४, २, १०; -स्वी आपथौ १५,9९, ४h, माश्रो ११, १९, दीर्घ-रोग->दीर्घ-रोगिन्- -गिणि शंध २७०; -गी विध ४५,३१. दीर्घ-लघु- पाग २,२,३१1. दीर्घ-वंश- -शम् बौधौ १०, ४७: १६××; वैश्रौ १९,६: ५८; -शे आपश्रौ १७, १२, ७; बौश्रौ; -शेन बौधौ १२,१८: ९; -शेपु श्रापथ्रौ १८,५, १६; वैथ्रौ १७, 94:8. रीर्घवंश-प्रबद्ध- -दैः हिश्रौ 23,2,90. दीर्घ-वचन--नात् पावा८,२,१०६. दीर्घ-वत ऋपा १, ४; कौशि २०; नाशि २,३,७. दीर्घ-बात्स्य- -त्स्यः बौधौ २०, 90: 94; 28, 20: 20xx; दीर्घ-विधि - -धौ पावा १,१,७२. दीर्घ-बृ(द्>)द्धा1- -द्धा नाशि २, 8.3e. दीर्घ-वैर- -रम् वाध ६,२४. दीर्घ-ब्याधि- -धेः आश्रौ १०,१,६. दीर्घव्याधि-ग्रामकाम-प्रजाकाम-पश्काम - - मानाम् काश्री २२, 9,90. दीर्घव्याधि-प्रतिष्टाकामा(म-त्र्य) न्नाद्यकाम- -मानाम् काशी

22.2,90. र्थ- -र्थम् पावा ६,१,७७. दीर्घ-श्रवस् k-> दैर्घश्रवस् 1--सम् काथौ २२, ६,५; लाश्रौ ७,४,१; क्षस्. दीर्घ-श्रत्°-> †दीर्घश्रत्-तम-मः त्राधी ४,७, ४; शांधी ५, 90,32. दीर्घ-संशय- -यात् अप्रा ३,३,२१. दीर्घ-संश्रय - -यम् पावा १,२,९. दीर्घ-संहिल(ए>)ए1^m- - ऐ बौज् १0:8; २0:94. दीर्घ-सत्र°- -त्रम् बौधौ १४,१३: ३२ ‡; पाय २,२,१३; भाय २, २७: ७; बौध १,२,५५; -त्रेषु द्राध्रौ ५,२, २; लाध्रौ २,६, 9; निस् १,११: ७. दार्घसत्र- पा ७,३,१. - डीर्घसत्र-वत् पापवा ४. दोर्घ-संधि^b- -धिम् उस् ७, ८. दीर्घ-सं(ध्या>)ध्य^b-त्व- -स्वात् अप ४१, ४, ८. दीर्घ-सोम - -मे बौधौ ६, २८: ३७; वेश्री १४, ९:२; -मेषु बौध १.६,७. दीर्घ-हस्य-विवर्जित- -तम् याशि 2,39. दीर्घा(र्घ-त्र)क्षर- -राणि नाशि २, †१दीर्घाधियः अत्रा ९, २३; तैप्रा 3.4. दीर्घा(र्घ-त्र)न्त- -न्तम् वैश ३, १९:४: यप्रा ३, ३, २१;

a) बैप १ इ. । b) विप. । बस. । c) कस. । d) = [दीर्घशब्द-बत्-] भक्ष-मन्त्र- [तै ३, २,५, १] । e) सपा. १दीर्घमध्या <>दीर्घबृद्धा इति पाम. । f) बस. > इस. । g) विप. > नाप. (सालावृक्षी-) । बस. । h) = टिश्थिम- इति रहदत्तः । i) तु. पागम. । j) विप. (श्रियायन्तदीर्घाभ्यां बृद्धा-] पिपीलिका- 1 = विवृत्ति-]) । 1 = कर्माप-विशेष- । 1 = साम-विशेष- । 1 = साम-विशेष- । 1 विप. (इप्टका-) । कस. ।

-न्ताः श्रप्रा २,३,६. दीर्घा(र्घ-श्र)प्रसङ्ग- -ङ्गः पात्रा १,१, ४८.

दोर्घा(र्घ-अ)भिनिष्टाना(न-म्र)न्त^b—
-न्तम् वैग् ६४: ५१°; म्राप्तिग्
२, १, ५: २९; म्राप्तग्
२, १, ५: २९; मागृ १५, ९;
वौगृ २,१,२६१°: भागृ १,२६:
७; वागृ ३,१; हिगृ २,४,१०१°;
गोगृ २,८,१४१°.

दीर्घा(र्घ-आ)यु 0 -> ्यु-त्व--त्वम् शांश्रौ १४,१२,२ 3 ;११; आमिए; -+त्वस्य श्रापश्रौ ४,१५,१; भाश्रौ ४,२१,१; हिश्रौ ६,४,१८; -+त्ताय श्राश्रौ ६,१२,२; काश्रौ ५,२,१४ 6 ; श्रापश्रौ ५,११,५५,५,५८; व्राश्रौ ५,११,५१; कौग्र १,२१,८ 6 ; शंग्र १,२८,९ 6 ; वाग्र २,२८,९ 6 ; वाग्र २,२८,९ 6 ; वाग्र २,१,५ 6 ; हिग्र १,९,१ 2 ; कौस् ४२,२३ 8 ; श्रवां १९,४ 8 ; श्रव्य २,४ 8 ; श्रवं २:१९ 8 . दीर्घायुत्वा(त्व-श्रा)दि-

-दीनाम् शौच ४,१००. दीर्घायुत्वाय^b>॰या(य-त्रा) दि- -दिषु श्रप्रा २,४,८; शौच २,५९.

दोर्घायु-पत्नी - न्त्री वागृ १४,३. १दीर्घा(र्घ-आ)युस् - -यूंपि श्रश्र ६, ४८. रदीर्घा(र्घ-आ)युस् - पावा ५, ३, १४; - †युः आपमं १, ५, २¹;४; २,३,३१;७,१९; कीय १,२१, १२¹; शांप्य १, २८, १५¹; आमिय; माय १, ११, १९, १८; उर्धः निस् १०, ९:२१; अप १८,३,११. †दीर्घायुष्-द्व - प्ट्वाय जैय १, ११:१९°; १८:८; १०;१२. दीर्घा(र्घ-आ) रम्भ - म्भात् पावा १,२,९.

दीर्घा(र्घ-ख्र)हन् k - (>दीर्घाहा-, $^{\circ}$ द्वी- पा.) पाग ४, १,४५ k . दीर्घी $\sqrt{\frac{1}{2}}$ >दीर्घी-भाव- -वः माशि १०,६.

दोवों(र्घ-उ)त्पल - न्हे कौस् ३५,२६ दोवों(र्घ-उ)प(धा>)ध k - -धः ऋप्रा ४, ७४; अप्रा ३,३, ४ i ; -धस्य अप्रा २,४,९.

दीर्ण- $\sqrt{\epsilon}$, दृ (विदारणे) द्र. दीिबतृ-, दीव्यत्-, दीव्यति- $\sqrt{\epsilon}$ त् द्र.

श्वीष्व^m काश्रौ २६,५,४ \dagger . दीस्तⁿ-(>दीस्य-पा.)पाग ५,१,२. √दु पाधा. भ्वा. पर. गतौ.

√दु,तू^० पाधा. स्वा. पर. उपतापे. दाव^d— पा ३,१,१४२;—वात् वौश्रौ १८,१२:१३; —वान् कौस् ४६, ५४†; —वे कौस् २९,१९; ३०, ७: —वेन अप्राय २ ७; ५,४. दावा(व-श्र)क्षि - - क्षिना वैष्ट ५, ९: १४; ७,३: ११; ४: १४; कप्र २, ९,१५; - क्षिम् पाय ३, ७,३.

दावाग्नि-काष्ठ-संस्पर्श- -र्शे श्रप २३, १२,२.

दून- पाउभोष्ट २, २, १८४; पावा ८,२,४४.

दुक्ल^p- पाउभो २,३,११२; -लस्य वैग्र २,२ : ३.

दुः (< स्)-कृत्- > °कृत्-सुकृत्-विविध^त- -धा श्रशां ११, ८.

√दुःख् पाधा. चुरा. ३भ. दुःखिकया-याम् .

१ दु:ख^d — पाग ३, १,१३¹; १८; २०; ५,२,३६; १३१; ६, २, १७०; फि ६; —स्वम् सु १९,३;३०,१; भागः —स्वस्य श्रप ४८, ६५; —स्वात् बृदे ७, ८८; १५२; पा ५,४,६४; —स्वानि श्रप ६८,१,१८; शंघ ३७५; विघ ४३,४५; —स्वाय श्रप ५४, २,२; — स्बोरं वौश्रो १७, ४३:४; श्रापमं २,२१,९९; श्राप्तिग्र १,४,१:१७,६ए १,१२,२.

२दुःख s - -खाः नैगृ ४,१४: १६. दुःख-जा $(\pi >)$ ता k - पाग २, २, ३ s

दुःख-दर्श(-)ना t - -नाः श्र q ५८ 2 ,२,२.

दुःख-भागिन्- -गिनः श्रप ६८,१,

a) द्वस. > मत्वर्थीयः अच् प्र.। °ष्ठा° इति पाठः ? b) द्वस. > वस. । c) °ष्ठान्तम् इति पाठः ? यिन. त्रोधः (तु. पृ २९७ h) । d) वैप १ द्व.। e) पाम. वैप १,१६३९ j द्व.। f) पामे. वैप १,१६३९ l द्व.। g) वैप १,१६३९ k द्व.। h) < दीर्घायुख्वाय (शौ१,२२,२)। i) पामे. वैप १,१६३९ p द्व.। j) पामे. वैप १,१६३९ h द्व.। k) विप.। वस.। l) तु. पागम.। m) व्यु. पामे. च वैप १,१६३९ r,८ द्व.। n) = श्लेष-। तु. पागम.। व्यु. ?। o) या ६,४ परामृष्टः द्व.। p) नाप.। व्यु. ?। q) विप. (।तिद्वज्ञ-। यम-२वन-)। द्वस. > तृस.। वा. प्र२। पूप. कर्तिर प्र.। r) सपा. पागृ ३,१४,१२;१३ दुर्गे इति पामे. तमेव Böh।(ZDMG५२,८३) समर्थुकः द्व.। s) = दुःख-प्रद-। s0 विप.। उस.।

३९; ४९; न्मी वाघ ६,६. दुःख-शोक-परीता(त--श्रा)श्मन्-श्मा बृदे ६,३३.

दुःल-शोक-भय-प्र (द>)दा--दा श्राज्यो १३,८.

दु:खा√कृ पा ५,४,६४.

दु:खा(ख-म्र)न्वित- -तानाम् विध १९,२४.

दुखा(ख-श्र)पेक्षा- -क्षया विध ९६, ४१.

√दुःखाय पा ३,१,१८.

दु:खा(ख-त्र्यार्त>)र्ता- -र्ताः त्रप ६४,२,३.

दु:खित- पा ५,२,३६; -तः विध ३,९८; बृदे ६,२८; ३४; -ताः श्रव ५३,२,४.

दुःखिन्- पा ५,२,१३१. √दुःख्य पा ३,१,२७.

दुग्ध-, दुग्ध्वा √दुघ् द्र.

√*दुघ्, दुह् पाघा. भ्वा. पर. श्रर्दने; श्रदा. उभ. प्रपूरिणे॰, दोहत् या ११,४३ † ॐ; †दोहताम् श्रापश्री २, २०, ५²; बीश्री; †दोहै श्रापश्री ४, ७, २; हिश्री ६, २, १७; माशि २८.

तुग्धे अप १०, १, २० ; या १,२०; † तुहे आश्री२,१०,२१; बौश्री; भाश्री ४,१०,२१ ; काय ४१, १८; दोग्धि काश्री २६, ५,५; आपश्री १, १२,१६××; काश्रीसं; या ११, ४३; दुहाते आपश्री २१, २०, ७ ; दुहते कीस् ९३, १९; ११२, १ ;

त्रप १, ४८, ७; दुहे° यो ६, ३२ ई; दुहन्ति श्राश्री ४,७,४;५, १२,१५; शांश्रो ;†दुहाम् त्रापश्रो १६,३४,४; बौश्रौ; या ११,४५; दुइन्तु सु ९,४; †धुक्व शांश्री२, ८,४××; काश्रौ ३, ४,१०^६‡व; पागृ ३, ३, ५^e; या १०, १६; †दुग्धि श्रापश्रौ १, १३, १०; बौश्री: धुङ्ध्वम् आश्री ६, १२, ४ +; +दहत' वेश्री १४, २०:६; १७,८ : ९; दुहत हिश्री ७, ८, ६८ 🔭 ; 🕇 दुहाम वैश्री १८, २१: ३४; दुहीत श्रापथ्रौ ९,५,५‡; १०, १६,८××; भाश्री; दुद्धात् श्रापश्रौ १,१२,१५^९×; काश्रौसं; दुद्धः आपश्रो ११,४,१०.

अदुहत् तैप्रा ९, २२†; दुहेत् काश्रौसं ३६: ६.

†हुदुहे श्रापमं २, २०, ३५; श्राप्तिग्रः, या ११, २८; हुदुहु याशि २,६०; हुदुहुः हिश्रौ ९, ५, ३६‡; †धुक्षीमहिं वौश्रौ ३, १९:८; १४, ९:३०; जेश्रौ ११:१६; वैताश्रौ १७,८; हुक्षत्मे ऋपा ४,९८‡; †अधुक्षत् आश्रौ ४,०,४; ५,१२,१५; शांश्रौ ५, १०,९; या १०, ३२; अधुक्षन् वैताश्रौ २४, १‡; दुच्चन् न्त्राध्रौ ४,९८‡; ‡अधुक्षः काश्रौ ४,२,२४; श्राप्तशौ; धुक्षि ऋपा ११,८; उस् ६,६.

†दुद्धते आश्री ४,७,४^{२k}; शांश्री ५,१०,८; †दुद्धन्ते आश्री ४, ७,४; शांश्री ५, १०, ८; दुद्धेत भाश्री ९,८,७; ११,१८,७. दोहयित काश्री ४,२, २२××; श्रापश्री; दोहयतः श्रापश्री ८, ५,३०; वौश्री; दोहयत बौश्री ६,१०:११××; दोहयेत् शांश्री २,८,३; काश्री; दोहयरन् लाश्री १०,१५,७;१६,१०. अद्दुदुहत् विध ५५,११.

†दुदुक्षन् ऋपा ४, ९८; दुधु-क्षन् 1 शुप्रा ३,५५.

दुग्ध,ग्धाण्ण- -ग्धम् आश्रौ ३, ११, ५; काश्रौ; -ग्धस्य आश्रौ ४, ७, ४‡; आश्रौ ५, १०, १०‡; आपश्रौ ८,९४,१४; हिषि १५: १६; -ग्धानाम् अप ६७,२,२; -ग्धाभिः बौश्रौ २७,१३:२; लाश्रौ७,९,८;१०; या ५,३‡ई; -ग्धाम्याम् आश्रौ ४,०,४‡; बौश्रौ २७,१३:२; -ग्धाम् बौश्रौ १,३:४; -ग्धाम् स्थ्री ४,०,४†; बौश्रौ २७,१३:२; -ग्धाम् बौश्रौ १,३:२५; भाश्रौ; -ग्धे आपश्रौ८,९,८;१५,१०‡;बौश्रौ; पावा ४,२,३६; -ग्धेन आश्रौ. दुग्ध-प(द्)द्रोण- -दीम् सु

†दुग्ब-मृत्™- •मृत् श्रापश्रौ ५, ८, ७; माऔ १, ५,३,११; हिथौ ३, ३,३.

दुग्धा(ग्ध-त्र)क्त- -क्तान् श्रप ३६,२३,१.

दुग्धा(ग्ध-म्र)न्न -सस्य म्रप ४५,२,१७.

a) या ३,४ परामृष्टः द्र. । b) दोहम् इति पाठः? यनि. शोधः (तु. काठ ३७, १४) । c) प्रपु३ (पा ७,१,८) । d) पाभे. वेप१ पिन्वस्व काठ ५,२ ि. द्र. । e) पाभे. वेप १,१६४० ि द्र. । f) परस्परं पाभे. । मपु३ स्डागमः । हिश्री । g) पाभे. वेप१, १६४२ ि द्र. । g) धुक्षत इति पपा. । g) धुक्षत इति पपा. । g) धुक्षत इति पपा. । g) धुक्षत् इति पपा. । g) धुक्षत् इति पपा. । g) संहितायां धकारस्य दकारः स्मारितः । g) वेप१ द्र. । g) विप. । वस. ।

दुग्धास-पान— -नम् श्रप १, ४८, १. दुग्धा(ग्ध-श्रा)शिन्— -शिनः वैध १,८,१. दुग्ध्वा श्राश्री ३,११,३; काश्री. दुग्रुक्षु°— -श्चः वैग्र ५,४:२४?^b; दुह्°— -हेन माश्री ६,२,४,२. दुहत्— -हेन साश्री ६,२,४,२. दुहत्— -हन् श्रप ६८,२,३; विध ५,१३९; -हन्तः या २,५†; —हन्ता या ६,२६†∳. दुहां√कृ, दुहांचिकिरे बौश्री १८, २९:१५.

*चृंदुहान,ना^d — -नः कौग्र ५, ७, २; उनिस् ७: १५; —ना आश्रौ ८, १०, १; काश्रौ; या ११, २९; —नाः आपश्रौ १, २, ८××; बौश्रौ; —नास् बौश्रौ १,१७:२४; श्राप्रिय १,७,३: ३७; ३, ११,

-१हुझ- पावा ३,१,१०९.

-दुझमान,ना- -नम् काश्रौ २५, २,

५; श्रापश्रौ २,५, ६; ८; बौश्रौ;

-ना श्राश्रौ३,११,१;७; श्रापश्रौ;

-नाम् श्रापश्रौ १,१२,१७°;

६,४,४; भाश्रौ; -नायाम् शांश्रौ

५,१०,८; -ने श्राश्रौ ५,१२,
१८; भाश्रौ १,१३,४; जैश्रौ

२३,११; जैश्रौका ५७.

दोग्धुम् जैश्रौका ५६. १द्दोग्ध->व्यधी- --- श्री बृदे ३, ५०; ७९ † --- स्त्रीणाम् अप ७२, ४, ७; --ग्धीम् शांशौ ८,

२द्रोग्ध^b— -ग्बा आपथ्री १, १२, १४; वैथ्री ३,७:८;१२;हिथ्री १, ३,३७; -ग्बारम् वाश्री १,२,२, २१; वैथ्री ३, ७:१२;२०, ५:१.

दोन्ध्र'- न्छम् वैश्री १३, ४:५; -म्बे श्रापृश्री १५, ३, १०××; भाश्री.

दोग्धि(य >)या - -ये माश्री ४, १, २०.

दोह*- पाग्र ५,१,६४;२,३६; - †हः शांश्री ४,२१,३^२; १३,१२,१३; द्वाश्री; - †हम् भाश्री ५,१३,६; शांश्री; - हयोः भाश्री १,१५,४; माश्री १,३,५,९५; वाश्री १,३,४,३२; मीस् ३,६,२८; - हस्य भाश्री ९,२,७; - हाः पाग्र ३,३,५; - हान् ह्वा हिश्री २,६,५२; - हान् झा ६८,५,२०; - हा स्याम् आपश्री २,२०,३; - हे आपश्री १७,१२,१३; हिश्री १२,३, शांश्री ५, १०, ८; -ही आपश्री २,११,८; ९,१,३१; माश्री. दीडिक- पा ५,१,६४.

†तेह-का(म>)मा— नाः आपश्री ४, १२, ५; बौश्री ३, १९ : ७; माश्री ४,१८,३; बैश्री ७,६ : १२; हिश्री ६,३,१३. तोह-काल— न्लम् बौग्र २,९,१; —ले आपश्री १५,१८,१. †तोह-पिवत्र¹— न्त्रे आपश्री १,१९,०; बैश्री ३,६ : ८; हिश्री १,३,१३. तोह-प्रमृति— नित काश्री ४,१४,३१. तोह-स्थान— ने काश्री २५,६,

दाह-स्थान - न काश्रा २५,६, २; हिश्रौ १५,१,२५. दो(ϵ)हा-दोह m ->दोहादो-हीय m - -यम् जैश्रौ २३:११.

दोहादोहीय-सामन् - म जैध्रौका ५७. दोहा(ह-श्र)पनय- -यः मीस् ९, ४,३९.

दोहित- पा ५, २,३६.
दोहन"- - नम् काश्री ४, ४,७; ८,
९,२५; २५, १, १५; स्रापश्री;
- ने आपश्री १, १३,१०; बौश्री;
- नेन काश्री १८,४,२; आपश्री.
दोहनी!- - नो वैश्री ११,८:
५; श्रप ९,२,२; -न्याम् कौस्
२५,१७.
दोहन-कल्प- -ल्पेन भाश्री ६,

a) विष. । उ: प्र. (पा ३,२,१६८) । b) दि॰ इति पाठः १ यिन. शोधः (तु. С.) । c) नात. घलधें कः प्र. । d) वैष १ निर्देशनां समावेशः द्र । e) पामे. वैष १, १६४३ e द्र. । f) दोग्ध॰ इति पाठः १ यिन. शोधः (तु. संस्कृतः टि.) । g) षस. > इस. > सस. । h) नाप. । कृति तृ प्र. । i) = दोहन-पात्र- । श्रिधिकरणे कृत् । j) विष. (उस्ता-) । स्वार्धीयः ध > ईषः प्र. उसं. (पा ४, ४,९४९) । k) वैष १ द्र. । i) वेष २, ३सं. द्र. । i0 = साम-विशेष- । i1 माप. नाप. । मावाऽधिकरण्योः प्र. ।

दोहन-काल - - ले भाश्री ११, १८,४.
दोहन-पवित्र - - त्रस्य बौश्री
२०,३:३३; ४:११;१२:१;
- त्रे द्राश्री १२,३,५; लाश्री ४, ११,७.
दोहन-प्रभृति - - ति अप्राय ४,३.
दोहन-संक्षालन - - नम् श्रापश्री
६,६,७; माश्री १,१,३,३२;

दोहना(न-आ)दि- -दि आश्रौ ३,११,१०.

†दोहमा(न>)ना - नाम श्रापमं २,२०,३३; श्रामिग्र ३,२,६:१; भाग्र २,१७:२; हिग्र २,१५,९. दोहयित्वा श्रापश्री १, १३,१०^२××; बौश्री; श्रप्राय १,३;४,३^२.

दोहिन्- पा ३,२,१४२.

दोह्य,ह्या- पा ६, १, २१४; पावा ३,१,५०९; - †ह्या श्रापश्री ५, ८,७; भाश्री ९,८,४\$; माश्री १, ५,३,११; वैश्री १,८: २; हिश्री ३,३,३; - ह्यान् या १,२०.

दोह्यमान,ना- -नाम् बौश्रौ १,३ : १८; -नासु बौश्रौ २०,१ :४१; -ने बौश्रौ ३,२४ : ४.

धोक्ष्यमा(ण>)णा- -णा कौस् ६२, २९‡.

†दुच्छु(न>)ना^b- -ना श्रप्रा ३, ४, १; शौच २, ६१; -नायै मागृ २,१६,३.

√दुच्छुनाय, †दुच्छुनायते आश्री

३,१२,१८; श्रापश्री ३,११,२; भाश्री ३,१०,२; माश्री २,५,४, ९; हिश्री २,६,११; वैताश्री २३,१२; ऋप्रा ९,१६.

१ंदुणाशि° जैगृ १, ८: १५^d. √°दुघ् ^b, †दोधित ऋप ४८, १८; निघ २, १२.

दुध्रb- - • ध्र बीश्री १०,३९:१० ‡;

दुधुभु- √दुह् द्र.

दुन्दुभ°- -भाः चव्यू २ : ७. दुन्दुभि - पाउना ५, ८६: -भयः

श्रव७१,१५,८; - ‡भि: श्रापधौ १६, २६, १; बौश्रौ; या ९, १२कुं; २१; श्रप्रा ३, ४, ९; -भिना बौधी १६, ३: २०; -भिम् आश्री ८,३,१९; शांश्री; -भीन शांश्रौ १५, ३, १४××; काश्री; लाश्री ४,२,२१ ; ३,१९; -भीनाम् बौश्रौ ११, १२: ५; २२,१३ : २०; श्रामिष्ट ३,१०, ४:६; ब्राप ७१,१३,२; - +० भे द्राश्री १०,३,४३; लाश्री ३,११, ३ ; कागृ १७, २; वागृ १३,४; या ९,१३; याशि २, ६४; -भेः बृदे ५, ११२; - मे बौथी २, ५: १९; द्राश्री ११, २, ३; लाश्री ४,२,२.

दुन्दुभि-देवता- > ९४४- - स्यम् श्रश्र ६,१२६.

दुन्दुभि-नाद- -दम् श्रप १९^२, ५, १.

दुन्दुभि-वत् श्रप ७०१,२,५.

दुन्दुभि-वाहन-- -नम् वाध्र्श्रौ ३,. ७६: १०.

दुन्दुभि-विमोचन->॰नीय,या--यम् $^{\mathrm{h}}$ श्रापश्रौ १८, ५,२; वैश्रौ
१७,१४ : २; -याम् हिश्रौ १३,
१,५९ $^{\mathrm{h}}$.

दुन्दुभि-शब्द - न्ब्दः त्रापश्री २४, १,३६; हिश्री १,१,१४; -ब्देन काश्री १२, ३,८¹; त्रापश्री २१, ६,१४; हिश्री १६,३,१५.

दुन्दुभि-षेचन- दुन्दुभि-षेवण- टि. द्र.

दुन्दुभि-घेवण- पा, पाग ८, ३, ९८¹.

दुन्दुभि-स्त्रन^k- -नः श्रप **७०**³, २, १.

√दुन्दुभ्य या ९,१२. दुन्दुभ्य(भि-श्र)धिक¹- -कः वैश्रौ १७,११: ९.

दुर्^m या १,३; ऋप्रा ५,५५;१२,२०; १५,१७; ग्रुप्रा ६,२४; ऋत ३, ८, ४; पा, पाग १,४,५८; दुरः पावा ६,३,१०८; ८,४, १६ⁿ.

†दुर्^b- पाउमो २, १, ३०३; दुरः श्राश्रौ २,१६,९;३,३,९; शांशौ. दुर:-प्रभृति^{k,0}- -तय: श्रापश्रौ ८, २, १५; -तीन् श्रापश्रौ ७,१४, ९; वैश्रौ.

†दुर्य^b - -र्याः श्रापश्रौ १, १८, ४; बौश्रौ; -र्यान् बौश्रौ ६, १७: १२^१^२; २५: ३; माश्रौ.

दुर्-अग्नि⁹- -ग्निना कप्र २,९,१४.

a)= दोह-पिन्न-। b) तैप १ द्र.। c)= बालप्रहिविशेष-। d) सपा. पाग्र १,१६,२३ द्रोणासः इति पासे.। e)= मैत्रायणीय-भेद-। ब्यु. ?। f) प्रोक्तार्थस्य प्र. बहुत्वे लुक्। g) °भि दित पाठः ? यिन. शोधः। h) परस्परं पासे.। i) औपवाजनकैः इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. चौसं. विद्याधरक्ष)। j) °षेवन— इति पाका.?। °चन— इति पिक्षे] BPG.। k) विप.। बस.। l) विप.। m) प्राव्य.। n) तु. पासि.। e0) पूप. = प्रैष-प्रतीक-इति माध्यम्। e1) तु॰ इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. सप्र. तै १,२, १०,२)। e2) प्रास.।

-मम् विध ८५,१७. शृद्रद्(भ्न>)¥ना^b- भना श्रप्रा ३,

8,94.

दुर्-अद्मन् $^{\circ}$ -> $^{\circ}$ (न्य->)न्या 0 -- ‡ न्याम् ध्यापश्रौ ६, २०,२; वाथ्री १,५,४,२०; हिश्री ६,६,

†दुर्-अद्म(नि>)नीb- -न्याः वाश्रौ १,३, ७, १२; -न्यें बौश्रो १, २0: २५.

दुर्-अधीतb--ते बौधौ २८,११: १. दुर्-अनु-कर"- -ाणि या ५,२५. दुर्-अनु-(ग>)गा^६- -गा वीध १,

दुर्-अनूचान- -नः वाधूश्रौ ४,९० :

दुर्-अय"- -यम् या ३,१९. दुर्-अव°- -वाः या ४, ५. दुर्-अवगत- -तम् वीधौ १८, १२ :

दुर्-अश्य - -शः वीश्रौ १८,३८ : ८३; -क्षेन बौधौ १८, ३७: १.

√दुरस्य^b>दुरस्यु- - ‡स्युः आपश्रौ ६,२१, १; ११, ११, ९; हिश्रौ १,६,७४; ७,६, १२; पा ७,४, ३६; - †स्यून् श्राप्तिगृ १, १, २:२४; ५, ३:१७; कागृ २५, २८१ ; भाग १, ८: १२; १६: ९; हिए १, ४, १; १९,८.

दुर्-अति-क्रम°- -मः विध २०,२७; | दुर्-आगत- -ते बौश्रौ २८,११ : १. दुर्-आचार*- -रः वाध ६,६. दुर्-आढ्यं-कर-ं, 'भव¹- पा ३,३,

> दुर्-आत्मन् k- -त्मनाम् वाध २०, ३; -स्मानम् या १४,२९.

दूर्-आत्म-क^k- -कम् सु ५,४. दुर्-आ-धर्व,पी -- +पम् श्रापश्री ६, १७,१०; भाश्री ६,४, ४; हिश्री ६,६,१६; -र्षाः माशि १५, ७; -पीत् या १४, २५; - चर्षाम् त्राप्तिगृ २,६,१ : २९; मागृ २, 93, 4.

दुर्-आप"- -पम् विध ९५,१७. †दुर्-आ-पूर°- -रः शांश्री ४,२०,१. †दुर्-आर्द्धि - -द्यें वाथी १,३,

दौरा(दर्घ>)द्धीं"- -द्वें श्रापश्रौ ३,११,२; बौध्रौ १,२१: १३; भाश्रौ ३,१०,२; हिश्रौ २,६,१; कौगृ १,५, २९; आमिगृ १, ५, 3:95%

दुर्-आदा⁰- -शम् शांश्रौ १४, ३२,

दुर्-आ-हर³- -रः मु११, २. †दुर्-आहाb- -हा कौस् १६, १९; श्रश्रा ३,४,१.

?दुर्-इतं - तम् माधौर,८,४,४० °+; हिश्री; निघ ४,३ ई; या ६,१२; वाधौ १,५,५, ७; - कता बौश्रौ ६, ५ : ६; २७, ६ : १४; २८, १० : ८; भाग १,६,७; हिंग १, ४,४8; या७,२०क; १४ ३३**क्**; -†तात् द्राश्री ४, २, २º; लाश्री २, २, ११^प; श्रापमं; -तानाम् वाध २७,२०; - †तानि श्रापश्री ६, २३, १ ××; वाश्रौ; मागृ २, १७,9°; या ६, १२**०**; ७, २०; १४, ३३; -तेभ्यः गौध 9. 09.

दुरिता(त-अ)पमृष्टि- -ष्टिम् अश्र U. E4.

दुर्-इति - - तिम् श्रावश्रीप, २, १ . द्रिप्र- -प्रम्ण वीश्री २,५: १८. दुर्-इष्ट्^b- -ष्टम् त्रापश्रौ ७,२८,४^२; बोधौ १९, ४: ३६××; वैधौ; -ष्टस्य माश्री३,५,७+; -+ष्टात्

ग्रापथ्रौ ४, १०, २; बौश्रौ; -ष्टानाम् वाध २७,२०; -ष्टेभ्यः वाधौ १,३,७,२० .

दुरिष्ट शमन-क्षम- -मान् अप ७०, 9,8.

†द्र-इप्टि^b- - टे: आश्री ३, ६, २७; -ष्ट्याः वाश्रौ १, ३, ७, १२; -एवै आपश्री ३, ११, २^५; बौश्री १, २०: २५×; २१ १२; भाश्री ३,१०,२; वाश्री १, ३,७,२०? हिथी.

- † तस्य माश्री १, ६, ४, २१; † दुर्-उक्त b- - कम् कीय २, १,२९ ई;

a) गस. उप. खल् प्र. । b) वेप १ द्र. । c)= दुर्-अञ्चनी – । d) स्वार्थे यत् प्र.। e) सपा. वागृ पं,१३ १ दुर्थमन्याम् इति पामे. । f) पामे. वैप १,१६४६ j इ. । g) गस. उप. $<\!\!\sqrt$ गम् । h) = कतु-विशेष- । गस.उप. \sqrt अञ्चित्रासी] + खळ् प्र.। i) पासे. वैप १,१६४६ \mathbf{q} द्र.। j) °वस्यवः इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. शौ १०,३,१ श्रामिग्र. प्रमृ. च)। k) विप.। यस.। l) विप.। उस.। m) वैप २,३ खं. इ.। n) परस्परं पामे.। o) ॰६ ये इति पाठः $\mathop{!}$ यनि. शोधः। p) उप. खलधें बज़् उसं. (पा ३,३,१२६)। शेषं f h टि. इ.। m q) वैष १ निर्दिष्टयोः समावेशः इ.। m r) पामे. वैष १,१६४७ m o इ. । s) पासे. वेप २,३खं. दुरुक्तात् मंत्रा १,६,२७ टि. द्र.। t) पासे. वेप १,१६४७ r द्र.। u) पासे. वेप १,१६४८ e द्र.। v) पासे. वैप १,१६४८ b इ. । w) दुर्-रि॰ इत्येवं सतो रेफलोपे दीर्घाऽभावः उसं. (पा ६,३,१११) । x) पासे. वैप १, १६४८ m इ.। y) पामे. वैप १ स्विष्ट्ये काठ ५,४ टि. इ.। ट) द॰ इति पाठः ? यनि. शोधः।

वागृर, २, ८°; अप ४०, ६, १ २ ६; —क्तात् आपमं २, २, ९°; शांगृ २, २, ९°; कागृ ४१, १९°; मागृ; या ३, १६\$; —क्ताय या ३, १६₲; —के बीगृ ३, ५,

दुरुक्त-बचन- -नम् काग् ३, १६; मागृ १,२,१९; वागृ ९,१९.

†दुर्-उदित^b- -तम् बौग् ४,२,११; श्रापमं १,१३,५; भाग् २,३१ : ११.

हुर्-उपचार°- -राः बौश्रौ १८, ४४:

†दुर्-उपयुक्त- -कात् शांग्र ६,६, १६.

हुर्-ऋद्धि^d - -िद्धः वौध्रौ २,५ : ९. †दुर्-एच° - -वैः श्रशय ६,९.

दुरोण°- पाउभोद्द २, २, १८४; -†जम् श्रप्राय ६,९; श्रप ४८, ८९; -†जे श्राप्री ५, ९, २६;

२९; - | भ आशा ५, ६, १२१; या शांधी; त्रापमं १, ६, १२^१; या ८,५∳; ८,५∳.

8, 19; 2, 19; दुरोण-सद् - सत् या १४,३१ ई. १ दुर्-ग, गा° - पावा ३,२,४८; - गम् आपमं १,६,१० कः स्वारः, - गाः शंघ १०५; बीध ४,३,७; विध ५६,९; बेद २,७७; - कः माणि बीधी २८,१०:७; अप १,५०,८६; या ७,२०५; १४,३३५; तैप्रा ७,१०; - गांम बीधी २८,१०:५; वैधी २०,२०:१; आप्रिय ३,९,२:८; - गां पाय ३,१४,३६; १३६;

बुदे ६,१३७.

दुर्गा(र्ग-न्ना)पत्ति - -तौ अप्राय ३,९.
दुर्गा-पूजन - नम् अप १८³,२,४.
दुर्गा-मनस्वती-महाज्याहृति - तीः
वौग्र ४,८,१; वौषि २,६,१२.
दुर्गा(र्ग-आ)सारा(र-स्र)मात्य-देशदण्डा(एड-आ)क्रन्दा(न्द-२आ)
छ-गुण-विधि—ज्ञष्- -ज्ञः
शंघ २५३.

२दुर्ग¹-(>दौर्गायण- पा.) पाग ४, १,९९.

दुर्-गति- -तिम् कौशि ६३. दुर्गति-गमन-- -नानि या ६,१२. दुर्-गन्ध⁴-- -न्धे कौस् १४१, ३९; श्रप ७०,६,१.

दुर्गन्ध-र(स>)सा- -साभिः बौध १,५,१४.

दुर्गन्धिन् - न्धी शंध ३७८. दुर्-गन्धि - - न्धि विध ९६,४६.

दुर्-गम- -मानि या ७, २०; १४, ३३¹. दुर्गमा(म-स्र)ध्वान-गमन- -नम्

श्चंप ६८,५,१९^६. दुर्-गह°- -हा श्राश्चौ २,१३,८†. दुर्-गृभि°- > √दुर्गृभीय,दुर्गृ-

भीयसे ऋषा ८,१०**†.** दुर्-गोप^e– -पाः वाधूश्रौ ४,६१ ः ३; ८६^रः ५.

दुर्-जन^d->°न-वर्जि(त>)ता--ताम् बौध ३,३,२२.

दुर्-जीवित->दौर्जीवित्य^e- -त्यम् श्रप ३२,१,८‡. दुर्-क्षेय- -याः शंध ५.

चुर्र्णा(<ना)मन्°- -मा मागृ २,

१८, २^३; या ६, १२**४**; — न्नः शौच ३,८४.

दुर्-णा(<ना)रा¹- -∳शः, -शस्य बौश्रौ १८, ३८: १६; -शेन बौश्रौ १८,३८: ९.

दुर्णाश-स्व- -स्वम् बौश्रौ १८, ३८:

दुर्-दर्श- -शम् श्रापध १, २२, ८;. हिंध १,६,८.

दुर्-दर्शन- पावा ३,३,१३०. १डर-दिन - नम् कीस् ३८,१

१दुर्-दिन d - -नम् कौस् ३८,१. \sqrt{g} र्दिनाय पाता ३,१,१७.

२दुर्दिन[।]- -नः बौश्रीप्र ६: २. दुर्-हज्- -दशाम् अप ६८,४,४.

दुर्-धर्षण- पात्रा ३,३,१३०. दुर्-धाव- -वः या ४,१०.

दुर्-धी°- -धियः या ५,२३; १०, ५; -धियम् या ५,२.

दुर्-ध्यात- -तम् श्रप ४०,६,१२. दुर्नामन् m ->दुर्नाम-कण्ट-कम्बु-

-म्ब्नाम् श्रव ७०,४,७. दुर्-नि-यन्तु"- -न्तुः ऋप्राप,५२†. दुर्-वळ°- -लः काश्रौ २५, ७, १; पाग्र ३,१४,१२; कप्र ३, २,२; या ६, २८; -लम् श्राप्तिग्र ३,

१२, १: १३; कप्र ३, २, ३; शैशि १९३; नाशि २, ५, ३; -लस्य शैशि १९२; याशि २, २८; माशि ६, ३; नाशि २,५, ३; -लाः श्राप ६८,१,३९; ४४; विध ४५, ३३; -लाय

दौर्बेल्य- -ल्यात् नाशि १,४,७. दुर्बेल-हिंसा- -सायाम् गौध २१,

बौध २,३,५०.

दुर्बली 🗸 भू > दुर्बली-भवत्--वन्तम् कौस् ८०,३.

दुर्-ब्राह्मण°- -णस्य श्रापश्रौ ११, २, ८; भाश्री ११, १२, १८; वैश्री १३, १५: ५; हिश्रौ २४,

दुर्-भग,गाb- पाग ४,१, १२६; ६, ३,३४; -गः शंध ३७७; -गम् श्रप २६,३,१; -गा बौध्रौ २६, १: १३; कप्र२,९,८; श्रप ६९, ५, १; बृदे ७, ४२; -गात् अप ३५, २, ८; -गाम् कप्र २, ९, 90.

> दौर्भागिनेय- पा ४,१,१२६. १दीर्भाग्यb- - +ग्यम् मागृ १,१९, ४; २, १४, २६; ३१; -ग्यात् श्रप ३५,२,८. २दौर्भाग्य->ग्या^c- - प्या

श्राप्तिगृ २,७,६:९. दुर्-भिक्ष - -क्षम् अप ५०,३,१; ९, १××; -क्षे भाग ३, १४: २१ +: श्रप २३,११,२; ६९,४, 9; या ६,५^२; -क्षेण अप ५१, 9,4××.

दुर्भिक्ष-लक्षण- -णम् अप ७०१,८, ₹: ४.

र्दुर्-भूत^b- -तम् श्रापश्रौ २१, १९, ११; बौश्रौ १६,२२: ६; वाश्रौ ३, २, ५, ३९; हिथी १६, ६,

दुर्-भ्रातृ - (>दौर्भात्र- पा.) पाग

4,9,930. †१वुर्-मतिb- -तिम् आपमं १, ६, १२; कागृ २६,१२; बीगृ ४,२, १४; या १०,४२.

२दुर्-मतिº- -तिः अपं ३, १, ६¹; -तिभिः वाध ३०,१०:

†दुर्-मद् --दः माश्री ६,१,२,२६; वाश्री २,१,१, ५०; -दासः या 8.8.

१दुर्-मनस् ²-(>√दुर्मनाय पा.) पाग ३,१,१२.

२दूर्-मनस् 1- (> दौर्मनसायन-वा.) पाग ४,१,११०.

दुर्-मर्b-> /दुर्मराय > †दुर्म-रायु- -युः श्रापश्रौ ४, ७, २; भाश्रौ ४, १०, ३; हिश्रौ ६, २, १७; -युम् आपश्रौ ४, ६, ५; क्षेत्री. .

दुर्-मर्पb- - पेम् श्रापमं २,११,३१ . दुर्-मर्पण- पावा ३,३,१३०.

१दुर्-मित्र,त्रा⁰---†त्राः बौधौ २,५ : २९1; 8, v: २८1; ८, २0: १५1××; माश्री ४,४,२२1; वैथ्री १६,२५: १५1; द्राश्री ४, २,२1; आग्निगृ: -त्रासः या ६,६ नै. दुर्मित्रि(य>)याb- - †या:1 शांश्री

८,१२,११; काश्रौ १९,५, १५; लाश्री २,२,११; ५,४,६. †दुर्मि(त्र्य>)श्या¹- -त्र्याः¹ आश्रौ ३,५,२; द्राश्री १३,३,२२.

२दुर्-मित्र,त्रा'- पाग४,१,९६k; -त्रः

ऋत्र २,१०,१०५; बृदे ८,१७;

सात्र १,१९६; २२८. दौर्मित्रि- पा ४,१,९६. दुर्-मेधस् 8- पा ५,४, १२२; -धा कप्र १,३,२.

दर्य- दर- द. ?दुर्यमन्याम् ¹ वाग् ५,१३.

शुद्रुयाण्यः अपं २: ६. †दर्योण⁰- -ने ऋप्रा २,०५; उस्२, 94:90.

दुर्-योधन- पा, पाग ५, ३, १०० ; पावा ३,३,१३०.

दुर्-लभ°- पा ७,१, ६८; -भम् अप २२,१०,२;४१,४,६.

दुर्-लाभ- पा ७,१,६८.

√दुर्व पाधा. भ्वा. पर. हिंसायाम्.

दर्-वराहै(ह-ए)डक^p- -कः आपश्री 9,90,94.

दुर्-वर्तु ै- -र्तुः या ४, १० 📫.

दुर्-वारb- -रः या ४,१७.

दर्-वाल⁰- -लात् गौध १७,१६;२१,

दुर्वाला(ल-या) दि- -दीन् गौध १५,

दुर्-वासस् '- -ससम् जैगृ १,१४८. दुर्-वि-चिन्तित- -तम् श्रप ४०,६, १२; शंध.

दुर्-वि-क्षेय- -यानि श्रापृ १,५,४. †दुर्-चि-चक्त् - क्तुः श्रापध १, ३२,२४; हिध १, ८,६५.

दुर्-वृत्त - - तम् वाध ६,४४. ?दुर्-ह(ग्<math>>)णा $^{b}->\sqrt{दुईणाय}>$ °णायत् - -यतः ऋपा ८, २७ + .

d) व्युद्धवर्थेऽभावार्थे वा श्रस. उप. b) वैप १ द्र. । c) = दौर्भाग्ययुक्ता-स्त्री-।e) विप. > नाप. । यस. । $f) = \pi s$ िष-विशेष-। g) विष.। बस.। h) व्यप.। बस.। i) पामे. वैष १,१६५२ i द्र.। j) विष.। स्त्रार्थे यत् k)=नारी-विशेष-। l) पाठः l पाभे. पृ १२९१ d द्र.। m) वैप l, प्र. उसं. (वा ४,४, ११०)। गस. उप. खलन्तम्। p) प्रास. > मलो. कस. । $n) = \bar{\epsilon}$ यप.। तु. पागम.। १६५२ ० इ. । q)= खलाति-। वस. उप. = मूर्धज-। r)= श्राचार्य-विशेष-। वस.। s) पाभे. वैप १,१६५३ e द्र.।

†बुर्-ह(णु°>)स्त्र - -०णु वौश्रौ ९, १८: १५; बौगृ ४,२,१०. खुर्-हल-, °लि- पा ५४,१२१. + ?दुर्-हार्द् b- -हार्दः द्राश्री १०,३,४; लाश्री ३, ११, ३; श्रश्र १९, ३५°: -हार्दम् कौस् ४२,१७. ?दुर्हार्दिशः कौस् ७०, १[‡]. दुर-हि(त>)ता- -ता या ३,४. दूर-हृत- -तम् श्रप ४०,६,१२. तुर्-हुण b->√दुईणाय > †दुई-णायु- -यु: श्राश्रौ २, १८,३; -यून् या १४, २५ई; शैशि 338. तुर्-हृद्⁴- (>दोईद- पा.) पाग ५, 9,930. दुर्-हृद्य - (>दीईद्य- पा.) पाग 4,9,930, √**दुल्** पाधा. चुरा. उभ. उरक्षेपे. दुल- (>दुल्य- पा.) पाग ४, २,

८०^६. †दुला^b- - ला बौध्रौ १०,४५ : २२^t; श्रापमं २,१६,८^g; भाग २, ७ : २२^g; हिए २, ७,२^g; विध ६७, ७^t.

दुलि- पाउमो २,२,१५९. √*दुव्^म, दोवित ऋप ४८,१९‡, दुवस्-, √दुवस्य प्रमृ. √दू (परि-चरगे) द्र.

†दुश्-चत्तस्^b- -क्षाः श्रापश्रौ १४, ३०,४; बौधौ ७,१३ : ४; हिश्रौ १५,७,१९.

दुश्-चरा- -रम् विध ९५, १७. दुश्-चरिता- -तम्बीधी २,५:२१‡; सु; –‡तात् श्रापश्रौ २,१४,१०; बौश्रौ.

†दुश्चरितिन्- -०तिन् वाश्रौ ३, २, ५,३१; द्राश्रौ ११, ३,९; लाश्रौ ४,३,१०.

दुज्-चर्मन्⁰- -र्मा बौधौ १३,१७: ६‡,१८:१,२३,२:२८; हिथौ. दुश्चर्म-कुनखि-कुष्टि-इंबन्नि-स्याव-

दन्त- -न्ताः शंध २०२. दुश्-चल्ल[!]- -लानाम् अप ६८, २, ४६

†दुज्-च्यवन^b- -नः अशां १९, ६; श्रत्र १९, ३२; ग्रुपा ४,१५५; ऋपा १६,१७.

दुः-शासन- पावा ३,३,१३०.
*दुः-शीर्त->†दुःशीर्त-तनुष्- -०नो
आवश्रौ ६,१४, १३; माश्रौ ३,
२,१२; वाश्रौ १,५,३,८; हिश्रौ
३,७,७५%:

दुः-शी(ल>)ला^d- -ला वैगृ ५, ९ : ५; -लाम् वैगृ ५,९ : १४.

दु:-श्रृत - -तः श्रापथ्रौ ९,१५,१८ +; -तम् भाश्रौ ९, १८, ५; हिश्रौ १५,४,३८ +; श्राप्तिगृ २,७,९: १९; भागृ ३, १९:४; -तयोः भाश्रौ ३,१,२२; -ते श्राश्रौ ३,

दुः-श्रित¹- -ते अप्राय ४,१.

√द्धा,दू प्र्म पाघा. दिवा. पर. बैक्त्ये, दुष्यति बौश्रीप्र ५४: ७; निस्; विध २३, ३६; दुष्यतः विध २२,८४; दुष्यन्ति वाध २८,५; शंध १६९; बौध १,५,५१; २, २,५७; दुष्येत् माश्री ३,१,१; शंघ ७९; दुष्येयाताम् अप्राय ४, १; दुष्येयुः श्रापश्री ९,१५,१४; बौश्री.

दुष्यते वाध १९,३८. दृषयते श्रप ६२,२,७; दूषयेत् वौध १,४,१७.

दुष्ट, हा-- ण्टः अप्राय ४, २; शंष ३०३; वौध २, १, ६; - ष्टम् सांग्री १३, १२, ९; काश्री; - ष्टस्य शांश्री ३,२०,५; काश्री २५, ५, ९; काश्री ३३:२; निस् १,६:९; - ष्टा विध ५३, ८; - ष्टाः वौग्री २, १०:३४; - ष्टान् शंष २०२; विध ३, ३०; - ष्टाम् वैग्र ६, २:९; विध ५,४०; - ष्टे शांश्री ३,२०, १२; १३,३,२; काश्री; ग्रामिग्र २,०,९:२०! वौग्री २९, ३:९.

दुष्ट-चेतस्^d - -तसः वाध ११, २५: वौध २,८,१४.

दुष्ट-भाव^d - -वः श्रापध २, २६,१९; हिध २,५,२१४.

दुष्ट-मृग-घातिन् - नी वैध ३, १४,२.

दुष्ट-वाक्य- •क्यैः वैगृ २, ८: ८.

दुष्ट-वाच्⁰— -वाक् दिध **५,** १९६.

दुष्ट-हिवस् - - विषा वैश्री २०, ३: १६.

दुष्टा(ष्ट-श्रा)त्मन्*- -त्मा श्राप्तिगृ २,७,६ : ८. दुष्टा(ष्ट-श्र)न्त-भोजिन्- -जी काथ २७८ : ८.

दुष्यत् - - प्यति निस् १, ६: ८. दूषण - पाग ३, १, १३४^b; - णम आपश्रो २१, २०, ३†; हिश्रो १६,६,४१‡; विध २३,४६.

दूषियतृ— -तुः′ विध ५, १०१-१०३.

†বূषि° - - 'पि: कौस् ३९,१;७;१३; স্থমা; - प्याः कौस् ३९,१;७; १३; স্থমা १९,२; স্থম ४,४, ९; १७,२,१६; ३२,१,२; স্থম্ম २,११; স্থম্ম २:१०.

दूषि(क >)का^d - पाउभो २, २, १९; -का विध २२,८१.

दूषित,ता- -तम् शंध ४३१; विध २३,३८; -ता वाध २८,३. दूषित-कर्मदुष्ट-साक्ष्य(क्षि — अ) द्वित^e- -तम् विध ७,८.

दूषी(क>)का°-- -का पाउ ४, १६.

दूष्य, प्या - प्याः वैध ३, ४,११; - प्याणि वैध ३,४,८.

दोष - पाग ३,१,१३४; -पः आशी १२, ४, २२; शांश्री; वाध १७, ७०; १९, ४८; २३, ६; २७, ९; शंध १४६; ४३२; आपध १, २९, ७; २, २, ८; १३,३; बौध १, २, ५७‡; विध ५, ९४७; १९०; हिध १, ७, ६३; २, १, ३०; ३, ३; गौध १०, मीसू ३, ४, २८: पावा १, १, १०××: -पम् वाध्यौ ३,१०५: ४ है; बौपि; -षाः कप्र २,१,१६; वाध: -षाणाम् शंध १६२; १७६; श्रापध; -पात् शांश्रौ ३.१९. ७: काश्री: -धान बौश्री २८.११ : १६: ऋपः -षे आश्री ३, १४, ४; शांश्री; पावा ४,१, ४९: -वेण बौश्रौ २८, ११: १४; श्रापध २, ६, १९; विध; -चेषु शांश्री ३,१९,३;८; बौश्री २९, १३: १७; बौध ४,१,१; २,9: -षै: श्रप २२,३,२: -षौ निस् ८, ४:३६; ऋप्रा ११, ४७; माशि ९,९. दोष-कारक- कम अप ५८१,४, 96. दोष-दर्शिन्- -शीं निस् ५,५ > दोप-नाश- -शात् काश्री १,८, 99. दोष-निघाता(त-त्र)र्थ- -र्थम् वैश्रो २०,9: ६ b. दोष-निर्धात8- -तानि भाश्रौ 9.9.8h. दोष-निर्घाता(त-ग्र)थ--र्थानिh त्रापधौ ९, १, ४; हिश्रौ १५, 9,8. दोष-निर्णय- -ये बौध १,१, दोष-निवृत्ति- -तिः कौगृ ४,

१दोष-फल- -लम् आपध १. २९,२: हिध १,७,५८. २दोष-फल,ला³- -लानि¹ हिध १,६,४९; -लासु आपध २, २, ७; हिध २,१,२९; -लै: आपध २,२,७; हिध २,१,२९. दोप-फल-परिवृद्धि- -द्धिः श्रापध २.२.५1. दोष-फल-बृद्धि- -दिः हिश्रौ 2.9.201. टोव-फल-संशय- -ये श्रापध २,१२,१९; हिध २,४,५६. दोप-भाज्- -भाक् विध ५, दोष-वचन- -नात् द्राश्रौ ३, ३, दोष-वत- -वत् श्रापध १,२६, ७: बौध ४,२,१३; हिध १,७, १८: -वित बीश्री २९, ३: ९: गौध २५, १०; -वस्सु श्रापध १,२६,१२; २९,४; हिंध १,७, २३; ४९; ६०; -वन्ति आपध १,२१,१९1; -वान् आपध २, १३.४: हिध २,३,४. दोष-विद् k- - वित् माशि २.८. दोष-विशेष- -षात् काश्रौ १,.. ५, १४; वाध ३, ५६; बौध १, 4. 46. दोष-विहीन- -नम् वैध ३, 8.8. दोष-श्रुति- -तिः मीस् ६,१,७. दोष-संयोग- -गात् काश्रौ २३. 8.34. टोष-संक्षय- -यात् कप्र ३,४,४.

a) विष. । बस. । b) भू दित [पन्ने] पाका. । c) वैष १ द्र. । d) = दूर्वाका- । e) द्वस. > तस. > तस. । f) भावे कर्तरि च कृत् । g) सपा. काश्री २५, १३, २४ स्त्रापश्री १४, २१,२ भेषजम् इति पाभे. । h) सप्त. °घातार्थम् <> °निर्घातानि <> °निर्घातार्थानि इति पाभे. । i) सप्त. दोषफलानि <> दोषवन्ति इति पाभे. । j) सप्त. °ल्परिवृ॰ <> °ल्वृ॰ इति पाभे. । k) उप. < \sqrt{a} [जाने] ।

टोष-प्रसङ्ग- - झात् मीस् ९, ३,

9, 2.

90.

दोष-सामान्य- -न्यात् मीस् E,4,84. दोषा(ध-श्र)नुसार-तस् (ः) श्रप EQ 6,8.

दोषिन्- पा ३, २, १४२; -षिणः गौध १३, ७; -षी कौस् ४५, ३+; गौध १८,२३.

हुप्-कर"- -रम् विध ९५,१७; माशि ११८; १२०.

हुप्-कीर्त्तिं - -त्तें बौश्रौ २,५: ५. दुष्-कुल^b- (> दीप्कुल्य-पा.) पाग 4,9,928.

दुष्कुलीन-, दौष्कुलेय- पा ४, १, 983.

दुष्-कृत्°- -कृत् सु ७, ५; श्रप १, ४१,८+; बृदे २, ११९; -कृतः ब्रापश्रौ ७,१६, ७‡; त्रप ९,४, २; या १०,१९ क्; -कृते शौच 2, ६३.

दप्-कृत°- -तम् श्राश्री ३,३,४‡; †बौध्रौ २,८:१०; ११:२;३;५; ६:९; मु; या १४,२९; ऋपा ८, १९ ‡; -तस्य विध ९१, १; या ६,२७; -तात् अप २०, ७, ४; -तानि वाध ५,५; २८,४; बौध १, ५, ८८; ४, २, १७ ; -तैः बौध्रौ २८, २: ५४; अप ४२, 9, 3. †दौक्त्य- -त्यम् आपभी १०,

१,६; भाश्रौ. दुष्कृत-कर्मन् - - मणः विध ५७,

११: हिंघ १,4,११५. १६; श्रापध १,१९,१३. दुव्कृतकारिणी- -णी सु ७,५.

दुष्ट- प्रमृ. √दुष् द. †दुष्-ट(<त)र°- -रः शुप्रा ५,४९; -रम् आश्रौ ४,१२,२; श्रप्रा ३, ४,9; शौच ४,८३; -रा या ५,

₹40. दुष्-ट(<त)रीतु°- -तुः श्राश्रौ ४, 97,77.

दुष्दु पा, पाग ८,३,९८⁸. हु-ष्टु(<स्तु)त°- -तात् शांगृ ६, ६,

984. दृष्ठ्र पाउ १, २५h; पाग १, १,३७;

4, 9, 928; 9301, दौष्टव- पा ्ष, १,१२९; १३०.

दुष्-परि-माण् - -णः कीस् १३९,

दुप्-परि-हार्य- -यें विध २०,२९. दुप्-पुरुष^b- (> दौष्पुरुष्य- पा.) पाग ५,9,9२४.

दप्-प्य - -यम् या ५,२४.

दुप्-प्र-ज्ञान - - नम् बौश्रौ १४,२५:

†दुप्-प्रति-प्र(ह>)हा°- -हा शौच 2, ६ ३.

दुष्-प्र-लम्भो- -म्भः श्रापध १,२०, दुस्^ण पाग १,१,५८. ५; हिध १,६,१९.

‡१दुप्-प्रा(प्र-त्र)ची°- -व्यः ऋपा १३,३०; उस् ८,१९.

दुष्यत् - √दुष् द्र.

दुष्कृत-कारिन्- -रिणः वाध १४, दुष्यन्त "-> दौष्यन्ति- -न्तिः साम्र १,६११; २,९४५.

दु-ध्व(<स्व)प्र°-> †दौष्यप्य°--पन्यम् अप ३२, १,८; अश्र U, ? 3.

> दौष्व(प्न>)प्नी"- -प्न्यः श्रश्र १९,५६.

†दुरवप्नय°- -प्न्यम् अप ३२, १. ८0; -प्न्यात् अप ३२, १, ८०; श्रश्र ७,१००.

दुःपन्त^प->दौःपन्ति- -न्तेः ऋअ 2, ६, ५२.

दृष्यन्त पाउभो २,२,१३९.

दु:-पं(<सं)धि- पा, पाग ८,३,९८. दु:-प(<स)म- पा, पाग २,१,१७.

दु:-वा(<सा)मन्-,दु:-वेध-पा, पाग 6, 3,96.

दुः-ध्व(<स्व)प्न°->दीःष्वप्नय'--प्न्यम् श्रापश्रौ ९,१२,८.

> दुः प्वप्न-नाशि(न् >) नी- -नी सात्र १,१४१.

दुः व्विष्निय^ड- -यम् श्रापश्री ६, २३,9°.

†दु: व्यप्नय"- -प्न्यम् आगृ ३, ६, ५; कीसू ५८, १^{२६}; ग्रुपा ३, ٥२; **९**२.

दुस्-तर - -रः याशि १, ३०; -रम् सु २०,४.

दुस्-तरीप"- पाग ६,२,१८४.

d) विष.। बस.। e) सप्र. °कर्मणः b) प्राप्त.। c) वैप १ इ.। a) गस. उप. खलन्तम्। f) श्रव्य. । व्यु. ! । g) ॰ दु इति पाका. पासि. । h) < दुस् $\sqrt{*2}$ इति । <> °कारिणः इति पाभे. i) तु. पागम. । j) त्रिप. । गस. । k) गस. उप. $\sqrt{2}$ + क्यप् प्र. । l) गस. उप. खळ् प्र., तुमागमः (पा ७,१,६७) च । m) = π प-विशेष- । व्यु. (1 n) विष. । साऽस्यदेवतीये अणि य-लोपः (पा ६, ४,९५०)। o) पामे. वेप १, १६५७ c द्र. । p) पामे. वेप १, १६५७ d द्र. । q) = दुष्यन्त- । eयु. ? । r) वेप q, १६५७ दि.। s) वेप १, १६५७ g इ.। t) पामे. पेप १,१६५७ h इ.। ::) = दुष्यप्य-। v) अव्य.। w) प्रास उप. २तरी- + < √पा [रक्ष्णे] इति पाका. ।

दुस्-तर्पे - -र्णाः या ४,५. दुस्-त्य(ज>)जा°- -जा वाध ३०,

दु-स्पृष्ट्b- -ष्टः शेशि १५;२२;७२. द-स्वप्त- -प्नः वीश्री २, ५: १२; - 🕆 प्तम् आपमं १, १३, ५; बौगृ ४,२,११.

दु(स् >):-सक्थ-,°क्थि°- पा ५, 8,939.

दु(स् >):-साध्य- -ध्यानि अप ६९,१,५.

?दः-सीम^त - - मे बृदे ७,१४० ‡ €. दु:-स्त्री-(>दी:सत्र- पा.) पाग ५, 9,930.

दः-स्पृष्ट्b- -ष्टः पाशि ५; -ष्टम् ऋपा १३,१०.

द्ः-स्वप्त- - +०प्तृः बौश्रौ २८, ९ः २०: वैश्रौ २१, २: ६; -प्नः भाग २,३१: १४; -प्नम् वौश्रौ २८,९:१९; वैश्री; शंध १०११६; विध ६४, ४१; -प्नात् काश्रौ २५, ११, २१ ‡1; -प्ने विध २२, ६७; -प्नेषु गोगृ ३, ३, 39.

> दु:स्वप्त-घ्न - घम् ऋत्र २, १०, १६४; बृदे ८,६७. तुःस्वप्नन्नी- -न्नी श्रश्र २०,

> दुःस्वप्न-दर्शन- -ने शांग्र ५,५,३; काध २७६: १२.

दु:स्वप्न-दुर्भृत- -तानि अप ३३,

दु:स्वप्न-नाशन- -नः श्रश्रभू २; -नम् अप ८,२, ५; -नानि अप 32,9,22.

दु:स्वप्ननाशनी- -नी बृदे ५,८९; -नीम् शुत्र ४,५०. दुःस्वप्ननाशन-गण- -णस्य श्रश्रभू २.

दुःस्वप्ननाशन-देवता-> °त्य, -त्या- -त्यम् श्रत्र६,४५; -त्याः अश्र १६,५; -स्ये अश्र ७,१००. दुःस्वप्न-नाशि (न् >) नी- -नी ऋत्र २,१,१२०; बृदे ३,१३९.

दुःस्वप्ना(प्न-श्र)घ-प्रणाशि (न्>) नी- -नी बृदे ४,८३.

दुःस्वप्ना(प्न-अ)रिष्ट-दर्शना (न---आ)दि- -दी शंध ४३७.

पदु:स्वप्नय¹- -प्न्यम् अप्राय २,५; त्रप ३७,५.५.

दस्-स्वप्न- -प्ते बीगृ ३, ५, १४; -प्तेषु बौगृ ४,३,९.

√दुह् , दुह-, दुहत्-, दुहान-√*दुघ द्र.

दुहि(त>)ता¹- -ताम् काथ २८१ : ५; -०ते अप ३५,१,१.

द्वहितु!- पाउ २, ९५; पाग ४, १, १०; १००; १०४; ६, ३, ३३; - ‡०तः ऋपा १,१०२; ७,२४; ३१; -तरः लाधौ ९,१०,४;६; श्रापृ २, ६, १५‡; बौध २,२, ४४; विथ १८, ३५; या ३,४; १दुह्य- √*दुघ्द.

-तरम् शांश्री १८, १३, ३4; वाध्रश्री; -तिर बौध २,२, १५; -तरी पागृ ३, १३, ३; -†ता शांश्री १५, १७, १; बौश्री; या ३,४\$ई; ६, ६; अप्रा ३,४. १; -तुः वैश्रो ९, ११, १२: भागृ १, २७: २०; बृदे ४, १११; या ३,४^२‡; ५; ४,२१; १२, ११; -तृः बृदे ५, १४५; -तुणाम् गीधं २८, २५; -त्रा बौधी १८,४६:१८; -त्रे बौधी ५,१७: ३; श्रश्र ३,३१‡; या १२, ११ +; -त्रो: बौध २,२,

दौहित्र- पा ४, १, १०४; -त्रः बौगृ २, ११, ६६; वाध; -त्रम् बौध २, २,१५; या ३,

दौहित्रायण- पा ४, १,

दुहितृ-गमन- -नम् विध ३४,१. दुहितृ-गामिन्- -मि विध १७, ५; 29.

द्वहितृ-जामातृ- -तरः विध ९३,६. दुहितृ-दायाद्य- -चे या ३,३. दुहितृ-मत् - मतः आपध २,१२,

२; हिंध २,४,३७; -मते कौगृ १,८,३६; शांगृ.

दुहितृ-शत- -तेन वाश्री ३,४,३, 863;80;86.

b)=ईवत्स्पृष्ट- । प्राप्त. । c) विष. । बस. । d) =नृष-विशेष- । a) गस. उप. खलन्तम्। e) सपा. ऋ १०, ९३, १४ दुः दुामि इति । f) पामे. वैप १, १६५७ d द्र. । इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. विध.) । h) वैप १, १६५६ $\mathbf u$ द्र. । i) =(कुलान्तरीयेण संगन्त्री-) पुत्री- $\mathbf i$ व्यु. ! (*भिद्-भृत् > नेप्र.) *िंदुत् - (भेद-)>*िंदुत्-क्->*िंदुक्- > *हुक्- (भिन्न-, कुलान्तरीय-) + $(\sqrt{\hat{n}}$ ष् [संगमे] > कर्तारे) में(ध>) जान > उस. *दुक-मेजान > *दुखे(घे)तान > यनि. इति । दुहित्न इत्यपि उप. प्र. एत्र भिन्नं सत् व्यु. सन्त्यायं द्र. । एतदतु वेप १, १६५७ m इत्यत्र विशेष आधेयः ं) वैपर द्र. ।

२दुहा°- पा, पाग २,४,६३. दुह्ममान- √ैदुष् द्र.

्रह पाधा, दिवा, श्रात्म, परितापे.

√हू (परिचरखे)> दुवस् ०- पाग ३, १, २७; -†वः श्राश्रौ ८, ९,५; शांश्रौ.

√ दुवस्य° पा ३,१, २७;† दुव-स्यति अप ४८, १०; निघ ३,५; दुवस्य या १०, २०⁴† ∮; † दुवस्यत आश्री २,८,७; ४,५, ३; आपश्री; आप्तिगृ ३, ५, २: २‡⁴; बौपि १, २:२‡⁴.

हुवस्यु⁰- -स्यः श्रम २, १०,१००; बृदे ३,५६; -स्यौ बृदे २,१२९.

†दुवस्-वत्- -वान् शांश्री ६, १२,६:१९: बौश्री.

दू^b>द्—ड L,ळ¹]भ^b — पावा ६, ३, १०९; —†भः शांश्री २,१२,७; श्रापश्री ६,१७,१२; हिश्री ६,६, १६^ह; शुप्रा ३,४२.

तूडम-व(त्>)ती- -तीम् हिश्रौ ६,६,१७⁸.

दू-डाम - पाग ६,३,१०९1. द्-डाश!- पाना ६,३,१०९1.

दू-डी^b— -†ड्यः या ५,२; २३∮; —ड्यम् या ५,२∮.

दू-स्य^b- पावा ६,३,१०९.

दूब्य-दूणाश-दूळभ-प्रवाद--दाः ऋपा ५,५५; -दान् उस् ६,७. द-ण(<न)श^b--शा ऋपा९,४४‡; दू-णा(<ना)श D - पावा६,३,१०९; -शः काश्रौ २२,८,२५ k ; ऋप्रा ९,३६ † ; -शस्य लाश्रौ ८, १०,१ k .

दूणाश-दूब्य-दूलभ- -भान् ऋप्रा ११,४०.

दू-भाव- -वः ऋपा १०,२२. दू-भूत- -तम् ऋपा ५,५५.

दू-रोह्दण^b— -णम् श्राश्रौ ८, २,१३; १५××; शांश्रौ ११, १४, १३; १२,११,१२; १५,३,१०; —णे वौश्रौ १९,१०:३९.

१दुडाशे^b शौच २,६०‡.

दूत,ता^b- पांच ३, ९०; पांग ४, १, ४२1;५,१,१२४1;-तः शांश्री ३, 4,9+1;98,93+; 88,80,9; श्चापश्ची; ‡बौश्रौ २,११: १११m; शांग २, १३, ५१1; हिंग २,३, v+": +या १. १७; 4,9 \$; ६, १७:२२\$; ७, २६;८,५; -तम् ब्राश्री १, २, ७ +××; शांश्री; -तस्य काश्री १५,३, १३; या १२,४३+; -ताः आश्रौ ८,१०, १4; -तान् आमिगृ १,६, १: ५; -ताय वाश्री ३,३,४, ४६; श्रापृ १, १२, ३; ४; -ते वाध १९,३७; -तेन बौधौ १८,२२: ११; -तौ हिपि १८: १० नै. द्ती-पाग ४,१,४२1; -ती ब्दे ८,२७: -तीम् वौश्रौ २१, कौस् ११७,२ ई. दौत्य- पा ५, १, १२४; -त्येः चुदे ५,७४.

वूत-प्रवेश- -शः श्राज्यो ८,५. १वृत्य- पा ४,४, १२०; पावा ५, १, १२६; -त्यः माशि ७, ५‡; -त्यम् आश्रौ ३, ७, १०; श्रापश्रौ; -त्याय आश्रौ ९, ९, ७‡; -त्ये बृदे ८,२१.

द्ति- पाउन् ४, १८०. २द्व्(त्य>)त्या⁰- -त्या हिग् २,०,२. दून- √द (उपतांप) द्र.

दूरb- पाउ २, २०; पाग ६, ३, २;: -रम् आपश्री ७, ११, ७^२; १३, १५, ११; बौश्रो; लाश्री ३,२,७ + P; या २, ५; १४; ३, १९कृ:४,२५; अप्रा ३,४,१+P; माशि १५,८; -रस्य अप ४८, १०९; निघ ३, २६; -रात्^व' श्राश्री ४, १५, २‡; शांश्री; द्राश्री ७, २, ७[‡], कौंसू ८८, ११ ; श्रश्र १९, ५२ +8; या २,. २७+; ३, ११; ९, १३+t; पा १, २, ३३; ८, २, ८४; -रे^व शांश्रौ ४, १२, १०†; त्रापश्री; या ३, ४; ११^२‡; ४, 982+; 98, 34+; 91 4, 3,. ३७: -रेण^व श्राशि ८,४.

†बूर-कb- -के श्रापध १,२,२; हिध १,१,३५.

दूर-खातो(त-उ)दक- -कः कप्र ३,

१२: ४; बृदे ८, २८; -त्यः

90,94. हर-ग- पा ३,२, ४८; -गाः भागृ २, २७: ७; वैष्ट ८, ११: १; वैध १,१०,३;११,२. दर-तर- -रम् या ९,१३. द्र-तस् (ः) श्रप ३६,१३,१. दर-स्व- -स्वात् श्राज्यो ७,१३-१५. दर-नामन् - मानि निघ ३,२६; या 3,99. द्र-पातिन् - -तिनी या ६, ३३. दर-पारº- -र: था ४,१८; -रे या हूर-भूयस्त्व- -स्त्वात् मीस् १,२, दूर्वि - -र्वया वौश्रौ २२,५: १९; ऋप 92. द्र-वेधिन्- -धिनौ या ६,३३. द्र-श्रवस्b- -वसे शांश्रो १२, १६, 9 +c. दर-स्थ- -स्थः कप्र २, ५, ८; -स्थम् विध ९७, १८; -स्थस्य विध २८, २१; त्राज्यो ७, १६; -स्थाभ्याम् कप्र २,५,६. दूरा(र-श्र)न्तिका(क-श्र)र्थ- - र्थेभ्यः पा २, ३, ३५; -थें: पा २, ३, †देर-अ(न्त>)न्ता^b- -न्ते निघ ३,३०; या ४,२५ ई. दरे-अमित्रb- -त्रः शुप्रा ४,८५‡. †दरे-अर्थb- -र्थ: आपश्रौ १६,१२, १; हिथ्री ११,४,१३. दूरे-स्यd- पावा ४,२,१०४. १द्रे-द्रशन°- -नम् आपध २,२३, ८; हिंध २,५,१६१. २दूरे-दर्शन¹- -नम् या ५,१०. †दरे-दश् b- -शम् श्रापश्रौ १४,

१६, १; भाश्री; या ५, १००; -हशे बौध्रौ ६, १६: १३. दूरे-पाक,का-, °कु- पाग ७,३,५३. द्रे-वान्धव8- -वम् वाध १५,७. द्रे-च्यन्तर"- -राः वाध्यौ ४,६१ : द्रे-श्रवस्^b- -वाः शांश्रौ ८, १७, १4; बौध्रो १७, १८ : २8; बौगृ 3,90,48. †द्रे-हेतिb- -तिः बौश्रौ १८,१७: २०; माश्रौ ६,२,५,३२; वाश्रौ. दु-रोहण- दूद. २६,५,४; ३६,४,२; -वी अप १८,१,१७; ३६,१९, १; ७०३, १९,७; -र्बाः श्रापश्रौ १३,१७, ९; १५, २१, १०; बौश्री; - † र्वाणाम् त्राप्तिगृ ३,८,३ : ३; वौषि १, १५: ७४; -वीभिः वैश्री १६, २२:२; भाग्र ३, १६: २; - वीम् काश्री १७, ४, १८; वौश्री; -र्वे बौश्री २०, २७: १०; भागृ १,२७: १. दर्वा-कर्a'h- -रम् विध ९,५. दर्वा-काण्ड- -ण्डम् शांगृ ६,६,९. द्वीकाण्ड-व(त् >)ती- -तीषु शांगृ ६,३,७. द्वा(र्वा-ग्र)क्षत-युक्त- -क्तम् वैश्रौ 2.8:9. दुर्वा(र्वा-ब्र)म- -माणि कौस् ७७, १८; -मै: कीस् २४, १८; २६, 93. दूर्वा-ग्रन्थ- -न्थिभः वौश्रौ ९,१: १५; १०, १: १३; -न्यीन्

बौथ्रौ ८,१५ : २८; २१,२४:३. दुर्वा(र्वा-आ)ज्य- -ज्यम् अप्राय ६. दूर्वा(र्वा-अ)अलि- -लिना बौपि ३, 8,90. दुर्वा(र्वा-त्रा)दि- -दीन् ऋप ४, १, द्वी-प्रवाल!- -लम् शंघ ३४६; -लान् शंध ३४५. दुर्वा-मिश्र- -श्रम् माश्रौ ६, १,७, १४; वाश्री २, १, ६, २४; -श्राभिः बौधौ १६,४: १४. दूर्वा-मूला(ल-श्र)ङ्कुर- -रान् अप 4,2,4. द्र्या-यव-सर्षप- -पाणि शांश्री ४, १५,५; -पान् कीय ५,४,६. द्रवी-रोपण-> °णा(ग-अ)न्त --न्तम् त्राशिगृ १,२,२ : ४७. दुर्वारोपणो(एा-उ)द्धि-धावन-वर्जम् भाग ३, ११: १५; हिए 2.20,93. दर्वा-लोष्ट- -ष्टम् मागृ १,७,९. दुर्वा(र्वा-श्र)वा (स्त >)स्तावं।-·स्ताभिः ग्रापश्रौ २१,८,४;२२, २८, १३; हिथी १६, ३, ३९; 23,8,49. दुर्वा-शाला-देवता->°त्य--स्यम् अञ्च ६,१०६. दुर्वा-श्याम*- -माः श्रप ६३, ४,८. द्वां-सिदार्थक1- -कान् अप ५, 4. 4. दुर्वा-स्तम्ब- -म्बः त्रापश्री १६, १३,१०; वैश्रो १८, ११: २७; हिंथी ११, ५, २१; -म्बम्

c) पामे. वैप १,9६६१ O इ. । d) विप.। त्यप् प्र. (तु. a) विप. । वस. । b) वैप१ इ. । e) सस. (तु. Büh.; वेतु. संस्कृतीः शब्दस्च्यां पृथक् पदे [आपथ.] इति)। Pw. प्रमृ.)। पाप्र. तु एत्यः प्र.। f) विष.। बस. (तु. RNM.; वेतु. ल. पृथक् पदे इति)। g) = सर्प-विशेष-। h) उप. = २कर-। i) उप. = श्रङ्कुर-। j) उप.<अव \checkmark अस् [च्रेपिए]। k) विप. (परिवेष-)। कस.। l) उप. = गौर-सर्षप-।

ब्यापश्री १६,२४,१; वैश्री; -म्ब श्रामिष्ट २, ५, ३ : ३७; -म्बेषु बौग ३.७.२५. द्वें(र्वा-इ)ष्टका"- -काम् आपश्रौ १६,२४,9: बौश्री १०,३२ : ५: वाश्री २, १,६, २४; वेश्री १८, १५: ६: -कायाः बीश्री २२, ५: १८: -कायाम् जैश्रीप ८. द्वेंष्टक-दैवतb- -तम् ग्रम् २, 943. द्वीं(र्वा-उ)दक- -के: बौगृ ३, १०, दर्श - - र्शम् कौस् ८५,२२; - र्शे कौस् 22.94. दर्श-जरदजिना(न-श्र)वकर-ज्वाल--छेन कौसू २८,२. द्वण-, दूषिवत्- प्रमृ √दुष् द्र. √ह पाघा. स्वा. पर. हिंसायाम्, दरऽदर श्रप ३६,१,१२. √€° पाधा. तुदा. श्रात्म. श्रादरे. दरिन् d- पा ३,२,१५७. हत्य- पा ३,१,१०९. √ह, दु° पाधा. क्या. पर. विदार्गो, दर्व उसू ७,१७ . हणाति बृदे २,३६; या १०, ८; अहणाः या १०,९. टीर्यते बौश्रौ १३, ३९: १५; श्रप ७०^२,१५,२; दीर्येत आपश्रौ १४,२५,१०××; बौश्रौ. दारयते या १०,८. क्षदर्दः ऋग्र २,५,३२; सात्रः; या १०, ९०; ऋप्रा १, १०३; दर्दः ऋप्रा १,१०३.

दहत्- पावा ३,२,१७८º. दर- पा ३,३,५८; पाग २,४,३१; 4,9,28; 8,9,9 60. दर-श(य>)याb- -या या १, दरण- -णम् श्रप ६४,३,९; ६, ४; 9, 4. दर्त- -०र्तः ऋप्रा १,१०२१. क्दर्मन "- -र्मा शांश्री ८, १७, १; श्रापश्रौ. दर्य- पा ५,१,२. दारयत- -यन् वैग् ५,१ : १९. दारियतृ- -ता या १०,८. दारियतृ-तम - - मः या ६, १३. टारुण,णा8- पाउ ३, ५३; पाग ८, १, ६७; -णः अप ६२, २, २; ७१,१४, ५; -णम् जैगृ २, ९: ३७: श्रप: -णा कौसू १०२, १; -णाः खप ५२,४,१; ५८, ४, १३; -णाम् श्रप ७१, १३, १; -णायाम् कौस् ९३, १७; -०णे श्रशां १,५; २, २; ४,१; - जेषु श्रप ५२,१५,३; विध ४३,४०; -णै: विध ४३,४०. दारुण-संयुत!- -तानि बौश्रौ ९. £:98. दारुण्य- -ण्यम् तेप्रा २२.९. दीर्ण- -र्णः बौश्रौ १४,७ : ८; १८; २८; -र्णम् श्रापश्रौ १४, २६, १; त्रापगृ १७,११; या ३,२०; -ण शांश्री १३, १२, १; ३; श्रापश्रौ. दीर्ण-प्रवृत्त- -त्तानाम् वौश्रौ

१४.७: १; -तेषु बौश्रौ २३ 4.98. क्टबन क- -वा¹ काश्री १५,५,२०:: श्रत्र १,६०४. √हंह , हह पाधा. भ्वा. पर. बृदी. दंहति वैश्रौ १०, ९: ५; जेश्रौ ६: १२; ९: १२; हंहताम कौसू ९८, २५; इंहतु जैश्री २: ७: †इंहन्ताम् काश्री २. २. २५:३०; श्रापश्री; †हंहस्व बौश्रौ १,३:१२××; †हंह काश्री ६,३, १०; आपश्री; माश्री १, २, ३, ४ रे !: †हंहत, > ता श्रापश्री १६, १४,५; वाश्री २, १, ५, २०; . वैश्री १८,१२:१४; वंशहंहत् श्रापश्रौ ५, २, १; या १०,३२; †अदंहन् निस् १, १२: १६; †संदंहधाः श्रापश्रौ ५, ९, ११; माश्री १,५, २, १५; वाश्री १, ४.२.७; हिश्री ३,३,३२. इंडयति कौस् ४३,११. महा शांश्री ११,९,९; बृदे ८,.. 90. अददहन्त ऋपा ९,४३ र्न. दाहहाण- -णः ऋप्रा ९,३२ न. हंह¹- -हः माशिट, १०. इंहण™- -णानि कीस् ३८,११. इंहियत्वा गोगृ ३,७,८; ४, २, ९;

कौसू १३६,७.

4.904.

इंहि(त>)ता- -ताः माश्रौ ५, २,

दढ,ढा८,ळ्हा"]- पा ७,२,२०; पाग

२, ४, ३१; ५, १, १२३; -ढः

a) वैप १ द्र. । b) बस. पूप. हस्तः द्र. । c) पा ७,२,७५ परामृष्टः द्र. । d) $< \sqrt{\epsilon}$ [विदारणे] इति MW.? । e) या ४,१५ पा ३, १,५९; ७,३,८०; ४,१२; ९५ परामृष्टः द्र. । f) $< \sqrt{\epsilon}$ [भये] इति पाम. [पक्षे], पाका. पासि. च । g) उदर- इति पाका. । h) विप. (स्थूणा-) । उस. । i) = मु-संयुत- (पिष्ट-) इति शब्दस्ची । j) पामे. वैप १,१६६३ d द्र. । k) उभयत्र पामे. वैप १,८८४ e द्र. । l) दृह (किप.) इत्यस्यानुकरणम् । m) = कर्म-विशेष-। n) आत्रौ. या ६,९९ पाठः ।

बौश्रौ २५, १३: ९; कप्र ३,९, १५; पा ७, २, २०; सु १०,२; -ढम् याशि १, २३; -†ढा आश्रौ ६, १४, १८; ९, ५, २; आपश्रौ; आपमं १,९, २[‡]; या ६, १९७; -ढाः भागृ १, ७: १३[†]; -ढानि अप ७१, १५, ३; या ६, १९; -ढायाम् वाध्र्यौ ४,१२: ५; -†ढे शांश्रौ १७, २,२०; आपश्रौ; -ढें: अप ५८², १,३.

दार्ह्य- पा ५,१,१२३.

दार्ह्य-वृक्ष^c- > °क्ष^d-क्षम् बौश्रो २२, ५:२१;६:
२५;१३:५.

इढ-कारिन्- -री गौघ ९, ००.

इढ-च्युत°- -तः ऋग्र २, ९,
२५;साग्र १,४०४.

१दार्डच्युत— -०त आश्री १२,१५,३²; आपश्री २४, १०, १०¹; हिश्री २१, ३, १५¹⁷⁸²; ^{केघ 1} ४, ८, १-४⁸²; —तः ऋश्र ५, ,२६; —तम् ¹ लाश्री ७, ४,१; ८, ५; जुस् २, १:२८; ११,१९; निस् ९,१:२८. इडच्युत-वर्त् श्रापश्री २४,

१०, १०; हिश्रौ २१, ३, १५; वैध ४, ८, ११¹;२-४. इड-च्युति^b- > स्दार्डच्युत--०त¹ बौश्रौप्र ४९:५;५०-५१:

द्वच्युति-वत् बौश्रौप्र ४९: E: 40-48 : 7. दढ-तर.रा- -रः तैप्रा २०. ९: कौशि २९: -रायाम् अप्राय ५, ५: अप ४५,२,9९. दढ-ता- पा ५, १, १२३: -ता कौशि ३. द्द-त्व- पा ५,१,१२३. दृढ-धन्वन् k- -न्वने या १०,६. दढ-धृतिk- -तिः श्रापध १,३, २१: हिथ १,१,९४?1. इट-निपातन- -नम् पावा ७,२, 20. दढ-पर्यृ(छ>)ष्टा™- -ष्टे शांश्रौ 20,90,9. दढ-पुरुष- -षः पागृ १,८,१०. द्दर-प्रयत्न-तर- -रः तेप्रा१७.६. दृढ-प्रहारिन्- -री शंध २४४. दृढ-भक्ति^k− -क्तयः अप ६८, 9.33. 'द्द-भक्त- -क्रेष अप ७२,३,१०. हढ-व्रत^k- -तः पागृ २,७,९८; श्रप ५२,१०,१. दृढ-स्थिण्डल- -लम् वैश्रौ १२, हढा(ढ-श्र)ङ्ग^k- -ङ्गः या ९,१२. दढा(ढ-अ)र्थ- -र्थम् म भाश्री ११, १,१५; वैश्री १३,३ : २; हिश्री ११,१,४४; -थें आपश्री । १५. २,७;१६,४,२; भाश्री ११,१७.

हती √क् >हती-करण- >ण--हेतु- -तवे जेश्रीका ७७. हती-कृत- -तम् जेश्रीका ९९. हती √भू, हतीभव या ८,३. हती-भाव- -वः निस् ४,६: ११; ६,५:११. द्रविमन्- पा ५,१,१२३.

द्रक्ष- √हरा द्र. १इति°- पाउ ४,१८४; -तयः लाश्रौ ८, ३, १४; -तिः शांश्रौ १२. २२.२१º: श्रापश्रौ १८, २२, २: वाधुश्री २, १६: ८: अप ४८, १०० +; बृदे ३,९५-९७; निघ १,१० +; -तिम् बौश्रौ ८,१०: ३+; १०, ४० : २; २२, १७ : १७; श्राप्तिगृ २,५,१०: ३६५; -तिषु शांश्री १४, ४०, ११; -- ते निस् ४, ११: २१; -ते: आपश्री १५, १८, २; आश्री; -ती आपश्री १८,११,३; बौश्री २२,१७:१३; हिश्रौ १३,४,१६; दार्तेय- पा ४,३,५६. द्दति-कर्मन् - माणि कौस् ३८,१२.

—तेन आप्रिग् ३, ९, ३:६ r .

इति-बस्ति— -स्त्योः कौस् १४, ५.

इति-हरि— पा ३, २,२५.

इती $\sqrt{+x} > ^{\circ}$ मृत— -तेन बौपि २,

७,५ r .

हति-भूत- -ते श्राग्निगृ ३,९,३ः८०;

२द्दति 6 > दति-वातंवतोर् 4 अयन 4 - नम् आश्रौ १२,३,१;

१०: -र्थेन वैश्री १८, १:६१ ".

द्म- पाउ २,१३.

काश्री२४,४, १६; -नस्य काश्री २४, ६, २४; -ने शांश्री १३, २३, १; लाभौ१०,१०,७; -नेन श्रापश्रो २३,१०, १; हिश्रो १८, 3, 90. दृतिवातवतोरयन-पूर्व-पक्ष--क्षेण काश्रौ २४,४,३५. ३दृति³-> इति-श्रुति- -तिः भाशि ۶Gp. हन्^{8,0}-, हन्-भू- पात्रा ६,४,८४. √हप्^व पाधा. दिवा. पर. हर्षमो-हनयोः; चुरा. उभ. संदीपने, दर्पति आपध १, १३,४; हिध 8,8,96. दृष्यसि बौध्रौ १८, ४४: ८; दृष्यामि बौश्रौ १८,४४ : ७. दर्ष - पाग ३, १, १३४; -पम् सु २,५; -पेंण विध ५,२४. दर्व-समन्वित- -ते विध ९९, 99. .दर्प-हर- -रः शंध ३१३. टर्पित- -तः विध ८६, २०; बृदे 19,48. दर्पणा- पा ३,१, १३४; -णः अप ६८,२,३०; -णान् अप २०,१, ३. - ने अप ६७,६,१,७०,५,३. टर्पणा(ग-श्राभा>)भ^g- -भाः श्रप ६३,४,९. दस- -सः श्रापध १, १३, ४; हिंध 2,8,96.

√दप्,फ् पाधा. तुदा. पर. उत्झेरो. ?हप्स: माशि १२,9 . √दभ् पाधा. तुदा. पर. प्रन्थे; चुरा. उभ. संदर्भे. > दर्भण¹- -णम्, -णे बौश्रौ ६, २५ : २१; २७ : 28. √**हम्** पाधा. चुरा. उम. भये. √हम्फ्¹ पाथा. तुदा. पर. उत्झेरो. हम्फू- पाउ १,९३. हम्मू- पाउमो २,१,१२४. द्दवन्- √र,टृ (विदारणे) द्र. √हरा पाघा. भ्वा. पर. प्रेक्षणे, दर्शेत् आप्तिगृ २,७,१०: १२. दशेयम1 दाश्री १३,२,८1; लाश्री ५,२,११¹; पावा ३,१,८६. ददर्श शांथ्री १५,२३,१; वौथ्री; पाग् २ १४, ५m; जुत्र ४, ५९?n; या १, १९ ‡ ई; दृहशतुः बृदे ८, ७०;शुत्रा३,२१६;दद्शिथ, दद्रष्ठ पा ७,२,६५; द्रष्टा शांश्री १,३, ६‡°; द्रष्टारः श्रापश्रौ २४, २, २५‡°; अदर्शत् द्राश्रीध,१,११; लाश्री २,१,१०; अद्राचीत् श्रश्र १,१६; ६, ३१; अद्राक्षुः शांधी १५, २४, १‡^p; अदर्शम् वौश्रौ १८,४५: १३; श्रप्राय २, २:३; †अदर्भ बौधौ ८,१८: १^{‡q}. दृश्यते बौश्रौ २०, १: १५: हिथी; वैताश्री ३२, २७ ; या १,१०××; पा ३, २,१०१××; पावा २,१,३३; ५,१,५,५,५८; ह्रयेते निस् ९,०:१५; विष ४९,९; खेद १,८; माशि ९,८; याशि १,८६; ह्रयन्ते वाधूश्री ४,३४:६;८; कीस्; पा ३,३,२;५,३,१४; ह्रयताम् आगृ १,५,५; अह्रयत् चेद ४,६६; ह्रयेत शांश्री १,३,६; आपश्री; ह्रयेपन् अप ५३,२,२; ह्रयेयुः अप ७१,१५,२. †दृहशे आपश्री २०,१३,११°; बांश्री २८,९:२३°; आप्रिग् २,५२; ह्रग्रे स्प्र १८,९:१९; ह्रग्रे स्प्र १८,९:१९; ह्रग्रे स्प्र १८,९:१९; ह्रग्रे स्प्र १८,९:१९;

निद्दश श्रीपश्री १०,१३, ११%; बौश्री २८, ९: २३६; श्रामिष्ट २, ५, २: ५६; हिए १, १७, ४६; विध १,३९; या १२, २७; दृहितरे या १, ९; दृहितरे या १, ९; दृहितरे या १, ९; दृहितरे या १, ९३; कैशि११३. दृईतयते श्रापश्री १०, १३, ४; दृईतयति काश्री २०, ५, ४; वाध्रुश्री; दृईतयन्ति श्रामिष्ट २,५, १: ५६;५७; अप ५९,१, १२; ७०²,७, ३; ऋपा १, ६४; द्रईत्यत् वौश्री २६,२८: ५; लाश्री; दृईतयेरन् लाश्री ३, ३, २९६; लाश्री ९, १, १९६; लाश्री ९, १, १९६; लाश्री ९, १,२०.

दर्शियप्ये कप्र १,१, १; दर्शिय-प्यामि सु २८, ५; अदीदशस् बौश्रौ १८,४४: ९.

a) अर्थः च्यु. च ? । b) द्वु॰ इति संस्कर्तः $[E. \ l \ c)$ हिंसार्थकम् अव्य. इति पासि. । d) पावा ३,१,४४ परामृष्टः द्व. । e) भावे कर्तरि च कृत् । f) = आदर्श- । g) विप. । वस्त. । h) पाटः ? द्वप्सः इति कोधः विमृश्यः (तु. संस्कर्तः [E.]) । i) अर्थः च्यु. च ? = स्वी- इति भवस्वामी, = कट- इति रुद्दत्तः [E] प्रायश्री ११, ८, ५), [E] पावा ७,१,५९ परामृष्टः द्व. । [E] पासे. वैप १,३,५७;३,१,४७;६,१,५८;४,६२; ७,४,१६ पावा १,३,२९;४,५२;५३;७,१,६ परामृष्टः द्व. । [E] पासे. वैप १,१६६७ स्व. । [E] सपा. आपमं २,९७,२७ अन्य. ज्वान इति पासे. । [E] तथा १,१२०८ व द्व. । [E] यद् [E] इति पासे. । [E] परापरं पासे. ।

श्रदिदर्शयिषीत् निस् ३, १०: ४४: १२: ४६××.

१दर्भ°- पाग ३, ५, १३४; - ‡र्शः बौश्रौ १४, १६: ८; श्रापमं; -र्शम् श्रापश्रौ ५,८,८‡; बौश्रौ; -र्शस्य शांग्ट १,३,७; कप्र ३,८, ८; -र्शात् शांग्ट १,३,७; कौस् १३९,१३; कप्र ३,५,१२;८,८; -†र्शाय शांशौ४,१८,७; श्रामिग्ट १,५,२: २०; -र्शे बौश्रौ २७, ६: २७; हिग्: -र्शेन वैथौ १, १९: ३; ३, १: ९‡; अप २२,

> वार्श^b— -र्शम् बौश्रौ २५, १६:६‡; काग्रुड ४२:२२; द्राग्ट २,१,२; -र्शस्य द्राग्ट २,२, ८; -र्शेन बौश्रौ २७, ७:२. दार्शी^o— -र्शीभः कौसू

२४,१८. दार्शिक^d - -केषु वैश्री २०

दार्शिक^d - - केषु वैश्री २०, २५: ९.

दार्शिकी°- -की माश्रौ ५,२,१२,३५; -कीम् वैश्रौ ८, ९:३; -क्याः आपशु ४,६; हिश-२,६.

दाइर्थ - - इर्यम् बौश्रौ १४, ८ : ४ .

१दर्श-पूर्णमास'- -सः श्राभिय १,७,३:४०;४१.

२,७,२: ४०,४: ४०,४: आश्री २,१,४; १२,४,१४; आपश्री; —सा काश्री ४,६,११; —साम्याम् आश्री ४,१,१; २; १२,४,६; शांश्री; —सी आश्री १,१,३; २,८,१; शांश्री.

दार्शपूर्णमासिक- -कः हिश्री ४,५,६६; -केम्यः आपश्री २,११,६; -केः आपश्री ९. १२,७.

दार्शपूर्णमासिका(क-श्रा)ज्य- -ज्यानि श्राप्तिगृ ३,५, ५ : १६ g .

३दर्शपूर्णमास^b - सैः वैश्रौ १.७: ७.

दर्शपूर्णमास-तन्त्र¹- -न्त्राः जैगृ १,१: ५.

दर्शपूर्णमास-देवता— -ताभ्यः शांग्र १,३,३; पाग्र १, १२, १; काग्र ५३,२.

दर्शपूर्णमास-धर्म- -र्माः काश्रौ ४,३,२; लाश्रौ १०,५६,

दर्शपूर्णमास-प्रकृति!— -तयः हिश्रौ २,८,४०; काग्र १३,७; —ेतिः वाग्र १,४; —तीनाम् आपश्रौ १०,४,१२; मीस् १२,

दर्शपूर्णमास—मन्त्र—
-न्त्राणाम् शुत्र १,१४.
दर्शपूर्णमास-याजिन्— -जी
श्रापश्री ९,४,२; १४,४; बौश्रौ.
दर्शपूर्णमास-याजिन्व—
-त्वम् श्राप्तिगृ २, ५, २: ३;
हिग्र १,२६,३.
दर्शपूर्णमासयोग्-अयन—
-नम् बौश्रौ १८,५३: १.

दर्शपूर्णमास-वत् काश्रौ २४, ४,३१; २५,१३, २९; आपश्रौ. दर्शपूर्णमास-विधान- -नेन वैध २,१,६.

दर्शपूर्णमासा (स-श्रा) प्रय-गेष्टि-चातुर्मास्य-पञ्च-सोम- -मैं: वाघ ११,४६.

दर्शपूर्णमासा(स-श्र)नुयोज्य--ज्यानि वैगृ ५,४ : २२.

दशैपूर्णमासा (स-श्र) न्त¹--न्तम् काश्रौ २४,६,३३.

दर्शपूर्णमासा(सन्श्र)यन--नानि शांश्री ३,११,४; वैताश्री ४३,२८.

दर्शपूर्णमासा(स-आ)रम्भ--म्भे काश्री ४,५,२१.

दर्शपूर्णमासिक 1 — -कः भाश्री 1 ८,१, 1 %; —कानाम् वाश्री १,१, १,६५.

दर्श-पूर्णमासा (स-श्र)ग्निहोत्रा-(त्र-त्र)र्थो--यों वैश्रो.११,७:७. दर्श-पूर्णमासा(स-श्र)श्रयणा(ण-श्र)र्थ--थेम् हिपि २३:१२. दर्श-पोर्णमास--सयोः गोगृ १, ५,१;८,२१;२४;-साम्याम् बौपि २,४,९९[™].

दार्शपौर्णमासिक, का - - कः वौश्रौ १३,१:२; -कम् वौश्रौ ५,९:१४,१:१;२८,८:१४; माश्रौ १,५,५,१;५,२,१५,३; -काः शांश्रौ ५,१८,७; माश्रौ ६,१५,५; -कान् हिश्रौ ७,८,१; -कान् वौश्रौ ५,५:३७; हिश्रौ ३,८,२३; जैपि १,४:१६%; -कायाः आश्रौ २,४:१६%; -कायाः आश्रौ २,४:१६%; -कायाः आश्रौ २,४:१६%; -कायाः आश्रौ २,४:१६%;

a) वैप १ द्र. । b) विप. । भवादार्थे अण् प्र. । c) = ऋच् । d) = दार्श- । ठक् प्र. । e) = वेदि । f) मलो. कस. । g) सप्र. बौपि १, ४ : १६ दार्शपौर्णमासिकानि, आज्यानि इति पामे. । h) तत्रभवी- यस्य प्र. लुक् । i) विप. । वस. । j) मत्वर्थीयष् ठन् प्र. । k) ॰सी॰ इति पाठः १ यनि. शोधः (तु. संस्कर्तुः टि.) । l) दस. > चस. । m) ॰प्॰ इति e1. । e2. । e3. । e4. । e4. । e5. । e6. । e7. । e8. । e8. । e8. । e9. । e8. । e9. । e9. | e9.

१७, २; बौशु ३: १५; -कायै बौश्रौ २१,२: १७; -के माश्रौ ५,१,८,११; -केन भाश्रौ १२, ५.१.

दार्शपौर्णमासिकी - -की बौश्रौ ५,५: १०; २१,६: १३; २४.२४: ४.

दर्शपौर्णमासा(स-स्र)श्यय--ये कप्र ३.८,१०.

दर्श-वत् वैश्रौ १४,३ : २०;१७: ५; ब्राप्तिगृ २,४,५ : ५.

दर्शा(श-म्य)नत^b - -न्तम् कप्र २, ९, १.

दर्शत°— पाउ ३, ٩٩٠; —†•त श्राक्षो ५,५,२; ٩٠,५; হাঞাঁ; या १०,२φ; —†तः शांथो ८, २४,٩; —†तम् श्राधो ६,৬,६; ৬,४,३; शांथो.

1 दर्शन— -नम् काश्रो १, ४,६; ६, १०,१६; २५, ८,२१; जैश्रौका; या ५, १; —नस्य पात्रा १, २, ५१; मीस् १, १, १०; —नात् कांश्रौ १०,२१, १०; काश्रौ; या २,११; ३, ४; ५,१३; १०, ८; —नाय शंघ १३३; गीघ ९,५५; या ५, १३; ९, २७; १२, १५; —ने काश्रौ १२,१,१२;२५,१०, ३; कोस्; —नेन वैग्र १,२१:१; या १,१४.

दर्शन-मात्र- -त्रे आशिष्ट २, ६, ७: १६.

दर्शन-विषय- -ये पावा ३, २,

११५. दर्शना(न - श्र) ण्-भाव - - वात् या ६,३०.

द्र्शना(न-ग्रा)रोहण- -णानि

श्रप ६८,२,१५. दर्शना(न-श्र)थे- -धेः त्रापध १, ८,१७; २२; २८,६; हिंध १,२, ११०: ७,४२.

दर्शना(न-ग्र)विरोध- -धाभ्याम्

काश्री २२,१,११. दर्शनीय,या— -०य या १०, २; ४२²; —†यः श्रायश्री २२,२६, १९; हिश्री २३, ४, ३३; —यम् या १०, ८; शेशि ११०; याशि २,८१; —याः वाध ६,४; —याम् वाध २, ३५; —याय या १४, २६; —यो या ६,२६.

दर्शनीया(य-श्र)पत्य b - त्यः श्रापध २,१६,२०; हिध २, ५, २०.

२दर्शन^त-- नः पा ५,२,६. दर्शयत्-- यन् बृदे ६,११९; -यन्तः अप ७०^२,७,४.

दर्शयाम् √अस् (भुवि), दर्शयामास वौश्रौ १८,४४: ४; खेदे ५,६३. दर्शयित्वा वौश्रौ ९, ९९:३८; श्राप्तिए.

२‡दर्श->°र्शा°- -र्शा श्रापथी १९,१२,३; बौथी १९,३:७; हिथी २३.२.१४.

दर्शित- -तः अप ३६,८,२; बृदे २, १९४; –तम् ब्राप्तिगृ २,६,७: १६.

दिदशैयिषत्- -षन् निस् ३, १२: ३२; ४३××.

दिद्दक्षा- -क्षया जैश्रीका १६७. दिद्दक्ष- -क्षुः बृदे ४,१.

†तिदक्षेण्य - -ण्यः स्त्रापश्रौ २२, २६,१९; हिश्रौ २३,४,३३. दक्ष- -क्षे पावा ६,३,८८. हश् – पाग ४,१,४^८; ५, ४, १०७; हशि ऋत ५,१,७.

हशा- पा ४,१,४.

दक्-स्ववस्-स्वतवस्- -वसाम् पा ७,१,८३.

हग्-हश्च पा ६,३,८९; पावा ६, ३,८८.

†हर्श'--सः^७ श्रापश्रौ २१,९,१५; वाश्रौ ३,२,२, १५; हिश्रौ **१६,** ४, १.

१इज्ञान- पाउ २,९०; -- काश्रौ १६,५,१; श्रापश्रौ.

रदशान¹- -नस्य चात्र १६: १४. दक्षि¹- -शये हिपि १८,११५.

हशि-हान- -ने ऋप ४८,३९. दश्य(शि-ऋर्थ>)र्था- -र्थायाम् पावा ३,१,२६.

ह्शीक¹- पाउभी २, २, १९; पाग ६, २, ११८; -कम् या १०, ८†Ф.

हशीकु¹— -कवः आपधी ११, १३, १०; ११; २१,९,३; हिथी **१६,** ४, ५.

द्य- पाउच १,२३.

†हरो बीश्री ८, ५: ७; २८, ३: ९५; बाधूश्री; ख्रापमं २, ९,२; ख्राप्तिगृ १, १, ४: १४××; बीगृ २, ४,९९¹; भागृ; या १२, ९५¢; २४; २६; भाशि १८; पा ३,४,९९.

दृश्य- - इयः कप्र २, ६, ८; - इयम् वृदे २,४२; पा ४,४,८७.

दृश्यमान,ना— -नम् वाध्रृश्री ३,८६ः १३; आप्तिगृ ३,१०,२:४; -नासु शांश्री ६, ७, ४; -ने शांश्री २, ७, २; बौश्री; -नेषु आश्री ८,

a)=वेदि- (b) विष. (an.1c) वेष १,१६६६ 1 ह. (d)= आदर्शादि- (e) वेष २,३ खं. ह. (f) वेष १ ह. (g) तु. पागम. (h) पामे. वेप १,१६६७ (g) ह. (i) = ऋषि-विशेष- (an.1c) पामे. वेप १,१६६७ (g) ह. (an.1c)

१२, २३; शांश्रो; कोगृ १, १०, १२^a.

दश्चन् पा ३,२,९४.

दृष्ट-तस् (ः) गोगृ ३,५.२७. दृष्ट-त्र- - त्यात् स्त्राधी ३,६,५; १०,५,१९.

हष्ट-प्रवाद् - -दाः या १, १४^७. हष्ट-प्रवृत्ति-स्व - स्वात् मीस् ७,४,२.

दष्ट-लि(क्व>)क्वा^с- -क्वाः ऋश्र २,२,२३; ५,४४; -क्वाभिः बृदे ४,८०.

दृष्ट-विप्रयोग-स्व- -स्वात् पावा २,४,२९^व.

हष्ट-व्यय^e- -यम् या १, ८; ५, २३.

दृष्ट-श्रुत- -ताभ्याम् आपध १, ३,२७: हिध १,१,१०२. दष्ट-सहस्र-चन्द्र- -न्द्रः वैग् ३, । २९ : ७. दष्टा(प्ट-ग्र)दष्ट-कर- -रम् शंघ १०१.

र०र. इष्टा₍ष्ट-ग्र)नुविधि°-स्व- -स्वात् पावा **१,**१,६. इष्टा(ष्ट-ग्र)न्त°- -न्तात् वाध

१९,१०. इष्टा(ए-अ)भ्युद्दष्ट- -ष्टानि

त्रप्राय २,२. इष्टा(पृ-त्र)र्ध,र्था°− -र्थस्य या १०,१०;४६; –र्थाया ३, १०;

- थें गौध १,५. इष्टवत्– -वान् विध १, २१; वैध १,११,१२; बृदे ५,५८.

ष्टष्टवती – न्ती खुरे ८,३३. १इष्टि – पाग ३, ४, ७४; पावाग ─३,३,१०८¹; –ष्टिः काञ् ७,२०५ –ष्टिम् शैशि १५६; माशि.

दृष्टि-पृत- -तम् विध ९६,१४. दृष्टि-विषय- > दृष्टिविषयिक"--कम् अप ४८,१३५; या ७,८. दृष्टि-हीन- -तम् वृदे ४,२१.

२ दृष्टिⁿ- (> द्राष्ट्रिय- पा.) पाग ४,१,१३६.

दृष्ट्वा काश्री १६,२,१५; श्रापश्री. दृष्टच्य - ज्यः कप्र १,१,५८; -च्यम् श्रप २३,९,१; पावा १,

-व्यम् अप २२,८,१ तमा ८, ४,५१; -व्याः अप २३,७,१. द्वप्दम् विध १,२१;३३; बुदे १,५९.

 श्रापश्री १२,२०,६; २०,१,१७; बौधी; वैताश्री १८,१२¹.

हज्-, इश-, १,२इशान- √दश् द्र. ३हद्यान- (> इशानक-) कृशानु-टि. द्र.

हिशा-, दशीक-, दशीकु- प्रमृ., दश्वन- √दश द्र.

हपद् - पाउ १, १३१; - पत् आपश्री ९,११,१६; भाश्री; कीस् ८१, १९१ ;- पदः भाश्रि १८;- पदम्; काश्री २,४,१५; ५,३; आपश्री; - पदि काश्री २,५,५; ३,८,१ ; आपश्री; - पदे वैग्र ३,७:२०; - पदी भाश्री ६,१६,९;२१. वर्षव - - दम् शुश्र १,६६.

दापदः — -दम् शुक्ष र, ६९० दपा, श^m]त्-पुत्र — -त्रम् गोग्ट २,९, १५; द्राग्ट १,३,१९; —त्रे, —त्रेण श्रापग्ट १४,११; भाग्ट १, २२:३.

हषत्-स्थान - नम् पाता ८,२,२२. हपद्-उपल - पाग २,२,३१; -लम् काश्री २,३,८; माश्री १,२,२, १७; वाश्री १,२,४,२; -ला-भ्याम् श्राप्तिगृ १,७,१:१२;२: ९‡; बौगृ २,८,२३‡; हिषि १०: ८; -ले काश्री २,४,१५; श्रापश्री; श्रागृ ४,३,१८²; आप्तिगृ.

हपदुपला(ल-ग्र)वकाश- -शे बौगृ २,८,२३.

दपद्-व(त् >)तीण- -वश्याः शाधी १३, २९, १४; २९; आपधी २३, १३,२;१३; हिधी १८,४, ३७; ५०; लाधी १०, १७, १;

a) पामे. पृ ४६३ b द्र. । b) इष्टि॰ इति स्क. । c) विप. । बस. । d) ज्यात् इति गुसं. । e) विप. । बस. (तु. श्रभा.) । f) तु. पागम. । g) तस्येदभीयप् उक् प्र. । h) व्यप. । व्यु. ! । i) उपद्रष्ट्रे इति c. । j) वैप १ द्र. । k) पाठः ! तु. संस्कृतुंः टि. । सपा. श्राप्ट ४,३,९८ इपहुपल्डे इति पामे. । l) सास्यदेव-तीयः अण् प्र. । m) गोए. पाटः । n) = नदी-विशेष-।

CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

१९,८; -स्याम् बृदे २,१३७ . दार्षद्वत"--तम् शांश्रौ १३, २९, ३११७; काश्री २४,६, ३०; निस् १०,११: ११b;-ते श्रापश्री २३, १३, ११; हिश्री १८, ४, ४७; लाश्री १०,१८,१२१b. दार्षद्वत-तौर- -रयोः लाश्री १०,१८,१०; निस् ६, १: 9; 99. दार्षद्वत-वत् काश्रौ २४, v. S. द्वद्वती-तीर- -रेण काश्री २४, €,₹€. हबद्वत्य (ती-श्र)प्यय- -ये काश्री 28, 4, 4. शिषन् आश्री ९,०,१२. रखारव - - वम् हिपि ६: ५°. इष्ट-, १-२दृष्टि-, दृष्ट्वा √दश् द. √दे पाघा. भ्वा. श्रात्म. रच्नऐा. √ देप्¹ पाघा. भ्वा. आत्म. क्षर्गे. **हेय**- √दा (दाने) द्र. √देव पाधा. भ्वा. श्रात्म. देवने. १-२देव-, देव-ऋषि- प्रमृ. √दिव्द.

पा.) पाग २,४,६१. **देव-तम** - √दिव् द्र. **देवतर**^b- (>दैवतरेय- पा.)पाग ४,१,१२३. **देवतरस**^b->दैवतरस- -•स श्राश्रौ ,

हेवत"-> दैवति'-(>°तायन-

देवट⁸- पाउ ४,८१.

१२,१४,३; श्रापश्री २४, ९, ३; बौश्रीप्र ३३: ३; वैध ४,१,६. देवतरस-वत् श्रावश्री २४, ९, ३; बौश्रौप्र ३३ : ३; वैध ४,१,६. देव-तस्, देवता- प्रसृ., देवन-√दिव द. १देवना ... वाधुश्री ४,२६:३९. देवन्त b->दैवन्त-> °न्तायन--नः बौश्रौप्र ६ : २. दैवन्त्य। - न्त्यम् जैगृ १,१४:१०. √देवय, देवयत्- प्रमृ. √दिव् द्र. १देवयादुः * श्राप्तिगृ २, ६,६ : २४. हेवर1- पाउ ३,१३२; फि ६७, -रः श्रागृ ४, २, १८; बृदे ७, १४; या ३,१५ई; -रम् या ३,१५‡; - †रा: " आपमं १, १, ८; बौगृ १,६,२१; - †राणाम् कागृ २५, ४७; वागृ १३, २; -रात् बौध २,२,६२; गौध १८,४. देवर- (हन् > म>)मी- -मी कीगृ १,१०,२; शांगृ १,१६,४. देवर-व(त्>) ती- -त्याम् गौध 26.28.

१.२देव-रथ- प्रमृ. √ित्त् द्र. देवल"- पाउ १, १०६; -लः शंघ २०१; ऋग्नः, -लस्य चाश्र १६: २७; -लानाम् ० वैध ४,७,४. देवल- -०ल आश्री १२,-१४, ७; ८; श्रापश्री. देवल- (> °लायन-) देवत-> दैवति- टि. इ. देवल-वत् श्रापश्रौ २४,१०,१; २; बौश्रौ...

देवलक^p- -कान् विध ८२,८. देच-वत्- प्रस्ट. √दिव् द्र. १देववान्^व ऋप्रा १६,७७. देववेल^ह- -लाः बौश्रीप्र १७:१०. देववेश्मन्- प्रस्ट., १देव-स्थान-

√िंदव द.
२देवस्थाष²->देवस्थानि-पाग २,.
४,५९; -नयः बौश्रौप्र २०: ३.
†देव-स्पृति-प्रमृ. √िंदव द.
देवा(ब-श्र)वी²- वीः हिश्रौ२१,१,२.
देविका-प्रमृ. √िंदव द.
देविल-पाउन्द १,५६.
देवी-, देवीधिय-प्रमृ. √िंदव द.
देवि॰, पाउ २,९९; -†वृषु श्रापमं
१,६,६; कागृ २५,४०.

देवेज्या- प्रम. √िंदव् इ. देश- √िंदश् इ. देशकपटु - - द कौस् ४८,१०. देशकाल- प्रम., देशीय-, देश्य-, देव्टी- √िंदश् इ. १-२देह- प्रम. √िंदह् इ. देहत्- पाउभीवृ २,१,२६०. देहत्- - नेषु कौषृ ३,१०,१०°.

देहल - पाउभोर,३,९८;पाग४,१,४१ देहली - पा ४,१,४१; -लीम् आपग्र ६,९; -लीपु शांग्र २, १४,९६; -ल्याम् भाग्र ३,१३:

a)= सत्र-विशेष-। b) °द्र° इति पाठः ? यिन. शोधः। c) त्रर्थः ब्यु. च ?। = पेपयन इति भाष्यम्। द्रु° इति त्रान.। d)= पात्र-विशेष-। ब्यु. ?। e) सपा. माश ?, ५, ५, ७ वृषारवी इति, बीपि ?, ६ ७ वृषारवम् इति च पाभे.। f) तु. BPG.। g)= शिल्पिन-। ब्यु. $?<\sqrt{2}$ वृ? इति MW.। h)= ऋषिविशेष-। ब्यु. ?। i) दैविलि— इति पाका., दैवोति— इति शाक्ष्टायन इति पागम.। j) यस् प्र. उसं. (पा 8, 9, 9, 9)। k) पाठः ? देवाः अदुः (लुङि प्रपु ?) इति शोधः। l) वैप ?, १६६९ ? ? ? स्वरूपम्?। तैप ?, १६६९ ? ? ? स्वरूपम्?। तैप ?, १६६९ ? ? ? सहस्पम्?। तेण इति मुको.। ?) = श्रिहिळत्रक-। ब्यु. ?। ?0) सपा. "नेषु ?0 लीपु इति पामे.। ?1) = गृहावप्रहिण-। ब्यु. ?2। ?3) सपा. "नेषु ?5 लीपु इति पामे.। ?5 = गृहावप्रहिण-। ब्यु. ?4 रिद्द इति प्रायोवादः।

१२: जैगृ १,२३: ११; श्रापध दिवल- प्रमृ. देवल- द्र. २,४,२; हिध २,१,५५. ेटेडिलि"- -लिम् वैग् ३, ५: ३; हिग् 2, 27, 4. ?हेहाद्येर्यात् अप १,४६,१. ?देहि^b श्रप १,११,४. देहिन्- √दिह इ. √दे पाधा. भ्वा. पर. शोधने. देख- प्रमृ., दैचोपसद- √दीक् द्र. १देड -- डः गो २,६; -डाः गो २,९. ?देडी°--डी गो २, ७; -ड्य: गो २,१०.

दैत्य- प्रमृ. दिति- इ. है धिषदय- २दिधिषु- द्र. दैन्य- 🗸 दी (क्षये) द्र. देयांपाति- दांपात- द्र. दैरस- दिरसा-इ. दैर्घ-, दैर्घतम- प्रमृ. दीर्घ- इ. दैलीपायन-, ॰पि- दिलीप- इ. दैव- प्रमृ. √दिव् द्र. दैचिकि d- -िकः बौश्रौप्र १०: ३१°. दैवत- प्रमृ. √दिव् द. दैवतरस- देवतरस- इ. दैवतरेय- देवतर- द्र. दैवतायन-, दैवति- देवत- द्र. दैवत्य-, दैवद्त्ति-, 'दर्शनिन्-, °दार्शन्-, °दास - √िदव् द्र. दैवन्तायन-, °वन्ति-, °वन्त्य-देवन्त- द्र. दैवमतायन- प्रमृ. √दिव् द्र.

√दिव् >देवयात- टि. द्र. १देवयातवक- √दिव् >देवयातव-टि. द्र.

दैवयातव-, (> २दैवयातवक-)

दैवरथायनि- प्रमृ., १-२दैविक-, दैवी-, दैवींधिय-, व्यक- प्रमृ. √दिव् द. दैवोति- (>॰तायन-) देवत-> दैवति- टि. इ. देवोदास- प्रमृ. दिवोदास- द्र. दैव्य, व्या- प्रमृ. 🗸 दिव् इ. दैशेय-, दैष्टिक- दिश् इ. √दो √दा इ. दोग्धुम् प्रमृ. √*दुघ् द्र. दोट'- (> ॰टी- पा.) पाग ४,१,४१. दोडी- पा, पाग ४,३,१६७. दोला'- (> दोलक- पा.) पाग 4,8,29. दोष- प्रमृ. √दुष् इ. दोचन्^ड- - †पणी आश्री ३, ३, ५; शांश्री ५,१७,५; माश्री ५,२,९, ४: - जाः बौश्री ४, ९ : ३; ८; भाश्री ७,१८,१२;१९,४. दोवण्यह- -ण्यम् त्रापमं १,१७,२ . दोषा^ड- पाउन् ४, १७५; पाग १, १, ३७: - च्या याश्री ८,१, १८;

११.३; त्रापश्री ९,७,३h; बौश्री दौर्मित्रि- २दुर्मित्र- इ. २८,१२:६ⁿ; ७^h; भाश्रौ ९, ९,१०h; माश्री ३,३, ५h; वैश्री २,२: १२^b; श्रप्राय ४, ४; श्रप ४८,७४; ११६; बृदे ३, १०\$; साम्र १, १७७1; निघ १,७; या ३,१५०; ४, १७; -पाम् ऋपा 9.894.

१२, ४h; ४,१०, ३; बौधी ३, ८ : २६; हिश्रो १५,२, २०; दौष्टव- दुष्ठ- इ.

शांगृ ५,४,४^h; ऋप्रा. दोषिन्- √डुष् इ. ?दोषोगाय वैताश्री १७,२; कीस २३, २;५०,१३;५९,२५; अश्र ६,१. दोस् - पाउ २, ६९; दो: आश्री १२, ९,६; त्रापश्री ७,२२,६३; बौश्री; या ४, ३०; दोम्याम् अप ६८, २, २:३, १०; दोषम् वाश्रौ २, 9.8.8. दौष्क- पावा ७,३,५१.

दोह-, दोहन- प्रभृ. √ दुघ् द्र. दौत्य- दूत-इ. दौरक्किव--क्षिः बौश्रीप्र २७: ९. दौरार्द्धा- दुरार्द्ध- द्र. †दौर्गह^द- -हः अप ४८, ९३; निष 8,98. दौर्गायण- २दुर्ग- द.

दौर्जीवित्य- दुर्जीवित- इ. दौर्बल्य- दुर्बल- द्र. दौर्भागिनेय-, १-२दौर्भाग्य-दुर्भग- द्र. दौर्भात्र- दुर्भातृ- इ. दौर्मनसायन- २दुर्मनस्- द्र. दोहिद- दुईद- द्र. दोहिदय- दुईदय- द दौवारपाल-, °िल- प्रमृ. द्वार- इ. दीपकगतिd-(>oतायन-) पाग र, 8,49.

दौ:पन्ति- दःषन्त- द्र. दौष्क- दोस्- द्र. ‡दोषा-वस्तृह- -०स्तः त्राधी ३, दौष्कुलेय-, दौष्कुल्य- दुष्युल- इ. दीप्कृत्य- दुष्कृत- इ.

b) पाठः ? । सपा. शी १९, ७,४ देवी इति? । सा. च तत्र = देव्यः इत्याह ? । a) = देहली-।c) पाठः ? यथाकमम् ऐड-, ऐडी- इति शोधः (तु. वैप १, १६७० C)। d) = ऋषि-विशेष-। व्यु.!। c) वै इति पाठः? यनि. शोधः (तु. संस्कर्तुः टि.)। f) तु. पागम.। y) वैप १ द्र.। h) पामे. वैप १, १६०० m द्र. । i) वैप १, १६७० n द्र. ।

दीष्पुरुष्य- दुष्पुरुष- इ. दीष्यन्ति- दुष्यन्त- इ. होष्यप्य- दुःबप्त- इ. होःध्वप्य- दःश्वप्र- द्र. दी:स्त्र- द:स्त्री- द. दौष्ठिक- √'दुष्>दोह- द्र. दोहित्र-, °त्रायण- दुहित्- द. श्टास्व° पागृ ३,१३,६. द्यांपात b->दैयांपाति b- त्ये भाशि ₹८₹. द्यावा √दिव् द्र. श्चावाकतो° अप्राय ३,१०. द्यावा-द्याम् प्रभृ. √दिव् द्र. √टा पाधा. श्रदा. पर. श्रभिगमने. ध- प्रमृ. √दिव् द्र. च्छाव- -क्षः ऋत्र २,९,५२; -क्षम् श्चापश्री ६,१७, १०; भाश्री ६, ४,४; हिश्रो ६, ६,१६; -क्षाय श्रापृ १,१,४. †ग्र-गत्व अप ४८, १०६; निघ २, १५. √इत्° पाधा. भ्वा. श्रात्म. दीप्तौ, द्योतते वैताश्री १४,१4; अप्राय २,७; अप ४८, २० 🕆; निघ १, १६ 🕇; अद्योतत या ११, ३६. क्योतयति लाश्री ७, १२, ६;

१०; द्योतयेत् आज्यो ३,२.

†अदिद्यतत् आश्री ४, ६, ३;

शांश्री ५,९,७; बौश्री ६, १४:

१५: या ६,१२; अप्रा ३,४,१.

दिवद्योत् या ११, ३६ च र्. दविद्यत¹>°त-व(त्>)ती- -ती निस् ४,१३: १६. दविद्यतत्- पा ७, ४, ६५. १७;२: १;८: १; साम्र २, ४. दिख्तान- -नः शांश्रौ ८,२२, १ नै. †द्यत् - द्युतम् जैगृ २,९: ३०; द्युते ब्रापश्री १६,२७,३; बौश्री १०, ४६: १६; बाश्री २,२, २, ११. द्यतत्->†द्यतद्-यामन् d--मानम् श्राश्री ४, १४, २; ऋश्र 2,4,60. द्यता^ह जैथ्रीका ७६. द्यतानb- -नः काश्रौ ८, ५, ३० ई; श्रापश्री; ऋअ २, ८,९६; साश्र १, ३२६; -नस्य श्रावश्री १४, २५,७: -नेन शांश्री १३,१२,३. द्योतान1- -नम् चुस् १, ११: २८; -ने लाभी ८,६,५. द्यति- -तिः। बौश्रौ २८, ४: ३०; -तिम् अप ६९, ८, २; शंध ११६: ५४; बौध ३,८,३९. द्यति-मत्- -मान् विध १, ७. द्योतन,ना^k- पाउंच २, ७८; -नम् श्रप ४८,६४ +;- +ना श्रप ४८, ११०; निघ १,८; -नात् या २. २0; ७,94. द्योतन-कर्मन्"- ·र्मणाम् या १४, १२.

द्योतन-वत्- -वान् या ६, १९. द्योतयत् - -यन् श्रप २४,४,२. चोतान- -नस्य अप्राय ६.३. द्योत्य- -त्ये पावा ३,१,१२५२ दवीद्यतती- - नेरया जुस् १,१ : द्यमुत- पाउभी २,२,१८४: - मः ऋष्र २,५,२३; - मझम् आश्री २.५. 923; 4, 93, 5"; 6, 99, 8; शांश्री; श्रापमं २, ११,२८°: या प, पर्क; -†म्नानि त्रापश्री ३. १५,५; बीय १,४,१३; - म्हाय श्राश्री ३, १२, २३; शांश्री; श्रप्राय ५, ११^р; - मेन्नेन शांश्री २,२, १७; ९, २२, ५; काश्री; -म्नै: श्राश्री २,८,३%. द्य(म>)म्ना-साह्- -साहम् ऋप्रा 9,34. †युम्निन्- -म्री आश्री ४,१५,२; ऋग्र २,८,८७; श्रप ४८,११६; ऋपा ७,२९. †द्यम्निनी- -नीःव त्रापश्री १८, १३, २१; बौश्री १२, ९: ८; हिश्रौ १३,५,२१. द्यसीक'- -कः ऋत्र २, ८,८७. ?ध्रुह्डयुरुं श्रा ३६,१,१२. द्यवन्t- पाउ १, १५६. यत- प्रमृ., यून- √दित् द. √द्ये पाधा. भ्वा. पर. न्यक्ररणे. द्यो- √िंदव द. द्यो(त>)ता"- -ताम् श्रापगृ ३,१२. श्चोप्यते अप ४८.२०.

a) तां चस्व इति पाठ ? पचस्व (लोटि मपु१) इति शोधः (तु. विश्वनाथः BC. प्रमृ. च; वैतु. जयरामः [पक्षे] श्रन्यथा-व्याख्यानः) b) वैप २,३खं. द्र.। c) श्रर्थः व्यू. च 2 ! d) वैप १ द्र.। e) या १, ६;५,५;२०,७ पा १,३.९१;३,१,५५ पात्रा १,३,७९ परामृष्टः दः । त) दुविद्युतस्या ।ऋ ९,१४,२८।इत्यस्यानुकरणम् । g) गुतानः (मा ५,२७) इत्यस्यानुकरणम् । h) विष. व्यप. (ऋअ.साश्च.प्रमृ.) । i) = साम-विशेष- । j) गुतिसा $^{\circ}$ इति पदसूची। k) भावे कर्तारे च कृत्। l) वैप १,१६७२ n इ.। m) विप.। वस.। n) पामे. वैप १,१९७६ a इ.। o) पामे. वैप १, १६७३ d द्र.। p) द्युम्ने इति पाठः धानि. क्रोधः (तृ. श्रापश्री ९,९,१)। १६७४ c इ. । r) = ऋषि-विशेष-। व्यु. ?। s) किप. श्रमुकरणम् । t) नाप. । = 24. ? $< \sqrt{3}$ इति पाउ., शु-वन्- इति PW. प्रमृ.। u) = कन्या-विशेष- । व्यु. ?।

होति पाउमो २,३,७८.

१द्रक्षन्ति श्रप ७०³,११,८.

द्रिक्षम् - √हंह् द्र.

†द्रघस् - - पसी श्रापश्रो १२,१८,
१८; वीश्रो.

द्रप्स° - - †प्तः श्राश्री ३, १३, १५; ४,०,४; ५, २,६; ८,३,३३; शांश्री; काश्री २,६,१६^b; हिश्री १,६,८०^b; श्राश्र १८,४३; या ५,१४० क्रिंश १८,५८; चम्प्तम् केश्री ९:२७; श्रश्न १८,१; या ५,१४; - †प्तस्य श्राश्री ४,६,३; शांश्री ५,९,१४; -प्तान् बौश्री ७,७:२३××; द्राश्री; -प्तानाम् द्राश्री ७,२,११; लाश्री ३,२,११; -प्सेन कीस् १९,१०; ३६,१९.

द्रप्स-प्राशन-सल्य-विसर्जन- -ने श्राश्री ७,१,६.

द्रप्स-व $(\pi >)$ ती c - -तीभिः ब्रापथ्रौ १३, २०, ८; -त्यः वैताश्रौ २३.२२ g ते.

द्रप्सा(प्स-श्र) सुमन्त्रण — > °णी-(य >) या - - या बौश्रौ १४, ४ : ४७; - याः बौश्रौ १४, ५ : ३४; - यासु बौश्रौ २१, १७ : २३; २५,१८ : ११.

√द्रम् पाधा. भ्वा. पर. गतौ, द्रमति बृदे ७,१२९³; निघ २,१४‡; या. ११.५.

दन्द्रमण- पा ३,२,१५०. द्रमिड- पाउना १,१०७. द्रव-, °वण-, °वत्- √द्रु द्र. द्रवदिड°- -डम् निस् ८, २:४); -डानि निस् २,११:४.

द्रवस्-, √द्रवस्य प्रहुदः. द्रविड'- -डाः अप ५६,१,५; -डान् अप ५०,१,५.

द्विण⁸- पाउ २, ५०: - †०ण श्रापश्रौ ४,१२, १०; माश्रौ ४, १८. ७: - + णम् शांश्री १,१५, १७: 3, २०, ४^१××; काश्री २, २ २१: ९,३, १८ ××; श्रापश्री १,90, ६hxx;4,96,91; 20, २०,९1; बौब्रौ:हिब्रौ २,७,५०h; ३, ४, ५४¹; Sया ८, १कृ; -णा आश्रो २,७,९+;बौश्रो १०,४९: २२: या ८,१८; -णानि श्रापश्री १७, १८, १‡; श्रागृ १, १५, ३‡; शांगृ; या ८, १८; -णाय व्यापध्री १७, २, ६ +; - + ने त्रापश्री १६,३०,१; १७,५,१२; बौधौ;-णेन माश्री १,६,२,१७ +. द्रविण-प्रवा(द>)दा- -दाः निस् ६,११: ८.

द्,।।... द्रविण-व(त् >)ती- -तीम् विध ९०.७.

द्रविण-सादिन् - - दिनः या ८,२. द्रविण-सानिन् - - निनः या ८,२. १द्रविण-स्पर्धन् k - - - धंसु जैश्रीप १२. +द्रवि (η))णा-वत् - - वतः तैप्रा ३,५; भाशि १०१.

द्रविणस्°- -णसः या ८,२°+∳. √द्रविणस्य° > द्रविणस्यु°-†-स्यवः श्रापक्षो १७, ७, ४; वौद्रो ३, ३:५: वैद्रो १९,५:

४; हिश्री १२,२,२४; निस् ३, ९:४८; -स्युः पा ७,४,३६. द्रविणस्-वत् - वत् जैश्री १७:११. द्रविणो-द° - -०द कप्र २,४,११; -दः बृदे ३,६१;६२;६५.

इविणो-दस्, दा^a - -०दः या ८, ३†; -दसः ऋग्र २, १, १५; वृदे ३,६५; या ८, २¹; -दसम् कप्र २, ४, ९, वृदे २, २५; ३,३८; -दसे ऋग्र २, १, ९६; बृदे ३, १२९; -†दाः आग्रौ ५,२०,६; शांश्रौ; आपश्रौ १७, ५, १२[™]; वौश्रौ १०, ४५: ३६[™]; वैश्रौ १२, २, ९[™]; वृदे ३,६३¹; या ८, १³ ७; २^४; -दाम् वौश्रौ २५, २१: १९; या ८,१[‡].

द्राविणोदस⁸ - सः वृदे ३, ६४; या ८,२°‡; -सम् या ८, २°; -साः या ८,२°; -सान् वैताश्री २०,५. द्रविणोदा (दा-श्रा) दि-प्रार्थन--नम् श्रश्न ५,३.

द्रवी 🗸 छ 🗸 दु द.

श्रापधः; -च्येषु काश्री ४,३,१९; १४,२,३३; निस्; -व्यै: माश्री ४,१,२; मीस् ६,१,११. द्रब्य-क- पा ५,१,५१. द्रव्य-कर्मन् - र्मणाम् मीस् ४, १, द्रव्य-कल्प- -हपः निस् ८,४,३७. द्रब्य-कृश- -शः श्रापध २, १७, १०; हिध २,५,३९. द्रव्य-गुण- -णयोः मीस् ३,१,११. क्रब्य-गुण-विकार-व्यतिक्रम-प्रति-षेध- -धे मीस् ९,२,४०. ब्रब्य-गुण-संस्कार- -रेषु मीस् ३, 9, 3. ब्रब्य-गुणीभाव- -वात् मीस् २, २, क्रव्य-चिकीर्ण- -र्षायाम् मीस् ४, 9.30. द्रव्य-तस्(:) मीस् १०,२,६६. द्वव्य-स्याग- -गः हिपि १४: १८. द्रव्य-स्व- -त्वे मीस् १२,४,१०. ब्रह्म-देवत,ता- -तम् शुत्र ३,४४; मीस ११,२,३:८. द्रव्यदेवत-वत् मीस् ११,२,२९. द्रव्यदेवता-युक्त- -क्तः काश्री 8,3,9. द्रव्यदेवता-विधि- -धिः मीस् €, ४, ३०. ब्रुच्यदेवता-विरोध- -धे काश्री 8,3,5. द्रुब्य-देवता-ऋ(या>)य- -यम् मीस् ४,२,२७. द्रव्य-देश-ब्राह्मण-सन्निधान- -ने बाध ११,४४; गौध १५,४. द्रब्य-नियम- -मः हिपि १६ : ५. द्रब्य-निर्देश- -शे मीसू १०,६,७३. द्रब्य-पर-स्व- -स्वात् भीस् ३, ४,

द्रव्य-परिग्रह- -हेपु त्रापध २,१४, १९; २०,१९; हिध २,३,२९; ५. १०४; -है: श्रापध २, २६, १७; हिथ २,५,२१२. द्रव्य-पृथक्-त्व- -त्वात् मीस् २, २.१९; - त्वेन हिश्री १,१,३९. द्रव्यपृथक्त-दर्शन- -नम् पावा 2,8,906. द्रवय-प्रकल्पन- -नम् श्रापश्रौ ४,१, २; हिश्रौ ६,१,७. द्रव्य-प्रदान- -नात् श्राप्तिगृ ३,१२, 9: 20. द्रव्य-प्रधान-त्व- -त्वात् मीस् २, द्रव्य-प्रयोजन- -नम् वौध १, ५, द्रव्य-फल-भोक्तृ-संयोग- -गात् मीसू २,३,१४. द्रव्य-भेद- -दात् पावा १, २, ६४; -दे काश्री १,५,१३. द्रव्यभेदा(द-आ)श्रय^b- -यम् श्राप ७०,४,५. द्रव्य-मूल- -लम् वाध २,४९. द्रव्य-लक्षण- -णानि निस् ३,९: ३. द्रव्य-लाभ- -भे गौध २२,३३. द्रव्य-वत् विध २३, ३४; पावा; मीसू १०,७,१३°. द्रब्य-वत्-तम- -मः काश्री २२, 8, 9. द्रव्य-वत्-ता- -ता हिथ्री ३,१,९. द्रब्य-वत्-त्व- -त्नात् मीसू ६, ५, द्रव्य-विकार- -रः निस् ६, ७: ३४; १०: ३६××; मीसू १०, ४,१८; -रम् मीस् १२,४,९. द्रव्य-विधि-संनिधि- -धी मीस्

20,3,39. द्रव्य-वृद्धि - - दिम् वाध २,४९. द्रव्य-व्यतिरेक- -कात् मीसू ९,२, द्रव्य-शब्द- -ब्दः मीस् ८,३,१७. द्रव्य-शुद्धि - -िद्धः गौध १, ३१; -िह्नपु विध २३,३९. द्रव्यश्रद्धि-कृत्- -कृत् शंध १६३. द्रव्य-श्रुति- -तेः मीसू ६,४,२९. द्रव्य-संयुक्त- -क्तम् मीस् ६, १, द्रव्य-संयोग- -गः मीसु २,२,१७; ६, १, ४०; -गात् मीसू २,२, १७; -गैः या ७,६;७. द्रव्यसंयोगा(ग-अ)र्थ- -र्थम् मीसू १०,१,९. द्रव्य-संविभाग- -गः वीध २, ३, १९: गौध ५,२२. द्रव्य-संस्कार- -रः मीसू ३,८,३१. द्रव्यसंस्कार-तद्गेद- -दाभ्याम् काश्रौ १,८,२१. द्रव्य-संस्कार-कर्मन् - -मेसु मीसू ४, 3,19. द्रव्य-संस्कार-विरोध- -धे त्रापश्री २४,३,४७; मीसू ६,३,३९. द्रव्य-संख्या-हेतु-समुदाय- -यम् मीसू ९,१,११. द्रव्य-समवाय- -यात् मीसृ १२, ٧, ٤. द्रव्य-समास- -सेन निसू ८, ५: द्रव्य-समुचय- -यः त्रापश्री २४, 3,6. द्रव्य-समुद्देश- -शः निसू २,११: द्रव्य-सपस- -तः मीसू ६,१,३९.

द्वच्य-सामान्य- -न्यम् हिश्री ३, १, १९; -न्यात् काश्री १५, ९, २७: २३,२,9६. द्रव्य-सिद्धि-स्व- न्वात् मीस् ६, 9,39; 0,6. द्रव्य-हविर्-मन्त्र-कर्मा(र्म-आ) दि- -दीनाम् बीगृ ४, ५,२. द्रब्य-हस्त- -स्तः शंध १७१; विध २३,५५; गौध १,३०. द्रब्या(व्य-श्रा)गर्म- -मः निस् ८, ३: १२; ९, ४: २०; -मस् निस् ४,१३: १५. द्रब्या(व्य-श्रा)दान- -तम् गौध 86.24. द्रव्या(व्य-त्रा)देश- -शे मीसू ७,

₹,9 €. द्रव्या(व्य-त्र)न्तर- पाग २, १ ७२; -रे मीसू ६,३,११××. द्रव्यान्तर-वत् मीसू ११,४,४६. द्रव्या(व्य-ग्र)न्वय8- -याः श्राश्री

8,9,20. द्रव्या(व्य-श्र)पचय- -ये गौध २२,

द्रव्या(व्य-श्र)पचार- -रे माश्री ३, 9,3.

द्रव्या(न्य-श्र)भाव- -वात् काश्रौ २२, १,१२; -वे हिश्री ३, १, २७; बौपि २,१०,१; ४; मीसू 8.3.80.

द्रव्या(व्य-त्र्य)भिधान- -नम् पावा १, २, ५८; ६४; -नात् मीसू १०,४,५३; -ने पावा १,२,६४. द्रव्या(व्य-अ)र्थ-संप्रह- -हः शंध

२४६.

१,१,६९; बौध २,७,२७. द्रव्या(व्य-श्रा)वृत्ति- -तौ माश्रौ 3,9,4. द्रब्ये(व्य-ई)प्स- -प्सः द्राश्री ६, द्रव्यै(व्य-ए)कत्व- - स्वात् मीसू ९, १,२७; ११,४,४८; -स्वे मीस् ₹,4,94. द्रब्यो(व्य-उ)त्सर्ग- -र्गात् भीस् ९, द्रब्यो(व्य-उ)पकल्पन- -नम् काश्रौ १,१०,३. द्रव्यो(व्य-उ)पदेश- -शः मीसू २, 80,8,6.

१,११; -शात् मीसू ८,४,५. द्रब्यो(ब्य-उ)पपत्ति- -त्तेः मीसू ६, द्रब्यो(व्य-उ)पयोग- -गानि भाश्रौ

द्रब्यो(व्य-उ)पस्थापन- -नम् वैश्रौ ३.9 : ६.

२द्रव्य- द्र- द्र. द्रप्रव्य-, द्रष्टुम्, द्रष्ट्र- √हश् द्र. द्रहिल^b- -लम् माश्री ५,२,१४,१४. √द्रा पाधा. श्रदा. पर. कुत्सायां गतौ, द्राति निघ २,१४+; या २,३\$. †दद्राण- -णम् शांश्रौ १३,१२,१; १४, ३२, ४; आपश्री; या १४,

दद्राण-व (त् >)ती-वत् निसू 4,8:3.

द्राति->द्राति-कुत्स(न>)ना--ना या २,३.

द्वा^c- वेज्यो १८.

द्रव्या(व्य-ख्र)लाभ- - भे वाश्री १, द्राक्षाd- पाउभी २,३,१९१; पा, पाग ४, ३,१६५; ६, २,८८; ८, २, ९; फि ५७; -क्षाम् शंध २२०.

द्राक्षा-प्रस्थ- पा ६,२,८८. द्राक्षा-मत्- पा ८,२,९.

√द्राख पाधा. भ्ता. पर. शोषणाल-मर्थयोः.

√द्राघ्⁶ वाघा. भ्वा. श्रात्म. सामध्ये श्रायामे च, दाघयन्ति ऋपा १४,५१.

द्राध!->द्राधिमन्!- पा ५, १,

द्राघीयस्- -यः भाश्रौ ८,१५, ११; हिथ्रौ ५,४,११; आय २, ९, २^{†g}; आभिगः, मागः २,१, १३ + ह ; -यांसम् श्रापध २, १६, २४; हिंध २, ५, २३; -यांसी बीश्री १०, १९: ८; बौशु ५: १४; तैप्रा १६,१३ ; -यान् त्रापश्रौ १, ५, १०; ८, १३,१३; माश्री.

द्राधीयसी- -सी ऋप्रा १ ३३; ६,४८.

द्राधित,ता- -तः ऋप्रा १, ७५ -तम् निस् ६, ७: २४; -ता ऋप्रा ४,२९.

√द्राङ्क्ष् पाधा, भ्वा. पर. घोरवासिते. √द्राड् पाधा. भ्वा. श्रात्म. विशर्गो.

द्रावियतृ- √दु द.

द्राविणोदस- द्रविणस्- द्र.

√द्राह् पाधा. भ्वा. श्रात्म. निद्राक्षये निचेषे च.

√दृ h पाधा. भ्वा. पर. गतौ, द्रवित वैश्री ८,४: ११; २०,२१: ४;

a) विप. । बस. । b)= वरासी- (= स्थूलशाटी- इति स्द्रदत्तः $\lfloor \frac{1}{2} + \frac{1}{2} +$ c)= स्रार्दा-नक्षत्र-। d)= लता-विशेष-वा तत्फल-वा। ब्यु. ?। e) या २,१६ परामृष्टः द्र. । f) वैप १ h) या ४,३; ५,१; ६,४; ८,९ पा १,३,८६; ३,१,४८; ७,२,१३;४,८९ इ. । g) पामे. वैप १,१६७७ j इ. । पागवा ६,१,१५६ परामृष्टः इ.।

निघ २, १४‡; या ६,२५××; द्रवन्ति या ११, १३; ‡द्रवत् शांधो १७,१२, ४; द्वेत् वैधौ 20, 98:93. द्रवयन्त ऋपा ९,४५ . †द्रावय>या शांधी १२, ९, ११; ऋप्रा ८,३२.

द्रवº- -यम् या १४,२९; -वाणाम् माश्री १, ३, २,२०; वाध १४, २६; विध २३, ३०; -हाणि श्चापथ्रौ २, २०, ४; -वे बौथ्रौ २७,३ : ६; वैश्री २०, २९ : २. द्रव-स्व- -स्वम् मीस् ८, २, द्रव-द्रव्य- -व्ये कप्र १, ८, द्रव-मूर्ति-स्पर्श- -र्शयोः पा ६,

9.38. द्रव-सामान्य- -न्यात् मीस् ८, 9,80b.

द्रवी /कृ > द्रवी-कृ(त >)ता--ताः वेधी १९,६: ११७.

द्वी-कृत्य श्रापश्री १७, १९, ३; हिथ्रौ १२,६,५.

†द्वण- -णात् उनिस् ७ : ४४; द्व॰- पाउभो २,१,३४; पाग ८,२,९; द्वगध- √हुह् इ. -णे त्रापश्रो २२,२६,१०; वौश्रौ १८,१०: २,१०; हिश्री २३,४, २५: चात्र ३८: ५.

द्वत् -- - †वत् व श्रप ४८, १०६; निघ २,१५ - चवतः बीधी ११, ८: २५; ६५, २९:१७; -वन् बौध्रो २०, ५ : २७××; -बन्तः वाध्रधी ४, २६ र: ६: कीए ५, ३, २५; - ‡बन्ता आपश्री १२,

१४,१५; हिथ्री ८,४,१७. द्रवस्- (>√द्रवस्य पा.) पाग 3,9,30.

द्रावियतृ - -ता या १०,८. द्रत,त!- -तम् अप ६२,४, ३; वैध ३.७,३; या ३,१९; -ता माशि १,9:३; -ताम् ऋप्रा १३,४६; ४९; पाशि; -तायाम् ऋत २, ४,9; माशि १, ५; पावा १,9, vo.

द्रत-कनक->°नक-विद्रम-स्फटिक-वैद्वर्य-वर्ण- -णम् अप ६५,२,१.

इत-गमन- -नात् उनिस् ७:

द्रत-त(र>)रा- -रा या ३, 90.

द्रत-मध्य-विलम्बि(त>)ता--ताः माशि १,१; कौशि ५८. द्रत-विलम्बत- -तयोः पावा 8,9, 88.

द्रुता(त-ग्रा)दि- -दिषु पावा १, 2,20.

द्रस्वा बौधौ ६,२६: ११××.

द्या ४,१५; भाशि १७ . २द्रब्य- पा ४,३,१६१. द्-(हन् >) ब्री ! - - ब्रीम् कीस् २५,

१७; २६,३. द्रध्न्या(द्री-त्र्या)र्ली-ज्यापाश-तृण-मूल- -लानि कीस् १४,१३. इ-प(द् >)दी- पाग ५,४,१३९.

इ-म"- पा ५,२,१०८; पाग ८, २, ९; पात्राग ४, २,५१; -मः श्रप ७१, ११,१; या ९, १२; -मम अप ६८,५, ३; -माः अप ६४. ८,९××; -माणाम् अप ६४,४, १; -मान् वाध २७,२; -मे अप ७० , ७,१३; - मेभ्यः अप ६४. ९, २; -मै: अप २१, ४.

द्रोम- -मैः ऋप २७, १.

इम-गुल्म-बली-लतौ(ता-श्रो)प-धि- -धीनाम् विध ३७,२४. इम-मत्- पा ८,२,९.

द्रम-मय- -यः या ९, २३; -यम् या ५,२६; -यस्य या ४,

द्रिम(न्>)णी- पावा ४, २, 49.

†इ-पद्"- -पदम् वौश्रौ ११, ३: १०; वाधी ३,१, १, १६; वैधी १७,९ : ५; भाशि १७; -षदे माश्री ६,२,४,१७; वाश्री २,२, 3,29.

†इ(इ-य)न्न - नः काथौ १६,४, ३५; आपथी.

द्ध- (>द्रीघ-) दुह्य- टि. इ.

१इ-घण,न 11- पा ३,३,८२1; -णः बृदे १, १११; निघ ५, ३; या या ९, २३; २४‡; -णेन ऋश्र 2,90,902.

द्रीघण^६- -णम् ऋग्र २, १०, १०२; बृदे ८, ११. दुघण-शिरस्- -रः कौस् ४६,२.

a) तु. राज. । भावे कर्तिर वा कृत । b) व्रत-सा° इति जीसं. । c) वैप १ निर्दिष्टानां समावेशः d)= 2ति-विशेष- e)= 2अ-, शाखा-। e g)= 2प-। g)= 2प-। h) बैप १ इ.। i) पामे. बैप १, १६६८ r ह. । j) = मुद्गर-[तु.श्रमा.]। पाप्र.<्रह्- + $\sqrt{ हन् }$ ।

k) सास्यदेवतीयः अण् प्र. 1

द्वणा(गा-त्रा)दि- -दीनाम् शौच 3,04. २द्रघण- (> द्रीघणक- पा.) पाग 8, 2, 200. √द्रण् पाधा. तुदा. पर. हिंसागति-कौटिल्येषु. ्**द्रण**- (>द्रुणी^b- पा.) पाग४,१,४१. १ + द्रपद °- -दात् काश्री १९,५,१६; द्वपदा^d- -दाम् विध ६४,२१. २१द्ध-पद्- - +दे निघ ४, १; या ४, 946. ३द्रपद- (>द्रीपदायनि-) डुपद-√दुस्म्, दुस्मति निघ २,१४ कै. द्र-वय- पा ४,३,१६२. √दुह्° पाथा. दिवा. पर. जिघांसा-याम्, दृद्धेत् माधौ ३, ५, ६; †वाध; या २,४ 1. द्रहतात् आश्री ६,१२,२. दझोह श्रप ४२,२,३ ई. द्रुग्ध- -ग्धः पागृ ३,१३,६. द्रह्°- द्रुहः श्रापमं २, १२, ६; ९; १०: श्रामियृ. द्रहृत्°- -हुगः अअ ४, २९‡¹. होरधव्य- -व्यम् काश्रौ ८,१,२१. होह- पाग ५,१,६४;२, ३६; -हः श्रापध १ २३, ५; हिध १,६, १३; -हे ऋप ४८,२८; -हेण विध ५,२५. द्रीहिक- पा ५,१,६४. द्रोह-द्वेप-कारि(न् >)णी-

-णीम् कप्र १,८,७. द्रोहित- पा ५,२,३६. झोहिन्- पा ३,२,१४२. द्वहण- (>द्रोहणक- पा.) २द्रुघण-द्रहिण - पाउर २, ४९ ; -०ण विध 96,60. द्रहाष- (>द्रौहा- पा.) पा, पाग २, ४,६३ h; पाग ४, १, १११ 1. †दृह्य°- -हावः ऋप ४८, ७८; निघ 2,3. द्रह्मण^ह- -णः श्रश्र ६,६३. √द्र¹ पाधा. कवा. उभ. हिंसायाम्, द्रणाति निघ २,१९ . 🕇 द्रणान - - नः या ६, १२; शुप्रा ४,६५; भाशि १७. द्र- पाउ २,५७. √दृड्।>ळ्], दूळित निघ २,१४‡. √द्रेक पाथा. ¥श. यात्म. शब्दोत्सा-हयोः. देकाण^k- पाउभो २,२,१२८. √द्रै पाधा. भ्वा. पर. स्वप्ने. द्रोः° या ४,१९ क. १द्वोण'- पाउ ३,१०; पाग ४,१,४१; -णम् बौधौ १०, ५०: २××; माश्रौ; या ५,२६; -णानि हिश्रौ १२,८,९; त्रापशु १३,५; बौशु १७:२; -जे आंथ्रौ ६, ४,१०‡; शांश्री;काशु ४,२1;बीशु २१:९1. द्रोणी - पाउमो २, २,१२२; पाग ४,१,४१. द्रोण-कलश°- -शः बौधौ १४, ६ :

93; 28,5: 3; 29, 5: 20; वाध्यौ ४, ७४: १०; -शम् आश्री ६, १२, १; २; काश्री; -शस्य बौधौ २३, १२:६; वैश्री १५, १४:३; द्राश्री ३,२, १८; लाश्री १,१०,१३; -शात् ब्राश्रौ ५, ६, २१; ६, १२, ४; काश्री; -शान् हिश्री १५, ७, ४+; - शे शंथी १५, २३, १; काश्री; -शेन आपश्री १३,१७. २; १४,३२,५; वैश्री १६,२०: १०; हिश्रौ ९,४,४७. द्रोणकलश-पवित्र-योजन--नम् काथौ ९,१४,२. द्रोणकलश-स्थ- -स्थम् वैताश्री १६,१३. द्रोणक्लशा(श-श्रा)धवनीय--यो हिथ्रो ८,५,१६. द्रोणकलशा(श-आ)वृत्- -वृता दाश्री३,४,३७; लाश्री१,१२,२१ द्रोण-चित् - -चित् काश्रौ १६, ५, ९; बौथौ १७, २९: ९; काशु ४,१; बौशु १८: ८; - †चितम् बौधौ १७, २९: ७; हिथ्रौ; -चिता आपशु १४, १२, बौशु २१: ३; हिश ४,५१. द्रोण-दशमº- -मः काशु ४,२. द्रोण-प(द् >)दी- पाग ५, ४, द्रोणा(एा-आ)हाव°- - वम् या ५, २६ च कि. १द्रो(ए-क>)णिका"- -का शौच

a) द्वहग- इति भोजः (तु. पागम.)। b)= कच्छपी- इति पागम.। c) वैप १ द्र.। d)= ऋच्। < द्वपदान् (मा २०, २० प्रमृ.)। e) पा १, ४, ३७;३८; ७, २, ४५; ८, २, ३३ पावां १, ४,९ परामृष्टः द्र.। f) पाभे. वैप १,९६५३ ० द्र.। g) व्यप.। 2 यु.। h) दु॰ इति पाका.। i) द्वप— इति पाका.। j) या ४,९५ परामृष्टः द्र.। k)= द्रेष्काण् (तु. M W.)। l)= द्रोण-चित्-। m)= जल-क्षिफिः- इति पागम.। n) पाभे. वैप १,९६०९ c द्र.। o) पूप. = द्रोणचित्-। p) तु. पाका. पासि.। 2 णा॰ इति भाण्डा.। q)= द्रोणाङ्गतिजिहा-। कन् प्र. (पा ५,३,९६)।

2.33. **रहोण**8- वाग २,४, ३१; ५,१,२०^b; -जम् अप ३३, ३, ३; हिध २, ५,८८°; पावा १,४,२३; वेज्यो २४: -णम्ऽ-णम् त्रापध २,२०, 9°; -णस्य ग्रप ९, १, २; -णानाम् अप ३३,२,५; ३,५; -णेन अप ३३,१,७. द्रौणिक- पा ५,१,२०. द्रौणिकी- पावा ५,१,५२. द्री(ग्>)णी- पावा ५, १, 86:43. द्रोण-प्रमाण- -णम् श्रप ३३,३,४. द्वोण-वर- -रः अप ३३,३,६. द्रोणा(ग्-अ)भ्यधिक - -कम् विध 23,34. द्रोणा(ग्-त्र)र्ध-तण्डुल-पा-(क>)काd--का वेश्री ११, 9:94. २द्रो(एाक>)णिका-पावाप, १,४८ ३टोण°- -णः ऋग्र २,१०,१४२. द्रौणायन-, द्रौणि- पा ४,१,१०३; -णे: चात्र १६: १०. श्रद्धोण'->द्रोण-भीष्म- -ध्मी पाग 2.2.39 E. द्रोणभाव°- -वाः बौश्रौप्र २७: ४. दोणास b- -सः पाग १,9६, २३1. द्वोणि- पाउ ४,५१.

श्द्रोणिका- १द्रोण- द.

दौन्।- -क्षः अप ५३,४,५. द्रोध- द्रध- द्र. द्रीघण- १द्रघण- द्र. द्रीघणक- २ट्टघण- द. दौपदायनि- ३द्रपद- द. द्रीम- द्र- द. द्रौहणक- दुहण- द. द्रौहिक- √र्ह द. द्रौद्य- दुख- द. द्वन- द्र- द्र. द्व-, द्वन्द्व-, द्वन्द्वन्-, द्वय- द्वि- द. द्वयस ४-> ॰स-तस् (:) द्राश्री, लाश्री 2,9,01. द्वयाविन्-, द्वयी-, द्वा-चत्वारिंशत्-प्रमृ. द्वि- द्र. द्वादशाफ- -फानाम् चात्र ४०: ७. द्वादशाभ्यधिक-प्रसृ.,द्वापर- द्वि- द †?द्वायू[™] काश्रौ ६,४,३; त्र्यापश्रौ ६, २६,१;११,१९,८; बौश्रौ ४,६ : १२; ७,९: १८; माश्री २, ३, ६,१७; हिथ्रौ ७,८,४३. हारू^m- पाउरू २, ५७; †हा: श्रप्रा ३, १,१; शौच २,४५; द्वारः आश्रौ २, १६, १२ ; शांश्री; निघ ५, २‡; या २,२; ८,९∮;१०‡∮; शुप्रा ४, ८५‡; द्वारा श्राभौ ४, १०,१××;शांश्री;द्वारि शांश्री ५, १४,२१;६,३,८; श्रापश्रौ; द्वारो: वाधूश्री ३, ६९:२८; द्वारी शांश्री १०,२१,१०, श्रापश्री; †०द्वारी

त्राश्री ४, १३,५; शांश्री; हार्भिः बौश्रौ २५, ५: ९; द्वार्भ्यः ग्रप्रा १. १६५; द्वार्षु गौध ५,१३. द्वारा- -रया जैश्रीका १८२. ‡द्वारा-प"- -०प, -पाय त्रापमं २,१८,४२º. †द्वारापी P- -०पि, -प्ये त्रापमं २,१८,४३^a. द्वार्-बाहा- -हम् आपश्री ११, ८. 48: 28,28,9; 24,98, 90; 28,90,96; 96,92; 98, 4; वोश्री; -ह बौश्री ६,२५: २४; २७:२७; -हृन् बौश्रौ २१,१४: ३०; -हनाम् बौश्रौ २१, १४: ३०; -ही बौध्रो ६, २५: २१; २७ : २४ : हिथ्री १६,६,२०. द्वार^m- पाग ६, ३,१०९⁸; ७, ३,४; -रम् काथ्रौ ७,६,१२;८,६,१७; श्रापथ्रो; -रस्य त्रापथ्रौ १५,६, १४; भाश्री; -राणि श्रापश्री १०, ५, ४; १५, ५, १; बौध्रौ; -राय श्रामिगृ २, ६, ७: ३६; -रे काश्री **४**,७, १०; काठश्री; -रेण वाश्रौ १,१,६,६;७; ३,१, १,५; वैश्री; -रै: अप १९२,१, 4; ६३,4,३. दीवारिक- पा ७,३,४. द्वार(क>)का- पावाग ७,३,४५8.

द्वारी- -चें शांश्री१७,४,२;३

हार-गवाक्ष-स्तम्भ- -म्भैः कप्र ३,

दोह-, °हित-, °हिन्- √द्रह द. b) वाह-, द्रोण- इति भाण्डा. पासि.। वाहद्रोण- इति पाका.। a) = परिमाण-विशेष-। व्यु. ?। c) सपा. द्रोणम्<>द्रोणम्<्रद्रोणम् इति पाभे. । d) विप. । पस.>मलो. कस. > वस. । e) व्यप. । eूयु. e्र h) = बालप्रह-विशेष- । ब्यु. १ द्रोण-भास (त्र्यास्य-)- > बस. f) = द्रोणाचार्य- । व्यु. ?। g) तु. पागम. । i) पामे. पृ १२९० d इ. । j) विष. (राहु-) । ऋर्थः ${}^{?}$ । इति Pw. प्रमृ., = दीर्घ-नास- इति भाष्यकृतौ ? । m) वेष १ इ. । l) द्वे सतः इति केचित् (तु. भाष्यम्)। k) = प्रमाण-। पाप्र (५,२,३७) प्र. इति । n) उप. $<\sqrt{q}$ ा (रक्षणे)। o) सवा. ॰राप<>॰रप इति, ॰रापाय<>॰रपाय इति च पागे. । p) स्त्री. ङीप् abla. (पा $oldsymbol{8}$, $oldsymbol{9}$, $oldsymbol{9}$, सपा, $oldsymbol{9}$ रापि<>९पप्यै इति च पाभे, । $oldsymbol{r})$ उप. = स्थूणाः । s) सपा. द्वार्बाहम्<>द्वारेयीम् इति पाभे. ।

द्वार-देश- -शम् बीगृ ३,५,९; -शे पाग १,१६,२३; २,१४,२१. द्वारदेश-गवाक्ष- -क्षेष्र विध 24.99.

द्वार-पº- - • प^b, -पाय^b भागृ २, १०: १; हिंगू २, ९,२. †द्वारपीº- -•पिव भाग २,१०: 9; हिग्र २, ९, २; -प्ये भागृ २,१०: २; हिए २,९,२.

द्वार-पक्ष- -क्षात् त्रागृ ४, ६, ७; -क्षे कौसू ३६, २.

द्वार-पाल- पाग ७,३,४.

द्वारपाली e- (> दीवार-[,द्वार¹]पालिक-पा.) पाग ४,१,

दौवारपा[,ल8]लि- पा ७, ३,४. द्वार-पालक- (> 'लिका- पा.) पाग 8.9.8h.

द्वार-फलक- -के कीय ३,२, १२; शांगृ ३,३,७; पागृ ३,४,१८.

द्वार-बिल- -लिम् आप्रिय २,४,६ : द्विm- पाउभी २,१,१५४.

द्वार-बाह1- -ह शांश्री १७,४,२;३; द्राथ्री: -हो: द्राथ्री १,३,२;१५, १,१५; लाश्री १, ३, १; ५,९, १३; -ही हिथ्री १३,५,२७. द्वारबाह-संमार्जन-प्रभृति- -ति द्राध्नी ४,३,१६;लाध्नी २,३,१६. द्वार-मध्य- -ध्ये बौगृ २, ८, २६. द्वार-यु(त>)ता- -ताम् वैश्री १,

2:9. द्वार-वंश- -शः मागृ २,१५,६. द्वार-वाम- -मे वैग् ३,१४: ११. द्वार-विवरण- -णम् चाअभू २. द्वार-समीप- -पे पाग ३.४.५. द्वार-स्थूणा- -णाम् हिश्री १९,८, ५; श्रामियः -णे वैश्री १४.६ : 94:90.

द्वारा(र-श्र)टालक-इम्य- -म्येषु श्राप ७१,१९,२.

द्वारे(य>)यी।- -यीम हिश्री ७. ५,३१ k; ७,२१; आमिगृ १, ६, 3:80.

द्वार्य, र्या - - र्ययोः पागृ २, ९, ४; कीस ७४, ५: -र्याः काश्री ८, ४,१८; माश्री २,२,२,३५; ३, ३१: -र्याम् आश्री ५. १. १९: -र्यायाः भाश्री ११, ६, ११; वैश्री १३, ८: १३; हिश्रो २४, २. १०^२: -यांये श्रापश्री १५. ६,१४; १५; भाश्री ११,६,१२; -र्ये आश्री ४,१३,५××; काश्री; -यों शांश्री ६,१२, १३; हिश्री.

द्व,द्वा- द्वयोः †श्राश्री ४, ६, ३; ९,४; शांश्री; पा १,२, ५९××; ह्रयो:ऽह्रयो: श्राश्री ५, १४, ११; श्रापश्री; †द्वा या २, २२; ३, १००; १२, १००; १४, ३००; ऋप्रा ७, ४३; द्वाभ्याम् काश्री १,११, १३; शांथी; हाभ्याम् ऽहाभ्याम् शांथी ७,१०, ७; १६,१३,२; काश्री; द्वे आश्री १, २, ७; शांश्री; आपश्री १०,२२,१२ +n; आपमं

१, ३, ८ 🔭; त्रामिए; या ३, १०; ५, ७; १३, ७ : क्रेड्रे आश्री १, १०, ७; ६, ३, ६; शांश्री; ही आश्री २, १६, १५; शांश्री; द्वीउद्वी आश्री ९, ११. १०; शांथ्रौ.

द्व(क>)का°- पा ७, ३,४७; हन्ह"- -न्हः वृदे २, १०५; पा २.२,२९;४,२; पावा २,२,२९; -न्द्रम् काश्री२६,२,९; श्रापश्री; पा ८,१,१५; पावा ८,१, १५३: -द्वयोः निस् ८, १३:२८; -न्द्राः निस् ७, ७:१; २; न्द्रात् पा ४, २, ६××: पावा: -न्द्वानाम् काश्रौ २२, १०, ७; श्रापध २, २२, १६; - न्द्रानि बौधौ २४,२४: १: वैधौ: या ७,४,९,३५; ग्रुप्रा ५,२८; -न्ह्रे निस् ७,७:२; पा १,१, ३१××; पावा; -न्द्रेषु द्राश्री १०, १. १६; लाश्री ३, ९, १८; ग्रुपा ३, १२७: -न्द्रैः या १४, ७; -न्द्रौ निस् ७, ७ : ३.

द्वन्द्व-तत्पुरुष- -षयोः पा २.४. २६; पावा २,१,५१; ४,२६. द्वनद्व-दर्शन- -नात् निस् १०. ₹ : ३८.

इन्इ-इय- -यम् कंप्र ३,६,११. द्वन्द्व-प्रतिषेध- -धः पावा १,२, € 8.

इन्इ-भू(त>)ता- -ते बृदे 2,993.

द्वन्द्व-मनोज्ञादि---दिभ्यः पा ५.

a) पृ १३१४ n द. । b) पामे. पृ १३१४ o द. । c) पृ १३१४ p द. । d) पामे. पृ १३१४ q द्र. । e) व्यप. । f) तु. BPG. । g) तु. पाका. । h) तु. पागम. । i) = द्वार्बाहु – । j) = द्वार-स्थूणा- । तत्रभवार्थीयः ढक् > एयः प्र. उसं. (पा ४, २,९७ Lतु. भाष्यम् ।) । k) पाभे. पृ १३१४ s इ. । m) वैप १ द्र. । n) पामे. वैप २, ३खं. हे तेत्रा ३, ७, ७, ११ टि. द्र. I) भवार्थीयः यत् प्र.।

o) वैप १, १०३० k इ. । पात्र. (५,३,७१) तु द्वि + सकच् प्र. । p) = समास-विशेष- । CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

9,933. द्वन्द्व-वचन- -नात्, -ने पावा 2, 2, 29. द्वन्द्व-वृत्त- -त्तम् पावा २, ४, द्वन्द्व-शस् (ः) वृदे ६, २१; ८, 98. द्वनद्वा (न्द्व-अ) धिकार-निवृत्त्य (त्ति-श्र)र्थ- -र्थम् पावा २,४, £9. द्वन्द्वा(न्द्व-श्र)भाव- -वात् पावा 8.3.03. द्बन्द्वा(न्द्व-ग्र)र्थ- -र्थम् पावा ५, 8. 60. द्वन्द्वन् - - न्द्रनः आपथ्रौ २०, १५, ५; २२, १२; बौधौ १५, २३: १०; हिश्रौ १४, २, १९; -िन्द्रनाम् हिथी १४, ३, ५५; द्वन्द्वो(न्द्व-उ)पताप-गर्छ- -ह्यात्

पा ५,२,१२८.

ह्रय, या- पा ५, २, ४३: -यम्
बौध्रौ ५, १:५; ५:४; ९;
१२×४; वैध्रौ; -यम्ऽ-यम्
काध्रौसं ७:२‡; -या बौषि
१, १४:५; व्राप्त १,११,५‡;
-याः शांध्रौ १०,१५,२; बौध्रौ;
-यान् ब्राप्रध्रौ १५, ७, २‡;
२०, १५, ४; २४, ७; बौध्रौ;
-यानाम् बौध्रौ २८, ४:१८;
निस् १, ९:६; -यानि बौध्रौ
६,५:९; १८,३६:१; हिध्रौ;
-ये वैध्रौ २०,१३:६; -यै:
व्राप्रध्रौ २०,१३:६; -यै:

द्वयी— -यीः श्रापश्री २१, ९, १०; बौश्री १६, २९: ५; २३,१२: १५. द्वय-मध्यग— -गम् भाशि १०८. द्व(य>)या-विन् $^{\circ}$ — पावा ५,२, १२२; —विनः श्रश्रा ३,४,१ † . द्वया(य-श्रा)हृति— -तेः जैश्रीका १५१. द्वयं(य-ए)क— -कम् जैश्रीका ९३.

हा-च्यारिंशत्— -शत् चुस् २, २:११; हाच्य्वारिंश^b— -शे वाधूश्रौ ३, ७६:३१.

द्वा-निर्वेशत् - -शत् वाध्रृश्री ४, ४६: ४; ११५: ८; बौषि; -शतम् श्राश्री ७, ५, ११; १२, ७,१०; शांश्री; -शतम्ऽ-शतम् श्राश्री ९,४,३; -शता वाश्री ३,२,७, ५४.

ह्यान्निंश^c - - नाः निस् ६, ११: ३; १२: ८; - शम् श्रापश्री २३, ९, ८; १४; हिथ्री; - शाः बौध्री १६,३४: १०; निस् ७, ५: २; - शात् भास् २, २०; - शे लाश्री ६,७,१८.

द्वाविका - न्यो निस् ३, ४:२६; - स्यै वाध्यो ४,८०:६. द्वाविका-त्रयश्चिका - न्यो निस् ६,१६:११.

द्वान्त्रेश-प्रयुक्तिः - क्तिः निस् ६,११: ६. द्वान्त्रेशा(श-श्र)पाय- -यात् निस् ७,१०: १४.

द्वात्रिंशक^d- -कः श्रवं ४: १९.

द्वात्रिंशत्-कवल् - ल्लम् बौषि २,१०,२; -लेन बौषि २,१०,१ द्वात्रिंशत्-पलका - कम् अप ३३,३,३ द्वात्रिंशद्-अक्ष $(\tau >)$ रा - -रा वाधूश्रौ ४, १०० : ५; निस्; -राम् वाध्श्रौ ४, १०० 2 : १०:

निस् ३,४: १२. द्वात्रिंशद्-अङ्गु (ल>) ला^द--लाम् काठधौ ४९.

द्वात्रिंशदङ्गुला (त-आ) य- $(\pi >)$ ता- -ताम् वैध १, ६, ५. द्वात्रिंशद्-अङ्गुल्या (लि-आ) य-त,ता- -तम् वैधौ १, २: ९; वैगृ १, ८: ३; -ताम् वैगृ १, ८:

द्वार्त्रिशद्-गुण^t— -णः^h श्राज्यो ७,२२.

हात्रिंशद्-धा बौशु १६: १४. द्वात्रिंशद्-भाग- -गम् काथ ७,३०.

द्वात्रिंशद्-रात्र- -त्रः वीश्रौ १६, ३५: ८: -त्रम् श्राश्रौ ११, ३, ११; काश्रौ; -त्रात् काश्रौ २४, २,१०.

र,५०.

हात्रिंक्षि(न्) नी¹- -नी

वाध्रुश्री ४,९०:१; ४××;

—न्यः वाध्रुश्री ४,९०³:२.

हा-त्रिंक्षिति¹- -ितः अप ५२,८,४.

हा-दक्षन्॰ - -क्ष आश्री ४,८,९५;

७,५,१९×; शंश्री; या २,
१०; २०; ३,८; १३; ४,
२०‡; -क्षऽ-क्ष कांश्री १६,१४,
२०; काश्री; -क्षिः आपश्री ९,
११,२३××; बौश्री; हिश्री १४,

a) वैप १ द्र. । b) तदस्मिन्नधिकमित्यर्थे डः प्र. (पा ५,२,४६) । c) पूर्णे डट् प्र. स्तोमे डः वा । d) द्वुन् प्र. (पा ५,१,२४) । e) तिहतार्थे द्विस. प्रमाणार्थस्य प्र. लुक् । f) विप. । वस. । g) तिहतार्थे दिस. । h) °णे इति पाठः ? यिन. शोषः । i) हिनिः प्र. (पावा ५,१,५८) । j) उप. = त्रिंशतः ।

५.१५? ; -शभ्यः काश्री १७,९. १३: श्रापश्रौ ५, २०, १२: बौध्रौ; वैथ्रौ १, १५: ७१b; लाश्री ७,१२,९५; -शसु शांश्री १४,६१,४; काश्री; -शसुऽ-शसु काश्री ८.३.११: वैथी १४.४: ३: -शानाम् वाध्यौ ४,११३: ४: श्रप ५०,९,४; शंध ३७९. द्वादश.शा°- -शः काथौ १२, ६.१७: श्रापथी; -शम् शांथी ७, १७, १७; काथ्री; श्रापश्री २२, 9. 94: हिश्रो १७. 9. 9७d; -शस्य बौधौ १७, २४:९; २५: १२; २६: १२; -शा कप्र १,७, ५; -शात् वैश्री १४, ४: ९: वैताधौ: -शान श्रुत्र २.१२८: -शानि प्रापधी २०, २३.९: २१.५.९: माश्रो ६, २. ५, २५; हिथ्री १४, ५, १६; -शाय बौधौ १०,५०: १: -शे बौश्रौ १०, ५०: ९××; माधौ; -शेन श्रापश ११, १४; १३, १: ११: बौश: -शेषु वाध ११, ५9: -शौ निस् १०, १३: ५; उनिस् १: २१.

हाद्द्यी° - - शी बौथौ २५, ४: ८; २७: ३१; २८: १९; निस्; - ची: निस् ७,७: ३१; - शीम् शोथौ ६, ७, १; काश्रौसं; - च्या बौशौ १०,२९: १२; भाथौ; - च्याः काशौ २५, १४, २९; श्रापशौ; - च्याम् बौशौ २५,१: १४‡: हिश्रौ. द्वादशी-विंशी-द्वा-विंशी- -इयः ऋश्र २, ३,५३. द्वादश-त्रयोदश- -शे श्रप १,१४.१.

द्वादश-मास- -सम् श्राप्तियः २,७,२:१६; वौय ३,१२,११; वौषि २,९,२१.

हादश-क°- -कः ऋष १,५,१; ७, १; ३,२५; ३१; छुश्र;-कम् बौछु ४:७; ऋषः, -काः ऋश १६, ४७; -के पागृ २, ६, ३; खापछः

हादशक-पल^r- -लानि या १४,७^{१९}.

द्वादशका(क-त्रा)दि— -दिपु ऋप्रा १८,५७. द्वादश-कपाल— -लः काश्री ४,२,३६; ५,२९×४; ना ७, २३;२४; —लम् शांश्री १४, १३,५; त्रापश्री; —लस्य हिश्री १,६,२०; —लाः वौश्री २४, १०:९; —लान् काश्री २०, २,६; वौश्री; —लेन वाश्री ३,

१ हादशकलशम् आप्तिष्ट २,४, ६:२०. हादश-कृत्वस्(:) शांश्री १०, ५,१२; १७,१४,३; काश्री. हादश-गव¹¹— - वम् आपश्री ८, २०,९; १६,१८,५; बौधी. हादश-गृशीत,ता— - तम् काश्री १८,५,१६; माश्री १,५,६,२०;

गौषि १, १, ३३; -ताम् माश्रौ

२, १, २, १; –तेन आपश्रौ ५ १७,७; १८,१०४४. द्वादश-ता– -ता काश्रौ २२, ८, १४. द्वादश-त्व– -त्वम् मीस् ११,४, २०.

ह्रादश-दा (मन् >) झी -म्न्याम् कौस् २१,११.
ह्रादश-धा श्रप ४६,६,१; विध-ह्रादश-धा श्रप ४६,६,१; विध-ह्रादश-नामन् -मिभः श्राप्तियः २,४,१०:८; ११:२१; वैष ३,१३:९; वैध ३,१०:१;

२, ६.

१द्वादश-पञ्चविंश— -शान् निस् ४,९ : ३०.
द्वादश-प(द>)दा 1 — -ता वौश्रौ ४,१ : ३३; वौशु ३ : २३.
द्वादश-पदा(द=श्रा)याम 1 — -मः वौशु १० : ११.
द्वादश-पर्याय— -याः लाश्रौ ६, ८, ८.
द्वादश-पर्य-प्र्य-प्र्र-)रिका 1 —

द्वादश-पुण्डरी (क>) का 1 -काम् श्रापथ्रौ १८, २०, १४;
हिथ्रौ १३,७,३.
द्वादश-पुरुष- -पः वाधूश्रौ ४,
११३: १ m .

-का कप्र १,९,११.

द्वादश-पुष्क $(\tau >)$ रा $^1 - -$ राम् आपश्री २२, १०, १; लाश्री ९, २,१०.

द्वादश-प्रक्रम- -मे वैश्री १,

द्वादशप्रक्रमा(म-भ्रा)याम--मः बौश् ४: २. द्वादश-प्रभेदª- -दम् श्राशि ६, ५: -दानि श्राशि ६,८. द्वादश-पूष् b- -प्रूट् बौध्रौ २६, द्वादश-भाग- नाम् वाश्री ३,२, 9. 35. द्वादश-म°--मे अप७१,११,१. द्वादश-मल->°मला(ल-श्रा)-दि-शदादि-संस्पर्श-जा(ज-म्र)म्न्युपघात^d - ते वैश्रौ २०, 96:820. द्वादश-मात्र--त्रः नाशि२,७,१. द्वादश-मान^{1,8}- -नम् काश्री २२,९, १; श्रापश्रौ. द्वादश-मि(त>)ता- -ताम् अप १७,२,9. द्वादश-मिथु (न>) ना³- -ना काश्री २२,१०,१७; -नाः लाश्री 9,8,4. द्वादश-मूर्ति - - तिम् वैध ३, 90,4. द्वादश-युक्त- -केन माश्री ६,१, ५,३७: वाश्रौ २,१,४,३८. द्वादश-योगº- -गम् माश्रौ १, ७.८.५; वाश्री १,७,५, ३. द्वादश-रात्र!- -त्रः कीसू ६७,९; ७२,२२; गौध २३, ३४; -त्रम् श्राश्री २, १, ३५; शांश्री; बौपि २. ७. ९¹: -त्रस्य गौध २६,

१५: -त्रात् भाग १,९: ६; ३, २०: ९: बीध ३, ५, ६; -त्रे श्चापश्री २२. १४, १३; वागः; -त्रेण विध ४८,१४. द्वादशरात्र-परार्ध्यंª- -ध्र्याः क्राश्रौ १०,१,१२. -तानि द्वादशरात्र-वत-वैश्रो १,१६: १. द्वादशराम्रा(त्र-श्रा)दि^a--हीनि काश्री २४,१,१. द्वादशरात्रा(त्र-श्र)न्तª --न्तानि बौषि ३,७,४. द्वादश-राग्रि- -त्रिपु वैधी १, १६: ५; -त्रीः लाश्रौ ९.८,४? k. द्वादश(श-ऋ)र्च1- -र्चः लाश्रौ १०, ९, ९; वैताओं ३३,१५m; ऋग्र २, १०, ६०; -चेम् ऋग्र २, १०, ५८; गुत्र; -र्चे शांश्रौ १८, १३, ६; निस् ६,७: ५५; बदे २.१४६: -चेंन आमिए २, ४,४: १४; बौध ३, ७, ११; - केंभ्यः अप ४६,१०,९: श्रश्र 89.33. द्वादश-वत् काश्री १४.५.२८. १द्वादश-वर्ष - - चें वैगृ ६, १४ : १: शंध ३७९: -र्षेषु सुध ५३. द्वादशब्|,वा"]पिंक°- -कम् आश्रौ १२,५,१३; काए १९,२. २द्वादश-वर्ष'- -र्षम् पागृ २, २.३: हिग्र १.१.३. द्वादशवर्ष-ता- -तायाः वागृ

2. 6. द्वादश-वि(धा>)धª- -धम शांश्री १६, १, ३; बौश्री १० १९: ९: या ७, २३. द्वादश-ब्यास- -सः वीश्र ४:१ द्वादश-शत^p- -तम् श्रापश्री १३,५,9: १४,9४,६; २२,9२. १२: काश्रीसं. द्वादशशत-दक्षिणº-श्राश्रो ९, १, ३; -णम बौश्रो २६, २०: ३; -णस्य श्रापश्री १०,२६,9; वैश्री १२,9९:5. १द्वादश-संवत्सर^प- -रम् विध ५०,६: -रात् वैध ३,९,१. २द्वादश-संवत्सर्''-आओं १२,५,१५; शांथी; -रेण श्रापश्री २३,११,८. द्वादश-समा- -माः वैध १,३,३. द्वादश-सूक्त- -क्तैः वैगृ ६,१७: द्वादश-स्तोत्र8- -त्रः निस् ३, ४: १६; २२; -त्रात्^व निसू 3,9: २६. द्वादश-स्तोम'- -मः वौश्रौ २५. ५: १४: -मानि बौश्री १७, १८: ९: -मेन बौध्रौ १८, 80: 3:28.

द्वादश-स्थृ (सा>)ण^a- -णम्

द्वादशा (श-श्र) क्षर,राa- -रः

निस् १,१ : ३; १५; २ : ६; ७:

श्रप २१, ६,१8.

a) विषः । बस. । b) पृ ४४४ f द्र. । c) विष. । संख्यादेरिष पूरणार्थे ढट् प्र. मड्- त्रागमश्च उसं. (पा ५, २,४९) । d) बस. > इस. > पस. > उस. > उस. > उस. > उस. > उस. > इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. संस्कर्तुः टि. मूको. चे) । f) तिद्धतार्थे द्विस. । g) उप. = उपरिक्त का इति विद्याधरः । h) सपा. "शायो < रशायो < इति पामे. । i) तिद्धतार्थे समाहारे चित्त । i) पामे. पृ १२४३ i द्व. । i) i0 विद्यार्थे समाहारे चित्त । i1 विप्त शिषः । i2 विप्त हित ए. । i3 विप्त हित ए. । i4 विप्त हित ए. । i5 विप्त हित ए. । i7 विप्त हित ए. । i7 विप्त हित पाठः ? यिन. शोधः ।

१७: २०: ३ : २; ४ : ३; ऋप्रा १६,२९;४५;७१; -रम् वाध्यौ ४,१०० : ४; ९; २४; निस् ३, ४: २६; -रा निस् १,५: ११; ३,४: १८; -राः शांश्री ७,२७, १७; ऋप्रा; -राणि धुस् १,५: १३: ११: २४; -राभ्याम् उनिस् २: ३२; -राम् वाध्रश्रौ ४,१०० : ३; -रे ऋप्रा १६, ४६: -री निस् १,२: १२;३: ५;७; ९;११;४ : ६;१७; ऋपा. द्वादशाक्षर-पा (द>) दा°--दा निस् १,२:२६;४:४.

द्वादशाक्षर-प्रस्ताव^a- -वानि निस् २,१०:४.

द्वादशाक्षरा(र-श्र)ष्टाक्षर-

-री निस् १,४: १५. द्वादशा(श-श्र)क्षि-निमेष्b--षः ब्राज्यो १,४. १द्वादशा(श-श्र)ङ्गुल,ला^c--लः कप्र २, ८, ३; अप; -ल**म्** काश्री १६,८,१५; बौश्रौ: -लस्य वैश्रौ ११, १०: ५: -ला अप

द्वादशाङ्गुला(ल-आ) यत---तम् वैथौ ११,८: ९.

22.0.9.

द्वादशाङ्गुलो (ल-उ)स्त--तम् वैश्रौ १,३: ५. २द्वादशा(श-श्र)ङ्गुल^त−>°ल-किए(त>)ता- -ता अप २६, ₹, ₹.

द्वाद्शाङ्गुल-मात्र- -त्रम् वेगृ १,८: ७.

द्वादशाङ्गुल-मान- -नेन

श्रप ३०१,१.८.

द्वादशाङ्गुला(ल-श्रा)याम⁸--मम् वैश्रौ ११,८: ७. द्वादशा (श-श्र) ङ्गुष्ट^c - प्टम् आप्रिगृ २,३,१:१०°. द्वादशा (श-श्र) ध्याय-संप्रह--हम् श्रप ७० , १,४. द्वादशा(श-श्र)भ्यधिक- -कानि ऋत्र ४,३; -कै: त्रप ३३,३,४. द्वादशा(श-श्र)भ्यस्त- -स्तम् वेज्यो १३. द्वादशा(श-आ)योग!- -गम् शांश्री ३,१८,१०8. द्वादशा(श-श्र)र'- -रम् या ४, マッキ. द्वादशा(श-त्र)रिक^c- -िलः आपश्री २०, २, ७; हिश्री १४, १,२०: - तिम् काश्री २०,१,७; वाधौ ३,४,१,१४. द्वादशा(श-श्र)व(त>)त्ताb--ता बौशी ६,११: १५; वाधुशौ 8.84: 0. द्वादशा(श-श्र) ष्टा (ए-श्र)क्षर--राभ्याम् वैगृ ४,१२: ७. द्वादशा(श-श्र)ह1- पावाग ५, १, ११०1; -हः आश्रौ १०, ५, ११; शांश्री; -हम् शांश्री १३, २०, १४; काश्री; श्रापश्री 4, 0, 98xx; -हम्s-हम् श्रापश्रौ १७,२६, २०; -हस्य श्राश्रौ १२,४,२३; शांध्री: -हाः त्राध्री १०,५,१; क्षस : -हात् श्रापश्री २१,३,६; हिथी: -हान् श्रापध १,२९,

१७: बौध; -हानाम् चुस् ३, १६, १७; -हाय शांश्री १०, १,१; श्रापश्रौ २१,४,५; हिश्रौ १६, १, ४२; -हे शांश्री २, २, २; श्रापथ्रौ; -हेन श्रापथ्रौ २१, १,१××; बौश्रौ.

हादशाह-तापश्चित^k- -तेषु श्राश्री ४,२,१५.

द्वादशाह-धर्म- -र्माः काश्रौ १३,9,9.

द्वादशाह-पर्यन्त°- -न्ताः शांश्री ११, १, ३; काश्री २३, 9.3.

द्वादशाह-प्रबर्ही- - ई: जुसू २,७:६.

ट्टादशाह-प्रभृति- -तीनि शांश्री ११, १, ४; १३, १४,९; हिंभी १८, १,११ लाभी १०, १,११; वैताश्री ४२,१५; निस् 9, 4:28.

द्वादशाह-भूत- -तस्य लाश्री 9,4,96.

द्वादशाह-वत् काश्री २४,५, ३१; मीसू १०,६,७२.

द्वादशाह-विकल्प- -ल्पाः काश्री २४,७,१०.

द्वादशाह-शस् (:) काश्री १७,

द्वादशाह-संमित- -तम् श्रापध २,७,४; हिध २,२,२५. द्वादशाहा(ह-आ) सक- -सम् काथौ २४,३,३४.

द्वादशाहा(ह-अ)न्त- -न्ते काश्री ४,१०,७.

a) विप.। बस.। b) बस.>षस.। c) तिह्नतार्थे द्विस.। d) समाहारे द्विस.। e) सप्र. वौगुशे १,७,२ अङ्गुष्टपर्वमात्रम् इति पाभे.। f) वैप १ द्र.। g) पाभे. पृ १३१८ h द्र.। h) विप. (इंडा-)। मलो. कस.। i)=कतु-विशेष-। j) तु. पागम.। k) सत्र-विशेषयोः द्वस.। l) पृ १२४३ e द्व.। m) ॰ह-प्रजादीनि इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. शांश्री ११,१,४)।

हादशाहा(ह-स्र)परार्धं -र्धम् त्राप्तिए ३, ६,२;६ b.
हादशा(ह-स्र)वरार्ध्यं -र्ध्यम् वीवि १,९;१५ b.
हादशाहिक - -कम् वीश्री
१६,१३:१०; मीस् ७,४,१३.
हादशाहिकी - -की निस्

द्वादशाहीय- -यस्य श्रापथी २१,२३,२; २३, ९, ६; -यात् श्रापथी २१,१५,१९; १६,२१; हिश्री १६, ६,३; -ये श्रापथी २१,१६,१९.

द्वादशिक,का- -कः बौग्र ४:२; -का अपशु ५, १२; हिशु २, २३; -के हिशु २,८.

द्वादशिका-पञ्चित्रिशिका--कयोः त्रापशु ५, ६; वौशु १ : ३७: हिश २,१५?°.

द्वादशिका-पश्चिका- -कयोः श्रापशु ५, ४; बौशु १: ३६; दृशु २,१२^१व.

हादशिन् - शिनः ऋषे १,९, ७; गुद्रा; -शी शांश्री १३, २३,८.

द्वादिश-प्रभृति- -तयः निसू १.९: २३.

द्वादशि-स्तोम^a- -सः त्राधौ १२,५,४^e. द्वादशो(श-उ)त्तर^a- -सः निस्

१,९: १२-२३. द्वादशो(श-उ)द्याम¹- -मम् बीध्री १०, १२: ६; माध्री ६, १, ४, ६^६; वैध्री १८, ६: ७; -मे श्रावध्री १६,१०,८; वैध्री १८,७: २६; हिध्री ११,३,२५. हादशो(श-उ) पसंक⁸ - नकः माध्री ४,३,५१; -क्कम् बौध्री २५,२०: १××; -क्काः काध्री २३, १, १; -क्के काधी १७, ७,१०; श्रावध्री.

द्वा-नयति-शत- -तम् वाध्यो ४, ११३: ५.

द्वापर^b- -रः शांश्रो **१५**, १९, १‡; वाधूश्रो ४, ५९ : ५¹; -रम् विध २०,७. द्वापर-च्छन्दस्¹- -न्दांसि निस्

१,५:२१. हावर-स्तोम!— -माः निस् १

द्वापर-स्तोम¹— -माः निसृ १, ९:९; ९८-२०.

द्वा-पूर्व - - वंम् शुप्रा ५,२६.

द्वा-विंशत्— -शत् वेष्ट १, १ : ५; ६,१९ : १.

हा-विंशति— -तिः श्राश्रौ १२, ५, १४; निसू; या ३,८; १३; उसू ३,२; -तिम् शांश्रौ १०,१३, ४; श्रापश्रौ; -तेः गौध १,१५; -त्या शांश्रौ १५,२२,१. १द्वाविंश^k— -शः बौश्रौ १०,

४इ.।वश-- -शः वाश्रा **१०,** ४२:४;-१५,१६:६; -शम् स्रश्र ८,५; स्राज्यो ९,७; -शात् १,१९,६; कौए.

द्वाविसी— -सी शांश्री १८, १४,४. रहाविंशां — > श्य-शत — -तम् निघ २, १४; या ३,९, हाविंशक — -कम् अश्र ९, ८; ९. हाविंशति-दारु — -रुः आपश्रो १०,३०,२; -रुम् भाश्रो १०, २१,३. हाविंशति-रात्र — -त्रम् आश्रो ११,३,४; काश्रो २४, २, ११; हिश्रो १८,१,२७; -त्रेण आपश्रो २३,३,१०. हाविंशस्य(ति-अ)क्षर—ता— -तायाः निसू १,५:१५. हाविंशस्य(ति-अ)क्षर—प्रमृति— -तयः निसू १,५:१५.

द्वाविंशस्यू(ति-ऋ) च - चम् शुख्र ३,५३. द्वा-सप्तति- -तिः विध ९६, ७६;

য়ন্ত ११,३(२); স্থা **५**: ८. द्वि-क,का^m- पा ७,३,४७ⁿ; -कस्⁰ विध ३,२४; ६,२; -कस्य कप्र २,४,१२; -काः लाधौ ६,७, ४; ८,४; -केन गोगृ ३,९, ६; -की लाधौ ६,८,७.

द्विक-प्रभृति— -तयः लाश्रौ ६, ५, १६; १९; निसू १, ८:६; ९:२; ९;१८;२६ं.

द्विक विष्टाव^a - न्वः लाश्रौ **६,** ८,९३; -वाः लाश्रौ **६,८,९.** द्विका(क-श्र)नुबद्ध - -द्वम् वैश्रौ **११,९०**: ३.

द्वि-कपाल- -लः काश्री १२, ६, ४;

a) विष. । वस. । b) परस्परं पामे. । c) °दशपक्ष॰ इति पाटः? र्यान. शोधः (तु. श्रापशु.) । d) °कपक्ष॰ इति पाटः? यनि. शोधः (तु. श्रापशु.) । e) °दशी॰ इति पाटः? यनि. शोधः (तु. शांधौ १३,२३,८ प्रमृ.) । f) वैष १ द्र. । g) 'द्यावम् इति पाटः? यनि. शोधः । h) =युग-विशेषः । शिष्टं वैष १ द्र. । i) = दूत-पाश- । j) पूप. = छन्दो-विशेषः । k) वैष १,९०३३ k द्र. । l) तदिस्मन्नधिकिमस्यर्थे दः प्र. (पाया ५,२,४६) । m) विष. । स्वार्थे वा ताःतिथे प्रहणे वा कः प्र. (पा ५,२,७०) । n) पाप्र. अकिच इत्त्वम् । a) कन् प्र. (पा ५,२,४०) ।

श्चापश्री; -लम् श्चापश्री ९,१३, १३; १४, ४, १; बौश्री; -ले बौश्री २०,८:१९.

द्वि-कर⁸ – -स्म् श्रव २५,२,५. द्वि-कर(v))णी – -णी काशु २, १२; श्रावशु १,१०;५,११; ६,१; हिशु २,२६; –णीम् हिशु १,१५.

द्विकरण्या(णी-त्रा)याम- -मः काशु २, १४; श्रापशु २, ३; वौशु १,३२; हिशु १,२४.

द्वि-कर्ण b — -र्णानाम् काशु ४, १०. द्वि-कर्म b —त्व— -त्वात् मीस् १०, ७.२०.

द्वि-कल्प^b - न्ल्पाः कीस् **६७,८.** द्वि-कारु^c - न्लम् वैधं २,४,३;५; १४,७.

द्वि-ऋष्णलो(ल-ऊ)न- -ने विध ९.६.

द्वि-कम- -मम् ऋषा ११,६;१४. द्वि-क्रोश - -शानि आपश्री २२, २,२३; -शे आपश्री २२,२, २०°.

१द्वि-खुर- >°रिन्- -रिणः बौध १,५,१३२.

२द्वि-खुर^b— -राः बौध्रौ २४,५:२०. द्वि-गत्^d— >द्वेगत^e— -ते लाध्रौ ६,१२,९.

द्वैगत-गौतम- -मयोः द्राश्रौ ८,२,२२; लाश्रौ ४,६,१६.

द्धि-गु! - गु: बृदे २,१०५; पा २, १,२३; ५२;४,१; पावा २,४, ३०; -गो: पा ४,१,२१;८८;५, १,५४; ८२; ८६;४,९९; पावा २,१,५९^३; ४, १; ४,१,८८; ष,१,२८;३७; –सौ पा६,२, १२;२९;९७;१२२.

द्विगु-संज्ञा- -ज्ञा पावा २, १, ५१.

द्विगु-स्वर- -रः पावा १,१,४७; ६,१,७०.

द्विग्व(गु-अ)र्थ- -र्थस्य पावा २,४,१२.

द्वि-गुण णाb- -णः काश्रो २०, ४, १५; विध ५,७३; काशु ५,२; या १४,४; -णम् आश्रौ १,११, ४: काथ्री; गौध १२,६h; या ६, २६: -णा ग्रापश्रौ ७, ११, २; भाश्रौ; -णाः काश्रौ २२,४,२८; वैताथी ३७, ९; शंध १०२; -णान् काश्री २६, ३, ३; हिश्री २२,३,१९?; -णानि विध २०, ७; चन्यू २:५; -णाभिः शांश्रौ १७,२, ९; बौधौ ११,३ : ३२; ३३: -णाम् आश्रौ ११, ५, ४; काठश्री; -णायै बौश्रौ ४, ५: १८; -णे शंध ३९१; विध ९. १२; -णेत द्यापधी १०, २४. १४; वैश्री १२,१८: २.

द्वेगुण्य- -ण्यम् गौध १२, २८.

द्विगुण-कारिन् - -रिणः या ६,

द्विगुणकारिणी- -णी वाध १९, १७. द्विगुण-त्रिगुण-दर्शन¹- -नेषु

श्राप ६५,१,६.

द्विगुण-दायिन्- -ियनः या ६, २६.

द्विगुण-सुम्न -मान् त्रागृ **४,** ७,८; गौपि २,२,२०.

द्विगुण-रशना- -नया काश्रौ ६, ३,२४.

द्विगुणा(ए-अ)भ्यास- सेन आवधी २२,९, २१; हिथी १७, ४,१६.

द्विगुणे(ण-इ)न्द्रचाप-दर्शनं--ने श्रप ६५,२,१०.

द्विगुणो(ए-उ)त्तर^b- -राणि गौध १२,१३.

द्धि-मोत्र^b- -त्रः बौध २, २, **१८;** -त्रस्य शांश्री १,४,१६; वै**श्री** ६,५ : २; हिश्री २,१,५६.

द्धि-ग्रहण- -णेषु पावा १, ३, १०. द्धि-ग्राहम् वाधौ ३, २,७,५४.

द्वि-चतुष्-पत्—स्रो^k- -स्नियः ग्राप ७०^२,१०,५.

द्धि-चत्वारिशत् - शत् आश्रौ ६, ४, १०; ऋग्र; -शतम् बौश्रौ २६,१९:१०:

द्विचःवारिंशक¹- -कात् बृदे ६,

द्धि-चन्द्र^b- -न्द्रम् श्रप ५०,५,१. द्धि-चन्द्र-दर्शन- -ने वैष्ट **७,६** : १२.

द्वि-चरु b – री मीस् ३,३,४३. द्वि-च्(ङा>)ड b – -डानि काश्री २२,४,२२.

द्धि-छा(या>)य^b- -ये अप **७२.**

द्विछाय-बृक्ष- -क्षम् अप **६९,** ५,५.

a) विप. । तिहतार्थे द्विस. । b) विप. । वस. । c) समाहिरे द्विस. । d)= ऋषि-विशेष- (वैप २, ३ सं. ३.) । e)= साम-विशेष- । f) समास-संज्ञा- । g) तु. पाम. । h) तु. st. । i) विप. । दस. > ३ सं. f समास-पंज्ञा- । f समास-पंज्ञा- ।

वैप४-तृ-७१

CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

द्धि-जª- -जः काश्रीसं ३६ : ८; सः -जम् स्१८, ६; श्रपः -जस्य जिथ्रौका ११०; श्र^प; -जाः आमिष्ट २, ३, ३: १४; १६; १९; कागृउ; -जान् कप्र १, ४,३; श्रपः -जानाम् श्रप २२, १०,४××; वाध; -जे कप्र २,३,७; ३, १, १२; विध ९३. ७. -जेन विध १९, २; -जेभ्यः अप १३, ४, ५; ६८, २. १७; - जेषु श्रप ७०३,१०, ३; ७२, ६, १, -जैः बौध्रीप्र ५४ : १७; कागृड; -जी वृदे ७. CE: CU. द्विज-कल- -ले अग्र ८,१. द्विज-त्व- -त्वम् विध २८,३९. द्विजत्व-विहीन- -नः वध 3,93,90. द्विज-देवता- -ताः अप ६४, ४, द्विज-धर्म-हीन- -नः वेध ३, 93,6. द्विज-पुण्या(एय-अ)ह-घोष--चेण आज्यो ७,१६. द्विज-प्रेत- -तस्य विध २२. द्विज-मृग- -गाः श्रव ६४, ६, 90. द्विज-वर-ग्र- -रुणा उस् ८, ₹€. द्विज-वृषभ-गवा(गो-श्र)ध-पार्थिव- -वानाभ् अप ६८, २, € ₹. द्विज-श्रेष्ट- -०ष्ट सु १८, ४; -ष्टः शंध ११२: ४३९.

दिज-सत्तम- -मः अप ७०, १, ६: -मै: शंध ४४९. द्विजा(ज-त्र)प्रय- -प्रयस्य शंध १४१; -ग्रयै: या २२,८,४. द्विजा(ज-अ)शीच- -चे विध 22.90. द्विजे(ज-इ)न्द्र- -०न्द्र सु ७, ३: १९, 9: २८, २: - न्द्राः श्रप ७०^३,११,११. द्विजो (ज-उ)त्तम- -मः अप ६९, ८, १; ५; वाध २६, १६; -मम् अप ६९,३,५;-माः अअ २३,१२,१××; विध २२,९१; -मान अप ५, ४, १: आमियः; -माय ग्रप ८, २, ३; -मे ग्रय ८,१; -मैः कप्र १, ४, ९; -मौ शंध ४३९. द्विजोत्तम-कल- -ले श्रश्रभ् 4. द्वि-जकार- -रे अप्रा २,३,१२. द्धि-जगत्य (ती-ग्र)न्त- -न्तम् 羽 २,५,६०; ६,७. द्धि-जगत्या(ती-श्रा)दि- -दि 羽羽 2, 90, 68. द्वि-जगत्या(ती-त्रा) द्य(दि-त्रा)-न्त^b- -न्तम् ऋश्र २, १०.५०. हि-जन्मन् - -न्मनः विध २८, ४८; - न्मनाम् कप्र २, १०, ६: श्रप: -नमने जैश्रीका १६६: विध २१,२३; - नमा अप २०, ७,११: बीध १,११,३२. द्धि-जाति"- -तयः वैगृ ५,८: ८: १०; श्रप; -तथे कप्र ३, ८, ५; श्रप ४,२,१३; १२,१,८; -तिः वेगृ ४,१२: १२; कप्र; -तिभिः

अप २३, ९, २; शंघ १५०; विध २२,८२: -तिभ्य: शंध २१९; -तिषु वौध २,१०,५४: -तीन् अप ७०^२, २२, २: गौध १२,9; -तीनाम् सु १८, ३: श्राप्तिगृ. द्विजाति-कर्मन् - मेभ्यः गौध 28,8. द्विजाति-प्रवर- -रात् बौध २. द्विजाति-शुश्रूषा- -पा विध 2,6. द्वित°- -तः बौश्रौ २४, २६: १३; ऋय; या ४,६; - †ताय वौधौ १,१०:१५; २४,२६:१२; माश्री. द्वि-तकार--रम् अप्रा ३, २, २९; -राणि अप्रा २,३,१५. द्वि-तन्त्र->द्वैतन्त्र^d- -न्त्रेण निस् ९,४: २६. द्वि-तय- पा ५, २, ४३; -ये जैथौका १८. †हि-ता° बौश्रौ १८, १४: ३; ऋग्र २, ४, ४२, निघ ४, २; या ५.३ क. हैत^e- -तम वैध १,९,६. द्वि-ता(रा>)र'- -राः श्रप ५२, ६, ५; द्वि-ताल-दीर्घ8- -र्घम् वैश्रौ ११, 9:4. द्वि-तीय,या^h- पा ५, २, ५४; -यः आश्रो १, ५, २१; ५,३, ३; १२, ६, १४; शांश्री; या १, १५4: ३, १५; ११, ६; -यम् त्राधौ १.७.४; २,७,२१××;

शांश्री; -यया श्राश्री १, ३, ६;

a) वैप १ द्र. । b) विप. । कस. > वस. > द्वस. । c) वैप १,१५१३ h द्र. । d) भावे अण् प्र. । e) स्वार्थे अण् प्र. (वैतु. शक. < द्वीत – । द्विधा इत-।) । f) विप. । वस. । g) द्विस. > कस. । h) विप., नाप. (विभक्ति-, तिथि-) ।

8, ६, ३××; शांश्री; पा २, २, ४: -यस्य आश्री ७, ६, १; ८ ७, २२××; शांश्री; पा ६, १. २: -यस्याः वैताश्रौ २५, ४: सात्र २, १०२; -यस्याम् आश्री २,१,२५; काश्री; -यस्ये वाध्यौ ४,५८: ४: -या श्राधौ १०.६.५:शांधी; अग्र ४,४०९%: पा २, १, २४; ३, २; ८; ३१; ३५: ६०; ६, २,४७; पावा ६, २, ४७; -याः काश्रीसं ३: ६; बोधो २६, ११: २६ +; दाधौ; - †याः श्रापश्रौ ४, ४,१;१६, १, ३; बौधौ ३, २७:३१; भाश्री ४.४.३: वेथ्री १८,१:१०; हिथ्री ६, १, २६; ११, १, ६; -यात् आश्रौ ६,६,२; ७,११, १९; शांध्रों; पा, पावा ५, ३, ८३: -यान आधी ७,११,३८; आपथी: -यानि श्राश्री ७, ५, ४: वाधौ: -याभ्याम् अत्र ७, १२; -याम् आश्री ३, ६, २६××: शांध्रो; - याय आपधी ८,१७,८ ‡; १३,६,१२; बौधौ ५,१६: ११+; -यायाः काश्रौ २०, १, १४; निस्; पा ८,१, २३; -यायाम् श्रापश्रौ ११, ४, ५; ८; लाधी; या १, ८; पा ३,४,५३; ७,२,८७: -यायै शांथ्रो १८,२०,१-४; -ये श्राश्रौ ३,२,३; ७, १०, ३××; शांश्रौ; पा ६,३,८०; -येन आश्री १०. ५, २१; शांश्रौ; -येभ्यः काश्रौ १०,२,२४; वैश्री १६, ७: १; अप ४६,९,९+; - +येपु शांश्री

४, १०, २‡; श्रापश्री; -यै: वाश्री ३, २, ७, ३४ +; -यौ श्रपं धः १३. द्वैतीयिक^b- -कानि निसू ८,4: २३º. द्वितीय-क- -कम् याशि २, द्वितीय-चतुर्थ- -र्थयोः शांश्रौ १०,५ १४: १२, २६, २; तैप्रा १४, ५; -र्थाः शुप्रा १, ५४; शीच १,१०; -थें लाश्री ६,२, द्वितीय-चतुर्थांd- -ध्याः हिश् 4.80. द्वितीय-जन्मन् -न्मनि वैगृ €, ७: २. द्वितीय-तन्त्र- -न्त्रम् निस् ९, 8:94; 96. द्वितीय-तृतीय, या- -ययोः श्राश्रो ६, ३, ११; ८, १२, ५; -याभ्याम् वैश्री १, १२: ८; हिश्री ३,४,२२: -ये भाशि ६९; -यी माधी ५,२,११,३९; वैश्री १५,१२: १; वैगृ ४,७: ४. द्वितीय-तृतीय-चतुर्थ- -र्थानाम् श्राश्री ४,१,१८. द्वितीय-तृतीय-चतुर्थ-तुर्य--र्याणि पा २,२,३. द्वितीय-स्य- -त्वे पात्रा ५, ३, 63. द्वितीय-दशम- -मयो: शांश्रौ १२,२४,४. द्वितीय-दिवस- -से वैगृ ४,१०: 93. द्वितीय-द्विर्वचन- -ने पावा ६,

9. 3. द्वितीय-परिषेक- -के जैश्रीका द्वितीय-पर्यास- -सम् निस् ५, 9:93. द्वितीय-पुरीष- - षे वैताश्री २,४. द्वितीय-प्रथम- नयोः निसू ५, ९: १५; साअ २, ४६; -मी नाशि १,१,१३. द्वितीय-प्रथम-क्रष्ट- -ष्टाः तैप्रा २३, १६. द्वितीय-प्रभृति- -ति काश्री २३. ५, ९; वागृ १४, २३; -तिषु शांश्री १०, १, ११; -तीनाम् शांश्री १२,२७,२; द्राश्री ९, ३, १४; लाथौ ३,७,१. द्वितीय-वर्जम् काश्रीसं ५:६. द्वितीय-शकल- -लेन वैश्री १३. 93: 9. द्वितीय-शब्द- -ब्दः मीसू ६, 9, २३; ९,३,३७. द्वितीय-सप्तम- -मयोः शांश्री 20,4,90. द्वितीय-स्थान- -नम् निस् ८, 8:3. द्वितीय-स्पर्श्य - - इर्थः दंवि १, द्वितीय-स्वर- -रः द्राधी ६, १, 988. द्वितीय-स्वरो(र-उ)त्तम'- -मैः लाश्रो २,९,१२°. द्वितीया (य-श्रा) काङ्श--ङ्क्षस्य पावा ३, ३,१६१. द्वितीया /कृ पा ५,४,५८. द्वितीय।-चतुर्थी- -थ्यौ शांश्री

a) सकृत् °यया इति पाठः ? यनि. शोधः । b) तस्येदमीयप् ठक्>इकः प्र. । c) °य° इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. तत्रैत्र तार्तीयिकानि) । d) द्वस. पूप. हस्वः (पा ६,३,६३) । c) सपा. उत्तमः द्वितीयस्वरः<>द्वितीयस्वरोत्तमेः इति पाभे. । f) विप. । बस. पूप. इस. ।

२,५,१८; १०, ११, ५; पा २, 3,93. द्वितीया-तृतीया- -ययाः निस् १०: ५: –याभ्याम् गोगृ ४, १, १४; पा ७, ३, ११५; च्ये ऋग्र २,१०,१५५; श्रत्र १, २4; २0,939. द्वितीया-दशमी- -म्यौ श्राज्यो €,93. द्वितीया(य-ग्रा)दि- -दयः मैत्र २४: श्रश्र १९,२३; -दि वैताश्री ३३,४; -दिः ऋत्र २, ६, २८; -दिम् अप ३६,१३, १; -दिपु श्राश्री ७, १, १३; १५; काश्रीसं ३ : ५: -दीनाम् पावा २,२,३. द्वितीया(य-त्रा)च,चाª- -चाः ब्दे ६, २६; मेश्र २०; - द्यान् नाशि १,१,११. द्वितीया-निर्देश- -शः पावा ५. 9.60. द्वितीया(या-त्र)नुपपत्ति- -तिः पावा ३,१,१९. द्वितीया(य,या-अ)न्तª- -न्तम् गौपि १,२,७;४,७; -न्ताः तैप्रा 23,90. द्वितीया(य-श्र)न्त्यस्वर- -रयोः वैताश्री ३२,१४. द्वितीया-प्रभृति- -ति वौगृ ३, 92,8. द्वितीया(य-श्र)प्राप्ति -- सिः पावा €,9,3. द्वितीया(य-त्र)भाव- -वे पावा €,9,3.

द्वितीया(य-श्र)लाभ- -भे मागृ

द्वितीया-पष्टी-विषय- -ये पावा

१,७,७; वागृ १०,६.

2,3,32.

द्वितीया(य-त्र)ष्टम- -मयोः सात्र २, ५६६; ५६८; -मी ऋषं २: १४. द्वितीया-सप्तमी- -म्योः पा ५, 8,44. द्वितीया-समास-वचना (न-ग्रा)नर्धक्य- -क्यम् पावा २,१, 28. द्वितीया-स्वर-वचना(न---श्रा) नर्धक्य- -क्यम् पावा २,१,२४. द्वितीयन- -यिभ्यः श्राश्रौ ९, x, 8. द्वितीयै(य-ए)कवचन-वत् > °वद-वचन- -नात् पावा ६,३, द्वितीयो(य-उ)चारण-लक्षण--णम् शैशि १०५. द्वितीयो(य-उ)च्छत- -ते काश्रौ 28,9,90. द्वितीयो (य-उ) त्तम- -मयोः शांश्री १२,१३,१; लाश्री ७,९, ५: -मी लाश्री ७,७,९. द्वितीयोत्तम-वर्जम् श्राश्रौ ७, 92,6. द्वितीयो(य-उ)त्सृष्ट- -ष्टः माश्रौ 4,2,90,89. द्वितीयो(य-उ)दात्तं - -त्तानि श्रप्रा १,२,५. द्वि-त्रयस्त्रिशत्- -शत्म् लाश्री 8, 9, 99. द्वि-त्रि-चतुः-पञ्च-घट्-सूकत-भाज्- - भाक्ति ऋत्र १,१२,३. द्वि-त्रि-नक्षत्र-ग- गे अप ६३, ٦, ३. द्वि-त्रिप्दुव् अन्त- -न्तम् ऋग्र २, 9,49; ९४××; 羽羽 २0, ९४. द्वि-स्व- -त्वम् पाप्रवा ५,१६; भाशि

२०; ८८; - त्वात कप्र ३, १०... ५; - त्वे याशि १,७३; पावा ५ 2.39. द्वित्व-तस् (:) शैशि २१७. द्वित्व-बहत्व-युक्त- -क्तम् मीस ₹, ₹, 9७. द्वित्व-वाचिन्- -चिपु बौषि 3. 3,9b. द्वित्वा(त्व-श्र)भाव- -वात् पावाः 2,9,9. द्वि-दण्ड- -ण्डम् वैध २,३, २. द्वि-दण्डि- पा,पाग ५,४,१२८. द्वि-दत्8- पा ६,२,१९७. द्वि-दन्त^a- -न्तः श्रप ६९.२.२. द्वि-दल,लाº- -लम् कप्र १, २,१०; −ला श्रप २६,२,५; ८××. द्वि-दशन् -श विध ६,२७. द्वि-दिव^c- -वः काश्रीसं २८: १८; -वस्य काश्रोसं २८: २०. द्विदिवा(व-श्राख्या>)ख्य --ख्यः काश्री २२,७,६. द्वि-देवº- - चेषु वृदे ३,१२८. द्वि-देव(ता>)त8- -तः काश्री ५, १, ५; भाश्री; -ताः आपश्रौ २४,३,४२; -तात् आश्री ३,६, ४: -ते बृदे ३,८१; मीसू ९,३, ३७; -तेषु कागृ ४७, ११. द्विदेवत-बहदेवत- -तेष् शांश्री 2,90,99. द्धि-देवता->°ता(ता-अर्थ>)र्था--र्था मीस १०,८,४२. द्विदेवत्य,त्या- -त्यम् अत्र ४, ३८; -त्यस्य शांश्री ६,१, १५; -त्या श्रत्र ७,१२; -त्याः आश्रौ ५, १३, ११; शांध्री; -त्यान् आश्रौ ५, ५, २१‡; शांश्रौ; -त्यानाम् आधौ ५,६,६; शांधौ; -त्यानि काश्रौ ९,२,४; १०,६, ४; -त्ये निस् ६, ८:१४; -त्येभ्य: बौशौ २१,१९:२०; -त्येषु शांश्रौ ७,८,१२; बौशौ; -त्ये: श्राश्रौ ५,५,१; काश्रौ.

द्विदेवत्य-ग्रह-संनिपात--ताः श्रापश्री १३,९,५.

द्विदेवत्य-पात्र- -त्राणि स्रापश्रौ १२,१,१०; १३, १३, १२; बौश्रौ.

द्विदेवत्य-भक्ष- -क्षेषु वैश्री १५,३१: ९.

द्विदेवस्य(त्य-ऋ)र्तुंग्रह्- -हाः स्रापश्रो १३,१,४⁸; -हेषु हिश्रौ ८,६,१५.

द्विदेवत्य (त्य-ऋ) र्तुमहा(ह-ऋा)दित्य-सावित्र-पालीवत--वर्जम् श्रापश्रौ १२,२४, २.

हिदेवत्य(त्य-ऋ)र्तुंभ्रहें(ह-ऐ) न्द्राग्न-वैश्वदेव- -वाः हिश्री ९, १.३⁸.

हिदेवत्य (त्य-ऋ)र्नुमहे (ह-ऐ) न्द्राग्न-वैश्वदेव-द्विहोम- -माः वैश्री १६,१:९°.

द्विदेवत्य (त्य-ऋ) र्तुयाज--जाः शांश्रौ ७,१७, १२; -जान् शांश्रौ ७,३,४.

द्विदेवत्य-वत् आपश्रौ १२, २७,१८; १३,८, २;वैश्रौ १५, ३५: २.

्द्धिदेवस्य-शेष- -षम् शांश्रौ ७,४,१५. १द्धि-दैव^b-> °व- बहुदैवत- -तम् बृदे ३, ८०. २द्व-चैव^c- - वे वृदे ३,४१. द्वि-द्वोण- पावाग २,३,१८. द्वि-धा वौश्रौ २५, १४: १०;१५: ८; वैश्रौ.

हेंच्ये - पा ५, ३, ४५; -धम् ६ काश्री १४,२, १७; १५, ४, ३; श्रापश्री; लाश्री २, ७, २७; या ५,३; -धात् दाश्री १२, २,

् द्वेधी √कु>द्वेधी-करण-

हैधी√भ्>हैधी-भाव--वे बौश्री २८:११:८;अप ४७,३,१.

द्वेधी-भूत- -तः श्रप ५०,

८,१. द्वि-धातु-ज- -जम् बृदे २,१०३. द्वि-धा(र>)रा^ह- -राः आश्रौ ५, १,९‡.

द्धि-नकार- -राणि श्रप्रा २, ३, १६.

द्धि-नितक^c - - कानि श्रश्रा १, १, १, १५; - के श्रश्रा १, १, १४.

द्धि-नवति - तिः ऋपा १६,९०. द्धि-नामन् - ना काश्री २२,८,२५; आग्निए.

द्धि-नाराशंस- -सम् बौश्रौ २५, २२:२; -से श्रापश्रौ १२,२५, २६:

द्वि-नासि (का >) क- -कः श्रप ६९,२,३. द्वि-निष्क-, द्विनैष्किक- पा \vee ,

9,३॰. द्वि-पकार^c- -राणि श्रप्रा २,३,१४; १५.

द्धि-प(क्ष >)क्षा'- -क्षा श्रश्न **९,** ३‡.

द्वि-पङ्क्त्यां (क्ति-आ)दि- -दि ऋश्व २, ८,९१.

द्वि-पञ्चक° -- -कः ऋग्र ३,२७. द्वि-पञ्चाशत् -- शत् ऋग्र २,१,१६४.

द्विपञ्चाशद्-अक्षर-प्रसृति-तयः निस् १,५ : २.
द्विपञ्चाशद्-अक्ष(र >)रा $^{\bullet}$ -रा ऋपा १६,८०.

द्वि-पद्^b— -†पत् बौग् ४, २,९¹; —पदः शांश्रौ ४,२०,१; आपश्रौ; —†पदम् वैश्रौ १८, १९: १०; २२; —पदाम् श्रामिग् २, ५, ९: १५; जैगृ २, ६: १२; नाशि २,६,६¹; —†पदे श्राश्रौ २,९,१०; शांश्रौ; पाग् ३,४,०¹; या १२, १३∳; —दौ श्रश्र ५,

हिपदा- पाग ४, २, ६०¹;
-दा आश्री ६, २, ५; ५, १८;
शांश्री; उनिस् १: ४२;२: २७;
-दा: आश्री ६,२,६; ३, ९××;
शांश्री; या १०, २१; १२, ४०;
-दानाम् शांश्री ७, २६, ४;
१८,१,२२; -दाभिः आपश्री
६,१७,७; बीश्री; -दाम् आश्री
७,३,१९; ८,१२,३; शांश्री;
-दायाः शांश्री ७,२०,१५;

a) सपा. °प्रहा द्विहोमाः <> °प्रहैन्द्राग्नवैह्वदेवा द्विहोमाः <> °प्रहैन्द्राग्नवैह्वदेवद्विहोमाः इति पामे. । b)= हि-दैवत- इति संस्कर्षुः भाष्यम् । c) विप. । वस. । d) स्वार्थिकः अण् प्र. । e) वैतु. पाप्र [५,३,४५] हि- + धा> धमु प्र. इति । वा. किवि. । f) नाप. (वित्रतप-) । पावा ५,३,४५ डः प्र. इति ।तु. पाम.]। g) वैप १ द्र. । g) वैप १ द्र. । g) वैप १ , १६८८ g द्र. । g) °पदे इति सासं. । g) पामे. वैप १,१६८८ g द्र. । g) °पदे इति पाका. ।

शुत्र ४, १४५; उनिस् २: २२; -दासु श्राधी ८, २, १; ४,४; ताधी; -दे शांधी १०, १३, ५३; १८,१४, ६; लाधी; श्रश्न १६,१²-

१द्वेपदिक- पा४,२,६०. द्विपद-त्रिप(द>)दा--दाभिः बौश्रौ ३,८ : २५. द्विपदा-कारम् लाश्रौ ७, ०,

... हिपदा(दा-श्र) तिच्छन्दस—
--दसो निस् ७,३: ३६१^b.
हिपदा(दा-श्रा)च(दि-श्र)
धैर्च- -चे ऋप्रा १५,२०.
हिपदा(दा-श्र)धिक^c- -कः

द्विपदा(दा-श्र) धिक^c--क ऋषा १८,१६.

द्विपदा(दा-ग्र)न्त^c--न्तम् ऋग्र २,६,१०;१७.

द्विपदा-भक्ति°- - किनि निसृ६,६:२४.

द्विपदा-सूक्त- -क्तानि आश्रौ ८,७,२४; ९,६.

द्विपदै (दा-ए) कपदा- -दाः उस् ३,२.

†द्विपदी- पाग ४,२,६०^d; ५, ४,१३९; -दी श्रापश्री ९,१९, १०; बौश्री; श्राप्ट १,७,१९°; कौप्ट १,८,२८°; शांग्ट १,१४, ६°; या ११,४०.

२ह्वैपदिक- पा ४,२,६०. १द्वि-पद, दा¹- -दः काञ्च ७, ३४; श्रापञ्च ६,२; बौशु १: ६; हिशु २, २७; -दा बौशु २०: १०; ११;१६.
द्विपद-चतुष्पद- -दम् कौस्
१२३,१; -देषु शंध २६८.
द्विपद-चतुष्पद-धान्य-हिरण्य-ण्यानि शंध १८.

रिद्व-पद् 8 - > हैपद 8 - - दः निस् 19, ५ : ३६; शुअ २, २२८; - दम् आश्री ८,१२,२४; शांशी; - दयोः ऋप्रा १०,३; - दाः बृदे ४,८; ७,८६; ऋप्रा ८,३; - दे ऋश्र २,१०,५६; ऋप्रा; - देन शांशी २,१२,२; ३,१७,५××; - दी वैताश्री ३२,१२.

द्वैपद-शस् (ः) उस् १, १५.

द्वैपद्- संहिता-स्वर--रो ऋप्रा ११,७०.

द्वैपदा(द-आ)दि-दीनाम् बृदे ३,८०.

हैपदा(द-ख्र)न्त--न्तेषु उस् ८,३१ h . हिपदै(द-ए)कपद--दानि सुप्रा

४,१६९. द्धि-पराक¹- > द्वैपराक- -कः शांध्रौ १६,२२,११.

ह्न-पर्यन्त- -न्तानाम् पावा ७, २,

हि-पशु¹- - शुः बीश्रौ १२, १९ : ९; १७, ५५ : १०××; - शुना श्रापश्रौ १८, २१, १२; २२, २५,१३‡; बीश्रौ; - शुम् बीश्रौ १८, ६ : १८; २६, ३० : १०; - शुनि श्राश्रौ १२,०,१४: - शौ बौश्री २६,१: ३. द्विपशु-प्रमृति— -ति माश्री ५, २,९,४.

हि-पात्र^c- -त्राः वाध्यूश्री ४, ७८:

हि-पाद्*- पा ६,२,१९७; - †पात् श्रापश्री ४, ११, १; भाश्री ४, १६,२; बाधूथी; कीस ३३,९¹; - †पारसु माश्री ५, २, १, ३; बीगु ३,५,१२; - †पादः बीश्री २,१८:१८; माश्री १, ८, ३, १[™]; श्रश्र १२,१; श्रपं ३:५६; - †पादम् आपश्री १६,२७,१४; बीधी; - पादी श्रश्र १५,१५; - पाद्भ्यः या १२,१३.

द्विपाच्-चतुष्पद्-आदि--दीनाम् काथ २७३: १३.

द्वि-पा(द>)द्रा $^{\circ}$ - - - ता सु १६, ४. द्वि-पितृ $^{\circ}$ - - ता स्रापश्री १, ९, ७; भाश्री; -तुः वौध २,२,१९.

द्वि-पु2°- -टम् वैधी ११,७: ९. १द्वि-पुरुष- > पा(प-अ)सोम-पीथिन् - -िथनः काश्री ७,

रिद्व-पुरुष, वाⁿ - पन् काछ २, ६; श्रापशु १९, १; हिशु ६, १६; -पया काटधो ९२; -पा बौशु १०: १०; -पाम् काधौ १६, ८,१; श्रापशु १५, ९; हिशु ५,

द्विपुरुवा(प-आ)याम°- -मः आपशु १५, १०; बौशु १०: ५; हिशु ५,१७.

a) °दा इति पाठः १ यनि. शोधः । b) °सो इति पाठः १ यनि. शोधः (तु. सक्षु. अन्तच्छन्दसी)। c) विप. । वस. । d) पृ १३२५ 1 द्र. । e) पामे. वैप २, ३छं. $\hat{\mathbf{g}}$ तैत्रा ३,७, ७,११ टि. द्र. । f) तदितार्थे द्विस. उप. = पश्चदशाङ्गुल- । g) पृ १२०३ e, f द्र. । h) °न्ते इति कालिसं. । i) द्विस. उप. = त्रिरात्र- विशेष- । j) =याग-विशेष- । बस. । k) वैप १ द्र. । l) पामे. वैप १, १६८८ p द्र. । m) पामे. वैर १, १६८८ p द्र. । m) तदितार्थे द्विस. ।

द्धि-पुरोडा(श>)शा³- -शायाम् मीस १०,८,६०.

द्वि-प्रकृति^b- -तीनाम् या २,२. द्वि-प्रकम- -मम् बौशु ४ : १३. द्वि-प्रगाथ- ₋थम् निस् ५,५ : १०;

-थात् निस् ५,५: २. द्विप्रगाथा(थ-थ्रा)दि- -दि ऋत्र २,८,१.

द्वि-प्रतिष्टित°— -तम् वैष्ट ३, १९: ५१त.

हि-प्रितिहार^b— -राणि लाश्रौ ७,४, १; —रे लाश्रौ ६,१२,१;७, ७,१८; २२.

हि-प्रतीक^b - -कम् आश्रौ ८, १२, २४.

द्धि-प्रधान, ना^b- -नम् बृदे ४, ५; -नाः बृदे ४,८.

द्धि-प्रभृति - - - तिषु शांश्रौ १, १७, २; - - तीन लाश्रौ ६, ३, २६; - तीन नाशि २, २,५.

द्विप्रभृत्या(ति-श्रा) हुतिगण--णेषु हिश्रौ ३,८,१८.

द्धि-प्रभे(द>)दा b - -दाः आशि ६,११.

द्धि-प्रमा(ग्))णा⁰ - णा कागु ३, ६; -णायाः श्रापगु ३, १६; हिशु १,५७.

हि-प्रवाचन^b— -नाः त्राक्षौ १२, १३,२.

द्वि-प्रवाजि(7>)नी e -नी श्राय् १,५,५.

द्भि-प्रस्ता(र>)रा^b - -राः श्रापश्च १०,१३; हिशु ३,५३.

द्वि-प्रस्थ-तण्डुल—पा(क>)का t -का वैथी ११,९: १३.

हि-पादेश, शाय- --शः वैश्री ११, ७: १२; वौद्य ४: १४: -शम् माश्री २, २, २, ३८; -शया काठश्री ९२; -शैः वैश्री ११, १०: २.

द्विप्रादेशो(श-उ)परव- -वेषु काठधौ ९२.

द्धि-फ(लं>)ल।^b− -ला श्रप २६, २,१.

†द्वि-बर्दस्ⁿ- -र्हाः ऋप ४८, ११५; निघ ४,३; या ६, १५**∮**.

द्धि-बर्हिस¹- -हिंपः वाध्यौ ३, १४:४.

द्वि-बहु--हुपुपाया ६,३,१;-हूनाम् श्राश्रो ३,३,३.

द्विबह्ध(हु-स्र)र्थ- -थे पावा ५,३, ५२; ९३.

द्वि-विस्त->द्विवैस्तिक- पा ५,१, ३१.

द्वि-बृहत्य (ती-अ)नुष्टुव — अन्त¹--न्ते ऋग्र २,८,५.

द्वि-बृद्द्य(ती-अ)न्त- -न्तम् ऋश्र २,८,६९.

हि-ब्रह्मोदन- -नम् बौधौ २४, १५: ७.

द्वि-भाग^k - गः मीस् १०, ७, २०; -गम् श्राप्थ्रौ ७, २४, ८; २२, १६, १३; बीध्रौ; -गेभ्यः वेज्यो १७.

द्वि-भाव- (>द्वैभाव्य- पा.) पाग

4,9,928.

द्वि-भेर्^b— -दाः चन्यू २ : १२. द्वि-मण्डल–परिग्रह— -हे श्रप ६३,

२, ९. द्वि-मात्र, त्रा- -त्रः तेपा २२, १३; शौच; -त्रम् माधौ १,३,२,२२; माए; -त्राः ग्रुपा ४, १०९; -त्राम् ऋषा १३, ५०.

ह्रिमात्रिक- -कः कौशि ७४; याशि २,४२; -के याशि १,६७; २,४२.

द्दि-मास- -सात् श्रा ५७,४,७. द्वैमास्य¹- -स्यः गौध१६,४. द्विमासा(स-श्र)भ्यन्तर- -रे या १४,६.

द्वि-मुख^b-- -खः बौध १,११, ३२. द्विमुखी-- -खीम् ऋप ६,१,१४.

द्वि-मुसलि- पाग ५,४,१२८. द्वि-मुर्ध- पा ५,४,११५.

द्वि-मूर्धन्^h- -र्धा श्रप ६९, २,३; श्रश्र ८,१०(४).

द्धि-यकार- -रम् ग्रुप्रा ४,१५२; -राणि अप्रा १, ३,१२; २,३,

द्वि-यजुस्^b- -जुषी बौध्रौ १०, ३२: २; ४.

द्वि-यज्ञ - जः काश्री २२,११,१२. द्वेयज्ञ - -ज्ञाः निस् ७,१०:

द्वियज्ञ-वत् मीस् ६,१,२२××. द्वि-यज्ञोपवीत- > °तिन्- -ती

द्ध-यज्ञापवात- > गतन्-वौध १,३,५.

द्धि-यम^{b/m}- -मे तेप्रा १९,३. द्वियम-पर- -रे तेप्रा १९,३.

a) विष. (पीर्शमासी-)। b) विष.। वस.। c) विष. (नामन्-)। तृस. पूप. = मातापितृ-बुल-। d) शोधः पृ २१६ q द्र.। e) = स्वैरिगी-। उस.। f) विष.। द्विस. > कम. > वस.। g) विष.। तिद्वतार्थे द्विस.। h) वैष १ द्र.। i) विष. (सदस्-)। पूप. ! j) विष.। कस. > द्वस. > वस.। k) वस. वा समाहारे द्विस. वा । l) भावीत्यर्थे ण्यत् प्र. (पा ५, १, ८४)। m) उप. = स्वरित-।

द्वि-यमा(म-श्र)न्तरा- -रा तेप्रा २३,२१.

हिय(द्वि-श्र)ह"— -हः वाध्रृश्री ३, ७:२.

द्वि-युग्म-प्रस (व>)वा^३- -वाः श्रव ७०^२,१०,२

हि-युज् - -युजा धापश्री २२, २,

१द्वि-योग⁰- > द्वैयोग्य- -ग्यम् पावा ५,१,३५.

रिद्व-योग°- -गः वौश्री १८,२० : ७; १९; -गम् वौश्री १५, २४: १७; -गानाम् वाधूश्री ३,७९:६.

हि-योजन- -नम् बौश्रो २६, १०: २: अप ६१,१,२६.

द्वि-रिल्लिक 0,1 – कम् अप ३०, १,४. द्वि-रक्ष(नः>)न g – नम् हिश्री ९,८,१४ h ; –नाः आपश्री १४, ५,१ g .

द्वैरशन्य-> °न्य-द्शन- -नात् मीसू ८,१,१४.

हि-राज्य- -ज्यम् अप ७२,६,२.
हि-राज्य- -जः शांध्रौ १५,१६,४ है;
आपध्रौ; -ज्रम् शांध्रौ १३,५,
१९××; आपध्रौ; -ज्रस्य आपध्रौ
१८,२२,२२××; बौध्रौ; -ज्ञाः
आपध्रौ २२,१४,१६; निस् ८,
३:२५; -ज्ञाणाम् निस् ३,
७:१; -ज्ञात् निस् ९,९:४७;
-ज्ञाय काध्रौसं ३१:१५;
बौध्रौ; -ज्ञे आपध्रौ १४,१८,
१३; बौध्रौ १७,५९,१८××;
हिध्रौ १५,५१४; निस् ७,३:

9;98.

हैरात्रिक¹— -काणि निस् ७, 3: १०.

हैरात्रिकी- -क्यः निस् ९.४: २७.

द्विरात्र-न्याय- -यः निस् ९, ४:२५; -येन निस् ७,८:

२७; २९; ३०³; ३३³. द्विरात्र-प्रभृति— -तयः शांश्री ११, १, ३; श्रापश्री; —तिपु

११, १, ३; श्रापश्री; —तिषु शांश्री १०, १, २०; १२,२,१; लाश्री ६,९,१६.

द्विरात्रा(त्र-या)दि- -दीनाम् मीस् ८,२,२७.

हिरात्रः(त्रःत्रा)सि- -सिम् निस् ७,८: १९; ८,२: १७.

७,८:१८; ८,२:१७. द्विरात्रीण[।]— -णः लाश्रौ ८,४,

११. द्विरात्रो(त्र-ऊ)न- -नम् श्राश्रौ ११,७,१०.

द्विरात्रो(त्र-उ)पजन^ड - -नः स्राध्यो ११,४,८; -नम् स्राध्यो ११,३,११³.

हि-रूप,पा- -पः वाधूश्रौ ३,६९ः ३२; -पम् श्रापश्रौ २१, २३, १२; भाश्रौ ७, ९, ७; माश्रौ; -पया श्रापश्रौ १०,२२,५; -पा श्रापश्रौ १३, २३, १२; २२, १५, ८; हिश्रौ १७, ६, २४; -पाम् हिश्रौ ९,६,१५.

द्वि-रेतस्^ड- -ताः पाग्र ३, १५,६; बौध १,११,३२.

द्वि-छकार g - रम् श्रप्रा २,३,१३. द्वि-व $(\pi \pi >)\pi \pi I^g$ - $\pi \pi I$ सु २८.१.

द्धि-वचन- -नम् निस् ३,९:४२; या ६,१६; पा १,१,१९; २, ६३××; पावा; -नानि निस् ९,१२:१५; अप्रा ३,२,१; -ने अप्रा २,२,१३; पा ७,१, ७७××.

द्विवचन-प्रसङ्ग- -ङ्गः पावा **६,** १,३.

द्विचचन-यहुवचन-विधि- -धिः पावा १,२,६४.

द्वियचन-बहुवचना(न-श्र)नुप-पत्ति- -तिः पावा २,२,२९. द्वियचन-बहुवचना (न-श्र)नेक-प्रत्यया (य-श्र)नुपपत्ति- -तिः पावा ४,१,३.

द्वियचन-ब्रहुयचना(न-म्र) प्रसिद्धि -- द्धिः पावा १, २, ६४; ३,३,१६१.

द्विवचना(न-त्रा)दि- -दिषु श्राप्तिगृ ३,४,१: ३२.

द्विचना(न-श्र)न्त- -न्तम् पावा १, १, ११; -न्ताः श्रुप्रा १,९३; -न्तानि श्रुप्रा ५, २८; -न्तौ शौच १,७५.

द्विवचनान्त-प्रगृह्यत्व- -खें पावा १, १,२१. द्विवचेने(न-ए)कवचन- -ने पा

१,४,२२. द्वि-वचो(चस्-श्र)न्त—भाज्− -भाजः ऋपा १,७१.

द्धि-वत् ^k त्राश्रौ २,७,२०; श्रापश्रौ; या २,२४².

द्विवत्-स्तुति - निः वृदे ६, १६; -तौ वृदे ४,५. द्वि-वत् - वतः ऋत ५,३,१°;

a)= द्वयह-। b) विप. । कस. > वस. । c) पृ १२०५ с द्व. । d) विप. । विद्वतार्थे द्विस. । e)= रथ- विशेष-। वस. । f) उप. = अरित-। g) विप. । वस. । h) सप्त. • नम् <> नाः इति पामे. । e) विप. । निर्मुत्तार्थे उस् प्र. (पा ५,१,८७) । f) पृ १२०५ f द्व. । f तदर्हतीयः वितः प्र. (पा ५,१,१९७ । f, पङ्गुरुशिष्यः ।)।

-वति ऋत ५,७,९०. १द्वि-वर्ण8- - जैस् शुप्रा ४, १४४: द्विवर्ण-लोप- -पः या २,१. २द्धि-वर्णb- -र्णः ऋपा ९, ३४; -र्णम् कीय ३, ६, ३; शांगः; -णानि आशि १,२५. द्वि-वर्ष c'd - - र्षम् वाध ४,९°. द्विवर्ध-प्रभृति-प्रेत- -तम् पागृ 3,90,6. द्धि-वस्त्र'- -स्त्रः कागृ ३, ९: मागृ. द्वि-वितस्ति°- -स्तिः कप्र १, ८, 93. द्वि-वितस्ति-प्रमाण्य -णः काशु 9.6. हि-विध,धा'- -धः श्रापश्री १६, १७, १५; श्रापशु; -धम् शांश्रौ १६, २०, १××; द्राश्री; -धा या १३, ५; नाशि १, ७, १६; -धाः बीध ३.३.४: -धे वाश्री ३, ३, १, ४०; -धेन निसू ७, 4:36. द्वैविध्य- -ध्यम् बीध ३, ३, १; -ध्यात् निस् ८,२:२१. शिद्धविषादिन्- -दि भाशि १२०. द्वि-विस्तार- -रम् श्रप ३०2,9,4. द्धि-वृत् h- -वृत् बीगृ १,२,१०. द्वि-व्यक्षन-विधि- -धिः पाप्रवा 8,93. द्धि-च्या(म>)मा'- -मा काश्री ६, ३,२४; -माम् काठश्री ५२.

द्धि-व्याया(म>)मा - मा श्रापश्री

७,११,२: शांश्री: -माम वाश्री १.६.२.११: वैश्री. द्धि-वत¹- -तः बौश्रौ १४, ८ : ३; श्र, ३,३,३४ गढ द्वि-शक!- -क्रम् शंध ११६: ५०. १द्वि-शत- -तम् श्रामिगृ ३, ८, ३ : २०: बौपि. द्विशता(त-अ)क्ष(र>)रा'- -रा निस् १.५: १५. २द्वि-शत्ता°- -तः श्रापशु १७,३: ९: बीश: -ताः बीश ५:२१. द्वि-शफ!--फम् माश्री ५,२,१४,८. द्विशके(फ-ए) कशका(फ-अ)पह रण- -णे विध ५२,१२. द्धि-शब्द-त्व- त्वम् मीसू १०, ७, द्धि-शय°- -यानि माश्री २, १, १, द्धि-शस (:) काश्री २,३,६; निघ ३, २९; या ३,२०; ऋप्रा. द्धि-शा(खा>)ख'- -खम् कीस् 90.3. द्धि-शाण- > द्विशाण्य-, द्वेशाण-पा ५,9,३६. द्वि-शीर्ष!- - र्षम् अप ७१,६, ४. द्वि-शोर्षन्1- -र्षा अप ७०°, ४,४. द्वि-शू (ल>)ला'- -लाम् श्रापश्रौ ७, ८, ३××; माश्री; वैश्री १०, v: २१1; 94: 2. द्धि-श्(क्)का'- -क्या माश्री १,८, ३, २६; -क्नाम् माश्रौ १,८,४, १५; ३८; बाश्रौ.

द्विश्क (हा-ए)कश्रका- -क्राभ्याय काउभी ५६; ५७; - बाभी 2.4.2.99. द्वि-शेष-स्व- -स्वात् मीस् ३,२,२९. द्वि-श्रेणिk - - िण बौश्रौ ११, ३: २२: २४: २२.9४ : 4. द्धि-षं(<सं)हित¹- -तानि श्रापश्रौ २२.५. ९: हिश्री १७, २. ३७: लाश्री ८.६.२५. द्वि-पं(<सं)धि'- -धयः ऋप्रा २, ८०; -धी ऋप्रा १५,१८. द्धि-षष्"- -षट् वाश्रौ ३, २, ६, ३९ ? ; ऋग्र ३,२६; -पद्भिः श्रवं धः ९. द्विषड-यत"- -तः अप ६१, 9.20. द्धि-षष्टि- -ष्टि: निघ ४,१; या ४, २५: -ष्ट्या वेज्यो २९. द्विषष्टि-भाग- -गेन वेज्यो ३७. द्विषष्टि-रात्र-प्रमृति- -तीनि आश्री ११,४.८. द्वि-षष्टी-भाव- -वात् पावा रं, 9.9. द्धि-प(<स)हस्रा(स-धा)दि--दिचु बौषि १,9६: ८º. द्धि-षा(<सा)हस्र - सम् आपश्रौ १६, १३, ११; बौध्रौ; -खे श्चावशु १०, १३; हिशु ३, ५३. द्विषाहस्रा(स-मा)दि- -दिषु आमिगृ ३, ८,३ : १२º. द्वि-पू(<स्)क!- -कः आश्री ८, ७,२०: -काः शश्री १०, ११,

a) पृ ७९३ i इ. । b) पृ ७९३ j इ. । c) तिहतार्थे हिस. । d) प्रश्नुतियोगेऽपि हितीया उसं. (पाना २,३,२)। e) द्विवर्णत् इति संस्कर्तुः टि. । f) विप. । वस. । g) विप. (शक्तु-)। कस.> वस. । h) पृ १०५४ i इ. । i) = महद्-विशेष-। समासः १ । j) ॰ का इति पाठः १ यनि. क्षोषः वस. । h) वप. > नाप. । वस. । m) वस. (तु. श्चापश्री ७, ८, ३) । k) वस. वा. किवि. । l) विप. > नाप. । वस. । m) वस. । २×६=१२ । n) विप. । मलो. कस. उप. = श्चायत-। o) सपा. विषयः <> विवादः इति पात्रे. > p) वैप १, १५१९ ८ इ. ।

98:22,3,3. क्रि-बोडशिन्"- -शी आपश्री २२, ५,१४; हिश्री १७, २,४२. हि-छ- पा ८,३,९७. द्विस् (:) आश्रौ १,३, २९; ३३;२, १६, १५××; शांश्री; पा ५, ४, १८; ८, ३, ४३; पावा २, १, ६९; द्वि:ऽद्विः शांश्रौ २, 90, 2; 8; 8, 99, 4; 29, १३; काश्री. द्धि:-पक्व- -क्वम् गोगृ ३, ५, ८; जैगृ १, १९: २७; शंध २२९. द्धि:-प्रयोग- -गः पावा ६, 9.9. ?दिरङ्गb- - इम् आप्रिय ३,११, ¥: ¥4. द्विर-अभिघारण- -णेन मीसू 20,6,30. द्विर्-भाणव⁰⁰- -वम् याशि १, 93. द्विर्-आयाम°- -मः बौश्रौ २, ९: २३: -मी बौश्री २, ९: द्विर-उक्त, का- -कः मीस् २, ३.२८: -क्तम् श्रुप्रा १,१४६; -क्तया जैश्री १४: २७; जैश्रीका १४७: -काः शप्रा ४, १५८; -कानाम् श्रप्रा ३, १, ५; -के शौच ४.४४. द्विर्-उदात्त°- -तम् अप्रा १, १.४; नाशि २, ७, ५; -त्तानि शप्रा २,४६. द्विर्-गृहीत- -तेन माश्री ६,

2.4.33.

द्विर्-दशन्->°श-तस् (:) या ₹.90. द्विदेशा (श-ग्र) भ (र>) रा0- -रा ऋपा १६,२२. दिर-दोष°->°ष-ता- -ताम् वाध २०,३०. द्विर्-भाव- -वः माशि ११,९; नाशि २,२,६. द्विर-भूत- -तः कप्र २,९, १६; -ते पावा ६,१,१३२². द्विर-योग°- -गस्य निस् ८, 90:4. द्विर्-वचन- -नम् शौच ४, १ १७; पावा १, १, ७; ५९; ३, २,५९××; -नात् पावा ३, ४. २; ६, १, ९; १२, १३२; -ने वा १,१,५९; पावा ६, १,१३; ٤; ८,२, ६;३,49;×,×٠. ब्रिवचन-निमित्त- -ते पावा 8,9,48. द्विचन-प्रकरण- -णे पावा €,9,93. द्विवचन-प्रसङ्ग- -ङ्गः पावा €,9,3;८,9,8. द्विवचन-विधान- -नात् पावा ८, १,४. द्विवचन-संबन्ध- -न्धेन पावा ८,१,९. द्विवचना(न-त्रां)दि- -दयः पावा १, १, ५७; -दीनि पावा 8.9.46. द्विर्वचना(न-ग्र)थ- -थ: पावा ६.१.१. द्धि:-शमीं e- -मीम् कीस् १३७,

द्वि(स् >)य्-ट(< त)र-> शाम पावा ८.२.२२. द्विस्-तावत्1- -वान् तैप्रा १ 34. द्विस्तावती8- -तीम बौश १ : ३२; २ : १३; १६××. द्धि-स्ता(व>)वा- पा ५, ४. ८४; -वा आपश्रौ २०, ९, १; बौश्री. द्धि:-स्वर°- -रः ऋप्रा १५,५. द्धि:-स्वाहाकारम् बौश्रो १४. 90: 3: 0xx. द्धि-संयोग- -गः मीस् ६,६,१२. द्वि-संवत्सर-पर्यन्त- -न्तात् श्रप **છ**₹.ξ.4. द्धि-संश(य>)या°- -या निस् ३, 9:33. द्धि-सकार°- -रम ग्रुपा ४,१४७. द्वि-संकान्त°- -न्ते कागृउ ४३: 96. द्धि-संकान्ति - -न्ती कागुउ ४५: 93. द्धि-सत्ता--तायाम् कीस्१४१,३७. द्धि-सप्त-कb- -कः ऋष ३,२६. द्वि-सप्तति - -तिः ऋपा १६, ८५; -तीः वेज्यो १९. द्धि-सप्तम- -माभ्याम् श्रापशु १९, ७: हिशु ६,२६. द्धि-सप्त¹-रात्र- -त्रात् या १४,६. द्धि-सप्ताइ- -हात् विध १४,४. द्धि-समवाय- -यः मीस् ९,३,३६. द्वि-समास-प्रसङ्ग- -इः पावा २, 9.9. द्धि-संभार्य! - - यम् आशौ ११,०,

a)= वात्यस्तोम-विशेष-। बस.। b) पाठः ? द्वयङ्ग— इति शोधः ?। c) विप.। बस.। d) उप. = अगुपिरमाण-। e) पृ ४३९ ० द.। f)= दीर्घ-। सुप्धुपीयः समासः। g)= भूमि-। h) पृ ४४३ f

दिसंभार्य-ता- -ताम वाश्री ३. 2.3,39,

द्धि-साम-त्व- -त्वम् मीस् १०. €,8.

द्वि-साइस- -सम् वाश्री २, २. 2,22.

द्विसाइसी- -स्री काश्री १७, v. 29.

द्वि-सवर्ण- > द्वेसीवर्णि (क>) की"- -की शंध २५२.

द्रि-सक्त^b- -क्ताः अपं २: ४.

द्धि-स्तन,ना°- -नम् श्रापश्रौ १७, २६,७; २१, ४, १४; २३,११, ६; भाश्री; -नानि श्रापश्री १६, ३५, १०; वैथ्री; -नाम् काश्री 28,8,2.

> द्विस्तनीd- -नीनाम् शंध १५४; ४२४; ४२५. †द्विस्तन-वत- -तम् बौश्रौ ६, 27: 9××.

द्वि-स्तोत्र-भाज्- -भाजः निस् ७, 97:4.

१द्वि-स्थान- -नम् अप ४७, १, 99.

२द्वि-स्थान b- -नाः निस् २, ३:३9.

> द्विस्थान-ता- -ता ऋपा १३, 38.

द्वि-स्पर्शb- -र्शम् शुप्रा ६,२५. द्धि-स्रक्तिb- -क्ति आपश्रौ १२, १, ११; हिश्रौ ८, १, २२; वैश्रौ १4, 7 : 4.

द्विस्रक्ति-पात्र- -त्रे वैश्रौ १५, 39: 5.

द्वि-स्वर- -रम् कौश ३९: नाशि २,३,७; -रे तैप्रा १६,१७. द्धि-हविस्º- -वि: बौश्रौ १७,२२:

८××; माश्री ५,१,५,४६;५०; -विष: शांश्री २,३,३; -विषम् बौश्रौ ५,१: ७; वाश्रौ; -विपा माश्री ५, १, ५, १६: -विषोः माश्री ५,१,५,१७:५५.

द्धि-इस्त,स्ता!- -स्तम् श्रप १८.१. १४××; -स्ता सु १६, ४⁸; -स्ते काशु ७,२.

द्विहस्ता (स्त-श्रा) यत- -तः विध १०.२.

द्धि-हायन'- -नः माश्री १, ५, ६, ८; -नम् विध ५०,३८; -नाः वाश्री ३.४.३.१८.

द्विहायनीh- -नी आपश्री १०,२२,२; २२,१५,३; हिश्री ७,२,१६; -नीम् कौसू ६९,२. द्विहायन-मिधुन- -नी वाश्री 2,8,3,80.

द्धि-हिङ्कार'- -रम् लाश्री ७,२,१. द्वी(द्वि-ईषा>)ष^c- -षे श्रापश्री १६,१२,४: हिथ्री ११,५,२.

द्व(द्वि-ऋ)च1- -चः ऋश्र २,१,४४; ३, २६; ५, ४६; १०,५३; ब्दे; -चम् ऋश्र २, ८, १; ^९, १०८: बृदे ५, ११४; -चस्य बदे ६, ९३; -चाः श्राश्री ४, ६,३; ५,१४,७; श्रागृ; -चानि श्रपं २: ७२; -चाभ्याम् ऋश्र २,१,१७९; -चे ऋत्र २,८. २१: बदे: -चेन ऋग्र २, ८, १००; बृदे ३, १५५; ६, ११८; -चैः वृदे ६, १३६^२; -ची ऋश ३, ४०; चव्यू १: १२; ऋप्रा १८.१.

द्वेषा[©] त्रापध्रौ १४, २४, ७; २७, १; बौश्रौ; पा ५,३,४६. द्वेधा-कारम् श्राश्री ६, २, ७; 6,3,70.

द्वयं(द्वि-श्रं)श- -शम् वाध १७,४%

द्वयंशिन्- -शी गौध २८,९. १द्वय(द्वि-त्र)क्षर- -रम् लाश्री ७, ११,३; निस् १,६ : २०. द्वयक्षर-णि(<िन)धन^b-स्व-न्त्वात् निस् ८,५:३८. द्वयक्षरो(र-उ)प(धा>)धb-

-धम् ऋपा ८,४२. २द्वय(द्वि-अ)क्षर,राb- -रः वाश्री ३, २,२,२३; लाश्री ७, ९,२; -रम् वाधी ३, २, २, २३; द्राश्री; -रस्य लाश्री ७, ११, १५; ऋपा ७,७: -राः बौध्रौ २०. १९: १४; -रान् निस् ३,१३: ८; -रे ऋप्रा ४, ४२; ऋत ५, २,७; -रेण वाधुश्री ४, १००, २०; निसू २, १०: १; १६; ऋप्रा ५.४. द्वयक्षर-ता- -ताम् ऋपा १४,

¥3.

द्वयक्षर-प्रभृति -तीनि निस् १, 4: 33.

द्वयक्षरा(र-मा)दि- -दीनि ऋपा 20,20.

द्वय (द्वि-श्र)ग्नि-देवता- > व-(त्य>)श्या- न्याः शुद्ध २,

a) विप. (वृत्ति-) । परिमाणार्थे ठिन (पाना ५,१,५९) उभयपदवृद्धिः। b) विप. । बस. । f) तदितार्थे दिस. । e) पृ १२१३ ८ द. । d) कीष् प्र. वा (पा ४,१,५४)। g) बस. । $h) = [सोमकयगी-] गी-। स्त्री. हीप् प्र. (वा ४,१,२०)। <math>i) = \pi \pi - 4$ साम-विशेष-। $j) = \pi \pi - 1$ वस. । य-लोवः उसं. (पावा ६, १, ३७ [तु. षड्गुरुशिष्यः])।

CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

इय(द्वि-म्र)ग्नि-दैवत- -तः ऋग्र २.

१,१२; सात्र २,१९४. इय(द्वि-श्र)ङ्गुल,ला"- -लम् शांश्रौ २,८,२३; काश्री; -लानि बौश्रौ २७,४ : २९; -लाम् त्रापश्री २. २.७; वैश्रौ ५,१ : ३; हिश्रौ १, ६,९४; -ले श्रापश्रौ ६, १०,४; १६, ४, ११; काठश्री; -लेन श्रापश्रौ ११,१३,६; वैश्रौ. द्वयङ्गुल-सा(त>)ता- -ता त्रप २३,३,२; -ताः माश्रौ १, ₹,9,€. द्वयङ्गुल-प्रनिय- -निथ वेंगृ १, 6: 0. द्वयङ्गुल-च्छेद्- -दः शंध ३३२. द्वयङ्गुल-निम्न--म्नम् वैश्रौ ११, U: 4:6:90. द्वयङ्गुल-पृथ्व(थु-श्रप्र>)मा--म्रा कप्र २,५,१५. इयङ्गुल-मात्र- -त्रे श्राधी २, ₹,9 €. द्वयङ्गुला(ल-श्र)प्र- -प्रम् वेश्री ११,९: ४. द्वयङ्गुला(ल-त्र)न्तर- -रे काश्री ८,५,२२. द्वयङ्गुला(ल-न्ना)यत- -तम् वेथी ११,८: १४. द्वयङ्गुलायत-विस्तार--राणि वैश्री ११, ९: ११.

द्वयङ्गुलो(ल-उ)त्सेध- -धम् वैश्रो २०,२८: १२. द्वयङ्गुलो(ल-उ)ञ्चत,ता- -तम् वैधी ११,२: ८; वेष्ट १,८: ३; -ताम् बेग् १,८: ११.

द्वय(दि-अ)ङ्गुष्ठ"- -ष्टम् आप्रिय २, ३.9:9४; कप्र १, ७, ८;८, 93.

द्वय(द्वि-श्र)अल- पा ५, ४, 902.

द्वय (द्वि-श्र)तिजागत-ग (भे>)-र्भा- -र्भा अत्र ४,२९.

द्वय(द्वि-श्र)धिक,का- -कम् ऋश्र ४,११; श्रम्र १६, ७; अपं ५: २५; -का ऋग्र २, १, ३०; १६२××; -कायाः गौध १, 94.

द्वय(द्वि-अ)धिशयb - -यः निस् १, ८: १२; -याः लाश्रौ ६, ५, १९; निस्; -यानाम् लाश्रौ ६, ५.२८: निस्: -येषु लाधौ ६, 4,93; 28.

द्वय(द्वि-त्र)ध्या(स >)सा- -सा लाश्री ७,५,१०; निस्; -सायाः निस् ३,१३: २१.

द्वय(द्वि-श्र)नुचर- -रः कौस् ९०, ₹₹.

द्वय (द्वि-अ)नुवाक- -कम् श्रश्र 88.9%.

इय(द्वि-स्र)नुष्टुब्-अन्त- -न्तम् ऋत्र २, १०,९; १०९.

द्वय (द्वि-श्र)नुष्टुब्-ग (भ् >) र्भा- -र्भा श्रश्र १०,१.

द्वय(द्वि-श्र)नुष्द्व-बृहत्य (ती-थ्र)न्त^d- -न्तम् ऋश्र २, ८, 63.

ह्रय(द्वि-त्र्य)न्तर,रा- -रः नाशि १, १,३; -रा माशि १,२.

द्वय(द्वि-ग्र)भिक्रम- -मम् ऋप्रा ११,११; १२.

ह्य (द्वि-त्र)मुष्य- >ह्यामध्या-यण⁶- -णम् शंध २८८: -णानाम् श्रापश्री २४, ७, २: हिश्री २६, ३,१०.

द्वय(द्वि-श्र)रिक"- -किः बौध्रौ १९. 9:93. द्वधरत्य(लि-अ)न्तर- -रे

काथौ ८,३,१९. ह्य(द्वि-त्र)र्थ- -र्थः मीस् १०, १, ३१: -थें ऋत ३,२,४.

द्वयर्थ-स्व- -स्वम् मीस् ७,१,६: -स्वात् मीसू १०,१,३७; १२, ₹. ₹.

ह्य(द्वि-श्र)वदान-> द्वयवदान-स्व--स्वम् मीस् १०,७,५. द्वयवदान-नाश- -शे मीस् ६, 8,9.

ह्य(द्वि-त्र)वर- -रान् त्रापम ९, ४; वैगृ ४,३ : ३.

द्वय(द्वि-स्र)वराध्यं- -ध्यंम् . हिथी ५,६, १३; -ध्यों द्राश्री १०, २,२; लाथी ३,१०,२.

द्र्य(द्वि-श्र)शीति->द्वयाशीतिक->°का(क-म्रा)द्य(दि-म्र)र्थ--र्थम् पावा ७,३,१०.

द्रय(द्वि-अ)श्चि- -श्चि बौधौ ७, ८:

द्वय(द्वि-अ)ए- > °ए-क ह- -कः ऋत्र ३,३१.

ह्य (दि-श्र) ष्टन् - - एनः पा ६, ३, 80.

इय(द्वि-त्र्य)ह- -हः त्र्याश्री ९, २, ८; काथ्रौ; -हम् काथ्रौ ५,६, १; त्रापश्रो; -हम्ड-हम् श्चापश्ची १६, ३५, ७; २१, ४,

c) द्वयानु॰ इति पाठः ? यनि. b) विप. । उस. उप. कर्तरि कृत् । a) तदितार्थे द्विस. । d) विषय. । कस. > इ.स. > वस. । e) श्रापत्यार्थे फक् प्र. (पा छ,१,९९) । f) वा. किवि. । शोधः । g) पृष्ठ रे दि.।

१२; माश्री ४,३,५; वैश्री १९, १:१५; -हस्य निस् ७,३: ११; -हाः श्राश्री २,१,८; १०,२,३; काश्री २३,२,१; -हान् श्रापध १,२९,१७; हिध १,७,७४; -हानाम् श्राश्री २,१,४; -हे श्रापश्री १,१२,५,३,१६××; भाश्री; -हेन बौश्री १,१:३; १८,२३:७××. द्वयह-का(∞) ∞ 10- ∞ 5:

हिश्रौ २२,२,२. द्वैयहकाल्य^b- -ल्ये मीस् ५, ४,२३.

द्वयह-प्रभृति - -तयः आश्री १०,१,१२; काश्री २३,१,३; वैताश्री ४२,१४.

द्वयहा(ह-म्रा)दि- -दिषु काश्री २३,१,५.

द्वयहा(ह-अ)पवर्ग- -र्गः लाश्रौ १०,१२,९.

द्वयहा(ह-स्र)र्थ- - धे स्राश्री ११, १,११; शांश्री.

द्वयहो(ह-उ)पजन - -नम् आश्री ११,२,८.

द्वय(द्वि-अ)हन्- >द्वयहीन°- -नः लाश्रौ ८,४,३.

द्वयहीन-स्व- -स्वात् आश्री ८, ४,८.

द्वया(द्वि-म्रा)दि-प्रतिषेध- -धात् पावा ५,३,२.

ह्या(द्वि-श्रा)धान- -नम् मीस् ६, १,२२.

द्वया(द्वि-श्रा)म्नात- -तेषु सीस्

3,0,90.

द्वथा(द्वि-श्रा)म्नान- -नस्य मीसृ ३,८,१७.

३,८,१७.
द्वया(द्वि-आ)युप- पा ५,४,७७.
द्वया(द्वि-आ)युप- पा ५,४,७७.
द्वया(द्वि-आ)पेंय- -यः आपथ्रौ
२४,९,८;१०;१०,१; वौध्रौप्र;
-याः श्रापथ्रौ २४,१०,३;
वौध्रौप्र १:५; हिथ्रौ २१,३,१३.
द्वयाषेंय-संनिपात- -ते बौध्रौप्र

द्वया(द्वि-त्रा)श्रम- > प्य^d-

द्वयु(द्वि-उ)त्तर- रम् वैग् ३, १७ : १५; -राः निस् १,८ : ५; ६; -रान् लाश्रौ ८,१२,६. द्वयुत्तरी√भू>द्वयुत्तरी-भाव--वेन लाश्रौ ६,५,१५.

द्वयु(द्वि-उ)दात्त- -त्तानाम् ऋपा ३,

द्वयु(द्वि-उ)न्नत⁸ - -तम् वाधूश्रौ ४, ९०:१३; -ते वाधूश्रौ ४, ९०:११.

१द्वयु(द्वि-उ)पसर्ग- >°र्ग-पूर्व--र्वम् श्रप्रा १,१,१२.

२द्वयु(द्वि-उ)यसर्ग⁸- -र्गात् या ७, ९; -र्गे अप्रा १,१,१०.

ह्यु (द्वि-उ) व्णिग्-ग(भै>)र्भा--र्भा श्रद्ध ५, ८३;१०,११;१२.

ह्वयू(द्वि-ऊ)न, ना— -नः आपश्री २३, ९,७;९; १५; हिश्री १६, ६,३^३;१८,३,११?[°]; —नस् श्रपं ४:४; —ना ऋग्र २, १, ३१;

९२××; अश्र. द्वयू (द्वि-ऊ)ष्मन्- -ष्मसु ऋपा ११, ४६.

१द्वयृ(द्वि-ऋ)च- -चम् ग्रुत्र २, १५३; १५४××.

२द्वयृ(द्वि-ऋ)च^a--चः श्रश्र २०, ८५; -चम् श्रश्र ७,१^३;१३××; -चाः कौगृ ३,७,१०.

ह्रथे(द्धि-ए)क- -कयोः पा १,४,२२; पात्रा १,२,३९××.

द्वयो(द्वि-ऋो)प (श>)शा a - शा निस् ३,१३:२५; -शाः निस् ३, १३:१९; -शे निस् ३, १३:२५.

√द्विष्^र पाधा. श्रदा. उभ. श्रप्रीतौ, द्वेपत् श्रश्र १२,१‡.

†देष्टि श्राश्री १, ३, २२; ३, ५,२××; तांश्री १,६,६××; ४, १३,९%; काश्री; या ६, २ं२\$; द्विवन्ति कीस् ६४,८‡; या १०, ५; †द्वेष्टिम श्रापश्री ४,११,५%; माश्री ४,९७,२;३; हिश्री ६,३,८%; †द्विव्यः श्राश्री; अद्विष्टः पा ३,४,१२×; तांश्री; अद्विष्टः पा ३,४,११२; द्विःयात् श्रापश्री १,१,२;२,१९,१०××; बौश्री.

†हिष्^b – हिषः श्राश्री २,१८,३¹;
७, २, ३; श्रापश्री; बौश्री १०,
२२,८¹; श्रापमं १, ५,५¹;
हिए १, २०,५¹;२९,२¹; २,१,
३¹; हिषम् भाग्र २, २४:
१६^k; वाग्र १,२३¹; हिषा
माश्री २,४,१,३९¹.

द्विषत् - पा ३,२,१३१; पावा २, ३,६९; ३, २, १२७; - †पतः शांश्रों १०, १५, ८; १४, २२,

a) विप. । वस. । b) भावे ष्यञ् प्र. । c) पृ १२१६ b इ. । d) स्वार्थे ष्यञ् प्र. वृद्धयभावश्च । e) ऊ॰ इति पाठः ? यिन शोधः (तु. श्रापथ्यै २३,९,७) । f) पा ३,२,६१ परामृष्टः इ. । g) पाभे. वैप २,३ खं. अभिदासित तैत्रा २,४,१,२ टि. इ. । h) वैप १ इ. । e) पाभे. वैप १,१६९३ d इ. । f) सपा. द्विषः (ऋ २,७,३ काठ ३५,१२ च) \sim द्विषम् इति पाभे. । e0 पाभे. दिषः (ऋ २,७,१ काठ ३५,१२ च)

२३××; - चताम् माश्रौ १, ६,२,९७°; जैगृ; - † बते बौश्री १७,४२: १४; श्रापमं; -षत्सु कौस् १०२, २4; -पद्भिः विध ६३, ५; - च्यद्भयः बौश्रौ १७. ४०: २१; आपमं १, ४, ११^b; १३, ५××; हिए १, १९,७⁰; - वन् शांश्री ४,१२, १०;१४,४२,६\$; आपश्री ४, १२,८°: बौधी: माधी ४,१८, ४º; वाश्री १,३,२,१८°; हिश्री° ६, ३, १७;४,१०; सु; हिंग १, १३,१३°; - चनतः माश्री १, 2, 4, 2°; €, 2, 90; - च्यन्तम् शांश्रौ ४, १२, १०××: काश्री: श्रापश्री ४, १२, ८º; भाश्री ४, १८, ४º; माधौ १, २, ५, ८⁶; वाधौ १, ३, २,१८°; हिश्री ६,३,१७°. द्विपती- -ती: हिश्री १७, ₹ 36. द्विपच-छब्द- -ब्दे काश्री २, 8,20. १द्विषद-द्वेप- -पः बृदे ३, २द्विपद्-द्वे (प>)षा - -पाः बृदे ४,११८. द्विषं-तप- पा ३,२,३९. द्वेष- -षः वैष् ३,१०: १; - षात आनिष् ३, ८, ३: ३०; बौपि १. १६: १७; - षाय भाश्री €,9€,99+.

द्वेष-प्रतिषेधा (ध-म्र)र्थ- -र्थाय गो १.४. +हेषस्8- -षः शांश्री ३, १५, ४; श्रापश्री: - षसः या ५, २३\$; -पांसि आपधी ४,६,३;७,२०, ४hxx; भाश्री ४, ९, १; ७, १५,११^h; माधौ १,८,४,२८^h; वाश्रौ १,६,७,८ b; वैश्रौ १०, १६:३^h; हिश्रौ ४,४,३४^h××: श्रापमं; -षोभ्य¹: बौश्रौ ६,३०: १६; ऋप्रा २, ४८; शुप्रा 8, 44. द्वेषो-यवन^ह- - †न: श्रापश्री ११,१२,३; हिश्री ७,६, १८. द्वेदट्- -ष्टा कीस् ९०,६;१५; -ष्टारम् ब्राध्री ३,११, १९; वैश्री २०, ११:८: -प्टे श्राश्रो ३,१४,८. द्वेष्य, प्या- - प्यः श्राश्री ५,१८, ३; शांधी: - ज्यम् काधी ३, १, ७××; श्रावश्री; -प्यस्य श्रावश्री २, १४, ३; ६××; वाधौ; - † त्या श्रावश्रौ २, २०, ६; भाश्री: -प्याय शांश्री ३, २०, ३ ‡; त्रापश्रौ; - प्ये ऋप ३,३, १; मीस् १०, २, ४४; - प्येण श्रापश्री १६,२,६;३, १३; वैश्री. द्वेष्य-कल्प- -ल्पात् द्राश्री ३,२, ११; लाध्नी १,१०,८. द्वेष्य-दिश्- -दिशि वैश्री १६, 34:94. द्वं त्य-प्रिय-कल्प- -ल्पयोः द्राश्री ३,२,१५; लाश्री १,१०,

99. १द्वीप1->द्वीप्य1- -प्याय शुप्रा ५ २द्वीप^k- पाग २,४,३१; ४,१, ९९1: २, १२७; १३३; -पम् द्राश्री २,२, ११; लाश्री; -पान् सु ७. ५; -पानाम् विध १,१५; -पे श्राश्री ३,६, २४ +™; माश्री ५ 2,90, 26. १द्वेप- पा ४,२, १३३. द्वेपक- पा ४, २,१२७. द्वैपायन- पा ४, १, ९९; -नः श्रप्राय २,२;३. हैप्य- पा ४,३,१०. द्वीप-सप्तक- -कम् शंध ११६: द्वीपिन् - - †पिनम् आपश्री १८,१५, ३; हिश्रो १३, ६, ३९; -पिनि बौध्रौ २,५:१७ ; -पी अप ६८,५,८; शंध ३७७: १४. २द्वेप- पा ४,२,१२; -पः श्रापश्रौ 22,92,0ª. ह्रैप-धन्वधि- -धिः शांश्रौ १४, 33.3°". द्वैप-वैयाघा(घ-अ°)नडुच्चर्मन्--र्म श्रप १८, २, ३, द्वीप-, दुच-, देधा द्वि- द. द्वे पा १,४,५७. द्वैगत−, °गुण्य−, °त-, °ध- प्रमृ. द्वि- द्र. १द्वेनभूत P- -ताः चय्यू ३ : ७. १द्वैप- २द्वीप- द्र.

देहैप- द्वीपिन्- द्र. हेपक- २द्वीप- द. हैपद-, १,२द्वेपदिक-, द्वेपराक-द्वि- द्र.

हैपायन- २हीप- द. हैपृष्ठय- दि- द. हैप्य- २हीप- द. हैभाव्य-, हैमास्य-, हैयज्ञ- प्रमृ.

ह्या,ह्या अक्ष -(>ह्य । ,ह्या । क्षायण - > व्यण-भक्त - पा.)

ह्यामुष्यायण- दि- द. द्वयाह्य.हा[®]]व°- (>द्वेयाह्य.हा] वक्ष- पा.) पाग ४,२,१२७.

ध

१६व⁴, धा— धः शुप्रा ३,५५; भाशि ४२;४५;४७.

ध-कार-परत्व— न्वे पावा ८,३,७९

१घ-म— मौ श्रप्रा ३,२,२७.

घ-व-वत— -वति तेप्रा ८,३३.

धा-कार— -रे याशि २,३३; नाशि
२,३,५.

२घ°— नाशि १,४,१२.

√धकक् पाधा. चुरा. पर. नाशने.

घश्च—, घह्यत्— √दह्द.

घट'— -०ट विध १०,१०; —टः विध
१०,१४; —टम् विध १०,७.

घटा(ट-श)ग्न्य(मि-उ)दक-विष—

-पाणाम विघ २.११. √धरा पाघा. भ्वा. पर. शब्दे. √धन्⁸ (वधा.) पाघा. जुहो. पर. धान्ये, दधनत् हिश्रौ ९, २, 284. **†दधन्वस्- -त्वान् ऋप्रा ४, ६८**; शुप्रा ३,१३७; नाशि २,४,८. धन1- पाउन २,८१; पाग २, ४, ३१^b: पावाग ५, १, १११: -नम् आश्री ३, १३, १८; †शांश्री ४, ११, ६1; १४, ४६. 91: +आपश्री 3, 93, 6 ××: ५, २६, ५ ; बौश्री; भाश्री ३, १२,९+k; +हिथ्री २, ६,३२k; ३, ६, ५k; द्राश्री ४, १,८+1; लाश्रौ २, १, ७ 🗐; श्रापमं २, 94. 9६ +1; कीय ३, ३, 9 +1; शांगृ ३, ४, ४^{‡]}; या २, ५; ₹, ९\$; 8, ४; २४; ७, ९; ८. १: ११, ३३; -नस्य काश्री ४. २. ३२ +; श्रापश्री; -नात् बौध २,२,५५; विध १८,१२; -नानाम् आश्रौ ९, ९, १५; श्चापश्ची: -नानि श्राश्ची २, १०, १६ र म: अप: या १४, ३६1; -†नाय श्रापश्रौ १४, २७,७¹¹; माश्री २,३,८,४ ;हिश्री १५,७, cm: मागृ: -ने विध ५२,9६; पा ६,२,५५; -नेन आश्री ६,

१४,५°,१४,१८,१°, बौश्री ८, १७:४4º: हिश्री ३,४,२८4°; जेश्री २०: ४ 🔭; आपमं २.६. 9:04°: +भागृ २, २६:६;७; - केतु गौषि २,५,१४; अप ४४.४.१२: -नैः शांश्रौ १६. 9.904. धन-क- पा ५,२,६५. धन-कनक-रजत-संचय- -याः अप ५१.३,३. धन-काम- -मः बृदे ५, १०; -मम् अप १, ४५, १; -मस्य श्रप ३६,४,9; श्रशां १७,३. धन-कुप्य - -प्यम् बृदे३,१४७. धन-क्री(त>)ता- -ताम् वाध 2. 34. धन-क्षय- -यः अप ३६, १७, १: -यम् आज्यो ७, ९; -ये श्रशां १७.३. धन-गो-जा"- -जाः या १४, 3928. धन-प्राहिन् - -हिणि विध ६, 20. †धन-जित्¹- -जित् श्रापश्रौ १६, १८,६; ३०,१; २१,४,२; वैश्री: -जितम् शांश्री १४,४६, १\$; -जिते शांश्री १८,१७,३. †१धनं-जय!- -यम् बौश्रौ १७, ४१: १८: माश्री ५, १, ३,२; वैताश्रौ ५, १४; श्रापमं.

१२,४‡º: शांश्री; ‡ग्रापश्री ५. c) तु. पासि. । d) = वर्गा-विशेष-। b) तु. पागम.। a) तु. भागडा. प्रमृ. । f) = तुला-दण्ड- L नभा. धड़ा इति । व्यु.?। e) गन्धर्व- इत्यस्य मध्यम-वर्ण- । व्य १। h) वैप १, १६९५ h इ. । i) वैप १ इ.। j) सप्र. g) पा ६, १, १९२ परामृष्टः इ. । k) पामे. वैप २,३ खं. धनम् तेत्रा ३, ३, ११, २ टि. इ.। धनम् <> पयः इति पामे.। l) धामानि इत्यपि क्राचित्कः मूको.। m) पाभे. वैप १, १३४९ c द्र.। n) पाभे. वैप १, १६९७ b p) पामे. वैप १, १६९७ c इ. । g) समाहारे द्वस. o) पामे. वैप १, १६९६ o इ. I s) धरित्रिगोजाः इति संस्कर्तुः टि. राज. च पामे.। जा इति पाठः ! यनि. शोधः। r) 9 909 j K. 1 t) = पश- 1

२धनं-जय*- पाग ४,१,१०५; -यस्य वाझ ३८: १६; -याः^b आपश्रौ २४, ९, ५; बीश्रौप्र ३६: १;२; -यानाम् भाश्रौ १२,१४,४; -याय श्राप्रिए १. २,२: २२; बीए.

धानंजय्य - पा ४, १, १०५; -०स्य स्त्राश्री १२, १०५; -०स्य स्त्राश्री १२, १४, ६, बौश्री द्र ३६: ३१⁴; हिश्री २१, ३,१२; -स्यः द्राश्री १,१,२५×; ४,९,२३^e; ५,४,३^t; -स्यम् ६ द्राश्री ६, १, १४; लाश्री २, ९,१०; -स्यस्य खुस् ३, ९: ३; १३; -स्यन लाश्री ६, १, १८; १०, १६,१०.

धानंजय्य-शाण्डिल्य--ल्यो द्राश्रो ७, १, २५; ३०; लांश्रो ३,१,२४;२९××.

धनंजय-वत् आपश्री २४, ९, ६; बौश्रीप्र ३६ : ३; हिश्री २१, ३,१२.

धन-द,दा- -दः काग्र १०, २; माग्र १, ७, १; वाग्र ८, १२; -दम् शंध ११६ : ३५^b; -दाम् माग्र २,१३,६‡.

धन-दश-भाग-संमित- -तम् विध ६,२०.

धन-दा- -दाः शुप्रा २, ४१‡. धन-दावन्[!]- -वा कौस्७२,१८. धन-धान्य- -न्यम् श्रप ६७, १,१; --न्याभ्याम् वीगृ २, ८, २० †; - स्येन अप १, ४४,५; ४५,२;२,६,१. धनधान्य-पात्र - न्त्रम् आप्रिए ३,११,२ : ३. धनधान्या(न्य-आ)दि -- दिभिः अप २,४,१.

-दिभिः श्रव २,४,१.
धनधान्यादि-समृद्धि-द्ध्या सुधप ८८:१०.
धनधान्या(न्य-श्र)वकाश-शे वौग्र २,८,२०.
धन-धान्य-कुल- -लान् श्रव २०,५,२.
धन-धान्य-पुतुत्र-कीर्ति-

मत्- -मान् पाशि ६०. धन-नामवेय- -यम् या १,७. धन-नामन् -म या ३, २; ४, ४;१७; -मानि निघ २, १०; या ३,९.

धन-नाश---शः श्रय ७०^२, ८, ५; --शाय श्रय २,४,३; श्राज्यो ५.१३.

धन-पति— पाग ४, १,८४; ५, १,१२४; — तथे कौए ३, १०, १६; शांए २,१४,१७; — तिम् श्रश्र २,३६; — †०ते श्रापश्री १६, ३४,४; वैश्री १८,२१, ३५: हिथ्री ११,८,१५.

धानपत- पा ४,१,८४. धानप्रय- पा ५, १,१२४. धन-रुचि- -चिम् श्रश्च ३, १५. धन-रूप¹- -पम् गोध २८, ११. धन(न-श्र)र्च^k- -चेम् ऋप्रा २, धन-लाभ- -भाय या ३, ५;
-भे हिध १,७,८.
धन-वत्- - †वत् आपश्री ६,
२९,१;१३,२५,३; हिश्री ३,८,
१४; भाग्र २,४:११; -वन्तः
आपश्री १६, ३४, ४; वेश्री;
-वान् अप १२,१,९.

धनवती— -०ति अप २०, 0,90; —ती या ११,४६. 9 धनि($\mathbb{F}>$) \mathbb{B}^1 — - छा हिश्रौ 2,3,3 १५+; — छाभ्यः \mathbb{B}^1 शंप \mathbb{B}^1

धनिष्ठा (हा-२आ) ख-- खे कप्र ३,६,१०. धन-वर्जित- -तः आमिगृ २, ७,६:३. धन-वार्ध्यकि- -कम् कप्र १, ६,७. धन-वृद्धि-प्रसक्त- -कान् क्प्र

१,६,६.
†धन-सनि - निः वैताश्रौ १९,
१६; कौस ७०,१; ८७, २१.
†धन-सा - नाः श्रापश्रौ १३,
२१,३; हिश्रौ ९,५,४२.
धन-सोभाग्य-वर्धन - नम् विष
१००,२.

धन-स्वीकरण- -णम् वाध १६,

धन-हार- > थ-कारा-वध-

 $a) = \pi s$ ि विशेष-। b) बहु. < sि धानंजय्य-। c) प्य- इति लाश्री. पाटः १ यिन. सर्वत्र शोधः। d) प्य इति पाठः १ यिन. शोधः (तु. श्रापश्री. प्रमृ.)। e) सप्त. द्राश्री १२, १, ३० शाण्डिल्यः इति पामे.। f) सप्त. द्राश्री १३,३,१८ गीतमः इति पामे.। g) तस्येदमीयः ण्यः प्र. उसं. (पा ४, १,८५)। h) = कुवेर-। i) उप. $< \sqrt{2}$ ा [दाने]। j) विष.। बस.। k) वैष १,१६९० p, q द्र.। l) वैष १,१३४० c दि.। m) = नक्य-।

धन-हारक- -कः शंध २९४; 880. धन-हिंसा--साम् विध ५२,१६. धनहिंसा-पर- -रः विध 42,90°. धन-हीन- -नान् विध ७१, २. धना (न-आ) गम- -मम् अप €८,२,9°. धना(न-त्रा)दान- -नम् विध 80.9. धना(न-श्र)धिप°- -पः श्राज्यो धना(न-त्र)न्तर- -रम् जैश्रीका 238 धना(न-ग्र)स-दान-प्रशंसा--सा ऋत्र २,१०,११७. धना (न-अ) पह^b- -हः वाध 3,94. धना (न-श्र) पहरण- -णे शंध 394. धना(न-ग्र) पहार-> °र-वध-बन्धन-क्रिया- -याः शंध २५९. √धनाय पा ७,४,३४; धनायति शांश्री १६,४,४ . धना(न-श्रा)युस्- -युषी वाध ६,९; -युषोः अप ३६, १०,२; U0, €, ₹. धना (न-स्र) र्थ- > वर्धन्--थिनः विध ५१,६२; -थीं अप ₹, ४३, ३. धना (न-श्रा) शा- -शा वाध 30, 5. धना(न-म्रा)शिस्- -शिषः बृदे

U,934. धनिक- -कः विघ ७, १३; -कस्य विध ५,८९;१६९; ५२, १४; -केन विध ६,४३. धनिक-च्छन्द्-तस् (:) विध धनिन्- -निनः बौध ४,५,२८; -निनि अप ६९, ८, २; -नी वाध १६,१०. १धनी°--नीः आश्री २, 90,9840. धने (न-ई) इवर- -रः आप्रिय 2,0,4:6. धनो (न-उ) पेत- -तम् विध ₹७,८. १धन्य,न्या⁶- पा ४, ४, ८४; पावा ५, १,१११; -न्यः आगृ ४,८,३५; पागृ ३,८,२; -न्यम् द्रापृ ४, २, १३; ऋप; - न्या शांश्री ८,१९,१4. २ध (नि>) मी - न्या शांश्री ८, धनी-मत्-> २धनिष्ठ⁶- - हाः शांश्री ८,२०,१. १धनिभीमम् शंघ ११६: ५४. १धनि(४>)ष्टा- 🗸 धन > धन-मत्- द्र. धन,न 8- पाउ b १, ७; ८०; -नुना ग्रप ७०^२,२१,५; -नोः श्रापश्रौ २०,१६,७; वाश्री ३,४,३,३१. १धनुर्मटची भाग १, २५:१८ . १धनुर्वेष्टीः[।] बौश्रौ ११, २:१६; 22,93:94.

धनुस् - पाउ २, ११७; पाग २, ४, ३१; ४, ४, १२; -नुः शांत्री ३,२,७; ४, २०, १××; काश्री; या ५,२५; ६,३३+; ९, १६ ई; १ ७ क्: - लुषः बौश्री २२, १८ : १७; २३,१८: २१; अप ५८, ३, ८; बृदे ५, १२९; पा ५,४, १३२; -नुषा हिपि ५: १०; कौस् ८५, ३७; विघ १२, ४; पावा १, ४, १; - नुषि या ९, १८; याशि १, ४८; पावा ४, ३,१५२; -नुषिऽ-नुषि या २, ६; -नृषि अप ७१, १४, ५; माशि ८,११. धानुष्क- पा ४,४,१२. धनुर्-आकार*- -रम् आप्रिए २, 4.9: 20. धनुर्-भादान- -ने बृदे ७,१५. धनुर्-भार्ति, र्वी - विम् हिश्री १३,६,१०; -बी हिश्री १४, ३, ३०: - स्चा काश्री १५, ६, २०; श्रापश्री १८, १७, १०; हिश्रौ १३, ६,१०१1. धनुर्-इध्म - -ध्मे कौस् १४,९. धनुर्-प्रह- पावा ३,२,९. धनुर्-ग्राह"- -हम् सु २०,३. धनुर्-ज्या- -ज्या आगृ १, १९, १२; कीए; -ज्याम् काग् धरे, १२: वागृ ५,७; कीसू ५७, २. धन्र-दण्ड-(>धानुदंण्डिक-पा.) पाग ४,४,१२. धनुर्-धि"- -धी बौश्रौ १८, २४:

a)= कुवेर-। b)= भ्राततायिन-। उप. भप $\sqrt{s}+s$: प्र. उसं. (पा ३, २,५० t तु. विध ५,९९२)। c) मत्वर्धीयः ईः प्र. (पावा ५,२,९०९)। d) पाभे. वैप २,३सं. भुन्यः तैन्ना २,५,३,९ टि. ह.। e) वैप १ ह.। f) पाठः ?। धुरिं भीमम् इति श्रपु २१९,३३, धितिः भीमः इति शक (वायुशन्दे)। g) = धनुस्-। न्यु. ?। h) $<\sqrt{$ धन्। i) = स्तिकारोगभैषज्य-विशेष-। न्यु. ?। j) स्वरूपम् ? (तु. संस्कर्तुः टि.)। k) विप. । वस. । l) e। शांचां इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. श्रापश्रौ.)। e0 = धनुधंर-। उस.। e1) नाप.। उप. श्रापकरके प्र. e2

धनुर्-मात्र- -त्रे बौश्रो ९,१: ८. धनुर-मुक्त- -कः बृदे ५,१३४. धनुर्-यज्ञ - ज्ञस्य काय ७१,१७. धनुर्-वेद- -दः चन्यू ४:१०; -दम् शंघ ११६: २८. धनुष्-क°- -केण लाश्री ८,६,८. धनुष-कपाल- पाग ८,३,४८. धनुष्-कोटि-मात्र- -त्रम् बौषि ३, 2.6. धनुष्-पाणिb- पाग २,२,३७. धनुष्-मत्- -मन्तम् बृदे ६,११२. √धनुष्य, धनुष्यति श्रप ४८, 994. १धनु:-संध्योलका-परिवेष-विद्यद्-दण्डा(राड-श्र)शनि-परिघ-परि-धि-निर्घात- -ते अप ७२,३,३. धनु:-समिध्- -मिधम् कौस् १४, धनु:-सहस्र°- -स्राणि कप्र १, १०, धनु:-स्थायिन्- -यी अप ५०,६,५. धनू- धनु- द्र. १धन्य- १√धन् द्र. रघन्यd- पाग ४,१,११०. धान्यायन- पा ४,१,११०; -नाः बौश्रौप्र १७: १०°. √धन्य ^{१,8} (बधा.) पाधा. भ्वा. पर. गती, धन्वति निघ २, १४ ; धन्वन्ति या ५,५; ९,१६. १धन्वन् - पाउ १, १५६; पाग ५,२,१३६^b; पावा ४,२,१०४; -न्व बौश्रो ९, ७: २४[‡]; काय ९,७; माय १,४,६; वाय ८,६; बुदे २,६९+; +िनघ १, ३; ४,२; †या ५, ३; ५^२; \$1; १४,११; ऋपा ८,०‡ :- ‡न्वन् या ९, १८; श्रश्रा २, ४, १७; - कन्वनः आपमं २, २२, ३; हिंगू १, १५, ३1; ऋपा २,४७; - क्वना आश्री ५, ३, २२; श्रापश्री: या ९, १७ ; -न्वनाम् श्चापगृ ६, ५; बौगृ ४, २, १२; -न्विन बौधौ २,५:२; - मन्वसु श्राश्री ४,३,२; मागृ २,१५,६; - क्वानि आपश्री १६, ६, ४; माश्री. धन्व-धि"- -धिः श्रापश्रौ २२, 92,0. धन्व-नृ-मही-वारि-वृक्ष-गिरि-दुर्ग- -र्गाणाम् विध ३,६. †धन्व(न्य>)न्या⁸- -न्याः माश्री ६, १, ५, २२; कीए ५, ५,६: कागृ २५,४; वागृ ४,३; विध ६५,५. धन्व-पति- (>धान्वपत-पा.) पाग ४,१,८४. धन्व-योपध- -धात् पा ४, २, 939. १धन्वर्णस्^ष - - जैसः ऋपा २, **७२** ‡. धन्वा(न्व-ग्रा)कृति- न्त्या श्रप 23,90,3.

धन्वा(न्व-श्रा)बि- - विम वाश्री 3,3,3,4. ?धन्वासहा⁸ ऋप्रा ९,३4. धन्वन्- पा ५, २, १३६: -न्विनः बृदे ७,५३. धन्व- पाउत्र ४,९५. १धन्वन्-√धन्व् द्र. २धन्वन् "- >धान्व°- -न्वः श्राश्रौ 80,0,0P. १धान्वनP- -नः शांश्री१६,२,१९P. धन्वन^प-> २धान्वन^प- -नानि शांश्री १४,२२,१२. धन्वन्तर"- -रम् त्राप्तिगृ २, ६, ३ :: 38t. धन्त्रन्तर-पार्षद् - -दान् श्रामिष्ट २, ६,३:३४. धन्वन्तरि""- -रये त्रागृ १,२,२#; श्रामिगः; -रिः वीश्रीप्र ४३: ७: गौध ५, ११; -रिम् माय २. १२, २‡, जैग्र; वौध २,५, ₹=". धन्वन्तरि-तर्पण- -णम् मागृ २, 93,98. धन्वन्तरि-पार्षद् - -दान् बौध २, 4. 3 E +u. धन्वन्तरिपार्षदी- -दी: बौध २, 4. 3 6 +u. धन्वन्तरि-यज्ञ - जे श्रागृ १; १२, धन्वन्तरियज्ञ-श्रूलगव-वर्जम् श्रागृ १,३,६.

a) हस्त्व कः प्र. । b) विप. । बस. । c) पूप. = प्रमाण- । d) = ऋषि-विशेष- । च्यु. ? । e) धन्या° इति पाठः ? यनि. शोधः । f) या २, १६ परामृष्टः द्व. । g) वैप १ द्व. । h) तु. पागमः । i) पामे. वैप १, १६९६ कि. । j) = ऋन्तिरिक्ष- । k) वैप १, १६९६ कि. । l) ॰िन्व॰ इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. ऋषमः, शौ ६, ४२, १)। m) नाप. । उप. ऋषिकरणे प्र. । n) व्यप. । व्यु. ? । शोधः (तु. ऋषपत्यीये अणि प्र. टि. लोपो वा । p) सपा. धान्वः > धान्वनः इति पामे. । q) = १ क्ष-विशेष- । व्यु. ? । r) तस्यापत्यीये अण् प्र. (वैतु. भाष्यम् > धन्वन्-ति । । = धन्वन्तिर्रं । । ॰ व्यन्-त॰ इति । । । वि. मैस्. Виһ., वैतु. वौधं. धा॰ इति ? ।

/धम,ध्मा वाधा. भवा. पर. शब्दा-विनसंयोगयोः, ईधमति अप ४८, ९; निघ २,१४^b;१९^c;३,१४^d; धमन्ति कप्र १, ९, १५; धमेत् शंध २२६; वैध ३,३,७. २धम- पा ३,१,१३७. धमक- पाउ २,३५. धमत- -मन्तः शांश्री १२,१८,९ . धमन्ती- -न्तीः या ६,२७. धमन°- -नाः ऋप ६८,१,४१:४३. धमनि,नी1- पाउ २,१०२; पागवा ५, २, ९७; फि ५६; -नयः या ६, २४; - † निः अप ४८, १०२; निघ १, ११; - मनीनाम् माश्रौ ८,९, १५; माध्रौ १,७,२, १८; हिथ्रौ ५, २, ६२; या ६, २४; -न्यः विध ९६, ८४. धमनी-ल- पा ५, २, ९७. धमनी-शत- -ते विध ९६,८२. धमि(त्>)त्री- -त्री?h हिथी १५, 6,34. ध्मात- -तः बृदे २, १५८र. १ध-म- १ध- इ. धय-, ॰यत्- √धे द. घर,रा-, धरण-, °िण-, °णी-

प्रमृ. 🗸 धृ इ.

घरुएं- -णोः चात्र १६: २३. घर्णस-, धर्णस- √ध द्र. श्चित्रिम्खम्। शंध ११६: ५३. धर्तम्, धर्त्-, धर्त्र- 🗸 धर. १धर्म !-(>धार्मायण- पा.) पाग ४, 9,990. २धर्म-, धर्मन्- प्रमृ. √धृ द्र. १धर्म - १धर्म- टि. इ. धार्म्यायण- -णाः बौश्रीप्र धरः २धार्य-, धर्थ- √ध द्र. धर्षणि- पाउ २,१०४. घर्षित-प्रमृ. √ध्य द्र. √धव¹, धवति निघ २,9४[†]. धव"- -वः" या ३,१५; -वम् शंध ११६:६३°; -बाः निघ २, ₹P. धवन-, धवनि- √धु, धूद्र. धवल- पाउतृ १, १०६. धवाणक- पाउ ३,८३. धवित्र-, धविष्यत्- √धु, धू द्र. ध-ष- ध- इ. √धा^व वाधा. जु. उभ. धारण-पोषणयोः, धामहे या १२, ६ ; +धातु बौश्रौ २७, ६: ८; धात >ता ऋप्रा ७, ५३ ई. धत्ते शांश्री १४, २८, ९; १५, ६,७: बीश्री: या १४, १३३; दघाति शांश्री १५, १, ३७××; काथी; वैध २, २, १ ; या ४, 94; 4,99+; 20, 6; 29+; दधते आपश्री १४, २२, १०; २३, ७, ८; वाधूश्री; दधित श्चापश्री १३, १, १०; माधी २, ३,६,४+; या २,१२; ५, १८; ९, २८: भाशि ७६; दधासि श्रापश्रौ ८, १४,२४°; तेप्रा १६, १८: †द्धामि आश्री १,१२, ३७: १३, १; श्रापश्रौ; श्राय १, २१, ७^{‡1}; कीय १, १६, 9 44"; 2, 2, 9 8"; 3, 3, 9"; शांग १, २४, ८४॥; २, ४, 9t; ३, ४,२v; पागृ १, 4, ८^t;१६,४^{tw}; २,२, १६^t; हिए २,५, २^{१ण}; †दध्महे आपश्री १४,२२,३; बौपि १,१७: २४; की १ ९७, ८ ; १दध्मः काश्रीसं ध: १६; त्रापमं १,१०, 10-९ "; शैशि ६६; वाशि २, ९४; नंदध्मसि श्रापश्री ४, १५, १; भाश्री; हिए १,४, ८2; नद्धाय श्रापश्रौ ९,१८,१५; बौश्रौ २८, ७: ११; †द्धातु आश्री १, १०, ८; ५, १९, ४; शांश्री २,

a) या ६, २;१०,३१ वृदे २,१५८ पा ७, ३,०८;४,३१ परामृष्टः इ. । b) गतौ वृत्तिः । c) वर्षे वृत्तिः । d) श्रवायां वृत्तिः । e) कर्ति युच् प्र. (पा ३,२,१४८)। f) वैप १ द्र. । g) सपा. धमनि <> धवनी इति पामे. । h) पाठः ! — ित्र इति शोधः (तु. सप्र. आपश्रौ १४,३३,२ धर्मी > - ० त्रि इति पामे. । धवनी इति पामे. । > चयप. । व्यु. । > = महद्-विशेष- । पाठः ! धाता दुर्गः इति शक [वायुशच्दे) । > = श्रिष्-विशेष- । > = श्रव्यायाः । श्रध्म प्रम्थं - इति भाण्डा. प्रमृ., मन हित [पक्षे] भाण्डा. । > = प्राव्याविशेष- । > = स्वयाविशेष- । > = स्वयाविशेष-

१०,१ ; ४,९, १; काश्री ३,८, २; ४,9४,२२°;५, १३, १^{9° b}; 9,3,96; 20, 4, 3; 5,90°; भापश्री १, १२, १४××′; १४, १८, १व; बौश्री; माश्री १, ६,४, २१°; वैताश्री ७, १७°; आपमं २, ४,४¹; मागृ १, १०, 938,29,64,22,908; 2,94, ६^{३२1}: हिंगू, १, ७,११^{२1}; अप्राय ध. १^{२४}; द्धाताम् बौश्रौ २०, २७: १२ ; १ धत्ताम् विश्री १,४: १६; हिश्रौ; †दघताम् " त्रापश्रौ ९, १२, ४; भाश्री ३, १०, २; श्रापमं २, २२, २४; कीस् ७२. २: मद्घतु बौश्रौ ७, ८: ११; १०, ६: ११; चंदस्व श्रापश्री १, १०, १०; वैश्री; या ५, २५; **†द्धिष्व,>**ष्वा या ६, १६; ऋप्रा ७, ३३; शुप्रा ३, १२९; †धिष्व,>ष्वा कीस् ६८, १०: ऋप्रा ७, ५६; पा ७, ४, ४५; +बेहि आश्री १, ११, १३ª; 3.90. 6xx; 6, 9,96?0; शांश्री: काश्री २,२, ८^D; ३, ४, २७: २५, १, ११º; आपश्री १,

90, 90"; 3, 99, 220; 98, 9P: 4, 9, 81; &, 6, 99P; २१-२२.9‡5:88,29,0t;20. 6 24: 33,29; 84,2,224; 88, ३४, ४^{२४}; बौश्रौ १,२१ : १५[₽]; माश्री १,४,२,१२व;३,१,२८ ; ४.१.१४[॥]; ५, २,१५,१^०; वैश्रौ १८. २9:३३^४; ३६^४; २१,9४: ९";१०";हिश्री १,५,१६";२,८. 99°; ११, ८, 94°; १4, 4, २७^t; द्राश्रौ ९,१,८×; लाश्रौ ३. ५.८ . ४.११.२१वः वैताश्री २, 9°; ३,२०°; आपमं १,४,9६°; 4, 96"; 2, 8,4x; 94,94y; क्याय १,१६,५^४; कीय १,१९, १०४; शांग्र १, २७, ७४; २, 90, 8x; पाय १, 4, 993; ३, १, ३; आमिए २, १. ३:३9²; मागृ^७ १, ४,४; ८; वागृ ८, ४º; ७º; हिगृⁿ १, ३, ६; २६, १३; कौसू ५, 93"; 90, 8"; 808, ual; ११७, ४⁶¹; १२५, २^P; या ५, ६+:११, ३०\$; +धत्तात् बौश्रौ 3.99 : 92°1: या ८.9८ क: †दघायाम् आपश्री ५,८,८^{वा};७. १२,१४;बौश्रौ २,१५:१२^{व1}xx: भाश्री; हिश्री६,५,१०^{d1};†धत्तम बाधी ४, २, ३: शांधी: माधी १, ५, २, ४^{d1}; श्रापमं १, ६. १२⁰¹; या ६, ११ ‡; ‡धत्त,> त्ता शांश्री ४, १३, १: काश्री २५,११,२३३; श्रापश्री १,९. 9211; 20, 94, 6; 22. २0, 9381; 80, 96, 9: बौश्रो ६, ३२: १२⁸¹; माश्रौ प, २, १६, १४^२; वैश्रौ १४,१८: ८81; विध ७३,२१11; या ६, ७; ९, २७; १२, ४२: धसंद्रधत श्रश्रा ३, १, ५; †दधात,>ता वाश्री १,५, ५. ७: या ४, २१: ऋषा ७, ३८: नद्धातन आपश्री ७, १७, २^{b1}; वैश्री १०, १३: १३^{b1}; हिश्री ४.३. ५५¹¹; जैथ्रौ १२: २; श्चापमं २,७,१३; या ९, २७०. †धत्तन श्राश्रौ ८, ११, ३; धत्तात् । आपश्रौ १, १०, ६; बौश्री; दधे वाध्रश्री ४, ९४ : ४: द्धानि वाश्री १, १, ४,

१५: बाग् २, ४; द्धावहै श्चापश्रौ ९, २, ३; भाश्रौ; क्दबाम बापश्री १६, ३४, ४; हिश्री ११, ८, १५; वाधुश्रौ ४, ३२:२; ३××; बंदे ७. ८७: ८, ६: मंबद्धात् शांधी १८, १, ८; आपधी; या १४, १७२; अधत्ताम् जैय १. २२: २८ ए; अद्धत भाशि १०१+: मजद्भः त्रापश्री ५,२३, ४××; बौश्रो; या ७,२९; १३, ९: †अध्याः वैश्री १८,२१: ३××: हिश्री ११,८,९; †अव्धाः श्राश्री ४, ६, ३; ९,४; †अध-त्तम् कीस् ५, १; या ६, ३६; क्षद्धाम् बीगृ १, ७, ४३; मागृ १,१४,१६; वागृ १६, १; अदधाम श्रापमं १, ११, ९+; नदधीत आपश्री १६, ७, ४; बौश्री: दध्यात् आश्री ५, १४, २०: १५. २२××; काश्री; दध्याताम् वागृ ३, १; दध्याम् बीश्री १३, १९: ७; हिश्री २२.३, १४: दधीमहि या ₹2.4.

†दर्भे श्राश्री १०,९, ५; शांश्री; या १२, ३२; दधी बौश्री १८, १३:९; सु २,६; †दधतुः श्राश्री २,५,३; बौश्री; †दिधिरे शांश्री १८,६,५; श्रावश्री; या ६, ३५; †दपुः श्रावश्री ५,१०,४; माश्री: †दधिषे शांश्री ११. १२.४: आपश्री १२. १९. ५^०: या ५, २५%; †दधिम>मा ऋपा ८,१५: घास्यसि वाधुश्री ४. ६: ३: **घास्यावः** श्रामिय २. १. ५: २: ⁴धासय>था ऋप्रा ७, १४; †धिषीय^० आपश्री ४, १३, १; बौश्री; पा ७, ४, ४५: †धेषीय die माश्री 2.४.३.9: वाश्री १.9.४. ९d: अधित शांथी ३,२०,४; काश्री २५, २, २४; †अधात् श्राश्रौ ३,११,२: शांश्री ३, २०, २; काश्री: †धात् श्राश्री ५,९,91: ६, १२, २३; शांश्री ६,९,१७; पागृ ३, ५, ३; या १०, ४५; १धो३म् आश्री ७, ११, ७⁸; अधाताम् या ९,४३ †; †अधुः माश्री २, ५, ४, १२; धुः श्रापथ्रौ १३, १८, १५; **†अधाः वैध २, ४, ५; †धाः** ब्राध्रो ३. १. १४; ४, ५, ३; शांश्री १,१२,५,५,८,२ ; १७, १३, १०; काश्री; माश्री १, ८, ३,३१1; हिए १,१३, १५1; या ४,१७; ‡मधिषि श्रापश्रौ ६, १०, ११; भाश्री ६, १२, ९; हिश्रौ ३, ७, ७२; धाम् आपश्रौ १, २१, ७k; बौथौ. धीयते शांत्री ११, २, ५; बौध्री १४, १०:३१; लाश्री; या ३, १९;४,७;५,२६; ६, २४; ७, २०; १०,४; धीयन्ते नाध्य्रौ ३, १३:१०××; या ५,१०; १३, १०; †धीयाते नौग्रौ १, १२:३४; धीयताम् भापमं १,१२,८¹; शांग्र १,१९,६¹; अधीयन्त नौग्रौ १०, ४२:१८†; माशौ ६,२,१,२५; अधाय आपशौ १०,९,४²†™; न्देर २,११४; या ६,१५;२२†™; न्देर २,११४; या ६,१५;२२†™; न्त्रप्रा; †धाय आग्रौ २,१७,०; शांश्रौ; या ६,१५०.

दघ- पा ३,१,१३९. †दघत्- -घत् आश्री ३,१२,१४; शांश्री.

†द्धती - ती आश्री २,११,४^०; शांश्री ३,७,४^०; बोश्री ७,८: ५; १४,५: ४३; -ती: बोश्री १२,८: २३.

द्धाति->°स्य(ति-अ)र्थ- - भे या ८,३.

†दश्वान,ना - नः आपश्री ५, ६, १०; २१, १२,३; माश्री; -नस् निस् १, १: १४; -ना शाश्री २, ४,३^० बौश्री; माए २, १, १३^र; -नेन वाध्र्यी ३, ६९: १७\$.

दक्षिषारय8- पाउ ३,९७.

a) वैप १ द्र. । b) पामे. वैप १,9००८ b द्र. । c) वैप १,२०१ n द्र. । d) पामे. वैप १,९०० t द्र. । e) वेप १,२०२ a द्र. । f) पामे. वैप १,९००८ i द्र. । g) धात् (ऋ १०,३०,९२)> न्यूह्मकृती विशेष: । h) धात् इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. तै ३,९,९००१ і і) पामे. वैप १,९००४ d द्र. । न्यूह्मकृती विशेष: । h) धात् इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. तै ३,९,९००१ і द्र. । l) पामे. पृ १०९६ k द्र. । m) पामे. j) धात् इति Böht LZDMG ५२,८३] । k) पामे. वैप १,९००९ i द्र. । l) पामे. पृ १०९६ k द्र. । m) पामे. वैप १,९००९ h द्र. । n) तु.सा. प्रम.; वैतु. या. = अध्यायि = ध्यातवान् इति तु. । इति ? । o) पामे. वैप १,९००९ h द्र. । n) तु.सा. प्रम.; वैतु. या. = अध्यायि = ध्यातवान् इति तु. । इति ? । o) पामे. वैप १,९००९ h द्र. । p) पामे. वैप २,३६सं. द्वती माश ११,४,३,० टि. द्र. । q) पामे. वैप १ वाक्याना तै १,८,२२,९००९ h द्र. । r) पामे. वैप १,९००३ h द्र. । s) ऋषैः ? < दिध- + √मु [ऋभिषवे] इति पाठमो २,३,९०।

धा - धाः श्रापश्री २,३,९ ; भाश्री; धात(व्य >) व्या - व्याः बौश्री २६,४:१०;१२.

१धातु^b- पाउ १,६९; -तवः वैगृ ३,९,९°; बृदे ७,८०°; या° १. 20;2,26;3, 5x; 902; 99; १३2;१९४; अप्रा ३,४,१6; पा १,३, १; ३,१,३२; -तुः लाश्री ७, ५, ९1; निस् ३,१३:४1; र सु १०,४°; या १,२००°; अप्रा १,9,99°; पावा ८, ३, ६५°; -तुभिः वागृ १,९⁸; अप ११, 9. 94; -तुभ्यः या २, २⁶; े -तुम् काश्री १६,३,२६^h; वाश्री १,३, ३, १२⁸; बृदे २, १०१; - †तून कौस २, २२⁸; -तूनाम् बौश्री १,२१: २६ , २०,१५: ११६; बृदे २, १०२; -तोः बौध्रौ २०, 99: 3 68; चात्र ३९: १७1; ऋप्रा; पा १, ४,८०; ३,१,७××; -ती ऋप्रा १३, ३५; ऋत ५, २, ६; पा ३, ३,११५; ६,१,९१; -तोऽ-तो⁸ श्रापश्री २,९,४; भाश्री.

धातु-क्षय- -यात् बौध ३, २,१३.

भातु-म्रहण--णम् पावा ३, १, ९१;२,१४;४,११४; -णे पावा ३,१,२२; ६,१,९०.

धातुम्रहण-सामर्थ्य - स्यति पावा ७.१,५८.

धातुब्रह्णा(गु-श्रा)नर्धक्य--क्यम् पावा १, ४, ६०; ३, १,७. धातु-ज- -जम् वृदे २, १०४; -जस्य पावा २,,१२,२४; -जात् वृदे २,१०४.

धातु-त्रि-ग्रहण¹- -णेषु पावा १,३,१०.

धातु-स्व- -स्वम् पावा १, ३,

धातु-निर्देश--शे पावा ३, ३,

धातु-प्रतिषेध- -धः पावा ७, १,१:८४.

धातु-प्रातिपदिक- -कयोः पा २,४,७१.

धातु-प्रातिपदिक-प्रत्यय-निपात--तानाम् पाप्रवा ५,९.

धातु-प्रातिपदिक-प्रत्यय-समास-तद्धितविधि-स्वर - राः पावा १,४,१३.

धातु-म(य>)यी- -यीः श्रशां ५,८.

धातु-मात्र- -त्रात पावा ३, १, १३३.

धातु-लंक्षण- -णम् चव्यू ३: १३^k.

धातु-लोप- -पः पा १, १,४; -पे पावा ६,२,१९१.

धातु-वस्त्र- -स्त्रम् वैध १, ३,६.

धातु-शस् (ः) बौश्रौ २०, ११ ः १६; माश्रौ २,२,४, १२.. धातु-संज्ञा— -ज्ञायाम् पाता १, धातु-संबन्ध- -न्धे पा,पाता ३, ४,१.

धात-संभरणा (ग्र-श्रा) स्तरण-

धात्(तु-उ)पसर्गा(र्ग-स्त्र)वयव-गुण-शब्द¹- -ब्दम् बृदे २, १०३.

धात्व(तु-ग्र)धिकार— -रः पावा ३,१,९१; -रात् पावा ३,१, ९१;६,१,४५; -रे पावा ३, १,७.

धात्व(तु-स्र) न्त- -न्तस्य पावा ६,१,६६;४,४९;७, १, १^२; ३, ५०.

धात्वन्त-प्रतिषेध- -धः पाना ७,१,३;३,४६.

धात्व(तु-श्र)न्यत्व- -त्वात् पाना ३,१,७८;२,१३५.

धात्व(तु-श्र)र्थ- -थें शुप्रा ५,१०; पा ५,१,११८.

धारवर्थ-निर्देश- -शे पाना ३,३,१०८.

धात्वर्थ-पृथग्-भाव- -वे पावा ५,३,४२.

धात्वा(तु-म्रा)दि— -दी या **२,** १; -दे: पा ६,१,६४; -दी शीब ३,४८.

बातृ^m- पाउर,९४;-†०तः काश्री २३, ३, १; श्रापश्री; कीस् **५६,** १५ⁿ; या ११,१२; -†ता श्राश्री ६, १४, १५\$; १६^४; शांश्री; श्रापश्री १२, ६, ३^०; माश्री ३, ६, २^{३०}; हिश्री ८, १, ५६[°];

a) वैप १ द्र. । b) बप्रा. यथायथं टि. द्र. । c) = शारीरपोषक-द्रव्यविशेष-। d) = गैरिकादि-। e) = संज्ञा-विशेष- । f) = महानाम्नीमागिवशेष- । g) = नृष्णमुष्टि- । h) = मृत्-प्रशेष- इति कर्कविद्याधरौ । i) = ऋषि-विशेष- । j) बस. > बस. । तु. कैयटः । k) तु. सस्थ. टि. संज्ञासु । l) विप. । द्वस. > बस. । m) वैप १ निर्दिष्टानां समावेशः द्र. । n) पामे. वैप २, ३ खं. आयन्तु तैश्चा ७, ४, ३ टि. द्र. । o) पामे. वैप १,१७१३ h द्र. ।

3,9.

१३४३

निष ५,५; या १०, २६°; ११, १० \$; ११, १९; १२,३६\$; —तारम् बौश्रौ १४; १९:२; हिश्रौ; —तुः श्चापश्रौ १५, १०, ६; बौश्रौ; †माश्रौ १, ३, ५, १०७³; ३, १, २५°; श्चापमं १, ५, १६‡³; कौग्र ५, ३,३१‡व; —†त्रिभः श्चाश्रौ २, १०,७; माश्रौ १, ६, २, ४; —†त्रा आश्रौ २,६, ११,८; हिश्रौ १६,४,३१; श्चापमं २,११,९०; या ११,११\$; —त्रे श्चाश्रौ ६, १४,१६‡°; शाश्रौ.

१धात्री — -त्री ऋग्न २, १०, १८; बृदे ७, १२; —त्री: आम्निय २,१,१:३;२:३; हिए२, १-२,२; —त्रीम वैय ७,४:०.५. धाता > धाता(ता-आ)दि — -दि वैय १,१६:५××;३,१२:२.८ धातादि-पूर्वे — -र्वम् वैय

२,७: १;९: ४;७. ृधातादिमिन्दाहुतिम्¹ वैध २,३,२.

धातादि—न्नत-विसर्ग।—
-र्गम् वैग् २,११: १; १३: ४.
धान्र - -न्नः काश्रौ १८,६,२०;
न्नापश्रौ २२,१८,१८; हिश्रौ
१७,०,१०; —न्नम् काश्रौ २५,

१घान- -ने वौश्रौ २०, १९: १३;

२४:२४. धापयितृ— -तारः भागृ १, २५:

धामन्1- पाउत्र ४,१५१: पाग २. ४,३१^m; - ‡म आश्री १,९,५: २,८,३; ५, १९, ३^२; शंश्री: वैगृ २, १७: ३5°: या ७.२: ऋप्रा ७, ५५°: तेप्रा ३, ८°: पाशि २४\$; - मन् श्राश्री २, १३. ७: आपश्री: - मिभि: आथ्रौ १,३,२३°; वैताश्रौ ३२, ३ वः या ५,२:९,२९: - मग्यः आपश्री १६, २९, २; वैश्री; - मस् आश्री ८, १०, ३; शांश्री; -मा जैश्री ९: १९; - मानि आश्री १, ३, १४; ६, ३××; शांश्रौ; श्रापश्रौ ७, १०,८ ; बौश्री ४,४ : २९ ; माश्री ७, ८,१० ; माश्री १,८. २. १८ : ६. १,८, १२ ; वाश्री २,१,८,१७8; हिश्री ४,२,५४¹; या ९. २८क: - +मनः श्रापश्री ध, १६, ४; भाश्री ६, ३, ७; हिश्री ६,६,१७; - +मनःऽ-मनः आश्री ३,६, २४; शांश्री ८, १२, ११; काश्री ६, १०, ५; श्रापश्रौ ७, २७, १६; बौश्रौ; - + मना शांश्री २, ११, ५^२; काश्री २.८.१९ : ५, ४,२७ ; बौधौ; -म्नेऽम्ने शांश्रौ ४,८, १; बौशौ. धाम-च्छद्¹— -च्छत् आशौ २, १३,५†; हिशौ ११,८,२३³ण; गुश्र २,३६०†; या ७,२४†; तैप्रा १४,८†; -च्छदाण आपशौ १६,३५,२; वैशौ १९,१:११; -च्छदे बौशौ १३,३९:९; माशौ ५,२,६,१५; आप्रिय २,५,११:१४†.

धामच्छद्-आदि h,v - -दीनि श्रापथी १९, २६, १३; हिश्री २२, ६,१०.

धामच्छद्-द्विती(य>)या^b--याम् वैश्री १९,१: १५. †धाम-शस्(:) हिश्री ८, ६,३३; या १४,१९.

†श्धामि" - - स्यै^x आप्रश्नी १६, २९, २; वैश्री १८, २०: २९; हिश्री ११,८,४.

१ घाय- पा ३, १,१४१.
१ घाय- पा ३, १,१४१.
†धायस¹- -यसा आश्रौ ३,७,६;
८,९,२; वौश्रौ १७,४१:२६⁸;
आप्तिग्र १, ३,५:२⁸; दिग्र १,
११,२⁸.

धारय,रया¹- पा ३,१, १२९; पाग ४,३,५४^{a1}; -रया श्राश्री५,१५, २१; शांश्री; -रयाः श्राश्री ५,

a) पामे. वैप १,१०१३ g द्र. । b) पामे. वैप १ परि. ऋतस्य ऋ १०,८५,२४ टि. द्र. । c) पामे. पृ१३४० k द्र. । d) धातुस्थाः इति पाठः ? यनि. इति ताः इति च शोधः (तु. पृ ११३७ m) । e) पामे. वैप १,१४१२ j द्र. । f) = देवता-विशेष- । g) ॰दीन् इति संस्कर्तुः टि. । h) विप. । बस. । i) पाठः ? धातादीन् , मिन्दाहुती इति शोधः (तु. C.) । j) मलो. कस. । k) सास्यदेवतीयः अण् प्र. । l) वैप १ द्र. । m) तु. पागम. । n) = मांस- इति भाष्यम् (तु. C.) । o) ॰सा इति संहिता-पाठः । p) पामे. वैप १,१०१५ r द्र. । r) पामे. वैप १,१०१५ r द्र. । r) पामे. वैप १,९०१५ r द्र. । r) पामे. वैप १,९०१६ r द्र. । r) = हित्स- । r0 = धामन् । व्यु. ? । r2 पामे. वैप १,९०१६ r3 पामे. वैप १,९०१६ r4 । r5 पामे. वैप १,९०१६ r5 पामे. वैप १,९०१६ r7 पामे. वैप १,९०१६ r8 पामे. वैप १,९०१६ r9 पामे. वैप १,९०६ r9 पामे. वैप १,९०१६ r9 पामे. वैप १,९०६ r9 पामे. वैप १,९०६ r9 पामे. वैप १,९०१६ r9 पामे. वैप १,९०६ r9 पामे.

CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

१४,१७××; माश्री; -च्याभ्यः ब्राध्री ५, १०, १३; -स्याम् शांध्री ११, १२, २; १८,४,५; वाधुश्रौ ३,५८: ७; -च्यायाः आश्री ५,१५, १८; शांश्री १०, १३,११: -रवाये शांश्री ७,२१, ८: -व्ये आश्री २, १, २७××; श्चापश्री. भार्या (या-मा)ज्यभाग-संयाज्य- -ज्यानाम् वाश्र ४१: 24. धाय्या-रूप- -पम् श्रुप्रा ४, 9434. धारवा-लोक°- -के बौश्रौ १०, 99: 3; 83,90: cxx. धाया-शब्द- -ब्देन हिश्री २१. धारया-स्थान- -नम् माश्री ५, 9,9,4. धेय- -यम् माशि ४५. खा^b वेज्यो १८.

चा- √धा द्र.

चाक°- पाउ ३, ४०.

चा-कार- १घ,घा- द्र.

चाणक- पाउ ३,८३.

†चाणिका°- -का तैप्रा १३, १२^d;

-काम् शांश्री १२,२४,५°.

चातक¹- पाउ ६३, १४८; पाग ४,

१,४१^g.

१घातकी- पा ४,१,४१.

२धातकी b-(>धातकेय -पा.) पाग 8,2,90. श्चातव्याभिः कौस ३५,१६. धातवे 🗸 धे इ. घातब्या-, १धातु- प्रमृ. √धा द्र. २धात्रा- -तोः चात्र ३७ : १७. घातम √धे द्र. धातु-,धात्र-√धा द. श्चात्रस्तर्४->धात्रस्तर-शैव-बहरूप-पार्षद-स्कन्दे(नद-इ)न्द्र--द्राणाम् बीगृ ३,३,३३. १धात्री- √धा द्र. २घा(त्र)त्री- पा ३,२,१८१. ३धा(त्र>)त्री-√धे इ. १घान- √धा द्र. २घान- √धे इ. धानक "- पाउनाव ३,८४". धानंजरय-,धानपत-,°रय-√धन् द्र. धाना°- पाउ ३,६; -नाः श्राश्री ५,४, ३१+;६,११,९+××; शांश्री; या ५,१२ कं;-नानाम् श्रापश्री ८, १५, ९; बौश्री ५, १४: २; ६; ७: १३; ७, १२: ८; भाश्री; -नाभिः श्रापश्री१३,१७,२;२०, १०, ६; बौश्री; -नाम्यः माश्री १, ७,६,६; २, ३,२,२; वंश्रौ. धाना-धर्मन् - -र्माण बौश्रौ १५, 96:8. धाना(ना-आ)दि- -दीनि काश्रौ ९, 9,94.

धाना(ना-ग्र)पूप- -पाभ्याम् माव 2, 90,9. धाना-प्यP- -प्यम् श्रप ४८.७५ धाना-प्राशन- -नात् भाग २,२:२. धाना-भर्जन- -नम् काश्री ५. ८. धाना-मन्थ- न्थम् भाश्री ८. १७ २०; - न्यौ वंश्रौ ९,९ : ६. धाना-मन्थ-पुरोहाश- -शानाम् काश्रौ ५,९,६. धाना(ना-म्र)र्थ- -र्थम् म्रापश्री ८. १३, १८; १२, ४, ९; भाश्री: -र्थान् त्रापश्री ८,१३,१८. धाना-लाज- -जान् वैश्री १५. 4:9. र्मधाना-वत्- -वन्तम् आश्री ५,४. २; शांश्री. धाना-सक्त- -क्ताम् कागृ६०,४. †धाना-सोम- -मः वैताश्री १६, १७: -मात् माश्री २, ४, ६, २६; -मान् काश्री १०, ८, ४; श्रापश्री; -मानाम् शांश्रीप ८,८. २;४: बौश्रौ: -मेभ्यः काश्रौ १, ९, १६\$; १०, ८, ३; श्रापश्री १३,१७,२; हिश्री ९,४,४९. धानास्रोम-याज्या- -ज्यायाः वाध्यौ ३, १०२: २. श्चानाः अप १,६,७;८,४;७;३४,२. घानाकांग- -कः ऋत्र २, १०,३५;

शुख्र २.३२८: ३,१७६:२१२.

a)= भाष्या-स्थान-। b) अनुराधा- इःयस्यान्तिमाऽवयव-। c) वैप १ द्र.। d) पासे. विप १, १७१६ प्रद्र.। e) पासे. वैप १, १७१६ प्रद्र.। f)= पुष्प-सेद-। ब्यु. ?। < भा इति पाउष्ट., < भाति इति स्था.। e) २ भातक- इति पाका. पासि.। e) तु. पायम.। e नगरी-विशेष-। e पायादिशिः (शी ७,१७,१-४) इति शोधः (तु. सा । शीसू.।)। e भ्याप.। ब्यु. ?। e = देवता-विशेष-। ब्यु. ?। e = उपमातृ- वा स्थामलकी- वा। e श्रिशं व्यु. च ?। e = संप्राम-। e द्वय-परिमाग्य-विशेष- इति पाउश्वे । e = उपमातृ- वा स्थामलकी- वा। e = उपमातृ- विशेष-। e = उपमातृ- इति पाउः ? यिन. शोधः (तु. खि ५,७,४,१६ e च । e = प्रमाक- इति e =

धानान्तर्वत् "- -र्वान् शुत्र १,१३५b धानाप्य- धाना- द्र. श्वानाम् व्याश्री ८,३,१९. धानदंण्डिक-, "नुष्क- धनुस्- इ. शास्य^d- वाउ ५,४८; पाग ५,४,३⁰; फि ७६: -न्यम् काश्री २, ५, ६+: आपधी; त्रापध १, २०. १२1; -न्यस्य श्रापध १, २०, १३: विध ६, १२; हिध १, ६, २७; -न्यान् आमिष्ट २, ५, ३ : ४; बौगृ ३,७,४: -न्यानाम् त्रप ५०, ५, ४; ७०२, ६, ३; वाध २, २९; शंध १७४; पा . ५, २, १: - न्यानि वैश्री ११, ५१: ७; श्रप ७१, ७, ६; -न्ये भाग ३, १३ : १७: पा ३, ३, ३०; ४८; -न्येन आमिगृ २, ४,९:७; ५,१२:१३; श्रप ६८, २, १६; वाध २, ४५; -न्येषु वैश्री ११, ११: ९; -न्यैः श्रप ३०,४,२. धान्य-कोष्ठा(छ-ब्रा)युधागार--राः अवं ७१,४,४. धान्य-खल - -लः काश्री २२, ३, 88. धान्य-गो-गुरु-हताशन-सुर--राणाम् विध ७०,१६. धान्य-चौर- -रः विध ४५,९. धान्य-तस्(:) विध ३,२२. धान्य-धन-तस् (:) विध ३२,१८. धान्य-धन-संचय- -यम् वैध ३, 4,8. धान्य-धना (न-अ)पहारिन्-

-री विध ५२,५. धान्य-निचय- -ये भाग ३, १३: 90. धान्य-पति- (> पत- पा.) पाग 8,9,68, धान्य-पत्य^{g'h}- - स्यम् लाश्रौ ८, 8,98. धान्य-पत्वल- -ले जेगृ १,११:२५: धान्य-पाक-वश- -शात् कप्र ३, १धान्य-पात्र- -त्राणि कौगृ १,२१, २२^२; शांगृ १, २८, २४^२: -त्रान् लाश्रौ ८,२,५; ३,७०. २धान्य-पा (त्र>)त्रा1- -त्रा लाश्री ८,३,८. धान्य-प्रदान- -नेन विध ९२,१९; धान्य-मराय्।- -युम् आपश्री २२, 99,94. धान्य-मांस- -सम् हिध १, ६, १धान्य-माप^k- -पैः बौश्रौ २३, 96:90. श्धान्य-माष्- -पौ आप्तिय २, १,१: ९; हिगृ २,२,३. #धान्य-राज- -जः बीध ३, ६,४; विध ४८,१७; गौषि २,३,१७. धान्य-राशि- -शिम् आपश्री २२, ११, १५; -शे: श्रप ६४, ४, १०; -शी अप ३६,१५,१. धान्यराशि-ग्रहण- -णम् शंध धान्य-वासस् - ससाम् अप ७०, श्वायिन"- -ने कौस् ३४,९०°.

३,२; काध २७७: १०. धान्य-विकय- -यात् वाध २, ३६. धान्य-विपर्यास- -से श्रप ७०३ €.₹. धान्य-संग्रह- -हः ऋप ६२,१,७. धान्य-हारिन्- -री विध ४४,१४. धान्या(न्य-त्रा)कृत् d- -कृतः ऋपा 9.64. धान्या(न्य-म्र)क्षत- -तम् वैगृ ५. E: 98. धान्या(न्य-त्रा)चित- -तानि काश्री २२,११,१; वाश्रौ ९,४,१९. धान्या(न्य-श्र)जिन-रज्जु-तान्तव-वैदल-सूत्र-कार्पासवासस्--ससाम् विध २३,१४. धान्या(न्य-अ)द्- -दम् शांश्री १६, 3,94. धान्या(न्य-श्र)पहारिन् - -री विष 4, 09. धान्या(न्य-ग्र)म्ल- -म्लम् वैध 3,4,90. धान्या(न्य-त्र)यस्- -यसी गौध ₹८.७. धान्या(न्य-म्र)धि"- -धम् अप ६३, ४,४. धान्यायन- २धन्य- द्र. धान्व-, १धान्वन- २धन्वन्- इ. २धान्वन- धन्वन- द्र. धान्वपत- √धन्व् इ. धापयित्-, धामन्-, १धामि-, १-२धाय-, धायस- √धा इ. शिया [धाया] चात्र ४१: १.

b) धनालवान् इति उ [मा २, १९] । c) वैप १, १५६२ d इ. 1 a) व्यव.। व्य. ?। d) वैप १ द्र. । e) तु. पागम. । f) सप्र. धान्यं मांसम् <>धान्यमांसम् इति पाभे. । g) मलो. कस. । h) उप. = शिक्य-। i) विप. । बस. । j) घस. । उप. = ज्यायोराशि- (जैमि २, १६४;१६५ तु. С.)) । k) उप. = परिमाण-विशेष-। l) उप. = श्रन्न-विशेष-। m) उप. = मूल्य-। n) = द्वार- इति केशवः, = तोर \mathbf{u} -इति दारिलः (तु. B[भू Li])। o) धीयि॰ इति दारिलः।

घाटय, ट्या- प्रमृ. 🗸 धा द. घार°- -रे याशि २,३३. धारका-,धारण-,॰णा- प्रमृ. √ध्द. धारणि- (>॰णायन- पा.) पाग २, 8. 89 b.

धारय-, °यत्- प्रमृ. √ध्द्र. धारा°- पाग ५,२,९७; ६,१,१९९; वाग, पावा ३, ३, १०४; -रया †श्राश्रो २, १२,३; ८, १४,४; शांश्री; या ११, ३ ; १३, ६; -रयोः काश्रौ ९ , , १४; काठश्रौ; -रा का ै ४,१५,७; श्चापश्ची; या १३, ६ ईं ∮; -राः शांध्रौ ७, १५, १४‡; आपध्रौ; **†**या ७,१७; १०,९; -राणाम् काठश्रौ १४७; बौश्रौ ८,१०: १४?: -राभ्यः काश्री १०, १, १२: श्रापश्री: -राभ्याम् श्रापश्री १२, १५, ३; भाश्री; -राम् आपश्री ६, १४, १; १९, २४, ४ ‡ व : बौश्रो १३, ३२ : ८ ‡ d; ३८: १: भाश्री; हिश्री ६, ४, १३१º; २२, ५, ५ +d; -रायाः धारिणी-, °रित- √ध इ. त्रापश्री १२, १३, ५××; हिश्री धारु- √धे द्र. शांश्री ७,१५,१४; †वैष्ट १,६: धार्मपत-२; २,२ : १.

24.34:8. धारा-ग्रह- -हाणाम् आपश्रौ १४, धार्य-, धार्यमाण- √५ द्र. २,४; वेश्रौ १७,२: ६.

धाराग्रह-काल- -ले वेश्रौ १६. २: ५: हिथ्रौ.

धाराग्रहा(ह-श्र)न्त- -न्ते काश्रौ १२,4,8.

धारा-ग्रहण-काल- -ले त्रापश्रौ १२, २१, १०; हिश्री ९, ३, 39.

धारा-घोष- -पम् श्रापश्रौ १,१२, १०××: भाथी: -पे माधी १. 9.3.33.

धारा(रा-त्र)ङ्कुर-परिस्नाव- -वैः श्रप ६४,१,१०.

धारा-चरत्- -रिद्धः अप ६८, १,

धारा-प्रहष- - षेप नाशि २,३,४1; -षी याशि २,३२¹.

धारा-ल- पा ५, २,९७. †धारा-वर°- -राः आश्रौ ७,७,२;

शांश्री. धारा-वर्जम् काश्री ४,१३,१९.

धारा-संयोग- -गात मीस १०, ५,

धारे(रा-इ)ष्टका"- -काम् बौश्रौ १०, 86:8; 89,8:34.

८,३,४७;२३,१,२६; -रायाम् धार्तकतव-, °र्तराज्ञ-प्रमृ. 🗸 ध द्र. आपश्रौ २४,२,२; वैश्रौ; -रासु धार्तेय-, ध्यी- धार्तेय- टि. इ. धार्मायण- १धर्म- इ.

धारा (रा-श्र) न्नि- - न्निम् बौश्री धार्मिक-,धार्मुक- प्रमृ. √ध्द्र. धार्म्यायण- १धर्म- इ.

> √धाव b पाधा. भ्या. उभ. गतौ, धावति बौधौ १४, २३ : २७; वाधी; या २,११; १३, ६३ ई,

पा ४, ४,३७; धावन्ति श्रापश्री २१, १९, ७; बौथ्रौ; धावत ब्रापमं १, १५, ६; कौसू ६२. २१ +; +धावत आपश्री १८.४. १८; बौध्रो; अधावन वाध्यौ ४, ५:५; धावेत माध्रौ ५. १,५,४५; धावेत् काश्री २५ ११.२८: त्रापश्री: घावेय: बेश्री 20,99: 8.

धावत्- -वतः त्रापश्री १८,४,१८: बौश्री; -बत्सु त्रापश्री १८. ४. १९; हिथ्री; -वद्भ्यः वौश्री १४,१०: २१; -वन् अप ७०3, २८,५; विध २८,१९; -वन्तम् †शांश्री १२, १६, १; २४, २; हिश्री.

धावन्ती- -न्ती अग्र १२, ५. (३)1 -न्त्यः हिथौ १४,४,३.

धावमा(न>)ना- -नाम् वाधूश्रौ 3,90: 2.

धावयत्- -यतः वाध्यौ ३,६९ : ३. √धाव् पाधा. भ्वा. उभ. शुद्धौ, धावते आपश्री १०,५,१४; २०, १,११; बौश्री; धावतः काश्री ५, ५,३१: धावेत पागृ २,६,१७. धावयतः बौधौ ८, २०: १९; बौगृ १, २, २३; धावयेत् वाध ५,७: विध ७१,३९.

धावन- -नात् वैध ३,३,११. धावनि!- -निः मागृ २, १३,६4. धावियत्वा बीगृ १,८,१०; वैध २, 93.9.

धाव्य बौधौ १५,२: १८. धौत°- -तम् काश्रौ ७,९,४;वाधूश्रौ;

b) व्यप.। व्यु. १ < धरण- इति पागम. । c) वैप १ द. । a) शतधार- इत्यस्योत्तरांशः । d) पासे. वैप १, १७१९ d द्र. । e) °रा इति पाठः ${}^{\circ}$ यिन. शोधः । f) परस्परं पासे. । g) = इप्टका-विशेष- । ${}^{\circ}$ h) पा ७,३,७८ परामृष्टः द्र. រ i) भित इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. शौ १२,७,७)। j) =पष्टी-देवी-। कर्तरि बनिः प्र. उसं. (पाउ २,१०२)।

-क्तस्य त्रापश्री १३°, १७,९; चिंड- >चि-कार- -रः भाशि ५०. २०.११; बौश्री ८, १७: १७%; वंध्री १६°, २२: २; २६: ५; हिथ्री ९º, ४, ५५; ५, ३८; जैथ्री २०, १०; द्राध्री ६, ३, २४: लाथौ २, ११,१७१b; -तौ द्राधी १,२,४.

धीत-पाद°- -दः वैगृ २,१६: २. घौत-मक्ष- -क्षम् शंघ ४०४. १धौत-वस्त्र- -स्त्रेग वैध २. 93.8.

२धीत-वस्त्र°-> °स्त्र-वत-चारिन्- -रिणी वैगृ ३, ८: १. धीत-वासस्- -ससी विध ६४

घावाणिं - - जिः बौश्रौप्र ४९ : २. धासस्- पाउ ४,२२१.

धाव्य √धाव् शुद्धी द.

†धासि°- -सिः श्रप ४८,८८; निघ २,७; -से: श्राश्री ४, ६, ३; शांश्री ५,९,६.

√धि पाघा. तुदा. पर. धारणे. √धि°, धिनोति वाधूश्रौ ३,३९:६; स १३, ३; अप ४८, ३० भ; या ३,९; †धिनोतु श्रापश्रौ ४, ८,३; भाश्री; †धनुहि बौश्री १, ७, ११ ; माधी १, २, २, २८; एअधिनोत् आपश्रौ ४, ८,३; भाश्री ४, १२, २; हिश्री 8, 2, 9 4.

धि-पूर्व- - वें तैप्रा ६,११.

माथी २º, ५, ४, १०; ३१; धिक् वाधी ३, २, ५, ३२‡; द्राश्री ११, ३, १० +; लाश्री ४, ३, ११‡; पाग १, ४, ५७; पावा 2,3,2.

√धिक्ष पाधा. भ्वा. श्वातम. संदीपन-क्लेशनजीवनेष्.

√धिन्व¹ पाघा. भ्वा. पर. श्रीणने. धियं-धा-, धियसान-, √धियाय,

धियावस- √धी द्र. √धिपृ¹ पाधा. जु. पर. शब्दे.

†धिषणा"-पाउ २,८२\$; -णा शांश्री ५, ९, १६; ८, १९, १; काथ्री: माधौ ६, १, २,१७k; वाश्रौ २, १,१,४३^k; या ८,३\$\$; -णाः आश्री ४.६.३; काश्री; -णाम् ब्राभ्रौ ७,७,२; शांभ्रौ १०,४, १५; -णायाः माश्री २, ४, ३, २९: वैताश्री १६, १७; -णे जैश्री ९: १२; निघ ३, ३०; -- जे आपश्री १२,१०,१;बौधी.

> धिषणा-भव- -वः या ८,३. धिक्णिय"- -यः वौश्रौ १४,३: ७; वाधूश्री; -यम् श्रापश्री ११, २9, ३-4; १२, २६, 9××; बौश्री: -या: श्रापश्री १७, २१, ५; बौध्री; -यात् बौध्री ७, ८: २६××: 'हिश्रौ २३, ३, ११; -यान् श्रापश्रौ ११, १०, १६; १४, १××; बीश्री; - यानाम्

श्रापश्रौ २२,१६,३; बौश्रौ; हिश्रौ १७,६,३१?n; -यास: हिए १, १७,४0; -ये बौश्रौ १०,५५:४; विश्री १९,६: १३८; -येम्यः श्रापथ्री ११,९, ८; बीश्री; -येषु आपश्री १७, २१, ४; बौश्री; -येः बौश्रौ १९,७: २६ . धिव्णिय-निवपन- नात् श्रापश्री

१७, २०, १९; वैश्री १९, ६:

धिष्णिय-वत्- -वन्तः बौश्रौ ७, ११: २२; २५, १९: ९; वाध्रश्री 8. 52: 9.

धिष्णिय-विहरण- -णात् हिश्रौ 9.3.30.

धिदिणय-ध्याधारण-संपात--तात् बौध्रौ २५, १९: १; २; -तेन हिश्रौ ९, ४,१८º.

धि^त√ष्ठा (<स्था) >धि-ष्ठित--तम् विध ९७,२° .

घिष्ण8- -षण: या ८,३.

धिष्णी(य>)यां- -याः काश्रौ 20,0,20.

धिष्णिय- प्रमृ. धिषणा- द्र. धिष्य्य, रण्या - पाउ४, १००;-० रण्य द्रशां ४,५4; -प्ययः दाश्रौ ५, २,६; निस् १, ११: १४; अप ५८2, ३, ९; या ८, ३क; -व्यम् शांश्रौ ५,१४,४; १५, १०××; माश्री; -ज्यस्य श्राश्री ४, ११,३; ५,७,९××; शांश्रौ

a) पाभे. वैप १, १७२० e द्र.। b) घीत इति पाठः १ यनि, शोधः (तु. द्राश्री.)। बस. । d) = ऋषि-विशेष-। ब्यु. १। e) वैप १ इ. । f) पाभे. वैप १,१७२० i इ. । g) = [इकार-युक्त-] १ध- । h) श्रव्य. । ब्यु. ? । i) या ११, ४२ पा ३, १,८० परामृष्टः द्र. । j) = $\sqrt{धा द्ति या ८,३ ।$ k) पांभे. वैप १,१७२१ f द्र. । l) पांभे. वैप १,१७२१ e द्र. । m) = घिष्एय- । n) अधि॰ इति पाठः !यनि. शोधः (तु. श्रापश्री.)। 0) पामे. वैप १,१७२२ e इ.। p) सप्र. धिष्णयस्या°<>धिष्णयस्या°<> r) सप्र. गी १३,१७ विष्ठितम् इति पामे. । क्षापश्री १३,१४,८ विशिष्टः पाभे.। ्र वृ) नैप्र. < क्षि । s) = धिष्य - 1 व्यु. ? 1 t) तस्येदमीयश् क्र<math> = 1 (बैतु. विद्याधरः < 1 क्याय - इति) ।

-+o प्या शुप्रा ४, ३४^२; -एवा: आश्री ५.३.२६: वैताश्री १८.४: अप⁸ ५८², 9, 6; ४, १८: बौधु; -प्यात् आपश्रौ १९,१४,१३; बौश्रौ १९, ६: ११: वाधी २,२,४,२१; या ८, ३: - प्यान् श्राध्रौ ५, ३, १३××: शांश्री; -प्ण्यानाम् श्राध्रौ ५,३,२२; श्रप; चात्र २: १७b:- ‡व्ण्यासः वांश्री८,१०, १; श्रापृ ३,६,८; मापृ १,३,१; -दण्ये शांश्री ७, ७,५; काठश्री; -ज्येभ्यः लाधौ १०, १५,१२; वैताश्री १८,११; -एपयेषु काश्री ९.७.५; १०, ६, १४; काठश्री; -ज्यो आश्रो ४, ११,३;शांश्रो

६,१३, ७. धिष्ण्य-खर-वर्जम् काठधौ १०२. धिष्ण्य-देश- -शे श्राधौ ५,७,१. धिष्ण्य-नामन्- -मानि शुत्र १, २८१.

चिष्णय-निधान- -नात् काश्रौ १०, १,२५.

धिष्णय-निवपन- -नात् माश्रौ ६, २,६,१.

भिष्ण्य-वत् काश्री १२,१,२५. भिष्ण्य-वत् -- वताम् आश्री ५,१३, ६; शांश्री ६, १३, ८; -- वन्तः वैताश्री १८,१०; -- वान् वैताश्री २१.१५.

चिष्ण्य-विहरण— -णात् द्राश्रौ ४, १,९५; लाश्रौ २, २. ३; -णे द्राश्रौ ५,३,१०; लाश्रौ २,७,९. चिष्ण्य-च्याधारण-संपात— -तेन माश्रौ २,५,२,१२^a. धिष्णय-होम- -मात् वैताश्री २३,

धिष्ण्या(ब्एय-ऋ)न्त- -न्ते वैताश्रौ २३,५.

धिष्णया(प्त्य-स्र)ब्यवाय- -यः काश्रौ ८,७,११.

धिष्ण्यो(ज्यय-उ) परव - खर - सदी-हविर्धान - -नेभ्यः त्रापश्रौ १४, २३,११.

धिष्यो(स्त्य-उ)पस्थान- -नम् वाश्रौ १, १, ६, ४.

√धी° पाधा. दिवा. आतम. आधारे.
√धी°, †धीमहे शांश्री १८, १५, ५;
वृदे ४, ७२; †धीमहि आश्री
६,१४,१६; शांश्री; या ११,११.
अदीधेत् या २,१२†५; पावा
१,१,६; अदीध्युःपावा १,१,६;
†दीधियुः श्रीप्युःपावा १,१,६;
वौगृ १,६,२६; ४,१,११.

†दीधिति - न्तयः श्रप ४८, ८२; ११२; निघ १,५; २,५; या ५, १० ई; - न्तिभिः श्रान्तौ ८, १२,२;२६; शांग्री; या ५,१०‡; --तिम् या ३,४‡ई.

दीधिति-मत्- -मन्तम् शांगृ ६, ३,५.

दीध्यत् - ध्यत् पावा १,१,६. †दीध्यान,ना - -नः भाशि ४१; -नाः आश्रौ ८,११,१; -नाम् आपमं १,११,२; काग्र ३०,३; माग्र १,१४,१६; वाग्र १६,१. †धियसान° - -नस्य आपमं १,१,१;

बौगृ १,१,९४. √धियाय^e, धियायते ऋप्रा ७, ₹३#.

धी°- †धियः आश्री ५,१२,९,९,
११,१८;शांश्री; माश्री५,२,१४,
१०६; या ११, २०६; धियम्
श्राश्री ३, ७,१४ †×ः शांश्री;
या ८,७; १२, ३४ †; धियम्ऽधियम् या१२,१८ †६; †धियाः
श्राश्री २, १७, ३×ः; शांश्री;
धियाऽधिया वाध्रश्री ४, १९:
३८३; †धिये अन्नाय २, ५;
श्रञ्च ६,४१; †धीः श्रापत्री ४,
१०,४; वौश्री; †धीिमः हिश्री
११,६,१९; या ८,६;१२,३०.
धिय-धा°- -धाः या ८,७ †६.
धिया-चसु°- -सुः या ११,
२६ †६.

धी-जवन^e—-नः ऋषा २,४१<mark>†.</mark> धी-एति^b— -तिम् कप्र २,४, १०.

धी-मत्— -मतः काशु ७, ३९;

—मता अप २२, १,२; १०, ४;

वौध; —मताम् दंवि १,२; —मते
पाशि ३१; —मान् अप ७०,९,६;

या ३, १२^९

धोर⁰— पाउ २, २४; — †रः श्राश्रो १,३,२४; शांश्रो १,६,३; श्रापश्रो; या ३,१२५; — †रम् भापश्रो १०,३१,६; भाश्रो १०, २२,४; हिश्रो ७,३,५६; — †रा शाश्रो १२,१०,८; ऋष २, ७, ८६; बृदे ६,१५; — †राः हिश्रो १४,४,३८; श्रश्य ११, ९; श्र्षं ३:४९; या ४,१००; १२,३२; — राणाम् शांशो १२,२०, ४^२ †; — †रासः बोश्रो १, ११:३६;

a) = 3 त्वका-विकार-। b) = प्रिष-विशेष-(आङ्गरस-)। c) पाभे. वैप १,१०२२ c, e द्र.। d) पाभे. पु १३४७ p द्र.। e) वैप १ द्र.। f) पाभे. वैप १,१०२२ m द्र.। g) पाभे. वैप १,१०२३ m द्र.। h) मलो. कस. (तु. धीर्धः इति जीसं; वैतु. संस्कर्तुरनुवादः षस. इति)।

वैताश्रौ १०,१७; पाग्र. धैर्य- -र्यम् शैशि २१२; याशि २,८३.

भैर्य-कार्य- -यीण बृदे

४,१३४. धी-सादि (त्>) नी -, धी-सानि(त्>)नी- -नी या ८,३. †१धीत- -तम् श्रापश्री १३, २१,

३; हिश्रो ९,५, ४३.

†धीति°— -तयः श्रुष ४८,८२³; निघं २,५७; —तिः आपश्रौ ३,११,२; भाशौ; या १०,४१ ∳; —तिभाः श्राश्रौ ८, १२, ५××; श्रापश्रौ; वैताश्रौ ३०,१७°; या २, २४; ११,१६; १४, २९¹; —‡तिम् निस् ३,९ : २०; या १४, १४; —‡ती शांश्रौ १५,३, ७; कौस्;

धीवन्ª- पाउ ४, ११५. घैबल्य- पा ६,४, १०४, √धी (पाने), श्रेभषेषीत् हिगृ १, १७,५‡^а.

२घीत− √थे द. १घीतकाळान्तरे वैश्री २०,४ : ३. घीर− √थी द.

घीवरº- पाउ ३,१; -सः बृदे ६,८८; -०सः बृदे ६,९०.

धीवरी - -री पावा ६,४,६६. $\sqrt{9}$,धू 8 पाधा स्वा. कथा. चुरा उम. कम्पने, तुदा पर. विभूनेन, धुनुते हिश्री १६, ३, १९ $^{\text{b}}$: धूनोति बीश्री ९, ८:२; वैश्री

१५,१०: ४; हिथी २४,३,४; धुन्वन्ति वाध्यो ३,९०: १; धून्वन्ति वाध्यो ३,९०: १; धून्वव्य वाध्यो २२,३,१९‡; धून्व्य वाध्यो ४,५९: २+; धून्वमहै वाध्यो ४,५९: २;३;५; धुन्वति वाध्यो ३,९१: २; ५; धुनुयः आग्निय ३,८१: १²; २²; योषि १,१४: १²; २²; धुनुयुः अप्राय २,८. धुवन्ति हिषि १४: १३; १०; धुवत्ति वाध्यो ३,९१: ४. धुवत्ति वाध्यो ३,९१: ४. धुवत्ति वाध्यो ३,९१: ४. धुवति वाध्यो ३,९१: ४.

†द्विध्वत् - - ध्वतः ब्रापक्षौ १६, ११,१२; हिस्रौ ११,४,१२; पा ७,४, ६५.

धवन- -नेन बौषि २,३,५¹. धवनि¹- -नीनाम् आपश्रौ ८, ७, १०^६.

धिवत्र- पा ३, २, १८४; -त्रम् बौध्रौ ९, १५:२९; -त्राणि काध्रौ २६, २, २०; ७, २३; त्रापध्रौ; -त्रे स्तापध्रौ १५, १५, १; बौध्रौ; -त्रेः काध्रौ २६,४,२. धिवत्र-२ण्ड- -ण्डाः माध्रौ ४, २,२, -ण्डान् बौध्रौ ९, १५:

धविष्यत्- -ष्यन्तः हिपि १४, २; ६.

१धुन->†१धुनेति³- -तयः आश्रौ

9,4,4.

धुनि"—पाउमो २,१,२१०; — ‡नयः श्रप ४८,०६ $^{\text{m}}$; निघ १,१३ $^{\text{m}}$; — ‡निः" बोश्रौ ९,१८:४;५; बैश्रौ १९,६:१०७; श्रप ४८,८३ $^{\text{o}}$; खेदे ४,६० $^{\text{p}}$; या ५,१२ $^{\text{c}}$; या ५,१२ $^{\text{c}}$; या १०,३२.

धुन्वत् - न्वत् श्रव २७, १, ४; - न्वन्तः माश्रौ २,२,४,१२. धुन्वान - नः बौशौ ७,८:४. धुवन - पाउ २,८०; - नम् कौग ३, ११,२९^व; सांग्र ४, १२, ४९^व; - नेन श्राप्तिग ३,७,३:३२¹. धुवान - - नः बौशौ १४, ५:४२. धुविष्यत् - - प्यन्तः काश्रौ २१, ३,

धूक,का- पाउँ ३,४७; पाउमो २, २,३.

धृत- -तः वाध २६,१३; - †तस्य आश्रौ ६, ४, १०; १२, ११^r; शांशौ ८,८, ६^r; ९,४^r; वैताश्रौ २६,७; श्रञ्च २०,३३..

धृत्वा वाश्री ३,२,१,३६. धृतन- -नम् वौश्री २०,३:२९. धृन्वत्- -न्वते गौध २६,१२५; -न्वन् श्रापश्री १२,१७,४; वैश्री; -न्वन्तः श्राश्री ५,१३,

१धून्वन 5 - -ने हिपि $\mathbf{8}$: ६. धून्वान- -नाः काश्रौ १२,२,२२.

a) वैप १ द्र. । b) = श्रञ्जाल-। c) = स्तृतिभिः (तृ. С.)। गीतिविकारतया निर्देशः। d) पाठः १ अधासीत् इति Böht [ZDMG ५२,८४]। e) = कैवर्त-। $\frac{1}{2}$, १। f) श्रर्थः ब्यु. च १ $\sqrt{2}$ इति पाम. पाउ ४,११५ च, $\sqrt{2}$ धा इति पाउर ३,१, $\sqrt{2}$ विचर- इति MW.। g) या ५,१२ पा ७,२,४४;०२; ८,२,४४ पावा ७,३,३७ परामृष्टः द्र. । h) पाभे. १ ५२२ h द्र. । i) सप्र. ध॰ $\sqrt{2}$ इति पाभे. । j) = धमिन-। k) पाभे. १ १३३९ g द्र. । l) = व्यजन-। m) = नदी-। n) पाभे. वैप १,१६९० द्र. । v) = स्तेन-। p) = अमुर-। q) = कलह-। r) पाभे. वैप १,१७२० e द्र. । s) भाष. ।

सिग्वात- [तु. C.]। CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband घुत्तूर- पाउमो २,३,५९. घुन्धु- पाउमो २,१,७०.

घुर्°- पाउभो २,१,३०३; पा ३, २, १७७; पावाग ८,२,७०^b; †धुरः आपश्री १२, ६, ३; माश्री २, ३, २, २२; हिश्री ८, १, ७६; लाश्री ७, १२, १°; काग्र ७३, ५; वागृ १,२३; ऋप ४८. ८२^d; निघ २, ५^d; या ३,९^d; धुरम् बौश्रौ १,४: २८; माश्रौ; ध्राम् लाश्री ७,११, २१; १३, १; निस् २,८:१०; धुरि आश्रौ ४,१२,३+; काश्री; या १४, २५‡; धुरोः भाश्री ३,७,५; वाश्री १, ३, ६, २३1; हिश्री २, ५, ४; धुरी आपश्री १०, २८, १; बौध्रौ; †धूः काश्रौ २, ३,१३; श्रापश्रौ १,१७,६;४,४, ४१६; बौध्रौ; (भाध्रौ ४, ५,५;) हिश्रौ ६, १, ५१?8; या ३,९¢; धिभः श्रापश्री १२, ६, ३ कः माश्री २, ३,२,२२ ; हिश्री ८, १.७६+; कार्य ४७, १३; ७२, ५; †धूर्षु श्राश्रौ ६,२,५; शांश्रौ. धीरेय- पा ४,४,७९.

धौरये-शम्या- नम्यया बौश्रौ २०,२६: ८.

धुरं-घर- -रः श्रव ४६,८,२; -रम् विध ९२,१०.

धुर्यं - पा ४,४,७७, -र्यः पावा ८,

२,२२; -चंम पाष्ट् ३, १४, ७;
-चंस्य कप्र १,४,१०; -चं मीस्
१०, ५, १० ६; -चंपु काश्रौ ९,
१४,५; मीस् १०,५, २४; -चंग आपश्रौ ‡३,८, ४××; बौश्रौ. धुर्य-वाहो-प्रवृत्ति - न्तौ श्रापध १,२६,२; हिध १,७,१३. धू:-पति -, धू:-पुत्र - पावा ८,२,

धू:-प्रभृति- -तयः बौश्रौ २५, ३१:२.

धूर-अभिमर्शन- -नम् काश्रौ २, ३,१३.

धूर-ईषा (षा-म्रा) रोहण m -णानि काश्री २,३,२९.

धूर्-गृहीत- -तम् काश्रौ १४, ३, २: बौश्रौ.

धूर-पति-, धूर-पुत्र- पावा ८, २,

धूर्य k —>धूर्य-वाहिन् n — -हिनाम् वाध २९,१८.

धूर्-योजन - नम् हिश्रो १४, ३, ४१.

धूर्-वाह्- -०वाही माश्री २, १, ४,२७‡°.

†धूर्-षद्^p - -षदम् श्रापश्रौ ५, ६,३; हिश्रौ ३,२,५६; ऋप्रा ४,३९; उस् ६,१.

†धूर-षाह्- -०षाही श्रापश्री १०, २८, १; वीश्री ६, १५: २७; भाश्री १०, १९, ७; वैश्री १२, १९: २५; हिश्री ७,३,६; शुप्रा ३, ४१; १२२; तेप्रा ७, १०.

घुरि⁰- -रिम् शंध ११६ : ६२^ग. १धुरिमेजय*- -यः बौग्र ३,१०,६. √धुर्व् √धूर्व् द्र.

धुवक,का- पाउना २,३६; पाग ४, १,९६^६; २,८०[॥]; ५,२,१००; पावा ७,३,४५^ण.

धीवकि- पा ४,१,९६:

धुवक-वत्- पा ५,२,१००. धुवकिन्- पा ४,२,८०.

धुविकल- पा ५,२,१००.

धुवन-, धुवान-, धुविष्यत्- √धु द्र.

धुस्तूर- पाउ ४,९०. √धू, धूक, का- √धु द्र. धूकर-(> धौकरीय- पा.) पाग ४, २,८०[×].

धूत-, धूनन-, धून्वत्-, १धून्वन-धून्वान- √धु द्र.

√धूप्^{9,9} पाधा. भ्वा. पर. संतापे; चुरा-पर. भाषायाम्, धूपयति काश्रौ १६,४,८; २६, १,२४; श्रापश्रौ; धूपयतु बौशौ १०,६: ५†; †धूपयन्तु श्रापश्रौ १६, ५,५; बौश्रौ; धूपयेत् बौशौ २२, २: ११; वैगृ ३,१४: ५; श्रप ३६,

a) बन्ना. । वैप १ द्र. । b) तु. पाम. पाका. । c) गीतिविकारतया निर्देशः । d) = श्रक्तिनः वैप १,०२९ b श्रिप द्र. । e) सन्न. श्रापश्ची ३,८,४ युगधुरोः इति पाभे. । f) पा इति पाठः १ यनि. श्रोधः (तु. भाश्री.) । g) घून् इति पाठः १ यनि. श्रोधः (तु. भाश्री.) । i) = मन्त्र-विशेष- । j) विप., नाप. (पाय १,३,१०;३,१४,७ प्रस्.) । वैप १ द्र. । k) = धूर्गान – । l) वाह- = भार- । m) मन्त्राणा द्वस. । n) = धुर- । o) पाभे. वैप १,१७२९ n द्र. । p) वैप १ द्र. । q) = विश्वेदेवाना-मन्यतम- । r) ध्विनः इति शक्त. (तु. विश्वेदेव-) । s) पाठः १ सन्न. ता २५,१५३ बौधौ १७,१८ः ६-७ अध्वर्ष् व्यर्गेजयः इति पाभे. । t) व्यप. । u) = श्रावपन-विशेष- इति पागम. । v) पृ ९५८ m द्र. । w) तु. पासि. पागम. च 1 x) तु. पागम. । y) पा ३,१,२८ पराम्ष्टः ।

CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

भूपन- -नात् श्रप ५२,१५,२; -ने बौध्रौ २२,२:१०. भूपन-काल- -ले भाध्रौ ११, ३,१०. भूपन-पचन- -ने श्रापध्रौ १६, ५,७. भूपन-श्रपण- -णे काध्रौ १६, ४,१३.

घूपियत्वा वैगृ ३,१४ : २. घूपायत् - -यत् * ब्रापश्री-१,८,७; ८,१७,०४×; माश्री; -यन् ब्रापश्री ६,९,१‡. घुपायन्ती - -त्याम् श्रापश्री ६,

१०,३१^०; हिथ्रौ ३,०,६५. धूपायमान- -नम् वाश्रौ १,०,४, ६१.

धूपायित- -तम् बौधौ १८, १०: १७: १७: १७.

धूपि(त>)ता- -ताम् वैश्री १८, १: ७९.

धूप्यमान- -ने काश्रौ ४,१५,१५. धूप्प- -पः अप २०, ६, ८; -पम् आफ्रिप्ट २,४,१०:१९; बौग्ट; -पेन अप ४,३,२; -पैः अप १९^२,३,१××.

धूप-गन्ध- -न्धान् अप १,३१,५. धूप-गन्ध-माल्या (ल्य-आ)दर्श- प्रदीपा(प-म्र)अना(न-म्रा)दि--दीनि शंध २१७.

घूप-नृण^d - - जै: श्रापक्षी १५, १५, १; माश्री ११, १५, २५; हिश्री २४,६,१२.

ध्य-दीय-वर्जम् श्रामिय ३,११,

३: ९. धूप-दीपा(प-क्रा)दि- -दिना बैग्ट ५,६: १८.

धूप-पुष्प- -ष्पैः त्रा २,१,३. धूप-वत्- -वन्तम् बौगृ १,६,२२. धूप-शेष- -षम् त्राप ६,१,१२.

धूपा (प-ग्र)ध- - वें शंध १९७; विध ६६,१०.

१धूम°- पाउ १, १४५; पाग ३, १, १३¹; ४, २, ४९; ८०^द; ६,३, १२०; ८,२,९; -मः काश्री ४, ९, ९××; श्रापश्री; वैग्र ५, १: १९²һ; हिपि ७: ४‡; -मम् श्रापश्री ९, २०, १०; १३,२४, १०××; वौश्री; या १४,८; -मस्य श्रप ५०, ९,३; -माः श्रप ७०², २०,३; -मात् या १४,८; -मे श्रापश्री ५,१०, ११; माश्री; -मेन वाध्यी २, १०:१०; ‡श्राष्ट ४,४,०;

धौमीय- वा ४,२,८०.

धूम-कर्त्तुर-माञ्जिष्ठ-रक्त-पीता (त-ग्र)सिता(त-ग्रा)कृति-. -तिः अप ६३,२,५.

धूम-केतु⁰¹- पाउर १, ७४; -तवः श्रप ५२, ३, ३; शुश्र ३, १६१‡; -तुः कौस् १२७, १¹; श्रप ५२, १२, १^६; या ६, ४‡; -तुम शंघ ११६: ६०¹; -‡०तो द्राश्री १, ४, ५; लाश्री १, ४, २; -तोः अप ५२, ६, १^६; -तौ कौस् ९३, ३४¹. धूम-गन्ध"— -न्धाः" बौश्रीप्र **१७** १६.

धूम-तस्(ः) आगृ ४, ८,४२. धूम-धून्ना(न्न-त्र)रुण- -णेन अप ५८^२,२,५.

धूम-प्रवर्तन- -नम् श्रप ६४,३,९. धूम-प्राप्त- -सम् काश्रौ २२, ६, १६.

घूम-मत्- पा ८,२,९. !घूमरजडदकप्रादुर्भावगमन- -नेषु अप ७२,३,९.

धूम-राजी-निभ- -भेन अप ५८र,

धूम-उक्ष्मणि- -णयः बौश्रीप्र ४१: ९.

धूम-वर्ण- -र्णः अग ५३,५,२. धूम-व्याकुल-रिझ•- -इमयः श्रप ५२,३,३.

धूम-इविस्- -विः त्रप २३,१२,२. धूमा(म-ग्र)ग्नि-रजस्- -जांसि शंघ १६९.

धूमा(म-ख)न्धका(र>)रा^p- -राः श्रप ६४,३,७.

√धूमाय>धूमायत्- -यत् भाश्रौ ८,२१,५°.

धू(म>)मा-व(त्>)ती- पा ६, ३,१२०.

धूमा(म-त्रा)शिन् प- -शिनः वैध

१,८,१. √धूमि, धूमयेयुः ऋप ७१,१९,५.

धूम्या- पा ४,२,४९. १धूम्र,म्रा⁸- -म्रः काश्रौ १९,३, २: -म्रम् श्रापश्रौ १९,२,९;

a) सपा. धूपायत् <>धूमायत् इति पाभे.। b) व्यत्याम् इति पाठः १ यनि. शोधः (तु. हिश्रौ.)।
c) नाप.। वैप १,९७२० ६ इ.। d) मलो. कस.। e) वैप १ इ.। f) तु. पागम.।

g) ऋर्थः ?। h) धूम्रः इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. गी ८,२५; C. च.)। i) बप्रा.। j) = उत्पात-विशेष-।

(g) अयः : (n) वृद्धः शतः वातः : वातः स्वातः स्वातः । (n) वहः (n)

o) = धूमकेतु-विशेष- ।p) विष. । बस. ।q) = वानप्रस्थ-विशेष- । उस. ।CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

बौश्रौ; -म्रा श्रप २१, ६, २; - क्याः आपश्रो २०, १४, ६; वाधी ३, ४, ३, २१; - म्रान् आपथ्रौ २०, १४, १३^{२a}; हिथ्रौ 88.3,96ta. धूम्र-जानु- फि ७२. †ध्म्र-रोहितb- -तः आपश्रौ २०,१४,१; बौध्रौ. धुम्रा(म-य)नुकाश^c--शान श्रापथ्री २०,१४,१३^d. धुम्रा(म्र-त्राभा>)भ- -भः त्रप 40, 4, 3. २धम-(> धौमक-पा.) पाग ४, २, ३ध्म - पाग ४,१,१०५;११०. धीमायन- पा ४,१,११०. धीम्य- पा ४, १, १०५; -म्यस्य भाग २,६: १५; -म्या: बौधीप्र 88: 3. धौम्या(म्य-श्रा)भिषेण्य-माठर--राणाम् हिश्रौ २१,३,१३. धूम-शिखा'- -खा वाध १६,१६. २ध्रम्र°- पाग ४, १,११०; -म्राः बौश्रौप्र ४१: २. धौम्रायण- पा ४,१,११०. धुम्रायण- -णाः बौधौप्र ४१ : २. √धूर् पाधा. दिवा. आत्म. हिंसागत्योः. धूर्-अभिमर्शन- प्रमृ. धुर्- द्र. धूर्जिटि - पाग ६,३,१०८. धूर-पति- प्रमृ. धुर्- इ. √धू (<धु) र्ब् पाधा. भ्वा. पर. हिंसायाम्, †धूर्वति बौधौ १,४:

२८;५:९; अप ४८, १९; निघ २,१९; धूर्वामः †वौश्रौ १,४: २९; ५: १०; ईधूर्व वौथ्रौ १, ४: २८ : ५: ९ : माधी १, १९,४; विध ६५,१०. दुध्रविति शांश्री १२,२०,२ . धती- वाउ ३,८६; वा २,१, ६५; पाग २,१,४०; ४, १,१०५^h;५, १,१२४; १३३;४,३८; - †०र्ती श्रापधी ६, ११, ३; भाधी ६, १३,२; माधी १,६, १, ४१; हिश्रो ३, ७, ८६; -र्तः अप २०,३,२; -र्तम् अप २०, २, १-७;५,३;७,९+; -र्ताय अप २०,४,२+. धीर्त-पा ५,४,३८. घौर्तक- पा ५,१,१३३. धौर्य- पा ४,१,१०५; ५, 9,938. धूर्त-कल्प - -ल्पम् अप २०, 9,9. †धर्ति¹- -र्तिः काश्रौ १०, ९, ८; श्रापश्री: - • ते वाश्री १,५,२, †धूर्वत्- -र्वतः वैताश्री ६, १; -र्बन्तम् बौश्रौ , १, ४: २८; ५: ९; भाश्री १,१९,४. धूलि- पाउभो २,१,२३३. धूली[™](>°ली √कृ पा.) पाग १, ४, €9. √धूज् , धूप् , धूस् पाधा. चुरा. पर. कान्तिकरणे.

धूसर- पाउ ३,७३. धूसी^m(°सी√कृ पा.) पाग १,४, ६१. √धⁿ पाधा. भ्या. श्रातम. श्रवध्यंस्ते

√ धृण्णामा. भ्या. श्रातम. श्रवध्वंसने, उम. धारणे; तुदा. श्रात्म. अवस्थाने, धरध्वम् श्राष्ट्र ४, ८, २७; २८ हैं; धरेत् कप्र १,७,३; नाशि १,६,१३; व्याधूशी ४,१०१ १००; या ४,७; व्रियन्ते वैश्वी १६,१७ : ५; श्रीशा २५४; व्रियाते वाधूशी ३,०१ : ७; हियस्व वैताशी २०,९; कीस् ६१,४१; व्रियंत वाधूशी ३,९१ : ६.

†दधार बौधौ ६, २४: ३५; ८, १४: १३; हिपि १८: १८; †दाधार ब्राधौ ८, १२, २; ब्रापऔ; या १०,२२५; २३५; दिधरे बौधौ १८, २९: २०; †दाधर्थ भाशि ५८; ११८; १२०.

धारयते भाश्री २,१३,५; वैश्री; या ३,१६; १०,८; धारयति काश्री २,६,२५××; श्रापश्री; या ७,२३××; धारयतः श्रापश्री २०,३,१८; वैश्री १४,६:८; धारयन्ति काश्री ८,६,३३; श्रापश्री; धारयसि या ११,३५; चाश्री ३,८,२७; वौश्री; धार-यत् या ६,३४; †धारयन् वौश्री

a) सकृते धूम्रान् बभ्वन्काशान् इत्यस्य स्थाने सप्त. मा २४, १८ बभ्रवः धूम्रुनीकाशाः इति पामे. b) वैप १ १०३१ e, f द्र. i j0 वैप १, १०३१ j2 द्र. i j1 विप्त. i2 विप्त. i3 विप्त. i4 विप्त. i5 विप्त. i7 विप्त. i8 विप्त. i9 विप्त.

१३,२१: ९: या ८, २: धार-याध्ये बौश्रो १५,४: ५; †धार-यत् मागृ १,२९,३ : जेगृ १, ११:१२^{२a}: धारयन्ताम् शांश्रो ८.१०.१ कः क्यारयन्त आमिय ३,८,२ : ३०; बौषि १, १५ : ३८; कीसू ५५, १७; धारयस्व सु १४, ३; †धारय या आश्री ४. १२. २: काश्री: या १०. ४०; †धारयतम् श्रापश्री ४,६. ५3; भाश्री ४, ९,३3; हिश्री ६, २, १६^३: †धारयत बौध्रौ २९, € : २२^२: २३^२: बौगृ છ. १, ८ ; ईधारयाणि कौस ९०, ९; १०; †धारयाम>मा श्रापश्री ५, १७, ४; हिश्री ३, ४,४८; शुप्रा ३,१०७; †अधा-रयत् बीधौ १०, ३२: ७××; माश्री; अधारयन्त या ५, १४: क्षधारयन् श्रावश्री १,६,७; 3, 9३, ६; भाश्री; अधारयम् सु १५,४; धारयीत बौध्रौ ९, १९: ४२ : भाशी; आपध २, १२, ९b; धारयेत^c काय १, २०: धारयेत श्रावश्री २४. १४. ९‡; बैश्री; हिध २, ४, ४५^b; धारयेताम् वाग ९, ११ ई; धारयेरन कीस १४०, ८; अप १९.१.७: धारवेयः काश्री २५, १४.२७: माश्री. धारियप्यति माधी १, ३, ५,

१३^{†a}; वाश्री १, ३,७,१४^{‡a}; श्रप २०, ७, ६; २२, १०, २; धारियदयन्ति विध १, ४७; ६४: १००, १: †अदीधरत् आपश्री १४.२७.७: हिथी १५. ७, ८: कौस ३, २: दीधरत श्राधी ८. १३. २: श्रापश्री; दिधत > ता ऋपा ७.३३. धार्यते काश्रीसं ३२: १५१°: भाश्री: धार्येते हिश्रौ १,४,४२; ३.६. २८: धार्यन्ते आपश्री ६, २८, ८: २४, १, २८; भाश्री; धार्येरन मीस ११,३,३३. दिधारियषेत् वाधुश्री ३,१०४: २; गोगृ ३,५,३०. द्धीतें, दाधितं, द्धीपें पा ७, 8, 44. धर रा!- -रः अप ४३,५,१8, -रा श्रप ६४, २, ६; विध १, ६५; -राम शंध ११६:६५: -०रे विध १,३१:४७:६३:५,१९३. धरा-तल- -लम् अप ५८2, १, 90:2,6:3,3. धरा(रा-त्र)धिप- -पान् शंध 228:36. धरा-शय- -यः वैध ३.५,७. धरा-सतh- -तस्य श्रप ५१. 8.9. †धरीयस्- -यः हिए १,४,६1; -यान आपश्री ४, ६,३; भाश्री ४,९,१; हिथ्री ६,२,१२.

धरण!- -णम् शंघ ११६ : ५२ %; विध ४.१२1. धरणी- - +णी यापश्री ४. ७. २: भाश्री ध. १०.३: वैश्री ५. ७ : १२: हिथ्री ६,२,१७: अप ५, २,५\$ m; -णीम् अप १९ र, ४, ५m; -ण्याम् वैगृ ४, २:७m. धरणी-जात- -ताः श्रप ५५. धरणी-तल- -ले आ ५८. ₹.9. धरणि- पाउ २,१०२. धरि(त>)त्री"- - †०त्रि श्रापश्री १४. ३३. २; हिश्री १५, ८, ३५१०; श्रप्राय ६,१. धरिमन्- पाउ ४, १४८. धरिम-मेय- -यानाम् विध ५, 93. †धरीमन् पाउना ४, १६१; -मणि आश्री ८. १. ९; शांश्री १८,२३,99. धरुण, णाº- पाउभो २,२,१९९; -णः †त्राध्रौ ४, १२,२;८,१३, २: काथी; वैताश्री २६, १+°; ऋत्र २. ५. १५^r; - + णम् ब्राधी २, १९, ३२; ८, १३,

२; शांश्री; पागृ २, २, ११;

वाय ५, ९ ; हिए १, ४, ६;

निघ १, १२; - † णा आपश्रौ

१६, २३, १; बौश्रौ; - + • वे

त्रापश्री ५,८,६; बीश्री; - मेगेष

a) पामे. वैप १, १९१० h इ. । b) सप्र. श्यीत <>श्येत् इति पामे. । c) धारयेत् इति श्रादित्यदर्शनः, संस्कर्तुः टि. च । d) पामे. वैप १,७२५ m इ.। e) पाठः १ धार्यन्ते इति शोधः (तु. संस्कर्तुः दि.)। f) = भूमि-। g) = वसु-विशेष-। h) = भौम-प्रह-। i) सप्र. घरीयः <> वलीयः इति पामे. । j) बप्रा. । कर्जीवर्थे ल्युट् प्र. । k) = मरुद्-विशेष- । श्रपु २१९, ३१ धा॰ इति, धरुणः इति शरु. । (l)= परिमाण-विशेष-। (m)= घरा-। (n) वैतु, पाउ ४,१०३ < घरित्र- इति । (o) ॰ त्री इति पाउः ! यनि. r) = ऋषि-विशेष- L क्रोधः (तु. श्रापथ्रौ.)। p) वैप १ द्र.। q) पामे. वैप १, १७३४ f द्र.। s) °र° इति पाठः ? यनि, शोधः [तु. मुक्तो,, पागृ. प्रमृ. च]।

CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband ंवैप४-त-७५

या १२.३२. धरुणी°--णी श्रश्र ३, १२‡. भ्राजीस°- -साय श्रावश्री १७,२,६ . †धर्णसि°- -सिः बौश्रौ १८, १८ ः १५: श्रापमं १, १०, ७; श्रप ४८.१०३^१b; निघ २,९. वर्तम स ३.५. †धर्तृ- -०र्तः ऋप्रा १, १०१; -र्ता श्रापश्रौ ४, ६,३; ७,१^२; बौश्रौ; या १२, ३०∮; -र्तारः मागृ १, २२, ७°; वागृ ५: ७; -तरिम् शंध ११६ : ५२\$d; -- तारा आश्री ४,७, ४; शांश्री ५,१०,२१; - में ब्राग्निय १,२, २ : २४; हिए २,१९,६. †धर्ती- -०र्ति[®] श्रापश्रौ १४, ३३, २; अप्राय ६, १; -त्री श्राश्री ४,१२,२; -र्श्रीभः वौश्री २,१०: २; बौगृ. †धर्त्र- पाउ ४,१६७\$; -र्त्रः बौश्रौ १०, ४२: १४1; - त्रीम् शांश्रौ ८,२४,३; कांश्री; -त्रीय श्रापश्री २,७, ९२; १८,५,२०; बौधौ. रधर्म8- पाउ १, १४०: पाग २, ४, ३१; ४, २, ६०8; - +ox काश्री २६,६,९ b; श्रापश्री १५, ११,२^b; बौश्रौ९, ११: १ b¹?; भाश्रौ ११,११,१^b; हिथ्रौ २४,

४, ११^b; विध ९८,८८\$; -र्मः

श्राश्री १०,७,९; शांश्री; श्रापश्री

4.६.३+1: बौश्री २.१८:३+1; वेश्री १.६: ७ में। हिश्री ३,२, ५५+1: आवमं २,9५, 9०+k; कौय ३, २, ११‡k; शांग ३,३, ७‡ : -र्मम् शांश्रौ ७,२५,१७; माश्री: वैताश्री २०,१३ +1; बृदे ४.३६: ७.१४७; या १४, ६^m; -र्मस्य श्राश्री २०.५.१५: पागः -र्माः काश्री ५,८,१७: आपश्री; -र्माणाम् आश्री १२, ८, २; शांध्रौ; -र्मात् अ।पध २, १३, ११ⁿ; २७, १^o; विध १, ६५; पा ५, ४, १२४; पावा १, १, ७२; मीस १०, ८, ५०; -र्मान् बौश्रौ २४. ३७: ३; भाश्रौ; - माय श्राप्तिगृ १,२,२: २४; बौगु; या १२,१३; -में बैगु १, ८: १५; ऋप; या ८, १०; -मेंण शांधी ४,५,१३; काठधी; -मेंभ्यः वाध २१, ९; श्रापधः -मेंपु अप ७०^३,३१,३; श्रापध; -में: वाधी १,२,४,९; द्राधी. धार्मिक-पा ४, २, ६०; ४, ४१: -कः बौगृ ३, ३, ३१: वाध: -कम् वाध ६, ३०; श्रापध २, २७, १४; हिध २, ५,२३३: -केण शंध २६२. धार्मिका(क-अ) धिष्ठित--तम् गौध ९.६५. धार्मक P - कस्य माश्री १.

£,9,48. धर्म-करण- -णेन निस् ६, ५: २9: २३. धर्म-कर-द- -दाः विध ३,२७. धर्म-कर्न- -तीरी या १४,३० धर्म-कर्म-व्यभिचार- -रात सुध ३. १धर्म-काम- -मः विध ७१. ९०: -मानाम् भाधौ ९,१८,४ २धर्म-काम- -मौ विध ५२,१६. धर्म-कारक^q- पाग २, २, ९; €, २, 949. धर्म-कार्य- - र्यम् विध २६,१; -येंषु विध ३,१७. धर्म-कृत्य- -त्यम् श्रापध १. २९,१४; हिध १,७,७१; -त्येषु त्रापध १, ७, १८; २, १४, ३; †धर्म-गोपाय'- -यम् त्रापध १,४,२४8; हिध १, १,१४३. धर्म-चर्या - र्यया श्रापध २, ११,१०; हिंच २,४,२५. धर्म-चारिन्- -रिभिः श्रप १, ४१,८; श्रशां ११,८. धर्मचारिणी- -णीम बौध 8,9,23. धर्म-जिज्ञासा- -सा वाध १, १; मीस १,१,१. -नस्य जेगृ धर्म-जित-धन-2.5:39.

a) नैप १ द्र. । b) °िस इति पाठः १ यनि. शोधः [तु. निघ.] । c) पाभे. नैप २, ३खं. धर्तारः मंत्रा १,६,२८ टि. द्र. । d) अपु २१९,३१ धातारम् इति । e) पृ १३ १९ h द्र. । f) पाभे. नैप १,१०३५ द द्र. । g) = धर्म-शास्त्र- । h) पाभे. नैप १,१२७२ प द्र. । i) घ° इति पाठः १ यनि. शोधः (तु. मा ३८,१४) । j) = सपा. तैता १,२,१,१० । ऋ ३,१०,१ तु अर्मा इति पाभे. । k) धर्मः स्थूणाराजः, °ते (कौगृ.) इति पाठस्य स्थाने सप्त. पागृ ३,४,१८ धर्म-स्थूणाराजम् इति पाभे. । l) पाभे. नैप १,१०३५ p द्र. । m) धर्मः इति शिवसं. । n) सपा. धर्माद्धि संवन्धः ८० धर्मसंवन्धः इति पाभे. । p) निप. । चरतीत्यर्थे उक्त् प्र. उसं. (पा ५,१,९०३) । q) तु. पागम. । r) निप. (श्राचार्य-) । उस. । sमंगोपाय मा इति वा केचन इति भाष्यम् ।

१३५५

धर्म-ज्ञा- -०ज्ञ श्रशां ३, १; -ज्ञः गोध १५, २८; श्राज्यो १३,९: -ज्म अशां १, ६; -जाः विध ८.८:२८,४८:-ज्ञान विध १,१६; -ज्ञानाम् भाश्री ९,१८,४; - १० जे श्रशां १, ३; ٧. ६.

धर्मज्ञ-समय- -यः श्रापध १, १,२; हिध १,१,२; सुध २. धर्म-तत्त्व-ज्ञ- -ज्ञैः शंध ४६१. धर्म-तन्त्र-पीडा- -डायाम् गौध 23,92; १८,३६. धर्म-तन्त्र-सङ्ग- -क्ने गौध १८, ₹. ' धर्म-तन्त्रो(न्त्र-उ) परोधन--नात् बौध १,५,६६. धर्म-तस् (:) वैगृ ५,८:१२; वाध; या ३,४ . धर्म-द- -०द विध ९८,८९. धर्म-ध्वज- > ०जिन्- -जी विध ९३.८. धर्म-नित्यª- -त्याः शंध २५१. धर्म-नियम- -मः पापवा १; मीसू १०,५,१२; -मात् मीसू 2.8.0. धर्म-निष्ठा->धर्मनेष्ठिक^b- -कः आमिगृ २,६,५:२. धर्म-पति- पाग ४, १, ८४; -+तथे शांश्री ९,२६,२; काश्री; - †तिः आश्री ४, ११, ५; शांश्री १६,१८, ५; -तिम् बौश्रौ १०,५५: १६; -तीनाम् वौधौ 20, 46: 34.

धार्मपत- पा ४,१,८४. धर्म-पत्नी- -त्नीम् शंध ३७७ : २; -त्न्या श्रप २२, १, ३; -स्न्याम् शंघ ३७८. धर्म-पर- -राः श्रापध २, २६, १४; हिंध २,५,२०९. धर्म-परा(र-ग्र)यण^c- -णे विध 99.90. धर्म-पर्याय-वचन- -नै: विध 80.90. धर्म-पाठक.d- -कः वाध ३.२०; बौध १.१.८. धर्म-पुरस्कार°- -रः श्रापध २, ६.५; हिध २,२,५. धर्भ-प्रजा (जा-त्र) र्थ- -र्थम् श्राभिगृ १.६.१ : ६. धर्म-प्रजा-संपत्त्य(ति---श्र) र्ध!- -र्थम् वैगृ दु,रः ७. धर्म-प्रजा-संपन्न- -ने त्रापध २.११. १२; हिंध २, ४, २७. धर्म-प्रतिकर- -राः शंध २५८. धर्म-प्रतिवेध- -धे हिश्री १६, 9.33. धर्म-प्रधान - - नान् शंध ११६: धर्म-प्रहा [हाड]र्b- -०द श्चापध १, ३२, २४¹; हिंध १, 2.841 धर्म-फल- -लम् अप ७०१,३२, धर्म-भाज- - भाक् कीश्री २७, 98:934. धर्म-भृत--भृताम् वाध२३,४३. धर्म-भेद- -दात् श्रापध २,४,७, हिध २.१.६०. १धर्म-मात्र²- -त्रम् काश्रौ ९, ५,१०: आपश्री १९, २१, ४; हिश्री १३, ४, २७; २२, ४, २k; मीसू १०, २, ३७; -त्राणाम् मीस् १०, २, ६०; -त्रे मीसू २,१,९; ११,१,२**८**; -त्रेषु काश्री १, ८,७. धर्ममात्र-ख- -खम् मीस् ६ १, १६; - त्वात् काश्री ४, १२, १५; ८, २, १८; मीस् १०, २, २धर्म-मात्र1-> धर्ममात्रा-(त्र-त्र)र्थ- -र्थम् मीस् १०,२, 22. धर्म-मूल- -लम् कौग् ३, १२, २४: गौध १,१. धर्म-यक्त- -कः श्राग्निय २, ६. ५: २१: बौग्: -क्ताः आपष २, १४, १४; हिम २, ३, २५: -केषु आपध २.२०, १८; हिध २,५,१०४. धर्म-योनि- -०ने विष १,५४. धर्म-राज"- - • ज वाध२८,१९; -जम् बौध २, ५, २५ ; - काय आप्रिगृ २, ६,८ : ३३; श्रप ४३,५,४२. धर्मराज-वचस- -चः शंध

धर्मराजा(ज-आ)श्रम- -मम्

अप ९,४,३. धर्म-राजन् - जानम् शंध ११६:

a) विप. । बस. । b) चरतीत्यर्थे ठक् प्र. उप. वृद्धिथ उसं. (पा ७, ३,१०) । c) विप. । बस. > कस. । d) पूप. = धर्मशास्त्र-। e) विप.। उस.। f) द्वस.>मलो.कस.>चस. वा द्वस. >चस.(तु. c.) वा । g) हिंध. पाठः । h) व्यवः । उसः । i) तु. भाष्यम् ।मैस्.]; वैतु भाष्यम् ।हिंधः] Bith, च ॰दन इति । j) ॰नाय इति पाठः यिन शोधः (तु. श्रापधः) । k) धर्म॰ इति संस्कर्तुः शोधः । l) नित्यसमासः (पा २, १, ७२) । उप. = अवधारण-। m) = यमराज-।

CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

१९; विध ९०,१०; २८. धर्म-रुचि8- -चि: श्रापध १,५, ११: हिध १,२,११: -चये बौगृ 2,4,9 tb. धर्म-लक्षण- -णानि शंध ६. धर्म-लाभ- -भः काश्री ध. ३. १९: मीस ७,४,१८, धर्म-वत् पा ४.२.४६. भर्म-वत्->धर्मिष्ट- -ष्टान् विध ३,१७. धर्म-वस-प्रद - -०द विध ९८, 99-धर्म-बाद- -दः वाध १७,७१. धर्म-विच्छित्ति- -त्तिः सुधप CC: 9. धर्म-विद्- - वित् कप्र ३,१,६: ९,३; बौध; -बिदः वाध १, १६; २८,७; सुध १५; -विदा वाध ६,९. धर्म-विद्या- (>धार्मविद्य-पा.) पावा ४,२,६०. धर्म-विधान- -नात् मीस ११, ३,५; -नानि मीस् २,३,२३. धर्म-विनियोग- -गे वाधी ?. 9,9, 46. धर्म-विप्रतिपत्ति- -ती त्रापध १,४,१२; हिध १,१,१३१. धर्म-विप्रतिषेध- -धात् मीम् **३**, ३, ४०; ११, ३, १२; -धे वाश्री १,१,१,७०. धर्म-विरुद्ध- -दी विध ७१,८४. धर्म-विशेष- -पः मीस २, १, ३९; -षात् मीस् २, १, ३६; 20,4,63. धर्म-वृद्धि - -िद्धः गौध २८.४.

धर्भ-व्यतिक्रम- -मः श्रापध २. १३,७; हिंध २,३,७; गौध १, ३; -मे बुदे ८,३. १धर्म-व्यपेक्षा- -क्षया बौध 2.2.09. २धर्म-व्यवे(ध्>)न्।a- -क्षास विध ९९,२२. धर्म-व्यवस्था- -स्था गौध ११. धर्म-शास्त्र- -स्त्रम् अप ४४, ४,२; वाध; -स्त्रस्य विध ८३, ८: -स्त्राणि शंध ३; गौध ११, धर्मशास्त्र-स्व-मीस ६.७.६. धर्मशास्त्र-रति"- -तिः शंध १९९. धर्मशास्त्र रथा(थ-या)रूड--ढाः बौध १,१,१४. धर्मशास्त्र-विद- -वित् श्रप 88,2,8. धर्म-शील-वर्णा(र्ग-य)न्त--न्तात् पा ५,२,१३२. धर्म-शेष- -षान् श्रापध २, 39.94. धर्म-संयुक्त- -क्तम् शंध ४४३. धर्म-संशय- -यात् बौध २,९, धर्म-सत्य-मय- -यः विध १. धर्म-संतति- -तिम् बीध १, 8,28. धर्म-संतान- -नात या ६,१९. धर्म-सं(था>)ध - -धम् शंध ११६: २९.

धर्म-संनिपात- -तः हिध १. 0.85d. भर्म-संनिवाप- -पः श्रापध १. 26,90d धर्म-समाप्ति - -ितः श्रापध २. 29,93. धर्म-संबन्ध- -न्धः हिध २, ५. २२० ; मीस् ९,१,३. धर्म-साधन- -नम् शंध ५. धर्म-सावर्ण' - - र्णम् शंध ११६: धर्म-सूष- -सुवः बौधौ १२. 99:94. धर्म-स्थान- -नम् शंध २५६. धर्म-स्थूणाराज- -जम् पार्ग ३. 8.96b. धर्मस्य-तन्।- -न्वी द्राश्री २, २,२७; लाधी १,६,२५. धर्म-हानि- -निः त्रापध १, २०,४, हिंध १,६,१८. धर्म-हीन- -नः गौध ४,२५. धर्मा(म-त्र)क्र- -०क्न विध १, 48: 96,90. धर्मा(म-अ)तिक्रम- -मे आपध १,१३,४: हिंध १,४,१८. धर्मा(भ-आ)दि - -दिपु पावा 2,2,38. धर्मा(र्म-श्र)धर्म- -र्मयोः काय ५४, ६; विध ६७, १०; -मियाम् कौम ७४, ५; -मीं वेंग्र ५,१: २८: ८: १: श्रापध. धर्माधर्म-ज्- -०ज्ञ विध १, 48. धर्मा(भ-त्र)नुत्रह- -हात् मीस् ८, १,३६; ४२;२,२३.

a) विष. । बस. । b) = देवता-विशेष- । c) व्यप. । बस. । d) परस्परं पाभे. । e) पाभे. पृ १३५४ ० द्र. । f) = मनु-विशेष- । g) उप. \checkmark सू [प्रेरणे] । h) पाभे. पृ १३५४ k द्र. । i) = साम-विशेष- ।

धर्मा (र्म-आ) नुपूर्व - व्यम श्रापश्रौ २१,३,१०. धर्मा(र्म-श्र)नुबोधन- -नम् वैध ३,१३,९. धर्मा(र्म-श्र)नुवर्तिन् - - र्तिनौ वैगृ ३.9: ५. धर्मा(र्म-त्र)नुष्ठान- -नम् श्रापध २, २, ३; हिध २, १, धर्मा(र्म-त्रा)म्नाय- -ययोः पावा ४,३,१२०. धर्मा(भे-श्र)र्जित-धन- -नम् शंध ८८: -नस्य आमिगृ २, 4.9:42. १धर्मा(र्म-अ)र्थ⁸- - थेम् आपध २, ६, १; १३,११; विध; हिध 2.3.99b. २धर्मा(म-अ) थे - - थेम् कीय ३. ११, ६७; -र्थ गीध १७, 34. ३धर्मा(र्म-श्र)र्थº- पाग २, २, ३१1: -थाभ्याम् वाध १७,१७; -थीं बौध १,२,४९; विध २९, 4. धर्मार्थ-कशल- -लम् श्रापध २, १०, १४; हिंध २, ४, १४; -लान् हिंध २,५,१९९. धर्मार्थ-युक्त- -कै: श्रावध १,४,२३; हिध १,१,१४२. धर्मार्थ-विषय- -येषु शंध 248. धर्मार्थ-संनिपात- -ते त्रापध

१,२४,२३; हिध १,६,७१.

धर्मार्थ-हारक- -कान विध 4,992. धर्मा(र्म-त्र)र्थ-कर्मन् - र्मणाम् श्राज्यो १४.७. धर्मा(र्म-अ)र्थ-काम- -मेभ्यः गौध ९,४८. धर्मार्थकाम-युक्त- -क्तानि श्राज्यो १४,६. धर्मार्थकाम-संयक्त- -क्तम श्रप ५,१,१. धर्मा(म-त्र)विप्रतिषिद्ध -- द्वान श्रापध २,२०,२२; हिध २,५, 900. धर्मा(र्म-त्रा)वेश- -शः हिश्रौ 3. 6,83; 8028. धर्मा(मी-आ)हत- -तेन आपध २,१६,२५; हिध २,५,२४. √धर्मि, धर्मयेयुः वाध १५, धर्मयत् - यन्तः वाध १५. धार्मिक- (>धार्मिक्य- पा.) पाग ५,१,१२८. धर्मिन्- पाग ४, ३, ३८; -मिं निस् ८, १०: ३२; - भिंणः हिश्रौ ६,६,१७+; जैश्रौका ६९; હર: વામ ર, ૧૧, ૧૨^h; -र्मिणाम् गौध २८,५४; -र्मिण निस् ८, १०: ३२; -मीं निस् १०,७: २३. धर्मिणी -(>धार्मि-णेय- पा.) पाग ४,१,१२३. धार्मिण- पा ४,२,३८.

धर्मि-स्थान- -नम् निस् ७, 93: 4; 982. धर्मे(र्म-ई)प्स- -प्सः बौध १, ५,४७; -प्सोः शंघ ४१४. धर्मो(र्म-उ)कट- -टे विध ९९. 98. धर्मो(भै-उ)त्तर!- -रः गौध ९, 89. धर्मो(र्म-उ)स्यादना(न-आ)दि--दि आश्री १२,४,१०. धर्मो(र्म-उ)दय- -यः शंध ६. धर्मो(र्म-उ)पदेश- -शात् श्रापध १, ३२, १२; हिंध १, ८, ५४; मीसू ३,३,४. धर्मोपदेश-कारिन्- -रिणः विध ५,२४. धर्मी(म-ड)पदेशन- -ने पाता ६, 9,63. धर्मो(र्म-उ)पनत- -तस्य श्रापध १,१८,१४; हिंध १,५,८३. २धर्म्य, र्म्या- पा ४, ४, ९१; ९२: - मर्थ: हिथ १, ४, ८१ k; - म्यम् वैध २, ९, १; हिध १, 2, 061; 2,4,208m; 91 8, ४, ४७; -म्या गौध १२, २६; -मर्याः विध २४, २७; गौध ४, १४: -मर्थे वा ६,२,६५: -मर्थेषु गौध ५, २०. धार्म्य"- - मर्यः आपध १, १५, २२ : - मर्थम् वाधूश्री ३, ७५: ८: १०: बीय ३,३,३३, श्रापध १, ७,२१¹; २९, ८; २, २६,९m; हिंध १, ७,६५.

c) षस. उप. = तत्त्व- वा प्रयोजन- वा। a) चस.। b) पामे. पृ १३५४ n इ.। धर्मार्थं जुगुप्सेत इत्यस्य स्थाने सप्र. शांगृ ४, १२, ८ अधर्माच्च जुगुप्सेत इति पासे.। e) इस. 1 f) [पक्षे] h) सपा. धर्मिणः < > धर्मणस्पते < >धर्मणा इति g) ॰वेषः इति पाठः ? यनि. शोधः । भागडा.। l) सपा. ध° <> भा° j) विप.। बस.। k) सप्त. ध $^{\circ}$ <>धा $^{\circ}$ इति पाभे.। i) व्यव. 1 पामे.। इति पामे. । m) सपा. ध°<>धा° इति पामे. । n) = २धर्म्य- । अण् प्र. वा धर्म- + स्वार्थे प्यन् प्र. वा ।

धर्मनृ - पाग ४, २, ३८; -म आपश्री १, २३, १७; बौश्री; - मेर्गणः आश्री ६, १२, १२; शांश्री ८, १०, १; त्रापश्री ६, १९, १; १३, १८, २; बौध्रौ ८, १८: ६; माश्री १, ६, २, १४; २, ५, ४, १३; हिश्री ९,४, ५८; वैताश्री २३. १५: - † • र्मणः व्यापश्री १३. १८,२; बौश्रौ ८,१८ : ६ : हिश्रौ ९, ४, ५८; - मर्भणा आश्री ४. ११६६३; ६, १२,१२^{b,0}; शांश्री ८,१०,१^b; बौधी; माधी २,५, ४,१३ b)c; जैश्री ६: ७; वैताश्री २३,१५^{b,c}; श्रापमं २,३,१२^d: कीय २,२,११व; शांय २,३,१व; आप्रिय ३,६,१:७°;८,२:५२; बौषि १, ८:६; १५: ५८; हिंग १,५,१०व ; जेग १, १२: २९: - मिणि आश्री ५, १८, २: शांश्री; या ११,१२; - मेंभेणे बौध्रौ ८. १२: २६: वैध्रौ १६, १४: ६: वैताश्री २०, १३; या ७.२५०: - मर्म ऋपा ८,५०1; - मर्गाणम् हिश्रौ १२,६,६; या ९.२५**०**: - †र्माणि श्रापश्री १२,9९,५; या १२,४98. धर्म-विधर्मन् b- -र्मणी लाश्री ७, 4,99.

भ्रमं - न्यः शांश्री ८,२४, ३ \dagger . भ्रार(क>)कां 1 - पावाग ७,३,४५. भ्रा(रक>)रिका k - -का जैग्र १,

२9: २4. धारण1- -णः बौगृ २, ५, २९; -णम् काश्रौ ३,३, १; १६, ५, ८; बौध्रौ; ऋप्रा १४, १८^m; -णात अप ३५.२.१०: वैध ३, ७.१३: शत्रा ४,१४४; -णाय बंदे ७.१०१: या ७, २५; -णे गौध १२, ४; मीम ९, ४, २७. धारणी- -णी श्रप ३१,३,३. धारण-क्रिया- -या पाता १, ४, २३. धारणा(ए-अ)र्थ- श्रेम् मीस् 20,9,80. धारणार्थ-त्व- -त्वात् मीस् १२,9,98. धारणीय- -यम् विध १००, धारणो (ग्-ः) पस्थान- -नम् काशी ४,९,२०.

धारणा— -णः शंध ३७२५; वौध १, ५,१९; विध ६४, ४१; माशि १६,६५; --णाम् कौए २,५,१; शांए ४,९,३; श्रव ४३,२,५०†; --णाये श्राप् ३,५,४; वैए २, १२: ९. धारणा-विशेष— -षात् मीस् ३,

धारय- पा ३,१,१३८. धारयत्- पा ३,२, १३०; -यतः विध १०,९; -यन् श्राश्रौ १,१, २३××; शांशौ; -यन्तः श्राश्रौ ४, २, ५‡; शांशौ; -यन्तम्

3,200.

काश्री २६,३,५; कीस् २०,१६; १३७,३०^०‡.

धारयद्-वत्- -वद्भयः बौधौ १३, २१ : २.

धारयद्वती^व— -स्या माश्रौ ५,१,८,১; १०; १४; —स्याम् माश्रौ ५,१,८,१८.

धारयद्वतीय- -यम् श्रापुत्री १९,२०,५; हिश्री२२,३,२२१ धारयति-> °ति-कर्मन्- -र्मणः या २,२.

धारयमाण,णा— -णः आपश्री १, १६, ८; २, ४, २××; बौश्री; —णम् वैश्री ६,१२:५; —णाम् आपश्री १२,५,३; हिश्री ४, ४,६.

धारियतुम् वाधूश्रौ ३,१०४: २. धारियतृ— -ता या १२,३०; —तारः या ८,७; —तारम् या ९,२५. धारियत्वा श्रामिष्ट १,२,२:३; २,६,२:२३; ८:२८; काष्ट. धारियल्यु — -त्यु माष्ट २,११,६. चारि(न्)णी— -णी शंघ ४२. धारित,ता— -तः बौश्रौ २९,१२: ७; —ता माशि १६,२; —ताः कप्र ३,७,१३.

धार्य - - र्यः वैश्री १, २०: १४; श्राप्तिग्रः; - र्यम् भाग्र १, १: ९; वैग्र ४, १: २०; ६, १६: ११; कप्र १, १, ३; - र्याण नाशि २, ७, ८; - र्यो माशि १, १९; नाशि १,६,३.

a) वैप १ निर्दिष्टयोः समावेशः द्र. । b) पांभे प्र १३५७ h द्र. । c) पाठः १ धर्मणः इति शोधः (तु. टि. १महा) । d) पांभे वैप २,३खं. कर्मणा मंत्रा १,६,१५ टि. द्र. । e) पांभे वैप १,१७३६ प द्र. । f) वैप १,१७३७ k द्र. । g) < धर्म - इति पाप्र. (२, ४, ३१) । h) सामविशेषयोः द्रस. । i) पत् प्र. (पा ३,१,९७) । j) तु. पागम. । k) नाप. । l) भावे कर्तरि च नृत् । m) = अनुपः लिध- वा द्विवन-वा । n) = देवता-विशेष- । o) पार्थिव इति जीसं. । p) पांभे वैप १,१७३३ व द्र. । q) = ऋग्-विशेष- । r) अध्यक्षारयद्वतीम् इति पाठः १ यनि. शोधः (तु. श्रापश्री.) ।

धार्यमाण,णा- -णम् त्रापश्री २, १३, ८××; वैश्री; विध ९६, ५५ ; -णाः आपश्री १२,६,३; -णाय शांश्री ३,१३,१७: -णे त्रापश्री ७,६,२; १७, २५, १: भाश्रौ.

छत, ता- - †तः श्रापश्री ३, ११, २b××; बौध्रौ १, २१: १८b; हिथ्रौ २,६,२^b; आमिए १,६, 3: 45b; 2, 0, 7: 28b; बौगु २, ६, २९^b; तैप्रा १८, ३8°; भाशि १८: -तम् कप्र १. १,३; शंध ११६: ५२^a; विध; -तस्य हिश्रौ १३,५,१४; - †ता बौथ्रौ ६, १२: ८; वाध्रश्रौ; -ताः वेंध्रौ २१, ९ : ८; बौध ४, १, २९; या १०,४४ ; -तान् वैध २, ११, ६; -तानि वेज्यो २४; -तायाम् वैश्री ११, ५: ५: -तेन वैश्री १८,१८:१३; -तै: कप्र १,२,४. ष्टत-ऋतु⁶-> धार्तऋतव- -वः वाध्यौ ४,१०८: ३. धत-तीक्षणा (क्स-श्र)र्क-किरण!- - जे अप ६३,१,८. धत-दण्ड^ह- -ण्डाः वाध १९, धत-राजन् e->धार्तराज्- पा €,8,934. धार्तरांज्ञी b- (>°ज्ञक-

पा.) पाग ४,२,१२७.

धत-राष्ट- -०ष्ट श्रापमं २,

१७, १०1; -प्टः वीश्री १७. १८: १; त्रापमं २, १७,९. बौगु ३, १०, ६: ऋয় ८, १० धार्तराध्य 1- -ध्दे कीस् २०, ₹#. धार्तराष्ट्री-(>प्ट्क-) धार्तराज्ञी- टि. द्र. धत-व(त्>)ती- -तीम् k तैप्रा २३, २४²; कौशि ६७; -त्यः1 निस् ८,४: ११. †धत-वतm- -तः श्रापश्रो ५. १९,२:१०,३०,१५××; बौश्री; -०ताः ऋत्र २,२,२९; बृदे ४, ८४; शैशि १८५; -ताय शांश्रौ १४, ५२, ५; १३; -ते तैप्रा ४, ११: -ती गोध ८,१\$. धता(त-त्र)चिंस्- -चिंपम् विध १,५९. धतो(त-ऊ)ध्व-पुण्ड- -ण्ड: कागृउ ४६ : १६. पृति"- -तयः श्रश्र २,१०; -तिः श्राश्री ८, १३, १५; †श्रापश्री 20, 4, 98; 28, 92, 0; बौश्रौ; कप्र १, १, १२; विध १, १९××; ऋग २, १, १३३; -तिम् माश्रौ ६, १, ७, १८; वाधूश्री; -तिषु काश्री २०, २,

३, ४; आपश्री २०, ५, १९; वौधौ धति-द्रय- -यम् ऋश्र ४, ८. धति-मत्- -मान् कौगृ ३, १२, ?धति-स्वर- -रात् निस् ९, 5:36. धति-होम- -मे कप्र ३,६,५. ध्रय(ति-त्र) दिट-शकरी-जगती--त्यः पि ध ५. ध्त्वन्- पाउ ४, ११४. धत्वा काश्री १६, २, २९; आप्रिए-ध्रियत् - -यति कप्र २,७,२. धियमाण,णा- -णम् आश्री २, २, १; -णान् माश्रौ २, ५, २, ९; -णायाम् पागृ २,१४,११; -णे आश्री ३,१२,२१; काश्री; -णेषु बौधौ २७, ६: २२. √धूज्, ब्ज् पाधा.भ्ता. पर. गतौ. धृरु°- -रुः त्रप ४८, ११५‡. √धूष् पाधा. स्वा.पर. प्रागलभ्ये; चुरा. उभ. प्रसहने, †धर्ष > षाँ श्रापश्री ७, १३,८; बौध्री; ४,५:१८; माश्री ७, १०,८; वाश्री १, ६,४, १५; वैश्री १०, १०: ११: हिश्री ४: ३, १९; शुप्रा ३, १२९; तैप्रा ३,८. ध्रणोति निस् २,२: ५. द्ध्य- पा, पावा ३, २,५९. †दाध्वि™- -िषः शांश्री १२, २०, २; ऋपा ९,३८; - पिम् आश्रौ ६, २, १६; -ती: काश्री २०, ₹,८,9.

a) धैर्यं॰ इति पाठः ? यनि. शोधः ।तु. जीसं.। b) पामे. वैप १,११५६ i द्र. । c) = ।प्रणवस्य। प्रचयाख्यस्वर-। d) = वायु-विशेष-। श्रपु २१९,३० ऋतम् इति । e) ब्यप.। यस.। f) विप.। बस.>कस.>पस.। g) विप.। बस.। h)=नगरी-विशेष-। ॰तैराष्ट्री— इति [पक्षे] पागम.। i)=सर्प-विशेष-। j) विष. (सत्र-)। तस्थेदमीयः अण् प्र.। k) = दृत्ति-विशेष-। l) = ऋच्-। m) वैष १ द्र.। n) भाष., नाप. (छन्दो-विशेष- । ऋग्र. श्रम्र. प्रमृ.], होम-विशेष- । काश्री. श्रापश्री. प्रमृ.], षोडशमातृकाऽन्यतमा- । कप्र.]) । o) अर्थ: व्य. च ?। p) पामे. वैप १,१७३८ k इ. ।

८; श्रापश्रौ २०, ६, १४; हिश्रौ

१४, २,१७: - †ती श्रापश्री ४,

६, ५; भाश्री ४, ९, ३; हिश्री

धर्षित- पा १,२,१९. धर्षितवत्- पा १, २,१९; -वान् स्र २७,१.

† ध्वत न - वत् श्राश्रौ ६, ४,१०; ८, १२,६; वैताश्रौ १६, १४; - वता श्राशौ ६,४, १०; शांश्रौ १८,४९,३; माश्रौ ५,१,२,१७. ध्वद्-वर्ण - - जम् वौश्रौ ३,९: ९: वौगृ १,४,११.

†ध्याण - -णम् शांश्रौ १८,३,२^०. †ध्यत - तम् शांश्रौ १८, ३,२^०. ध्य- पाउ १,२३.

चष्ट- पा ७,२,१९; -एम् द्राश्री ५, २,७; लाश्री २,६,३; निस् १, १९:१५.

ष्टिं, हो के - †िष्टः शांश्री ८,२४,३; काश्री २, ४, २५; श्रापश्री १, १२, १××; बीश्री; - हिम्याम् काश्री २६,३,९; - हिम् श्रापश्री १,६,१‡; बीश्री; - ही काश्री २६,२,१६; ७,२८; श्रापश्री; - ही स्याम् बीश्री ९,६-७:१३; १४:१५; - हे: बीश्री २०,८: १;१२;२६,५:९; - ह्या बैश्री २,३:६.

ष्ट्रष्णज्- पावा ३,२,१७२. †ष्ट्रष्णु - पा ३,२,१४०\$; -प्णवः या १२, ७; -प्णवे तेत्रा ४, ५४; -प्णु वाय ५, ९; -प्णुः श्राप्तिगृ ३, ५, ७: २५; वौषि १,७: २; -प्णुस श्रपं २: २१;

3,900: 4.

पृष्टि-धवित्र- -त्राणि वाधुश्रौ

-च्यू बीश्री १५, २४:५; -•च्यो या ८,३.

चिंद्यावा° त्रापश्ची १७, ८, ७; वैश्री १९,५:५२; द्युप्रा ५,२०.

√धृ पाधा. क्या. पर. वयोहानौ. पाधा. भ्ता. पर. पाने, धयते वाधूश्री ४, ११८: ६; श्रप ७०१,३,१:१२,१; मधयति आश्री ६, ७,२; श्रापथ्री; श्रामिगृ २,१, ४: १७^e; धयन्ति बौश्रौ २९. १०: ११: या ९,२७३; ईधयतु श्रापमं २, १३, ५⁶; भागृ १, २५: १०: हिए २, ४, ३: मध्य श्रापश्रो १६, १२, ११; १७, २३, १०; बौधौ; अधयत् कौस ११३,२ ; धयीत श्रापश्री १५, २०, १५; माधी ११, २१, १६: धयेत् लाश्रौ ८, ३, १०; श्रामिगः धयीरन् वैश्री २०, २: १६; धयेयुः आपश्री ९,१,२३; बौधौ

धय- पा ३,१,१३७. धयत- - †यतः श्र

धयत्— - †यतः श्रामिष्ट १, ५, ३: १; हिष्ट १, १९, ७; जैष्ट १,२०: २६; —यति कौस् ९३, २०; — †यन् आश्री ८,१३,२; आपश्री; —यन्तम् बौश्री ९, ९: ९; आपसं १, ४, १० † '; काष्ट २८, ४ † '; बौष्ट २, १, ११ दे † '; भाष्ट १, १४ : ९ † '; वैध ३,२,९५.

धयन्ती- -न्तीम् पागृ २, ७,१४; वौध २, ३, ३८; गौध

९,२४; -न्त्याम् कौस् ९३,२ धयद्-व(त् >)तीष- -तीष श्रापक्षो १४, १८, ५+; बौश्रो १४,२५: १८; हिथ्री १५,५,८. †धातवे वौश्रौ ९, ९: ११; बौगृ २,१,१०; शुप्रा ४,६४+. धातुम् वाध्रशौ ४,११८: ५. ३धा(त्र>)त्री^b- -त्री अप ७. १. २धान!- -ने आश्री ३,१०,३०. धारु - पा ३,२,१५९. २धी(त>)ता- -तानाम् वैश्रौ २०,३: २; श्रप्राय ४,१; -ताम् बौश्री २७,१३: २; वैश्री २०. ३: 9; -तासु काश्रीसं ३२: v; 6. धीता(ता-त्र)न्या- -न्याम् वैश्रो 20,2:94.

√धेक् पाधा. चुरा. उम. दर्शने.

१धेनवत्सते वाश्री ३,४,२,१९.

‡ धेना°- पाउ ३, १९६; -ना
श्रापश्री ११,३,१४; बीश्री;
या ६,१००,५; –नाः श्रापश्री
१७,१८,१; बोश्री १०,३३:
२५; हिश्री ११,०,५५; -नायै
वाग्र १३,१; -ने या ६,१०.
धेनु°¹- पाउ ३,३४; पाग ४,१,८६;
१०४६; -‡नवः श्राश्री ४,०,४;
५,१,११; शांश्री; या १४,१५;
-नवे काश्री २६,६,२४; -च¹
जैश्री २३:१०; जीश्रीका ५६;

द्राश्री २, २, २९; लाश्री १,

६, २७; वेग्र २, २: ५+

a) बैप १ द्र. । b) पामे. बैप १,१७४० g द्र. । c) पामे. बैप १,१७४० i द्र. । d) या ११, ४२ पा २,४,७८; ३,१,४९ पावा १,३,९६ परामृष्टः द्र. । e) संपा. धयित <> धयतु इति पामे. । f) पामे. बैप २,३सं. धयतः मंत्रा १,१,१२ टि. द्र. । g) = ऋच्- । h) = उप-मातृ- । i) = पान- । j) पुं. स्त्री. न. च बत्रा. । k) व्यप. । l) =साम-विशेष- । m) धेनुम् (ऋ १,९१,२०) इत्यरयान्त्याच् र लोपः (ग्रं. ९,१९) ।

-नुः †श्राश्रौ १,७,७^{२३}; ४,१५, २××; शांश्री; बौध्री ३,२९: 99² † a; 회생 국: २० † b; जेश्रौका १५+; श्रामिगृ २,६,६: २९+b; हिए १, १३, १२+b; जैगृ १,१९: ४३ + "; +गो १, ३३; २, १२; कीस ११४, १; हिध १,८,३० +b; निघ १,99°; च्या १०,9६; ११,२९; ४२Φ; - नुम् श्राधौ २,१९, २२ +××; †शांश्रो ३,१६,४; ६, १०, ३; ८,9८,9d; २०,92e; १0, 0, ७: काश्रो २६,५,२^{१1}; श्रावश्री: †या ६, २९; ११, ४३; - नुम्s -तुम् गो २, ११ ई; -तुषु बौधौ २०, १:४१; -नू बौधौ १५, २८:१७:१८२; द्राश्री २,२,२९; लाश्री १,६,२७; -नृः काश्री १५,७,३३; श्रापश्री; लाधी ३, ६,9^{2g}; -नृनाम् काश्रौसं २९: २१: बोधौ: -नो: शांध्रौ १५,३, ७ ; श्रापध १, १७, २४; हिध १, ५, ५६; -नी कौस ९३,२१; -न्वा काश्रीसं २७: १३; भाश्री १०,१७,७; हिश्री ७,२,६७+; -- वा: काश्रीसं ३६ : ६: - न्वे बौध्रौ २,७: ९. धैनव- पा ४,१,८६; १०४. धेनक- वा ४,२,४७. धेन-करण- णेन बौधौ २५, ३०:

धेनु-(क>)का b- - +का श्रापमं १, १३,३; कीय १,१२,६; शांय १. १९, १३; हिंगू १, २५, ११1; -के आश्री १२,६, ३०; शांश्री. धेनु-स्त- -स्त्रम् अप ९,२,६. धेनु-दक्षि(णा>)णk- -णः काश्री २२,१,३; -णम् श्रापथी ५, धेनु-भ(व्य>)व्या'- -व्या^b वौश्रौ १७,४४: १३; आपमं. †धेनु-म(त्>)ती- -ती श्राश्री ३, ८.१: श्रापश्री. धेतं-भ(व्य>)व्याh- पावा ६, ३, धेनु-रोम-सं(ख्या>)ख्य"--ख्यानि विध ९२.८. धेनु-वत् मीस् १०,३,५९;६५. धेनु-वर--रम् ीश्री ४,११: २९; U.8: 33. धेनुवर-प्रदान- -नात् आमिए १, ७,३:३९;२,२,१:१०××; बीगृ. धेनु-शत- -तम् काश्री २२,१०,१; बौश्रौ; -तस्य काश्रौ सं २९ : २०. धेन-ए(<स्तर>)रीb- -रीम् माधौ ५,२,१०,२२. धेन्द्या- वा ४, ४, ८९; वाग ५, ٦,३६. धेनुव्यित- पा ५,२,३६. धेनु-सहस्र- -स्रेषु विध २०,४७.

धेन्व(नु-अ)नुडुत्-सीर-धान्य-पव्य-दासमिथुन-महानसा (स-आ) रोहण-विमित-शयन- -नानि काश्रौ २२.२.२७. धेन्व (नु-श्र) नहुत्-स्त्री-प्रजनन-संयुक्त"- -के गौध १३.२९. धेन्व(नु-ग्र)नडुह्°- -डुहोः आपश्रौ ५,२२,५; आवध. धेन्व(नु-ग्र)नदुह्°- पा ५, ४, ७७; -हयोः काश्री७,२,२०:-ही वाघ १४,४५;४६; गौध १७,२८. धेन्वा(नु-आ)दि- -दीनि कौस् ६२. 98; ६४, २६. धेनुजि- (>धैनुज्य- पा.) पाग ४, 9,949. √धेप्^р पाधा. भ्वा. त्रात्म, गतौ. धेय- √धा द्र. धैर्य- प्रमृ. 🗸 धी>धीर- द्र. धैवत⁹- -तः माशि १, ८; १२; १४; २, २; याशि १, ९; नाशि; -तम् नाशि १,४,२; ५,४××; -तस्य नाशि १, ४, ७: -ते माशि १,१०; नाशि १,२,१२. धैवत-त्व- त्वम् नाशि १,५, १८. धैवत-सहित- -तः नाशि १,४,५ धैवत्य- √धी>धीवन्- इ. धैवर'- (>शार्याण- पा.) पाग ४, 9,948. घोद्यमाणा- √*दुष्द्र. √धोर पाधा. भ्वा. पर. गतिचातुर्ये.

a) पाभे. वैप १, १०४२ p इ. । b) सपा. धेनुः हब्या <> धेनुः भव्या <> धेनुःभव्या इति पाभे. । c) = वाच्- । d) पाभे. वैप १,१०४२ o इ. । e) पाभे. वैप १,१०४२ m इ. । f) = साम-विशेष । पाठः (तु. श्रिप्रस्वामी [ठाश्री १,६,२०!) ? ॰नु इति झोधः (तु. जैश्री. लाश्रो.) । g) धेनुः इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. भाष्यम् सप्त. द्वाश्री २,२,१ च) । h) वैप १ इ. । i) पाभे. वैप १,१०४३ j इ. । j) ॰नुगा इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. शौ ३,२३,४ कौग्र) । k) विप. । वस. । i) = धेनुं-भव्या- । m) विप. । पत. > वस. । वन. > वस. । n) विप. । इन. > तृस. (तु. n) तृत. । n) तृत. । n0 द्व. । n1 तृत. । n2 द्व. । n3 तृत. । n4 तृत. । n5 तृत. भाष्यम् स्त्रीप्रजनन- = कन्याविवाह- इति ?) । n5 द्व. वैकल्पिकः समासान्तः n7 तृत. n7 तृत. n8 तृत. । n9 चंगीतस्वरविशेष- । व्यु. ? n9 चंगीतियाने । n9

धौकरीय - धूकर - द. धौत - प्रम. √धाव (ग्रुद्धौ) द. धौमक - २धूम - द. धौमतायन a'b - (> ॰यनक - पा.) पाग ४,२,८०.

भाग ठ, ५, ००.

भौमायन ३६म - द.

भौमय - १६म - ८.

भौमय - ४६म द.

भौमय - ४६म द.

भौमय - ४६म द.

भौमय - ४६म द.

भौमयमाणम् काश्रीसं ३६: १५.

भ्यामन् पाउ ४, १५१.

√ध्येष पाधा. भ्वा. पर. चिन्तायाम्, ध्यायति आपश्रौ १, १६, ४; ९××; बौश्रौ; ध्यायतः वैश्रौ १५, २९: ५; ध्यायन्ते शांशौ १०, २१, १४; ध्यायन्ते शांशौ १०, २१, ०१; ध्यायन्ति श्रापश्रौ ७, २८, ८‡; वाध्रुशौ; ध्यायन्तु जैग्र १, १५: २‡; ध्यायन्तु जैग्र १, १५: २‡; ध्यायन्तु श्री ४, ५, ९०‡; अध्यायत् वाध्रुशौ ४, ३०: १७; ध्यायत् श्राश्रौ ५, १८, ३; काश्रौ; या ८,२२‡. ध्यायीत वैश्रौ १७, ६: ३;

ध्यात-, ध्यातवत्- पा ८, २,५७.

अध्यायि या ६,२२.

ध्यायात् आश्री २,३,१९; शांश्री

ध्यास्त्र— पाउन् ४,१०५. ध्यास्त्रा श्रापश्री २१, १२,१०; माश्री. ध्यान— पाग २,१,४०°; —नम्

यान- पाग २, १, ४०°; -नम्स् नैश्रौ २०, १: ६; झप; या ५, १;१२,३३^१; -नानि माश्रौ ५, २,११,२३; -नेन वैध १, ११, १३.

ध्यान-गुद्ध- -ह्यम् विध ९७,

ध्यान-निरत- -तस्य विध ९७, ६.

ध्यान-युक्त- -क्त: कागृउ **४२** :

ध्यान-योग- -गेन विध १, ३२; वैध २,८,७.

ध्यानयोग-रत- -तस्य ब्रान्निग्र ३,१०,४: ३५. ध्यानयोगिन्- -गी वैध ३, ५,१२;७,१३. ध्यान-वत्- -वन्तः या ४,१०. ध्यान-शील- -लः शंथ २००. ध्याना(न-ब्र)मि- -न्निः वाध

३०,८. ध्यायत्- -यन् श्राधौ ५,१४,२४; शांध्रौ.

ध्यायिन्^र - -ियनः श्रप ४०,५,३; -ियनाम् वाध २६,१२. ध्येय - -यम् वैध १,१०,९.

ध्यय - - - - - - यम् वध र, १०, ९. √भ्र (गतौ), भ्रति निघ २, १४ क्. √भ्रज् , भ्राज् वाधा. भ्या. पर. गतौ, भ्रजति निघ २, १४ क्.

गता, ध्रजात निष २,१४१. ध्रजि⁸- पाग ८, २, ९; -जिम् हिश्री ११, ७, ५९; - १ ज्वै श्रे आपश्री ७, २५, ५; बौश्री ४, ९: १८.

ध्रजि-मत्- पा ८,२,९.

ध्राजि^ड— पाउभो २, १, १६६; —‡जिः वैंश्रौ ४,६: ८; हिग्रौ १, ५, ४१; या १२, २०**५**; —‡जिम् श्रापश्रौ १६, २०,९; बौश्रौ १०,३४: ५; वैश्रौ १८, १९: १२; कौस् ३६,२५.

√भ्रञ्ज् पाधा. भ्वा. पर. गतौ. √भ्रम्, भ्रन् पाधा. भ्वा. पर. शब्दे. √भ्रस् पाधा. कवा. चुरा. पर. उच्छे. √भ्रा, भ्राति निघ २,१४‡.

भ्राक्षा³- (>°क्षा-मत्- पा.) पाग८, २,९.

√भ्राच् पाधा. भ्वा. श्रातम. सामर्थे. √भ्राङ्श्र् पाधा. भ्वा. पर. काङ्-क्षायाम् घोरवासिते च.

√भ्राड् पाधा. भ्रा. श्रात्म, विशरणे. भ्राडि- पाउ ४,११८. १भ्रापाग्¹ वाश्र ३: ७‡.

√िम्न, ध्रयति निघ २,१४[†]. भ्रियत्-, ध्रियमाण- √धृ द्र.

√ध्रु पाधा. भ्वा. पर. स्थैर्ये; तुद्रा कि. पर. गतिस्थैर्ययोः, ध्रुवति निष २.१४‡.

ध्रुव,वाह- पाउतृ २, ६१; पाग ४, ३,११८; ५, ४,३°; -०व श्रापथी १४. २७, ६^५; वैश्री; माग्र २, १६४ ; विध १, ५७; -वः श्राश्री, ६, ९, ३‡; ७, ३, ७; काश्री

a) अर्थः ब्यु. च ? । b) <धौमित-(<धूमत-) इति पागम.,<धौमत- इति MW., = ?धौमायन इति PW. । c) पाठः? धार्यमाणम् इति शोधः $\lfloor g$. सप्त. आपथौ १५,१०,१२] । d) पावा ३,२,१०८ परामृष्टः द्र. । c) तु. पागम. । f) णिनिः प्र. उसं. (पा ३,१,१२४) । g) वैप १ द्र. । h) सपा. मा ६,१८ का ६,४,२ मे १,२,१० काठ ३,० क २,१४ धाज्यै इति पामे. । i) तु. BPG. । j) पाठः ? प्राक्, अपाक् इति शोधः (तु. सप्त. मे १,३,४) । k) $= \sqrt{ भूव् }$ इति $\lfloor q g \rfloor$ भाण्डा. प्रभृ. ।

CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

3, 2, 98xx; 6, 8, 98 +a; श्चावश्री; माश्री २,२,२,३३ +8; ३.८.४ मे वौषि १,94:६६+: अप्राय ६, ३^{५०}; विध ८, ३८; ऋश्र २. १०, १७३^d: शश्र २. ८७व: - वम् काश्री २,४,२६ †; Q. E. 39: 80, v. 62:4: **†**यापश्री १, २२, २; ११, ८, 9ª; 4ª; १२, 9६, ८°+; वेथ्रो १४, ६:६°; हिश्री ७, ५, १७‡°; लाश्री ३, ३, ६¹; सु १८, ६; आग १, ७, २२1; पागृ १, ८, १९३1; ममागृ १, 9४, ९1: १०1: कप्र १, ६,३; १०, १२: शंध ११६ : ४३8: भर^b; ६३¹; या ११, ७^२; ऋपा ६, ३९1; पा १, ४, २४: ६, २, १७७; -वया श्रापथ्री ३, १३, २; बौथ्री; -वस्य श्रापश्रो १३, १५, १५; २२. २७. ६: काठश्री; कौगृ १, १०, ११ !: -वा म्याधी २, ३, २५; ४,१२, २¹; †शांश्री ४, ८,३™;११, १; †काश्री २, c, 95m; 3, 3, 92xx; आपश्री; माश्री ३, ६, १३ १ n; माश्री १,२,६, ३० 🗝; श्रापमं १,८,९+0; कीय १,१०,१३+0; शांगृ १, १७,३40; पागृ १, ८, १९‡°; बौध ३,१,५°;२,७ф°;

श्राश्री ७, १, ७: **†**त्रापश्रौ १.२. ९: १४, २७, ७⁰: बीथ्री: -वाणाम श्राधी १.१२.३: वौध्री ७.७: २० +: गोगृ २,१.१२:-वाणि आश्रीध, १५,७; हिए; -वात् काश्री ९, ५,१५; श्रापश्री;- †वान् श्रापश्री ३, १३, ६: भाश्री; -वाभ्याम् कीसू ४३,११: १३६,७: -वाम् शांश्री ४. ११. १: १४. २०: काश्री; - वाय श्रापश्री१३,१४, ११: १४,१,७; बौधौ: -वायाः काश्री १, ८, ३९; ३,३,९××: श्रापश्रौ: -वायाम् श्राश्रौ २, ६,१०; काथ्री; भाश्री १२, ३, र्शः अप ३६, १, १०8; बौध ३, २, ४^p; -वायै बौश्रौ २०. २४:३८; २४, ३३:२१; श्रश्र १२, ३ %; -वासः मागृ १.9४,90 ‡ , - बासु बृदे ६, १५+: -वे नवीशी १९, ७: २३: ४३××: माश्री: - † • वे कीस ८१, ७; अशां २, ५; भ्रम १८, ४; -वेण काश्री १०, ७,६+; श्रापश्री; अप ५२, १०,४8; -वेभिः या १४,२७4; -वेषु जैयु २.५ : २०; - श्वोः माश्री ४,६,४.

भ्रोव⁴- -वः शुश्र १,४६७; -वम् शांश्रो ५, ८, २; काश्रो; -वस्य माश्री १, ३,२,७××; वाश्री १, १, १, ३३: वेताश्री १३. ४: -वात श्रापश्री १० २१,१२××; मीस १०,८,४७. धीवा(व-श्रा)ज्य--ज्यम् वैश्रौ १२, २२: १३; -ज्येन बौश्रौ २०,१५: १. धीवक- पा ४.३.११८. १धीव्य"- -व्ये शांश्रौ २. धीव्य-काम- -मः कीस् 49,93. धीव्य-गति-प्रस्यवसाना-(न-प्र)र्थ- - र्थेभ्यः पा ३, ४, २धीव्य v- -च्ये अअ ६,८८. १ध्रव-क- पा ५,४,३, †धव-करणण- -णाय वैध २. €, ₹. धव-कर्मन् -- मेसु श्रशां १, ३: -र्माणि ब्राज्यो ५.२. भव-कुमार- -राय जैगृ १.

भव-क्षित्"- -क्षित्^प श्रापश्रौ ७,

†धव-क्षिति*- -तथे बीगृ २,

८,९; भाग ३,१२ : १६; -तिः

काश्री १७, ८, १५; आपश्री;

माश्री १, ७, ३, ३४^५; -तिम्

श्चापभी १२,१६,८.

4: 4.

५.६: बौध्रौ.

a) पामे. वेप १, १०४५ f ह. । b) पामे. वेप १, १०४५ g ह. । c) द्विः सपा. मै ४, ६, ६ १ ध्रुव [सं१] इति पामे. । d) = ऋषि-विशेष- । e) पामे. वेप १, १०४५ 1 ह. । f) = नक्तन-विशेष- । g) ब्यप. । h) = मरुद्-विशेष- । i) = वषु-विशेष- । j) = पारिभाषिक-संज्ञा- । k) सप्र. ध्रुवस्य दर्शनात् <> ध्रुवद्शी- । q) पामे. वैप १, १०४५ q ह. । q) पामे. वैप १, १०४६ q हते पाठः १ यिन. शोधः । q) पामे. वैप १, ०९० q ह. । q) = यृति-विशेष- । q) पामे. वैप १, १०४६ q ह. । q0 पामे. वैप १, १०४६ q ह. । q1 साउस्यदेवतीयस् तत्रभवीयस्य q2 पामे. वैप १, १०५६ q3 स्त्रा । q3 स्त्रा । q4 स्त्रा । q5 स्त्रा । q7 स्त्रा । q8 स्त्रा । q9 पामे. वैप १, १०५६ q8 स्त्रा । q9 स्त्रा । q9

ध्व-गोप²- -पः श्रापश्रौ १८, ७.९: बौध्रौ; बौग्र ३, १०, ६^०; -पम् काश्रौ ९,८,9°. धव-प्रहण- -णात् माश्री २,३, 8,39. ध्व-चेष्टित-युक्ति- - कि.पु पावा १,४,५१. †ध्रव-तम- -मः बौध्रौ ७, ७ ः र्मध्रव-तस् (:) आपमं १,९, ६; †ध्व-ता- -ताम् श्रापमं १, ९,७; त्रामिगृ. धव-दर्शन- -नात् शांग्र १, १७,२^त; कप्र २,१०,१५. धवद्र्शना(न-य)न्त⁶--न्तम् वैगृ ३,४: १४. †धव-प(ति>)बी°- -ली मागृ १,१४,१०; वागृ १५,२१. †ध्रव-योनि'- -निः बौश्रौ १०, ३८: ६; माश्री. ध्रव-वत्- -वद्भः वौश्रौ ११, १३: १०; १७,२: ५; -बद्भयः बौध्रौ ११,१३: ९;१७,२:५. धव-शिष्ट^ड- - टे ऋपा ६, ४५. ध्रव-शील - -ल: गौध ३,१३. धव-शेष- -षात् वैधी १२,८: 9h †ध्व-सद्!- -सद्म् काश्रौ १४,२,१; शुत्र १,५५४. ध्व-साध(क>)की¹- -oिक श्रशां ४,४.

धव-सूक्त- -क्तनविश्रौ २१,१४: 98. धव-स्थ- -स्थान् श्रम्र ३,२६. धव-स्थान- -नात् वैश्रौ १६, 99: 6. ध्वस्थानो (न-उ) पसादिन्--दिनाम् अशां ६,६. ध्रव-स्थाली- -ली बौधौ २५, १३: १४; -छीम् काश्रौ ९,२, १८: श्रापधी: -ह्या: वैश्री १५, १८: १: हिश्री ९,५,१२. ध्रवा-करण- -णम् वाश्रौ १,१, 2.28. घवा(वा-त्रा)ज्य1- -ज्यम् वौधौ ६, १२:४; १८:३३××; -ज्यात् वौश्रौ १,१५: ७××. घ्वा-तस्(:) बौश्रो २७,२: १७. धवा(वा-आ)दि e'k - -दीनि वाश्रो १,३,४,२७; ७,५,१६. ध्वा (व-अ)न्त⁰- -न्ताः वौश्रौ २२,२१: २; २३,१३: २. ध्रवा-प्रभृति- -तिभिः माधौ ६, 9,2,6: ध्रवा(वा-त्र)र्थ- - र्थे काश्री ८, 2,26. ध्रवा(व-ऋ) वनयन- -नम् आधी 4,20,0. धवा-वर्जम् त्रापश्री ७, २०, ८; हिषि ५: १२. ध्रवा-शेष- - धात् हिथ्रौ ७, १,

मागृ २, ६,१. ध्वा-समझन- -नात् माथी ७ 93,2;3. ध्वासमञ्जन-प्रभृति -- तीनि हिश्रौ ४,३,२६. ध्रवासमञ्जना(न-या)दि--दि आपश्री ७,१४,३. ध्वा(वा-आ)सादन- -नात् बौश्रो 3,28:92. घुवी √कृ,धुवीकरोति या२,१८. धवै(व-ऐ)न्द्राग्न-वैश्वदेव--वानाम् श्रापश्रौ २२,२७, १७; हिश्री २३,४,३९. √ध्रव् √ध्रु टि. इ. ध्रुव−, १ध्रुवक- √ध्रु द्र. २ध्रवक, का^m- पाउभो २, २, १०; पाग ४, २, ८०; ५,२, १०० ; पावाग ७,३,४५°. ध्रविकन्- पा ४,२,८०. ध्रविकल- पा ५,२,१००. ध्रव-करण- प्रभृ. √धृद्र. ३ध्रुव(क>)का^p- (> ध्रौवकि-पा.) पाग ४, १,९६. ध्रुव-चित्- प्रमृ. √धु इ. १ध्वद्रसम् अप ४८,११५. भ्रवन^प- -नानि कौस् ८६,१६. भ्रवपत्नी- प्रमृ. √धु इ. √ध्रेक् पाधा. भ्वा. ग्रात्म. शब्दोत्सा-हयोः √ध्रे पाधा. भ्वा. पर. तृप्ती. भ्रोब-, भ्रोबक- √धु द. भ्वा(व-अ)इव¹-कल्प- -ल्पम् भ्रौचिक- ३ध्रुवका द.

c) उप. पाभ. वेति कर्कविद्याधरौ। b) = सर्प-विशेष-। a) = ध्रवप्रह-रच्रक-। पृ १३६३ k द्र. । e) विप. । बस. । f) वैप १ द्र. । g) पूप. = पारिभाषिक-संज्ञा । h) सपा. 'बरोंं <>**॰वाशे॰** इति पामे. । i) त्रिप. (उत्तराषाढा-)। उप. प्बुन् प्र. उसं. (पावा ३, १, १४५)। j) कस. (तुः सा. $\lfloor \hat{\mathbf{n}}$. पृ ३२२] ध्रौवम् आज्यम् इति) । k) पूप. $\lfloor \mathbf{n}$ तातस्थ्यात् \rfloor हिव स्- । ℓ) = कर्म-विशेष-विधि- । वस. \triangleright पस. ℓ m) अर्थः व्यु. च १ । n) फा- इति पाका. । o) तु. पाका. । þ) व्यप. । व्यु. १ । q) श्रर्थः व्यु. च १ । =स्यापा इति पंजा. (तु. केशवः [कौस् ८४, १०])।

४9h; २,94; ३,६९.

१-२भ्रोब्य- प्रमृ. √धू द्र. √ध्वंस् क, ध्वस् पाधा. भ्वा. आतम. गत्यवस्रंसनयोः, ध्वंसते ऋप ४८, ५; श्राप्ध; ध्वंसति निघ २. १४ ‡; ध्वंसन्ति श्रापध २,२४, ९; हिंध २,५,१७४. ध्वंसयति वैश्री ४,७ : ८; ध्वंस-येयुः माश्रौ ५,१,८,११. ध्वंस->ध्वंस-कला^b- (>॰ला-√कृ पा.) पाग १,४,६१. ध्वंसन--ने अप ४८,३७: या २,९. ध्वंसयत्- यन् श्रापश्रौ ९,६,११: बौश्रौ. घ्वसनि°--नौ या २,९‡ई. ध्वस्मन् c-> † °स्मन्-वत् c- -वत् श्रप ४८,७५; निघ १,१२. च्वंसस् d- -ससः श्रापमं१,१७,४‡e. ध्वंसि'- -सयः शांश्री १४,८२,२. ध्वंसि-स्तोम- -माः शांश्रौ १४, 62,9. √ध्वज् पाधा. भ्वा. पर. गतौ. च्वज⁸- पांग २, ४, ३१; ४, १, ४५; ५, ३, १००; -जः श्रप १, ३९, ३; अशां ९,३; -जम् श्रापश्रौ २०, १६, ३: बीश्री; -जाः श्रप ७१, १९, ५; -जे श्रप ७०^३, २७, १०; ३२, १५;७२,२,६; काध २७६ : ६. ध्वजी- पा ४,१,४५.

ध्वज-भूषित- -तेषु विध १९.१०. ध्वज-विश्राविन् b- -वी वैध ३,१२, ध्वज-वे(दि>)दी- -दीभिः अप 44,4,2. ध्वज-स्तम्भे(म्भ-इ)न्द्रकील--लानाम् अप ६४,४,१. ध्वजा(ज-श्रा)कार¹- -रम् श्रामिगृ 2,4,9: 20. ध्वजा(ज-त्रा)कृति¹- -ति वैगृ ४, 93:5. ध्वजा(ज-अ)पहारिन् - -री शंध३७८ ध्वजां(ज-श्र)भिलपन- -नम् श्रप U2, ₹, v. ध्वजवत् 1- (> १ध्वाजवतायनि-पा.) पाग ४, १,१५४ k. ध्वजवदा- (> ध्वाजवदायनि-पा.) पाग ४,१,१५४. ध्वजि¹- (>°जि-मत्- पा.) पाग 6.2.9. √ ध्वञ्ज् पाधा. भ्वा. पर. गतौ. √ध्वरा पाधा. भ्वा. पर. शब्दे. √ध्वन.m(बधा.) पाधा. भ्वा. चुरा. पर. शब्दे, ध्वनति अप ४८,४ ई; ध्वनेत् निस् ७,११: १२. अध्वानयत् ऋप्रा ९, ५० ‡ ; ध्वनयीत् ऋपा १४,४३ 🕇 °. ध्वनि^c- पाउ ४,१४०; -निः श्राशि ८.१: -नी आशि ८,२;१३. ध्वानⁿ— -नः तैप्रा २३,७०; —नेन ध्वज-तोरण- -णैः श्रव ५५,५,२.

श्रापश्री ३,८,८; बौश्री; वाश्री १,३,७,३१°; हिथ्री २, ५, ६; 28,2,40. १ = ध्वान्त - - न्तम् आपश्री ६,२२, १; या ४,३^P; बौश्रौ १८,१७: २०^व; आपमं २, २१, १७^व; पागृ ३, १४, ६⁰; - † ?न्ताः व वाश्रौ ३,१.२,१; कागृ २६,२; माए १, १३, ४; वाए १५,9; -न्तात् शांश्री १४,४९,३. २ मध्वानता- पा ७,२,१८; -न्तः बौध्रौ ९,१८:४. ध्वन k- (>ध्वानायन- पा.) पाग 8,9,990. ध्वस्न - से निस् ९,९:९ . ध्वाक्सा'- पा, पाग ४,३,१६५. √ध्वाङ्ख् पाधा. भ्वा. पर. का**ङ्**-क्षायां घोरवासिते च. ध्वाङ्क्ष - -ङ्क्षः अप्राय २, ६; -ङक्षेण पा २, १,४२. ध्वाङ्क्षा(ङ्क्ष-त्रा)रोहण- -णे काश्री 24, 4, 4. ध्वाङ्क्षा(ङ्क्ष-श्र)वमृष्ट- -ष्टस्य बौश्रौ १४,९: १६. ध्वाङ्चा-ध्वाचा- टि. इ. ध्वाजवत- (२ध्वाजवतायनि-) ध्वजवत्- टि. इ. ध्वाजि- पाउभो २,१,१६६. √ध्वु^{प्राधा}. भ्ता.पर. हूर्च्छने, ध्वरति श्रप ४८, १९; निघ २,१९. c) वेप. १ द.। d) = अज्ञ-

a) पा ७, ४,८४ परामृष्टः द्र. । b) = हिंसा- (तु. पागम.) । विशेष-। e) पामे. वैप १ <u>भ</u>ंससः ऋ १०,१६३,४ टि. द्र.। f) =कालमेद-विशेष-ामुहूर्तशतांशभाग- इति **Mw**.]। ब्यु.?। g) = पताका-। ब्यु.?। <√ध्वज् इति श्रभा., धू- +√अज् इति Mw.?। h) उप. श्रर्थः (i-i) विप. । वस. । (j) तु. पागम.; ध्वाजवत- इति पाका., पागम. (पर्चे) । वाजवत- इति भाण्डा., वाजवत् - इति पासि. । k) व्यप. । 2 यु. 2 । l) = ध्वज-। m) पा ३, १, ५१ परामृष्टः द्र। n) भाग. = पारिभाषिक-संज्ञा- [तैप्रा.] । o) ध्वानः इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. श्रापथ्रौ.) । p) वैप ?, १०४० r) वैप १ निर्दिष्टयोः समावेशः द. । q) पामे. वैप १, १७४७ t इ.। r g. 1 $\{0,9000\ |\ x_{i}=t\}$ ध्वाङ्क्षा— इति पाका. । u) या $\{0,0000\ x_{i}=t\}$ हिंसायाम् । CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

†ध्वारिषुः आपभौ १४,३०,४; वैश्रौ २१,१६:६; हिश्रौ १५, U.952ª. ध्वर्य- पा ३,१,१२३.

न

न् पि १,८. १न°,>ना कांश्री १,१,८;९××;९,५, २"+4; काश्री; भाश्री ३,६,७ +°; श्रापमं १,४,७‡ ; १३,९ ह; आगृ १,१३,६+1; शांग्र १,२४,४+1; ४,१२,११+1;पाय १,५,११+1; १७.२+b; वैगृ ६४:६+b; श्रामिगृ १, ५, २: ५१ +1; वाय ३, १+h; हिंगृ १,१९,७ दें;आपध १,२०, ६+1; हिंघ १,६, २०+1; २,४, 40 + k; 49 +1; 4; 8, 2; 82+; 42: ६3+:90:99+;96+; १३, १२: वा १,१,४४: पाग १,१, ३७:४,५७: पावा १,१,४४. 中南面m सात्र १,9 0 年n; そo えn. नकिम् पाग १,४,५७. †निकस् ^m(:) श्राश्री६,४,१०°××; शांश्री १८, १३, २°; ऋब २, x, 300. नकीम् " निघ ३,१२+; पाग १,४, म-गोद्य- -द्यः बृदे ८,१२७. न(,नो)चेत् पाग १,४,५७.

न-तद्रप- -पः वाधूश्रौ ४, ७५: 23:34. नन् प्रापश्री २१,२०, ३; बौश्रौ १६,२७: २४;××; वाश्री; या १.४:५र: पा ८,१,४३. न-न- -न्वोः पा ३,२,१२१. न-प्रीष् - - षम् आग्निगृ २,६,८: न-रिज्येम -> °म-पूर्व - - वेम् श्रप्रा २,२३. न-वल्मीक^p- -कम् श्राप्तिगृ २, ६, न-शर्करा-मिश्र^p- -श्रम् श्राग्निगृ 2, 4, 6:8. न-शाइवल-मिश्र^p- -श्रम् आग्निगृ 2,4,6:8. न-सत्त- पा ८,२,६१. न-सिक्त P- -क्तम् श्राग्निगृ २,६,८: निह िष्ठी ६,६,१६+; सु २०,३; ४;२२, १; †या ३,३;४,२७; ऋपा. न-इ8- -हः पाशि २४. ना(न--- प्र)ङ्ग-क्षत्र-धर्म-संसर्ग-त्र-प्(र्व>)र्वा'- -र्वा पावा ४,२, €oª. ना(न---श्र)ति-क्र-मृदु- -दुना

विध १२,४. ना(न-प्र)ति-तीक्षण- -क्ष्णेन माशि ्रैना(न-श्र)ति-नीच- -चैः माधिर ना(न-श्र)ति-बृह्म्मुखी- -स्त्री कप्र 2,4,92. ना(न-त्र)त्युच्य - -चैः माशि ४.४.

ना(न-त्र)न्तर-> शीयक- पागम

ना(न---श्रा)सन-योग-विहित"--ते हिध १,२,४९×.

ना(न-ग्र)स्ति-> नास्तिक- पा ४, ४,६०; पाग ५,१,१२४; १२८; -कः वैगृ ५, १५: १९; वाष; -काय बीध १, ५,८१; -केम्यः विघ ९, ३१.

नास्तिक-ता- विध ३७,३१. नाह्तिक-वृत्ति¹- -तिः वाघ १,२३; २१, ३०; शंध ४०३; विध ५४,१५.

नास्तिक्य- वा ५,१,१२४; १२८: -क्यात् वाध २१,२९. नो मिन्स २.१:४;३,१२:४४;बौध; या १.६4: पाग १, ४,५७३४. नोहि पाग १,४,५७².

नो (न-ऊ)पर^p- -रम् श्रामिगृ 2, 4, 6: 3.

२न^{a1}>ना आश्री १, २, ६××; ७, ११.८^{b1}:१४^{ib1}:१७^{ab1}; शांश्री; या १.४ +: ७.३ १ +b1.

a) अध्वरिषुः इति पाठः ? यनि, शोधः [तु. श्रापश्री.] । b) =नगण्- । c) = नज् । सपा. शौ २,५,१ इह इति पामे. । e) पामे. पृ ४१२ l द्र. । f) पामे. वैप १ परि. अधुम् खि २, ११, १ टि. इ.। g) पृ४४६ \mathbf{m} इ.। h) पासे. पृ८९ \mathbf{b} इ.। i) पासे. पृ९२ \mathbf{a} इ.। j) पासे. पृ९२६० k) पामे. पृ १५७ ८ इ. । l) पामे. पृ १५७ b इ. । m) वैप १ इ. । n) पामे. वैप १,१७५८ C K. 1 d इ. i o) पाभे. वैप १, १७५८ e इ. i p) तस. i सस्थ. मृद्म् iट. इ. i i j i रिष्येम i मा ३४, ४९)। r) विप.। बस.। s) बस.>द्वस.। t) पृ १३४० द.। u) तु. पाका.। अनङ्गक्षत्रधर्मत्रि $^\circ$ इति भाण्डा. । v) पृ ९६ अत्युच->-चैः इति नेष्टम् । w) पृ १५७ e द्र. । x) सप्र. श्रापध १,६,२६ अनासन $^{\circ}$ y) एकतरत्र नौ इति [पक्षे] भाण्डा.। z) तु. पागम.। a^1) निषेधतरेषूपमाद्यर्थेषु नि. द्र. इति पाभे.। (त. वैप १)। b1) संप्रत्यर्थे नि. इ. ।

न नः ऋत ३,६, २, ४, २, ३, ५, ६,७; शीच; नात् ऋत ४,५, ३: भाशि २२. न-कार- -रः बृदे २, ९२; ऋप्राः -रम् ऋता ५, ४०: -रस्य ऋप्रा ४, ८०; १०, २०; १५, १२; उस्; -रे शुप्रा ३, १०७; शैशि; नाशि २, ३,४b; -रेण शैशि ७१; याशि २, ८९; ९०; नाशि २,४,५. नकार-पर- -रे शुप्रा ४,१८७. नकार-प्रतिषेध- -धः पाता १, 9,80; 6,2,02. नकार-मकार- -स्योः शौच 8.40. नकार-लोपा(प-श्र)भाव--वस्य पावा ३,१,४४. नकारलोपाभावा (व-श्र)र्थ--र्थम् पावा ३,१,४४. नकार-लोपो(प-ऊ)ष्म-र-भाव°- -वम् ऋपा ११,३६. नकार-श्रवण- -णम् शेशि २९८: 300 नकार-हकार-लोपा(प--श्र)र्थ--र्थम् पावा ७,२,२०. नकारा(र-श्र)ङ्ग-स्वर^d- -रम् शैशि २२४. नकारा(र-आ)दि° - -दिः अपा 3, 2, 3 3. नकारा(र-श्र)न्त°- -न्तम् शैशि ८२; ३१८; माशि ४,१०; याशि २, ७६; -न्तस्य पावा ६, २, १९७;४, १४४; -न्तात् शैशि ३०७: -न्तानि श्रप्रा २,४,१६;

१८; -न्ते माशि १०, ७; १३, १०: याशि २,४१२:४२: नाशि २,४,५;६; पावा ६,२,१९७. नकारान्त-प्रहण - -णम् पावा ६,४,१३३. नकारान्ता (न्त-श्र)थ--र्थम् पावा ६,१,१७०. नकारा(र-न्ना)बाध- -धे श्रप्रा 2,8,94; 963. नकारा(र-श्र)भाव- -वः पावा E.9.900. नकारा(र-श्र)वग्रह- -हे श्रप्रा 2,3,34. नकारो(र-उ)पध-षकार'- ·रः शेशि २९९. नकारो(र-३)पध-हकार'- -रः शेशि २९७. १न-ट- -टाभ्याम् शैशि ९६. १न-त- -तयोः शेशि ९७. न-त्व- -त्वे पावा ८,२,४८. न-परº- -रः तेप्रा ४, ३२; -रे पा 6,3,20. १न-म- -मी शौच ३,३७. नम-परº- -रे ऋत ४,४,१४. पेनयत्पर⁸- -रः याशि २,५७. न-लोप- -पः पा ५, १, १२५; ६, ३,७२; ८, २, २; ७; पावा १, 9,39; 2,8,915h; 19,9,691; -पस्य पावा ६, ४, १२०; -पे श्रप्रा २,४,७; शीच. नलोप-प्रतिषेध- -धः पावा ८, नलोप-वचन- -नम् पावा ४,१, 06; 946; 0,7,70.

नलोपा(प-श्र)भाव- -वः पावा E, 9, 40. न-शब्द-प्रत्यय- -यः श्रप्रा २,३, ना(न-ग्र)न्त°- -न्तात् पा ५,२, नो(न-उ)प(धा>)ध°- -धात् पा 2.2,23. àनंद्रा, नश्(यथा.), नशते धापमं २,११,६; नशत् आश्रौ ७,४,४; निघ २,१८. नशीमहि वाश्री १,५,४,३०4; † आनट्¹ आश्री २, २०, ४; ३,८,91; शांथी १३,४,३; निघ 2,96. नंशुक- पाउ २,३०. नेष्ट्या 🗸 नश् (श्रद्शने) द्र. ?न आगात् * वाश्री १,३,२,१८‡. नक् पाग १,9,३७. नकार- प्रमृ. न- इ. ?नका३३रिणाम् लाश्रौ ७,८,२. निकि, निकम् प्रमृ. १न द्र. १नक्ला- पा ६,३,७५; पाग ५,३, १०७¹; -लः विध ४४, २०; स् २८,१; श्रप्रा ३,४,४+; ८; -लम् पागृ २, ७, ११; ऋप्रा १७, १४^m; -लाः श्रप ७१, ३,५; उनिस् ८: १० ". नक्लो- -ली बौश्रौ १८, ४५ : ८; गोगृ ३,४,२८ . १नाकुल- पा ५,३,१०७. नकल-चेटक- -काः श्रप ५७,२.६. नक्ल-विडाला(ल-ग्र)पहरण- -णे शंध ३२२.

 $a)=q\hat{v}_{1}^{i}-q\hat{z}_{1}^{i}-q-1$ b) °रेषु इति लासं.। c) पस.> दस.> पस.। d) पस.> मलो. कस.। e) विप.। बस.। f) बस.> कस.। g) $< \underline{q}$ युत् पुरः (मा २०,८२)। h) तु. पाका.। i) तु. पासि.। j) वैप १ द्र.। k) पाठः ? अनागस्-> -गाः इति शोधः (तु. सप्र. हिश्रो ६,३,१०)। l) ° ला इति पाका.। m) = तद्वर्ण-वत-। n) = लुन्दो-जाति-।

१६,५, ३; १८,४, २; श्रापश्रौ;

नकुला(ल-ग्र)हि-विडाला (ल-ग्रा) ख- -खनाम् शंध ३७८. २नकल°- -लः सात्र १,४६४. २नाक्ल^b- -लः ऋपा १७,४५; -ले बंदे ८.9¥. √नक्क पाधा. चुरा. पर. नाशने. नक°,का- -कम् शांश्री ५,२०, ८; श्चापश्री; बौश्रीप्र ४४: ६; वैध ४.७,९१^व; या ७, २७‡; पाग १,१,३७; -क्ता अप ४८,७४ ई; बृदे ३,९; निघ १, ७ ; या ८, 9036. नक्तं-चर- पाग १, १, ३७°; - +रेभ्यः कीमृ ३,१०,१७; शांमृ २,१४,१६; कागृ. †नक्तं-चारिन् - रिणः श्राग्निगृ २, १, ३: २१; भागः -रिणम् श्रापमं २,१४,१; -रिभ्यः आगृ १, २, ८; श्राग्निगृ १, ७, २: ११; मागृ २,१२, १८; -रीणि या २,१८\$. †नक्तंचारिणी - - जी श्राम्निगृ २,१,३ : २३; हिए २,३,७. †नक्तं-जा(त>)ता^c- -ता कौसू २६,२२; श्रश्र १,२३. नक्त-नीलोत्पल-कमल-पलाश-कोमल- -लेपु अप ६५,१,४.

नक्तं-दिव- पा ५,४,७७.

नक्तं-भाग- -गानि श्रव १,५,२; ६.

नक्ता(क्त-त्रा)शिन्--शी शंध १५९:

११: विध ५०,४३; ९५,५.

नक्तो(क्ता-उ)पास् - - †पासा काश्री

वैश्री ह १८,८: १: १९,६:८६; ८७;१३०; -पासी बृदे ३.८. नक्तb- पा ६,३,७५; -क्राः अप ६२, 3.3. √नक्ष ¹,> इनक्ष् पाधा. भ्वा. पर. गतौ |ब्याप्तौ इति निघ., या.] **†इनक्षत् आपधी २१, १२, ९**; वाथ्री ३,२,२, ३६; हिथ्री १६, नत्तते या ४, १८; ‡नक्षति ब्राधी ४,७,४¹; शांधी ५,१०, १८1: निघ २,१४: १८; नक्षनते या १०, २१ ‡; नक्षसे वैश्री १८, ५: ८ ; नक्षन्त या ७. †नक्षत्-> °द्-दाभ°- -भम् निघ ४,३; या ६,३०. नक्ष- पाउना ३,६५. नक्षत्र^c- पाउ ३,१०५; पा ६,३,७५; -त्रम् शांधी २, ५, ५; त्रापधी; श्राज्यो ७,११; २१; ११,६;७; -त्रस्य श्रांपश्रौ १०,१२,३; श्रपः -त्राणाम् शांश्रौ ४, १०, १k; १०,२१,१०; श्रापश्री; या ३, २०;-त्राणि शांश्री १४,७८,२; श्रापश्री; या ३,२०ई; -त्रात् पा ८,३,१००; पावा ४,२, १०४: -त्राय बौध्रौ २८, ४: २२; गोगृ २,८,१२; बौध ३, ८, ९; -त्रे शांधो २,१,८××; श्रापधौ: पा १,२,६०; २,३,४५; -त्रेण

वाध्यौ ४, ९४ : ५; आगृः पा, पावा ४, २, ३: -त्रेभ्यः त्रापश्रो ६,८, १××; बौश्रो; पा ४, ३, ३७; पात्रा ४, ३, ३४; -त्रेषु शांश्रो १०, २१, ११^२: त्रापश्री: कौगृ १, १०, १२1: -त्रेषु ३ बौश्रौ १६, ८: ८; -त्रैः कौस १३५.९. नात्तत्रm- -त्रः द्राश्रौ ८,४,३: ५: लाथी. नक्षत्र-कल्प"- -ल्पः चव्यू ४: ८; -ल्पम् अप १,१,१. नत्तत्र-गण- -गम् या ५,२१. नक्षत्र-प्रह-चन्द्रमस्⁰- माः अप 63,3,9. नक्षत्र-ग्रहो(ह-उ)पसृष्ट-> °ए-भवार्त-रोगगृहीत- -तानाम् श्रशां 20,9. नक्षत्र-चारिन्- -रिण: अप ५२, 4.8. नक्षत्र-ज- -जम् वेज्यो ३५. नक्षत्र-जीविन् p- -विनः विध ८२, नक्षत्र-तारका- -काणाम् अप ६३, 9, 9. नक्षत्र-दक्षिणा^व- -णा त्रशां १२, ६; -णाः ऋप १८^२, १९, ४; श्रशां १३,५; -णाम् अप १,५०,१०. नक्षत्र-दर्शन- -नात् श्राश्री ८,१३, २२: वाश्रौ. १नक्षत्र-देवता- -ताः वेज्यो ३५; -तानाम कागु ४९, १: -ताभ्य

a) =ऋषि-विशेष-। व्यु. ?। b) विष.। तेनप्रोक्तमित्यथें अण् प्र.। c) वैष १ द्र.। d) कथम् इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. सप्र. वौध्रौप्र.)। e) तु. पागम.। f) सपा. न तं-चा॰ <> निशीधचा॰ इति पाभे.। g) ॰पसा इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. आपधी १६, १०,११)। h) = जलचर-भेद-। व्यु- ? (तु. वेष १ नाक्र— टि.; वेतु. पा. प्रमृ. < १न+ $\sqrt{2}$ कम्)। i) या ३, २० परागृष्टः द्र.। f) पाभे. वेप १,१५६१ f द्र.। f) पाभे. वेप १,१६९० f द्र.। f) पाभे. वेप १,१६० f द्र.। f) पाभे. वेप १,१६० f द्र.। f) पाभे. वेप १,१६० f द्र.। f0 पाभे. वेप १,१६० f1 विष्ट.। f1 विष्ट.। f2 विष्ट.। f3 विष्ट.। f4 विष्ट.। f7 विष्ट.। f8 विष्ट.। f8 विष्ट.। f9 विष्ट.।

₹, ४२.६.

नक्षत्र-हविस्- -विषाम् बौश्रौ २८.

श्राग्निगृ २,२, १-२:६: शंध १३२+; -ताम् माग् १, १०, 9; 2, 2, 94. २नक्षत्र-देव(त>)ता^व- -ताभ्याम् त्राग्निय २,२, १:४; २:३; -ताम आगृ २,४,१२. नक्षत्र-देवते(ता-इ)ष्ट-नामन्b--मानः वागृ ३,१. १नक्षत्र-देवत- -तम् जेगृ १,९: ५. २नक्षत्र-देवत⁰- -तान् अप १,४२, नक्षत्र-द्वन्द्व- -न्द्वे पा १,२,६३. नक्षत्र-नदी-चृक्षा (क्ष-त्र) भिधाना (न---ग्र)संयु(क् >)का^c--काम् आमिए १,६,१:३. नक्षत्र-नामन् - म कौगृ १, १६, ८; आभिनगृ २,१,५ : ३३; श्रापगृ. नक्षत्रनामा(म-श्रा)दि- -दि वेगृ १,७:८. नक्षत्र-नामधेय- -येन वौगृ २, 9,4. नक्षत्र-ना(मन्>)माa- -माः यापगृ ३,१३. नत्त्रत्र-निर्देश- -शः बौध २, 9,80. नक्षत्र-पथ- -धम् बौधौ १०, ४६: १७; २०; श्राप ५२, १४, २; -थेन वाध्यौ २,१९: १. नक्षत्रपथ-चारिन्- -रिणाम् व्याधिय २. ५. १ : ४; जैस् २, 9:3. नक्षत्र-पात- -तस्य त्रप ५०,९,३. नक्षत्र-प्रतिमा- -माः श्रशां ५, ८. नत्तत्र-प्रयोग- -गे वौधौ ५,१ : २. नक्षत्र-प्रवचन- -नात् द्राध्रौ ९, ४, २३: लाधौ ३,८,१४.

नक्षत्र-भाग- -गे श्रव १,६,५××. नक्षत्र-भोजन- -नम् श्राप्तिय ३. 97,9:6. नक्षत्र-मित-मास- -सः निस् ५, 99: 4. नक्षत्र-यज्ञ - न्त्रेषु कागृ ४९,१. नक्षत्र-याग- -गः श्रव १८२,१९,३. नक्षत्र-योग- -गम् लाश्रौ ८,१,५; -गे पावा ३, १, २६; -गेषु श्राज्यो १४,७. नक्षत्र-योग-काल---ज्ञ- -ज्ञः अप 8.83.3. नक्षत्र-राज- -०ज ऋप १2,9,3. नक्षत्र-राजन्- -जानम् अत्र ६, 926. नक्षत्र-वंश- शस्य अप ५२,६,३. नक्षत्र-वर्ग- - गेंपु ब्राज्यो ७,७. नक्षत्र-वेदितृ- -तारः अप १,६,८; नक्षत्र-श्राह- -हम् याप्तिर ३, ३, १: ३:१२; - दे आमिए ३, ३, २: 93. नक्षत्र-सत्र- -त्रेण बौधौ २८,४: नक्षत्र-समता- -ताम् अप १,९,३. नक्षत्र-संप (न्न>) न्ना-श्राज्यो ६,७. नक्षत्र-सचक^d- -कः काथ २७९: नक्षत्र-स्तुति- -तिभिः श्रप १, 83,8. नक्षत्र-स्तोम^e- -माः शांश्री १४, 06,9. नक्षत्र-स्नान- -नानाम् अप १,४२, १: -नानि अप १८र, १९,४. नक्षत्रस्तान-कोविद- -दः श्रप

३ : १९; -वींषि त्रशां १२, १. नक्षत्रहविर्-मध्य- -ध्ये बौधौ २८,३: १३. नक्षत्र-होम- -मः अप १८१, २, ९; -मे वैगृ ६,५: १. नक्षत्रा(त्र-त्र)ङ्ग-विद्या¹- -द्यया वाध १०, २१. नत्त्रत्रा(त्र-श्रा)देश-वृत्ति^६- -तिः शंध २०१. नक्षत्रा(त्र-श्र)न्त-गामि(न्>)नी--नी अप ६३,१,९. नक्षत्रा(त्र-त्र)र्ध-गत- -ते त्रप ६३, ₹.₹. नक्षत्रा(त्र-त्रा)श्रय - -यम् मागृ १, १८,२; गोग २, १०, २१; द्राय 2,8,92. नक्षत्रिय- पा ४,४,१४१. नक्षत्रे(त्र-इ)ष्टका^b- -काः श्रापश्रौ १७, ६, ५; बौश्रौ; -कानाम् बौधौ २२, ८: ३२; -काभिः बौध्रौ १०, ४६: २३; १४, ३०:८:-काभ्यः बौश्रौ १७, 28: 6:24:90; 24:90; -कास आपथी १७,६,११. नक्षत्रे(त्र-३)ष्टि¹- -ष्टयः आप्तिगृ १,२,१: १४; बौग्र ३,१,२४; -ष्टिम् वैध २, ५, ४; -ष्टीः बौश्री २८,३: 9. नत्त्रो(त्र-उ)पद्रव - - वेषु अप ६४, 9,3. √नख्, ङ्ख पाधा. भ्वा. पर. गती, नख्यति निघ २, १४ ईं। नखb- पाउ ५, २३; पा ६, ३,७५; पाग २,४, ३१; ४,१,४५;५६;

u) विष. । वस. । b) हस. > वस. । c) हस. > पस. > तस. । d) ज्योतिर्विद्- । e) = याग- विशेष- । f) = ज्योतिर्विद्या- । g) षस. > वस. । h) वैष १ ह. । i) = इष्टि-विशेष- । j) लघुशास्त्रीयः पाठः ।

२, ४०0; ५, २, २४; ६, ३, १०८^b: -खम अप्रा ३,४,५‡; -खस्य माशि ४, १०: -खाः विघ १, २७; २२, ८१; ९६, ५८: -बात् श्रामिय १,१,१: २५: भाग १, २: १५; हिग्र १, १, २३; -खान माश्री १, ४,१,३××; लाश्रौ ९, २, २०; वाध २४, ५: - खानि शांश्रौ १८.२४.२०: श्रापश्री: -खे ऋत ५. १. ९: -खेन आपश्री १. ११.८:२.३.३: भाश्री: -खेभ्यः श्चापमं १,१७,५: -खेष श्चापश्री १२,४,१५; -खै: श्रापश्री १२. ४,१४; वाध. नखी- पा ४,१,४५. नस-कृत्- -कृतः वीश्री १५,१३: 94: 98: 9. नख-प्रह- -हः याशि १,६१. नख-च्छेदन-> °न-वादन-स्फोटन--नानि हिध २,५,१०२^d. नख-जाह- पा ५,२,२४. नख-निकृन्तना(न-आ)दि--दि काश्री २५,१४,३. नख-निर्भिन्न, ना- -न्नम् बौधौ १२. ५: २२: - जानाम् काश्री १५. ३,१४; - जायाम् बौधौ २६, € : €. नख-प्रच°- पाग २,१,७२. नख-भस्मन् - स्मनाम् श्रप ७०, €,9. नख-मुख- -खात् पा ४,१,५८.

नख-मुच- पावाग ३,२,५.

नखं-पच- पा ३,२,३४. १नख-र- पा ४, २, ८०; पागम नख-रज(L,अ]न>)नी°- पा, पाग 8. 3.980. नख-रोम-ज्यादेश--शः या १४,६. नख-लोमन्- -मानि विध ७१,४४. नखलोमा(म-श्र)पाकरण- -णम् हिध २,१,९८1. नख-वादन- -नम् त्रापध २, २०, नख-विष्किर⁸- -रान् शंध ४२६. नख-शोधन- -नम् शंध ५३. नख-इच्युत- -तम् वाध १४,३०. नखा(ख-श्र)म- -प्रात् बौध ४, १, २५: वाध २५, ५. नखा(ख-त्र)न्त- -न्तम् वैगृ २,१३: नखि- पाउन ४.१३९. निखन् - - खिनः वाश्री ३,४,३,२२; -खिनाम विध ५,१८८. २नखर- पाउतृ ३,१३१; पाग २,४, ३ 9; पावाग ५, २, 9 ० ३ b; -र: काश्री १५, ३,90b. नाखर-पावा ५,२,१०३. नखररज(न>)नी- नखरजनी-टि. द्र १नग'- -गान् अप ६८, ३, ११; -गानाम् अप ६४,४,६; -गेषु श्रा १,२६,१ . नग-नाग-निभ- -भैः श्रप ६४,१, २नग्र- पाउ ५,६१; पा ६,३, ७७;

पाग ४, २,८०. १नग-र- पा ४,२,८०; पावा ५,२, नग-श्रेष्ठ^k- - ष्टम् सु १३,५. २नगर¹- पाग ४,२,९५™; -रम् वौश्री २४, १४: ५; माश्री: -राणि श्रप ६२,१, ७; -रात त्रप ६८,५,२३; -रे श्रप ७०१ ६.३; बौध; पा ६, १, १५५; २.८९: -रेव कीस १४१, ३९: अप ५३,५, २; वाध १३, ११; आपध २, २६,४°. नगरी^m-> °र्या(री-श्रा)दि--दी वैध ३, १५,११. नागर- पाग ५, १, १२८: -रः अप ५१,२,२ र; -रम् अप५१,२, २²; -राः श्रप ५१, २, १; -राणाम् अप ५१,४,३; -रान् त्रप १९, १, १२; ५१, १, १; -रै: वाध १६,२०. नागर्य- पा ५,१,१२८. नागरक- पा ४,२,१२८. नागरेयक- पा ४,२,९५. नगर-काक- पाग २,१,४८. नगर-प्राम-याजक- -कस्य काध २७९ : ४. नगर-चतुष्पथ- -थे मागृ २, १४, 26. नगर-निवासिन- -सिनाम् शंध २५५. नगर-प्रतिषेध- -धः पावा २,४,७. नगर-प्रवेशन- -नानि आपध १, ३२,२१; हिंध १,८,६३.

a) अर्थः ? । b) तु. पागम. । c) = कर्मकृद्-विशेष- । d) सपा. आपध २,२०,१५;१६ विशिष्टः पाभे. । e) तु. पासि. । = त्रोविध-विशेष- । । । । । । । । नितः नितः । f) सप्त. आपध २,५०,१६ छोमसंहरणम् इति पाभे. । g) = प्राणिमृज्जाति-विशेष- । उस. उप. < वि \sqrt{a} कर्तरि कृत् । h) विष. (अपि-) । i) वेप १ द्र. । j) अर्थः व्यु. च ? । k) पूप. = कृत् । l) नाप. । व्यु. ? । = १ नगर- इति अभा. । m) तु. पास. पागम. । नगरी— इति भाएडा., पासि. । n) सपा. हिध २,५,१९९ निगमेषु इति पाभे. ।

नगर-मर्दिन् -(>नागरमर्दि-पा.)
पाग ४,१,९६.
नगर-वायस- पाग २,१,४८.
नगर-इवन्-पाग २,१,४८.
नगरा (र-म्रा)धिपत्य- स्यम् विध
९२,३१.

.नगरा(र-श्र)न्त- -न्ते पा ७,३,२४. .न-गोह्य- १न द्र.

नग्न, ग्ना°- पागम १५५व, -ग्नः वीश्री १५,३७:२; वाध्रशी ३, ७०:६;८; श्रायः, -ग्नम् वीश्री ८,१४:२८;४२×४; हिश्री ९,४, ३२; कप्र २, १०, १०; -म्रा वाध्रशी ३,७०,६;८; -ग्नान् वाध्रशी ३,९०:३×४; विध ८२,१,२७; -ग्नाम् श्राय ३,९,६; कीयः, गौध ९,५०६; -ग्नेन श्रापशी १३,१५,९.

९: ९.

नग्न-क- -कात् श्रप्रा ३,४,९†.

नग्निका!- -का वैग्र ६,९२:२०;

गोग्र ३,४,५; -काम् माग्र १,

७,८; वैग्र.

नग्नं√क्>°कृत्य नैश्रौ १६,१८ : १६; हिश्रौ ९,४,३२.

नग्न-पाषण्ड-भूयिष्ठ- -ष्ठाः श्रप ७०^२, १६,४.

नग्न-प्रक्षन्न - सः कौस् १४,६. नग्न-प्रतिच्छन्द - - न्दः वैगृ ५, ६: २६.

नग्न-सुषित- पाग २,२,३१. नग्न-वक्त्र-ज^g- -जः माशि १२,५. नग्न-ग्रुक्छ-क्लीबा(व-श्र)न्ध-इयाव-दन्त-कुष्टि-कुनलि-वर्जम् वाध ११, १९.

नग्नहु°- -हुः श्चापश्री १९, ५, १०; वौश्री; -हुना श्चापश्री १९,५,११; हिश्री २३, १, ८; -हुम् बोश्री १७,३१: ३; -हो: वोश्री १७, ३१: २०.

नग्नहु-चूर्ण्- -र्णानि काश्री १९,१, २०.

नग्नहु-न्नीहि-यव-गोधूम-शष्प--ष्पाणि माश्रौ ५,२,४,२.

१नघारि(प>)पा°- -पाम् श्रश्य ८,२^क

निच केत'- >नाचिकेत'- पागम १५५; -तः श्रापश्रौ १९, १३, १७४×; बौशौ; -तम् श्राग्निग १,२,१: १२; बौगृ ३,१, २३; -तस्य बौशौ १९,६: १.

न-चेत् १न इ.

नञ्¹— पाग १,१,३७; नजः स्रप्ना ३, ४,४^k; पा ५,४,७१××; पावा; नजा पावा २,४,८१.

नम्-कु-निपात- -तानाम् पावा ६, २,२.

नम्-पूर्व- > ॰र्व-प्रह्मण (ग्य-प्रा) नर्धक्य- -क्यम् पावा ७,३,४७. नम्पूर्वा(र्व-प्र) चिं- -क्रे: बृदे २,९.

नम्-वत्- पा,पावा ६,२,१७५. नम्-विशिष्ट- - ष्टे पावा २,१,६०; -- ष्टेन पा २,१,६०.

नष्-समास- -सः, -सात् पावा

५,१,११९; -से पावा २,२,६; -सेषु पावा १,४, १.

नञ्-सु- -सुभ्याम् पा ६,२,१७२; पावा ६,२,१०८.

नज्-स्वर-- -रः पावा ६,१,१५४.

√नट् पाधा. भ्वा. पर. नृत्ती; पर. चुरा. श्रवस्थन्दने, भाषार्थे ?.

> रनट^m पाउ छ, १०४ⁿ; पा, पाग ५,३,९८^b; पाग छ,१,४१; २, ४९°.

> नटी- पा ४, १, ४१. नाटय- पा ४,३,१२९. नाटया(ट्य-आ)चार्य-ता- -ता बौध २,१,४४. न(टय)टया^p- पा ४,२,४९. नाटक- -केषु नाशि २,८,२९.

१न-ट- न- द. नटमक-, °मस्तक- नाट- टि. द्र. १नड°- पाग ४,२,४९°, ५४४,०°

> ९१:५,२, १३५; ६,३, ११६^४; —डः अपं धः ३४; —†डम् कौस् ६९, ७; ७१, ५; ८; श्रश्न १२, २; —डेः काग्र ध५,८.

नडकीय- पा ४,२,९१. नड-भक्त- पा ४,२,५४.

नड-म (य>) यी- -यीम् कौस् ७१,३.

नड-वत्- पा ४, २,८७. नड-वल- पा ४,२,८८.

नड-स- पा ४,२, ८०. नडा-गिरि- पा ६,३,९९६. नडि(न>)नी- पा ५,२,९३५.

निंडल- पा ४,२,८०.

a) व्यप. $|b\rangle$ तु. पागम. $|c\rangle$ वैप १ द्र. $|d\rangle$ <न + गना -> वस. $|e\rangle$ तु. संस्कृत्रीं टि. Büh. च $|f\rangle$ किन्यायाः $|e\rangle$ संज्ञा-विशेष- $|e\rangle$ विप. $|e\rangle$ स्व. $|e\rangle$ सं दि. $|e\rangle$ किन्यायाः $|e\rangle$ सं $|e\rangle$ स

नस्ता- पा ४,२,४९.
२तड⁴- पाग ४,१,९९,११०.
नाडायन- पा ४,१,९९,११०.
नाडायन- पा ४,१,९९,११०.
नाडायन- पा ४,१,९९,१९०.
नाडायन- प्रमु. १नड- द.
नाडितका - कायाम् विध ८५,१९.
१त-त- न- द.
२,३तत-, नित- √नम् द.
न-तदूप- १न द.
नाचायन- पा.) पान ४,
१,११०.

न-त्व- न- इ. नत्वा √नम् इ.

√नद्° पाघा. भ्वा. पर. श्रव्यक्ते शब्दे; चुरा. उभ. भाषायाम्, नदित श्रप १,३१,२; ४८,९‡⁴; ७२, २,३; निघ ३, १४‡⁴; नदन्ते श्रप ६७, ६, ५; नदन्ति श्रप ७०³, ११, २०; ७१, १४, ४; अनद्त>ता तैप्रा ३,१२‡. नानदैताम् कौस् ९६,३‡.

नद°- पाग ३,१,१३४; ४,२,५४¹; ८०; -दः †श्रप ४८, ९७⁸; ११५³; †निघ ३,१६⁸; ४, २; या ५, २०ृं; -†दम् शांश्रौ १८, १, १३; लाश्रौ; -दस्य शांश्रौ^b १८, १,१४; १५; २१; वाश्रौ ३, ३, २, १२; वृदे १, ५३†; या ५, २†; -देन शांश्रौ १८,१,१२^b.

†नदी- पाग ४, २, ९७; -दयः वीश्री १८, १८: १६; आप्रिय २, ५, ११: २७: -दी

श्चापश्री १४. २०, ४; बौश्रौ; या ४,१५; ११, २५; पा २,४, ७: ऋत ४. ७, ५; -दी: भागृ २. १३: १४: हिंगु: या २, २४: -दीनाम् आश्रौ ३, ७, ६ म: बौश्रो; कीय १३, १३, १५+1; +या २, २६; ४, १७××: -दीभिः ऋत्र २, ३, ३३: या ११, ४९ +: पा २,१, २०: - †दीभ्यः शांग्र ४,१४, २; श्रामिगः; -दीम् शांश्री १६, १८,१८; काश्री १३, ३,२६ k; श्रापश्री २१, २०, ३^k; बौश्रो २९. १२: १७: हिश्रो १६, ६, ४१ k; आगृ: या २, २४; ७, २०: १४,३३: -दीच बौश्रौ १५, १६ : ८; आभिगृ; -द्यः त्रापश्री १६, ६, ४ : माश्री: या २,२४०; २५; -द्यः३ शौच ३, ६५; - या आश्री ६,६,११; -चा: वाश्री ३, २,५, ४३ +k; वैताश्री ३४,९‡ ; वौगः; -दाम् आमिष् २, ६, ८: ५: वैष् ४. १०: ११; अप; पा ४, २,८५; -चै बौधौ १६, २३: ५ + k; -चो: वैताश्री ३६,२७ +; -चौ बौश्रौ १८,३९: 9.

नादेय°- पा ४, २, ९७; -यम् विध ६४,१७; -याः बौश्रौ २४, ५: २२; -यान् बौश्रौ १५,१६: ८; अप्राय ५, ६; -यानि बौश्रौ २२, २०: नादेयी- -यीः

विध १, १४.

नाच°- वा ४, ४, १११; -‡चः त्रावश्रौ १६, ७, ४; वैश्रौ १८,४: २१; हिश्रौ ११,२,२.

नदी-कक्ष-चन-दाह-शैलो (ल-उ)पभोग¹- -गाः वाध १९,२६.

नदी-कच्छ - -च्छः या **४**,१८.

नदी-गिरि-तटाक- -केषु अप १, ४४,१.

नदी-जल- -ले विघ **९०,**२८.

नदी-तट- -टे श्रप **२१**, ४,३.

नदी-तटाक-कूप--पानाम् वैग्र १,२ : २.

नदी-त(म>)मा- -॰मे श्राश्रौ ७,११,२२‡.

नदी-तरे^m - रम् आपघ १,३२,२६; हिघ १, ८, ६७; -राणाम् चात्र ३९:२ⁿ; -रे पावा १,१,२२².

नदी-तीर- -रम् वैष्ट ५, ३ : ४; -रे आक्षिप्ट २,५,४ : २; ६ : १××; हिपि; -रेषु आक्षिप्ट ३,४,५ : ९.

नदी-तीर्थ-समुद्र- -द्रेषु वौषि ३,१०,३. नदी-तोय- -ये वृदे ४,

२9.

 $a)=\pi \sqrt{1}$ च्यु. i=2 . $b)=\pi \sqrt{1}$ निशेष-। च्यु. i=2 . i=2 . i=2 . i=3 चा. अर्चायां वृतिः। i=3 वैप १ द्र.। i=3 तेप १ तेप.। i=3 तेप. i=3 ते

नदी-L,दि°]द्वीप- -पम् हिथ्री २४,६, १३; -पे श्रापश्री १५,१६,२;३; भाश्री. नदी-नक्षत्र-चन्द्र-सर्य-पूप-देव-दत्त-रक्षिता-वर्जम् वाय ३,३. नदी-नद- -दाः वाध ८, 94. नदी-नामन् -मानि चाउ ३९: ११; निघ १, १३: या २,२४. नदी-ना (मन्>) माb--माः श्रापगृ ३,१३. नदी-निर्देश- -शः त्रापगृ १४,६. नदी-पति- -तिम् काश्रौ 84,8,30. नदी-पर्वत-मर्यादा (दा-श्र)ब्यवहि (त>)ता°- -ताः माश्री ५,२,१४,२३. नदी-पौर्णमास्या(सी-श्रा) ब्रहायणी- -णीभ्यः पा ५, ४, 990. नदी-प्रस्तवण- -णेष् अप 80.8.4. नदी-मानुषी- -षीभ्यः पा ४,१,११३. नदी-रजस्- -जः कप्र १, 90,90. नदी-रूप- -पाणि कौसू ७१,२२; कीय ८६,२५. नदी-वत् बृदे २, १३६ ; या २,२३2.

नदी-वाक्य- -क्यम् ऋत्र

2,3,33. नदी-शब्द-वह- -हाः कप्र १,१०,६. नदो-शैल-वनस्पति--तीन विध १,१६. नदी-डण- पा ८.३,८९. नदी-सङ्गम-तोय- -येन अप ६८,३,१. नदी-स्तुति- -तिः ऋग्र २,७,५०; १०,७५; या ७,७. नद्य(दी-श्र)न्तर- -रे काश्रौ २५, १४, २२; पागृ ३, 99,99. नद्या(दी-श्रा)दि- -दी कप्र १,१०,१; शंध ११४. नद्य(दी-उ) दिध-कूप-तडाग- -गेषु मागृ २,१०,८. नदंवं 🔷 ॰व-वर्जम् उनिस् २: 99. नद-भक्तe- पा ४,२,५४. नद-र- पा ४,२,८०. नदत्- -दन् वृदे ६,१२. नदन,ना'- -नस्य या ५, २; -नाः या २,२४. नद्निमन् '--मा श्रप्रा३,४,१ नद्रन् - पाउ ३, ५२; - मनुः श्रप ४८,१०५; निघ २,१७. नदितुम् या ९,३. नाद ९- -दः श्रप ४७, २, ६; ४८, ९७ + h; निघ ३, १६ + h; ऋपा; -दात् ऋपा १३, ७; -दे अप ७२,१,६; -देन माशि ४,६. नाद-ता- -ताम् ऋषा १३,१. नाद-ध्वनि-संसर्ग - - गात्

आशि ८.१३. नाद-वृद्धि-प (र>)रा1- -स मीसू १.१.१७. नादा(द-श्र)नुप्रदानb- -नाः श्राशि ४,४. नादिन्- -दिनः पाशि २४: -दिना अप ४८,११६. नादि!- -दिः पागृ ३,१३,२. नादित- -ते श्रप २१,४,२. नानद् - -दम् जुस् २, १५: २४; ३, ६: ११; दाश्री; -दस्य लाश्रौ ६,१०,१०. †नानदत्- -दत् बौश्रौ १०, ४: १७; माश्रौ ६, १, १,३७; वैश्रौ १८,9:49. नद्ध−, नद्धी- √नह् द्र. ननन्द- पाउ २, ९८. †नना'- -ना अप ४८, ८३; १०५; निघ १,99; या ६,६ई. ननान्द'- पाउ २, ९८; 8, 9, 90; 900; 908; -†न्द्रि¹ त्रापमं १, ६,६; काय 24.80. नानान्द्र- पा ४,१,१०४. नानान्द्रायण- पा ४,१,१००. नजु,न-जु- १न द. नन्तु- √नम् इ. √नन्द™ पाधा भ्वा. पर. समृद्धौ, नन्दते अप ६२, ३,४; नन्दति श्रप ६९, २, ५; शंध २८२; नन्दन्ति आश्री ४, ४, ४, वाध ११, ४२; †नन्दाम आपमं २, ५, १५; आगिनगृ १,१,४: १२; भाग १,९: १६; हिग १,७,१०.

a) श्चापश्री. पाठः । b) विष. । वस. । c) विष. । द्वस. > प्रस. > तृस. । d) = नदुं वः (ऋ ८, ६९,२) । e) = देश-विशेष- । f) वैष १ द्र । g) भावे घल् प्र., यद्वा कर्तरि णः प्र. उसं. (पावा ३, १, १४०) । h) स्तोतृ- नामन् । i) विष. । प्रस. > बस. । j) विष. । इस्त्र प्र. उसं. (पाउ ४,१२५) । k) वैष , ३सं. द्र । l) पाभे. वैष १,१७६५ p द्र । m) पावा १, ३,१० प्रामृष्टः द्र ।

नन्द- पाग ४,१,४१°. नन्दाb- न्दा वैग् ३, १९: १०; श्राज्यो ६, ८; -न्दाम् आज्यो ६, ९; १२; -न्दायाम् श्राज्यो ७,१; -न्दाये मागृ २, 93,640. १नन्दी- पा ४, १,४१; -न्दी मागृ २,१३, ६^{†°}; नाशि १,२, ९0; -न्दीः मागृ १,९,२९°. नन्द्र्य'-> रनन्दी- -न्दी वैगृ ₹,9: ₹4.

नान्द्य->नान्दी8->नान्दी-कर- पा ३,२,२१.

नान्दी-मुखb- खम् वैगृ २.१:१:३××: - †खाः वैश्री १, ४ : ८; शांगृ; -खान् शांगृ ४,४, ११: १३; -खे वैग्र ६;२:१०; शंध २१०; - खेभ्यः श्राग्निगृ २, ३,२: १; बीग ३,१२,४; भाग. नान्दीमुख-वत् वेगृ

8,3:0.

नान्दी-श्राद्ध- -दः श्राग्निगृ २,३,२: १६^२; -दस्य भागृ ३, १६: १. बन्दन1- पाग ३, १, १३४; ८, ४, ३९: -नम् श्रप ७०१,३,५. नन्दन्त- पाउ ३,१२७. नन्दयन्त- पाउ ३,१२८. नन्दियरन्- पाउभो २,१,८३. नन्दि-> ॰न्ध(न्दि-अ)रीहण-सिन्धु-तक्षशिला(ला-आ)दि।-

-दिषु पावा १,३,१०.

निद्(न्>)नी- -०नि विध 50.6.

त-पर- न- इ. †नपात् k- पा ६,३,७५; -पात् माश्री २,२,१,४; श्रप; या ८,५०; -०पात् श्रश्र १, १३; -०पातः जैश्रौ ९: ८^{‡1}; -पातम् श्रापश्रो १७,९,१; वैश्री.

†न-पातृ"- -०तारः । श्रापश्रौ १२,३, २; हिथ्रौ ८,१,४१.

नपुंसक - पा ६,३, ७५; पाग २,४, ३१8: -कः काश्रौ १५,१०,१८; श्राग्निगृ २, ४, १२:६; शंध ३७७: २१; या १४,६; -कम् न-पुरीप- १न इ. माश्री ५,२, १०, २६; बृदे; पा १,२,६९;२, २, २; -कस्य या ३, २१; पा ७, १, ७२; ७९; -कात् शुप्रा ३, १३८; पा ५, 8, 903; 908; 0, 9, 98; २३: पावा ४,२, ५५; -कानाम् निस् १,६:२१; पावा ८,२,८; -के शुप्रा २,३२; पा १,२,४७; 3, 3, 998; &, 7, 98; 86; १२३; पावा २, ३,६७; ३, ३, 88; 44; 0,9,68.

नपुंसक-प्रहण- -णम् पावा ७, १, २३.

नपुंसक-स्व- -स्वम् पावा ८, १, १५; -स्वात् पावा ४,१,९२. नपुंसक-पशु- -शू श्रापथ्री २२, ११, १८; हिश्री १७,५,१०. नपुंसक-बहुवचन- -नानि अप्रा २,

२,२१; -ने शौच १, ८४; -नेन काश्रीसं धः १४.

नपुंसक-हस्व-त्व- - त्वे पावा १.२

नपुंसक-हस्वा(स्व-श्र)फृत्सार्वधा-तुक-नामिदीर्घ- - घें प्रपाना १, २,

नपुंसका(क-आ)देश- -शेभ्यः पावा ७,१,२६.

नपुंसकै(क ए)कवचन- -ने पावा २, 8,38.

नपुंसको(क-उ)पसर्जन-हस्वत्व--त्वम् पावा १,१,४७;६,१,७०.

न(ति>)प्ती - - प्यम् या ३,४०; - परयौ श्रप ४८,६० in.

नप्तुk- पाउ २,९५; पा ६, ४, ११; +-प्ता त्रापश्रो १०, ११, भ³; बौश्री; -सारम् बौश्री ४, १०: १० +: बृदे २, ५५; या ३, ४; - चुः शांश्री १६, ११, १५; बृदे ५,१६३; - प्तृभिः या १, १६ ‡; -प्तृन् जेथ्रौका ८६.

नफा- पाउभो २,२,५१८. √नभ्° (वधा.) पाधा. भ्वा. दिवा. क्या. पर. हिंसायाम्, नभते निघ २, १९ ‡; नभन्ताम् ‡या ५, २३; १०,५०.

नभ(तु>)नू- - वः । निघ १,१३ ौ. नभस्k- पाउ ४,२११; -भः काश्रौ १७,९,५; श्रापश्री; द्राश्री ४,२, ३ + p; लाभी २,२,१२ + p; अप

b) बप्रा. द्र. । क्रीर प्र. । तिथि-संज्ञा- (=प्रतिपट्-, पष्टी-, एकादशी-)। a) तु. पागम. । e) =वाद्य-विशेष-। f) भावें =द्यः प्र. उसं. (पा ५,१, d)=मूर्च्छना-विशेष-। c) = देवी-विशेष-। h) श्राद्ध-, पितृगगा-। बसः। g) = वृद्धि-। वैप १ द्र.। वैतु. पागम. < नान्द- इति ?। 938) 1 k) वैप १ द्र. । l) पाभे. वैप २, ३ खं. तेत्रा ३, ७,९,१ नपातारः i) भाप., नाप.। j) द्वस.>बस.। n) = बावापृथिवी-। o) पा १, ३,९१; ३,१,५५ परामृष्टः इ. l. m) वैप २, ३ खं. इ. । p) पासे. वैप १,१७६८ d इ. ।

मध८, ७५°; १०८; †निघ १. ४ ; या २,१४० ; ऋप्राध,६४; -भसः वैताश्रौ १४,9; ३१, ४ + b: कीस २१, ७ + b: अप ६४, १,९; माशि २, ७; -- + भसः बौधौ ४, ११: २२: हिश्री १०, ५, ४९; - मसा श्रापश्री १३, २४, ५९^b; बौश्री ४.११ : २२^b: वैथ्रौ १६.२८ : ७ हिश्रो १०, ५, ४८ ; पाय ३, ३, ५: श्राप्तिगृ ३,५,६ : ८; वौषि १, ४: २४; - भसि कप्र १.९. ३: अप ५१. २. ५: ५८^२,४,८; - ‡भसी^८ त्रापश्री १४, २८, ४; वैश्री २१, १५: १३: हिश्रौ १५, ७, १२; निघ ३, ३०; - मसे भाशी ८, ९,८; हिश्री ५, २, ५७; मागृ १, १०, ११; - भांसि श्रापश्रौ २०,११,१८; -भोभ्यः श्रापश्रौ 20,99,964.

नाभस⁰ - -सः खप ७०², २,३; -सैः खप ६३,२,१.
नभः-प्रभेदन⁶ - -नः ऋख २, १०,११२.
नभस¹ - पाउ ३,११७.
नभस्-तल - -लम् खप ६८,१,३२; -लात् खप ५८²,१,५;६,४,१०.
†नभस्य¹ - -स्यः काधौ १७ ९,५; आपधौ; -स्याः शांधौ ८,२३,१; -स्याय बौधौ ७,

१६: १७; भाश्री ८. ९, ८: हिश्रौ ५.२.५७. नभस्-वत् पावा १,४,१८. †नभस्-वत्¹- -वान् शांश्रौ ६, १२, ८⁸; श्रापधी ११, १४. १० ह; १७, २०, ११; बौश्रो ६, 29:968; 20, 48:90; माश्री ६, २, ५, ३४: वाश्री २. २,४,२०; वैश्री १४,१३ : ४६; हिश्री १०,३,४२8; १२,६,२०; श्रुप्रा ३,१५०. नभस्वती b - तीभि: श्रप्राय 2,4. नभों(भस्-श्रं)श- -शाः अप 42,78,2. नभो-मध्य- -ध्यम् अप ५८ 8.93. न(भस् >)भो-रूप¹- > °प-सरूप- -पौ सु २३,५. श्नम!- -अस् शंध ११६: ५१k; -भाय बौश्रौ ७,१६ : १४^{‡1}. नभ-पति^m- -तिः त्रप ६७,७,४. २नभ'- पाग ५,१,२. नभ-भाव- -वे पावा ५,१,२. नभ्य'- पा ५, १, २; -भ्यम् हिए १.२३.१ +; -भ्यात् पावा ५, १, २; -भ्ये लाश्रौ ८, ५, ६; -भ्येष कीय ३, ९, ९; शांग ४, 0,6. नभ्य-स्थ- -स्थम् पागृ ३,९,७; -स्थयोः शांश्रौ ५, १३, ६;

८,४,५: श्रापश्रौ. नभन्-, नभस्- प्रमृ. √नभ्द्र, नभाक'- पाउव ४, १५; पाग ४, १, ११२; -के बृदे ३,१२८. १नाभाक¹- पा ४,१,११२; -कः ऋअ २, ८, ३९; ब्दे ३, ५६; या १०, ५: -कस्य या १०, 4+4. २नाभाक"- -कान आश्री ७. २. ?नभिहिते° अप्राय ५,६ . ?नभो-गुल्म अप ७०^३,११,९. नभ्र-(>°भ्रा-गिरि-पा.) पाग ६,३, 99 & P. न-भ्राज् '-पा ६, ३, ७५; -० भ्राट्^व माश्री २,१,४,११. √तमं पाधा. भ्वा. पर. प्रहृत्वे शब्दे च, नमति आपश्री ७,८,५; १३, ४, ८××; १४, ३, ६³; माश्री; नमन्ते या ४,१५; नमन्ति ऋपा ५, ४०: नमामि ऋत्र ३, १; क्नमन्ताम् काश्री २, १, ३; या ८. २२: नमध्वम् ऋपा ८,४+; अनमत् वाध्रश्री ४, ६४2: ३; ४: नमेत् श्रप १९ ३,३,३; याशि 2,52. †नंसन्ते निघ ४, १; या ४, 944. नम्यते ऋपा ५,२०. नमयेत् आपशु १९, १०; हिशु €,30. क्नंनम्यध्वम् काश्री २३, ३, १;

a)=3दन-। b) पामे. वैप १, १७६८ e द्र. । c)= यावापृथिवी-। d) विप. । तत्रभवीयः अण् प्र. । $e)=\pi$. पि-विशेष-। उस. । f) वैप १ द्र. । g) पामे. वैप १,१७६८ d द्र. । $h)=\pi$. ज्यं प्र. । e = π . पि-विशेष-। f =

बौधौ ६,२५: ६; -स्थे काश्रौ

श्रापश्री २२, १९, १; हिश्री १७,७,१०? .

†अनग्नत आश्री ७, ११, ४०;
८, १, ४; †अनन्नमुः श्राश्री
५,१,१४; श्रापश्री; ‡नम्नमुः शांश्री ६,७,९; काश्री ९,३,१२.
२नत - तम् या ११,९; १४, ३१;
–तानि या १०,२६; १४, १९.
‡नत-कर्मन् - मेणा श्रप १,४१,
३; श्रशां ११, ३.
नत-॥ - अवम विध १.२३.

नत-श्रु $^{\circ}$ — -श्रुवम् विध १,२३. नता(त-श्रु)नत $^{\circ}$ —(> नातान-तिक- पा.) पागम ३४५.

३नत°- -तम् ऋषा ११,४;-ते ऋषा ४, ३६; ५,५८; १०,३; -तेन ऋषा ११,५१.

नतो (त-उ)पाचरित-क्रम-स्वर--रान् ऋपा १,६२.

निति° – -तिः ऋपा ५, २; ६, १; १०,२०; शुप्रा १, ४२; –तिम् ऋपा ११,३७; –तिषु ऋपा १, ६६; –तेः ऋपा ११,४.

नत्वा जैश्रीका छ.

भन्तृ^e - न्ता ऋप्रा १, ६६; -न्तृ ऋप्रा ५,५५.

नमत- पाउ ३,११०.

नमति->°ति-कर्मन् - -र्मा या ७, १७.

नमस्¹- पाग १,१, ३०; ४, ०४; ३,१,२७;-मः आश्रौ १,२,१³; ४,९⁴; शांश्रौ; श्रापमं २, १७, २७³†⁶; श्राय २,३,३†⁶; पाय २, १४,५⁶†; श्रप ४०,३, ३¹; †निघ २, ७¹; २०¹; या ३, २०²†; १४, ३६³; –म:८-मः आपश्रौ ४, १२, १०; माश्रौ; –मसः ऋप्रा ४, ४९†; पावा ३,१,१९; –मसा आश्रौ३,८,१;४,७,४;८,१०,१; शांश्रौ; आपश्रौ १६,३५,५^{१,६}; या ४, १९†; –मोभिः †आश्रौ २, १३, २; ३, ८, १××; शांशौ; आपश्रौ १४,१७,१†¹.

†नम-उक्ति[!] – किभिः ऋता २, १३; – किम्^m बौधौ ६,३० : २८; ८,५ : १४.

नमउक्ति-म(त्>)ती--ःया माश्रौ ३,५,१७‡º.

नमस्√कृषा १, ४, ७४; नमस्करेत् अप ५,५,१.

नमस्करोति माधौ १,१,२,२४; २,१,४,४१××; वैताधौ; नमस्कुर्वन्ति माधौ १,७,४,४२; वैताधौ १८,११; वैध १,११, ९; नमस्करोमि श्राग्निग् २, ४,१२:३; नमस्कुर्यात् वौध २,६,४; वैध ३,६,२.

नमस्-कार- -रः वौग्र ३, १२, ६; हिपि; -रम् श्राग्र १, १,४; श्राग्निग्र; -राः वौग्रौ २५, ३०: १६; श्रुग्र २, २६२; -रान् काश्रौ ५,९,२०;श्रापश्रौ; -रेण आग्र१,१,४‡;-रेः श्रापश्रौ २०,१,१७; वौश्रौ.

 नमस्कारो (र-उ)क्ति--क्तिः ग्रुग्र ४,१२९. नमस्-कार्य- -०र्य ग्रप १३, ३,१२.

†नमस्-कृत- -ताः शांगृ ६, ६, १६; -तौ श्रशां ९, ४; अप १,३९,४.

†नमस्-कृति - त्या बौश्रौ ७,१०: ६; वैश्रौ १५,२३: ६; हिश्रौ ८,५,३०; ३२.

नमस्-कृत्य वैताश्रौ ११, १३; २४,१७; ब्राग्निय. नमस्-पुरस्- -रसोः पा ८,३,

†नमस्य, स्या¹ - -स्यः आश्री १,२,७; द्राश्री; -स्यान् आश्री १,४,११; शांश्री १, ६, १६; -स्याम् हिंश्री २१,१,१६.

√नमस्य पा ३, १, १९; २७; †नमस्यते त्रशां ७, ५; अप १, ३७, ४; †नमस्यति त्रप ४८, १०; निघ३,५; नमस्यन्ति वौश्री १०, १०: ६; त्रप ४, ३, ६; भाग ३,११: १०; †नमस्यामि श्रामिग्र १, ५, ४: ४८; ६,३: ३७; †नमस्य, >स्या श्रापश्री १०, ३१,६; भाश्री; †नमस्याम श्राश्री १, ४,११; शांश्री १,६,

नमस्य शांग्र ६,१,१. नमस्यु- -स्यु: ऋपा २, ६१‡. ‡नमस्-विन्- -विनः श्राश्री ४,

98.

a) अन्ननम्यध्वम् इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. काध्रौ. श्रापश्रौ.) । b) पामे. वेप १,१०७० a ह. । c) विप. । a स. । d) = श्रनुदात्तोदातः । e) पारिभाषिक-संज्ञाः (= मूर्धन्य-भावः) । f) वेप १ ह. । g) सपा. शांग्र ४,१८,१; साग्र २,७,१ विशिष्टः पामे. । h) शोधः वेप १ परि. अर्घः a टि. ह. । i) श्रन्ननामनः । i) = a जः । k) मनसा इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. ऋ ७,१२,१) । i) पामे. वेप १ वचोिभः काठ ३५,१ टि. ह. । i) पामे. वेप १,९७७२ i ह.

७,४; शांश्री १८,८,४. नमो(मस-श्र)न्ते - -न्तेन वैगृ १,३ : २३; -न्तै: वैगृ ३, 93:99. र्नमो-वाकb- -कम् श्राश्रौ १. ९,9; शंश्री १, १४, २; -के त्राश्री १,८,७; शांश्री. नमो-वृक्तिb- - किम् बौश्री १४. 3: 23. †नमोवृक्ति-व(त्>)ती--स्या^ट श्चावश्री९,१८,१४;बौश्री. नमस- पाउ ३,११७. १नम्य^d - स्यम् ऋपा १,६६. २ मन (म्य>)म्या - -म्या अप ४८,७४: निघ १,७. नम्र- पा ३,२,१६७; - म्प्रः याशि १, २०; -म्रम् शांश्री १२, १६,१ +: -म्राभ्याम् श्राश्री २. १४,३०; शांश्री १,१७,१८; -म्रे श्राधी २,१४,३१. नामित- -तम् याशि १,५४. १नामिन्!- -मिनः अप ४७,३, ६; ऋप्राः; -मी श्रप ४७,१,८. नामिक-> °क-रेफ - -फात् शौच २.८७. नामि-पूर्व - -र्धः ऋप्रा १,७६; 8,89; 4,39. नाम्यु (मि-उ)प(धा>)ध⁸--धः ऋप्रा ५, १; -धस्य शौच 2, 29; 82; 69. १न-म- न- इ. २नम -(>नामायन- पा.) पाग ४,

नम-पर- न- इ. नमस्- प्रमृ. √नम् द्र. न-मुचिb- पा ६, ३, ७५; -चिम् सु २९,५; - +चेः शांश्री १५,१५, १३१1; श्रापथी १८, १५, ६; १९, ८, १०1; बौधौ; हिधौ २३,१,३७1; वैताश्री ३०,१२1; -चौ श्रापश्रौ १९,२,१९ 1. नमेर- पागम १५५. √नय पाधा. भ्वा. आत्म. गती. नय-, नयत्-,नयति-√नी द्र. नयत्पर- न- द्र. नयन- प्रमृ., नयमान- √नी द्र. नयात^k- (>नायात्य- पा.) पाग 4,9,928. १नरb- पागवा ४,१,७३: -रः बौश्रौ १५, ७: १३ +; श्रापमं; -रम् श्रप ६८, २, ३६: विध: -रस्य श्रप २१, २, ४; ६८, २, ३५; -०रा या ५. १+\$° ; -राः बौषि १,१५: १८ ; श्रप; या 4, 9; 0, 29; ८, ७; ९, ९; १९: - †०राः श्रापश्रौ २, २, ६: ११, ५, १?m; -राणाम् श्रामिगृ ३,१०,२:१०: -रान् श्रप ६८, ३, १३; या ७, २१; -रे विध ९९, १७; -रै: विध १००, ३; वैध ३, ९, १; बृदे ३,३; या ८,६; ७; -री विध ५,१८४; -०री या ५,१. २नारी- तृ- द्र. नर-गण- -णान् शंध ११६ : ६४. नर-ज- -जाः विध २३,४०.

नर-तुरग-महीरुइ- -हान् त्रप ६८. 3.99. नर-नगर- पाग ८,४,३९. नर-नारायण- पागº २, २,३१:४. १४; -णम् शंध ११६ : ५७. नर-पति- पाग ५, १,१२४: -तिः श्रप ६८,३,७; ४,४; -तेः श्रप 190ª, 8,4. नारपत्य- पा ५,१,१२४. नरपति-भवन- -ने श्रप ७०१ 97,24. नर-पाण°- -णम् या ५,२६. नर-यान- नम् श्रा ३, १, १७; २, 9; 8,9,99. नर-युक्त- -क्तस्य श्रप ६८,२, १४. नर-राष्ट्- -ष्ट्म् या ७,५. नर-वसु-मित्र- -त्रेषु शौच ३,९. नर-वायस-खर-वानर-इव-पुंइचली--लीभिः शंध ४१२. नर-वारण-वाजिन् - जिनाम् अप E8, 4, v. नर-वाहन P- पाग ८, ४. ३९ "; -नस्य अप १,३२,१. नर-व्याघ्र- पागम ११२. नर-श्रेष्ठ- - ॰ प्र प्रप ९,४,४. नर-स्कन्ध- पावा ४,२,५१. नर-हा-मित्र- -त्रेषु शुप्रा ३,१०२. नरा(र-श्र)धम- -मः विध ५,१९५. नरा(र-म्र)धिप- -पः श्रप ११, २, १; ६८,३,८; ५,९७; विध ८, 33. नरा(र-म्र)पत्य- -त्यम् या ११, ₹€.

9,99°.

a) विप. । बस. । b) वैप १ इ. । c) पामे. वैप १,9००२ i इ. । d) = ३ वत- e) = रात्रि-।

d) विप. । बस. । b) वैप १ इ. । c) पामे. वैप १,9००२ i इ. । d) = ३ वत- e) = रात्रि-।

f) = [नित-प्रयोजक-] इकारादि-स्वर-। णिनिः प्र. । g) समाहारे द्वस. । h) = ऋषि-विशेष-। व्यु. शे ।

i) ॰ची इति पाठः शे यनि. शोधः (तु. मा १९,३४ वैताओं. च) । j) सपा. चेः <> ॰ची इति पामे. ।

i) ॰ची इति पाठः शे यनि. शोधः (तु. पूर्व स्थलं तैत्रा ३, ७, ४) अर्थः व्यु. च शे । l) वैप १,९००५ ६ इ. । m) नरः इति पाठः शे यनि. शोधः (तु. पूर्व स्थलं तैत्रा ३, ७, ४, ९३ च) । n) तु. पागम. । o) वैप १ नृ-पाण- टि. इ. । p) नाप. । बस. ।

वैप४-नृ-७८

नरे(र-इ)न्द्र- -न्द्रः श्रप ३, ३, ८; २४,६,९; ६८,३, १०; ४, ३; -न्द्रस्य बीध २,२,६८; -न्द्राः श्राग्निग्र २,५,१: ५४; जैग्र २, ९:४; -न्द्राणाम् श्रप ५२,९, ५; ७०³,२,१; -न्द्रे श्रप ७१,

नरो(र-उ)त्तम- -मः विष ७८,५२; ८५,६६; -मम् श्रप ३६, ७,१. १‡नयँ - -०यं श्राश्रो २, ५, २; शांश्रो; -यं: श्राश्रो ३,८,१;७, १२,१; शुद्ध १,२०१; या ११, ३६థ; -यंम् वौश्रो ९, २ : ८; ३:४; निस् १,७:१६; उनिस् ५: २५; -यं श्राश्रो ३,१०,६; श्रापश्रो; -याणि वाश्रो ३,२,

२नरb— पाग ४,१,९९; ऋत्र २,६, ३५.

१नारायण- पा ४,१,९९. ३नर°- (>नरिल- पा.) पाग ४, २,८०.

नरक^d – पाउ ५, ३५; —कः श्रापध १, १३, ४××; हिध; —कम् कप्र १, ६, ३; २, १०, ११; वाध; या १, ११ ‡ ∯; २, ११; —कस्य विध ३३, ६; —काः विध ४३,१; —कात् विध १५, ४४; माशि १५,१०; याशि २, १०१; नाशि २,८,२५; —कान् वैध ३,१५, १२; —काय श्रापध १,१२,१२; विध ३०,४२; हिध १,४, १३: —के हिपि १७: ६;

शंध; -केभ्यः वैध ३,१५,१३; -केप विध ४४, १. नरिका- पात्रा ७,३,४४. १नारक⁸->नारका(क-आ) दि- -दीनाम् शौच ३, २१; 8.90. २नारक^e->नारकी- -कीम् वैश्री १८, 9: ४. नरक-पञ्चर- -राणि शंध ३७४. नरक-व(त् >)ती - -तीः वौश्रौ १९,90:844. नरका(क-अ) भिभूत-दु:ख8--खानाम विध ४५,9h. नरद!- (> 'दिक- पा.) पाग ४, 8.43. †शनरा च शंसम् अप्रा २, ७८; उस २.२४. नराची°- (>१नाराच- पा.) पाग 4,3,9001. नरालि- (>नाराल- पा.) नराची-टि. इ. ‡?नरा वा शंसम् ^क ऋपा २, ७८; उस् २,२७.

†नरा-शंस^a – पाग ६,२,१४०. –सः श्राश्री १, ५, २२; ८, ७××; शांश्री; या ८, ६ ∳; –सम् वृदे २,२८; –सस्य वौश्री ३,१९: २; माश्री १,४,२,१५; वाश्री १,१,४,१; या ८,७; –साय श्रापश्री २४,१२,६. नाराशंस– यद्र.

नराशंस-पीत- - ‡तस्य श्रापश्री १२, २४, ७३; बौश्री; - तेन बौश्रौ ७,१७: १२; ३२××. नराशंस-वत् वृदे २,१५६. नराशंस-व(त् >)ती- -ती बृदे ३, ३१; ३२.

†नरिष्टाा.,ष्टा विन्न - टा अप्रा ३, ४, १; -ष्टाये छुप्रा ५,३७. न-रिष्येमपूर्व- १न द्र.

न-१९०४ मधुच - १० प्र. १-२नर्त -, °र्तक - प्रस्. √नृत् द्र. √नर्द् पाधा. भना. पर. शब्दे,

नर्दते या ७०^३, ४, ३; नर्दति वैश्रो ९,३: ९; श्रप ४८, ४‡; नाशि १,५,८; नर्दन्ते श्रप ५७, १,२××; नर्देत् वैश्रो ९,३: ९. नर्दक्->नर्द-बुदक- -०द आवसं २,२२,७‡.

नर्दत् - -र्दति वैश्री ९,३ : ८. नर्दन - -नम् अप ६४,७,५;९,९. नर्भदा k ->°दा-तीर - -रे विध ८५,८ नर्भदा-वाहदा-तीर - -रे शंध १९४.

१नर्य- १नर- द्र. २नर्य⁰- -र्यम् काञ् ७,३७.

√नल् पाघा. भ्वा. पर. गन्धे, बन्धने; चुरा. पर. भाषार्थे.

१न[,ना] ल- पा ३,१,१४०.

२तल्ला,ल्लां — पाग ४,२,८०^{२०};६,३, ११६°; —†लम् श्राग्निय ३,८, २:४६; बौषि १,१५:५३; हिषि १५:२०; —लेने श्राप्तिय ३,८,२: ४६; बौषि १,१५:५३; —लें: माय २,१,१३.

†नल-प्रवि - न्वः श्राप्तिगृ रे ८,२:४७; वौषि १,१५:५३ नल-मय- -यम् भाश्रौ १,२२,१

नल-वेणु-शर-कुश-ब्यूत- -तानाम् बौध १. ६, ४२. नला-गिरि- पा ६,३,११६. **‡नले(ल-इ)ध्म- -ध्मेन आपश्री ९.** ३.२२: हिश्रौ १५,१,७१. नले(ल-इ)षि",षी(क>)का- -का बौषि १,१४:७; -काम् श्राप्तिगृ ३.८,१:७; २:४६; बौपि १. १५: ५२; हिपि १५: १९. नलेषीकb- -की आप्तिगृ ३. ८. ३: १४; बौषि १,१५: ८५. नल्य-, नाल्य- पा ४, २,८०. नलक्वर'- -रम् शंघ ११६:३४. नलद - पाग ४, ४, ५३; बौश्रौ २४,१४: १०: -देन आश्री ६, १०,३; अप १८,३,१. नलद-माला- -लाम् आश्री ६,१०, ४: आमियृ. नलद-शाखा- -खाः कीस ५१,१२. नलदिक- पा ४,४,५३. नलदी - -दी अप्रा ३,४,9 . नलिन°- पाउच २,४९; पाग २,४, 391. निलनी- पावाग ४,२,५१; -नी श्रप ७०१,७,१. नलिनी-खण्ड- पावा ४,२,५१. न-लोप- प्रभृ. न- इ. नल्प- जल्प- टि. इ. नल्य- पाउभो २, ३, १२९; -ल्वम् श्रामिगृ ३,५, ७: १८⁸. नव,वा^d- -वः शांश्रो १५, १७, १‡; थ्रप १८, ३, ५; - †वःऽ-वः

आश्रौ ९,८,३; शांश्रौ १४,३२, ४; बौश्री; या ११, ६; -वम् श्रापश्रौ ५,२०,११; १९, २३, १३; बौथ्रौ; या ३, १९०; ९, ४३ +; १०,३; - वस्य काश्री २५. ८,१५; श्रापश्री;-वान् शांश्री ३, १२, १६; १७, ४, ८; श्रापश्री; -वानाम् श्राश्री १२, ८, २६; शांश्री; -वानि वौश्रौ २, ९: 94; 97:6; 78, 96:5; भ(धौ; -वाम् बौधौ १७,३१: १५; १८, ४५: २३; काय २१, १: श्रप ६८, २, २९: -वायाम् वौश्रौ २२,१७: १४: गोगृ ४,२,१२; -वे श्रापश्री १, ६, १३; बौथ्रौ; या ४,१५‡ф; -वेन आमिए ३.७.२:३:९.३: ५: बौषि: चया ४,१७; ९,४३; -वेषु कीए ३,३,१;१३,३; शांग्र ३.४.३: ४.१५.५: -वै: शांश्री १७, ६, ५; काथ्री; -वी वैश्री 20,32: 4. नव-क्रम- -म्भम् वैश्रौ १४,१८: १; श्रामिगृ २, ४, ७: १६; 3.४.५ : २: बौषि ३,१०,१ b. नव-कृत्1- -कृत् शांगृ ३,१२,३ 1. #नव-गत्व- -गत्। श्रापमं २,२०, ३०; आप्रिय ३,२,२:२. नव-गतिk- -तयः या ११,9%. नव-धास- -सम् वैताश्री ४३,६. नव-जात,ताd- -तः द्राश्री ४, ३, २+; लाधी २, ३, २+; या ३,

३: -तम् त्राश्री ३, ७, १३ ; -ते या **४,**१५. नव-तर- -रम् या ६, ९; -रैः या 9.9€. नव-तोय-समुद्भव¹- -वे विध २३, नव-धान्य- -न्यम् आमिगृ १, ७, 8:8. नव-नामन्- -मानि या ३, १९. नव-नीत^m- -तम श्राश्री २.६.१०: काश्री: -ते श्रापश्री १९,२३,७: -तेन काथी ७.२.३०; श्रापश्री. मवनीत-गतिk- -तयः या ११. नवनीत-पिण्ड- -ण्डम् पागृ २, नवनीत-प्रक्षि"- -श्वयः काश्रौ २२,९,१३; -श्रीः श्रापश्रौ २२. २०,१४; हिथ्री १७,७,२५. नवनीत-भाव- -वात बौश्रौ 28,25: 28. नवनीत-मिश्र- -श्रेण कौसू २८, १३: -श्रे: कौस २९, २३. नवनीता(त-अ)न्वकः- -कम् कीस ३५,२५: -केन कीस २९, नव-परिरध्य°- -ध्यान वाधुश्री ३. ७६ : १७. नव-प्राशनP- -नम् पागृ ३,१,१. नव-भोजन^p- -ने आश्री २,९,११. नव-यज्ञ - -ज्ञम् कप्र ३, ७, ९; -ज्ञयोः गोगृ ४, ७, ३८; द्रागृ

a) श्राप्तिगृ. पाठः । b) विष. (परिधि-) । विकारे मयटः प्र. लुक् उसं. (पा ४, ३, १६३) । c) = कुथर-पुत्र- । d) वैष १ द्र. । e) नाप. । व्यु. ? $< \sqrt{-}$ तळ् इति प्रायिकम् । f) तु. पागम. । g) पाठः ? । खारीं नल्बम् इत्यस्य स्थाने बौषि १, ६: १३ खारीण्ड्बम् इति पामे. । विशेषः पृ ९६७ छ द्र. । g) पाठः ? । खारीं नल्बम् इत्यस्य स्थाने बौषि १, ६: १३ खारीण्ड्बम् इति पामे. । विशेषः पृ ९६७ छ द्र. । g) नवं कुम्भम् इति g. । g) विष. । उस. उप. कर्तरि कृत् । g) पामे. वैष १, १७७८ छ द्र. । g) विष. । g) कस. > पस. । g) = g4 क्रवीन- । g0 वैष २, ३खं. द्र. । g0 विष. । बस. । g1 च्या-विशेष- । g2 = g3 विष. । g3 = g4 विष. । g4 = g5 विष. । g5 = g7 विष. । g8 विष. । g9 = g8 विष. । g9 = g

४, २, २३; - हो गोए ३,८,९; ब्रायः -ज्ञेन कप्र २, ९,२१; ३, €.96.

नावयज्ञिक- पावा ४,२,३५. नव-रथ- -थेन आगृ २,६,९.

नव-वस्ना(स्त्र-श्र)लंका(र>)रा--रायाः वैगृ ३,३ : १.

नव-वस्त्रो(स्त्र-उ)त्तरीय-पुष्पाद्य--चै: वैगृ ४,८ : २.

नव-शाला - -लायाम् कौस् २३,१. नव-श्राद्ध- -द्धम् वौषि २,१०,६३; बौध ३,६,१०; विध ४८,२१; -दे बौग ३, १२, १३; बौपि २,१०,७; शंघ ४३२.

नव-स्थाली- -ल्याम् काश्रौ १६, v.6.

नव-स्वस्तर³- -रे आपगृ १९, ९. नवा(व-अ) ब- - जम् बौश्री १३, ४३: १; वैश्रौ; - से वैगृ ६, 99:0.

नवान्न-प्राशन- -ने श्राप्रिय २, ७,४: २; कप्र २,९,२१.

नवान्नप्राशना(न-श्रा)ज्यस्क-न्ना(न-त्र)वधूत-हीनमन्त्रा(न्त्र-अ)धिककर्भन् b- -र्मणः बौगृ 8. 99,9°.

नवा(व-त्र)रणि- -णी वैश्री २०, 39: 4.

नवा(व-अ)वसानd- -नम् कार् ‡?नवकम् कीर ३,१५,२ .. नवा(व-श्र)वसित1- -ते काश्री ४. 93,60.

नवा(व-श्र)शन- -ने माश्री ५, १, v. 76.

नवा(व-त्रा)हति- -तीः जैगृ १, 38:3.

नवि(छ>)छा- -ष्टया बीश्री ५, 94:984.

नवी 🗸 क > नवी-कृत्य श्रापृ २,

नवीन- पावा ५,४,३०.

नवीयस्- -यांसम् बौधौ ९, १६: 36年.

नवो(व-उ)द्ध(त>)ता- -तायाम् विध ९९.१३.

‡नव्यd- पात्रा ५,४,३६\$; -व्यः या ३, ३०; -व्यम् आश्रौ ६. ३. १: ४, १०; शांश्री; या ६,९ф; २३; ऋप्रा ७, २५; -व्यम्ऽ-व्यम् बीगृ ३, ११, ४; -ब्येभिः आश्री ६, ४,१०; ऋप्रा ५,५९: उसू ३,६.

‡नव्यस्व- -व्यः आश्री २,१०,४; ७.४.६; शांश्री; -व्यसा ऋग्र २. ६. ६: - व्यसे वौश्रो ९, 98: 3; 4; 0.

†नव्यसी- -सी शांश्री १४. ५६, ६; -सीभि: आश्री २, ९, १४; ८, १४, १८; -सीम् श्राश्री २, १५, २; ५, २०, ६: शांश्री १०, १०, ८; निस् ३, 9: 30.

११,१; -ने श्रापथ्रौ ६,२,१६°. निवस्नाम - नाः वौश्रौप्र ४६ : ३. नवन् d- पाउव १,१५६; -व श्राश्री २, १६, ९: १२××: शांश्री: या ३,९; १००;६,५; १४, ७; -as-a श्राश्री १२, ५, १७;

शांश्री; -विभः आवश्री २१,१७. ३: बौश्रौ; -विभःऽ-विभः श्रापश्रौ २१,१३,१२; -वभ्यः बृदे १,२४; पा ७,१,१६: -वस शांश्री ६, ९,६; काश्री; -वानाम् शांश्रौ ७, ११, ४; १३, ४××; श्रापश्री २१, १४,३; वाश्री.

नव-क¹- -कः काशु ७,१५; ऋत्र; ऋप्रा १६, ५३1; -कम् ऋग्र ३, १७; १८; बृदे; -कयोः ऋत्र १, ६, ५; शुत्र ५, ३६: -कस्य बृदे ३, ६६; -काः पि ३,३३; त्राज्यो ११,७; -के अप १,७, १; कागु; -केन बृदे ३,७५; -कैः उनिस् १: ३२; वेज्यो १६; २७; -कौ ऋग्र १, ९,५; गुत्र ५, ६४; ऋपा १६, ४०: पि ३,१२.

नवक-प्रभृति- -तयः निसृ १ 9:98.

नवका(क-अ) एकै(क-ए) कादशा-(शन्-ग्र)ष्टन्>°ष्टिनी - -नी शुअ ५,४९.

नव-कपाल- -लः त्रापश्री १०,३०, १२; २२, १८, १८; भाश्रौ; -लम् काठश्रौ ८८; बौश्रौ.

नव-करण1- -णः बौशु १८: ८. नव-करणी"--णी काशु ३, ६.

नव-कृत्वस् (:) त्राधी ११, ५, ६; श्रापश्री: नवकृत्वः ऽनवकृत्वः

बौधौ २१,२१: १. नव-कोष्ट"- -ष्टम् अप २१,४,५. नव-गण- -णा: त्राज्यो ९,११. नव-गृहीत- -तम् अ।पश्री १३,

a) कस. उप. = शय्या-। b) समाहारे द्वस. । c) पाठः ? भीण इति शोधः । d) वैप १ द्व. । h) = ऋषि-विशेष-। व्यु. ?। e) परस्परं पाभे. । f) = -नवावसान-। g) पाभे. वैप १, १७७८ c द्र. । 1) तद्धितार्थे द्विस. है) परिमाणे कन् प्र. । i) उत्तरेण संधिरापिः । k) डिनिः प्र. (पावा ५. १.५८) । m) = त्रि:प्रमाणा- रज्जु- (= ३^१)। n) विप. । वस. ।

१४, ६; १८, ४; वैश्रौ; -तने हिश्रौ १०,७,१७^२.

नव-प्रह्-ज- -जाः वैगृ ४, १४:

नव-प्रह्-देवत्य⁸- -त्यम् वैगृ ६,५:

क्तवग्व^b - नवाः माश्रौ ५, १,२, १७; कौस् ८१, ३६; या ११, १९∳;-ग्वासः श्राशौ९,३,२२; -ग्वैः श्राशौ ९,३,२२.

नवग्व-शब्द- -हदः ऋषा ७, ४६.

नव-च्छदि^b -- दि श्रापश्रौ १२,१०, १२; बौश्रौ ६,२७: १७;हिश्रौ ७.७,२०.

नव-तर्द्य⁶⁷⁰— -र्द्यम् काश्री १५,५, २७.

नव-तस्(ः) आश्री ८,५,७; बौश्री १५,२३: १३^२.

नव-ति⁶— पा ५, १, ५९; —ितः श्राश्री १, ३, २४; शांश्री; —ितम् श्राश्री ८, ३, १०; शांश्री; —िती श्राज्यो १, ६^{१०}; —िती: सु २०,२; बृदे ६, ११५; ७, ५१; —ित: शौच ३, ८२; —त्या श्राश्रिय २,४,९:९.

†नव-दशन्->°श- -शः वौश्रौ १०,४२:५; -शे श्रपं ४:२५. नवदशा(श-श्र)पर⁰- -रे श्रपं ४:२५.

नव-द्वार^b— -रम् श्रश्न १०,११†. नव-धा वैश्री १,८: १३;१४,२:६; हिश्री; नवधाऽनवधा वौशु ७: १७.

नवधा-कृत- -तयोः निस् ५,

92:4.

नव-नक्षत्रक⁸ - - के त्राज्यो ९,१०. नव-नवति - - तिः बौश्रौ १६, ३६:१७;२१.

नव-प(द्>)दा^a- -दा श्रम्न **१०**, ९; -दाः निस् ३, १३ : ३८; ४२: ४३.

नवपदी^b- -दी या ११,४०‡. नव-प्रकार⁸- -रम कौशा ३४.

नव-प्रयाजि - - जम् काश्री ५,२,७; बौश्री २४, ११:१०; - जस्य बौश्री २४, १०:१७; - जेन बौश्री २४,११:११.

नव-प्रवा(z>)दा a - -दा निस् ६, ९: १.

नव-भाग° - -गः काशु २,१७.
नव-म - -मः शांश्री ५,१७,९; १६,
२८,३; २९,१७; बौश्री; -मम्
आश्री ४, १२, २; शांश्री;
-मस्य बौश्री १७, २५:९;
२६:९; छुस्; -मात् छुस् ३,
१:१४; १०:३९××; निस्;
-मानि वेज्यो ३९; -मे श्राश्री
१०,७,९; शांश्री; या १४,६;
-मेन बौश्री २९,२:७; माग्र;
-मेः लाश्री ७,७,११².

नवमी - -मी आश्रौ ७, ७, ६; बांध्रौ १६, २८, २; बांध्रुशौ; आज्यो ६,१० ६,-मीम् बांध्रौ ९,८,३; आपश्रौ; -म्याः आपश्र १७, ९; हिशु; -म्याः वौश्रौ १०,२९:१०; वैश्रौ; -म्याः कांध्रौ १९,७,४; माऔ; -म्याम् कांध्रौ २०, १, २ ; आपश्रौ; विध ७८,४४ ; वृदे २,१४९;

श्राज्यो ६, ३; १३; १३, ७. नवमी-युज्- -युग्भिः ऋत्र २,१०,१० ...

नवमी-वर्जम् वागृ ३,

93.

नवस्य(मी-श्रन्त्य>) न्त्या⁸- - †न्त्ये ऋग्र २,१,३४; १०,१०१.

नवस्या (मी-२आय >)द्या³- -द्याः ऋअ २, ७, ५९‡.

नवस्ये (मी-ए) कादशी- - इयौ ऋग्र २,६,२१.

नावमिक- -कम् निस्प, २:२८; ८,३:३१.

नावमिकी- -कीः निसू ८.६:२३.

नवम-दशम- -माभ्याम् लाश्री ७,५,१९; -मे बौश्री १६,१०: ४; निस् ४, ११: ५; ८,३:

नवम-दशमै(म-ए)कादश- -शम् वाश्रौ ३,४,१,५२.

नवम-प्रशृति - तिषु निस् १०, २:३१;३२.

नवमें(म-ए)कादश- -शे बौषि २, १०, ६; -शो वैश्रौ १०, २१: ५.

नव-मास- -सात् अप ७१,२,५.
१नव-रात्र⁸- -त्रः आश्रौ ८,०,
११; १०,३,२१××; शांशौ;
-त्रम् आश्रौ १०,३,१८; ११,
६,१३; शांशौ; -त्रस्य आश्रौ
११,३,२; हिश्रौ १७,६,३;
-त्राः काश्रौ २४,३,२०.

a) विप. । वस. । b) वैप १ इ. । c) समासान्तः अच् प्र. उसं. (पावा ५,४,७५) । d) पाठः ? े क्तीः इति संभाव्येत । e) नवदशात् ।= शौ ८+९,९। + श्रपरे (= पूर्वे ।= शौ ९, e) इति कृत्वा पंस. । f) = तिथि-विशेष- । g) = याग-विशेष- । तिद्धितार्थे द्विस. । g0 = g1 = g2 = g3 = g4 = g5 = g6 = g7 = g8 = g8 = g9 = g9

ब्यापश्रौ २२,२३,८; हिश्रौ १७, ८, २६; -त्रात् श्राश्री १०, ४, ५; -त्राय शांश्री १८, २४, ५; बौधौ १६, ३१: १०; -त्रे श्राध्रौ १२, ७, १०; काश्रौ; -त्रेण शांश्री १६, २८, १; ५; -त्री श्राश्री १०,३,२०. नवरात्र-गर्भº- -र्भः हिश्रौ १८, 3.32.

२नव-रात्रb- -त्रम् वैधौ २, ११: २: हिश्री; -त्रात् श्राप्तिए २, ७,९ : ४६; भाग ३, २१ : ९; -त्रै: निस् ५,१२: १४. नवरात्र-प्रभृति- -तयः निस् 9.6:30. नवरात्र-वास्त- -स्ती श्रापश्री ६,२८,६.

नव(व-ऋ)र्च°- -र्चः द्राश्रौ ९, ३, १५: लाश्री ३. ७, २; -चम् शांश्री १०, ६, २; १८, १, ५; काश्री: -र्चस्य श्रश्र १, ३; -र्चानि शांश्री १५,८,१३; -र्चे शांश्री १८,२,३; -चैन श्राभिगृ ३,६,१:१९; बौषि; -चेंभ्यः त्रप ४६, १०, ६^{‡व}.

नव-वर्ग- -र्गाणाम् आश्रौ ११,५, ७; काश्री २४,३,२१.

नव-विध- -धः कीस् ९२, ११; -धम् शांश्री १६, २८, १; २;

नव-वृत्ति - -तेः वीध ३,१,७. नव-वैराज-त्रयोदश- -शै: ऋश्र १, ६,६; शुत्र ५,३७.

नव-शय⁶- -यम् काठश्रौ १००. नव-सप्तद्श'- -शः श्राश्रौ १०, १,

२; काश्री २३,१,१४; श्रापश्री २३,७,६; -शेन त्रापश्रौ २२, १३,२०; हिथ्री १७,५,४०. नव-सूक्त - -काः श्रपं २: ११. नव-होतृ²- -ता बौध्रौ १७, २१:

नवां(व-अंश>)शाa- -शाः बौश्रौ 20.8:9.

नवा(व-त्र)क्षर, रा - -रम् वाधुश्रौ ४, १००: १०; २८; -रा शांथी १६, २८, २; -राः निस् १, २: २४; ६: १४; ऋप्रा १६,५१; -राभ्याम् उनिस् २: नवाक्षर-चतुर्दशाक्षर- -रौ निस्

> १,४: २३. नवाक्षर-ता- -तायाः निस् १, 9:90:94.

नवाक्षर-प(द्>)दा^a- -दा ऋप्रा १६,५०.

१नवा(व-अ)ङ्गुल- >°ला(त-था)यतº- -तम् वैश्रौ ११,

२नवा(व-श्र)ङ्गु(ल>)ला^६- -ला श्रप २६,३,५.

नवाङग्रहयb- - ह्यम् याशि १, 44.

नवा(व-त्र)नुगानव--नम् जैश्रीप इ. नवा(व-श्र)नुयाज² - जम् काश्री 4,2,0.

नवा(व-आ)याम- -मम् आपश्रौ ११,८,१; वैश्री १४,६: १३. नवा(व-त्र)रितं - - ति माश्रौ २, २, ३,१३; वैथी १४,१०:५; -तिः -तेः बौश्रौ २४, ३५: ६. नवारति-प्रभृति- -तयः बौश्रौ 28, 34: 4. नवारति-मात्र- -त्रः चव्यू धः नवारति-विस्तार^a- -रम् श्रापश्रौ 28,9,0.

नवा(व-श्र)िश्र - - श्रिम् श्रापश्री १६, ४, ११; बौधौ १०, ५: १९ ; हिश्री ११, १, ५४.

नवा(व-स्र)इ¹- -हः शांश्री १३. १७, २; -हम् निस् ५, १०: १६; ११ : २३××; -हानू निस १0, ४: २; ४; 97.

नवाह-कारिन्- -रिणः निस् ५. v: 3.

१नवाह-योग- नात् लाश्री १०. 3.98.

२नवाह-यो(ग>)गा^a- -गाः निस ५, ६: १०: ११: ९, ५: 99: 92.

नविन्- -वी लाश्रौ ६,७,१६. नवै(व-ए)कादशन् > °शिन् !--शिनौ ऋग्र १,७,८.

नवो(व-उ)त्तरº- -रम् कप्र १,६,९. नवो(व-ऊ)नk- -नः द्राध्रौ ८,४,५; लाथौ ४,८,५; निस्.

नवन- √नु इ. न-चल्मीक- १न द्र. नवाक- पाउना ४,१४.

नविष्ठ-, नवी√कृ, नवीन-,नवीयंस्-नव- द्र.

नवेदस्1- पा ६,३, ७५; - दाः1 श्रप ४८,८५; निघ ३,१५. त्रापशु ७, १; हिशु २, ४६ ‡; नटय-,नव्यस्-,नव्यसी- नव- इ.

d) = स्का-विशेष-, तद्द्रष्ट्- च। a) विप.। बस.। b) समाहारे द्विस.। c) विप., नाप.। e) बस. उप. =हस्त-प्रमाण- f) तिद्धतार्थे द्विस. वा. कस. वा । g) तिद्धितार्थे द्विस. । h) स्वार्थे यत् प्र. । k) विष.। तृस. । l) मेधावि-नामन्-। i) वेप १ इ. । j) विप. (पाद-)।

√नज् (बधा.) √नंश् द्र.

√नडा^a पाधा. दिवा. पर. श्रदर्शने, †नशन्ति आश्रौ ६, १४, १८; ९,५,२.

नश्यते अप ९,२,६; ११,२,४: ५३,१,५; नश्यति श्रापश्री १०, १४.९ +: वौश्री: या ३. १५ +: नक्येते शांगु ५, ८,५; नक्यन्ते श्रप ८,२, २; विध ६४, ४१; श्राज्यो २, ४; नइयन्ति बौश्रौ १४.३ : १९: श्रप: नइयसि या ९, ३० +; +नइयतु श्रामिय २. 4, 8: 90; 99; 93; क्तइयतात् श्रापमं २, १३, ८; १०b; पागृ; आमिगृ २, १,३: 90b; भागृ १, २३: ६b; हिंगृ २, ३, ७^{१b}; नइयताम् कागृ ३, ५,98 +; नश्येत अप ३७. १८. १: नश्येत श्रापश्रौ 4, 38, 97; 8, 93, 93×x; काश्री; नइयेयु: श्रापश्री ९,१५, १४: बौधौ.

ननाश बृदे ५, १७; या १२, ११‡.

११ म.

नाशयति हिश्रौ ७, २,८६; श्रप
१२,१,१०; वाघ २७, ०; या
१२, २८; नाशयन्ति भाशौ
१०,१८,१३; श्रप ६८,२,५१;

†नाशयामसि श्रापश्रौ २,५,१°;

वौश्रौ; श्रापमं १,१५,४^d;

†नाशयन्तु[©] आपमं २,९,१०;

वौग्र १,२,२०; भाग्र २,२३:
९; †नाशय श्रापश्रौ ४,१५,१;

भाश्री; नाशयध्वम् विष ४८, १९; नाशयेत् अप २, ४, ३; १६, २, १××; नाशयेयुः आपश्री १०,२०,६; नाशयेयम् वौश्री १३,२६:१७.

वीशी १३, २६: १७.
†अनीनशत् त्रापश्री १३,७,१६;
हिश्री; †अनीनशः त्रापश्री ४,
१५,१; भाश्री ४,२१,१; हिश्री
६,४.१८.

नैष्ट्वा, निश्चता पा ६,४,३२. नइयत्— -श्यतः ग्रप ६८, २, ५०.

नश्वर- पा ३,२,१६३.

नष्ट, चा च, २, १, १२२ नष्ट, छा - - ए: वैध ३, १५, १२; श्रप्राय ६, ४; - एम् श्राय ३, ७, ९; कौस्; - एयोः शांश्रौ ३, १९, १७; - ए। बौश्रौ ६, ८: ८; वैश्रौ २०, ३५: ९; कप्र ३, ९, ११; - ए। स् अप्रशौ १०, १८, ८; साश्रौ १०, १२, ५; वैश्रौ १२, १४: ४; - ऐ श्राश्रौ; - ऐपु बौश्रौ २०, १९: २३ × ×. नष्ट-च-द्रा(-द्र-श्र)कैं - - कैम् सु ४, २. नष्ट-चे(छा >) ए॰ - - ए: सु ४, २०,

२^b. नष्ट-प्रत्यास् (त>)ता- -ताम् श्रापश्री १९,२,४.

नष्ट-रूप,पा⁸- -पः बृदे ४,६४; -पा ऋत्र १, ६, ६; ग्रुज ५, ३७; ऋपा १६,४१. †नष्ट-व(स्त>)स्ता^ड- -त्सा ग्रापध २,१७, ८; हिध २, ५, ३७.

नष्ट-सं(ज्ञा>)ज्ञ⁸- -ज्ञस्य बृदे ७,८४.

नष्टा(ए-ख्र)ग्नि⁸— -ग्निः श्राप्तिग्र ३,९,१:१; बौपि २, ५, १; —ग्नेः वाश्रौ १,५,१,१

नष्टा(ष्ट-अ)रणि— -णी बौश्रौ २७,८:४.

नष्टा(ष्ट-म्र)रणी-क^ष- -कस्य बौश्रौ ३,३:२१; २०,१९:२२; २४,१९:९; बैश्रौ १,२०: १५.

नष्टा(ष्ट-त्र)स्व-दग्ध -स्थ¹---वत् पावा १,१,५०.

नष्टा(ए-त्र)सु⁸- -सवः श्रन्न १०,४‡.

नष्टै(ए-ए)षिन्¹- -षिणाम् कौस् ५२,१२.

नष्टवत्- -वान् आश्रौ ४, ११,

नष्टि - पानाग ३,३,१०८. नष्ट्य(छि-स्र)श्विगत- -तम् माश्रौ ३,१,२५.

नष्ट्वा पा ६,४,३२.

नाश - - नः वैश्रौ २०,३२:४; अप ५३,४,१; ७१,१५,१; - त्रम् वाश्रौ १,५,४,४४; कप्र ३, ३, ६²; अप ७०³, ११,१५; - त्रो काश्रौ २०,३,१८; काश्रौसं.

नाशन¹- -नम् श्रप ६४, ४, ७; वाध १२, ४१; विध ३३, ६;

a) शौच ३,९० पा १, ३, ८६; ७,२,४५; ८,२,६३;४,३६ पावा ६,४,१२०; ७, २,११४ परामृष्टः द्र.। b) एकतरत्र हिए. पामे. पृ२४९ r द्र.। c) पामे. वैप २,३खं. नाशयामिस तैन्ना ३,३,२,१ टि. द्र.। d) पामे. वैप १,३७० ८ ९ द्र.। e) पामे. वैप २,३खं. निर्देहन्तु टि. द्र.। f) वैप १ द्र.। g) विप.। वस.। h) पामे. वैप १ एलबायित खि २,१,४ टि. द्र.। i) बस. > द्रस. > बस.। f) वैप २,३खं. द्र.। k) तु. पागम.। f0 भावायुर्धे कृत्।

-ने आपध २,२८,६; हिध २, ६,६; या ६,३०; पावा ३,१,६°. नाशनी- -नी पाग्र ३,१३,५० नाशना(न-आ)कुल- -लै: अप ७०,८,४. नाशना(न-श्र)धं- -र्थम् बृदे ७, ९५.

†नाशि(न् >)नी- -नी^b श्रापमं २.२२,१; हिए १,१५,३.

नाइय,इया- -इयः श्रापध २, २६, २९; २७,८; २०; हिध^० २,५, २२७; २३८; –इयाः कौसू १००,२[‡].

१ मास्ट्र, ब्ट्रा^{dve}— पाउभो २,३, ००\$; — ब्ट्राणाम् श्रापथौ ११,१२,२; बौश्रौ ६,२८: २९; बैश्रौ १४,८:१; — ब्ट्राम्यः वौश्रौ ९,०:१२;१२,९:२५; पाग्र २,६,३१; — ब्ट्राम् आपश्रौ १६,१६,१; बैश्रौ १८,१४:४.

न-राब्द-प्रत्यय- २न- द. न-रार्करा-मिश्र-,न-शाब्वल-मिश्र-१न द.

नइयत्-, नष्ट- प्रमृ. √नश् (श्रदर्शने)

√नस् ^b पाधा. भ्वा. श्रात्म. कौटिल्ये, नसते¹ निघ २, १४‡; नसिते¹ श्रप ४८, ४८‡; ‡नसन्त¹ श्रापश्रौ १७, १८, १; निघ ४, १; या ४,१५; ७, १०Ф.

नस्⁶- नसम् पा ५, ४, ११८; नसि

कप्र ३,२,९; †नसोः बौश्री ३, २५: ८; भाश्री. नः-श्चद्वं – पावा ६,१,६२. नस-तस् (:) श्राप्ट १,१३,५; कौप्ट १,१२,१; ८; शांग्ट १,१९,१; २०,५; बैग्ट.

नस्य^e- पावा ६,१,६२. न-सत्त-, न-सिक्त १न द्र. शनसङ्गावी अप १,८,२.

√नह् ^k पाधा. दिवा. उभ. बन्धने, नहाते बौश्रौ १४,४: १४.

नद्ध - -द्ध: हिथी २३,१,११; भाशि ४९‡; -द्धम् लाशौ ८, ६, ७; ऋप्रा १४.४.

नद्ध-युग¹— -गम् आपश्रो १, १७,५; १०,२४, ४; हिश्रौ १, ५,७; —गे श्रापश्रो ११, ६, ३; भाश्रौ १२,६,९.

नद्ध-विमोक्ष- -क्षे पागृ १, १०, १; गोगृ २,४,३.

नद्(μ) μ – पा ३,२,१८२. नद्यमानं – नम् श्राप्ट ३,१२,११. नाह" – - हम् वैश्रौ ११,८:१४.

नहस्त°- -सः छ २२,९^२. १नहि^{ष्ट} बौधौ २८,९ : २०.

नहि १न द्र.

नहुप^{9, प} पाउ ४,०५;-पः सु २३,३¹; ऋग्र २,९,१०१;साय १,५४६. १नाहुप⁶- -०प वृदे ६, २२; -पः ऋग्र २,९,१०१; वृदे ६, २०; साग्र १,५४७.

नहुष-पुत्र- - त्रम् शंध ११६:३५. †नहुस्- - हुषः श्रप ४८, ७८; निष २,३; ऋप्रा २,४४; ८,३. २नाहुष- > ॰पी- - पीपु शांश्री १०,६,१५‡.

न-ह- १न द्र.

†नाक°- पा ६, ३, ७५\$; - • क श्रापश्री १०, ३, २; भाश्री १०. १३,३; -कः शांश्री ८, २५,३: श्रापश्री; या २, १४**०**; -कम् श्राश्री ४. ७,४; शांश्री; श्रापश्री १४, १७, १^t; हिश्री १५, ५, 9t; या १, १८, १२, १३; ४१: -कस्य काश्रौ २, २, ८: श्रापश्री; -काय वौश्री १, ३: १९: त्यापमं २,६,९: -के त्राध्रौ ८. ७,४; शांश्री ५,९,१७; १०, १५: काधी २२,६,१५; श्रावधी ७, ५,९[॥]; १६, १८,७; बौश्रौ; भाश्री ७,४,१"; माश्री ६,२,३, ८"; वाश्री २, २, २, १२"; हिश्री ४, १,६२⁴.

नाक-स्व- -स्वम् वाध्यौ ४, १९^२ : १३.

नाक-एष्ट- - †ष्टः श्राप्तिय ३, ४,४: १०; १२; - †ष्टम् वीपि ३,४, १४; १५; गीपि; - छे कौय ३, १०, ३५; वाघ २९, २१³; श्रापध १,२३,१; हिघ १,६,%, नाक-सद्^{e,} - सन्सु वाश्री २,२,१, २४; हिश्री १२,१,३३; - सदः

a)-तु. पासि. । b) सप्र. नाशनी <> नाशनी इति पामे. । c) वा° इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. सप्र. श्रापधः) । d) पुं. स्त्री. च । e) वैप १ द्र. । f) पामे. वैप १,९०८३ n द्र. । g) पामे. वैप १,९५३ १ द्र. । h) या ६,९०;७,९० परामृष्टः द्र. । i) वैप १,९०८४ b द्र. । j) सुप्तुपीयः समासः (तु. कैयटः) । k) पा ६,३,९९६;८,२,२४ परामृष्टः द्र. । i) विप. । वस. । m) = चर्मरज्ज-। n) करिंग घश्र प्र. । o) श्रार्थः ख्यु. च ? । p) पाठः ? नाऽभि (ध्युः) इति शोधः । q) = राज-विशेष-। r) = स्प्र-विशेष- । s) तस्यापस्थीयः अण् प्र. । s) पामे. वैप १,९०८५ s द्र. । s) पामे. वैप १,९०८५ s द्र. । s) = इष्टका-विशेष- ।

ब्राध्रो ९, ८, २६°; काथ्रो; -सदाम् शांश्रो १४, ०३, २°, श्रापध्रो २२, ५, १५°; बौध्रो; हिश्रो १७,२, ४३°. नाकसत्-प्रभृति - -ति काथ्रौ

१७,७,१८. नां-हाब्द् - नाम् द्र. नाकु- पाड १,१८. १नाकुल- १नकुल- द. २नाकुल- २नकुल- द. नाक्षत्र- नक्षत्र- द्र.

नाखर- २नखर- द्र.
नाग⁶- पाउन्न ५,६१; पागम १५५;
-गम् वाध्रश्री ४, २८⁴: २;
२९², ५; ब्राज्यो ४,६; ६,९१;
-गस्य आज्यो ५,१५°; -गाः
सु ३०,६; ब्राण्; -गान् सु ३०,
५; वैण् १,४:२२‡; कप्र २,
२,३-८; शंघ ११६:२२;
-गानाम् सु ८,२; ब्रज्य ३६,१,
१०; ५३,४,२; वेज्यो ४; -गे
ब्राज्यो ४,१३°;-गो सु १४,९.
१नागी- पा ४,१,४२; -गी
सु २,९.

नाग-दन्त- > ॰न्त^d- -न्ताः वौश्रौ २२,१९:११. नागदन्त-क- > ॰क-मुद्रा^e--द्राम् श्रप ६८,२,२६. नाग-दिब्य- -न्यान् वैष्ट १,४:

२२‡.

नाग-मानृ¹- -त्रे वौगृ २,८,१२‡⁸.

नाग-वीथी^b- -थीम् श्रव ५०,४,४.

नागवीथी-गत- -तः श्रव ५०,
६,२.

नागा(ग-श्र)धिपति- -तिः वाध
२२,६.

नागे(ग-१)न्द्र- -न्द्राः श्रव ५३,
४,४.

नागकदार¹- रम् श्रव ३५,२,२.

नागर-, °रक-, °रेयक- २नगर- दः
२नागी³- -गी श्रअ ९,६; १५, १४;

पि ३,१२.

नाग्न्य- नगन,ग्ना- इ.

नाङ्ग्चत्र- १न इ.

नाखिकर्त- नचिकेत- इ.

नाट'- पाग २,४,३१¹; ४,१,४१[™].

नाटी- पा ४,१,४१[™].

नाटक--,नाट्य- √नट् इ.

नाडायन- २नड- इ.

नाडिं^{2,0}- -डीन् वाध्रुशै ३,९०,२;

५;९.

ना(ड,ऌ¹⁾>)डी, ली⁰- -डी कौस्

२२, ९[‡]^r; -डी: श्रापथी १, ३,९^s; २१,१७,१७^t; १९,४^t; भाश्री १, ३, १०^s; निघ १, १.९[‡]^u; -डीम् बौश्री १४, १७: २३^v; काय १७, २^t; -ड्याम् पाय १, १६, ३; ^{कै}य ६ध: २.

नाडि(क>)का^x− -कया वैघ **१,** ११,२; -कायाः वेज्यो २४^y; -के वेज्यो ३८^y.

नार्डि-धम-,°धय- पा ३,२,३०; पावा १, ३, १०.

नाडी-तन्त्री- -न्त्र्योः पा ५, ४, १५९.

नाडी-मुख- -खेश्यः वैग् ५,१ः२०. नातानितक- $\sqrt{-}$ नम्>नत- द्र. नातिकूरमृदु-, ॰तीहण-, ॰नीच-, ॰बृहन्मुखी- १न द्र.

नात्तायन- नत- इ.

√नाथ्^र पाधा. भ्वा. श्रात्म. याञ्ची-पतापैश्वर्याऽऽशीःषु.

् १ † नाथ - - थम् त्रापश्री ७,१६,७ँ; माश्री ७, २, १३, १३, ६श्री ६,८,४^४.

†नाथ-काम- -मः श्रापमं **१.** १०,३;६; पाय.

नाथ-वत् - -वतः हिश्रौ १५,५, ३९^{a1}; -वान् श्रापश्रौ १४,२२, १९^{a1}.

†नाथ-विद् - - वित् स्रापश्री **७,** १६,७; हिधी ६,८,४; - विदः, - विदी माश्री ५,२,१३,१.

नाथमा(न >)ना- -नाम् आपमं १,११,२‡^{b1}.
†नाथित- -तः माश्रौ ३,१,२८^{c1};

a)=याग-विशेष-। b)=सर्प-, हस्तिन- प्रमृ.। व्यु. $^{?}<$ १न + अग- वा < नग- वेति अभा.। c)= कर ग्-विशेष-। d) विष.। विकारार्थे कण् प्र.। e) मलो. कस.। उप. = ब्रब्स्गुलीयक-। f) = करू-। g) नाक॰ इति पाटः ? यिन. शोधः। h) = व्योम-मार्गविशेष-। i) = ब्रोपधि-विशेष-। व्यु. ?। j) = छन्दो-विशेष-। गायत्री-]। व्यु. ?। k) श्रधः व्यु. च ?। l) नाट-मस्तक- इति भाग्डा. प्रमृ.। नटमक- इति विशेष-। गायत्री-]। व्यु. ?। k) श्रधः व्यु. च ?। l) नाट-मस्तक- इति भाग्डा. प्रमृ.। नटमक- इति विशेष-। गायत्री-]। व्यु. ?। k) श्रधः व्यु. प्रमृत्ति। k) तु. पाका. पागम.। नोट- इति भाग्डा. पासि.। k) श्रधं-। k) ध्रिक्षमेधप्रकरपातः] ?वालमयरज्जु- इति भाष्यम्। k) निघ. पाठः। k0) बत्रा. वेशिष्टपं पागम. द्र.। k1) अर्थ-। k2) चत्र्ग-शिलाका-। k3) चत्र्ग-शिलाका-। k4) वाङ्-नामन-। k5) पात्रा १९। स्वार्थ कत् प्र.। k7) = काल-पिरमाया-। k7) पात्रा १९,३,२९ परामृष्टः k8.। k9) परस्परं पासे.। k9) पासे. वैप १९,९०८० k7.। k9) पासे. वैप १९,९०८० k7.। k9) पासे. वैप १९,९०८० k7.।

-तम्° ब्रापश्रौ ७,३,१४; बौश्रौ; माश्रौ १, ७,३,१५. १नाथ- √नाथ् द्र.

२नाथ b - > नाथ-हरि- पा ३, २, २५.

नाद्- प्रमृ. √नद् द.

†नाधमान,ना— -नः भाशि ४९; —नाः श्रापश्रौ ६,२२,१; या ४, ३∳; —नाम् काय ३०,३; वाय १६.१.

नाघ°- -धः या २,२. नानद-, नानदत्- √नद् द्र. नाना^d †शाश्रौ ३,९,४;८,२,९; शांश्रौ; पा ५,२,२७;पाग १,१, ३७.

नान(ना-ऋ)िकेज् – -ित्विजः निस् ८, ६ : ५८.

नानां(ना-श्रं) श-> श्वान् - - शिनौ बौश्रौ १२, १५: १६; २२^२. १नाना-कर्मन् - मैणाम् श्रापध २, २३,११; हिंध २,५,१६४. नानाकर्म-त्व- - त्वात् मीस् १२,

३,२७. २नाना-कर्मन्^e- -र्माणः या ६, ६; -र्माणि या २,७.

नाना-कारक - -काणाम् पावा २, १,३५; -कात् पावा २,१,१. नाना-काल - -लेपुहिश्री १,१,६२. नाना-कुम्भी - -म्भीपु हिश्री १४, ४,५०.

नाना-क्रिया- -याणाम् पावा ३, १, २६^२. नाना-गृहीत- -तयोः हिश्रौ ८, ७, ४१.

नाना-गोत्र°- -त्राः श्राश्रौ **१**२,१०, २; माश्रौ ३,८,३; -त्रान् काय **२४,**१७; बौयृ.

नाना-गोत्र-ज्यवाय¹- -यात् श्रापश्रौ २१.३.४.

नाना(ना-म्र)ग्नि - मीनाम् श्रापध २,१२,१०^६.

नाना-चतुरश्र— -श्रे वौद्य २ : १. नाना-चतुर्गृहीत— -ताभ्याम् श्राग्निय ३,५,६ : २७; बौपि १, ५ : १३; -तैः बौश्रौ १९,५:३. नाना-चतुर्मुष्टि^h— -ष्टी बौश्रौ २२, १७ : २१.

१नाना-छन्दस् - न्दः निस् ८, ६ : १ $^{2^{1}}$; -न्दस्ति निस् ९, ३ : ९; -न्दस्सु निस् ८, ९ : ४ • नानाछ (न्दस् >) न्दो-गित-पथ¹ - थः विध १, ९ •

२नाना-छन्दस्^e- -न्दांसि अश्र २,

नाना-जनपद- -दे हिश्री १५, ५, २३.

नाना-तन्त्र,न्त्राº- -न्त्रः माध्रौ ५.

१, १, ३५; निस् ९, २: १०; नन्त्रम् श्रापश्रौ ५,२३,८; भाश्रौ ६,१८,१०; हिश्रौ ३,८,७७; नन्त्राः माश्रौ ५, २, १०, ४६; नन्त्राणि श्रापश्रौ ५, २१,६; श्रप्राय ३,९; नन्त्राम् श्रापश्रौ ६,३१,१; नन्त्रे हिश्रौ ६,८,१; निस् ७,८: २७; नन्त्रौ हिश्रौ है,८,१;

22,8,6.

नाना(ना-ऋ)त्यय° - -यौ निस् ८, १२:९.

नाना-त्व- -त्वम् निस् २, ७ : ३; ५××; श्रप ७०^२,४,५; मैश्र ४; -त्वात् निस् ९,८ : २७; -त्वेन मीस् ८,४,२३.

नानात्व-क्छम - सानि निस् ८, २:२३; -से निस् १०, १:१२. नानात्व-प्रकान्त - -न्तेषु निस् १,१२:२४.

नानात्वा(त्व-श्र)र्थ- -र्थः निसृ ६,६: २६ $?^k$; ८, ८: २८;९: १७××; -र्थम् निस् ७, ३:१४. नानात्वा(त्व-श्रा)वृत्ता(त्त-श्र) र्थं- -र्थः निस् ८,६: ३१.

नाना-दीक्ष^e— -क्षाः काश्रौ १४,.

नाना-दीक्षा- -क्षाभिः विध १,७. नाना-दीक्षा(ज्ञा-स्र)वस्टय^m--थानि निस् ७, ३ : ५.

नाना-देवत,ता° त्तम् निस् २,० ः १०; —ताभिः सांश्री १६,०,८; —ते निस् २,०:१५; —तेषु आश्री ३,४,५; वाश्री ३, २,६,. ४७; या १३,१०.

नाना-देवता \rightarrow °ता-व्यवेत – -तानाम् श्रापश्रौ २४,१२,५. नानादेवत्य,त्या – न्यम् श्रश्न २, १२; ३, ३××; –त्या साश्च २, ६०४; –त्याः वौश्रौ ११,४: १०; –त्यान् वौश्रौ ११, ४: ३२; –त्यानाम् यौश्रौ ११,५:

a) पाभे. वैप १,१७८७ ते द्र. । b) = नासा-रज्जु-। ब्यु. १। c) स्रर्थः ब्यु. च १। $< \sqrt{-}$ नह् इति दु. । d) वैप १ द्र. । e) विप. । वस. । f) कस. > पस. । g) सप्त. हिघ २,४,४६ अग्नीनाम् इति पाभे. । h) विप. । वस. > सनाहारे द्विस. । i) पाठः १ ॰शब्दः इति शोधः संभाव्येत । j) विप. । वस. > पस. समासान्तः प्र. । k) ॰श्वर्थः इति पाठः १ यनि. शोधः (तु. संस्कर्तुः टि.) । l) तृस. > वस. । m) विप. । वस. > दस. ।

८ : - त्यानि अअ ४.२३. नाना-देश-त्व- -त्वात् पावा २,३, 9:4,3,02. नाना-देश-स्तवन- -नम् लाश्री 80,9, 4. नाना-देवत8- -तम् श्रय ६, ५३; -ते अग्र ६,४. नाना-दैवत्या8- -त्याः याशि २, १. नाना-धान्य - - न्यानि बौधौ १०, 44:93. नाना(ना-अ)धिकरणा(ण-अ)र्ध--र्थम पावा ६.३,४६. नाना-धीa - -धियः या ६,६ कि. नाना-धूम-निभ- -भाः त्रप ५२ ₹. ₹. नाना-निर्वचनº- -नानि या २,७. नाना(ना-ग्र)न्त- -न्तयोः श्रापृ १, 3,9; 3. नाना(ना-न्र)न्वयो(य-उ)पाय--यै: बुदे २, ९९;११९. नाना-पत्र(क>)का^{a,b}- -का मागृ 2.93,44. नाना-पद- -दानि अप्रा २,३,१८; -दे शौच २,१६: ३, ७९. नानापद-दर्शन- -नात् शौच ४, नानापद-वत् तेप्रा १,४८. नानापद-संधान-संयोग-तंत्रा २४,३. नानापद-स्थ- -स्थम् तेप्रा २०, ३; -स्थे शुप्रा ३,८०. नानापदा(द-त्रा)वाध- -धे त्रप्रा 2,3,98. नानापदीय- -यम् तेप्रा १,६०. नाना-पर्वन् - -र्वणोः निस् १०, ३ : 26.

नानापर्व-तर- -रे निस् १०,३ : 39. ?नाना-पवमानिक- -केभ्यः निस् 6.9:90. नाना-पात्र- -त्रेषु भाश्रौ ८,१६,६. नाना-पात्री- -त्रीपु वौश्रौ २१, 99:93. नाना-पुरुष- -षाः बौगृ १,२,१४. नाना-पुरुष-करुप⁰- -रुपौ निस् ८, 93:36. नाना-पृष्टº- - एः खुसू २,१०: ५; 98:90; 92; ₹, 9:20; निस १०, ७: २३; - छे लाश्रौ ४.५.२४; निस् ७,८: २७. नाना-प्रकारº - -राः बृदे १,३४. नाना-प्रगाथ-ता- -ताम् लाश्रौ 80.5.3. नाना-प्रण(व>)वाº- -वे शांश्री ३, 94,9; 0,7,93. नाना-प्रतिपद् - -पदः निस् ५, १: 99. नाना-प्रथन- -ने बौश्रौ २७,३ : ४. नाना-प्रमाण⁸- -णयोः श्रापशु २, ६: हिशु १,२७. नानाप्रमाण-समास- -से काश 2, 22. नाना-बर्हिस्"---हिंभ्याम् बौश्रौ १२, २: ९: -िईपि हिथ्री ३, ५. १४; -ईंबि बौश्री १३,१:१३. नाना-बीज- -जानाम् श्रापथ्रौ ६, २९, १९; बौश्रौ; -जानि बौश्रौ २०, ८ : ३३; श्रापग् ३, १५; -जे मीस् ५, २, १३^d; -जेषु काश्रौ २, ४, १०; हिथ्रौ ३,८, नाना-बृहती- -त्यः निस् ७,२:२५.

१नाना-ब्रह्मसामन् e- -मानि निस् 0.3:98:8.3:8:93, 0xx. २नाना-ब्रह्मसामन् - -मा निस् ९, 93: 6. नानाबह्यसाम-स्व- -स्वात् लाश्रौ 80,8,8. नाना-भाग8- -गः निस् ८,१: १७. १नाना-मन्त्र- -न्त्राभ्याम् पागृ १, १०,१; -न्त्रैः वेषृ ६४:२. २नाना-म(न्त्र>)न्त्रा°- -न्त्राः त्रावध्रौ १७,२४,७;९××; वाश्रौ; -न्त्रासु वौश्रो २२, ६: १३. नाना-यजुस³- -जुपः माध्रौ ६, २, २,9३; ६,२९; ३१. नाना-यूप²- -पेषु शांश्रौ ६,९,५. नाना-यरेग-करण- -णम् पावा ५. 2,90. नाना-योनि-सहस्र- -स्राणि या १४, ६₹. नाना-राग-समुख- -त्थानाम् अप 46,9,8. नाना-राज्य- -ज्ययो: श्रापधी १४, 30.8. नाना-रूप,पाº- -पः या ३,१७. -पा: पाग ३, ३, ५‡; बृदे ५, ९२:८,७२; -पान् बृदे ६,३२. नाना(ना-अ)र्थ- -र्थानाम् पावा १, २,६४: -थानि बौध ४,१, १; २,9; -धेंपु वृदे १, ४३; मीसू U. 2,94. नानार्थ-स्व - स्वात् लाश्री ९,७, ५: पावा. नाना-लक्षणº- -णान् माधौ २, ३, १,२०; -णानि काठश्रौ ११६. नाना-लिङ्ग-करण- -णात् पाप्रवा 8,5.

a) विप.। बस.। b) उप. = कर्ण-भूषण-। c) कस. > द्वस.। d) व्जेषु इति जीसं.। e) वैतृ. सा (तां २४,३,१४) द्वे पदे इति ।

नाना(ना-म्र)वसृथ°--थानि श्रापश्रौ १८, २२,२२; द्राश्री ६, ४,५; लाश्रौ २, १२,६. नाना-वर्णa'b -- जी: अप ४७,२,८; -र्जे अप ७२,१,४. नानावर्ण-ध्वजा(ज-श्रा)कुल--लम् अप २१,६,२. नानावर्ण-स्त्री-पुत्र-समवाय--ये बौध २,२,१०. नानावर्णा(र्ग-म्र)ग्नि-संकाश--शाः अप ५२,३,५. नाना-वषट्का(र>)राº- -रे शांश्रौ **19,7,98.** नाना(ना-ग्र)वसान⁸- -नयोः श्रपं १: २६. नाना-वाक्य-स्व- -स्वात् पावा ३, 8. 4 0. नाना-वि(धा>)ध³- -धम् अप ७० रे.७.१५;-धाः या १४,६ %; -धानाम् विध २२, ९३; -धे वैगृ ५,9:9४; -धैः वृदे १,४६. नानाविध-फलो (ल-उ) दय--याः अप ५८,१,४; -यान् अप £3,9,9. नाना-विभक्ति"- -क्तीः या ६, २४; -क्तीनाम् पावा ८,३,५९. नाना-वीर्यº- -र्याः शांश्रौ १६,२३. ६ रे.१४: - वें बौश्री १६, २४:

नाना-वृक्ष->°क्षीय,या-

त्रापथ्रौ ५,१७,५; बौथ्रौ; -यान्

बौपि १,१४:१०; १५:८१.

नानावक्ष्य,क्ष्या°- -क्ष्यम् बौश्रौ 20,40: 8;49:23;42:98; -ह्याः बौश्रौ १०, १२: ९; १४:४××; -क्ष्याणि वौश्रौ १२, ९: २; २७. ३१: ३; १८, ८:७: - झ्यान् आनिगृ 3,6,9:90; 3:90. नाना-शस् (ः) वाधूश्रौ ४, ८२:५. नाना-शास^{a'd} -- साः बौधौ ११, 8: 99;93. नाना-घोडश-सामन्- -मानि निसू 6,6: 36. नाना-साधु- -धुः निस् ८,६ : ५७; 99: 36xx. नाना-सामन् - -मानि निस् १,१३: नानासाम-वत् लाश्री १०, ९, १०; निस् ६,७:६५. नाना-सक्त--काभ्याम् श्रापश्री १७. १४,२; वैश्री १९,६ : ७५. नाना-सूत्र- -त्रेषु बौश्रौ १२,१३:५. नाना-स (र्य>)र्याº- -र्याः वीश्रौ १९,90:96 =. नाना-स्तोमª- -माः निस् ८, ८: नाना-सुवा(व-ग्रा)हुति^e- -तीः श्राप्तिगृ १,६,२: २. नाना-स्वर^a- -राः निस् ९, ९: २०. नाना-स्वरु⁰- रवः बौश्रौ ११, ४:

नाना(ना-श्र)हन्- - इःस निस १, १२:२७; ३, १०:३६: -होभिः निस् ४,१२: १०;१०. ८:२६; -ह्नाम् निस् ६,७:४३; 20, 6: 20. नाना(ना-आ)हवनी(य>)याa--याः काश्रौसं ५: २. नानाहवनीय-पक्ष- -क्षे काश्रीसं 4:32 नाना-हविस्- -वींषि कौसू ७४. 94+. नाना(ना-त्र)हीन- -नेषु त्रापश्री २२,१४,१५; मीसू १०,५,५६. †नानान¹- -नम् ऋत्र २, ९, ११२; अप्रा ३,४,७. नानानीय^g- -येन बृदे ६,१३९. नानान्द्र-, 'न्द्रायण- ननान्द- इ. ?नाना श्रान्ताय में शांश्री १५,१९,१. नानेय'- -यः या १,६. नान्त- न- इ. नान्तरीयक- १न द्र. ?‡नान्ते[।] कौसू ८२,२१: नान्त्र- पाउ ४,१६०. नान्दी-, °दी-कर- प्रमृ. √नन्द् इ. नान्वार k -> °र-वाल्हिक- -कान्, त्रप ५६,१,८. नापित1- पाउ ३,८७: पागम ११५; - † ०त बौश्रौ ६, २: ६;३: ५; ं जैयु १, ११: २१; २२; -तः बौश्रौ १७, ३९: २७; श्रामिय; -तम् बौश्रौ १७,३९ : २; त्रागः; -ताय काश्री ७.२,१२: बौश्री;

a) विष । बस. । b) उप. = श्रक्षर-, जाति-, रङ्ग-। c) विष. । तस्येदमीयः यत् प्र. उसं. (पा ४, ३, ९२१) । d) उप. = शस्त्र- । करऐ। घत्र् प्र. । e) कस. > तस. । f) वैष १ द्र. । g) विष. । g> ईयः प्र. (पा ५, २, ५९) । h) पदिविभागः ? नाना श्रान्ताय इति सा. K. (ऐ ७, १५), न, अनाश्रा॰ इति सा. (पक्षे), नाना, अश्रान्ता॰ इत्यानर्तीयं भाष्यम् । i) = अन्य – । eयु. ? । < न, अा-नेय – (= न्य-) इति दु. स्क. RNM. SEY [८५] । [पक्षे] दु. < नाना - इति च ? । f) पाठः ? ? नाङ्के इति संस्कर्तुः टि. शोधः । f0 = देश-विशेष- । व्य. ? । f1 वैष २,३ खं. द्र. ।

नाना-स्वस्त्य(स्ति-श्र)यन- -नानि

निस् ५,५: २४.

-ते काश्रौ ७,२,६. नाषित-कर्भन् - में बौग्र १,८,९; -र्माणि हिपि १२:५. नाषित-कृत्य- - स्वे हिश्रौ १०, १, ३३.

नाभस- √नभ्>नभस्- द. १,२नाभाक- नभाक- द.

नाभि°-(वप्रा.) पाउ ४,१२६; पाग ५, २,९७; - मभयः हिश्रौ ११,७, ४०; अप्राय ६, २; - मा श्रापध्रौ ११, ५, १: बौध्रौ; या ६, २१; -भिः श्राश्रौ ३, २, २०; ८,६,२३‡; शांश्री; लाश्री ९,१०,१३ +b; १४ +c; वैताश्री १९,१८१ #d,e; बौगृ १,२,५०; ५,२९1; हिम् १,२४,४1; या ४, २१[‡]र्क; १४, ११; -भिम् श्राध्रो १, १३, १; २, ९, १०; शांश्री; काश्री ९, १२, ४ 🗗; माधी २, ४, १, ३५^{‡d}; वैश्री १६, १८: ११⁸; - भी: हिथी २, ४, २८⁸; -भे: काश्री २,२, १८‡; ९, १२, ४‡; श्रापश्री; चात्र ३९: ८b; -मी आशी १, १३, १; शांध्री; या ४,२७; -भ्या या ४, २१; -भ्याः त्राधी 3,3,9 1; शांधी; -भ्याम् शांध्री १६, ३, ३१; आपधी; -भ्ये वौध १,५,७६ .

†नाभा-नेदिष्ठ°— -ष्टः शांधी १६, ११, २९; ऋग्र २, १०, ६१; ग्रुव्य १, ५६८; २, १६; ७५; —ष्टम् शांधी १२,८,२; १६, ११,२८; बौधौ १४, ५:२८; –ष्टस्य शांधौ १२,९,६; –ष्ठे बुदे २,१३०.

नाभि-कृत्तन- -नात् द्राग् २, २, ३३; -नेन गोग् २,७,१६. नाभि-चषाल¹- -लम् माश्रौ ५, २,१२,३६.

नाभि-तल- - लात् श्राशि १,३. नाभि-दघ्न, घ्ना- -ध्नम् काश्रौ ८, ६,९; श्रापश्रौ; -घ्नाः बौश्रौ ६,९०: ७; हिश्रौ ७, ७, ९३; -घ्नाम् काश्रौ ७,९,२४; -श्रे श्रापश्रौ ५, १४, ८; ७,९९, ५××; बौश्रौ.

नाभिद्रव्नी- -न्नीम् त्रापशु १०, ११; -व्यः श्रापश्री ११, १०,६.

नाभिद्ध-जानुद्ध- -ध्रयोः माश्रौ ४,४,८.

नाभिदःन-पा($\hat{c} > \hat{c}$, दा न्दा श्रापश्री १०, २९, ७; १९,९, १०; भाशी.

नाभि-देश - - शम् श्राशे १,११,२; श्रापश्रो; - शात् काय ४१, ९; - शान् आपश्रो १२, २४, १३; १३,४,६; - शे काश्रो ३, ३, १; १५,५,१३; आपश्रो २,१३,६; वोश्रो २१,८:१७; भाश्रो २, १३,५; हिश्रो ४,२,६५; ७,१, ५०; वोग्र २,५,१५; हिग्र १,४,४; कौस् ४४,२९; ५५,१६

नाभि-निर्णिक्-प्रवादा(द—न्त्रा)-द्वि- -दी ऋपा ५,४६. नाभि-प्रदेश— -शात् आशि ८,१.
नाभि-मात्र— -त्रम् गोगृ ४, ५,२६;
द्रागृ ४, १,१२; त्रम् १३,१, ९;
—त्रस्य काश्रौ ८, ८, ३७; —त्रे
काश्रौ ६,३, १३; १४, ३,१२;
१८,१,३; नाश्रौ १, ६, ३,२०;
त्रम् ३६, २६, २; ४३, ६,३.
नाभिमात्री— -त्रीम् काश्रौ १६,
८,२३.

?नाभि-रूप्य- -प्यम् माश्रौ ५, २, ९,७.

नाभि-छ- पा ५,२,९७. नाभि-छोमन्- -मानि कौस् १३,

नाभि-वक्षः-शिरों(रस्-श्रं)सक-कान् कप्र १,१,५.
नाभि-वत् काश्रौ १८,३,५.
नाभि-संमित- -तः श्रापश्रौ १४,
५,९‡.
नाभि-स्पर्श- -शेन शंघ ४५७

१५. नाभि-स्पृश्- -स्पृशम् काश्रौ **२६** ७,१४.

नाभ्य¹⁴- -भ्यानि माग्र २,७,९. नाभ्यु(भि-उ)पस्थ- -स्थयोः **वैग्र.७,** ४: २.

श्नाभु¹- -मु: वैताश्रौ २७,१६‡. †नाम् व्याश्रो ६, २,१८; खाश्रौ २, १०,१८; निस् १, ७:२८. नाम् "> नां-शब्द- -ब्द्रेन उनिस् २:

नामन्⁴- पाठ ४, १५१; पाग १, ४, ७°; २, ४, ३१°; ८, १, २७;

–म° श्राश्रौ १,२,१;२,५,३^२‡; 90; ₹, 9₹, 98 + b xx; ६,0, ۷+b; ٩, ٩٤+; ٩, ٩, ٩٩+b; शांध्री; श्रापध्रौ ९, १९,१२ +b; श्रापमं १,१०,९‡°××;२,११, २२ + d; निघ १, १२ + e; या १, ٤¹; ٦,94; ३,२२¢; ٤,२५‡; २७;५,९‡^b;१३‡;२३¹;६,१४; ₹२; ९, ४; १४, २^{२‡8}; ११; ऋप्रा १२, १८० : -०मन् श्राधी ८,१३, १०; शांधी १०, १४, ६; †बीधी; -मनी आधी १,९,५; शांश्री; श्राप्तिगृ १, ५, ३ : ६?h; या ३, १०; ५, ७; - ममिनः बौश्रौ १४,२१: ३०; ३१; १६, २६: १३; जैश्री: बृदे २,९७1; †या १२, ३; -मसु बृदे २, ९६1; ऋपा ६, ५६; १६, ५६¹; -मानि श्राध्रौ २, ६, २४; श्रापश्रौ; बृदे १, २७1; या १, 91;9२31;२०; ३,१३; २०; ७,१;९,२८; -ॹ: ब्राय ३, १०,३; भाय ३, १३, ११+;हिए १,२४,४^{?1};२५,१^{?1}; आपघ;मीस् ७,३,३¹; -म्ना श्राश्री ५,३, १५; ८,१३,१०; शांध्रौ; †ब्रापश्रौ २, १०,३¹; ११, ६¹; -म्नाम् वृदे १,८०; २,७१; ऋत ५,२,४1; - म्नि शंध २१; बृदे ८,८५; - मेन्ने बौग् २, ८,२९; भाग ३,१३: ११.

नाम-करण^k- -ण: या १, १७;२, २;५२; ७,२९; १०, १७; -णम् बौगृ २,१,२३; बैगृ; -णस्य बैगृ ६,४ : १३; -णात् वैगृ ७,५:२; शंध ३५७: -णेन जैगृ २.५:६^m. नाम-कर्मन् k- -र्भ जैगृ १, ९: १; शंध १९. नाम-गृह्य श्रापश्री ३,१४,१; भाश्री 3,93,9. नाम-गोत्र- -त्राणि वाश्रौ ३, २,१, २०: -त्राभ्याम् विध ७३, १४; २७; -त्रे कीस् ५५, १०; गौध २,२९: -त्रेण श्रव ४४,१,२४. नाम-ब्रहण- -णम् शांश्रो ६, १, २४; आपश्रौ ४,१६, ६; ११, १९,११: वैश्रो १४,१७: ११. नामग्रहण-भोजन- -ने काश्री ८,७,३9. नाम-ब्राह- -हः द्राश्री १,३,१८,४, ११××; लाश्रौ १, ३,१७;४, ७××: निस ; -हे वाश्री १,१, 3.99. नाम-ब्राहम् काश्री ९, ११, ७; १४, ५,२७; बौध्रौ; पा ३,४,५८. नाम-जाति-ग्रहण- -णे विध ५,२५ नाम-तस्(:) जैश्रौका ७१; १५२; कौग २, ६,९; कौस्. नाम-दा- -दा श्राप्तिगृ २, ५,६: 994. नाम-धातु- -तूनाम् पावा ६, १,३; नाम-धा (न>)नी n--नी निस् 3 ९:२६: -न्या निस् ३,९:३७ नाम-धारक- -काः वौध १,१,११ नाम-धेय- पावा ५,४,३६; -यम् शांशी ९, १, ३; हिथ्री; या १. ६; v; २,4; v; 4, 9; ८, 4; ८; -यस्य पावा १,१,७३;२. ३७; -यात् काश्रौ १२,४,२१; वागृ ३, १; मीसू १२, ३, १; -यानि हिश्रौ २,७,३०; निस्; या १,२०; २,२८; ७, ५; -ये बौंश्रौ २४, २०: ११: १२: मागृ १,१०,१५; २२, ५; कप्र ३,६,९; मीसू १,४, ६; -येन हिथ्री ७, १,५८; निस् ९, ७: ३; १८३; काम ४७, ११; या ७,१८; २०; ३१; -येषु हिश्रौ १०,२,३७; -यै: शांश्री ७,४, १३: काठश्री. नामधेय-करण - - णम् गोगृ २. 6,6. नामधेय-प्रतिष्ठम्भ- -म्भः या १,१२; -म्भम् या १,१४2. नामधेय-सारूप्य- -प्यात् निसू 3,6:93. नामधेया(य-श्र)प्रहण- -णम् शांश्रो १०,१,१७. नामधेया(य-श्रा)दिº- -दी कप्र 2,9,96. नामधेया(य-अ)नुकीर्तन- -नैः बंदे १.८९.

a) कचित् प्राकाश्यादिष्यर्थेषु द्वि शस्त्वा. किवि. (वैतु. श्रभा. °म इति प्राति.)। b) पाभे. वैप १,९७९० i द्व.। c) पाभे. वैप १,९५९० i दि. द्व.। d) पाभे. वैप १,९७९० i दि. i पाभे. वैप १,९७९० i सहत् पाभे. वैप १,९७९० i दि. i पाभे. वैप १,९७९० i स्वा. i सपा. नाम नि॰ इति पाठः १ यिन. शोधः (तु. हिग् १,५५६)। i पाठः १ ना(=नौ), मनः इति द्वि-पदः शोधः (तु. सपा. बौग् १,५,२९ वैग् ३,८:६;८)। श्रापमं १,२,९४ नौ मनासि इति पाभे.। i पाभे. वैप १,९७९६ i द्वा.। i स्वर्ति । i से स्वर्ति । स्वर्ति । i से स्वर्ति । i स्वर्ति

-तोः पावा ८,३,६५.

नामधेया(य-श्र)न्त- -न्तेष त्रापश्रौ १०,१२,७. नामधेया(य-अ)न्यत्व- - त्वम् श्राश्री १,५,३३. नाम-निर्देश- -शः शुत्र ४,१३१. नाम-पूर्व- -र्वम् श्रापगृ १५,९. नाम-फल-गुण-योग- -गात काश्री 8,8,2. नाम-भूत- -ते ऋत ५,२,६. नाम-भन्त्र- न्त्रैः वाश्री ३, ३, १, नाम-युवप्रत्यय- -ययोः पावा १, 2,46. नाम-रूप- -पम् चव्य ४: २५; -पे अप १,१३,9°; १६,9. नाम-रूप-धर्मविशेष-पुनरुक्ति-निन्दा (न्दा-त्र)शक्ति-समाप्तिवचन-प्राय-दिचत्ता(त-त्र)न्यार्थदर्शनb--नात् मीसू २,४,८. नाम-लक्षण- -णैः वृदे २,७१. नाम-वत् श्रशा ३,४,१. नाम-विभक्ति- -क्तयः निस् ३,९: ८: -क्तिभिः या ७,१. नाम-ध्यतिषञ्जन->0नीय-- †यो श्रापश्रो १८, १६, १४; १९,९; हिथ्री १३,६,३३. नाम-संयुक्त- -काः मीसू ४,४,३५. नाम-सदश- -शानि अप्रा १,३,३. नामा(म-आ)ख्यात- -तयोः या १, 9; ३^२; -ते या १, 9; 9२; १३,९. नामाख्यात-प्रहण- -णम् पावा 8,3,62.

नामाख्यात-विभक्ति- -किष् बृदे २,९४. नामाख्यातिक°- पा ४, ३,७२. नामा(म-श्रा)ख्यातो (त-उ) पसर्ग-निपात- -ताः शुप्रा ८, ४९; याशि २, १; -तानाम् शौच नामां(म-या)देश- -शः आश्रौ 2,98,98; 8,2,90. नामा(म-त्रा) देशम् आश्री ५, ५, १६; भाश्रौ १,८, ७; त्रापगृ २०,१४; भाग २, १२: ७; पा 3,8,46. नामा(म-त्र)न्त- -न्ते कप्र २,२,२. नामा(म-त्र)न्यत्व- -त्वम् वृदे १, ७०: - त्वेन वृदे १.७२. नामा(म-श्रा)ह्वान- -नैः बृदे १, नामिक^c- पा ४,३,७२. २नामि(न् >)नीं- -नीः गो २, ٦٤. नामी√भू >°मी-भूत- -तः या €,9 €. नामायन- २नम- इ. नामित-, १नामिन्- प्रमृ. √नम् इ. श्नामे श्रामिय २,३,३:२३. नाम्य - - म्बः काश्रौ १५,४,१२. नाय-, नायक- √नी इ. नायात्य- नयात- इ. १,२नारक-, °की- नरक- द्र. नारङ्ग- पाउव १, १२२; पागम १५५. नारद°- -०द शांश्री १५, १७, १‡;

अप १,४६,१; ६१,१,४; -दः श्रप २९,१,१; ५२, ९,३; ७१, १, १; ऋश्र २,८, १३; साअ १, ३८१: -दम् शांश्री १५, १७, १; शंघ ११६: ४०; -दस्य नाशि १,२,७; २,४,९; -दाय अप ६४, १, ६; ७१,२, ४: -देन नाशि १, २, २: ५, 98. नारदा(द-श्रा)त्रेय-गर्ग- -र्गाणाम् अप ५२,9६,४. नारदा(द-आ)द्य(दि-उ)क्त-वृक्ष!->°वार्क्ष8- -क्षेम् कप्र 8.90,2. नारदीय- -यम् नाशि १,२,३. नारपत्य- १नर- इ. १नाराच- नराची- द्र. २नाराच⁴- पागम १५५; -चाः अप 602,0,6; 68,8,4. १नारायण- २नर- इ. २नारायण¹- -•ण विध १,५०;९८, ९८; -णः जैय २,९:१५; वैध 3. v. 93^{‡1}; 邪羽; —**呵**拜 वैथ्रौ १, ४:३; १४: ८××; १८,२०: २५k; -णस्य काश्रौ २४, ७,३३¹; वैश्रौ २०,१ : ६; चाअ १४:४; ३९:४; ५; ४२: १३; -णात् वैध ३, ९, १: -णाभ्याम् आप्तिगृ ३, ७, ३ : २२ 1: बौषि २,२,२; हिपि १९: ९; -णाय आंप्रिय ३, ११,४:४१; न्वैध २, ६, ३; ३.९.५ %: १०,४; - जेन शांश्री

१६,१३,१^a; श्रापश्रौ १६,२८, ३××; वैश्रौ १८,२०:२४; हिश्रौ.

नारायण-परा(र-म्र)यण^b -णः वैश्रो १२, १०: ६; वैगृ १, १: १७: वैध १, ३,४;५,५.

नारायण-बल्डि°- - लिम् आप्रिय ३,११,४:१; वैग् ७,४:१५; वैघ ३,८,६:७; ९,१.

नारायणस्या(स्यन्त्र)यन^d - नम् लाश्रौ १०, १३, ४; -ने निस् १०, ८:२८.

नारायणा(ण-श्राख्या>)ख्य³--ख्यस्य वैश्री १८, २०:२३. नारायणा(ग-श्रा)दि- -दीन् वैग्र १, ३:२३; वैध २,१३,५.

नारायणीय'- -यम् विध ५६, २५. नारायणीय-कौण्डिन्य!--न्यस्य शत्र २,४२८^b.

नाराल- नरालि- इ.

नाराशंस¹- -सः शांश्री १६, ११, ३२¹,१४, १९¹; काश्री १९,६, ८ʰ; २५, १२, १९¹; श्रापश्री १४,२८, १¹; २१,२,६ʰ;वौश्री ७, १५:२४; वैश्री १५, ३३:१८; ३१,१५:१[™]; हिश्री १६, १,२६; जैश्रीका १४३; निघ ५, ३;या९.९०; तैष्रा १६,४;-सम शांश्री १३,१२,७; १६,१४,०; बौश्री २५,२२:१; वैश्री २१, १५:२; हिश्री १५, ७,९; जेश्रीका १७३; द्राश्री ६, १, १; लांश्री २, ९, १; -सस्य जैश्री

१५:३; जैश्रीका १८८; -साः आश्री ५.६. ३०; शांश्री ७, ५, २१: काश्रौ ९.१२.८: आपश्रौ १२,२५,२५: काश्रीसं ३३: ६; बौश्रौ ७, १५: १३; १७: १०; 90:39: 6,8: 28; 0: 96; २४; ८: १६; १२:४१; १३: २५; १०, ५७: १६; ११. ६: ३५: १२,७: ४६; बौश्रौप्र ५४, २; माश्री ३,६,१२; वैश्री १५, ३३:९;३७:७; १६, १६:४; हिश्रौ ८,७,६६; जैश्रौ १५: १; १७; १८: १५; द्राश्रो ५, १, १५; लाश्री २, ५, १३; ऋप्राय ३,३; या ७, ४; -सात् अप्राय ६.५; -सान् श्रापश्रो १२, २४, ७३: २८,9: बौश्रौ ७, १७:८; १२,२८; ३०; ३२; १८: १०; ८. ७: १६: १८; २०; ८: 93;94; 90; 93 : 23; 24; २७: ११, ८: २०; २२; १२: ११; १२, १३ : १७: १९;१६ : १२: बौश्रौप्र ५४:१"; वैश्रौ १५, ३६:९;१६,९:६;११; हिश्री ८, २.१९: २०१,८,३३; जैश्री १५: १: १७:१; १९:१; वैताश्री २०, ७; १७; या ११, ५1; -सानाम् शांश्री ७, ५, २२1: ८,२, १३; काश्री ९, १२, ३५; आपश्री १२,२८,३;१३,४,१०; ११,५: बौधी २१, २०: २८; २२: ११; २३: ५; वेंथ्री १६, ९: ७; हिश्री ८,८,३५; ९, २,

२७; लाश्री ८, ९,१४; -सानि शांश्री १६, १०,१३; ११, ३१: ऋग्र २१,१३; निस् ४.८:५: -साय हिथा २१, १.२ +: -से शांश्री १३,१२,८; काश्रीसं ३३: ४: - †सेन दाश्री १३, २, ८: लाश्रो ५,२,११; कौसू ८९, १; -सेषु आश्री ११, ६,३; काश्री २२ ५.१५: आपश्री १३.५.१: 92. 9: 20,24, 94; 22,0, १०:८,१९;९,२२;११,७; बौश्रौ १८. २: १३; वैश्री १६,६: ३: १४: ११; हिश्रौ ९,२, ११; 3.43: 80.8.33: 88.5.75: १७,३,१०; ४, १७; जैश्री १४: १६;१७: १;१८: १५; जैश्रौका १४६: द्राध्री ४,१, २३; लाध्री २,२,९; ८,७,५; वैताश्रौ २०, ११: निस् ४,८:४.

नाराशंसी⁰— -सी शांश्री ५, १६,७; निस् ४,८:२; ऋत्र २, १,१८; —सी: वाधूश्री ४,२९: १९; आप्र ३,६,४:६,४:६,४:१२; खे ३,१५४; ७, १३९; —सीम् बौश्री १०, ११:८;९; लाश्री ६,४,१४; निस् ४,८:४; —स्या आपश्री २२,२५,१६; बौश्री १६,६:६; हिश्री २३,४.१०.

नाराशंस-चमस- -सान् माश्री २, ४,१,४७.

नाराशंस-वत्^p - वताम् शांश्रौ ७, ४,१५; -वन्ति या ८, २२.

a)= पुरुष-स्क्त-। b) विष.। बस. > कस.। c)= कर्म-विशेष-। d)= सत्र-विशेष- (तृ. सपा. काश्री २४,७,३३)। e) विष.। बस.। f) तस्येदमित्येथं छ > ईयः प्र.। g) कस.। पूप. = नारायण-शिष्य- | h) था की॰ इति पाठः ? यिन. शोधः (तृ. भाष्यम्)। पृ ८८० सस्थ. कीण्डन्यस्य इति नेष्टम्। i) वैप १ द्र.। j) = पुरुष- (= परमाय्मन्- इति भाष्यम्)। k) = प्रयाज-। ℓ) = चमस-। m) = प्रद-विशेष-। n) = प्रवर-विशेष-। n) विष. (प्रह-, स्क्र-)।

नाराशंस-वर्जम् आपश्रो १२, २८,। †?नार्त^b आपश्रो १५,१७,५. नाराशंस-सादन- -नात् श्राश्री ५, 93,99; 90,8. नाराशंस-स्थान- -ने काश्री १४,१, 96. नाराशंसिन्- -सिनाम् वैश्री १८, ५: ८°; वैताश्रौ १०, १२; नार्विदाल'- -लाः श्रप १,८,२. -सीनि निस् ४, ८: ३. १‡नारि - -रिः श्रापश्री १५, १, ३; १नाल- √नल् इ. बौश्रौ ४, २ : २९; ६,२६ : २; १,८,२,२; २, २, ३, २; वाधौ १,६,१,१९; वैश्रो १३, १: ७; हिथी २४, १,३; शुत्र ४,७२. दनारि- तृ- इ. नारिकेल -> °ल-ज- -जम् विध नाविमक- नवन्- इ. २२, ८३. नारिष्ट⁰- -†ष्टयोः श्रापश्रौ २,२०,६; बौश्रो २४,२९ : १८; भाश्री २, १९,१; हिश्रो २,५,४७; -ष्टान्^६ श्रापश्रौ २,२०, ६; काश्रौसं ४: १०: ५: ७;६: ११; माश्री २, १९,१; ७,२०,९; हिश्री २, ५, ४७; - ष्टाभ्याम् शांश्रौ ४, १०; 9: -ष्टी आपश्री २, २०, ६ +, बौश्री २४,२९: १४; माश्री २, १९,१‡; हिश्री २,५,४७.

नारिष्ट-होम- -मान् वैश्री ६,१०:१.

नार्कविन्द'- -न्दाः अप १,८,२.

नारी- प्रमृ. नू- इ.

नार्तिक- √नृत>२नर्त- इ. नार्मत- नृ-मत्- इ. नार्मि(ए>)णी b- -णीम् जुस् १,६: 984. १,२नार्मेध- नृ-मेध- द्र. नार्य^ह- -र्यः निघ ३,१७. नार्षद- न-षद- द्र. २नाल^b- पाग २,४,३१^{२1}. १८; २८: ७; ९,२: ५; माश्री नालिकेरº- पाउभी २, ३, ६१; -रै: गौषि १,४,१७. नालीक b -(>°िक(न्>)नी- पा.) नासत्य b - त्यः वृदे ७, ६; -त्याः पाग ५,२,१३५. नाल्य- २नल- द्र. नावयन्निक- नव- द. श्नावा¹ माशि २, ११. ?नावाख्याः बीश्रौ े्ट,४७ : १.८. नाविक- नौ- इ. ?नावीररस्तारम्^k शांश्रौ १२,१४,५. १नाव्य1- (> व्यायन- पा.) पाग ४, 9,88. २नाव्य- नौ- इ. नारा- √नश् (श्रद्शने) द्र. ?ना(न-न्ना)शक^m- -कम् सुधप ८६: १; -के सुध १७. नारान-,नाष्ट्- प्रमृ. √नश्(श्रदर्शने) नाष्ट्रायण¹- -णाः बौश्रौप्र ४ : ३.

√नास पाधा, भ्वा, श्रातम, शब्दे. १नास,साb- -सा विध ९६, ७५. -सात् माशि १०, १०; -साम् नाशि १,५,७ª. नासा(सा-श्र)य- -यम् वैगृ ३,१४: नासा(सा-श्र)न्त-> °न्तिक°- -कः कप्र ३, ८, १२. नासा-पुट- -टे वैगृ ३, ९: ११; शंघ ५७; ४५६. नासापुट-द्वय- -यम् शंध ४५७: १; ४५८; -ये शंघ ४५७ : ११. नासा-मूल- -लम् याशि २, ७१. श्राश्री ५,५,१२ +; या ६,१३ +; पा ६,३,७५^p; - ‡०त्या आश्री ३,८,१^२; ४,१५,२××; अप्राय; या ६, ७; - †त्याभ्याम् श्राश्रौ ४,१५,२; शांश्री; -त्यी बृदे ३, २१; ४०;८,२०; या ६,१३९०. नासत्य-इस- -स्री शंध ४५७: ११. नासनयोग- १न इ. २नासा^७(>नास्य-पा.)पाग ४,२,८० १नासिकाb- पाग ५, २, १२७4; -कया वाध २,३५:-कयोः शांश्रौ 📆 ४,१४,२२; काश्री; -का अप ४७,२,३; वाध २,३५; या ६, १७ई; शौच; -काभ्याम् श्राश्रौ ५,६,२; शांश्री १६,१३,४ + ; श्रापमं १, १७, १‡ ; कौर १. 93, 3+r; शांग १,39, 3+r;

a)=प्रवर-विशेष- |b| वैप १ द्र. |c|= बृक्ष-विशेष-, तत्फल- |a| व्यु. |c|= वैप २,३ खं. द्र. |c|= तदाख्य-होम- । f) = देश-विशेष- । ब्यु. ? । सपा. पै १३,१,१३ पाभे. द्र. । g) यज्ञ-नामन् । ब्यु. ? । \sim \sim नृ इति दे. ? । h) अर्थः व्यु. च i । i) सकृत् शाल- इति पाका. । j) पाठः i । नौ वा इति मूको. । i) पाठः i तु. वैप iपरि. नावीर° टि. । अस्तारम् ($<\sqrt{}$ अस् । च्रेपणां) इति नेष्टम् । l) = ऋषि-विशेष- । ब्यु. l । m) = उपपातक-विशेष-। = अनशन-इति अपरार्कः [तु. संस्कर्तुः टि.]। तस. उप. वैप ३ अनाशक- टि. इ.। n) 2 304 C o) भवार्थें ठक् प्र. । p) वैतु. पाका. पासि. प्रमृ. प्र३ इति । q) तु. पागम. । r) पामे. वैप १,9७९५ h इ. ।

अप २३,३,२; -काम् वैगृ १,२: १०;१९; -कायाः माशि १,११; २,१३; नाशि १,६,१३; पा ५, २,३१: ४, ११८; पावा ६, १, ६३: -कायाम् आपश्रौ १६, २७.४: बौधौ: -के शांधौ ४,७, ११; काश्री: या ६,१७. नासिकं-धम-, °कं-धय- पा, पावा 3, 2, 29. नासिक-वत् वैश्रौ ११,७: ९. नासिका(का-त्र)य-- प्रम् विध ९७, 9b: -प्रे बंदे ८, ११३. नासिकाय-तस(:) याशि १, 44. नासिका-च्छिद्- -द्रयोः आप्तिगृ ३. ४.9:३०: -दे वाश्री २,१,७, ५: आमिए. नासिका (का-म्रा) दि- -दिभ्यः, -दीनाम् पावा ४,१,५५. नासिका(का-य)न्त^c- -न्तः वैगृ २, 8:8. नासिका-पुट- -टयोः वैष् ५,४ : ४; नासिका-प्रभव- -वी या ६, १३. नासिका-मूल- . लेन शुप्रा १,८२. नासिका-लोचन-त्वग-जिह्वा-श्रोत्र--त्रम् विध ९६,९४. नासिका-विवरण- -णात् तेप्रा २, 422. नासिका-स्थान°- -नम् ऋपा ६,

४१: -नाः तैप्रा २,४९; स्राशि

नासिका-स्रोतस् - -तसि गोग २,६,

१०; द्राय २,२,२३.

नासिको(का-उ)द्रौ (र-श्रो)ष्ठ-जङ्घा-दन्त-कर्ण-श्रङ्ग- - ङ्गात् पा ४, 9. 44. नासिको(का-त्र्यो)ए- - हो शेशि ४१; याशि ८, २४. १नासिक्य,क्या^d- पावा ६,१,६२; फि ६५; -क्यः बृदे ८, ११८; शुप्राः; -क्यम् अप ४७,२,१०; ऋप्राः -क्यस्य चात्र ८:३1; -क्या ऋपा ६, ३६°; -क्याः तैप्रा २,४९: २१, ८;१२; शैशि २५:२७: श्राशि १,१९: -क्यान् ऋप्रा १,४७; -क्यानाम् शौच १.२६: -क्ये अप ४७, २, ३; -क्येन वैताश्री ५, १६; शीच 2.900. नासिक्य-जिह्वामुलीय- -याः व्याशि १, २१. नासिक्य-यमा (म-श्र) नुस्वार--रान् ऋपा १,४८. -ध्ये नासिक्य-लख-मध्य-भाशि ९३. नांसिक्य-संगत- -तम् शैशि २२३. नासिक्या(क्य-ग्र)भिनिधान--नी श्रप ४७,१,११. नासिक्यौ(क्य-श्रो)ष्ट्य- -ष्ट्याः शप्रा १,८०. २ नासिका'- - काम या १,२६,५. रेनासिका^ड- (> २नासिक्य- पा.) पाग ४,२,८०. नासीर⁸- पाउना ४,३६. नास्तिक-, °स्तिक्य- १न इ. नास्य- २नासा- इ.

नाह- √नह द्र. नाहल - पाउभी २,३,९९. १नाहष- १नहष- द. २नाहप-, 'षी- नहस्- द्र. नि या १,३; ऋपा १५, १७; शपा ६. २४; तैप्रा १, १७; पाग १, ४. नि- नेः पा ६, २,१९२. √िनंस् पाधा. श्रदा. आत्म. चुम्बने. निंसान- -नम् हिश्री ३,२,५३ . नि(स्>): √क्षिप्, निःक्षिपेत् कप्र १,४,३. नि(स्>):-पुरीष°- - पम् आश्री ६, 90,4. नि(स >):-प्रकस्प->°म्पिन्--मिपनः अप ६८,१,२६. नि(स्>):-प्रकाश^c- -शम्¹ अप E8, 2, 3. नि(स >):-प्र(भा>)भ°- -भः अप ७०[₹],११,३; -भाणि ऋप ५२, 99,3. निःप्रभ-प्र(भा>)भ°- -भाः अप 42, 6,4. नि(न् >)ः√व्लु, निःष्ठावयामि हिश्रौ ६, ६,२४ =. नि-कश्च¹- -क्षयोः कौगृ १,२१, १६; शांग १, २८, १८; -क्षे काश्री १८.२.१: ३. २; माधी ६, २, 8, 9. श्निकट^k- पाग¹ २, ४, ३१; ४, ४, v3: 4, 9,928. नैकटिक- पा ४,४,७३. नैकटय- पा ५,१,१२४. श्तिकट⁸ - -टाभ्याम् कौस् ३०,९०.

a) वितः प्र.। विशेषः वैप १, १०९५ j द्व.। b) स्वनासि॰ इति जीसं.। c) विप्.। वस.। d) विप.>नाप. (श्रमुनासिक-, श्रमुस्वार-, यम-)। e) विप.। f) वैप १ द्व.। g) श्र्यथः व्यु. च ?। h) पा ८,४,३३ पावा ८,३,५८ परामृष्टः द्व.। i) वा. किवि.। j) वैप २,३सं. द्व.। k) = समीप-। व्यु.? k < नि \sqrt{a} र इति श्रभा. शक.। k) तु. पागम.।

CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

निकठित- (> °तिन्- पा.) नि√कथ् > निकथित- टि. इ. नि /कथ >नि-कथितª-(> क्तिन्-पा.) पाग ५,२,८८.

नि√कम , निकामयते निस् ८, ४: ४; नि ... कामयते बौश्रौ ६४, २४: १; १४; नि (कामयते) बौश्री १४, २४: २: १४: निकामयेत कागृउ ३९: ४.

नि-काम- -मः शांगृ ५, २, ५^b; श्रापध २, ७, १४; हिध २, २, ३३; श्रश्र १५,११(२) +; -मम् ऋप १०, १, २०; पाग १, १, ₹ vc.

निकास-तस् (:) कप्र १,८,८. नि-कामन- -नात् द्राश्रो १५, ३, 92.

नि-कासयमान- -नः काश्रौ २५, १३,१६; निस् ४,७:४.

नि-कर् - -राः अप ५२,२,३. शैनिकल्क°->°ल्क-युक्त- -क्तः अप

503,99,93.

नि√कप् > नि-कप- -पः पावा ३, नि√ऋत् (छेदने), निकृन्तते श्रापश्रौ 3,998.

नि-कषमाण- -गाय भाशि ९६ .

निकवा पाउ ४, १७५; पाग १, १, ३७: पावा २,३,२.

नि-काय-, निकायिन्-, नि-काय्य-नि√िच इ.

नि√िक, †निचिक्युः वौश्रौ १९,७: १४; या १४,२३; नि "चिक्युः या १४,२३ .

नि√कित्>नि-केतन8- -नम् गौक

9, ६4. नि-कीर्य नि√क इ.

नि√कुच्, बच् >नि-कुचित- -ते पावा १,१,३९.

नि-कुच्य- > निक्च्य-कर्णि- पाग २, १, ७२°; पा, पाग ५, ४, 926.

निकुञ्जb- पाउभो २,२,८८: पाग २, ४,३१°; - क्षेप्र विध ८५,५९. नि√कुट्>नि-कुट्य निस् ३,१२:३. निकुम्भि(ल>)ला- पाउना १,५६. निक्रस्य- पाउभो २,२,२२५.

नि √कुड्(दाहे)>नि-कुड्य श्रापश्री U, 98,6.

नि√क, निकरोति बौश्री १४, १०: ३४ = या २,९. नि 'चकार या २, ९ † φ; †नि(कः) वौधौ १३,२४: ११; २६ : ५; बैश्रौ २०, ३ : १५; ऋग्र २,१,७२.

६नि-कृति¹->नैकृतिक¹-विध ९३,९.

५,४, ९; २०, १, १०; बौश्रौ; निक्रन्तति काश्री ७,२, ६; वाश्री ३,४,४, २४; न्यकृन्तत् बृदे ४, निक्रन्तयन्ते शांश्री १८,२४,२०;

निकृत्तयेत लाश्री ९, २, २०; निकृत्तयीत बौश्री १७, ४०: १४; २४, २१: १४; श्राप्तिगृ

नि कृत- -तम् या ६,३.

निकृत्त-द्वार^k- -रः या १, ९. निकृत्त-नख,खा^k- -खम् बौधौ २,८: ९; ६,२:६‡; जैगृ २. ४: ७; -खाम् बौश्रौ ६, ३:६. नि-कृत्य बौध्रौ १५, २: १८;

श्रामिगृ १, ३, २: २१: वाध २४,५; बृदे ६,८२.

?निकृन्तम् सु २७,२.

रिन-कृति1- -तिम् शंध ११६: ५९. नि √कृष् ,निकर्षति कौसु ३१, १०:

निकर्षेत बौश्रौ २४,२३:६.

नि-कृष्ट- -ष्टः या २, २०; -ष्टे वैध ३,१५,१२.

निकृष्टा(ए-श्र)हि-नि(भ>) भा- -भा अप ५८२,३,५.

नी(<िन)-कर्ष-> नीकर्षिन्"--षीं लाश्री ८,१२,६.

नि√क्> †नि-कीर्य श्रापश्री २१, २०, ३; वाधी ३, २, ५, ४३; हिश्रौ १६,६,४१; बैताश्रौ ३४, ९; श्रशां २२,३;४.

नि√क्लुप्, निक्ल्पेते आपधी २१, १७, १८; १८, ४; निकल्पन्ते श्रापश्री २१, १७,१६:१७: १८, ७; हिथ्रौ १६, ६, १४.

निक्ता-,निक्त्वा √निज् द्र.

नि√कन्द् ,न्यकन्दीत् या ९,४. न्यकन्द्यन् या ९, २३ .

नि√ऋम् > नि-ऋम्यमाण- -णेषु श्रापश्रो १०,२२,१२; वैश्रो १२, 94:90.

३.५.१: १९; बौरि १, २: ५. नि√क्रीड् > †नि क्रीडयत्- -यन् लाश्री ७, १२,९.

b) = श्रग्नि-विशेष- इति MW.।c) तु. पागम. । a) निकठित- इति Lपक्षे । पागम.। d)= समृह- । व्यु. ? । < नि $\sqrt{2}$ इति शक.,<नि $\sqrt{2}$ इति. श्रमा. । e) श्रर्थः व्यु. च ? । f) समीपार्थे भ्रव्य. । व्यु. (1 - g) = 7ह- । गस. उप. श्रिषकरणे कृत् । (1 - g) = (1 - g) नाप. (परपीडन-)। i) टक् प्र. उसं. (पा ४,४,९०२) । k) विप. । बस. । l) = स्द्र-विशेष- । ब्यु. ? । m) विप. >नाप. (Lिपच्छ-प्रसारिमयूर-वत्] = वाजपेय-विशेष-) । n) सपा. काश्रौ १३,३,२६ निगीर्थ इति पाभे. । CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

नि√कण्>नि-कण-, नि-काण- पा ३,३,६५. √निक्ष् पाधा. भ्वा. पर. चुम्बने. नि√क्षिप्, निक्षिपति वैग्र ५, १५:१०; निक्षिपेत् वैश्री

√क्षिप्, निक्षपत पट्ट, १५:१०; निक्षिपेत वैश्री २,६:८; जैश्रीका १४५; वैग्र ३,१९:१२; कप्र २,८,१५; अशां २०,५†; शंघ ८७.

नि-क्षिस,सा- -सः विध ५, १८४; -सम् विध ५, १७१; -सस्य अप ६८,२,१४; -सायाः विध ३६,७; -से याशि १,६७.

नि-क्षिप्य वैश्री ४,११:१६; १५, २३:१; जैश्रीका.

नि-क्षेप- -पः याशि १, ६६.

निक्षेप-संज्ञक--कः माशि ८,४. निक्षेप-स्तेय- -येषु विध ९,३. निचेपा(प-श्र)पहरण- -णम् विध ३६,३.

निश्चेपा(प-म्र)पहारिन् - -री विध ५,१६९; ५२,४. निश्चेपो(प-उ)पनिधि-स्त्री⁵--स्त्रियः वाध १६,१८.

नि-क्षेपण- -णम् बौध ३,२,८.

नि-क्षपण- - जर्म बाव इ.र.ट.

नि√खन्, निखनति काश्री २६, २,
२९; वाश्री; निखननित शांश्री
४,१५, ८; द्राश्री; निखनामि
कीस् ४४,३३‡;निखनेत् श्रापश्री
३,१४,२; १५,१९,९; भाश्री;
निखनेयुः वैश्री २१,९:१;
लाश्री ८,२,३; द्राग्र २,३,३१.

१८, ४५: २५; निचख्नुः कौस् ३६,१८म. निखानयेत् माश्रौ ३,५,१८.

नि-सनत् - नन् कौस् ५१, १;

-नन्तः कौस् १३२,१[‡]. नि-खनन- -नम् बौषि ३,६,३.

नि-खात,ता— -तम् अप ३६, २९, १; —ता द्राधौ १५, ४, २; लाधौ ५, १२, ९; —†ताः आपधौ १,८,७; कौस् ८७,२२; श्रक्ष १८,२; —तात् श्रापधौ ११, १०, २: —तेषु श्रापध १,१५,

१४; हिंघ १,४,७३. †निखात-क⁰-- कः शांश्री १२, १८, ११; -कम् श्राधी ८, ३,

१७; शांश्रौ १२,१८,१. नि-खातव्य- -व्यम् काञ् ७,८. नि-खाय श्राश्रौ ६, १०, २४;

शांश्री; त्रापश्री १८, ४, ३°; शांग्र १,१५,६^a.

नि-खेय⁶- -यः विध ५,२५.

नि-खर¹− -रः शांग्र ५,२,५. नि-खर्च−>निखर्व-क^ड− ⁻कम् क्षुस् २,९ : १९.

नि-खर्वाद⁸ - - दे शांधी १५, ११,४. नि√खिद् > नि-खिद्त् - - - दन् त्रापथी २४,१४,५:

नि-खिळ,ळा^b - ल्स् माश्रौ १,७,८,

नि√खें(स्थेरें), निखापयेत् काशु ७, १०.

निचलान बौश्रौ ६,२८:१३+; नि√गच्छ्, गम् , निगच्छिति यारेरे,

३९; निगच्छतः शांश्री ५, १८, ७; निगच्छन्ति शांश्री १, १६, १०; १७, ६××.

निजिम्ममः कौस् ४२,१०१. निगमयेत वाश्रौ ३,२, ६, ४०; निगमयेत श्राश्रौ २,१९,९.

नि-गत- -तम् अश्र १३,४. नि-गन्तब्य- -व्यम् आपय १,१३,. ११: हिध १,४,२५.

नि-गन्तु- -न्तवः या १,१.
नि-गमं- पा ३,३, ११९; पाग
४,३, ७३; ५,४,३८¹; -मः
कौस् ९१,२०; वाघ ४,२;१७,
४; या २,३; ६××; -माः
शांश्री ५,१८,७; १९,५; काश्री
५,१२,७^k; भाश्री १०,२१,१०;
बृदे २, १३६; या १, १; २,
५××: मीस १०,४,५४; -मान

ब्राश्रो ३,६,१६; पा ६,३,११३; ४,९; ७, २, ६४; ३, ८१; ४, ७४; –मेषु ब्राश्रो १, ३, १९; २१××; शांश्रो; –मो या ३, २०६; २१३; ५,५.

शांश्री ९,२७,३; या ४,१; -मे

नैगम- पा ४, ३, ७३; -माः या २, २; -मानि या १,२०; -मेभ्यः या २, २.

नैगमी - -मी श्रप्रा २, २, २१; ३,२१; ३,३,१९. निगम-चतुष्पथण - -थे माग्र २, १४,२८. निगम-स्थान - नानि शांश्री १,

a) इ.स. । निक्षेप = अमुद्रितद्रव्य न्यास -, उपनिधि = मुद्रितद्रव्य न्यास - (तु. मिताक्षरा । यासम् २, ६५; ६०]) । b) वेप १ द्र. । c) निधाय इति संस्कर्तुः टि. । d) सपा. कौग् १,९,० निधाय इति पामे. । c) गस. उप. क्यप् प्र. ईकारादेशस्य (पा ३,१,१९१) । f) = श्र्यिन-विशेष - इति MW. । व्यु. १ । g) = 1900 अर्बुदमिता - । संख्या - विशेष - (तु. म. । मा १७,२।) । व्यु. १ । h) = श्र-खिल - । i) = नगर -, वेद - (तु. श्रमा.) । π 0, वरणाधिकरण्योः घः प्र. । g1) तु. पागम. । g2 = देवता - संकर्तिन - इति विद्याधरः । g3 = केट-लकार - (तु. संस्कर्तुः टि.) । g4 वेतु. पूप. = श्ररण्य - इति भाष्यम्

१६, १००; -नेषु शांश्री १,१, ३७; १६,९; ३,१६,१२;६,९,१४ निगमस्थान-वर्जम् १४,90,€.

नि-गमन- -नात् या १,१.

नि-गडº- पाग २, ४, ३१; -डै: श्रप ६८,२,२८.

नि√गद् b, निगदेत् आश्री १०, ७, १-६: शांश्री.

†निगदिष्यामि बौश्रौ १०,५४: ४; १५,३५: ४.

निगद्यते कप्र ३, ८, १४; अप ३६, २, १; शंध ३७२; बृदे ५, १७४; ६,११५; शैशि ३९;४७; निगद्यन्ते बृदे १, १८; ४१; ७, 936; 6,908.

(नेगादयेत शांश्री १७,१४,१.

नि-गद,दा°- पा ३, ३, ६४; -दः द्राश्री १, ४, ३; लाश्री; -दम् श्राश्री ५, १, १४; शांश्री; -दाः काश्री १,३, १; हिश्री १६, २, १४; -दान् श्रापश्रौ ८,५, १८; -दानाम् बृदे ८,१०४;-दाम् S-दाम् भाश्रौ ४, १८, २^d; -दायाम् e कौस् १४१,३६; -दे आश्रौ १,२,२७; ४, १२; ५,७, ४; गो १, १३; २, ३३; ३७३, -देन आश्री १,४,९; बौश्री ७, ३: ११; १५: २७; बृदे ८, १०४: या १,१८ +; कौशि ५८. निगद-वृत्ति¹— -त्ति लाश्रौ ७, निगुस्थ¹— -स्थानाम् शांश्रौ १६,

6, EB.

या ६, ५; ७, २३××: -ताः माश्री ५,१,६,३७.

?निगद-स्रताम् h अप्रा २, ३,

निगदा(द-आ)दि!- -दि आश्रौ 4,9,2:

निगदा(द-श्र)नुवचना(न-श्र)भि-ष्टवन-शस्त्र-जप- -पानाम् आश्री १,4,३६.

नि-गदत्- -दतः ऋप ६१, १, २०: ७०,४,५; वाध २७, १०; विध १, ६५; श्राज्यो १, १२; -दन् बौश्रौ २०,६:१३;२१,१२:११. नि-गदित- (> विन्- पा.) पाग

4, 7,66. नि-गद्य बौश्रौ २,८: १६;१०,४८: ५××: माश्रौ.

नि-गाद- पा ३,३,६४.

नि-गन्तु-,नि-गम- प्रमृ. नि √ गच्छ 록.

श्निगमव्यः या १४.३१.

नि-गरण- नि√गृ (निगर्णे) इ. नि√गा, ‡निगाम् श्रापश्रौ १, ५, ५; भाश्री १,५,१; हिंध्री १,२,४७.

नि-गार-,नि-गिरत्- निगीर्थं नि√ग (निगर्गे) द्र.

नि√गुप्>नि-गुप्त--प्तम् बौश्रौ२१, १३:२०; -सान् बौध२,२,५६. ₹9, €.

निगद्-व्याख्या(त>)ता- -ता नि√गु>गृह् , निगृह्थ बृदे ८, ३०; न्यगृहन् वृदे ८,२४.

नि√गृह्, अभ्, ह्, नि गृह्वीते हिश्री ७, २, ८२; निगृह्णाति श्रापश्री १६, ४, ४; बौश्री †निगृह्णातु कीस् १३७, १९; निगृह्वीयात् श्रापश्रौ ५,१४, ९; ६, १८, २+; बौश्रौ २१, १९: २०; वैश्रौ २१, १४: ६; हिश्रौ 84.0.32

निजग्राह वृदे ६,६१.

नि-गृहीत- पाग ५, २, ८८; -तम् बुदे ४,११३.

निगृहीतिन्- पा ५ २.८८. निगृहीते (त-इ) न्द्रिय-क्रि (या>)य - -यः श्रामिगृ २, ४,५: २१; बौध ४,७,६.

नि-गृहीति- -तिः पावा १,२,१८. नि-गृह्वान- -नः शांश्रौ १५.२०,१;

नि-गृह्य शांश्री १२,२२,१‡; काश्री; पा ८,२,९४,

नि-प्रह- -हः श्राशि ८, २०; -हे पावा ३,9, ५1.

नि-प्राभ"- पावा ३,३,३६; -भः बोधी ७,६ : ९º; माश्री १, ३, ४,७‡°; वाश्री १, ३, ६, १‡°; वेश्रौ १५, ११: १३º; हिश्रौ ८; ३,७º; - भम् काश्री ९,४,१८º, आपश्रौ ३,५,५‡°; १२, ९,८°; बौधौ १, १९:,१५‡0; ७,६:

c) भाप., = प्रैप-मन्त्र- (तु. विद्याधरः b) पा ८,४,१७ परामृष्टः द.। a) = शृह्वला-। व्यु. !। Lकाश्रौ १,३,१।)। d) = निगदोक्ता- (देवता-)। e) पाठः ? निगतायाम् इति वा निःशब्दायाम् इति वा शोधः इति संस्कर्तुः टि. । f) विप. । वस. । g) ॰ित इति पाठः ? यिन. शोधः । h) पाठः ? ॰श्रुतान् इति वा °स्तुतान् इति वा संस्कृतुः टि. शोधः। i) पाठः ? निगन्तन्यः इति शोधः स्यात्। j) = तदाख्य-गोत्र-(क्षत्रिय-) । ब्यु. ? । k) विप. । बस. > पस. । l) तु. पासि. । m) वैप १ द्र. । n) = (निप्राभ्यास्वप्स्ता-लोडनेनोत्पन्न-) सोम-रस- इति गोपीनाथः (हिश्रौ ८,३,७)। 0) पामे. वैप १,९०७ g इ. p) = मन्त्र-विशेष-(= प्रागपाक [मा ६, ३६])।

१०-१२; २१, २१ : २; भाश्रौ; वैश्रौ ७,५: ४ + ; हिश्रौ २,४, ७‡°; -भेण बौश्रौ १, १९: १४ +: भाश्री ३.५.८ +. निम्राभा(भ-म्र)न्तb- -न्ते काश्रौ 9,4, 4. नियाभो (भ-उ)पायन- -नम् व्यापश्रौ १२,१०,१०.

नि-प्राभ्य,भ्या^с -भ्यम् वैश्री १६, १०: १०१^d; -भ्याः काश्रौ ९, ३,११; ४,६××; चात्र ३,६‡°; -भ्याणाम् श्रापश्री १२,७,१८; वाधी ३,२,५,४; वैश्री १५,१०: २; हिश्रौ ८,२, ३८; -भ्याभिः हिथ्रौ ८, ३, ४; -भ्यासु काथ्रौ ९,४, ६; ५, १५; त्रापश्री १२, ९,9; बौध्रौ ७, ५ : २; ८, 9 : ५: १४,४ : ३५; २१,१७ : ९; 99; 24,90:94. निग्राभ्या(भ्या-ग्रा)सेचन- नम् काश्रौ ९,५,४.

नि-ब्राह- -हः पा ३,३,४५. नि√ग (निगरणे), निगिरेत् द्राश्री १२,३,१३; लाधी ४,११, १३; गोग ३,६, ३; ८,१४: द्राय ३, 9.88.

नि-गर ग-> निगरण-चलना(न-अ) र्ध- -धेभ्यः पा १.३,८७.

नि-गार- पा ३,३,२९.

१,५,२०; गौध १,४६. नि-गीर्य काश्री १३,३,२६ 1. नि√ग्रथ्, न्थ्, निग्रथ्नाति बौधौ १३, ३७: ८; निप्रध्नन्ति बौश्रौ ९, ५ : ३३; १५, १३ : 9; १८ : ३: निप्रध्नीयात् बौश्रौ २०,३:

३४; ३७. नि-ग्रह- प्रमृ. नि√यह्इ. नि-घ- नि√हन् इ.

निघण्ट्र⁸- पाउव १,३७; -ण्टवः या ₹,4 \$ \$.

नैघण्ट-कb- -कः सात्र १, १७; ६९××; -कम् सात्र १, १५; या १, २०२; २, २४; ५, १२; १०,३; ११,२; -काः सात्र १, १४७; २,११६××; -कानि या १, २०: -की साश्र १, ३२०; 844.

नि√घस्>नि-घस- पा ३,३,६०. नि-घात-,°ति-,°तिन्- नि√हन् द्र. नि√घुप् > नि-मृध्य वाय २, ८; गोग ४,२,२८; द्राग ३,५,२०; कौसू ३५,७.

नि-घृष्व1- पाउ १,१५३; - †ध्यः श्रा ४८,६७; निघ ३,२.

नि-म्नत्- प्रमृ. नि√हन् द्र. नि / बा> नि-ब्रा- - वेण वौश्रौ ५, 94:9.

नि-घ्राप्य कागृ ३४,७; ३६, ११. नि-गिरत- -रन वाध ३, ४१; बौध मिन-चङ्कुण¹- -०गण श्रापश्री १३,

४९, १०; १९, १०, ५; बौश्री ८, २०: ११९; वैश्री १६,२५: १४; हिश्री ९, ५, ३९; २३. १,५५; तैप्रा २३,१२.

नि√चम् >नि-चमन- -नेन या ५. 90;96.

नि-चान्त-> °न्त-पृण- -णः या 4,90.

नि√चर्> †नि-चेर्¹- -रुः वौश्रौ ८,२०: ११; द्राश्री ६, ४, ८; लाश्री २,१२,९.

निचल्कल"- -लः वाय ५, २८. निचाकु- पाउमी २, १,४२.

नि√चाय (वधा.) > †नि-चारव > य्या आश्रौ ९, ५,५; वाधूश्रौ ४, १०३: ८; या ५, २९°: श्रुप्रा ४,१५,३°.

नि√चि (चयने)^q

नि-काय- पा ३,३,४१;४२. निकायिन्"- -यिनः च्तस् २,

१६: ११; -यिनाम् आपश्रौ २२, १, २; २४, ४, ६; हिथ्रौ १७,१,२; मीस् ८,१,१९.

नि-काय्य- पा, पावा ३,१,१२९. नि-चय8- याग २, १, ५९; ५,२, ६४: -यः बौध ३, २,८; गौध १०,६२: -याः कप्र ३, ३,८. निचय-क- पा ५,२,६४. निचयो(च-उ)च्चारितt- पा २, 9,49.

a) पांभ.वैप १,९०७ g द्र. । b) पूप. = मन्त्र-विशेष- । c) = [अभिपत्रार्था-] २ श्रप्- । वैप १ द्र. । d) पाठः १ क्या->-भ्याः इति शोधः (तु. सपा. हिधी ९,१,४;३,३६)। e) क्यः इति पाठः १ यनि. शोधः इ. f) पामे. पृ १३९५ n इ. । g) = वैदिकशब्द-कोष । व्यु.? । < निर्मन्थ-(तु. मा ६,३० प्रमृ.) । इति WAG [१, १६७ b] । h) तस्येदमीये तदधीते वाऽथें उक् > कः प्र. । i) = हस्त- । j) = प्राण- । गस. उप. कर्तिर कः प्र. । k) सपा. बौधौ २, १८: ८; २०: १५ जिन्नेग इति, श्रापश्री ८, १६,३ अवन्नेण इति पामे. (तु. संस्कर्तुः टि.) । l) वैप १ द्र. । m) पामे. वैप १,१७९९ ८ द्र. । n) विप. (कमण्डलु-) । r) = सायस्क- (= श्रहःसंघ-)। s) विचय- इति पाका.। t) तु. पागम.।

नि-चित- -तम् या ४,२४.

†नि-चुङ्कुण°- या ५,9 εφ; -οण माश्रो २,५, ४, ३०^b; -णस्य चात्र ध: ८°.

निच्दारु^d-> ॰ रु-वक-वलाका-शक-मद्गु-टिट्टिभ-मान्धाल-नक्तंचर--राः गौध १७, ३२.

नि-चुम्पण"- - ‡०णb द्राश्री६,४,८३; लाश्री २,१२,९३; या ५,१८३६; -णः श्रप ४८,११५‡; निघ ४, २‡; या ५,१७०;१८३; -णस्य चात्र ३: ३°.

निचल ('g- पाउभो २,३, ११०; पाग 4, 2, 93 & b.

निचुलिन्- पा ५,२,१३६.

नि√चृत् , निचृतित कौस् ८५, १३-94.

नि-चृत्1- -चृत् शांथ्रौ ७,२७,२७; अअ१,३;१८;२४; २,५;९××; ऋप्राः; -चृतः निस् १,६:२;५; वृदे ८, १०७; श्रश्र १९, ४५; -चतौ श्रश्र २,२४.

निचृद्-आर्ची-बृहती- -त्यः यय १५,११.

निचृद्-गायत्री- - ज्यौ अअ ५,

निचृद्-बृहती- -त्यौ श्रत्र१५,६. निचृद्-भुरिज्- -रिजः निस् √िनञ्ज् पाधा. त्रदा. त्रातम. शुदौ. १,६:१; -रिजी ऋत्र १, ३, ३; गुत्र ५,४; भि ३,५९.

निचुद्-विषमा- -मा श्रश्च ९. ६(५); १९,४४; -माः अध्र २.

नि√छद् > नि-छन्न -न्नम् अग ३४, १,६.

√निज् ¹, पाथा. जु. उभ. शौचपो-पणयोः, नेनेक्ति वैगृ १, ३: २; या २,१७.

?निज्य कौसू ६२,२१ ‡.

नि(क्त>)क्ता- -क्ताभिः वाश्रौ १, 0,2,20.

निऋवा कौस् ४१, १६; ६१, ३६. नि-जिध्न- नि√हन् द.

नि-ज(ङ्गा>)ङ्गा - - ङम् आग्निगृ १, ५,२:४: बौगृ १,३,३७.

नि√जन्>नि-ज,जा¹- -जम् याशि २,६३; -जाम् जैश्रौका १८९; -जाय कीस् ८९,४; -जे जैश्रीका १३८.

श्निजस्य™ हिए १,१५, ६‡. ८,२,९.

नि-जिहीर्पत्- नि√ह द. †नि-जिद्धक"- -०क° श्रापमं २,२१, ३२; भाग २,२६: ११.

?नि-जिह्निक"- -०क हिए १, १५, 4+0.

निएय"- -ण्यः या १४, २२; -ण्यम् अप ४८, १०७३; निघ ३,२५; या २,१६०.

नि√तंस् ,नितंसयति भाश्री ७,१५,४. नि√तन् > नि-तिविª, बी- -िवम् श्रश्र ६,१३६; - ली विध ६७, 9年.

‡नि-तान- -नः माश्रो २,२,३,१६^р; ३,५,५^p; ६, २, ४,१^q; वाश्रौ 2, 2,3,2°.

नि√तप्>िन-ताप्य कौसू ३२,२४. नि√तम् ,नितमयति आपश्रौ ५,९७,

नितम्ब- पाउभो २,२,२१९.

१नि-तर->नितराम् शांश्रौ ७, २०, १०; १५,२२,१; त्रापश्रौ ६,९, १+:१५,५,७; भाश्री ११,५,७.

२नि-त(र>)रा- नि√तृ द्र.

नितान्त 11- पाग ४, २,९०8; -न्तः तैप्रा १६, २३^t; -न्तम् " अप ६९, ८, ५.

नितान्तीय- पा ४,२,९०.

निजि'-(>निजि-मत्- पा.) पाग नितान्तवृत्त्-(>°क्षीय-)नितान्त-टि. द्र.

नि√तुज्, नितोजित अप ४८,१९ ‡. नि√तुद्, न्द्, नितुन्द्ते श्राश्री ४, 93,0.

नि-तोद्" - -दम् काश्रौ १६,८, ५; त्रापञ् १८, ९^२; हिशु ६, १४; -दयोः त्रापशु १८,९; हिशु ६, १४; -दात् श्रापशु १८, ९; हिशु ६,१४.

a) वैप १ द्र । b) पांभे. वैप १,१७९९ c द्र. । $c)=\pi s$ पि-विशेष-। d) = पत्ति-विशेष- । e) °गः इति पाठः ? यिनि. शोधः । f) श्रर्थः व्यु. च ? । g) = स्थलवेतस- (जलवेतस- इति श्रज्ञी.) इति कृत्वा < नि \surd चुल् इति श्रभा. । h) तु. पागम. । i) विप. (Lएकाचर न्यून-] छन्दस्-) । l) विप.। कर्तरि डः प्र. (पा ३, २,९९)। m) पाठः ? j) पा **७**,४,७५ परामृष्टः द्र.। k) विप.। बस.। निजेसि इति संस्कर्ः टि. संभावितम् । n) विप. > नाप. ?। बस. । o) सपा. परस्परं पामे. । p) पामे. वैप १,१६७२ k द्व.। q) पामे. वैप १, १६७२ l द्व.। r) < नि√तम् इति स्रभा.। <math>s) नितान्त, वृक्ष− t) =पारिभाषिक संज्ञा-। u) =श्रातिशय-। वा. किवि.। इति पाका.। नितान्तवृक्ष- इति भाण्डा. पासि.। v) = गर्त- ।

नि√तुज्ञ् , नितोशते निघ २, १९‡. नि-तोश- - शस्य या १३, ५. नैतोश- - - शस्य या १३, ५; -शा या १३, ५‡ ∳.

नि√तृद्, नितृन्धि खप्रा ३,२,३३†. नि√तॄ, नि(तिरामि)श्रश्र ६,१३१‡. २नि-त(र≫)रा^b— -रा मागृ २, ११,१२°.

नित्य.त्या"- पाग ५,१,९७; ४, २९; पावा ४, २, १०४; -त्यः आश्रौ १,१२,३; २,८,१३××; शांश्री; तैप्रा२०,२^d;-स्यम् श्राधौ१,५, १४: २,२,१०:७,४××; शांश्री; हिध १, १, १२३1; या २, ३; पा १, २, ६३; ७२; ४, ७७: २, २, १७: पावा ४, ३, १४४ ; -त्यया ग्राश्री ५, ११, ४; आपश्रौ १९,२५,११; हिश्रौ २२, २, १०; ५, २२; वैताधी ३२, ३४; -त्यस्य वाश्री १, ६, ७,३३; हिश्री ३,१,१८; या ३, २+; मीसू १,३,१८; ३,६,४३; -त्या श्राश्रौ २, ४, ९; ११; काश्री; -त्याः त्राश्री १, १, ८; २,१९, २०××; शांश्रौ; -स्यात आश्री ७,३,१;२; ५,१०; वाश्री १,७, ४, ८; -त्यान् आश्री ८, ४, १६; ९, ३, १९; शांध्रौ; -त्यानाम् श्राश्रौ २, १, २२; विध ५४, २९; हिध १,४,२९; -त्यानि श्राश्रौ ७,१,२०; ८,४, ३××; शांश्री; -त्याभिः शांश्री १०,७, २; निस् ५, ६ : १३^h; ९,२:-११; २४; कागृ ५८,४;

६०,५: -त्याम् निस् ७, १०: १६ h; शांगु ६, ४, १२; कागुड ४३ : ९; ४५ : ९; -त्यायाःh निस ६, ६: १९; ८: ३३; -त्यासु^h निस् ८,९ : २८; १०, २: २२; -त्ये आश्री १,५,३४; २, १, ८××; शांश्री; -स्येन त्रापश्री १४, ३३, ३; बौश्री; -त्येभ्यः काश्रौ ५,४,२१; ७,६; ११,४; -त्येषु बौध्रौ २८,१३: १९; हिश्रौ ६, १, ३; भाग ३, २१ : ६; मागृ २,३, ४; -त्यैः वाश्री ३,३,४,१३; द्राश्री ८,३, २; लाश्री ४,७,१; मीसू ४, ४, १२; -त्यौ आश्रौ ५, २, ४; शांश्रो ३, ८, ५; १४, ५७, ६; माश्री ६,८,१०; द्राश्री ८,२,८; लाश्री ४,६,८; वैताश्री ३३, ६; निसू ५, ६: १२; कौगृ १, ५, २४; ९,७; शांगृ १,९,१०. नैत्य- पा ५, १,९७. नैत्यक¹--कम् कप्र २, १०, २; वाध २५,४; बौध ४,१,२४. नित्य-कर्मन् - र्मणि वैगृ ६,८:१२; -र्मभिः वैश्रौ २०, १: १. नित्यकर्म-ब्रह्मचर्य-शील- -लः वैध १,३,४. नित्य-कल्प- -ल्पाय श्रप्राय ६, ८. नित्य-काम- -मः भाश्रौ ७, १, ७: वैश्रौ १८,१२:३. नित्य-काल- -लम् श्रप ८,२,१.

-तिनः वैध १,९,४. नित्य-जप-होम- -मे वैध २,११,८. नित्य-ता- -ता भाशि थ. नित्य-तृप्त- -सः विध ९१,२. नित्य-स्व- -स्वात् आश्रौ ७, १,२१: काश्रो १,८,१८; ४, २,२९××: निस्. नित्य-दा पाग १, १,३७; बौगृ १. ३,३७; कौशि ४४. नित्य-द्विपदा- -दाः ऋत्र २, ९, नित्य-धर्म- -र्माः गोगृ ३,१,२५. नित्य-धारण- -णम् वाश्रौ १,५, २, ६; -णात् मीसू १२, ४, ३१; -णे मीसू १२,४,३०. नित्य- 'टत् - - 'टतः शांश्रो २,६,४. नित्य-धत- -तः माश्रौ १,६,१, ६; -तात् शांश्रौ २,१७,६. नित्य-निन्ध- -न्धः वैध ३,१५,११. निःय-निमित्त-त्व- -त्वात् पावा 8,3,60; 0,9,03. †नित्य-पु(E>)टा- -ष्टाम् श्राप्तिगृ २,६,१: २९; मागृ २,१३,६. नित्य-पूत- -तः कीगृ ५,७,२ . नित्य-पूर्व - र्वेण बौश्रौ २५, २४: नित्यपूर्वा (व-त्र)र्थ- -र्थम् पावा 4,3,46. नित्य-प्रतत- -तः त्रापध १,४,४1; 2,0,9. नित्य-प्रत्यय-स्व- -त्वम् पावा ३, 9,20. निध्य-प्रयुक्त- -क्तानाम् गोगृ ४,५, ११; द्राय ४,१,२.

a) वैप१ द्र. । b) विप. । उस. उप. अच् प्र. । c) सपा. नितरा <> निमिता इति पामे. । d) = स्विरितसंज्ञा-भेद- (= जात्य-) । e) वा. किवि. । f) सपा. नित्यं प्र°<> नित्यप्र° इति पामे. ।

नित्य-प्रहणा(ग्-श्रा)नर्थक्य- -क्यम्

पावा ३,१,२२; ५,१,६७.

नित्य-चान्द्रायण-व्रत->°तिन्-

g) तु. पासि. । h) विप. \Rightarrow नाप. (= स्तोत्रिया-) । i) विप. । तत्रभवीयः बुङ्ग् प्र. उसं. (पा ४, २,९२) ।

नित्य-प्रयोग- -गः गोगृ ४,७,३७;

नित्य-प्रयुत्त- -ते पावा ३,२,१२३. नित्य-प्रक्ष^a- -इनस्य त्र्यापध १,११,

नित्य-प्रातः-स्नायिन्- -यी श्रामिय २,७,११: १३.

२१: हिध १, ३,७१.

नित्य-भक्ष- -क्षम् वौश्रौ २९, ५: ५; १२.

नित्य-भावि-त्व- न्त्वात् मीस् **१०**, ६,५८.

नित्य-भूत- -तः श्राप्तिगृ ३, ११, २:९‡.

नित्य-यज्ञोपवीतिन् -ती कौए ३, ११, ५४; श्राप्तिए २, ७, ११ : १३; वाध ८,१७; बौध २,२,१.

नित्य-युक्त- -क्तः वाध २५, ९; गौध १०,२८; -क्ताः स्त्रप २०, २,९: वाध २५,३.

नित्य-वचन- -नम् पावा ४,४,२०; ८, ४,४५; -नात् पावा ३,१, ३१.

नित्य-वत् आपश्रौ ३, ९,५; ४,८, ७xx; भाश्रौ.

निध्यवच्-छूत-भृता (त---श्र) भिसंयोग- -गात् मीस् ११, १, १६.

नित्य-ब(त्स>)ःसा^b- -ःसा^c शांग्र ३,२,५^d; -त्साः लाश्रौ १०,२, ३; क्षम् २,१०:२५; ११: ९४; ३,०:२; निस् ७,३:२९; क्षोग्र ३,२,५+^c; शांग्र ३,२, ८+^c; भाग्र १,२०:७+^c; -ःसाये बाँश्रौ ५,१०:१९ c . नित्यवत्सा(त्सा-ग्र)तीपङ्ग'--ङ्गयोः लाश्री ७.५.३.

नित्य-विरत- -ते ऋत २,४,७. नित्य-विशेषो(ध-उ)कः - -कम्

कप्र २,४,६. विल्यानीच्यान - स्टब्स्टो: पा ८९४

नित्य-बीप्सा- -प्सयोः पा ८,१,४. नित्य-बृत्ति- -त्ती वैश्रौ १२, १२: १४; हिश्रौ ७,१,६०.

नित्य-व्रत- -तानि वार ९, १६; गोर ३,२,४८.

नित्य-शब्द- (>नैत्यशब्दिक-पावा.) पावाग ४,४,१. नित्यशब्द-च- -त्वात् पावा १, १,१,३,१.

नित्य-शस्(ः) कौय ३,,१०,३५; श्रप १,४४,१;२३,१३,४××;

नित्य-शिखिन्- -खी त्राप्तिगृ २, ७,११:१३.

नित्य-शिल्प^h- -ल्पम् श्राश्रौ ८, ४,५.

निध्य-श्राद्ध- - द्धम् श्राप्तिग्र ३,३, १: १२; २: २७; श्रापथ २, १८,६; हिध २, ५, ५८; --द्धे श्राप्तिग्र ३,३,२: १२;१३.

निःय-संयोग- -गात् मीस् ३,२,१; ६, १,४२,४,१२; १०,५,६६.

निःय-सन्ध्यो (न्ध्या-उ) पासिन्--सी त्राप्तिष्ट २,७,११: १३.

नित्य-समवाय- -यात् मीस् ४, २, २३.

नित्य-समास¹- -सः पात्रा ६, १, १२४.

·नित्य-समास- -सयोः पावा ६,

9,924.

नित्यसमास-वचन- -नम् पावा २,१,३६.

नित्यसमासा(स-म्र)थ- -थम् पावा ३,४,३७.

नित्य-संपन्न- न्नः बौश्रौ **५,** १६: ८; -न्नाः चुस् ३,२: २६.

नित्य-संबन्ध- -न्धात् पावा १,२, ४५.

नित्य-स्नान- -नस् शंघ १००; -नेन शंघ १०१; विघ ६४, ४२.

नित्यस्नान-विहीन- -ने वैगृ ६, ८: ३.

नित्य-स्नायिन् - यी शंध १०१; विध ६४,३५;४२; ८९, ४.

नित्य-स्वाध्याय - -यः गोध ५, ४. नित्यस्वाध्यायिन् -यी वाध ८,१७; वीध २, २,१; वैध ३,

†नित्य-होतृ! - तारम् माश्रौ १, २,६,१०; वाश्रौ १,३,३,१५.

नित्य-होम- -मः श्राश्री १,१३,९; २, ३, १; -मे वैग्र १,८: १०; अप २३,६,४.

नित्यहोम-काल- -ले श्रप्राय २.१.

नित्यहोम-दर्शका (क-श्रा) प्रयण-निरूढपशुबन्ध-चातुर्मास्य-सोत्रामणि-सोम^४- -मेषु वैश्री

२०,३१: ३. नित्यहोमा(म-प्र)न्त- -न्ते वैग्र ४,१०: १.

a) विष. । बस. उप. = ग्रन्थ-विभाग- । b) = साम-विशेष- । बस. उप. = पद-विशेष- (तु. लाश्री ७, ५,९) । c) विष. (धेतु-)। उप. = गो-बत्स- । d) सपा. कौंग्र ३, २,२ पाकवत्सा इति पाभे. । e) विष. > नाप. (धेतु-)। f) समाहारे द्वस. । g) विष. । पंस. > तृस. । h) विष. । बस. उप. = स्तोत्र-समृह- । i) वेष १ द्व. । k) द्वस. । दर्शक- = दर्श-पूर्णमास- ।

Digitized by Madhuban Trust

नित्या(त्या-श्रा)दि-पद-स्तोमा-9:80.

नित्या (त्य-त्रा) दिष्ट-त्व- -त्वात् पावा ३,१,४५.

नित्या(त्य-त्र)ध्याय- -येन त्राश्रौ 6,98,9.

नित्या(त्य-म्रा)नन्द- न्दम् वैध 2,9,94.

नित्या(त्य-घ्र)नित्या- -रयाः निस् 9.7: 70.

नित्या(त्य-श्र)नुगृहीत- -तः श्रागृ 2.9.7.

नित्या(त्य-श्र)नुवाद- -दः काश्रौ ७,५,२६; मीसू २,४,२५;३,३, 97; 8,9,84; &, 0, 30; 9, 8, 38; 80, 3, 3 €; 6, 38; 88; ५०; ११,४, १५; -दम् आपध २, १४, १३; हिध २, ३, २४; -दात् मीस् ८,१,६.

नित्यानुवाद-वचन- -नानि मीस् 19,8,4.

नित्या(त्य-ग्र)न्धकारb- -रे विध 98,30.

नित्या(त्य-ग्र-)बह्वच् पा ६, २, 936.

नित्या(त्य-ग्रा)भक्त°-> °क्तिक--काः वौध २,३,१६°.

नित्या(त्य-ग्र)भाव- -वः काश्रौ १७, 3, 3.

नित्या(त्य-म्र)भिवन्दिन् - न्दी वैध 8,2,9.

नित्या(त्य-श्र)भ्याहित°- -तः लाश्री 9,6,4.

नित्या(त्य-श्र)चन- -नम् वैग् ४,

१२: १: -ने वैगृ ६,२०:६. नित्या(त्य-श्र)र्थ- -र्थम् माश्री २,१, १.३: पावा ७.२.४७; ५२; ८, ३. २०: -थें पा ६, २, ६१; -धेंन मीस १०,५,६८.

नित्या(त्य-ग्र)वसान- -नेपु मैत्र१५. नित्या(त्य-श्र)शन- -नम् वैध २, 8,4.

नित्या(त्य-त्रा)हति - -तिपु कौ गृ १, ३.१३:५.२५; शांग्र १,८, १३; ९,११; -त्योः शांगृ १, ३,१०.

१ नित्यो(त्य-उ)दक-> °िकन्--की कौय ३,११, ५३: शांग्र ४, ११.२१: वाध ८,१७; बौध २, 3.9.

२नित्यो(त्य-उ)दक^b- -कः आगृ ३, ७,३: -कम् काश्री २०,४,१४. नित्यो (त्य-उ) दक-तर्पण- -णे श्रामिष्ट ३, ७, ४:४; बौपि २, ₹, 9.

निःयो(त्य-उ) द्यक्त- -कः काशु७,५. नित्यो(त्य-उ)द्वि(म>)म्ना- -ग्नाः श्राप ७१, १३,३.

?नित्यरसोविरोदकिः बौश्रौप्र ४४:

√निद ,न्द¹ पाधा. भ्वा. पर. कुत्सा-संनिक्षयोः, निन्द्ति या ९,८: निन्द्नित बृदे ७, ३७; या ३, १० 🕇 ; ऋप्रा १४, ६८; निन्देत् वैध ३,३,६.

†अनिन्दिषः दाधौ १०,३,४: लाश्री ३,११,३१^६.

निन्द्यते बौध १, १०, ३०; बृदे 0,999.

अनिन्द्यत् श्रय ५, १८.

निनीत्सेत आश्री ९,११.१ †निद् b- निदः या १०, ४२; ऋप्रा 8, ६२.

निन्दक- पा, पावा ३, २, १४६: -कः वैध ३, ३,६.

निन्द्यित्वा श्रद्य ७,११५.

निन्दा- -न्दा आपश्रौ २४,१,३३ %: हिथ्री १,१,१०; निस् ८,१:२३: २५: १०, ६: ८; श्रापमं २. ५. ३+; आगृ ३,९,१+; कागृ ४१, २३ ई; वृदे १,३५; ४९; -न्दाम् निस् १,१०: १६; वैध १,२,८; -न्दायाम् पावा ३, १, ५¹. निन्दा(न्दा-आ)कोश- -शौ वैध 3,0,90.

निन्दा-परीवाद- -दी विध २८,

निन्दा-प्रशंसा- -से या ७,३. निन्दा (न्दा-अ) शक्तिःसमाप्ति-वचन- -नानि मीसू २, ४,२०.

निन्दित,ता- -तः वाध ६, ६; वैध ३, १२, २; भतम् आमिए २,४, ७:५; -ता त्रामिष् १, ५,५: ८+; वास १, ११, ४; भाग १, १९:१८ +; वैग ५, ९, ३; हिग् १, २४, १+; माशि १, ४: याशि १, ५१; त्राज्यो १३, २: -ताः काश्रौ २२, ४, ४; -तानाम् आपथौ २२, ५, १४; हिंथी १७,२,४२; -ते श्रामिय 2, 8, 0:2; 0, 4:94; -तेभ्यः विघ ४०,१; -ती वैध ₹,99,8.

निन्दिता(त-अ)नत्। -नतम् वैगृ 3,8: 3.

d) नित्या a) वस.>कस.>पस.।। c) कस. उप. = भोजन-। b) विप. । बस. । g) विसर्गर्हीनः पाठः ? यनि. भाक्तिकाः इति मैस्.। e) = श्रग्नि-। कस.। f) पा ८,४,३३ परामृष्टः द्र.। बोधः (तु. दाश्रौ.)। h) वैप १ द्र.। i) तु. पासि.। j) = मन्त्र-विशेष-।

निन्दा- -न्दाः बौध १, १०, ३०; -न्द्यानि आग्निगृ २, ७, ६: 23.

नि ्द्रध्, निद्धति श्रामिगृ ३, ५, 8: 3;97;98.

नि-द्धत्-, नि-द्धान- नि√धा

ति-दर्शन- नि √दश द.

नि√दह, †निदहाति बौश्रो २८,१० : ७: या ७,२००; १४, ३३०. निदद्यताम् कीस् ८३,७[‡]

नि-दम्ध- नधम् कौस् ५२, ९; -ाधे वैश्री २०, २९: २.

१नि-दाव^c- पाग २,४, ३१^d; ७, ३.५३: - घे काश्रौ २४, २, ५; आपश्री २३, ३, ७; हिश्री १८, १, २५; कौसू ८३, ७‡; वाध 2, 33.

नैदाघ^e- - चम् आपगृ २, १२1; वागृ ३, १३; अअ ९, ५+; श्रपं १: २४+; ३:६५; -धेन अप ५३,३, ३⁸.

नैदाबी b- -ध्याः हिपि १३ : ३.

निद्।य-मासा(स-अ)तिगम- -मे वृदे २,५०; ५५.

निद्।घ-शर(द्>)न्-माघ- -घेपु काश्री २१,३,५.

श्निदाघ!- पांग २,४,६९. नि-दान-, नि-दाय, नि-दित-, नि-दीय-

माना- नि√दो ह. नि√दश्, निद्शीयन्ति कौशि ६९; निद्शियेत् माधौ ४,७,२.

निद्रशियण्यामः त्राश्रौ ५.९.२१. नि-दर्शन- -नम् वताथौ ३२, १६; श्रा ४७,१,१५: ६८,२,१३: ब्रे २,१०७;११०; श्रपं १:८:११; १३××; या १४, ३०; ऋपा; -नानि ऋप्रा १, ५२; १४,४७; १५,१२; उस् ; -नाय श्राश्री७, 99, 4; 93; 90; 6, 3, 90; या ११,२; 'ऋपा १४, १; १६, ३१; -ने उस्५,२;६,२;७,१६. निदर्शना(न-ग्र)र्थ- -र्थः निस् २,२: १२; - र्थम् लाधौ ७, 90,96.

नि √दो (बन्धन-खण्डनयोः)> ३०:३; ४५:२६; ४७: २०; २२; १९, ६: ५; २६, २९: १; -नात् उनिस् ८:३१; -ने त्रापश्रो १,११,५; १५, ५, २०: ९, ४; भाश्री १,११, ११; ११. ५.२२; ९,५; माश्री १,१, ३,90; 9६; ४, २, ६; ३, 9; वाश्री १,२,२,७; वैश्री ३, ६: ३: ४, १: १४; १३, ७: २०; ११: ६: हिश्री १,३,८; २४,२, ६: ४,२; वाध १, १४.

नैटान^k- -नाः या ६, ९; ७, 92. .

निदान-संज्ञक- -के बृदे ५, २३. नि-दाय आपधी १५, ९, ७; भाधी ११,९,९; हिश्रौ २४,४,३. †नि-दित1- -तम् शांधौ १५, २३, १; उस् २, १३.

नि-दीयमान,ना- -नाम् माश्री १. १,३,१७; वाश्री १, २,२, १८; -ने माश्री ४,३,९.

नि√द्रा[™] > नि-दालु- पा ३, २,

?निटा¹ ऋपा २. ५९‡.

निदा"- पाउ २, १७°: पाग 3. १,१३,५,२,३६; -द्रा श्रप २२, १०,५; विध ९९,४; माशि १५, ९; याशि २, १०९; नाशि २, ८, २३;२९; -द्राम् शंध ९०; ११६: २९; माशि १६,४. √निद्राय पा ३,१,१३.

निद्रित- पा ५,२,३६.

नि-दान¹- -नम् वौश्रौ १८, नि√धन् (वधा.) >िन-धन, ना¹-पाउ २,८१; पाग २,१,५९°;४, ३१: -नम् आश्रौ ६, १३, २; शांश्री ८, १०, ३; १०, २१, १२; काश्रौ १०, ८, २०; १९, ५, ३; २६, ७, ९; श्रापश्रौ; -नयोः निस् ३, १२:५; -नस्य निस् २,८:३१; -नानाम् लाध्रौ ७, ११, १५; निस् ८, १:२३;२५;-नानि^व आपश्रौ १, ४,३; १२; बौधौ २०,२: ३१; ३८,४०, माश्री १, ३,२२: वैश्री ३, ४:९;१५; हिथ्रौ १, २,४३; ४७; द्राधी; -नाभिः कौस् ८०, ३०; ४१; -नाय द्राधी २, २, ३; लाश्री १,६,२; -नायऽ-नाय दाश्री ३, ४, १०; -ने त्रापश्री १,४,१२0; भाश्री १, ४, १०0; हिथी १,२,४८०; जैश्रीका १९३;

b) पामे. वैप २, ३खं. नि···घीयातै a) सपा. बौपि १, ३:१३,२०:२८ निद्धाति इति पामे.। c)= ग्रीप्मर्तु- । d) तु. पागम. । e) विष., नाप. । स्वार्थे वा तस्येदिमत्यर्थे माश १३, ८,१,४ टि. इ.। वा अण् प्र.। f) = मास-। g) विष. (श्रज्ञ-)। h) = ज्येष्ट-पौर्णमासी-। i) व्यप.। i2, i3 व्यप.। i3 व्यप.। i4 व्यप.। i7 व्यप.। i7 व्यप.। i8 व्यप.। i9 व्य प्रन्थ-विशेष-, त्रादि-कारण-। k) तदधीते तदेदेत्यर्थे अण् प्र.। l) वैप १ इ.। m) पा ८,४,९७ परानृष्टः इ.। n) नाप. । व्यु. $(1 \ 0) < \sqrt{1}$ निव्द् । p) निधान— इति पाका. । q) = [मुष्टीनां] बृहत्तर-चय- । r) = ऋग्-विशेष- । लाश्री १, ६, २९; १०, १४; खुस् ३, ५: ८; निस् ४, ७: १९; ७,११: २; कीस् ४६,५; मीस् २, २, २८; —नेन ब्रापश्री १७, १०, १†; वैश्री १९,६: १६‡; द्राश्री ११, ४,८; लाश्री ४,४, ७; निस् १, १२: १६; —नेम्यः लाश्री ७,६, १०; —नेषु लाश्री ७,६,१५; निस् १,१२: ८.

नैधन°- -नः आज्यो ९, ४; -नम् श्राज्यो ९,८; -ने श्राज्यो १०,१; ९; ११,४.

निधन-काम^b- -मम् लाश्रौ ६, १२,१४.

निधन-तस् (ः) निस् ५,५ : ६. निधन-स्व - न्त्वेन लाश्रौ ७, ११,१७.

निधन-ब्राह्मण- -णम् निस् २, ९:११.

निधन-भू (त>)ता- -ताः लाश्रो ६,१,१७.

निधन-मा $(\pi >)$ त्रा c - -त्राः निस् ८,१ : २९.

निधन-वत् - - वत् लाश्रौ ६, १२,१४; श्रुस् १,८:१४; - वन्ति लाश्रौ ६, ९, ७; १०, ८, ६; निस् १,१२: ४. निधन-वाद - - दः निस् १,१२: १५; ४,७: २४; - दम् लाश्रौ

१०, २, ७; ९, १०; निस् ६, ७: ६३; –दाः निस् ४,७: २५. निधन-विभक्ति – निकः चुस् ३, ६: १४; निस् ३, १०: ३; ५,२: ६.

निधन-स्थान- -नेषु लाश्री १०, २,९; निस् १,१२: १३. निधन-स्वर- -रम् लाश्री ७, ८,५.

निधना(न-म्रर्थ >)र्था- -र्था मीस् २,२,२९.

निधना(न-त्रा)र्षेय- -यम् निस् १,१२:७.

निधनो(न-उ)पष्टय - -यः शांश्रौ ५, १२, ४; -ये निस् २,९: ३३.

निधनो(न-उ)पायन- -नम् हिश्रौ १०,५,२४.

निधवन- > नैधवन- -नाः, -नानि वाध्रश्री ३, ९७ : ३.

नि√धा. निधत्ते त्रापश्री १, ४, १५:१८,१५,५: बौध्रो; या १२, १९; निद्धाति शांश्रौ २,९,१३; १०, ७; ७, ३, २; ३; काश्री; बौषि १,३: १३^d; २०^d; २८^d; निधत्तः काश्रौ ९, १०, ६; वैश्रौ १५, २८: ५: निद्धति शांश्री 4,98,93; 80, 8, 8; 26, 28, ५; काश्री १३, ४, १^e; नि; ... द्धति बौश्रौ १,७: १७;६,१३: १६××; ۴ निद्धे हिश्रौ ११,७ ५१; कौसू ६५, १२; ‡नि... दधे श्राश्रो २,१८, १३; वौश्रो ५, १०: २३; निद्धामि वैश्रौ १८, १३:३ ‡ † निद्ध्मिस आपश्री ४,१५,१; भाश्री ४,२१, १; हिश्री ६,४,१८; क्रोस् १०२. २; निधत्तात् बौध्रौ १७, ४० : १५; १९; आमिय १, ३, २: २३; ३: ३; निधत्ताम् वैगृ

८, १४: ८ | निधेहि या ७ ३१; †नि अधि आश्री २. १८, १३; बौश्री ५, १०: २३: †निधत्तात् आश्रौ ३, ३, १8: शांश्री ५,१७,३8; बौश्री ६,१२: ३; वैश्रौ १०, १३: ७⁸; हिश्रौ ४, ३, ५२⁸; हिषि ५ : ६: निधत्तम् कागृ ३१, २ : नि ... द्धिध्वम् ऋपा ८,४ ‡; ‡निधत्त बौश्रौ २, १५: ३; आप्तिगृ ३, ५, ६: ११; बौवि: नि-(दधात >ता) माश्री ५, १, ५, ५५; निधत्तन वैताश्रौ २३. १२; †निधेतन आश्री ३, १३, १८: श्रापश्री ३,११, २: भाश्री ३,१०,२; माश्री २, ५, ४, ९; हिथ्री २, ६, १; निद्धानि या १. ४ = न्यद्धात् बौश्रो १८. ४७:२१: न्यधत्ताम् बदे ३, २२: न्यद्धः वागृ १३,३4; या १३, ९; निद्धीत माश्री १, ३, ५, १६; द्राश्री १२, ३, १४; १५, ४, १९: लाथ्रौ ४, ११, १४; ५, १२, २३; निद्ध्यात् आश्रौ १,१३,२;५××; काश्रौ २५, ४, ३८h; निद्धीरन् द्राश्री ६, ३, २८;१२,१,२०1; लाश्री २,११, २१; निद्ध्युः जैश्रीका १९८; द्राश्री.

†निद्धे बौश्रौ ६, २४: २८; हिग्र १, २५, १; अश्राय ५, २; या १२, १९; नि(द्धे) साम्र १, ५४‡; निद्धिरे या ६, ३५; नि द्धिषे †कौस् १५, ९; ११; ‡न्यधुः हिश्रौ ११,

a) विप. (नस्त्र-वर्ग-) । तस्येदमीयः अण् प्र. । b) = साम-विशेष- । c) विप. । यस. । d) यामे. पृ १४०३ व.स. । e) निद्धाति इति पाठः १ यनि. शोधः [तु. चौसं. प्रकरण्यः) । f) पामे. वैप १,१८०४ g इ. । g) पामे. दैप १, ११४२ g इ. । g) पामे. देप १, ११४२ g इति पामे. ।

७, ५१^१°; श्रप ३२, १, १५; श्रश्र १९,२०.

निधीयते शांश्री १५, १७, १‡;
†श्राप्तिगृ ३, ८,२: ४१; ५८;
बौगृ २,११,६; †बौषि १,१५:
४८; ६३; या ४, २; निःधीयते गौषि १,५,३१; निधीयते गौषि २,५,३१; अश्राय
१,१; निधीयरन् श्रापश्री २१,

†न्यधायि शांश्री १८, १, ६; वैताश्री ३२, १०; या ६, २८; निधायि श्रापमं २,११, २५‡. निधापयित वौश्री ६, १: १५; २७,९: ७; निधापयेत् आग्निष्ट ३,१०,४: १२;१५; श्रप ३३,५०,४: १६६, २, २; याशि २,

निधित्सेत वौश्री ३,२९:१५. नि-द्धत्— -धत् श्राश्री २,३,८; आग्निपृ ३,८,२:२९‡; वौषि १,१५:३७‡.

नि-दधान- -नाः वैश्रौ २०, २३: ४: हिपि २२: १४.

†िन-धा⁰— -धया श्रापश्रौ ६, २२, १; या ४, ३; −धा निघ ४, १; या ४,२∮.

नि-धान⁶— पाग २,१, ५९^d; ४,२, ७५⁰¹; ८०^e; ५, १, १२४; —नम् काश्रौ २३, ४, २४; २५, ८.७: श्रापश्रौ १,१४,८; २२,

२८. ८: बौधी २८. १९: ८ : हिश्री २३,४,४८ कः श्रापमं २, १,८ †; श्राप्रिय २,२,५: १८ †; कागृ ४०, १५‡; बीगृ २, ४, १५+: मागृ १,२१,१०+: वागृ ४, २१ ‡; हिए २, ६, १२ ‡; हिपि १२: ८: अप ३५, २, ४: ब्दे २,११३; ८,१२३; या ३, ६+: ९,१३: -नस्य श्रप ४७, १,६: -नात् काथौ ९,१२,१४; 98, 9; 20,3,99; 22,9,8; १६, ३, १०; कौसू ५७, २७⁸; -नाय काश्री ८, २, १२; -ने बौश्रौ २०,३:५; १७:१२: २६ : २४: २२, 9 : 6; 9: २७: या ९,३६.

नैधान- पा ४,२,७५. नैधान्य- पा ५,१,१२४. निधान-क- पा ४,२,८०. निधान-काल- -ले कौस् ८०,२. निधान-दर्शन- -नाय अप १, ६, ६.

नि-धापियत्वा बौधौ २१,१३:२०. नि-धाप्य श्रामिष्ट १,१,१:१०. नि-धाप्यमान - नम् वैताधौ ५,

नि-धाय आश्रो १, १, २३; ११, ४××; शांश्रो; हिश्रो १६, ६, ३९ ; कौग्र १, ९, ७ 1 ; हिग्र १,४, २ 1 ; निधायऽनिधाय माश्रो १,१,२,१५; ७, ६, ५३;

c,₹,₹₹.

नि-धायम् काश्रौ ४,१४, ५.

नि-धास्यत्- -स्यन् वौश्रौ २०, ३: ७: कौस ८३. १: १३७, १८; नि-धिk- -धयः शंध ३७३; -धिः श्रापश्री ११, १२, ३ ; वाध्रश्री ३.१७: २३: हिश्री ७,६,१८ ; शांगृ १, २, ८; या २, ४∮; -धिना माश्रौ २, ५, ५, १८¹; भाशि ११९; १२0^m; -धिम् आपश्री १६, २२, २+; +कौस् २४,३९;६२,१०; अप १०, १, १६: १८.३,१०; विध ३, ५६; ५८; †য়য় १०, १०; १२, १; ३; १९,२७; - †धीनाम् काश्रौ २०,६,१३; बौध्रौ १५,२९:२५; वाध्रश्रौ ३, ९०:४; ७; ११; ९१: ७; पाय ३,४, ८. ‡निधि-गोप"- -पः श्रापमं २,

‡निधि-गोपⁿ - पः श्रापमं २, ५, ९^{२०}; कागृ ४१, २९^{२०}; बौगृ २,५, ६४^{२०}; भागृ १,१०: ८^०; ९: वागृ ५,२७^{२०}

†ितिध-पP - -पः श्राय १,२२, २१³; पाय २, ४, २; माय १, २२, १७²; -पाय वाघ २, ९; विध २९,१०; या २,४.

निधि-पति - तिम् बौधौ १५, २९: २५ ‡.

†िनिधि-पाष्टि -पाः पागृ २, ४, २°, त्रैगृ २, ९:९; कौसू ६२, १; श्रश्च १२,३.

a) न्ययुः इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. सप्र. में २,७,१६ काठ ३९,३)। b) वैप १ द्र.। c) वेप १. १८०५ k द्र.। d) नि-धन – टि. द्र.। e) प्र्रथः ?। f) विधान – इति पाका.। g) निधानत् इति पाठः ? यिन. शोधः ।तु. प्रकरणम् । h) पामे. पृ १९४ व द्र.। i) पामे. पृ १३९६ e द्र.। i) पामे. पृ १३९६ e द्र.। i) पामे. वैप १ द्र.। i) पामे. वैप १, १००६ b; i) निधाप्य इति Böht [ZDMG ५२, ८९]। i0 धना इति पाठः i1 यिन. शोधः (तु. पूर्वं स्थलम्)। i1 = निधिनत्ते ते ३,३,८,२ टि. च द्र.। i2 सकृत् सपा. निधिगोपः i3 निधिपः i4 निधिपः इति पामे. i5 शिक्ष-। उस. उप. अण् प्र.। i7 सकृत् सपा. निधिगोपः i7 निधिपः i8 निधिपः इति पामे. i9 = निधि-गोप-।

निध्य(धि-श्र)धिगम- -मः गौध १०,४२. निध्य (धि-श्र) न्वाधि-याचिता-(त-श्र) वकीता (त-श्रा) धि^क--धयः गौध १२,३९.

नि-धीयमान,ना- -नम् वैताश्री १०, ९; २८, १०; ३३; २९, २; -नयोः द्राश्री १३,१,६; लाश्री ५,१,६; -नस्य द्राश्री १४,४,१४; लाश्री ४,९,१८; ५,८,१३; १०,५; -नान् वैताश्री २८,२५; २९,६; -नान् वैताश्री २,८; -नानम् द्राश्री १२,१,७; १४,४;३; ६; लाश्री ४,९,४; ५,८,३; ६; निस् ३,४:१९; -नायाम् द्राश्री १४,४,१२; -ने भाश्री ४,९,३; वैश्री १२,६:४; जैश्रीका ५१; द्राश्री १२,२,४; लाश्री ४,१०,५.

नि-धे(य>)या- -याः वैश्रौ १३, ७: २६.

\$नि-हित,ता^b— -तः श्राश्रो ९,११, १९‡; शांश्रो; याशि^c १,८७-८९; नाशि २,१,३^c; नि(हितः) ऋत्र ३, ११‡; —तम् श्रापश्रो ११,१२,३‡; बौश्रो; माश्रो ३, ४, १०^{‡а}; कौस् ११७,४^c; †या २,१६; १२,३८; ग्रुप्रा ४, १३८^c; —तयोः वाश्रो १,४,३, २४;—ता श्रापश्रो १,३,१; श्रापमं २,२१, ३३‡; पाग्र ३,१३,६; भाग्र २,२६:१५‡; हिग्र १, १५,६‡; ‡या ४,१०; १३, ९; —ताः वौधौ १२,८:३; —तान् काठधौ १५३; श्रापमं; —तानि श्रापऔ २१,२१,१४; हिधौ १६, ७,१०; श्रप ३,१,५; या १३, ९; —ताम् माधौ १,२,४,४‡; वाधौ १,१,२,१९‡; सु २०, १; —तासः ‡या ३,२०; —तासु हाधौ १४,४,३; ६; लाधौ ५, ८,३;६; —ते आधौ २,१७,१०; ४,४,६; १०,३; बौधौ; —तेन वाधौ १,२,२,३१; —तेषु काधौ २२,५,१५; ९,४; हाधौ १२, १,७; लाधौ ४,९,४.

शिनधातोः या ३,१६ क. नि-धि- प्रसृ. नि√धा द.

नि√धी, †निधीमहि श्राश्री २, १९,६¹; श्रापश्री; †नि(धीमहि) बौश्री १८, १२:११; साझ १,२६.

†निदेध्यत्^ड बौधौ ४,९: १४; भाधौ ७,१९,१५.

नि√धृ, निधारय ऋषा ८, ४३‡; न्यधारयत् बृदे ५,८४; निद्रीधः ऋषा १,१०३‡.

नि-धारय^b- -यः श्राश्रौ **७**, २, १०‡.

नि $\sqrt{\xi u}$ >नि-ध्यात- -तम् वाध्र्ध्रौ ३,१०६: १;२.

निध्नव¹— -वाः¹ वौधौप्र **४१**: १८; —वाणाम्¹ श्राधौ १२, १४, नैध्रुव- -०व श्राश्री १२, १४, ७; आपश्री २४,९,१४; बीश्रीप्र ४१: १९; हिश्री २१, ३, १३; वैध¹ ४,७, १;९; -वस्य बीश्री १८,४५: ४३.

नैधुवि– -विः ग्रश्र १, ५५०.

निधुव-वत् श्रापधौ २४, ९, १४; बौधौप्र ४१: १९; हिधौ २१, ३,१३; वैध^k ४,७,१;९.

१नि-धुवि^b- -†विः त्रापश्रौ १४, १७,१; हिश्रौ १५,५,१.

२िन ध्रुचिⁿ - - विः ऋअ २, ९,६३; सात्र १, ४८३; ४९२; ४९३; ५०१; २, १०४९; - वेः चात्र ३०: ८^{१1}.

?निन आग्निप्टोम क्षारहर° वैश्रौ २१,३:१०.

नि \sqrt{a} ् > नि-नद−, नि-नाद− पा ३,३,६४.

नि-नद्ध- नि√नह् द्र.

नि√नम्, नि ं्नमं ऋषा ८, ४‡; निनमे या २, २७; निनमाम या २,२७.

नि · · नंसे या २, २०∳‡; नि (नंसे) बृदे ४,१००‡.

नि-नत,ता— -तम् श्रापश्रौ १०, ५, १; ११,८, १०; १८, १८, ५; भाश्रौ ७,९,१२; —ता श्रापश्रौ १४,६,५, -तौ श्रापश्रौ १४, ६,४.

नि-नयत्-, °यन- नि√नी द्र.

a) द्वस. । निधि = श्र-मुद्र – निक्षेप -, त्रम्वाध - = उप-निधि - (= स-मुद्र – निक्षेप - $\lfloor g$, यास्प २,६५ \rfloor), श्रवकीत - स्रदत्तम्ल्य - वा स्र्धदत्तम्ल्य - वा । b) वैप १ द्व. । c) = श्रनुदात्त - । d) पासे. वैप २,३ खं. तैन्ना १,४,४,९ ० टि. द्व. । e) पासे. वैप १,९०६ $\lfloor g \rfloor$ पासे. वैप १,००७ $\lfloor g \rfloor$ पासे. वैप १,००० $\lfloor g \rfloor$ पासे. विप १,००० $\lfloor g \rfloor$ पासे. विप

नि√नर्द् , निनर्देत् आश्री ८,३,९. नि-नर्दे - -दंः आश्री २,११,९; ११,१६; -दंस्य वैताश्री ३२, १८;३२; -दंपु वैताश्री ३२,

नि-निर्देत् - -र्देन् लाश्रौ ७, १२, १३‡.

नि-नर्ध आश्री ८,३,८^b.

नि√नह्, निनह्यति त्र्यापश्रौ ११,७, ३;२०,१६,८.

नि-नद्ध- -द्धः या ९,१४[‡]. नि-नाह्य- -ह्यात् काश्रौ ८,९,७.

नि-नाद्- नि√नद् इ.

श्निनियोज श्राप १, ६,७; ८, ३; ४;

नि√नी, निनयते आश्रौ १, १३, १; २, ४, १२; निनयति काश्रौ २, ५, २६; ३, ८, ६××; आपश्रौ; निनयन्ते आपश्री १४, २२, ७: निनयन्ति शांश्रो १३, ११, १०: बौधी १४, २६: २२; माश्रौ २,५,४,११; वैताश्रौ २३, १४; निनय कौसू ३७, ११; निनयानि आश्री १, ११, ८+; निनयेत् आश्री २, ४, १३; ३, ११, २०; श्रापश्री; निनयेयुः ग्राश्री ६, १०, २१; ९,३,२०; वैध्रौ २१,८:७; द्राध्रौ ६,३, उदं; लाधौ २, १, ७; ११, १९; ८, ८, ४; बौध २, १, 34.

निनीयते कौस् ७३.५.

नि-नयत्— -यन् श्राश्रौ १,११,८; पागृ १,३,१४.

नि-नयन - नम् क्राश्री २, ७, ४; कौस् ५१, २; -ने बौश्रौ २०, २६: १८.

निनयन-प्रभृति - - ति माश्रौ ४, ३,३६.

नि-नीत,ता- -तः वाधूश्रौ ४,९०^२ : ४; ७; -ताः माश्रौ १,४,३,९; २,५,४,१२.

नि-नीय ब्राश्नी ६,१२,११; शांश्री. नि-नीयमान,ना- -नम् श्रापण १३, ९; हिए १, १३,४; -नाः बौए १,२,२९.

नि-नेतृ- -तारम् वाध १५,१३.

निन्द्क-, निन्द्यिखा, निन्दा- प्रस्., निन्दित-, निन्द्य- √निद्,न्द् द्र.

शिनन्तुन वाधूश्री ४,५९ : १. √निन्त् पाधा, भ्या. पर.सेचने.

नि√पच् > नि पाक्य- -क्यम् वाधुश्री ४,११८: ९;११.

नि √पठ् > नि-पठ- पा ३,३,६४. नि-पठित- (>ित्न- पा.) पाग ५,२,८८.

नि-पाठ- पा ३,३,६४.

नि√पत्(गतों), निपतित श्रापश्रों
१८, ३, १५; २३, १२, १०;
वैश्रो; या १, २०; निपतित
वौश्रों १९, ६: ३; श्राप ५८,
१,५; २, २; ७; ४, १७; १९;
छठ², ११, ३२: गोध १, ४७;
श्रश्र १२, ५(३)‡; या १, ४;
११; याशि २, ६१; न्यपतत
बृदे ५, १४९; निपतेत आशो
१२,६,७; ८; बौश्रों २६, २१:
४; २७,१: २; कौस् ८३,२३;
श्रप्राय २, ६; श्रापश्च २, १०;
बौशु २: ५; हिशु १, ३०;
निपतेय: बौशी २९,१: ४.

निपातयेत् वैधौ १, १: १२; १०,२: २; ऋप.

निपात्यते त्रा ७१, १२,२; बृदे २, ९२; पावा ३, २, १०७; निपात्यन्ते बृदे २,९३.

नि-पतत् - -तताम् अप ५८^२,१, ६; -तन्तम् कौत् ६५,२.

नि-पतन- -नात् बौध २,१,१४.

नि-पतित- (>°तिन्- पा.) पाग ५,२,८८.

नि-पत्य>°त्य-रोहिणी°- पाग २, १,७२.

नि-प(त्य>)त्या^d- पा ३,३,९९. नि-पात - पाग ५,१,१२४; -तः कप्र १,२,६; ऋत्र २, ३, ६; वृदे १, ३९; ५,१६२; ७,१४५; या १,८; २, २०; ४, १७; ५, ५; ६,२८; ११,११; २०; १२, २०; २९; ३०-३३; ऋप्रा १२, १७; २५; अप्रा १, ३, ४; ५; शौच १, ७९; याशि २ ५; पा १, १, १४; पावा ६, १, ९३; -तम् बृदे ६, ८६; या ७, १८; २०; ३१; -तस्य पा ६, ३, १३६; पावा १, २, ४५; -ताः वृदे २, ३; ८९; ४, ९६; या १,४; ३, १५; ऋप्रा १२, २१; शुप्रा २, १६; याशि २,४; पा १,४,५६; -तात् निस् ८,११: १४; बुदे ८,६०; -तान् आश्रौ ६, १४, १४; -तानाम् बृंदे २, ९३; ऋपा १२,२६; -ते याशि १,५४; ७१; -तेन वृदे १,७८; २,८१; ३, २५; ३६; ४, ५४; ८, ५२; -तैः बृदे ६, १३५; ८,१२९; पा ८,9,३०.

d) नाप.। श्रर्थः 2 । = पिच्छिला-भूमि- इति पासि.। e) भाप., पारिभाषिक-संज्ञा- Lपा. CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

 $a)=(\exists 3^{6} \overline{z}_{1}, z_{1})$ श्रोकार-ध्विनि । b) र्दम् इति श्रान.। c) रोहिणी = रक्का- इति पागम.।

नैपातिक - -कानाम् वृदे २, ७७; -कानि वृदे १, ९७; १९: २,७८.

नैपात्य- पा ५,१,१२४. निपात-क- -काः याशि २,३. निपात-ज- -जी याशि २,५७. निपात-भाज- -भाक वृदे ४, ९२: १२८: ५.९१;९३; १०७; ११०; ६, १३१; साश्र १, ७८; ३६४: ४५२; ४५७, -भाजः सात्र १, ४३५; या ७, १३; -भाजम् बृदे ७,१४५; -भाजी वृदे ४, १०; -भान्जि अप ४८,१३३; १३८; १४३. निपात-भाजि(न्b>)नी- -नी सात्र १,७३; १३३. निपात-मात्र- -त्रम् बृदे ' २, ८०; -त्रे बृदे १, ९३; -त्रेण बृदे २,७५. निपात-संज्ञा(ज्ञा-त्र्य)भाव--वः पात्रा १,४,५८. निपात-संज्ञा(ज्ञा-श्र)र्थ- -र्थः पावा १,४,५८; ५९. निपात-स्तुति- -तिष् बृदे ३, निपाता(त-श्र)व्यय- -यानाम् श्रप्रा ३,३,२०. निपातिन्- -तिनः वृदे ८, १२८: -तिनम् बृदे ४, १२८; -तिनी बृदे ४,११०; -ती बृदे 8,928; 6,50. निपातिनी- -नी बृदे ३,

५३; - न्यः वृदे ७,३९.

निपास्य(ति-श्र)र्थ- -र्थान्

वृदे ४,९७. निपाते (त-ए) कत्व- -त्वात् पावा ६,१,९३.

नि-पातन— -नम् पावा ३,२,१०९; १०१; ६, १, २०३; ४, १०४; ७,२,२६; —नात् ऋष्रा १२,२६; पावा १,१,४; २०; २,४, २६; ५,३, १८; ६,१, १५८; १६३; २,२; ४,२४; —ने शंघ ३१५; बौध २,१,७; विध ५४,३०. निपातना(न-श्रा)नर्थक्य— -क्यम् पावा ४,४, ८२; ५, १, १, ११३;

नि-पातित,ता - - तम् अप्रा ३, ३, २९; -ता बृदे २,९३४; -ताः बृदे ३,९२९; ८,४०; -तौ बृदे ३,६७; ५,९०५; ७,२९. नि-पात्य शांश्री ४,९४,९२; आवश्री. नि-पात्यमान - नम् वैताश्री ३७, २५.

शिनपतः बौश्रौ ६, ६: २५.

नि√पद्°, निपद्यसे श्राश्रौ ८,१४,४‡;
शांश्रौ ४,१८, १‡; बौश्रौ १७,
४०: ३; श्राप्रिष्ट १,३,२: १२;
भाष्ट २,१८: १५; माण्च २,१८,
२³‡; कौस् ४०,१०; निपद्यन्ते
माशि १०, ६; ‡निपद्यसे श्रापमं
२,८,५; श्राप्रिष्ट १,१, १: ५२;
५, १: ३८; ३९; ६, १: ३२,
३,२,१: १३; बौण्ट १,३,३,३८;
भाण्ट १,५:१३; हिण्ट १,२,१८;
जैण्ट १, २०: २०; निप्रदेशत
लाश्रौ ८,८,५.
न्यपादि वाध्रुशौ ४,०५: ८.

नि-पद्य वौश्रो १४, १८:१६; १८. नि-पद्यमान,ना - नस्य शांश्रो १५, १९,१‡; -नायाम् श्राविष् ३, ५,६:२; वौषि १,४:१८. ‡नि-परण-नि√पृ,पृद्द.

नि√पा(पाने)> नि-पान- -नम् पा ३,३,७४.

नि-पाय्य बौधौ ११, ३:३५. नि√पा(रक्षणे), निपाति श्रप्राय ६, ३²‡^d; निपातु या ११, ४६‡∳; निपाताम् जैधौ ९:१३‡; निः पाहि हिधौ १५,८,४‡.

नि-पाक्य- नि√पच् द्र. नि-पाठ- नि√पठ् द्र. नि-पात-, °तन- प्रमृ. नि√पत् द्र. नि-पाद- (> °द-क-पा.) पाग ५, २,६४.

नि-पुण,णा° - पाग २, १, ४०; ५९; ५०; ५, १, १२४¹;१३०; ६,२,२४; -णः आपध १,२३, २; हिध १, ६, १०; -णम् आपध १,२२,८; हिध १,६,८; पाशि १०; कौशि ५६; ६४; ७९; -णान् विध ३,१८; -णाम्

> त्तेषुण— पा ५,१,१३०. त्तेषुण्य— पा ५,१,१२४. तिषुण-क^g— (> °कीय— पा.) पाग ४,२,१३८. तिषुणो(गु-उ)दाहत— पा २,

जैंग् १, २०:२०; निप्तधेत शिनपुणहन् h --हा 1 जैंग् १,८:१० ‡ . लाथ्रौ ८,८,५. ‡ निपुणि n --जि: 1 भाग् १,२३:७; न्यपादि बाध्रुधौ ४,७५:८. हिंगु २,३,७; -णिम् 1 ऋाष्टिय

a) विप. । तस्येदमीयः ठक् प्र. उसं. (पा ४, ३,१२४)। b) विप. । उस. । c) पा ८, ४, १७ पराम्रष्टः द्र. । d) पा भे. वैप १,१८०९ b द्र. । e) व्यु. ? । < नि \sqrt{q} ण् इति स्रभा., < नि \sqrt{q} इति wAG [१,१९;१७२ a] । f) पृ १५९ ० द्र. । g) तु. पागम. । h) = वालप्रह-िरोप- । व्यु. ? । i) सपा. निपुणहा < निपुणिम् < नुमणिः इति पाभे. ।

2,9,3:94.

्+ित-पुर्° - -पुरः आश्रौ २, ६, २; बांश्रौ ४, ४, २; आपश्रौ १, ८,०⁴; बौश्रौ २, ९: २; भाश्रौ १, ८, ५; माश्रौ १, १, २, ८; बाश्रौ १, २, ३, १; हिश्रौ २,०,१०; जैगृ २,२:४.

नि√पृ,पृ, निष्टणुयात् वौश्रौ २४,३२ः ६; द्राश्रौ ७, २, ११‡; लाश्रौ ३,२,११‡.

> निष्टणाति कौस् ८ं२, २१; ८४, ६३; निष्टणन्ति वैताश्रौ २२, २२; पाय ३,५०,५५; निष्टणी-यात् श्राशौ २,६,१५; १७;१८; २०; वौषि ३,४,२२१^b.

नि-परण- -णम् कागृ ६३, १४†; ६४, ३; ६५,२; ६७,४; ६८, ४; ६९, ४; -णात् या २,

नि-पृत- -तान् श्राश्रौ २, ७, १. १निपेपि॰ हिन् १,१७,२.

नि-प्र√म्, †नि(प्रः भरामहे) आश्री ६,४,१०; शांश्री ६,४,४; ऋश्र २,१,५३; श्रश्र २०,२१.

१नियद्ध- (>नियद्ध-क-, नैयद्धक-पा) पाग ४,२,८० 3d .

नि √ वध्, न्ध्, निबध्नाति माश्री २, २,२,२५‡, ४,३, ४, हिश्री ७, ५,२५, अप ७०², ३, ४. निब्रह्मोतः वैश्री १४,६:६; हिश्री ७,५,१७.

> २नि-बद्ध- -द्वम् वैश्री ११,९:२; हिश्री १४, १:३७.

नि-वध्य वैश्री १४, १४: १३; कौस् १८,७; ४९,२३;८०,३३; ८५, १८.

१नि-बन्ध- -न्धः श्रापगृ ३, २१; गौध १३,१०.

२ित्तवस्थ-,निबस्थन-,(>°न्ध-क-, निबस्थन-क-) १निवद्ध- टि. द्र.

नि $\sqrt{a1ध} > \phi$ नि-न्नाधित - -तासः शांश्री ७,६,३ $^{\rm e}$.

नि-विड-, नि-विशिस- पा ५,२,३२. नि-√वुध्,निबोध विध १,६५; पाशि; निबोधत ऋप २४, १, ३; ४२, १,९××.

नि√बृह् (हिंसायाम्), निवर्हयति निघ २,१९५; निवर्हयत् बृदे ४,६९; निवर्हय श्राप्तिग् २,६, ८:४०५.

नि-बईण- -णम् बृदे २,६.

शिनभम् ¹ शंध २३२.

नि√भुज् >नि-भुजत्- -जन् माश्रौ २,१,२,२०.

श्निभूय-पुर् ⁸ श्रप्राय ३, ३.

नि √ भु>नि-भृत- -तम् द्राश्रौ ७, ३,८; नाशि २,७,१२.

निभृत-वत् b- -वन्ति निसू ६,११:

१निमग्न-(>नैमन्नक-पा.) पाग ४,

नि √ मज्ज्, निमज्जित बौधौ २७,८ः ५; हिपि १७:६; ख्रप ७१,१७, ३; विघ ५७, ८; बृदे ३, २४; निमज्जिन्त पाय ३, १०, २०; ख्रप ६८, १, १८; निमज्जेत बौध्रौ २९,५: २२;२४; वैध २,

निमज्जयेत् वेश्री २०, ३२: ५. २ति-मग्न,ग्ना- -ग्नः शंघ १०३^२; विध ६४, १९; सुषप ८७: ३; -ग्ना अप ६१, १, ६; -ग्नायाः वाध २१,६-८.

नि-मजन- -नम् विध १९,६.

नि-मजान- -नः वाध २६ ८.

नि-मज्ज्यं - स्राप्तिग्र २, ६, २: १३; बौषि ३, ६,६; ७, ४; वैग्र १, ३:१२;५,६:९; ६,८:४; जैग्र २,५:६; बौध १,५,११०; २,५,७; विध ६४,१८; निमज्ज्य-ऽनिमज्ज्य कौग्र ४, ४,५; शांग्र ४,१७,५.

निमद् - दः तेत्रा २३, ८.

नि√मन्त्रि (< मन्त्र-), निमन्त्रयते बौगृ २, ११, ५; निमन्त्रये पावा ३, ३,१६१; निमन्त्रयेत् बैगृ ४, ३ : ४; वैध ३,९,२.

ति-मःत्रण- -णम् बौगृ ३,१२,६. निमन्त्रणा(ग्य-ग्र)तिकम - -मे विध ५,९४. निमन्त्रणा(ग्य-ग्रा)दि- -दीनाम्

वात्रा ३, ३,१६१. नि-मन्त्रियत् -तुः विध ५,९७. नि-मन्त्रियत्वा विध ५,९५.

नि-मन्त्रित- -तः विध ५, ९६; -ताः वैगृ ५, १३ : ४.

नि-मन्त्रय ऋागृ ३, ९, ४; बौध २, ८, ६.

नि-मन्डय- -न्डयः गौध २,५५.

a) वैप १ द्र. । b) निवृगुयात् इति पाठः ? यनि. शोधः [तु.R.] । c) वैप २,३खं. द्र. । d) तु. पाका. । सकृत् २निवन्ध—, निवन्ध— इति [पक्ष] भागडा. प्रमृ. । e) पाभे. वैप २,३खं. द्र. । d) तु. पाका. । सकृत् २निवन्ध—, निवन्ध— इति [पक्ष] भागडा. प्रमृ. । e) पाभे. वैष २,३खं. द्र. ।

(a) तु. पाकाः । तक्ष्य राज्यवन, त्यावन्य राज्यवन हात् विदः इति वा (तु. समृक्षा $\{2,9\}$) विडम् इति वा शोधः (तु. पमाः $\{2,9\}$) पाठः $\{2,9\}$ वैप $\{2,9\}$ वैप $\{2,9\}$ विप $\{3,9\}$ विप $\{3,9\}$ विप $\{4,9\}$ विप $\{4,$

j)=वाचःस्थान-विशेष-। व्यु. ?।

नि-मय — नि√मे द. नि√मा(माने) > नि-मात(व्य >) व्या° – न्व्या काञ्च ७,१७. नि-मान – ने पा, पावा ५,२,४७. १नि-मित – न्तम् पा ३,३,८७. नि-मीयमान – ने जैश्री २४: ६. नि-मेय – ये पावा ५,२,४७.

नि-मार्जन- नि√मृज् द.

नि √ मि (प्रक्षेपिए), निमिनोति बौश्रौ ९, ७: २१; १२, १४: १७; १३,३७: ७; वैश्रौ १७, १२: ८; कौस् ४०,२; †निमि-नोमि पास् ३,४,४; श्राप्तिस् २, ४,१: ११; भास् २,३: ३; हिस् १,२७,२; निमिनुत बौशौ ११,६:३.

†निमिम्युः श्राश्री ३,१,१०.
२िन-मित, ता^b — -तम् बौश्री ११,
७:२८; वैश्री १७, १३:१;
—ता बौश्री ११,७:३७; श्रापमं
२,१५,३†°; श्राय २,८,१६†°;
कौगृ३,२,६†°; शांगृ३,३,१†°;
—ते वैश्री १८,१७:३३.

निमि- पाउमो २,१,१६१.

निमित्त^d— पाउमो २,२,१३४; पाग ४,२,६०^e; ३,७३; —तम अप ५१, ५, ३; ७०³, १०,,३××; शंघ; पा ५, १, ३८; पावा १, ४, ३१⁴; —तस्य पावा ३, १, १; मीस् ५, १, ३३; ३, २६; ६,५,१३; २६; —तात् काओ २५, ४, ४३; अपं ४:६; पावा २,३,३६; —तानि आमिग् २,७,१ : ४,-५:२; वौगृ १, २,६३; अप २१,७,१;५४, 9, २; ६४, १०, ९; ६५,३,७; ६९, १, ५; —त्ताय श्रप ७२, ३, १; —ते वैश्री २०, १३: ११; श्राप ४, ६; श्रप ६५, २, १२; श्रापध १, २०, ३; श्रापश्च ४, ७; —तेन गौपि १, १, ४; मीस् २, ४, २१; ४,४, १७; ९, ३, १०; —तेषु वौश्री २८, ६: ६; कप्र १, २, १४; श्रप ५८², ४, २०; ६५,२,१३; —ते: वौश्री २७, ८: १; श्रप ६७,१,१. तैमत्त—पा ४३३,७३.

नैमित्त- पा ४.३,७३. नैमित्तिक- पा ४, २, ६०⁸; -कः मीसू ३,५,४८; **४,**४,८; ६, ८, ४४; -कम् वैगृ १, ४: २६: ५, १३: ५; शंघ; -काः श्राश्री ९,१,१३; -कानि वौश्रौ २७, २: २३; श्राप्तिगृ २, ७, ८: १; श्रापगृ १, ११; श्रप २३, १, ३; काध २७६: १०. शुत्र १, ५४३; -काय वैश्री २०,१६: १; -के कीय २,६, ९ म: वेगु ६, १७: ३; शंध २१०; श्रापध २,१४,२०; वैध २, १४, ६; हिध २, ३, ३०; मीस ४,३,३; १०,२,६७; ३, ३०; -केष भाग ३,२१:४.

नैमित्तिकी - - की: काथौ १५,४,२२; - कीम बौथौ २८, ६: २; काग्रुड ४३: ९;४५:९. नैमित्तिक-त्व - त्वात् मीस् १०,३,२७; ८,६४.

निमित्त-क- -कात् कप्र २,३,५. निमित्त-कारण-हेत्- -तुष् पावा २, ३,२३. निमित्त-ज्ञ- -तैः श्रप ६८,४,६. निमित्त-ज्ञान-कुशल- -लाः श्रप ६८,१,३. निमित्त-परीष्टिⁿ- -ष्टिः मीसू १..

निमित्त-परीष्टि"— -ष्टिः मीस् १,

निमित्त-पर्याय-प्रयोग- -गे पावा २,३,२७.

निमित्त-पूर्व- -र्वम् शंध २४७.

निमित्त-भाव- -वात् पावा २, ३, ४६.

निमित्त-भेद- -दात् काश्रौ १, ७, १३.

निमित्त-मात्र- -त्रम् पावा ३, १, २६.

निमित्त-विघात- -तात् मीसू ६,६, ९; १०,५,६१.

निमित्त-श्राद्ध - -दे वैग्ट ७,० : ६. निमित्त-संयोग - -गात् मीसू ६, ४,

निमित्त-संशय- -यात् ऋपा ११, १०.

निमित्त-संप(त्र>)त्रा- -न्ना श्रप ६५,२,१२.

निमित्ता(त-आ)ख्या(ख्या-अ)भि-संयोग- -गात् मीस् १०, ३,

निमित्ता(त-स्र)भाव – -वात् पावा १, १, ६२; २, ३, ४६; ३, २, १, ११०; ३,१३२.

निमित्ता(त-स्र)र्थ- -र्थः मीस् ४, ३,३७; -थें मीस् ६, १,२७⁴;--थेन मीस् ६,४,१४.

निमित्ता (त-त्र-)वेक्ष¹ - शाणि भाषगृ १,११.

a) विष. (वेदि-)। b) वैष १ द.। c) पाभे. पृ १४०० С द.। d) = हेतु-, लच्मन्-, शकुन-। व्यु. ?। <नि $\sqrt{\mu}$ द् मिद् मित् अभा.। e) = प्रत्य-विशेष-। f) तु. पासि.। g) = निमित्त- प्रत्याऽध्येत्-। \hbar) रप. = परीक्षा-। i) र्थेन इति जीसं. प्रमृ.। j) विष.। उस. उप. < अव $\sqrt{\xi}$ स् । CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

निमित्तिन् -> °त्ति-कार्या(य-त्र) र्थ-त्व- -त्वात् पावा ३,१,१. निमित्ति-स्वर-बलीयस्-स्व--त्वस्यः -त्वात् पावा २,१.१. निमित्तो(त्त-उ)पादान- -नम् पावा 3,9,82.

निमिश- > नैमिश-(>°शायन-पा.) रिनामिष- टि. इ.

तिमिश्रि°->नैमिश्रि- पाग २, ४,६१; -श्रयः वौश्रीप्र २२: २. नैमिश्रायण- पा २,४,६१.

नि-मिश्ठb- - रलः शांश्रौ ११,५,२ म. नि √ मिप्, †निमिधन्ति श्रापश्रौ १६, १८, ७; वैश्री १८, १६: ४: हिश्री ११,६,२९; निमिषेत श्रापथ्रौ २४,१४,८; हिथ्रौ २१, 2.84.

१ कि-मिष् b- -पः श्रापमं २, १७, २५: - षे माश्री १,६,१,३५°; -पेण श्रापश्रौ २४,१४,९.

नि-मिषत्- -पतः सु २५, ३; नि √ मृज्, निमृष्टे काश्री ५, ९, १५; -धन्तम् या ११,४२d.

नि-मिषस (:)b या १३,9 .

नि-मेपe- -षः याशि १,१०; -षाः शांश्री १४, ८१,२.

निमेष-का(ल>)ला¹- -ला नाशि २,३,८.

निमेष-मात्र- -त्रम् विध ९९, २३8: -त्रेण माशि १३, 9; -त्रेः या १४,७.

निमेष-स्तोमb- -मा: शांश्री १४,८१,१.

रनिमिष¹->(नैमिषि¹->°पायण-पा.) पाग २, ४,६१.

नि√िमह, निमेहिस श्रापश्री ९, 96,94.

नि-मीयमान- नि √मा द.

नि√मील, निमीलते अप ६७, ६,२; निमीलन्ति अप ७०^२, 0,98; 08,92,2. निमीलयन्ति अप ७२,४,४.

नि-मीलन- -नम् जेथ्रौका १७८; -नेन बौथ्रौ २४,३१ : ४.

नि-मीलित- -तम् जैय १,१७: ९. निमीलिता (त-श्रा)स्य-नयन^k--नाः श्रप ६८,१,२६.

नि-मोल्य श्रापश्रौ २,६,२××; ६, १०, १^с; बौध्रौ.

नि-मृष्टि¹- >°ष्टि-तृतीय¹- -यम् कौस् ४७,१४.

नि-मूल-> °ल-काषम् पा ३, ४,

निमार्ष्टि आश्री १, १, १; २,३, २०; काश्री; नि म्हें बीय २, नि अमे(प्रणिदाने) > नि-मया-६,१२4; +ितमृड्ढ्वम् आपश्रौ १८,४,१५; बौधी ११, ९: ६; †नि··· मृड्ड्वम् हिश्रौ ६,३,२; नि-मेय- नि√मा द्र. ऋत २, ६, ७; निमृज्यात् त्रापश्री १२,११,३.-

निमृजते वौषि १, ५: ५; ब्राप्तिगृ दे, ५, ६: १७; निमृ-जित बौधौ १८, २: ५; नि-मुजन्ते आपश्रौ ८, १६, ३; निमुजेत् आश्री २,६,५: बौश्रौ २०, २०: १७; १८; आगृ १, 90,94. निमामृजे, निमामृजः ऋपा ९, ₹ 4

नि-मार्जन- > नैमार्जन - -नः बौश्रौ १८,२:४.

नि-मृजत्- -जन् बौश्रौ १८, २: ६: -जन्तः वौश्रौ १८,२: १३; २६, ३०: ३;५.

नि-मृज्य ब्रापश्री ६,१०,११; ११, ४××; भाश्री.

नि-मृष्ट- - एम् हिश्री ५, ३, ३६; -ष्टे वाधौ ३,३,३,१२.

नि√मृद् ,म्रद् निमृद्नीयात् आपश्रौ 8,94,3; &, 96,2.

†नि ... मृद्यासम् व श्रापश्रौ ६, १८,२; हिश्रौ ६, ६,१७?0.

†नि-मृद्ग- -दःव श्रापश्रौ ६, १८, २; हिश्रौ ६,६,१७.

†नि-म्रद्⁰- -दः माश्री १, ६, २, १२: वाश्री १,५,४,१४.

पावा ६,१,५०; -यः गौध ७,

निम्न b- पाउभो २, २,१८४; -म्नम् वौश्री १७, २९:९; वैश्री; माशि १६, १8; -म्नान् बौश्रौ ६,२३ : ६;१५,१ : ३; -म्नानि त्रापथ्री १३,१७,५^२; हिश्री ९, ४, ५२; सु २६,५; -म्ने आपश्री

b) वैप १ द्र. । c) संपा. निमिषे <> निमील्य इति पामे. । a) व्यप. । व्यु. ? । तु. MW. । .d) मिपन्तम् इति ल.। e) भाप.। f) विप.। वस.। g) तु. जीसं.। h) = याग-विशेष-। i) व्यप.। k) विष. । यस. > द्वस. । l) = प्रमाण-विशेष- (= निमुष्टिक-व्यु. ?। j) नेमिशि- इति [पक्षे] पागम.। । ऐस्रा ५, १, ३।) । m) = यज्ञ-विशेष-। तस्येदमीयः अण् प्र. । n) पामे. वैप १,१८११ i द्र. । o) श्वासम् ϕ) = नि-म्रद-। q) पामे. वैप १,१८९९ k इ.। r) = विनिमय- kइति पाठः ? यनि. शोधः (तृ. श्रापश्रौ.)। s) निम्निव इति पाठः ? निम्नम् इव इति शोघः । पाप्र. <िन्रिमि वा √मी वेति। CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

८, ११, २; -म्नेन ऋग्र २, ९, १७†.

निम्ब°- पाउमो २,२,२२२. निम्ब-पत्र- -त्रम् आप्तिय ३,४,

४:२३; बौपि ३,४,२०; —त्राणि विघ १९,८.

निम्ब-मय - यः श्रय २१,३,२. निम्ब-श्रुव्मातक-नीप-तिल्ब-राज-नृक्ष-विभीतक-शल्माल-कोवि-दार-करञ्ज-वाधक-निगुण्डि-पलाण्डु-जपा - पानाम् वैश्रो ११,११: ५.

†िनम्बा(म्ब-श्र)रल-सकण्टक− -कान् कौष्ट २,६,९.

नि-म्रद्- नि√मृद् द.

नि / प्रुच् > नि-म्रुक्त- -के भाशी ४,३,८‡.

नि-मुक्ति - किस् भाशि २१ ई.

†नि-मुक् - मुक् आपश्री ४,१५,
१; भाश्री ४,२१,१; हिश्री ६,
४,१८; - मुचः आपश्री १४,
१६,१; बौश्री ३,१४:५;
२७,५:६; ७:११; २९,९:
९; हिश्री ३,६,१५; श्रश्र १३,
३; श्र्य ३:६९; भाशि २१;
- मुचि बृदे २,१०\$.

†नि-म्रोचत् - -चन् त्रापश्रौ ४,१५, १; भाश्रौ ४,२१,१; हिश्रौ ६,४,

नि√म्लुच्, निम्लोचेत् विध २८, ५३.

नि √यच्क्, यम्^b, नियच्छति शांश्री ७,१५,१६?°; श्रापश्री; या ११,

२३; नियच्छन्ति बौध १,२,७: ऋप्रा ३, २०; नियच्छात् अप १र, १, ४; ‡नियच्छतु आपश्रौ ४, २, १; १३,१९, ५^d; भाश्री ४, २, ५; हिश्रौ १, २, ५; पागृ ३, ३,५‡°; ‡नियच्छतात् आमिर १, १, ३ : २५; हिर् १,५, ११; नियच्छताम् या ९. ३८; †नियच्छन्तु भागृ २,११: ११; हिए २,१०,६; ‡नियच्छ-तात्¹⁷⁸ श्राप्तिगृ ३, १,१: ११; नियच्छतम् वाश्रौ १,४,४,४१ ‡; नियच्छत आश्री २, ७,९५; नियच्छेत कौसू १८, ३५; नियच्छेत् शंध २५८; हिध २,४, १५b; उसू ८,१०; १६. न्यमः भागृ २, २८: ८ ;

न्यमुः भागृ २, २८: ८^{†1}; नि···यंसत् तेप्रा १६, २०^{‡1}; नि···अयंसत त्रापमं १, ७, १९^k.

नियम्यते श्रापश्री ३, १५, ३; काश्रीसं ३२: १; माश्री ३,१३, ६; हिश्री २,६,४५; काग्रु ४१: ११; कप्र ३, ९, १४; नियम्येते हिश्री ३, १,१५, ८; नियम्येते छिश्री २१,१,१६; मीसू २, ४, ३; ५,१,५४×; नियम्येरन् हिश्री ३,१,१७.

नि-यच्छुत् - -च्छन् आश्रौ ६, १२,

नि-यत,ता- -तःश्रापश्री१९,१५,७; हिथ्री; -तम् काश्री १,१,१०;५, १४; माश्री; ऋपा ३, १०¹; उस् ८,१०;१८; कौशि; —तस्य मीस् ७,४, १९; —ता माश्री ५,२, १२, ४६; वाध २,२०; विध ५१,६०; या २,६ ई; आज्यो १२,३; —ताः अप ३१,७,१; —तानाम् मीस् ६,५,३८; —तानाम् मीस् ६,५,३८; —तान् हिश्री ३,१,४; —ताम् बौध ८,१,२३; —ते काश्री २,४,२; हिश्री ३,४,३६; —तेषु माशि ५,१०; —तौ हिश्री ३,१,१२; २,१४; अप ५२,१०,५.

नियत-का(ल>)ला^m--लाभ्यः माश्रौ ५,१,१,३.

नियत-केश-वेष[™]- -षाः वाध २, २१.

नियत-क्रिया- -या काश्रौ ७,१, २२; १०,९,२४; १२,१,२०. नियत-स्व- -स्वात् पावा ४, १,

९३, मीस् ६, ३,३४. नियत-पान^ш-- -नाः बौश्रौ २०,

१६:४०. नियत-प्रश्रित" – -तौ ऋप्रा ४, २६.

नियत-वत् पाग् २,५,४१. नियत-वाची-युक्ति^m- -क्तयः या १, १५;१६.

नियत-वत^ш - -ताः श्रप्राय ३,०० नियत-सह-पाठ - -ठात् काश्री १,२,१४.

नियत¹-स्वरो(र-उ)दय- -थे ऋप्रा ११, ५३; ५५.

नियता(त-श्र)तिपत्ति--तौ शांश्री ३,४,२. नियता(त-श्रा)सन् a- -रमा बौध 8.4.99. नियता(त-श्रा)दि- -देः उस् ८, 98. नियता(त-श्रा)नुपूर्वे - - व्याः या १,१५:१६.

नि-यतिb- -तिम शंध ११६: २९. नि-यम- पा ३,३,६३; -मः शांश्री १, १६, १८; काश्री; पावा १, 9.3:2.76: 3, 40; 2, 2, 38; ३,६६°; पापवा ७; -मम् बौगृ ३,३,४; श्रापध २,२३,१; ऋप्रा ३, २२; -मस्य पावा ५, २, ११६: -माः शांगृ ६, २, २; त्रावध १,४,७; हिध १,१,१२६; पाशि ११; -मात् वौगृ १, २, २३: पावा १,३, १२; मीस् ४, 3.98: 4.2.98d; 82,9,30; -मान कौगृ २,७,२२; शांगृ २, १२,७; ६,१,१; वाध १२,४७; वैध २,४,४; ८, ७; -मे मीस् १० ७.७०°; -मेन श्रापध २,५, १५; हिध २,१,९६; -मेपु कागृ ४, ३; वाध ६, २२; त्रापध १, ५,9; २,५,9८; हिध १,२,9; २.१.१००: ५,१९३; -मै: श्राप ६८,१, २१; श्रापध २,१०,१६; वैघ १,५,२;५; हिध २,४,१६. नैयमिक¹- -कम् वाध ११, ४७; ब्रापध २, १९, १३; हिध

२, ५, ८४; -कानि आपध १,

१३,२२; हिध १,४,३५. नियम-निमित्ता (त-श्र) ब्रिहोत्र-दर्शपूर्णमास-दाक्षायणा (ण-श्रा) मयण-पश्च- -श्चष काश्री १, २. 99. नियम-प्रतिषेध- -धः पावा ८. 8. 3. नियम-प्रधानरव- - त्वात् मीस् १२,४,94. नियम-भूत- -तेषु त्रामिगृ ३,९. 3: 26. नियम-यम- -माभ्याम् वैगृ १. 9:94. नियमयमिन् -मी वैध ३. ७, १३. नियम-वचन- -नात् पावा ५,४, ८८; ६, १, ६७; ४, १३३; -ने पावा ८,४,३. नियम-विलोप- -पः श्रापध २, १०,9; हिध २,४,9¹⁸. नियम-शब्द- -ब्दात् काश्री १, 8,6; 3,4,6. नियम-सामर्थन -ध्यात् काश्री नि-यच्छत्-,नि-यत-प्रमृ, 4.9.4. ५ 9 : ५३: जैगृ २,९:३९. नियमा (म-श्र) तिक्रम- -मम् त्रापध १,४, २५; हिध १, १, हिध १, २, ४; -मे श्रापध २, १२,१८; बौध ४,१, २३; हिध

श्रापध २,२७,१८; हिध २, ५, 230. नियमा(म-श्र)नुपपत्ति- -तिः पावा ३,१,४६; ६७; ४,१,९३; U. 7,90; ६३. नियमा(म-ग्र)भाव- -वः पावा 8.9.40. नियमा(म-त्रा)रम्भण - -णः श्रापध २, २७, ७; हिध २, ५, २२६. नियमा(म-श्र)र्थ,र्था - -र्थः मीसू ६,३,१६:११,२,९; -र्थम् पात्रा १,१,४९;६७;७०××; -र्था मीस् ३,६,४०; ४,२,२४; -थाँ लाश्रौ 20,3,99. नियमी / भू > °मी-भूत- -तेषु बौषि २,७,२२. नि-यमन- -नात् या ५,२८. नि-यम्य मागृ २,१५,६; अप. नि-यम्य- -म्यानि हिश्री २१,१,६. नि-याम- पा ३, ३,६३. नि-यामक- -कः पावा २,४,८३. √यच्छ द्र. नियम-स्थ- -स्थस्य त्राप्तिगृ २, ?नियतान्येवदच्छाया त्रप ३३,०, नि-यति-,नि /यम् प्रमृ. नि /यच्छ् १४४; -मात् त्रापध १, ५, ४; नि.√या ,िनयाम् आगृ १,१३,७‡¹. नि ' यासत् श्राप्रा ६,७ 4. ‡नि-यान - नम् आश्रौ २, १३, ७1; माश्रौ ५,२,६,२०1; वैताश्रौ ९,५1; कौसू ३०, ११1; श्रश्र ६,

b) = देवपत्नी-विशेष-। c) तु. पासि.। d) भारानुपूर्वस्य इत्यस्य स्थाने a) विप.। बस.। °मानुपूर्वस्य इति जीसं., °मानुपूर्व्यस्य इति आन.। ८) तु. जीसं.। f) तदस्यप्राप्तमित्यर्थे ठम् प्र. उसं. (पा ५,१,१०४)। g) ेप इति पाठः? यनि. शोधः (तु. श्रापधः)। h) पा ८,४,१७ परामृष्टः द्र.। i) पाभे. बैप २,३स्तं. निगाम् मंत्रा १,५,१० टि. इ.। j) पामे. बैप १,१८१३ \mathbf{c} इ.। k) बैप १ इ.। वैप १,१८१३ m द.।

नियमा(म-ग्र)तिक्रमण- -णम्

2,8,44.

२२°; ८, २; १३,३°; श्रवं ३: ६७°; या ७, २४∮°.

नि-याम-, °मक- नि√यच्छ् इ. नि√यु>†नि-युत्^{b)c}- -युतः श्राश्री ८, ९, २; बौश्रौ १९, ७:२४; अप ४८, ९४; बृदे ४, १४०\$;

निघ १, १५, या ५, २८ई;

—युद्भिः श्राश्रौ ३, ८,१; ५,
१८,५^d;८,९,२; शांश्रौ ७,१०,
९; ८, ३, १०^d; आपश्रौ १३,
१३, १२^d; बौश्रौ १०, ११:
११; ऋप्रा ७, ४५; शुप्रा ३,

नियुत्-वत् - - - † वतः श्रापश्री १५,१८,७; वीश्री २८,२: ३३; — वते काश्री १६,१,३८; श्रापश्री १६,८,३; वीश्री १८, २८: ८; २८, २: १०; माश्री ६, १, ३, १२; वाश्री १,७,५,३६; २, १, २,१३; ३,२,३,४०; वेश्री १८, २: १०; हिश्री ११, २, १५; श्रप्राय २,९; — वन्तः श्राश्री २,२०,३; श्रप्र ४८,११४ † श्रुष्र ३,८५; ८८; साअ १,६०१² †; निघ २,२२ †6; या ५,२८ ई; उनिस ६: ५ †.

नियुत्वती^b— -ती श्रापश्री १६,८,४; हिश्री ११,२,१८; साश्र २,९७८; -त्या बौश्री २६,४:१५.

नि-युत'- पाउभी २, २, १३४; -तम् आपश्री २२, २१, १७; क्षस २,९: १८; श्रप ४८,६६; या ३, १०; —ताय वाश्री ३, ४, २, ११†; —ते शांश्री १५, ११, ४; श्रापश्री १६, ३१, १‡; बौशी १८, ४३:६; २६, ३३:११; वैश्री १८,२०: ५१‡; हिश्री ११,८,४‡.

†नि-य्य,>या आश्री ९, ५, २; या ८,१९;२०; ऋषा ७,९.

नि√युज् ,नियुनक्ति शांश्रो ४,१७,९; काश्री; नियुझन्ति याश्री ९,२, ४; काश्री २३, ४, ९; श्रापश्री २२, ८,७; काश्रौसं २८: १६; बौधौ १५.२६: १४; हिश्रौ ३, ८,४७²; १४, ३, ५०; १७, ३, ३०; †नियुनजिम शांश्रौ ४,१७, ९: भाश्री ७, ९०,८; श्रापमं २, २१, २-५; आगृ ४, ८, १५; †नियुनक्तु आगृ १,२१,७; कौगृ २, २, १४; शांग्र; नियुक्षीत बौध्रो २६, २९: १०; वैय ३, १९: २; ५, ५: २०; त्रिध ३, १६; नियुञ्ज्यात् बौश्रौ २०, २७: १८; २२,१४: ११; २५, ३३ : २; २६, ११ : ४; बौवि; श्रापध २, १०, १५^{‡8}.

नियुयोज शांश्री १५, २१, १; नियोक्ष्यामि शांश्री १५,२१,१; वाधुश्री ४,५:४.

नियुज्यते निस् ४,२: २६; ४: ७; मीस् ९,४,९७.

न्ययोजयत् वृदे ५, ७४; नियो-जयत् श्रव १,१०, २; ३७, ९, २; विध ५,१५१.

नि-युक्त,का- -कः शांश्री १५,२२,

१;१६,११,२; काश्री; पा ४,४, ६९; -क्तम् वाधूश्री ३,१०२: ३; गोगृ १,४, २५; ३, १, ९; जैगृ १, १८: ५; ऋप्रा ३, २१: ११,४७; पा ४,४, ६६; -क्ता बृदे ५, ३; -क्ताः शांश्री १४. २, १६; १३, ३; बौश्रौ १४. २२: २३; शंध २०५; बृदे ४. २८; शैशि ६१; -क्तान् काश्री २१,१,११; शंध २२७; -क्तानि हिथ्री १०,४,३५; -क्ताम् पागृ १, १५, ८; -क्ताय शांश्री १५. २१,१; -क्तायाम् वाध १७,१४; विध १५,३; -के श्रापश्री २०, १५,६; पा ६,२, ७५. नियुक्त-धर्मन् - - मा निसू २.

नियुक्त-धमन्"— -मा निस् २, १३: १२. नियुक्त-मानस^h— -सः निस् ५,

नियुक्त-मानस"- -सः निस् ५, १०:६.

नि-युज्य काश्रौ ८,८, २६; श्रापश्रौ २०,१७,१; बौश्रौ ९,९:१२; ११,३:३५; वैश्रौ १३,११: ११.

नि-युज्यमान- -नम् वैताश्रौ ३६, १८; २७.

नि-योक्तृ -क्तारम् शांश्रौ १५, २१,१.

नि-योग'— -गः वाध १७, ६५; वृदे १, ३६; ५१; मीस् १, १, ३२¹; —गम् वाध १७, ५६; वृदे ५, ७५; —गात् श्राग्र ४८, ३४; कौग्र ३,११,५५; शांग्र ४, ११, २४; वाध ४, ३२; —गे पावा २,१, ४३; मीस् १२,४,

a) पांभ. वैप १, १८१३ m इ.। b) वैप १ इ.। c) [इन्द्रवाय्वादि-वाहन-] श्रश्च-। d) पांभे. वैप १ वियुग्ध्यः द्वि. इ.। ε) ईश्वर-नामन्-। f) वैप १, १८१४ h इ.। g) पांभे. पृ १४१२ h इ.। h) विप.। बस.। i) भाप., नाप. [प्रजैकहेतुकमैयुन- (तु. मनुः [९, ५९-६०] प्रसृ.)]। i) विनि॰ इति जीसं.।

१७: -गेन नाशि २,४,१;मीसू २,४, २२; -गैः बृदे ८, १३०. नियोग-तस् (:) शैशि १४१; माशि १०,११; याशि १,५. नियोगिन्- -गिनोः वाध १७, E8.

नि-योजन- -नात् माश्रौ ५, २, १०, ३०; या ५, २८; -ने व्यापश्री ७,१२, ९; बौश्री १४, १५: ५; २०, ९७: १७; -नेन बौश्रौ १५, २६: १२.

> नियोजनी³- -नीम् काश्रौ ६,4,२५. नियोजन-काल- - ले काश्री २१,

9,6.

नि-योज्य आग्निगृ २,७,१० : ३. नियोज्य- पा ७,३,६८; -ज्यः अप २,४, २; -ज्याः शंघ २५१; -ज्यानि शंध १११.

नि-युत्-,नि-युत-,नि-यूय नि√युद्र. नि-योक् – नि√युज् इ.

निर् या १, ३; १२, ७; ऋषा १५, १७; जुप्रा ६, २४; पाग १, 8,46.

निरक्त- निर्/वच् >निर्-उक्त-टि. द्र.

नि√रक्ष>नि-रक्षिन्- पाग ३, १, 938.

निर् $\sqrt{3}$ ज् (वेधने) > निर-अष्ट b --ष्टाः बौश्रौ १५, १:१५; -ष्टान् बौध्रौ १५, ७: १९; १८,११: २; - ष्टे काथौ २०, २, १०; -है: बौश्रौ १२,२:१७.

निर्-अङ्गुष्ठ°- -ष्टम् वौध २, ८,

93.

निर् 🗸 अज्, निर्(अजामिस) † अश्र 2,98; १2,3d.

निर्-अजन- -नाय या ६.२. †निर्-अजे^e या ६,२φ.

निर्-अजिन- पाग ६,२,१८४.

निरञ्छन'- - नम् काग्रु १, १२,१४; ७,३३; -नेन काशु १,८.

निर्-अञ्जन°- -०न विध १,५२. निर-अति /शी>निरति-शायित्वा

अप ४०,३,३⁸.

निर्-अनुनासिक°- -काः श्राशि ६, 92.

निर्-अनूप- पाग ८,४,३९. निर-अन्तर°- -रम् क कागृउ ४५: १४: बौगृ ४,३,९; भाशि ७५;

-राः कौशि ३१; -राणि कौशि ३०: -री विध १,२४.

निर्-अभ्र°- - श्रे अप ६५, २, १०; 503,98,9.

निरभ्र-वृष्टि- -ष्टयः श्रप ६४,४,४; 4,6.

निरभ्र-स्वनित- -तानि अप ६४, 8,8.

नि√रम्, †निरामय या १०, १८1; ऋप्रा ९, ३२.

नि-रत- -ताः श्रप ५७,४,५; -ते विध ९९, १९.

नि-रमणb- -णः वाधूश्री ३, ६९: ३७; -णम् वाधुश्री ३, ७५: २; -णाः बौधौ १५, १ : १५; -णात्या २, ७; -णान् वौश्रौ १५, ७:१८; -णे या ११,४६.

निर्-अङ्कुरा - -राः विध ५२,१५. निर्-अमित्र- >°त्री√क्>°त्री-करण- -णम् अश्र ४,२२.

निरय¹- -ये श्रापध २, २, ६; हिध 2,9,26.

निरय-व (त्>)ती- -तीः बौश्रौ १९,90: २२.

निर-अयण- निर्√इ इ.

निर्-अर्चिस्°- -र्चिषः श्रप ५२, १३,५; -चीषि श्रप ५२,११,२. निर-अर्थ°- -र्थः श्राश्री ३, ६, ७; - १र्थम् बौश्रौ ९, ११ : ३;१९;

> वैश्रौ १३,१३: १७. निरर्थ-क- -कम् विध २०, ३६;

बंदे १.३१. निर्-अव 🗸 द्य, निरवद्यते बौधौ १८, २५: ९; २५, ४: ७; वाधूश्री ३,४२: १५; निरवद्ये बौश्रौ ४,११: ९+; निरवादयत वाधूश्रौ ३,४२,८; १३; १४.

निर्-अव√दो, > दा, निरवद्यन्ति श्रापश्रौ ८, ७, ३; निरवद्येत् भाश्रौ १०, २२,१४.

निरव-(त>)त्ता- -त्ताम् काश्रौ ९, 9,90.

निरव-दान- -नम् आपश्रौ ७, २६, १; १२, २५, ८; -नात् मीसु 3,8,36.

निरवदान-प्रतिषेध- -धः मीस् १0,0,4.

निरव-दाय बौश्रौ २०, २९: ११; २४,३७: १; हिथ्रौ ८,७,५५; 9,2,6.

निरव-दास्यत्- -स्यन्ऽ-स्यन् हिग् 2,98,93.

निरव-धयत्- निरव√धे द्र. निर्-अव√घे, निरवधयेत् कागृ ३६,

a) =पशुत्रन्धन-रज्जु-। b) वैप २,३स्तं. द्र.। c) विप.। बस.। d) पामे. वैप १,१८१५ f द्र.। e) वैप १ द्र. । f) = [क्षेत्रायाम-प्रमाण-रज्जौ] विह – । व्यु. ? । नि \checkmark रञ्छ्। = \checkmark लञ्छ्। इति PW. प्रमृ. ।

g) श्रायित्वा इति मूको. । h) वा. किवि. । i) पामे. वैप १,१८१५ n द्र. । j) वैप ३ द्र. ।

निरव-धयत्- -यन्तः हिश्रौ ९, ४, 42.

निर्-अव√सो, निरवसाययन्ति श्रापध २, १४, १२; बौध २, २,५ ई हिंध २,३,२३

निरप्र- निर् √श्रक्ष इ. निर्√ अस् (क्षेपणे), निरसेत् श्राश्री 2,3,39.

> निरस्यते हिश्रौ २,५,३६; निर-स्यति काश्रौ २, १, २२; ३, १७××: त्रापश्री; निरस्यत: काधी ९, १०, १०; श्रापधी १२,२३,२; १८,१५,७; बौश्रौ १५, २९: २; ४; हिथी ८, ७, २१; निरस्यन्ति बौध्रौ ७, १, ३, ५४ #; निरस्यत बौधी ६, २३: ७ ; निरस्येत् काश्रौ २,६,३३; त्रापधी ३. १४, २; ५, १०,५; बौश्रौ; निरस्येयुः द्राश्री ३,३,२६; लाश्री १, ११, 90.

निर्-असत्- -सन् शांगृ २,१२,१०. निर्-असन- -ने बौधौ २०, ७:

निरसनो (न-उ) पवेशन- -ने ब्राधी १, ३, ३२; वैश्री १५, 8: 3.

निर्-असित्वा आपश्री ३,५,७. निर्-अस्त- - †स्तः आश्री १, ३ १८,१५, ६ वोश्री १२, १०:

१० +a; माश्री ११, ११, ४ +b; हिश्री १३, ५,२८ 💤; आमिए ३, ३, २ : ६ ‡⁴; बौपि २, ९, ९⁴; श्रप ७२,१, २; श्रापशु २, ११; बौद्य २ : ५; हिशु १, ३१; शुत्र १.३९६+; ऋप्रा १४,२°;३०°; -स्तानाम् अप ६८, २, ४५; -स्ते हिश्री ७,१, ७३+; -स्ती त्रापधी १२,२३,२^d.

निर्-अस्य श्राश्री ५,१२,३; शांश्री. निर्-आस^c- -सः ऋपा १४, ११; 28: 29.

निर्-अस्यक°- -कः वैध ३,५,७. ७, ११ : ४; १४ : ३; वैध्रौ निर्-अहङ्कार°- -राः बौध १,१,५. निर-आका(इक्षा >) इक्ष --ङ्क्षम् काथौ १,३, २. ११: ११; १८; १५, १:४; निर्-आकार°- -रे विध ९७,७. २९: १९; निरस्य माश्री २, निर्-आ√क् > निरा-करिज्णु- पा ३,

₹,93 €. निरा-कर्न - ता कप्र ३,७,१७. निरा-कृत- पाग २, १, ५९; ५, २, ८८; -तम् ऋप्रा ११,६०. निराकृतिन्- पा ५,२, ८८. निरा-कृति¹- -तिः कप्र ३,७,१७०; श्रावध १,१८, ३३; हिंध १,५, १०१; -तेः वाध २८,१७.

निरा-कृत्य त्रापध २, ८, १४; हिध 2,9,994.

निर् आत्मक - - कम् या १४, ३. निर्-आदि- -दयः पावा २,२,१८. निर्-आनन्द°- -न्दाः वैगृ ५, ७:४. निर्-आन्त्र^e- -न्त्रम् हिपि ४: १. ३१; शांश्री; -स्तम् काश्री ६, निर्-आमिष°- -पः कप्र १,१,१८. ६,९‡; †श्रापश्रो १, १७, १०; निर्-आ√यच्छ ,यम् , निरायच्छति हिथी १, ७, ६२; निरायच्छिस

शांश्री १२,२२,9 ቱ

निरा-यत-> °त-ग्री(वा>)व --वः हिश्री १२,८,४.

निर्-आलम्ब - - म्बे विध २०,२२. निर्-आवरण^६--णः श्रप ६८,५,१०. निर्-आ√विध् (< व्यध्), निरा-विध्यत् या ६,३४ न.

निर्-आ(शा>)श°- -शाः शंध १९७.

निर्-आशिस्e- -शीः विध ९६,२१. निर्√आह, निराह बौश्री ३, २: १५ + वंश्रो १, २०: ७ +; लाश्री ७,१३,१‡; निस् ८, ६:४; या १३, १३; ऋपा ११, १६; २७; ६०; निराहुः लाश्रौ ८, ६,५; निस् ६, ११: १७; या १,३.

निर्-आहार°- -रः वौध ४,५,२६. विध ३२, ९; या १४, २०; -रस्य विध ४६,१८; -राः अप ३०,२,१; बौध ३,३,१४; १७: निर्√इ,(निर्)अय >या ऋपा८.

निर्"यन्तु कीसृ ९७,८ . निर्-अयण- -णम् या ७,२४.

†नि√रि(<री), निरिणीते या ३,५; निरिणाति श्रापश्री २१,२२,३; वाश्री ३,२.५, २०; हिश्री १६, ७,१५; या १४,२४०.

निर्-इ(डा>)ड°--ड: क्षुसू ३,१२: 20.

निर्-इन्द्रि(य>)याº- -याः वीधर, 2,804.

निर्√ईक्ष्, निरोक्षते बौगृ २, ११, ३९; वौषि २,९, १९; निरीक्षेत कींगृ ३, ११,३३; अप ६९, ५,

a) पामे, वैप १,9८१६ f इ. । b) सपा. तैत्रा ४,१०,३ निरर्थम् इति पामे. । c) = उचारणd) पामे. वैर्प १,१८१६ h इ.। e) विप.। बस. । f) = (देवादीनां) निराकर्तृ-। गस. उप. क्तीरि कि.च् प्र. उसं. (पा ३,३,१९३) । g) वैप १,१८१७ b इ. । h) वैप १,१८१७ d इ. ।

प; वाघ प, ७; वौध २,३,३१; विघ ६८,३७.
 निरक्षियेत् शंघ १२९.
 निर्ईक्ष्य कौग्र ३,९, ४७; वैग्र २, १५:१४; गौषि १, २,१०.
 निर्-ईति - - तिः श्रप प९, १, ८; - तिम् श्रप प९, १, ४; ९.
 निर्-उक्त -, °क्तवत् - निर्√वच् द.
 निर्√उछ्न्, निरुक्षति वौश्रौ ४, ७:२७;८,२०:१४; २,१६:२१; श्राप्तिग्र २,६,२:१०; वौध २, ५,५; निरुक्षन्ति शोश्रौ ८,१२, १९.

निरुक्षयित पाग् १,३,१९० निर्-उच्य निर् $\sqrt{aच}$ द्र. निर् $(si>)si^{0,b}$ - - si वाध २९,७ निर्-उत्साह 0 - - हाः श्रप $(so^{3},9)$, 3; - हान् गौध $(so^{3},9)$, निर्-उदक - पाग ६,२,१८४. निर्-उद् $\sqrt{2}$ भूम् > निरुद्-आन्त -

-न्तः नाशि २,८,१३°. नि√रुष्, निरुध्यन्ति वाधूश्रौ ४, १३:४.

निरुणिंद्ध या ६, १; निरुन्ध्यात् कागृ २८,४ र्न.

नि-रुद्ध,द्धा- -द्धम् माश्री ५,१,८, १; -द्धस्य माश्री ५,१,८,४; ७; ११;१०,३१; -द्धाः या २, १७‡; -द्धाम् शंघ ३३४; -द्धासु वौध २,३,५; ७; -दे वौध २,७,२७.

ति-रुध्य वैगृ ५,१:१३. ति-रोध- -धात् सु २२, ४, वाध २५,६; बौध ४,१,२६. नि-तोधक- -कः वैध १,७,८; -काः वैध १,१०,२;७.

निर्-उपद्रव³- -वः श्रप ७०, ८, २; -वम् अप ४,६,१;६९,६,५.

निर्-उपल^व- पाग ६,२,१८४. निर्-उप√हन्>निरुप-इत- -तानि बौधं ३,२,२.

निरुप्त-, निरुप्य, निरुप्यमाण- प्रमृ. निर्√वप् द.

निर्√ उब्ज् , †निर् "औब्जः ग्रापश्री १७, २१, ७; हिश्री १२,६,२६.

निर्-उल्लप− निर्-उपल− टि. द्र. निर्-उल्ल प्रसृ. निर् \sqrt{a} ह् द्र. नि $\sqrt{\infty}$ पि $(\sqrt{\infty}$ प−)निरूप्येत मीस् ७,४,९२.

निर्-ऊष्मक भ- -काः माशि १३,८;

निर्√ऊह् (प्राप्ये); निरुद्दित बौश्रौ १,३:१०;९,७: १३;१०,२१: १६;१७,२१: १६;१७,२१: १०; १६;१०,२१: ७; माश्रौ १,८,५;१३: १३,२४: ७; माश्रौ १,८,५;१३: हिश्रौ ३,७,२५;११,६,२; निरुद्दित २,९,२; निरुद्दित २,९,२; निरुद्दित २,९,२; निरुद्दित २,९,३; निरुद्दित २,९,३; निरुद्दित वीश्रौ २०,४: १०; वेश्रौ २०,१६:९; द्राशौ ३,२,१४; लाशौ १,१०,१०; निरुद्देत योशौ १,१०,१०; निरुद्देत याशौ १,१०,१०; निरुद्देत याशौ १,१०,१०; निरुद्देत याशौ १,१०,१०;

हिथ्री ८, ४,३६१8.

निर्-ऊहण- -णम् श्रापश्री १७, ८,३.

निर्-ऊहत्- -हन् हिश्रौ १३, ६, २९; कौस् ९७,६+; श्रश्रा २,४, १६+.

निर्-ऊहितवे काश्री २५,१०,४. निर्-ऊह्य आपश्री १,१२,१; ६,५, $\xi \times x$; वौश्री.

निर् \sqrt{x} >†निर्-ऋत b - तैः श्रापमं २,२२,१२; भाग्य २,३० : ११; हिग्र १,१६,५.

निर्-ऋति^b- - †तथे श्रामिगृ १. ५,१:२९; वैष्ट ३,७:१३; १७: १३; ५,२: ३०; - †तिः काश्री २५, ९, १५1; आपश्री Q, 94, §\$*; v; 8€, 9€, १^२; बोधौ २,५: ५××; भाश्रौ; हिथ्रो १५, ४, २६\$; अप १, 8. 41: 80, 21; 86, 62m; ९२º: निघ१.9º ; या २,७\$\$; वेज्यो ३३८1; - †तिम् आश्री ३, १०, ३१ ; आपश्री ९, ४, १1; 94,45;96,921; 28,98,9; बोधो; भाश्रो ९,५,२२¹; माश्रौ ३,५,१४1;हिथ्रो १५,१,७५1;८, १२; आपनं २, १२,८°; आमिय २, १,४: १३°; वेगृ १,४: ८1; हिर १,१६,७; १८,५;२,४,९०; Sश्रश्र २,१०;६,२९;६३१०; या २,८∮⁰; -†०ते काश्रौ १५,१, ८;३,१४; ग्रापश्री; - ‡तेः ग्राश्री १,१२, ३६; श्रापश्रौ ९,२,१०.

a) बिप. । बस. । b) पूप. = निर् । c) °रुद्धान्तः इति कालिसं. । d) °उलप- इति पाका. । e) जप. < २ऊल्मन् । f) निरुद्द इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. माश ४, ५,२,३) । g) °श्चे ° इति e) जप. < २ऊल्मन् । f) निरुद्द इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. आपश्रौ.) । g) वैप १ द्र. । g) सपा. °तिः < >ितम् पाठः ? यनि. शोधः (तु. आपश्रौ.) । g) वैप १ द्र. । g) म्लूनक्षत्राभिमानि-देवता । g) पामे. वैप १,१८१८ g द्र. । g) ॰ितः इति पाठः ? यनि. शोधः । g) पामे. वैप १,१८१८ g द्र. । g) ॰ितः इति पाठः ? यनि. शोधः । g) पामे. वैप १,१८१८ g द्र. । g) ॰ितः इति पाठः ? यनि. शोधः । g) पामे. वैप १,१८१८ g द्र. । g) ॰ितः इति पाठः ? यनि. शोधः । g) पामे. वैप १,१८१८ g द्र. । g)

माश्री ३,१, २७; श्रप्राय ४, १; बृदे ७,९१\$; चाश्र ३८:१०\$°; शैशि १२२; -त्या आपश्रौ ९, १५,७ ‡: वाधूश्री ४,९०:२४ ‡; २५; हिश्री १५, ४, २० ; बौग्र १, ३, १४ ई; कौसू ४७, १६ ई; - क्याः श्रापश्री १६, १६, २; बौश्री ३. १६: २९; भाश्री ४, ९,२; आमिगृ ३, ८, २ : ३२^b; बौषि १,१५:४० ; मागृ २,१७, १; अप ३७, १, १०; श्रश्र १६, ८°: या १, १७वं: शैशि ३३४; -त्याम् श्राग्निगृ २,५, १: २०; - क्ये आपश्री १०, १८, १०; १४,११,३; १८,८, २०; बौश्रौ ६, ८: ६; २७, ३: ७; माश्री १०, १२, ७; माश्री ५,२, १०, २७; वाधूऔं; श्रापमं २,१२,९°; या १,१७.

नैर्ऋत'— नः काश्री १५,३,
१४; २३,४,१७; आपश्री;
आज्यो १,१० ; न्तम् आपश्री;
१८,८,१२; १७; २२,२१,३;
बौश्री; —तस्य बौश्री २२,१६:
६;१०; हिश्री १३,३,१५; श्रशां
२४,३ ; —तान् आपश्री १६,
१६,१० ; बौश्री २६,२८:६;
बैश्री १८,१४:४ ; —तानि
बौग् २,११,४०; श्रश्र ६,२९;
—ताय बौश्री १२,१:७; नते
बैग् १,२१:७; श्रम ६०,१,३;
आज्यो ३,२; —तेन श्रापश्री १८,८,१५; वाश्री ३,३,१,६; हिश्री

१३, ३, १६; कौस् ८१, २१; —तेषु श्राप ५९, १, १५; —तैः श्राप ३३,४,४.

नैर्क्सती - नी श्रशां १६, १⁴; बृदे ७, ९२; -तीः काश्रौ १७,१,२३⁴; श्रापश्रौ; -तीनाम् शांश्रौ १६, १३, ५; बौश्रौ २२, ४: २८; -तीमः वाध्रुशौ ३, ७९: १४; वाश्रौ २,१,४, २१; -तीम् श्रशां १७,५; शंघ ३८५; -त्याम् वैश्रौ १८, २०: ५९; वैताश्रौ २८,२०; श्राप्तिग्र २,४, ११: ९; ३,४,४: १; बौपि ३,४,११; वैग्रु: -†स्यै भाग्र ३,१३: २०; वाघ २३,३.

नैर्ऋस्या(ती-ग्रा)दि--दि वैगृ १,१५: २.

नैर्ऋंखा (ती-आ)च (दि-अ)न्त- -न्तम् वैगृ १,९: १२

नैर्ऋत्य - -त्याः ग्रुपा ८,३८; कौस् ९७,८; याशि २,१. निर्ऋति-कर्मन् - -र्माण कौस् १८,१. निर्ऋति-गृहीत, ता - -तम् वाध्यूशी ४,९०: २५; कौस् ९७, १०; -तस्य खशा १७,५; -ता वौगृ १,३,१४; -ते वाध्यूशी ४, ९०: २३. निर्ऋति-देवता -> व्य - न्यः खापश्री ९,१५,४. निर्ऋति-द्यावाष्ट्रिब्यू। (वी-खा) -त्यम् श्रश्च २, १०.

निर्म्मति-पञ्चम - -माः नाशि २, ६, ५१ - ।

निर्म्मति-प्रभृति - -तीनि श्रश्च २, १०.

निर्म्मति-मन्त्र - -न्त्राः श्रशां १८, ७.

निर्म्मति-मन्त्र - -न्त्राः श्रशां १८, ७.

निर्म्मति-मन्त्र - -न्त्राः श्रशां १८, ०.

निर्म्मति-मन्त्र - प्रशां १५, २.

निर्म्मत्य (ति-श्र)पनोदा (द - श्र) ।

थ - -थम् ऋश्च २,१०,५९.

निर्म्मत्य (ति-श्र)पस्तरण - काम - - मः श्रश्च ६,१२४.

निर्म्मत्य (ति-श्र)भि-मुख - - खः श्रशां १५,५.

निर्-ऋण^{k,n} - -णम् या ९,८. ?निर्ऋते अप ४८, ७. निर्-ऋथ¹ - पाउ २,८; -थः भाशि ५३‡; -‡थम् शैशि १२२; ३३४ -थस्य आपमं १,६,१४‡ निर्-ए (आ√इ), निरैतु आपमं २,

निर्-एक k — कम् p वेज्यो १३. निर्-एघ k — -धम् श्रप ७० 3 ,११,१८. नि-रोध —, 9 धक — नि $\sqrt{}$ रुष् द. निर् $\sqrt{}$ गच्छ्,गम्, निर्गच्छति वेश्री ४, ५:५; १२, १२:१२ निर्गच्छेत् श्रप ४,१,१८; र्गंध ७७.

निर्गमाणि ऋपा ५,६० है. क्षेत्रिंगाम कौस् १२९, २; १३५,९; ऋपाय २,६^२. निर्-ग- पाना ३, २,४४.

 $a)=\pi [q-a] q-1$ के) पाभे. वैप १,१८१८ 1 इ.। c) पाभे. वैप १,१८१९ c इ.। d) = मृद्यु-देवता- 1 दु. स्क. 1 e) पाभे. वैप १,१२४५ c इ. 1 f) वैप १ इ. 1 g) = मृद्धूत-विशेष- 1 h) = शान्ति-विशेष- 1 + शान्ति-विशेष- 1 शान्ति

दि-नाना-देवता- > °त्य-

निर्-गच्छत्- -च्छतः वैग्र ५,६ : ३. निर्√क्षा> निर्-ज्ञाय वाधूश्री ४, निर्-गत- -तम् या २,७. निर्-गत्य वैश्रौ १२,५: ९; १२: १६; १३: १४; श्रप ६८, ५, २३: बौध ३,१,१३. निर्-गम- -माः अप ६४,४,६. निर्-गमन- -नम् वैश्रौ १८, १७: ४: -ने या ११,४६. निर्गमन-दक्षिण-भाग- -गे वैगृ 4. 4: 94. निर्गमन-प्रा(य>)याª- -या या ३,६. निर्-गमय्य वैगृ ५,२:१७. निर्-गम्य जैथीका १५७3. निर्-जगन्वस् - न्वान् शुपा ३, 988 tb. निर्-गन्ध - > व्स्धो (न्ध-उ)-प्रगन्धि°- - निध विध ७१,११. निर्√गम् निर्√गच्छं द.

निर्-गुण- - णम् शंध ३७१; विध ९७,१६; १७. निर्गुण-ब्रह्मा(ह्म-ब्रा) श्रय- -ये वैध 2,99,98.

निर्√गृह, निर्गृह्णीयात् माश्री ३, E, 962.

निर्√गृ (निगरणे), निर्गिरन्ते अप €0, €, 4.

निर्-घात- प्रमृ. निर्√हन् द्र. निर्-ज(ल>)ला³- -ला श्रप ६९,

8,3. निर्√िज>ितर्-जय- -यम् बौश्रौ १२,१६: ८; -चेन बौधौ १२, 97:93.

निर्-जिहीर्षत्- निर्√ह द.

७५: २४: ३६. निर्भर - - रस्य अप ४२,१,४. निर्√ण(<न)म् >निर्-णत-> °त-त(म>)मा- -मा या ८,५. निर्-णाम- -मः त्रापशु १५, ९;

बौग्र १०: १४; १५; हिग्र ५, १६; -मम् या २,१६; -मयोः व्यापञ्च १७, ४.

निर्√ण(<न)श् , निः...अनीन-शत् मागृ २,१८,२ .

निर्-णाशयां √कृ, निर्णाशयां-चकार या ६,३०.

निर्√णि(<िन)ज्ञ, निर्णनेक्ति भाश्रौ ५,३,८; वैश्री१,५:१०; हिश्री ३, २,४१; ‡निर्णेनिजति तैप्रा७,२.

निर्-णिक्त- -क्तम् वाध १४, २४; बौध १,५,५६; विध २३,४७; गोध ९,६; या ३, १९; -की शांगृ ६,३,६.

†निर्-णिज्e- -णिक् अप ४८, ७९^२; निघ ३, ७; -णिजः या ५, १९; -णिजा माश्री ५, २, ٥,90 .

निर्-णिज्य श्रापश्रौ ९, ५, ७; १७, १; बौश्री.

निर्√णी(<नी), निर्णयति कौसू ५८,१८;७६,१०; निः स्नयति अप्रा १,१,१५ ; निर् (नयति) श्रश्र ५,१८ न.

निर-णय- -यः जैश्रौका १०६; शंध ९; विध १०,१३.

निर्-णीत- -तम् या ३,9९ई. निर्णीत-त(म>)मा- -मा या निर्-द्श,शा भा- -शः शांश्री १५,१८,

6.4. निर्णीता(त-प्र)न्तर्हित-नाम-घेय'- -यानि निघ ३,२५; या

निर्-णीय निस् १०,५: १८. ?निर्ग्रत - तम् हिश्रौ ४,२,५७.

3. 99.

निर्√णु(<तु)द् , निर्णुद्ति बौध ३, ६,१९; मिनः: "नुदे आपश्री ३, १४,२; भाश्रौ ३,१३, १; हिश्रौ २,६,३४; कीसू ४७, १०; अम ६. ७५: निर्(नुदे) बीसू ४८, २९५; निर्णुदामि कागृ १८,२५; निर्णुदामिस कौसू ७१, १ 1; †निः ... नुदाते श्रापश्रौ ४,६,३; भाश्री ४,९,१; हिश्री ६,२,१२; निर्णुदस्व अप २२,९,२‡; निः ··· नुद्स्व वाश्रौ १,३,१, २१; †निः ·· नुद्¹ श्रापश्रौ ३, १०, ४; भाश्री ३, ९, ८; वैश्री ७, १३: १; हिथ्रौ २, ५, ३६; निर्(नुद) श्रापश्री ३, १०, ४; माश्री ३, ९, ८; हिश्री २, ५, ३६; †निः ...नुद्ध्वम् श्रापमं २,१३,६; बौग्र २,१,१२; भाग्र १,२५: १४; निर्णुदेव अप ४०, ५,२; विध ५७,१०.

निर्नोदयतु गौपि १,५,६. निर्-णुद्य बौधौ २८,४:३१. निर्-णोद- -दः गौपि २,३, १७ ;

बौध ३,६,४; विध ४८,१७.

निर्-दग्ध- प्रमृ. निर्√दह् इ. निर्-द(या>)य -> व्यन्त- न्तम् वाध ६,२४.

a) विप. । वस. । b) पामे. वैप १,१८२० d इ. । c) विप. । कस. । d) = प्र-स्रवण- । व्यु. ? ।e) वैप १ द. । f) द्वस.>षस.। कप.>पस. इति । पत्ते। स्क. । g) पाठः १ निर् (= नव्-)+नुत-(= नत-) > h) पाभे. वैप १,१८२१ f इ. । प्रास. इति भाष्यम् । सपा. श्रापश्री ७, १०, ११ श्रवनतम् इति पामे.। j) उप. दशन्- (= दशाह-) + समासान्तः f eq प्र. । i) पाभे. वैप १, १८२१ दि.।

१४+; -शायाम् बौश्रौ २३,१, 83.

निर्दश-ता- -तायाः श्रापगृ १५,७; भागृ १,२३:२०.

निर्√दह्, निर्दहित शांश्री १४,५१, १: अप ६१,१,१७; विध ४८, १४; या १४, ३३०; निर्दहन्ति कौगृ ३,१०,३५; शांगृ २, १६, ४; श्राप्तिगृ २,५, १: ५५; जैपृ २,९:४१; ब्राज्यो १४, १०; निदंहताम् श्रप १८, १, ८ई; निर्देहन्तु कौसू ९,११६; अप ३३,६, ९; श्रापमं २, १४, २; श्रामिष्ट २, १,३:२६; भागृ १. २३ : १९; हिंगू २, ३, ७; या ९,३३; निः "दह,निः(दह) माधौ १,४,३, ४‡°; निरदहत् शांधी १४,५१,१; निर्देहेत् अप ₹८,३,५; ७०², २०, २; ऋ॥ 2,3,34.

†निर-दग्ध- -ग्धम आपश्री^b१,२२, ३:२३,३; ७,१९,८; बौध्रौ^b १, ८: ८: २०, ८: ७; भाश्री १, २४, ४; माश्री १, २, ३, 9b; वाश्री१,३,१,४^b; वेश्री४,९:१^b; हिथ्री १,६,७b; कागृ ४५,७; वैगृ १,१२: ३; -म्बाः त्रापधौ १, २२, ३; २३, ३; ७, १९, ८; बौश्रौ ६१, ८:८; २०, ८:८; भाश्रौ १,२४,४°; अप्राय २,५; श्रप ३७,५,३. निर्देग्ध-काय - -यः राध ३८९. निर्देग्ध-वृजिने(न-इ)न्धन⁶--नः बौध ४,७,१०.

निर्-दृह(त् >)न्ती- -न्तीः कौसू १३१,२=.

निर्√दिञ् ,निर्दिशति आपश्री १. १३,४;८, ६, २१××; बौश्रो; निर्दिशामि श्रापमं १, १, ५; बौगृ १, १, २६; निार्देशेत् श्रापश्री ८, ६, २२; १४, ७, १; बौश्रौ; नाशि १, ४, ८1; निर्दिशेयुः लाधौ ९,१०,४; ६. निर्दिश्यते श्रापश्रौ २४,३,१.

निर्-दिश्य आपश्रो ३, ३, ५ +××; २२,४,२८^{१८}; बौथ्रौ.

निर्-दिश्यमान- -नस्य पावा ६,४, 930.

निर्दिश्यमाना(न-अ)धिकृतत्व--त्वात् पावा १,३,११.

निर-डिप्ट- -प्टः काध २७५: ५; बृदे ३,५६; - ष्टम् अप २८, २, ३; ३१,५,४;४४,४,९; - ष्टस्य मीस् १२,१,३८; -ष्टाः अप ५८२,१, १; - ष्टान् काठश्री ३३; - ष्टानाम् ऋप्रा १४,१; - ष्टे श्रापश्रो १०, १५,१६; श्रापध १,१८, २६ ई; हिंध १,५,९४ ई; शुप्रा १,१३४; पा १,9,६६.

निर्दिष्ट-प्रहण- -णम् पावा १, 9, 6 0.

निर्दिष्ट-भाग^d- -गः बौधौ २६, 4:0.

निर्दिष्ट-लोप- -पात् पावा १,३,

निर्-देश- -शः माश्री र्,१,१,१२; श्रप;पावा १,४,२३××; मीसू ३,

-शात् काश्रौ १,१०,१; श्रापश्रौ २४, २,२९; माश्री; पावा ६,४. १७४; मीसू १,२,३०××: -शेन बौध्रौ २४,१,१७; वाध १,३९. निर्देशा(श-आ)नर्धक्य- -क्यम् पावा २,१,१.

निर्-देशक- -की तैप्रा २२,४. निर्-देश्य- -श्यम् पावा २,१,३०. निर्-देष्टच्य- -च्यम् अप६८,१,५० ‡?निर्दूरर्भण्यः म कौस् ४९,२७; ५८. ६; १२; अअ १६, २2.

निर्√दृह, निरदुहत् विध ५५, १०. निः अद्क्षत् ऋप्रा ४, ९८ .

निर्-दोष,षा^व- -षः श्रापध १, १९, ६; हिध १,५, १०८; -षा अप २२, ५, ३: - वाः माशि १, ६; -पाम् विध ५,१६२.

निद्धि-शरीरा(र-त्रा)हति!- -तिः वेगृ ७,१ : ३1.

निर्√द्र, निर्देवत कौसू ११६,०‡; निर्देवेयुः कागृ ११,१.

निर्-द्वन्द्वk- -न्द्वः वैगृ १, १: १७. निरु-धन^d- पाग २,१,५९¹; -नस्य विध ६,३०.

निर्धन-ता- -ताम् अप ३६,१६,२. निर्√धम्, निर्धमेत् वौध ४, १,

निर्-धमन- -नम् बौध १,१०,१८. निर्-धयत्- प्रमृ. निर्√धं द. निर्√ध्र , निरध्न्वन् वाध्र्यौ ४, 99:38.

निर-ध्रम - -मः अप७०१,२,१; -मम् वैगृ ४,५: २०: -मे सु १८,३. ७,४२××;-शस्य मीस् ६,४,६; निर्√ध् > निर्-धारण- -णम् पा

a) पामे. वैप १,१८२१ l द्र. l b) पामे. वैप १,१८२१ m द्र. l c) पामे. वैप १,१८२१ n द्र. ld) विप. । बस. । e) विप. । बस. >कस. । f) विनिर्दिशेत् इति लासं. । g) पाठः ? नैर्दश्यम् इति शोधः ${f g}$. सप्र. तां २२,१४,२ ${f c}$. च । ${f h}$) वैप १ द्र. । ${f i}$) कस. >पस. । ${f j}$) पामे. वैप १ पुरुषाहुतिः ते २,२,२,५ दि. इ. । k) विष, । प्राप्त. वा वस. वा । l) तु. पागम. । m) तु. चौसं., नियमेत् इति मैस्. ।

२,३,४१; -णे पा २, २, १०; 4.3,92.

निर्-धारित- -तानाम् निस् २, 92:39

निर्√घे, निः "धयन्ति आपश्रौ १३,90,4ª.

निर्-धयत्- -यन् माश्री ५, २, २,९; -यन्तः वैश्रौ १६, २१: 32.

निर्-धान->°न-दर्शन--नात् मीस १०,२,१४.

निर्-धीय काठश्रौ १५८.

निर्-नमस्कारb- -रः विध ९६,२२. निर्√वन्ध्> निर्-बद्ध-या १,३.

निर्√बाघ्>निर् वाध°->नैर्वा-ध्य°- -ध्येन दंवि २,५‡. निर्वाध-त्व- -त्वम् भाशि ५२. निर्वाध्य^c- -ध्येन व श्रापश्री ३, १४,२; भाश्री ३,१३,९; हिश्री

2, 4, 38. φिनर्-बाधित- -तासः° श्राश्रौ ५, ७,३.

निर्-चीज-> °जिन्- -जी शंध ३७७: ६.

निर्√वृ, निर्वृ्यात् बौश्रौ २०, १९:१८; १९; २१; लाश्री ७, १२, ७; १३, ३; बृदे २, १०६; या २,१^३; २^२; ३^३.

निर्-व्वत् - -वन् ऋपा ११, ६२. निर्√भज़, निर्भजित बौश्रौ ३,२१: ८; †निर्भजामि शांश्री ४, १२, १०; बौश्रो ३,२१:९; वाश्रौ १, १, ४, २३ ; कागृ १८,२; निर्भजामः श्रश्र १६, ८ ;

†निः भजामः श्रापश्री ४, निर्√भृ निर्√ह इ. ११,१; भाश्री ४,१६,२; हिथ्री निर्-मित्तक- पाग ६, २,१८४. ६, ३, ३; निर् (भजाम) श्रश्र निर्√मथ्, न्थ्, †निर्मन्थतः श्रश्रापमं १६, ७ ; निरभजत् बौश्रौ १४.4: २९.

निरभाक् , निरभाक्षम् बौश्रौ १४,५ : ३० न.

निरभाजयताम् वाध्यौ ४,८:

निर्-भक्त∸ - †कः शांश्रौ ४,१२,२; १०; त्रापथ्री ४, ११, १; बीथ्री ३, २१ : २; ९; १०, १६ : २; भाश्रौ ४, १६, २; वाश्रौ १,१, ४,२३⁸; हिश्रौ ६,३,३.

निर्-भय'- -यः कप्र ३, २, १५; विध ३,९५; माशि १४, ७३; -याः कौगृ ३, १२, ३०; श्रव 50t, 4,8; 4.

निर्√भत्स् , निर्भत्स्येत विध ६८, 24.

निर्-भर्सन- -नम् शंध ३१३. निर्√भा, निर्वभौ विध ५१,६७. निर्√भिद्, †निर्भिनत्ति आप्रिगृ ३,१०,१ : ११; बौवि ३,५,२; १०, १; †निर्भिनद्मि आप्तिगृ ३,४,१ : २९;५ : ६; निर्मिन्धि कौसू ६१,२२ . निर्विभेद सु ३,३.

निर्-भीत⁸- -तः शैशि १५३; याशि १: २३; नाशि १,६,१२.

निर्√भुज् , निर्भुजिति हिथी ४, ४, ६०; हिश्री १०, २, १४; निर्भुजेत् माशि १२,५.

निर्√भू, निभेवति क्षुस् ३, १०: 39.

१, १२, ३; बौगृ १, ७, ४०; मागृ २, १८, २; हिगृ १, २५, १; निर्मन्थताम् जैगृ १, २२: २९ = ; निरमन्थत, निरमन्थत् वैताश्री ५, १४ +; निर्मन्थेत् वेथ्रौ १,१: २२.

निर्-मथित- -तः ऋग्र २,३,२३ . निर्-मध्य काश्री ४, ७, १४; ९, १८××: श्रापथ्रौ.

निर्-मध्य- -ध्यः आपश्रौ ८,२, १३; माधौ १,७,४,९; वैताश्रौ ६,४; -ध्यम् त्रापश्रौ ५,४, १४; वैताथौ ८, १०; १८, ६; श्रप्राय ३, ७; -ध्याः श्रप १, ७,९१; -ध्येन द्राश्री ७,४,७1; -ध्यै: बौषि १,२ : २०; -ध्यौ कौस ६०.५. निर्मध्या(ध्य-श्रा)हवनीय- -यी

ऋत्र २,१,१२; शुत्र १,३००; साम्र २,१९४.

निर्मध्याहवनीया(य-श्र)र्थ--थों बृदे २,१४५.

निर्मन्थ- -न्धेन माश्री १, ७, १, ३८; ८,३,३; २, 9, 4, 9४; ६, १,४,३९.

निर्-मन्थन- -नम् वैताश्रौ ८, १२. निर्-मन्थ्य काश्रौ २५,३,८; श्रापश्रौ

१३, २५, ३; बौध्रौ. निर्-मन्थ्य- -न्थ्य: आपधी १०,

३१,१२; बौश्रौ; -न्ध्यम् काश्रौ ६, ५, १३; बौश्रौ १४, ३: १३××; भाश्री; -न्थ्यस्य वौश्रौ

d) पामे. वैप १, १८२२ O a) निरवधयन्ति इति मृको. । b) विप. । बस. । c) वैप १ द्र. । g) = अ-भीत- । e) पाभे. वैप २. ३खं. ϕ निबाधितासः टि. इ. । f) विप.। प्रास. वा बस. वा। h) पाभे. वैप १,९८२३ j द्र. । i) सपा. व्थ्येन <> व्य्थ्येन इति पाभे. ।

भ, २: २१;६: २०××; भाशौ;
-न्थ्याभ्याम् भाशौ ८,७, १५;
-न्थ्ये मीस् १,४,१२; -न्थ्येन
आश्रौ ६,१०,२४; काश्रौ १६,
४,१३; २५, १३, २७; श्रापश्रौ;
लाश्रौ ३,४,६^६; -न्थ्योः श्रापश्रौ
३,५,२: १७; -न्थ्यौ श्रापश्रौ
८,६,१८; बौश्रौ २०,१७:१७.
निर्मन्थ्या(न्थ्य-श्रा)दि - - दिषु
मीस् ७,३,१८.

निर्-म(ध्य>)ध्या^b- -ध्या खुसू १, १:४; २,३:१९.

निर्-मल^b- -लः वाध २६, ६; -लाः वाध १९,४५.

निर्मेल-स्निग्ध-परिधिपरिवेषाश्र-वृक्षप्रतिसूर्य (क>)का^c---का श्रप **६५**,२,२.

निर्मली ्रेक > निर्मलीकृत्य अप १,४२,९.

निर्-मशक- पाग ६,२,१८४.
निर्√मा(माने)^d, निर्मिमीते निस्
४,१०:१७; हुदे ७,१२९;
निर् (मिमीमहे) श्रश्र १८,२‡;
निरमिमीत या ८,२१; ६,
१०; निरमीमत वाध्श्री ४,
५९²:४;५;१०.

निर्मीयन्ते या २,८; निरमीयत वाध्रुश्री ४,५९९: ६.

निरमायि वाध्यौ ४, ५९ : ९.

निर्-माण- -णे या २,२२. निर्माण-कारक- -०क विध १, ५५०. निर्-मा (तृ>) त्री- - ज्यः या १२,७.

निर्-माय काशु ६,१०.

निर्-मित,ता- - †तः आश्रौ ३, ८, ४\$; आपश्रौ १,१३,१५; १६, २९, १; वैश्रौ १८, २०: १२; हिश्रौ ११, ८, २; अप २, ४, २६; अशा १०, ५; -तम् अप ३३,३,४; ३८, ३, ८; ४१,३,९; काछ ७,११; -ताः आश्रौ ३, ८,३; आपश्रौ २४,११,१०†; निस् ३,१३: ३९; अप १, ४०, ४†; २०,३,१; अशा १०, ४; -†तास् आपश्रौ ५,१८,२; हिश्रौ ६, ५,१६; -ते हिंघ १, ६,१७; पा ४,४,९३.

निर्-मिमान- -ैनी या ८,१२. निर्-माल्य°- - ज्यम् वैष्ट ४,१२: १; अप ३,१,११; ३५,१,१३;

> -ल्यानि बौग १,८,९. निर्माल्य-गन्धहारी-हास-गीत-बाद ना(न-ग्रा)द्यु(दि—उ)पहार--रान्श्रय ४०,१,११.

निर्मिल - लाय श्रव २०,४,२ \dagger . निर् $\sqrt{\pi}$ (= $\sqrt{\pi}$ ।शब्दे]),निर्मिमाय या ११,४०.

निर्√मुच्, इच्, ‡निर् ''मुञ्जािम के श्रापश्री ७,२१,६; बीश्री ४,७ : २४; भाश्री; ‡निर् (मुञ्जािम) श्रापश्री ७, २१,६³;११,१८, २; बीश्री.

निर्मुच्यते या १४, ७; ‡निर्

 $(मुच्ये)^1$ काश्री ८, ७, १८; शुञ्ज १, ३६१; \dagger निर्मुच्येत श्रापश्री १७,१४,३; वैश्री १९,६:७६; हिश्री १२,४,९२ 2 .

†निर्(श्रमुक्षि)। श्रापश्री १,१८, ३; बौश्री ६, ३१:१५; माश्री १,२,१,३९; वाश्री १,२,४,३३; वेश्री १४,१६:९; हिश्री १, ५,

निर्-मुच्य बौश्रौ २, ११:२५‡. निर्-मोक- -कम् विध १,३९.

निर्√मुप्, निर्मुष्णाति वैताश्री १३,९.

निर्-मूल-ल्न्- -नम् बौधौ २१, ४:३.

निर्√मृ > निर्-मारं - -रम्¹ श्राप्तिरुं ३, ५, १:१;७,३:१; बौपि १, १:१; २,१,१.

निर्√मृज् , निर्मार्ष्ट वैश्रौ १५, ८: ४; काय ६०, ६; ९; बौय १, ४,४२; गोय २,७,१८.

निर्मार्जयित कौस् ८०,४७. निर्-मार्ग"- -र्गः श्राग्निय ३,७,३ : २१; बौषि२,२,२^०; हिषि**१९,८.**

a) पामे. पृ १४२१ i द्र. । b) विप. । वस. । c) = संध्या- । कस. > कस. उप. = पिरिधि-पिरेवेपाऽश्रवृक्ष-प्रतिस्र्यंकवती- । d) निर्वा॰ ईति जीसं. । e) वैप ३,४५८ e द्र. । f) व्यप. । व्यु. ? । g) विरोपः मिमाय ऋ १,१६४,४१ टि. द्र. । h) पामे. वैप १ सुम्नामि पै ३, १७,४ टि. द्र. । i) पामे. वैप १, १८२४ g द्र. । j) विप. । वस. > कस. । k) = मरणासन्नता- (तु. सप्र. माश १४,७,१,४९ अणिमानम् इति पामे.) । l) वा. किवि. । m) पामे. वैप १, १८२४ i द्र. । n) वैप १ द्र. । o) निमा॰ इति e. (e) न्र्यूण्।

निर-मृजान- -नः कौसू २५,२८ । निर-लेप - -पम् वैश्री ५, २: १६; निर-मृज्य माश्री १,३,५,१४; कौसू ३,९; २३,१५; ४२,५.

निर्-मोक- निर्√मुच् द्र.

निर्√यत् > निर्-यात्य माश्रौ २, 3,3,0;8,8,8.

निर्√यस्> १निर्-यास8- पाग २, ४,३१; -सम् श्राप्तिगृ २,५,२: ४: बौगू ३,६,9; वैध ३,५, ८. रिनर्यास-(>°सिक-पा.) पाग ४, 2,60.

निर्√या, निर्यान्ति श्रप ७०र, २१,

निर्√याच् ,निर्याचते बौश्रौ १४,४: ३७: मैनिरशाच्याः श्रापश्रौ १२, २३: ११; बौध्रौ ७, १४: २२; १४, ५: २६; वेथ्री १५, ३०:६.

निर्-याच्य बौधौ १४, ४:४० ई. निर्यूह- पाउभो २,३,१८८.

निर्√िळख, निर्छिखेत् माश्री ३, १, २: शंध १८०.

निर्लिख्यते श्रापश्रौ ९, १७, ४; हिश्री १५,७,२४.

निर्-लिखित- -तम् श्रापध १,१७, १२; हिंध १,५,४४.

निर्√लिह् ,निलंदि काश्रौ ४, १४, २७; माश्रौ १, ६, १, ४७; वैश्री २, ५: ११; हिश्री ३, ७,९२; श्रापगृ २,११; बौगृ १, 8,82.

निर्-लिह्य शांश्रो २,९, १४; श्रापश्रो €,97,7.

-पानाम् विध २३,७.

निर्हेप-निर्गन्ध- -न्धम् बौध ३.1.

निर-लोम^{b,c}- -मम् कौस् १३८,९. निर्-ख्वय(न>) नी d-पाग ६, ३, 909.

निर्√वच् ,निरुवाच बौश्रौ १८,२९:

निरुच्यते निस् ३,९:३९; ४६; बंदे २,६९; या १०,५.

निर्-उक्त,का- पाग ४, २, ६०e; ३, ७३^e; ६, २, १४६^f; -क्तः शांश्रौ १७,७, ९; ग्रापश्रौ २२, ६,१६; -क्तम् शांश्री १३, १६, ५^२; आपश्रौ; अप १, १५, १^e; शंध ११६:३९°; चव्यू २: २३°; -क्ता हिंध २,१, २७⁸; -क्ताम् बौश्रो ३, २९: १४; जेश्रो ३, १३; लाश्री ७, १२, १४; -के बृदे ६, १३४; ऋप्रा १५, ११; श्रप्रा ४,१९५.

नैरुक्त- पा ४,३,७३; -कः साम्र २, २०१; -क्ताः वृदे १, २४; सात्र १,११५; १४७××; या २,८;१४;१६; ३,८;१४××; -क्तानाम् साश्र १,३४१; -के बृदे २,११९.

नैरुक्त-समय- -यः या १,93.

नैरुक्तिक पा ४,२,६०:-निरुक्त-निधन^b- -नम् निस् ६,

निर्-उक्तवत्- -वान् वृदे २,१११; 993;993.

निर-उच्य बौधौ २०, १९:

निरु-वक्तब्य- -ब्यम् या १३,१३; -व्याः या १३, १२⁴; -व्यानि या २,७.

निर्-वक्तम् वृदे १,९६.

निर्-वचन- -नम् शांश्रौ ६,१, २३; बृदे २, २३; या २, १; -नाय श्राग्निगृ २, ४, १२: १२; या १, १९; २, ११; ३, २××; -ने बौश्री २०, १९: १८; भासू ३,

?निर्वचनस्वाध्यायधर्मh- -र्मः निस् ८,७:२५.

निर्-वचस्1- -चः वृदे २,१०६. निर्-वाक->निर्वाका(क-अ)र्थ--थेंन निसू ६, ७:३४; -थेंन निसू ७, १: २; ४: ५;४६.

निर्-वाच्य- -च्यम् वृदे २, १०४; -च्ये ऋप्रा १५,११.

निर्वाच्य-लक्षण^b--णम् वृदे 2,903.

निर्-च(न>)ण1- पा ८, ४, ५. निर्√वध्, †निर्वधिष्ट काश्रौ २५, ११,२३; बौश्रौ ६, ६:२३××; भाश्री; †निर्वधीः वौश्रौ ७, ५: २७;१० : ७;१४,४:४५; हिश्रौ ८,५,३१; जैथ्रौ ९: २९.

निर्√यप्, निर्वपति आश्रौ ७, ५,३ k; शांश्रौ १४, २,१७;१३, ५××; काश्री; आपश्री १३, २४, १1;

^{99:44.} b) विप.। वस.। c) समासान्तः अप् प्र. उसं. (पा ५,४,९९७)। f) निरक्त- इति [पक्षे] भाएडा, । a) वैप १ द्र.। e) = वेदान- । d)=सर्प-त्वच्-। < निर् \sqrt{R} इति पागम.। h) पाठः ? अनिर्वचनः स्वा° इति शोधः संभाव्येत g) सप्र. आपध २, २, ५ उक्ता इति पामे.। k) सपा. ऋापश्रौ ७,७,९ न्युप्य इति पामे. । i) = निर्वचन-। j) नाप.।(तु. संस्कर्तुः टि.)।

l) C. अनुनिर्वपति इति शोधुकः। CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

निर्वपतः बौधौ २३, १ : ३५; भाश्रौ ८,५,९; निर्वपन्ते द्राश्रौ १४. २. १: लाधी ५, ६, ४; निर्वपन्ति शांश्री १३,२९,२०; श्रापथ्री ९,४,४; २३, १३,५; बौश्री: †निर्वपामि श्रापश्री १, ७.९: १७, १२××: काश्रौसं; गोगृ १, ७, ३ ; द्रागृ २,१,९ ; †निर्वपन्तु कौसू ६८, १; २; निर्वपस्य काठश्रौ ११४; माश्रौ २,३,२,१‡b; †निर्वप श्रापश्री ४.४.४; १२, ३, १५^b; बौध्रौ; निरवपताम् बौश्रौ २८,४: १८; निरवपन् भाशि ७६; निर्वपेत् काश्रौ ८,१,२; १२,२,१२××; ब्रापश्री: द्राय ३,२,२°; निर्वपे-रन् शांश्री ३,६,१; दाश्री १४, २, २; लाधी ५, ६, ५; १०, १७, १; निर्धपेयुः आश्री ३, १०,२४; ६,१२, ५××; बौधौ. निरुवाप वाधूश्री ३, ७७:३; †निर्वपस्यामि आपश्री १,१७, २;३; ४,४,४; बौश्रो.

निरुप्यते बौश्रौ १४, १९: ७ १× १ वाधूश्रो; दा ७,१८; २०;३१; निरुप्यते हिश्रौ १६, ८,२०; निरुप्यन्ते बौश्रौ २५, ३:१५; २१:१५.

निर्वापय > या कौग्र ५,५,५‡; निर्वापयेत् कप्र ३,४,५.

निर्-उस- -सम् श्रापश्रौ ५, १९, २; ६, २९, १२××; बौश्रौ; -सान् श्रापश्रौ १, १८, २; ३; बौश्रो; -से श्राश्रौ ३,१०,१०; शांश्रौ ३, २, ३; काश्रौ; -सेषु ब्रापथ्री १, १८, २, १२, ४,७; भाश्री १, १९, १२; माश्री ३, १,१६; वाश्री १,७,२,१८. निरुष्ता(प्त-ब्रा)ज्य - -ज्यस्य वैश्री ८,५:३.

वश्रा ८,५: ३.

निर्-उप्य शांश्री १३, २९, १२;

काश्री १, ३, २२; ४, २,

३७××; आपशी; हिए १, १,

२०⁴; वैध १,६,४⁶; या १,५.

निर्-उप्यमाण,न-ं-णम् आपश्री ४,

४,५; वौध्री ३,१५: ७; माश्री;

–णे वाश्री १, १, २,१४; –णेषु
आपश्री ८,१७,२; वैश्री ९,१०:

११: –ने वैताश्री २,७.

निर्-वप¹— -पाणि श्राप्तिय २,६, ४:१७⁸; -पान् श्राप्तिय २, ५,१०:१२.

निर्-वपण— -णम् काटश्रो ७; वौश्रो; —णात् काटश्रो २२; वौश्रो; —ण वौश्रो २०, ५: २९; ६: ६××; —णेन वौश्रो २२,११: ३. निर्वपण-काल— -ले श्रापश्रो ६, २९,७; ७, २२, ३××; वौश्रो २८, ४: २३; वैश्रो ८, ४: ३; ९,१: १०××; हिश्रो. निर्वपण-तस्(:) वौश्रो २४, ३:

१०; ११. निर्वपण-न्याय- -येन बौश्री २८,४:२१.

?निर्वपणप्रसृत्याम् श्रप्राय ४,१. निर्वपण-प्रोक्षण-संवपन- -नम् वाग् १,१२.

निर्वपण-प्रोक्षणा(ग्-म्र)धिवपन-संवपना(न-म्रा)दि- -दीनि बौधौ २८,४: ६. निर्वपण-छवना (न-श्रा)स्तरणा-(ण-आ)ज्यग्रहण- -णेषु मीस् ११,४,४५.

निर्वपणा(ग्ग-त्रा)दिक^ड - -कम् कप्र ३,१०,१३.

निर्वपणा(ग्ग-ग्र)न्त^g— -न्तम् बौश्रौ २९,१०: १५.

निर्वपणा(एए-य)र्थ- -र्थम् हिश्रौ ६,१,५४, मीस् १२,१,१४. निर्वपणीय- -यम् शंघ १३२.

निर्-वपत् - पन् आपथ्रौ १०, ३०.७.

निर्-वस(व्य >)व्या- -व्याः बौध्रौ २६,५:४.

निर्-वष्तुम् कौय ३, १०,३५; शांय २,१६,६.

निर्-वप्स्यत् - -प्स्यत्सु द्राधौ १२, १, १६; १३, १, २०; १४, ३, १२; लाधौ ४, ९, १०; ५, २, २; ७, ११; -प्स्यन् वौधौ २, १९: २;११, २: २××; वैधौ. निर्-वप्स्यमान - ने माधौ १,४,

9,9 ३.

निर्-वाप--प: काष्ट ४२: 9९;
-पम् वैष्ट १,9 ३: ५; ४,9 १:
८; -पा: कप्र ३,७,२; ३.

निर्वाप-वत् काश्रीसं ४: ३.

निर्वाप-शेष-स्व- -स्वात् मीस्
१०,२,६ ३.

निर्वाप-श्रपण - -णम् वैष्ट ४,
९: ३.

निर्वाप-स्थान -नम् वैग् ४, ४:१. निर्वापा(प-श्रा)दि --दि काश्रीसं

निर्वापा(प-न्ना)दि- -दि काश्रीस ५: ६; वैष्ट ३,१३: ३.

निर्-वापण- -णम् वैगृ ५, १५ : २१: बौध ३,१,१४.

निर्-वाप्य शांश्री ४, १५, ८; वैगृ. निर्-वाप्य- -प्याः वैगृ ४,७: ६. निर-वर्तमान-, 'वर्ष प्रमृ. √शत्र.

निर्√वस् (निवास) > निर्-वास्य--स्यः विध ५,२०.

निर्√यह, निर्वह वाध्रश्री ३, ९९: ७: †निर्वहत श्रापश्री ७,४,५; भाश्री; निर्वहेयुः लाश्री ८, ५, ६: मागृ २,११,४. निर्वक्षत् कामृ ४५,१० ‡ª. निर्वाहयामि श्रापमं २, १५,

94.

निर्-उद्य शांध्री २, ८, ८; काश्री 8,98,2.

निर्-उद्यमाण- -णम् काश्री २५, 90,4.

निर्-ऊड,डा।,ळह]- - †ढम् त्रापश्री | १, १२, १; माश्रौ १, १२, ११; हिश्री १,३,२१;३,७,२५; ग्रप ४५, १, १३; - दया वीश्री 22,92: 99; 24,32: 38; -हाः श्रापश्रौ १, १२, १‡; -ळहाः ऋग्र २, १०,१०८. निरुद-पशुबन्ध^b- न्धः शांश्रौ ६,१,१८; श्रापश्रौ ७, २८, ५; द्राश्रौ १३, ४, १६; वैगृ १,१ : ९; गौध ८,१७;-न्धस्य श्रापश्रौ ७,२,१७××; बौध्रौ; -न्धानाम् बौथ्रौ २४,५ : ४: -न्धे आपथ्रौ ७,२६,१०; ९,१८,१४; हिथ्रौ

१५, ८, १४: - न्धेन वैश्री १०. १: १; हिश्रौ ७, ८, २; ८,३, ७;९,६,१३; २२,१,२.

निरुद्धपञ्जबन्ध-युप- -पः भाश्री ७,२,७,

निरूदपशुबन्ध-लक्षण,णा⁰--णः वैश्रौ १२,२०: १५; -णाम् वैथी १३,१६: ८.

निरूढपशुबन्ध-वत् ग्रापश्रौ ११,१६,२; १३, २३, ७; १९, १,२; १६, २; वैधी ११,२: 3: 88,98:9. निरूडो(ढ-उ)प(धा>)ध°--धात् या ४,२५.

निर्-वाक-, °वाच्य- निर्√वच् द्र. निर्-वाप- प्रमृ. निर्√वप् इ. निर-वासस् - -साः शंध ५१. निर्वाहः अप ३०२,१,११.

निर्√विद्(लाभे) > निर्-विण्ण--ण्णस्य पावा ८,४,२९. निर्-विद्- पावाग ३,३,१०८^d.

निर्-वेद- >°दा(द-म्र)वगध --धम् बौधौ १७,४८: १६.

निर्√विध् (<व्यध्), निरविध्यत् या ६, १९; ३३; क्निराविध्यत् या ६, ३३०; ऋप्रा २, ७६; उसू २,२३.

निर्√िवश् > निर्-विष्ट'- - एम् गौध १०,४१.

निर्-वेश - -शः बौध २, १,४५;

७,१,६६; ३, २१; ८, ७, ६१; निर्-विश् (क्वा>)क्व°- - क्केन वीघ

₹,४,9 €. निर्-विशेष- - पम बौध १. ११.

निर् / विष्> निर्-वेष - - पः श्रापष १, २४, १०: हिंध १, ६,५९: -पम् श्रापध २,१०,१२; हिध 2,8,92.

> निर्वेषा(ष-अ)भ्युपाय- -ये श्रावध २,२६,२४१1.

शनिर्विष्टतानाम् वाश्री ३,३,१,३६. निर्-वीर्य,र्या°- - यम् ग्रुत्र १, ५; -र्या कप्र १,८,१८.

निर्वीर्य-ता- -ताम श्रापश्री ९,१४, ८; हिश्री १५,४,१५.

निर्√वा>निर्-वाण- पा ८, २, निर्√वृत्,निर्वर्तते श्रापथ १,२,९?1; २९, १४; बौध २, १,५०; हिघ 2,9,82;0,09.

निर्वर्तयति आपश्री १३, २४, १४; हिश्री १, ६, ३; निसू २, v: 30.

निवर्यन्ते आशि ७,४; निर्वर्षेत मीस् ६,३,४२.

निर्-वर्तमान- -ने श्रापश्री ६,२८, १४: हिपि २२: ७ .

निर्-वर्त्य काश्री २५, १२, १; त्र्यापध्रौ १, २२, २××; बौश्रौ.

निर-वर्श- - र्यम् कागृउ ४४: 94.

निर्-वर्थमान- -नम् श्रापश्री ५, 90,93.

निर्वर्यमान-विक्रियमाण- -णे पावा ३,२,१.

निर्-वृत्त- -त्तम् पा ४, २,६८; ५, १.७९: -त्तस्य पावा १,४,४९;

c) विप.। बस.। b) = याग-विशेष-। कस.। a) पामे. वैप १,9८२६ d इ. । g) = प्रायश्चित्त- (f) = उपार्जित- । e) पृ २५७ f इ. । d) तु. पागम.। = निर्वेद-। i) निवर्तते इति i) सप्र. हिध २, ५,२१९ चरितनिर्वेषम् इति पामे. । गस. उप. घम् प्र.। h) = निर्वेश-। पाठः? यनि, शोधः द्र. ।

-ते शांग्र २,१२, ९; पा ४,४, निर्वृत्त-ग्रहण- -णात् काश्रो २२, 3.88. निर्वत्त-प्रतिपत्ति - - ती पावा 8,9,40. निर्वृत्ता (त्त-त्रा) द्य(दि-त्र)र्थ--र्थम पावा ४,२,८५. निर्-वृत्ति- -तिः पावा १,१,४५; ५०: मीस ९,२,३७. निर्-बृत्य द्राधी ५,४,८. निर-चेश- निर्√विश द. निर्-चेप- प्रमृ. निर्√विष् द्र. निर्√वेष्ट् > निर्-वेष्टित- -तः या 4.6. निर्-व्यू(वि√ऊ)इ , निर्च्यूहाते अप 8.88.3. निर्√ बज् , निर्वजेत् कौस् ७६,२. निर्-व्रण³- -णः वैगृ २,४: १; -णम् वेगृ ७,४:७. निर्√वदच् > निर्-वस्क^b- -स्कम् काथ्रौ २२,३, ५; -स्के आपश्रौ 20, 20, 4. निरू√िटलप् °, निव्लिपति हिश्रौ 8,8, 40. †निव्हेंबी: श्रापश्री ७, २२, ७. भाश्री ७, १७, ६ ; वैश्री १०, १७: १०३; हिश्री ४,४,५९. निव्लिपयेत् वाश्री १,६,६,१७. निर्√हन् d, निर्हन्ति अप १,४८,५; †निर्-हस्तb- -स्तः कौस् १४, ७; निर्झान्त बौश्री १४, १: १४; १७ ; माशि ११८; १२०; निर्हण्यात तेप्रा ७, ३ +; नाशि १. ६. १५: निर्हन्यात् शेशि १५४; माशि ६, ६; याशि १,

निर्जधान या १२, १४ +; निर् (जघन्य) ऋप्रा ७,४६ न. निर्हण्यते आपध १, २४, २५; २८, १८; २९, १; हिंध १, ६, ux: 0,43; 40. निर्-चात- -तः अप ६१, १, २७; ६७, ६, १××; श्रापध; -तस्य श्रप ६०,१,५; -ताः अप ५८^२, 9, 9; 80,9, 9; 88, 3, 0; -तान् अप ६४,१,४; -ते गोगृ ३, ३, १९; कौस् १४१, २०; त्रप ७१,१६, ३; वाध १३,३२; -तै: अप ७०३, ११, २९. निर्घात-भूकम्प-दिग्दाहा(ह-श्रा) दि-विवर्जित- -तः अप ७०, 6. 3. निर्घात-भूमिकम्प-राहुद्शनो-(न-उ)ल्का- -ल्काः गौध १६, 22. निर्वात-भूमिवेगो (ग-उ) ल्का-पात-दिग्दाह-पांशुशोणितमांसा-स्थिसंद्धिलाजगौरवर्ष - - पेंपु शंध ४७. निर्वात-वत् कौस् १४१,३३. निर्घाता(त-त्रा)दि- -द्यः कौस् १४१,३३. निर्घातो(त-उ)हका- -हकाः अप 40,9,2; 2,2; 3,2; 8,2. निर्-हन्तोस् (:) बौधौ १४,४:४२. यप ३२.१, १३; श्रय ६,६६. नैहस्त्यb- -स्त्यम् बृदे ८,९४ . निर्/ह<>भू, निर्दरति वौषि ३, निर्हरनित हिपि १३: ४; २३: १; गौषि १,१, १५; विध १९,

५: निर्हराणि बौध्रौ १८, ४७: ६ +; निर्हरेत् शांश्रौ १३, १२, १२; अप; निहरेरन् आपश्री १४. १५,१4; ३१,८; हिश्री १०,७. १७; निर्हरेयुः श्रापश्रौ १०,२०, ७; कप्र ३,२,५; विध १९,३. †निर् "जभार या १०, १२०: ऋप्राप, ३६; निर्जहार या १०, १२ निर्हारयेत् विध १९, १. निर्जिहीर्षेत् काशु ३, १; श्रापशु २, ८; बौशु २ : ३. निर्-जिहीर्षत्- -र्षन् काशु ३. १; त्रापशु २, ८; बौशु २ : ३. निर-हार- -रः माश्रौ ५.२, ७, १: त्रापञु १३,१०¹; बौशु २: ११. निर्-हत- -ते काश्री १०, ३,८; त्रांपश्रो ९, १,६⁸; भाश्रो ९,१, ६ है : हिथ्रो १५, १,६ है. निर्-हत्य आश्री ६,१०,१; काश्री. निर्√ह्स , निर्हसेते ऋपा ४,९०. निर्-हसित->°तो(त-उ)पसर्ग8--र्गः या २,१७; ६,११. निर्-हास- -सः आश्री ६, ६, ६; काञ्च ३,१;२;११; आपग्च १, ६; २, १७; हिशु ४,३८ नाशि 2,4,90.

2,28. √**निल्** पाधा. तुदा. पर. गहने. नि-लय-, निलाय नि√र्ला इ. निल्(<र्)√इ, †निलायत वौधौ २५,१० : ७; वाध्यौ ४, १९ : ३३; २२: 90.

निर्हास-विवृद्धि - - द्यो: काशु

१२, ३°; बैग्र ३, १४: १४; नि√िछप्, म्प्, निलिम्पति शांश्री 8,90,7; 2,8,97; 8,79,6; शांगृ ६,६,६.

a) विष. । वस. । b) वेष १ इ. । c) विषयींसे बृत्तिः (तु. श्रापश्री ७,२२,८) । d) पा ८,४,९७ e) दहन्ति इति \mathbf{R} , \mathbf{I} \mathbf{f}) सपा. निर्हारः<>निहासः इति पामे. \mathbf{I} \mathbf{g}) पामे. \mathbf{g} ५६२ \mathbf{h} इ. \mathbf{I} परामृष्टः इ. ।

नि-लिप्य माश्रौ ६,१,२,१२. नि-लिम्प- पाता ३, १, १३८; - + म्पाः बीश्री १०, ५०: १७: श्रापमं २,१७,२१. निलिम्प-नामन् - - मनः अअ ३. ₹. नि√ली, निलयते बौश्रौ १४, २८: १०; नि(लयन्ताम्) ऋपा ८, 8年. नि-लय->°या(य-ग्र)र्थ-> °थिंन्- -थीं कागृ ४,४. नि-लाय आपधी ५,२,४ . १नि-लीन- -नम् बौधौ १४, २८: १०; -नैः वाध ३,४६. रिनलीन-(> °न-ऋ- पा.) पाग ४, 2,60. नि-लोप- -पे श्रप्रा ३,३,१८२. १तिच- (>नैब्य- पा.) पाग ५, १, निवक -> नैवक- (> कायन-पा.) पाग २,४,६१. †नि-वत्तस्°- -क्षसः त्रापधी २०, २३,१२; बौध्रौ १५,३८: १४; 28,99: 36. नि√वच् >िन-वचन- >ेने√कृ पा १,४,७६. नि-चत् - -वतः श्राश्रौ २,१४,१२‡;

पा.) पाग २,४,६९.

नि √वन्> नि-वा(न्य >)न्या^d-न्याम् काश्रौ २५,८,८;
-न्यायाः काठश्रौ ४०.

निवान्या-दुग्ध- -ग्धे काश्रौ ५,

शांश्रौ; या १०, २०.

निवत^b->नैवति- (>°तायन-

6.96. निवान्या-वत्स- -त्सम् काश्री 4, 4, 76. नि√वप्⁶, निवपति काश्रौ ४, ८, 98; 4, 3, 96; 8, 94xx; श्चापथ्रौ: बौथ्रौ ९.५ : २०1: बौषि ३, २, ११⁸; निवपतः बौथ्री १२, १५: १४: माश्री १,७,४,५; वाश्रौ १,७,२,२०; निवपन्ते वैताश्री २३, १३; निवपनित काश्री १०, ८, ६; २४,६,२; बौश्रौ १९, ३ : ३२; वाध्रश्री ४, ११४: १; जैथी ६: १; किवपामि काश्री २५, ८, ५; ब्रामिए ३, ११, २: ७; हिपि १०:४: निवपन्तु निघ

> १,२८; निवपेयुः काश्री २५,१३, ४३; काठश्री १५८; द्राश्री ६, ३,१८; लाश्री २, ११, १२; १०, १५, १३; ब्राप्तिए ३, ५,७:१४; वीपि १,६:९; निवपेयम् आप्तिए ३,१२,१: २०. न्यवाप्सीत् वीश्री ६,२९:१६. न्युप्यते वाष्श्री ३,४१:३३;

२, १९[‡]; निवप आप्तिगृ ३,

११. २: ७: नित्रपेत् आपश्री

१८,१८,१६; २१,१३,१४××; काश्रीसं; निवपरन् हिश्री १६.

निवापयते भाग २,१९ : ८. नि-वपत् -- पन् श्रापश्री ५,९,७××; बौश्री; -पन्ती या ६,२६. नि-वपन -- नः वाश्री १,६,१,२५!; -- तम् काश्री ७, ७, २; भाश्री; -ने आपश्री २, २, २; बौश्री २०,३: २७; १६: ५८; २१, १५: १०; २२, ४: १. निवपना (न-आ) दि- -दि आपश्री १०,२४,१;१६,१७,१; वैश्री १८, १४: १७.

निवपना (न-श्र) न्त- -न्तम् श्राप्तिष्ट ३, ७,३:२८; बौपि २, ३,२; हिपि १२:८.

नि-वप्स्यत् - -प्स्यन् वाश्रौ १,४, २,३;६.

नि-वापिन्- पा,पाग ३, १, १३४¹. नि-वाप्य शंध १३२.

न्यु(नि-उ) स,सा- -सः श्रप्राय ३, १‡; -सम् श्रापश्रौ २, १, ८; माश्रौ ६, १, १, २८; वैश्रौ ४, ११: १५; -†सा^६ श्रापश्रौ ५, ९, ११; माश्रौ १, ५, २, १२; हिश्रौ ३, ३, ३२; -साः श्रापश्रौ १२, १८, ४; -सान् वैश्रौ १८, १०: ५; -सायाम् द्राश्रौ १४, ३, १२; लाश्रौ ५, ७, ११; -सेषु वैश्रौ १३, २: ४; -सौ वैश्रौ १८,

न्यु(नि-उ)प्य शांश्रौ ८, ८, ११; काश्रौ; श्रापश्रौ ७,७,१¹; न्युप्य ऽन्युप्य काश्रौ १८,६,७.

नि-चर्त-, °तेक- प्रसृ. नि√वृत् द्र. नि√चस् (निवासे), निवसित अप ४, ६,१; ६९, ६, ५; न्यवसत् वृदे ७,१४७; निवसेत अप ७१,१५, ४; निवसेत् वैय ३, १६:४; विघ ७१,६४; वैघ २,५,८; ३,

a) विप. । बस. । b) व्यप. । व्यु. ? । c) वैप १ द्र. । d) = मृतवत्सा-गो- । गस. उप. कर्मणि ण्यत् प्र. । e) पा ८,४,९७ परामृष्टः द्र. । f) निपवित इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. पूर्व स्थलम्) । g) निवपेत् इति a. । a0 विधे यृतिः । a1 = नित्रान-मन्त्र- । a2 तु. पाका. पासि. । नि-वायिन् = इति भागडा. । a3 पासे. वैप १, १८५४ ० द्र. । a4 पासे. पू ९४२३ a5 द्र. ।

निवासयेत् शंध ३३४.

नि-वसत् - स्तः या ९,१०; -सिद्धः शंध २६२; -सन् वाध ८, ७; विध ५१,६६;६७,३४; -सन्तम् या ५,९; १०,१२.

निवसन्ती- -न्त्या या १०,२१.

९ति-वास^a पाग ४, ४, १०३; ८, ४, ३९; -सः शंघ २६२; पा ४,२,६९;३,८९; -सात् बृदे १,२५; २९; या १०,४४;११, ४५; -से श्रप ४८,२८; पा ६, १,२०१.

नैवासिक- प(४,४,१०३. निवास-कर्मन् b — -र्मणः या २, ६; १०,१४; १६. निवास-चिति-शरीरो(र-उ)पस-माधान— -नेषु पा ३.३,४१.

निवास-नामन् -म या ३, ३. निवास-लक्षण- -णः पावा ४,

२,१३८. निवास-विवक्षा- -क्षायाम् पावा ४,२,५२.

निवास-विषय-स्व- -स्वात् पावा ४,२,५२.

नि-वासिन्- पा, पाग ३,१,१३४. नि√वस् (श्राच्छादने), निवस्ते काश्रौ १५,५,१२.

नि√वह्^c, नि^{...}वहः^d शांश्रौ १२, १६,१‡.

नी(<नि)-वाह $^{\circ}$ - -हस्य वाधौ ३, ३,२,9 $^{\circ}$ 1.

नि √वा°

निवाकु^{g,h}- (> नैवाकवि-पा.) पाग ४,१,९६. १नि-चात- -तम् काश्री २५, १०, २४; - १ते स्रापश्री ९, १०, ६; माश्री १,६, ४, २१; वाश्री १, ५, ५, ७; वैश्री.

२िनवात-(>निवातक-, नैवातायन-पा.) पाग ४,२,८०.

पा.) पाग ४,२,८०. '
नि-चान्या- प्रसृ. नि√वन् द्र.
नि-चापिन्-, 'प्य- नि√वप् द्र.
निचायिन्- निवापिन्- टि. द्र.
नि-चार्यां√कृ, 'यितुम् नि√वृ
(प्रतिघाते) द्र.

निवावरी^ड- -री[।] ऋग्र २, ९, ८६; -री¹: साग्र १, ५६०;२,३८२; ३८३.

√ि**नवास्** (= नि√वास् Lवैप१ द्र.]) पाधा. चुरा. उम. श्राच्छादने.

रिनवास- (>॰स-क- पा.) पाग ४,२,८०.

निविञ्च्यायन- -नाः बौश्रौप्र १७:

नि√विद् (ज्ञाने), निवेदयते बौधौ २, ९: १४; बौगु; निवेदयति आप्तिगृ २, ५, ११: १४×; बौगु; निवेदयति आप्तिगृ २, ५, ११: १०: १२; १३; विवेदयामि अप ४०, २, ९; निवेदयेत् आगृ ४, ७, २७: कौगृ ३, १४, ८; शांगु; निवेदयेयुः वैधौ २, १०: १९.

नि-विद्¹- -वित् शांश्री ८, ७, १; ११,२,५; काश्री १९,७,४; अप ४८,१०२‡; निघ १,११‡; या ७,२३; २४; -वित्सु आश्री ४, १, १३; बृदे ८, १००; -विदः आश्री ५,९,१६; ६,६,१७××; शांश्री; -विदः ८-विदः शांश्री ८,७, ७; -विदम् आश्री ५, ९, १२;१४,२०××; शांश्री; -विदा शांश्री १८,९,७; -विदाम् आश्री ५,९,१९; खेदे ८,१०४; -विदि खेदे ३,५०; ७८; -विदे आश्री ६,३,१८; शांश्री ७,२१, ८; ९, ६, १७; १८, २१, ३; -विदी शांश्री १६,८,५.

निविच्-छं(<शं)सम् शांश्री १०,६, १३; १२, १७, ३; २१, ६^२.

निविद्-धान - नम् ब्राश्री ७, ७,६; शांश्री १४, ५३, ७; ५४, ४; -नयोः ब्राश्री ९४, २१, २१, -नस्य शांश्री १४, ३,३; १२, -नानम् शांश्री ११,३,३; १२, ९,३; धुमू १,८: २२; -नानि शांश्री १४,४५,२; १५,१०,६; -ने ब्राश्री ८, ७, २१; १०, ५, २२; शांश्री.

निविद्धानीय,या - यम् शांश्रो १२, ८, ९; -या शांश्रो १८,९,४; -यान् शांश्रो १२,८, ६; -यानाम् ब्राश्रो ५,१०,१६. निविद्-वर्ष - -रः शांश्रो ७,

ति-वेदन- -नस् श्रापध २,१७,११ हिध २,५,४०; -नानि बाँउ ३, ३,२३; -ने श्रप ४०,२,९.

ति-वेदयिस्वा शांग्र २,६,७; पाग्र २, ५,८; बौग्र ४,१२,२; अप ११, १,१२.

नि-वेदित- -तम् अप २०, ५, ६;

a) उप. भाशादार्थे घल प्र. । b) तिप. । बस. । c) पा ८, ४,१७ परामृष्टः द्र. । d) पा भे. aप १,९८९ d द्र. । e) नाप. । f) सप्र. आपश्री १८, १३,९ परिनदीनाम् इति पाभे. । g) व्यप. । eपु. eपु.

नाध ११,२५; बौध २,८, १४. नि-वेद्य श्राप्तिगृ १, ७, १: १३; ३, ११,२: २; वागृ.

नि-वेद्य $^{\circ}$ \rightarrow नैवेद्य - - द्यम् आप्तिग् २,४,१०: ३९; शंध १९१; विध ६५,१३; -द्यै: कप्र १, १, १४. नैवेद्या(द्य-प्र)र्थ - - धे विध ६६,१२.

नि√विध् (<व्यथ्), निविध्यति कौस् ४४, १३; निविध्य कौस् २५,२४‡; ‡न्याविध्यत् या६, १९∳; ऋषा २,७६; उस् २,१.

नि√िंच्झ्^b, निविश्तन्ते वौधौ १९, १०:२०‡; निविशताम् वौधौ २, ५:२६‡°; निविशतात् श्राप्तिगृर,४,५:१८‡°; निवि-शध्वम् श्रागृ २, १०, ६; न्यविशन्त या ५,२५‡; निवि-शेत वाध २०,७-९; निविशेत् वाध २०,१०.

> निवेशय श्रापमं २, १७, १२†; निवेशयेत् कप्र ३,२,३; खदे २, १००; माशि २,६, नाशि १,६, ९; २,२,१२.

नि-विश्य लाश्री १०,१५,१३; हिए.
नि-विष्ट,ष्टा - †ष्टः आश्री ३,८,१;
शांश्री; - †ष्टम् वौश्री २,१:
११; आग्निए १,५,२:१३;
जैस् २,१:१९; - ष्टाः आपमं
१,२,४ †; सु २६,१; - ष्टे
वैस् ५,१:१४; विध ९९,२०;
- †स्रोध आपश्री ११,५,३;
वैश्री १४,४:१४.

निविष्ट-च(a>)का $^e-$ -का श्रागृ १,१४,७.

ति-विष्टि— - एये पाग १,४,१६.
१ति-वेशा— पाग ८, ४, ३९;
—शः मीस् ४,४,३४; १०, ८,
६४; —शम् कौस् १३५,९‡;
—शात् मीस् ३,३,७; १०,५,
१७; —शे श्रापघ १,१३,१९;
२२; हिघ १,४,३२; ३५.

१नि-वेशन⁸ - - †नः काश्रौ १७, २, भ; आपश्रौ १६,१६, भ; बौश्रौ. †निवेशनी⁸ - - नी आपश्रौ १६, १७, १७; बौश्रौ २, २१:७; बाश्रौ १,४,४,४१; हिश्रौ ११,६, २१; आपमं २,१५,२; १८,८; भाग्र २,२:१७;४:१४; हिग्र २,१७,९; या ९, ३२.

रिन-वेशन⁸ - -नम् श्राश्रौ २,१२, २†^h; श्राग्र २, २, २†^h; ३,३; ४,६,७; पाग्र; -नस्य वाघ १५, ६; -ने शांश्रौ ८,२१,१†. निवेशन-द्वार - रे पाग्र ३,१०, २४; श्राप्तिग्र ३,४,४:२२. नि-वेशन् - पा, पाग ३,१,१३४¹. नि-वेडय वैग्र २, ६:११; ९:७;

५,१३ : १७; वैध. नि-ची(वि√ई)क्>निवी (वि-ई) क्ष्य वैध ३,६,१०.

नि-वीत-,°तिन्-प्रमृ. नि√व्ये द्र. नि√वृ(प्रतिघाते),निवारय श्रापमं २, ९, ५; निवारयेत् श्रप ६५, २,

नि-वारयां ्रक, निवारयांचकार या

₹,9 €.

नि-चारियतुम् विध २०,४६.
नि√वृ(*भोजने)>नी(<िन)-चार्षपा ३, ३,४८; -राः बौश्रौ २४,
५ : १७; ग्रुप्रा ३, १०५;५,३७;
–रैं: विध ८०.१.

नैवार⁶— रः शांश्री १५, २,१२; काश्री १५, ४, ९; वाश्री ३, ३, ४,३; —रम् काश्री १४, ४, ११; श्रापश्री; —रस्य वाश्री ३, १,२, ३१; —रे श्रापश्री १८, ४, १; —रेण काश्री १४,५,१९; श्रापश्री १८,६,१०; वाश्री ३,१,२,३०; नैश्री १७, १६: ७;हिश्री १३,

नैवार-गोप¹— -पः त्र्यापश्री १८,७, ९; हिश्री **१३**,२,३८. नैवार-चरु— -रु: काश्री १४, २,२६.

निवेशन-द्वार— -रे पागृ ३, १०, ति √वृज्, निवृणक्षि,निः खणिक्ष या २४; आप्तिगृ ३,४,४:२२. ५,१६‡; †न्यावृणक् ऋषा २, वेशन्— पा, पाग ३,१,१३४¹. ०६; उस् २, ३; ८, १६; १७; वेडय वैगृ २, ६: ११; ९:७; †निः आवृणक् ऋषा २,७५.

नि √ वृत् , निवर्तते आपश्रौ १, १४, ४×; हिश्रौ; आपध १,२,९¹; निवर्तन्ते भाश्रौ ६,१५,६; द्राश्रौ ३,४,३३; लाश्रौ १, १२, १९; निस् ; निवर्तताम् वृदे ५, ६१; †निवर्तताम् वृदे ५, ६१; †निवर्तताम् वृदे ५, ६१; †निवर्तताम् ३,६,५,३०°; १२; ४,४,२१; ३०; वाश्रौ १,५,

a)= निवेदनीय-द्रव्य-। b) पा १,३,१७ परामृष्टः द्र.। c) पाभे. वैप १ पिर. न्युंच्यतु टि. द्र.। d) पाभे. वैप १,३८३५ b द्र.। e) विप.। वस.। f) = दार-कर्मन्-। g) वैप १ द्र.। h) पाभे. वैप १,३८३५ b द्र.। e) तु. पागम.। f) ध्रुव-गोप- इत्यनेन स-न्यायता द्र.। f) कस. f समाहारे द्रस.। f0 पाभे. पु १४२५ f0 द्र.। f1 पाभे. पु १४२५ f1 द्र.। f2 पाठः १ यनि. शोधः। f3 पाभे. वैप १, १८३१ f3 द्र.।

१, १२३३; द्राश्री २, १, ११३३; लाश्री ३, ५, ११३३; वैताश्री २८, २१; कौस् ७२, १४; निवर्त सु ८, ३; ४; निवर्त सु १४; निवर्त सु १४, १६, १०; ७, ६, ८; कौए ५,८, ९; ऋग्र २,१०,१९; वृदे ७, २०; त्यवर्तत वृदे ५, ६०३; निवर्तेत माश्री २,२,५,१; ५,२,१२, ४६; १५,३३; हिश्री; निवर्तेर न् शांश्री १३, २४, ५७; द्राश्री ६, १, १९; २,२२; लाश्री २,९, १६; १०,२१; पाग्र ३,१०,३२; वैग्र ५,६:३.

निवृतत बौध्रौ ११, ७:३९. निवर्तयते आपश्री ८, ४, २; बौधी: नि वर्तयते श्रापधी ८, ४.9: बौश्री: निवर्तयति शांश्री ९, १, ३; श्रापश्री; निवर्तयन्ति बौश्रौ १५,२२: ११; †निवर्तये श्चापश्री ८. ४, २; बौश्री; †निवर्तयामि काश्रौ ५, २, १७; श्रापश्री ८, २१, १; बौश्री; निवर्तय माश्री १, ७, २, २३ +; नि वर्तय बौश्री १४, १४: १८ +: निवर्तयन् माश्रौ १, ७, ८,८‡b; ‡न्यवर्तयन् b आपश्रो ८,२१, १: बौधौ ५, १८: २१; हिश्री ५,६,४; निवर्तयीत श्राश्री २, १६, २३; निवर्तयेत बौध्रौ २८,८: १३ ई; निवर्तयेत् वैश्री १७, १८:१०; वैगृ ३, २२: ८; श्रप २६, २, ८; श्रापध १, ४, २७; हिथं १, १, १४६;

निवर्तयेरन् श्रामिग्र ३, ६, २: २; बौपि १,९: १२. †न्यवीवृतत् व्यापमं २,२२,९; भागृ २,२७: २.

†नि-वर्त^व— -र्तः श्रापमं २,२२,९^e; हिरु १,१४,४^e.

नि-वर्तक— -कः पावा १, ३,११. निवर्तक-ख— -खात् पावा १, १,१; ४८××.

निवर्तन-मन्त्र- नन्त्रः वैश्रौ ८, १४:९; ९,१२:१५.

†नि-वर्तमान- -नाः कौसू ९४,१४; ९५,३.

नि-वर्तियिष्यमाण- -णः काश्रौतं ३०,४:

नि-वर्स्य वैश्रौ १४,९७ ः ३. नि-वर्स्यमान∸ -नम् बौश्रौ १४,९४ ः

नि-वृत्त, ता - नः शांधी १२,२२, २ = इं. आपशी २४,४,१; हिश्री ३, १, २२; भाग २, २०: २ = १,३,२०:१; बीध ४,७,१; आशि ८, ७; - त्तम् आशी १, १२,३४; लाशी १०,१०,११; आपध १,८,३०; हिध १,२, ६, २५; -ते कौय १, ११, १; शांय १,१८, २; बौषि ३, १०, १०^६; कौसू ३५, ७; गौध २८, २.

निवृत्त-त्व- -त्वात् पावा ६,१, ६८; ७,२,५९.

निवृत्त-धर्म-कर्मन् 1— -र्मणः वाध २१, १६.

निवृत्त-शराव-संपात!— -ते वौध २,६,२४.

निवृत्ता(त-श्रा)शिस्^k - शीः गौध ३,१६.

नि-वृत्ति - - त्तये भाशि १; - तिः श्राश्रौ १२, ८,२; काश्रौ २२,२, १५; लाश्रौ १०,४,२; १०,१२; कप्र; - त्तिम् लाश्रौ १०,३,२१; मीस् ९,२,३४; - तेः श्रापध १, ८,२९; हिध १,२, ११७; मीस् १०,३,३३; - त्तौ कौशि १७; पावा ६,१,२.

निवृत्ति-स्थान— -नेषु या २, १. निवृत्त्य(त्ति-श्र)र्थ— -थेम् पावा १.३,६७; ७,१,९६; २,४४ 3 . निवृत्त्या(त्ति-श्रा)चार—भेद — -दात् वैध १,१०,१.

नि-बृत्य वाश्रौ २, १, ३, ३६; ४, २७; कौस् ४७,४४.

नी(<िन)-बृत्1- पात्राग ३, ३, १०८.

a) पामे. वैप १,१८३१ m इ. । b) पामे. वैप २,३खं. न्युवर्तयन् तैव्रा १,५,५,६ टि. इ. । c) सपा. न्यवीवृतत् <>?न्यवीवृधः इति पामे. । d) वैप १ इ. । e) सपा. निवर्तः <> निवृत्तः इति पामे. । f) वैप १ निवृत्ते इति छ. । g) पामे. वैप १,१८३१ \vee इ. । h) निवृत्ते इति छ. । i) विप. । बस. > इस. । j) विप. । वस. > पस. । k) विप. । वस. । l) तु. पागम. ।

नि√वृध्, ?न्यवीवृधः हिए १, १४, ४⁸.

नि√वृश्च्, नि ∵ वृश्चन्ति वाधूश्री ३, ६९, २१; †निवृश्चत आपश्री ४,११,५; माश्री ४, १७,२; हिश्री ६,३,८; माशि ८२.

नि-चेदन- प्रमृ. नि√िबद् (ज्ञाने) द्र. १नि-चेदा- नि√िबस् द्र. २निचेदा-(>नैचेश- पा.) पाग ४,

2,04.

१-२िन-चेशन प्रम. निं√िवश द. नि√चेष्ट् , निवेष्टयित वाश्री १, १, ४, २४; हिश्री ६, ४, २०; †निवेष्टयामि आपश्री ४,१५,३; माश्री ४,२१,३; माश्री १,४, ३,१२; वाश्री १,१,४,२४; हिश्री ६,४,२०; निवेष्टयेत् माश्री ४, २१,३.

ति-वेष्टन - नम् कौस् ३६,५. ति-वेष्टय वाश्री १,२,२,२.

श्रिन-चेष्ट्य b - > श्रिनेवं(प्टय >) e प्रया c - e प्रया चौश्रौ १२,८ : e १२; २६,२ : २.

निवेष्प 0 - पाडभो २,२,२०९. १नि-वेष्य 0 - > रिनवे(0 2) 0 - व्याः काश्रौ १५,४,३२.

नि√व्ये, निव्ययते भाक्षी ८,२०,१३. नि-बीत- तम् हिथी ५,४,९२; श्राफ्रिय २,७,११:११; बीध १,५,७; मीसू ३,४,१; -ताः काश्रौ २२,३,१६; आपश्रौ १९, १६, ६ * * * ; हिथ्रौ; -तानि आपश्रौ ८,१६,१८; -ते काश्रौ १५,५,१३.

१५,५,१३.

निवीत-वत् मीस् ११,१,१६.

निवीतन् -- तिनः श्राप्तिग्र १,
२,२:१४; ३,७,४:३५; वौग्र
३,९,५; वौषि २,४,२१; हिग्र
२,१९,३; -ती कौग्र २,५,१;
श्राप्तिग्र २,६,३:३५; वैग्र १,
४:२१; ५:१२; वौघ्र २,५,२७; वैध्र २,९,२.

√ितज्ञ पाथा. भ्या. पर. समाधी. निश्¹— पा ६, १, ६३; निशम् श्रा ६८, ३, ६; निश्चि माश्री ५, १, १, १५; हिश्री २२, २, १०; आपमं. निश्चि-यज्ञ – -ज्ञे मीस् १२,२,१४.

नि-शब्द n — ब्दः शुप्रा ३,१८. नि √शम् n , निशामये कागृ ४१, १८ † .

निशीशमत निस् ८,४ : ३३. निशान्त- पाग ४, २,९०¹; ---तम् स्राक्षी १०,७,३,४,६. निशान्तीय- पा ४,२,९०.

†ित-शामित'- -तम् काग् ४१, १८

तिशा'- -शा विध २०, १८; -शाम्
कौगृ ३,९,१४; शांगृ ४,०,१६;
श्रव ४, ३, ४; -शायाः अप्राय
४,४; आवध १,३२,११; हिध
१,८,५३^६; -शायाम् काशौ

४,७,२२; आपश्री.

नैश-पा ४,३,१४; –शः अप ३३,७,६, –शम् अप ४,४, १२.

नैशिक- पा ४, ३, १४; -कम् वैध २,१०,४.

निशा-कर- पा ३, २, २१; -रस् श्राप् ५१३,२; -रे विध ९९,९. निशा-कर्मन् - र्मसु कौसू ८,१.

निशा-काल- - ले कौगृ १, ७, १; शांगृ १, ११,२; कागृ २१, १; श्रुप ३३,४,३.

निशा-चर¹ - -रान् बृदे ६,३२. निशा(शा-श्रा)सन^m - -नः बौध ४, ५,५.

निशा-संध्यो(न्था-उ)दक- केषु गौध १६,१२.

नि√शास्, निः अशिषन् बौक्षौ ८,१४:३९‡.

नि-शा(स्त>)स्ता- -स्ताः बृदे ८,१०१.

नि-शिता⁽- -तायाम् वौश्रौ १३, ३: ८[‡].

निशि-यज्ञ- निश्- द्र. नि√शी >नि-शायिन्- पा, पाग ३,१,१३४.

निशीथ"- पाउ १,९°; -थे बृदे ३,१°.

निशीथ-चारि(न् >)णी- -णी ब्रापमं २, १४, २ $^{\dagger p}$; वेग् ३, १५: ६.

a) पासे. पृ १४३० c द. । b) = जलावर्त- (तु. उ.। t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t | t

‡नि-श्रध्म°- -प्मः बौश्रौ ३, १८ : १: भाश्री ४,१२,७. ‡नि-श्रास्म - -स्भाः श्रप ४८,११५; निघ ४,३; या ६,४. नि√शो^७, निश्यति या ४, १८. निश्च°- > निश्च-त्वच-, निश्च-प्रच-पाग २, १,७२d. नि(स्>)श्√चर्, निः ... चर्चरीति शांश्रौ १२,१५,१‡°. निश्-चरत्- -रन्तम् माश्रौ १, ८, 3,3#1. नि(स्>)श्-चल,ला- -लाम् अप ३६,६,२; -ले विध १,१३. नि(स्>)श्√चि⁶>निश्-चय- पा ३,३,५८; -यः जैश्रीका २९; ८८; कप्र १, ६, ११; २, ७,८; वाध ६, १; बौध २, २, ६८; पावा १, ४, ५१; -यम् अप २,१,७; ७० र,२३,७; विध १, २१; नाशि १, १, १; -ये अप ७०,१२,१; -येन या ७,२०; १४,३३. निश्चय-लिङ्गे- -ङ्गः या १४, ३. निश-चित- -तः अप ७१,१४,५; श्रत्र ८, १: श्रश्रम् ८: -तम् त्रा ५०,११,१; विध ९३,१४; ऋग्र ३,३९; -ताः श्रपं ५ : ४;

-ती अपं ५ : १९. निश-चित्य श्रप ३१,३,३. नि(म्>)श्√चूप् > निश्-चूप्य माधी ५,१,९,९. निश्च - (>नैश्च - पा.) पाग ५, नि(स्>):- टाट्द - - ट्दाः श्रप ६८,

नि√श्रथ, नि"शिश्नथत् या ११, 80t. नि√श्यै> नि-श्यान- -नः शांश्रौ 24, 29, 9. नि√श्रथ् > नि-श्रध्य >°ध्य-हारिन्1- -रिण: या ६,४. नि√श्रा, निश्रपयन्ति त्राप्तिगृ २, ५, 6:6. नि /श्रि>नि-श्रय(ग् >)णी --णीम् काधौ १४,५,५. नि-श्रयमाण- -णः बौध्रौ ७, ११: 4;93:98;94:4;4;89. नि √श्रु > नि-श्राविन्- पा, पाग 3,9,938. ति-श्रेणिk- -ण्या श्रापश्री १८, ५, 9321. नि 🗸 श्रिप, निइलेपयतः भाश्री ८, E. v. नि-इलेप्य श्रापधी ८,६,१२. नि√श्वस्, निश्वसन्ति अप ७०३, ३०,9; याशि २,६६. नि-श्वसत् - -सति श्रव ७२,१,५. नि-श्वास- -सः याशि १, ७४. निश्वास ज-- -जाः श्रप ५२, 92,3. नि(म्>)ः√शद्, †निःशीयताम् कौस् ८५,२०; ८६,९. नि:-शीयमान- -नम् कौस् ८५,

9,24. नि(स्>):-शेप->°प-कृत्- -कृत विध ६८,४४. नि(स्>)ः√श्नथ्, निरशिइनथत् या ११,४७. नि(स्>):-श्रेणि"- पाउभो २,१ २०८; -ण्या हिश्री १३,२,४1 नि(न्>):-श्रेयस- ११ ५, ४, ७७: -सम् हिश्रो ३, १, १; त्रापध १, १, ८; हिंध १, १, ८; गौध 22.36. नि:श्रेयस-बुद्धि"- -दि: हिश्री ३. 9,4. नि(ग्>)ः√श्वस् > निः-श्वस्य वेगृ 2,3:98. √निप्° पाधा. भ्वा. पर. सेचने. नि \sqrt{q} (<स)ञ्ज् $^p>$ नि-पङ्ग $^a->$ °ङ्ग-थि- पाउ ४,८७. †निपङ्गिन्- - ङ्गिणः शांश्रौ १६, १, १६; पागृ २, १७, १३; - † • क्रिण: व भाग २, १० : ४; हिंग २, ९, २; ५; -क्रिणाम् वाध्यो ३, ७९:७; -ङ्गि त्रापमं २, १८, ४५¹; ४६; भाग २,१०: ५; हिंग २,९,६; श्रुप्रा ५, ३७; -० द्विन् आपमं २, १८,४५⁰; - †क्रिभ्यः भागृ २, १० : ४; हिगृ २,९,२;५. नि-पज्यत् - ज्यतः श्रप १,३२,८. २०; -ने कौस् ८३, ४; -नेन नि-पण्ण-, °पत्त- प्रमृ. नि√पद् द्र. नि√प(<स)द्^s, निषद्>दा ऋपा と 年.

a) वैप १ द्र. |b| पा ७,४,४१ परामृष्टः द्र. |c| अर्थः व्यु. च |c| |d| तु. पाग्म. |e| वेप १, १८३३ g इ. । f) पामे. वैप १, ६३० b इ. । g) धा. ज्ञाने बृत्तिः । h) विप. । बस. । i) प्प. = ब्रशिथिला-गति- इति दु. । j) = सोपानपङ्क्ति- । उप. करणे प्र. । k) = निश्रयणी- । वस. (तु. श्रमा.) । l) निश्र° इति पाठः ? यनि. शोधः (तु. सत्र. हिधी १३, २,४ निःश्रेण्या इति पामे.) । m)= निश्रेणि- । n) मलो. कस.। o) तु. BPG। p) पा ८,३,६५ परामृष्टः द्र. । q) सपा. निषक्तिणः < > निपितिन् इति पामे. । r) सपा. क्रिणे <> क्रिभ्यः इति पामे. । s) पा ८,३,६६;११८ परामृष्टः इ. ।

कौस ८६.९.

निषिस ऋप्रा ५,१२ : मनि सिस काश्री २५, ११, ३४; श्रप्राय २, ७; श्रप ४६, ३, ५. निषीद्ति शांश्री १२,१५,३‡°; ‡बौश्रौ १४, २३:३; ४^२;७^२: ९; वाध्यौ; निपीद्नित श्रप ७०^२, ७,२५; ७०^३,८,४; नाशि १.५.१९: +निपीदसि आश्रौ १,१२, ३४; ३,११, १; शांश्रौ ३,२०, २; त्रापश्रौ; †निषी-दतु^b शांश्रो ८, ११, १५; ब्रापध्रौ ९, १७, १; हिथ्रौ; †निषीदन्तु^c पागृ १, ८, १०; त्रामिष्ट १, ५, ४: ५०; ६, ३: ४२; भागः; †निषीद श्रापश्रौ २४.१२.१०; हिश्रौ ११,७,४०; नि ... सीद शांश्री ३,१४,१२ ‡; †निषीदत श्राश्री ६, ४, १०^d; शांश्री ९. १६,१ वं, वेताश्री ३९, ७d: अप्राय: न्यसीदत् आश्री ३, १३,१२ +; निषीदेत वैष्ट ३,५: ६; निषीदेत् †स्रापध्रौ ९,५,२; १७, ७; बौश्रौ. †निषसाद्>दा काश्रौ १५, ७,

†निवसाद>दा काश्री रेप, ७, ४;१९,४,९; श्रावश्री; या ११, २८; निवेदुः या १३,१० \ddagger ; नि (सेंदुः)शांश्री १८,९,४ \ddagger ; \ddagger नि स्सस्त आवश्री २८, १३, ३; ऋप्रा ५,१२;नि असद्त् हिंश्री २१,१: २; \ddagger नि(श्रसद्त्)श्राश्री

२,१७,१०; ४,१३,७; ब्रापश्री; नि सदताम् या ८,११ कं; ‡न्यपदः ध्यापश्रो ९,५,२;१७, ७; बौश्रौ २८,६ : ७; हिश्रौ १५, ८,२; मन्यसदः शांश्री १३, २, ५: निषदः ऋपा २, ४६ %; नि...सदतन>ना शुप्रा ३, १२९ : न्यपदाम तेप्रा ६,३ . नि-पण्णा,ण्णा- -ण्णः बृदे ५, २०; माशि ४, ४; -ण्णम् या ३, ८; -ण्णा विध १, ६४; - +ण्णाय श्रुपा ३,८६; ६,२६; तेपा १३, १४: -ण्णे श्रापश्रो ९, १७, ८; माश्री ३, ५, १२; हिथी १५, ٤, ٦. निपण्ण-व(त् >)तीं- -त्यः निस् २,११: १५;६,११: ८. नियण्ण इया(म>)मा- पाग ₹,9,028. ‡नि-घत्त¹- पा ८, २,६१; -त्तम् नि√पा,साह् उनिस् ४, ३२; -त्ताः अप्रा २, ३,१६; ३,२,२९; -तेया६, 941. नि-पत्स्न्। -त्स्नुम् मागृ २, १८, 7十. नि-पत्स्यत् - त्स्यन् हिथ्रौ ८, ५,

†नि-षद्य,>द्या शांश्री १,१५,१७; काश्री २,२,२१; आपश्री. निषद्य-इया(म>)मा- निष्ण-इयामा- टि. इ. नि-प(च>)द्या- पा ३,३,९९. नि-पद्वर¹- पाउ २,१२२. नि-पादित- (> °तिन्- पा.) पाय 4.2.66. नि-पाद्य त्रापश्री १४, १३, ७४; २०,८1; हिथ्रौ. †ति पीदत्- -दन् या२,११;७,३१. ?निपा,पाm]दः" वाश्री १, ३, ३, १, १; हिथ्री १,७,४०. ?निपद्धरःº शांश्री १५,१९.१. श्तिपध्--धम शंध ११६: ९. रिनपध्य- पाउमो २,२,१७५. नैर्पध - -धाः श्रप १, ८,२. नि-पं(<सं)धि^{s>t}- पाग ८,३,९८. नि-पय- नि√षि (बन्धने) द्र. निपाद"'- पाग ४,१, १००; १०४; ३,११८; -दः बौध १,९,२;२, २.२९: वैध ३, १३, २; या ३, ८२ कं; माशि; मीसू ६, ٩, ५९; -दम् बौध २,२,३२; माशि २, ४; याशि १, ९; नाशि; -दस्य नाशि १,४,७; -दाः काय ६५, ८: -दात् बौध १, ८, ११; ९, १३; नाशि १, २, १३; -दान् मु १८, १; २; -दानाम् काश्री

a) पाठः ? तु. वैप १ परि. शौ २०, १२७, १२ । b) पाठः ? तु. वैप १ परि. खि ५, ११,२ । c) पाभे. वैप १ प्रजायध्वम् काठ ३५,३ टि. इ. । d) वैप १,१०२६ f है. । e) परस्परं पाभे. । f) = ऋच्-। g) ° शहया॰ इति भोजः (तु. पागम.) । h) वैप १ निर्दिष्टयोः समावेशः है. । i) पाभे. वैप १,१८३५ h है. । g) वैप १ है. । g) वैप १ है. । g) पाठः । g0 पाठः । g1 पाठः । g2 पाठः । g3 पाठः । g4 पाठः । g5 पाठः । g7 पाठः । g7 पाठः । g8 पाठः । g9 पा

नि-पद्!- -पत् बृदे २, ८२^k;

-पदा आधी १,४,८.

नि-पदन- -नः या ३, ८०.

२२.१.३०: -दे काश्री २२, १, २६: श्रापश्री १७, २६, १८; हिश्री १७, १, १३; -देन बौध १.८.१३: -देषु लाश्री ८,२,८. निषादी8- -द्याम् बौध १,८, 93: 8,98. नेषाद- पा ४. १, १०४; पावा ५, ४, ३६; -दे बौश्रो २, ५: 944. नैषादायन- पा ४,१,१००. नैषादक- पा ४,३,११८. नैषादकि- पावा ४,१,९७. निषाद-गान्धार- -री शैशि १७४; पाशि १२: याशि १, ७; नाशि 8.6.6. निषाद-प्राम- -मस्य लाश्री ८,२,८. निपाद-पञ्चमb- -मान् वृदे ७, ६९. निषाद-स्थकार- -स्योः हिश्रौ ३, १,१५: -राः हिश्रौ २,१,५४. निषाद-राष्ट्- -ष्ट्म् सु १६,२. निषाद-वत्- -वान् माशि १,१०. निषाद-सहित- -तः नाशि १,४,६. निपाद-स्थपति^c- -तिः काश्रौ १, १,१२; -तिम् आपश्रौ ९, १४, १२; भाश्रौ ९, १६, १६; हिश्रौ १५,४, २०; -तेः माश्रौ ५, १, ९,२९; वाश्रौ १,१,१,५. नि-घादित-, °तिन्- नि√पद् द्र. ?निपामयत्योः अप ४८,२ . नि√पि(<िस[बन्धने])>नि-षय-, नि-पित- पा ८,३,७०. नि√पि (<िस)च् , बच् ,निपि-ब्रित शांथी ४,४, २; काथी ४, १, १९××; कौगु; निषिञ्चतः

काश्रौ ६, ६, ६; निषिञ्चन्ति कौगृ ५, ४, ३; आम्रिगृ २, ५. १०: ११: निषिञ्चन्तु हिंगृ १. १८, २ ; निषिञ्च ऋप्रा ५, १३^{‡d}; निषिच्चेत् वौश्रौ २०, १६:३०:३१; कौगृ १, १२, १; ८; शांग्र १, १९,१; ५. निषेचयति हिश्रौ १०, १, ४९; निषेचयेत् † यशां २०,४;२४,४. नि-षिक्त- -क्तानाम् अप ६८, १,६. †निषक्त-पा°- -पाम् त्रापश्रो १३, १८, १; माश्रो २, ५, ४, 92. नि-विच्य काश्रौ ४, ४, ८; ५, ४, ३३××; श्रापश्रौ १२, ६, 9; वेश्री. नि-विच्यमान- -नेषु श्रप ६८,१,७. नि-पिञ्चत्- - ज्जन् अप्राय १,३; अश्र 8.94+. नि-पेक - - कम् वैयु ६, २: १; -कात् वैगृ १,१: ११. निषेक-कर्मन् - में विध २७.१. निवेक-पुंसवन-सीमन्तोन्नयन-जा-तकर्म-नामकरण-अन्नप्राशन-चौ-ल- -लानि वैगृ ६५: ४. निषेका(क-आ)दि- -दीनाम् वैष्ट ६,६: १. निषेकादि-श्मशानान्त-'-न्ताः श्रामिगृ ३,१०,४:२२. निषेकादि-संस्कार- -राणाम वैगृ ६, १: १; -रान् वैगृ १, निषेका(क-श्रा) च- - चः विध २,३; -द्याः वैध १, १,३.

नि-पेचन-> °न-वत्-हिश्रौ २४.२.११. नि√पि(<िस)ध्, निषेध ऋपा ५ 944. निविषेध बृदे ३,१९. निषिध्यते कौशि ७६. १नि-षेध- पाग ८, ३, ९८ : -धः पावा १,३,२° g. नि√िषा,सि]वृष नि-पीदत्- नि√षद् इ. रिनिषेध!- -धः निस ६, १०:३४: -धे लाश्री ७,८,१०. निषेधा(ध-आ)न्धीगव- -वे निस U. C : 30. नि / षे(< से) व्, निषेवेत विध ७१. नि-षेवण- -णम् अप ७०र, १४, नि-पेवमाण- -णाः श्रापश्रौ २१, 92,8. नि-षेवयत्- -यन् माश्रौ २, १, १, नि-पेवित- -तम् त्रिध ७१,९०. नि $\sqrt{q}^k(< सो)$ √निष्क पाधा. चुरा. आत्म. परिमाणे. निष्क°- पाउ ३,४५; पाग २,४,३१; ५,१,२०: - ज्कः काश्रौ २२,४, १८: श्रापश्री: -प्कम् शांश्री १६, १, ६; काश्री; - + त्काः श्रापश्रौ १, १४,१२; ३,१३,५; भाश्री; -प्काणाम् वृदे ३,१४८; -प्कान् शांथ्रो १२, १४, १ ; १५, ३, १४; आपश्री; - प्केणः

a)= निपाद-स्त्री-। b) बिप.। बस.। c) वैप १ द्र.। d) पामे. वैप १, ३६२ h द्र.। e)= गर्माधान-संस्कार-। f) निः-षेध- इति Lपक्षे । भाराजाः, पासि.। g) तु. पासि.। h) पा ८, ३,७० परामृष्टः द्र.। i)= सामन्-। वैप २,३खं. द्र.। j) पा ८, ३,७० परामृष्टः द्र.। k) पा ८,४,९७ परामृष्टः द्र.।

त्रावश्रौ २०,१३,८; †वाश्रौ ३, |नि(स् >)प्-कल्म(प>)पा^e- -पाः ४,३,३; ९: हिश्री.

नैक्किक- पा ५,१,२०.

निष्क-क(ण्ठ >)ण्ठी³- -ण्ठी: वाश्रौ ३, १,१,२९; -ण्ठीनाम् श्राश्रौ ९,९,१४; -ण्ठयः काश्रौ 28.2.30.

निष्क-त्रय- -यम् वैश्रौ १२, ५:७. निष्क-रज्जु^b-- -ज्जुः वौश्रौ ११, ६: ११; १२, ७: २६; -ज्जूः बौश्री ११,६: २८:१२,७: ३८. निष्क-शत-, °सहस्र- > नैष्कश-तिक-,°सहस्रिक- पा५,२,११९. निष्का(ध्व-आ)दि- -दिषु पावा ५, 9.20.

निष्कन- - प्की श्रापश्री २२, १२, 9.

निष्किणी- -ण्यः काश्रौ २०,१, 93 +c.

निय-कम्प- -म्पम् कप्र १,८,३. नि(स्>)प्-कर^{e,1}- -राः वाध १९, 3.5

निप्-कर्तृ- निप्√कृ इ. निप-कर्ष- निष्√कृष्द.

नि(4)प् $\sqrt{4}$ कल्>निप्-कालन g – > ॰न-प्रवेशन- -ने गोगृ ३. €, 6.

नि(स्>)प्-क(ला>)ल- पाग ४, १.४१^h; -लम् वैग् ४,११:२. निष्कली- पा ४, १,४१.

वाध २८,६; बौध २,२,५८. नि(स्)प्√कप्,स्>निष्-काष, स'- -पः वाश्री १,७,३,३: -पम् शांश्री ३,१५,१४; काठश्री १६०: माश्री १,७,४,७; -पस्य काठश्री ३६; काश्रौसं २९:४; -षे माश्री २,५,५,२; -षेण शांश्री ३.१४.१९: काठश्री ३६: -सः भाश्रौ ८,१०,९; -सम् श्रापश्रौ ८,८,८: बौश्री; -सस्य श्रापश्री ८, ८,८; मीसू ११,२,६१; -से बौधौ ८,२१,२; -सेन आपश्रौ ८, ७, १४; बौश्रौ २१, ३:६; २५, २: १५; भाश्रौ ८, १०, ६:११: हिथ्री ५,२,६३. निष्कास-वत् श्रापश्री १३, २०,

निष्कासि(त>)ता- -ताम् वैश्रौ ९,२: ६; हिश्रौ ५,३,२२.

नि(स् >) प्-काम°- -मः श्रप २३, १४,४; वैध २,५,३; -मम् वैध १,९,९; ११;१२; -मस्य अप २३,१४,४; -मेण श्रप २३, 98,4.

नि(स्>)प्-कालक¹- पाग ६, २, १८४^k; -कः¹ वाध २०, १४; 82.

निप्-कालन- निष्√कल् द्र. नि(स्>)प-कालिक^{17m}- पाग ६, 3.968k

नि (स् >) ए-कुल°- (> नैब्कुल्य-पा.) पाग ५,१,१२४.

निष्कुला /कृ पा ५,४,६२.

नि(स्>)प्√कृष्">निष्-कृषित-. °तवत्- पा ७, २,४७,

निष्-कोषण- -णे पा ५,४,६२. नि(स् >)प्√क्, निष्कृथ ऋपा ४,

€ • ‡0. निः ... कृणोतन वाश्रौ २, १, ५, 97.

निष्करोति बौश्रौ १४, २३: २१; २५; २४: ११;२६.

†निः अस्कृत बृदे २, ११५; ऋपा ४, ८८; १०, ३; ११, ९; उस् २.३०.

†निष्-कर्तृ- -र्ता आपमं १,७, १º; कागृ २७.२ ..

नेष्कर्त्क q- -केण मीसू १०, २, 20.

निष-ऋण्वान- -नाः या १२, ७ . †निष्-कृत - -तम् बौधौ ६, ३१: ८; पाय ३, ३, ५; या १२, ७; ऋपा ४, ९३१s; -तेषु पागृ ३, ₹, 4º.

क्तिप्कृता(त-ग्रा)हाव1- -वम् श्चापश्री १६,१८,२; बौधी १०, २५: २; वाश्रौ २, १, ५, १; वैथ्री १८, १५: ९; हिथ्री ११, €. २**३**.

a) त्रिप. । यस. । स्त्री. ङीप् प्र. । b) मलो. कस. । c) पाभे. त्रैप २, ३ खं. निष्किन्यः माश १३, d) वा. किवि.। e) विप.। बस.। f) उप. = ३कर-। g) = निष्कासन-। ४,9,८ टि. इ. । h)= वनस्पति-विशेष- इति पागम. । i) वैप १ द्र. । j) त्रार्थः व्यु. च ? । k) परस्परं पामे. । l)= मुख्डित-शिरस्- । उप. (क−[शिरस्-] + अलक− [केश-] > सस.) = शिरस्थ-केश- (तु. पमा ३, ३१४ Biib च; वैतु. पाका. निष्काल-क- इति, < निष् $\sqrt{}$ कालि इति शक. च)। m) निष्का (तौ>) लि $^{\circ}$ > प्राप्त. इति न्यासकारः। n) पा ७,२,४६ परामृष्टः इ.। o) पासे. वैप १,९८३७ h इ.। p) पासे. वैप १,८४६ q इ.। तत्र च BC. च सस्थ. यनि. शोधः । q) = निष्कर्तृकर्मन्- । तस्य कर्मेत्यर्थे ठक् > कः प्र. उसं. (पा ४,३,१२४) । १८३८८ इ. । s) वैष १, १६६९ ८ इ. । t) पामे. वैष १, १८३८ द इ. । u) पामे. वैष १,८४७ ८ इ. ।

निष्-कृति – तिः कौस् ५, २१ †; वाघ २१, १५; शंघ ३७८; बौघ २, १, ६; विघ ३४, २; – तिम् वैश्रौ २, १:१; १८, १:२; मागृ २, १०, १ †; शंघ ४४०; बौघ १, १, ३ १; २, १, ६; विघ ५१, ६०; – तीः ऋपा ८, २० †; – †स्यै श्राप्थरी ३, ११, २; बौश्रौ १, २१:१३; माश्रौ ३, १०, २; वाध्रुशै ४, ९९:२; वाश्रौ १, ५, २० दे; हिश्रौ २, ६, १; कौगृ १,५, २९; श्राप्तिगृ १,५; २:१६.

नि(स् >)प्√कृत् (छेदने), निष्कृ-न्तामि पाग्र १,३,१८†; †निः ... कृन्तामि बौधौ १७, ४४ : ५७; बौग्र १,२,३६°; †निः ... कृन्तानि द्राधौ १२; १, १९; लाधौ ४,९,१३⁴.

श्निष्कृदयाथोस्नष्ती कौस् १२८,४. नि(स् >)प्√कृष्, निश्चकर्ष बृदे ६.१०५.

निष्-कर्ष- - वें मीस ११,३,५२.. निष-कृष्य माशि २, ६.

नि(स्>)प्-केवल°-> निष्केवल्य-ल्यम् आश्रौ ७, ५, १८; ७,
२××; शांश्रौ; -ल्यस्य आश्रौ
५, १५, १; ७, ६, ४; शांश्रौ;
-ल्यात् शांश्रौ ११, १०, ८;
-ल्ये आश्रौ ६, ६, १५; ७, ३,
२२××; शांश्रौ १७,५,४.

निब्केवल्य-प्रभृति - - तिषु शांश्री १५,४,९.

निष्केवल्य-मरुत्वतीय- -ययोः

शांश्री ७,५, २१; १०, ८, १६; ११,११; १६,८, ५; —ये शांश्री १५,२,१५;१३,६; —यो आश्री ९,१०,९.

निष्केवल्य-सूक्त- -क्तानाम् श्राश्रौ ७,१,१३.

निष्-कोषण- निष् √कुष् द्र.

नि(स्>)प् ,: 1/अम् ,निष्कामते वैश्रौ १४,६: १; निष्कामति काश्रौ ९, १३,९; श्रापश्रौ १०,१४, २; बौध्रौ; निष्कामतः काध्रौ ७, ६, .99; 9, 90, 4; 20,8, 99; आपंत्री १२,२२,३; बौश्री २९, ९: १२: वैथ्रौ १५, २८: १, निष्कामन्ति काश्री९,६,२५;१२, ४,१२: माश्री: निष्कामन्तु बौश्री ७,७: १६: नि:कम सु १८,४; निष्कामेत् हिश्रौ ७, ७, २४2; २५र; द्राश्री २,३, २१; १५,४, १; लाश्री १,७,१९; ५,१२,८; जैगृ १, १७:७; शंध ७८; निष्कामेयुः द्राश्री ७, ३, १६: लाश्री ३,३,१८.

निष्कामयति बौधौ १,२१: ६; बाधौ १,२,४,३३; नैधौ १०, १४:५; निष्कमयन्ति बौधौ ९, ५:३४;१३:९; निष्कामयेयु: अप १८३,११०.

निष्-क्रमण- पाग ५,१,९७;२,३६;
-णम् काश्रौ १,८,२५; ९,४,
३०;२६,७,६; त्रापश्रौ १०,१३,
६‡; वाश्रौ १,१,६,७; माछ १,
२,९९; -णे बौश्रौ २,११:४‡.
नैष्क्रमण- पा ५,५,९७.

6. 3.

निष्कमण-प्रवेशन - नानि श्रापधः $8,3\circ$, \circ ; हिंध 8,c, \circ ; ने श्रापध $8,3\circ$, $9,5\circ$; हिंध $8,5\circ$, $9,5\circ$; हिंध $9,5\circ$, $9,5\circ$, 9,

निष्क्रमणित- पा ५,२,३६. निष्-क्रम्य आश्रौ १,११,१४; ३,५, ४××; शांश्रौ; आपमं २,११, १६ \dagger h.

निष्-का(न्त->)न्ता- -न्ताम् वैश्रौ १०,१४:६; श्रापग्र ३,११.

निष्-क्रामण— -णम् वैध १,११,४. निष्-क्रामत्— -मन् जैऔ २१: ३; कौग्ट २,७,२३; ३,४,१; शांग्ट २,१२,९; ३,५,१; -मन्तः द्राओ ६,३,१२; लाऔ २,११: ६; वैताओ ९,१५; -मन्तम् आपओ १२,२६,१६; वैऔ १५,३४: ३; हिऔ ८,८,१०; लाओ १,११,२¹.

निष-ऋय- निष्√की द्र. नि(स्>)प्-िक(या>)य¹- -०य विध १,५६.

नि(स्>)प्√क्री, निष्कीणीते आपश्री १३, ६, ४; †बीश्री १४, २४: १३; २८; २९: ३५; वाधूश्री ४, १०:५; निष्कीणाति वंश्री १०, १:४; वैताश्री ३४, १८; †निष्कीणामि काश्री १४,४,१६; आपश्री १३,६,५; वैश्री १६,७: ११; हिंशी १०, ४, ५२; ५४-५७; ६०-६२; आपग्र ९, ५³; निष्कीण शांशी १५, २०, १³;

a) परस्पर पाभे. । b) १ नेष्टाविद्धम् टि. इ. । c) १ नेष्टावृद्धिम् टि. इ. । d) १ नेष्टाविद्धं कृतानि टि. इ. । e) वैप १ इ. । f) सु. पाठः । g)= संस्कार-विशेष- । h) पाभे. वैप १, १८८७ b इ. । a स्पा. द्वाऔ ३,३,९९ निःसर्पन्तम् इति पाभे. । a विप. । वस. ।

निरक्रीणात् सु ५,१.

निष्-ऋय- -यः सु ११,२; ३०,१; कौस् १११, ११; १२७, १३; मीस् ४,४,२६.

निष्कय-वाद- -दः मीस् ४, ४, २८; -दात् काश्रौ २५,११, ३; मीस् ६,४,३४.

निष्-क्रयण- णानि वाध २२, ८; बौध ३,१०,१०; गौध १९,१२. †निष्-क्रीत- -तः शौच २, ६३; -ताः माश्रौ १,८,३,३².

निष्-क्रीय शांश्री १६, २२, १९; श्रापश्री.

नि(स्>) प् \sqrt{x} ीइ,निष्क्रीडयन्ति बौश्रौ ८,१: १४.

नि(स् >)प्√िखिद्, निष्खिद्ति हिश्रौ ७, ६, ६; १५, ८, १०; तैप्रा ८, २३‡; निष्खिदन्ति हिश्रौ २१,२,४४‡; निष्खिदामि हिश्रौ ७.६.६‡.

नि(स् >)प्√ट(<त)च्, निरतष्ट शांश्री १६,३,१२; या ४,१३. †निष्टतश्चः श्रापश्री १७,१८, १; ऋषा ५,३६; शुष्रा ३, ००; पा ८,३,१०३.

निस्-तष्ट- -ए: शांश्री १६,३, ११; या ४,१३.

नि(स्>)प्√ट (<त)न्, निष्टतन्युः ऋपा ५,३६‡.

नि(स्>)प्√ट(<त)प् ^b, निष्टपति श्रापश्री ५,८,५; वौश्री २,१६ : १; भाश्री; †निष्टपामि श्रापश्री २,४, १०; बौधी १, १२: ३; भाश्री २,४, ११; बाश्री १, ३, २, १४; तैप्रा ६, ५; निष्टपेत् भाश्री ५,४,४; माश्री ३, १, २. निष्-टस - सः श्रापश्री १,१२,१; भाश्री १,१२,२; -सम् श्राश्री २,३,९; काश्री; -साः श्राश्री २,३,९; माश्री १,६,१,२५; वाश्री.

निष्टसो(स-उ)पवा(त>)ता --तायाम् श्रापश्रौ १, २४, १; भाश्रौ १,२४,११.

निष्-टप्य बौश्रौ १, १७:२२; २, १८:३८××; भाश्रौ.

?ित प्रपत् वौश्रौ २,५:१०†. नि√प्ट,स्तभ्,म्भ्>िन-ए(व्ध>) व्धा- व्ययोः हिश्रौ २४,

नि-स्तब्ध- पा र्ट,३,११४.

नि(स्>)प्√टृ(<त्)क् (<√कृत् [छेदने])>°टर्क्यं - पा ३, १, १२३; -क्यंम् श्रापश्रौ २, ५, ६××; बौश्रौ.

†निष्टि^ड- -प्ट्याः भाशि ५१.

नि√ष्टु,स्तु^h

नि√ष्टु(<स्तु)भ्>नि-ष्टु(व्घ>) व्धान -व्धयोः श्रापश्रौ १५,५, १०°.

निष्ट्य,ष्ट्या'- पाना ४, २, १०४; -†ष्ट्यः शांश्रौ ४, १२, १०; श्रापश्रौ; -†ष्ट्याः वैताश्रौ ४०, ७; ४१, १२; ऋप्रा ८, १७; -ष्टवायाम् आपगृ ३,३; भागृ १, १२:१८; -ष्टवाये बौश्रौ २८,४,८; वैगृ ३,२०:७.

भाश्री ५,४,४; माश्री ३, १, २. निष्ट्या-शन्द - न्दः श्रापगृ ३,४. \dagger निष्-टस - -सः श्रापश्री १,१२,१; \dagger निष् $\sqrt{\frac{1}{2}}(<$ निस् $\sqrt{\frac{1}{2}}$, \dagger निष्ट्या-भाश्री १,१२,२; -सम् श्राश्री यताम् हिश्री ९,५, ३६; वैताश्री २,३, ९; काश्री; -साः श्राश्री २८,१; ग्रुप्रा ३,६९.

नि(स्>)प्-ट्व(<त्वच्>)क्-न्न 1 -क्त्रासः या १, १०.

नि√ष्ठा(<स्था),निष्ठीयते बौश्रौ १०, २१: १२^२; १५, १०: ५; निष्ठीयन्ते बौश्रौ २६, १०:२. निष्ठापयति कौस् २४,१०.

नि-ष्टा^k— पावाग ४, ३,६०¹; —ष्टा निस् १०,३:२०; श्रापघ २,१५, २४; २३, १०; २९, १९; हिध २,३, ५८; ५, १६३; ६, २४; —ष्टाम् गोंध ११,२७. नेष्टिक^m— पावा ४,३,६०ⁿ; —कः वेष्ट २, १२:२६; शंध १३३; विध २८, ४६; वेध १, ३,१;६; —कम् श्राप ४०,१,३. नेष्टा⁰— -ष्ट्यम् बौश्री १८,४९: ३:५.

नि-ष्ठाप्य काश्री ८,४,२२; ६, ११. नि-ष्ठाय बौश्री ४,२: २६.

नि-ष्टित,ता - - तम् काश्रौ २६, १, १८; - ताम् पाग्र ३, ४, १८; - ते द्राश्रौ ११,३,१२; लाश्रौ ४, ३,१३; गोग्र १,३,१७.

श्चापथ्री; - †ष्ट्याः वैताश्री ४०, नि√ष्टिच्, ष्टीच्, निष्टीवते हिश्री१०,२, ७० ४१ १२: ऋषा ८, १०; २०; निष्टीवति वाश्री १, ५,४,

a) पाभे. वैप १,१८३९ e इ. । b) पा ८, ३,१०२ परामृष्टः इ. । c) पाभे. वैप १,१८२१ m इ. । d) पाभे. वैप १,१८२१ n इ. । e) सपा. निष्ट° <> निष्टु° इति पाभे. । f) वैप १ इ. । g) वैप २,३ खं. इ. । k) पा ८,३,७०;७१ परामृष्टः इ. । i) = स्वाति-नक्षत्र-। j) विप. । वस. उप. उस. = वस्त्र-। तृ. स्क. । इति । k) भाप. (श्रद्धा-, निर्म्य-, पूर्ति-)। l) तृ. पागम. । m) विप. > नाप. । मत्वर्धे ठक् प्र. उसं. (पा ५,२,१९६) । n) तत्रभवीयः प्र. । o) विप. (भय-) । प्राग्दीव्यतीयः प्यः प्र. उसं. (पा ४,२,९९६) ।

२०; वैश्री १२,१०: १४; हिश्री | ६.६.२४ †; वाय ५,१३; निष्ठी-वेत् काश्रौ २५,११, २७; भाश्रौ १०,८,१२; कौय ३, ११, १८; शांग्र ४,१२,५७; आग्निग् २,७, ८: ३; वाध १२, १२; शंध २२६.

नि-ष्टीवन- -नम् माश्री २, १, २, ३२; बैगृ ३, ९ : ११.

नि-ष्टीवित-> °त-हसित-विज्रिम-ता(त-श्र)वस्फोटन- -नानि गौध 2,29.

नि-ष्टीविन्- -वी विध ५,२१. निष्टीवि-ता- -ता श्राज्यो १२,

नि-ष्टीच्य बौधी २८, ९:९; बैधी १६,२१: ५; २१,१: ६; हिश्रौ ९, ४,५३; कौसू ५८, ७; विध 22,04.

नि-ष्टेव°- पाग २,४,३१.

नि-ष्ट्यत->°त -वत् काश्रौ २५, 99,32.

नि-ष्ट्यून->°न-वान्त-रुधिर-विण्-मूत्र-स्नानोदक- -कानि विध ६३,४१.

निष्ठ्र- पाउभी २,३,५२. नि√ष्णा(<स्ना)>नि-ष्णात- पा ८, ३, ८९; -ताः माश्रौ ४, १, २9: २४.

नि-पिण(<िम्न)ह्b-> नैप्णिह्य--हाम् आश्रौ ९,७,३५.

नि(स् >)प्√पच्, निष्पचतात् बीश्री १५,३१ : २५.

नि(स्>)प्-पत्र->निष्पत्रा√कृ पा 4.8.49.

8,9,30.

निष्पादयति बौध ३,२, ३. निष-पत्ति- -त्तिः श्रव ५९,१,३. †शनिष्-पद्°- पाग ५, २, ९७0; -पत् श्रापश्रौ १५, ३, १७; बौध्रौ ९, ३: २६; भाध्रौ ११, ३,१०; वैश्री १३,४: ९; हिश्री

28,9,98. निष्पल्-ल- पा ५, २,९७.

निप-पन्न- - नम् श्रप ७०, १२, २; - के या १, १३; १४^२; - केन मीसू १२,३,१६.

निष्पन्न-ग्रह- -हात् मीस् ८, ३,

निष्पन्न-चोदितत्व- -ध्वात् निस् 20,3:96.

निष्पन्न-शब्द- -ब्दः पावा ३,३, 933.

निष्-पाद्¹- (>निष्पाल्-ल- पा.) पाग ५,२,९७.

निष्-पाद्य हिश्रौ १०,५,१२.

रनि(स् >)प्-प(द्>)दी- पाग ५, 8,938 ..

नि(स् >)प्√पा(पाने), निष्पिबति श्चापश्री १९,२४,७; बौश्री १३, ३२: १५; १८, ९: ३०; हिश्री २२,५,७; तैप्रा ८,२४ .

निष्-पिबत्- -बन्तम् बौश्रौ १३, ३२ : १६; १८,९ : ३०; हिश्री 22,4,0.

निष्-पीत- -तः वाधूश्रौ २,१६: ८; -तम् वाधूश्रौ २,9६: ९.

नि(स्>)प्√पा(रक्ष्णे), निः(पाथ) ऋप्रा ७,४६ क.

नि(स् >)प्√पद् , निष्पद्यते हिश्री |निष्पा- (> °ष्पा-ल-) १निष्पान-टि. द्र.

> नि(स् >)प् √पाटि (< पाट~), निष्पाटयति वैश्री २०. ३७:

?१निष्पाव^ह- (>°व-ल- पा.) पाग 4, 7,90.

नि(स् >)प्√िपप् > १ निष-वेष-(>नैय्पेषिक- पा.) पाग ५,१,

निप्-पेष्टवै काश्री ७, २,१५+.

नि(स् >)प्√पीइ > निष्-पीडन--नम् गौषि १,५,५.

निष-पीड्य श्रापृ १,१७,९; वैगृ ३, १४: ५; श्रप ४२,२,९.

निप्-पीत- निष्√पा(पाने) द्र.

नि(स् >)प्√पु(<पू) निष्युनाति काश्री २,४,१८; भाश्री ६, १६, २५; माथ्री १,२,२, २०; वाथ्री १,२, ४, ५५; वैश्रौ ४, ७ : ७; हिश्री १,५,६२.

निष्-पवण,न- -नम् हिश्रो १, ६,

निष्पवणा(ग्-म्र)न्त1- -न्तम् माधी १, ६,४,९.

२निष्-पाव¹- पा ३,३,२८.

निष्-पुन(त् >)ती- -तीम् कौसू E 2, 24.

नि(स् >)प्-प्रीप¹- -पम् श्राप्तिगृ ३,५,१: १९; बौषि १, २: ६; हिपि ४: १; २; -पेण बौधौ २६, 4: 9.

नैःपुरीष्य- प्यम् वैश्री १२, १२: १०; श्रापध १, २७, ३; बौध २,१,६३; हिध १,७, २८.

a) =निष्टीवन- $(g. \ qागम.) \ | \ b) = नि-ध्णेह- । बस. । <math>c)$ वैप १ द्र. । d) निष्पाद- टि. द्र. । e) व्हणात् इति जीसं. । f) गस. उप. कर्तरि कृत् इति । शनिष्पद् - इत्यन्ये (तु. पागम.) । g) श्रर्थः व्यु. च?। निष्पा-($<\sqrt{q}$ [पाने]) इत्यःये (तु. पागम.) । h) वैप २,३ खं द्र. । i) विप. । वस. । j) = धान्य-विशषे- ।

निष्पुरीपी / भू > °षी-भाव- -वः वाध २३,३०; गौध २३,२३. †नि(स्>)प्√प्, निष्पर° शुप्रा ३, 33. निः "पिपृत>ता ऋप्रा ८, १५; शुप्रा ३, १०७; निष्पिपर्तन ऋप्रा ४,६०. निः "पारयथः ऋप्रा ५,३६. १निप्-पेष- निप्√पिप् द्र. श्निष-पेप b'c- पाग ६,२,१८४. निप्-पेष्ट्यै निप्√िषद. नि(स् >)प्-प्रमाण^d -- णम् वैध १, 99,90. नि(स् >)प्-प्रवा(णं>)णि--णिः पा ५,४,१६०. नि(स्>)प्-प्रीत्य(ति-श्र)भिताप°--पाः गौध १३,३. नि(स् >)प्√प्लु, †निष्हावयामि श्रापश्रो ६,२०, २; वाश्रो १,५, ४,२०; वागृ ५,१३. नि(स् >)प-फल^b- -लम् अप ९,२, ६; शंध ४६३; कौशि ३७; -लाः त्रापध १, २०, २; हिध १,६, १६; -लात् पावा ४,२,३६. नि√एफ्,स्फुर्,ल्पा ८, ३,७६. नि√ष्य(<स्य)न्द पा ८,३,७२. नि-ध्यन्द-> °न्द-वत्- -वन्तम् वेश्रो १३,७:२५1. नि-प्यन्द्न->°न-वत्- -वन्तम्

बौध्रौ ९, ५:२०1; १४,२६:२२.

नि√प्वा,स्वाञ्ज् पा ८, ३, ७०;

09.

या ऋप्रा ५,१५; ८,३१. नि√प्तृ(<सृ), †निष्वर³ त्रापश्रौ १२,९,९; बौश्रौ ७,६ : ९: तैप्रा €,93. ‡?निष्यपिन्"- -पी अप ४८, ११५; निघ ४,२; या ५, १६०; ऋप्रा 28,34. नि(4 >)प्-प(< 4)म-पा ८, ३, ८८; पाग २,१,१७h. नि(4 >)प् \sqrt{q} (< 8)ह >नि-ष-पहमाण- -णः या ३,१०. †निष्-पाह्- -पाट् या ३, ९००; ऋप्रा १४,३६. नि(स् >)प्-पा(<सा)मन्1- पाग 6,3,96. नि(स्>)प्√पि(<सि)ध् (संराद्धौ) >निष्-षिध्->°पिध्व(न् > र री8- -री: ऋप्रा ५.३९ . नि(स्>)प्,: \प्र(<स्त) न्, निष्ट-निहि गुप्रा ३,६९; निःष्टनिहि ऋप्रा ५,१२ न. नि(स्>)प्√ष्टा(<स्था),निष्तिष्ठेते निसू २, ५: ३ ५^{2 k}. नि(स्>)प् / ष्ठु L = / ष्टिव् | क्तिर-ष्टविषम् ऋष्रौ १०,१३,११; बौध्रो २८, ९: १०; वेताश्रो १२:6. नि(स्>)प्√फु(<स्फ)र्,ल् पा ८,३,७4. नि(म्>):-पं(<सं)धि- नि-पन्धि-टि. इ. नि(स्>):-प(<स)म- निप्-यम-टि. द.

नि(स्>):-पा(<सा)मन्- निष्-पामन टि. इ. नि(स्>)ः,प्√पि(<सि)च्, निः पिषेच बौश्रौ १८,४५: २३. निः पिक्त- -क्तम् या ६, १; -केम्यः वैश्री १५,११: १०. निः-पिच्य श्रापश्रौ १३,१,३; बौश्रौ. नि:-घेचन-> °न-वत्- -वन्तम् श्रापथ्रौ १५,६,२२. निग्-पेचन->°न-वत्- -वन्तम् भाश्रौ ११,६,१७. नि(ग्>): 🗸 घ(< सि) घ् (गतौ), निःषेधन्ति शांश्री १६,१८,२०; †निः ...सेध श्रापश्रौ १, २२, २; बौध्रौ १,८:४; २०,८: ४; २४, २६: २; भाश्री १, 38.3. नि:-षिद्ध-> °द्ध-पाष्मन् b--प्मानः शांश्रौ १६,१८,२१. नि:-वेधm- पाग ८,३,९८. नि(स>): 🗸 पू (रस् । प्रेरणे।), +िनः (सुवामिस) कौस् ४२, १९; अग्र १,१८. †निः(साविषक्) श्रश्र १,9८°. नि(स्>): 🗸 पू (<स् । ऋर्थः १ ।) >निः-पृति- पा ८,३,८८. नि(स्>)ः√प्व(<स्व)प्पा८, 3,66. निस् पाग १,४,५८. निः सर्ग− निः √ सज् द्र. √ निसङ्ख्याय (<नि-स्ट्ख्या>। ङ्गय^p-) > निसङ्ख्यायत्--यन्तः वैध १,90,४ª. d) प्रास. वा. वस. वा।

नि $\sqrt{+}$ ्नि-सत् -तम् याशि १, | + |निस्-साला 1 -लाम् m कौस् ८, 97. नि√एज्>नि-सर्गेव-(>नैसर्गिक-पा.) पाग ५,१,१०१ नि-स(ए>)ए।- -ए।याम् वीध छ, नि-स्तब्ध- नि√स्त, एभ् इ. निस्-तरी-क^{b,c}- पाग ६,२,१८४. निस्-तरीय - पाग ६, २,१८४. निस-तप्- निष्√तच् इ. निस्-तान्तव b'e - - वम् काग् ४, ७. निस्-त्प-> ॰स्तुपा(प-त्रा)मभृष्ट-यव'- -वानाम् काश्री ५,३,२. निस्√त > निस्-तीर्थ श्रप २३. 6,9. निस-त्रिश⁸- पावा ५,४, ७३; -शः श्रप २३,२,१.

निश्चिश-मुद्गर-निपात^b- -ताः शंध ३७४.

निस्त्रिशन--शिनः श्राधी ९,७,४. नि√स्फुर्,ल् नि√फुर्, ल् द्र. नि√स्न, निस्नावयित बौध २, ७.

नि-स्नाव- -वेण जेंगृ १, १२: २३. निस्नोहत'- -ताः वौधौप्र १९: ५. नि√स्वन् > नि-स्वन- पा ३, ३, ६४; -नः श्रप ७१, १३, २; -नाः श्रा ६४, ४, २; ७०^३, 8,9.

?निस्वरित- -ताः निस् ४, ९: २०. निस्-संचय¹-> निस्संचयिन्- -यी वैध ३,६,६.

निस-संधि"- -धिः शैशि ३३३.

२५: ९, १; ३४, ३; ४४, ११; ७२,४; ८२,१४; श्रश्र २,१४. निस्√स्था, निस्तिष्टते निस् २, ५: ३१: निस्तिष्टति बौध्रौ ४,१: ३१××; निस्तिष्टन्ति बौधौ 80,90:90;84: 30xx; निस्तिष्ठत †बौश्रौ ६, २३: ७; २५ : २३;२७ : २६: निस्तिष्टेत निसृ २,५:३५.

निस्-तिष्टत्- -ष्टन् जैश्रौ २२:१४. निस-स्प्र(हा>)ह^b- -हः वैध ३,५,

निस्√स्फ्रर्,ल नि√स्फ्र्र्,ल् इ. नि(स्>):-संशय- -यम् विध १०, १३.

नि(स्>)ः-सं(ज्ञा>)ज्ञ->°ज्ञ-ता--ताः अप ३६,८,४.

नि(स्>):-सार^b- -रे कप्र ३,३,५.
 †?नि(य् >)ःसा(च >)ळा¹ -लाम् यप १७,२,३;३२,१,३;

२६; अपं २:२१; अप्रा २,४,१६. नि(स्>)ः√सृज्ञ>निः-सर्ग- (नैः-सर्गिक-) निसर्ग- टि. इ.

निः-सृजत्- -जन् ऋपा ११,३५. नि(म्>): </ स्प्, नि:सपति माश्रौ १, २,१, ३९; २, २, ४, ३९; निःसर्पन्ति शांश्री ६, १३, ६; ७,१४,१०; ८, ८, ८; त्रापधी १२,२९,१५;-काठश्री १४५. निः-सर्पत्- -पंत्सु द्राश्री १५, २,

१८; लाश्री ५,१०,१८, -पन्तः वंश्री १६, १२: १६; हिश्री ८,

४, ४३; ९, १, १७; ३, ३४: -पंनतम् बौश्रौ ७, ७:३२: द्राश्री ३,३,११.

नि:-सृष्य वैश्रो १५,३८: १४;१६. १०: ६; हिथ्री ८,४,४५.

नि(स्>):-स्व^b'n->निःस्व-पक्ष--क्षेण श्रप ११,१,१५.

नि(स्>):-स्व(न>)ना^b- -नाः श्रप 42,3,9.

निस ,: √सू,निःसारयति माश्रौ १,६, १, ४८; ७, ३, २४; वाश्री १. €.9,30.

?नि:-सर- -रः शांगृ ५,२,५. निस् ,:-सरण- -णम् कागृ ३,१३; वागृ ९,१९.

नि:-सारण-> °णा (ग्र-ग्रन्त>) न्ताb- -न्ताम् माश्री १,८, १, २०;२,२,१,५४.

निस-सार्थ श्रापश्री ७, ४,५; ५,४; भाश्री ७,३,९; वैश्री.

नि:-सृत- -ताः श्रप ५२, १२,५. नि:-सृत्य माश्रौ २,२,५,३४^२××; हिपि १:४; श्रप.

निस्;°√स्न, निस्स्रवति श्रापध १ ५,२; हिध १,२,२.

†निह^р- निह: श्रप ७, १,५; श्रप्रा 3,8,9.

नि√हन्⁴, नि…हनति ऋपा ८,४६; निहन्ति काथौ ८,३,७; श्रापश्रौ ११,४, १२××; बौश्रौ; निम्नन्ति शांथी १२, २४, रं‡; काथी ६, ५,१५; ८, ८, २८; श्रापश्री; †नि गहंसि श्राश्रौ २, १६, ४;

a) निःसर्गे- इति वामनः (तृ. पागम.) । b) विष. । बस. । c) उप. = नौका- । न्यासः । e) उप. <तन्तु- \lfloor वेग्रु-वा रञ्जु- वेति देवपालः \rfloor । f brace कस. । g brace =सङ्गः । प्रास. उप. = (त्रॅशत् । h) = नरक-विशेष- । इ.स. > वस. । i) = ऋषि-विशेष- । व्यु. । j) पूप. = नज् । k) प्रांस. वा. l) वेप १,१८४२ u द्र. । m) पामे. वेप १,१८४२ s द्र. । n) उप.= धन- । o) हिघ. पाठः। p) वैप १ द.। q) पा ८,४,१७ परामृष्टः द्र.।

८, १२, ७; ऋपा ७, ४६; †निहन्म वैग्र ४, ४: ३; ५, १५: १; †निहन्मु॰ माश्री २, २, ३, १६; ३, ५, ५; निहन्यात् वौश्री २१, १४: २८; बौग्र १: ११ १४: ४; निहन्याः बौश्री २६, २४: १३. †निजधान श्रव १, ४०, १; ४१, २; श्रवां १०, १; ११, २; निहन्यते श्राशी ७, ११, ५; श्रव ४७, २, ६; उसू ८, १३; श्रव ४७, २, ६; उसू ८, १३; श्रव १९, १, १३३; श्रव १८८; निहन्यत श्रव ७०, १२,३.

१नि-घात^b— -तः नाशि १,७, १९; पावा १,१,६३; —तस्य निस् ७, ११: १३; —ते गौध २१,२१. निघात-प्रसङ्ग— -ङ्गः पावा २,

नि-घ- पा ३,३,८७.

४,८५; ८,१,५५. निवात—युष्मद् - अस्मद्- आदे-श^c- - शाः पावा २,१,१; ८,१,

निघातयुष्मदस्मदादेश-प्रतिषेध— पावा २,१,१०
२निघा(त≫)ता^d— -ता शौच
३,६५.
निघाता(त-श्र)निघात—सिद्धि—
-द्धिः पावा २,४,८१.
नि-घाति— पाउ ४,१२५.
नि-घातिम्—(>नैघात्य— पा.) पाग
५,१,१२४.
नि-घत— -व्रतः हिश्रौ १७,२,६९;

-मताम् विष ५, ७३; -मन् वीश्री २०,२६: १३.

†निम्नती- -तीः हिश्री १६,६,३९.

†निम्नती- -न्तीः श्रापश्री २६,२२:८.

†नि-जिम् - निः शांश्री ८,१७,१.

नि-हत - -तः सु २५,६; कौशि १०;
१७; १९; २८; -तम् कौशि १८; शैशि १४५; -ते माश्री ५,२८,६; -तेन कौशि १४.

निहत स्वरित - नम् कौशि ३५.

निहतां(त-श्रं)श- -शः कौशि २४.

नि-हत्य काश्री ४,१५,१५; आपश्री ९,१९,४; १९,११,६; काश्रीसं. नि-हनन- -ने वौश्री २०,२८: १४; २१,१४: २७.

नि-हन्त् - -त्या विध ५१,०४.

नि-हन्यमान,ना - नाम् श्रापश्री
१९, १७, ११; हिश्री २२, १,
२२; -नाय बौश्री ४, ६: ३२;
११, ४: १६; १५, २८: २४;
-नायाः निस् ७,११:११; हिपि
५: २.

१,२िन-हव- नि√हें द्र. नि√हा(गतौ), निजीहते श्रप १,७, ४;७; नि...जिहताम्, नि-(जिहताम्) शांश्री ७,६,३¹; †नि...जिहत>ता, नि(जिहत >ता) श्राश्री ५,७,३.

नि√हा (त्यागे), न्यजहात् सु २५, २; ४.

नि · · · हीयताम् ऋप्रा ५,३.
नि-हीन-> °न-तर-वृत्ति- -ित्तः
श्रापध २,५,५¹.
निहीन-वर्ण-गमन- -ने गौध
२३,१४.
नि-हाका- पाउ ३,४४.

श्ति-हित- नि√धा द. श्ति-हित- नि√धा द. निहित*- -ताः बौश्रौत्र १४: २. नि√हील् (= ङ्), निजिहीख्वे शांश्रौ १२.१४.२‡.

नि-हृत- नि√हे द्र.

नि√ह, निहरामि बौश्री ५,१०:२४‡;

†निहरामः श्रापश्री १३,२२,५;

बौश्री ४,११:१५; नि…हर>
रा बौश्री ५,१०:२३‡.

निजिदीर्षेत हिन्न १.३०.

नि-जिहीर्षत् - - र्षन् हिशु १,३०. नि-हारम् वौश्रौ ५,१०: २३^२†. नी-हार[†] - - †रः कौगृ ५, ५, ६;

कौस् ८२,२६; वाघ १९,१४८ ; अश्र १८,३; श्रपं ३: ६०; अश्रा ३,४,१; —रान् अश्रा ३,३,१२ ; — +रे पाय २,११,६; श्रापध १, ११, २५; ३१; बौध १,११, २३; हिध १,३,७५;८२; —रेष काञ्च ७,१८; या १४,१० † ﴿﴿

१ नैहारिक™- -कम् वाघ १९,१५.

√नीहाराय पावा ३,१,१७.

नि√ह्नु, निह्नवन्ते बाश्रौ ४, ५, ७; ८,१३,२७; भाश्रौ १२,१,१०; ३,१९;४,४.

a) पामे. वैप १,१८४३ g द्र. । b) भाप., पारिभाषिक-संज्ञा- (श्रनुदात्त-)। c) द्रस.>द्रस.> षस. । d) विप. ([निहता-] श्रणुमात्रा-)। e) परस्परं पामे. । f) वैप १ द्र. । g) = श्रनुदात्त- [कौशि. शैशि.] । h) छान्दसी दीर्घः । i) पामे. वैप २, ३खं. शांत्रा २८,५ टि. द्र. । j) स्प. हिष २,१,८६ दीनतर् इति पामे. । k) = ऋषि-विशेष- । eयु. ? । l) = निर्हार- इति कृष्णुपिष्डतः (तु. Buh.) । m) तत्रसाभवीयः प्र. इति कृष्णुपिष्डतः (तु. Buh.) ।

निह्नुते बौश्रो है, २९:२३; वाश्री १,२,३,२९; कागृड है९: १५; गोगृ ४,३,१०; निह्नुवते शांश्रो ५,८,५; काश्रो ८,२,८; श्रापश्रो; निह्नुवे शांश्रो १५,२४, १‡; निह्नुवीरन् द्राश्रो १४,२, ६; लाश्रो ५,६,९.

नि-ह्नव*— -वः श्राश्री ४,८,९; ११; श्रापश्री ११,४,२; —वात् श्रापश्री ११,३,१३; —वे वौश्री २०,२१:

निह्नवा(व-ग्र)न्त^b - न्तम् वैश्री १४,३: ११.

नि-ह्ववन- -नम् हिश्रौ १०,३, ३५; द्वाग्र ३, ५, २३; गोग्र ४, ४, १४.

नि-हुत्य शांश्रौ ५,१०,३६.

नि-ह्रुवा(न>)ना- -नाम् वौश्रौ १५,२९:३१.

नि√हस् >िन-हास- -सः हिशु १, १०; ३८; ४,३८°.

नि√हाद्, निहादयन्ति हिश्री १३,१, ४७:१४,३,३९.

नि√हे^d, †निह्वयामहे आपश्रौ १७, २२, १; हिश्रौ १२, ६, २६.

१नि-हव- पा ३, ३, ७२; -वः ऋग्र २,१०,१२४.

२नि-हव⁶- -वः धुस् ३,९:१५; -वस्य लाश्री १०,८,९.

निह्ब-इयाबास्त्र— -स्वे लाश्रौ १०,८,८. निह्वा(व-म्र)नुम्रह- -हाय निस् ६,३:११.

नि-हूत->°त-वत्- -वत् निस् २,११:२५.

√नी पाधा. भ्वा. उभ. प्रापणे, नयते शैशि १६६; याशि १, ३२;३३; नयति श्रापश्रौ ७, १५, ९××; बौश्रो; बैश्रो १६, ७: ३⁸; या ७,१४; २१××; नयतः या ७, २९; नयन्ति शांश्री ४,१७,१०; ब्रापथ्रौ; या ३, १९; ४, १४‡; ७, २१;२४ +; +नयामि काश्रौ १२,२, २२^२; आपश्रौ ७, १८. १४; २१,५,१०; बौश्रौ; ‡नया-मसि पागृ ३, १३, ५h; हिगृ १, १५, ३^b; शौच ३, ८१; †नयत् श्रापश्रौ ६,२०,२;१२, १५, ६; माश्री १, ६, ४,२१1; हिश्री ८,४, २१; काय ४१, उ^श: नयात् जैगृ १, १२: ६; ८: १०: नयासि हिश्रो ६, २, १७३: ‡नयत श्रापश्रो ३, १४, २ k x x; बौश्री; पाय १,८,२ 1; नयताम् माश्रौ २,३, २,१३^{२m}; नयन्ताम् कौस् १३७, २५+; †नयन्त् आपश्रौ ९, १४, १; काश्रो १०, ३, २२; बौश्रौ; ‡नय,>या श्राधौ ३,७,५××; शांश्री: नयतात् वाश्री १, ६, २. ७ : + नयतम् बौधौ ६, २५: २; बैगृ १, २१: २; गोगृ ३, ४, २५; जैगृ १,9९ : २२: नयध्वम् गौषि १, २, १० %: † नयत, > ता काश्री २५. १३, २०; श्रापश्री; ‡नयानि ब्राश्रो ५, १३, १२; शांश्रो २. ६, १२××; †अनयत् त्रापधौ १४, १२, ६; वाध्रौ १, ५, ५, ७; हिश्रो १०, ६, ६; स २६, २; ४; या २, २६; ऋप्रा २,४६; ४७: †अनयन् श्राश्रौ ८, ३,२५; शांध्री १२, १९,१; १५, ३, ७; वाधूश्री ३,१७: १४\$; उसू ३,१; अनयत>ता ऋपा ८, ३० ई; नयेत् शांश्री १३, २४, १४; काश्रौ; हिए १, ४, ८१ 🚉 ; नयेयुः आश्री ३, १०,३; ९,१,१०; आपश्री १९, 98,984;20,0,90; 22,29, ८: बौधौ.

†नेपि आश्रो ३, ७, ६; ८,११, १; माश्रो ५, १, ६, २६. निनये अप १, ६, ६; निनये वाधूश्रो ३, ८८:१७; वेताश्रो ६, १; निनयरे वौश्रो १८, २३:२; निन्यरे वौश्रो १८, २३:२; निन्यरे बौश्रो १८, ९, ७†; आप्तिष्ट १, ५, ४:४७; वौष्ट; नेष्यामः ख्रुस् ३,१:५; †नेपत् आश्रो ५, ९, ९; बौश्रो ७, ९, १; बौश्रो; नेपनु पावा ३, १,३४;२,१२५; नेष्ट माश्रो २, ५, ४, २४‡; नेष्ट

 $a)=\pi H ag{1} = \pi H ag{2} = \pi H ag{3} = \pi H ag{2} = \pi H ag{3} = \pi H ag{3} = \pi H ag{3} = \pi H ag{4} =$

ऋप्र १४,४४+.
नीयते श्रावश्री २०, १७, ७;
बौश्री १६, २५: ६××; कप्र;
नीयन्ते श्राश्री ५, १३, ११;
बौश्री १८, २: २; १९, ५:
३५; २४,२९: ८.

नय > २नय-व $(त >) ती-^{\circ}$ -स्या वौश्रौ ६, ३०: २६; ८, ५: १२××; वैश्रौ; —वस्याम् वैश्रौ १६,८:५.

नय-शस् (ः) श्रप-६८,४,२. नय- पाग ५,२,६४^b; ६,१, १९९^b; -यम् शंध ११६:५७^c. नय-क- पा ५,२,६४.

१नय-वत् - न्वान् शंध २५३.
 नयत् - -यन् काश्री ५, ५, ९; ६, ६, १××; श्रापश्री.
 नयन्ती - -न्ती या ९, १८;

-ःतीः बौश्रौ ८,५:२१‡. नयति-> °त्य(ति-ग्र)र्थ- -र्थम्

ऋप्रा ५,५७. नयन^d- पाउतृ २,७८; -नम् काश्रौ

२२, ३,२१; -नस्य मीसू ४,१,

नयमान- - †नः बौश्रौ १०, १०: १; माश्रौ ६, २, २६; वाश्रौ २, १,१,५०; वैश्रौ १८,४:१.

नाय-- पा ३,३,२४; पावा ३,२,१. नायक- -कम् वैध्यौ १८,१:२४; श्रप २४,१,९.

१नीत,ता- -तः बौधौ १८, ३०: ८; बाधूधौ ३, ४५:४; भाशि १२५†; -तस्य बोधो १८, ४१:१७°; -ताः श्रापश्री १३, ६,१४; -तात् या ७, १४; -तासु श्रापश्री १३, ७, १६; काश्रीसं ३४:१; बोधौ. नीत-दक्षिण¹⁷⁸- -णम् बोधौ २४.१३:५.

२नीत^h->°त-िमश्र- -श्रे श्रापश्री २०,२५,२; -श्रेण श्रापश्री १४, २४,१४;२२,१०,१०; वौश्री.

नीति- -तौ पा ५,३,७७. १नीति-शरीर¹⁷¹- -रः वाधुश्रौ

१नीति-शरीर¹⁷¹- -रः वाधूश्री ३,३५:४.

नीत्वा काश्री ४,९, १२; श्रापश्री. नीथ- पाउ २,२; -†थानि[।] श्राश्री ५,९,१; शांश्री ७,९,१; -थेऽ-थे श्रापमं २,११,८†; -थै: भाश्री ५,४,२.

नीथ-विद्- -वित् शांश्रौ ७,९,

नीथा- > †°था-विद्¹- -विदः ऋपा ९,१७.

?नीयन्तम् सुध १३.

नीयमान,ना- -नम् वौश्रौ ३,२६: ४; ४, ६:२९; वैताश्रौ १३, १२; १६ ४,२०; -नस्य वाश्रौ ३, ४, ४, ७; -नाः विध ४३, ३३; -नाम् काश्रौ ७,६, १४ण; श्रापश्रौ १९, १०, १०; वौश्रौ; -नायाः काश्रौसं २८:१०; -नासु श्रापश्रौ १९, १४, १४; वौश्रौ १९,६:१५; हिंशौ ९,२,१३××;

जैश्री; -ने वैताश्री १०,१७.
नेत(व्य>)व्या- -व्या या ४,१५.
नेत्- -०तः ऋप्रा १, १०१†;
-†ता श्राश्री ५,१४,९७; शांश्री
७,१९,१२,१७,१३; वाधूशी;
या १,८;२,१४४; -†तुः श्राश्री
७,६,६; श्रापश्री १०,८,६; १६,
८,१३; वौश्री ६, ४:६; १०,
१३:५; भाश्री; पावा ५,४,
११६²६; -तृणाम् बौश्री
४,४:१७‡; -तृणाम् साश्री
७,५,१६‡; बौस् ४८,११.

नेत्री— -त्री पाय ३, ३, ५; -न्यौ गोय ३,४,२५º; द्राय ३, १,२३‡.

°नेत्र- पावा ५, ४,११६.

नेतोस (:) श्रापश्री १०, १३, ३; भाश्री १०, ८,२.

नेत्र⁹- पा ३,२,१८२; पाग² २,४, ३१; ५,४,३; -त्रम् ^प श्रप २२, ६,५;१०,१; -त्रे जैस्ट १,१९: २२ⁿ⁾; कप्र १,१०,३; श्रप २२,७,३^प; स्ट्रेट ४,१५; -त्रेण^प कप्र १,८,४; श्रप २२,८,२; -त्रेषु माशि १५,९; याशि २,

नेत्र-क- पा ५,४,३.
नेत्र-कन्धरा-बाहु-सक्थ्यं (क्थि-ग्रं)स-भक्त- -क्ने विध ५,७०. नेत्र-चपल- -लः वाध ६,४२. नेत्र-द्वय- -यम् शंध ५७;४५६; ४५८.

a) वैप १,१८४७ ८ द्र. । b) भाप. । c) = साध्याऽन्यतम-। मयम् इति पाठः १ यिन. शोधः (तु. ब्रायु २१९,२६ शक. च) । d) भावायर्थे ह्युट् प्र. । e) प्रकरणतः श्राणिमानं नीतस्य इति (तु. ब्रीधौ १८,३०: c) । f) विप. । यस. । g) उप. = २दक्षिणा- । h) नवनीत— इत्यस्योत्तराशः । i) पूप. श्र्य्थः १ । j) पामे. वैप १, १८४७ । द्र. । k) पामे. वैप १ विश्ववित् तै ५,६,८,६ टि. द्र. । l) वैप १ द्र. । m) पामे. वैप २, ३खं. अतिविच्छुमानाम् काश ४,२,४,९२ टि. द्र. । n) सपा. नेज्यौ <> नेन्ने इति पामे. । o) = लोचन- । p) तु. पागम. । q) = मन्थन-रज्जु- । p) विप. (उपानह-)।

CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

नेत्र-युग्म- -गमम् शैशि ३५६. नेत्र-विकल- -लः शंघ ३७७ : 99. नेत्रा(त्र-म्रा)दि-करण- -णैः अप 23,3,2. नेत्रा(त्र-ग्रा)यु(दि-उ)होच-शोभिष्ठ°- - ष्टम् अप २१,६,२. नेनीयाम् ्र अस् , नेनीयामास बौश्रौ १८,४७:93.

नेन्यb- पा ३,१,१३४.

नेष्ट्र°- पाउ २,९५; पा ६,४,९९; नी(नि√इ), न्येति बौध्रौ १५,८: पावा ३,२,९३५; - ‡०ए: आश्री ५,७,३; शांश्री; -ष्टा श्राश्री ४, १,६; ५,३,२१; ५, १७; शांश्रौ; वाश्रौ ३, २, १, १३०?; - ष्टारः काठथौ १३०; -ष्टारम् आश्री ५,१९,८; शांत्री; -प्दः श्राश्री ९,४, १७; १२, ९, ६; शांश्रौ; -प्रा काठश्रौ १४२^२; बौश्रौ ७, १६: ५१: ५३; - ध्ट्रे आपश्रौ १३,५,१२; लाश्री ९, ६,६. नेष्टा-पोतृ- -तारी बौश्री १७, १८:४; १९:४; बौगृ ३,१०, ६: -तभ्याम् काश्री १५,८, २३; बौधौ १२,१८:१७. नेष्ट्-मुख्य°- -ख्यान् वाश्रौ ३,

नेप्ट°- -प्टात् काश्रौ ९,८,१२;

श्चापश्ची ११, १९, ८‡; काठश्ची

१३० र बोधी ७,९:११ कः माधी

२,३,६,१७+; हिश्री ७,८,४२+;

या ८, ३ई∮; ऋप्रा १४, ५८ई;

पावा ३, १, ३४¹; २, १३५¹.

2.9,94.

नेष्ट्(ष्ट्-म्र)च्छावाकीय^ह--चे काश्री २४,४,४३.

नेष्ट्रा(ष्ट्र-स्रा)दि- -दीन् काश्री १२,२,96.

नेष्ट्रीय,या- -यः माश्रौ २, ३, ६, १७; -यम् आपश्रौ १२, ५, १४; माश्रौ २, २, ४, ४; -यस्य माश्रौ २, ३, २, २३; ५, २, १६; -यात् या ८, ३; -याम् भाशि १३ नै.

१५; १६, ९:४+; नियन्ति बौश्रौ १४, २७: १; २८: ७; अप १,६,२; ५१; ऋप्रा २, १०; नीयात् श्रापश्रौ ५,२६,३.

न्य(नि-श्र)यन- - नेनम् श्राश्री २, १२, २; श्रापश्रौ १७, १३, ५; बौश्रौ; -नात् त्रापश्रौ १८, ९, १६; वाश्रौ ३,३, १, १७; हिश्रौ १३,३,३३.

न्या(नि-म्रा)य^{c/h}- पा ३, ३, ३७; १२२; पाग ४,२,६०; ३,५४1; ७३;.८, १, २७; -यः शांश्रौ ३, १६, २२; ६, ११, १४; बौश्री; -यम् बौश्री २४, १: १४; निस्; ऋप्रा १०, २२ !; -यात् शांश्री १५, २४, १‡; काश्री १३,४, १२; -येन आश्री ११, ४, ८; १२, ५, १३; १४; शांश्री; -यैः ऋपा १,५३k.

नैयाय- पा ४,३,७३. नैयायिक- पा ४, २, ६०; -कम माशि १५,9^{?1}.

न्याय-क्ल्प्स,सा- -सः त्राश्री ११,२,१२; शांश्री १३,१८, ४: निस् ८,८:४० ; -सम् आश्रौ ११,२,३;८; १३; निसू; -साः आश्री ९,४,२; ११,६, १.

न्याय-तर- -रः निस् २, ९: २9; ६, ५ : २६^२; ७, १३ : ९; १८; -रेण निस् १,१०: १४. न्याय-तस् (:) शंध १३३: गौध 22.9.

न्याय-दण्डº--ण्डः विध ३,९६. न्याय-पूर्व- - विम् मीस् ३, ८, ₹0.

न्याय-प्रगाथ-धर्म- -र्माभ्याम् लाश्री ६,१,१२.

न्याय-मात्र- -त्रम् मीसू ५, २, 9; 39.

न्याय-मुख^e - खम् अप्रा १,१,

न्याय-वत् - - वान् या १,१३. न्याय-विद्^m- -विदः आपध २, १४,१३; हिध २,३,२४.

न्यायवित्-समय--यः श्रापध २, ८, १३; हिध २, १,११५. न्याय-विप्रतिषेध- -धात् मीसू 4, 3, 24.

न्याय-विहित- -तः लाश्रौ ६,७,

न्याय-वृत्त⁶- -त्तम् गौध ११, 98.

न्याय-संहित- -तम् शुप्रा ५,८º; -तान् श्रापध १, २२, १; हिध १,६,9.

a) विष.। वस. > मलो. कस. > तृस.। नेत्र- = रज्जु-, उल्लोच- = वितान- । b) तु. पासि.। e) वैप १ द्र. । d) $^{\circ}$ ष्टाः इति पाठः $^{\circ}$ यनि. शोधः । e) विप. । वस. । f) नेष्टात् इति पाठः $^{\circ}$ यनि. शोधः (तु. २ १०२५ c) । g) पररूपम् उसं. (पावा १,१,६४) । h) वप्रा. । भाप. नाप. (श्रौचित्य-, दर्शन-शास्त्र-/) °यकम् इति पाठः? यनि. j) = प्रकृति- । k) = उत्सर्ग-विधि-। प्रम.)। i) पृ ११२६ ० र.। m) उप. < विद् [ज्ञानि]। n) पूप. = व्याकरण-नियम-।

न्याय-सिद्ध- -द्धः पावा ८, १, 930.

न्याया(य-श्रा)ग(त>)ता--ताम् श्रश्र ७,११५.

न्याया(य-प्र)धिगम- -मे गौध 28,24.

न्याया(य-श्र)ध्ययन--नस्य अप्रा १,१,१.

न्यायो(य-उ)क- -के मीसू ३, ८,४१; -केंद्र मीस १०.५.७७. न्यायो(य-उ)पेत- -तम् वौश्रौ २९,८: २२; कौग्र ३, ९, ५१; -तेभ्यः शांगृ ४,८.१.

न्याच्य,च्या- वा ४,३, ५४; ४, ९२; -च्यः लाश्रौ ७, १, ६; ३, १०;४,६; पावा १,२,६४; मीसू ६,१,४५;९,४,१८; -च्या पावा ३, २,१०२:१२३: - ट्याः लाश्री ६.९, २; -य्यान् लाश्री ६, ९, १: - टयानि मीस १२, ५, ११; - च्ये निसू ८,८ : ३३; - च्येन लाश्री ६,१२,१४3.

न्याय्य-दण्ड-त्व--स्वम् गौध १०, ८.

न्याय्य-प्रतिहार^b- -राणाम् लाश्री ६,११,३.

न्याय्य-भाव- -वात् पाप्रवा 2, 2.

न्याय्य-समाज्ञा- -ज्ञा लाश्री 8,90,76.

?नी:° वाश्री १,१,२,१६‡. नीक- पाउ ३,४७.

नी-कर्षिन्- नि√कृष् द्र.

नीच die- पाउमो २,२,७८1; पाग ४,

रे, १५२⁸; -चः शुप्रा १,१५०; माशि ५,११;६,१;७,१०; याशि; -चम् द्राश्रौ १,३,२५: श्राप्तिगृ: -चस्य ऋत ५, ४, २; नाशि १, ७, २; -चा^e शांश्रौ ४, ३, ६: ९, ५: काओं: या छ, २४ कं: -चात् माशि ५,१;२; याशि १, ५८; कौशि ३२; नाशि १.८.६; २,३,३: -चे द्राश्री १,३, २५: अप ६५,१, २; ऋत २, ६, ४; शैशि १३६; याशि १, ३; नाशि १,७,१२: -चेन नाशि १,७,८; -चै:° काश्री ३,६, ७; श्रापश्री; या २,९; ४, २४²; ५, १८; पा १,२,३०; पाग १,१,३०; -चौ शैशि १७४; याशि १,७. १नैच- पा छ. ३. १५२.

†२नै(च>)चा°-> नैचा-शा-(खा>)ख°- . खम् या ६, ३२क.

नीच-गत- -तानि याशि १, ५%. नीच-तर- -रम् माशि ५, १;२; याशि १, ५८; ६५; कौशि ३२; नाशि १,८,६.

नीच-तस् (:) नाशि २,३,२. नीच-त्व- -त्वम् कौशि ५; -त्वे कौशि ५.

नीच-दक्षि(णा>)ण^{b,h}- -णस्य श्रागृ १,२३,२०.

नीच-पूर्व--र्वः शुप्रा १,१११; याशि 2,06.

नीच-स्वर-पर1- -राः शुप्रा १,११३. नीच-स्वरित- -तम् उस् ८, २०; २६.

नीच-स्वार-धतो(त-उ)दात्त- -त्तान् कौशि ३८.

नीचा-पूर्वb- -र्वः तैप्रा ५.८.

नीचा(च-त्र)वप्रद् - -हम् माशि 8.4.

नीचा-शा(खा>)खb- -खः या ६,

नीची अभू ,नीची भवति श्रप ५०. 9,3:8.

नीचै:-कर- -राणि तैप्रा २२, १०. नीचैर्-गमन- -नम् या १, ११; श्रश्रम् ८.

नीचै:-शा(खा>)खb- -ख: या ६.

नीचैस्-तर-> शाम् काश्रौ ७, २. २८2: श्रापश्रौ १०, ४, १०३; २४,१४,५; वैश्री १२, ५:७;८; हिश्रौ २१,२,४०; शांग्र ४,१५, १८र सौगु ४,२,३; तैप्रा १,४४. नीचैस-ता- -तायाम् हिश्री ६,

9.8. नीचो(च-उ)च-त्व- -त्वम् याशि 2,20.

नीचो (च-उ) च-स्वार-संप (न>) - जा- - जाम तैप्रा २३, २४; कौशि ६७.

नीचाप $\lfloor , य^{j} \rfloor$ क k - (> °पकीय-, °यकीय- पा.) पाग ४,२,९०. नीची-, नीचीन- प्रमृ. न्य(नि√श्र) च, ञ्च् इ.

नीड°-पाउमो २,२,११९; पाग २,४, ३१; -डम् सु ३१, १; वाध ६, ३; निघ ३, ४ ; -डात् बौश्रौ ६, १७: ८; वेश्रौ १२,

c) सवा. ब्रावश्री ४,४,८ भाश्री ४,५,५ हिथी ६,१,५१ b) विप. । वस. । a) तु. पासि.। दृः इति पाभे. । d) विप., नाप. (अनुदात्त-) । e) वैप १ द्र. । f) < √नम् । <math>g⟩ अर्थः ? । तु. पाका. । 3नीप- इति भागडा. पासि., नील- इति Lपक्षे। पाका. । h) उप. = २दक्षिणा- । i) विप. । कस. > वस. \triangleright j) तु. भाराडा. प्रभृ.। k) तु. पागम.।

२१: १५; - डे श्रापश्री ११, १७,१०; १२, २, १२; बौश्रौ. १.२नीत-, नीति- प्रमृ. √नी द्र. १नीप°- (>नैप-पा.) पाउ ३, २३; पाग ४,३,१५२^b. रतीप°->नीप्य- -प्याय शुप्रा ५, 30年. नीपातिथि°- -थिः ऋत्र २,८,३४; सात्र १,३४८. श्नीयन्तम्, नीयमान- √नी द्र. नीर- पाउ २, १३; -रम् अप ४८, ७५^{‡d}; ८९^{‡e}; निघ १,१२^{‡d}; या १४,११. नी(<निर्)-रजस्-(*>) का $^1-$ -का बौध २,२,६३. नी(<नि) $\sqrt{1 ज}>$ नी-राजन g --नम् श्रप १७,१,४; ८;१८^२,८, १;१२,२;१६, १; -ने कप्र ३, ७,८: श्राप २४,१,२. नी-राजियरवा श्रप १८, ३,९. √नील पाघा. भ्वा. पर. वर्णे. रेनील,ला°- पा ४,१, ४२; पावा ४, २.२: पाग ३,१,१२^h;१३;४, ३,१५२^{a¹b}; -लः त्रप२४,३,४; -लम् बौधौ १४,१: १०;,१२†; त्रापगृ; शंध ११६:८1; बौध २, ५,२५^{†1}; -ला श्रप २१,६, २; -लाः त्रप ४३,५,६० ‡; याशि २,१; उनिस् ८: ७; -लान् विध ५०,२५; -लानि बौधौ २६,५: ३१: -लाम् जैय २, ९: ३४; -लाय त्रामिगृ २,६,८: ३४ + k;

-लेन श्रश्र १५, १; -†लेपु श्रापश्री १७.५, ३; वैश्री १९,५: १८; हिथ्रौ १२, २,१७; -है: त्राप ७०२,७,१७; ७१,११,५. नीली- पा ४,१,४२; -ली कौसू १२६, ५. नीली-काष्ट-क्षत- -तः शंध ४१२. नीली-रक्त- -क्तम् विध €€, ₹. नैल- पा ४,३,१५२. ‡नील-ग्रीव°- -वाय बौगृ २, ५, ३३: गौध २६,१२. ‡नील-नख°- -खेभ्यः अप ४६, ९, ४; श्रश्र १९,२२. नील-पङ्कज-पत्रा (त्र—श्रक्ष>) क्षी- -क्षीम् विध १,२२. नील-पर्वत- -ते विध ८५, १३. नील-बन्धन- -नः हिए २,७,२ 1. नील-भौम"- -मम् शंध ११६:३. नील-म(च्>)क्षाⁿ- -क्षाः कौस् ११७,9. नीलमक्षा(क्षा-ग्र)नाचार- -रे कीसू ९३,२४. नील-मक्षिका- -का बौधौ२७,९:१. नील-रिम-प्ररोहत् - -हन्तः श्रप ६५,१,११. नील-रुद्र°- -दै: श्रव १९१,३,५. नील-लोहित^p- - † ०त शुप्रा. २. २०; -तः अप्राय २, ३३; श्रप ४८,११६; - †तम् कौगृ १, ८, ८; शांग्र १,१२,८; काग्र ३१,४;

-ताभ्याम् बौश्रौ ५, १७:४: २१, ६: ४; वैश्री; -ते बौश्री ५, १६ : ४ कं त्रापमं १,६,८ के. श्रामिय ३,६,३ : ४; बीय १.५. १० +; बौपि १, ११: ४; कौस ८३,४; -तेन कागृ ३१,४; वागृ १६,११: कौस् १६,२०. नीललोहित-पर्यक्त- -क्ताः अप 40,9,0. नीललोहित-पर्यन्त'- -न्तः श्रप ५३,५,३; -न्तम् अप ६१, १, 98. नील-लोहित-पीतक- -काः श्रप €8,₹,9°. नील-व(र्ग्) र्णा,र्णा'- -र्णायाः श्रप ३८, १, ५; -ण्याः श्रामिगृ ₹,७,७: ६. नील-वृप- -पेण शंध ३३३. नीलवृष-वत्स-प्रभव- -वः शंध ३३३. †नील-शिखण्ड¹- -०ण्ड हिमृ १, १५,६; -ण्डेन श्रश्र ११,२‡8. नीला(ल-ग्र)ङ्ग^t-> °ङ्ग-लोहितत-ल- -ली अप ६४,६,५. नीला(ल-श्र)ब्ज-ने(त्र>)त्रा--०त्रे विध ९९,३. √नीलाय पा ३,१,१३. नीलो(ल-उ)ःपल->°ल-दल-प्र-(भा>)भ- -भैः अप ६४, १, 90. नीलोत्पल-निभ- -भः अप २१,

७, ३.

a) अर्थ: ब्यु. च ?। b) नीच – टि. इ.। c) वैप १ इ.। d) = उदक-। e) = गृह-। f) विप.। बस.। g) = श्रारात्रिक-। h) तु. पागम.। i) = महापर्वता-ऽन्यतम-। j) व्यप.। k) = यम-। l) सपा. श्रापमं २, १६,१ पाग्र १,१६,२४ बालवन्धनः इति पामे.। m) = पाताल-विशेष-। बस.। n) उप. = मिक्षका-। o) = मन्त्र-विशेष-। p) वैप १,१८५० m इ.। q) पामे. वैप १,१८५० o इ.। r) = शिव-। बस.। s) पामे. वैप १,१८५० v इ.। t) विप.। बस. \Rightarrow कस.।

नीकोत्पल-यु(त>)ता- -ताः विघ १,२७. नीको(ल-उ)पकाश^{a>b}- -शः त्रापश्रौ ६,९,१†.

२नीळ°- पाग ४, १, १५४; -लाः बौधौप्र ४८: ८; १३. नैलायनि- पा ४,१,१५४. नीला(ल-म्रा)न्नेय- -याः बौधौप्र २७: ६.

नीळङ्गु^d— पाउ १,३६. †नीळागळसाळा^d— -ला त्रप ४८, ११६; त्रप्रा ३,४,७. √नीव पाधा. भ्वा. पर. स्यौख्ये.

√ नीव् पाधा. भ्वा. पर. स्थौल्थे. नीवर- पाउ ३,१.

नीचार- नि√ृष्ट (भोजने) द्र. नीचि,ची पे- पाउ ४, १३६; - †विः काश्रौ ७, ३, २३; त्रापश्रौ १०, ६,६; भाश्रौ १०, ४, ४; हिश्रौ १०, १, ३९; श्रुत्र १, २५०; - विम् काश्रौ ४, १,१५; ७, २, १७; ३,२३; श्रापश्रौ १०,६,६; हिश्रौ १०, १, ३९; -बीः हिश्रौ ९,४, २८; -बीम् काश्रौ ५,९,

२०; भाश्री १०,४,४; माश्री. नीवि-देश - -शे बौश्री ३, २०: २९.

नीवी-हस्त^a – स्तेन श्रप १,२८,४. नी-वृत् – नि $\sqrt{2}$ त् द्र. नी-हार –, $\sqrt{-1}$ हाराय नि $\sqrt{2}$ द्र. +7, > नृ 4 श्राधी ३,७,१२;८,९ 3 ××;

६,४,१०^{१०}; शांश्री; श्रापश्री ५, ६,३¹; बोश्री १०,११:९^{१६}; नैध ४, ८, ७^१¹; या १, ४^४; ४,२; १७^४**ई**; १०,३**ई**; पा ६, ३,१३३; पाग १,४,५७. चुकम्^त निघ ३, १२†; पाग १,४, ५७.

[‡]√नु, नृपाधा. श्रदा. तुदा. पर. स्तवने, नवते निघ २, १४; नवन्ते ऋश्र २, ९, १००; साश्र १,५५०; ऋषा ७,४३.

नौति श्रव ४८,९; निघ ३,१४. अन्पत श्राश्रो ६,१,२;८,३,३४; शांश्रो १२,१२,६; वैताश्रो २५, ९; कौस् ४७,१६; श्रव ३७,१,९; ऋग्र २,३,३०; १०,४३; साश्र १,३७५; या ४,१९‡∯¹; शुप्रा ४,७८. नोत्तमः श्राश्रो ५,१५,२; ६,

५,१८; श्रापथ्रौ. नवन¹-- नम् या ४,१६.

चुँ- चुः ग्रुप्रा ३,१३३××.

√नुद् पाधा. तुदा. उम. प्रेरणे, चुदते
वौश्री २३,०: ३; नुदति या ५,
२६; नुदन्ति सु ८,१; नुदतु
कौस् १३५,९°‡; नुदतात् वौश्री
२,९: ४‡; नुदन्तु कौस् १३५,
९³‡; ‡नुदस्व कैताश्री ४, ५;
माग्र १,१३. १५; २,१,०;
श्रप्राय २,५; ‡नुद,>दा श्रप्र
४२,१,८; ग्रुप्रा ३,१००; तैप्रा
३,८; नुदत माग्र २,१०,१‡;
अनुदत् वृदे ४,२३; नुदेत् ऋपा
११,४३; नुदेय बौश्री १७,२८ः

१७; हिश्रौ १२, ८, ७; श्रापछ १२,६†; हिछु ४,२८†. नुनुदे बौधौ १८, ३१:१५†. नुचेर्त्त् बौधौ २३,७:४.

नुत्त^d- पा ८, २, ५६; -त्तानाम् श्रप्रा २,३,१६‡.

नुदत्- -दन् वैताश्रौ १४,१‡. नुदनु- पाउना ३,५१.

†नुदमान- -ने श्रापश्री ४, ६, ५; भाश्री ४,९,३; वैश्री ५, ७:५; हिश्री ६,२,१६.

नुन्न- पा ८,२,५६.

नोद्यमान- -नः सु ८,४. नुलु¹-- -लुः श्रप ४८,११६.

√नू √त द. †न्:^{1,12} श्रावधी ४,४,४ⁿ; माधौ ४, ५,५; हिधौ ६,१,५१.

†नूतन^d-- पावा ५,४,२५\$; -नम् श्रप ४८,६९; निघ ३,२८; श्रप्रा ३,४,१; -नाः श्राप्तिय ३,४,१:१५; बौपि १,४: १०;१५:४; -नेन श्राधौ ३, ८,१;५,१७,३; बौधौ १३, २२:४; श्रप्राय ६,१; -नै: या ७,१६०.

नूल^d- पावा ५,४,२५; - †तम् श्रप ४८,६९; निघ ३,२८.

†नूनम्^व श्राश्रौ २, ९, ४४×; शांश्रौ; या १,५;६; ११, ३६; न्ता३म् बीश्रौ १८,४५ : २२.

नूपुर°- पाउमो २, ३, ५२; पाग २, ४,३१^०.

a) विष. । बस. । b) उप. =प्रकाश- । c) = ऋषि-विशेष- । ब्यु. ! । d) वैप १ द्र. । e) अनु इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. ऋ ८,९५,०) । f) पाभे. वैप १ पिर. अनु ऋ ३,९०,९ टि. द्र. । g) अनु इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. मा २७,२४) । h) अनु इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. छांउ ४,४,४) । i) पाभे. वैप १ पिर. अभिद्यवः ऋ १,९३४,२ टि. द्र. । j) = स्तोत्र- । करणे ल्युट् प्र. । k) = न-(वर्ण-विशेष-) । व्यु. ? । l) श्रर्थः व्यु. च ? । m) पाभे. प् १४४५ С द्र. । n) नृत् इति पाठः ? यिन. शोधः (तु. С., भाशौ. प्रमृ. च) । o) = पाद-भूषण- । व्यु. ? । p) तु. पागम. ।

१नर्ते हिए २,९,१०.

न पाउ २,१००; पा ६, १, १८४; ४,६; पागवा ४,१,७३; ‡नरः ब्राभ्रौ २, १३, ७^१××; शांश्रौ; माश्री ५, २, ८, २०°; या १, 90; 4, 90; 9, 98; १०, ३०; ‡०नरः श्राश्रौ ८, ३, ३०व; शांश्री ६, १०, ८; १२. २४, २^d; १६, ११, ९; काश्रौ १०, ५, ४°; श्रापश्रौ ११, ५,91; माश्री १,२,४,9९1;वाश्री १,३,२,91; लाओ; नरम् श्राधौ 0, ४, ३⁸; शांश्री १८, ५, ९⁸; वैताश्री ४०, १४; ४१, १; ४२, ५; ऋप्रा ७, ४३; ‡नरा आश्री ४. १५. २; शांश्री ६, ६,६; ७, १०, १०; ‡०नरा आश्री ७. ९. २; शांश्री; या ५, २४: नरे आपश्री १४, २९,२ b; **†०नरी** श्रप्राय ६, ९; नृणाम् +ब्राश्री ८, ६, १२; ९, ५, ५; शांथी: या ६, १ 1; +नृभिः आश्री ६, १२, ११; शांश्री; या ५.६: नूभ्यः या ११, ३६; पावा ७,३,१०९; नृषु बृदे ७, ६०; नृणाम् अप ३१, १०, ५; ७०, २, २ ; शंध; नृन् शांश्री १४, ४३, १३; वैध ३, ११, ७; या ११. ९१1; ऋप्रा ४, ७१ ‡; ودالانا: ۱۲ در ۱۲ در ۱۲ در کر الانالان 90.

श्नारि.रीb- पावा ४, १, ७३; ४. ४९; - + ०रि शांश्री १६, १३, १३; वैताश्री; श्रापमं १, १३,२‡™; - †रिषु बौश्रौ १३, १३:५; काय ७३, २; या ११, ३८; -री शांश्री १२, २४,२‡; लाश्री ९, १०, ६‡; श्रापमं; - †री: शांश्रौ ४, १६, ६; आगृ ४, ६, १२; कौगृ; -रीणाम् अप ६४, ८, ७; ७१, १८,१; शंध; -रीम् श्रामिय २, ७, ६ : ४; १०; जैगृ; -शिषु विध ९९, २१; -र्यः सु ४, २; त्रप ७०^२,१०,२; ७०^३,११,३१; -र्याः शंघ ३००; - †र्याम् श्रापमं १, १२, ६; मागृ २, १८,४; -यें श्रापमं १,८,१.

नारी-निबन्धन°- -नः याशि २,१०२; नाशि २,८,२४.

नारी-मध्य- -ध्ये विध ७०.

नारी-सख-प्रसव^p- -वाय अत्र १,११.

नरा(र-श्रा)दिव- -दिः वैश्रौ २१, 3 : 8.

१न-चक्स्^b- पाउ ४,२३३; -०क्षः वाध्री १, ६, ५, १०; - †क्षसः

शांश्री ९, २८,१०; कागृउ ४०: ८; - क्सम् शांश्री ७, ४, ४: श्रापश्री; -त्तसा हिपि १८: ८ ; - पक्षसाम् काश्री १७. १०,१३; बौश्रौ १०,४२: १०: माश्री ६, २, १, २४: - †क्षाः श्राश्री ५, १९, ४; शांश्री ७. ४,४1; जैश्री; माशि ११,३8. ?न-जित् t- -जितम् शांश्रौ १४.

83.9. नृजित्-प्रभृति- -तिभ्यः शांश्रौ १५,90,६.

‡?नु-ज्यायम्^b माश्रौ ५, १,५,६७. †नृ-तम- -मः शांश्रौ १८,१५,५: -मम् आश्रौ ८, ६, १२; शांश्रौ १४,३,७; १८,99,७.

न-नम^u-, न-नमन- पाग ८, ४, 39.

?न्-प,पा"- - • प वृदे ३, १४६; -पः श्रप २, १, ५××; विध; श्रश्र २०, ६३?; -पम् श्रप ७, १,१३××; बृदे; -पस्य कप्र १, ६, ५; ऋप; -पाणाम् ऋप ७, १, १३; ७०३, १०, ४; -पाय त्रा २४,५,५; -पायाम् वैध 3,98,9; 94, 4; 6; 6; -4 शांश्री १६, ९, १०×; अप ६९, ८. २××: -पेण अप २, ४,२; ५.५.१: -पी बृदे ५,१२७.

b) वेष १ द. । c) वैतु. भा. सा. a) पाठः? तूर्तम् (तु. भाष्यम्) इति संस्कर्तुः टि. ? । e) पामे. वैप १,9६०६ g इ. । (तैव्रा ३,६,२,३) नर->-रः इति । d) वैप १, १०८८ d इ. । f) पामे. वैप २,३ खं नराः तैत्रा ३, ७, ७, १३ टि. इ.। g) पामे. वैप १, १८५६ g इ.। वैप १,१८५६ कि.। i) पामे. वैप १,१८५७ g इ.। j) नृन् इति पाउः ? यनि. शोधः (तु. RN.)। k) वैप १,१८५९ b इ. । 1) सकृत् पामे. वैप १,१८५९ c इ. । m) पामे. वैप १,१३४५ K इ. । n) पामे. वैप १, १८५९ h इ. । o) विप. । यस. । p) पस. > तृस. । q) पूप. = < न > नरः (ऋ ७,१,१) इति । r) पामे. वैपर सुचक्षाः ते ३, २,५,९ टि. इ. । ऽ) उत्तरेण संधिरार्षः । सप्र. याशि २,९४ सक्क्षा इति पामे. । t) = कतु-विशेष-। उस. उप. करणे प्र. । u) [पक्षे] पागम.। v) नाप.। व्यु. १। कतेरि <√नृष् (तु. वैप १,१८६० i) इति मतम्। w) = चत्रिया-। x) पामे. वैप २,३खं. राज्ञि माश १३,५,४,९८ टि. इ. ।

नृप-क्षय°- -ये बृदे ५,१९.

नृप-दर्शन- -नम् श्राज्यो ८, २.

नृप-प्रासाइ-संनिध- -धौ श्रप ₹8, ₹, 9. नृप-मेष्यb- -ध्ये अप ७०^३,१०, नृप-राष्ट्- •ध्ट्राय श्रव ७,१,९. नृप(प-ऋ)र्षि-कुल—(ज>) जा°- -जा बृदे ५,५७. नृप-शता(त-श्र)धिपता- -ताम् अप २४,६,१. नृप-स्त्री- -स्त्रियाम् श्रप ७०3, नृपा(प-२आ)यd- - चानाम् अप ६३, २,४. नृपा(प-त्र)ध्यक्ष- -क्षाः अप EC. 7. 70. नृपा(प-ग्र)भिषेक- -कम् आज्यो नृपा(प-त्रा)लय- -यम् अप 503, 23, c. १नृपति°- -तिः श्रप ३, २,५; १९, १,१३××; बृदे ७, ५९; ८, १; -तिम् वौश्रौ १३,५: १४; कौय ५, ३,३१; श्रामिय ३, ६, १: २९; बौषि १, ९:६; -तिपु श्रप ५१,५,१; -ती वृदे ५,६२; - †०ते वा ६,१; शुप्रा २,१९; -तेः त्रप २४,३,५××; विध ३, ९७: बृदे ५,३२; -ती श्रप ६४, 90, 4. नपति-गग- -णः अप ५१, ४,

₹. नृपति-प्रयाण- -णम् श्राज्यो नृपति-भय-कर--राः श्रप 903,99,38. नृपति-वध- -धे विध ५०,११. †?न्-पाण°- -णः श्रापश्री १६, १४, ५; वाश्रौ २, १, ५, २०; वैश्री १८,१२: १३; -णम् या 4, 25 \$ \$. १न-पारय°- - स्यम् शुप्रा ४,१५३ † नृ-मणस्°- - +०णः द्राश्रौ २, ४, १; लाश्री १,८,१; - †णसि?ष जैश्री १४,१७; जैश्रोका १४१; - एगाः बौध्रौ १५,७:१४; वैताध्रौ. नृ-मत्h->नार्मत- -ते पावा ८, नृ-मादन - - नम् निस् ८,9:9%. १न-मेध°- -धः ऋंग्र २,८,९८××; शुत्रः श्रश्न २०,६२;६४^{?1}; १००; 9081. नार्मेध k- -धः ऋष २, १०, १३२; -धम् शांश्री ९, ४, १; लाश्री ८,१,१४; १०,१०, ११; क्षुसू ; -धस्य लाश्रौ ६,१२, ३; १०,१०,१३; -धात् अस् १,५, २७: निस् ४,१०: ९. नार्मेध-सदश- -शम् निस् ६,४ : ३. नार्मेध-स्तोत्रीया- -ये निस् २,११: २६. ‡नार्मेधा(ध-श्र)न्त- -न्ते

द्राभी १, ४, १८; लाश्री १, ४, नृमेध-पुरुमेध- -धयो: शुश्र २, ४२७; -धी ऋत्र २, ८, ८९; सात्र १,२४८××. नृ-मेधस्1- -धसः चात्र ४१ : २०. नृ-यज्ञ - -ज्ञः कप्र २, ३, ३; विध 49.24. नृ-लोक- -के विध २०,४०. ?+नृ-वत्° श्राश्रौ ६,७,६:८,७,२२: शांश्री. **†नृ-वत्- वत् वौश्रौ १८,६ : १३**; -बन्तः श्रापमं १,१४, ३. नृवती- -तीः आपश्रौ २४, 93,34. नृवत्-सखिº-- खा बौश्रौ ३,२२: 984. नृ-वर"- पाग २,२,३१. न-वराह"- पाग २,१,६२. †नृ-वाहण°- -णम् काश्री १२, ३, १४१º; श्रापश्री. १न्-वाहस्°- -हसा बीश्री १५,२४: नृ-शंस^p- -सम् अप २,६,२; -सस्य शंध ४३४; -साः काश्रौ २२, 8, 8. नृशंस-तम- -मः काथौ २२, 8, 0. नृ-पद् - पाग ३,9, १२; -पत् या १४, ३१‡; - †पदम् आपश्री १८,२,१: बौधी ११, ३: १०; वेथ्री १७,९:४; हिथ्री १३,१,

a) उप. $<\sqrt{k}$! (निवासे) । b) उप. $=\frac{1}{2}$ त्य- । c) विप. । कस. > पस. > उस. । d) विप. । aस. । e) वेप १ द्व. । f) पाभे. वेप १,9८६० g द्व. । g) पाठः ? नृमणाः असि इति द्विपदः शोधः संभाव्यते (तु. सपा. मा २२,9९) । h) व्यप. । g) धाः इति पाठः ? यनि, शोधः । g) भी इति पाठः ? यनि, शोधः । g) वेप हत्यप. (ऋत्र.), स्तोत्र-विशेष- (शांशी.), साम-विशेष- (श्रान्यत्र) । g0) नृवाहरणम् इति पाठः ? यनि, शोधः (तु. ऋ २,३७, ५) । g1) वेप १,9८६२ g2. ।

१६; - पद काश्री १८, ३, ५; त्रापश्री. क्नार्षद - -दः ऋप्रा ५,३०; -देन शौच ४,८३. √नुषाय पा ३,9,9२. +न-पद्य°- -हो ऋपा ९,४३;४४. न-षाº- -षाः श्रप्राय ६,३ क. न-बासहि- -हिः माश्रौ १, ६, २, 904. न-पाहक- -पाहम ऋपा ९, ४७ मे. न-षाद्ये - - ह्ये ऋपा ९,३० मे. न-पृत°- -तः ऋपा ७,२३ न. शन-चक्षस- प्रमृ. नृ- द्र. √तृत b पाधा. दिवा. पर. गात्रविक्षेपे, नर्तति अप ६८,४,२. नृत्यति वाधूश्रौ ३, ४९: ५५; ज्त्यन्ति कौस् १०५,१; अपं ३: ५५ : या ५,9. १नते - पा. पाग ३,१,१३४. २नर्त-L,र्तिव](> नार्तिक- पा.) पाग ५,9,६४°. नर्तक- पावा ३,१,१४५; -कः वेध 3.93,90. नर्तकी- -क्यः श्राप्तिगृ ३,८,१ : २१; बौषि १,१४: १९. नर्तन- पाग ८,४, ३९; -नम् कागृ ३, १७; २२, १; अप ६४, ४, 90; ६८,4,9 3. †नृति - नये श्राप्तिगृ ३, ७, १: २०; बौपि १,१७: १८. †नत् - - • तो निस् १,७ : १६१1; ऋप्रा २,४२; ऋत ३,२,८.

नत- पाउ १,९१. नृत्त->नृत्त-गीत-वादित्र- -त्राणि हिपि १४: १५; श्रापध २,२५, नृत्तगीतवादित्र-वत्- -वत् काश्री २१,३,११. नृत्त-गीत-वादित्र-गन्ध-माल्यो-(ल्य-उ)पानच्-छत्रधारणा(ण-श्र) क्षना(न-इ:)भ्यक्षन-वर्जिन्--र्जी बौध १,२,२५. नृत्त-गीत-वादित्र-रुदित-साम-शब्द- -ब्देपु बौध १,११,२३. नृत्त-गीत-वाद्या(य-श्रा)दि--दीनि श्रामिगृ २,४,३: १८. नृत्य->नृत्य-गीत- -ते वागृ ६, २३; विध ७१,७०. नृत्यगीत-शील- -लेभ्यः विध ९३,१४. नृत्य-गीत-कथा-शील- -लाः अप ६८, १,४१. नृत्य-गीत-वादित--तानि श्राधौ १२,८,१८. नृत्य-गीत-वादिन्न- -त्राणि पाय २,७,३; श्रापध २,२५,१४; हिध २,५,१९४. नृत्य-वादित्र-गीत- -तानि अप ₹8, ₹, ₹. मृत्यत्- -त्यत्सु कौतु ९३, १३; -स्यद्भिः श्रप ६८,२,४२, ज-तम-, [?]न-प- प्रमृ. न्- द्र. नुमणि - -णिः पागृ १,१६,२३ b. न-मादन- तु- इ.

†न्मण°- नणः श्रापश्रौ १३,१६,८: हिश्रौ १०, ५, १२; -मणम् शांश्री १०, १४, ६; माश्री; या ११,९क: -म्णस्य श्रापश्री १३. १६,८; हिश्रौ १०, ५, १२; या १०,१००; -मणा उस् ३,५. न-यज्ञ- प्रमृ. न- द. √न¹ पाधा. भ्या. कवा. पर. नये. नेक!- -कः सात्र १,२०१. ‡नेक्षण8- -णेन कौसू २, ११; ८७, नेगा 1,k - -गेभ्यः सात्र १,9. नैगि- -गिः ऋत ४, ३, २; -गिनाः ऋत २,६,९. नैगेय¹- -याः चव्यू ३: ८. †नेजमेष³- -०प श्रापमं १, १२, ७; त्रागः; बृदे ८,८३^m; -पः बृदे ३.५९m; -पाय बौगृ २,६,१८. नैजमेप - -पम् माग् २, १८,४. नेतव्य-, नेत्-, नेतोस्, नेत्र- प्रमृ. √नी द्र. नेत्व- पाउना ४,११६. †नेद^{8'0} श्राश्री ३,३,१; श्राप्तिगृ ३, ५,७: २५; या १, १९ शुप्रा ६, १७; भासू २, ६; पाग १, 8,408. √नेद पाधा. भ्वा. उभ. कुत्सासंनि-कर्पयोः, नेद्ति निघ २,१४ + p. नेद°-> नेदिष्ट- पा ५,३,६३; -ष्टः शांश्री १५,२२,9‡; श्रापमं १, ४, १५‡; आग्निय १, ५, ४:

१०; अप्राय ४, १‡; -एम्

a) वैप १ द्र. । b) पा १,३,८९; ७,२,५७ पागवा ८, ४,३९ परामृष्टः द्र. । c) मेध-, नर्त- इति भाण्डा. पासि., मेधानर्त- इति पाका. । d) पासि. पाठः । e) वर्त- इति पाका. । f) °तः इति पाठः ? यिन. शोधः ।तु. ऋ २,२२,४) । g) = वालप्रह-विशेष- । व्यु. ? । h) पामे. पृ १४०८ i द्र. । i) पा ७,३,८० परामृष्टः द्र. । j) = ऋषि-विशेष- । व्यु. ? । k) $< \sqrt{$ निज् इति संस्कर्तुः टि. । l) = शाखा-, तदध्यायिन्- वा । तेन प्रोक्तमधीयत इत्येथें ढक् > एयः प्र. उसं. (पा ४,३,१०१) । m) = ऋषि-विशेष- । n) विष. प्रत्येदमीयः अपू प्र. । o) परिभये इति या १,१०। o) गतौ वृत्तः ।

काश्री २५, १३, २७; वाधूश्री ४, १०८: १३; वैताश्री ३७, १६; कीसू १२७, ५‡; -छाः कौगु ५,२,९; -छे निस् ६,३: १०.

नेदिष्टिन् - - छिनम् आश्रौ ६, १०,२५; - छिनौ निस् ५,८: ५; - छी काश्रौ २५ं, १४, १; स्रापश्रौ.

नेदीयस- पा ५, २, ६३; - वा नेदा में स्वाधी ५, १४, ५; रांधी ७, १९,१०; वीधी १५,१३: १३; वाधूबी ३, ४०: ९; या ५, २८० ; -यसि श्वापश्ची ५, ४,५; वीधी; -यसी निस् ८,४: ५; -यान् वीधी २०, ३:२९. नेदीयसी- सी निस् ४,७: ५; -स्या निस् ११,११:

श्नेद्य वाध्रश्री ४,०५ : ३. नेनीयाम्-, नेन्य- √नी द्र. नेप- पाउ ३,२३. नेपाल^b- >नेपाल-कामरूप- -पम् अप ५६,१,१०.

श्रव ५६,१,१०. १नेम^a – पाउ १, १४०; पांग १,१, २७; –मः श्रव ४८,११९; निघ ३,२९†; या ३, २०³∳; –मे. या ३,२०³†.

नेम-स्पृष्ट° - - एा: पाशि २३. २नेम° -> √नेम>३नेम° - - म: नेगि -, नैगेय - नेग - द्र. ऋग्र २,८,१००; वृदे ६,१९७; नैघग्रुक - निघग्रु - द्र.

११८. ?नेमतिथीवन्^d - -वानः शांश्रौ ८, २१,१‡°. नेम-धित- पा ७, ४,४५. †नेम-धिति* - -ता श्राश्रौ ३,७,११; निघ २,१७; -तिः श्रप ४८,

† छने म¹ - - मः श्रव ४८,८८; निघर,७. ने मिⁿ - पाउ ४, ४३; पावा ३,२, १७१³; - मिः श्राश्रौ १,३,६‡; शाश्रौ; श्रव ४८, १०४‡⁸; निघ २, २०‡⁸; - मिम् बौश्रौ १७, २९:६; बौग्र; - स्याम् बौग्रु १६:२०.

नेमि-नाभि - भ्यो: बौछ १६: १४. √नेप् पाधा. भ्या. उम. गतौ. १नेप्राचिद्धकृतानि बाशौ ४,९,१३. १नेप्राचिद्धम् बौयौ १७, ४४: ५. १नेप्राचिद्धम् बौय १,३,३६. नेष्ट्र-, नेष्ट्र- प्रम्. √नी द. नेकटिक-, °कटय- १निकट- द. नैकति - (नैकत- पा.) पाग ४,२, ११०¹. नैकरि- -रि: बौशौप १०,३.

नैकृतिक- नि√कृ द्र. नैकेती- (>नैकेत- पा.) नैक्ती-टि. द्र. नैगम-, °मी नि√गच्छ् द्र. नैगि-, नैगेय- नेग- द्र.

नैकी- (>नैक-) नैकती- टि. इ.

नेघात्य- नि√हन् द्र. १तेच-,२ते(च)चा- नीच-द्र. नेजमेष- नेजमेष- द्र. नेतकी-(>नेतक-पा.)नेक्ती-टि.द्र. नेतन्घव™- -बाः लाश्री १०,१८,१३; -बे शांश्री १३,२९, २८; काश्री २४,६,३१; आपश्री २३, १३, १२; हिश्री १८,४,४८. नेतिरिक्षिण- -क्षयः बीश्रीप्र २४:१. नेतुन्द्य -न्द्यः बीश्रीप्र २७:१. नेतुन्द्य -न्द्यः बीश्रीप्र २०:२. नेतारा- नि√तुश् द्र. नेत्य-, °त्यक- नित्य- द्र. नेदाच-, °वी- नि√दह् द्र. नेदान- नि√दो द्र.

नेधन- नि√धन् द. नैधवन- निधवन- द. नेधान-,°न्य-नि√धा>नि-धान-र. नेधिकी-(>नैधिक-पा.)नैक्ती-टि. द. नैध्य-, °वि- निधुव- द.

नेपातिक-, °स्य- नि √पत्
> नि-पात- द्र.
नेपुण-, °प्य- √निपुण-द्र.
नेबद्धक- १निवद्ध- द्र.
नेमग्नक- १निमग्न- द्र.
नेमार्जन- नि√मृज् द्र.
नेमित्त-, °त्तिक- निमित्त- द्र.
नेमिशायन-, °शे- निमिश- द्र.

नैमिश्रायण-, °श्रि- निमिश्र- इ.

तैप- १नीप-इ.

a) वैप १ द्र. । b) = देश-विशेष- । ब्यु. ? । c) (शलाम्) श्राभ्य-तर-प्रयत्त- । d) वावि. < नेमिध-तीवन् - (वैप१ द्र.) । e) पामे. वैप १, १८६६ । द्र. । f) = श्रज्ञ- । ब्यु. ? < \checkmark नी इति दे. । g) = बज्ज- । h) पाठः ? निष् टे (<ते) आविद्धं कृन्तानि इति शोधः । i) पाठः ? निष् टे (<ते) आविद्धं कृन्तानि इति शोधः । i) पाठः ? नीष् हेन् हेति शोधः । i) पाठः (मृको. ॰विद्धं म्) ? नोषः निष् टे (<ते) आविद्धं म् इति शोधः (तु. सपा. द्राश्री १२, १, १९) । i) पाठः (मृको. ॰विद्धं म्) ? नोषः । द्र. । i) नैकेती – , नैतकी – , नैतिकी – , नितिकी – , नैतिकी – , नैतिकी

नैमिष°- - षम् अप ४२, २, ४; शंघ ११६: १३; -षे शंघ १९४. नैमिषा(ष-अ)रण्य- -ण्ये विघ ८५, २८. नैमिषीय^b-> व्याणाम(अयन-) आपश्री २३, ११, १०; हिश्री १८,४,१४. नैमिषायण-, व्या- २ विष्कुल- द.

नैयप्रोध- न्यप्रोध- द्र. नैयमिक- नि-/यच्छ > नि-यम- द्र. नैयाय-, नैयायिक- नी(नि √इ) द्र. नैयासिक-न्य(नि 🗸 श्र)स्(द्वेपर्ये) इ. नैय्यप्रोध- न्यत्रोध- दं. नैरथि- -थयः बौश्रीप्र ५: १. नैरुक्त-, °िकक- निर्√वच् इ. नैर्ऋत-, °ती-, °त्य- निर्√ऋ द. नैर्बाध्य- निर्√ बाध् द्र. नैहस्त्य- निर्हस्त- द्र. नैल- १नील- इ. नेलायनि- २नील- इ. नैव- (>°वीय-) नैवाकव- टि. द्र. नेवकायन-, °िक- निवक- द्र. नेवतायन-, °ति- निवत- इ. नैवाकव°- (>°बीय- पा.) पाग 8,3,90.

नैवाकिव - निवाकु - द्र. नैवातायन - २ निवात द्र. नैवार - नि √वृ (भोजने) द्र. नैवासिक - नि √वस् (निवासे) द्र. नैवेद्य - नि √विद्(ज्ञाने) द्र. नैवेदा - २ निवेश द्र. नैव्य - १ निव - द्र. नैया - , नैशिक - निशा - द्र.

नेष- तिष्य- >तैष- टि. इ. नैषध- रनिषध- इ. नैषाद- प्रमृ. निषाद- इ. नैष्कर्तृक- निष्√क द्र. नैष्कशातिक-, °सहस्रिक-, नैष्किक-निष्क- द्र. नैष्क्रल्य- निष्-कुल- इ. नैष्क्रमण- निष्√कम् द्र. नैष्ययन⁰- -नानि वौश्रौ १७, ४५: ५: -नै: बौध्रौ १७,४५: ९××. नैष्ट्रिक−, नैष्ट्य− नि √ ष्टा द. नैिष्णहा- नि√िष्णह इ. नैष्प्रीष्य- निष्पुरीष- द. नैष्पेषिक- निष्√पिष् द्र. नैसर्गिक- नि√सज् द्र. ?नैहारिक- नि√ह द. नो १न इ. नोट- (>धी-) नाट- टि. इ. ?नोदल°- -लम् श्रापमं २, ११, १९; हिंगू २,३,३. नोद्यमान- √नुद् इ. नोधस्- पाउ ४,२२६;-धिस बृदे ३, १२८; -धाः ऋत्र २,१,५८;८, ८८;९,९३; गुअ; याध,१६‡\$. नौधस¹- -सः ऋत्र २,८, ८०; -सम् शांश्रौ ७,२३,१; १५,७, ४; बौश्रौ; -सस्य श्राश्रौ ८, ६, १७; शांश्री ७, २३, ३; लाश्री १०,१,१३; ध्रुस् १, १: २; ८; २:२9; ३:99; ४:9४; २२,4: 5; २,६: ४; 5; 90; १८; २५; -सात् निस् ४,

१०: ११; -से शांश्री ७, २३.. ६; निसू ३, १०: १२; -सेन ध्रस् २, ६:३१; जैश्रौ १७: २५; निसू ६, ३: ४. नौधस-प्रतिषेध- -धः निस् ६: 99:94. नीधस-वैरूप- -पे आश्री ९,११. नौधस-इयैत- -तम् धुसू २, 4: 28. नौधसइयैत-योनि-वैताश्री ३३,७. ?नोघात् अग ४८,११५^h. नोपध- न- इ. नोपर- १न- इ. ?नोपान- -नेन अप ६८,२,४१1. नोहि १न- इ. नी अस्मद्- द्र. नी'- पाउ २,६४; पाग ५, २, ११६; ४, ३1; १५१; नावः आश्री ३, ७, ८ ; १२,८,१०; बौश्री १२, ११: ८; कप्र २,८, २; कौसू ७१, २०; ८६, २३; पा ५,४, ९९; नावम् आश्री ४, १३, २‡; आपश्री १०, ९. ४+; बौश्री ६,५ : ६+;१८, ४० : १६; २२; २५, ७ : ५; भाश्री १०, ६, १+; वाध्रश्री ३, ३९: १६, १८; ९९: १; ३;-ध, ३६:२; वैश्रौ १२,८:

११+; सु १९, ५; आए १,

८, २; २, ६, ८; कौगृ १,९,

१४: शांय १, १५, १७; पाय

a)= श्ररएय-विशेष-। ब्यु. १। < निमिष- वा = नैमिश- (< निमिश- । < निमिन- + $\sqrt{2}$ । वेति शक. । b) = नैमिप-निवासिन-। c) श्रर्थः ब्यु. च १। नैव-, बक- इति पाका.। < निवाकु- इति पागम. PW. । d) = हिवर्-विशेष- (तु. RIV.)। ब्यु. १। e) पाठः १ नो दलम् (तु. हिग्र. पाठः) १ इति वा न उदलम् (= उदरम्) इति वा संस्कृतुः टि. (तु. श्रापमंभू. । प्र XXIV।)। f) वैप १ ह.। g) अपत्यार्थे अण् प्र.। h) तो॰ इति मृक्तो., तोधः इति च तत्र संस्कृतुंः टि. शोधः। i) पाठः १ नोत्पातेन इति संस्कृतुंः टि.। j) तु. पागम.।

३,२,९××: आपगृ ६,१: कागृ ४५,१० †; बौग २,२,९ †; गोग ₹, २, २०; ४, ६, ११+1; द्रायः; †या ५, २३४; २५; ९,४; नावया^b बौश्रो १८, ४६: १०; नावा बौश्रौ २८. १०: ७ ; बीगृ ४, ३,६३; मागृ १,१३,१६; जैगृ १, १७: ५; विध ६३,४७; †या ७, २०; १४, ३३; नावि श्रापश्रौ ५, २५, ८: १०, १९, १२; भाश्री ५, १६, २१; माश्री १,५, ६.१५: वाश्री १.४. ३. ४२: वैश्री १, १८:४; कौसू ४८, ५; वाध १३, १९; १४, ३६; त्रापध १,१७,६; हिध १.५.३८; नौः बौश्रौ १८,४६: १४; २५, ७; ४; वाधूश्री ३, ९: १४:४,३६: ६; अप ४८, १०२ 🕈 : बोध १,५,५४; शुत्र २.४५४: निघ १.११‡°: या ५, २३: माशि.

नावा(व-ग्र)प्र^d - - ग्रम् ग्रप ६८,५,६. नाविक - पा ४,४,७; ५,२,११६; -कः विध ५,१३२; वैध ३,

२ नाव्य, व्या⁶ – पा ४, ४, ९१; — व्ययोः कौस् १८,२२; — व्या बौधी २३, ५: १०; आग्र १, १२,६; — व्याः भाधी १०,१२, २०; हिथी ६, ५, २५; १०, ३, १३; — व्यान् आपग्र ६, २; — व्याभ्याम् कौस् १९, ४. —च्यायाः कौस् १८, २; त्र्यशां १५,६.

नौ-(क>)का- पा ५,४,३¹; -का याशि १,४४⁸.

नौ-काका(क-स्र)न्न-ग्रुक-श्रगाल-वर्ज्य- -स्प्रेंपु पावा २,३,१७. नौ-चक्री- > की-वत्- -वन्तः गौध १०,३२.

नौ-मणि- -णिम् कौस् ५२,११. नौ-मण्ड^b- -ण्डे वौश्रौ १८,४६:

११. नौ-दिाला-फलक-कुअर-प्रासाद-कटक- -केषु बौध १,२,३५. नौ-षेचन- पा, पाग ८,३,९८¹. नौ-स्थायिन् - -यी श्रप ५०,४,५. १-यँवाहयति बाश्रो ३,४,३,१८. न्यक्त- -यं(नि.√श्र)ञ्जू द्र.

न्यग्रोधe- पाग ४,२,८०; ३,१६४; ७, ३, ५३; -धः गोगृ ४, ७ २२; शुप्रा ५, ३७‡; -धम् भाग २, ३१ : ४; गोग ४, ७, २०: -धस्य कौगृ १, १२, ८; शांगृ १, २०, ३; श्रापगृ १४, १०; मागृ २, ६, ४; पावा १, २, ६४; २, २, २९, -धाः अप्रा ३, ४, १ ; -धान् गोगृ ४,७,२१; -धे बौधी १७,४०: १९; श्राप्तिए १, ३, ३ : ३ ; त्राप ७१,१६,१; पावा ७,३,१. नैय[,यय] प्रोध⁶- पा ४, ३, १६४; ७, ३, ५; -धः श्रापश्रौ ९,१२,५; बौध्रौ २३, ७ : २०; कौगृ २, १, १८; शांगृ २, १,

१९; त्रापगृ ११, १६; वैगृ २, ४: ३; वाध ११, ५३; आपध १, २, ३८; हिघ. १, १, ६९; भाशि २८ +; -धम् बौश्रौ १२, 8: 7: 28, 96:0; 20, 38: 4; 36: 4; ३, २, ७, १४××; वैश्रौ; –धाः काठश्रौ ७: १२०; बौश्रौ २५, १३: २१; कागृउ ४६: ६; -धान् आपश्रौ १२, २, ८; माश्री २, ३, १, २०; हिथ्रौ ८, १, ३२; -धानाम् बौश्रौ २५, १३: १९; -धे आपश्रौ १८, १३, २१; हिश्रौ १३,५,२१; -धेन काश्री १९, २, २१; श्रापश्रौ १८, १६, ५; बौश्रौ १२,९: १३; १८,१०: ५; १३; वाश्रौ ३, ३, २, ४८; हिथ्री १३,५,३३; अप्राय ५, ६: भाशि ५० .

नैयप्रोधी- -धीभ्याम् बौश्रौ १८,९:९; -ध्यौ बौश्रौ १८, ८:६.

१न्यग्रोध-क- पा ४,२,८०. २न्यग्रोध-क^k- -कान् वैश्रौ १५, २:१४.

न्यप्रोध-चमस- -सैः बौश्रौ २५, १३:२०.

न्यग्रोध-त्व- -त्वात् पावा २,२,

न्यब्रोध-पनस- -सस्य श्रपं ५,२,२. न्यब्रोध-प्रयोग- -गः पावा १, २, ६४; २,२,२९.

a) तु. सप्र. शौ १७,१,२५;२६ मंत्रा २,५,१४; वैतु. चिन्तामिणः पूर्वेण समस्तिमिति । b) तृ१ अयार् आदेशः (पा ७,१,३९) । c) विष् २ द्र. । d) पूप. आवङ् उसं. (पा ६, १,१२३) । e) वैप १ द्र. । आदेशः (पा ७,१,३९) । c) विष २ द्र. । f) = श्रक्षितारका- इति पागम. । g) नाप. (तत्सदशहस्ताकृति-) । h) पस. उप. = प्रमुखभाग- (तु. MW.) । f) = श्रक्षितारका- इति पागम. । g) श्रापथ्रौ. श्राप्थ. िह्य. वाध. श्रापथ्य. पाठः । g) विष. । विकारे कन् उसं. (पा ४,३,१६४) ।

न्यब्रोध-शुङ्ग, ङ्गा² - - ङ्गम् जैय १, ५:५; - ङ्गाम गोय २,६,६; द्राय २,२,२०.

न्यग्रोध-श्रङ्ग भ- : इस् श्राप्तिए २, १,१: १२; हिए २,२,६^०. न्यग्रोध-स्तिभं°- -भीन् काश्री

20,5,25.

न्यब्रोध-स्तिभि(7 >)नी c - नीः श्रापश्रौ १२,२४,५; वैश्रौ १५, ३१ : २; हिश्रौ ८,७,४३.

न्यब्रोधा(ध-श्र)वरोध- -धम् भागृ १,२२:२^a.

न्यग्रोधा(धन्त्र)वरोह- -हम् कौस् ५७,६;-हान् पागृ १,१४,३^d.

न्ययोधा(ध-श्र)वरोह-शुङ्ग- -ङ्गानि वाग् १६,५वं.

न्यप्रोधा(ध-श्र)श्वत्थ-तिब्वक-हरिदु-स्फूर्जक-विभीदक-पापनामन् --मभ्यः काश्री २१,३,२०.

न्यब्रोधिक-, न्यब्रोधिन्- पा ४,२, ८०.

न्यब्रोघो(ध-उ)त्था⁷⁸- -त्थान् काठश्रौ ६; कागृउ ४१: २.

न्यब्रोधो(ध-उ)दुम्बर्धे - -रः अप २६,५,६.

†स्य(नि-श्र)क्वं - -क्वों श्री श्रे १८, ४,६; २२, २६, १७; २८,१८; बौश्री ११,७: २६; १८, १०: २०; १७: १९; बाश्रो ३, १, २, १; बैश्रो १७, १२: १०; हिश्रो १३,१,४४; २३, ४, ३१; ५७; श्रापमं २, २१, १७; पाष्ट ३,१४,६; भाष्ट.

न्यङ्कु¹— पाउ १,१७; पाग७,३,५३. न्यङ्क-सारि(न् >)णी¹— -णी निस् १,२:२२; ऋष १,७,३; २, १०,९३; १३२; छुश्र १, २०५; ५,४३; श्रश्र ७,६४; ऋपा १६,४६; उनिस् १: २६; भिँ३,२८; —णीम् ग्रुश्र २,४७.

†न्य(नि√श्र)च्,ऊच्, न्यचित आपश्रौ १०, ११, ३; बौशौ ६, ३१ : १५; १८, ९ : ३७; न्यज्ञति भाश्रौ १०, ७, २; माश्रौ २,२, १,८³; बैश्रौ १२,१० : २.

न्य(नि-अ)चू,ञ्च- पा ६, २, ५३; नीचः आधौ ४, ५, ७; आपश्रौ ११,१,१२; भाश्री १२,१,११; ४. ४: माश्रो २, २, १, १३^३; वेश्री १२, २३: ९; हिश्री ७, ३,८०; द्राधी १४,२,६; लाधी ५, ६, ९: श्रप्रा ३, ४, १ ई; **†**न्यक्,ग् अप १, ३२, ५; उस् ८, २८; न्यङ् श्रापश्रौ १०, १५, ९; १२, १७, ३; भाश्री १०,८,१०; न्यञ्चः दाश्री १४, २, १०, लाश्रौ ५, ६, १०?¹; न्यञ्चम् श्रापथ्रौ २,१४,५; ३,७. १; भाश्री २,१३,११××; वाश्री १, ३,४,१२; वैश्री ७,६:८; हिथ्रो २,१,२९; ३०××; आगृ ३,१०,१२; न्यञ्चि श्रापश्री १, ११, ४; १५, ६: बौश्रौ; न्यब्रौ VXX'

†नीची- -ची शांश्री १८, ११,२; -ची: अप्रा ३,४,१[™]; -च्या: भाश्री ७,२२,१०; १३; माश्री १,८,६, १६; वैश्री १०, २०; अपश्री ७,२०, १०; आपश्री ७,२०, १०; आपश्री ७,२०, १०; आपश्री ७,२०, १०; अप्रा ३,४, १†.

नीचीन-द्वार! - -रम् या १०,

†नीचीन-बार¹-- -रम् या १०,४र्ज.

†न्य(नि-श्र)ब्च(त् >)ती - तीः श्रापश्री १, १६, ८; भाश्री १, १८,६; हिश्री १,४,५४.

न्य(नि√श्र)ब्ज्, न्यङ्के कौसू ७,२७. †न्य(नि-श्र)क- -कम् श्रापश्रौ ५, १,७××; बौश्रौ २,६:३७.

†न्य(नि-श्र)ङ्ग° - - इः श्रापश्रौ १, २१,२; बोश्रौ १,६,२५; भाश्रौ १,२२,१२; हिश्रौ १,५,७६. न्यङ्ग-ता-युक्त- - के विध ५, ३३^०.

न्य(नि-म्र)ज्य काश्री १६,६,८; १७, ३, २०; न्यज्यऽन्यज्य काश्री २६,६,१११

न्य(नि√ग्र)द्>न्या(नि-ग्रा)द-पा ३,३,६०.

गोगृ ३, ७,१७××; द्रागृ १,२, न्य(नि-श्र)धि√स्था, न्यधितिष्ठते ७××. माश्रौ १,८,४,१०.

a) पस. उप. = मुकुत्तित -पल्लन । b) Böht (ZDMG ५२, ८६) °शुक्राम् इति शोधुकः (तु. सप्र. °शुक्र— इति गद्र.)। c) पस. उप. = फलस्तवक । d) सप्र. °रोधम् <> °रोहान् शुक्रान् <> °रोहशुक्रानि इति पामे.। e) पापनामन् = स्लेष्मातक प्रस्. इति विद्याधरः । f) विप. । वस. । g) ७५. भाप. < उद् $\sqrt{\pi}$ स्था । h) मलो.कस. । i) वैप १ द्र. । j) पामे. वैप १,9८६८ j द्र. । k) =छन्दो-विशेष- । l) शोधः पृ १२२३ दि. । m) वैप १,४६६ दि. । n) =लक्ष्ण- । n0) वैप २,३सं. द्र. । n0) व्यक्तायुक्ताक्षेपे इति जीसं. ।

न्य(नि-अ)न्त°- पा ६, २, १८१; -न्ते आपश्री १३,१२,९; वैश्री १६, १४: ११; हिथ्री ९, ३, 43; 20,4,6. न्य(नि-श्र)यन- नी (नि√इ) द्र. न्यरक^b- -कम् या १,११. न्य(नि 🗸 त्र)र्द्>न्य(नि-त्र)र्ण-पा ७,२,२४. न्य(नि-म्र)र्बुद् - -दम् आपभौ २२, २१,१७; जुस् २,९: १९; -दे शांश्रो १५,११,४; श्रापश्रो. न्य(नि-त्र)व √ ग्रह्>न्य-वप्रह्- -हः शुप्रा १,१२०. न्य(नि-अ)व √ मन् ,नि · · अवमंस्थाः सु १२,३. न्य(नि√य)स्(क्षेपणे), न्यसेत् हिश्रौ २२,२,२६; श्रामिष्ट २,४,११: ८××: वैगृ. न्यस्यते शांश्रौ र, १५, १४; न्यस्यति श्रापश्रौ २, ५, १××; काठथा: न्यस्यत् वाध्या ३, १९: ७; १०; न्यस्येत् काश्रौ २१,३,२६; श्रापश्रौ १९,१९,३; माश्री. न्य(नि-ग्र)सन- -नम् बौश्रौ २१, ४ : २9; २३; २४. न्य(नि-म्र)स्त- - +स्तम् ग्रापश्रौ १०, १, ३; बौध्रौ; -स्तानाम् बौध १, ६,२१. न्यस्त-त(र>)रा- -रा ऋपा

₹,२७.

न्यस्त-शस्त्र^d- -स्त्राः अप ५७,

न्यस्ता(स्त-त्रा)युध⁴- >°ध- | न्युप्त-, न्युप्य नि√वप् द्र. प्रकीर्णकेश-प्राञ्जलि-पराङावृत्त--त्तानाम् श्रापध २, १०, ११; हिंध २,४,११. न्य(नि-श्र)स्त्वा श्रप ३६,१४,१. न्य(नि-ग्र)स्य श्रापश्रौ २२,२,१६; बौश्रौ ६,२५,१३××; भाश्रौ. न्य(नि-श्र)स्यत् - -स्यन्तम् कौसू ७८,३. न्य(नि-श्रस्य>)स्या- -स्याः वैश्रौ १९,६: १४३. न्या(नि-ग्रा)स- पाग ४, २,६० %; ४, १०; -सः नाशि १, ४, १०; २,७,१०; -सम् ऋपा ३,२३1; माशि ५,१०. नैयासिक- पा ४,२,६०. न्यास-प्रणव- -वैः वाध्यौ ४, ७२ : ६: ८९ : २७; ३०. न्यासा(स-श्र)पहारिन्^ड- -री शंध ३७७ : ४;, १३. न्यासिक- पा ४,४,१०. †न्य(स्तक>)स्तिका°- -का कौसू ३६, १२; अग्र ६, १३९२; अपं २: ६४; ३:३७. न्य(नि-ग्रहन्>)ह्र¹- -हे कौस् ८७,२. न्याद- न्य(नि√श्र)द् इ. न्या(नि-म्रा)य-, °य्य- नी (नि √3) 年. श्न्यासर्प वाध्यौ ३,४०: ९; १०. ?न्यासीदताम्¹ या ८, ११. न्यु(नि√उ)च्, नि"उवोच वाश्रौ 3,3,3,91. ?न्यूप वाश्री ३,२,४,१०:

न्यु(नि√उ)ब्जु¹, न्युब्जति आपश्री १२,२९,९: १३,१५,२: बौश्रौ ७, २०, १६; ८, ८:२८; २५,१८: १६;२४: १३; माश्रौ २, ३, ६,१०; ४,२,३६; वैश्रौ १५, २७: ११××; हिश्रौ ८, ६, ३९^४?××; कौस्; †न्युटज श्रापथ्री १४, १, १०; वैथ्री; न्युटजतात् वौध्रौ ७,७:३१××. १न्य्(नि-उ)इज,इजा1- -इजम् कप्र ३,१,१९; २,११; -ब्जाम् काश्री १६, ४, ११; '- ब्जेन काश्रौ ९,६,४. न्युब्ज-पात्र- -त्रम् आप्तिर ३, १,३ : १९; ११,२ : १५; हिए २, १२, १०; -त्राणि श्रापगृ 28,9. २न्य् (नि-उ) जिम पा ७,३,६१. न्यू(नि√अ)ङ्ख्°, न्यृङ्खति हिश्रौ १६,३,२9. न्यूङ्घयति शांश्रौ १२, १३, १; वौश्रो २३,१०: ५; न्यूङ्खयन्ति बौध्रौ १६,३:२७३; न्यूङ्खयेत् श्राश्री ७,११,१८; शांश्री १२, 93,4; 4. न्यू(नि-ऊ)ङ्ख"- पाउभो २,२,४९; -ङ्गः श्राश्रौ ७,११,१; ९××; शांश्री १०,५,१९; १२,२४,३; -ङ्म शांथ्रौ १०,५,९;शांथ्रौ ११, १५, १२^{१०}; हिश्रौ १६, ३,२१; ३२; -क्वेन शांश्री १२,२४,५. न्युङ्ग-निनर्द- -र्दान् वैताश्रौ

₹, €. a) वैप २,३ खं. इ. । b) वैप १,१७७५ j इ. । c) वैप १ इ. । d) विप. । बस. । ϵ) = प्रन्थ-विशेष- । f) = अनुदात्त- । g) विग. । उस पूग. = निक्षेप । h) = अपराह्न- (तु. संस्कर्तुः टि.) । i) वैप १, ६०७ h द्र. । j) पात्रा ७ ३,६१ परामृष्टः द्र. । k) ॰क्षति इति पाठः ! यिन. शोधः । l) = अधोमुख-(तु. सा [ऐत्रा ७,३०]) । गस. उप. कर्माण घन प्र. । m) = उपताप- । n) = पोडशोंकार-समूह- । गस. (वैतु. o) प्रकरणतश् च्युताऽऽयसकारः सन्यूङ्गम् इति पाठः प्रतिभायात् (तु. भाष्यकारः) । पाउभो. अन्यथाव्युत्पादुकः)।

32.98 न्यूङ्ख-प्रतिगर- -रेपु वैताश्रौ ३२,94. न्यूङ्गा(ङ्ग-त्रा)दि- -दिः श्राश्रौ 0,99,39. न्यू(नि-ऊ)ङ्कन- -ने वौधौ २३, 90:4. न्यूङ्कनीय- -यः शांश्रौ १३, १,७; -यम् शांश्री १३, १, ७; -यस्य शांश्री १२,१३,५. न्यू(नि-ऊ)ङ्खय- -ङ्खयम् श्रापश्रौ २१,७, २, १३; बौश्रौ १६,३ : २६; वाश्री ३,२,१,५३. न्यू(नि-ऊ)ङ्खयगान--ने आश्री ७, 99.4. न्यू(नि-ऊ)न,ना°- - +नम् श्राश्रौ १,

११,१५; शांश्री; -ना ऋग्र ३, ४२; कागृड ४४:९; -नाः कप्र ३,५,९; -नान् निस् १०, ४: २; -नानि उनिस् २: ९; -नाम् आश्रौ १२, ७, ९; -ने वाश्रौ १, ३, ७, २० +; हिश्रौ; -नेषु बौधौ २९,३ : २. न्यून-त्व- -त्वे उनिसू २: १३. न्यून-ना(ह>)हाb- -हाः वैश्रौ ११,99: 3. न्यूना(न-म्र)क्षरb- -रम् ग्रुम्र ४, 398. न्यूना(न-श्र)तिरिक्त- -केपु शुत्र 8, 298. न्यूना(न-त्र)धिक- -कात् शांगृ ६, ६, १६; -कै: श्रप ७१, ६, न्वो३º शांश्रौ १२,१३,५.

न्यूनाधिक-ख- -खे श्रश्र १२. न्यूनी√भू>°भाव- -वः निसू १. ७: २७. न्युनो(न-उ)दयन- -नेन काश्रौसं ३१: ११. न्ये(नि-श्रा√इ), न्येयात् वाध्रश्री ३. 04: 8. न्येद^c श्रापमं २,१७,१३. न्यो(नि-श्रो)कस् - -काः कौगृ ३. 92,334. न्योजस्- पाउवृ ४,२२३. न्वाव^त वाधूश्रौ ३,७९ : २५. न्वै वौश्रो १०,२१: १२××; वाधूश्रौ.

a) वैप $\{\xi, 1, b\}$ विप. । वस. । $\{\xi\}$ = नेद् । यकारोपजन इति हरदत्तः (तु. भू. [XXVII]) । d) नु वाव > नैप्र. यनि. (तु. वैप १ न्वे) । e) नु (ऋ १०,८६,४) इत्यस्य न्यूह्नः ।

Digitized by Madhuban Trust

Digitized by Madhuban Trust

Digitized by Madhuban Trust

CC-0. Public Domain. Vipin Kumar Collection, Deoband

V. V. RESEARCH INSTITUTE

SOME SELECT PUBLICATIONS

	General Editor: S. BHASKAKAN NAIK		
1-2	A Vedic Word-Concordance, Section II (Brahmana-s		Rs.
• •	and Aranyaka-s), Parts 1-2 (Revised and Emarged Second		400
•	Edition)—Vishva Bandhu A Vedic Word-Concordance, Section I (Samhita-s),	-	
.			400
	-Vishva Bandhu, ed. S. Bhaskuruh Ivuti	•••	460
4.	Critical Studies on the Mahabhasya -V.P. Limaye	***	400
5-6	6. Hindi-Sahitya-Sarini (A Bibliography of Hindi Books		
	published up to 1964), Parts 1-2 — Pitambar Narain Sharma and S. Bhaskaran Nair		200
7.	Catalaka in Rayada : A Study		275
	-A. Venkatasubbiah, ed. S. Bhaskaran Ivair	***	415
8.	Lilavati of Bhaskaracarya with a rationalistic commentary		300
9.	called Kriyākramakarl — Cr. ed. K. V. Sarma Atharvaveda: A Literary Study (अथवंदेव : एक साहित्यिक अध्ययन)		
	-Matri Datta I rivedi	•••	185
10.	Indian Riddles: A Forgotten Chapter in the History		160
	of Sanskrit literature — Ludwik Sternbach		-
11.	Leninamrtam: A Poetical Biography of Comrade V. I. Lenin, in Sanskrit with Hindi Translation: (Soviet Land Nehru		
	Award-winning publication) —Padma Shastri		50
12.	Vedic Textuo-linguistic Studies Vishva Bandhu, ed. K.V. Sari	ma-	225
13.	Poetic Elements in the Upanisads (उपनिषद्यों में आवतस्व) —K. K. Dhavan		185
14-19	Maha-Subhasita-Samgraha, Vols. I to VI-Ludwik Sternbach.		
	ed S. Bhasharan Nair. (Pages 3470). Per vol.	-10-	400
20.	Arseyakalpa with the Commentary of Varadaraja —Cr. ed. B.R. Sharma		460
21.	Sankhayana-Aranyaka - Cr. ed. Bhim Dev		160
22.	India Office: Its First Decade — Donovan Williams		400
23.	Kalpa-Sutra_(कल्पसूत्र—वैदिक वाङ्मय का बृहद् इतिहास)—		
23.	Kundan Lal Sharma		60
24	Vedānga (वेदाङ्ग- " ,)—Kundan Lal Sharma		69
25.	यज्ञ वेंद्र तथा सामवेद संहिताएं (वैदिक ,, ,,)-Kundan Lal Sharma		70
26.	Linguistic History of Uttarakhanda—D. D. Sharma		125
27.	Index of Papers submitted to the All-India Oriental Conference	,	-
	Vol. IV, Sessions XXIII to XXXI (1966-82)—K. V. Sarma	•••	400
28.	Tattvajnanam or The Quest of Cosmic Consciousness		
The state of the s	-Sri Ananda Acharya	•••	150
29.	श्रीमद्मागवत-माषापरिच्छेद: (A grammatico-linguistic study of		150
	the Bhagavata-Purana)—Charu Deva Shastri	•••	-
	Puspahāsaḥ: —Bahadur Chand Chhabra	•••	45
31.	मारतेन्दु ग्रीर आधुनिकता: — विलोकचन्द तुलसी	•••	125
32.	संस्कृत तथा पञ्जाबी के सम्बन्ध् —डॉ. श्यामदेव पाराशर	•••	400

Vishveshvaranand Book Agency
P. O. Sadhu AshrampHoshiarpun-Kir46 @24ct(Phoediadia)